# Punjab Vidhan Sabha Debates

*15th February, 1966*

**Vol. I—No. 1**

**OFFICIAL REPORT**



CONTENTS

**Tuesday, the 15th February, 1966**



Price : Rs. 1.70 Paise.

# *ERRATA*

TO

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 1, DATED THE 15TH FEBRUARY, 1966.

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| ऐसा | ऐस | (1)1 | 22 |
| बायोग्राफी | बायग्रिाफी | (1)6 | 4 from below |
| ਮੁਲਕ | ਮਲਕ | (1)13 | 6 |
| रूस | रूप | (1)16 | 5 |
| House | Aouse | (1)17 | 28 |
| international | intternational | (1)24 | 35 |
| politician | poli ician | (1)26 | 6 |

## PUNJAB VIDHAN SABHA

**Tuesday, the 15th February, 1966**

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhawan, Sector 1, Chandigarh, at 9.00 a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Shri Harbans Lal) in the Chair.*

## OBITUARY REFERENCES TO THE DEATH OF LATE SHRI LAL BAHADUR SHASTRI, PRIME MINISTER OF INDIA

**मुख्य मन्त्री** (श्री राम किशन) : स्पीकर साहिब, आज हम हिन्दुस्तान के एक महान व्यक्ति, लेट प्राइम मनिस्टर, श्री लाल बहादुर शास्त्री के तईं अपनी गहरी श्रद्धा का इज़हार करने के लिए एकत्रित हुए हैं । 10 जनवरी, 1966 की रात हमारे देश और संसार के लिए एक भयानक रात थी कि जिस रात हमारे हिन्दुस्तान के एक महान व्यक्ति, श्री लाल बहादुर शास्त्री को, जो सिर्फ हिन्दुस्तान ही नहीं बल्कि सारे संसार का एक बिलवड दोस्त और भारत का बिलवड प्राईम मिनिस्टर था, ज़ालिम मौत ने हम से हमेशा के लिए छीन लिया । इस से बढ़कर और कोई ऐसी दुःखदाई और शाकिंग खबर नहीं थी जो एक ऐसे वक्त पर सारे संसार को मिली जब कि उन्होंने ताशकन्द के अन्दर न सिर्फ हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के करोड़ों आदमियों को बल्कि सारे संसार को एक शान्ति और अमन का रास्ता दिखाया था। ताशकन्द का यह एग्रीमैंट जो श्री लाल बहादुर शास्त्री और प्रैज़ीडैंट मार्शल अयूब के दरम्यान श्री कोसीगिन, यू. ऐस. ऐस. आर के प्रधान मन्त्री के सहयोग के साथ हुआ था, यह उन का एक ऐसा सुनहरी डाकुमैंट है जो सारे संसार के लिए रहेगा और जो दुनिया की मुख्तलिफ कौमों को, एक एक इनसान को मशाल दिखाता रहेगा । स्पीकर साहिब, शास्त्री जी का हम से इस मौके पर जुदा होना एक ऐसा भारी और नाकाबले तलाफी नुक्सान हुआ है कि जिस को आज सारा संसार महसूस करता है। उन्हों ने हमारे सामने एक ऐसा शान्ति और अमन का रास्ता दिखाया कि जिस के लिए इन्सान और कौमें लाखों साल तक खोज करती रहती हैं । श्री शास्त्री जी की परसनैलिटी सादगी, सिम्पलिसिटी, मुहब्बत, प्यार, खिदमत और एक तरह से कुरबानी, बलिदान और तप का जीवन थी । उन्होंने अपने जीवन से एक ऐसी दृष्टि और एक ऐसा इतिहास बनाया कि जिस को हमेशा सुनहरी हरूफ के अन्दर लिखा जाएगा । खासकर श्री शास्त्री जी ने जब इस देश का उन्नीस महीने नेतृत्व सम्भाला और यहां के प्रधान मन्त्री बने तो उन्होंने सारी नेशन और सारे राष्ट्र में एक नई स्पिरिट, एक नया जज़बा और एक नई भावना पैदा की थी और उन्होंने अपनी एफर्टस से, अपनी मेहनत और परिश्रम से सारे राष्ट्र को इतना मज़बूत और शक्तिशाली बनाया कि उन को हिन्दुस्तान कभी भी भूल नहीं सकता । यह शास्त्री जी का ही कैलेबर था कि मुश्किल से मुश्किल सवालों को हल करने की, मुश्किल से गुत्थियों को सुलझाने की उन में शक्ति

[मुख्य मन्त्री]
थी और हिम्मत थी । उन के चेहरे पर हमेशा हंसी और खुशी व्याप्त रहती थी । जहां उन के चेहरे पर हंसी और खुशी रहती थी वहां एक अजीब जलाल उन की आंखों में से टपकता था । वह बहुत ही सिम्पल थे, हम्बल थे और हरेक के साथ प्रेम से पेश आते थे । लेकिन इन सब के साथ साथ उन में फर्मनैस भी थी, सट्रैंग्थ थी और एक रैज़ोल्यूट माइंड था जिस से कि वह मुश्किल से मुश्किल मसायल का भी हल निकाल लिया करते थे । उन्होंने अपनी इन खूबियों से सारे देश को प्यार और मुहब्बत से इस तरह जीत लिया था कि हिन्दुस्तान का हर एक परिवार, हर भाई और बहन यह महसूस करते थे कि श्री लाल बहादुर शास्त्री हमारे परिवार का अपना ही एक मैम्बर है । स्पीकर साहिब, वह लाल बहादुर शास्त्री सारे हिन्दुस्तान के लोगों पर और बिलखसूस पंजाब पर बड़ा भारी इम्पैक्ट छोड़ गए हैं । वह पंजाब के लोगों की करेज और हिम्मत की और उन के डिसिपलन की हमेशा तारीफ ही किया करते थे पंजाब के लोगों को उन से इन्सपीरेशन मिलती थी, हिम्मत मिलती थी और खास तौर पर जब इस देश के लिए एक आवर आफ ट्रायल आया था, एक बड़ी परीक्षा का मौका आया था उस मौके पर उन्होंने ऐसे मजबूत तरीके से हमारी राहनुमाई की थी कि जिस के लिए सारा हिन्दुस्तान उन का कृतज्ञ है । जब पाकिस्तान और हिन्दुस्तान का एक कानफलिक्ट हुआ था उसमें अगर श्री शास्त्री जी के मुतअल्लिक यह कहा जाए कि वह फाइटिंग फोरसिज़ के जरनैल के रूप में हिन्दुस्तान और संसार के सामने पेश हुए तो यह कहना बेजा नहीं होगा । वह एक मज़बूत और महान हीरो के रूप में हमारे सामने आए थे और उन्होंने न सिर्फ हिन्दुस्तान के लोगों के मनों को जीत लिया था बल्कि सारे संसार के अन्दर हिन्दुस्तान का प्रैसटिज बढ़ाने में, हिन्दुस्तान की इज्ज़त को ऊंचा करने में, हिन्दुस्तान को कामिटी आफ नेशंज़ में सफे अव्वल पर खड़ा करने में उन्होंने एक बड़ा इम्पार्टैंट पार्ट प्ले किया था । उन्होंने लोगों के मनों को सिर्फ जीता ही नहीं था बल्कि लोगों के मनों को, उन की नबज़ को पहचाना भी था लोगों की हालत को देखकर, उसे अनुभव करके उन के दिल में तकलीफ होती थी और इस प्रकार उन्होंने पूरी तरह से देश की सही राहनुमाई की थी । जो पिछले ऐग्रैशन के वक्त हिन्दुस्तान का मन पूरी तरह से यूनाईट हुआ था, जिस विलिंगनैस के साथ, जिस कुरबानी के साथ उन की लीडरशिप के नीचे सारा हिन्दुस्तान इकट्ठा हो गया और सारी दुनिया के सामने पेश हुआ वह हिन्दुस्तान के इतिहास में एक सुनहरी पन्ने पर लिखा जाएगा ।

स्पीकर साहिब, उन्हों ने हिन्दुस्तान में मुख्तलिफ तरह से काम किया मगर इस बात से भी कोई इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसार में पहले ऐसे प्राईम मिनिस्टर थे कि जिन की मृत्यु के बाद हम ने देखा है कि उन की कोई किसी तरह की लाईफ इन्श्योरेंस नहीं थी, कोई बैंक बैलैंस नहीं था, कोई प्रापरटी और उन का अपना कोई मकान नहीं था । अगर उन का कोई बैंक बैलैंस और प्रापरटी थी तो वह यह कि उन की मृत्यु के बाद वह अपनी कार के बारे में चार हज़ार का कर्जा छोड़

गए । वह कर्ज़ा उन्होंने देना था । सारे संसार के अन्दर इस तरह की कोई मिसाल नहीं मिलती ।

स्पीकर साहिब, आज सारा हिन्दुस्तान और सारा संसार जानता है कि किस तरह से उन्होंने एक स्कूल मास्टर के घर में पैदायश लेकर किस तरह से पूर्ण सादगी और गरीबी का जीवन उन्होंने व्यतीत किया था और थोड़ी से स्कूल ऐजूकेशन हासिल करने के बाद महात्मा गांधी की काल आने पर "नान कोआप्रेशन" के सिलसिले में हिन्दुस्तान की आज़ादी की लहर में पूरी तरह से जुट गए थे । अपनी लाईफ में श्री शास्त्री जी कोई सात बार जेल गए और कोई नौ और दस साल के दरम्यान उन्होंने सज़ा काटी और हिन्दुस्तान की आज़ादी के लिए यह सारा बलिदान उन्होंने किया । नान कोआप्रेशन की लहर के बाद फिर काशी विद्यापीठ के अन्दर दाखिला लिया और हिन्दुस्तान के मशहूर फिलास्फर डाक्टर भगवानदास के नेतृत्व में उन्होंने शिक्षा और विद्या प्राप्त की और फिर वहां से उन्होंने शास्त्री की डिग्री प्राप्त की । उसके बाद उन्होंने अपना सारा जीवन कौम के अर्पण कर दिया और उसके बाद हिन्दुस्तान के पालेटिक्स के अन्दर उन्होंने सरगर्मी के साथ हिस्सा लेना शुरू कर दिया । स्पीकर साहिब, वह पच्चीस साल के थे जब कि लाहौर के अन्दर पंडित जवाहर लाल नेहरू ने मुकम्मल आज़ादी का झंडा लहराया था । उस वक्त वह उन के नेतृत्व के नीचे आए थे लेकिन उस वक्त कोई नहीं कह सकता था कि यही लाल बहादुर शास्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद हिन्दुस्तान का सैकंड प्रधान मन्त्री बनेगा । लेकिन यह उन की क्वालिटीज़ थीं, उन की सादगी, उन का परिश्रम और इमानदारी थी जिस ने सारे देश को मोह लिया । उन का जीवन ऐसा था जैसे कि कहते हैं 'होनहार बिरवा के होवत चिकने चिकने पात ।'

स्पीकर साहिब, शास्त्री जी सन् 1926 में लाला लाजपत राए जी के कान्टैक्ट में आने पर सरवैंटस आफ दी पीपल सोसाईटी के मैम्बर बने । इलाहाबाद में मुख्तलिफ़ तरह से उन्होंने सेवा की । वह इलाहाबाद म्युनिसिपल बोर्ड के वाईस चेयरमैन बने । इलाहाबाद कांग्रेस कमेटी के सैक्रेटरी रहे । डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी के सैक्रेटरी के रूप में उन्होंने काम किया और उसके बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में काम किया और 1935 के अन्दर वह वहां के जेनरल सैक्रेटरी चुने गए । जब 1937 में प्रोविंशियल अटानोमी के तहत हिन्दुस्तान के अन्दर जेनरल इलैक्शन हुए तो उस वक्त वह उत्तर प्रदेश की असेम्बली के मैम्बर चुने गए । उस के बाद पार्लियामैंटरी लाईफ में जिस वक्त उन्होंने कदम रखा तो उस वक्त के बाद वह दिन ब दिन चमकते गए । स्पीकर साहब, आप को याद होगा कि 1921 से ले कर 1942 तक के अरसा में उन्हों ने किस तरह से देश की आजादी की जंग में हिस्सा लिया । इस अरसा में देश में जितने भी आन्दोलन हुए उन सब में वह हर दशा में सरदार के रूप में सामने आते रहे । जिस वक्त कोई एजीटेशन करनी होती थी तो वह वालंटियरों में सब से आगे सरदार बनकर आ जाते थे । किसी वक्त जब लाठियां खानी होती थीं तो भी वह सब के

[मुख्य मन्त्री]

आगे सरदार बन कर आ जाते थे और सदा ऐसे मौकों पर सब के साथ सब के आगे होते थे।

1946 में वह उत्तर प्रदेश के अन्दर लेजिस्लेचर में रिटर्न हुए और उन्हें वहां के चीफ मिनिस्टर का पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी बनने का मौका मिला, जिस पद पर उन्होंने बड़ी सूझ बूझ के साथ काम किया और इस का नतीजा यह हुआ कि वह वहां के होम एंड ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर मुकर्रर किए गए और इस तरह से उन्होंने पांच साल तक यू० पी० की अगवाई और राहनुमाई की। तो स्पीकर साहिब, मैं अर्ज कर रहा था कि उन में अबिलेटी थी और काम करने की पोटैनशेलेटी थी और उन में हिम्मत थी जिस की वजह से पंडित जवाहर लाल नेहरू उन के मद्दाह थे और इसी का नतीजा था कि 1952 के अन्दर जब आज़ाद हिन्दुस्तान के अन्दर पहले जनरल इलेकशन्ज़ हुए तो उस वक्त पंडित जवाहर लाल जी नेहरू ने उन को जनरल इलेक्शन्ज़ में कांग्रेस की तरफ से इलेक्शन लड़ने के लिए इनचार्ज मुकर्रर किया था और उस वक्त उन्होंने सारे देश की अगवाई की और जिस ढंग से उन्हों ने सारे इलैक्शन के काम को आरगेनाइज़ किया और जिस हिम्मत के साथ उन्हों ने उन दिनों दिन रात काम किया उस को कोई नहीं भूल सकता। स्पीकर साहिब, वह रात के दो दो तीन तीन बजे तक काम करते थे और फिर सुबह 6 बजे उठ जाते थे। इस तरह से उन्हों ने सारे हिन्दुस्तान की अगवाई की थी। तो इस के बाद, स्पीकर साहिब, 1952 की फर्स्ट जनरल इलेक्शन के बाद जब हिन्दुस्तान की पहली पार्लियामैंट बनी तो वह राज्य सभा के मैम्बर चुने गए और फिर यह हिन्दुस्तान की केन्द्रीय सरकार के मिनिस्टर फार ट्रांस्पोर्ट एंड रेलवे बने और इस तरह से उन्होंने चार साल तक काम किया जिस के बाद एक ऐसा वाक्या हुआ जो हिन्दुस्तान की पार्लियामैंटरी हिस्टरी के अन्दर एक बड़ा अहम और सुनहरी लफ़ज़ों में लिखा जाने वाला वाक्या समझा जाता है। 19 नवम्बर, 1956 को जब अयार के स्थान पर साऊथ में एक रेलवे एक्सीडैंट हुआ था, जिस में 150 के करीब जानें तलफ हुई थीं तो उन्हों ने रेलवे मिनिस्टर के पद पर से अस्तीफा दे दिया था। इस तरह रिज़ाइन कर के श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने एक ऐसी मिसाल कायम की थी जो हमेशा याद रहेगी। उन के अस्तीफा को मन्जूर करते हुए हमारे लेट प्राईम मिनिस्टर पंडित जवाहर लाल जी नेहरू ने पार्लियामैंट में एक ब्यान दिया था जिस के अन्दर उन्हों ने कहा था—

> "Mr. Lal Bahadur was a man of the highest integrity with devotion to high ideals. He said that he was accepting Lal Bahadur's resignation because it would set an example in constitutional propriety and not because Lal Bahadur was in any way responsible for what had happened."

लेकिन श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि बतौर रेलवे मिनिस्टर के उस एकसीडैंट की जिम्मेवारी उन पर जाती है। तो, स्पीकर साहिब, मैं आप से अर्ज करनी चाहता हूं कि उस मौका पर श्री लाल बहादुर शास्त्री जी जनता के सामने इस ऊंचे कैरेक्टर के साथ

आए थे और यह पहला मौका था जिस से लोगों को पता चला था कि यह एक पुख्ता इरादे के इनसान हैं और उन में एक तरह की फर्मनैस है जिस की वजह से उन्होंने उस पद से रिज़ाईन किया था। स्पीकर साहिब, आप को याद होगा कि उस वक्त जब उन्होंने अपना अस्तीफा दिया था और उन के अस्तीफा पर जब पार्लियामेंट में डिस्कशन हो रही थी तो 27 नवम्बर, 1956 को जब वह उस डिसकशन का जवाब दे रहे थे तो उन्होंने पार्लियामेंट में कहा था —

> "Perhaps due to my being small in size and soft in tongue, people are apt to believe that I am not able to be very firm with them. Though not physically strong, I think I am internally not so weak."

तो इन के उस बयान से पता चलता था कि वह कितने मुसम्मम इरादा के थे, कितनी उन के अन्दर फर्मनैस थी और कितनी शक्ति और स्ट्रैंग्थ उन में थी, यह इस वाक्या से पूरी तरह से लोगों को नज़र आ गई थी। इस के बाद वह मार्च, 1958 में कामर्स और इण्डस्टरीज़ के मिनिस्टर बने थे और जब वह कामर्स और इण्डस्टरीज़ के मिनिस्टर थे तो उन की तरफ से पहली बार एगरो इण्डस्टरियल इनटैग्रेशन स्कीम आई थी जिस का मकसद था कि सारे हिन्दुस्तान के एक एक गांव के अन्दर इण्डस्टरी को ले जाया जाए ताकि हिन्दुस्तान के कामन मैन के अन्दर, पेज़ैंटस के अन्दर और रूरल मासिज़ के अन्दर जो अनएम्पलायमेंट है उस को दूर किया जा सके। इस तरह से उन्होंने हिन्दुस्तान के काफी गांवों में इण्डस्टरी को ले जाने का यत्न किया था। इस के बाद जब पंडित गोविन्द वल्ब पंत जी की मृत्यु हुई तो उन्होंने हिन्दुस्तान के होम मिनिस्टर का पद संभाला। और उस पद पर रहते हुए उन्होंने साबत कर दिया कि वह एक आला दरजे के नैगोशिएटर हैं और कम्प्रोमाईज़र हैं। वह परसूएशन से और अपनी सिनसैरेटी के ज़ोर से लोगों के दिलों को जीत लेते थे और इस बात का उन को होम मिनिस्टर बनने के बाद सबूत देने का मौका मिला जब आसाम में लैंगुवेज कन्ट्रोवर्सी पर बड़ा भारी झगड़ा पैदा हो गया था। उन्होंने बंगाल और आसाम के लोगों की बातें सुन कर इस मसला का एक ऐसा हल ढूंढा जो दोनों पार्टियों को मनजूर था। स्पीकर साहिब, सिर्फ यह ही नहीं जब श्री लाल बहादुर शास्त्री जी हिन्दुस्तान के प्राईम मिनिस्टर बने तो इन की इन्हीं खूबियों की वजह से हमारे पड़ोसी देश नेपाल, बर्मा और सिलोन जितने भी मुमालक हैं वह हमारे देश के ज़्यादा नज़दीक आए। श्री लाल बहादुर जी शास्त्री मिसअण्डरस्टैंडिंग्ज़ को, जो इन मुमालिक के दरमियान थीं, परसूएशन से और अपनी सिनसेरेटी से दूर कर के इन को अपने देश के नज़दीक लाने में सफल हुए।

अगस्त, 1963 में उन्होंने फिर कामराज प्लान के तहत अस्तीफा दिया लेकिन फिर 24 जनवरी, 1964 को यह मिनिस्टर विदाऊट पोर्टफोलियो लिए गए और एज मिनिस्टर विदाऊट पोर्टफोलियो जब कशमीर में मूए मुबारिक की एजीटेशन चली थी तो इन्होंने बड़ी बुर्दबारी और सूझबूझ से और हिम्मत से इस मसले को सुलझाया। इसी तरह वह हर ऐसे मसले का हल तलाश करते रहे और खतरनाक से खतरनाक मसले का

[मुख्य मन्त्री]

वह निकाल लेते थे और उन्होंने इस तरह से नेशनल इन्टैग्रेशन के कायम करने में एक नया चेप्टर कायम किया है। इसी वजह से पंडित नेहरू जी के हम से जुदा हो जाने के बाद वह हमारे प्राईम मिनिस्टर बने थे और जिस तरह प्राईम मिनिस्टर बनने के बाद उन्होंने हिन्दुस्तान की अगवाई की और राहनुमाई की और जिस शक्ति के साथ उन्होंने देश को सम्भाला है उस को सारा देश अच्छी तरह से जानता है। 19 महीने का थोड़ा सा अरसा है जब कि वह हमारे प्राईम मिनिस्टर रहे लेकिन इस थोड़े अरसे के अन्दर सही मायनों में उन्होंने महात्मा गांधी जी और पंडित जवाहर लाल जी नेहरू का अपने आप को सही जानशीन साबत कर दिया था। उन्होंने अपने प्यार से और अपनी शक्ति से अपने देश में एकता पैदा की और इस तरह से उन्होंने सही मायनों में देश में इमोशनल इन्टैग्रेशन कायम की थी। प्राईम मिनिस्टर बनने के बाद जो उन्होंने पहला ब्राडकास्ट देश के नाम किया था उस से पता चलता है कि उन के क्या इरादे थे उस में उन्होंने कहा था—

> "Our way is straight and clear—building up of a socialist democracy at home with freedom and prosperity for all, and the maintenance of world peace and friendship with all nations abroad. To that straight road and to these shining ideals, we re-dedicate ourselves today."

इसी तरह से, स्पीकर साहिब, जहां उन्होंने अपने देश में इतना काम किया है वहां उन्होंने बाहर के मुमालिक में भी बड़ा भारी काम किया है। काहरा में जब नान-एलाईण्ड नेशन्ज़ की कानफ्रेंस हुई थी जिस में तमाम नान-एलाईण्ड नेशन्ज़ के नुमायन्दे एकत्रित हुए थे तो इन्होंने दुनिया में से लड़ाई को खत्म करने का एक नारा दिया था कि इस काम में दुनिया के नान-एलाईड नेशन्ज़ ने एक बड़ा अहम पार्ट प्ले करना है जिस से तमाम दुनिया आराम से रह सके। उस को सारी दुनिया मानती है। पिछले दिनों वह रंगून में जैनरल ने विन से मिलने गए, सिलोन में भी गए और इन जगहों पर रहने वाले हिन्दोस्तानियों के मामले को बड़ी खुशअसलूबी से सुलझाया। यह वह बातें हैं जो हमारे ही नहीं सारे संसार के सामने उन की एक जीती जागती तसवीर पेश करती हैं। आप को मालूम है कि किस तरह से कशमीर के मामले पर भारत का अपमान होने लगा था मगर उन्होंने किस खुशअसलूबी से उस सारे मसले को हल किया और इस मुल्क की शान को बढ़ाया। ना वह और ना हिन्दुस्तान लड़ाई लड़ना चाहता था मगर जब उन पर यह लड़ाई ठोंसी गई तो आप जानते हैं कि वह किस तरह से इस का मुकाबला करने के लिये खड़े हो गए और दुश्मन का मुकाबला किया। और जब मौका आया तो जिस तरह से उन्होंने ताशकन्द में अमन कायम करने के लिये कार्यवाही की वह सारी दुनिया के लिये एक मशअल रहेगी। इन सारी खूबियों और कारनामों से उन्होंने हिन्दोस्तानियों के मनों को जीत लिया था। यही नहीं बल्कि संसार के सभी बड़े बड़े आदमियों ने उन को बड़ा ट्रिब्यूट पे किया है। उन्होंने मैडेम क्यूरी की बायग्राफी हिन्दी में लिखी है। उन को जहां और बहुत सा काम था वह उस के साथ स्विमिंग, टेबल टैनिस और बैडमिन्टन वगैरह का शौक भी रखते थे और जब भी मौका मिल पाता था बच्चों से खेलने में भी बड़ी खुशी मनाते थे। उन को बच्चों से बड़ा प्यार था। एक बार उन्होंने कहा था : I am so short that no body

likes to play with me. I, therefore, turn to children. बच्चों से खेलते हुए वह उन से घुल मिल जाते थे। बच्चों से ही नहीं वह सभी से मिलते जुलते थे और बड़े प्यार से बरताव करते थे। जब हम उन के बारे में सोचते हैं तो उन की वह सारी बातें याद आती हैं कि किस तरह से वह सब को रास्ता दिखाते थे। हमारी परमात्मा से प्रार्थना है कि वह हम सब को शक्ति दे कि हम उन के दिखाये हुए मार्ग पर चल सकें और इस तरह से अपने देश को शक्तिशाली बना सकें और जो देश को मजबूत बनाने का उन की मृत्यु से अधूरा रह गया है उस को पूरा कर सकें। इन अलफाज के साथ मैं अपने इस स्वर्गीय नेता, लेट प्राईम मिनिस्टर को श्रद्धांजलि भेंट करता हूं और यह रैजोल्यूशन मूव करता हूं :

Sir, I beg to move:

That the Punjab Vidhan Sabha places on record its deep sorrow at the passing away of Shri Lal Bahadur Shastri. The Nation was deprived of the brightest jewel of the country on the dreadful night of the 10th January, 1966, when, standing at the pinnacle of success, Shri Lal Bahadur Shastri was snatched away from us by the cruel hands of death.

Shri Shastri's services to the nation were so significant that he could easily be called as the consolidator of Indian freedom.

Shri Lal Bahadur Shastri was a man of peace and goodwill. He symbolised the traditional virtue of humility and greatness of mind ; never was the fusion of these qualities so complete as in the personality of this great leader of the Indian people.

This House has a special reason to be closely attached to Shri Lal Bahadur Shastri as ever since his association with Lala Lajpat Rai, he had been always specially benevolent to Punjab.

This House will indeed honour itself by paying respectful homage to a man whose whole social and political career was a legend of devotion to the interests of the people and sacrifice to the national cause.

The Members of the Punjab Vidhan Sabha convey their heartfelt condolences and sympathies to Shmt. Lalita Shastri, and all other members of the bereaved family.

**Sardar Gurnam Singh** (Rai Kot) : Mr. Speaker, Sir, the interregnum between our meeting today and when we dispersed at the end of last session has been marked by more than one grievous news of passing away of eminent men in our public life. Besides that of our late Prime Minister Shri Lal Bahadur Shastri, we had to bear the shock of death of several other eminent men of this country.

The death of Shri Lal Bahadur Shastri has been, in a sense, most grievous for us. During his short period of stewardship of the nation he more than fulfilled the trust we repose in our democratic processes and belied those who associate democratic leadership with chair charisma and exceptional gifts of body and mind. He shone in his full glory in the tasks of peace at Tashkent as he distinguished himself as a man of determination and decision during the recent Indo-Pakistan conflict. He commanded respect of nations of the world for his effort to solve intricate International disputes by peaceful means.

[Sardar Gurnam Singh]

The late Prime Minister was a man of genial temprament and was an unassuming democrat. He led the nation with ease and confidence and made serious effort to solve our problems with resolute determination. His name will always be associated with justice and integrity—noblest aspects of humanity. He was a wise statesman.

Sir, my people, the Sikhs entertain a sense of special loss in the death of Shri Lal Bahadur Shastri, knowing that the last Prime Minister was firmly disposed in favour of demarcation of a unilingual Punjabi State as a first step towards a sympathetic settlement of the Sikh grievances and problems. My people earnestly hope that the charming and brilliant successor of late lamented Prime Minister will soon bend her energies to the same task.

Sir, I on behalf of my party and also on my own behalf, join with the rest of the House in expressing and conveying condolences to the bereaved family.

डाक्टर बलदेव प्रकाश (अमृतसर शहर, पूर्व) : स्पीकर साहिब, जो प्रस्ताव माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने सदन के सामने रखा है मैं उस का समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहिब, शास्त्री जी ने अपने थोड़े से प्रधान मन्त्री पद के अर्से में एक ऐसा चित्र देश के सामने रखा कि जिसे देख कर हम सब का सिर उन के सामने श्रद्धा से झुक जाता है। स्पीकर साहिब, नीतियां के साथ किसी का भी विरोध हो सकता है और प्रजातन्त्र में अलग अलग विचारधाराएं और नीतियों चलती हैं और चलती रहेंगी। परन्तु जहां तक उन को महानता, उन को सच्चाई, निष्ठा और कर्त्तव्य परायणता का प्रश्न है, कोई भी देश-वासी ऐसा न होगा जो शास्त्री जी का नाम पूरी श्रद्धा के साथ न लेता हो। उन्होंने प्रजातन्त्रों के अन्दर नई परम्पराएं, नई रवायातें पैदा कीं। उन्होंने अपने 18 महीने के प्रधान मन्त्री पद के काल में जिस तरह से सारी आपोजीशन को अपने साथ लेकर चलने की कोशिश की, मैं समझता हूं कि उन का यह प्रयत्न बहुत ही सराहनीय था।

यही प्रजातन्त्र की सही भावना है। मेरी राए और हो सकती है, लेकिन दूसरों की राए क्या है और उस की मांग क्या है, इस के बारे में शास्त्री जी के पास कदर थी। वह लोक राए की कदर करते थे और उन्होंने अपनी नीतियों में उसी के अनुसार परिवर्तन लाने की कोशिश की। उन्होंने सदा इस भावना से और इस नुक्ता से काम किया कि देश के हित में क्या होगा। 18 वर्ष की स्वतन्त्रता प्राप्ति की जो राजनीति थी उस का उन्होंने 18 महीनें में अपने शासन काल में परिवर्तन कर दिखाया। यह एक महान परिवर्तन है, जिस को हर देशवासी याद रखेगा और उन के कदमों पर चलने का प्रयत्न करेगा। इस से न केवल देशवासी ही बल्कि आने वाले प्रधान मंत्री और सब पार्टियों के राजनीतिज्ञ उन के बताए हुए रास्तों पर चलने का प्रयत्न करेंगे। इन के जीवन को अपना आदर्श मानेंगे। मैं समझता हूं कि यही आशा हर देशवासी की होगी और इसी भावना से वह काम करेंगे।

स्पीकर साहिब, इतना ही नहीं, 1962 में जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया तो हमें सैनिक दृष्टि से पीछे हटना पड़ा और हमें अपने कुछ इलाके को खाली करना पड़ा।

इस से हमारे देश का अपमान हुआ। संसार में हमारे प्रति बुरी भावना पैदा हो गई। और यह समझा जाने लगा कि भारत जो इतना शक्तिशाली देश है, किसी के हमला हो जाने पर मुकाबला नहीं कर सकता। इस में इतनी शक्ति और हिम्मत नहीं। इस देश में शायद इनसान नहीं रहते और ऐसे लोग नहीं रहते जो स्वैअभिमानी हों बल्कि इस देश में भेड़ बकरियां रहती हों। इस तरह की भावना बन गई थी लेकिन जब हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के बीच 18 या 20 दिन का जो युद्ध हुआ उस में शास्त्री जी के नेत्रित्व के अन्दर, उन की लीडरशिप के अन्दर संसार के लोगों के सामने एक नई तसवीर देखने को मिली। और यह सिद्ध कर दिया कि जब देश पर आक्रमण हो तो हमारा देश शांति की मान मर्यादा को छोड़ कर आक्रमण का मुकाबला करने को त्यार हो जाता है और देश की आजादी को कायम रखने में कोई कसर नहीं रखता। शास्त्री जी के नेतृत्व में देश ने जो कदम उठाए उस से सारे संसार पर यह सिद्ध हो गया कि इस देश में बसने वाले 45 करोड़ इनसान भेड़ बकरियां नहीं और लड़ाई में मुकाबिले के लिये खड़े हो सकते हैं। देश न सिर्फ खड़ा ही हो सकता है बल्कि दुश्मन को पीछे धकेल सकता है। दुश्मन के देश में जा कर भी कब्ज़ा कर सकता है। और हमारे जवानों ने अपनी वीरता का झन्डा दुशमन के देश में जा कर झुलाया। इस तरह की हमारे देश की तसवीर शास्त्री जी ने ही पेश की। और मैं तो यह समझता हूं कि आधुनिक काल में इस देश के लिए एक नए युग प्रणाली को आरम्भ किया। इस से देश की मान और देश की प्रतिष्ठा बढ़ी। देश के रहने वालों में हिम्मत बन्ध गई। लोगों का मान बड़ा, देश का गौरव ऊंचा हुआ और देश को सर्विसों में आत्म विश्वास बढ़ा। हरेक शहरी के अन्दर स्वअभिमान स्थापित हो गया। यह सब शास्त्री जी की दन थी।

स्पीकर साहिब, और अधिक न कहता हुआ मैं केवल एक दो और बातें शास्त्री जी के बारे में कहना चाहता हूं कि इन का जीवन कितना सादा था जो आज के युग में सत्ताधारियों के लिए आदर्श माना जा सकता है। आज क्या हालत होती है कि जब कोई व्यक्ति सत्तारूढ़ हो जाए तो दो महीनों में चार महीनों में या छः महीनों में ही अपनी प्रापर्टी बना लेता है। उस को जायदाद को आप देखें, उस की परसनल प्रापर्टी को आप देखें और उस के रिश्तेदारों की शान को आप देखें लेकिन शास्त्री जी की मिसाल आप को शायद न मिल सके कि लोगों के सामने उन्होंने किस तरह की भावना कायम की। वह आज से नहीं, शुरू से ही राजनीतिज्ञ रहे हैं, एम. एल. ए. रहे, मन्त्री रहे लेकिन ऊंचे आदर्श को सामने रखा। जन साधारण तो एम. एल. ए. बनने के लिये या कुर्सी को हासिल करने के लिये क्या कुछ नहीं करते और राजनीति की दौड़ में पिछले 18 वर्षों में जो तसवीर सामने आई वह खराब हो चुकी थी और यही समझा जाने लगा था कि राजनीति की दौड़ में जो भी आ गया उस ने सब तरह से कुर्सी को कायम रखने की चेष्टा की और आम आदमी के दिल में यह बात घर कर गई थी कि राजनीति के क्षेत्र में सारे ही कुरप्ट होते हैं। इस तरह की धुन्दली तसवीर को शास्त्री जी ने साफ किया और अपने जीवन काल में यह सिद्ध कर दिया कि एक राजनीतिज्ञ का जीवन कितना साधारण हो सकता है। आप प्रधान

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]

मन्त्री भी रहे और मन्त्री भी रहे परन्तु जब स्वर्गवास हुए तो इन के परिवार के पास न कोई जायदाद, न रहने को अपना मकान और फिर लोगों को देने वाला कर्ज़ा, यहां तक कि बच्चों की पढ़ाई के लिये भी रकम नहीं। उन्होंने अपने राजनीति काल में कोई अपनी परसनल जायदाद नहीं बनाई और न ही इस के बारे में कोई ध्यान दिया था। अब सरकार ने कुछ पैन्शन उन के बच्चों की पढ़ाई के लिए मुकर्रर की है और उनकी विधवा धर्मपतनी के गुज़ारा के लिए रकम मुकर्रर की है। राजनीति के अन्दर इतने ऊंचे पद पर रहने पर भी अपने जीवन आदर्श का त्याग नहीं किया बल्कि सेवा की भावना को सामने रखा और आज के राजनीतिज्ञों के सामने एक ऊंचा आदर्श कायम किया जिसकी मिसाल संसार में नहीं मिलती। एक नए आदर्श का निर्माण किया जिस को हम सब को मान कर आगे चलना पड़ेगा।

स्पीकर साहिब, जैसा कि मैं पहले कह चुका हूं हमें कहीं कहीं पर इन की नीति से विरोध हो सकता है और प्रजातन्त्र में विरोध एक साधन है अपनी राए को प्रकट करने का और इस बात की स्वतन्त्रता है, जैसा कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि ताशकंद समझौता इस देश के लिए एक बहुत बड़ी एचीवमेंट है, मैं भी इस बात को मानता हूं। ताशकंद समझौते के बारे में किसी रूप में मुझे या हमारे जनसंघी भाइयों को विरोध हो सकता है लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि ताशकंद समझौता में देश के हित को कायम रखने और देश में शान्ति बनाए रखने का एक प्रयत्न शास्त्री जी ने किया। यह ज़रूरी नहीं कि ताशकंद समझौता से पूरी तरह से हरेक एग्री हो, हरेक की मनोवृति अलग अलग हो सकती है लेकिन यह जो प्रयत्न शास्त्री जी ने किया इस से हम सब का सिर अत्यन्त श्रद्धा से झुक जाता है। उन्होंने जो प्रयत्न देश की आज़ादी को कायम रखने के लिए और शान्ति के लिए किया हम सब उस का अभिनन्दन करते हैं। ताशकंद समझौते का विरोध हो सकता है और हमारा है भी लेकिन उस भावना और उस प्रयत्न की जो शास्त्री जी के व्यक्तित्व ने देश की शान्ति को कायम रखने के लिये किया आज सब सराहना करते हैं। इस से देश का मान बढ़ा है। जो व्यक्तित्व शास्त्री जी ने पेश किया वह एक रास्ता है जिस पर आने वाली नसलें मान करेंगी और राजनीतिज्ञों का पथ प्रदर्शक बनेंगी। हम अपनी पार्टी की ओर से इस सोगमई प्रस्ताव में अपने आप को सम्मिलित करते हैं। इतना कह कर मैं अपना स्थान लेता हूं।

**चौधरी देवी लाल** (फतेहबाद) : स्पीकर साहिब, आज जो मुख्य मंत्री महोदय ने देश की एक बहुत बड़ी हस्ती श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के देहांत के सम्बन्ध में प्रस्ताव पश किया है उस का मैं समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। श्री लाल बहादुर शास्त्री जी हमारे प्रधान मन्त्री ही नहीं थे बल्कि अंग्रेज़ के वक्त में देश की आजादी की लड़ाई में एक वालन्टीयर से लेकर जरनैल तक थे। उन्होंने देश की आज़ादी हासिल करने के लिए महान कुरबानी की और न केवल कुरबानी की बल्कि आज़ादी को हासिल करने के बाद देश की हकूमत को किस तरह से चलाना चाहिए, किस ढंग से चलाना चाहिए और देश की हकूमत को चलाने वाले का क्या फर्ज होना चाहिए इस की मिसाल शास्त्री जी ने

कायम की । जो रास्ता इन्होंने अपनाया वह आगे आने वाले लोगों के लिये एक शाहराह बन गया है । दुनिया की किसी भी स्टेट में, किसी मुल्क में ऐसी मिसाल नहीं मिलती । जैसा कि मुख्य मन्त्री जी ने बताया है कि एक साधारण ढंग से किसी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ तो इन्होंने अपनी जिम्मेवारी इस में समझी और वजारत से अस्तीफा दे दिया ।

शास्त्री जी जब हम से जुदा हुए तो इस का लोगों में क्या रीएक्शन हुआ मैं इस की एक मिसाल देना चाहता हूं । मैं 10 और 11 तारीख को बम्बई से 20 मील दूर राजेश्री गांव में सुबह छ: सात बजे गर्म पानी के चशमे पर नहाने के लिये जा रहा था तो एक साईकल वाला कहता जा रहा था कि हमारे प्रधान मन्त्री लाल बहादुर शास्त्री स्वर्गवास हो गए हैं । लोग इस खबर को सुन कर हैरान थे । छोटी छोटी चाए की दुकानों वालों को इस खबर पर यकीन नहीं आ रहा था । फिर जब रेडियो पर लोगों ने खबर सुनी तो यकीन करना पड़ा । जब हम चशमे पर पहुंचे तो वहां पर एक दो औरतें नहा रही थीं और आपस में बातें कर रही थीं कि लाल बहादुर शास्त्री ने देश की आन और मान मरयादा को बचा लिया पाकिस्तान से लड़ाई कर के, नहीं तो पता नहीं हमारा क्या हशर होता । उनकी आंखों में आंसू थे । शास्त्री जी ने देश के आम लोगों का दिल जीत लिया था ।

जब चीन का हमारे मुलक पर एग्रेशन हुआ उस का मुकाबला करने के लिये हमें बहुत से आर्मज़ और ऐमूनेशन इकट्ठे करने की ज़रूरत पड़ी थी जिस के लिये हम ने बाहर के मुलकों से डिमांड की थी । हमारे मुताल्लिक अमरीका में यह ख्याल किया गया था कि इन्हें कोई जंगी असलाह नहीं देना चाहिये, इस लिये कि यह चीन को दे देंगे । श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने हमारी फौज का इतना नाम ऊंचा किया कि अमरीका वाले इन दिनों यह महसूस करने लगे थे कि हमें इन को ज़्यादा से ज़्यादा जंगी इमदाद देनी चाहिये थी । इस बात को अमरीका के लोगों को कहते हुए खुद प्रोफैसर शेर सिंह जी ने सुना जो कि उन दिनों अमरीका में थे । मेरा कहने का मतलब यह है कि शास्त्री जी के जो असूल थे वह ऐसे थे जिन्होंने इस मुलक के वकार को बहुत ही ऊंचा किया था, बावजूद इस बात के कि हमारी फौज के जवान बड़ी दलेरी से इस लड़ाई में लड़े मगर जो असूल और रवायात श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने इन लड़ाई के दिनों में इस मुलक को आगे ले जाने के लिये कायम कीं उन से हमारे देश का और भी वकार ऊंचा हो गया है । यह उनकी राहनुमाई का ही नतीजा है ।

जिन हालात में ताशकंद समझौता हुआ वह आप सब जानते ही हैं । हो सकता है कि कोई शख्स इस समझौता के खिलाफ भी हो मगर इस बात को तमाम लोग मानते हैं कि जिस स्पिरिट में ताशकंद समझौता हुआ है उस से यह साफ ज़ाहिर होता है कि उन की आत्मा दोनों मुलकों का खून खराबा बरदाश्त न कर सकी जिस की वजह से उन्हें अपनी जान की बाज़ी तक लगानी पड़ी । वह हर कीमत पर इस देश की आजादी और अमन को बरकरार रखना चाहते थे । वापसी का वक्त था जब उन्होंने घर पर टैलीफोन किया; समझौता हो जाने के बाद, जो बात उन्होंने की इस से भी इसी चीज़ के रीऐक्शन की झलक ही नज़र आती थी ।

[चौधरी देवी लाल]

आज हम उस महान हस्ती का मातम मनाते हुए इस रैज़ोल्यूशन के ज़रिये श्रद्धांजलि भेंट कर रहे हैं। हमें चाहिये कि हम उन के असूलों पर चल कर सच्चे मायनों में श्रद्धांजलि दें। जिन डैमाक्रेसी के असूलों को मद्दे नज़र रखते हुए उन्होंने इस मुलक के झगड़ों को हल करने में हर पार्टी के लीडर्ज़ को कन्सलट करने की कोशिश की, वह हमारे लिये बहुत ही शानदार असूल का रास्ता दिखाती है। आज मुलक के सामने ऐसे हज़ारों मसले हैं जिन को इन रवायात के मुताबिक हल किया जा सकता है। हमारे सामने गिज़ाई मसला है। पंजाब में पंजाबी सूबा और हरियाना प्रान्त के भाषाई सवाल हैं। शास्त्री जी इस मसला को बखूबी समझते थे इस लिये उन्होंने इस को हल करने की पूरी पूरी कोशिश की। मगर मुलक की बदकिस्मती है कि वह इस को दरमयान में ही छोड़ गये। फिर भी मुझे यकीन है कि इस मुआमला के मुताल्लिक जो नीति श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने इख्तियार की थी अगर उस पर चलें तो इस देश के मसले आसानी से हल हो सकते हैं।

अगर हम सही लफजों में श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं तो जो तरीका उन्होंने इख्तियार किया था, हम उन के दिखाये हुए रास्ता पर चलें। मैं इस मुआमला पर और ज़्यादा कुछ कहना नहीं चाहता क्योंकि मुख्य मंत्री और दूसरे साहिबान भी इस पर बहुत कुछ कह गये हैं। अब हमें चाहिये कि हम उन के दिखाये हुए रास्ता पर चलें।

जो खिदमत आज़ादी को बरकरार रखने में इस मुलक की उन्होंने की इस की कहीं मिसाल नहीं मिलती। जो कुरबानी उन्होंने इस मुलक की खिदमत करते हुए की वह एक नमूना है। 1937 से लेकर 1966 तक वह कभी ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर और कभी होम मिनिस्टर और कभी प्रधान मन्त्री रहे। हकूमत के इतने बड़े बड़े अहुदों पर रहने के बावजूद भी कितनी हैरानी की बात है कि उनकी अपनी कोई जायदाद न थी। न उन का अपना कोइ रहने का मकान था, न कोई और जायदाद। आप देखें कि जिस के पास ज़रा सी भी पुलिटीकल पावर आ जाये वह दिनों के अंदर महल उसार लेता है। मगर वह ऐसे शखस थे जो आला पुलिटीकल पावर पर होते हुए एक आम आदमी की तरह अपने परिवार और रिशतेदारों के साथ रहे। किसी को भी अपनी पुलिटीकल पावर का नाजायज़ फायदा उठाने नहीं दिया। हमें उन के असूलों से सबक लेना चाहिये।

इन इलफाज़ के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और श्री लाल बहादुर जी शास्त्री को श्रद्धांजलि भेंट करता हूं। मेरी प्रार्थना है कि परमात्मा उन की रूह को शान्ति दे।

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** (ਤਲਵੰਡੀ ਸਾਬੋ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਮਤਾ ਏਥੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦਾ ਸਮਰਥਨ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ ਦਾ ਜੀਵਨ ਇਕ ਆਮ ਜਨਤਕ ਆਦਮੀ ਜਿਹਾ ਜੀਵਨ ਸੀ। ਆਪ ਜੀ ਨੇ ਇਕ ਗਰੀਬ ਘਰਾਣੇ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਹੋਕੇ ਗਰੀਬੀ ਵਿਚ ਹੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਮੁਲਕ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ ਲਈ ਜੋ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਇਤਿਹਾਸ ਦੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਹੀ ਘਟ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਇਬਰਾਹੀਮ ਲਿੰਕਨ ਨਾਲ ਮਿਲਦਾ ਜੁਲਦਾ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਆਦਮੀ ਦੇ ਹੱਥ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਤਾਕਤ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ

ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਆਪਣੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ., ਐਮ. ਪੀ. ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਆਦਮੀ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹੋ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਤਨੇ ਸਾਦਾ ਜੀਵਨ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਅਤੇ ਇਕ ਉਚੇ ਪਧਰ ਦਾ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਦਾ ਅਹੁਦਾ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਇਹ ਗੱਲ ਸਿਧ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਐਸੇ ਅਸਰ ਰਸੂਖ ਵਾਲੇ ਅਹੁਦੇ ਤੇ ਰਹਿਕੇ ਵੀ ਬੇਲਾਗ ਤੌਰ ਤੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਾਹ ਤੇ ਚਲਕੇ ਇਸ ਮੁਲਕ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਪਣੇ 18 ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅਹਿਦ ਦੇ ਅੰਦਰ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਇਤਨੀਆਂ ਔਖਿਆਈਆਂ ਵਿਚੋਂ ਭਾਵੇਂ ਗੁਜ਼ਰਨਾ ਪਿਆ ਸੀ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਅਮਨ ਦੀ ਪਾਲੀਸੀ ਤੇ ਚਲਣ ਦੀ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ।

ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਦਾ ਸਮਝੌਤਾ ਆਉਂਦੀ ਹਿਸਟਰੀ ਦੇ ਵਿਚ ਸੁਨਹਿਰੀ ਅੱਖਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਨੇ ਬੜੇ ਬੜੇ ਸਰਮਾਏਦਾਰ ਮੁਲਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ, ਜਦੋਂ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਕੋਸੀਜਨ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਸਮਝੌਤਾ ਕੀਤਾ, ਆਪਣੇ ਵਲ ਖਿਚ ਲਿਆ। ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਸਮਝੌਤਾ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਅਤੇ ਪੰਡਿਤ ਨਹਿਰੂ ਜੀ ਨੇ ਜੋ ਅਮਨ ਨਾਲ ਰਹਿਣ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਦੀ ਬੁਨਿਆਦ ਰੱਖੀ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਮੁੜ ਸਾਬਤ ਕਰ ਦਿਖਾ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਕਿਸੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਲੜਨਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਬਲਕਿ ਗਵਾਂਢੀਆਂ ਵਾਂਗ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਅਸੂਲਾਂ ਤੇ ਚਲਦੇ ਹੋਏ ਜਿਹੜੇ ਪਿਛਲੇ 18 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਸਾਡੇ ਮਸਲੇ ਲਟਕਦੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਅਸੀਂ ਆਸਾਨੀ ਨਾਲ ਨਜਿਠ ਸਕਦੇ ਹਾਂ। ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ ਜੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਚਮਕਦਾ ਰਹੇਗਾ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਕਹਿਣ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਮਸਲਾ ਇਤਨੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਉਲਝਿਆ ਚਲਿਆ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਬੜੀ ਆਸਾਨੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸੁਲਝਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ ਜੀ ਸਮਝਦੇ ਸਨ ਅਤੇ ਇਹੋ ਕਾਰਨ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੈਬੀਨਿਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ... ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਇਕ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕਮੇਟੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ। ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਕਿ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਇਸ ਦੁਨੀਆ ਵਿਚ ਹੋਰ ਥੋੜੇ ਵਕਤ ਲਈ ਜ਼ਿੰਦਾ ਰਹਿਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਨਾ ਮਿਲਿਆ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਹੁਣ ਤੱਕ ਇਹ ਸੁਲਝ ਜਾਣਾ ਸੀ। ਅਸੀਂ ਮੌਜੂਦਾ ਲੀਡਰਾਂ ਤੋਂ ਇਹ ਆਸ ਰਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ ਜੀ ਦੇ ਦਿਖਾਏ ਹੋਏ ... ਤੋਂ ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਨੂੰ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਨਜਿਠਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਨਗੇ। ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਵਰਗੇ ਆਗੂਆਂ ਦੀ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲੋੜ ਸੀ ਜੋ ... ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ, ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਅਗੇ ਲੈ ਜਾਣ, ਦੇਸ਼ ਦੀ ਇਜ਼ਤ ਅਤੇ ਮਾਣ ਵਧਾਉਣ। ਉਹ ਅਜ ਸਾਡੇ ਵਿਚੋਂ ਉਠ ਗਏ ਹਨ। ਇਸ ਸੰਕਟ ਦੇ ਮੌਕੇ ਉਹ ਸਾਡੇ ਦਰਮਿਆਨ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਤੋਂ ਸਿਖਿਆ ਲੈ ਕੇ, ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਤੋਂ ਸ਼ਿਖਸ਼ਾ ਲੈਂਦੇ ਹੋਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਦਮਾਂ ਤੇ ਚਲਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਉੱਚਾ ਕਰ ਸਕੀਏ। ਐਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰ ਨਾਲ ਦਿਲੀ ਹਮਦਰਦੀ ਪਰਗਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਬਾਰੇ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦਾ ਸਮਰਥਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ।

**कामरेड राम प्यारा** (करनाल) : स्पीकर साहिब, चीफ मिनिस्टर साहिब ने जो रैज़ोल्यूशन पेश किया है मैं उस की ताईद करने और अपनी श्रद्धांजलि पेश करने के लिए खड़ा हुआ हूं। शास्त्री जी की ज़िन्दगी के बहुत सारे पहलू हैं जिन में से कईयों का ज़िक्र मेरे से पहले बोलने वालों ने किया है, पुराना माकूला है कि 'पावर आलवेज़ करप्ट्स' मैं समझता हूं कि शास्त्री जी ने अपनी ज़िन्दगी में जो काम किये उन से यह साबत

कामरेड राम प्यारा]

या कि पुराना माकूला गल्त हो सकता है। बशर्ते कि इन्सान इन्टैग्रिटी वाला बनने की कोशिश रे और यह कहने में मुझे रत्ती भर झिझक नहीं कि इनसान की बड़ी क्वालिटीज़ हैं जिन पर बूर पाना मुश्किल है। उन में से मैं एक दो जस्टिस और इनटैग्रिटी कह सकता हूं। न्दुस्तान ने शास्त्री जी द्वारा वह फखर हासिल किया क्योंकि वह इन दोनों क्वालिटीज़ पर बूर पा चुके थे। उन के बारे में यह ठीक कहा जाता है कि 'शास्त्री वाज़ ए मैन आफ इन्टैग्रिटी ड जस्टिस'। जब शास्त्री जी प्रधान मन्त्री बने तब उन के सामने दो किसम के चैलेन्ज जिन को उन्होंने बड़ी खुशी से कबूल किया। जब चीन ने हिन्दुस्तान पर हमला किया तो की दुनिया में हिन्दुस्तान का वकार गिरा। जो हिन्दुस्तान में डिमारेलाइज़ेशन आई र फौज में भी थोड़ी बहुत हल-चल मची थी, लोगों में भी बेचैनी मची थी, शास्त्री जी ने पनी काबलीयत से, अवाम के तूआवन से, फौज की मदद से बड़ी बहादुरी से इस चैलेंज कबूल किया और उस को कबूल करने में पूरी तरह कामयाब हुए। हिन्दुस्तान के सफैद हरे पर जो बदनुमा दाग था चीन के हमले का उस को अवाम के तुआवन और बहादुर पाहियों के हौसले से उन्होंने धो दिया। वह चैलेन्ज उन्होंने मान कर कामयाबी हासिल । दूसरा चैलेंज जो उन्होंने कबूल किया वह हिन्दुस्तान की अवाम की तरफ से था। हिन्दुस्तान अवाम के साथ जो वायदे किये गये थे उन में से कोई वायदा पूरा नहीं हुआ था क्योंकि ाल तो यह था कि गरीब और अमीर के दरम्यान फर्क कम करना है। पिछले 17 या 8 साल में गरीब और अमीर का फर्क बढ़ता ही गया। शास्त्री जी ने अवाम के साथ किये उस वायदे को भी पूरा किया। हिन्दुस्तान में जो बड़े बड़े मगरमछ कैपटलिस्ट जिन के पास बलैक मनी, चोरी का रुपया था, हिन्दुस्तान की कमाई का अक्सर रुपया के पास था उस के ऊपर इन्होंने हाथ डालना शुरू किया था। अगर परमात्मा इन्हें ज़िन्दगी ा तो वह बड़े बड़े मगरमच्छों जिन के ऊपर हिन्दुस्तान के बड़े बड़े आदमियों को हाथ लने की हिम्मत न हुई यह उन पर हाथ डालते, उन की ब्लैक की कमाई लेते और उन्हें ड़ी बहुत सज़ा देते और गरीब अवाम का भला कर सकते। जो मसले बहुत देर से नहीं हुए थे वह 18 महीनों में शास्त्री जी ने कर दिखाए। वह एक कामन मैन का ईम मिनिस्टर था, अवाम की तरफ से। कई दफा बड़े बड़े महापुरुष हम से जुदा होते हैं। के लिए हड़ताल कराने के लिये बाजार में जाना पड़ता है। लेकिन जैसे ही शास्त्री की मौत की खबर पहुंची बाज़ार के काम एक सैकन्ड में बन्द हो गए। किसी को लाने की ज़रूरत न हुई। उन की छाप अवाम के दिल पर थी। हो सकता है कि चन्द बिज़नैस मैग्नेट ऐसे न हों क्योंकि उन को डर हो रहा था, कोई कैपटलिस्ट ब्यू के आदमी न हों लेकिन जहां तक हिन्दुस्तान के अवाम का ताल्लुक है उन को दुख हुआ। वह काम छोड़ कर उस दुख में शामिल हुए जिस दुख में हिन्दुस्तान डूबा हुआ था। त्री जी की प्राईम मिनिस्टरशिप से एक बात और वाज़े हो गई कि वक्त आने पर दुस्तान लड़ेगा। इस से साबित हुआ कि एक वक्त में हिन्दुस्तान अमन परस्त भी है। दुस्तान की आन और शान को बचाने के लिये लड़ाई की ज़रूरत थी तो शास्त्री जी ने ई लड़ी। जब ज़रूरत थी कि अमन हो तो शास्त्री जी ने अमन के लिए जान दे दी। यादा समय नहीं लेता, बहुत से मैम्बरों ने ख्यालात कह दिए हैं। मैं इतना ही अर्ज़ करूंगा

कि उन्होंने त्याग की वह भावना पेश की है जो हिन्दुस्तान की सभ्यता को ऊंचा करती है अगर हिन्दुस्तान की पुरानी तारीख को देखें तो पता चलता है कि राजाओं महाराजाओं की इतनी पूजा नहीं होती जितनी कि त्यागी महापुरुषों की होती है। अशोक दी ग्रेट की पूजा नहीं होती मगर महात्मा बुद्ध की पूजा होती है। अकबर दी ग्रेट की पूजा नहीं होती मगर राणा प्रताप की होती है। महाराजा रणजीत सिंह की नहीं होती बल्कि गुरु गोबिन्द सिंह की पूजा होती है जिन्होंने त्याग किया। यह हमारी पुरानी रवायत है। उस को शास्त्री जी अपने त्याग से सिद्ध किया। जब उन की मृत्यु हुई तो उन के पास मकान नहीं था, ज़मीन नहीं थी, उन का कोई बैंक बैलेन्स नहीं था और न ही उन की कोई इन्शोरेन्स थी। उन्होंने साबित कर दिया कि हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता में जहां राजाओं महाराजाओं की कदर नहीं, कैपटलिस्ट की कदर नहीं, दौलत वालों की कदर नहीं बल्कि त्याग की कदर है तो उस कदर को, जो त्याग की पुरानी कदर थी, आप के सामने रखते हुए शास्त्री जी एक बार फिर अपनी इज़्ज़त को कायम किया। इस लिये शास्त्री जी का त्याग, उनकी कुरबानी उन का चैलेंज कबूल करना हिन्दुस्तान की तारीख में सुनैहरे शब्दों में लिखा जायगा यदि हम सही मायनों में उन्हें श्रद्धांजलि भेंट कर रहे हैं तो हमें पता होना चाहिए कि उन्हों जो चैलेंज मंज़ूर करके हिन्दुस्तान की आन और शान को बचाया, अमीर और गरीब दरम्यान फर्क को कम करने की कोशिश की अगर हम तहे दिल से उनके सिद्धान्तों को कायम करने की कोशिश करें तो सही मायनों में श्रद्धांजलि होगी। इन लफ्ज़ों में मैं शास्त्री जी के कदमों में श्रद्धांजलि पेश करता हूं।

**चौधरी नेत राम** (हिसार सदर) : स्पीकर साहिब, हमारे मुख्य मंत्री महोदय जो प्रस्ताव शास्त्री जी की मृत्यु पर पेश किया है उसमें मैं भी अपना फर्ज़ समझता हूं कि श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धांजलि पेश करूं और उन के परिवार से सहानुभूति प्रकट करूं। वह देश की आज़ादी के लिये लड़ते रहे। अंगरेज़ हुकमरान को यहां निकालने के लिये जद्दो जहद करते रहे और इस काम में जुटे रहे। और देश में से अंग्रेजों को निकाल कर जो देश की प्राब्लम्ज़ थीं उन को हल करने में जुट गए। देश के लिये जज़बात का ख्याल और भावना रखने वाला इन्सान इस मौका पर देश से उठ गया है उन से पहले जो कुछ होता रहा उसके कई कारण हैं। एक यह कि कांग्रेस सरकार लगातार 19 साल से भारत पर हकूमत करती आई है, अपनी सरकार चलाती आ रही है उसकी विदेश नीति जो रही है वह बहुत नुकसानदेह रही है, गलत रही है। इस देश की सरहद्दों की रक्षा मज़बूती के साथ होनी थी उस में सरकार की नीति बहुत कमज़ोर रही जिसका नतीजा यह हुआ कि कहीं चोटें खाईं, कहीं गलत ढंग से काम किया। आज देश के अंदर अनाज का न होना, भुखमरी का फैलना और देश के अन्दर इस हालत का पैदा होना सरकार की गलत नीति से हुआ है। जिस का नतीजा यह हुआ कि श्री लाल बहादुर शास्त्री जैसी पवित्र आत्मा को ताशकंद के समझौते में बैठ कर इतना सदमा पहुंचा कि उन्हें अपने प्राण देने पड़े। स्पीकर साहिब, मैं बताना चाहता हूं कि अगर इसी तरीके से हमारी सरकार चलती रही तो न जाने कितने ल

चौधरी नेत राम]

हादुर शास्त्री जैसे महान् व्यक्तियों को इस जहान से जाना पड़ेगा। इस सरकार को चाहिए क यह उन की मृत्यु से सबक सीखे और देश को मजबूत बनाए और यहां जो भुखमरी ड़ रही है उसे दूर करे और अपनी गलत पालिसी को छोड़ कर सही रास्ते पर आए। गर हमारा देश मज़बूत होता और हमारी सरकार की पालिसी सही होती तो रूप, मरीका या कोई और देश हमारे ऊपर किसी किस्म का दबाव नहीं डाल सकता था। मारे महान् नेता श्री लाल बहादुर शास्त्री ने कुरबानी नहीं दी बल्कि उन की सदमे की जह से मृत्यु हुई है जिस का कि हमें बहुत दुःख है। हमारे देश को तरक्की की राह पर लना चाहिए और दूसरे देशों के सहारे चलने की कोई बात नहीं होनी चाहिए। अगर इस ांग्रेस सरकार ने अपनी पालिसी न बदली और मुलक कमज़ोर होता गया तो न जाने कितने ाल बहादुर शास्त्री जैसे महान् नेताओं को अपने प्राणों से हाथ धोने पड़ेंगे। बस इतना ह कर मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि वह श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की आत्मा को ान्ति बख़्शे और उन के परिवार को सहन शक्ति बख़्शे और हमारा देश उन के खयालात ढंग से सोच कर अपनी कमज़ोरियों को दूर कर के मज़बूत बने।

**Mr. Speaker** : I also join the Leader of the House and the other on. Members in paying my humble homage to the great departed ader the late Prime Minister Shri Lal Bahadur Shastri. Shri Shastri as a great fighter for freedom. He was an uncompromising defender the security of the country and he was a determined seeker of peace both tional and international. He was very anxious to make the country at eace with all the neighbouring countries. He tried to solve the problems— e pending disputes with Ceylon, with Nepal and other countries. When became the Prime Minister, the country was faced with a number of oblems. He solved some of them and made a determined effort to lve the others. He set new conventions—very healthy conventions in mocracy. He was very anxious to associate the Leaders of opposition the country with him before taking any decision on any important oblem. He was a man of humble origin. He came from the poorest mily in India and by sheer dint of his sense of service and sacrifice, he se to the highest posititon in the country. But throughout, he resisted l temptations for personal power and wealth. During his short regime, e nation was re-built. He was able to restore confidence, give back termination and develop a sense of pride in the nation. The nation had ll confidence in him and he also had faith in the destination of the untry. I am confident that if he were given more time by fate, he would ve solved all problems with which the country was faced. The present- y India and the generations to come will always get inspiration from s life and from his deeds.

Now, we shall pass this resolution by standing in silence for two nutes in the memory of the departed leader.

*e House then stood in silence for two minutes as a mark of respect to the emory of late Shri Lal Bahadur Shastri, Prime Minister of India.)*

**Mr. Speaker** : The House has agreed with the resolution. pies of this Resolution will be sent to the President of India, the Prime inister of India and Shrimati Lalita Shastri.

**Voices: Yes.**

## OBITUARY REFERENCES TO THE DEATHS OF LATE

(1) Shri N.V. Gadgil, Former Governor of Punjab.

(2) Rao Bahadur Chaudhri Lal Chand, Ex-Minister, Punjab.

(3) Jathedar Udham Singh Nagoke, Ex-M.P.

(4) Shri Mam Chand, Ex- M.L.A.

(5) Shri Ahmed Mohiuddin, Deputy Transport Minister, Union Government.

(6) General K.S. Thimayya, former Chief of the Staff, Indian Army.

(7) Lt. Gen. Kulwant Singh.

(8) Lt. Gen. D.R. Thapar.

(9) Dr. H.J. Bhabha, Chairman, Atomic Energy Commission.

**Chief Minister (Shri Ram Kishan) :** Sir, I beg to move —

The Punjab Vidhan Sabha places on record its deep sense of sorrow on the passing away of Shri Nar Hari Vishnu Gadgil, former Governor of Punjab.

Shri Gadgil was a dedicated freedom fighter, an eminent legislator and Parliamentarian and a public leader of fame all through his political career. He served people of Punjab by completely identifying himself with the aspiration of the people. His death has removed from the national scene a great scholar and a senior statesman. The House wishes to convey its heartfelt condolences and sympathies to the bereaved family.

The Punjab Vidhan Sabha places on record its deep sense of sorrow on the passing away of Rao Bahadur Lal Chand, the grand old man of Haryana and a former Agriculture Minister of Punjab. Jathedar Udham Singh Nagoke, the selfless patriot who spent nearly twenty years of his life in prison in the cause of Indian freedom and was later closely associated with this House as a Member from 1946 to 1952, and Shri Mam Chand, also a Member of this House, who rendered outstanding service for the cause of the uplift of Harijans.

This House also mourns the death of Shri Ahmad Mohiuddin, Deputy Minister, Government of India, who was a staunch nationalist, General K. S. Thimayya the distinguished Indian soldier who died in Cyprus in the case of peace, serving under the United Nations; Lt. General Kulwant Singh, who won a place of honour in the annals of Military history on account of his meritorious service in the Kashmir operations in 1947-48; Lt. General D. R. Thapar who played an important role in the building up of armed forces medical services and Doctor Homy Jahangir Bhabha, Chairman, Indian Atomic Energy Commission, who had made notable contribution to nuclear physics and had brought India to the threshhold of the Atom era when nuclear energy was to be harnessed for peaceful use.

The House expresses its deep sense of sorrow at the passing away of these eminent Indians and conveys its profound sympathies to the bereaved famlies.

स्पीकर साहिब, पिछली दफा जो विधान सभा का सैशन हुआ था उस के बाद पिछले डेढ़ महीने में दिसम्बर के आखिर में और जनवरी में हमारे बहुत से साथी और भारत सपूत हम से सदा के लिए जुदा हो गए हैं। मैं ज्यादा तफसील में नहीं जाना चाहता और आप सब जानते हैं कि श्री गाडगिल साहिब, जो हमारे पंजाब के गर्वनर रहे हैं, 12 जनवरी, 1966 को हम से जुदा हो गए हैं। गाडगिल साहिब एक निहायत अच्छे आला पाया के ओरेटर, सियास्तदान, पैट्रियाट और इंडीपैंडैंट थिन्कर थे और उन्होंने अपनी काबलियत और खिदमत से देश में नाम पैदा किया है। बतौर एक दलेर पार्लियामैंटेरियन और काबिल स्टेटसमैन के उनका नाम हमेशा ज़िन्दा रहेगा। उन्होंने अपने वक्त में जो

[मुख्य मन्त्री]

देश की सेवा की है उसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने जब से पब्लिक लाइफ में कदम रखा हिन्दुस्तान की आजादी की हर तहरीक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। 1935 से लेकर 1947 तक वह सैंट्रल असैम्बली के मैम्बर रहे और फिर 1947 से 1952 तक पार्लियामैंट के मैम्बर रहे और भारत के मंत्री भी रहे। जब वह सैंट्रल असैम्बली के मैम्बर थे तो वहां उन्होंने बतौर सैक्रेटरी कांग्रेस पार्टी के भी निहायत शानदार काम किया। उसके बाद उन्होंने आजाद भारत की कांस्टीचुएंट असैम्बली के मैम्बर के तौर पर भारत का विधान बनाने में काफी कंट्रीब्यूशन की। वह महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के प्रधान और सैक्रेट्री भी रहे और इन ओहदों पर बड़ी काबलियत से काम किया। वह सैंट्रल पे कमीशन के मैम्बर भी रहे। जैसा कि आप को मालूम है कि बतौर स्टेट बैंक आफ इंडिया के वाइस चेयरमैन के उन्होंने हिन्दुस्तान की इकानोमी को उभारने में बड़ा काम किया। 1958 में वह पंजाब के गवर्नर बने और 1962 तक उन्होंने इस ओहदा पर रह कर पंजाब की सेवा की और उन की शानदार खिदमात के लिये उन्हें डाक्टर आफ ला की डिग्री दी गई। इन दिनों वह पूना यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के तौर पर काम कर रहे थे। उन्हें पढ़ने लिखने का बड़ा शौक था और वह एक माने हुए लिखारी, ओरेटर और स्कालर थे। उन्होंने पंजाब की एक बड़ी सेवा यह भी की कि जपजी साहिब का मराठी में तरजमा किया। उन्हें पुलीटीकल साइंस, कांस्टीटयूशनल ला, फिकशन वग़ैरा पर काफी अबूर हासिल था उन्होंने कई किताबें लिखीं और वह माने हुए आथर थे। उन्हें लोग बड़े प्यार से काका साहिब के नाम से पुकारते थे। उन्होंने जो देश की सेवा मुख्तलिफ शोभों में की है वह हमेशा याद रहेगी और देश हमेशा उनका आभारी रहेगा।

स्पीकर साहिब, राओ साहिब चौधरी लाल चंद हमारे पंजाब के बहुत पुराने पार-लीमैंटेरियन थे और उन्होंने जो इस राज्य की खिदमात की हैं वह किसी से छुपी हुई नहीं हैं वह 26 जनवरी, 1966 को हम से जुदा हो गए हैं। राओ साहिब ने पंजाब की और खास तौर पर हरियाणा की जो खिदमात की हैं उन के लिये उन का नाम हमेशा रौशन रहेगा। वह 1915 में पंजाब लैजिस्लेटिव कौंसल के, मिन्टो मारले स्कीम के तहत मैम्बर चुने गए थे। उस के बाद वह तीन बार मैम्बर चुने गए। इसके साथ साथ सर फज़ल हुसैन के साथ पंजाब के एग्रीकलचर मिनिस्टर भी रहे। सैंट्रल असैम्बली के मैम्बर के तौर पर भी उन्होंने काफी खिदमात कीं। वह पब्लिक सर्विस कमिशन के मैम्बर भी रहे और रोहतक का जाट कालिज उनकी कोशिशों की ज़िन्दा मिसाल है। उन्होंने चौधरी छोटू राम के साथ प्रैक्टिस भी की और इस तरह काफी नाम पैदा किया। वह सैकुलरिज़्म के पक्के हामी थे और युनाइटड पंजाब में युनियनिस्ट पार्टी की बुनियाद रखने वालों में से थे। रोहतक डिस्ट्रिक्ट बोर्ड की बाग डोर काफी अर्सा तक उन के हाथ में रही। पंजाब में मिनिस्टर रहने के बाद वह फिर भरतपुर स्टेट के दीवान रहे। वहां वह बतौर वज़ीर माल और चेयरमैन स्टेट कौंसल भी रहे। उन्होंने रोहतक सैंट्रल को-आप्रेटिव बैंक का भी बहुत काम किया और वह दिहाती कामों और तरक्की में बड़ी दिलचस्पी लेते थे। उन्होंने दूसरी जंगे अज़ीम में रिक्रूटिंग का बहुत काम किया जिस की वजह से गवर्नर और सी. इन. सी. उन की

हर बात मानते थे और उनकी कदर करते थे। उन के दिल में दिहाती जनता के लिये बड़ा दर्द था और आखरी वक्त तक वह दिहात की भलाई की बात सोचते रहे। वह फौजी जवानों की बहबूदी का भी बहुत ख्याल रखते थे। वह मशहूरोमारूफ इन्कलाबी नेता लाला हरदयाल एम० ए० के क्लासफैलो थे। उन्होंने पंजाब की जो खिदमात की हैं उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। पंजाब लैजिस्लेटिव कौंसल के मैम्बर के तौर पर जो पार्ट उन्होंने प्ले किया वह आप सब जानते हैं। हमें उन के चले जाने से अफसोस है।

हमारे एक और साथी जो हमारी आज़ादी की जंग के जरनैल थे, सरदार ऊधम सिंह जी नागोके, वह भी 11 जनवरी को हम से जुदा हो गए हैं। उन्होंने देश की आज़ादी के लिए भारी कुरबानियां दीं। वह 29 दफा जेल में गए और अपनी उमर का 20 साल का अरसा उन्होंने जेल में गुजारा। उन्होंने सारी उमर सल्फलैस सर्विस की और उन्होंने देश आज़ाद कराने में जो तकलीफें उठाईं और जो खिदमात कीं उन्हें सारा मुल्क जानता है। उन की इन्टैगरिटी और सिन्सैरिटी मुसल्लमा थी। उन्होंने किसान मोर्चा और गुरुद्वारा मूवमैंट में जिस तरह हिस्सा लिया वह पंजाब की तारीख का एक सुनहरी पन्ना है। वह 15/20 साल तक नागोके ग्रुप के तौर पर पंजाब पालेटिक्स पर छाए रहे। वह सब से पहले नान-कोआप्रेशन मूवमैंट के वक्त कांग्रेस में शामिल हुए और उस के बाद देश की आज़ादी की लड़ाई में हिस्सा लेते रहे।

जत्थेदार ऊधम सिंह नागोके ने तीन बड़े मोर्चों में हिस्सा लिया। पहला मोर्चा गोल्डन मंदिर, अमृतसर की चाबियों की रैस्टोरेशन के बारे में था। उन्होंने यह मोर्चा 1922 में लगाया था। उस के बाद उन्होंने 1923-24 में जैतो (नाभा) में मोर्चे में हिस्सा लिया। उस मोर्चे में स्वर्गीय प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भाग लिया था। इस मोर्चे में स्वर्गीय ऊधम सिंह नागोके ने हिस्सा लिया और अपना नाम पैदा किया। उन्होंने गुरु के बाग अमृतसर के आन्दोलन में हिस्सा लिया। उन्होंने इन मोर्चों में नुमायां पार्ट प्ले किया।

वह 1926 से 1952 तक शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के मैम्बर रहे। उन्होंने अकाली दल के प्रधान के रूप में 8 वर्ष तक काम किया। उन्होंने इस दल में काफी सेवा की।

उन के दिल में किसानों के लिये दर्द था। उन के हकूकों की रक्षा करने के लिये मोर्चे लगाए और सरकार के साथ लड़ाई लड़ी। उन्होंने सिविल डिस-ओबीडीएंस मूवमैंट में सक्रिय पार्ट प्ले किया। उन्होंने 1932 में किसान मूवमैंट चलाई। उन्होंने 1938 में भी बड़ा किसान मोर्चा आर्गेनाइज़ किया और दफा 144 का उलंघन किया। उन्होंने पंजाब के अन्दर "क्विट इंडिया" मूवमैंट में हिस्सा लिया और नुमायां पार्ट प्ले किया।

स्पीकर साहिब, वह कांग्रेस को छोड़ कर स्वतन्त्रता पार्टी में शामल हो गए। लेकिन उस पार्टी में शामल होने के बाद जहां तक उन की देश के प्रति हुब्बल वतनी का सम्बन्ध है, उन की कुरबानी का सम्बन्ध है, सफरिंग्ज़ का सम्बन्ध है, और देश के हित में जो जो भी कदम उठाए, वह सब चीज़ें किसी भी देश वासी से भूली हुई नहीं हैं। वह निडर व्यक्ति थे। वह बहादुर व्यक्ति थे और दृढ़ निश्चय वाले थे। उन्होंने देश को ऊपर ले जाने

[मुख्य मन्त्री]

के लिये बहुत ही काम किया। उन्होंने पंजाब असैम्बली में 1946 से ले कर 1952 तक इस सूबे की खिदमत की और 1953 से 1960 तक राज्य सभा के मैम्बर रहे और वहां पर देश के लिए काफी सेवा की। उन के निधन से देश को हानि हुई। उन के प्रति मैं अपनी श्रद्धांजली पेश करता हूं।

स्पीकर साहिब, चौधरी माम चन्द रोहतक के रहने वाले थे। वह कई सालों तक जिला कांग्रेस कमेटी रोहतक के मैम्बर रहे। वह विधान सभा के मैम्बर रहे। उन के दिल में हरिजनों के लिए और गरीब जनता के लिए बहुत दर्द था। वह यहां पर उन लोगों की तकलीफों को बताया करते थे और उन की हालत को सुधारने के लिये प्रयत्न किया करते थे। उन के निधन होने पर हमें बहुत अफसोस हैं।

स्पीकर साहिब, श्री अहमद मोहियुद्दीन, डिप्टी मिनिस्टर ट्रांस्पोर्ट, गवर्नमेंट आफ इंडिया भी हमारे से जुदा हो गए। वह बड़े नैशनलिस्ट विचारधारा वाले थे। वह हिन्दू मुस्लिम यूनिटी में यकीन रखते थे। वह सोशल वर्कर थे। उन का निधन होने से हमें बहुत अफसोस हुआ है।

स्पीकर साहिब, जैसा कि मैं पहले कह चुका हूं कि हमारे देश की बदकिस्मती है कि हमारे बड़े से बड़े और बेहतरीन से बेहतरीन आदमी देश को अनाथ कर के चले गए। इन महान व्यक्तियों की इस देश को बहुत ही जरूरत थी। इस रैज़ोल्यूशन में जनरल के. एस. थमैय्या का ज़िक्र किया गया है। वह 18 दिसम्बर, 1965 को इस दुनिया से चले गए। उन के चले जाने से सारा देश और सारी दुनिया उन की सेवाओं से महरूम हो गये हैं। वह बहादुर जनरल थे। उन की मृत्यु उन के निवास स्थान निकोसिया में हुई। वह वहां पर यूनाइटड नेशन्ज़ पीस फोर्स को कमांड कर रहे थे। उस कमांड में 6,000 फौजी काम करते थे। इस कमांड में ब्रिटेन, आयरलैंड, कैनेडा, स्वीडन और डेनमार्क के व्यक्ति काम करते थे और वह उस फोर्स के कमांडर लगे हुए थे।

वह 59 वर्ष के थे। उन्होंने मिलिटरी सर्विस में अहम पार्ट प्ले किया था। वह मिल्टरी और आफिश्यल सर्कल में जनरल टिम्मो के नाम से मशहूर थे। उन्होंने भारत के अन्दर और बाहिर जो सेवाएं कीं, वह किसी से छुपी हुई नहीं हैं। उन्होंने 1948 में सब से बड़ा कारनुमायां काम किया जोकि दुनियां की अखबारों ने हैड लाइन्ज़ में छापा था। उस वक्त उन्होंने न होने वाली बात को होने वाली बात में करके दिखा दिया था। यह बहुत ही कठिन काम था। कश्मीर में ज़ोजी ला पास है जिस की ऊंचाई 12,000 फुट है और वहां पर टैंक पहुंचाना बहुत ही कठिन बात थी और इस बहादुर सेनानी ने अपने दिमाग और भरसक प्रयत्नों से वहां पर टैंक पहुंचाए। यह काम उन्होंने 1948 में किया जब पाकिस्तान ने काश्मीर पर जारहाना हमला किया था। जो कुछ उस ने किया वह बहुत ही हैरानी वाली बात थी और उस ने उस वक्त भारतीय फौज की राहनुमाई की और देश की रक्षा के लिये जो जो कदम उठाए, वह हर एक को भली भांति याद हैं।

स्पीकर साहिब, उन्होंने यूनाइटड नेशन्ज़ की मुख्तिलफ रूप में जिस तरह से सेवा की, उस को सभी जानते हैं। 1953 में चीन ने नार्थ कोरिया की मदद की। इस तरह से

नार्थ कोरिया और साउथ कोरिया के बीच में लड़ाई शुरू हो गई। एक तरफ चीन और दूसरी तरफ अमरीका और दूसरे एलाइड कंट्रीज़ थे। वहां पर इन्होंने यू. एन. फलैग अधीन जो काम किया और जो वहां पर ख्याति प्राप्त की, उस से उन की शान नहीं बढ़ी बल्कि उन्होंने देश की शान को भी चार चांद लगाए। मैं इस समय उन शिक्षा के बारे में ज्यादा डिटेल्ज़ में नहीं जाना चाहता लेकिन उन्होंने फौज में मुख्तलि रैंक्स पर जो जो काम किया, उस के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। अपने शुरू के फौ केरियर में उन की पोस्टिंग फोर्ट सैंडेमान में हुई। यह नार्थ वैस्ट फ्रंटीयर प्रोविन्स में टिपि पोस्ट थी। वहां पर उन्होंने मुख्तिलफ पोस्टों पर काम किया। उन्होंने वहां पर वैल्यूए तजरुबा हासल किया। उस के बाद उन्होंने फ्रंटीयर में उनीसवीं हैदराबाद रेजमेंट काम किया। उन्होंने इराक में भी अहम काम किया। उन के कामों से हर एक वाकिफ उन को पांचवीं बटालियन यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर हमेशा याद किया करेगी। वहां पर उन्ह एडजूटेंट के तौर पर 4 साल काम किया। वह सैल्फ रिस्पैक्टिड और हाई इंटेगरिटी के थे।

वह 1936 में 4/9 हैदराबाद रैजमेंट में वापस चले गए। उस के बाद मलाया च गए। वह 1944 में अरकान में नियुक्त हुए और वहां पर उन्होंने लड़ाई में हिस्सा लिय उन्होंने सैकंड वर्ल्ड वार में अहम पार्ट प्ले किया और उन्होंने, अपने आप को बहादुर कमां साबत किया। यह भारतीय इतिहास में पहली बात थी जब भारतीय अफसर को इंफैं ब्रिगेड की कमान दी गई और जिस ने लड़ाई में हिस्सा लिया। वह बहुत काबल जनरल उन्होंने अपनी काबलीयत के कारण ही साउथ ईस्ट एशिया कमांड में लार्ड लुइस मांउ बैटन, जनरल स्टिलवैल और फील्ड मार्शल के साथ काम किया।

स्पीकर साहिब, जनरल थमैय्या 1957 में चीफ आफ दी आर्मी स्टाफ नियुक्त कि गए। वह इस पद पर चार साल तक रहे। उन्होंने इस पोस्ट पर बड़ी खुशअसलूबी से क किया। उन्होंने इस अर्से में भारतीय फौज की जिस तरह से रहनुमाई की और सेवा वह किसी से छुपी हुई नहीं है। वह इस अर्से में अपनी काबलीयत से और दलेरी की व से बहुत प्रसिद्ध हुए। उन्होंने मुख्तलिफ जगहों पर मुख्तलिफ रैंक्स में सेवा की। इस तरह अपना नाम ही ऊंचा नहीं किया बल्कि देश के नाम को ऊंचा करने में भरसक प्र किया।

स्पीकर साहिब, जैसा कि मैंने पहले अर्ज़ की, जनरल थमैय्या ने 1948 में सर्दिय मौसम में दर्रा ज़ोजीला सम्भाले रखा और लड़ाई में पाकिस्तानी रेंजर्ज़ के दांत खट्टे कि उस वक्त वह कश्मीर आप्रेशन के इंचार्ज थे। उस के पश्चात 1953 में फिर ख्याति प्र की। उन्होंने कोरिया के झगड़े को बड़ी संजीदगी से और दूरदर्शिता से तथा दलेरी हल किया। वह फाइव नेशन न्यूटरल नेशन्ज़ रीपैटरीएशन कमीशन के चेयरमैन उन्होंने वहां पर नुमायां पार्ट प्ले किया और उन की सेवा को समझते हुए देखते हुए पदम विभूषण दिया गया।

स्पीकर साहिब, लेफटीनेंट जनरल कुलवन्त सिंह देश के बहादुर जनरल थे और उन देश की भरसक सेवा की। वह हमारे से 2 जनवरी, 1966 को जुदा हो गए। उन्ह

[मुख्य मन्त्री]

...श की और पंजाब की जो सेवा की, वह किसी से छुपी हुई नहीं है। वह ऐसे मौके पर ...म से जुदा हुए, जब कि उन की मैच्योयर सलाह की बहुत ज़रूरत थी। यह कहना कोई ...युक्ति न होगी कि उन के निधन से हमारी स्टेट को बहुत नुक्सान हुआ है। उन्होंने ...ीन के हमले के समय और इंडो-पाक कंफलिक्ट के समय बहुत ही कीमती सलाहें और ...झाव दिए। उन के निधन से पंजाब सरकार और गवर्नमेंट आफ इंडिया उन कीमती ...था योग्य सुझावों से वंचित हो गई है और अपने आप को अनाथ समझती है।

जनरल कुलवन्त सिंह 1959 में रिटायर हुए। उन्होंने 34 वर्ष सर्विस की। देश ... विभाजन के समय वह आर्मी हैड क्वार्टर में चीफ आफ दी जनरल स्टाफ लगे हुए थे ...ौर बाद में जम्मू और कश्मीर में फौज की कमान की। उन्होंने वहां पर देश की भरसक ...वा की। उन्होंने दुश्मन का मुकाबला बड़ी दलेरी से किया और देश की इज्जत को ऊंचा ...िया। उन्हें कश्मीर की पहाड़ियों का बहुत ज्ञान था और यह बात उन की उंगलियों ...र थी। उन्होंने बड़ी हिम्मत के साथ दुश्मन का मुकाबला किया और उन के दांत खट्टे किए। ...ह रिटायर होने के बाद भी हर चीज़ का हिम्मत के साथ मुकाबला करने की सलाह ...या करते थे। उन्होंने 1938-41 के दरमियान कैप्टन के तौर पर काम किया। उस के ...चात ब्रिगेड-मेजर, और थल विग्रेडियर बने। 1941 में वह स्टाफ कालिज, कोयटा में ...ट्रक्टर नियुक्त किए गए और वहां पर दो साल तक काम किया। उन्होंने बाद में असिस्टैंट ...ाटर मास्टर-जनरल (प्लैन्ज़) इंडियन ऐक्सपीडीशनरी फोर्स के पद पर काम किया। ...सा कि पहले मैंने अर्ज़ की वह बहादुर जनरल थे और हमेशा नेक मशिवरा दिया ...रते थे। हम उन की नेक सलाहों के कारण उन्हें हमेशा याद किया करेंगे। वह हमेशा ...ादुरी और साहस से काम करते थे। उन्होंने फौज में मुतखलिफ रैंक्स पर काम किया। ...होंने 1943-45 में सातवीं बटालियन जो कि पंजाब की पहली रेजमेंट थी, की कमान ...म्भाली। वह बर्मा में 114 ब्रिगेड के सैकंड इंचार्ज थे और बाद में बैंकाक ब्रिगेड की ...मांड सम्भाली। उन्होंने आर्मी हैडक्वाटर में डिप्टी डायरैक्टर आफ रीसैटलमेंट की पोस्ट ...र भी काम किया।

जून 1947 में वह ब्रिगेडियर जेनरल स्टाफ, नार्दर्न कमांड मुकर्रर हुए तो वे पहल ...न्दोस्तानी थे जो कि इस पोस्ट पर लगे। जब हिन्दोस्तानी आज़ाद हुए तो जेनरल कुलवन्त ...ह डायरेक्टर आफ मिल्टिरी ट्रेनिंग, आरमी हैडक्वार्टर्ज़ मुकर्रर हुए। अक्तूबर 1947 में ...जर जनरल प्रोमोट हुए और उन्होंने काश्मीर ओप्रेशन्ज़ की कमांड संभाली। मई 1948 ... वे चीफ आफ दी जनरल स्टाफ अप्वायंट हुए और जो काम उन्होंने इस ओहदे पर किया ... किसी से छिपा हुआ नहीं है। हम उन को भी खराजेतहसीन पेश करते हैं।

स्पीकर साहिब, मैंने रेज़ोल्यूशन में जैनरल थापर साहिब का भी ज़िक्र किया था। ...होंने हिन्दोस्तान की आरमी में मुद्दत तक काम किया। वे 15 दिसम्बर, 1965 को 71 ...ल की आयु में हम से जुदा हो गए। छोटी सी उम्र में ही वे इंग्लैंड चले गए थे और ...ां पर उन्होंने तालीम हासिल की। वहीं से उन्होंने इंडियन मैडिकल सर्विस ज्वायन ... और बड़े लम्बे अर्से तक नार्थ वैस्ट फ्रंटियर प्रोविंस में सर्व किया। आरमी के अंदर उन्होंने ... पोस्टस होल्ड कीं। 1950 में वे आरमी फोरसिज़ मैडिकल सर्विसिज़ के डायरैक्टर

जैनरल अप्वायंट हुए और 1954 में वे रिटायर हुए। आरमी मैडिकल कोर जनरल के 1943 से 1950 तक फाउंडर एडिटर रहे। उसके बाद उन्होंने चेयरमैन आफ दी मैडिक हिस्टरी एडवाईजरी कमेटी आफ दी डीफैंस मिनिस्टरी के तौर पर काम किया जिस वर्ल्ड वार सैकंड की इंडियन आरमी फोरसिज़ की हिस्टरी 6 वौल्यूम्ज़ में शाया की उन्होंने यूरोप, एशिया और अमरीका में वाईडली ट्रैवल किया और एनशेंट इंडियन स्कलपच और पेंटिंग में बड़ी दिलचस्पी ली। उन की बहुत सी खिदमात हैं जो कि किसी से छि हुई नहीं हैं। हमें उन के जुदा होने का भी भारी दुख हुआ है।

स्पीकर साहिब, एक महान व्यक्ति डाक्टर एच. जे. भाभा की जिन्होंने हिन्दोस्तान एटामिक एज के मैप पर ला कर खड़ा कर दिया उस हवाई हादसे में जो कि 24 जनव को हुआ ट्रैजिक डैथ हो जाने से सारे हिन्दोस्तान को बहुत शोक हुआ है। उन की मृ का समाचार सुन कर सारे देश में ग़म और दुख की लहर दौड़ गई। एक बड़ा ज़बरद साइंटिस्ट ज़ालिम मौत ने हम से छीन लिया और हमारा ऐसा नुकसान किया है जो कि पू नहीं हो सकता। जब आप उन के सब कामों को देखें जो कि अधूरे रह गए हैं तो पता चले कि किस किस फील्ड में उन्होंने काम किया है।

उन्होंने बतौर सेक्रेटरी आफ दी गवर्नमैंट आफ इंडिया, डीपार्टमैंट आफ अटा इनर्जी और बतौर चेयरमैन आफ दी इंडियन अटामिक इनर्जी कमिशन के काम किय जो काम उन्होंने हिन्दोस्तान के अटामिक इनर्जी प्रोग्राम के आर्कीटैक्ट के तौर पर कि हमारा देश उस के लिये कृतज्ञ है। आज हमारे देश को उन की खिदमात की सब ज़्यादा ज़रूरत थी लेकिन बड़े दुख की बात है कि वे हम से जुदा हो गए। डाक्टर भ बम्बई में पैदा हुए थे। उन्होंने बम्बई और इंगलैंड में तालीम हासिल की। कैम्ब्रिज यूनिव में रहते हुए उन्होंने राउज़ बाल ट्रैवलिंग स्टूडेंटशिप इन मैथेमैटिक्स 1932 से 1934 हासिल किया। उन्होंने रोम के अन्दर बड़ा अच्छा काम किया और वैज्ञानिक क्षेत्र नाम पैदा किया। जैसे कि आप जानते हैं उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में 1942 से 1948 होपकिन्ज़ प्राईज़ आफ दी कैम्ब्रिज फिलोसौफिकल सोसायटी प्राप्त किया। 1951 से 1 तक वे इंडियन साइंस कांग्रेस के इलैक्टिड प्रेज़ीडेंट रहे और देश की साइंस के क्षेत्र राहनुमाई की। उन की खिदमात के सिले में हिन्दोस्तान के प्रेजीडेंट ने उन्हें पद्मविभूषण था। 1957 में वे आनरेरी फैलो आफ गानविले एंड केयस कालिज कैम्ब्रिज के आनरेरी फैलो आफ दी रायल सोसायटी आफ एडन्बरा रहे। उन्होंने न सिर्फ हिन्दोस्ता ही बल्कि सारी दुनिया की साइंस के क्षेत्र में खिदमात की। 1959 में वे आन फैलो आफ दी अमरीकन एकैडिमी आफ आर्ट्स एंड साइंस एलैक्ट हुए थे।

स्पीकर साहिब, इस के अलावा वे 1962 में फैलो मैम्बर आफ दी वर्ल्ड एके आफ आर्ट्स एंड साइंस चुने गए थे। 1963 में वे फारिन एसोशिएट आफ दी यूनाइ स्टट्स नैशनल एकैडिमी आफ साइंसिज़ और आनरेरी मैम्बर आफ दी न्यूयार्क एकै आफ साइंसिज़ इलैक्ट हुए। 1964 में वे फारिन कारेसपांडिंग एकैडीमीशन आफ दी एकैडिमी आफ साइंस आफ मैडरिड के तौर पर चुने गए।

स्पीकर साहिब, इस से पता चलता है कि सारी दुनिया के अंदर उन्होंने कितना पैदा किया। आज उन के जुदा होने से हमारे देश को बड़ा धक्का लगा है। पीर

[ख्य मन्त्री]

ायंट आफ व्यू से और वर्ल्ड की डिवैल्पमेंट में जो काम उन्होंने किया है वह किसी से
पा हुआ नहीं है। हिन्दोस्तान में अटामिक इनर्जी को डिवैल्प करने के लिये उन्होंने जो
गर्मी दिखाई वह काबले दाद है। हमारे बेहतरीन साथी जिन्होंने हमारे देश की साइंस
क्षेत्र में और डीफैंस के प्वायंट आफ व्यू से और कंस्ट्रक्शन के प्वायंट आफ व्यू से
हनुमाई की उन के आज जुदा होने से हमारे देश को महान दुख हुआ है।

आज जब हम उन के लिये शोक प्रकट कर रहे हैं हम आशा रखते हैं कि जो काम उन
अधूरे रह गए हैं, परमात्मा हममें शक्ति देगा कि हम उन को पूरा कर सकें। इन अल्फाज़
ाथ हम उन को खराजे तहसीन अदा करते हैं।

**Sardar Gurnam Singh** (Raikot) : Mr. Speaker, Sir, we have met to-
to mourn the loss to this country of several eminent public men. In
, it seems as if we are almost meeting under the shadow of death.

Sir, Shri N. V. Gadgil provided the State with a wide awake and a
ewd Governor and now that he is no more with us we feel all the more
nly his loss to the country as an experienced public man.

Jathedar, Sardar Udham Singh Nagoke was not only a veteran freedom
ter but also a leader of political vision who clearly perceived the inti-
e relationship between a just solution of the sikh problem and the problem
national integrity and progress. In him the country has lost not only
beral Swatantra leader but also a sincere friend of the down-trodden
n. He was a man of strong convictions. He did not hesitate to quit
Congress Party which he had devotedly served for quite a long time when
ould not be persuaded to agree with its policies.

Sir, we are also mourning the loss of Rao Bahadur Chaudhri Lal Chand
belonged to a distinguished jat family of Rohtak District. He served
people of Punjab in various capacities with distinction, as a legislator,
public man, as a Minister and as a member of the Public Service Com-
ion. His death at this critical juncture of our political life is a great
v to the people of the State. To many of us, in fact, the loss is also per-
l.

General Thimaya, former Chief of the Indian Army Staff was a soldier
eat attainments. He served under U.N.O. on various assignments and
ved considerable professional skill. He loved his men and his men,
turn, loved and respected him. India is left poorer by his death.

Lt. General Kulwant Singh was a soldier of intternational renown
proved tactical abilities. The fact that while he lived his talents did not
eve due recognition, is only matched by the dark tragedy that over
his family after his death in the shape of the tragic fate of his only son
e recent Air India jetliner 'Kanchenjunga' disaster. Our hearts go out
e bereaved family left behind to mourn the loss.

Lt. General D. R. Thapar of the Indian Army Medical Corps was
y competent and kind-hearted soldier Doctor. He achieved the highest
nction in his profession in the Army Medical Corps.

Dr. Bhaba, Chairman, Atomic Energy Commission was a scientist
orld renown. Sir, he had received the highest distinction in the field
ence. During my last visit to Bombay in connection with the
inistrative Reforms Commission I was lucky to have an opportunity
sit his Organisation. I must say without any fear of contradiction that
ade a marvellous job of it. In his death, Sir, India has lost a priceless
ist whose loss it is difficult to replace.

We have also suffered a great loss in the death of two other public men ; namely, Shri Ahmed Mohiuddin, Deputy Transport Minister, Government of India and Shri Mam Chand, ex-M.L.A.

Sir, on behalf of the Opposition and on my own behalf I join the Leader of the House in the expression of regret and in conveying the condolences to the bereaved families of these illustrious men.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** (ਰੋਪੜ) : ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਸ਼ੋਕ ਮਤਾ ਸਾਡੇ ਇਸ ਸਭਾ ਦੇ ਆਗੂ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਣ ਅਤੇ ਦੋ ਅੱਖਰ ਕਹਿਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਦੀਆਂ ਬਹੁਤ ਉਚੀਆਂ ਉਚੀਆਂ ਹਸਤੀਆਂ ਇਕ ਇਕ ਕਰਕੇ ਸਾਥੋਂ ਵਿਛੜ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਇਕ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਘਾਟਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਸ੍ਰੀ ਐਨ. ਵੀ. ਗਾਡਗਿਲ ਜਿਹੜੇ ਸਾਡੇ ਰਾਜ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਰਹਿ ਚੁਕੇ ਹਨ ਔਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਨਾਤੇ ਸਾਡਾ ਡੂੰਘਾ ਸਬੰਧ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਦੋ ਚਾਰ ਅੱਖਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸ੍ਰੀ ਐਨ. ਵੀ. ਗਾਡਗਿਲ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਬੜੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਨੀਤੀਵਾਨ ਸਨ, ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਸਨ ਔਰ ਕੌਮੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੀਆਂ ਮੂਹਰਲੀਆਂ ਸਫਾਂ ਵਿਚ ਆਕੇ ਲੜਦੇ ਰਹੇ। ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਕੇਵਲ ਰਾਜਪਾਲ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਲਕਿ ਜਦੋਂ ਰਿਆਸਤਾਂ ਵਿਚ ਰਿਆਸਤੀ ਰਜਵਾੜਿਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਪ੍ਰਜਾਤੰਤਰ ਦੀ ਲੜਾਈ ਲੜੀ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਠੀਕਰੀਵਾਲਾ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਇਆ ਸੀ ਤਾਂ ਸਟੇਟਸ ਪੀਪਲ ਕਾਨਫਰੰਸ ਨੇ ਉਨਾਂ ਦੀ ਮਿਰਤੂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਸੀ ਜਿਸ ਦੇ ਗਾਡਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਨ। ਸੰਨ 1933-34 ਵਿਚ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਆਏ ਸਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਬੜੀ ਨਿਡਰਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਰਾਜਾਸ਼ਾਹੀ ਵਲੋਂ ਹੋਏ ਜ਼ੁਲਮਾਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਠੀਕਰੀਵਾਲਾ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਸਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ, ਸਾਨੂੰ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਗਰੁਪ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਿਰ[illegible] ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਇਸ ਲਈ ਵੀ ਸ਼ੋਕ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਕੇਰਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਵਜ਼ਾਰ[illegible] ਨੂੰ ਤੋੜਨ ਦੀ ਘੋਰ ਨਾਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ ਸੀ ਔਰ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦਾ ਖੂਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਦੋਂ ਕਾਂਗ[illegible] ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਐਨ. ਵੀ .ਗਾਡਗਿਲ ਹੀ ਐਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਉਸ ਸਮੇਂ ਸੁ[illegible] ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਕਿ ਕੇਰਲ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਚੁਣੀ ਹੋਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੋੜਨ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਅੰ[illegible] ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਪਨਪ ਨਹੀਂ ਸਕੇਗੀ, ਅੱਗੇ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਸਮੇਂ [illegible] ਠੀਕ ਰਾਹ ਦੱਸੀ ਸੀ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੀ ਹੁਕਮਰਾਨ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ[illegible] ਮਿਰਤੂ ਦੇ ਨਾਲ ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਕ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਘਾਪ੍ਹਾ ਪੈ ਰਿ[illegible] ਹੈ ਇਕ ਐਸੇ ਵਿੱਅਕਤੀ ਦੇ ਸਾਥੋਂ ਵਿਛੜ ਜਾਣ ਨਾਲ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਪਾਰਟੀ ਤੋਂ ਵੀ ਉਚਾ ਉ[illegible] ਮੁਲਕ ਦੇ ਸਵਾਲਾਂ ਬਾਰੇ ਆਪਣੀ ਸਹੀ ਰਾਏ ਰਖਦਾ ਸੀ।

ਇਸ ਮਤੇ ਵਿਚ ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਇਕ ਬੜੇ ਮਹਾਨ ਵਿਅਕਤੀ ਸਨ ਔਰ ਜਦੋਂ ਕਸ਼ਮੀਰ ਉਤੇ ਸੰਨ 1947-48 ਵਿਚ ਪਾਕਿਸਤਾਨੀ ਧਾੜਵ[illegible] ਨੇ ਹਮਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਹੀ ਅਗਵਾਈ ਦੇਕੇ ਕਸ਼ਮੀਰ ਦੀ ਧਰਤੀ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਕੀਤੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਸਮੇਂ ਬੜੇ ਸਿਆਣੇ ਅਤੇ ਸੁਲਝੇ ਹੋਏ ਫੌਜੀ ਅਫਸਰ ਹੋਣ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿੱਤਾ ਸੀ।

ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਆਗੂ, ਨੇਤਾ ਸਾਥੋਂ ਵਿਛੜ ਗਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

**Mr. Speaker :** I also associate myself with the sentiments expre[illegible] here by the Leader of the House and other hon. Members for the va[illegible] eminent personalities we have lost. In fact the cruel fate staged a [illegible]

[Mr. Speaker]

human tragedy during the last month. Shri Gadgil who had been Governor of Punjab for a number of years was a public spirited man of eminence with a high sense of integrity. His was a voice of revolt against any act of injustice anywhere in the country. Even as a Governor he had been an active politician. Throughout his life he had made great contribution in the public cause.

Jathedar Udham Singh Nagoke had been a great freedom fighter and a public man of eminence. He has left his mark in the public life.

The three military Generals we have lost had been great personalities in their respective fields and our Province especially has been left poorer by the tragic death of Lt. General Kulwant Singh's son. On the day when the country received the holy relics of Guru Gobind Singh, the 1st January, 1966, I met Lt. General Kulwant Singh at the Palam Airport. He seemed to be quite hale and hearty and the next morning we heard the news that he had collapsed. In every situation when we were faced with the enemy his advice was sought and he was a source of inspiration and strength in any military situation.

Dr. Bhabha ushered in a new era in the nuclear energy. He was a scientist of great eminence and also a very shrewd and a great administrator. We had the great rare combination in him of a scientist and an administrator.

Similarly, Rao Bahadur Chaudhri Lal Chand has also left his mark in the public service.

Shri Ahmed Mohiuddin was also a great dedicated soul and was an embodiment of Hindu Muslim unity.

Shri Mam Chand also led a dedicated public life.

In all these eminent personalities we have lost a great asset. Their services to the nation and to the Province will be remembered for a long time to come. Now we shall pass this Resolution by standing and observing silence for two minutes.

*(The House then stood in silence for two minutes as a mark of respect to the memory of the deceased).*

**Mr. Speaker :** If the House agrees copies of this Resolution may be sent to the members of the bereaved families.

**Voices :** Yes.

**Chief Minister** (Shri Ram Kishan) : Mr. Speaker, Sir, I beg to move :—

That the House be adjourned as a mark of respect to the memory of the late Shri Lal Bahadur Shastri, Prime Minister of India.

**Mr. Speaker :** The House stands adjourned as a mark of respect to the memory of the departed leader Shri Lal Bahadur Shastri.

.53 a.m. *(The Sabha then adjourned till* 9.30 *A.M. on Wednesday, the* 16*th February* 1966).

96 PVS—844-30-6-66—C., P. & S., Pb., Chd.

# PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES

*16th February, 1966*

**Vol. I—No. 2**

**OFFICIAL REPORT**

CONTENTS

**Wednesday, the 16th February, 1966**



Price: Rs. 13.33 Paise.

## *ERRATA*

TO

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES VOL. I—NO. 2, DATED THE 16TH FEBRUARY, 1966

| *Read* | *For* | *page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| Jullundur | ullundur | (2)3 | 8 |
| visited | visitedd | (2)12 | 17 |
| Ferozepur Cantt | Feroz Cantt | (2)16 | last |
| Hoshiarpur | Hoshirapur | (2)19 | 5 |
| Chief Minister | Cheif Minister | (2)24 | 1 |
| places visited | laces vis | (2)26 | 1 |
| मिलिटरी | मिलेटरी | (2)33 | 18 |
| एबडक्ट | अबडकट | (2)34 | 21 |
| पोस्टपोन | पोस्टयोन | (2)52 | 17 from below |
| Justice | Justice | (2)134 | 1 |
| Transport and | Transpor tand | (2)139 | 6 from below |
| School | Scho l | (2)147 | Sr. No. 1, Col. 4 |
| for | or | (2)154 | 16 from below |
| 3120 | *3120 | (2)156 | 24 |
| 3121 | *3121 | (2)157 | 16 |
| Sardar Trilochan Singh Riasti | Sardar Trilocahan Singh Riasti | (2)157 | 16 |
| applications | appliations | (2)157 | 6 from below |
| meeting | meetjng | (2)169 | 13 |
| गवर्नमेंट ने | गवर्नमेंट | (2)169 | 12 from below |
| ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ | ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ | (2)172 | 15 |

P. T. O.

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| Addressing | Add-essing | (2)175 | 11-12 from below |
| ਕਾਮਰੇਡ | ਕਾਮਰੋਡ | (2)176 | 1 |
| आर्डर | आडर | (2)178 | 4 |
| अध्यक्ष | अपयक्ष | (2)179 | 3 from below |
| सेक्रेटरी | सक्रेटरी | (2)180 | 14 |
| श्री जगन्नाथ | श्री ज न्नाथ | (2)181 | 6 from below |
| मेरा | मरा | (2)181 | 6 from below |
| Teacher's | Teachr's | (2)211 | 16 |
| ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ | ਇਤ ਸਰ੍ਹਾਂ | (2)218 | 18 |
| ਪਾਲਦੀ | ਪਾਲ੍ਹਦੀ | (2)234 | last |
| brought | rought | (2)237 | 17 from below |
| ਬੰਦ | ਬਦ | (2)238 | 3 |
| He should | Hes hould | (2)238 | 14 |
| but continue | bu tcontinue | (2)239 | 3 |
| adjourned | adjonrned | (2)239 | last but one |
| Debate | Debates | (i) | last |
| of | or<br>o | (iii)<br>v | 1<br>12 |
| Legislators | Legisators | (iii) | 2 |

---

below

low

ow

ow

ow

# PUNJAB VIDHAN SABHA

*Wednesday, the 16th February, 1966*

**The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhava Sector 1, Chandigarh. at 9—30 a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Shri Harbans Lal) in the Chair.**

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Tours of Ministers, etc.

*3826. **Comrade Ram Chandra :** Will the Chief Minister be pleas to state—

(a) the total number of days for which each Minister, Minister of Sta and Deputy Minister remained on tour during the period fro 1st April, 1965 to date ;

(b) the number of days spent by each on tour district-wise and mont wise, together with the names of places visited, district-wise, duri the said period ;

(c) the number of days spent by each in Delhi, Rohtak and Gurga with night stay at Delhi during the said period ?

**Shri Ram Kishan :** (a) and (c) A statement is laid on the table of t House as Annexure I.

(b) A statement is laid on the table of the House as Annexure II.

**ANNEXURE I**

**(a) & (c)**

| Serial No. | Name of Minister | Total No. of days of tour during April, 1965 to December 1965 | No. of days spent — In Delhi with night stay at Delhi | In Gurgaon with night stay at Delhi | In Rohta with nigh Stay Delh |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | Comrade Ram Kishan, Chief Minister | 140 | 35 | 9 | 4 |
| 2 | Shri Darbara Singh, Home and Development Minister .. | 114½ | 49½ | 2 | .. |
| 3 | Shri Prabodh Chandra, Education Minister .. | 79½ | 18 | 1 | 3 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 4 | Shri Kapoor Singh, Finance Minister | 98 | 24 | 1 | 2 |
| 5 | Shri Gurdial Singh Dhillon, Transport and Election Minister .. | 62 | 12 | .. | .. |
| 6 | Ch. Ranbir Singh, Public Works Minister .. | 104½ | 15 | .. | .. |
| 7 | Shri Ajmer Singh, Planning and Local Government Minister .. | 91½ | 11 | 1 | 1 |
| 8 | Shri Harinder Singh, Revenue Minister | Details not received from the Minister. He does not draw any Travelling Allowance for the journeys on tours performed by him | | | |
| 9 | Shri Rizak Ram, Irrigation an d Power Minister | 89½ | 20 | .. | .. |
| 10 | Shri Prem Singh Prem, Capital and Housing Minister .. | 63½ | 12 | .. | .. |
| 11 | Shri Chand Ram, Welfare and Justice Minister .. | 86 | 8 | 2 | 3 |
| 12 | Shmt. Om Prabha Jain, Health Minister | 90¾ | 29 | 3 | 6 |
| 13 | Ch. Sunder Singh, MEPL .. | 94½ | 15 | 6 | .. |
| 14 | Capt. Rattan Singh MAHA .. | 114½ | 9½ | .. | .. |
| 15 | Shmt. Chandra Vati, Deputy Minister, Food and Supply .. | 90 | 21 | 1 | 1 |
| 16 | Shri Gurmit Singh DMDI .. | 87 | 1 | .. | .. |
| 17 | Shri Gian Chand DMIH .. | 81 | 10 | .. | .. |

## ANNEXURE II

| Name of the District | No. of days spent on tour in | | | | | | | | | Names of places visited during 1st April, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September 1965 | October 1965 | November, 1965 | December, 1965 | |
| *Shri Ram Kishan, Chief Minister* | | | | | | | | | | |
| ullundur .. | 5½ | 7 | 22 | ½ | 1 | 5 | 3 | 2 | 1 | Jullundur City, Biaspind, Allawalpur, Adampur, Lambra. |
| Ludhiana .. | ½ | ½ | ½ | 2 | 2½ | ½ | 1 | 1 | .. | Ludhiana, Khanna, Halwara |
| Kangra .. | .. | ½ | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | Nurpur, Dera Gopipur, Joginder Nagar, Dharamsala, Mangwal, Hoshiarpur, Palampur, Baijnath, Chohin, Khera. |
| Karnal .. | ½ | ½ | .. | .. | .. | 1 | 1 | 1 | ½ | Panipat, Gharaunda, Karnal, Kurukshetra |
| Gurdaspur .. | 1 | 1 | .. | ½ | .. | .. | ½ | 4 | 1 | Madhopur, Gurdaspur, Dera Baba Nanak, Pathankot, Dhariwal, Batala |
| Kulu .. | .. | .. | 3 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Manali-Bhuritar. |
| Amritsar .. | 1 | 1 | 1 | .. | ½ | 2 | 3½ | .. | ½ | Amritsar, Khalra, Khemkaran, Patti, Attari, Wagha, Baba Bakala, Valtoha, Lopoke |
| Mohindergarh .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | Dadri |
| Ferozepore .. | ½ | ½ | .. | .. | .. | 1½ | 1 | .. | 1 | Hussaniwala, Jallalabad, Ferozepore, Fazilka, Lapoke, Abohar, Muktsar, Ferozepore |
| Rohtak .. | ½ | ½ | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | 1½ | Bahadurgarh, Rohtak, Jhajjar, Dhakla, Ladian, Nahar, Gohana, Sonepat, Tosham |
| Patiala .. | .. | .. | ½ | 1 | 1½ | ½ | .. | 1 | .. | .. |
| Bhatinda .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | Bhatinda, Mansa, Faridkot, Budhlada |
| Gurgaon .. | .. | ½ | .. | 2 | ½ | 1 | .. | .. | 2 | Gurgaon, Faridabad, Palwal, Sohna, Hodel, Ballabgarh |
| Ambala .. | .. | .. | 1½ | 1 | 2 | 1½ | 2 | ½ | ½ | Ambala, Kalka, Yamunanagar |
| Hoshiarpur .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | 1½ | 2 | Hoshiarpur, Dasuya, Balachaur, Nangal, Bhakra |
| Kapurthala .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | Phagwara, Kapurthala |
| Simla .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | Simla, Chail |
| | | | | | | | | | | Sangrur, Sunam |

| | | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August 1965 | September 1965 | October 1965 | November, 1965 | December, 1965 | April, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | *Sardar Darbara Singh, Home and Development Minister* | | | | | |
| Jullundur | .. | 2½ | 2 | 1 | ½ | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | Goraya, Jullundur, Phillaur, Pasala, Baba Bakala Adampur, Nakodar, Apra, Ajnala, Roorka Kalan |
| Hoshiarpur | .. | ½ | 6½ | 1 | .. | .. | .. | ½ | .. | 2 | Nangal, Hoshiarpur, Chabewal, Rattewal, Nari, Dera Baba Rudrandudji Amar Jogi, Garhshankar, Takhtgarh, Barsar, Nadaun |
| Bhatinda | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Faridkot, Uchana |
| Gurdaspur | .. | 1 | .. | .. | ½ | .. | ½ | ½ | .. | .. | Pathankot, Mangewal, Dera Baba Nanak Batala |
| Ludhiana | .. | ½ | ½ | 1 | .. | 1 | 1 | .. | 1 | .. | Chakkar, Ludhiana, Dehlon, Pakhewal, Sudhar, Jagraon, Adampur, Hussainiwala, Rajowana |
| Kangra | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Kangra |
| Amritsar | .. | 1 | 1½ | ½ | 1 | ½ | 4 | ½ | 1½ | ½ | Amritsar, Basarke, Khadoor Sahib, Chheharta, Patti, Rajoke, Bhikhiwind, Sursing, Attari, Chola Sahib, Tarn Taran, Ajnala, Jandiala |
| Sangrur | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | Uchana Mandi, Sangrur |
| Mahendragarh | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Narnaul, Daderi, Satnauli |
| Patiala | .. | 1 | ½ | 1 | .. | ½ | ½ | .. | 1 | .. | Patiala, Pinjore, Amloh |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Kapurthala | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Kapurthala, Damdma Saheb, Sultanpur Lodhi, Phagwara |
| Ferozepore | .. | .. | 2 | ½ | 1 | .. | 2½ | 1 | ½ | .. | Ferozepore, Abohar, Fazilka, Moga, Malout, Abohar, Sulemanke |
| Gurgaon | .. | .. | ½ | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Faridabad, Badarpur |
| Karnal | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | .. | ½ | Pehowa, Pai, Nilokheri, Rajaund, Karnal Kaithal, Jagadhri |
| Ambala | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | Ambala City |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | Sirsa, Mandi Adampur |
| Rohtak | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | Rohtak |
| *Shri Prabodh Chandra, Education Minister* | | | | | | | | | | | |
| Gurgaon | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Palwal |
| Ambala | .. | 1½ | ½ | ½ | 5½ | 1½ | 1 | ½ | ½ | .. | Bichari, Ambala Cantt., Kalka, Ambala City |
| Jullundur | .. | 1½ | 1½ | .. | .. | 1½ | .. | 2 | 1½ | .. | Jullundur City, Phillaur |
| Gurdaspur | .. | 3 | .. | 4 | 6½ | 3½ | 9½ | 3 | .. | .. | Gurdaspur, Gundiala Guru, Batala, Dera Baba Nanak, Qadian, Pathankot, Fatehgarh Churian, Dina Nagar. Dalhousie, Sathiala, Chakki, Madhopur Mukerian, Sirhind, Patiala, Nabha |
| Patiala | .. | .. | ½ | ½ | .. | 1½ | .. | .. | 1 | .. | .. |
| Hoshiarpur | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 3 | .. | Hoshiarpur, Nandpur, Pong Dam, Nangal |
| Kangra | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Dharamsala, Noorpur |
| Simla | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | Simla |

| Name of District | | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October 1965 | November, 1965 | December, 1965 | Names of places visited during 1st April, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Amritsar | .. | 1 | ½ | 1½ | 1½ | .. | 3 | .. | 1 | .. | Amritsar Kawan, Chherta |
| Kapurthala | .. | .. | .. | .. | 1 | 1½ | ½ | .. | .. | .. | Phagwara, Kapurthala |
| Ludhiana | .. | 1½ | 1½ | ½ | .. | .. | .. | 1 | ½ | .. | Rasulpur, Ludhiana, Jartauli, Sudhar |
| Sangrur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Sangrur, Ahemad Garh |
| Rohtak | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | Chulkana, Rohtak, Urlana |
| Karnal | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | ½ | .. | Nillon Kheri, Karnal |
| Bhatinda | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Rampura Phul, Bhiwani, Jhumer |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | Sirsa, Hissar, Hansi |
| Ferozpore | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | Ferozepur |
| *Shri Kapoor Singh. Finance Minister* | | | | | | | | | | | |
| Patiala | .. | 1 | ½ | ½ | .. | 1 | ½ | 1 | ½ | | Patiala, Doraha, Dhamot, Payal, Kadon |
| Jullundur | .. | .. | 5½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | | Jullundur |
| Ambala | .. | 1 | .. | ½ | .. | .. | .. | ½ | .. | | Ambala Cantt., Kurali, Yamuna Nagar, Pinjore, Bahadurgarh, Kharkheda |
| Hissar | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | | Dabwali |
| Ferozepore | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | | Ferozepore, Hussaniwala |

Note.—The information regarding Education Minister is up to November, 1965

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Hoshiarpur | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | Tanda Urmar, Bhakra Nangal |
| Gurdaspur | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Gohkal Daliwal |
| Gurgaon | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Faridabad |
| Amritsar | .. | .. | ½ | .. | .. | 1 | .. | ½ | .. | Amritsar, Waga, Chheharta |
| Karnal | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Nilokheri |
| Kapurthala | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Kapurthala |
| Simla | .. | .. | .. | 14 | 2½ | .. | .. | .. | .. | Tara Devi, Simla, Sabathu, Kasauli, Dagshai, Kandaghat, Chail, |
| Sangrur | .. | ... | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Malerkotla, Ahmedgarh |
| Ludhiana | .. | 3 | 3½ | 2 | 1½ | 3 | 8½ | 7 | 7½ | Ludhiana, Phillaur, Khanna, Samrala, Shamashpur, Sidhwan Khurd, Dehru Halwara, Jagraon, Pakhowal, Kailey, Lita and Saraba, Burj Lita, Noorpur and Sudher, Dholon, Chachrari Hans, Sujapur, Baraich, Kolar,Pabian, Machhiwara, Abowal Tusa, Rattowal Sadher, Hissowal, Boparai Kalan, Rakha, Teggal, Ikolaha, Jalajan, Jandali, Raikot, Chhappar, Raipur, Kaind, Lalton, Sarabax |

*Sardar Gurdial Singh Dhillon,*
*Transport and Elections Minister*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Amritsar | .. | .. | .. | .. | 1 | 7½ | 17½ | 6 | 3 | Amritsar, TarnTaran, Patti, Baba Bakala, Panjwar |
| Jullundur | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | ½ | Jullundur |
| Patiala | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | ½ | Nabha, Patiala |
| Gurdaspur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 2½ | .. | .. | Batala, Qadian, Madhopur, Pathankot, Dehra Baba Nanak |
| Simla | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | Simla |

*Note.*—The information regarding Finance Minister is upto November, 1965

[Chief Minister]

| Name of the District | Number of days spent on tour in April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October 1965 | November, 1965 | Names of places visited during 2nd July, 1965 to 30th November, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Ferozepore | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | ½ | ½ | Ferozepore, Fazilka, Abohar, Moga |
| Ludhiana | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | ½ | Dakha |
| Ambala | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | ½ | Kalka, Ambala |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | Hissar |
| Kulu | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Minali |
| Gurgaon | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Bahadurgarh |
| Kangra | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | Dehragopipur |
| Hoshiarpur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | |
| *Chaudhri Ranbir Singh, Public Works Minister* | | | | | | | | | |
| Patiala | .. | 2 | 1 | 1 | 1 | .. | .. | 1 | Patiala, Budhanli |
| Ambala | .. | 1 | ½ | ½ | .. | ½ | 1½ | 2½ | Ambala, Rupar, Jamuna Nagar, Raiwali Chamkaur Sahib Gopal Mochan, Kurukshetra |
| Sangrur | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | 1 | .. | Kalyat, Narwana, Surja Khera, Marchar |
| Karnal | .. | 1½ | 1 | 2 | 2½ | 1 | 2 | .. | Nilokheri, Pipli, Panipat, Alupur, Karnal, Kurukshetra, Kaithal, Neesing and Babain-Jathlana |

*Note.*—The information regarding Transport and Elections Minister is up to November, 1965.

| District | | | | | | | | | | | Places |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Mahendergarh | .. | .. | .. | 2 | .. | .. | 1½ | .. | .. | .. | Dadri, Mohindergarh, Narnaul, Bachhod |
| Bhatinda | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | Faridkot, Bhatinda, Jat |
| Amritsar | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | ½ | .. | 4 | .. | Amritsar, Majhopur, Beas, Baba Bakala Patti, Kalar, Sultanwind-Verka, Sansran |
| Hissar | .. | .. | .. | 1½ | 1 | 1 | 1 | .. | .. | 1 | Hissar, Sirsa, Bhiwani, Nimbiwala, Chandher Kalan |
| Rohtak | .. | .. | .. | 1½ | 3 | 2½ | 2½ | 9 | .. | 8 | Rai, Rohtak, Ritoli, Kabulpur, Baland Garnauthi, Bahu Akbarpur, Bhali, Anandpur, Nigana, Dodh, Lahli, Kuhnaur, Garhi Balb, Kalanaur, Soneat, Meham, Lakhanmajra, Chiri, Kathura, Sanghi, Gohana, Garhi, Jhajjar, Gohana, Ganaur, Santhahi Sunari Kalan, Titoli Jindran, Moi, Karauntha, Ritoli, Kabulpur, Baland, Babjani, Asan, Khanda, Sampla, Dhanana, Dhnafla, Nidana, Samargopa pur, Lakhanmajra, Charanda, Arainpura, Hamayunpur, Ladain Judi, Kalanaur, Ghudan Katera, Sampal, Kalan Sunari Kalan, Baroda, Kabod, Ladhoth, Sadhkhri, Chulana, Mundlan, Bahu-Akbarpur, Beri Silani |

*Chaudhri Ranbir Singh, Public Works Minister*

| District | | | | | | | | | | | Places |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Gurgaon | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | 2 | .. | ... | .. | Bazopur, Rewari, Bahadurgarh, Faridabad S.dha, Galan Kalan. Majri, Badsha Ladpur, Kheri Jat, Lehugar, Bhadian Tumba Heri, Salani, Dublana |
| Hoshiarpur | .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | .. | 1½ | ½ | .. | Nangal, Hoshiarpur, Talwara, Miani, Siana |
| Ludhiana | .. | .. | .. | .. | .. | 2 | ½ | .. | ½ | 1 | Ludhiana, Sidhwan Khurd, Jagraon, Jat- ... Samrala |

[Chief Minister]

| Name of District | Number of days spent on tour in April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October, 1965 | November, 1965 | December, 1965 | Names of places visited during 1st April, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Gurdaspur | .. | .. | .. | .. | ¾ | ¼ | .. | ½ | 1 | Madhopur, Batala, Dera Baba Nanak, Pathankot-Gurdaspur |
| Ferozepore | .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | 1 | .. | .. | Sarai Naga, Ferozepur, Jalalabad, Fazilka, Abohar, Malaut, Moga |
| Jullundur | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | 1½ | .. | Narot Jamial Singh, Adampur Doaba, Nawan Shehar, Awan, Jullundur |
| Kangra | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 4 | Jawala Mukhi, Palampur, Chabin, Khera Chakki |
| Kapurthala | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 2 | .. | Kapurthala-Lohian Khas- Sultanpur |

*Sardar Ajmer Singh, Planning and Local Government Minister*

| Name of District | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October, 1965 | November, 1965 | December, 1965 | Names of places visited during 1st April, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Bhatinda | ... | .. | ... | ... | .. | .. | .. | .. | .. | Mahal Kalan |
| Ludhiana | .. | .. | 2½ | 3½ | 4½ | 2 | 5 | 4 | 3½ | Samrala, Khanna, Ludhiana, Sidhwan Khurd, Bhanni Sahib, Halwara, Lalton, Rajeana, Lall Kalan, V. Dhobran, Behlolpur, Sherpur, Kotala, Hambowal, Jodhwal, Panj Graian, Machhiwara, Kutani Kalan, Jagraon, Kamalpura, V. Ghamana |
| Ambala | .. | ... | .. | ½ | 1½ | ½ | 1½ | 1½ | ½ | Ambala City, Kurali, Rupar, Yamuna Nagar, Manimajra, Chamkaur Sahib, Ambala Cantt. |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Hoshiarpur | .. | .. | ... | 1 | .. | ½ | .. | .. | ... | .. | Una, Nangal, Anandpur, Manji Sahib, Ganguwal |
| Jullundur | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | 1 | ½ | 1 | 2 | Jullundur, Nawansher, Kartarpur |
| Amritsar | .. | .. | .. | ½ | 1½ | 2 | ... | 2 | 1 | 2½ | Amritsar, Harika, Bhikiwind, Khalra, Baba Bakala |
| Kapurthala | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | Kapurthala, Phagwara |
| Simla | .. | .. | .. | .. | 6 | .. | .. | .. | .. | .. | Simla |
| Patiala | ... | ... | .. | .. | .. | .. | 3½ | 1½ | ½ | 1½ | Patiala, Doraha, Bassi Pathana, Sirhind |
| Sangrur | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | 3½ | .. | 1 | .. | Sangrur, Jhar Sahib, Bhawanigarh, Jhar Sahib, Sherpur, Malerkotla, Narwana, Uchana, Jind, Dhuri, Barnala |
| Ferozepore | .. | ... | .. | .. | .. | 1½ | 1 | 1 | ½ | .. | Ferozepur, Moga, Abohar, Fazilka |
| Karnal | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | Gharaunda |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 2 | 2 | Hissar, Bhiwani, Hansi, V. Bhora, |
| Rohtak | ... | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Rohtak, Faridabad |
| Gurgaon | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | |

*Chaudhri Rizak Ram, Irrigation and Power Minister*

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Simla | .. | 4 | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Simla |
| Ludhiana | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Ludhiana |
| Rohtak | .. | .. | 6 | 3½ | 5 | 4 | 3½ | 1½ | 2 | 1 | Rohtak, Bunjol, Sonepat, Jhajjar, Sohana, Idajana |
| Hissar | .. | .. | 1½ | 1½ | .. | 2½ | 4 | .. | .. | ½ | Hissar, Kaithal, Tohana and Tosham |
| Jullundur | .. | | 1½ | | | | 2½ | 1½ | 2 | | Jullundur |

| Name of District | Number of days spent on tour in | | | | | | | | | | Names of places visited during April, 1965 to December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August 1965 | September, 1965 | October 1965 | | November, 1965 | December, 1965 | |
| Gurdaspur | .. | .. | 1 | .. | .. | 1 | 1 | .. | .. | .. | Madhopur, Gurdaspur |
| Hoshiarpur | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | Hoshiarpur, Nangal, Jogindergarh |
| Sangrur | .. | ... | .. | 1½ | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | Jind, Narwana, Sorken and Safidon |
| Gurgaon | .. | .. | .. | 2 | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | Hodel and Rewari |
| Karnal | .. | .. | .. | 2 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Karnal |
| Bhatinda | .. | .. | .. | .. | 2½ | .. | .. | .. | .. | .. | Bhatinda and Faridkot |
| Amritsar | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | ... | ½ | ½ | .. | Amritsar |
| Ferozepur | .. | .. | .. | ... | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | Ferozepur |

*Sardar Prem Singh Prem, Capital and Housing Minister*

| Name of the District | Number of days spent on tour in | | | | | | | | Names of places visitedd during 1st June, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October, 1965 | November, 1965 | December, 1965 | |
| Kulu | .. | .. | .. | .. | 1 | 1 | .. | .. | Mandi, Kulku, V. Sehel, Bhagaru |
| Patiala | .. | .. | .. | 4 | 2 | .. | ½ | 3½ | Rajpura, Patiala, Gobindgarh, Sirhind, Nabha |
| Ambala | .. | .. | ½ | 3½ | 1½ | .. | ½ | 2 | Yamuna Nagar, Dera Bassi, Lalru, Chinathal, Kalan, Mani Majra, Kalka, Kulu Majra and Dera Bassi, Ghanaur, Alluan, Kala Majra, Chiwind, Ambala |
| apur thala | ... | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Kapurthala |
| udhiana | .. | ... | .. | 2 | .. | .. | .. | 1 | Jagraon, Ludhiana |
| mritsar | ... | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | Amritsar |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Simla | ... | ... | ... | ½ | .. | .. | ... | ... | | Solan |
| Bhatinda | ... | .. | .. | — | ... | .. | ... | .. | | Faridkot, Bhatinda |
| Gurdaspur | ... | ... | ... | ... | ... | ½ | .. | .. | | Pathankot, Kheri Gadian, Kheri-Gujjran, Gurdaspur |
| Gurgaon | ... | ... | ... | ... | ½ | .. | .. | ... | | Farida Bad, Suraj Kund, Balab Garh, Gurgaon |
| Ferozepur | ... | ... | | ... | — | .. | .. | ... | | Moga, Fazilka, Abohar, Ferozepur |
| | | | | *Shri Chand Ram, Welfare and Justice Minister* | | | | | | |
| Rohtak | .. | .. | .. | 4½ | 4 | 4½ | 7 | 6 | 5 | .. | Rohtak, Kulasi, Gohana, Jhajjar, Sunam, Dhakla, Nahar, Sonepat, Meham, Dighal, Bahadurgarh, Sundar Kalan, Kharbar, Jind, Lajwana, Nahar Sisai, Chhuchhnahwas Gohana, Tigoar Juddi, Tumba, Aheri, Birohar Nahri Jharli, Khorda, Samp |
| Jullundur | .. | .. | .. | 4½ | 1 | 2 | .. | 2 | 1 | T.A. Bill not yet prepared | Ballan Raipur, Sundh, Jullundur, Kartarpur |
| Kapurthala | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | | Phagwara |
| Simla | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 2 | | Simla |
| Kulu | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | | Kulu, Manali |
| Ferozepur | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | | Abohar, Ferozepur, Jhirka |
| Patiala | .. | .. | .. | .. | ½ | 1 | ½ | .. | ½ | | Kharoura, Patiala, Ukhlana |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | 1 | .. | .. | | Hissar, Bhiwani, Sirsa, Odhan, Dabwali |
| Ambala | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | ½ | ½ | | Ambala, Barara, Chhachhrauli, Kapal Mochan |
| Karnal | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | | Karnal, Fatehpur Pundri, Pipli, Pugthala, Ahir, Panipat, Jalalaviran, Ladwa and Niwarsi |

[Chief Minister]

| Name of District | June, 1965 | July, 1965 | August 1965 | September, 1965 | October, 1965 | November, 1965 | December, 1965 | Names of places visited during June, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Gurgaon .. | .. | 1½ | 2 | 4½ | 1 | 1 | T.A. Bill not yet prepared | Gurgaon, Chandu Badhera, Mehchana, Rewari, Puthrawas, Nuh, Nagina, Bahadur, Ferozepur Jhirka, Rewli, Kohri, shsh choohke, Palwal Farmbhnagar, Dhani, Shamaspur, Saidpur and Sisana |
| Ludhiana .. | .. | 1 | 1 | .. | 1½ | 2 | | Phillaur, Ludhiana, Sahnewal, Jagraon Khanna, Kher Nand Singh |
| Hoshiarpur .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | | Piplanwala, Nara, Dasuya |
| Mohindergarh .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | | Narnauh, Garbi, Mahasa, Dadri |
| Bhatinda .. | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | | Bhatinda |
| Amritsar .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | .. | | Amritsar, Dograi, Bhikiwind |
| Gurdaspur .. | .. | .. | .. | .. | 2 | .. | | Madhopur, Dera Baba Nanak, Pathan kot, Bhagwanpur. |
| *Shrimati Om Prabha Jain, Health Minister* | | | | | | | | |
| Karnal .. | .. | 2½ | 2 | 1 | 2½ | 2½ | 1½ | Kaithal, Karnal, Gharaunda, Asandh, V. Chandaha Kurukshetra, Thanesar, Pundri V. Kheri Saraf Ali Samalkha, V. Mattanda, V. Ballab, V. Kaeenla, V. Bapolf V. Siswah, V. Patti, Kalyane Shabad, Ladwa, Pehowa,, Ghula, Gumthala, Keouk, Sisla, Sismore, V. Kaul |
| Jullundur .. | .. | 3 | 2½ | 1½ | ½ | ½ | .. | Jullundur |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Simla | 3½ | 2½ | .. | .. | .. | .. | .. | Simla, Kanda Ghat |
| Patiala | .. | 1 | ½ | .. | ½ | .. | .. | Rajpura, Samana, Patiala |
| Rohtak | .. | 1 | ½ | .. | .. | 1½ | .. | Rohtak, Bahadurgarh, Gohana, V. Sonepat, V. Jharli, Khorra |
| Gurgaon | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Ballabgarh, Faridabad, Sohna, Gurgaon, Badkhal lake, Suraj Kuno |
| Ludhiana | .. | ½ | ½ | .. | .. | ½ | .. | Village Jartauli, Ludhiana |
| Hoshiarpur | .. | .. | 1½ | .. | .. | .. | ½ | Mukerian, Datarpur, Talwara, Nangal, Hoshiarpur |
| Sangrur | .. | .. | 1½ | .. | .. | .. | 1 | Kalayat, Narwana, V. Haidaya, Sangrur, Amargarh Ghason, Kalan |
| Ambala | .. | .. | .. | 1½ | .. | .. | 1 | Ambala, Ambala Cantt, Nalagarh |
| Ferozepur | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | Farozepur, Moga |
| Amritsar | .. | .. | .. | 1 | 1 | .. | .. | Amritsar, Wagha Border, Khem Karan, Village Dibbipura |
| Gurdaspur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Batala, Gurdaspur, Pathankot |
| Kulu | .. | .. | .. | .. | .. | 3½ | .. | Kulu, Mandi, Manali |

*Chaudhri Sunder Singh, Minister of State for Excise, Printing and Labour*

| District | Number of days spent on tour in | | | | | | | | | Names of places visited during the period 1st April 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October 1965 | November, 1965 | December, 1965 | |
| Gurgaon | 1½ | 1 | 1 | .. | 1 | .. | 1 | 1 | 2 | Faridabad, Hodel, Palwal, Dhulhola, Gurgaon, Doboda |
| Ambala | .. | 2 | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | 1 | Suraj Pur, Rupar, Gopal Mochan, Malla quary, Haodi, Kalan, Majri |
| Jullundur | .. | 2½ | 2 | 1½ | 1 | ½ | 1 | ½ | ½ | Sharif, Chand and Saiddipur, Kartarpur Bhogpur, Banga |
| Gurdaspur | .. | 3½ | 7 | 2 | .. | 6½ | 1½ | 3½ | 3½ | Bhanota, Madhopur, Bani Lodhi, Malokpur and Batala, Dathuri, Nanga Bhur, Mangowal, Sultanpur, Haytichack, Basaubaran, Sorna, Jundra Baloona, Behrampur, Indora, Dina Nagar, Paniar, Kotli Maglan-Bharoli |

[Chief Minister]

| Name of District | April, 1965 | May, 1965 | June, 1965 | July, 1965 | August 1956 | September, 1965 | October 1965 | November, 1965 | December, 1965 | Names of Places visited during 1st April, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Patiala | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | ½ | 1 | ½ | Rajpura, Sirhand, Jalwatti |
| Hoshiarpur | ½ | .. | .. | .. | ½ | 2 | .. | .. | .. | Hoshiarpur, Khurd, Bharwain, Mithian, Lehri, Mahalpur |
| Kangra | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Joginder Nagar, Hamirpur, Palampur, Dharamsala |
| Simla | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Dharampur |
| Amritsar | .. | ½ | ½ | ½ | .. | 2 | 1 | 1½ | .. | Amritsar, Derababa Nanak, Khasa, Ajnala, Chheratta, Burki, Dograi Mo Mhega |
| Kapurthala | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Kapurthala, Phagwara |
| Ludhiana | .. | .. | ½ | ½ | 1½ | .. | 1 | 1 | ½ | Ludhiana, Phillaur, Jagraon, Sahnewal Dhadian |
| Sangrur | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Sangrur |
| Rohtak | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | Rasoi, Sampla |
| Karnal | 1 | 1 | .. | ½ | ½ | .. | .. | .. | .. | PaniPat Karnal Maduda, Ladwa, Ganur |
| Bnatinda | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Ramupra Phul |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | 1½ | .. | .. | .. | 1½ | Dabwali, Odhan, Sirsa, HansiHissar |
| Ferozepur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | Feroz: · Cantt |

*Captain Rattan Singh, Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture*

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Hoshiarpur | .. | .. | .. | 3 | 1 | 4½ | 8½ | 3½ | 4½ | 3½ | Chandari Khurd, Sakila, Mehl Grenia Udhanwala, Raorka, Mughlan, Migher Garhshankar, Balachaur, Bihala, Mole wal, Jadli, Una, Nangal, Kahnuan Miani, Chinipuri, Gegretpur, Dasuya Kumhi Dev, Ramgarh, Kot Phatuahia, Malpur |
| Ludhiana | .. | .. | .. | 7½ | ½ | 1½ | 4½ | 5 | 2 | 7 | Gogiana, Halwara, Samundra, Sidhwan, Khurd, Shahkot, Sahnewala, Choga Kalan, Bhaini Sahib, Adampur, Khanna Kaulgarh, Jagraon |
| Karnal | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | ½ | | Karnal |
| Sangrur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Sangrur, Mastuana |
| Ferozepore | .. | .. | .. | 2 | .. | ½ | ½ | .. | .. | .. | Moga, Abohar |
| Patiala | .. | .. | .. | ½ | .. | 1½ | .. | .. | .. | ½ | Nabha, Patiala, Pinjore |
| Ambala | .. | .. | .. | .. | 2½ | ½ | 1 | .. | ½ | 1½ | Rupar, Morinda, Jagadhri, Kharar, Kasuli, Chamkaur Sahib, Nalagarh |
| Jullundur | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | 1 | .. | .. | ½ | Nawanshaher Daulatpur, KengePat, Nikodar, Bhogpur, Banga, Adoana |
| Simla | .. | .. | .. | .. | 4 | .. | .. | .. | .. | .. | Kandaghat, Simla, Saproon |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | 2 | Hissar, Sardulgarh, Sirsa, Hissar, Rewari |
| Kapurthala | .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | .. | 1½ | .. | .. | Phagwara, Nadalon |
| Mohindergarh | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Narnaul |
| Bhatinda | .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | 1 | .. | .. | .. | Rampuraphul, Behman Diwana, Sadhewala, Mansa |
| Amritsar | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1½ | 1½ | 1½ | Amritsar |

| Name of District | No. of days spent on tour in | | | | | | | Names of places visited during 1st June, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | June, 1965 | July, 1965 | August 1965 | September, | October 1965 | November, 1965 | December, 1965 | |
| *Sardar Gurmit Singh Deputy Minister, Development Irrigation and Power* | | | | | | | | |
| Ferozepore .. | 1 | 6 | 4½ | 8½ | 5½ | 6 | 5½ | Muktsar, Malout, Moga, Bagha Purana, Rupana, Ferozepur, Sherewala, Bhullar, Jallalabad, Bani, Khanjanwali, Talwandi Bhai, Kasoana, Zira, Abohar, Dharamkot, Ferozeshah, Giddetbaga, Karam Patti, Kot Bhai, Dandhar Qalarwala, Gholia Khurd, Mamdot, Sayanwali, Chibranwali, Tahliwala Jattan, Fazilka, Burj Sidnwan, Baruwali, Ghattianwali, Jattan, Mundhir, Patto Hira Singh, Ratia, Kattanwali, Chur Chak, Dina, Deon Khora, Misriwala, Lande. Janer, Nihal Singh Wala, Bombika Bhai Khera, Panjwala, Mohallan, Dhandri Kalan, Masi Musta fa |
| Patiala .. | ½ | .. | ½ | 1 | ½ | 1½ | 1½ | Patiala, Sirhind, Kandaghat, Dumna, Talania, Amloh Nabha, Rajpura, Nasirpur |
| Jullundur .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | Jullundur |
| Ludhiana .. | ½ | ½ | .. | .. | ½ | ½ | .. | Ludhiana, Latala |
| Sangrur .. | ½ | .. | .. | .. | .. | 1½ | ½ | Sangrur, Dhuri, Barnala, Jind, Gangoli, Dningana, Mirchpur, Kuthala, Sherpur |
| Bhatinda .. | 1 | ½ | 1 | ½ | ½ | 1½ | .. | Bhatinda, Faridkot, Kot Kapur, Jhunir, Rampura Phul, Mansal, Bhikhi, Hingna |
| Ambala .. | ½ | 1½ | ½ | ½ | ½ | 1½ | .. | Ambala, Rupar, Jagadhari, Sulhar, Cham Kaur Sahib, Dharampur, Kalka, Gulab Garh, Yamuna Nagar |
| Amritsar .. | .. | ½ | .. | .. | .. | 1 | .. | Amritsar, Khadur Sahib |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Gurdaspur | .. | .. | 1½ | 1 | .. | .. | 1 | ½ | Pathankot, Malakpur, Thain Dam, Madhopur, Udhampur, Dera Baba Nanak, Fatehgarh Chirian, Sri Har Gobind pur |
| Karnal | .. | .. | 1 | ½ | .. | .. | 1 | 2 | Kaithal, Karnal, Taraori, Nisang, Panchhi Gujjran |
| Hoshiarpur | .. | .. | .. | 1 | ½ | .. | .. | ½ | Nangal, Anandpur, Bhakra, Thanupali |
| Hissar | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | Hansi, Badaka, Dabwali |
| Simla | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | .. | Simla |
| Rohtak | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1 | Gohana, Khanpur, Rohtak |
| *Shri Gian Chand, Deputy Minister, Industries and Hill Areas* | | | | | | | | | |
| Simla | .. | 3½ | 4½ | 2 | 1½ | 4½ | 2½ | 3 | Dharampur, Simla, Chail and Kasauli, Dagshai, Saproon Sabathu, Ochghat, Totu, Mamlig, Rugra, Kohbagh, Beon, Domehar, Kandaghat, Ratti, Brawri, Koti |
| Kulu | .. | 4 | .. | .. | ½ | 4 | 3½ | .. | Manali, Ranla, Putli, Kunl, Bhuntar, Jari, Manikaja Kulu, Bahang, Naggarr, Bhuthi, Larjit, Banjar, Shara Khannag, Anni, Chawai, Dalgh, Luhri, Brow |
| Ambala | .. | ½ | 2 | 1 | ½ | .. | ½ | 1 | Mahsul, Khana, Surajpur, Ambala, Jagadhri, Chachrauli, Maulaua, Rupar, Kalka, Naraingarh, Beddi, Nalagarh Ram Shenar, Rawalsar, Tharuon, Toola |
| Patiala | .. | .. | ½ | .. | .. | ½ | .. | 1 | Patiala-Banur, Rajpur |
| Sangrur | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Malerkotla |
| Jullundur | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | .. | Jullundur |
| Amritsar | .. | .. | 1 | .. | .. | ½ | .. | .. | Amritsar |
| Gurdaspur | .. | .. | 1 | .. | .. | .. | .. | .. | Batala |
| Ludhiana | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | .. | Ludhiana |
| Gurgaon | .. | .. | .. | ½ | ½ | .. | .. | .. | Faridabad |

[Chief Minister]

| Name of District | June, 1965 | July, 1965 | August, 1965 | September, 1965 | October, 1965 | November, 1965 | December, 1965 | Names of places visited during 1st June, 1965 to 31st December, 1965 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Number of days spent on tour in | | | | | | | |
| Kangra .. | .. | .. | 3 | 2½ | .. | 1½ | .. | Dharamsala, Palampur, Kangra, Shahpur, Nurpur, Jassar, Bait, Dehra Naudaun, Kot, Hamirpur, Shamirpur Daulatpur, Sunhi, Buroh, Kandi |
| Karnal .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | Kaithal, Panipat, Smalkha |
| Hoshiarpur .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | Una |
| Hissar .. | .. | .. | .. | 1½ | .. | .. | .. | Hissar, Tohana, Barwala, Bhiwani, Harsi |
| Kapurthala .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | Phagwara |
| *Shmt. Chandrawati, Deputy Minister, Food and Supplies* | | | | | | | | |
| Hissar .. | 1½ | ½ | 1 | 3 | .. | 3½ | 1½ | Bhiwani, Hissar Laharu, Kakroli, Sardawan, Kirhana, Behal, Pahari, Phertia |
| Simla .. | 3 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Simla, Chail |
| Gurgaon .. | ½ | ½ | .. | .. | ½ | .. | .. | Village Sagarpur, Faridabad, Chandwas, Gurgaon, Hodel |
| Ferozepore .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Moga |
| Karnal .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Karnal |
| Ludhiana .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | Halwara, Rohtak, Bahadurgarh |
| Rohtak .. | .. | ½ | 1 | 1 | .. | .. | 1 | Sandawa, Tosham, Bhadani |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Bhatinda | .. | .. | .. | 1 | .. | .. | ½ | .. | Budhlada, Faridkot |
| Ambala | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | .. | Ambala |
| Amritsar | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | Amritsar |
| Patiala | .. | .. | .. | 1½ | .. | .. | .. | .. | Patiala |
| Sangrur | .. | .. | .. | 1½ | .. | ½ | 1 | .. | Sangrur, Sunam |
| Jullundur | .. | .. | .. | .. | .. | ½ | .. | .. | Jullundur City |
| Mahendragarh | .. | ½ | 1½ | 2 | 8½ | 4 | 5 | 9 | Charkhi Dadri Bond, Britni Kalan. Narand, Barda, Dnanauda, Pandwan, Bassian, Rania, Satnali, Kadna Arya Nagar, Chhgoa, Khatod, Mohindergarh, Nashaugabad, Dhani, V, Heri, Khulari, Salawas, Mirchpur, Sighani, Khera, Pali |

**कामरेड राम चन्द्र** : स्पीकर साहिब, मुझे जो लिस्ट दी गई है उस में बताया गया है कि मिनिस्टर आम तौर पर अपने ही जिला का दौरा करते रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि इस की क्या वजह है ?

**मुख्य मंत्री** : ऐसी बात नहीं है। (विघ्न) आखिर ज़िले भी तो पंजाब में ही हैं, उन में भी जाना ही पड़ता है।

**श्री जगन्नाथ** : स्पीकर साहिब, यह जो लिस्ट है इस में बताया गया है कि कुछ मिनिस्टर्ज़ एक ही हलके का टूर करते रहे हैं, जैसे कि श्रीमती चन्द्रावती हैं या यह अलग अलग टाइम पे एक ही हलके में लोहारू, सांडवा, तोशम वगैरह गांव में दौरे पर जाती रही हैं, एक ही हलके में 15 गांव का दौरा कर चुकी हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या यह टूर अपनी इलैक्शन्ज की तैयारी के लिये किये जा रहे हैं ?

**मुख्य मंत्री** : वक्तन फवक्तन जब दौरे पर जाते हैं तो अपने हलके का भी ख्याल रखते हैं।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਇਸ ਲਿਸਟ ਮੁਤਾਬਕ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਕ ਹੀ ਹਲਕੇ, ਮਲੋਟ ਦਾ 9 ਦਿਨ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਜਦ ਕਿ ਉਥੇ ਕੋਈ ਖਾਸ ਫੰਕਸ਼ਨ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਸਰਕਾਰੀ ਖਰਚ ਤੇ ਅਗਲੀਆਂ ਈਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ?

**मुख्य मंत्री** : वह वहां पर किसी प्राब्लम के सिलसिले में गए होंगे, इलैक्शन के प्वायंट आफ व्यू से नहीं जाते, हां अगर आनरेबल मैंबर के नोटिस में कोई खास बात है तो वह चैक की जा सकती है।

**श्री रूप सिंह फूल** : क्या मुख्य मन्त्री जी बताएंगे कि ज़िला कांगड़ा जो कि ज़्यादा तवज्जुह का मुस्तहिक है वज़ीर साहिबान वहां पर क्यों कम दौरे पर जाते हैं ?

**मुख्य मंत्री** : ज़िला कांगड़ा हमारी तवज्जुह का ज़्यादा मुस्तहिक है और वज़ीर साहिबान वहां पर जाते रहे हैं। वहां पर और ज्यादा दौरे रखे जायेंगे।

**कामरेड राम प्यारा** : यह जो लिस्ट दी गई है इस के मुताबिक श्रीमती ओम प्रभा दिल्ली में 29 दिन रहीं और होम मिनिस्टर साहिब वहां पर 49 दिन रहे। तो क्या वह बताएंगे कि होम मिनिस्टर साहिब के इतने दिन दिल्ली में रहने का क्या मतलब है ?

**मुख्य मंत्री** : किसी सरकारी प्रोग्राम के सिलसिले में गए होंगे। (विघ्न)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : On a point of order, Sir. ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ 'ਗਏ ਹੋਂਗੇ'। Sir, we want information and not guess work.

**मुख्य मंत्री** : इस बारे में चैकिंग की जा सकती है आम तौर पर सरकारी काम पर ही जाते हैं।

**श्री मंगल सैन** : यह जो लिस्ट दी गई है, इस में बताया गया है कि आप दिल्ली में 35 दिन ठहरे जबकि होम मिनिस्टर साहिब वहां पर 49 दिन ठहरे। तो कहीं ऐसी बात तो नहीं है कि आप को पलटने का बन्दोबस्त हो रहा हो ?

**Mr Speaker**..Order please.

**श्री अमर सिंह** : यह जो लिस्ट है इस के देखने से पता चलता है कि वज़ीर साहिबान हिसार ज़िले के दौरे पर बहुत कम गए हैं । क्या इस का यह कारण है कि वहां का कोई मिनिस्टर नहीं है ?

**मुख्य मंत्री** : ऐसी कोई बात नहीं है । जब ज़रूरी होता है तो हिसार का दौरा भी करते हैं ।

**कामरेड राम प्यारा** : उन्होंने बताया है कि वह दिल्ली सरकारी काम पर गए होंगे । तो क्या ऐसा कोई इन्तज़ाम है कि दिल्ली ठहरने पर सरकारी काम होने के बारे में कोई पूछ पड़ताल होती है ?

**मुख्य मंत्री** : मिनिस्टरों को हक है कि अगर वह सरकारी काम पर दौरे पर जाएं तो और काम भी कर सकते हैं । अगर वह प्राइवेट दौरे पर जाते हैं तो उस का टी. ए. वगैरह नहीं मिलता ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : इस में बताया गया है कि होम मिनिस्टर साहिब दिल्ली में 49 दिन रहे । तो मैं पूछना चाहता हूं कि पंजाब सरकार का सरकारी काम वहां पर दिल्ली में क्या होता है ?

**मुख्य मंत्री** : आप जानते हैं कि दिल्ली में कई तरह की मीटिंगज़ और कान्फ्रैंसिज़ होती रहती हैं, होम मिनिस्टर्ज़ कांफ्रैंस, चीफ मिनिस्टर्ज़ कांफ्रैंस, फूड मिनिस्टर्ज़ कांफ्रैंस, प्लैनिंग और ला ऐंड आर्डर के बारे में भी मीटिंग्ज़ होती रहती हैं ।

**श्रीमती सरला देवी** : यह जो ज़िले हैं जिन में मन्त्रियों के ज्यादा दौरे रहते हैं वहीं पर ही उन के डिस्क्रीशनरी फंड भी जाते हैं । तो क्या इस से कोई फर्क नहीं पड़ता ?

**मुख्य मंत्री** : इस के लिये नोटिस दें ।

---

## Tours of Deputy Commissioner, Kangra

***8827. Comrade Ram Chandra** : Will the Chief Minister be pleased, to state—

(a) the names of places visited by the Deputy Commissioner, Kangra months-wise from the 1st April, 1965 to date together with the purpose of each visit and the total amount of T.A. paid or payable to him on this account ;

(b) whether the said officer travelled by his own car during the said tours or used block jeeps for the purpose; if the latter, the names of Block whose Jeeps were used together with the number of days for which each was used ;

(c) the Head of account to which the cost of petrol used in the said jeeps was debited ?

**Shri Ram Kishan** : (a) The requisite information is given in annexure "A".

(b) No. The Government jeep of the D.C., Kangra, having gone out of order, some of this touring had to be done in Block jeeps in the interest of Government work, particularly in the fields of agricultural production and development. The requisite information regarding use of block jeeps is given in annexure "B".

(c) The cost of petrol used in the block jeeps for these tours was debited to the head "19 General Administration. E-District Establishment-Contact Contingencies."

[Cheif Minister]

## ANNEXURE 'A'

| Name of month | Places visited | Purpose of visit | Amount of T.A. paid/to be paid |
|---|---|---|---|
| | | | Rs. |
| April, 1965 .. | Mangwal-Daroka .. | Accompanied the Home Minister, Punjab, in his tour in Hal-doon area, made enquiries into complaints made by the people to the Home Minister, Punjab, on the spot under his directions (regarding demand of Pong Dam Oustees) and Deve opment work | 216·00 |
| | Chandigarh .. | Meeting with the Secretary to Government, Punjab, regarding demand of Pong Dam Oustees | |
| | | 2. Meeting with the Home Minister, Punjab, Health Depart-ment regarding Biological Research Institute proposed for Kangra District | |
| | Ludhiana .. | Attended a course for training in Agriculture meant for Deputy Commissioners | |
| | Mandi .. | Visit to the Package Programme and meeting with the Deputy Commissioner, Mandi, and other Project authorities under instructions of Dr. M.S. Randhawa, Special Secretary to the Government of India | |
| | Barsar .. | Village touring for Development work, meeting of the D.S.S.A. Board, Crop inspection and enquiries into complaints | |
| | Bharoli .. | Inspection of Flood Protection work in Mann Khad near Nadaun | |
| May, 1965 .. | Kangra .. | General Administration and Development work | 285·00 |
| | Palampur .. | Ditto | |

| Month | Place | Purpose | Amount |
|---|---|---|---|
| | Baijnath .. | 1. General Administration and Development work | |
| | | 2. Visit to Jogindernagar, Palampur, Maranda along with Chief Minister, Punjab | |
| | Nurpur .. | General Administration and Development work, Departmental enquiries | |
| | Simla .. | Attendance of meeting of a Agricultural Sub-Committee and Communication Sub-Committee under orders of the Development Commissioner, Hill Areas | |
| June, 1965 .. | Tyara Lang, Mangwala and Hamirpur | Along with Chief Minister, Punjab | 186·00 |
| | 2. Palampur .. | Ditto | |
| | 3. Jogindernagar .. | Discussions with the officers of the Punjab State Electricity Board regarding compensation to be paid to the Chhota Bhangal right holders for the Ban imposed in their area over keeping of sheep and goats | |
| | 4. Chandigarh .. | Attended meeting at the State Headquarters in connection with the State Quarry, Ghuniara as ordered by the Chief Minister, Punjab | |
| | 5. Palampur .. | Village touring, General Administration, enquiries and development work | |
| July, 1965 .. | Nurpur, Phadwar, Jawali, Gnea, Jassur and Panjhara | 1. Inspection of the S.D.O's, Sub-Registrar and B.D. & P.O's offices at Nurpur | 210.00 |
| | | 2. Visit to villages Phadwar, Jawali, Gona, Jassur and Panjhara. Heard the grievances of the public there and checked the development work of these villages also | |
| | | 3. General Administration | |

[Chief Minister]

| Name of month | laces vis | Purpose of visit | Amount of T.A. paid/to be paid |
|---|---|---|---|
| | Da | 1. General administration and development work | |
| | | 2. Inspection of the road under construction and other sites | |
| | Palampur and Bir | To see the sites and damage caused by landslides wh ch destroyed houses and human beings in village Bir | |
| | Palampur-Panchrukhi | Inspection of S.D.O's and Panchrukhi Block Offices | |
| August, 1965 | Chandigarh | 1. Meeting with Mrs. Ram Kishan at the residence of Chief Minister regarding social and moral Hygiene and social welfare work in Kangra District | 219·00 |
| | | 2. Meeting at the Directorate Food Supply regarding measures to be taken to stop export of rice from Kangra to Non-Zone Areas through Himachal Pardesh and opening of P. R. Centres in connection with the distribution of wheat, rice, etc. | |
| | | 3. Meeting with the Registrar, Co-operative Societies and Secretary, Marketing and Supply Federation regarding supply of fertilizers | |
| | Chandigarh | Meeting in connection with the Resettlement of Tibetan Refugees called by the C.M., Punjab, at the instance of Director, Tibetan Rehabilitation | |
| | Palampur | General Administration, Development work and inspections of S.D.O's Office, Palampur | |
| | Nurpur-Jawali | Enquiry into the dispute between Municipal Committee and Public Health Department over the payment of dues as well as to study the position of fertilizer [illegible] in the Nurpur Sub- | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | Division, etc. Settlement of dispute between Public Health Department and Irrigation Department regarding a site at Jawali | |
| | Kangra, Yol, Sera-Thana and Pathiar | 1. General Administration and Development work<br>2. Inspection of Development work in the villages of Yol, Sera-Thana and Pathiar<br>3. Inspection of the S.D.O's office at Kangra | |
| September, 1965 .. | Chandigarh .. | To attend the Deputy Commissioner's and Commissioner's Conference at Chandigarh | 167·50 |
| | Nurpur .. | In connection with Civil Defence work arrangements for refugees from Jammu and Kashmir, etc. | |
| | Palampur .. | Defence work and meeting with S.D.O. (Civil), Palampur and other local leaders | |
| October, 1965 .. | Hamirpur .. | War and Defence work | 225·00 |
| | Dehra .. | Defence Rally at Dhaliara | |
| | Lathiani-Bijhr and Uhal .. | Defence Rallies | |
| | Dehra .. | Defence Rally at Dehra | |
| | Kangra .. | Defence work | |
| | Nurpur .. | Ditto | |
| | Indora .. | Defence Rally | |
| | Kangra .. | Ditto | |
| | Nagrota .. | Ditto | |
| November, 1965 .. | Kangra .. | Inspection of the S.D.O's office, Kangra .. | 217.50 (yet to be drawn) |
| | Pait-Bhadiara .. | Inspection of Development work at Bhadiara | |

[Chief Minister]

| Name of month | Places visited | Purpose of visit | Amount of T. A. paid/to be paid |
|---|---|---|---|
| | Palampur | .. Enquiries | |
| | Kangra | .. Finalized the inspection of S.D.O's office, Kangra | |
| | Jogindernagar Simla | .. Procurement of Potato Seeds for cultivators of this district in compliance with the orders of the Development Commissioner, Hill Areas | |
| | Chandigarh | .. Discussion of cases with the Director, Food and Supplies regarding supply of cement, kerosene oil and rice to this district. Discussion with the Secretary State Marketing and Supply Federation for fertilizer, etc. | |
| | Nangal | .. Attended meeting of Bhakra Dam Sub-Committee | |
| | Palampur | .. Visit to Primary Health Centre, Palampur, in connection with selection of site for Children's Ward | |
| December, 1965 .. | Barsar | .. Implementation of the decision of Bhakra Dam Committee regarding Govind Sagar Lake and held meeting of Block officials and members of the Samiti | 285.00 (yet to be drawn) |
| | Dehra-Kangra | .. Tour with Chief Minister, Punjab, and attended Defence Rallies at Dehra and Kangra | |
| | Chobin and Khaira | .. Attended Defence Rallies at Chobin and Khaira | |
| | Sapri-Dehra-Galore | .. Inspection of S.D.O's office, Dehra. Attended Defence Rally at Galore. Presided over by the Home Minister, Punjab. General administration and Development work | |
| | Palampur | .. General Administration and Development work | |
| | Jogindernagar-Barot, Kothi Kohar, Kothi Sowar Loharli, | Touring in the interior of Kothi Kohar and Kothi Sowar areas in Chhota Bhangal | |

ANNEXURE 'B'

| Name of the month | Name of Block whose jeep was used on tour | No. of days for which used on tour |
|---|---|---|
| April, 1965 | Panchrukhi Block | The necessary information is not readily available. It is being collected and will be supplied to the Honourable Member, on receipt |
| May, 1965 | 1. Nurpur Block<br>2. Panchrukhi Block | |
| June, 1965 | 1. Panchrukhi Block<br>2. Bhoranj Block<br>3. Baijnath | |
| July, 1965 | 1. Nurpur Block<br>2. Bhawarna Block | |
| August, 1965 | 1. Kangra Block<br>2. Panchrukhi Block<br>3. Bhawarna Block | |
| September, 1965 | 1. Kangra Block<br>2. Baijnath Block | |
| October, 1965 | Nil | |
| November, 1965 | 1. Panchrukhi Block<br>2. Kangra Block | As against April to September, 1965 |
| December, 1965 | Nil | .. |

**कामरेड राम चन्द्र :** स्पीकर साहिब, मेरे दो तीन सवालों का जवाब जो कि बड़ा डिटेल्ड है मुझे अभी अभी मिला है और मैं उन को सरसरी निगाह से ही देख पाया हूं। मैं चाहता हूं कि इस और अगले सवाल के बारे में मुझे इजाजत दी जाए कि मैं कल सवाल कर सकूं।

**श्री अध्यक्ष :** आप को यहां पहले आना चाहिए था। (The hon. Member should have come here a bit earlier.)

**कामरेड राम चन्द्र:** मुझे इन को देखने का मौका नहीं मिल सका।

**Mr. Speaker :** Not possible now. You should have come in time

---

**Staff working in the Chief Minister's Office**

***8830. Comrade Ram Chandra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number and names of Private Secretaries or aides, Personal Assistants, Stenographers, etc., attached with him at present ;

(b) the number and names of such personnel, categorywise, attached with S. Partap Singh Kairon when he was the Chief Minister ?

**Shri Ram Kishan :** (a) & (b) A statement is laid on the Table of the House.

### Statement

| Private Secretaries or aides, etc., with the present Chief Minister | | | | Private Secretaries or aides, etc., with late Chief Minister, S. Partap Singh Kairon | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Serial No. | Designation of the post | Number | Name of incumbent | Serial No. | Designation of the post | Number | Name of the incumbent |
| 1 | Private Secretary .. | 2 | (1) Shri Madan Mohan Sud, Private Secretary (Office)<br>(2) Shri Khem Chand, Private Secretary (Public) | 1 | Private Secretary .. | 3 | (1) Shri Harbans Singh Sahney, Private Secretary (Office)<br>(2) Shri Narinder Nath, Private Secretary (Public)<br>(3) Shri Mohinder Singh Pannu, Private Secretary (Political) |
| 2 | Personal Assistant .. | 1 | Shri Dharminder Singh, P.A. (Residence) to C.M. | 2 | Personal Assistant .. | 1 | Shri Dharminder Singh, P.A. (Residence) to C.M. |
| 3 | Senior Scale Stenographer | 1 | Shri Om Parkash Kashyap, Steno to C.M. | 3 | Senior Scale Stenographer | 1 | Shri R.C. Mehtani, Steno to C.M. |
| 4 | Hindi Stenographer .. | 1 | Shri Ravinder Nath | 4 | Hindi Stenographer | 1 | Shri Ravinder Nath |
| 5 | Steno-typist .. | 2 | (1) Shri Surrinder Singh Batra, Steno-typist/P.S.(P) to C.M.<br>(2) Shri Raj Kumar Kalia, Stenotypist/P.S.(O)to C.M. | 5 | Steno-typist .. | 2 | (1) Shri Alla Singh, Steno-typist/P.S.(P) to C.M.<br>(2) Shri Pritam Singh Sabharwal, Steno-typist/ P.S.(Pol.) to C.M. |
| | Total .. | 7 | | | Total .. | 8 | |

**Decorations for Civil Servants posted in Border Districts**

***8921. Shri Balramji Dass Tandon :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government for awarding some kind of decorations to the Civil Servants posted in the border districts for their work during the Indo-Pakistan conflict ; if so, the steps so far taken to implement the same ;

(b) the names of the officers (Civil Servants) who are proposed to be awarded such decorations ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes, there is a proposal to issue appreciation letters to Civil Government Servants, belonging to all Government Departments, who have done very good work in the recent Indo-Pak conflict on the basis of the recommendations made by the Commissioners of the Divisions. The recommendations from the concerned quarters are being collected, and would further be scrutinised at Government level.

(b) Since the case has not yet been finalized, it is not possible to furnish the list of such Government employees at this stage.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या मुख्य मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से जिन सिविल सर्वेंट्स को डैकोरेट किया जाता है उन के लिये अलग प्रोसीजर है और जिन को पंजाब सरकार की तरफ से डैकोरेट किया जाता है उस के लिये उलग प्रोसीजर है ? क्या आप बाद में ऐनाऊंस करेंगे जबकि राष्ट्रपति की तरफ से डेकोरेशन का ऐलान हो चुका है ?

**मुख्य मंत्री** : जी हां। होम मिनिस्टरी ने हम से रिकमैंडेशन्ज़ मांगी थीं वह चली गई। स्टेट लेवल पर जो कार्रवाई होनी है उस के बारे में इनफरमेशन कुलैक्ट की जा रही है। इस को सीनियर आफिसर्ज़ की एक कमेटी स्क्रुटेनाइज़ करेगी और जिन अफसरों ने ज़िला या डिवीज़नल लैवल पर अच्छा काम किया है उस को रैकगनाइज़ और ऐप्रिशियेट किया जायेगा।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : यह तो हुई ऐप्रीसियेशन के बारे में एक कमेटी बनाने की बात मगर जिन अफसरों ने इस लड़ाई के दौरान अपने काम में कोताही दिखाई क्या उन के खिलाफ किसी कार्यवाही या उन के खिलाफ रिमार्क्स देने का भी कोई प्रोसीज़र बनाया गया है ?

**मुख्य मंत्री** : अगर ऐसा कोई केस नोटिस में आया तो कायदे के मुताबिक कार्यवाही की जायगी।

**श्री मंगल सैन**: क्या मुख्य मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि यह पदम विभूषण इत्यादि देने के लिये प्रोसीजर क्या है ?

**मुख्य मंत्री** : इस का प्रोसीजर हिन्द सरकार का है हम से जो सूचना मांगते हैं वह हम दे देते हैं।

**लैफटीनैंट भाग सिंघ** : की मुँख मंतरी जी दसणगे कि इस अगरैशन दे दौरान ज़िला गुरदासपुर अंम्रितसर अते फीरोज़पुर दी ऐडमनिसट्रेशन ठीक रही जां नहीं ?

**Mr. Speaker** : I am sorry.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪਿਛਲੀ ਵੇਰ ਜਦ ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਸਵਾਲ ਪੁਛਿਆ ਸੀ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਝਗੜੇ ਵਿਚ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚੋਂ ਕਿੰਨੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਨ ਦੀ ਫਲੌਰ ਆਫ ਇਸ ਹਾਊਸ ਇਹ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਕੋਈ ਲੜਕੀ ਨਹੀਂ ਗਈ ਅਤੇ ਇਹ ਆਨ ਦੀ ਇਨਫਾਰਮੇਸ਼ਨ ਆਫ ਦੀ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ, ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੁਮਰਾਹ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਪਦਮ ਸ੍ਰੀ ਦਾ ਖਤਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਤੀ ਗਲਤੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ? ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲਤ ਇਨਫਾਰਮੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀ ਕਿਉਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਪਦਮ ਸ੍ਰੀ ਦਾ ਖਤਾਬ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ?

**मुख्य मन्त्री:** स्पीकर साहिब, मैं श्राप की वसातत से हाऊस को बताना चाहता हूं कि जो इन्फरमेशन डी. सी. फिरोज़पुर ने दी वह ठीक थी श्रौर जो इतलाह श्रानरेबल मैम्बर ने दी थी वह गलत थी । जहां तक इस डी. सी. के काम का तग्रल्लुक है इन्डो-पाकिस्तान कानफलिकट में उस ने शानदार काम किया है श्रौर हर किसी ने उस के काम की सराहना की है । जहां तक लड़कियों का तग्रालुक है जैसा कि मैं ने पहले भी कहा था श्रौर श्रब दोहराता हूं कि इन्डो पाकिस्तान के झगड़ा में 3 सितंबर को पक्का चिश्ती श्रौर झिगर के इलाका पर हमला हुश्रा तो जो भाई श्रौर बहन वहां रह गए उन्हें पाकिस्तान वाले दूसरी तरफ ले गए । इस की छानबीन के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिस में मिलेटरी के श्राफीसर श्रौर वहां के डी. सी. भी थे उन की रिपोर्ट को हम ने डिफैंस मिनिस्टरी को भेज दिया इस रिपोर्ट में जिस डाक्टर की पहले इतलाह थी उस को भी एगज़ामिन किया गया श्रौर उस ने साफ इनकार कर दिया कि मैं ने इस तरह की कोई इनफरमेशन नहीं दी कि लड़कियां को श्रगवा कर लिया गया है। जो भाई श्रौर बहनें उस इलाके में रह गई थीं वह श्रब सारी की सारी सही सलामत वापिस श्रागई हैं श्रौर उन्हों ने बताया हैं कि किसी को भी एबडक्ट नही किया गया था कुछ मैम्बर साहिबान को गल्त इनफरमेशन दे कर मैं समझता हूं कि गुमराह करने की कोशिश की गई थी ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਹੁਣੇ ਹੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਹ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਲੜਕੀਆਂ ਦੀ ਅਬਡਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਕ ਹੋਰ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਭਾਈ ਬਹਿਨਾਂ ਸਹੀ ਸਲਾਮਤ ਵਾਪਸ ਆ ਗਏ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਕੰਟਰਾਡਿਕਸ਼ਨ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਜਵਾਬ ਹੈ ?

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਪੂਰਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਸੁਣਿਆ, ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਕਨਟਰਾਡਿਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ। The hon. Member has not heard the complete answer. There is no contradiction in the reply.

**डा० बलदेव प्रकाश** : स्पीकर साहिब, मैं स्पलीमैंट्री करने के लिये खड़ा हुश्रा हूं। श्राप ने श्रभी रूलिंग दिया है कि सी. एम. साहिब के जवाब में कंट्राडिक्शन नहीं है। लेकिन

[डा० बलदेव प्रकाश]

फैक्ट यह है कि सी. एम. साहिब, फिरोज़पुर के डी. सी. साहिब को आऊट आफ दी वे जा कर भी ट्रिब्यूट पे करते हैं तो अगर वह इतना लायक आफीसर है और अगर सी. एम. साहिब यह समझते हैं कि तमाम बार्डर के ज़िलों के डिप्टी कमिश्नरों में से सब से ज़्यादा काम, फिरोज़पुर ज़िला के डी. सी. ने किया है तो इन्हें सिरफ पद्म श्री का खिताब देने के लिए ही क्यों रिकमेंड किया गया भारत रत्न क्यों न दिलवाया गया ?

मेरा तो स्पैसिफिक सवाल है कि जो नाम पंजाब सरकार रिकमेंड करती है वह किसी खास डैकोरेशन के लिये या जैनरल तौर पर और अगर किसी खास डैकोरेशन के लिए रिकमेंड करती है तो क्या वजह थी कि डी. सी., फिरोज़पुर का नाम पदम श्री के लिए रिकमेंड किया गया और भारत रत्न के लिए नहीं।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** On a point of Order, Sir. Mr. Speaker, the hon. Chief Minister has just now stated that some brothers and sisters, have come from Pakistan, but they were not abducted. May I know, Sir, if those brothers and sisters who have returned from Pakistan went of their own accord ?

**मुख्य मंत्री :** मैं ने आगे भी अर्ज़ किया है कि 6 सितम्बर को फिरोज़पुर-फाज़िल्का सैक्टर पर जब पाकिस्तान की तरफ से अटैक किया गया तो कुछ भाई और बहनें वहां से निकल न सके वहां पर ही रह गए और पाकिस्तान वाले उन्हें इन्टरनीज़ के तौर पर ले गए जिस तरह कि हमारे पंजाब में रहने वाले पाकिस्तानियों को इन्टरनी बनाया गया था और अब वह सारे के सारे वापिस आ गए हैं और किसी भाई और बहन ने स्टेटमैंट नहीं दिया कि उन्हें अबडकट किया गया था। हालात के मुताबिक जिस तरह की लड़ाई हुई उसका यह नतीजा था।

**कामरेड बाबू सिंह मास्टर :** ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਦ ਲੜਕੀਆਂ ਵਾਪਸ ਆ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਬਡਕਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਪਰ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਿਲੀ ਵਿਚ ਇਕ ਰੀਸੈਪਸ਼ਨ ਤੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਾਲੇ ਲੈ ਗਏ ਸਨ ਉਹ ਵਾਪਸ ਆ ਗਈਆਂ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਗੱਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਾਲੇ ਲੈ ਗਏ ਸਨ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਜਵਾਬ ਹੈ ?

**Mr. Speaker :** Reply to this has already come.

**श्री राम प्यारा :** जैसा कि चीफ मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि कमिश्नरों की सिफारिशों पर डैकोरेट किया जाता है तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या कमिश्नर इन्डीपैंडैंटली सिफारिशें करते हैं या डी. सीज़. की मारफित की जाती है और क्या जिस की सिफारिश की जाए उस के सिरफ गुड एकशन को ही सामने रखा जाता है या उस के गुड और बैड एकशन्ज़ को सामने रखा जाता है ?

**मुख्य मंत्री** : मैं ने यह नहीं कहा कि कमिश्नरों की सिफारिश पर डैकोरेट किया जाता है । कमिश्नर उन लोगों का नाम मुख्तलिफ जिलों से ले कर जिन्होंने अच्छा काम किया हो सरकार को भेज देते हैं और उन नामों को स्टेट लैवल पर जो कमेटी बनी हुई है उसे एगज़ामिन करती है कि किस तरह से किसी की सर्विस को एप्रीशीएट करना है और पूरा गौर किया जाता है । जहां तक सैंट्रल गवर्नमैंट का तालुक है पंजाब गवर्नमैंट सिफारिश करती है ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਤੋਂ ਆਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਗ਼ੌਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਵੀ ਕੋਈ ਕਾਇਦਾ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕੋਈ ਮਦੱਦ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ** : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਦ ਬਾਰਡਰ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਇਹ ਆਪ ਮਨਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਗੁਰਦਾਸ-ਪੁਰ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਡੈਕੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਤੋਂ ਅਕੈਸਕਲੂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰੇ ਭਰਿਆ ਵਰਤਾਵ ਕਰਨ ਦੇ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹਨ। ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਡੇਹਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ ਤੇ ਜਦ ਹੱਲਾ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਇਸੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਬਚਾਇਆ ਅਤੇ ਸ਼ਲਾਘਾ ਭਰਿਆ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਜੇਕਰ ਠੀਕ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਖ-ਪਾਤ ਕਿਉਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ?

**मुख्य मन्त्री** : पंजाब गवनमैंन्ट डी० सी०, गुरदासपुर के काम की पूरी तरह से एप्रेशिएट करती है और सराहना करती है कि उस ने बहुत अच्छा काम किया है । सिफारशपत बारडर के आर्मी कमान्डरों की तरफ से आई थीं उन को मद्देनज़र रख कर सारी चीज़ पर गौर किया जा रहा है और मैं हाऊस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि डी. सी. जिला गुरदासपुर की जहां तक सर्विसिज़ का ताल्लुक है हम उन को एप्रोशियेट करते हैं । इस बात के लिये जो भी हम रिवार्ड दे सके वह देने की कोशिश करेंगे ।

**श्री बलरामजीदास टंडन** : मैं यह पूछना चाहता हूं कि पदम श्री के पाने वाले आया यह वही डिप्टी कमिश्नर ज़िला फिरोज़पुर हैं जिन के लड़के को रैड क्रास में से 470 की दवाइयां दी गई थीं जो कि गरीब लोगों के लिये हैं ?

**मुख्य मंत्री** : यह बात बिल्कुल गलत है । डी. सी के लड़के ने बीमारी की हालत में भी दिन रात काम किया है । इस की सेवा की पंजाब सरकार सराहना करती है ।

---

### Awards granted to Military personnel from Punjab

***8905. Shri Rup Singh Phul** : Will the Chief Minister be pleased to state the names, ranks and home addresses of the Military personnel from Punjab, who have been granted awards, categorywise, for displaying gallantry during the recent Indo-Pak conflict, tehsil and districtwise ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister) : A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

[Transport and Elections Minister]

**LIST OF GALLANTRY AWARDEES**

**During Indo-Pakistan Conflict**

| Number, rank and name | | Permanent home address |
|---|---|---|
| **Maha Vir Chakra** | AMRITSAR DISTRICT | |
| I C—801 Lt. Col. Salim Caleb. 3rd Cav. | TEHSIL AMRITSAR | C/o Maj S. Caleb (Retired), Bishops Office, Taylor Road, Amritsar |
| | JULLUNDUR DISTRICT | |
| JC No. 18340 Subedar Ajit Singh, 4th Bn., The Sikh Regt. (Posthumous) | TEHSIL JULLUNDUR | Village Sobhana, Post Office, Jullundur Cantt., Jullundur |
| IC—2990 Lt. Col., Gurbans Singh Sangha, 3rd Bn., The Garhwal Rifles (Posthumous) | do | Village and Post Office Jandu Singha, Tahsil and District Jullundur |
| | HOSHIARPUR DISTRICT | |
| IC—4004 Maj, Ranjit Singh Dayal Ist Bn., The Parachute Regt. | TEHSIL UNA | Village Kante, post office Paluckwah, Tehsil Una, District Hoshiarpur |
| | KANGRA DISTRICT | |
| IC–12701 Capt. Chander Narain Singh, 22nd Bn., The Garhwal Rifles (Posthumous) | TEHSIL DHARAMSALA | Ram Nagar, Dharamsala, district Kangra |
| | FEROZEPORE DISTRICT | |
| Wg. Cdr. P.P. Singh (3871) CD (P) | TESIL MOGA | C/o S. Sucha Singh, Assistant Director of Agriculture, G. T. Road, Moga, district Ferozepore |
| | LUDHIANA DISTRICT | |
| IC—4466 Maj Bhupinder Singh 4th Hudson Horse (Posthumous | TEHSIL LUDHIANA | Harnampura, Ludhiana |

| Vir Chakra | | |
|---|---|---|
| | **AMRITSAR DISTRICT** | |
| Flt. Lt. D. N. Rathore (5780) GD (P) | TEHSIL AMRITSAR | No. 3-A., The Mall, Amritsar |
| | **JULLUND DISTRICT** | |
| IC—1351 Lt. Col. Chajju Ram , ry | TEHSIL LUNDUR | Village Daroli Khurd, Tahsil and District Jul undur |
| EC—55428-2/Lt. Bhupinder Kumar Vaid, Re ent of Artillery | TEHSIL NAKODAR | Village and Post Office Shankar, Tahsil Nakodar, District Ju undur |
| | **HOSHIARPUR DISTRCIT** | |
| IC—13651 Lt., Teja Singh 9th Bn. The Jammu and Kashmir Rifles | TEHSIL HOSHIARPUR | Village and Post Office Kukanate, district Hoshiarpur |
| | **KANGRA DISTRICT** | |
| IC—14602 Capt. Bhikham Singh, 7th Bn, The Punjab Regiment | TEHSIL HAMIRPUR | Village and Post Office Sujanpur Tira, Tahsil Hamirpur, District Kangra |
| IC-6725 Maj Sarvjit Singh Ratra, The Regiment of Artillery | TEHSIL KULU | Dhal Pur Bazar, Kulu, District Kangra |
| 9065621 L/Hav Fidoo Ram, Regiment of Artillery | TEHSIL PALAMPUR | Village Nora, District Kangra |
| JC-2807 Naib Risaldar Jagdish Singh, Central India Horse | TEHSIL NURPUR | Village Trithipur Tika Gangth, Tahsil Nurpur, District Kangra |
| Flt. Lt. V. S. Pathania (5198) GD(P) | —do— | Village and Post Office Re, Tahsil Nurpur, District Kangra |
| | **FEROZEPORE DISTRICT** | |
| Flt. Lt. H.S. Mangat (5226) GD(N) | TEHSIL MUKTSAR | Village Kermangat, Post Office Muktsar, District Ferozpore |

[T nsport and Elections Minister]

| Number, rank and name | | Perma |
|---|---|---|
| | LUDHIANA DISTRICT | |
| **Vir Chakra** | | |
| JC-5234-Risaldar Achhar Singh Daccan Horse 9th Horse | Tahsil Ludhiana | Village Kaile, district Ludhiana |
| IC-8041, Lt. Col. Sampuran Singh, 16 Bn, The Punjab Regt. | Tahsil Jagraon | Village Bassian, police-station Raikot, tahsil Jagraon, district Ludhiana |
| | AMBALA DISTRICT | |
| IC-14376, 2/Lt. Ravinder Singh Bedi, The Sindh Horse | Tahsil Ambala | C/o Kanwar Surinder Singh Bedi, Deputy Commissioner, Ambala |
| 3339173, Naib-Subedar Ajmer Singh, 4th Bn., The Sikh Regt. | Tahsil Ambala | Village and post-office Boh, tahsil and district Ambala |
| Sqn. Ldr. S. Handa (4816) GD (P) | Tahsil Kharar | C/o Prof. D. R. Handa, E-49, Sector 14, Chandigarh |
| IC-10082, Major Surinder Mohan Sharma, 8th Bn., The J. & K. Rifles (Posthumous) | Tahsil Kharar | 29—J, Sector 21-A, Chandigarh |
| IC-8519, Major Jatinder Kumar, 15th Bn., The Dogra Regt. | Tahsil Kharar | C/o Jessa Ram, Tahsildar Kharar, district Ambala |
| | HISSAR DISTRICT | |
| 2851209, Rifleman Mathan Singh, 2nd Bn., The Rajputana Rifle (Posthumous) | Tahsil Bhiwani | Village and post-office Bapora, tahsil Bhiwani, district Hissar |
| Sqn. Ldr. A. J. S. Sandhu (4705) GD (P) | Tahsil Sirsa | Village and post office Moriwala, district Hissar |
| | GURGAON DISTRICT | |
| 2853735 Rifleman Mahi Lal Singh, 4th Bn., The Rajputana Rifle | Tahsil Palwal | Village and post-office Banchari, tahsil Palwal, district Gurgaon |

| | | |
|---|---|---|
| **SANGRUR DISTRICT** | | |
| IC-13986, 2/Lt. Surinder Pal Singh Sekhon, Rajputana Rifles (Posthumous) | Tahsil Sangrur | Village Ubha, post-office Sangrur, district Sangrur |
| 3348906, L/Nk. Pritam Singh, 4th Bn., The Sikh Regt. Posthumous | Tahsil Malerkotla | Village Niamatpur, post-office Amargarh, tahsil Malerkotla, district Sangrur |
| 3341107, Naik Chand Singh, 2nd Bn., The Sikh Regt. | Tahsil Malerkotla | Village Manki Khurd, post-office Manki Kalan, tahsil Malerkotla, district Sangrur |
| **BHATINDA DISTRICT** | | |
| 3342155 L/Hav. Gurdev Singh 1st Bn., The Sikh Regt. | Tahsil Faridkot | Village and post-office Jaitu, tahsil Faridkot, district Bhatinda |
| **NARNAUL (MOHINDER GARH) DISTRICT** | | |
| 4139233, L/Hav. Umrao Singh, 1st Bn., The Para Regt. (Posthumous) | Tahsil Narnaul | Village Surjanwas, post-office Mohindergarh, tahsil Narnaul, district Mohindergarh |

**Shri Rup Singh Phul :** From the statement given to me it is evident that Kangra is the district which has given the highest number of recipients of gallantry awards. May I know from the Government whether they would propose any special allocation of funds for this district in view of its superb performance during Indo-Pakistan and Chinese aggression ?

**Minister :** Well, the hon. Member should know that the Government does not make any discrimination. But we do appreciate the services rendered by the Kangra district and I think if the hon. Member makes some personal contact in this behalf the Government certainly should look into it.

**श्रीमती सरला देवी :** ट्रांस्पोर्ट मन्त्री जी ने यह कहा है कि गवर्नमैंट के सामने किसी एक या दूसरे ज़िले के लिये भेद भाव रखने का कोई सवाल नही है। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या कोई मिनिस्टर या चीफ मिनिस्टर ज़िला कांगड़ा में जंग हटने के बाद किसी शहीद के घर उसके परिवार को मिलने गये हैं । यह भेद भाव नहीं तो और क्या है ?

**मंत्री :** जहां बहन जी ले जाना चाहें हम जाने को तैयार हैं। किसी खास ज़िला से डिस्क्रिमीनेटरी टरीटमैंट का यह सवाल नहीं है।

**श्री मंगल सैन :** अभी अभी ट्रांस्पोर्ट मन्त्री ने कहा है कि वह वहां जाने को तैयार हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि वह कांगड़ा ज़िले में जायेंगे या कहीं और भी ? (हंसी)

**मंत्री :** डाक्टर मंगल सेन जो भी बात कहें हमें उस से कोई एतराज़ नहीं है। हम तो बुरे दिनों में भी उन के साथ रहे हैं अब तो वजीर हैं। (हंसी)

---

### Visits paid by Chief Minister to the Families of Killed Army Personnel

***8906. Shri Rup Singh Phul :** Will the Chief Minister be pleased to state the number of visits so far paid by him to meet the families of the jawans and officers of the Armed Forces killed during the India-Pak conflict, district-wise ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister) : Chief Minister did not specifically visit any village only for this purpose, but used to visit the families of Jawans, whenever he visited any district. In some cases he asked the Deputy Commissioners/Superintendents of Police concerned to call on the family of a Jawan, whenever needed.

**श्री रूप सिंह फूल :** क्या वज़ीर साहिब यह बतायेंगे कि दूसरे ज़िलों में ना सिरफ चीफ मिनिस्टर बल्कि दूसरे वुज़रा साहिबान भी गये मगर ज़िला कांगड़ा में कोई भी मंत्री नहीं गया ? May I know the reason for this gross neglect on the part of the State Government?

**मंत्री :** दरअसल बात यह है कि हम ने इस बात को कभी भी महसूस नहीं किया कि वहां जाना है और वहां नहीं जाना। मिनिस्टर्ज़ की तादाद 7-8 है। डिप्टी मिनिस्टर्ज़ को शुमार भी अगर किया जाए तो ज़्यादा से ज़्यादा 12-14 है। मगर सब जगह पहुंचने के लिये कम से कम 50 होने चाहिये। जहां भी हम पहुंच सकते थे हम ने पहुंचने की फिर

भी कोशिश की है। प्रोग्राम के मुताबिक जहां पहुंच सकते थे पहुंचे हैं अभी बहुत सी फैमिलीज को विज़िट करना बाकी है। इस लिये जो जगह रह गई हैं वहां भी ज़रूर जायेंगे।

**श्री रूप सिंह फूल** : मैं पूछना चाहता हूं वज़ीर साहिब से कि :—

यूं तो हर बज़म में मेरा ज़िकरे कलाम आता है।
भूल जाता है साकी जब जाम पे जाम आता है।

बतायेंगे क्या वजह है, जनाब ?

**श्री अध्यक्ष** : इस के जवाब की इजाज़त दी जा सकती है अगर शेर का जवाब शेर में दिया जाये। (Permission to reply to this supplementary can be given only if the answer is also given in verse.)

**मंत्री** : स्पीकर साहिब आप जानते ही हैं कि फिलबदीह तो कहना बड़ा मुश्किल है। यह तो इन की पुरानी यादें हैं जो अब ताज़ा हो गई हैं।

(चौधरी रणबीर सिंह बोलने के लिये खड़े हुए)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : On a point of order, Sir. ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਖਾਵਿੰਦ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਿਆ ਤਾਂ ਕੀ ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬੀਵੀ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ?

**श्री अध्यक्ष** : आप हमेशा होली और सैंकरिड माहौल में ऐसा ऐटमासफियर पैदा करने की कोशिश करते हैं। This is not proper for you. (The hon. Member always tries to disturb this holy and sacred atmosphere. This is not proper for him.)

**लोक कर्म मन्त्री** : स्पीकर साहिब, गुस्ताखी माफ हो। मैं इन शब्दों की तवक्को उन माननीय सदस्यों से तो कर सकता हूं जो सामने बैंचों पर बैठे हैं मगर मैं आप की बात का जवाब नहीं दे सकता। मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसे दोस्तों को अपनी जगह रखा जाए मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए निवेदन करना चाहता हूं कि ज़िला कांगड़ा में खेड़ा गांव है जहां के कश्मीर की लड़ाई में लड़ने वाले लेफ्टीनेंट जनरल कटोच हैं। उस गांव के कई भाई शहीद भी हुए हैं। वह काफी बड़ा गांव है। वहां चीफ मिनिस्टर साहिब और मैं गए थे।

10.00 a.m.

**परिवहन तथा निर्वाचन मन्त्री** : जो थोड़ा वक्त मिला उस में मैं ने यह लिखा है :

रह कर कांग्रेस में साकी व मैं का ज़िक्र करते हैं।
न यहां साकी न मैं है सिर्फ कामराज का फिकर करते हैं।

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀਰ ਚਕਰ ਅਤੇ ਪਰਮ ਵੀਰ ਚਕਰ ਮਿਲੇ ਹਨ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਰ ਤਕ ਨਹੀਂ ਗਏ, ਆਪਣੇ ਜ਼ਿਲੇ ਤਕ ਹੀ ਮਹਿਦੂਦ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

मंत्री : मैं इसका जवाब नहीं दे सकता । कोशिश तो करते हैं हर जगह जाने की ।

**श्री मंगल सेन :** आन. ए. प्वायंट आफ आर्डर, सर। अभी २ हाउस में ट्रांसपोर्ट मनिस्टर साहिब कह रहे थे कि कांगड़ा ज़िला में नहीं गए लेकिन चौधरी रणबीर सिंह ने कह दिया है कि हम गए थे । हम किस को ठीक मानें और किसको गलत मानें ।

## *Ex-gratia* grants for Army Personnel killed or wounded during India-Pak Conflict

***8907. Shri Rup Singh Phul :** Will the Chief Minister be pleased to state the amount of ex-gratia grants so far given tehsil-wise, by the State Government to (i) the Jawans/Officers of the Armed Forces wounded during the recent India-Pak conflict and (ii) the relatives of those Jawans/Officers who were killed during the said conflict ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister) : (i) Nil.

(ii) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

| Name of Tehsil | | Amount of *ex-gratia* grant paid to Officers/ Jawans |
|---|---|---|
| **Ambala District** | | Rs, |
| Ambala | .. | 7,500 |
| Jagadhri | .. | 3,000 |
| Naraingarh | .. | 5,500 |
| Kharar | .. | 10,500 |
| Rupar | .. | 8,500 |
| Nalagarh | .. | 500 |
| **Rohtak District** | | |
| Rohtak | .. | 12,000 |
| Jhajjar | .. | 22,500 |
| Sonepat | .. | 5,500 |
| Gohana | .. | 5,000 |
| **Kapurthala District** | | |
| Kapurthala | .. | 7,500 |
| Sultanpur | .. | 1,500 |
| Phagwara | ... | 500 |
| **Karnal District** | | |
| Karnal | .. | 11,000 |
| Panipat | .. | 9,000 |

| Nxme of Tehsil | | Amount of *ex-gratia* grant paid to Officers/ Jawans |
|---|---|---|
| | **Karnal District concld** | |
| Thanesar | .. | 2,250 |
| Kaithal | .. | 10,500 |
| | **Bhatinda District** | |
| Bhatinda | .. | 4,500 |
| Mansa | .. | 7,500 |
| Faridkot | .. | 3,500 |
| | **Mohindergarh District** | |
| Mohindergarh | .. | 13,750 |
| Dadri | .. | 14,500 |
| Narnaul | .. | 7,500 |
| | **Hoshiarpur District** | |
| Hoshiarpur | .. | 18,000 |
| Garhshankar | .. | 30,000 |
| Dasuya | .. | 16,000 |
| Una | .. | 13,500 |
| | **Gurgaon District** | |
| Gurgaon | .. | 5,500 |
| Rewari | .. | 10,500 |
| Palwal | .. | 3,000 |
| Ballabgarh | .. | 2,500 |
| Nuh | .. | 2,500 |
| Ferozepore Jhirka | .. | 500 |
| | **Sangrur District** | |
| Sangrur | .. | 3,000 |
| Malerkotla | .. | 3,500 |
| Barnala | .. | 4,000 |
| Narwana | .. | 2,000 |
| Jind | .. | 1,500 |
| | **Ferozepore District** | |
| Ferozepore | .. | 1,000 |
| Fazilka | .. | 1,000 |
| Zira | .. | 4,500 |
| Moga | .. | 11,500 |
| Muktsar | .. | 1,500 |
| | **Patiala District** | |
| Patiala | .. | 4,000 |
| Sirhind | .. | 3,000 |
| Nabha | .. | 2,500 |
| Rajpura | .. | 6,000 |
| | **Simla District** | |
| Kandaghat | .. | 1,000 |
| | **Hissar District** | |
| Hissar | .. | 1,000 |
| Hansi | .. | 5,000 |

[Transport and Elections Minister]

| Hissar district—CONCLD | | |
|---|---|---|
| Bhiwani | .. | 9,000 |
| Fatehabad | .. | 1,000 |
| Sirsa | .. | 1,500 |
| **Amritsar district** | | |
| Amritsar | .. | 8,280 |
| Patti | .. | 1,500 |
| Ajnala | .. | 15,740 |
| Tarn Taran | .. | 20,000 |
| **Jullundur district** | | |
| Jullundur | .. | 32,500 |
| Nawanshahr | .. | 28,000 |
| Phillaur | .. | 2,000 |
| Nikodar | .. | 14,000 |
| **Kangra district** | | |
| Dehra | .. | 14,000 |
| Palampur | .. | 18,000 |
| Hamirpur | .. | 29,500 |
| Nurpur | .. | 13,500 |
| Kangra | .. | 15,000 |
| **Kulu district** | | |
| Kulu | .. | 4,000 |
| **Ludhiana district** | | |
| Ludhiana | .. | 11,720 |
| Jagraon | .. | 9,050 |
| Samrala | .. | 9,490 |
| **Gurdaspur district** | | |
| Gurdaspur | .. | 25,000 |
| Batala | .. | 16,500 |
| Pathankot | .. | 14,000 |

**श्री रूप सिंह फूल :** क्या माननीय मिनिस्टर साहिब फरमाएंगे कि जब एक्स ग्रेशिया ग्रांट देने की बारी आती है तो मैदानी इलाका में एक दम शुरू हो जाती है लेकिन ज़िला कांगड़ा में देर से दी जाती है, इस की क्या वजह है ?

**मन्त्री :** सब जगह ठीक है, इन को गल्ती लग गई है। सब जगह एक वक्त काम शुरू हुआ था।

---

**Relief to Jawans/Officers belonging to Una Tehsil killed during India-Pak Conflict**

***9048. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number and names of Jawans and military officers belonging to tehsil Una, district Hoshiarpur, who were killed during the recent India-Pak conflict, block-wise ;

(b) the nature of relief so far granted by the State Government to the family of each martyr mentioned in (a) above ;

(c) whether the Government has received any representation from the representatives of the people requesting the Government to raise memorials in each of the villages to which more than two martyrs belonged; if so, the action taken or intended to be taken in this connection ;

(d) whether the Government intend to start some permanent institutions for the benefit of the (i) families of the martyrs, and (ii) the injured and other military personnel in this backward hilly area of the Dogras ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister): (a) It is not in public interest to disclose the information asked for.

(b) A statement showing the details of relief admissible to families of armed forces personnel killed during the Indo-Pak. conflict is laid on the Table of the House.

(c) No.

(d) No.

STATEMENT

(1) EX-GRATIA GRANTS :—

| | | Rs. | |
|---|---|---|---|
| (i) Officer | .. | 5,000 | Rs. 500 is paid in cash and the balance in the form of National Savings Certificates. In hard cases, the whole or a part of the balaance may also be paid in cash. |
| (ii) J.C.O. | .. | 3,000 | |
| (iii) Other rank | .. | 2,000 | |

EDUCATIONAL CONCESSIONS

The Children of the afore-said personnel will be entitled to free education i.e., no fees will be charged from the children in schools and colleges, including professional institutions. In addition to it, such children will be given allowance at the following rates beyond the period of 7 years, as the Government of India has enhanced the family pension rates to 2/3rd of the pay last drawn for a period of 7 years :—

| | | Rs. per month |
|---|---|---|
| (i) At the Primary stage | .. | 10 |
| (ii) At the Secondary stage | .. | 25 |
| (iii) During the College/Arts and Science | .. | 50 |
| (iv) In the case of Technical and Professional Education | .. | 75 |
| (v) For higher education in foreign countries | .. | 250 |

**पंडित मोहन लाल दत्त:** तहसील ऊना में कुछ देहात ऐसे हैं जहां के दो या तीन एक एक गांव के शहीद हुए हैं। तो क्या देश-भक्तों को प्रेरना देने के लिए और देहात की हौसला अफज़ाई के लिए सरकार उन शहीदों की यादगार के सिलसिले में कोई मैमोरियल बनाने के लिये तैयार है या नहीं या अगर लोग बनाएं तो उस में सरकार इम्दाद देने के लिये तैयार है ?

**मन्त्री :** अभी तक तो किसी गांव की तरफ से कोई रिप्रेजैंटेशन नहीं आई लेकिन ऐसी जरूर आइ हैं कि किसी स्कूल या किसी लाइब्रेरी का नाम उन शहीदों के नाम पर रख दिया जाए। लेकिन अभी कुछ तजवीजें ऐसी हैं जिन पर गौर किया जा रहा है कि उन के नाम को किस बेहतरीन तरीके से कायम रखा जा सकता है।

### Salaries to the Staff in the Office of the Assistant Registrar, Industries, Malerkotla

***8835. Comrade Bhan Singh Bhaura :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the staff working at present in the Office of the Assistant Registrar, Industries, Malerkotla, have not been paid their salaries for the last six months ; if so, reasons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister): No. The salaries of the staff have since been disbursed upto 31st December, 1965.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਨਖਾਹ 31 ਮਈ, 1965 ਨੂੰ 5 ਜਾਂ 6 ਮਹੀਨੇ ਬਾਅਦ ਮਿਲੀ ਤੇ ਫਿਰ 6 ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਇਕਠੀ ਮਿਲੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਉਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਇਹ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਗਰੀਬ ਹਨ। ਉਹ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਪੱਕੇ ਨਹੀਂ ਤੇ ਤਿੰਨਾਂ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਕਚੇ ਹੀ ਚਲੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ।

**ਮੰਤਰੀ**: ਇਸ ਵਿਚ ਟੈਕਨੀਕਲ ਮਸ਼ਕਲਾਤ ਆ ਗਈਆਂ। ਫਿਨਾਂਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਕੁਛ ਇਤਰਾਜ਼ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੈਟਲਮੈਂਟ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਦੇਰ ਲਗ ਗਈ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਤਕ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਸਾਫ ਹੀ ਹੋ ਗਏ ਹਨ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਕੀ ਮਾਨਯੋਗ ਮੰਤਰੀ ਇਹ ਨਿਸਚਾ ਦਿਵਾਉਣਗੇ ਕਿ ਅਗੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਇਹ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਏਗੀ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਾਡਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਗੱਲ ਦੋਬਾਰਾ ਤਾਂ ਰਿਪੀਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿਤੀ ਜਾਏਗੀ।

---

### Opening of Industrial Training Institute at Amb in Tehsil Una, District Hoshiarpur

***8869. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Chief Minister with reference to the reply to Starred Question No. 6887, included in the list of Starred Questions for 5th March, 1965 be pleased to state—

(a) whether a final decision to start an Industrial Training Institute at Amb in tehsil Una, a backward hilly area, has since been taken ; if so, the time by which it is likely to be opened there ;

(b) whether the Government is aware of the fact that no such facility is available in the vast hilly areas of Gagret and Amb Blocks in Una Tehsil and there is a great demand for the same ;

(c) whether it is a fact that the Hilly Area Organisation in its report had recommended the opening of such an Institute at Amb or Gagret?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister) : (a) No.

(b) At present, three Industrial Training Institutes are already functioning at Talwara, Nangal and Hoshiarpur, which cater to the needs of hilly areas of Gagret and Amb blocks in Una Tehsil.

(c) Yes, at Amb.

**पंडित मोहन लाल दत्त**: यह जो हिल्ली एरिया आर्गेनाइज़ेशन ने सिफरिश की है कि अम्ब में इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट खोला जाये, क्या इन की सिफरिश पर सरकार ग़ौर करेगी या नहीं ?

**मन्त्री :** उन्होंने अम्ब में नया आई. टी. आई. खोलने को मान लिया है।

This was discussed at the meeting with the Chief Minister on 13th May, 1965 where the Development Commissioner was also present. In this meeting the setting up of I.T.I. at Amb was dropped due to the fact that consequent upon the reduction of seats from 21,000 to 10,000 the number of I.T.Is. to be opened in the Fourth Plan was also reduced to 25. However, final sanction of the Government for opening 11 new I.T.Is is still awaited.

उन्होंने आर्गनाईज़ेशन की सिफारिश को मान लिया था, लेकिन इस का यह टैक्नीकल पहलू था।

———

**Industrial concerns in which Government have invested in Shares**

***8897. Comrade Ram Piara** : Will the Chief Minister with reference to the reply to Unstarred Question No. 2874 included in the List of Questions for 11th October, 1965, be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some of the Directors of different concerns appearing at numbers 1 to 7 mentioned in Part (b) of the said reply have been on the black-list of the Industries Department/Punjab Government ; if so, their names, the names of the concerns of which they are Directors at present and the date/dates when their names were brought on the black-list together with the date of removal of their names from the black-list ;

(b) the circumstances under which names were brought on the black-list ;

(c) whether the statement, black-listing the said persons was circulated to the different offices of the Industries Department or other Government Departments concerned, ; if so, when; if not, the reasons therefor ; ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister)

(a) No. (b) and (c) Does not arise.

**कामरेड राम प्यारा :** क्या मैं ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर साहिब से पूछ सकता हूं कि उन्होंने इस में कोई भी तरीका अख्तयार नहीं किया तो मैं किस तरह मान लूं कि यह जो आईटम नम्बर 5 पर सरदार रौनक सिंह का नाम है जो भारत ट्यूब फैक्टरी को रिप्रिज़ेंट करते हैं। क्या वह ब्लैक लिस्ट पर नहीं रहे ?

**उद्योग तथा पहाड़ी क्षेत्र उप मन्त्री :** जो ऐसी फर्म होती है उन के खिलाफ 4 किस्म का एक्शन लिया जाता है। एक तो यह कि उसे एपरूव्ड फर्मों की लिस्ट से रिमूव कर दिया जाता है दूसरे उसे ब्लैक लिस्ट कर दिया जाता है। तीसरे उस के खिलाफ इन्क्वायरी के दौरान माल लेना सस्पैंड कर दिया जाता है चौथे उस फर्म से बिज़नस खत्म कर दिया जाता है। जहां तक रौनक सिंह एण्ड कम्पनी का ताल्लुक है इस को गवर्नमैंट आफ इंडिया ने सन् 1962 में सस्पैंड किया और उन के खिलाफ इन्क्वायरी शुरू की उस वक्त हम को उन्होंने इत्तलाह दे दी। मगर गवर्नमैंट के बेसिक एग्रीमैंट्स हैं उन के मुताबिक जब फर्म के खिलाफ एक्शन लेते हैं तब उस को ब्लैक लिस्ट किया जाता है। 1964 में गवर्नमैंट आफ इंडिया ने एक्शन लिया। जो लिस्ट शाया की उस में रौनक सिंह एंड कम्पनी का नाम

[उप मन्त्री]
फिर शामिल करके की गई। जो इन्क्वायरी की गई उस में फर्म के खिलाफ कोई बात नहीं आती इसलिये उस फर्म का नाम दुबारा आया और पंजाब सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया।

**कामरेड राम प्यारा :** मन्त्री महोदय ने बताया था कि 1963 में सस्पेंड किया गया था। मैं पूछना चाहता हूं कि आया उस वक्त कोई मयाद मुकर्र की गई थी कि वह कितने अरसे तक ब्लैक लिस्टड रहेंगे और क्या उस पीरियड के गुजर जाने के बाद उन का नाम इनक्लूड किया गया था।

**उप-मन्त्री :** 1963 में उन्हें सस्पैंड किया गया था ब्लैक लिस्ट नहीं किया गया था। इस लिए पीरियड वगैरा फिक्स नहीं किया गया था।

**श्री मंगल सेन :** मन्त्री महोदय ने बताया है कि केन्द्रीय सरकार ने उन्हें सस्पेंड किया था। मगर 1964 में उन का नाम फिर आ गया है। मैं सपैसिफिकली पूछना चाहता हूं कि क्या गवर्नमैंट आफ इंडिया ने उन को निर्दोश करार दिया था और उस के बाद उन का नाम इनक्लूड किया है।

**Minister for Transport and Elections :** The order, dated 17th February, 1963 was for suspension and not for black-listing.

**श्री मंगल सेन :** मंत्री महोदय ने गोल सा जवाब दिया है। मैंने सपैसिफिकली पूछा था कि क्या गवर्नमैंट आफ इंडिया ने उस फर्म को निर्दोश करार दे दिया था।

**उद्योग तथा पहाड़ी क्षेत्र उप-मन्त्री :** उन को सस्पेंड पंजाब सरकार ने नहीं किया था बल्कि हिन्द सरकार ने किया था और चूंकि हिन्द सरकार ने बाद में इंटीमेट कर दिया था इस लिए पंजाब सरकार ने कोई ऐक्शन नहीं लेना था।

**कामरेड राम प्यारा :** क्या यह हकीकत है कि सैंट्रल गवर्नमैंट ने पंजाब सरकार को लिखा था कि रौनक सिंह एंड कम्पनी के साथ पंजाब सरकार डीलिंग न रखे। पंजाब सरकार ने इस के बावजूद भी उन को रुपया ऐडवांस किया जब कि फाईनेंस डिपार्टमैंट ने रोका था कि उन को रुपया मत ऐडवांस करो।

**परिवहन तथा निर्वाचन मन्त्री :** इस सवाल के लिये अलहदा नोटिस दीजिये।

---

**Allocation of Controlled Commodities to a certain Firm at Chandigarh**

*8898. **Comrade Ram Piara** . Will the Chief Minister with reference to the reply to Starred Question No. 8526 included in the list of Questions for 11th October, 1965 be pleased to state—

(a) whether the enquiry report which was being processed and examined as stated in reply to part (c) of the said question has since been finally processed and examined ; if so, when together with the result thereof, if not, finally processed or examined, the reasons therefor ;

(b) whether as a result of checking by the Deputy Director, Industrial, Technical Expert Mechanical Engineering and A. D. I. Chandigarh referred to in part (f) of the said reply, it was found that the controlled commodities allotted to M/s Rakesh Industries, Chandigarh, mentioned in reply to part (b) of the

said question, had not been utilised properly, if so, the action taken in the matter ;

(c) the allocation, if any, made to M/s Rakesh Industries, Chandigarh over and above those indicated in Annexure III referred to in part (d) of the said reply together with the details of the quantity and its cost or value of Essentiality Certificate etc.

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister) :

(a) The detailed investigations by the police are in progress.

(b) The queststion of taking action will be considered after the completion of the inveitigations.

(c) Nil.

**कामरेड राम प्यारा** : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि डिप्टी डायरेक्टर इंडस्ट्रीज़ की इन्क्वायरी के बाद केस पुलिस के हवाले किया गया है।

**मन्त्री** : हां जी, उन की रिपोर्ट चली गई है और पुलिस के पास है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री**: पिछले सैशन में बताया गया था कि डायरेक्टर आफ इन्डस्ट्रीज़ इन्क्वायरी कर रहे हैं मगर अब कहा गया है कि पुलिस इन्क्वायरी कर रही है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या डायरेक्टर आफ इंडस्ट्रीज़ की इन्क्वायरी जारी है या बन्द कर दी गई है।

**मन्त्री** : जो डायरेक्टर आफ इंडस्ट्रीज़ ने रिपोर्ट दी थी उस की बिना पर जो बात थी वह D. I. G., Police को इन्वैस्टीगेशन के लिए भेज दी गई है।

**श्री मंगल सेन** : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि राकेश इंडस्ट्रीज़ चंडीगढ़ जिस के मालिक श्री हंस राज शर्मा हैं उस की इन्क्वायरी पुलिस में कब दी गई थी और वह कब तक पूरी होने की आशा है।

**मन्त्री** : कोशिश तो यह है कि जल्दी से जल्दी हो जाए।

**कामरेड राम प्यारा** : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि डिप्टी डायरेक्टर इन्डस्ट्रीज़ ने यह रिपोर्ट की थी कि यह केस पुलिस इन्वैस्टीगेशन के काबल है क्योंकि प्राइमा फेसाई केस एस्टैबलिश होता है।

**मंत्री** : हां जी, तभी तो पुलिस के हवाले करने की ज़रूरत पड़ी थी।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਹੰਸ ਰਾਜ ਸ਼ਰਮਾ ਉਹੋ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਐਮ. ਐਲ. ਸੀ. ਅਤੇ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਜਨਰਲ ਸੈਕਟਰੀ ਹਨ।

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਜੀ। ਮਗਰ ਰਾਕੇਸ਼ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਜ਼ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਕਿ ਪੁਲੀਸ ਇਨਵੈਸਟੀਗੇਸ਼ਨ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਗਿਲ**: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਕੋਲ ਪੂਰੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਪੈਂਡਿੰਗ ਵਿਚ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਅਕਿਊਜ਼ਡ ਦੀ ਵਲਦੀਅਤ ਵੀ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਹ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਨਾ ਦਸਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੀ ਇਲਾਜ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਵਖਾਇਆ ਜਾਵੇ ਲੇਕਿਨ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਲਈ ਮੈਂ ਐਸਾ ਕਰਨ ਨੂੰ ਵੀ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। ਜੇ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਜੋ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਲਿਖਿਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਫੇਰ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**श्री अध्यक्ष :** अगर आप मनिस्टर साहिबान की बोनाफाइडीज़ पर डाऊट करते हैं तो कल को आप की बोनाफाइडीज़ पर भी क्वैश्चन हो सकता है। यह हाऊस इस परीयेंपशन पर चलता है कि आप के सवाल के जवाब में मनिस्टर साहिब जो इन्फर्मेशन दें इस पर फरदर क्वैश्चन करना मुनासब नहीं। जो कुछ आप कहते हैं और जो मनिस्टर साहिब जवाब देते हैं वह सब हाऊस की प्रापरटी होती है।

(If the hon. Member doubts the bona fides of the hon. Minister, then next time his own bona fides can also be questioned This House proceeds on the presumption that whatever information is supplied by the Minister in reply to his question s correct and it is not proper to question its veracity. Whatever the hon. Member says and whatever information the hon. Minister supplies, become the property of the House).

**मंत्री :** मैं इस से ज़्यादा आनेस्ट और क्या जवाब दूं कि स्पीकर साहिब मैं यह पैड आप को देता हूं और आप मैम्बर साहिब को दिखा लें ।

**डा० बलदेव प्रकाश :** क्या वजीर साहिब बताएंगे कि श्री हंस राज शर्मा और चीफ मिनिस्टर साहिब के बीच जो लेटिस्ट पुलीटीकल डिवैलपमैंट हुई हैं उस को ध्यान में रखते हुए सरकार यह इन्क्वारी कब तक विदड्रा करने वाली है जिस तरह कि सैंट्रल गवर्नमेंट ने ब्लैक लिस्ट से नाम विदड्रा कर लिया था ?

**चौधरी इन्दर सिंह मलिक:** क्या यह ठीक है कि श्री हंस राज शर्मा के बारे में इत्तलाह इस विदहोल्ड की जा रही है क्योंकि वह कैरों ग्रुप की मीटिंग में शामिल नहीं हुए और वह अब आप के साथ मिले हुए हैं ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** It is a serious thing. The gentleman who has been referred to by the honourable Member is not present in the House. He is being brought into the picture un-necessarily. That is bad.

**कामरेड राम प्यारा :** यह जो डिप्टी डायरैक्टर आफ इन्डस्ट्रीज़ ने रिपोर्ट की है और जो अब तक पुलिस ने इन्वैस्टीगेशन की है उन के मुताबिक कौन कौन से आदमी इस स्कैंडल में शामिल हुए जाहिर होते हैं ?

**ਸਰਦਾਰ ਲਛੱਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਇਹ ਸਾਰੇ ਹੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ (ਸ਼ੋਰ)

**Mr. Speaker :** Will you please withdraw your remarks ? You have made an insinuation against an organisation which is not desirable. This has nothing to do with the Question. He may be a General Secretary or anything else.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ:** ਚਲੋ ਜੀ, ਉਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਚੰਗੇ ਵੀ ਹੋਣਗੇ ਤੇ ਕੁਝ ਬੁਰੇ ਹੋਣਗੇ .........

**Mr. Speaker** : Please withdraw your remarks. You have made some insiuuations against an organisation.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਚੰਗਾ ਜੀ, ਵਿਦਡਰਾ ਕੀਤਾ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਆਪਦਾ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਉਹ ਆਦਮੀ ਫਲਾਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਇਸ ਸਾਰੀ ਇਤਲਾਹ ਨੂੰ ਲਕੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦੱਸਣ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।

**Mr. Speaker** : This is no point of order.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। बजीर साहिब ने कहा है कि उन्हें उस जनरल सैक्टरी के नाम का पता नहीं और न ही उस के बारे में कोई सवाल उन के सामने है। मैं कहना चाहता हूं कि कि पिछले स्टार्ड क्वैश्चन नं0 8526 में जनरल सैक्टरी भी लिखा था और उन का नाम भी रैफर किया गया था तो क्या इस बात के होते हुए वज़ीर साहिब गल्त ब्यानी नहीं कर रहे हैं ?

**कामरेड राम प्यारा** : मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो डिप्टी डायरैक्टर आफ इन्डस्ट्रीज़ ने इन्क्वारी की है और अब पुलिस कर रही है उस के दौरान किन किन आदमियों के नाम ज़ाहर हुए हैं वह मेहरबानी कर के पैड से पढ़ कर बता दें ?

**मंत्री** : स्पीकर साहिब, चीफ मिनिस्टर साहिब चले गए हैं और यह महकमा उनका है। मैं जो जवाब दे रहा हूं वह सिर्फ पैड नोट से ही दे रहा हूं। यह जो डिटेल मैम्बर साहिब जानना चाहते हैं उन सारी बातों का मुझे पूरा पता नहीं और जज साहिब यहां बैठे हैं वह भी मेरे साथ ऐग्री करेंगे कि इन्क्वायरी के दौरान नही उन डिटेलज़ का पूछना बताना वाजब होगा।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਇਹ ਸਵਾਲ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ ਸਾਨੂੰ ਕਲ੍ਹ ਹੀ ਇਹ ਚਿੱਠੀ ਸਰਕੂਲੇਟ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਗਰੁਪ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਲਈ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੇ ਬਣਾਏ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਾਇੰਟ ਰਿਸਪਾਂਸੇਬਿਲਟੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਦਾ ਰੂਲੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਪਲੀ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਹ ਸਵਾਲ ਸੀ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ ਦਰੁਸਤ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ**: ਮੈਂ ਕੁਲੈਕਟਿਵ ਰਿਸਪਾਂਸੇਬਿਲਟੀ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਕਈ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਇਲਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

---

### Foreign Industrial Collaborations

*9174. **Sardar Balwant Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number and names of the foreign industrial collaborations which the Liaison Officer, Industries and the State Agent in Delhi has procured for the State during the year 1965-66 and expects to procure during 1966-67 :

(b) the number and names of new industrial projects which the department formulated and decided to execute during the last two years ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transport and Elections Minister) : (a) The Liaison Organisation in Delhi has been contacting Embassies, Economic Consuls, Trade Representatives of foreign countries as well as representatives of foreign collaborates in India in regard to collaboration for a various projects sponsored by the State Government e.g., pig iron, power tillers, heavy electricals, steel castings etc., Out of these, the case of Pig Iron Project along has reached the final stage, while others including the selection of collaborators, are under consideration ;

(b) A list of public sector and State sponsored industrial projects the industries Department has had in hand for the last two years is enclosed. A preliminary start to sponsor these projects for licencing, except the power tillers and Oscilloucope projects, was made in 1963, but the detailed planning for setting up all the various projects under taken during the years 1964 and 1965 is still in progress.

**List showing the public sector and State Sponsored Industrial Projects—**

1. Pig Iron.
2. Seamless Tubes.
3. Machine Tools.
4. Steel Forgings.
5. Heavy Electricals
6. Power Till rs.
7. Oscilloscope.
8. Steel Castings.

**Sardar Balwant Singh** : I would like to know specifically as to what are the hurdles before the Government for the completion of these Projects and also the total expenditure which the Punjab Government is incurring for the maintenance of the Liaison Officer.

**श्री अध्यक्ष** : अगला स्ताल श्री फतेह चन्द का है। इसके वारे में मेरे पास सरदार अजमेर सिह जी से रिक्वैस्ट आई है कि यह स्वाल चीफ मिनिस्टर साहिब को रिलेट नहीं करता यह उनका है और चूकि जवाब देने के लिये आज उन का दिन नहीं है। इस लिए अगले दिन के लिए जब उनकी टर्न हो पोस्टपोन कर दिया जाए।

So this Question will be taken up on the proper day.

(The next question is by Shri Fateh Chand Vij. In this connection I have received a request from Sardar Ajmer Singh that since that question relates to him and not to be Chief Minister and that today was not his turn to answer questions that question be postponed till his turn to answer questions comes. So this question would be taken up on the proper day).

**Sardar Balwant Singh** : May I know, Sir, whether my Question has been postponed ?

**Mr. Speaker** : No, please.

**Sardar Balwant Singh** : May I know whether my question has also been postponed ?

**Mr. Speaker** : I am sorry, not.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : You had been pleased to call Shri Fateh Chand Vij to put his question. Has his question been postponed ?

**Mr. Chairman** : His question will be taken up on the appropriate date.

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

### Officials working on deputation to the Pepsu Road Transport Corporation, Patiala

*8834. **Comrade Bhan Singh Bhaura** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total number and names of the employees of other departments working on deputation at present in the administrative section of the Pepsu Road Transport Corporation, Patiala ;

(b) the grade of pay of each of the said employees in his parent department together with his present grade of pay ;

(c) the date from which each of the said employees has been working in the said administrative section, and the reasons for keeping them on deputation?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a), (b) and (c) A statement is laid on the Table of the House.

ANNEXURE 'A'

STATEMENT

(a) (1) Shri Raj Krishan Khanna, General Manager.
(2) Shri Om Parkash Bhardwaj, Chief Accounts Officer.
(3) Shri Siri Ram, Resident Auditor.
(4) Shri Wishan Dass Bhatia, Office Superintendent.
(5) Shri Om Parkash Dhundia, Assistant Accountant.
(6) Shri Om Parkash Moudgil, Assistant Accountant.
(7) Shri Jagdish Ram, Record Lifter.

(b) *Grade.—*

| | *In parent Department* | *Present* |
|---|---|---|
| 1. | Rs 600—40—800—40—920—40—1000—50—1200 | Rs 600—40—800—40—920—40—1000—50—1200 *plus* 20 percent deputation pay |
| 2. | Rs 250—25—500/30—650 .. | Rs 250—25—750 |
| 3. | (i) Rs 175—15—295/15—400 (Substantive)<br>(ii) Rs 200—15—380/20—500 (Officiating) | The Corporation scale for S.A.S. is 200—15—380/20—500 but the present incumbent has been allowed substantive scale of Rs 175—15—295/15—400 *plus* 20 per cent deputation allowance as per terms of deputation |
| 4. | Rs 300—20—400 .. | Rs 300—20—400 plus 20 per cent deputation allowance on substantive pay i.e., Rs 250. |
| 5. | Rs 80—5—150 .. | Rs 100—10—250 |
| 6. | Rs 60—4—80/5—120/5—175 .. | Rs 100—10—250 |
| 7. | Rs 30—½—35 .. | Rs 30—½—35 |

(c) (1) 2nd February, 1963 (Now under orders of transfer)
(2) 14th November, 1963.
(3) 31st October, 1962.
(4) 15th December, 1965.
(5) 16th October, 1956.
(6) 31st October, 1956.
(7) 21st November, 1957.

Their retention is in the interest of the Corporation.

**Complaint against the Samundri Transport Co., Private, Ferozepore**

*8866. **Sardar Gurcharan Singh** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state whether he has received any intimation from the Sub-Divisional Magistrate , Faridkot, district Bhatinda, regarding complaints made to him about over-charging of fares by the New Samundri Transport Company (P) Ltd.,, Ferozepur during the India-Pakistan conflict ; if so, the action so far taken thereon?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (i) No.

(ii) Does not arise.

---

**Punjab Roadways Bus Stand, Amritsar**

*8919. **Shri Balramji Das Tandon** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total expenditure incurred on the Punjab Roadways Bus Stand Amritsar and the income derived therefrom upto date, under different heads separately ;

(b) whether it is a fact that Rickshaws and Tongas have to pay for entry into the premises of the said Bus Stand inspite of the fact that rickshaws and tongas in Amritsar ply after paying a licence fee, if so, the reasons for charging a fee for entering into the premises of the Bus Stand ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) Rupees 9,19,600 *plus* the cost of the land which is still to be determined.

(b) The rickshaws and tongas do not have to pay for entry into the premises of the bus stand. To exercise proper control, the rickshaws/tongas stand was leased-out, and a fee of 5 paise per trip or 25 paise per day per rickshaw and 10 paise per trip or 50 paise per day per tonga is charged per loaded out going rickshaw/tonga. by the leasee of the rickshaws/tongas stand.

---

**Income And Expenditure of Punjab Roadways etc.**

*8920. **Shri Balramji Das Tandon** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state the total income and expenditure of the Punjab Roadways, Pepsu Road Transport Corporation and the Kulu-Mandi Transport Corporation for the last three Financial Years ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : A statement is laid on the Table of the House

STATEMENT

PUNJAB ROADWAYS

| Year | | *Income* | *Expenditure* |
|---|---|---|---|
| 1962-63 | .. | 4,20,84,495 | 2,83,30,071 |
| 1963-64 | .. | 5,54,06,423 | 3,71,27,437 |
| 1964-65 | .. | 5,54,06,423 | 4,46,58,423 |

PEPSU ROAD TRANSPORT CORPORATION

| Year | | Income | Expenditure |
|---|---|---|---|
| 1962-63 | .. | 87,04,930 | 65,35,845 |
| 1963-64 | .. | 1,03,03,273 | 88,88,978 |
| 1964-65 | .. | 1,21,53,225 | 1,19,85,266 |

MANDI KULU ROAD TRANSPORT CORPORATION

| Year | | Income | Expenditure |
|---|---|---|---|
| 1962-63 | .. | 28,40,416 | 28,29,910 |
| 1963-64 | .. | 40,86,985 | 38,52,240 |
| 1964-65 | .. | 52,24,401 | 51,58,886 |

## Applications for Energising Tubewells

***8838. Shri Fateh Chand Vij** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total number of applications for energising tubewells received by the authorities during the period from 1st April, 1965 to 31st December, 1965 in the State, districtwise ;

(b) the total number of applications for energising of tubewells in respect of which electric connections were not given up to 31st March, 1965 ;

(c) the total number of tubewells energised from 1st April, 1965 to 31st December, 1965 district-wise ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) District-wise information is not maintained.

However Division-wise information is laid on the Table of the House.

(b) 14,923.

(c) Statement is laid on the table of the House.

**The Division-wise split up of applications for Agricultural Connections received during the period from 1st April, 1965 to 31st December, 1965**

| Serial No. | Name of Division | | Number of applications received |
|---|---|---|---|
| 1 | Amritsar | .. | 380 |
| 2 | Tarn Taran | .. | 378 |
| 3 | Batala | .. | 538 |
| 4 | Dharamsala | .. | 2 |
| 5 | Gurdaspur | .. | 335 |
| 6 | Joginder Nagar | .. | .. |
| 7 | Jullundur/East | .. | 311 |
| 8 | Jullundur/West | .. | 968 |
| 9 | Phagwara | .. | 859 |
| 10 | Hoshiarpur | .. | 667 |
| 11 | Ferozepur | .. | 598 |
| 12 | Ludhiana City -1 | .. | 338 |
| 13 | Ludhiana Suburban-2 | .. | 393 |
| 14 | Moga | .. | 660 |
| 15 | Muktsar | .. | 175 |
| 16 | Ganguwal | .. | 46 |
| 17 | Dhulkot-2 | .. | 740 |

[Transport and Elections Minister]

| Serial No. | Name of Division | | Number of applications received |
|---|---|---|---|
| 18 | Ambala-I | .. | 1,393 |
| 19 | Chandigarh | .. | 30 |
| 20 | Solan | .. | 11 |
| 21 | Karnal | .. | 1,333 |
| 22 | Hissar | .. | 733 |
| 23 | Bhiwani | .. | 472 |
| 24 | Panipat | .. | 697 |
| 25 | Delhi | .. | 262 |
| 26 | Faridabad | .. | 169 |
| 27 | Gurgaon | .. | 1,017 |
| 28 | Rohtak | .. | 265 |
| 29 | Patiala | .. | 364 |
| 30 | Rajpura | .. | 362 |
| 31 | Nabha | .. | 560 |
| 32 | Khanna | .. | 598 |
| 33 | Sangrur | .. | 671 |
| | Total | .. | 16,295 |

**ANNEXURE 'B'**

STATEMENT

TUBEWELLS ENERGISED FROM 1.4.65 to 31.12.65.
District-wise

| Serial No. | Name of District | | Tubewell connections given from 1-4-65 to 31-12-65 |
|---|---|---|---|
| 1 | Patiala | .. | 357 |
| 2 | Sangrur | .. | 370 |
| 3 | Ambala | .. | 550 |
| 4 | Karnal | .. | 1,188 |

| Serial No. | Name of District | | Tub well connections given from 1-4-65 to 31-12-65 |
|---|---|---|---|
| 5 | Rohtak | .. | 328 |
| 6 | Hissar | .. | 211 |
| 7 | Gurgaon | .. | 559 |
| 8 | Mohindergarh | .. | 254 |
| 9 | Ludhiana | .. | 626 |
| 10 | Ferozepur | .. | 3 1 |
| 11 | Bhatinda | .. | 1[illegible]0 |
| 12 | Amritsar | .. | 599 |
| 13 | Gurdaspur | .. | 427 |
| 14 | Kangra | .. | 3 |
| 15 | Kulu | .. | 2 |
| 16 | Jullundur | .. | 639 |
| 17 | Kapurthala | .. | 294 |
| 18 | Hoshiarpur | .. | 348 |
| | Total | .. | 7,236 |

**Tubewell connections applied for up to 31st October, 1964**

***8839. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the Government had announced that electric connections would be provided by 31st March, 1965 to those tubewells applications in respect of which had been received up to 31st October, 1964 ;

(b) whether all the tubewells mentioned in part (a) above have been energised, if not, the total number of applications with the authorities as on 31st October, 1964 and the number of such applicants who have been given tubewell connections ;

(c) whether the Government has taken any action against the officials of the Punjab State Electricity Board who have not given connections to the tubewells in accordance with the announcement referred to in part (a) above, if no action has been taken the reasons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) No.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

**Electrification of Village Nihal Singhwala, district Ferozepur**

***8864. Sardar Gurcharan Singh :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state whether he received any application for the electrification of village Nihal Singhwala a pocket village in district Ferozepur, if so, the steps so far taken by the authorities for the electrification of the said village?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** No such application has been received. Apart from this, Nihal Singhwala is not a pocket village in the sense that no 11 kV line connecting other villages passes by or around it.

---

**Electric Connection for Tube-wells**

***8959. Sardar Balwant Singh :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state —

(a) the total number of tubewells where motors have been fitted and pumps have been bored but which are not working due to lack of electric connections in the State ;

(b) the proposal, in detail, if any, of the Electricity Board to energise the said tube-wells and the period within which these are proposed to be energized ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) 3,923.

(b) The Board has fixed a target to energise as many as 11,000 Tube-wells during 1965-66 and the connections are being given in turn subject to availability of material and funds.

---

**Villages in Tehsil Zira, district Ferozepore affected by Indo-Pakistan Conflict**

***8954. Sardar Balwant Singh :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state —

(a) whether Government has recently received a representation from the residents of Bharan, Kohala, Hamiawala and Borawali of Tahsil Zira, district Ferozepore, stating *inter alia* that these villages are within a distance of 10 miles from the International border with Pakistan ; if so, the details of the said representation ;

(b) whether Government have in view of the fact that the said villages are within a radius of 10 miles from the International border taken steps to provide relief and rehabilitation facilities to the residents of the said villages in accordance with the policy enunciated by it after the Indo-Pakistan hostilities ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) Yes, a copy of the representation, dated the 13th January, 1966 is placed on the Table of the House.

(b) Yes, relief in the form of full remission of land revenue and abiana has been granted in respect of these four villages and the recovery of Government dues, e.g. taccavi loans has also been stayed till further orders.

To

The Hon'ble Minister for Relief and Rehabilitation, Government of Punjab, Chandigarh.

*Subject.*—Application for remission of land revenue and abiana and stay of the realisation of the same in villages of (1) Bharana, (2) Kohala, (3) Hamidwala Uttarh, and (4) Borawali, tehsil Zira, district Ferozepur.

It is most respectfully submitted as under :—

1. That the applicants are residents of Tehsil Zira in Ferozepore District and represent the villages of (i) Bharana, (ii) Kohala, (iii) Hamidwala Uttarh, and (iv) Borawali.

2. That all the four villages stated above are situated within a distance of less than 8 miles from the international border between India and Pakistan.

3. That the whole of this area has been seriously affected by the recent war between the two countries. Crops have been damaged considerably due to action of the enemy, movement of troops and lack of irrigation water.

4. That, the State Government,—*vide* its notification No. 7125-26 W 65 dated 1st October, 1965 has issued instructions to the Deputy Commissioner, concerned that in the case of villages situated within a distance of 10 miles from the international border in the districts of Ferozepore and Amritsar, full remission of land revenue and abiana is to be sanctioned.

5. That in the case of all the villages situated within a distance of 10 miles from the border in tehsil Ferozepore, the authorities have included these villages in the list of villages prepared for sanctioning full remission of land revenue and abiana. Some of the villages in Ferozepore Tehsil, which have been included in this 10 miles belt of operational villages are more distant from the international border than the villages of the applicant, e.g. village Ratta Khera Gulab Singh is situated at a distance of about 10 miles whereas the distance of Bharana from the border is only 8 miles. Similar is the case with village Sur Singh Wala and Faridwala.

6. That all the villages of Ferozepore tehsil falling within this 10 miles belt of operational villages have been included in the list for the purpose of sanctioning full remission of land revenue and abiana without any exception, whereas no village from Zira Tehsil has been included in this list inspite of the fact that villages of Zira tehsil stated above are similarly situated within 10 miles belt of operational villages.

7. That the applicants have approached the Deputy Commissioner, Ferozepore more than once for the said purpose but he has, without any reason flatly declined to give the relief prayed for.

8. That this treatment being meted out to the applicants at the hands of the Deputy Commissioner, Ferozepur, is purely arbitrary and discriminatory. There is absolutely no justification in denying the same relief to the applicants villages which have been already granted to other similarly situated villages in the Ferozepore Tehsil. Instead thereof, the authorities are compelling the people of these villages to immediately pay all these dues on account of land revenue and abiana, and are being harassed by the authorities.

9. That in addition to the loss caused to the crops in these villages due to the recent war and lack of irrigation water, the crops have been futher damaged considerably due to the absolute failure of rain fall in the district, and under the circumstances, the agriculturists residents of these villages, have been rendered penniless and they have no provisions to live upon and to feed their dependents and cattle.

10. That in view of the above circumstances, the residents of these villages cannot survive unless the State Government help them effectively by sanctioning the full remission of land revenue and abiana and granting them loan facilities at easy terms.

It is, therefore, respectfully prayed, that the above stated villages of Zira Tehsil, i.e., Bharana, Kohala, Hamidwala, Uttarh and Borawali may kindly be ordered to be included in the list of operational villages situated within a distance of 10 miles from the border and full remission of land revenue and abiana may kindly be granted. The realisation of the dues on account of land revenue and abiana may kindly be stayed with immediate effect.

Thanking you,

Yours faithfully,

(Sd.)- Autar Singh.

Dated 13th January, 1966.

(Sd.)- Balwant Singh.

---

**Nihalsinghwala-Ramgarh Road in district Ferozepore**

***8862. Sardar Gurcharan Singh :** Will the Minister for Public Works be pleased to state the time by which the Nihalsinghwala Ramgarh road in district Ferozepore is scheduled to be completed ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** The road is likely to be completed in the Fourth Plan subject to availability of funds.

---

**Roads proposed to be constructed in Hoshiarpur District during the Fourth Five-Year Plan Period**

***8891. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Minister for Public Works be pleased to state —

(a) the names of the roads proposed/decided to be constructed in Hoshiarpur District during the Fourth Five-Year Plan period ;

(b) the names of the village approach roads intended to be taken up in the said district during the said period ;

(c) whether the hilly area of tehsil Una, at present having inadequate and unsatisfactory means of communication, has been given special and preferential treatment in this respect in the said Plan ; if so, the details of the allocation of funds made for this purpose ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (a) and (b) Fourth Plan proposals for Roads have not yet been finalised.

(c) Allocation of funds are not made tehsilwise. Hill Areas as a whole are being given due weightage.

---

**Karnal-Kachhwa-Sambhali Kaul Road**

***8894. Comrade Ram Piara :** Will the Minister for Public Works be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the construction of the Karnal Kachhwa-Sambhli Kaul Road was sanctioned in the year 1964 ; if so, the total amount so far sanctioned for its construction ;

(b) whether any request or communication from any Legislator of Karnal District for allotment of more funds for the construction of the said road has been received by the Public Works Minister ; if so, the contents thereof ;

(c) the total estimated cost of construction of the said road together with the mileage to be constructed according to the present sanction ;

(d) the progress of work so far made on the said road together with the approximate amount so far spent thereon ;

(e) the number of miles on which construction work is now being done and the mileage expected to be completed by the end of financial year 1965-66 ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (a) Yes. Total amount sanctioned for the years 1964-65 and 1965-66 is Rs 10,000 and Rs 17,000 respectively.

(b) Yes. A copy of the communication is laid on the table of the House.

(c) Estimated cost of the Road is Rs 20,00,000 with a total mileage of 20 miles.

(d) Earthwork in mile 1.5 is in progress. Bridges and culverts in first two miles are nearing completion. Stone metal is also being collected in first two miles. A sum of Rs 45,500 has been spent by diverting funds from other works.

(e) Work in first five miles is in progress. Earthwork and collection of bricks completed in first five miles during the current financial year. Bridges and culverts and collection of stone metal is likely to be completed in first two miles during the current financial year.

*Copy of letter dated the 2nd December, 1965, from Shri Ram Piara Comrade, M.L.A., addressed to Ch. Ranbir Singh, Public Works Minister, Punjab, Chandigarh*

*Subject.*—Allocation of funds for Karnal-Kachhwa-Sambhli-Kaul Road.

The Karnal-Kachhwa-Sambhli-Kaul Road was budgetted in the Budget Session of 1964. The amount was sanctioned only Rs 10,000 though the total cut for the road was twenty lakhs. Again in the current year an amount of Rs 17,000 was budgetted. I had requested the Government and Chief Engineer, Punjab and I was assured that some more money shall be spent on it. I presume that the same must have been done as people of the area have started feeling that some work has been started on this road. This road is very important. This is an old one as the road used to be maintained by the District Board, but the same was a kacha one. The people of this area and myself along with some others have laboured hard for this road and now it is for you to get some good amount not less than five six lakhs in the next budget.

You fully know that Haryana has been and perhaps now is being not given proper share though it deserves more so as to bring it at par with other more advanced and developed districts and hence this road remained neglected for years together. Now the Department is with the Minister who belongs to Haryana. Besides any favourable consideration, even on merit this road deserves at least five six lakhs in the coming budget. Hope that you shall be good enough to do your best as your little effort shall help a thickly populated area.

Hoping to be favoured with a line in reply.

---

**Construction of Bypass in Amargarh on Nabha-Malerkotla Road**

***8928. Comrade Bhan Singh Bhaura :** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to construct a Bypass in Amargarh on the Nabha-Malerkotla road ; if so, the time by which the construction thereof is likely to be completed ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** No, Sir.

---

**Construction of Ganaur-Shahpur Road in Sonepat and Gohana Tehsils**

***9122. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Minister for public Works be pleased to state—

(a) the year in which the construction of the Ganaur-Shahpur Road in tehsil Sonepat and Gohana was approved ;

(b) the total amount originally sanctioned for the construction of the said road together with the total amount spent thereon up to 31st January, 1966 ;

(c) the reasons for which the construction of the said road has not yet been completed, together with the approximate date by which it is likely to be completed ;

(d) the time by which the bridge on the Western Jamuna Canal near Khubru Fall is likely to be constructed for regular traffic on this road ;

(e) whether the said bridge is to be constructed by the Buildings and Roads Branch or the Irrigation Branch ;

(f) whether the estimate for the construction of the said bridge has since been sanctioned ;

(g) the total length of the bridge and how much of it has since been completed ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (a) In the year 1956.

(b) Total amount sanctioned for the work is Rs 4,47,500 and the amount spent thereon up to 31st January, 1966 is Rs 4.25 lakhs.

[Public Works Minister]

(c) The road has since been completed except for the bridges on the Western Jamuna Canal, Delhi Branch and parallel Delhi Branch.

(d) The bridge on Western Jamuna Canal is likely to be completed by 1967-68.

(e) By the Buildings and Roads Branch.

(f) Previously there was one canal for which an estimate amounting to Rs 85,900 was sanctioned. Later on a parallel Delhi Branch was constructed by the Irrigation Branch and the total estimate for both the bridges which run side by side is under preparation in B&R Branch.

(g) The total length of each bridge is about 100'. The work has not yet been started.

---

**Metalling of Gohana-Khanpur Kalan Road in tehsil Gohana district Rohtak**

***9123. Pandit Chiranji Lal Sharma** : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to metal the Gohana-Khanpur Kalan Road in tehsil Gohana, district Rohtak ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the metalling of the said road has been included in the Fourth Five-Year Plan ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, whether the work on the above-mentioned road is likely to be taken in hand in the 1st year of the said Plan ;

(d) whether any estimate of the total cost to be incurred on the said road has since been prepared, if so, the details thereof ?

**Chaudhri Ranbir Singh** : (a) Yes.

(b) It is proposed to be included in the tentative proposal of the Fourth Five Year-Plan .

(c) Efforts will be made to take up the works of tarring the roads at the earliest as Kankar soling was done by the Zila Parishad several years ago .

(d) The estimates are under preparation.

---

**Proposed construction of Ganaur-Datauli Road in Khadar Area of tehsil Sonepat**

***9124. Pandit Chiranji Lal Sharma** : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a provision had been made for the construction of the Ganaur-Datauli road in the Khadar Area of tehsil Sonepat under the scheme of relief works taken up in tehsil Sonepat last year ;

(b) whether it is also a fact that a sum of Rs 20,000 was originanally earmarked for the said Road but the scheme was subsequently changed or completely dropped, if so, the reasons for the same;

(c) whether there is still any proposal to construct the said road in the backward area of Khadar ;

(d) whether the Government propose to undertake the construction of the road from Ganaur to village Bega *via* Datauli if the residents of these two villages do the earth work on the road or otherwise make a contribution of Rs 5,000 per mile ;

(e) the length of the said road and the total cost likely to be incurred thereon ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (a) No. The Road from Ganaur to Datauli does not stand provided in the III Five-Year Plan under any scheme. However, a Road from G.T. Road to Datauli measuring 2.5 miles was included in the original proposals of various flood relief works during the year 1964-65.

(b) Yes. A sum of Rs 20,000 was provided during 1964-65 but it was later on dropped during that year.

(c) There is no proposal to include this road in the IV Five-Year Plan.

(d) If the residents of the area contribute 25 per cent of the cost of the road, it can be considered for inclusion in IV Plan under the Village Road Co-operative Development Scheme.

(e) The length of the road will be 4.50 miles and is likely to cost Rs 2.70 lakhs, and villagers share will be Rs 67,500.

---

## UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Enquiry into certain allegations levelled by 'Dastak' fortnightly

3062. **Comrade Ram Piara :** Will the Minister for Home and Development with reference to the reply to Unstarred Question No. 2334 printed in the list of Unstarred Questions for 8th March, 1965 be pleased to state—

(a) the details of specific issue or issues mentioned in the communications laid on the Table of the House in reply to part (a) of the said question which were looked into by Shri Piara Lal, S.I. (Security), Shri G. S. Bhullar, D.S.P. and Shri Joginder Singh, S.I. (CID) referred to in part (c) of the said reply ;

(b) whether it is a fact that all the three enquiry officers mentioned above reported that the allegations levelled by the 'Dastak' fortnightly were incorrect ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) A statement of issues mentioned in the communications laid on the Table of the House in reply to part (a) of Unstarred Question No. 2334 printed in the list of Unstarred Questions for 8th March, 1965 is laid on the Table of the House.

(b) Yes.

Comrade Ram Piara, M.L.A. raised the following issues in his letter dated 10th December, 1964:—

(i) News item in the Dastak, dated 6th December, 1964, had alleged that some Goondas who enjoyed the patronage of Shri Ram Piara, M.L.A. had threatened the Editor of Dastak (Shri Tarlochan Singh) in case he did not stop writing against Shri Ram Piara. He asserted that the allegations though attributed to him, mainly concerned the law and order situation.

(ii) Shri Tarlochan Singh, Editor, has levelled the allegation to gain importance and for using it as Peshbandi against any future trouble.

(iii) He asserted that the allegations published in the said issue of the paper were false. He demanded an enquiry into the matter.

(iv) Sarvshri Tarlochan Singh, Kirpal Singh, M.C. and President, City Congress, Karnal, were getting financial help from certain Satta-Darra Gamblers.

(v) Shri Kirpal Singh appeared as a defence witness in a Satta-Darra Gambling case for Hukam Chand Kuki in the Court which rejected his evidence with the remarks that such evidences were available every-where at any time. Shri Kirpal Singh again made a statement in another court saying that he did not know Hukam Chand Kuki at all.

[Home and Development Minister]

(vi) About a month back Shri Kirpal Singh threatend a Satta- Darra Gambler in Sadar Bazar Area when Shri Tarlochan Singh was also with him. There was a good hue and cry . He understood that the Police held enquiries into the matter.

(vii) They have got no known soruces of income . They are seldom seen attending to their professions if they had any. If Shri Kirpal Singh had anything with him he would have paid the Government tax of his truck which was taken into possession by the Sales Tax Department. The Truck has been got released by him now. Some financiers must have paid the dues in respect thereto.

(viii) He requested for necessary action against the persons found guilty.

2. As regards specific issues mentioned in the communication sent by Comrade Ram Piara, M.L.A., on 16th January, 1965 the following points (Issues) were mentioned therein relating to paper Dastak , dated 10th January, 1965 :—

(i) Ali Baba Ram Piara's son and his Goonda associates threatened to kill the Editor', 'Dastak'.

(ii) Every body in Karnal very much regrets the assault on the students of Amritsar during last month . But Ram Piara is inflaming this incident to such an extent that he may get an opportunity to throw mud on the local officials

(iii) It may be remembered that during the past few days a capitalist who is a previous bad character on Bundle 'B' indulged in heavy smuggling along with his companion who is an owner of a flour mill, under their patronage. The information about this incident reached the authorities . The Civil Supply Officials raided the flour mill to seize the stock registers and other documents. But Ali Baba interfered and the Civil Supply officials became helpless. They also sought police help but Ram Piara interfered and prevented the police from discharging their duties by mentioning the name of Sardar Darbara Singh, Home Minister.

---

**Stay of officers /officials of Industries Department at Canal Rest House, Delhi**

3063. **Comrade Ram Piara:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any officers/officials of the Industries Department stayed in the P.W.D. Canal Rest House, Delhi (Alipur Road) during the period from 1st October, 1960 to date; if so, their names together with the dates in each case when they stayed ;

(b) the amount of Rent/Electricity charges paid by each of the said officers/officials during the period of their stay at the said Rest House ;

(c) whether the visits by the said officers/officials were shown by them as official or private visits , stating the details of each visit ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : Yes. The following officers/officials stayed in the P.W.D. Canal Rest House, Delhi during the period noted against each. The visitors register for the period 1st October, 1960 to August, 1961 seems to have been lost, and information for this period can not be supplied.

(b) The statement regarding the amount paid by the officers/officials is given below:.

(c) On duty . The details of their visit were not indicated.

STATEMENT

| (b) Name of visitor | Designation | Date From | Date To | Amount paid by the officers/ officials |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs |
| Shri A. C. Kohli .. | Joint Director, Industries | 12-9-61 | 15-9-61 | 14·25 |
| | | 18-1-62 | 21-1-62 | 6·37 |
| | | 5-2-62 | 6-2-62 | 2·12 |
| | | 25-3-62 | 26-3-62 | 2·12 |
| | | 29-3-62 | 30-3-62 | 4·25 |
| | | 22-4-62 | 23-4-62 | 3·37 |
| | | 17-6-62 | 18-6-62 | 3·37 |
| | | 20-6-62 | 21-6-62 | 3·37 |
| | | 27-6-62 | 29-6-62 | 6·75 |
| | | 18-8-62 | 20-8-62 | 10·12 |
| | | 24-8-62 | 25-8-62 | 6·75 |
| | | 11-9-62 | 13-9-62 | 6·75 |
| | | 24-10-62 | 26-10-62 | 4·27 |
| | | 30-10-62 | 31-10-62 | 2·37 |
| | | 17-11-62 | 17-11-62 | 2·37 |
| | | 26-11-62 | 26-11-62 | 2·37 |
| | | 20-12-62 | 20-12-62 | 2.37 |
| with three persons | | 23-12-62 | 27-12-62 | 26.00 |
| | | 4-5-63 | 7-2-63 | 7.75 |
| | | 10-11-63 | 10-11-63 | 2.37 |
| Shri G. R. Bhai .. | Ditto | 17-9-61 | 18-9-61 | 3.37 |
| Shri G. R. Bhai with Shri A. C. Kohli | Ditto | 5-1-62 | 6-1-62 | 2.12 |
| | | 6-1-62 | 7-1-62 | 4.25 |
| Shri G. R. Bhai | Ditto | 19-2-62 | 23-2-62 | 8.50 |
| | | 19-3-62 | 20-3-62 | 2·12 |
| | | 31-3-62 | 1-4-62 | 2·12 |
| | | 14-6-62 | 15-6-62 | 3·37 |
| | | 17-6-62 | 18-6-62 | 3·37 |

[Irrigation and Power Minister]

| Name of visitor | Designation | Date From | Date To | Amount paid by the officers./officials |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs |
| | | 12-9-62 | 13-9-62 | 6·75 |
| Shri S. P. Jain .. | Joint Director, Industries | 11-7-62 | 13-7-62 | 6·75 |
| | | 8-8-62 | 9-8-62 | 3·37 |
| | | 30-8-62 | 31-8-62 | 3·37 |
| | | 9-11-62 | 10-11-62 | 2·37 |
| | | 22-3-63 | 23-3-63 | 2·37 |
| | | 23-4-63 | 25-4-63 | 6·75 |
| | | 26-7-63 | 28-7-63 | 7·25 |
| | | 18-8-63 | 21-8-63 | 10·87 |
| | | 1-9-63 | 3-9-63 | 7·25 |
| | | 24-9-63 | 25-9-63 | 3·62 |
| Shri S.P. Jain with Shri Baldev Kapur | Ditto | 3-10-63 | 3-10-63 | 10·50 |
| Shri S. P. Jain .. | Ditto | 6-12-63 | 7-12-63 | 2·37 |
| Shri S. P. Jain with Shri Sukh Dev | Ditto | 14-12-63 | 15-12-63 | 4·75 |
| Shri S. P. Jain .. | Ditto | 27-12-63 | 28-12-63 | 2·37 |
| | | 8-1-64 | 10-1-64 | 4·75 |
| | | 7-2-64 | 11-2-64 | 9·50 |
| | | 14-2-64 | 18-2-64 | 9·50 |
| | | 17-6-64 | 18-6-64 | 3·62 |
| Shri P. N. Sahni .. | Director, Industries | 11-7-62 | 13-7-62 | 6·75 |
| | | 10-2-63 | 11-2-63 | 3·75 |
| Shri Baldev Kapur .. | Joint Director, Industries | 7-10-62 | 8-10-62 | 3·62 |
| | | 16-1-63 | 16-1-63 | 2·37 |
| | | 10-2-63 | 12-2-63 | 4·75 |
| | | 7-3-63 | 9-3-63 | 4·75 |
| | | 3-6-63 | 4-6-63 | 3·62 |

| Name of visitor | Designation | Date From | Date To | Amount paid by the officers/ officials |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs |
| | | 26-7-63 | 30-7-63 | 14·50 |
| | | 1-8-63 | 3-8-63 | 10·50 |
| | | 24-9-63 | 25-9-63 | 3·62 |
| | | 28-11-63 | 29-11-63 | 4·75 |
| | | 15-1-64 | 16-1-64 | 4·75 |
| | | 20-3-64 | 22-3-64 | 4·75 |
| | | 30-3-64 | 31-3-64 | 2·37 |
| | | 10-6-64 | 11-6-64 | 3·62 |
| | | 13-6-64 | 14-6-64 | 3·62 |
| Shri L. R. Mago .. | Joint Director, Industries | 25-2-63 | 26-2-63 | 3·75 |
| | | 7-3-63 | 9-3-63 | 4·75 |
| | | 15-3-63 | 18-3-63 | 7·12 |
| | | 4-4-63 | 6-4-63 | 4·75 |
| Shri L. R. Mago with Shri Ravinder Nath Adviser State Export Corporation | Ditto | 25-4-63 | 28-4-63 | 14·25 |
| | | 18-5-63 | 20-5-63 | 10·50 |
| | | 1-11-63 | 3-11-63 | 9·50 |
| Shri S. S. Gill .. | Technical Expert, Industries | 23-3-63 | 24-3-63 | 2·37 |
| Shri S. S. Gill with Shri A. C. Kohli Joint. Director, Industries | Ditto | 2-5-63 | 3-5-63 | 5·25 |
| Shri I. E. N. Chauhan .. | Director, Industrial Training | 23-6-65 | 25-6-65 | 7·25 |
| | | 26-7-65 | 29-7-65 | 10·87 |
| | | 3-11-65 | 7-11-65 | 9·50 |
| | | 18-11-65 | 21-11-65 | 7·12 |
| | | 6-12-65 | 7-12-65 | 2·37 |
| | | 23-1-66 | 24-1-66 | 2·37 |

**Cases against Sarpanch of Panchayat Nighdu. District Karnal**

3064. **Comrade Ram Piara :** Will the Minister for Home and Development with reference to the reply to Unstarred Question No. 2888 included in the list of questions for 11th October, 1965 be pleased to state—

(a) whether the investigation of the case F.I.R. No. 230 under section 409, I.P.C., Police Station Nisang, registered on 27th April, 1965, referred to in part (a) of the said reply has since been completed; if so, when, if not, the reasons for the same ;

(b) whether the challan of the said case has been put up in the court; if so, when, if not, the reasons for the delay ;

(c) in case the challan has been put up in the court, the names of the witnesses cited therein ;

(d) whether the hearing of the said case has been started ;

(e) the amount involved, as indicated by the B.D. & P.O., Nilokheri ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes. On 21st December, 1965.

(b) On investigation the case was found to be false and sent up for cancellation. The question of putting the case in court, therefore, does not arise.

(c & d) Does not arise in view of part (b) above.

(e) Rs 907.37 nP.

---

**Rice exported out of the State**

3065. **Comrade Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the total number of wagons of rice exported from the State during the period from 1st August, 1964 to 31st July, 1965, and 1st August, 1965 to date, district-wise ;

(b) whether any samples were taken from the said wagons of rice and analysed; if so, the names of the Laboratories where such analysis were held ;

(c) whether any allowance is charged/levied on the basis of the analysis of rice samples; if so, the formula for charging the allowance ;

(d) the total number of wagons the rice samples of which were got analysed in each Laboratory, laboratory-wise, during period mentioned in part (a) above ;

(e) the total amount of allowance levied/recovered/charged by each D.F.C. Office on the basis of the result of the analysis done by each laboratory of the respective district during the period mentioned in part (a) above district-wise/laboratory-wise. ?

**Shri Ram Kishan :** A statement containing the required information is laid on the Table of the House.

(a) **Statement showing the quantity of Rice exported out of the State**

| Name of District | | Number of wagons despatched from 1st August, 1964 to 31st July, 1965 | Number of Wagons despatched from 1st August, 1965 to 31st January, 1966 | Total |
|---|---|---|---|---|
| Ambala | .. | 1,283 | 505 | 1,788 |
| Karnal | .. | 3,662 | 2,194 | 5,856 |
| Hissar | .. | 1,043 | .. | 1,043 |
| Patiala | .. | 1,372 | 602 | 1,974 |
| Hoshiarpur | .. | 404 | 337 | 741 |
| Amritsar | .. | 1,390 | 1,086 | 2,476 |
| Jullundur | .. | 993 | 674 | 1,667 |
| Ferozepur | .. | 1,160 | 822 | 1,982 |
| Gurdaspur | .. | 1,250 | 1,075 | 2,325 |
| Sangrur | .. | .. | 109 | 109 |

(b) Representative samples are taken out from each wagon and are analysed in the Laboratory of the district concerned.

(c) Yes. The specifications are prescribed in the Punjab Rice Control Order, 1964.

(d)

| Name of District | | Number of wagons despatched from 1st August, 1964 to 31st July, 1965 | Number of wagons despatched from 1st August, 1965 to 31st January, 1966 | Total |
|---|---|---|---|---|
| Ambala | .. | 1,788 | .. | 1,788 |
| Karnal | .. | 3,799 | 2,203 | 6,002 |
| Hissar | .. | 1,125 | For both the periods | 1,125 |
| Patiala | .. | 2,057 | | 2,05 |
| Hoshiarpur | .. | 741 | | 74 |
| Amritsar | .. | 665 | 1,290 | |

[ Chief Minister]

| Name of District | | Number of wagons despatched from 1st August, 1965 to 31st July 1965 | Number of wagons despatched from 1st August, 1965 to 31st January, 1966 | Total |
|---|---|---|---|---|
| Jullundur | .. | 993 | 674 | 1,667 |
| Ferozepur | .. | 1,190 | 829 | 2,019 |
| Gurdaspur | .. | 1,312 | 1,210 | 2,522 |
| Sangrur | .. | .. | 109 | 109 |

(e) Total amount of allowance levied:—

| | | Rs | Rs |
|---|---|---|---|
| Ambala | .. | 2,21,327.95 | 83,082.02 |
| Karnal | .. | 41,15,243.58 | 3,14,491.19 |
| Hissar | .. | 1,03,068.55 | For both the periods |
| Patiala | .. | 2,62,612.59 | |
| Hoshiarpur | .. | 1,66,798.15 | |
| Amritsar | .. | 2,02,054.68 | 1,32,497.96 |
| Jullundur | .. | 1,47,133.21 | 53,902.60 |
| Ferozepur | .. | 1,33,907.93 | 1,14,741.13 |
| Gurdaspur | .. | 3,86,314.29 | 2,24,414.53 |
| Sangrur | .. | .. | 15,480.00 |

## Crime Cases registered in the State

**3066. Shri Balramji Das Tandon :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the total number of cases of crime, heinous or otherwise registered by the Police in the State in years 1962, 1963, 1964 and 1965, district-wise ;

(b) the total number of the said cases in which challans were put up in the courts together with the number of those which resulted in conviction of the accused ; ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) & (b) A statement is laid on the Table of the House.

**Crime Chart of heinous crimes registered durring 1962 to 1965 (District-wise) in Punjab State**

| District | Heinous cases of crime registered | | | | No. of cases in which challans were put up in the courts | | | | No. of cases which resulted in the conviction of the accused | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1962 | 1963 | 1964 | 1965 | 1962 | 1963 | 1964 | 1965 | 1962 | 1963 | 1964 | 1965 |
| Hissar .. | 2,585 | 2,945 | 3,442 | 36,72 | 2,173 | 2,513 | 2,927 | 2,765 | 1,336 | 1,587 | 1,857 | 1,001 |
| Rotak .. | 1,873 | 2,372 | 2,610 | 2,764 | 1,858 | 1,579 | 1,709 | 1,699 | 906 | 1,056 | 950 | 842 |
| Gurgaon .. | 1,651 | 1,492 | 1,550 | 1,449 | 1,025 | 1,019 | 1,061 | 1,090 | 576 | 671 | 760 | 690 |
| Karnal .. | 2,978 | 3,227 | 3,669 | 4,135 | 2,232 | 2,288 | 2,835 | 2,776 | 1,416 | 1,587 | 1,847 | 1,775 |
| Ambala .. | 3,102 | 3,752 | 4,058 | 4,312 | 2,047 | 2,543 | 2,916 | 2,862 | 1,395 | 1,576 | 1,786 | 1,879 |
| Simla .. | 186 | 259 | 250 | 257 | 127 | 163 | 197 | 185 | 96 | 101 | 145 | 116 |
| Kulu .. | 226 | 188 | 229 | 182 | 207 | 177 | 217 | 154 | 188 | 145 | 178 | 73 |
| Kangra .. | 871 | 807 | 645 | 692 | 654 | 614 | 544 | 435 | 359 | 282 | 246 | 170 |
| Hoshiarpur .. | 1,816 | 2,072 | 2,255 | 2,400 | 1,487 | 1,661 | 1,820 | 1,976 | 788 | 909 | 1,103 | 1,167 |
| Jullundur .. | 3,951 | 4,141 | 4,191 | 4,547 | 2,981 | 2,587 | 2,758 | 3,612 | 1,943 | 1,870 | 1,692 | 2,172 |
| Lahaul and Spiti .. | 9 | 15 | 34 | 25 | 5 | 11 | 30 | 20 | 3 | 3 | 24 | 12 |
| Ludhiana .. | 3,573 | 3,878 | 4,277 | 4,488 | 2,342 | 3,310 | 2,764 | 2,921 | 1,430 | 2,214 | 1,664 | 1,758 |
| Ferozepur .. | 6109 | 6,000 | 5,095 | 5,619 | 5,293 | 5,205 | 4,325 | 3,752 | 3,951 | 3,929 | 3,057 | 1,047 |
| Amritsar .. | 6,202 | 7,051 | 7,316 | 7,743 | 5,651 | 6,376 | 6,685 | 6,656 | 4,817 | 4,977 | 5,128 | 4,881 |
| Gurdaspur .. | 2,578 | 2,672 | 2,517 | 2,826 | 2,280 | 2,150 | 2,215 | 2,124 | 1,803 | 1,702 | 1,541 | 1,515 |
| Patiala .. | 949 | 1,001 | 997 | 904 | 745 | 772 | 874 | 798 | 338 | 307 | 326 | 277 |
| Sangrur .. | 2,782 | 2,925 | 3,146 | 2,790 | 2,381 | 2,522 | 2,468 | 2,720 | 1,623 | 1,476 | 1,575 | 2,000 |
| Bhatinda ... | 2,590 | 3,080 | 3,830 | 3,913 | 2,322 | 2,691 | 3,146 | 3,301 | 1,491 | 1,974 | 2,357 | 2,193 |
| Narnaul ... | 406 | 462 | 535 | 561 | 399 | 392 | 524 | 546 | 256 | 222 | 324 | 341 |
| Kapurthala ... | 1,045 | 1,473 | 1,280 | 1,380 | 792 | 1,260 | 1,088 | 1,248 | 459 | 548 | 709 | 574 |

**Family Allowance granted to certain Communist Detenus**

**3067. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the names of the Communist detenus in the State who applied for family allowance for maintenance of their dependents during the year 1965 together with the names of those who were granted such allowance and the amount of allowance given in each case ;

(b) whether before granting the maintenance allowance the properties of the concerned detenus were got verified through the Police and the revenue agencies; if so, the detailsof such properties, movable and immovable belonging to (1) Shri Darshan Singh Jhabal, ex-M.L.A., detenu, Sangrur Jail, (2) Comrade Katar Singh Gujapeer, detenu, Hissar Jail, (3) Comrade Prem Chand Bhardwaj, detenu, Hissar Jail, (4) Comrade Dhanpat Rai Nahar, detenu, Sangrur Jail, (5) Comrade Bishan Singh, detenu, Hoshiarpur Jail, (6) Comrade Solukhan Singh, detenu, Patiala Jail, (7) Comrade Kesar Singh, detenu, Amritsar Jail, (8) Comrade Satya Mandan, detenu, Sangrur Jail, (9) Comrade Daya Singh Prem, detenu, Nabha Jail ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) List of names of communist detenus who applied for family allowance during 1965 is placed on the Table of the House. Family allowance has not been granted to any detenu so far.

(b) Yes. Through the Police. A list of movable and immovable properties belonging to each detenus referred to in the Assembly Question is placed on the Table of the House.

**(a) List of names of Communist Detenus who applied for Family Allowance during 1965**

Sarvshri—

1. Raghbir Singh
2. Ude Singh.
3. Gian Singh
4. Dharam Singh.
5. Isher Singh.
6. Gurbax Singh.
7. Mehar Singh.
8. K. R. Palta.
9. Ram Kishan Bharolian.
10. Gurcharan Singh Randhawa.
11. Dhanpat Rai Nahar.
12. Kesar Singh.
13. Rachhpal Singh.
14. Bhajan Singh.
15. Chanan Singh Brar.
16. Daya Singh Prem.
17. Darshan Singh Jhabal.
18. Kartar Singh Gujapir.
19. Bishan Singh.
20. Solakhan Singh.
21. Prem Chand Bhardwaj.
22. Vidya Dev Longowal.
23. Ghuman Singh Ugrahan.
24. Janak Singh Bhathal.
25. Ganda Singh.
26. Devki Nandan.
27. Satya Mandan.
28. Ram Singh of Bhatinda.
29. Harkishan Singh Surjeet.
30. Fauja Singh.
31. Dalip Singh Bhatiwal of Sangrur.
32. Dharam Singh Kasni.

**(b) List of moveable and immovable properties belonging to each detenu**

| Serial No. | Name of detenu | Details of moveable and immoveable properties |
|---|---|---|
| | Sarvshri— | |
| 1 | Darshan Singh | .. One kacha house |
| 2 | Kartar Singh Gujapir | .. One Kacha house in village Gujapir, One Kacha house in village Parewal, Ten Kilas of land out of which 8½ Kilas mortgaged and the rest one and half kila under cultivation |
| 3 | Prem Chand | .. One Semi-kacha house |
| 4 | Dhanpat Rai | .. Nil |
| 5 | Bishan Singh | .. Nil |
| 6 | Sulakhan Singh | .. Nil |
| 7 | Kesar Singh | .. One house and a buffalow |
| 8 | Satya Mandan | .. Nil |
| 9 | Daya Singh Prem | .. One Kacha house |

**Jail Advisory Committee**

**3068. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether the Government has constituted any Jail Advisory Committee consisting of M.Ps. , M.L.As. and officials to suggest reforms in Jails; if so, the names of the members of the said Committee ;

(b) whether any member of the said Committee had undergone any imprisonment during the National Independence Movement; if so, the details thereof in respect of each ;

(c) whether any recommendations have so far been made by the said Committee to the State Government ; if so, the details thereof ;

(d) whether the recommendations referred to in part (c) above were considered by the Government; if so, the action so far taken in this behalf ?

**Shri Chand Ram :** (a) Yes. The names of the members of the Committee are as under :—

*Chairman*

Minister-in-Charge, Jails.

*Non-official Members*

1. Shri Narain Singh Shahbazpuri, M.L.A.
2. Chaudhri Chuhar Singh, M.L.A.
3. Shri Dev Raj Anand, M.L.A.
4. Shri Mohan Singh (General, I.N.A.), M.P.
5. Shri Amar Nath Vidyalankar, M.P.
6. Shri Jaswant Singh Sodhi, M.L.A.
7. Shri Pritam Singh Sahoke, M.L.A.

[Minister for Welfare Justice]

*Departmental Officers*

1. Home Secretary to Government, Punjab.
2. Inspector-General of Prisons, Punjab.

(b) This information is not available.

(c) & (d) The details of the recommendations made by such committees to the State Government from time to time along with the action taken against them is given in the enclosed statement.

**STATEMENT**

| Recommendations of the Jail Advisory Committees | Action taken by Government |
|---|---|
| (1) Clerical staff should be considered for promotion on the Executive side as was done in the case of some other Departments | Rules already permit such appointments through Competitive Examinations |
| (2) Junior Executive staff be allowed to keep milch cattle at jail premises | Not accepted |
| (3) Normal working hours in the Jail Department should be reduced to give adequate relief to the serving personnel | Not accepted |
| (4) Modern farming including the use of improved methods of agriculture should be adopted | Acced |
| (5) All non-official members of the Jail Advisory Committee be made *exoffico* jail visitors | Accepted |
| (6) Some industrialists from Ludhiana, Amritsar and Panipat should be allowed to start small industries inside the jails and allowed to employ jail labour on payment of reasonable wages | Not accepted |
| (7) Non-official jail visitors should be impressed upon to pay maximum number of visits to Jails | Accepted |
| (8) Liberalization of facilities for writing letters and interviews to convicted and un-convicted prisoners recommended | Accepted |
| (9) Punjab University may be approached to give general permission to all convicts to sit in examinations, conducted by them | Accepted to the extent that each case is examined by the University authorities on merits |
| (10) Grant of remission to prisoners on account of good behaviour during Punjabi Suba agitation | Accepted |
| (11) Pay scales of technical hands in jails should be revised | Accepted |
| (12) Revision of pay scales of Warder Establishment should be expedited and their grades suitably revised | Accepted |
| (13) In all the jails improved mechanized and scientific methods of cultivation should be adopted wherever there was such a scope with the advice and assistance of Agriculture Department specialists from the Agriculture Department might be called to demonstrate in the Jails Farms the use of new | Accepted |

| Recommendations of the Jail Advisory Committees | Action taken by Government |
|---|---|
| and improved instruments, seeds, chemical fertilizers and manures. If need be tractors should be purchased and the Jails as far as possible should have their own tube-wells. Additional agricultural lands should be purchased either through direct negotiation or by requisitions | |
| (14) Instructions should be issued to all Superintendents of jails for developing agriculture and industrial resources of the jail to fullest extent | Since implemented |
| (15) Jails should be self-sufficient in blankets and other such like articles | Implemented as far as practicable |
| (16) Arrangements for exhibition of industrial products be made | Accepted |
| (17) Recommendations of non-official visitors for grant of remission to deserving prisoners should be considered | Not accepted |
| (18) Wage-earning scheme should be introduced in Jails | Accepted |
| (19) Small cotton ginning machines and crushers should be installed in Jails | Accepted so far as installation of crushers is concerned |
| (20) The Department should take steps to secure more land contiguous to jail farms. The possibility for the transfer of Government land adjoining jail farms be examined. The possibility of starting a camp agriculture jail at about 100 acres of good land be examined | Accepted |
| (21) Poultry Farming should be extended to other jails on the basis of experiment of District Jail, Gurdaspur | Accepted |
| (22) Disciplined and well-behaved prisoners be granted a clearance certificate at the time of their release to save them from harassment at the hand of Police | Accepted |
| (23) Vine yards should be established at selected jails | Accepted |
| (24) Present Poultry Farms should be expanded and incumbators and feed mixers provided | Accepted |
| (25) The powers of Superintendents of Jails to meet contingent expenditure for the purchase of raw material for the Jail Factories should be enhanced | Government had delegated enhanced powers to the I.G., Prisons, Punjab, to sanction non-recurring expenditure for effecting purchases through the Controller of Stores from Rs 25,000 to Rs 50,000 on any one item. The question of enhancing the powers of A.I. G. (Industries) and Superintendents of Jails for the purchase of material is under consideration of Government |

[Minister for Welfare and Justice]

| Recommendations of the Jail Advisory Committees | Action taken by Government |
|---|---|
| (26) Arrangements should be made to provide meat to non-vegetarians and sweets to other prisoners on special occasions | Government has sanctioned the issue of sweet dish of rice, Halva or Khir on four occasions, namely, Republic Day, Baisakhi, Independence Day and Diwali |
| (27) Training should be imparted to prisoners engaged in poultry farming on the lines of training centres at Gurdaspur, etc. | Accepted |

**Income fromu Jail Gardens/Industries**

.069. **Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the details of the income which accrued to the Government from the Jail Gardens and Jail Industries in each of the Central and District Jails in the State, Jail-wise, during the years 1964-65 and 1965-66 to date ;

(b) the details of expenditure incurred on (1) pay of the staff, etc., (2) Food, clothing and medical facilities supplied/provided to the prisoners jail-wise, during the period mentioned in part (a) above ?

**Shri Chand Ram :** (a) (i) *Income from Jail Garden.*—As in Annexure A.

(*Note.*—As agricultural statistics are maintained on the calendar year basis, the information in this regard is also for the calender year instead of financial year).

(2) *Income from Jail Industries.*—As in Annexure B.

(b) As in Annexures C and D for the years 1964-65 and 1965-66 respectively.

**ANNEXURE A**

*Income accrued to Government during the Calendar years* 1964 *and* 1965

| Name of Jail | | Production in 1964 | Production in 1965 |
|---|---|---|---|
| | | (In Rupees) | |
| 1. Central Jail, Patiala | .. | 1,33,114.17 | 1,40,969.79 |
| 2. District Jail, Amritsar | .. | 88,884.31 | 89,840.60 |
| 3. Central Jail, Ambala | .. | 1,24,406.29 | 1,06,410.09 |
| 4. B.I. & J. Jail, Faridkot | .. | 61,028.88 | 71,673.63 |

| Name of Jail | | Production in 1964 | Production in 1965 |
|---|---|---|---|
| | | (In Rupees) | (In Rupees) |
| 5. Central Jail, Hissar | .. | 1,06,049.83 | 1,22,155.29 |
| 6. Central Jail, Ferozepur | .. | 1,36,222.31 | 1,25,547.40 |
| 7. District Jail, Gurdaspur | .. | 49,426.78 | 49,439.68 |
| 8. District Jail, Bhatinda | .. | 32,162.28 | 34,407.29 |
| 9. District Jail, Ludhiana | .. | 67,638.63 | 47,523.69 |
| 10. District Jail, Jullundur | .. | 40,697.79 | 38,779.05 |
| 11. District Jail, Rohtak | .. | 18,626.74 | 18,496.46 |
| 12. District Jail, Sangrur | .. | 26,134.32 | 33,745.46 |
| 13. District Jail, Nabha | .. | 33,678.35 | 38,691.66 |

## ANNEXURE 'B'

*Income that accrued to the Government from the Jails Industries in each Centrl and District Jail in the State Jail-wise, during the yea's* 1964-65 *and* 1965-66

| Name of the Jail | | Income during 1964-65 | Income during 1965 (up to 31st December, 1965, i.e months) |
|---|---|---|---|
| | | (In Rupees) | (In Rupees) |
| Ambala | .. | 5,01,593 | 4,57,783 |
| Patiala | .. | 6,88,284 | 4,09,498 |
| Ferozepur | .. | 7,07,713 | 3,29,561 |
| Hissar | .. | 3,09,308 | 1,93,948 |
| Ludhiana | .. | 2,99,388 | 1,68,526 |
| Faridkot | .. | 3,37,217 | 2,98,833 |
| Amritsar | .. | 2,17,025 | 1,47,139 |
| Jullundur | .. | 1,82,154 | 95,073 |
| Nabha | .. | 86,072 | 77,066 |
| Sangrur | .. | 1,38,684 | 75,096 |
| Rohtak | .. | 86,750 | 78,487 |
| Gurdaspur | .. | 74,661 | 61,187 |
| Bhatinda | .. | 1,16,129 | 77,014 |
| Total | .. | 37,44,968 | 24,69,211 |

[Minister for Welfare and Justice]

## ANNEXURE C

**Part (b) Information for 1964-65**

| Name of Jail | (i) Expenditure on Pay of Staff, etc. (in rupees) | (ii) *Expenditure on* Food | Medical facilities | Clothing and bedding |
|---|---|---|---|---|
| | | | (in rupees) | |
| Ambala .. | 2,54,725 | 1,21,274 | 31,640 | 61,930 |
| Ferozepur .. | 2,27,599 | 2,00,395 | 48,186 | 68,788 |
| Patiala .. | 2,46,476 | 1,60,171 | 38,628 | 47,951 |
| Hissar .. | 1,72,157 | 89,010 | 26,266 | 14,324 |
| Ludhiana .. | 1,48,349 | 1,00,349 | 17,547 | 8,446 |
| Jullundur .. | 1,03,417 | 66,958 | 20,300 | 6,602 |
| Amritsar .. | 1,40,566 | 1,12,812 | 13,527 | 29,864 |
| Rohtak .. | 86,727 | 35,452 | 8,032 | 25,146 |
| Nabha .. | 73,404 | 35,524 | 17,839 | 8,177 |
| Bhatinda .. | 86,979 | 70,469 | 11,699 | 7,281 |
| Sangrur .. | 79,762 | 47,104 | 12,989 | 1,893 |
| Gurdaspur .. | 90,747 | 52,372 | 7,307 | 8,124 |
| B.I. & J., Faridkot .. | 1,54,502 | 80,510 | 8,833 | 23,578 |

**ANNEXURE D**

**Part (b) Information for 1965-66 (i e. 1st April, 1965 to 31st December, 1965)**

| Name of Jail | | (i) *Expenditure on* | (ii) *Expenditure on* | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | Pay of staff, etc. | Food | Medical facilities | Clothing and bedding |
| | | (In rupees) | | | (In rupees) |
| Ambala | .. | 2,30,533 | 1,92,330 | 30,674 | 69,382 |
| Ferozepur | .. | 1,92,125 | 1,91,373 | 61.573 | 31,874 |
| Patiala | .. | 1,97,217 | 1,50,804 | 39,640 | 51,325 |
| Hissar | .. | 1,49,158 | 1,20,145 | 58,203 | 21,787 |
| Ludhiana | .. | 1,30,115 | 1,08,072 | 13,357 | 13,164 |
| Jullundur | .. | 87,238 | 78,478 | 10,842 | 13,819 |
| Amritsar | .. | 1,27,305 | 1,36,579 | 16,334 | 1,882 |
| Rohtak | .. | 77,375 | 50,024 | 7,646 | 8,896 |
| Nabha | .. | 61,674 | 39,646 | 15,552 | 18,352 |
| Bhatinda | .. | 66,057 | 70,245 | 14,146 | 6,347 |
| Sangrur | .. | 74,089 | 55,143 | 3,834 | 10,850 |
| Gurdaspur | .. | 75,582 | 51,490 | 10,185 | 7,119 |
| B.I. & J. Jail, Faridkot | .. | 1,31,040 | 80,753 | 8,289 | 8,675 |

**Jails visited by the Minister in 1965**

070. **Comrade Makhan Singh Tarsikka** :—Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether he visited any jail in the State during the year 1965. if so, the names of such jails together with the details of the inspection reports or remarks, etc., made by him regarding the working of such jails, jail-wise :

(b) whether the work of any jail officer official was appreciated by him during the said visits, if so, the details thereof and the action, if any, taken by the Jail Department thereon ?

**Shri Chand Ram** : (a) Names of the Jails visited bythe Minister for Welfare and Justice, Punjab, during 1965 are given in the enclosed statement.

[Minister for Welfare and Justice]

No inspection report or remarks were recorded by him. During his addresses to the gatherings of prisoners and Jail staff, however, he has been exhorting them to raise jail production, both in industries and agriculture. He has also been advising the prisoners to be good citizens when they go out.

(b) No.

**Statement regarding the names of Jails visited by the Minister for Welfare and Justice during the year 1965**

| Serial No. | Name of Jail |
|---|---|
| 1 | Central Jail, Ambala |
| 2 | Central Jail, Delhi |
| 3 | Central Jail, Hissar |
| 4 | Central Jail Ferozepur |
| 5 | Special Jail, Hissar |
| 6 | District Jail, Gurgaon |
| 7 | District Jail, Jullundur |
| 8 | District Jail, Amritsar |
| 9 | District Jail, Bhatinda |
| 10 | District Jail, Ludhiana |
| 11 | District Jail, Hoshiarpur |
| 12 | District Jail, Gurdaspur |
| 13 | District Jail Rohtak |

## Instructions regarding Treatment of Communist Detenus in State Jails

**3071. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state whether the Government received any instructions or note from the Union Home Ministry during the month of December, 1965 or January, 1966 regarding the treatment and amenities to be given to the communist detenus in the State Jails and for making uniform All-India Political Detenus Rules; if so, the details of such instructions/note and the action, if any, taken thereon.

**Shri Chand Ram** : Yes, a communication in this behalf was received from the Government of India, Ministry of Home Affairs, in January, 1966, which is under consideration of the State Government. It is, however, not in the public interest to disclose its contents.

## Special Certificates for Certain Untrained Teachers

**3072. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Education with reference to the reply to Unstarred Questions No. 2439 included in the list of questions for 24th March, 1965 be pleased to state—

(a) the date on which the decision for giving special certificates to the teachers mentioned in Annexure 'A' appended to the said reply was taken and the date on which they were actually given such certificates in each case ;

(b) the names of the teachers mentioned in Annexure 'B' appended to said reply who have not so far been given the special certificates together with the reasons for not giving them these certificates in each case ;

(c) the names of the teachers as mentioned in part (a) above who have been given increments up to date together with the details thereof in each case ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) and (c) The information is being collected and will be supplied at the earliest.

(b) A statement marked at Annexure 'B' giving the requisite information is laid on the Table of the House.

**ANNEXURE 'B'**

**List of teachers who have not been awarded Special Certificates so far giving reasons thereof**

| Serial No. | Name of the teacher with School where working | Reasons for not awarding Special Certificate or reason for delaly |
|---|---|---|
| 1 | Smt. Nirmal Kanta, teacher, Government Primary School, Lachmansar | Case rejected since the teacher did not fulfil the conditions for its award |
| 2 | Shri Gyan Singh, teacher. Government Primary School, Udhoke | The teacher has not submitted the case despite many reminders |
| 3 | Shri Harbans Singh, teacher, Government Primary School, Majjupur | The teacher has been asked to supply certain wanted documents which are still awaited from him. He is being reminded constantly |
| 4 | Shri Kundan Lal, teacher, Government Primary School, Behola | Ditto |
| 5 | Shri Dev Dutt, teacher, Government Primary School, Marrikala | The teacher having been taken from the District Board the break in his service is being regularised from the District Board |
| 6 | Shri Hardip Singh, teacher, Government Primary School, Vadala Virum | Special Certificate has been awarded to the teacher |
| 7 | Smt. Harbans Kaur, teacher, Government Primary School, Lachmansar | The teacher is being asked to give the reason for break in her service |
| 8 | Shri Gajjan Singh, teacher, Government Primary School, Jabbowal | The teacher has not submitted his case despite many reminders |
| 9 | Shri Bhagwan Dass, Bal Vidyala, Amritsar | Certificate has been awarded to the teacher |
| 10 | Shri Hari Sharn Sharma, Bal Vidyala, Amritsar | The teacher has been asked to supply certain documents which are still awaited from him. He is being reminded constantly |
| 11 | Smt. Jagjit Kaur, Cantt. Board, Amritsar | Her case has been rejected since she was not found eligible for the award of Special Certificate |
| 12 | Shri Jaswant Rai, Government High School, Butala | Case rejected by Department as not recommended by the Headmaster (returned to the D.E.O.) |

[Education Minister]

| Serial No. | Name of the teacher with School where working | Reasons for not awarding Special certificate or reason for delay |
|---|---|---|
| 13 | Shri Gurcharan Singh, Government High School, Vadali Guru | The teacher has been asked to supply certain wanted documents which are still awaited. He is being reminded constantly |
| 14 | Smt. Satya Sethi, Government Girls Middle School, Sultanwind | Her case has been rejected, she being not eligible under rules |
| 15 | Smt. Raj Wans Kumari Shahjadanad School, Amritsar | She has since been awarded a Special Certificate |
| 16 | Shri Natha Singh, Government Primary School, Bhakna | The teacher has been asked to supply certain wanted documents which are still awaited. He is being reminded constantly |
| 17 | Shri Faqir Chand, teacher, Government Primary School, Sohawa | Ditto |

## Property of Shri Ganpat Singh, Communist Detenu attached by the Government

**3073. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether Government has received any representation from Shri Ganpat Singh, Communist detenu in Hissar Jail for releasing his property attached during the period when he absconded; if so, the action so far taken thereon ;

(b) the detailed list of the property referred to in part (a) above attached by the Government and also the date on which it was attached ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) No. However, Shri Hardit Singh Bhattal, M.L.A. represented for the release of property of Shri Ganpat Singh who is under consideration of Government.

(b) (i) House in village Rattan Kalan attached on 12th May, 1965.

(ii) Agricultural Land measuring 25 kanals and 16 Marlas attached on 13th May, 1965.

The above properties have been given on superdari to Bir Singh Lambardar of the same village.

## Winter Uniform for Officers/Officials of the Jail Department

**3074. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state whether the Jail Department Officers/ Officials are provided with any kind of winter uniform; if so, the details of the Uniform as given in each case, if not provided, the reasons for not supplying the same to them ?

**Shri Chand Ram** : The requisite information is given in the enclosed statement, which is laid on the table of the House.

**Statement showing Information regarding Uniform for Officers/Officials of the Jail Department**

| Serial No. | Name and designation of the post | Details of winter uniform provided |
|---|---|---|
| 1 | Deputy Superintendents, Senior Assistant Superintendent and Assistant Superintendents | (i) Brown Buckskin gloves (to be worn on parade)<br>(ii) Great Coat (Warm) |
| 2 | Warders .. | (i) Blouse-Khaki drill made loosely in length to reach to the tip of wearer's forefinger to have collar 1 inch high, hooking in front with one hook, two breast pockets with plain flaps fastening with jail pattern buttons of brass (letters P.J. in Brass) across shoulder straps which will fasten at top with one button, three small size jail buttons (brass) down the front<br>(ii) Knicker bockers Khaki drill made loosely<br>(iii) Great Coat—Police pattern<br>(iv) Jerseys-Woollen to be worn under the blouse<br>(v) Head-dress Khaki muslin pugree 5 yds. long, one inch of the cloth at either end to be knotted and made into a fringe and khaki kullah or khaki muslin cloth 4 yds. long and 11 inches wide to be worn under the pugree<br>(vi) Shoe- Plain country brown leather<br>(vii) Waist belt—Brown leather brass clasp with the letters P.J. and the word "Warder" embossed thereon to be worn over blouse<br>(viii) Patti—Khaki Cotton<br>*Note.*—(1) Khaki Kullah shall be worn by non-Sikh Warders and khaki muslin cloth by Sikh Warders |
| 3 | Head Warders .. | The Uniform of a Head Warder shall be the same as prescribed for warders above with the following additions :—<br>(i) Three chevrons on right sleeve above elbow<br>(ii) Waist belt to have the words "Head Warder" embossed on the clasp |
| 4 | Matron or a Female Warder .. | A chaddar and kurta of garah cloth with red border 1 inch wide, pyjama of plain blue garah cloth, shoes of plain brown country leather and woollen jersey for cold weather wear |

The Deputy Superintendent, Senior Assistant Superintendents, Assistant Superintendents have got to equip themselves with such uniform at their own expense as provided under para 357 of Punjab Jail Manual.

[Welfare and Justice Minister]

The Warders' staff is issued winter uniform free of charge according to their rank and grade as provided under paragraph 358 of Punjab Jail Manual.

---

### Winter Uniform for the Employees of the Police Department

**3075. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister of Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Gazetted Officers in the Police Department are supplied with woollen coats and woollen pants during the winter season at Government expense ;

(b) whether it is also a fact that all Non-Gazetted Officers of the Police Department (Inspectors, Sub-Inspectors, Assistant Sub-Inspectors, Head Constables and Constables) are not provided with winter uniforms by Government ; if so, the reasons therefor ;

(c) whether Government intend to remove the above-mentioned disparity, ; if so, when ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) Gazetted Officers (Deputy Superintendents of Police) are given initial grant of Rs 250 on their first appointment and Rs 250 at the time of their confirmation and another Rs 250 after completing 5 years service in the rank of Deputy Superintendent of Police. They are required to purchase uniforms out of the above-mentioned grant which hardly covers cost of woollen uniforms except Great Coat.

(b) Non-Gazetted Officers and other Ranks of the Punjab Armed Police are provided woollen uniforms. NGOs. and ORs of the District Police get woollen uniforms in Hilly Areas only, while in the plains NGOs. get great coats and ORs get great coats and woollen jersies. The existing Police Rules which were framed in 1934 do not provide for woollen uniforms in the plains.

(c) A proposal for providing winter uniforms to all NGOs/ORs in the plains also is under the consideration of the State Government. It is not possible at this stage, to indicate the time by which it will be finalized, but efforts are being made to finalize it as early as possible.

---

### Assessment of Surplus Area in Village Shamgarh, Tahsil and District Karnal

**3076. Comrade Ram Piara** : Will the Minister for Revenue with reference to the reply to Unstarred Question No. 2870 included in the list of Questions for 11th October, 1965 be pleased to state whether the case regarding the assessment of surplus area referred to in part (a) (i) of the said reply which was in the Court of the Financial Commissioner, Revenue for review has since been finalised or reviewed ; if so, when and with what esult ?

**Sardar Harinder Singh Major** : (i) Yes.

(ii) On 31st January, 1966.

(iii) The orders passed by the Collector, Karnal, have been set aside by the Financial Commissioner, Revenue, and the cases have been remanded to the Special Collector, Punjab, for a fresh determination of all the surplus area cases after hearing all the parties.

---

## Iron and Steel Quota Holders in Karnal District

**3077. Comrade Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number and names of iron and steel quota holders at present in the district of Karnal together with the place of business of each ;

(b) whether any quota certificates for iron and steel were issued to the quota-holders in district Karnal during the period from 1st November, 1965 to-date together with the quantity of iron and steel including G.P. Sheets and B.P. Sheets, issued to each quota-holders;

(c) the purpose for which the said quota has been given as mentioned in each of the said quota certificates issued together with the nature of trade or industry which each quota-holder was carrying on before the issue of the certificates and is carrying on at present separately;

(d) the nature of trade/industry shown by each of the said quota holders in their applications submitted to the Industries Department when they applied for the grant of the said quota ;

(e) whether it is a fact that certain quota-holders had been supplied with such material of iron and steel which is normally not used in the industry approved by the Department and being carried on at present by the quota-holders ; if so, the reasons for the same ;

(f) whether any previous record of the said quota holders prior to the issue of the said quota certificates had been looked into by the department ; if so, by whom, if not, the reasons therefor ;

(g) whether it is a fact that if a quota-holder is given quota of iron and steel which is different in type or quality from that to which he is entitled or which he requires for the industry approved by the department, that material goes or is likely to go to the black market ; if so, the reasons for not giving the material of requisite quality or type to the quota-holders ?

**Shri Ram Kishan :** (a) and (b). A statement giving the requisite information is enclosed.

(c) The time and labour involved in collecting the requisite information will not be commensurate with the benefit sought to be dervied therefrom.

(d) Fabrication.

(e) No.

(f) Yes. By the district staff.

(g) Yes. As far as possible those categories of material are issued to the quota-holders which can be used for some type of fabrication.

## ANNEXURE I

### S.S.C.I. QUOTA HOLDERS

| Serial No. | Name and address of the party | Location |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | M/s. Dev Dutt Vij, G.T. Road | .. Karnal |
| 2 | M/s. Gujranwala Metal Works, G.T. Road | .. Karnal |
| 3 | M/s. Asiatic Industries, Novelty Road | .. Karnal |
| 4 | M/s. Chinot Trunk House | .. Karnal |
| 5 | M/s. Girdhari Lal-Lal Chand | .. Karnal |
| 6 | M/s. Lyallpur Steel Works | .. Karnal |
| 7 | M/s. Bharat Steel Works | .. Karnal |
| 8 | M/s. Zamindāra Trunk House | .. Karnal |
| 9 | M/s. Munshi Ram-Kewal Ram | .. Karnal |
| 10 | M/s. Chawla Trunk House | .. Karnal |
| 11 | M/s. Tilak Raj Steel Fabricator | .. Nilokheri |
| 12 | M/s. Chaman Lal Steel Fabricator | .. Nilokheri |
| 13 | M/s. Ram Kishan Soni, Steel Fabricator | .. Nilokheri |
| 14 | M/s. Kanshi Ram, Railway Road | .. Nilokheri |
| 15 | M/s. Har i Chand, Steel Fabricator | .. Nilokheri |
| 16 | M/s. Sangat Ram, Steel Fabricator | .. Nilokheri |
| 17 | M/s. National Nail Industries | .. Nilokheri |
| 18 | M/s. Pharya Lal-Jiwan Dass | .. Panipat |
| 19 | M/s. Channu Ram-Wazir Chand | .. Panipat |
| 20 | M/s. Surrender Metal Industries | .. Panipat |
| 21 | M/s. Ravi Safe Works, Railway Road | .. Panipat |
| 22 | M/s. Hargopal Dass Bhatia & Sons, Railway Road | .. Panipat |
| 23 | M/s. Ram Piara Mal | .. Panipat |
| 24 | M/s. Chaman Lal-Kharaiti Lal | .. Panipat |
| 25 | M/s. Vir Bhan-Aishi Lal | .. Panipat |
| 26 | M/s. Sita Ram-Ram Sarup | .. Panipat |
| 27 | M/s Basdeo Mal-Kashmiri Lal | .. Panipat |
| 28 | M/s. Lila Dhar-Karam Chand | .. Panipat |

| Serial No. | Name and address of the party | Location |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 29 | M/s. Chandan Lal Chattar Sain, G.T. Road .. | Panipat |
| 30 | M/s. Kundan Lal-Jita Ram .. | Panipat |
| 31 | M/s. Devki Nandan Mittal .. | Samalkha |
| 64 | M/s. Mohan Lal-Shiv Nath .. | Samalkha |
| 65 | M/s. Dharam Chand Steel Fabricator .. | Thanesar |
| 66 | M/s. Banarsi Lal-Ashok Kumar, Model Town .. | Panipat |
| 67 | M/s. Jai Bharat Auto Industries .. | Karnal |
| 68 | M/s. Sethi Trunk House, Railway Road .. | Karnal |
| 69 | M/s. Krishanpura Iron Store, Rajputana Bazar .. | Panipat |
| 70 | M/s. Hari Chand-Gulshan Rai, 24/2 .. | Panipat |
| 71 | M/s. Seema Industrial Corporation .. | Niawal |
| 72 | M/s. Puran Chand-Sharwan Kumar, Railway Road .. | Kaithal |
| 73 | M/s. Rashtrya Trunk House, Sadar Bazar .. | Karnal |
| 74 | M/s. J.P. Dhiman & Sons, Industrial Area .. | Panipat |
| 75 | M/s. The Punjab General Manufacturers .. | Kaithal |
| 76 | M/s. Surjan Singh & Sons, E-49, Industrial Area .. | Panipat |
| 77 | M/s. Batra Cycle Industries, O— 37, Industrial Area .. | Panipat |
| 78 | M/s. Mohan Lal-Sukhan Lal .. | Samalkha |
| 79 | M/s. Batra Steel Works, 0/15, Industrial Area ... | Panipat |
| 80 | M/s. Jawahar Industrial & General Corporation M-10, Industrial Area | Panipat |
| 81 | M/s. Hem Overseas Auto Industries, Timber Market .. | Kaithal |
| 82 | M/s. Hari Ram-Gian Chand, Trunk Manufacturers, Pansarian Street | Kaithal |
| 83 | M/s. Setia Iron and Steel Industries .. | Pasina Kalan |
| 84 | M/s. True Tempo Auto Industries, M-7, Industrial Area .. | Panipat |
| 85 | M/s. Gupta Trunk House .. | Kaithal |
| 86 | M/s. Nico Iron and Steel Works .. | Kaithal |
| 87 | M/s. New India Tin Bucket and General Manufacturers old College Building | Kaithal |
| 88 | M/s. The Superintendent Rural Artisan Training Centre .. | Kaithal |
| 89 | M/s. Jain Agrico Industries, Shed No. 11-B .. | Nilokheri |
| 90 | M/s. Shiv Shanker Metal Production Co-operative Industrial Society Ltd., 6-B, Industrial Estate | Nilokheri |

[Chief Minister]

ANNEXURE I

NUMBERS AND NAME OF S.P.I. QUOTA HOLDERS OF KARNAL DISTRICT

| Serial No. | Name and Address of the party | Location |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | M/s. Jai Hind Iron Foundry and Engineering Works .. | Samalkha |
| 2 | M/s. Mittal Iron Foundry and Engineering Works .. | Samalkha |
| 3 | M/s. Bharat Iron Foundry, G.T. Road .. | Panipat |
| 4 | M/s. Indian Conduit Industries, G.T. Road .. | Panipat |
| 5 | M/s. Krishna Engineering Works, Railway Road .. | Panipat |
| 6 | M/s. Ahuja Mechanical and Engineering Works, Railway Road | Panipat |
| 7 | M/s. Mathura Dass Bhatia and Bros. Railway Road .. | Panipat |
| 8 | M/s. Satya Engineering Corporation, Industrial Area .. | Panipat |
| 9 | M/s. Bajaj Metal Works, Industrial Area .. | Panipat |
| 10 | M/s. General Engineering and Foundry Works, work Centre | Panipat |
| 11 | M/s. Himalya Cycle Works, Industrial Area .. | Panipat |
| 12 | M/s. Haryana Progressive Industrial Works, Industrial Area | Panipat |
| 13 | M/s. Romesh Safe and Carding Works, Railway Road .. | Panipat |
| 14 | M/s. Vishwakarma Industries .. | Kaithal |
| 15 | M/s. O.K. Engineering & General Works .. | Kaithal |
| 16 | M/s. Kaithal Expellers Workshop .. | Kaithal |
| 17 | M/s. Telu Ram-Lekh Ram .. | Kaithal |
| 18 | M/s. Jai Bharat Hardware Co., Industrial Area .. | Panipat |
| 19 | M/s. The American Industries, G.T. Road .. | Karnal |
| 20 | M/s. Aggarwal Iron Foundry .. | Samalkha |
| 21 | M/s. Steel Fabs & Co., G.T. Road .. | Panipat |
| 22 | M/s. Steel Krafts, G.T. Road .. | Panipat |
| 23 | M/s. United Engineering Works, G.T. Road .. | Panipat |
| 24 | M/s. Hindustan Industrial Works, Industrial Area .. | Panipat |
| 25 | M/s. Aggarwal Metal Industries .. | Kaithal |
| 26 | M/s United Steel products E 11 Industrial Area .. | Panipat |

## ANNEXURE II

THE QUOTA CERTIFICATE ISSUED TO QUOTA HOLDERS OF KARNAL DISTRICT FROM 1ST NOVEMBER, 1965 TO 4TH DECEMBER, 1966

| Serial No. | Name and Address | Category in M. Tons | | | | Total | Purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | G.P. Sheets | B. P. Sheets | | | | |
| | | | 10—14 G | 16—20 G | above 20 G | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | M/s. Lal Chand-Lakhmi Chand, Kaithal | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Manufacture of Trunk Balties |
| 2 | M/s. Jai Hind Iron and Steel Manufacturing Works, Kaithal | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Manufacture of Trunks, Suit Cases |
| 3 | M/s. Janta Trunk House, Kaithal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 4 | M/s. Hari Chand-Dharam Chand, Kaithal | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 5 | M/s. Gupta Trunk House, Kaithal .. | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Ditto |
| 6 | M/s. Nico Iron and Steel Works, Kaithal | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Ditto |
| 7 | M/s. Punjab General Manufacturers, Kaithal | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Ditto |
| 8 | M/s. Paul Trunk House, Assandh .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 9 | M/s. Hans Trunk House, Indri .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 10 | M/s. Chawla Trunk House, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |

[Chief Minister]

| Serial No | Name and Address | Category in M. Tons | | | | Total | Purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | G.P. Sheets | B. P. Sheets | | | | |
| | | | 10—14 G. | 16—20 G. | above 20 G | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 11 | M/s. Gujr anwala Metal Works, Karnal | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 2 255 | Manufacture of Trunk Suit Case |
| 12 | M/s. Multani Trunk House, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 13 | M/s. Munshi Ram-Kewal Ram, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 14 | M/s. Lyallpur Steel Works, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 15 | M/s. Chinot Trunk House, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0 860 | 1·395 | Ditto |
| 16 | M/s. Zamindara Trunk House, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 17 | M/s. Bharat Steel Industries, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·800 | 1·395 | Ditto |
| 18 | M/s. Rashtriya Trunk Hcuse, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 19 | M/s Girdhari Lal-Lal Chand, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 20 | M/s. Dev Datt Vij, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 2·580 | 3·115 | Ditto |
| 21 | M/s. Hukam Chand, son of Dhoola Ram, Purani Mandi, Karnal | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 22 | M/s. Asiatic Industries, Karnal .. | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Ditto |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 23 | M/s. Ram Parshad Trunk Maker, Ladwa | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Manufacture of Trunk suit case |
| 24 | M/s. Hari Chand Steel Fabricator, Nilokheri | 0.535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 25 | M/s. Sangat Ram Steel Fabricator, Nilokheri | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 26 | M/s. Chaman Lal Steel Fabricator, Nilokheri | 0.535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 27 | M/s. Ram Kishan Soni, Steel Fabricator Nilokheri | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 28 | M/s Kanshi Ram Steel Fabricator, Nilokheri | 0·535 | 10.000 | 15·750 | 1·720 | 28·005 | Manufacture of trunks, suit cases & Taslas etc. |
| 29 | M/s. National Nail Industries, Nilokheri | 0·535 | 6·000 | 6·000 | 0·860 | 13·395 | Manufacture of trunks suit cases and Agricultural implements |
| 30 | M/s. Tilak Raj Steel Fabricator, Nilokheri | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | For the manufacture of Trunks, suit cases etc. |
| 31 | M/s. Lal Chand, Madan Steel Fabricator, Nilokheri | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 32 | M/s. Sujan Singh, Steel Fabricator, Nilokheri | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 33 | M/s. Khurana Trunk House, Pehowa .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 34 | M/s. Sharma Trunk House, Thanesar .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 35 | M/s. Dharam Chand Steel Fabricator, Thanesar | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 36 | M/s. Kishanpura Iron Store, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 37 | M/s. Bharat Trunk House, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 38 | M/s. Sita Ram-Ram Sarup, Panipat .. | 0·535 | .. | 6·000 | 0·860 | 7·395 | For the manufacture of Trunks suit cases etc. and taslas |

[Chief Minister]

| Serial No. | Name and address | Categories in M. Tons | | | | Total | Purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | *B. P. Sheets* | | | | |
| | | G. P. Sheets | 10—14 G. | 16—20 G | above 20 G | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 39 | M/s. Kundan Lal-Jita Ram, Panipat .. | 0·535 | .. | 6·000 | 0·860 | 7·395 | For the manufacture of suit-cases etc. |
| 40 | M/s. Surinder Metal Industries, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Manufacture of Trunks/suit ca ses |
| 41 | M/s. Maghiana Trunk House, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 42 | M/s. Phraya Lal-Jiwan Dass, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 43 | M/s. Chaman Lal-Kharaiti Lal, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 44 | M/s. Vir Bhan-Aishi Lal, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 45 | M/s. Ram Piara Mal, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 46 | M/s. Krishna Coop. (L&S) Workers Industrial Workers Society, Panipat | 0·535 | .. | .. | 1·290 | 1·825 | Ditto |
| 47 | M/s. Channu Ram-Wazir Chand, Panipat | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 48 | M/s. Lila Dhar-Karam Chand, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Ditto |
| 49 | M/s. Banarsi Lal-Ashok Kumar, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 50 | M/s. Bhoj Raj-Jai Bhagwan, Panipat .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 51 | M/s. Nirankar Industries, Samalkha .. | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | Manufacture of trunks/ suit-cases and Agricultural implements |
| 52 | M/s. Mohan Lal-Shiv Nath, Samalkha .. | 0·535 | .. | .. | 0·860 | 1·395 | Ditto |
| 53 | M/s. Mohan Lal-Sukhan Lal, Samalkha .. | 0·535 | 2·000 | .. | 0·860 | 3·395 | Ditto |
| 54 | M/s. Chandan Lal-Chattar Sain, Panipat | 0·535 | .. | 6·000 | 0·860 | 7·395 | Manufacture of trunks/suit cases and taslas |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 55 | M/s. Supdt., Rural Artisan Training Centre, Kaithal | 0·535 | .. | 5·000 | 0·860 | 6·435 | For the purpose of General Engineering Machinery parts and training purposes |
| 56 | M/s. Sheet Metal Workshop, Nilokheri | 0·535 | .. | .. | 1·720 | 2·255 | For the manufacture of trunks and machinery parts |
| 57 | M/s. B.L. Engineering Works, Kaithal .. | .. | .. | 15·750 | 1·720 | 17·470 | For the manufacture of machinery parts etc. |
| 58 | M/s. Jai Bharat Auto Industries, Karnal .. | .. | .. | 15·750 | 1·720 | 17·470 | For the manufacture of automobile parts |
| 59 | M/s. Agro Engineering and Production Co-operative Industrial Society Ltd., Karnal | .. | 10·000 | 30·000 | 6·610 | 46·610 | For the manufacture of Agricultural implements |
| 60 | M/s. Setia Iron and Steel Industries, Village Posiana Kalan, tehsil Panipat | .. | .. | 5·000 | .. | 5·000 | For the manufacture of motor parts |
| 61 | M/s. Guru Nanak Industries and Workshop, Ladwa | .. | 10·000 | 15·750 | 1·720 | 27·470 | For the manufacture of Agricultural implements |
| 62 | M/s. Basdeo Mal-Kashmiri Lal, Panipat | .. | 3·000 | 10·000 | 1·720 | 14·720 | For the manufacture of taslas and Agricultural Implements |
| 63 | M/s. Hargopal Dass Bhatia and Sons, Railway Road, Panipat | .. | 10·000 | 15·750 | 1·720 | 27·470 | For the manufacture of steel furniture |
| 64 | M/s. Ravi Safe Works, Panipat .. | .. | 10·000 | 15·750 | 1·720 | 27·470 | Ditto |
| 65 | M/s. Bhatia Engineering Works, Panipat | .. | 5·000 | 15·750 | 1·720 | 22·470 | Ditto |
| 66 | M/s. Batra Cycle Industries, Panipat .. | .. | .. | 12·000 | 1·720 | 13·720 | For the manufacture of cycle parts |
| 67 | M/s. Batra Steel Works, Panipat .. | .. | 8·000 | 15·750 | 1·720 | 25·470 | For the manufacture of steel furniture and cycle parts |
| 68 | M/s. J.P. Dhiman and Sons, Panipat .. | .. | .. | 12·000 | .. | 12·000 | For the manufacture of machine parts |
| 69 | M/s. Surjan Singh and Sons, Panipat .. | .. | .. | 12·000 | .. | 212·000 | Ditto |

**Upgraded Primary School at village Ispur, tehsil Una, district Hoshiarpur**

**3078. Pandit Mohan Lal Datta** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the Government upgraded the Primary School at village *Ispur* in tehsil Una, district Hoshiarpur to the middle standard ;

(b) the shortest distance between the main abadi in the village and the said school and the D.A.V. Higher Secondary School at Khad, a neighbouring village ;

(c) the rules, if any, framed by the Department for opening new middle schools or upgrading of the Primary Schools to the middle standard ;

(d) whether it is a fact that a considerable number of students migrated from the Secondary School at Khad to Ispur School resulting in a considerable loss of income to the management of the School at Khad ;

(e) whether he is aware of the fact that the Khad school was the oldest in the locality and it had suffered enormously on account of opening of new schools in its neighbour-hood ; if so, whether the Government intend to take over the school at Khad in view of the backwardness of the area and its weak financial posititon ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) Yes.

(b) Distance between the village abadi and the upgraded school at Ispur—1/2 mile.

Distance between the upgraded school at Ispur and D.A.V. Higher Secondary School at Khad—5 miles.

(c) No Middle schools are opened straightaway . The following factors are kept in view for upgrading of primary school to the Middle Standard : Khad

(1) Availability of sufficient accommodation for housing the new classes and adequate playground etc.

(2) Availability of sufficient land for further expansion.

(3) Population likely to be benefited.

(4) Existing enrolment of the School.

(5) Distance from the nearest School.

(6) Amount of contribution by the local community.

(7) Nature of illaqa—Hilly and Backward.

(d) Yes.

(e) Yes. D.A.V. Higher Secondary School, Khad is an old school. It has suffered some loss on account of migration of students. The school is not proposed to be taken over during the current financial year because it has still to fulfil some conditions laid down by Government for taking over of privately managed schools.

---

**Electrification of villages in Amritsar District**

**3079. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total number of applications with names and addresses of the applicants for electric connections for tubewells at present pending in the Jandiala Guru and Butari Sub-Divisions of the Electricity Board and the number and names of the applicants among them who have since submitted their test reports alongwith the dates of submission thereof ;

(b) the number and names of the villages in Amritsar district electrified during the period from 31st March, 1965 up-to-the 31st December, 1965.

(c) the names of villages in Jandiala Guru and Butari Sub-Divisions which are still to be electrified ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) (i) 293. Statement attached (Annexure 'A'.)

(ii) 48. Statement attached ( Annexure 'B')

(b) 10. Statement attached ( Annexure 'C')

(c) 53. Statement attached ( Annexure 'D')

**STATEMENT ANNEXURE 'A'**

**Statement of pending applications for Tubewell connections Jandiala Guru and Butari Sub-Divisions as it stood on 31st January, 1966**

| Serial No. | Name and address of the applicant | |
|---|---|---|
| 1 | Hazara Singh | .. Ravidaspura |
| 2 | Hazara Singh | Do |
| 3 | Chanchal Singh | .. Timmoval |
| 4 | Atma Singh | .. Ekal Gadda |
| 5 | Dalip Singh | .. Do |
| 6 | Sohan Singh<br>Bhan Singh | .. Jandial Guru |
| 7 | Dalip Singh | .. Do |
| 8 | Kalai Singh | .. Do |
| 9 | Harbans Singh | .. Do |
| 10 | Mohan Singh | .. Dharar |
| 11 | Lekha Ram | .. Jandiala |
| 12 | Sarain Singh | .. Moharbanpura |
| 13 | Baldev Singh | .. Jandiala |
| 14 | Sant Singh | .. Do |
| 15 | Kesar Singh | .. Do |
| | Mala Singh | .. Moharbanpura |
| 15A | Bhan Singh | .. Do |
| 16 | Amar Singh | .. Jandiala |
| 17 | Sunder Singh | .. Talwandi |
| 18 | Budha Singh | .. Jandiala |
| 19 | Tara Singh | .. Dhera Kot |
| 20 | Dara Singh | .. Do |
| 21 | Gurnam Singh | .. Do |
| 22 | Sangat Singh | .. Jandiala |
| 23 | Shan Singh | .. Do |
| 24 | Sadhu Singh | .. Do |
| 25 | Ujagar Singh | .. Do |
| 26 | Sadhya Singh | .. Khabe Dogran |
| 27 | Rattan Singh | .. Pakhoke |
| 28 | Boota Singh | .. Jandialan |
| 29 | Kirpa Ram | .. Do |
| 30 | Thakar Singh | .. Do |
| 31 | Joginder Singh | .. Rakhjita |
| 32 | Gian Singh | .. Kishan Pura |
| 33 | Gurbaz Singh | .. Bhut |
| 34 | Teja Singh | .. Chhajjalwadi |
| 35 | Harnam Singh | .. Do |
| 36 | Avtar Singh | .. Do |
| 37 | Karam Singh | .. Michhal |
| 38 | Teja Singh Karam | .. Chohan |
| 39 | Boota Singh | .. Timmoval |
| 40 | Chanda Singh | .. Talwandi |
| 41 | Ganga Singh | .. Do |
| 42 | Ujagar Singh | .. Do |
| 43 | Pritam Singh | .. Shahpur |

[Minister for Transport and Election]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 44 | Thakar Singh | .. Shahpur |
| 45 | Harnam Singh | .. Do |
| 46 | Capt. Kartar Singh | .. Do |
| 47 | Baghar Singh | .. Do |
| 48 | Ujagar Singh | .. Do |
| 49 | Capt. Kartar Singh | .. Taragarh |
| 50 | Surain Singh | .. Do |
| 51 | Gurdial Singh | .. Do |
| 52 | Surat Singh | .. Do |
| 53 | Gurdial Singh | .. Do |
| 54 | Tara Singh | .. Do |
| 55 | Ujar Singh | .. Do |
| 56 | Hazara Singh | .. Do |
| 57 | Balwant Singh | .. Do |
| 58 | Utam Singh Jagat Singh etc. | .. Sansara |
| 59 | Inder Singh | .. Malian |
| 60 | Gopal Singh | .. Do |
| 61 | Balbir Singh | .. Do |
| 62 | Balwant Singh | .. Chhajal Wai |
| 63 | Teja Singh | .. Ditto |
| 64 | Jhanda Singh | .. Chohan |
| 65 | Labh Singh | .. Takhutu Chak |
| 66 | Ganga Singh | .. Chhajjal Wadi |
| 67 | Gurdial Singh | .. Saidpur |
| 68 | Dewan Singh | .. Dharded |
| 69 | Sohan Singh | .. Do |
| 70 | Ajit Singh | .. Bhitter |
| 71 | Surta Singh | .. Do |
| 72 | H.S. Randhawa | .. Chanake |
| 73 | Dasunda Singh | .. Do |
| 74 | Inder Singh | .. Takkapur |
| 75 | Gurcharan Singh | .. Meharbanpura |
| 76 | Hazara Singh | .. Do |
| 77 | Charan Singh | .. Mehta |
| 78 | Durdial Singh | .. Dhardoe |
| 79 | Darshan Singh | .. Do |
| 80 | Sahel Singh | .. Do |
| 81 | Santa Singh | .. Do |
| 82 | Shangara Singh | .. Saidpur |
| 83 | Banta Singh | .. Mehta |
| 84 | Kishan Singh | .. Khabe Rajputan |
| 85 | Gurbaz Singh | .. Takkapur |
| 86 | Kashmir Singh | .. Khabe Rajputan |
| 87 | Ajaib Singh | .. Takkapur |
| 88 | Basant Singh | .. Chung |
| 89 | Munsha Singh | .. Do |
| 90 | Pritam Singh | .. Khabe |
| 91 | Surat Singh | .. Dharmu Chak |
| 92 | Mahi Dass | .. Do |
| 93 | Kundan Singh | .. Jallal Usman |
| 94 | Mansha Ram | .. Khhatwind |
| 95 | Sohan Singh | .. Do |
| 96 | Kundan Singh | .. Mehta |
| 97 | Achhar Siogh | .. Khabe Rajputan |
| 98 | Ganda Singh | .. Dharmu Chak |
| 99 | Sardul Singh | .. Takkapur |
| 100 | Delar Singh | .. Tanel |
| 101 | Kanwal Singh | .. Do |
| 102 | Amrik Singh | .. Dharmu Chak |
| 103 | Fauja Singh | .. Do |
| 104 | Kundan Singh | .. Bhutter |
| 105 | Harbans Singh | .. Do |
| 106 | Chur Singh | .. Mehta |
| 107 | Pritam Singh | .. Mehsum Pur |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 108 | Kartar Singh | .. Dharmu chak |
| 109 | Darshan Singh | .. Do |
| 110 | Bawa Singh | .. Jallal Usman |
| 111 | Puran Singh | .. Ditto |
| 112 | Banta Singh | .. Ditto |
| 113 | Santa Singh | .. Mangali |
| 114 | Pritam Singh | .. Udho Nangal |
| 115 | Dalip Singh | .. Khadew Rajputan |
| 116 | Hazara Singh | .. Udho Nangal |
| 117 | Jassa Singh | .. Do |
| 118 | Sucha Singh | .. Do |
| 119 | Harnam Singh | .. Bhutter |
| 120 | Ujagar Singh | .. Khabe Rajputan |
| 121 | Harnam Singh | .. Bhowal |
| 122 | Kartar Singh | .. Bhowal |
| 123 | Harnam Singh | .. Do |
| 124 | Jagir Singh | .. Bhowewal |
| 125 | Jagir Singh | .. Do |
| 126 | Dalip Singh | Mangli |
| 127 | Rattan Singh | .. Chhajjal |
| 128 | Gurmaj Singh | .. Rakh Devidaspura |
| 129 | Sadhu Singh | .. Talwandi |
| 130 | Durdial Singh | .. Janian |
| 131 | Tara Singh | .. Michhal |
| 132 | Teja Singh | .. Do |
| 133 | Makhan Singh | .. Do |
| 134 | Arjan Singh | .. Khalchian |
| 135 | Inder Singh | .. Banian |
| 136 | Swaran Singh | .. Dhulka |
| 137 | Udhan Singh | .. Michhal |
| 138 | Suman Singh | .. Banian |
| 139 | Assa Singh | .. Michhal |
| 140 | Fauja Singh | .. Do |
| 141 | Samand Singh | .. Banian |
| 142 | Harnam Singh | .. Sodhewal |
| 143 | Bishan Singh | .. Muchhal |
| 144 | Ram Kaur | .. Bodhewal |
| 145 | Ajib Singh - Bhan Singh | .. Do |
| 146 | Jarnail Singh | .. Sudhar |
| 147 | Sarpanch | .. Kaleke |
| 148 | Surain Singh | .. Bhorchi Rajputan |
| 149 | Santa Singh | .. Do |
| 150 | Harnam Singh | .. Do |
| 151 | Santa Singh | .. Do |
| 152 | Teja Singh | .. Jallowal |
| 153 | Sandhu Singh | .. Bhorchi Rajputan |
| 154 | Bahadur Singh | .. Dhulka |
| 155 | Inder Singh | .. Jharunnangal |
| 156 | Narinder Singh | .. Dhulka |
| 157 | Kartar Singh | .. Bhorchi Rajputan |
| 158 | Mohan Singh | .. Do |
| 159 | Inder Singh | .. Dhulka |
| 160 | Ralla Singh | .. Kaleke |
| 161 | Balwant Singh | .. Bhallipur |
| 162 | Harnam Singh | .. Do |
| 163 | Narinjan Singh | .. Do |
| 164 | Lakha Singh | .. Sudhar |
| 165 | Karnal Singh | .. Dhulka |
| 166 | Jaswant Singh | .. Sudhar |
| 167 | Partap Singh | .. Do |
| 168 | Lakha Singh | .. Do |
| 169 | Dharam Singh | .. Kaleke |
| 170 | Chhattar Singh | .. Bhalaipur |
| 171 | Mana Singh | .. Kaleke |

[Minister for Transport and Elections]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 172 | Joginder Singh | .. Bhalaipur |
| 173 | Prem Singh | .. Kaleke |
| 174 | Makhan Singh | .. Dhulka |
| 175 | Bagat Singh | .. Jaspal |
| 176 | Dhana Singh | .. Bhorehi Rajputan |
| 177 | Jawand Singh | .. Wadala Kalan |
| 178 | Narain Singh | .. Dhorahi Rajputan |
| 179 | Sawaran Singh | .. Wedala Kalan |
| 180 | Piara Singh | .. Rattan Garh |
| 181 | Shmt. Jeewo | .. Sudhar |
| 182 | Pritam Singh | .. Dheriwal |
| 183 | Jalla Singh | .. Bhinder |
| 184 | Gurbax Singh | .. Narinjanpur |
| 185 | Hazara Singh | .. Kaleke |
| 186 | Darshan Singh | .. Sudhar |
| 187 | Garib Singh | .. Jallowal |
| 188 | Pritam Singh | .. Dhulka |
| 189 | Balkar Singh | .. Do |
| 190 | Bhinder Singh | .. Do |
| 191 | Massa Singh | .. Do |
| 192 | Mohan Singh | .. Do |
| 193 | Noor Singh | .. Wadala Khurd |
| 194 | Gurdial Singh | .. Sadhar |
| 195 | Pasahra Singh | .. Bhhinder |
| 196 | Chanan Singh | .. Do |
| 197 | Roor Singh | .. Sarja |
| 198 | Hazara Singh | .. Do |
| 199 | Kartar Singh | .. Do |
| 200 | Misra Singh | .. Do |
| 201 | Bhadur Singh | .. Bhorchi Frahman |
| 202 | Chanan Singh | .. Sudhar |
| 203 | Karam Singh | .. Blolla |
| 204 | Harbhajan Singh | .. Bahadurpur |
| 205 | Bela Singh | .. Cheam Bath |
| 206 | Dashan Singh, Santokh Sing | .. Do |
| 207 | Jarnail Singh, Ghasit Singh | .. Bhalaipur |
| 208 | Gurmit Singh | .. Pattuwal |
| 209 | Mala Singh, son of Ishar Singh | .. Do |
| 210 | Bachan Singh, son of Mela Singh | .. Do |
| 211 | Inder Singh, son of Jiwan Singh | .. Cheema Bath |
| 212 | Joginder Singh | .. Fattuwal |
| 213 | Joginder Singh | .. Gaggerewal |
| 214 | Ganta Singh | .. Cheema Bath |
| 215 | Labh Singh | .. Balojia |
| 216 | Surat Singh | .. Bhule Mangal |
| 217 | Sohan Singh | .. Bhule Mangal |
| 217A | Pritam Singh | |
| 218 | Smear Singh, son of Sohan Singh | .. Bhule Nangal |
| 219 | Harbhajan Singh | .. Bahadurpur |
| 220 | Teja Singh | .. Gaggerewal |
| 221 | Bhan Singh | Bhalaipur |
| 222 | Bishan Singh | .. Baba Bakala |
| 223 | Bhan Singh | .. Do |
| 224 | Hukam Singh | .. Jamalpur |
| 225 | Bahadur Singh | .. Do |
| 226 | Paul Singh | .. Do |
| 227 | Partap Singh | .. Butala |
| 228 | Basant Singh | .. Jaggar |
| 229 | Sewa Singh | .. Baba Bakala |
| 230 | Sant Singh | .. Do |
| 231 | Sohan Singh | .. Do |
| 232 | S.D.E. Phealth | .. Do |
| 233 | S.D.E. Phealth | .. Do |
| 234 | Biant Singh | .. Butala |
| 235 | Beota Singh | .. Do |
| 236 | Pal Singh | .. Do |
| 237 | Bagwan Singh | .. Do |

| Serial No. | Name and address of applicant | | |
|---|---|---|---|
| 238 | Bela Singh | .. | Kartarpur |
| 239 | Bahadur Singh | .. | Do |
| 240 | Tej Kaur | .. | Sathiala |
| 241 | Gopal Singh | .. | Lakuwal |
| 242 | Bachan Singh | .. | Do |
| 243 | Puran Singh | .. | Cheema Bath |
| 244 | Inder Singh | .. | Bal Sarai |
| 245 | Ajaib Singh | .. | Jallual |
| 246 | Sohan Singh | .. | Chhappian Wali |
| 247 | Talbir Singh | .. | Jalluwal |
| 248 | Lachhman Singh | .. | Do |
| 249 | Gurdip Singh | .. | Do |
| 250 | Mohan Singh | .. | Chhappian Wali |
| 251 | Teja Singh | .. | Bal Sarai |
| 252 | Brij Lal | .. | Jalalabad |
| 253 | Chanan Singh | .. | Bodhewal |
| 254 | Jassa Singh | .. | Rampur |
| 255 | Boor Singh | .. | Do |
| 256 | Gurmit Singh | .. | Do |
| 257 | Bahadur Singh | .. | Do |
| 258 | Sarain Singh | .. | Sanghar |
| 259 | Kartar Singh | .. | Khadur Sahib |
| 260 | Singh | | Do |
| 261 | Ajit Singh | .. | Kallah |
| 262 | Avtar Singh | .. | Jallalabad |
| 263 | Samunda | .. | Sanghar |
| 264 | Pritam Singh | .. | Alia |
| 265 | Gurdip Singh | .. | Rampur |
| 266 | Gurcharan Singh | .. | Ghasitpur |
| 267 | Gurmukh Singh | .. | Kallah |
| 268 | Boor Singh | .. | Do |
| 269 | Natha Singh | ... | Do |
| 270 | Reja Singh | ... | Do |
| 271 | Ajaib Singh | .. | Banian |
| 272 | Bahjan Singh | .. | kallah |
| 273 | Inder Singh | .. | Do |
| 274 | Hazara Singh | .. | Ghasirpur |
| 275 | Ajit Singh | ... | Sanghar |
| 276 | Hakam Singh | .. | Veroval |
| 277 | Hari Singh | ... | Dinewal |
| 278 | Jagir Singh | ... | Nagoke |
| 279 | Didar Singh | ... | Mughlani |
| 280 | Banta Singh Ki | ... | Kiri Bodhal |
| 281 | Mesar Singh | ... | Do |
| 282 | Mangal Singh | .. | Do |
| 283 | Kirpa Singh | .. | Do |
| 284 | Ajit Singh | ... | Do |
| 285 | Lekh Singh | ... | Khadur Sahib |
| 286 | Amar Singh | ... | Do |
| 287 | Paul Singh | ... | Dinawal |
| 288 | Banta Singh | ... | Banian |
| 289 | Amar Kaur | ... | Sarai Talwandi |
| 290 | Sant Ram | ... | Dhota |
| 291 | Ajaib Singh | .. | Nagoke |
| 292 | Mukhtiar Singh | ... | Dinewal |
| 293 | Hardit Singh | ... | Nagoke |

*Illegible in Reply supplied by the Govt.

[Minister for Transport and Elections]

## ANNEXURE B

Statement of applicants of Jandiala Guru and Butari Sub-Divisions who have since submitted the Test Reports

| Serial No. | Name of Applicant | | Date of submission of test Report |
|---|---|---|---|
| 1 | Mohan Singh | .. | 29th January, 1966 |
| 2 | Raja Singh | .. | 29th January, 1966 |
| 3 | Harnam Singh | .. | 25th January, 1966 |
| 4 | Avtar Singh | .. | 25th January, 1966 |
| 5 | Karam Singh | .. | 29th January, 1966 |
| 6 | Teja Singh<br>Karam Singh<br>Jagir Kaur | .. | 21st January, 1966 |
| 7 | Balwant Singh | .. | 31st January, 1966 |
| 8 | Gurdial Singh | .. | 10th January, 1966 |
| 9 | Ajit Singh | .. | 11th January, 1966 |
| 10 | Surta Singh | .. | 11th January, 1966 |
| 11 | Rattan Singh | .. | 28th January, 1966 |
| 12 | Sadhu Singh | .. | 21st January, 1966 |
| 13 | Gurdial Singh | .. | 17th January, 1966 |
| 14 | Tara Singh | .. | 13th December, 1965 |
| 15 | Teja Singh | .. | 13th December,1965 |
| 16 | Makhan Singh | .. | 13th December, 1965 |
| 17 | Arjan Singh | .. | 13th December, 1965 |
| 18 | Inder Singh | .. | 13th December, 1965 |
| 19 | Swarn Singh | .. | 13th December, 1965 |
| 20 | Udham Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 21 | Sarn Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 22 | Assa Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 23 | Fauza Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 24 | Samand Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 25 | Harnam Singh | .. | 14th December, 1965 |
| 26 | Bishan Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 27 | Ram Kaur | .. | 17th December, 1965 |
| 28 | Ajaib Singh | .. | 17th December, 1965 |
| 29 | Chattar Singh | .. | 17th January, 1966 |
| 30 | Narain Singh | .. | 17th January, 1966 |
| 31 | Pritam Singh | .. | 28th January, 1966 |
| 32 | Labh Singh | .. | 28th January, 1966 |
| 33 | Surat Singh | .. | 5th January, 1966 |
| 34 | Sohan Singh -Pritam Singh | .. | 15th January, 1966 |
| 35 | Smear Singh | .. | 18th January, 1966 |
| 36 | Harbhajan Singh | .. | 17th January, 1966 |
| 37 | Teja Singh | .. | 30th November, 1965 |
| 38 | Bhan Singh | .. | 30th November, 1965 |
| 39 | Bela Singh | .. | 30th December, 1965 |
| 40 | Bahadur Singh | .. | 30th December, 1965 |
| 41 | Tej Kaur | .. | 3rd September, 1965 |
| 42 | Gopal Singh | .. | 18th January, 1965 |
| 43 | Bahan Singh | .. | 20th January, 1966 |
| 44 | Amar Kaur | .. | 6th January, 1966 |
| 45 | Sant Ram | .. | 19th January, 1966 |
| 46 | Ajaib Singh | .. | 17th January, 1966 |
| 47 | Shri Mukhtiar Singh | .. | 18th January, 1966 |
| 48 | Shri Hardit Singh | .. | 21st January, 1966 |

## ANNEXURE 'C'

**Statement showing the number of villages in Amritsar District electrified during the period 31st March, 1965 to 31st December, 1965**

| Serial No. | Name of village | Serial No. | Name of village |
|---|---|---|---|
| 1 | Balhet | 6 | Ramuwal |
| 2 | Balia | 7 | Chakwalia |
| 3 | Jharu | 8 | Chuslewar |
| 4 | Nangal | 9 | Mehoka |
| 4-A | Rattoke | 10 | Tarpai |
| 5 | Burj | | |

## ANNEXURE 'D'

**Statement showing the names of villages in Jandiala Guru and Butari Sub- Divisions which are still to be electrified**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | Kotla | 28 | Malchak |
| 2 | Naraingarh | 29 | Alia |
| 3 | Rana Kalan | 30 | Fatehpur Bedeshian |
| 4 | Shahpur | 31 | Jallowal |
| 5 | Nallowal | 32 | Padee |
| 6 | Chung | 33 | Mudh |
| 7 | Dalara | 34 | Rayya khurd |
| 8 | Banjarwal | 35 | Mijiar |
| 9 | Teharpur | 36 | Bhotangarh |
| 10 | Tanel | 37 | Dhande |
| 11 | Bopara | 38 | Saria |
| 12 | Saropada | 39 | Mohamdpur |
| 13 | Rajdhan | 40 | Jala Ipur Sheron |
| 14 | Kot Hayat | 41 | Bhaini Ram Dayal |
| 15 | Loharaka | 42 | Sheron lania |
| 16 | Loghgarh | 43 | Sheron |
| 17 | Banian | 44 | Ahluwal |
| 18 | Mahadepur | 45 | Talwandi Bodewal |
| 19 | Singhpura | 46 | Uppal |
| 20 | Thotihian | 47 | Gill Kaler |
| 21 | Kammoke | 48 | Garibwal |
| 22 | Khera | 49 | Bhatike |
| 23 | Thanewal | 50 | Talwandi |
| 24 | Gajiwal | 51 | Bhaguan Shian |
| 25 | Dulchipur | 52 | Gadli |
| 26 | Devlawala | 53 | Rajdhewal |
| 27 | Ahmedpur | | |

## Loss of Property due to India-Pakistan Conflict in Khem Karan Sector

**3080. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state :

(a) the approximate loss of the movable and immovable property, village-wise separately that occurred in the recent India-Pakistan conflict on the Khem Karan Sector (Amritsar District) ;

(b) the total number of population affected in the said Sector, village-wise ;

(c) the details of the help given by the Government in the above-mentioned villages in cash and kind, village-wise; and

[Comrade Makhan Singh Tarsikka]

(d) the names of persons who died during the said conflict as a result of Military firing and by shells and mines in the above mentioned villages, village-wise ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) An assessment of the loss to property has yet to be made. The work will be taken in hand as soon as the area is declared safe and accessible to civilians by the Indian Army Authorities.

(b), (c) and (d) A statement is laid on the Table of the House. As joint payment registeres are being maintained, village-wise, break-up of the expenditure is not practicable.

(b) **Statement showing total number of population affected in the Khem Karan Sector, Villagewise**

| Serial No. | Name of village | | Population affected | REMARKS |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Khem Karan | .. | 7,354 | |
| 2 | Kalia | .. | 575 | |
| 3 | Sankatra | .. | 742 | |
| 4 | Mastgarh | .. | 964 | |
| 5 | Kals | .. | 362 | |
| 6 | Dhaul Nau | .. | 72 | |
| 7 | Mehdipur | .. | 2,325 | |
| 8 | Machhike | .. | 572 | |
| 9 | Rattoke | .. | 2,972 | |
| 10 | Nurwala | .. | 59 | |
| 11 | Chak Ladheke | .. | .. | Be-Chiragh |
| 12 | Mai Wala Autar | .. | .. | Do |
| 13 | Mohammadiwala | .. | .. | Do |
| 14 | Bhure Kohna | .. | 2,284 | |
| 15 | Bhure Karimpura | .. | 860 | |
| 16 | Manawan | .. | 840 | |
| 17 | Dhool Kohna | .. | 835 | |
| 18 | Thathi Jaimal Singh | .. | 740 | |
| 19 | Dholan | .. | 825 | |
| 20 | Asal Autar | .. | 3,320 | |
| 21 | Serai Valtoha | .. | 235 | |

| Serial No. | Name of village | | Population affected | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| 22 | Kotli Wasawa Singh | .. | 1,012 | |
| 23 | Gajjal | .. | 737 | |
| 24 | Valtoha | .. | 6,092 | |
| 25 | Amirke | .. | 432 | |
| 26 | Chima | .. | 975 | |
| 27 | Kalanjar Autar | .. | 705 | |
| 28 | Lakhana | .. | 1,205 | |
| 29 | Dhodhipura | .. | .. | |
| 30 | Ballianwala | .. | 405 | |
| 31 | Mehmoodpura | .. | 1,332 | |
| 32 | Dibbipura | .. | 1,092 | |
| 33 | Badhal | .. | 742 | |
| 34 | Keshopura | .. | .. | |
| 35 | Rajoke | .. | 4,469 | |
| 36 | Daudpura | .. | 138 | |
| 37 | Wan | .. | 3,093 | |
| 38 | Bangala | .. | 843 | |
| | Total | .. | 49,208 | |

**(c) Statement showing the details of help given by Government in the villages of Khem Karan Sector in cash and kind**

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| 1. | Cash Doles | .. | 13,29,816.00 |
| 2. | Cash in lieu of cloth | .. | 2,10,454.00 |
| 3. | Fodder Subsidy | .. | 5,546.50 |
| | | | Qls. Kgs. |
| 4. | Wheat | .. | 14,035.50 |
| 5. | Quilts | .. | 11,945 |
| 6. | Darris | .. | 8,993 |

**(d) Statement showing villagewise names of persons who died during the conflict as a result of military firing, and by shells, and mines in Khem Karan Sector**

(i) Persons died due to military firing—Nil

[Minister for Transport and Elections]

(ii) Persons killed due to shelling—

| Serial No. | Name of village | | Name of persons died with parentage |
|---|---|---|---|
| 1 | Bhure Kohna | .. | (1) Virsa Singh, son of Bhan Singh |
| | | | (2) Sadhu Singh, son of Inder Singh |
| | | | (3) Joginder Singh, son of Santa Singh |
| | | | (4) Mohinder Singh, son of Banta Singh |
| | | | (5) Gurdip Singh, son of Bhagwan Singh |
| | | | (6) Bahal Singh, son of Hakim Singh |
| | | | (7) Gurdit Singh, son of Gehal Singh |
| | | | (8) Beesa Singh, son of Gehal Singh |
| | | | (9) Smt. Hukmi, widow of Nikka Singh |
| | | | (10) Smt. Bisso, widow of Lal Singh |
| | | | (11) Smt. Santo, widow of Bishan Singh |
| | | | (12) Smt. Mutab Kaur, widow of Tega Singh |
| | | | (13) Naranjan Singh , son of Jagat Singh |
| 2 | Varnala | .. | (14) Smt. Surjit Kaur, wife of Ajaib Singh |
| | | | (15) Smt. Harbans Kaur, wife of Shebeg Singh |
| | | | (16) Gurdev Singh, son of Shebag Singh |
| | | | (17) Mukhtar Singh, son of Shangara Singh |
| | | | (18) Smt. Jeo, widow of Mohan Singh |
| 3 | Valtoha | .. | (19) Atma Singh, son of Sunder Singh |
| | | | (20) Sujinder Singh, son of Chanchal Singh |
| | | | (21) Major Singh, son of Sujinder Singh |
| | | | (22) Smt. Kulwant Kaur, widow of Sujinder Singh |
| | | | (23) Baljit Kaur, daughter of of Kulwant Kaur |
| | | | (24) Man Kaur, widow of Bahadur Singh |
| 4 | Mehdipur | .. | (25) Jiwan Singh, son of Ishar Singh |
| | | | (26) Smt. Summon, wife of Bhagtoo |
| 5 | Rattoke | .. | (27) Harnam Kaur, wife of Hari Singh |
| 6 | Bhura Karimpura | .. | (28) Basant Kaur, wife of Mehar Singh |
| 7 | Assal Autar | .. | (29) Smt. Jasso, widow of Sunder Singh |
| 8 | Mastgarh | .. | (30) Nihaloo, widow of Mehnga |
| | | | (31) Sajjan Singh, son of Wadhawa Singh |

| Serial No. | Name of village | Name of persons died with parentage |
|---|---|---|
| 9 | Kalla .. | (32) Chanchal Singh, son of Kundan Singh |
| | | (33) Mahna Singh, son of Santa Singh |
| | | (34) Gehna Singh, adopted son of Sher Singh |
| | | (35) Surjan Singh, son of Bhan Singh |
| | | (36) Udham Singh, son of Ghasita Singh |
| | | (37) Shangara Singh, son of Arbal Singh |
| 10 | Thathi Jaimal Singh .. | (38) Sohan Singh, son of Sunder Singh |
| | | (39) Jaimiat Singh, son of Sangat Singh |
| 11 | Dassuwal .. | (40) Gajjan Singh, son of Wadhawa Singh |
| 12 | Khem Karan .. | (41) Santa Singh, son of Iqbal Singh |
| | | (42) Booramal, son of Mian |
| | | (43) Nihal Singh, son of Bir Singh |
| 13 | Narla .. | (44) Chanan Singh, son of Surain Singh |
| 14 | Bhikhiwind .. | (45) Balkar Singh, son of Budhu |
| 15 | Algon .. | (46) Des Raj, son of Sant Ram |
| | | (47) Balkar Singh, son of Budh Singh |
| 16 | Mari Gaur Singh .. | (48) Sadha Singh, son of Ujjagar Singh |
| 17 | Kalsian Khurd .. | (49) Mukha Singh, son of Piara |
| 18 | Kalia .. | (50) Ganga Singh, son of Hardit Singh |
| | | (51) Amrik Singh, son of Chattar Singh |
| 19 | Tatle .. | (52) Jhanda Singh, son of Keshar Singh |
| 20 | Balher .. | (53) Sampuran Singh, son of Teja Singh |
| 21 | Lakhna .. | (54) Kapur Singh, son of Kesar Singh |
| | | (55) Chanan Singh, son of Lal Singh |
| | | (56) Santa Singh |
| 22 | Mamoodpura .. | (57) Kabal Singh, son of Santa Singh |
| | | (58) Mota Singh, son of Inder Singh |
| | | (59) Tara Singh, son of Atma Singh |
| 23 | Cheema Khurd .. | (60) Gura Singh, son of Bur Singh |
| | | (61) Ujagar Singh, son of Gurdit Singh |
| | | (62) Hakim Singh, son of Wadhawa Singh |
| | | (63) Sajjan Singh, son of Ganda Singh |
| | | (64) Piara Singh, son of Gulab Singh |

[Transport and Election Minister]

| Serial No. | Name of village | Name of persons died with parentage |
|---|---|---|
| | | (iii) Persons died due to the explosion of our own Mines |
| 24 | Assal Auttar .. | (65) Bachan Singh, son of Teja Singh |
| | | (66) Bakhshish Singh, son of Bishan Singh |
| | | (67) Jassa Singh, son of Kartar Singh |
| 25 | Cheema near Valtoha | (68) Kashmira Singh, son of Sunder Singh |
| | | (69) Piara Singh, son of Teja Singh |
| 26 | Valtoha .. | (70) Balbir Singh, son of Arjan Singh |
| | | (71) Raj Singh, son of Ganga Singh |
| | | (72) Smt. Karmon, daughter of Saudagar Singh |
| 27 | Baura Kohna ... | (73) Chainchal Singh |
| 28 | Thaker Koura .. | (74) Mohan Singh, son of Bhola Singh |
| 29 | Lakhna ... | (75) Jagir Singh, son of Suraina |
| | | (76) Milkha Singh, son of Udham Singh |
| 30 | Mehdipur .. | (77) Anant Ram, son of Salgram |
| 31 | Kalanjer .. | (78) Jagir Singh, son of Ganga Singh |
| 32 | Rasulpur .. | (79) Balwant Singh, son of Karnail Singh |
| | | (80) Sher Singh, son of Karnail Singh |
| | | (81) Kashmir Singh, son of Gajjan Singh |

**Staff in X Ray Departments of Government Medical Colleges and Hospitals at Amritsar, Patiala and Rohtak**

3081. **Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Health be pleased to state :—

(a) the details of the staff working in the X-Ray Departments of the Government Medical Colleges and Hospitals at Amritsar, Patiala and Rohtak and the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, separately, together with their qualifications and pay scales as at present ;

(b) the detail of the income that accrued to the X-Ray departments of the said colleges / hospitals / institute from:

(i) X-ray ;
(ii) deep X-ray ;
(iii) diaothermy ; and
(iv) cancer therapy etc. ;

monthwise from Ist January, 1965 to date ; and

(c) the different kinds of fees charged from the patients in the said department of the said Colleges / Hospitals / Institute during the period mentioned in part (b) above, and the criteria kept in view while charging fees from them ?

**Shrimati Om Prabha Jain** (a), (o) and (c) Statements I (a), I(b), II and III containing the requisite information are attached.

## STATEMENT No. 1(a)

**Details of the staff working in the X-Ray Depatments of the Government Medical Colleges and Hospitals, Amritsar, Patiala and Rohtak together with their qualifications and pay-scales**

| Name | Designation | Qualification | Pay-Scale |
|---|---|---|---|
| **Medical College, Amritsar and its attached V.J. Hospital, Amritsar** | | | |
| | | | Rs |
| Dr. M.L. Aggarwal .. | Professor .. | M.B., B.S. (Punjab), D.M.R. (London), F.A.M.S. | 1,000—75—1,600 |
| Dr. Y.P. Bhandari .. | Assistant Radiologist .. | M.B , B.S. (Punjab), D.M.R. (Bombay), M.D. (Punjab) | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. S.K. Gupta .. | Assistant Radiologist .. | M.B., B.S. (Punjab), D.M.R. (Punjab) | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. S. Khanna .. | Registrar .. | M.B., B.S. (Punjab) .. | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. Birinder Singh .. | Do .. | M.B., B.S. (Punjab) .. | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. N.K. Sarin .. | Senior Medical Officer .. | M.B., B.S. (Punjab) .. | Rs 200 per mensem |
| Shri M.K. Joshi .. | Senior Radiographer .. | C.R.T .. | 150—10—250 |
| Shri Om Parkash .. | Do .. | Do .. | 150—10—250 |
| Shri Harbans Singh .. | Radiogarpher. .. | Do .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Tilak Raj .. | Do .. | Do .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Harnam Dass .. | Do .. | Do .. | 70 4—90'5—120 |
| Shri Kewal Krishan .. | Assistant Radiographer .. | Matric .. | 75—5—125 |

[Health Minister]

| Name | Designation | Qualification | Pay-scale |
|---|---|---|---|
| Shri Chhotu Ram .. | Laboratory Assistant .. | Matric .. | 50—3—80/4—100 |
| Shri Narinder Kumar .. | Laboratory Attendant .. | Higher Secondary .. | 39½—1—49½/2—59½ |
| Shri Ram Sarup .. | Ditto .. | Matric .. | 39½—1—49½/2—59½ |
| Shri Hira Lal .. | Ditto .. | Do .. | 39½—1—49½/2—59½ |
| **T.B. Sanatorium, Amritsar** | | | |
| Shri Lal Singh .. | Radiographer .. | Under-matric, Trained locally | 70—4—90/5—120 |
| Shri Gopal Singh .. | X-Ray Assistant .. | Matric .. | 50—3—80/4—100 |
| Shri Siri Ram .. | X-Ray Assistant-cum-Operation Theatre | Do .. | 60—100 |
| **Medical College, Patiala and its attached Rajendra Hospital, Patiala** | | | |
| Dr. A.L. Jain .. | Assistant Professor .. | M.B., B.S. (Bombay) .. | 750—50—1,000/50—1,250 |
| Dr. S.S. Sandhu .. | Senior Lecturer .. | M.B., B.S., D.M.R.D. .. | 450—30—600/40—800/50—950 |
| Dr. K.C. Jain .. | Assistant Radiologist .. | M.B., B.S., D.M.R.E. .. | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. Gurnam Singh .. | Ditto .. | M.B., B.S., M.D., Part I .. | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. Raj Chopra .. | Registrar .. | M.B., B.S. .. | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Dr. Tejinder Kaur .. | House Physician .. | M.B., B.S. .. | Rs 200 |
| Shri Ranbir Singh .. | Electrician .. | Matric, Trained Electrician .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Khushi Ram .. | Radiographer .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Suresh Kumar .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Shri Suresh Kumar .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Vidya Sagar Sharma .. | Radiographer .. | Matric, Trained Electrician .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Mohan Lal Gupta .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Miss Nirmal Bhatnagar .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Bishambar Nath .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Raj Kumar Jain .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Gurmail Singh Sindhu .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Baldev Singh Kohli .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Naubat Rai Sharma .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Des Raj .. | Dark Room Assistant .. | Higher Secondary .. | 47½—2—57½/4—77½ |
| Shri Shiv Kumar .. | Ditto .. | Matric .. | 47½—2—57½/4—77½ |
| | **T.B. Centre, Patiala** | | |
| Shri Shashi Bhushan .. | Radiographer .. | Matric with Science, Diploma in Radiography | 70—4—90/5—120 |
| Shri Ram Singh .. | X-Ray Bearer .. | Knowledge of English, Punjabi | 30—½—35 |
| | **Medical College, Rohtak, and its attached Hospital** | | |
| Dr. V.P. Lakhan Pal .. | Assisant Professor .. | M.D. (Punjab), D.M.R.E. (Bombay) | 750—50—1,000/50—1,2[illegible] |
| Dr. K.C. Marwaha .. | Assistant Radiologist .. | M.B., B.S., P.C.M.S. .. | 250—25—375/25—500/25—750 |
| Shri Gurcharan Singh .. | Senior Radographer .. | Matric with Science, Diploma in Radiography | 150—250 |
| Shri Ram Narain Arya .. | Radiographer | Matric with Science, one year Radiography Course | 70—4—90/5—120 |
| Shri Satjit Singh Grewal .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri H. Massey .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Shri Niwas Sharma .. | Do .. | Ditto .. | 70—4—90/5—120 |
| Shri Tersem Nath .. | Do .. | F.A., Radiographer's Diploma | 70—4—90/5—120 |
| Shri R.K. Gupta .. | Do .. | Matric with Science, Diploma in Radiography | 70—4—90/5—120 |
| Shri Vijay Singh .. | Do .. | F.Sc., one year's Course in Radiography | 70—4—90/5—120 |

[Health Minister]

STATEMENT No. I(b)

(b) The following staff has oeen appointed in the X-Ray Department of Institute of Post-Graduate -Medical Education and Research, Chandigarh.

| Serial No. | Name and Designation | Qualifications | Scale of Pay |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| 1 | Dr. K. Lal, Associate Professor, Radiotherapy | M.B., B.S., D.M.R.T. | 1,500—50—1,800/75—2,100 |
| 2 | Dr. J.S. Sodhi, Assistant Professor, Radiology | M.B., B.S., D.M.R., D.M.R.D. | 1,000—50—1,400 |
| 3 | Dr. Brij Bala Gupta, Senior Lecturer in Radiology | M.B., B.S., D.M.R.D. | 800—40—1,000 |
| 4 | Dr. (Mrs). M. Saini, Lecturer in Radiology | M.B., B.S., D.R.M.E. | 650—30—950 |
| 5 | Dr. V.P. Sharma, Tutor in Radiology | M.B., B.S., D.M.R.E. | 450—30—600 |
| 6 | Dr. G.S. Lamba, Tutor in Radiology | M.B., B.S. | 450—30—600 |
| 7 | Dr. (Mrs.) P. Wahi, Tutor in Radiology | M.B., B.S. | 450—30—600 |
| | **Non-Gazetted Staff** | | |
| 1 | Shri Tejinder Singh, Senior Technician Radiology | Matric with Science got 3 months training in Lady Linlithgow Sanatorium | 150—5—160/8—240/8—280/10—300 |
| 2 | Shri Jasbir Singh, Senior Technician Radiology | Matric with Science, passed Radiographer Course | 150—5—160/8—240/8—280/10—300 |
| 3 | Shri Raghbir Singh, Senior Technician Radiology | Ditto | 150—5—160/8—240/8—280/10—300 |
| 4 | Shri Joginder Singh, Senior Technician Radiology | Ditto | 150—5—160/8—140/8—280/10—300 |
| 5 | Shri Sampat Kumar Dhawan, Junior Technician Radiology | Matric with Science, hold certificate of Radio logical | 80—5—120/5—175 |
| 6 | Shri Megh Raj Garj, Junior Technician Radiology | Matric with Science, passed Radiographer Course | 80—5—120/5—175 |
| 7 | Shri M.P. Vasudeva, Junior Technician Radiology | Matric with Science, passed C.M.A., Diploma examination of Radiographer training | 80—5—120/5—175 |
| 8 | Shri Uday Singh, Junior Technician Radiology | Matric with Science, got X-Ray training | 80—5—120/5—175 |
| 9 | Shri Benarsi Dass, Junior Technician Radiology | Matric with Science, qualified Radiographer | 80—5—120/5—175 |

STATEMEKT No. II

(b) The details of income accrued to the X-Ray Departments of the Medical Colleges and Hospitals at Amritsar/Patiala/Rohtak

| | | X-Ray | Deep X-Ray | Dia harmy | Cancer Therapy |
|---|---|---|---|---|---|
| **Medical College, Amritsar and its attached V. J. Hospital. Amritsar** | | | | | |
| | | Rs nP. | Rs nP. | Rs nP. | |
| January, 1965 | .. | 3,584.32 | 9.80 | 20.00 | .. |
| February, 1965 | .. | 4,287.69 | 16.80 | 22.00 | .. |
| March, 1965 | .. | 5,183.71 | 11.20 | 52.00 | .. |
| April, 1965 | .. | 4,802.76 | 113.60 | 46.00 | .. |
| May, 1965 | .. | 5,501.46 | 59.20 | 58.00 | .. |
| June, 1965 | .. | 4,130.68 | 189.20 | 8.00 | .. |
| July, 1965 | .. | 5,026.44 | 58.40 | 2.00 | .. |
| August, 1965 | .. | 5,073.56 | 116.40 | 150.80 | .. |
| September, 1965 | .. | 1,290.69 | 8.40 | 8.40 | .. |
| October, 1965 | .. | 3,396.56 | 83.40 | 10.00 | .. |
| November, 1965 | .. | 3,325.20 | 32.80 | 10.00 | .. |
| December, 1965 | .. | 3,025.18 | 10.80 | 39.20 | .. |
| **T. B. Sanatorium, Amritsar** | | | | | |
| January, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| February, 1965 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| March, 1965 | .. | 28.00 | .. | .. | .. |
| April, 1965 | .. | 28.00 | .. | .. | .. |
| May, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| June, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| July, 1965 | .. | 10.00 | .. | .. | .. |
| August, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| September, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| October, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| November, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| December, 1965 | .. | 20.00 | .. | .. | .. |
| January, 1966 | .. | 7.00 | .. | .. | .. |
| **Medical College, Patiala and its attached Rajindra Hospital, Patiala** | | | | | |
| January, 1965 | .. | 2,467.00 | .. | 191.00 | .. |
| February, 1965 | .. | 2,421.00 | .. | 18.00 | .. |
| March, 1965 | .. | 1,545.00 | .. | 70.00 | .. |

[Health Minister]

| | | X-Ray | Deep X-Ray | Diatharmy | Cencer Therapy |
|---|---|---|---|---|---|
| April, 1965 | .. | 3,298.00 | .. | 128.00 | .. |
| May, 1965 | .. | 2,472.00 | 24.00 | 88.00 | .. |
| June, 1965 | .. | 3,998.00 | 3.00 | 112.00 | .. |
| July, 1965 | .. | 3,444.00 | 4.00 | 189.00 | .. |
| August, 1965 | .. | 3,492.00 | 62.00 | 92.00 | .. |
| September, 1965 | .. | 1,070.00 | .. | 20 00 | .. |
| October, 1965 and November, 1965 | | 3,569.00 | .. | 10,00 — 148.00 | .. |
| December, 1965 | .. | 1,542.00 | 14.00 | 80.00 | .. |
| January, 1966 | .. | 2,206.00 | .. | 160.00 | .. |
| **T.B. Centre, Patiala** | | | | | |
| January, 1965 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| February, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| March, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| April, 1965 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| May, 1965 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| June, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| July, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| August, 1965 | .. | 28.00 | .. | .. | .. |
| September, 1965 | .. | 10.00 | .. | .. | .. |
| October, 1965 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| November, 1965 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| December, 1965 | .. | .. | .. | .. | .. |
| January, 1966 | .. | 14.00 | .. | .. | .. |
| **Medical College, Rohtak and its attached Hospital** | | | | | |
| January, 1965 | .. | 1,147.32 | .. | 28.00 | .. |
| February, 1965 | .. | 1,197.42 | .. | 33.00 | .. |
| March, 1965 | .. | 878.33 | .. | 18.00 | .. |
| April, 1965 | .. | 1,277.86 | .. | 35.00 | .. |
| May, 1965 | .. | 1,171.31 | .. | 25.00 | .. |
| June, 1965 | .. | 738.21 | .. | .. | .. |
| July, 1965 | .. | 1,254.46 | .. | .. | .. |
| August, 1965 | .. | 1,441.39 | .. | .. | .. |
| September, 1965 | .. | 1,164.07 | .. | 75.00 | .. |
| October, 1965 | .. | 1,189.1 | .. | .. | .. |
| November, 1965 | .. | 1,242.92 | .. | 9.00 | .. |
| December, 1965 | .. | 1,432.80 | .. | 195.00 | .. |
| January, 1966 | .. | 1,160.98 | .. | 8.00 | .. |

(b) Income from X-ray Department from 1st January, 1965 to 31st December, 1965 in P.G.I., Chandigarh :—

| | X-Ray | Diatharmy | Deep X-Ray and Cencer Therapy |
|---|---|---|---|
| | Rs | | Rs |
| January, 1965 .. | 2,654·77 | .. | 5·00 |
| February, 1965 .. | 3,204·75 | .. | 105·00 |
| March, 1965 .. | 3,021·12 | .. | .. |
| April, 1965 .. | 5,798·00 | .. | 45·00 |
| May, 1965 .. | 4,811·35 | .. | 75·00 |
| June, 1965 .. | 3,045·90 | .. | 13·00 |
| July, 1965 .. | 3,787·09 | .. | 170·00 |
| August, 1965 .. | 2,615·28 | .. | 2·00 |
| September, 1965 .. | 3,324·31 | .. | 4·00 |
| October, 1965 .. | 3,719·20 | .. | 24·00 |
| November 1965 .. | 2,409·21 | .. | 14·00 |
| December, 1965 .. | 2,392·06 | .. | 113·00 |
| Total .. | 40,783 04 | .. | 570·00 |

## STATEMENT III

(c) The different kinds of fees charged from the patients.

1. No X-Ray fee is charged from the patients having income not exceeding Rs 30.

The Charges are made for the following kinds/types of X-Rays according to the income group :—

| Income per patient | X-Ray | Super-ficial X-Ray and light elec-trical treat-ment | Deep X-Ray Treat-ment | Screen-ing charges |
|---|---|---|---|---|
| | | Rs | Rs | Rs |
| Exceeding Rs 30 per mensem but not exceeding Rs 150 per mensem | 2 | Free | Free | 2 |
| Exceeding Rs 150 per mensem but not exceedng Rs 250 per mensem | 5 | 2 | 4 | 5 |
| Ex eeding Rs 250 per mensem but not exceeding Rs 350 per mensem | 7 | 3 | 5 | 7 |
| Exceeding Rs 350 per mensem but not exceeding Rs 500 per mensem | 10 | 5 | 7·50 | 10 |
| Exceeding Rs 500 per mensem, but not exceeding Rs 1,000 per mensem | 10 | 6 | 9·00 | 10 |
| Exceeding Rs 1,000 per mensem .. | 10 | 7 | 10 00 | 10 |

Besides above a fee of Rs 16 is charged for per mounted-electro-cardio-gram from patients irrespective of income group if they wish to take away the same. A fee of Rs 14 is levied per film from patients who wish to take away their Skiagrame irrespective of the income group.

**Persons insured under Employees State Insurance Scheme in Amritsar and certain other places**

**3082. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total number of persons insured under the Employees' State Insurance Scheme in Amritsar, Chheherta. Batala and Dhariwal separately up to 31st December, 1965 ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** —

| | | |
|---|---|---|
| Amritsar (including Verka) | .. | 12,570 |
| Chheharta (including Khasa) | .. | 7,620 |
| Batala | .. | 3,700 |
| Dhariwal | .. | 3,000 |

---

**Unions recognised under the Code of Discipline in Amritsar and Gurdaspur Districts**

**3083. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to lay on the Table of the House a list of Unions in Amritsar and Gurdaspur Districts which have so far been recognised under the Code of Discipline by the employers ?

**Chaudhari Rizaq Ram :** The names of the Unions in Amritsar and Gurdaspur Districts which have been recognised under the Code of Discipline are given as under :—

| | | |
|---|---|---|
| Amritsar | .. | 1. Textile Mazdoor Ekta Union, Amritsar |
| | | 2. Municipal Labour Union, Amritsar |
| | | 3. Municipal Mazdoor Sabha, Amritsar |
| | | 4. Textile Labour Association, Amritsar |
| Gurdaspur | .. | Nil |

---

**B.T./B.ED. Teachers/Teachresses of Provincialised High Schools**

**3084. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names of B.T. and B.Ed. teachers and teachresses of the privately managed high schools which were provincialised during the year 1963-64 and thereafter up-to-date district-wise, together with the dates when they were taken into Government service ;

(b) the criteria kept in view by the Subordinate Services Selection Board while approving the services of the said teachers ;

(c) whether the record of service of the said teachers in the privately-managed schools was taken into consideration ; if so, the details thereof ; if not, the reasons therefor ;

(d) whether the length of service of the said teachers with the privately-managed schools will also be counted towards their service and seniority ; if not, the reasons thereof ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) Statement is laid on the Table of the House.

(b) The Board keeps in view the necessary educational qualifications prescribed for recruitment to a post as in the case of fresh entrants.

(c) No. No service record is usually maintained in privately-managed schools.

(d) Since they are fresh entrants, their services under the managements will not be counted for the purpose of seniority in the State Cadre. It will, however, be considered by the Subordinate Services Selection Board, Punjab while drawing up their *inter-se*-seniority.

STATEMENT

(a)—

| District | | Serial No. | Name (Shri,/Shrimati) | | Date of taking over (to be treated as the date of entry into Government service after the approval of the Board) |
|---|---|---|---|---|---|
| Amritsar | .. | 1 | Sukhdevjit Singh | .. | 5-12-63 |
| | | 2 | Sarbjit Singh | .. | 15-5-64 |
| | | 3 | Sukhdev Singh | .. | 15-5-64 |
| | | 4 | Jagjit Kaur | .. | 5-12-63 |
| Hoshiarpur | .. | 1 | Kanwar Sewa Singh | .. | 18-2-65 |
| | | 2 | Kanwar Pancham Singh | .. | 18-2-65 |
| Ludhiana | .. | 1 | Amarjit Kaur | .. | 5-12-63 |
| | | 2 | Gurwant Kaur | .. | 5-12-63 |
| | | 3 | Joginder Kaur | .. | 5-12-63 |
| Karnal | .. | 1 | Amar Nath Kaul | .. | 1-9-64 |
| | | 2 | Shiv Lal | .. | 1-9-64 |
| | | 3 | Sher Singh | .. | 1-9-64 |
| Kangra | .. | 1 | Narotam Chand Austi | .. | 6-7-64 |
| | | 2 | Tilak Raj Dogra | .. | 6-7-64 |
| | | 3 | Puran Chand Joshi | .. | 7-2-64 |
| | | 4 | Sat Dev Sharma | .. | 7-2-64 |
| Patiala | .. | 1 | Sarwan Singh | .. | 5-11-63 |
| | | 2 | Randhir Singh | .. | 5-11-63 |
| | | 3 | Ajaib Singh | .. | 5-11-63 |
| | | 4 | Ajit Singh | .. | 5-11-63 |
| | | 5 | Joginder Singh | .. | 5-11-63 |
| | | 6 | Shashi Kaushal | .. | 4-4-64 |

**Government Ayurvedic/Unani Dispensaries in Amritsar District.**

**3085. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Health be pleased to state the number and names of places, tehsilwise in district Amritsar, where Government Ayurvedic and Unani Dispensaries are functioning at present together with the names, qualifications and the home addresses of the staff working therein ?

**Shrimati Om Prabha Jain :** A statement containing the requisite information is enclosed.

[Health Minister]

Statement showing the number of Ayurvedic/Unani Dispensaries, Medical Personnel along with their Home Addresses

| Serial No. | Name of place | Ayurvedic/ Unani | Tehsil | Name of Vaidya | Qualifications Academic | Professional | Home Address |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | Manochahal .. | Ayurvedic | Tarn Taran | Shri Nitya Nand | Middle | Vaidya Vachaspati (4 years), D.A.V. College, Jullundur | Village and post office Gaglehar, tehsil Una, district Hoshiarpur |
| 2 | Kang .. | Do | Do | Shri Gopal | .. | A.M.B.S. (5 years) from Guru Kul Kangri, Haridawar | 63-A 'Laxmi Niwas, Lawrance Road, Amritsar |
| 3 | Dera Sahib .. | Do | Do | Shri Manmohan Sharma | Hindi Rattan | Bishgharcharya from Banwari Lal Ayurved Vidyala, Delhi | Sanjiwani Ayurvedic Rasin Shala, Roag Shanti Bhawan, Panipat |
| 4 | Ekal Gadha .. | Do | Do | Shri Raj Paul Sindhu | Matric | G.A.M.S. (5 years) from Faculty of Indian Medicine, Punjab, Amritsar | Village and post office Atari, district Amritsar |
| 5 | Pandori Sidhwan | Unani .. | Do | Shri Amar Nath | Matric | Kamil-i-Tibbozarhat (4 years) from Ayurvedic and Unani Tibbia College, Delhi | Village and post office Bugga Kalan, district Patiala |
| 6 | Nagoke .. | Do | Do | Shri Om Parkash, Agnihotri | B.A. | Ditto | 3/180, Mander Lane, Mandi Phool, district Bhatinda |
| 7 | Bhangali Kalan.. | Ayurvedic | Amritsar | Shri Harbhajan Singh | Matric | Vaidya Vachaspati (4 years) from D.A.V. College, Jullundur | Village and post office Khilchian, tehsil and district Amritsar |
| | Ekalgarh Dhappian | Do | Do | Shri Jagmohan Bawa | Matric | Ditto | Village and post office Attari, district Amritsar |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | Jalalasman .. | Do | Do | Shri Krishan | Sanskrit Prathama | Ayurvedacharya (4 years) from Government Ayurvedic College, Patiala | Village Khandu, post office Momad Khera, tehsil Kaithal, district Karnal |
| 10 | Daoka .. | Do | Do | Shri Jagdish Chander | Sanskrit (Shastri) | Ayurvedacharya (6 years) from Vidya Peeth, Delhi | Village and post office Bhikhi, tehsil Mansa, district Bhatinda |
| 11 | Tahli Sahib .. | Unani | Amritsar | Shri M. S. Kukreja | Matric/Inter. | B.I.M.S. (Delhi) | M. S. Kukreja, son of Shri Kesar Singh, Sarai Guru Ram Dass, Amritsar |
| 12 | Kakkar .. | Ayurvedic | Ajnala | Shri Ram Sarup | Matric | Bishgaracharya Dhanwantri (4 years) from Ayurvedic and Unani Tibbia College, Delhi | Village and post office Naudan, district Hoshiarpur |
| 13 | Chamyari .. | Do | Do | Shri Baldev Raj | Matric | B.A.M.S. (5 years) from D.A.V. College, Jullundur | Village and post office Lopoke, district Amritsar |
| 14 | Gago Mahal .. | Unani | Do | Shri Gurdeep Singh | Middle | Hazikul Tibbia (3 years) Vedic and Unani Tibbia College, Amritsar | Village Chhajjalwadi, tehsil and district Amritsar |
| 15 | Valtoha .. | Ayurvedic | Patti | Shri Sansar Chand | .. | Vaidya Shastri from S.D.P.G. Ay. College, Lahore, 2 Ay. Bhishak, 3, Ayurvedacharya | Village and post office Shakhopur, tehsil and district Kapurthala |
| 16 | Makhi Khurd .. | Do | Do | Shri Kishori Lal | .. | Vaidya Shastri (3 years) Ayurvedic Vidayala, Patiala | Patiala |
| 17 | Bhangala .. | Do | Do | Shri Kishori Lal | .. | Ayurvedic Rattan (4 years) from Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad | Village and post office Tiwar, tehsil Kharar, district Ambala |

[Health Minister]

| Serial No. | Name of place | Ayurvedic/ Unani | Tehsil | Name of Dispenser | Qualification | Home Address |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | Manochahal .. | Ayurvedic | Tarn Taran | Shri Sain Dass Joshi | Registered in Part III | Village and post office Kang tehsil Tarn Taran, district Amritsar |
| 2 | Kang .. | Do | Do | Shri Banwari Lal | Enlisted | Son of Shri Devi Ram Jogi, c/o Shri Nihal Singh, Veterinary Stock Assistant, Civil Veterinary Hospital, Gurgaon Cantt. |
| 3 | Dera Sahib .. | Do | Do | Shri Ram Niwas (Resigned on 4th January 1966) | Up-vaidya from the Faculty | Son of Shri Singh Ram, village and post office Karora, tehsil Kaithal (Karnal) |
| 4 | Ekalgadha .. | Do | Do | Shri Balbir Singh | Up-vaidya from Secretary Faculty | Son of Shri Partap Singh, village Doodian (Sangrur) |
| 5 | Pandori Sidhwan | Unani | Do | Shri Gurcharan Singh | Enlisted under section 34 of the East Punjab Ayurvedic/ Unani Practitioner Act, 1949 | Care of Inqualabi Pharmacy, Nurdi Bazar, Tarn Taran (Amritsar) |
| 6 | Nagoke .. | Do | Do | Shri Murari Lal | Experience of compounding with different practitioners | Son of Shri Telu Ram, Nawanshahar Doaba, Mohalla Buehram (Jullundur) |
| 7 | Bhangali Kalan.. | Ayurvedic | Amritsar | Shri Des Raj | M.A., M.S. | Village and post office Narote Mehra, tehsil Pathankot (Gurdaspur) |
| 8 | Ekalgarh Dhapian | Do | Do | Vacant | .. | .. |
| 9 | Jalalusman .. | Do | Do | Shri Baij Nath | Up-vaidya from recognised Inst, | Care of Joshi Kalu Ram, Mohalla Jand Gali (Patiala) |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10 | Dhulha .. | Do | Do | Shri Krishan Kumar | Up-vaidya from recognised Inst. | Village and post office Chhatae via Panipat (Karnal) |
| 11 | Tahli Sahib Holla Mohalla | Unani | Amritsar | Shri Rattan Chand | Practical experience of Unani compounding | Son of Shri Reloo Ram, village and post office Talabpur Pandori (Gurdaspur) |
| 12 | Kakkar .. | Ayurvedic | Ajnala | Shri Bhoj Dutt | Studied in Gurukul | Care of Prophari Ayurvedic Aushdhalayas, Guru Kul, Raikot (Ludhiana) |
| 13 | Chamgai .. | Do | Do | Shri Bal Kishan | Up-vaidya from recognised Inst. | Care of Desh Raj, village and post office Samana (Patiala) |
| 14 | Gagomahal .. | Unani | Do | Shri Om Parkash | Studied under up to the 6th class | Son of Shri Hans Raj, Doraha Mandi (Patiala) |
| 15 | Valtoha .. | Ayurvedic | Patti | Shri Amar Chand | Up-vaidya from recognised Inst. | Son of Shri Hardwari *Lal*, Ghurani Kalan |
| 16 | Makhi Khurd .. | Do | Do | Shri Ram Gopal | Up-vaidya from Faculty | Son of Shri Pala Ram s/o Shri Jagan Nath-Nand Lal, Samana |
| 17 | Bhangala .. | Do | Do | Shri Tara Chand | Ayurvedic Bhishak | Son of Shri Ram Gopal, village and post office Mugalwali, tehsil Jagadhri (Ambala) |
| | DAIS | | | | | |
| 1 | Manochahal .. | Ayurvedic | Tarn Taran | Shrimati Prem Kumari | Trained Dai | T. B. Hospital, Ghabdan Kothi, Sangrur |
| 2 | Bhangali Kalan .. | Do | Amritsar | Shrimati Satya Vati | Do | Wife of Shri Gurbachan Singh, village and post office Lohsimbly, tehsil Rajpura, district Patiala |
| 3 | Valtoha .. | Do | Patti | Shrimati Bhagwant Kaur | Do | Care of Shri Jaswant Singh Sethi, Havaldar, R.P.F. House No.5/4, Railway Colony, B. Block, Amritsar |

**Upgraded Government Primary/Middle Schools in Amritsar District**

**3086. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the number of Government Primary and Middle Schools upgraded to Middle and High Schools, respectively, during the year 1965-66 to date in Amritsar District ;

(b) the number of class-rooms in each of the said upgraded Middle and High Schools excluding the Headmaster's office, etc. ;

(c) the area provided in each such school for playgrounds ;

(d) the number of teaching posts sanctioned for each of the schools mentioned in part (a) above ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a)—

| *Primary to Middle* | *Middle to High* |
|---|---|
| 16 | 8 |

(b) and (c) Information* is being collected and will be supplied to the Member later on.

| (d) For each school upgraded to Middle Standard | For each school upgraded to High Standard |
|---|---|
| 1. One post of Master/Mistress in in Rs 110/250 grade | 1. One Headmaster/Headmistress in Rs 250/350 grade |
| 2. Two posts of Language Teachers in Rs 60/120 grade with a start of Rs 72 per mensem | 2. Four Masters/Mistresses in Rs 110/250 grade |
| 3. One J.B.T. in Rs 60/175 grade .. | 3. One P.T.I. in Rs 60/120 grade |

**Rural Industrial Estates**

**3087. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the name of the Rural Industrial Estates so far built in the State, districtwise and blockwise ; and their location in each case ;

(b) the total expenses incurred on the buildings and the machinery installed therein in each such Estate ;

(c) the details of the industries being run at present in each of the said estates ?

**Shri Ram Kishan :** (a) , (b) and (c) The requisite information is given in the attached statement. The information given in respect of expenditure incurred on machinery items is approximate only as the machinery is installed by the allottees.

**Note.*—For information in reply to parts (b) and (c) of this question please *see* Appendix to this Debate

## STATEMENT

| Serial No. | Name of Rural Industrial Estate | Name of Block | District | Expenditure incurred on building | Approximate expenditure incurred by the parties on machinery | Details of the industries being run at present |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs | Rs | |
| 1 | Jawali .. | Nurpur .. | Kangra .. | 1,52,000 | .. | No application received for allotment of shed from the parties. All sheds are lying vacant |
| 2 | Dehragopipur .. | Dehragopipur .. | Do .. | 79,890 | .. | |
| 3 | Nakodar .. | Nakodar .. | Jullundur .. | 1,41,000 | .. | .. |
| 4 | Rurka Kalan .. | Goraya .. | Do .. | 1,29,900 | 28,000 | Autoparts, Electrical accessories, Sanitary Fittings, Wire Drawing, etc. |
| 5 | Fatehgarh Churian .. | Fatehgarh Churian | Gurdaspur .. | 88,500 | .. | — |
| 6 | Pinjore .. | Manimajra .. | Ambala .. | 1,06,000 | 18,500 | Steel Fabrication, Auto-parts, Shoe Tingles, Surgical goods |
| 7 | Morinda .. | Morinda .. | Do .. | 98,755 | .. | — |
| 8 | Dharampur .. | Dharampur .. | Simla .. | 2,21,710 | 10,000 | Brass decoration, cutlery goods and sanitary fittings |
| 9 | Otalon .. | Samrala .. | Ludhiana .. | 2,13,400 | 19,800 | Auto-parts |

[Chief Minister]

| Serial No. | Name of Rural Industrial Estate | Name of Block | District | Expenditure incurred on building | Approximate expenditure incurred by the parties on machinery | Details of the industries being run at present |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs | Rs | |
| 10 | Ramgarh Sardaran .. | Dehlon .. | Ludhiana .. | 10,600 | .. | — |
| 11 | Mohindergarh .. | Mohindergarh .. | Mohindergarh .. | 1,54,000 | .. | — |
| 12 | Kaithal .. | Kaithal .. | Karnal .. | 1,28,700 | 22,000 | Metal casting, auto-parts, cycle parts, gun metal, surgical instruments |
| 13 | Hariana .. | Bhunga .. | Hoshiarpur .. | 1,24,000 | .. | — |
| 14 | Sunam .. | Sunam .. | Sangrur .. | 86,700 | 12,800 | Radio assembling, auto-parts, etc. |
| 15 | Kathunangal .. | Majitha .. | Amritsar .. | 95,000 | .. | — |
| 16 | Talwandi Chaudhrian .. | Sultanpur .. | Kapurthala .. | 1,12,200 | .. | — |
| 17 | Sohna .. | Sohna .. | Gurgaon .. | 13,300 | 1,57,850 | Stove Manufacturing, auto parts |
| 18 | Barwala .. | Barwala .. | Hissar .. | 1,00,800 | 25,300 | Malleable pipe fitting and brass pipe fittings |
| 19 | Rai .. | Rai .. | Rohtak .. | 75,600 | 24,800 | Optical frames manufacturing, auto-parts, cycle parts, etc. |
| 20 | Panjgrain .. | Kotkapura .. | Bhatinda .. | 91,000 | 18,000 | Cement fallays and files, circular saw |
| 21 | Sarai Nagal .. | Muktsar .. | Ferozepore .. | 95,000 | .. | — |
| 22 | Dhudike .. | Moga .. | Do .. | 1,21,100 | 1,45,000 | Enamalled goods, tin sodda, auto-parts, electrical goods, fruit preservation |
| 23 | Banur .. | Rajpura .. | Patiala .. | 2,20,000 | 38,600 | Auto-parts, steel furniture, Tumbler, locks, wire drawings, etc. |

## Arrest of certain persons by Saddar Police Station, Karnal

**3089. Comrade Ram Piara :** Will the Minister for Home and Development with reference to the reply to unstarred Question No. 2934, included in the list of questions for 18th October, 1965, be pleased to state—

(a) the names of the prosecution witnesses referred to in part (b) of the said reply who have since been examined together with the dates when they were examined and the reasons for not producing them during the period from 25th October, 1964 to 28th October, 1965 ;

(b) whether the said case has since been decided by the Court ; if so, when ; if not, the total number of dates so far fixed by the Court for hearing and the names of prosecution witnesses referred to in part (b) of the said reply, who appeared on each date ;

(c) the name and designation of the Police official who had been deputed to pursue the said case ;

(d) whether the summons were served on the said Prosecution witnesses in respect of each appearance in the Court ?

**Sardar Darbara Singh :** (a)—

| | | |
|---|---|---|
| (1) Shri Umra | .. | 9th December, 1965 |
| (2) Shri Sadhu | .. | 9th December, 1965 |
| (3) Shri Bharat Singh | .. | Given up as unnecessary on 9th December, 1965 |
| (4) H. C. Ram Parkash | .. | 7th February, 1966 |

During the period from 25th October, 1964 to 28th October, 1965, they were produced but they could not be examined by the court.

(b) The case is still pending trial. 23 dates of hearing were fixed by the court in this case.

P.W. Umra attended the court on 14th December, 1964, 18th February, 1965, 31st March, 1965, 28th October, 1965 and 9th December, 1965.

P.W. Bharat Singh attended the court on 14th December, 1964, 8th January, 1965 and 18th February, 1965.

P.W. Sadhu attended the court on 14th December, 1964, 18th February, 1965, 31st March, 1965, 28th October, 1965 and 9th December, 1965.

P.W. Ram Parkash, Head Constable, attended the court on 14th December, 1964, 8th January, 1965, 18th February, 1965 and 7th February, 1966.

(c) P.S.Is. Ranjit Singh, Inder Singh and Baldev Singh have been conducting the prosecution of the case.

(d) There have been in all 23 dates of hearings in this case. Out of these prosecution evidence had been summoned for 11 days of hearings. Service on all the witnesses was effected for 3 dates of hearings. The witnesses were partly served on 6 dates of hearings while no service could be effected on 2 hearings.

---

## Industrial Licences

**3090. Comrade Ram Chandra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of industrial licences granted, yearwise, from 1961-62 to 1965-66 by the Punjab Government and Government of India for (i) districts in the Punjabi Region ;

[Comrade Ram Chandra]

(ii) the Hindi Region Districts and (iii) Kangra, Simla, Kulu, Lahaul and Spiti Districts of the Hindi Region respectively :

(b) the total amount allocated for and spent by Government on the Industrial Development of the (i) Punjabi Region, (ii) Hindi Region as a whole and (iii) Kangra, Simla, Kulu, Lahaul and Spiti Districts of the Hindi Region, separately, during the period from 1st April, 1961 to date?

**Shri Ram Kishan :** (a) and (b) Statements I and II giving the requisite information are enclosed.

STATEMENT I

| Year | No. of Licences issued in Punjabi Region including Chandigarh | No. of Licences issued in Hindi Region | No. of Licences issued in Kangra, Simla, Kulu, Lahaul and Spiti Districts of Hindi Region | Total |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1961-62 | 37 | 41 | .. | 78 |
| 1962-63 | 33 | 28 | .. | 61 |
| 1963-64 | 38 | 24 | 1 (for Kangra District only) | 63 |
| 1964-65 | 14 | 12 | .. | 26 |
| 1965-66 | 12 | 14 | .. | 26 |

## STATEMENT II

(Rs in lakhs)

| Serial No. | Name of Region/ Districts | Allocations 1961-62 | Allocations 1962-63 | Allocations 1963-64 | Allocations 1964-65 | Allocations 1965-66 | Actuals 1961-62 | Actuals 1962-63 | Actuals 1963-64 | Actuals 1964-65 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 1 | Punjabi Region .. | 61·90 | 76·69 | 94·75 | 1,09·20 | 1,08·50 | 44·97 | 1,45·87 | 71·84 | 86·84 |
| 2 | Hindi Region .. | 41·96 | 1,62·62 | 1,02·11 | 1,67·37 | 1,10·57 | 28·16 | 41·54 | 88·77 | 1,01·94 |
| | Kangra Simla, Kulu, Lahaul and .. | 15·15 | 1,20·13 | 21·81 | 19·79 | 21·20 | 10·92 | 17·07 | 13·47 | 15·68 |

Besides the above, an amount of Rs. 330.52 lakhs during the period 1961-66 was provided out of which a sum of Rs. 119.92 Lakhs was utilized during 1961—65 for industrial development in the State, which cannot be split up district-wise.

**Military Officers and other Ranks Awarded Maha Vir Chakra, etc.**

**3092. Comrade Ram Chandra :** Will the Chief Minister be pleased, to state the number of military officers and other ranks belonging to Punjab districtwise, and if possible, tehsilwise who were/have been awarded Vir Chakra, Maha Vir Chakra, Param Vir Chakra and other decorations for displaying gallantry during the Chinese invasion in 1962 and the recent India-Pakistan Conflict ?

**Shri Ram Kishan :** Statements containing the information regarding gallantry decorations, i.e., Param Vir Chakra, Maha Vir Chakra and Vir Chakra awarded to the military personnel belonging to Punjab during Chinese aggression and during the operations against Pakistan are enclosed. State Government do not receive information regarding other Military decorations.

LIST OF DECOREES WHO WERE AWARDED THE DECORATIONS DURING THE CHINESE AGGRESSION.

| (Number, name and rank) Particulars of the decoree. | Decoration won |
|---|---|
| (1) | (2) |
| DISTRICT ROHTAK. | |
| IC-8164 Major M. S. Chaudhry V. Majra, District Rohtak. | Maha Vir Chakra. |
| 3132623 Nk. Munshi Ram, V. Bhadana P. O. Kharkhoda, Tehsil Sonipat, District Rohtak. | Vir Chakra |
| 3946 GD (T) Sqn. Ldr. J. M. Nath. V, Barkatabad, tehsil Bahadurgarh, district Rohtak. | Maha Vir Chakra |
| 3138184 Hav. Dharam Singh, village Gubhan Majri, tahsil Jhajjar, district Rohtak | Vir Chakra |
| Sqn. Ldr. A. S. William, district Rohtak | Vir Chakra |
| 4136414 Jem. Surja, village Bethampur, tahsil Jhajjar, district Rohtak | Vir Chakra |
| Sep. Nursing Dharampal Singh, village Nirdhan, tahsil Sonepat, district Rohtak | Vir Chakra |
| DISTRICT LAHAUL AND SPITI | |
| 9100170 Hav. Stanzia Phunchok, village Keylong, district Lahaul and Spiti | Maha Vir Chakra |
| DISTRICT FEROZEPORE | |
| JC-4547 Subedar Joginder Singh, village Mahia, post office Daroli Bhaiki, tahsil Moga, district Ferozepore | Param Vir Chakra |
| Sqn. Ldr. S. K. Badhwar (3973) GD(P), Ferozepore City | Vir Chakra |
| IC Major Gurdial Singh, village Dhonkat Kalan, tahsil Moga, district Ferozepore | Maha Vir Chakra |
| DISTRICT AMRITSAR | |
| M.R. 6455 Capt. B. C. Chopra, Kucha Badha Balb Dhab Khatikan (Amritsar) | Vir Chakra |
| 1155599 T.A. Gurdeep Singh .. | Vir Chakra |

| 1 | 2 |
|---|---|
| **DISTRICT GURDASPUR** | |
| 2nd Lt. Pardeep Singh Bhandari (Gurdaspur) .. | Vir Chakra |
| Nk. Chain Singh, village Bhaini Bangar, post office Qadian, district Gurdaspur | Maha Vir Chakra |
| **DISTRICT LUDHIANA** | |
| IC-3275 Major Ajit Singh, village Kotha Shamshawala, post station Jagraon (Ludhiana) | Maha Vir Chakra |
| IC-12920, 2nd Lt. Harish Chander Gujral (Ludhiana) | Vir Chakra |
| **DISTRICT SIMLA** | |
| IC-7990 Major Dhan Singh Thapa (Simla) .. | Param Vir Chakra |
| **DISTRICT JULLUNDUR** | |
| 3349770 Sep. Kewal Singh village Kotli Dhan (Jullundur) | Maha Vir Chakra |
| IC-11811 Lt. Hari Pal Kaushik (Jullundur) .. | Vir Chakra |
| No. 2436723 Hav. Malkiat Singh, village Khurd (Jullundur) | Vir Chakra |
| 3330962 Hav. Kirpa Ram, village Birring, post office Cantt. (Jullundur) | Vir Chakra |
| Sqn. Ldr. K. K. Saini (Jullundur) .. | Vir Chakra |
| **DISTRICT AMBALA** | |
| IC-2651 Major S. S. Randhawa (Ambala), village Adhoi Tolanwali, Barara Co-operative Society | Maha Vir Chakra |
| Wing Commander P. L. Dhawan (Ambala) .. | Bar to Vir Chakra |
| Captain Gurcharan Singh Bhatia, Yamna Nagar (Ambala) | Vir Chakra |
| IC-6405 Capt. Parshotam Lal Kher, 8-F/27/11C, Chandigarh | Vir Chakra |
| **DISTRICT KANGRA** | |
| Hav. Bhag Singh (3941391), village Harnchara, post office Chakmoh, tahsil Hamirpur (Kangra) | Vir Chakra |
| **DISTRICT HOSHIARPUR** | |
| 2nd Lt. IC-13176 Bhagwan Dass Dogra, village Dheowan, tahsil Una, district Hoshiarpur | Maha Vir Chakra |
| **DISTRICT HISSAR** | |
| JC-6022 Sub. Nihal Singh, village Shi, post office Bhawani, district Hissar | Vir Chakra |
| **DISTRICT GURGAON** | |
| IC-7077 Capt. Prem Nath Bhatia 137-B, New Colony, Gurgaon | Vir Chakra |

| 1 | 2 |
|---|---|
| 4132072 Jem. Ram Chandra, village and post office Mandola, tahsil and district Gurgaon | Vir Chakra |
| 4140476 Nk. Hukam Chand, village Nakhrola, tahsil and district Gurgaon | Vir Chakra |
| Nk. Dharam Chand Dhillon, village Babroli, tahsil Rewari, district Gurgaon | Vir Chakra |
| Nk. Ram Kumar, village Gothra, post office Khurd, tahsil Rewari (Gurgaon) | Vir Chakra |
| Nk. Gulab Singh, village Manthi, post office Khund, tahsil Rewari, district Gurgaon | Vir Chakra |
| Nk. Singh Ram, village Dhawana, tahsil Rewari (Gurgaon) | Vir Chakra |
| IC-12681, 2nd Lt. Surrinder Nath Tandon, village Rajpur Kalan, tahsil Balabhgarh (Gurgaon) | Vir Chakra |

**List of Gallantry Awardees during the Indo-Pak. Conflict**

| Number, rank and name | Permanent home address |
|---|---|
| AMRITSAR DISTRICT | |
| **Tahsil Amritsar** | |
| Maha Vir Chakra— | |
| IC-801 Lt. Col. Salim Caleb 3rd Cav. .. | C/o Maj. S. Caleb (Retired) Bishops Office, Taylor Road, Amritsar |
| JULLUNDUR DISTRICT | |
| **Tahsil Jullundur** | |
| JC No. 18340 Subedar Ajit Singh 4th Bn., The Sikh Regt. (Posthumous) | Village Sobhana, post office Jullundur Cantt., Jullundur |
| IC-2990 Lt. Col. Gurbans Singh Sangha 3rd Bn., the Garhwal Rifles (Posthumous) | Village and post office Jandu Singha, tahsil and district Jullundur |
| HOSHIARPUR DISTRICT | |
| **Tahsil Una** | |
| IC-4004 Maj. Ranjit Singh Dayal, 1st Bn., The Parachute Regt. | Village Kante, post office Paluckwah, tehsil Una, district Hoshiarpur |
| KANGRA DISTRICT | |
| **Tahsil Dharamsala** | |
| IC-12701 Capt. Chandar Narain Singh, 22nd Bn., The Garhwal Rifles (Posthumous) | Ram Nagar, Dharamsala, district Kangra |

| Number, rank and name | Permanent home address |
|---|---|
| **FEROZEPORE DISTRICT** | |
| **Tahsil Moga** | |
| Mahavir Chakra— | |
| Wg. Cdr. P.P. Singh (3871), GD(P) .. | C/o S. Sucha Singh, Assistant Director of Agriculture, G. T. Road, Moga, district Ferozepore |
| **LUDHIANA DISTRICT** | |
| **Tahsil Ludhiana** | |
| IC-4466 Maj. Bhupinder Singh, 4th Budson Horse (Posthumous) | Harnampura, Ludhiana |
| **AMRITSAR DISTRICT** | |
| **Tahsil Amritsar** | |
| Vir Chakra— | |
| Flt. Lt. D. N. Rathore (5780) GD(P) .. | No. 3-A, The Mall, Amritsar |
| **JULLUNDUR DISTRICT** | |
| **Tahsil Jullundur** | |
| IC-1351 Lt. Col. Chajju Ram, Regt. of Artillery | V. Daroli Khurd, tahsil and district Jullundur |
| **Tahsil Nakodar** | |
| EC-55428 2nd/Lt. Bhupinder Kumar Vaid Regiment of Artillery | Village and post office Shankar, tahsil Nakodar, district Jullundur |
| **HOSHIARPUR DISTRICT** | |
| **Tahsil Hoshiarpur** | |
| IC-13651 Lt. Teja Singh, 9th Bn., The J. & K. Rifles | Village and post office Kukanate, district Hoshiarpur |
| **KANGRA DISTRICT** | |
| **Tahsil Hamirpur** | |
| IC-14602 Capt. Bhikham Singh, 7th Bn., The Punjab Regiment | Village and post office Sujanpur Tira, tahsil Hamirpur, district Kangra |
| **Tahsil Kulu** | |
| IC-6725 Maj. Sarvjit Singh Ratra, The Regiment of Artillery | Dhal Pur Bazar, Kulu, district Kangra |
| **Tahsil Palampur** | |
| 9065621 L/Hav Fidoo Ram Regt. of Artillery | Village Nora, district Kangra |
| **Tahsil Nurpur** | |
| JC-2807 Niab Risaldar Jagdish Singh Central India Horse | Village Prithipur Tika Gangth, tahsil Nurpur, district Kangra |
| **Tahsil Nurpur** | |
| Flt. Lt. V. S. Pathania (5198) GD(P) ... | Village and post office Re. Tahsil Nurpur, district Kangra |

[Chief Minister]

| Number, rank and name | Permanent home address |
|---|---|
| Vir Chakra— | **FEROZEPORE DISTRICT** |
| | **Tahsil Muktsar** |
| Flt. Lt. H. S. Mangat (5226) GD(N) .. | Village Kermangat, post office Muktsar, district Ferozepore |
| | **LUDHIANA DISTRICT** |
| | **Tahsil Ludhiana** |
| JC-5234 Risaldar Achhar Singh 9th Deccan Horse | Village Kaite, district Ludhiana |
| | **Tahsil Jagraon** |
| IC-8041 Lt. Col. Sampuran Singh 16 Bn., The Punjab Regt. | Village Bassian, P.S. Raikot, tahsil Jagraon, district Ludhiana |
| | **AMBALA DISTRICT** |
| | **Tahsil Ambala** |
| IC-14376 2/Lt. Ravinder Singh Bedi, The Sindh Horse | C/o Kanwar Surinder Singh Bedi, Deputy Commissioner, Ambala |
| 3339173 Naib Subedar Ajmer Singh 4th Bn., The Sikh Regt. | Village and post office Boh, tahsil and district Ambala |
| | **Tahsil Kharar** |
| Sqn. Ldr. S. Handa (4816) GD(P) .. | C/o Prof. D. R. Handa, E-49, Sector 14, Chandigarh |
| IC-10082 Major Surinder Mohan Sharma, 8th Bn., The J. & K. Rifles (Posthumous) | 29-J, Sector 21-A, Chandigarh |
| IC-8 519 Maj. Jatinder Kumar, 15th Bn., The Dogra Regt. | C/o Jessa Ram, Tahsildar Kharar, district Ambala |
| | **HISSAR DISTRICT** |
| | **Tahsil Bhiwani** |
| 2851209 Rifleman Mathari Singh, 2nd Bn., The Rajputana Rifle (Posthumous) | Village and post office Bapora, tahsil Bhiwani, district Hissar |
| | **Tahsil Sirsa** |
| Sqn. Ldr. A.J.S. Sandhu (4705) GD(P) | Village and post office Moriwala, district Hissar |
| | **GURGAON DISTRICT** |
| | **Tahsil Palwal** |
| 2853735 Rifleman Mahi Lal Singh, 4th Bn., The Rajputana Rifle | Village and post office Banohari, tahsil Palwal, district Gurgaon |

| Number, rank and name | Permanent home address |
|---|---|
| Vir Chakra— | |
| **SANGRUR DISTRICT** | |
| **Tahsil Sangrur** | |
| IC-13986 2/Lt. Surinder Pal Singh Sekhon, Rajputana Rifles (Posthumous) | Village Ubha, post office Sangrur, district Sangrur |
| **Tahsil Malerkotla** | |
| 3348906 L/Nk. Pritam Singh, 4th Bn., The Sikh Regt. (Posthumous) | Village Niamatpur, post office Amargarh, tahsil Malerkotla, district Sangrur |
| 3341107 Naik Chand Singh, 2nd Bn., The Sikh Regt. | Village Manki Khurd, P. C. Manki Kalan tahsil Malerkotla, district Sangrur |
| **BHATINDA DISTRICT** | |
| **Tahsil Faridkot** | |
| 3342155 L/Hav. Gurdev Singh, 1st Bn., The Sikh Regt. | Village and post office Jaitu, tahsil Faridkot district Bhatinda |
| **NARNAUL (MOHINDERGARH) DISTRICT** | |
| **Tahsil Narnaul** | |
| 4139233 L/Hav. Umrao Singh, 1st Bn., The Para Regt. (Posthumous) | Village Surjanwas, post office Mohindergarh, tahsil Narnaul, district Mohindergarh, |

**Treatment given to Comrade Kesar Singh, a Communist Detenu**

**3093. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Comrade Kesar Singh, a communist detenu, has been suffering from serious mental trouble for the last one year and is under treatment in the Mental Hospital, Amritsar, if so, the report of Rajindera Hospital authorities, Patiala on the basis of which he was transferred from Nabha Jail to the Amritsar Hospital for treatment, be laid on the Table of the House ;

(b) the date since when he is under treatment in the Mental Hospital, Amritsar and the first diagnosis and examination report about his trouble by Dr. Vidya Sagar. Mental Specialist be laid on the Table ;

(c) the present condition of illness of the said detenu and the nature of treatment being given to him ;

(d) whether the Government has considered his release on medical grounds, if not, the reasons therefor ?

**Shri Chand Ram :** (a) It is a fact that communist detenu Kesar Singh is suffering from some mental trouble. He is at present detained in District Jail, Amritsar, for treatment in the Mental Hospital, Amritsar.

A copy of the repot of the authorities of the Rajindra Hospital, Patiala, is at annexure 'A'.

[Minister for welfare and Justice]

(b) Shri Kesar Singh is under treatment in the Mental Hospital, Amritsar, since 17th August, 1965.

A copy of the report by Dr. Vidya Sagar, Mental Specialist is at Annexure 'B'.

(c) Shri Kesar Singh is now very much improved. He sleeps about 5-6 hours with a small dose of drug with minor interruptions and is relieved of palpitation, night starts and heaviness of head. He had a few Electric treatments in September last, and a few intravenous injections of Penthol Sodium (for harcoanalysis) in October, last. Since then he has been taking medicines by mouth.

(d) The matter is under the consideration of Government.

(a)

**ANNEXURE 'A'**

No. 2011-Pay.

The C.M.O. has mentioned his complaints of sleeplessness etc. The case has been interviewed and C.M.O. note mentioned his complaints and treatment seen. In my opinion he requires close observation and treatment. Arrangements for it may be made appropriately with Punjab Mental Hospital, Amritsar immediately. In the meantime C.M.O., Nabha may treat him for his mental symptoms, as indicated by his note and look after his management. Appropriately for Sedatias and Hypnotics as necessary.

Sd/- . . .,
Registrar Psychiatry,
Department C.M.C.
Patiala
Dated 21-7-65.

The Professor has been consulted by me about this case

Sd/- (S.P. Mittal).

**ANNEXURE 'B'**

(b) He has been under treatment at the out-patient clinic of Punjab Mental Hospital, Amritsar, since 17th August, 1965 (Register No. 771-BK-65). He was first seen by Dr. Baldev Kishore P.C.M.S. (I) Psychiatrist, as the undersigned was away on leave. He was diagnosed to have anxiety State. I saw him in September, 1965 and agreed with the diagnosis of Dr. Kishore, and started treating him. No report about the patient's condition was asked from me, but on 15th November, 1965, I wrote the following remarks on the application of the said detenu, for leave on parole :—

> "Shri Kesar Singh, has been taking treatment at the out patient clinic of this hospital, since 17th August, 1965 (Register No. 771-BK-65) for chronic Anxiety Neurosis, with Hysterical and depressive features. The only cause is his feeling of unease, due to the fact of his being a detenue, and that he thinks his disease to be dangerous, which it is not. He keeps preoccupied with his illness. Treatment has not had any satisfying result to the patient. He is otherwise, in perfect health."

His only complaint was sleeplessness, palpitation/heaviness in the head, and waking up with a start, several times during the night.

---

## Health condition of certain Communist Detenus

**3094. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state the present condition of Health of the Communist detenus (1) Comrade Pt. Kishori Lal, Hissar Jail (2) Comrade Fauja Singh Bhullar, Sangrur Jail (3) Comrade Dr. Bhag Singh, ex- M.L.A., Nabha jail (4) Comrade Harnam Singh Chamak, ex-M.L.A., Central Jail, Patiala (5) Comrde Gurbax Singh Ata, Central Jail, Patiala (6) Comrade Kartar Singh Gujapeer, Hissar Jail, together with the detailed reports of the

Jail Medical Officers, and of the Specialists about the condition of each and the nature of treatment being given to each be laid on the Table of the House ?

**Shri Chand Ram:** A statement containing information in respect of each detenu is laid on the table of the House.

**Statement containing information in respect of each detenu**

1. Pt. Kishori Lal .. Case of chronic Bronchitis with brcnchial asthma, loose artificial denture, referactc1y errar,
Treatment :
Inj. Stepto Penclin. 1 Cm. O.D.
Mixture No. 16.
Tab. Millicortim as required.
Tab. Aminophylim I.T.D.S.

His case for examination and treatment in the Rajindra Hospital, Patiala, as recommended by the Medical Officer, Central Jail, Hissar is under consideration.

2. Shri Kartar Singh Gujjapir Case of ventral hernia.
His case for operative treatment in the Civil Hospital, Hissar has recommended by the Medical Officer, Central Jail, Hissar, is under consideration

3. Shri Fauja Singh Bhullar .. On examination :—The Patient is moderately built and nourished. No Jaundice. Throat not congested. Nose showing signs of allergic Rhinitis.

Pulse. 90 per minute with 3-4 extrasystales coming irregularly volume good.

Blood pressure: 145/95 mm.

Heart, Both sounds heard normally with 2-4 extra-systales coming irregularly.
Chest breath sounds are harsh in nature and slightly diminished in intensity. No creputatus or Rhinch heard, Chest appears emphypemators.

Andomen There is tenderness in Rt. hypro-chardrum especially in gall bladder area and in epigalsium n No. mass Paepable. Splean not Palpable.

Ganctaria., Normal.
The patient had an attack of myocaretral infection in 1955 and he was treated for the same. Th patient appears to have choleli-thiasis and hyperabidity. For the same the patient needs full investigation. The patient should be referred to some hospital where all facilities are available.

4. Comrade Dr. Bhag Singh He is suffering from enlarged prostate and is being given the following treatment—

| | |
|---|---|
| 1. Tablets Stilbisterol. | 1. Tablet TDS. |
| 2. Alkasol | 1 Tea spoonful TDS. |
| 3. No. 20 | 20 Oz. 1 TDS. |

He has also been advised for operation for the enlarged prostate.

[Welfare and Justice Minister]

| | |
|---|---|
| 5. Harnam Singh Chamak | He was examined on 13th January, 1966 last by the Senior Lecturer in Medicine, at the Medical College, Patiala and was found to be responding favourablely to treatment. His blood sugar curve and urine show almost complete control of diabeties. His blood pressure is 155/100 |
| | Previously also he had under gone a thorough check-up and after an X-Ray and B.C.G. was diagonised as a case of Ischaemia of the heart 26th November, 1965, and old case and not a new one. |
| | Earlier still when he was seen by the specialist all the treatment advised by him was given to him. |
| | Lately by ones and twos his 18 teeth have been extracted. He developed sepsis which is being successfully treated |
| | Since he was admitted to the Jail his health has been satisfactory and this weight stead. |
| | Weight on admisision 69 Kg. his weight was on 10th February, 1966 was 70 Kg. |
| 7. Gurbux Singh Atta .. | He was admitted to Rajindra Hospital on 16th August, 1965 and was discharged on 2nd September, 1965. He was thoroughly examined and his urine stool and blood etc. was tested and an E.C.G. was taken. After a through check up he was found to be case of hypertension (essential) and anghia pectoris by the Medical Specialist |
| | The E.N.T. specialist examined him and found that he had a polypus of the nose and allergic binitis |
| | The Eye Specialist tested his vision and found that he had a conical cornea and ultimately advised contact glasses for which correspondence is going on. |
| | The Dental specialist provided him with a new denture after extracting the undersirable teeth. |
| | Throughout his stay here he has maintained satisfactory health and weight. His weight on admission was 56 Kg. and on 10th February, 1966 was 56 Kg. |
| | His blood pressure varies between 170/105—175/195. |
| | He had no attacks of angina pectoris since he was discharged from the hospital. The condition of his nose is satisfactory. He was provided with all the medicines that were prescribed by the Specialists from time to time |

## Complaints of Cuts of Rajbahas etc. received by S.D.O., Jandiala Canal Bungalow

**0095. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the S.D.O., Jandiala Canal Bungalow, Rayya and Athwal of U.B.D.C. received any complaints of cuts of Rajbahas

and of Bunds near the outlets during the year 1964-65; if so, the details of such complaints along with the names of those persons with their addresses who were involved or challaned as a result of the said complaints;

(b) whether any Tawans were imposed on the said persons, if so, the details thereof in each case?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) No.

(b) Does not arise.

---

**Privately-Managed High Schools provincialized in Amritsar District during 1965**

**3096. Comrade Makhan Singh Tarsikka:** Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the names of the privately-managed High Schools in Amritsar District which were proposed to be provincialized during the year 1965 together with the details of the conditions if any, imposed in each case;

(b) the names of such schools which were actually taken over during the said period;

(c) whether the Education department has received any representations from the managing Committee, Khalsa High School, Tarsikka, for relaxing the conditions mentioned in part (a) above due to its location in the flood affected area since 1955 onward; if so, copies of these representation s and the action taken thereon be also laid on the Table of the House?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) Following seven schools of Amritsar District were proposed to be taken over during the current financial year 1965-66 on the conditions as shown in the enclosed statement :—

(1) G.N. Khalsa High School, Dehra Sahib;

(2 Janta High School, Khilchian;

(3) S.I.S. Trust Higher Secondary School, Verka;

(4) S.G.A.D. Khalsa Higher Secondary School, Valtoha;

(5) National High School, Bhikhiwind;

(6) G.T.B. Khalsa High School, Tarsikka.

The condition of payment of 3 years estimated deficit in full has, however, been relaxed by Government in the case of the schools at Serial No. 1 to 4 above. They are required to deposit atleast 5 per cent of three years deficit. The management of G.B.T. Khalsa High School, Tarsikka has committed to pay Rs-7,045 towards deficit and Rs 23,000 towards other shortages. It has been asked to honour its commitment. The management of National High School, Bhikhiwind has already deposited Rs 8,000.

(b) No school has actually been taken over so far. However, orders regarding taking over of school at Valtoha have been issued.

(c) Yes. A copy of the representation is laid on the Table of the House. This representation is under the consideration of the Department.

[Education Minister]

**Conditions laid Down by Government for taking over of Privately Managed Schools (Relevent to part (a) of un-Starred Question No. 3096)**

(a) The institution is needed in the area on educational grounds.

(b) It has got adequate buildings, furniture, equipment and play fields.

(c) The management is prepared to hand over all its assets in the shape of buildings, equipment, furniture, library books, science apparatus, play-grounds, etc. to Government.

(d) The management is prepared to pay the running cost of the school equal to the deficit in income over expenditure for three years in advance.

(e) Government will not be bound to recruit the members of the staff in Government service. Such of them as are considered suitable may be taken over on the Government scales of pay.

(f) All deficiencies in the matter of furniture, equipment, science apparatus, library books, etc. will be made good by the management before the school is taken over.

(g) Government will take no liability of any kind whatsoever on behalf of the management of the school to be taken over.

(h) All the assets of the school as they existed on the 4th May, 1960 and those acquired thereafter will be completely handed over to Government.

(i) Only trained hands with satisfactory record of service will be taken over. No untrained teacher or any one whose record of service is found to be unsatisfactory will be taken over.

(j) The teachers will be treated as fresh entrants and they will be placed at the bottom of the old Government Teachers' cadre. No credit whatsoever of the previous service will be given.

(k) The staff will be given Government grades and their pay will be fixed according to rules. In no case, they would be granted better scales of pay than their counterparts in Government service.

(l) Any other condition as may be imposed by Government.

(c) *Copy of letter, dated nil, from Shri Satwant Singh, Manager, G.T.B. Khalsa High School, Tarsikka (Amritsar) to the Chief Minister, Punjab, Chandigarh*

*Subject.*—Taking over of G.T.B. Khalsa High School, Tarsikka, District Amritsar.

Kindly refer to Memo No. 842-Pr(G)-17/430-65, dated 16th August, 1965 addressed to the District Education Officer, Amritsar. It has been communicated in this Memo. that the Government has decided to take over along with others, G.T.B. Khalsa High School, Tarsikka, District Amritsar, on the condition that the management of the school concerned deposit at least 5 per cent of the three years deficit 'into the Government Treasury. Accordingly the management ofthe school have deposited Rs 3,150 plus Rs 353 in the treasury at Amritsar vide Chalan No. S/30, dated 4th September, 1965 and No. 5/14, dated 31st August, 1965.

The management has received a subsequent communication from the department enquiring viz. if it has deposited Rs 7,045 plus Rs 23,000 in the treasury. The first amount related to three years deficit and the second related to shortage in the school building and furniture.

In this connection it is stated that the committee under took to pay Government a sum of Rs 23,000 in the year 1962. The Committee could easily have paid this amount if the school could have been taken over in the years 1961 or 1962

With introduction of free education and setting up of new schools in the surrounding villages, the school has been running in deficit. The position of the committee has become

so weak that it can not run the school any longer and contemplates to close it immediately. It is in the fitness of the things to mention here tha t this village is in-habited by 195 families of military personnel and it is not desirable to collect any contribution from the families of military personnels. The other families are too poor to make any contribution. More over half the population of this village belongs to the scheduled and backward classes communities and the rest residents of this village are also very poor and help less to make any contribution, as the village is located in flood affected area.

The most glaring example of sacrifice of this village in the present Pak aggression is that shaheed Sardar Harbans Singh, A.S.I. P.A.P., son of Shri Banta Singh Tarsikka had laid down his life at Mhor Choki in Udhampur Tehsil in Jammu sector and has thus raised the headof this village in defending the mother land.

The amount of Rs 3,000 was assessed on account of the cost of construction of one drawing room, one store room, and one clerk room, furniture and equipment. The above deficiency of accommodation has been wrongly assessed as the building of the school is sufficient for a high school. It appears that the accommodation provided on the upper storey had not been taken into account as it was not shown in the plan of the school building. The rooms built on the upper floor can be utilized for the accommodation considered to be deficient. Thus the amount of Rs 23,000 need not be recovered from the committee.

As already stated the committee has deposited Rs 3,503 in the treasury at Amritsar andan additional sum of Rs 8,000 on account of reserve fund of the school will also be transferred to Government. Thus committee will be actually paying more than three years deficit of the school. Since the committee can not run the school any longer it has decided to close it. You are requested to order that should be taken over with immediate effec t so that the education of the children especially those of military personnel should not be neglected.

Thanking you.

---

## Agricultural and Livestock Farm, Hissar

**3037. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture be pleased to state—

(a) the total area of land in acres with the Agricultural and Livestock Farm, Hissar ;

(b) the total amount spent on the (*i*) entire staff, (*ii*) feed of the animals, (*iii*) agricultural activities and (*iv*) other items at the said farm together with the income of all kinds derived from the farm, during the period from 1960-61 to 1965-66 yearwise ;

(c) the total number of cattle heads and the expenses incurred on their maintenance, year-wise, during the period mentioned in (b) above ;

(d) the income derived from the agricultural activities during year 1965-66 ;

(e) the profit earned or loss incurred by the said farm during the period referred to in part (a) above, year-wise together with the reasons for the loss, if any ?

**Captain Rattan Singh :** (a) 28,860 acres.
(b) to (e) A statement is attached.

[Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture]

**Statement containing information about Government Livestock Farm Hissar**

| Year | | Amount spent on | | Other items (b)(iv) | Income of all kinds (b) (v) | Cattle heads (Hariana and Sahiwal) (c)(i) | Amount spent on maintenance of animals (c)(ii) | Income from Agricultural activities for 1965-66 to January, 1966 (d) | Profit or loss (e) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Entire staff (b)(i) | Feed of animals (b)(ii) | Agricultural activities (b) (iii) | | | | | | |
| | Rs | Rs | Rs | Rs | Rs | Rs | Rs | Rs | Rs |
| 1960-61 .. | 1,85,057 | 2,78,736 | 1,66,582 | 1,24,329 | 7,82,942 | 6,944 | 2,78,736 | 7,55,983 | 3,22,820 Profit |
| 1961-62 .. | 1,86,511 | 2,79,963 | 2,12,046 | 91,608 | 8,25,538 | 6,830 | 2,79,963 | .. | 2,60,291 Profit |
| 1962-63 .. | 2,65,719 | 2,05,628 | 2,32,535 | 1,26,089 | 11,15,242 | 6,711 | 2,05,628 | .. | 1,74,140 profit |
| 1963-64 .. | 4,32,425 | 85,932 | 5,90,639 | 79,629 | 13,96,084 | 5,682 | 85,932 | .. | 4,86,172 profit |
| 1964-65 .. | 4,99,540 | 1,04,631 | 4,87,338 | 2,26,328 | 14,08,391 | 4,975 | 1,04,631 | .. | 1,13,018 profit |
| 1965-66 (upto December, 1965) .. | 3,41,683 | 77,928 | 2,75,758 | 1,86,617 | 14,03,946 | 4,912 | 77,928 | .. | The profit or loss will be worked out at the close of the financial year when the pro-forma accounts are prepared |

**Decontrol of Cement in Punjab**

**3099. Comrade Ram Chandra :** Will the Chief Minister be pleased to lay on the Table of the House statements showing :—

(a) the date from which control on the distribution of cement in Punjab was lifted ;

(b) the date on which intimation in regard to (a) above was sent to the Cement Dealers and a copy of the detailed instructions sent to the cement dealers in this connection, be laid on the Table ;

(c) the actual stock in hand with the dealers on the date of decontrol ;

(d) the date by which the stock referred to in part (a) above was to be disposed of ?

**Shri Ram Kishan :** A statement containing the required information is laid on the Table of the House.

**Statetment**

(a) 1st January, 1966

(b) All the District Magistrates in the State were advised on the 23rd December, 1965, to clear the existing stocks of cement lying with the stockists in their respective districts They, in turn, asked all the permit issuing authorities to arrange for clearance of stocks by the 31st December, 1965. They did not issue any instructions in writing to the cement stockists in this connection

(c) 3673 tonnes

(d) No such date was fixed. There was no price and distribution control after 31st December, 1965.

---

**Government Aid to Privately-managed Schools in the State**

**3100. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the deails of the offer of Government aid made to the managements of the private schools in the State to enable them to bring the scales of pay of the teachers employed by them at par with those of Government teachers ;

(b) the number of institutions, the managements of which have accepted and utilized the offer along with the amount of grant asked for or demaded, todate ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) Nil.

(b) Question does not arise.

---

**Deaths due to explosion of mines planted by Pakistanis in Border Areas of the State**

**3101. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state the total number of people who have died on account of explosion of mines, planted by Pakistanis in the border areas of Punjab during or after the recent Indo-Pakistan conflict ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (Transpor tand Elections Minister) : None.

---

**Bhakra Canals**

**3102. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total length of the Bhakra Canals in the State, district-wise ;

[Comrade Ram Chandra]

(b) whether the said canals have created any water logging problem if so, the acreage of the land affected by it districtwise ;

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) The total length of the Bhakra Canals in the State districtwise is as under :—

| | | *Miles* |
|---|---|---|
| Ambala | .. | 90·25 |
| Patiala | .. | 692·34 |
| Ludhiana | .. | 297·28 |
| Sangrur | .. | 464·96 |
| Hissar | .. | 1,844·00 |
| Karnal | .. | 647·00 |
| Jullundur | .. | 428·25 |
| Hoshiarpur | .. | 71·19 |
| Kapurthala | .. | 53·06 |
| Ferozepur | .. | 626·51 |
| Bhatinda | .. | 215·21 |

(b) As a large number of factors are responsible for water logging, e.g., heavy rainfall, floods, obstruction or absence of drainage and geological strata of the soil in a particular) terrain, it is not possible to indicate the affect by the Bhakra Canals alone.

**Share due from Municipalities in respect of Schools provincialized since 1958**

**3103. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names of the Municipalities in the State which have not paid their share of expenses for running the provincialized schools since 1958 ;

(b) the total amount due from each of the said Committee up-to-date ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) & (b) A statement showing the names of the Municipal Committees with amount due from each, as it stood on 30th November, 1965, is placed on the Table of the House.

STATEMENT

(a) and (b)—

| District | | Serial No. | Name of the Municipal Committee | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Rs |
| Jullundur | .. | 1 | Jullundur | .. | 18,57,703.00 |
| | | 2 | Alawalpur | .. | 33,661.00 |
| | | 3 | Nawanshahr | .. | 2,40,551.00 |
| | | 4 | Phillaur | .. | 80,326.00 |
| | | 5 | Banga | .. | 58,709.00 |

| District | Serial No. | Name of the Municipal Committee | Amount |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| | 6 | Nakodar .. | 72,157.00 |
| Ludhiana .. | 7 | Ludhiana .. | 10,16,671.00 |
| | 8 | Khanna .. | 6,13,449.00 |
| | 9 | Samrala .. | 66,363.00 |
| | 10 | Raikot .. | 71,285.00 |
| | 11 | Jagraon .. | 3,57,634.00 |
| Gurdaspur .. | 12 | Gurdaspur .. | 2,05,723.00 |
| | 13 | Batala .. | 6,48,170.00 |
| | 14 | Pathankot .. | 5,42,650.00 |
| | 15 | Sujjanpur .. | 78,704.00 |
| | 16 | Dhariwal .. | 82,411.00 |
| | 17 | Dinanagar .. | 2,76,665.00 |
| Hoshiarpur .. | 18 | Hoshiarpur .. | 1,27,019.00 |
| Kangra .. | 19 | Kangra .. | 49,099.00 |
| | 20 | Dharmsala .. | 7,693.00 |
| | 21 | Palampur .. | 78,387.00 |
| Ferozepore .. | 22 | Ferozepore .. | 3,99,927.00 |
| | 23 | Guru Har Sahai .. | 2,86,179.00 |
| | 24 | Tankawali .. | 42,350.00 |
| | 25 | Moga .. | 4,29,650.00 |
| | 26 | Giddarbaha .. | 3,71,434.00 |
| | 27 | Abohar .. | 5,15,865.00 |
| | 28 | Zira .. | 1,42,058.00 |
| | 29 | Muktsar .. | 4,33,254.53 |
| | 30 | Jalalabad .. | 52,285.00 |
| | 31 | Fazilka .. | 2,44,420.00 |
| Amritsar .. | 32 | Amritsar .. | 61,68,447.00 |
| | 33 | Tarn Taran .. | 8,12,843.00 |
| | 34 | Ram Dass .. | 30,115.00 |
| | 35 | Patti .. | 2,28,881.00 |
| | 36 | Chhehartta .. | 2,17,341.00 |

| District | | Serial No. | Name of the Municipal Committee | | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Rs |
| | | 37 | Jandiala Guru | .. | 6,62,865.00 |
| | | 38 | Khem Karan | .. | 1,02,843.00 |
| Ambala | .. | 39 | Ambala | .. | 4,85,227.00 |
| | | 40 | Chhachhrauli | .. | 56,061.00 |
| | | 41 | Kalka | .. | 4,35,960.00 |
| | | 42 | Rupar | .. | 2,75,643.57 |
| | | 43 | Kharar | .. | 92,700.00 |
| | | 44 | Yamuna Nagar | .. | 7,87,318.00 |
| | | 45 | Jagadhri | .. | 2,21,100.00 |
| | | 46 | Sadhaura | .. | 44,199.00 |
| Simla | .. | 47 | Simla | .. | 1,27,527.41 |
| Rohtak | .. | 48 | Rohtak | .. | 6,45,167.00 |
| | | 49 | Beri | .. | 2,30,284.00 |
| | | 50 | Jhajjar | .. | 4,59,956.00 |
| | | 51 | Gohana | .. | 60,630.00 |
| | | 52 | Sonepat | .. | 1,49,968.00 |
| | | 53 | Bahadurgarh | .. | 1,58,308.00 |
| | | 54 | Karnal | .. | 5,73,432.00 |
| | | 55 | Kaithal | .. | Nil |
| | | 56 | Shahabad | .. | 93,792.00 |
| | | 57 | Panipat | .. | 1,66,865.27 |
| | | 58 | Thanesar | .. | 78,525.26 |
| | | 59 | Ladwa | .. | 1,30,159.00 |
| Hissar | .. | 60 | Hissar | .. | 1,53,022.00 |
| | | 61 | Loharu | .. | 80,276.00 |
| | | 62 | Tohana | .. | 26,775.00 |
| | | 63 | Kalanwali | .. | 1,22,233.00 |
| | | 64 | Fatehabad | .. | 1,76,428.00 |
| | | 65 | Jakhal | .. | 20,086.00 |
| | | 66 | Dabwali | .. | 6,85,192.00 |

| District | | Serial No. | Name of the Municipal Committee | | Amount Rs. |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 67 | Bhiwani | .. | 1,93,984.00 |
| | | 68 | Sirsa | .. | 4,84,858.00 |
| Gurgaon | .. | 69 | Gurgaon | .. | 2,11,148.00 |
| | | 70 | Faridabad | .. | 1,24,368.00 |
| | | 71 | Balabgarh | .. | 1,49,168.00 |
| | | 72 | Palwal | .. | 2,15,142.00 |
| | | 73 | Rewari | .. | 2,40,147.00 |
| | | 74 | Hodel | .. | 1,30,760.00 |
| | | 75 | Ferozepur-Jhirka | .. | 1,01,365.00 |
| | | 76 | Haily Mandi | .. | 60,909.00 |
| Patiala | .. | 77 | Gobindgarh | .. | 62,465.36 |
| Bhatinda | .. | 78 | Bhucho Mandi | .. | 2,88,832.00 |
| | | 79 | Kot Kapura | .. | 83,339.00 |
| | | 80 | Sangat | .. | 10,045.00 |
| | | 81 | Budhladda | .. | 29,152.00 |
| | | 82 | Maur Mandi | .. | 93,678.00 |
| Sangrur | .. | 83 | Jind | .. | 54,887.00 |
| | | 84 | Barnala | .. | 22,013.00 |
| | | 85 | Safidon | .. | 28,486.00 |
| Mohindergarh | .. | 86 | Charkhi Dadri | .. | 65,204.00 |
| Hissar | .. | 87 | Hansi (Hissar) | .. | 3,11,897.00 |

## Schools Upgraded in District Rohtak

**3105. Pandit Charanji Lal Sharma :** Will the Minster for Education be pleased to state—

(a) the names of the Primary, Middle and High Schools upgraded in Rohtak District from April, 1962, to January, 1966, with the year of their upgradation ;

(b) the number of the said schools, category-wise, which were upgraded in tehsil Sonepat during the said period together with the names of the villages in which these were upgraded ;

(c) the total number of schools, category-wise, upgraded in Punjab during the said period ;

**Shri Prabodh Chandra :** (a), (b) & (c) A statement showing the requisite information is enclosed.

[Education Minister]

STATEMENT

| Year | (a) Primary to Middle | Middle to High | Middle to Higher Secondary | High to Higher Secondary |
|---|---|---|---|---|
| 1962-63 | Nil | Nil | (1) Government Middle School, Nona Majra<br>(2) Government Middle School, Lakhan Majra<br>(3) Government Middle School, Jehazgarh<br>(4) Government Girls Middle School, Badli<br>(5) Government Girls Middle School, Kerhanli Pahladpur | (1) Government High School, Bahu Jholri<br>(2) Government High School, Beri<br>(3) Government High School, Badli<br>(4) Government High School, Bahadurgarh (G)<br>(5) Government High School, Sonepat (G) |
| 1963-64 | (1) Deepalpur<br>(2) Sankhol<br>(3) Khanda<br>(4) Rurkee<br>(5) Khatiwar<br>(6) Nadana Kalan | Nil | Nil | Government High School, Murthal |
| 1964-65 | Peepli Khera | Nil | Nil | Nil |
| 1965-66 | (1) Jauli | (1) Bhali Anandpur | | |

| | |
|---|---|
| (2) Kharak Kalan | (2) Bega |
| (3) Ajaib | (3) Chulkana |
| (4) Rindhana | (4) Bhawar |
| (5) Dehkora | (5) Assandhe (G) |
| (6) Bhambhewa | (6) Beri (G) |
| (7) Chuliana | (7) Nahri (G) |
| (8) Seria | (8) Bhalaut |
| (9) Mundaher | (9) Talao |
| (10) Gorya | (10) Ritauli |
| (11) Chiri | (11) Bidhlan |
| (12) Kheri Khumar | (12) Juan |
| (13) Bhainsru Khurd | (13) Purkhas |
| (14) Makioli Kalan | (14) Pinana |
| (15) Nanond | (15) Jaram Kheri |
| (16) Sheikhupura | (16) Kharkra |
| (17) Boupania | (17) Silini |
| (18) Dhakla | (18) Machroli |
| (19) Dnamar | (19) Barhana |
| (20) Saman | (20) Deepalpur |
| (21) Ahluana | (21) Ahluana |
| (22) Perawas | (22) Kosli (G) |
| (23) Banwasa | |

[Education Minister]

| (a) Primary to Middle | Middle to High | Middle to Higher Secondary | High to Higher Secondary |
|---|---|---|---|
| (24) Kheora | | | |
| 25) Kharar | | | |
| (26) Kherda | | | |
| (27) Chhichrana | | | |
| (28) Bhainswan Khurd | | | |
| (29) Bir Barkatabad | | | |
| (30) Berari Kalan | | | |
| (31) Gochhi | | | |
| (32) Gumer | | | |
| (33) Gandhi Nagar, Rohtak | | | |
| (34) Kulasi | | | |
| (35) Khuddan | | | |
| (36) Meham | | | |
| (37) Tajpur | | | |
| (38) Bhadana | | | |
| (39) Bahu Jholri | | | |
| (40 Sampla | | | |
| (41) Bhindawas | | | |
| (42) Anwali | | | |
| (43) Anwal | | | |

PART (B)

| Year | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1962-63 .. | Nil | Nil | Nil | .. (1) Government Girls High School, Sonepat |
| 1963-64 .. | Deepalpur | Nil | Nil | .. (2) Government Girls High School, Murthal |
| 1964-65 .. | Peepli Khera | Nil | Nil | .. Nil |
| 1965-66 .. | (1) Sheikhupura | (1) Bega | Nil | |
| | (2) Ahluana | (2) Chulkana | | |
| | (3) Gummar | (3) Nahri (G) | | |
| | (4) Tajpur | (4) Juan | | |
| | (5) Bhadaur | (5) Purkhas | | |
| | (6) Kheora | (6) Deepalpur | | |
| | | (7) Pinana | | |

PART (C)

| Year | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1962-63 .. | 1 | .. | 13 | 62 |
| 1963-64 .. | 78 | 1 | 3 | 24 |
| 1964-65 .. | 16 | 6 | .. | .. |
| 1965-66 .. | 325 (including 4 Lower Middle Schools | 158 | 1 | .. |

**Villages Electrified in the State**

**3106. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total number of villages electrified in the State during the period from March, 1962 to January 31, 1966 ;

(b) the total number and names of the villages electrified during the said period in Rohtak district stating the years in which they were electrified ;

(c) the total number and names of the villages electrified during the said period in tehsil Sonepat, district Rohtak ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) to (c) Time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

---

**Tubewell energised in tehsil Sonepat, district Rohtak**

**3107. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total number of tubewell energised in tehsil Sonepat, district Rohtak during the period from April, 1962 to January, 1966 alongwith the names of the villages where they are situated ;

(b) the total number of applications made in the said period for energising tubewells and the number of such applications still pending with the authorities ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) & (b) Time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

---

**Rajbahas irrigating villages in tehsil Sonepat, district Rohtak**

**3108. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the names of the Rajbahas (distributaries) irrigating villages in tehsil Sonepat, district Rohtak, which have their heads on the Eastern Jumna Canal ;

(b) the total area commanded by such distributaries ;

(c) whether it is a fact that the said distributaries were a non-perennial previously ;

(d) if the reply to part (c) above be in the affirmative, whether all such Rajbahas have now been made perennial, if so, since when and to what effect ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) (1) Bajana Distributary.

(2) Dobetta Distributary.

(3) Sargthal Minor.

(4) Bhainswal Distributary.

(5) Mohana Minor.

(6) Guhna Minor.

(7) Hulana Distributary.

(8) Naraina Distributary.

(9) Sardana Distributary.

(10) Smalkha Distributary.

(11) Ganaur Distributary.

(12) Sonepat Distributary.

(13) Jua Distributary.

(14) Kakroi Distributary.

(15) Pai Distributary.

(16) Harsana Distributary.

(17) Ladpur Distributary.
(18) Rajpura Distributary.
(19) Nahri Major Distributary.
(20) Nahra Distributary.
(21) Bowana Distributary.
(b) 1,64,687 acres.
(c) & (d) No. Except the following :—

| | | *Dates when the Distributary made perennial channels* |
|---|---|---|
| (1) Smalkha Distributary | .. | 15th October, 1962 |
| (2) Ganaur Distributary | .. | 15th October, 1962 |
| (3) Harsana Distributary | .. | 1955-56 |
| (4) Rajpura Distributary | .. | 15th October, 1962 |
| (5) Nahri Major Distributary | .. | 15th October, 1963 |
| (6) Nahri Distributary | .. | Rabi, 1955-56 |

**Cases registered in Border Police Stations in Amritsar District**

**3100. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state —
(a) whether any cases were registered at the Border Police Stations of Amritsar District in regard to rioting, smuggling, security reasons and disturbing the peace, during the months of September and October, 1965 ; if so, the details thereof, Police Station-wise ;
(b) the names and addresses of those persons against whom the cases referred to in part (a) above were registered and with what result in each case ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) and (b) No case of rioting, smuggling or disturbing the peace was registered in the Border Police Stations of Amritsar District during the months of September and October, 1965. The following three cases against the persons noted against them were registered at P. S. Bhikhiwind for spreading false rumours regarding Indo-Pak War :—

(i) F.I.R. No. 214, dated 8th September, 1965 Under Rule 35/41 Defence of India Rules.
Hazara Singh, son of Narain Singh, r/o Kale, P. S. Bhikhiwind.
The case is pending in court.
(ii) F.I.R. No. 215, dated 18th September, 1965 U/Rule 35/41 Defence of India Rules.
(1) Lakhwinder Singh, son of Gurdit Singh, r/o Akbarpura, P. S. Bhikhiwind.
(2) Kashmira Singh, son of Bhan Singh, r/o Kacha Pacca, P. S. Bhikhiwind.
(3) Balwant Singh, son of Fauja Singh, r/o Ahmedpura, P. S. Bhikhiwind.
(4) Virsa Singh, son of Tara Singh, r/o Makhi Kalan, P. S. Bhikhiwind.
(5) Mahoorat Singh, son of Banta Singh, r/o Kacha Pacca, P. S. Bhikhiwind.
(6) Ajit Singh, son of Teja Singh, r/o Pohuwind, P. S. Bhikhiwind.
(7) Gurcharan Singh, son of Gujjar Singh, r/o Bhikhiwind.
(8) Gujjar Singh, son of Mangal Singh, r/o Bhikhiwind. The case is pending investigation.

[Home and Development Minister]

(iii) F.I.R. No. 216, dated 22nd September, 1965 U/Rule 35/41 Defence of India Rules.

(1) Piara Singh, son of Amar Singh, r/o Sur Singh, P. S. Bhikhiwind.

(2) Piara Singh, son of Boota Singh, r/o Sur Singh, P. S. Bhikhiwind.

(3) Angrez Singh, son of Ganga Singh, r/o Padhiri Kalan, P. S. Jhabal.

The case is pending investigation.

---

**Compensation to the Survivors of late Shri Karnail Singh of Pepsu Road Transport Corporation**

**3110. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) whether it is a fact that one Shri Karnail Singh working as helper in the Pepsu Road Transport Corporation, Paitala died due to an accident while repairing a bus at the Bhatinda Depot ; if so, the amount of compensation, if any, paid to his wife Shrimati Raj Kumari ; if no compansation have been paid, the reasons for the same ;

(b) whether the arrears of pay of the deceased have since been paid to his wife by the General Manager of the said Corporation if so, the total amount so paid, and the details of final decision taken regarding the payment of compensation referred to in part (a) above ;

(c) whether it is a fact that a cheque for Rs 4,200 on account of compensation was handled over to Shrimati Raj Kumari, wife of the deceased, but it was subsequently cancelled ; if so, the reasons for doing so ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) Yes. An amount of Rs 4,200 as compensation had been deposited with the Patiala Treasury on 22nd January, 1965 for payment to the widow of the deceased.

(b) Yes. An amount of Rs 73.87 p. as arrears of pay has been paid to Smt. Raj Kumari on 16th July, 1964.

(c) No. The cheque in fact was presented to the court of the Commissioner, Patiala for payment under the Workmen Compensation Act on 11th August, 1964. Under advice from that office it was subsequently cancelled and the amount was deposited in cash with the Patiala Treasury on 22nd January, 1965 for payment to Shrimati Raj Kumari wife of the deceased .

---

**Schools upgraded in Amritsar District**

**3111. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state the total number and names of the Government Primary, Middle and High Schools which were proposed to be upgraded to Middle, High and Higher Secondary standards respectively, in Amritsar District, during the years 1962-63, 1964 and 1965, separately and the names of those schools, category-wise, actually upgraded ?

**Shri Prabodh Chandra :** It is not in public interest to disclose the names of the schools proposed for upgrading during these years. A statement showing the number of schools actually upgraded category-wise is enclosed.

**Schools upgraded in Amritsar District**

| Period | Primary to Middle | Middle to High | Middle to Higher Secondary | High to Higher Secondary |
|---|---|---|---|---|
| 1962-63 | Nil | Nil | 1. Rajoke<br>2. Diamganj<br>3. Rata Guda<br>4. Tur<br>5. Katra Karam Singh, Amritsar<br>6. Nawan Kot, Amritsar<br>7. Mehra Singh Road, Amritsar | 1. Mehta Nangal<br>2. Kang |
| 1963-64 | 1. Bundala<br>2. Jharu<br>3. Kiampur<br>4. Kotla Gujran<br>5. Brahmpur | Nil | Nil | 1. Chola Sahib<br>2. Patti |
| 1964-65 | Nil | Nil | Nil | Nil |
| 1965-66 | 1. Sakhira<br>2. Pakkarpura<br>3. Jakhowal<br>4. Tarsikka<br>5. Javinda Kalan<br>6. Bhore Kanah<br>7. Gumanpur<br>8. Lauke<br>9. Bhalaipur<br>10. Buttar<br>11. Beas<br>12. Voin Poin<br>13. Bath<br>14. Pandori Sidhwan<br>15. Preet Nagar<br>16. Panjawar | 1. Lalpura<br>2. Bhindi Saydan<br>3. Bachhiwind<br>4. Ghariala<br>5. Shahbazpur<br>6. Gago Majra<br>7. Akal Gada<br>8. Dial Bharang | Nil | Nil |

**Evacuee Land purchased by the Harijans**

**3112. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the total acreage of evacuee land purchased by the Harijans in auctions during the period from 1st January, 1964 to-date, region-wise and district-wise ;

(b) the total amount of grant, if any, given by the Government in the State to the Harijans for the purchase of the said evacuee land during the said period, district-wise ;

(c) the total number of families settled by the Government on the said evacuee land during the above mentioned period, district-wise ;

(d) the names and addresses of those Harijans who have been settled on evacuee land in the Amritsar District up to date with the location of the land and the acreage of land given to each ?

**Sardar Harinder Singh Major :** (a) and (c) A statement showing the total acreage of evacuee land purchased by the Harijans during the period from 1st January, 1964 to 30th November, 1965, along with the Harijan families settled thereon, district-wise in both Punjabi and Hindi regions, is enclosed.

(b) No grant had been given to Harijans for the purchase of evacuee land.

(d) The information is not readily available and the time and labour involved in its collection from the district offices will not be commensurate with the possible benefits to be derived.

**Statement**

(a) and (b)

| Serial No. | Name of the District | | *Area purchased by the Harijans in auction and by transfer from 1st January, 1964 to 30th November, 1965* | | | No. of families benefited |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Cultivated in S.A. | Banjar in O.A. | Ghair-mumkin in O.A. | |
| 1 | Amritsar | Punjabi Region | 1,101 | 1,098 | 444 | 676 |
| 2 | Ludhiana | .. | 447 | 863 | 63 | 651 |
| 3 | Patiala | | 568 | 193 | 21 | 242 |
| 4 | Sangrur | .. | 600 | 272 | 27 | 272 |
| 5 | Ferozepore | | 3,020 | 1,264 | 23 | 1,388 |
| 6 | Gurdaspur | | 673 | 581 | 713 | 512 |
| 7 | Hoshiarpur | | 653 | 1,837 | 691 | 1,001 |
| 8 | Jullundur | | 1,607 | 1,008 | 747 | 631 |
| 9 | Kapurthala | | 1,864 | 1,166 | 293 | 756 |
| 10 | Bhatinda | | 1,006 | ... | ... | 353 |
| | Total for Punjabi Region | | 11,539 | 8,282 | 3,022 | 6,482 |

| S. No. | Name of the District | Area purchased by the Harijans in auction and by transfer from 1st January, 64 to 30th November, 1965 | | | No. of families benefited |
|---|---|---|---|---|---|
| | | Cultivated in S.A. | Banjar in O.A. | Ghairmumkin in O.A. | |
| Hindi Region | | | | | |
| 1 | Ambala | 1,400 | 746 | 653 | 995 |
| 2 | Kangra | 31 | 89 | 26 | 169 |
| 3 | Hissar and } | 2,532 | 154 | 85 | 933 |
| 4 | Mohindergarh } | | | | |
| 5 | Karnal | 817 | 325 | .. | 530 |
| 6 | Rohtak .. | 404 | 249 | 630 | 253 |
| 7 | Gurgaon | 500 | 267 | 298 | 500 |
| 8 | Simla | Nil | Nil | Nil | Nil |
| | Total for Hindi Region | 5,684 | 1,830 | 1,692 | 3,380 |

Figures of Mohindergarh District are included in Hissar District

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Grand Total | 17,223 | 10,112 | 4,714 | 9,862 |

## Allotment of Quotas of Zinc, Copper and Tin

**3115. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state the names with addresses of persons and firms who were allotted quotas of zinc, copper and tin during the years 1964 and 1965 at Jandiala Guru, Batala, Jagadhri and Amritsar with the details of the quanity of quota allotted to each, metal-wise ?

**Shri Ram Kishan :** The time and labour involved in collecting the requisite information will not be commensurate with the benefit sought to be derived therefrom.

---

## Allotment of Quotas of Anode

**3116. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names and addresses of those who were allotted quotas of Anode during the years 1964 and 1965;

(b) the names and addresses of those who applied but were not given the said quota during the said period ;

[Comrade Makhan Singh Tarsikka]

(c) whether the Government while sanctioning the quotas of the said metal, gave preference to those Gold-smiths who took to electro-plating work after the enforcement of the Gold Control Order. If so, the details of such Ex-gold smiths who applied for and were given quotas of this metal during the said period ;

(d) the names and addresses of Goldsmiths at Ludhiana who applied for Anode quota during 1965 and the details of the action taken by the Government on their application?

**Shri Ram Kishan :** (a) and (b) the time and labour involved in collecting the requisite information would not be commensurate with the results desired to be achieved.

(c) No

(d) M/s G.S. Electroplating Works, Ludhiana and M/s Nirmal Plators, Ludhiana

The case of M/s G.S. Electroplating Works, Ludhiana was covered under the policy and the allotment of Nickel was made to them. The case of M/s Nirmal Plators, Ludhiana, was not covered by the approved policy.

### Allotment of Plots in Industrial Area at Amritsar

**3117. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Chief Minister be pleased to state the names and addresses of persons who have so far been allotted plots in the Industrial Areas at Amritsar with the measurements of each such plot and the purpose for which it was allotted ?

**Shri Ram Kishan :** No plot has so far been allotted in the Industrial Area, Amritsar. The question of supplying information on other points does not arise.

### Villages electrified in Amritsar Tehsil

**3119. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister or Transport and Elections be pleased to state—

(a) the names of the villages so far electrified in the Amritsar tehsil ;

(b) the names of the villages in the said Tehsil which are with in one mile of the electric lines but have not been electrified ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) List attached. (Annexure 'A')

(b) List attached. (Annexure 'B')

### ANNEXURE 'A'

**Statement of villages so far electrified in Amritsar Tehsil**

(a) Nos.—

(1) Jandiala, (2) Nawankot, (3) Nijjarpura, (4) Henawala, (5) Gehri, (6) Dhirekote, (7) Mebatbunpura, (8) Wadali Legran, (9) Bishamberpur, (10) Devidaspur, (11) Amarkote, (12) Bundala, (13) Janian, (14) Nawanpind, (15) Bhut (16) Thathian, (17) Nangal Guru, (18) Kishanpura, (19) Rakh Jita, (20) Tangra, (21) Chohan, (22) Malian, (23) Timmowal, (24) Kot Khera, (25)

Muchhal, (26) Balia, (27) Rasulpur, (28) Udhonangal, (29) Mehta, (30) Khaba Dogran, (31) Takkapur, (32) Bhutter Sewian, (33) Khardeo, (34) Chananke, (35) Jallal and Usman, (36) Dharmuchak, (37) Saidpur, (38) Nangli, (39) Mehsumpur Kalan, (40) Mehsumpur Khurd, (41) Ghansyampur, (42) Rayya, (43) Bhinder, (44) Jallupur, (45) Lidher, (46) Tong, (47) Pheruman, (48) Dinapur, (49) Kot Mehtab, (50) Chima Bath , (51) Fattuwal, (52) Hamanpur, (53) Umra Nangal, (54) Danial, (57) Baba Bakala, (58) Thathian, (59) Bedadpur, (60) Sathiala, (61) Palia, (62) Gaggar Bhana, (63) Buta'a, (64) Jalari, (65) Khanpur, (66) Jamalpuri, (69) Kartarpur, (70) Devidaspura, (71) Beas, (72) Budha Theh, (73) Nazir Bhullar, (74) Daula, (75) Lakhowal, (76) Chapianwali, (77) Jodhe, (78) Balsarai, (79) Dera Radha Swami, (80) Waraich, (81) Bulari, (82) Khalchian, (83) Bhorchi Rajputan, (84) Bhorchi Brahman, (85) Wadala Khurd, (86) Wadala Kalan, (87) Sudhar, (88) Kaleke, (89) Jabhowal, (90) Jodha Nagri, (91) Raraikka, (92) Jaspal, (93) Dhulka, (94) Bamna Chak, (95) Dheriwal, (96) Berianwala, (97) Sarja, (98) Raipur, (99) Rattangarh, (100) Maranjanpura, (101) Bhaini, (102) Jharunangal, (103) Sangra, (104) Badeshian Tara Singh, (105) Gunnowal, (106) Chhajjalwadi, (107) Talwandi Bogroan, (108) Rah Mangawala, (109) Bhoiwal, (110) Gaughatwind, (111) Arjan Mangha Hinnan, (112) Verpal, (113) Thathian, (114) Verka, (115) Tung Bala, (116) Mana Wala, (117) Khankot, (118) Chatiwind, (119) Mandiala, (120) Gilwali, (121) Chhaba, (122) Mula Chack, (123) Iban Khurd, (124) Jhand, (125) Kotla Jiwan Singh, (126) Ballaha, (127 Talwandi Dogra, (128) Chittan Kalan, (129) Ram Pura Jitha, (130) Sanag rana Sahib, (131) Mahian, (132) Bhagtipur, (133) Daburji, (133) Nangal Dayal Singh , (134) Mailakpur, (135) Mehoka, (136) Fatehpur Rajputana (137) Niazampura, (138) Nawanpind, (139) Tirathpura, (140) Akalgarh (141) Rusalpur, (142) Wadala Khohal, (143) Raipur, (144) Makhan windi (145) Mabipur, (146) Lothina, (147) Matewal, (148) Chugwan, (149) Gillan, (150 ) Lola, (151) Bhilowal, (152) Chhapa, (153) Khujala, (154) Chatiwind, (155) Saidolail, (156) Tarsikka, (157) Mukandpur, (158) Niberwind, (159) Khidowali, (160) Mehinian, (161) Meranchuck, (162) Dhada, (163) F.garh Sukar Chuck, (164) Ada Kathunangal, (165) Udokey, (166) Sialka, (167) Bagga, (168) Kathu-Nangal, (169) Gopalpura, (172) Hadyatpura, (173) Ajaibwali, (174) Kalar Mangar, (175) Ludhar, (176) Khushpura, (177) Matuwal, (178) Manga Saria, (179) Dhadiala, (180) Talwandi Dasunda Singh, (181) Hans Bhupalar, (182) Rapuwali Brahmana, (183) Shahzada, (184) Ram Dewali Hinduan, (185) Karion Nangal, (186) Quarlian, (187) Ram Dewali Muslmana, (188) Bala Chuck, (189) Bthu Chuck, (190) Main Bander, (191) Kaly, (192) Chunupur, (193) Khosa, (194) Mahal, (195) Kot Khalsa, (196) Hamdipura, (197) Fatehpur, (198) Bharari ual, (199) Gurukiwadali, (200) Kathiania, (201) Khaper Kheri, (202) Dhaul Kalan, (203) Chamanpura, (204) Rampura, (205) Basarkey, (206) Dhapai, (207) Kotla Dal Singh, (208) Iban Kalan, (209) Tkanda, (210) Wadala Phitewad, (211) Khummania, (212) Kotlinasir Khan, (213) Ghusabad, (214) Mulla Beham,
(215) Bhangali Kalan, (216) Bhangali Khurd, (217) Gujarpura, (218) Chachowali, (219) Jaintipura, (220) Pakhapura, (221) Hardo Putili, (222) Viram, (223) Dhoma, (224) Wadala, (225) Sangatpura, (226) Machhi-Nangal, (227) Kotli Gujran, (228) Nawanpind Biriar, (229) Modhipura, (230) Bhander, (231) Budha Teheh, (232) Umarpura, (233) Bosal Afgana, (234) Bhalowali, (235) Nizampura, (236) Majitha, (237) Harian, (238) Bagewal, (239) Targir, (240) Jalalpura, (241) Chande, (242) Dhignangal, (243) Duppariwind, (244) Bhaini Lidder, (245) Gosal, (246) Burj, (247) Rarpai, (248) Kotla Sultansingh, (249) Kotla Majha Singh, (250) Jaurian, (251) Romanchak, (252) ShamNagar, (253) Burewal Kang, (254) Tharrewal, (255) Marrere Kalan, (256) Marrere Khurd, (257) Rangilpura, (258) Mago Sohian, (259) Ralwandi Khuman, (260) Dadopura, (261) Hamja, (262) Sohiankalan, (263) Birbalpura, (264) Bal Khurd, (265) Bal Khurd, (266) Bal Kalan, (267) Nag Khurd, (268) Nag Naur, (269) Mangli,
(270) Bhaini Gill, (271) Muradpura, (272) Pandori, (273) Naushehra Chhote, (274) Naushehra Dharamsala Wala, (275) Verka, (276) Raja Sansi, (277) Adliwala, (278) Balischander, (279) Heir, (280) Kambo, (281) Rudala, (282) Gumtala, (283) Palah Shahib, (284) Kherabad,
(285) Mehlanwali, (286) Sansera, (287) Tanewala, (288) Jagdev Kalan, (289) Guru Ka Bagh, (290) Gakhowal, (291) Sangutu Nangal, (292) Daburji, (293) Mammupura, (294) Chetanpura, (295) Kandowali, (296) Pathan Nangal, (297) Harsha Chhina Colony and Scho, (298) Rampura, (299) Bhagwan.

[Transport and Elections Minister]

**ANNEXURE 'B'**

**The names of the villages in Amritsar Tehsil which are within one mile of the electric lines but have not been electrified**

(b)

1. Kotla
2. Naraingarh
3. Rana Kalan
4. Shahpur
5. Malowal
6. Chung
7. Balera
8. Bangarwal
9. Teharpur
10. Tanel
11. Bopara
12. Saropada
13. Loharka
14. Lohgarh
15. Mudhepur
16. Banian
17. Kammoke
18. Nijjar
19. Rayya Khurd
20. Padde
21. Khera Thanewal
22. Gajiwal
23. Rajdhewal
24. Jamalpur
25. Bothangarh Sheron
26. Athwal near Matjitha
27. Sekhwan
28. Budala
29. Lakhu Kalan
30. Bhoewali
31. Bua Nangali
32. Babowal
33. Rampur
34. Jiwan Bhamer

## Issue of Arms Licences

***3120. Sardar Trilochan Singh Riasti** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether Government intend to grant licences for Arms (Revolvers/Pistols/Rifles) to all desirable persons in the State, if so, the details of instructions, if any. issued to the District Magistrates in the State in this connection, be placed on the Table of the House ;

(b) whether there is also any proposal under the consideration of the Government to issue permits to the deserving persons for the purchase of the said weapons at the reserved price, from the Government Ammunition Depots or from Government Malkhanas (under police custody) in the State, if so, the details of the instructions if any, issued on the subject be laid on the Table of the House. if no instructions have yet been issued, the time by which a decision is likely to be taken in this behalf ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) Yes. A copy of Government instructions issued in this behalf is placed on the Table of the House ; and

(b) District Magistrates in the State have been allowed to dispose of, by public auction, non-prohibited bore confiscated ammunition to arms dealers

and other arms licensees, wo are authorised to possess such ammunition. Disposal of arms from District Malkhanas is not permissible under the existing rules. Government are, however, considering a scheme to issue non-prohibited bore confiscated arms, lying at the State Fire Arms Bureau, Phillaur, to deserving persons at assessed prices and orders, will issue when the proposal is finalised.

Copy of Memo No. 14413-3H—65/, dated the 17th September, 1965, from the Secretary to Government, Punjab Home Department to all the District Magistrates in the state.

Subject :—Issue of arms licences.

In view of the present emargency the State Government have decided that the issue of arms licences should be liberalised. Applications received for the grant of arms licences may therefore, be considered in the light of the above decision.

## Sugar/Atta Depots at Chandigarh

***3121. Sardar Trilocahan Singh Riasti :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of sugar/atta depots at Chandigarh, sector-wise as on 1st January, 1966 together with the names of the depots-holders ;

(b) the names of the depot-holders amongst those mentioned in part (a) above belonging to the Scheduled Castes ;

(c) if there is no Scheduled Caste depot holder, the reasons why due representation has not been given to persons belonging to Scheduled Castes and the steps Government propose to take to make up their number ;

(d) whether the Civil Supplies authorities received any applications from persons belonging to the Scheduled Castes and others for allotment of sugar/atta depots at Chandigarh from 1st November, 1965 to todate ; if so, when, together with the names of the applicants with their addresses;

(e) the action, if any, taken or proposed to be taken on the applications mentioned in part (d) above ?

**Shri Ram Kishan :** (a) The required information is given in the statement at annexure I.

(b) No sugar/atta depot holder from amongst those mentioned at (a) above, belongs to the Scheduled Castes.

(c) Allotment of sugar/atta depots is made on merits irrespective of the caste considerations.

(d) 24 applications were received after 1st November, 1965 for allotment of depots. The names and addresses of the aplicants alongwith the dates when their appliations were received, are given in the statement at annexure II. Except Shri Pal Sing Johal, mentioned at serial No. 24 of the atement, no applicant belongs to Scheduled Castes.

e) All the applications have been kept pending for consideration on mer ts for allotment of depots, as soon as any vacancy/ need arises for the same.

[Chief Minister]

ANNEXURE I

List of Sugar/ Atta Depots at Chandigarh as on Ist January, 1966

| Serial No. | Name of the Depot Holder | Sector | Remarks |
|---|---|---|---|
| 1 | M/s Ram Tirath Dogra .. | 7 | |
| 2 | M/s Aggarwal Karyana Store .. | 7 | |
| 3 | Government Fair Price Shop .. | 7 | |
| 4 | Shri Sharda Ram Sharma .. | 8 | |
| 5 | M/s Gupta General Store .. | 9 | |
| 6 | M/s Kewal Store .. | 9 | |
| 7 | M/s Happy Store .. | 10 | |
| 8 | M/s Punjab University Employees Stores | 14 | |
| 9 | M/s Bushan General Store .. | 11 | |
| 10 | M/s Chet Ram Maini .. | 14 | |
| 11 | Shri Om Parkash .. | Labour Colony-14 | Atta only |
| 12 | M/s Mohan Singh Sons .. | 15 | |
| 13 | M/s Prem Store .. | 15 | 65 |
| 14 | Government Fair Price Shop .. | 16 | |
| 15 | Government Fair Price Shop | 17 | |
| 17 | Shri Sunder Singh .. | 18 | |
| 17 | Amritsar Karyana Store .. | 18 | |
| 18 | M/s Madan Lal-Gian Parkash .. | 19 | |
| 19 | M/s Patiala Provision Store .. | 19 | |
| 20 | M/s Sardar Singh-Kulwant Singh | 19 | |
| 21 | M/s Patiala Karyana Store .. | 19 | |
| 22 | M/s Singla Flour Mill .. | 19 | |
| 23 | Government Fair Price Shop .. | 19 | |
| 24 | M/s Radhey Shyam -Shiv Charan Dass | 20 | |
| 25 | M/s Raj Store .. | 20 | |
| 26 | M/s Kasauli Provisison Store .. | 20 | |
| 27 | M/s Jamna Dass and Sons .. | 20 | |
| 28 | M/s New Patiala Provision Store | 20 | |
| 29 | Government Fair Price Shop .. | 20 | |
| 30 | Shri Surinder Nath .. | 20 | Atta only |
| 31 | M/s Gopal Singh-Dharam Pal .. | 21 | |
| 32 | M/s Rulia Ram-Hari Chand .. | 22 | |
| 33 | M/s Weeran Di Hatti .. | 22 | |
| 34 | M/s Anant Ram-Jagdish Lall .. | 22 | |
| 35 | Government Fair Price Shop .. | 22 | |
| 36 | M/s Ganpat Rai .. | 23 | |
| 37 | Mahavir Parshad .. | 23 | |
| 38 | M/s Bhujai Store .. | 23 | |
| 39 | M/s Tilak Raj -Chuni Lal .. | 23 | |
| 40 | Government Fair Price Shop .. | 23 | |
| 41 | M/s Chaudhry General Store .. | 24 | |
| 42 | M/s Haryana Laxmi Co-operative Society | Labour Colony, Sector 26 | |
| 43 | M/s Narsi Ram-Sudesh Kumar .. | 24 | |
| 44 | M/s Chadha Provision Store .. | 27 | |
| 45 | M/s Karam Singh and Co. .. | 27 | |
| 46 | Government Fair Price Shop .. | 27 | |
| 47 | Goyal Provision Store .. | 28 | |
| 48 | Shri Gurnam Singh .. | Labour Colony Industrial Area | |
| 49 | M/s Dev Raj-Parshotam Dass .. | 30 | |
| 50 | Shri Ram Syrup .. | Labour Colony, Sector--30 | Atta only |
| 51 | Shri Madan Lal .. | Ditto | Atta only |
| 52 | Shri Sat Paul ... | Ditto | Ditto |

| Serial No. | Name of the Depot Holder | Sector | Remarks |
|---|---|---|---|
| 53 | Shri Churia Ram .. | Labour Colony Sector--26 | Atta only |
| 54 | Shri Mangat Ram .. | Bajwara | Ditto |
| 55 | Shri Parshotam Lal .. | Do | Ditto |
| 56 | Shri Lalit Kumar .. | Do | Ditto |

## ANNEXURE II

**(d) List of applications received after Ist November 1965 for the allotment of Sugar/Atta Depots at Chandigarh**

| Serial No. | Name of the applicant | Address | Whether Scheduled caste or not | Date of receipt of application |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Shri Lakhpat Rai Jain .. | Shop No. 3, 20-C | No | 1-11-65 |
| 2 | Shri Dhan Puj Sethia .. | S.C.F. 5 .. | No | 1-11-65 |
| 3 | Shri Manohar Singh, son of Chattar Singh | House No. 3442, Sector 27 | No | 3-11-65 |
| 4 | M/s Gopi Chand and Bros. | S.C.F. No. 44, Sector 28 | No | 4-11-65 |
| 5 | Shri Nanak Chand Uppal .. | H. No. 3204, 23-D | No | 8-11-65 |
| 6 | Shri Tilak Raj .. | H. No. 523, 20-A | No | 10-11-65 |
| 7 | Shri Shankar Dass .. | H. No. 1368-A, 20-B | No | 11-11-65 |
| 8 | Shri Tara Chand Gupta...... M/s ESS TEE Provision Store | Booth No. 52, Sector 14 | No | 15-12-65 |
| 9 | Shri Kundan Lal Jain .. | H. No. 24-D, Sector 21 | No | 15-12-65 |
| 10 | Shri Krishan Kumar .. | S.C.F. 34, 28-C | No | 29-12-65 |
| 11 | Shri Prem Dutt Verma .. | S.C.F. 35, 28-C | No | 5-1-66 |
| 12 | Shri H.D. Ahuja .. | Cheap Booth-20 .. | No | 14-1-66 |
| 13 | Shri D.S. Singh—M/s. Batra Stores | S.C.F. 15, 10-D | No | 19-1-66 |
| 14 | Shri Gurbux Singh .. | H. No. 2126, 22-C | No | 18-1-66 |
| 15 | Shri Kuldip Singh ... | S.C.F.37, Sector-18D | No | 27-1-66 |
| 16 | Shri Ram Gopal, Gopal Flour Mills | Sector-15 | No | 27-1-66 |
| 17 | M/s. Harnam Singh & Co. .. | 101-Grain Market | No | 28-1-66 |
| 18 | Shri Ved Parkash Mahajan .. | Karyana Store, Bajwara Market | No | 28-1-66 |
| 19 | Shri Bal Kishan ... | S.C.F.-4, Sector 19D | No | 28-1-66 |

[Chief Minister]

| Serial No. | Name of the Applicant | Address | Whether Scheduled caste of or not | Date of receipt appli-cation |
|---|---|---|---|---|
| 20 | Shri Amar Nath Kohli .. | S.C.F.-38, Sector-23 | No | 29-1-66 |
| 21 | Shri Tirlok Chand Mahajan .. | H. No. 2326, 22-C | No | 8-2-66 |
| 22 | Shri Puran Chand .. | H. No. 3013, 23-D | No | 31-1-66 |
| 23 | Shri Bishan Dass .. | H. No. 2253, 19-C | No | 8-2-66 |
| 24 | Shri Pal Singh Johal .. | Booth No. 73, 8-B | Scheduled Caste | 18-12-65 |

## Class I posts in Directorate of Agriculture, Punjab

**3122. Sardar Trilochan Singh Riasti :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the number and names of class I Officers, seniority-wise in the Directorate of Agriculture, Punjab, as on 1st January, 1966 ;

(b) the academic qualifications with experiences, of each of the officers mentioned in part (a) above ;

(c) the number with designations of class I posts in the said Directorate which are vacant at present together with the reasons for not filling them and the time by which the same are likely to be filled up ?

**Sardar Darbara Singh :** Parts (a) and (b)—A statement is laid on the table of the House.

Part (c) —Only one post of Deputy Director of Agriculture (Seeds) is lying vacant . Shri Kharak Singh Mann, Cotton Develoрent Officer in P.A.S. I Class I, is holding the current charge of the duties of this post in addition to his own. It has been decided to fill up this post by direct recruitment and a requisition to this effect has since been placed with the Punjab Public Service Commission. The post will be filled up on receipt of the recommendations of the Commission . However, no time limit can be specified.

STATEMENT

| S. No. | Name of Officer | Designation | Academic qualifications | Experience |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | Dr. Amrik Singh Cheema | Director of Agriculture | M.Sc. (Agri.) & D.Ed. in Extension Methods (U.S.A.) | Assistant Director Agriculture, Faridkot State from 7th June, 1945 to January, 1947<br>Director of Agriculture, Faridkot State from January, 1947 to 31st August, 1948<br>Assistant Director of Agriculture, Pepsu, from Ist September, 1948 to 13th February, 1950<br>Deputy Director of Agriculture (Food)/ Joint Director Extension, Pepsu, from 14th February, 1950 to 2nd December, 1955<br>Director, National Extension Service Pepsu, from 3rd December, 1955 to 31st October, 1956<br>Deputy Director of Agriticulture, Punjab, from Ist November, 1956 to 31st August, 1959<br>Joint Director (Community Development), Punjab, from Ist September, 1959 to 31st March, 1960<br>Joint Director, Agricultute (Extension), Punjab, from Ist April 1960 to 28th February, 1963<br>Addititional Director of Agriculture, Punjab, from Ist March, 1963 to 11th December, 1963<br>Director of Agriculture, Punjab, from 12th December, 1963 onwards |
| 2 | Shri Rajinder Singh Kahlon | Joint Director (Soil Conservation and Engineering) | B.Sc. (Agri.) and B.Sc. (Civil Engineering) | From Ist September, 1948 to August, 1949 as Agricultural Overseer (Government of India)<br>August, 1949 to February, 1953 as Incharge Land Reclamation Unit (Punjab Government)<br>August, 1956 to December, 1956 as Junior Highway Engineer at Washington under the Government U.S.A |

| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | January, 1957 May, 1958 as S.D.O., P.W.D Punjab (Irrigation Branch)<br>(May, 1958 to 6th November 1961 as Assistant Engineer (Government of India)<br>7th November, 1961 to 4th July, 1963 as Divisional Soil Conservation Officer, Punjab<br>5th July, 1963 onwards as Joint Director (Soil Conservation and Engineering) |
| 3 | Shri P.N. Pangotra | .. | Agricultural Engineer (Implements) | B. Sc. Agri.), Section A&B (A.M.I.E. (India) (equivalent to the degree of Mechanical Engineering) | December, 1947 to December, 1953 in private firms.<br>January, 1954 to September, 1954 as Inspector, Agriculture Engineering, Extension Training Centre, Nilokheri. October, 1954 to August, 1961 as Chief Instructor Works, Extension Education Institute, Nilokheri<br>August, 1961 to August, 1962 as Agricultural Engineer, Nahan Foundry Ltd., Government of India Undertaking<br>September, 1962 to March, 1964 as Agricultural Engineer, I.A.D.P., Ludhiana<br>April, 1964 onwards as Agricultural Engineer (Implements) |
| 4 | Shri K.L. Mehra | .. | Officer on Special Duty (Minor Irrigation) | B.Sc. (Engineering) | From 1948 to 1955 as Assistant Engineer, Government of India<br>October, 1955 to February, 1965 as Executive Engineer, P.W.D. (Irrigation Branch), Pepsu /Punjab<br>March, 1965 on wards on deputation to the Agriculture Department, Punjab, as Officer on Special Duty, (Minor Irrigation) |
| 5 | Shri G.S. Kalkat | .. | Deputy Director of Agriculture | M.Sc. (Agri.) and Ph.D. (U.S.A. in Agri. Zoology-Entomology) | From 9th April, 1949 to 31st March, 1960 as Agricultural Inspector/ Locust Control and Warning Officer<br>Ist April, 1960 onwards as Deputy Director of Agriculture |

*Note.*—Besides the above mentioned Class I Officers, Sarvshri M.S.V. Ramarao and B.M. Pansare have been re-employed as Soil Conservation Adviser and Grape Extension Adviser respectively in the Agriculture Department. The present term of re-employment of these Officers expires on 28th February, 1966 and 10th June, 1966 respectively.

### Stainless Steel

**3123. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total quantity of stainless steel imported into the State through the Punjab State Small Industries Corporation during the years 1964 and 1965, for utensil and non-utensil purposes separately ;

(b) whether Government had formulated any definite policy for the distribution of the said steel before it was actually distributed ; if so, the details thereof be laid on the Table of the House ;

(c) the names and addresses of the parties who were allotted quotas of stainless steel during the years 1964 and 1965 and the quantity of quota allotted in each case ;

(d) whether it was ensured that the parties who were allotted the quota mentioned in part (c) above had the necessary machines installed for the manufacture of non-utensil articles ?

**Shri Ram Kishan :** (a)

| Year | For the manufacture of utensils | For the manufacture of items other than utensils |
|---|---|---|
| 1964 | .. | 14 Metric Tonnes |
| 1965 | .. 67 | 221 ·53 Metric Tonnes |

(b) & (c) The reqisite information is enclosed

(d) Yes.

**Policy for distribution of 14 M.T. Stainless Steel during the year 1964.**

The parties who were issued Essentiality Certificates for the import of S.S. Sheets for the manufacture of Surgical Instuments during the Licensing Period October, 1963—March 1964 and had set up their works and were in a position to utilize the material were made eligible for the allotment of the material out of the allocation of 14 M.T. S.S. during 1964.

2. Keeping in view the meagre quantity of material a maximum ceiling of 0.80 M.T. and minimum allotment of O.1 M.T. was fixed.

3. The term Surgical instruments used in this location also included manufacture include d manufacture of Surgical equipment and hospital waers.

4. Where the party was engaged both in Surgical Instruments and Cutlery the entitlement for surgical instrument was worked out on 50 per cent basis.

---

**Statement showing the distribution of stainless steel sheets during1964**

| Serial No. | Name of the Party | Allotment in M. Tons |
|---|---|---|
| 1 | M/s Associated Industries, Jagadhri .. | 0.8 |
| 2 | M/s Punjab Wire Netting Industries, Narnaul .. | 0.8 |
| 3 | M/s West end Machinery Mart Ltd., Faridabad .. | 0.8 |
| 4 | M/s Sharaf Industries, Bahadurgarh .. | 0.8 |
| 5 | M/s National Steel Industries, Industrial Area, Bahadurgarh .. | 0.8 |

[Chief Minister]

| Serial No. | Name of the Party | | Allotment in M. Tons |
|---|---|---|---|
| 6 | M/s Rakesh Industries, Chandigarh | .. | 0.8 |
| 7 | M/s Silara Industries, Dhuri Distt. Sangrur | .. | 0.1 |
| 8 | M/s United Iron Industries, Bhiwani | .. | 0.4 |
| 9 | M/s Amrit Metal Industries, Jagadhri | .. | 0.1 |
| 10 | M/s Jainko Industries, Ambala City | .. | 0.4 |
| 11 | M/s Kuldip Industrial Corporation, Chandigarh | .. | 0.3 |
| 12 | M/s T. R. Metal & Engg. Works, Rewari | .. | 0.1 |
| 13 | M/s Data Ram-Ashok Kumar, Kaithal | .. | 0.3 |
| 14 | M/s Bali Ram Chowdhry & Sons, Kaithal | .. | 0.1 |
| 15 | M/s Hem Overseas Auto Industries, Kaithal | .. | 0.3 |
| 16 | M/s Bharat General Mills, Kaithal | .. | 0.3 |
| 17 | M/s Punjab General Manufacturers, Kaithal | .. | 0.2 |
| 18 | M/s Hindustan Chemical & Glass Products, Panipat | .. | 0.2 |
| 19 | M/s Jai Bharat Hardware Co., Industrial Area, Panipat | .. | 0.1 |
| 20 | M/s Jai Industries, Karnal | .. | 0.4 |
| 21 | M/s Setia Iron & Steel Industries, Village Pasina Kalan, Tehsil Panipat District Karnal | | 0.1 |
| 22 | M/s Surjan Singh & Sons, Panipat | .. | 0.1 |
| 23 | M/s Free India Surgical Industries, Jullundur | .. | 0.3 |
| 24 | M/s Standard Mechanical Works, Jullundur | .. | 0.4 |
| 25 | M/s Speedway Surgical Co., Ludhiana | .. | 0.1 |
| 26 | M/s J. L. Sumair Chand, Jhajjar Road, Rohtak | .. | 0.2 |
| 27 | M/s Kuldip Industries, Village Mamnoan, Tehsil Pathankot, District Gurdaspur | | 0.1 |
| 28 | M/s Sekhri Brothers, Industrial Estate, Batala | | 0.8 |
| 29 | M/s Bali Singh Bhagwan Singh Ghee Mandi Amritsar | ... | 0.8 |
| 30 | M/s Inderjit & Co., Ludhiana | .. | 0.1 |
| 31 | M/s Jiwan Engineering Works, Ludhiana | .. | 0.5 |
| 32 | M/s New India Engineering Works, Ludhiana | .. | 0.4 |
| 33 | M/s T. F. Industrial Corporation, Ludhiana | .. | 0.2 |
| 34 | M/s Aero Engg. Works, Ludhiana | .. | 0.5 |
| 35 | M/s Rumpas Industries, Ludhiana | .. | 0.1 |
| 36 | M/s Adarsh Metal Works Industries, Jagadhri | .. | 0.8 |
| 37 | M/s Surjit Industries, Malerkotla | .. | 0.2 |
| 38 | M/s Puran Chand-Sharwan Kumar, Kaithal | .. | 0.2 |

**Policy for distribution of Stainless Steel for Non-utensil purposes (1965)**

1 Stainless steel of different gauges was imported from Czechoslovakia and Japan at different prices. It was decided to allot stainless steel sheets to parties in proportionate of 40 per cent from Czechoslovakia (18, 19 & 20G) 40 per cent from Japan (18, 19 & 20 G) and 20 percent 26G from Japan

2. The Department had recommended the Essentiality Certificates for Import of Stainless Steel for the period October, 1964—March, 1965. These recommendations were withdrawn and the parties were allotted material in proportion to the recommendations made to import authorities for stainless steel in the Government of India.

3. Material was allotted to parties in whose favour it was decided to meet arrear claims.

4. Allotment was made taking into consideration the highest value of Essentiality Certificate for stainless steel sheets issued during the last three licensing periods of 6 months each, subject to ,maximum of 6 M.T. and with a minimum standard of half M.T.

5. The new parties who had not been given Essentiality Certificate during the last three periods were allotted imported stainless steel sheets equal to the entiltlement as worked out by the field officersforissueof Essentiality Certificates for stainless steel sheets for the period 1965-66.

In case where the entitlement of the party for issue of Essentiality Certificate for stainless steel for the year 1965-66 was more than this share on the basis of Essentiality Ceritficates for the last three periods, the party was given material equal to the entitlement as worked out for the period 1964-65.

..

6. The Department is considering to encourage the parties and made allotment of stainleess steel sheets for expert purposes and also for production of defence articles.

---

**Statement showing the names and addresses of the parties allocated stainless steel sheets for Non-Utensil purposes, 1965**

| Serial No. | Name of the party | M.T. |
|---|---|---|
| 1 | M/s Bali Singh-Bhagwan Singh, Out side Ghee Mandi Gate, Amritsar | 4 |
| 2 | M/s Indian Weighing Machine, Hide Market, Amritsar .. | 2 |
| 3 | M/s Kartar Industries, Out side Ram Bagh Gate, Amritsar .. | 0.50 |
| 4 | M/s Akali Kirpan Factory Malvai Bunga Amritsar .. | 3 |
| 5 | M/s Rumpas Industries, Industrial Estate, Ludhiana .. | 1 |
| 6 | M/s Speedway Surgical Co., 583 Pindi Street, Ludhiana .. | 2.50 |
| 7 | M/s Sigma Steel Industries, A-2, Industrial Estate, Ludhiana .. | 1.50 |
| 8 | M/s Sat Kartar Cycle Industries, Industrial Estate, Ludhiana .. | 1 |
| 9 | M/s T. F. Industrial Corporation. Industrial Estate, Ludhiana .. | 3 |

| Serial No. | Name of the party | | M.T. |
|---|---|---|---|
| 10 | M/s Sant Singh Mehta & Co. 17-B, Industrial Estate, Ludhiana | .. | 0.50 |
| 11 | M/s Dua Brothers, Industrial Estate, Ludhiana | .. | 4 |
| 12 | M/s B. S. Engineering Works, Gill Road, Miller Ganj, Ludhiana | .. | 1 |
| 13 | M/s Aero Engineering Works, 489, Karim Pura Road, Ludhiana | .. | 6 |
| 14 | M/s Jiwan Engg. Works, Industrial Estate, Ludhiana | .. | 6 |
| 15 | M/s Rama Fancy Works, Ganji Chapari , Ludhiana | .. | 1 |
| 16 | M/s Silara Industries , 455, Emerson Road, Ludhiana | .. | 3.50 |
| 17 | M/s New India Engineering Industries, Industrial Estate, Ludhiana | | 2.50 |
| 18 | M/s Gupta Loom Industry, Industrial Estate, Ludhiana | .. | 0.50 |
| 19 | M/s New Shangar electroplating Works, Industrial Area, Ludhiana | | 1 |
| 20 | M/s Ravi Industries 8-R, Industrial Area, 'B' Ludhiana | .. | 1.50 |
| 21 | M/s Mahabir Metal Works Kapurthala | | 0.50 |
| 22 | M/s Surjit Industries, Industrial Estate, Malerkotla | .. | 2.50 |
| 23 | M/s Narendra Stainless Steel Industries, Industrial Estate, Malerkotla | | 2.50 |
| 24 | M/s Sukhri Brothers, 12-A, Industrial Estate, Batala | .. | 1.50 |
| 25 | M/s Kuldip Industries, Village Mamoon Tehsil, Pathankot District Gurdaspur | .. | 6 |
| 26 | M/s United Iron Industries, Serai Chopta, Bhiwani | .. | 3 |
| 27 | M/s Punjab Wire Netting Industries, Railway Road, Narnaul | .. | 6 |
| 28 | M/s Adarsh Metal Industries, Jagadhri | .. | 6 |
| 29 | M/s Amrit Metal Industries, Jagadhri | .. | 1.50 |
| 30 | M/s Associated Industries, Jagadhri | .. | 6 |
| 31 | M/s Jainko Industries, Spatu Road, Ambala City | .. | 1 |
| 32 | M/s Kuldip Industrial Corporation, Industrial Area, Chandigarh | .. | 1 |
| 33 | M/s Kiran Industries, Industrial Area, Chandigarh | .. | 4.50 |
| 34 | M/s Raj & Co. Railway Road, Bhatinda | .. | 1 50 |
| 35 | M/s J. L. Sumar Chand Jain, Jhajjar Road, Rohtak | .. | 3 |
| 36 | M/s Punjab Iron & Steel Industries, Butana Road, Gohana | .. | 4 |
| 37 | M/s Pokhar Dass & Co., Delhi Road, Rohtak | .. | 5 |
| 38 | M/s National Metal Industries, Industrial Area, Bahadurgarh | .. | 6 |
| 39 | M/s Trade Industrial Corporation, Industrial Area, Bahadurgarh | | 1 |
| 40 | M/s Hindustan Rolling & Wire Products, Sonepat | .. | 3 |

| Serial No. | Name of the party | | M.T. |
|---|---|---|---|
| 41 | M/s Saraj Industries, Industrial Area, Bahadurgarh | .. | 6 |
| 42 | M/s National Manufacturers & Traders, Kaithal | .. | 1 |
| 43 | M/s India Auto Industries Kaithal | .. | 1 |
| 44 | M/s Datta Ram-Ashok Kumar, Kaithal | .. | 4 |
| 45 | M/s Seema Industrial Corporation, Kaithal | .. | 1 |
| 46 | M/s Relan General Mills Kaithal | .. | 2 |
| 47 | M/s New India Tin Bucket & General Manufacturers, Kaithal | .. | 3 |
| 48 | M/s Puran Chand-Sharwan Kumar, Kaithal | .. | 3 |
| 49 | M/s Setia Iron & Steel Industries Factory, village Pasina Kalan, 320-L, Model Town, Panipat | .. | 1 |
| 50 | M/s Bharat General Mills, Kaithal | .. | 3 |
| 51 | M/s Punjab General Manufacturers, Kaithal | .. | 1 |
| 52 | M/s Chandera Industries, Nakodar Road, Jullundur | .. | 3 |
| 53 | M/s Free India Surgical Works, Industrial Area, Jullundur | .. | 4 |
| 54 | M/s Standard Mechanical Works, Mandi Road, Jullundur | .. | 2 |
| 55 | M/s Kwality Industrial Works, 17-G, Industrial Area, Faridabad | .. | 2.50 |
| 56 | M/s Shamrock Industries, Mathura Road Faridabad | .. | 4 |
| 57 | M/s P & S (India) Corporation, Gurgaon | .. | 6 |
| 58 | M/s T. R. Metal Engineering Works, Rewari | .. | 0.50 |
| 59 | M/s Bushhing Schmitz Private Ltd., 18/6, Mathura Road, Faridabad | | 4 |

**Supply of Eye Glasses to a Legislator detenu in District Jail, Nabha**

**3124. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the names of the communist detenus who were supplied eye-glasses and dentures at Government expense on the recommendation of the Jail Medical Officers in the State ;

(b) whether it is a fact that a legislator detenu lodged in district Jail Nabha in 1965, was recommended change of eye glasses by the Eye Specialist and the Jail Medical Officer but he was not supplied with the glasses ; if so, the reasons for the same ?

**Shri Chand Ram :** (a) Name of the detenus who have been supplied with Eye glasses—

1. Shri Harkishan Singh Surjeet.
2. Shri Ram Kishan Bharolian.
3. Shri Ghuman Singh.

[Welfare and Justice Minister]

4. Shri Balbir Singh.
5. Shri Hazara Singh Jassar
6. Shri Udhe Singh Keshav.
7. Shri Gandharv Sen.
8. Dr. Bhag Singh.
9. Pt. Vidya Dev Longowal.
10. Shri Partap Singh Dhanaula.
11. Shri Ganda Singh
12. Shri Gurnam Singh.
13. Shri Gurbax Singh Dakota.
14. Shri Bhajan Singh.
15. Shri Prem Chand Bhardwaj.

Names of the detenus who are being provided with Eye glasses.

1. Shri Hazura Singh.
2. Ishar Singh Sodhi.
3. Shri Makhan Singh Tarsikka, M.L.A.

*Denture*—

1. Shri Ram Kishan Bharolian.
2. Shri Bhag Singh Sajjon.

(Repairing of denture done at Government expense).

(b) Shri Makhan Singh Tarsikka , M.L.A. was recommended by the Medical Officer, District Jail Nabha, for examination by the Eye Specialist of the Rajindra Hospital, Patiala. Shri Tarsikka was examined by the Eye Specialist as an Out-door patient. However, no final report was received by the Superintendent District Jail, Nabha about this examination. Shri Tarsikka was not therefore supplied with eye glasses.

---

**Villages electrified in 1965-66 in the State**

**3125. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state the total number of villages electrified in the State, district-wise and the expenditure incurred thereon during the year 1965-66.

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** (i) 60. (up to 31st December, 1965) Statement.

(ii) Rs 223,48, 014.

---

**Lists of Towns/Villages electrified during 1st April, 1965 to 31st December, in the State district-wise.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Mohindergarh | ... | .. |
| 2. | Simla | ... | 7 |
| 3. | Jullundur | ... | 1 |
| 4. | Ambala | ... | 9 |
| 5. | Ludhiana | .. | 2 |
| 6. | Bhatinda | ... | 1 |
| 7. | Karnal | ... | 10 |
| 8. | Amritsar | ... | 5 |
| 9. | Kangra | ... | 1 |
| 10. | Hissar | ... | 4 |
| 11. | Rohtak | .. | 3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12. | Hoshiarpur | ... | 11 |
| 13. | Gurdaspur | ... | 3 |
| 14. | Lahaul and Spiti | ... | 3 |
| | Total | | 60 |

## QUESTION OF PRIVILEGE

**Mr. Speaker :** There is a privilege motion by Shri Om Parkash Agnihotri. He may please read it out.

**Shri Om Parkash Agnihotri :** I have not got a copy of it.

**Mr. Speaker :** Then it reads—

> "According to the standing order of the Government, officers of certain categories i. e. upto Deputy Secretary are entitled to stay at the Circuit House at Simla. But when the Members of the Assembly are on duty i. e. when they go there to attend a meeting, they are not permitted to stay there. This action of the Government by not permitting the members of the Assembly to stay in the Circuit House has adversely affected the superior position and prestige of the legislators. With a view to restore the Privilege of the Members, I move this motion".

This motion is kept pending. I would like the Minister for Parliamentary Affairs to discuss the matter with me. After that I will give my ruling.

## ADJOURNMENT MOTIONS/CALL ATTENTION NOTICES

**श्री अध्यक्ष :** मेरे पास कुछ एडजर्नमैंट मोशन्ज और काल एटैंशन मोशन्ज आई हैं। आप सब जानते हैं कि आज गवर्नर के अड्रैस पर बहस शुरू होगी और इस पर बहस 4 दिन चलेगी। इस के बाद बजट पर डिस्कश्न 5, 6 दिन चलेगी । इस के बाद डिमांडज़ पर डिस्कशन होगी । इस तरह से तीन स्टेजिज पर डिस्कशन होगी। माननीय सदस्यों को अपने प्वायंटस् रेज़ करने के लिये 13, 15 दिन मिलेंगे और उस वक्त यह सब चीजें अपनी स्पीच में रैफर कर सकते हैं। इस लिये इस बिना पर एडजर्नमैण्ट मोशन्ज और काल एटैंशन मोशन्ज इस स्टेज पर डिसअलाओ की हैं। लेकिन एक चीज़ और वाज़ह कर देना चाहता हूं कि अगर डिस्कशन के दौरान माननीय सदस्यो ने जो प्वायंटस रेज़ किये और उन का जवाब गवर्नमेंट न दिया तो इन हालात में अगर माननीय सदस्य उस चीज के बारे में कोई मोशन चाहे, काल एटेंशन मोशन हो, या दूसरी कोई मोशन हो, देगा तो उस की इजाज़त दे दूंगा ।

(I have received a number of notices of Call Attention and adjournment motions. As the hon. Members are aware today, the discussion on Governor's Address will commence and will continue for four days. After that the Budget Estimates for 1966-67 will remain under discussion for five or six days. This will be followed by discussion on Demands for Grants. The hon. Members would, therefore, get 13 to 15 days for raising these points. They can refer these matters during the course of their speeches,

[Mr. Speaker]

So on this ground these adjournment and Call attention motions are disallowed at this stage. But I would like to make one thing clear and that is that if such matters even when brought to the notice of the Government during the discussions, were not adequately answered then in that case, if an hon. Member would give a notice of an adjournment or a call attention motion on that subject, I would duly consider it and allow it.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਅਜ ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੇਰਲ ਦੀ ਫੂਡ ਕਰਾਇਸਿਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਐਡਮਿਟ ਕਰ ਲਈ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਵਿਚ ਵੀ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਉਤੇ ਬਜਟ ਉਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਅਤੇ ਡਿਮਾਂਡਜ਼ ਉਤੇ ਵੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਜਿਹੜਾ ਤੁਸੀਂ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਉਹ ਵਾਜਿਬ ਨਹੀਂ ਹੈ।

**Mr. Speaker :** Do not compare the situation here with that of Kerala.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ 4, 5 ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨੇ ਮਰਹੂਮ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੇ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ 50 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਆਪਣੇ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਦਿਤਾ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਰਹੂਮ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਅਗੇਂਸਟ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਨੇ ਇਕ ਕਮਿਸ਼ਨ appoint ਕੀਤਾ ਸੀ। ਉਸ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੂੰ ਦੋਸ਼ੀ ਠਹਿਰਾਇਆ ਸੀ, ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੂੰ ਡਿਫੈਂਡ ਕਰਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਜ਼ਾਇਆ ਕੀਤੇ ਅਤੇ ਹੁਣ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਪੈਸੇ ਨੂੰ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਯਾਦਗਾਰ ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰਨ ਦਾ ਤਹੱਈਆ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਮੈਂ ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਐਡਮਿਟ ਕਰਕੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)।

**डा० बलदेव प्रकाश :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, आपने हाउस के प्रोसीजर के बारे में बताया है। हमें तो इस प्रोसीजर के बारे में पता है। लेकिन स्पीकर साहिब, यह बहुत अहम मामला है। इस मसले पर हमारे कहने पर प्रैजीडेंट आफ इंडिया ने एक कमीशन नियुक्त किया था। उस कमीशन ने मरहूम सरदार प्रताप सिंह कैरों को दोषी ठहराया। उसे चीफ मनिस्टरशिप से ज़बरदस्ती इस्तीफा देने के लिये मजबूर किया। वह कुरप्ट चीफ मिनिस्टर साबित हुआ। ऐसे हालात में अगर उस के बारे में कोई मैमोरियल बनाया गया तो इस से कुरप्शन को ही बढ़ावा मिलेगा और अन्य लोगों को कुरप्शन करने में उत्साह मिलेगा। दूसरी बात मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि पहले ही उस को शील्ड करने के लिये सरकार ने लाखों रुपये गरीब जनता के द्वारा टैक्स के रूप में दिये, बिना सोचे समझे खर्च कर दिए और ज़ाया किए। लेकिन अब कुछ

हमारे स्टेट के मिनिस्टरों ने अपने डिस्क्रीशनरी फंडज़ में से 50 हज़ार रुपये जो कि गरीब जनता की कमाई से टैक्स के द्वारा वसूल किए हैं, वह रुपये सरदार प्रताप सिंह कैरों के मैमोरियल पर खर्च किये जा रहे हैं। मैं समझता हूं कि सरकार यह कोई अच्छी कंवैंशन लागू नहीं कर रही है। इस लिये यह मामला बहुत ही अहम है। और इस पर हाउस में डिस्कशन करने की इजाज़त जरूर होनी चाहिए।

**Mr. Speaker :** please take your seat.

**चौधरी देवी लाल :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। आप ने जनरल प्रोसीजर के बारे में बताया और कहा कि यह मामला गवर्नर के एड्रैस में और बजट की डिस्कशन करते समय उठाया जा सकता है। स्पीकर साहिब, यह बहुत ही अहम सवाल है। इस सवाल का पंजाब की एडमिनिस्ट्रेशन से सीधा सम्बन्ध है। स्पीकर साहिब, जैसा कि डाक्टर बलदेव प्रकाश ने फरमाया कि स्वर्गीय प्रताप सिंह कैरों दास कमीशन के द्वारा कुरप्ट चीफ मिनिस्टर साबित हुए और उसे इस्तीफा देने के लिये मजबूर किया। इस के बाद हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब, उस दास कमीशन की रिपोर्ट को गीता के बराबर का दर्जा देते रहे हो और उसे आज पंजाब का हीरो तसव्वर किया जा रहा हो तो वह चीज आपस में कैसे मेल खाती है। कुछ मंत्रियों ने अपने डिस्क्रीशनरी अमाउंटस में सरदार प्रताप सिंह कैरों के मैमोरियल के लिये रुपए दिए हैं। यह निहायत ही नावाजिब चीज़ है। इस तरह हर एम. एल. ए. मिनिस्टर बनने की कोशिश करेगा और कुरप्शन करने की कोशिश करेगा क्योंकि उस को पता है कि बाद में उस का भी मैमोरियल इसी ढंग से बन सकेगा। इस लिये ऐसी बात हरगज नहीं होनी चाहिए। यह बहुत-ही अहम मामला है और इस पर डिस्कशन करने की इजाजत हाउस में देनी चाहिए ताकि इस पर डिटेल्ज में डिस्कश्न कर सके और सरकार को जनता के खून और पसीने से कमाए हुए पैसे नाजायज़ तौर पर खर्च करने से रोक सके।

**कामरेड राम प्यारा :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर; सर। स्पीकर साहिब, कामरेड शमशेर सिंह जोश ने फरमाया है कि लोक सभा में श्री अध्यक्ष ने फूड सिच्युएशन पर एडजर्नमेंट मोशन पर डिसकशन करने की इजाजत दी है जबकि वहां पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर, बजट पर डिस्कशन, और डिमांडज़ पर भी डिस्कशन होगी। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे कहने पर और कोशिशों के बावजूद राष्ट्रपति ने सरदार प्रताप सिंह कैरों के विरुद्ध दास कमीशन नियुक्त किया और उस के द्वारा वह दोषी ठहराए गए। ऐसा कमीशन 18 साल की पिछली हिस्टरी में पहला है। हम ने कुरप्शन के चार्जिज़ लगाए और वह साबित हुए। स्पीकर साहिब, इस सूबे में पहले ही सरदार प्रताप सिंह कैरों को डिफैंड करने के लिये काफी रुपया जाया किया गया और अब उस की यादगार में एक मैमोरियल बनाया जा रहा है और वहां पर हमारी सरकार लोगों के पैसे को नाजायज तौर पर खर्च कर रही है। इस लिये यह मामला बहुत ही संगीन है। इस पर हाउस में डिस्कशन करने की इजाजत होनी चाहिए ताकि हम सरकार को इस बारे में खर्च करने के लिये मजबूर कर सकें।

**Mr Speaker :** Please take your seat.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ** ਗਿੱਲ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੀ ਰੂਲਿੰਗ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਵਜ਼ਨ ਹੈ। ਆਪ ਜੀ ਦਾ ਮਨਸ਼ਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਮ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਲਈ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ—ਮਰਹੂਮ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਦਾਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਉਹ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੋਸ਼ੀ ਠਹਿਰਾ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਰਹੂਮ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਕੇਸ ਵਿਚ ਡਿਫੈਂਡ ਕਰਨ ਲਈ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਜ਼ਾਇਆ ਕੀਤੇ। ਇਸ ਦੇ ਅਲਾਵਾ ਸਾਡੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਾਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਕਿਹਾ। ਦਰ ਅਸਲ ਇਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਨੇ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਐਲਰਟ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਅਹਿਮ ਪਾਰਟ ਪਲੇ ਕੀਤਾ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਅਜਿਹੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੀ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਪੈਸਾ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਦਿਤਾ ਜਿਸ ਨੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਮਿਲਕੇ ਮਰਹੂਮ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ ਸ਼ਹਾਦਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰੀ ਤੋਂ ਚਲਦਾ ਕੀਤਾ। ਇਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਨਾਵਾਜਿਬ ਗੱਲ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਾਇਆ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਬਹੁਤ ਅਹਿਮ ਮਸਲਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਐਡਮਿਟ ਕਰਕੇ ਉਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਥੋਂ ਦੀ ਫੂਡ ਪਰਾਬਲਮ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਹਾਡੀ ਰੂਲਿੰਗ ਉਤੇ ਸਭ ਕੁਝ ਨਿਰਭਰ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਮਰਹੂਮ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੇ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਤਸ਼ੱਦਦ ਦੇ ਨਾਲ ਖਤਮ ਕੀਤੇ ਗਏ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਨਾਲ ਮੁਤਫਿਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹੁਣ ਵੀ ਵਾਇਲੈਂਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕੰਡੈਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਅੱਗੇ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਡੈਮ ਕਰਦੇ ਰਹੀਏ। ਉਹ ਇਸ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਕੋਈ ਵਾਜਿਬ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਝਗੜਾ ਸੀ ਉਹ ਹੀ ਇਸ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੇਰਾ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਲਈ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਫੰਡ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਰੁਪਿਆ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਤਫਾਕ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ ਕੈਰੋਂ ਦੇ ਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਸ ਸਕੂਲ ਵਿਚ 5, 6 ਮੀਲਾਂ ਤੋਂ ਬੱਚੇ ਵਿਦਿਆ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਲਈ ਆਉਂਦੇ ਹੋਣ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਜ਼ਦੀਕ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਨੂੰ ਲਾਭ ਹੁੰਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਆਪਣੇ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਫੰਡਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣ ਲਈ ਕੋਈ ਉਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮਨਿਸਟਰ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਅਮਾਊਂਟ ਇਕ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਫਿਰ ਵਾਜ਼ਿਹ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਲਈ ਆਪਣੇ ਪੈਸਿਆਂ ਤੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ।

ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਗਰਾਂਟ ਬਾਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਹਮਣੇ ਬੈਠੇ ਸਾਥੀਆਂ ਵਲੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਲਤ ਮਲਤ ਦੱਸੀ ਜਾਣਾ ਔਰ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਨਿਕਲਵਾਇਆ ਜਾਣਾ ਗਲਤ ਗੱਲ ਹੈ। ਉਥੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਐਨਾਊਂਸ ਕੀਤਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ ਉਸ ਗੱਲ ਦਾ ਜਿਹਦੀ ਐਨਾਊਂਸਮੈਂਟ ਚੌਧਰੀ ਰਣਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੀਤੀ ਜੋ ਮੇਰੇ ਆਨਰੇਬਲ ਦੋਸਤ ਕਰਦੇ ਨੇ ਇਹ ਹੋ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਵਾਇਡ ਕਰੀਏ ਲੇਕਿਨ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਐਨਾਊਂਸਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਸਕੂਲ ਜਾਂ ਕਾਲਿਜ ਵਾਸਤੇ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਗਰਾਂਟ ਵਿਚੋਂ ਪੈਸਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਫਿਰ ਉਹ ਭਾਵੇਂ ਕੈਰੋਂ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਵਿਚ ਤਾਂ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ । (At this stage there were voices of Points of order and the Hon. Speaker called upon the Minister for Public Works to speak.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕੁਝ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਪਹਿਲੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਵਿਚ ਵੀ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਸਾਰੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੇ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਸੀ ਔਰ ਇਥੇ ਵੀ ਸਾਰੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਇਸ ਗੱਲ ਉਤੇ ਯੂਨਾਨੀਮਸ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਐਡਮਿਟ ਕਰਨੀ ਹੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੀ ਮੈਮੋਰੀ ਇਤਨੀ ਵੀਕ ਨਹੀਂ ਔਰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਇਕ ਬੜੀ ਇਨ ਐਫੀਸੈਂਟ ਮਨਿਸਟਰੀ ਬੈਠੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਅੱਜ ਤੋਂ ਕੁਝ ਦੇਰ ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਕਦਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਜਿਥੇ ਵੀ ਕਿਤਾਬਾਂ ਵਿਚ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕਰੋਂ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਛਪੀ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਫੜਵਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ, ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਡੀ. ਸੀ. ਦੇ ਦਫਤਰ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਜਾਂ ਚੋਰਾਹੇ ਵਿਚ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਲਗੀ ਹੋਈ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਡੀਮਾਲਿਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਅੱਜ ਉਹੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਆਪਣੇ ਸਟੇਟ ਐਕਸਚੈਕਰ ਵਿਚੋਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਰੁਪਏ ਉਸੇ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੀ ਯਾਦ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਲਗਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਸ਼ਰਧਾ ਹੈ ਤਾਂ ਆਪਣੀ ਪਰਸਨਲ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਵਿਚੋਂ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਉਥੇ ਪੈਸਾ ਲਗਾ ਲੈਣ, ਫਰਮਾਂ ਦੇ ਦੇਣ, ਆਪਣਾ ਆਸਾਸਾ ਦੇ ਦੇਣ ਲੇਕਿਨ ਸਟੇਟ ਐਕਸਚੈਕਰ ਵਿਚੋਂ ਇਹ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ (*Interruptions*)

ਤੀਸਰੀ ਗਲ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੈਰੋਂ ਦੇ ਕਤਲ ਵਾਲਾ ਕੇਸ ਅਜੇ ਤਕ ਵੀ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਝਗੜੇ ਵਾਲਾ ਕੇਸ ਹੋਵੇ, ਸਬ-ਜੁਡਿਸ ਕੇਸ ਹੋਵੇ। ਉਹ ਨਹੀਂ ਛੇੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਸ ਪੱਖ ਵਲੋਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜੇ ਇਹ ਮਸਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਛੇੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਔਰ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਇਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

(*Interruptions and noise*)

**Mr. Speaker :** Order please.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਅਖਬਾਰ ਦੀ ਕਟਿੰਗ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਹੈ। (*Interruptions, noise*)

**Mr, Speaker :** Shri Tandon, Order please,

ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਤੋਂ ਇਹ ਉਮੀਦ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਦ ਕੋਈ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਜਾਂ ਕੋਈ ਆਨਰੇਬਲ

[ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

ਮਨਿਸਟਰ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇੰਟਰਪਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸ਼੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਜਾਂ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਨੇ ਹੁਣ ਇੰਟਰਪਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਇਹ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ । ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਗੱਲ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਹੜੇ ਮੌਕੇ ਕਿਹੜੀ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਹੁਣ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਇਕ ਨੂੰ ਇੰਟਰਪਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਦੂਜੇ ਵੀ ਇੰਟਰਪਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕੇਗਾ ਔਰ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕੇਗੀ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਮੂਡ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕਾਰਵਾਈ ਚਲਾਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ (ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ, ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼।

(I would expect from the hon. Members that whenever an hon. Member or a Minister is in possession of the House, they would refrain from making any attempt to interrupt him. The manner in which Shri Tandon and Sardar Lachhman Singh indulged in interruptions, was not proper. Every body gets an opportunity to have his say at the proper time. As to the Ministers, they are fully aware of what to say or what not to say and at what time. Now, therefore, it may he borne in mind that if one is interrupted, the others can retaliate. But by doing so, the order in the House can not be maintained nor can the proceedings be carried on smoothly. If the hon. Members are not interested in the smooth working of the House, it can be adjourned. (Interruption by Sardar Lachhman Singh Gill) Order please.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਤਵੱਜੁਹ ਦਿਵਾਉਣ ਲਗਾ ਸਾਂ।

**ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੇਰੀ ਤਵੱਜੁਹ ਹੈ। (I am already attentive.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਢਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਸਟੀਫਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਾਲਜ ਸਕੂਲਾਂ ਬਾਰੇ ਵਲ ਫੇਰ ਪਾ ਕੇ। ਲੇਕਿਲ ਅਜ ਕਲ ਦੇ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕਾਲ ਸਮਝਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਅਜਿਹਾ ਸਟੈਪ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚੁਕਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਸ਼ਖਸ ਮਰ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹੁਣ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਗੱਲ ਭੁਲਾਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਕਿ ਸਿਰਫ ਅਸਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਖੁਦ ਕਾਂਗਰਸ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਲੋਂ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਦਾਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਕੰਮ ਸਨ ਉਹ ਚੰਗੇ ਨਹੀਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਥਾਂ ਥਾਂ ਤੇ ਕੁਰਪੱਸ਼ਨ ਸੀ..........

**Mr. Speaker**: You are making a lengthy speech.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਸਾਬਤ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ, ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਹਾਈਐਸ੍ਟ ਜੁਡੀਸ਼ਰੀ ਦਾ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਦੋਸ਼ੀ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਅਜ ਅਜਿਹੇ ਵੇਲੇ ਇਹ ਕਿਵੇਂ ਡੀਨਾਈ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ

ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਹੈ ਇਹ ਗਲਤ ਹੈ? ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਕ ਅਖਬਾਰ ਦੀ ਕਟਿੰਗ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖੀਆ ਹੈ Kairon memorial plan announced . . .

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਇਹ ਅਖਬਾਰ ਹੀ ਹੈ, ਕੋਈ ਗਜ਼ਟ ਤਾਂ ਨਹੀਂ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਇਸ ਵਿਚ ਦਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਨਾਂ ਵੀ ਦਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਚੌਧਰੀ ਰਣਬੀਰ ਸਿਘ, ਚੌਧਰੀ ਚਾਂਦ ਰਾਮ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮਿਨਿਸਟਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਦਿਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ 50,000 ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੈਰੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਐਨਾਊਂਸ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਾਡੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਇਕ ਬੜਾ ਵੱਡਾ ਡਾਕੂ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਕੁੰਡਾ ਡਾਕੂ। ਉਸ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਡਾਕੇ ਮਾਰੇ ਹੋਏ ਸਨ। ਇਕ ਡਾਕਾ ਮਾਰਿਆ ਤੇ ਗੁਰ-ਦੁਆਰਾ ਬਣਵਾ ਦਿਤਾ। ਲੋਕ ਉਸ ਦੀ ਬੜੀ ਪ੍ਰਸੰਸਾ ਕਰਨ ਲਗ ਪਏ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਇਕ ਬੜਾ ਧਰਮ ਦਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਬੜਾ ਧਾਰਮਿਕ ਆਦਮੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜੇ ਪਹਿਲੇ ਲੱਖਾਂ ਘਰ ਉਸ ਨੇ ਲੁਟ ਲਏ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਨਾ ਗਿਆ। ਇਹੋ ਹਾਲਤ ਕੈਰੋਂ ਬਾਰੇ ਹੈ ਉਹੀ ਲੋਕ ਜਿਹੜੇ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਹੁਣ ਉਸ ਦੇ ਪਾਪਾਂ ਨੂੰ ਛੁਪਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਸਾ ਕਰਨਾ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਵੀ ਉਸੇ ਡਾਕੂ ਵਾਂਗ ਸ਼ਲਾਘਾ ਹੈ। (Voices of Shame, Shame from the Opposition. There was noise in the House and the hon. Speaker called upon the Minister for Public Works, Chaudhri Ranbir Singh to speak.)

**Comrade Ram Piara :** I rise on a Point of Order, Sir.

**Public Works Minister :** I am not on a Point of Order, Sir. But I have a right to speak on any issue.

**ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਜੀ, ਅਗਰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਉਤੇ ਤੁਸਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਨਸਿਸਟ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਟਰਿਕਟਲੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਵਾਂਗਾ, ਸਪੀਚ ਨਹੀਂ ਕਰਨ ਦੇਵਾਂਗਾ। ਜੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਦੀ ਆੜ ਲੈ ਕੇ ਸਪੀਚ ਕਰਨੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਤਾਂ ਜਿਥੇ ਮੈਂ ਰੋਕਾਂਗਾ ਤੁਹਾਨੂੰ ਰੁਕਣਾ ਪਏਗਾ। ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਹੀ ਕਰਨ ਦੇਵਾਂਗਾ। ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਹੈ ਤਾਂ ਬੇਸ਼ਕ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰ ਲਉ, ਸਪੀਚ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। (Addessing Com. Ram Piara) (If the hon. Member insists on raising his point of order, I would allow him on the condition to strictly confine himself to the point of order and not make a speech. If he starts making a speech under the pretext of a point of order, he will have to stop, when I ask him to do so. I would permit him to raise only the relevant point of order. If any procedural matter is involved, then he is at liberty to raise a point of order but he will not be permitted to make a speech.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ :** ਜਨਾਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਸਕੂਲਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ, ਸੜਕਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ।

[ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ]

ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ ਵਲੋਂ ਕਹੀ ਹੈ ਜਾਂ ਸਾਰੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਲੋਂ ਕਹੀ ਹੈ ? (*Interruptions*)

**Mr. Speaker :** Chaudhri Ranbir Singh.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਬੱਸ ਆਪੇ ਆਪਣੀ ਛਾਤੀ ਪਿਟੀ ਚਲੋ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ? (Cannot Sardar Lachhman Singh control himself ?)

**लोक कर्म मंत्री** (चौधरी रणबीर सिंह) : अध्यक्ष महोदय, प्रजातन्त्र में विचारों का मतभेद होना लाजमी है। वैसे भी मतभेद रह सकता है और रहना चाहिए। कई दोस्त हैं, जैसा कि अभी अभी आप ने सुना, जिन्होंने सरदार प्रताप सिंह के विचारों की बाबत कुछ अच्छी बुरी बातें कहीं।

**डा० बलदेव प्रकाश :** विचारों की बाबत नहीं, उस की कुरप्शन के बारे में।

**श्री अध्यक्ष :** डाक्टर बलदेव प्रकाश जी, आप से उम्मीद नहीं की जा सकती कि इस तरह से इन्ट्रप्ट करें। (It was not expected of the hon. Dr. Baldev Parkash that he would interrupt like this.)

**डा० बलदेव प्रकाश :** विचारों के बारे में कोई मतभेद नहीं। सवाल तो कुरप्शन का है (विघ्न)

**लोक कर्म मंत्री :** सब बातों का जवाब दूंगा, आप सुनने का हौसला रखें। तो, अध्यक्ष महोदय, मेरा विश्वास है कि दास कमिशन की रिपोर्ट इस बात का सबूत है कि सरदार प्रताप सिंह एक दयानतदार इनसान था (आपोज़ीशन की तरफ से शेम शेम की आवाज़ें) अध्यक्ष महोदय, मैं डाक्टर मंगल सेन, डाक्टर बलदेव प्रकाश या चौधरी देवी लाल या दूसरे साथियों के विचार आप के सामने नहीं रख रहा। मैं तो अपने विचार आप के सामने रखने जा रहा हूं। जिस प्रकार से प्रजातन्त्र में उन को अधिकार हैं उसी प्रकार से मुझे भी राजनैतिक और दूसरे अधिकार प्राप्त हैं। इस लिये मैं कहूंगा कि वह साथी किसी के बारे में अपनी राए दे सकते हैं।

**डा० बलदेव प्रकाश :** कागज़ नहीं, कुरप्शन के बारे में।

लोक कर्म मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैं ने पहले कहा, जहां तक दास कमिशन की रिपोर्ट का सम्बन्ध है, कुछ भाईयों ने सरदार प्रताप सिंह के बारे में कुछ अलज़ाम लगाए थे। एक एक अलज़ाम के ऊपर दास कमिशन ने अपने विचार प्रकट किए और सिर्फ एक बात के सम्बन्ध में सरदार प्रताप सिंह को सीधे तौर पर उन्होंने कुछ दोषी ठहराया. . .

**श्री अध्यक्ष :** आप लम्बी बातों में न जाएं। ब्रीफ सी बात करिए और स्पीच न करें। (He need not go into the details. He should state things briefly and not make a speech.) (विघ्न)

**लोक कर्म मंत्री :** अध्यक्ष महोदय, यदि आप मुझे इजाज़त देंगे तो मैं अपनी बात कहूंगा। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष :** ब्रीफली कहिये। (Please be brief.))

**मंत्री :** आप की आज्ञा से मैं बहुत थोड़े शब्दों में अपनी बात सदन के सामने रखूंगा। दास कमिशन की रिपोर्ट का जिक्र किया गया।

**श्री अध्यक्ष :** देखिये इस वक्त न तो दास कमिशन रिपोर्ट के मैरिट्स पर बहस हो रही है और न ही ऐडजर्नमैंट मोशन पर बहस हो रही है। एक ऐडजर्नमैंट मोशन पर प्वायंटस आफ आर्डर को ऐक्सटैंड करते करते इस बात पर जो इधर से आबज़रवेशन्ज़ हुई सरदार प्रताप सिंह या दास कमिशन रिपोर्ट के बारे में उन का आप ने अपने तरीके से जवाब दे दिया है। इस वक्त दास कमिशन या उस की रिपोर्ट के मैरिट्स में जाने का औकेयन नहीं हैं। जो बात कही गई है उस के बारे में आप चाहें तो एक दो मिनट में कुछ कह लें। (Please listen. At present neither the Dass Commission report is under discussion, nor is any adjournment motion being discussed. The points of order raised in connection with an adjournment motion were stretched to making observations on Sardar Partap Singh and Dass Commission Report by this side of the House and the hon. Minister has given a reply in his own way. Now this is not the occasion to go into the merits of the Dass Commission or its report. He may have his say in a minute or two on whatever has been said on this matter.)

**लोक कर्म मंत्री :** मैं थोड़े ही शब्दों में आप की इजाजत से यह कहूंगा कि मैं यह मानता हूं कि दास कमिशन रिपोर्ट सरदार प्रताप सिंह की इमानदारी का सबूत है। (विघ्न) (शोर)

स्पीकर साहिब, जहां तक डिस्क्रीशनरी फंड का ताल्लुक है मैं निवेदन करूंगा कि कैरों गांव में 8/2 को पंजाब के लाखों भाई इकट्ठे थे जिन्होंने यह खाहिश जाहिर की कि सरदार प्रताप सिंह की याद में कैरों के हायर सैकण्डरी स्कूल को कालिज बना दिया जाए। इस काम के लिये लोगों की तरफ़ से एक लाख रुपया देने का एलान भी दिया गया। (तालियां) उस समय मैं ने भी इस स्कूल को सरदार प्रताप सिंह की याद में कालिज बनाने के लिये अपने डिस्क्रीशनरी फंड में से दस हज़ार रुपया देने का ऐलान किया था। (आपोजीशन की तरफ से आवाजें) शेम शेम। इस के अलावा अपनी जेब से भी मैं ने 1100 रुपया देने का ऐलान किया था। (तालियां) और मैं फख्र के साथ कह सकता हूं कि जो कार्यवाही मैं ने की वह सही है। (आपोज़ीशन की तरफ से आवाजें) गलत है।)

**श्री बलरामजी दास टंडन :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, प्वायंट आफ आर्डर यह है और यह वह बात है कि जिस पर सारी आपोजीशन ने स्ट्रैस अपौन किया है कि जो लोग इस काम में श्रद्धा रखते हों वह बेशक इस के लिये लाखों रुपया इकट्ठा करें, अपनी जेब से भी जो चाहें दें लेकिन सवाल यह है कि जिस पब्लिक फंड का कस्टोडियन मिनिस्टर साहिब को बनाया गया है (विघ्न) उस में से, कुरप्शन के मैमो-

[श्री बलराम जी दास टंडन]

रियल बनाने के लिये इजाजत नहीं दी जा सकती। यह हाउस इस काम के लिये रुपया नहीं दे सकता। यह अपनी जेब में से दें। (विघ्न)

**लोक कर्म मंत्री** : आन ए प्वायंट आफ आडर, सर। अध्यक्ष महोदय, अभी अभी जो माननीय सदस्य ने उस मैमोरियल को कुरप्शन की यादगार कहा है, मेरी प्रार्थना है कि वह शब्द इस कार्यवाही में से हटा दिये जाएं। (आपोजीशन की तरफ से शोर)।

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज़। देखिए काल अटैनशन मोशन और ऐडजर्नमैंट मोशन के ऐडमिट होने या न होने के बारे में काफी बात चीत हुई है और सिवाए सरदार, गुरनामसिंह के सभी ग्रुप लीडर्ज़ ने अपनी बात कही। अब सरदार गुरनाम सिंह के बाद इस पर बहस नहीं होगी। ऐडमिट होने या न होने के बारे में जो आखिरी फैसला होगा वह मैं आप को बता दूंगा। (Order please. Quite a lot has been said about the admissibility or otherwise of the Call Attention Notice and the Adjournment Motion and excepting Sardar Gurnam Singh, all the group leaders have expressed their views on the subject. Now after Sardar Gurnam Singh has stated his view point, no further discussion on it will be allowed. As regards the final decision about its admissibility or otherwise, that I will convey to you.)

**चौधरी देवी लाल** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। जो ऐडजर्नमैंट मोशन का सवाल है वह और भी जरूरी हो गया है। मैं आप की रूलिंग चाहता हूं। वज़ीर साहिब ने कहा कि उन्होंने दस हज़ार रुपया दिया और .....

**श्री अध्यक्ष** : रिपीट न करें। (Please avoid repetition.)

**चौधरी देवी लाल** : मैं आप की रूलिंग चाहता हूं। जहां तक 1100 रुपये का ताल्लुक है यह दें। प्रदेश कुरप्शन कमेटी चाहे जितना रुपया दे। मगर जहां तक सरकार के खजाने का ताल्लुक है उस में से नहीं दिया जाना चाहिए (विघ्न) इस बात पर ऐडजर्नमैंट मोशन ऐडमिट की जाए ताकि हम यह साबित कर सकें कि यह मिसयूज़ आफ पावर है या नहीं। (विघ्न)

**चौधरी नेत राम** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मैं इस मामले में आप की राय जानना चाहता हूं। पंजाब की जनता ने महसूस किया कि यहां पर सरकार की तरफ से भ्रष्टाचार हो रहा हैं (विघ्न) पंजाब की जनता ने पंजाब सरकार पर आरोप लगाया कि यहां की कांग्रेस सरकार भ्रष्ट है, केन्द्र सरकार ने दास कमिशन बैठाया। नतीजा यह हुआ कि पंजाब सरकार भ्रष्टाचार साबित हुई और तब यह नई सरकार बनी और यह सरकार आज उसी भ्रष्टाचार की यादगार बनाने के लिये सरकार का 50 हजार रुपया लगा रही है (आपोजीशन की तरफ से आवाजें : शेम, शेम) अब आप यह राय दें कि यह कांग्रेसी सरकार भ्रष्ट है या नहीं। (आपोजीशन की तरफ से तालियां)।

**मुख्य संसद सचिव** : आन ए प्वाइन्ट आफ आर्डर, सर मैं आप की रूलिंग इस बात पर चाहता हूं कि जो हाऊस का आध घंटा वक्त इस तरह ज़ाया हुआ है (विघ्न) (शोर) लैट मी हैव माई से।

**श्री अध्यक्ष** : आप कह रहे हैं कि आध घंटा हाऊस का वक्त ज़ाया हुआ है तो इस में मिनिस्टर साहिब भी बोले हैं तो आप सोच लीजिए कि किस ने हाऊस का वक्त ज़ाया किया है। (The hon. Chief Parliamentary Secretary has stated that half on hour of the House has been wasted. During this period some Ministers have also spoken. So he should think over as to who is responsible for this.)

**मुख्य संसद सचिव** : मैं तो, स्पीकर साहिब, आपकी रूलिंग चाहता हूं कि क्या आप ने एडजरनमेंट मोशन को एडमिट कर लिया है जिस पर हाऊस का आध घंटा वक्त ज़ाया हुआ है और दूसरा यह कि जिन मैम्बर साहिबान ने प्वाइन्ट आफ आर्डर किए हैं और इस प्रिविलिज को मिसयूज़ किया है क्योंकि आप के हुक्म के मुताबिक वह प्वाइन्ट आफ आर्डर न थे क्या ऐसे प्वायंट आफ आर्डर को एक्सपंज कर दिया जाएगा ?

**श्री अध्यक्ष** : प्लीज़ टेक योअर सीट। यह मुनासिब नहीं कि आप हाऊस की जो प्रोसीडिन्गज़ हो चुकी हैं उन पर किसी तरह का रिफ्लैक्शन करें और कहें कि हाऊस का वक्त ज़ाया हुआ है (The hon. Chief Parliamentary Secretary may please take his seat. It is not proper that he should cast reflection of any kind on the proceedings of the House which have already taken place and say that the time of the House has been wasted. (विरोधी दल की ओर से : शेम शेम)
He may please withdraw these words.

**मुख्य संसद सचिव** : जनाब मेरी अर्ज़ यह है (विघ्न) (आवाजें -विदडरा फस्ट)।

**Mr. Speaker:** Please withdraw those words first.

**मुख्य संसद सचिव** : आप मेरी अर्ज़ तो पहले सुन लीजिए। आप पहले रूलिंग दें कि क्या हाऊस का वक्त ज़ाया हुआ है या नहीं और फिर मैं विदडरा करूंगा। और क्या मोशन आप ने एडमिट किया है या नहीं और अगर मोशन एडमिट नहीं किया तो हाऊस का वक्त ज़रूर ज़ाया हुआ है मैं इस बात को पूरे ज़ोर से कह सकता हूं। (विघ्न) (शोर)

**Shri Balramji Dass Tandon :** He is challenging your authority, Sir.

**श्री अध्यक्ष** : आर्डर प्लीज़।

श्री मंगल सैन, आप भी चेयर को चैलेंज करते हैं तो इन्होंने भी करना शुरू कर दिया है। लेकिन मैं गरग साहिब को बताना चाहता हूं कि जो प्रोसीडिन्गज़ हाऊस में हो जाएं

[श्री अध्यक्ष]

और जिन की स्पीकर इजाज़त दे दे उस के बारे में यह कहना कि हाऊस का टाइम ज़ाया हो गया है मुनासिब नहीं आप ने 'जो टाइम वेस्ट हुआ है' के लफज़ इस्तेमाल किये हैं उन्हें आप वापिस ले लें और हाऊस की किसी प्रोसीडिंग्ज पर इस तरह के कुमैन्ट नहीं होने चाहिएं। ( Order please. Since Shri Mangal Sein challenges the Chair at times, he (the Chief Parliamentary Secretary) too has started doing so. But I would like to tell Shri Garg that it is not proper to say that the time of the House has been wasted on proceedings which have already taken place and which were permitted by the Speaker. He should withdraw the words used by him that the time of the House has been wasted. Any comments on the proceedings of the House should be avoided.)

**चीफ पार्लियामेंटरी सक्रेटरी** : जनाब, मैं ने जो हाऊस का टाइम ज़ाया होने के लफज़ कहे हैं उन्हें वापिस लेता हूं।

मेरी विनती यह है कि जहां तक प्वाइंट आफ आर्डर का ताल्लुक है इस को मिसयूज़ किया जाता है और इस तरह हाऊस का टाइम ज़ाया होता है और हाऊस की कोई कारवाई नहीं चल सकती इस लिये जो प्वाइन्ट आफ आर्डर नहीं थे उन्हें डिसअलौ करना चाहिए, (विघ्न) (शोर)।

**डा० बलदेव प्रकाश** : आन ए प्वाइन्ट आफ आर्डर, सर। चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी ने दो दफा इस हाऊस की इन्सलट की है पहली दफा यह कह कर कि हाऊस का टाइम ज़ाया हुआ है हालांकि आप की इजाज़त से हाऊस की प्रोसीडिंग्ज़ चली थीं और इस आगस्ट हाऊस में पब्लिक के नुमाइन्दों को अपनी फीलिंगज़ को हाऊस में रखने का हक होता है। इस तरह कह कर यह गुस्ताखी कर रहे हैं और दूसरा यह कह कर कि प्वाइंट आफ आर्डर में टाइम वेस्ट किया गया है और इस को मिसयूज़ किया गया है यह कह कर इन्होंने दूसरी बार फिर गुस्ताखी की है। प्वाइन्ट आफ आर्डर रेज़ करना तो मैम्बर साहिबान का एक प्रिविलिज है और कोई भी मैम्बर जब चाहे विवस्था प्रश्न पूछ सकता है यह एक बेसिक और एलीमेंटरी नालेज है अगर चीफ़ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब को इन बातों का भी पता नहीं तो इन्हें किस मैरिट की बिना पर पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी बनाया गया है? (विघ्न) तो मैं यह कहना चाहता हूं कि जो प्रोसीडिंगज़ आप की इजाज़त से चलीं और जिस को आप ने रैलेवेंट करार दिया है उस के बारे में इन्होंने कहा है कि हाऊस का टाइम ज़ाया हुआ है यह इन्होंने दूसरी गुस्ताखी की है। अगर इस तरह का एलीमेंट हाऊस में हो जिन्हें ऐसी बातों का भी ज्ञान न हो तो हाऊस का डीकोरम कैसे रह सकता है।

**Transport and Elections Minister :** Mr. Speaker, I am very sorry that there has been so much unnecessary debate over it and a lot of heat generated. I would request you to kindly see that the matter is dropped now. It may, however, be discussed on some other occasion. The Das Commission has

been referred to from the other side. So my colleague also spoke on that, otherwise we have no right to comment on it. Secondly, a point has also been raised about the schools. I may state that there are no Rules prohibiting the giving of discretionary grant to schools, no matter whether they are situated in village Kairon or somewhere else. Thirdly, I do admit that I was a great opponent of Sardar Partap Singh Kairon. But, now when he is no more, all controversies should end, and we should not bring in any politics. There is no doubt that he was murdered in broad day light. That act of violence must be condemned by one and all be they his friends or enemies. To say that a memorial for him should not be raised, is not proper.

**श्री जगन्नाथ** : ग्रान ए प्वाइन्ट ग्राफ ग्रार्डर, सर । . . .

**श्री ग्रध्यक्ष** : ग्राप को ग्रच्छी कनवैनशन्ज़ कायम करनी चाहिए । ग्रगर कोई ग्रुप लीडर खड़ा हो तो उस को इन्ट्रप्ट किया जाए तो इस तरह हाऊस का डेकोरम नहीं रहता । (The hon. Member should set up good conventions. If a group leader, who is in possession of the House, is interrupted, this detracts the dignity of the House.)

**श्री जगन्नाथ** : मुझे सब पता है जी मैं तो प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर करना चाहता हूं ।

**श्री ग्रध्यक्ष** : ग्राप को तो लैफ्ट ग्रौर राइट हिट करने की ग्रौर लूज़ली बातें करने की ग्रादत है ग्राप को ऐसा नहीं करना चाहिए । (It has become a habit with the hon. Member to hit right and left and talk loosely. He should avoid this.)

**श्री जगन्नाथ** : ग्राप भी कैरों के चमचे रहे हैं इसलिये ग्राप ऐसा कहते हैं । (शोर) (विघ्न) ।

**Mr. Speaker** : I do not recognise this.

**Chief Parliamentary Secretary** : These words may be expunged, Sir.

**Mr. Speaker** : No, let them remain. Will Shri Jagan Nath please withdraw these words ?

**श्री जगन्नाथ** : मैं यह लफज़ वापिस लेता हूं । लेकिन मैंने टाइम ज़रूर लेना है ।

**श्री ग्रध्यक्ष**: टाइम किस को देना है ग्रौर कब देना है यह मेरा राईट है । (It is my right to determine when and to whom time is to be given.)

**श्री जगन्नाथ** : मगर यह भी तो मेरा राईट है कि मुझे टाइम मिले ।

**Mr Speaker** : All right. The hon. Member should speak strictly on a point of order. I will not allow him to go beyond that.

**श्री जगन्नाथ** : मेरा प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर यह है, स्पीकर साहिब, कि ग्राज यह कैरों साहिब का मैमोरियल बनाने लग पड़े हैं मगर कैरों साहिब की ग्राखरी इच्छा की तरफ इन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया । 13 ग्रप्रैल, 1964 की ग्राप मेरी स्पीच देखें जिस में मैंने कहा था कि कैरों साहिब ग्रापका मैमोरियल बनाऊंगा । इस के जवाब में उन्होंने कहा था कि पहले मैं तेरा मैमोरियल बनाऊंगा फिर देखा जायेगा । इस लिये मेरा कहना तो यही है कि जब तक उन की ग्राखरी इच्छा पूरी ना हो यह मैमोरियल बनाया ही न जाये ।

**लोक कर्म मंत्री**: स्पीकर साहिब, इनके मैमोरियल के लिये मैं अपनी जेब से 5/- रुपए देता हूं। (हंसी)

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** The other Ministers should also follow suit.....

इन के साथ ही 5–5/- की कंट्रिब्यूशन को सारे मिनिस्टरों को फालो करना चाहिये।

**परिवहन तथा निर्वाचन मंत्री** : श्री जगन्नाथ मेरे तो पुराने दोस्त हैं। जितनी वह कंट्रिब्यूशन करेंगे उतनी मैं कर दूंगा।

**Sardar Gurnam Singh :** Mr. Speaker, Sir. I am a signatory ...

**चौधरी नेत राम** : मेरी प्रार्थना यह है कि सरदार गुरनाम सिंह जी की मांग तो पंजाबी सूबा की है। मगर वह भाषण अंग्रेज़ी में कर रहे हैं। इन्हें कहो कि वह पंजाबी में बोलें ताकि हमें भी कोई फायदा हो।

**Sardar Gurnam Singh :** Mr. Speaker, Sir, I am a signatory to this adjournment motion because it is based on a very fundamental principle. I need not go into the details of the things which are known to you, Sir, as also to the Hon. House that on a petition by the opposition Parties the President of India appointed a Commission to enquire into the corruption of the late Chief Minister. So far as his murder is concerned, we condemned it at the appropriate occasion and we condemn it again and we say that it is the duty of this Government to prosecute his murderers and take them to a successful prosecution. We are one with them. But as for his memorial to be raised out of the public fund tax payers' fund we strongly oppose it. The reasons are these. Sir, I am very sorry the Minister for Parliamentary Affairs made an effort to give a twist to mix it up with a school at Kairon. You, Sir, yourself were present in the meeting, as reported by the Press. I leave it to you to judge whether what he has stated here on the floor of the House are the correct things or wrong. But I give credit to Mr. Ranbir Singh who did admit that the money given out of his discretionary fund was for the raising of memorial to the late Mr. Partap Singh Kairon. I give him credit. But I am sorry for his presumptuousness where he tried to give his judgement over Mr. Das's Report. We are not concerned with this. We are concerned with two or three points. A commission of enquiry was appointed at the instance of Opposition Parties to go into the complaints. The Commission was no less a person than the retired Chief Justice of India, Mr. Justice Das. He gave certain findings and as a consequence of those findings the late Chief Minister was forced to resign by the Congress High Command and the Central Government. As a consequence of that he resigned. Well, the matter ended. As far as Mr. Kairon is concerned, we have forgotten these things and we wanted to forget them. But the internal politics of the Congress Party does not allow the matter to rest. There is a vocal section and names are given here which is being wooed by various groups of the Treasury Benches in order to please them and to win their votes. Here are the names of the Ministers who have announced the donation for the raising of the memorial.......

**Mr. Speaker :** Please be brief.

**Sardar Gurnam Singh :** I am coming to the vital question only. I have left it to the Hon. Speaker to see that because he was present there. The Chief Minister is reported to have said that Government have allocated Rs. 25,000 to the Agriculture University of Ludhiana for giving scholarships and stipends to research students to perpetuate Mr. Kairon's memory.

Similarly, Sardar Gurdial Singh Dhillon, Mr. Ranbir Singh, Mr. Kapur Singh Mr. Ajmer Singh and Mr. Chand Ram, all Ministers of this Government, announced a donation of Rs. 50,000 out of their discretionary funds for, raising a suitable memorial to the late Mr. Kairon.

(Voices from the Opposition : Shame).

It is not a question of Kairon school into the intricacies of which the Minister for Parliamentary Affairs wanted us to take. So, Sir, it is obvious that out of tax payers' money the Ministers of Punjab have announced to give Rs. 75,000 for raising memorial to Mr. Kairon. We feel that it is not raising of memorial. This Government is responsible for perpetuating corruption in this State. This is their responsibility. We wish, Sir, you had admitted the adjournment motion and I still request you to keep it pending and think over it and give us time to discuss this matter further. But we have no effective method at this time to dis-associate ourselves from this action of the Government except the one which we are going to follow without any disrespect to the Chair. We want to get away from the House for a little while to dis-associate ourselves from the Punjab Government's this questionable action in giving money for the memorial of Mr. Kairon. We therefore, Sir, without any disrespect to you, I again say 'without any disrespect to you', walk out of this House.

---

**Walk-out**

(At this stage all the Members of the opposition staged a walk-out).

**श्री अध्यक्ष** : मेरा ऐडजर्नमैण्ट मोशन्ज़ और काल अटैनशन्ज के बारे में वही रूलिंग है जो पहले था। (My ruling regarding the Call Attention Notice and adjournment motions, which was given earlier, stands.)

## GOVERNOR'S ADDRESS

(Copy laid on the Table of the House).

**Mr. Speaker :** In pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly I have to report that the Governor was pleased to address both the Houses of the State Legislature assembled together on th 14th February, 1966, under Article 176(1) of the Constitution.

A copy of the Address is laid on the Table of the House.

ਸਾਥੀਓ,

ਵਿਧਾਨ ਮੰਡਲ ਦੇ ਇਸ ਅਹਿਮ ਸਾਲਾਨਾ ਸੈਸ਼ਨ ਤੇ ਮੈਂ ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਜੀ ਆਇਆਂ ਕਹਿੰਦ ਹਾਂ। ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਸ਼ੋਕਮਈ ਵਾਤਾਵਰਨ ਵਿਚ, ਬੜੇ ਭਾਰੇ ਮਨਾਂ ਨਾਲ ਇਕੱਤਰ ਹੋ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਜੋ ਸਾਰਾ ਰਾਸ਼ਟਰ ਅਜੇ ਆਪਣੇ ਹਰਦਿਲ-ਅਜ਼ੀਜ਼ ਸਵਰਗਵਾਸੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ, ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦਰ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਦੇ ਬੇਵਕਤ ਵਿਛੋੜੇ ਕਾਰਨ ਦੁਖੀ ਹੈ। ਸਵਰਗਵਾਸੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਕਰੋੜਾਂ ਦੇਸ਼ਵਾਸੀਆਂ ਦੇ ਸੁਪਨੇ-ਸੱਧਰਾਂ ਦੀ ਸਾਕਾਰ ਮੂਰਤੀ ਸਨ। ਉੱਨੀ ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੇ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿਹੇ ਸਮੇਂ ਅੰਦਰ ਆਪ ਜੀ ਨੇ ਸੰਸਾਰ ਭਰ ਦੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਸਿਆਸਤਦਾਨਾਂ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਥਾਂ ਬਣਾ ਲਈ ਅਤੇ ਦੇਸ਼-ਵਾਸੀਆਂ ਦੇ ਹਿਰਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਵੱਡੇ ਹੌਸਲੇ, ਭਰੋਸੇ ਤੇ ਸਵੈਮਾਨ ਦੀ ਜੋਤ ਜਗਾ ਦਿੱਤੀ। ਆਪ ਜੀ ਦੀ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹਤਾ ਅਤੇ ਨਿਰਮਾਣਤਾ ਨੇ ਦੇਸ਼ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਮੋਹ ਲਿਆ। ਦੇਸ਼ ਦੇ ਗਲ ਧੱਕੇ ਨਾਲ ਮੜ੍ਹੇ ਗਏ ਯੁੱਧ ਵਿਚ ਆਪ ਨੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਕਰਦਿਆਂ ਸਫ਼ਲਤਾ ਦੀਆਂ ਸਿਖਰਾਂ ਛੂਹੀਆਂ ਅਤੇ ਉਸ ਉਪਰੰਤ ਸ਼ਾਂਤੀ ਦੀ ਵੇਦੀ ਤੇ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰਾਣਾਂ ਦਾ ਬਲੀਦਾਨ ਦੇ ਦਿੱਤਾ। ਗਵਾਂਢੀ

ਦੇਸ਼ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਐਲਾਨ ਕੇਵਲ ਇਕ ਸਿਆਸੀ ਸਮਝੌਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਉਹ ਤਾਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਰਤੱਖ ਸਬੂਤ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਸ਼ਾਂਤੀ ਨਾਲ ਹਲ ਕਰਨ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਹਾਂ। ਮੇਰਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਏ ਪੂਰਨਿਆਂ ਤੇ ਸੱਚੇ ਦਿਲੋਂ ਚਲਦੇ ਰਹਾਂਗੇ

ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਜੋ ਇਥੇ ਇਕੱਤਰ ਹੋਏ ਹਾਂ, ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਲੋਕਰਾਜ, ਧਰਮ-ਨਿਰਪਖਤਾ ਅਤੇ ਨਿਆਂ ਦੇ ਆਦਰਸ਼ਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧਤਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਇਹ ਆਦਰਸ਼ ਸਾਨੂੰ ਬਹੁਤ ਪਿਆਰੇ ਹਨ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਪੂਰਾ ਤ੍ਰਾਣ ਲਗਾ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਜਿਸ ਗੌਰਵ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਕੌਮ ਨੇ ਨਵੇਂ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਨੇਤਾ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਹ ਸਾਡੀਆਂ ਸਿਆਸੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੀ ਖੁਲ-ਦਿਲੀ ਅਤੇ ਰਵਾਇਤਾਂ ਦੀ ਸਵੱਛਤਾ ਦਾ ਸੂਚਕ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਨਵੇਂ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿਆਂਗੇ। ਦੇਸ਼ ਦੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਸਫਲਤਾ ਸਹਿਤ ਨਜਿੱਠਣ ਵਿਚ ਸਾਡੀਆਂ ਸ਼ੁਭ-ਇੱਛਾਵਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹਨ। (cheers)

2. ਸ੍ਰੀ ਨਰ ਹਰੀ ਵਿਸ਼ਨੂੰ ਗਾਡਗਿਲ ਦੇ ਸਵਰਗਵਾਸ ਹੋਣ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਇਕ ਹੋਰ ਬੜਾ ਵੱਡਾ ਸਦਮਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਆਪ ਜੀ ਨੇ ਚਾਰ ਸਾਲ ਤੋਂ ਵਧ ਸਮੇਂ ਲਈ ਰਾਜ ਦੀਆਂ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਦੀ ਸਯੋਗ ਅਗਵਾਈ ਕੀਤੀ। ਉਹ ਇਕ ਨਿਧੜਕ ਵਿਚਾਰ-ਵਾਨ ਅਤੇ ਮਹਾਨ ਦੇਸ਼-ਭਗਤ ਸਨ। ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਸਾਇੰਸਦਾਨ ਡਾਕਟਰ ਭਾਭਾ ਅਤੇ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਅਫ਼ਸੋਸਨਾਕ ਹਵਾਈ ਹਾਦਸੇ ਵਿਚ ਮ੍ਰਿਤੂ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਗਹਿਰਾ ਦੁੱਖ ਹੈ। ਸਾਲ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਵਿਧਾਨ ਮੰਡਲ ਦੇ ਦੋ ਮੈਂਬਰਾਂ, ਕਾਮਰੇਡ ਦੀਦਾਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸਿਰੋਹੀ ਦਾ ਵੀ ਵਿਛੋੜਾ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰਨਾ ਪਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਭੁਲਾ ਨਹੀਂ ਸਕਾਂਗੇ।

3. ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਸੰਕਟ ਤੇ ਬਿਪਤਾ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪਿਆ। ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਸਰਹੱਦਾਂ ਉੱਤੇ ਜਦੋਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨੀ ਧਾੜਵੀਆਂ ਨੇ ਹੱਲਾ ਬੋਲ ਦਿੱਤਾ ਤਾਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਤਿਅੰਤ ਕਠਨ ਤੇ ਨਾਜ਼ਕ ਹਾਲਤ ਦਾ ਟਾਕਰਾ ਕਰਨਾ ਪਿਆ। ਜਿੱਥੇ ਸਾਡੀਆਂ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਫੌਜਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਦਲੇਰੀ, ਬਹਾਦਰੀ ਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੀ ਰਵਾਇਤ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਦਿਆਂ ਸਾਡੇ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿਚ ਸਨਹਿਰੀ ਕਾਂਡ ਲਿਖਿਆ, ਉੱਥੇ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ, ਅਰਥਾਤ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਵਪਾਰੀਆਂ, ਕਾਰੀਗਰਾਂ ਅਤੇ ਇਸਤਰੀਆਂ ਤਕ ਨੇ ਵੀ, ਸਮੇਂ ਦੀ ਵੰਗਾਰ ਨੂੰ ਕਬੂਲ ਕਰ ਕੇ ਬੜੀ ਹਿੰਮਤ, ਹੌਸਲੇ ਅਤੇ ਸਹਿਨਸ਼ੀਲਤਾ ਦਾ ਬੇਮਿਸਾਲ ਸਬੂਤ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫੌਜ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਵਿਤੋਂ ਵੱਧ ਸਹਾਇਤਾ ਕੀਤੀ। ਹਰ ਵਰਗ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਵੀ ਆਪੋ ਆਪਣਾ ਕੰਮ ਜੀ-ਜਾਨ ਨਾਲ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ। ਦੁਸ਼ਮਨ ਨਾਲ ਲੋਹਾ ਲੈਣ ਲਈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਛਾਤਾ-ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਪਕੜਨ ਲਈ ਸਾਡੀ ਫੌਜ, ਪੁਲਿਸ ਤੇ ਹੋਮਗਾਰਡ ਵਾਸਤੇ ਸਪਲਾਈ ਲਾਈਨ ਚਾਲੂ ਰਖਣ ਲਈ ਟਰੱਕ ਡਰਾਈਵਰਾਂ, ਕੰਡਕਟਰਾਂ ਅਤੇ ਕਲੀਨਰਾਂ ਨੇ ਸਿਰਧੜ ਦੀ ਬਾਜ਼ੀ ਲਾ ਕੇ ਜਿਸ ਲਗਨ, ਉਤਸ਼ਾਹ ਤੇ ਜੁਰੱਅਤ ਨਾਲ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਉਹ ਅਤਿਅੰਤ ਸ਼ਲਾਘਾ-ਯੋਗ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਹਾਇਤਾ ਫੰਡ ਵਾਸਤੇ ਲਗ ਭਗ ਚਾਰ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਇਕੱਠੀ ਕਰਨ ਲਈ ਜੋ ਅਣਥਕ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਗਏ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਹਰੇਕ ਪੰਜਾਬੀ ਨੇ ਦੇਸ਼-ਪਿਆਰ ਦੇ ਜਜ਼ਬੇ ਵਿਚ ਖੀਵਿਆਂ ਹੋ ਕੇ ਜੋ ਤਿਲਫੁਲ ਇਸ ਫੰਡ ਵਿਚ ਭੇਟ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਿਣੀ ਹਾਂ।

4. ਆਜ਼ਾਦੀ ਮਿਲਣ ਉਪਰੰਤ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਜ਼ਕ ਮੌਕਿਆਂ ਤੇ ਸਾਡਾ ਕਰਤੱਵ ਬਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪਿਤਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਜੁੜੀਏ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਆਪਣਾ ਰਿਣ ਚੁਕਾਉਣ ਦੀ ਪ੍ਰਤੱਗਿਆ ਕਰੀਏ, ਕਿਉਂਜੋ ਆਜ਼ਾਦੀ ਤੇ ਏਕਤਾ ਲਈ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦੇਣਦਾਰ ਹਾਂ। ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਮਗਰੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮਦਿਨ ਮਨਾਉਣ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਉਤਸਵ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਵਾਸਤੇ ਵਧ ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਹਿੱਸਾ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਛੇਤੀ ਹੀ ਅਸੀਂ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਦਾ ਤਿੰਨ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਵੀ ਮਨਾਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਖੁਲ੍ਹੇ ਦਿਲ ਨਾਲ ਹਿੱਸਾ ਲਵੇਗੀ। ਇਸ ਸ਼ੁਭ ਅਵਸਰ ਦੀ ਉਚੇਰੀ ਮਹਾਨਤਾ ਹੈ, ਕਿਉਂਜੋ ਅਸੀਂ ਉਸ ਮਹਾਨ ਯੋਧੇ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਾਂਗੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਨ ਸ਼ਾਨ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਵਾਸਤੇ ਆਪਣਾ ਸਰਬੰਸ ਕੁਰਬਾਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਦੇਸ਼-ਪਿਆਰ ਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰਵਾਦ ਦਾ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਜਜ਼ਬਾ ਪੈਦਾ ਕੀਤਾ ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਪਵਿੱਤਰ ਸ਼ਸਤਰਾਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਅਤੇ ਦਰਸ਼ਨ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਰੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਜਿਵੇਂ ਹੁਮ ਹੁਮਾ ਕੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਤੇ ਉਮਾਹ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਗੁਰੂ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਦੀ ਯਾਦ ਪ੍ਰਤੀ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੀ ਸੱਚੀ ਸੁੱਚੀ ਸ਼ਰਧਾ ਦਾ ਬੇਨਜ਼ੀਰ ਸਬੂਤ ਸੀ। ਇਹ ਪਵਿੱਤਰ ਸ਼ਸਤਰ, ਸਾਡੀ ਬੇਨਤੀ ਤੇ ਹੀ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਏਨੇ ਲੰਮੇ ਸਮੇਂ ਬਾਅਦ ਇੰਗ-ਲੈਂਡ ਤੋਂ ਵਾਪਸ ਲਿਆਂਦੇ ਹਨ।

**ਆਮ ਪ੍ਰਬੰਧ, ਪੁਲਿਸ, ਹੋਮ ਗਾਰਡ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਰੱਖਿਆ**

5. ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਇਸ ਲੜਾਈ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਅਸਾਂ ਹਰੇਕ ਥਾਂ ਤੁਰਤ ਹੀ ਆਪਣੇ ਆਮ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨੂੰ ਚੰਗੇਰਾ ਬਣਾ ਕੇ ਰੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਢਾਲ ਲਿਆ। ਸਰਹੱਦਾਂ ਤੇ ਤੈਨਾਤ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਪੰਜਾਬ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਪੁਲਿਸ ਨੂੰ ਫੌਜ ਦੀ ਕਮਾਂਡ ਹੇਠ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਸਾਡੀ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਫੌਜ ਦੇ ਮੋਢੇ ਨਾਲ ਮੋਢਾ ਜੋੜ ਕੇ ਲੜਾਈ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਲਈ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਦੇ 66 ਆਦਮੀ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਅਤੇ 133 ਜ਼ਖਮੀ ; 17 ਆਦਮੀ ਲਾ-ਪਤਾ ਹਨ ਅਤੇ 18 ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਜੰਗੀ ਕੈਦੀ ਬਣਾ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਦੁਸ਼ਮਨ ਦੀ ਬੰਬਾਰੀ ਨਾਲ ਹੋਮ ਗਾਰਡ ਦੇ 14 ਆਦਮੀ ਮਾਰੇ ਗਏ। ਜਦ ਦੁਸ਼ਮਨ ਦੇ ਛਾਤਾ-ਫੌਜੀ ਅਚਾਨਕ ਉਤਰਨ ਲਗ ਪਏ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਲਈ ਇਕ ਗੰਭੀਰ ਸਮੱਸਿਆ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ। ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਬਹੁਤ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਟੋਮੈਟਿਕ ਹਥਿਆਰਾਂ ਨਾਲ ਲੈਸ ਸਨ, ਫਿਰ ਵੀ ਸਾਡੀ ਪੁਲਿਸ, ਹੋਮ ਗਾਰਡ ਤੇ ਸਥਾਨਕ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਪਟ ਲਿਆ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਖ਼ਾਤਰ ਆਪਣੀ ਜਾਨ ਦੀ ਜ਼ਰਾ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਪਰਵਾਹ ਨਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਬੜੀ ਦਲੇਰੀ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿੱਤਾ। ਦੁਸ਼ਮਨ ਦੇ 172 ਛਾਤਾ-ਫੌਜੀਆਂ ਵਿਚੋਂ 136 ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 22 ਜਾਨੋਂ ਮਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਦੁਸ਼ਮਨ ਨੁਕਸਾਨ ਪੁਚਾ ਸਕਦਾ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁਨਾਸਿਬ ਹਿਫਾਜ਼ਤ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਸਿਵਲ-ਆਵਾਜਾਈ ਨੂੰ ਹੋਰ ਪਾਸੇ ਵੱਲ ਬਦਲ ਕੇ ਅਹਿਮ ਸੜਕਾਂ ਨੂੰ ਖਾਲੀ ਰਖਣ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿਤਾ। ਅਜਿਹੀ ਹਾਲਤ ਕਾਰਣ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਸਿਰ ਆ ਪਈ ਇਸ ਔਖੀ ਡਿਊਟੀ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ, ਅਮਨ ਅਮਾਨ ਦੀ ਹਾਲਤ ਪੂਰੇ ਕਾਬੂ ਵਿਚ ਰਹੀ। ਉਂਜ ਵੀ, ਇਸ ਸਾਲ, ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਜੁਰਮਾਂ ਦੀਆਂ ਵਾਰਦਾਤਾਂ ਘਟ ਹੀ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਸਿਹਰਾ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਹੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਅਜਿਹੀ ਨਾਜ਼ਕ ਹਾਲਤ ਵਿਚ, ਹਰ ਪੱਖ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਪਿਆਰ ਤੇ ਮੇਲ-ਮਿਲਾਪ ਕਾਇਮ ਰਖਿਆ।

ਆਪਣੇ ਪਿਛਲੇ ਤਜਰਬੇ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿਚ, ਸਾਨੂੰ ਸਿਵਲ ਰੱਖਿਆ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸੰਗਠਤ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਹੋਰ ਵਾਧਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ ਕਿ ਇਹ ਅਜਿਹੇ ਸੰਕਟ-ਕਾਲ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਤੇ ਪੂਰਾ ਉਤਰ ਸਕੇ। ਸਰਹੱਦ ਅਤੇ ਹੋਰਨਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਰੱਖਿਆ ਸਬੰਧੀ ਸਾਡੀਆਂ ਜੋ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਲੋੜਾਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭਲੀ ਭਾਂਤ ਸੂਚਿਤ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

**ਜਵਾਨਾਂ, ਪੰਜਾਬ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ, ਹੋਮਗਾਰਡ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਡਰਾਈਵਰਾਂ ਆਦਿ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ**

6. ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਲਈ ਸਾਡੇ ਜਵਾਨਾਂ, ਜਲ-ਸੈਨਕਾਂ ਅਤੇ ਹਵਾਬਾਜ਼ਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਬੇਮਿਸਾਲ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਸੰਸਾ ਵਜੋਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਸ਼ਹੀਦ ਅਤੇ ਨਾਕਾਰਾ ਹੋਏ ਫੌਜੀਆਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਵਾਸਤੇ 2,000 ਤੋਂ 5,000 ਰੁਪਏ ਤਕ ਦੀਆਂ ਮਾਣ-ਅਰਥੀ ਗਰਾਂਟਾਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਜਵਾਨਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸੱਤ ਸਾਲਾਂ ਵਾਸਤੇ ਵਧੀ ਹੋਈ ਪਰਵਾਰ ਪੈਨਸ਼ਨ, ਆਖਰੀ ਤਨਖਾਹ ਦੀ ਰਕਮ ਦੇ 2/3 ਦੇ ਬਰਾਬਰ, ਮਿਲੇਗੀ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਸਿਖਿਆ ਵਾਸਤੇ 10 ਰੁਪਏ ਮਾਹਵਾਰ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ, ਬਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਉਚੇਰੀ ਸਿਖਿਆ ਲਈ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ 250 ਰੁਪਏ ਮਾਹਵਾਰ ਤਕ, ਗਰਾਂਟਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਅਸਾਂ ਇਹ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਲ ਦੀ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਸ਼ਹੀਦ ਜਾਂ ਨਾਕਾਰਾ ਹੋਏ ਸੈਨਕਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ, ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਸਮੇਂ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਭਾਰਤ ਦੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੈਨਿਕ ਸਕੂਲ ਅਤੇ ਪਬਲਿਕ ਸਕੂਲ, ਨਾਭਾ ਵਿਚ ਦਾਖ਼ਲ ਹੋਣ, ਪੂਰੇ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ। ਜੰਗੀ ਕੈਦੀਆਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ 500 ਰੁਪਏ ਪਰਵਾਰ ਪ੍ਰਤੀ ਮਾਨ-ਅਰਥੀ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਹਰੇਕ ਨਾਬਾਲਗ ਅਤੇ ਆਸ੍ਰਤ ਬੱਚੇ ਨੂੰ 60 ਰੁਪਏ ਦਾ ਭੱਤਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਲਾਪਤਾ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸ਼ਹੀਦ ਜਾਂ ਨਾਕਾਰਾ ਹੋਣ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਹੀਦ ਜਾਂ ਨਾਕਾਰਾ ਜਵਾਨਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਵਾਂਗ ਹੀ ਪੂਰੀ ਇਮਦਾਦ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਮਾਣ-ਅਰਥੀ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦੀ ਇਹ ਇਮਦਾਦ ਪੰਜਾਬ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਸ਼ਹੀਦ ਅਤੇ ਨਾਕਾਰਾ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮਾਪਿਆਂ ਦਾ ਇਕਲੌਤਾ ਲੜਕਾ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਤੋਂ ਵਧ ਲੜਕੇ ਫੌਜ ਵਿਚ ਹਨ ਜਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੌਜੂਦਾ ਸੰਕਟ-ਕਾਲ ਵਿਚ ਫੌਜ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੰਗੀ ਜਗੀਰਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ।

ਪਰ, ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਫੌਜ ਦੇ ਕਰਮ-ਚਾਰੀਆਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਕੇਵਲ ਲੜਾਈ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਨਾ ਰੱਖੇ, ਸਗੋਂ ਬਾਦ ਵਿੱਚ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦੇਖ ਭਾਲ ਕਰੇ। ਇਸ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਬਕਾ ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਤੇ ਲਾਉਣ ਦੇ ਮਨੋਰਥ ਨਾਲ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਦੇ ਸਾਧਨ ਲੱਭਣ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਚੋਣ ਅਤੇ ਸਲਾਹਕਾਰ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਹੈ। ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਨਿੱਜੀ ਕਾਰੋਬਾਰ ਦੇ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸੈਨਿਕ ਤਾਲਮੇਲ ਸੰਸਥਾ ਵਿਚਕਾਰ ਵਧੇਰੇ ਮਿਲਵਰਤਨ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦੇ ਯੋਗ ਬਣਾਵੇਗੀ।

ਇਸ ਸੰਕਟ ਕਾਲ ਵਿਚ ਸੇਵਾ ਕਰਦਿਆਂ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਡਰਾਈਵਰਾਂ, ਕੰਡਕਟਰਾਂ ਅਤੇ ਕਲੀਨਰਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਅਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦਿਆਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਹਾਦਰਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਨੂੰ 5,000 ਰੁਪਏ ਪਰਵਾਰ ਪ੍ਰਤੀ ਅਦਾ ਕੀਤੇ ਹਨ।

**ਬੇਘਰ ਹੋਏ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਵਸਾਉਣਾ ਅਤੇ ਨੁਕਸਾਨ ਲਈ ਮੁਆਵਜ਼ਾ**

7. ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਜੰਗ ਕਾਰਨ ਬੇਘਰ ਹੋ ਗਏ, ਦੁਸ਼ਮਨ ਦੀ ਬੰਬਾਰੀ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਬਣੇ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਨੁਕਸਾਨ ਉਠਾਉਣਾ ਪਿਆ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਣ ਵਲ ਵੀ

ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਜੰਗ ਵਿਚ ਲਗ ਭਗ 50,000 ਵਿਅਕਤੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬੱਚੇ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ, ਬੇਘਰ ਹੋ ਗਏ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਲਈ ਫ਼ੌਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਤਰਨ ਤਾਰਨ, ਪੱਟੀ, ਅਬੋਹਰ ਅਤੇ ਮਲੋਟ ਵਿਖੇ ਸਹਾਇਤਾ ਕੈਂਪ ਅਤੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਫ਼ੀਰੋਜ਼ਪੁਰ, ਫ਼ਾਜ਼ਿਲਕਾ, ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ ਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਸਹਾਇਤਾ ਕੇਂਦਰ ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ। ਕੈਂਪਾਂ ਵਿਚ ਲਗ ਭਗ 5,000 ਵਿਅਕਤੀ ਤੰਬੂਆਂ ਵਿਚ ਰਹਿ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੈਂਪਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਹਰੇਕ ਬਾਲਗ ਨੂੰ ਹਰ ਮਹੀਨੇ 16 ਕਿਲੋਗਰਾਮ ਕਣਕ ਤੇ ਰਾਸ਼ਨ ਦੀਆਂ ਹੋਰ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਬਦਲੇ 18 ਰੁਪਏ ਨਕਦ ਅਤੇ ਹਰੇਕ ਬੱਚੇ ਨੂੰ 10 ਕਿਲੋਗਰਾਮ ਕਣਕ ਤੇ 9 ਰੁਪਏ ਨਕਦ ਦਿਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਹ ਸਹਾਇਤਾ 45,000 ਹੋਰ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜੋ ਆਪਣੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਜਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਨਾਲ ਰਹਿ ਰਹੇ ਹਨ। 26,000 ਤੋਂ ਵਧ ਰਜ਼ਾਈਆਂ ਕੰਬਲ ਅਤੇ ਲਗ ਭਗ 16,000 ਦਰੀਆਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੇਘਰ ਹੋਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ 8.48 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਹੋਰ ਰਕਮ ਵੰਡੀ ਗਈ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਆਪਣੇ ਲਈ ਕਪੜਿਆਂ ਦਾ ਇਕ ਜੋੜਾ ਖਰੀਦ ਸਕਣ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੈਂਪਾਂ ਨੂੰ 'ਕੇਅਰ' (CARE) ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਦੁੱਧ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੁਨਾਸਬ ਡਾਕਟਰੀ ਤੇ ਸਿਖਿਆ ਸਹੂਲਤਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੇਘਰ ਹੋਏ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧ ਨੁਕਸਾਨ ਪੁੱਜਾ ਹੈ, ਸਰਹੱਦੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਅਤੇ ਕਈ ਹੋਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਵੀ ਬੰਬਾਰੀ ਦਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਬਣੇ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਗ਼ੈਰਮਨਕੂਲਾ ਜਾਇਦਾਦ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂ-ਧਨ ਤੋਂ ਵਾਂਝੇ ਹੋ ਗਏ। ਇਸ ਜੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ 195 ਵਿਅਕਤੀ ਮਾਰੇ ਗਏ, 201 ਜ਼ਖਮੀ ਹੋਏ, ਸੈਂਕੜੇ ਪਸ਼ੂ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਗਏ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਕਾਨ ਢਹਿ ਢੇਰੀ ਹੋ ਗਏ। ਇਸ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਜੋ ਸਿਵਲੀਅਨ ਮਾਰੇ ਗਏ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਪੱਧਰ ਤਕ ਮੁਫਤ ਸਿਖਿਆ ਅਤੇ ਫੱਟੜ ਤੇ ਨਾਕਾਰਾ ਹੋਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਫਤ ਡਾਕਟਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਆਦਿ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਮਾਰੇ ਗਏ, ਨਾਕਾਰਾ ਜਾਂ ਜ਼ਖਮੀ ਹੋਏ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਅਸਾਂ ਮਾਣ-ਅਰਥੀ ਸਹਾਇਤਾ ਗਰਾਂਟਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ। ਮਾਰੇ ਗਏ ਪਸ਼ੂਆਂ ਅਤੇ ਤਬਾਹ , ਬਰਬਾਦ ਹੋਏ ਮਕਾਨਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਵੀ ਅਜਿਹੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਜੋ ਮਕਾਨ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਨੁਕਸਾਨੇ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ ਲਈ, ਘਟ ਆਮਦਨ ਗਰੁੱਪ ਮਕਾਨ ਉਸਾਰੀ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਲੰਮੀ ਮਿਆਦ ਵਾਲੇ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਦਾ ਵੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਲੜਾਈ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਵਰਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਡੀਆਂ ਨੂੰ ਜੁਲਾਈ-ਸਤੰਬਰ, 1965 ਲਈ ਟੋਕਨ ਟੈਕਸ ਤੋਂ ਛੋਟ ਦੇ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਨੁਕਸਾਨੀਆਂ ਜਾਂ ਬੇਕਾਰ ਹੋਈਆਂ ਗੱਡੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਸੈਨਿਕ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਤਕ, ਲਗ ਭਗ 12 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਮਾਣ-ਅਰਥੀ ਸਹਾਇਤਾ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਵੰਡੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਅਸਾਂ ਸਰਹੱਦੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ, 50 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਰਕਮ ਦੇ ਭੋਂ-ਮਾਲੀਏ ਅਤੇ ਆਬਿਆਨੇ ਦੀ ਛੋਟ ਵੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਸਮਝੌਤੇ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਮਿਲਣ ਤੇ ਹੁਣ ਅਸਾਂ ਸਾਰੇ ਬੇਘਰ ਹੋਏ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰਾਂ ਮੁੜ ਵਸਾਉਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਾਲ ਇਸ ਮਨੋਰਥ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਵਾਸਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਵਿਉਂਤ ਤਿਆਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਹੱਦੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ ਅਤੇ ਪੁਲਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ, ਉਸਾਰੀ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੌੜਿਆਂ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਤੇ ਲਾਉਣ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਭੇਜੀਆ ਜਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 25 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤੇ ਹਨ।

ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਵਿਚੋਂ ਮੈਂ ਕੇਵਲ ਕੁਝ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ, ਸਨਅਤਕਾਰਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਹੋਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਾ ਸੰਖੇਪ ਜ਼ਿਕਰ ਮੈਂ ਉਚਿਤ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਕਰਾਂਗਾ। ਸਾਡੇ ਇਸ ਮਹਾਨ ਕੰਮ ਵਿਚ ਤਰੁਟੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪੂਰਾ ਅਹਿਸਾਸ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਕੰਮ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪਹਿਲੂਆਂ ਸਬੰਧੀ ਸਥਾਨਕ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸਲਾਹ ਮਸ਼ਵਰਾ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪੱਧਰ ਉਤੇ ਸਲਾਹਕਾਰ ਕਮੇਟੀਆਂ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਕਮੇਟੀਆਂ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ।

8. **ਬਾਰਸ਼ ਨਾ ਹੋਣਾ, ਔੜ ਅਤੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ** ਸਾਡੀਆਂ ਸਰਹੱਦਾਂ ਉਤੇ ਤਾਂ ਹਾਲਾਤ ਦਿਨੋ ਦਿਨ ਠੀਕ ਹੁੰਦੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਪਰ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾ ਹੋਣ ਤੇ ਸਾਨੂੰ ਔੜ ਦੀ ਗੰਭੀਰ ਸਮੱਸਿਆ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਰਾਜ ਵਿਚ ਹੀ ਬਾਰਸ਼ ਦੀ ਬਹੁਤ ਘਾਟ ਰਹੀ ਹੈ, ਪਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹਿਸਾਰ, ਰੋਹਤਕ ਅਤੇ ਮਹਿੰਦਰਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਤਾਂ ਹਾਲਾਤ ਬਹੁਤ ਹੀ ਖਰਾਬ ਹਨ। ਔੜ ਵਾਲੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਕਲੀਫ ਨੂੰ ਘਟ ਕਰਨ ਲਈ ਮਾਲੀਆਂ ਕਾਫੀ ਹੱਦ ਤਕ ਮਾਫ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਤਕਾਵੀ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਵੀ ਅੱਗੇ ਪਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਬਾਰਿਸ਼ ਹੋ ਜਾਣ ਕਰਕੇ ਚੰਗੀ ਉਪਜ ਹੋ ਜਾਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ।

ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਸਾਰੀ ਹਾਲਤ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਚਿੰਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਮਦਦ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਹਿਸਾਰ, ਰੋਹਤਕ ਅਤੇ ਮਹਿੰਦਰਗੜ੍ਹ ਦੇ ਤਿੰਨਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਲਈ ਚਾਰੇ ਅਤੇ ਬੀਜਾਂ ਵਾਸਤੇ ਤਕਾਵੀ, ਰਿਆਇਤੀ ਨਿਰਖਾਂ ਤੇ ਚਾਰੇ ਦੀ ਵੰਡ, ਵੱਖ ਵੱਖ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ ਸਹਾਇਤਾ ਅਤੇ ਸਿੰਜਾਈ ਕਾਰਜਾਂ, ਸੜਕਾਂ ਤੇ ਮਿੱਟੀ ਪਾਉਣ, ਭੋਂ ਸੰਭਾਲ ਅਤੇ ਸਿੰਜਾਈ-ਖੂਹਾਂ ਲਈ ਤਕਾਵੀ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਕਰੋੜ 33 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਅਲਾਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਏਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ, ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਵੀ ਬਣਾਈ ਹੈ, ਜਿਸ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵਿਤ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਮਾਲ ਹੈ। ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਔੜ ਦੀ ਮਾਰ ਹੇਠ ਆਏ ਹਿਸਾਰ, ਮਹਿੰਦਰਗੜ੍ਹ, ਗੁੜਗਾਉਂ ਅਤੇ ਰੋਹਤਕ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਅਤੇ ਊਨਾ ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਅਤੇ ਗੜ੍ਹ-ਸ਼ੰਕਰ ਦੇ ਕੰਡੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਇਸ ਸਮੱਸਿਆ ਦਾ ਪੱਕੇ ਤੌਰ ਤੇ ਹੱਲ ਲੱਭਣ ਲਈ ਇਕ ਯੋਜਨਾ ਤਿਆਰ ਕਰੇਗੀ।

ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਵਜੋਂ, ਬਰਾਨੀ ਫਸਲਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਪੁਜਿਆ ਹੈ। ਸਾਲ 1964-65 ਦੇ ਟਾਕਰੇ ਵਿਚ ਜਦ ਕਿ ਅਨਾਜ ਦੀ ਕੁਲ ਉਪਜ ਵਿਚ 21 ਫੀ ਸਦੀ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਹੀ ਮਾੜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਸਾਡੇ ਉਤੇ ਉਸ ਸਮੇਂ ਹਮਲਾ ਕੀਤਾ ਜਦੋਂ ਕਿ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਹਾੜੀ ਦੀ ਫਸਲ ਬੀਜਣ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ ਦੀ ਘਾਟ ਹੋਣ ਕਾਰਣ ਸਾਨੂੰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦਾਂ ਦੀ ਮਿਕਦਾਰ ਮਿਥੇ ਟੀਚਿਆਂ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਥੋੜ੍ਹੀ ਸੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਾਮਾਨ ਦੀ ਘਾਟ ਕਾਰਣ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਅਤੇ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟਾਂ ਵਾਸਤੇ ਮੰਗ ਮੁਤਾਬਕ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕਨੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾ ਸਕੇ। ਫਿਰ ਵੀ ਸਾਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਵਿਚ 11,000 ਨਵੇਂ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੇਣ ਦਾ ਟੀਚਾ ਪੂਰਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਦਰਿਆਵਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਘਾਟ ਹੋ ਜਾਣ ਕਾਰਣ, ਇਹ ਗੰਭੀਰ ਹਾਲਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਪਰੰਤੂ ਇਸ ਨੂੰ ਨਜਿੱਠਣ ਲਈ ਜਿੰਨੇ ਉਪਾ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਸਨ, ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਸਰਕਾਰੀ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਨੂੰ ਦਿਨ ਰਾਤ ਚਲਾਇਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਸਿੰਜਾਈ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਗਰਾਮ ਸੇਵਾ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਿਸਥਾਰ ਸੇਵਾ (N.E.S.) ਏਜੰਸੀ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਉਹ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਤੋਂ ਸਿੰਜਾਈ ਲਈ ਪਾਣੀ ਵੇਚਣ ਦਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕਰੇ। ਵੱਖ ਵੱਖ ਵਿਭਾਗੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਪਾਸ ਪਏ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਵਰਤੋਂ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ। ਲੜਾਈ ਬੰਦ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਨੇ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਖੇਤੀ-ਬਾੜੀ ਉਪਜ ਕਮੇਟੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਸਬੰਧੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

ਇਸ ਸੰਕਟ ਤੋਂ ਅਸਾਂ ਜੋ ਬਹੁਤ ਹੀ ਚੰਗਾ ਸਬਕ ਸਿਖਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਰਥਕਤਾ ਨੂੰ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਖ਼ੁਰਾਕ ਦੀ ਉਪਜ ਦੇ ਪੱਖੋਂ, ਬਹੁਤ ਜਲਦੀ ਆਤਮ-ਨਿਰਭਰ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਆਪਣਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਉਣਾ ਹੈ। ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ, ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ, ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਤੇ ਸਨਅਤੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉੱਨਤੀ ਲਈ ਮੁੱਢਲੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਅਸਾਂ ਜੋ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ 1966-67 ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਯੋਜਨਾ ਵਿਚ ਜ਼ਰਾਇਤ, ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਲਈ ਰਖੀ ਗਈ ਰਕਮ ਕੁਲ ਖ਼ਰਚ ਦੇ 70 ਫੀ ਸਦੀ ਤੋਂ ਵੀ ਵਧ ਹੈ। ਸੰਕਟ-ਕਾਲ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਈਆਂ ਨਵੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ 1965-66 ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਯੋਜਨਾ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ 4.54 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਅਤੇ ਬਿਨਾ-ਯੋਜਨਾ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ 2.7 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਬਚਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਉਥੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੇਣ ਲਈ 2.20 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਵਾਧੂ ਰਕਮ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਪਾਹ, ਚਾਵਲ, ਮੱਕੀ, ਕਣਕ ਅਤੇ ਮੂੰਗਫਲੀ ਸਬੰਧੀ ਭਰਵੀਂ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਦਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨਵੇਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਚਾਲੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਆਸ ਹੈ ਅਸੀਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਅੰਦਰ ਹੋਰ ਬਲਾਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ।

ਇਸ ਸਾਲ ਵਿਚ ਬੀਜਾਂ, ਖਾਦਾਂ, ਸੁਧਰੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਸੰਦਾਂ, ਪੌਦਿਆਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਦੇ ਸਾਮਾਨ ਅਤੇ ਕੀੜੇ-ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਆਦਿ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਅਸਾਂ ਕਾਮਯਾਬੀ ਨਾਲ ਚਲਾਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਉਪਜ ਵਿਚ ਹੋਰ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਲਈ, ਅਸਾਂ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ 3,000 ਮਣ ਮੈਕਸੀਕਨ ਕਣਕ ਵੰਡੀ ਹੈ। ਸਾਉਣੀ, 1965 ਦੀ ਫਸਲ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਰਾਜ ਵਿਚ, ਦੋਗਲਾ ਬਾਜਰਾ ਨੰ: 1 ਅਤੇ ਚਾਵਲਾਂ ਦੀ ਕਿਸਮ ਟੇਲ-ਚੁੰਗ ਨੇਟਿਵ-1 ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਸਬੰਧੀ ਤਜਰਬੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀਆਂ ਸੁਧਰੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਕਾਫ਼ੀ ਮਿਕਦਾਰ ਵਿਚ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨ ਲਈ, ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਰਾਜ ਦੇ ਆਪਣੇ ਬੀਜ ਫਾਰਮ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦਾ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਸੁਧਰੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਢੰਗਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਉਣ ਲਈ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰਾਂ ਦਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀੜੇ-ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ, ਪੌਦਿਆਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਲਈ ਸਾਮਾਨ ਅਤੇ ਸੁਧਰੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਸਦਾਂ ਵਾਸਤੇ 50 ਫੀਸਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਫਾਸਫੇਟ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕਣਕ ਗਾਹੁਣ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਨਾਲ ਚਲਣ ਵਾਲੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਵਾਸਤੇ 25 ਫੀ ਸਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਣ ਦਾ ਬੰਦੋਬਸਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਕੰਮ ਕਾਰ ਲਈ ਵਰਤੇ ਗਏ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਅਤੇ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟਾਂ ਵਾਸਤੇ ਬਿਜਲੀ ਕਰ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਟਿਊਬਵੈਲ ਤੇ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟ ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਨਾਂ ਨਾਲ ਚਲਾਏ ਗਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਾਲੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ।

9. **ਡੇਅਰੀ ਅਤੇ ਦੁੱਧ ਸਪਲਾਈ** ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਈ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਦੁੱਧ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਦੇ ਵੀ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪਲਾਂਟ ਲਗ ਭਗ ਸਾਰੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੀ ਦੁੱਧ ਦੀ ਲੋੜ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ ਦੁੱਧ-ਪਲਾਂਟ ਅਤੇ ਡੇਅਰੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਵਾਸਤੇ ਅਸਾਂ ਲਗ ਭਗ 40 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਡੇਅਰੀ ਸਬੰਧੀ ਸਾਮਾਨ ਬਾਹਰੋਂ ਮੰਗਾਉਣ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਬਣਾਈ ਹੈ। ਡੇਅਰੀ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ।

10. **ਖ਼ੁਰਾਕ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ** ਖ਼ੁਰਾਕ ਦੀ ਉਪਜ, ਪ੍ਰਬੰਧ ਅਤੇ ਵੰਡ ਦੇਸ਼ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੋਹਾਂ ਲਈ ਅਜੇ ਵੀ ਇਕ ਵਡੀ ਸਮੱਸਿਆ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਕਣਕ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਕਾਫ਼ੀ ਚੰਗੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ, ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਸਮੇਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਿਚ ਕਮੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਸੀ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਕਟਾਈ ਦੇ ਸਮੇਂ ਤੇ ਥੁੜ **ਵਾਲੇ** ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਕੀਮਤਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫ਼ਰਕ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ, ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਰਾਜ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਰਿਜ਼ਰਵ ਵਾਸਤੇ 4 ਲੱਖ ਟਨ ਕਣਕ ਖਰੀਦਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਲਗ ਭਗ 3.40 ਲੱਖ ਟਨ ਕਣਕ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਖਰੀਦੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਹਿਤਾਂ ਦੀ ਰਾਖੀ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਅਨਾਜ ਲਈ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਭੋਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ, 'ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਕੀਮਤਾਂ ਸਬੰਧੀ ਕਮਿਸ਼ਨ' ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ, ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਨਿਸਚਿਤ ਕੀਤੀਆਂ ਅਨਾਜ ਦੀਆਂ ਘਟੋ ਘਟ ਕੀਮਤਾਂ ਸਫ਼ਲਤਾ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ, ਖਪਤਕਾਰਾਂ ਦੇ ਹਿਤ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਿਚ ਗ਼ੈਰ-ਮਾਮੂਲੀ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਐਪਰ, ਅਸੀਂ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਹੋਰ ਭਾਗਾਂ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਹੋਈ ਖ਼ੁਰਾਕ ਦੀ ਨਾਜ਼ਕ ਹਾਲਤ ਤੋਂ ਅਵੇਸਲੇ ਨਹੀਂ ਸਾਂ ਰਹਿ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਲਈ, ਅਸਾਂ ਥੁੜ ਵਾਲੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਨੂੰ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰਾਂ ਰਾਹੀਂ 1.60 ਲੱਖ ਟਨ ਕਣਕ ਅਤੇ 1.60 ਲੱਖ ਟਨ ਚਾਵਲ ਭੇਜੇ ਅਤੇ 2.50 ਲੱਖ ਟਨ ਛੋਲੇ, 35,000 ਟਨ ਮੱਕੀ ਅਤੇ 25,000 ਟਨ ਬਾਜਰਾ ਦੇਣ ਦਾ ਇਕਰਾਰ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ, ਰਾਜ ਵਿਚ ਖਪਤਕਾਰਾਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ 6,021 ਸਸਤੇ ਭਾਅ ਦੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਖੋਲ੍ਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਤੋਂ ਖਪਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਣਕ ਦਾ ਆਟਾ ਅਤੇ ਚਾਵਲ ਮਿਲਦੇ ਰਹੇ। ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਹੋਰ ਵੀ ਅਜਿਹੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਖੋਲ੍ਹੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਸਾਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਕੀਤੀਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੀਮਤਾਂ ਟਿਕੀਆਂ ਰਹੀਆਂ। ਰਾਜ ਵਿਚ ਸਾਰਾ ਸਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜ ਮੁਤਾਬਕ ਅਨਾਜ ਮਿਲਦਾ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਥੁੜ ਵਾਲੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਸਾਡੀ ਭਾਰੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਪੂਰੀ ਹੋ ਗਈ।

ਖ਼ੁਰਾਕ ਸਬੰਧੀ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੀਤੀ ਅਨੁਸਾਰ ਅਸਾਂ ਕਈ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਕਾਨੂੰਨੀ ਤੌਰ ਤੇ ਰਾਸ਼ਨ-ਬੰਦੀ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ ਹਾੜੀ ਦੀ ਅਗਲੀ ਫ਼ਸਲ ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਆਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਰਾਸ਼ਨ-ਬੰਦੀ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ।

11. **ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਅਤੇ ਚੌਕਸੀ** ਸਵੱਛ, ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਅਤੇ ਸਯੋਗ ਰਾਜ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਜੰਗ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਕੰਮ ਬਹੁਤ ਵਧ ਜਾਣ ਕਾਰਣ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀ ਪੂਰੀ ਤਨਦੇਹੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਵਿਚ ਜੁਟੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹੇ ਸੰਕਟਕਾਲੀ ਹਾਲਾਤ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਨ ਦੇ ਯੋਗ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਤੋਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਚੇਤ ਹਾਂ। ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸੁਧਾਰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਜਿਸ ਦਾ ਕੰਮ ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗਾਂ ਅਤੇ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੇ ਸੰਗਠਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਰਜਵਿਧੀ ਦੀ ਜਾਂਚ-ਪੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਉਸ

ਸਬੰਧੀ ਰਪੋਟ ਕਰਨਾ ਸੀ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ, ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮ ਕਾਜ ਨਿਪੁੰਨਤਾ, ਕਫ਼ਾਇਤ ਅਤੇ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਲੋੜੀਂਦੀਆਂ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਕਰਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰੇ। ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਸਿਵਲ ਰਾਜ -ਪ੍ਰਬੰਧ ਉਤੇ ਇਸ ਜੰਗ ਦੇ ਹੋਏ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਾਉਣ ਦੀ ਵੀ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਤਾਂ ਜੋ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਨ ਲਈ ਸਯੋਗ ਰਾਜੀ-ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਢਾਂਚਾ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਹ ਰਪੋਟ ਬਹੁਤ ਛੇਤੀ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਪੁੱਜ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਕ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸੁਧਾਰ ਕਮੇਟੀ, ਸਾਰੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰੀ ਅਮਲੇ ਦੇ ਕੰਮ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂਚ ਕਰਕੇ ਰਪੋਟ ਕਰਨ ਲਈ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ ਰਪੋਟ ਵੀ ਛੇਤੀ ਹੀ ਮਿਲ ਜਾਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਰਪੋਟਾਂ ਤੇ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਪੂਰੀ ਸਾਵਧਾਨੀ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕਰੇਗੀ।

ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਸਬੰਧੀ ਅਸੀਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਚੇਤ ਹਾਂ। ਇਸ ਲਈ, ਅਸਾਂ ਰਾਜ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਇਸ ਪੱਖ ਵਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਸੁਣਨ ਲਈ ਅਸਾਂ ਇਕ ਸੀਨੀਅਰ ਅਫ਼ਸਰ ਨੂੰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਲਗਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਸੈਲ (cell) ਕਾਇਮ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਸੁਪਰਡੈਂਟਾਂ ਨੂੰ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਹੋਈ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿਚ ਇਹ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਲ ਨਿੱਜੀ ਤੌਰ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦੇਣ।

ਕਿਉਂਕਿ ਅਸੀਂ ਸਵਛ ਰਾਜ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਹਾਂ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਚੌਕਸ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਚੌਕਸੀ ਕਮਿਸ਼ਨ, ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਿਆ ਹੈ, ਨੇ ਆਪਣਾ ਕੰਮ ਆਰੰਭ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰ-ਜਨਰਲ, ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਅਹੁਦੇ ਵਾਲੇ ਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਅਧੀਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪੁਛ-ਪੜਤਾਲ ਏਜੰਸੀ ਵੀ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਏਜੰਸੀ ਦੀ ਸੇਵਾ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਲਈ, ਚੌਕਸੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋ ਸਕੇਗੀ। ਇਹ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਵਿਚ ਚੌਕਸੀ ਅਫਸਰਾਂ ਅਧੀਨ ਚੌਕਸੀ ਸੈੱਲ (Vigilance Cell) ਕਾਇਮ ਕੀਤੇ ਜਾਣ।

12. **ਯੋਜਨਾ-ਬੰਦੀ ਅਤੇ ਇਲਾਕਾਈ ਵਿਕਾਸ** ਤੀਜੀ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਯੋਜਨਾ ਵਿਚ, ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਆਦ ਛੇਤੀ ਹੀ ਪੁਗਣ ਵਾਲੀ ਹੈ ਸਾਡੀ ਆਰਥਕ ਦਸ਼ਾ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਕੁਝ ਪੱਖਾਂ ਤੋਂ ਏਨੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ, ਜਿੰਨੀ ਆਸ ਸੀ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸੂਰਤਾਂ ਵਿਚ ਤਾਂ ਆਬਾਦੀ ਦੇ ਬੇਓੜਕ ਵਾਧੇ ਨੇ ਵਿਕਾਸ ਦਾ ਲਾਭ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੱਤਾ। ਚਾਲੂ ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਆਰਥਕਤਾ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਧਕਾ ਲਗਿਆ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਸੋਕੇ ਅਤੇ ਭਾਰਤ-ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਿਚਾਲੇ ਹੋਈ ਜੰਗ ਕਾਰਣ, ਰਾਜ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਉਠਾਉਣਾ ਪਿਆ। ਸਾਡੀ ਆਰਥਕਤਾ ਨੂੰ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਧੱਕਾ ਲੱਗਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ, ਰਾਜ ਦੀ ਤੀਜੀ ਯੋਜਨਾ ਤੇ ਕੁਲ ਖ਼ਰਚ 231.39 ਕਰੋੜ ਦੀ ਨਿਸਚਿਤ ਰਕਮ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ 245.23 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਰਾਜ ਦੇ ਮਾਲੀ ਵਸੀਲਿਆਂ ਤੋਂ ਪਾਇਆ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਹਿਸਾ 100 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ 110.13 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਚੌਥੀ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਯੋਜਨਾ ਦਾ ਖਰੜਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲੱਗਿਆਂ, ਇਸ ਵਿਚ 500 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਤਾਂ ਜੋ ਬੁਨਿਆਦੀ ਲੋੜਾਂ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਵਾਸਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਵਖ ਵਖ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਹੋ ਸਕਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਨਦੇਹੀ ਨਾਲ ਹੰਭਲਾ ਮਾਰਿਆ

ਜਾ ਸਕੇ। ਫਿਰ ਵੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਖਰੜੇ ਵਿਚਲੀਆਂ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਤੇ ਨਜ਼ਰਸਾਨੀ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਸ ਮਨੋਰਥ ਲਈ, ਯੋਜਨਾ-ਬੰਦੀ ਕਮਿਸ਼ਨ, ਰੱਖਿਆ ਸਬੰਧੀ ਲੋੜਾਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿ ਪਹਿਲ ਦੇਣੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਯੋਜਨਾ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ ਕੇਂਦਰ ਵਲੋਂ ਮਿਲ ਸਕਣ ਵਾਲੀ ਇਮਦਾਦ, ਦਾ ਨਵੇਂ ਸਿਰੇ ਤੋਂ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਗਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਆਕਾਰ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਮੱਦਾਂ ਸਬੰਧੀ ਅਜੇ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ। ਫਿਰ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਫੌਰੀ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ, 1966-67 ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਯੋਜਨਾ ਤਿਆਰ ਕਰ ਲਈ ਗਈ ਹੈ। ਮੂਲ ਤਜਵੀਜ਼ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਸਾਲ 1966-67 ਵਿਚ 70 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਇਹ ਰਕਮ ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਤੇ ਹੋਣ ਵਾਲੇ 500 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕੁਲ ਖ਼ਰਚ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਸਾਲ-ਬ-ਸਾਲ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਆਮ ਵਿਕਾਸ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਅਨੁਸਾਰ 1965-66 (64 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ) ਤੋਂ ਵਧੇਰੀ ਰਕਮ ਰੱਖੀ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਰੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਨੇ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ, ਦੋਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲੀ ਵਸੀਲਿਆਂ ਤੇ ਬਹੁਤ ਦਬਾਉ ਪਾਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੀ 1966-67 ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਖ਼ਰਚ ਵਿਚ ਮੁਨਾਸਬ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ।

ਭਾਵੇਂ ਰਾਜ ਦੀ ਆਰਥਕ ਦਸ਼ਾ ਦੀ ਸਮੁੱਚੀ ਉੱਨਤੀ ਲਈ ਜ਼ੋਰਦਾਰ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ, ਫਿਰ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇੱਛਾ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਫ਼ਰਕ ਨੂੰ ਘਟਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸੇ ਖ਼ਿਆਲ ਨਾਲ 'ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ' ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖ ਕੇ ਹਰ ਸਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਕ ਵੱਖਰੀ ਯੋਜਨਾ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਵਧੇਰੀ ਮਹੱਤਤਾ, ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ, ਭਰਵੀਂ ਬਾਗ਼ਬਾਨੀ, ਪਸ਼ੂ-ਧਨ ਸੁਧਾਰ ਅਤੇ ਵਣ-ਆਧਾਰਿਤ ਸਨਅਤਾਂ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਭਾਰਤ -ਕੈਨੇਡਾ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ 100 ਟਨ ਸਮੱਰਥਾ ਵਾਲਾ ਇਕ ਅਖ਼ਬਾਰੀ ਕਾਗ਼ਜ਼ਾਂ ਦਾ ਕਾਰਖਾਨਾ ਲਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕੁੱਲੂ ਦੀ ਵਾਦੀ ਵਿਚ ਇਕ 'ਚਿਪਿੰਗ ਪਲਾਂਟ' (Chipping plant) ਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ, ਸਿਖਿਆ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਸਬੰਧੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਯਾਤਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸਫਰ ਸਬੰਧੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਦੀਆਂ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਤੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਵਖੋ ਵਖ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿਚ ਫਰਕ ਘਟਾਉਣ ਵਲ ਇਕ ਹੋਰ ਯਤਨ ਇਹ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮਾਰਚ, 1965 ਵਿਚ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਹਰਿਆਨਾ ਰੀਜਨ ਦੀ ਸਮਾਜੀ-ਆਰਥਕ ਹਾਲਤ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ਾ ਲਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਸੌਂਪਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਤੇਜ਼-ਰਫਤਾਰੀ ਅਤੇ ਸੰਗਠਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਵਿਕਾਸ ਸਬੰਧੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਕਰੇ। ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਆਪਣੀ ਅੰਤਮ ਰਪੋਟ ਇਸ ਸਾਲ 27 ਜਨਵਰੀ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਤੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਚਾਰ ਕਰੇਗੀ।

13. **ਮਾਲੀਆ ਅਤੇ ਚੱਕਬੰਦੀ** ਭੋਂ ਮਾਲੀਆ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨੂੰ ਸਰਲ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਢੰਗਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਨੂੰ ਵਾਜਬ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਦਾ ਖ਼ਿਆਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਅਤੇ ਵਿਕੇਂਦਰੀ- ਕਰਣ (Decentralisation) ਦਾ ਕੰਮ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਸਾਲ 1964-65 ਵਿਚ 9 ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ ਸਨ। ਚਾਲੂ ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਵਿਚ ਹੋਰ 13 ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਕ ਹੋਰ ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਅਨੀ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕੁੱਲੂ ਵਿਚ ਇਸ ਸਾਲ ਪਹਿਲੀ ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੋਂ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੇ ਖੁਲ੍ਹਣ ਨਾਲ ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

ਚਕਬੰਦੀ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ, ਸਾਡੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਇਲਾਕਿਆ ਵਿਚ ਸਹਿਕਾਰਤਾ ਐਕਟ (Co-operative Act) ਅਧੀਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਚੱਕਬੰਦੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਹੁਣ ਚੱਕਬੰਦੀ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਪਰੰਤੂ ਪਹਾੜੀ, ਰੇਤਲੀ ਅਤੇ ਦਰਿਆਈ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀ ਚਕਬੰਦੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਫੈਸਲਿਆਂ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਹੁਣ 10.26 ਲੱਖ ਏਕੜ ਰਕਬੇ ਦੀ ਚਕ-ਬੰਦੀ ਹੋਣੀ ਬਾਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਕੰਮ 1968 ਦੇ ਅਖੀਰ ਤਕ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

14. **ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ** ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਅਤੇ ਸਨਅਤੀ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪਰੰਤੂ ਬਾਰਸ਼ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਣ ਪੈਦਾ ਹੋਈ ਔੜ ਸਦਕਾ ਅਤੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਹਮਲੇ ਕਾਰਣ ਨਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਸਾਡੇ ਵਾਸਤੇ ਬਹੁਤ ਗੰਭੀਰ ਸਮੱਸਿਆ ਖੜੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਸੁਲਝਾਣ ਦਾ ਆਪਣੀ ਸਮੱਰਥਾ ਮੁਤਾਬਕ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਵੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਬਿਜਲੀ ਕਨੈਕਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਕਲ ਗਿਣਤੀ 40,000 ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਜਦੋਂ ਕਿ ਤੀਜੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਇਹ ਗਿਣਤੀ 12,000 ਸੀ। ਜਿੰਨਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲ ਸਕਿਆ ਹੈ, ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਉਸ ਦੀ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਵੀ ਧਿਆਨ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਨਹਿਰਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਵਾਰੀ ਸਿਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਚੁੱਕਾ ਹਾਂ, ਹਿਸਾਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਕਈ ਸਿੰਜਾਈ ਸਕੀਮਾਂ ਆਰੰਭ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ ਭਿਵਾਨੀ ਤਸੀਲ ਦੇ ਖੁਸ਼ਕ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਨਹਿਰੀ ਪਾਣੀ ਦੀ ਚਿਰੋਕੀ ਲੋੜ ਪੂਰੀ ਹੋ ਸਕੇਗੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਨਰਵਾਣਾ-ਕਰਨਾਲ ਲਿੰਕ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਗੁੜਗਾਉਂ ਨਹਿਰ ਅਤੇ ਬਰਵਾਲਾ ਲਿੰਕ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਤੇ ਵੀ ਕੰਮ ਤਸੱਲੀ-ਬਖਸ਼ ਢੰਗ ਨਾਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਬਿਆਸ ਤੇ ਭਾਖੜਾ ਦੇ ਸੱਜੇ ਬੰਨੇ ਦੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਤੇ ਸਿੰਜਾਈ ਸਬੰਧੀ ਹੋਰ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਨੁਸਾਰ ਸਿਰੇ ਚਾੜ੍ਹੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਭਾਖੜਾ ਦੇ ਸੱਜੇ ਬੰਨੇ ਵਾਲੇ ਬਿਜਲੀ ਘਰ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾ ਯੂਨਿਟ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਲਗ ਜਾਵੇ-ਗਾ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੇ ਯੂਨਿਟ ਹਰ ਤਿਮਾਹੀ ਦੇ ਵਕਫੇ ਬਾਅਦ ਲਗਦੇ ਜਾਣਗੇ। ਇਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜਸਥਾਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਿਆਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਕਾਰਣ ਉਖੜੇ ਹੋਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਵਸਾਉਣ ਲਈ 3.25 ਲਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਅਲਾਟ ਕਰਨਾ ਸਵੀਕਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਪਰਕਾਰ ਅਸਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਵਸਾਉਣ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਹੱਲ ਕਰ ਲਈ ਹੈ।

ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ, ਭਾਖੜਾ ਝੀਲ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਘਟ ਹੋਣ ਕਾਰਣ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾਜ਼ਕ ਹਾਲਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਵੱਖ ਵੱਖ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਖਪਤਕਾਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਤੇ ਕੁਝ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਲਗਾ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ। ਅਜਿਹੀਆਂ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਲਾਉਣ ਬਗੈਰ ਹੋਰ ਕੋਈ ਚਾਰਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਰਹਿ ਗਿਆ। ਫਿਰ ਵੀ, ਹਾਲਾਤ ਨੂੰ ਲਗਾਤਾਰ ਵਿਚਾਰਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਜਿੰਨੀ ਬਿਜਲੀ ਮਿਲ ਸਕੇ, ਉਸ ਦੀ ਸਹੀ ਸਹੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ।

ਪਰ ਇਥੇ ਇਹ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਜਾਪਦਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਖੜੇ ਦੇ ਸੱਜੇ ਬੰਨੇ ਵਾਲੇ ਬਿਜਲੀ ਘਰ ਦੇ ਪੰਜੇ ਯੂਨਿਟ ਮੁਕੰਮਲ ਅਤੇ ਚਾਲੂ ਹੋ ਜਾਣ ਪਿਛੋਂ ਵੀ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਥੁੜ ਬਣੀ ਰਹਿਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ। ਅਨੁਮਾਨ ਹੈ ਕਿ 1970-71 ਤਕ ਇਹ ਥੁੜ ਲਗ ਭਗ 500 ਮੈਗਾਵਾਟ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ, 1970 ਤਕ ਬਿਆਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨਾ ਬੜਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

15. **ਸਨਅਤਾਂ** ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਹਾਲ ਦੀ ਟੱਕਰ ਨੇ ਸਾਡੀ ਆਰਥਕਤਾ ਦੇ ਇਕ ਹੋਰ ਖੇਤਰ ਵਿਚ, ਅਰਥਾਤ ਸਨਅਤਾਂ ਤੇ ਵੀ ਬਹੁਤ ਭੈੜਾ ਅਸਰ ਪਾਇਆ ਸੀ। ਇਸ ਕਾਰਣ ਕਰਜ਼ਾ ਸਹੂਲਤਾਂ ਘਟ ਗਈਆਂ, ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਵਿਚ ਵਿਘਨ ਪੈ ਗਿਆ ਅਤੇ ਕੱਚੇ ਮਾਲ ਵਿਚ ਕਮੀ ਆ ਗਈ। ਨਤੀਜੇ ਵਜੋਂ, ਰਾਜ ਨੂੰ ਸਨਅਤੀ ਉਪਜ ਵਿਚ 15 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵੱਧ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਪਜ ਨੂੰ ਸਥਿਰ ਰਖਣ ਅਤੇ ਸਨਅਤਾਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੇਣ ਦੇ ਮੰਤਵ ਨਾਲ ਤੁਰਤ ਕਈ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਸਨਅਤੀ ਕਰਜ਼ੇ ਨਰਮ ਸ਼ਰਤਾਂ ਤੇ ਦਿਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਆਮ ਨਿਯਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ 42.63 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, 50 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਸੰਕਟਕਾਲੀ ਕਰਜ਼ੇ ਵੀ ਦਿਤੇ ਗਏ। ਹੋਰ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਲਈ ਕੇਂਦਰ ਤੋਂ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਉਧਾਰੇ ਲੈਣ ਸਬੰਧੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਰਿਜ਼ਰਵ ਬੈਂਕ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਨੇ ਵੀ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਦੀਆਂ ਮੌਜੂਦਾ ਸ਼ਰਤਾਂ ਨੂੰ ਨਰਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਲੜਾਈ ਦੀ ਜ਼ੱਦ ਵਿਚ ਆਏ ਇਲਾਕਿਆਂ ਅੰਦਰ ਰਾਜ-ਵਿਕਰੀ ਟੈਕਸ ਖਰੀਦ ਟੈਕਸ ਅਤੇ ਸਨਅਤੀ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਦੀਆਂ ਵਸੂਲੀਆਂ ਨੂੰ ਅਗੇ ਪਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਪਹਿਲੀ ਅਗਸਤ, 1965 ਤੋਂ 2 ਸਾਲ ਦੇ ਸਮੇਂ ਲਈ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਖਪਤ ਸਬੰਧੀ ਸ਼ਰਤਾਂ ਹਟਾ ਲਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਲੜਾਈ ਦੇ ਅਸਰ ਹੇਠ ਲਾਈਆਂ ਸਨਅਤਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਲਈ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸੋਂ ਸੀਮਿੰਟ ਅਤੇ ਜਿਸਤੀ ਚਾਦਰਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੋਟਾ ਵੀ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰਿਆਇਤ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਇਨਕਮ ਟੈਕਸ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਐਕਸਾਈਜ਼ (Excise) ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਪਾਉਣ ਅਤੇ ਪੋਰਟ/ਰਿਲਵੇ ਦਾ ਡੈਮਰਿਜ ਅਤੇ ਮਾਲ ਦੀ ਉਤਰਾਈ ਦੇ ਖਰਚੇ ਮਾਫ ਕਰਨ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਰਾਜ ਦੀ ਉਪਜ ਨੂੰ ਹੋਰ ਸਾਧਾਰਣ ਪੱਧਰ ਤੇ ਲਿਆਉਣ ਵਾਸਤੇ, ਸਨਅਤਾਂ ਨੂੰ ਰਖਿਆਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਲਈ ਵਧੇਰਾ ਮਾਲ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਵਲ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਖਰੀਦ ਸੰਸਥਾ (Purchasing Organsation) ਨਾਲ ਵਧੇਰਾ ਤਾਲ ਮੇਲ ਰੱਖਣ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਸਨਅਤੀ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਕੇਂਦਰ ਵਲੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕੁਝ ਵੱਡੇ ਸਨਅਤੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਚਾਲੂ ਕਰਨ ਲਈ ਮੰਗ ਪਰਵਾਨ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰਦਾਰ ਯਤਨ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

ਇਥੇ, ਮੈਂ ਸਨਅਤੀ ਉਪਜ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਕੀਤੇ ਦੋ ਅਹਿਮ ਯਤਨਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ:—

(1) ਕੇਵਲ ਕੁਝ ਦਿਨ ਹੋਏ, 7 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਪੂੰਜੀ ਨਾਲ ਇਕ ਸਨਅਤੀ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ, ਰਜਿਸਟਰ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਆਰਥਕ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਅਤੇ ਕੰਮ ਚਲ ਸਕਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਬਾਰੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ ਨਵੇਂ ਸਨਅਤੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰੇਗੀ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਨੂੰ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸੈਕਟਰ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਕੇ ਚਲਾਏਗੀ।

(2) ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਤ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ, ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਦੌਰਾਨ 2 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਹੋਰ ਦੇ ਕੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਸਨਅਤੀ ਅਦਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹਿੱਸਾ-ਪੂੰਜੀਆਂ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਪਾਉਣ ਦੀ ਗਰੰਟੀ ਦੇ ਸਕਣ ਦੇ ਯੋਗ ਹੋ ਜਾਏਗੀ। ਸਾਡੇ ਡਲੀ ਲੋਹਾ (Pig Iron) ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਕੇਂਦਰੀ ਡਿਜ਼ਾਇਨ ਇੰਜਨੀਅਰਿੰਗ ਬੀਓਰੋ, ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ, ਨੇ ਆਪਣੀ ਤਕਨੀਕੀ ਪੜਤਾਲ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰ ਲਈ ਹੈ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ

ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਆਇਰਨਜ਼ ਲਿਮਿਟਿਡ, ਦੇ ਨਾਂ ਨਾਲ ਇਕ ਲਿਮਿਟਿਡ ਕੰਪਨੀ ਕਾਇਮਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਮੰਤਵ ਲਈ, ਪਿੰਡ ਸਤਰੋੜ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹਿਸਾਰ ਵਿਚ 185 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਲਈ ਗਈ ਹੈ। ਜੋੜ-ਰਹਿਤ ਟਿਊਬਾਂ (Seamless Tubes) ਅਤੇ ਫੌਲਾਦੀ ਢਲਾਈ ਕੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਉਪਰੰਤ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੀਮ ਵਜੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਨਅਤੀ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕਾਇਮ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ ਰਾਜ ਵਲੋਂ ਚਾਲੂ ਸਨਅਤੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਦੇ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਮੁੜ ਵਿਉਂਤਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਇਹੋ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਕਾਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖੇਗੀ।

ਇਸ ਰਾਜ ਲਈ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ, ਮਾਵਾ (Pulp) ਅਤੇ ਗੱਤਾ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ, ਫੌਲਾਦੀ ਢਲਾਈ, ਰਸਾਇਣਕ ਪਦਾਰਥਾਂ, ਐਸਬੈਸਟੋਸ ਸੀਮਿੰਟ ਚਾਦਰਾਂ, ਸਨਅਤੀ ਸਿਲਾਈ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਟ੍ਰਾਂਸਫਾਰਮਰਾਂ ਆਦਿ ਵਾਸਤੇ ਕਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਮਿਲ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਸਨਅਤਾਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਲਈ ਦਿਹਾਤੀ ਸਨਅਤਾਂ ਦੀ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ 20 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਲਾਈ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਪੂੰਜੀ ਦੀ ਹੇਠਲੀ ਹੱਦ ਇਕ ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਘਟਾ ਕੇ 20,000 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਚਾਹ ਦੀ ਸਨਅਤ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਚਾਹ ਵਿਕਾਸ ਅਫਸਰ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪਾਲਮਪੁਰ ਵਿਚ ਇਕ ਆਮ ਸਹੂਲਤ ਕੇਂਦਰ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ।

ਲੜਾਈ ਬੰਦ ਹੋਣ ਤੋਂ ਤੁਰਤ ਮਗਰੋਂ, ਅਸਾਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਕਾਬਲ ਵਿਚਕਾਰ ਹਵਾਈ ਆਵਾਜਾਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਅੱਗੇ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਜੋ ਚਾਹ ਬਾਹਰ ਭੇਜੀ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਖੁਸ਼ਕ ਮੇਵੇ ਬਾਹਰੋਂ ਮੰਗਵਾਏ ਜਾ ਸਕਣ। ਸਾਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਹਵਾਈ ਆਵਾਜਾਈ ਨਾਲ ਇਹ ਵਪਾਰ ਮੁੜ ਪਹਿਲੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਕਾਂਗੜਾ ਵਿਚ ਚਾਹ ਦੀ ਸਨਅਤ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹ ਮਿਲੇਗਾ। ਸਾਡੀ ਇਹ ਵੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਸਨਅਤਾਂ ਸਬੰਧੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਰਾਹੀ ਸਨਅਤੀ ਯੂਨਿਟਾਂ ਨੂੰ ਆਰਟ ਸਿਲਕ ਧਾਗਾ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

16. **ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ** ਜਿਹੜੀ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸੇਵਾ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਓਪਰੇਟਰਾਂ ਨੇ ਸਾਡੀ ਫੌਜ ਦੀ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਚੁਕਾਂ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਵਲੋਂ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸਹਾਇਤਾ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਵੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹਾਂਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗੱਡੀਆਂ ਪੁਰਜ਼ਿਆਂ ਅਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਬੜੀ ਅਹਿਮ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿਤੀ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੀਆਂ ਆਮ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਹੈ। 95 ਨਵੀਆਂ ਬੱਸਾਂ ਅਤੇ 51 ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਬੱਸਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਹੋਰ ਬੱਸਾਂ ਆਉਣ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਦੀਆਂ ਬੱਸਾਂ ਦੀ ਕੁਲ ਗਿਣਤੀ ਹੁਣ 1192 ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਜੋ ਰੋਜ਼ਾਨਾ 1,40,325 ਮੀਲ ਸਫਰ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਕਾਂਗੜਾ ਅਤੇ ਸ਼ਿਮਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਨਵੇਂ ਰੂਟਾਂ ਤੇ ਵੀ ਕਾਫੀ ਬੱਸਾਂ ਚਾਲੂ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਮਨਾਲੀ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚਕਾਰ ਰੋਜ਼ਾਨਾਂ ਤਿੰਨ ਸਰਵਿਸਾਂ, ਦਿਲੀ ਅਤੇ ਸ਼ਿਮਲਾ ਵਿਚਕਾਰ ਇਕ ਡੀਲਕਸ ਸਰਵਿਸ ਅਤੇ ਦਿੱਲੀ ਤੇ ਜੰਮੂ-ਕਸ਼ਮੀਰ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਦਿੱਲੀ ਤੇ ਜੰਮੂ ਵਿਚਕਾਰ ਇਕ ਸਰਵਿਸ, ਲੰਮੇ ਫਾਸਲੇ ਵਾਲੀਆਂ ਸਰਵਿਸਾਂ ਤੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ, ਸਾਡੀ ਸਫਲਤਾ ਦੇ ਮੀਲ-ਪੱਥਰ ਹਨ। ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ, ਅਬੋਹਰ ਸਰਸਾ, ਹਿਸਾਰ, ਮੁਕਤਸਰ ਤੇ ਦਾਦਰੀ ਤੋਂ ਰਾਜਧਾਨੀ ਤੀਕ

ਸਿੱਧੇ ਸਫਰ ਲਈ ਵੀ ਸਰਵਿਸਾਂ ਚਾਲੂ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਅਗਸਤ, 1965 ਵਿਚ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਖੇ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਵਲੋਂ ਬਣਾਏ ਗਏ ਨਵੇਂ ਬੱਸ ਸਟੈਂਡ ਨਾਲ, ਜੋ ਕਿ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਬੱਸ ਸਟੈਂਡ ਹੈ, ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਵੱਖ ਵੱਖ ਬੱਸ ਸਟੈਂਡਾਂ ਦੇ ਅਣ-ਵਿਊਂਤੇ ਵਾਧੇ ਅਤੇ ਭੀੜ ਭੜੱਕੇ ਦੀ ਸਮਸਿਆ ਹੱਲ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਦਰ ਅਸਲ ਸਾਰੇ ਰਾਜ ਅੰਦਰ ਮੁਸਾਫਰਾਂ ਨੂੰ ਬੱਸ ਸਟੈਂਡਾਂ ਅਤੇ ਲਾਈਨ ਵਿਚ ਖੜੇ ਹੋਣ ਲਈ ਸ਼ੈਡਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਸਹੂਲਤ ਦੇਣ ਦਾ ਇਕ ਵਿਸ਼ਾਲ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਹੈ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੱਸਾਂ ਵਿਚ ਮੁਫਤ ਲੈਜਾਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਹੋਰ ਵਧੇਰੇ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਰਿਆਇਤ ਅਨੁਸਾਰ ਹੁਣ ਦਸਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤਕ ਦੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਅਤੇ ਅੱਠਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤਕ ਦੇ ਲੜਕੇ ਬੱਸਾਂ ਵਿਚ ਮੁਫਤ ਸਕੂਲ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਕੂਲ ਇਕ ਮੀਲ ਤੋਂ ਵੱਧ ਫਾਸਲੇ ਤੇ ਵਾਕਿਆ ਹੋਵੇ। ਐਪਰ ਚੌਥੀ ਜਮਾਤ ਤਕ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ, ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਰਾਂ ਤੋਂ ਸਕੂਲ ਅੱਧ ਮੀਲ ਦੇ ਫਾਸਲੇ ਤੋਂ ਦੂਰੀ ਤੇ ਹੋਣ, ਬੱਸਾਂ ਵਿਚ ਮੁਫਤ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਬੱਸਾਂ ਵਿਚ ਮੁਫਤ ਜਾਣ ਦੀ ਇਹ ਰਿਆਇਤ ਵੱਡੀ ਉਮਰ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲ ਤਕ ਫਾਸਲਾ ਪੰਜ ਮੀਲ ਤੋਂ ਵੱਧ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਜੇਕਰ ਬੱਸਾਂ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸੀਟ ਖਾਲੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੱਸ ਲਈ ਪਰਵਾਨ ਗਿਣਤੀ ਤੋਂ 25 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਤਕ ਖੜੇ ਮੁਸਾਫਰਾਂ ਵਜੋਂ ਲਿਜਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇਗਾ।

ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਬੱਸਾਂ ਦੇ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਣ ਦੀਆਂ ਸੰਭਾਵਨਾਂ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਦ ਲਈ ਅਤੇ ਬੱਸ ਸਰਵਿਸ ਨੂੰ ਚੰਗੇਰਾ ਬਣਾਉਣ ਲਈ, ਨਿਕੰਮੀਆਂ ਗੱਡੀਆਂ ਛਾਂਟ ਕੇ ਕੱਢ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਵਧੀਆਂ ਬੱਸਾਂ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਕਰਨਾਲ ਤੇ ਰੋਹਤਕ ਵਿਖੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪਾਂ ਦੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਬੱਸਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਅਤੇ ਸੰਭਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਸਕੇ। ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਲਈ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਅਤੇ ਸਰਵਿਸ ਸਟੇਸ਼ਨ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਭਾਰਤ ਤੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਿਚਕਾਰ ਹੋਈ ਜੰਗ ਕਾਰਣ ਕੁਝ ਵਿਘਨ ਪੈ ਜਾਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ, ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਨੇ 9 ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ 118 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾਇਆ ਹੈ। ਹੋਰ ਸਾਰੇ ਰਾਜਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਦਾ 98 ਪੈਸੇ ਪ੍ਰਤੀ ਮੀਲ ਦਾ ਖਰਚ ਸਭ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੈ। ਐਪਰ, ਗਰਾਂਟਾਂ ਵਿਚ ਕਮੀ ਹੋਣ ਨਾਲ ਪੈਪਸੂ ਰੋਡ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਮੰਡੀ ਕੁਲੂ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟਰਾਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤੇ ਮਾੜਾ ਅਸਰ ਪੈ ਸਕਦਾ ਹੈ।

17. **ਸਹਿਕਾਰਤਾ** ਰਾਜ ਵਿਚ ਸਹਿਕਾਰੀ ਲਹਿਰ (Co-operative movement) ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਜਾਰੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਜੂਨ, 1965 ਦੇ ਅਖੀਰ ਤਕ 65 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਅਬਾਦੀ ਇਸ ਲਹਿਰ ਦੇ ਘੇਰੇ ਅੰਦਰ ਆ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਤੀਜੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਇਸ ਅਧੀਨ 70 ਫੀ ਸਦੀ ਤਕ ਅਬਾਦੀ ਆ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਹਿਰ ਨੂੰ ਹਰ ਪੱਖੋਂ ਸੁਚੱਜਿਆਂ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ਜੋ ਮਾਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਖੜੀਆਂ ਹੋਣ ਦੇ ਯੋਗ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਫਸਲਾਂ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਦੀ ਇਕ ਨਵੀਂ ਸਕੀਮ ਚਾਲੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਮੁਤਾਬਿਕ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਕਰਜ਼ਾ/ਸੇਵਾ ਸਭਾਵਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਸ਼ਤ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ

ਅਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਵਾਪਿਸ ਕਰਨ ਦੀ ਸਮਰੱਥਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵਧ ਕਰਜ਼ਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਪਹਿਲਾਂ ਅਜਿਹਾ ਕਰਜ਼ਾ ਕੇਵਲ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਮਾਲੀਏ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਅਗਲੇ 12 ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਉਕਲਾਨਾ ਵਿਖੇ ਕਪੜੇ ਦੀ ਸਹਿਕਾਰੀ ਮਿੱਲ, ਖੰਨਾ ਵਿਖੇ ਤੇਲ ਕੱਢਣ ਲਈ ਇਕ ਯੂਨਿਟ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਧਾਨ ਉਗਾਉਣ ਵਾਲੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਚਾਵਲਾਂ ਦੀਆਂ 24 ਸਹਿਕਾਰੀ ਮਿੱਲਾਂ ਲਾਈਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਇਹ ਵੀ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਫਰੀਦਾਬਾਦ, ਸ਼ਿਮਲਾ, ਤੇ ਨੰਗਲ ਵਿਖੇ ਚਾਰ ਹੋਰ ਥੋਕ ਖਪਤਕਾਰ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਟੋਰ ਖੋਲ੍ਹੇ ਜਾਣਗੇ। ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਵਿਚ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਰਨਾਲ ਅੰਦਰ ਖੰਡ ਦੀ ਇਕ ਮਿੱਲ ਲਾਉਣ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ।

18. **ਸਿਖਿਆ** ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਧਿਆਪਕ, ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਅਤੇ ਅਫਸਰ, ਪੰਜਾਬ ਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਹਾਇਤਾ ਫੰਡ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਉਣ ਲਈ ਹਾਰਦਿਕ ਵਧਾਈ ਦੇ ਪਾਤਰ ਹਨ। ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਕਦੀ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਜਾਂ ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਭੇਜੀਆਂ ਗਈਆਂ ਵਸਤਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਲਗਭਗ 65 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਇਨ੍ਹਾਂ ਫੰਡਾਂ ਵਿਚ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ. ਕੈਡਿਟਾਂ ਨੇ ਫੌਜ, ਪੁਲਿਸ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਰੱਖਿਆ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਨ ਵਿਚ ਵਧ ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ ਹੈ।

ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸਿੱਖਿਆ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸਿਖਿਆ ਦੇ ਮਿਆਰ ਨੂੰ ਉਚੇਰਾ ਬਣਾਉਣ, ਦੋਹਾਂ ਪੱਖਾਂ ਵਲ ਲਗਾਤਾਰ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੁਫ਼ਤ ਅਤੇ ਲਾਜ਼ਮੀ ਸਿਖਿਆ ਦੇਣ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਸਕੀਮ ਤੀਜੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਉਸ ਤੇ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਹੁਣ 6—11 ਸਾਲ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਬੱਚੇ ਵੀ ਇਸ ਸਕੀਮ ਦੇ ਘੇਰੇ ਵਿਚ ਆ ਗਏ ਹਨ। ਮਿਡਲ ਅਤੇ ਸੈਕੰਡਰੀ ਪੱਧਰਾਂ ਤੇ ਵਧੇਰੇ ਸਿਖਿਆ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦਾ ਦਰਜਾ ਵਧਾ ਕੇ ਮਿਡਲ ਅਤੇ ਮਿਡਲ ਤੋਂ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਵੀ ਕਾਫੀ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਛੜੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਕਾਲਜ ਸਿਖਿਆ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਲਈ ਹਮੀਰਪੁਰ ਵਿਖੇ ਇਕ ਆਰਟਸ ਅਤੇ ਸਾਇੰਸ ਕਾਲਜ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਰਾਜ ਸਿਖਿਆ ਸੰਸਥਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਮੁਢਲੀ ਸਿਖਿਆ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਸਬੰਧੀ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਰਾਜ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਸੰਸਥਾ ਵਿਚ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਨਵੀਆਂ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਸਿਖਲਾਈ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਾਇੰਸ ਸਿਖਿਆ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਣ ਲਈ ਅਤੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਸਾਇੰਸ ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਵਾਲੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਲਈ, ਇਕ ਸਾਇੰਸ ਯੂਨਿਟ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਹੋਰ ਸੁਧਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਸਿਖਿਆ ਦੇ ਮਿਆਰ ਨੂੰ ਉਚੇਰਾ ਬਣਾਉਣ ਲਈ, ਸਿਖਿਆ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਪੋਟ ਦੀ ਉਡੀਕ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਰਾਜ ਵਿਚ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਿਖਿਆ ਬੋਰਡ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਲਈ ਛੇਤੀ ਹੀ ਆਪ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਬਿੱਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਅਸੀਂ ਸਿਖਿਆ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਵਲ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਅਜਿਹਾ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਉਪਾ ਅਤੇ ਸਾਧਨ ਸੁਝਾਉਣ ਲਈ ਜੋ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਪੋਟ ਉਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਅਣ-ਗਜ਼ਟਿੱਡ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਲਗ ਭਗ 25 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਲਾਭ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ।

ਸਾਰੇ ਯੋਗ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਨ ਲਈ, ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸੈਨਿਕ ਸਕੂਲਾਂ ਅਤੇ ਪਬਲਿਕ ਸਕੂਲ, ਨਾਭਾ ਵਿਚ ਕਾਫ਼ੀ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ।

19. **ਤਕਨੀਕੀ ਸਿਖਿਆ** ਯੋਜਨਾਬੰਦੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੁਆਰਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੇਧ ਅਨੁਸਾਰ, ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਤਕਨੀਕੀ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਵਾਧੇ ਦਾ ਕੰਮ ਵਰਤਮਾਨ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਵਿਚ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਧਾ ਕੇ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਅੰਦਰ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ 300 ਸੀਟਾਂ ਹੋਰ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ । ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਵਿਚ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਖੇ ਇਕ ਨਵਾਂ ਪੋਲੀਟੈਕਨਿਕ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਿਸ ਵਿਚ 120 ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਾਖਲ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕੈਂਪੱਸ ਵਿਚ ਰੀਜਨਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਕਾਲਜ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਵੇਲੇ 120 ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਿਖਿਆ ਦੇਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੈ। ਪਰੰਤੂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਇਸ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਵਧਾ ਕੇ 250 ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨੀਦਰਲੈਂਡ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਾਲ, ਪੋਲੀਟੈਕਨਿਕਾਂ ਦੇ ਅਧਿ- ਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਲਈ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਅਧਿਆਪਕ ਸਿਖਲਾਈ ਸੰਸਥਾ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫ਼ਰੀਦਾਬਾਦ ਵਿਖੇ ਜਰਮਨ ਨਮੂਨੇ ਤੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਸੰਸਥਾ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਲਈ ਭਾਰਤ ਦੀ ਵਾਈ. ਐਮ ਸੀ. ਏ. ਦੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕੌਂਸਲ ਨਾਲ ਸਮਝੌਤਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

20. **ਡਾਕਟਰੀ ਅਤੇ ਸਿਹਤ** ਪਿੱਛੇ ਜਿਹੇ ਹੋਈ ਜੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸਿਵਲ ਮੈਡੀਕਲ ਯੂਨਿਟਾਂ ਨੇ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਅਮਲੇ ਨੇ ਜ਼ਖਮੀ ਸੈਨਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਨ ਰਾਤ ਡਾਕਟਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ। ਰੋਹਤਕ ਵਿਚ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਰਹੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਸਰਜਨਾਂ ਨੇ ਰੋਹਤਕ ਵਿਚੋਂ ਲੰਘਣ ਵਾਲੇ ਜ਼ਖਮੀ ਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਪਹੁੰਚਾਈ। ਪੋਸਟ-ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਮੈਡੀਕਲ ਇੰਸਟੀਚੂਟ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ 600 ਤੋਂ ਵਧ ਸਰਜੀਕਲ ਉਪਰੇਸ਼ਨ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਖੂਨ ਦੀਆਂ 1,200 ਬੋਤਲਾਂ ਸੈਨਿਕ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਸੈਨਾ ਲਈ ਹਰ ਪਰਕਾਰ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਸਰਹੱਦ ਨਾਲ ਲਗਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੇ 10 ਮੀਲ ਦੇ ਘੇਰੇ ਵਿਚਲੇ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਹੈਲਥ ਸੈਂਟਰਾਂ ਅਤੇ ਦਿਹਾਤੀ ਦਵਾਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਪੂਰਾ ਅਮਲਾ ਕੰਮ ਤੇ ਲੱਗਾ ਰਿਹਾ। ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਅਤੇ ਫ਼ੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੇ ਸਰਹੱਦੀ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਚੀਫ ਮੈਡੀਕਲ ਅਫ਼ਸਰ ਲਾਏ ਗਏ। ਦਵਾਈਆਂ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਦਸ ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਵਧੀਕ ਰਕਮ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।

ਡਾਕਟਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਸਬੰਧੀ ਦਿਹਾਤੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਹੈਲਥ ਸੈਂਟਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਹੁਣ ਵਧਾ ਕੇ 229 ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਸੇਵਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ 480 ਸਹਾਇਕ ਸੈਂਟਰ ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ। ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਾਰਿਆਂ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਤਸੀਲਾਂ ਵਿਚਲੇ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਪਲੰਘਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ, ਵਧੀਆ ਸਾਮਾਨ ਦੇਣ ਅਤੇ ਮਾਹਿਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ। ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚ ਸੀਟਾਂ ਵਧਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਹਰ ਸਾਲ 500 ਤਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਾਖ਼ਲ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਡਾਕਟਰਾਂ ਅਤੇ ਪੈਰਾ-ਮੈਡੀਕਲ ਅਮਲੇ ਦੀਆਂ ਸਿਖਲਾਈ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਧਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਈ ਸੁਧਾਰ ਵੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਰਾਜ ਦੇ ਰੇਤਲੇ ਅਤੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਦੀ ਸਮੱ-ਸਿਆ ਵੱਲ ਕਾਫ਼ੀ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਕੌਮੀ ਜਲ-ਸਪਲਾਈ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਧੀਨ ਕਈ ਸਥਾਨਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ੇ ਦਿਤੇ ਗਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਕਮ 26.55 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਬਣਦੀ ਹੈ। ਦਿਹਾਤੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਨਲਾਂ ਰਾਹੀਂ ਪਾਣੀ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਲਈ 45.16 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮੁੱਖ ਦਿਹਾਤੀ ਜਲ-ਸਪਲਾਈ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ, ਉਹ (ੳ) ਬਠਿੰਡਾ ਅਤੇ ਹਿਸਾਰ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਦੇ ਅਜਿਹੇ 60 ਪਿੰਡਾਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਫ਼ਲਿਓਰੀਨ ਦਾ ਅਸਰ ਹੋਇਆ, (ਅ) ਭਿਵਾਨੀ ਤਸੀਲ ਦੇ **ਸੋ**ਕੇ ਵਾਲੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਅਤੇ (ੲ) ਪਾਣੀ ਦੀ ਕਮੀ ਵਾਲੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਸਨ। ਭਿਵਾਨੀ ਤਸੀਲ ਦੀ ਜਲ-ਸਪਲਾਈ ਸਕੀਮ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ 50 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਗਰਾਂਟ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਸੰਕਟ-ਕਾਲ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਹਰੇਕ ਮੱਦ ਵਾਸਤੇ ਰੱਖੀ ਗਈ ਰਕਮ ਵਿਚ ਕਮੀ ਕਰਨੀ ਪਈ, ਪਰੰਤੂ ਪਰਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ (**Family Planning**) ਸਬੰਧੀ ਰੱਖੀ ਰਕਮ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਕਮੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਰਕਮ ਵੱਖ ਰੱਖਣ ਸਮੇਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਖ਼ਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਹੋਰ ਮੱਦਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਲੋੜ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਰਾਹ ਵਿਚ ਰਕਮ ਦੀ ਲੋੜ ਨੂੰ ਰੁਕਾਵਟ ਨਾ ਬਣਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

21. **ਇਮਾਰਤਾਂ ਅਤੇ ਸੜਕਾਂ** ਰੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ ਦੀ ਸਕੀਮ ਵਿਚ ਆਵਾਜਾਈ ਦੇ ਚੰਗੇਰੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੀ ਮਹਤਤਾ ਵਿਆਖਿਆ ਦੀ ਮੁਥਾਜ ਨਹੀਂ। ਹਾਲ ਦੀ ਲੜਾਈ ਵਿਚ, ਟੈਂਕਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਭਾਰੀ ਗੱਡੀਆਂ ਨਾਲ ਜੋ ਸੜਕਾਂ ਖ਼ਰਾਬ ਹੋਈਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤੁਰੰਤ ਮੁਰੰਮਤ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਵਿਚ ਜਿੰਨੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਟੀਚਾ ਮਿਥਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਉਹ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਆਸ ਹੈ ਕਿ 320 ਮੀਲ ਲੰਬੀਆਂ ਨਵੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਬਣ ਰਹੀਆਂ 200 ਮੀਲ ਲੰਬੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਸੋਕੇ ਦੀ ਮਾਰ ਹੇਠ ਆਏ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਵਜੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਉਤੇ ਵੀ ਕੰਮ ਚਾਲੂ ਹੈ। ਪਹਾੜੀ ਇਲਾ-ਕਿਆਂ ਵਿਚ ਆਵਾਜਾਈ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਚੰਗੇਰੇ ਬਣਾਉਣ ਵਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਲੰਧਰ-ਪਠਾਨਕੋਟ ਅਤੇ ਜਰਨੈਲੀ ਸੜਕ ਤੇ ਦਰਿਆ ਬਿਆਸ ਉਤੇ ਕਾਫੀ ਮਹੱਤਤਾ ਵਾਲੇ ਪੁਲਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਜਾਰੀ ਹੈ। ਦਰਿਆ ਸਤਲੁਜ ਉਤੇ ਪੁਲ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਵੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਗਰਾਮ ਸੜਕ ਸਹਿਕਾਰੀ ਵਿਕਾਸ ਸਕੀਮ (**Village Roads Co-operative Development Scheme**) ਅਧੀਨ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਹਿੱਸਾ ਪਵਾਉਣ ਦੇ ਉਚੇਚੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਰਵੱਈਆ ਬੜਾ ਉਤਸ਼ਾਹ-ਜਨਕ ਰਿਹਾ ਹੈ।

22. **ਰਾਜਧਾਨੀ ਪ੍ਰਜੈਕਟ** ਚਾਲੂ ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਲਈ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ 150.67 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮਸੰਕਟ ਨੂੰ ਮਖ ਰਖਦਿਆਂ ਘਟਾ ਕੇ 124.57 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਕਰਨੀ ਪਈ। ਫਿਰ ਵੀ ਅਜਿਹੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕੰਮ ਜਿਹਾ ਕਿ ਸੈਕਟਰ 29 ਅਤੇ 30, ਸਰਕਾਰੀ ਨੌਕਰੀ ਕਰਦੀਆਂ ਇਸਤਰੀਆਂ ਲਈ ਇਕ ਹੋਸਟਲ

ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਲਈ ਮਕਾਨ ਤੇ ਹੋਸਟਲ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਪੰਜ ਟਿਊਬ-ਵੈਲ ਲਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਸਨਅਤੀ ਸੈਕਟਰ ਤਕ ਰੇਲਵੇ ਲਾਈਨ ਪਹੁੰਚਾਣ ਲਈ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰ ਤੋਂ ਹਰ ਮੌਸਮ ਵਿਚ ਆਵਾਜਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸੁਖਨਾ ਚੋ ਉੱਤੇ ਪੁਲ ਬਣਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਮੁਢਲੀ ਕਾਰਵਾਈ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਖ਼ਾਲੀ ਪਈਆਂ ਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਵਰਤੋਂ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣ ਬਾਰੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਅਨਾਜ ਉਗਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਵਲ ਲਗਦੀ 400 ਏਕੜ ਭੋਂ ਅਨਾਜ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਪਟੇ ਤੇ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਹੋਰ 100 ਏਕੜ ਰਕਬਾ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਾਡਾ ਖ਼ਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਦੂਜੇ ਦੌਰ ਵਿਚ, 17 ਹੋਰ ਸੈਕਟਰ ਬਣਾਏ ਜਾਣ, ਜੋ ਤਿੰਨ ਲੱਖ ਤੋਂ ਵਧ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰ ਸਕਣ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਡੀਫੈਂਸ ਕਾਲੋਨੀ, ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਮਕਾਨ ਅਤੇ ਘਟ ਤਨਖਾਹ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਲਈ ਕੁਆਟਰ ਆਦਿ ਬਣਾਏ ਜਾਣ। ਘਰੇਲੂ ਅਤੇ ਖੇਤੀ-ਬਾੜੀ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਖ਼ਾਲੀ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਖੇਤੀ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ। ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜਧਾਨੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੇ ਹਥਲੇ ਕੰਮ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵਿਭਾਗਾਂ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਕੰਮ ਛੇਤੀ ਹੀ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣਗੇ।

23. **ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ** ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਹੋਏ ਭਾਰਤ-ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਯੁੱਧ ਵਿਚ ਉਜੜੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੀੜਤ ਲੋਕਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨੂੰ ਨਿਭਾਇਆ ਹੈ। ਖੇਮਕਰਨ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦੇ ਸ਼ਰਨਾਰਥੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਫੌਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਹਮਲੇ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਹੋਈ ਸਰਹੱਦੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੀਆਂ ਹੋਰ ਨਗਰਪਾਲਕਾਵਾਂ ਨੂੰ 4.44 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਮਾਲੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਨਗਰਪਾਲਕਾਵਾਂ ਅਤੇ ਨਗਰ-ਸੁਧਾਰ ਟ੍ਰਸਟਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੇਰੀ ਸੇਧ ਦੇਣ ਲਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਤੇ ਅਗਵਾਈ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੀਆਂ ਨਜ਼ਾਮੀ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸਥਾਨਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ (Urban Local Bodies) ਦਾ ਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟੋਰੇਟ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸ਼ਹਿਰੀ ਸਮੂਹਿਕ ਵਿਕਾਸ ਸਕੀਮ (Urban Community Development Scheme) ਅਧੀਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਇਕ ਅਜ਼ਮਾਇਸ਼ੀ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੋ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵੀ ਬਣਾਈਆਂ ਹਨ (1) ਸ਼ਹਿਰੀ ਕਰਾਇਆ ਪਾਬੰਦੀ ਕਾਨੂੰਨ ਪੜਤਾਲ ਕਮੇਟੀ, ਜਿਸ ਦਾ ਮਨੋਰਥ ਪੂਰਬੀ ਪੰਜਾਬ ਕਰਾਇਆ ਪਾਬੰਦੀ ਐਕਟ, 1949 ਨੂੰ, ਉਸ ਦੇ ਬਣਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਈਆਂ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿਚ ਯੁਕਤੀ ਪੂਰਬਕ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸੋਧਣਾ ਹੈ, (2) ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਕਰਮਚਾਰੀ ਤਨਖਾਹ ਕਮੇਟੀ ਜਿਸ ਦਾ ਮਨੋਰਥ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਕਰਮਚਾਰਿਆਂ ਦੇ ਤਨਖਾਹ ਸਕੇਲਾਂ, ਭਰਤੀ ਕਰਨ ਦੇ ਢੰਗਾਂ, ਯੋਗਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਸੇਵਾ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਨੂੰ ਸਰਲ ਅਤੇ ਇਕਸਾਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸੁਝਾ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਯਕੀਨ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਮੇਟੀਆਂ ਇਕ ਚੰਗੀ ਪਾਲਸੀ ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਲਾਹੇਵੰਦ ਸੁਝਾ ਦੇਣਗੀਆਂ।

24. **ਨਗਰ ਅਤੇ ਗਰਾਮ ਯੋਜਨਾਬੰਦੀ** ਨਗਰ ਅਤੇ ਗਰਾਮ ਯੋਜਨਾਬੰਦੀ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਨਿਯਤ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਹੋਰ ਅਣ-ਵਿਉਂਤੇ ਵਿਕਾਸ ਤੇ ਕਾਬੂ ਰਖਣ ਸਬੰਧੀ ਚੰਗਾ

ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। 'ਪੰਜਾਬ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਸੜਕਾਂ ਅਤੇ ਕੰਟਰੋਲ ਅਧੀਨ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਅਣ-ਵਿਉਂਤੇ ਵਿਕਾਸ ਸਬੰਧੀ ਪਾਬੰਦੀ ਐਕਟ, 1963' ਅਧੀਨ ਫਰੀਦਾਬਾਦ, ਯਮਨਾ ਨਗਰ, ਪਟਿਆਲਾ, ਕੁਲੂ, ਗੁਰਾਇਆ ਅਤੇ ਗਨੌਰ ਵਿਖੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਇਲਾਕੇ, ਕੰਟਰੋਲ ਅਧੀਨ ਇਲਾਕੇ ਕਰਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਲਈ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਮਾਸਟਰ ਪਲਾਨ ਤਿਆਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਇਸ ਤੋਂ ਛੁੱਟ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਵਿਚ ਕੇਂਦਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਅੰਬਾਲਾ, ਪਟਿਆਲਾ, ਫ਼ੀਰੋਜ਼ਪੁਰ, ਰੋਹਤਕ, ਜਗਾਧਰੀ, ਕਰਨਾਲ, ਹਿਸਾਰ, ਭਿਵਾਨੀ, ਬਠਿੰਡਾ, ਬਟਾਲਾ, ਹੁਸ਼ਿਆਰ-ਪੁਰ ਅਤੇ ਪਾਣੀਪਤ ਵਾਸਤੇ ਮਾਸਟਰ ਪਲਾਨ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਮੰਨ ਗਈ ਹੈ। ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਕਾਨ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਬਿਨਾਂ ਸੂਦ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਲਈ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ 45 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

25. **ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਅਤੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼ਰੇਣੀਆਂ** ਆਰਥਕ ਅਤੇ ਸਮਾਜਕ ਨਿਆਂ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ, ਵਿਮੁਕਤ ਜਾਤੀਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੀ ਆਰਥਕ ਅਤੇ ਸਮਾਜਕ ਦਸ਼ਾ ਨੂੰ ਚੰਗੇਰਾ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦੇਈਏ। ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਵਿਚ ਵੱਖ ਵੱਖ ਭਲਾਈ ਸਕੀਮਾਂ ਅਧੀਨ। 113 ਲਖ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਰਕਮ ਇਸ ਕੰਮ ਤੇ ਖਰਚ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਵੀ ਇਸ ਮੰਤਵ ਲਈ ਕਾਫੀ ਰਕਮ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਨਿਸਚਿਤ ਕੋਟੇ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰ-ਸੀਆਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕੋਈ ਲਾਭ ਪੁੱਜਣ ਦਾ ਅਵਸਰ ਆਵੇ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਆਰਜ਼ੀ ਟੈਕਸ ਐਕਟ, 1962 ਅਧੀਨ ਆਪਣੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਭਰਾਵਾਂ ਦੇ ਲਾਭ ਲਈ 3.86 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਇਕੱਠੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਚੌਥੀ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖ਼ਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ 1.14 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਵਖਰੀ ਰਖੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਪੋਸਟਗ੍ਰੈਜੁਏਟ ਅਤੇ ਪੇਸ਼ਾਵਰਾਨਾ ਵਿਦਿਆਰ-ਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿਆਜ ਰਹਿਤ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ, ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ, ਮਿਹਤਰਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੀ ਨਸਲ ਵਧਾਉਣ ਆਦਿ ਲਈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਣ ਵਾਸਤੇ ਚਲੰਤ ਫੰਡ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ, ਅਸਾਂ ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਰਾਜ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਚ ਕਫ਼ਾਇਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕੁਝ ਉਪਾ ਕੀਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਛਾਂਟੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਪਰ ਅਸੀਂ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ, ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਕਬੀਲਿਆਂ ਅਤੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਉਤੇ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਪੈਣ ਦਿੱਤਾ। ਜੇ ਉਹ ਉਂਜ ਯੋਗਤਾ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਅਸਾਮੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੁਲ ਗਿਣਤੀ, ਕਿਸੇ ਕਾਡਰ ਵਿਚ ਰਾਖਵੀਂ ਨਿਸਚਿਤ ਸੀਮਾ ਤੋਂ ਵਧ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਅਹੁਦਾ ਘਟਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਨਾ ਨਾ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਛਾਂਟੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

15 ਅਗਸਤ, 1947 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਅਜ ਤਕ, ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਅਤੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਸਬੰਧੀ ਰਾਜ ਵਿਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕੰਮ ਦੇ ਮੁਲਅੰਕਣ (evaluation) ਲਈ ਇਕ ਮੁਲਅੰਕਣ ਕਮੇਟੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਸਾਡੀ ਅਗਲੀ ਪਾਲਸੀ ਸਬੰਧੀ ਉਚਿਤ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਕਰੇਗੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਸਰਕਾਰ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰੇਗੀ।

26. ਸਾਥੀਓ, ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਰਾਜ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੀਆਂ ਪਾਲਸੀਆਂ ਤੇ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਦਾ ਮੈਂ ਮੋਟੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸੰਖੇਪ ਜਿਹਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਉਦਮਾਂ ਦਾ ਇਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪੱਖ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸਾਂ ਕੁਝ ਸਟੇਟ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਨਾਲ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਵਧੇਰਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਮਿਲੇਗਾ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰੇ ਚਾੜ੍ਹਨ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਤੇਜ਼ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਨਾ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਸਕਿਆ ਹਾਂ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਆਪਣੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਲਸੀਆਂ ਵੇਰਵੇ ਨਾਲ ਦੱਸ ਸਕਿਆ ਹਾਂ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦਾ ਮੈਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਉਹ ਵੀ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿੰਮੇ ਸੌਂਪੇ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਸਾਰੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਸਬੰਧੀ ਪੂਰਾ ਵੇਰਵਾ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਗੇ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਕੇਵਲ ਸਰਕਾਰੀ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਅਹਿਮ ਪੱਖਾਂ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਤੇ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਈਆਂ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀਆਂ, ਯੋਜਨਾਬੰਦੀ ਤੇ ਵਿਕਾਸ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਤੇ ਸਨਅਤੀ ਉਪਜ, ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਸਿਹਤ, ਆਵਾਜਾਈ ਤੇ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਔੜ ਦੇ ਕਾਰਣ ਪੈਦਾ ਹੋਈ ਤਕਲੀਫ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਉਤੇ ਸੰਖੇਪ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਕ ਵਾਰੀ ਮੁੜ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ—ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੇ ਵਪਾਰੀਆਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ, ਤਕਨੀਕੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਤੇ ਦਸਤਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਜਾਂ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਲੋਕਾਂ, —ਗੱਲ ਕੀ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸ਼ਹਿਰੀਆਂ ਨੂੰ, ਪਿੱਛੇ ਜਿਹੇ ਵਾਪਰੇ ਸੰਕਟ-ਕਾਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਬਹਾਦਰੀ ਤੇ ਸੂਰਮਗਤਾ ਵਿਖਾਈ ਹੈ, ਉਸ ਲਈ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਹਾਰਦਿਕ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਅਤੇ ਏਕਤਾ ਲਈ ਖੁਸ਼ੀ ਖੁਸ਼ੀ ਆਪਣੀਆਂ ਜਾਨਾਂ ਨਿਛਾਵਰ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਹਾਦਰੀ ਅਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੇ ਜੋ ਕਾਰਨਾਮੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਸਾਡੇ ਹਿਰਦੇ ਵਿਚੋਂ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਮਿਟ ਸਕੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਦੀ ਦੇਖ-ਭਾਲ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਕਰ ਸਕੀ, ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਦੀ ਰਹੇਗੀ।

ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਂ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਹੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਰਾਜ, ਧਰਮ ਨਿਰਪਖਤਾ ਅਤੇ ਇਨਸਾਫ਼ ਸਾਡੇ ਆਦਰਸ਼ਾਂ ਦੀ ਸਿਖਰ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਦਰਸ਼ਾਂ ਤੇ ਚਲਦੇ ਰਹੀਏ ਤਾਂ ਜੋ ਸਾਡਾ ਰਾਜੀ ਵਿਕਾਸ ਦੀਆਂ ਮਨਜ਼ਲਾਂ ਤੈ ਕਰਦਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਮਿਲੇ। ਆਪਣੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ ਲਈ, ਮਾਤ-ਭੂਮੀ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼-ਵਾਸੀਆਂ ਦੀ ਸਮੁੱਚੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਯਤਨਾਂ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਸਦਾ ਉਦਮੀ, ਚੌਕਸ, ਖ਼ਬਰਦਾਰ ਤੇ ਸਾਵਧਾਨ ਰਹਿਣਾ ਪਵੇਗਾ।

ਜੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਚਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਰਾਜ ਜਾਂ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਉੱਨਤੀ, ਉਸ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪਕਿਆਈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੁਆਰਾ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਨਾਂ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਕੀਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵਿਚ ਵੀ ਇਕ ਟੀਮ ਵਾਂਗ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ ਇਕਸੁਰਤਾ ਹੋਣੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਉੱਨਤੀ ਦੇ ਸਾਂਝੇ ਯਤਨ ਵਿਚ ਵਿਰੋਧੀ ਦਲ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਚਲਾਉਣ ਵਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਤੋਂ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਘਟ ਨਹੀਂ. ਸਮਝੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਲੋਕਰਾਜ ਵਿਚ ਵਿਰੋਧੀ ਦਲ, ਇਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਪਰਛਾਂਵੀ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਕੂਮਤ ਦਾ ਜਾਨਸ਼ੀਨ ਬਣ ਸਕਣ ਵਾਲਾ ਦਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਪਾਲਸੀਆਂ ਅਤੇ ਕੰਮਾਂ ਸਬੰਧੀ ਉਸਾਰੂ ਟੀਕਾ-ਟਿੱਪਣੀ ਦਾ ਸਾਧਨ ਬਣਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕੇਵਲ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਦਲ ਸਰਕਾਰੀ ਪਾਲਸੀਆਂ ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਲਾਭਦਾਇਕ ਹਿੱਸਾ ਪਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੇਵਲ ਉਦੋਂ

ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਇਹ ਆਸ ਰਖ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਅਹਿਮੀਅਤ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ।

ਰਾਜ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਉੱਨਤੀ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਇਹ ਵੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਫਿਰਕਿਆਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਏਕਤਾ ਅਤੇ ਮਿੱਤਰਤਾ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਬਣੀ ਰਹੇ, ਕਿਉਂਕਿ ਕੇਵਲ ਤਦ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਸਾਰੀ ਸ਼ਕਤੀ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਵਲ ਲਗਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ, ਜੀਵਨ ਦੀਆਂ ਚੰਗੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਕਦਰਾਂ ਤੇ ਮੌਕਿਆਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਮਸ਼ਹੂਰ ਹਨ। ਮੇਰੀ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਹਾਰਦਿਕ ਇੱਛਾ ਅਤੇ ਅਰਦਾਸ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਏਕਤਾ ਤੇ ਪ੍ਰੇਮ-ਪਿਆਰ ਬਣਿਆ ਰਹੇ। ਪਰੰਤੂ ਲੋੜ ਪੈਣ ਤੇ ਰਾਜ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ, ਸਰਕਾਰ ਰਾਜ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰੀਆਂ ਲਈ ਅਮਨ ਤੇ ਸ਼ਾਂਤੀ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਤੋਂ ਕਦੇ ਵੀ ਅਣ-ਗਹਿਲੀ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ।

ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਆਪ ਨੇ ਬੜੀਆਂ ਅਹਿਮ ਗੱਲਾਂ ਅਤੇ ਵਿਧਾਨਿਕ ਮਾਮਲਿਆਂ ਉਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਰੇ ਅਹਿਮ ਕੰਮ ਨੂੰ ਆਪ ਤਨੋਂ ਮਨੋਂ, ਪੂਰੀ ਈਮਾਨਦਾਰੀ, ਸਾਵਧਾਨੀ ਅਤੇ ਸਹਿਨਸ਼ੀਲਤਾ ਨਾਲ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹਾਉਗੇ।

ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਸ਼ੁਭ ਇੱਛਾਵਾਂ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੇਰੀ ਅਰਦਾਸ ਹੈ ਕਿ ਸਫ਼ਲਤਾ ਆਪ ਦੇ ਕਦਮ ਚੁੰਮੇ।

ਜੈ ਹਿੰਦ

---

## Announcements by the Speaker

**Mr. Speaker :** (1) On the 4th November, 1965, Sarvshri Shamsher Singh Josh, Gurcharan Singh, Gurbakhsh Singh and Babu Singh M.L.As., sought to raise a question of breach of Privilege regarding the publication of the "Expunged Proceedings of the meeting of the Punjab Vidhan Sabha held on the 2nd November, 1965", in the Daily 'Milap', the 'Partap' and the 'Pradeep', in their issues, dated the 3rd November, 1965. I referred this matter to the Press Gallery Committee for their views.

The Secretary, Press Gallery Committee, intimated that the correspondents of the Daily 'Milap' and the 'Pradeep' as also the Editor of the 'Partap', have expressed their regrets to me.

In view of the regrets expressed by the newspapers concerned, I have decided to drop the matter.

(2) On the 24th November, 1965, Comrade Ram Piara, M.L.A. sought to raise a question of privilege regarding the publication of the remarks made against him in the House by Sardar Jagjit Singh Gogoani, M.L.A. which were expunged from the proceedings of the meeting of the Punjab Vidhan Sabha held on the 22nd November, 1965, in the Daily 'Hind Samachar,' Jullundur, in its issue, dated the 23rd November, 1965. The Deputy Speaker referred the matter to the Press Gallery Committee for their views.

The Secretary, Press Gallery Committee, —*vide* his letter, dated the 7th January, 1966, intimated—

> "The Committee has to bring to the kind attention of the Speaker that Urdu Daily 'Hind Samachar' expressed its regret in its issue of November, 26, 1965. The cutting in original is being forwarded.

The Correspondent of the said paper stated before the President of the Committee that this error was unintentional. Soon after the incident took place in the House, the correspondent concerned filed his story on telephone. By the time the story had been sent to the Press at Jullundur., he came to know that the Honourable Deputy Speaker has expunged this part of the proceedings.

In view of regret expressed by the Editor and the circumstances explained by the representative of the paper, it is recommended that this matter too be dropped."

In the light of the views of the Press Gallery Committee and the publication of regrets expressed by the Editor in the issue of the 'Hind Samachar', Jullundur, dated the 26th November, 1965, I have decided to drop the matter.

(3) I have to inform the House that the Punjab Gram Panchayat (Amendment) Bill, 1965, was referred to the Regional Committees by the Vidhan Sabha at its meeting held on the 3rd November, 1965, with a direction to make a report by the 31st January, 1966. The Hindi Regional Committee could not finish its work within the prescribed period.

I was approached by the Chairman, Hindi Regional Committee to extend the time for the submission of the report upto the 28th February, 1966. As the House was not in session, I agreed to the said extension.

Now I am making a report to the House in the matter accordingly.

(4) I have also to inform the House that the Punjab Co-operative Societies (Second Amendment) Bill, 1965, was referred to the Regional Committees by the Vidhan Sabha at its meeting held on the 28th April, 1965, with a direction to make a report by the 30th September, 1965. The Hindi Regional Committee could not finish its work within the prescribed period.

I was approached by the Chairman, Hindi Regional Committee to extend the time for the submission of the report upto the 15th November, 1965. Later this time was got extended upto the 31st March, 1966. As the House was not in session, I agreed to the above extension.

Now, I am making a report to the House in the matter accordingly.

---

## Panel of Chairmen

(5) Under rule 13 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairmen :—

1 Sardar Gurnam Singh.
2. Shri Ram Saran Chand Mital.
3. Pandit Chiranji Lal Sharma.
4. Shrimati Dr. Parkash Kaur.

---

## Announcement by the Secretary

**Mr. Speaker** : Now, the Secretary will make an announcement.

**Secretary** : I beg to lay on the Table of the House a Statement showing the Bills which were passed by the Punjab State Legislature during the Budget/Autumn Sessions, 1965, and which have since been assented to by the President/Government.

**Statement showing the Bills which were passed by the Punjab State Legislature during its Budget/Autumn Sessions 1965 and which have since been assented by to the President & Governor**

1. The Punjab Warehouses (Amendment) Bill, 1965.
2. The Punjab Cotton Ginning and Pressing Factories (Amendment) Bill, 1965.

3. The Punjab Town Improvement (Amendment and Miscellaneous Provisions) Bill, 1965.

4. The Northern India Canal and Drainage (Punjab Amendment) Bill, 1965.

5. The East Punjab War Awards (Amendment) Bill, 1965.

6. The Punjab Motor Vehicles Taxation (Amendment) Bill, 1965.

7. The Punjab State Legislature Officers , Ministers and Members (Medical Facilities) Bill, 1965.

8. The Punjab General Sales Tax (Amendment) Bill, 1965.

9. The Punjab Commercial Crops Cess (Amendment) Bill, 1965.

10. The Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1965.

---

## Leave of Absence

The following letter has been received from Comrade Hardit Singh Bhathal, M.L.A. :—

> "It is submitted that I have received the summoning letter for the Assembly Session which is to commence from 14th February, 1966. Owing to my detention, I would not be in a position to attend the Session. I, therefore, request the House through you to condone my absence from the Session or the meeting of any Committee of which I am a member so long as I am under detention."

Has the hon. member the leave of absence asked for ?

*Voices* : Yes, yes.

*The leave was granted by the House*

---

## Papers Laid on the Table

**Revenue Minister** (Sardar Harinder Singh Major) : Sir, I beg to lay on the Table the Punjab Ordinances Nos. 1 and 2 of 1966.

I also beg to lay on the Table Orders Nos. 1-A and 2-A dated the 16th September, 1965, alongwith the Corrigendum No. 282/63-(2), dated 7th October, 1965 of the Delimitation Commission of India.

---

## LEGISLATIVE BUSINESS

## (Presentation of Reports)

**ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਰਲਾ ਰਾਮ** : ( ਚੇਅਰਮੈਨ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ) ਮੈਂ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਪੰਜਾਬ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ (ਸੋਧਨਾ) ਬਿਲ **1965** ਤੇ ਰਿਪੋਰਟ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । (I beg to present the Report of the Punjabi Regional Committee on the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill, 1965.)

**श्री अमर नाथ** (सभापति हिंदी प्रादेशक समिति) : मैं अध्यक्ष महोदय, पंजाब कृषि उपज मण्डी संशोधन विधेयक **1965** पर हिन्दी प्रादेशक समिति कर का प्रतिवेदन पेश करता हूं । (I beg to present the Report of the Hindi Regional Committee on the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill, 1965.)

**Reference of the Punjab Cattle Preservation Bill, 1964, to the Regional Committees**

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : Sir, I beg to move—

That the Punjab Cattle Preservation Bill, as amended by the Punjab Vidhan Parishad, be referred to the Regional Committees with a direction to make a report by 28th February, 1966.

**Mr. Speaker** : Motion moved—

That the Punjab Cattle Preservation Bill, as amended by the Punjab Vidhan Parishad, be referred to the Regional Committees with a direction to make a report by 28th February, 1966.

**Mr. Speaker** : Question is—

That the Punjab Cattle Preservation Bill, as amended by the Punjab Vidhan Parishad, be referred to the Regional Committees with a direction to make a report by 28th February, 1966.

*The motion was carried*

## DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS

**Shri Ram Saran Chand Mital** (Narnaul) : Sir, I beg to move—

That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the members of the Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to both the Houses of the State Legislature assembled together on the 14th February, 1966."

Sir, before I deal with the resolution which I have just moved, I would like to give expression to my feelings in regard to what happened the day before yesterday when the Governor came to address the Legislature. It was, for the first time, that the Punjab Legislature was addressed by a Punjabi as Governor, a non-controversial figure of saintly character devoting his time and energy to the service of the State and the Nation. But, most unfortunately, when he began to address the House, some friends of the Opposition tried to create disturbance. One Member of the Jan Sangh Group even questioned the validity of his appointment as acting Governor, although much time has since elapsed, one session has already passed and most of us have enjoyed his hospitality at parties at the Raj Bhavan. Then, Sir, the Communist Party and several Members of the Akali Party staged a walk-out. All these things were ugly scenes not befitting our Legislators. Besides being a slight to the constitutional Head of the State, I think we, as Legislators, feel humiliated by the enactment of such a scene of ugly demonstrations. Everybody knows that the Address, which the Governor reads, contains an account of the past performance of the Ministry and its future plans and policies. The Governor is not personally responsible for all that. He, as the Head of the State, has to read the Address. The entire function is a very solemn function held under the provisions of the Constitution. We are all under oath to observe the Constitution and the conventions properly in letter as well as in spirit. Yet I do not understand why such scenes are allowed to be enacted. The Constitutional experts, Speakers' conferences and various other bodies have deliberated over such affairs and have unanimously disapproved of this method. Ours

is a democracy and in a democracy Government is carried on by discussion. I can very well understand that they may not agree with the policies of the Government. I can also visualize that they may not approve of the future plans. They may have many things to criticise and vehemently criticize the past activities of the Government. That can be understood. To ventilate their feelings today is the appropriate and proper time. Here they can criticize the Government to their hearts' satisfaction, of course, within the constitutional decorum and propriety. But the things which they did day-before-yesterday in this Chamber are unbecoming and I would request you to devise ways and means to prevent such things in future at least.

Coming now, Sir, to the merits of the resolution, the year which is now just coming to a close, the financial year 1965-66, if anybody were to as what were the outstanding events that occurred in this year, the answer would at least be, to my knowledge, it cannot be otherwise, that the outstanding events are the Indo-Pakistan conflict ; the deaths of the most important great leaders and other important personalities of the country and , Sir, the failure of rains in Punjab giving rise to drought and faminy conditions in the State—in some parts atleast—and the terrible consequences of all these events. Naturally, Sir, the Governor's Address must be dominated by these outstanding events. Para 3 at page 2 of the Address reads—

> "The past year has been a period of trial and tribulation. My Government was faced with an overwhelming and unprecedented situation when Pakistan launched aggressive military action against the territorial integrity of our country. Whereas our armed forces personnel enhanced their prestige by their many deeds of daring, courage and sacrifice, our people in Punjab—cultivators, traders, workmen and women everywhere—also exhibited rare qualities of resourcefulness, forbearance and fortitude and gave valuable assistance to the army and the police in many ways, and the public services of all categories played their role magnificently....".

The Address, Sir, contains many details of the various activities of the Government. The public, the officials and all concerned during this Indo-Pakistan conflict—we call it a conflict because there was no formal declaration of war otherwise to all intents and purposes it was nothing short of a reoular war and it was a terrible war—played their role magnificently. The consequences of this conflict were very serious. At least for the first time Punjab was involved in this conflict. Punjab became more or less a battle-field. Of course, there were other States, Jammu and Kashmir. Rajasthan and, to some extent, Gujrat also. But Jammu and Kashmir and Punjab had to bear the brunt of this war, and what the public did, what the Government did, what the officers did, what other sections of the population including the Opposition did, that has received admiration not only of the people of Punjab but of the entire country. Our great leaders have unequivocally appreciated our work, our performance. In 1962, Sir, there was Chinese aggression. At that time also we made huge preparations. Of course, at that time the late Sardar Partap Singh Kairon was at the head of the administration and the work done at that time served as a model and a pattern during this Indo-Pakistan conflict. At that time also the work of Punjabis was appreciated so much that the State Governments of Madhya Pradesh and Rajasthan set apart vast tracts of land for the Punjabi personnel of the Armed Forces and at all hands that work was much appreciated. This time the conditions were more serious and those at the helm of affairs in Punjab acquitted themselves very well. It was a joint co-operative

[Shri Ram Saran Chand Mital]

effort. I do not go into the details. They are well described in the Address and several pamphlets and booklets published by the State Government. I had an opportunity, Sir, to tour the Punjab right from my home town, Narnaul, up to Amritsar with Chaudhri Ranbir Singh. At Amritsar I found Sardar Gurdial Singh Dhillon at his job and Captain Rattan Singh as well. I crossed the Wagha border and went to the place where shelling was going on. [ Sardar Gurnam Singh, a Member of the Panel of **Chairmen in the Chair.**]

Sir, I cannot forget and will never forget the enthusiasm I noticed at that time among the people from one corner of the State to the other cornor of the State. A soldier of another State entering the sacred soil of Punjab, from Delhi right up to Amritsar, will never forget the enthusiasm hospitality and codiality with which he was welcomed. There are many other things but I need not go into the detail.

Sir, war is undesirable. It brings destruction, loss of life and property but many a time it is a blessing in disguise as well. The State of Jammu and Kashmir is predominently inhabited by Muslims and Pakistan tried to pose herself as a champion of the rights of the Muslims. But, Sir, it is a very pleasant and happy thing to note that the blood of the Muslims of Jammu and Kashmir and other States of India mingled with the blood of Hindus, Sikhs, Anglo-Indians, Parsies and other people inhabiting this Sub-continent for the defence of the motherland.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, the hon. Member is speaking on the Governor's Address and it was expected of him that he would throw some light on the future policies of the Government but he is talking of the war which is a dead past. I would, therefore, through you, Sir, request the hon. Member to enlighten as to what the Government is going to do in the future.

**Shri Ram Saran Chand Mittal :** Only my hon. friend should have patience and tolerance.........

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** That of course we have.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** Sir, what I was driving at was that the sacrifices that we have made will not go in vain. That is one view about this Address. I will also come to that part of the Address to which Pandit Chiranji Lal Sharma made a reference. Sir, the second outstanding event is the death of several leaders, Shri Lal Bahadur Shastri, Gen. Kulwant Singh, General Thimayya, Dr. Bhabha and Dr. Gadgil, our former Governor. The House has already passed Resolutions of condolence. But the places of Shri Lal Bahadur Shastri, Dr. Bhabha and the Generals cannot be filled up. That is our permanent loss.

The third outstanding event is the failure of the rain-fall and the creation of the drought conditions. Here I am referring to the words of the Governor himself—

> "......we are confornted with another grim problem caused by the failure of rains and the resultant drought. There has been a serious shortage of rain in the entire State, but the conditions are particularly bad in the districts of Hissar, Rohtak and Mohindergarh".

Then of course the Government has made financial provisions to meet the famine conditions. At least about Mohindergarh district, the place where I come from, I can say that this famine appears almost every year in some parts of the district. I have been making repeated assertions on this point in this House and elsewhere. I have been requesting the Government to take some permanent measure so that we may not have repetition of such

conditions. Here in the Governor's Address there is some indication of what the Government is doing :—

> "My Government has projected itself further too and constituted a Committee with the Financial Commissioner, Revenue as a Chairman, to prepare a plan for dealing with this problem on a permanent basis in the drought affected region of Hissar, Mohindergarh, Gurgaon and Rohtak Districts as well as the Una Sub-Division and Kandi area of Garhshankar.

Sir, the Committee no doubt would prepare its plan. The Financial Commissioner, Revenue, seems to be a good fellow but I would suggest that unless you provide the irrigation facilities there cannot be any permanent solution. Wherever there is a scope Government may extend the canals but in several parts of the drought affected regions, canals cannot be easily dug. For that purpose the Government must resort to energisation of tubewells and of pumping sets and they would not mind spending whatever is required. No question of scarcity of materials, no question of lack of finances. These things should not come in the way and I would suggest to the Government that they should stary forthwith electrification beginning from the southern most part of this State, namely, Nangal Chaudhri Block right upto the northern most part of this State. Unless they spend a good deal of amount it set apart for that purpose forthwith without any loss of time and without even awaiting for the results of the Committee set up, these problems cannot easily be solved. I am sure, this is the Budget time, the Government must take notice of these things.

Sir, now I come to the other aspects of the Governor's Address. The hon. Member Pandit Chiranji Lal Sharma was very anxious to know about the future plans of the Government. There are two aspects of the future plans. For one we shall have to wait till the Budget Estimates are placed before the House and for the other it is abvious that we are being hit by drought, we are being hit by the consequence of the Indo-Pakistan conflict and naturally the Government must strain every nerve to normalise the economic conditions prevailing in the State. There is no escape from it. They must do it. The Address of the Governor makes a mention of it and about the future plans of the Government. I refer to page 8 of the Governor's Address. It reads—

> "One piquant lesson which has been brought home significantly by the Emergency is that the economy of the country must become self-reliant at the earliest stage, specially in the matter of food production......"

About food production it says—

> "We have suitably expanded our programme for the supply of seeds, fertilizers, improved agricultural implements, plant-protection equipment and pesticides during the year."

Then it further reads—

> "........Thus, we have taken measures which have contributed to the stabilisation of prices, availability of foodgrains in the State throughout the year and fulfilment of our enerous duty towards the deficit areas of the country."

Then they are going to introduce statutory rationing in some towns after the arrival in the market of the next Rabi Crop.

Sir, I can very well understand that there may be some differences. I cannot also support that there are nolopholes. They are in this State and in the entire country as well. We are a surplus State in the matter of production of foodgrains. Foodgrains here are comparatively cheaper.

(Shri Ram Saran Chand Mittal)

But, just cross the Jamuna and you will find that the foodgrains there are more costly. But, after all Rome was not built in a day.

**Voice :** 18 years have since elapsed.

**Shri Ram Saran Chand Mittal :** There are always two aspects of every problem. We have Zonal System and if that is abolished, one section of our population will oppose it and the other will favour its continuance.

**Mr. Chairman** (Sardar Gurnam Singh) : Zonal System is being considered by your High Command.

**Shri Ram Saran Chand Mittal :** My submission is that whenever any reform is introduced, one section of the population is hit. When the crops come in the market after the harvesting season, prices go down. The poor producer suffers. At that time, Government comes to his aid. It makes purchases so that the price does not go down beyond a certain limit. And, then that stored grain is used for internal consumption and also sent to outside deficit States. So that thing happens. If the farmers sell all their produce well in time, they have to buy it at the time of their need. Then the prices go high. That you cannot easily avoid. It is a very very complex machinery. Unless all the sections of the population co-operate, unless the entire machinery is stirred, all this is inevitable. I accept that there are laxities in the administration. There are laxities in our character. And, it is not the fault of that administration or that Government alone. It is our own fault and it is the fault of all of us. We cannot blame the Government alone. (*Interruptions*).

What I feel is that so far as the future plans are concerned, the entire attention of the Government is now concentrated upon the restoration of the old normal conditions of our economic life. But, for that you cannot have a magician's wand. You cannot restore everything in a day. That takes time. There are certain limitations as well. We have to look to our financial resources. The Governor's Address gives a description of the Third and Fourth Five-Year Plans. You have made some savings. We have spent more than what we have. We have spent on defence. The figures are there. I need not go into them. The only point that I want to make out is that at this time the machinery of the Government is devoted to the restoration of the normal economic conditions. In industries, there is a loss of industrial output worth about Rs 15 crores of rupees. There are so many difficulties, All-India difficulties, foreign exchange difficulties and so on. About our future plans, details are given in the Address. I would not like to go into their detials. About Industries, it is stated in the Address :

> "The recent conflict with Pakistan severely strained our economy in another field as well, i.e., industries. It led to the contraction of credit facilities, dislocation of transport and shortage of raw materials. In consequence, the State suffered a loss of over Rs 15 crores in its industrial output. With a view to stablising production and the growth of industries, several measures were taken promptly..........."

You cannot expect all these things to happen in a day or overnight. This is along drawn out process.

(*Interruptions and noise in the House*)

**Mr. Chairman :** Order, Order, please.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** I would now briefly refer to transport, teachers and students' contributions towards the Punjab Defence and Security Relief Fund and the Hariana Affairs. Regarding Transport, I am glad and I congratulate my firend, Sardar Gurdial Singh Dhillon, that he has introduced concession of free lifts to our school children.

(*Interruptions*)

I must, at the same time suggest that he should make it a point to see that every district headquarters has a very fine Bus Stand built at the cost of the Government. From this Bus Stand, bus routes should lead to all other important directions. For example from Narnaul to Alwar Jaipur and all other important places.

Then, Sir, the Governor has paid a rich tribute to the teachers, students and other departments for their substantial contributions to the Punjab Defence and Security Relief Fund. For this collection of funds, no doubt, huge afforts had to be made. But, in regard to the teachers, yesterday when I was reading some Paper in the Library, I found a news item which I wish to bring to the notice of the House and through you, Sir, to the State Government as well. It is published in 'Patriot' (Punjab dition, dated the 16th February, 1966. The news is from Ludhiana. I will read three or four lines of it—

> "At a public meeting jointly organised by the Punjab Government Teachers' Union, the Pepsu Government Teachr's Union and the Subordinate Educational Services Teachers' Union under the Presidentship of Mr. Madan Gopal, President of the Government Teachers' Union, a resolution protesting against what they called forcible cuts being made in teachers' salaries in Punjab for buying gold was passed".

This may be an exaggeration. I do not know much about it. Of course, we have to accept donations for purchasing gold or towards the Punjab Defence and Security Relief Fund voluntarily from every section of the society including the Government employees and teachers inthe schools. Teachers are proverbially poor. But I would suggest to the Government not to employ the teachers or the students for collection purposes. The teacher's job is very very sacred and to employ a teacher for collection purposes is not proper. That goes against his profession and by this we are reducing his status. I will confine myself to this much only that they may kindly pay attention to this news item appearing in the Press. But otherwise we are glad that contributions are pouring in from all quarters. Of course, good deal of progress has been made in various directions, spread of education, technical education and so on. But one point I do not find here, Girls' education, female education. I do not know whether any special efforts have been made to spread girls' education because in my district, in my tehsil, I find that hardly any improvement has been made for the spread of girls' education. That is very necessary, otherwise one section of the population remains backward.

Then, Sir, I come to the Hariana question. No doubt a Committee had been appointed to suggest measures for the development of Hariana and we are told, it has submitted its report as well and we quite feel that the only thing that the Governor has said in his Address is that the report of the Committee will receive consideration. The fact remains that the Committee submitted an interim report many months ago so that the Government could take action thereon there and then and in this budget session we expect . . . .

**Sardar Lachhman Singh Gill :** Are you in favour of Hariana Prant ?

**Shri Ram Saran Chand Mital :** I have submitted a memorandum to the Parliamentary Committee and I have appeared before it also. But the office of the Lok Sabha has directed that we should keep the memorandum secret as its desclosure would be breach of privilege of that august House. so whether I am in favour or against it, that question cannot

**Shri Ram Saran Chand Mittal**

be asked here. I have submitted my views as a witness before that Committee. So, my learned friend would not persuade me to commit a breach of privilege of that House.

**Sardar Lachhman Singh Gill :** I suppose you have already told it to your Mrs.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** With regard to the Hariana business, I agree that they should have taken steps to implement the interim report of the Hariana Development Committee which was submitted to the Government several months ago and its cmission I think, will be explained by the Government when they elaborate their own point.

**Mr. Chairman** (Sardar Gurnam Singh) : So , you withhold your thanks as far as Hriana question is concerned ?

**Shri Ram Saran Chand Mital :** Taking as a whole because they are giving relief for the famine conditions I am moving the resolution which stands in my name.......

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** A specific question was put by the Chair whether you withhold your thanks so far as Hariana question is concerned. You have not replied to it.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** No. About this affair I say, Sir,..... (Interruptions).

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਦ ਤੋਂ ਮਿੱਤਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਚੋਹਲ ਮੁਹਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਆਏ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਕਰਕੇ ਰੋਕਿਆ ਜਾਵੇ ।

**Shri Ram Saran Chand Mital :** I would request that I may be given 10 minutes extra which they, I will not say not wasted because that might create difficulty, took by repeated interruptions........

**पंडित चरंजी लाल शर्मा:** चेयरमैन साहिब, मेरे टाइम में से मित्तल साहिब के लिए टाइम काट लें।

**Mr. Chairman :** The hon. Member has taken 40 minutes. He may kindly try to wind up.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** Sir, when I read the views of several legislatures on the Governor's Address in newspapers I came across one sentence that the Address was colourless. From whom it came, you know better.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Not only colourless, but odourless also.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** Sir, whose remaks that was, I leave it to you to find out and judge......

**Mr. Chairman :** I know whose remark it was.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਮਿੱਤਲ ਸਾਹਿਬ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਸੈਂਕਣਾਂ ਬਾਰੇ ਵੀ ਦਸੋ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸੈਂਕਣਾਂ ਦਾ ਕੀ ਹਾਲ ਹੈ ?

**Shri Ram Sara Chand Mital :** Now, Sir, I would read three sentences from the Tibune's comments dated the 16th February, 1966, from where it can be seen whether the Address is colourless or not. The first is—

> "......As a result, he (Governor) had something more to offer than the usual routine record of depatmental achievements and a dull survy of the past year mostly featuring generalities..........."

The second is—

"......As was but appropriate, the Governor devoted a part of his address to the State's war-hit economy and to the varied problems of reconstruction..."

The third is—

"....Notable in the outline of the Ministry's policies is the determination" to continue translating democracy, secularism and justice for the development of the State".

With these remarks I whole-heartedly agree. I deem it a favour done to me that I was allowed to move this resolution which I do most heartily.

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ** (ਫਰੀਦਕੋਟ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਧੰਨਵਾਦ ਦਾ ਮਤਾ ਜਿਹੜਾ ਮਿੱਤਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ............

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। गुजारिश यह है कि ट्रेजरी बैंचिज़ पर इस वक्त 10 आदमी बैंठे हुए हैं। इस से यह ज़ाहिर होता है कि इन में गवर्नर एड्रेस पर कितना इन्ट्रैस्ट है।

**ਇਕ ਆਵਾਜ਼ :** ਤੁਹਾਡੇ ਵਲ ਵੀ ਇਤਨੇ ਹੀ ਮੈਂਬਰ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ।

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ:** ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਮਤੇ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਦਾ ਇਹ ਭਾਸ਼ਣ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਉੱਨਤੀ, ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਕੁਝ ਜੋ ਕੰਮ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਈਨਾ ਹੈ ਇਸ ਆਈਨੇ ਤੋਂ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਪਿਛਲੀਆਂ ਚੰਗਿਆਈਆਂ ਤੇ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਜੋ ਊਣਤਾਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਸੀਂ ਮੁੜ ਵਿਚਾਰ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਦੀ ਵੀ ਗੁੰਜਾਇਸ਼ ਹੈ ਅਗਰ ਕੋਈ ਕਮੀ ਨਜ਼ਰ ਆਵੇ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਦੂਜੀ ਵੇਰ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਥੇ ਦੂਜੀ ਵੇਰ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਭਾਸ਼ਣ ਦਿਤਾ ਹੈ (Hear, hear) ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਵਿਚ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੁਰਘਟਨਾਵਾਂ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਹੋਈਆਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੌਮਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਿੰਦਗੀਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਆਉਂਦੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਹਿੰਦ ਅਤੇ ਪਾਕ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੋ ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਜੰਗ ਸੀ ਮਗਰ ਇਹ ਜੰਗ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਧਰਤੀ ਤੇ ਲੜੀ ਗਈ। ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟਰਾਂ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਇਸਤ੍ਰੀਆਂ, ਬੱਚਿਆਂ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਵੀ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਇਸ ਜੰਗ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧ ਹਿੱਸਾ ਪਾਇਆ, ਬਹਾਦਰੀ, ਦਲੇਰੀ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ਭਗਤੀ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਿੰਮਤ ਅਤੇ ਸੇਵਾ ਦੀ ਜਿਤਨੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਉਹ ਥੋੜੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਦੇਸ਼ਭਗਤੀ, ਆਨੈਸਟੀ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਅਤੇ ਨਿਘ ਅਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਾ ਜਜ਼ਬਾ ਉਭਰਿਆ। ਜਿਥੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ ਇਸ ਜੰਗ ਵਿਚ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਦਿਤੀਆਂ, ਜੰਗ ਲੜੀ ਉਥੇ ਪੰਜਾਬਣਾ ਨੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਰੋਟੀਆਂ ਪਹੁੰਚਾਈਆਂ ਅਤੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇਸਤਰੀ ਕਿਤਨੀ ਬਹਾਦਰ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਨਾਲ, ਦਿਤੇ ਧਨ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਲਈ ਮਾਨ ਅਤੇ ਸਤਕਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹੇ ਬਗੈਰ ਨਹੀ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਜਿਥੇ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਖਸ਼ਾ ਲਈ ਆਪਣੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਿਤੀ ਉਥੇ ਹਿੰਦ

[ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ]

ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵੀ ਉਸ ਦੇ ਮਸਲਿਆਂ ਵਲ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ ਕੁਝ ਪੰਜਾਬ ਲਈ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹਾਂ ਪਰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਹੋਰ ਵੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਜੋ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਹ ਹਾਲੇ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਗਈ । ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਦੇ ਸਮਝੌਤੇ ਨੇ ਅਮਨ ਅਤੇ ਪਿਆਰ ਦਾ ਰਸਤਾ ਖੋਲ੍ਹ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੋਵਾਂ ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਇਤਹਾਦ ਦੀ ਬੁਨਿਆਦ ਬੰਨ੍ਹ ਦਿਤੀ ਹੈ ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਫਿਰ ਵੀ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਖਸ਼ਾ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਨੀਹਾਂ ਤੇ ਖੜਾ ਕਰਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਤਦ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਗਰ ਸਾਰਾ ਦੇਸ਼ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੇ ਨੁਕਸਾਨ ਨੂੰ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਨੁਕਸਾਨ ਨੂੰ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜਵਾਨਾਂ ਦੇ ਨੁਕਸਾਨ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਹਿਸਾ ਪਾਵੇ । ਅਸੀਂ ਭੀ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਆਰਥਕ ਅਤੇ ਰਾਜਨੀਤਕ ਤੌਰ ਤੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹੋਮ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦੇ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹਾਂ ਕਿ ਜੰਗ ਦੇ ਖਤਮ ਹੁੰਦੇ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਲੈਂਗੁਏਜ ਬਾਰੇ ਬਰਨਿੰਗ ਇਸ਼ੂ ਨੂੰ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਐਮੀਕੇਬਲੀ ਸੈਟਲਮੈਂਟ ਲਈ ਇਕ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਤਾਂ ਜੋ ਇਸ ਦਾ ਪੱਕਾ ਹਲ ਕਢਿਆ ਜਾਵੇ । (ਤਾੜੀਆਂ) ਉਹ ਕਮੇਟੀ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਗ਼ੌਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ, ਰਾਜਨੀਤਕ ਪਾਰਟੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਬੋਲੀਆਂ ਦਾ ਸਤਕਾਰ ਰਖਦੇ ਹੋਏ, ਹਰਿਆਨਵੀ ਅਤੇ ਹਿਲੀ ਏਰੀਆ ਦੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਨੂੰ ਸੈਟਿਸਫਾਈ ਕਰਨ ਵਿਚ ਪੂਰਾ ੨ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣਗੇ । (ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਸ਼ਾਬਾਸ਼) ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਸੈਂਟੀਮੈਂਟਸ ਵਲ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਹੈ।

**(Mr. Speaker in the Chair.)**

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਦੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨੂੰ ਇਥੇ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਬੜੀ ਸਹਿਯੋਗਤਾ ਨਾਲ ਨਿਭਾਇਆ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਇਥੇ ਦੇ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਵੀ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਸਰਕਾਰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧਿਆਨ ਨਾ ਦੇ ਸਕੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਖੁਦ ਹੀ ਉਸ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰ ਲਿਆ, ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਡਿਸਿਪਲਿਨ ਵਿਚ ਰਖਿਆ । ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਦੇਖ ਕੇ ਇਉਂ ਲਗਦਾ ਸੀ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜੰਗ ਲੜੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀ ਹੀ ਫੌਜੀ ਹਨ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਰਾਜਪਾਲ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਜੋ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਬੜੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

**ਇਕ ਆਵਾਜ਼** : ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ । ਇਕ ਕਾਕੀ ਤੇ ਇਕ ਕਾਕਾ ਬੈਠੇ ਹਨ ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਹ ਪ੍ਰਾਪਰ ਐਕਸਪਰੈਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਘਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬੈਠੇ । (This is not a propar expression. The hon. Member is not sitting in his own house.)

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ** : ਇਥੇ ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਕਿਤੇ ਵੀ ਬੈਠਾ ਹੋਵੇ ਉਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਮੇਰੇ ਤੇ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ, ਸਿਰਫ ਕੋਰਮ ਪੂਰਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਉੱਨਤੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਤਾਰੀਫ ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਵੀ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਕਮੀਆਂ ਵੀ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੂਰ ਕਰੇਗੀ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਤਕਰੀਬਨ 30 ਲਖ

ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਅਜਿਹੀ ਹੈ ਜੋ ਜਾਂ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਡੁਬੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਾਂ ਕੱਲਰ ਹੈ। ਇਥੇ ਇਕ ਜਰਮਨ ਐਕਸਪਰਟ ਆਇਆ ਜਿਸ ਨੇ ਇਸ ਮਸਲੇ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਗਰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਹ ਇਕ ਨਾ ਸਹੇ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਘਾਟਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਸੋ ਮੈਨੂੰ ਪੂਰੀ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਵਲ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ। ਫਿਰ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਡ੍ਰੇਨੇਜ ਦੀ ਕਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤੀ ਸੀ ਫੰਡਜ਼ ਦੀ ਕਮੀ ਕਰਕੇ। ਪਰ ਜਦ ਅਸੀਂ ਡੇਢ ਕਰੋੜ ਰੁਪਆ ਰੀਲੀਫ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਜਾਂ ਹੋਰ ਬੰਦੋਬਸਤ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਖਰਚ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਜੋ ਡ੍ਰੇਨੇਜ ਅਧੂਰੀ ਪਈ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਅਗਰ ਪੂਰਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ। ਅਤੇ ਜਿਤਨਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਕਿਸੇ ਅਰਥ ਨਾ ਆਵੇਗਾ। ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ ਅਤੇ ਵਾਰ ਫੁਟਿੰਗ ਤੇ ਇਸ ਦਾ ਹਲ ਲਭੇਗੀ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਪੈਸਾ ਕਢੇਗੀ ਅਤੇ ਡ੍ਰੇਨੇਜ ਦਾ ਜੋ ਕੰਮ ਬੰਦ ਪਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਚਾਲੂ ਕਰੇਗੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨਸਾਂ ਦਾ ਭਾ ਨਾ ਵਧੇ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਵੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਆਨਜ ਦੇ ਭਾ ਗਿਰਨ ਵੀ ਨਾ। ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਵੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇ ਪਰ ਦੁਖ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਸਾਲ, ਮੇਰਾ ਭਾਵ ਹੈ ਪਿਛਲੇ ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਵਿਚ ਖੁਰਾਕ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਕਕੇ। ਅਨਾਜ ਦੀ ਉਪਜ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਕੁਦਰਤੀ ਆਫਤਾਂ ਨੇ। ਪਰ ਅਜ ਕਲ ਦੀਆਂ ਸਰਕਾਰਾਂ ਦਾ ਮਾਡਰਨ ਸਰਕਾਰਾਂ ਦਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੋਕ ਸਰਕਾਰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਬਹਾਨਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੁਦਰਤ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਲਈ ਤਿਆਰ ਰਹਿਣਾ। ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕੁਦਰਤ ਦੀਆਂ ਆਫਤਾਂ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਹੀ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਖੁਰਾਕ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸੁਚਜੇ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਪਰਾਰਥਨਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਿਨਸ ਵਧ ਪੈਦਾ ਕਰ ਉਸ ਨੂੰ ਇਨਾਮ ਦੇਵੇ ਤੇ ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਉਸ ਅਨਾਜ ਵਧ ਉਗਾਣ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਇਨਾਮ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਅਨਾਜ ਵਧ ਉਗਾਣ ਦੇ ਬਦਲੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਤਾਂ ਨਾ ਦੇਈਏ। ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਮਾਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਹੁਤ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਇਨਾਮ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ (ਵਿਰੋਧੀ ਦਲ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਸੰਸਾ) ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨਸਾਂ ਨੂੰ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਤੇ ਜੋ ਖਰਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵਰਕ ਆਊਟ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਮਣ ਕਣਕ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਵੀਹ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਕੁਝ ਪੈਸੇ ਘਟ ਖਰਚ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਾ ਖਰਚਾ ਅਤੇ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਕਰਕੇ ਇਹ ਵਰਕ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਪਰ ਬਜ਼ਾਰ ਵਿਚ ਇਕ ਕਵਿੰਟਲ ਕਣਕ ਦਾ ਭਾ 49 ਤੋਂ 52 ਰੁਪਏ ਹੈ। ਅਤੇ ਇਹੋ ਹੀ ਕਣਕ ਜੇਕਰ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਚਲੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਇਕ ਕਵਿੰਟਲ ਦਾ ਭਾ 60—65 ਰੁਪਏ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਇਸ ਨੂੰ ਮਦਰਾਸ ਭੇਜ ਦਿਉ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਭਾ 100— ਤੋਂ 125 ਰੁਪਏ ਕਵਿੰਟਲ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇਣ ਕਿ ਜ਼ੋਨਲ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਪਿਛੇ

[ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ]

ਨਾ ਸੁਟਿਆ ਜਾਵੇ । (ਵਿਰੋਧੀ ਦਲ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਸੰਸਾ) ਇਹ ਗੱਲ ਅਜ ਦੀ ਨਹੀਂ ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ ਦੇ ਵੇਲੇ ਅਤੇ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਦੇ ਵੇਲੇ ਤੋਂ ਇਹ ਗਲ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨਸ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਪਿਛੇ ਸੁਟਿਆ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਗਲ ਵੇਖੋ ਕਿ ਜਦ ਵਿਸਾਖ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਣਕ ਵੀ ਸਸਤੀ ਛੋਲੇ ਵੀ ਸਸਤੇ ਤੇ ਜੌਂ ਵੀ ਸਸਤੇ ਜਦ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਨੇ ਅਨਾਜ ਵੇਚਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਜਦ ਮਾਘ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਭਾ ਵਧ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕਿਸਾਨ ਨੇ ਲੈ ਕੇ ਖਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਇਹ ਵਾਧਾ ਦੋ ਰੁਪਏ ਜਾਂ ਚਾਰ ਰੁਪਏ ਮਣ ਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਸਿਧੀ ਹੀ ਦੁਗਨੀ ਕੀਮਤ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਅਸਾਡੀ ਕਿ ਅਧੀ ਕੀਮਤ ਤੇ ਵੇਚੀਏ ਤੇ ਦੁਗਣੀ ਕੀਮਤ ਤੇ ਲੈ ਕੇ ਖਾਈਏ । ਇਹ ਇਨਾਮ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਵਧ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਇਨਾਮ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਸ ਨੂੰ ਲਾਲਚ ਹੋਵੇ ਕਿ ਮੈਂ ਅਨਾਜ ਵਧ ਪੈਦਾ ਕਰਾਂਗਾ ਤਾਂ ਜਿੰਨਾ ਵਧ ਪੈਦਾ ਕਰਾਂਗਾ ਉਨਾਂ ਮਾਣ ਅਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਮੇਰਾ ਵਧੇਗਾ । ਪਰ ਇਥੇ ਇਹ ਹਾਲਤ ਨਹੀਂ । ਅਸਾਡੇ ਸਵਰਗਵਾਸੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦਰ ਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ ਜੀ ਨੇ ਨਾਹਰਾ ਦਿਤਾ ਸੀ ਜੈ ਜਵਾਨ ਜੈ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਦੇਗ ਤੇਗ ਫਤਹ । ਦੇਗ ਦਾ ਭਾਵ ਸੀ ਜੈ ਕਿਸਾਨ, ਜਿਹੜਾ ਅਨਾਜ ਦਿੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਭੰਡਾਰ ਭਰਦਾ ਹੈ । ਭੰਡਾਰ ਸਦਾ ਭਰੇ ਰਹਿਣ ਤੇ ਤੇਗ ਫਤਹ ਭਾਵ ਤੇਗ ਚਲਦੀ ਰਹੇ । ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹੀ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਦੇਸ਼ ਦੇ ਅਨਾਜ ਦਾ ਭੰਡਾਰ ਨਾ ਮੁਕੇ ਅਤੇ ਤੇਗ ਚਲਦੀ ਰਹੇ ਤਾਂ ਫਤਹ ਹੁੰਦੀ ਰਹੇ । ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਜਿਹੜਾ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਪੂਰਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਹ ਤਾਂ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇਕਰ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨਾਜ ਦੀ ਉਪਜ ਦੀ ਵਧ ਕੀਮਤ ਮਿਲੇ । ਪਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਜਿਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨ ਲਗ ਪਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਅਨਾਜ ਵਧ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਉਤਸਾਹ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਾਹਦੇ ਲਈ ਅਨਾਜ ਵਧ ਪੈਦਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਬਾਕੀ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਉਸ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਪਏਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੋਨਲ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਇਸ ਨਾਲ ਨਾ ਸਿਰਫ ਕੀਮਤਾਂ ਅਨਾਜ ਦੀਆਂ ਹਰ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਸਗੋਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਇਨਟੇਗਰੇਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ । ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਦਾ ਭਾ ਵਖਰਾ ਵਖਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਸ ਨਾਲ ਮਿਡਲ ਮੈਨ ਦਾ ਮੁਨਾਫਾ ਵੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਟੇਟ ਟ੍ਰੇਡਿੰਗ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ( ਪ੍ਰਸੰਸਾ) ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਅਨਾਜ ਵਧਾਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਪਰ ਵਰਤਮਾਨ ਸਾਲ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਘਟ ਸੀ । ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਘਟ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਵੀ ਘਟ ਪੈਦਾ ਹੋਈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਅਤੇ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਅਸਰ ਪਿਆ । ਇਸ ਪਖ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਘਾਟੇ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ। 1,100 ਦੇ ਕਰੀਬ ਟਯੂਬ-ਵੈਲ ਲਗਾਏ ਗਏ । ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਲੇਕਿਨ ਫਿਰ ਵੀ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਉਪਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਜਿਥੇ ਕਿ ਪਾਣੀ ਘਟ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਅਸਰ ਪਿਆ । ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਜ ਅਨਾਜ ਦੀ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ 8 ਫੀ ਸਦੀ ਘਾਟੇ ਵਿਚ ਹਾਂ

ਇਸ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸਵਾ ਦੋ ਕਰੋੜ ਇਸਤ੍ਰੀ ਮਰਦ ਵਿਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਮੰਗਵਾਈ ਖੁਰਾਕ ਖਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਕਿਸੇ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਸੋਭਦੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਬਾਹਰ ਤੋਂ ਅਨਾਜ ਮੰਗਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਇਤਿਹਾਸ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਗਵਾਹ ਹੈ ਕਿ ਲੋੜ ਪੈਣ ਤੇ ਅਸਾਡੇ ਰਿਸ਼ੀਆਂ ਮੁਨੀਆਂ ਨੇ ਕੁਤਿਆਂ ਦਾ ਮਾਸ ਵੀ ਖਾਧਾ ਸੀ । ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਪਖ ਵਿਚ ਗ਼ੌਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਤੇ ਬੈਠੇ ਸਜਨਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਲਗਾ ਤਾਂ ਬੇਸ਼ਕ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਟੋਕਣ ਪਰ ਜਦ ਮੈਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਖਲ ਨਾ ਦੇਣ ਅਤੇ ਵਿਘਨ ਨਾ ਪਾਣ । ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਮਨੁਖ ਜਿਸ ਖੁਰਾਕ ਨੂੰ ਖਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਉਹ ਖੁਰਾਕ ਹੀ ਮਨੁੱਖ ਨੂੰ ਖਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਸਜਨ ਮੀਟ ਨਹੀਂ ਖਾਂਦੇ ਉਹ ਬੇਸ਼ਕ ਨਾ ਖਾਣ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇ ਰਿਹਾ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮੀਟ ਖਾਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਮੀਟ ਖਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਅਨਾਜ ਤੇ ਭਾਰ ਘਟੇ। ਜਿਹੜੇ ਜਾਨਵਰਾਂ ਨੂੰ ਮਨੁਖ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਲਈ ਮੀਟ ਦੇਣ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹੀ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਨੂੰ, ਭਾਵ ਅਨਾਜ ਨੂੰ ਖਾ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਅਵਾਰਾ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਡਾਰਾਂ ਦੀਆਂ ਡਾਰਾਂ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਨੂੰ ਖਾ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਗਊ ਮਾਤਾ ਦੀ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਇਜ਼ਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਕਿਉਂ ਇਸ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਇਕ ਪੁਰਾਣਾ ਇਤਿਹਾਸ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਦੀ ਇਕ ਪੁਰਾਣੀ ਹਿਸਟਰੀ ਹੈ । ਪਰ ਜੇ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਦੂਸਰੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਬੜੀ ਹੈਰਾਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਗਊਆਂ ਦੀ ਬੜੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਬੜੀ ਖੁਰਾਕ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗਊਆਂ ਨੂੰ ਖਾਂਦੇ ਵੀ ਹਨ । ਪਰ ਅਸੀਂ ਇਕ ਪਾਸੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਿਥੇ ਪੂਜਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਉਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਲਾਠੀਆਂ ਦੀ ਵਰਸ਼ਾ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਆਵਾਰਾ ਪਸ਼ੂਆਂ ਵੱਲ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੇ ਵਿਚ ਇਸ ਵੇਲੇ 6 ਕਰੋੜ ਚੂਹਿਆਂ ਦਾ ਅਨੁਮਾਨ ਹੈ । ਖੁਰਾਕ ਦੇ ਐਕਸਪਰਟਸ ਦਾ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ 4 ਚੂਹੇ ਇਕ ਆਦਮੀ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਖਾਂਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਜੇ 6 ਕਰੋੜ ਚੂਹੇ ਮਾਰ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੁਲਕ ਦੇ ਡੇਢ ਕਰੋੜ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਬਚ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਕੋਈ ਵੱਡੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਰਨ ਲਈ ਇਕ ਹਫਤਾ ਮੁਕਰਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣ ਅਤੇ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਿਲਵਰਤਣ ਵੀ ਲੈ ਲਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸਹਿਜੇ ਹੀ 6 ਕਰੋੜ ਚੂਹੇ ਮਾਰੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਵਖ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਤਾਰੀਫ ਦੀ ਮੁਸਤ਼ਹਿਕ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨੀਆਂ ਵੀ ਯੋਜਨਾਵਾਂ 1966-67 ਲਈ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਰੱਖੀ ਗਈ ਰਕਮ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ 70 ਫੀ ਸਦੀ ਐਸੀ ਰਕਮ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉੱਨਤੀ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜ਼ਰਾਇਤ ਦੇ ਵਿਚ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਉੱਨਤੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਬੇਨਤੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹੋ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਉਹ ਮੁਸਤਹਿਕ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਹੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਤਕਾਵੀਆਂ ਜਾਂ ਕਰਜ਼ੇ ਜਿਹੜੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਉਹ ਮੁਸਤਹਿਕ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਜਾਣ । ਪਰ ਵੇਖਿਆ ਇਹ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਕਰਜ਼ੇ ਆਦਿ ਦਿੱਤੇ ਵੀ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਹ ਮਹਿਜ਼ ਅਸਰ ਰਸੂਖ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਬਾਰਸੂਖ ਆਦਮੀ ਭਾਵੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ੇ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਾ

[ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ]

ਵੀ ਹੋਵੇ ਅਕਸਰ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਜ਼ ਲੈਕੇ ਆਪਣਾ ਕੰਮ ਚਲਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਜਿਸ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਕੋਲ ਆਪਣੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੋਵੇ ਉਹ ਤਾਂ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਤੋਂ ਹੀ ਟਰੈਕਟਰ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਰਜ਼ੇ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਕਰਜ਼ਾ ਉਸ ਨੂੰ ਦਿਉ ਜਿਸ ਦੇ ਪਾਸ ਆਪਣੇ ਬੈਲ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਬੀਜ ਉਸ ਨੂੰ ਦਿਉ ਜਿਸ ਨੂੰ ਲੋੜ ਹੈ । ਪਰ ਐਸਾ ਕੀਤਾ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ । ਇਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਚੰਦ ਇਕ ਚਿਟਕਪੜੀਏ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਅਸਰ ਰਸੂਖ ਰਖਣ ਵਾਲੇ ਬੰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਹੀ ਉਠਾਉਂਦੇ ਹਨ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ:** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ, ਸਰ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬੜਾ ਹੀ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹੋਵਾਂਗਾ ਜੇਕਰ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕੀ ਚਿਟਕਪੜੀਏ ਤੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁਰਾਦ ਕਾਂਗਰਸੀ ਖ਼ੱਦਰ ਪੋਸ਼ਾਂ ਤੋਂ ਤਾਂ ਕਿਤੇ ਨਹੀਂ ਹੈ ?

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ :** ਇਨ੍ਹਾਂ ਚਿਟਕਪੜੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਅਕਾਲੀ ਸਿੰਘ ਵੀ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਸਭ ਤੋਂ ਮੂਹਰੇ ਹਨ । (ਇੰਟਰਪਸ਼ਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਬੀਜ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਡਿਸਟਰੀਬੀਊਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ । ਡਿਸਟਰੀ-ਬਿਊਸ਼ਨ ਦਾ ਢੰਗ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਕੋਈ ਸੌਖਾ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਕਈ ਥਾਂ ਤੇ ਜਾਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮਾਨਤ ਦੇਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿਤੇ ਬੀਜ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸੌਖੇ ਤੋਂ ਸੌਖੇ ਤਰੀਕੇ ਅਪਨਾ ਕੇ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਘਰ ਬੀਜ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਕਰਨ ਲਈ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਐਸੇ ਤਰੀਕੇ ਅਪਨਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਉਹ ਆਸਾਨੀ ਦੇ ਨਾਲ ਵਾਪਸ ਕਰ ਸਕੇ । ਕਰਜ਼ੇ ਇਤ ਸਰ੍ਹਾਂ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ 5 ਏਕੜ ਦੇ ਮਾਲਕ ਨੂੰ 10 ਹਜ਼ਾਰ ਟਰੈਕਟਰ ਦੇ ਲਈ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਉਹ ਇਹ ਕਰਜ਼ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਪਸ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ਾ ਉਤਨਾ ਹੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਤਨੇ ਕੁ ਦਾ ਉਹ ਹੱਕਦਾਰ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਆਸਾਨੀ ਨਾਲ ਵਾਪਸ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੋਵੇ ।

ਕਮਿਊਨਟੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮਹਿਕਮਾ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਅਮਲੇ ਤੇ ਜਿਸ ਵਿਚ ਕਿ ਗਰਾਮ ਸੇਵਕ ਅਤੇ ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ 40 ਫੀ ਸਦੀ ਦੇ ਕਰੀਬ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਸਾਰੇ ਦਾ ਸਾਰਾ ਮਹਿਕਮਾ ਖਤਮ ਕਰਕੇ ਇਹ ਪੈਸਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਕੰਮ ਤੇ ਲਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਬੰਦੇ ਘਰ ਬੈਠੇ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ੇ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਅਪਣੇ ਕੰਮ ਦੇ ਨਕਸ਼ੇ ਬਣਾ ਬਣਾ ਭੇਜੀ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦੇ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ । ਇਹ ਪੈਸਾ ਜੇ ਸਹੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪਿੰਡਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਫੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਮੈਂ ਏਥੇ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਈ ਥਾਈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਕ ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, 2 ਐਸ. ਡੀ. ਓਜ਼. ਅਤੇ 4 ਓਵਰਸੀਅਰਜ਼, ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵ ਹੋਰ ਵੀ ਸਟਾਫ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਇਹ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਜਗ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 40 ਮੀਲ ਲੰਮੀ ਸੜਕ ਬਣਾਈ ਵੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਤਨੇ ਹੀ ਬੰਦਿਆਂ ਨੇ ਉਤਨੇ ਹੀ ਪੈਸੇ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਕਿਤੇ 10 ਮੀਲ ਲੰਬੀ ਸੜਕ ਬਣਾਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਖਰਚੇ ਘਟਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਕਈ ਥਾਈਂ ਇਤਨਾ ਖਰਚ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦਾ ਲਾਭ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹੋਰ ਸਾਰੇ ਕੰਮਾਂ ਵਾਸਤੇ ਪਾਵਰ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰਕੇ ਮਹਿਜ਼ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਦੇਕੇ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਬੜੀ ਇਮਦਾਦ

ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਬਹੁਤ ਹੀ ਕਾਬਲੇ ਤਾਰੀਫ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਖਿਆਲ ਵੀ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਕਿਸੇ ਨੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਸੇ ਗੱਲ ਵਿਚ ਇਨੀਸ਼ੀਏਟਿਵ ਲਿਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ ਇਮਦਾਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਕਣਕ ਕਢਣ ਦੀ ਇਕ ਮਸ਼ੀਨ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਬੜਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਅਗੇ ਕਣਕ ਕਢਦਿਆਂ ਬੜਾ ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਬੜੀ ਲੇਬਰ ਜ਼ਾਇਆ ਹੁੰਦੀ ਸੀ, ਇਸ ਮਸ਼ੀਨ ਨੇ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿਚ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਇਨਕਲਾਬ ਲਿਆ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਨੇ ਇਹ ਕਾਢ ਕਢੀ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਵੀ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਵੀ ਹੌਂਸਲਾ ਅਫਜ਼ਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਸ ਮਸ਼ੀਨ ਦੇ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲਾ ਇਕ ਪੰਜਾਬੀ ਹੋਵੇ (ਇੰਟਰਪਸ਼ਨ) । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬੈਠੇ ਬੈਠੇ ਨਾ ਬੋਲੋ । ਮੈਨੂੰ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦੇ ਇਜ਼ਹਾਰ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦੇਓ ।

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਗੱਲ ਲਈ ਵੀ ਵਧਾਈ ਦੀ ਮੁਸਤਹਿਕ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਅਨਾਜ ਘਾਟੇ ਵਾਲੇ ਸੂਬਿਆਂ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 1.60 ਲੱਖ ਟਨ ਕਣਕ, 1.60 ਲੱਖ ਟਨ ਚਾਵਲ ਅਤੇ 2.50 ਲੱਖ ਟਨ ਛੋਲੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਵਖ 35 ਹਜ਼ਾਰ ਟਨ ਮੱਕੀ ਅਤੇ 25 ਹਜ਼ਾਰ ਟਨ ਬਾਜਰਾ ਦੇਣ ਦਾ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਖੋਹ ਕੇ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਸਾਡਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਕਿਨਾਰੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਵਸਦਾ ਹੈ ਉਹ ਭਾਰਤ ਮਾਤਾ ਦਾ ਲਾਲ ਹੈ ਤੇ ਭਾਰਤ ਮਾਤਾ ਦਾ ਲਾਲ ਜਾਂ ਜਿਹੜਾ ਹਿੱਸਾ ਭਾਰਤ ਮਾਤਾ ਦੀ ਗੋਦ ਵਿਚ ਵਸਦਾ ਹੈ, ਭੁਖਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਸ਼ਲਾਘਾ-ਯੋਗ ਕਦਮ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਬੜੀ ਤਾਰੀਫ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਜਾ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਇਹ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਹਨ ।

ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਇਕ ਬੇਨਤੀ ਹੋਰ ਕਰਾਂਗਾ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਰੀਆਂ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਨ ਲਈ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ੨ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਕੁਝ ਟਾਈਮ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਮੇਟੀਆਂ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ । ਕਮੇਟੀ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨਾ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਹੈ । ਪਰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਕੰਮ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਏ ਉਹ ਕੰਮ ਕਈ ਵਾਰੀ ਖੱਟੇ ਵਿਚ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਅਜ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਸੁਭਾ ਹੀ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਬਣਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਨੂੰ ਬਰੇਕ ਲਗ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਪੂਰਾ ਗ਼ੌਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਲਦੀ ਹੀ ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਹੈ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸੁਧਾਰ ਕਮੇਟੀ ਸਾਰੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰੀ ਅਮਲੇ ਦੇ ਕੰਮ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂਚ ਕਰਕੇ ਰਪੋਟ ਕਰਨ ਲਈ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਤੇ ਗ਼ੌਰ ਕਰਨ ਦਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਬੜਾ ਸੁਧਾਰ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਤੋਂ ਪੁਛਣ ਲਗਾ ਸੀ ਕਿ ਕਿੰਨੇ ਕਿਸਮ ਦੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਹਨ । ਤਕਰੀਬਨ ਇਕ ਦਰਜਨ ਦੇ ਕਰੀਬ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਹਨ । (ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ: 14 ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਹਨ) ਇਹ 14 ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਏਸੇ ਖਿਆਲ ਦਾ ਸੀ ਤੇ ਹੁਣ ਵੀ ਏਸੇ ਖਿਆਲ ਦਾ ਹਾਂ । ਜੇ ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਸਮਰਥਕ ਹਾਂ । (ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਭੁਲੇਖੇ ਵਿਚ ਨਾ ਰਿਹੋ । ਵਜ਼ੀਰੀ

[ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ]

ਭੁਲਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ, ਕਈ ਵਾਰੀ ਆਈ ਹੈ ਤੇ ਕਈ ਵਾਰੀ ਗਈ ਹੈ। ਤੁਹਾਡੇ ਹੌਕੇ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ (ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ: ਐਸਾ ਸਮਾਂ ਆਉਣਾ ਹੈ।) ਸਮਾਂ ਆ ਜਾਣਾ ਹੈ ਪਰ ਤੁਸਾਂ ਨਹੀਂ ਆਉਣਾ। ਇਹ ਜਿਹੜੇ 14 ਕਿਸਮ ਦੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰੋ। (ਇਸ ਸਮੇਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਕੁਰਸੀ ਸੰਭਾਲੀ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਵੇਖੋ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਪੜੇ ਵੇਖੋ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਜੇ ਹੋਏ ਘਰ ਦੇਖੋ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਰਨੀਚਰ ਦੇਖੋ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦੇਖੋ। ਇਕ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਕਹਿਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਵੱਟੇ ਤੋਲਣੇ ਹਨ। ਦੂਜਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ)।

**श्री जगन्नाथ** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मेडम मैं पूछना चाहता हूं कि इनको बोलते पौना घंटा हो गया है तो हम कब बोलेंगे।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਗਿਆਨੀ ਜੀ, ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰ ਦਿਓ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਯਾਦ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਹੈ। (Giani Ji may please wind up, He has reminded the hon, Member about it.)

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕਦਮ ਹੈ। ਇਹ ਜਲਦੀ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਤੋਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਏ। ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ ਦੇਵਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਐਸੇ ਕਾਇਦੇ ਕਾਨੂੰਨ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਬਲੈਕ ਕਰਨ। ਬਲੈਕ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਗ਼ੈਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਫਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮਜਬੂਰ ਹੋ ਕੇ ਵਪਾਰੀ ਨੂੰ ਬਲੈਕ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਦੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਦੂਰ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੇਰੀ ਪਰਾਰਥਨਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਹੁਤੀਆਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਕਮੇਟੀਆਂ ਘਟਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇ। ਅਜ ਕਲ ਲੋਕ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਮ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ—ਮੀਟਿੰਗ, ਈਟਿੰਗ, ਚੀਟਿੰਗ। ਮੀਟਿੰਗ ਈਟਿੰਗ, ਚੀਟਿੰਗ ਦੀ ਗਲ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੈ ਇਹ ਮੁਕਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਬਹੁਤੀਆਂ ਮੀਟਿੰਗ, ਕਰਕੇ ਕੋਈ ਫੈਸਲੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ। ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਹ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਕ ਇਸ਼ਾਰਾ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਕਮਿਸ਼ਨ–ਇਕ ਚੌਕਸੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਖੈਰ ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਹੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਕੰਮ ਚੰਗਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਧੀਨ ਚੌਕਸੀ ਸੈੱਲ ਕਾਇਮ ਕਰਨੇ ਹਨ। ਗਲ ਤਾਂ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੀ ਸਮਝ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਕਿ ਚੌਕਸੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਕਿਉਂ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਹੋਰ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਸੁਤੀ ਪਈ ਹੈ ਜਾਂ ਲੋਕ ਸਤੇ ਹੋਏ ਨੇ। ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਖੁਦ ਲਗਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਖੁਦ ਵਿਜੀਲੈਂਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਚੌਕਸੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਅਗੇ ਸੈੱਲ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨੇ ਹਨ। ਇਹ ਮੁਸੀਬਤ ਖੜ੍ਹੀ ਕਰੋਗੇ। ਉਹ ਕੌਣ ਹੋਣਗੇ ? ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮਾਤਹਿਤ ਹੋਣਗੇ। ਉਹ ਬੰਦੇ ਸਾਡ ਵਿਚੋਂ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਹੋਣਗੇ। ਜੇ ਵਜ਼ੀਰ ਚੌਕਸ ਹੋ ਕੇ ਚੁਕੰਨਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਨਵੇਂ ਬਣੇ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਪਰਾਰਥਨਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਖੁਦ ਚੌਕਸ ਰਹੇ, ਖੁਦ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਰਹੇ, ਖੁਦ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਪਹਿਰਾ ਦੇ ਕੇ ਪੂਰਾ ਕਰੇ। ਲੇਕਿਨ ਇਨਾਂ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਤੇ ਬਹੁਤਾ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਲਾਭ ਨਹੀਂ। (ਘੰਟੀ) ਮੈਂ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਕੋ ਗਲ ਕਹਾਂਗਾ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਰਾਜ ਦੀ ਆਰਥਕ ਦਸ਼ਾ ਦੀ ਸਮੁਚੀ ਉੱਨਤੀ ਲਈ ਜ਼ੋਰਦਾਰ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਫਿਰ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇੱਛਾ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਫਰਕ ਨੂੰ ਘਟਾਇਆ

ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਉੱਨਤੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨਾਂ ਵਿਚ ਕਈ ਇਲਾਕੇ ਐਸੇ ਵੀ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਗਿਆ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਬਠਿੰਡਾ ਹੈ, ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਹੈ, ਡਿਸਟਹਿਕਟ ਸੰਗਰੂਰ ਹੈ । ਇਨਾਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ । ਅੰਗਰੇਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਓਥੇ ਡਬਲ ਰੇਲਵੇ ਲਾਈਨ ਕਢੀ, ਡਬਲ ਸੜਕਾਂ ਕਢੀਆਂ । ਅਜ ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਤਕ ਆ ਕੇ ਥਕ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਲੁਧਿਆਣਾ, ਜਲੰਧਰ ਇਹ ਸਾਡੇ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਗ ਹਨ । ਇਨਾਂ ਦੀ ਉੱਨਤੀ ਦੇਖ ਕੇ ਸਾਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਿਨੀ ਵੀ ਉੱਨਤੀ ਹੋਵੇ ਅਸੀਂ ਖੁਸ਼ ਹਾਂ । ਲੇਕਿਨ ਸਰੀਰ ਦੇ ਕਿਸੇ ਅਗ ਨੂੰ ਮੋਟਾ ਕਰ ਦਿਓ ਤੇ ਦੂਜਾ ਅੰਗ ਪਤਲਾ ਰਹਿ ਜਾਏ ਤਾਂ ਸਰੀਰ ਬੇਢਬਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਢਿਡ ਮੋਟਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਸਰੀਰ ਪਤਲਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਭੈੜਾ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਸਮਾਨਤਾ ਰਖਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿੰਨਾ ਧਿਆਨ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿਤਾ ਹੈ ਉਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦੇਵੋ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਜੋ ਇਹ ਕਾਣੀ ਵੰਡ ਹੈ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਤੋਂ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਤੇ ਅਜੇ ਤਕ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ । ਜ਼ਰੂਰਤ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਇਲਾਕੇ ਡੀਵੈਲਪ ਨਹੀਂ ਹੋਏ ਉਨਾਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਨੂੰ ਡੀਵੈਲਪ ਕੀਤਾ ਜਾਏ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੈਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਭ ਤੋਂ ਲੰਮੀ ਸਪੀਚ ਤੁਹਾਡੀ ਹੈ। (I find that out of all the longest speech has been made by the hon. Member.)

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤਹਾਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਨਾਲ ਵੈਰ ਭਾਵ ਦੀ ਸਪੀਚ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਤਾਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹੈ । ਫੀਰੋਜ਼ਪਰ, ਬਠਿੰਡਾ ਅਤੇ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਜਵਾਨ ਵੀ ਮਰੇ । ਉਥੋਂ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਤਬਾਹ ਹੋਈ, ਓਥੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਭਾਵੇਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਹੀਂ ਭੇਜੀ ਸੀ, ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਹਿੰਮਤ ਨਾਲ ਬਣਾਈ ਸੀ । ਜੰਗ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ । ਮੈਂ ਰਪੀਟ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਵਿਚ ਜਲੰਧਰ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਵਿਚ ਲਧਿਆਣਾ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 3 ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰ ਦਿਤੇ. ਪਰ ਏਰੀਆ ਮੁਕੱਰਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । 3 ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਏਰੀਆ ਨਹੀਂ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ । ਫਰੀਦਕੋਟ ਸਬ ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੀ ਹੱਦ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੀ ਹੱਦ ਤੋਂ 13 ਮੀਲ ਤੇ ਹੈ । ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਰਿਆਇਤਾਂ ਨਹੀਂ । ਮੋਗਾ, ਗਿਦੜਬਾਹਾ ਅਤੇ ਬਿਆਸ ਆਦਿ ਜਿਹੜੇ ਬਾਰਡਰ ਤੋਂ 50, 50 ; 60, 60 ਮੀਲ ਤੇ ਹਨ ਉਨਾਂ ਨੂੰ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ। ਬਠਿੰਡਾ, ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਅਤੇ ਸੰਗਰੂਰ ਲਈ ਕੋਈ ਰਿਆਇਤ ਨਹੀਂ, ਲੇਕਿਨ ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਲਈ ਰਿਆਇਤ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਸੰਗਰੂਰ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਹੈ ?

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ** : ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੀਏ ਤਾਂ ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਸ਼ਾਇਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਨਾਲ ਹੀ ਪਿਆਰ ਹੈ, ਪਰ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦਾ ਹਕ ਸੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਿੱਧਾ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਨਾਲ ਟਾਕਰਾ ਸੀ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦਾ ਇਹ ਮਤਲਬ ਨਹੀਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ

[ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ]

ਹੱਦ ਲਗਦੀ ਹੈ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਗੁਨਾਹ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਅਸੀਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਨਕਸ਼ਾ ਦਖਾਇਆ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਨਕਸ਼ਾ ਤਾਂ ਬੜਾ ਅੱਛਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸੁਹਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅਸੀਂ ਅਖਬਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਪੜ੍ਹ ਲਿਆ ਕਿ ਉਹ ਏਰੀਆ ਵੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਜੇ ਤਕ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰੀ ਹੁਕਮ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਕਿ ਉਸ ਏਰੀਏ ਨੂੰ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਏਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਡੀਕਲ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਣ ਦੀ ਲੇਕਿਨ ਉਹ ਕਿਨੇ ਕੁ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਘੁੰਮਦੀ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਜਾਣਦੇ ਹਨ । ਉਹ ਕਿਹੜੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਡਬਲ ਸੜਕਾਂ ਹਨ, ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਗੇ ਹਨ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਪਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦਾ ਮੈਂ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਪੈਪਸੂ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋ ਕੇ ਇਕ ਵਡਾ ਪੰਜਾਬ ਬਣਿਆ ਹੈ । ਸਾਡਾ ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਏਰੀਆ ਬੜਾ ਛੋਟਾ ਸੀ । ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਦੂਸਰਾ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਜਿਹੜਾ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਤਨੀ ਰਕਮ ਐਲੋਕੇਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਤੇ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਭਾਖੜੇ ਵਿਚ ਪੈਪਸੂ ਦਾ 23 ਫੀ ਸਦੀ ਹਿੱਸਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਸਾਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚੋਂ ਸਿਰਫ 15 ਫੀ ਸਦੀ ਹਿੱਸਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਫਰਕ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰੇਗੀ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਮੈਂਬਰ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਅਜ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਏਰੀਏ ਵਿੱਚੋਂ ਇਕ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੈਪਸੂ ਹਾਈਕੋਰਟ ਦੇ ਪੰਜ ਜੱਜ ਸਨ ਮਗਰ ਹੁਣ ਸਿਰਫ ਇਕ ਜਜ ਹੀ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਹੜੇ ਰੀਟਾਇਰ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੋਈ ਵੀ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਏਰੀਏ ਦਾ ਜੱਜ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਬਾਰਡੀਨੇਟ ਸੀਲੈਕਸ਼ਨ ਬੋਰਡ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਪੈਪਸੂ ਦੀ ਕੋਈ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਏਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ ਅਜ ਪੈਪਸੂ ਨੂੰ ਮਰਜ ਹੋਇਆਂ 10 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਮਗਰ ਅਜੇ ਤਕ ਜਿਹੜੇ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਮਲਾਜ਼ਮ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇੰਟੈਗਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮਸਲੇ ਵੀ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇ । ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ । ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਜਿਹੜੇ ਏਰੀਏ ਦੀ ਘਾਟ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਰਦਾਰ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਠੀਕਰੀਵਾਲਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰਿਆਸਤੀ ਪਰਜਾ ਮੰਡਲ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਕੀਤੀ, ਜਿਹੜੇ ਰਿਆਸਤੀ ਪਰਜਾ ਮੰਡਲ ਦੀ ਰੂਹੇ ਰਵਾਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਅਜੇ ਤਕ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦੀ । ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦਗਾਰ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਬਿਜਲੀ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜਿਸ ਦਿਨ ਸਰਦਾਰ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਠੀਕਰੀਵਾਲਾ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਸਨ ਉਸ ਦਿਨ ਦੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਛੁਟੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਬੜੀਆਂ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਬਰਿਟਿਸ਼ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਵਿਚ ਉਸ ਵਕਤ ਰਹਿਣ ਵਾਲਿਆਂ ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਨੇਤਾਵਾਂ ਨੇ ਜੋ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸਾਡਾ ਸਿਰ ਝੁਕਦਾ

ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਰਿਆਸਤਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਨਜ਼ਰਅੰਦਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਰਿਆਸਤਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਪਰਜਾ ਮੰਡਲ ਦੇ ਨੇਤਾਵਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਰੀਲੀਫ ਦੇਣ ਵੇਲੇ ਬੜੀ ਡਿਸਕਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਹੋਈ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ 1947 ਤਕ ਜਿਹੜੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਸਫਰਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੀਲੀਫ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਇਹ ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਰਿਆਸਤਾਂ ਵਿਚ ਲੋਕ 1948 ਤਕ ਜਦੋਂ ਤਕ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਣਿਆ ਸਫਰ ਕਰਦੇ ਰਹੇ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਸਫਰਰਜ਼ ਨੂੰ ਰੀਲੀਫ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 1948 ਤਕ ਰਿਆਸਤਾਂ ਵਿਚ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਸੀ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਟੈਕਸਟਾਈਲ ਮਿਲਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਖੋਲ੍ਹਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਵਿਤਕਰੇ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਕੋਟਕਪੂਰਾ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕਨ ਕਾਟਨ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਤੇ ਦੂਸਰੇ ਨੰਬਰ ਤੇ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੋ ਮਿਲਾਂ ਲਾਈਆਂ ਹਨ ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇਕ ਵੀ ਉਥੇ ਨਹੀਂ ਲਾਈ ਗਈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਗਿਆਨੀ ਜੀ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਤਕਰੀਬਨ 50 ਮਿੰਟ ਬੋਲਦਿਆਂ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਇਸ ਕਰਕੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰੋ। (The hon. Member Giani Zail Singh has been speaking for the last fifty minutes. He may please wind up in three minutes.)

**ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਜਦੋਂ ਕਹੋਗੇ ਮੈਂ ਉਦੋਂ ਹੀ ਬੈਠ ਜਾਵਾਂਗਾ। ਮੈਂ ਬਹੁਤ ਘਟ ਬੋਲਣ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਹਾਂ। ਪਰ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬੈਠੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਤਲਬ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਤੋਂ ਹਟਾਉਣ ਦਾ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਥੋੜ੍ਹੀ ਬਹੁਤੀ ਗੜਬੜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਜਿਸ ਚੰਗੇ ਤੇ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਵਿਚ ਉਲੀਕਿਆ ਹੈ ਉਹ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਜੋ ਮਿਤਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

**Deputy Speaker** : Motion moved—

That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the members of the Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to both the Houses of the State Legislature assembled together on the 14th February, 1966."

Some amendments to the Motion have been received from various honourable Members. These amendments will be deemed to have been read and moved and may be discussed alongwith the main motion.

1. **Pandit Mohan Lal Datta :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) of the necessity of introducing prohibition in the State ;

(2) of Land Reforms which was essential for increasing agricultural production and bringing about social justice ;

[Deputy Speaker]

(3) of rural industrialisation which was essential for rural development ;

(4) of the unirrigated and drought-hit hilly areas of tehsil Una. Hamirpur equally with the other drought hit Districts as regards relief measures ;

(5) of the steps to be taken to provide irrigation facilities to the hilly areas particularly tehsil Una."

2. **Principal Rala Ram :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret—

(1) that the cent per cent hilly areas of Thana Hajipur (District Hoshiarpur) has been excluded from the purview of the Committee appointed under the Chairmanship of the Financial Commissioner (Revenue) to suggest permanent measures to tackle the drought problem in certain areas of the State, including Una Tehsil to which it is contiguous ;

(2) that the Address make no mention of any steps intended to be taken to redress the imbalance in the matter of Tube-well connections which have not been given at all in areas like Mukerian and Hajipur Blocks so far ;

(3 that no scheme for the upgrading of such Government primary middle schools where the Panchayats have put up the necessary buildings and are prepared to pay the cash amounts prescribed for the purpose has been outlined in the Address ;

(4) that no indication has been given in the Address as to the period during which the Datarpur area water supply scheme and the Kumalie Devi area (Hajipur Block) water-supply scheme are to be implemented ; and

(5) that no mention has been made in the Address of the spurs so badly needed to save villages, lying on the banks of River Beas on Mukerian-Mirthal side, from the depredations of floods in that River."

3. **Pandit Babu Dayal Sharma :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention is made for the revival of the Salt Industry of Gurgaon District and to give foremost priority to supply the electric power as promised by the Government in 1953 and supply fresh drinking water to all such villages and towns where there is salt water."

4. **Babu Ajit Kumar :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) for the cancellation of lease of Birla Brothers land ;

(2) to protect the rights of Scheduled Castes employees specially serving in Punjab State Electricity Board, Agriculture University, Punjab University, Punjabi University and Kurukshetra University with regard to reservation in promotions ;

(3) regarding allotment of all Government land to the landless people ; and

(4) for the allocation of 1/4th of the yearly Budget for the uplift of the Scheduled Castes and other Backward Classes."

5. **Babu Bachan Singh :**

That in the motion the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) to check the growing unemployment in the State ;

(2) of transforming of the present capitalistic social set up into socialistic pattern ; and

(3) of the new excise policy set by the State Government."

**6. Comrade Jangir Singh Joga :**
**7. Comrade Babu Singh Master :**
**8. Comrade Gurbakhsh Singh :**
**9. Comrade Bhan Singh Bhaura :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that—

(1) no promise has been held out to cancel lease of land to Birla Brothers in the sutlej Bed in deference to the public opinion ;

(2) no mention has been made of acceeding to popular demand for release of detenue ;

(3) full cognizance has not been taken of the damage caused to the agriculture by prolonged drought and no measures have been announced for stepping up irrigation ;

(4) no steps have been taken to meet the demands of government employees ;

(5) no mention have been made to cheek the growing un-employment in the State ; and

(6) no mention have been made regarding the alllotment of surplus land as well as government lands to the tiller in order to increase the agricultural production."

**10. Dr. Baldev Parkash :**
**11. Shri Balramji Dass Tandon :**
**12. Shri Mangal Sein :**
**13. Shri Satya Dev :**
**14. Shri Fateh Chand Vij :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that nothing has been said—

(1) for allocating 60 per cent of the total Budget for the development of Haryana and Hilly areas ;

(2) for abolishing the Food Zones to better the lot of farmers and to give a fillip to move production of foodgrains ;

(3) regarding taking concrete steps to rehabilitate the War hit economy of the State ;

(4) to fulfil the promises made by the Government of and on to grant ample loans for Industry and to give relief in taxation in border industry; and

(5) to dissolve the deed made by the Government with Birlas to lease them 1000 acres of reclaimed land against the interest of petty farmers and landless Harijans."

**15. Comrade Shamsher Singh Josh :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that—

(1) the Address makes no mention of any steps intended to be taken to provide irrigation by setting up Government tube-wells or from Bhakra Canal or by constructing Dams at the heads of rainy rivulets in Ambala and Hoshiarpur Districts. This matter assumes grave importance because 88 per cent areas of these districts are unirrigated ;

(2) the Address takes no notice of strong public opinion against the Birla land lease and also fails to mention the reasons for imposition of section 144 around Assembly and Secretariat ;

[Deputy Speaker]

(3) The Address fails to mention inordinate delay in distribution of rehabilitation loans amongst unemployed workers during Pakistan-India conflict and also fails to mention the failure of the Government to stop large-scale retrenchment of workers all over the State;

(4) the Address fails to mention any steps taken to set up Hydel Power Plant atRupar on Bhakra Canal; and

(5) the Address fails to mention the reasons as to why Hilly area allowance is not given to Government employees of Rupar and Majri Blocks of Ambala District."

**16. Shri Roop Lal Mehta :**

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) regarding supply of electric material and not supply of electric connection to hundred of Tube-wells for short of material in entire Gurgaon District ;

(2) regarding industrialisation of Palwal area for Co-operative Sugaror Spinning Mills which are proposed to be set up in other parts of the State ;

(3) to provide better class of Buses to avoid frequent break down ; and

(4) regarding removal of disparity of water rates of upper Agra Canal in Gurgaon District."

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** (ਲੁਧਿਆਣਾ ਉੱਤਰ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਰਦਾਰ ਉਜਲ ਸਿੰਘ ਜੀ ਮੇਰੇ ਬਜ਼ੁਰਗ ਦੋਸਤ ਹਨ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਹੁਤ ਇੱਜ਼ਤ ਅਤੇ ਕਦਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰਕੇ ਖੁਸ਼ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਪਰ ਜਿਤਨੀ ਮੈਨੂੰ ਮਾਯੂਸੀ ਅਤੇ ਨਿਰਾਸਤਾ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਤੋਂ ਹੋਈ ਹੈ ਏਨੀ ਮਾਯੂਸੀ ਅਤੇ ਨਿਰਾਸਤਾ ਮੈਨੂੰ ਅਜ ਤਕ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਹੋਈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਤੀਜੇ ਪਲਾਨ ਦਾ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਲ ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਵੀ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਹੀ ਹੈ । ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਮਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਾਇਦ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦਾ ਵੀ ਇਹ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਹੈ (ਤਾੜੀਆਂ) ਅਤੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਵੀ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਹੈ (ਵਿਘਨ) । ਐਸੇ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਵਿਚ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਆਪਣੀਆਂ ਪਿਛਲੀਆਂ ਕਾਮਯਾਬੀਆਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਇਹ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਅਗੇ ਲਈ ਇਹ ਇਹ ਕੁਝ ਕਰਨ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਨਾ ਪਿਛਲਾ ਕੁਝ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਅਗਲਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ । ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਕ ਜ਼ਿਕਰ ਜ਼ਰੂਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਲ ਸ਼ਾਰਟੇਜਿਜ਼ ਦਾ ਸਾਲ ਹੈ, ਤੰਗੀਆਂ ਤੇ ਕੰਮੀਆਂ ਦਾ ਸਾਲ ਹੈ । ਇਸ ਸਾਲ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ, ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ, ਖੇਤੀ ਲਈ ਖਾਦ ਡੀਜ਼ਲ ਆਇਲ ਤੇ ਇੰਜਣਾਂ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ, ਸੀਮਿੰਟ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਿਹੜੀ ਕਿਹੜੀ ਕਮੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਾਂ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਅਕਲ ਤੇ ਹੌਸਲੇ ਦੀ ਵੀ ਕਮੀ ਹੈ (ਹਾਸਾ) ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਜੀ ਦੱਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਮੋਰੈਲਿਟੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਐਡਰੈਸ ਨੂੰ ਵੀ ਮੈਂ ਗੌਰ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ ਤੇ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਵਿਚ ਇਕ ਗੱਲ ਦਾ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਜੋ ਖੁਸ਼ਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਇਸ ਵਕਤ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਵੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ..... ..........

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ;** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਕੀ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਐਡਰੈਸ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ?

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜੋ ਕੁਝ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਖੁਦ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਹ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਉਂਦਾ ਹਾਂ। ਜੇਕਰ ਉਸ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਨਾਮ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਰੋਕ ਦੇਣਾ ਪਰ ਜੇਕਰ ਨਾਮ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਤੇ ਰਹਿਮ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਬੂ ਕਰੋ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ :

> "ਸਰਦਾਰ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਦੀ ਪਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ ਜੋ ਪੂਰੇ ਵੇਰਵੇ ਨਾਲ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰੇਗੀ ਕਿ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਤੇ ਕਿਤਨਾ ਖਰਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਐਸੀ ਨੀਤੀ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਵੇਗੀ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੀ ਜਾਇਜ਼ ਕੀਮਤ ਮਿਲ ਸਕੇ। ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਜਲਦੀ ਹੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਲਈ ਲਾਭਦਾਇਕ ਸਾਬਤ ਹੋਣਗੀਆਂ......."

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ........(ਸ਼ੋਰ) (ਬੈਠ ਜਾਉ, ਬੈਠ ਜਾਉ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ) .........

**Deputy Speaker :** If the hon. Member who is speaking does not give way, the Chief Parliamentary Secretary cannot speak.

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਕੰਨਵੈਨਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਵੀ ਉਸਨੂੰ ਐਡਰੈਸ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਸਿਰਫ ਉਸ ਦੇ ਹਲਕੇ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਐਡਰੈਸ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਫਰਾਮ ਲੁਧਿਆਣਾ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਣ ਦਾ ਤਾਂ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਹਾਊਸ ਆਫ ਕਾਮਨਜ਼ ਵਿਚ ਵੀ ਤੇ ਸਾਡੇ ਲੋਕ ਸਭਾ ਵਿਚ ਵੀ ਇਹੋ ਕੰਨਵੈਨਸ਼ਨ ਹੈ.........(ਸ਼ੋਰ)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਗਰਗ ਸਾਹਿਬ, ਉਹ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਉਸੇ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਜੋ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਲਿਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਰਹੇ।

(Addressing Shri Garg : The hon. Member Baboo Bachan Singh is referring to what has been given in the address. He is not saying anything of his own.)

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਵੈਸੇ ਕੰਨਵੈਨਸ਼ਨ ਤਾਂ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਗਵਰਨਰ ਹੀ ਐਡਰੈਸ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਸਦਾ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਉਸਨੂੰ ਐਡਰੈਸ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਲੇਕਨ ਜੋ ਬਾਬੂ ਜੀ ਰੈਫਰੈਂਸ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਕਮੇਟੀ ਬਾਰੇ ਹੈ। ਉਸ ਹੱਦ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਵੈਸੇ ਬਤੌਰ ਗਵਰਨਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗਵਰਨਰ ਕਹਿ ਕੇ ਹੀ ਐਡਰੈਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਇਥੇ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਦੋ ਗਵਰਨਰ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਨਾਮ ਲੈਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਇਕੋ ਗਵਰਨਰ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਨਾਮ ਨਾ ਲੈਂਦੇ (ਹਾਸਾ)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਬਾਬੂ ਜੀ, ਜਿਥੇ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੋਵੇ ਉਥੇ ਨਾਮ ਲੈ ਲਓ ਵੈਸੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਗਵਰਨਰ ਹੀ ਐਡਰੈਸ ਕਰੋ।

(Addressing Baboo Bachan Singh. The hon. Member may

[Deputy Speaker]

mention the Governor by name while referring to the Ujjal Singh Committee otherwise he may be mentioned as Governor.)

**Pandit Chiranji Lal Sharma**: If you kindly refer to address itself it is written thereon "Delivered by Sardar Ujjal Singh, the Governor of Punjab......". Why should there be any objection to that ? There is no bar.

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਇਥੇ ਆਏ ਨੂੰ 14/15 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਹਰ ਸਾਲ ਗਵਰਨਰ ਐਡਰੈਸ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਹੋ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਐਡਰੈਸ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ । ਹਰ ਥਾਂ ਇਹੋ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਹੈਡ ਆਫ ਦੀ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਮੁਖਾਤਬ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ.......

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਇਥੇ ਝਗੜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਦੋ ਗਵਰਨਰ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਨਾਮ ਲੈਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਉਹ ਤਾਂ ਸਿਕ ਲੀਵ ਤੇ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਮਲੋ ਮੱਲੀ ਦੋ ਗਵਰਨਰ ਬਣਾ ਰਹੇ ਹੋ ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਇਹ ਤਵੱਕੁਹ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨਿਟੀ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਵਿਚ ਸਹਾਇਕ ਹੋਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਇਗਨੋਰੈਂਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਐਸਾ ਸੀਨ ਕਰੀਏਟ ਕੀਤਾ ਜਿਹੜਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਜਿਸਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੇਰਾ ਮਕਸਦ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਜ਼ਾਤ ਡਿਸਕਸ ਕਰਨ ਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪਾਲੀਸੀ ਤੇ ਪਰੋਗਰਾਮ ਹੀ ਡਿਸਕਸ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ।

ਇਸ ਲਈ ਅਗਰ ਮੈਂ ਸਰਦਾਰ ਉਜਲ ਸਿੰਘ ਦਾ ਨਾਂ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਾਂ ਤਾਂ ਕੋਈ ਨਾਵਾਜਿਬ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੀਫ ਪਾਰਲਾਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਇਨਟਰੱਪਸ਼ਨ ਕਰਨ ਦੀ ਆਦਤ ਬਣ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਗਰ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਬਾਰਿਸ਼ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਰਿਸ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਧ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਕਰੈਡਿਟ ਸਰਕਾਰ ਜਲਦੀ ਦੇ ਨਾਲ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਅਗਰ ਬਾਰਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਰਬ ਦਾ ਰਕੋਪ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਬੇਬਸ ਸ਼ੋ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਹੋਰ ਡਿਫੈਂਡ ਕਰਨ ਲਈ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਰਬ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਦਖਲ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ। (ਵਿਘਨ) ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ, ਵੈਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਸੀ, ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਸ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਢੰਗ ਦੇ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਸਾਂ ਬੰਨ੍ਹਾਈਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਚੰਗੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਡੀਂਗਾ ਮਾਰਦੇ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ। ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾਵਿਆਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੀ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਉਹ ਟੀਚੇ ਪੂਰੇ ਨਾ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਵੀ ਅਸੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਕਸਰ ਨਹੀਂ ਛਡੀ। ਸਾਡੀ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੋਣੀ ਸੀ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਾਇਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਪ੍ਰਾਸਪਰਸ ਬਣਾਵਾਂਗੇ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਰ੍ਹਾ ਅਮਰੀਕਾ ਦੇ ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਜਾਨਸਨ ਨੇ ਲਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਇਕ ਵਡੀ ਸੋਸਾਇਟੀ ਬਣਾਉਣੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣੇ ਤਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਬਿਆਨ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਉਸ ਦਾ ਕੁਝ ਹਿੱਸਾ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

Wedded to the Principles of democratic socialism, our Government shall make a determined effort..

**चौधरी देवी लाल:** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। क्या हाउस में कोई आनरेबल मैम्बर मुख्य मंत्री की तरह पढ़ सकता है? क्या उन की आवाज़ की नकल कर सकता है?

**उपाध्यक्षा :** वह उन की नकल नहीं कर रहे हैं बल्कि उन की स्पीच के कुछ हिस्से को पढ़ कर सुना रहे हैं।

(The hon. Member is not immitating but reading out certain excerpts from the Address)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪੀਚ ਦੇ ਕੁਝ ਐਬਸਟਰੈਕਟ ਪੜ੍ਹ ਰਿਹਾ ਹਾਂ—

I was quoting, Madam,

> "Our Government shall make a determined effort to make that social and economic order in which essential requirements of food, housing, education and health of our people are satisfied......'

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਬੀਮਾਰ ਹਨ। ਰਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਰਹਿਮ ਕਰੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਲੋਕ ਰਾਜੀ ਸਮਾਜਵਾਦ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ਮੇਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ ਹੈ। ਇਸ ਨੇ ਅਜਿਹੇ ਸਮਾਜਕ ਤੇ ਆਰਥਕ ਢਾਂਚੇ ਦੀ ਬੁਨਿਆਦ ਰੱਖਣ ਦਾ ਪੁਰਜ਼ੋਰ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਇਸ ਰਾਜ ਦੇ ਵਸਨੀਕ ਦੀਆਂ ਖੁਰਾਕ, ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਸਿਹਤ ਦੀਆਂ ਮੁੱਢਲੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਹੋ ਜਾਣ। ਸਾਡੇ ਇਸ ਉਦਮ ਵਿਚ ਕਈ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ, ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਦਾ ਮੂਲ ਮਨੋਰਥ ਇਹੋ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਅਜਿਹਾ ਸਮਾਜਵਾਦੀ ਨਿਜ਼ਾਮ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਵਿਚ ਇਸ ਰਾਜ ਦੇ ਸਾਰੇ ਨਾਗਰਿਕ ਭਾਈਵਾਲ ਹੋਣ ਅਤੇ ਜਿਸ ਉਤੇ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਮਾਣ ਕਰ ਸਕੀਏ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਤਦੋਂ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕਿ—ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ—

ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ ਸੁਨਤੇ ਥੇ ਪਹਿਲੂ ਮੇਂ ਦਿਲ ਕਾ,<br>ਜੋ ਚੀਰਾ ਤੋਂ ਇਕ ਕਤਰਾਏ ਖੂੰ ਕਾ ਨਿਕਲਾ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਬਹੁਤ ਡੀਂਗਾ ਮਾਰਦੀ ਸੀ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੀ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਇਕ ਅਜਿਹਾ ਸੂਬਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਦਾ ਭਾਰ ਝੱਲੇਗਾ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਆਨ ਦੀ ਮਾਰਚ' ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਤੀਜੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲੈਨ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ 60 ਲਖ ਟਨ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਫਿਰ ਇਸ ਨੂੰ ਵਧਾ ਕੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾ ਵਿਚ 63 ਲੱਖ ਟਨ, 66 ਲੱਖ ਟਨ, 70 ਲੱਖ ਟਨ, 74 ਲੱਖ ਟਨ ਅਤੇ 78 ਲੱਖ ਟਨ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਾਂਗੇ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਆਂਕੜੇ ਦਸ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਫਿਗਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਇਹ ਸੀ। 1960-61 ਵਿਚ 63, 77,000 ਟਨ ਫੂਡ ਗਰੇਨਜ਼ ਪੈਦਾ ਹੋਈ। 1961-62 ਵਿਚ 64,48,000 ਟਨ ਅਨਾਜ, ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ, ਲੇਕਿਨ ਜਦੋਂ ਇਹ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਤੀਜੀ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੀ ਚੋਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਬਣੀ ਤਾਂ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਘਟ ਗਈ। ਉਸ ਦੇ ਆਂਕੜੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

1962-63 ਵਿਚ 59,32,000 ਲਖ ਟਨ, ਅਨਾਜ ਅਤੇ 1963-64 ਵਿਚ 57,32,000 ਲੱਖ ਟਨ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਅਸੀਂ 69 ਲੱਖ ਟਨ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ 21 ਫੀ ਸਦੀ ਜਿਆਦਾ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਈ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** 1964-65 ਦੀਆਂ ਫਿਗਰਜ਼ ਵੀ ਦਸ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਅਗਰ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਆਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇੰਟਰੱਪਟ ਨਾ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਹੋਰ ਕੌਣ ਇੰਟਰੱਪਟ ਕਰੇਗਾ। ਇਹ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਬਹੁਤ ਅਜ਼ੀਜ਼ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਗਲ ਯਾਦ ਆ ਗਈ ਹੈ। ਇਕ ਜਗ੍ਹਾ ਸਾਰੀ ਰਾਤ ਹੀਰ ਗਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ। ਉਥੇ ਇਕ ਆਦਮੀ ਸੌਂ ਗਿਆ। ਜਦੋਂ ਸਵੇਰੇ ਉਸ ਦੀ ਅੱਖ ਖੁਲ੍ਹੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹੀਰ ਦਾ ਵੀ ਇਕ ਟੱਪਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਦੀ ਇਹੋ ਹਾਲਤ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਬਾਬੂ ਜੀ ਦੀ ਰਿਡੀਕੂਲ ਕਰਨ ਦੀ ਆਦਤ ਬਣ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 1964-65 ਦੇ ਫਿਗਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਦਸੇ। ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਚੈੱਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ।

**उपाध्यक्षा :** आप आनरेबल मैम्बर को इन्ट्रप्ट न करें। हर एक बात का जवाब देने की जरूरत नहीं होती। (The hon. Chief Parliamentary Secretary need not interrupt the hon. Member. It is not necessary to reply to every point)

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Can any Member of the House, even from the Treasury Benches, interfere like this, by asking an honourable Member to speak according to his wishes ?

**उपाध्यक्षा :** अगर आप मेरी रूलिंग को पहले सुन लेते तो आप को यह प्वायंट आफ आर्डर रेज़ करने की जरूरत महसूस न होती। मैं ने पहले कह दिया कि चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी को इन्ट्रप्शन इन्वाइट नहीं करनी चाहिए। (If the hon Member had cared to listen to my ruling, he would not have felt any necessity for raising this point of order. I have already stated that the Chief Parliamentary Secretary should avoid inviting any interruptions.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਫਿਗਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਗੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਫਿਗਰਜ਼ ਨੂੰ ਕੋਟ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਡੀਂਗਾ ਮਾਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਖੇਤੀ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲਾਂ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਧਾ ਦਿਆਂਗੇ ਪਰ ਜਦ ਤੋਂ ਇਹ ਮਨਹੂਸ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ ਹੈ ਤਦ ਤੋਂ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਘੱਟ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਨਲਾਇਕ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਟਾਰਗੇਟ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਾ ਜੇ ਇਸ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਲਾਇਕ ਸਰਕਾਰ ਹੁੰਦ ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਪੂਰਾ ਕਰਦੀ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਉਹ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ—

> 'ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ, ਵਧ ਰਹੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਕਾਰਗਰ ਉਪਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੀ ਉਨਤੀ ਵੱਲ ਮੇਰੀ ਸਰਕਾਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਰਪੋਟ ਅਧੀਨ ਸਾਲ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਜੋ ਤਰੱਕੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਉਹ ਕਾਫੀ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਹੈ।'

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਸਲੀਮ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਪ੍ਰਾਇਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਸਟੇਬਲ ਰਖਣ ਲਈ ਖੇਤੀ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲਾਇਕ

ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਆਪਣੇ ਮਿਥੇ ਹੋਏ ਟੀਚੇ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗੁੜਗਾਵਾਂ ਡਿਸਟ੍ਰਿਕਟ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਮੇਰਾ ਡਿਸਟ੍ਰਿਕਟ ਨਹੀਂ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹਰ ਡਿਸਟ੍ਰਿਕਟ ਮੇਰਾ ਅਪਣਾ ਹੀ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਸੰਨ 1962 ਦੇ ਚਾਈਨਾ ਐਗਰੈਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਕ ਉਹ ਨਹਿਰ ਜਿਸ ਉਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਤਕਰੀਬਨ ਦੋ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋ ਚੁਕਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਵਿਚਾਲੇ ਛਡ ਦਿੱਤੀ ਗਈ, ਉਸ ਨੂੰ ਅਧੂਰਾ ਛਡ ਕੇ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਫਜ਼ੂਲ ਜਾਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਉਥੋਂ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਅਜ ਜੋ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਾਲ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ, ਉਹ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਅਗਰ ਵੇਲੇ ਸਿਰ ਗੁੜਗਾਵਾਂ ਕੈਨਾਲ ਠੀਕ ਤਿਆਰ ਹੋਈ ਹੁੰਦੀ, ਐਕਾਰਡਿੰਗ ਟੂ ਸ਼ੈਡੂਲ ਕੰਮ ਹੋਇਆ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਵਜ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਨਹਿਰ ਸੰਨ 1963 ਵਿਚ ਹੀ ਕਿਉਂ ਨਾ ਤਿਆਰ ਹੋ ਗਈ ਹੁੰਦੀ। ਅਗਰ ਸੰਨ 1963 ਵਿਚ ਉਹ ਨਹਿਰ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਗਈ ਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਅਜ ਗੁੜਗਾਵਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਾਲ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ।

ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਇਸ ਨਾਲਾਇਕ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮੁਤਅਲੱਕ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਕਤ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਰੋਣਾ ਰੋਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਵਾਵੇਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਦੇ ਗੋਬਿੰਦ ਸਾਗਰ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਚਾਨਸਿਜ਼ ਹਮੇਸ਼ਾ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਜਦ ਕਦੇ ਤਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਣੀ ਬਰਸਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਦੇ ਪਾਣੀ ਘਟ ਬਰਸਦਾ ਹੈ। ਅਕਲਮੰਦ ਗੌਰਮੈਂਟਾਂ ਨੂੰ, ਮੁਲਕ ਦੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰਜ਼ ਅਤੇ ਐਕਸਪਰਟਸ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਈਡਲ ਇਲੈਕਟ੍ਰੀਸਿਟੀ ਜੋ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ, ਸਾਈਡ ਬਾਈ ਸਾਈਡ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟਸ ਦਾ ਹੋਣਾ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਸਾਡੀ ਕਿਤਨੀ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਇਸ ਪੱਖ ਵੱਲ ਬਿਲਕੁਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰਾ ਪੰਜਾਬ ਅੱਜ ਬਿਲਬਲਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਇਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਹਾਈਡਲ ਇਲੈਕਟ੍ਰੀਸਿਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟਸ ਦਾ ਵੀ ਖਿਆਲ ਕੀਤਾ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਅੱਜ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਨਾ ਹੀ ਪਾਣੀ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਖੁਰਾਕ ਦੀ ਕਿਲੱਤ ਹੁੰਦੀ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਬੜਾ ਦੁਖ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਆਪਣੀ ਬੇਵਕੂਫੀ ਦੇ ਨਾਲ ਜੋ ਵੀ ਬੁਰਾਈ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਆ ਸਕਦੀ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ, ਉਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਬਣੀ। ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਕਿ ਭਾਖੜੇ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜਾ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦਾ ਕਾਰਖਾਨਾ ਹੈ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੰਦ ਪਿਆ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਕਾਰਖਾਨਾ 1,72,000 k.w. ਬਿਜਲੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਦਾ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਬਿਜਲੀ ਘਟਾ ਕੇ 70,000 k.w. ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਹਾਲਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੇ ਮਿਲਣ ਵਿਚ ਉਹ ਘਾਟਾ ਆਵੇਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਦਾ ਕੋਈ ਠਿਕਾਨਾ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਜਿਸ ਗਲ ਉਤੇ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ੋਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਅਜ ਅਨਐਂਪਲਾਏਮੈਂਟ ਇਤਨੀ ਹੈ, ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ ਇਤਨੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਕਿਸੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਸੀ ਕਿ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਰਾਜ ਦਾ ਕਸੂਰ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਅਜ 18 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਤੇ ਸੰਨ 1966 ਵਿਚ ਦਾਖਲ ਹੋ ਕੇ ਜਦ ਅਸੀਂ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ 19ਵੇਂ ਵਰ੍ਹੇ ਵਿਚ ਜਾ ਰਹੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਕੋਈ ਬਹਾਨਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ ਦੇ ਕਾਰਨ ਭੁੱਖੇ ਮਰਨ, ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰ ਮਾਰੇ ਮਾਰੇ ਫਿਰਨ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਹੋਰ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਕਿ ਤਮਾਮ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ ਨਾਂ ਸਿਰਫ ਨਵੀਂ ਭਰਤੀ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਬਲਕਿ ਪੁਰਾਣੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਵੀ ਕਾਂਟੀ ਛਾਂਟੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਪਰਸੋਂ ਇਕ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਆਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਮਿਲੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ 28 ਫਰਵਰੀ, 1966 ਤੋਂ ਟਰਮੀਨੇਟ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਦੂਜੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਲੋਕ ਆਏ—ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਮਿਲ ਗਏ ਹਨ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪਿਛਲੇ 18 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਕਾਮਯਾਬੀ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਅਜ ਅਪਣੇ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਵਾਸਤੇ ਅਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਘਰ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜਗ੍ਹਾ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਕਸੂਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ? ਕਈਆਂ ਨੂੰ ਪੰਦਰਾਂ ਪੰਦਰਾਂ ਸਾਲ, ਕਈਆਂ ਨੂੰ ਦਸ ਦਸ ਸਾਲ, ਕਈਆਂ ਨੂੰ ਅੱਠ ਅੱਠ ਸਾਲ ਨੌਕਰੀ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਇਤਨੇ ਅਰਸੇ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜ ਸਰਵਿਸ ਤੋਂ ਟਰਮੀਨੇਟ ਕਰਨ ਦੇ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਮਿਲ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਸਰਕਾਰ ਅਪਣੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਸਰਵਿਸ ਟਰਮੀਨੇਟ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ, ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਸੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਦੀ ਬਿਜਲੀ ਨੂੰ ਘਟਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਚਹੇਤਿਆਂ ਨੂੰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁਹੱਬਤ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੂਜਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਜ ਇਥੇ ਇਕ ਸਵਾਲ ਰੌਨਕ ਸਿੰਘ ਐਂਡ ਕੰਪਨੀ ਬਾਰੇ ਆਇਆ। ਰੌਨਕ ਸਿੰਘ ਨਾਲ, ਜਿਸ ਦੀ ਬਾਬਤ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ, ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੜਾ ਪਿਆਰ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਗਨੌਰ ਵਿਚ ਟਿਊਬ ਕੰਪਨੀ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ 32,000 ਯੂਨਿਟ ਬਿਜਲੀ ਉਸ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਕੀਤੀ। ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਅਲੱਕ ਜਵਾਬ ਤਲਬੀਆਂ ਹੋਈਆਂ। ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਪਲੱਗ ਖਿਚੇ ਗਏ, ਗਰਿਪਸ ਕੱਢ ਲਏ ਗਏ, ਲੇਕਿਨ ਰੌਣਕ ਸਿੰਘ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲਦੀ ਰਹੀ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲ ਰਹੀ ਸੀ। ਕਿਉਂ ? ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕੁਝ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦਾ ਤੁਅਲੱਕ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਉਸ ਦੀਆਂ ਜੇਬਾਂ ਵਿਚ ਪੈਸਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਛੋਟੇ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਲਿਸਟਸ ਹਨ, ਸਮਾਲ ਸਕੇਲ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਲਿਸਟਸ ਹਨ, ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਰਿਪ ਖਿੱਚੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਔਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੀ ਬਿਜਲੀ ਬੰਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਰ ਜ਼ੁਲਮ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਮਜ਼ਦੂਰ ਨੇ ਕੋਈ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਮਾਲਿਕ ਦੇ ਕਸੂਰ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਬੇਕਾਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ? ਅਜ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਿਚ ਇਕ ਸਿਰੇ ਤੋਂ ਲੈਕੇ ਦੂਜੇ ਸਿਰੇ ਤਕ ਲੋਕ ਬੇਕਾਰ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ—ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਬੇਵਕੂਫੀ ਕਰਕੇ ਬੇਕਾਰ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ— ਚਾਹੇ ਉਹ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਪਬਲਿਕ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ ਹਨ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕੋਲ ਕੋਈ ਵਜ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨੀਆਂ ਨੂੰ, ਜਿਹੜਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਾਈਟ ਆਫ ਵਰਕ ਹੈ, ਉਸ ਤੋਂ ਮਹਿਰੂਮ ਕਰੇ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੇ ਕਿਉਂ ਐਸਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕਿਉਂ ਇਸ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਭੁਖੇ ਮਾਰਨ ਦਾ ਇਰਾਦਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਥੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਡਰੈਸ ਦਿੱਤਾ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਖੁਰਾਕ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਕਰਨ ਨਾਲ ਕੀਮਤ ਘਟਾਵਾਂਗੇ ਔਰ ਐਸੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਮਹਿੰਗਾਈ ਦੇ ਕਾਰਨ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਤੜਪ ਰਹੇ ਹਨ ਉਸ ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਿਜਾਤ ਮਿਲੇ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਾਰਚ ਵਿਚ ਬਜਟ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸਾਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਵਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਕੀਮਤਾਂ ਘਟਾਵਾਂਗੇ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਕਣਕ ਜ਼ਿਆਦਾ ਆਈ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਕਣਕ ਦੀ ਕੀਮਤ ਡਿਗ ਜਾਣ ਦਾ ਡਰ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਖੁਦ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਅਪਣੇ ਇਕਨਾਮਿਕ ਬਿਉਰੋ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਉਸ ਨੇ ਜੂਨ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਇੰਡੈਕਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਇੰਡੈਕਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ :—

> "The unweighted general whole sale price Index Number (base October– December), 1949– 100 compiled on the basis of prices of 50 important commodities was 152.1 for the month of June, 1965 against 150.6 for the month of May, 1965. It was 4.1 points higher as compared to the corresponding month of the last year".

ਯਾਨੀ ਜਿਹੜੀ ਸਰਕਾਰ ਇਕ ਪਾਸੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੀ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਖੁਰਾਕ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬ

ਹੋਏ ਹਾਂ, ਮਾਰਚ ਵਿਚ ਖੁਰਾਕ ਦੀ ਹਾਲਤ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਕਹੀ ਸੀ—ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਕੀਮਤਾਂ ਘਟ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਜੂਨ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਜਾਕੇ ਪ੍ਰਾਈਸ ਇੰਡੈਕਸ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਨਾਲੋਂ 4.1 ਪੁਆਇੰਟ ਵਧ ਗਿਆ ਔਰ ਇਸ ਸਾਲ ਤਾਂ 160 ਪੁਆਇੰਟ ਤੋਂ ਵੀ ਉਪਰ ਚਲਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਅਜ ਕੀਮਤਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕੀ। ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਅਜ ਪੈਦਾਵਾਰ ਨੂੰ ਵਧਾ ਨਹੀਂ ਸਕੀ। ਤਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ, ਜਿਹੜੀ ਇਤਨੀ ਨਾਲਾਇਕ ਰਹੀ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧਾਈ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ? ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਕੋਈ ਗੱਲ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ? ਅਜ ਸਾਰਾ ਪੰਜਾਬ ਰੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਪਿੱਟ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹਾਹਾਕਾਰ ਮਚੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੇ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਬਾਰਡੀਨੇਟ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਨੇ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਰ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੇ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਔਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਓਵਰਸੀਅਰਜ਼ ਰੋ ਰਹੇ ਹਨ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਹਾਡੀ ਜਾਨ ਖਾ ਰਹੇ ਹਨ ? ਇਹ ਸਭ ਕਿਉਂ ? ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਇਹ ਕੋਈ ਇਕ ਜਾਂ ਦੂਸਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ। ਕਿਤੇ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੀ ਸਰਕਾਰ ਹੋਵੇ ਫੇਰ ਤਾਂ ਗੱਲ ਸਮਝ ਵਿਚ ਆ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ਮੁਲਕ ਇਕ ਹੈ ਔਰ ਸਾਰੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ, ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਇਕੋ ਹੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਹੈ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਮਿਆਰ ਮੰਨਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਮਹਿੰਗਾਈ 10 ਪੁਆਇੰਟ ਵਧ ਜਾਵੇਗੀ ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਮੁਤਾਬਕ ਆਟੋਮੈਟੀਕਲੀ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਡੀ. ਏ. ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰ ਦੇਵੇਗੀ। ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਡੀਅਰਨੈਸ ਅਲਾਉਂਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਮਹਿੰਗਾਈ ਇਤਨੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਸੈਂਟਰਲ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਸੈਟਿਸਫਾਈਡ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਮਗਰ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਾ ਤੇ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਆਪਣੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨਾਲ ਚੰਗਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ, ਥੋੜ੍ਹੀ ਜਿਹੀ ਮਦਦ ਜ਼ਰੂਰ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਪਣੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨਾਲ ਇਨਸਾਫ਼ ਕਰੇਗੀ ਅਤੇ ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੂੰ ਦੇਖਦੇ ਹੋਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੀਲੀਫ ਦੇਵੇਗੀ।

ਇਕ ਗੱਲ ਮੈਂ ਇਨਡਸਟਰੀ ਬਾਰੇ ਕਹਿਣੀ ਹੈ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਲਿਸਟ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਹੋਈ ਜੰਗ ਕਰਕੇ ਤਬਾਹ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ । ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਵਾਂਗੂ ਇੰਡਸਟਰੀਲਿਸਟ ਨੂੰ ਵੀ ਬੜਾ ਧੱਕਾ ਲਗਾ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਇਹ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ਕਿ 1957 ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਇਕ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਸ਼ਹਿਰ ਬਣ ਗਿਆ ਸੀ ਮਗਰ ਇਸ 1964-65 ਦੀ ਜੰਗ ਮਗਰੋਂ ਇਹ ਮੂੰਹ ਦੇ ਮੂੰਹ ਡਿਗ ਪਿਆ ਹੈ। ਉਥੇ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਖਤਮ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਮਜ਼ਦੂਰ ਬੇਕਾਰ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ, ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ, 'ਮਰੇ ਨੂੰ ਮਾਰੇ ਸ਼ਾਹਮਦਾਰ' ਕਰੈਡਿਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ, ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ, ਦੂਜੀਆਂ ਸਟੇਟਸ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਲ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਲੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ। ਇਹ ਸਿਰਫ ਬਿਆਨ ਹੀ ਦੇ ਛਡਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਨੂੰ ਲੋਕ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨਹੀਂ ਬਿਆਨ ਕਿਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰੀ ਹੈ। ਬਿਆਨਾਤ ਬਹੁਤ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਅਮਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪੁਛ ਲਉ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲਿਸਟ ਨੂੰ ਜਾਂ ਮਜ਼ਦੂਰ ਨੂੰ, ਕਿਸੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਨੂੰ ਜਾਂ ਪੇਂਡੂ ਨੂੰ ਆਮ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਜਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਨੂੰ ਕੋਈ ਵੀ ਇਤਮੀਨਾਨ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਚੰਗੀ ਹੈ। ਜਿੰਨਾ ਚਿਰ ਘੋੜੀ ਤੇ ਚੜ੍ਹੀ ਹੋਈ ਹੈ ਚੜੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪਰ ਜਿਸ ਦਿਨ ਘੋੜੀ ਨੇ ਭੁੰਜੇ ਸਿਟ ਲਿਆ ਤਾਂ ਦੁਲਤਿਆਂ ਨਾਲ ਕਚੂਮਰ ਕੱਢ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਇਕ ਤਰਫ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਬੜੇ ਦਾਅਵੇ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹਕੇ ਸੁਣਾਇਆ ਹੈ। ਕਿ ਇਹ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀ ਬੜੀ ਹਾਮੀ ਹੈ, ਇਸ ਨੇ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਕਾਇਮ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਉਪਰ ਉਠਾਉਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਸ ਗੱਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਦਾ ਅੱਜ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਚਰਚਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਹੀ ਜਾਇਜ਼ ਚਰਚਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਅਜ ਗਰੀਬ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਸ ਜੰਗ ਵਿਚ ਖੇਮਕਰਨ ਅਤੇ ਫ਼ਾਜ਼ਿਲਕਾ ਦੇ ਉਜੜੇ ਹੋਏ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਮਗਰ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚੋਂ ਬਿਰਲੇ ਜਿਹੇ ਕਮਜ਼ੋਰ ਤੋਂ ਕਮਜ਼ੋਰ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਕੇ ਤਕੜਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੇ ਸੀਡਜ਼ ਪੈਦਾ ਕਰਨੇ ਹਨ। ਕੀ ਇਹ ਸੀਡ ਫਾਰਮ ਬਣਾਉਣੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ? ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫਰਟੀਲਾਈਜ਼ਰ ਦੀਆਂ ਕਈ ਫੈਕਟਰੀਆਂ ਲਾਈਆਂ ਹਨ। ਕੀ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਫੈਕਟਰੀਜ਼ ਲਾਉਣ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟੈਕਨੀਕਲ ਹੈ। ਗੱਲ ਦਰਅਸਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਅਪਣਾ ਫਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਨਿਭਾਉਂਦੀ। ਇਸ ਦਾ ਇਕ ਹਥ ਵਡੇ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਜੇਬ ਵਿਚ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਆਪਣੀ ਜੇਬ ਵਿਚ। ਉਥੋਂ ਕੱਢ ਕੇ ਉਥੇ ਪਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬਿਰਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪਾਲਦੀ ਹੈ, ਥਾਪਰਾਂ ਨੂੰ ਪਾਲਦੀ ਹੈ। ਰੋਜ਼ ਇਥੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦੇ ਖੈਰਖਾਹ ਹਾਂ ਮਗਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਯੂਜ਼ਪ੍ਰਿੰਟ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਥਾਪਰ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਮਗਰ ਇਹ ਤਰੱਕੀ ਗਰੀਬ ਨੂੰ ਉਚਾ ਉਠਾਉਣ ਲਈ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਨਾਂ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਦਬਾਉਣ ਲਈ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਤੇ ਡਾਕਾ ਪਾ ਕੇ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰਨੇ ਹਨ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਟੇਟ ਦਾ ਭਲਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ। ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਕੜੀ ਦਾ ਰੇਟ ਫਿਕਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਟਿੰਬਰ ਬੇਦਰੇਗ ਕਟਿਆ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਹਾਹਾਕਾਰ ਮਚਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਮਗਰ ਸਰਕਾਰ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ। ਮੈਨੂੰ ਯਾਦ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਟਮ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਗੇ ਸੀ। ਮਗਰ ਪਰਮਾਤਮਾ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰ ਹੈ ਕਿ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੀ ਹਿੰਮਤ ਨਾਲ ਅਤੇ ਕੁਝ ਕਾਂਗਰਸੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਉਹ ਰੁਕ ਗਿਆ। ਤੁਸੀਂ 40 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਲਿਸਟਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਲਗੇ ਸੀ ਜੋ ਸ਼ੂਗਰ ਬਾਹਰ ਭੇਜਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੋ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਨਫਾ ਕਮਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਕਿਹਾ ਉਹ ਗਰੀਬ ਹਨ ਇਸ ਲਈ 50 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਉਸ ਪੁਰੀ ਨੂੰ ਅਤੇ ਨਾਰੰਗ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਤੁਸੀਂ ਸਰਕਾਰੀ ਪੈਸੇ ਨਾਲ ਤੁਸੀਂ ਪੁਰੀ, ਨਾਰੰਗ ਅਤੇ ਥਾਪਰ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਦੇ ਹੋ, ਨਥੂ ਖੈਰੇ ਦੀ ਨਹੀਂ। (ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਤਾੜੀਆਂ) ਇਥੇ ਇਕ ਅਸੈਂਬਲੀ ਸਵਾਲ ਸੀ ਰੌਣਕ ਸਿੰਘ ਬਾਰੇ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਗਨੌਰ ਵਿਚ 32,000 ਐਕਸੈਸ ਬਿਜਲੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੀ ਪਰ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲਿਆ। ਅਸਲ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦਾ ਇਕ ਸਫੈਦ ਹਾਥੀਂ ਪਾਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨਕ ਵਿਚ ਦਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਦਾਵਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਦੂਜੀ ਪਲੈਨ ਦੇ ਖਾਤਮੇ ਤੇ ਜਿਥੇ 12,000 ਟਿਊਬਵੈਲ ਸਨ ਇਹ ਵਧਕੇ ਤੀਸਰੇ ਪਲੈਨ ਦੇ ਅਖੀਰ ਤੇ 40,000 ਹੋ ਜਾਣਗੇ। ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਇਹ ਕੀ ਦਲੀਲ ਹੈ। ਇਹ ਤਾਂ ਉਹੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਕਹੇ ਕਿ ਆਦਮ ਹਵਾ ਨੰਗੇ ਰਹਿੰਦੇ ਸੀ ਤੇ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਕੋਟ ਬੂਟ ਪਾਉਂਦੇ ਹੋ। ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਕਿਤਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ; ਜਿੰਨੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਉਹ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੋ ? ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਲਈ ਤਰਲੇ ਕੱਢਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਇਕ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨਮ ਮਗਰ ਸੌ ਸੌ ਰੁਪਿਆ ਤਰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਬੋਰਡ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ 30 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਹੋਣਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿਸੇ ਵੱਡੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਬਜਟ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੈ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਤਾਂ ਪਾਲਸੀ ਹੀ ਲੇ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਇਹ ਬੇਵਸ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਬੇਬਸ ਹਨ। ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿੱਤਾ ਉਹੀ ਪੜ੍ਹ ਦਿਤਾ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਤਾਂ ਰੌਣਕ ਸਿੰਘ ਵਰਗੇ ਬਲੈਕ ਮਾਰਕਿਟੀਆਂ ਨੂੰ ਪਾਲ੍ਹਦੀ ਹੈ ਜੋ ਕਾਨੂੰਨ ਤੋੜਦੇ ਹਨ। ਗਰੀਬ

ਨੂੰ ਤੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਤਾਂ ਦਬਾਉਂਦੀ ਹੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਕੀ ਕੀਤਾ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਮੀ ਸੀ, ਮਿਲ ਮਾਲਕਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਗੰਨਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ । ਸਰਕਾਰ ਹਰਕਤ ਵਿਚ ਆਈ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਚਲਦੇ ਵੇਲਣ ਤੇ ਕੋਹਲੂ ਪੁਟਵਾ ਦਿਤੇ ਤੇ ਕਿਹਾ ਤੁਹਾਨੂੰ ਗੰਨਾਂ ਅਸੀਂ ਜਬਰਦਸਤੀ ਮਿਲਾਂ ਰਾਹੀਂ ਪਹੁੰਚਾਵਾਂਗੇ। ਹੁਣ ਕੀ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਹੋਰ ਤਾਂ ਹੋਰ ਕੋਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਮਿਲਾਂ ਵੀ ਆਪਣੇ ਸ਼ੇਅਰਹੋਲਡਰਜ਼ ਦਾ ਗੰਨਾ ਨਹੀਂ ਚੁਕ ਰਹੀਆਂ। ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਗੰਨਾਂ ਬੀਜਣ ਵਾਲਾ ਕਿਸਾਨ ਰੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਕੈਸ਼ ਕਰਾਪ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਸੈਸ ਲਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਗੰਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਲੈਂਦਾ ਨਹੀਂ। ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰੋਮ ਜਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨੀਰੋ ਬੰਸਰੀ ਵਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਇਕ ਹੋਰ ਗਲ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਅੱਜ ਦੇ 'ਟ੍ਰਿਬਯੂਨ' ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਗੋਪੀ ਚੰਦ ਟੈਕਸਟਾਈਲ ਮਿਲਜ਼ ਲਿਮਿਟਡ' ਦਾ ਇਕ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਛਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਹ ਮਿਲ ਕੋਈ ਅਸਮਾਨ ਤੇ ਨਹੀਂ ਆਈ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਲਾਇਸੰਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਦਿਤਾ। ਲੈਂਡਲਾਰਡਾਂ ਨੂੰ ਫਿਊਡ-ਲਿਸਟਾਂ, ਇੰਡਸਟ੍ਰਿਲਿਸਟਾਂ ਨੂੰ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਬਿਜ਼ਨੈਸਮੈਨਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਸਮਗਲਰਾਂ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਿਚ ਹਿੱਸੇਦਾਰ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਅਤੇ ਰਜਵਾੜੇ ਹਨ। ਅਜ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਨਾਂ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਕੁਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਦੇ ਅਤੇ ਨੈਸ਼ਨਾ-ਲਾਇਜ਼ ਕਰਨ ਦੇ, ਇਕ ਕਰਨ ਦੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਦਮ ਭਰਦੇ ਹਨ ਮਨਾਪੋਲਿਸਟਾਂ ਦੇ ਕੈਪੀਟਲਿਸਟਾਂ ਦੇ, ਸਮਗਲਰਾਂ ਦਾ ਅਤੇ ਬਲੈਕ ਮਾਰਕਿਟ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਸਦਾ ਇਹ ਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦਾ ਜੋ ਜੀਵਨ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਰਬ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਕੀ ਇਹ ਸੋਸਲਿਜ਼ਮ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਵਿਚ ਸਾਂਝੀਦਾਰ ਹੋਣ ਸਮਗਲਰ ਕੈਪੀਟੀਲਿਸਟ ਅਤੇ ਬਲੈਕ ਮਾਰਕਿਟੀਅਰਜ਼ (ਵਿਰੋਧੀ ਪੱਖ ਵਲੋਂ ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ)

ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਮੇਰੇ ਸਾਹਮਣੇ ਅੱਜ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਮਨਿਸਟਰ ਬੈਠੇ ਹਨ ਇਹ ਕੀ ਬਲੰਦ ਬਾਂਗ ਦਾਹਵੇ ਕਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਸ਼ੇਰਾਂ ਵਾਂਗ ਬੜਕਾਂ ਮਾਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਸਨ ਪਰ ਅੱਜ ਬਿਲੀ ਵਾਂਗ ਮਿਆਊਂ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਨੇ ਬਹੁਤ ਐਫੀਸ਼ੰਟ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪਿਛਲੇ 9 ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ 1 ਕਰੋੜ 18 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਾ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਦੀ ਰਨਿੰਗ ਅਤੇ 98 ਪਸੇ ਫ਼ੀ ਮੀਲ ਖਰਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਬਾਕੀ ਦੇ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੈ ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਦਾਹਵੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਫਲਾਂ ਫਲਾਂ ਰੂਟ ਅਤੇ ਕੁਲੂ ਮਨਾਲੀ ਦੇ ਰੂਟਾਂ ਨੂੰ ਨੈਸ਼ਨਲਾਇਜ਼ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਹੁਣ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਾਲਾਤ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਕੋਈ ਐਕਸਟੈਂਸ਼ਨ ਜਾ ਐਕਸਪੈਂਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ, ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ।

**Transport and Elections Minister :** We will do it according to schedule.

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਢਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੁਣੇ ਹੀ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਸ਼ੈਡੂਲ ਆਫ ਟਾਇਮ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਟਾਇਮ ਸ਼ੈਡੂਲ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਰੂਟਾਂ ਨੂੰ ਨੈਸ਼ਨਲਾਇਜ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਐਲਾਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਐਲਾਨ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਕਿ ਅਸੀਂ ਰੂਟ ਨੈਸ਼ਨਲਾਇਜ਼ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ ਕੋਈ ਰੂਟ ਇਸ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਨੈਸ਼ਨਲਾਇਜ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ (ਵਿਘਨ)। ਇਥੇ ਹੀ ਬੱਸ ਨਹੀਂ।

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਾਲਾਂ ਤਕ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਪ੍ਰਿਵੀ ਪਰਸ ਕਾਇਮ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਾਹਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਇਹ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਵਾਹਦਾ ਤਾਂ ਕੀਤਾ ਸੀ ਪਰ ਕੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਸ ਤੇ ਦਸਖਤ ਕੀਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਫਿਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਤਾਂ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਹੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਤਾਂ ਰਾਜਾ ਬਟਲਹਿਰ ਦੇ ਪਹਾੜਾਂ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਹਿੱਸੇ ਰੱਖੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਹ ਤਾਂ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪਹਾੜ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਉਸ ਰਾਜੇ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਹਨ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਦੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਸੋਚਿਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਫਿਕਰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਗੱਦੀ ਤੇ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਕੀ 'ਏ' ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣਦਾ ਹੈ ਜਾਂ 'ਬੀ' ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣਦਾ ਹੈ । ਕਹਿਦੇ ਨੇ ਕਿ ਮਹਾਰਾਜਾ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵੇਲੇ ਮਲੇਰ-ਕੋਟਲੇ ਦੇ ਰਾਜਾ ਜ਼ੁਲਫਕਾਰ ਅਲੀ ਸਨ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਨਵਾਬ ਵਜ਼ੀਰ ਬਣ ਗਏ । ਅਤੇ ਇਲਾਕਾ ਛੋਟਾ ਛੋਟਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਰਾਜੇ ਨੇ ਇਕ ਨਵਾਬ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਤਾਂ ਚਿੜੀ ਦੇ ਪੌਂਚੇ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਰਿਆਸਤ ਨਹੀਂ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਕੀ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲੱਗੇ ਕਿ ਛੱਡੋ ਜੀ, ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਸਿਰ ਖੁਰਕਣ ਦੀ ਵੀ ਵਿਹਲ ਨਹੀਂ, ਦਿਨੇ ਰਾਤ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਹੈਰਾਨ ਹੋ ਗਏ ਕਿ ਇੰਨਾਂ ਕੰਮ ਤਾਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਤੇ ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਸ ਇੰਨਾਂ ਕੰਮ ਕਿਉਂ ਆ ਗਿਆ। ਤਾਂ ਨਵਾਬ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਕਿ ਪਟਿਆਲੇ ਵਿਚ ਪੁਰਾਣੇ ਖਲੀਫੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਵਜ਼ੀਰ ਹੁੰਦੇ ਸਨ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬਾਹਰੋਂ ਆਏ ਹੋ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਥੇ ਟਿਕਣ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ। ਇਥੋਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੱਢ ਕੇ ਦਮ ਲਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਾਣਾ ਨਹੀਂ । ਬਸ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਰਾਤ ਇਸੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਰਹਿਦੇ ਹਾਂ। ਇਥੇ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਘੋੜੀ ਚੜ੍ਹ ਗਿਆ ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਉਤਰਨਾ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਹੇਠਾਂ ਖੜ੍ਹੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤੈਨੂੰ ਲਾਹ ਕੇ ਸਾਹ ਲੈਣਾ ਹੈ (ਹਾਸਾ) ਇਥੇ ਵੀ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਵਲ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਫੁਰਸਤ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਦਸੰਬਰ, ਜਨਵਰੀ ਵਿਚ ਇਥੇ ਆਇਆ ਤਾਂ ਪਤਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਫਲਾਂ ਮੰਤਰੀ ਕਿਥੇ ਹਨ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਕਿ ਦਿਲੀ ਗਏ ਹਨ । ਫਿਰ ਦੂਜੇ ਬਾਰੇ ਪੁਛਿਆ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਦਿਲੀ। ਤੇ ਫਿਰ ਤੀਜੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਇਹੀ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਕਿ ਦਿੱਲੀ ਗਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਹੁਣ ਇਥੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕਲ੍ਹ ਇਕ ਵਜ਼ੀਰ ਨੂੰ ਕਹਿ ਹੀ ਦਿਤਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਰਾਜ ਦਿੱਲੀ ਤੇ ਕਰਨਾ ਹੈ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬ ਤੇ। ਹਰ ਵਕਤ ਦਿੱਲੀ ਵੱਲ ਹੀ ਤੁਹਾਡੀ ਭੱਜ ਦੌੜ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਹੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਤਾਂ ਵਿਹਲ ਨਹੀਂ। ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਅਫਸਰ ਰਜਵਾੜੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਤੁਹਾਨੂੰ ਟਿਚਰਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਤੁਹਾਡੇ ਕਿਸੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਤਕ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਤੁਹਾਡੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਤੁਹਾਡੀ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਜਦ ਮੈਂਬਰ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਅਸਾਨੂੰ ਦਸਦੇ ਹਨ ਕਿ ਗੱਲਾਂ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਬਿਲਕੁਲ ਠੀਕ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਪਰ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿਣ ਜੋਗੇ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਬਗਾਵਤ ਤੁਸੀਂ ਲਿਆ ਰਹੇ ਹੋ ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਕੀ ਨਿਕਲਣ ਵਾਲਾ ਹੈ। ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਬਗਾਵਤ ਸੁਲਗ ਰਹੀ ਹੈ ਇਸ ਨੇ ਜ਼ਰੂਰ ਉਠਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸੋਚਣ ਦੀ ਵਿਹਲ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਇਕੱਠੀਆਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਖੁਰਾਕ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਬੇਰੋਜ਼ਗਾਰੀ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਤੀਜੇ ਪਾਸੇ ਤੁਸੀਂ ਛਾਂਟੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ। ਸੂਬੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਐਸਪੀਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕਦੇ। ਅਤੇ ਤੁਸੀਂ ਜਦ ਤਕ ਇਸ ਪੁਰਾਣੀ ਡਗਰ ਤੇ ਤੁਰੇ ਜਾਉਗੇ ਇਹ ਬਗਾਵਤ ਤੁਹਾਥੋਂ ਰੋਕੀ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਣੀ (ਵਿਘਨ )

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਡਮ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਧੰਨਵਾਦ ਦੇ ਮਤੇ ਨੂੰ ਸਪੋਰਟ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ 45 ਮਿੰਟ ਬੋਲਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦਿਤੀ ਪਰ ਇਥੇ ਬਾਬੂ ਜੀ ਇਕੱਲੇ ਹੀ ਇਕ ਘੰਟਾ ਬੋਲ ਗਏ ਹਨ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੇ 51 ਮਿੰਟ ਲਏ ਸਨ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਾਬੂ ਜੀ ਨੂੰ ਬੋਲਦਿਆਂ 43 ਮਿੰਟ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਚੰਗਾ ਹੋਇਆ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਰੀਮਾਇੰਡ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ।

(Just as Giani Zail Singh took 51 minutes to speak, similarly Babu Bachan Singh has been speaking for the last 43 minutes. It is good that the hon. Minister has drawn my attention to this matter.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਇਨਸਾਫ ਵਰਤੋਗੇ, ਕਿਉਂਕਿ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਰਾਈਟ ਹੈ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਤੇ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀਆਂ ਕਮੀਆਂ ਅਤੇ ਕਮਜ਼ੋਰੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਲਿਆਈਆਂ ਜਾਣ। ਮੈਂ ਵੈਸੇ ਹੀ ਜਲਦੀ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਾਰੀ ਉਮਰ ਤੁਸੀਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਰ ਗਏ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਵੀ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਜਾਂਦੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਗਾਂਧੀ ਵਿਚਾਰਾ ਮੁਲਕ ਦੀ ਅਜ਼ਾਦੀ ਲਿਆਂਦਾ ਲਿਆਂਦਾ ਮਰ ਗਿਆ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਇਹ ਗਾਂਧੀ ਨਾਲ ਵੀ ਮਖੌਲ ਕਰਨੋ ਨਹੀਂ ਹਟੇ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਬਹੁਤ ਦੁਖ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਜਿਸ ਨੂੰ ਬਾਪੂ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਨਾਲ ਵੀ ਇਹ ਮਖੌਲ ਕਰਨੋ ਨਹੀਂ ਹਟਦੇ। ਜੇਕਰ ਇਹ ਬਾਪੂ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਤੁਸੀ ਕੀ ਹਾਂ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ

> On such critical occasions in the course of our Independence, we cannot but remember and honour our debt to the Father of Nation, Gandhiji, who brought us our freedom and unity......"

ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਸਾਨੂੰ ਇਜ਼ਤ ਦਿਤੀ, ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਸਾਨੂੰ ਔਕਾਤ ਦਿਤੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਅਸੂਲਾਂ ਤੇ ਚਲ ਕੇ ਇਸ ਮੁਲਕ ਦੀ ਅਜ਼ਾਦੀ ਨੂੰ ਬਰਕਰਾਰ ਰਖੀਏ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਸਾਨੂੰ ਇਕ ਕਨਸਟਰਕਟਿਵ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਿੱਤਾ, ਇਕ ਤਾਮੀਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਰਖਿਆ। ਇਸ ਤਾਮੀਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਚਾਰ ਪਹਿਲੂ ਸਨ। ਪਹਿਲਾ ਸੀ ਕਮਿਊਨਲ ਹਾਰਮਨੀ, ਦੂਸਰਾ ਸੀ ਮੁਲਕੀ ਅਸਲਾਹਾਤ, ਤੀਸਰਾ ਸੀ ਛੂਤ-ਛਾਤ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਚੌਥਾ ਸੀ ਨਸ਼ਾ-ਬੰਦੀ ਦਾ। ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਕਮਾਈ ਨੂੰ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਤਨਾ ਬੁਰਾ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਕਮਾਈ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰਾਮ ਦੀ ਕਮਾਈ ਤਕ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਅੱਜ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਸੁਣ ਕੇ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੀ ਆਤਮਾ ਜਿਊਂਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੌਜੂਦਾ ਕਾਂਗਰਸੀ ਲੀਡਰਾਂ ਨੂੰ ਸਵਾਏ ਲਾਹ੍ਨਤਾਂ ਭੇਜਣ ਦੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀਤਾ ਕੀ ਹੈ ? ਤੁਸੀਂ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਓ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੇ 1964 ਵਿਚ ਕੁਝ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕੇ ਬੰਦ ਕਰਕੇ ਬੋਤਲਾਂ ਦੇ ਰੇਟਸ ਫਿਕਸ ਕੀਤੇ ਸਨ। ਇਕ ਬੋਤਲ ਦਾ ਰੇਟ 6 ਰੁਪਏ 90 ਪੈਸੇ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਿਸ ਵਿਚ 70 ਪੈਸੇ ਵੈਂਡਰ ਦੇ ਸਨ। ਪਰ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਗਰੀਬ ਵੈਂਡਰ ਨੂੰ ਮਹਿਜ਼ 25 ਪੈਸੇ ਮਿਲਦੇ ਸਨ ਬਾਕੀ ਦੇ ਵਿਚੇ ਹਜ਼ਮ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਸਨ। ਜੇ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਬੋਧ ਚੰਦਰ ਜੀ ਇਥੇ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਦਾ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੇ ਫਾਇਨੈਂਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜਾ ਫਲਡ ਗੇਟ ਆਫ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਉਹ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਉਹੀ ਪੁਰਾਣਾ ਨਵੇਂ ਸਿਰੇ ਤੋਂ ਠੇਕੇ ਦੇਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹੋ ਠੇਕੇ ਆਕਸ਼ਨ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]
ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਬਲਾਏ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਹੁਣ 2 ਕਰੋੜ 60 ਲੱਖ ਤਕ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਨੂੰ ਭਰਦੇ ਹਨ। ਕੀ ਹੁਣ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਬਦ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਜਿਸ ਕਮਾਈ ਨੂੰ ਮਹਾਤਮਾ ਜੀ ਹਰਾਮ ਦੀ ਕਮਾਈ ਦਸਦੇ ਸਨ ਕੀ ਉਹ ਹੁਣ ਨਹੀਂ ਰਹੀ ? ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਜੀ ਨੇ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੇ ਫਾਇਨੈਂਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦਾ ਉਪਰਾਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਵੇਲੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ (ਅਵਾਜ਼ਾਂ ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਦਲਿਆ ਬਲਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿਛਲੇ ਹੁਕਮਰਾਨਾ ਦੇ ਨਕਸ਼ੇ ਕਦਮ ਤੇ ਚਲਕੇ ਆਪਣੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਨੂੰ ਭਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਪਾਸੇ ਰਖਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਕੀਮਤ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਠੇਕਾ ਦਿਵਾਉਣਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਬੋਤਲ ਦਾ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਮੁੱਲ ਦੇਵੇ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਬਾਬੂ ਜੀ ਟਾਇਮ ਹੋ ਗਿਆ, ਹੁਣ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰ ਦਿਉ। ਪ੍ਰੋਹਿਬਸ਼ਨ ਨੂੰ ਛੱਡ ਦਿਉ। (Addressing Baboo Bachan Singh) (The hon. Member has taken a lot of time. Hes hould now wind up and leave the subject of prohibition)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਜੇਕਰ ਮੈਂ ਪ੍ਰੋਹਿਬਸ਼ਨ ਤੇ ਨਹੀਂ ਬੋਲ ਸਕਦਾ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕਾਰਨਰ ਸਟੋਨ ਆਫ ਪਾਲੀਸੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਫਿਰ ਕਿਸ ਚੀਜ਼ ਤੇ ਬੋਲ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ?

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਬੋਲ ਸਕਦੇ ਹੋ । (The hon. Member can Speak.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਸਾ ਤਰੀਕਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀਆਂ ਬੋਤਲਾਂ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਵੱਧ ਕੀਮਤ ਤੇ ਵਿਕਣ ਲੱਗ ਪਈਆਂ। ਇਥੋਂ ਤੱਕ ਕਿ ਕੁਝ ਪਿੰਡਾਂ ਤੇ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਫੈਸਲਾ ਕਰਕੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇ ਦਿਤਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕੇ ਰਹਿਣੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦੇ। ਜੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੀਅਤ ਸਾਫ ਹੁੰਦੀ ਕਿ ਉਹ ਨਸ਼ਾ-ਬੰਦੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਢਿੱਲ ਤੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਤੇ ਹਮਦਰਦਾਨਾਂ ਗੌਰ ਕਰਦੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਠੇਕੇ ਰਹਿਣ ਦਿਤੇ। ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀ ਗਗਰੇਟ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਨੇ ਇਕ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਇਹ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਕਿ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸ਼ਰਾਬ ਦਾ ਠੇਕਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ, ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਹ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਹੋਈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਇਕ ਠੇਕਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਉਥੇ ਦੋ ਕਰ ਦਿਤੇ। ਮੈਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਲੁਧਿਆਣਾ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ 42 ਠੇਕੇ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਸਨ ਉਥੇ 19 ਹੋਰ ਕਿਉਂ ਵਧਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਣ ਹੈ ?

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਇਤਨਾ ਟਾਇਮ ਲੈ ਚੁਕੇ ਹੋ, ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਕਰਕੇ ਹੁਣ ਬੈਠ ਜਾਉ। (The hon. member has already taken so much time. He may kindly resume his seat)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਖਤਮ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ। (ਵਿਘਨ)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੈਨੂੰ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਚੇਅਰ ਖਲੋਤੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਬੜੇ ਸੀਨੀਅਰ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਜਾਰੀ ਰਖਦੇ ਹਨ। ਪਲੀਜ਼ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਨਾਉ।

(I am very sorry to say that when the Presiding Officer is standing, a senior member like the hon. Member, does not care to resume his seat bu tcontinue speaking. The hon. Member may please wind up.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਚੰਗਾ ਜੀ, ਮੈਨੂੰ ਜ਼ਰਾ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਜੋ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਉਹ ਪੜ੍ਹ ਲੈਣ ਦਿਉ।

> "Prohibition in the Congress Provinces is not going on in the spirit in which it was conceived...... Congress opinion is equally dorment. Congressmen do not seem to see that prohibition means new life for many millions. It means new and substantial accession of moral and material strength. They do not realise that honest prohibition gives a dignity and prestige to the Congress which perhaps no other single step can give. They do not see that prosecution of prohibition means identification with the masses and a resolute determination to refuse to have any thing to do with the drink revenue."

**Deputy Speaker** : The House stands adjourned till 9.30 A. M. tomorrow.

*(The House then adjonrned till 9.30 A. M. on Thursday, the 17th February, 1966)*

# APPENDIX

TO

# PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. 1, NO. 2, DATED THE 16TH FEBRUARY, 1966

## Upgraded Government Primary/Middle Schools in Ambala District

**3086. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Education be pleased to state:—

(a) the number of Government Primary and Middle Schools upgraded to Middle and High Schools respectively during the year, 1965-66 to date in Amritsar District.

(b) the number of class rooms in each of the said upgraded Middle and High Schools excluding the Headmaster's Office etc. ;

(c) the area provided in each such school for play-grounds ;

(d) the number of teaching posts sanctioned for each of the schools mentioned in part (a) above ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) and (d) Information already supplied.*

(b) and (c) The requisite information is enclosed.

| Serial No. | Name of School upgraded | (b) No. of class rooms in the school | (c) Area provided for play grounds |
|---|---|---|---|
| | **High Schools** | | Acres |
| 1 | Government High School, Ghariala .. | 6 | 2 |
| 2 | Government High School, Shahbazpur .. | 5 | 4 |
| 3 | Government High School, Lalpura .. | 9 | 8 |
| 4 | Government High School, Gaggo Bua .. | 7 | 10 |
| 5 | Government High School, Ekal Gudda .. | 5 | 4 |
| 6 | Government High School, Dial Bharang .. | 2 | 10 |
| 7 | Government High School, Bhindi Savadan .. | 7 | 2 |
| 8 | Government High School, Bachiwind .. | 5 | 2 |
| | **Middle Schools** | | |
| 1 | Sakhira .. | 5 | 4 |

*Please see page (2)120 of this Debates.

| Serial No. | Name of School upgraded | | (b) No. of class rooms in the Schools | (c) Area provided for play grounds |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Acres |
| 2 | Lauka | .. | 5 | 4 |
| 3 | Jawanda Kalan | .. | 6 | 4 |
| 4 | Bhalaipur Dogran | .. | 6 | 1 |
| 5 | Buttar Kalan | .. | 2 | 7 |
| 6 | Beas | .. | 8 | 1½ |
| 7 | Jabbowal | .. | 8 | 3 |
| 8 | Pakharpura | .. | 7 | 1 |
| 9 | Gumanpura | .. | 1 | 4 |
| 10 | Preet Nagar | .. | 8 | 1 |
| 11 | Bath | | 4 | 4 |
| 12 | Pandori Sidhwan | .. | 1 | 4 |
| 13 | Panjwar | .. | 4 | 1 |
| 14 | Tarsika | .. | 8 | 2 |
| 15 | Bhura Kanah | .. | 6 | 6 |
| 16 | Vain Poin | .. | 6 | 3 |

## Misuse of Loans under L.I.G.H. Scheme

**3059. Comrade Ram Piara** : Will the Minister for Capital and Housing be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Shri Brish Bhan, M.L.A., when he was Capital and Health Minister, sent to the Legislators of the State, D.O. letter No. 5601-4HG-62/23110, dated the 6th August, 1962, on the subject "Misuse of loans under the LIGH Scheme—Verification by M.L.As/M.L.C.s" ; if so, with what purpose and a copy of the same be laid on the Table of the House ;

(b) whether any more complaints had been receive by the Government against the loanees and against certain Legislators for wrong attestation/verification after 22nd July, 1960 ; if so, the number of such complaints together with the names of the loanees and of the Legislators against whom such complaints had been received ;

(c) whether the Department concerned referred any case against any of the loanees and Legisators to the Police for registration; if so, the number and names of such Legislators together with the details of the action taken so far ; if no action has been taken, the reasons therefor ?

The answer to Assembly Question No. 3059 appearing in the list of Unstarred Questions on the 16th February, 1966 in the name of Comrade Ram Piara, M.L.A., is not ready.

The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

(Sd)... — ,

Minister for Capital and Housing,
Punjab.

---

To

The Secretary,
Punjab Vidhan Sabha,
Chandigarh.

U.O.No. 396-2Hg-66, dated Chandigarh the 15th February, 1966.

---

**Misuse of Loans under L.I.G.H. Scheme**

**3060. Comrade Ram Piara, :** Will the Minister for Capital and Housing be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the ex-P.W.D. Minister, Ch. Suraj Mal sent to the Legislators of the State, D.O. letter No. 5273-4HG-60/21879, dated the 22nd July, 1960, on the subject "Misuse of loans under the LIGH Scheme—Verification by M.L.As/ M.L.Cs", if so, with what purpose and a copy of the D.O. letter be laid on the Table of the House ;

(b) whether any complaints regarding wrong attestation or verification had been received by the Government ; if so, the total number of the same together with the names of those in respect of whom such complaints had been received ;

(c) whether in respect of the wrong attestations or wrong verifications the Department referred any cases to the Police for registration against the loanees as well as Legislators ; if so, the names of such loanees and the Legislators ?

The answer to Assembly Question No. 3060 appearing in the list of Unstarred Questions on the 16th February, 1966 in the name of Comrade Ram Piara, M.L.A., is not ready.

The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

(Sd)— —,
Minister for Capital and Housing,
Punjab.

---

To

The Secretary,
Punjab Vidhan Sabha,
Chandigarh.

U.O. No. 396-2Hg-66, dated Chandigarh, the 15th Feburary, 1966.

---

**Defaulting Loanees of Industries Department in District Karnal**

**3061. Comrade Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of those loanees of the Industries Department who are defaulters in district Karnal together with the date of default in each case ;

(b) whether any warrants for realising the amounts of loan as arrears of land revenue had been issued against any of the said defaulting loanees, if so, their names together with the date of issue of warrants in each case ;

(c) the total amount outstanding against each of the said loanees as on 1st January, 1966 together with the amount of loan so far paid back by each ;

(d) whether it is a fact that in the case of a number of defaulting loanees against whom warrants as mentioned in (b) above have been issued, the warrants are not being followed up by the Recovery Staff; if so, the reasons therefor ;

(e) whether he is aware of the fact that some of the said loanees at Karnal disposed of their Industries for which loans were advanced and have not paid back anything to the Department till Ist January, 1966, if so, the names of such loanees together with the steps being taken for effecting the recoveries of the loan amounts due from them ?

*Subject.*—Defaulting loanees of Industries Department in district Karnal.

The answer to Unstarred Vidhan Sabha Question No. 3061 asked by Comrade Ram Piara, M.L.A., appearing in the list of questions for the 16th February, 1966, is not ready. The reply to this question will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

(Sd)....,
Irrigation and Power Minister,
*for* Chief Minister.

---

To

The Secretary,
Punjab Vidhan Sabha,
Chandigarh.

U.O. No. 16(AQ)-4CB-66, dated Chandigarh, the 15th February, 1966.

---

**Grievances Committee**

**3088. Comrade Ram Piara,** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of meetings of the Grievances Committee held from the date it started functioning till the 15th January, 1966, in each district of the State, date-wise ;

(b) the number of their said meetings attended by the Suprintendents oi Police in each district, district-wise and date-wise ;

(c) whether it is a fact that some of the Superintendents of Police did not attend some of the meetings of the Grievances Committees held in their respective district, if so, their names together with the number of meetings , date-wise, not attended by each together with the reasons for non-attendance ;

(d) whether it is also a fact that some of the Superintendents of Police have been advised to attend the meetings of the said Committee unless some unavoidable duty binds them to be away from the headquarters on the day of the meetings ; if so, their names district-wise, together with the designation of the authority that advised the S.Ps in each case ;

(e) whether any of the S.Ps referred to in para (c) above were on leave or on duty elsewhere on the days of meetings; if so, the details thereof date-wise and district-wise ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Number of meetings held district-wise and date-wise are as under :—

| District | Number of meetins held | Dates |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| Amritsar .. | 7 | 4-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Jullundur .. | 8 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 5-10-65, 5-11-65, 5-12-65 and 5-1-66 |
| Hoshiarpur .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Gurdaspur .. | 8 | 5-5-65, 5-6-65, 6-7-65, 5-8-65, 1-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Ferozepur .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 5-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Kangra .. | 8 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-11-65, 6-12-65, and 5-1-66 |
| Kulu .. | 8 | 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 5-12-65 and 5-1-66 |

| 1 | | 2 | 3 |
|---|---|---|---|
| Ludhiana | .. | 9 | 7-5-65, 7-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65, and 5-1-66 |
| Kapurthala | .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 6-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Lahaul and Spiti | .. | .. | District Public Relations and Grievances Committee has not been considered necessary for this district and Punjab Tribes Advisory Council has approved of it |
| Patiala | .. | 10 | 5-4-65, 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 5-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 5-12-65 and 5-1-66. |
| Bhatinda | .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 5-9-65, 10-10-65, 5-11-65, 5-12-65 and 5-1-66 |
| Mohindergarh | .. | 10 | 2-4-65, 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Sangrur | .. | 10 | 5-4-65, 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Ambala | .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Rohtak | .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66. |
| Hissar | .. | 8 | 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Gurgaon | .. | 7 | 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Karnal | .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Simla | .. | 8 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65 and 6-12-65 |

(b) Number of meetings attended by the Superintendents of Police district-wise and date-wise are as under : —

| | | | |
|---|---|---|---|
| Amritsar | .. | 1 | 5-6-65 |
| Jullundur | .. | 5 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-10-65 and 5-1-66 |
| Hoshiarpur | .. | 8 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-12-65 and 5-1-66 |
| Gurdaspur | .. | 6 | 5-5-65, 5-6-65, 1-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Ferozepur | .. | 4 | 5-6-65, 5-7-65, 6-9-65 and 5-1-66 |
| Kangra | .. | 2 | 5-6-65 and 5-1-66 |
| Kulu | .. | 6 | 5-6-65, 5-7-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65 and 6-12-65 |
| Ludhiana | .. | 7 | 7-5-65, 7-6-65, 5-7-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65 and 6-12-65 |
| Kapurthala | .. | 7 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65 and 5-1-66 |
| Patiala | .. | 7 | 5-4-65, 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65 and 6-12-65 |
| Bhatinda | .. | 8 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 20-10-65, 5-11-65 and 6-11-65 |

| 1 | | 2 | 3 |
|---|---|---|---|
| Mohindergarh | .. | 6 | 5-5-65, 5-6-65, 5-8-65, 5-10-65, 5-11-65, 5-12-65 |
| Sangrur | .. | 6 | 5-4-65, 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 6-9-65, and 5-10-65 |
| Ambala | .. | 9 | 5-5-65, 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Rohtak | .. | 7 | 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 6-12-65 and 5-1-66 |
| Hissar | .. | 6 | 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-11-65 and 5-12-65 |
| Gurgaon | .. | 6 | 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65,5-11-65and6-12-65 |
| Karnal | .. | 4 | 5-5-65, 5-8-65, 6-9-65 and 5-1-66 |
| Simla | .. | 7 | 5-6-65, 5-7-65, 5-8-65, 6-9-65, 5-10-65, 5-11-65 and 6-12-65 |

(c) Some of the Superintendents of Police of districts could not attend the meeting of the District Public Relations and Grievances Committee. Their names together with the meetings date-wise along with reasons for not attending the meetings are given below district-wise :—

| District | Name of Superintendent of Police | Dates of meetings not attended together with reasons for not attending | |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | |
| Amritsar | Shri Sukhpal Singh, I.P.S. | 5-6-65 | S.P. was busy with important and urgent work. He deputed his D.S.P. to attend the meeting |
| | Shri S.S. Brar, I.P.S. | 5-7-65 | S.P. was busy with important and urgent work. He deputed his D.S.P. to attend the meeting |
| | | 5-8-65 | Superintendent of Police was out of station for inspection of border area along with Shri K.S. Rustomji, Director-General, Border Security Force |
| | | 5-11-65 | He went on duty to Jullundur Cantt in connection with the Punjab Police Sports meeting |
| | | 5-12-65 | He went to Raja Sanshi in connection with the visit of Chief Minister of Orissa |
| | | 5-1-66 | S.P. was busy with important and urgent work. He deputed his D.S.P. to attend the meeting |
| Jullundur | Shri Amar Singh, I.P.S. | 5-8-65 | S.P. was very busy with the maintaining of law and order situation in the City |
| | | 5-11-65 | S.P. was busy with the visit of Union Home Minister |

| 1 | | 2 | 3 |
|---|---|---|---|
| | | 5-12-65 | S.P. was busy with the visit of Union Foreign Minister |
| Hoshiarpur | Shri I.J. Verma, I.P.S. | 5-11-65 | He was put on duty at Jullundur in connection with the Annual Sports Athletic Meet of Police Department |
| Gurdaspur | Shri V.K. Kalia, I.P.S. | 6-7-65 | He was away from Headquarters in connection with Police arrangements due to the visit of Union Home Minister |
| | | 5-8-65 | He was away from Headquarters in connection with the visit of Director-General, Border Armed Forces on the border |
| Ferozepur | Shri P.A. Rosha | 5-5-65 | S.P. was very busy with his work in connection with Kairon murder case |
| | | 6-8-65 | S.S.P. was busy in meeting with D.I.G. of Police Border Range |
| | | 5-10-65 | S.S.P. was busy with the visit of the Chief Minister, U.P. Government |
| | | 5-11-65 | S.S.P. was busy in the meeting to discuss border security measures with Additional I.G., Police at Jullundur |
| | | 5-12-65 | S.S.P. was busy with the meeting of SHOs meeting at Abohar |
| Kangra | Shri Avinash Chander, I.P.S. | 5-5-65 | S.P. was on leave on medical grounds |
| | Shri P.C. Wadhwa, I.P.S. | 5-7-65 | was busy with other important work |
| | | 5-8-65 | Ditto |
| | | 6-9-65 | was busy with National Emergency work |
| | | 5-11-65 | S.P. was away to P.A.P. Headquarters on official duty with State Sports Athletics Meet |
| | | 6-12-65 | S.P. was away on quarterly visit to T.B. Sanatorium, Tanda to see Police T.B. Patients |
| Kulu | Shri Joginder Singh I.P.S., | 5-8-65 | S.P. was on duty outside Headquarters |
| | | 5-1-66 | As D.C., Kulu was away from district Headquarters, he deputed District Inspector to participate in the meeting on his behalf |
| Ludhiana | Shri Harjit Singh, I.P.S. | 5-8-65 | S.P. was away at Halwara Aerodrome for security arrangements in connection with the visit of Union Food Minister |
| | | 5-1-66 | S.P. was busy in discussion with D.I.G., Police Jullundur and Patiala in connection with the murder case of Karnail Singh of Gobindpur |

| 1 | | 2 | 3 |
|---|---|---|---|
| Kapurthala | Shri Dalip Singh | 6-11-65 and 9-12-65 | S.P. was on medical leave on these dates |
| Patiala | Shri Harjeet Singh, I.P.S. | 5-10-65 | S.P. was on leave |
| | | 5-11-65 | S.P. was away from headquarters in connection with Punjab Police Sports at Jullundur |
| | | 5-1-66 | S.P. was away from headquarters to Gobindgarh and Ludhiana with D.I.G., Patiala Range in connection with the investigation of murder case of Karnail Singh |
| Bhatinda | Shri C.K. Sawhney, I.P.S. | 5-1-66 | S.P. was to go to Police Training School, Phillaur for official work |
| Mahendergarh | Shri I.J.S. Sodhi, I.P.S. | 2-4-65 | He was away to Dadri in connection with the Inspection of D.I.G., Patiala Range |
| | Shri B.S. Dhaliwal, I.P.S. | 5-7-65 | S.P. was indisposed |
| | | 6-9-65 | He was busy in Police arrangements due to Pakistani aggression |
| Sangrur | Shri M.S. Bawa, I.P.S. | 5-8-65 | S.P. was out of station in connection with the inspection of police station Julana |
| | | 5-11-65 | He acted as Time-keeper of Police Meet, Jullundur under orders of Additional Inspector-General of Police, Punjab |
| | | 5-12-65 | He was busy with the official work |
| | | 5-1-66 | He was at Jind in connection with Gurdwara dispute and dacoity case |
| Rohtak | Shri Bahal Singh Sandhu, I.P.S. | 5-5-65 and 5-11-65 | He was away from headquarters on these days in connection with investigation of Partap Singh Kairon Murder Case |
| Hissar | Shri Maharaj Krishan Luthra, I.P.S. | 5-10-65 | He was out of headquarters in connection with the spot inspection of an important murder case |
| | | 5-1-66 | D.C. was away and the meeting was presided by S.D.M. Sirsa as such, it was attended by representative of S.P. |
| Gurgaon | Shri S.S.Palta, I.P.S. | 5-1-66 | S.P. was on leave |
| Karnal | Shri Brijinder Singh, I.P.S. | 5-6-65<br>5-7-65<br>5-10-65<br>5-11-65<br>6-12-65 | S.P. was away from headqurters in connection with his of ficial duties of important nature |
| Simla | Shri K.S. Dhaliwal, I.P.S. | 5-5-65 | He was sick |

(d) According to Government instructions district officers are required to be present in the meetings of the District Public Relations and Grievances Committees. They are required to attend these meetings themselves. No separate instructions specifically for Superintendents of Police were issued.

(e) Details in this respect have already been given in reply to part (c).

—

**Awards for Gallantry, etc. to the Military Personnel in the recent Indo-Pak Conflict**

**3091. Comrade Ram Chandra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of military personnel belonging to the Punjab district-wise, who have been awarded Param Vir Chakra, Maha Vir Chakra, Vir Chakra, etc., for dispalying gallantry in the recent Indo-Pakistan Conflict, and to whom the State Government has given financial and other awards together with the details of such awards in each case ;

(b) the total amount distributed by the Punjab Government amongst the relatives of the martyrs , wounded and missing military personnel of the state district-wise and month-wise, from the 1st September, 1965, to-date ;

(c) the total number of visits paid by the Ministers, district-wise and month-wise, to condole with the war affected families.

**Shri Ram Kishan :** (a) A statement showing the number of military personnel belonging to Punjab who have been awarded gallantry awards in Indo-Pak Conflict is added as Annexure "A".

The Punjab Government scheme for the grant of awards to winners of new gallantry decorations" (Param Vir Chakra, Maha Vir Chakra and Vir Chakra) is enclosed as Annexure "B".

Out of 54 awardees, sanctions have been issued in 23 cases for payment of cash rewards and the Deputy Commissioners have been authorised and requested to make them payments. The reason for delay is that the recipients are required to give an undertaking that they have not received payment of cash reward already (from other States) and an affidavit to the effect that they will be liable to refund the amount if it is found at a later stage that they had received the payment before. In a number of cases, concurrence of Finance Department is awaited, while in the remaining cases, reports are awaited from the Deputy Commissioners regarding the domicile of the decorees.

(b) The requisite information is given in Annexure "C ."

(c) The requisite information is given in Annexure "D".

**ANNEXURE 'A'**

**Statement showing the number of Military Personnel belonging to Punjab who have been awarded gallantry awards in Indo-Pak Conflict**

| District | Paramvir Chakra | Mahavir Chakra | Vir Chakra |
|---|---|---|---|
| Amritsar | .. | 1 | 2 |
| Jullundur | .. | 2 | 5 |
| Hoshiarpur | .. | 1 | 3 |

| District | | Paramvir Chakra | Mahavir Chakra | Vir Chakra |
|---|---|---|---|---|
| Kangra | .. | .. | 1 | 5 |
| Ferozepur | .. | .. | 4 | 2 |
| Ludhiana | .. | .. | 1 | 3 |
| Rohtak | .. | .. | 3 | 1 |
| Gurdaspur | .. | .. | 1 | 2 |
| Ambala | .. | .. | .. | 5 |
| Hissar | .. | .. | .. | 3 |
| Gurgaon | .. | .. | .. | 1 |
| Sangrur | .. | .. | .. | 3 |
| Bhatinda | .. | .. | .. | 2 |
| Mohindergarh | .. | .. | .. | 2 |
| Karnal | .. | .. | .. | 1 |
| Total | .. | .. | 14 | 40 |

## ANNEXURE "B"

**Revised scheme for the grant of rewards to winners of new gallantry decoration by the Punjab Government**

The Punjab Government have revised the scale of rewards for the New gallantry awards, namely, the Param Vir Chakra, the Maha Vir Chakra and the Vir Chakra, for the grant of rewards for the decorations recognised from 15th August, 1947.

2. *Conditions* :—

(a) Rewards will be made to Punjabi Servicemen.

(b) All ranks in the Army, Navy and the Air Force are eligible.

(c) The recipients of gallantry awards will ordinarily be rewarded on the following scales :—

| Name of decoration | | Amount of reward |
|---|---|---|
| (i) Param Vir Chakra | .. | Rs 10,000 *plus* Rs 500 annuity for 30 years, the annuity should be made applicable for the service-mens' life and the life of his widow (if the decoree has earned posthumously or if the decoree dies before his wife) or for 30 years which ever is longer |
| (ii) Maha Vir Chakra | .. | Rs 7,500. |
| (iii) Vir Chakra | .. | Rs 3,000. |

These revised scales are applicable to the decorees of Congo, Nefa and Ladakh areas as well as all future decorees or gallantry award winners.

(d) A recipient of these gallantry awards shall be entitled to half the amount of the cash reward for the first fresh award or bar as the case may be, won subsequently, but the winning of any subsequent awards or bars shall not entitle him to any other reward.

(e) In case of posthumous awards, the persons eligible for the rewards will be the heirs in the following orders :—

(i) Male lineal descendant of the deceased in the line of descent.

(ii) Widow of the deceased, if she is not re-married.

(iii) Unmarried daughters.

(iv) Successor or successors nominated by the Punjab Government from among deceased's father, his mother, married daughter, his daughter's son, sister, his sister's son and the male agnate members of his family.

## ANNEXURE "C"

**Statement showing the ex gratia grants, etc., distributed amongst the relatives of Martyrs/missing military personnel from 1st September, 1966 to 31st January, 1966**

| District | | September, 1965 | October, 1965 | November, 1965 | December, 1965 | January, 1966 | Total |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Kangra | .. | .. | 1,000 | 45,750 | 36,250 | 9,000 | 92,000 |
| Narnaul | .. | 6,000 | 15,000 | 16,250 | 2,500 | 500 | 40,250 |
| Simla | .. | .. | 500 | .. | .. | 500 | 1,000 |
| Gurdaspur | .. | 2,500 | 23,000 | 23,000 | 4,000 | 3,000 | 55,500 |
| Ludhiana | .. | .. | 24,700 | 24,500 | .. | 18,000 | 67,200 |
| Rohtak | .. | .. | 29,500 | 15,500 | 5,000 | 9,000 | 59,000 |
| Sangrur | .. | 2,000 | 9,000 | 13,000 | 3,500 | 1,000 | 28,500 |
| Ferozepur | .. | .. | 12,000 | 10,600 | 7,060 | 500 | 30,160 |
| Patiala | .. | .. | 5,000 | 14,500 | 3,000 | 7,500 | 30,000 |
| Jullundur | .. | 2,000 | 49,000 | 27,000 | 11,000 | 1,000 | 90,000 |
| Hoshiarpur | .. | .. | 43,500 | 24,000 | 15,520 | 13,620 | 96,640 |
| Hissar | .. | 1,500 | 6,500 | 2,500 | 6,000 | 3,500 | 20,000 |
| Bhatinda | .. | .. | 15,000 | 5,000 | 1,000 | 2,000 | 23,000 |
| Kulu | .. | .. | .. | .. | 2,500 | 3,000 | 5,500 |
| Karnal | .. | 1,000 | 22,250 | 5,000 | 2,500 | 2,000 | 32,750 |
| Ambala | .. | 3,000 | 26,500 | 15,000 | 11,000 | ... | 55,500 |
| Amritsar | .. | .. | .. | 11,300 | 38,300 | 8,800 | 58,430 |
| Lahaul and Spiti | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. |
| Kapurthala | .. | 3,500 | 3,500 | 6,560 | 1,480 | 500 | 15,540 |
| Gurgaon | .. | .. | .. | 28,500 | .. | .. | 28,500 |

## ANNEXURE 'D'

| Month | | Name of District | | Total number of visits paid by Ministers (excluding Chief Parliamentary Secretary) to condole with the war affected families |
|---|---|---|---|---|
| September, 1965 | .. | Amritsar | .. | 1 |
| | | Ambala | .. | 1 |
| | | Karnal | .. | 1 |
| | | Ferozepur | .. | 2 |
| | | Mohindergarh | .. | 1 |
| October, 1965 | .. | Jullundur | .. | 2 |
| | | Ludhiana | .. | 3 |
| | | Ferozepur | .. | 1 |
| | | Patiala | .. | 1 |
| | | Hoshiarpur | .. | 3 |
| November, 1965 | .. | Patiala | .. | 2 |
| | | Hoshiarpur | .. | 1 |
| December, 1965 | .. | Rohtak | .. | 5 |
| | | Hoshiarpur | .. | 1 |
| January, 1966 | .. | Rohtak | .. | 2 |
| | | Total | .. | 27 |

### Agricultural and Seed Farms in the State

**3098. Comrade Ram Chandra** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the total number of Agricultural and Seed Farms, separately, in the State at present ;

(b) the amount spent on each of the said Farms including the expenditure incurred on (i) salaries and allowances of the staff, (ii) seeds and fertilizers and (iii) all other agricultural activities during the period from 1961-62 to 1965-66 (to-date), year wise ;

(c) the amount of profit earned or loss incurred by each such Farm during the said period, year-wise ?

*Subject*:—Vidhan Sabha Question No. 3098 (Unstarred) regarding Agricultural and Seed Farms.

The answer to Vidhan Sabha Question No. 3098 appearing in the list of unstarred Question to be asked at the meeting of the Punjab Vidhan Sabha to be held on the 16th February, 1966, in the name of Comrade Ram Chandra, M.L.A., is not ready. The reply will be sent as soon as the necessary information is collected.

Sd/-
Home and Development
Minister, Punjab.

To

The Speaker,
Punjab Vidhan Sabha,
Chandigarh.

U.O. No. 879-Agr.II(X)-66/769, Chandigarh, dated 15th February, 1966.

## Drought in the State

**3113. Comrade Makhan Singh Tarsikka. :** Will the Minister for Revenue be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that there was drought in the whole state in November, and December, 1965 and January, 1966, if so, the nature of the revenue report, if any, received in this connection by the Government, districtwise ;

(b) the details of the steps being taken by the Government to give relief to the people tehsilwise and regionwise ;

(c) whether he is aware of the fact that there is no work for the labourers in the Hariana area who are migrating to other areas in search of work ; if so, the steps proposed to be taken to check this migration ?

**Sardar Harinder Singh, Major** : (a) scarcity conditions due to failure of monsoons first arose in the districts of Rohtak, Hissar and Mahendragarh only. Later, because of the failure of early winter rains scarcity conditions developed all over the State. Results of the special girdawari conducted by Deputy Commissioners in the month of February, 1966 are given in the attached statement.

(b) Particulars of relief sanctioned are given below :—

(I) Remission of land revenue has been allowed in all areas affected by drought in the State on the following scale :—

(i) Where the damage was more than 50 percent — Total remission

(ii) Where the damage was below 50 per cent but more than 25 per cent — 75 per cent remission

(II) Recovery of taccavi loans has been suspended till Rabi 1966 in such areas.

(III) *Relief work*

| *Hissar District* <br> *Item* | | *Amount sanctioned* <br> Rs | |
|---|---|---|---|
| (1) Earth work on roads | .. | 15,000,00 | |
| (i) Bhiwani tahsil | .. | 6,82,000 | |
| (ii) Hissar tahsil | .. | 5,40,000 | |
| (iii) Hansi tahsil | .. | 1,20,000 | |
| (iv) Sirsa tahsil | .. | 1,51,118 | |
| Total | .. | 14,93,118 | |
| (2) Digging of johars | .. | | 5,00,000 |
| (i) Bhiwani tahsil | .. | 2,00,000 | |
| (ii) Hissar tahsil | .. | 2,00,000 | |
| (iii) Sirsa Tahsil | .. | 25,000 | |
| (iv) Fatehabad tahsil | .. | 75,000 | |
| Total | .. | 5,00,000 | |

(3) Lift Irrigation Schemes .. Rs 48,58,000

(i) Bhiwani tahsil .. 2/3rd of this amount.

(ii) Hissar, Hansi and Sirsa tahsils .. 1/3rd of this amount

(4) Soil Conservation Works .. Rs 10,00,000

| | | |
|---|---|---|
| (i) Hissar tahsil | .. | Rs 5,00,000 |
| (ii) Bhiwani tahsil | .. | Rs 5,00,000 |
| Total | .. | 10,00,000 |

(5) Water Supply Scheme .. Rs 8,50,000 (as share of villagers)

In Bhiwani tahsil only. This scheme will cost Rs 70·95 lacs and serve 62 villages of Bhiwani tahsil.

**Rohtak District**

| *Item* | | *Amount sanctioned* |
|---|---|---|
| (1) Local Relief Works in Jhajjar tahsil | .. | Rs 5,00,000 |

**Mahendragarh District**

| *Item* | | *Amount sanctioned* |
|---|---|---|
| (1) Earth work on roads | .. | Rs 6,25,000 |
| (2) Local Relief Works | .. | Rs 15,00,000 |

The above amounts are being utilized in Mahendragarh Sub-Division i.e., in Dadri and Mahendragarh tahsils.

**Hoshiarpur District**

(1) Relief Works .. Rs 10,00,000

For Una tahsil and the Kandi area of Garhshanker tahsil.

(IV) OTHER RELIEF

**Hissar District**

| *Item* | | *Amount sanctioned* |
|---|---|---|
| (1) Subsidy for fodder | | .. Rs 1,75,000 |

| | | Rs |
|---|---|---|
| (i) Bhiwani Tahsil | .. | 1,25,000 |
| (ii) Hissar tahsil | .. | 50,000 |
| Total | .. | 1,75,000 |

(2) Taccavi loans for purchase of fodder and seed .. Rs 21,00,000

| | | *Fodder* Rs | *Seed* Rs |
|---|---|---|---|
| (i) Bhiwani tahsil | .. | 8,25,000 | 2,50,000 |
| (ii) Hansi Tahsil | .. | 2,00,000 | |
| (iii) Hissar tahsil | .. | 3,25,000 | |
| (iv) Fatehabad tahsil | .. | 3,00,000 | |
| (v) Sirsa tahsil | .. | 2,00,000 | |
| Total | .. | 18,50,000 | 2,50,000 |

(3) Highest priority to be given to village water supply scheme and rural electrification.

(4) Recruiting centre to be opened in Hissar District.

| | | | |
|---|---|---|---|
| (5) Fodder depots | .. | | 35 fodder depots are functioning where the fodder is sold at subsidized rates |
| (i) Bhiwani tahsil | .. | 29 | |
| (ii) Hissar tahsil | .. | 6 | |
| Total | .. | 35 | |
| (6) Fair Price Shops | .. | | 116 fair price shops are functioning |
| (i) Bhiwani tahsil | .. | 61 | |
| (ii) Hansi tahsil | .. | 29 | |
| (iii) Hissar tahsil | .. | 10 | |
| (iv) Fatehabad tahsil | | 6 | |
| (v) Sirsa tahsil | .. | 10 | |
| Total | .. | 116 | |

(7) Amenities provided in Bhiwani tahsil

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) Dhotis | .. | 44 | |
| (ii) Shirts of Mazri cloth | | 25 | |
| (iii) Shirt Mazri | .. | 14 | |
| (iv) Sweet shirts | .. | 24 | |
| (v) Khes | .. | 46 | |
| (vi) Shirting cloth | .. | 98 | pieces |
| (vii) Ribbed ves Cloth | | 71 | pieces |
| (viii) Woollen jackets | .. | 32 | |
| (ix) Night pyjama suits | | 25 | |
| (x) Bed sheets | .. | 77 | |
| (xi) Woollen blankets | | 49 | |
| (xii) Vests cotton flannalettees | .. | 52 | |
| (xiii) Mazri cloth | .. | 45 | pieces |

**Rohtak District**

| *Item* | *Amount sanctioned* |
|---|---|
| (1) Taccavi loans for purchase of fodder in Jhajjar Tahsil .. | Rs 2, 50,000 |

(2) Fair Price Shops have also been opned. in Jhajjar tahsil.

**Mahendragarh District**

| *Item* | | *Amount sanctioned* |
|---|---|---|
| (1) Taccavi for percolation wells .. | | Rs 5,00,000 |
| (i) Mahendragarh tahsil .. | Rs 1,75,000 | |
| (ii) Dadri tahsil .. | Rs 3,25,000 | |
| Total .. | Rs 5,00,000 | |

**Hoshiarpur District**

| *Item* | *Amount sanctioned* Rs |
|---|---|
| (1) Taccavi loans for fodder .. | 3,00,000 |
| (2) Taccavi loans for seed .. | 1,00,000 |

Rs two lacs each for Garnshanker and Una Tahsils.

(c) There is no such migration

## STATEMENT NO. I

**Statement showing the damage caused to Rabi crops by drought in the State**

| Serial No. | Name of district | No. of villages in the district | Name of Tahsil | Total No. of villages in the Tahsil | No of villages where damage | No. of Villages where the damage caused to crops is 25% to 49% | No. of Village where the da age casued to crops is 50% to 74% | No. of villages where the damage cau ed to crops is 75 % to 100 % | Total area affected in acres | Produce damaged in quintals | Value in Rs | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| 1 | Gurgaon .. | 1,586 | Palwal .. | 197 | 181 | 8 | 4 | 4 | 2,187 | 6,561 | 3,28,050 | |
| | | | Ballabgarh .. | 206 | 43 | 88 | 75 | — | 31,312 | 93,936 | 46,96,800 | |
| | | | Gurgaon .. | 226 | 61 | 114 | 49 | 2 | 55,648 | 1,66,955 | 83,47,921 | |
| | | | Nuh | 289 | 247 | 24 | 14 | 4 | 8,413 | 25,239 | 12,61,950 | |
| | | | Ferozepur Jhirka | 242 | 132 | 96 | 14 | .. | 21,113 | 63,339 | 31,66,950 | |
| | | | Rewari .. | 426 | 300 | 96 | 22 | 8 | 37,253 | 1,11,759 | 55,87,950 | |
| | | | Total .. | 1,586 | 964 | 426 | 178 | 18 | 1,55,926 | 4,67,789 | 2,33,89,621 | |
| 2 | Rohtak .. | 806 | Rohatk | 133 | 93 | 40 | .. | .. | 46,783 | 1,47,319 | 93,17,455 | |
| | | | Gohana | 123 | 37 | 86 | .. | .. | 77,509 | 2,62,483 | 1,67,64,179 | |
| | | | Sonepat .. | 241 | 202 | 35 | 4 | .. | 30,080 | 1,03,287 | 66,68,261 | |
| | | | Jhajjar .. | 309 | 121 | 72 | 101 | 15 | 84,418 | 2,53,000 | 1,62,05,497 | |
| | | | Total .. | 806 | 453 | 233 | 105 | 15 | 2,38,790 | 7,66,089 | 4,89,55,329 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 13 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | Ambala .. | 2,696 | Ambala .. | 325 | 3 | 42 | 190 | 88 | 69,761 | 1,67,742 | 83,87,100 | |
| | | | Jagadhri .. | 493 | 28 | 104 | 126 | 230 | 51,307 | 1,36,392 | 66,22,822 | |
| | | | Naraingarh | 334 | .. | .. | .. | 334 | 66,911 | 1,55,532 | 1,02,75,305 | |
| | | | Kharar .. | 489 | 2 | 25 | 90 | 362 | 71,153 | 2,05,774 | 1,02,98,966 | |
| | | | Rupar .. | 386 | 104 | 124 | 79 | 79 | 21,293 | 58,396 | 33,66,624 | |
| | | | Nalagarh .. | 669 | .. | 5 | 29 | 597 | 28,613 | 1,97,831 | 52,36,131 | |
| | | | Total .. | 2,696 | 137 | 300 | 514 | 1,690 | 3,09,038 | 9,21,637 | 4,41,86,948 | |
| 4 | Karnal | 1,427 | Karnal .. | 422 | 112 | 113 | 162 | 35 | 1,02,644 | 4,10,576 | 2,05,28,800 | |
| | | | Panipat .. | 185 | 130 | 51 | 4 | .. | 33,750 | 1,35,000 | 67,50,000 | |
| | | | Thanesar .. | 429 | 248 | 170 | 11 | .. | 38,773 | 1,55,092 | 77,54,600 | |
| | | | Kaithal .. | 220 | 9 | 133 | 70 | 8 | 1,11,259 | 4,45,036 | 2,22,51,800 | |
| | | | Guhla .. | 171 | 52 | 119 | .. | .. | 20,267 | 81,068 | 40,53,400 | |
| | | | Total .. | 1,427 | 551 | 586 | 247 | 43 | 3,06,693 | 12,26,772 | 6,13,38,600 | |
| 5 | Simla .. | 1,081 | Kandaghat | 1,052 | 24 | .. | 241 | 811 | 16,053 | 36,644 | 21,67,616 | |
| | | | Simla .. | 29 | .. | .. | 21 | 8 | 78 | 8 | 15,680 | |
| | | | Total .. | 1,081 | 24 | .. | 262 | 819 | 16,131 | 36,652 | 21,83,296 | |
| 6 | Sangrur .. | 1,039 | Sangrur .. | 300 | 261 | 24 | 14 | .. | 48,143 | 1,75,005 | 1,03,45,749 | Area which remained unsown in acres 1,75,734. |
| | | | Barnala .. | 142 | 90 | 52 | .. | .. | 68,654 | 2,06,406 | 1,23,60,672 | |
| | | | Malerkotla | 296 | 139 | .. | .. | .. | 2,176 | 7,934 | 5,82,020 | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Narwana .. | 136 | 35 | .. | .. | .. | 5,456 | 32,736 | 16,36,800 |
| | | | Jind .. | 165 | 146 | 13 | 6 | .. | 19,135 | 76,540 | 45,92,400 |
| | | | Total .. | 1,039 | 671 | 89 | 20 | .. | 1,43,564 | 4,98,621 | 2,95,17,641 |
| 7 | Patiala .. | 1,497 | Patiala .. | 501 | 46 | 271 | 173 | 11 | 91,820 | 4,54,947 | 2,49,45,738 |
| | | | Nabha | 272 | 272 | .. | .. | .. | 3,238 | 15,310 | 9,32,320 |
| | | | Sarhind .. | 298 | 262 | 26 | 10 | .. | 17,583 | 60,899 | 35,59,449 |
| | | | Rajpura .. | 426 | 20 | 91 | 163 | 152 | 1,49,191 | 4,72,615 | 1,72,77,481 |
| | | | Total .. | 1,497 | 600 | 388 | 346 | 163 | 2,61,832 | 10,03,771 | 4,67,14,988 |
| 8 | Bhatinda .. | 694 | Bhatinda .. | 275 | 275 | .. | .. | .. | 2,11,853 | 1,05,926 | 52,96,300 |
| | | | Mansa .. | 249 | 249 | .. | .. | .. | 65,101 | 1,30,202 | 75,51,716 |
| | | | Faridkot | 170 | 170 | .. | .. | .. | 22,797 | 46,174 | 24,26,150 |
| | | | Total | 694 | 694 | .. | .. | .. | 2,99,751 | 2,82,302 | 1,52,74,166 |
| 9 | Mohendergarh | 559 | Narnaul | 222 | .. | 111 | 83 | 28 | 55,873 | 3,45,782 | 1,53,45,425 |
| | | | Mahendergarh | 156 | .. | .. | 6 | 150 | 35,795 | 1,43,180 | 78,74,900 |
| | | | Dadri .. | 181 | .. | .. | 62 | 119 | 93,371 | 4,35,602 | 2,74,42,926 |
| | | | Total .. | 559 | .. | 111 | 151 | 297 | 1,85,039 | 9,24,564 | 5,06,63,251 |
| 10 | Kapurthala.. | 701 | Kapurthala.. | 585 | 257 | .. | .. | .. | 6,144 | 12,288 | 4,91,520 |
| | | | Phagwara | 116 | 97 | .. | .. | .. | 1,015 | 2,030 | 1,01,500 |
| | | | Total .. | 701 | 354 | .. | .. | .. | 7,159 | 14,318 | 5,93,020 |
| 11 | Ludhiana .. | 1,004 | Ludhiana .. | 489 | .. | .. | .. | 118 | 10,091 | 30,273 | 15,13,650 |
| | | | Samrala .. | 340 | 23 | 4 | 11 | 90 | 16,107 | 48,321 | 24,16,050 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Jagraon .. | 175 | 11 | 4 | 22 | 3 | 7,344 | 22,032 | 11,01,600 | |
| | | | Total .. | 1,004 | 34 | 8 | 33 | 211 | 33,542 | 1,00,626 | 50,31,300 | |
| 12 | Ferozepore | 1,567 | Muktsar .. | 237 | 112 | .. | .. | .. | 51,488 | 25,744 | 15,44,640 | |
| | | | Fazilka .. | 315 | 315 | .. | .. | .. | 46,500 | 17,915 | 10,84,775 | |
| | | | Moga .. | 181 | 72 | .. | .. | .. | 9,791 | 4,895 | 2,69,252 | |
| | | | Zira .. | 363 | 117 | 150 | 60 | 10 | 71,898 | 1,43,796 | 71,89,800 | |
| | | | Ferozepore | 471 | 285 | | .. | .. | 27,563 | 13,781 | 8,26,860 | |
| | | | Total .. | 1,567 | 901 | 150 | 60 | 10 | 2,07,240 | 2,06,131 | 1,69,15,327 | |
| 13 | Jullundur .. | 1,320 | Jullundur .. | 433 | 131 | 12 | 11 | 3 | 5,572 | 18,259 | 7,70,440 | |
| | | | Nakodar .. | 353 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | |
| | | | Phillaur .. | 242 | 214 | 28 | .. | .. | 11,735 | 14,672 | 8,80,320 | |
| | | | Nawanshahar | 292 | 290 | .. | .. | .. | 25,000 | 1,000 | 60,000 | |
| | | | Total .. | 1,320 | 635 | 40 | 11 | 3 | 42,307 | 33,931 | 17,10,760 | |
| 14 | Amritsar | 1,276 | Ajnala .. | 347 | 125 | 101 | 65 | 56 | 61,460 | 2,45,840 | 98,33,600 | |
| | | | Amritsar .. | 389 | 367 | .. | .. | .. | 14,468 | 14,648 | 7,32,400 | |
| | | | Tarn Taran | 340 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | |
| | | | Patti .. | 200 | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | |
| | | | Total .. | 1,276 | 492 | 101 | 65 | 56 | 75,928 | 2,60,488 | 1,05,66,000 | |
| 15 | Hoshiarpur | 2,204 | Hoshiarpur | 527 | 12 | 128 | 131 | 253 | 1,18,908 | 3,56,724 | 1,78,36,200 | |
| | | | Una .. | 532 | .. | .. | 63 | 469 | 94,549 | 2,83,647 | 17,01,882 | |
| | | | Dasuya .. | 649 | 141 | 172 | 81 | 241 | 1,08,174 | 2,59,971 | 1,68,98,115 | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Garhshankar | 496 | 103 | 56 | 90 | 247 | 1,07,306 | 1,03,001 | 51,98,900 | |
| | | | Total .. | 2,204 | 256 | 356 | 365 | 1,210 | 4,28,937 | 10,03,343 | 4,16,35,097 | |
| 16 | Kangra .. | 651 | Nurpur | 195/847 | .. | .. | .. | 847 | 56,609 | 91,214 | 46,09,546 | Damage has been given in tikkas instead of villages |
| | | | Hamirpur .. | 64/1982 | .. | .. | 104 | 1,767 | 89,381 | 1,79,791 | 1,21,50,466 | |
| | | | Palampur | 113/1151 | 1 | 2 | 485 | 636 | 52,831 | 1,43,298 | 1,01,69,110 | |
| | | | Dehra .. | 145/1241 | .. | .. | .. | 1,231 | 65,179 | 1,54,370 | 95,46,311 | |
| | | | Kangra .. | 134/1029 | 189 | 194 | 52 | 525 | 24,546 | 1,19,192 | 77,55,912 | |
| | | | Total .. | 651/6250 | 190 | 196 | 641 | 5,006 | 2,88,546 | 6,87,865 | 4,42,31,345 | |
| 17 | Hissar .. | 1,068 | Bhiwani .. | 208 | 2 | 5 | 21 | 180 | 1,82,609 | 1,74,523 | 1,13,43,995 | Area unsown due to drought in acreas—6,02,011 |
| | | | Hansi .. | 138 | 52 | 44 | 28 | 14 | 67,834 | 4,52,819 | 3,15,07,715 | |
| | | | Hissar .. | 218 | 99 | 48 | 37 | 34 | 60,100 | 2,96,346 | 1,48,17,300 | |
| | | | Fatehabad | 179 | 9 | 86 | 73 | 11 | 1,17,266 | 3,75,642 | 2,42,33,092 | |
| | | | Sirsa .. | 325 | 121 | 73 | 101 | 30 | 1,85,082 | 7,40,328 | 4,44,19,680 | |
| | | | Total .. | 1,068 | 283 | 256 | 260 | 269 | 6,12,891 | 20,39,658 | 12,63,21,782 | |
| 18 | Gurdaspur .. | 1,617 | Batala .. | 495 | 74 | 269 | 120 | 27 | 73,144 | 292,576 | 1,09,71,600 | No crop was sown in 5 villages of Batala tehsil and 3 villages of Gurdaspur Tehsil |
| | | | Gurdaspur | 699 | 4 | 62 | 174 | 456 | 1,37,932 | 6,25,873 | 3,04,98,808 | |
| | | | Pathankot .. | 423 | .. | .. | 8 | 415 | 14,612 | 2,61,863 | 12,78,505 | |
| | | | Total | 1,617 | 78 | 331 | 302 | 898 | 2,25,688 | 11,80,312 | 4,27,48,913 | |
| 19 | Kulu | 170 | Kulu .. | 83 | .. | 49 | 34 | .. | 14,809 | 41,539 | 24,07,318 | |
| | | | Sub-Tehsil—. Banjar .. | 44 | 21 | 23 | .. | .. | 4,607 | 10,984 | 7,04,521 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Sub-Tehsil | Ani .. | 16 | 5 | 11 | .. | .. | 4,160 | 10,164 | 6,52,722 | |
| | | Sub-Teh sil | Nirmand | 27 | 3 | 24 | .. | .. | 5,222 | 11,919 | 7,98,139 | |
| | | | Total .. | 170 | 29 | 107 | 34 | .. | 28,798 | 74,606 | 45,62,700 | |
| 20 | Lahaul and Spiti | | Nil | | | | | | | | | |
| | | | Grand Total | 28,562 | 7,346 | 3,678 | 3,594 | 10,708 | 38,67,800 | 1,17,29,475 | 61,05,40,147 | |

**Admission in various Medical Colleges**

**3114. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the number ; names and home addresses of students, district-wise, admitted in the Medical Colleges at Ludhiana, Patiala, Rohtak and Amritsar in 1964-65 and 1965-66 sessions, separately;

(b) the number , names and addresses of students recommended by the Government every year since 1962 for admission in the Medical Colleges at Ludhiana and at Srinagar, respectively?

*Subject.*—Admission in Various Medical Colleges.

The answer to Assembly Question No. 3114 appearing in the list of Unstarred Questions for the 16th February, 1966 in the name of Comrade Makhan Singh Tarsikka, M.L.A. is not ready. The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.,

(Sd) . . . .,
Health Minister, Punjab.

To,
Secretary,
Punjab Vidhan Sabha,
Chandigarh.

U.O. No. 1166-IHBIV-66, dated Chandigarh, the 15th February, 1966.

---

**Industrial Training Centres in Amritsar**

**3118. Comrade Makhan Singh Tarsikka : Will the Chief** Minister be pleased to state—

(a) the location of each of the Industrial Training Centres functioning at present in Amritsar District?

(b) the total number of persons trained in each of the said centres trade-wise and year-wise, since the inception of these Centres;

(c) the number of those, referred to in part (b) above centre-wise, who started work in the Industry or trade in which they received training

*Subject* :—Unstarred Assembly Question No. 3118 Asked by Comrade Makhan Singh Tarsikka, M. L. A.

The answer to the Unstarred Assembly Question No. 3118, appearing in the list of Unstarred Questions on 16th February, 1966, in the name of Comrade Makhan Singh Tarsikka, M. L. A. is not ready.

The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

(Sd.) . . . .,
Chief Minister,
Punjab.

To

The Secretary,
Punjab Vidhan Sabha,
Chandigarh.

U. O. No. 1552-51BII-66, dated Chandigarh, the 14th/15th February, 1966.

**Assessment of surplus area in village Sithana, tehsil Panipat, District Karnal**

**3126. Comrade Ram Piara:** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the names of landowners of village Sithana, tehsil Panipat, district Karnal who owned more than 30 standard acres of land as on 1st April, 1949, together with the area of each which has been declared surplus;

(b) the dates when the work of assessment of surplus areas was started and finalised in the said village.

**Sardar Harinder Singh Major** : (a) None.

(b) (i) 15th December, 1964.

(ii) 21st April, 1966.

8497/PVS—372—16-8-66—C., P. & S., Pb., Chandigarh.

# Punjab Vidhan Sabha Debates

*17th February, 1966*

**Vol. I—No. 3**

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

**Thursday, the 17th February, 1966**

# ERRATA

TO

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 3,

DATED THE 17TH FEBRUARY, 1966

| Read | For | Page | Line |
|---|---|---|---|
| प्वायंट आफ | प्वइन्ट आप | (3)3 | 8 from below |
| interim | iterim | (3)4 | 11 |
| thing | h ng | (3)4 | 12 |
| ज़रूरत | ज़ररत | (3)9 | 14 |
| ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ | ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰ | (3)9 | 27 |
| grievances | greivances | (3)13 | 40 |
| की | कि | (3)15 | 23 |
| ਏਰੀਆ | ਏਸੀਆ | (3)15 | 25 |
| ਕੰਟਰਾਡਿਕਸ਼ਨ | ਕਟਰਾਡਿਕਸ਼ਨ | (3)16 | 22 |
| इन्स्टालमेंट्स | ईस्टालमेंट्स | (3)17 | 25 |
| रिप्रीज़ेन्टेशन | रीप्रींज़ेंशन | (3)17 | 36 |
| Therefore | Therefor | (3)18 | 4 |
| Rajpura | Rapura | (3)20 | 7 |
| Kot Kapura | Kat Kapura | (3)21 | 18 from below |
| commi- | commit- | (3)21 | Last but one |
| Chaudhri Rizaq Ram | Chaudhri Rizaq Rom | (3)23 | 4 from below |
| cases | cass | (3)27 | 5 |
| Gazette | Gazettee | (3)27 | 25 |
| lapsed | lasped | (3)28 | 19 |
| brick kiln | brick) | (3)29 | 9 from below |
| brick-field | brickr-field | (3)32 | 22 |

P. T. O,

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| Singh | S ngn<br>Sngh | (3)42<br>(3)64 | 5 from below<br>11 |
| Partap Singh | Par ap S ngh | (3)43 | 17 |
| son | so | (3)45 | 8 from below |
| amount | ammount | (3)46 | 7 from below |
| subsidy | sub dy | (3)47 | 1 |
| 12 | 82 | (3)48 | S. No. 12 |
| above | ahove | (3)50 | 29 |
| vouchsafed | vonchsafed | (3)51 | 5 from below |
| volunteer | volunter | (3)52 | 3 |
| contributions | cntributins | (3)52 | 5 from below |
| पुलिस | पुसिल | (3)53 | 17 |
| कसमपुर्सी | कसमपुर्बी | (3)55 | 8 |
| है | ई | (3)55 | 11 |
| हकूमत का | हकूमत | (3)55 | 15 |
| आई | माई | (3)57 | 11 |
| महरूम | महरूप | (3)57 | 18 |
| मकान | माकन | (3)57 | 23 |
| नामज़द | मादज़द | (3)58 | 3 |
| तर्कफेल | तकेफेल | (3)58 | 8 |
| Development | Devekopment | (3)60 | 15 |
| loanees | loan | (3)64 | 2 |
| applicants | applicatic n | (3)66 | 2 |
| present | pesent | (3)72 | 6 from below |
| Varpal | Vapal | (3)75 | 10 from below |
| school at | school | (3)76 | 9 |
| Amritsar | ffImritsar | (3)76 | 13 from below |
| conditions | contidions | (3)78 | 16 |

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| Panipat | Pauipat | (3)88 | 4 |
| Ludhiana | Luuhiana | (3)90 | 17 |
| Niranjan Singh | B Niranjan Singh | (3)93 | 14 |
| Governor | Goverhor | (3)96 | 7 |
| Secretary's | Sectetary's | (3)97 | 16 from below |
| Under Winding | unde inding | (3)103 | 32 |
| Sangrana | Sang ana | (3)108 | 17 |
| Saquinwali | Sa quanwali | (3)113 | 10 |
| production | roduction | (3)115 | 15 |
| Brick | Birck | (3)117 | 4 from below |
| Harbhaj Singh | Harhbaj Singh | (3)127 | S. No. 22, col. 2 |
| being a | being | (3)128 | S. No. 12. col. 4 |
| authorities | authories | (3)139 | last but one |
| ਮੈਮੋਰੀਅਲ | ਮੈਮੋਸੀਅਲ | (3)146 | 5 and 6 from below |
| Sardar Ajaib Singh | Sardar Ajab Singh | (3)152 | 25 |
| ਮੈਂਬਰ ਦੀ | ਮੈਂਬਰ | (3)161 | 7 |
| leave | ieave | (3)162 | 1 |
| which | whlch | (3)164 | 10 from below |
| ऐक्सपंज | ऐक्सपंच | (3)167 | 21 |
| इलैक्ट्रीफाइड | इलैक्रिटफाइड | (3)168 | 5 from below |
| मैं ने | मैं | (3)170 | 7 |
| श्री बलरामजी दास टंडन | श्री बलारमजी दास टंडन | (3)172 | 20 |
| लाज़मी | लाज़नी | (3)172 | 21 |
| फ्लड | फल्ड | (3)172 | 9 from below |
| मुसीबत | बु ीबत | (3)173 | 5 |
| give | given | (3)173 | 26 |

P.T.O.

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| किसी | किस | (3)174 | 7 |
| करूंगी | करूंग | (3)174 | 8 from below |
| ਹਿੰਦੂ- | ਹਿਦੂ- | (3)175 | 15 |
| ਚਾਰ | ਜਾਰ | (3)177 | last |
| दे सकते हैं | सकते हैं | (3)180 | 16 |
| फी सदी | फीसवी | (3)182 | 15 |
| हरियाणा | हरिययाणा | (3)182 | 15 |
| यूनिवर्सिटी | ूनिवर्सिटी | (3)187 | 9 |
| श्री बलरामजी दास | श्री बलरमजी दास | (3)188 | last |
| एशोरेंसिज | एशारेसिज़ | (3)189 | 21 |
| डिस्प्लेस्ड | डिस्लेन्ज़ | (3)190 | 5 from below |

# PUNJAB VIDHAN SABHA

**Thursday, the 17th February, 1966**

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhawan, Sector 1, Chandigarh at 9.30 A.M. of the Clock Mr. Speaker (Shri Harbans in the Chair.*

---

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Report of the Haryana Development Committee

***8840. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether Government has received the report of the Haryana Development Committee ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the recommendations made in the said Report have been accepted in toto or partially ;

(c) whether any schemes based on the said recommendations have been incorporated in the Fourth Five-Year Plan for implementation in the first year of the said Plan, if so, the details of such schemes ?

**Sardar Ajmer Singh (Planning and Local Government Minister) :** (a) yes, on 27th January, 1966.

(b) and (c) The recommendations made by the Committee are under consideration.

**श्री मंगल सैन :** क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि हरियाणा डिवैलपमेंट कमेटी ने जो रिपोर्ट पेश की क्या उस की सिफारिशात को लागू करने के के लिए इस सैशन में पेश किये जाने वाले बजट में जरूरी प्रबन्ध किये जाएंगे ?

**Minister :** Mr. Speaker, this question can only be answered after the Report has been thoroughly examined. The recommendations are being looked into by the Administrative Secretary and the Planning Secretary who have been directed to study and examine them. After that the matter will be put up before the Cabinet and a decision will be taken. The question of enforcement will arise only after that. We will not lose any time in taking the decision.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I ask the Planning Minister as to how long the Government will take to consider the report ?

**Minister :** I have already stated that no time will be lost but at the same time no dead line can be fixed.

**श्री मंगल सैन :** इन्होंने अभी कहा कि इस कमेटी पर गौर करने के लिए ऐडमिनिस्ट्रेटिव सैक्रेटरी फिनांस सैक्रेटरी रैवन्यू सैक्रेटरी वगैरा की एक कमेटी बनाई जाएगी।

[श्री मंगल सैन]
मैं इन से डैफीनिटली यह बात पूछना चाहता हूं कि उस कमेटी की सिफारिशात पर गौर कर के कब तक उन को चौथी प्लैन के अन्दर या इस बजट के अन्दर शामिल कर दिया जायगा ?

**Minister** . I have already answered this question.

**मुख्य मन्त्री** स्पीकर साहिब, हरियाणा डिवैलपमेंट कमेटी की सिफारिशात के बारे में जो ऐंग्ज़ाइटी मैम्बर साहिबान के अन्दर पाई जाती है उसे हम भी अच्छी तरह से महसूस करते हैं । गवर्नमेंट ने जब यह कमेटी बनाई थी तो इसी वजह से बनाई थी । इन साहिबान को इस बात का इल्म होजाना चाहिए कि सरकार की यह खाहिश है कि हरियाणा की डिवैलपमेंट की तरफ और इस की बैकवर्डनैस को दूर करने की तरफ ज्यादा से ज़्यादा ध्यान दिया जाए । यह ध्यान दिया जा रहा है और आयंदा भी दिया जायगा । हाउस को मालूम है कि अभी दो हफ्ते पहले ही इस कमेटी की रिपोर्ट हमारे पास आई है और हम इस को कन्सिडर कर रहे हैं । उस के बाद यह कैबिनट के सामने आयेगी जिस ने यह कमेटी बनाई थी । हमारी खाहिश है कि इस के सारे पहलुओं पर गौर करके इस पर अमल किया जाए । मगर इस से पहले इस के सारे आसपैक्टस फिनांशल इम्पलीकेशंज वगैरह के बारे में देखने होंगे मगर मैं यह आप को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जिस नेक नियती से हम ने यह कमेटी ऐप्वायंट की थी उसी नेकनियती से इस पर जल्दी से जल्दी अमल भी करना चाहते हैं । आप यह बात देखें कि सारे हिन्दोस्तान में और अपने सूबे में भी किसी भी कमेटी के सिलसिले में इतनी तेजी से काम नहीं हुआ जितना इस के बारे में हुआ है । हम चाहते हैं कि हरियाणा की डिवैलपमेंट जल्द से जल्द हो और इस पर हम अपने रिसोर्सिज के मुताबिक जल्द से जल्द गौर करेंगे ।

**Shri Ram Saran Chand Mital :** May I know from the Government whether it is a fact that the Haryana Development Committee submitted an interim report long ago ; if so, when it was submitted and whether its recommendations were considered and further whether any of the recommendations of that interim report have been incorporated in the Budget which will be presented to this House in this Session ?

**Minister :** The interim report was considered and the decision was taken but without final report no steps could be taken to implement any thing.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ :** ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਇਤਨੀ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਖਾਹਿਸ਼ ਦੇ ਹਰਿਆਣਾ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਮੇਟੀ ਬਨਾਉਣ ਨੂੰ 18 ਸਾਲ ਕਿਉਂ ਲਗ ਗਏ ਅਤੇ ਹੁਣ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰਨ ਵਿਚ ਕਿੰਨਾ ਚਿਰ ਲਗੇਗਾ ?

**चौधरी राम स्वरूप :** स्पीकर साहिब, सवाल हरियाणा डिवैलपमेंट कमेटी का नहीं है बल्कि सवाल यह है कि हरियाणा डीवैलपमेंट कमेटी को कब अमल में लाया जायगा (विघ्न) उस की सिफारिशात को ?

**श्री अध्यक्ष :** यह सवाल भी आ चुका और जवाब भी आ चुका है । (This question has already been asked and reply given.)

**मुख्य मन्त्री** : चौधरी साहिब, हरियाणा डिवैलपमेंट कमेटी तो खत्म हो गई उस पर क्या अमल होगा ।

**चौधरी राम स्वरूप** : मैं क्लीयर नहीं कर सका या यह समझ नहीं सके ।

**श्री अध्यक्ष** : बाद मे क्लीयर कर लें। (The hon. Member may clarify later on.)

**कामरेड राम प्यारा** : मैं इन से यह पूछना चाहता हूं कि इस कमेटी की रिपोर्ट को कब पब्लिक में लाया जाएगा और कब इस सदन की टेबल पर रखा जायगा ?

**Minister** : Yesterday I have already placed a copy of it on the Table of the House in the Legislative Council. We are not going to keep it back. It will be placed here if it is desired.

Sir, for the information of my hon. friends I would say that the Haryana Development Committee has made a report that certain percentage of budget allocation on the Plan schemes should be spent in the Haryana area or Hindi Region. Now for that purpose it is very necessary to find out as to how much, under the present allocation, is being spent by the various departments on the Hindi and the Punjabi Regions. This has to be found out first. Now there are two types of schemes breakable schemes and unbreakable schemes. In the case of breakable schemes, of course, we can find out sooner but in the case of unbreakable schemes it has to be worked out. So we have first to find out as to how much is actually being spent at present on the Hindi Region and the Punjabi Region and then the Government will take a decision keeping in view its financial resources and the recommendations of the Haryana Development Committee.

**Mr. Speaker** : I feel rather surprised that a document which is placed on the table of one House is not placed on the table of the other House and the Government is waiting for the demand from the hon. Members. I hope this House will not be treated in that way. I expect that a document which is placed on the table of one House is simultaneously placed on the table of the other House.

**Minister** : Sir, as I have already stated we are not keeping it back. It shall be placed today.

**Mr. Speaker** : But it should have been placed on the table of the House on the same day.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : स्पीकर साहिब, मेरा प्वइन्ट आफ आर्डर है, इस के बारे में आप ने अभी फरमाया है कि यह रिपोर्ट जो पहले इस हाउस में नहीं रखी गई कौंसल में रखे जाने के साथ साइमलटेनिसली यहां रखी जानी चाहिए थी । जिस दिन वहां पर रखी गई उसी दिन यहां पर रखी जानी चाहिए थी । ऐसा नहीं किया गया और यह एक बहुत सिरियस बात है और यह इस हाउस का प्वाइंट आफ प्रिवेलिज है कि गवर्नमेंट के नुकतानिगाह से या मिनिस्टर साहिब के नुक्ता निगाह से यह जरूरी नहीं समझा गया कि इस हाउस में कापी ले की जाए । और इस बात को वैट किया गया कि इस हाउस के मेम्बर साहिबान इस बात की मांग करेंगे तो

[श्री बलरामजी दास टंडन]
इस को हाउस की टेबल पर ले किया जाए । और दूसरी तरफ इपसो फैक्टो कापी ले कर दी गई । मैं आप का इस प्वायंट आफ प्रिवेलिज पर रूलिंग चाहता हूं । इस के बारे में ऐक्शन लेना चाहिए ।

**Mr. Speaker :** I have already made my observations.

**Minister :** Sir, I have already said that it will be done to day.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, the hon. Minister for Planning and Local Government in reply to the supplementary question of the hon. Member Shri Ram Saran Chand Mital has said that the Government was waiting for the final Report of the Haryana Development Committee. May I ask him as to what was the utility of the iterim Report ? What action has been taken on the interim Report and whether any thing has been included in the Budget as a result of the recommendations of the Committee ?

**मुख्य मन्त्री :** मैंने आगे भी अर्ज किया है और अब फिर वजाहत कर देना चाहता हूं कि इतने गुस्से से काम नहीं चलेगा । अभी दो हफ्ते तो हुए नहीं रिपोर्ट को आए हुए । पिछले 17 और 18 साल के अन्दर कोई कमेटी नहीं बनी थी । अब इस की रिपोर्ट आई है इस लिए इतना उतावलापन इस में नहीं दिखाना चाहिए । इस बात को मद्देनजर रखा जा रहा है कि हमारे पास कितने रिसोर्सिज हैं और जहां तक चालू माली साल का ताल्लुक है अभी तक इस की प्लान को फाइनेलाइज नहीं किया गया है । प्लानिंग कमिशन और गवर्नमेंट आफ इंडिया का नजरिया यह है कि जो नई प्लान बनाई जाए उस में एग्रीकलचर पावर और इरिगेशन और इन्डस्टरी पर सब से ज्यादा जोर दिया जाए । मैं हाउस को यकीन दिलाता हूं कि जो नया प्लान बनेगा उस में हरियाना के बारे में जो सिफारिशात की गई हैं उन को मद्देनजर रखा जाएगा । और एग्रीकलचर, पावर और इरिगेशन पर की सिफारिशात पर जितना ज़्यादा हो सका अमल दरामद करने की कोशिश की जाएगी और इस गवर्नमेंट की खाहिश है कि हरियाना की तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान दिया जाए ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ 18 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਕੋਈ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਹਾਲਾਂ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਗੌਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਇਹ ਹਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਆਪਣੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਆਪ ਕਰ ਲੈਣ ?

**Mr. Speaker :** This supplementary question is not allowed.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, the hon. Chief Minister has been pleased to state that stress has to be laid on agricultural development and rural electrification. Shall we, Sir, take it that the Government will over look the development of Haryana because preference has to be given to agricultural development ?

**मुख्य मन्त्री :** मैंने ओवरलुक नहीं कहा बल्कि मैंने कहा है कि कन्सिडर किया जाएगा । हमारी गवर्नमेंट की यह जबरदस्त खाहिश है, पहले भी थी और आयंदा

भी रहेगी और कोशिश की जाएगी कि फोर्थ प्लान में इन बातों का पूरा ख्याल रखा जाए ताकि हरियाना की पूरी तरह से डीवैल्पमेंट हो सके ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪਾਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਅਜ ਬਿਰਲਾ ਡੀਲ ਬਾਰੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਹੈ ਤੇ ਇਸ ਦੇ ਮੂਵ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਐਬਸੈਂਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਹ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮੂਵ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ ਅਤੇ ਉਸ ਮੈਂਬਰ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲਵੇ । (ਵਿਘਨ)

**Mr. Speaker** Please take no notice of it.

**ਸਰਦਾਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਲਾਇਲਪੁਰੀ** : ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ । ਕਿਉਂ ਰੁਪਿਆ ਅਤੇ ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ? ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਤੇ ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਬਣਾ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੀ ਆਪ ਹੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਰ ਦੇਣ । ਫਿਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣਾਣ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜਾ "ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ" ਦਾ ਸ਼ਬਦ ਵਰਤਿਆ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲਉ। (The hon. Member may please withdraw the words 'waste of time' used by him.)

**ਸਰਦਾਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਲਾਇਲਪੁਰੀ** : ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि क्या हरियाना की डिवेलपमेंट करने और कमेटी की रिपोर्ट को इम्पलीमेंट करने के लिए कोई डैड लाइन फिक्स की जा सकती है कि उस तारीख तक सारी रिकमेंडेशन्ज पर अमल दरामद हो जायग और सारी कारवाई कमप्लीट हो जाएगी ?

**मुख्य मन्त्री** : कोई डैड लाइन तो फिक्स नहीं की जा सकती लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि जल्दी से जल्दी अमल किया जाएगा ।

**Shri Mohan Lal :** Sir, may I know from the hon. Chief Minister whether the interim Report of this Committee was submitted at the instance of or as desired by the Government or was it submitted sub moto by the Committee ?

**मुख्य मन्त्री** : यह गवर्नमेंट के कहने पर नहीं दी गई बल्कि अपने आप फिनाशल कमिशनर डिवैलपमेंट को दी गई और वही उसे एग्जामिन कर रहे हैं ।

**Shri Mohan Lal :** Sir, may I know if the interim Report of this Committee was at all considered by the Government.

**Chief Minister :** It is under the consideration of the Development Department.

**कामरेड राम प्यारा** : क्या चीफ मिनिस्टर या प्लानिंग मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि उन्होंने फरमाया है कि इन्टेरिम रिपोर्ट को एग्जामिन गिया गया तो क्या उस रिपोर्ट में जस्टीफिकेशन पाई कि प्लान में हरियाणा की डिवैलपमेंट के लिए प्रबन्ध किया जा ?

**मुख्य मन्त्री** । मैंने अर्ज़ किया है कि प्लान बनाते वक्त इन सिफारिशों को मद्दे नजर रखा जाएगा ।

---

## Registration of a case against a Goldsmith in Jind District Sangrur

***9167. Chaudhri Net Ram :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it a fact that the Police registered a case against a goldsmith on the recovery of about 1½ kilos of Gold from him in Jind, district Sangrur, during October, November, 1965 if so, the provisions of law under which it was registered ;

(b) whether it is also a fact that the case referred to in part (a) above has since been withdrawn, if so the reasons for not handing over the said case to the Central Excise and Taxation Department ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes. Under Section 411 I.P.C.

(b) the case was cancelled by the local Police as it could not be established that the gold was stolen property. The gold was returned to the accused under orders of S.D.M., Jind. Hence the question of handing over the gold to the Central Excise and Taxation Department does not arise.

**चौधरी नेत राम** : मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि सोना जो बरामद हुआ क्या वह डिफेंस फंड या गोल्ड बांड की शक्ल में जमा करवाया गया है ?

**श्री अध्यक्ष** : वह वापस कर दिया गया है । (That has been returned.)

**चौधरी नेत राम** : यह बिलकुल गलत है । यह इस तरह चोरों को छोड़ना चाहते हैं । यह तहकीकात होनी चाहिए कि असल वाका क्या है ।

**कामरेड राम प्यारा** : मैं पूछना चाहता हूं कि आया इस सोना के मुताल्लिक पुलिस ने इस बात की इन्क्वायरी की कि यह जो सोना था यह समगलर्ज से हासल हुआ था चोरी का था ? क्या इस बात की कोई वैरीफिकेशन भी की गई थी ?

**मन्त्री** : मैंने जवाब में कहा है कि सारी बात की वैरिफिकेशन के बाद एस. डी. एम. के आर्डर्ज के मुताबिक सारी चीज हुई ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : मैं यह पूछना चहता हूं कि आया इस के मुताल्लिक पुलिस ने कोई केस रजिस्टर किया । आया बगैर किसी पराईमैरी इनवैस्टीगेशन के रजिस्टर हुआ था ? जब केस रजिस्टर हो चुका था तो पुलिस ने विदड्रा क्यों किया । वह कौनसी इन्वैस्टीगेशन है जिस की वजह से विदरा हुआ ? क्या पुलिस बगैर किसी वजह के विदड्रा कर गई या पुलिस ने कोई कारवाई की ?

**मन्त्री** : इतनी डिटेल्ज तो मेरे पास नहीं हैं । जो पूछा गया था उस का जवाब मैंने दे ही दिया है ।

**चौधरी दल सिंह** : जिस शख्स से सोना बरामद किया गया क्या वह जेवरात की चोरी का पहले भी मुलजिम था ? जहां तक मेरे इल्म में है यह केस साबत नहीं हो सका ?

**श्री अध्यक्ष** : इसका इस केस से कोई ताअल्लुक नहीं है । (This has nothing to do with this case.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਜਿਸਨੇ ਝੂਠੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਵਾਈ ਸੀ, ਕੀ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ 182 ਦਾ ਕੇਸ ਰਜਿਸਟਰ ਕੀਤਾ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : On a point of order, Sir. As and when any question is put to elicit information from the honourable Minister, he is pleased to say that he does not have the requisite information with him In this case, a theft case has been registered against an individual and the complainant has not been taken to task for the malicious prosecution brought about by him. I would like to know, Sir, whether the Minister is not required to come prepared with all possible information keeping in view th nature of the question or rather anticipating the likely supplementaries to be put in the House ?

**Mr. Speaker** : I agree that the honourable Ministers should come prepared anticipating all the relevant supplementaries. But, sometime it does happen that they cannot anticipate all the possible questions. In that case, the only alternative is that either the supplementatries are postponed or the Members take the trouble to put separate questions.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । स्पीकर साहिब, मुझे निहायत ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि यह केस स्टेट पुलिस की एडमिनिस्ट्रेशन की एक शाकिंग तसवीर है । एक आदमी पर केस रजिस्टर होता है वह अरैस्ट होता है मगर किसी वजह से वह रिहा हो जाता है । आखिर वह कौनसी वजह है जिस से रिहा होता है या जिस वजह से उसे यह इनकनवीनिएंस उठानी पड़ीं ; केस किस दफा के तहत रजिस्टर किया गया । इसके मुताल्लिक specific information has been asked for by the hon. member but the Minister is not prepared to give it.)

**Minister** : I refute it.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : इस बात का इन को पता होना चाहिए कि ऐसे कारण क्या थे जिन की वजह से केस रजिस्टर हुआ । आया कोई इनवैस्टीगेशन हुई ; अगर हुई तो क्या वजह थी कि केस विदडरा कर दिया गया । क्या कोर्ट ने डिसचार्ज किया ?

**Mr. Speaker** : Let me see to the Supplementaries first.

**कामरेड राम प्यारा** : क्या यह हकीकत है कि यह सोना एक स्टेशन से पकड़ा गया था और यह जेवरों की शकल में नही था बल्कि सलाखों के रूप में था ?

**Minister:** I will repeat the reply already given by me
"(a) Yes. U/S 411 I.P.C.

[Home and Development Minister]

(b) the case was cancelled by the local Police as it could not be established that the gold was stolen property. The gold was returned to the accused under orders of S.D.M., Jind. Hence the question of handing over the gold to the Central Excise and Taxation Department does not arise.',

**कामरेड राम प्यारा :** स्पीकर साहिब, मेरे सवाल का जवाब आना चाहिये कि 1½ किलो जो सोना पकड़ा गया वह ज़ेवरों की शकल में था या सलाखां की शकल में ?

**मन्त्री :** यह 124 तोले सोना था ।

**कामरेड राम प्यारा :** यह जेवरों में था या सलाखों में था या इंटों में था ? दूसरी बात यह कि उसकी रिहाई एस० डी० एम० से नहीं बल्कि सेशनज कोर्ट से मिल मिलाकर करवाई गई ।

**मन्त्री :** इसे एस. डी. एम. के आर्डरज से रिहा किया गया ।

**डाक्टर मंगल सैन :** क्या यह बात सच है कि जिस आदमी को रिहा किया गया उसे जींद रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया था और उस के पास ज़ेवर नहीं बल्कि सलाखें थीं ?

**मन्त्री:** यह सोना 124 तोले था और सारी तफसीलात पूछ कर बताई जा सकती हैं। अगर चाहे आप इस को पैंडिंग रख सकते हैं।

**डाक्टर मंगल सैन :** पैंडिंग रखो जी ।

**Mr. Speaker:** Order, order, please. All right, I postpone further supplementaries on this question. But, it may be better if the honourable Members, who want to put the supplementaries, send the nature of their questions to the honourable Minister so that he comes prepared. The next question by Shri Talib has been postponed.

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਗ਼ਲਤ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਜੋ ਸੋਨਾ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਉਹ ਐਸ. ਡੀ. ਓ. ਨੇ ਬਾਂਡਜ਼ ਜਾਂ ਡੀਫੈਂਸ ਫੰਡ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਦੇ ਵਿੱਚ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਇਆ । ਅਸੀਂ ਚੈਲੰਜ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਇਸ ਦੀ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਇਹ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਉ ਤਾਕਿ ਜਵਾਬ ਤਿਆਰ ਕਰਕੇ ਆਉਣ । (This information may be sent to the hon. Minister, so that he may come prepared with the reply)

**डा० बलदेव प्रकाश :** जोगा जी ने होम मिनिस्टर की रिपलाई को चेलंज किया है वह कहते हैं कि सोना वापस नहीं हुआ बल्कि बांड्ज की शक्ल में जमा कराया है । अगर यह गल्त बात हाऊस में आई है तो इस की भी इन्क्वारी होनी चाहिए ।

**Starred Question No. 9198 (Postponed)**

**Mr. Speaker:** Question No. *9198 is postponed.
ਇਹ ਕਿਉਂਕਿ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪਰਾਪਰ ਨੂੰ ਰੀਲੇਟ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਵੀ ਜਲਦੀ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

(Starred Question No. 9198 is postponed But since this question relates to Chandigarh proper, it should be answered early.)

**Search of the house of late Sardar Partap Singh Kairon**

***9199. Sardar Niranjan Singh Talib:** Will the Minister for Home and Development be pleased to state whether any enquiry has been held regarding the search and digging of the floors of the house of the Late Sardar Partap Singh Kairon in village Kairon made after his resignation from the Chief Ministership, if so, the result thereof, if no enquiry has been held, the reasons therefor?

**Sardar Darbara Singh:** Yes. A search was carried out but no such directions were issued by the Government. Subsequently an enquiry was held and it was found that the local Police was legally justified in undertaking the search and no irregularity was committed.

**कामरेड राम प्यारा :** क्या होम मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि वहां की लोकल पुलिस के पास इस किस्म की इन्फर्मेशन थी कि कुछ रुपया या सोना सरदार प्रताप सिंह कैरों के मकान में दबा हुआ है जिस की वजह से उन्हें तलाशी लेने की ज़ररत पड़ी।

**ਮੰਤਰੀ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਸਵਾਲ ਏਥੇ ਅਗੇ ਵੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਜਿਸ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਏਗੀ ਔਰ ਐਸ. ਪੀ. ਕ੍ਰਾਈਮ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਇਮੀਜੇਟਲੀ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਏਥੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਸਰਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਸੀ ਮਿਲਿਆ। ਬਾਕੀ ਅਥਾਰਿਟੀਜ਼ ਨੇ ਸਟ੍ਰੇਟਅਵੇ ਕੋਈ ਐਸਾ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ।

**कामरेड राम प्यारा :** मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह हकीकत है कि वहां कुछ न कुछ था। मगर उन लोगों में से कोई पुलिस अफसर उन के साथ मिला हुआ था इस लिए उस ने उस कमरे की तलाशी नहीं ली थी जिस में सोना दबा हुआ था।

**ਮੰਤਰੀ :** ਮੈਂ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਏਥੇ ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਸੀ ਔਰ ਉਸ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਸੂਓ ਮੋਟੋ ਐਸ. ਪੀ. ਕ੍ਰਾਈਮ ਨੇ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਪਾਸ ਆਨ ਕੀਤੀ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਉਥੇ ਤਲਾਸ਼ੀ ਲਈ ਗਈ। ਬਾਕੀ ਇਹ ਗਲ ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਕਿ ਫਲਾਂ ਜਗਹ ਦੀ ਤਲਾਸ਼ੀ ਲਈ ਗਈ ਅਤੇ ਫਲਾਂ ਦੀ ਨਹੀਂ ਲਈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰ :** ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਉਹ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਨ-ਫਰਮੇਸ਼ਨ ਉਸ ਨੇ ਪੁਲਿਸ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਯਾ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ।

**ਮੰਤਰੀ :** ਜਿਹੜੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਏਥੇ ਪਾਸ ਆਨ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਐਸ. ਪੀ. ਕ੍ਰਾਈਮ ਨੇ ਸੂਓ ਮੋਟੋ ਅਗੇ ਆਰਡਰ ਕੀਤਾ ਸੀ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma:** On a point of Order Sir. Mr. Speaker I have to submit that since Sardar Partap Singh Kairon is dead, it would be in the fitness of things if no more supplementaries are put on this question, which, in a way, concerns him.

**Mr. Speaker:** I think, the proper thing would be not to put any more supplementaries to this question.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਕੀ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਆਈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਸੀ ਉਹ ਸਹੀ ਸੀ ਔਰ ਜਿਸ ਕਮਰੇ ਵਿਚ ਉਹ ਮਾਲ ਦਬਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਸ ਕਮਰੇ ਦੀ ਇੰਟੈਨਸ਼ਲੀ ਤਲਾਸ਼ੀ ਨਹੀਂ ਲਈ ਗਈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਦੋ ਦਫਾ ਜਵਾਬ ਨੂੰ ਰਿਪੀਟ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਹੁਣ ਫੇਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਏਥੇ ਗ਼ਾਲਬਨ ਸ੍ਰੀ ਮਖਣ ਸਿੰਘ ਤਰਸਿੱਕਾ ਨੇ ਸੂਓ ਮੋਟੋ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਔਰ ਉਸ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਤਲਾਸ਼ੀ ਲਈ ਗਈ ਸੀ । ਬਾਕੀ ਇਹ ਕੌਣ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਫਲਾਂ ਜਗਹ ਤੇ ਮਾਲ ਪਿਆ ਸੀ ਤੇ ਫਲਾਂ ਤੇ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਇਹ ਤਾਂ ਕੰਜੈਕਚਰਜ਼ ਹਨ ।

## STARRED QUESTION NO. 9077 (POSTPONED)

**श्री बलराम जी दास टंडन** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर । स्पीकर साहिब, यह जो चौधरी ग्रमर सिंह का सवाल है डिस्क्रेशनरी ग्रांटस का उस का रिकार्ड सैक्रेटेरिएट में ईज़ीली एवेलेबल है । इस लिए मैं ग्राप से रूलिंग चाहता हूं कि इस का जवाब न देना क्या जायज़ है । इस किस्म का सवाल तो पोस्टपोन नहीं होना चाहिए ।

**श्री ग्रध्यक्ष** : मैं ग्राप से इस बात में सहमत हूं कि क्वैस्चन का जवाब वक्त पर ग्राना चाहिये । ग्राज जो सवाल तालिब साहिब ग्रौर चौधरी ग्रमर सिंह के ग्राए हैं । उनका जवाब दिया जाना चाहिए था । उन को पोस्टपोन कराने की कोई वजह नज़र नहीं ग्राती । मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि इस तरह से गवर्नमैंट पोस्टपोनमैंट की कोशिश न करे । ग्रब इस के लिए स्ट्रिक्टनेस बरती जाएगी । (I am at one with the hon. Member that the replies to questions should be given in time. The questions standing in the names of sarvshri Talib and Amar Singh should have been answered today. There seems no reason in getting them postponed. I would request the Government to avoid such postponements. Now I will have to be strict for this purpose.)

**चौधरी ग्रमर सिंह** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर सर, स्पीकर साहिब लास्ट सैशन में ग्राप ने रूलिंग दिया था कि जिस क्वेस्चन की इन्फर्मेशन सैक्रेटेरिएट से मिल सके उस का जवाब पोस्टपोन नहीं समझा जाएगा । लेकिन ग्रब वही बात हो रही है ।

**श्री ग्रध्यक्ष** : चौधरी ग्रमर सिंह जी, टंडन साहिब ने प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर ग्राप के सवाल के बारे में किया था ग्रौर उस पर मैं ने ग्रपनी रूलिंग दे दी है । ग्रब रेपीटीशन का कोई फायदा नहीं । बाकी जो बात ग्राप ने मेरे मूंह में डाली है कि ग्रायंदा जिस सवाल का जवाब सैक्रेटेरिएट से मिल सके वह पोस्टपोन नहीं हो सकता यह बात मैं ने कभी नहीं कही । ( Addressing Chaudhri Amar Singh) Shri Tandon had raised a point of order in connection with hon. Members, question and on that I have given my ruling. It is no use repeating it. As regards the words he has attributed to me that no question, reply to which is available in the Secretariat, can be postponed I may point out that I never said that)

**Zailghar Building, Kapurthala**

***9011. Sardar Lakhi Singh Chaudhri:** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Government in their letter No. L.B-8(55)-62/40156, dated the 2nd November, 1964, directed that the Zailghar Building, Kapurthala, may be transferred to the Zila Parishad, Kapurthala;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the possession of the building has actually been made over to the said Parishad;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the date on which the possession was made over, if in the negative, the reasons for the delay and the approximate time by which the possession is likely to be handed over to the said Parishad?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes.

(b) No.

(c) The matter is still under correspondence with the Deputy Commissioner, Kapurthala, and the Secretary to Government, Punjab, P.W.D., B&R/PH Branches/Chief Engineer, Punjab, P.W.D., B&R Branch, Patiala. Acute shortage of Government residential accommodation at Kapurthala is the main reason of the Deputy Commissioner, Kapurthala, for not getting the Building, in question, vacated. It is not possible to give the approximate time, by which the possession of the Building will be handed over to the Zila Parishad, Kapurthala.

**ਸਰਦਾਰ ਲਖੀ ਸਿੰਘ ਚੌਧਰੀ :** ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਚੂੰਕਿ ਜੀ. ਏ. ਬੈਠਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਮਕਾਨ ਖਾਲੀ ਨਹੀਂ ਕਰਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਅਸੀਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਡੀ. ਸੀ. ਨੂੰ ਕਹਿ ਕੇ ਛੇਤੀ ਖਾਲੀ ਕਰਾਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਨੂੰ ਉਹ ਬਿਲਡਿੰਗ ਦੇ ਦੇਈਏ ਕਿਉਂਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਆਪਣੀ ਬਿਲਡਿੰਗ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

---

**Representations from certain Officers**

***9093. Sardar Tarlochan Singh Riasti:** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the number and names of the S.D.O. Overseers/Sectional Officer seniority-wise working in the office of the Superintending Engineer, Panchayati Raj (Development and Panchayat Department), Chandigarh at present;

(b) the date on which the persons referred to in part (a) above joined the service in the Panchayati Raj Wing together with their qualification and experience;

(c) whether he himself and or the Deputy Development Minister or Government received any representation from any Overseer/Sectional Officer of Panchayati Raj during the period from 1st January, 1965 to 31st December, 1965 complaining against his supersession in the matter of promotion as S.D.O. Panchayati Raj, if so when and a copy of the representation be laid on the table;

[Sardar Tarlochan Singh Riasti]

(d) the action, if any, so far taken or proposed to be taken on the said representation, if no action has yet been taken, the reasons therefor and the time by which it is likely to be taken;

(e) whether any delay has occurred in putting up said representation at any level, if so, the reasons therefore and the action, if any taken by the Government against the person responsible for such delay?

**Sardar Darbara Sngh:**

(a) *Sub Divisional Officers* — *Overseer/Sectional Offiicers*

1. Shri Parkash Singh, S.D.O.(S)

2. Shri D.C. Talwar, S.D.O (Rural Housing)

3 Shri A. L Jaggi, S.D.O., (Elect.)

As per the tentative seniority list the overseers working in the office of Superintending Engineer, Panchayati Raj Circle in order of Seniority, are as under:—

1. Shri Mukhtiar Singh Overseer (R. Housing)
2. Shri K.K. Thapa
3. Shri Jaswant Singh
4. Shri Balbir Chand (Electrical)

(b) There is no such wing as the Panchayati Raj Wing. The date of joining of the S.D.O.s and Overseers/Sectional Officers Panchayati Raj Circle Office is given in each case:

**1. Shri Parkash Singh**

Date of joining Panchayati Raj Circle Office .. 28th June, 1962.

Qualifications and Experience — Matric, qualified Overseer, also passed Departmental examination, 20 years experience as D/Man and Circle Head D/Man Promoted as S.D.O. on 3rd July, 1964.

**2. Shri D.C. Talwar:**

Date of joining Pancyayati Raj Circle 23rd February, 1962

Qualification and Experience — Matric, qualified Overseer from Hewath School of Engineer, Lucknow; 15 years experience as Overseer. Promoted as SDO. on 25th February, 1965

**3. Shri A.L. Jaggi**

Date of joining Panchayati Raj Circle 5th December, 1965.

Qualifications and experience — B.Sc. Electrical Engineer, on deputation from State Electricity Board.

**Overseers/Sectional Officers**

1. Shri Mukhtiar Singh, Overseer, Rural Housing joined Panchayati Raj Circle on 23rd February, 1962; Diploma Civil Engineering Ramgarhia

Polytechnic Phagwara. 6 years experience as Overseer.

2. Shri K.K. Thapar, Overseer, Rural Housing joined Panchayati Raj Circle, on 23rd February, 1962: Intermediate, Diploma Craftsmanship from Government of India; 6 years experience as Overseer.
3. Shri Jaswant Singh, Overseer, Rural Housing joined Panchayati Raj Circle, on 23rd February, 1962; 1½ years course in survey trade. 5 years experience as overseer.
4. Shri Balbir Chand, Overseer (Electrical). Qualified Overseer from the Punjab State Board of Technical Education; appointed on 1st January, 1966.

(c) Yes by the Home and Development Minister and the Deputy Minister for Development. A copy of the representation is put up on the Table.

(d) Representation since considered by Government and rejected.

(e) No delay has taken place at any level. The question of taking action against any person does not arise.

Please examine it thoroughly and send me the file with your comments.

S.E. Panchayati Raj

(Sd.) .. ..
H. D. M.
1,9.65.

To

The Hon'ble Home and Development Minister, Punjab, Chandigarh.

*Subject.*—Recruitment of Sub-Divisional Officer, Rural Housing Cell-Representation against.

Sir,

If the circumstances had run their normal course, I would not have encroached upon your valuable time in doing which I crave your indulgence on the one hand and beg your pardon on the other. Having failed in my efforts to seek redressal of my greivances from the concerned authority, i.e., the Superintending Engineer, Panchayati Raj, P.W. Circle, Punjab and Commissioner Agricultural Production and Rural Development and Secretary to Government Punjab, Development and Panchayat Department, I most respectfully beg to bring to your kind notice the following points :—

(a) That having qualified deploma in civil Engineering I joined duty as overseer in Rural Housing Cell on having been selected by the Subordinate Services Selection Board on 25th April, 1960 and I am still working there as such. I am the senior most and have worked to the entire satisfaction of my officers but without any future prospects of promotion.

(b) That the post of Sub-Divisional Officer, Rural Housing Cell vacant in first quarter of 1964 and I being the senior most applied to the S.E. (PRC) *vide* my representation dated the 16th May, 1964 for my promotion but to my ill luck my name was not considered by him, and the post was kept vacant till an Overseer of P.W.D. B & R Branch who was working with Zila Parishad Patiala (Foreign body) was posted as S.D.O. (R.H) and I was made to calm telling that a working S.D.O. has been transferred to the post. There was hardly any justification to post a man who is quite ignorant of the scheme as head to run it. That person himself admitted in his representation for transfer that he has no knowledge of the scheme.

(Home & Development Minister)

(c) That now a Zila Parishad (earstwhile District Board) Overseer whose services are yet to be provincialized and are not yet been considered by Government for his appointment even as Overseer in Government Service has been put in charge of the Rural Housing that also without any recommendation of the Public Service Commission. It is not only ultrawires of Government instructions, but is also harmful in the running of scheme besides being fatal to our carreers. The Zila Parishad Overseers were not Government employees but without recommendation of their services are being treated as superior over us. This is again jeopardising the claims of the qualified and experienced officials already employed to run the scheme, which ends to mar for good, any chance of beterment while working in this department. Such an action is causing great frustration to the effected officials including the applicant.

(d) That since long I along with my other colleagues was looking forward for this post, but the wrong policy adopted by the administration has only benefited the officials of the P.W.D. B & R Department and the Zila Parishad (erstwhile District Board) employees who are not even Government employees. These Zila Parishad employees are mostly those persons who could not get Government jobs and joined service in Zila Parishad (erstwhile District Board) and are now being tipped through back door.

(e) That according to Government instructions the minimum experience required for promotion to the higher post is to be fixed by Government in consultation with Public Service Commission but no such minimum experience in respect of Rural Housing, which is entirely different to B & R, has been fixed so far. As such, the sweet will of the authorities prevails and the future of the persons already working in the execution of the scheme, is in wilderness.

(f) That the Rural Housing Cell is a quite separate unit whose 50 per cent Estt. expenditure are met by Central Government and as such the seniority list of the Overseer of this unit is totally separate to Block Overseer and Zila Parishad overseers, but the promotions are being given to others at the cost of Overseers of Rural Housing.

(g) That it would not be out of place to mention that a working Head Draftsman with an experience of only about 3 years has now been promoted as Assistant Design Engineer an equivalent post to that of Sub Divisional Officer in Rural Housing Wing Punjab Engineering College, Chandigarh due to the difference nature of the job to B & R working. In such circumstances I most respectfully request that the move to import officials from the P.W. B. & R. etc. to man the job in the Rural Housing may kindly be quashed and I may be promoted as S.D.O. Rural Housing as I am the seniormost Overseer in this section, for which I shall be highly grateful to your honour.

Thanking you,

Yours faithfully,
(Sd). MUKHTIAR SINGH,
Rural Housing Cell, Chandigarh.

---

**Tours of Grape Cultivators to other States**

***8828. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the total number of tours of grape cultivators organised by the Government in 1964-65 and in 1965-66 to other States;
(b) the number of members of each such Touring party;
(c) the expenses incurred on each such tour?

**Sardar Darbara Singh :** (a)

| | | |
|---|---|---|
| (i) 1964-65 | .. | One |
| (ii) 1965-66 | .. | Nil |
| (b) (i) 1964-65 | .. | Fifty |
| (ii) 1965-66 | .. | Does not arise |
| (c) (i) 1964-65 | .. | Rs 9,071.10 Paise |
| (ii) 1965-66 | .. | Does not arise |

**कामरेड राम प्यारा** : मैं पूछना चाहता हूं कि जिन आदमियों को दौरा पर भेजा गया और हज़ारों रुपया खर्च किया गया क्या वह आदमी अंगूर कल्टीवेशन के एक्सपर्ट थे और क्या उनको कोई पुराना तजरुबा था ?

**मन्त्री** : यह आदमी जो भेजे जाते हैं वह यह काम देखने और सीखने के लिए भेजे जाते हैं ताकि यहां पर उसका फायदा उठाया जाए । आंध्रा में यह इन्डस्ट्री काफी डिवैलपड है इस लिए वहां काम देखने के लिए आफ एंड आन टूर्ज होल्ड किए जाते हैं ।

**श्री मंगल सैन** : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि यह जो ग्रेप पार्टी दौरा पर गई उस में सिर्फ वही आदमी गए जिन्होंने अंगूर लगाने थे या कुछ स्यासी सज्जन भी भेजे गए ?

**कामरेड राम प्यारा** : क्या वज़ीर साहिब ने कहा कि यह आदमी अंगूर की काश्त का काम देखने के लिए दौरा पर भेजे गए तो क्या उन की अपनी ज़मीनें इस किस्म की थीं जहां अंगूर की खेती हो सकती थी और क्या एग्रीकल्चर या हार्टीकलचर डिपार्टमैंट्स की सिफारिश पर वह आदमी भेजे गए या बगैर सिफारिश के ही भेज दिए गए ?

**मन्त्री** : इन में दोनों चीज़ें हैं । जिन के पास अपनी ज़मीनें हैं वह भी सीख कर काश्त कर सकें और दूसरे प्रापेगंडा के लिए भी टूर कराए जाते हैं ताकि वह लोग वहां सारा काम देख और सीख कर यहां लोगों को उत्साह दें और बताएं कि कौन सी कमर्शल क्राप है जिस से काफी फायदा हो सकता है ।

**श्री मंगल सैन** : यह जो टूरिंग पार्टी गई इसमें कौन कौन लोग गए थे ?

**मन्त्री** : यह बड़ी लम्बी चौड़ी लिस्ट है अगर कहेंगे तो टेबल पर ले कर दी जाएगी ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਕੀ ਇਸ ਟੂਰਿੰਗ ਮੰਡਲੀ ਵਿਚ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਜਾਂ ਅਪਰ ਹਾਊਸ ਦਾ ਵੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਉਹ ਕੌਣ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਇਹ ਇਸ ਸਵਾਲ ਵਿਚ ਪੁਛਿਆ ਨਹੀਂ ਗਿਆ । ਜੇਕਰ ਲਿਸਟ ਮੰਗੋਗੇ ਤਾਂ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗੇ, ਉਸ ਵਿਚ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਨਾਮ ਆ ਜਾਣਗੇ, ਤੁਸੀਂ ਵੇਖ ਲੈਣਾ ਕੌਣ ਕੌਣ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਇਹ ਜੋ ਆਦਮੀ ਟੂਰ ਕਰਨ ਗਏ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਥੇ ਆਕੇ ਅੰਗੂਰ ਦੀ ਕਲਟੀਵੇਸ਼ਨ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਸੈਰ ਕਰਕੇ ਹੀ ਆ ਗਏ ਹਨ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਾਫੀ ਏਰੀਆ ਗਰੇਪ ਕਲਟੀਵੇਸ਼ਨ ਹੇਠ ਆਇਆ ਹੈ।

---

**Office of Vice-Chancellor, Agricultural University, Ludhiana**

***9012. Lt. Bhag Singh** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the office of the Vice-Chancellor of the Agricultural University, Ludhiana, is located at Chandigarh; if so, the period for which it is likely to continue to function at Chandigarh;

(b) the extra expenditure incurred on this account, if any?

**Sardar Darbara Singh:** (a) Yes. The office of the Vice-Chancellor will move to Ludhiana within six months or so;

(b) Extra expenditure amounts of Rs 448.12 per month on account of Compensatory Allowance paid to the Staff stationed at Chandigarh in the Camp Office.

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ :** ਜਦੋਂ 1962 ਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਬਣ ਗਈ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਵਜਹ ਹੈ ਕਿ ਉਸਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਦਾ ਦਫਤਰ ਇਥੇ ਹੀ ਹੈ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਉਹ ਦਫਤਰ ਅਜੇ ਬਣਿਆ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਬਣ ਰਿਹਾ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਜਦੋਂ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦਾ ਦਫਤਰ ਉਥੇ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਦਾ ਦਫਤਰ ਕਿਉਂ ਉਥੇ ਨਹੀਂ ਬਣਿਆ ਹੈ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਨੂੰ ਚੂੰਕਿ ਇਥੇ ਸਲਾਹ ਮਸ਼ਵਰੇ ਲਈ ਆਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਮੁਨਾਸਬ ਇਹੋ ਸਮਝਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਕੁਝ ਅਰਸੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਫਤਰ ਇਥੇ ਹੀ ਰਹਿਣ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਫਤਰ ਦਾ ਖਰਚ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨੂੰ ਡੈਬਿਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਫਤਰ ਛੇਤੀ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਕੰਮ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਇਸੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਫਤਰ ਇਥੇ ਰਿਹਾ।

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ :** ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਨੂੰ ਇਥੇ ਬਹੁਤ ਕੰਮ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਫਤਰ ਇਥੇ ਹੈ। ਕੀ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਤੇ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਨੂੰ ਇਥੇ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਫਤਰ ਇਥੇ ਨਹੀਂ ਹਨ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਇਹ ਡਿਫਰੈਂਟ ਟਾਈਪ ਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਹੈ। ਇਹ ਲੈਬਾਰਟਰੀ ਦਾ ਕੰਮ, ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ, ਟਰੇਨਿੰਗ ਵਗ਼ੈਰਾ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਕਾਰ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਵੀ ਕਾਫੀ ਤੱਲਕ ਰਖਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਸਲਾਹ ਕਰਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਕੁਛ ਅਰਸੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੈਂਪ ਆਫਿਸ ਇਥੇ ਰਖਿਆ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੋ ਕੰਟਰਾਡਿਕਟਰੀ ਜਵਾਬ ਦਿਤੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨੋਂ ਜਵਾਬਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਠੀਕ ਮੰਨਿਆ ਜਾਵੇ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਕਟਰਾਡਿਕਸ਼ਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੁਆਇਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਵਿਚ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਅਜੇ ਤਕ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਦਾ ਦਫਤਰ ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬਣਿਆ ਹੈ। ਦੂਜੀ ਉਥੇ ਜਿੰਨੀ ਕੰਸਟਰਕਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਉਸ ਨੂੰ ਵਕਤਨ ਫਵਕਤਨ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਸਲਾਹ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਉਸ ਅਫਸਰ ਦਾ ਇਥੇ ਰਹਿਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਥੇ ਜਿੰਨਾ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਖਰਚ ਵਿਚ ਹੀ ਡੈਬਿਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਉਸ ਦਾ ਦਫਤਰ ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਦਫਤਰ ਸ਼ਿਫਟ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਇਥੇ ਦੇ ਅਮਲੇ ਨੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਆਉਣ ਅਤੇ ਜਾਉਣ ਉਤੇ ਕਿਨਾ ਡੀ. ਏ. ਅਤੇ ਟੀ. ਏ. ਲਿਆ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਪਬਲਕ ਉਤੇ ਕਿੰਨਾ ਖਰਚ ਪਿਆ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰਾ ਖਰਚ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਵਿਚ ਡੈਬਿਟ ਹੋਣਾ ਹੈ।

---

## Setting up of a New Mandi in Hissar City

***9075 Shri Hunna Mal:** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether Government proposes to set up a new Mandi near the Civil Hospital and T.B. Hospital in Hissar City;

(b) whether it is a fact that the business community has raised an objection to the setting up of the Mandi in the vicinity of T.B. Hospital; if so, the details thereof;

(c) whether it is a fact that inspite of the objection referred to in part (b) above, it is proposed to go aheadwith the said scheme and the plots have been auctioned;

(d) whether it is also a fact that purchasers of the said plots have served the Government with a notice under section 80 C.P.C. demanding refund of the instalment paid by them due to the unsuitability of the site of the said mandi;

(e) if the reply to parts (c) and (d) above be in the affirmative, whether there is any proposal under the consideration of Government to scrap the scheme for setting up the said mandi, if not, the reasons therefor?

**Sardar Darbara Singh:** (a) Yes.

(b) Yes; proximity of the T.B. Clinic was one of the grounds for raising the objection.

(c) Yes.

(d) Some notices have been served by the plot purchasers with a view to back out of the transaction. Refund of the bid money has not been claimed on the ground of unsuitability of the site.

(e) No; the medical authorities have no objection to the location of the mandi at the present site.

श्री हुन्ना मल : क्या वजीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि अगर व्योपारियों ने दफा 80 सी. पी. सी. के अधीन दी हुई ईस्टालमेंट्स को वापिस लेने के नोटिस दिए हैं तो क्या वहां पर मंडी बनाने की योजना रहेगी ?

**मन्त्री** : कुछ व्योपारियों ने दफा 80 सी. पी. सी. के अधीन नोटिस दिए हैं कि प्रैजेंट लोकेशन पर मण्डी न बनाई जाए। वह बैक आउट कर रहे हैं।

श्री हुन्ना मल : क्या वजीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि वहां पर टी. बी. क्लीनक है और इस वजह से वह लोग मुतालबा कर रहे हैं कि वहां पर मंडी न खोली जाए और क्या सरकार अभी तक उसी योजना पर कायम है ?

**मन्त्री** : वहां के व्योपारी इस बात से बैक आउट करना चाहते हैं। लेकिन इस बात से यह मामला खत्म नहीं हो जाता। अगर वहां के व्योपारी अन्य कोई सूटेबल जगह सरकार को बताएं तो वहां पर मण्डी बनाने के लिए विचार करने के लिए तैयार हैं। उस में देखना पड़ेगा कि वहां पर मण्डी बनाने में कितना समय लगेगा। अगर व्योपारियों की इस बारे में रीप्रीजेंशन आएगी तो सोचा जाएगा। जहां तक व्योपारी टी.बी. क्लीनिक का बहाना बना रहे हैं, उस के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं कि हैल्थ डिपाटमैंट ने वहां पर मण्डी बनाने के लिए कोई रुकावट नहीं डाली है।

(*Regarding* Starred Question No 9008)

**श्री अध्यक्ष** : प्रश्न संख्या नम्बर 9008 कैप्टन रतन सिंह से सम्बन्ध रखता है। आज उन के जवाब देने का दिन निश्चित नहीं है। इस के अलावा उन की मेरे पास रिक्वैस्ट भी आई है कि वह एप्रोप्रियट दिन पर इस सवाल का जवाब देंगे। इस लिए इस को उस दिन के लिए पोस्टपोन किया जाता है। (Starred Question No. 9008 relates to Captain Rattan Singh. Normally he is not

[Mr. Speaker]

scheduled to reply to question today. Besides I have received a request from him that he would answer this question on the appropriate day. Therefor this question is postponed to that day.)

---

**Ban on the purchase of "Daily Hind Samachar" for Municipal Libraries in the State**

*8841. **Comrade Ram Chandra:** Will the Minister for Planning and Local Government be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Government has issued a circular letter banningthe purchase of the newspaper 'Hind Samachar" by the Municipal Committees for their Libraries;

(b) the names of other newspapers, if any, similarly banned for Municipal Libraries;

(c) whether the Government have received a representation from the Municipal Committee, Ludhiana that the ban referred to in part (a) above, on this Committee be lifted?

**Sardar Darbara Singh** (Home and Development Minister): (a) Yes.
(b) The daily 'Prabhat', 'Jathedar' and the Monthly 'Sant Sippahi'.
(c) Yes.

**कामरेड राम चन्द्र :** क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह हुकम किस गवर्नमैंट ने जारी किया और कब जारी हुआ ?

**मन्त्री :** इस के बारे में अर्ज करना चाहता हूं कि इस बारे में म्यूनिसिपल कमेटी, अमृतसर ने 3 अगस्त, 1961 को रैजोल्यूशन पास किया था । उस में कहा था कि—

"In view of the changed circumstances the ban on the purchase of 'Parbhat,'' Jathedar' and the monthly 'Sant Sapahi' be lifted.

**गृह मन्त्री :** इस मामले को सरकार ने रीकंसिडर किया । इसी तरह से लुधियाना म्यूनिसिपल कमेटी ने जुलाई, 1965 में रैजोल्यूशन पास किया था ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਦ ਕਮਿਊਨਲ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ 'ਹਿੰਦ ਸਮਾਚਾਰ', 'ਪਰਭਾਤ', 'ਜਥੇਦਾਰ' ਅਤੇ 'ਸੰਤ ਸਿਪਾਹੀ' (ਮੰਥਲੀ ਰਸਾਲਾ) ਨੂੰ ਮਿਊਨੀਸਿਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀਆਂ ਲਾਇਬਰੇਰੀਆਂ ਵਿਚ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨੇ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਖਬਾਰ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਲਾਇਬਰੇਰੀ ਅਤੇ ਰਿਸਾਲੇ ਗਵਰਮੈਂਟ ਲਾਇਬਰੇਰੀਆਂ ਵਿਚ ਅਉਣੇ ਕਿਉਂ ਬੈਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਗਏ ?

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਗਲ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ ਨਾ ਕਰੋ। (A matter relating to the Vidhan Sabha Secretariat need not be discussed here.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਅੱਛਾ ਜੀ, ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਲਾਇਬਰੇਰੀਆਂ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਅਤੇ ਰਸਾਲੇ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਬੈਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ?

**Mr. Speaker :** Question Hour is over.

**सरदार गुरनाम सिंह :** इस पर और सप्लीमेंटरीज पूछने की इजाजत होनी चाहिए ।

**Mr. Speaker:** More supplementaries can be asked on this question next time.

---

# WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

**Executive officer, Municipal Committee Jind, district Sangrur**

***9182. Chaudhri Inder Singh Malik:** Will the Minister for Planning and Local Government be pleased to state—

(a) whether the post of Executive Officer, Municipal Committee Jind, district Sangrur was advertised; if so, the requisite qualifications for the said post as mentioned in the advertisement along with the date of the interview;

(b) whether the selection of the candidate for the said post was made by competent authority; if so, the name of that authority, alongwith the names and qualifications of the candidates interviewed in this connection ;

(c) the name of the candidate selected for the said post stating his age, qualifications and experience, if any;

(d) whether the candidate referred to in part (c) above fulfils all the requisite qualifications/conditions as advertised?

**Sardar Ajmer Singh:** A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) A number of posts of Executive Officers was advertised and the post of Executive Officer, Municipal Committee Jind, was one of them. The qualifications prescribed for the post were as under :—

(1) *Compulsory.*—B.A. with local bodies experience in a responsible post for at least five years ;

*OR*

B.A., LL.B., with five years' experience as an advocate, sound knowledge of municipal administration, capacity to handle accounts and prepare budget etc.

(2) *Preferential.*—Senior Local Self Government Diploma awarded by the All India Institute of Local Self Government, Bombay.

(3) *Age.*—Between 30 and 40 years. The upper age limit relaxable in case of specially qualified and experienced candidates.

The candidates were interviewed on 5th October, 1965.

(b) The candidates were interviewed by the Planning and Local Government Minister in the presence of Secretary, Local Government Department. Their names and qualifications, in brief, as stated by them in their applications, are as follows :—

| Serial No. | Name and address of the candidates | Date of birth | Age | Qualifications | Experience |
|---|---|---|---|---|---|
| | Sarvshri— | | | | |
| 1 | Jagwant Singh Doad, son of S. Uttam Singh Doad, Octroi Superintendent-cum-Lands Officer, Municipality Faridkot | 14-10-34 | 30 | Graduate with L.S.G. Diploma | Working as Octroi Supdt. since 17-8-57 with additional duties of Lands Officer, and experience of municipal administration. |
| 2 | Rabinder Karan Aggarwal, Secretary Notified Area Committee, Rajpura Township | January, 1935 | 30 | Law Graduate attended lectures on municipal law and administra- | Joined service of the Municipal Committee in the year 1961 and worked as Office Superintendent and Octroi Superintendent in the Municipal Committee, Ambal^ City. |

[Planning & Local Government Minister]

| Serial No. | Name address of the candidate | Date of birth | Age | Qualifications | Experience |
|---|---|---|---|---|---|
| 2—*Concld* | | | | tion and passed one paper of the Accountants' Examination, held by Local Government Department | for three years. Now working as Secretary Notified Area Committee Rapura Township since May, 1963. |
| 3 | M.L. Agnihotri Advocate, Court-Auctioneer, Arya Samaj, Patiala | 25-4-34 | 31 | B.A., LL.B. | Practising at Patiala since 1957, working as Oath Commissioner, holding the posts of Court Auctioneer-cum-Local Commissioner, Legal Advisor to Municipal Employees Association, Patiala, possessed knowledge of municipal law. |
| 4 | Bhagwant Singh Jain, Executive Officer, Municipal Committee, Rampura Phul | Not mentioned in the application | | M.A., LL.B. | He was working as Executive Officer, Municipal Committee Rampura Phul and had also served Municipal Committee Nabha, Malerkotla Sangrur, Tarn Traran, and Barnala for 10 years. |
| 5 | Kewal Krishan Dalla, Secretary Municipal Committee, Nabha | 4-3-33 | 32½ | B.A. in Econimics Political Science, English and Urdu as optional | Worked as Senior Clerk in the Rehabilitation Department of the erstwhile Pepsu State, Joined municipal service at Nabha n 1956 as Office Superintendent. He was promoted as Secretary, Municipal Committee, Nabha, in the year 1960. |
| 6 | Gurbachan Singh, Head Clerk, Municipal Committee, Tarn Taran | 1-4-28 | 37 | B.A. Gyani, qualified B. grade Municipal Accountant L.C.G.D. | Joined as Octroi Moharrir in 1948 was working as Head Clerk in the office of the Municipal Committee, Tarn Taran since July, 1959. |
| 7 | Darshan Lal Aggarwal Secretary, Municipal Committee, Giddarbaha | .. | 32½ | B.A., LSGD. passed three papers of Municipal Accountants Examination | Working as secretary Municipal Committee, Gidderbaha since September, 1956. |
| 8 | Hans Raj Sachdeva, Accountant, Municipal Committee, Patiala | 20-4-27 | 38 | B.A. Honours in Hindi (Prabhakar) Qualified A Grade Accountant | In the service of Local Bodies since 1944, served in Municipal Committee, Abohar as Clerk Assistant Accountant and Tax Superintendent |

| Serial No. | Name and address of the candidate | Date of birth | Age | Qualifications | Experience |
|---|---|---|---|---|---|
| 8—*Concld* | | | | | from 1944 to 1957, served in the District Board, Ferozepore, and Municipal Committee, Jagraon as Assistant Accountant and Head Clerk-cum-Accountant respectively from 1957 to 1959, serving as Accountant in Municipal Committee Patiala since December, 1959. |
| 9 | Prithi Pal Singh Bassalvi, Executive Officer, Municipal Committee, Patti | .. | 35 | B.A., LL.B. qualified in proficiency in Law, passed special course in Income Tax Law | Practised as lawyer from January, 1959 to March, 1962, worked as Secretary, Municipal Committee, Malerkotla from March, 1962 to January, 1965 and now working as Executive Officer, Municipal Committee, Patti. |
| 10 | Sant Ram Singla, Advocate, Banerji House, Bahera Road, Patiala | 20-1-34 | 31 | B.A., LL.B. M.A. in Public Administration | Was working as Legal Practitiner for about last six year, as Local Commissioner for Patiala District since November, 1962, was appointed as Commissioner to administer oaths and affirmations to deponants for two years from March, 1964. |
| 11 | Amolak Ram Chopra, Advocate, Ludhiana | 12-4-27 | 32½ | M.A. (Economics) LL.B. | Practising as an Advocate at Ludhiana for the last five years. |
| 12 | Jagjit Singh, Advocate, 11-F/2019, Sector 23-C Chandigarh | 13-7-40 | 25 | B.A., LL.B. | Practising as Advocate since 1962. |
| 13 | Jagdish Prashad Sharma, 2/614, Gali No. 1 Nai Basti, Bhatinda | 29-8-17 | 48 | M.A. LL.B. | Practised as a lawyer for about 7 years and worked as a Legal Advisor to Municipal Committee, Kat Kapura for more than one year, worked as Secretary to the same Committee from November, 1953 to July, 1959, worked as Executive Officer, Municipal Committee, Bhatinda from 21-7-59 to 20-7-1965. |
| 14 | Sita Ram Aggarwal, Secretary, Municipal Committee, Kot Kapura | 1-1-31 | 34 | B.A., L.S.G.D. | 13½ years' experience of the Municipal Committee, Kot Kapura, worked as Sanitary Inspector and continued as such till 2-4-1962 when he was appointed as Secretary, Municipal Committee, Kot Kapura. |

[ Planning and Local Government Minister]

| Serial No. | Name and address of the candidate | Date of birth | Age | Qualifications | Experience |
|---|---|---|---|---|---|
| 15 | Jiwan Parkash Passy, Advocate, District Courts, Anaj Mandi, Nabha Gate, Patiala | .. | 39 | B.A. (Hons.) LL.B. | Prosecuting Sub Inspector for 2 years. Litigation Inspector and Assistant Custodian of Evacuee Property from 26-7-50 to 1956. |
| 16 | Lachman Das Gupta, Librarian, Municipal Committee, Kot Kapura | 10-7-25 | 40 | B.A. | Joined the Municipal Committee, Kot Kapura as Head Clerk in June, 1955, worked as Octroi Inspector in addition to his own duties, working as Librarian since July, 1960. |
| 17 | Surrinder Pal Kaura, 100 C Model Town, Patiala | .. | 30 | M.A. in History, Political Science and Public Administration | Claimed to have 10 years. experience without stating its nature |
| 18 | P.C. Malhotra .. | .. | 42 | B.A., LL.B. | Practising at Patiala for the last 13 years. |
| 19 | Manohar Lal, son of Jiwan Dass, Ward No. 13, House No. 4/476, Jind | .. | 24 | M.A. Economics | .. |

(c) Shri Manohar Lal. At the time of his selection, he was 24 years old. He is M.A. in Economics.

(d) He was below the prescribed age and did not possess the experience as advertised. These qualifications were relaxed in his case as the Municipal Committee, Jind, had passed a unanimous resolution for his appointment to the post.

---

## Executive Officers in the Erstwhile Pepsu State Area and in the Erstwhile Punjab

***9183. Chaudhri Inder Singh Malik :** Will the Minister for Planning and Local Government be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there are two different agencies concerned with the appointment and dismissal of the Executive Officers of Municipal Committees in the State, i.e., one for the erstwhile Pepsu State area and the other for the rest of the Punjab; if so, the reasons for the same ;

(b) whether Government intend to remove the said distinction; if so, the time by which it is likely to be removed ;

(c) whether it is a fact that the Executive Officers posted in the erstwhile Pepsu State area are answerable to the Deputy Commissioners concerned whereas such officers posted in the rest of the Punjab are answerable to the Committees concerned ?

**Sardar Ajmer Singh :** A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) There are two Executive Officers Acts in force in this State, viz., (1)thePunjab Municipal (Executive Officer) Act, 1931 and (2) the Patiala Municipal (Executive Officers) Act 2003 BK. The Punjab Municipal (Executive Officer) Act, 1931, applies to the erstwhile Punjab territory and the Patiala Municipal (Executive Officers) Act, 2003 BK, applies to the erstwhile Pepsu territory.

In the erstwhile Punjab territory, the Municipal Committee is required to appoint an Executive Officer, for a renewable term of 5 years, by a resolution to be passed by not less than 5/8th of the total number of members constituting the Committee for the time being, at a meeting convened for the purpose of appointing an Executive Officer, at which no other business may be transacted, within three months from the date of extension of the provisions of the Punjab Municipal (Executive Officer) Act, 1931, to particular municipalities and obtain approval of Government, failing which State Government may appoint an Executive Officer for a renewable period not exceeding five years. On the other hand, in the erstwhile Pepsu territory, all appointments of Executive Officers are made by the State Government.

There is no provision regarding dismissal of an Executive Officer in either of the two aforesaid Acts. He can, however, be suspended or removed. According to the Act, applicable to the erstwhile Punjab territory, an Executive Officer may at any time be suspended or removed from office by the State Government and he shall be so suspended or removed if at a meeting of the Committee convened to consider the question of his suspension or removal notless than 5/8th of the total number of members constituting the Committeefor the time being vote in favour of his suspension or removal. On the other hand in the erstwhile Pepsu territory, an Executive Officer may at any time be suspended or removed from office by the State Government suo moto on the recommendations of the Committee, if at its meeting convened to consider the question of his suspension or removal, not less than 5/8th of the total number of members constituting the Committee for the time being vote in favour of his suspension or removal.

(b) Yes. The Punjab Municipal Bill, 1963, has already been introduced in the State Legislature. With the enactment of this Bill, the Punjab Municipal Act, 1911 the Punjab Municipal (Executive Officer) Act, 1931 and the Patiala Municipal (Executive Officers) Act, 2003 B.K., will be repealed and the present institution of the Executive Officers will be replaced by the Punjab Service of Municipal Chief officers. This will bring about a uniformity and remove the distinction referred to in the entire State of Punjab comprising the territories of the erstwhile Punjab and Pepsu States.

(c) There is no such distinction.

---

**Land Acquired for Lassara Drain**

***9071. Sardar Sampuran Singh Dhaula :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether compensation for the land acquired for the Lassara Drain has been paid to the farmers of villages Dhaula, Ghuns, Tapa and Draj (Tehsil Barnala) ;

(b) if the reply to part (a) above be in the negative, the reasons therefor and the time by which the compensation is likely to be paid to the said farmers ;

(c) whether it is a fact that even after the acquisition of the said land, land revenue in respect thereof is being realized from the previous land owners ; if so, the reasons therefor ;

(d) whether the Government proposes to refund the land revenue so realized ?

**Chaudhri Rizaq Rom :** (a) No.

(b) (i) Paucity of funds and time taken in the completion of legal formalities.

(ii) By May, 1966.

[Irrigation and Power Minister]

(c) Yes. Since award for the compensation of land acquired has not been announced by the Land Acquisition Officer, and the mutation has yet to be entered and attested in favour of Government, the Revenue Department had to recover land revenue from the previous land owners.

(d) Yes. After the award is announced and mutation in favour of Government is attested. The land revenue will be either refunded or adjusted towards the land revenue payable by them for the future.

**Compensation to the Families of the Employees killed/injured during Indo-Pak Hostilities at Hussainiwala**

***9101. Comrade Gurbakhsh Singh, Comrade Babu Singh Master :** Will the Minister for irrigation and Power be pleased to state whether it is a fact that some employees of the Irrigation Department working at Hussainiwala were killed/injured during the recent Indo-Pak hostilities; if so the details of the special facilities and help, if any, provided to the injured and to the families of the deceased ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** Yes. Rs 1,500 as *ex-gratia* grant has been sanctioned to the widow of the deceased Sectional Officer. In addition free education of children up to the Higher Secondary has also been allowed.

Rupees 500 each as *ex-gratia* grant has also been sanctioned to two sectional Officers and one Head Jamadar who were injured.

**Hill Compensatory Allowance to Employees working at the Beas Dam Project**

***9112. Principal Rala Ram :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the employees working at the Beas Dam Project are getting Hill Compensatory Allowance permissible to Government servants working in the hilly areas of the State ; if not, the reasons therefor ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** No. Due to grant of Project Concessions Hill Compensatory Allowance has not been granted.

**Casualty at the Pong Dam Site**

***9113. Principal Rala Ram :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total number of casualties that have occurred at the Pong Dam Site so far and the amount of compensation, if any, sanctioned in each case ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** The total No. of casualties category-wise that have occurred at the Pong Dam Site up to 6th February, 1966 is :—

(i) Fatal Cases .. 31

(ii) Permanent disability cases .. 28

(iii) Minor injury cases .. 708

The amount of compensation sanctioned in each case is given in the enclosed appendix 'A', 'B' and 'C' respectively.

## APPENDIX 'A'

**Statement showing names of workmen who met with fatal accidents on Beas Dam Unit No. II up to 6th February, 1966 and the amount sanctioned in each case**

| Serial No. | Name and Designation and Token No. | | Amount sanctioned |
|---|---|---|---|
| | Sarvshri— | | Rs g |
| 1 | Gurdit Singh, C/man Spl. T. No. 166-H | .. | 3,500.00 |
| 2 | Dhani Ram Muckar, T. No. 452-B | .. | 2,400.00 |
| 3 | Asa Singh Crowbarman T. No. 54-F | .. | 2,100.00 |
| 4 | Charan Singh Driller T. No. 888-N | .. | 7,000.00 |
| 5 | Sudharam Paul, Welder, T. No. 426-H | .. | 7,000.00 |
| 6 | Dasondhi Ram, Driller, T. No. 144-B | .. | 7,000.00 |
| 7 | Charanji Lal, Mucker, T. No. 328-N | .. | 4,200.00 |
| 8 | Achhar Singh, Beldar, T.No. 354-L | .. | 4,200.00 |
| 9 | Grib Dass, Beldar T. No. 309-M | .. | 3,600.00 |
| 10 | Amar Singh, Driller, T.No. 196-C | .. | 7,000.00 |
| 11 | Shakit Chand, Beldar, T. No. 544-L | .. | 3,600.00 |
| 12 | Parkash Chand, Beldar, T. Mo. 420-C | .. | 3,600.00 |
| 13 | Roshan Lal, C/man T. No. 248-C | .. | 7,000.00 |
| 14 | Udam Singh, Driller, T. No. 573-Y | .. | 6,000.00 |
| 15 | Kehar Singh, Chargeman Misc. T. No. 62-H | .. | 7,000.00 |
| 16 | Faqir Singh, Chargeman Misc. T. No. 450-H | .. | 7,000.00 |
| 17 | Puran Chand Carpenter, T. No. 32-C | .. | 7,000.00 |
| 18 | Jagat Ram, Junior Mechanic, T. No. 164-L | .. | 6,000.00 |
| 19 | Balwant Singh, F.M. Special, T. No. 96-L | .. | Compensation not admissible |
| 20 | Atma Ram, Beldar, T. No. 442-K | .. | 4,800.00 |
| 21 | Dip Chand, F.M. Misc. T. No. 331-H | .. | 8,000.00 |
| 22 | Bhunga Singh, T/Operator, T. No. 221-Y | .. | 7,000.00 |
| 23 | Rasila Ram, Beldar, T. No. 596-A | .. | 4,800.00 |
| 24 | Rattan Chand, Junior Driller, T. No. 781-Y | .. | 6,000.00 |
| 25 | Lal Singh, Beldar, T. No. 641-Y | .. | 4,200.00 |
| 26 | Baboo Ram Chowkidar, T.No. 337-K | .. | 4,800.00 |
| 27 | Daljit Singh, Bus Conductor, T. No. 85-N | .. | Case under preparation |
| 28 | Lal Singh, Junior Tourna Operator, T. No. 173-N | .. | Case under preparation |
| 29 | Tilak Raj Welder, T. No. 115-V | .. | Case referred to L.R. |
| 30 | Punnu Ram, Beldar, T. No. 722-P | .. | Case under preparation |
| 31 | Ishar Singh Beldar, T. No. 888-O | .. | Ditto |

[Minister for Irrigation and Power]

APPENDIX 'B'

**Statement showing names of workmen who met with accidents and suffered permanent disabilities as assessed by the P.M.O. and the amount of Compensation sanctioned in each case on Beas Dam Project Unit No. II**

| Serial No. | Name, Designation and Token No. | | Amount sanctioned |
|---|---|---|---|
| | Sarvshri— | | Rs |
| 1 | Mohinder Paul, Mechanic, T. No. 434-H | .. | 245.00 |
| 2 | Gian Singh, Greaser, T. No. 444-B | .. | 2,058.00 |
| 3 | Girdhan Lal, Junior Fitter, T. No. 901-A | .. | 126.00 |
| 4 | Nikku Ram, Beldar, T. No. 85-E | .. | 2,016.00 |
| 5 | Vidya Dhar, Chargeman Special, T.N.o 233-L | .. | 560.0o |
| 6 | Radhy Sham, Turner, T. No. 444-L | .. | 2,520.00 |
| 7 | Nikka Ram, Welder, T. No. 171-L | .. | 2,100.00 |
| 8 | Trilochan Singh, Mechanic, T. No. 312-L | .. | 882.00 |
| 9 | Hari Singh, Junior Driller, T. No. 255-N | .. | 5,040.00 |
| 10 | Mohnga Ram, Mason, T. No. 179-G | .. | 3,920.00 |
| 11 | Dalip Chand, Carpenter, T. No. 310-C | .. | 1,764.00 |
| 12 | Karam Chand, Beldar, T. No. 771-C | .. | 1,293.00 |
| 13 | Onkar Singh, Driller, T. No. 199-C | .. | 392.00 |
| 14 | Anant Ram, Crano Operator, T. No. 297-L | .. | 490.00 |
| 15 | Resham Chand, Driver, T. No. 712-C | .. | 686.00 |
| 16 | Partap Singh, Beldar, T. No. 428-C | .. | 2,940.00 |
| 17 | Kartar Singh, Driller, T. No. 186-C | .. | 3,920.00 |
| 18 | Paras Ram, Junior Fitter, T. No. 77-K | .. | 504.00 |
| 19 | Salig Ram, Mucker, T. No. 65-N | .. | 2,352.00 |
| 20 | Baldev Raj, Junior Driller, T. No. 793-Y | .. | 2,520.00 |
| 21 | Brij Lal Beldar, T. No. 127-G | .. | 1,176.00 |
| 22 | Lachmi Narain, Chargeman Misc. T. No. 76-H | .. | 2,940.00 |
| 23 | Kishori Lal Mucker, T. No. 690-C | .. | 201.60 |
| 24 | Mohinder Singh, Chargeman, Special, T. No. 98-C | .. | 3,360.00 |
| 25 | Hans Raj, Junior Driller, T. No. 124-Y | .. | 1,344.00 |
| 26 | Makholi Ram, Beldar, T. No. 44-C | .. | 1,176.00 |
| 27 | Ram Asra, Junior Driller, T. No. 647-Y | .. | Case referred to L.R. |
| 28 | Karam Singh, Driller, T. No. 739-X/307-V | .. | Case under preparation |

ANNEXURE 'C'

**Statement showing minor accident cases occurred up to 6th February, 1966 on Beas Project Unit No. II**

708 cases. Special leave is granted under rule 8.146(2) of C.S.R. Vol. I Part I in temporary disability cass.

---

## Constructon of Houses in Talwara Township Periphery Area

*9114. **Principal Rala Ram** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the rules that regulate the construction of private houses within the periphery of the Talwara Township ;

(b) the number of plans so far submitted by private persons for sanction for the construction of residential or business premises in the said area and the number of cases in which necessarys ancion has been accorded ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) A copyof rules is placed at the Table of the House.

(b) During—

| | | |
|---|---|---|
| 1962-63 | .. | 4 Nos. |
| 1963-64 | .. | 85 " |
| 1964-65 | .. | 14 " |
| 1965-66 | .. | 5 " |

No permission has been granted by the Project Administration to any individual because under the periphery Control Act, the sanction has to be granted by the Deputy Commissioner, Hoshiarpur.

**[Published in the Punjab Government Gazettee, Legislative Supplement Ordinary, dated the 17th August, 1962]**

**PART III**

**IRRIGATION DEPARTMENT**

BEAS PROJECT ADMINISTRATION

The 26th/28th June, 1962

**No. G.S.R.128/P.A.34/61/S.16/62.**—With reference to the Punjab Government, Irrigation Department, notification No. G.S.R.69/PA-34/61/S.16/1962, dated 2nd May, 1962 and in exercise of the powers conferred by section 16 of the Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961 the Governor of Punjab is pleased to make the following rules, namely :—

RULES

1. *Short Title.*—These Rules may be called the Talwara Township (Periphery) Control Rules, 1962.

2. ***Definitions.***—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961 ;

(b) "Applicant" means a person who makes an application to the Deputy Commissioner under sub-section (1) of section 6 of the Act ; and

(c) "Form" means form appended to these Rules.

3. *Sections* (2), 16(1) *Manner of Publication of notification of controlled area.*— The notification under sub-section (2) of section 3 of the Act shall be displayed on the notice

[Minister for Irrigation and Power]

board outside the office of the Deputy Commissioner and all the Panchayat Houses and Patwar Khanas in the controlled area. A general proclamation shall also be made by beat of drum in all the villages situated in the controlled area and affected by the notification.

4. *Sections* 6(1) *and* 16(2) (b) *Form of application.*—(1) Every application referred to in sub-section 6 of the Act shall be in Form 'A'. It shall be submitted, in duplicate-duly signed by the applicant or his legally authorised agent or attorney and shall be accompanied by a site plan showing according to the revenue record, the situation of the land on which the proposed erection on re-erection of any building or excavation or extension of any excavation, or laying out of any means of access to a road, is desired. Where permission is sought for the erection or re-erection of any building application shall also be accompanied by a building plan of the proposed erection or re-erection.

(2) The Deputy Commissioner may decline to accept an application which is not made in accordance with the provisions of sub-rule (1).

5. *Sections* 6(1), 16(1) *and* 16(2). (b) *Fresh application to be made if previous permission lapse and form of plan.*—.—(1) If the building is not erected or re-erected or an excavation is not made or extended or an access to a road is not laid out within six months of the date of the permission, permission shall be deemed to have lasped in respect of such portion of the building or excavation or layout which has not been completed and for that portion a fresh application shall have to be made under rule 4.

(2) The plan deposited under sub-section (1) of section 4 of the Act shall indicate clearly the name of each village situated in the controlled area and specify the nature of restrictions applicable to such area.

6. *Section* 6(2) *and* 16(1). *Procedure to be observed before passing order under section* 6(2), *section* 16(2)(*e*). *Principles for grant and refusal of permission.*—Before passing final orders under sub-section 2 of section 4 of the Act, the Deputy Commissioner shall forward the application alongwith the plan submitted under rule 4 to the General Manager, Beas Project for comments, if any.

7. (1) The Deputy Commissioner may take into consideration the following principles and conditions under which applications for permission to erect or re-erect any building or make or extend any excavation or layout any means of access may be granted or refused, namely :—

(i) the proposal will not produce unhygienic conditions ;

(ii) there exist adequate arrangements for disposal of sullage waste and rain run off ;

(iii) the proposal will not interfere with any natural drainage ;

(iv) the proposal will not interfere with any new development work proposed to be undertaken by the Government ;

(v) the proposal will not mar the general landscape ;

(vi) the proposed erection or re-erection of any building shall conform to the building bye-laws in force at that time ; and

(vii) the proposal is not prejudical to public interest.

(2) The Deputy Commissioner shall refuse to grant permission to the laying out of means of access to a road, if—

(a) the width of the means of access proposed to be laid out exceeds twenty feet; or

(b) its construction prejudicially affects any grave-yard, cremation ground, place of Worship, cenotaph or Smadhi.

8. *Section* 6(3) *and* 16(1). *Form of communication of order.*—The order passed by the Deputy Commissioner under sub-section (2) of section 6 of the Act shall be communicated to the applicant in Form 'B'.

9. *Section* 6(7) *and* 16(1). *Form of register.*—The register, required to be maintained under sub-section (7) of section 6 of the Act shall be in Form 'C'.

10. (1) Every person desiring to use any land for the purpose of a charcoal kiln, pottery kiln, lime kiln, brick kiln or a brick field shall make any application to the Deputy Commissioner in Form 'D' and shall furnish the following particulars :—

(a) a complete description of the land in which the kiln is proposed to be established with the name of the revenue estate in which the land is situated and the field number according to the latest revenue records and maps ;

(b) the number and nature of kilns which are proposed to be set up on the land and the location of each ;

(c) the total period for which the land is expected to be in use ;

(d) the total number of labourers likely to be employed at the kiln and the sanitary and house arrangements proposed to be made for them ; and

(e) any other information which the Deputy Commissioner may require to be furnished.

(2) Before passing an order on any application the Deputy Commissioner may make or cause to be made such enquiry as he considers necessary.

(3) The Deputy Commissioner shall refuse to grant a licence :—

(a) for the establishment of any kiln within a distance of one hundred yards from the outer boundary of any public road ; or

(b) if the land on which it is proposed to establish the brick field is, in his opinion, in undue proximity to any inhabited site or any site which is likely to become inhabited ; or

(c) for any other reasons which seem to him just and sufficient.

(4) Every licence granted under section 11 of the Act shall be in Form 'F'.

11. *Sections* 11 *and* 16(2)(d). *Renewal and revocation of licences.*—Every licence granted under section 11 shall be valid for a period of one year from the date of issue subject to renewal by the Deputy Commissioner, from time to time, for a further period of one year : Provided that the D.C. may at any time revoke the licence if the licence violates any of its conditions.

12. (1) The following fees shall be charged for licences issued under section 11 of the Act :—

(a) For the initial grant of licence for—

| | |
|---|---|
| (i) a brick field including not more than one brick of standard size | Rs 40 per year |
| (ii) a charcoal kiln .. | Rs 10 per year |
| (iii) a pottery kiln .. | Rs 50 per year |
| (iv) a lime kiln .. | Rs 25 per year |
| (b) Additional fee payable for every additional kiln after the first | Half the fees as (a) above |
| (c) Additional fee payable in respect of any brick kiln which exceeds standard size | Rs 20 per year |

[Minister for Irrigation and Power]

(d) For the renewal of the same for each year of renewal : Half the above fees

*Explanations.*—For the purpose of this rule a "brick-kiln of standard size" means a brick-kiln containing not more than thirty-two chambers each capable of burning twenty-five thousand bricks at one loading.

(2) The fees prescribed in sub-rule (1) shall be deposited in the Treasury Challan as a proof of such deposit.

Provided that if the grant or the renewal of the licence is refused half the fee paid by the applicant shall be refunded.

(3) If an additional kiln is installed or any existing kiln is made to exceed the standard size during the period of validity of licence of an existing kiln, the additional fee shall cover the unexpired period of validity and fresh additional fee will be payable after the expiry of that period.

(4) Application for the renewal of licence shall be made to the Deputy Commissioner not less than one month before the date of expiry of the licence. If the application for renewal is not made within the time prescribed above the fee for renewal of licence shall be the same as for a new licence.

**FORM 'A'**

(*See* rule 4)

**Application under sub-section (1) of section 6 of Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961**

To

The Deputy Commissioner/

Sir,

I/We request for permission to—

(i) erect or re-erect a building ;
(ii) make or extend any excavation ;
(iii) lay out means of access to a road in the controlled area.

2. The required particulars are given below :—

(i) Name of the applicant (in block letters)
(ii) Father's name.
(iii) Village.
(iv) Hadbast No.
(v) Tehsil.
(vi) Khasra No.
(vii) Area.

Bounded by—

East.
West.
North.
South.

(viii) Purpose for which the building/wall/road/excavation is to be used.

3. I enclose the following documents in duplicate ;—

(a) Site plan showing therein the existing structure, if any, and also the situation of the land on which the proposed erection or re-erection or excavation or extension of any excavation or laying out of any means of access to a road, is desired.

(b) The building plan, elevation and sections.

Signature of applicant.

I solemnly affirm that the above particulars are correct to the best of my knowledge and belief.

Signature of applicant.

ATTESTED

OATH COMMISSIONER OR
MAGISTRATE, IST CLASS.

---

*Strike out which is not required.

**FORM 'B'**

[*See* rule 6(1)]

**Form for the grant or refusal of permission under section6 (2) of Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961**

No.

From

Deputy Commissioner.

---

To

Shri/Sarvshri———————————————————————

Dated,——————the——————.

MEMORANDUM—

Reference your application, dated for permission to—

(a) erect or re-erect a building ;

(b) make or extend any excavation ;

(c) lay out means of access to a road ; in the controlled area of village—————, HadBast No.—————, tehsil—————, district—————, as indicated in the site plan submitted therewith.

2. Permission is hereby,—

(a) granted subject to the following conditions,—

(i)
(ii)
(iii)

(b) refused for the reasons,—

(i)

(ii)

3. A copy of site plan/building is returned duly approved/rejected.

Deputy Commissioner,

## FORM 'C'

(*See* rule 7)

**Form of register to be maintained under sub-section (7) of section 6 of the Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961**

(1) Serial No.

(2) Date of receipt.

(3) Name and particular of the applicant.

(4) Description of the land or site or building.

(5) Village.

(6) Tehsil and District.

(7) Condition of property and its use on the date of notice under section 3(2).

(8) Purpose for which permission is required.

(9) Number and date of order.

(10) Permission granted/refused with conditions/grounds of grant/refusal.

(11) Orders in appeal if, any.

(12) Remarks.

## FORM 'D'

[*See* rule 8(1)]

**Application for licence to establish and operate a charcoal-kiln/pottery-kiln/brick-kiln/ lime-kiln/or brickr-field**

To

The Deputy Commissioner,

__________________

Sir,

In pursuance of the provision of sub-section (1) of section (11) of the Talwara Township (Perihery) Control Act, 1961, I/we hereby apply for licence, under the said Act and the rules framed thereunder, to establish and operate a charcoal-kiln/pottery-kiln/brick-kiln/lime-kiln/brick-field, in the locality specified below.

2. A sum of Rs——————being fee for the licence desired, has been deposited by me in Treasury under the head———————and a receipted copy of the Treasury Challan is enclosed.

Yours faithfully,

(Signature of applicant).

Particulars (full name, parentage, etc.) and full address of the applicant

---

If the applicant is a company or firm or if the applicant proposes to operate the kiln/brick-field through an agent give the name (with full particulars and address) of the Managing Director, agent or other person who will be directly in-charge of the kiln/brick-field

---

Kiln/brick-field is proposed to be established

---

| Revenue Estate | Field | (Khasra Nos. indicate whether the whole of each field will be included or part only) |
|---|---|---|
| Total | | |

---

Number of kilns proposed to be set up in the said area with the location and capacity of each

---

Depth of the excavation in case of brick-field

---

Period for which it is expected that the land will be in use for the kilns

---

Number of labourers likely to be employed and the arrangements proposed for their housing and sanction

---

(Signature of applicant).

**FORM 'E'**

[*See* rule 8(4)]

**Licence to establish and operate a charcoal-kiln/pottery-kiln/brick-kiln/lime-kiln/ brick-field**

In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 11 of the Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961, the licence is granted to————————— under the Talwara Township (Periphery) Control Act, 1961, to establish and operate a char-coal/kiln/pottery-kiln/lime-kiln/brick-kiln in the said land hereinafter described subject to the condition set forth on the reverse of this licence.

2. Unless renewed, this licence shall cease to be valid after one year from the date of issue.

Signature of the Deputy Commissioner

Name of village.

Khasra No.

Area.

(*REVERSE*)

*Conditions*

1. The holder of the licence shall—

(a) provide adequate and suitable accommodation for the labourers working at the kilns or the brick-fields.

(b) make arrangements for supply of wholesome water for drinking and other domestic purposes ;

(c) provide sufficient and suitable latrines and urinals for the labourers and adequate staff of sweepers, at a minimum rate of one for every hundred labourers to attend to conservancy arrangements ; and

(d) not begin the work in the brick-field until the above requirements have been complied with to the satisfaction of the Deputy Commissioner and a certificate to this effect obtained from him.

2. The holder of the licence shall not permit any person suffering from any contagious or infectious disease to enter or be present in the licensed kiln or brick-field.

3. No excavation shall be made in any kiln or part of the brick-field to a depth of more than five feet below the surface level whether for the removal of clay to be used for making bricks or for any other purposes.

4. The holder of the licence shall comply with all directions which may be given by the Deputy Commissioner in writing for the regulation of excavation and the provisions of proper drainage or with a view to ensuring that rain or flood water shall collect at one place or in the kiln or the brick-field instead of a number of places and on completion of operation shall remove all structure and level, dress and tidy the site to the satisfaction of the Deputy Commissioner.

5. The whole of the brick-field area shall be open at all times to inspection by the Deputy Commissioner or any official deputed by him for this purpose on his behalf.

6. The grant of licence is subject to the condition that a licence under the East Punjab Control of Brick Supplies Act, 1949, is obtained from the Industries Department.

R. S. GILL,
Secretary to Government, Punjab,
Irrigation Department.

**Height of the outlets on certain Canals in District Hissar**

*9171. **Chaudhri Net Ram** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether he received any complaint during the period from July, 1965 to September, 1965 to the effect that the height of the outlets on certain canals in district Hissar has been raised to such an extent that the water is not flowing through the said outlets due to low water-level in the canals ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the action taken thereon so far and the result thereof ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) Yes.

(b) Some of the outlets have been set right and the remaining are being adjusted.

**Draining out Rain/Flood Water from certain villages in tehsil and district Rohtak**

***9161. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any scheme under the consideration of the Government for draining out rain and flood waters from villages Dhamarh, Larhote, Makrhauli Kalan and Khurd ; in tehsil and district Rohtak ; if so, the time by which it is proposed to be implemented ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : Yes. These villages are to be served by Makrauli drain proposed to be constructed by voluntary labour but the outfall of this field drain is into Jassia drain. The work on Jasia drain was started but was stopped on account of stay orders received from the Punjab High Court. Alignment Plan and long section for Makrauli field drain will be supplied to Deputy Commissioner as soon as the outfall conditions permit.

---

**Morkhi Minor**

***9186. Chaudhri Inder Singh Malik** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether Government has recieved any representations from the residents of village Gangoli and other villages in tehsil Jind in connection with the change of the head of the Morkhi Minor on the ground that the Minor is not getting from the present head full discharge of water ; if so, the details of the action taken thereon and the time by which the said head is likely to be changed ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : Yes. The matter is under investigation. It will be finalized shortly.

---

**Elections of Directors of Haryana Co-operative Sugar Mills, Rohtak**

***9005. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the elections of the Directors of the Haryana Co-operative Sugar Mills at Rohtak fixed for 16th January, 1966, have been postponed, if so, when and the reasons therefor ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : Yes, on 13th January, 1966, due to the mourning period connected with the sad demise of the Late Shri Lal Bahadur Shastri.

---

**Harijan Colony for Dharamkot, district Ferozepore**

***8888. Sardar Kultar Singh** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a Harijan Colony was sanctioned by the State Government for Dharamkot, district Ferozepore ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the date on which the sanction for the said Harijan Colony was accorded and a copy of the relevant order be laid on the Table of the House ;

(c) the total number of quarters approved for the said Colony ;

(d) whether the Colony referred to in part (a) above has come into existence ; if so, the total number of quarters constructed therein and the time by which the remaining quarters are likely to be completed ?

**Shri Chand Ram** ; (a) Yes.

(b) 31st March, 1964. A statement is laid on the Table of the House.

(c) Fifteen.

(d) No. The sites already purchased are likely to be changed due to consolidation operation there.

[Minister for Welfare and Justice]

*Copy of Memo No. A/3/H-(5/62-64/10261, dated the 31st March, 1964, from the Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes, Punjab and to the addres District Welfare Officer, Ferozepore.*

*Subject.*—Construction of houses for Sweepers,—1963-64.

The Punjab Government,—*vide* their Memo No. 353-WGI-ASO-2-64, dated 25th March, 1964. have approved the following place (s) for construction of hous colonies during—

| Serial No. | Name of place | Tehsil | No. of hou |
|---|---|---|---|
| 1 | Dharamkot | .. Zira | .. 15 |

The list of beneficiaries as recommended by the District Ad hoc Committee copy enclosed is hereby approved. The amount of Rs 11,250 on account of subsidy for the construction of new houses—Rs 750 each is being drawn and remitted to you separately by means of R. T. Rs in the name of beneficiaries.

The following directions should be strictly complied with :—

After getting necessary agreement, surety bonds and receipt etc., the amount of R. T. Rs. should be deposited in the Central Co-operative Bank on behalf of the beneficiaries, in a joint account duly pledged to the Director, Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes, Punjab, in accordance with the terms of resolution sent,—*vide* endorsement No. A/1/Aud/A/21095, dated 30th July, 1967

(2) The account should be operated upon by the District Welfare Officer and representative Committee.

(3) The amount should be withdrawn from the bank in three instalments of Rs 140, Rs 400 and Rs 210 per beneficiary on receipt of release authority from this office which should be applied for well in time.

(4) Before allowing construction, it would be ensured that the beneficiaries hold undisputed of the sites.

(5) The houses should be built according to the standard design and in the form of a colony.

(6) The payees receipts should please be forwarded to this office for transmission to the Accountant-General, Punjab, Simla.

Please supervise the actual implementation of the scheme as heretofore and send the completion certificate in due course.

RECOMMENDATION FOR HOUSING SCHEMES FOR SWEEPERS, DISTRICT FEROZEPORE
1963-64

| Serial No. | Name and parentage | Caste | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Rs. |
| 1 | Jasmer Singh, son of Sardara Singh | Balmiki | Dharamkot | Zira | 750 |
| 2 | Mehar Singh, son of Dara Singh | Do | Do | Do | 750 |

| S. No. | Name and parentage | Case | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Rs. |
| 3 | Inder Singh, son of Khaira Singh | Balmiki | Dharamkot | Zira | 750 |
| 4 | Sarwan, son of Ishar | Do | Do | Do | 750 |
| 5 | Kehar Singh, son of Sardara Singh | Do | Do | Do | 750 |
| 6 | Darwara Singh, son of Badan Singh | Do | Do | Do | 750 |
| 7 | Jagga Singh, son of Chanda | Do | Do | Do | 750 |
| 8 | Fakir, son of Bachana | Do | Do | Do | 750 |
| 9 | Tirath Ram, son of Ishar Ram | Do | Do | Do | 750 |
| 10 | Teja, son of Chanda | Do | Do | Do | 750 |
| 11 | Ram Parkash, son o) Waspkha Ram | Do | Do | Do | 750 |
| 12 | Telu Ram, son of Amin Chand | Do | Do | Do | 750 |
| 13 | Gindo, son of Jaila | Do | Do | Do | 750 |
| 14 | Rounki Ram, son of Soba Ram | Do | Do | Do | 750 |
| 15 | Smt. Nand Kaur, widow of Inder | Do | Do | Do | 750 |
| | | | | Total | 11,250 |

(Sd.) .. ..

District, Welfare of Scheduled Castes
and Backward Classes, Punjab.

---

**Harijan Colony for Village Kanwan in Dharamkot Block, District Ferozepore**

*8889. **Sardar Kultar Singh** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether any Harijan Colony has been sanctioned for village Kanwan in Dharamkot Block of district Ferozepore ;

(b) the date on which and the order under which sanction for the Colony referred to in part (a) above was accorded and a copy of the said order be laid on the Table of the House ;

(c) the total number of quarters sanctioned for the said Colony and of those which have been constructed so far ;

(d) the time by which the construction of the remainir g quarters is likely to be completed ?

**Shri Chand Ram** (a) No.

(b), (c) and (d) Does not arise.

### Divisional Welfare Officers

***8966. Lieut. Bhag Singh** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the number of Divisional Welfare Officers (Scheduled Castes) in the State at present ;

(b) the difference in the scales of pay of the Divisional Welfare Officers and the District Welfare Officers (Scheduled Castes) ?

**Shri Chand Ram** : (a) and (b) There is no post of Divisional Welfare Officer (Scheduled Caste). However, there are Regional Welfare Officers in the scale of Rs 170—10—350 *plus* a special pay of Rs 20 per mensem District Welfare Officers are also in the same scale. They are not allowed special pay.

Out of three Regional Welfare Officers one belongs to Scheduled Castes.

### Grants and Loans to Harijans in Jullundur and Hissar Districts

***9078. Shri Amar Singh** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state the total amount of grants/loans given by the Harijan Welfare Department to the Harijans in Jullundur and Hissar Districts from July, 1964 todate for different purposes stating the name and address of each beneficiary/loanee together with the amount received by each ?

**Chaudhri Chand Ram** : A statement is laid on the Table of the House.

NAME OF PERSONS SETTLED ON LAND IN DISTRICT HISSAR AFTER JULY, 1964 TODATE MENTIONING THE AMOUNT GIVEN TO EACH ONE OF THEM

| Serial No. | Name and parentage of the beneficiary | Address | Amount given | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Land Subsidy | Houses/ Wells Subsidy |
| | | | Rs | |
| 1 | Shri Bhogal, son of Shoe Chand | V. and P. O. Bamla, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 2 | Shri Ramji Lal, son of Girdhari | V. and P. O. Bhiwani, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 3 | Shri Ram Saroop, son of Chhottu | V. and P. O. Bansawan, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 4 | Shri Samat Ram, son of Udmi Ram | V. and P. O. Bhatoli, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 5 | Shri Dewan Chand, son of Matu Ram | V. and P. O. Puranpur, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 6 | Shri Phul Singh, son of Chhottu | V. and P. O. Kheri, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 7 | Shri Ajit Singh, son of Bura Singh | V. and P. O. Balaili, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |

| Serial No. | Name and parentage of the beneficiary | Address | Amount given | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Land Subsidy | Houses/wells Subsidy |
| | | | Rs | |
| 8 | Shri Shankar, son of Chander | V. and P. O. Kheddar, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 9 | Shri Munshi Ram, son of Nathu | V. and P. O. Hissar, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 10 | Shri Piyarelal, son of Budh Ram | V. and P. O. Mita Thal, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 11 | Shri Shanker, son of Amir Chand | V. and P. O. Mangali, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 12 | Shri Sampuran Singh, son of Kher Singh | V. and P. O. Jalansala, tehsil Sirsa | 2,000 | .. |
| 13 | Shri Karnail Singh, son of Babal Singh | V. and P. O. Dabawali, tehsil Sirsa | 2,000 | .. |
| 14 | Shri Lilu Ram, son of Neki Ram | V. and P. O. Dinod, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 15 | Shri Faqir Chand, son of Khaki Ram | V. and P. O. Bhiwani, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 16 | Shri Kishan Singh, son of Jhanda Singh | V. and P. O. Mohdpur Rohi, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 17 | Shri Chandgi Ram, son of Nanda Ram | V. and P. O. Bass, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 18 | Shri Nathu, son of Gugan | V. and P. O. Dahina, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 19 | Shri Sheo Chand, son of Nand Ram | V. and P. O. Fatiabad, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 20 | Shri Bhagwana, son of Manohar | V. and P. O. Nirauli Kalan, Hissar | 2,000 | .. |
| 21 | Shri Bakhtawar, son of Gugan | V. and P. O. Bhagana, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 22 | Shri Moji Ram, son of Karam Chand | V. and P. O. Bhiwani, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 23 | Shri Risala, son of Kanhaya | V. and P. O. Maugali, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 24 | Shri Jug Lal, son of Khubi Ram | V. and P. O. Lehga, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 25 | Shri Baldeva, son of Sheo Ram | V. and P. O. Kharkra, tehsil Hansi | 2,000 | .. |

[Minister for Welfare and Justice]

| Serial No. | Name and parentage of the beneficiary | Address | Amount given | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Land Subsidy | Houses/wells Subsidy |
| | | | Rs | |
| 26 | Shri Lachman, son of Mat Ram | V. and P. O. Jhandli, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 27 | Shri Ballu Ram, son of Maugla Ram | V. and P. O. Bhodia Khera, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 28 | Shri Man Chand, son of Shanker | V. and P. O. Hajhinpur, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 29 | Shri Jogi Ram, son of Amin Lal | V. and P. O. Majra, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 30 | Shri Lehri Singh, son of Piru Ram | V. and P. O. Khauda Khere, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 31 | Shri Banwari, son of Mula | V. and P. O. Khakhera, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 32 | Shri Mool Chand, son of Inderaj | V. and P. O. Jaokalan, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 33 | Shri Risala, son of Mansukh | V. and P. O. Sheikhpura, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 34 | Shri Maugla, son of Deva Ram | V. and P. O. Bodan, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 35 | Shri Budh Ram, son of Jee Ram | V. and P. O. Dabra, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 36 | Shri Joginder Singh | V. and P. O. Churri Bagauan, Tehsil | 2,000 | .. |
| 37 | Shri Roop Chand, son of Chandgi Ram | V. and P. O. Bidnoi, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 38 | Shri Kishan Singh, son of Ghanda Singh | V. and P. O. Sayana, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 39 | Shri Bir Singh, son of Bhangala Singh | V. and P. O. Dabawali, tehsil Sirsa | 2,000 | .. |
| 40 | Shri Baldev Singh, son of Molar | V. and P. O. Rakhi Shahpur | 2,000 | .. |
| 41 | Shri Pala, son of Pokhar | V. and P. O. Bhiwani, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 42 | Shri Om Parkash, son of Matu Ram | V. and P. O. Lohani, tehsil | 2,000 | .. |
| 43 | Shri Jugla, son of Shanker | V. and P. O. Bhiwani, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 44 | Shri Zila Singh, son of Rur Singh | V. and P. O. Dabawali, tehsil Sirsa | 2,000 | .. |

| Serial No. | Name and parentage of the benificiary | Address | Amountgiven | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Land Subsidy | Houses wells Subsidy |
| | | | Rs | |
| 45 | Shri Chhanoo Ram, son of Dosha Ram | V. and P. O. Sheiripura, tehsil Hansi | 2,000 | .. |
| 46 | Shri Ajmer Singh, son of Jiroan Singh | V. and P. O. Lehri, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 47 | Shri Ganga Ram, son of Kanshi Ram | V. and P. O. Jammani, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| 48 | Shri Gurdial Singh, son of Dittoo Singh | V. and P. O. Tigri .. | 2,000 | .. |
| 49 | Shri Jawala Pershad .. | V. and P. O. Prem Nagar | 2,000 | .. |
| 50 | Shri Nihala, son of Mehar Chand | V. and P. O. Kapro, tehsil Bhiwani | 2,000 | .. |
| 51 | Shri Jai Karan, son of Jhanda | V. and P. O. Biran .. | 2,000 | .. |
| 52 | Shri Bichha Ram, son of Hirdoo | V. and P. O. Prabhuwala, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 53 | Shri Phool Chand, son of Jogi Ram | V. and P. O. Prabhuwala, tehsil Hissar | 2,000 | .. |
| 54 | Shri Santa Singh, son of Nanak Singh | V. and P. O. Fatiabad, tehsil Fatiabad | 2,000 | .. |
| | | Total .. | 1,08,000 | .. |

LIST OF PERSONS WHO WERE GIVEN SUBSIDY UNDER HOUSING SCHEME AFTER JULY TO DATE DISTRICT HISSAR HOUSING FOR OTHER THAN THOSE ENGAGED ON UNCLEAN OCCUPATION

| Serial No. | Name and parentage | Address | Amount given |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| 1 | Nand Singh, son of Mohan Singh | V. and P. O. Rori, tehsil Sirsa | 900 |
| 2 | Prem Singh, son of Dalip Singh | Ditto .. | 900 |
| 3 | Mangtu Ram, son of Mangal Ram | V. and P. O. Vedwala, tehsil Sirsa | 900 |
| 4 | Lekhu Ram, son of Malla .. | V. and P. O. Saharwa, tehsil Hissar | 900 |
| 5 | Mange Ram, son of Turtia .. | Ditto .. | 900 |
| | SWEEPERS HOUSES | | |
| 6 | Mola Ram, son of Khubi .. | V. and P. O. Umra, tehsil Hansi | 900 |
| 7 | Sanbi, son of Hardwari .. | V. and P. O. Sheikhpura, tehsil Hansi | 900 |

| Serial No. | Name and parentage | Address | Amount given |
|---|---|---|---|
| 8 | Banarsi Das, son of Hardawari .. | V. and P. O. Hansi, tehsil Hansi | 900 |
| 9 | Ram phal, son of Risal Singh .. | V. and P. O. Mirachpur, tehsil Hansi | 900 |
| 10 | Surjan, son of Jawahara Ram .. | V. and P. O. Hissar .. | 900 |
| 11 | Mohan Lal, son of Mohar Singh | V. and P. O. Bhiwani, Ashok Colony | 900 |
| 12 | Kartar, son of Sadhoo Ram .. | V. and P. O. Halwas, tehsil Bhiwani | 900 |
| 13 | Puran Lal, son of Ramji Lal .. | Ditto .. | 900 |
| 14 | Panna Lal, son of Gulzari Lal .. | V. and P. O. Kalanwali, tehsil Sirsa | 900 |
| 15 | Changgi Ram, son of Thawaria | Ditto .. | 900 |
| 16 | Rajila, son of Chandgi Ram .. | V. and P. O. Miarehpur, tehsil Hansi | 900 |
| 17 | Rugha Ram, son of Kirpa .. | V. and P. O. Hissar .. | 900 |
| | HOUSES FOR THOSE ENGAGED ON UNCLEAN OCCUPATION | | |
| 18 | Madho, w/o Teka Ram .. | V. and P. O. Miranpur, tehsil Hansi | 900 |
| 19 | Darya Singh, son of Mehar Chand | V. and P. O. Kinar, tehsil Hansi | 900 |
| 20 | Parbhu, son of Pinni Ram .. | V. and P. O. Kani Kheri, tehsil Hansi | 900 |
| 21 | Ram Kishan, son of Lehri Singh | Ditto .. | 900 |
| 22 | Faqir Chand, son of Kurra Ram | V. and P. O. Hissar, tehsil Hissar | Rs<br>900 |
| 23 | Atali Ram, son of Binigha Ram | Ditto .. | 900 |
| 24 | Phula Ram, son of Misra .. | Ditto ... | 900 |
| 25 | Abhey Ram, son of Khubi Ram | Ditto .. | 900 |
| 26 | Banwari Lal, son of Sohan Lal .. | V. and P. O. Mangal Jaharan, tehsil Hissar | 900 |
| 27 | Sucha Singh, son of Lekh Ram .. | V. and P. O. Tohana, tehsil Hissar | 900 |
| 28 | Mangur Ram, son of Bakhtawar | V. and P. O. Hissar .. | 900 |
| | VIMUKAT JATIS HOUSES | | |
| 29 | Kartar Singh, son of Khem Singh | V. and P. O. Mohmadpur Rahi, Tehsil Fatiabad | 900 |

| Serial No. | Name and parentage | Address | Amount given |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| 30 | Ram Singh, son of Anup Singh .. | Ditto .. | 900 |
| | V and P.O. Mohamdpur Rohi, Tehsil Fatiabad | | |
| 31 | Jai Singh, son of Fateh Singh .. | Ditto .. | 900 |
| 32 | Chet Singh, son of Hira Singh .. | Ditto .. | 900 |
| 33 | Partap Singh, son of Santa Singh | Ditto .. | 900 |
| 34 | Nand Lal, son of Shanker .. | Village Biran, P. O. Noongarh, tehsil Bhiwani | 900 |
| 35 | Nathia, w/o Nahar .. | Village Biran, P. O. Noongarh, tehsil Bhiwani | 900 |
| 36 | Shispal, son of Singh Ram .. | V. and P. O. Kairoo, tehsil Bhiwani | 900 |
| | | Total . | 32,400 |

NAMES AND ADDRESSES OF PERSONS WHO WERE GIVEN INTEREST FREE LOAN AFTER JULY, 1964 TO DATE IN DISTRICT HISSAR

| Serial No. | Name and parentage of the beneficiary | Address | Amount |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| 1 | Kanhaya Lal, son of Kalu Ram.. | V. and P. O. Tigrana Gujran, tehsil Bhiwani | 400 |
| 2 | Karam Chand, son of Tola Ram | V. and P. O. Dhani Gopal, tehsil Faridabad | 400 |
| 3 | Parbhati, son of Gopal Ram .. | V. and P. O. Kherwala, tehsil Sirsa | 450 |
| 4 | Banwari, son of Budh Ram .. | V. and P. O. Singhnani, tehsil Bhiwani | 450 |
| 5 | Bajrang Lal, son of Mangtu Ram | V. and P. O. Bhiwani, tehsil Bhiwani | 400 |
| 6 | Jai Lal, son of Rura .. | V. and P. O. Hissar, tehsil Hissar | 400 |
| 7 | Mangat, son of Mai Ram .. | V. and P. O. Kanda Kheri, tehsil Hansi | 400 |
| 8 | Nathu, son of Kahnava .. | Telu, tehsil Hansi .. | 350 |
| 9 | Karnail, son of Hazara Singh .. | Rori, tehsil Sirsa .. | 400 |
| 10 | Bachan Singh, son of Babu Singh | Rori, tehsil Sirsa .. | 400 |
| 11 | Hari Singh, son of Gullo Singh .. | Rori, tehsil Sirsa .. | 400 |
| 12 | Har Chand, son of Baggar .. | Kanheri, tehsil Hissar .. | 400 |
| 13 | Karam Chand, son of Nandu .. | Hissar, tehsil Hissar .. | 400 |
| 14 | Chandgi, son of Buja Ram .. | Dhani Mirdad, tehsil Hissar .. | 400 |

[Minister for Welfare and Justice]

| Serial No. | Name and parentage of the beneficiary | Address | Amount |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| 15 | Lal Chand, son of Tirkha Ram .. | Dhani Mirdad, Tehsil Hissar .. | 400 |
| 16 | Santa Ram, son of Ami Lal .. | Ladwa, tehsil Hissar .. | 500 |
| 17 | Nanku, son of Millo .. | Dhani Mirdad, tehsil Hissar .. | 400 |
| 18 | Chhotu, son of Harnam .. | Kanhere, tehsil Hissar .. | 450 |
| 19 | Dalip Ram, son of Kirpa Ram .. | Babuna, tehsil Fatiabad .. | 500 |
| 20 | Moola Ram, son of Shoeji Ram .. | Fatiabad, tehsil Fatiabad .. | 500 |
| 21 | Ram Saroop, son of Salig Ram | Bhiwani, tehsil Bhiwani .. | 400 |
| 22 | Badloo Ram, son of Karmoo Ram | Narnaud, tehsil Hansi .. | 500 |
| 23 | Chhottu, son of Sheo Nath .. | Thurana, tehsil Hansi .. | 500 |
| 24 | Asha Ram, son of Net Ram .. | Milkpur, tehsil Hansi .. | 500 |
| 25 | Sorte, son of Daya .. | Sheikhpur, tehsil Hansi .. | 400 |
| 26 | Har Chand, son of Deotia .. | Mirchpur, tehsil Hansi .. | 500 |
| 27 | Dhoop Singh, son of Moller .. | Raman, tehsil Hansi .. | 500 |
| 28 | Sangh Singh, son of Hazura Singh | Rori, tehsil Sirsa .. | 400 |
| 29 | Parbhat Chand, son of Talu Ram | Bhiwani, tehsil Bhiwani .. | 500 |

**Recommendation and amount paid under Housing Scheme Vimukat Jatis, 1964-65, District Jullundur**

| Serial No. | Name and Parentage | Caste | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | Rs |
| 1 | Ferozo, son of Chanan Ram .. | Barar | Mehtpur | Nakodar | 900 |
| 2 | Chanan, son of Ghulauri .. | Do | Do | Do | 900 |
| 3 | Ram Lal, son of Chanan .. | Do | Do | Do | 900 |
| 4 | Buta Ram, son of Chanan Ram .. | Do | Do | Do | 900 |
| 5 | Rajoo, son of Chaman .. | Do | Do | Do | 900 |
| 6 | Lakhu, son of Kathu .. | Do | Do | Do | 900 |
| 7 | Sadhu Ram, son of Devia .. | Do | Do | Do | 900 |
| | | | | Total | 6,300 |

**Amount paid under Housing Scheme for Scheduled Castes and other than those engaged on unclean occupation, 1964-65, Jullundur District**

| Serial No. | Name and Parentage | Caste | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | Rs |
| 1 | Atma Ram, son of Buta .. | Balmiki | Fethepur | Phillaur | 900 |
| 2 | Aurjun, son of Lakhu .. | Do | Do | Do | 900 |
| 3 | Hasara, son of Udho .. | Do | Do | Do | 900 |
| 4 | Mushtak, son of Buta Ram .. | Do | Do | Do | 900 |
| 5 | Buta Ram, son of Mehnga Ram | Do | Do | Do | 900 |
| 6 | Mehnga, son of Fathu .. | Do | Do | Do | 900 |
| 7 | J agta, son of Rulia .. | Do | Do | Do | 900 |
| | | | | Total | 6,300 |

**Amount paid under Housing Scheme for Scheduled Castes engaged on unclean occupation, 1964-65, District Jullundur**

| Serial No. | Name and Parentage | Caste | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | Rs |
| 1 | Banta Ram, son of Jawahar .. | Adharmi | Mithepur | Jullundur | 900 |
| 2 | Gokal, son of Sundhu .. | Do | Do | Do | 900 |
| 3 | Nama, son of Mihan .. | Do | Do | Do | 900 |
| 4 | Karma, son of Kishan .. | Do | Do | Do | 900 |
| 5 | Ananta, son of Jawahar .. | Do | Do | Do | 900 |
| 6 | Kehara, so of Sukhdev .. | Do | Do | Do | 900 |
| 7 | Sadher, son of Mehama .. | Do | Do | Do | 900 |
| 8 | Daulati, son of Punam .. | Do | Do | Do | 900 |
| 9 | Daulti, son of Udhmi .. | Do | Do | Do | 900 |
| 10 | Thakar, son of Basanta .. | Do | Do | Do | 900 |
| 11 | Bhagto, son of Ghai .. | Do | Do | Do | 900 |
| 12 | Nand, son of Sunder .. | Do | Do | Do | 900 |
| | | | | Total | 10,800 |

[Minister for Welfare and Justice]

**Recommendation and amount paid under Housing Scheme for Sweepers for the year 1964-65 Jullundur District**

| Serial No. | Name of Parentage | Caste | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | Rs |
| 1 | Vidya Devi, w/o Faqir Chand | Balmiki | Basti Shiker | Jullundur | 900 |
| 2 | Jit, son of Sadhu .. | Do | Do | Do | 900 |
| 3 | Malawar, son of Bira Ram .. | Do | Do | Do | 900 |
| 4 | Lachman Das, son of Babu .. | Do | Do | Do | 900 |
| 5 | Vidya, w/o Piara Lal .. | Do | Do | Do | 900 |
| 6 | Debo, son of Rura .. | Do | Do | Do | 900 |
| 7 | Laji w/o Om Parkash .. | Do | Do | Do | 900 |
| 8 | Milkhi Ram, son of Mali .. | Do | Mihali Wala | Nakodar | 900 |
| 9 | Cheeri, son of Jiwan .. | Do | Malsian Road | Do | 900 |
| 10 | Basant Kaur, widdow of Lachman Singh | Do | Ditto | Do | 900 |
| 11 | Asso, widow of Mute .. | Do | Naurshal | Phillaur | 900 |
| 12 | Piara Lal, son of Durga Dass .. | Do | Do | Do | 900 |
| 13 | Dev Ram, son of Milkhi Ram .. | Do | Do | Do | 900 |
| 14 | Gian Chand, son of Lakha Ram .. | Do | Do | Do | 900 |
| 15 | Chandi Ram, son of Gulah .. | Do | Do | Do | 900 |
| 16 | Gian Chand, son of Mukand .. | Do | Basti Shekhan | Jullundur | 900 |
| | | | | Total | 14,400 |

**Recommendations and ammount paid under House site Scheme other than those engaged on unclean occupation, 1964-65, Jullundur District**

| Serial No. | Name and Parentage | Caste | Village | Tehsil | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | Rs |
| 1 | Amroo, widow of Daulat Ram .. | Adharmi | Ramgarh | Phillaur | 200 |
| 2 | Jagiro, widow of Gurmit .. | Do | Do | Do | 200 |
| | | | | Total | 400 |

**Amount of Sub dy paid under water wells scheme 1964-65**

| Serial No. | Name of Village | Tehsil | Amount paid Rupees |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | Jandiali | .. N/Shehar | 150 |
| 2 | Jadla | .. Do | 250 |
| 3 | Reselpur | .. Do | 150 |
| 4 | Usman Pur | .. Do | 300 |
| 5 | Aur | .. Do | 165 |
| 6 | Lidhana Jhika | .. Do | 150 |
| 7 | Dhadula | .. Do | 250 |
| 8 | Bhin | .. Do | 150 |
| 9 | Barnala | .. Do | 150 |
| 10 | Bagura | .. Do | 150 |
| 11 | Dhogri | .. Jullundur | 200 |
| 12 | Badala | .. Do | 300 |
| 13 | Khurla | .. Do | 150 |
| 14 | Mevan | .. Do | 500 |
| 15 | Butan Pind | .. Do | 175 |
| 16 | Gohawai | .. Phillaur | 200 |
| 17 | Attai | .. Do | 200 |
| 18 | Sanurai | .. Do | 200 |
| 19 | Akalpur | .. Nakodar | 180 |
| 20 | Bajula | .. Do | 200 |
| 21 | Nawan Pind Khalewal | .. Do | 200 |
| 22 | Bakar Kalan | .. Do | 500 |
| 23 | Lahian | .. Do | 130 |
| | | Total | 5,000 |

[Minister for Welfare and Justice]

**Amount paid under Scheme interest free loan 1964-65**

| Serial No. | Name and parentage | Caste | Village | purpose | Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | Rs |
| | | **Tehsil Jullundur** | | | |
| 1 | Bhupinder Singh, son of Harnam Singh | Majhebi Sikh | Sikh | Iron Industry | 1,000 |
| 2 | Gurditta Ram, son of Chuhar | Ad-Dharmi | Abadpura | Spare Parts Industry | 1,000 |
| 3 | Khushi, son of Chambe Ram | Balmiki | Basti Guzan | Iron work | 1,000 |
| 4 | Hardial Singh, son of Sohab Singh | Mahasha | Old Court | Wood Work | 1,000 |
| 5 | Som Datt, son of Genda Ram | Balmiki | Do | Cycle Parts | 1,000 |
| 6 | Hari Lal, son of Kanhiya Lal | Dhobi | Dhobi Mohala | Dry Cleaning | 1,000 |
| | | **Tehsil Nakodar** | | | |
| 7 | Ujaggat Chand, son of Mangat Ram | Balmiki | Lohian | Boot Making | 500 |
| 8 | Paras Ram, son of Mihan Ram | Ad-dharmi | Do | Shoe-Making | 500 |
| 9 | Mohinder, son of Amroo | Balmiki | Mer | Ban Making | 400 |
| 10 | Pritam Singh, son of Bhala Singh | Jhewan | Akalpur Malsian | Do | 300 |
| 11 | Ganda Ram, son of Jawaban Ram | Ad-dharmi | Sidwan | Leather Tanning | 1,000 |
| | | **Tehsil Phillaur** | | | |
| 82 | Chulna Ram, son of Pheman | Adharmi | Talwan | Ban Making | 300 |
| 13 | Bakshi Ram, son of Gurditta Ram | Do | Phillaur | Do | 300 |
| 14 | Dalipa Ram, son of Attara Ram | Do | Ramgarh | Weaving | 400 |
| 15 | Mangha Ram, son of Udho Ram | Do | Nangal | Ban-Making | 300 |
| 16 | Gurdip Singh, son of Puran Singh | Mehra | Gursian | Pipe fitting | 500 |
| 17 | Faquir Chand, son of Kishan Ram | Adharmi | Khauda | Shoe-Making | 800 |
| | | **Tehsil N/Shehar** | | | |
| 18 | Sant Ram, son of Rulia Ram | Adharmi | Behram | Weaving | 300 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 19 | Sham Chand, son of Mela Ram | Adharmi | Behram | Ban Making | 300 |
| 20 | Gian Chand, son of Bhagwan Dass | Do | N/ Shehar | Boot Making | 700 |
| 21 | Gurmej, son of Dalipa | Do | Aur | Do | 1,500 |
| 22 | Milkhi Ram, son of Jawala Ram | Do | Chak Dana | Do | 300 |
| 23 | Ujjagai Ram, son of Karam Chand | Do | Kultham | Do | 300 |
| 24 | Swarna Ram, son of Schru Ram | Do | Ushman Pur | Do | 300 |
| 25 | Gabia, son of Counesha | Do | Raban | Ban-Making | 300 |
| | | | | Total | 15,300 |

**Amount paid to Harijan under House site Scheme other than Unclean, 1964 65**

| Serial No. | Name and parentage | Caste | Address | Amount paid |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs |
| 1 | Kartari, wife of Puran .. | Adharmi | Mehlon, Tehsil Nawanshehar | 200 |
| 2 | Shanti Devi, daughter of Amar Chand | Do | Village and Post office Talwan, Tehsil Phillaur | 200 |
| 3 | Resham son of Jagat Singh .. | Do | Village and Post office Gokkal, Tehsil Jullundur | 200 |
| 4 | Darshan, son of Jagat Singh .. | Do | Ditto | 200 |
| 5 | Chhajoo, son of Sadhoo Ram .. | Do | Basti Shekh, Tehsil Jullunuur | 200 |
| | | | Total .. | 1,000 |

**Notice Received on 28th January. 1966**

**Memorial for appointment of Harijan as High Court Judge**

***9222 Chaudhri Ram Parkash :** Will the Minister for welfare and Justice be pleased to state whether it is a fact that the Harijan M.L.A submitted a joint Memorial to the Government for appointing a Harijan as High Court Judge, if so, the action taken thereon ?

**Shri Ram Kishan** : (a) Yes, a joint representation, for the appointment of a Harijan as a Judge of the High Court, was received by Government from the Scheduled Caste M.L.As.

(b) The memorial was considered carefully by the Government in consultation with the Chief Justice of the Punjab High Court but the request of the M.L.As. could not be acceded to.

## UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Smugglers of Amritsar District detained under the Defence of India Rules

***9228. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the names of smugglers of the Amritsar District at present detained under the Defence of India Rules, with the names of the Jails in which they are lodged and the class given to each of them,

(b) whether the persons referred to in part (a) above have made any representations to the Government for their release, if so, copies thereof be laid on the Table of the House ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) Requisite statement is laid on the Table of the House.

(b) Yes. Only 11 of them made representations to the Government for their release. Copies of their representations are laid on the Table of the House.

The Home Secretary,
Punjab Government, Chandigarh.

*Subject*.—Prayer for release of Ajit Singh, son of Jawahar Singh of Village Burj, at present Detenu, District Jail, Amritsar.

SIR,

The ahove-named detenu Ajit Singh prays as follows :

1. That he was arrested under D.I.R. about 8/9 months back and he is being lodged in the District Jail, Amritsar.

2. That he has always remained well-wisher of the Government and is still the same.

3. That he contributed a lot of money in the National Defence Fund during the Chinese aggression and has been the helper of Police and Government officials in every respect.

4. That he belongs to a respectable family and owns a sufficient movable and immovable property but he was arrested on suspicion of his being involved in smuggling, which suspicion arose as a result of false information supplied to the Government due to party frictions, otherwise he has never done any sumuggling.

5. That he was the elected Chairman of the Block Samiti Gandiwind during the year 1962 to 1965, and he has again been in Jail. He has also taken the oath of Chairmanship.

6. That he assures the Government that he would refrain from any activity in future, which the Government would feel to restrain him.

*Note: Starred Question No. 9228 was treated as Unstarred Question.

Therefore, it is prayed that he may be released from detention and may be ordered to be set free.

Thanks and oblige.

Yours faithfully,
(Sd) . . .,
Ajit Singh, son of Shri Jawahar Singh,
Village Burj, Detenu District Jail,
Amritsar.

Amritsar,
23rd February, 1965.

1. Copy forwarded to the Deputy Inspector General of Police, C.I.D., Punjab.

2. Copy to Senior Superintendent of Police, Amritsar.

3. A Copy for the Deputy Commissioner, Amritsar, for necessary action.

---

To

The Deputy Commissioner,
Ferozepur District,
Ferozepur.

SIR,

Most humbly and respectfully I beg to say that I have been ordered to be detained under Rule 30 (1) (b) of the Defence of India Rules ,—*vide* orders of the Deputy Secretary to Government Punjab, dated 8th September, 1965.

I would like to bring it to your kind notice that I have never been associated with my anti-Social or anti-national activity and my order of detention has been issued on some wrong assumptions. My behaviour as a citizen of India has been quite exemplary and have never been a member of any political party.

I would request you to very kindly reconsider my case and recommend to the Government for reconsidering my order of detention and release me so that I may be able to serve my country as free citizen.

Thanking you.

Yours faithfully,
Thumb Impression,
(Sawarn Singh),
son of Ujagar Singh,
Now U/I confined in Sub-Jail,
Karnal.

---

To

The Chief Secretary to Government,
Punjab, Chandigarh.

*Subject*.—Appeal under Rule 30-B of the Defence of India Rules, 1962, for release of Manohar Lal, son of Shri Panna Lal Khatri, Katra Bhai Sant Singh, Police station 'D' Division, Amritsar arrested and detained under rule 30(1)(b) of the Defence of India Rules, 1962.

---

SIR,

The appelant prays as under :

That on 18th November, 1963 I was arrested under Defence of India Rules and at present I am confined in the District Jail, Sangrur.

2. That since I am behind the locks, I have always behaved properly and given no cause of any kind of complaint to the authorities which fact can be vonchsafed from them.

3. That this is my bad fortune that I have been held under D.I.R.

4. That my antecedents have been totally unblemished I had never taken part in any political party or in any other anti-social activities, much less the nefarious trade of smuggling.

[Home and Development Minister]

5. That on the other hand I had co-operated with the Government and helped it in the matter of volunter/contributions towards the Defence efforts. I, myself had contributed about 100 grams of gold in the form of ornaments, which gold was given to Shri Jai Inder, Singh, M.L.A., Punjab, who was deputed and responsible for collecting such funds on the eve of outbreak of hostilities between India and China. Also, I assisted and worked with the Sarafa Committee, Amritsar, and Sarvshri Jai Inder Singh, Bihari Lal Khanna, Gian Chand Kharbanda, Yog Nath and Baij Nath (brick Kiln owner) in collecting more than Rs. 20,000 as a humble contribution of the Sarafa Bazar.

6. That I have 5 children to feed with an old mother of more than 60 years. My father is already dead. I am the only male member in my family, with no other member to earn livelihood and who should look after them and cater for their education, nourishment and for their welfare. In my absence my entire family is starving, making not both ends meet, and facing extreme difficulties of life.

7. That I have been a law abiding citizen of Amritsar, which fact is corroborated by my submission made above in Para 5 of this petition, and there had been no cognizable offence against me before my arrest made under D.I.R.

8. That after the death of my brother-in-law (during my detention) my father-in-law, who is more than 70 years old, is in a precarious condition. He is in the Hospital, and the Medical Officer In-Charge of the V.J. Hospital, Amritsar is of the confirmed opinion that he shall have to undergo a major operation. The said Officer has given a certificate to this effect, which is enclosed herewith, duly countersigned by the Civil Surgeon (Chief Medical Officer) Amritsar, for your ready reference.

9. It is also important to mention that since my detention I have never been released even for a day.

10. Keeping in view and sympathetic consideration of my position explained above, it is requested that I may be released and if not at present, I may be releasd on **Parole** so that I could attend to my children and my father-in-law who is to undergo a big operation. God knows whether he would survive that operation or not.

Requesting for favourable consideration of my humble petition, I remain,

Yours obediently,
MANOHAR LAL,
Detenu, Kt. Bhai Sant Singh,
St. Dlalan, House No. 1088,
Amritsar.

At present.—
District Jail,
Amritsar.

**Affidavit**

I, Manohar Lal, son of Shri Panna Lal Khatri, resident of House No. 1088, Street Dalalan, Kt. Bhai Sant Singh, Amritsar, now a detenu in district Jail, Sangrur, under D.I.R. do hereby solemnly declare and affirm as under :

1. That I was arrested on 18th November, 1963 under D.I.R. Orders of the district Magistrate, Amritsar.

2. That before my this kind of arrest there had been no case in the Police against me whatsoever.

3. That my career had been always unblemished, and I invariably behaved as a law abiding citizen of Amritsar.

4. That I have 5 children and an old mother of 60 years, who are all facing tremendous difficulties in my absence since there is no other male member in the family who can earn in my absence and feed them.

5. That I had co-operated with the Government and helped it in the matter of voluntary cntributins towards the Defence of India, and that I had myself contributed 100 grams of gold, in the form of ornaments, to this Defence Fund, and had given this quantity of gold to Sardar Jai Inder Singh, M.L.A., Punjab., Gian Chand, Kharbanda, Yog Nath and Baij Nath, of Amritsar in collecting more than Rs, 20,000 towards the Defence Fund from the Sarafa Bazar.

6. That since I am behind the bars, I have never been released on parole even for a single day.

7. That my father-in-law who is 72 years old, is undergoing a major operation shortly.

MANOHAR LAL,
Son of Shri Panna Lal,
Deponent.

Place : Sangrur.
5th August, 1965.

*Verification*.—It is hereby further declared on solemn affirmation that the statement made above is correct and nothing has been concealed or suppressed in it.

MANOHAR LAL,
Deponent.

Dated : 5th August, 1965.

---

काबले ताज़ीम जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, चंडीगढ़, पंजाब ।

गुज़ारिश है कि मज़हर अजीत सिंह साकनहाल चेयरमैन, ब्लाक समिति गंडीविंड, ज़िला अमृतसर, वल्द जत्थेदार जवाहर सिंह जी, सकना बुर्ज, थाना घरिंडा, ज़िला अमृतसर, अर्सा 1½ साल से बिल्कुल बे-गुनाह नज़रबन्द हूं । मेरा कसूर सिर्फ यह है कि मैं ब्लाक का चेयरमैन होने की वजह से पुलिस की खामियों को नंगा करता था । मैंने कोई काम मुल्की मुफाद के खिलाफ नहीं किया । और हमारा दो पुश्त से सियासी रिकार्ड भी बहुत अच्छा है । मैं इस से पहले चुनाव में भी भारी अकसरियत से गंडीविंड ब्लाक का चेयरमैन मुन्तखिब हो गया था और अब मुझे नज़रबन्द होते हुए भी भारी अकसरीयत से ब्लाक समिति गंडीविंड का चेयरमैन चुन लिया गया है । मेरे केस पर दोबारा गौर करके मुझे रिहा किया जाए ।

अर्ज़ी

(दस्तखत............. ,
अजीत सिंह, वल्द जत्थेदार जवाहर सिंह जी,
सकना बुर्ज, थाना घरिंडा, ज़िला अमृतसर ।

बखिदमत जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, पंजाब चंडीगढ़ ।

जनाबेआली,

गुज़ारिश है कि मज़हर बी. ए. का फाइनल इम्तिहान पास करने के बाद किसी हसब लियाकत मुलाजमत की तलाश में था, उसी दौरान मेरे वालद श्री स्वर्ण सिंह को पुलिस तलाश करने लगी मगर वह मिल न सके । पुलिस ने मुझे सखती से दबाकर साथ चल कर अपने आप को गिरफ्तार कराने पर मजबूर किया । मगर मैं ने इन्कार कर दिया । मेरे इस इन्कार पर पुलिस ने मुझे भी गिरफ्तार करके बाप की जगह जेल में भेज दिया । मैं अर्सा 1¼ साल से एक नज़र-बन्द के तौर पर जेल में पड़ा हूं । मैं ने अपनी तालिब इल्मी के ज़माना या बाद किसी ऐसी कार्रवाई में दखल नहीं दिया जो मुल्की या कौमी मुफाद के खिलाफ हो । गिरफ्तारी के पेशतर कभी पुलिस ने किसी जुर्म या इरतका बेजुर्म में गिरफ्तार नहीं किया था । मज़हर एक ग्रेजुएट और 23 साल उम्र नौजवानी में अपनी आंयदा ज़िंदगी को निभाने के खयाल ले रहा था, कि बदकिस्मती का शिकार बनकर एक नज़रबन्द के तौर पर मायूस ज़िंदगी गुज़ारने पर

[Home and Development Minister]

मजबूर किया गया हूं । मेरी इल्तजा है कि मेरे केस पर गौर फरमा कर मेरी रिहाई का हुक्म सादर फरमाया जावे ।

अर्ज़ी

दस्तखत............,

हरपाल सिंह, वल्द श्री स्वर्ण सिंह, कोठी नं. 17,
टेलर रोड, अमृतसर, थाना सिविल लाईन,
हाल करनाल सब-जेल 26 सितम्बर, 1965

दस्तखत अंग्रेज़ी,
हरपाल सिंह ।

जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, पंजाब चंडीगढ़ ।

जनाबेआली,

गुज़ारिश है कि मज़हर अर्सा दो साल से नज़रबन्दी की हालत में है। वाकियात यह है कि मैं दफ्तर डी. एम. साहिब, अमृतसर में पियन के तौर पर सरकारी मुलाज़म था । मज़हर साबका ड्राइवर था और बाज़ाबाता लाइसैंस हासिल किए हुए था। मज़हर अपनी वालदा की बीमारी की वजह से रुखसत पर था। वालदा की फौतीदगी पर मज़हर चंद यौम ड्यूटी पर हाज़िर न हो सका । आप का आर्डर 11803/डब्ल्यू, पी. एस. बी. मुबर्रखा 25 सितम्बर, 1965 की तरफ दे दिया जाना है ।

1. मज़हर को जब कि मज़हर गवर्नमेंट मुलाज़मत पर हाज़िर हो गया था बिला किसी जुर्म या इकतदामे जुर्म ज़ेरदफा 30 डिफेंस आफ इंडिया एक्ट गिरफ्तार कर लिया है और ताहनूज़ जेल में है ।

2. मज़हर एक गवर्नमेंट कर्मचारी के नाते डयूटी पर हाज़िर हो गया था । कभी किसी खिलाफे-कानून खिलाफे डिफेंस कार्रवाई में हिस्सा नहीं लिया और न ही अमनेआमा के लिए मुज़िर साबित हुआ है ।

3. मज़हर बेगुनाह है, लहज़ा मेरे केस पर गोर फरमा कर मेरी रिहाई फरमाई जावे । एक कलील तन्खाहदार मुलाज़िम हूं और खुद ही सारे खानदान की परविश का बोझ उठा रहा था। मेरा गांव अटारी से आगे बार्डर पर है। गांव जंग की वजह से खाली हो गए हैं। बच्चे और बीबी नामालूम कहां भटक रहे होंगे। रहम फरमा कर फोरी तौर पर रिहा किया जावे ताकि उन के दुख दर्द में शामिल हो कर अपने फर्ज़ को पूरा कर सकूं 26 सितम्बर, 1965 ।

अर्ज़ी,

करनैल सिंह, वल्द रंगा सिंह साबका गर्दल दफ्तर,
डिप्टी कमिश्नर साहिब बहादुर, अमृतसर रुवना
रोड़ांवाल खुर्द तहसील तरनतारन, ज़िला अमृतसर

दस्तखत उर्दू
करनैल सिंह ।

मोहतरिम जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, चंडीगढ़ ।

गुज़ारिश है कि मजहर 70, 72 साल की उम्र को पहुंच चुका है । गांव में लम्बदार है, साबका सरपंच है, उमररसीदा होने की वजह से बीनाई कम्ज़ोर है और चलने फिरने में बहुत तकलीफ महसूस करता है ।

1. मौजूदा सरपंच देहखुद के साथ हमारे देरीना ताल्लुकात खराब हैं और एक दूसरे के कत्ल होने में कई दफा चालान हो चुके हैं । कुंदन सिंह, सरपंच मज़कूर ने पुलिस की इमदाद पर मज़हर को नीचा दिखाने के लिए पुलिस के साथ साज़िश करके नज़रबन्द करा दिया है ।

2. मजहर अर्सा एक साल साढ़े चार माह से जेल में सड़ रहा है । और कसमपुर्सी की हालत में रह रहा है ।

3. मज़हर का बाप अर्सा 20 यौम हुए फौत हो गया है और नरीना ताहाल इस कदर होशमन्द नहीं ई कि मौजूदा जंग में अफरा तफरी में हुए नुक्सान में और नकल बहाली की तकलीफ को बर्दाश्त कर सके ।

4. गांव बार्डर पर होने की वजह से जो हालात सुन रहा हूं वह इन्तहाई तक्लीफ दे हैं ।

5. मज़हर हकूमत बफादार है । मजहर ने चीन के साथ जंग में हस्ब तौफीक सौ रुपया फंड में दिया ।

लहज़ा आप से इल्तजा है कि मज़हर को मौजूदा हालात की वजह से फौरी तौर पर रिहा किया जाए ताकि मज़हर अपने बच्चों की तकलीफ में मदद कर सके । आप को दुआ दूंगा
26 सितम्बर, 1965 ।

अर्ज़ी
संता सिंह, वल्द ठाकुर सिंह जट्ट, सकना
हवेलियां बशमूला नशहरा ढाला, ज़िला अमृतसर
हाल नजरबन्द सब जेल करनाल ।

काबले ताज़ीम जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, चंडीगढ़ ।
जनाबे आली

गुज़ारिश है कि मज़हर काबल सिंह, वल्द सरदार जरनैल सिंह, सरपंच सकना भगतुपुरा उर्फ रानोवाला, थाना जंडियालागुरु, ज़िला अमृतसर, साढ़े चार माह से बिल्कुल नाजायज और बेगुनाह नज़रबन्द हूं । मेरा कसूर सिर्फ यह है कि मेरे वालद साहिब ने पुलिस की रिश्वत मौका पर पकड़वाई थी । जिससे पुलिस वाले सख्त नाराज़ हो गए । मेरा कोई रिकार्ड थाना में ख़राब नहीं है । मैं इस से पहले चुनाव में भी सरपंच व मैम्बर ब्लाक समिति, जंडियालागुरु था । मेरे केस पर हमदर्दाना ग़ौर फरमाया जावे ।

मैं अर्सा 9 साल से बमकाम भगतुपुरा में आबाद हूं और दोनों दफा वहां से सरपंच मुन्तखिब हुआ हूं लेकिन पुलिस ने मुझे मेरे आबाई गांव झटोल थाना घरिंडा का ज़ाहिर

[Home and Development Minister]

करके वारंट लिए हैं। मेरी उम्र अब करीबन 25 साल है और अर्सा 9 साल से बमकाम भगतुपुरा में मुस्तकिल रिहायश रखता हूं। मेरे केस पर दोबारा ग़ौर फरमाया जावे।

अर्ज़ी

काबल सिंह, वल्द जरनैल सिंह, भगतुपुरा,
थाना जंडियाला, ज़िला अमृतसर
दस्तखत पंजाबी, काबल सिंह।

26 सितम्बर, 1965

बखिदमत जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, पंजाब चंडीगढ़।

श्रीमान् जी,

निवेदन है कि मैं कसबा खेमकरन का बाशिंदा हूं। मौजूदा जंग में इस कसबा को सब से ज्यादा नुक्सान पहुंचा है। मेरी कोई औलाद-नरीना नहीं है। मेरा ससुर जो मेरी अदम मौजूदगी में घर को देख भाल कर रहा था, भी मौजूदा अफरा तफरी में कहीं गुम हो गया है। मेरी एक नाबालिग लड़की बा-उम्र तीन साल बमह अपनी वालदा के दरबदर भटक रही है। ससुराल मौज़ा रत्तोके थे। वो भी दुश्मन के कब्ज़ा में जा चुका है: मजहर म्युनिसिपल कमेटी खेमकरन का म्युनिसिपल कमिश्नर है। कभी किसी ऐसी कार्रवाई खिलाफे हकूमत हिस्सा नहीं लिया। गवर्नमैंट और खासकर बरसरे इक्तदार सियासी जमात का हामी रहा है। डिफैंस फण्ड में जो चीन में 500 रुपया दिया। किसी भी जरूरत के वक्त इम्दादे हकूमत से हाथ नहीं खैंचा। मुझे पुलिस ने ज़ाती दुश्मनी जो कि बदकिस्मती से उनकी सीनाज़ोरी और खिलाफ कानूनी मनमानी कार्रवाइयों की शिकायत करने पर पैदा हो गई थी, की वजह से नजरबन्द करा दिया है।

मैं यह यकीन से कह सकता हूं कि मैं ने कभी डिफैंस या अमनेआमा के खिलाफ कार्रवाई में हिस्सा नहीं लिया। मेरा कोई ऐसा आदमी बाहर नहीं है जो मेरी बीवी बच्चों को पनाह दे सके या नुक्सान का अन्दाज़ा लगाकर क्लेम दाखल कर सके, लहज़ा आपसे दर्खास्त है कि आप मेहरबानी करके मेरी रिहाई पर गौर फरमायें। आपके इकबाल के लिए दवा करता हूं।

अर्ज़ी

तारा सिंह वल्द अमर सिंह जट्ट, म्युनिसिपल
कमिश्नर, खेमकरन, तहसील पट्टी, ज़िला
अमृतसर।

निशान, अंगूठा

हाल नजरबन्द, सब-जेल, करनाल।

बखिदमत जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, पंजाब चंडीगढ़

जनाबेआली

दरखास्त बराये नजरसानी बरहाई नजरबन्दी हुकम डब्लयू. डी. एस. बी. / 9169, मुवर्खा 9 अगस्त, 1965, जेरेदफा 30 डिफेंस आफ इंडिया एक्ट रूल्ज 1962।

गुजारिश है कि में पंजाब रोडवेज में बतौर एक ड्राइवर के ड्यूटी दे रहा था। मेरा सरकारी तौर पर पासपोर्ट बराये पाकिस्तान बना हुआ था। वो मुझे उसी वक्त मिलता था जब किस सरकारी ड्यूटी पर लाहौर जाना होता था। इस दौरान जो खिदमत मैंने महकमाना तौर पर की उनके इलावा इंटेलिजेंस महकमा के एक अफसर ने मुल्की खिदमत करने का जजबा उभार कर कुछ करने को कहा, वो ड्यूटी मैंने जिस तौर पर दी, उसकी सराहना के सर्टीफिकेट तीन मेरे पास ताहाल हैं।

(1) पुलिस अफसरों की जाती रकाबत की और धड़ेबन्दी होने पर मौजूदा आई. जी. पुलिस, पंजाब के खिलाफ असेम्बली में मामला उठाया गया जो कि मुझे सरकारी तौर पर मीटिंग होने की सूरत में अक्सर साथ जाना पड़ा, इस लिए मुझे चंद पुलिस अफसरों ने मुझे मजबूर किया कि मैं उनकी मर्जी के मुताबिक एक हल्फिया ब्यान दूं जिसके लिए मैं राजी न हुआ। ब्यान मौजूदा आई. जी. साहिब और डी. आई. जी श्री रंजीत सिंह के खिलाफ था।

(2) मैं आज जिस रुकावट और धड़ेबन्दी का शिकार हुआ हूं, मैं मसलहतन यहां जिक्र करना मुनासिब ख्याल नहीं करता। इसलिए इन्साफ की खातर मैं यह दर्खास्त करता हूं कि मुझे जबानी अर्ज करने का मौका दिया जाए ताकि मैं अपनी बे-गुनाही का सबूत दे सकूं। मैं गरीब आदमी हूं और सिवाये मुलाजमत के और कोई जरिया मुआश न था। मेरे बच्चे और औरत निहायत कस-मपुर्सी की हालत में रह रहे हैं। मेरी औलाद जो तंगदस्ती की हालत में तालीम से भी महरूम हो गई है, रहम करते हुए मुझे रिहा किया जाए। मजहर अर्सा पांच माह से नजर बन्दी की हालत में पड़ा है।

अर्जी

फिदबी दर्शन सिंह, वल्द परसा सिंह, असलामाबाद, अमृतसर शहर, दुर्गागली, माकन 306/13, हाल नजरबन्द जेल, करनाल।

दस्तखत उर्दू

दर्शन सिंह 26-9-65

आली मर्तबा जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, पंजाब, चन्डीगढ़

जनाबेआली

गुजारिश है कि मेरा मक्खन सिंह बलटोहा, चचा जात भाई था जिसको पुलिस मुकाबला बना कर बमह तीन साथियों के मार दिया गया। पुलिस की इस ज्यादती के खिलाफ मैं हक्कामबाला को तारें दीं जिस के बाद यह मामला कांग्रेस पार्टी के चीदा चीदा ओहदेदारों और पुलिस के दरमियान वकारी सवाल खड़ा हो गया। चूंकि मैं अपने भाई की मौत के हक्क में और पुलिस के खिलाफ शहादतें कराना चाहता था जिसकी बिना पर पुलिस ने मेरे खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहा जिसकी शिकायत मैंने

[Home and Development Minister]
अफसरान बाला को की बल्कि श्री गुरभगत सिंह मौजूदा, एस. एस. पी, अमृतसर का नाम मादजद करके मैंने दरखास्तें दी कि मुझे अपनी जान कर का खतरा है, या कोई फर्जी मुकद्दमा खड़ा करा दिया जाएगा। मेरे यह चीज ख्वाब में भी न थी कि मुझे एक ऐसे बेबुनियाद इल्जाम में माखुज करके नजरबन्द कराया जायेगा जो मेरी जमीर के खिलाफ है।

मैं सच्चाई और परमात्मा को मद्देनजर रख कर पूरे यकीन से कह देना चाहता हूं कि अगर मैंने कभी देश और कौम के खिलाफ कोई फेल या तकेफेल सोचा भी था या है तो मुझे बिला मुकद्दमा चलाये शारायेयाम पर गोली से उड़ा दिया जाये ताकि आयंदा आने वाली नसलें इस से सबक सीख लें और मुल्की मुफाद के खिलाफ काम करने से मेरी हालत सुनकर डरें। मैं मरने से पहले बसीअत करूंगा कि मैं ये सजा खुद कबूल कर रहा हूं।

अन्दरीं हालात मेरे खिलाफ दिये गये पुलिस के फर्जी ब्यानात पर नजर करके इन्साफ की खातर गौर फरमाया जावे कि मजहर बेगुनाह अर्सा 6 माह से नजरबन्द जेल में सड़ रहा है। परमात्मा आपका रूतबा और बुलन्द करे।

अर्जी

निशान अंगूठा।

महेन्द्र सिह, वल्द गज्जन सिंह, सकना बल्टोहा,
थाना खास, जिला अमृतसर।
हाल नजरबन्द सब-जेल, करनाल, 26-9-65।

बखिदमत जनाब गवर्नर साहिब बहादुर, चन्डीगढ़

गुजारिश है कि मजहर अपने गांव में सख्त धड़ाबन्दी होने की वजह से मसम्मियां जगतार सिंह साबका सरपंच से दुशमनी थी, वो एक बारसूख आदमी थे। इत्फाक से वहां मसम्मियां श्री इन्दर जीत सिंह, डी. एस. पी. और जीत सिंह सब इन्स्पैक्टर, बल्टोहा ताइनात होकर आ गये जिनके साथ उनकी गहरी ठन गई।

(1) मजहर के खिलाफ जब भी उन्हें उकसाया जाता वह कोई न कोई बहाना करके रेड कर देते हैं, मगर मुझ से कोई शैखिलाफ-कानून न मिली मगर तंग करने के लिए कई दिन तक मैं बिठाया जाता जिसकी वजह से मजहर ने उनके खिलाफ हुक्काम बाला को तारें दीं, जिनके सबूत मेरे पास हैं।

(2) अजीत सिंह, सब-इन्स्पैक्टर, बल्टोहा से तब्दील होकर सी. आई. डी. में लग गया और एक दिन अमृतसर मिलने पर मुझे धमकी दी कि तुम वहां मेरे खिलाफ दरखास्तें दिया करते थे, अब मैं जो चाहूं कर सकता हूं। मजहर ने इनकसारी से कहा कि गरीब जुलम के खिलाफ आवाज उठा रहा था। आपका मुकाबला कैसे कर सकता हूं।

(3) उस सरदार जीत सिंह ने एक अच्छी पोजीशन पर होने की वजह से जाती दुशमनी पर नामालूम अन्दर ही अन्दर क्या कारवाही की कि अचानक गिरफ्तार

करके जेल में नजरबन्द कर दिया गया हूं। बार्डर पर गांव है सबसे ज्यादा नुक्सान इसी निवाह मे हुआ है। बालबच्चे नामालूम कहां चले गए हैं और किस हालत में हैं। लहाजा रहम फरमाया जाये।

अर्जी

अजायब सिंह, वल्द भगत सिंह, जट्ट,
सकना चीमा खुर्द, तहसील पट्टी, जिला
अमृतसर।
निशाने अंगूठा।

---

**Kabulpur Khera Co-operative Society**

3127. **Comrade Ram Piara** : Will the Minister for Irrigation and Power with reference to the reply to Unstarred Question No. 2893 included in the list of questions for 11th October, 1965 be pleased to state—

(a) whether the award of Rs 7,760.54 paise as indicated in part (c) of the said reply has since been referred to the Court for execution, if so, when, if not, the reasons therefor ;

(b) the date when the said award was given, the date when the matter was referred to arbitrator and the name of the arbitrator ;

(c) the date when the Kabulpur Khera Co-operative Society, district Karnal became a defaulter and the date when action for recoveries from this Society was initiated ;

(d) whether any appeal either by the Kabulpur Khera Co-op-Society or by the District whole Sale Society has been filed against the said Award, if so, when by whom and with what result ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) Yes. On 1st February, 1966.

(b) Part I — On 25th May, 1964.

Part II — On 7th August, 1962

Part III — Shri Kashmira Singh, Inspector Co-operative Societies (Marketing) now promoted as Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ferozepore.

(c) The District Wholesale Society, Karnal, did not specifically declare Kabul Khera Co-operative Society as a defaulter for the non-payment of Rs 5,857.25 as the price of sugar lifted by the latter on 31st August, 1957, but passed resolution for initiating action against the Kabul Khera Co-op. Society on 8th October, 1960. During this period the District Wholesale Society also adjusted a sum of Rs 543.20 which was due to the Kabul Khera Co-op. Society from it on account of commission.

(d) No.

---

**Loss of Movable/Immovable Property due to India-Pakistan Conflict**

3128. **Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state the approximate loss of the movable and immovable property separately that accured in the State during the recent India-Pakistan conflict, district-wise.

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** An assessment of the loss of the movable and immovable property has yet to be made by the Deputy Commissioners concerned, after the area occupied by Pakistan is completely cleared of mines and other dangerous objects and the persons concerned become available to the verifying Officers.

---

**Cases registered against an Ex-Sarpanch of Gram Panchayat of Udo Nangal, Tarsikka Block, district Amritsar**

3129, **Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Devekopment be pleased to state —

(a) whether any case of mis-appropriation of the Panchayat funds and of destroying the Panchayat records was registered in Police Station Beas, district Amritsar on the order of the Deputy Commisioner, Amritsar against the Ex-Sarpanch of the Gram Panchayat, Udonangal, Tarsikka Block; if so, a copy of the orders be laid on the Table of the House ;

(b) the date when the said case was registered and the details of the action so far taken ;

(c) whether the challan in the said case has so far been put in the Court, if not, the reasons therefor ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) A case of mis-appropriation (F. I. R. No. 170/64 under section 410 I.P.C. P. S. Beas) was registered against an Ex-Sarpanch of village Udonangal. The Ex-Sarpanch lodged a report with the Police that the relevant record was lost on 26th March, 1964, on his way back from the office of B.D.O. No definite evidence regarding destruction of record by the Ex-Sarpanch could be available during investigation of case under section 409 I.P.C. A copy of the order of D. C., Amritsar, is enclosed.

(b) 28th July, 1964. The case is pendig trial in Court.

(c) Yes.

**From Sardar Iqbal Singh, I. A. S., Deputy Commisioner, Amritsar, to the Senior Superintendent of Police, Amritsar, No. DAP/1667, dated the 14th/15th July, 1964**

*Subject.*—Transfer of charge of Gram Sabha Udonangal from the Ex-Sarpanch to the newly -elected Sarpanch.

Memorandum :

Reference correspondence resting with your Memo. No. 25614-C, dated the 11th June, 1964, on the subject cited above.

2. Brief history of this case is that Ex-Sarpanch Bahadur Singh, Udhonangal, P.S. Beas, avoided to hand over the charge of the Panchayat record to the new

Sarpanch Shri Gopal Singh in spite of clear orders and instructions. The matter had to be reported to the S. H. O., Beas for the transfer of the charge vide this office Memo. No. DA-3830, dated the 2nd/4th May, 1964. In your Memo. under reference it is said that according to the Sarpanch the relevant documents were lost and he got a report recorded in the daily diary of P. S. Jandiala. This report dated 26th March 1964, appears to have been lodged with S. H. O., Beas actually and it was stated there in that the Panchayat record was lost on his way back to home from BD.O. and P. O.'s office. As against this on the proceeding day viz., 25th March, 1964 this very Sarpanch met A. S. I., Baj Singh and told him that he had already delivered the record in the office of the B. D. and P.O. Tarsikka, and this statement was made by him in the presence of Sarvshri Gopal Singh, Sarjit Singh, Members Panchayat and Jagdish Singh. It will be seen that the statements are contradictory and it is not difficult to see that the Sarpanch had deliberately denied to hand over the charge. There is every apprehension and likelihood that same amount has been embezzled by him.

3. In the circumstances stated above it seems necessary that the case be got registered through the S. H. O., Beas, against the Ex-Sarpanch and suitable action taken against him as well as for the transfer of record.

---

**Magisterial Enquiry held against the Sarpanch of Gram Panchayat, Lola, district Amritsar**

**3130, Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) whether any magisterial enquiry was held against the Sarpanch of Gram Panchayat Lola, Tarsikka Block, district Amritsar, by Shri T. N. Gupta, Magistrate First Class Amritsar, for obtaining sugar permits for bogus marriages etc. in the year 1964-65 ; if so copies of all the reports made by the said Magistrate to the Deputy Commissioner, Amritsar, in this connection and the result thereof be laid on the Table of the House ;

(b) whether it is a fact that while the enquiry was going on against the said Sarpanch, the Chairman of the Panchayat Samiti ordered an enquiry into the matter with himself as the Enquiry Officer ; if so, the details of this enquiry, if conducted/completed be laid on the Table (?)

**Sardar Darbara Singh :** (a) No. However, an enquiry was held by Shri T. N. Gupta, M. I. C., Amritsar, in to the cases of mis-utilization of sugar permits by some of the residents of village Lola.

(b) No.

---

**Applications for loans for Tube-Wells/Pumping Sets made to Panchayat Samiti, Tarsikka, district Amritsar**

**3132. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the names of those who applied for loans for Tubewells and pumping sets to the Panchayat Samiti, Tarsikka, district Amritsar, during the years 1964-65 and 1965-66 to-date together with the dates when applications for the purpose were made in each case ;

(b) the names of persons out of those mentioned in part (a) above who were actually given the said loans together with the dates of sanction of the loan and of actual disbursment in each case ?

**Sardar Darbara Singh** : The information regarding (a) and (b) is laid on the Table of the House.

---

**Information regarding Assembly Question 3132**

(a) **1964-65**

| | Name and address of loanees | Purpose of loan |
|---|---|---|
| 1. | Shri Tara Singh, son of Dal Singh, village Madhepur | Tube well |
| 2. | Shri Teja Singh, son of Lachhman Singh, village Madhepur | Ditto |
| 3. | Shri Nand Singh, son of Kahan Singh etc. village Jodhan Nangri | Ditto |
| 4. | Shri Bahadur Singh, Hukam Singh, Rikhi Singh, sons of Bhagat Singh, village Jharunangal | Ditto |
| 5. | Shri Bishan Singh, Ajit Singh, Dalip Singh, sons of Jawala Singh, village Bhorshi Rajputan | Ditto |
| 6. | S. Ajaib Singh, son of Mula Singh, village Jabowal .. | Pumping set |
| 7. | S. Sudagar Singh, Sunder Singh, village Bhani Badeshan | Ditto |
| 8. | S. Chater Singh, son of Lal Singh, village Bhani Badeshan | Ditto |
| 9. | S. Puran Singh, son of Santa Singh, village Mehian Br. | Ditto |
| 10. | S. Ajaib Singh, Harbans Singh Mohinder Singh, sons of S. Hari Sngh, village Neberwind | Tube well |
| 11. | S. Swaran Singh, Surat Singh, village Neberwind .. | Ditto |
| 12. | Balwant Singh, son of Jawala Singh, village Bhoe .. | Pumping set |
| 13. | Tara Singh, son of Jiwan Singh, village Ghanishampura | Ditto |
| 14. | Samund Singh, son of Ghasita Singh, village Banian .. | Ditto |
| 15. | S. Harnam Singh, son of Gursit Singh, village Bhorshi Raj | Ditto |
| 16. | Sucha Singh, son of Gurdit Singh, village Bhorshi Raj | Ditto |
| 17. | Dalip Singh, son of Lall Singh, village Tahrpura .. | Ditto |
| 18. | S. Surat Singh, son of Ishar Singh, village Dhulka .. | Ditto |
| 19. | S. Inder Singh, son of Hem Singh, village Banian .. | Ditto |
| 20. | S. Swaran Singh, son of Bela Singh, village Banian .. | Ditto |
| 21. | Arjan Singh, son of Sadhu Singh, village Mattewal .. | Ditto |
| 22. | Shri Bishan Singh, son of Sobha Singh, village Kaleka .. | Tube well |
| 23. | Shri Santa Singh, son of Buta Singh, village Ghanishampura | Ditto |
| 24. | S. Hakam Singh, son of Lahna Singh, vilage Bolla .. | Pumping set |
| 25. | S. Kesar Singh, son of Hem Singh, village Dhulka | Tube well |

| | Name and adress of loanees | Purpose of loan |
|---|---|---|
| 26. | Puran Singh, son of Attar Singh, village Mehnian Br. .. | Pumping set |
| 27. | S. Bawa Singh, son of Chanda Singh, village Mehmoodpura | Tube well |
| 28. | S. Amra Singh, Kala Singh, Lachhman Singh, Mohan Singh, village Batike | Pumping set |
| 29. | S. Gurcharan Singh, son of Suraj Singh, village Mehsumpura Kalan | Tube well |
| 30. | S. Santa Singh, son of Jhanda Singh, village Mehsumpura Kalan | Ditto |
| 31. | S. Harnam Singh, son of Santa Singh, village Gill .. | Tube well |
| 32. | S. Santa Singh, son of Bhola Singh, village Lolla .. | Pumping set |
| 33. | Harbhajan Singh, son of Surain Singh, village Lolla .. | Ditto |
| 34. | Mewa Singh, son of Nihal Singh, village Akalgarh .. | Tube well |
| 35. | S. Bhagat Singh, son of Sunder Singh, village Jaspal | Ditto |
| 36. | S. Hazara Singh, son of Jhanda Singh, village Mehsumpura | Ditto |
| 37. | S. Amar Singh, son of Maghar Singh, village Madhepur | Ditto |
| 38. | S. Jagir Singh, Pritam Singh, sons of Bela Singh .. | Tube well |
| 39. | S. Mohinder Singh, Sobha Singh, sons of Chanan Singh | Pumping set |
| 40. | S. Basant Singh, village Gill .. | Tube well |
| 41. | S. Gurmakh Singh, Mehr Singh, Kartar Singh, sons of Thakur Singh, village Rasulpur Kalan | Pumping set |
| 42. | S. Milkha Singh, Massa Singh, vilage Jharu Nangal .. | Tube well |

**1965-66**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Shri Suwarn Singh, Gurbachan Singh .. | Tube well |
| 2. | Joginder Singh, village Saidolehl | Ditto |
| 3. | Lakha Singh, son of Inder Singh, village Kohala .. | Ditto |
| 4. | Thakar Singh, Tara Singh, vilage Kohala .. | Ditto |
| 5. | Buta Singh, son of Banta Singh, Kohala | Ditto |
| 6. | Suwarn Singh, Gurbachan Singh, Joginder Singh, village Saidolehl | Ditto |
| 7. | Vir Singh Charno, village Akalgarh .. | Ditto |
| 8. | Surjan Singh, Thakar Singh, village Rasulpur Kalan | Ditto |
| 9. | Bahadur Singh, son of Jawand Singh, village Dehriwala | Ditto |
| 10. | Pritam Singh, son of Harnam Singh, village Dehriwala | Ditto |
| 11. | Nidhan Singh, Khajan Singh, village Saidolehl | Ditto |
| 12. | Mohinder Singh, Narinder Singh, Bhup Singh, Kabir Singh, village Dhulka | Ditto |

[Home and Development Minister]

| Name and address of loan | Purpose of loan |
|---|---|
| 13. Sadhu Singh, atma Singh, Piara Singh, village Kaler Bala Pain | Tube well |
| 14. Jetha Singh, son of Ujagar Singh, village Akalgarh .. | Ditto |
| 15. Sadha Singh, son of Desa Singh Bhorshi Rajputan .. | Ditto |
| 16. Garib Singh, Piara Singh, village Jabowal .. | Ditto |
| 17. Ralla Singh, son of Massa Singh, Jabowal .. | Ditto |
| 18. Charan Singh, son of Arur Singh, village Jodha Nag .. | Pumping set |
| 19. Sohan Sngh, son of Kishan Singh, village Mallowal .. | Ditto |
| 20. Prem Singh, son of Sunder Singh, village Kaleke | Ditto |
| 21. Hazara Singh, son of Chatter Singh, village Kaleke .. | Ditto |
| 22. Sadhu Singh, son of Harnam Singh, village Bagga .. | Ditto |
| 23. Jeo, wife of Teja Singh,village Kohat wind Muslmana .. | Ditto |
| 24. Jawahar Singh, son of Bishan Singh, village Mattewal | Ditto |
| 25. Tara Singh, Harbhajan Singh, village Kalerbala Pain .. | Ditto |
| 26. Surat Singh, son of Ujagar Singh etc. village Khidowali | Tube well |
| 27. Surjit Singh, Guro, village Bagga .. | Ditto |
| 28. Suba Singh, Jhanda Singh, village Khaira Bala Chak .. | Pumping set |
| 29. Thakar Singh, Ajaib Singh, Karnail Singh, village Rasulpur Kalan | Ditto |
| 30. Fauja Singh, son of Sunder Singh, village Jabowal .. | Ditto |
| 31. Harnam Singh, son of Mula Singh, village Rasulpur Kalan | Tube well |
| 32. Udham Singh, village Muchhal .. | Ditto |
| 33. Ajit Singh, village Rasulpur Kalan .. | Pumping set |
| 34. Sohan Singh, Santodh Singh, village Kohatsind Muslmana | Tube well |
| 35. Hem Singh, son of Harnam Singh, village Bagga | Pumping set |
| 36. Mohinder Singh, son of Bala Singh, Dhulka .. | Ditto |
| 37. Karnail Singh, Pritam Singh, Ajit Singh, village Tanel .. | Tube well |
| 38. Harnam Singh, son of Phula Singh, village Shahpur Khurd | Ditto |
| 39. Pritam Singh, son of Gujar Singh, village Shahpur Khurd | Ditto |
| 40. Lachhman Singh, village Kaleke .. | Ditto |

All the applications for loan received up to November, 1965 have been granted loan and money disbursed. No application prior to this period is pending in this Office.

The applications received after November, 1965 are numerated below:

| | Name of applicants | Date of submission of applications | Purpose of loan |
|---|---|---|---|
| 1. | S. Tara Singh, son f Bahadur Singh, village Akalgarh | 24-11-65 | Tube well |
| 2. | S. Narain Singh, son of Wadhawa Singh, village Mahnian Brahmna | 2-12-65 | Pumping set |
| 3. | Udham Singh, son of Boota Singh, village Khidowali | 2-12-65 | Ditto |
| 4. | Bahadur Singh, son of Jiwan Singh, Malowal .. | 6-12-65 | Ditto |
| 5. | Atma Singh, Tara Singh, sons of Roor Singh .. | 7-12-65 | Ditto |
| 6. | S. Hazara Singh, Tara Singh, Surjan Singh, Piara Singh, Ajaib Singh Mehmoodpura | 7-12-65 | Ditto |
| 7. | Deva Singh, Dalip Singh, sons of Kesar Singh, Mallowal | 15-12-65 | Ditto |
| 8. | Narain Singh, Gurdit Singh, Thothian .. | 15-12-65 | Tube well |
| 9. | Mohan Singh, son of Hardit Singh, Akalgarh Dhapian | 15-12-65 | Ditto |
| 10. | Jiwan Singh, son of Sunder Singh, Rasulpur Kalan | 17-12-65 | Ditto |
| 11. | Tara Singh, son of Chanda Singh, Malowal .. | 17-12-65 | Pumping set |
| 12. | Gurdit Singh, son of Charat Singh, Malowal .. | 17-12-65 | Ditto |
| 13. | S. Shamir Singh, Dalip Singh, Puran Singh, Hardit Singh, Santa Singh, son of Santa Singh, Khidowali | 18-12-65 | Ditto |
| 14. | Sukhwant Singh, son of Sadhu Singh, Bhoewal .. | 23-12-65 | Ditto |
| 15. | Ujagar Singh, son of Kesar Singh, Bhoewal .. | 23-12-65 | Ditto |
| 16. | Bahadur Singh, son of Hakam Singh, Mahsumpur Kalan | 29-12-65 | Tube well |
| 17. | Kartar Singh, son of Wassan Singh, Mallowal .. | 31-12-65 | Ditto |
| 18. | Gujjar Singh, son of Lehna Singh, Ramdewali .. | 4-1-66 | Ditto |
| 19. | Arur Singh, son of Bhagat Singh Lolla .. | 4-1-66 | Ditto |
| 20. | Bakhshish Singh, son of Makhan Singh, Lolla .. | 4-1-66 | Pumping set |
| 21. | Harbans Singh, son of Ujagar Singh Bhoewal .. | 4-1-66 | Tube well |
| 22. | Jagir Singh, son of Chet Singh, Bhoewal .. | 4-1-66 | Ditto |
| 23. | Kartar Singh, son of Bishan Singh, Bhoewal .. | 4-1-66 | Ditto |
| 24. | Jiwan Singh, son of Natha Singh, Bhoewal .. | 4-1-66 | Ditto |
| 25. | Nazar Singh, son of Ruldha Singh, Boparai .. | 4-1-66 | Ditto |
| 26. | Inder Singh, son of Atar Singh, Bhoewal .. | 4-1-66 | Ditto |

[Home and Development Minister]

| | Name of application | Date of submission of applications | Purpose of loan |
|---|---|---|---|
| 27. | S. Harbhajan Singh, son of Kharak Singh, village Bhorshi Brahmna | 4-1-66 | Pumping set |
| 28. | S. Balbir Singh, son of Karam Singh, Nibberwind | 4-1-66 | Tube well |
| 29. | S. Bhagwan Singh, son of Alla Singh, Khidowali .. | 21-1-66 | Ditto |
| 30. | S. Avtar Singh, Jaswant Singh, sons of Ishar Singh Malowal | 27-1-66 | Pumping set |
| 31. | S. Sumand Singh, son of Hakam Singh etc. Jabbowal | 31-1-66 | Tube well |
| 32. | Ranjit Singh, son of Kishan Singh, Sarai Bulara .. | 31-1-66 | Pumping set |
| 33. | Amar Nath, son of Mohan Singh. Tarsikka .. | 2-2-66 | Pumping set |
| 34. | S. Kehar Singh etc. Ram Dewali Musalmana .. | 4-2-66 | Tube well |
| 35. | S. Atma Singh, son of Mula Singh Shahpur Khurd | 9-2-66 | Ditto |
| 36. | S. Massa Singh, son of Punjab Singh Dhulka .. | 9-2-66 | Ditto |
| 37. | S. Hazara Singh, son of Ashar Singh, Saidolehl .. | 10-2-66 | Ditto |
| 38. | S. Sulakhan Singh, Wassan Singh, Makhan Singh son of Labh Singh, Saidolehl | 10-2-66 | Ditto |
| 39. | Sohan Singh, Mohan Singh, son of Kala Singh .. | 10-2-66 | Ditto |

(b) **1964-65**

| | Name and address of loanees | Date of disbursement | Purpose of loan |
|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 |
| 1. | Tara Singh, son of Dal Singh, village Madhepur .. | 12-1-65 | Tube well |
| 2. | Teja Singh, son of Lachhman Singh, village Madhopur | 12-1-65 | Ditto |
| 3. | Nand Singh, son of Kahan Singh etc. village Jodhanangri | 12-1-65 | Ditto |
| 4. | Bahadur Singh, Hukam Singh, Rikhi Singh, sons of Bahgat Singh, village Jharunangal | 13-1-65 | Ditto |
| 5. | Bishan Singh, Ajit Singh, Dalip Singh, sons of Jawala Singh, village Bhorshi Rajputan | 13-1-65 | Ditto |
| 6. | S. Ajaib Singh, son of Mula Singh, village Jabowal | 13-1-65 | Pumping set |
| 7. | S. Sudagar Singh, Sunder Singh, village Bhani Badeshan | 13-1-65 | Ditto |
| 8. | S. Chattar Singh, son of Lal Singh, village Badeshan | 13-1-65 | Ditto |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 9. S. Puran Singh, son of Santa Singh, village Mehnian Br. | 13-1-65 | Pumping set |
| 10. S. Ajaib Singh, Harbans Singh, Mohinder Singh, sons of Hari Singh, village Neberwind | 14-1-65 | Tube well |
| 11. S. Swaran Singh, Surat Singh, village Niberwind .. | 30-1-65 | Ditto |
| 12. Balwant Singh, son of Jawala Singh, village Bhoe | 19-2-65 | Pumping set |
| 13. Tara Singh, son of Jiwan Singh, village Ghanishampura | 19-2-65 | Ditto |
| 14. Samund Singh, son of Ghasita Singh, village Banian | 19-2-65 | Ditto |
| 15. Harnam Singh, son of Gursit Singh, village Bhorshi Raj. | 19-2-65 | Ditto |
| 16. Sucha Singh, son of Gurdit Singh, village Bhorshi Raj. | 19-2-65 | Ditto |
| 17. Dalip Singh, son of Lall Singh, village Tahrpura .. | 19-2-65 | Ditto |
| 18. Surat Singh, son of Ishar Singh, village Dhulka .. | 19-2-65 | Ditto |
| 19. Inder Singh, son of Hem Singh, village Banian .. | 19-2-65 | Ditto |
| 20. Swaran Singh, son of Bela Singh, village Banian .. | 19-2-65 | Ditto |
| 21. Arjan Singh, son of Sadhu Singh, village Matewal .. | 19-2-65 | Ditto |
| 22. Shri Bishan Singh, son of Sobha Singh, village Kaleke | 19-2-65 | Tube well |
| 23. Santa Singh, son of Buta Singh, village Ghanishampura | 19-2-65 | Ditto |
| 24. Hakam Singh, son of Lahna Singh, village Lolla .. | 24-2-65 | Pumping set |
| 25. Kesar Singh, son of Hem Singh, village Dhulka .. | 25-2-65 | Tube well |
| 26. Puran Singh, son of Attar Singh, village Mehnian Br. | 27-2-65 | Pumping set |
| 27. S. Bawa Singh, son of Chanda Singh, village Mehmoodpura | 4-3-65 | Tube well |
| 28. S. Amra Singh, Kala Singh, Lachhman Singh, Mohan Singh, village Batike | 4-3-65 | Pumping set |
| 29. S. Gurcharan Singh, son of Suraj Singh, village Mehsumpura Kalan | 4-3-65 | Tube well |
| 30. S. Santa Singh son of Jhanda Singh village Mehsumpura Kalan | 4-3-65 | Ditto |
| 31. S. Harnam Singh son of Santa Singh, village Gill .. | 5-3-65 | Tube well |
| 32. S. Santa Singh, son of Bhola Singh, village Lolla .. | 5-3-65 | Pumping set |
| 33. Harbhajan Singh, son of Surain Singh, village Lolla | 5-3-65 | Ditto |
| 34. Mewa Singh, son of Nihal Singh, village Akalgarh | 8-3-65 | Tube well |
| 35. Bhagat Singh, son of Sunder Singh, village Jaspal | 5-3-65 | Ditto |
| 36. Hazara Singh, son of Jhanda Singh, village Mehsumpura Kalan | 8-3-65 | Ditto |

[Home and Development Minister]

| | 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|---|
| 37. | Ama Singh, son of Maghar Singh, village Madhepur | 8-3-65 | Tube well |
| 38. | Jagir Singh, Pritam Singh, sons of Bela Singh .. | 15-3-65 | Ditto |
| 39. | S. Mohinder Singh, Sobha Singh, sons of Chanan Singh | 22-3-65 | Pumping set |
| 40. | S. Basant Singh, village Gill .. | 29-3-65 | Tube well |
| 41. | S. Gurmakh Singh, Mehr Singh, Kartar Singh, sons of Thakur Singh, village Rasulpur Kalan | 29-3-65 | Pumping set |
| 42. | S. Milkha Singh, Massa Singh, village Jharu Nangal | 31-3-65 | Tube well |
| | **1965-66** | | |
| 1. | Suwarn Singh, Gurbachan Singh, Joginder Singh, village Saidolehl | 15-7-65 | Tube well |
| 2. | Lakha Singh, son of Inder Singh, village Kohala .. | 15-7-65 | Ditto |
| 3. | Thakar Singh, Tara Singh, village Kohala .. | 15-7-65 | Ditto |
| 4. | Buta Singh, son of Banta Singh, Kohala .. | 15-7-65 | Ditto |
| 5. | Suwarn Singh, Gurbachan Singh, Hoginder Singh, Saidolehl | 15-7-65 | Ditto |
| 6. | Vir Singh, Charno, village Akalgarh .. | 19-7-65 | Ditto |
| 7. | Surjan Singh, Thakar Singh, village Rasulpur Kalan | 30-7-65 | Ditto |
| 8. | Bahadur Singh, son of Jawand Singh, village Dehriwala | 12-8-65 | Ditto |
| 9. | Pritam Singh, son of Harnam Singh, village Dehriwala | 13-8-65 | Ditto |
| 10. | Nidhan Singh, Khajan Singh, village Saidolehl .. | 28-8-65 | Ditto |
| 11. | Mohinder Singh, Narinder Singh, Bhup Singh, Kabir Singh, village Dhulka | 28-8-65 | Ditto |
| 12. | Sadhu Singh, Atma Singh, Piara Singh, village Kaler Bala Pain | 28-8-65 | Ditto |
| 13. | Jetha Singh, son of Ujagar Singh, village Akalgarh | 7-9-65 | Ditto |
| 14. | Sadha Singh, son of Desa Singh, Bhorshi Rajputan | 10-9-65 | Ditto |
| 15. | Garib Singh, Piara Singh, village Jabowal .. | 10-9-65 | Ditto |
| 16. | Ralla Singh, son of Massa Singh, Jabowal .. | 10-9-65 | Ditto |
| 17. | Charan Singh, son of Arur Singh, village Jodha Nag | 16-9-65 | Pumping set |
| 18. | Sohan Singh, son of Kishan Singh, village Mallowal | 16-9-65 | Ditto |
| 19. | Prem Singh, son of Sunder Singh, village Kaleke .. | 16-9-65 | Ditto |
| 20. | Hazara Singh, son of Chattar Singh, village Kaleke | 16-9-65 | Ditto |
| 21. | Sadhu Singh, son of Harnam Singh, village Baga | 16-9-65 | Ditto |

| | 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|---|
| 22. | Jeo, wife of Teja Singh, village Kohatwind Muslmana | 16-9-65 | Pumping set |
| 23. | Jawahar Singh, son of Bishan Singh, village Mattewal | 16-9-65 | Ditto |
| 24. | Tara Singh, Harbhjan Singh, village Kalerbala Pain | 16-9-65 | Ditto |
| 25. | Surat Singh, son of Ujagar Singh, etc. village Khidowali | 22-9-65 | Tube well |
| 26. | Surjit Singh, Guro, village Bagga .. | 22-9-65 | Ditto |
| 27. | Suba Singh, Jhanda Singh, village Khairbala Chak | 24-9-65 | Ditto |
| 28. | Thakar Singh, Ajaib Singh, Karnail Singh, village Rasulpur Kalan | 25-9-65 | Ditto |
| 29. | Fauja Singh, son of Sunder Singh, village Jabowal | 25-9-65 | Ditto |
| 30. | Harnam Singh, son of Mula Singh, village Rasulpur Kalan | 18-10-65 | Tube well |
| 31. | Udham Singh, village Muchal .. | 15-11-65 | Ditto |
| 32. | Ajit Singh, village Rasulpur Kalan .. | 15-11-65 | Pumping set |
| 33. | Sohan Singh, Santosh Singh, village Kohatsind Muslmana | 17-11-65 | Tube well |
| 34. | Hem Singh, son of Harnam Singh, village Bagga .. | 17-11-65 | Pumping set |
| 35. | Mohinder Singh, son of Bala Singh, Dhulka .. | 1-12-65 | Ditto |
| 36. | Karnail Singh, Pritam Singh, Ajit Singh, village Tanel | 1-12-65 | Tube well |
| 37. | Harnam Singh, son of Phulla Singh, village Shahpur Khurd | 27-12-65 | Ditto |
| 38. | Pritam Singh, son of Gujjar Singh, Shahpur Khurd | 27-12-65 | Ditto |
| 39. | Lachhman Singh, village Kaleke .. | 3-1-66 | Ditto |

Date of sanction of loan cannot be given as all the loan applications have since been transferred to Revenue authorities.

## Combination of Subjects for Masters/Mistresses

**3133. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state whether the Government has fixed any combination of subjects for purposes of appointment of Masters and Mistresses in the Government Schools in the State ; if so, the details of such combinations with the grades of pay which they are entitled to get ?

**Shri Prabodh Chandra :** Yes. The details of such combination category-wise are :—

*Social Studies.*—(i) B.A. with any two out of four elective subjects, viz., History, Economics, Political Science and Geography ; Or

(ii) M.A. Part (I) in Histrory/Economics/Political Science/Geography with any other of the remaining subjects in B.A., viz. History, Economics, Political Science, Geography ; Or

(iii) M.A. in Economics or History or Geography or Political Science.

[Education Minister]

*Mathematics*.—B.A. with Mathematics A & B Courses Or Physics and Mathematics A Course.

*Science*.—B.A./B.Sc. with any two of the following subjects viz., Physics, Chemistry, Botany, and Zoology ; Or Physics and Mathematics A Course, Or Physics and Geography.

They are entitled to pay as under in the grade of Rs 110/250 :—

| | |
|---|---|
| (i) Trained Graduates .. | Regular pay in the grade |
| (ii) Untrained Graduates (Science & Mathematics) | Initial pay of the grade till they acquire training qualification |
| (iii) M.Sc.s .. | Higher pay of Rs 200 per mensem in the grade |
| (iv) M.A.s I & II Class with training qualifications | Higher pay of Rs 150 per mensem in the grade |
| (v) M.A.s III Class with training qualifications | Higher pay of Rs 126 per mensem in the grade |

## New Building for Government Higher Secondary School (for Boys), Jandiala Guru, District Amritsar

**3134. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether the Government has so far arranged to provide a new building for the Government Higher Secondary School (for boys), Jandiala Guru, district Amritsar, in view of the over-crowding in the school, if so, the details of the steps so far taken in this behalf ;

(b) the total number of students in each class at present on the rolls of the said school, together with the names of the teachers at present working in the school and the qualifications of each ;

(c) whether it is a fact that land for the said school has been donated by the residents of Jandiala during the Consolidation operations ; if so, the area of the lands so given and the steps so far taken for the construction of the new building ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) No.

(b) The statements giving the requisite information are enclosed.

(c) Yes. Total area of the land is one acre, 4 kanals and 5 marlas. At present there is no scheme for the construction of new buildings for schools.

**Government Higher Secondary School, Jandiala Guru (Amritsar)**

| Class | Total on Roll |
|---|---|
| XIA .. | 20 |
| XIB .. | 28 |
| XIC .. | 9 |
| XA .. | 53 |
| XB .. | 28 |
| XC .. | 27 |
| IXA .. | 36 |
| IXB .. | 39 |

| Class | | Totall on Roll |
|---|---|---|
| IXC | .. | 43 |
| IXD | .. | 32 |
| IXE | .. | 33 |
| VIIIA | .. | 54 |
| VIIIB | .. | 26 |
| VIIIC | .. | 32 |
| VIIID | .. | 37 |
| VIIA | .. | 41 |
| VIIB | .. | 35 |
| VIIC | .. | 33 |
| VIID | .. | 56 |
| VIIE | .. | 37 |
| VIA | .. | 42 |
| VIB | .. | 46 |
| VIC | .. | 31 |
| VID | .. | 34 |
| VIE | .. | 36 |
| VIF | .. | 32 |

**Staff Statement**

| Serial No. | Name of the Teacher | | Qualifications | | Designation |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Shri Dina Nath, Principal | .. | M.A., B.T., P.E.S. (II) | .. | Principal |
| 2 | Shri Sukhdev Singh | .. | M.A., B.T. | .. | Lecturer |
| 3 | Shri Harbhajan Singh | .. | M.A., M.Ed. | .. | Do |
| 4 | Shri Waryam Singh | .. | B.Sc., B.T. (M.Sc. Condense Course) | | Master |
| 5 | Shri Joginaer Singh Bawa | .. | M.A., B.T. | .. | Do |
| 6 | Shri Joginder Singh Randhawa | .. | Ditto | .. | Do |
| 7 | Shri Karamjit Singh | .. | Ditto | .. | Do |
| 8 | Shri Harnam Singh | .. | Ditto | .. | Do |
| 9 | Shri Harbinder Singh | .. | Ditto | .. | Do |
| 10 | Shri Gurdip Singh | .. | B.Sc., B.T. | .. | Do |
| 11 | Shri Sohan Singh | .. | B.A., B.T. | .. | Do |
| 12 | Shri Mohinder Paul | .. | B.A., B.T. | .. | Do |
| 13 | Shri Mangat Ram | .. | B.Sc., B.T. | .. | Do |
| 14 | Shri Surinder Mohan | .. | B.A., B.T. | .. | Do |
| 15 | Shri Ajit Singh | .. | Ditto | .. | Do |
| 16 | Shri Dalbir Singh | .. | Ditto | .. | Do |
| 17 | Shri Sudarshan Kumar | .. | Ditto | .. | Do |
| 18 | Shri Surrindra Kumar | .. | B.A. (Diploma G. Sc.) | .. | Do |

[Education Minister]

| Serial No. | Name of the Teacher | Qualifications | Designation |
|---|---|---|---|
| 19 | Shri Krishan Mohan Mehta .. | B.A., B.T. .. | Master |
| 20 | Shri Narinder Singh .. | Ditto | Do |
| 21 | Shri Mela Singh .. | Middle, S.V.,S. T. .. | Teacher |
| 22 | Shri Ved Parkash .. | Matric, Giani, S.T. .. | Do |
| 23 | Shri Harbans Singh .. | B.A., B.Ed., S.V. .. | Do |
| 24 | Shri Inder Singh Prof. .. | M.A., Munshi Fazil, O.T. .. | Do |
| 25 | Shri Mitter Singh .. | Matric, O.T. .. | Do |
| 26 | Shri Sardari Lal .. | F.A. Munshi Fazil, S.V.,O.T. .. | Do |
| 27 | Shri Dev Raj .. | Middle, Shastri .. | Do |
| 28 | Shri Budh Singh .. | P.T.I. Army, 1st Class .. | P.T.I. |
| 29 | Shri Kulwant Singh .. | Matric, S.T. .. | Teacher |
| 30 | Shri Baldev Raj .. | Matric .. | Drawing Teacher |
| 31 | Shri Tarlok Nath .. | B.A, J.B.T. .. | Do |
| 32 | Shri Gurcharan Dass .. | Ditto .. | Do |
| 33 | Shri Nihal Chand .. | F.A., Giani, J.B.T. .. | Do |
| 34 | Shri Rajinder Kumar .. | F.A., J.B.T. .. | Do |
| 35 | Shri Ranjit Singh .. | Matric, Drawing Master .. | Do |
| 36 | Shri Madan Lal .. | Ditto .. | Do |
| 37 | Shri Parshotam Dass .. | Matric, O..T. .. | Do |
| 38 | Shri Darbara Singh .. | F.A., J.B.T. .. | Do |
| 39 | Shri Kewal Krishan .. | Matric, J.B.T. .. | Do |

**Recognised Privately-managed Middle and Higher Secondary Schools in Amritsar District**

**3135. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the number and names of privately-managed Middle and Higher Secondary Schools in Amritsar District recognised by the Education Department as at pesent ;

(b) the details of fees or other funds being charged by the management of the above mentioned schools from the students at present, class-wise ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) The statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) The statement giving the details of fees and other funds prescribed by the Department is laid on the Table of the House. Information is being collected in regard to the actual fees/funds being charged at present in the schools in question.

## INFROMATION RELEVANT TO PART (A)

### BOYS HIGHER SECONDARY SCHOOLS

1. B.K. Higher Secondary School, Amritsar.
2. D.A.V. Higher Secondary School, Amritsar.
3. Gian Ashram Higher Secondary School, Amritsar.
4. Hindu Sabha Higher Secondary School, Amritsar.
5. Khalsa Collegiate Higher Secondary School, Amritsar.
6. Parkash Ashram Higher Secondary School, Amritsar.
7. P.B.N. Higher Secondary School, Amritsar.
8. Ram Garhia Higher Secondary School, Amritsar.
9. S.D. Higher Secondary School, Amritsar.
10. S.G.R.D. Khalsa Higher Secondary School, Amritsar.
11. S.S.S.S. Khalsa Higher Secondary School, Amritsar.
12. Khalsa Higher Secondary School, Bir Baba Budha Sahib.
13. R.G.N. Khalsa Higher Secondary School, Fatehpur Rajputan.

14 S.G.G.S. Majha Khalsa Higher Secondary School, Kairon.
15. Khalsa Higher Secondary School, Nawan Pind.
16. D.A.V. Higher Secondary School, Patti (Amritsar).

17. G.G.S. Higher Secondary School, Sarhali.
18. S.G.A.D. Higher Secondary School, Tarn Taran.
19. S.G.A.D. Khalsa Higher Secondary School, Valtoha.
20. S.I.S. Trust Higher Secondary School, Verka.

### GIRLS HIGHER SECONDARY SCHOOLS

21. Putlighar Higher Secondary School, Amritsar.
22. Ram Kanya Higher Secondary School, Amritsar.
23. Saint Marry Higher Scondary School, Amritsar.
24. S. Guru Nanak Higher Secondary School, Amritsar.
25, S. Guru Ram Dass Higher Secondary School, Amritsar.
26. Shahzada Nand Higher Secondary School, Amritsar.
27. Vedic Higher Secondary School, Amritsar.
28. Sarswati Higher Secondary School, Amritsar.

### BOYS AND GIRLS MIDDLE SCHOOLS

1. Janta Middle School, Amritsar.
2. Marwari Middle School, Amritsar.
3. Partap Middle School, Amritsar.
4. Vedic Dharam Middle School, Amritsar.
5. Vanaik Nirshula Pathshala Shouri Nagar.
6. Bal Vidyala Middle School, Amritsar.
7. Daya Wandi Middle School, Amritsar.
8. Parkash Ashram Middle School, Amritsar.
9. Chheharte Middle School, Chheharta.
10. D.A.V. Middle School, Ramdas.

11 Puj Sohan Lal Jain Middle School, Amritsar.
12. Ajanta Middle School, Amritsar.
13. Nav Bharat Middle School, Amritsar.

[Education Minister]

**RELEVANT TO PART (b)**

**Statement showing the monthly rates of prescribed fees charged in Classes VI to XI of Higher Secondary Schools**

| Serial No. | Nature of fee | Rates of fees and the Classes in which charged | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | VI | VII | VIII | IX | X | XI | |
| | | Rs P | Rs P | Rs P | Rs P | Rs P | Rs P | |
| 1 | Tuition Fee .. | 3·00 | 4·50 | 4·50 | 7·00 | 8·00 | 9·00 | Boys |
| | | 1·50 | 2·25 | 2·25 | 4·00 | 5·00 | 6·00 | Girls |
| 2 | Magazine Fund .. | No subscription is charged. Magazine is started on no loss no profit basis. | | | | | | |
| 3 | Audio-visual Aids Fund .. | 0·12 | 0·12 | 0·12 | 0·12 | 0·12 | 0·12 | |
| 4 | Science Fund .. | .. | .. | .. | 1·00 | 1·50 | 1·50 | |
| 5 | Medical Fee (Health Fund) .. | 0·25 | 0·25 | 0·25 | 0·25 | 0·25 | 0·25 | |
| 6 | Amalgamated Fund .. | 0·37 | 0·50 | 0·50 | 0·75 | 0·75 | 0·75 | Boys |
| | | 0·25 | 0·25 | 0·25 | 0·37 | 0·37 | 0·37 | Girls |
| 7 | Red Cross Fund .. | 6 P to 12 P per month | | | | | | |
| 8 | Commerce, Agriculture, Fine Arts, Home Science Fund .. | .. | .. | .. | 1·00 | 1·50 | 1·50 | |
| 9 | Technical .. | .. | .. | .. | 1·50 | 2·00 | 2·00 | |
| 10 | Domestic Science Funds (For Girls only) .. | 0·25 | 0·37 | 0·37 | 0·37 | 0·37 | 0·37 | |
| 11 | General Science Breakage fees .. | .. | .. | .. | 0·25 | 0·25 | 0·25 | |
| 12 | Cycle Fund .. | Rs 1 per mensem per student who keeps a cycle | | | | | | |
| 13 | Divisional Guide Rally and Tournament Fund (Girls) .. | Re 0·12 paise per Student yearly from the students of Secondary Department | | | | | | |

## Government High Schools at Chhajalwadi and Varpal, District Amritsar

**3136. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of rooms in the Government High School, Chhajalwadi and Government High School, Varpal, tehsil and district Amritsar at present ;

(b) the total number of students on rolls in each of the said schools in each class at present ;

(c) whether any rooms of the said school buildings were declared unsafe by the P.W.D. during the years 1964 and 1965 ; if so, the steps, if any, taken to carry out the necessary repairs ;

(d) the names and qualifications of Masters and Teachers at present working in the schools mentioned above with their home addresses ?

**Shri Prabodh Chandra :**

(a) (i) Government High School, Chhijalwadi .. Eleven rooms

(ii) Government High School, Varpal .. Six rooms plus one unroofed Hall

(b) Statements giving the requisite information are enclosed.

(c) No.

(d) Statements giving the requisite information are enclosed . . .

**Statement showing total number of students on Roll in Government High School, Chhajalwadi, District Amritsar**

Total number of students is 580 as detailed below :—

| *Name of Class* | | *Number of students* |
|---|---|---|
| 10th A | .. | 33 |
| 10th B | .. | 31 |
| 9th A | .. | 45 |
| 9th B | .. | 42 |
| 8th A | .. | 39 |
| 8th B | .. | 38 |
| 7th A | .. | 32 |
| 7th B | .. | 43 |
| 6th A | .. | 34 |
| 6th B | .. | 36 |
| 6th C | | 35 |
| 5th | .. | 29 |
| 4th | .. | 30 |
| 3rd | .. | 32 |
| 2nd | .. | 44 |
| 1st Primary | .. | 37 |
| Total | .. | 580 |

**Statement showing total number of students on Rolls in Government High School, Vapal District Amritsar**

Total number of students is 316 as detailed below :—

| *Name of Class* | | *Number of students* |
|---|---|---|
| 10th B | .. | 40 |
| 9th A | .. | 25 |
| 9th B | .. | 32 |
| 8th A | .. | 30 |
| 8th B | .. | 27 |

[Education Minister]

| Name of Class | | Number of Students |
|---|---|---|
| 7th A | .. | 34 |
| 7th B | .. | 36 |
| 6th A | .. | 29 |
| 6th B | .. | 35 |
| 6th C | .. | 28 |
| Total | .. | 316 |

**Names and Qualifications of Masters and Teachers at present working in the schools Government High School, Chhajalwadi, district Amritsar**

| Serial No. | Name of the official | Qualifications | Home Address |
|---|---|---|---|
| 1 | Shri Santokh Singhi ll, Headmaster | B.A., B.T. D.P.E. Gill | Village Dadupur, post office Majiha, district Amritsar |
| 2 | Shri Jagir Singh, Master .. | B.Sc., B.T. | Village Tharoo Nangal, post office Rayya |
| 3 | Shri Swarn Chand Master .. | M.A., B.T. .. | Village and post office Sultanwind, district Amritsar |
| 4 | Shri Didar Singh, Master .. | B.A., B.T. .. | Villge and post office Tangra, district Amritsar |
| 5 | Shri Sewa Singh, Master .. | B.A., B.Ed. .. | Village and post office Bhorchi Rajputan (Amritsar) |
| 6 | Shri Kartar Singh, Master .. | B.A., B.Ed. .. | Village and post office Muchhal, district Amritsar |
| 7 | Shri Atma Ram, Master .. | M.A., B.T. .. | House No. 101, Gali Gujran Jandiala Guru, district, Amritsar |
| 8 | Shri Banarsi Dass, Master | B.A., B.T. .. | Village and post office Harsa China, district Amritsar |
| 9 | Shri Harhhajan Singh, Master | B.Sc., Diploma in Gen. Science | Village and post office Dairywala, district Amritsar |
| 10 | Shri Pritam Singh, Teacher .. | Matric, Gyani, O.T. | Village and post office Bhorchi Rajputan, distict Amritsar |
| 11 | Shri Puran Singh, P.T.I. .. | Ambala Mlt. Trd. | Village and post office Dherar (Amritsar) |
| 12 | Shri Nihal Chand, Teacher | Special Certificate Drawing | Village and post office Ahmedgarh district Sangrur |
| 13 | Shri Santokh Singh, Teacher | F.A., J.B.T. .. | Village Butari, post office Khalchian |
| 14 | Shri Hardyal Singh, Teacher | Matric, J.B.T. .. | Village and post office Tangra |

| Serial No. | Name of the official | Qualifications | Home Address |
|---|---|---|---|
| 15 | Shri Lachhman Dass .. | Matric .. | Village and post office Muchhal district Amritsar |
| 16 | Smt. Dalbir Kaur, Teacher | Matric, J.B.T. .. | Village and post office Chhajal-wadi (Amritsar) |
| 17 | Shri Chanan Singh, Teacher | Matric, Gyani, O.T. | Village and post office Chang ally, district Patiala |
| 18 | Shri Sadhu Singh, N.C.C. Instructor | Mlt. Trd. .. | Village and post office Chhajal wadi |
| 19 | Shri Makhan Singh .. | Matric with Hindi | Village and post office Dairy-wala (Amritsar) (working on six months basis) |
| 20 | Shri Dilbagh Singh .. | Matric, J.B.T. .. | Village Umra Nangal, post office Rayya (Working on six months basis) |

**Names and Qualifications of Masters and Teachers at present working in the school at Government High School, Varpal, with their home addresses**

| Serial No. | Name of the official | Qualifications | Home Address |
|---|---|---|---|
| 1 | Shri Bansi Lal, Headmaster | B.A., B.T. .. | Village and post office Var-pal (Amritsar) |
| 2 | Shri Manmohan Singh, Master | M.A., B.T. .. | Village and post office Gonal-war (Amritsar) |
| 3 | Shri Beshamber Dass, Master | M.A., B.Sc , B.T. | Nurdin Bazar, Tarn Taran |
| 4 | Shri Dalip Singh, Master .. | M.A , B.Ed. .. | Village and post office Gonal-war, Varpal (Amritsar) |
| 5 | Shri Surjit Singh, Master .. | M.A., B.T. .. | 212, Daim Ganj, Amritsar |
| 6 | Shri Moti Ram, Master .. | B.A., B.T. .. | 365 (X-3) Tara Singh Gali, Amritsar |
| 7 | Shri Mohan Lal, Master .. | B.A., B.T. .. | Village and post office Chaba |
| 8 | Shri Gurbachan Singh, Master | B.Sc. .. | Village and post office Balia (Amritsar) |
| 9 | Shri Gurcharan Singh .. | B.A., B.T. .. | village and post office Monal-war, Varpal (Amritsar) |
| 10 | Shri Khem Chand .. | O.T. Shastri .. | House No. 2409/10, Katra Dulo, Amritsar |
| 11 | Shri Puran Singh .. | O.T., Giani .. | Village and post office Monal-war Varpal (Amritsar) |

[Education Minister]

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12 | Shri Sat Paul | .. B.A., S.V. | .. Villge and post office Varpal |
| 13 | Shri Harbans Singh | .. Matric, P.T.I. | .. Tangra (Amritsar) |
| 14 | Shri Gurdish Singh | .. Middle | .. Village and post office Daburji (Amritsar) |
| 15 | Shri Jagdish Singh | .. Matric, J.B.T. | .. House No. 1276/7, Gate Bhagtanwala, Amritsar |

---

**Taking over National College, Sathiala, District Amritsar by Government**

**3137. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether the Government has taken over the National College, Sathiala, district Amritsar, if not, the reasons thereof ;

(b) a copy of the detailed correspondence which took place between the Managing Committee of the said College and the Government in 1965-66, be laid on the Table of the House ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) No ; the terms and contidions are being finalised.

(b) The salient details of the correspondence are as under :—

(i) The management approached Government that they had made up deficiencies in Boys Funds and had also put up additional buildings. They, therefore, desired that the College be taken over from the beginning of the financial year 1964-65. The Joint Director (Colleges) visited the College on 3rd April, 1965 so as to verify on the spot whether the conditions imposed on the Management for taking over their College had since been fulfilled. He reported that almost all works have been completed excepting a few which would be complete by the end of April, 1965. The question of taking over was examined by Government and certain additional information was called for from the Committee.

(ii) In connection with the completion of certain buildings attached with this College, the Management requested forthe release of 75 percent of the Endowment Fund which has been accepted by Government.

(iii) The Management informed that formal function of handing over theCollege to Government will be held on the 16th August, 1965, which will be presided over by the Education Minister. They, therefore, desired that Government sanction to the taking over of this College be conveyed urgently.

(iv) In order to settle certain outstanding items, a meeting between the Management and Officers of Education Department including a representative of the Finance Department was held on 28th September, 1965. In this meeting, the Management stressed for the retention of a piece of land measuring 7 acres. Since this demand was against their resolution dated 15th November, 1960 for donating the entire land it was not agreed to. However, to enable the Government to examine the genuineness of this demand, the Management were asked to supply details of the entire land based

on the revenue record and also details of the expenditure incurred by them on this college from the date when negotiations for the transfer of this College to Government were started along with details of Library equipment, etc. The Management have supplied the relevant information and have also expressed their willingness to transfer the entire land to Government. The question of finalising the matter is under examination of Government.

**Amount invested by Government in different Industries**

**3138. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the amount of capital invested by the Government in different industries in the public and private sectors separately during the First, Second and Third Five-Year Plan periods respectively in the State, districtwise and in the other States in the country separately ;

(b) the present proposals of the State Government for the investment of capital in different industries during the Fourth Plan period ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Statements I, II, II and IV containing the requisite information are attached.

(b) The Fourth Five-Year Plan has not yet been approved by the Planning Commission/Government of India.

STATEMENT I

**Abstract of Investment made by the Punjab Government Plan-wise in the Industrial Undertakings in the Public and Private Sectors in the Punjab State**

| Plan period | | Private sector | Public Sector | Total |
|---|---|---|---|---|
| | | Rs | Rs | Rs |
| First Plan period | .. | 40,00,000 | .. | 40,00,000 |
| Second Plan period | .. | 12,00,000 | .. | 12,00,000 |
| Third Plan period | .. | 97,27,750 | 13,17,000 | 1,10,98,750 |
| Total | .. | 1,49,27,750 | 13,71,000 | 1,62,98,750 |

[Chief Minister]

STATEMENT II

**Statement showing the investment by the Punjab Government in the Industrial Undertakings in the Private Sector in the State during the 1st, 2nd and 3rd Plan periods**

| Name of the District | Plan | Year of investment | Name of the Industrial Undertaking | Amount invested |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | | | | Rs |
| Ambala .. | II | 1957-58 | Shree Gopal Paper Mills Ltd., Jagadhri .. | 10,00,000 |
| | III | 1961-62 | Punjab Handloom Weavers Apex Coop. Society, Ltd., Chandigarh .. | 50,000 |
| | III | 1961-62 | Punjab State Industrial Coop. Federation Ltd., Chandigarh .. | 50,000 |
| | III | 1962-63 | Ditto | 25,000 |
| | III | 1963-64 | Ditto | 25,000 |
| Gurgaon .. | II | 1958-59 | Panch-Shila Industrial Coop. Society Ltd., Faridabad .. | 2,00,000 |
| | III | 1962-63 | Ditto | 2,25,000 |
| | III | 1961-62 | Usha Spinning and Weaving Mills Ltd. .. | 2,38,600 |
| | III | 1964-65<br>1965-66 | Ditto | 17,61,400 |
| | III | 1964-65 & 1965-66 | Usha Forgings and Stamping Ltd., Badarpur .. | 4,28,700 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | III | 1964-65 and 1965-66 | Sikands Ltd., New Delhi (Faridabad) .. | 14,34,000 |
| Jullundur .. | III | 1962-63 | Bhargava Camp, Ahinsuk Charam Production-cum-Sales Coop-. Society, Ltd., Jullundur City .. | 50,000 |
| Kangra .. | III | 1962-63 | Bir Coop. Tea Factory, District Kangra .. | 50,000 |
| | III | 1963-64 | Ditto | 50,000 |
| | III | 1962-63 and 1963-64 | Kangra Tea Planters Supply and Marketing Industrial Co-operative Society, Palampur .. | 1,00,000 |
| Kapurthala .. | I | 1954-55 (including investment made during 1946—51 | M/s Jagatjit Cotton Textile Mills Ltd., Phagwara .. | 17,00,000 |
| Ludhiana .. | III | 1963-64 | Hindustan No. 1 Combers Cooperative Society, Ludhiana .. | 4,29,750 |
| Patiala .. | I | 1955-56 | Hindustan Wire Products Ltd., Patiala .. | 3,00,000 |
| | III | 1962-63 | Industrial Cables Ltd., Rajpura .. | 7,00,000 |
| Rohtak .. | III | 1962-63 | Hindustan Dowidat Tools Ltd., Sonepat .. | 1,71,500 |
| | III | 1963-64 and 1964-65 | Bharat Steel Tubes, Ltd. .. | 39,38,000 |
| Sangrur .. | I | 1955-56 | Malwa Sugar Mills Ltd., Dhuri .. | 20,00,000 |
| | | | Total .. | 1,49,27,750 |

[Chief Minister]

## STATEMENT III

**Statement showing the investment made by the Punjab Government in the State Sponsored Industrial Projects in the Punjab State**

| Name of the District | Plan | Year of investment | Name of the State-sponsored Project | Amount invested | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | Rs | |
| | III | 1963-64 | Punjab Air Rifles Ltd., Chandigarh .. | 10,71,000 | The Air Rifles Factory Project has since been abandoned |
| | III | 1964-65 | Punjab Seamless Tubes Ltd. .. | 20,000 | Location of these projects has not yet been decided |
| | III | 1963-64 | Punjab Steel and Alloy Castings Ltd. .. | 2,80,000 | |
| | | | Total .. | 13,71,000 | |

## STATEMENT IV

**Statement showing the investment held by the Punjab Government in the Industrial undertakings in the private sector in the other States in India**

| Serial No. | Name of the State | Name of the Industrial Undertaking | Amount of investment | REMARKS |
|---|---|---|---|---|
| | | | Rs | |
| 1 | Maharashtra .. | Investmentthrough Shamji-Karamsi, Bombay | 9,04,509 | These investments were made by the erstwhile Pepsu Government and were inherited by the Punjab Government at the time of merger |
| 2 | Do | Associated Cement Companies Ltd., Bombay | 1,70,700 | |
| 3 | Madras .. | Dalmia Cement (Bharat) Ltd. Dalmia Puram, Madras | 82,750 | |
| 4 | Mysore .. | Mysore Paper Mills Ltd., Bangalore | 2,000 | |
| 5 | Mysore .. | Krishan Rajindra Mills, Ltd., Mysore | 10,000 | |
| 6 | Rajasthan .. | Dholpur Glass Works Ltd., Dholpur | 50,000 | |
| 7 | Do | M/s Udai Bhan Industries Ltd., Dholpur | 3,50,000 | |
| | | Total .. | 85,69,959 | |

### Surplus Area and its Allotment

**3139. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Revenue be pleased to state :

(a) the area of surplus land in the State, district-wsie as at present ;

(b) the steps taken by the Government to distribute the said surplus area amongst the Hrijans, Backward Classes and tenants from 1960 onwards separately, district-wise and year-wise ?

**Sardar Harinder Singh Major** : (a) A statement is enclosed.

(b) Under the Punjab Security of Land Tenures Act, 1953 and Pepsu Tenancy and Agricultural Lands Act, 1955 surplus area is allotted to tenants on the reserved area of the landowners or those who are tenants of small landowners, irrespective of the fact whether they are harijans or otherwise. As such the question of taking steps to allot surplus land to harijans and backward classes alone does not arise. However, harijans numbering 12,037 have so far been allotted surplus area measuring 27,086 standard acres. Figures for allotment of surplus area to members of the backward classes are not available.

[Revenue Minister]

STATEMENT

| Serial No. | Name of District | Area declared surplus in standard acres |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | Hissar .. | 84,787 |
| 2 | Rohtak .. | 20,085 |
| 3 | Gurgaon .. | 12,190 |
| 4 | Karnal .. | 46,149 |
| 5 | Ambala .. | 11,816 |
| 6 | Simla .. | 12 |
| 7 | Kangra | 6399 |
| 8 | Hoshiarpur .. | 4,322 |
| 9 | Jullundur .. | 6,975 |
| 10 | Ludhiana .. | 5,978 |
| 11 | Ferozepore .. | 79,413 |
| 12 | Amritsar .. | 22,894 |
| 13 | Gurdaspur .. | 13,924 |
| 14 | Kulu .. | .. |
| 15 | Lahaul and Spiti .. | 36 |
| 16 | Patiala .. | 10,039 |
| 17 | Sangrur .. | 26,537 |
| 18 | Bhatinda .. | 14,459 |
| 19 | Mohindergarh .. | 1,243 |
| 20 | Kapurthala .. | 1,216 |
| | Total .. | 3,68,474 |

## Setting up a Paper Factory near Nangal

**3140. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has taken any final decision for installing a paper factory in the State near Nangal.

If so, the details of the said decision alongwith the blue print of the factory be laid on the table of the House.

**Shri Ram Kishan** : Yes. A newsprint mill with a daily capacity of 100 tonnes of newsprint is to be set up at Kiratpur by M/s. Shree Gopal Paper Mills Ltd. ( a concern of M/s. Karam Chand Thapar & Bros.). They hold a licence from the Government of India, in collaboration with

M/s. Abitibi Power and Paper Company Ltd., of Canada. Details of the agreement regarding supply of pulpwood material at the agreed rate etc. for newsprint manufacture are being finalised.

**Permits issued for Stage Carriages**

**3143. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state :

(a) whether it is a fact thatthe Government issued permits to the private transport companies in the State for stage carriages during the years 1964-65 and 1965-66 to date on 50:50 basis; if so, the detailed list thereof be laid on the Table of the House;

(b) the details of mileage given to the private companies, company-wise under the said arrangement during the said period ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) and (b) Yes. A statement is laid on the Table of the House.

[Transport and Elections Minister]

**List of Stage Carriages permits issued during the years 1964-65 and 1965-66 in favour of Private Transport Companies and mileage given company-wise**

| Serial No. | Name of Transport Company/ Transport society | Name of route | Number of permits | Number of trips | Total mileage |
|---|---|---|---|---|---|
| | | AMBALA REGION | | | |
| 1 | The New Chenab Co-operative Transport Society Ltd., Ambala City | Yamuna Nagar - Derabassi via Kala Amb and Naraingarh | 1 | 1/4 | 32 |
| | | Derabassi-Ambala | 1 | 1 | 34 |
| 2 | Universal Victory Bus Service (P) Ltd., Ambala City | Ambala-Jagadhri via Mullana | 1 | 1 | 70 |
| | | Sadhaura-Naraingarh | 1 | 1 | 42 |
| 3 | Ambala Bus Syndicate (P) Ltd., Rupar | Ambala -Jagadhri via Mullana | 2 | 3 | 210 |
| | | Chandigarh-Kurali via Siswan-Mullanpur-Gribdas | 1 | 1 | 36 |
| | | Chandigarh-Pinjore extension upto Kalka .. | 2 | 2 | 12 |
| 4 | The Karnal Co-operative Transport Society Ltd., Karnal | Karnal-Sonepat | 1 | 1 | 104 |
| 5 | Indian Motor Transport Company Ltd., Karnal | Derabassi-Yamuna Nagar via Kala Amb-Naraingarh | 1 | 1/2 | 64 |
| | | Thol-Jhansa-Pipli | 1 | 2 | 84 |
| | | Karnal-Karsa extension upto Dhand (extension only) | 1 | 2 | 24 |
| | | Jagadhri -Ranjitpura | 3 | 3 | 108 |
| | | Abdulapur-Pawni .. | 1 | 1 | 22 |
| 6 | The Rohtak -Delhi Transport (P) Ltd., Rohtak | Delhi-Rewari via Manesar | 1 | 1 | 108 |
| 7 | The Rohtak - Gohana Bus Service (P) Ltd., Rohtak | Rohtak-Gohana extension upto Guru Kul-Khanpur (extension only) | 1 | 1 | 12 |
| | | Gohana -Sonepat | 1 | 1 | 50 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 8 | Rohtak-Hissar Transport Company, Rohtak | Assandh-Jind .. | 1 | ½ | 27 |
| 9 | Rohtak-Hissar Transport Company (P) Ltd., Rohtak | Assandh-Jind | 1 | 1½ | 81 |
| 10 | Rohtak General Transport Co. (P) Ltd., Rohtak | Tosham-Sewani | 1 | 1 | 54 |
| | | Rohtak-Narnaul | 1 | ½ | 76 |
| | | Bhiwani-Tosham-Sewani .. | 1 | 1 | 84 |
| 11 | Satnam Transport Co. (P) Ltd., Rohtak .. | Gohana-Khera extension upto Bhambewa .. | 1 | 1 | 12 |
| | | Gohana-Sonepat | 1 | 1 | 50 |
| 12 | The Hissar District Transport Company, Hissar | Tosham-Behl | 1 | 1 | 56 |
| | | Hissar-Tohana | 1 | 1 | 92 |
| 13 | The Hissar Nilibar Co-operative Transport Society Ltd., Hissar | Hissar-Loharu via Rodhan | 1 | 1 | 100 |
| | | Hissar-Dharsul | 1 | 1 | 68 |
| 14 | Ganjibar Bus Service, Hansi | Barwala, Nehla | 1 | 1 | 30 |
| | | Hansi-Khandakheri .. | 1 | 1 | 44 |
| 15 | Dabwali Transport Company (P) Ltd., Mandi, Dabwali | Dabwali-Kalanwali | 1 | 1 | 42 |
| | | Sirsa-Sardulgarh extension upto Rori (extension only) | 1 | 1 | 12 |
| | | Dabwali-Rori extension upto Sardulgarh (extension only) | 1 | 1 | 12 |
| 16 | Zamindara Bus and Transport Company (P) Ltd., Rohtak | Jhajjar-Dadri | 1 | ½ | 27 |
| | | Jhajjar-Dadri via Birhor-Imlota | 1 | 1 | 54 |
| 17 | Modern Co-operative Transport Society Ltd., Gurgaon | Gurgaon-Palwal extension upto Rasulpur | 1 | 1 | 14 |
| 18 | Rohtak-Bhiwani Transoort Company Group 'A', Rohtak | Rohtak-Narnau l | 1 | ½ | 76 |
| 19 | Rohtak-Bhiwani Transport Company Group 'C', Rohtak | Bhiwani-Behl-Jhumpa | 1 | ½ | 50 |
| 20 | Paris Bus Service Rohtak | Ditto | 1 | ½ | 50 |
| | | Sirsa-Nohar | 3 | 3 | 222 |

(granted the share of Roadways without creating any vested rights as the Roadways was not interested to operate on Sirsa- Nohar route)

[Transport and Elections Minister]

| Serial No. | Name of Transport Company/Transport Society | Name of route | Number of permits | Number of trips | Total mileage |
|---|---|---|---|---|---|
| 21 | Haryana Co-operative Transport Ltd., Kaithal | Kaithal-Jind | 1 | 1 | 100 |
| | | Kaithal-Pauipat | 1 | 1 | 100 |
| | | Kaithal-Assandh-Panipat-Gohana | 1 | 1 | 150 |
| | | (All the permit issued in rehabilitation claim in favour of the Haryana Co-operative Transport Ltd., Kathal) | | | |
| 22 | The Rohtak District Co-operative Transport Society Ltd., Rohtak | Rewari-Mohindergarh | 1 | 1 | 68 |
| | | Delhi-Rewari via Manesar | 1 | 1 | 108 |
| 23 | Rohtak-Haryana Transporters (P) Ltd., Rohtak | Jhajjar-Dadri | 1 | $\frac{1}{2}$ | 27 |
| | | Sonepat-Bagpat | 1 | 1 | 24 |
| 24 | Sadhaura Transport Company (P) Ltd., Sadhaura | Yamunanagar-Derabassi | 1 | 1 | 32 |
| | | Ambala-Derabassi | 1 | 1 | 34 |
| 25 | The Tourist Co-operative Transport Society, Ltd., Ambala City | Sadhaura-Naraingarh | 1 | 1 | 42 |
| 26 | Hansi Co-operative Transport Society, Ltd. | Barwala-Jullana | 1 | 1 | 94 |
| 27 | Hansi Co-operative Transport Society Ltd., Hansi | Uchana-Narnaund | 1 | 1 | 50 |
| 28 | The Kharar-Satnam Co-operative Transport Society, Ltd., Kharar | Chandigarh-Kurali via Siswan-Mullanpur-Gribdas | 1 | 1 | 30 |
| | | | (The permit has been issued on four monthly basis the share of Punjab Roadways, without creating any vested rights) | | |
| 29 | The Tehsil Sirsa-Dehat Co-operative Transport Society Ltd., Sirsa | Dabwali-Sadaul Shahar via Sangria | 1 | 1 | 94 |
| 30 | The Abohar Hanumangarh Co-operative Transport Society Ltd., Abohar | Hanumangarh-Dabwali via Sangria | 1 | 1 | 94 |
| 31 | The Nalagarh Dehati Co-operative Transport Society Ltd., Nalagarh | Nalagarh-Suna | 1 | 1 | 36 |
| 32 | Nankanasahib Transport Company (P) Ltd., Ludhiana | Delhi-Sonepat | 3 | 3 | 168 |

Permits granted to newly-formed Co-operative Transport Societies under 15 per cent of 50:50 scheme)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 33 | Bhutana-Zafrabad Co-operative Transport Society Ltd., Sonepat | Gohana-Sonepat via Purkhas-Pgthala | 1 | 1 | 82 |
| 34 | The Shivalak Co-operative Transport Society Ltd., Bhagwanpura -Ambala | Surajpur-Mullah | 1 | 1 | 18 |
| | | JULLUNDUR REGION | | | |
| 1 | New Himalaya Transport Company (P) Ltd., Batala | Batala-Qadian | 1 | 1 | 24 |
| 2 | Sheikhpura Transport Company, Ludhiana | Ludhiana-Nawanshehr via Bohara .. | 1 | 1½ | 96 |
| 3 | Sewak Bus and Transport Company Ltd., Moga | Ludhiana-Moga .. | 1 | 1 | 86 |
| 4 | New Majha Co-operative Transport Society, Amritsar | Khem Karan-Ludhiana via Harike | 1 | ½ | 117 |
| 5 | Akal Transport Company Ltd., Ludhiana | Ditto | 1 | ½ | 117 |
| 6 | Dashmesh Transport Company Ltd., Ludhiana | Ludhiana-Hissar via Sangrur | 2 | 1 | 292 |
| 7 | Jullundur Transport Co-operative Society Ltd., Jullundur | Jullundur-Pathankot | 1 | 1 | 142 |
| 8 | Pritam Bus Service Ltd., Jullundur | Ditto | 1 | 1 | 142 |
| 9 | The New Sutlej Transport Company Ltd., Jullundur | Ludhiana-Jandiala | 1 | 1 | 54 |
| 10 | Victor Public Hill Motor Transport Company Ltd., Hoshiarpur | Una-Daulatpur via Mubarkpur | 1 | 1 | 62 |
| 11 | Hoshiarpur Azad Transport Company Ltd., Hoshiarpur | Mukerian-Talwara-Daulatpur | 1 | 1 | 60 |
| 12 | Kartar Bus Service Ltd., Jullundur | Jullundur-Mehatpur | 1 | 1 | 42 |
| 13 | Hoshiarpur National Transporters Ltd., Hoshiarpur | Mukerian-Talwara | 1 | 1 | 34 |

[Transport and Elections Minister]

| Serial No. | Name of Transport Company/Transport Society | Name of route | Number of permits | Number of trips | Total mileage |
|---|---|---|---|---|---|
| 14 | Karnal General Labour Co-operative Society, Karnal | Abohar-Sadhuwala | 1 | 1 | 52 |
| 15 | New Majha Transport Co-operative Society Ltd., Amritsar | Amritsar-Rasulpur via Gandiwind | 1 | 1 | 44 |
| 16 | New United Transport Company (P) Ltd., Amritsar | Amritsar-Qadian | 1 | 1 | 72 |
| 17 | New Midh Bhawara Transport Company, Batala | Batala-Dera Baba Nanak | 1 | 1 | 38 |
| | | Batala-Fatehgarh-Churian | 1 | 1 | 32 |
| 18 | New Himalaya Transport Company Ltd., Batala | Gurdaspur-Dera Baba Nanak | 1 | 1 | 50 |
| 19 | New Piyar Bus Service Ltd., Amritsar .. | Amritsar-Verowal | 1 | 1 | 54 |
| 20 | Hamirpur Transport Co-operative Society, Hamirpur | Nangal-Awa Devi via Patta Bhakra Bridge | 1 | 1 | 160 |
| 21 | Dashmesh Transport Company Ltd., Luuhiana | Ludhiana-Payal-Dhamot-Bhadewal | 1 | 1 | 60 |
| 22 | Shiwalik Transport Company Ltd., Hoshiarpur | Pong Dam-Dharamsala via Dola Dehra | 1 | 1 | 124 |
| | | Hoshiarpur-Pong Dam via Kotla Jorbar | 1 | 1 | 118 |
| 23 | Moga Transport Company Ltd., Moga | Moga-Nihalsingwala | 1 | 1 | 48 |
| 24 | Sandhu Transport Company (P) Ltd., Amritsar | Fatehabad-Patti | 1 | 1 | 46 |
| 25 | District Transport Co-operative Society Ltd., Amritsar | Amritsar-Ajnala-Dehra Baba Nanak | 1 | 1 | 70 |
| 26 | Sandhu Transport Company, Amritsar | Tarn-Taran - Verowal | 1 | 1 | 50 |
| | | Tarn-Taran-Ratta-Gudava-Patti | 1 | 1 | 72 |
| 27 | National Transport and General Company, Ludhiana | Ludhiana-Machhiwara via Kohral | 1 | 1 | 44 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 28 | Azad Nakodar Bus Service Ltd., Jullundur | Nakodar-Kapurthala | 3 | 3 | 132 |
| 29 | Kulu Transport Co-operative Society Ltd., Kulu | Hoshiarpur-Jawalamukhi-Khundian ( purely temporary) | 1 | 1 | 96 |
| | | Hoshiarpur-Nadauan-Dhaneta ( purely temporary) | 1 | 1 | 86 |
| 30 | Hamirpur Transport Co-operative Society, Hamirpur | Jawalamukhi road -Jahu ( purely temporary) | 1 | 1 | 108 |
| 31 | Sharnarth Transport Co-operative Society Ltd., Abohar | Abohar-Muktsar ( Kucha) ( purely temporary) | 1 | 1 | 70 |
| 32 | Dasmesh Transport Company Ltd., Ludhiana | Ludhiana-Dhamot-Bhadwal Bridge | 1 | 1 | 60 |
| 33 | Onkar Bus Service (P) Ltd., Jullundur | Hoshiarpur-Rupar | 1 | 1 | 116 |
| 34 | New Sutlej Transport Company | Jullundur-Jandiala extended up to Nurmehal<br>Ludhiana-Jandiala via Goraya | 1<br>1 | 1<br>1 | 46<br>54 |
| 35 | Pritam Bus Service Ltd., Jullundur | Jullundur-Pathankot | 2 | 2 | 284 |
| 36 | Kulu Transport Co-operative Society Ltd., Kulu | Hoshiarpur -Patlander | 2 | 1 | 168 |
| 37 | National Transport Company Ltd., Amritsar | Ludhiana-Machhiwara via Kohar | 2 | 2 | 88 |
| 38 | Randhawa Transport Company Ltd., Amritsar | Amritsar-Mehta<br>Fatehgarh-Churain-Ajnala | 2<br>1 | 2<br>1 | 100<br>32 |
| 39 | Shiwalik Transport Company Ltd., Hoshiarpur | Hoshiarpur-Hamirpur via Gagret | 1 | ½ | 58 |
| 40 | Victory Public Hill Motor Transport Company, Hoshiarpur | Ditto | 1 | ½ | 58 |

**Detention of Communist Detenus**

**3144. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the detention of all the communist detenus in the State jails whose arrests warrants were issued on the 24th December, 1964, was declared illegal by a Bench of the Punjab High Court on 10th December, 1965, if so, whether the said detenus were released accordingly ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative the names of those with dates who were re-arrested , the reasons therefor and the jails in which they are now detained ;

(c) whether the Government is prepared to pay the compensation for the period of detention which has been declared illegal, if not, a copy of the High Court Judgement be laid on the Table of the House ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) No. However, the detenus were ordered to be released on technical grounds.

(b) List of persons who were re-arrested with dates and names of Jails where they are now detained is enclosed. They have been detained with a view to preventing them from acting in a manner prejudical to the Defence of India and Civil Defence.

(c) The question of compensation does not arise. A copy of the Judgement is enclosed.

LIST OF PERSONS WHO WERE RE-ARRESTED WITH DATES AND NAMES OF JAILS WHERE THEY ARE NOW DETAINED

| Serial No. | Name of person | Name of Jail | Date of re-arrest |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | Sarvshri— | | |
| 1 | Rachhpal Singh, son of Haveli Ram Bhatia .. | Sangrur | 15-12-65 |
| 2 | Chhatar Singh, son of Ganesh Lal .. | Patiala | 11 12-65 |
| 3 | Mange Ram Vats, son of Hazari Lal Brahmin .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 4 | Raghbir Singh Jhakhar, son of Prit Singh .. | Nabha | 15-12-65 |
| 5 | Gian Singh, Pleader, son of Subh Ram .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 6 | Ishar Singh, son of Prabhu Dayal Singh Sodhi .. | Hissar | 11-12-65 |
| 7 | Gurbax Singh Dakota, son of Waryam Singh .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 8 | Mehar Singh Khanpai, son of Tulsa Singh Ramdasia | Nabha | 11-12-65 |
| 9 | Prof. K.R. Palta, son of Shadi Lal .. | Hissar | 11-12 65 |
| 10 | Dr. Bhag Singh, Ex-M.L.A., son of Sunder Singh .. | Nabha | 14-12-65 |
| 11 | Chanan Singh Dhut, son of Basant Singh Dhut .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 12 | Ram Kishan Bharolian, Ex-M.L.A., son of Munshi Ram | Patiala | 11-12-65 |

| Serial No. | Name of person | Name of Jail | Date of re-arrest |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 13 | Bhag Singh Sajjan, son of Nihala .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 14 | Harkishan Singh Surjit, son of Harnam Singh .. | Delhi | 13-12-65 |
| 15 | Kishori Lal Rattan, son of Raghbir Datt Sharma | Hissar | 11-12-65 |
| 16 | Gurcharan Singh Randhawa, son of Panna Singh .. | Patiala | 11-12-65 |
| 17 | Pt. Bakhshi Ram, son of Banjhu .. | Sangrur | 15-12-65 |
| 18 | Gurbax Singh Atta, son of Partap Singh .. | Patiala | 11-12-65 |
| 19 | Udhe singh Keshav, son of Bhura Singh .. | Nabha | 21-12-65 |
| 20 | Dharam Singh, son of Bulaka Singh .. | Do | 21-12-65 |
| 21 | Sarwan Singh Cheema, son of Banta Singh .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 22 | Dhanpat Rai Nahar, son of Mehnga Ram .. | Nabha | 11-12-65 |
| 23 | Gandharav Sen, son of Bhagwan Dass .. | Do | 11-12-65 |
| 24 | Satwant Singh, son of B Niranjan Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 25 | Rachhpal Singh, son of Bishan Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 26 | Chanan Singh Brar, son of Zora Singh .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 27 | Daya Singh Prem, son of Kalu .. | Do | 11-12-65 |
| 28 | Dalip Singh Tapiala, son of Janmeja Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 29 | Fauja Singh Bhullar, son of Arur Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 30 | Makhan Singh Tarsika, son of Gujjar Singh .. | Patiala | 16-12-65 |
| 31 | Hazura Singh, son of Harbans Singh .. | Hissar | 11-12-65 |
| 32 | Darshan Singh Jhabal, son of Bawa Singh .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 33 | Hazara Singh Jassar, son of Lachhman Singh .. | Nabha | 21-12-65 |
| 34 | Kartar Singh Gujapir,son of Narain Singh .. | Hissar | 11-12-65 |
| 35 | Bishan Singh, son of Sawan Singh .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 36 | Sulakhan Singh, son of Partap Singh .. | Hissar | 11-12-65 |
| 37 | Amarmeet Singh, son of Chanan Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 38 | Prem Chand Bhardwaj, son of Jai Sita Ram .. | Do | 11-12-65 |
| 39 | Bhim Singh Advocate, son of Dalip Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 40 | Harnam Singh Chamak,son of Achhara Singh | Patiala | 11-12-65 |
| 41 | Hardit Singh Bhattal, M.L.A., son of Ram Singh | Do | 11-12-65 |
| 42 | Vidya Dev Longowal, son of Kanshi Ram .. | Nabha | 11-12-65 |
| 43 | Ghuman Singh Ugrahan, son of Pala Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 44 | Partap Singh Dhanaula, son of Attar Singh .. | Do | 11-12-65 |
| 45 | Dalip Singh Bhatiwal, son of Narain Singh .. | Hissar | 11-12-65 |
| 46 | Janak Singh Bhattal, son of Hari Singh .. | Nabha | 21-12-65 |
| 47 | Ganda Singh, son of Harnam Singh | | |

[Home and Development Minister]

| 1 | 2 | | 3 | 4 |
|---|---|---|---|---|
| 48 | Gajjan Singh Tandian, son of Bishan Singh | .. | Nabha | 15-12-65 |
| 49 | Karnail Singh Phide, son of Sarwan Singh | .. | Hissar | 11-12-65 |
| 50 | Ram Singh Harinau, son of Sawan Singh | .. | Nabha | 11-12-65 |
| 51 | Gurnam Singh Sibbian son of Dal Singh | .. | Do | 11-12-65 |
| 52 | Balbir Singh, son of Jhanda Singh | .. | Do | 11-12-65 |
| 53 | Dharam Singh Kasui, son of Sohan Singh | .. | Hissar | 11-12-65 |
| 54 | Satya Mandan, son of Rao Madho Singh | .. | Sangrur | 11-12-65 |
| 55 | Ganpat Singh, son of Ram Jiwan Ahir | .. | Hissar | 15-12-65 |
| 56 | Mangal Singh, son of Sub. Ram Singh | .. | Sangrur | 14-12-65 |
| 57 | Bhajan Singh, son of Ram Singh | .. | Do | 22-12-65 |
| 58 | Devki Nandan, son of Ram Sarup Brahman | .. | Hissar | 22-12-65 |
| 59 | Kesar Singh, son of Mala Singh | .. | Amritsar | 20-1-66 |

COPY OF JUDGMENT

IN THE HIGH COURT FOR THE STATE OF PUNJAB AT CHANDIGARH

CRIMINAL WRIT SIDE

**Criminal Writ case No. 6 of 1965**

Com. Dalip Singh Tabiala, resident of Tabiapal, Amritsar, now at District Jail, Nabha ... Petitioner

(1) The State of Punjab through the Secretary to the Government, Home Department, Chandigarh;

(2) Deputy Secretary, Government of Punjab, Home Department, Chandigarh;

(3) S. Darbara Singh, Home Minister, Punjab, Chandigarh;

(4) Shri Gulzari Lal Nanda, Home Minister, Central Government, New Delhi;
(5) Superintendent, District Jail, Nabha

... Respondents

Case referred by Hon'ble Mr. Justice H.R. Khanna, on 19th July, 1965, to a large bench for decision of the important question of law involved in the case, and the case was finally decided by a division bench consisting of Hon'ble the Chief Justice D. Falshaw and Hon'ble Mr. Justice H.R. Khanna, on 10th December, 1965.

Petition under section 491 of the Code of Criminal Procedure read with Article 226 of the Constitution of India praying that detention order against the petitioner under the Defence of India Rules be quashed.

Dated the 10th December, 1965.

**PRESENT:**

HON'BLE THE CHIEF JUSTICE D. FALSHAW AND
HON'BLE MR. JUSTICE H.R. KHANNA.

*For the petitioner.*—M/s B.K. Garg, S.C. Aggarwal and A.S. Bains, Advocates.

*For the Respondents.*—Mr. L.D. Kaushal, Senior Deputy Advocate-General, with Mr. S.K. Aggarwal, Advocate.

Dated, the 19th July, 1965.

**PRESENT:**

HON'BLE MR. JUSTICE H.R. KHANNA

*For the Petitioner.*—Mr. Anand Sarup, Advocate, and Mr. A.S. Bains, Advocate.

*For the Respondents.*—Mr. L.D. Kaushal, Senior Deputy Advocate-General, Mr. P.R. Jain, Advocate.

*For the Respondent No.* 3.—Mr. V.P. Prasher, Advocate.

ORDER

The petitioners in the present and connected habeas corpus petitions are the members of the Communist Party of India who have been ordered to be detaiued under rule 30(1)(b) of the Defence of India Rules by the Punjab Government. One of the main grounds on which the detention has been assailed is that though the order for detention was made formally by the Punjab Government it was in pursuance of a directive issued by Shri Gulzari Lal Nanda, Union Home Minister, that the petitioners were ordered to be detained. It is contended that the State Government did not independently take its decision to detain the petitioners and merely carried out the behest of the Union Home Minister. This contention has been resisted on behalf of the respondents and it averred that the decision to detain the petitioners was taken by the State Government independently. As the matter is of some importance and arises in a large number of petitions I am of the view that to secure an authoritative pronouncement on the subject it should be decided by a large Bench. I accordingy direct that papers may be laid before my Lord the Chief Justice for referring the matter to a larger Bench.

19th July, 1965

(Sd) H.R. KHANNA,
Judge.

ORDER OF THE DIVISION BENCH

Forty-eight petitions have been filed under section 491, Criminal Procedure Code, read with Article 226 of the Constitution by various individuals and one petition has been filed under section 491, Criminal Procedure Code, by R.P. Manchanda. All the petitioners have been ordered to be detained under Rule 30(1)(b) of the Defence of India Rules by orders of the Government of Punjab. The first 48 petitioners are apparently all members of the so-called Left Wing of the Communist Party of India which is generally supposed to be Pro-Chinese and the orders under which their detention was ordered were all dated the 29th of December, 1964. The orders are in identical terms and I cite that issued regarding Harkishan Singh Surjeet petitioner as an example :

"WHEREAS Shri Harkishan Singh Surjeet, son of Harnam Singh, resident of Bundhala, district Jullundur, is reported to be indulging in anti-national and pro-Chinese propaganda and as such his activities are prejudicial to the Defence of India and Civil Defence ;

AND WHEREAS the Governor of Punjab is satisfied in respect of the said Harkishan Singh Surjeet that with a view to preventing him from acting in a manner prejudicial to the Defence of India and Civil Defence it is necessary that the said Harkishan Singh Surjeet be detained ;

NOW, therefore, in pursuance of the provisions of rule 30(1)(b) of the Defence of India Rules, the Governor of Punjab hereby directs that the said Harkishan Singh Surjeet be detained at Rohtak in the District Jail and in matters relating to the maintenance, discipline..........the said Harkishan Singh Surjeet shall be governed by the Punjab Detenus Rules, 1950, as amended up to date."

The signature is that of the Deputy Secretary to Government, Punjab, in the Home Department, but it is not disputed that the orders were issued in the name of the Governor by the Home Minister, Shri Darbara Singh.

In the case of R.P. Manchanda, the order is dated the 5th of April, 1965. It reads:

"WHEREAS Shri Ram Parkash Manchanda, son of Shri Attar Singh, Assistant, Officer of the Life Insurance Corporation of India, Chandigarh, is reported to be indulging in activities prejudicial to the maintenance of public safety and maintenance of public order and peaceful conditions ;

[Home and Development Minister]

AND WHEREAS the Governor of Punjab is satisfied in respect of the said Shr Ram Parkash Manchanda that with a view to prevent him from acting in a manner prejudicial to the maintenance of public safety and public order it is necessary that the said Shri Ram Parkash Manchanda be detained ;

NOW, therefore, in pursuance of the provisions of rule 30 (1)(b) of the Defence of India Rules, the Goverhor of Punjab hereby directs that the said Shri Ram Parkash Manchanda be detained at Ferozepur in the District Jail and in matters relating to maintenance, discipline............the said Ram Parkash Manchanda shall be governed by the Punjab Detenus Rules, 1950, as amended up to date."

Again the signature on the order is that of the Deputy Secretary in the Home Department and again it is not disputed that the Home Minister was responsible for it.

The petitions of the Left Wing Communists have been referred to a larger Bench by my learned brother Khanna J. because of the importance of the point raised that although the orders for detention of the petitioners were formally made by the Punjab Government it was in pursuance of a directive issued by Shri Gulzari Lal Nanda, the Union Home Minister, and it was contended that the State Government did not independently take the decision to detain the petitioners. The petition of R. P. Manchanda was also referred by my learned brother because of the difficulty and importance of the point raised that the order was made by Shri Darbara Singh in his capacity as Home Minister and according to the Business of the Punjab Government Allegation Rules of 1961 there was no Home Department and so Shri Darbara Singh could not pass an order for the detention of the petitioner in his capacity as Home Minister. This point also arises in connection with the detention of the Left Wing Communists.

The point on which the reference to a larger Bench was though necessary in the petitions of the Left Wing Communists appears to have been settled by the recent decision of the Supreme Court in the writ petition filed by *K. Ananda Nambiar and another* v. *TheChief Secretary, Government of Madras and others*, Civil Writ No. 47 of 1965, decided on the 27th of October, 1965. In that case the order for the detention of the petitioners had apparently been passed by the Chief Minister of Madras and the argument was raised that the Chief Minister had not really satisfied himself regarding the justification for detention but had been unduly influenced by certain pronouncements of the Union Home Minister. The matter is dealt with the following passage in the judgement by Gajendragadkar C.J. who delivered the judgment of the Court:—

"Bedsides, it is urged that the Chief Minister of Madras passed these orders without satisfying himself that it was necessary to issue them. He was influenced by what the Union Home Minister had already decided in regard to the petitioners. It is not as a result of the satisfaction of the Chief Minister himself that the petitioners had been detained, the orders of detention have been passed against the petitioners solely because the Union Home Minister was satisfied that they should be detained. That, in substance, is the grievance made before us by Mr. Chatterjee against the validity of the impugned orders of the detention.

It appears that the Union Home Minister made certain statements in his broadcast to the nation from the All India Radio on January 1, 1965, and in reply to a debate on the Budget Demands of the Ministry of Home Affairs in the Lok Sabha on April 27, 1965. This is what the Union Home Minister is reported to have said in his broadcast:—

'As you are aware, a number of leaders and active workers of the Left Communist Party of India have been detained during the last three days. We have had to take this step for compelling reasons for the internal and external security of the country. It is painful to us to deprive any citizen of this free country of his liberty and it is only after the most careful thought that we have taken this action.

This very disagreeable decision was taken after giving the most serious thought to all (Sic) that he would be taking a serious risk with the external and internal security of the country if we did not act immediately.'

"This is what the Union Home Minister is reported to have said in the Lok Sabha:

(It is a matter of regret to me that I have had to make myself responsible

for throwing into prison a fairly large number of citizens of this country. I look into the cases personally. I may say that it may be that some error may have occurred here and there ; that test has to be satisfied. We have to make sure that it is because of our clear appreciation of the activities which we may call pro-Chinese, disloyal activities, subversive activities, one way or another, that we have to resort to this kind of action. If on any person, any detenu on his part, it can be said that there was a mistake made, that he actually is not pro-Chinese and he is a loyal citizen of the country I personally am prepared to look into each case and again satisfy myself that no wrong has done or no injustice has been done.'

"For the purpose of dealing with the present petition, we are assuming that the petitioners can rely upon these two statements. The learned additional Solicitor General no doubt contended that these statements were not admissible and relevant and had not been duly proved. Besides, according to him, some of the statements produced were also inaccurate; even so, he was prepared to argue on the basis that the said statements can be considered by us, and so, we have not thought it necessary to decide the question about the relevance or admissibility or proof of these statements in the present proceedings.

In appreciating the effect of these two statements, it is necessary to refer to these statements made on affidavit by the Chief Minister of Madras and the Chief Secretary to the Government of Madras respectively. This is what the Chief Minister of Madras has stated on oath—

'Consequent upon the outbreak of hostilities between China and India and declaration of Emergency, it was necessary for the Governement of India and the various states to watch carefully the movem nts and activities of those persons who either individually or as part of any group were acting or likely to act in a manner prejudicial to the safety of India and the maintenance of public order. The Communist Party of India was rift into two factions and the faction known as the Left Communist Party of India, which came to be known as the pro-Peking faction, had particularly to be watched. The question of detaining persons belonging to this faction and who were also active was engaging the attention of the Governments and was also discussed at the Chief Ministers' Conference. Our sources of intelligence continued to maintain a watch over the movements and activities of these individuals. The Communist Party of India being an All India organisation with a wide network, the question with a wide of detention had necessarily to be considered on a national level, so that a co-ordinated and conserted action may be taken. It was in this context that the Central Government communicated with the State Government.

I submit that I ordered the petitioners in the above petitions to be detained on the 29th December, 1964. The petitioners are also known to me and their detention was ordered on my personal satisfaction that it was necessary. My satisfaction was both on the general question as to the need for detaining persons like the petitioner and on the individual question namely whether the petitioner was one such whose detention was necessary.

The Chief Sectetary's affidavit is on the same lines.

On these statements the question which falls to be decided is, is it shown by the petitioners that the impugned orders of detention were passed for an ulterior purpose, or that they have been passed by the Chief Minister of Madras without satisfying himself merely because the Union Home Minister thought that the petitioners should be detained. It is not disputed that if the Union Home Minister wanted to make an order detaining the petitioners he could have made the order himself. But the contention is that the orders in fact have been made by the Government of Madras and it is, therefore, necessary to consider whether the Chief Minister of Madras satisfied himself or not.

In dealing with these pleas we cannot ignore the fact that the question about detaining the petitioners formed part of a large question about the attitude which the Government of India and the State Government should adopt in respect of the activities of the party to which the petitioners belong. This party is known as the Left Communist Party of India

[Home and Development Minister]

which came to be known as the pro-Peking faction of the Communist Party. It is therefore not surprising that this larger issue should have been examined by the Union Home Minister alongwith the Chief Ministers of the State in India. The sources of intelligence available to the Government of India had given it the relevant information. Similarly the sources of information available to the Governments of different States had supplied to their respective States the relevant information about the political activities of the Left Communist Partv of India. Having considered these reports, the Union Home Minister and the Chief Ministers came to certain decision in regard to the approach which should be adopted by them in respect of the Left Communist Party in view of the Emergency prevailing in the country. This general decision naturally had no direct relation to any particular individual as such . The decision in regard to the individual members of the Left Communist Party had inevitable to be left to the State Governments or the Union Government according to their discretion. It is conceded that the Union Government had in fact issued orders of detention against as many as 140 members of the Left Communist Party of India whereas different orders of detention have been passed by different State Governments against members of the Left Communist Party in their respective States. It is in the background of this position that the statements of the Union Home Minister as well as those of the Chief Minister of Madras have to be considered.

Thus considered, we do not see any justification for the assumption that the detention of the petitioners was ordered by the Chief Minister of Madras without considering the matter himself. Indeed, it is not denied that tne Chief Minister knows both the petitioners and he has stated categorically that he examined the materials in relation to the activities of the petitioners and he was satisfied that it was necessary to detain them. We see no reason whatever why this clear and unambiguous statement made by the Chief Minister of Madras should not be treated as true. As the Chief Minister States in his affidavit, his satisfation was both on the general question as to the need for detaining persons like the petitioners and on the individual question of each one of them. In this connection it is obvious that he was speaking for the Union Government and the State Governments as well, and when he spoke in the first person singular he was referring to cases with which he was concerned as the Union Home Minister and that would take in cases of persons whose detention has been ordered by the Union Government. There is therefore no inconsistency or conflict between the statements of the Union Home Minister and the affitdavit of the Chief Minister of Madras. That being so, we are satisfied that there is no substance in the grievance made by Mr. Chatterjee that the impugned orders of detention passed against the petitioners were made either *mala fide* or without the proper satisfation of the detaining authority."

In the present cases the affidavit of the Home Minister reads:—

"I, Darbara Singh, Home and Developmet Minister, Punjab Government, do hereby solemnly affirm and say as under:—

1. I say that I have been Minister in charge of Home portfolio of the Punjab Government since July 1964 and all matters relating to detenus are put up before me through proper channel with all relevant records and papers, *vide* item No. 4 (Misc.) Rules of Business, Vol. I , page 28. The papers relating to the detention of the detenu in the instant case were also out up before me.

(2) I have been read the petition and affidavit of Shri——————dated ——————

(3) I further say that I considered reports of intelligence and other material relating to the activities of Shri——————and as a result thereof I was satisfied that his activities were prejudicial to the defence of India and civil defence and that it was necessary to detain him with a view to preventing him from acting in any prejudicial manner.

(4) I also say that the detention order against the detenue was passed by me after examining his individual case and the assertion that the same was passed at the instance of Shri Gulzari Lal Nanda, the Union Home Minister, is incorrect."

It seems to me that even if the statement made in the last sentence is not strictly accurate in the sense that there had actually been some consultations between the Central Government and the State Government as regards the attitude to beadopted towards the pro-Chinese Wing of the Communist Party of India as has been described in the judgement of the Supreme Court, I still do not see sufficient reason for not accepting the assurance of the Home Minister that the activities of each of the petitioners were considered before the decision was taken that it was necessary to detain him.

The next point which arises in all tne cases is the power of the Home Minister of the State of Punjab to pass an order for detention under rules 3 of the Defence of India Rules. Our attention has been drawn to the Rules of Business of the Punjab Government, Part I, These are rules drawn up under clauses (2) and (3) of Article 166 of the Constitution by the Governor. The rules read:—

(2) The business of the Government shall be transacted in the Departments specified in the Schedule annexed, and shall be classified and distributed among those Departments as laid down therein.

(3) The Governor shall, on the advice of the Chief Minister, allot among the Ministers the business of the Government by assigning one or more Department to the charge of a Minister ;

Provided that nothing in this rule shall prevent the assigning of one Department to the charge of more than one Minister.

(4) Each Department of the Secretariat shall consist of the Secretary to the Government, Who shall be the official head of the Department. and of such other officers and servants subordinate to him as the State Government may determine ;

Provided that:—

(a) more than one Department may be placed in charge of the same Secretary,

(b) the work of a Department may be divided between two or more Secretaries."

Then follows the Schedule by which the business is allocated among the various named Departments which are 33 in number. Admittedly there is no Home Department or Department of Home Affairs among these Departments. However, at the time when these orders were passed by the Home Minister the distribution of work among the Council of Ministers was governed by a Gazette Extraordinary notification of the 7th of July, 1964 in which Shri Darbara Singh was described as Home and Development Minister and the portfolio allotted to him read—

"(1) Home (including Integration).

(2) Elections.

(3) Community Development (including Panchayats, Panchayati Raj and Development of Hill Areas).

(4) Agriculture.

(5) Fisheries.

(6) Animal Husbandry.

(7) Dairying.

(8) Co-operation."

[Home and Development Minister]

In the Home Ministers's affidavit the position was taken up that the Home portfolio consisted of Departments of which the Home Secretary was the official head. This, however, does not appear to be entirely correct since even in the distribution of work in the notification of the 7th of July, 1964 the Jails Department was allotted to the Chief Minister and at page 23 of part I of the Rules of Business the Jails Department is shown as being administered through the Home Secretary, Moreover ordinarily the Department of Law and Order would certainly appear to be included in the portfolio of the Home Minister and yet at page 26 of the Rules of Business it is stated that this Department is administered through the Chief Secretary. At the same time it would seen that orders for detention under the Defence of India Rules are not included in the heads of business in the Department of law and Order. The only reference to detention is at item No. 33 which reads:—

"Preventive Detention Act, 1950 and Punjab Security of the State Act, 1951. including Advisory Board References relating to."

The power to issue orders of detention under the Defence of India Rules is claimed to be part of the business of the Home Minister as falling in the so-called. Miscellaneous Department administered through the Home Secretary at page 28 where item No. 4 reads:

"Detenus, Security Prisoners and State Prisoners References relating to actual detention of."

Although it would have been better if in the allotment of the Home Portfolio to a particular Minister the exact nature of the tasks allotted to him were more clearly defined by specifying the particulars Departments categorised in the Schedule, since according to rule 3 it is Departments, and not portfolios, which are to be allotted, there is no reason for not believing that in fact the Department of Law and Order and the Miscellaneous department administered through the Home Secretary fall within the scope of the Home Minister's portfolio. The question therefore is whether under the Departments allotted to him was included the power of detaining under the Defence of India Rules.

On one point there can be no doubt, namely that if the function of detaining for the reasons for which an order of detention has now been passed under the Defence of India Rules already existed in the Rule of Business there was no necessity for any fresh allocation among Ministers under Article 166(3) of the Constitution. This is settled by the following passage in the judgment of the Supreme Court in *Godavari Shamrao Parulekar and another* v *the State of Maharashtra and others*, A.I.R. 1964 Supreme Court 1128—

"The next argument is that there is no order of allocation made by the Governor or under Article 166 of the Defence of India Ordinance and the Rules framed thereunder and therefore the allocation of business by the Rules of Business which were enforced by an order of the Governor dated May, 1, 1960 would not be of any effect in allocating the subject of preventive detention arising under the Defence of India ordinance, Act and the Rules to the Minister and the Governor should have passed the order of detention himself. We are of opinion that there is no force in this contention. Allocation of business under Article 166(3) of the Constitution is not made with reference to particular laws which may be in force at that time the allocation is made; it is made with reference to be three lists of the Seventh Schedule to the constitution for the executive power of the Centre and the State together extends to matters with respect to which parliament and the Legislature of a State may make laws. Therefore, when allocation of business is made it is made with reference to the three lists in the seventh schedule and thus the allocation in the rules of business provides for all contingencies which may arise for the exercise of the executive power. Such allocation may be made even in advance of legislation made by Parliament makes to be available whenever parliament makes a legislation conferring, power on a state Government with respect to matters in list I of the seventh schedule. It was therefore in our opinion not necessary that there should have been an allocation made by the Governor under article 166(3) of the power to detain under the Defence of India Ordinance, Act and rules after they were passed, it will be enough if the allocation of the subject, to which the defence of India ordinance, act and rules refer has been made with reference to the three lists in the seventh

schedule and if such allocation already exists, it may be taken advantage of it and when laws are passed reference to the three lists in the Seventh Schedule and if such allocation already exists, it may be taken advantage of if and when laws are passed".

In that case the detenus had been detained by the Minister in charge of the Home Department of the Maharashtra Government with a view to preventing them from acting in a manner prejudicial to the defence of India, the public safety and the maintenance of public order. The grounds thus fell under two heads, one relating to the public order of the State, for which the state could legislate under item (3) in the concurrent lists in the seventh schedule to the constitution, and the second relating to the defence of India, which was a matter falling in the first list in the seventh schedule, i.e. the Union list. However, section 40 of the defence of India Act permits the delegation of powers under the Act to the State Government even regarding matters on which the State Legislature is not competent to legislate. The rules of Business of the Maharashtra Government were examined and it was found that at item No. 7 in the business of the Home Department (Special) provision was made for preventive detention for reasons connected with the security of the State, the maintenance of public order and so on, while at the same time, in the rules of Business relating to the so-called General Administration Department, provision was made at item No. 44 for preventive detention for reasons connected with defence, foreign affairs or the security of India. In these circumstances the only question that arose was whether the Minister who passed the order of detention was in charge of both the Departments concerned, and when it was found that he was so in charge the detention order was upheld.

In my opinion, however, it cannot possibly be said that there was anything in the Punjab Government rules of Business which anticipated legislation by the Central Government enabling the state Government to detain persons under the Defence of India Rules such as existed in clear language in item No. 4 in the Central Administration Department of the Maharashtra Government. *Prima facie* the only function of detention provided for in the Punjab Rules of Business is detention under the Preventive Detention Act of 1952 or the Punjab Security of the State Act of 1951, which appears at item No. 33 in the business of the Department of law and order Administered by the Home Minister through the Chief Secretary. It seems to me to be straining the language beyond endurance to read into item No.4 of the business of the miscellaneous Department administered through the Home Secretary any function of detaining under any Act. Indeed the plain meaning of the two items appears to me to be that matters relating to passing of orders of detention under the Preventive Detention Act and the Punjab Security of the State Act are to be dealt with by the Home Minister through the Chief Secretary, and that the other item to be dealt with by the Home Minister through the Home Secretary merely relates to the conditions of detention of persons already ordered to be detained either under the Preventive Detention Act or the Punjab Security of the State Act. When headings are drawn up as in the lists of departmental business contained in the schedule it is ordinary practice to put the main subject first and then details afterwards and .... and if item No. 4 in the Miscellaneous Departments business were put into ordinary English it would read, "References relating to actual detention of detenus, security prisoners and State Prisoners". Here the words 'security prisoners' would evidently refer to prisoners detained under the (Central) Preventive Detention Act and the words 'State Prisoners' to persons detained under the Punjab Security of the State Act. In either case the subject is merely confined to administrative matters relating to the conditions of detention for any reason whatever can possibly be read into the words.

As a matter of fact it would not appear that the manner in which the functions relating to detention were set out in the Maharashtra Rules of Business was in anticipation intelligent or otherwise, of the delegation of powers to the State Government under the Defence of India Act and Rules. Section 3 of the Preventive Detention Act reads:—

"(1) The Central Government or the State Government may:—

(a) if satisfied with respect to any person that with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to—

(i) the defence of India, the relations of India with foreign powers or the security of India

or

(ii) the security of the State or the maintenance of public order, or

(iii) the maintenance of supplies and services essential to the community.

[Home and Development Minister]

It is necessary so to do make an order that such person be detained."

Thus the State Governments were already empowered under the Preventive Detention Act Section 3 (1) (a) (i) to detain on grounds contained in List I on which only the Central Government could legislate. Such being the case, it is unfortunate that when power to detain under the Defence of India Rules was delegated to the State Government item No. 33 in the business of the Department of Law and Order, Punjab Rules of Business conducted through the Chiet Secretary was not amended so as to include such detention. Since merely the grounds of detention were mentioned in the functions of the different departments in the Maharashtra Rules of Business, and not particular Acts as here, no amendment of those rules became necessary when the power to detain under the Defence of India Rules was delegated to the Maharashtra Government.

It might perhaps have been argued that since detention on the grounds on which the present detentions have been ordered was already within the functions of the Home Minister whose portfolio included the Department of Law and Order, though only under the Preventive Detention Act, these detentions were not outside the scope of his functions. This argument would, however, have to be repelled on two grounds. In the first place this was not the position adopted on behalf of the respondents who took their stand on the position that additional powers of detention beyond those at item No. 33 were conferred by item No. 4 of the business done through the Home Secretary, point with which I have dealt above. At this stage no such new position could be adopted. In the second place, although these detentions might all have been ordered under the powers conferred by the Preventive Detention Act, in fact they were not, and they were specifically made under rule 30 of the Defence of India Rules. Nor can they now be deemed to have been made under the Preventive Detention Act, since the incidents of detention under this Act differ considerably from those of detention under rule 30. For instance in detentions under the Preventive Detention Act the detenu has to be supplied with a copy of the grounds of his detention so as to enable him to make a representation to the detaining authority, and the decisions of the courts have seen to it that these grounds have to be detailed and specific. The detenu also has to be allowed to have his case considered by an Advisory Board composed of responsible persons who can hear him personally and also call for further information from the Government. No such privileges and safegu ards exist in the case of detention under the Defence of India Rules.

For these reasons I am of the opinion that the detention orders of the present petitioners are bad for the reasons that their detention could not be ordered by the Home Minister in exercise of the functions conferred on him by the Rules of Business of the Punjab Government. Although the detention of R.P. Manchanda has been ordered to prevent him from acting in manner prejudicial to the maintenance of public order, the same arguments apply in his case also.

Only one other point remains regarding the order of detention of Harkishen Singh Surjeet who it appears is ordinarily resident of this State ; but in December, 1964 when the decision to take general action against Pro-Chinese Communists was taken happened to be in the State of Kerala. Orders for his detention were passed both by the Governments of Kerala and of this State and he was actually arrested and detained under the orders of the Kerala State Government, but about three months later, after some consultation between the States and the Centre the order of the Kerala State Govern ment was cancelled and Harkishan Singh Surjeet was transferred to this State and detained under the order passed by this Government. The argument was advanced that he ought to be released because the only effective order of detention that was passed by the Kerala Government had been cancelled, and the order of the Government of this State had been a nullity from the beginning because of the order of the Kerala Government. There does not appear to me to be any force in this argument since clearly all that happened was that two orders were passed one of which was superfluous, and now, all that has happened is that the order of this State has been made effective on his transfer here and the unnecessary order of the Kerala Government cancelled. His petition nevertheless is entitled to succeed on the ground set out above. The result is that I would accept the petitions of the Left Wing Communist detenus as well as of R.P.Manchanda and order their release.

10th December, 1965. (Sd.)......

I agree. D. FALSHAW,

Chief Justice.

Word:—6787

Cost:—Rs 17 (Sd). H.R. KHANNA.

True copy Judge.

Supervisor Copy Branch.

## Industrial Co-operative Societies in Amritsar District

**3146. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names and addresses of the Industrial Co-operative Societies in Amritsar District, at present together with the details of industries being run by them ;

(b) the quantity of raw material allotted to them during the years 1964-65 in each case ?

**Chaudhri Rizaq Ram** (Minister for Irrigation and Power) : (a) and (b). The requisite information is enclosed.

**Industrial Co-operative Societies in Amritsar District**

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 1 | The Raj Hosiery Production Co-operative Industrial Society, Ltd., Jandiala Guru (Amritsar) | Hosiery | .. |
| 2 | The Majitha Handloom Production Co-operative Industrial Society, Ltd., Majitha | Handloom | .. |
| 3 | The Majitha Deep Handloom Production Co-operative Industrial Society, Ltd., Majitha | Do | .. |
| 4 | The Wadlala Viram Oil Production Co-operative Industrial Society, Ltd., village Wadala Viram, post office Majitha | Oil | .. |
| 5 | The United Textile Production Co-operative Industrial Society, Ltd., village Bhoman, post office Majitha | Unde ınding up orders | .. |
| 6 | The Dhing Nangal Weavers Production Co-operative Industrial Society, Ltd., village Dhing, post office Majitha | Weavers | .. |
| 7 | The Verka Weavers Production Co-operative Industrial Society, Ltd., village post office Verka | Do | .. |
| 8 | The Waryam Nangal Weavers Production-cum-Sale C.I.S., Ltd., Waryam Nangal, post office Kathu Nangal | Do | .. |
| 9 | The Chavinda Devi Textile P.C.S., C.I.S., Ltd., Chavinda Devi, post office Kathu Nangal | Do | .. |
| 10 | The Bhangali Janta Oil Production C.I.S., Ltd., Bhangali, post office Bhangali Kalan | Oil | .. |
| 11 | The Majitha Ramdasian Shoe-makers Production C.I.S., Ltd., Majitha | Shoes | .. |

[Minister for Irrigation and Power]

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 12 | The Nangali Nowshera H/P of Rice Production-cum-Sale C.I.S., Ltd., Nangali Nowshera | H/P of rice | .. |
| 13 | The Ajnala Ban-making Production C.I.S., Ltd., village post, office Ajnala | Ban-making | .. |
| 14 | The Ajnala Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Ajnala | Oil | .. |
| 15 | The Ajnala Brick Kiln Production C.I.S., Ltd. | Bricks | .. |
| 16 | The Ajnala Iron Works Production C.I.S., Ltd. | Iron work | .. |
| 17 | The Jagdev Kalan Weavers Production C.I.S., Ltd., Jagdev Kalan | Weavers | .. |
| 18 | The Bal Bawa Weavers Production C.I.S., village, post office Bal Bawa | Do | .. |
| 19 | The Jassar Weavers Production C.I.S., Ltd., village, post office Jassar | Do | .. |
| 20 | The Jassar Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Jassar | Oil | .. |
| 21 | The Jassar Brick Kiln Production C.I.S., Ltd., Jassar | Bricks | .. |
| 22 | The Thoba Oil Production C.I.S., Ltd., Thoba | Oil | .. |
| 23 | The Longomal Brick Kiln Production C.I.S., Ltd., Longomal | Bricks | .. |
| 24 | The Suffian Leather Production C.I.S., Ltd., Suffian | Leather | .. |
| 25 | The Suffian Oil Ghani Production C.I.S., Ltd. | Oil Ghani | .. |
| 26 | The Sansara Kalan Brick Kiln Production C.I.S., Ltd., Sansara Kalan | Bricks | .. |
| 27 | The Chogawan Weavers Production C.I.S., Ltd., Chogawan | Weavers | .. |
| 28 | The Chogawan Oil and Soap Production C.I.S., Ltd., Chogawan | Oil and Soap | .. |
| 29 | The Chogawan Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Chogawan | Oil | .. |
| 30 | The Chogawan Agriculture Implement Production C.I.S., Ltd., Chogawan | Agriculture Implements | .. |
| 31 | Chogawan Bombay Cycle Parts Production C.I.S. | Cycle parts | .. |

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 32 | The Adarsh Handmade Paper Production C.I.S., Kanwar | Paper | .. |
| 33 | The Kohali Weavers Production C.I.S., Ltd., Kohali | Weavers | .. |
| 34 | The Madhoke Flaying and Tanning C.I.S., Ltd., Madhoke | Flaying and Tanning | .. |
| 35 | The Vaniake Weavers C.I.S., Ltd., Vaniake | Weavers | .. |
| 36 | The Bhindi Oh-lakh Oil and Soap Production C.I.S., Ltd., Bhindi | Oil and Soap | .. |
| 37 | The Preet Nagar Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Preet Nagar | Oil | .. |
| 38 | The Harsha China Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Harsha China | Do | .. |
| 39 | Navjeevan Flaying and Tanning C.I.S., Ltd., Ajnala | Flaying and Tanning | .. |
| 40 | The Harsha China Textile C.I.S., Ltd., Harsha China | Weavers | .. |
| 41 | The Harsha China Leather Production C.I.S., Ltd. | Leather | .. |
| 42 | The Khiala Kalan Brick Kiln C.I.S., Ltd., Khiala Kalan, Amritsar | Bricks | .. |
| 43 | The Raja Sansi H/P of Rice C.I.S., Ltd., Raja Sansi | H/P of Rice | .. |
| 44 | The Raja Sansi Carpet-makers C.I.S., Ltd. | Carpet | .. |
| 45 | The Kamashe H/P of Rice C.I.S., Ltd., Kamashe | H/P of Rice | .. |
| 46 | The Saidpur Gur and Khandsari C.I.S., Ltd., Saidpur, post office Mehta | G/K | .. |
| 47 | The Amritsar Oil and Soap Production C.I.S., Ltd. | Under winding up process | .. |
| 48 | The Amritsar Mechanical Production C.I.S., Ltd., Amritsar, Ghee Mandi | Mechanical | .. |
| 49 | The Amritsar Janta Radio Production C.I.S., Ltd., Hall Bazar, Amritsar | Radio | .. |
| 50 | The Bharat Engineering Production C.I.S., Amritsar | Engineering | .. |

[Minister forIrrigation and power]

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the societies | Quantity of Raw mateiial allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 51 | The Amritsar Bharat Textile C.I.S., Ltd. | Under liquidation | .. |
| 52 | The Amritsar Good Luck Mechanical Production C.I.S., Pathankot Road, Amritsar | Mechanical | .. |
| 53 | The Hussainpur Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Amritsar | Oil | .. |
| 54 | The Amritsar Punjab Education Films Production C.I.S., Ltd., Laurance Road, Amritsar | Films | .. |
| 55 | The Punjab Textile P.C.S., C.I.S., Ltd., Ghee Mandi, Amritsar | Weavers | .. |
| 56 | The Rose Textile Production C.I.S., Ltd., Kashmir Road, Amritsar | Do | .. |
| 57 | The Amritsar Sohal Engineering C.I.S., Ltd., Kot Atma Singh, Amritsar | Engineering | .. |
| 58 | The Vallah Oil Ghani C.I.S., Ltd., Vallah | Oil | .. |
| 59 | The Mudhal Oil Ghani Production C.I.S., Ltd., Mudhal, post office Verka | Do | .. |
| 60 | The Amritsar Oil and Soap Production C. I. S., Ltd. | Under winding up process | .. |
| 61 | The Amritsar Small Enterparneur C.I.S. Ltd. | Ditto | .. |
| 62 | The Sitara Weavers Production-cum-Sale C.I.S., Ltd., Chatiwind, Amritsar | Weavers | .. |
| 63 | The Amritsar Jai Bharat Production C.I.S., Ltd. Inside Hall Gate, Amritsar | Leather | .. |
| 64 | The Amritsar Allied Appliances C.I.S., Ltd. | Under winding up order | .. |
| 65 | The Amritsar Brick Kiln Production C.I.S., Ltd., H. No. 216, Amritsar (Hussainpura) | Bricks | .. |
| 66 | The Amritsar Janta Central Leather C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh, Amritsar | Leather | .. |
| 67 | The Amritsar K. Khadi and G.U. C.I.S., Ltd. | Under winding up orders | .. |
| 68 | The Karampura Weavers C.I.S., Ltd., Karampura | Weavers | .. |
| 69 | The Amritsar Leather Production C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh, Amritsar | Leather | .. |

| (a) | | | b |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of industrial Co operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 70 | The Amritsar Ekta Handloom Production C.I.S., Ltd., near Chitra Talkies, Amritsar | Weavers | .. |
| 71 | The Rattna Handloom Production C.I.S., Ltd., Partap Bazar, Amritsar | Do | .. |
| 72 | The Punjab Weavers C.I.S., Ltd., Amritsar inside Khazana Gate | Do | .. |
| 73 | The Amritsar Bharat Thathiar Production C.I.S., Ltd., Bazar Thathiaran, Amritsar | Utensils | .. |
| 74 | The Saido Lehal Weavers C.I.S., Ltd., Saido Lehal | Weavers | .. |
| 75 | The Chatiwind Lehal Oil C.I.S., Ltd., Chatiwind Lehal | Oil | .. |
| 76 | The Seed Crushing and General C.I.S., Ltd., Rayyia | Seed Crushing | .. |
| 77 | The Rana Handicraft and Dying P.C.S., C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh, Amritsar | Handicraft | .. |
| 78 | The Garib Tanning Production C.I.S., Ltd., Amritsar | Tanning | .. |
| 79 | The Punjab Co-operative Leather Production C.I.S., Ltd., Katra Karam Singh, Amritsar | Leather | .. |
| 80 | The Ravidas Tanning P.C.S., C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh, Amritsar | Tanning | .. |
| 81 | The Amritsar Delight Radio Production C.I.S., Ltd., Hall Bazar, Amritsar | Radio | .. |
| 82 | The Shabe Rose Oil Production C.I.S., Ltd. | Under winding up orders | .. |
| 83 | The Darbar Textile P.C.S., C.I.S., Ltd., Bhagtanwala Gate, Amritsar | Weavers | .. |
| 84 | The Jwahar Textile Production C.I.S., Ltd., Gali Satto Wali, Amritsar | Do | .. |
| 85 | The Sathiala Weavers P.C.S., C.I.S. Sathiala | Do | .. |
| 86 | The Sathiala Leather P.C.S., C.I.S., Ltd., Sathiala | Leather | .. |
| 87 | The Mehta Leather C.I.S., Ltd., Mehta | Do | .. |
| 88 | The Butari Weavers C.I.S., Ltd., Butari | Weavers | .. |
| 89 | The Butari Oil and Soap C.I.S., Ltd., Butari | Oil and Soap | .. |
| 90 | The Bhillowal H/P of Rice R.C.S., C.I.S., Ltd., Bhillowal | H/P of Rice | .. |
| 91 | The Mattewal Oil and Soap Production C.I.S., Ltd., Mattewal | Oil and soap | .. |

[Ministerfor Irrigation and powerRam]

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of industrial Co. operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 92 | The Kale-ke Rural Weavers C.I.S., Ltd., Kaleke | Weavers | .. |
| 93 | The Punjab H/P of Rice P.C.S., C.I.S., Ltd., Chaurasti Attari, Amritsar | H/P of Rice | .. |
| 94 | The Cycle and Motor Spare Parts C.I.S., Ltd., Sangarana Sahib, Amritsar | Cycle and motor parts | .. |
| 95 | The Sangarana Textile Production C.I.S., Ltd., Sangiana Sahib, Amritsar | Weavers | .. |
| 96 | The Amritsar Cutlery and Spare Parts C.I.S., Ltd., Katra Sufaid, Amritsar | Cutlery | .. |
| 97 | The Janta Lime P.C.S., C.I.S., Ltd., Ram Bagh Gate, Amritsar | Lime | .. |
| 98 | The Januja Soap P.C.S., C.I.S., Dhab Vasti Ram, Amritsar | Soap | .. |
| 99 | The Amritsar Friends Screen and Printing C.I.S., Ltd., Bazar Karam Singh, Amritsar | Printing | .. |
| 100 | The Amritsar General Manufacturing S.M., C.I.S., Bazar Kathiana, Amritsar | Do | .. |
| 101 | The Kanwar Handloom P.C.S., C.I.S., Ltd., Jaura Pull, Amritsar | Weavers | .. |
| 102 | The Amritsar National Handloom P.C.S., C.I.S., Katra Sufaid, Amritsar | Do | .. |
| 103 | The Amritsar Navyug Harijan Engineering Production C.I.S., Ltd., Lahori Gate, Amritsar | Engineering | .. |
| 104 | Amritsar Stationery P.C.S., C.I.S., Ltd., Chowk Baba Sahib, Amritsar | Stationery | .. |
| 105 | The Modern Handicraft P.C.S., C.I.S., Ltd., Chowk Passian, | Handicraft | .. |
| 106 | The Amritsar Sewak Oil P.C.S., C.I.S., Ltd., Dal Mandi | Oil | .. |
| 107 | The Amritsar Indian Engineering P.C.S., C.I.S., Ltd., inside Chatiwind Gate, Amritsar | Engineering | .. |
| 108 | The Hind Weavers C.I.S., Ltd., inside Hathi Gate, Amritsar | Weavers | .. |
| 109 | The Navdeep Films Production C.I.S., Ltd., B-Block, outside Chatiwind Gate, Amritsar | Films | .. |
| 110 | The Parbhat Slate P.C.S., C.I.S., Ltd., Bazar Loharan | Slate | ... |
| 111 | The Parcha Bufan C.I.S., Ltd., village post office Varpal | Weavers | .. |

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 112 | The Amritsar National Textile C.I.S., Ltd., Ghee Mandi, Amritsar | Weavers | |
| 113 | The Amritsar Textile C.I.S., Ltd., Chowk Bahian, Amritsar | Do | .. |
| 114 | The Manawala Weavers C.I.S., Ltd., village post office Manawala | Do | .. |
| 115 | The Kailash Handloom C.I.S., Ltd., Lakar Mandi, Amritsar | Do | .. |
| 116 | Amritsar Popular Engineering C.I.S., Ltd., G.T. Road, Amritsar | Engineering | .. |
| 117 | The Amritsar Swarankar Engineering P.C.S., C.I.S., Ltd., Ajit Nagar, Amritsar | Do | .. |
| 118 | Amritsar Desi Jora -Makers C.I.S., Ltd., inside Sultanwind Gate, Amritsar | Shoes | .. |
| 119 | The Mohinder Mechanical Engineering P.C.S., C.I.S., Ltd., Railway Road, Amritsar | Engineering | .. |
| 120 | The Amritsar Friends and Cycle Spare Parts Electroplating C.I.S., Ltd., Kot Bhagat Singh, Amritsar | Cycle spare parts | .. |
| 121 | The New Asia Engineering C.I.S., Ltd., 152-Karkhana Bazar, Amritsar | Engineering | 600 Kgs. Copper 400 Kgs. Zinc |
| 122 | The Sultanwind Oil and Soap Production C.I.S., Ltd., Sultanwind | Oil and Soap | .. |
| 123 | The Amritsar Dairy and Milk Production C.I.S., Ltd., New Rego Bridge | Milk Production | .. |
| 124 | The Novelty Radio C.I.S., Ltd., Bazar Bikanarian, Amritsar | Radio | .. |
| 125 | The Amritsar Wool Workers C.I.S., Ltd., 1478/76, Muni Chowk, Amritsar | W/works | .. |
| 126 | The Rajindra Sports Production C.I.S., 76-B, Hall Gate, Amritsar | Sports | .. |
| 127 | The Dashesh Engineering P.C.S., C.I.S., Ltd., Sultanwind Road, Amritsar | Engineeing | .. |
| 128 | Tarjindra Mechanical Production C.I.S., Ltd., Khata Tirath Ghali Bhallian, Amritsar | Do | .. |
| 129 | The Amritsar Stationery Printing C.I.S., Ltd., Bazar Mai Sewan, Amritsar | Stationery | ... |

| Serial No. | Name and address of industrial Co operative Societies | Industries being rnn by the Societies | Quantity of Raw m1terial allotted during 1964-65 and 1965-66 |
|---|---|---|---|
| | a | | b |
| 130 | Amritsar Co-operative Industrial Bank, Ltd. | Under Liquidation | .. |
| 131 | The Jandiala Industrial Estate Ltd., Jandiala Guru | Industrial | .. |
| 132 | The Friends Utensil Production C.I.S., Ltd., Bazar Bhatrian, Jandiala Guru | Utensil | 57.800 Kgs. Copper |
| 133 | The Vaishno Utensil Production C.I.S., Ltd., Bazar Phatriana, Jandiala Guru | Utensil | .. |
| 134 | Jandiala Milap Weavers Production C.I.S., Ltd., Jandiala | Weavers | .. |
| 135 | The Jandiala Weavers Production C.I.S., Jandiala | Do | .. |
| 136 | The Bundala Weavers C.I.S., Ltd., Bundala | Do | .. |
| 137 | The Oil and General P.C.S., Ltd., Gehri | Oil | .. |
| 138 | The Modern Textile C.I.S., Ltd., Gehri | Weavers | .. |
| 139 | The Parcha Bufan C.I.S., Ltd., Kot Khera | Do | .. |
| 140 | The Jandiala Engineering C.I.S., Ltd., Jandiala | Engineering | .. |
| 141 | Tarn Taran Sharma Weavers Production C.I.S., Ltd., New Bazar, Tarn Taran | Weavers | .. |
| 142 | The Attari Ramdasian Shoe Makers Production C.I.S., Ltd., Attari | Shoes | .. |
| 143 | The Attari Leather Workers C.I.S., Ltd., Attari | Leather | .. |
| 144 | The Tarn Taran Harijan Leather C.I.S., Ltd., S.M. Muradpura Road, Tarn Taran | Do | .. |
| 145 | The Tarn Taran Ramdasian Shoe Makers C.I.S., S.M. Muradpura Road, Tarn Taran | Do | .. |
| 146 | The Jiobala Weavers C.I.S., Ltd., Jeobala | Weavers | .. |
| 147 | The Kaka Kandiala Weavers C.I.S., Ltd., Kaka Kandiala | Do | .. |
| 148 | The Tarn Taran Engineering works C.I.S., Ltd., Jandıala Road, Tarn Taran | Engineering | .. |
| 149 | The Tarn Taran Chawla Cotton Ginning and General C.I.S., Ltd., Sarhali Road, Tarn Taran | Cotton | .. |
| 150 | The Tarn Taran Weavers Production C.I.S., Ltd., Guru Bazar, Tarn Taran | Weavers | .. |

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 151 | The Lauhka Schedule Caste Weavers Production C.I.S., Ltd., Lauhka | Weavers | .. |
| 152 | The Lauhka Weavers C.I.S., Ltd., Lauhka | Do | .. |
| 153 | The Lauhka Khalsa Weavers Production C.I.S., Ltd., Lauhka | Do | .. |
| 154 | The Saquanwali G/K Production C.I.S., Ltd., Saquanwali | G/K | .. |
| 155 | The Sarli Sericulture C.I.S., Ltd., Sarli | Sericulture | .. |
| 156 | The Amarkot Weavers Production C.I.S., Ltd., Amarkot | Weavers | .. |
| 157 | The Mari Kamboke Weavers C.I.S., Ltd., Mari Kamboke | Do | .. |
| 158 | The Sandhu G/K C.I.S. Ltd., Mari Mega, District Amritsar | G/K | |
| 159 | The Sur Singh Brick-Kiln C.I.S., Ltd., Sur Singh | Bricks | .. |
| 160 | The Singpura Weavers S.M.C.I.S., Ltd., Singhpura | Weavers | .. |
| 161 | The Bhikhiwind Flaying C.I.S., Ltd., Adda Bhikhiwind, district Amritsar | Flaying | .. |
| 162 | The Bhikhiwind Adda Leather Production C.I.S., Ltd., Adda Bhikhiwind, Amritsar | Leather | .. |
| 163 | Bhikhiwind Ramdasian C.I.S., Ltd. .. | Under winding up process | .. |
| 164 | The Bhikhiwind Janta Oil Production C.I.S., Ltd., Bhikhiwind | Oil | .. |
| 165 | The Bhikhiwind Ban-making C.I.S., Ltd., Bhikhiwind | Ban making | .. |
| 166 | The Parcha Bufan C.I.S., Ltd., Khem Karan | Weavers | .. |
| 167 | The Khem Karan Wool and Cotton Production C.I.S., Ltd., Khem Karan | Do | .. |
| 168 | The Gharyala Shoe-makers C.I.S., Ltd. .. | Under winding up process | .. |
| 169 | The Gharyala Brick-kiln Production C.I.S., Ltd., Gharyala | Bricks | .. |
| 170 | The Dubli Flaying and Tanning Production C.I.S., Ltd., Dubli | Flaying and Tanning | .. |
| 171 | The Sabran Ban-making Production C.I.S., Ltd., Sabran | Ban-making | .. |

[Minieter for Irrigation and power]

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 172 | The Kirtowal Weavers C.I.S., Ltd., Kirtowal | Weavers | |
| 173 | The Mansrover Oil Production C.I.S., Ltd. | Under winding up process | .. |
| 174 | The Patti Ramdasian Shoe-makers Production C.I.S., Patti | Soap | .. |
| 175 | The Patti Leather C.I.S., Ltd. | Under winding up process | .. |
| 176 | The Patti Soap P.C.S., C.I.S., Ltd., Patti | Soap | .. |
| 177 | The Patti Aggarwal Oil and Soap Production, Patti | Oil and soap | .. |
| 178 | The Patti Ramgarian Production C.Y.S., Ltd., Patti | Weavers | .. |
| 179 | The Patti Janta Handloom Production C.I.S. Ltd., Patti | Do | .. |
| 180 | The Patti Weavers Production C.I.S., Ltd., Patti | Do | .. |
| 181 | The Patti Handicraft Embroidery Production C.I.S., Ltd. | Handicraft | .. |
| 182 | The Iron and W/Work Production C.I.S., Ltd., Patti | W/Work | .. |
| 183 | The Patti Oil Production C.I.S., Ltd., Patti | Oil | .. |
| 184 | The Navyug H/Pof Rice Production C.I.S., Patti | H/Pounting | .. |
| 185 | The Nagoke Brick-Kiln Production C.I.S., Ltd., Nagoke | Brick-Kiln | .. |
| 186 | The Nagoke Weavers Production C.I.S., Ltd., Nagoke | Weavers | .. |
| 187 | The Nathoke Ban-making Production C.I.S., Ltd., Nathoke | Ban-making | .. |
| 188 | The Khadur Sahib Ravidas Shoe-making Production C.I.S., Ltd., Khadur Sahib | Shoes | .. |
| 189 | The Verowal Brick-Kiln Production C.I.S., Ltd. | Under winding up process | .. |
| 190 | The Verowal Ban-making Production C.I.S., Ltd., Verowal | Ban-making | .. |
| 191 | The Verowal Flaying C.I.S., Ltd., Verowal | Flaying | .. |
| 192 | The Sandeep Fibre Production C.I.S., Ltd., Jallabad | Fibre | .. |

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 193 | The Saquinwali G/K Production C.I.S., Saquanwali | G/K | .. |
| 194 | The Sohal Engineering Production C.I.S., Ltd., Sohal | Engineering | .. |
| 195 | The Civil Lines Handloom Production C.I.S., Azad Nagar, Amritsar | Weavers | .. |
| 196 | The Putlighar H/P of Rice Production C.I.S., Ltd., Putlighar | H/P of rice | .. |
| 197 | The Haripura Weavers Production C.I.S., Haripura, post office Khalsa College | Weavers | .. |
| 198 | The Meharpura Weavers C.I.S., Ltd., Gali No. 3, Keharpura, post office Khalsa College, Amritsar | Do | .. |
| 199 | The Sharma Soap P.C.S., C.I.S., Ltd., Haripura, Amritsar | Soap | .. |
| 200 | The Kotli Mian Khan, H/P Paddy and Pulses Production C.I.S. Ltd., Kotli Mian Khan | H/P | .. |
| 201 | The Swastic Rubber Production C.I.S., Ltd., Ram Tirth Road, Amritsar | Rubber | .. |
| 202 | The Dam Ganj Weavers, P.C.S, C.I.S., Ltd., Dam Ganj, Amritsar | Weavers | .. |
| 203 | The Miran Kot Kalan Glue Production, C.I.S., Ltd., Mirankot | Glue | .. |
| 204 | The New Bharat Handloom Production, C.I.S., Hathi Gate, Amritsar | Weavers | .. |
| 205 | The Kala Ghanupur Textile Production, C.I.S., Ltd., Kala Ghanupur | Do | .. |
| 206 | The National Engineering Production, C.I.S. Chhehartta | Engineering | .. |
| 207 | The Shiwalik Textile Production, C.I.S. .. Ltd., Ward Nos. 6 and 7, Chhehartta | Weavers | .. |
| 208 | The Amritsar Oil Production, C.I.S., Ltd., Putlighar | Oil | .. |
| 209 | The Kala Ghanupur Brick-Kiln Production C.I.S., Kala Ghanupur | Bricks | .. |
| 210 | The Khasa Guru Nanak Glass Production C.I.S., Ltd., Khasa | Glass | .. |

[Irrigation and power Minister]

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 211 | The Kathanian Weavers Production, C.I.S., Ltd., Kathanian | Weavers | .. |
| 212 | The Amritsar Model Powerlooms C.I.S., Ltd., near Khalsa College, Amritsar | Do | .. |
| 213 | The Islamabad Powerloom Production, C.I.S. Ltd., Islamabad | Do | |
| 214 | The Putlighar Handloom Prodution C.I.S., Ltd., Cementry Road, Amritsar | Do | .. |
| 215 | Harijan-Boot-makers Production C.I.S. Ltd. Haveli Rur Singh near Telephone Exchange, Amritsar | Shoes | .. |
| 216 | The Amritsar Bharat Oil and Soap Production C.I.S., Mandi Charanjahan inside Hathi Gate, Amritsar | Oil | .. |
| 217 | The Joshi Soap, P.C.S. C.I.S., Ltd., Katra Moti Ram, Amritsar | Soap | .. |
| 218 | The Bharat Handloom P.C.S., C.I.S., Katra Sher Singh | Weavers | .. |
| 219 | Th Loharka Kalan Oil and Soap Production C.I.S., village and post office Loharka Kalan | Oil and Soap | .. |
| 220 | The Amritsar Thathiar C.I.S. Ltd., Thatharian | Utensil | .. |
| 221 | The Hind Watches Mechanical Production C.I.S. Hall Bazar, Amritsar | Watches | |
| 222 | The Amritsar Bharat Handloom P.C.S., Amritsar | Weavers | .. |
| 223 | The Hind Oil and Soap P.C.S., C.I.S., Ltd., inside Hakimanwala Gate, Amritsar | Oil | .. |
| 224 | The Amritsar New Bharat Powerlooms Production C.I.S Ltd., Hathi Gate, Amritsar | U.W.O. weavers | .. |
| 225 | The Jyoti Handloom Production C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh | Do | .. |
| 226 | The Amritsar Handloom Production C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh, Amritsar | Do | .. |
| 227 | The Amritsar Textile Tranee .C.I.S., Ltd., Katra Bhagian | Do | .. |

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 228 | The Amritsar Harijan Shoe-makers Production C.I.S., Katra Sher Singh. Amritsar | Leather | .. |
| 229 | The Amritsar Engineering P.C.S., C.I.S., Ltd. Hide Market Amritsar | Engineering | .. |
| 230 | The Amritsar Nav Bharat Handloom P.C.S. C.I.S., Ltd., Goel Market, Amritsar | Weavers | .. |
| 231 | The Amritsar Sports Goods roduction P.C.S. C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh, Amritsar | Sports goods | .. |
| 232 | The Frontier Foot Wear C.I.S., Ltd., Katra Sher Singh | Shoes | .. |
| 233 | The Amritsar Luxmi Engineering C.I.S., Ltd., Railway Road, Amritsar | Engineering | .. |
| 234 | The New Bharat C.I.S., Ltd., 123-Hall Bazar, Amritsar | Do | .. |
| 235 | Roop Handloom Production C.I.S., Ltd. | Under Winding up Process | .. |
| 236 | The Russian Paints and Varnish Production C.I.S., Ltd., Khazana Gate, Amritsar | Paints | .. |
| 237 | The Tarn Taran Janta W/works Production C.I.S., Ltd., Sarhali Road, Tarn Taran | W/works | .. |
| 238 | The Tarn Taran Handloom Production C.S. C.I.S., Ltd., Sadar Bazar, Tarn Taran | Weavers | |
| 239 | The Malian Vishkarma Fabrication Production C..I.S., Ltd., village and post office Malian | Fabrica | .. |
| 240 | The Friends W/works Production C.I.S., Ltd., Sadar Bazar , Tarn Taran | W/works | .. |
| 241 | The Kudgil Weavers Productio.ı C.I.S., Ltd., Kudgil | Weavers | .. |
| 242 | The Tarn Taran Ideal Textile Production C.I.S., Ltd., Railway Road, Tarn Taran | Do | .. |
| 243 | The Tarn Taran Leather Production C.I.S., Adda Bazar, Tarn Taran | Leather | .. |
| 244 | The Tarn Taran Guru Arjan Dev W/work Production C.I.S., Ltd., Sirhali Road, Tarn Taran | W/works | .. |
| 245 | The Nanksar weavers ProductionC. I. S Ltd, | Weavers | .. |

[Irrigation and power Minister]

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 246 | The Tarn Taran Textile Production C..I.S., Sirhali Road, Tarn Taran | Weavers | .. |
| 247 | The Tarn Taran Dye House C.I.S. Ltd., Tarn Taran | Dye | .. |
| 248 | The Manochahl Kalan Weaver C.I.S. Ltd., Manochahl | Weavers | .. |
| 249 | The Tarn Taran Rayon Textile Production C.I.S. Ltd., Railway Road, Tarn Taran | Do | .. |
| 250 | The Tarn Taran W/Works Production C.I.S. Adda Bazar, Tarn Taran | W/Works | .. |
| 251 | The Tarn Taran Radio P. C. S. C.I.S., Ltd., Main Road, Tarn Taran | Radio | .. |
| 252 | The Dande Harijan Leather Works Production C.I.S. Dande | Leather | .. |
| 253 | The Chabbal Kalan Weavers Production C.I.S., Chabbal Kalan | Weavers | .. |
| 254 | The Dhotian Brick-Kiln Production C.I.S., Dhotian | Bricks | .. |
| 255 | The Doburji Backward Weavers Production C.I.S., Doburji | Weavers | .. |
| 256 | The Tarn Taran Handicraft P.C.S., C.I.S., Adda Nurdi , Tarn Taran | Handicraft | .. |
| 257 | The Bathal Bhaike Iron and W/Works Production C.I.S., village and post-office Bathal Bhaike | I/S | .. |
| 258 | The Marhana Flaying and tanning P.C.S., C..I.S., Marhana | F/T | .. |
| 259 | The Fatehabad Janta Sewak Oil Prodution, C.I.S., Fatehabad | Oil | .. |
| 260 | The Ruriwala Agr. Imp. Production C.I.S., Ruriwal | Agr. Imp. | .. |
| 261 | The Sarhali Kalan Oil expellers Production C.I.S. Sarhali Kalan | Oil | .. |
| 262 | The Chohla Sahib Leather Workers P.C.S., C.I.S., Ltd., Chohla Sahib | Leather | .. |
| 263 | The Chohla Sahib Shoe makers Prodution C.I.S. Ltd., Chohla Sahib | Leather | .. |

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 264 | The Gharka Ban-making C.I.S. Ltd., Gharka | Ban-making | .. |
| 265 | The Nowshera Panuan Shoe-makers Production C.I.S. Ltd., Nowshera Panuan | Leather | .. |
| 266 | The Nowshera Panuan Leather C.I.S., Nowshera Panuan | Do | .. |
| 267 | The Tarn Taran Ghani Oil Production C.I.S., mohalla Nanaksar, Tarn Taran | Oil | .. |
| 268 | The Tarn Taran Jain Bharat Textile Production C.I.S., Sarhali Road, Tarn Taran | Weavers | .. |
| 269 | The Dyal Shahabpura G/K Production C.I.S. Ltd., Shahabpura | G/K | .. |
| 270 | The Gurdev H/P of Peddy and Pulses Production C.I.S., Dyal | H/P | .. |
| 271 | The Palasour Oil and Soap P.C.S., C.I.S. Ltd., Palasour | Oil | .. |
| 272 | The Tarn Taran Ramgarhian W/Works Production C.I.S. Ltd., Sadar Bazar, Tarn Taran | W/Works | .. |
| 273 | The Tarn Taran Brick-Kiln Production C.I.S., Jandiala Road, Tarn Taran | Bricks | .. |
| 274 | The Tarn Taran Janta Textile P.C.S., Tarn Taran | Weavers | .. |
| 275 | The Fatehabad Ban-making Production C.I.S., Fatehabad | Ban-making | .. |
| 276 | The Manochahl H/P of rice of P.C.S. C.I.S., Manochahl | H/P | .. |
| 277 | The Fatehabad Agr. Imp. Production C.I.S., Fatehabad | Agr. Imp. | .. |
| 278 | The Chaudhriwala Flayers Production C.I.S., Chaudhriwala | Flayers | .. |
| 279 | The Kairon Brick-kiln C.I.S., Ltd., Kairon | Bricks | .. |
| 280 | The Dhotian Brick-kiln C.I.S., Ltd., Dhotian | Do | .. |
| 281 | The Chaudhriwala Birck-kiln Production C.I.S., Chaudhriwala | Do | .. |
| 282 | **The Nav Parbhat Engineering and Agr. Imp. Production, Karion** | **Engineering** | .. |

[Irrigation and power Minister]

| | (a) | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies. | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 283 | The Kairon Engineering Production C.I.S. Ltd., Kaion | Engineering | .. |
| 284 | The Dande Hrijan Leather Works C.I.S. Ltd., Dande | Leather | .. |
| 285 | The Manochahl Kalan Weavers P.C.S., C.I.S., Manochahl | Weavers | .. |
| 286 | Tarn Taran Progressive Leather P.C.S, C.I.S., Muradpura Road, Tarn Taran | Leather | |
| 287 | The District Industrial Co-operative Union Ltd., Amritsar | .. | .. |
| 288 | The Nangli Nowshera Textile Production C.I.S., Nangli | Weavers | .. |
| 289 | The Bhinder Adhermi Textile Production C.I.S., Bhinder | Do | .. |
| 290 | The Rayyia Agr. Imp. Production C.I.S. Ltd., Rayyia | Agr. Imp. | .. |
| 291 | The Janian Soap Production C.I.S. Ltd., Janian, post office, Jandiala | Soap | .. |
| 292 | The Darbar Surgical cotton Production C.I.S. Ltd., Tarn Taran | Surgical Cotton | .. |
| 293 | The Amritsar Furniture P.C.S., C.I.S., Amritsar | Furniture | .. |
| 294 | The Amritsar Hero Foundry Works Production C.I.S., Amritsar | Engineering | .. |
| 295 | The Majitha Kabir Weavers Production C.I.S., Ltd., Majitha | Weavers | .. |
| 296 | The Mattewal Engineering Production C.I.S., Ltd., Mattewal | Engineering | |
| 297 | The Baba Bukala Leather Production C.I.S., Baba Bakala | Leather | .. |
| 298 | The Chohla Sahib Flaying and Tanning Production C.I.S., Chohla Sahib | Flaying I Tanning | .. |
| 299 | The Mattewal Handloom Production C.I.S. Ltd., Matewal | Weavers | .. |
| 300 | The Amritsar friends Handloom C.I.S., Amritsar | Do | .. |

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material allotted during 1964-65 and 1965-66 |
| 301 | The Mehta Chowk Agr. Imp. Production C.I.S. Ltd., Mehta Chowk | Agr. Imp. | .. |
| 302 | The Tarn Taran Agr. Imp. Production C.I.S., Tarn Taran | Engineering | .. |
| 303 | The Patti W/Works Production C.I..S, Ltd., Patti Ward No. 3 | W/Work | .. |
| 304 | The Chohla Sahib G/K Production Co-operative Industrial Society Ltd., Chohla Sahib | G/K | .. |
| 305 | The Nijjerpura Agr. Imp. Production Co-operative Industrial Society, Ltd. Nijjerpura | Engineering | ... |
| 306 | Guru Nanak H/P of Paddy and Pulses Production C.I.S. Ltd., Kaleke | H/P. | .. |
| 307 | Bishkarma Engineering Production Co-operative Industrial Society Ltd., Amritsar | Engineering | .. |
| 308 | Manakpur Handpounding of Rice C.I.S. Manakpur | H/P | .. |
| 309 | The Jodhpur H/P of Rice Paddy and Pulses Production C.I.S. Ltd., Jodhpur, post office Tarn Taran | Do | .. |
| 310 | The Jamarai Ghani Oil and Soap Production C.I.S. Ltd., Jamarai | Oil and Soap | ... |
| 311 | The Majitha Road Women C.I.S. Ltd., Majitha Road | Tailoring and Embroidery (Handicraft) | ... |
| 312 | The Kasail Women C.I.S. Ltd., village and post-office Kasail tehsil, Tarn Taran | Ditto | ... |
| 313 | The Ajit Nagar Ladies C.I.S. Ltd., Ajit Nagar, Amritsar | Ditto | ... |
| 314 | The Ajnala Women C.I.S. Ltd., Ajnala, tehsil Ajnala | Ditto | ... |
| 315 | The Bhalla Women C.I.S. Ltd., Kucha Ram Garian, Amritsar | Ditto | .. |
| 316 | The Chabal Women, P.C.S., C.I.S. Ltd., Chabal Tehsil Tarn Taran | Ditto | .. |
| 317 | The Gehal Singh Women, C.I.S. Ltd., Tangra G.T. Road, tehsil Amritsar | Ditto | .. |

[Irrigation and power Minister]

| (a) | | | (b) |
|---|---|---|---|
| Serial No. | Name and address of Industrial Co-operative Societies | Industries being run by the Societies | Quantity of Raw material alloted during 1964-65 and 1965-66 |
| 318 | The Batala Women C.I.S. Ltd., Batala, tehsil Amritsar | Tailoring and Embroidery | .. |
| 319 | The Amritsar Preet Nagar Women C.I.S. Ltd., H. No. 1708, Lakar Mandi Amritsar | Ditto | .. |
| 320 | The Ram Dass Women C.I.S. Ltd., Ram Dass, tehsil Anjala | Ditto | .. |
| 321 | The Kathu Nangal Women C.I.S. Ltd., Kathu Nangal, tehsil Amritsar | Ditto | .. |
| 322 | Gohalwar Women C.I.S. Ltd., Gohalwai, tehsil Tarn Taran | Ditto | .. |
| 323 | The Amritsar Women, C.I.S. P.C.S. Ltd., Amritsar | (Handicraft) | .. |
| 324 | The Lankha Women P.C.S. C.I.S., Ltd., Lankha, tehsil Tarn Taran | Ditto | .. |
| 325 | The Matewal Women General P.C.S. C.I.S., Matewal (Amritsar) | Ditto | .. |
| 326 | The Raja Sansi Mastt C.I.S., Ltd., Raja Sansi Tehsil, Amritsar | Ditto | .. |
| 327 | The Bundla Ladies C.I.S. Ltd., Bundla, tehsil Amritsar | Ditto | .. |
| 328 | The Sarhali Kalan Women P.C.S. C.I.S. Ltd., Sarhali Kalan, district Amritsar | Ditto | .. |
| 329 | The New Modern Women C.I.S. Ltd., House No. 4106, Gali No.4, Kot Babu Deep Singh, Amritsar | Ditto | .. |
| 330 | The Fatiabad Ladies P.C.S. C.I.S. Ltd., village and post office, Fatiabad | Ditto | .. |
| 331 | The Kairon Women P.C.S. C.I.S., Ltd., Kairon, tehsil Tarn Taran | Ditto | .. |
| 332 | The Lalpura Ladies C.I.S. Ltd., village and post-office Lalpura, tehsil Tarn Taran | Ditto | .. |
| 333 | The Sahabpura Ladies C.I.S. Ltd., Sahabpura, post-office Tarh Taran | Ditto | .. |
| 334 | The Valthoa Ladies C.I.S., Ltd., village and post office Valthoa, tehsil Sahabpura | Ditto | .. |
| 335 | The Nirmal Mahila P.C.S. C.I.S., Chowk Lohgarh, Amritsar | Ditto | .. |
| 336 | The Refugee Women Home Multipurpose Society Ltd., Pila Hospital, inside Hall Gate, Amritsar | Ditto | .. |
| 337 | The Sital Women P.C.S. C.I.S. Ltd., Bazar Mai Siwan , Amritsar | Ditto | |

**Representations by the Drivers and Conductors of the Randhawa Bus Service, Amritsar**

**3147. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the names of the drivers and conductors who represented to the Labour Officer or Conciliation Officer, Amritsar about, their difficulties and about the termination of their services by the Management of the Randhawa Bus Service, Amritsar, during the period 1964-65, 1965-66, to-date ;

(b) the details of the action, if any, taken on the said representation in each case, stating the date of representation and the date of the decision taken in each case ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) and (b) No complaint was made to the Conciliation Officer, Amritsar, by any driver or conductor regarding termination of their services. A Demand Notice, dated 1st June, 1964 was, however, received from the Pathankot-Amritsar Transport Workers Union, Amritsar, served on the Management of Messers Randhawa Bus Service, Amritsar, which contained seven demands of general nature. The Union, however, failed to furnish the letter of authority in Form 'F' as required under rule 36 of the Industrial Dispute (Punjab) Rules, 1958. The Demand Notice was, accordingly, filed by the Conciliation Officer, Amritsar, on 2nd September, 1964. There is no Labour Officer at Amritsar.

---

**Drivers, Conductors and Workshop employees of the Punjab Roadways**

**3148. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the number and names of drivers, conductors and the workshop employees of the Punjab Roadways whose services were terminated in the years 1964-65 and 1965-66 to date ; depot-wise, stating the cause of the termination of their services ;

(b) the names of the officials out of those mentioned above who were re-instated by the Provincial Transport Controller, on appeal ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) A statement at Annexure I is laid on the Table of the House.

(b) A statement at Annexure II is laid on the Table of the House.

**ANNEXURE I**

**Statement of officials whose services were terminated**

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | PUNJAB ROADWAYS, CHANDIGARH | | |
| 1 | Shri Inder Jit, Conductor .. | 1964-65 | For taking money from the Conductor for his personal use, which was objectionable |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| | | | | and embezzlement of Government revenue |
| 2 | Shri Manjit Singh, Conductor | .. | 1964-65 (services not extended) | Services were not extended beyond 10th September, 1964 the date up to which his appointment was ; as he had not issued tickets to the passenger who posed himself to be an employee of an Indian Transport Company |
| 3 | Shri Karmjit Singh, Conductor | .. | 1964-65 | On account of misconduct |
| 4 | Shri Kashmir Singh, Conductor | .. | 1964-65 | Fraud case |
| 5 | Shri Mehar Singh, Conductor | .. | 1964-65 | Ditto |
| 6 | Shri Amri Chand, Conductor | .. | 1964-65 | Ditto |
| 7 | Shri Prithvi Raj, Driver | .. | 1964-65 | For taking money from the Conductor for his personal use which was objectionable and embezzlement of Government revenue |
| 8 | Shri Jai Singh, Driver | .. | 1964-65 | For causing an accident |
| | | | **1965-66** | |
| 1 | Shri Joginder Singh, Conductor | .. | 1965-66 | Fraud case |
| 2 | Shri Amar Nath, Conductor | .. | 1965-66 | Misbehaviour with a passenger as well as issued ticket from Chandigarh-Ambala City instead of Chandigarh-Ambala Cantt. route for which the fare had been collected |
| 3 | Shri Ramesh Chander, Conductor | .. | 1965-66 | Fraud case |
| 4 | Shri Chhaja Singh, Conductor | .. | 1965-66 | Ditto |
| 5 | Shri Mohan Singh, Conductor | .. | 1965-66 | Ditto |
| 6 | Shri Hans Raj, Conductor | .. | 1965-66 | Ditto |
| | PUNJAB ROADWAYS, AMBALA | | | |
| | | | **1964-65** | |
| 1 | Shri Amar Singh, Driver | .. | 1964-65 | Wilful absence from duty |
| 2 | Shri Gian Chand, Driver | .. | 1964-65 | Accident |
| 3 | Shri Ajit Singh, Driver | .. | 1964-65 | Do |
| 4 | Shri Wishwa Mitter, Conductor | .. | 1964-65 | Case of fraud |
| 5 | Shri Rajinder Paul, Conductor | .. | 1964-65 | Ditto |

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 6 | Shri Jagat Ram, Conductor .. | 1964-65 | Case of fraud |
| 7 | Shri Charan Singh, Conductor .. | 1964-65 | Ditto |
| 8 | Shri Kitab Singh, Conductor .. | 1964-65 | Ditto |
| 9 | Shri Jashmer Singh, Conductor .. | 1964-65 | Ditto |
| 10 | Shri Malkiat Singh, Conductor .. | 1964-65 | Ditto |
| 11 | Shri Surjit Singh, Conductor .. | 1964-65 | Ditto |
| 12 | Shri Amar Nath, Conductor .. | 1964-65 | Ditto |
| 13 | Shri Ajmer Singh, Cleaner .. | 1964-65 | Unauthorisedly driving the bus |
| | | **1965-66** | |
| 1 | Shri Nachhattar Singh, Driver .. | 1965-66 | Rash and negligent driving |
| 2 | Shri Rattan Lal, Driver .. | 1965-66 | Accident |
| 3 | Shri Atma Singh, Driver .. | 1965-66 | Public Complaint |
| 4 | Shri Prithi Singh, Conductor .. | 1965-66 | Accident |
| 5 | Shri Hari Chand, Conductor .. | 1965-66 | Case of fraud |
| 6 | Shri Gobind Lal, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 7 | Shri Raunak Chand, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 8 | Shri Ram Parkash, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 9 | Shri Jiwan Ram, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 10 | Shri Amar Singh, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 11 | Shri Charan Dass, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 12 | Shri Amarjit Singh, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 13 | Shri Ajudhya Nath, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 14 | Shri Rattan Lal, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 15 | Shri Maluk Singh, Conductor .. | 1965-66 | Public complaint |
| 16 | Shri Krishan Kant, Conductor .. | 1965-66 | Case of fraud |
| 17 | Shri Inder Singh, Conductor .. | 1965-66 | Ditto |
| 18 | Shri Bal Krishan, Helper .. | 1965-66 | Wilful absence from duty |
| 19 | Shri Jasbir Singh, Assistant Black-smith | 1965-66 | For mischief in putting foreign part in vntury |
| 20 | Shri Dalbir Singh, Helper .. | 1965-66 | Wilful absence from duty |
| 21 | Shri Lakhpat Rai, Helper .. | 1965-66 | Ditto |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name of designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | **PUNJAB ROADWAYS, PATHANKOT** **1964-65** | | |
| 1 | Shri Malhar Singh, Driver, 141 .. | 1964-65 | Terminated for not handling the vehicle properly causing loss to Government. |
| 2 | Shri Raj Kumar, Driver, 156 .. | 1964-65 | Terminated being a temporary hand. |
| 3 | Shri Lochan Singh, Driver, 162 .. | 1964-65 | Terminated on account of wilful absence from duty. |
| 4 | Shri Rattan Singh, Driver, 168 .. | 1964-65 | Terminated due to surrender of trips. |
| 5 | Shri Fauja Singh, Driver, 165 .. | 1964-65 | Ditto |
| 6 | Shri Mangal Dass, Driver, 150 .. | 1964-65 | Terminated for causing an accident. |
| 7 | Shri Kartar Singh, Driver, 150 .. | 1964-65 | Service discontinued being temporary hand. |
| 8 | Shri Sudarshan Kumar, Driver, T-4 | 1964-65 | Service discontinued on account of wilful absence. |
| 9 | Shri Gian Singh, Driver, 58-A .. | 1964-65 | Service discontinued being temporary hand, |
| 10 | Shri Jagga Masih, Driver .. | 1964-65 | Services terminated on account of case of smuggling. |
| 11 | Shri Gurdev Singh, Driver, 100 .. | 1964-65 | Service discontinued on account of wilful absence. |
| 12 | Shri Sumitter Singh, Driver, 2 .. | 1964-65 | Services terminated on account of a case of smuggling. |
| 13 | Shri Rurh Chand, Driver .. | 1964-65 | Service discontinued due to shortage of vehicles. |
| 14 | Shri Hans Raj, Driver .. | 1964-65 | Service discontinued being a temporary hand. |
| 15 | Shri Basant Singh, Driver .. | 1964-65 | Ditto |
| 16 | Shri Mehar Singh, Driver, 23 .. | 1964-65 | Ditto |
| 17 | Shri Surjit Singh, Driver, T-1 .. | 1964-65 | Ditto |
| 18 | Shri Mohan Singh, Driver, T-2 .. | 1964-65 | Ditto |
| 19 | Shri Darshan Singh, Driver, T-3 .. | 1964-65 | Ditto |
| 20 | Shri Raj Kumar, Driver .. | 1964-65 | Ditto |
| 21 | Shri Gian Singh, Driver .. | 1964-65 | Ditto |

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | **1965-66** | |
| 1 | Shri Surjit Sinah, Driver, 133 .. | 1965-66 | Service discontinued on account of wilful absence from duty. |
| 2 | Shri Darbara Singh, Driver, 79 .. | 1965-66 | Services terminated being convicted by the Court. |
| 3 | Shri Harhhajan Singh, Driver, 133 .. | 1965-66 | Service discontinued due to causing an accident. |
| 4 | Shri Balkar Singh, Driver, 22 .. | 1965-66 | Service discontinued on account of wilful absence from duty. |
| 5 | Shri Gurcharan Singh, Driver, 113 | 1965-66 | Service discontinued for causing an accident. |
| 6 | Shri Singhar Singh, Driver, 203 .. | 1965-66 | Service discontinued being a temporary hand. |
| 7 | Shri Inder Singh, Driver, 182 .. | 1965-66 | Services terminated being a temporary hand. |
| 8 | Shri Lochan Singh, Driver, 162 .. | 1965-66 | Service discontinued on account of wilful absence from duty. |
| 9 | Shri Sohan Singh, Driver, 140 .. | 1965-66 | Ditto |
| | | **Workshop Staff 1964-65** | |
| 1 | Shri Sukhcharan Singh, Assistant Fitter, son of Shri Kartar Singh, District Sangrur | 1964-65 | Terminated on account of wilful absence from duty. |
| 2 | Shri Parshotam Singh, Cleaner, son of Shri Balwant Singh, H. No. 39, Kapurthala | 1964-65 | Ditto |
| 3 | Shri Raj Kumar, Assistant Carpenter, son of Shri Vir Bhan; Mohalla Orla, New Narain Mandi, Gurdaspur | 1964-65 | Ditto |
| 4 | Shri Kaka Ram, Radiator-repairer, Kali Mata Mandir, Gandhi Nagar, Pathankot | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Ajit Singh, Cleaner, son of Shri Karam Singh, village Fatehgarh Churian, Gurdaspur | 1964-65 | Ditto |
| 6 | Shri Gurbax Singh, Assistant Blacksmith, son of Shri Harnam Singh, Magu Mohalla Singh, Moga, tehsil, district Ferozepur | 1964-65 | Ditto |
| 7 | Shri Romesh Chander, Store-boy, son of Shri Kishan Chand, H. No. 222, Katholi Mohalla, Pathankot | 1964-65 | Ditto |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name and Designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 8 | Shri Bal Krishan, Assistant Welder, son of Shri Daulat Ram, 37, Hide Market, Sharif Manzil, G.T. Road, Amritsar | 1964-65 | Terminated on account of wilful absence from duty. |
| 9 | Shri Sukhdev Raj .. | 1964-65 | Ditto |
| 10 | Shri Subhash Chand, Assistant Fitter, son of Shri Lakhsmi Narain, Fire Brigade, Sector 17, Chandigarh | 1964-65 | Ditto |
| 11 | Shri Narinder Mohan, Mechanic, Nehru Garden, Batala | 1964-65 | Ditto |
| | **1965-66** | | |
| 1 | Shri Kashmiri Lal, Fitter, son of Shri R.K. Patwar, House No. 41, Netaji Colony, Jullundur | 1965-66 | Terminated due to inefficiency. |
| 2 | Shri Ram Parkash, Painter, son of Shri Mani Ram, House No. 8901, Sharif Pura, Amritsar | 1965-66 | Terminated due to wilful absence from duty. |
| 3 | Shri Mohinder Paul, Washing-boy, son of Shri Lal Chand, Androon Bazar, Pathankot | 1965-66 | Ditto |
| 4 | Shri Ram Singh, Cleaner, son of Shri Shankar Singh, village Tinne, post office Jaman Khal, tehsil Garwal | 1965-66 | Ditto |
| 5 | Shri Krishan Singh, Washing-boy, son of Shri Munshi Ram, village Rajream, House No. 415, Pathankot | 1965-66 | Service discontinued being a temporary hand. |
| 6 | Shri Bhag Sinah, Washing-boy, son of Shri Dalip Singh, village Batala, tehsil and district Jullundur | 1965-66 | Service discontinued being temporary hand. |
| 7 | Shri Prem Shanker, son of Shri Mulkh Raj, 298, Model Town, Jullundur City | 1965-66 | Terminated on account of wilful absence from duty. |
| | **Conductors Staff** | | |
| | **1965-66** | | |
| 1 | Shri Virsa Singh, D/220 .. | 1965-66 | Service discontinued on account of a case of fraud. |
| 2 | Shri Jagir Singh, C/102 .. | 1965-66 | Ditto |
| 3 | Shri Sham Paul, C/234 .. | 1965-66 | Ditto |
| 4 | Shri Jaskaran Singh, C/233 .. | 1965-66 | Ditto |
| 5 | Shri Mohinder Singh, C. 236 .. | 1965-66 | Ditto |
| 6 | Shri Jaswant Singh, C. 223 .. | 1965-66 | Ditto |

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | 4 |
| 7 | Shri Harbans Singh, C. 227 | .. | 1965-66 | Services discontinued on account of a case of fraud. |
| 8 | Shri Amrik Singh, C. 230 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 9 | Shri Harbej Singh, C. 237 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 10 | Shri Diwan Chand, C. 183 | .. | 1965-66 | Service discontinued being temporary hand. |
| 11 | Shri Grib Dass, C. 231 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 12 | Shri Hari Singh, C. 225 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 13 | Shri Malkiat Singh, C. 22o | .. | 1965-66 | Ditto |
| 14 | Shri Amrik Singh, C. 140 | .. | 1965-66 | Service discontinued on account of wilful absence from duty. |
| 15 | Shri Dedar Singh, C. 137 | .. | 1965-66 | Service discontinued being a temporary hand. |
| 16 | Shri Sakattar Singh, C. 126 | .. | 1965-66 | Service discontinued on account of wilful absence. |
| 17 | Shri Santokh Singh, C. 132 | .. | 1965-66 | Service discontinued on account of case of fraud. |
| 18 | Shri Jagdish Chander, C. 220 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 19 | Shri Dilbag Singh, C. 236 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 20 | Shri Hem Raj, C. 32 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 21 | Shri Baldev Singh, C. 140 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 22 | Shri Harhbaj Singh, C. 109 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 23 | Shri Nagar Mal, C. 53 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 24 | Shri Kashmere Lal, C. 222 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 25 | Shri Ram Lubhaya, C. 245 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 26 | Shri Harbhajan Singh, C. 120 | .. | 1965-66 | Ditto |

**Conductors Staff**

**1964;65**

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Shri Mohan Singh, C. 182 | .. | 1964-65 | Service discontinued being temporary hand. |
| 2 | Shri Harbhaj Singh, C. 105 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 3 | Shri Dalip Singh, C. 140 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 4 | Shri Sat Paul, C. 192 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Surrender Singh, C. 160 | .. | 1964-65 | Ditto |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 6 | Shri Onkar Singh, C. 200 | .. | 1964-65 | Service discontinued being a temporary hand. |
| 7 | Shri Kamal Singh, C. 190 | .. | 1964-65 | Service terminated on account of rude behaviour. |
| 8 | Shri Balkar Singh, C. 114 | .. | 1964-65 | Service terminated on account of case of fraud. |
| 9 | Shri Ram Parkash, C. 170 | .. | 1964-65 | Service terminated on account of case of fraud. |
| 10 | Shri Kartar Singh, C. 120 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 11 | Shri Kartar Singh, C. 120 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 12 | Shri Jai Dev Dhami, C. 88 | .. | 1964-65 | Service discontinued being temporary hand. |
| 13 | Shri Ram Sarwan Singh, C.114 | .. | 1964-65 | Service discontinued being a temporary hand. |
| 14 | Shri Amar Singh, C.38 | .. | 1964-65 | On account of a case of fraud. |
| 15 | Shri Lakhmi Dass, C.4 | | 1944-65 | Being a temporary hand. |
| 16 | Shri Manchar Lal, C/T-4 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 17 | Shri Rajinder Parshad, C.T.-3 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 18 | Shri Satish Kumar, C.52 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 19 | Shri Darshan Singh, C.197 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 20 | Shri Surinder Kumar, C. 197 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 21 | Shri Karnail Singh, C.194 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 22 | Shri Harbans Lal, C. 192 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 23 | Shri Iqbal Singh, C. 160 | .. | 1964-65 | On account of fraud case. |
| 24 | Shri Ramesh Chander C. 140 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 25 | Shri Surjit Singh, C.177 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 26 | Shri Ram Parkash, C 170 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 27 | Shri Ajit Singh, C.T.-4 | .. | 1964-65 | Fraud Case |
| 28 | Shri Gurdip Singh, C. 184 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 29 | Shri Avtar Singh, C. 170 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 30 | Shri Sham Lal, C. 109 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 31 | Shri Chunk Lal, C. 188 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 32 | Shri Harcharan Dass, C. 104 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 33 | Shri Baldev Singh, C. 3 | .. | 1964-65 | Ditto |

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 34 | Shri Ram Lal, C. 36 | .. | 1964-65 | Fraud case |
| 35 | Shri Jaidev Singh, C.7 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 36 | Shri Amir Chand, C. 108 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 37 | Shri Lal Singh, C. 116 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 38 | Shri Satish Kumar, C. 5 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 39 | Shri Joga Ram. C. 9 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 40 | Shri Shandi Lal, C. 29 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 41 | Shri Rajinder Parshad, C/T-3 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 42 | Shri Devinder Kumar, C.192 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 43 | Shri Harbans Lal, C. 192 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 44 | Shri Mukhan Singh, C.40 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 55 | Shri Prem Kumar, C. 141 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 46 | Shri Roop Lal, C. 116 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 47 | Shri Mohinder Lal, C. 109 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 48 | Shri Joginder Singh, C.120 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 49 | Shri Ravinder Mohan, C/140 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 50 | Shri Atma Singh, C/139 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 51 | Shri Harjinder Singh, C/188 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 52 | Shri Swaran Singh, C/188 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 53 | Shri Jagdish Mitter, C/19 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 54 | Shri Harbans Lal, C/75 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 55 | Shri Manohar Lal, C/109 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 56 | Shri Jagjit Saini, C/150. | .. | 1964-65 | Ditto |
| 57 | Shri Kirpal Singh. C/102 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 58 | Shri Nathu Ram, C/194 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 59 | Shri Baldev Raj, C/167 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 60 | Shri Avnash Kumar, C/46 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 61 | Shri Bahadur Singh, C/138 | | 1964-65 | Ditto |
| 62 | Shri Harbhajan Singh, C/109 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 63 | Shri Ram Mohan Rai, C/129 | | 1964-65 | Ditto |

Minister for Transport and Elections

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 64 | Shri Bhag Singh, C/111 | .. | 1964-65 | Fraud case |
| 65 | Shri Ram Chander, C/194 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 66 | Shri Gurdhian Singh, CD/207 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 67 | Shri Swaran Chand, C/202 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 68 | Shri Prem Kumar, C/171 | .. | 1964-65 | Ditto |
| 69 | Shri Surinder Pal, C/46 | .. | 1964-65 | Ditto |
| | **PUNJAB ROADWAYS, JULLUNDUR** | | | |
| | **Conductors** | | | |
| 1 | Shri Balwant Singh, AC-26 | .. | 1964 | Fraud |
| 2 | Shri Sukhdev Singh, AC-12 | | 1964 | Do |
| 3 | Shri Prithipal Singh, C/112 | .. | 1964 | Embezzlement |
| 4 | Shri Satnam Singh, C/22 | .. | 1964 | Fraud, |
| 5 | Shri Sohan Lal, C/98 | .. | 1964 | Do |
| 6 | Shri Gurdip Singh, C/261 | .. | 1964 | Do |
| 7 | Shri Darshan Singh, AC/5 | .. | 1964 | Do |
| 8 | Shri Nirmal Singh C/203 | .. | 1964 | Do |
| 9 | Shri Bharpoor Singh, C/237 | .. | 1964 | Do |
| 10 | Shri Malkiat Singh, C/165 | .. | 1964 | Do |
| | **Drivers** | | | |
| 1 | Shri Amar Singh, D/201 | .. | 1964 | Accident. |
| | **Workshop Staff** | | | |
| | Nil | | | |
| | **Conductors** | | | |
| 1 | Shri Ram Chand, C/266 | .. | 1965 | Fraud |
| 2 | Shri Swaran Dass, AC/53 | .. | 1965 | Do |
| 3 | Shri Darshan Singh, C/40 | .. | 1965 | Do |
| 4 | Shri Krishan Datt, AC/44 | .. | 1965 | Do |
| 5 | Shri Hari Singh, AC/26 | .. | 1965 | Do |
| 6 | Shri Hashmat Rai, C/100 | .. | 1965 | Do |
| 7 | Shri Satya Paul, AC-56 | .. | 1965 | Do |
| 8 | Shri Gulzar Singh, C/253 | .. | 1965 | Do |

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| | **Drivers** | | |
| 1 | Shri Gurbachan Singh, D/75 .. | 1965 | Accident |
| 2 | Shri Gurpal Singh, D/98 .. | 1965 | Do |
| 3 | Shri Swaran Singh, D/78 | 1965 | Do |
| | **Workshop Staff** | | |
| | Nil | | |
| | **PUNJAB ROADWAYS, GURGAON** | | |
| | **Conductors** | | |
| 1 | Shri Ram Kumar, C/202 | 1964-65 | Fraud |
| 2 | Shri Hari Kishan, C/255 .. | 1964-65 | Do |
| 3 | Shri Kishan Lal, C/T-2 .. | 1964-65 | Do |
| 4 | Shri Charanjit Sachdeva, C/277 .. | 1964-65 | Do |
| 5 | Shri Ram Sarup, C/255 .. | 1964-65 | Do |
| 6 | Shri Suraj Bhan, C/256 .. | 1964-65 | Do |
| 7 | Shri Madan Lal, C/249 .. | 1964-65 | Do |
| 8 | Shri Ishwar Singh, C/163 .. | 1964-65 | Do |
| 9 | Shri Balwant Singh, C/277 .. | 1964-65 | Do |
| 10 | Shri Rohtas Singh, C/97 .. | 1964-56 | Do |
| 11 | Shri Kartar Singh, C/53 .. | 1964-65 | Do |
| 12 | Shri Kharaiti Singh, C/226 .. | 1964-65 | Do. |
| 13 | Shri Dharam Singh, C/268 .. | 1964-65 | Do |
| 14 | Shri Teja Singh, C/184 .. | 1964-65 | Do |
| 15 | Shri Rameshwar, C/101 .. | 1964-65 | Do |
| 16 | Shri Virender Nath, C/196 .. | 1964-65 | Do |
| 17 | Shri Jai Singh, C/230 .. | 1964-65 | Do |
| 18 | Shri Dalip Singh, C/151 .. | 1964-65 | Do |
| 19 | Shri Khem Chand, C/181 .. | 1964-65 | Do |
| 20 | Shri Barkat Ali, C/256 .. | 1964-65 | Do |
| 21 | Shri Ramji Lal, C/93 .. | 1964-65 | Do |
| 22 | Shri Ghansham Dass, C/93 .. | 1964-65 | Do |
| 23 | Shri Om Parkash, C/60 .. | 1964-65 | Do |
| 24 | Shri Bakshi Singh, C/261 .. | 1964-65 | Do |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 25 | Shri Rameshwar, C/134 | .. | 1964-65 | Fraud |
| 26 | Shri Jarnail Singh, C/270 | .. | 1964-65 | Do |
| 27 | Shri Suraj Bhan , C/74 | .. | 1964-65 | Do |
| 28 | Shri Nawal Singh, C/139 | .. | 1964-65 | Do |
| 29 | Shri Manphul Singh, C/90 | .. | 1964-65 | |
| 30 | Shri Sube Singh, C/139 | .. | 1964-65 | Do |
| 31 | Shri Sita Ram, C/202 | .. | 1964-65 | Do |
| 32 | Shi Piara Singh, C/30 | .. | 1964-65 | Do |
| 33 | Shri Rameshwar Dass, C/263 | .. | 1964-65 | Do |
| 34 | Shri Chander Bhan, C/1 | .. | 1964-65 | Do |
| 35 | Shri Maha Singh, C/157 | .. | 1964-65 | Do |
| 36 | Shri Shiv Charan, C/147 | .. | 1964-65 | Do |
| 37 | Shri Gurmail Singh, C/210 | .. | 1964-65 | Do |
| 38 | Shri Sahib Singh, C/156 | .. | 1964-65 | Do |
| 39 | Shri Saminder Singh, C/96 | .. | 1964-65 | Do |
| 40 | Shri Rajbir Singh, C/181 | .. | 1964-65 | Do |
| 41 | Shri Sohan Lal, C/19 | .. | 1964-65 | Do |
| 42 | Shri Rattan Singh, C/179 | .. | 1964-65 | Do |
| 43 | Shri Rattan Singh, C/176 | .. | 1964-65 | Do |
| | **Conductors** | | | |
| 1 | Shri Ram Partap, C/169 | .. | 1965-66 | Fraud |
| 2 | Shri Hari Mohan, C/96 | .. | 1965-66 | Do |
| 3 | Shri Manjit Singh, C/281 | .. | 1965-66 | Do |
| 4 | ShIi Balbir Singh, C 250 | .. | 1965-66 | Do |
| 5 | Shri Ishwar Singh, C/294 | .. | 1965-66 | Do |
| 6 | Shri Sunder Singh, C/183 | .. | 1965-66 | Do |
| 7 | Shri Kashmiri Lal, C/284 | .. | 1965-66 | Do |
| 8 | Shri Ram Kumar, C/159 | .. | 1965-66 | Do |
| 9 | Shri Phul Chand, C/154 | .. | 1965-66 | Do |
| 10 | Shri Gir Raj Singh, C/176 | .. | 1965-66 | Do |
| 11 | Shri Kundan Lal, C/101 | .. | 1965-66 | Do |

| Serial No. | Name and designation | | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 12 | Shri Mukhtiar Singh, C/60 | .. | 1965-66 | Absence from duty |
| 13 | Shri Ram Kumar, C/300 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 14 | Shri Raghbir Singh, C/138 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 15 | Shri Ram Kishan, C/306 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 16 | Shri Mukhtiar Singh, C/213 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 17 | Shri Ram Kumar, C/69 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 18 | Shri Jaswant Lal, C/38 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 19 | Shri Harbans Lal, C/103 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 20 | Shri Balbir Singh, C/160 | | 1965-66 | Case of fraud |
| 21 | Shri Bool Chand, C/138, | .. | 1965-66 | Ditto |
| 22 | Shri Mohar Singh, C/249 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 23 | Shri Dharam Singh, C/289 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 24 | Shri Narain Dass, C/80 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 25 | Shri Jai Kumar, C/298 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 26 | Shri Jai Dev, C/147. | .. | 1965-66 | Absence from duty |
| 27 | Shri Raghbir Singh, C/307 | .. | 1965-66 | Case of fraud |
| 28 | Shi Ram Singh, C/273 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 29 | Shri Vahid Khan, C 160 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 30 | Shri Om Parkash,C/162 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 31 | Shri Jagdish Kumar, C/186 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 32 | Shri Puran Singh, C/93 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 33 | Shri Risal Singh, C/312 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 34 | Shri Om Parkash, C/37 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 35 | Shri Surat Singh. C/38 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 36 | Shri Raghbir Singh, C/153 | | 1965--66 | Ditto |
| 37 | Shri Lekh Raj, C/102 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 38 | Shri Nafe Singh, C/138 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 39 | Shri Ram Partap, C/259 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 40 | Shri Jai Singh, C/202 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 41 | Shri Satibri Singh, C/38 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 42 | Shri Attar Singh, C/243 | .. | 1965-66 | Ditto |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name and designation | | Year of termi nation | Cause of termination |
|---|---|---|---|---|
| 43 | Shri Harke Ram, C/69 | .. | 1965-66 | Negligence in duty |
| 44 | Shri Bhagirath Lal, C/49 | .. | 1965-66 | Case of fraud |
| 45 | Shri Asa Ram, C/96 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 46 | Shri Hira Lal, C/50 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 47 | Shri Rameshwar Sunaria, C/321 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 48 | Shri Balbir Singh, C/57 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 49 | Shri Lal Chand, C/256 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 50 | Shri Sher Singh C/ 115 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 51 | Shri Tek Ram, C/24 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 52 | Shri Ram Chander, C/58 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 53 | Shri Mange Ram, C/296 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 54 | Shr. Parladh Singh, C/134 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 55 | Shri Tek Chand, C/92 | | 1965-66 | Ditto |
| 56 | Shri Ram Singh, C/308 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 57 | Shri Sardars Singh, C/148 | .. | 1965-66 | Ditto |
| 58 | Shri Raminder Singh, C/17 | | 1965-66 | Case of fraud |
| 59 | Shri Sohan Lal, C/36 | | 1965-66 | Ditto |
| 60 | Shri Roshan Lal, C/273 | | 1965-66 | Ditto |
| 61 | Shri Om Parkash, C/311 | | 1965-66 | Ditto |
| 62 | Shri Nahar Singh, C/249 | | 1965-66 | Ditto |
| 63 | Shri Jai Narain, C/241 | | 1965-66 | Ditto |
| 64 | Shri Sant Raj, C/138 | | 1965-66 | Ditto |
| 65 | Shri Ram Parkash, C/151 | | 1965-66 | Ditto |
| 66 | Shri Sardari Lal, C/156 | | 1965-66 | Ditto |
| 67 | Shri Gian Singh, C/176 | | 1965-66 | Ditto |
| | **WORKSHOP STAFF** | | | |
| 1 | Shri Suraj Bhan, Store-boy | | 1964-65 | Absence from duty. |
| 2 | Shri Harphool Singh, R/Repairer | | 1964-65 | Ditto |
| 3 | Shri Dhoop Singh, A/Fitter | | 1964-65 | Ditto |
| 4 | Shri Rishal Singh, B/Smith | | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Subhash Chander, A/Fitter | | 1964-65 | Unauthorised driving of bus |
| 6 | Shri Sarmail, Cleaner | | 1964-65 | Absent from duty. |

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 7 | Shri Ram Kishan, Cleaner | 1964-65 | Absence from duty. |
| 8 | Shri Om Parkash, A/Painter | 1964-65 | Ditto |
| 9 | Shri Bhagwan Dass, Welder | 1964-65 | Ditto |
| | WORKSHOP STAFF | | |
| 1 | Shri Sadhu Singh, Carpenter | 1965-66 | Absence from duty. |
| 2 | Shri Channan Singh, Cleaner | 1965-66 | Ditto |
| 3 | Shri Dharam Paul, B/Smith | 1965-66 | Ditto |
| 4 | Shri Darshan Singh, Selder | 1965-66 | Accident |
| 5 | Shri Varinder Kumar, A/Fitter | 1965-66 | Do |
| 6 | Shri Ram Paul Singh, Mechanic | 1965-66 | Do |
| 7 | Shri Jagdish Lal, Fitter | 1965-66 | Absence from duty. |
| 8 | Shri Ram Krishan, Cleaner | 1965-66 | Ditto |
| 9 | Shri Ramji Dass, Fitter | 1965-66 | Ditto |
| 10 | Shri Ramesh Chander, Helper | 1965-66 | Ditto |
| 11 | Shri Chaman Lal, Fitter | 1965-66 | Ditto |
| 12 | Shri Darshan Singh, Fitter | 1965-66 | Ditto |
| 13 | Shri Om Parkash, Cleaner | 1965-66 | Ditto |
| 14 | Shri Kidar Singh, A/Fitter | 1965-66 | Ditto |
| 15 | Shri Gopal Kishan, Cleaner | 1965-66 | Mis-conduct |
| 16 | Shri Nanak Chand, Cleaner | 1965-66 | Absence from duty. |
| | DRIVERS | | |
| 1 | Shri Sohri Lal, D/169 | 1964-65 | Case of fraud. |
| 2 | Shri Khazan Singh, D/109 | 1964-65 | Absence from duty. |
| 3 | Shri Hari Singh, D/208 | 1964-65 | Ditto |
| 4 | Shri Hari Singh, D/219 | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Hari Singh, D/270 | 1964-65 | Fatal Accident |
| 6 | Shri Sadhu Singh, D/73 | 1964-65 | Absence from duty |
| 7 | Shri Shiv Narain, D/287 | 1964-65 | Ditto |
| 8 | Shri Faqir Chand, Driver | 1964-65 | Ditto |
| 9 | Shri Krishan Chand, D/39 | 1964-65 | Ditto |
| | DRIVERS | | |
| 1 | Shri Krishan Lal, D/208 | 1965-66 | Accident case |
| 2 | Shri Hansraj Singh, D/233 | 1965-66 | Inefficiency |

[Minister for Transport and Elections]

| Seral No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 3 | Shri Kundan Lal, D/281 | 1965-66 | Absence from duty |
| 4 | Shri Gulzari Lal, D/62 | 1965-66 | Ditto |
| 5 | Shri Harke Ram, D/169 | 1965-66 | Inefficiency |
| 6 | Shri Ram Kumar, D/286 | 1965-66 | Absence from duty |
| 7 | Shri Kashmir Singh, D/124 | 1965-66 | Ditto |
| 8 | Shri Daulat Singh, D/175 | 1965-66 | Case of accident |
| 9 | Shri Shiv Narain, D/175 | 1965-66 | Ditto |
| 10 | Shri Natha Singh, D/131 | 1965-66 | Ditto |
| 11 | Shri Gurtej Singh, D/3 | 1965-66 | Absent from duty |
| 12 | Shri Kundan Singh, D/315 | 1965-66 | Negligence in duty |
| 13 | Shri Prithvi Singh, D/307 | 1965-66 | Absent from duty |
| 14 | Shri Jagjit Singh, D/213 | 1965-66 | Ditto |
| 15 | Shri Kashmira Singh, D/320 | 1965-66 | Dito |
| 16 | Shri Kehri Singh, D/163 | 1965-66 | Accident case |
| 17 | Shri Dalip Singh, D/80 | 1965-66 | Irregularities |
| 18 | Shri Om Parkash, D/303 | 1965-66 | Absence from duty |
| 19 | Shri Ram Chander, D/231 | 1965-66 | Ditto |
| 20 | Shri Ram Paul, D/70 | 1965-66 | Ditto |

PUNJAB ROADWAYS, AMRITSAR

WORKSHOP STAFF

| Seral No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 1 | Shri Rachhpal Singh, A/Fitter | 1964-65 | Damage to the Vehicle in Workshop |
| 2 | Shri Munshi Ram, Cleaner/24 | 1964-65 | Wilful absence from duty |
| 3 | Shri Chaman Lal, Cleaner/23 | 1964-65 | Ditto |
| 4 | Shri Darshan Singh, Cleaner/52 | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Naranjan Singh, Cleaner/23 | 1964-65 | Ditto |
| 6 | Shri Subhash Chander, Cleaner/26 | 1964-65 | Ditto |
| 7 | Shri Ram Parkash, A/Painter | 1964-65 | Ditto |
| 8 | Shri Yash Pal Singh, Helper | 1964-65 | Ditto |
| 9 | Shri Gurnam Singh, A/Blacksmith | 1964-65 | Ditto |
| 10 | Shri Kasturi Lal, CL/27 | 1964-65 | Ditto |
| 11 | Shri Vinod Kumar, Store-boy | 1964-65 | Medically unfit |

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 12 | Shri Kulwant Rai, Sweeper | 1964-65 | Works not satisfactory |
| 13 | Shri Gurdip Singh, CI/38 | 1964-65 | Wilful absence from duty |
| 14 | Shri Kewal Krishan, Helper | 1964-65 | Ditto |
| 15 | Shri Kasturi Lal, A/Fitter | 1964-65 | Ditto |
| 16 | Shri Kashmir Singh, CI/47 | 1964-65 | Ditto |
| 17 | Shri Balbir Singh, CI/30 | 1964-65 | Ditto |
| 18 | Shri Dilbagh Singh, Fitter | 1964-65 | Ditto |
| 19 | Shri Dev Raj, Painter | 1964-65 | Ditto |
| | DRIVERS | | |
| 1 | Shri Dalip Singh, D/220 | 1964-65 | Conviction by the court |
| 2 | Shri Puran Singh, D/153 | 1964-65 | Found guilty on ground of theft of Spring Assembly |
| 3 | Shri Goverdhan Lal, D/254 | 1964-65 | Wilful absence |
| 4 | Shri Iqbal Singh, D/244 | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Piara Singh, D/R-284 | 1964-65 | Refused to pick-up the trip |
| 6 | Shri Mohinder Singh, D/226 | 1964-65 | Wilful absence from duty |
| 7 | Shri Niranjan Singh, D/115 | 1964-65 | Ditto |
| | CONDUCTORS | | |
| 1 | Shri Darshan Singh, C/35 | 1964-65 | Fraud case |
| 2 | Shri Ayudhia Nath, C/235 | 1964-65 | Ditto |
| 3 | Shri Harjinder Singh, C/75 | 1964-65 | Ditto |
| 4 | Shri Arjan Singh, C/172 | 1964-65 | Ditto |
| 5 | Shri Pritam Singh, C/163 | 1964-65 | Ditto |
| 6 | Shri Krishan Dev, C/22 | 1964-65 | Wilful absence from duty |
| 7 | Shri Puran Chand, C/182 | 1964-65 | Fraud Case |
| 8 | Shri Gian Singh, R/28 | 1964-65 | Ditto |
| 9 | Shri Shiv Kumar, R/476 | 1964-65 | Ditto |
| 10 | Shri Jaswant Singh, R/604 | 1964-65 | Ditto |
| 11 | Shri Mukhtiar Singh, C/500 | 1964-65 | Ditto |
| 12 | Shri Mukhtiar Singh, C/211 | 1964-65 | Ditto |
| 13 | Shri Ajit Singh, R/532 | 1964-65 | Ditto |

[Minister for Transport and Elections]

| Serial No. | Name and designation | Year of termination | Cause of termination |
|---|---|---|---|
| 14 | Shri Sadhu Ram, C/214 | 1964-65 | Fraud case |
| 15 | Shri Balwinder Singh, R/558 | 1964-65 | Ditto |
| | WORKSHOP STAFF | 1965-66 | |
| 1 | Shri Jagir Singh, CI/59 | 1965 | Wilful absence |
| 2 | Shri Gurbachan Singh, A/Fitter | 1965 | Ditto |
| 3 | Shri Amar Singh, Sweeper | 1965 | Ditto |
| 4 | Shri Ram Singh, Chowkidar | 1965 | Ditto |
| 5 | Shri Lal Bahadur, Chowkidar | 1965 | Ditto |
| 6 | Shri Partap Singh, Chowkidar | 1965 | Ditto |
| 7 | Shri Chander Bahadur, Chowkidar | 1965 | Ditto |
| 8 | Shri Sher Bahadur, Chowkidar | 1965 | Ditto |
| 9 | Shri Jagdish Chander, CI/38 | 1965 | Ditto |
| | DRIVERS | | |
| 1 | Shri Kishan Singh, D/89 | 1965-66 | Conviction by the court |
| 2 | Shri Amar Nath, R-318 | 1965-66 | Terminated on the ground of fatal accident committed rashly and negligently |
| | CONDUCTORS | | |
| 1 | Shri Ranjit Singh, R/140 | 1965-66 | Fraud case |
| 2 | Shri Haqiqat Singh, R/181 | 1965-66 | Ditto |
| 3 | Shri Ram Sarup, C/311 | 1965-66 | Ditto |
| 4 | Shri Major Singh, R/744 | 1965-66 | Wilful absence |
| 5 | Shri Jagir Singh, C/274 | 1965-66 | On the ground of fraud |
| 6 | Shri Kashmir Singh, C/271 | 1965-66 | Ditto |
| 7 | Shri Madan Mohan, R/553 | 1965-66 | Ditto |
| 8 | Shri Raghbir Singh, C/647 | 1965-66 | Ditto |
| 9 | Shri Mohinder Partap Singh, R/448 | 1965-66 | Ditto |
| 10 | Shri Baldev Raj, R/616 | 1965-66 | Ditto |
| 11 | Shri Satwant Singh, R/722 | 1965-66 | Ditto |
| 12 | Shri Tilak Raj, R/329 | 1965-66 | Wilful absence |
| 13 | Shri Boor Singh, C/307 | 1965-66 | Fraud case |

## ANNEXURE II

**Statement showing the officials of the Punjab Roadways who were re-instated on appeal**

| Serial No. | Name and designation | Roadways | Date of re-instatement |
|---|---|---|---|
| 1 | Shri Inderjit Singh, Adda Conductor | Chandigarh | 21-1-65 |
| 2 | Shri Manjit Singh, Conductor | Chandigarh | 20-1-66 |
| 3 | Shri Karamjit Singh, Conductor | Chandigarh | 26-8-65 |
| 4 | Shri Kamal Singh, Conductor | Pathankot | 22-5-65 |
| 5 | Shri Balkar Singh, Conductor | Pathankot | 5-4-65 |
| 6 | Shri Sohan Lal, Conductor | Jullundur | 23-8-65 |
| 7 | Shri Darshan Singh, Conductor | Jullundur | 23-8-65 |
| 8 | Shri Aydhia Nath, Conductor | Amritsar | 4-2-66 |
| 9 | Shri Arjan Singh, Conductor | Amritsar | 18-8-65 |
| 10 | Shri Shiv Kumar, Conductor | Amritsar | 5-1-66 |
| 11 | Shri Baru Ram, Driver | Gurgaon | 6-4-65 |
| 12 | Shri Piara Singh, Conductor | Gurgaon | 31-12-65 |
| 13 | Shri Mam Chand, Conductor | Gurgaon | 20-4-65 |

### Loss suffered by the Punjab Roadways due to thefts committed in the Roadways Workshops, etc.

**3149. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the details of the loss suffered by the Punjab Roadways during the years from 1962 onwards to date due to thefts of motor parts from the Roadways Workshops and buses, depot-wise, stating the names of General Managers, Traffic Managers and Works Managers who were in position in each case during the said period at the respective depots ;

(b) whether it is fact that the Punjab Roadways suffered a loss of more than Rupees 10 lakhs due to the said thefts ; if so, whether these thefts were traced, if not ; the reasons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) A statement is enclosed.

(b) No, the total loss on these thefts comes to Rs 6,836.12 paise only. All cases of thefts were registered with the police authories and in some cases articles were traced out.

[Minister for Transport and Election]

STATEMENT

| Year | Depot | Officer Incharge | Items of loss | Value |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs. nP. |
| 1962 | Punjab Roadways, Jullundur | (1) Shri R.S. Sarkaria General Manager | Four self-starters | 1,660.16 |
| | | (2) Shri R.N. Sawhney, Works Manager | | |
| | | (3) Shri H.S. Randhawa, Traffic Manager | | |
| 1963 | Ditto | (1) Shri Saran Singh, General Manager | Two batteries | 251.66 |
| | | (2) Shri H. S. Randhawa, Traffic Manager | | |
| 1964 | Ditto | (1) Shri Saran Singh, General Manager | One self-starter | 633.87 |
| | | (2) Shri B. S. Khurana, Works Manager | | |
| | | (3) Shri H. S. Randhawa, Traffic Manager | | |
| 1965 | Ditto | (1) Shri Saran Singh, General Manager | (i) Two self-starters | 796.46 |
| | | (2) Shri B.S. Khurana, Works Manager | (ii) 20 Litres of Mobiloil | 27.60 |
| | | (3) Shri H.S. Randhawa, Traffic Manager | | |
| 1962 | Punjab Roadways, Amritsar | .. | .. | .. |
| 1963 | Ditto | 1) Shri R.N. Sawhney, General Manager | (i) One old crank shaft | 430.00 |
| | | (2) Shri R. N. Bhatia, Works Manager | | |
| | | (3) Shri D. S. Kohli, Traffic Manager | | |
| 1964 | Ditto | (1) Shri R.N. Sawhney, General Manager | One old differential tube | 100.00 |
| | | (2) Shri R. N. Bhatia, Works Manager | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | (3) Shri D. S. Kohli, Traffic Manager | | |
| 1965 | Ditto | (1) Shri R. N. Sawhney, General Manager | One old tube | 20.00 |
| | | (2) Shri R. N. Bhatia, Works Manager | | |
| | | (3) Shri D. S. Kohli Traffic Manager | | |
| 1962 | Punjab Roadways, Ambala | .. | | |
| 1963 | Ditto | (1) Capt. Gurcharan Singh, General Manager | One Radiator | 309.00 |
| | | (2) Shri J.N. Durani, Works Manager | | |
| | | (3) Shri Lal Singh, Traffic Manager | | |
| 1964 | Punjab Roadways, Ambala | .. | .. | .. |
| 1965 | Ditto | .. | .. | .. |
| 1962 | Punjab Roadways, Gurgaon | .. | .. | .. |
| 1963 | Ditto | .. | .. | .. |
| 1964 | Ditto | (1) Shri M. R. Pahwa, General Manager | .. | .. |
| | | (2) Shri Jagdish Chander, Traffic Manager | One Front wheel bearing | 30.28 |
| 1965 | Ditto | (1) Shri B.S. Dewan, General Manager | Gun Metal Bushes | 909.09 |
| | | (2) Shri Ram Saran, Works Manager | | |
| | | (3) Shri Jagdish Chander, Traffic Manager | | |
| 1962 | Punjab Roadways, Pathankot | .. | .. | .. |
| 1963 | Ditto | .. | .. | .. |
| 1964 | Ditto | .. | .. | .. |

[Minister for Trans ort and Elect'on]

| Year | Depot | Officer Incharge | Items of loss | Value |
|---|---|---|---|---|
| | | | | Rs nP |
| 1965 | Punjab Roadways Pathankot | (1) Shri R. S. Sarkaria, General Manager | Three Batteries | 498.0 |
| | | (2) Shri Bishan Singh, Works Manager | | |
| | | (3) Shri G. S. Mahaya, Traffic Manager | | |
| 1962 | Punjab Roadways, Chandigarh | .. | .. | .. |
| 1963 | Ditto | (1) Shri Naunihal Singh, General Manager | One self-sta ter | 950.00 |
| | | (2) Shri Dalip Singh, Traffic Manager | | |
| 1964 | Ditto | .. | .. | .. |
| 1965 | Ditto | (1) Shri Naunihal Singh, General Manage | Two dynmos | 220.00 |
| | | (2) Shri J. N. Durani, Works Manager | | |
| | | (3) Shri Dalip Singh, Traffic Manager | | |

**Visit to the Central Jail, Patiala by the Minister**

**3151. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether he visited the Central Jail, Patiala on the 7th January 1966, if so, the details of the concessions, if any, announced by him in the meeting held with the Jail inmates be laid on the Table ;

(b) whether the promise made and concessions announced by him have been fulfilled ; if not, the reasons therefor ?

**Shri Chand Ram :** (a) Yes. The details of concessions announced by the Minister are given below :—

(i) Remission to prisoners confined in Central Jail, Patiala at the scale of 5 days per month subject to the maximum of 60 days.

(ii) In case no report from the District authorities is received on Parole/Furlough cases of prisoners within the period of one month, the Government will dispose of such cases without waiting for it.

(b) As regards the concession mentioned at (a) (i) above, formal orders have since issued. The proposal as at (ii) above is under consideration of Government.

---

**Treatment of communications received from the Members of the Punjab Legislature**

**3152. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state whether he and the Chief Secretary have received any complaints from the Legislators of the State, regarding non-compliance with the instructions contained in circular No. 6116-Pol(2P)-64-16546, dated 22nd August, 1964, from the Chief Secretary to Government, Punjab, to all Heads of Departments, Commissioners of Divisions and the Deputy Commissioners in the State on the subject of treatment of communication received from the Members of the Punjab Legislature during the years 1964-65 and 1965-66 to-date ; if so, the details of the action so far taken thereon and the copies of these complaints be laid on the Table ?

**Shri Ram Kishan :** Yes Sir. Copies of the two letters are enclosed. Referring to the complaint, dated 7th August, 1965, further instructions have been issued for strict compliance. A copy of the instructions is also enclosed. Regarding the second complaint, issue of further instructions is under examination

**Copy of letter, dated 7th August, 1965, from Shri Hari Singh, M.L.C., Nehru Garden Road, Jullundur, to the Chief Minister, Punjab.**

I have to bring to your notice that instructions contained Chief Secretary's circular letter No. 6116-Pol(2p)64/16546, dated 22nd August, 1964, on the subject of Treatment of Communications from Members of Punjab Legislature are not being implemented by officers in general as far as my personal experience goes. The circular letter instructs officers to acknowledge letters from Legislators immediately and to send intimation of action taken within one month. In most of the cases when I addressed letters to officers, I did not receive even acknowledgement thereof far less intimation of action taken. I feel by and large officers are completely ignoring Government instructions on the subject.

I am herein under giving specific cases for your information, enquiry and necessary action :—

1. My letter, dated 23rd January, 1965 to the Commissioner, Jullundur, on the subject of grant of sanction to the donation of Rs 25,000 by Jullundur Municipal Committee to Desh Bhagat Yadgar Hall, Jullundur.

2. My letter, dated 9th June, 1965 to the Regional Transport Authority Jullundur on the subject of Bus service in Ilaqa bet of tehsil Garhshankar of district Hoshiarpur.

[Chief Minister]

3. Another letter of mine addressed to Regional Transport Authority, Jullundur, on 18th June, 1965 on the subject of Bus service from Garhshankar to Nairwan.

4. My letter to Secretary, Irrigation and Power of 29th May, 1965 on the subject of Shops Allotment Committee, Talwara.

5. My letter, dated 14th June, 1965 to District Education Officer, *re*. book grants to certain students of Government High School, Bhunga, district Hoshiarpur.

6. My letter, dated 9th June, 1965 to District Education Officer, Hoshiarpur, *re*-Pakhowal-Beehran Primary School, in tehsil Garhshankar.

7. My letter, dated 27th May, 1965 to the Superintendent of Police, Hoshiarpur, *re*-complaint of one Gurdial Singh of re-Inspur, police station Mahilpur :

8. My letter, dated 6th July, 1965 to the Inspector-General of Police *re*-complaint of Guran Ditta of village Ganga Chak of tehsil Dasuya, district Hoshiarpur.

I am not aware of the experience of other Legislators I generally write to the Ministers I have written to officers only on a few occasions. My experience is bitter, for they generally do not even acknowledge letters, despite repeated Government instructions on the subject.

May I expect that you will conduct enquiries as regards specific cases I have brought to your notice and oblige.

**Copy of letter No. nil dated the 10th January, 1966 from Master Hari Singh, M.L.C. to the Chief Minister, Punjab.**

I have the honour to write this letter to you to bring to your notice once again how the minds of officers of to-day still tend to move in the old grooves of bara sahibs of British period.

Some months back I had brought to your notice a number of concrete instances to show that officers did not even acknowledge letters from Legislators farless intimate the action taken in the matter. Thereby they disregarded the instructions of the Government issued from time to time on the subject. The matter was brought to the notice of the Government and the public through a number of interpellations in the Legislature in the last autumn session.

Now I have the honour to bring to your notice a couple of other instances of wrong attitude of district officials *vis a vis* communications from Legislators. As representatives of people, we have to bring to the notice of ministers certain public grievances, even complaints of individual citizen. They are generally sent by Ministers to district officials for enquiry and necessary action. There is a tendency among district officials to dispose of them in a routine manner as a complaint from such and such Legislatois, while in fact it is not a complaint of the Legislator concerned. I had brought two such instances to the notice of Deputy Commissioner, Hoshiarpur, in a letter, dated 2nd December, 1965.

I have along with this to bring to your notice yet another instance of bureaucratic attitude of district officials towards communications from Legislators, if they at all reply to such communications, they are in the habit of calling them as applications from such and such a legislator. I am enclosing copies of recent letters written to me by Deputy Commissioner and Superintendent of Police, Hoshiarpur, dated 2nd December, 1965 in English and 3rd December, 1965 in Punjabi. I fail to understand how our communications are treated as applications by district officials and in what sense.

Such an attitude on the part of officials is derogatory to the dignity and self-respect of Legislators.

You may please correct me if my thinking on the subject is not correct. Else kindly take steps to correct the attitude of officers.

---

## Block Education Officers in Amritsar District

**3153. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names and academic qualifications of the Block Education Officers working at present in Amritsar District with the headquarters of each ;

(b) the reasons for not fixing Tarsikka as the Headquarters of the Block Education Officer of Tarsikka ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) The requisite information is as under :—

| Serial No. | Name of the Block Education Officer | | Qualifications | Headquarter |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Shrimati Harbans Kaur | .. | B.A., B.T. | Tarn Taran II |
| 2 | Shri Jarnail Singh | .. | B.A., B.T. | Khadur Sahib |
| 3 | *Vacant* | .. | .. | Bhikhiwind |
| 4 | Shri Gurcharan Singh | .. | M.A., B.T. | Chogawan-I |
| 5 | Shri Saudagar Singh | .. | B.A., S.A.V. | Chogawan-II |
| 6 | Shri Amarjit Khanna | .. | B.A., B.T. | Rayya |
| 7 | Shri Balbir Singh | .. | B.A., B.T. | Patti |
| 8 | S. Sulakhan Singh | .. | M.A., B.T. | Naushehra Panuwan |
| 9 | Shri Bhagwant Singh | .. | B.A., B.T. | Tarsikka at Rasulpur |
| 10 | Shrimati Nirmaljit Kaur | .. | M.A., B.T. | Majitha |
| 11 | Shri Ajit Singh | .. | B.A., B.T. | Ajnala-I |
| 12 | Shri Tarjit Singh | .. | M.A., B.T. | Ajnala-II |
| 13 | Shri Santokh Singh | .. | M.A., B.T. | Amritsar-I |
| 14 | Shrimati Amrit Kaur | .. | B.A., B.T. | Amritsar-II |
| 15 | Shri Gian Singh | .. | B.A., B.T. | Amritsar-III |
| 16 | Shrimati Vimla Aggarwal | .. | B.A., B.T. | Amritsar-IV |
| 17 | Shri G. R. Dhawan | .. | M.A., B.T. | Verka at Amritsar |
| 18 | Shrimati B. K. Singh | .. | B.A., B.T. | Jandiala Guru |
| 19 | Shri Mukhtiar Singh | .. | M.A., B.T. | Valtoha |
| 20 | Shri Satnam Singh | .. | B.A., B.T. | Chola Sahib |
| 21 | Shri A. C. Sharma | .. | B.A., B.T. | Gandiwind |
| 22 | Shrimati Bhagwant Kaur | .. | B.A., B.T. | Tarn Taran-I |

(b) Because of paucity of suitable accommodation.

ADJOURNMENT MOTIONS/CALL ATTENTION NOTICES

**श्री मंगल सेन** : स्पीकर साहिब, मैं आप की रूलिंग इस मामले पर चाहता हूं । आपने कल फरमाया था कि चूंकि गवर्नर के एड्रेस पर और बजट पर बहस करते समय पर्याप्त अवसर मिलेगा इस लिए चाहे कोई रीसेंट अकरेंस भी हो कोई काल अटैंशन मोशन या एडजर्नमेंट मोशन एडमिट नहीं होगी । अगर पहले रोज़ शाम को ही कोई ऐसी वारदात हो जाए जिस की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना ज़रूरी हो तो मैं प्रार्थना करूंगा कि (विघ्न) मैंने कल ही रीसेंट अकरेंस के बारे में एक काल अटेंशन मोशन दी थी कि डी. सी., रोहतक, ने एस. डी. ओ, कैनाल को पीटा और उस को गालियां दीं । जब ऐसी बात हो जाए और आप फिर भी बोलने की इजाज़त न दें .........

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठ जाइये । जो जनरल डीसियन है वह स्टैंड करता है । (The hon. Member may resume his seat. The general decision already taken on this subject stands.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : काल अटैंशन नोटिस तो और बात है ।

**श्री अध्यक्ष** : मैं ने कल भी कहा था कि अगर कोई ऐसा मालमा है जिस को कोई मेम्बर साहिबान अपनी डिस्कशन में रेज करते हैं और गवर्नमेंट उस का जवाब न दे और मौका निकल जाए तो अगर मेम्बर साहिबान दोबारा उस का नोटिस देंगे तो उसको रीकंस्डिर किया जाएगा । ( I had stated yesterday also that if any matter raised by a Member during the course of his speech on the Budget etc. remained unanswered by Government, in that case if the hon. Member chose to give notice of the motion again, that will be duly considered.)

**ਸਰਦਾਰ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗੋਗੋਆਣੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਇਕ adjournment motion ਸੀ.........

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठ जाईए । (The hon. Member may take his seat.)

**ਸਰਦਾਰ ਜਗਜੀਤ ਸਿਘ ਗੋਗੋਆਣੀ** : ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਗੰਨਾ ਬੜਾ ਖਰਾਬ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਬੜਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲਾ ਹੈ ।...........

**Mr. Speaker** : No please.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿਤੇ ਗਏ ਦੋ ਮੁਤਜ਼ਾਦ ਬਿਆਨਾਂ ਵਲ ਦਿਲਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਕੁਲ 50,000 ਰੁਪਿਆ ਪੰਜਾਂ ਮੰਤਰੀਆਂ ਨੇ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਢਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਰੁਪਿਆ ਕੈਰੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਬਲਕਿ ਸਕੂਲ ਲਈ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਚੌਧਰੀ ਰਣਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੁਪਿਆ ਕੈਰੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਚੀਜ਼ ਲਈ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਪ੍ਰਬੋਧ ਚੰਦਰ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਬਿਆਨ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਆਪਣੀ ਪਾਲਸੀ ਮਹਿਕਮਾ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਦਲਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਸਾਫ ਕਰੇ । ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ

ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਕਿ ਆਇਆ ਢਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦਰੁਸਤ ਹਨ ਜਾਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਰੁਸਤ ਹਨ। ਰੁਪਿਆ ਸਕੂਲ ਲਈ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਜਾਂ ਕਿ ਕੈਰੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਕੂਲ ਵੀ ਸਰਕਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕੀ ਕੋਈ ਵਜ਼ੀਰ ਆਪਣੇ ਡਿਸਕ੍ਰੀਸ਼ਨਰੀ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ.....

**श्री अध्यक्ष** : आप ने अपनी बात कह ली है । आप बैठ जाईये । मिनिस्टर साहिबान नें अपना अपना बयान दिया है । आप कहते हैं कि वह कंट्रेडिक्टरी हैं । मिनिस्टर साहिबान ने अपने अपने डिस्कीशनरी फंड में से रुपया दिया है किस परपज़ के लिए दिया है यह उन का अपना मामला है । (The hon. Member has stated his point. Now he may resume his seat. The Ministers have given their own statements separately. The hon. Member says that these are contradictory. The Ministers have made contributions out of their discretionary funds. As to for what purpose, it is their concern.)

(सरदार लछमण सिंह की तरफ से विघ्न)

**सरदार लछमन सिंह गिल** : वह पब्लिक का रुपया है ।

**श्री अध्यक्ष** : किसी मिनिस्टर ने रुपया अपने डिस्क्रीशनरी फंड से किस काम के लिये दिया है यह उस का अपना काम है, अपना व्यू है । चौधरी रणबीर सिंह ने किस परपज़ के लिए दिया है या ढिलों साहिब ने किस परपज़ के लिये दिया है इस के बारे में उन्होंने अपने अपने विचार बता दिये हैं उस में कोई कंट्रेडिक्शन नहीं हो सकती । (It is the business of the Minister rather his own view to see for what purpose he gives money from his discretionary fund. Both Chaudhri Ranbir Singh and Sardar Gurdial Singh Dhillon have stated their points of view about the purpose for which they have contributed money. There can be, therefore, no contradiction in their statements.)

**श्री बलराम जी दास टंडन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि कल आप नें इस के बारे में रूलिंग दिया है कि जहां तक बजट सेशन का ताल्लुक है गवर्नर के एड्रेस पर बहस करते वक्त और बजट पर बहस करते वक्त कोई काल अटैंशन मोशन और एडवर्नमेंट मोशन नहीं लाई जा सकती । जहां तक मैं समझता हूं हमारा हाउस लोक-सभा की रवायात की कापी करता है । इस के बारे में लोक सभा में पहले भी कई बार यह बात हो चुकी है .....

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिये ........ (The hon. Member may please resume his seat.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : आप मेरी बात तो सुन लीजिये .........

**श्री अध्यक्ष :** मैंने आप की बात समझ ली है । इसके बारे में कि लोक सभा ने एडजर्नमेंट मोशन एडमिट की है कल यहां पर सारी बात आ चुकी है । वह अब रीओपन नहीं हो सकती । कल मैंने खुली इजाज़त दे दी थी। केरल में जहां वह बात हुई उस की अपनी डीटेल्ज़ हैं, अपनी पोज़ीशन है। अगर आप चाहें तो मैं वेरियस ग्रुप्स आफ लीडरज़ के साथ चेम्बर में यह बात डिस्कस कर सकता हूं । यहां पर यह मामला अब खत्म हो जाना चाहिए । नाउ वुयी पास आन टू दी नेक्सट आटिम। (I quite follow the hon. Member. The matter that an adjournment motion has been admitted in the Lok Sabha has already been fully discussed yesterday. Now that cannot be reopened. Yesterday, the Members were allowed to express themselves freely on the subject. As to the motion about Kerala, it had its own details and typical position. If the hon. Members so desire, I can discuss this matter with the various group leaders in my Chamber. Now we pass on to the next item.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਇਹ ਰਾਈਟ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਡਿਸਕ੍ਰੀਸ਼ਨਰੀ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਜਿਸ ਨੂੰ ਚਾਹੁਣ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਦੇਣ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਹ ਨਿਜੀ ਮਾਮਲਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰੁਪਿਆ ਸਟੇਟ ਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡਿਸਪੋਜ਼ਲ ਤੇ ਹੈ । ਪਬਲਿਕ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਬਾਕਾਇਦਾ ਆਡਿਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਰੁਪਏ ਦਾ ਆਡਿਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਡੀo ਸੀo ਦੇ ਥਰੂ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਚੈੱਕ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਦੀ ਇਕ ਇਕ ਪਾਈ ਨੂੰ ਵੇਖ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਜਾਇਜ਼ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਸ਼ੱਕ ਪੈ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਸ ਰੁਪਏ ਨੂੰ ਬਰਬਾਦ ਕਰ ਦੇਣਗੇ (*Interruptions*)

**श्री मंगल सेन :** स्पीकर साहिब, आप नें बोलने पर पाबन्दी लगा रखी है ।

**श्री अध्यक्ष :** डाक्टर मंगल सैन, आप ऐसी बात न करें । (The hon. Member, Dr. Mangal Sein should avoid saying such things.)

**श्री बलरामजी दास टंडन :** आप मीटिंग बुला लें ।

**श्री अध्यक्ष :** मैं आज ही मीटिंग काल करूंगा । (I will certainly call a meeting today.)

(सरदार लछमन सिंह गिल की तरफ से विघ्न)

**श्री अध्यक्ष :** आप का हक है आप मिनिस्टरों को क्रिटिसाईज कर सकते हैं। लेकिन जहां पर यह सवाल आता है कि किस मिनिस्टर ने किस परपज़ के लिए रुपया दिया इस नें कंट्रेडिक्शन वाली बात कोई नहीं है। वह जो बात कहते हैं वह ठीक है या गलत आप क्रिटिसाईज़ कर लें लेकिन उस में कंट्रेडिक्शन वाली कोई बात नहीं है। ( It is the right of the hon. Members to criticise the Ministers. But when the question

arises as to which Minister gave the money and for what purpose he gave it, there appears to be no contradiction in it. The hon. Member may criticise as to what the hon. Ministers have stated but there is no question of any contradiction in these statements.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਜਨਾਬ ਨੂੰ ਕੋਈ ਗਲਤਫਹਿਮੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਪੱਲੀ ਲਈ ਹੈ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਤੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਦੇਣ ਜੇਕਰ ਤਾਂ ਉਹ ਡਿਫਰੈਂਟ ਡੇਟਸ ਤੇ ਡਿਫਰੈਂਟ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਗਏ ਹੋਣ ਤਾਂ ਤੇ ਅਡ ਗੱਲ ਹੈ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਏਤਰਾਜ਼ ਨਾ ਹੋਵੇ ਪਰ......

**Mr. Speaker** Order please, order.

**श्री जगन्नाथ** : स्पीकर साहिब, मैंने काल अटेंनशन मोशन दी थी आप ने कह दिया कि आप अलाउ नहीं करेंगे । एक तरफ तो........

(विघ्न) .....एक तरफ तो एम.एल.एज. खाना खाएं और दूसरी तरफ होस्टल में छोटे बच्चे भूखे रहें । यह कहां का इन्साफ है कि लीडर लोग तो खाना खाएं और बच्चे भूखे रहें ..........

**श्री स्पीकर** : आर्डर प्लीज़ । ( Order please.)

---

## PAPERS LAID ON THE TABLE

**Planning and Local Government Minister** (Sardar Ajmer Singh): With your permission, Sir, I lay on the Table of the House a copy of the "Harayana Development Committee Final *Report".

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗਵਰਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਹਰਿਆਣੇ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਅਜ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉਤੇ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ । ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਸਾਨੂੰ ਭੀ ਇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਕਾਪੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚੰਗੀਆਂ ਸੁਜੈਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਸਕੀਏ ।

**ਯੋਜਨਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉਤੇ ਰਖ ਦਿਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸੇ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀਆਂ ਦਸ ਕਾਪੀਆਂ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਲਾਇਬਰੇਰੀ ਵਿਚ ਰਖ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

**श्री मंगल सेन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । स्पीकर साहिब, उस सदन की और लोक सभा की भी यही रिवायत रही है कि जब भी हाउस की मेज़ पर कोई चीज रखी जाती है विशेषतया किसी विषय में रिपोर्ट रखी जाती है तो उस की कापियां माननीय सदस्यों को बाटीं जाती हैं । इस लिए मैं आप से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप सरकार को हुक्म करें कि हमें इस रिपोर्ट की कापियां बांटी जाएं ताकि हम इस चीज को पढ़ कर सरकार को अच्छे सजैशन दे सकें । मैं कल पंडित

---

*Kept in the Library.

[श्री मंगल सैन]

श्री राम शर्मा को मिला था और उन्होंने मुझे बताया था कि इस रिपोर्ट की एक हज़ार कापियां छपवायी गई हैं । इस लिए, मैं आप से दोबारा प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप हुक्म करें और माननीय मन्त्री महोदय टैलीफोन करके इस रिपोर्ट की कापियां मंगवाएं और हमें डिस्ट्रीब्यूट कराएं ।

**श्री अध्यक्ष** : प्रापर तो यही है कि इस रिपोर्ट की कापियां माननीय सदस्यों को बांटी जाएं, अगर कोई टैकनीकल डिफीकल्टीज़ हों तो आप देख लें । आप ने अपर हाउस में कितनी कापियां बांटी हैं ? (What appears to be proper is that each Member should have been provided with a copy of this report. If there are any technical difficulties in their distribution that may be looked into by the hon. Minister. How many copies have been distributed to Members in the Upper House ?)

**ਯੋਜਨਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਅਪਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਕੋ ਕਾਪੀ ਲੇ ਕੀਤੀ ਹੈ ।

## RESOLUTION

### Regarding lease of land to Birla Brothers (withdrawn)

**श्री रामधारी गौड़** (गोहाना) : स्पीकर साहिब, मेरा आज यह रेजोल्यूशन, जिस में मैंने मांग की है कि जो बिरला ब्रादर्ज को ज़मीन सरकार नें दी है वह गरीब आदमियों को मिलनी चाहिये थी, यह जो जमीन दी गई है समाजवाद के खिलाफ है। जो आदमी खुद काश्त करता है, खुद काम करता है उस को मौका मिलना चाहिए, बजाए एक पूंजिपति के जिस के पास ज़राए हैं, अपने साधनों से अच्छे बीज पैदा कराना चाहता है ।

**Mr. Speaker** : Shri Ram Dhari Gaur. . .

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : पहले उन को मूव तो कर लेने दीजिए ।

**श्री रामधारी गौड़** : मैं एक्सप्लेन करना चाहता हूं ।

**श्री अध्यक्ष** : राम धारी गौड़, आप मेरे पास आए थे और कहा था कि आप इसे मूव नहीं करना चाहते । अगर आप इसे मूव नहीं करना चाहते तो आप स्पीच नहीं कर सकते । (*interruption*) Order please, order.

या तो आप मूव कीजिए या कहिए कि मूव नहीं करना चाहता । (*Addressing Shri Ram Dhari Gaur*) (The hon. Member had come to me stating that he had no mind to move the resolution. So if he does not want to move it, he cannot make a speech on it. (*Interruption*) Order please, order. Either he should move it or say that he does not want to move it.)

**श्री राम धारी गौड** : क्योंकि लीडर आफ दी हाउस ने और पंजाब सरकार ने मुझे यकीन दिलाया है कि आप की बात को असूली तौर पर मान लिया गया है और एक कैबिनेट सब-कमेटी ......... (*Interruption*)

**श्री अध्यक्ष** : रामधारी गौड़, आप इसे मूव करते हैं या नहीं । (The hon. Member, Shri Ram Dhari Gaur, may please tell me whether he wants to move it or not).

**श्री राम धारी गौड़** : स्पीकर साहिब, क्योंकि मेरी बात मान ली गई है. . .

**श्री अध्यक्ष**: साफ बताईए कि आप मूव करते हैं या नहीं (*Interruption*) । (The hon. Member should plainly state whether he wants to move it or not). (*Interruption*)

**श्री राम धारी गौड**: क्योंकि मेरी बात मान ली गइ है तो मैं इस रेजोल्यूशन को नहीं चाहता कि मूव किया जाए ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : On a point of order, Sir. ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਇਥੇ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਪ੍ਰੈਸ ਇਥੇ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਇਥੇ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ਰਮਨਾਕ ਗੱਲ ਕੋਈ ਹੋਰ ਹੋ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ ਕਿ ਗ਼ਰੀਬਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕਹਿਣ ਲਈ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਬਾਰੇ ਕਹਿਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਨਾਇਨਸਾਫੀਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੁਝ ਕਹਿਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਟ੍ਰੇਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਲੋਂ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ । 10 ਮਿੰਟ ਤਕ ਉਹ ਬੋਲਦਾ ਰਿਹਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਫੇਰ ਵੀ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਤੁਸੀਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੰਡੈਮ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਔਰ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਵਲੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਖਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣਾ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਤੌਖਲਾ ਹੈ........ (ਸ਼ੋਰ) ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵੱਡੀ ਨਾ ਇਨਸਾਫੀ ਹੋਰ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? (*Interruption*)

**Mr. Speaker** : Order please.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : On a point of order, Sir. ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਧਾਰੀ ਗੌੜ ਨੇ ਆਪਣਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ ਔਰ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਮਤਾ ਇਹ ਹੈ । ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਗ਼ਰੀਬਾਂ ਕੋਲੋਂ ਖੋਹ ਕੇ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਉਸ ਨੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਜਦ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਉਸ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਮੈਂਬਰ ਵੱਲੋਂ ਉਹ ਰੈਜ਼ੋਲੂਸ਼ਨ ਮੂਵ ਹੋ ਗਿਆ ਸਮਝਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਔਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰਸੂਏਡ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਔਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਖਬਰ ਪਹੁੰਚਾਈ ਗਈ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਟੇਜ ਤੇ ਤੁਹਾਡਾ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਤਾ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਮੂਵ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਪੀਚ ਕਰਨੀ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ।

**Mr. Speaker** : Sardar Ajaib Singh Sandhu, will you please withdraw your words ?

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਮੈਨੂੰ ਦਸੋ ਕਿ ਮੈਂ ਕੀ ਗੱਲ ਕਹੀ ਹੈ ?

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਦੇਖੀਏ, ਮਿਸਟਰ ਰਾਮਧਾਰੀ ਗੌੜ ਮੈਨੂੰ ਮੇਰੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਮਿਲੇ ਸਨ ਔਰ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । (Please listen, Shri Ram Dhari Gaur met me in my Chamber and said that he did not want to move it.)

**कुछ आवाजें** : वह बोलते रहे हैं ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਦੋ ਹੀ ਤਰੀਕੇ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਾਂ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਨਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵੋ ਜਾਂ ਇਹ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿ ਦੇਵੋ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । ਪਰ ਇਥੇ ਜਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਪਣੀ ਸਪੀਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਬਗੈਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ਤਦ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਨਹੀਂ । (Order please. I told the the hon. Member Shri Ram Dhari Gaur that he could do so in two ways. Either he should absent himself from the House when his turn for moving the resolution came or he should state in the House that he had no intention for moving it. But when he started speaking without saying whether he wanted or did not want to move the resolution, then I asked him whether he wanted to move it or not.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਉਸ ਦੀ ਸਪੀਚ ਮੰਗਵਾ ਕੇ ਵੇਖ ਲਉ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮੈਂ ਮੂਵ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

**ਗ੍ਰਹਿ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ** : ਗ਼ਲਤ ਬਾਤ ਹੈ । ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ (*Interruption*)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼ । ਜੋ ਤੁਸਾਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਕਿ ਮੈਂ ਰਾਮਧਾਰੀ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਉਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । It is a reflection on the Chair. (*Addressing Sardar Ajab Singh Sandhu*) (Order please, what the hon. Member has said, namely, that why I asked Shri Ramdhari Gaur whether he wanted to move it or not, is not proper. It is a reflection on the Chair.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਜਦ ਉਹ ਜਨਾਬ ਨੂੰ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਮਿਲ ਚੁੱਕੇ ਹਨ ਤਾਂ ਆਪ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਸ ਵਕਤ ਤੁਸਾਂ ਉਸ ਦਾ ਨਾਮ ਲਿਆ ਸੀ ਉਸੇ ਵਕਤ ਕਹਿ ਦਿੰਦੇ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਜਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਗਰ ਆਪ ਨੇ ਉਸ ਤੋਂ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਨਾਲ ਧੱਕਾ ਹੈ ।

**Mr. Speaker** : Will you please withdraw your words. It is a reflection on the Chair.

(*At this stage there was uproar in the House.*)

**Mr. Speaker** : Sardar Lachhman Singh: order please. Sardar Ajaib Singh Sandhu: will you please withdraw your words?

**Chief Parliamentary Secretary** : Withdraw your words.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਠੀਕ ਕੀਤਾ ਜੋ ਵੀ ਕੀਤਾ।

**Mr. Speaker** : Sardar Ajaib Singh, please withdraw your words.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਮੈਂ ਕੋਈ ਵੀ ਅਜਿਹਾ ਲਫ਼ਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ। ਮੈਂ ਹੁਣ ਵੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਦ ਉਹ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਔਰ ਉਸ ਨੇ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਮੇਰਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਔਰ ਆਪ ਨੇ ਖ਼ੁਦ ਉਸ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਉਹ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਦਸੋ ਕਿ ਮੈਂ ਕੀ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਤੁਸੀਂ ਬਾਰ ਬਾਰ ਮੈਨੂੰ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹੋ ਕਿ ਵਿਦ-ਡਰਾ ਕਰ ਲਵਾਂ ? (*Interruptions*).

**Mr. Speaker** : Will you please, withdraw your words or not?

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਅਗਰ ਮੈਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਹ ਲਫ਼ਜ਼ ਵਾਪਸ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਅਗਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪ ਨੂੰ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਆਪ ਨੂੰ ਇਹ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈਂਦਿਆਂ ਹੀ ਇਹ ਪੁਛ ਲਿਆ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਜਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਂ ਅਨਾਊਂਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਕਰੀਰ ਕਰਨੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਜ਼ਾਹਿਰ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਸਟੇਜ ਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਕਰਨਾ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ, ਸਾਡੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਤੌਹੀਨ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੀ ਗਲ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਮੰਨੋਗੇ ਔਰ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਚਲਣ ਦਿਉਗੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਸਿਰਫ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ, ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਇਹ ਬਿਰਲਿਆਂ ਔਰ ਟਾਟਿਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਅਸੀਂ ਪ੍ਰੋਟੈਸਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ।...........

**Mr. Speaker**: Sardar Ajaib Singh, Order please. (*Interruptions*, *Noise*)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਹ ਦੇਖੋ ਉਸ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਕਢਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (*Noise*)

**श्री जगन्नाथ** : गौड़ को बाहर निकालो (*Interruptions*).

**श्री अध्यक्ष** : जब तक वह मेम्बर फारमली रैज़ोल्यूशन मूव नहीं करता, वह मूव्ड समझा नहीं जा सकता। This is in accordance with the rules. (So long as the Member concerned does not formally move the resolution, it cannot be deemed to have been moved. This is in accordance with the rules.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਤੁਹਾਡੀ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਅਗੇ ਅਸੀਂ ਬੋ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਤੁਸੀਂ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਫਾਰਮਲੀ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਇਹ ਮੂਵਡ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਹ ਤਾਂ ਰੀਕਾਰਡ ਹੀ ਦਸੇਗਾ ਕਿ ਉਹ ਰੈਜ਼ੋਲੀਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮੂਵ ਕੀਤੇ ਬਗੈਰ ਕਿਤਨੀ ਦੇਰ ਬੋਲਦੇ ਰਹੇ। ਤਾਂ ਕੀ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਇਨਫਰੈਂਸ ਨਾ ਕਢੀਏ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿਤੀ—ਉਸ ਨੂੰ ਐਜ਼ ਰੈੱਡ ਸਮਝ ਲਿਆ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 10 ਮਿੰਟ ਸਪੀਚ ਵੀ ਕਰ ਲਈ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪ ਦਾ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਕਈ ਦਫਾ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਰੈਜ਼ੋਲੀਊਸ਼ਨ ਜਾਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ read and moved ਸਮਝੀਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਇਹੋ ਇੰਨਫਰੈਂਸ ਕਢੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਉਹ ਦਸ ਮਿੰਟ ਬੋਲੇ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਐਗਜ਼ੈਕਟਲੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਪਤਾ, ਇਹ ਰੀਕਾਰਡ ਦਸੇਗਾ, ਤੁਸੀਂ find out ਕਰ ਲਉ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਸ ਵੇਲੇ ਹਾਜ਼ਿਰ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਇਹ ਦਸ ਮਿੰਟ ਦੀ ਬਾਤ ਨਹੀਂ—ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿੰਟ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਹੀਂ ਬੋਲਿਆ। ਰੀਕਾਰਡ ਵੀ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੂੰ ਦਿਖਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ। ਜਦ ਇਕ ਦੋ ਸੈਨਟੈਂਸਿਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੋਲੇ ਔਰ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁੱਛਿਆ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਜਾਂ ਨਹੀਂ because he might have changed his mind. जब यह मेरे पास चेम्बर में आए तो इन्होंने कहा कि मैं अपने रैज़ोल्यूशन को मूव नहीं करना चाहता। मैं यह वहां कहूंगा। जब इन्होंने यह नहीं कहा तब मैंने पूछा कि आप इस को मूव करना चाहते हैं या नहीं। इस पर दस मिनट बोलने की बात नहीं है, दो तीन मिनट लगे होंगे।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि आज तक कभी इस तरह नहीं कहा गया कि रैज़ोल्यूशन को डीम्ड टू हैव बिन रैड एंड मूव्ड समझा जाए, अमैंडमेंट्स के केस मे तो ऐसा हो जाता है मगर मेन रेज़ोल्यूशन के केस में नहीं। मेन रैज़ोल्यूशन चेयर की तरफ से मूव नहीं किया जाता कि दिस मे बो डीम्ड टू हैव बिन मूव्ड ऐंड रैड। आज तक ऐसी प्रैक्टीस नहीं है। (I think the hon. Member was not present in the House at that time. It is not a question of 10 minutes. The hon. Member concerned hardly spoke for two or three minutes and the record would be shown to Sardar Gurnam Singh. The Member had first told me that he would not be moving his resolution. But when he had uttered one or two sentences and still did not move his resolution then I asked him whether he wanted to move it or not because he might have changed his views. I repeat that when he came to my Chamber, he said that he would say in the House that he did not want to move the resolution. When he did not say that but started speaking, then I enquired of him whether he wanted to move it or not. So, there is no question of his speaking for ten minutes. He may have taken two or three minutes.

The other point which I would like to mention is that so far it has never been the practice that a main resolution could be deemed to have been read and moved. This is possible in the case of amendments but not in the case of a main resolution. It is never stated by the Chair that the main resolution should be deemed to have been read and moved. There has never been such a practice here.)

**चौधरी नेत राम** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। (विघन) मेरा ब्यवस्था प्रश्न स्पीकर साहिब यह है कि यह जो बिरला ब्रादर्ज़ को एक हज़ार एकड़ जमीन दी गई है........

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठिये। (विघन) आप तो रेज़ोल्यूशन पर बात करने लगे हैं। (विघन) यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। आप रेज़ोल्यूशन की वर्डिंग पर कुछ न कहिये और बात कहनी हो तो कहें। (विघन) (The hon. Member

may resume his seat. ( *Interruptions* ) He has started speaking on the resolution. ( *Interruptions* ). This is not a point of order. He need not comment on the wording of the resolution, but if he has to say anything else, that he may do so. (*Interruptions*).

**चौधरी नेत राम** : मैं प्वायंट आफ आर्डर से एक लफज भी इधर उधर नहीं जाऊंगा । मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि इस रैज़ोल्यूशन के मूवर ने इस का भावार्थ तो दो तीन दफा किया । तब आप ने मदाखलत की (विघन) उन्होंने कहा कि मैं मूव कर रहा हूं और इस लिए भावार्थ कर रहा हूं । यह बात कार्यवाही में आ सकती है । उन्होंने कहा कि मैं इस मूव करना चाहता हूं । यह नहीं कहा (विघन) इन्होंने कहा कि म इस का भावार्थ इसलिये कर रहा हूं कि यह जो ज़मीन पूंजीपति को दी गई है यह गलत दी गई है । जब उन्होंने भावार्थ किया तो वह मूव हो गया ।

**श्री अध्यक्ष** : मैंने प्रोसीडिंग्ज़ मंगाई हैं । अगर कहीं यह लफ्ज़ हुए कि मैं इस को मूव करना चाहता हूं या यह रेज़ोल्यूशन मूव कर रहा हूं (विघन) (शोर)..... I have called for the proceedings. If any where these words have been used that "I want to move this" or "I am moving this resolution... (*Interruption*). Order please.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਲਿਆਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦਾ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਦੀਆਂ ਟੈਕਨੀਕੈਲੀਟੀਜ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਉਹ ਮੈਂਬਰ ਆਪ ਦੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਮਗਰ ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਉਸ ਨੇ ਸਭਾ ਵਿਚ ਉਠ ਕੇ ਇਸ ਤੇ ਮਤੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਅਤੇ 3-4 ਮਿੰਟ ਤਕ ਬੋਲਦਾ ਰਿਹਾ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ......... (ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਧਾਰੀ ਗੌੜ ਖੜੇ ਹੋਕੇ ਬੋਲਣ ਲਗ ਪਏ ) (ਵਿਘਨ)

**Mr Speaker** : The Chief Minister.

(ਵਿਘਨ)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਲਉ ਹੁਣ [ X X X X ]* ਨੂੰ ਸੁਣੋ

(ਵਿਘਨ)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਹਰ ਗੱਲ ਦੀ ਕੋਈ ਲਿਮਿਟ ਵੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਖਰੀ ਵਾਰਨਿੰਗ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਹਾਊਸ ਤੁਹਾਡੇ ਰਹਿਮ ਤੇ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਹ ਗਲਤ ਬਾਤ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ । (ਵਿਘਨ) You cannot make observations at any time you like. (There is a limit to everything. It is not proper for the hon. Member to make such remarks. I give him the last warning. The House is not at the mercy of the hon. Member. This is not desireable and it cannot be allowed. (*Interruption*) He cannot make observations at any time he likes).

*Expunged as ordered by the Chair.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਦੀ ਵਜ਼ਾਹਤ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । [ x x x x ]* ਕਹਿਣਾ ਕੋਈ ਪਾਪ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ) ਇਹ [ x x x x ]* ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** [ x x x x ]* (ਸ਼ੋਰ)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** [ x x x x ]* (ਸ਼ੋਰ) [ x x x x x x x ]* (ਸ਼ੋਰ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ੍ਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** [ x x x x ]* (ਸ਼ੋਰ)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** [ x x x ]* (ਸ਼ੋਰ)

**श्री अध्यक्ष :** यहां पर हर मैम्बर को, मिनिस्टर को या चीफ मिनिस्टर को अपनी बात कहने का इख्तयार है और किसी तरह से इन्ट्रप्शन नहीं होनी चाहिए । यह मुनासिब नहीं मालूम होती । अगर एक साइड को इन्ट्रप्ट करने का इख्तयार है तो दूसरी साईड को भी हो जाता है । तो मैं आखिरी बार अर्ज़ करता हूं कि इन्ट्रप्शन्ज़ नहीं होनी चाहिएं । (Every hon. Member or a Minister or the Chief Minister has a right to express his views here and no interruptions of any kind ought be made. This does not look proper. If one side of the House starts interruptions, the other side also arrogates itself to this right. I would, therefore, submit that there should be no interruption at all).

**Sardar Ajaib Singh Sandhu :** On a Point of Order, Sir.

**Mr. Speaker :** If it is not a valid Point of Order, it will be taken as a misuse of that right.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਤੁਸੀਂ ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸੁਣ ਲਉ । ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸਨ ਤਾਂ ਗਰਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ [ x x x ]* ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਲਫਜ਼ ਵਾਪਿਸ ਕਰਾਏ ਜਾਣ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਐਸੀ ਗੱਲ ਕਹਾਂ। ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਧਰਮ ਪੁੱਤਰ ਕਿਹਾ । ਉਸ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਵੀ ਗੱਲਾਂ ਹੋਈਆਂ । (ਵਿਘਨ) ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਨੇ ਹੋਰ ਵੀ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਜੋ ਬੜੀਆਂ ਐਕਸਟਰੀਮ ਸਨ । (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਰਲੇ ਦਾ ਬੀ ਕਿਹਾ..............(ਵਿਘਨ) ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਐਕਸਪੰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। (I did not want to say this. Sardar Lachhman Singh used the word Dharam Putra, Other things followed. (*Interruption*). Sardar Lachhman Singh uttered words of an extreme nature. (*Interruption*) He called him Birle da Bi (*Interruption*). All these utterances are expunged from the proceedings)

(Chaudhri Net Ram rose on a point of order)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੇ ਧਰਮ ਪੁੱਤਰ ਕਹਿਣ ਤੇ ਜੋ ਜੋ ਇੰਟਰਪ-ਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਈਆਂ ਅਤੇ ਐਕਸਪਰੈਸ਼ਨਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਉਹ ਐਕਸਪੰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) (Whatever interruptions were made and

*Expunged as ordered by the chair.

expressions used after Sardar Lachhman Singh had uttered the word 'Dharam Putra' are expunged from the proceedings.)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ ਵਿਚਕਾਰ ਕੁਝ ਗਰਮਾ ਗਰਮੀ ਹੋ ਪਈ) (ਸ਼ੋਰ)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੇ ਧਰਮ ਪੁੱਤਰ ਕਹਿਣ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਜੋ ਇਨਟਰੱਪਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਈਆਂ ਅਤੇ ਐਕਸਪਰੈਸ਼ਨਜ਼ ਵਰਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਐਕਸਪੰਜ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹੁਣ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਨੂੰ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲਣ ਦਿਉ। (As already stated, all the interruptions made and expressions used after Sardar Lachhman Singh had uttered the words 'Dharam Putra' will stand expunged. I would now request the hon. Member to let the proceedings of the house be carried on smoothly).

11 a.m. **ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਨ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਲਫਜ਼ ਕਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਮੈਂ [******] ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ [******] ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਹੁਣ ਠੀਕ ਹੈ । (ਸ਼ੋਰ)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼, ਆਰਡਰ। ਹੁਣ ਵੀ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਨੇ ਕੁਝ ਗਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (Order please, order. Even now Sardar Lachhman Singh Gill has said certain things which are not proper) (*Interruptions*) (*Noise*)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਮੈਨੂੰ ਗਿਲਾ ਹੈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਸੁਣਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ । ਜੇਕਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ [***************] ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ)

**Mr Speaker** : Orde please, order.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਮੇਰੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਸੁਣਦੇ ਨਹੀਂ ............ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ).

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਚੁਪ ਕਰੋਗੇ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

(Will Shri Gill keep quiet or not ?)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਚੁਪ ਹਾਂ ! (I obey you, Sir.)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਲਫਜ਼ 'ਧਰਮਪੁਤਰ' ਤੋਂ ਬਾਦ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਨੇ ਜਾਂ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਪਰਤਾਪ ਗਰਗ ਨੇ ਜਾਂ ਹੋਰਨਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਇਨਕਲੂਡਿੰਗ ਦੀ ਵਰਡ 'ਬੇਈਮਾਨ' ਰੀਕਾਰਡ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਨਾ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇ । (After the use of the word 'Dharam Putra' by Sardar Lachhman Singh Gill, whatever has been said by him or Shri Ram Partap Garg or others including the word "Beiman" (Dishonest) will not be deemed to be part of the proceedings.)

*Expunged as ordered by the chair.

**मुख्य मंत्री** : स्पीकर साहिब, पिछले दस पंद्रह मिन्ट में जो कुछ इस हाउस में हुआ है मैं इन्हें स्पीचिज़ तो नहीं कहता जिस किस्म का मुज़ाहरा हुआ है यह बड़ा दुखदायक है। मैं उन्हीं कायन्ज़ में जिन में कि उन्हों ने कहा है कुछ नहीं कहना चाहता। उन्हीं कायन्ज़ में रीपे नहीं करना चाहता, जो कुछ कि सरदार लच्छमण सिंह गिल और दूसरे दोस्तों ने कहा है। मेरी ज़बरदस्त खाहिश है और हम पूरी तरह से कोशिश कर रहे हैं और कोशिश करेंगे कि हाऊस की डिगनिटी मेनटेन हो और एक डिगनीफाइड तरीके से हाऊस की प्रोसीडिंगज़ को चलाया जाए। जहां तक ट्रैयरी बैंचों का ताल्लुक है वह आप को अनकुआलीफाइड़ स्पोर्ट देंगे। (प्रशंसा) और मैं यह चाहता हूं कि जो पार्लियमैंटरी रवायात हैं, उन पर सारे भाई पूरी तरह से अमल करें। यह एक रवायत है कि जब स्पीकर की तरफ से रूलिंग आ जाए तो उस को क्वैश्चन नहीं किया जा सकता। आप ने एक रूलिंग दिया और श्री राम धारी गौड़ को अपना रैज़ोल्यूशन विदडरा करने की इजाज़त दे दी तो फिर इस रूलिंग को क्वैश्चन नहीं करना चाहिए था। अगर स्पीकर की रूलिंग को न माना जाए तो हाउस की डिगनिटी नहीं रहती। इस के कारण हाउस के बाहर प्रैस में और प्लेटफार्म पर लोग इस हाउस के बारे में ठीक राए कायम नहीं करेंगे। इस लिये मैं सब मैम्बर साहिबान से अदब से अर्ज़ करना चाहता हूं कि हाउस की कारवाई को आगे चलने दें।........ (विघ्न)

**चौधरी नेत राम** : यह किस तरह कह सकते हैं कि रैज़ोल्यूशन मूव नहीं किया.... आप इस तरह कैसे रोक सकते हैं.....(विघ्न) (शोर)।

**श्री अध्यक्ष** : आप बार बार हाउस की प्रोसीडिंगज़ को आब्सट्रक्ट कर रहे हैं। (The hon. Member is obstructing the proceedings time and again.)

**चौधरी नेत राम** : मैं तो यह अर्ज़ कर रहा था कि उन्हों ने कहा था कि मैं रैज़ोल्यूशन मूव करता हूं और उस के आगे अपनी तकरीर शुरू कर दी थी तो फिर आप को क्या अधिकार है कि आप कहें कि रैज़ोल्यूशन मूव नहीं हुआ। इस तरह से हरिजनों को दी जाने वाली ज़मीन... ... (विघ्न)।

**श्री अध्यक्ष** : आप हाऊस की प्रोसीडिंग्ज़ को आब्स्ट्रक्ट कर रहे हैं। (The hon. Member is obstructing the proceedings of the House.) (*Interruptions*)

I order the hon. Member to withdraw from the House. He is obstructing the proceedings of the House.

(Interruption by Chaudhri Net Ram)

**श्री अध्यक्ष** : आप हाऊस से बाहर चले जाएं। (The hon. Member may please withdraw from the House).

**चौधरी नेत राम** : आप किस तरह से रैज़ोल्यूशन को विदडरा करवा सकते हैं? सरकार पंडित रामधारी को दबा कर उस से इसको विदडरा कराना चाहती है। इस तरह यह जो ज़मीन हरिजनों और गरीब किसानों को दी जानी थी उसे यह बिरले को दे रहे हैं यह कैसे सहन किया जा सकता है।...... (विघ्न) (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : आप को पहले ही हुकम दिया जा चुका है कि आप हाऊस से विदडरा करें। (He has already been ordered to leave the House.)

**चौधरी नेत राम** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर. . . .

**श्री अध्यक्ष** : चौधरी नेत राम आप हाऊस से बाहर चले जाइए। विल यू प्लीज़. . . . (Please withdraw from the House. Will you please. . . .)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਤੁਸੀਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਨਾ ਆਉ। (ਸ਼ੋਰ)

**Mr. Speaker** : Order please.

**चौधरी नेत राम** : जनाब आप किस तरह मुझे बाहर जाने का हुकम दे रहे हैं। अगर सरकार की तरफ से कोई भ्रष्टाचार किया जा रहा हो और उस पर से अगर हम परदा उठाना चाहें और सरकार की तरफ से किए गए भ्रष्टाचार का इस हाउस में जिक्र करें तो आप क्या इसे हाउस की डिगनिटी नहीं समझते। आप यह चाहते हैं कि सरकार इस तरह से गरीब किसान के हक्क पर छापा मारे और लोगों के जज़बात की कदर न करें। (विघ्न) क्या आप चाहते हैं कि सरकार बिरले की, थापर की या किसी और की हिमायत करे और इस रैज़ोल्यूशन को मूव न करने दे और इस रोके? (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : चौधरी नेत राम बावजूद चेयर के कहने के हाऊस से बाहर नहीं जा रहे हैं, इसलिये मैंने मारशल को हदायत की है कि वह जा कर इन्हें हाऊस से बाहर जाने को कहे। (Since Chaudhri Net Ram has refused to withdraw from the House, despite the orders of the Chair, I have directed the Marshal to approach the Member and tell him to leave the House.)

(विरोधी पक्ष की ओर से : शेम शेम) (इस समय मार्शल चौधरी नेत राम के पास आ कर खड़ा हो गया)। (शोर)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਤਾਂ ਲਾਠੀਆਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਜਿਸ ਨੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਉਠਾਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਕੱਢਣ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜੋ ਕੁਝ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦੋਹਾਂ ਪਾਸਿਆਂ ਵਲੋਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਸਿਰਫ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰਵਾ ਰਹੇ ਹੋ। ਇਹ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ।

**Mr. Speaker** : Please take your seat. (*Interruption*) ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਨੇਤ ਰਾਮ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਜਾਣ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦਿਤਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਚਲੇ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (Please take your seat (*Interuption*). I have ordered Chaudhri Net Ram to leave the House and he should go out.) (ਵਿਘਨ)

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹਿ ਦੇਵੇ

[ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ]

ਕਿ ਮੇਰਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਉਸ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਜੇਕਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਤਾਂ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

**Mr. Speaker:** Order Please.

**चौधरी नेत राम :** क्या यह सच नहीं है कि बिरला को जमीन दी गई है और इस जमीन पर जो किसान का हक्क था उसे उससे महरूम किया गया है ? ( x x x )* (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष :** आप, चौधरी जी, बाहर चले जाइए । मैं ने आर्डर दिया हुआ है. . . (विघ्न)। (Chaudhri Net Ram may withdraw from the House. I have already ordered him to do so.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** [ x x x ]*

**श्री अध्यक्ष :** आप चुप रहिए । आर्डर प्लीज़ । (Order please, he may keep quiet.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਮੈਂ ਵੀ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ।

(इस समय चौधरी नेत राम मारशल के साथ हाउस से बाहर चले गए ) ( शोर)

**Mr. Speaker :** Sardar Lachhman Singh Gill is proving disorderly and is obstructing the proceedings of the House. I order him to withdraw from the House. (interruptions)

I order Sardar Lachhman Singh Gill to withdraw from the House. He is obstructing the proceedings of the House and is not obeying the Chair.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਫੇਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਜ਼ੋਰ ਅਜ਼ਮਾਈ ਕਰਨ ਤੇ ਤੁਲੇ ਹਏ ਹੋ । ਤੁਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇਕ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਤਬਾਹ ਕਰਨ ਤੇ ਤੁਲੇ ਹੋਏ ਹੋ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** Please withdraw from the House. ਮਜਬੂਰ ਹੋ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਮਾਰਸ਼ਲ ਭੇਜਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। (Please withdraw from the House. I have perforce to send the Marshal).

(At this stage the Marshal was directed to go to Sardar Lachhman Singh Gill.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਭੇਜ ਦਿਉ ।

**Mr Speaker :** Please withdraw from the House.

(At this stage. Sardar Surjit Singh. Theri got up from his seat and sat in between Sardar Lachhman Singh Gill and the Marshal)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਵੀ ਕਰਨ ਨਹੀਂ ਦੇਵਾਂਗੇ।

**Mr. Speaker :** Mr. Gill, I again ask you to withdraw from the House, please.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

**Sardar Lachhman Singh Gill :** * * *

**Mr. Speaker** : Mr. Gill, I have ordered you to withdraw from the House. Please withdraw.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਕਿੰਨੇ ਦੁਖ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿ ਇਥੇ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ * * * ਦੇ ਲਫਜ਼ ਵਰਤੇ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਸਿਰਫ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਨੂੰ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰਨ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦਿਤਾ ਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਸ ਮੈਂਬਰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋ ਕੇ ਗਰੀਬ ਜਨਤਾ ਦੇ ਹੱਕਾਂ ਤੇ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਕੇ ਜਿਹੜਾ ਛਾਪਾ ਮਾਰਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਵਾਜ਼ ਉਠਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਹਾਊਸ 'ਚੋਂ ਬਾਹਰ ਕਢਣ ਲਈ ਮਾਰਸ਼ਲ ਭੇਜਦੇ ਹੋ, ਕਿੰਨੇ ਦੁਖ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਸਾਰੀ ਗੱਲ ਦੇਖ ਕੇ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਆਵੇਗਾ। ਇਕ ਦਫਾ ਨਹੀਂ ਮੈਂ ਕਈ ਦਫਾ ਕਿਹਾ ਹੈ ਪਰ ਹਰ ਵੇਰ ਚੌਧਰੀ ਨੇਤ ਰਾਮ ਨੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਕੀਤਾ। Order please. (ਵਿਘਨ) . . . . (I never expected that with full knowledge of the whole position, Comrade Babu Singh would raise such a point of order. Not once but several times I have pulled up Chaudhri Net Ram, but every time, he has misused the point of order.) (*Interruption*)

Order, please . . . . (ਵਿਘਨ)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : [* * *]*

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼। ਆਪ ਨੇ ਜੋ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰੋ। ਇਹ ਚੇਅਰ ਤੇ reflection ਹੈ। (*Interruption*) (Order please. Whatever the hon. Member, Sardar Lachhman Singh had said, he should withdraw it. This is a reflection on the Chair.) (Interruption)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਮੈਂ ਕੀ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਜ਼ਰਾ ਦੁਹਰਾ ਦਿਉ।

[* * *]*

**Mr. Speaker** : (Addressing Sardar Surjit Singh Theri) Please go to your seat.

**ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਥੇੜੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਜਾਵਾਂਗਾ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਭਾਵੇਂ ਕਿਉਂ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ।

**Mr. Speaker** : Please go to your seat.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : ਇਹੋ ਬਿਹਤਰ ਹੋਵੇਗਾ 'ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਡਜਰਨ ਹੀ ਕਰ ਦੇਉ।

**श्री अध्यक्ष** : क्योंकि मैम्बर्ज हाऊस की प्रोसीडिंग्ज़ को चलने नही देना चाहते, इस लिए मैं आध घंटा के लिए हाऊस को एड्जर्न करता हूं Sardar Lachhman Singh will not be allowed to enter the House when it re-assembles. (Since some Members of the House are obstructing the proceedings of the House, I adjourn it for half-an hour. However, Sardar Lachhman Singh will not be allowed to enter the House when it re-assembles.)

*Expunged as ordered by the Chair.

**Sadar Lachhman Singh Gill** : I will not ieave, the House.
(The House re-assembled at 11.45 A. M.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਕੁਝ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਡੀਟੇਲ ਦੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ, ਬੜਾ ਅਫਸੋਸਨਾਕ ਹੈ, ਜੋ ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਸੇ ਅਨਫਾਰਚੂਨੇਟ ਇੰਸੀਡੈਂਟ ਨਾ ਹੀ ਹੋਇਆ ਕਰਨ ਏਥੇ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਹਿਲਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਬਾਹਿਰ ਕਢੋ, ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਗਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਸ਼ੋਰ)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਅਫਸੋਸਨਾਕ ਹੋਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਕਢੋ ਜਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਨਾ ਕਢੋ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਡੀਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਕਿਸ ਦਾ ਕਸੂਰ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸ ਦਾ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਦੋਂ ਐਕਸਾਈਟਮੈਂਟ ਹੋਵੇ ਉਦੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਇਧਰੋਂ ਹੋਈਆਂ ਔਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਵੀ ਹੋਈਆਂ ਮਗਰ ਮੈਂ ਬਤੌਰ ਪਾਰਟੀ ਲੀਡਰ ਦੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਅਫਸੋਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੋਹਾਂ ਪਾਸਿਆਂ ਵਲੋਂ ਅਗਰ ਕੋਈ ਐਸੇ ਲਫਜ਼ ਕਹੇ ਗਏ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਰਿਕੁਐਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਲਫਜ਼ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲੈਣ ਤਾਕਿ ਅਗੇ ਵਾਸਤੇ ਹਾਊਸ ਸਮੂਥਲੀ ਚਲਣ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਬਣੇ। ਬਸ ਮੈਂ ਏਨੀ ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ।

**Planning and Local Government Minister** : I endorse what the Leader of the Opposition has said. In the interest of smooth working of the House and in the interest of Parliamentary conventions it is very very proper on our part that we should not indulge in excited tempers. I request Sardar Lachhman Singh Gill to withdraw what he has said in order to restore peace and calmness in the House.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੇ ਲਫਜ਼ ਮੇਰੇ ਆਪ ਨੂੰ ਔਬਜੈਕਸ਼ਨੇਬਲ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਮੈਂ ਉਹ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਚੂੰਕਿ ਅੱਛਾ ਮਾਹੌਲ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਰਿਕੁਐਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਨੇਤ ਰਾਮ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਅੰਦਰ ਆਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਹਾਂ ਜੀ, ਠੀਕ ਹੈ। (Yes. I agree)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** (ਰੋਪੜ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਅੱਛੇ ਮਾਹੌਲ ਵਿਚ ਮੈਂ ਵੀ ਇਕ ਸਜੈਸ਼ਨ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ 8/10 ਹਜ਼ਾਰ ਆਦਮੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ 14 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਪਰੋਸੈਸ਼ਨ ਕੱਢਣ ਲਈ ਆਏ ਸੀ। ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਏਥੇ ਦਫਾ 44 ਲਗਾ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਤੋੜਿਆ ਨਹੀਂ ਤਾਕਿ ਸੂਬੇ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਠੀਕ ਰਹੇ। ਅਜ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪਰਸਤਾਵ ਆਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਪਰਸਤਾਵ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਅਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਪੁਰਜ਼ੋਰ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਅਜਾਜ਼ਤ ਦਿਉ। ਉਥੇ 10/15 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਕੇ ਬਰਾਈਬ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ . . . (ਵਿਘਨ)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਜੋਸ਼ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਤਸ਼ਰੀਫ ਰਖੋ। ਮੇਰੀ ਡਿਫੀਕਲਟੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਫਾਰਮਲੀ ਮੂਵ ਨਾ ਕਰੇ ਉਹ ਮੂਵ ਹੋਇਆ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਮਨਾਸਿਬ ਹੁੰਦਾ ਅਗਰ ਉਹ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਕੋਈ ਲਫਜ਼ ਨਾ ਕਹਿੰਦੇ ਔਰ ਸਿਰਫ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਕਿ

ਮੈਂ ਰੇਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਖੈਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗੈਰਮੁਨਾਸਬ ਬਾਤ ਕੀਤੀ। ਚੂੰਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਫਾਰਮਲੀ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਮੂਵ ਹੋਇਆ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ।

(The hon. Member, Shri Josh, may resume his seat. My difficulty is that according to Rules, unless a Member has formally moved a resolution, it cannot be deemed to have been moved. It would have been quite appropriate, if the hon. Member had without making any observation, stated only this that he did not want to move the resolution. It was not fair what he did. Anyhow since he did not formally move the resolution, it cannot be treated as having been moved.)

**ਆਵਾਜ਼ਾਂ** : ਤੁਸੀਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਰੀਕਾਰਡ ਦੇਖਾਂਗੇ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਗਰੁਪ ਲੀਡਰਜ਼ ਦੀ ਗਲ ਚੇਅਰ ਦੇ ਨਾਲ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਾਰਵਾਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਗਈ ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਗਲ ਬਾਤ ਹੋਈ ਸੀ ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਗਈ ਹੈ। ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਵ ਹੋਣ ਦਾ ਤੱਅਲੁਕ ਹੈ ਉਹ ਮੂਵ ਹੋਇਆ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹਾਊਸ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਲਈ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁਣ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ।

(The convention is that if the group leaders are consulted by the Chair, the whole position is considered to have come to the knowledge of the Members of the respective groups. I, therefore, think that full information of whatever transpired between me and the group leaders has reached them. As regards moving of the resolution, it can not be deemed to have been moved. But if the hon. Chief Minister wants to make any observations for the satisfaction of the House, that he can do.)

**ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪਰਕਾਸ਼** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਥੇ ਗਲ ਬਾਤ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਨਿਹਾਇਤ ਭੱਦਾ ਤਰੀਕਾ ਸੀ। ਆਨ-ਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਜਾਂ ਉਹ ਮੂਵ ਕਰਦੇ ਜਾਂ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਦੇ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇਣ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਉਹ ਟਾਈਮ ਲਿਮਿਟ ਵੀ ਦੇ ਦੇਣ ਕਿ ਫਲਾਂ ਫਲਾਂ ਤਾਰੀਖ ਤਕ ਫੈਸਲਾ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਔਰ ਅਗਰ ਉਸ ਟਾਈਮ ਲਿਮਿਟ ਵਿਚ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਨਾ ਪੂਰੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਰਿਕਵੈਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹੁਣੇ ਹੀ ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਦਿਨ ਅਲਾਟ ਕਰ ਦਿਉ ਔਰ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਐਂਡੋਰਸ ਕਰ ਦੇਵੇ ਕਿ ਇਕ ਦਿਨ ਏਸ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗੀ, ਏਜੰਡੇ ਉਤੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਆਵੇ ਚਾਹੇ ਨਾ ਆਵੇ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** (ਲੁਧਿਆਣਾ ਉੱਤਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਜਦੋਂ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮਧਾਰੀ ਗੌੜ ਖੜੇ ਹੋਏ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੈਜ਼ੋ ਲਿਊਸ਼ਨ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਮੇਰਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਹੈ ਔਰ ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਕਰੀਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਥੰਪਿੰਗ ਦਿੱਤੀ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਰੀਕਾਰਡ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਹੈ। ਏਥੇ ਇਹ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਪੜ੍ਹਿਆ ਜਾਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਹੀ ਮੂਵ ਕਰੇ। ਮੈਂ ਕਲ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਵੋਟ ਆਫ ਥੈਂਕਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਆਈਆਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਗੈਰ ਪੜ੍ਹਨ ਦੇ ਹੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਮੂਵ ਹੋਈਆਂ ਸਮਝੀਆਂ ਜਾਣ, ਚੁਨਾਂਚਿ ਉਹ ਮੂਵ ਹੋਈਆਂ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਸਮਝੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਸਾਡੇ ਏਥੇ ਬਹੁਤ ਦਫਾ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਮੂਵ ਹੋਈਆਂ ਹੀ ਸਮਝੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਪਿਛੇ ਵੀ ਇਹੋ ਹੀ ਕਨਵੈਂਸ਼ਨ ਚਲਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਗਰ ਉਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਅਗੇ ਲਈ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਜੋ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਅਤੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਫਾਰਮਲੀ ਮੂਵ ਹੋਵੇ। ਮਗਰ ਹੁਣ ਤਕ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਜੋ ਕੁਝ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮਧਾਰੀ ਗੌੜ ਨੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿਨਟ ਲਾਏ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੋਨੋਂ ਸਵਾਦ ਲੈਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ, ਮੂਵ ਕਰਨ ਦਾ ਵੀ ਅਤੇ ਵਿਦ ਡਰਾ ਕਰਨ ਦਾ ਵੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਦੋ ਸਵਾਦ ਲੈਣ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਸੀ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਏਨੀ ਗਰਮਾ ਗਰਮੀ ਪੈਦਾ ਹੋਈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਜੈਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਅਗਾਹਾਂ ਲਈ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਮੂਵ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਫਾਰਮਲੀ ਪਹਿਲਾਂ ਆਪਣਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪੜ੍ਹੇ ਔਰ ਫੇਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਸਪੀਚ ਕਰੇ ਤਾਕਿ ਆਇੰਦਾ ਕੋਈ ਐਸੀ ਮਿਸਅੰਡਰਸਟੈਂਡਿੰਗ ਨਾ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਹ ਸਜੈਸ਼ਨ ਮੁਨਾਸਿਬ ਹੈ ਕਿ ਮੇਨ ਰੈਜ਼ੂਲਿਊਸ਼ਨ ਜਾਂ ਮੇਨ ਮੋਸ਼ਨ ਸਪੀਚ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਫਾਰਮਲੀ ਪੜ੍ਹੀ ਜਾਵੇ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਪੀਚ ਹੋਵੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਜੈਸ਼ਨ ਮਾਕੂਲ ਹੈ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਇਸਨੂੰ ਅਗੇ ਨੂੰ ਫਾਲੋ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਕੋਈ ਮੇਨ ਸਬਸਟਾਂਟਿਵ ਮੋਸ਼ਨ ਜਾਂ ਰੈਜ਼ੋਲੂਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਵਰ ਸਪੀਚ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗਾ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਦਾ ਤਲਕ ਹੈ ਉਹ ਸੈਪੇਰੇਟ ਚੀਜ਼ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਲਈ ਵੀ ਉਹੋ ਤਰੀਕਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਕਿਤਨੀ ਤਾਦਾਦ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੂਵ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਤਨਾ ਵਕਤ ਲਗੇਗਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਬੋਲਣ ਲਈ ਵਕਤ ਘਟ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗਾ। ਬਾਕੀ ਜੋ ਇਹ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬਹਿਸ ਹੋਵੇ ਉਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਗਰੁੱਪਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਲੀਡਰਜ਼ ਲਿਖ ਕੇ ਇਹ ਮੰਗ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਅੰਡਰ ਰੂਲ 84 ਇਸਦੀ ਅਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗਾ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੇਰੀ ਸਜੇਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਬਿਹਤਰ ਹੋਵੇਗਾ ਜੇਕਰ ਬਜਟ ਪਾਸ ਹੋ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੀ ਇਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਫਿਰ ਜੇਕਰ ਸਾਰੇ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਐਗਰੀ ਕਰੋ ਤਾਂ ਇਸ ਲਈ ਕੋਈ ਨਾਨ ਆਫੀਸ਼ਲ ਦਿਨ ਬਜਟ ਪਾਸ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਲਈ ਰਖ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। (The suggestion made by the hon. Member is quite appropriate that the speech should be commenced after the main resolution or the main motion has been formally moved. I think this is quite a reasonable suggestion and in future we will follow it and see that before formally moving a main substantive motion or a resolution the mover does not make his speech. So far as amendments are concerned, they belong to a separate category. If the same procedure is adopted in their case as well then keeping in view the large number in whlch their notices are received, the hon. Members can well imagine the long time that will be required to move them. Thus the time for speeches will be reduced and a large number of Members would be deprived of an opportunity to speak. As regards the demand for discussion on this subject in the House, I submit that if all the leaders of groups in the Opposition make a demand for this in writing, then I shall allow discussion under Rule 84. But in this connection I have to make this suggestion that it would be better if the discussion on this matter is held

after the Budget is passed or if all the Opposition groups agree, a non-official day may be allocated for this discussion after the passage of the Budget.)

**ਆਵਾਜ਼ਾਂ** : ਠੀਕ ਹੈ ਬਜਟ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੋਈ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲ ਡੇ ਰਖ ਦਿਉ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਠੀਕ ਹੈ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਗਲ ਕਰਕੇ ਇਕ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲ ਡੇ ਰਖ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। (Very well. After deliberating the matter in the Business Advisory Committee, a non-official day will be earmarked for this purpose.)

**श्री अमर सिंह** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि 1965 के बजट सैशन में फिनांस मिनिस्टर साहिब ने इसी हाउस में कहा था. . . . . एक लाख 25 हज़ार एकड़ ज़मीन हरिजनों को दे दी जाएगी. . . .

**Mr. Speaker** : No speech. Please state your point of order only.

**श्री अमर सिंह** : मैं आप का रूलिंग चाहता हूं कि अगर कोई मैम्बर रैज़ोल्यूशन का नाम ले कर तकरीर करना शुरू कर देता है और पांच सात मिन्ट बोल जाए तो क्या वह मूव नहीं समझा जाएगा ?

**Mr. Speaker** : I have already given ruling in detail on this point. Please take your seat.

**श्री बनवारी लाल** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अभी २ आप ने फरमाया कि गुरुप लीडर्ज़ के सामने तकरीर पढ़ कर सुनाई गई लेकिन मैं अर्ज़ करता हूं कि सारे हाउस को कान्फीडैंस में लेना चाहिए और बताना चाहिए कि वह क्या स्पीच है......

**श्री अध्यक्ष** : बैठिए, आपके लीडर भी वहां मौजूद थे।

(The hon. Member may please resume his seat. His leader was also there in the Committee.)

**मुख्य मंत्री** : स्पीकर साहिब, आज जो कुछ हाउस में हुआ है वह बहुत अफसोसनाक है और उस पर जिन ख्यालात का इज़हार लीडर आफ दी आपोज़ीशन सरदार गुरनाम सिंह जी ने किया है मुझे उस से खुशी है और मैं उमीद रखता हूं कि आगे के लिये हम इस हाउस की कार्य-वाही इस तरीके से चलाएंगे कि जिस से हाउस की डिगनिटी कायम हो। मैं यह समझता हूं और मानता हूं कि अपोज़ीशन को गवर्नमैंट की पालीसीज़ को जिनसे वह इत्तफाक न करें क्रिटीसाइज़ करने का पूरा हक है और जो भाई इन बैंचों पर भी बैठे हैं उनका भी जहां गवर्नमैंट की कोई खामी हो उस तरफ गवर्नमैंट की तवज्जोह दिलाना और किसी हद तक जायज़ तौर पर उस पर नुक्ताचीनी करना फर्ज़ है लेकिन ऐसा करते हुए भी हमें अपनी कुछ रवायात कायम करनी चाहिएं, हमें किसी तरह भी एक्साइट नहीं होना चहिए, टैम्पर लूज़ नहीं करनी चाहिए और एक दूसरे पर परसनल अटैक नहीं करने चाहिएं। जो बात भी कोई कहना चाहता है वह मीठे शब्दों में कहीं जा सकती है और इस से ज्यादा असर पड़ता है लेकिन अगर हम इसी

[मुख्य मन्त्री ]

तरह बातें करेंगे तो इस से हमें किसी को शोभा नहीं मिलने वाली है और सारे हिन्दुस्तान में हमारी बदनामी होगी। मैं आशा रखता हूं मुख्तिलफ पार्टीज़ के सारे लीडरज़ मेरे साथ इस बात पर सहमत होंगे कि हम सब मिल कर इस तरीके से हाउस की कार्यवाही चलाएं जिस से कि बाकी बातों की तरह हम इस बात में भी दूसरी स्टेट्स को लीड दे सकें। जहां तक इन बैंचों का सम्बन्ध है मैं आपको यकीन दिलाना चाहता हूं कि हमारी तरफ से कोई ऐसी बात नहीं होगी और अगर कोई ऐसी बात होगी तो उसके लिये जो आप स्पीकर साहिब कार्यवाही करेंगे हम पूरी तरह से आपको स्पोर्ट देंगे ( cheers ) चेयर पर जो भी बैठा हो उसका इज्जत मान करना और उसके रूलिंग को मानना चाहे वह किसी को अच्छा लगे या बुरा हम सब का फर्ज़ है और इसी तरह हाउस की डिगनिटी कायम रह सकती है और हाउस की कार्यवाही चल सकती है।

दूसरी बात मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि पिछले सैशन में इस बात का यहां चरचा हुआ था और सैशन खत्म होने के बाद कांग्रेस पार्टी के मैम्बर साहिबान और कांग्रेस पार्टी के हरिजन मैम्बरान के डैपुटेशन मुझे मिले थे और उन्हों ने कहा था कि सरकार को इस डीड के सम्बन्ध में दोबारा गौर करना चाहिए। उसके बाद फिर इस हाउस की एस्टीमेट्स कमेटी भी रोपड़ उस फार्म को देखने गई थी। मुझे पता नहीं उन्हों ने उसके बारे में क्या रिपोर्ट दी है लेकिन मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि जहां तक गवर्नमैंट का सम्बन्ध है हमारे पास जो भी चीज़ चाहे इस तरफ से आए या उस तरफ से आए गवर्नमैंट उसे प्रेस्टीज के पायंट आफ व्यू से नहीं देखेगी। जो बात भी पंजाब के लोगों के हित की होगी गवर्नमैंट उस पर गौर करने के लिये हमेशा तैयार है। मैं ने जैसा कि अर्ज़ किया पिछले सैशन के बाद कुछ दोस्त कांग्रेस पार्टी के डैपुटेशन के साथ मिले थे। कोई $1\frac{1}{2}$ महीना हुआ उसके मुताबिक कैबनिट ने उनकी बात पर गौर किया था और हम ने डिसाइड किया था कि इस बिरला ब्रदर्ज़ के डीड को रिव्यू किया जाए। उसके बाद जैसा कि आप जानते हैं जनवरी के महीने में कई ट्रैजिक डैथज़ हुई जिनकी वजह से कैबनिट की नारमल मीटिंगज़ नहीं हो सकीं। कल फिर कैबनिट की मीटिंग हुई थी और उस में हम ने यह फैसला किया कि इस सारी चीज़ पर गौर करने के लिये एक कैबनिट सब कमेटी मुकर्रर की जाए जो इस सारे सवाल के लीगल, फिनांनशल और दूसरे सारे पहलुओं पर गौर करने के बाद अपनी रिपोर्ट दे। यह सब कमेटी एक हफता के अन्दर2 अपनी रिपोर्ट कैबनिट को देगी और फिर कैबनिट उस पर गौर करेगी। हम ने जो सब कमेटी बनाई है उसके मैम्बर यह हैं :

1. Sardar Darbara Singh, Home and Development Minister *Chairman*
2. Major Harinder Singh, Revenue Minister
3. Sardar Gurdial Singh Dhillon, Transport and Elections. Minister
4. Chaudhri Ranbir Singh, Public Works Minister
5. Sardar Ajmer Singh, Planning Minister
6. Chaudhri Chand Ram, Welfare Miinster

12.05 p.m. स्पीकर साहिब, यह सब कमेटी इस विषय के सारे पहलुओं पर गौर करेगी और एक हफते के बाद अपनी रिपोर्ट कैबनिट को पेश करेगी। इस के बाद उस रिपोर्ट पर कैबनिट में डिटेलड में गौर होगा।

स्पीकर साहिब, जहां तक नान-आफिशल डे का सम्बन्ध है, मुझे भी इस बारे में 13,14 वर्ष का तजरुबा है कि किस तरह से रैज़ोल्यूशन मूव होता है। जब रैज़ोल्यूशन मूव किया जाता है तो बाकायदा वह रैज़ोल्यूशन हाउस में पढ़ा जाता है और मूव किया जाता है। मैं रैजोल्यूशन की अमेंडमेंट्स के बारे में नहीं कहना चाहता। लेकिन इतना कहना चाहता हू कि जिस तरह से रैज़ोल्यूशन मूव किया जाता है, उस तरह से यह रैज़ोल्यूशन मूव नहीं किया गया। मैं इस वक्त प्रोसीडिंग्ज़ के अन्दर नहीं जाना चाहता हूं लेकिन जो कुछ हुआ वह काबले अफसोस है। मैं आशा करता हूं कि जिन जज़बात को मैं ने इज़हार किया है उसके बारे में माननीय सदस्य विचार करेंगे और ठीक ढंग से कार्यवाही चलाने में मदद देने का भरसक प्रयत्न करेंगे। मैं लीडर आफ दी आपोज़ीशन को यकीन दिलाना चाहता हूं कि हमारी तरफ से किसी भी शक्ल में किसी का अपमान नहीं किया जाएगा। किसी पर परसनल अटैक नहीं किया जाएगा। किसी पर गन्दगी उछालने की कोशिश नहीं की जाएगी जो कि किसी तरह से हाउस को और हमें शोभा नहीं देता। मैं आशा रखता हूं कि आप की तरफ से भी इसी तरह का माहौल कायम रखने की कोशिश की जाएगी। जहां तक गवर्नमैंट की पालिसी को क्रिटीसाइज़ करने का सम्बन्ध है, उस के बारे में आप को पूरा हक है लेकिन कायदे और ज़ाब्ते के अधीन ही क्रिटीसिज़्म होना चाहिए।

जहां तक स्पीकर साहिब की रूलिंग का सम्बन्ध है, हम उस रूलिंग को पसन्द करें या न करें, उस के बारे में हमारा फर्ज़ है कि हम उन के आर्डज़ को मानें और पालन करें। उस के बाद हमें किसी तरह से खड़े हो कर स्पीचें नहीं करनी चाहिएं। मैं आशा करता हूं कि हाउस के माननीय सदस्य इस पर विचार करेंगे और इस पर अमल करेंगे।

स्पीकर साहिब, मैं अन्त में प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो कुछ हाउस में तलखी के वक्त हुआ, वह हाउस की प्रोसीडिंग्ज़ में से ऐक्सपंच कर दिया जाए।

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ, ਸਰ। ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਦੋਂ ਰਿਪੋਰਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

---

## RESOLUTION

Regarding development of Hilly and Haryana areas of the State by earmarking 60 per cent of the Plan funds for them.

**Mr. Speaker** . Now we pass on to the next Resolution given notice of by Shri Balramji Dass Tandon.

**Shri Balramji Dass Tandon** (Amritsar City, West) : Sir, I beg to move that —

> With a view to bring the hilly areas of the Punjab which are backward, at par with the adjoining areas of the State and the Hariana area at par with the rest of the State in the matter of development, this House recommends to the Government to make plan allocations in such a way that sixty perc ent of the plan funds are earmarked for the said Hariana area and the hilly areas.

स्पीकर साहिब, यह बहुत ही अहम मसला है। यह मसला पंजाब के पहाड़ी और हरियाणा क्षेत्रों के लोगों से सम्बन्ध रखता है। इस के बारे में पंजाब की जनता और लैजिस्लैटर्ज़ के जो विचार हैं, उन को सरकार नहीं समझ सकी हैं, और मैं कह सकता हू कि सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान देने की कोशिश नहीं की। आज तक कांग्रेस का राज रहा है। यह ठीक है कि इस

[ श्री बलरामजी दास टंडन ]

अर्से के दौरान मिनिस्ट्रीज बदलीं। मैं यह भी मानता हूं कि वर्तमान मिनिस्टरी में नए चीफ मिनिस्टर और कुछ अन्य व्यक्ति भी नए मिनिस्टर बने और उन में कुछ पिछली मिनिस्टरी के मिनिस्टर भी शामिल हुए लेकिन एक बात ठीक है कि इस सरकार ने वहां के लोगों की समस्याओं की तरफ ध्यान नहीं दिया। यह सरकार इस मसले को ऐज़ेए होल नहीं ले रही है। मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि हकूमत लोगों के जज़बात की परवाह नहीं करती है।

स्पीकर साहिब, मैं अर्ज़ कर रहा था कि कांग्रेस सरकार ने हरियाणा और पहाड़ी इलाकों की बेहतरी के लिये कोई कदम नहीं उठाए और न ही उन की डिवैल्पमैंट की तरफ ध्यान दिया। सरकार ने पंजाब की जनता के और लैजिस्लैटर्ज़ के जज़-बात की तरफ भी ध्यान नहीं दिया। मुझे यह भी पता नहीं कि सरकार उन की डिवैल्पमैंट की तरफ कितनी देर तक ध्यान नहीं देगी। जब भी पंजाब के बारे में स्कीमें तैयार की जाती हैं, उस वक्त इन इलाकों के लिये प्रापर स्कीमें तैयार नहीं की जाती। वहां पर सड़कें बनाने के लिये, सिंचाई के साधनों के लिए और बिजली सप्लाई करने के बारे में स्कीमें बनाई नहीं जातीं जिस का नतीजा यह होता है कि यह इलाके जो पहले ही पिछड़े हुए थे, वह और पिछड़ गए हैं। सरकार ने अपनी जिम्मेदारी को किसी तरह नहीं निभाया है। मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि पहली कैबिनिट में और इस कैबिनेट में हरियाणा प्रान्त के व्यक्ति भी मिनिस्टर रहे। इनके पास बिजली तथा सिंचाई जैसे इम्पार्टेंट महकमे रहें लेकिन इन्होंने वहां के लोगों की हालत को सुधारने के लिये कोई कोशिश नहीं की। इन को चाहिए था कि कम से कम इन बातों को इन्साफ के साथ देखने की कोशिश तो करते। जो पिछड़े हुए इलाके अंग्रेजों के वक्त से आ रहे हैं वह अब भी जब कि हमारी अपनी गवर्नमैंट है, अपने वज़ीर हैं, नज़र अंदाज होते रहे। वह अब भी पिछड़े हुए हैं। मैं समझता हूं कि यह बात हमारी गवर्नमैंट के लिये और वज़ीरों के लिये भी शोभा नहीं देती। जब हम डीवैल्पमैंट की बात को देखते हैं तो सब से पहले इम्पार्टेंट सवाल सड़कों का आता है। बिजली का सवाल आता है, इरीगेशन का सवाल आता है, एजुके-शन का सवाल आता है और इस के इलावा दूसरे साधनों को देखने का भी सवाल आता है। हमने यह भी देखना है कि आया जिन इलाकों में हर साल फलड्ज़ आते हैं सरकार ने उन को रोकने का क्या प्रबन्ध किया है। कुछ इलाके ऐसे हैं जहां हर साल ड्राअट होता है। हमारे प्रदेश के कुछ इलाके हर साल उस की नजर होते हैं, एक साल भी खाली नहीं जाता तो यह भी देखना है कि हमारी सरकार ने इस मसले को हल करने का क्या इन्तज़ाम किया है। यह चन्द एक मसले हैं जिन पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। मरे सामने बिजली मन्त्री बैठे हैं। मैं कुछ बातें उन के गोश-गुज़ार करना चाहता हूं। वे बिजली के महकमे के काम को देखने की कोशिश करें। कितने अफसोस की बात है कि अमृतसर के ज़िले में जहां पर इलैक्ट्रीफिकेशन हुई वहां पर 80 परसेंट गांव में बिजली जा चुकी है। इस के मुकाबिले में हमारी सरकार हरियाणा को भी देखे तो मालूम होगा कि सारे हरियाणे के अन्दर केवल दस से पन्द्रह परसेंट तक गांव इलैक्ट्रिफाइड हुए हैं। जिन इलाकों में इलैक्ट्रीफिकेशन नहीं हुई और न ही उन में आज तक इरीगेशन का कोई मुनासिब इन्तज़ाम हुआ है उन इलाकों ने हमारे प्रदेश पंजाब को आज तक एग्रीकल्चर यील्ड दे कर किसी प्रकार की बेहतरी और बहबूदी में कोई एडीशन नहीं की, उन के बारे में यह बात कही जा सकती है। हमारे प्रदेश का सरमाया बढ़ाने के लिये उन की कुछ कन्ट्रीब्यूशन नहीं है। जो

इलाके बैरन हैं, आज तक वंजिन हैं अगर उन में बिजली दी जाती, ट्यूबवैल लगा कर और दूसरा प्रबन्ध कर के वहां पर कृषि के काम को बढ़ावा दिया जाता तो शायद आज जो हालात हैं वे न होते। आज हिन्दोस्तान की हकूमत को करोड़ों अरबों रुपयों का अन्न बाहर से मंगवाना पड़ता है। अगर पंजाब की वह सारी धरती जो आज तक बैरन पड़ी है अन्न को उपजाती तो करोड़ों रुपयों की विदेशी मुद्रा हमारा देश बचा सकता था। जो आज अरबों की गिनती में बाहर रुपया जाता है वह बहुत हद तक बचाया जा सकता था। और साथ ही हमारा पंजाब इस बात के लिये सिर ऊंचा कर सकता था। जिन इलाकों में कुछ पैदा नहीं होता उन की यील्ड क्या हो सकती है, इस के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता क्योंकि मैं एक्सपर्ट नहीं हूं जो लोग ऐक्सपर्ट हैं वह इस के बारे में आंकड़े बता सकते हैं कि यहां पर कितनी यील्ड हो सकती है। स्पीकर साहिब इस के विपरीत हमारी आंखों के सामने उन इलाकों की तस्वीर आती है जो कि इलैक्ट्रीफाइड हैं और जहां पर कदम कदम पर ट्यूबवैल लगे हुए हैं, नहरें हैं। वहां पर पोज़ीशन यह है कि वाटर-लागिंग की भयंकर समस्या बनी हुई है। बिलकुल पहली बात के उल्ट वाटर लागिंग की समस्या सिर दर्द बन कर खड़ी है। वहां से फालतू पानी को निकालने के लिये नालियां खोदने के लिये और ड्रेनेज बनाने के लिये करोड़ों अरबों रुपयों की आवश्यकता है। एक तरफ तो पानी नहीं है, पीने के लिये पानी निहीं मिलता, खेती के लिये पानी नहीं मिलता और दूसरी तरफ पानी की ज्यादती की वजह से ज़मीन मर रही है वहां पर पानी बहुत ज्यादा है। मैं सरकार को आप के द्वारा यह कहना चाहता हूं कि जब वह प्लांनिंग करती है तो उस को चाहिए कि सारे प्रदेश को एक परिवार के रूप में देखें। जैसे एक पिता को देखना होता है कि उस के सारे बच्चों की हालत क्या है। वैसे ही हमारी सरकार को सब इलाकों की डिवैलपमैंट पर दृष्टि रखनी चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि परिवार में एक बच्चे के पास तो पैसा भी नहीं वह कोई व्यापार नहीं कर सकता, रोटी भी कमा कर नहीं खा सकता और दूसरे बच्चे के पास इतना रुपया है कि वह उस को व्यय करना नहीं जानता और फजूल धन को लुटा रहा है। उस को यह भी मालूम नहीं है कि धन का प्रयोग कैसे करना है। ठीक यही पोज़ीशन पंजाब सरकार के सामने है। कुछ इलाके तो ऐसे हैं कि जहां पर पानी मिलने का कुछ इन्तज़ाम नहीं ह न लोगों के पीने के लिये और न ही खेती करने के लिये और इस के खिलाफ दूसरे इलाके हैं जहां पर पानी इतना ज्यादा है कि उस की ठीक तरह से यूटीलाईज़ेशन नहीं हो रही और वहां पर पानी की ज्यादती के कारण उल्टा नुक्सान हो रहा है। इस बात पर गौर करने की ज़रूरत है।

स्पीकर साहिब, इस के पश्चात् मैं हिल्ली एरियाज़ के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। मुझे अफसोस है कि हमारे प्रदेश के साथ लगने वाले हिमाचल प्रदेश क इलाके की डिवैलपमैंट को हमारी सरकार नहीं देखती। वहां पर हकूमत किस ढंग से काम कर रही है हमारी सरकार ने देखने की कोशिश नहीं की। वहां पर सरकार ने माईनर इरीगेशन के काम को डिवैलप करने के लिये और दूसरे ज़राए डिवैलप करने के लिये किस ढंग से काम किया है किस प्रकार उन्नति की है और उसके साथ लगने वाले हमारे पहाड़ी इलाकों में किस प्रकार का काम हुआ है, अगर हम इस बात को देखें तो दोनों इलाके पहाड़ी होने के बावजूद भी ज़मीन आसमान का अन्तर है जब हम यह देखते हैं कि वहां पर बिजली की प्लानिंग किस प्रकार हुई है, माईनर इरीगैशन की प्लानिंग किस प्रकार से की गई है और हमारे प्रदेश में क्या काम हुआ है तो हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। वे बेचारे भीख मांग कर लाए लेकिन फिर भी बिजली के मामले को देखे और माइनर इरीगेशन स्कीमज को देखें और उस के मुकाबिले में हम अपने ज़राए को देखें और अपनी

[श्री बलरामजी दास टंडन]

इंडिपेन्डेंट स्टेट को देखें तो हमारा शर्म से सिर झुक जाता है। यह तो बिजली का पहलू है। सड़कों के बारे में यह पोजीशन है कि मास्वाए रोहतक ज़िले के बाकी सब ज़िलों की हालत काबले रहम है। रोहतक में तो हो सकता है कि उस में सड़कों का स्टैंडर्ड इस लिये थोड़ा सा अच्छा हो कि मिनिस्टर साहिबान वहां के रहे हैं और उन्हों ने वहां पर सड़कें बनवाने का प्रयत्न किया हो। लेकिन बाकी हरियाणा के ज़िलों में जाने का मुझे मौका मिला है, मैं कई बार महेन्द्रगढ़ के इलाके में गया हूं, मुझे हिसार के इलाके को देखने का अवसर मिला है, मैं गुड़गांवा के कई इलाके देखे हैं, वहां पर बहुत से इम्पार्टेंट इलाके भी पक्की सड़कों से मिले हुए नहीं हैं। यह शर्म का मकाम है कि हम इस बात की तरफ ध्यान नहीं दे सके और ठीक एलोकेशन इस सम्बन्ध में नहीं कर सके। जिन स्टेप्स को लेने की आवश्यकता थी वे हम नहीं ले सके। प्लान बनते हैं तो वैसे के वैसे ही पड़े रहते हैं उन की इम्पलीमटेशन नहीं हो सकती। बजट में सकीमें बन जाती हैं, प्लान बन जाते हैं। ब्ल्यू प्रिंट में आते हैं लेकिन यहां तक उन को इम्पलीमेंट करने का ताल्लुक है पता नहीं क्या कारण है कि अभी तक उन की इम्पलीमेंटेशन क्यों नहीं हो सकी। अगर हम सड़कों के सम्बन्ध में अपनी स्टेट के हिल्ली एरियाज़ की हालत को देखें तो वहां की हालत इस से भी गई गुज़री है। वहां पर सिवाए एक सड़क के जो सैंटर से हो कर जाती और कुल्लू मनाली पहुंचती है और कोई पक्की सड़क नहीं है। कच्ची सड़कें बहुत ही नाकाफी हैं। पक्की सड़कें न होने के कारण वह इलाका चाहे शिमला है, चाहे कांगड़े का इलाका है और चाहे ऊना तहसील का इलाका है जिसे हम ने हिल्ली एरिया करार दिया है, बिल्कुल गई गुज़री हालत में है। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार इस बात को देखे कि जितनी रकम ईयर मार्क होती है वह बजट के सफे बढ़ाने के लिये नहीं, कागज़ पर लिखे जाने के लिये नहीं होनी चाहिए, उस की इम्पलीमेंटेशन मुनासिब ढंग से होनी चाहिए।

स्पीकर साहिब, जहां तक एजुकेशन का ताल्लुक है हम देखते हैं कि बड़े तग्गोदौ के बाद ले दे के एक मैडीकल कालिज वहां पर खुला है। *(Deputy Speaker in the Chair.)* उसकी प्राग्रेस क्या होती है, यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन अम्बाला से लेकर गुड़गांव तक सारे के सारे इलाके के अन्दर कोई भी इंजीनियरिंग कालेज नहीं है। जो तीन इंजीनिरिंग कालेज हैं वह एक ही बैल्ट के अन्दर यानी चंडीगढ़, लुधियाना और पटियाला में हैं और मेरा ख्याल है कि यह तीनों कालेज कोई तीस चालीस मील के रेडियस के अन्दर अन्दर हैं। चाहिए तो यह था कि इन को फैला कर कायम किया जाता। इस प्रकार से प्लैनिंग करके ये कालेज खोलने चाहिए थे कि स्टूडैंटस को छोटे से छोटा डिस्टैंस चलकर, एक जगह से दूसरी जगह जाने में सहूलियत होती। लेकिन सरकार ने ऐसा किया है कि सिर्फ एक ही बैल्ट में उन को बना दिया है और इसका नतीजा यह है कि लोगों को दूर दूर से चलकर यहां पर आना पड़ेगा। शायद इतनी दूर दूर से बच्चे मुनासिब ज़रायों के बिना वहां पर पहुंच ही न सकें। चाहे वे बच्चे अच्छे नम्बर भी हासिल कर लें, और दाखिला भी प्राप्त कर लें लेकिन वह इसलिये वहां पढ़ाई करने में असफल रहेंगे क्योंकि उन के माता पिता की जेबें इस बात की इजाज़त नहीं देती कि उन के बच्चे इतनी दूर से सफर करके आए और वहां पर जाएं। इसलिये सरकार को चाहिए था कि कम अज़ कम एक ऐसा कालेज वह वहां पर किसी सैंट्रल प्लेस पर खड़ा करती लेकिन वह भी नहीं हुआ। इतना ही नहीं बल्कि वहां पर दूसरे कालेज भी खोलने की कोशिश नहीं की। बड़े अफसोस की बात है कि जहां तक दूसरे

कालेजों का ताल्लुक है, उन की हालत ऐसी हुई है कि सारी ऊना तहसील के अन्दर, जो कि कितने ही मीलों के रकबे के अन्दर फैली हुई है, एक भी कालेज नहीं है। अगर सारे हिल एरिया को देखें तो शायद वहां पर सारे एक या दो कालेज होंगे और उन कालेजों में भी जो हालत है वह भी काबले ब्यान नहीं। इस तरफ तो एक एक जिले के अन्दर आठ आठ दस दस कालेज होंगे लेकिन उस तरफ बच्चों को पढ़ाने के लिये... वह बच्चे जिन्होंने भविष्य में इस देश में और प्रदेश में एक बड़ा पार्ट प्ले करना है, जिन्होंने बड़े हो कर सरविस के अन्दर जाना है, जिन्होंने कल को इस देश की हकूमत अपने हाथों में लेनी है, जिन्होंने भविष्य को अपने हाथों में सम्भालना है.... अफसोस के साथ कहना पड़ता है, डिप्टी स्पीकर साहिबा, कि इस बात की तरफ हमारी सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। आप परसैंटेज देखें कि इधर हमारे जालन्धर डिविजन के इलाके में स्कूलों और कालेजों की कितनी परसैंटेज है और उसके मुकाबिले हरियाणा के अन्दर कितनी है और हिली एरिया के अन्दर कितनी है, आज पर हंडरड कितने आदमी ऐजूकेशन ले रहे हैं, तो यकीनन एक बड़ा ही अफसोसनाक पहलू हमारी आंखों के सामने आएगा। आज हालत ऐसी है कि जिस के नतीजा के तौर पर आप सरविसिज के अन्दर देखें कि कितने हैडज़ आफ दी डिपार्टमैंट इन इलाकों के हैं, कितने सैक्रेटरीज़ टू दी गवर्नमैंट इन इलाकों में से हैं तो अफसोस से कहना पड़ता है कि हरियाणा और हिल्ली एरियाज से आप को बहुत कम मिलेंगे और यह इसी वजह से है कि जो बैसिक चीज़ें उन के लिये चाहिएं थीं, यानी जो एजूकेशन का स्टैंडर्ड होना चाहिए था वह उन को मुहैया नहीं किया। जो जो साधन उन के लिये जुटाने चाहिए थे उन के लिये वह साधन सरकार ने मुहैया करने की कोशिश नहीं की और मैं नहीं समझता कि जब तक किसी इलाके के अन्दर एक जैसी ग्रोथ न हो तो उसके अन्दर डिससैटिस्फैक्शन पैदा न हो और क्यों न वह बोलने के लिये मजबूर हो जाएं। उनकी तरफ फौरी तौर पर ध्यान देने की ज़रूरत है। बड़ी अच्छी अच्छी और लच्छेदार तकरीरों से ही लोगों की तसल्ली नहीं हो सकती। जहां तक प्रैक्टिकल कदम उठाने का ताल्लुक है, बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस दिशा में एक भी कदम सरकार उठाने की तरफ ध्यान नहीं देती। मैं बड़ी मुअदबाना दरखास्त करूंगा कि सरकार को चाहिए कि पिछड़े हुए इलाकों को प्रगतिशील इलाकों के ऐट पार लाने के लिये वह अपनी प्लैनिंग में तब्दीलियां करें।

इतना ही नहीं, दूसरे भी कुछ पहलू हैं। वह पहलू इन्डस्टरी का पहलू है, जरायत का पहलू है और इसी तरह दूसरी जरूरतें हैं। सरकार को चाहिए कि इस सिलसिला में उस सारे इलाके का सर्वे कराए और देखे कि कहां पर क्या क्या कमी है और उस कमी को, उस ज़रूरत को पूरा किया जाए। इधर यहां पर भी फल्डज़ आते रहे हैं। सरकार ने उसका प्रबन्ध किया। कोई ड्रेनेज का प्रबंध किया। किसी जगह पर बान्ध लगने की कोशिश की जिस से कि दरिया के साथ वाला इलाका जो कि इरोज़न में आता था उसको रोका जाए। वह इलाका कुछ रिक्लेम हुआ और कुछ रिक्लेम हो रहा है। कुछ सड़कों को ऊंचा करना था, वह भी किया। कई एक जगहों पर आऊटलैट रखने थे वहां आऊट लैट भी रखे और उसका नतीजा और समटोटल जो निकलता है वह यह है कि इस इलाके के अन्दर आपको आज फ्लड्ड देखने का मौका नहीं मिलता। लेकिन बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि हरियाणे के इलाके के पिछले आठ दस साल से, जब से हम इस असैम्बली के अन्दर बैठे हैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, कोई साल नहीं जाता जब कि करोड़ों रुपए की ऐग्रीकल्चरल प्रोडक्शन सिर्फ इस कारण बरबाद न हो क्योंकि सरकार ने वहां

[श्री बलरामजी दस टंडन]
पर ऐन्टी फलड मैयर्ज़ के लिये मुनासिब प्रबन्ध नहीं किए हैं। उस के लिये सरकार को क्या पड़ता है ? हर साल जो कर्ज़े दिए जाते हैं, उन को माफ करना पड़ता है। सरकार क के इलाकों का रैविन्यू और आबयाना माफ करना पड़ता है। अगर पिछले आठ दस स आदादोशुमार इक्ट्ठे किए जाएं तो जितना रुपया इस तरह से सरकार को खर्च करना पड़ा, करना पड़ा अगर उसी सारे रुपए को मुनासिब वक्त पर ऐन्टी फल्ड मैयर्ज़ पर खर्च किया होत ऐसी स्थिति के पैदा होने की सम्भावना ही न होती।

**उपाध्यक्षा :** मैं हाउस को बताना चाहती हूं कि आज सुबह यहां पर जो अनप्लैज़ेन्टनै हुई थी, जैसा कि आप के सामने आया, वह सारा हिस्सा हाउस की प्रोसीडिंग्ज़ से निकाल दिय जाएगा। (I would like to tell the House that the portion of the proceedings relating to the unpleasantness caused in the House in the morning, of which the hon. Members are already aware will be expunged.)

**श्री मंगल सैन :** वह तो पहले ही तै हो चुका है। वह तो अब पुरानी बात हो गई है।

**उपाध्यक्षा :** मैं इसलिये दुबारा बताना चाहती थी कि ताकि इसमें किसी तरह की कोई गलतफहमी न रह जाए। जो कुछ हुआ वह कोई अच्छी बात नहीं हुई थी। (I wanted to repeat it to avoid any misunderstanding. It was not a good thing.)

**श्री मंगल सैन :** यू आर राईट, मैडम। (विघ्न)।

**श्री बलारम जी दास टंडन :** तो, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप से यह निवेदन कर रहा था कि लाज़मी तौर पर इन बातों को रोकने के लिये सरकार को ऐन्टीफलडज़ मैयर्ज़ लेने चाहिएं। उस के लिये अगर सरकार लोन रेज़ करना पड़े तो लोन लिया जाए लेकिन हर साल जो करोड़ों रुपए की जरई पैदावार उस इलाके की ज़ाया होती है वह ज़ाया न हो और जो करोड़ो रुपए के तकावी कर्ज़े हर साल सरकार वहां पर ऐसी हालत में देती है वह भी न देने पड़ें। मैं समझता हूं कि हमारे लिए यह शोभा की बात नहीं। यह कोई अच्छी गवर्नमैंट की निशानी नहीं कि कोई कदम न उठाया जाए और जो सूबे के एक हिस्से का हर साल इस कदर नुक्सान होता है उसको न बचाया जाए। यह मुनासिब मालूम नहीं होता कि आठ दस साल से इसी तरह से हालात चलते रहें और हर साल लोग यह समझें कि हमारा किस हकूमत से वास्ता पड़ा है कि एक बार फल्ड आए, दूसरी बार फल्ड आए गर्ज़े कि बार बार फल्ड आए और अभी तक सरकार उन को रोकने के लिये मुनासिब इन्तज़ाम भी नहीं कर सकी। मैं समझता हूं कि इस के ज्यादा कोई दूसरा अफसोसनाक पहलू हो नहीं सकता।

इस के अलावा सवाल ड्रौट का है। कुछ इलाके ऐसे हैं जहां पर हर साल ड्रौट पड़ता है। कितने ही सालों से ऐसा होता आ रहा है। महेन्द्रगढ़ का इलाका है, जिला हिसार का कुछ इलाका है रोहतक के अन्दर झज्जर का इलाका है। ये इलाके ऐसे हैं जहां हर साल उन लोगों को इस मुसीबत का सामना करना पड़ता है। लेकिन हैरानगी की बात है कि सरकार ने इस दिशा में भी मुनासिब यत्न अभी तक नहीं किए। इस सम्बन्ध में भी मुझे यही कहना है कि जितनी मदद हर साल इस ड्रौट का मुकाबिला करने के लिये सरकार ने अब तक दी है अगर उसी रुपए

को लेकर सरकार ने कोई प्लैनिंग करके योजना बनाई होती, उस पर अमल किया होता तो आज हम को इस मुसीबत से हर साल दो चार न होना पड़ता। अगर वहां पर इलैक्ट्रिसिटी दी होती, ट्यूबवैल्ज़ दिए होते, माईनर इरीगेशन का काम किया होता तो शायद आज उन इलाकों में वैसे हालात न होते जैसे कि होते रहते हैं और आए साल होते रहते हैं। इसलिए मैं कहूंगा कि सरकार इस सम्बन्ध में पूर्ण रूप से विचार करे, इस मुसीबत से निजात हासिल करने के लिये उपाय सोचे और सिर्फ सोचे ही नहीं बल्कि उन पर फौरी तौर पर अमल करे। बाकायदा तौर पर कोई प्लैनिंग होनी चाहिए। इस बात के लिये किसी अफसर को इन्चार्ज बनाया जाना चाहिए। काफी रुपया उस की डिस्पोज़ल पर देकर देखा जाए कि क्यों नहीं काम होता। इस तरह से ऐक्सपर्ट ओपीनियन ले और जो भी साधन हो सकते हैं सरकार को इस सम्बन्ध में अपनाने चाहिएं। इस सिलसिले में जितने भी हमारे देश के अन्दर ऐक्सपर्टस हैं, जितने भी विदेशों मे ऐक्सपर्टस हैं उन से ऐक्सपर्ट ओपीनियन मिल सकती है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इतना ही नहीं इसके अलावा कुछ और बातें भी हैं जिनको मैं आप के द्वारा सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं। आप जानती हैं कि महेन्द्रगढ़ के अन्दर मिनरल्ज़ हैं। वहां पर जिस तरह से हमारी हकूमत ने....

**उपाध्यक्षा :** मैं आप का ध्यान वक्त की तरफ दिलाना चाहती हूं ताकि कहीं आप की ज़रूरी ज़रूरी बातें न रह जाएं। यह बड़ी मुबारक बात है कि आप हरियाणा और बैकवर्ड एरियाज की डिवैलपमेंट के बारे में कह रहे हैं। आप ज़्यादा से ज़्यादा तीस मिनट तक बोल सकते हैं। 28 मिनट आप बोल चुके हैं। अब आप दो मिनिटों में खत्म कीजिए। और दूसरों को भी इस विषय पर बोलने का मौका दीजिए। (I would like to draw the attention of the hon. Member to the time at his disposal so that important points may not escape his mention. It is gratifying to note that he is discussing matters relating to the development of Hari-ana and backward areas. He can at the maximum speak for thirty minutes. He has already spoken for 28 minutes so he should wind up in two minutes and given an opportunity to others to speak on this subject.)

**श्री बलरामजी दास टंडन :** मैं बस जी पांच मिनट में खत्म किए देता हूं। तो मैं कह रहा था कि इस हैड में वहां पर हर साल दस लाख रुपया मिलता था मगर कितने अफसोस की बात है कि आज 50 हज़ार रुपया मिल रहा है। मिनरल्ज़ से पूरा फायदा नहीं उठाया जा रहा है। जिन लोगों की इन के पास ऐपरोच है या जो इन के रिश्तेदार वगैरह हैं वह लीज़ पर लेकर फायदा उठाते हैं मगर सरकार इस तरफ ध्यान नहीं दे रही। ज़्यादा मिनरल्ज़ तो इस सूबे में हैं ही नहीं मगर जहां हैं भी उन को भी इगनोर किया गया है।

यही नहीं ज़िला महेन्द्रगढ़ में 550 गांव और हैं और उन में से सिर्फ तीस में ही बिजली गई है। इस से आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि सरकार का ध्यान कहां पर है। हरियाण और पहाड़ी क्षेत्र में तो यह हालत है कि बहुत सी जगहों पर पीने का पानी भी नहीं मिलता। जब यह हालत हो तो इस सरकार को अपनी सरकार कैसे कहा जा सकता है। हमारी मां

[श्री बलरामजी दास टंडन]
बहनों को सिरों पर घड़े उठा कर दस दस मील की दूरी से पानी उठा कर लाना पड़ता है। मगर यह लोग खामोश बैठे हैं। और सब से ज्यादा अफसोस की बात यह है कि इस बात की तरफ उन लोगों ने बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जो उन इलाकों के हैं और कभी न कभी इन गद्दियों पर विराजमान होते रहे हैं।

जहां तक इस कैबनिट का ताल्लुक है मैं जानना चाहता हूं कि इस सरकार ने पहाड़ी क्षेत्रों के किस आदमी को कैबनिट रैंक का मिनिस्टर क्यों नहीं बनाया। यही वजह है कि जब यहां पर सवाल पूछा गया कि जो पंजाबी फौजी शहीद हुए हैं उन के घरों में कितने वजीर गए हैं तो पता चला कि जो वजीर जिस इलाके का है वह अपने ही इलाके के फौजी शहीदों से मिलने गया और कांगड़ा के शहीदों जो कि सब से ज्यादा हैं उन के बाल बच्चों को देखने कोई वजीर नहीं पहुंचा। यह अपनी जिम्मेदारी कितनी समझते हैं (विघ्न) हां आप कटोच जो कि जैनरल हैं के हां गए हैं मगर मैं तो शहीद जवानों की बात कर रहा हू। उन जवानों के घर इस मिनिस्टरी में से कोई नहीं गया। इन को उन से कोई हमदर्दी नहीं है क्योंकि उन का अपना कोई कैबिनट रैंक का मिनिस्टर नहीं है। इस लिये कांगड़े के लिये भी मिनिस्टरी के अन्दर मुनासिब जगह होनी चाहिए।

**श्री जगन्नाथ :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। प्रस्ताव हरियाणा के बारे है और बहस हो रही है कांगड़ा जिला पर। (विघ्न)

**श्री बलरामजी दास टंडन :** तो मेरी यह मोअदबाना गुज़ारिश है कि सारे इलाकों को बराबर का स्टेटस दिया जाना चाहिए। यह इलाका और हरियाणे का इलाका जब तक दूसरे इलाके के बराबर नहीं आ जाता तब तक बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा इन पर खर्च किया जाना चाहिए। प्लैनिंग इस तरीके से की जानी चाहिए। जब तक इन इलाकों को दूसरे इलाकों के बराबर नहीं खड़ा किया जाता तब तक वहां के लोगों के साथ इनसाफ नहीं होगा। इस नाइनसाफी को दूर करने की ओर सरकार पूरा पूरा ध्यान दे।

**Deputy Speaker:** Motion moved —

> with a view to bring the hilly areas of the Punjab, which are backward, at par with the adjoining areas of the State and Hariana area at par with the rest of the State in the matter of development, this House recommends to the Government to make plan allocations in such a way that sixty percent of the plan funds are earmarked for the said Hariana area and the hilly areas.

मैं आप से दरखास्त करूंगी कि मैम्बर साहिबान ज़रा समय का ध्यान रखें ताकि सब को बोलने का मौका मिल जाए। आप रूल 200 को पढ़ें तो आप देखेंगे कि अनलिमिटिड वक्त नहीं दिया जा सकता। मूवर आध घंटे तक बोल सकता है। (विघ्न) अगर आप कहेंगे तो मैं खड़ी हो जाती हूं। जब मैं कोई बात कह रही हूं तो आप को बीच में खड़े नहीं होना चाहिए। तो अच्छा यह होगा कि हम कोई टाइम लिमिट मुकरर कर लें। कोई बात पांच दस मिनट में भी कही जा सकती है और वही बात पचास मिनिट में भी कही जा सकती है। हमारे पास एक घंटे से कुछ ही ज्यादा का समय और है तो यह बेहतर होगा अगर कोई टाइम लिमिट मुकरर कर दी जाए। (I would request the hon. Members to

be careful about the time so that all get an opportunity to speak. If they just refer to Rule No. 200, they will find that they cannot speak for an unlimited time. The mover can speak for half an hour. (*Interruption*). If they so desire, I can stand up. When I am making observations, the hon. Member should not interrupt unnecessarily. Anyhow, it would be better if we fix some time limit for speeches. One thing can be briefly stated in five or ten minutes and the same thing can be explained in fifty minutes. But the time at our dispcsal is hardly a little over one hour. So it would be proper if some time limit is fixed).

**आवाज़ें** : 15 मिनट मुकर्रर कर दें।

**उपाध्यक्ष** : अच्छी बात है। (This is good.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** (ਰਾਏਕੋਟ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲਹਿਰ ਚਲੀ ਤਾਂ ਇਥੇ ਇਕ I.C. S. ਅਫਸਰ ਬਰੇਨ ਸਾਹਿਬ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਥੇ ਦਿਹਾਤ ਸੁਧਾਰ ਦੀ ਲਹਿਰ ਚਲਾਈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨੀ ਤਾਂ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ ਪਿਛੇ ਪੈ ਗਏ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਹਾਤ ਸੁਧਾਰ ਤੇ ਲਾਉ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਗਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਸਮੇਂ ਰੋਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ । ਕਦੇ ਕਿਹਾ ਆਜ਼ਾਦੀ ਹਿੰਦੂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ, ਕਦੇ ਕਿਹਾ ਸਿਖ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਤੇ ਕਦੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੁਸਲਮਾਨ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਕਦੇ ਕਹਿੰਦੇ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨੀ ਤਾਂ ਪੜ੍ਹੇ ਲਿਖੇ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਹਾਲੇ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਚਲਾ ਸਕਣਗੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕੀਤੀਆਂ । ਅਜ ਇਥੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਜਿਸ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਨੇ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲੂਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਹਨ ਤਾਂ ਬੜੇ ਪੁਰਾਣੇ ਮੈਂਬਰ ਪਰ ਹਰਿਆਣੇ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ ਹੀ ਆਇਆ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਮਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਧਿਆਨ 1958 ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਪਰ ਵਿਚ 1962 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 1966 ਤਕ ਚੁਪ ਕਰ ਗਏ। (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ ਪਤਾ ਚਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਰਿਆਣੇ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਪੀਣ ਦਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਸੜਕਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਲੋਕ ਪੜ੍ਹੇ ਹੋਏ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਨਾਲ ਮੁਤਫਿਕ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਾਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਪਰ ਹਰਿਆਣੇ ਦੀ ਹਾਲਤ ਠੀਕ ਕਿਵੇਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਸਾਡੀ ਕੌਮ ਲਈ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਵੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਭਲੇ ਲਈ ਹੀ ਇਥੇ ਬੈਠੇ ਹਾਂ, ਤੁਹਾਡੇ ਤੇ ਰਾਜ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੀ ਕੋਈ ਗਰਜ਼ ਨਹੀਂ, ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਇਥੇ ਬੈਠੇ ਹਾਂ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਿਆਲ ਆ ਗਿਆ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਥੇ ਹਰਿਆਨਾ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਬੈਠੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸਾਰਾ ਬਜਟ ਹੀ ਹਰਿਆਨੇ ਨੂੰ ਸ਼ਾਇਦ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਉਸ਼ਨ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਦੇਵੇਗੀ। ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਸਮਝ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਕੌਮ, ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਜਾਂ ਕੋਈ ਕਿਤਾ ਕਿਸੇ ਰੀਪੋਰਟ ਤੇ, ਕਿਸੇ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਤੇ, ਕਿਸੇ ਦੇ ਰਹਿਮ ਤੇ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਉਸ਼ਨ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਮਤੇ ਤੇ ਕਦੇ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ । ਇਹ ਇਕ ਮੰਨਿਆ ਹੋਇਆ ਅਸੂਲ ਹੈ ਅਤੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੇ ਵੀ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਗਲ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਤਕ ਸਿਆਸੀ ਪਾਵਰ ਹਥ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਸੈਲਫ ਗੌਰਮੈਂਟ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਨੇ ਤਰਕੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਜਿਸ ਪਾਸ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ]
ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਪਾਵਰ ਨਹੀਂ, ਜਿਸ ਪਾਸ ਸਿਆਸੀ ਤਾਕਤ ਨਹੀਂ ਉਸ ਕਿਤੇ ਜਾਂ ਉਸ ਕੌਮ ਦੀ ਕਦੇ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦੇ ਇਕੋ ਹੀ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੇਰੀ ਗਲ ਦੀ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਈ ਕਿ ਮੈਂ ਕੀ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਸਾਂ ਕਿ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਨੂੰ ਇਕੋ ਸੀਟ ਕੈਬਿਨਿਟ ਵਿਚ ਦਿਤੀ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧ ਸੀਟਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ; ਬਿਨਾ ਸਮਝਣ ਦੇ ਹੀ ਮੈਨੂੰ ਇਨਟਰਪਟ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਇਹ ਮੇਰੇ ਵਲੋਂ ਵਰਤੀ ਗਈ ਸਿਮਲੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਸਮਝ ਸਕੇ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਨੇ ਇਕ ਐਕਸੈਪਟਿਡ ਪੈਟਰਨ ਬਣਾ ਲਿਆ ਹੈ । ਉਹ ਪੈਟਰਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲਾਗੂ ਵੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਪੈਟਰਨ ਹੈ ਲਿੰਗਵਿਸਟਿਕ ਸਟੇਟਸ ਦਾ, ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸੂਬਿਆਂ ਦੀ ਬਣਤਰ ਦਾ । ਇਸ ਪੈਟਰਨ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਦੋ ਹੀ ਸਟੇਟਾਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਸਨ ਬੰਬਈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ । ਬੰਬਈ ਬਾਰੇ ਰੀਆਰਗੇਨਾਇਜ਼ੇਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਆਈ ਸੀ । ਉਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਦੋਸਤੀ ਦੇ ਤਰੀਕੇ ਤੇ ਦੋਵੇਂ ਰਹਿਣਗੇ ਅਤੇ ਅਲਹਿਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣਗੇ ਪਰ ਜਦ ਕੁਸ਼ਤੋਖੂਨ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਰੀਆਰਗੇਨਾਇਜ਼ੇਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਨੂੰ ਆਲੇ ਵਿਚ ਰਖ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਬੰਬਈ ਨੂੰ ਰੀਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ। ਦੋਵਾਂ ਹਿਸਿਆਂ ਨੂੰ ਵਖ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਗੁਜਰਾਤ ਅਤੇ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਬਾਕੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਗਲ ਰਹਿ ਗਈ । ਪਹਿਲਾਂ ਬੰਬਈ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਸਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਥੇ ਸੁਣਨ ਵਿਚ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਦੋ ਮਨਿਸਟਰ ਕਰ ਲਉ, ਇਕ ਗੁਜਰਾਤ ਦੀ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਦੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਰ ਦੇਵੇਗਾ । ਇਥੇ ਵੀ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਚਰਚਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ 60 ਫੀਸਦੀ ਬਜਟ ਹਰਿਆਨਾ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਉ ਇਸ ਨਾਲ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਆਪੇ ਹੋ ਜਾਊਗੀ । ਪਰ ਇਹ ਗਲ ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਜਿਹੜਾ ਲਿੰਗਵਿਸਟਿਕ ਸਟੇਟਸ ਦਾ ਐਕਸੈਪਟਿਡ ਪੈਟਰਨ ਹੈ ਉਸ ਤੇ ਜਦ ਤਕ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹਰਿਆਨੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਭਾਵੇਂ ਤੁਸੀਂ ਜਿੰਨਾ ਮਰਜ਼ੀ ਕਹਿ ਲਉ—ਨਾ ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਨਾਲ ਤੇ ਨਾ ਤੁਹਾਡੇ ਰੈਜ਼ੋਲੂਸ਼ਨ ਨਾਲ ਤਰੱਕੀ ਹੋਣੀ ਹੈ ।

ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਰਿਆਨਾ ਵਿਚ ਨਾ ਪਾਣੀ ਹੈ, ਨਾ ਸੜਕ ਹੈ, ਨਾ ਤਾਲੀਮ ਹੈ, ਨਾ ਕੋਈ ਇੰਜੀਨੀਰਿੰਗ ਕਾਲਜ ਹੈ ਤੇ ਨਾ ਕੋਈ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਹੈ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ਾਂ ਤਦ ਤਕ ਉਥੇ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀਆਂ ਜਦ ਤਕ ਕਿ ਹਕੂਮਤ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਹਥ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆ ਜਾਂਦੀ, ਜਦ ਤਕ ਸਿਆਸੀ ਤਾਕਤ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਆ ਜਾਂਦੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਇਹ ਇਲਾਕਾ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ । ਮੈਂ ਹੁਣੇ ਹੀ ਕੁਝ ਫਿਗਰਜ਼ ਦਸਦਾ ਹਾਂ । ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪਬਲਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਇਕ ਕਿਤਾਬ ਹੈ 'ਫੈਕਟਸ ਅਬਾਊਟ ਪੰਜਾਬ, 1965'। ਇਸ ਵਿਚ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਫਿਗਰਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ, ਦੂਜੇ ਨੰਬਰ ਤੇ ਸਟੇਟ ਦੇ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ, ਫਿਰ ਪੰਜਾਬ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਹੈ, ਫਿਰ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟ ਜਨਰਲ, ਫਿਰ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ । ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਕੋਈ ਹੈਡ ਆਫਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਯਾਨੀ ਕੋਈ ਸੈਕਟਰੀ ਵੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਅਸਾਡੇ ਕਾਨਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਅਨੁਸਾਰ ਰਨ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਵਿਚ ਗੌਰਮੈਂਟ ਵੈਸਟ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਇਥੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੈਠੇ ਹਨ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਫਿਗਰਜ਼ ਵੇਖੋ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ 18 ਮਨਿਸਟਰ ਹਨ : ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸਕੱਤਰ, ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਰੇ ਮਿਲਾ ਕੇ 18 ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ 18 ਵਿਚੋਂ 5 ਜਾਂ 6 ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਹਨ । ... ਕਿ ਹਰਿਆਨੇ ਪ੍ਰਾਂਤ ਦੇ 65 ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਜੇ

ਪਾਸੇ ਪਜਾਬੀ ਰੀਜਨ ਵਿਚ 85 ਹਿੰਦੂ ਅਤੇ ਸਿਖ ਮੈਂਬਰ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਹੁਣ ਆਪ ਤਖਮੀਨਾ ਕਰੋ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਨੂੰ ਕਿੰਨੀ ਰੀਪ੍ਰੇਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਰੀਪ੍ਰੇਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਸ ਵਕਤ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੋਚ ਸਕੀ ਕਿ ਕਿਤਨਾ ਵਾਸਟ ਏਰੀਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਤਨੇ ਵਰਸੇਟਾਈਲ ਲੋਕ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫੌਜ ਵਿਚ ਭਰਤੀ ਦਿਤੀ । ਉਹ ਇੰਨੇ ਬਹਾਦਰ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 60 ਪ੍ਰਸੈਂਟ ਬਜਟ ਲੈ ਲਉ ਜਾਂ 65 ਪਰਸੈਂਟ ਲੈ ਲਉ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਨਾਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਕੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੰਮ ਚਲ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰਿਜਨਲ ਫਾਰਮੂਲਾ 1957 ਵਿਚ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਦਰਜ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਰੀਜਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲੀ ਨੂੰ ਹਰ ਪੱਧਰ ਤੇ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਪਰ ਅਜ ਤਕ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਜਦ ਪਹਿਲਾਂ ਮੋਰਚਾ ਲਗਾ ਤਾਂ ਪੰਡਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਨੇ ਆਪ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਛਾ ਜੇਕਰ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਵਾ ਦਿਆਂਗਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਵੀ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਚਲੀ ਤਾਂ ਵੀ ਇਹੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਹੁਣ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਮੇਰਾ ਭਾਵ ਕਹਿਣ ਦਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਗਲ ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਲਈ ਨਹੀਂ ਮੰਨੀ ਜਾਣੀ ਜਦ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਸਿਆਸੀ ਤਾਕਤ ਨਹੀਂ ਭਾਵੇਂ 100 ਪਰਸੈਂਟ ਬਜਟ ਦੇਣ ਦੇ ਵੀ ਰੈਜ਼ੋਲੂਸ਼ਨ ਪਾਸ ਨਾ ਕਰ ਲਏ ਜਾਣ । ਹਰਿਆਨਾ ਇਸ ਤਾਕਤ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਕੁਰਸੀ ਤੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਨਾ ਹੁੰਦੇ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਬਾਬਤ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਬਾਰੇ ਇਸ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਹਨ। ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਹੀ ਪੰਜਾਬੀ ਰੀਜਨ ਦੇ ਹਨ ਤੇ ਡਿਪਟੀ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਹਰਿਆਨਾ ਦੇ ਹਨ । ਅਖਾਂ ਪੂੰਝਣ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। (*Interruption*)। ਹਰਿਆਨਾ ਦੇ ਫਾਜ਼ਲ ਦੋਸਤ ਨੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂ ਮੈਨੂੰ ਇਨਟਰੱਪਟ ਕਰ ਦਿਤਾ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਹਿਲੀ ਏਰੀਆ ਦੇ ਹੋਰ ਮਨਿਸਟਰ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਾਂ ਪੰਜ ਜਗ੍ਹਾਂ ਬਨਦੀਆਂ ਹਨ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਫਿਕਰ ਪੈ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਥਾਂ ਹਿਲੀ ਏਰੀਆ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਲਈ ਚੁਣੀ ਹੈ ਉਹ ਕੁਦਰਤੀ ਤੇ ਨੇਚੁਰਲ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਹੈ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ । ਇਸ ਵਿਚ ਹੁਣ 18 ਜਜ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਵੀ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਨਹੀਂ [ਅਤੇ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ] ਹਾਲਾਂਕਿ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਬੜੇ ਬੜੇ ਲਾਇਕ ਵਕੀਲ ਹਨ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ । ਬਾਰ ਕੌਂਸਲ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵੀ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਚੌਧਰੀ ਰਣਬੀਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਕੀਲਾਂ ਬਾਰੇ ਯਾਦ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦ ਅਸੀਂ ਇਕ ਸਵਾਲ ਇਥੇ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਆਇਆ ਕਿ ਜਿੰਨਾ ਕੰਮ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕ੍ਰਿਮੀਨਲ ਸਾਈਡ ਤੇ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਸਾਈਡ ਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਕੀਲਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਕੋਈ ਵਕੀਲ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਹੋਇਆ । ਇਹ 60 ਪਰਸੈਂਟ ਦੀ ਗਲ ਕਰਕੇ ਤਾਂ ਅਖਾਂ ਪੂੰਝਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਫਿਰ ਐਡਵੋਕੇਟ ਜੈਨਰਲ ਹੈ, ਉਹ ਵੀ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਨਹੀਂ, ਪੰਜਾਬੀ ਰੀਜਨ ਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਚਾਰ ਪੰਜ ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਅਤੇ ਅਸਿਸਟੈਂਟ ਐਡਵੋਕੇਟ ਜੈਨਰਲ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ

ਵੀ ਕੋਈ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਨਹੀਂ । ਫਿਰ ਜਿੰਨੇ ਪਬਲਿਕ ਪ੍ਰਾਸੀਕਿਊਟਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਕੋਈ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਨਹੀਂ ।

**Deputy Minister Industries and Hill Areas** (Shri Gian Chand): On a Point of order, Madam. Are the Hindi and Punjabi areas foreign to each other ?

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕਹਿਣ ਦੀਆਂ ਹੀ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੇ ਦਿਓ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾ ਦਿਓ, ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਫਜ਼ੂਲ ਜਿਹੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਕੇ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮਹਿਜ਼ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਉਥੇ ਦੇ ਲੋਕੀ ਡਿਟਰਮਿੰਡ ਹਨ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਰ ਸਟੇਟਾਂ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਹਰਿਆਨਾ ਵੀ ਇਕ ਪ੍ਰਾਂਤ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣੇਗਾ । ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲੂਸ਼ਨ ਮਹਿਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸਲ ਮਕਸਦ ਤੋਂ ਇਕ ਲਾਂਭੇ ਲੈ ਜਾਣ ਲਈ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ 60 ਫੀ ਸਦੀ ਵਾਸਤੇ ਕਿਉਂ ਮੰਗ ਕਰਨ ਜਦ ਕਿ ਉਹ ਹਕ ਬਜਾਨਬ ਹਨ ਕਿ ਸੈਂਟ ਪਰਸੈਂਟ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਇਦੇ ਤਾਂ ਅੱਗੇ ਵੀ ਬੜੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਪੁਲਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਆਈ ਨੂੰ ਕੋਈ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਇਸ ਨੂੰ ਏਥੇ ਦਿਖਾਇਆ ਤੱਕ ਵੀ ਨਹੀਂ ਗਿਆ । ਜੇ ਹਰਿਆਨੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਸਬੰਧੀ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਹਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਜਾਵੇ ਗੀ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡਾ ਕੀ ਖਿਆਲ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਤੋਂ ਘਟ ਸਮਾਂ ਲੱਗੇਗਾ ? ਇਹ ਤਾਂ ਮਹਿਜ਼ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਸਵਾਏ ਮੰਗਲ ਸੈਨ ਹੋਰਾਂ ਦੇ ਇਹ ਤਾਂ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਗੁਮਰਾਹ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ । (ਹਾਸਾ) ਆਖਿਰ ਗੱਲ ਇਹੋ ਹੋਣੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਇਕ ਹਿਸਾ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਵਿਚ ਚਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਨਾਉਣਾ ਪਵੇਗਾ । ਪਰ ਕਿਹਾ ਇਹ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਉਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਠੋਸੀ ਜਾਵੇਗੀ, ਸਾਡੇ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਕੁਝ ਹਿਸਾ ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਮਰਜ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਹਰਿਆਨਵੀ ਬੋਲੀ ਬੋਲੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੀ ਹਕ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲੀ ਨੂੰ ਠੋਸੇ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਬੋਲੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਵਿਚ ਮਰਜ ਕਰੇ । ਇਹ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਇਕ ਪ੍ਰਾਂਤ ਲਈ ਜਾਇਜ਼ ਮੰਗ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਬੜੇ ਚਿਰ ਤੋਂ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਰਿਆਨੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਮੌਜੂਦਾ ਹਾਲਾਤ ਹਨ । ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਵੀ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਬੜੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਲਏ ਜਾਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਮਜਬੂਰਨ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਏਥੇ ਆ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖੁਦਮੁਖਤਾਰੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦੀ। ਉਹ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ, ਮਜਬੂਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਕ ਛੋਟੀ ਜਿਹੀ ਖੁਦਮੁਖਤਾਰੀ ਦੀ ਕਿਉਂ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਇਕ ਪੂਰੇ ਪ੍ਰਾਂਤ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਖੁਦਮੁਖਤਾਰੀ ਲਈ ਮੰਗ ਕਰਨ । ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਇਕ ਕਾਫੀ ਵੱਡਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਬਣ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਅਗਲਾ ਸਟੈਪ ਉਸ ਦੇ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਲੈਣ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੋਟੀਆਂ ਮੋਟੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਪੈਂਦੇ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰਾ ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਦਾ ਇਤਹਾਸ ਪੜ੍ਹਨ ਦੀ ਤਕਲੀਫ ਕਰੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਜ਼ੁਲਮ ਹੋਏ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਲਚਰ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਭਿਅਤਾ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ । ਕਿਵੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੂਸਰੀਆਂ ਹਕੂਮਤਾਂ ਦੇ ਅਹਿਦ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ

ਅਪਣੀ ਕਲਚਰ ਨੂੰ ਬਰਕਰਾਰ ਰਖਿਆ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸਿਰਫ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਲੋਕ ਤਦ ਹੀ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਤੇ ਆਜ਼ਾਦਾਨਾ ਤੌਰ ਤੇ ਹਕੂਮਤ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇ । ਜੇ ਇਹ ਚਾਹੁਣ ਹਕੂਮਤ ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਕਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਜਟ ਦਾ ਕੁਝ ਹਿਸਾ ਐਲੋਕੇਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਗਲਾਂ ਤਾਂ ਹੁਣ ਤਕ ਕਰਦੇ ਚਲੇ ਆਏ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਖ ਹੀ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲੀਊਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਜਿਹੜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 60 ਫੀ ਸਦੀ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਹ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਹੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਇਹ ਇਸ ਦੀ ਬਜਾਏ 100 ਫੀ ਸਦੀ ਦੀ ਕਿਉਂ ਨਾ ਮੰਗ ਕਰਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ 'ਇਕ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਨਾ ਰਹੇ, ਇਹ ਖੁਦ-ਮੁਖ਼ਤਿਆਰ ਹੋਣ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਲਿਆਕੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਅਖਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਘਟਾ ਪਾਉਣ ਵਾਲੀ ਹੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਇਹ ਤਾਂ ਗੁਮਰਾਹ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਰੈਜ਼ੋਲੀਊਸ਼ਨ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਆਪਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

**श्रीमती सरला देवी** (बड़सर) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह रैजोल्यूशन जो टंडन जी की तरफ से पेश हुआ इस सिलसिला में मैं आपकी खिदमत में कुछ अर्ज़ करना चाहती हूं। इस रैज़ोल्यूशन के अन्दर यह मांग की गई है कि हिल ऐरियाज़ और हरियाणा के इलाके के अन्दर जितनी उनकी रैवेन्यू की इन्कम होती है उस का 60 प्रतिशत उसी इलाके की डिवैल्पमैंट पर खर्च किया जाना चाहिए। इस का भाव तो बहुत अच्छा है मगर जैसे यहां पर लीडर आफ दी आपोज़ीशन सरदार गुरनाम सिंह जी ने कहा है डायरैकटली समझें या आप इसको इनडायरैक्टली समझें उन्होंने तो अपने पंजाबी सूबे की मांग को ही पेश किया है।

(At this stage the bells were rung for want of quorum).

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस रैजोल्यूशन के मुताबिक मैं हिल्ली एरिया को डिवैल्पमैंट के लिये चार हिस्सों में बांटती हूं। सब से पहले तो ऐसे लोगों को रोटी कमाने के साधन दिए जाएं जिन को ऐसे साधन उपलब्ध नहीं हैं। अगर उनको ही रोटी मिलेगी नहीं तो उनकी डिवैल्पमैंट कैसे होगी। दूसरे जहां २ पर सड़कें नहीं हैं उन इलाकों को सड़के दी जाएं। इस के साथ ही साथ उनके लिये इलैक्ट्रिसिटी का भी इंतज़ाम होना चाहिए।

इस के बाद, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं इंडस्ट्री के लिये कुछ अर्ज़ करना चाहती हूं। पंजाब सरकार ने 1962 में एक फारमूला बनाया था और उस के मुताबिक हिल्ली एरिया को कोई न कोई इंडस्टरी प्रोवाईड की जानी थी जिस से गरीब लोग आसानी से अपनी रोज़ी कमा सकते थे। मैं अपने इलाके के लिये कोटों और परमिटों की मांग में नहीं जाना चाहती। मैं तो यह अर्ज़ करती हूं कि हमारे हिल एरिया के बच्चे इस वक्त हज़ारों की तादाद में टैक्सटाईल मिल्ज में काम कर रहे हैं। उन की बड़ी भारी मांग थी कि हमें वूल यार्न का कोटा दिया जाए ताकि हम जिला कांगड़ा में बैठ कर छोटे छोटी हौज़री का काम चला कर

[श्रीमती सरला देवी ]

अपनी रोटी कमा सकें । लेकिन हमारी पंजाब सरकार ने जवाब दिया कि जो टैक्सटाईल कमिश्नर है वह नहीं मानता और कहता है कि 1962 से पहले जिन्होंने फैक्टिरियां लगाई थीं उन को कोटा दिया जाता है । अब किसी किस्म का कोटा नई इन्डस्ट्री वालों को नहीं दिया जा सकता । इस लिए मैं कहती हूं कि जब तक किसी को रोटी नहीं दी जाती तब तक वह इकनौमिकली कैसे तरक्की कर सकता है । इन्होंने सीमेंट फैक्टरी देने का वादा किया था हम आठ साल से सुनते आ रहे हैं कि समरोटी के इलाके में सीमेंट की फैक्टरी लग रही है मगर आज तक वहां पर कुछ भी नहीं किया गया । अब जब मैंने गवर्नर साहिब का एड्रेस पड़ा तो उसमें कहीं झलक नहीं आई कि हिली एरिया की डिवैल्पमेंट के लिए पैसा रखा गया हो । इसी लिए हम जोर से आवाज उठाते हैं कि हमें हिमाचल के साथ जाने दो। हम पंजाब के साथ नहीं रहना चाहते क्योंकि जितनें भी हमारे प्लैन बनते हैं वह चण्डीगढ़ से बनते हैं जिन का हमें कोई फायदा नहीं होता । सैंटर से पैसा आता है लेकिन यहां पर यह बिलकुल नहीं देखा जाता कि कांगड़ा ज़िले के अन्दर जो पानी की स्कीमें भेंजी जाए वह किस किस्म की होनी चाहिए । अगर यह हमें पानी देना चाहे तो दरिया से और खडों से पम्पिग सैट लगाकर सकते हैं। लेकिन यह कहते हैं कि उन के ऊपर खर्चा बहुत आता है इस लिए वह सारी की सारी स्कीमें वहां की वहां धरी रह जाती है । चौधरी रिज़क राम जी हमारे हमीरपुर में गए । वहां हमने उन का दौरा करवाया । हम ने उन से कहा कि ज़िला कांगड़ा ने जोगिन्दर नगर से बिजली दी भाखड़े से बिजली दी लेकिन कितने अफसोस की बात है कि बाहिर तो हम रोशनी देते हैं मगर हमारे घर में अन्धेरा है । उन्होंने हमें जवाब दिया कि यहां पर बिजली नहीं दी जा सकती क्योंकि बहुत महंगी पड़ती है । मैं पूछना चाहती हूं कि उन्होंने जो दूसरे देहातों में बिजली दी है क्या वहां पर कोई बड़ी बड़ी टैक्सटाइल मिल्ज़ चलती हैं । अगर हमें बिजली दे दी जाए तो हम खडडों के अन्दर पम्पिग सैट वगैरा लगा कर ऐग्रीकलचर को डिवैल्प कर सकते हैं और छोटी मोटी इन्डस्ट्रीज़ भी चालू कर सकते हैं । डिप्टी स्पीकर साहिबा कुदरत ने वहां पर एक जंगलात की बड़ी भारी नेहमत दी हुई है लेकिन गवर्नमेंट की तरफ से वह नेहमत छीन कर इस दायरे में बन्द कर दी गई है कि उन के प्राफिट का हिस्सा हमें नहीं मिलता । हमारी मांग बड़ी देर से चली आती है कि फौरैस्ट से जो 3-4 करोड़ का सालाना प्राफिट होता है उस में से हमें हिस्सा मिलना चाहिए ताकि हमारी डिवैल्पमेंट हो । हम ने कहा था कि वहां पर गन्दे बरोज़े की फैक्टरी लगाई जाए लेकिन यह कहते हैं कि हमारे पास पैसा नहीं है । डिप्टी स्पीकर साहिबा हमीरपुर से एक सड़क निकलती है उस सड़क के एक तरफ हिमाचल के घर है और दूसरी तरफ हमारे कांगड़े के । हिमाचल के घर में बिजली लगी हुई है और पानी के टैप लगे हैं लेकिन हमारे गांव में बिजली और पानी दोनों ही नहीं हैं । इसी तरह शिमला हिल्ज में शिमला को छोड़ कर बाकी सारे इलाके की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा । मैं सड़कों की मिसाल देती हूं । हमारे इलाके में ऊना-जाहू-हमीरपुर तक सड़क बनाने के लिए पहली पंच वर्षीय योजना में

प्रोवियन किया था मगर आज तीसरी पंच वर्षीय योजना खत्म हो रही है और वह सड़क वहां पर नहीं बन सकी । फिर नौकरियों को ले लीजिए इन में भी हमें कोई रियायत नहीं मिलती । इसी तरह जब इन्जनियरिंग कालेजों और मैडीकल कालजों में ऐडमिशनज़ होती हैं तो कहते हैं कि वहां हम मार्कस के हिसाब से लड़के दाखल करेंगे । डिप्टी स्पीकर साहिबा, लड़ाई शुरू हुई और अब खत्म भी हो गई है मगर आज तक इस सरकार ने वहां एक पीपा भी मिट्टी के तेल का नहीं पहुंचाया । हमारे बच्चे 10/10 मील के फासले से पैदल पढ़ कर आते हैं और उन को रात को पड़ने के लिए एक बोतल मिट्टी के तेल की नहीं मिलती । अब आप सोच सकते हैं कि वह बच्चे जिन्हें पढ़ने के लिए कोई सहूलत न मिले वह इंजीनियरिंग कालेजों में और मैडीकल कालेजों में कैसे कम्पीट कर सकते है । मैंने परसों चौधरी रणबीर सिंह जी से रीक्वैस्ट की थी कि वह जो सड़क पहली पंच वर्षीय योजना की अभी तक नहीं बनी उसे बनवाने के लिए आप वहां के चीफ इनजीनियर, एस. ई. या ऐक्स इ. ऐन. की मीटिंग रखें ताकि वह देख सकें कि वह सड़क कितनी तेज़ी से बननी चाहिए । डिप्टी स्पीकर साहिबा हमारे इलाके के अफसर क्योंकि सर्विस में नहीं हैं इस लिए उन का वहां क्या इन्ट्रैस्ट हो सकता है । फिर मैं हिल आलांऊंस की बात करती हूं । शिमला में जो अफसर हैं उन को 30 प्रतिशत हिल एलाऊंस दिया जाता है लेकिन कांगड़ा में इतनी मंहगाई के बावजूद भी वहां पर जो आफिशलज़ हैं उन्हें कम एलाऊंस मिलता है । मैं निवेदन करूंगी कि उन्हें भी 30 प्रतिशत के हिसाब से एलाऊंस दिया जाना चाहिए ताकि उन को वहां जा कर काम करने का कुछ इनसैनटिव हो । डिप्टी स्पीकर साहिबा मुझे दुःख से कहना पड़ता है कि हमारे वहां बिलकुल डिवैलपमेंट नहीं हो रही । बिजली वाले मिनिस्टर ने तो साफ जवाब ही दे दिया है । इस लिए हमें शायद धरना मार कर ही बैठना पड़े । मैं यह खुले शब्दों में बता देना चाहती हूं कि अगर हमारी यही हालत रखनी है तो हमें हिमाचल के साथ जाने दो हम वहां चाहे भूखे रहें चाहे नंगे रहें हम वहां अपने पहाड़ी लोगों के साथ रह कर जैसे भी होगा अपना गुज़ारा करेंगे ।

**श्री जगन्नाथ** (तोशम) : डिप्टी स्पीकर साहिबा पहले दो मैम्बर साहिबान बोले हैं । एक टंडन जी दूसरे जसटिस गुरनाम सिंह जी । अगर असलियत को देखा जाए तो उन दोनों को ही हरियाणे से कोई हमदर्दी नहीं है। बल्कि वह अपने सैल्फ इन्टरैस्ट की वजह से हरियाणे की सपोर्ट कर रहे थे। मैं पिछले पांच साल से देख रहा हूं कि हम ने कई दफा हरियाणा के लिए आवाज़ उठाई, वाक आउट किए लेकिन इन्होंने कभी हमारे साथ मिल कर आवाज नहीं उठाई और न कभी वाक आउट किया । आज ही इन के दिल में हरियाणा के लिए दर्द उठा है जो कहते हैं कि वहां की डिवैल्पमेंट होनी चाहिए । लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि इनके दिल में हरियाणा के लिए कोई दर्द नहीं यहां तो इनका सैल्फ इन्ट्रैस्ट है इस लिए अब ऐसा कहते हैं क्योंकि यह जानते हैं कि अगर उन्होंने ने हरियाणा की डिवैलपमेंट की बात

[श्री जगन्नाथ]
अब न की तो एक तरफ पंजाबी सूबा मांग रहे हैं दूसरे तरफ यह हरियाणा प्रांत बना लेंगे और यह बीच में रगड़े जाएंगे । वरना अगर यह बात न होती तो पहले से ही यह हमें स्पोर्ट करते और हमारी डिवैलपमेंट के लिए हमारे साथ मिल कर आवाज उठाते । जस्टिस साहिब ने देशी विदेशी की बात कही । मैं आप को बताना चाहता हूं कि बाईबल में लिखा है :

"It is better to rule in hell than to serve in heaven".

हमारी वही हालत है । चीफ मिनिस्टर जब कोई बने तो इस रिजन का, स्पीकर, चेयरमैन इनके रिजन का सैक्रेटेरियट में चले जाओ तो सारे अफसर सैक्रेटरी इनके रिजन के, हाई कोर्ट के जज इनके । सबारडीनेट सर्विसिज सीलैक्शन बोर्ड, पब्लिक सर्विस कमीशन के मैम्बर इनके रिजन के और हर सहूलियत इनके रिजन को ही मिलती है हरियाणा को देते क्या हो और इसमें देशी विदेशी की बात क्या है । टंडन साहिब को आज हरियाणा की डिवैलपमेंट का ख्वाब आया है पहल कभी इन्ह यह दर्द नहीं उठा । कभा इन्होंने यह नहीं कहा कि अमृतसर में 90 फीसदी एरिया इरीगेटड है लेकिन हरियाणा में क्यों 15 फीसदी है और अमृतसर में 75 फीसदी गांव में बिजली है लेकिन हरियाणा में पांच सात फीसदी गांव में भी नहीं होगी इसकी क्या वजह है और वहां की तरफ ज्यादा ध्यान नहीं देते । यह तो अब इस लिए कहते हैं क्योंकि इसमें इन का सैल्फ इन्ट्रैस्ट है । मैं हर सेशन में देखता हूं कि मैम्बर साहिबान यहां फिगर्ज देते रहते हैं लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि फिगर्ज़ देने से कुछ नहीं बनेगा जब तक आपके हाथ में डंडा नहीं होगा तो हमें कुछ नहीं देंगे । डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपने भी रोहतक से इलैक्शन लड़ा और फिर जगाधरी से भी इलैक्शन लड़ा और आपने देखा कि वहां के अलाकों की क्या हालत है लेकिन आपने भी कभी हरियाणा के लिए आवाज नहीं उठाई । मैं तो कहता हूं कि यह लोग अब हरियाणा के लिए आवाज नहीं उठाते हैं सिर्फ अपने सैल्फ इन्ट्रैस्ट के लिए आवाज उठाते हैं । इस लिए मैं अर्ज करता हूं कि हम हरियाणा की डिवैलपमेंट की फोकी बातें नहीं सुनना चाहते बल्कि इन्साफ चाहते हैं । हम हरियाणा डिवैलपमेंट कमेटी की रिपोर्ट नहीं चाहते बल्कि हम अपनी डिवैलपमेंट खुद अपने हाथों से करना चाहते हैं चाहें हमारी डिवैलपमेंट करने वाला वह आदमी चौधरी रिज़क राम क रूप में आ जाए, चाहे रणबीर सिंह के रूप में आ जाए । जब तक यह पंजाबी के रिजन के लोग हमारे ऊपर बैठे रहेंगे हमारी कभी डिवैलपमेंट नहीं हो सकेगी । यह तो हमारे ऊपर बुरी तरह छाए हुए हैं । खिलाड़ियों की ही बात देख लो । एशिया के अन्दर अगर हमारा लड़का गोल्ड मैडल लेता है तो उसे सिपाही भरती करते है लेकिन इनका अनपढ़ आदमी भी डायरैक्टर बना दिया जाता है । आखिर में मैं यही कहूंगा कि हमारी हरियाणा प्रान्त की मांग चल रही है और उनकी पंजाबी सूबा की चल रही है । उनकी चले या न चले लेकिन हरियाणा की मांग जरूर चलेगी । एक दिन हम लेकर रहेंगे चाहे हमें उसके लिए खून देना पड़े ।

**श्री मंगल सैन** (रोहतक) : इस सदन में प्रस्ताव आया है कि हरियाणा और पहाड़ी क्षेत्र के विकास के लिए बजट का 60 फीसदी रुपया सुरक्षित रख कर वहां पर खर्च होना चाहिए । मैं इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं ।

मैं ने जज साहिब, बहिन सरला देवी और श्री जगन्नाथ के विचारों को बड़े गौर से सुना है । कहा गया है कि इस ग्रुप के लोगों को हरियाणा की बात अब याद आई है । श्री जगन्नाथ जी अभी नए इस हाउस में आए हैं और इनको पता नहीं होगा कि 1958 में जब वह इस हाउस के मैम्बर नहीं बने थे हमारे ग्रुप के ही एक आदमी श्री लाल चन्द सभरवाल ने जो आज के मुख्य मन्त्री को हरा कर आए थे बजट पर बोलते हुए कहा था कि बजट का 60 फीसदी रुपया हरियाणा की डिवैल्पमेंट के लिए खर्च होना चाहिए । इस बात की गवाही इस हाउस का रिकार्ड है और भाई जगन्नाथ जी उसे पढ़ लें । हम यही बात बार बार रीपीट करते आए हैं । जज साहिब ने बड़ी वकालत की कि इनका हाई कोर्ट में जज नहीं है एडवोकेट-जनरल नहीं है, सैक्रेटरीज़ नहीं हैं यह वहीं है वह नहीं है मन्त्रिमंडल में 80 लाख की आबादी के आधे पौने पऊए मिला कर कुल 6 वज़ीर हैं और यह भी कहा कि सिवाए ताकत के कोई बात नहीं हो सकती । मैं कहता हूं कि वह खुल कर सामने क्यों नहीं आते और साफ क्यों नहीं कहते कि सैल्फ डिटरमीनेशन चाहते हैं जैसा कि उन्होंने पहले लुधियाना में कहा था। मैं कहता हूं कि ऐसा कहना इललीगल है और भारत के विधान के मुताबिक ऐसा करने का किसी को भी अधिकार नहीं है कि हम हक खुद मुख्तारी चाहते हैं । यह बात इस लिए कही जा रही है क्योंकि यह मन्त्रिमंडल कमज़ोर और बुज़दिलों का टोला है और इसी लिए यह पंजाब की फजा खराब हो रही है वरना किस की मजाल है कि भारत के विधान के खिलाफ जा कर ऐसी बात करे । मैं कहता हूं कि यह आग से खेलने वाली बात है । भाई जगन्नाथ जी तो उस वक्त स्कूल कालिज में ही होंगे जब हम पर पंजाबी ठोसी जाने लगी थी और जिसका चर्चा यह फिर करने लगे हैं और हम ने ही उस वक्त आवाज़ उठाई थी कि हम पंजाबी नहीं पढ़ना चाहते तो हम पर लाठियां बरसाई गईं, हम जेलों में गए और 6 महीने के अन्दर आठ जेलों का चक्कर लगाया था । आज फिर हम कह देना चाहते हैं कि यह जो लाबिइंग चलती है और हाई कमांड या लो कमांड की बातें हो रही हैं यह हम नहीं होने देंगे । अगर एक आदमी के जल मरने की धमकी से पंजाब की सरकार और केन्द्र की सरकार का पसीना निकल सकता है तो हम भी वही हालात पैदा कर सकते हैं और पैदा करेंगे । यह जो यूनीलिंगवल सूबे की बातें हो रही हैं हम इस चीज़ को आप कान खोल कर सुन लें हर्गिज़ बरदाशत नहीं करेंगे । जहां तक हमारी डिवैल्पमेंट की बात है मुझे दुख है कि हरियाणा से इलैक्ट हो कर आने वाले हरियाणा की डिवैल्पमेंट करने की बजाए पहले सच्चर साहिब का बिस्तर उठाते फिरे और फिर कैरों साहिब के आगे पीछे फिरते रहे । एक ने तो साम्पला में यहां तक कह दिया कि मुझे तो आपकी शक्ल में अपने चाचा जी की तसवीर नज़र आ रही है। हरियाणा की नुमाइंदगी करने वालों ने इस सदन में अवाम की नुमाइंदगी करने की बजाए अपने परिवारों कुन्बों की नुमाइंदगी की, वरना क्या वजह है कि 18 साल के अर्सा में पानी बिजली भी हरियाणा को न दे सके । वक्त आने दो हम सब देख लेंगे । यह बाजू हमारे आज़माए हुए हैं। हम पर यह यूनिलिंगवल ठोस कर देखो तो सही फिर देखना कौन आगे आने वाला है । उस वक्त हम ही आगे आएंगे और यह दूध पीने वाले

[श्री मंगल सेन]

मजनूं अन्दर घुस जाएगे। जब हम पंजाबी के खिलाफ आन्दोलन कर रहे थे तो हमारी पीठ पर छुरे मारे जा रहे थे और अब वोट लेने के लिए बड़ी बड़ी बातें बना रहे हैं। वक्त पर नजर नहीं आएंगे । हमारा यह शुरू से कनविक्शन है कि पंजाब दो भाषाई प्रदेश है और इसमें दोनों भाषाएं बोली समझी जाती हैं । हम यह बात इनकी तरह वोट लेने के लिए और दोबारा चुन कर आने के लिए कह कर जनता को धोखा नहीं देना चाहते और....................

**Planning and Local Government Minister** (Sardar Ajmer Singh) : Madam, the discussion is going beyond the track,. In fact, this is purely a question of planning and spending the amount on various regions. I request you and, through you, to the hon. Members as well that they should not indulge in such like things. They should confine themselves to the scope of the resolution. The political issue will be decided outside. Why to say these things here ?

आवाजें : हाउस में कोरम नहीं है ।

**उपाध्यक्षा** : अब अगर इसके बाद कोरम न हुआ तो मैं हाउस एडजर्न कर दूंगी बार बार घंटी नहीं बजाऊंगी । (If after sounding the bells the House fails to be in quorum I will adjourn it. I will not allow ringing the bells again and again.)

(*Qourum bells were sounded till the House was in quorum.*)

**श्री मंगल सैन** : मन्त्री महोदय ने फरमाया है कि मैंने जो कुछ कहा वह इस रैजोल्यूशन के स्कोप से बाहिर है । यहां पर कुछ ऐसी बातें कही गई जिस से मैंने भी यह बात कही है । अन्यथा मैं समझता हूं कि यह बात इस रैजोल्यूशन के स्कोप के बाहिर है ।

उपाध्यक्ष महोदया, हरियाणा का इलाका बहुत ही पिछड़ा हुआ है इस बारे में किसी की दो राएं नहीं हो सकती हैं । हमारी नेक खाहिश है कि वहां की बैकवर्डनैस को दूर किया जाए । जब कामरेड राम किशन हमारे मुख्य मन्त्री बने थे तो उस वक्त इन्होंने भाषण दिया था कि हम हरियाणा प्रान्त पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देंगे और वहां पर ज्यादा इन्डस्ट्रीज़ स्थापित की जाएंग । वैसे तो इन का काम तो लम्बे लम्बे भाषण देना होता है और उस पर अमल कम ही करते हैं । इन्होंने कहा था कि दिल्ली के आस पास एक इन्डस्ट्रियल बैल्ट बनाई जाएगी । फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और रोहतक के आस पास तथा सोनीपत में इंडस्ट्रीज लगाई जाएंगी । वहां पर 40 करोड़ रुपए इंडस्ट्रीज़ को स्थापित करने के लिए खर्च किए जाएंगे । लेकिन अगर यह बातें कहने तक ही रहें तो उस से जनता को कोई फायदा नहीं हो सकता है। इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिये ताकि वहां के लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर सके । उपाध्यक्ष महोदया, हम तो पहले से ही कहते आ रहे हैं, 1957 से आज तक कहते ही आ रहे हैं कि सरदार प्रताप सिंह कैरों कुरप्ट चीफ मिनिस्टर थे । हम तो सदाकत कहते आ रहे हैं लेकिन उस के चेले या पैरोकार अब भी कहते हैं कि वह नेक इन्सान थे जबकि उन्हें दास कमीशन ने भी दोषी ठहराया था । अगर उस के पैरोपकार दिन को रात कहें तो यही समझा जा सकता है कि उन

की अकल पर पर्दा पड़ा हुआ है । मेरे कहने का मतलब यह है कि वह भी और हमारे मुख्य मन्त्री भी झूठे वायदे लोगों के साथ करते हैं । हमारी तो यही प्रार्थना है कि हरियाणे के इलाके में इंडस्ट्रीज स्थापित की जाएं ताकि वहां के लोगों की हालत सुधर सके । मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि वहां के लोग खेती बाड़ी पर निर्भर नहीं रह सकते क्योंकि उन के पास काश्त करने के लिए इतनी ज़मीन नहीं है जिसके ऊपर वह गुज़ारा कर सकें । इस लिए उन की हालत को सुधारने के लिए वहां पर इंडस्ट्रीज़ स्थापित की जाएं । पहले तो कहा जाता है कि हम हरियाणा प्रान्त में इंडस्ट्रीज स्थापित करेंगे लेकिन जब इंडस्ट्रीज़ लगाने का मौका आता है तो इंडस्ट्रीज लुधियाना, जालन्धर या बटाला में लगाई जाती हैं । अगर सरकार ने यही पालिसी इख्तियार किये रखी तो हरियाणा के लोगों की हालत सुधर नहीं सकती । इस लिए सरकार को इस विषय में कानून बदलने चाहिएं ताकि वहां के लोग इंडस्ट्रीज सैट अप कर सकें । हमारी सरकार की पालिसी यह है कि दिल्ली के बड़े बड़े उद्योगपतियों को पंजाब में इंडस्ट्रीज स्थापित करने के लिए कहती है और वह उद्योगपति फरीदाबाद, बल्लभगढ़ या सोनीपत आदि शहरों में अपनी फैक्टरियां लगाते हैं और दिल्ली में बैठ बैठे मौज उड़ाते हैं । इस के अलावा हमारे सूबे के मन्त्री उनके पास जाते हैं और उनको वहां पर थैलियां भेंट की जाती हैं और यह लेकर आ जाते हैं । इन हालात में हरियाणा के लोगों को खुद इंडस्ट्रीज़ लगाने में कैसे प्रोत्साहन मिल सकता है । इस लिए सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए ताकि वहां के लोगों की हालत में सुधार हो सके ।

उपाध्यक्ष महोदया, मैं अब बिजली के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं । अमृतसर ज़िले में जितनी बिजली दी गई है उतनी बिजली सारे हरियाणा के इलाके को दी गई है । इस से भली भान्ति अन्दाज़ा लगाया जा सकता है कि यह सरकार उन की बेहतरी के लिए क्या कुछ करना चाहती है और क्या कुछ कर रही है । हाउस में हरियाणा प्रान्त को एम. एल. एज़. और कैबिनेट में मिनिस्टरज़ रीप्रीजेंट करते हैं और कर रहे हैं लेकिन मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि इन्होंने भी इस इलाके की हालत को सुधारने के लिए कोई आवाज बुलन्द नहीं की । मुझे एक बात याद आ गई । 1958-62 तक हिसार ज़िले के एक एम. एल. ए. मन्त्री पद पर विराजमान रहे । वह पी. डब्ल्यू. डी. के मिनिस्टर थे । उन के समय में एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी खोलने की स्कीम बनी । हम उस वक्त कहा करते थे कि यह एगीकल्चरल यूनीवर्सिटी हिसार में खोलनी चाहिए क्योंकि वहां पर काफी जमीन है और वहां पर दफ्तर बनाया जा सकता है । वहां पर बहुत बड़ी फार्म है लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया । हमारे ज़ोर देने के बावजूद यह यूनिवर्सिटी लुधियाणा में खोली गई । मुझे बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि इस यूनिवर्सिटी के वाईस चांस्लर अभी तक चन्डीगढ़ में काम कर रहे हैं । इस का कारण यह है कि उन को लुधियाना का मौसम सूट नहीं करता । वहां पर उस के लिए एयर कंडीशन्ड कोठी तैयार नहीं हो सकी । इस लिए वह वहां पर नहीं गए । मैं अर्ज़ कर रहा था कि उस वक्त हम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी हिसार में खोलने के लिए प्रयत्न करते रहे लेकिन बाद में वह प्रोपोज़ल टर्न डाउन हो गई थी । वह हरियाणा का रहने वाला व्यक्ति इस समय हमारे साथ हां में हां नहीं मिलाता

[श्री मंगल सेन]

था और वह भी इसी पक्ष में था कि वह यूनिवर्सिटी लुधियाना में खोली जाए लेकिन अब वही व्यक्ति एक अलैहदा सूबा बनाने के हक में है ।

उपाध्यक्ष महोदया, श्री जगन्नाथ को कुछ कंफ्यूज़न हो गई है लेकिन मैं हरियाणा इलाके की हालत के बारे में वर्णन करना चाहता हूं । श्री जगन्नाथ की कांस्टीच्युएंसी में कहत की हालत है । इस के इलावा हिसार जिले की भिवानी तहसील, रोहतक जिले की झज्झर तहसील और महेंद्रगढ़ जिले के अन्दर कहत पड़ा हुआ है । वहां पर पशुओं को तो दरकिनार वहां के लोगों को भी पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है । वहां के लोग पशुओं को पानी की किल्लत के कारण छोड़ते जा रहे हैं । पहले यहां पर डाक्टर गोपी चन्द भार्गव चीफ मिनिस्टर रहे और अब वह खादी बोर्ड के चेयरमैन बन गए हैं । उस के बाद श्री भीम सेन सच्चर चीफ मिनिस्टर रहे और बाद में उन्हें लंका का हाई कमिश्नर नियुक्त कर दिया है । तीसरे यहां पर स्वर्गीय सरदार प्रताप सिंह कैरों चीफ मिनिस्टर बने । उन्हें दास कमीशन ने दोषी ठहरा दिया और बाद में उन्हें इस्तीफा देना पड़ा लेकिन कुछ ही महीनों के बाद नालायक सुच्चा सिंह ने उन को मार दिया । इतने 18 साल के अर्से में हमारी कांग्रेस सरकार इस इलाके को पीने का पानी मुहैय्या न कर सकी । जब वहां की ऐसी हालत है तो वहां के लोग इन से बागी क्यों न हों। उपाध्यक्ष महोदया, मैं चौधरी रिज़क राम का बहुत मान करता हूं । मेरे दिल में उन के लिए बहुत इज्जत है । उन्होंने हाउस में कहा था कि लोगों को ट्यूबवैल्ज़ के लिए बिजली के कुनैक्शन जल्दी दिया करेंगे । वह कहते थे कि ट्यूबवैल्ज़ लोग लगाएं और उसके बाद ही बिजली के कुनैक्शन देंगे । लेकिन मुझे पता नहीं चला कि उन्हें बिजली कहां से मिलेगी जबकि वहां पर खम्बे नहीं लगाए गए । उन को मालूम ही है कि लोगों की हज़ारों की संख्या में दरखास्त ट्यूबवैल्ज़ के लिए, बिजली के कुनैक्शन के लिए बिजली के महकमें में पड़ी हुई हैं । वज़ीर साहिब का इस बारे में कई बार ध्यान दिलाया लेकिन वह अभी तक टस से मस नहीं हुए और इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । लोगों की एड़ियां इस काम के लिए सफर करते घिस गई हैं लेकिन उन की तकलीफ को दूर नहीं किया जा रहा है ।

उपाध्यक्ष, महोदया, मैं एजुकेशन के बारे में भी कुछ अर्ज़ करना चाहता हूं । माननीय सदस्य श्री बलरामजी दास टंडन ने कहा कि हरियाणा प्रांत में एक मैडीकल कालिज खोला हुआ है । वहां पर जिस तरह से एक दूसरे के प्रति खींचा तानी हो रही है । वह हमारे माननीय स्वास्थ्य मन्त्री को भी मालूम है । इस के इलावा इस क्षेत्र में एक लूली लंगड़ी यूनिवर्सिटी खोली गई जिसका नाम कुरुक्षेत्र युनिवर्सिटी है ।

* * * *

**मुख्य मन्त्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । आज हाउस में नान आफिश्यल रैजोल्यूशन पर बहस हो रही है । इस रैजोल्यूशन का यूनिवर्सिटी के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है । गवर्नर साहिब यूनिवर्सिटी के चांसलर होते हैं । इस लिए बहस में उन का नाम नहीं लाना चाहिए ।

**उपाध्यक्षा** : माननीय सदस्य हरियाणा की दिक्कतों के बारे में बयान करें । वह गवर्नर साहिब को डिस्कशन में न लाएं । आप वाईंड अप कीजिए । (The hon. Member should state the difficulties of Hariana and refrain from bringing the Governor into the discussion. He should wind up now.)

**श्री जगन्नाथ** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। उपाध्यक्ष महोदया, यूनिवर्सिटीज़ के बारे में पार्लियामेंट में डिस्कशन होती है और वहां पर चांसलर का नाम और वाईस-चांसलर का नाम लिया जाता है। इस लिए यहां पर उन का नाम लेने से क्या हर्ज़ है ?

**योजना तथा स्थानिय शासन मंत्री** : जो कुछ माननीय सदस्य ने गवर्नर साहिब के बारे में कहा है, वह एक्सपंज कर दिया जाए।

**उपाध्यक्षा** : हां जी। ठीक है। वह ऐक्सपंज किया जाता है। वाइंड अप प्लीज। (Yes. That is expunged. The hon. Member may please wind up.)

**श्री मंगल सेन** : उपाध्यक्ष महोदया, मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में बड़े जिम्मेदार आदमी इंटरफीयरेंस कर रहे हैं। उस वाइस चांसलर को डिस्करेज कर रहे हैं ताकि वह काम सुचारू रूप से न कर सके। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदया, यहां पर एक माननीय सदस्य ने कहा कि चंडीगढ़ पर काफी खर्च हुआ और उस का लाभ हमें नहीं मिलेगा। इस के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं कि हम भी उस का लाभ उठाएंगे। हम इस लाभ से कभी महरूम नहीं रहेंगे (घंटी) इसी तरह से पंजाब के किसानों ने भाखड़ा डैम को तैयार करने के लिए करोड़ों रुपए दिए और उस के हिसाब से हमारे हरियाणा के इलाके वाले लोग भी फायदा उठाएंगे क्योंकि इन्होंने भी इस काम के लिए रुपए टैक्स के रूप में दिए।

मेरे कहने का मतलब यह है कि पानी, बिजली, सड़कों, अस्पताल, तालीम और डिवैलपमेंट के सारे कामों में हमें पूरा हिस्सा मिलना चाहिये। जब तक हमारा इलाका डिवैल्प नहीं होता हम आराम से नहीं बैठेंगे। आनरेबल प्लानिंग मिनिस्टर साहिब बैठे हैं मैं आशा करता हूं कि हमारी जायज डीमांड को अवश्य मानेंगे ? इन शब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं।

**कामरेड राम प्यारा** (करनाल) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह रेजोल्यूशन हरियाणा की डिवैल्पमैंट के लिये पंजाबी रिजन के मैंबर की तरफ से आया है बड़ी अच्छी बात है। जहां तक किसी इलाके की डीवैल्पमैंट का ताल्लुक है वहां एग्रीकल्चर, इरिगेशन, इंडस्टरी, रोड्ज़, एजुकेशन, सैनीटेशन, सर्विसिज के साथ दूसरी सारी बातों को मद्देनज़र रखा जाए तो तभी डिवैल्पमैंट हो सकती है। जब तक इन चीजों की तक्सीम गैरमुनसिफाना होती है मायूसी और फ्रस्ट्रेशन आना लाजमी है। अगर यहां पर हरियाणा के मैंबरों ने मायूसी का इज़हार किया, फ्रस्ट्रेशन का इज़हार किया या हिल्ली एरियाज के किसी मैंबर ने फ्रस्ट्रेशन का इज़हार किया तो हमें यह समझना चाहिये कि मुनसिफाना तकसीम नहीं की गई तभी यह बात कही गई है।

अगली बात यह है कि सरदार गुरनाम सिंह ने श्री बलरामजी दास टंडन को क्रिटीसाईज़ किया और श्री बलरामजी दास टंडन ने सरदार गुरनाम सिंह को क्रिटीसाईज़ किया, मैं समझता हूं कि उन्होंने अपने अपने मकसद को सामने रखते हुए ऐसा किया। जहां तक हकीकत का सवाल

[कामरेड राम प्यारा]

है, किसी इलाके को ऊपर उठाने का सवाल है, जहां तक किसी इलाके को डिवैल्प करने का सवाल है हम उस हकीकत को भूल जाते हैं। हम ने अपने स्यासी अगराज़ की खातिर कई दफा रैज़ोल्यूशन लाए हैं, कई दफा इस के खिलाफ बोले हैं। कई दफा हक में बोले हैं। अगर हकीकत को सामने रखें तो सोचना पड़ेगा कि हरियाणे की डिवैल्पमेंट किस तरह से की जाए। जहां तक सरदार गुरनाम सिंह ने कहा कि डिवैल्पमेंट स्यासी ताकत के बिना नहीं हो सकती, मैं उन से इत्तफाक रखता हूं कि स्यासी ताकत के बगैर डिवैल्पमेंट नहीं हो सकती। अगर हम यह समझें कि पंजाबी रिजन ने जो तरक्की की है वह स्यासी ताकत की बिना पर की है और गौर से देखा जाए तो स्टेट में अमृतसर और जालन्धर के ज़िले हकूमत करते हैं और होशियारपुर और फिरोज़पुर वाले रोज़ यहां पर चीखते रहते हैं। अगर हिन्दी रिजन को देखा जाए तो मैं यह कहता हूं कि पंजाबी रिजन वालों का हिन्दी रिजन कालोनी है और हिन्दी रिजन में से भी रोहतक और गुड़गांव उस की कालोनी बन जाता है। हिन्दी रिजन को जो कुछ भी मिलता है वह सब रोहतक वाले ले जाते हैं और दूसरों को बहुत कम मिलता है। इस से यह बात साफ ज़ाहिर है कि पंजाबी रिजन के मुकाबले में अगर स्यासी ताकत ले ली जाए तो सारा हिन्दी रिजन डिवैल्प हो जाएगा या स्यासी ताकत की बिना पर सारा पंजाबी रिजन डिवैल्प हुआ है यह ठीक नहीं है। यह तो डीपैंड करता है इस बात पर कि किसी इलाके में कितनी अवेकनिंग है, कितनी जागृति है कितना पोलीटीकल प्रेशर है और मुकाबिले में जस्टीफिकेशन के लिये हम कितना लड़ सकते हैं और पोलीटीकल प्रेशर को कितना रीज़िस्ट कर सकते हैं। रीजेंट करने की ज़रूरत पड़े, एजीटेशन करने की ज़रूरत पड़े तो वह भी कितनी कर सकते हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, जहां तक हरियाणा के अनडिवैल्प होने का ताल्लुक है श्री जगन्नाथ जी ने बड़ी खूबसूरती के साथ, सर्विसिज़ के बारे में सैक्रेटेरियेट में हाई कोर्ट में, और दूसरे तमाम ओहदों के बारे में ज़िक्र किया है। वे बिल्कुल जस्टीफाईड हैं, उन की ताईद करने की ज़रूरत है, ताईद ही नहीं बल्कि बड़े ज़ोर से कहने की ज़रूरत है। क्योंकि पंजाबी रिजन वालों के पास कुछ ताकत थी उस के कारण उन्होंने जगह जगह पर नाजायज़ फायदा उठाया। मिसाल के तौर पर अमृतसर और गुरदासपुर से बहुत से आदमी ले जाकर करनाल में बैठा दिये गये। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या करनाल के गरीब आदमी को ज़मीन नहीं चाहिये, क्या वहां पर लैंडलैस नहीं बसते, क्या वहां पर इजैक्टिड मुज़ारे नहीं हैं? लेकिन गुरदासपुर और अमृतसर वालों के पास ज़ोर था उन्होंने ज़ोर डाल कर फायदा उठा लिया। जब अमृतसर और गुरदासपुर के इज़ला में फ्लड्ज़ आए तो दोनों इज़ला के स्कूलों के बच्चों की फीस माफ कर दी गई। लेकिन रोहतक और करनाल में जब फ्लड्ज़ आए तो मैम्बर साहिबान इस हाउस में चीखते रहे लेकिन वहां के बच्चों की फीस नहीं माफ की गई। दोनों इलाकों में फ्लड्ज़ आते हैं लेकिन एक इलाके में तो फीस माफ की जाती है और दूसरे में नहीं की जाती। आज यहां पर बलरामजी दास टंडन बोलते हैं, सरदार गुरनाम सिंह बोलते हैं लेकिन मुझे याद है कि सरदार प्रताप सिंह के वक्त में किसी को खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी। जब भी यह उठते थे तो वह कहता था कि सरदार गुरनाम सिंह मुझे पता है कि आप क्या कर रहे हैं तो यह चुप हो जाते थे। श्री बलरमजी दास को भबकी देता था तो वह चुप

हो जाते थे। मैं ने यहां पर आपोज़ीशन वालों पर इल्ज़ाम लगाया था कि वह छाती पर हाथ रख कर कह दें कि क्या रात के बारह बजे जा कर वे अपना काम नहीं करवाते तो बहुत सारों को ऐसा कहने की हिम्मत नहीं पड़ती थी। हम बोलते बहुत हैं लेकिन पोलीटीकल अग्राज़ के लिये। मैं कहता हूं कि पोलीटीकल अग्राज़ को छोड़ो और जस्टीफिकेशन के पीछे पड़ो। अगर पंजाबी रिजन की मांग जायज़ है तो उस की ताईद करनी चाहिये और अगर हिन्दी रिजन वालों की मांग जायज़ है तो उस की ताईद करनी चाहिये। अगर बजट में तीस करोड़ पंजाबी रिजन वालों के लिये रखा जाता है और तीस करोड़ ही हिन्दी रिजन के लिये रखा जाता है तो गवर्नमेंण्ट का फर्ज़ है और एम. एल. ए. साहिबान का फर्ज़ है कि हम देखें कि क्या कारण है कि हिन्दी रिजन में स्कीम्ज़ की एक्सीक्यूशन क्यों नहीं होती, उस की डिवलपमैंट क्यों नहीं होती। अगर पंजाबी रिजन वाले ही तरक्की करते जाते हैं और हिन्दी रिजन वालों की तरक्की नहीं होती तो गवर्नमैण्ट की सिनसेरीटी डाउटफुल है और डाउट करता हूं। आखिर क्या वजह है कि पंजाबी रिजन की सारी स्कीम्ज़ तो इम्पलीमेंट हो जाती है लेकिन हिन्दी रिजन की नहीं होती, बहुत कम इम्पली-मेंटेशन होती है यहां तक कि रुपया लैप्स हो जाता है अगले साल फिर वही प्रोजैक्ट सामने आ जाता है और गवर्नमेंट बड़े फख्र से कहती है कि हम ने इतनी भारी रकम हरियाणा की डिवैलपमेंट के लिये रखी है। लेकिन गवर्नमेंट को यह भी सोचना चाहिये कि कितनी दफा रुपया बजट में रखा हुआ लैप्स हुआ है। मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि करनाल-काछवा रोड 1964 में मंजूर की गई थी पहले बजट में 20 हज़ार रुपया के करीब रकम रखी गई। वह लैप्स हो गई। दूसरी बार दस हज़ार रुपया रखा गया वह भी लैप्स हो गया फिर सतरह हज़ार रुपया मंजूर किया गया लेकिन रोड को मुकम्मल नहीं किया गया। इस लिये मैं कहता हूं कि गवर्नमैण्ट जो एशोरेंसिज़ हरियाणा के बारे में देती है इस लिये नहीं देती कि इस की नीयत ठीक हो गई है बल्कि इस लिये कि हरियाणा में अवेकनिंग आ गई है। वह महसूस करते हैं कि उन्हें अपना हक नहीं मिल रहा है। उन्होंने गवर्नमैण्ट को झंझोड़ना शुरू किया है। गवर्नमैण्ट ने खतरा महसूस किया है इस लिये उस ने लिप सिम्पथी शुरू कर दी है। इसी तरह से करनाल में इन्दरी एस्केप पुल बनाने के लिये 1962 में तीस हज़ार रुपया मंजूर किया गया था लेकिन आज 1966 हो गया है और वह पुल अभी तक नहीं बना। क्या पंजाबी रिजन में भी ऐसी बातें होती हैं? क्या वहां पर भी कोई प्रोजैक्ट चार साल तक रुका रहा और नहीं बन सका। मैं यह बात नहीं मान सकता। जहां हम पंजाबी रिजन वालों से गिला करते हैं वहां पर मुझे हिन्दी रिजन वालों से भी गिला है क्योंकि अगर उन में रीजिस्ट करने की ताकत होती, फाईट करने की ताकत होती, हम इशारों पर न बैठ जाया करते, लालच में न आ जाते तो कभी भी इतनी दुर्गति न होती। इस लिये मैं समझता हूं कि अगर हम चाहते हैं कि हिन्दी रिजन की डिवैलपमेंट होती हमें यह देखना होगा कि पंजाबी रिजिन का कोई आदमी हरियाणा में इंडस्टरी कायम न करे वहां पर उस को कोई कोटा न मिले। यह नाम तो लेते हैं हिन्दी रिजन को डीवैल्प करने का लेकिन होता क्या है कि अमृतसर के किसी अमीर आदमी को सोनीपत में इंडस्टरी लगा देते हैं किसी को कोटा देते हैं। वह तो पंजाबी रिजन वालों की ही तरक्की होती है हिन्दी रिजन वालों की नहीं। पंडित मोहन लाल मिनिस्टर थे उन्होंने अपने ज़िले के आदमियों

[कामरेड राम प्यारा]

को करनाल में भट्ठे दे दिये। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमारा इलाका डिवैल्प नहीं होता। यह अपने आदमियों को ही डिवैल्प करते हैं। यह अंदर खाते उन से पत्तियां लेते हैं इन का उस बिज़नेस में हिस्सा होता है। जब गवर्नमेंट किसी प्रकार की एशोरेंस देती है तो उसको इस बात का ध्यान रखना होगा कि पंजाबी रिजन से आदमी ला कर वहां पर बैठाने की ज़रूरत नहीं है बल्कि उसी इलाके के आदमियों की हालत में सुधार करने की ज़रूरत है। उसी इलाके के आदमियों को इंडस्टरी मिलनी चाहिये। यह बात कभी इगनोर नहीं की जा सकती। जिस वक्त 1940 में कुछ लोग पोलीटिकल बिना पर जेल गए तो उस वक्त भाव बहुत ज्यादा बढ़ गए। जो लोग बाहर थे उन्होंने खूब कमाई कर ली जिन का दस हज़ार रुपये का इसासा था उन्होंने एक लाख तक अपना इसासा बना लिय अगर यह ख्याल किया जाए कि उस इसासे वाले का लड़का और मेरा लड़का दोनों एक ही तरह से कामयाब हो जायेंगे तो यह नामुमकिन बात है। यह तो हो सकता है कि अकलम और मेहनत में मेरा लड़का उससे आगे बढ़ जाए लेकिन ट्यूशन की फैसिलिटी बिजली के पंखे की, रैफ्रीजिरेटर की और कूलर वगैरा की फैसिलिटीज़ जो एक के पास हैं वह दूसरे के पास नहीं हैं। एक वक्त था जब कि पंजाबी रिजन के एक हिस्से ने अंग्रेज़ों की मदद की थी इसलिये वह उन के राज्य में पूरी तरह से डिवैलप हो गया और चूंकि 1857 में हरियाणा के लोगों ने अंग्रेज़ों के खिलाफ बगावत की थी इस कारण सज़ा के तौर पर अंग्रेज़ों ने उस इलाके के टुकड़े टुकड़े कर दिये। उस के टुकड़े करके उन इलाकों को अलग अलग कर दिया ताकि उन में फिर सिर उठाने की हिम्मत न रहे। आज़ादी के लिये लड़ाई लड़ने की उन को उस वक्त यह सज़ा मिली। तो मैं पूछता हूं कि क्या आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने की सजा उन के लिये आज तक भी जारी रहेगी। पिछले दिनों तक हरियाणा में कुछ ऐसे गांव थे जहां पर डब्ल मालिया की सज़ा आज तक कायम रही थी। अठारह साल तक गवर्नमेंट भूली रही कि हिन्दी रिजन को सैटिस्फाई किया जाए उस को डिवैल्प किया जाए, उसे इंडस्ट्रियलाईज़ किया जाए, वहां पर ऐग्रीकल्चर को फरोग दिया जाए। अगर यह कहा जाए कि करनाल ज़िला में चावल पंजाब में सब से ज्यादा होता है तो मैं समझता हूं कि इस के लिये गवर्नमेंट का कोई क्रैडिट नहीं। जो लोग पाकिस्तान से उजड़ कर आए यह उन के परिश्रम का नतीजा है। उन को पैडी ग्रोइंग का बहुत बड़ा तजरुबा था और इस के अलावा कुछ ज़मीन वाटर लाग्ड हो गई जिस की वजह से वहां पर पैडी की पैदावार ज़्यादा होने लगी।

एक बात मैं हिन्दी रिजन के लैजिस्लेटर्ज़ और पालेटीशन्ज़ से कहूंगा कि वह इस बात को भूल जाते हैं कि उधर पाकिस्तान से आए हुए डिस्प्लेस्ड पर्सन्ज़ भी हिन्दी रिजन में सैटल हुए हैं। जब वह इस रिजन की बात करते हैं तो इन डिस्प्लेन्ज़ पर्सन्ज़ को वह हरियाणा में नहीं गिनते। मैं कहूगा कि जब वह यहां पर आकर सैटल हो चुके हैं तो वह भी हरियाणा के हैं। उन को भी इस धरती से उतना ही प्यार है जितना उन को हैं। उन के हक भी उतने ही हैं। इसलिए जब वह हिन्दी रिजन की बात करते र तो उसमें उन डिस्प्लेस्ड पर्सन्ज को भी शामिल करके बात किया

करें जो कि यहां पर आकर सैटल हुए हैं । अगर वह ऐसा करेंगे तो उन की ताकत और भी ज़्यादा हो सकती है और इस तरह से ज़्यादा सख्ती के साथ, ज़्यादा मजबूती के साथ मिनिस्टरी को, हकूमत को झकझोरा जा सकता है । हिन्दी रिजन की डिवैलपमेंट कराने का यह भी एक बहुत बड़ा तरीका है । (घंटी )

एक बात कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की बाबत आई । मैं इसे उस लाइट में नहीं और लाइट में लूंगा । वहां पर जो स्टूडेंटस की एडमीशन है, मेरी इत्तलाह के मुताबिक अगर देखा जाए तो हिन्दी रिजन के सिर्फ दस परसेंट लड़के ही वहां पर पढ़ते हैं । बाकी बहुत से पंजाबी रिजन के ही हैं । वहां पर जो बड़े बड़े हाकिम बैठे हुए हैं वह हिन्दी रिजन के लड़कों को वहां पर दाखिल होने से डिस्करेज करते हैं और पंजाबी रिजन के लड़कों को एनकरेज करते हैं। कभी कहते हैं कि उन को स्पोर्टसमैन होने के नाते ले लो । अगर स्पोर्टसमैन के नाते उन को लेना है तो क्या पटियाला और जालन्धर में उन को नहीं लिया जा सकता ? यहां कुरुक्षेत्र में ही उन को क्यों दाखिला दिया जाता है ? हमें इस बात का गिला नहीं कि वह क्यों आगे न बढ़े । हमें इस बात की कोई शिकायत नहीं । शिकायत सिर्फ इस बात की है कि जब वह आगे बढ़ रहे हैं, तरक्की कर रहे हैं तो जो भी यूनिवर्सिटी है, जो इन्स्टीच्यूशंज हैं, जो सस्थाएं, जो स्कूल और कालेज हरियाणा में है चाहे वह पंजाबी रिजन के मुकाबिला में निहायत कम हैं —कम अर्ज़ कम वहां पर तो हरियाणा के लोगों के बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा मौके मिलने चाहिएं । (घंटी)

डिप्टी स्पीकर साहिबा, ज़्यादा वक्त नहीं लूंगा लेकिन इस के साथ ही साथ एक बात का और ज़िक्र किए बगैर नहीं रह सकता और वह यह कि गवर्नमेंट के अपने रिकार्ड में है कि सारे ज़िला अमृतसर में इतने गांव इलैक्ट्रिफाई हो चुके हैं कि जितने सारे हरियाणा में नहीं हुई हैं । इस के अलावा आप इन्डस्ट्रीज़ को लें लें गर्ज़ कि किसी चीज़ को ले लें । हालत यह है कि उस इलाके में सड़कें बनाई गई नहरें बनाई गई बिजली भी आ गई । अब हमारे सामने उस सम्बन्ध में जो बजट में आईटम आती है वह उन के मेनटेनैंस की बाबत आती है कि उस के लिए इतना रुपया हर साल दरकार है । मैं इस बात को मानता हूं कि जो जो डिवैलपमेंट हो चुकी है, जो जो काम शुरु किए जा चुके हैं उन के लिए मेंनटेनैंस की ज़रुरत है और उस पर लाज़मी तौर पर रुपया खर्च होना ही चाहिए । अब उन चीजों की बाबत इस लिए लापरवाह नहीं होना चाहिए कि उन की मेनेटेनैंस के लिए रुपया दरकार है । वह काम तो बदस्तूर चलना ही चाहिए लेकिन जिस बात पर मैं ज़ोर देना चाहता हूं वह यह है कि उस के साथ ही साथ जो नया बजट बनना है उसमें ज़रूरी है कि इधर के इलाकों को इन्डस्ट्रीज के तौर पर कुछ न कुछ डिवैलप किया जाए । अगर इस सम्बन्ध में गवर्नमेंट की तरफ से दी गई एश्योरैंसिज़ को देखा जाए तो डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि वायदे तो एक के बाद एक बहुत किए गए लेकिन इम्पलीमेंट नहीं किए जाते । मैं इस बात को मानता हूं कि लुधियाना ने 1933 में कलकता में जा कर होज़री के सिलसिले में जापान के साथ मुकाबिला किया था ।

[कामरेड राम प्यारा]
इस बात का मैं उन को क्रैडिट देता हूं । मैं इस बात को भी मानता हू कि जालन्धर की स्पोर्टस इंडस्टरी ने सियालकोट का मुकाबिला कर लिया है । लेकिन मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि जिस तरह उस तरफ के इलाकों ने तरक्की की है उसी तरह थोड़ा सा ध्यान इस तरफ भी दिया जाए ताकि यहां पर जो फ्रस्ट्रेशन पाई जाती है वह न हो । अगर इस तरफ के लोगों के साथ इम्त्याज़ी सलूक होता है, अगर यहां पर फ्रस्ट्रेशन आती है तो उस का असर पंजाबी रिजन के लोगों पर भी पड़ सकता है । जो कैबिनेट के अन्दर हरियाणा के मिनिस्टर रहे है या जो इस वक्त हरियाना के इलाके से गवर्नमेंट के मिनिस्टर है उन पर इस बात की खास तौर पर ज़िम्मेवारी आती है और मैं कह सकता हूं कि हरियाना के मनिस्टरों ने अपने आप को सन् 1957 से लेकर आज तक, जो हमारा तजरुबा है, इन दी इन्ट्रैस्ट आफ हरियाना बिल्कुल जस्टीफाई नहीं किया । इसलिए पंजाब गवर्नमेंट के खिलाफ ऐज सच तो बेशक इस इलाका की रीसैन्ट-मेंट कम होगी लेकिन इन मनिस्टरों के खिलाफ जो कि हरियाना के होते हुए भी उन के इन्ट्रैस्टस को सेफगार्ड नहीं कर पाए, उन के खिलाफ अज़हद शिकायत का मादा पाया जाता है । यहां तक कि जो जो महकमें उन के पास रहे हैं या हैं उन महकमों से मुताल्लिक भी उन्होंने अपने इस पिछड़े हुए इलाकों की तकालीफ को दूर करने की कोशिश नहीं की है । (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहिबा, यहां पर दोस्तों ने मुख्तलिफ ढंग से इस चीज़ को ऐक्स्प्लायट करने की कोशिश की है । मैं इसे ऐसे ढंग से ऐक्स्प्लायट करना पसन्द नहीं करता । किसी ने पंजाबी सूबा के नाम को लेकर स्यासी अगराज के मातहत बात की, किसी ने हिन्दी रिजन का नाम लेकर बात की । लेकिन मैं इन सभी बातों को छोड़ कर यही कहूंगा कि हर एक एरिये की डिवैलपमेंट इन दी इन्ट्रैस्ट आफ दी पीपल होनी चाहिए और यह आन दी बेसिज़ आफ जस्टीफिकेशन, राईटस एंड प्रिविलेजिज़ होनी चाहिए । आप का शुक्रिया ।

**उपाध्यक्षा :** कामरेड जंगीर सिंह जोगा ।

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप उधर से ही बुला रही हैं । इधर से भी बुलाइए ।

**उपाध्यक्षा :** गौतम साहिब, आप बैठ जाइए । (The hon. Member Shri Gautam may resume his seat.)

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम :** यह क्या बात है । आप इधर से भी बुलाइए ।

**उपाध्यक्षा :** श्री गौतम, मैं कहती हूं कि आप बैठ जाइए। (Shri Gautam may please sit down.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** (ਤਲਵੰਡੀ ਸਾਬੋ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਿਹੜਾ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਭਾਵ ਬੜਾ ਨੇਕ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮਤੇ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਮਤਾ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਹੈ ਔਰ ਅਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਉਹ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਅਸੀਂ ਵੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਛੋਟੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਹੈ ਉਹ ਉਤਨਾ ਚਿਰ ਵਧ ਫੁਲ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ ਜਦ ਤਕ ਕਿ "ਬਿਗ ਇੰਡਸਟਰੀ" ਨਾ ਹੋਵੇ । ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਗਲ

ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਤੀਜਾ ਪਲਾਨ ਖਤਮ ਹੋ ਕੇ ਹੁਣ ਚੌਥਾ ਪਲਾਨ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਵਡੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਤੋਂ ਹੁਣ ਤਕ ਵਾਂਝਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕੋਈ ਵੀ ਵੱਡੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨਾ ਇਥੇ ਲਗੀ ਹੈ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਲਗੇਗੀ। ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਚਾਹੇ ਹਿੰਦੀ ਏਰੀਆ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਪੰਜਾਬੀ ਏਰੀਆ ਹੈ, ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਬਾਰੇ ਸਾਰੇ ਦਾ ਸਾਰਾ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਥੇ ਬੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਜਾਂ ਬਿਜਲੀ ਪੰਜਾਬੀ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਔਰ ਹਰਿਆਨੇ ਵਿਚ ਘਟ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਦਸ ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਪੈਪਸੂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਮਰਜ ਹੋਏ ਨੂੰ ਪਰ ਮੈਂ ਦਾਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਅਦਾਦੋ ਸ਼ੁਮਾਰ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਬਠਿੰਡੇ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ 1.8 ਫ਼ੀਸਦੀ ਬਿਜਲੀ ਗਈ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਰੋਹਤਕ ਵਿਚ 6.7 ਫੀ ਸਦੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨਾਲ ਵਿਚ 5.7 ਫੀ ਸਦੀ ਬਿਜਲੀ ਹੈ। ਇਥੇ ਪਾਣੀ ਬਾਰੇ ਵੀ ਬੜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਚਲੀਆਂ। ਪੈਪਸੂ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ 3.5 ਕਿਊਸੈਕਸ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸਿਰਫ 2.04 ਕਿਊਸੈਕਸ ਪਾਣੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕੀ ਇਹ ਵੇਖਣਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ? ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਕਿਹਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ—ਰੋਹਤਕ ਔਰ ਕਰਨਾਲ ਵਿਚ 3.5 ਕਿਊਸੈਕਸ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹੋਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਵੀ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਂ ਹਿੰਦੀ ਰਿਜਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ। ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਇਲਾਕੇ ਪਿਛੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਵੈਲਪ ਕਰਨਾ ਹੈ।

ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਵੀ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਵਾਸਤੇ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਹੋਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ ਤਾਂ ਸਾਡੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਬੋਲਦੇ ਅਤੇ ਲਿਖਦੇ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਾਂ। ਜਦ ਤਕ ਉਹ ਬੋਲੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਵਰਤੋਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆਈ ਜਾਂਦੀ, ਉਸ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ, ਤਦ ਤਕ ਸੂਬੇ ਦੀ ਤਰਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਤੁਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹੋ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਦਫਤਰਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤੋਂ ਸਿਰਫ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਹੈ। **ਜਾਲੰਧਰ** ਦੀ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਨੇ ਇਸ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਸੋ ਜ਼ਹਿਨੀਅਤ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਬਣ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਅੜਚਨਾਂ ਪਾਈਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ।........

*(No Quorum)*

**उपाध्यक्षा** : गर्ग साहिब, मुझे बड़ा अफसोस है कि आप कोरम नहीं रख सकते, बार बार घंटी बजानी पड़ती है। (Addressing the Chief Parliamentary Secretary : Shri Garg I regret to find that you have failed to maintain a quorum in the House. I have to ring the bells time and again.) (Quorum Bells were rung and the quorum was complete.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਹ ਸਾਡੀ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਸਲੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਅਜ ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਕਮਜ਼ੋਰ ਮਨਿਸਟਰੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਆਪਣਾ ਇਤਫ਼ਾਕ ਨਹੀਂ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਡਰਪੋਕ ਮਨਿਸਟਰੀ ਹੈ। ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਜੋ ਜੰਗ ਹੋਈ ਉਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ, ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ ਬਹਾਦਰੀ ਦਿਖਾਈ ਅਤੇ ਨੁਕਸਾਨ ਵੀ ਝੱਲਿਆ। ਸਾਡੀ ਇਨਡਸਟਰੀ ਦੀ ਹਾਲਤ ਖਰਾਬ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਮਨਿਸਟਰੀ ਇਸ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ, ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ

[ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ]

ਤੋਂ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕੀ । (ਵਿਘਨ) ਤੁਹਾਡੇ ਵਿਚ ਜੁਰਅਤ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਹੱਲ ਲੱਭੋ । ਤੁਸੀਂ ਗੱਦੀਆਂ ਦੀ ਖਾਤਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰਕਰਮਾ ਕਰਦੇ ਹੋਵਰਨਾ ਪੰਜਾਬ ਵੀ ਬਿਹਾਰ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸੂਬਿਆਂ ਵਰਗੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿਚ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਰਖਦਾ। ਕਾਂਗੜਾ ਬੜਾ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਉਥੇ ਸਭ ਕੁਝ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਉਥੇ ਦੇ ਲੋਕੀ ਹਾਲੇ ਵੀ ਇਧਰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਰੋਟੀਆਂ ਪਕਾਉਂਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬੁਰੀ ਹਾਲਤ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਜਲਦੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਚੌਧਰੀ ਰਨਬੀਰ ਸਿਘ ਜੀ ਬੈਠੇ ਹਨ । ਇਹ ਪੀ. ਡਬਲਿਊ. ਡੀ. ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਹਨ । ਇਹ ਦਸਣ ਪੈਪਸੂ ਟੁੱਟਣ ਮਗਰੋਂ ਬਠਿੰਡੇ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੀ ਸੜਕ ਬਣੀ ਹੈ, ਕੋਈ ਕਾਰਖਾਨਾ ਲਗਿਆ ਹੈ । ਬਿਜਲੀ ਤਕ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ । ਇਹ ਜੋ ਹਰਿਆਣੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਮੋਟਿਵ ਨਾਲ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸਾਡੀ ਗਲ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਮੋਟਿਵ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਆਪਣੀ ਸਾਫ ਰਾਏ ਦਸਦੇ ਹਾਂ । ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ........

(Comrade Jangir Singh Joga was still on his legs when the House rose for the day.)

2.00 p.m.

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਦਨ ਸੋਮਵਾਰ, 21 ਤਾਰੀਖ ਦੋ ਵਜੇ ਤਕ ਸਥਗਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । (The House stands adjourned till 2.00 P. M. on Monday, the 21st February, 1966.)

*(The House then adjourned till 2.00 p. m. on Monday the 21st February, 1966.)*

---

8675 PVS.—384—19-8-66—C., P. & S., Pb., Chd.

## APPENDIX

TO

## P. V. S. DEBATES, VOL. I, No. 3, DATED THE 17TH FEBRUARY, 1966.

---

**Audit of Accounts of Sugar Mills.**

**3145. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the accounts of the Co-operative Sugar Mills in the State, for the year 1964-65, were checked and audited, if so, the details of profit and loss and the irregularities, if any, detected, mill-wise, be laid on the Table of the House ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : The accounts of the Co-operative Sugar Mills, Rohtak, Panipat, Bhogpur and Morinda have been audited, while the accounts of Nawanshahr and Batala Mills are under audit.

| | Profit (+)/Loss (—) |
|---|---|
| Rohtak | + 8, 76, 892.26 |
| Panipat | + 23, 91, 426. 11 |
| Bhogpur | —9, 22, 099. 22 |
| Morinda | —56, 199. 26 |

The irregularities pointed out in the audit reports are of general nature and the items are large in number. To tabulate them will not be commensurate with the time and labour involved.

---

**MEMORANDUM SUBMITTED BY THE PUNJAB ROADWAYS WORKERS UNION**

**3150. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state whether he received any Memorandum/Memoranda from the Punjab Roadways Workers Union during the year 1965-66 to date regarding their demands ; if so, the details of the action taken so far to meet their demands and a copy/ copies of the Memorandum/Memoranda mentioned above be laid on the Table of the House ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** :

(i) Yes.

(ii) A statement is laid on the Table of the House.

## ACTION TAKEN ON THE MEMORANDUM, DATED 18th JUNE, 1966

### 1. Implementation of Transport Workers Act / Rules framed thereunder

(a) The Department has now proposed some amendments in these Rules in clauses 9 (Rest Rooms), 10 (Uniforms), (15 Daily) intervals for rest), 16 (spread over 17 (Split duty), 19 (Weekly rest), 20 (Compensatory Rest) 26 (Extra wages for overtime etc.). These amendments are against the interests of the workers, and should not be allowed to make.

The Motor Transport Workers' Act has been enforced in the Punjab Roadways with effect from 23rd January, 1965, subject to sections 15, 16, 17 & 19 about which relaxation is being sought from the Government in the Labour Department.

(b) The implementation of Canteen, Medical facilities, Rest Rooms, etc., in the Transport Workers Act, has been ignored in the Rules,. Special Notification may kindly be issued for these facilities

Retiring rooms have been provided at most of the terminii. Arrangements are being made to cover the remaining stations.

(c) Individual Control Book/Duty Cards may kindly be issued to the operational staff to record their duty hours, overtimes, etc., as agreed upon by the Deputy Transport Controller in the presence of the Deputy Labour Minister, on 22nd April, 1964, for providing the same within 4 weeks. Now 8 weeks are over nothing has been done.

Individual Control Books and Overtime Registers have since been introduced.

### 2. Implementation of Bonus Ordinance in the Public Sector

The recommendations of the Bonus Commission, 1964, Chaper XVIII, clause 18.8 (as contained on page 89 of the Report) may kindly be enforced in the Public Sector (run by the Department) since the Punjab Roadways fully comply with the three conditions prescribed in the report, namely:—

(i) The establishment should be at least 6 years old.

(ii) Margin of profit should be at least 20 per cent.

(iii) It should be competing the private sector and should be running like that and the nature of service should be just as that of private Sector.

It may be submitted for your information that Shri Rizak Ram, the Hon'ble Labour Minister, in the Punjab Council announced on 30th April, 1965 that Punjab Government has recommended that this report of the Bonus Commission should be implemented on the Punjab Roadways Workers too.

Government have sanctioned *exgratia* grant at 4 per cent of wage bill, for the years 1964-65 & 1965-66 to all categories of employees including the supervisory staff but excluding the ministerial staff at Headquarters.

### 3. National Wage Board for Transport Workers

The Wage Board for Transport Industry is much needed when the transport workers of the country are covered under one 'Motor Transport Workers Act of 1961". Just as this Act of 1961 is applicable throughout the country on all transport workers, similarly there should be one National Wage Board for Transport Workers of the whole country and the wage rates should be uniform.

The question of establishment of National Wage Board for transport workers will be taken up after the emergency is over.

(a) It is also further brought to your kind notice, that the minimum wages of transport workers were fixed in 1948. Since then the prices of all the commodities have arisen considerably. No doubt after that it has been revised twice. But the grades have not been upgraded according to the present timings.

(b) Our minimum wages should be fixed according to the recommendations of the 15th Labour Conference.

(c) Minimum Wages Committee should be empowered to fix the upgrading pay scales in the industry.

(d) These wages should be linked with the cost of living index at Re 1 per point in its raise.

### 4. Transport Tripartite Committee Decisions

With a view to solve the dispute in the Transport Industry in the State, the Punjab Government set up a TRIPARTITE COMMITTEE, in the year 1960. The decisions arrived at in the year 1961, these were applicable for 5 years, i.e., upto 1965. But it is a matter of great regret that we have been repeatedly requesting the authorities concerned to implement the above-said decisions upon us, and in spite of our hue and cry, this has not been done.

It may be submitted that as per decisions arrived at in the 20th Indian Labour Conference, it was decided that the decisions arrived at by the Tripartite Committee in the different States will be made applicable in the private and public Sectors both equally.

Most of the decisions of the Tripartite Committee have been implemented except the workers participation in the management. The Department is opposed to the participation and have candidly expessed view on this subject in the Committee's meeting.

### 5. Fines

In certain cases operations staff are fined for no fault of theirs, and entirely on account of shortcomings of the irregularities and illegalities of the Department, like incomplete Registration Permits, back-lights, Speedmeters not working, electric bell not in working order, First-aid Box incomplete, and other defects, etc. Operational staff is heavily fined and has to pay huge amount from personal pocket. It is, therefore, requested that such like challans may be defended by the Department and the fines should be paid at the spot by the Department.

Transport Secretary has been delegated powers to allow reimbursement of fines & upto Rs 25. Reimbursement cases are being dealt with very prompthy.

### 6. Stitching Charges of Uniforms

We are not getting stitching charges for our Uniforms anything, for the last several years. On 31st December, 1964 the Deputy Transport Controller (T&C) agreed in writing that one of the following conditions will be levied upon us:—

(a) Either we shall be paid according to the stitching charges rates as given to Pepsu Road Transport Corporation; or

(b) The Department will enlist tailors for stitching Uniforms departmentally ; or

(c) The rates which are prevailing in the Gandhi Vanita Ashram, will be given to us.

The learned Deputy Transport Controller promised that one of the above-said terms will be implemented upto 10th February, 1965, finally. But so far nothing has been done.

Stitching charges of uniforms are being paid according to the ceilings of costs fixed for various categories of uniforms.

### 7. Rest Rooms for Drivers/Conductors on Bus Stands

There is no facility provided at the Bus Stands for taking rest of the Drivers/Conductors during intervals of the trips. Separate room, with other facilities of electric fan, charpoy, and light, etc. may be arranged on all Bus Stands.

The position regarding provision of rest rooms for drivers/ conductors has been explained in (b) above.

(b) Similarly, in workshops, where 200/300 staff work, there is no rest room provided at the workshop. It is requested that in all the workshops, rest rooms facilities as submitted in para (a) above may kindly be provided for the workshop staff.

(c) Canteen arrangements in the offices are unsatisfactory. These are mismanaged. Dirty commodities are provided at exorbitant rates as compared to the general market. There is not adequate furniture in most of the Canteens. It is requested that the Canteens should be run on Co-operative basis NO LOSS/NO PROFIT basis in the better interests of the health and pocket of the workers.

**8. Travelling Allowance/Overtime/other Dues**

The Travelling Allowance, Overtime arrears of pay and other dues of the workers should not be delayed for more than one month. Last month's arrears should be cleared by the 22nd of the next positively.

It has already been decided that payment of Travelling Allowance and overtime Allowance may be made by the 25th of the month following the incidents. The General Manager, Punjab Roadways have again been instructed to observe that date punctually.

**ACTION TAKEN ON THE MEMORANDUM DATED 17TH NOVEMBER, 1965**

**1. Implementation of Transport Workers Act**

This act was passed by the Parliament in 1961, while Rules thereunder were framed by the State Government in 1963. Although a period of about 2½ years is over, the provisions of these Rules have not been implemented in the Punjab Roadways, in spite of our repeated requests. The following items of these Rules may very kindly be implemented immediately :—

(a) Issue of Individual Control Book ;

(b) Payment of Washing Allowance to the Workshop Staff, and supply of Chappals;

(c) Calculation of overtime of the operational staff, under Section 17 of the Act.

(d) Providing Rest Rooms at various Headquarters for the operational staff, for rest and night stay at different stations.

(a) The position regarding Individual Control Books and Overtime Allowance Registers has been explained under item 1(c) of memorandum, dated 18th June, 1965.

(b) Instructions have already been issued for payment of Washing Allowance and supply of Chappals to the General Managers, Punjab Roadways.

(c) Regarding section 17, a reference is being made to the Government in the Labour Department.

(d) Retiring rooms have been provided at most of the terminii and arrangements are being made to cover the remaining stations.

**II. Implementation of Bonus Commission Recommendations**

On the basis of the recommendations of the Bonus Commission, the Government has framed "The payment of Bonus Act, 1965". The following provisions of this Act, may kindly be implemented in the Punjab Roadways :—

(1) Section 20, *Vide* this Section, this Act has been made applicable in "Public Sector" (i.e. Punjab Roadways).

The position regarding payment of bonus has already been explained in item 2 of memorandum, dated 18th June, 1965.

### III. Reimbursement of Fines

| Demand | Reply |
|---|---|
| On 31st December, 1964, it was agreed by the Deputy Transport Controller (T & C), that upto 31st January, 1965, the reimbursement of fines will be started. Nothing has been done so far. | The position regarding reimbursement of 'fines is the same as explained in item 5 of memorandum dated 18th June, 1965. |

### IV. Uniforms

| Demand | Reply |
|---|---|
| (a) Uniforms are not being supplied in time. Although winter season has already set in, no Uniform (warm) for the year 1965 has been provided. | (a) Uniforms in most cases have been supplied. |
| (b) Cashiers and Assistant Cashiers may kindly be supplied uniforms seasonwise, like Booking Clerks and Storekeepers, since the nature of duty is almost similar. | (b) The question regarding supply of uniforms to Cashiers Assistant Cashiers is under examination. |
| (c) Stitching charges may kindly be given as per agreement with the Deputy Transport Controller (T&C), dated 31st December, 1964. | (c) The position regarding stitching charges has been explained in item 6 of memorandum dated 18th June, 1965 |
| (d) The price allowed for Jersy for workshop staff is Rs. 15 only which is too meagre. No Warm Jersy is available in the market for this amount. Its price may be fixed Rs. 25. | (d) In most cases Jersies have been issued within the sanctioned dated amount. |

### V. Penalty of Conductors for Loss of Tickets

| Demand | Reply |
|---|---|
| (a) The Court of Shri R.S. Sood, Sub-Judge, 1st Class, Jullundur, in the case of Shri Prem Chand, Conductor Vs. Punjab State, ordered that penalty for loss of tickets may be fixed equivalent to the printing charges of the tickets and not on the value of the tickets. This decision may kindly be implemented in the Roadways. | The case regarding penalty on Conductors for loss of tickets is under consideration. |
| (b) Those Conductors who have instituted appeals before the P.T.C. against the heavy penalty imposed by the General Managers of Punjab Roadways, on this account, the recovery proceedings from their respective salaries may kindly be ordered to be stayed. | |

### VI. Difference of Pay to the Army Reservists

| Demand | Reply |
|---|---|
| (a) Those Military Reservists who were called by the Army in 1962, during Chinese aggression, the difference of pay has not so far been paid to them by the Punjab Roadways, so far. | (a) In most of the cases difference in pay to army Reservists has been paid. |
| (b) All those Reservists were not given good work reward, and they have not been paid, although they were specially entitled to this reward because of their duties for the National Cause in the Army. | (b) The matter regarding cash rewards is under consideration. |

### VII. Recovery of Leave Salaries on Medical Grounds of the Workshop Staff

| Demand | Reply |
|---|---|
| The workshop Staff is governed by the employees State Insurance Corporation. Recoveries of leave salaries on Medical grounds in their cases may not be made. They may kindly be allowed the same benefits as heretofore. | The issue regarding payment during sick leave is under consideration. |

### VIII. Payment of Night Allowance

| Demand | Reply |
|---|---|
| To Trainees at Chandigarh during Training School, may kindly be made to them. | The issue regarding payment of Night Allowance is also under consideration. |

## IX. Provident Fund Scheme

Contribution Provident Fund Scheme is applicable in our case, and under this Scheme, the employer is responsible to make deuctions of Provident Fund from the salary of the employee who has put in 240 days' service in an establishment. This is not being done in the Punjab Roadways punctually, which may kindly be ordered.

(b) Provident Fund Accounts may kindly be got corrected from the Accountant Generals's Office, Simla, according to the actual contributions of the workers.

(a) In most of the cases provident fund deductions are being made. Others are being looked in.

(b) Instructions have been issued to all the General Managers, Punjab Roadways, to reconcile the provident fund accounts with the Accountant-General, in the company of the representative of the Union.

## X. Payment of Overtime / Travelling Allowance in Time

Overtime and Travelling Allowances are generally paid too late. Arrangements may kindly be made so that all such dues be paid to the workers by the 20th of the month.

The issue regarding payment of Overtime and Travelling Allowance has been explained in item 8 of memorandum, dated 18th June, 1965.

8675/PVS—384—26-8-66—C., P. & S., Pb., Chd.

# Punjab Vidhan Sabha Debates

*21st February, 1966*

Vol. I—No. 4

## OFFICIAL REPORT

CONTENTS

**Monday, the 21st February, 1966**



**Price :** Rs. 7[illegible] Paise.

## *ERRATA*

TO

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 4,

DATED THE 21ST FEBRUARY, 1966

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| श्री बलरामजी दास टंडन | श्री बलारमजी दास टंडन | (4)6 | 11 |
| | श्री बलारम जी दास टंडन | (4)17 | 1 |
| | श्रीबलरामरजी दास टंडन | (4)18 | 13 |
| Public | Pubiic | (4)22 | 1 |
| Minister | Minlster | (4)32 | 1 |
| | Mini er | (4)36 | 1 |
| land | and | (4)51 | 14 |
| Comrade Hardit Singh Bhathal | Comrade Hardit Siugh Bhathal | (4)58 | 1 |
| sent | sets | (4)60 | 2 |
| Singh | Signh | (4)60 | 25 |
| District | Distict | (4)66 | 3 |
| Jail | Jauil | (4)96 | 16 from below |
| Rules | ules | (4)99 | 2 |
| Speaker | Speaket | (4)99 | 6 |
| RESUMPTION | KESUMPTION | (4)99 | 19-20 |
| ਪੁੱਤਰ | ਪੱਤਰ | (4)99 | 6 from below |
| ਕੁਰਪਟ | ਕਰਪਟ | (4)104 | 21 |
| ਤਲਾਸ਼ | ਤਲਾਜ਼ | (4)105 | 11 |
| ਖੁਸ਼ਗਵਾਰ | ਖਸ਼ਗਵਾਰ | (4)105 | 18 |
| ਮੁਜਰਮਾਨਾ | ਮਜਰਮਾਨਾ | (4)107 | 9 |
| ਬੱਚੇ | ਬਚ | (4)108 | 3 |
| ਮੁਰੰਮਤ | ਮੂਰੰਮਤ | (4)109 | 23 |
| Chairmen, | Chairman | (4)109 | 8 from below |
| ਖੜ੍ਹੇ | ਖੜ੍ਹ | (4)110 | 20 |
| ਮੌਜੂਦਗੀ | ਮੌਜ਼ਦਗੀ | (4)111 | 11 |
| ਮੁਲਕ | ਮਲਕ | (4)111 | 6 from below |

P. T. O.

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| गवर्नमेंट | गवनमेंट | (4) 115 | 1 |
| सकूलां | सकलां | (4) 129 | 4 |
| इलैक्ट्रीफाई | इलैट्रीफाई | (4) 130 | last but one |
| | इलैण्क्टरीफाई | (4) 1?1 | 1 |
| रोशनी | ोशनी | (4) 130 | last |
| मौका | नौका | (4) 131 | 4 |
| चाहिए | चहिए | (4) 131 | 10 |
| डिपार्टमेंट | डिपाटमेंट | (4) 131 | 12 |
| ज़रूरी | ज़रू ी | (4) 133 | 4 from below |
| थोड़ा | थोाड़ | (4) 135 | 1 |
| ਕੀੜੀ ਦੀ ਚਾਲ ਨਾਲ | ਕੀੜੀਆਂ ਨੂੰ | (4) 139 | 3 |
| ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ? ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਇਸ ਵਕਤ ਇਕ ਕਰੋੜ 63 ਲਖ 19 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਰਕਬਾ ਹੈ ਜੋ ਹਲ ਹੇਠ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਜੋ ਇਰੀਗੇ- ਟਿਡ ਹੈ ਉਹ 76 ਲੱਖ ਏਕੜ ਹੈ। | ਕਰੋੜ 63 ਲਖ ਰੁਪਏ ਵਿਚ ਜੋ | (4) 139 | 4 |
| ਇਕਲਾ | ਇਕਠਾ | (4) 140 | 4 from below |
| ਪੰਜਾਬ | ਪਜਾਬ | (4) 140 | last but one |
| ਦੁਸ਼ਮਨ | ਦਸ਼ਮਨ | (4) 141 | 10 |
| ਹੋਇਆ | ਹਇਆ | (4) 141 | 21 |
| ਬੰਜਰ | ਬਜਰ | (4) 141 | 23 |
| ਅੰਨ | ਅਨ | (4) 141 | 5 from below |
| ਰੌਲਾ | ਰਲਾ | (4) 144 | 2 |
| ਮੰਗ | ਮਗ | (4) 146 | 18 |
| Deputy Speaker | Deputy Speake | (4) 147 | 8 from below |
| ਤਰੱਕੀ | ਤੱਕੀ | (4) 148 | 2 |
| Member | lember | (4) 148 | 4 |

# PUNJAB VIDHAN SABHA

---

**Monday, the 21st February, 1966**

---

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhavan, Sector 1, Chandigarh, at 2·00 P. M. of the Clock. Mr. Speaker (Shri Harbans Lal)* in the Chair.

---

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Bonus for Punjab Roadways Employees

***8924. Shri Balramji Dass Tandon :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state whether it is a fact that some decision has been taken by the Government to give some bonus to the employees of the Punjab Roadways ; if so, the rate at which it is proposed to be paid ; if no decision has yet been arrived at, the reasons therefor ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : The provisions of the payment of Bonus Act, 1965 do not apply to the Punjab Roadways employees, *vide* Section 32 (iv) of the Act.

**श्री बलरामजी दास टंडन:** क्या चीफ पार्लियामैन्टरी सैक्रेटरी साहिब बताएंगे कि जहां तक इस बोनस का ताल्लुक है पैप्सू रोड ट्रांस्पोर्ट कारपोरेशन ने यह बोनस देना शुरू कर दिया है है जब कि उसकी हालत पंजाब रोडवेज से अच्छी नहीं और उस को मुनाफा 50 हज़ार के दरम्यान रहता है, सिर्फ एक साल में 15 लाख हुआ था, और इस तरफ पंजाब रोडवैज का मुनाफा हर साल एक करोड़, सवा करोड़ और पौने दो करोड़ तक होता है तो पंजाब रोडवेज ने बोनस देना क्यों शुरू नहीं किया ?

**Chief Parliamentary Secretary :** Pepsu Road Transport Corporation is a statutory body. But the Punjab Roadways have introduced since 1959 an incentive scheme by whch they give 1 per cent of the total profits for the good performance of the workers every year.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** On a point of Order, Sir.

**Mr. Speaker :** What is your point of Order ?

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, my point of Order is that none of the Ministers is present in the House. May I ask you, Sir, if there is some more important business than the sitting of this August House for the Ministers and particularly during the Question Hour ? The Government is answerable to this House and I will request you, Sir, to give a ruling whether the Ministers should be here to reply to the questions put by the Members of the House ?

**श्री बलरामजी दास टंडन :** आन ए प्वायंट आफ आडर, सर। स्पीकर साहिब, आपकी तरफ से इस हाउस के मैम्बरों को एक सरकुलर दिया गया था कि ग्रुप 1 ग्रुप 2 और ग्रुप 3 फलां

[श्री बलरामजी दास टंडन]

फलां दिन को यहां पर हाज़िर होंगे और सवालों के जवाब देंगे और मेरा यह ख्याल है कि यह सारी बातें सरकार से और मिनिस्टर फार पार्लियामैंटरी अफेयर्ज़ से सलाह कर के तै हुई होंगी। तो जब मिनस्टर साहिब ने आप एग्री किया है तो फिर क्या वजह है कि मिनिस्टर कनसर्न्ड हाज़िर नहीं है ?

**श्री अध्यक्ष :** जब यह रोस्टर बनाया गया था तो मिनिस्टर फार पार्लियामैंटरी अफेयर्ज़ से बात चीत करके दोनों हाउसों के सैक्रेटरीज़ ने तै किया था और यह ठीक है और मुनासिब है कि मिनिस्टर कनसर्न्ड अपने सवालों के जवाब देने वाले हाउस में मौजूद हों लेकिन अगर मिनिस्टर मौजूद न हो तो मैं उन्हें कम्पैल नहीं कर सकता पर मैं उम्मीद करता हूं कि मिनिस्टर कनसर्न्ड को हाज़िर होना चाहिए। They should attach due importance to this House. (When this roster was prepared it was done after due consultation with the Minister for Parliamentary Affairs by the secretariats of both the Houses. It is right and proper that the Ministers concerned should be present in the House on the day fixed for answering questions relating to their departments. But if the hon. Minister does not put in his appearance on that day, then I cannot compel him, but I do feel that the Ministers concerned should be present in the House.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਇਕ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਆਬਜ਼ਰਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਦਿਨ ਸਾਰੀ ਕੈਬੀਨੇਟ ਨੇ ਹੀ ਗ਼ੈਰ-ਹਾਜ਼ਰ ਰਹਿਣਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਦਰਖਾਸਤ ਕਰਕੇ ਉਸ ਦਿਨ ਸੈਸ਼ਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਹ ਨਿਰਾਦਰੀ ਹੈ। ਅਜ ਨਾ ਇਥੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹਨ, ਨਾ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ, ਨਾ ਮਨਿਸਟਰ ਫਾਰ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਅਫੇਅਰਜ਼।

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੀ ਇਹ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਮਨਿਸਟਰ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਜਵਾਬ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਲੋਕ ਸਭਾ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

There can be more important business somewhere else. Moreover, Sir, Ministers are present here.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब बताएंगे कि क्या यह ठीक है कि पंजाब सरकार तो पंजाब रोडवेज़ के इम्पलाइज़ को बोनस देना चाहती है लेकिन मरकज़ी सरकार के हुकम से इन्हों ने बोनस देने से इन्कार किया है ?

**मुख्य संसद सचिव :** पंजाब रोड़वेज़ में इन्सैनटिव की स्कीम चालू है जिस के मुताबिक जिस एम्पलाई की परफार्मेंस अच्छी हो उस वरकर को मुनाफा का 1 परसैंट दिया जाता है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मेरा सवाल तो यह है कि क्या यह ठीक है कि पंजाब सरकार तो बोनस देना चहती है लेकिन मरकज़ी सरकार के हुकम से इन्हों ने बोनस देने से इन्कार किया है ?

**मुख्य संसद सचिव :** जी ऐसी तो कोई बात नहीं है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** आन ए प्वायंट आफ आडर, सर। जनाब, मैं आप की मार्फत बताना चाहता हूं कि ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर ने खुद यमुना नगर में पंजाब गुड्ज़ कैरियर्ज़ के स्वागती एड्रैस के जवाब में 14 फरवरी को बताया जिस का ज़िक्र मिलाप अखबार में आया है कि पंजाब सरकार तो बोनस देना चाहती है लेकिन मरकज़ी सरकार के हुकम से इनकार किया गया है और माहरीन की एक कमेटी बिठाई जा रही है. . . .

**Mr. Speaker :** The hon. Member was raising a point of Order and not putting a supplementary question.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਦੇ ਐਮਪਲਾਈਜ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਬੋਨਸ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਪੇਮੈਂਟ ਆਫ ਬੋਨਸ ਐਕਟ ਦੀ ਕਲਾਜ਼ 32 ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਉਪਬੰਧ ਹੈ ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਪੇਮੈਂਟ ਆਫ ਬੋਨਸ ਐਕਟ ਦੀ ਸੈਕਸ਼ਨ 20 ਵਲ ਦਿਵਾਂਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਬੋਨਸ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹੋ। ਉਸ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ—

> If in any accounting year an establishment in public sector sells any goods produced or manufactured by it or renders any services in competition with an establishment in private sector, and the income from such sale of service or both is not less than twenty percent of the gross income of the establishment in public sector for that year.

**Mr. Speaker :** The hon. Member is raising a question relating to the interpretation of a provision of an Act. This is not a question of fact.

**Comrade Shamsher Singh Josh :** I am simply pointing out that the Government can under Section 20 of this Act give bonus to the Roadways employees. I, therefore, want to know why the Government is not giving bonus to 75,000 employees of the Punjab Roadways who have earned Rs 1·18 crores to the State this year ?

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब बताएंगे कि सैंटर के लेबर मिनिस्टर की तरफ से पंजाब सरकार को कोई लैटर मिला है जिस में कहा गया हो कि जहां पर बोनस एक्ट लागू न हो वहां पर एक्स ग्रेशिया दिया जा सकता है ?

**मुख्य संसद सचिव :** जनाब, इस के लिए तो नोटिस चाहिए, मेरे पास इस वक्त सारी कारसपान्डैंस मौजूद नहीं है।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੇਰੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਉਠਾਏ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਅਜ ਸਾਰੇ ਹੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚੋਂ ਗ਼ੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਹਨ ਸਿਵਾਏ ਸ਼੍ਰੀ ਚਾਂਦ ਰਾਮ ਜੀ ਦੇ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਹ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨੂੰ ਹਾਜ਼ਰ ਹੋਣ ਲਈ ਕੰਪੈਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਫਿਰ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ ਇਹ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਰਿਵਾਇਤਾਂ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਅਨੁਸਾਰ ਮਨਿਸਟਰ ਜੇਕਰ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਜਵਾਬ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਜੇਕਰ ਇਹ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਸ੍ਰੀ ਅਗਨੀਹੋਤਰੀ ਦੇ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਹਾਲਾਂਕਿ ਸ੍ਰੀ ਅਗਨੀਹੋਤਰੀ ਨੇ ਇਹ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਆਪ ਇਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਤਾਂ ਬੋਨਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਤੇ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ। ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਜਿਸ ਦਿਨ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਮਨਿਸਟਰ ਹਾਜ਼ਰ ਹੋਣ ਤਾਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਸਕਣ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਆਦਤ ਛਡ ਦਿਉ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਨੂੰ ਦਹੁਰਾਣਾ ਕਿ ਕਿਸ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਕੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਫਿਰ ਉਸ ਦੀ ਐਡਵੋਕੇਸੀ ਕਰਨੀ। ਸਿਧੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਕਰਿਆ ਕਰੋ। ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਸਵਾਲਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਐਂਟੀਸੀਪੇਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਪੋਸਟਪੋਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। (The hon. Member should avoid the habit of recapitulating what an other member has said and then advocating his point of view. He should straight away raise his point of order. While replying a question no one can anticipate all the supplementaries and therefore on this ground alone the question cannot be postponed.)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब, बताएंगे कि जो उन्हों ने कहा है कि पेमैंट आफ बोनस एक्ट की सैक्शन 20 के अनुसार बोनस नहीं दिया जा सकता तो क्या इस को लीगल इन्टरप्रैटेशन के लिये भेजा गया है और राए कायम की गई है क्योंकि मुनाफा 20 परसैंट से ज्यादा हो तो इस को दिया जा सकता है या नहीं। किस बिना पर इन्हों ने कहा है कि बोनस नहीं दिया जा सकता ?

**मुख्य संसद सचिव** : यह तो एक तरह के सजेशन्ज़ हैं। इन से कोई इन्फरमेशन ठीक नहीं की जा रही है।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਸਹੀ ਫੈਸਲਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਦੇ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਹੜਤਾਲ ਕਰਨਗੇ ?

**मुख्य संसद सचिव** : इस का सवाल के साथ कोई ताल्लुक नहीं है।

**श्री अध्यक्ष** : क्या कोई नोटिस इस सम्बन्ध में दिया गया है ? (Whether any notice has been given in this connection ?)

**मुख्य संसद सचिव** : नहीं, जनाब।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : स्पीकर साहिब, 12 फरवरी, 1966 को नैशनल ट्रांस्पोर्ट यूनियन ने गवर्नमैंट को अपनी डिमांडज दी हैं जिसमें उन्हों ने अपने ग्रेडज़ के रिवीज़न की भी डिमांड की है। यह यहां पर ग़लत ब्यानी करते हैं।

श्री अध्यक्ष : जहां तक नोटिस का सवाल है इस ने तो चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी ने कह दिया है कि कोई नोटिस ही नहीं दिया। अगर आप कहते ही हैं। I shall look into the matter. (As regards the question of a notice, the Chief Parliamentary Secretary has already stated that no such notice has been given If the hon. Member thinks otherwise I shall look into the matter.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : स्पीकर साहिब, इस से तमाम पंजाब में ट्रांस्पोर्ट वर्करज़ की हड़ताल होने का खतरा है......

**Mr. Speaker** : Order please,

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Mr. Speaker, Sir, the hon. Chief Parliamentary Secretary has been pleased to state in reply to a question that no such notice was given and on the other hand as hon. Member of this House Shri Agnihotri has categorically stated that the notice was given on a certain date. You have been pleased to remark that you would look into the matter. Now, Sir, if the statement of the hon. Mem ber Shri Agnihotri is correct, may I know what action will be taken against the Government.

**Mr. Speaker** : The hon. Member may please look to the rules. He is a senior Member.

Next Question by Shri Tandon please.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਜਵਾਬ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਨਾ ਆਇਆ ਤਾਂ ਇਹ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਕੀ ਇਹ ਪੋਸਟਪੋਨ ਹੀ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇ ?

**Mr. Speaker** : No please, It is not postponed.

**ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਕੁਨ ਜਵਾਬ ਮਿਲੇ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : On a point of order, Sir, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਬ, ਇਥੇ ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਜ਼ਾਤ ਇਨਵਾਲਵਡ ਹੈ ਇਕ ਐਸੇ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਹੁਣ ਪਰੈਜ਼ੈਂਟ ਵੀ ਨਹੀਂ। ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੌਕਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਸਕਣ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਨਾਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਜਵਾਬ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਨਾ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਸਵਾਲ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਅਸੀਂ ਫੇਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਤਸਲੀਬਖਸ਼ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ। ਇਹ 75 ਹਜ਼ਾਰ ਵਰਕਰਜ਼ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਅਗਰ ਪਹਈਆ ਜਾਮ ਹੋ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਹ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਤੇ ਹੀ ਹੋਵੇਗੀ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਪਹੀਆ ਜਾਮ ਕੁਅਸ਼ਚਨ ਆਵਰ ਵਿੱਚ ਹੀ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਤਾਂ ਗਵਰਨਰ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਹੀ ਸਪੀਚਾਂ ਹੋਣੀਆਂ ਹਨ। ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। It is a question of verification (The wheel will get jammed during the Question Hour. After this speeches on the Governor's Address only will commence. As regards notice, the Chief Parliamentary Secretary says

[Mr. Speaker]
that he has not been given. It is a question of verification now.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੇਰਾ ਪੁਆਂਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਨੇ ਜੋ ਬਿਆਨ ਦਿਤਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਐਸਰਟ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਮਨਿਸਟਰ ਇਨਚਾਰਜ ਤੋਂ ਸਵਾਏ ਹੋਰ ਕੌਣ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

**Mr. Speaker** : He is representing the Minister-in-charge. The Minister-in-charge is not there in his personal capacity.

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡਾ ਜਵਾਬ ਆਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਨਵਾਂ ਸਵਾਲ ਕਾਲ ਅਪਾਨ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਕੀ ਉਹ ਚੇਅਰ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ?

**श्री बलारमजी दास टंडन** : मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि मिनिस्टर साहिब ने एक से ज्यादा दफा इस बात का यकीन दिलाया है कि पंजाब सरकार रोडवेज वालों को बोनस देने के लिए विलिंग है....

**Mr. Speaker** : All right, as a number of hon. Members are insisting, I am postponing this Question for further supplementaries.

---

**Inadequate Accommodation at Punjab Roadways Bus Stand, Ludhiana**

*8925. **Shri Balramji Das Tandon** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state whether the fact regarding the inadequancy of accommodation at the Punjab Roadways, Bus Stand, Ludhiana, has been brought to the notice of the Transport Department or the Government : if so, the action, if any, taken or contemplated by the Government in this regard ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : (i) Yes.

(ii) A spacious site measuring approximately ten acres opposite Bharat Nagar near the Railway crossing on the junction of Ferozepur Railway Line and Link road has been selected and the Improvement Trust, Ludhiana, approached for early acquisition of the land. It is proposed to construct a General Bus Stand with all modern amenities at the new site.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि जो जगह इम्परूवमेंट ट्रस्ट एक्वायर कर रहा है क्या वह भी ऐसी गुंजान आबाद जगह है जैसी कि अब बस स्टैंड के लिये है ?

**मुख्य संसद सचिव** : इस के लिये जनाब 10 एकड़ ज़मीन एक्वायर की जा रही है। अड्डा शहर से बाहर तो निकाला नहीं जा सकता, नज़दीक जगह पर ही रखा जाए गा।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਕੀ ਗਰਗ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਥਾਂ ਕਿਥੇ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਹੋ ਜੇਹੀ ਹੈ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰਸਟ ਅਥਾਰਿਟੀਜ਼ ਅਤੇ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਥਾਰਿਟੀਜ਼ ਦੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

**श्री बलरामजी दास टंडन :** यह नया बस स्टैंड कब तक बना दिया जाएगा ?

**मुख्य संसद सचिव:** यह स्कीम एप्रूवल स्टेज पर है इस के मुतालिक जितनी जल्दी भी हो सका फैसला किया जाएगा ।

---

**Permits issued by the Provincial Transport Controller, etc**

***8969, Comrade Ram Piara :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state —

(a) the total number of permits for private carriers, public carriers and Passenger Buses with details thereof issued by the Provincial Transport Controller and/or by the Regional Transport Authorities in the State during the period from 7th July, 1964 upto-date together with the names of those individuals or Transport Societies and Undertakings including the Punjab Roadways in whose favour those were issued, date-wise ;

(b) whether any permits were issued by the said authorities for tempos/scooter rickshaws/Motor Cycle rickshaws or any other conveyance used for carrying passengers during the above mentioned period ; if so, the names of those in whose favour these permits have been issued in each case ;

(c) the criteria kept in view at the time of issue of permits mentioned in part (a) and (b) above ;

(d) whether any applications were invited for the purpose; if so, when and if not invited, the reasons for the same ;

(e) whether any special consideration is shown to the political Sufferers or their dependents in the matter of issue of permits ;

(f) if the reply to part (e) above be in the affirmative, the names of the Political sufferers or their dependents to whom such permits have been issued during the period mentioned in part (a) above ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) :(a)(b) and (f) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained. Information will, however, be supplied in any particular case, if sought.

(c), (d) and (e) : A statement is laid on the Table of the House.

**Statement**

(c) 1. *Private Carriers.*—As provided in section (2)(22) of the Motor Vehicles Act.

2. *Public Carriers.*—There is liberal issue of public carriers permits for Punjab plains and the hill routes of Kangra and Hoshiarpur Districts excluding Pathankot—Manali route.

3. *Passenger buses.*—Permits are issued according to the needs of traffic after following procedure as prescribed under various provisions of Motor Vehicles Act.

4. *Tempos.*—These permits are sanctioned for operations within a radius of 5 miles to :—

(i) Harijans ;
(ii) Ex-servicemen ;
(iii) Persons belonging to backward classes;
(iv) Refugees from Burma who are of Punjabi origin ;
(v) People affected by floods ;
(vi) Residents of villages in Tehsils on the Indo-Pakistan Border ;

5. *Scooter Rickshaws.*—Permits are given freely.

[Chief Parliamentary Secretary]

(d) Applications are dealt with as and when received.

(e) The extent has been indicated in (c) above.

**कामरेड राम प्यारा :** मेरा सप्लीमेंटरी यह है कि जैसा उन्हों ने जवाब दिया है कि (a) और (b) की इन्फर्मेशन कुलैक्ट करने में टाइम लगता है मेरा तो सवाल ही सिर्फ इतना है कि अगर कोई कन्सिडरेशन पुलिटिकल सफरर्ज़ के लिये दिया जाता है तो वह कितना है। मगर सरकार जान बूझ कर डिले कर रही है जैसे उन्हों ने कहा है The time and labour involved will not be commensurate etc., क्या यह हकीकत है कि गवर्नमैंट ने उस की तकररी विदहोल्ड की है क्योंकि पुलिटिकल सफरर्ज़ में उसे इन्कलूड नहीं किया ?

**मुख्य संसद सचिव :** इसमें पुलिटिकल सफरर्ज़ भी हैं, हरिजन और एक्स सर्विस मैन और कुछ और कैटेगरीज़ हैं।

*(Interruptions and noise in the House)*

**सरदार लछमन सिंह गिल :** और कैटेगरीज़ क्या हैं ?

**Mr. Speaker** Order, Order· Let the reply be completed.

**कामरेड राम प्यारा :** मैं ने यह सवाल पुलिटिकल सफरर्ज़ के बारे में पूछा है, हरिजनों और दूसरों के बारे में नहीं पूछा। क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब बताएंगे कि क्या यह हकीकत है कि गवर्नमैंट ने ऐसे आदमियों को परमिट दिए हैं जो पुलिटिकल सफरर्ज नहीं हैं, उन्हें मैलेशली फेवर करने के लिये ऐसा किया गया है ?

**मुख्य संसद सचिव :** कोई क्राइटीरिया फिक्स नहीं किया गया। अगर कोई स्पैसिफिक केस है तो नोटिस में लाएं, एग्ज़ामिन कर लेंगे।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਮੈਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਵਾਲ ਦੇ ਪਾਰਟ ਸੀ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰਲੀ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਨਵੇਂ ਪਰਮਿਟ ਇਸ਼ੂ ਕਰਨੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਇਹ ਫੰਡਾਮੈਂਟਲ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਨ ਲਿਉ ਆਫ ੫੦-੫੦ ਦਿਤੇ ਹਨ ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਕਰਾਈਟੀਰਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ ?

**Chief Parliamentary Secretary :** Mr. Speaker, Sir, if the hon. Member so desires, I will read out from the written reply —

"1. *Private carriers*.—As provided in Section 2(22) of the Motor Vehicles Act.

2. *Public Carriers*.—There is a liberal issue of public carriers permits for Punjab plains and the hill routes of Kangra and Hoshiarpur districts excluding Pathankot-Manali route.

3. *Passenger buses*.—Permits are issued according to the needs of traffic after following the procedure as prescribed under various provisions of Motor Vehicles Act.

4. *Tempose*.—These permits are sanctioned for operations within a radius of five miles to—

(i) Harijans ;
(ii) Ex-servicemen ;

(iii) Persons belonging to backward classes ;
(iv) Refugees from Burma who are of Punjabi origin ;
(v) People affected by floods ;
(vi) Residents of villages in Tahsils on the Indo-Pakistan Border."

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਮਿਸਟਰ ਸਪੀਕਰ, ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਾਲੋ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ in lieu of 50:50 you have issued permits throughout the Punjab. ਮੈਨੂੰ ਦਸੋ ਕਿ ਕਿੰਨੀ ਕਿਨ੍ਹੀ ਮਾਈਲੇਜ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਨਾਂ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਹੈ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਇਕ ਪ੍ਰੋਸੀਜ਼ਰ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ । ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਦੀਆਂ ਅਪੀਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। 50 : 50 ਦਾ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਅਜੇ ਦੋ ਜਾਂ ਢਾਈ ਸਾਲ ਬਾਅਦ ਇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋਣਾ ਹੈ ।

We are following the procedure as provided in the various provisions of the Motor Vehicles Act.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, may I know from the hon. Chief Parliamentary Secretary whether these permits are issued on the recommendations of the Regional Transport Authorities or direct by the Provincial Transport Controller ?

**मुख्य संसद सचिव** : यह कौन से परमिट की बात कर रहे हैं ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma:** Mr. Speaker, I am sorry, the hon. Chief Parliamentary Secretary is putting a question to me. The question is before him. I am referring to part (a) of the question.

**मुख्य संसद सचिव** : इट इज ए वेग क्वैस्चन । पी० टी० सी० का एक एग्रीमैंट हुआ था उस के मुताबिक परमिट दिए जाते हैं । एग्रीमैंट के अंदर यह पावर रिजनल ट्रांसपोर्ट अथारिटी को दी गई है । यह परमिट गवर्नमेंट नहीं देती, रिजनल टांस्पोर्ट अथारिटीज देती हैं । गवर्नमेंट का दखल नहीं है ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਾਂਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਟੇਜ ਕੈਰੇਜ ਪਰਮਿਟਸ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੈਹੀਕਲਜ਼ ਦੇ ਮਾਲਕਾਂ ਤੋਂ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿੰਨੀ ਕਿੰਨੀ ਮਾਈਲੇਜ ਕਵਰ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਘਟ ਮਾਈਲੇਜ ਸਰੈਂਡਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰਮਿਟ ਦਿਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਧ ਮਾਈਲੇਜ ਸਰੈਂਡਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰਮਿਟ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਐਸਾ ਕੋਈ ਕੇਸ ਹੈ ਤਾਂ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੈਂ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਮੈਂ ਸਪੈਸਿਫਿਕ ਗੱਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ।

**ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਪੈਸਿਫਿਕ ਇਨਸਟਾਂਸ ਦਿਉ, ਦੈਟ ਵਿਲ ਬੀ ਐਗਜ਼ਾਮਿੰਡ । (He has asked for a specific instance which will be examined.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਕੀ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪਰਮਿਟ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ? ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਹੈ ? ਜੇ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਅੰਬਾਲੇ ਵਿਚ ਸਾਬਕਾ ਫੌਜੀਆਂ ਦੀ ਇਕੋ ਇਕ ਰਜਿਸਟਰਡ ਸੋਸਾਇਟੀ ਹੈ, 4 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਉਸ ਨੇ ਐਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਪਰਮਿਟ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀ ਨੂੰ ਪਰਮਿਟ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕੋਈ ਪਰਟੀਕੁਲਰ ਕੇਸ ਹੈ ਤਾਂ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ ।

**Comrade Ram Piara** : Mr. Speaker, Sir, in regard to Passenger Buses, it has been stated in the reply —

"Permits are issued according to the needs of traffic........"

तो मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि यह ट्रैफिक की नीड्ज़ को असैस करने का उनका कौन सा क्राइटीरिया है ? क्या यह हकीकत है कि बहुत सी सड़कों पर बसें चलाने के लिये गवर्नमैंट को दरखास्तें आती हैं तो वहां के लिये रूट परमिट नहीं दिए जाते ?

**मुख्य संसद सचिव** : जब किसी इलाके से रिप्रेजेंटेशन आती है कि वहां रूट परमिट इशू किया जाए तो उसका यह तरीका है कि उसको एग्ज़ामिन किया जाता है कि आया वहां रूट परमिट दिया जा सकता है ।

ਸਰਦਾਰ **ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ** : ਸਵਾਲ ਦੇ ਪਾਰਟ (ਸੀ) ਵਿਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਪੁਲਿਟਿਕਲ ਸਫਰਰਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਸਪਸ਼ਲ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੁਲਿਟੀਕਲ ਸਫਰਰਜ਼ ਦੀ ਲਿਸਟ ਰਖੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਅਗਰ ਰਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿੰਨਿਆਂ ਨੂੰ ਰੂਟ ਪਰਮਿਟ ਇਸ਼ੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

**मुख्य संसद सचिव** : जनाब, पुलिटिकल सफरंज की पुज़ीशन यह है कि जो एप्लाई करता है अगर वह बोनाफाइड पुलिटीकल सफरर है और उसका नाम लिस्ट में है तो उसको सर्टीफिकेट ईशू किया जाता है । जितनी लिस्ट हमारे पास है वह ठीक है, अगर और हैं तो हम एग्ज़ामिन कर लेंगे ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਲਮ ਹੈ ਕਿ 50 : 50 ਦੀ ਸਕੀਮ ਅਨੁਸਾਰ ਜਿਹੜੇ ਪਰਮਿਟ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਹ ਪਰਾਈਵੇਟ ਆਪਰੇਟਰਾਂ ਦੀ ਰਿਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਤੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਯੂਨੀਅਨ ਹੈ ?

**मुख्य संसद सचिव** : इस के लिए तो मुझे नोटिस चाहिए । लेकिन एक बात यह है कि जिसको रूट अलाट किया जाता है उस के माइलेज का हिसाब किया जाता है ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Sir, may I know from the hon. Chief Parliamentary Secretary the definition of 'Political Sufferer' for the purpose of this question ?

**मुख्य संसद सचिव** : इस सवाल के अन्दर तो यह इतलाह पूछी नहीं पुलिटीकल सफरर की । मेरे पास आ जाएं, मैं सारी बात समझा दूंगा ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Mr. Speaker, Sir. I would like to know specifically from the hon. Chief Parliamentary Secretary as to who is a Political sufferer whether a person who has undergone imprisonment

against the Britishers or an Akali who has been to the Jail is a Political sufferer or not ? Who is a political sufferer for the purpose of this question ?

**मुख्य संसद सचिव :** जो आज़ादी की खातर लड़ा है, चाहे जन संघ का है, चाहे किसी भी तबके से ताल्लुक रखता है, वह पुलिटीकल सफरर है ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਆਪਰੇਟਰਜ਼ ਨੇ ਆਪਣੀ ਮਾਈਲੇਜ ਸਰੈਂਡਰ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਘਟ ਮਾਈਲੇਜ ਦੇ ਰੂਟ ਪਰਮਿਟ ਦਿਤੇ ਹਨ ? ਕੁਝ ਕੰਪਨੀਆਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਯੂਨੀਅਨ ਦੀਆਂ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਾਈਲੇਜ ਦੇ ਰੂਟ ਪਰਮਿਟ ਲਏ ਹਨ, ਜੋ ਡਿਜ਼ਰਵ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀਆਂ । ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ :** ਕੋਈ ਐਸਾ ਕੇਸ ਹੈ ਤਾਂ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਮਾਲਵਾ ਬਸ ਐਂਡ ਸਮੁੰਦਰੀ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੰਪਨੀ ।

---

**Bus Stand at Karnal**

*3982. **Comrade Ram Piara** : Will the Minister for Transport and Elections, with reference to the reply to Starred Question No. 5135 printed in the Debate, dated the 31st March, 1960, be pleased to state —

(a) whether the Bus Stand in Karnal was completed or was ready in the financial year 1960-61 as stated in part (b) of the said reply; if the not, the reasons therefor ;

(b) the date when the construction of the said Bus Stand started together with the date when it was completed or is expected to be completed ;

(c) the total estimated cost of the said Bus Stand together with the expenditure incurred thereon upto-date ;

(d) whether the area of the said Bus Stand site remains 5.44 acres as indicated in part (a) of the said reply or has been increased or decreased together with the reasons therefor in each case ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : (a) (i) No. (ii) The possession of the land was not delivered.

(b) (i) 7th October, 1964 . (ii) Expected to be completed by 31st March, 1966.

(c) Rs 8,74,960 inclusive of the cost of land. The expenditure incurred so far as is Rs 3,81,360.

(d) The area of the site has been increased by 1.64 acres. The additional land was required for providing separate 'IN' and 'OUT' gates, shopping centre etc.

**कामरेड राम प्यारा :** Chief Parliamentary Secretary साहिब ने बताया है कि 31 मार्च, 1966 तक वह बस अड्डा बन जाएगा लेकिन साथ ही उन्हों ने यह बताया है कि अब तक 3 लाख 81 हज़ार रुपया खर्च हुआ है। तो मैं पूछना चाहता हूं कि बाकी का जो पांच लाख रुपया है वह सारा एक महीने में ही खर्च करना है या कि कुछ पेमैंट्स बाकी हैं जो करने वाली हैं ।

**मुख्य संसद सचिव :** जितनी पेमैंट्स हो गई हैं उन की फिगर्ज़ दी हैं । बाकी पेमैंट्स का सिलसिला तो काफी देर तक चलता रहता है ।

**पण्डित चिरंजी लाल शर्मा :** करनाल का बस स्टैंड 1962 तक बनाने की स्कीम थी । मगर अब तक न बनने की क्या वजह है?

मुख्य संसद सचिव : मैं अर्ज़ कर चुका हूं कि पहले तो ज़मीन का possession नहीं मिला था, लेकिन जब possession मिल गया तो बाद में architect ने कहा कि 'in' and 'out' के लिये 1.64 एकड़ ज़मीन और चाहिए। खैर अब तो कम्पलीट होने वाला ही है।

कामरेड राम प्यारा : यह जो काम 1961-62 में खत्म होना था उस की बजाए 31 मार्च, 1966 को खत्म होगा। इस डीले की जिम्मेवार सैंट्रल गवर्नमैंट है या पंजाब गवर्नमैंट।

**Chief Parliamentary Secretary** : Sir, it is rather difficult to fix any responsibility in this connection.

**Bus Fare from Sirhind to Patiala**

***9104. Dr. Baldev Parkash** (on behalf of Shri Om Parkash Agnihotri): Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state :

(a) the bus fare being charged at present by the Pepsu Road Transport Corporation from Sirhind to Patiala ;

(b) whether it is a fat that the fare referred to in part (a) above is higher by 30 paise than the rate charged by private companies on the said route ; if so, the reasons therefor ;

(c) whether he has recently received any complaint regarding the charging of higher bus fare and also about other matters; if so, the action so far taken thereon ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : (a) Rs 1,20 plus Passenger Tax.

(b) (i) The Corporation fare is higher by 20 paise.

(ii) The Private Operators have the monoply of operation on the shorter route connecting Sirhind with Patiala via Nandpur-Baran where they are charging 90 paise as fare. Therefore, in order to attract passengers in their buses plying on the longer route via Rajpura, where they are competing with the Corporation, they are charging Re 1 as fare.

(c) Yes. Secretary, Regional Transport Authority, Patiala has been asked to eliminate disparity and to ensure uniformity. Now there is no disparity.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिब बताएंगे कि जब यह डिसपैरिटी खतम हो गई है तो अब नए रेट्स क्या फिक्स हुए हैं।

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : आठ पैसे फी मील हुआ है। 1.20 रुपए पर 30 पैसे पैसेंजर टैक्स होगा।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : पहले जो फिक्स रेट्स से ज्यादा चार्ज करते रहे हैं उन के खिलाफ कोई ऐक्शन लिया गया है ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : हम ने मिनीमम और मक्सीमम 6 और 8 पैसे फिक्स किया हुआ था। तो शार्टर रूट पर वह आठ पैसे फी मील चार्ज करते रहे हैं और लांगर रूट पर क्योंकि उन का कम्पीटीशन था कारपोरेशन के साथ इस लिए वहां पर 6 पैसे चार्ज करते थे। लेकिन हम ने रिजनल ट्रांस्पोर्ट अथारेटीज़, पटियाला से कह कर डिसपैरिटी दूर करवा दी है।

श्री बलरामजी दास टंडन: मैं पूछना चाहता हूं कि अब जब कि दोनों रूट्स पक्के हो गए हैं तो फिर 8 पैसे फी मील क्यों चार्ज किए जाते हैं। क्या यह ज्यादा नहीं है।

**Chief Parliamentary Secretary** : Under section 43 of the Motor Vehicles Act, 1939, the Government have fixed minimum and maximum rates of bus fares per passenger per mile at 6 and 8 pies.

वह दोनों में से ही चार्ज कर सकते हैं। इस में कम और ज्यादा की बात नहीं।

---

**Nationalisation of Transport Routes by P.R.T.C., Patiala**

***9141. Comrade Bhan Singh Bhaura** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the P.R.T.C., Patiala, recently postponed nationalisation of Transport routes by one year ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether it is also a fact that the nationalisation of the Malerkotla -Bhatinda route scheduled to be nationalised during the current year has been postponed ; if so, the reasons therefor ?

**Shri Ram Partap Garg** ( Chief Parliamentary Secretary ) : (a) No.

(b) No. As required by law the scheme in respect of this route was published on 19th November, 1965 for inviting objections. A date for hearing these objections will now be fixed after which and subject to any modification if justified, it will be approved.

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਵਿਚ ਸਾਰੀ ਟਾਂਸਪੋਰਟ ਨੂੰ ਕੌਮੀ ਕਰਨ ਦੀ ਤੇ ਸੁਦਾ ਪਾਲੀਸੀ ਸੀ ਤਾਂ ਫੇਰ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੋਂ ਬਠਿੰਡੇ ਤਕ ਅਤੇ ਬਠਿੰਡੇ ਤੋਂ ਲੁਧਿਆਣੇ ਤਕ ਦੇ ਰੂਟ ਪਰਮਿਟ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਪੈਪਸੂ ਲਈ ਤਾਂ ਸਾਡੀ ਉਹੋ ਪਾਲਿਸੀ ਸਟੈਂਡ ਕਰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਅਗਲੇ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਸਾਰੀ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੌਮੀ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ। ਬਾਕੀ ਜਿਹੜਾ ਤੁਸੀਂ ਸਵਾਲ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਉਿਨ ਲਈ ਨੋਟਸ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਪੈਪਸੂ ਦੇ 2nd Five Year Plan ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਪਰੋਗਰਾਮ ਬਣਿਆ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਪੰਨੇ 428 ਤੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—

"By the year 1958-59, third year of the Second Plan, the Road Transport will be completely nationalized so far as the pucca routes are concerned......"

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਅਸੀਂ ਇਕ ਫੇਜ਼ਡ ਪਰੋਗਰਾਮ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਕਈ ਵਾਰੀ ਪੈਸਿਆਂ ਦੀ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਵੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਮਗਰ ਅਗਲੇ ਤਿਨ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਕੰਪਲੀਟ ਨੈਸ਼ਨੇਲਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : क्या गवर्नमेंट का यह अस्टीमेटएम है कि ट्रांस्पोर्ट को नैशनेलाइज करना है ?

**मुख्य संसद सचिव** : हां जी, पैप्सू के अन्दर तो है। मगर पंजाब में 50:50 का ऐग्रीमेंट है।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ portable Minister ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ.....

**Mr. Speaker** : Please withdraw your words.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਅੱਛਾ ਜੀ ਮੈਂ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਕੀ ਚੀਫ਼ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਬਠਿੰਡਾ ਰੂਟ ਜਿਹੜਾ ਨੈਸ਼ਨੇਲਾਈਜ਼ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਮਾਲ ਆਪਰੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਢਿਆ ਹੈ ਔਰ ਪਟਿਆਲਾ ਬਸ ਸਰਵਿਸ ਵਰਗੇ ਵਡੇ ਆਪਰੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਉਥੇ ਹੀ ਐਡਜਸਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਐਸੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

---

### Construction of Bridge at Beas River

***8926. Shri Balramji Dass Tandon** : Will the Minister for Public Works be pleased to state —

(a) the date when the work for the construction of another bridge and connecting roads at the Beas river was given together with the name of the contractor to whom it was given and the amount involved therein ;

(b) the time limit, if any, fixed for the completion of the said works and whether the same has been revised ; if so, the details thereof ;

(c) whether the Union Government is sharing the expenditure being incurred on the said works ; if so, to what extent ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : (a) and (b) The work of construction of the high level bridge over river Beas crossing G.T. Road in mile 250 has been allotted to various agencies. A statement showing the names of different agencies executing the work, amount of work and the original time limit and extension allowed, if any, is laid on the Table of the House.

(c) The entire scheme is being financed by the Government of India, Ministry of Transport (Roads Wing.)

**STATEMENT**

**Various works in connection with the construction of a High Level Bridge over river Beas in mile 250 of G.T. Road allotted to different agencies**

| Serial No. | Name of Work | Name of contractor | Amount | Time limit |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | | | Rs | |
| 1 | Main bridge over river Beas | M/s Gammon India Ltd., Bombay | 79,50,000 | 36 months from the date of signing the agreement. |
| 2 | Approaches to Beas Bridge group I, RDO-1810 and diversion | Shri Satish Kumar, village and post office Raya, district Amritsar | 2,00,000 | Nine months from 14-11-63 and extended upto 30-4-65 Already completed. |
| 3 | Approaches to Beas Bridge, Group II, RD-1810-5810 | M/s Nirmal Singh, Deva Singh, 165 Model Town, Jullundur | 1,80,000 | 12 months from 23-11-63 extended 30-6-65, Already completed. |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 4 | Approaches to Beas Bridge Group III, RD-5810—8800 | M/s Srin Janta L & C Society | 25,000 | Six months from 11-10-63 extended upto 15-10-64 Already completed. |
| 5 | Approaches to Beas Bridge Group IV, RD 8800—12900 | M/s Deva Singh-Nirmal Singh, 165 Model Town, Jullundur | 2,35,000 | 11 months from 4-10-63 extended upto 3-5-65. Already completed. |
| 6 | Approaches to Beas Bridge Group V, RD-14900 to 19350 | M/s Dhulka L & C Society | 3,20,000 | 11 months from 11-10-63 extended upto 31-12-65 Completed upto dry portion. |
| 7 | Left Guide Bund .. | Shri Malik Ram Sethi, Ambala | 8,00,000 | 12 months from 11-3-64 extended upto 15-2-66. Almost complete |
| 8 | Right Guide Bund .. | Shri Malik Ram Sethi, Ambala | 10,86,000 | 36 months from 15-1-1965 |
| 9 | Collection of Stone wearing RD 5810-18350 | Shri Malik Ram Sethi, Ambala | 87,000 | 18 months from 5-1-1966 |
| 10 | Providing pitching on Down stream side of left side approach of Beas Bridge | Shri Malik Ram Sethi, Ambala | 1,60,000 | 15 months from 14-9-64 extended Already completed. |

**श्री बलरामजी दास टंडन** : यह जो लिस्ट दी गई है उसके मुताबिक पार्ट या गुरूप 2, 3, 4, 5, के बारे में लिखा है कि already completed । क्या चीफ पार्लियामैंटरी सक्रेटरी साहिब इसकी डिटेल्ज़ बताएंगे कि यह गुरूपस क्या हैं ?

**मुख्य संसद सचिव** : इसके लिये नोटिस चाहिए ।

**श्री बलराम जी दास टंडन** : नोटिस तो दिया हुआ है, और क्या चाहिए ?

**मुख्य संसद सचिव** : आप सवाल को पढ़ें और उसके स्कोप से बाहर न जाएं । यह जो ग्रुप 2, 3, 4, 5 हैं these are already completed. अब आप क्या और जानना चाहते हैं ?

**श्री बलरामजी दास टंडन** : मैं यह जानना चाहता हूं कि वह कौन से ग्रुपस हैं, उनकी क्या डिटेल्ज़ हैं और वह कौन सी रोडज़ है जिन के बारे आप कहते है आलरेडी कम्पलीटिड । हम वहां से रोज़ आते जाते हैं हमें तो कोई कम्पलीट नज़र नहीं आई ।

**Chief Parliamentary Secretary** : Sir, earthwork on approaches to the bridge, stands completed except that the work cannot be carried cut in the reaches near Guide Bund and abutments unless the Guide Bund and abutments are completed.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : स्पीकर साहिब, जो वज़ीर साहिब इस महकमा के हैं वह इसका जवाब दें और अब इसे पोस्टपोन किया जाए क्योंकि इनकी तरफ से ठीक और सही जवाब नहीं आ रहा है। यह कहते हैं कि आलरेडी कम्पलीटिड लेकिन हकीकत यह है कि कोई भी एप्रोच रोड कम्पलीट नहीं है।

**श्री अध्यक्ष** : अगर आपकी पुज़ीशन यह है कि जो उन्हों ने जवाब दिया कि कम्पलीट हो गई वह ठीक नहीं है और वह रोड कम्पलीट नहीं है तो यह फैक्चुअल मिस्टेक है। अगर आप फैक्ट्स को चैलेंज करते हैं तो आप लिख कर दें। That can be looked into whether the facts given by him are correct or incorrect. (If the position taken up by the hon. Member is that the reply given by the Chief Parliamentary Secretary that the road is complete, is not correct and that the road is still incomplete then that is a factual mistake. If the hon. Member challenges the facts then he should do so in writing. That can be looked into whether the facts given by him are correct or incorrect.)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : मैं ने इन से यह पूछा था कि यह जो उन्हों ने नम्बर 2, 3, 4, 5 ऐप्रोच रोडज बताई हैं कि कम्पलीट हैं वह कौन सी हैं, कहां पर हैं और उनकी डिटेल क्या है। हम तो रोज़ वहां से गुज़रते हैं और हमें वहां एक भी सड़क नज़र नहीं आई जो कम्पलीट हो। जिनको यह कम्पलीट बताते हैं वह हैं कहां पर ?

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਲਿਖ ਕੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਉਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸੜਕ ਮੁਕੰਮਲ ਹੈ ਲੇਕਨ ਹੁਣ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਗਾਈਡ ਬੰਦ ਨਹੀਂ ਬਣਿਆ ਹੈ। ਇਸਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਉਥੋਂ ਕਰਾਸ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਪੁਲ ਬਣ ਗਿਆ ਗਾਈਡ ਬੰਦ ਬਣਿਆ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਸੜਕ ਕਿਵੇਂ ਬਣ ਗਈ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਤੋਂ ਤਾਂ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਬਣਦੀ।

**Chief Parliamentary Secretary** : Sir, part (a) of the question reads—

"(a) the date when the work for the construction of another bridge and connecting roads at the Beas river was given together with the name of the contractor to whom it was given and the amount involved therein.

जनाब, इसके बारे में डिटेल इन्फर्मेशन ही हुई है कि कौनसा काम कौनसे ठेकेदार को कितनी मालियत का दिया गया है और. . . . .

**श्री अध्यक्ष** : आप यह बताएं कि कौन सा हिस्सा बन गया है और कौन सा अभी नहीं बना है। (The Chief Parliamentary Secretary may please state which part of the road has been completed and which still remains to be completed.)

**मुख्य संसद सचिव** : यह जो 2, 3, 4, 5, 6, 7 पार्ट हैं यह बन गए हैं। मेन ब्रिज जो है वह अभी नहीं बना है। 36 महीने का टाइम जब से काम शुरू हुआ है उसके बनाने के लिये दिया हुआ है यह बहुत बड़ा काम है 80 लाख के करीब का काम है।

Collection of stone bearing No. 5810-18350 is not complete.

**श्री बलराम जी दास टंडन:** मेरा ग्रबजैक्शन भी यही है कि जो लिस्ट टेबल पर रखी गई है उसे ही पढ़ कर सुनाया जा रहा है और जो बात मैं पूछता हू उसका जवाब नहीं दिया जा रहा। जो आप पढ़ कर सुना रहे हैं वह तो मेरे पास भी है। मैं तो यह जानना चाहता हूं कि जिनको आप आलरैडी कम्पलीट कहते हैं वह ऐप्रोच रोडज़ कौन सी हैं और कहां पर हैं। मेरा कहना यह है कि वहां एक भी पार्ट कम्पलीट नहीं है।

**Chief Parliamentary Secretary :** The approaches to Beas Bridge Group II, Group III, Group IV, Group V and the left Guide Bund have been completed. इस में साफ तौर पर दिया गया है। अगर आप नक्शा देखना चाहते हैं तो वह भी दिखाने के लिये तैयार हैं।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। ट्रांस्पोर्ट का महकमा सी. पी. एस. साहिब का नहीं है। मैं इस बात पर आपका रूलिंग चाहता हूं कि जब हाउस में फुल दो मिनिस्टर बैठे हों तो क्या उनकी मौजूदगी में चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी को जवाब देना चाहिए। Why should not the hon Minister meet the House.

**Mr. Speaker :** It is not for the hon. Members to decide as to which of the Ministers should take responsibility of answering the questions. It is the Minister-in-charge and the Chief Parliamentary Secretary who have to decide whether the hon. Minister concerned should reply or another hon. Minister should be entrusted with this work, or the Chief Parliamentary Secretary should attend to this work.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, my point of Order was whether in the presence of a Minister, the Chief Parliamentary Secretary can supersede him in giving the answers.

**Mr. Speaker :** There is no question of superseding or otherwise.

**श्री फतेह चन्द विज :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। या तो मैम्बर साहिबान इतने मुश्किल सवाल न करें या फिर गर्ग साहिब को कहें कि वह इस सवाल को पोस्टपोन करें।

**मुख्य संसद सचिव :** मुझे बड़ा अफसोस है कि कुछ मैम्बरान को इर्रेलेवैंट सवाल करने की आदत है। जो एगज़ैक्ट सवाल है उसका एगज़ैक्ट जवाब देना चाहते हैं और दिया जा रहा है।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा:** मैम्बर साहिबान को भी अफसोस है कि इस तरह हाउस का टाईम खराब होता है क्योंकि वह तैयार हो कर नहीं आए हैं। He has not been giving good performance.

**श्री अध्यक्ष :** कौन मैम्बर या मिनिस्टर हाउस का टाइम खराब करता है, जवाब ठीक आता है या नहीं, कोई सवाल रैलेवैंट है या irrelevant इन सब चीज़ों को मैं ने डिटर्मिन करना है। यह चीज़ आप मुझ पर छोड़ दें। जहां कोई इर्रलैवैंट होगा मैं रोक दूंगा। (Who wastes the time of the House, an hon. Member or a Minister, whether the reply given is correct

[Mr. Speaker]

or otherwise or whether a supplementary is relevant or irrelevant, all these things are to be determined by the Chair. The hon. Member may leave this to me. Whenever one is irrelevant I will pull him up.)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : मेन ब्रिज के बारे में उन्होंने बताया है कि 36 months from the date of agreement. लेकिन date of agreement नहीं बताई गई बाकी जब कि सब के बारे में कंट्रैक्ट्स दी हुई हैं कि कब टाइम लिमिट खत्म होती है। मैं जानना चाहता हूं कि इस की date of agreement क्या है ?

**मुख्य संसद सचिव** : अभी तक एग्रीमेंट साईन नहीं हुआ है क्योंकि उस के बारे में लीगल रिमैंबरैंसर जांच पड़ताल कर रहा है।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, । क्या कोई काम कोई एग्रीमेंट साइन होने से पहले सरकार शुरू करवा सकती है या नहीं चाहे उस में गवर्नमैंट को नुक्सान या फायदा उठाना पड़े।

**मुख्य संसद सचिव** : जब टैंडर किसी का मंजूर हो जाता है तो काम अलाट हो जाता है और बाद में एग्रीमैंट साइन हो जाता है। इस तरह से काम शुरू हो ही जाता है

**Mr. Speaker**: Next question by Comrade Bhan Singh Bhaura.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਕਿਸੇ ਗੌਰਮਿੰਟ either Central Government or a State Government in the whole of India ਵਿਚ ਕਿਧਰੇ ਵੀ ਇਹ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਥੇ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਸਾਈਨ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੰਮ ਚਾਲੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੋਵੇ । ਇਹ ਡੈਫੇਨਿਟਲੀ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਕ੍ਰਿਮੀਨਲ ਗਲ ਹੈ।

**Mr. Speaker** . Please take your seat.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਆਪਦਾ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

**श्री अध्यक्ष** : यह गवर्नमैंट के लिए प्रापर है या नहीं कि एग्रीमेंट साइन होने से पहले किसी को काम दे दे । You can have your opinion· (The hon. Member can have his own opinion regarding whether it is proper or not for the Government to allot work to a party before getting the agreement signed.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੀਫ ਪਰਾਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਜਿਸ ਪਾਰਟੀ ਜਾਂ ਕਾਂਟਰੈਕਟਰ ਦਾ ਟੈਂਡਰ

ਐਕਸੈਪਟ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਇਨਫਾਰਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਹ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਸਕੇ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਸਾਈਨ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੀ ਕੋਈ ਪੇਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ?

**Mr. Speaker** : It is no point of order.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । जवाब में कहा गया है कि फलां काम ऐग्रीमेंट के बाद 36 महीनों के अन्दर कम्पलीट किया जाएगा । जब अभी तक एग्रीमेंट साइन नहीं हुआ जो 36 महीनों की मियाद बताई गई है, तो उस की मियाद कितनी समझी जानी चाहिए ?

**Mr. Speaker** : It is no point of order.

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम**: आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर । जब किसी ठेकेदार को काम अलाट कर दिया जाता है और वह काम भी शुरू कर देता है लेकिन बाद में काम करते २ कोई गड़बड़ शुरू कर देता है तो उस चीज़ को देखते हुए सरकार उन के ऐग्रीमेंट को कैंसल कर सकती है या नहीं ताकि वह काम किसी दूसरे को देकर मुकम्मल कराया जा सके ?

**Mr. Speaker** : It is not a point of order.

**कामरेड राम प्यारा** : चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी ने बताया कि जब किसी का टैंडर मंजूर कर लिया जाता है तो उस कंट्रेक्टर को काम करने के लिये इन्फार्म कर दिया जाता है और एग्रीमेंट बाद में भी साइन हो जाता है । मैं चीफ पार्लियामैंटरी सेक्रेटरी से पूछना चाहता हूं कि आया उस कंट्रैक्टर को ऐग्रीमेंट साइन होने से पहले ही काम के इवज़ में कोई या कुछ पेमेंट कर दी जाती है या नहीं ?

**Chief Parliamentary Secretary** : No.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब बताने की कृपा करेंगे कि जब अभी तक एग्रीमेंट साइन नहीं हुआ तो 36 महीनें की मियाद कितनी समझनी चाहिए । क्या इस की मियाद 5, 6 साल तक समझनी चाहिए । खुदा न खास्ता फिर देश में एमरजेंसी न आ जाए तो इस की मियाद और बढ़ जाएगी या काम बन्द हो जाएगा । मैं पूछना चाहता हूं कि काम कब तक कम्पलीट हो जाएगा ।

**मुख्य संसद सचिव** : जल्दी ही एग्रीमेंट साईन हो जाएगा और जल्दी ही काम शुरू हो जाएगा ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਕੀ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਉਸ ਕਾਂਟਰੈਕਟਰ ਨੂੰ ਜਿਹੜਾ ਉਥੇ ਪੁਲ ਬਣਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕੋਈ ਪੇਮੈਂਟ ਵੀ ਦਿਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਅਗਰ ਪੇਮੈਂਟ ਦਿਤੀ ਤਾਂ ਕਿੰਨੀ ਦਿਤੀ ?

**Chief Parliamentary Secretary** : Separate Notice is required for this.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ । ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ "ਨੋ" ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਉਤੇ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਮੰਗਿਆ ਹੈ .. ..

**Mr. Speaker** : Question Hour is over.

ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਸਵਾਲ ਲਈ ਕਾਲ ਅਪੌਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਕੀ ਮੇਰਾ ਸਵਾਲ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਟੇਕ ਅਪ ਹੋਵੇਗਾ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਹਿਲਾ ਸਵਾਲ ਖ਼ਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਇਸੇ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ ਕੁਐਸ਼ਚਨ ਆਵਰ ਖਤਮ ਹੋ ਗਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਡਾ ਸਵਾਲ ਟੇਕ ਅਪ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ। (The supplementaries on the previous question had not yet finished, when the Question Hour was over. Therefore his question could not be taken up.)

ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਕਾਲ ਅਪੌਨ ਕੀਤਾ, ਇਸ ਲਈ ਮੇਰਾ ਸਵਾਲ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਟੇਕ ਅਪ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**Mr. Speaker** : Please take your seat.

**श्री बलरामजी दास टंडन**: स्पीकर साहिब, यह बहुत ही इम्पार्टेंट सवाल है। इस में बहुत गड़बड़ हुई है। इसलिये इस पर और सप्लीमैंटरी करने की इजाज़त दी जाए।

**Mr. Speaker** : Further supplementary questions can be asked next time.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਉਤੇ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀਜ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਵੇਗੀ ?

**श्री अध्यक्ष** : आप को सवाल के लिये काल अपौन किया था। आनरेबल मैम्बर पहले सवाल के लिये सप्लीमैंटरी पूछने के लिये इन्सिस्ट करते रहे और उन के कहने के मुताबिक उस सवाल पर सप्लीमैंटरी करने की इजाज़त दे दी थी। आप का सवाल टेक-आप नहीं हुआ। इस बारे में जो प्रोसीजर है, वह फालो होगा। (Hon. Member's question was called upon, but the Members insisted upon making further interpellations on the previous question and their request for more supplementaries was allowed. So his question could not be taken up and the procedure laid down in this connection will be followed.)

---

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

### Patiala-Bhadson Road

***8931, Comrade Bhan Singh Bhaura :** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether it is a fact that the Original alignment of the Patiala-Bhadson Road is now being changed ; if so, the reasons for the same ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (1) Yes. The alignment is being changed at the starting point near Bhadson and between village Raimalmajri and Sadhnauli.

(2) The change is being made for the following reasons :—

(i) in order to prevent splitting of good agricultural land near village Bhadson ;

(ii) the original approved alignment touched the outskirts of Bhadson town and covered the Agricultural Fertile land measuring 4.9 acres as against 0·91 acres only under the changed alignment.

---

**Roads constructed in the State**

***9125, Pandit Chiranji Lal Sharma:** Will the Minister for Public work be pleased to state the details of the roads constructed by the Government from April, 1962 to January, 1966 in the State, districtwise and the amount spent on each road alongwith the year of its construction.

**Chaudhri Ranbir Singh :** A statement is laid on the table of the House·

[Pubiic Works Minister]

**Statement showing roads built from 1962 to 1966**

| Serial No. | Name of Road | | Total length (Miles) | Length Metalled During | | | | Total cost upto September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 upto 30th September, 1965 | |
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | DISTRICT GURGAON | | | | | | | |
| 1 | Dharuhera-Shahjahanpur | .. | 18.54 | 15.75 | Completed | | | 18.50 |
| 2 | Rewari-Pataudi | .. | 13.52 | 3.00 | Completed | | | 7.24 |
| 3 | Gohana-Sikrawa | .. | 7.25 | 0.50 | Completed | | | 7.12 |
| 4 | Bhadas-Sikrawa | .. | 8.00 | 0.50 | Completed | | | 7.84 |
| 5 | Ferozepur Jhirka-Tijjara | .. | 3.98 | 0.75 | 1.12 | Completed | | 3.80 |
| 6 | Chhajju Nagar-Rasulpur | .. | 2.25 | 2.25 | | Completed | | 2.19 |
| 7 | Ferozepur Jhirka-Bhiwan Pahari | .. | 8.92 | 5.00 | 3.92 | Completed | | 6.61 |
| 8 | Village Lissan to Dahina Jastusana Road | .. | 4.50 | .. | .. | 0.75 | 1.25 | 0.79 |
| 9 | Dahina-Jastusana | .. | 11.00 | .. | .. | 4.00 | 2.25 | 1.67 |
| 10 | Gobindpuri-Nangal Mundi | .. | 6.00 | .. | .. | 5.75 | 0.25 Completed | 0.09 |
| 11 | Mamaria-Thatar to village Mayan | .. | 3.00 | .. | .. | .. | 3.00 Completed | 0.81 |
| 12 | Rewari-Mohindergarh via Kaiuna | .. | 17.50 | 7.50 | | Completed | | 17.42 |

| No. | Name of Road | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **DISTRICT ROHTAK** | | | | | | | |
| 1 | Matenhale-Jharli Bahu Road | .. | 11.80 | 1.00 | .. | .. | .. | 2.54 |
| 2 | Chhara-Bahadurgarh | .. | 12.90 | 1.88 | 3.62 | 2.40 | 2.25 | 3.84 |
| 3 | Gohana-Bhainswal | .. | 7.05 | 2.88 | .. | 0.87 | .. | 4.07 |
| 4 | Gohana-Lakhan Majra | .. | 15.33 | 2.00 | 1.00 | 4.45 | 7.75 | 9.68 |
| 5 | Mile 28 of G.T. Road to village Jatheri | .. | .. | 2.20 | 2.20 | Completed | | 1.09 |
| 6 | Village Pipli Khera to G.T. Road | .. | | 0.72 | 0.72 | Completed | .. | 0.28 |
| 7 | Gurgaon-Jhajjar Road | .. | 13.30 | 4.00 | 4.00 | Completed | | 4.54 |
| 8 | Mohindergarh-Kaina Lukhi-Nahar Road (in Rohtak District) | | 1.82 | .. | 1.82 | Completed | | 1.75 |
| 9 | Ganaur-Shahpur Road, Section-Khubru Shahpur | .. | 4.46 | .. | .. | 0.96 | 2.00 | 3.54 |
| 10 | Gohana-Jind | .. | 10.25 | .. | .. | .. | 2.25 | 2.03 |
| 11 | Sasrauli-Kaliwas | .. | 6.98 | .. | .. | .. | 6.98 Completed | 2.24 |
| 12 | Jhajjar-Subana | .. | 10.83 | .. | .. | .. | 3.00 | 1.26 |
| 13 | Jhajjar-Badli | .. | 8.44 | .. | .. | .. | 1.70 | 1.50 |
| 14 | Kosli-Gurian | .. | 4.60 | .. | .. | .. | 4.60 Completed | 1.78 |
| | **DISTRICT HISSAR** | | | | | | | |
| 1 | Link road connecting Tosham-Hissar Road to village Daiman | | 0.80 | 0.80 | Completed | | | 0.75 |
| 2 | Barwala-Agroha mile 11 to 15.87 | .. | 5.87 | 0.50 | .. | 2.87 | 1.50 Completed | 3.75 |
| 3 | Pabra-Sarsaund | .. | 7.32 | 0.32 | Completed | | .. | 7.28 |

[Public Works Minister]

| Serial No. | Name of Road | Total length (Miles) | Length Metalled During | | | | Total cost up to September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 up to 30th September, 1965 | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 4 | Bhiwani Kheri to Garhi .. | 7.67 | 2.33 | 2.67 | Completed | | 7.60 |
| 5 | Balsmand-Bhadra .. | 5.75 | .. | 1.25 | 1.75 | .. | 1.26 |
| 6 | Link road to vi age Papso from Hansi Tosham Road .. | 1.25 | 1.25 | Completed | | | 0.38 |
| 7 | Bhaini Pal to Agricultural Farm, Hansi .. | 1.31 | 1.31 | Completed | | | 1.25 |
| 8 | Kalanwali-Rori Road .. | 15.00 | 0.50 | Completed | | | 9.57 |
| 9 | Ding to D.H.S. Road .. | 4.79 | 0.12 | 0.13 | Complete | | 2.74 |
| 10 | Tohana-Ratia .. | 21.22 | 1.00 | 1.22 | Completed | | 21.10 |
| 11 | Ottu-Rania .. | 4.50 | 1.50 | 0.50 | 2.50 | Completed | 2.46 |
| 12 | Dabwali-Chutala Road to Barang Khera .. | 1.31 | 1.31 | Completed | | .. | 0.67 |
| 13 | Link road from village Kanehri to mile 40/1 of Hissar-Barwala-Tohana Road | 0.38 | 0.38 | Completed | | .. | 0.35 |
| 14 | Jhumpa Kalan-Bahal-Kairu Road .. | 28.16 | .. | 3.00 | 14.25 | 4.41 | 17.76 |
| 15 | Tosham-Siwani Road .. | 22.38 | .. | 1.78 | 6.92 | 10.46 | 11.33 |
| 16 | Rori-Sardulgarh .. | 0.60 | .. | 0.60 | Complete | | 0.54 |
| 17 | Sirsa-Ellanabad .. | 6.00 | .. | .. | 2.00 | 1.75 +1.00 | 3.36 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 18 | Ludesar-Bhattu | .. | 15·19 | .. | 2·25 | 1·19 | Completed | 15·14 |
| 19 | Bhattu-Bhadra | .. | 8·63 | .. | .. | 1·00 | 0·75 | 1·92 |
| 20 | Ratia-Rori | .. | 14·81 | .. | .. | 0·12 | Completed | 8·26 |
| 21 | Barwala-Daulatpur | .. | 5·63 | .. | .. | .. | 1·75 | 0·95 |
| 22 | Tosham-Bahal | .. | 21·70 | .. | .. | .. | 4·50 | 8·71 |
| 23 | Manwal-Chichal Kotli | .. | 15·38 | .. | .. | .. | 1·00 | 1·11 |
| 24 | Rania-Chichal Kotli | .. | 6·40 | .. | .. | .. | 3·00 | 2·20 |
| 25 | Budhlada-Ratia | .. | 6·59 | .. | .. | .. | 1·00 | 4·09 |
| 26 | Link road, Mile 28 of Hissar-Tohana Road to Uklana-Mandi | | 3·24 | .. | .. | .. | 1·00 | 0·79 |
| | **DISTRICT KARNAL** | | | | | | | |
| 1 | Panipat-Barsat Road | .. | 8·07 | .. | .. | 6·25 | 0·88 | 0·78 |
| 2 | Assandh-Nikhuran | .. | 16·38 | 4·42 | 5·33 | Completed | | 16·25 |
| 3 | Village Rambato Indri-Ladwa Road | .. | 1·20 | 0·50 | 0·25 | .. | .. | 0·37 |
| 4 | Kond-Munak Road | .. | 9·20 | .. | 3·00 | 0·62 | 0·37 | 0·23 |
| 5 | Chika-Tatiana Road | .. | 3·36 | .. | 1·75 | 0·50 | 0·36 Completed | 1·05 |
| 6 | Pehowa-Dhand | .. | 6·18 | .. | 3·00 | 3·18 | Completed | 3·79 |
| 7 | Panipat-Sanauli | .. | 7·51 | .. | .. | 5·00 | 1·62 | 6·64 |
| 8 | Pehowa-Gulah | .. | 16·80 | 7·00 | Completed | | .. | 10·35 |
| 9 | Jhansa-Thol | .. | 5·45 | 1·00 | .. | 2·00 | .. | 3·20 |
| | **DISTRICT AMBALA** | | | | | | | |
| 1 | Kurali-Siswan | .. | 10·10 | 2·00 | 1·75 | 1·00 | .. | 4.98 |

[Public Works Minister]

| Serial No. | Name of Road | | Total length (Miles) | Length Metalled during 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 up to 30th September, 1965 | Total cost up to September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 2 | Panjore-Nalagarh | .. | 23·00 | 4·25 | 5·00 | 8·00 | Completed | 20·36 |
| 3 | Link road to Khanpur Garden Colony | .. | 1·03 | 1·03 | Completed | | | 0·57 |
| 4 | Mubarikpur-Ramgarh Road | .. | 3·10 | 3·00 | 0·10 | Completed | | 3·08 |
| 5 | Ambala-Jagadhri | .. | 24·40 | 2·90 | 0·50 | Completed | | 14·71 |
| 6 | Mohri-Kesri Road | .. | 3·90 | 1·75 | 0·15 | Completed | | 3·12 |
| 7 | Jagadhri Bye-pass | .. | 1·37 | 1·37 | Completed | .. | | 0·85 |
| 8 | Chhajju-Majra-Raipur Rani, Mile 6—9 | .. | 3·00 | 2·25 | 0·25 | 0·50 | Completed | 2·71 |
| 9 | Mullanpur to Kurali-Siswan Road | .. | 3·50 | .. | .. | 0·75 | 0·50 | 0·93 |
| 10 | Sadhaura-Bilaspur | .. | 7·44 | .. | .. | 0·69 | Completed | 5·08 |
| 11 | Rangilpur-Mianpur | .. | 1·84 | .. | .. | .. | 0·62 | 0·15 |
| | DISTRICT LUDHIANA | | | | | | | |
| 1 | G.T. Road Bye Pass, Ludhiana | .. | 5·38 | 0·13 | Completed | | .. | 5·30 |
| 2 | Pail Ghurani-Dehlon, mile 7.58—13.23 | .. | 5·70 | .. | .. | 4·70 | 0·75 | 3·00 |
| 3 | Chokiman-Swadi-Bhundri | .. | 9·09 | 1·75 | 0·25 | 1·50 | 1·00 | 0.41 |
| 4 | Machhiwara-Rahon | .. | 5·38 | 1·87 | .. | 1·38 | 0·38 Completed | 4·02 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | Samrala-Chawa .. | 6·66 | 0·75 | 0·25 | 0·62 | 0·75 | 3·46 |
| 6 | Link to village Sangatpura from mile 34 of Ludhiana-Chandigarh Road | 1·44 | 1·44 | Completed | | .. | 0·88 |
| 7 | Khanna-Bhari-Kheri .. | 8·01 | 2·62 | 1·50 | 1·64 | 1·25 | 4·23 |
| 8 | Halwara-Pakhowal .. | 3·85 | 1·73 | 1·37 | 0·75 | Completed | 2·40 |
| 9 | Approach to Sidhwan Kalan .. | 0·78 | 0·78 | Copmleted | | .. | 0·42 |
| 10 | Sidhwan-Mahtpur .. | 2·32 | 0·75 | 0·75 | .. | .. | 1·20 |
| 11 | Approach to Bhaini Sahib from mile 14/1 of Ludhiana-Samrala Road | 1·46 | 1·46 | Completed | | .. | 0·53 |
| 12 | Sahnewal-Dehlon Raipur Gujjarwal Road—<br>(i) Section Sahnewal-Dehlon and Gujjarwal-Pakhowal | 10·47 | .. | .. | 1·84 | 1·75 | 2·32 |
| | (ii) Section Raipur Gujjarwal .. | 5·11 | .. | .. | .. | 1.25 | |
| 13 | Jagraon-Raikot Road to village Johran .. | 3·46 | .. | 1·25 | .. | 1·00 | 4·61 |
| | **DISTRICT FEROZEPUR** | | | | | | |
| 1 | Abohar-Usmankhera .. | 19·42 | 2·50 | 3·67 | Completed | | 16·27 |
| 2 | Abohar-Sitogana-Dabwali .. | 33·38 | 3·63 | 2·16 | 3·88 | .. | 13·35 |
| 3 | Usmankhera-Siri Manga Nagar (19·42—21·98) .. | 2·56 | .. | 2·56 | Completed | | 2·32 |
| 4 | Dipsingwala to mile 21/4 of F.F. Road .. | 8·00 | 3·25 | .. | .. | .. | 2·13 |
| 5 | Zira-Dharamkot Road .. | 14·60 | 0·25 | 0·75 | 1·50 | 2·00 | 6·67 |
| 6 | Ferozepur-Dodh Road .. | 9·00 | 1·50 | 2·00 | 0·50 | 2·00 | 0·89 |
| 7 | Bagapurana-Nathana-Bhucho Road .. | 12·00 | 2·00 | 2·75 | .. | .. | 5·57 |
| 8 | Badni-Ramgarh (mile 14—25·12) .. | 12·12 | .. | 0·12 | Completed | | 8·77 |
| 9 | Mukatsar-Bhatinda .. | 18·00 | .. | 0·50 | Completed | | 11·95 |

[Public Works Minister]

| Serial No. | Name of Road | | Total length (Miles) | Length Metalled During | | | | Total cost upto September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 upto 30th September, 1965 | |
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 10 | Mukatsar-Dodh, 0—12·60 | .. | 12·60 | .. | .. | 2·00 | 7·25 | 4·72 |
| 11 | Approach to Wahike Police Post | .. | 7·87 | .. | .. | 4·25 | 1·50 | 0·41 |
| 12 | Amrikhas-Midha | .. | 3·12 | .. | .. | 0·88 | 1·50 | 0·22 |
| 13 | Dudhike to Chuhar Chak | .. | 2·00 | .. | .. | 1·00 | 1·00 Completed | 0·99 |
| 14 | Ferozepur-Fazilka Road to Nurshah Police Picket | .. | 3·72 | .. | .. | .. | 2·00 | 0·26 |
| 15 | Dhudke-Deodhar | .. | 3·00 | .. | .. | .. | 1·00 | 0·82 |
| | DISTRICT JULLUNDUR | | | | | | | |
| 1 | Nurmahal-Talwan | .. | 24·84 | 1·62 | Completed | | | 18·68 |
| 2 | Adampur-Bhogpur | .. | 9·58 | 2·00 | Completed | | | 8.70 |
| 3 | Approach to village Shankar | .. | 3·00 | 0·25 | Completed | | | 1·91 |
| 4 | Bye-Pass at Phillaur | .. | 1·88 | .. | 0·15 | 1·50 | 0·23 | 10·62 |
| 5 | G.T. Road Bye-pass to Suranasi | .. | 3·83 | .. | .. | 1·00 | 2·50 | 1·50 |
| 6 | Mehtapur-Sidhwan Road, Mile 5—9 | .. | 4·00 | .. | 1.00 | Completed | | 3·20 |
| 7 | Rahon-Machhiwara | .. | 5·85 | .. | 0·25 | 0·75 | .. | 1·40 |
| 8 | Chitti-Lambra | .. | 3·25 | .. | 1·75 | .. | 1·25 | 2·22 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | Bhogpur-Bholath, Section mile 0 ·00— 2.75 | 2 ·75 .. | .. | .. | 1 ·62 | 0 ·75 | 3 ·27 |
| 10 | Nurmahal-Kot Badal Khan | 3 ·20 | .. | .. | 3 ·20 | Completed | 1 ·75 |
| 11 | Dosanjh Kalan G.T. Road | 5 ·00 | .. | .. | 2 ·50 | 1 ·00 | 1 ·77 |
| 12 | Ludhiana-Rahon-Jadla | 15 ·00 | .. | .. | 2 ·00 | .. | 4 ·05 |
| 13 | Phagwara-Mahalpur, Section Paldi-Sadhwan (5 ·44— 6 ·68) | 3 ·24 | .. | .. | 3 ·24 | Completed | 3 ·18 |
| | DISTRICT HOSHIARPUR | | | | | | |
| 1 | Anandpur-Ferry approach | 2 ·63 | 2 ·13 | 0 ·25 | Completed | | 0 ·22 |
| 2 | Garhshankar-Nurpur | 23 ·08 | 1 ·50 | .. | .. | 1 ·00 Completed | 15 ·10 |
| 3 | Dasuya-Miani | 9 ·54 | 3 ·25 | .. | .. | 0 ·75 | 5 ·95 |
| 4 | Hamirpur-Nadaun-Mubarikpur | 11 ·83 | 1 ·00 | 1 ·50 | .. | .. | 10 ·91 |
| 5 | Mahalpur-Jaijon | 8 ·50 | .. | 0 ·50 | Completed | | 5 ·04 |
| 6 | Haryana-Dholbaha Road to village Janauri | 0 ·73 | 0 ·73 | Completed | | | 0 ·53 |
| 7 | Una-Aghar-Mandi, section in Hoshiarpur District | 4 ·05 | 3 ·00 | 1 ·00 | 0 ·05 | Completed | 3 ·95 |
| 8 | Mahalpur-Phagwara, Section Paldi-Sandhwan, 0 ·00— 5 ·44 | 5 ·44 | 4 ·00 | 0 ·75 | 0 ·69 | Completed | 1 ·17 |
| 9 | Churu-Amb | 7 ·24 | 3 ·00 | 0 ·24 | Completed | | 6 ·84 |
| 10 | Bye-pass at Hoshiarpur | 3 ·08 | .. | 3 ·08 | Completed | | 3 ·01 |
| 11 | N.H. No. 1-A to village Zahura | 1 ·52 | .. | .. | 0 ·50 | 1 ·00 Completed | 1 ·48 |
| 12 | Churu-Chowkiminar | 2 ·77 | .. | .. | 2 ·00 | 0 ·77 Completed | 2 ·65 |
| 13 | Nurpur-Abiana | 7 ·06 | .. | .. | .. | 0 ·25 | 2 ·53 |

[Public Works Minister]

| Serial No. | Name of Road | | Total length (Miles) | Length Metalled During | | | | Total cost up to September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 up to 30th September, 1965 | |
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | DISTRICT AMRITSAR | | | | | | | |
| 1 | Chhabal-Attari | .. | 16.38 | 0.25 | 4.03 | 1.00 | Completed | 10.13 |
| 2 | Pati-Khemkarn up to Valtoha | .. | 11.30 | 5.50 | 4.30 | Completed | .. | 8.73 |
| 3 | Amritsar-Taran Taran Road to Verpal | .. | 1.50 | 1.50 | Completed | | .. | 0.80 |
| 4 | Gandiwind approach | .. | 0.75 | .. | 0.75 | Completed | | 0.68 |
| 5 | Sheron-Dhotian | .. | 6.75 | .. | 4.00 | 1.75 | 0.50 | 3.14 |
| 6 | Khem Karan-Gajjal | .. | 5.34 | .. | .. | 1.50 | 0.50 | 2.20 |
| 7 | Bachhiwind Town to Bachhiwind | .. | 0.83 | .. | .. | 0.83 | Completed | 0.78 |
| 8 | Manj-Kakkar | .. | 2.09 | .. | .. | 1.00 | Completed | 0.75 |
| 9 | Gaggomahal-Chaharpur | .. | 1.30 | .. | .. | 1.30 | Completed | 0.75 |
| 10 | Punga-Barlas | .. | 2.69 | .. | .. | 1.60 | 1.00 Completed | 1.36 |
| 11 | Ajnala-Balharwal | .. | 4.30 | .. | .. | .. | 2.55 | 2.03 |
| 12 | Ramdass-Kamalpur | .. | 3.70 | .. | .. | .. | 2.00 | 1.08 |
| 13 | Village Tungpain to Amritsar-Pathankot Road | .. | 0.40 | .. | .. | .. | 0.25 | 0.10 |
| | DISTRICT GURDASPUR | | | | | | | |
| 1 | Fatehgarh Churian Town to Derababa Nanak (up to Mullowal) | | 9.80 | 6.75 | 0.25 | 1.80 | Completed | 5.79 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | Gurdaspur to Kahnuwan | .. | 9.37 | 4.25 | 0.25 | .. | .. | 5.44 |
| 3 | Gurdaspur-Pandori Mahantan | .. | 6.50 | 0.75 | 0.50 | 2.00 | Completed | 6.25 |
| 4 | Pathankot-Shahpur Kandi | .. | 8.00 | .. | .. | 4.50 | 1.00 | 2.75 |
| 5 | Kala Afgana-Veela Teja | .. | 3.33 | 0.50 | 1.75 | 0.33 | Completed | 1.97 |
| 6 | Dina Nagar -Galri | .. | 7.90 | 2.00 | 3.65 | 2.25 | Completed | 3.38 |
| 7 | G.P.O., Dalhousie to Bhakrota | .. | 1.88 | .. | 0.50 | 0.75 | 0.63 Completed | 4.12 |
| 8 | Kalanaur-Bodhwadala | .. | 3.90 | .. | .. | 1.00 | 1.96 | 2.33 |
| 9 | Kalanaur-Qila Lal Singh | .. | 9.41 | .. | .. | 4.75 | 1.25 | 5.04 |
| 10 | Durangla-Shahpur | .. | 0.88 | .. | .. | 0.88 | Completed | 0.86 |
| | DISTRICT KANGRA | | | | | | | |
| 1 | Dehra-Jawalamukhi | .. | 7.32 | 3.75 | 0.75 | Completed | | 8.57 |
| 2 | Palampur-Thural Road | .. | 13.00 | 1.13 | 4.25 | 2.50 | .. | 11.88 |
| 3 | Bilaspur-Aghar-Hamirpur, Section Hamirpur-Bhota, 0.88 to 9.00 | | 8.12 | 2.00 | 3.62 | 1.00 | 0.37 | 9.52 |
| 4 | Approach to Jawalamukhi Mandir | .. | 0.20 | 0.20 | Completed | | .. | 1.02 |
| 5 | Nadaun-Hamirpur | .. | 16.75 | .. | 8.75 | 0.25 | Completed | 26.96 |
| 6 | Holta-Chadhiar (up to Rajpura) | .. | 2.50 | .. | 0.50 | Completed | | 2.84 |
| 7 | Chambi-Dharamsala | .. | 10.00 | .. | 0.50 | 2.38 | .. | 7.50 |
| 8 | Ahju-Bir (Section Punjab Boundry to Bir) | .. | 1.55 | .. | 1.55 | Completed | | 1.45 |
| 9 | Nadaun-Jawar | .. | 15.00 | .. | .. | 1.25 | .. | 5.00 |
| 10 | Nurpur-Fatehpur Dhameta | .. | 22.00 | .. | .. | .. | 4.00 | 4.64 |
| 11 | Una-Aghar-Mandi Road | .. | 39.71 | .. | .. | .. | 7.25 | 30.26 |

[Public Works Minister]

| Serial No. | Name of Road | | Total length (Miles) | Length Mentalled During | | | | Tota cost up to September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 upto 30th September, 1965 | |
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 12 | Kangra to Tanda Sanatorium | .. | 2.00 | .. | .. | .. | 2.00 Completed | 1.80 |
| 13 | Yol-Dadh | .. | 3.66 | .. | .. | .. | 0.66 | 2.43 |
| 14 | Dharamsala-Yol | .. | 4.22 | .. | .. | .. | 0.2 | 5.20 |
| | **DISTRICT KULU** | | | | | | | |
| 1 | Left Bank Road Kulu to Manali (Jeepable Road) | .. | 25.00 | 2.50 | 6.75 | 1.25 | 0.25 | 5.90 |
| 2 | Bhuntar-Mainkaran (Jeepable Road) | .. | 21.00 | 4.25 | 5.00 | 0.25 | .. | .. |
| 3 | Manali-Kotli-Rahla | .. | 11.50 | .. | 6.50 | 4.50 | .. | 12.84 |
| 4 | Raison-Manali Right Bank Road | .. | 16.00 | .. | 16.00 | Completed | | 11.17 |
| 5 | Link Road from Hindustan-Tibet Road to Nirmand (Jeepable Road) | | 9.00 | .. | 2.50 | 6.00 | 1.00 | 2.74 |
| | **DISTRICT LAHAUL AND SPIT** | | | | | | | |
| 1 | Gramphoo-Koksar (Truckable Road) | .. | 2.34 | 0.75 | 0.09 | Completed | | 2.25 |
| 2 | Koksar-Keylong (Truckable) Road | .. | 26.62 | 2.25 | 3.62 | 5.62 | 0.50 | 7.36 |
| 3 | Tandi-Throat (Jeepable) | .. | 19.27 | 3.50 | 2.00 | 4.25 | 2.00 | 5.79 |
| 4 | Batal-Kunzampass (jeepable road) | .. | 6.95 | 1.00 | 1.62 | 1.38 | .. | 5.28 |
| 5 | Khunzampass-Lossar (Jeepable Road) | | | | | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | Khunzampass-Lossar (Jeepable Road) | 11.95 | .. | .. | 9.00 | .. | 13.72 |
| 6 | Lossar-Kiato (Jeepable Road) | 8.84 | .. | .. | 8.84 | Completed | 2.58 |
| 7 | Kiato-Hull (Jeepable Road) | 11.50 | 2.00 | 9.50 | Completed | | 10.76 |
| 8 | Hull to Rangrik Bridge (Jeepable Road) | 11.55 | .. | 10.30 | Completed | | 11.40 |
| 9 | Rangrik-Kibber (Jeepable Road) | 9.78 | .. | .. | 0.10 | 3.75 | 4.59 |

*Note.*—Roads at serial Nos. 4 to 9 are also being widened to Truckable Road and the work is in progress.

DISTRICT SIMLA

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Boileauganj-Tavi Road | 0.54 | .. | .. | 0.54 | Completed | 0.93 |
| 2 | Waknaghat-Sabathu Road (Motorable Road) | 21.28 | .. | 4.00 | 4.00 | .. | 6.77 |
| 3 | Totu-Badheri-Sabathu (Motorable Road) | 22.60 | .. | 4.50 | 6.00 | 2.00 | 13.17 |
| 4 | Mamligh-Bill (Motorable Road) | 4.41 | .. | 2.00 | 1.00 | 1.00 | 3.70 |
| 5 | Solan-Jaunaji-Kotla -Gaura (Motorable oad) | 11.40 | 2.00 | 4.00 | 2.00 | 2.00 | 4.07 |

*Note.*—Roads at item Nos. 2 to 5 have since been completed as motorable roads, but ultimately these are to be metalled and black topped.

DISTRICT PATIALA

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Pail-Ghurani-Dehlon in Patiala, 3.56—7.58 | 4.02 | 0.75 | | Completed | Completed | 3.88 |
| 2 | Approach to village Lal Kalan | 0.87 | 0.75 | 0.12 | Completed | ,, | 0.40 |
| 3 | Patiala-Bhadson | 15.18 | .. | .. | 0.50 | 2.00 | 2.98 |
| 4 | Patiala-Panjola-Chika, 0.75—14.65 | 13.80 | .. | 4.00 | 0.50 | .. | 7.00 |
| 5 | Patiala-Sirhind | 17.32 | 3.32 | 1.00 | Completed | | 10.39 |
| 6 | Bhawani arh-Samana—Section 4.00—12.73 | 9.73 | 1.37 | 2.00 | 2.36 | .. | 14.11 (for items 6 and 7) |
| 7 | Samana-Guhla | 7.06 | 1.00 | 2.25 | 0.50 | 0.40 | |

[Public Works Minister]

| Serial No. | Name of Road | | Total length (Miles) | Length Metalled during 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 up to 30th September, 1965 | Total cost upto September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 8 | Link to village Chelala | .. | 2.2 | .. | .. | 1.12 | 0.25 | 0.9 |
| 9 | Bye-Pass Rajpura | .. | 2.12 | 2.12 | | Completed | | 2.05 |
| | DISTRICT SANGRUR | | | | | | | |
| 1 | Sunam-Jakhal | .. | 23.02 | 6.75 | 2.00 | 6.00 | 1.75 | 15.80 |
| 2 | Badber-Longowal | .. | 4.06 | 1.25 | 1.50 | | Completed | 1.33 |
| 3 | Bye-Pass at Malerkotla | .. | 2.03 | 1.50 | | Completed | | 2.55 |
| 4 | Link to village Ram Rai | .. | 0.35 | 0.35 | | Completed | | 0.29 |
| 5 | Uklana-Narwana | .. | 14.30 | 3.32 | 1.30 | 6.75 | Completed | 8.90 |
| 6 | Jind-Pindu-Pindara | .. | 3.05 | 2.25 | 0.75 | Completed | | 1.87 |
| 7 | Kalait-Mataur | .. | 3.43 | 3.25 | 0.18 | Completed | Completed | 1.61 |
| 8 | Jind-Rohtak | .. | 19.32 | 0.75 | | Completed | | 11.22 |
| 9 | Pakhoke-Ramgarh | .. | 9.20 | .. | 0.75 | 0.95 | Completed | 7.01 |
| 10 | Link to village Haidar Nagar | .. | 1.67 | 1.67 | | Completed | | 0.56 |
| 11 | Jind - Gohana | .. | 13.40 | .. | 1.75 | 5.25 | 4.00 | 6.85 |
| 12 | Link to Sunam from mile 41/6 of S.B.T.S. Road | .. | 0.49 | .. | .. | 0.49 | Completed | 0.47 |
| 13 | Barnala-Sanghara | .. | 1.24 | .. | .. | .. | 1.24 Completed | 0.28 |

DISTRICT BHATINDA

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Village Jassi to Bhatinda-Dabwali Road | .. | 0.30 | .. | .. | .. | 0.30 | 0.13 |
| 2 | Budhlada-Ratia | .. | 11.23 | 5.75 | 3.23 | Completed | Completed | 7.76 |
| 3 | Budhlada-Jakha, 10.00—18.25 | .. | 18.25 | 5.12 | 2.00 | 5.50 | 2.00 | 11.47 |
| 4 | Bhatinda-Muktsar | .. | 11.20 | 0.60 | | Completed | | 6.70 |
| 5 | Talwandi Sabo-Rari | .. | 12.75 | 4.00 | .. | 2.00 | .. | 6.61 |
| 6 | Rampura Phool-Maur Road | .. | 14.10 | 0.10 | | Completed | | 13.10 |
| 7 | Baghapurana-Nathana-Bhucho | .. | 16.00 | 2.50 | 0.50 | .. | 0.25 | 7.27 |
| 8 | Link Road to Lahra-Mohbatt Railway Station | .. | 1.43 | 1.00 | .. | .. | .. | 0.41 |
| 9 | Hari Singhwala-Sardulgarh | .. | 26.00 | 1.50 | | Completed | | 25.50 |
| 10 | Bhikhi-Dhanaula | .. | 3.75 | 2.00 | 1.00 | 0.75 | Completed | 0.69 |
| 11 | Rori-Sardulgarh | .. | 2.73 | .. | 1.28 | 1.45 | Completed | 2.68 |
| 12 | Talwandi Sabo-Rori | .. | 7.0 | .. | .. | 1.00 | 2.00 | 6.08 |
| 13 | Muktsar-Dodh, 12.60—20.00 | .. | 7.4 | .. | .. | 1.50 | .. | 1.50 |
| 14 | Ratia-Sardulgarh | .. | 7.56 | 0.50 | 0.21 | .. | 1.35 | 2.35 |
| 15 | Kheowali-Badala Gudda | .. | 8.32 | .. | .. | .. | 3.00 | 1.67 |

DISTRICT KAPURTHALA

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Degowal-Miani | .. | 2.98 | 2.00 | | Completed | | 2.42 |
| 2 | Nadala-Begowal | .. | 8.50 | 1.25 | 5.00 | 0.50 | Completed | 4.00 |
| 3 | hogpur-Bholath (Section Mile 2.75—8.30) | .. | 5.55 | .. | .. | 1.00 | .. | 3.28 |

[Public Works Mini er]

| Serial No. | Name of Road | Total length (Miles) | Length Metalled during 1962-63 | 1963-64 | 1964-65 | 1965-66 upto 30th September, 1965 | Total cost up to September, 1965 (Rs lacs) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | DISTRICT MOHINDERGARH | | | | | | |
| 1 | Kanina-Ateli .. | 16.50 | .. | 1.50 | 5.50 | 2.00 | 10.6 |
| 2 | Mohindergarh-Satnali-Bhadra Jiri .. | 34.09 | .. | .. | 2.00 | 7.75 | 12.57 |
| 3 | Jetwar-Dalot .. | 6.75 | .. | .. | 0.50 | 5.00 | 2.21 |
| 4 | Dadri-Loharu in Mohindergarh .. | 25.94 | 6.44 | 2.50 | | Completed | 20.18 |
| 5 | Mohindergarh-Kanina-Lukhi-Nahar .. | 17.33 | .. | 2.33 | | | 8.92 |
| 6 | Narnaul-Nizampur .. | 8.63 | 1.13 | | Completed | | 2.47 |
| 7 | Rewari-Mohindergarh via Kanina .. | 3.34 | 3.34 | | | Completed | 4.78 |
| 8 | Dadri-Chirya Road .. | 8.62 | .. | .. | .. | 8.00 | 2.60 |
| 9 | Village Ghosala to Dadri-Mohindergarh .. | 0.59 | .. | .. | .. | 0.59 Completed | 0.16 |
| 10 | Chapar-Atela Road .. | 2.84 | .. | .. | .. | 2.84 Completed | 0.81 |
| 11 | Faizabad-Seema-Kanina Road .. | 17.91 | .. | .. | .. | 4.00 | 4.47 |
| 12 | Nizampur-Nangal Chowdhri .. | 10.33 | .. | .. | .. | 5.33 | 2.7 |
| 13 | Nasibpur-Dharson .. | 3.00 | .. | .. | .. | 1.25 | 0.34 |
| 14 | Narnaul-Kultajpur .. | 3.94 | .. | .. | .. | 1.50 | 1.24 |
| 15 | Ateli Mandi-Narnaul-Rewari Road .. | 0.38 | .. | .. | .. | 0.38 Completed | 0.08 |

**Location of Courts functioning at different places at Sonepat**

***9127. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether he is aware of the fact that the courts in Sonepat are situated at two places and the distance between the two places is over a mile and the laywers and the litigants experience great inconvenience on that score ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether it is a fact that Government have received several representations from the Sonepat Bar Association for locating all the courts at one place at Sonepat ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the date when the last representation in this connection was received and the action, if any, taken thereon ;

(d) whether it is fact that the former Public Works Minister, and now Irrigation and Power Minister had written a note to the Department for location of the Courts at Sonepat at one place ; if so, the date when it was written and the action taken thereon ;

(e) whether it is a fact that he also paid a visit to Sonepat at the request of the Bar Association and heard the grievances of the Bar Association personally in the Bar Room in December, 1965 ;

(f) if the reply to part (e) above be in the affirmative, the details of the measures proposed to be adopted to consolidate the courts at one place and the name of the place where the new Court building is proposed to be constructed ;

(g) whether any land has been acquired for the purpose ; if not, whether the Government propose to acquire it now ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (a) Yes.

(b) The members of the Bar Association have been pointing out their difficulties off and on in this respect.

(c) The Bar Association represented to the Public Works Minister on his last visit to Sonepat on 20th December, 1965.

(d) Yes, on 19th May, 1965. The matter was under consideration when Emergency was declared and consequently ban was imposed by Government on the construction of new buildings.

(e) Yes.

(f) On account of emergency it has not been considered desirable to incur expenditure on new buildings. However, the suggestion to the effect that the S.D.M's new Court be located in a portion of his residential building and the existing S.D.M's Court building may be utilized for locating the Court of Sub-Judge is under examination in consultation with various departments.

(g) In view of the remarks against (f) above, question does not arise.

---

**Road from Dev Ban to Nagura in Tehsil Kaithal, District Karnal.**

***9244, Shrimati Prasanni Devi :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under the consideration of the Government to construct a pucca road from Dev Ban to Nagura in tehsil Kaithal, district Karnal ;

[Shrimati Prasanni Devi]

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the date by which the said Scheme is expected to be implemented ?

**Chaudhri Ranbir Singh :** (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

---

## Collection of Water Charges at Chandigarh

***9225. Shri Ram Saran Chand Mital :** Will the Minister for Capital and Housing be pleased to state—

(a) the total number of private individuals or consumers of water in Chandigarh who are required to pay their water supply charges in cash to the Assistant Accounts Officer, Capital Project, Division 3, Chandigarh ;

(b) whether it is a fact that all such consumers are required to pay their water supply charges bills at one place and at one counter only ;

(c) whether it is a fact that the payment of such charges by money order, cheque or draft is not allowed ;

(d) whether the Government is aware of the hardships of the water consumers in having to pay the water charges bills in cash at one counter after waiting in a queue for hours together ;

(e) if the reply to part (d) above be in the affirmative, whether the Government proposes to redress the grievance of the Chandigarh public by allowing payment by money order or cheques or bank drafts ?

**Sardar Prem Singh Prem :** (a) 12,100 (including Government Servants living in private houses) ;

(b) No.

(c) No. Payments by money order and drafts except cheques, are allowed.

(d) Additional staff is deputed to assist the Cashiers as and when there is a rush. Besides, a period of 15 days is allowed to consumers for making payments from the date of presentation of the bills but the general tendency found among consumers is that they come to make payments on the last dates which creates rush.

(e) Payments by money orders and drafts, except cheques, are already accepted.

---

## Enquiries against Excise and Taxation Commissioners

***8899. Comrade Ram Piara :** Will the Chief Minister with reference to the reply to Starred Question No. 8607 included in the list of questions for 18th October, 1965 be pleased to state—

(a) whether the enquiries which were under investigation and were expected to be completed within two months, as stated in reply to parts (b) and (e) of the said question, have since been completed ; if so, when, if not, the reasons therefor ;

(b) the result of enquiries or the deails of the enquiries, if completed, be laid on the Table of the House ;

(c) whether any action against the officers/officials, if found/held responsible for committing the irregularities, has since been taken ; if so, the details thereof and if not taken, the reasons therefor ;

(d) whether any officials who were found to have been favoured or ignored due to the irregularities of certain officers, if proved, have been dealt with according to the findings of the Enquiry Officers ; if so, the details thereof ; if not dealt with accordingly, the reasons therefor ;

(e) the names and designations of the officers to whom enquiries referred to in part (a) of the said reply were entrusted on tenth August, 1964 and 16th September, 1964 ?

**Shri Ram Kishan :** A statement containing the required information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) No ; the reasons are that most of the relevant record has been taken back from the Special Inquiry Agency by the Administrative Department in connection with a threatened civil suit. Besides, the officer concerned remained on leave and certain points needing clarification at his end could not be dealt with. Further, on account of reduction in the staff of the Special Inquiry Agency with effect from 31st December, 1965 the officer who was investigating the enquiries has been transferred. The investigation had, therefore, to be entrusted to another officer who had to go through the voluminous record before going ahead with the investigation.

(b), (c) and (d) Does not arise in view of (a) above.

(e) It is not in the public interest to disclose the names and designations of the officers to whom enquiries were entrusted.

---

**Report of Administrative Reforms Commission**

***9139. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total expenses incurred so far on the members and the staff of the Administrative Reforms Commission as regards their salaries, allowances, travelling and halting allowances, etc., separately ;

(b) whether the said Commission has submitted its final or any interim report so far ; if so, the main contents of the reports submitted be laid on the Table of the House ;

(c) whether the said recommendations have been examined by the Government ; if so, the reaction of the Government over the said report and extent to which the recommendations have been implemented ; if the recommendations mentioned above have not been examined, the reasons therefor and the time by which the same are likely to be examined ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Members : Rs. 44,229.23
Staff : Rs 1,40,122.84

(b) Not yet.

(c) Does not arise.

---

**Jeep gifted to S.D.M., Malerkotla**

***9142. Comrade Bhan Singh Bhaura :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that a Seth gifted one jeep No. PNC 5001 to the S.D.M., Malerkotla, during the year 1963 ; if so, the conditions on which the said, jeep was accepted by the latter ?

**Shri Ram Kishan :** No. Sir.

## Expenses incurred by Ministers on Cars, Electricity, Water Charges ans Entertainment

***9204. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state the amount spent by the Government on each of the Ministers in respect of the following items during the year 1965 :—

(i) car allowances, including the expenses incurred on the salaries of drivers, petrol and other incidental charges ;
(ii) electric bills ;
(iii) water bills ;
(iv) entertainment of guests, etc. ?

**Comrade Ram Kishan :** (i), (ii) and (iii) A statement is laid on the Table of House

(iv) Nil.

### STATEMENT

**Statement showing the information in respect of Starred Assembly Question No. 9204**

| Serial No. | Name and designation of the Minister | Expenditure incurred during the year 1965, in respect of car allowance including the salaries of drivers, Petrol and other incidental charges | Expenditure incurred during the year 1965, on the consumption of electricity at the residence of the Minister | Expenditure incurred during the year 1965, on the consumption of water at the residence of the Minister |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | | Rs | Rs | Rs |
| 1 | Com. Ram Kishan, Chief Minister | 16,350.97 | 2,550.20 | 377.00 |
| 2 | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 16,288.19 | 1,395.31 | 445.00 |
| 3 | Shri Prabodh Chander, E.M. .. | 12,982.89 | 1,430.64 | 303.00 |
| 4 | Shri Kapur Singh, F.M. .. | 12,156.57 | 1,329.32 | 303.00 |
| 5 | Shri Gurdial Singh Dhillon, T.E.M. | 7,102.49 | 533.86 | 297.00 |
| 6 | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 8,211.71 | 491.83 | 192.00 |
| 7 | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. .. | 7,828.25 | 575.76 | 144.70 |
| 8 | Shri Harinder Singh, R.M. .. | 11,374.32 | 2,204.61 | 347.00 |
| 9 | Shri Rizak Ram, I.P.M. .. | 10,931.09 | 1,260.25 | 320.30 |
| 10 | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. .. | 5,612.09 | 410.61 | 249.00 |
| 11 | Shri Chand Ram, W.J.M. ... | 6,210.42 | 498.97 | 80.90 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 12 | Smt. Om Prabha Jain, H.M. .. | 6,094.33 | 364.01 | 148.90 |
| 13 | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. .. | 9,064.60 | 677.17 | 168.00 |
| 14 | Capt. Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 7,204.73 | 565.04 | 38.60 |
| 15 | Smt. Chandravati, D.M.F.S. .. | 6,142.51 | 411.19 | 66.00 |
| 16 | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. .. | 8,154.54 | 717.00 | 49.40 |
| 17 | Shri Gian Chand Toto, D.M.I.H. | 7,696.95 | 270.94 | 85.00 |

## Days spent by Ministers in the Capital, etc.

***9205. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state the number of days spent by each Minister (i) in Chandigarh, (ii) in the other parts of the State and (iii) outside the State during the year 1965 ?

**Shri Ram Kishan :** A statement is laid on the Table of the House.

**Statement showing the number of days spent by each Minister in Chandigarh, in the other parts of the State and outside the State during the year 1965**

| Serial No. | Name of the Minister | Number of days spent by each Minister during the year 1965 | | |
|---|---|---|---|---|
| | | In Chandigarh | In other parts of the State | Outside the State |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | Comrade Ram Kishan, Chief Minister, Punjab | 206 | 76½ | 82½ |
| 2 | Shri Darbara Singh, Home and Development Minister | 234½ | 75 | 55½ |
| 3 | Shri Prabodh Chandra, Education Minister | 254 | 91½ | 19½ (Upto November, 1965) |
| 4 | Shri Kapur Singh, Finance Minister .. | 237½ | 85½ | 42 (Upto November, 1965) |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 5 | Shri Gurdial Singh Dhillon, Transport and Elections Minister | 131 | 59 | 19 (Upto November 1965) |
| 6 | Chaudhri Ranbir Singh, Public Works Minister | 78 | 97 | 34 |
| 7 | Shri Ajmer Singh, Planning and Local Government Minister | 117½ | 80½ | 11 |
| 8 | Shri Harinder Singh, Revenue Minister .. | 207 | 130 | 28 |
| 9 | Ch. Rizaq Ram, Irrigation and Power Minister | 253 | 73 | 39 (Upto 2nd December, 1965) |
| 10 | Shri Prem Singh Prem, Capital and Housing Minister | 140 | 51 | 18 |
| 11 | Shri Chand Ram, Welfare and Justice Minister | 130½ | 90½ | 15 |
| 12 | Shmt. Om Prabha Jain, Health Minister .. | 115½ | 41½ | 52 |
| 13 | Ch. Sunder Singh, Minister of State for Excise, Partition, Welfare and Labour | 234 | 92½ | 38½ |
| 14 | Captain Rattan Singh, Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture | 104 | 98½ | 15½ |
| 15 | Shmt. Chandravati, Deputy Minister, Food Supplies | 123½ | 47 | 38½ |
| 16 | Shri Gurmeet Singh, Deputy Minister, Development and Irrigation | 121½ | 75½ | 12 |
| 17 | Shri Gian Chand, Deputy Minister, Industries and Hilly Areas | 12½ | 62½ | 18½ |

**Complaints received by Director of Public Grievances, Punjab, during 1965**

*9109. **Dr. Baldev Parkash :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the detailed procedure, if any, laid down for the working of the Directorate of Public Grievances in the State ;

(b) the total number of complaints received by the office of the Director of Public Grievances, in the year 1965 and the number of complaints out of those finally disposed of in 1965 ?

**Shri Ram Kishan :** (a) The Order of the Government Punjab, dated 25th October, 1965 on the working of Grievances Department is laid on the Table* of the House.

(b) 208 complaints were received during 1965. Most of these complaints were of routine nature and were forwarded to proper quarters for disposal. Only 72 cases were taken up by the Director of Grievances with concerned authorities, out of which 33 were finally disposed of in 1965.

---

### Starting intensive Rural Industrialisation Project in certain Blocks of tehsil Una, district Hoshiarpur

***9094. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government has received any representation for the starting of an Intensive Rural Industrialisation Project in the Gagret and Amb Blocks of tehsil Una, district Hoshiarpur, if so, the action, if any, taken thereon ;

(b) whether the Government is aware of the fact that tehsil Una is a backward hilly area and needs intensive rural industrialisation with a view to provide adequate employment to the people of this area which, as at present cannot provide adequate means of livelihood for its entire population ;

(c) whether the Government intend to start such Projects during the fourth Plan period ; if so, whether such a Project is likely to be started in tehsil Una ;

(d) the details of other steps the Government propose to take to industrialise this backward hilly area ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes. Action will be taken as and when the State Government is asked to recommend new places for additional projects, by the Government of India.

(b) Yes.

(c) This is a centrally sponsored scheme and as such State Government cannot indicate whether Una will be selected during the Fourth Plan.

(d) A number of schemes already started in Una Tehsil are given in the attached statement which is laid on the Table of the House.

STATEMENT SHOWING THE NAMES OF THE SCHEME ALREADY STARTED IN UNA TEHSIL.

(i) Rural Industrial Development Centre, Una.
(ii) A Common Facility Workshop in Blacksmithy and Carpentry.
(iii) A Bamboo Demonstration Party.
(iv) A Weaving Demonstration Party.
(v) A Rural Industrial Estate (under construction).

In addition to above loans and subsidies under the State Aid to Industries Act and all other facilities available to new industries all over the State such as technical know-how raw material quotas etc., are available to this area.

---

**Note.*—Kept in the Library.

## Proposal to set up a Pig Iron Plant in Hissar District

***9150. Shri Ram Saran Chand Mittal :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Planning Commission has decided to abandon the plan to set up a Pig Iron Plant in Hissar District ; if so, the date when that decision was taken ;

(b) whether for the utilisation of the iron ores of tehsil Narnaul, district Mahindergarh, the Government would permit or recommend to the Government of India to permit any other party to set up such a plant in Tehsil Narnaul ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Government have no knowledge. No such decision has so far been communicated.

(b) No. The proposal to set up a Pig Iron Plant in the Public Sector is based on the iron ore deposits of the Mahendergarh.

---

## Junior Industrial Schools in the State

***9218. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether he is aware of the fact that there is no Junior Industrial School for boys in the entire Amb Constituency which is a back ward hilly area ;

(b) whether the Government propose to start such a school in the said area during the Fourth Five-Year Plan period in order to provide employment opportunities to the large number of unemployed people of the area ;

(c) the number and the detail of such schools in the State, tehsil-wise ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes.

(b) and (c) No. In fact no such institution is functioning anywhere in the State.

---

## Supply of Kerosene Oil in Rural Areas of Hoshiarpur District

***9098. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the quantity of kerosene oil allocated and distributed to the people of the rural areas in Hoshiarpur District, block-wise during the period from September, 1965 to January, 1966 ;

(b) the quantity allocated and distributed to the people of the towns in the said district during the said period ;

(c) the quantity of kerosene oil allowed to each individual in the rural and urban areas separately ;

(d) whether the supply o kerosene oil was made in each of the villages on the basis of the sanctioned quantity ;

(e) the population of Gagret and Amb blocks in Hoshiarpur District and the quantity of kerosene oil which each such block was entitled to get on the basis of sanctioned

quantity to each individual and the actual quantity received by each block during the period referred to in part (a) above ;

(f) whether he is aware of the fact that great difficulty is being experienced in the blocks referred to in part (a) above due to non-supply or inadequate supply of kerosene oil; if so, the steps the Government propose to take to remove the difficulty ?

**Shri Ram Kishan :** The reply is laid on the Table of the House.

(Regular allocation and distribution were started from 26th November, 1965. Hence figures are for the period from 26th November, 1965 to the 31st January, 1966).

(a) All told, 1,88,512 litres of kerosene was allocated for distribution in rural areas to the Co-operative Agencies. Out of this, the following stock was allocated and distributed in various blocks :—

| Serial No. | Name of blocks | | Allocation (in litres) | Distribution (in litres) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Mahlpur | .. | 4,878 | 4,878 |
| 2 | Balachaur | .. | 6,246 | 6,246 |
| 3 | Seroya | .. | 3,438 | 3,438 |
| 4 | Garhshankar | .. | 4,518 | 4,518 |
| 5 | Nurpur Bedi | .. | 4,734 | 4,734 |
| 6 | Anandpur | .. | 29,200 | 29,200 |
| 7 | Una | .. | 27,400 | 27,400 |
| 8 | Garget | .. | 11,073 | 11,073 |
| 9 | Amb | .. | 11,073 | 11,073 |
| 10 | Hoshiarpur-I | .. | 13,602 | 13,602 |
| 11 | Hoshiarpur-II | .. | 13,610 | 13,610 |
| 12 | Banga | .. | 13,606 | 13,606 |
| 13 | Tanda | .. | 1,386 | 1,386 |
| 14 | Dasuya | .. | 6,804 | 6,804 |
| 15 | Mukerian | .. | 3,044 | 3,044 |
| 16 | Hajipur | .. | 3,040 | 3,040 |
| | Total | .. | 1,57,652 | 1,57,652 |

The remaining stock of 30,860 litres was surrendered by the Co-operative Agency.

(b) Allocation .. 1,07,523 litres
Distribution .. 1,38,383 litres

(Chief Minister)

The excess of 30,860 litres was diverted from rural areas to towns as surrendered by the Co-operative Agency.

(c) Urban areas .. 4 litres per month per family.
Rural areas .. One litre per month per family.

(d) No.

(e) Population of Amb and Garget Blocks is about fifty thousand each. According to the sanctioned scale each block was entitled to get 21,666 litres. As against this 11,073 litres were received by each Block from 26th November, 1965 to 31st January, 1966.

(f) Kerosene was in short supply in the wake of Indo-Pak hostilities. Now the supply position has improved considerably so much so that 30,860 litres were surrendered by the co-operative Agency recently. Government is taking action along the following lines :—

(i) Close liaison is being kept with the Union Ministry of Petroleum and Chemicals for adequate allocations to the State ;

(ii) Close liaison is being kept with the Oil Companies to ensure maximum movement of stocks against the allocations to the Hoshiarpur District.

(iii) Distribution of kerosene will be continued on the sugar distribution cards to ensure equitable distribution.

(iv) Deputy Commissioners have been asked to make available larger supplies of kerosene in the rural areas.

## Complaint against Sub-Inspector, Civil Supplies, Datauli Barrier near Ghanaur, tehsil Sonepat

***9128. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government/the Deputy Minister, Civil Supplies, received any complaint in April or May, 1965 from the residents of villages Shahpur Tanga, Kheri Tanga and Ghasoti etc. in tehsil Sonepat against the Sub-Inspector Civil Supplies, posted at Dhatauli Barrier near Ghanaur ; if so, the nature of the complaint so made ;

(b) whether any such complaint was also forwarded to the Deputy Minister with a forwarding letter by any Legislator of Rohtak District ;

(c) if the reply to parts (a) and (b) above be in affirmative, whether any enquiry was made into the said complaint ; if so, the action taken thereon ;

(d) whether any complaint against the same official was also received by Deputy Commissioner, Rohtak District ;

(e) whether it is fact that the D. S. P., Sonepat, personally went to Dhatauli Barrier to enquire into the complaint of falsely implicating a resident of village Shahpur Taga in a case under the Essential Commodities Act ?

(f) if the reply to part (e) above be in the affirmative, whether the said case registered against the resident of Shahpur Taga was subsequently cancelled or sent untraced by P. S. Ganaur, after the enquiry by the D. S. P., Sonepat ;

(g) if the reply to part (f) above be in affirmative, whether any action was taken against the official concerned who was

responsible for getting a false case registered ; if so, what, and if no action has been taken, the reasons thereof ?

**Shri Ram Kishan :** (a) No complaint was received in April and May, 1965. However, the complaint was received in October, 1965 against Shri Ram Singh, Sub-Inspector, Food and Supplies, about his bad reputation/unnecessary harassment of villagers in connection with detection of smuggling case.

(b) Yes.

(c) Yes. The complaint against the Sub-Inspector, Food and Sup-Tlies was found to be baseless.

(d) Yes.

(e) Yes.

(f) Yes.

(g) Police investigation did not reveal any malafide on behalf of the Sub-Inspector, Food and Supplies, and therefore no action was taken against him.

---

**Wheat purchased/exported by Government in 1965**

***9151, Shri Ram Saran Chand Mittal :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the total quanity of whlat produced in the State during the year 1965 ;

(b) the total quantity of wheat purchased and brought in the State in 1965 out of the wheat imported by the Government of India from the foreign countries ;

(c) the total quanitty of wheat out of the wheat mentioned in parts (a) and (b) above separately which was consumed in the State in 1965 ;

(d) the total quantity of wheat produced in the State which was sent by the State Government or allowed to be sent by the Government to other States or places outside the Punjab in 1965 ;

(e) the price of wheat produced in the Punjab and of that imported from the foreign countries in 1965 ;

(f) whether the local wheat was constlier or cheaper than the foreign imported wheat; if so, the average differences between their prices

(g) whether it is a fact that the Punjab produced more wheat than it actually consumed in 1965 ;

(h) if the answer to part (g) above be in the affirmative, the reasons why the imported wheat or its atta is brought in the State and sold to the public by the Government through its Fair Price Shops instead of the local wheat ;

(i) whether it is a fact that by the introduction of statutory rationing in the Union territory of Delhi, the supply of local wheat to Delhi by Punjab has been reduced; if so, to what extent ?

**Shri Ram Kishan :** A statement is laid on the Table of the House.

[Chief Minister]

STATEMENT

*Wheat purchased/ exported by Government in* 1965

(a) About 33.99 lakh tonnes.

(b) 1.58 lakh tonnes (1.40 lakh tonns by the Roller Flour Mills in Punjab and about 18,000 tonnes by State Government.)

(c) Information not available.

(d) 1·59 lakh tonnes,

(e) Average purchase price of country wheat (F.A.Q.) Rs 50.81 per quintal and of imported wheat, received from Government of India Rs 48.00 per quintal up to the middle of November, 1965, and Rs 50.00 per quintal, thereafter.

(f) Yes, the country wheat was constlier by Rs 1.81 per quintal (excluding incidental charges).

(g) Yes.

(h) The Roller Flour Mills in the State are permitted by the Government of India to grind only imported wheat. The Mills are allotted their quotas of imported wheat by the Government of India. Wholemeal mill atta produced by the Mills is made use of and distributed through depots when the prices of country wheat go up in the open market. Some of the consumers then prefer imported wheat atta, as its price is lower than that of country wheat atta and consequently there is demand for this cheaper atta at the Fair Price Shops. The mills also produce fines like maida, and suji out of the imported wheat. The disposal of these products is regulated by the Government.

(i) Yes, by about 20,000, 25,000 tonnes wheat per month on the average for the year.

---

**Requisitioning of a house at Amritsar**

***8932 Sardar Kulbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether it is fact that a house opposite to the residence of the the Deputy Commissioner, Amritsar, has recently been requisitioned ; if so, copies of two notices served for the purpose of requisitioning the said house be laid on the Table of the House

(b) whether it is also a fact that the orders requisitioning the said house were served on persons other than the actual owners; if so, the reasons thereof ;

(c) whether the said house before it was requisitioned, was under occupation; if so, whose ?

**Sardar Darbara Singh** (Home and Development Minister) : (a), (b), and (c) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) Yes. Copies of the notice, issued in this behalf as well as the requisitioning order are enclosed (Annexure I and II).

(b) The requisitioning order was addressed to M/s Pran Nath Janki Dass, Maqbool Road, Amritsar. According to the Report of the district authorities neither of the aforesaid two persons was available at the house nor at the shop and, therefore, the requisitoning order was pasted on the door of the house.

(c) The house, before it was requisitioned, was lying vacant.

The owners of the house have filed a Writ Petition in the Punjab High Court which has been fixed for hearing for 8th March, 1966. As such the matter has be come sub-judice.

## ANNEXURE 1

**Registered**

FROM

The Additional District Magistrate,
Amritsar.

To

M/s Pran Nath-Janki Dass,
Maqbool Road.
Opposite D.C.'s Bangalow,
Amritsar
No. RC/1029. dated 28th December, 1965.

**Memorandum**

The property, details of which is given below is needed for the Defence of India and efficient conduct of Military and it is proposed to requisition the same. Since you are the owner of the property. you are hereby required to show cause within 10 days from the receipt of this notice as to why the said property should not be requisitioned.

*Schedule of the property*

House owned by M/s Pran Nath-Janki Dass, opposite D.C.'s bungalow, Maqbool, Road, Amritsar.

(Sd.) S. P. KALIA,
Additional District Magistrate, Amritsar.

## ANNEXURE II

No. RC-DFI-164/2, dated 1st January, 1966.

**Order.**

Whereas, in my opinion, it is necessary and expedient so to do, for securing the defence of India and efficient conduct of Military operations, to requisition the property detailed in the schedule below :—

2. Now, therefore, in exercise of the powers under section 29 of the Defence of India Act, 1962, and the rules made thereunder as delegated by the Government of India-Notification No. CSR. 1716-dated the 13th December, 1962 read with Punjab Government No. 784 (2) IJ-62/54428 dated 21st December, 1962, I, Surinder Singh Bedi I.A.S., District Magistrate, Amritsar, having been satisfied that it is necessary and expedient so to do, do hereby requisition the said property for the period of emergency and six months thereafter, but not exceeding 10 years, from the date of possession, whichever is earlier, and hereby order M/s Pran Nath Janki Dass, Maqbool Road, Amritsar (opposite D.C'S. Bungalow), occupier and owner of the property to deliver possession thereof to the Military Estate Officer, Jullundur Circle, Jullundur Cantt, immediately after removing thereform any furniture or other articles belonging to them. The owner shall intimate to me without delay subsequent change of ownership in respect of the whole or any part of the aforesaid property by furnishing full particulars of (a) the name of the owner (b) extent of his interest and (c) date of acquisition thereof.

3. The aforesaid Military Estate Officer, Jullundur Circle, Jullundur Cantt. who would be the occupier/allottee shall inform me at least, fifteen days in advance his intention to vacate the aforesaid premises.

]Minister for Home and Development]

No structural alterations shall be made bythe owner or occupier to the said premises comprised in the aforesaid property without my written permission.

*Schedule of the property*

House owned by M/s Pran Nath Janki Dass opposite D.C's bungalow on the Maqbool Road, Amritsar.

(Sd.) S.S. BEDI,
District Magistrate, Amritsar.

1. M/s Pran Nath-Janki Dass,
opposite D.C.'s bungalow,
Ma.,bool Road, Amritsar.

2. Military Estate Officer,
Jullundur, Circle,
Jullundur Cantt.

No. RC/DFI-164/3-4, dated 1st January, 1966

A copy is forwarded to the Tehsildar, Amritsar for service upon the owner/ occupier and to deliver the possession of the house in question to the M.E.O. Jullundur, immediately on receipt of this order. He should arrange immediate transfer of the possession of the property to the Military Estate Officer Jullundur Circle Jullundur Cantt, and may obtain help if so required form the Senior Superintendent of Police, Amritsar.

2. Senior Superintendent of Police, Amritsar, for information and necessary action. Police help if applied for may please be afforded to the Tehsildar, Amritsar immediately.

(Sd.) S.S. BEDI,
District Magistrate,
Amritsar.

No. RC/FRI-164-5 Dated 1st January, 1966.

A copy is forwarded to the Commissioner for Home Affairs and Secretary to Government, Punjab, Home Department, Chandigarh, for information.

(Sd.) S.S. BEDI,
District Magistrate, Amritsar.

---

**Grant of stipend from Chief Minister's Relief Fund**

***9067. Sardar Surjit Singh Theri :** Will the Chief Minsiter be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a stipend of Rs 75 has been granted to Shri Uma Shankar , son of Shri Mohan Lal Wasil Baqi Nawis, Palwal, resident of Village Khambi, District Gurgaon, from the Chief Minister's Relief Fund ;

(b) whether the annual family income of Shri Mohan Lal Wasil Baqi Nawis including his pay, income from agricultural lands owned by him and his wife Shrimati Sheila Devi, was verified ; if so, with what result ;

(c) whether he obtained any recommendations with regard to the exceedingly poor circumstances of Shri Mohan Lal before granting the stipend referred to in part (a) above; if so, the names of the officials publicmen who recommended the case;

(d) whether he has recently received any complaint with regard to the grant of the said stipend; if so, the contents thereof ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes.

(b) Yes. No financial assistance to the student was remitted from the Chief Minister's Relief Fund, after the receipt of report from the Deputy Commissioner, Gurgaon, in regard to financial position of the family.

(c) Yes. Sarvshri Rup Lal Mehta and Khurshid Ahmed, MLAs recommended the case of the the student.

(d) Yes. Extract of the relevant portion of the communication is laid on the Table of the House.

*Extract from letter dated* 15th *January,* 1966 *form Chaudhri Harkishan, M.L.A. Palwal io Com. Ram Kishan, Chief Minister, Punjab.*

---

You granted a stipend of Rs. 75 per month to Shri Uma Shankar son of said Mohan Lal and Shrimati Sheela Devi. He is a law student at the Punjab University Law Faculty. His father Shri Mohan Lal, W.B.N. Palwal, is getting Rs 180 per mersem as salary form Government, while income form the agricultural and is about Rs6,00.0 per annum. Besides the said Uma Shankar is earning Rs 120 to 125 per month from the tuition work. These figures were disclosed by Shrimati Sheela Devi in a statement on oath before the S.D.O. Palwal in the course of an enquiry. This is undue favour and misuse of public money. A large number of poor and deserving cases of students who are getting technical education are ignored and this is the first instance when in spite of huge income of parents, a stipend of Rs 75 has been sanctioned to the student of non-technical trade.

---

## Stipends Granted from the Chief Minister's Relief Fund Since 1964

**9068, Sardar Surjit Singh Theri** : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether there are any specific rules or instructions for granting stipend from the Chief Minister's Relief Fund, to the studentes of various courses and classes; if so, a copy of the same be placed on the Table of the House ;

(b) the names and addresses of the students of the Law Classes who have been granted stipends from the said Fund and the details of the grounds on which these were granted in each case ;

(c) the total number of applications received since 1964 from the students of Technical Trades for grant of stipends from the said Fund together with the number of such applicants who were granted stipends ?

**Shri Ram Kishan :** (a) No Each case is considered on merit.

(b) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(c) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be derived therefrom. Hon'ble member is, however, welcome to visit Chief Minister's Secretariat for getting the information at personal level.

[Chief Minister]

STATEMENT

| | Names and addresses of the Law students, who have been granted stipends | Grounds on which these were granted |
|---|---|---|
| 1. | Shri Rajesh Kumar Angi, son of late Shri Sada Nand Angi, village Wadha, tehsil Fazilka, district Ferozepur | The father of the student is dead and the bere aved family has no source of income. The student is promising. D.C. Ferozepur, also recommended grant of financial assistance |
| 2. | Shri Des Raj, House No. 3339, Sector 23-D, Chandigarh, of village Butana, post office Nilokheri, tehsil and district Karnal | The student comes of a very poor family of Haryana. His father died in his infancy. The family of the boy is in financial difficulties |
| 3. | Miss Balwant Kaur, daughter of Shri Sohan Singh, ex-M.L.A., Moga | Thie is a case of girl student belonging to Scheduled Castes with limited means. |
| 4. | Shri Uma Shankar Sharma, son of Shri Mohan Lal, Wasil Baki Navis, tehsil Office Palwal, district Gurgaon | Financial assistance in this case was sanctioned on the recommendations of two M.L.A.s |

**Commendation Certificates given to Political Sufferers in Jullundur District**

***9073. Shri Om Parkash Agnihotri :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of political sufferers at present in Jullundur District to whom Government has agreed to give "Commendation Certificates" in appreciation of the sacrifices made by them in the freedom struggle ;

(b) the total number of political sufferers of the said district who have already been awarded such certificates ;

(c) the time likely to be taken by the Government to give such ceritificates to the remaining political sufferers ?

**Chaudhri Ranbir Singh** (Public Works Minister) : (a) 626.

(b) 169.

(c) Commendation Certificates are under preparation and these will be distributed shortly after they are received.

**Haryana Development Committee**

***9250. Dr. Baldev Parkash :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether Government has so far received the report of the Haryana Development Committee headed by Pt. Shri Ram Sharma ;

(b) the details of the total amount spent by the Government on the T.A. of its members so far ;

(c) the action proposed to be taken by Government thereon ?

**Sardar Ajmer Singh** (Planning and Local Government Minister) : (a) Yes ; on 27th January, 1966.

(b) A sum of Rs 12,244.63 has been spent so far on T.A. of the Members of the Committee.

(c) The report of the Haryana Development Committee is under consideration with the Government.

## UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Applicaions from certain Detenus in Nabha Jail

**3131. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state whether Government received any applications during the year 1965 from Shri Dhanpat Rai Nahar and Shri Dharam Singh, Karnal and Shri Ghuman Singh, all detenus in the Nabha Jail, for their medical treatment, etc. ; if so, the details thereof and of the action, if any, taken thereon be laid on the Table of the House ?

**Shri Chand Ram :** *Part* (*i*).—No.

*Part* (*ii*).—Question does not arise.

### Co-operative Agricultural Farming Societies

**3154. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the names with addresses of the Co-operative Agricultural Farming Societies, district-wise, in the State at present ;

(b) the names of the societies out of those mentioned in part (a) above which were adjudged as first, second and third by the Department according to the work done by them district-wise (with their inspection report) during the last two years ;

(c) whether any of the said societies were visited by the Minister Incharge in 1965-66 ; if so, the nature of reports, if any, made by him in respect thereof ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) to (c) Time and labour involved in collecting this lengthy information will not be commensurate with the benefits to be derived therefrom.

### Judgement in a case challanned by Jandiala Police of Amritsar District during April, 1962

**3156. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some persons including women of village Ramana Chak who were arrested and challanned by the Jandiala Police in a Police encounter case during April, 1962, were honourably acquitted by the Sessions Judge on the ground that the case was false ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether after the said judgement any enquiry was initiated by the Government against the concerned Police Officer, who arrested and challanned the above-mentioned persons ; if so, the details of the said enquiry and if no enquiry has been initiated the reasons therefor ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) It is a fact that some persons including women of village Romana Chak were arrested and challanned for assaulting a party of Jandiala Police in April, 1962. It is, however, not a fact that the accused were acquitted by the Sessions Judge, on the ground that the case

[Minister for Home and Development]

was false. In fact the accused were acquitted in appeal on a legal technicality.

(b) Does not arise.

### Enquiry against an ex-S.H.O. of Amritsar District

**3157. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether any enquiry was held against an ex-S.H.O. of Kotwali Amritsar by Shri Daryao Singh, D.S.P., C.I.D., Chandigarh, for framing a false case of recovery of about twenty Kilos opium from some persons of Amritsar City during the year 1965, if so, the details of this enquiry be laid on the Table ;

(b) whether the said 20 Kilos opium has so far been deposited in the Government Malkhana ; if not, the reasons for not doing so ;

(c) whether any case regarding the said recovery of opium was registered ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes. However, the matter is being looked into by the higher officials and as such the enquiry is not final as yet.

(b) No. Further reply is only possible when the matter as referred to at (a) is finalised.

(c) No case was registered pertaining to the alleged recovery of 20 Kilos of opium.

### Property of Smugglers of Amritsar District detained under D.I.R.

**3158. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) whether the Police interrogated the smugglers of Amritsar District at present under detention under the D.I.R. in connection with the properties held by them ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the details of properties held by each such smuggler before he took to smuggling and as at present as verified by the Amritsar Police after the said interrogation.

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes.

(b) The details of properties, held by each such smuggler before he took to smugglin g and as at present as verified by the Amritsar Police are as under :—

| Serial No. | Name of Detenue | Property held before taking to smuggling | Property held after taking to smuggling |
|---|---|---|---|
| 1 | Shri Mohan Singh, son of Udham Singh, resident of Maluwal, Police station Gharinda | 4 Kilas of land in the village and was a milk vendor | Rs 8,23,300 (Landed and other property including trucks etc). |

| Serial No. | Name of Detenue | Property held before taking to smuggling | Property held after taking to smuggling |
|---|---|---|---|
| 2 | Shri Santa Singh, aliasSanta Bawa, son of Thakar Singh, resident of Havalian, Police station Gharinda | 40 acres of land | Rs 1,98,000 (Landed and other property) |
| 3 | Shri Sarmukh Singhk, son of Surain Singh, resident of Malout, district Ferozepur at present Amritsar | 20 acres of land | Rs 4,68,000 (Landed and other property) |
| 4 | Shri Ajit Singh, son of Jowahar, Singh, resident of Burj, police station Gharinda | 25 acres of land | Rs 7,25,CC0 (Landed and other property) |
| 5 | Shri Harpal Singh, son of Sowaran Singh, resident of Naushehra Dhalla police station Gharinda at present Taylor Road, Amritsar | 20 acres of land | Rs 9,30,000 (Landed and other property) |
| 6 | Shri Niranjan Singh Akali, son of Sher Singh, resident of Bhagtanwala, Police station 'C' Division Amritsar | Nil. Milk Vendor | Rs 7,43,000 (Landed and other property) |
| 7 | Shri Sowaran Singh alias Swarna Shah, son of Wasson Singh, resident of Naushera Dhalla, police station Gharinda | Rs 20,000 | Rs 4,56,000 |
| 8 | Shri Manohar Lal son of Panna Lal Katra Bhai Sant Singh, Amritsar | Rs 10,000 | Rs 35,000 |
| 9 | Shri Karnail Singh, son of Ranga Singh, resident of Roranwala, police station Gharinda | Rs 1,000 | Rs 27,0 C0 |

Sarvshri Tara Singh *alias* Tara Pandit, son of Amar Singh, resident of Khem Karan and Teja Singh, son of Jowala Singh, resident of Kotli Korotana, police station Ajnala were also interrogated, but verification in respect of their properties held by them at present, have not been made by the Police. Tara Singh disclosed that he owned 15 heads of cattle and 30 tolas of gold. Teja Singh stated that he owned 80 kilas of land, one house and two buffalces.

---

**Examination of certain Detenus by Medical Specialists**

**3159. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to lay on the Table of the House the details of the action taken on the reports of the medical specialists submitted regarding the ailments of Shri Hazur Singh Deo, Shri Kartar Singh Gujapeer, Both Detenus, Hissar Jail and Shri Hazara Singh, Jasar, Detenue, Nabha Jail, along with the medical reports ?

**Shri Chand Ram :** On the basis of reports of the Medical Specialist/ Medical Officer, Jail, Sarvshri Hazur Singh Deo, and Kartar Singh Gujapeer

[Minister for Welfare and Justice]

are being removed to the Medical College, Hospital, Rohtak/Civil Hospital, Hissar for operative treatment of eyes/ventral Hernia, respectively.

Shri Hazara Singh Jassar is not suffering from any ailment which may require treatment in the outside Hospital.

Copies of Medical reports in respect of these three detenus are at Annexure 'A'.

## ANNEXURE A

Medical report on the health of communist detenu Hazura Singh :

"Communist detenu Hazura Singh attended Medical College, Rohtak, and has been advised operation of corneal opacity in the left eye and has also been advised glasses. So arrangements may be made to get him transferred to the place where the facility exists for eye operation. There is no eye specialist in the local Civil Hospital, Hissar".

---

Medical report on the health of communist detenu *Hazura Singh Jassar* :

"He is suffering from general debility and being given following treatment".

Tab. Vitman B. Complex.
Tab. Multi Vitaman One Tab. T.D.S.
Tab. Acid Acteyl.
Salislic one Tab. T.D.S.
Sheroo Feral Serol"

He has since been supplied with the specta cles at Government expense on medical advice.

Medical report on the health of communist detenu Kartar Singh Gujjapeer. "He is suffering from ventral Herina".

---

### Loans given to Factories and Industrial Concerns in Amritsar District

**3160. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state the names of the factories and industrial concerns in Amritsar District, affected by the recent conflict with Pakistan, which have been given loans together with the amount of loan given to each ?

**Shri Ram Kishan :** It is not in public interest to disclose the names of the loanees as it adversely affects their business.

---

### Representation from working Committee of the Erstwhile Pepsu Government Teachers' Union

**3161. Comrade Hardit Singh Bhathal :** Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether Government have received any representation from the Working Committee of the erstwile Pepsu Government Teachers' Union requesting for the appointment of a Pay Commission to enhance their pay-scales ;

(b) whether the said Working Committees also represented that in view of the financial position of the teachers, some interim relief be given to them till the Pay Commission referred to in part (a) above complets its report ;

(c) whether the said Union has also representated that the collection of gold through the teachers be stopped ;

(d) whether the said teachers have also requested the Government for exemption from the payment of professional tax and for the grant of village and house-rent allowances and free medical treatment ;

(e) if the reply in parts (a) to (d) above be in the affirmative, the details of the action, if any, taken by the Government on the said demands of the teachers ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a), (b), (c), and (d), : No.

(e) The question does not arise.

**Machines for giving warmth to Relieve pains in the Body in Rajindra Hospital, Patiala**

**3162. Comrade Hardit Singh Bhatal :** Will the Minister for Health be pleased to state —

(a) whether there are any machines for diathermic treatment at present in the Rajindra Hospital, Patiala ; if so, their number and the number of those in working order ;

(b) if none of the said machines is in working order, the reasons there for and whether any arrangements have been made to get them repaired or replaced and the time by which the said machines would start working after repairs or replacement ;

(c) the daily average number of patients visiting the said Hospital for diathermic treatment ;

(d) the average time in minutes for which a patient is given diathermic treatment ?

**Shrimati Om Prabha Jain :** (a) Yes, Sir. There are two Diathermy Machines in Rajindra Hospital, Patiala, one for high frequency and the other for low frequency and both are in working order.

(b) Question does not arise.

(c) About thirty. This is the maximum capacity of the Machines. Overloading may cause fusing of machine coils.

(d) Time depends on many factors, viz :—

(i) Disease and its severity and re-action of the Patient to treatment ;

(ii) Sensitivity of the skin of the Patient ;

(iii) Voltage of the current ;

(iv) Machine of high or low frequency. So depending on these factors, the time ranges from 10—20 minutes daily for each patient.

**Prisoners undergoing Life Imprisonment in Punjab Jails**

**3163. Comrade Hardit Singh Bhathal :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state —

(a) the total number of prisoners undergoing life imprisonment in the Punjab Jails at present together with their number in the Patiala, Ambala , Bhatinda and Ferozepur Jails, separately ;

(b) the priod of imprisonment after which the papers for the release of prisoners referred to in part (a) above are forwaded to the competent authorities ;

(c) the number and names of Prisoners out of those mentioned in part (a) above whose charts for release have been sent to the authorities concerned ;

(d) the date on which the chart for the release of each of the said life prisoners was sent ;

(c) the maximum and minimum time taken in taking a decision onthe kind of charts referred to in part (d) above ;

(f) the number of prisoners in whose cases the final orders have been passed together with the number of cases on which decision has not been taken so far ;

(g) whether there is any proposal under the consideration of the Government for expediting the cases of such prisioners who have served their terms of imprisonment according to the rules,

[Comrade Hardit Siugh Bhathal]

and or to fix some particular time limit within which the competent authority might take a decision on the kinds of cases mentioned in (c) above ;

(h) whether there is any proposal under the consideration of the Government to release the prisoners, decisions on whose cases are not taken by the competent authority within a prescribed period ?

**Shri Chand Ram :** A statement giving the requisite informtion is enclosed.

STATEMENT

| | | | |
|---|---|---|---|
| (a) | Total | .. | 2,712 |
| | Ferozepur | .. | 646 |
| | Patiala | .. | 756 |
| | Ambala | ... | 441 |
| | Bhatinda | .. | 33 |

b) Under Para 516-B of the Punjab Jail Manual the rolls of the life prisoners who were above 20 years of age at the time of Commission of offence are sent to Government for their premature release, when they have undergone 14 years sentence including remission.

As regards female prisones and male prisoners who were under 20 years of age at the time of Commission of the offence, their rolls are forwarded to Government, for consideration for premature release, when they have undergone 10 years sentence including remission.

(c) and (d) Requisite information is given in the Statement at (ANNEXURE "A").

(e) Generally cases are decided within two to six months. But in cases where recommendations of the Village Panchayat and District Magistrate differ., the cases are referred to District Magistrates for fresh recommendations. In such cases, the period taken for final decision may be little longer.

(f) Cases decided-67; cases not decided—186.

(g) and (h) No. The cases of prisoners as and when completed are disposed of expeditiously by Government.

ANNEXURE "A"

| Name of the prisoner | | Date on which roll sent |
|---|---|---|
| **Central Jail, Patiala** | | |
| 1. Shanghara Singh, son of Bhola Singh | .. | 31st December, 1965 |
| 2. Mukhtiar Singh, son of Jhanda Singh | .. | 28th September, 1965 |
| 3. Sappattar Singh, son of Nasib Singh | .. | 18th October, 1965 |

| Name of the prisoner | Date on which roll sent |
|---|---|
| *Central Jail Patiala*—contd | |
| 4. Sohan Singh, son of Nidhan Singh | .. 22nd October, 1965 |
| 5. Jagir Singh, son of Pala Singh | .. 31st December, 1965 |
| 6. Nidhan Singh, son of Jawala Singh | 6th September, 1965 |
| 7. Karnail Singh, son of Kehar Singh | .. 3rd November, 1965 |
| 8. Jagjit Singh, son of Dhanna Singh | .. 16th November, 1965 |
| 9. Phulla, son of Shisha | .. 3rd November, 1965 |
| 10. Kauri *alias* Bakhtawar Singh, son of Hira Singh | .. 6th September, 1965 |
| 11 Pal Singh, son of Wadhawa Singh | .. 23rd September, 1965 |
| 12. Hassia , son of Kangu | .. 30th June, 1965 |
| 13. Kashmira Singh, son of Ganda Singh | .. 29th October, 1965 |
| 14. Bhartu, son of Badlu | .. 21st January, 1966 |
| 15. Kartar Singh, son of Kishan Singh | .. 2nd February, 1966 |
| 16. Santa Singh, son of Kaalan Singh | .. 2nd February, 1966 |
| 17. Ranjit Singh, son of Bhagwan Singh | .. 12th December, 1965 |
| 18. Sukhdev Singh, son of Mohinder Singh | .. 25th January, 1965 |
| 19. Dedar Singh, son of Kishan Singh | .. 2nd January, 1966 |
| 20. Shanti Sarup, son of Hukmia | .. 22nd January, 1966 |
| 21. Gujjar Singh, son of Kesar Singh | .. 7th October, 1964 |
| 22 Thambo, son of Sangri | .. 23rd November, 1965 |
| 23. Teja Singh, son of Bakhtawar Singh | .. 11th August, 1965 |
| 24. Niranjan Singh, son of Sajan Singh | .. 25th September, 1965 |
| 25. Santa Singh, son of Narain Singh | .. 21st December, 1965 |
| 26. Kartar Singh, son of Bakhtawar Singh | .. 10th January, 1966 |
| 27. Gulab Singh, son of Kishan Singh | .. 20th January, 1966 |
| 28. Prem Chand, son of Budh Ram | 5th October, 1965 |
| 29. Gurdial Singh, son of Harnam Singh | .. 23rd September, 1965 |
| 30. Gurbux Singh, son of Kirpal Singh | .. 25th January, 1966 |
| 31. Bhag Singh, son of Kehar Singh | .. 25th January, 1966 |
| 32. Karnail Singh, son of Sohan Singh | .. 25th January, 1966 |
| 33. Jagga Singh, son of Bahal Singh | .. 19th June, 1965 |
| 34. Gurdev Singh, son of Arjan Singh | .. 18th January, 1965 |

[Minister for Welfare and Justice]

| | Name of the prisoner | | Date on which roll sets |
|---|---|---|---|
| | *Central Jail Patiala*—concld | | |
| 35. | Gulzar Singh, son of Buta Singh | .. | 14th June, 1965 |
| 36. | Modan Singh, son of Sarn Singh | .. | 1st May, 1965 |
| 37. | Gian Singh, son of Wadhawa Singh | .. | 14th April, 1965 |
| 38. | Massa, son of Rangoo | .. | 17th May, 1964 |
| 39. | Shawinder Singh, son of Shamir Singh | .. | 9th September, 1965 |
| 40. | Shankar, son of Kheta | .. | 26th June, 1965 |
| 41. | Piara Singh, son of Narain Singh | .. | Cases since decided |
| 42. | Mehanga Singh, son of Assa Singh | .. | |
| 43. | Mukhtiar Singh, son of Bhartu | .. | |
| 44. | Inder Singh, son of Mehanga Singh | .. | |
| 45. | Ganga, son of Devi Dyal | .. | |
| 46. | Nanak Chand, son of Bagga Mal | .. | |
| 47. | Damodar, son of Mast Ram | .. | |
| 48. | Guram Singh son of Ishar Singh | .. | |
| 49. | Gulzar Singh, son of Lakha Singh | | |
| | **District Jail, Bhatinda** | | |
| 50. | Mara Singh, son of Sajjan Singh | .. | 10th May, 1965 |
| 51. | Mal Singh, son of Baghta Singh | .. | 14th July, 1965 |
| 52. | Pohla Singh son of Dalip Singh | .. | 6th December, 1965 |
| 53. | Kour Singh, son of Nikka Singh | .. | 21st December, 1965 |
| 54. | Balbir Singh, son of Budh Singh | .. | 7th February, 1966 |
| 55. | Hamir Signh, son of Kaku Singh | .. | 10th February, 1966 |
| | **Central Jail, Ambala** | | |
| 56. | Suchet Singh, son of Bachan Singh | .. | 16th October, 1965 |
| 57. | Gian Singh, son of Bakhtara Singh | .. | 10th February, 1966 |
| 58. | Om Parkash, son of Rura Mal | .. | 10th February, 1966 |
| 59. | Chanan Singh, son of Deva Singh | .. | 22nd June, 1965 |
| 60. | Prem Singh, son of Hira Singh | .. | 26th November, 1965 |
| 61. | Ruldu, son of Gattu | .. | 12th November, 1965 |
| 62. | Sabu, son of Lotan | .. | 1st September, 1965 |
| 63. | Naranjan Singh, son of Ghasita Singh | .. | 18th November, 1965 |

| | Name of the prisoner | Date on which roll sent |
|---|---|---|
| | **Central Jail, Ambala**—contd. | |
| 64. | Roshan Lal, son of Fakir Chand | .. 27th December, 1965 |
| 65. | Virsa Singh, son of Gurdit Singh | .. 24th December, 1965 |
| 66. | Shankira, son of Noria | .. 7th January, 1966 |
| 67. | Piara Singh, son of Ujaggar Singh | .. 15th November, 1965 |
| 68. | Basant Singh, son of Sawan Singh | .. 5th November, 1965 |
| 69. | Kehar Singh, son of Bahadur Singh | .. 7th January, 1966 |
| 70. | Bhajan Singh, son of Narain Singh | .. 27th December, 1965 |
| 71. | Kuldip Raj, son of Ralla Ram | .. 15th January, 1966 |
| 72. | Gian Singh, son of Dhanpat Ram | .. [illegible]1th June, 1965 |
| 73. | Madan Singh, son of Birbal | .. [illegible]th July, 1965 |
| 74. | Tirlok Singh, son of Gulla Singh | .. 2[illegible] August, 1965 |
| 75. | Dara Singh, son of Baghel Singh | .. 15th November, 1965 |
| 76. | Jarnail Singh, son of Sunder Singh | .. 6th July, 1965 |
| 77. | Iqbal Singh, son of Narain Singh | .. 23rd April, 1965 |
| 78. | Tara Singh, son of Ganda Singh | .. 3rd August, 1965 |
| 79. | Arjan Kumar, son of Rikhi Ram | .. 6th November, 1965 |
| 80. | Siri Ram, son of Rajji Lal | .. 17th June, 1965 |
| 81. | Bakhshish Singh, son of Lakha Singh | .. 5th August, 1965 |
| 82. | Krishan Lal, son of Shiv Ram | .. 18th October, 1965 |
| 83. | Dhanna, son of Rana | .. 9th September, 1964 |
| 84. | Hazara Singh, son of Mangal Singh | .. 17th June, 1965 |
| 85. | Jagrup Singh, son of Jagjit Singh | .. 18th October, 1965 |
| 86. | Rur Singh, son of Sardara Singh | .. 11th May, 1965 |
| 87. | Krishan Lal, son of Piara Lal | .. 22nd January, 1966 |
| 88. | Ram Narain, son of Har Lal | .. 7th August, 1965 |
| 89. | Shori Lal, son of Budh Raj | Cases since decided |
| 90. | Jhangi Ram, son of Nanu Ram | Cases since decided |
| 91. | Bali Singh, son of Sewa Singh | Cases since decided |
| 92. | Mehanga Singh, son of Narain Singh | Cases since decided |
| 93. | Utta Singh, son of Butta Singh | Cases since decided |
| 94. | Jagir Singh, son of Kahal Singh | Cases since decided |

[Minister for Welfare and Justice]

| Name of prisoner | Date on which roll sent |
|---|---|
| *Central Jail Ambala*—concld | |
| 95. Baru Sigh, son of Hattu, | cases since decided |
| 96. Raj, son of Lakhan | |
| 97. Balbir Singh, son of Surain Singh | |
| 98. Jagdish , son of Harbux Singh | |
| 99. Ram Pal, son of Labu Ram | |
| 100. Bara Singh, son of Gehal Singh | |
| 101. Balwant Singh, son of Bahal Singh | |
| 102. Maghar Singh, son of Mangal Singh | |
| **District Jail, Jullundur** | |
| 103. Sita Ram, son of Chhangin Ram | 27th September, 1965 |
| 104. Roshan Lal, son of Wadhawa Mal | 17th April, 1965 |
| 105. Khem Singh, son of Labha Singh | 21st January, 1966 |
| 106. Joginder Singh, son of Piara Singh | 14th February, 1966 |
| 107. Santokh Singh, son of Bakhshish Singh | 14th December, 1965 |
| 108. Chanan Singh, son of Bhag Singh | 28th December, 1964 |
| 109. Chintu, son of Punnu | 27th September, 1965 |
| 110. Gurmit Singh, son of Lachman Singh | 6th August, 1965 |
| 111. Naranjan Singh, son of Harnam Singh | 5th May, 1964 |
| 112. Avtar Singh, son of Narain Singh | 20th February, 1965 |
| **Central Jail, Hissar** | |
| 113. Joginder Singh, son of Nikka Singh | 17th September, 1964 |
| 114. Surjan Singh, son of Ballu | 20th October, 1964 |
| 115. Mange Singh, son of Mansa | 23rd November, 1964 |
| 116. Dalip Singh, son of Hardam Singh | 26th December, 1964 |
| 117. Mange Singh, son of Nathu | 18th January, 1965 |
| 118. Mange , son of Bhura | 20th January, 1965 |
| 119. Lal Singh, son of Bhag Singh | 2nd January, 1965 |
| 120. Phul Chand, son of Suraj Bhan | 24th February,f965 |
| 121. Lachhi Singh, son of Nathu | 9th April, 1965 |
| 122. Mansukh Singh, son of Manga Ram | 15th April,1965 |

| Name of prisoner | | Date on which roll sent |
|---|---|---|
| *Central jail, Hissar*—concld | | |
| 123. Siri Chand, son of Manga Ram | .. | 23rd April, 1965 |
| 124. Sita, son of Gujjar | .. | 26th April, 1965 |
| 125. Siri Ram, son of Basti Ram | .. | 24th May, 1965 |
| 126. Sada Singh, son of Chanda Singh | | 26th June, 1965 |
| 127. Tara Singh, son of Banta Singh | .. | 23rd September, 1965 |
| 128. Ram Dhari, son of Lal Singh | .. | 23rd September, 1965 |
| 129. Birbal, son of Bhagta | .. | 23rd September, 1965 |
| 130. Joginder Singh, son of Mian Singh | .. | 23rd September, 1965 |
| 131. Mal Singh, son of Gurdit Singh | .. | 25h September, 1965 |
| 132. Chet Ram, son of Lal | .. | 30th September, 1965 |
| 133. Mehar Chand, son of Manga Ram | .. | 1st October, 1965 |
| 134. Avtar Singh, son of Kandhara Singh | .. | 8th November, 1965 |
| 135. Bhajan Singh, son of Harnam, Singh | .. | 16th October, 1965 |
| 136. Surinder Singh, son of Shamir Singh | .. | 8th November, 1965 |
| 137. Jarnail Singh, son of Charan Singh | .. | 17th November, 1965 |
| 138. Dulla Singh, son of Sardar Singh | .. | 18th November, 1965 |
| 139. Mehanga Singh, son of Sampuran Singh | .. | 22nd January, 1966 |
| **District Jail, Ludhiana** | | |
| 140. Kalu Ram, son of Baru Mal | .. | 14th September, 1963 |
| 141. Lambar Singh, son of Raja Singh | .. | 16th January, 1965 |
| 142. Amar Singh, son of Deva Singh | .. | 22nd December, 1965 |
| 143. Manohar Lal, son of Wazir Chand | .. | 17th June, 1963 |
| 144. Kartar Singh, son of Sofa Singh | .. | 26th October, 1965 |
| 145. Gajjan Singh, son of Mangat Singh | .. | 20th May, 1965 |
| 146. Balbir Singh, son of Shiv Singh | .. | 25th October, 1965 |
| 147. Gurbux Singh, son of Gulzar Singh | .. | 22nd January, 1966 |
| 148. Joginder Singh, son of Bahadur Singh | .. | 25th October, 1965 |
| 149. Sewa Singh, son of Chanda Singh | .. | 25th October, 1965 |
| 150. Harnam Singh, son of Hazara Singh | .. | 25th October, 1965 |
| 151. Ajaib Singh, son of Sardara Singh | .. | 14th October, 1965 |
| 152. Ujjagar Singh, son of Pakhar Singh | .. | 1st November, 1965 |

[Minister for Welfare and Justice]

| | Name of prisoner | Date on which roll sent |
|---|---|---|
| | *DistrictJail, Ludhiana*—concld | |
| 153. | Sushil, wife of Gurcharan Singh .. | 8th July, 1965 |
| 154. | Nirmal, wife of Sandha Singh .. | 14th December, 1965 |
| | **District Jail, Sangrur** | |
| 155. | Kartar Singh, son of Tota Singh .. | 3rd August, 1964 |
| 156. | Nachhittar Singh, son of Pala Singh .. | 14th July, 1965 |
| 157. | Dalip Singh, son of Kaka *alias* Harnam Singh | 17th September, 1965 |
| 158. | Inder Singh, son of Kehar Singh .. | 7th October, 1965 |
| 159. | Kishan Chand, son of Karam Chand .. | 15th November, 1965 |
| 160. | Kartar Singh, son of Kishan Singh .. | 16th December, 1965 |
| 161. | Bant Singh, son of Santa Singh .. | 24th Decmeber, 1965 |
| 162. | Gulla Singh, son of Ghuman Singh .. | 18th January, 1966 |
| | **Faridkot** | |
| 163. | Harbans Lal, son of Mohan Lal .. | 27th November, 1965 |
| 164. | Prem Chand, son of Ganga Ram .. | 25th August, 1964 |
| 165. | Jita, son of Makhan .. | 19th October, 1965 |
| 166. | Sukhminder Singh, son of Hari Singh .. | 7th February, 1966 |
| 167. | Mohinder Singh, son of Harnam Singh .. | 9th December, 1965 |
| | **Gurdaspur** | |
| 168. | Gurnam Singh, son of Bakhshish Singh .. | 6th January, 1966 |
| 169. | Jagir Singh, son of Sudagar Singh .. | 5th January, 1966 |
| | **District Jail, Nabha** | |
| 170. | Rup , son of Kaka Ram .. | 22nd February, 1966 |
| 171. | Rikhia, son of Khema .. | 5th June, 1965 |
| 172. | Ujaggar Singh, son of Dan Singh .. | 20th November, 1965 |
| 173. | Raghbir Singh, son of Bakhtawar Singh .. | 10th January, 1966 |
| | **District Jail, Rohatk** | |
| 174. | Ram Kishan, son of Jhandu .. | 7th October, 1965 |
| 175. | Chain Singh, son of Bur Singh .. | 26th March, 1965 |
| 176. | Madho Singh, son of Jai Singh .. | 10th July, 1966 |
| 177. | Jogi Ram, son of Biru .. | 18th August, 1965 |

| Name of prisoner | Date on which roll sent |
|---|---|
| *District Jail, Rohtak*—concld | |
| 178. Parkash, son of Budhu | .. 10th June, 1965 |
| 179. Mangal Singh, son of Sunder Singh | .. 12th October, 1965 |
| 180. Manga Ram, son of Nikki | ... Decided |
| 181. Mange Ram, son of Ram Mehar | .. 20th April, 1965 |
| 182. Rup Singh, son of Mam Chand | .. 4t February, 1965 |
| 183. Parhlad, son of Udhey | .. 15th July, 1965 |
| **District Jail, Amritsar** | |
| 184. Kartar Singh, son of Jagar Singh | .. 18th December, 1961 |
| 185. Charan Singh, son of Bishan Singh | .. 18th October, 1965 |
| 186. Bawa Singh, son of Ja at Singh | .. 26th October, 1962 |
| 187. Sajjan Singh, son of Mangal Singh | .. 10th December, 1962 |
| 188. Santokh Singh, son of Massa Singh | .. 17th August, 1965 |
| 189. Ghuni, son of Surkha | .. 24th December, 1964 |
| 190 Diwan Singh, son of Bishad Singh | 28th February, 1965 |
| 191 Sohan Singh, son of Bir Singh | .. 18th March, 1965 |
| 192. Joginder Signh son of ArjanSighth | .. 11st May, 1965 |
| 193. Bakhshish Singh son of Balwant Singh | .. 4th October, 1965 |
| 194. Darbara Singh, son of Ram Singh | .. 1st March, 1965 |
| 195. Santa Singh, son of Pal Singh | .. 2nd August, 1965 |
| 196. Mohinder Singh, son of Mohan Singh | .. 14th August, 1965 |
| 197. Chuhar Singh, son of Mulla Singh | .. 25th September, 1965 |
| 198. Natha Singh son of Hazara Singh | .. 6th October, 1965 |
| 199. Jit Singh son of Mangal Singh | .. 13th October, 1965 |
| 200. Jallu Singh son of Sunder Singh | .. 13th January, 1966 |
| 201 Pritam Singh son of Makhan Singh | .. 13th January, 1966 |
| 202 Jarnail Singh, son of Wadhawa Singh | .. 13th January, 1966 |
| 203 Jagga Singh, son of Bur Singh | .. 17th January, 1966 |
| **District Jail, Hoshiarpur** | |
| 204 Lotu, *alias* Parkash, son of Sanghu | .. 28th March 1965 |
| 205 Sita Ram, son of Bhagwana | .. 22nd February, 1964 |

[Minister for Welfare and Justice]

| | Name of prisoner | | Date on which roll sent |
|---|---|---|---|
| | *Distict Jail Hoshiarpur*—concld | | |
| 206. | Bishan Singh, son of Lachman Singh | .. | 6th June, 1965 |
| | **Special Jail, Hissar** | | |
| 207. | Siri Chand, son of Mam Chand | .. | 16th October, 1965 |
| 208. | Shanker, son of Harsukh | .. | 22nd March, 1965 |
| | **Mohinder garh** | | |
| 209. | Rameshwar, son of Kehar | .. | 7th June, 1965 |
| | **Central Jail Fepozepur** | | |
| 210. | Tulsi, son of Sidhu | .. | 15th April, 1965 |
| 211. | Sucha Singh, son of Khazan Singh | .. | 8th December, 1965 |
| 212. | Gurdev Singh, son of Arjan Singh | .. | 20th January, 1966 |
| 213. | Joginder Singh, son of Guddar Singh | | 18th October, 1965 |
| 214. | Karam Singh, son of Bhagwan Singh | .. | 8th December, 1965 |
| 215. | Dalip Singh, son of Dasonda Singh | .. | 3rd December, 1965 |
| 216. | Piara Singh, son of Budh Singh | .. | 1st February, 1966 |
| 217' | Sher Sigh,son of Sunder Singh | .. | 1st February, 1966 |
| 218. | Nazar Singh, son of Hakim Singh | .. | 29th November, 1965 |
| 219. | Darshan Singh, son of Ravail Singh | .. | 8th December, 1965 |
| 220. | Sarwan Singh, son of Phuman Singh | .. | 8th December 1965 |
| 221. | Thakar Singh, son of Inder Singh | .. | 8th December, 1965 |
| 222. | Partap Singh, son of Thakar Singh | .. | 2nd December, 1965 |
| 223. | Jagir Singh, son of Ishar Singh | .. | 21st November, 1965 |
| 224. | Hira Lal, son of Nand Kisore | .. | 29th June, 1964 |
| 225. | Kashmira Singh, son of Tek Singh | .. | 1st November, 1965 |
| 226. | Zora Singh, son of Dharam Singh | .. | 27th January, 1966 |
| 227. | Faujab Singh, son of Uttam Singh | .. | 20th August, 1965 |
| 228. | Malloo Nath, son of Kesar Singh | .. | 1st February, 1966 |
| 229. | Guddar Singh, son of Guddar Singh | .. | 16th November, 1965 |
| 230. | Surat Singh, son of Budh Singh | .. | 20th January, 1966 |
| 231. | Sucha Singh, son of Sada Singh | .. | 15th December,1965 |
| 232. | Bakshish Singh, son of Zora Singh | .. | 15th December, 1965 |
| 233. | Shamir Singh, son of Bhagat Singh | ... | 17th December, 1965 |

| | Name of prisoner | | Date on which roll sent |
|---|---|---|---|
| | *Central Jail Ferozepur*—concld | | |
| 234. | Labh Singh, son of Boor Singh | .. | 25th September, 1965 |
| 235. | Malla Singh, son of Rur Singh | .. | 21st December, 1965 |
| 236. | Sagar son of Harish Chander | .. | 30th August, 1965 |
| 237. | Ujagar Singh, son of Bachan Singh | .. | 28th May, 1965 |
| 238. | Lachhman Singh, son of Bhagat Singh | .. | 14th August, 1965 |
| 239. | Nihal Singh, son of Sajjan Singh | .. | 5ht January, 1966 |
| 240. | Angrej Singh, son of Inder Singh | .. | 19th February, 1965 |
| 241. | Bishakha Singh, son of Manna Singh | .. | 15th November, 1965 |
| 242. | Gurbux Singh, son of Kesar Singh | .. | 1st February,1966 |
| 243. | Niranjan Singh, son of Partap Singh | .. | 4th January, 1964 |
| 244. | Gajja Singh, son of Bhagat Singh | .. | 11th October, 1965 |
| 245. | Ajit Singh, son of Partap Singh | .. | 27th January, 1966 |
| 246. | Maghar Singh, son of Rulia Singh | .. | 25th December, 1965 |
| 247. | Nand Singh, son of Kaka Singh | .. | 16th March, 1965 |
| 248. | Godha Singh, son of Bachan Singh | .. | 11th October, 1965. |
| 249. | Pritam Singh, son of Kapur Singh | .. | 1st January, 1964 |
| 250. | Wadha Singh, son of Manna Singh | .. | 13th November, 1963 |
| 251. | Santa Singh, son of Wadha Singh | .. | 13th August, 1962 |
| 252. | Resham Singh, son of Kartar Singh | .. | 2nd December, 1965 |
| 253. | Narain Singh, son of Bahadur Singh | ... | 20th October, 1965 |

**Departmental enquiries against Shri Sajjan Singh, Ex-S.H.O., Jandiala Guru, district Amritsar**

3164. **Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) whether any departmental enquiries were initiated against Shri Sajjan Singh Ex-S.H.O Jandiala Guru, district Amritsar, during the year 1963-64, in Amritsar District and in 1964-65 and 1965-66 in Gurdaspur and Ferozepore districts ; if so, the details of each enquiry, the charges enquired into each case, the result thereof and the action taken thereon;

(b) the details of the enquiries, if any, still pending against the said Ex-S.H.O. ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) Yes. The details of the departmental enquiries initiated against Sub-Inspector Sajjan Singh during the year

[Minister for Home and Development]

1963-64 in Amritsar District are given in the statement laid on the Table of the House The charges enquired into and the result thereof is also given in the said statement. No departmental enquiry against the said Sub Inspector was initiated in Gurdaspur and Ferozepur Districts in years 1964-65 and 1965-66.

(b) No enquiry is pending against him.

**Statement**

The following five departmental enquiries were initiated against S. I. Sajjan Singh formerly S. H. O., P. S. Jandiala, district Amritsar.

**Departmental Enquiry No. I**

He un-necessarily delayed the investigation of 11 cases of P. S. Jandiala. The charge was proved against him and for this misconduct, his one year's approved service was forfeited.

**Departmental Enquiry No. II**

He registered a false case under section 506 I. P. C., P.S. Jandiala against Shri Hukam Singh at the instance of Shri Sadhu Singh of Jandiala. He was held guilty of the charge and his 4 years' approved service was forfeited.

**Departmental Enquiry No. III**

He made discrepant statement before the Priviliges Committee of the Punjab Vidhan Sabha regarding the incident of hand-cuffing of Shri Makhan Singh Tarsikka, M. L. A. and his detention in the lock-up of the P. S. Jandiala. The charge was not substantiated and he was, therefore, exonerated.

**Departmental Enquiry No. IV**

Stictures were passed against him by Shri Sant Singh, M. I. C., Amritsar in a case under section 9/1/78 Opium Act of P. S. Jandiala. He was not held guilty and was, therefore, exonerated.

**Departmental Enquiry No. V**

He failed to register a case under section 148/149 I. P. C., and under section 323 I. P. C., on a complaint of Shri Teja Singh of P. S., Jandiala. The charge was proved against him and his one year's approved service was forfeited.

---

**Industrial Training Institute and Polytechnic Institutes**

**3166. Shri Om Parkash Agnihotri** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the total number of students in the Industrial Training Institutes and Polytechnic Institutes in the State, both pivate and public to whom loans were sanctioned during the year 1963-64 by the Technical Education Board for carrying on their studies ;

(b) the dates when the instalments of the said loans were due to be paid to the said students and also the date when these were actually paid ;

(c) whether it is a fact that the third instalment of the said loans due to the said students in their third year was not paid upto 31st January, 1966 ; if so, the reasons, if any, for this delay and the time by which the payment threof is expected to be made ?

**Shri Prabodh Chander** (a) 1019 students in Polytechnics were advanced loans in 1963-64. The Industrial Training Institutes are under the control of the Industries Department and not Technical Education Department.

(b) Generally, loan is disbursed to the students after they have executed the loan deed and fulfilled other conditions as required under the Punjab Engineering Education Loan Rules.

It is not possible to give the actual date(s) of disbursement of loan to each student. The labour and Work involved in the collection of this information would be incommensurate with the possible benefit to be obtained.

(c) Some of the said students could not be paid their 3rd instalments upto 31st January, 1966 because proposals were received late from certain institutions. The amount of 3rd instalment in respect of such students has since been placed at the disposal of and remitted to the Heads of the Institutions concerned for disbursement.

---

**Famine stricken areas in district Hissar**

**3167. Shri Amar Singh** : Will the Minister for Revenue be pleased to state —

(a) the number and names of the villages tehsilwise in Hissar District which are proposed to be declared as famine stricken area;

(b) the total amount given as a relief measure after July, 1965 to-date in the famine stricken areas in the said district, tehsil-wise ;

(c) the criteria adopted in distributing the amount referred to in part (b) above ?

**Sardar Harinder Singh Major** : (a) No area of district Hissar is to be declared as famine stricken area.

(b) The following amounts have been sanctioned by Government for relief works:—

| | Rs |
|---|---|
| (i) Earthwork on roads .. | 15,00,000 |
| (a) Bhiwani Tahsil .. | 6,82,000 |
| (b) Hissar Tahsil .. | 5,40,000 |
| (c) Hansi Tahsil .. | 1,20,000 |
| (d) Sirsa Tahsil .. | 1,51,118 |
| Total .. | 14,93,118 |
| (ii) Digging of Johars .. | 5,00,000 |
| (a) Bhiwani Tahsil .. | 2,00,000 |
| (b) Hissar Tahsil .. | 2,00,000 |
| (c) Sirsa Tahsil .. | 25,000 |
| (d) Fatehabad Tahsil .. | 75,000 |
| Total .. | 5,00,000 |
| (iii) Lift Irrigation Schemes .. | 48,58,000 |
| (a) Bhiwani Tahsil .. | 2/3 of this amount |
| (b) Hissar, Hansi and Sirsa Tahsils .. | 1/3 of this amount |
| (iv) Soil Conservation Works .. | 10,00,000 |
| (a) Hissar .. | 5,00,000 |
| (b) Bhiwani .. | 5,00,000 |
| (v) Water Supply Scheme .. | 8,50,000 |
| (In Bhiwani Tahsil only) .. | (As share of villagers) |

[Revenue Minister]

Other relief measures sanctioned for, or given in Hissar District are given as below :

| | | Rs |
|---|---|---|
| (i) Remission of land revenue on the follwoing scale: | | 2,08,845 |
| (a) where the damage was more than 50 per cent | | Total remission |
| (b) where the damage was below 50 per cent but more than 25 percent | | 75 per cent remission |
| | | Rs |
| (a) Bhiwani Tahsil | .. | 1,17,354 |
| (b) Hansi Tahsil | .. | 28,274 |
| (c) Hissar Tahsil | .. | 32,980 |
| (d) Sirsa Tahsil | .. | 30,237 |
| Total | .. | 2,08,845 |
| (ii) Suspension of recovery of taccavi loans till Rabi, 1966 | Rs. | 18,63,469 |
| (a) Hissar | .. | 65,312 |
| (b) Hansi | .. | 76,849 |
| (c) Sirsa | .. | 2,42,772 |
| (d) Bhiwani | .. | 14,78,536 |
| Total | Rs. | 18,63,469 |
| (iii) Fodder and Seed taccavi | Rs. | 19,50,000 |

| | | *Fodder* Rs | *Seed* Rs |
|---|---|---|---|
| (a) Bhiwani | .. | 6,75,000 | 2,50,000 |
| (b) Hansi | .. | 2,00,000 | .. |
| (c) Hissar | .. | 3,25,000 | .. |
| (d) Fatehabad | .. | 3,00,000 | .. |
| (e) Sirsa | .. | 2,00,000 | .. |
| Total | .. | 17,00,000 | 2,50,000 |
| (iv) Subsidy for purchase of fodder | | — | 1,75,000 |
| (a) Bhiwani | .. | 1,25,000 | |
| (b) Hissar | .. | 50,000 | |
| Total | .. | 1,75,000 | |
| (v) Fodder-Depots | .. | .. | 35 fodder depots are functioning where the fodder is sold at subsidized rates |
| (a) Bhiwani | .. | 29 | |
| (b) Hissar | .. | 6 | |
| Total | .. | 35 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (vi) Fair Price Shops | .. | | 116 fair price shops are functioning |
| (a) Bhiwani | .. | 61 | |
| (b) Hansi | .. | 29 | |
| (c) Hissar | .. | 10 | |
| (d) Fatehabad | | 6 | |
| (e) Sirsa | .. | 10 | |
| Total | .. | 116 | |

(vii) Amenities provided in Bhiwani Tahsil:

| | | | |
|---|---|---|---|
| (1) Dhotis | .. | 44 | |
| (2) Shirts of Mazri Cloth | .. | 25 | |
| (3) Shirts Mazri | .. | 14 | |
| (4) Sweet Shirts | .. | 24 | |
| (5) Khes | | 46 | |
| (6) Shirting Cloth | .. | 98 | pieces |
| (7) Rihhot Ves Cloth | .. | 71 | pieces |
| (8) Woollen Jackets | .. | 32 | |
| (9) Night Pyjama Suits | .. | 25 | |
| (10) Bed Sheets | .. | 77 | |
| (11) Woollen Blankets | .. | 49 | |
| (12) Mazri Cloth | .. | 45 | pieces |
| (13) "ests Cotten Flannatete | .. | 52 | |

(viii) Highest priority is to be given to village water supply scheme and rural electrification.

(ix) Recruiting centre to be opened in Hissar District.

(c) The Deputy Commissioner, Hissar, has allocated the amounts to various tahsils according to their requirements.

### A.S.Is. and S.Is. under suspension in the State

**3168. Shri Amar Singh** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) the number and names of A.S.Is. and S.Is. suspended on the charge of embezzlement in the State, district-wise, during the period from Ist July, 1965 to date ;

(b) the number and names of the said A.S.Is. and S.Is. who are under trial after their suspension in respect of the cases mentioned in part (a) above ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) No A.S.I. and S.I. was suspended on the charge of embezzlement during the period from Ist July, 1965 to-date .

(b) The question does not arise.

### Cases filed under section 107/151 before S.D.Ms (Civil) in Hissar and Amritsar Districts

**3169. Shri Amar Singh** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state the total number of cases filed before the Sub-Divisional Magistrates ( Civil) in Hissar and Amritsar Districts, Sub-Divison-wise, under sections 107/151 Criminal Procedure Code during the period from Ist April, 1965 to-date together with the number of persons bound down by each of the said Magistrates for apprehension of breach of peace ?

**Sardar Darbara Singh** : Total number of cases instituted under section 107/151 Criminal Procedure Code and the total number of persons bound down by the Sub-Divisional Magistrates in Amritsar and Hissar Districts from Ist April, 1965 to 11th February, 1966 are as under:

| Sub-Divisions of district Amritsar | | Cases filed | Persons bound down |
|---|---|---|---|
| Sub-Divisional Magistrate, Amritsar | .. | 323 | 35 |
| Sub-Divisional Magistrate, Tarn Taran | .. | 157 | 70 |
| Sub-Divisional Magistrate, Patti | .. | 371 | 312 |
| Sub-Divisional Magistrate, Ajnala | .. | 349 | 236 |
| Sub-Divisions of district Hissar:— | | | |
| Sub-Divisional Magistrate, Hissar | .. | 197 | 98 |
| Sub-Divisional Magistrate, Hansi | .. | 188 | 48 |
| Sub-Divisional Magistrate, Bhiwani | .. | 266 | 40 |
| Sub-Divisional Magistrate, Fatehabad | .. | 380 | 52 |
| Sub-Divisional Magistrate, Sirsa | .. | 319 | 312 |

**District Public Relations and Grievances Committee, Amritsar**

**3172. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the details of the complaints received by the District Public Relations and Grievances Committee, Amritsar District during the last six months, department-wise, and the action taken on each complaint ;

(b) lay copies of the proceedings of the said Committees during the said period on the Table of the House ?

**Shri Ram Kishan** : (a) No complaint was received directly by the Public Relations and Grievances Committee, Amritsar. Progress of removal of complaints of other departments was reviewed in the meetings of the Committee, the details of which are given in the proceedings of the meetings.

(b) During the past six months, four meetings of the District Public Relations and Grievances Committee were held on 5th November, 1965, 6th December, 1965, 5th January, 1966 and 8th February, 1966. Copies of the proceedings of these meetings are enclosed. No meetings were held during the months of Sepetmber and October, 1965, due to emergency.

**Proceedings of the District Public Relations and Grievances Committee held on 5th November, 1965, under the Chairmanship of Shri Surinder Singh Bedi, I. A. S., Deputy Commissioner, Amritsar**

**Present :—**

(1) Shri S. P. Kalia, I. A. S., Additional Deputy Commissioner, Amritsar.

(2) Shri Shiv Singh, G. A. I, to D. C.

(3) Miss P. Ahluwalia, P. C. S., G. A. II.

(4) Shri Piara Lal S. D. O., (C) Ajnala.

(5) Shri Ajit Singh Nagpal, S. D. O., (C) Ajnala.

(6) Shri J. D. Gupta, I. A. S. S. D. O. (C), Amritsar.

(7) Shri Gurdial Singh, S, O., (CH), Amritsar.

(8) Shri B. S. Basur, District Food and Supplies Controller, Amritsar.

(9) Shri Amir Singh, District Development and Panchayat Officer.

(10) Shri Harcharan Singh, Secretary, Zila Parishad, Amritsar.

(11) P. D. S. P., Amritsar.

(12) Shri M. S. Brar, X.E.N. Majitha Division, U.B.D.C., Amritsar.

(13) Shri H. R. Huria, X. E. N., B. & R., Amritsar.

(14) Shri J. M. Mehta, X. E. N., Jandiala Division, U.B.D.C., Amritsar.

(15) Shri A. K. Mehta, X. E. N., Amritsar Drainage Division.

(16) Shri M. R. Sachdeva, X. E. N., Drainage Investigation Division.

(17) Shri Kushal Dev, X. E. N., Electricity, Amritsar.

(18) Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer.

(19) Shri R. N. Sawhney, General Manager, Punjab Roadways, Amritsar.

(20) Shri Joginder Singh, Secretary, D.S.S. & A. Baord, Amritsar.

(21) Shri Hans Raj Khanna, Secretary Municipal Committee, Amritsar.

(22) Shri Ved Bushan, D. P. R. O.

(23) Shri Rajinder Singh, Divisional Forest Officer.

(24) Shri L. R. Khosla, District Industries Officer, Amritsar.

(25) Inspector, Co-operative Societies, Tarn Taran.

(26) District Education Officer, Amritsar.

(27) Tehsildars, Amritsar/Tarn Taran/Ajnala.

(28) Deputy Chief Medical Officer, Amritsar.

(29) President, Sadachar Samiti, Amritsar.

(30) B. D. & P. Os., Taran Taran/Gandiwind/Ajnala/Patti/Jandiala/Valtoha Naushera Panuan/Chola Sahib, Verka/Majitha/Chugawan and Bhikhi wind.

(31) Additional Excise and Taxation Officer, Amritsar.

(32) Executive Officer, M. C., Taran Taran.

(33) Field Publicity Officer, Amritsar.

Before proceedings of the meeting started the A. D. C., read out the letter, dated the 30th October, 1965, received from Director of Grievances, Punjab, Chandigarh and informed all the members that the instructions received from the Government regarding complaints should be dealt with strictly.

A copy of para No. 15 of the orders of the Punjab Government dated, the 25th October is being sent to all the officers of each department, so that they should proceed accordng to the instructions given in this paragraph.

[Chief Minister]

*District Food and suppplies Officer.*—He informed the members that the supply of food in the city is satisfactory and wheat atta is being sold in the city at the rate of Rs 23 to Rs 25 per maund and the market rate of wheat is Rs 48 to Rs 55 per quintal. He also informed the members that the condition of sugar and cement in the city is satisfactory.

*Assistant Registrar Co-operative Societies, Amritsar.*—Some members informed the Deputy Commissioner, Amritsar, that the supply of sugar in the villages is most unsatisfactory and the military personnel who come on leave are not getting sugar regularly. The Deputy Commissioner directed the Officer concerned to remove this complaint.

*Secretary, D. S. S.* and *A. Board, Amritsar.*—He informed the members that the police is disturbing the military personnel who come on leave and the police make their searches with one pretext or the other. The Deputy Commissioner directed the Police Officer that he should issue instructions to the Police that they should refrain from doing this and if the Police want to make searches, they should atleast do so in the presence of Sarpanches or Panches. The Secretary also informed that when the military personnel go back to duty after availing of their leave, their family members are harrassed unnecessarily. The Deputy Commissioner brought this fact to the notice of the Police Officer and directed him that the Police should not act in a wrong way.

*S. S. P., Amritsar.*—Seventy-four complaints were received in the office of the Senior Superintendent of Police, Amritsar, out of them seventy-three complaints were found to have been rightly disposed of and one complaint was discussed in the meeting. This complaint was from Shrimati Prem Wati, servant of Shrimati Avtar Kaur, Head Teachress against Shri Mohan Singh Dhilon Advocate, regading taking away of Shrimati Avtar Kaur forcibly.

The S. S. P. informed that this case is being investigated and in the next meeting a complete report regarding this complaint will be submitted.

*X. E. N., U.B.D.C., Jandiala Division.*—Only eleven compliants were received in this office and out of these eight were rightly disposed of and the hearing of three complaints was adjourned to next meeting.

*X. E. N., U. B. D. C., Majitha Division.*—Only six complaints were pending disposal in this department and the hearing of these complaints was adjourned to next meeting as the enquiry in these cases had not been finalised.

*Chief Medical Officer, Amritsar.*—Six complaints were pending disposal with this department. Out of these complaints, four were found to have been rightly disposed of and the hearing of the two complaints was adjourned to the next meeting.

*Secretary, Municipal Committee, Amritsar.*—Thirty-two complaints were pending disposal in this office. Out of these twenty-two complaints were rightly disposed of and the hearing of the fourteen complaints was adjourned to the next meeting as the enquiry on these complaints was not complete.

*District Education Officer.*—Six complaints which were pending with this department were postponed to the next meeting as the enquiry in these complaints was not finalised.

*Assistant Registrar, Co-operative Societies, Amritsar.*—Only six complaints were pending disposal with this department. Out of these four were found to have been rightly disposed of and the hearing of the two complaints was adjourned to the next meeting.

*District Excise and Taxation Officer.*—Four complaints were pending with this department and the hearing of these complaints was adjourned to the next meeting.

*District Industries Officer.*—Only four complaints were pending with this department. Out of these one was discussed and found to have been rightly disposed of. These complaints were kept pending for the next meeting.

*S.D.O. (C), Ajnala.*—In all thirty, two complaints were pending disposal with this department. Out of these ten were discussed and found to have been rightly disposed of. Twenty-two complaints were kept pending for the next hearing.

*S. D. O. (C), Amritsar.*—Fifteen complaints were pending with this department. Out of these five have been discussed and found to have been rightly disposed of and ten complaints were kept pending for the next meeting.

*Settlement Officer (CH), Amritsar.*—Eleven complaints were pending with this department have been adjourned to next hearing because the concerned Officer did not come to G. A. II for discussion.

*B. D. P. O. Majitha.*—Fifteen complaints were pending with this office. These complaints have been postponed to the next meeting because the officer concerned did not come to G. A. II for discussion.

*Chairman Improvement Trust.*—One complaint which was pending with this office and has been postponed to the next hearing. The officer concerned has been directed to dispose of this complaint immediately. This complaint is from Captain Harinderpal Singh regarding Plot No. 167, Makbul Road, area Amritsar.

*B. D. and P. O. Tarn Taran.*—Only five complaints were pending disposal with the office. Out of these two were discussed and found to have been rightly disposed of. The hearing of these complaints was adjourned to the next meeting.

*District Food and Supplies Officer.*—Eleven complaints were pending disposal with this office. Out of these nine complaints were discussed and found to have been rightly disposed of.

*S. D. O. (C), Patti.*—Tehsildar Patti, Sub-Regional Employment Officer, District Agricultural Officer, Tarsury Officer, Secretary Soldiers, Sailors and Airman's Board, B. D. P. O.s. Verka, Tarsika, Rayya Gandivind, Chola Sahib, Valtoha, Patti, Ajnala, Chaugawan, Jandiala, Naushera Panuan and Bhikhiwind.

No statement has been received from the above mentioned offices. The Deputy Commissioner, directed all the officers of the above mentioned offices to send their statements in time in future, so that proper action should be taken on them.

*General.*—The next meeting of the District Public Relations and Grievances Committee will take place on 6th December, 1965 at 10 A. M. in the Zila Parishad hall and all the officers have been directed to send their statements in time i. e., before the due date, on 26th November, 1965. The statements which were received late will not be entertained.

Sd. S. P. KALIA,
*for* Deputy Commissioner,
Amritsar

No. CEA/232/677, dated the 15th November, 1965.

A copy of the proceedings is forwarded to all Heads of departments and members of the Committee for information and necessary action.

Sd. S. P. KALIA,
A.D.C.
*for* Deputy Commissioner, Amritsar.

**Proceedings of District Public Relations and Grievances Committee held on 6th December 1965 under the Chairmanship of Shri Surinder Singh Bedi, Deputy Commissioner, Amritsar.**

***Present*—**

1. G.A.I. and G.A.II to Deputy Commissioner, Amritsar.
2. S.D.O. (C), Amritsar.

[Chief Minister]

3. XEN Public Health Division, Majitha Division, Jandiala Division and State Electricity Board.
4. District Food and Supplies Controller.
5. P.D.S.P.
6. Traffic Manager, Punjab Roadways.
7. B.D.P.O. Verka, Jandiala, Rayya, Chola Sahib, Naushera Panuan
8. Tehsildars, Amritsar/Ajnala/Tarn Taran.
9. S.O. (Ch.)
10. Chairman, Zila Parishad
11. Shri Umrao Singh M.L.A.
12. S.D.O. Drains Investigation Division.
13. Trust Engineer, Improvement Trust.
14. Secretary, Municipal Committee, Amritsar.
15. Assistant Industries Officer.
16. Assistant Registrar, Co-operative Societies, Tarn Taran
17. District Animal Husbandary Officer, Amritsar.
18. S.D.O. , P.W.D., B and R
19. Secretary, D.S.S. and Airmens' Board.
20. Secretary, Zila Parishad.
21. Deputy Chief Medical Officer.
22. District Education Officer, Amritsar.

Before the start of the proceedings of the meeting, Shri Umro Singh, M.L.A., pointed out that there was no arrangement of Warabandi in Tehsil Patti, and the cultivators do not get water in time. He also said that the tube-well connections are not regularly given to the cultivators.

The Deputy Commissioner directed the XEN concerned to arrange for the supply of water to the cultivators immediately so that there should be no cause for Complaint from either side. Shri Umrao Singh also pointed out that sufficient transport facilities for going to village Gudda and Shahbazpur are not available to the public there and that more transport lorries should be made available for the facilities of the public. The Deputy Commissioner directed the Traffic Manager that he should look to their grievance immediately.

*District Food and Supplies Controller.*—The District Food and Supplies controller informed that the cement condition in the city is satisfactory. Some of the B.D.P.Os pointed out that villagers have to bring cement from the city, and they have to undergo a lot of expense and trouble.The D.C. directed that the cement supply should be made available in Blocks. The D.F.S.C. replied that if this media was adopted it would be greatly expensive to the Government. The D.C. directed the B.D.Os. that they should examine the the applications submitted for supply of cement and pass them on to the Controller and for making this arrangement the D.C. gave ten days time. It was desired that after the supply of cement to the villagers. If there was any balance that quota should be supplied to the urban population.

The Controller also said that the condition of sugar is satisfactory in the city. The D.C. asked the Assistant Registrar Co-operative Societies about the prevailing

condition of sugar in villages. Shri Umrao Singh, M.L.A. pointed out that sugar is not rightly distributed in villages and the public is facing great difficulty. The assistant Registrar replied that Co-operative societies are not functioning in villages and for this reason the public from the villages have to get to adjoining villages for getting sugar The Deputy Commissioner directed the Assistant Registrar to look into it and the societies which are not functioing should be regularised so that there should be no cause of grievance to the public in villages. The Deputy Commissioner also directed that where the societies were not functioning the arrangement for the suply of sugar should be handed over to the charge of panchayats so that rural people should get sugar in their villages.

The D.C enquired about the supply of stamp papers.,The Treasurer who attended on behalf of the Treasury Officer said that the supply of stamps is very meagre as the supply is not coming from the quarter concerned. The Treasurer also stated that Government have issued instructions that if any person was not getting stamp paper, he could deposit the required amount in the treasury and on an application he could get certificate from the Collector and in this way the need of public for stamps can be met with. The Treasure also said that there was less number of the stamp vendors and that their number should be increased.

Some of the members pointed out that the stamp vendors leave their places without informing any body and on account of this public is put to inconvenience. The Treasurer replied that the Excise and Taxation Officer should be asked to have control over them.

Shri Umrao Singh, M.L.A. pointed out that when any officer visits villages, the general public is not informed before hand and that the officers should send tour programmes before visiting villages to tehsildars and Panchayat Samitis. In this connection the D.C. told Shri Hargurdial Singh that when he goes out for survey in villages he should inform the Panchayat Samitis.

*G.A.II.* read out the instructions received from the Government regarding the disposal of complaints and the Deputy Commisssioner directed all the officers present in the meeting that they should abide by the instructions issued by the Government from time to time. The Deputy Commissioner also pointed out that Government have issued new instructions to deal with the complaints and according to these instructions every officer should act upon them. P.G.O. system should be enforced as per instructions of the Government and in future P.G.O. slips will be issued to the officers who will send their replies within forty-eight hours. In case the P.G.O. slip is not replied in time, D.C. will take notice of it.

*S.S.P. Amritsar*—Sixty five complaints were pending disposal with this department. Out of these 54 complaints were discussed and found to have been rightly disposed of. Ten complaints were postponed for hearing of the next meeting. One complaint was discussed in the meeting. The Police Officer said that in the meeting the report on this complaint will be submitted.

*XEN U.B.D.C. Majitha Division.*—Only eight complaints were pending disposal with this department, out of them four complaints were discussed and found to have been rightly disposed of. Four complaints have been kept pending for the next meeting.

*S.D.O. Tarn Taran.*—Only 21 complaints were pending disposal with this office. Out of them ten were discussed and found to have been rightly disposed of. Eleven complaints have been kept pending for discussion in the next meeting.

*S.D.O. Patti.*—Seventy-two complaints were pending disposal with this office. Out of them 37 complaints were discussed and found to have been rightly disposed of. Thirty-five complaints have been kept pending for discussion in the next meeting.

*E.O. Municipal Committee,Amritsar.*—Thirty-two complaints were pending disposal with this office. Out of them twenty complaints were discussed and found to have been rightly disposed of. Eleven Complaints have been kept pending for discussion in the next meeting.

*District Education Officer.*—Five complaints were pending disposal with this office and the same have been adjourned for hearing in the next meeting as the enquiry in these cases was not finalised.

*Sub-Regional Employment Officer.*—Only one complaint is pending and that has been adjourned for hearing on the next meeting as the enquiry in this case has not been finalised.

[Chief Minister]

*Senior District Industries Officer.*—Only four complaints were sent to this department. Out of them one complaint was discussed and found to have been rightly disposed of. Three complaints have been kept pending for discussion in the next meeting because the enquiry in these cases has not been finalised.

*Assistant Registrar, Tarn Taran Co-operative Societies.*—Only one complaint was pending with this office and that was kept pending for discussion in the next meeting as the enquiry in this case was not complete.

*District Food and Supplies Controller.*—Only three complaints were sent to this office for report. out of them two complaints were discussed and found to have been rightly disposed of. One complaint has been kept pending for discussion in the next meeting.

*Settlement Officer (CH), Amritsar.*—Eighteen complaints were sent to this office for report and those were kept pending for discussion in the next meeting as the officer concerned did not come to G.A. II. for discussion.

*D.D.P.O. Amritsar.*—Twenty complaints were sent to this office for report. Out of these nineteen complaints have been discussed and found to have been rightly disposed of. and one has been kept pending for discussion in the next hearing.

*B. D. and P. O. Rayya.* Only ten complaints were sent to this office for report. Out of these nine have been discussed and found to have been rightly disposed of. One complaint has been kept pending for hearing in the next meeting.

*X. E. N.* Punjab State Electricity Board Tarn Tarn, Excise and Taxation Officer, District Public Relations Officer, Tehsildar Patti, Treasury Officer, all the B. D. & P. Os except Rayya, Secretary Soldiers and Airmen's Board.

The statements from the above cited officers have not been received. The Deputy Commissioner directed these officers that they should send their statements in time so that action can betaken on them. The officers concerned who do not send their statements before due dates, their statements will not be entertained and the Governnmet will be informed regarding their negligence.

The statements of the following offices have not been received in time and for this reason no action has been taken on their statement as these have been received after the due date. The officers concerned have been informed that they should send their statement by due date.

Chief Medical Officer, Amritsar.

S.D.O.(C), Ajnala.
S.D.O.(C), Amritsar

*General.*—Next meeting of the District Public Relations and grievances Committee will take place on 5th January, 1966 at 10 A.M. in the Zila Parishad Hall, Amritsar and all the officers should send their statements before 24th December, 1965 and also come for discussion to G.A.II.

All S.D.Os and Tehsildars .. 27th December, 1965

All the XENs .. 28th December, 1965

Secretary M.C. and Chairman Improvemnt Trust
D.P.S.C. 31st December, 1965

The remaining departments and S.S.Ps. office for 1st January, 1966

(Sd.) P.AHLUWALIA
*for* Deputy Commissioner, Amritsar.

---

No 739/CEA dated 14th December, 1965

A copy is forwarded to all the concerned departments and members of the committee for information and necessary action.

(Sd.) P. AHLUWALIA
*for* Deputy Commissioner, Amritsar.

**Proceedings of the meeting of the District Public Relations and Grievance Committee held on 5th January, 1966 under the Chairmanship of Shri Surinder Singh Bedi I.A.S., Deputy Commissioner, Amritsar.**

---

*Present—*

1. P.G.O., Amritsar
2. S.D.Os (Civil) Tarn Taran, Patti, Ajnala and Amritsar.
3. Tehsildars Patti, Ajnala, Tarn Taran and Amritsar.
4. XENs, P.W.D., B.&R, Electricity, U.B.D.C, Majitha Division and Jandiala Division.
5. D.D.P.O., Amritsar.
6. B. D.P.Os. Ajnala, Bhikhiwind, Valtoha, Rayya, Gandiwind, Jandiala, Chola Sahib and Naushera Panuan,
7. Secretary, Zila Parishad.
8. E.O. M.C, Amritsar.
9. Secretary, D.S.S. & A. Board.
10. Settlement Officer (C./H.).
11. District Education Officer, Amritsar.
12. District Food and Supplies Controller.
13. D.S.P. Headquarters.
14. Shri V.S. Sodhi, Ex. Magistrate.
15. Chairman, Improvement Trust.
16. District Agricultural Officer, Amritsar.
17. District Animal Husbandary Officer, Amritsar.
18. Divisional Forest Officer, Amritsar.
19. Traffic Manager, Punjab Roadways.
20. Assistant Registrars, Co-operative Societies, Amritsar and Tarn Taran.
21. Shri Umrao Singh, M.L.A.
22. District Public Relations Officer :
23. Medical Superintendent, V.J. Hospital, Amritsar.
24. S.D.O. Drains Investigation.

*District Food ane supplies Controller.*—The District Food and Supplies Controller informed the members that wheat atta is being sold in the market at the rate of Rs 24 to Rs 25 and the normal condition of the wheat atta is satisfactory. He also said that wheat is available in the market at the rate of Rs 54 to Rs 57 per quintal. He also pointed out that the sugar condition in the city is satisfactory.

*Shri Umrao Singh M.L.A.*—Shri Umrao Singh pointed out that the work of P.W.D. in the jurisdiction of Patti Sub, Division is not satisfactory, and that the officers of this department should take special interest to remove the grievances of the public in this sub-division. He also pointed out that the sugar condition in the jurisdiction

[Chief Minister]

of Patti tehsil is unsatisfactory. The villagers of Makhi Kalan and Margindpura are not getting sugar for the last six months. The D.C. directed the Assistant Registrar, Co-operative Societies, Tarn Taran to remove this difficulty of the Public immediately. Shri Umrao Singh also pointed out that transport facilities are not available to Cheema village, and now when bridges over the drains have been reconstructed, transport facilities should be provided to the villagers of Cheema. He also desired that one more bus should be made available for going to valtoha, so that people of the locality should get transport facilities. The Deputy Commissioner directed the Traffic Manager to look into it. The Traffic Manager replied that early arrangements will be made after surveying the area. Shri Umrao Singh further pointed out that military personnel stop the buses going to Mahmudpura and Cheema. The Deputy Commissioner directed the Traffic Manager to approach the military authorities in order to remove this difficulty of the public. Shri Umrao Singh also pointed out that military have acquired most of the land in gardens and have pitched up their tents there and that Government is not properly compensating the owners with the result that public has been put to a great loss. The Deputy Commissioner directed Shri Hargurdial Singh, Military Land Acqusition Officer to look into this matter. Shri Umrao Singh also pointed out that there is a complaint of the public that they are not getting proper relief. The Deputy Commissioner asked Shri V.S. Sodhi to see to this. Shri V.S. Sodhi also said that proper investigation will be made in this respect and there will be no complaint from the public about it in future. Shri Umrao Singh again pointed out that when the turn regarding compensation of Khasra Nos of this Halka comes, its list be either supplied to the Panchayat or to the Tehsildar, so that the public should know of it before hand. The Deputy Commissioner directed Shri Hargurdial Singh that when he will make a programme to serve this Halqa, he should sent the list of Khasra Nos to the Panchayat samities, so that the public should know it.

*S.S.P. Amritsar.*—In all 74 complaints were pending disposal with this department. Out of these 59 complaints were found to have been properly dealt with. Fifteen complaints were kept pending for the next meeting.

*XEN Majitha Division.*—Only six complaints were pending with this department. Out of these two complaints have been found to be properly dealt with, and four complaints were kept pending for the next meeting.

*S.D.O.(C), Amritsar.*—Fourteen complaints were pending with this office. Out of these ten complaints have been found to be properly dealt with and four complaints are still under inquiry.

*S.D.O,(C) Patti.*—Fifty-three complaints were pending disposal with this office Out of these twenty complaints were found to have been properly dealt with. 33. complaints are still under enquiry.

*S.D.O.(C), Ajnala.*—Seventeen complaints were pending with this office. The enquiry in these complaints was not complete. These were, therefore, postponed for hearing to the next meeting.

*S.D.O.)(C) Tarn Taran.*—Twenty complaints were pending disposal with this office. Out of these eight complaints were found to have been properly dealt with.

*Chairman, Improvement Trust.*— Only one complaint is pending disposal with this department. The inquiry into this complaint is incomplete. It has, therefore, been kept pending for the next meeting.

*Secretary, M.C., Amritsar.*—Only twenty complaints were pending disposal with this department. Out of these 17 complaints were found to have been properly dealt with and three complaints have been postponed to the next meeting.

*Chief Medical Officer.*—Three complaints were pending with this department and as the enquiry was not complete, therefore, these complaints have been postponed for hearing to the next meeting.

*District Education Officer.*—Three complaints were pending with this department and as these were still under enquiry, therefore, they were kept pending for the next meeting.

*A. R. Co-operative Societies, Amritsar* —Two complaints were pending with this department and these have been postponed for the next meeting.

*District Food and Supplies Controller, Amritsar.*—One complaint was pending with this department, and it has been postponed to the next meeting.

*D.D.P.O., Amritsar.*—Five complaints were pending disposal with this office. Out of these three were found to have been properly dealt with. Two complaints were postponed for hearing to the next meeting.

*General Manager, Punjab Roadways.*—Only one complaint was pending with this department and as the enquiry was incomplete, it has been adjourned to the next meeting.

*District Industries Officer.*—Only four complaints were pending disposal with this department. Out of these two were found to have been properly dealt with and two complaints have been kept pending for the next meeting.

*S.O., Consolidation of Holdings.*—Only one complaint was pending with this department and since the enquiry was not complete, it has been adjourned to the next meeting.

*B.D., and .PO. Choganwan.*—Only two complaints were pending disposal with this department.

District excise and Taxation officer/XEN, Punjab State Electricity Board, T.T. XEN Drainage Division, XEN Sutlej Canalisation Officer/Tehsildar, Patti, all B.D.P.O.S. except Chogawan.

All the above-noted officers have not sent their statements and the Deputy Commissioner directed them to send the statement in the time in future.

*General.*—The next meeting of the District Public Relations and Grievances Committee will be held on 8th February, 1966 at 10 A.M. in the Zila Parishad Hall All the officers are requested to send the statement in time. The discussion days are as under :

| | |
|---|---|
| All S.D.O (C) and Tehsildar .. | 27th January, 1966 |
| Municipal Committees/Chairman I/T and D.F.S.C. | 28th January, 1966. |
| All remaining departments | 29th January, 1966 |
| S.S.P., Amritsar | 31st January, 1966 |

**Proceedings of the meeting of the Public Relations and Grievances Committee, Amritsar held on 8th February, 1966 under the Chairmanship of Shri S.S. Bedi, I.A.S., Deputy Commissioner, Amritsar**

***Present.*—**

General Assistant II to D.C.
Sub-Divisional Officer ( Civil), Ajnala.
District Food and Supplies Controller, Amritsar.
X.E.N., Punjab State Electricity Board, Amritsar.
X.E.N., U.B.D.C., Amritsar , Jandiala Division.
X.E.N., Drainage Investigation Division.
D.S.P. ( H.Qs), Amritsar.
Divisional Forest Officer.
Additional Excise and Taxation Officer.
Assistant Registrars, Co-operative Societies, Amritsar and Tarn Taran.
General Manager, Punjab Roadways, Amritsar.
D.A.O., D.I.O., D.A.H.O., D.E.O. and District Langauge Officer.

[Chief Minister]

Chairman Improvement Trust, Amritsar.
Secretary, Zila Parishad, Amritsar.
Secretary , Municipal Committee, Amritsar.
Tehsildars , Amritsar, Ajnala, Patti and Tarn Taran.
Deputy Medical Officer, V.J. Hospital.
B.D. & P.Os., Rayya, Verka, Chogawan, Jandiala, Chola Sahib, Bhikhiwind, Valtoha and Gandiwind.
S.E.P.O., Majitha.
Assistants of the offices of S.D.Os(C), Amritsar and Patti.
Head Clerk of X.E.N., U.B.D.C., Majitha Division.

**Proceedings**

*S.S.P., Amritsar.*—Ninety-seven complaints were sent to S.S.P., Amritsar for enquiry and report. Out of these, action taken on 55 complaints was considered adequate. The remaining 42 complaints were kept pending for the next meeting. Two complaints , one of Drug case and the other against A.S.I., Jaikarn Das were fully discussed in the meeting. The Drug case was ordered to be enquired into again and the second complaint was filed.

*Executive Engineer, U.B.D.C., Jandiala Division, Jandiala.*—There was one complaint sent for enquiry to this officer. The case was discussed and the Deputy Commissioner ordered to transfer the Patwari Canal from his present circle under intimation to this office.

*Executive Engineer, U.B.D.C., Majitha Division.*—There were seven complaints pending with this officer. Out of these action on one was considered appropriate and the remaining six complaints were kept pending to be considered at the time of next meeting

*S.D.O. (C) , Amritsar.*—Out of 13 complaints with this officer, action taken on three complaints was considered adequate and the remaining ten were kept pending for the next meeting.

*S.D.O. (C) , Tarn Taran.*—There were in all 22 complaints with this officer. Nine complaints have been disposed of propeıly and the remaining 13 complaints have been kept for the next meeting.

*S.D.O.(C), Patti.*—There were 43 complaints pending with this officer. The action taken on 15 complaints was considered proper and the remaining 28 complaints will be discussed at the time of next meeting.

*S.D.O.(C), Ajnala.*—There are nine complaints pending with this officer and these will be taken up at the time of next meeting.

*General Manager, Punjab Roadways.*—Only two complaints are pending with this officer.

*Chief Medical Officer, Amritsar.*—Only one complaint is pending for disposal with this officer.

*Assistant Registrar, Co-operative Societies, Amritsar.*— Only one complaint is pending with this officer.

*District Food and Supplies Controller.*—Out of three complaints with this officer, action taken on one complaint has been considered appropriate and the remainirg two have been kept for the next meeting.

*District Industries Officer, Amritsar.*—Five complaints are pending with this officer.

*S.O. ( Ch.), Amritsar.*—Four complaints are still pending with this officer.

*District Education Officer.*—Six complaints are still pending with this officer.

*District Excise and Taxation Officer.*—There are nine complaints pending with this officer and these will be considered at the time of next meeting.

*Tehsildar (Ajnala).*—Only one complaint is pending with this officer.

*D.D. and P.O., Tarn Taran.*—There are three complaints pending with this officer.

*B.D. and P.O. Majitha.*—Thirteen complaints are pending with this officer.

*General.*—The next meeting of the Public Relations and Grievances Committee will be held on 5th March, 1966 and 10 a.m. in Zila Parishad Hall. All the officers are requested to sned the statement regarding disposal of complaints to this office by the 25th February, 1966 and no statement will be entertained after that date. The officers are further required to attend the office of the Public Grievances Officer for diecussion at the complaints as under:—

| | | |
|---|---|---|
| 28th February, 1966 | .. | All S.D.Os ( Civil) and Tehsildars |
| 1st March, 1966 | | Secretary, Municipal Committee, Chairman, Improvement Trust and D.F.Sc., Amritsar |
| 2nd March, 1966 | .. | S.S.P. and all the remaining officers. |

(Sd.) P. AHLUWALIA,
*for* Deputy Commissioner.

**Communist detained under the Defence of India Rules**

3173. **Comrade Hardit Singh Bhathal** :Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) the total number of communists arrested and detained under the D.I.R. in the State as at present ;

(b) the names of the detenus, the names of the jails where they are detained class-wise, the time since when they are under detention and the period so far spent under detention by each ;

(c) the total number of detenus at present in Hoshiarpur Jail, class-wise together with the condititon of their health ;

(d) the names of detenus, if any, in the jails suffering from various diseases together with the names of their respective diseases and the details of the arrangements, if any, made for their treatment ;

(e) whether Government/ authorities concerned have received any intimation from Comrade Ganda Singh of Sangrur one of the above-mentioned detenus, that his teeth are in a very bad condition due to pyorrhea and that no facilities have been provided for the treatment of his teeth ;

(f) whether any representation was received by the officers concerned or a deputation met them in connection with the transfer of the said detenu to some other place where arrangements for the treatment of his disease exist ;

(g) whether there is any proposal under the consideration of the Government to transfer the said detenu to some suitable jail for his treatment ; if so, the time by which he is likely to be transferred ; if not,the reasons therefor ?

**Shri Chand Ram** : Minister for Welfare and Justice (a) 59.

(b) A statement containing the requisite information is at Appendix 'A'.

(c) Only two non-communist detenus are at present detained in District Jail, Hoshiarpur. They are ' Ordinary Class' detenus. The general condition of their health is good.

(d) A statement containing the requisite information is at Appendix 'B'.

(e) While Shri Ganda Singh was detained in District Jail , Hoshiarpur , he had put in an application for treatment in the Rajindra Hospital, Patiala. The same was referred to the Chief Medical Officer, Hoshiarpur , by the Superintendent , District Jail, Hoshiarpur. The Dental Surgeon of the Civil Hospital, examined him and reported as under:

"He has been given good treatment here, so it is not necessary to transfer him to Patiala Jail."

(f) As stated above, against part (e) of the question, Shri Ganda Singh had put in a representation which was dealt with accordingly.

(g) Shri Ganda Singh has since been transferred from District Jail, Hoshiarpur, to District Jail, Nabha. Orders for treatment of his gum trouble in the Rajindra Hospital, Patiala, have been issued.

[Minister for Welfare and Justice]

APPENDIX "A"

| Serial No. | Name of the detenu | Class | Time since when under detention | Period spent so far under detention |
|---|---|---|---|---|
| | **CENTRAL JAIL, PATIALA** | | | Y. M. D. |
| (B) 1 | Shri Hardit Singh Bhathal .. | Special | 30th December, 1964 to 11th December, 1965 and 11th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 2 | Makhan Singh Tarsikka .. | Do | Ditto | 1 2 6 He is at present on parole since 26th February, 1966 |
| 3 | Chattar Singh .. | Ordinary | Ditto | 1 2 6 |
| 4 | Harnam Singh Chamak .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 5 | Ram Kishan Bharolian .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 6 | Gurcharan Singh .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 7 | Gurbux Singh Atta .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 8 | Sulakhan Singh .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| | **DISTRICT JAIL, NABHA** | | | |
| 1 | Vidya Dev .. | Ordinary | 30th December, 1964 to 11th December, 1965 and from 11th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 2 | Gajjan Singh, Tandian .. | Do | 20th December, 1964 to 15th December, 1965 and from 15th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 3 | Raghbir Singh Jhakhar .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 4 | Rachhpal Singh .. | Do | 20th December, 1964 to 15th December, 1965 and from 10th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 5 | Dhanpat Rai Nahar .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 6 | Gandharv Sain .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 7 | Partap Singh Dhanaula .. | Do | Ditto | 1 2 6 |

| Serial No. | Name of the detenu | | Class | Time since when under detention | Period spent so far under detention |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Y. M. D |
| 8 | Balbir Singh | .. | Ordinary | Ditto | 1 2 6 |
| 9 | Ram Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 10 | Satwant Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 11 | Bhag Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 12 | Janak Singh Bhathal | .. | Do | 30th December, 1964 to 21st December, 1965 and 21st December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 13 | Hazara Singh Jassar | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 14 | Dharam Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 15 | Ude Singh Keshav | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 16 | Ghuman Singh | .. | Do | 30th December, 1964 to 11th December, 1965 and 11th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 17 | Mehar Singh | .. | Do | 30th December, 1965 to 10th December, 1965 and from 10th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 18 | Ganda Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 19 | Gurnam Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| | **DISTRICT JAIL, AMRITSAR** | | | | |
| 1 | Kesar Singh | .. | Ordinary | 30th December, 1964 to 20th January, 1966 and from 20th January, 1966 to date | 1 2 6 |
| | **DISTRICT JAIL, SANGRUR** | | | | |
| 1 | Chanan Singh Dhut | .. | Ordinary | 30th December, 1964 to 11th December, 1965 and from 11th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 2 | Rachhpal Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 3 | Fauja Singh Bhullar | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 4 | Satya Mandan | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 5 | Chanan Singh Brar | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |

[Minister for Welfare and Justice]

| Serial No. | Name of the detenu | | Class | Time since when under detention | Period so far spent under detention |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Y. M.D |
| 6 | Dalip Singh Tapiala | .. | Ordinary | 30th December, 1964 to 11th December, 1965 and from 11th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 7 | Gian Singh Pleader | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 8 | Darshan Singh Jhabal | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 9 | Gurbux Singh Dakota | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 10 | Mange Ram Vats | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 11 | Bhag Singh Sajjon | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 12 | Daya Singh Prem | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 13 | Mangal Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 14 | Bakhshi Ram | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 15 | Sarwan Singh Cheema | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 16 | Bishan Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 17 | Bhajan Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| | CENTRAL JAIL, HISSAR | | | | |
| 1 | Prem Chand Bhardwaj | .. | Ordinary | 30th December, 1964 to 11th December, 1965 and 11th December, 1965 to date | 1 2 6 |
| 2 | Hazur Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 6 |
| 3 | K. R. Palta | .. | Do | 31st December, 1964 to 11th December, 1965 and 11th December, 1965 to date | 1 2 5 |
| 4 | Kishori Lal | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 5 | Kartar Singh Gujapeer | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 6 | Dharam Singh Kasni | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 7 | Ishar Singh Sodhi | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 8 | Amarmeet Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 9 | Bhim Singh Advocate | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 10 | Dalip Singh | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |
| 11 | Devki Nandan | .. | Do | Ditto | 1 2 5 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| 12 | Ganpat Singh | .. Ordinary | 31st December, 1964 to 11th December, 1965 and from 11th December, 1965 to date | 1 2 5 |
| 13 | Karnail Singh Phide | .. Do | Ditto | 1 2 5 |
| | | CENTRAL JAIL, DELHI | | |
| 1 | Harkishan Singh Surjeet | .. Ordinary | Ditto | 1 2 5 |

## APPENDIX "B"

| Serial No. | Name of the detenus | Disease from which suffering | Details of arrangements made for their treatment |
|---|---|---|---|
| | | CENTRAL JAIL, PATIALA | |
| 1 | Shri Hardit Singh Bhathal | Osteoarthiritis Knees | He was examined by the Medical Specialist of the Rajindra Hospital, Patiala and is being given the treatment in Jail as advised |
| 2 | Shri Makhan Singh Tarsikka | Hiatus Hernia. Complained of pain in lower chest and upper abdomen | He was examined by the Specialist and is being given necessary treatment as advised |
| 3 | Shri Sulakhan Singh .. | Dental trouble | He is however on parole since 26.2.66. He is getting necessary treatment regularly |
| 4 | Ram Kishan Bharolian | .. | His old denture and spectacles has been replaced by new one |
| 5 | Gurcharan Singh Randhawa | Pain in back and knees | He was examined by the Specialist and is being given necessary treatment as advised |
| 6 | Gurbux Singh Atta .. | Hypertension and ischameic heart and Nassal polypur and alergic rhinitis | He is under the treatment of Specialist of Rajindra Hospital, Patiala |
| 7 | Harnam Singh Chamak | Diabetes and Ischaemic heart | Ditto |
| | | DISTRICT JAIL, NABHA | |
| 1 | Satwant Singh .. | 1. Old Injury knee<br>2. Arthritis<br>3. Dental trouble | He is being given the following treatment :—<br>(1) Linament Terribinthinae application Elkosine Tab. Novalgin. Injection Vit. B. 1. and referred to Civil Hospital, Nabha for treatment |

[Minister for Welfare and Justice]

| Serial No. | Name of the detenus | Disease from which suffering | Detail of arrangements made for their treatment |
|---|---|---|---|
| 2 | Dharam Singh .. | Acute conjunctivitis. Ipsomnia and absence of teeth | Terramycin Eye Ointment. Achromycin in old eye drops. Tab. Equianial recommended for denture |
| 3 | Dr. Bhag Singh .. | Enlarged Prostrate. Corn | Tab. Stilbisterol Alkasol. Advised operation. No. 20 Oz. 1 T.D.S. Acidacitic for application. Cornik |
| 4 | Dhanpat Rai Nahar .. | 1. Piles and Defective vision | Ung. Galic Mopio. Liquid parafin. Injection Streptopencilin. Tab. Vit. B. Complex. Nepercainol. He is being sent to Rajindra Hospital, Patiala Examination by the Specialist for defective vision |
| 5 | Partap Singh Dhanaula | Dermatitis and Presbopia | Ung. Derm Equinal. Tab. B. Complex. Tab. Aspirin. Cup. Chloromycetin. Tab. Novalgin. He has been supplied with glasses |
| 6 | Balbir Singh .. | Presbopia | Glasses have been provided |
| 7 | Janak Singh .. | Bachache, Dental trouble and Acute Bronchitis | He has been recommended diathermy for 15 days and is to be examined by the Dental Surgeon, Nabha. He is being given No. 14 |
| 8 | Ghuman Singh .. | Dermatitis. Presbopia and absence of teeth | Ung. Betnoyit. Dermoquinol. Ung. Tarsalon. Ung. Zinc. Boric Tab. Prednislone. Tab. Dilosyin. Glasses have been supplied. Referred to Skin Specialist of Rajindra Hospital, Patiala and has been recommended for denture at the same Hospital |
| 9 | Vidya Dev Longowal .. | I.V.P.D. and Peptic Ulcer. Acute Conjunctivitis | Hard Bed. Tab. Celusil. Nutrodona. Tab. Fersolate Referred to Medical Specialist of Rajindra Hospital for investigation. Terramycine Eye ointment. achromycin in oil eye drops |
| 10 | Ghanderv Sen .. | Dental trouble and defective vision | Scaling and Gum treatment. To be examined by the Eye Specialist of the Rajindra Hospital, Patiala |
| 11 | Ram Singh .. | Hypertension, Elergium Dermetatis and Piles | Tablets Surpina Injection P. Pencilline admitted in Rajindra Hospital for treatment |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 12 | Rachhpal Singh .. | Defective vision | Ung. Detonovit. Ung. Nuprecanal. Referred to Eye Specialist of Rajindra Hospital, Patiala |
| 13 | Raghbir Singh .. | Backache. Ch. Constripation. Neu ralgia | Tab. Butacort. Tab. Vitamin B.1. Tab. Vitamin B. Complext. Enos. Fruit Salt. Tan. Saridon |
| 14 | Hazara Singh Jassar .. | G. Debality | Tab. Vitamin B Complex. Tab. Multi Vitamin. |
| 15 | Udhey Singh .. | Dyspepsia | Tab. Vitamin B. Complex. |
| 16 | Mehar Singh .. | Dyspepsia, Defective Vision. Multiplecarries | Becasuler. Recommended Glasses. Referred to Rajindra Hospital, Patiala for treatment |
| 17 | Gurnam Singh .. | Dyspepsia. Coryza. Dental trouble | Becasules. Tab. Medribon. Referred to Rajindra Hospital, Patiala for Dental treatment (Scaling and Polishing) |
| 18 | Ganda Singh .. | Gingivitis | Referred to Rajindra Hospital, Patiala for treatment |
| | DISTRICT JAIL, AMRITSAR | | |
| 1 | Shri Kesar Singh .. | Mental patient | He is under the treatment of Dr. Vidya Sagar of the Punjab Mental Hospital, Amritsar |
| | DISTRICT JAIL, SANGRUR | | |
| 1 | Dalip Singh Tapiala .. | Ch. Amboisis<br>2. Teeth | He is being treated by the Jail Medical Officer. The Artificial grinders are being arranged from the Ra jindra Hospital, Patiala |
| 2 | Shri Rachhpal Singh .. | 1. Ch. Conjuctivities<br>2. Visions | He is under the treatment of Jail Medical Officer. Already using Spectacles. Applied for change. Being arranged through the Eye Specialist |
| 3 | Shri Bakhshi Ram .. | External Piles | He is under treatment of the Jail Medical Officer |
| 4 | Shri Fauja Singh Bhullar | 1. Post. Inf. Hepatitis<br>2. Visions | Tablets. Prednisolone Course. Vitazyme Elixir. Being referred to Rajindra Hospital, Patiala, for further investigations.<br>2. Requests for change of glasses, which are being arranged through the local specialist |

[Minister for Welfare and Justice]

| Serial No. | Name of the detenus | Disease from which suffering | Details of arrangements made for their treatment |
|---|---|---|---|
| 5 | Shri Satya Mandan .. | Ch. Dermatitis | Under treatment of the Jail Medical Officer |
| 6 | Shri Gian Singh .. | Ch. Para-Nazal Sinusitis | Under treatment of the Jail Medical Officer, and is being referred to E.N.T. Specialist of the Rajindra Hospital, Patiala |
| 7 | Shri Bhag Singh Sajjon | Ch. Stomititis | Under treatment of the Jail Medical Officer |
| 8 | Shri Darshan Singh .. | Brachial Neuralazia 2. Pyrroic Teeth | Under treatment of the Jail Medical Officer, and Dental Surgeon. He is being provided with artificial denture |
| 9 | Shri Gurbux Singh Dakota | Miled Ch. Sacral, Neuralagia | Under treatment of the Jail Medical Officer |
| 10 | Shri Mange Ram Vats | Ch. Dermatitis Hard of Hearing | Under treatment of Jail Medical Officer He is being provided with hearing aid machine |
| 11 | Shri Daya Singh Prem | Ch. Glaucoma Operated Gum Immaturesenile Cantract | Under the treatment of Eye Specialist |
| 12 | Sarwan Singh Cheema .. | Ch. Amboisis | Under treatment of the Jail Medical Officer |
| 13 | Bhajan Singh .. | Ch. Conjunctivitis | Ditto |
| 14 | Shri Chanan Singh Brar | Ch. Bermatitis | Ditto |
| 15 | Shri Bishan Singh .. | Ch. Amboisis | Ditto |
| | CENTRAL JAIL, HISSAR | | |
| 1 | Prem Chand Bhardwaj | Nauritis | He is being given treatment locally |
| 2 | Hazur Singh .. | Leucoma Crote Opacity Ey. C. Refrection | Treated in the Government Medical College, Rohtak by Specialists. Glasses have been provided |
| 3 | K. R. Palta .. | Old Injury Rt. Ankle Joint | Local treatment. Specialist treatment at Civil Hospital, Hissar.—X-Ray. |
| 4 | Pt. Kishori Lal .. | Ch. Bronchitis. Br. Asthama. Loose Artificial Denture | Local treatment. Case for Specialist treatment in the Rajindra Hospital, Patiala is under consideration |
| 5 | Kartar Singh Gujapir | P.M. | Local treatment |

| Serial No. | Name of the detenus | Disease from which suffering | Details of arrangements made for their treatment |
|---|---|---|---|
| 6 | Ishar Singh Sodhi .. | Refrection Check up Ventral Harnia | Treated in the Medical College, Hospital, Rohtak. Glasses have been provided to him |
| 7 | Bhim Singh, Advocate | Coryza | Under treatment of the Jail Medical Officer |
| 8 | Ganpat Singh .. | Debility. C. Anemia and Refrection | Under treatment of the Jail Medical Officer. He has been provided with glasses |
| 9 | Karnail Singh .. | Devialid Septum. C. Ch. Sinusitis | He is being referred to E.N.T. Specialist |
| | CENTRAL JAIL, DELHI | | |
| 1 | Shri H. S. Surjeet .. | Gastric Acidity. Osteo Arthritis Spine. Trachoma as per record shown by him Interproximal Carics | For Trachoma and for weakness of eyes, he has been provided with glasses. His case for Osteo Arthritis and Dental troubles for which he requires a radiogical treatment in the Irwin Hospital is under consideration |

**Applications submitted by Detenus for Family Allowance**

**3174. Comrade Hardit Singh Bhathal** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the number and names of the detenus in the Punjab Jails who have applied for family allowances so far ;

(b) the number of applications of the said detenus which were rejected and of those accepted, respectively ;

(c) the number of applications out of those referred to in part (b) above which were received before and after the 11th November, 1965, separately ;

(d) the dates of submission of applications and rejection thereof together with the time since when the applicants have been under detention ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) 32. A list of names is placed on the Table of the House.

(b) 48 applications were received. Out of them 36 have been rejected and 12 are under consideration.

(c) and (d) A statement is laid on the Table of the House.

[Minister for Home and Development]

**Statement showing the number of applications received before and after 11th November, 1965 and date of submission of applications and rejection together with dates of detention**

| Serial No. | Name of Detenu | No. of applications received before 11th November, 1965 | No. of applications received after 11th November, 1965 | Date of submission of applications | Date of rejection of applications | Date of detention |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | Raghbir Singh Jhakhar .. | 2 | .. | February/March, 65 | Rejected | 30-12-64 |
| 2 | Ude Singh .. | 1 | .. | 30-1-65 | 7-4-65 | 30-12-64 |
| 3 | Gian Singh .. | 1 | .. | 23-1-65 | 8-4-65 | 30-12-64 |
| 4 | Dharam Singh .. | 1 | .. | 29-1-65 | 7-4-65 | 30-12-64 |
| 5 | Ishar Singh .. | 1 | .. | 27-1-65 | 29-6-65 | 30-12-64 |
| 6 | Gurbax Singh Atta .. | 1 | .. | 29-3-65 | 29-6-65 | 30-12-64 |
| 7 | Mehar Singh Kanpni .. | 2 | .. | 23-1-65<br>20-7-65 | 31-1-66 | 30-12-64 |
| 8 | K. R. Palta .. | 1 | ... | 27-1-65 | 6-5-65 | 30-12-64 |
| 9 | Ram Kishan Bharolian .. | 1 | 1 | 27-1-65<br>24-1-66 | 7-4-65<br>Under consideration | 30-12-64 |
| 10 | Chanan Singh Brar ... | 1 | ... | .. | .. | 30-12-64 |
| 11 | Harkishan Singh Surjit ... | 1 | ... | .. | Under consideration | 31-3-65 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 12 | Gurcharan Singh Randhawa | ... | 1 | 1 | 23-3-65<br>24-1-66 | 26-4-65<br>Under considera-tion | 30-12-64 |
| 13 | Dhanpat Rai Nahar | .. | 1 | 1 | 18-1-65<br>5-1-66 | Under considera-tion | 30-12-64 |
| 14 | Keser Singh | .. | 1 | .. | 15-1-65 | 6-5-65 | 30-12-64 |
| 15 | Rachhpal Singh | .. | 1 | .. | March, 1965 | 25-5-65 | 30-12-64 |
| 16 | Bhajan Singh | ... | 2 | 2 | 29-1-65<br>12-7-65<br>11-11-65<br>23-11-65 | 29-3-65<br>11-8-65<br>14-2-66<br>14-2-66 | 30-12-64 |
| 17 | Daya Singh Prem | ... | 1 | ... | .. | Under considera-tion | 30-12-64 |
| 18 | Fauja Singh Bhullar | ... | 1 | 1 | 14-8-65<br>7-2-66 | 5-1-66<br>Under consider-tion | 30-12-64 |
| 19 | Darshan Singh Jhabal | ... | 2 | .. | 25-1-65<br>12-5-65 | 8-4-65<br>7-6-65 | 3-1-65 |
| 20 | Kartar Singh Mujapir | ... | 1 | 1 | 1-2-65<br>17-12-65 | 6-5-65<br>10-2-66 | 30-12-64 |
| 21 | Bishan Singh | .. | 1 | .. | 1-3-65 | 27-5-65 | 24-1-65 |
| 22 | Sulkhan Singh | ... | 1 | 1 | 27-1-65<br>21-1-66 | 24-4-65<br>Under considera-tion | 20-1-65 |
| 23 | Prem Chand Bhardwaj | ... | 2 | 1 | 10-2-65<br>24-3-65<br>28-12-65 | 29-3-65<br>21-4-65<br>Under considera-tion | 30-12-64 |

[Minister for Home and Development]

| Serial No. | Name of detenu | | No. of applications received before 11th November, 1965 | No. of applications received after 11th November, 1965 | Date of submission of applications | Date of rejection of applications | Date of detention |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 24 | Vidya Dev Longowal | .. | 1 | .. | 26-1-65 | 24-3-65 | 30-12-64 |
| 25 | Ghuman Singh | .. | 1 | .. | 30-1-65 | 8-4-65 | 30-12-64 |
| 26 | Dalip Singh Bhatiwal | ... | .. | 1 | 27-1-66 | Under consideration | 27-4-65 |
| 27 | Janak Singh Bhathal | .. | 1 | .. | 30-1-65 | 29-3-65 | 30-12-64 |
| 28 | Ganda Singh | .. | 1 | .. | February, 1965 | 29-4-65 | 30-12-64 |
| 29 | Ram Singh Harinau | ... | 1 | .. | 19-8-65 | 8-12-65 | 30-12-64 |
| 30 | Dharam Singh Kasni | .. | .. | 2 | 16-12-65<br>7-1-66 | Under consideration | 30-12-64 |
| 31 | Devki Nandan | .. | 2 | .. | 29-1-65<br>8-5-65 | 15-4-65<br>1-6-65 | 30-12-64 |
| 32 | Satya Mandan | ... | 1 | .. | 26-1-65 | 8-4-65 | 30-12-64 |

**Facilities of Water and Electricity provided in the Residential Quarter of Jail Warders**

3177. **Comrade Hardit Singh Bhathal** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the names of the jails in the State where adequate facilities for the supply of water and electricity are available to the warders in their family and ordinary residential quarters ;

(b) the nature of such facilities in detail, jail-wise ;

(c) whether the said facilities of electricity and water, etc. are adequately provided in the Warders' quarters of the Central Jail, Patiala, if not, the reasons therefor ?

**Shri Chand Ram** : (a) and (b) Almost all the jails in the State have adequate arrangements for the supply of water to the warders in their family and ordinary residential quarters, but the position regarding the availability of electricity lighting arrangements in various jails is indicated below :—

(i) *Central Jail, Ambala.*—Both these facilities have been provided in warders quarters and single warder's line constructed after partition. These facilities however do not exist in old quarters where water is supplied through common water taps provided in front of the quarters. The number of such quarters is eight only.

(ii) *Central Jail, Ferozepore.*—Both these facilities exist in single warders' lines but there is no electricity in the family warders quarters and wateris supplied through common water taps provided in front of the quarters.

(iii) *Central Jail, Hissar.*—Both these facilities exist in warders quarters and single warders line.

(iv) *Central Jail, Patiala.*—Adequate water supply arrangements have been made by providing common water taps in front of the warders quarters. The single warders lines have been provided with electricity and common bath-rooms. Out of 41, only 7 residential quarters have been provided with electricity. It is mentioned in this connection that management of Central Jail, Patiala was transferred to Punjab on integration of Pepsu in the year 1956. It has, therefore, not been possible to provide electricity in every quarter due to lean financial position. However, such facilities are provided in the newly constructed quarters in the state.

(v) *District Jail, Nabha.*—Both these facilities are available in single warders' line but there is no electricity in the family quarters and water is supplied through common water taps provided in front of the quarters.

(vi) *District Jail, Sangrur.*—Both these facilities are available in single warders' line. As regards family quarters, water is supplied through common hand pumps and electric installations have been made in all the family quarters but electric connections have been provided to those who have applied for the same.

(vii) *District Jail, Gurdaspur.*—Both these facilities are available in single warders' line but there is no electricity in warders' family quarters and water supply is made through hand pumps provided in front of the quarters.

(viii) *District Jail, Amritsar.*—Both these facilities are available in single warders' line and family quarters of the warders.

(ix) *District Jail, Jullundur.*—Electricty has been provided in family quarters and single warders' line. Water taps have been provided in single Warders' line and in certain residential quarters. In others, water-supply is made through common water taps povided in front of the quarters.

[Minister for Welfare and Justice]

(x) *District jail Rohtak*:—Electricity is available in single warders' lines and some family quarters. Water supply is made through common water taps.

(xi) *District Jail, Hoshiarpur*.—Both these facilities are available in Warders' line and family quarters.

(xii) *District Jail, Gurgaon*.—Both these facilities are available in single warders' line and water supply is made through common water taps in family quarters of warders. The estimates for installation of electric connections have been approved and will be taken in hand in April, 1966.

(xiii) *District Jail, Karnal*.—Both these facilities have been provided in single warders' line and family quarters of warders.

(xiv) *B.I. and J. Jail, Faridkot*.—Single warders line is electrified whereas there is no electricity in the family quarters. Water suply is made through common taps.

(xv) *Special Jail, Hissar*.—Both these facilities are available in warders line but there is no electricity in family quarters and water is supplied through common taps.

(xvi) *Sub-Jail, Kapurthala*.—Both these facilities are available in single warders line and family quarters.

(xvii) *Sub-Jail, Simla*.—Electricity has been provided in all the residential quarters and warders line but there is a common water tap for supplying water.

(xviii) *Special Jail, Dharamsala*.—Both these facilities ar available in single warders line, but there is no electricity in warders family quarters and water supply is made through common water taps provided in front of the qurters.

(xix) *Sub-Jail, Muktsar*.—Both these facilities are available in single warders line. There are no family quarters.

(xx) *Sub-Jail, Rupar*
(xxi) *Sub-Jail, Moga*
(xxii) *Sub-Jail, Fazilka*
(xxiii) *Sub-Jail, Mansa*
(xxiv) *Sub-Jail, Patti* ..
} Both the facilities are available in single warders line. There are no family quarters at these Jails.

(xxv) *Sub-Jail, Bassi Pathanan*.—There is one hand pump for the supply of water to family quarters. Electricity has not been provided in warders line and their family quarters.

(xxvi) *Sub-Jail, Malerkotla*
(xxxii) *Sib-Jail, Dasuya*
(xxviii) *Sub-Jauil, Sirsa.*
} Both the facilities are available in single warders line and their family quarters.

(xxix) *Sub-Jail, Mohindergarh*.—Electricity is not available in warders family quarters whereas water taps are instlled near them.

(xxx) *Sub-Jail, Barnala*.—Water supply is made through a water gang from a well. Electricity is available in single warders line only.

(xxxi) *District-Jail, Bhatinda*.—Both the facilities are available in single warders line. As regards family quarters, water is supplied through water taps and electric installations have been made in all the family quarters but electric connections have been provided to those who have applied for the same.

(xxxii) *District Jail, Ludhiana* Both the facilities are available in single wardres' line. As regards family quarters, water is supplied through common water taps and out of 20 quarters, 10 family quarters of warders are electrified and the remaining will be electrified in April, 1966.

(c) Requisite information is given at serial No. (iv) of reply to parts (a) and (b) of the question above.

**Uniforms for Jail warders**

3178. **Comrade Hardit Singh Bhathal :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the period after which jail warders are supplied cotton/woollen uniforms ;

(b) whether these uniforms are supplied regularly in accordance with the rules ; if not, the names of the jails where warders have not been supplied with uniforms and the reasons therefor ;

(c) whether the said uniforms have been supplied to all the warders of Patiala Central Jail, if not, the number of those who have not been supplied the uniforms ;

(d) whether it is a fact that the quality of cloth of the new cotton and woollen uniforms supplied at present is inferior to the Khaki drill and woollen uniforms supplied previously; if so, the steps intended to be taken to improve the quality?

**Shri Chand Ram :** (a) The information is given as under:—

**(Male Warders)**

| *Articles* | *Period* |
|---|---|
| (i) 1 Cotton drill suit | .. 2 years |
| (ii) 1 drill shirt | .. 2 years |
| (iii) 1 pugree | .. 1 year |
| (iv) 1 khaki twill shirt | .. 1 year |
| (v) 1 pair of shoes | .. 1 year |
| (vi) 1 kullah or muslin (4 yards and eleven incnes) | .. 2 years |
| (vii) 1 tin polish | .. 1 year |
| (viii) Chevrions | .. 2 years |
| (ix) 1 pair cotton pattis | .. 1 year |
| (x) 1 woollen jersy | .. 3 years |
| (xi) 1 great coat | .. 4 years for sub-Jail Dharamsala and 7 years for all other jails |
| (xii) 1 set of buttons and letters | .. 5 years |
| (xiii) Waist belt | .. 10 years |
| (xiv) 1 whistle | .. Always |

**Female Warders**

| | |
|---|---|
| (i) 1 chaddar | .. 1 year |
| (ii) 1 pair pyjamas | .. 1 year |
| (iii) 1 cotton coat | .. 1 year |
| (iv) 1 pair of shoes | .. 1 year |
| (v) 1 woollen jersy | .. 3 years |

**(Both Sexes)**

| | |
|---|---|
| (1) 1 kit box | .. always |
| (ii) 1 charpoy | .. always |

[Minister for Welfare and Justice]

(b) Yes. The uniforms are supplied regularly in all jails to all warders staff in accordance with rules, except Central Jail, Patiala, where 25 new entrants have not been issued great-coats and jersey, because these two items are out of stock.

(c) No. As stated in part (b) above.

(d) Yes. The Khadi uniform cloth is inferior to mill-made cloth. The matter for switchover from khadi cloth to mill-made cloth is under the consideration of Government.

---

**Sugar supplied to prisoners through Jail Canteens**

**3179. Comrade Hardit Singh Bhathal** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the names of the jails in the State where sugar ration is fixed per prisoner and is supplied through the jail canteens ;

(b) the quantity of the ration allowed per prisoner ;

(c) whether the sugar ration system is in force in the Patiala Central Jail ; if not, the reasons therefor ?

**Shri Chand Ram** : (a) No sugar ration has been fixed for the prisoners in the jail. However, the sugar received by the jails from the District Food and Supplies Controllers, is utilized for preparation of tea in the jail canteens for supply to the prisoners. The surplus sugar, if any, is issued to the prisoners through the jail canteens. In the following jails sugar ration at the rate of one kilogram per prisoner per month has been fixed by the Super- intendents concerned and is distributed through jail canteens, as and when surplus sugar may be available :

1. Central Jail, Ferozepur.
2. Central Jail, Hissar.
3. District Jail, Sangrur
4. District Jail, Gurdaspur.
5. District Jail, Nabha.
6. District Jail, Amritsar.
7. District Jail, Rohtak.

(b) One kilogram of sugar per prisoner per month is allowed as in the case of free citizens, if the prisoners desire to purchase the same and the stocks are available.

(c) No. Only a limited quota of 80 kilograms of sugar per month is issued by the District Food and Supplies Controller. 35 kilograms of sugar is issued to sick prisoners on medical grounds. Tea is prepared in jail canteen with sugar for supply to the prisoners as per their demand.

---

## QUESTION OF PRIVILEGE

**Mr. Speaker** : There is a Privilege Motion by Shri Lachhman Singh Gill to the effect—

> "that the Sergeant-at-arms was carrying a "Danda" in his hand when he went to remove Shri Net Ram, M.L.A. of S. S. Party from the House on February 17. This is a breach of the Privilege of Members of the House."

I shall look into this matter before giving my ruling.

## ANNOUNCEMENT BY THE SPEAKER

**Mr. Speaker** : Under Rule 293(1) of the ules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Committee on Petitions for the Budget Session, 1966 of the Vidhan Sabha :—

(1) Shrimati Shanno Devi, Deputy Speaker,—*Ex-officio* Chairman.
(2) Baboo Bachan Singh
(3) Shri Multan Singh
(4) Shri Roop Singh Phul
(5) Chaudhri Tayyab Hussain Khan.

## PAPERS LAID ON THE TABLE

**Chief Parliamentary Secretary** : Sir, I beg to lay on the Table—

1. Six notifications containing the amendments to the Punjab Motor Vehicles Rules, 1940, as required under Section 133 (3) of the Motor Vehicles Act, 1939; and

2. The Punjab Motor Vehicles Taxation (First Amendment) Rules, 1966, issued under section 13 read with section 15 of the Punjab Motor Vehicles Taxation Act, 1924.

## DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS (KESUMPTION)

**Mr. Speaker** : The House will now resume discussion on the Governor's Address. There are a few more notices of amendments to the motion of thanks moved by Shri Ram Saran Chand Mital to the Address by the Governor. These amendments, with the permission of the House, will be treated as read and moved.

*The House agreed.*

**17. Shri Roop Lal Mehta** : That in the motion, the following be added at the end namely :—

"but regret—

(1) that no mention has been made to provide village roads in backward area of Palwal and Ballabhgarh Tehsils ; and
(2) that no assurance has been given to provide means to check unemployment."

**18. Sardar Gurdarshan Singh** : That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made about the development of the erstwhile Pepsu area".

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** (ਲੁਧਿਆਣਾ, ਉੱਤਰ) : ਮਿਸਟਰ ਸਪੀਕਰ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦੇ ਸਗੇ ਪੁੱਤਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਡਿਊਟੀ ਸੀ ਕਿ ਪ੍ਰੋਹਿਬਿਸ਼ਨ ਲਾਗੂ ਕਰਦੇ । ਪ੍ਰੋਹਿਬਿਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਕਾਂਗ੍ਰਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਪਾਲਿਸੀ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਲਤ ਪਾਲਿਸੀ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵੇਲੇ, ਨਸ਼ਾ ਬੰਦੀ ਕੌਂਸਲ ਨੇ ਹਿਸਾਰ ਵਿਚ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਬੁਲਾਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਉਥੇ ਇਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਦਸੰਬਰ ਵਿਚ ਨਸ਼ਾਬੰਦੀ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦੇਵਾਂਗੇ । ਇਕ ਰੈਫ੍ਰੈਂਡਮ ਇਜ਼ੂ ਕਰਵਾਵਾਂਗਾ ਪਰ ਉਹ ਅਜਤਕ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਕਾਮਰੇਡ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਨਸ਼ਾਬੰਦੀ ਕਰਨਾ ਮੇਰਾ ਫਰਜ਼ ਅਵਲੀਨ ਹੈ । ਪਰ ਨਸ਼ਾ ਬੰਦੀ ਕਮੇਟੀ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਣਾਈ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਅਜ ਤਕ ਇਕ ਵੀ ਮੀਟਿੰਗ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਨਹਿਰੂ ਨਗਰ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਆਈ ਹੈ । ਉਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਗੌਰਮਿੰਟਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਆਪਣੀ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਦਿਤੀ ਉਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਪਜ਼ੀਸ਼ਨ ਲਈ ਹੈ ਉਹ ਐਨੀ ਮਜ਼ਹਕਾਖੇਜ਼ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਕੋਈ ਹਿਸਾਬ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ—

"Punjab is prepared to enforce prohibition provided other States take similar steps."

ਗੁਜਰਾਤ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਟੇਟਸ ਪ੍ਰੋਹਿਬਿਸ਼ਨ ਲਾਗੂ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ, ਮਦਰਾਸ ਨੇ ਵੀ ਪੁਛਿਆ ਪਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਟੇਟਸ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਲਾਗੂ ਕਰਾਂਗੇ । ਫਿਰ ਅਗੇ ਜਾ ਕੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ 12 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ, 16 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਕਰਾਂਗੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਕਸਦ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਨਾ ਨੌ ਮਣ ਤੇਲ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਨਾ ਰਾਧਾ ਨਚੇ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰੋਫੈਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਦੋ ਲਫਜ਼ ਕਹਾਂ ਤਾਂ ਨਾ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡ੍ਰੈਸ ਵਿਚ ਬੜੀ ਤਾਰੀਫ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਟ੍ਰੱਕ ਓਨਰਜ਼, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਡ੍ਰਾਈਵਰਜ਼ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਲੀਨਰਜ਼ ਨੇ ਬੜੀ ਸਰਵਿਸ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਪਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟ੍ਰੱਕ ਜਲ ਗਏ ਹਨ ਅਜ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਕੰਪਨੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਚਾਰਜ਼ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ, ਉਹ ਭੁਖੇ ਮਰ ਰਹੇ ਹਨ ਪਰ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਇਕ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ । (ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ)
ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ ਟੈਕਸ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੈਕਗਨਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਮੈਂ ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ ਕਹਿ ਕੇ ਬੈਠ ਜਾਊਂਗਾ । ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੈ ਇਕ ਸੌਦੇਬਾਜ਼ ਕੰਪਨੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਕੁਝ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਵਫਾਦਾਰੀ ਦਾ ਸਿਲਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕੁਝ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੂੰਹ ਬੰਦ ਕਰਨ ਲਈ ਸਿਲਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ । ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਬੋਲਿਆ ਕਰਦਾ ਸੀ, ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦਾ ਸੀ , ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਕ੍ਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਕਰਦਾ ਸੀ, ਉਸ ਦੇ ਸੰਬਧ ਵਿਚ ਇਕ ਅਜਿਹਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । ਪਾਨੀਪਤ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬ੍ਰਾਈਬ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਨਾਂ ਗੈਜ਼ਿਟ ਵਿਚ ਨੋਟੀਫਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ.........(ਵਿਘਨ) (ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ 'ਸ਼ੇਮ' 'ਸ਼ੇਮ' ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ) (ਵਿਘਨ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੈਲਾਈਨ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਉਸ ਨੂੰ ਨਾਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਗਲਤ ਹੈ, ਝੂਠ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ' ਗਲਤ ਬਿਆਨੀ ਕਹ ਰਹੇ ਹਨ (ਵਿਘਨ) I insist that he should disclose his name (Interruption)

**Mr. Speaker :** Order please, order. 'ਝੂਠ' ਦਾ ਲਫਜ਼ ਵਾਪਸ ਲਵੋ ।

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰਟਰੀ :** ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਾਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗ਼ਲਤ ਬਿਆਨੀ ਕਰਨ ਦਾ ਲਾਈਸੈਂਸ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੈਂ 'ਝੂਠ' ਦਾ ਲਫਜ਼ ਵਾਪਸ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਗ਼ਲਤ ਬਿਆਨੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਮਿਸਟਰ ਸਪੀਕਰ, ਮੈਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਨਾਂ ਲੈਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ...........

**ਚੀਫ ਪਾਰਲਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰਟਰੀ :** ਫਿਰ ਗ਼ਲਤ ਬਿਆਨੀ ਹੈ । ਇਹ ਵਿਦਡ੍ਰਾ ਕਰੋ, ਅਸੀਂ ਇਹ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗੇ। (ਵਿਘਨ)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मेरी अर्ज़ यह है कि उस दिन जब हाउस का महौल खराब हुआ था तो उस समय भी चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी का काफी हिस्सा था और आज भी वह बार बार इन्ट्रप्ट कर रहे हैं। इस से माहौल खराब होता है इस को रोकें. . . . .

**मुख्य संसद सचिव :** स्पीकर साहिब, यह गवर्नमैंट को मैलाईन कर रहे हैं गलत ब्यानी करते हैं। मैं इनसिस्ट करता हूं कि या तो नाम लें और या अपनी बात को वापिस लें ( विघ्न)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** * * * * *

(ਵਿਘਨ)...........

(ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਵਿਘਨ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰਟਰੀ :** * * * * * * *
* * * * * *

(ਵਿਘਨ)

**Mr. Speaker :** Mr. Garg, let me make it clear that any hon. Member, speaking during the General Discussion, has every right to criticise the Government in any manner he likes provided he uses parliamentary expression. You cannot force the hon. Member to speak in a particular manner. But if he uses any unparliamentary words, I can stop him and ask him to withdraw those words. It is for the Government to reply in any manner they like.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि उस दिन आपोज़ीशन की तरफ से दो आनरेबल मैम्बरान को थोड़ी सी बात पर आप ने हाउस से बहार निकल जाने के लिये हुकम दे दिया था। आज जब कि बाबू बचन सिंह जी बड़े ही रेलेवेंट तरीके से और बड़ी अच्छी तरह से एक बात हाउस के अन्दर बता रहे थे तो आनरेबल चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिब ने आउट आफ टर्न जा कर बड़े ही इनसल्टिंग ढंग से एक दफा नहीं तीन चार दफा हाउस को इन्ट्रप्ट किया है और हाउस के अन्दर गड़बड़ पैदा करने की कोशिश की है। मैं आप की रूलिंग चाहता हूं कि अगर आपोज़ीशन के दो मैम्बरों को थोड़ी सी वहज पर आप बाहर जाने का हुकम दे सकते हैं तो क्या वजह है कि चीफ. पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी जो कि इतनी जिम्मेदार पोज़ीशन पर हैं और बगैर वजह के मैम्बरों को इन्ट्रप्ट कर रहे हैं इतने सीनियर

*Expunged as ordered by the Chair.

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]
और बर्जुग मैम्बर को उन्होंने इन्ट्रप्ट किया है आप उन के खिलाफ एक्शन नहीं ले रहे ? प्री-वेनशन इज़ बेटर दैन क्योर । इस लिए मैं चाहूंगा कि आप यह बताए कि आपने आज इस बारे में क्या ऐक्शन लिया है (विघ्न)

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ** : ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਕੀ ਹੈ ? * * * * * * * * * (ਵਿਘਨ)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : * * *

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼ । ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਕੋਲੋਂ ਉਮੀਦ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਦਾ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਗੁਜ਼ਰ ਚੁਕੀ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਰੈਫਰੈਂਸ ਹੁਣ ਦਿੰਦੇ...... (Order please. I did not expect from Dr. Baldev Parkash that he would make a reference now to a past incident.)

**ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ** : उस को बठाओ [ * * * * ]

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ, ਪਹਿਲਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜੋ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਹਿ ਲਉ।........ ਹਰ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਆਪਣਾ ਮਾਹੌਲ, ਆਪਣਾ ਅਸਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਚੀਜ਼ ਗੁਜ਼ਰ ਚੁਕੀ ਹੈ ਇਸ ਵਕਤ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਉਸ ਉਤੇ ਕਮੈਂਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਹੁਣ ਗਲ ਇਹ ਹੋਈ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਗਰਗ ਨੇ ਇਕ ਦੋ ਵਾਰੀ ਇੰਟਰਪਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਇਸ ਇੰਪਰੈਸ਼ਨ ਤੋਂ ਕਿ ਬਾਬੂ ਜੀ ਨੇ ਕਿਸੇ ਮਨਿਸਟਰ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈਣ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਐਸਚਨ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ (ਵਿਘਨ) (Let Shri Jagan Nath first say, what he likes to say..... Every thing has its own cause and effect on environment. So it is not proper to comment on incident which took place sometime back. Now what has happened is this. Shri Garg interrupted once or twice under the impression that the hon. Member Baboo Bachan Singh had spoken obliquely of a Minister. He insisted that the Member should disclose his name. I pulled him up saying that there was no need to put a question like that. (*Interruption*).

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਇਥੇ ਇਕ ਬੜਾ ਮਾੜਾ ਸ਼ਬਦ ਵਰਤਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਜਦ ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਥੇ ਕੁਝ ਕਹਿਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ * * * * * ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਤੌਹੀਨ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ *****ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਮੈਂ ਤਾਂ ***ਕਿਹਾ ਹੈ ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮਿਸਟਰ ਸਪੀਕਰ, ਮੈਂ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨਿਟੀ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ ਲਈ ਉਸ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਿਆ ਔਰ ਮੈਂ ਹੁਣ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਹੋਇਆ ਹੈ ਔਰ ਹੋਇਆ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅੱਗੇ...........

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰਟਰੀ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਇਕ ਰਿਕੁਐਸਟ ਹੈ........

---

*Note.—Expunged as ordered by the Chair.

**ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ :** ਕੀ ਰੀਕੁਐਸਟ ਹੈ ਓ ਤੇਰੀ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਇਹ ਰਿਕੁਐਸਟ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਉਤੇ ਕੋਈ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗਾਉਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਵੇਗ ਨਾ ਲਗਾਉਣਾ। ਕੋਈ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗਾਉਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਟੇਕ ਅਪ ਕਰਾਂਗੇ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** स्पीकर साहिब अभी अभी एक आनरेबल मेम्बर ने चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी को ऐडरस करते हुए कहा है कि की रिक्वेस्ट है ओ तेरी ।

This practice should be discouraged in order to maintain the decorum of the House. I rather feel ashamed.

**श्री जगन्नाथ:** मेरी इन्टैंशन ठीक है, खराब नहीं है ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਆਪ ਨੇ ਉਹ ਲਫਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਵੇਂ ਪੰਡਿਤ ਚਿਰੰਜੀ ਲਾਲ ਨੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੁਨਾਸਿਬ ਅਤੇ ਠੀਕ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ, ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਕ ਦੂਜੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜੋ ਵੀ ਅਨਪਲੈਜ਼ੈਂਟ ਲਫਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਹਨ ਉਹ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣਗੇ । (Has the hon. member used these words ? But I feel that what Pandit Chiranji Lal has pointed out and suggested is correct and proper. So whatever unpleasant words have been used by Shri Jagan Nath, Sardar Lachhman Singh, Sardar Gurcharan Singh and Sardar Harchand Singh against each other, will not form part of the proceedings.)

**श्री जगन्नाथ :** स्पीकर साहिब, हमारी तरफ वालों का नाम तो आप ने लिया लेकिन जिस बेहूदा ढंग से सी.पी. ऐस. साहिब बोलते हैं उस तरीके से कोई नहीं बोलता । उसका आप ने नाम नहीं लिया । इसलिये आप पार्शिल नहीं हैं, आप को पार्शिल होना चाहिए ( लाफटर)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा:** उन का मतलब है, आप इम्पार्शल नहीं है.... (*Interruptions*)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਇਹ ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਹੈ ।

**श्री जगन्नाथ :** पैप्सू का हुआ तो क्या हुआ । लेकिन जो हम को कहा वही इसको भी कहना चाहिए ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** The hon. Member Shri Jagan Nath is transgressing all limits of propriety.

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਕੋਈ ਮਾੜੀ ਸਿਚੂਏਸ਼ਨ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ ਲੇਕਿਨ ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ ਲਿਮਿਟ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਜਾਣ ਲਗ ਪਏ ਹਨ । ਸ੍ਰੀ ਗਰਗ ਨੇ ਅਨਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਲਫਜ਼ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹੇ (*Interruptions*) (I do not want that any unpleasant situation should arise. Shri Jagan Nath is going beyond the limits of propriety. Shri Garg has not used any unparliamentary words.)

**श्री जगन्नाथ :** कहे हैं।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : "ਝੂਠ" ਦਾ ਲਫਜ਼ ਕਿਹਾ ਹੈ।........ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਐਸਾ ਕਹਿਣਾ ਕਮੀਨੀ ਹਰਕਤ ਹੈ....... (*Interruptions*)

**Mr. Speaker :** He did not use these words within my hearing.

The hon. Member Shri Jagan Nath has made certain observations which amount to reflection on the Chair. He should please withdraw those observations.

**श्री जगन्नाथ :** मुझे बताइए कि मैं ने क्या लफज़ कहे जिनको मैं विदड्रा करूं।

**Mr. Speaker :** Shri Jagan Nath has made certain observations which amount to reflection on the Chair. He should please withdraw those observations.

**श्री जगन्नाथ :** मैं विदड्रा कर लेता हूं। लेकिन आप उनको भी चुप रखा करो।

**श्री अध्यक्ष :** ऐसा लगता है कि आप की आदत उधर भी आती जा रही है।

**(It appears as if this habit of the hon. Member has affected the other side of the House.)**

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪਾਨੀਪਤ ਦੀ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲ ਵਿਚ, ਜਿਸ ਦਾ ਨਾਮ ਗਜ਼ਟ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਬਲਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਅਗਾਂਹ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਸਾਰੀ ਅਸੈਂਬਲੀ ਨੂੰ ਕੁਰਪਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਉਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿੱਥੇ ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਭੁੱਖੇ ਮਰਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਛਾਂਟੀ ਵਿਚ ਲਿਆ ਰਹੀ ਹੈ ਉਥੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਾਸਤੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਹਨ, ਇਕ ਅਜਿਹਾ ਬਿਲ ਲਿਆ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਜਿੱਥੇ 300 ਰੁਪਏ ਹੈ ਉਥੇ ਚਾਰ ਸੌ ਰੁਪਿਆ ਮਾਹਵਾਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਅਗੇ ਵੀ ਕਰਪਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਹੁਣ ਫ਼ੇਰ ਕਰਪਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਖੀਰ ਵਿਚ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਰਮਨ ਫਿਲਾਸਫ਼ਰ ਮਿਸਟਰ ਥੋਰੋ ਦੀ ਇਕ ਕੋਟੇਸ਼ਨ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—ਇਕ ਮੁਸਾਫਰ ਨੇ ਇਕ ਲੜਕੇ ਨੂੰ ਪਛਿਆ, "ਸਾਹਮਨੇ ਵਾਲੀ ਦਲਦਲ ਦੀ ਤਹਿ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੈ ਯਾ ਨਹੀਂ ?" ਲੜਕੇ ਨੇ ਕਿਹਾ, "ਹਾਂ, ਠੌਸ ਹੈ।" ਲੇਕਿਨ ਜਬ ਕਦਮ ਰਖਤੇ ਹੀ ਮੁਸਾਫਰ ਕਾ ਘੋੜਾ ਕਮਰ ਤਕ ਦਲਦਲ ਮੈਂ ਧੰਸ ਗਿਆ ਤੋਂ ਮਸਾਫ਼ਰ ਨੇ ਪੂਛਾ, "ਤੁਮ ਨੇ ਤੋ ਕਹਾ ਥਾ ਕਿ ਇਸ ਦਲਦਲ ਕੀ ਤਹਿ ਠੌਸ ਹੈ," ਤੋ ਲੜਕੇ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦੀਆ "ਹਾਂ, ਇਸਕੀ ਤਹਿ ਠੌਸ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਅਭੀ ਇਸ ਕੇ ਆਧੇ ਦੂਰ ਤਕ ਭੀ ਤੋ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚੇ।" ਬਸ ਇਹੀ ਹਾਲਤ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਹਾਤਮਾਂ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਕੇ ਰਾਜ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਨੇ ਰਸਕਨ ਤੋਂ ਸਬਕ ਲਿਆ। ਉਸ ਰਸਕਨ ਤੋਂ ਜਿਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਦ ਤਕ ਤੁਸੀਂ ਬੇਘਰਾਂ ਨੂੰ ਘਰ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, ਨੌਕਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, ਪਹਿਨਣ ਲਈ ਕਪੜੇ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਰੋਟੀ ਖਾਣ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਤਦ ਤਕ ਤਹਾਨੂੰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕਹਾਉਣ ਦਾ ਕੋਈ ਹੱਕ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਹੈ ਇਹ ਆਪਣੇ ਮਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਭੁਖਾ ਮਾਰਕੇ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਜਿਨਸਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਘਟ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਕੇ, ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਮੁਸੀਬਤ ਵਿਚ ਪਾਕੇ, ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕੁਰਪਟ ਕਰਕੇ ਰਾਜ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਕਿਵੇਂ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦੀ ਮੁਸਤਹਕ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ?

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਇਹ ਗਾਂਧੀ ਦੇ ਸਪੂਤ ਨਹੀਂ ਹਨ।

**ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ** (ਸਰਹੰਦ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਹਮਜ਼ਬਾਨ ਹਾਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਫੌਜੀ ਭਾਈਆਂ ਨੂੰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਪਿਛਲੇ ਸੰਕਟ ਦੇ ਵਿਚ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਸਾਡੇ ਤੇ ਹਮਲਾ ਕੀਤਾ, ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ, ਡਟ ਕੇ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਤਰਫ਼ ਤੋਂ ਸ਼ਰਧਾ ਦੇ ਫੁੱਲ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੇ ਉਸ ਸੰਕਟ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪੂਰੀ ਯਕਜਹਿਤੀ ਦੇ ਨਾਲ ਇਕ ਆਦਮੀ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਔਰ ਦੁਸ਼ਮਣ ਨੂੰ ਜ਼ਲੀਲਕੁਨ ਸ਼ਿਕਸਤ ਦਿੱਤੀ, ਉਥੇ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹਮਜ਼ਬਾਨ ਹੋ ਕੇ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੀ ਇਸ ਦੁਰਘਟਨਾ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਚੜ੍ਹਨ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਹੀ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਉਤੇ ਇਕ ਦੂਜਾ ਸੰਕਟ ਆਇਆ। ਮੇਰਾ ਇਸ਼ਾਰਾ ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦੁਰ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਦੀ ਨਾਗ-ਹਾਨੀ, ਬੇਵਕਤੀ ਮੌਤ ਵੱਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਚਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ—ਅਮਨ ਦੀ ਤਲਾਸ਼ ਵਿਚ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਡੂੰਘਾ ਪਿਆਰ ਸਾਬਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ, ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਕੁਰਬਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਇੰਤਹਾਈ ਸਰਦ ਜਗ੍ਹਾ ਹੈ, ਮੌਸਮ ਖਰਾਬ ਹੈ— ਅਸੀਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਿਆ ਕਿ ਉਥੇ ਜਾਕੇ ਸਰਦਾਰ ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ ਵੀ ਬੀਮਾਰ ਹੋ ਗਏ ਸਨ—ਲੇਕਿਨ ਫਿਰ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਮੁਕਦਮ ਸਮਝਦੇ ਹੋਏ, ਮੁਲਕ ਅਤੇ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਅਮਨ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਆਪਣੀ ਜਾਨ ਦੇ ਦਿਤੀ ਅਤੇ ਸਾਥੋਂ ਬੇਵਕਤ ਜੁਦਾ ਹੋ ਗਏ। ਇਹ ਦੂਜਾ ਸੰਕਟ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ ਸਾਡਾ ਮੁਲਕ ਨਿਕਲਿਆ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਉਸ ਖਸ਼ਗਵਾਰ ਤਬਦੀਲੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜੋ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਦੀ ਨਾਗਹਾਨੀ ਮੌਤ ਦੇ ਬਾਅਦ ਇਥੇ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਦੇ ਇੰਤਖਾਬ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਹੋਈ। ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਲੀਡਰ ਦਾ ਇੰਤਖਾਬ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਉਹ ਨਿਹਾਇਤ ਕਾਬਲੇ ਤਾਰੀਫ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿੱਚ ਜਿਥੇ ਤਕ ਇਸ ਰਿਆਸਤ ਦੇ ਨਜ਼ਾਮ ਦਾ ਤੱਲਕ ਹੈ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਲੁਧਿਆਨੇ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਘਟੋ ਘਟ ਮੌਜੂਦਾ ਗਵਰਨਰ ਤੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਦੀ ਉਮੀਦ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ। ਇਥੇ ਜੋ ਦੋਵਾਂ ਹਾਊਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਐਡ-ਰੈਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਅਹਿਮ ਪਾਲਸੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਹ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਜਨਰਲ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਦੋ ਦਫਾ ਨਹੀਂ, ਬਲਕਿ ਦਰਜਨਾਂ ਵਾਰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਸਾਰੇ ਹੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿ ਇਥੇ ਦੀ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਸਟੈਂਡਰਡ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਗਿਰਦਾ ਹੀ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਰਿਆਸਤ ਤੇ ਬੋਝ ਵਧਦਾ ਹੀ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਤਵੱਜੁਹ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ, ਇਸ ਕਮੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਠੋਸ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਚੁਕਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਇਸ ਦਾ ਸੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮਹਿਜ਼ ਕਮੇਟੀਆਂ ਜਾਂ ਕਮੀਸ਼ਨ ਬਣਾਕੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਣਾ। ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਦੇਖਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਕੋਈ ਇਕ ਦਰਜਨ ਦੇ ਕਰੀਬ ਜਾਂ ਤਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਲਿਟਰੇਚਰ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਫਾਇਦਾ। ਅਜ ਵੀ ਇਕ ਰਿਪੋਰਟ ਤਕਸੀਮ ਹੋਈ ਹੈ। ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਦੀ ਤਾਂ ਕੰਮੀ ਨਹੀਂ ਹੈ।

[ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ]

ਅਗਰ ਇਸ ਰਿਆਸਤ ਦੇ ਜੋ ਕਾਰਕਰਤਾ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜ ਤਕ ਇਥੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਇਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲਗਿਆ ਕਿ ਇਥੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀ ਲੋੜਾਂ ਹਨ; ਕਿਸ ਕੰਮ ਦੇ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਬੜੀ ਕਾਬਲੇ ਅਫਸੋਸ ਗਲ ਹੈ। ਠੀਕ ਹੈ ਇਸ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਵੇਲੇ P.A.P. ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਮੈਨੂੰ ਜ਼ਾਤੀ ਇਲਮ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਨੇ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਮਗਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਹੋਣ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਕੋਈ ਇਨਤਹਾ ਨਹੀਂ ਰਹੀ। ਸਾਨੂੰ ਯਾਦ ਹੈ ਕਿ ਫੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰੀ ਇਕ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਹੋਇਆ ਕਰਦਾ ਸੀ ਮਗਰ ਅਜ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ, ਖਾਸ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਨ ਲਈ ਪੋਸਟਾਂ ਅਪਗ੍ਰੇਡ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਸੈਕਟਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦਾ ਖਤਾਬ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਰਾਜਸਥਾਨ ਦੀਆਂ ਫਿਗਰਜ਼ ਦੇਖ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਰਾਜਸਥਾਨ ਦਾ ਏਰੀਆ ਅਤੇ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਸਾਥੋਂ ਵਧ ਹੈ, ਇਨਕੰਮ ਵੀ ਸ਼ਾਇਦ ਸਾਥੋਂ ਵਧ ਹੀ ਹੋਵੇ। ਮੈਂ subject to correction, figures ਦਸਦਾ ਹਾਂ। ਉਥੇ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਵਿਚ ਹਾਈ ਅਫਸਰ 61 ਦੇ ਕਰੀਬ ਹਨ ਜਦਕਿ ਇਥੇ 124 ਹਨ। ਸਾਡਾ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਰਾਜਸਥਾਨ ਨਾਲੋਂ ਡਬਲ ਹੈ। ਫਿਰ ਯੂ੦ ਪੀ੦ ਵੀ ਸਾਡਾ ਗਵਾਂਢੀ ਸੂਬਾ ਹੈ। ਉਹ ਬਿਗੈਸਟ ਸਟੇਟ ਹੈ ਇੰਡੀਆ ਵਿਚ। ਸਾਡੀ ਅਬਾਦੀ ਜਿਥੇ 2 ਕਰੋੜ ਦੇ ਕਰੀਬ ਹੈ ਉਥੇ ਦੀ ਆਬਾਦੀ 6-7 ਕਰੋੜ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਥੇ ਵੀ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਪੰਜਾਬ ਜਿੰਨੀ ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਇਹਸਾਸ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਵਕਤ ਦੇ ਅੰਦਰ ਹੀ ਸਾਰੀ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਡੀਟੇਲ ਵਿਚ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ। ਅਗਰ ਬਜਟ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਤੇ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਫੈਕਟਸ ਅਤੇ ਫਿਗਰਜ਼ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ। ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਬਾਰੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ। ਮੈਂ ਡੀ੦ ਸੀ੦ ਦਾ ਕੰਮ ਖੁਦ ਵੀ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿੰਨਾ ਹੈਵੀ ਕੰਮ ਹੈ। ਕਰਾਈਟੇਰੀਆ ਕੀ ਹੈ ਕਿ ਰੀਸੀਟ ਅਤੇ ਡਿਸਪੈਚ ਇਤਨੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਕ ਹੋਰ ਅਫਸਰ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਕਰਾਈਟੇਰੀਆ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਹੀ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਹੈਵੀ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ ਵੈਲਫੇਅਰ ਸਟੇਟ ਤੇ ਅਮਲ ਦਰਾਮਦ ਕਿਵੇਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹੋਰ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਇਤਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਵਲ ਤਵੱਜੁਹ ਦੇਣੀ ਹੈ। ਕੀ ਤਵੱਜੁਹ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਵਲ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ? ਮੈਂ ਮੀਟਿੰਗਜ਼ ਅਟੈਂਡ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਫਾਰਮਲ ਜਿਹੀ ਕਾਰਵਾਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਖਾਮਖਾਹ ਅਫਸਰਾਂ ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਹੁੰਦਾ ਚਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਬਾਅਜ਼ ਰਿਆਸਤਾਂ ਨੇ ਬੀ੦ ਡੀ੦ ਓ੦ ਦੀ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਆਰਗਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਇਥੇ ਵੀ ਬਿਲਕੁਲ ਫੇਲ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਤਦ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਗਰ ਇਸ ਦੇ ਐਕਸਪਰਟਸ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਮਦੱਦ ਦੇਣ। ਮੈਂ ਵੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹਾਂ। ਸਾਨੂੰ ਸਗੋਂ ਖੁਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਲਭਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਅਸੀਂ ਕੋਈ ਗਲ ਪੁਛ ਸਕੀਏ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮੁਲਕਾਂ ਦੀ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ—ਅਗਰ ਕੋਟ ਕਰਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਇਕ ਲੰਬੀ ਕਹਾਣੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ—ਉਥੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੇ ਘਰ ਸਭ ਕੁਝ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਥੇ ਬੀ੦ ਡੀ੦ ਓ੦ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਮਲੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਚੈਕ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਕਿ ਉਹ ਕੀ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਕੀ ਠੋਸ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਕਿੰਨੀ ਮਦੱਦ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਰਿਆਸਤ ਵਿਚ ਅਫਸਰਾਂ

ਤੇ ਸੁਪਰਵੀਯਨ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਹਰ ਅਫਸਰ ਖੁਦ ਆਪਣਾ ਮਾਲਕ ਹੈ । ਚਾਹੇ ਕੰਮ ਕਰੇ ਚਾਹੇ ਨਾ ਕਰੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪੁਛਣ ਵਾਲਾ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਮੁਖਤਸਿਰਨ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਨਰਲ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕੀ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਕੀਕਤ ਇਸ ਦੇ ਉਲਟ ਹੈ ਅਤੇ ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਰਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਫਿਰ ਅਜਿਹੇ ਵਕਤ ਜਦ ਕਿ ਹਰ ਪਾਸੇ ਸਟ੍ਰਿੰਜੈਂਸੀ ਆਫ ਫੰਡਜ਼ ਦਾ ਜ਼ੋਰ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਵੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਰ ਬਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਫੰਡਜ਼ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਪਾਸ ਜਾਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਰੁਪਏ ਦੀ ਐਨੀ ਥੁੜ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਇਸ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਘਟ ਕਰਨ ਵਲ ਤਵਜੋਹ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਫਲਤ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਮੁਜਰਮਾਨਾ ਗਫਲਤ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਤਵਜੋਹ ਦੇਣੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ।

ਜਨਰਲ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬ਼ਾਅਦ ਮੈਂ ਮੁਖਤਸਿਰਨ ਦੂਸਰੀਆਂ ਆਈਟਮਜ਼ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਾਂਗਾ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਇਸ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਹਨ । ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਪਹਿਲਾਂ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਮੈਂ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਚਿਠੀ ਵੀ ਲਿਖੀ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਸੈਟਿਸਫੈਕਟਰੀ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਇਥੇ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੀ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਤਾਂ ਬੜੇ ਸ਼ੱਦੋ-ਮੱਦ ਨਾਲ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ ਛਾਤੀ ਤੇ ਹਥ ਮਾਰ ਕੇ ਇਥੇ ਇਹ ਗਲ ਆਖੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਕ ਸਾਲ ਵਿਚ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ । ਲੇਕਿਨ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁਸਤਸਨਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਕੀ ਮੈਂ ਪੁੱਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹਿਸਾ ਨਹੀਂ ? ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ 50 : 50 ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਨੇਸ਼ਨਲਾਈਸ਼ਜ਼ੇਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਚੁਕਿਆ ਹੈ । ਪਰ ਇਹ ਗਲ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਨ 1956 ਵਿਚ ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਮਰਜਰ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਤੇ ਫਿਰ 16 ਜੁਲਾਈ, 1957 ਦਾ ਇਕ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਜਾਲੰਧਰ ਅਤੇ ਅੰਬਾਲਾ ਡਵੀਜ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰੀ ਬਸਾਂ ਚਲਿਆ ਕਰਨਗੀਆਂ ਪਰ ਇਸ ਤੇ ਕਿੰਨਾ ਕੁ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ? ਫਿਰ ਇਸ ਨੂੰ ਤਰਮੀਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਵੀ ਜਾਲੰਧਰ ਅਤੇ ਅੰਬਾਲਾ ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ, ਪਰ ਪਟਿਆਲਾ ਡਵੀਜ਼ਨ ਨੂੰ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ । ਪਟਿਆਲਾ ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੀ ਤਾਂ ਇਹ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਸਲੂਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਨੈਸ਼ਨਲ ਇੰਟੈਗਰੇਸ਼ਨ ਕੀ ਕਰਨਗੇ ਜਦ ਕਿ ਆਪਣੀ ਹੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਇਕ ਹਿਸੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਚ ਜਜ਼ਬ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਅਤੇ ਹਰ ਸਮੇਂ ਉਸ ਹਿਸੇ ਨਾਲ ਤਫਰਕੇ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਥਾਂ ਥਾਂ ਤੇ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਵੀ ਪਖ ਲੈ ਲਉ--ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦਾ, ਸਰਵਿਸਾਂ ਦਾ, ਹਰ ਚੀਜ਼ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਨਜ਼ਰੀਆ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀ-ਨੇਸ਼ਨ ਨਾਲ ਭਰਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਤਿਹ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਹ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਬਲੰਦ ਬਾਂਗ ਦਾਅਵੇ ਕਰਦੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਕਰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਪਟਿਆਲੇ ਨੂੰ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਇਥੋਂ ਇਕ ਇਲੈਕਟ੍ਰਿਕ ਟ੍ਰੇਨ ਪਟਿਆਲਾ ਲਈ ਚਲਿਆ ਕਰੇਗੀ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਪਟਿਆਲਾ ਜਾਂਦਿਆਂ ਮੈਂ ਤਿੰਨ ਬਸਾਂ ਤਾਂ ਫੇਲ ਹੋਈਆਂ ਰਾਹ ਵਿਚ ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਵੇਖੀਆਂ । ਇਹ ਮੇਰਾ ਜ਼ਾਤੀ ਤਜਰਬਾ ਹੈ । ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੀ । (ਵਿਘਨ)

ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਹੀ ਫੇਲ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ** : ਮੈਂ ਆਪ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਗਰਮੀ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਬੱਚ ਅਤੇ ਬੀਬੀਆਂ ਵਿਲਕਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ ਬਸਾਂ ਦੇ ਫੇਲ ਹੋਣ ਨਾਲ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਬੇਆਰਾਮੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਜਦ ਪੈਪਸੂ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਜ਼ਬ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸ ਨਾਲ ਕਿਉਂ ਸੌਤੀਲੀ ਮਾਂ ਵਰਗਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। । ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜਦ ਸੰਨ 1959 ਵਿਚ 50 : 50 ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਵੀ ਪਟਿਆਲਾ ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਉਸ ਨੂੰ ਅਲਹਿਦਾ ਰਖਿਆ ਗਿਆ। ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਦੀ ਇੰਟੈਗਰੇਸ਼ਨ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਪਰ ਕਿੰਨੀ ਤੰਗ ਦਿਲੀ ਨਾਲ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤੰਗ ਦਿਲੀ ਨਾਲ ਕਦੇ ਵੀ ਇੰਟੈਗਰੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨੀ ਅਤੇ ਕੁਸ਼ਾਦਾ ਦਿਲੀ ਦੀ ਲੋੜ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਮੈਂ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਐਗਰੇਰੀਅਨ ਰੀਫਾਰਮਜ਼ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਕੀਤੇ ਅਤੇ ਇਥੇ ਵੀ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਵਿਚ ਜੋ ਐਗਰੇਰੀਅਨ ਰੀਫਾਰਮਜ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਦਰੁਸਤ ਸਨ ਅਤੇ ਠੀਕ ਸਨ । ਫਿਰ ਹੁਣ ਜਿਹੜੀਆਂ ਰੀਫਾਰਮਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਅੰਬਾਲਾ ਡਵੀਜ਼ਨ ਤੇ ਲਾਗੂ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ? ਤਫਰਕਾ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੈਂਗੁਏਜ ਦੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਲੈਂਗੁਏਜ ਫਾਰਮੂਲਾ ਹੋਰ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਹੋਰ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕਈ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਬਿਲਕੁਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ । ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇੰਨੀਆਂ ਪੋਟੈਨਸ਼ੈਲਿਟੀਜ਼ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਜਿਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰੇ ਭਰਿਆ ਮਨ ਬਣ ਜਾਵੇ, ਉਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੋਟੈਨਸ਼ੈਲਿਟੀਜ਼ ਨੂੰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੌਣ ਕਰੇ ?

ਮੈਂ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਰੇਟਰਾਂ ਨੇ ਮਿਲ ਕੇ ਸੰਕਟ ਕਾਲ ਵਿਚ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਇਮਦਾਦ ਕੀਤੀ । ਆਪਣੀਆਂ ਜਾਨਾਂ ਹੀਲਿਆਂ ਅਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਿਤੀ ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਹੀ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿਲਾ ਕੀ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ? ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਾਫੀ ਚਰਚਾ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਲੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਬਿਲ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਸਿਲਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ।

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਰੂਟ ਇਸ ਵਕਤ ਵੀ ਜਾਰੀ ਹਨ ਜਿਥੇ ਕਿ ਵਿਤਕਰੇ ਭਰਿਆ ਸਲੂਕ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਅਹਿਮਦਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਜੋ ਰੂਟ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦਾ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਜਦ ਅਸੀਂ ਆਉਂਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਤਿੰਨ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਬਦਲਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ—ਖੰਨਾ, ਸਰਹੰਦ ਅਤੇ ਖਰੜ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਦਰਿਆਫਤ ਕੀਤਾ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਰੂਟ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ ਗੁਜ਼ਰਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਤਿੰਨ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਚੇਂਜ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, मैं आपकी रूलिंग इस बात पर चाहता हूं कि क्या कोई आनरेबल मैम्बर इस हाउस की स्पीकर गैलरी या गवर्नर बाक्स में जा कर बैठ सकता है ? (विघ्न)

**ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ** : ਮੈਂ ਤਾਂ ਮੁਖਤਸਿਰ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਅਤੇ ਇਸ਼ਾਰਤਨ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਸਾਫ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਵਿਤਕਰੇ ਭਰਿਆ ਸਲੂਕ ਕਰ ਹੀ ਹੈ ।

ਹੁਣ ਮੈਂ ਰੋਡਜ਼ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂ ਕਿ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਪਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਹੁਣ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਆ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਚਾਇਨਾ ਨੇ ਹਮਲਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਵਿਚ ਪੈਪਸੂ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਤਾਂ ਰੋਕ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਪਰ ਇਧਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਤੇ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਬਣ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ? ਕਿੰਨੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਤਾਮੀਰ ਵਲ ਵੀ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ । ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕਹਿ ਤਾਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਤੇ ਕੋਈ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਚਿੱਠੀਆਂ ਲਿਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਖਾਮੋਸ਼ੀ ਵਿਚ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਖਾਮੋਸ਼ੀ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਹਿ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ ਸਾਡੀ ਇਸ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਸੁਪਰਵਾਈਜ਼ਰੀ ਫੰਕਸ਼ਨ ਬਿਲਕੁਲ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਚੁਕਿਆ ਹੈ। ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਜਾਂ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਜਾਂ ਚੀਫ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਨੇ ਕਦੇ ਆਪ ਜਾ ਕੇ ਨਹੀਂ ਵੇਖਣਾ ਕਿ ਸੜਕ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ । ਪੀ. ਡਬਲਿਊ. ਡੀ. ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ । ਜਿਹੜੀ ਸੜਕ 1956 ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੁਣ ਤਕ ਉਸ ਨੂੰ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਿਆ । ਪਟਿਆਲਾ-ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਰੋਡ ਦੀ ਅਜ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ? ਕਦੇ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਵੇਖ ਸਕਦੇ ਜਦ ਵੀ ਲੰਘੋ ਉਸ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਹੁੰਦੀ ਪਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿਚ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਇਸ ਸੜਕ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਕਿਤੇ ਨਾ ਕਿਤੇ ਨਾ ਹੁੰਦੀ ਪਈ ਹੋਵੇ । ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ? ਕੋਈ ਟੈਕਨੀਕ ਬਦਲ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ? ਫਿਰ ਜਦ ਮੇਰੀ ਗਲ ਇਕ ਮੁਅੱਜ਼ਜ਼ ਅਫਸਰ ਨਾਲ ਹੋਈ ਤਾਂ ਇਹ ਸੁਣਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਵੇਖੋ ਜੀ ਲੋਕ ਤਾਂ ਐਵੇਂ ਹੀ ਰੌਲਾ ਪਾਂਦੇ ਹਨ, ਵਜ਼ੀਰ ਵੀ ਸਿਖ ਹਨ ਅਤੇ ਠੇਕੇਦਾਰ ਵੀ ਸਿਖ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕਿੰਨਾ ਤੰਗ ਖਿਆਲ ਹੈ ਤੇ ਫਿਰ ਅਜ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ, ਜ਼ਮਾਨਾ ਕਿਨੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਅਗੇ ਲੰਘ ਰਿਹਾ ਹੈ !

**(At this stage Shri Ram Saran Chand Mital, a Member of the panel of Chairman occupied the Chair.)** ਅੱਜ ਕਲ੍ਹ ਇਤਨੀ ਕੰਮ ਖਤਮ ਕਰਨ ਦੇ ਵਿਚ ਐਡਵਾਨਸਮੈਂਟ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਮਹੀਨਿਆਂ ਦਾ ਕੰਮ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਏਥੇ ਇਕ ਇਕ ਕੰਮ ਸਾਲਾਂ ਭਰ ਤੱਕ ਚਲਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਪਟਿਆਲਾ-ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਇਕ ਆਮ ਰੋਡ ਹੈ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਲਗਾਤਾਰ 12 ਮਹੀਨੇ ਮੁਰੰਮਤਾਂ ਹੀ ਹੁੰਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਜੀ. ਟੀ. ਰੋਡ ਜਿਸ ਤੇ ਇਤਨੀ ਟਰੈਫਿਕ ਚਲਦੀ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰਾ ਦਿੱਲੀ ਤੋਂ 20—22 ਮੀਲ ਏਧਰ ਨੂੰ ਵੇਖੋ ਕਿ ਕਿਤਨੀ ਖਸਤਾ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਮੋਟਰਾਂ ਦੇ ਸਪਰਿੰਗ ਟੁਟਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਹੁੰਦੀ ਹੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਲੱਗੀ ਹੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ । ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਸਾਲ ਮੁਕਣ ਦੇ ਵਿਚ

[ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ]

ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ । ਇਹ ਇਕ ਬਾਰਡਰ ਸਟੇਟ ਹੈ, ਡੀਫੈਂਸ ਪਰਪਜਿਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀਆਂ ਰੋਡਜ਼ ਨੂੰ ਇੰਪਰੂਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਇਕ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਸੁਜੈਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੇ ਸੀ । ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਜੇਕਰ ਅੱਜ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕੱਲ੍ਹ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਰੋਡਜ਼ ਨੂੰ ਚੌੜਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ. ਵਕਤ ਐਸੀ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਏਥੋਂ ਤੱਕ ਕਿ ਜੀ. ਟੀ. ਰੋਡ ਵੀ ਦੁਗਣੀ ਚੌੜੀ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ।

ਏਥੇ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨੀਲੋਂ ਦੁਰਾਹਾ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਨਹਿਰ ਦੀ ਪਟੜੀ ਹੈ ਇਹ ਪੱਕੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਜਗ੍ਹਾ ਇਕ ਐਸਾ ਏਰੀਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਫੌਜੀ ਮਸ਼ਕ ਲਈ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਕਿ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਸੀ ਦੂਸਰਾ ਟਰੈਫਿਕ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਇਸ ਦੀ ਇਤਨੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਹੈ । ਇਹ ਪਟੜੀ ਪੱਕੀ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਇਕ ਬਸੀ-ਖਰੜ ਰੋਡ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਕਿ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਵੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਪਰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਇਸ ਦਾ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮੇਰੀ ਕੰਸਟੀਚੂਐਂਸੀ ਪੈਪਸੂ ਅੰਦਰ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਰੰਜ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਮੇਰੇ ਇਹ ਗੱਲ ਯਾਦ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮੇਰੀ ਇਕ ਆਰਕੀਟੈਕਟ ਦੇ ਨਾਲ ਗੱਲ ਹੋਈ ਸੀ ਜਿਸ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ Patiala was one of the beautiful cities. ਪਰ 1957 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਪਟਿਆਲੇ ਦੀ ਮਾਲ ਰੋਡ ਦੇ ਏਰੀਆ ਦੇ ਲਾਗੇ ਸਰਟਨ ਲਿਮਿਟਸ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ ਕਿ ਏਥੇ ਕੋਈ ਮਕਾਨ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦੇ । ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਕਿ ਏਥੇ ਦੋ-ਦੋ ਮੰਜ਼ਲੇ ਮਕਾਨ ਖੜ੍ਹੇ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆ ਨਹੀਂ ਰੱਖਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਇਸ ਸੜਕ ਦੀ ਵੀ ਕੋਈ ਅਹਿਮੀਅਤ ਹੈ । ਇਹ ਇਸ ਲਈ ਨਜ਼ਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਪਟਿਆਲਾ ਹੈ।

ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਸਟਾਫ ਨੂੰ ਬੜੇ ਰਿਚ ਟਰੀਬੀਊਟਸ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਫਜ਼ ਹਨ ਕਿ—

> "Rich tribute is due to all the teachers, students and officers of the Education Department for what for very substantial contributions to the Punjab Defence and Security Relief Fund."

ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਗਲਤ ਤਰੀਕਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਇਖਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਡੋਨੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਦਾ । ਲੋਕ ਵਾਲੰਟੈਰੀਲੀ ਆਪਣਾ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ । ਮੁਲਕ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਾਸ ਇਕ ਪੈਸਾ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਉਹ ਮੁਲਕ ਲਈ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਵਾਰਨ ਤੋਂ ਵੀ ਪਿਛੇ ਨਹੀਂ ਹਟੇ। ਪਰ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਉਗਰਾਹੀ ਲਈ ਸਾਰਾ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਲਾਈ ਰੱਖਣਾ ਫੰਡਜ਼ ਲਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਾ ਕਰਨੀ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਕੋਈ ਮੁਨਾਸਬ ਤਰੀਕਾ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਈ ਸਕੂਲ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨਾਲ ਗੱਲ ਵੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ. ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ 'ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫਿਰਨ ਦਾ ਹੁਕਮ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇੰਟਰਫੀਅਰੈਂਸ ਲਈ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਖੁਦ ਜ਼ੁੰਮੇਵਾਰ ਹੈ । ਇਹ ਟਰੀਬੀਊਟ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸੋਰਸਿਜ਼ ਹੋਣ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ

ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਅਤੇ ਉਸਤਾਦਾਂ ਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਸਾਡੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਇਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ੰਜ਼ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਇਹ ਆਮ ਚਰਚਾ ਹੈ ਕਿ ਏਥੇ ਦਿਨੋ ਦਿਨ ਇੰਡਿਸਿਪਲਿਨ ਵਧਦਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਕ ਵਡੀ ਗ਼ਲਤੀ ਜਿਹੜੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਰਿਹਾਇਸ਼ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ ਉਹ ਕੈਪੀਟਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਮੈਂ ਪੈਪਸੂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਅੰਦਰ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਪਰ ਇਸ ਦੀ ਸੀਟ ਕੈਪੀਟਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਹੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹੋ ਕਿ ਏਥੇ ਹੜਤਾਲਾਂ ਹੋਈਆਂ, ਹੋਰ ਝਗੜੇ ਹੋਏ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗ਼ਲਤੀ ਸੀ ਜੋ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਮਾਹੌਲ ਵਿਚ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਲਈ ਜਗ੍ਹਾ ਛਾਂਟੀ ਗਈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਸ਼ਲ ਕਾਲਜਿਜ਼ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰ ਏਥੇ ਬਣਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਸਨ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਇਕ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਵੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਸੀ, ਇਥੇ ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਮਾਹਰੀਨ ਬੈਠੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਵਿਚ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਸਟਾਫ ਦੀ ਬੜੀ ਇਨਐਡੀਕੁਏਸੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਏਥੇ ਬੜੀ ਹੀ ਇਨਐਫੀਸ਼ੈਂਸੀ ਹੈ । ਕਾਲਜਿਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਗ਼ਲਤ ਕਿਸਮ ਦੀ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਗ਼ਲਤ ਤਲਫਜ਼ ਦੱਸਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਬੱਚਿਆਂ ਲਈ ਬੜਾ ਅਨਕੁਆਲੀਫਾਈਡ ਸਟਾਫ ਰੱਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਆਪਣੀ ਤਵੱਜੋ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਸ਼ਲ ਕਾਲਜਿਜ਼ ਕਾਇਮ ਕਰਦੇ ਜਿਥੇ ਕਿ ਇੰਨਡੀਵਿਜੂਅਲ ਨਿਗਰਾਨੀ ਹੋ ਸਕੇ।

ਇਕ ਅਰਜ਼ ਮੈਂ ਫੂਡ ਅਤੇ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੇ ਮਸਲੇ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਵੀ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਖਬਰ ਛਪੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਦੀ ਇਤਨੀ ਬਹੁਤਾਤ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਅਜ ਅਮਰੀਕਾ ਦੀ ਹੈਲਪ ਮੰਗੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਥੇ ਦੁਧ ਦੀਆਂ ਨਦੀਆਂ ਵਹਿੰਦੀਆਂ ਸਨ ਅੱਜ ਓਥੇ ਪਾਣੀ ਦੀਆਂ ਨਦੀਆਂ ਵੀ ਖੁਸ਼ਕ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਅੱਜ ਦੂਸਰੇ ਮੁਲਕਾਂ ਅਗੇ ਖੁਰਾਕ ਲਈ ਅਸੀਂ ਹਥ ਅੱਡ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਟ੍ਰਿਬੀਊਨ ਅਖਬਾਰ ਦੀ ਇਕ ਖਬਰ ਛਪੀ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਇਸ ਹੈਡਿੰਗ ਹੇਠ ਖਬਰ ਹੈ ਕਿ:—

**"More Donations for India**

ROME, Feb. 20 (Reuter and AP).—Money donations from Italians in all walks of life poured in this week-end to help India in its present food crisis."

ਮੇਰਾ ਅਰਜ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਤੇ ਇਤਨਾ ਨਾਜ਼ ਸੀ ਅਜ ਉਸ ਲਈ ਅਮਰੀਕਾ ਦਾ ਵਾਈਸ ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ 100 ਮਿਲੀਅਨ ਡਾਲਰ ਖੁਰਾਕ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਕਰਨ ਲਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ।

**ਚੌਧਰੀ ਨੇਤ ਰਾਮ** : ਸ਼ੇਮ-ਸ਼ੇਮ-ਸ਼ੇਮ..........

**ਉਪ-ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ) : ਸ਼ੇਮ ਟੂ ਚੌਧਰੀ ਨੇਤ ਰਾਮ.........

**ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ** : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਮੁਲਕ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਅਜ ਵੀ 70 ਫੀ ਸਦੀ ਆਬਾਦੀ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਤੇ ਮੁਨਹਸਰ ਹੈ, ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਇਤਨਾ ਬਰਡਨ ਹੈ । ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਅਸੀਂ ਦਾਣੇ ੨ ਨੂੰ ਤਰਸ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਪਿਛਲੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਰਪਲਸ ਸਟੇਟ ਬਣੀਏ ਤਾਂ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇੰਟੈਂਸਿਵ ਕਲਟੀਵੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਅਸੀਂ ਇਤਨੇ ਤਜਰਬੇ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਪਰ ਇਹ ਓਦੋਂ ਤਕ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਜਦ ਤਕ

[ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ]

ਇੰਟੈਂਸਿਵ ਕਲਟੀਵੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਏਗੀ । ਸਰਪਲਸ ਸਟੇਟ ਕਿਵੇਂ ਬਣਾ ਲਈਏ ? ਇਹ ਹੋ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ । ਅਸੀਂ ਟੇਢੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਚੀਜ਼ਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀਆਂ । ਅਗਰੇਰੀਅਨ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਆਈਆਂ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਲਿਮਿਟ ਮੁਕਰਰ ਕਰੋ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ । 5 ਏਕੜ ਦੀ ਲਿਮਿਟ ਚਾਹੋ ਤਾਂ ਕਰੋ। ਲੇਕਿਨ ਯਾਦ ਰਖੋ ਜਦ ਤਕ ਤੁਸੀਂ ਅਨਇਕਨਾਮਿਕ ਹੋਲਡਿੰਗ ਨੂੰ ਇਕਨਾਮਿਕ ਹੋਲਡਿੰਗ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਗੇ ਇਹ ਖ਼ੁਰਾਕ ਦੀ ਕਮੀ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗੀ । ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 5 ਏਕੜ ਦੀ ਲਿਮਿਟ ਰਖੋ ਲੇਕਿਨ ਇਕਨਾਮਿਕ ਹੋਲਡਿਗ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਕੁਆਪਰੇਟਿਵ ਲੈਂਡ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰੋ । ਜਿੰਨੀਆਂ ਕੁਆਪਰੇਟਿਵ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰੋ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਕੋਈ ਵੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ । ਟਾਈਮ ਥੋੜਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੇ ਮੁਤ‌ਲਿਕ ਕਾਫੀ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਸਕਦਾ ਸੀ।

ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਇਸ ਐਡਰੈੱਸ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹੋਪਫੁਲ ਹਾਂ ਕਿ 1970 ਵਿਚ ਬਿਆਸ ਪਰਾਜੈਕਟ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਏਗੀ । ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਰਿਆਰਿਟੀ ਦਿਵਾਈ ਸੀ । ਇਸ ਵਲ ਪੂਰੀ ਤਵੱਜੁਹ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਇਕ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦਰਮਿਆਨ ਵਿਚ ਰਖ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਹੋਰ ੨ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਮਦਾਖਲਤ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ । (ਘੰਟੀ) ਜਿਹੜਾ ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਘਾਟਾ ਹੈ ਇਹ ਨਾ ਹੁੰਦਾ ਅਗਰ ਬਿਆਸ ਪਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਪਰਾਇਅਰਿਟੀ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਅਜ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ 1970 ਵਿਚ ਸ਼ਾਇਦ ਇਸ ਨੂੰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰ ਸਕੀਏ । ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਹ 1970 ਵਿਚ ਵੀ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਸਕੇਗਾ। (ਘੰਟੀ) । ਕਿਉਂਕਿ ਓਧਰੋਂ ਕਈ ਦਫਾ ਘੰਟੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਮੈਂ ਐਨੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਗਰ ਮੇਰੇ ਲਫਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਓਥੇ ਰੀਟੇਨ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਏਧਰ ਤਵਜੁਹ ਦੇਣ । ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਮੁਤ‌ਲਿਕ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਹੋਮ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਨੇ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜਿਆ ਹੈ, 9 ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਥੋਂ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਪਾਵਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਹ ਪੈਪਸੂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਨੇੜੇ ਨਹੀਂ ਲਗਣ ਦਿੰਦੇ । ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਆਰਡਰ ਦੀ ਕੰਪਲਾਇੰਸ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਹੋਰ ਕਿੰਨੇ ਵਿਤਕਰੇ ਹਨ ਉਹ ਏਧਰ ਤਵਜੁਹ ਦੇਣ। ਪੰਜਾਬ ਮਜ਼ਬੂਤ ਰਿਆਸਤ ਬਣ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਪੁਟੈਂਸ਼ੈਲਟੀਜ਼ ਬਣਾਉਣ, ਰਿਸੋਰਸਿਜ਼ ਬਣਾਉਣ ।

**श्री सभापति (श्री राम सरन चंद मितल) :** मैं हाउस के सामने एक बात रखना चाहता हूं । बोलने वाले बहुत ज़्यादा हैं । इस लिए आप बतला दें कि कितना २ टाइम दिया जाए । (I want to put this point before the House. The number of Members desirous of participation in the discussion is very large. The House may kindly direct as to what time limit of speeches may be fixed.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ :** ਅਗਰ ਪਹਿਲਾਂ ਬੋਲਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਦੋ ਦੋ ਘੰਟੇ ਸਮਾਂ ਦੇਵੋ ਤੇ ਹੁਣ ਪੰਜ ਪੰਜ ਮਿੰਟ ਦੇਵੋ ਤਾਂ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਪਹਿਲੇ ਦਿਨ ਹੀ ਟਾਈਮ ਲਿਮਿਟ ਰਖ ਦਿਆ ਕਰੋ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਕੰਮ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਦੋ ਦੋ

ਘੰਟੇ ਦੇ ਦਿਤੇ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੰਮ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜ ਪੰਜ ਮਿੰਟ ਦਿੰਦੇ ਹੋ।

**श्री सभापति** : अगर हाउस आज टाइम लिमट फिक्स करना चाहे तो ठीक है वरना मुझे तो कोई एतराज नहीं, फिर आप साहिबान कहेंगे कि हमें बोलने का टाईम नहीं मिला। (If the House fixes the time limit today, well and good other wise I have no objection to the debate going as before. But then the hon. Members would complain that they did not get the time. )

**प्रिंसीपल रला राम** : 15 मिनट कर दें ।

**श्री रूप लाल महता** (पलवल) : चेयरमैन साहिब, सदन के सामने राज्यपाल महोदय के भाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव है मैं भी इसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। मैं यह समझता हूं कि राज्यपाल महोदय ने सरकार के पिछले साल की कारगुज़ारियों की ओर आगे आने वाले वक्त की एक तसवीर पेश की है। अमूमन यह कायदा सा हो गया है कि हर साल ही जब बजट सैशन शुरू होता है तो उस वक्त राज्यपाल महोदय का एड्रैस पेश होता है और मैंबर उस पर दो चार रोज़ बहस मुबाहसा करके अपने ख्यालात ज़ाहर करते हैं। इस में कोई शक नहीं कि पंजाब की मौजूदा सरकार जब बनी तो इस के बनने के बाद हमारे मैम्बरान में काफी बेदिली छाई। यही नहीं, बल्कि पिछले साल पाकिस्तान की हिंदुस्तान के साथ जंग हुई। उस में पंजाब का सूबा सरहद का सूबा होने की वजह से इस पर मुशकिल बनी। यहां के लोगों ने बहादरी और तनदेही से अपने मोरेल को ऊंचा रख कर पूरा सहयोग दिया। सरकारी कर्मचारियों ने, जनता के लोगों ने, सब ने अपना फर्ज़ मक्कदस समझा और संकट काल में शान्ति को कायम रखा। हमारी सरकारी मशीनरी ने बड़े हौसले के साथ इस सूबे की, इस सरहद के सूबे की शान कायम रखी। हमारे सरहद के इलाके के लोगों ने काफी मुसीबतें बरदाश्त कीं जिस का ज़िकर राज्यपाल महोदय ने अपने एड्रैस में किया है। जब भी किसी देश पर संकट का समय आता है तो बार्डर के इज़ला पर खास तौर पर मुसीबत आती है। वे घर से बेघर हो जाते हैं। हिंदुस्तान की आज़ादी के लिये इस इलाके के लोगों ने हिम्मत दिखाई। सरकार ने अपने ज़राए के मुताबक पी.ए.पी. ट्रक ओनर्ज़, कंडक्टर्ज़, ड्राइवर्ज़ और जो २ भी काम करते रहे, उनकी इमदाद की। चाहे उनको यह देना काफी नहीं लेकिन जिन्होंने मुसीबत के वक्त काम किया है, जो भी उन्हें मिलना है वह जल्दी से जल्दी मिले। हमारे ट्रक ओनर्ज़ ने बहुत काम किया। हमारे इलाके के लोगों की काफी इमदाद ली गई। ड्राइवर और कंडक्टर मारे गए। उनके क्लेम सरकार सैटल नहीं कर पाई। दफतरी काम में देरी लग जाती है। वह लोगों को जल्दी मिलने चाहिएं। यह चीज़ काफी हायल होती जाती हैं। इस मामले में किसी पर शक नहीं करना चाहिए। जो कुछ उन्हें देना है उस का जल्द फैसला होना चाहिए। जब तक एडमिनिस्ट्रेशन को टोन अप नहीं किया जाएगा तो काम नहीं चलेगा। अगर किसी को कोई चीज़ मिलनी है तो वह उसे आसानी से पा नहीं पाता। मैं यह समझता हूं कि हमारी सरकार ने पिछले 17 या 18 सालों में पंजाब में जो तरक्की की है वह अंग्रेज़ों के राज्य में 100 साल तक इतनी तरक्की नहीं हो सकी जितनी 18 साल में हुई है।

[श्री रूप लाल महता]

कुछ इलाके ऐसे हैं जो ज़्यादा पसमांदा हैं और सरकार को उन की तरक्की की तरफ ध्यान देना चाहिए। यह भी समझते हैं कि सरकार को पिछड़े इलाके के साथ सहानुभूति होती है, लेकिन वह भाई एक राई का पहाड़ बना कर खड़ा करते हैं जिस में पंजाब के कई दफतर खड़े हो गए और किसी का कुछ न बना। हर मैम्बर को इस के बारे में कुछ कहने का हक है। मैं उन भाईयों के साथ सहमत हूं जो गवर्नमेंण्ट का ध्यान खामियों को दूर कराने की तरफ दिलाते हैं। मिसाल के तौर पर आप ऐग्रीकल्चर का महकमा ले लीजिए। इस महकमे के कर्मचारी बिलकुल नाअहल साबत हुए हैं क्यों कि कागज़ों पर वह बहुत कुछ दिखा देते हैं मगर अमली तौर पर कुछ होता नहीं दिखाई देता। उन की सुस्ती की वजह से जितनी भी ज़रायती स्कीमें हैं वह पाया तकमील तक नहीं पहुंचतीं। अभी तक लोगों को इरीगेशन के पूरे साधन नहीं मिल पाए। आज हालत यह है कि टयूब वैल्ज़ के लिए लोगों को बिजली नहीं मिलती। जब दफतरों में जा कर पूछा जाता है तो जवाब दिया जाता है रा मैटीरियल और फंडज़ की शौर्टेज है। मिनिस्टर साहिब भी चिट्ठी लिख कर हमें भेज देते हैं। मैं जो भी मिनिस्टर कनसर्न्ड हैं उन से निवेदन करता हूं कि वह हमारी आवाज़ सुनें और हमारे इलाके में लोगों को टयूब वैल्ज़ के लिये बिजली देने की कृपा करें। गुड़गांव के ज़िले में हर सब डिविज़न में कितने ही टयूब वैल्ज बिजली न मिलने की वजह से बेकार पड़े हैं। मुझे मालूम है कि इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड कौन से ज़िलों को बिजली देता है। हरियाणे के अंदर बिजली के मामले में गुड़गांव सब से पीछे है, पिछले सैशन में यहां एक सवाल के जवाब में बताया गया था कि पलवल डिवीज़न में 217 दरखास्तें पैंडिंग हैं जिन को बिजली टयूब वैल्ज के लिये नहीं दी गई है। अब फिर पूछा कि कब दोगे तो कहते हैं कि सामान अवेलेबल नहीं है। न मालूम उन को कब बिजली मिलेगी। हमारी गवर्नमेंण्ट को इस तरफ खास तवज्जो देनी चाहिए। इस वक्त गुड़गांव के ज़िले में कहत साली है। तहसील पलवल, बलभगढ़, नूह और झिरका को यू.पी. की अपर आगरा कैनाल से जो गन्ने की आबपाशी के लिए पानी मिलता है, उस का वाटर रेट 32 रुपए फी एकड़ के हिसाब से चार्ज किया जाता है जब कि इस के मुकाबले में पंजाब के दूसरे हिस्सों में तकरीबन आधा है। एक ही स्टेट के अन्दर डिसपैरिटी नहीं होनी चाहिए। पंजाब सरकार को यू०पी० सरकार से मिनिस्टीरियल लैवल पर बात चीत करके वाटर रेट पंजाब के वाटर रेट के बराबर करवाना चाहिए। लेकिन अगर सरकार ऐसा करवाने में कामयाब नहीं हो सकती तो फिर उन लोगों को अपनी तरफ से कम्पनसेट करे।

4.00 p. m.

इस के इलावा, चेयरमैन साहिब राज्य पाल साहिब ने सूबे में कोआप्रेटिव मिल्ज़ लगाने का ज़िक्र किया था। मैंने पहले भी कई बार सरकार का ध्यान दिलाया है कि गुड़गांव में स्पिनिंग वीविंग मिल्ज़ और शुगर मिल्ज़ लगानी चाहिए, चाहे कोआप्रेटिव सैक्टर में लगाई जाएं चाहे पब्लिक सैक्टर में लगाई जाएं। इस के इलावा, चेयरमैन साहिब, पिछले साल चौधरी रणबीर सिंह जी ने कहा था कि 1965 में गुड़गांव कैनाल में पानी दे दिया जाएगा लेकिन अब सन् 1966 चल रहा है मगर वहां पानी नहीं

दिया गया, गवर्नमेंट को चाहिए कि जल्दी से जल्दी गुड़गांव कैनाल प्राजैक्ट को मुकम्मल करे ताकि वहां पर इरीगेशन हो सके । जहां तक ट्यूब वैल्ज का ताल्लुक है बेहतर होगा अगर गवर्नमेंट वहां पर अपने ट्यूब वैल्ज़ लगा कर खुद अपने खर्चे पर खाल और नालियां बना कर किसानों को इरीगेशन के लिए पानी दे जैसा कि यू० पी० की सरकार कई सालों से करती चली आ रही है । गवर्नमेंट ट्यूब-वैल्ज़ के लिए लोगों को जो कर्जे देती है उस का पूरा फायदा नहीं होता क्योंकि लोग उतना गहरा बोर नहीं करवा पाते और उन को बाद में किशतें लौटाने के लिए बहुत मुश्किल पेश आती है । अगर टयूब-वैल सरकारी होंगे तो वह ज़्यादा गहरे खोदे जाएंगे और उन में से पानी भी ज़्यादा निकलेगा । चेयरमैन साहिब रिवाड़ी में, 18 एक्सपलोरेटरी ट्यूब-वैल्ज लगाए गए थे जो कि चार साल तक बेकार पड़े रहे । अब जो मौजूदा एस० ई० है उसने उन को चालू करवाया है जिस से 1.200 एकड़ ज़मीन आबपाश हो रही है । विघन)

**चौधरी इन्दर सिंह मलिक** : सरदार लछमन सिंह जी ने उनको बोक कहा है। यह लफ़ज़ विदड्रा करवाने चाहिएं ।

**श्री सभापति** : ऐसे लफ्ज किसी ने नहीं सुने हैं। (Nobody has heard such words.)

**श्री रूप लाल महता** : चेयरमैन साहिब अब मैं सड़कों की बात करता हूं । पलवल से मोहना तक सड़क इस साल बनाने का प्रोविज़न था लेकिन सरकार उसे इस साल नहीं बना पाई । वह सड़क न बनने की वजह से मोहना से पलवल जाने के लिए 13 मील का चक्कर काटना पड़ता है । इस लिए, मैं उमीद करूंगा कि सरकार जल्दी से जल्दी उस सड़क को बनाने की कोशिश करेगी ।

इस के इलावा गवर्नर साहिब ने अपने भाषण में कहा था कि रोडवेज़ की वर्किंग बहुत एफीशेंट है । लेकिन जहां तक गुड़गांव का ताल्लुक है वहां पर पुरानी और बेकार बसें भेजी हुई हैं उन का जगह जगह ब्रेकडाउन होता है और लोगों को रास्ते में कई कई घण्टे खराब होना पड़ता है । वहां पर नई बसें भेंजनी चाहिएं । जब इस से आमदनी भी इतनी काफी होती है तो फिर ट्रांस्पोट सरविस को इम्प्रूव क्यों नहीं किया जाता ? आज के ज़माने में इस तरह की बसें चलाना निहायत ही अफसोस की बात है । लोग तंग आ चुके हैं और वह मज़ाक के तौर पर पंजाब रोजडवेज़ को पीपा रोडवेज़ कहते हैं क्योंकि बहुत बुरी हालत की बसें चलाई जा रहीं हैं । इञ्जन इतने बोसीदा हैं और इतनी खड़ खड़ की आवाज़ आती है कि बस में कुछ सुनाई नहीं देता । वर्कशाप वाले पता नहीं क्यों उनकी तरफ ध्यान नहीं देते और मैं तो समझता हूं कि वर्कशाप वालों को कोई पूछने वाला नहीं और न उनकी कोई चैकिंग है । इस तरह की बातों का लोगों पर बहुत असर पड़ता है । सरकार चाहे कितने अच्छे काम करती है लेकिन जब इस तरह की बातें होती हैं तो उस से सरकार की बहुत बदनामी होती है । इस रोडवेज़ के सिस्टम को ठीक किया जाए ताकि वहां लोगों को दिक्कत न हो और सरकार की भी बदनामी न हो ।

[श्री रूप लाल महता]

जहां तक मेरे हलका का सम्बन्ध है मैं उसके बारे में कह सकता हूं कि वहां पर कोई कहने बनाने योग्य डिवैलपमेंट नहीं हुई है। हमारे बजट का अब यह आखरी साल जा रहा है । अब बजट में हमारे लिए क्या रखा है ? और हमारी डिवैलपमेंट के लिए क्या स्कीमें रख रहे हैं ? वह तो बजट आने पर पता चलेगा लेकिन पिछले चार साल के तजरुबे की बिना पर मैं कह सकता हूं कि मेरा हलका टोटली निगलैक्टिड हलका है । जिस तरह कि अंग्रेज के ज़माने में था उसी तरह है, कोई बताने लायक फर्क नहीं पड़ा है । मैं हैरान होता हूं कि वहां लोगों को क्या जवाब दूं । सिवाए इसके कि मैं सरकार की कमज़ोरियां और मुश्किलात बता कर लोगों को शान्त करूं कि मुश्किल हालात में कुछ चीजें बरदाशत करें मैं उन्हें कोई जवाब नहीं दे सकता .....................

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ। ਇਹ ਕੈਬਨਿਟ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਦੀ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਅਗਲੀ ਲਾਈਨ ਖਾਲੀ ਪਈ ਹੈ ਅਤੇ ਨੋਟ ਕਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਵਜ਼ੀਰ ਨਹੀਂ ਬੈਠਾ ਹੋਇਆ । ਜੋ ਸਾਹਬ ਏਥੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਉਹ ਨੋਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

**श्री चेयरमैन :** उनकी मैमेरी अच्छी हो सकती है और वह जबानी याद रख सकते हैं । महता जी अब आप वाइंड अप करें । (His memory can be good and remember things by heart. Now the hon. Member, shri Mehta may kindly wind up.)

**श्री रूप लाल महता :** मैं अर्ज करना चाहता हूं कि इस साल बड़ी खुशक साली पड़ी है और सरकार उसके लिए रीलीफ का काम कर रही है । मेरा जिला भी बहुत बुरी तरह खुशक साली की लपेट में आया हुआ है । मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वहां के लिए बजट में ज्यादा से ज्यादा रुपया रखे और वहां रीलीफ के काम शुरू करे ताकि इन बेरोजगारी के दिनों में उन लोगों को काम मिले । पलवल में 8/10 हजार रिफियूजी ऐसे बैठे हैं जिनकी कौमी तावत ज़ाया जा रही है । उसे ठीक तौर पर यूटिलाइज़ करने की जरुरत है । मैं इस बात से इन्कार नहीं करता कि फरीदाबाद, बल्बगढ़ में काफी इन्डस्ट्री लगी है और उस इलाके को काफी फायदा हुआ है लेकिन होडल से पलवल तक का इलाका ऐसे ही बेरोजगार पड़ा है । उस इलाके को इन्डस्टरियल एरिया करार दिया जाए । इस तरह कारखाने लगाने वाले आगे आएंगे क्योंकि उन्हें वहां जमीन सस्ती मिलेगी और दूसरी चीजें मिलेगी । इस से सरकार को भी काफी फायदा होगा । मैं, चेयरमैन साहिब आपका मशकूर ही हूं जो चन्द मिन्ट आपने मुझे बोलने के लिए दिए। यह सामने बैठे आपोजीशन के भाई बड़े बेसब्र थे क्योंकि यह नहीं चाहते थे कि सरकार के हक की बातें कही सुनी जाएं लेकिन जो हकीकत है वह छुप नहीं सकती । पिछले 18 साल में इस सरकार के वक्त में पंजाब आगे बढ़ा है और आगे बढ़ रहा है । यह ठीक है कि जहां खामियां हैं वह हम ने बतानी हैं और सरकार ने भी उन्हें दूर करना है लेकिन इसी सरकार ने पंजाब को आगे बढाना है और ने नहीं ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** (ਮੋਰਿੰਡਾ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਨ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦਰ ਸ਼ਾਸਤਰੀ, ਸ੍ਰੀ ਗਾਡਗਿਲ, ਕਾਮਰੇਡ ਚੀਦਾ, ਚੌਧਰੀ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਸੀ. ਤੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਸਾਡੇ ਸਾਥੀ ਜੋ ਸਾਥੋਂ ਵਿਛੜ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਭ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਦੇ ਦੂਜੇ ਸਫੇ ਤੇ ਦਰਜ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਸਾਨੂੰ ਬੜੇ ਸੰਕਟ ਵਿਚੋਂ ਗੁਜ਼ਰਨਾ ਪਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ:

> "ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਸੰਕਟ ਤੇ ਬਿਪਤਾ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪਿਆ । ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਸਰਹਦਾਂ ਉਤੇ ਜਦੋਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨੀ ਧਾੜਵੀਆਂ ਨੇ ਹੱਲਾ ਬੋਲ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਤਿਅੰਤ ਕਠਨ ਤੇ ਨਾਜ਼ਕ ਹਾਲਾਤ ਦਾ ਟਾਕਰਾ ਕਰਨਾ ਪਿਆ । ਜਿਥੇ ਸਾਡੀਆਂ ਹਥਿਆਰਬੰਦ ਫੌਜਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਦਲੇਰੀ, ਬਹਾਦਰੀ ਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੀ ਰਵਾਇਤ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਦਿਆਂ ਸਾਡੇ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿਚ ਸੁਨਿਹਰੀ ਕਾਂਡ ਲਿਖਿਆ ਉਥੇ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ ਅਰਥਾਤ ਕਿਸਾਨਾਂ, ਵਪਾਰੀਆਂ, ਕਾਰੀਗਰਾਂ ਅਤੇ ਇਸਤਰੀਆਂ ਤਕ ਨੇ ਵੀ ਸਮੇਂ ਦੀ ਵੰਗਾਰ ਨੂੰ ਕਬੂਲ ਕਰ ਕੇ ਬੜੀ ਹਿੰਮਤ, ਹੌਸਲੇ ਅਤੇ ਸਹਿਨਸ਼ੀਲਤਾ ਦਾ ਬੇਮਿਸਾਲ ਸਬੂਤ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫੌਜ ਤੇ ਪੁਲਸ ਦੀ ਵਿਤੋਂ ਵਧ ਸਹਾਇਤਾ ਕੀਤੀ..........."

ਮੇਰੇ ਇਸਦੇ ਪੜ੍ਹਨ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਸਾਡੇ ਗਵਾਂਢੀ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਜੋ ਸਾਡੇ ਤੇ ਨਾਪਾਕ ਹਮਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸਦਾ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਹਿੰਦੂ, ਸਿਖ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਜ਼ਾਤ ਦੇ ਵੀ ਸਨ, ਇਕ-ਮੁਠ ਹੋਕੇ ਉਸਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਕੌਮ ਕਿਤਨੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਤੇ ਇਕਮੁਠ ਹੋ ਕੇ ਲੜਨ ਵਾਲੀ ਹੈ । ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਨੂੰ ਪਹਿਲੇ ਸਫੇ ਤੋਂ ਲੈਕੇ ਆਖਰੀ ਸਫੇ ਤਕ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਅਜ ਦੇ ਭਖਦੇ ਮਸਲੇ ਦਾ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਸਮੱਸਿਆ ਅਜ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਵਾਜ਼ਿਆ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ । ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਵਡਾ ਮਸਲਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਅਨਿਆਂ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਨੇ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਹ ਅਜ ਤਕ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਹ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਈ ਬੋਲੀਆਂ ਵਾਲੇ ਤੇ ਕਈ ਮਜ਼ਹਬਾਂ ਵਾਲੇ ਲੋਕ ਇਕੱਠੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਵਲੋਂ ਜੋ ਡਿਵਾਈਡ ਕਰਕੇ ਰਾਜ ਕਰਨ ਦੀ ਨੀਤੀ ਅਪਣਾਈ ਗਈ ਉਹੋ ਨੀਤੀ ਅਜੇ ਤਕ ਕਾਇਮ ਹੈ । ਅਜ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਬ ਤੇ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਜ ਤਕ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਮੁਤਫਿਕ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤਕਸੀਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ, ਲੇਕਨ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਪਰਸੋਂ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸੱਤ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ ਇਕ ਹੋਰ ਨਵਾਂ ਸ਼ੋਸ਼ਾ ਛੇੜ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਬਣਾ ਦਿਉ, ਇਕ ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਬਣਾ ਦਿਉ ਅਤੇ ਇਕ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਾ ਬਣਾ ਦਿਉ........(ਵਿਘਨ)

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਖਰੇ ਤਿੰਨ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣਾ ਦਿਉ, ਇਕ ਸਾਂਝੀ ਹਾਈ ਕੋਰਟ, ਗਵਰਨਰ ਤੇ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਬਣਾ ਦਿਉ........

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** ਆਨ ਏ ਪਾਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਪਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਹ ਕੋਈ ਪਲੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਤਿੰਨ ਜ਼ੋਨ ਬਣਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣ । ਇਹ ਗਲਤ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ status quo ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਬ ਨੂੰ ਕੁਝ ਪਤਾ ਨਹੀਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਕੋਈ ਕੈਬੀਨਿਟ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਬੁਲਾਂਦਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਮੋਸਟਲੀ ਸਾਰੇ ਵਜ਼ੀਰ ਦਿਲੀ ਗਏ ਹੋਏ ਹਨ ਤਾਕਿ ਉਹ ਓਥੇ ਜਾਕੇ ਪਜਾਬ ਦੇ ਬਾਰੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰ ਸਕਣ । ਜਿਹੜੇ ਇਥੇ ਮੌਜੂਦ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਾਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੈਬੀਨਿਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਕਿੰਨੀ ਕਦਰ ਕਰਦੀ ਹੈ।

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ :** ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕੁਝ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਕੈਬਿਨਿਟ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਪਹਿਲਾਂ ਰਾਏ ਸੀ ਉਸ ਤੇ ਉਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਾਇਮ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਕੋਈ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਚੇਅਰ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇੰਟਰਪਟ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਬਿਨਾਂ ਚੇਅਰ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਤੋਂ ਖੜੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨ ਸਿਖਾਉ ।

**Mr. Chairman**: No Interruption.

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਕੀ ਕਿਸੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਰਾਈਟ ਹੈ ਕਿ ਚੇਅਰ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਬਗੈਰ ਖੁਦ ਕਾਨੂੰਨ ਆਪਣੇ ਹਥ ਵਿਚ ਲੈ ਕੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦੇਵੇ ?

**चौधरी नेत राम :** ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्राडर, सर । क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी कैबीनिट के फैसले को एक मेम्बर को मुखातिब करते हुए ग्राउट कर सकता है ?

**श्री सभापति :** यह प्वायंट ग्राफ ग्राडर नहीं है । ग्रगर ग्राप भविष्य में ऐसा प्वायंट ग्राफ ग्राडरज रेज करेंगे तो ग्राप को प्वायंट ग्राफ ग्राडर रेज करने की इजाजत नहीं दी जाएगी । (This is no point of order. If in further, the hon. Member raises such a point of order, he will be debarred from raising points of order)

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** On a point of Order, Sir. Mr. Chairman, in view of the atmosphere of the House I want your Ruling that if some hon. Member of the House refuses to obey the Chair or tries to take law and procedure into his own hand, I wonder how in the absence of the Marshal there would be any control.

**Mr. Chairman :** The hon. Member is a practising lawyer of high repute and besides he has always been on the Panel of Chairmen. He knows that Marshal is not necessary always and therefore it is no point of Order. I rule it out.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ 7 ਵਜ਼ੀਰ ਦਿਲੀ ਗਏ ਹਨ ਤਾਕਿ ਉਥੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰ ਸਕਣ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਅਤੇ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਕਈ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਮਿਸਲੀਡ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਬਟਵਾਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿਆਂਗੇ। ਲੇਕਿਨ ਆਪ ਨੂੰ ਮਾਲੂਮ ਹੈ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ 7 ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲ ਇਸ ਦੇ ਅਗੇਂਸਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਥੈਲੇ ਵਿਚੋਂ ਬਿਲੀ ਨਿਕਲ ਗਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਹਰਿਆਨਾ ਪਰਾਂਤ, ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਅਤੇ ਪਹਾੜੀ ਰਿਜਨ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਨਿਆਂ ਦੇਣ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਹਾਂ। ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੇ ਬਹੁਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕੀਤੀ। ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੇ ਹਰ ਪੀਸਫੁਲ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਕੇਸ ਨੂੰ ਪਲੀਡ ਕੀਤਾ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਪੀਸਫੁਲ ਮੀਨਜ਼ ਖਤਮ ਹੋ ਗਏ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮਹਾਨ ਨੇਤਾ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ, ਜੋ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਭਾਰੀ ਨੇਤਾ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਬਣਵਾਉਣ ਲਈ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਅਗਨਭੇਟ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਹੋ ਗਿਆ ਜਾਂ ਉਹ ਇਸ ਮਨੋਰਥ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨ ਹੋ ਗਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਉਤੇ ਹੋਵੇਗੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਸਿਖ ਕੌਮ ਅਜਿਹੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ੁਲਮ ਅਤੇ ਜਬਰ ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ਼ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਮਿਸਲੀਡ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਧੱਕਾ ਸ਼ਾਹੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम:** आन ए प्वायंट आफ आडर, सर। चेयरमैन साहिब, गवर्नर साहिब के एड्रैस के अन्दर पंजाबी सूबा और हरियाना प्रान्त के बारे में कोई जिक्र नहीं है लेकिन माननीय सदस्य अपनी स्पीच में इस बारे में कह रहे हैं। क्या कोई आनरेबल मेम्बर उस प्वायंट को बहस में टेक अप कर सकता है जो गवर्नर साहिब के भाषण में नजर अन्दाज किया गया हो ?

**श्री सभापति :** यह आप का प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। हाउस के अन्दर, जो बातें गवर्नर साहब के ऐड्रैस में दी हुई हैं और जो नहीं दी हैं लेकिन उन का सम्बन्ध पंजाब के साथ हो, वह सब जेरे बहस लाई जा सकती है। (This is an irrelevant point of order. Any matters mentioned in the governor's address or those which find no place therein but are connected with the punjab, they can be discussed.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਮੈਂ ਪੰਡਿਤ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਅਧਾ ਇਲਾਕਾ ਪਹਾੜੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅੱਧਾ ਇਲਾਕਾ ਮੈਦਾਨੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਉਹ ਕਿਧਰ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਭਵਿਖ ਦੇ ਬਾਰੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਹੁਣ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਨੂੰ ਬੜਾ ਸੀਰੀਅਸਲੀ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਮਨਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਸ ਮਹਾਨ ਨੇਤਾ ਦੀ ਕਦਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਉਸ ਦੇ ਬੜੇ ਸ਼ਰਧਾਲੂ ਹਾਂ। ਉਸ ਦੀ ਸੌ ਸਾਲਾ ਵਰ੍ਹੇ ਗੰਢ ਚੰਗੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਮਨਾਈ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਅਲਾਵਾ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦਾ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਤਿੰਨ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਮਨਾਉਣ ਦਾ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਬਹਾਦੁਰ ਨੇਤਾ ਅਤੇ ਯੋਧਾ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਾਂਗੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸ਼ਾਨ ਔਰ ਮਾਣ ਲਈ ਆਪਣਾ ਸਭ ਕੁਝ ਕੁਰਬਾਨ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਰਾਸ਼ਟਰੀਅਤਾ ਦਾ ਜਜ਼ਬਾ ਪੈਦਾ ਕੀਤਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਕਾਨਫਰੰਸਾਂ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਵਗੈਰਾਂਹ ਨਹੀਂ ਮਨਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਸੇ ਹੋਏ ਰਸਤੇ ਅਪਣਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜਿੱਥੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਗਏ ਉਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਕੰਮ ਖੋਲ੍ਹਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਕਾਫੀ ਅਰਸੇ ਤਕ ਰਹੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੁਸ਼ਮਣ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਫੌਜ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਸਿਖ ਨੂੰ ਦੁਸ਼ਮਣ ਦੇ ਸਵਾ ਲਖ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਉਤੇ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਫੌਜ ਨੂੰ ਇਕ ਮੁਠੀ ਛੋਲੇ ਦੇ ਕੇ ਲੜਾਈ ਲੜਨ ਲਈ ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਨ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਫੌਜ ਵਿਚ ਸਿਖਾਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਮੁਸਲਮਾਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕੌਮਾਂ ਦੇ ਫੌਜੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਕ ਡੀਫੈਂਸ ਅਕਾਡੇਮੀ ਖੋਲ੍ਹੀ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਉਥੇ ਫੌਜੀ ਆਪਣੀ ਟਰੇਨਿੰਗ ਲੈਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਦੇ ਅਸੂਲ ਆ ਸਕਣ ਅਤੇ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਖਿਆ ਕਰ ਸਕਣ। ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਾਹਿਬ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਭੀ ਗਏ। ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਬਹੁਤ ਛੋਟਾ ਕਸਬਾ ਹੈ। ਉਥੇ ਕੋਈ ਸੜਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਕਸਬਾ ਆਰਥਕ ਤੌਰ ਤੇ ਬਹੁਤ ਬੈਕਵਰਡ ਹੈ। ਉਥੇ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸਾਹਿਬਜਾਦੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖਾਤਰ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਸਨ। ਉਥੇ ਕੋਈ ਕਾਲਿਜ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਦੇ ਪਿਤਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖਾਤਰ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖਾਤਰ ਆਪਣਾ ਖ਼ੂਨ ਬਹਾਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਬਜ਼ਾਦੇ ਵੀ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨ ਹੋਏ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦਗਾਰ ਵਜੋਂ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਬਣਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦੇ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਝੁਜਾਰ ਸਿੰਘ ਦੋਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਇਕ ਡਿਗਰੀ ਕਾਲਿਜ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦੇਵੇ। ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਦਰਸ਼ਣ ਕਰਨ ਲਈ ਹਿਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਸਾਰੇ ਹਿਸਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਲੋਕੀ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾ ਭੇਟ ਕਰੇਗੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਮਨਾਏਗੀ ਜੇਕਰ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਰੇਲਵੇ ਲਾਈਨ ਨਾਲ ਜੋੜ ਦੇਵੇ, ਸੜਕਾਂ ਚੰਗੀਆਂ ਹੋਣ। ਉਥੇ ਆਏ ਸਾਲ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਿਆਂ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਮੇਲਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਪਰ ਮੌਕੇ ਤੇ ਬਸ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਸਾਨੂੰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆਂ ਕੋਲੋਂ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿ ਲੁਧਿਆਣੇ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੂੰ ਰੇਲਵੇ ਲਾਈਨ ਨਾਲ ਕੁਨੈਕਟ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਤਾਂ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਇਕ ਡਿਗਰੀ ਕਾਲਿਜ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਤੋਂ ਜਿਹੜੀ ਰੇਲਵੇ ਲਾਈਨ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਆਉਣੀ ਹੈ ਉਸ ਨਾਲ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕੁਨੈਕਟ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਬੜਾ ਪਵਿੱਤਰ ਅਸਥਾਨ ਹੈ। ਉਥੇ ਆਉਣ ਜਾਣ ਦੇ ਜ਼ਰਾਏ means of communications ਵਧਾਏ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਸੈਂਟਰ ਬਣ ਜਾਵੇ, ਆਉਣ ਜਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਹੋਣ, ਠਹਿਰਣ ਲਈ ਸਹੂਲਤਾਂ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਕਾਲਿਜ ਬਣ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਉਥੇ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਕਾਲਿਜ ਹੈ। ਵਧੀਆ ਚੀਜ਼ ਬਣਾਈ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਪਤਾ ਲਗੇ ਕਿ ਉਥੇ ਸਾਹਿਬ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੇ ਦੋ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦੇ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਸਨ, ਨੀਹਾਂ ਵਿਚ ਚੁਣੇ ਗਏ ਸਨ। ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਇਹ ਮੋਟੀਆਂ ਮੋਟੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰ ਦੇਈਏ ਤਾਂ ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਦੀ ਯਾਦ ਮਨਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

ਇਸ ਐਡ੍ਰੈਸ ਵਿਚ ਪਹਿਲੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦੁਰ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਸਾਨੂੰ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਾਂਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਉਸ ਦਾ ਖਾਸ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਆਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ "ਜੈ ਜਵਾਨ, ਜੈ ਕਿਸਾਨ" ਉਸ ਦਾ ਭਾਵ ਸੀ "ਦੇਗ ਤੇਗ ਫਤਿਹ"। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਨਾਅਰਾ ਦਿਲੀ ਵਿਚ ਲਾਇਆ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ ਅਜ ਹੋ ਕੀ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਜਵਾਨਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਚੰਗੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜਵਾਨਾਂ ਲਈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਨ ਅਤੇ ਸ਼ਾਨ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਦਿਤੀਆਂ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੜੇ ਰਿਣੀ ਹਾਂ। ਨਾਅਰਾ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਲਗਾ ਸੀ "ਜੈ ਜਵਾਨ, ਜੈ ਕਿਸਾਨ" ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਕੁਝ ਕਰ ਨਹੀਂ ਰਹੀ। ਚਾਹੀਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਦੂਸਰੀ ਹੈ, ਉਹ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਜਿਹੜਾ ਖੁਦ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਦਾ ਹੈ ਚਾਹੇ ਉਹ ਹਰੀਜਨ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਮੁਜ਼ਾਰਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੰਦੇ ਅਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਕਿ ਵਾਹੀ ਕਰੋ ਅਤੇ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰੋ। ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਗ੍ਰਾਸੀ ਪਲਾਟਸ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਹਲ ਵਾਹੁਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋਕ ਅਖਬਾਰਾਂ ਪੜ੍ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ਜਾਂ ਕਣਕ ਬੀਜੀ ਜਾਏਗੀ ਤਾਂ ਜੋ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅੰਨ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ। ਪਰ ਅਸਲ ਗਲ ਕੀ ਹੈ ? ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਰੋਪੜ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਹਰੀਕੇ ਪੱਤਣ ਤਕ 30—40 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਰੀਕਲੇਮ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿਚ ਛੋਟਾ ਕਿਸਾਨ ਵਾਹੀ ਕਰਕੇ ਅੰਨ ਪੈਦਾ ਕਰ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੋਨਾ ਉਗਾਕੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਮਾਲਾ ਮਾਲ ਕੀਤਾ, ਅੰਨ ਪੈਦਾ ਕਰ ਕੇ ਸੋਨੇ ਦੀ ਚਿੜੀਆਂ ਨਾਂ ਰਖਵਾਇਆ, ਅਜ ਬਿਰਲਾ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰ ਕੇ ਦੇਵੇਗਾ। ਜਿਸ ਪੱਟੇ ਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਹ ਪੱਟਾ ਵੀ ਬੜਾ ਨਾਕਸ ਹੈ, ਉਹ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗਰਿਫਤ ਵਿਚ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਨਾਅਰਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਲਗਾਇਆ ਸੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਨੂੰ ਭੁਲ ਗਈ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਨਾ ਬਿਜਲੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਖਾਦ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਐਡ੍ਰੈਸ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਖਾਦ ਬੜੀ ਘਟ ਮਿਲਦੀ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਘਟ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਰੀ ਗਲ ਹੋਰ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਜੇਕਰ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗੀ, ਖਾਦ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗੀ ਤਾਂ ਅੰਨ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਰੀਕਲੇਮ ਕਰਕੇ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ 182 ਫੈਮੀਲੀਜ਼ ਨੇ ਆਪ ਵਾਹੁਣੀ ਸੀ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਦੋ, ਦੋ, ਚਾਰ ਚਾਰ ਵਿਘਿਆਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ। ਰੋਪੜ ਦੇ ਕੋਲ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਖੋਹ ਕੇ ਬਿਰਲਾਜ਼ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ। "ਜੈ ਜਵਾਨ ਅਤੇ ਜੈ ਕਿਸਾਨ" ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਦਿੱਲੀ ਗਿਆ ਤੇ ਸਵਰਗਵਾਸੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਦੀ ਕੋਠੀ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਵੇਖ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਰਹਿ ਗਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਕੋਠੀ ਦੇ ਲਾਨਜ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਬਣਨ ਤੇ ਮਿਲੀ ਸੀ ਕਣਕ ਬੀਜੀ ਹੋਈ ਸੀ। ਮੈਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੂਸਰਿਆਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀਆਂ ਕੋਠੀਆਂ ਵਿਚ ਕਣਕ ਬੀਜਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਕੀ ਜਿਹੜੇ ਪੂਰਨੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦੁਰ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਨੇ ਪਾਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ ਇਹ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ ? ਲਖਾਂ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਬੇਕਾਰ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਵਾਹੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ਹਲ ਵਾਹੁਣ ਵਾਲੇ ਗਰੀਬ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ। ਲਖਾਂ ਏਕੜ ਬੇਕਾਰ ਪਏ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਇਸ ਨਾਅਰੇ ਨੂੰ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਅਪਣਾਉਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜਿਹੜੀ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਸਰਪਲਸ ਲੈਂਡ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਜ਼ੂਲ ਲੈਂਡ ਹੈ, ਉਸ ਉਪਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਬੈਠਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਆਪਣਾ ਖ਼ੂਨ ਅਤੇ ਪਸੀਨਾ ਬਹਾਕੇ ਉਸ ਵਿਚ ਕਣਕ ਪੈਦਾ ਕਰਨ, ਮਕਈ ਪੈਦਾ ਕਰਨ, ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਪੈਦਾ ਕਰਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਕਾਵੀਆਂ ਦੀ ਬਜਾਏ ਟਿਊਬ ਵੈਲ ਲਗਾਕੇ ਦਿਉ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦਿਉ। ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ 11000 ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਗਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਤੇ ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ ਦੋਵੇਂ ਮਿਲ ਕੇ ਪਟਿਆਲੇ ਗਏ। ਸਾਡੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਟਿਊਬਵੈਲਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤੇ ਅਸਾਂ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ 5000 ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਗੇ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਕਿਥੇ ਲਗਾ ਰਹੇ ਹੋ, ਕਦੋਂ ਲਗਾ ਰਹੇ ਹੋ ? ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਸਾਨੂੰ ਪੈਸਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ ਟਿਊਬਵੈਲ ਕਿਥੋਂ ਲਗਣੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜੇ ਤਕ ਕੋਈ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਆਇਆ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗਲਤ ਨਾਅਰੇ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਕੁਝ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਖਾਦ ਸਪਲਾਈ ਕਰੋ, ਬਿਜਲੀ ਦਿਉ। ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ 80, 90 ਫੌਜੀਆਂ ਦੀਆਂ ਫੈਮਿਲੀਜ਼ ਹਨ। ਉਥੇ ਦੋ ਸਕੂਲ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਾਕੇ ਇਕ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਬਣਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਜੋ ਫੌਜੀਆਂ ਦੀਆਂ ਬੱਚੀਆਂ ਤਾਲੀਮ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕਣ। ਪਰ ਇਹ ਗਲ ਕਰਨ ਨੂੰ ਇਹ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਅੰਬਾਲੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਸਾਬਕਾ ਫੌਜੀਆਂ ਦੀ ਇਕ ਰਜਿਸਟਰਡ ਕੁਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਚਾਰ ਪੰਜ ਸਾਲ ਤੋਂ ਪੁਰਾਣੇ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ, ਨਵੇਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਅਤੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਉਹ ਮਿਲਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਰੋਪੜ-ਬੇਲਾ ਰੋਡ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਕਚੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਪਕੀ ਕਰ ਦਿਉ ਅਤੇ ਸੋਸਾਇਟੀ ਨੂੰ ਰੂਟ ਪਰਮਿਟ ਦੇ ਦਿਉ, ਅਸੀਂ ਬਸ ਖਰੀਦ ਲਵਾਂਗੇ। ਇਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਪਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਸੁਣਦੀ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨ ਅਤੇ ਕਰਦੇ ਘਟ ਹਨ। ਚਾਹੀਦਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਰਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅਤੇ ਕਹਿਣ ਘਟ।

ਮੈਂ ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ ਕਹਿਣੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਕਿਧਰੇ ਇੰਪੋਰਟ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਕਿਧਰੇ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ, ਕਿਧਰੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਕਿਧਰੇ ਫੂਡ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ। ਮੈਨੂੰ ਡਰ ਹੈ ਕਿ ਕਿਧਰੇ ਕੈਬੀਨਿਟ ਵਿਚ ਵੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨਾ ਬਣਾ ਲੈਣ ਕਿਉਂਕਿ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾ ਕੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਤਾਂ ਅਟਾਨੋਮਸ ਬਾਡੀ ਹੈ। ਜਿਥੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਜ਼ਦ ਤੋਂ ਬਚਣਾ ਹੋਵੇ ਉਥੇ ਉਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਕਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੋਰਡਾਂ ਅਤੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਬੜੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਗਲਤ ਗਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਤਾਂ ਇੰਡੀਪੈਂਡੈਂਟ ਬਾਡੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਸਾਡਾ ਕੋਈ ਦਖਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣ ਜਾਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਰਡਰ ਜਾਂ ਕਾਨੂੰਨ ਉਥੇ ਲਾਗੂ ਕਰ ਨ ਵਿਚ ਅਸਮਰਥ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਵੱਛ, ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਅਤੇ ਸਯੋਗ ਰਾਜ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਹੋਰ ਵੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਾਈ। ਲੇਕਿਨ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬੇਸ਼ਕ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਪਰ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਚੰਗਾ ਇੰਤਜਾਮ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਚੁਕਿਆ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਸਰਾਹਨਾਯੋਗ ਕਹੀਏ। ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਉਂਦਿਆਂ ਹੀ ਇਕ ਸਭ ਤੋਂ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਐਸਟੈਬਲਿਸ਼ਮੈਂਟ ਬੋਰਡ ਬਣਾਇਆ ਤਾਕਿ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੇ ਰਾਜ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਜੋ ਜੋ

ਧੱਕਾ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਨੇ ਬੜੇ ਚੰਗੇ ਫੈਸਲੇ ਕੀਤੇ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਡਰ ਤੋਂ ਕਿ ਕਿਧਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਇਨਸਾਫ ਨਾ ਮਿਲ ਜਾਵੇ, ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਤੋੜ ਦਿੱਤਾ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਅਜ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ। ਕੋਈ ਦੋ ਢਾਈ ਲੱਖ ਮੁਲਾਜਮ ਕਲਾਸ ਥਿਰੀ ਅਤੇ ਫੋਰ ਦੇ ਹਨ। ਉਨਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦੇ ਗ੍ਰੇਡ ਸਨ 1947 ਤੋਂ ਉਹੀ ਚਲੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ। ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਗ੍ਰੇਡ ਅਜ ਤਕ ਪੰਜ ਛੇ ਵਾਰ ਵਧਾਏ ਹਨ, ਮਹਿੰਗਾਈ ਭੱਤਾ ਵੀ ਕਈ ਵੇਰ ਵਧਾਇਆ ਹੈ ਔਰ ਹੁਣੇ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਿਚ ਹੋਰ ਅਜ਼ਾਫਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪਰ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਿਰਫ ੧੦ ਰੁਪਏ ਫੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੇ ਕੇ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਜਿੰਦਗੀ ਮਹਿੰਗਾਈ ਕਾਰਨ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਵਿਚ ਹੈ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪੇਟ ਭਰ ਰੋਟੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ। ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਮਰ ਤੋੜ ਕੇ ਰਖ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ। ਅਸੀਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਛੇਤੀ ਹੀ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗਰੇਡ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਪੇ-ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਾਏ, ਮਹਿੰਗਾਈ ਅਲਾਉਂਸ ਵਧਾਏ ਤਾਕਿ ਉਹ ਅਪਣੇ ਟਬਰਾਂ ਨੂੰ ਪਾਲ ਸਕਣ, ਬਾਲ ਬਚਿੱਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਠੀਕ ਇੰਤਜਾਮ ਕਰ ਸਕਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਥੋਂ ਤਕ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਛੇਤੀ ਕੋਈ ਅਕਸ਼ਨ ਨਾ ਲਿਆ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੜਤਾਲ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ ਭੁਖ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਪਣੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ, ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਲੱਖਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਵਿਚ ਹਨ, ਜ਼ਰੂਰ ਮਦਦ ਕਰੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਔਰ ਭੱਤੇ ਨੂੰ ਵਧਾਵੇ। (ਘੰਟੀ)

ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ ਕਹਿ ਕੇ ਖਤਮ ਕਰਨ ਲਗਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਬੜਾ ਸਵੱਛ ਰਾਜ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਸਵਛ ਰਾਜ ਦੀ ਮੈਂ ਇਕੋ ਹੀ ਮਿਸਾਲ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਦੇਵਾਂਗਾ। ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੰਜ ਛੇ ਜ਼ਿਲੇ ਅਜਿਹੇ ਹਨ ਜਿਥੇ ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਹੁਣ ਤਕ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਦੋ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ—ਅੰਬਾਲਾ ਔਰ ਪਟਿਆਲਾ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਥੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਨੂੰ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ, ਚਾਰ ਚਾਰ ਅਤੇ ਪੰਜ ਪੰਜ ਵੇਰ ਮੁਲਤਵੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਕਾਰਨ ਕੀ ਹੈ ? ਇਹ ਕਿ ਉਥੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਆਪਣੇ ਆਦਮੀ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਹੀਂ ਬਣ ਰਹੇ। ਲਿਹਾਜ਼ਾ ਉਥੇ ਹੋ ਕੀ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦਾ ਗਲਾ ਘੁਟਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਅੰਬਾਲਾ ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦ..................

**ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ :** ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਨਾ ਕਰੋ ਕਿਉਂਕਿ ਅੰਬਾਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਦਾ ਕੇਸ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਹੈ। **(The hon. Member should not refer to the case of Ambala Zila Parishad because it is pending in the High Court.)**

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਵੇਰ ਹੋ ਗਿਆ, ਦੋ ਵੇਰ ਹੋ ਗਿਆ, ਤਿੰਨ ਵੇਰ ਹੋ ਗਿਆ ਪਰ ਕੀ ਇਹ ਜਾਇਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਪਾਸੇ ਦੀ ਇਤਨੀ ਬਹੁ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਬਾਰ ਬਾਰ ਇਗਨੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਕ ਪਾਸੇ 29 ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ 14 ਹਨ। ਪਰ ਕੀ ਇਹ ਵੀ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦਾ ਨਮੂਨਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨੀ ਦੇਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 15 ਹੋਰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਹਿਮਾਇਤੀ ਨਾ ਬਣ ਜਾਣ ਉਥੇ ਚੋਣ ਹੋਣ ਹੀ ਨਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ? ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਵਜ਼ੀਰ ਨੂੰ ਈਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਬਣਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਉਹ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

40 ਸਾਲ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਈਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਹੀ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇਣ। ਉਹ ਕਹੇਗਾ ਕਿ ਜਦ ਤਕ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਮੇਰੇ ਖਿਆਲ ਦੇ ਨਾ ਹੋ ਜਾਣ ਮੈਂ ਈਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦੇਣੀਆਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਰਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਦੇ 44 ਬੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਹਕ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਕ ਤੋਂ ਮਹਿਰੂਮ ਰਖਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਬੇਇਨਸਾਫੀਆਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆਂ।

**ਸਰਦਾਰ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ** (ਖੰਨਾ—ਐਸ. ਸੀ.): ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਦੇ ਉਤੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦੇਣ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਜਿਹੜੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਚੰਗੇ ਚੰਗੇ ਕੰਮ ਕੀਤੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਾਹਨਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਜਿਥੇ ਤਰੁਟੀਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ।

**ਇਕ ਆਵਾਜ਼**: ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਤਰੁਟੀ ਨਜ਼ਰ ਆ ਗਈ ਹੈ ?

**ਸਰਦਾਰ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ**: ਸਾਰੇ ਸੰਸਾਰ ਵਿਚ ਦੋ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਗੌਰਮਿੰਟਾਂ ਫੰਕਸ਼ਨ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਉਹ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਡਿਕਟੇਟਰਸ਼ਿਪ ਦੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਜੀ ਉਹ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ਼ ਰਖਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਡਿਕਟੇਟਰਸ਼ਿਪ ਦੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਸਿਧੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਡਿਕਟੇਟਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਥੋਂ ਦੀ ਪਾਲੇਟੀਸ਼ਨ ਦਾ ਰੋਲ ਆਪਣੇ ਡਿਕਟੇਟਰ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਨੂੰ ਕੈਰੀ ਆਊਟ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਥੋਂ ਦੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਆਪਣੇ ਆਗੂ ਦਾ ਹੁਕਮ ਮੰਨਣ ਤੋਂ ਸਿਵਾ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। "There is not to question why, there is but to do and die"। ਇਸੇ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਉਥੋਂ ਦੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ air tight ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲਦੀ ਹੈ। ਫਰਜ਼ ਕਰੋ ਕਿ ਇਕ ਡਿਕਟੇਟਰ ਨੇ ਇਹ ਕਹਿ ਦੱਤਾ ਕਿ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨੈਸ਼ਨੇਲਾਈਜ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਥੇ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਕਨਾਮਿਕ ਹੋਲਡਿੰਗ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। Nobody can question his order ਜੇ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ ਕਰ ਦਿਓ ਤਾਂ ਕੋਈ ਉਸ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਚੂੰਕਿ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਸਿੱਖਾਂ ਦੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਨੂੰ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਜੇ ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਰਬਨ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਸਰਕਾਰ ਅਪਣੇ ਕਬਜ਼ੇ ਵਿਚ ਲੈ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਥੇ ਕੋਈ ਲਾਲਾ ਉਠ ਕੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਸ਼ਹਿਰੀਆਂ ਨਾਲ ਧੱਕਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਔਰ ਪਾਲੇਟੀਸ਼ੰਜ਼ ਨੂੰ ਜਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਉਹ ਚਾਹੇ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਜਿਹੜੀ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹੈ, ਜਮਹੂਰੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹੈ ਉਥੇ ਪਬਲਿਕ ਦੀ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਹੱਦ ਤਕ ਕੈਰੀ ਆਊਟ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਹਰ ਰਾਏ ਰਖਣ ਵਾਲੇ ਪਾਲੇਟੀਸ਼ੰਜ਼ ਨੂੰ ਕੁਝ ਸੈਟਿਸਫਾਈ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਦੀ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਧਰੇ ਨਾ ਕਿਧਰੇ ਲੂਜ਼ ਹੋਣਾ ਕੁਦਰਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਕੋਈ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ। ਫਿਰ ਭਾਵੇਂ ਕਿਸੇ ਦੀ ਹੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ ਦੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਪੈਪਸੂ ਵਿਚ ਸੀ। ਉਥੇ ਵੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲਦੀ ਰਹੀ। ਕੇਰਲ ਵਿਚ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਸੀ ਉਥੇ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ। ਜਦੋਂ ਪ੍ਰਜਾ ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਕੇਰਲ ਵਿਚ ਸੀ ਤਾਂ ਉਥੇ ਵੀ ਕੋਈ ਵਖਰਾ ਚੰਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚੜ੍ਹਿਆ ਹੋਇਆ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਮਗਜ਼ ਖਪਾਈ ਕਿਉਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ ? (ਵਿਘਨ)

**ਸਰਦਾਰ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ** : ਸਾਡੀ ਡਿਵੈਲਪਿੰਗ ਇਕਾਨੋਮੀ ਹੈ। ਡਿਵੈਲਪਿੰਗ ਇਕਾਨੋਮੀ, ਘਾਟੇ ਦਾ ਬਜਟ ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਤੇ ਸਿਆਸਤਦਾਨਾਂ ਦੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਮਦਾਖਲਤ ਇਹ ਇਸ ਵਿਚ **ਐਫੀਸ਼ੈਂਸੀ** ਅਤੇ **ਇਨੀਸ਼ੀਏਟਿਵ** ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਤਨਖਾਹ ਵਧ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ ਇਸ ਲਈ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਖੁਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ। ਇਸ ਦਾ ਫਲ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਚੰਗੇ ਸਿਆਣੇ ਡਾਕਟਰ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਟ੍ਰੇਂਡ ਪਰਸਨਲ ਸਾਰੇ, ਉਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਨਾਅਹਿਲੀਅਤ ਵਿਚ ਹੋਰ ਵਾਧਾ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜੇ ਅਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਲੋਕ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਖੁਸ਼ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦੇ। ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਘਾਟੇ ਦਾ ਬਜਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ। (ਵਿਘਨ) ਜਿਵੇਂ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਡੈਮਾਕਰੈਟਿਕ ਸੈਟ ਅਪ ਨੇ ਆਪਣੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਨੂੰ ਪਾਲੇਟੀਸ਼ੰਜ਼ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਨੂੰ ਕੈਰੀ ਆਊਟ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਚੰਗੇ ਆਦਮੀਆਂ ਵਿਚ ਇਨੀਸ਼ਿਏਟਿਵ ਮਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਚੰਗੇ ਡਾਕਟਰ, ਸਿਆਣੇ ਸਾਇੰਸਦਾਨ, ਨਰਸਿਜ਼, ਟੈਕਨੀਸ਼ਨ, ਵਗੈਰਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ, ਉਹ ਮੁਲਕ ਨੂੰ, ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਛਡ ਕੇ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਚਲੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਵੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਨਐਫੀਸ਼ੈਂਸੀ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਇਕ ਕਾਰਨ ਬਣਦੇ ਹਨ।

ਦੂਸਰੇ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਵਜ਼ਾਰਤ ਦੀ ਅਪਣੀ ਤਸਵੀਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਜ਼ਾਰਤ ਦੀ ਅਪਣੀ ਸ਼ਕਲ ਤੇ **ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ** ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਹਰ ਵਜ਼ੀਰ ਦੇ ਹਰ ਐਕਸ਼ਨ ਦਾ ਅਸਰ ਲੋਕਾਂ ਅਤੇ ਐਡ-ਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਤੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦਾ ਐਸ. ਪੀ. ਇਕ ਬਹੁਤ ਹੀ ਨੇਕ, ਈਮਾਨਦਾਰ, ਲਾਇਕ ਔਰ ਤਕੜਾ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਟਰ ਹੈ। ਲੁਧਿਆਣੇ ਇਕ ਮੂਵਮੈਂਟ ਚਲੀ, ਵਢੇਰਿਆਂ ਗੁਰੂਦੁਆਰੇ ਦਾ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਸੀ। ਕੋਈ ਅਪੋਜੀਸ਼ਨ ਦੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਉਸ ਕੋਲ ਗਏ ਅਤੇ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਤੂੰ ਬੰਦਾ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਹੈਂ, ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਤੂੰ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ। ਉਸ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ "ਤੋਬਾ, ਤੋਬਾ, ਮੈਂ ਝੂਠ ਨਹੀਂ ਬੋਲਾਂਗਾਂ" ਤਾਂ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਮਾਮਲੇ ਉਤੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਸ ਐਸ. ਪੀ. ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਿਤਨਾ ਤੂਫਾਨ ਉਠਿਆ (ਵਿਘਨ)। ਉਸ ਨੇ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਇਸ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰੋ, ਉਸ ਨੂੰ ਡਿਸਮਿਸ ਕਰੋ, ਪਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਤੇ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਪੋਰਟ ਕੀਤਾ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਨਵਾਂ ਉਤਸ਼ਾਹ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਿਆ। ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਤਕੜੀ ਹੋਈ ਭਾਵੇਂ ਕੁਝ ਦੋਸਤ ਅਪਣੀ ਤਾਕਤ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਡੀਮਾਰੇਲਾਈਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਅਪਣੇ ਮਨੋਰਥ ਵਿਚ ਸਫਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇ। ਇਸ ਦੇ ਉਲਟ ਇਕ ਹੋਰ ਮਿਸਾਲ ਸੁਣੋ। ਕੁਝ ਦਿਨ ਹੋਏ ਇਸੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਅਕਾਲੀ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਪੱਗ ਨੂੰ ਹੱਥ ਪਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ...... (ਵਿਘਨ) ਐਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ....

**ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : On a point of order, Sir. ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤਾਂ ਪੱਗ ਪਹਿਨਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਟੋਪੀ ਪਹਿਨਦੇ ਹਨ......(ਹਾਸਾ)

**ਸਰਦਾਰ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ** : ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕੋਈ ਤਕੜੀ ਸਰਕਾਰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ। ਫਿਰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ 30 ਮਿੰਟ ਲਈ adjourn ਕੀਤਾ। ਇਹ ਦੇਖਕੇ ਮੇਰੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਕੋਈ ਹੱਦ ਨਾ ਰਹੀ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਪਲੈਨਿੰਗ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਉਸੇ M.L.A. ਦੀ ਸੀਟ ਤੇ ਮਿੰਤਾਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਵੇਖਿਆ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ

[ਸਰਦਾਰ ਜਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ]

obedient servant ਆਪਣੇ ਮਾਲਕ ਤੋਂ ਕਿਸੇ ਕੀਤੀ ਗੁਸਤਾਖੀ ਦੀ ਮਾਫ਼ੀ ਮੰਗ ਰਿਹਾ ਹੋਵੇ। ਹਾਉਸ fully packed ਸੀ, ਸਾਰੇ ਅਫਸਰ ਬੈਠੇ ਸਨ। ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਇਸ ਨਾਲ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ, ਪਬਲਿਕ ਅਤੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੇ ਬੁਰਾ ਅਤੇ demoralising effect ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਡਟ ਕੇ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਡਿਗ ਕੇ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਚਲ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਅਗਰ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਚਲਾਉਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਉਤੇ ਡੀਫੈਕਟਿਵ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦਾ ਵੀ ਮਾੜਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਫਰਜ਼ ਕਰੋ ਕਿਸੇ ਦੀ ਮੱਝ ਨੂੰ ਜਾਂ ਊਠ ਨੂੰ ਹਲਕਾਏ ਹੋਏ ਕੁੱਤੇ ਨੇ ਕਟਿਆ ਤੇ ਡਾਕਟਰ ਉਸ ਨੂੰ ਅਗੋਂ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੇਰੀ ਮੱਝ ਜਾਂ ਊਠ ਲਈ ਦਵਾਈ ਹਿਸਾਰੋਂ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਕੀ ਅਸਰ ਹੋਵੇਗਾ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਆਦਮੀ ਭੇਜ ਹੀ ਦਿਉ ਦਵਾਈ ਲੈਣ ਤਾਂ ਦਵਾਈ ਦੇ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਉਹ ਸਾਰੇ ਟੱਬਰ ਨੂੰ ਖਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਲੈਨਿੰਗ, ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨੂੰ ਬਦਨਾਮ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਨਾਅਹਿਲ ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** On a point of order, Sir. ਜਦ ਹੁਣ ਮੈਂਬਰ ਚੰਗੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨ ਲਗਾ ਹੈ ਤਾਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰਨ ਲਈ ਪਹੁੰਚ ਗਏ ਹਨ।

**ਸਰਦਾਰ ਜਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ :** ਫਿਰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟਸ ਹਨ। ਇਹ ਵੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਮਨਿਸਟਰ ਪਾਸ ਹੀ ਹਨ। ਇਹ ਇਸ ਕਰਕੇ ਬਣਾਏ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਨੂੰ ਬਿਊਟੀਫਾਈ ਕਰਨ। ਪਰ ਜ਼ਰਾ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਲਉ। ਉਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ 50—60 ਫੈਮੇਲੀਜ਼ ਇਕ ਕਬਰਸਤਾਨ ਵਿਚ ਬੈਠੀਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਵੀ ਉਠਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਲੈਨਿੰਗ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛੋਂ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਜੀਉਂਦੇ ਜਾਗਦੇ ਲੋਕੀਂ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਉਥੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਜਿਥੇ ਕਿ ਲੋਕ ਮਰ ਕੇ ਪਹੁੰਚਦੇ ਹਨ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਵੀ ਬੈਠਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ? ਇਹ ਤਾਂ ਉਹ ਜਗ੍ਹਾ ਹੈ ਜਿਥੋਂ ਕਿ ਇਹ ਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਮੌਸਮ ਵਿਚ ਕੇਸੀ ਅਸਨਾਨ ਕਰਕੇ ਲੰਘ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਭੂਤ ਦੇ ਡਰਦੇ ਮਾਰੇ। ਅਗਰ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਕਬਰਾਂ ਪੁਟ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬੈਠ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ। ਜੇ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਫਿਰ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਭਰ ਲਉ। ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟ ਉਥੋਂ ਤਾਂ ਉਠਾ ਰਿਹਾ ਹੈ alternative ਜਗ੍ਹਾ ਦਿੰਦੇ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਚੰਗੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਹੈ। ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟ ਨੂੰ ਨਿਕੰਮੀਆਂ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਤੋਂ ਰੋਕਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਤੇ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਕੀ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀਆਂ ਝੌਂਪੜੀਆਂ ਢਾ ਕੇ ਅਤੇ ਅਮੀਰਾਂ ਦੇ ਮਹਿਲ ਖੜੇ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਇਹ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੇ ਯੁਗ ਵਿਚ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਉਠਾਉਣਾ ਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਲਟਰਨੇਟਿਵ ਸ਼ੈਲਟਰ ਦਿਉ, ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਸਤੀਆਂ ਬਣਾ ਦਿਉ। ਵਰਨਾ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੇ ਹੱਕ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। (At this stage, Mr. Speaker occupied the Chair) ਫਿਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ Evaluation Committee for Harijan Welfare appoint ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਦੇਖੇਗੀ ਕਿ 18 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ Scheduled castes welfare Deptt ਨੇ ਕੀ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਇਹ ਗੱਲ ਦੇਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ 1947 ਤੋਂ ਲੈਕੇ ਹੁਣ ਤਕ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਇਕਨੌਮਿਕ, ਸੋਸ਼ਲ, ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਅਤੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕੀ ਫਰਕ ਪਿਆ ਹੈ। ਅਗਰ ਇਹ ਦੇਖੇ ਕਿ ਕੋਈ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਤਾਂ ਉਹ ਕਮੇਟੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਜੈਸਟ

ਕਰੋ ਕਿ ਦੂਜਿਆਂ ਦੇ ਐਟ ਪਾਰ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਏਨਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਇਕ ਹੋਰ ਗਲ ਹੈ। ਆਈ. ਏ. ਐਸ ਅਤੇ ਪੀ. ਸੀ. ਐਸ. ਦੀ ਇਕ ਗ੍ਰੇਡੇਸ਼ਨ ਲਿਸਟ ਵਿਚ ਇਕ ਖਾਨਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਅਫਸਰ ਦਾ ਨਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਆਈ. ਏ. ਐਸ. ਕੇਸ ਵਿਚ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਨਾਮ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਕਿ 'ਰਾਮ ਚੰਦ' ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਬਰਾਦਰੀ ਨਹੀਂ ਲਿਖੀ ਜਾਂਦੀ। ਇਸ ਦੇ ਉਲਟ ਪੀ. ਸੀ. ਐਸ. ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ 'ਰਾਮ ਚੰਦ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਦਰਜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਾਧੂ ਗਲ ਲਿਖਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਇਕ ਹੋਰ ਖਾਨਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਦਸਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਦੀ ਕੋਈ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਨਾ ਲਿਖੀ ਹੋਵੇ ਉਹ ਹਰੀਜਨ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਾਫੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਗ੍ਰੇਡੇਸ਼ਨ ਲਿਸਟ ਵਿਚੋਂ ਉਹ ਬਰਾਦਰੀ ਵਾਲੀ ਗਲ ਖਤਮ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਇਸ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੋਈ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

**लाला रुलिया राम** : ग्रान ए प्वायंट ग्रौफ ग्रार्डर, सर। मैंम्बर साहिब ने फरमाया कि जिस की जमीन नहीं होगी वह हरिजन होगा। ग्रगर किसी बनिय महाजन की जमीन न हो तो क्या वह हरीजन ही कहलायेगा ?

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਇਸ ਗੱਲ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਸੀ. ਪੀ. ਐਸ. ਸਾਹਿਬ ਸਾਰੇ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਦਾ ਕਮ ਕਰਦੇ ਸੀ ਹੁਣ ਉਹ ਵੀ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

**श्री जगन्नाथ** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर। एक डिप्टी मिनिस्टर रह गए हैं पशुग्रों के। इन का पशुग्रों जैसा दिमाग है।

**श्री ग्रध्यक्ष** : कैप्टन रतन सिंह जी ग्राप को इतराज तो नहीं इनकी एक्सप्रैशन पर (हंसी) ? (Has Captain Rattan Singh any objection to the expression used by the hon. Members) (Laughter)

**राज्य मन्त्री** ( कैप्टन रतन सिंह ) : ग्रगर यह पशु हैं तो मुझे पशुपालन मन्त्री बनने में कोई एतराज नहीं है। (हंसी)

**ਸਰਦਾਰ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ** : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਫੈਸਲੇ ਤੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਰੀਡਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਸ਼ਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕਢਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਬਾਰਡੀਨੇਟ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਸੀਲੈਕਸ਼ਨ ਬੋਰਡ ਵਿਚ ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਵੇਕੇਨਸੀ ਵੀ ਸਾਡੀ ਹੀ ਹੈ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਹੁਣੇ ਫਿਲ ਅਪ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਫਿਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੰਨਾ ਵਧ ਉਗਾਉ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕੀਤਾ ਪਰ ਹੁਣ ਮਿਲਾਂ ਦੀ ਕ੍ਰਸ਼ਿੰਗ ਕਪੈਸਟੀ ਘਟ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮਿਲਾਂ ਗੰਨਾ ਨਹੀਂ ਚੁਕਦੀਆਂ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦਾ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਇਨੀਸ਼ਿਏਟਿਵ ਮਰ ਜਾਵੇਗਾ। ਮਿਲਾਂ ਬੇਕਾਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਹੋਣਾ ਇਹ ਚਾਹੀਦਾ ਏ ਕਿ ਕਮਾਦ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਮਿਲਾਂ ਦੀ ਕ੍ਰਸ਼ਿੰਗ ਕਪੈਸਟੀ ਨਾਲ ਐਡਜਸਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਗਲਤ ਪਲਾਨਿੰਗ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਮਾਯੂਸੀ ਆਈ ਤੇ ਫਸਲ ਦਾ ਖਰਾਬਾ ਹੋਇਆ। ਇਕ ਹੋਰ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਹੈ। ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਇਨਫੀਰੀਅਰ

[ਸਰਦਾਰ ਜਗੀਰ ਸਿੰਘ ਦਰਦ]

ਲੈਂਡ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਕੁਝ ਜ਼ੁੰਮੇਵਾਰ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿੰਡ ਕੁਲੀਵਾਲ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਿਹੜੀ ਲੱਖਾਂ ਦੀ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਜਾਣਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੇਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਹ ਆਪ ਜ਼ਮੀਨ ਦਬਾਏ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਦਾ ਪੁੱਤਰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਬਾਈ ਬੈਠਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਖ਼ੁਦ ਦਬਾਈ ਬੈਠਾ ਹੈ। ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਇਨਕੁਆਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਦਾ ਕਸੂਰ ਹੋਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਮਿਲੇ, ਜਿਸ ਨੇ ਝੂਠ ਬੋਲਿਆ ਹੈ, ਝੂਠੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਜ਼ਾ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਅਜਿਹੇ ਬਲਫਰ ਅਤੇ ਝੂਠੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਕੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

5.00 P.M.

ਦੂਜੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਭਾ ਵਧਦੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਸਰਵਿਸਾਂ ਦੀ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਦੀ ਕਿੰਨੀ ਬੁਰੀ ਹਾਲਤ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਭਾ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਸਟੇਟ ਟ੍ਰੇਡਿੰਗ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਫਰਕ ਖ਼ੁਦ ਪੂਰਾ ਕਰੇ ਤਾਂ ਕਿ ਕਨਜ਼ਿਊਮਰ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸਰ ਬਚ ਸਕਣ। ਪੂਰੇ ਰੇਟ ਤੇ ਚੀਜ਼ਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਵੇ ਨਾਰਮਲ ਰੇਟ ਤੇ ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਆਪ ਵਧ ਰੇਟ ਤੇ ਖਰੀਦੇ ਤਾਂ ਬਾਕੀ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਪਾ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਘਾਟਾ ਆਪ ਪੂਰਾ ਕਰੇ। ਤਾਂ ਹੀ ਗਰੀਬ ਜਨਤਾ ਤੇ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸਰ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ, ਕੈਨਾਲ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨੇ ਵੱਡੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਾਗਾਂ ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਰੀਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਰੀਪੋਰਟ ਆ ਗਈ ਹੈ ਕਿ 100 ਫੀਸਦੀ ਲੈਂਡਲਾਰਡ ਅਜਿਹੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਚੋਰੀ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਰੀਪੋਰਟ ਦੀ ਕਾਪੀ ਅਖਬਾਰ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ ਵਿਚ ਵੀ ਛਪੀ ਸੀ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜ ਤਕ ਕੋਈ ਸਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ। ਇਕ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਾਗਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲੈ ਲਈਆਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਬਚਾ ਲਈਆਂ, ਬਾਗ ਨਹੀਂ ਲਾਇਆ, ਪਾਣੀ ਦੀ ਚੋਰੀ ਕਰ ਲਈ ਅਤੇ ਬਾਗਾਂ ਦਾ ਕਰਜ਼ਾ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸੋਂ ਵੀ ਲੈ ਲਿਆ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਰਾਡ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਖੇਡਿਆ ਹੈ ਪਰ ਕਿੰਨੇ ਦੁਖ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਰੁਧ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਸ ਰੀਪੋਰਟ ਨੂੰ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਬਾਗ ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਪਾਣੀ ਦੀ ਚੋਰੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਦੂਜ ਪਾਸੇ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਫਸਲ ਪਾਣੀ ਦੀ ਥੁੜ ਦੇ ਕਾਰਣ ਸੁਕਦੀ ਰਹੀ। (ਘੰਟੀ)

ਮੈਂ ਛੇਤੀਂ ਹੀ ਖਤਮ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਤਹਿਸੀਲ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਚ 10—12 ਪਿੰਡ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪੱਦੀ, ਟਿਬਾ, ਖਾਨਪੁਰ ਅਤੇ ਹਰਨਾਮਪੁਰੀ ਜੱਸੜਾਂ, ਭਗਵਾਨਪੁਰਾ, ਅਜਨਦੋ, ਦੁਗਰੀ ਆਦਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਸੇਮਜ਼ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਆਪ ਵੀ ਟੂਰ ਕਰ ਆਏ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਅਮਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ। (ਘੰਟੀ)

ਬਸ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕੋ ਗੱਲ ਹੋਰ ਕਹਿ ਕੇ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਬਲਿਕ ਅਤੇ ਮਾਡਲ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ। ਇਹ ਮੈਂ ਬਿਨਾਂ ਤਰਦੀਦ ਇਹ ਕਹਿ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਐਂਟੀ ਸੋਸ਼ਲ। ਅਤੇ ਐਂਟੀ ਨੇਸ਼ਨਲ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡਿਸਕ੍ਰੀਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਆਰਡਨਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਅਤੇ ਮਾਡਲ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਨਵੀਂ ਕਲਾਸ ਕਰੀਏਟ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਕ ਨਵੀਂ ਕਿਸਮ ਏ, a new type of man, a race of rulers and a breed of viceroys ''' ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੀ ਕੰਪੀਟੀਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਆਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ-

ਨਾਮਿਕ ਪਾਵਰ, ਪੋਲਿਟੀਕਲ ਪਾਵਰ ਅਤੇ ਸਰਵਿਸਾਂ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਬਜ਼ਾ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਹੈ ਦਿਹਾਤੀ ਸਕੂਲਾਂ ਨਾਲ। ਇਸ ਤਮੀਜ਼ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਵਰਨਾ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦਾ ਸਪਨਾ ਅਧੂਰਾ ਰਹਿ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡਿਸਪੈਰਿਟੀ ਇਨ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਕਲਾਂ ਨੂੰ ਅਬਾਲਿਸ਼ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਪਾਸੋਂ ਖਿਮਾ ਮੰਗਦਾ ਹਾਂ।

**प्रिंसीपल रला राम** (मुकेरियां) : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहिब ने अपने एडरेस में श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को ट्रिबूट पेश किया है, उसके साथ शामिल होना हरेक हिन्दोस्तानी का फर्ज़ है । श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने जिस ढंग से हमारे देश का नेतृत्व किया और हमारे देश का खोया मान फिर से हम को दिलाया हम कभी भी इस रिण को नहीं चुका सकते । इस लिए हमारी उन के चरणों में श्रद्धांजली बजा है ।

जहां तक इस बात का ज़िक्र किया गया है कि और माहनुभावों की मृत्यु से खास कर देश को सदमा पहुंचा है, मैं उन के साथ साहनुभूति प्रक्ट करता हूं । इस एडरेस में गवर्नर साहिब ने इस बात की प्रशंसा की है कि संकट के बावजूद ला एण्ड आर्डर की जो हालत रही है इस से तसल्ली होती है । मैं यह समझता हूं कि इस बात पर गवर्नमेंट और जनता दोनों ही बधाई की पात्र हैं । इस संकट काल में जहां पर गवर्नमेंट का फर्ज़ था और उसने अपने फर्ज को निभाया वहां जनता ने भी अनुभव किया कि इस वक्त देश की ज़िन्दगी और मौत का सवाल है और इस लिए ला एण्ड आर्डर को ठीक ढंग से कायम रखना चाहिए । इस लिए, मैं समझता हूं कि इस काम में गवर्नमेंट और जनता दोनों ही बधाई की पात्र हैं । जो पार्ट जनता ने इस संकट के अन्दर अदा किया उन्हें जितनी बधाई दी जाए थोड़ी है । जनता ने अनुशयासित जनता होने का स्बूत दिया और यह सिद्ध कर दिया कि जो लोग बाहर के मुल्कों की आशा लगा रहे थे कि अगर जंग छिड़ गई तो हिन्दोस्तान में गड़ बड़ हो जाएगी और वह मुल्क हमारे देश की गड़बड़ से पूरा फायदा उठाएंगे वह उनकी बात पूरी नहीं हुई । इस संकट में जो रवैया जनता का था उस से उन मुल्कों के मुहं पर चपत लगी । इस जनता की कुरबानी की भावना, त्याग की भावना और बलिदान की भावना एक सराहनीय काम है । इस के साथ ही जो पार्ट हमारे जवानों ने अदा किया उनकी सराहना हम यहां पर कई बार कर चुके हैं और रैज़ोल्यूशन पास किए हैं । उन के बलिदान ने हमारे देश का सर ऊंचा कर दिया है । गवर्नर साहिब के एडरेस में उनकी बहादुरी की सराहना की गई है और उन्हें जो ट्रिब्यूट पेश किया गया है मैं अपने आप को उस में शामिल करता हूं ।

गवर्नर साहिब ने हमारी गवर्नमेंट के कई कामों की पूरी प्रशंसा की है । मुझे यह जान कर खुशी है कि हमारी गवर्नमेंट ने जो भाई जंग के अन्दर मारे गए, जिन्होंने कुरबानियां कीं, और जो डिसएब्ल हो गए और जो अपना रोज़गार कमाने के योग्य नहीं रहे, नाकारा हो गए हैं, उनकी इमदाद के लिए, उनकी सहायता के लिए कदम

[प्रिंसीपल रला राम]

उठाए हैं । मैं समझता हूं कि वह तसल्लीबख्श हैं और मैं इस बात पर अपनी सरकार को बधाई देता हूं ।

जहां तक हमारे डिफैन्स का ताल्लुक है प्रतिरक्षा का सम्बन्ध है हमारी सरकार ने इस मसले को सही तौर पर हल किया है । इस का प्रबन्ध गवर्नमेंट करती है और इतना संकट होने के बावजूद पंजाब की जनता ने 4 करोड़ रुपया इक्ट्ठा किया हालांकि पंजाब के ऊपर संकट का सब से ज्यादा भार था और पंजाब की इकानौमी शैटर हुई थी। इतना होने पर भी पंजाब की जनता ने डिफैन्स के लिए 4 करोड़ रुपया इक्ट्ठा किया । इस के लिए भी हमारी सरकार और पंजाब की जनता दोनों बधाई के पात्र हैं । और मैं अपने दिल से उन्हें बधाई देता हूं ।

अध्यक्ष महोदय, जो खुशकसाली वर्षा न होने के कारण हुई है इस का प्रभाव हम हर तरफ देख रहे हैं और इस से अन्न संकट की भारी समस्या देश के सामने आ गई है । जैसा कि अभी अभी कहा गया है अखबारों के अन्दर खबर छपती है कि सहायता के लिए अन्य देशों में हमारे लिए चन्दा इक्ट्ठा किया जा रहा है मैं यह समझता हूं कि यह एक शर्म की बात है । लेकिन यह बात ठीक है कि एक गम्भीर स्थिति पैदा हो गई है । अगर हम सहायता नहीं लेते तो लाखों करोड़ों इन्सानों को भुखमरी से कैसे बचाया जा सकता है । वह हमारी दया के पात्र हैं । लेकिन हमारे लिए दान पात्र खुले यह हमारे देश के लिए लज्जा की बात है । हमारी गवर्नमेंट को अपना प्लानिंग इस ढंग से करना चाहिए कि हमारी ज्यादा से ज्यादा तव्ज्जो एग्रीकलचर और ज़रायत की तरफ हो । यह खुशी की बात है कि हमारी गवर्नमेंट ने 11,000 टयूबवैलों को एनर्ज़ाईज करने का संकल्प किया था और गवर्नमेंट ने इस वक्त तक शायद 6 या 7 हज़ार को एनर्ज़ाईज कर भी दिया है लेकिन आप के द्वारा, अध्यक्ष, महोदय, सिंचाई मन्त्री तक यह बात पहुंचाना चाहता हूं कि जो पालेसी आज कल फालो की जा रही है वह अधूरी है और जो प्लानिंग इस सम्बन्ध में है वह नाकस है । मसलन मैं अपने हलका की बात करता हूं कि मेरे हलका में चावल बहुत पैदा होता है मुकेरियां में से कोई तीन चार लाख मन चावल हर साल बाहर भेजा जाता है । यह दरिया के किनारे का इलाका है इस में खास तौर पर टयूबवैल लगाने से ऊपज को दुगना किया जा सकता है । लोगों के बार बार अर्जियां भेजने के बावजूद वहां पर टयूबवैलज़ के लिए कोई कुनैक्शन नहीं दिए जा रहे । अर्ज़ियां महीनों तक की वहां पर ही पड़ी हैं । इसी तरह से हमारे दूसरे इलाका हाजीपुर ब्लाक की भी बहुत सी अर्ज़ियां पड़ी हैं कोई ख्याल तक नही किया जा रहा । मैं आपके ज़रिये सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं और यह निवेदन करना चहता हूं कि सरकार को टयूब वैलज़ कुनैक्शन की पालिसी को रैशनेलाईज करना चाहिए । ऐसा करके अनाज की उपज में काफी से ज़्यादा इमदाद की जा सकती है । जहां तक दिहात को इलैक्ट्रीफाई करने का सवाल है वहां हमें अपने इलाके के मुताल्लिक रोशनी न मिलने का गिला है । यह पालिसी भी इतनी इरैशनल है, हमारे हां बीसियों

ब्लाक हैं जिन के अभी तक इलैक्टरीफाई नहीं किया गया हालांकि पंजाब के और जिलों में हजारों दिहात इलैक्ट्रीफाई किये जा चुके हैं । यह पालिसी जो अभी तक इस सम्बन्ध में सरकार ने एडाप्ट की है यह निहायत ही गल्त है । मैं अपने इलाका का अगर दूसरे इलाकों जिलों से मुकाबला करूं तो हमारे हां नौका पर पानी न मिलने की वजह से पैदावार में 25 प्रतिशत का घाटा पड़ा है । सरकार को हमारे इलाका को कुनैक्शन देने का प्रबन्ध फौरी करना चाहिए ।

गवर्नर महोदय ने इस ऐडरैस के अन्दर जिक्र किया है कि हायर सैकंडरी की तालीम को बैहतर बनाने के लिए सरकार की तरफ से एक बिल आने वाला है । ऐसा बिल जिस के ज़रिये तालीम का ढांचा बेहतर बने । मैं समझता हूं ज़रूर आना चहिए । इस के साथ ही मैं यह भी अर्ज कर देना चाहता हूं कि जहां तक ऐग्ज़ामिनेशन बोर्ड बनाने का सवाल है यह एक ऐसा काम है जो सरकार को बड़ी सोच विचार के बाद अपने हाथ में लेना चाहिए । ऐजूकेशन डिपाटमैंट को यूनिवर्सिटी से यह काम अपने हाथ में इस ढंग से लेना चाहिए कि किसी तरह का कोई बुरा प्रभाव हमारे तालीमी ढांचा पर न पड़े । खास तौर पर इन इम्तिहानात को डिपार्टमेंट बड़ी सोच विचार के बाद टेक ओवर करे ताकि हमारी तालीम का स्टैंडिड और बढ़े । मुझे यह कहने में भी कोई झिजक नहीं कि हमारी तालीम का म्यार ऊंचा उठने की बजाये नीचे को ही गया है । हमें इसको ऊंचा उठाने के साधन अपनाने चाहियें । इसी लिए मैं कहता हूं कि हमें सारे कदम बड़े सोच विचार के बाद उठाने चाहिए । इन इम्तिहानात से हमें 32 लाख रुपये की आमदन होती है । हमें जहां इतनी आमदन को संभालना है हमें इस बात को भी नज़र अन्दाज़ नहीं करना चाहिए कि हम ने तालीम के मयार को भी ऊंचा ले जाना है । पंजाब यूनिवर्सिटी ने हिन्दोस्तान भर में तालीम का ऊंचा स्तर कायम करके नाम पैदा किया है, हमें इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए इस तरफ बड़ी सोच विचार के साथ कदम उठाने चाहियें । एक तरफ हमने ऐजूकेशन बोर्ड कायम करके यह देखना है कि 32 लाख की इन्कम जो इम्तिहानात से होती है वह होनी चाहिए, दूसरी तरफ तालीम के स्टैंडर्ड को भी कायम रखना है । अगर यह किसी तरह से घटिया दरजे का हो जाता है तो कुदरती तौर पर जो रैपूटेशन हमारी हिन्दुस्तान भर में आज तक बनी हुई है वह भी गिर जायेगी । आप को यह बात याद ही होगी कि जब पार्टीशन हुई थी तो उस वक्त हमारे लड़कों को दूसरी यूनिवर्सिटीज़ जल्दी जल्दी दाखल ही नहीं करती थी । कहते थे कि यह तो सोशल सरविस का बी० ए० है । आज हमारी यूनिवर्सिटी में एक आला मयार कायम किया है और पूरे ध्यान से आगे कदम उठाया है । इस ऐडरैस के अन्दर गवर्नर साहिब ने ज़िक्र किया है कि 25 लाख रुपए इस काम के लिए और स्पेयर किए गए हैं जिस के लिए यह सरकार बधाई की पात्र है । एक आनरेबल मेम्बर साहिब ने यह भी ज़िक्र किया कि एजूकेशन का स्तर बेहतर तो है मगर इतना काबले तारीफ नहीं । मैं उनके साथ इस पर बिल्कुल सहमत हूं ।

[प्रिंसीपल रला राम]

हमें इस को और ऊंचा ले जाना है और यह उस समय तक नहीं हो सकता जब तक कि हमारे टीचर्ज की आर्थिक हालत अच्छी नहीं हो जाती । इसी तरह से प्राईमरी एजूकेशन को बेहतर बनाने के लिए भी हमें सबसे पहले प्राईमरी टीचर्ज की हालत बेहतर बनानी होगी । प्राईमरी एजूकेशन के अन्दर जहां तक सुपरवाईज़री स्टाफ का ताल्लुक है सुपरवीज़न की हालत निहायत खस्ता है । प्राईमरी टीचर्ज स्कूलों के अन्दर इतना काम नहीं करते जिस से तालीमी स्तर ऊंचा हो सके । इसके साथ ही मैं यह भी कहूंगा कि 25 लाख रुपए की जो प्रोवीयन रखी गई है वह निहायत नाकाफी है । प्राईमरी टीचर्ज के लिए कम-से कम 100 रुपए महावार वेतन होना चाहिए । अगर हम उसको इससे कम देते हैं तो तालीम का मयार ऊंचा नहीं उठा सकते ।

ट्रांस्पोर्ट के मुताल्लिक मैं सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने महज़ 9 महीनों के अन्दर इस काम में एक करोड़ 18 लाख रुपये का प्राफिट दिखाया है। लेकिन इसके साथ मैं यह भी अर्ज़ कर देना चाहता हूं कि बहुत सा किराया का पैसा जो बसों में टिकटें बेचते वक्त हासिल होता है, चोरी होता है। मैं इस लिए कहता हूं क्योंकि मैं अक्सर बसों में सफर करता हूं, मेरे पास अपनी कोई कार नहीं है। बसिज की 33 प्रतिशत आमदन ड्राईवर और कन्डक्टर मिल कर चोरी करते हैं। पिछले दिनों मैं जब बस में आ रहा था हम कोई 10 आदमी बैठे थे, इन में से किसी को टिकट नहीं दिया गया। सिर्फ एक आदमी को दिया गया जो कि बूटिड-सूटिड था। सिर्फ एक आदमी को टिकट दिया जो नेक्टाई पहन कर बैठा था। उसे वह समझते थे कि गवर्नमेंट का आदमी होगा। हम लोग तो देहाती मालूम देते हैं। मुझे भी टिकट नहीं दिया। जब हम शाम को आए तो पता चला कि एक भी टिकट इशू नहीं किया गया। ट्रांस्पोर्ट की 33 फी सदी आमदन उधर रह जाती है। यह महकमा वधाई का पात्र है। अगर हम यहां भी सेविंग करके मुनासब इंतज़ाम करें तो नये टैक्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और यह जो वावेला है ज्यादा टैक्सेशन नहीं होनी चाहिए हम इस से निजात पायेंगे। तो उस के लिए मैं यह समझता हूं, अध्यक्ष महोदय, मैं आपके ज़रिए महकमे की तवज्जो इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि पंजाब की यहां जो निगरानी और सुपरविज़न है वह की जाये और लीकेज आफ रैवैन्यू को रोकना चाहिये, इस की बड़ी भारी जरूरत है। कम से कम 33 फी सदी मेरे अपने ऐस्टीमेट के अन्दर लीकेज होती है। जहां तक कुरप्पशन का ताल्लुक है हम सब फील करते हैं कि हम इस की वह राखी नहीं कर सके जो कि करनी चाहिए। इसकी राखी हम उस वक्त समझेंगे जबकि गली के अंदर जो आदमी है, गांव का जो आदमी है वह यह कहे कि मेरा काम बिना पैसे लिए हो गया दफ्तर में या कचहरी में। वह स्थिति अभी तक नहीं आई। इस के लिये रैड-टैपिज़म, लाल फीते के रूल को कंट्रोल करना होगा और बहुत ज़्यादा स्टाफ जो दफतरों में है कम करना होगा। मैं दफतरों में बहुत दफ़ा नहीं जाता लेकिन जब कभी दफतरों में जाता हूं, किसी काम के लिए जाने का मौका मिला है तो, अध्यक्ष महोदय, मैंने 25 फी सदी से ज्यादा अमला को निकम्मा आईडल बैठा हुआ देखा। यह चीजें ज्यादा हैं। अगर हमारा अमला ज्यादा बढ़ जाता है तो काम की आऊटपुट कम हो जाती है। इस तरफ ध्यान दें। यह जो

कुरप्शन है, भ्रष्टाचार है इस की किसी हद तक पब्लिक भी ज़िम्मेदार है। पहली जिम्मेदारी गवर्नमेंट पर आयद होती है। मैं गवर्नमेंट को बधाई देता हूं, इन्होंने चौकसी समितियां, विजीलेंस कमेटियों बनाई हैं जो कि इसको रोकने का प्रयत्न करेगी। यह भी अच्छा और सराहनीय कदम है। लेकिन उस के लिये हम कामयाब तब होंगे जब हम सूबे में यह जो रैड टैपिज़म लाल फीत शाही है इस को रेशनेलाईज़ करेंगे ताकि साधारण से साधारण व्यक्ति यह अनुभव करे कि मेरा काम अब दफतर के अंदर बिना पैसे दिये हो जाता है। वह स्थिति अभी बहुत दूर है। कुरपशन काफी है। इस लिये मैं यह समझता हूं कि इस तरफ हमारे कदम बढ़ने चाहिएं (घंटी) । रोड्ज़ एंड बिल्डिंग्ज़ पी. डबल्यू. डी. के महकमे के लिए मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां तक देहाती लिंक रोड्ज का प्रश्न है वे बनानी चाहिएं। यह ठीक है बिल्डिंग्ज के काम को संकट की वजह से मुलतवी करना चाहिए, उस से कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ता। मेरा यह ख्याल है कि **We have spent more on brick and mortal than what we should have spent.** हम ने ईंट और सीमेंट पर ज़्यादा खर्च किया है, कम करना चाहिए था। इस तरफ रोक थाम बिल्कुल सही है। लेकिन रोड्ज़, खास कर विलेज लिंक रोड्ज़ का जहां तक ताल्लुक है वह होनी चाहिएं। इस तरफ ज्यादा तवज्जो देनी चाहिए। गवर्नर महोदय के एड्रैस में इसका कोई ज़िक्र नहीं। मैं आशा करता हूं और आप के ज़रिए मैं अपनी सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं। गांव की हालत को बेहतर बनाने के लिये और आर्थिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विलेज लिंक रोड्ज की तरफ ज्यादा ध्यान बिल्कुल ज़रूरी है ताकि पिछड़े हुए जो देहाती इलाके हैं वे भी आर्थिक उन्नति कर सकें।

जहां तक इस खुश्कसाली का ताल्लुक है एक बात मैं आप के ज़रिए कहना चाहता हूं। अभी थोड़ी सी बारिश हुई है। लेकिन उस का ज्यादा फायदा मैदानी इलाकों की फसलों को पहुंचेगा। मैं अपने इलाके में देखता हूं जो ऊंची ज़मीनें हैं कितनी भी बारिश पड़े उन्हें कोई फायदा नहीं। वक्त पर बारिश पड़ी नहीं, ज़मीनें खाली पड़ी हैं। जो बीजा था पैदा नहीं हुआ। वहां पर एक तो सस्ते अनाज के डिपो हों। वह अभी वहां खोले जाने चाहिएं, वह हालत वहां भी पैदा हो रही है। वहां लोगों के लिये सस्ते अनाज के डिपो खोले जाएं। इस की ज़रूरत है। उन के पास रोज़गार के वसीले नहीं रहेंगे। जो सड़कें बनानी हैं उन का खासा हिस्सा पहाड़ी इलाके में बनना चाहिए। कुछ सड़कें तो आगे ही सैंक्शन हुई हुई हैं। उस काम को जलदी शुरू करना चाहिए। यह फसलें तो बिलकुल तबाह समझनी चाहिएं। सड़कें बनाने से वहां के लोगों को रोज़गार मिलेगा और आगे के लिये उनकी ज्यादा आर्थिक उन्नति भी हो सकेगी। यह पहाड़ी इलाके में सड़कें बनाने का जो काम है इसकी तरफ ज्यादा ध्यान दिया जाए। इस पर ज्यादा खर्च होना चाहिए ताकि उन गरीब लोगों को जिन की फसलें बिल्कुल नहीं हो रहीं रोज़गार मिल सके। केवल माली इमदाद करने से सहायता नहीं होगी, रोज़गार मुहइया करना ज़रूरी है। इन सड़कों के काम से उन्हें बिलकुल आसानी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आप का धन्यवाद करता हूं।

ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ (ਰੋਪੜ) : ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਰਾਜਪਾਲ ਨੇ ਜੋ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਉਦਮ, ਕੁਰਬਾਨੀ ਤੇ ਵੀਰਤਾ ਦੀ ਸਰਾਹਨਾ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਜੋ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਲੋਂ ਸਾਡੇ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ ]

ਗਲ ਮੜ੍ਹੀ ਗਈ ਜੰਗ ਦੇ ਵੇਲੇ ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਦਿਖਾਈ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਜੰਗ ਦੇ ਸਮੇਂ ਆਪਣੀਆਂ ਜਾਨਾਂ ਵਾਰ ਕੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਫਿਰ ਉਚਾ ਕੀਤਾ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਦਾ ਖੂਨ ਸਾਡੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ ਮਥੇ ਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਿਸ਼ਕਦਾ ਰਹੇਗਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਹਾਗ ਦਾ ਟਿਕਾ ਲਿਸ਼ਕਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਨਸਲਾਂ ਨੂੰ ਸਦਾ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕਰਨ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼ ਦਿੰਦਾ ਰਹੇਗਾ, ਇਸ ਪੀੜ੍ਹੀ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਨੂੰ ਉਚਾ ਕਰਦਾ ਰਹੇਗਾ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਆਸ਼ਾਜਨਕ ਗਲ ਨਹੀਂ ਦੇਖਦਾ। ਇਹ ਐਡਰੈਸ ਸੱਖਣਾ ਜਿਹਾ, ਖਾਲੀ ਜਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਨਿਸ਼ਾਨੇ ਤੋਂ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੀ ਮਨਿਸਟਰੀ ਜਿਹੜੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ **it lacks direction, initiative and push** । ਇਹ ਤਿੰਨ ਗਲਾਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਨੂੰ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਦੀ। ਉਸ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਵਲ ਵਧਣ ਲਈ ਇਨੀਸ਼ਿਏਟਿਵ ਅਤੇ ਪੁਸ਼ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਤਿੰਨੇ ਗਲਾਂ ਮਿਨਸਟਰੀ ਦੇ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਕਾਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਦੇਖੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਅ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ।

[Deputy Speaker in the Chair]

ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਸਫਾ 11 ਤੇ ਇਹ ਵੀ ਕਲੇਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ **'clean responsive and efficient administration has been the aim of my Government'** ਤੇ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜੋ ਕੁਝ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵਾਪਰਿਆ ਉਸ ਨੂੰ ਦੇਖਦੇ ਹੋਏ ਜੇ ਇਹ ਕਲੀਨ, ਰੈਸਪਾਂਸਿਵ ਤੇ ਐਫੀਸ਼ੀਐਂਟ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦਿਨ ਦੀ ਉਡੀਕ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਅਨਕਲੀਨ, ਅਨਰੈਸਪਾਂਸਿਵ ਤੇ ਇਕ ਐਫੀਸ਼ੀਐਂਟ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਕਦੋਂ ਹੋਂਦ ਵਿਚ ਆਏਗੀ ਅਤੇ ਆਪਣਾ ਜਲਵਾ ਦਿਖਾਏਗੀ। ਉਸ ਦਿਨ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਇਕ ਸਾਲ ਵਿਚ ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਜੋ ਕੁਝ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਜੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ ਦੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੇ ਅਰਥ ਹੀ ਗਲਤ ਹਨ ਜਾਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਤਕਣਾ ਪਿਆ ਹੈ। ਅਗਲਾ ਸਾਲ ਅਜ਼ਮਾਇਸ਼ ਦਾ ਸਾਲ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੇ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਪੁਛਣਾ ਹੈ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਉਥੋਂ ਬਚ ਕੇ ਵੀ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ **unclean irresponsive** ਤੇ **inefficient administration** ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਰਕਬਾ 30 ਰੁਪਏ ਫੀ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ 25 ਸਾਲ ਲਈ ਬਗੈਰ ਕੋਈ ਟੈਂਡਰ ਕਾਲ ਕਰਨ ਦੇ, Without calling any tenders, without holding any public auction, without negotiating with any other party except Birlas. ਲੀਜ਼ ਤੇ ਦਿਤਾ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਦਾ ਗੋਲਮਾਲ ਔਰ ਘੱਟ ਭਾਅ ਉਤੇ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਉਠਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਇਕ ਵਿਘਾ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਬਿਨਾਂ ਨੀਲਾਮੀ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੀ ਔਰ ਨਾ ਉਸ ਨੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਕ ਬਿਰਲੇ ਵਰਗੀ ਧਨਾਡ ਫਰਮ ਨੂੰ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਬਿਨਾਂ ਨੀਲਾਮੀ, ਬਿਨਾਂ ਟੈਂਡਰ ਤੋਂ ਔਰ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਨ ਤੋਂ ਦੇਣਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਜਾ ਹੈ ? ਉਸ ਉਤੇ ਸਰਕਾਰ ਅਜ ਵੀ ਅੜੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਅੜੀ ਰਹੀ। ਹੁਣ

ਥੋੜ੍ਹ ਜਿਹਾ ਉਹ ਕਦਮ ਨਵਾਂ ਪੁਟਣ ਲਗੇ ਹਨ। ਪਰ ਮੈਂ ਅਸੂਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਲਈ ਉਚਿਤ ਗਲ ਸੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੌਦਾ ਕਰਨਾ। ਜੇ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਤੇ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਵਲੋਂ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਬਿਰਲਾ ਲੀਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਗੋਲ ਮਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨ ਲਈ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕਰੇ ਤਾਕਿ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇ ਕਿ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹੈ ਜਾਂ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹੈ ਜਾਂ ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹੈ। ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਤਨੇ ਸਸਤੇ ਭਾਅ ਤੇ ਬਿਰਲੇ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਏਸ ਵੇਲੇ ਜੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕਹੋ ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਪਤਾ, ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਹੈ; ਜੇ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪੁਛੋ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜੇ ਚੌਧਰੀ ਰਿਜ਼ਕ ਰਾਮ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛੋਂ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਆਖਰ ਪੜਤਾਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਸੌਦਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਫੇਰ ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਚਲੋ, ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਹੋਇਆ ਔਰ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸਿਆਸੀ ਭਵਿਖਤ ਦੀ ਕਬਰ ਤੇ ਇਹ ਮਨਿਸਟਰੀ ਬਣੀ ਸੀ। ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ ਅਤੇ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਹੋਰੀਂ ਬੜੀਆਂ ਡੀਗਾਂ ਮਾਰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦਾ ਫਾਲੋਅਪ ਕਰਾਂਗੇ ਔਰ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 24 ਸਤੰਬਰ, 1964 ਨੂੰ ਬਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਤਰੱਕੀਆਂ ਰੁਕੀਆਂ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗਰੀਵੈਂਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਲੇਕਿਨ ਅਜ ਉਸ ਕੈਰੋਂ ਦੀ ਮੜ੍ਹੀ ਬਣਾ ਕੇ ਉਸ ਦੇ ਮਜੌਰ ਬਣਨ ਲਗੇ ਹਨ। ਹੁਣ 50 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣ ਲਗੇ ਹਨ ਕਿ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸਮਾਧ ਬਣ ਜਾਵੇ ਔਰ ਇਹ ਮਜੌਰ ਫੇਰ ਰਾਜ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣ ਕਿਉਂਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਲੈਜਿਸਲੇਚਰ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਧੜੇ ਦੀਆਂ ਵੋਟਾਂ ਮਿਲਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਦਾ ਸਾਫ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਅਸੂਲ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਸਿਰਫ ਰਾਜ ਕਰਨ ਦੀ ਲਾਲਸਾ ਹੈ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਹੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਕਰਨ ਦੀ ਲਾਲਸਾ ਖਤਮ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਕੱਲ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਕੈਰੋਂ ਕੁਰਪਟ ਹੈ ਉਹ ਅਜ ਉਸ ਦੀ ਸਮਾਧ ਬਣਾਉਣ ਲਗ ਪਏ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰੀ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰੇ ਕਿ ਇਹ ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਵਰਡਿਕਟ ਨੂੰ ਮੰਨਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਮਨਦੀ। ਸ੍ਰੀ ਭਗਵਤ ਦਿਆਲ ਔਰ ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਤਾਂ ਗਲ ਮੰਨੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 17 ਜੂਨ 1964 ਨੂੰ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ 'ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਔਰ ਨੋ ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ, ਕੈਰੋਂ ਇਜ਼ ਆਵਰ ਲੀਡਰ'। ਲੇਕਿਨ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਗਲ ਮੇਰੀ ਸਮਝ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਉਹ ਹੁਣ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿਣ ਲਗ ਪਏ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਫਲੈਚਰ ਸਾਹਿਬ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਉਸ ਮੌਕੇ ਦੇ ਇਕ ਐਸੇ ਅਫਸਰ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਚਤਾ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਿਆ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਨੂੰ ਐਗਜ਼ਾਮਨ ਕਰਨ ਲਈ ਫਲੈਚਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ 1707 ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਤਰੱਕੀ ਰੋਕ ਲਈ ਗਈ ਹੈ, ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਇਨਸਾਫ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 81 ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਤੇ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਔਰ 50 ਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਕਾਰਵਾਈ ਵੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਮਗਰ ਕਿੰਨੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਬੋਰਡ ਹੀ ਤੋੜ ਦਿਤਾ ਤਾਂਜੋ ਨਾ ਰਹੇ ਬਾਂਸ ਤੇ ਨਾ ਵਜੇ ਬਾਂਸਰੀ'। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਗਲ ਦਸੇ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕਿਉਂ ਬੋਰਡ ਤੋੜਿਆ ਜਦੋਂ ਉਹ ਇਸ ਗਲ ਲਈ ਬਣਾਇਆ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ ]

ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨਸਾਫ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਅਖਾਣ ਹੈ :—

'The fox changes his skin but not his habits.'

ਲੂਮੜੀ ਆਪਣੀ ਖਲ ਬਦਲਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਆਦਤਾਂ ਨਹੀਂ ਬਦਲਦੀ। ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਤਾਂ ਸਵਾਲ ਇਹ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਤਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਰਾਜ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਨਿਕਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਜੇ ਕੈਰੋਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਕੇ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਮਿਸਰੂਲ ਨੂੰ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਉਦੋਂ ਤਕ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਪੰਜ ਚਾਰ ਲੀਡਰ ਬਦਲਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹੋ ਹੀ ਕਨਕਲੂਜ਼ਨ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਇਆ ਹੈ ਔਰ ਹੁਣ ਇਹ ਸਾਫ ਜ਼ਾਹਿਰ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕੀਤੇ ਬਿਨਾ ਇਹ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਨਹੀਂ ਹਟ ਸਕਦਾ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਜੋਸ਼ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਜੋ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਹੋ ਪਾਰਟੀ ਪਰਾਪੇਗੰਡਾ ਨਾ ਕਰੋ। (The hon. Member Shri Josh may criticise the Government in any manner he likes but not make a party propaganda)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਕਾਂਗਰਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਹੀ ਮੈਂ ਗਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਸ਼ਾਇਦ ਕਦੀ ਆਪ ਵਰਗੀ ਮਹਾਨ ਹਸਤੀ ਨੂੰ ਵੀ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਅਗਲੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵੀ ਰੋਕਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਹੁਣ ਮੈਂ ਅਗਲੀ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮੰਤਰੀ ਮੰਡਲ ਵਲੋਂ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਚ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਇੰਟਰਫੀਅਰੰਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਅੰਬਾਲਾ, ਹਿਸਾਰ, ਕਰਨਾਲ, ਪਟਿਆਲਾ, ਵਗੈਰਾ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਸਵਾ ਸਵਾ ਸਾਲ ਹੋ ਗਿਆ ਅਜੇ ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਦੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਏ। ਹੋਏ ਇਸ ਲਈ ਨਹੀਂ ਕਿ ਨਿਆਏ ਪੂਰਵਕ ਚੋਣਾਂ ਦਾ ਜੋ ਤਰੀਕਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਦੇ ਚੁਣੇ ਹੋਏ ਮੈਂਬਰ ਜਿਸ ਨੂੰ ਚੁਣਨਾ ਚਾਹੁੰਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੁਣਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਦੋ ਵਾਰੀ ਅੰਬਾਲਾ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਆਪਸ਼ਨ ਦੀ ਤਾਰੀਖ ਮੁਲਤਵੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਦੋ ਵਾਰੀ ਚੋਣ ਦੀ ਤਾਰੀਖ ਰਖ ਕੇ ਇਕ ਘੰਟਾ ਪਹਿਲੇ ਮੁਲਤਵੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਔਰ ਕੋਈ ਕਾਰਣ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰਨ ਦਾ। ਇਸ ਨੂੰ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਈ ਵਜਾਹ ਨਹੀਂ ਦਸੀ ਗਈ। ਸਤੰਬਰ 1965 ਵਿਚ ਇਹ ਚੋਣਾਂ ਹੋਣੀਆਂ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਮੈਂ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਕ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਤਾਂ ਉਸਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਇਸ ਵਕਤ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਲਾਗੂ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਇਹ ਜੋ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਮਨਿਸਟਰ ਹਨ ਇਹ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਇਸ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦਾ ਮਜ਼ਾਕ ਬਣਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਜ ਸਮਾਂ ਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮੰਗ ਕਰੀਏ ਕਿ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਅਤੇ ਇਹ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੇ ਅਧੀਨ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਕਿ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਨਾ ਇਕ ਪਾਸੇ ਤੇ ਨਾ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਦਖਲ ਦੇ ਸਕੇ। ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਹੱਕ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਮਨਿਸਟਰ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਵੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਹੱਕ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਜਦੋਂ ਜੀ ਚਾਹੇ ਚੋਣ ਦੀ ਤਰੀਕ ਮੁਕਰਰ ਕਰ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਜੀ ਵਿਚ ਆਵੇ ਐਨ ਮੌਕੇ ਤੇ ਚੋਣ ਨੂੰ

ਰੋਕ ਦੇਵੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਰਾਜ ਵਿਚ ਜੇ ਕਿਤੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕਦੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਹੀ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇਣ ਰਾਜ ਵਿਚ ਜੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇੰਟਰਫੀਅਰੈਂਸ ਅਜ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਵਿਚ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕਰੜੇ ਲਫਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਕਨਡੈਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਫਿਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਾਡੇ ਰਾਜਪਾਲ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੰਜ ਛੇ ਲਖ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਂ ਤੇ ਓਸ ਪਾ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਉਹ ਉਡੀਕ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ ਕਿ ਰਾਜਪਾਲ ਸਾਹਿਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਨਵੇਂ ਸਾਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗਰੇਡ ਅਲਾਊਂਸ ਵਗੈਰਾ ਵਧਾ ਕੇ ਸੌਗਾਤ ਦੇਣਗੇ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਤਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦਾ ਡੀ. ਏ. ਵਧਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਾਹ ਵੀ ਵਿਖਾਇਆ ਅਤੇ ਅਗੇ ਵੀ ਸੈਂਟਰ ਦੋ ਦਫਾ ਡੀ. ਏ. ਵਧਾ ਚੁਕਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕੋਈ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਚੁਕਿਆ ਅਤੇ ਉਹ ਜੋ ਸਾਲਹਾ ਸਾਲ ਤੋਂ ਗਰੇਡ ਵਧਾਣ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਆ ਰਹੇ ਸੀ ਉਸ ਵਲ ਇਸ ਸਾਲ ਵੀ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ। ਇਹੋ ਨਹੀਂ, ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸਿਰਫ 9 ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਕ ਕਰੋੜ 18 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਕਮਾ ਕੇ ਦਿਤਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਬੋਨਸ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੋ ਰਾਜ ਪਰਬੰਧ ਨੂੰ ਚਲਾਣ ਵਾਲੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹਨ ਅਤੇ ਲੋ ਪੇਡ ਸਬਾਰਡੀਨੇਟ ਸਰਵਿਸ ਵਾਲੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗਰੇਡ, ਅਲਾਊਂਸ, ਡੀ. ਏ. ਵਧਾਣ ਲਈ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਕੋਈ ਸ਼ੋਭਾ ਵਾਲੀ ਗਲ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਕਰਮ-ਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਦੁਖਾਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਹ ਪੇ ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਬੜੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਬੋਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਲਈ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਟਿਵ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜੋ ਰਾਜ ਪਰਬੰਧ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਤੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਮਸਲਿਆਂ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਰਾਏ ਦੇਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸ਼ਾਇਦ ਫਲੈਚਰ ਸਾਹਿਬ ਬਣਾਏ ਗਏ ਸਨ। 29 ਜਨਵਰੀ ਦੇ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਇਹ ਖਬਰ ਛਪੀ ਸੀ :

> "The appointment of pay commission, particularly for lower grade Government employees in Punjab, the establishment of a directorate for training Government employees and a directorate of personnel welfare to look after their welfare are some of the important recommendations made by the Administrative Reforms Commission set up by the Punjab Government....."

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਟਿਵ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸ ਨੇ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਕਿ ਪੇ ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਆਪ ਆਪਣੇ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੇ ਸੁਝਾਉ ਨੂੰ ਆਨਰ ਕਰੇ ਅਤੇ ਇਸੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਅਨਾਊਂਸ ਕਰੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਛੇਤੀ ਹੀ ਪੇ ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕਰੱਰ ਕਰੇਗੀ ਅਤੇ ਜੋ ਉਸਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਤ ਹੋਣਗੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੰਨੇਗੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਹੋ ਸਕੇਗੀ। ਫਿਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਸ ਵਕਤ ਜੋ ਕੋਈ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਟੀਚਰਜ਼ ਤੇ ਮਾਸਟਰਜ਼ ਪੜ੍ਹਾ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਤਾਂ ਰਿਵੀਜ਼ਨ ਇਨ ਪੇ ਸਕੇਲਜ਼ ਟੀਚਰਜ਼ ਤੇ ਮਾਸਟਰਜ਼ ਦਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਕਿਤਨਾ ਰਿਵੀਜ਼ਨ ਹੋਵੇਗਾ ਉਹ ਇਨ ਕਨਸਲਟੇਸ਼ਨ ਵਿਦ ਟੀਚਰਜ਼ ਐਂਡ ਅਦਰ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਹ ਦੋ ਵਾਅਦੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਤੇ ਸਨ ਕਿ ਇਕ ਤਾਂ ਗਰੇਡ ਵਧਾਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਇਹ ਕਿ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਦੀ ਰਾਏ ਨਾਲ ਵਧਾਵਾਂਗੇ। ਲੇਕਿਨ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼]

ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਵਾਅਦੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਾਕੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਗਲ ਮੰਨ ਲਈ ਹੈ ਅਤੇ 25 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਦੋ ਰੋਕਾਂ ਲਾ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਵਾਲਾ ਜਿਸਦੀ ਸਰਵਿਸ ਪੰਜ ਸਾਲ ਨਾ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਬੀ. ਟੀ. ਵਾਲਾ ਜਿਸਦੀ ਸਰਵਿਸ ਦੋ ਸਾਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਉਸਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗੀ। ਇਸ ਫਾਰਮੂਲੇ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਕੋਈ 48 ਹਜ਼ਾਰ ਟੀਚਰਾਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦਾ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗਾ। ਬਾਕੀ ਦੇ ਕੋਈ 32 ਹਜ਼ਾਰ ਟੀਚਰਜ਼/ਮਾਸਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਸ਼ਾਇਦ ਥੋੜ੍ਹਾ ਬਹੁਤ ਪੈਸਾ ਇਕ ਦੋ ਇਨਕਰੀਮੈਂਟ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਬਤੌਰ ਤਰੱਕੀ ਮਿਲ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਫਾਰਮੂਲੇ ਨਾਲ ਟੀਚਰਜ਼ ਤੇ ਮਾਸਟਰਜ਼ ਬਹੁਤ ਹਾਰਡ ਹਿਟ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਰਿਜ਼ੈਂਟਮੈਂਟ ਫੈਲ ਗਈ ਹੈ। A great deal of resentment is prevailing among the teachers against this betrayal of the Punjab Government ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੜੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਾਫੀ ਆਵਾਜ਼ ਉਠ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਾਂ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਫੰਡ ਕੁਲੈਕਸ਼ਨ ਦੀ ਏਜੰਸੀ ਹੀ ਬਣਾ ਲਿਆ ਹੈ। ਪਿਛਲੀ ਦਫਾ ਟੀਚਰਾਂ ਨੇ ਕੋਈ 60/65 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਨੈਸ਼ਨਲ ਡਿਫੈਂਸ ਫੰਡ ਲਈ ਇਕਠਾ ਕੀਤਾ। ਕਈਆਂ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਇਤਰਾਜ਼ ਵੀ ਕੀਤਾ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਇਕ ਨੇਕ ਕੰਮ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਇਸਦੀ ਡਟ ਕੇ ਮੁਖਾਲਫਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਸਕੀਮ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਮਾਸਟਰ, ਮਾਸਟਰਾਨੀ 5 ਗਰਾਮ ਸੋਨਾ ਇਕੱਠਾ ਕਰੇ। ਉਹ ਸੋਨਾ ਕਿਥੋਂ ਲਿਆ ਕੇ ਇਨਵੈਸਟ ਕਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਤਾਂ ਖਾਣ ਨੂੰ ਲਭਦੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਸੁਣਿਆ ਹੈ ਕਿ ਡੀ. ਈ. ਓ. ਲੁਧਿਆਣਾ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਸਜੈਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਏ. ਸੀ. ਆਰ. ਜੋ ਐਨੂਅਲ ਰਿਪੋਰਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਇਕ ਖਾਨਾ ਇਹ ਵੀ ਭਰਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕਿਸੇ ਟੀਚਰ ਨੇ ਕਿਤਨਾ ਸੋਨਾ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਵਿਚ ਲਗਾਇਆ। ਇਤਨਾ ਭਾਰੀ ਕੁਅਰਸ਼ਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਰਾਜਪਾਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਖੁਦ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਕੁਝ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਸਕੀਮ ਤੇ ਗੌਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਧੱਕਾ ਸ਼ਾਹੀ ਰੋਕਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਅਤੇ ਇਹ ਕੁਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਅਗਲੀ ਗਲ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਧਾਉਣ ਦਾਂ ਕੰਮ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੈਵਲ ਤੇ ਟੇਕ ਅਪ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਹ ਐਸਾ ਕੰਮ ਹੈ ਜੋ ਪਾਰਟੀ ਬੈਰੀਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਰਾਸ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਅੱਜ ਸਾਡੀ ਨੇਸ਼ਨ ਲਈ ਇਹ ਕਿਤਨੀ ਸ਼ਰਮ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੀ. ਐਲ. 480 ਹੇਠ ਅਮਰੀਕਾ ਕੋਲੋਂ ਗਿੜਗਿੜਾ ਕੇ ਕਣਕ ਮੰਗਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਸਾਡੀ ਮੰਗ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਉਹ ਸਾਡੀਆਂ ਪਾਲਿਸੀਜ਼ ਤੇ ਹਾਵੀ ਹੋਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣੇ ਇੰਡੋ-ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਜੰਗ ਵਿਚ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਡੀ ਆਰਮ ਟਵਿਸਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਅਜ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਡਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਇਹ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਖੁਰਾਕ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਆਤਮ ਨਿਰਭਰ ਹੋਈਏ ਅਤੇ ਐਨਾ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰੀਏ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਬਾਹਰ ਤੋਂ ਅਨਾਜ ਲਿਆਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਾ ਪਵੇ। ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਲੇਕਨ ਹੁਣ ਕੁਝ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਚੀਜ਼ਾਂ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਲਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰਰੀ ਹਨ। ਇਕ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ, ਦੂਜਾ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ, ਤੀਜੇ ਮੈਕੇਨਾਈਜ਼ਡ ਫਾਰਮਿੰਗ। ਇਹ ਤਿੰਨ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹੀ ਖੇਤੀ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਨੂੰ ਵਧਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਹੁਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਕ ਇਕ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ

ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਹੋਰ ਇਕ ਲਖ 33 ਹਜ਼ਾਰ 600 ਏਕੜ ਏਰੀਆ ਇਰੀਗੇਟ ਕੀਤਾ। ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਫੀ ਉਦਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਲੇਕਨ ਜੇਕਰ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਨੌਈਅਤ ਨੂੰ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਬਿਲਕੁਲ ਕੀੜੀਆਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਹੋਇਆ

ਕਰੋੜ 63 ਲਖ ਰੁਪਏ ਵਿਚ ਜੋ

87 ਲੱਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਅਨਇਰੀਗੇਟਿਡ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ 47 ਫੀ ਸਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਇਰੀਗੇਟਿਡ ਹੈ ਅਤੇ 53 ਫੀ ਸਦੀ ਅਨਇਰੀਗੇਟਿਡ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਜਿਥੇ ਨਹਿਰਾਂ ਹਨ ਉਥੇ ਹੋਰ ਰਾਜਬਾਹ ਖੋਲ੍ਹੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਜਿਥੇ ਬਰਾਨੀ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਉਥੇ ਸਰਕਾਰ ਖੁਦ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਏ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਖੁਦ ਉਥੇ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਨਹੀਂ ਲਗਾ ਸਕਦੀ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਉਣ ਵਿਚ ਇੰਸੈਂਟਿਵ ਦੇਵੇ। ਸਰਕਾਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬੋਰਿੰਗ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਫਰੀ ਦੇਵੇ ਤਾਕਿ ਲੋਕ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਉਣ ਵਿਚ ਇੰਟਰੈਸਟ ਲੈ ਸਕਣ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਸਰਕਾਰ ਬੋਰਿੰਗ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਗਰ ਉਥੇ ਉਹ ਬੋਰਿੰਗ ਅਨ-ਜਕਸੈਸਫੁਲ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਉਥੇ ਕੋਈ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਨਾ ਲਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਰ ਇਕ ਜ਼ਿਲੇ ਲਈ ਇਕ ਰਿਗ ਬੋਰਿੰਗ ਲਈ ਦਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਕ ਬੋਰਿੰਗ ਰਿਗ ਉਥੇ ਹੀ ਜਨਤਾ ਦੀ ਮੰਗ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਇਸ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਰਿਗਜ਼ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰੇ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਅੰਬਾਲਾ ਜ਼ਿਲਾ ਅਤੇ ਕਰਨਾਲ ਜ਼ਿਲਾ ਲਈ ਇਕ ਰਿਗ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਾਉਣ ਦੇ ਉਤਸਕ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਰਿਗ ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੀਆਂ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਛੇਤੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰੇ ਤਾਂ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਔਕੜ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕੇ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਇਸ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧੀ ਬਣ ਕੇ ਆਏ ਹੋ। ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਨਾਲ ਧਕਾ ਸ਼ਾਹੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ 11 ਲੱਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਜ਼ੇਰੇ ਕਾਸ਼ਤ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਸਿਰਫ ਇਕ ਲਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਇਰੀਗੇਟਿਡ ਹੈ ਅਤੇ 10 ਲਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਅਨਇਰੀਗੇਟਿਡ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਲਈ 3 ਸਕੀਮਾਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ 64 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੇ ਅਧੀਨ ਆ ਜਾਣੀ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਪੈਸੇ ਦੀ ਕਮੀ ਦੇ ਕਾਰਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕੀ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਫੰਡਜ਼ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਨਹਿਰ ਜਮਨ ਗਰਬੀ, ਭਾਖੜਾ ਨਹਿਰ ਅਤੇ ਸਰਹਿੰਦ ਨਹਿਰ ਦਾ ਸਰਵੇ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖੇਤੀ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 3 ਸਕੀਮਾਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਰੋਪੜ ਤੋਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਖਰੜ ਤੋਂ ਬਨੂੜ ਅਤੇ ਅੰਬਾਲੇ ਤੋਂ ਮੁਲਾਣੇ ਤਕ ਫਾਇਦਾ ਹੋਣਾ ਸੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂਕਿ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਧ ਸਕੇ। (ਘੰਟੀ)

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਰਕਾਰ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇ ਨਾਲ ਲਾਉਂਦੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਫਰਟੇ-ਲਾਈਜ਼ਰ ਅਮੋਨੀਅਮ ਸਲਫੇਟ ਖਾਦ ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲਾਂ 20 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਥੈਲੀ ਮਿਲਦਾ ਸੀ 22 ਰੁ: ਪ੍ਰਤੀ ਥੈਲੀ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਹੜਾ ਦੇਸੀ ਖਾਦ 17 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਬੈਗ ਮਿਲਦਾ ਸੀ ਹੁਣ ਉਹ $18\frac{1}{2}$ ਰੁਪਏ

[ ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ ]

ਪ੍ਰਤੀ ਬੈਗ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਹੁੰਦਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗਾ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੰਗਲ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਫੈਕਟਰੀ ਨੂੰ 1.50 ਪੈਸੇ ਪਰ ਯੂਨਿਟ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਕਾਸਟ 2.25 ਪੈਸੇ ਪਰ ਯੂਨਿਟ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ 0.75 ਪੈਸੇ ਪਰ ਯੂਨਿਟ ਘਾਟਾ ਪਾ ਕੇ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ either you take the Nangal Fertilizers Factory as State Undertaking and supply the fertilizers at "no profit no loss" basis, or you stop supply of cheap electricity to that Factory and earn dividends, or get subsidy worth one crore of rupees from the Central Government and supply fertilizers at cheap rate to the people

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਅੰਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵਡਾ ਕੰਟਰੋਵਰਸ਼ਲ ਮਾਮਲਾ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਉਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ, ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦਾ ਬਹੁਤ ਵਡਾ ਸਵਾਲ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਸ ਦੀ ਬਹੁਤ ਚਰਚਾ ਹੈ। ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਡਾਰ ਕਮਿਸ਼ਨ 1948 ਵਿਚ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਪੰਜਾਬ ਹਿੰਦੋਸਤਾਨ ਦੀ ਰੀ ਆਰਗੇਨਾਈਜੇਸ਼ਨ ਦੀ ਪਰਵਿਊ ਤੋਂ ਨਿਕਾਲ ਦਿਤਾ ਸੀ। 1953 ਵਿਚ States Reorganization Commission ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਉਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ, ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਸਲੀ ਲਈ ਰਿਜਨਲ ਫਾਰਮੂਲਾ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕਈ ਮੋਰਚੇ ਲਗਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਹੋਇਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਫਾਰਮੂਲੇ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨੇਕ ਨੀਅਤੀ ਦੇ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਦਰਜਾ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੀਆਂ ਦੂਜੀਆਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੀ ਰਖਿਆ। ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਹੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਹੁਣ ਇਹ ਕਲੋਜ਼ਡ ਇਸ਼ੂ ਦੋਬਾਰਾ ਉਪਨ ਹੋ ਗਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਪਾਰਲਿਆਮੈਂਟਰੀ ਕੰਸਲਟੇਟਿਵ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਮਸਲੇ ਉਤੇ ਗੌਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਤੇ ਇੰਨੀ ਚਰਚਾ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਅਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਵੀ ਕਈ ਵਾਰ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਈ ਲੇਕਿਨ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਆਇਆ। ਦਿਲੀ ਵਿਚ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ਾਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਉਥੇ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਲਈ ਗਲਾਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਆਪਣੇ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਤੋੜ ਮਰੋੜ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਨੂੰ ਦੋਬਾਰਾ ਕਲੋਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ nothing short of Punjabi Suba will be acceptable to the people of Punjab and, if the Government of India does not concede it, the people will not accept that verdict.

ਮੈਂ ਸਾਫ ਅਤੇ ਸਪਸ਼ਟ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਤੇ ਸੰਜੀਦਗੀ ਦੇ ਨਾਲ ਗੌਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਉਤੇ ਇਕਠਾ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਅਗਨੀ ਦੀ ਭੇਟ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਬਲਕਿ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਂਕੜੇ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਹੋਰ ਕੁਰਬਾਨ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। (ਘੰਟੀ) ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਉਹ ਡੈਮੋਕਰੇਟਿਕ ਢੰਗਾਂ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਸੁਲਝਾਇਆ ਜਾਵੇ (ਘੰਟੀ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫਜ਼ਾਂ ਨਾਲ

ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਠੀਕ ਢੰਗ ਦੇ ਨਾਲ ਹਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇਗੀ (ਘੰਟੀ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਸੰਭਾਲਦਾ ਹਾਂ।

**ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ** (ਮੁਕੇਰੀਆਂ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਭਾਸ਼ਨ ਬੜੇ ਗੌਰ ਦੇ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਿਮਤ ਦੀ ਜੋ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਵਾਜਿਬ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਭਾਸ਼ਨ ਦਾ ਸਮਰਥਨ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਸਾਡੇ ਉਤੇ ਕਿਵੇਂ ਜੰਗ ਮੜ੍ਹੀ ਸੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ, ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਅਮੀਰ ਸੀ ਜਾਂ ਗਰੀਬ ਸੀ ਅਤੇ ਭਾਵੇਂ ਆਦਮੀ ਸੀ ਜਾਂ ਔਰਤ ਸੀ, ਬਚਾ ਸੀ, ਜਾਂ ਬੁਢਾ ਸੀ, ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਕੰਧੇ ਨਾਲ ਕੰਧਾ ਮਿਲਾ ਕੇ ਮਦਦ ਕੀਤੀ। ਸਾਡੇ ਫੌਜੀ ਅਤੇ ਸਿਵਲੀਅਨ ਵੀਰਾਂ ਨੇ ਲੜਾਈ ਦੇ ਮੌਕੇ ਇਕਠੇ ਹੋ ਕੇ ਹੌਸਲੇ ਦੇ ਨਾਲ ਦੁਸ਼ਮਨ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਕੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸ਼ਾਨ ਵਧਾਈ ਹੈ। ਇਸ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਆਪਣੀਆਂ ਜ਼ਿੰਦਗੀਆਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਸਗੋਂ ਆਪਾ ਵਾਰ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸ਼ਾਨ ਵਧਾਈ ਹੈ।

ਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਦੀ ਉਪਜ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮਨਸ਼ੇ ਉਤੇ ਕੋਈ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਜਿੰਨੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ ਉਨੀ ਹੀ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਘਟਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਜ਼ੇਰੇ ਕਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਬੇਕਾਰ ਪਈਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬੇਕਾਰ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਜ਼ੇਰ ਕਾਸ਼ਤ ਲਉ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਵਸਾਉਣ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਜਿੰਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਖਾਸ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹਇਆ। ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ, ਦੂਸਰੇ

6.00 p.m.

ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਜਾਂ ਫੌਜੀ ਭਾਈਆਂ ਜਾਂ ਬੈਕਵਰਡ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਬਜਰ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨ ਜਾਂ ਦੂਸਰੇ ਗਰੀਬ ਲੋਕੀਂ ਇਸ ਲਈ ਲੈ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਅ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਗੇ ਕਿ ਉਹ ਵੀ ਦੋ ਚਾਰ ਏਕੜਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੇ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਨਗੇ। ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਉਚਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਹ ਸਜੈਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ, 10, 10 ਜਾਂ 12, 12 ਏਕੜਾਂ ਦੇ ਟੁਕੜੇ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਅਤੇ ਹਰ ਇਕ ਟੁਕੜੇ ਵਿਚ ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ, ਜਿਹੜਾ ਉਸ ਉਪਰ ਖਰਚ ਆਵੇ ਉਹ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਉਸ ਉਪਰ interest free ਖਰਚ ਪਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਵਿਚ ਅਦਾ ਕਰ ਦੇਵੇ। ਇਸ ਨਾਲ ਅਨ ਦਾ ਮਸਲਾ ਵੀ ਹਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰੇਗਾ ਉਸ ਦਾ ਜੀਵਨ ਵੀ ਉਚਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਪਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ।

ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਵੈਲਫੇਅਰ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ $2\frac{1}{2}$ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। 2 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਮਾਰਟਗੇਜ ਬੈਂਕ ਕੋਲੋਂ ਲੈ ਕੇ ਦਿੰਦੀ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ

[ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ]
ਹੁਣ ਮਾਰਟਗੇਜ ਬੈਂਕ ਰੁਪਿਆ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। ਹੁਣ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ 2 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਵਿਖਾ ਦਿਉ ਚਾਹੇ ਬੈਂਕ ਬੈਲੈਂਸ ਹੋਵੇ ਚਾਹੇ ਕੈਸ਼ ਵਿਖਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਫਿਰ 2,500 ਰੁਪਿਆ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਸੋਚ ਕਿ ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਕੋਲ 2,000 ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਆਪ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਖਰੀਦ ਸਕਦੇ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਸਾਨੀ ਨਾਲ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਉਹ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਦਿਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬਿਰਲਾ ਬਰਾਦਰਜ਼ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬੰਜਰ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਬਣਾਕੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਅੰਨ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵੀ ਵਧੇ। ਪਰਸੋਂ ਰੇਡੀਉ ਵਿਚ ਖਬਰ ਆਈ ਸੀ ਕਿ ਬਰਤਾਨੀਆਂ ਦੀ ਪਾਰਲੀਆਮੈਂਟ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਅਨਾਜ ਦੇ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਨ ਲਈ ਬੜੀ ਹਮਦਰਦੀ ਨਾਲ ਸੋਚ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਇਹ ਗਲ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਲਈ ਅਤੇ ਖਾਸ ਕਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮਿਹਨਤੀ ਅਤੇ ਬਹਾਦੁਰ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਬਾਹਰਲੇ ਦੇਸ਼ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿਣ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖੁਰਾਕ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਬੜੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕੀ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਉਸ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਦੇ ਨੋਟ ਲੈ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਉਹ ਗਲਾਂ ਦਸ ਰਹੇ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਆਖਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਵੀ ਕਰਨਾ ਹੈ। (May I know if any Minister is taking notes of the proceedings about the Harijan Problem ? The Harijan members are giving vent to their difficulties and the Government has to reply to these points. After all we have to solve their problem.)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਆਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਰ ਗਲ ਦਾ ਨੋਟ ਬਾਕਾਇਦਾ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

**ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਦੋਬਾਰਾ ਇਹ ਗਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਵੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਦੂਸਰੇ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਉਹ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਬਣਾ ਕੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਜੇਕਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਉੱਚਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ। ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਅੰਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਖਾਦ ਦੇ ਡੀਪੋ ਖੋਲੋ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਦ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਖੇਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਔਜ਼ਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਮਿਲਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਔਜ਼ਾਰ ਤੇ ਖਾਦ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਖਰਾਬ ਹੋਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਤੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਲੜਾਈ ਹੋਈ ਤਾਂ ਅਸਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ 11,000 ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਗਾ ਕੇ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਵੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਸੀ। ਉਹ ਵੀ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫੌਜੀ ਹਨ, ਅਸੀਂ ਵੀ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫੌਜੀ ਹਾਂ, ਅਸਾਂ ਵੀ ਦੇਸ਼ ਸੇਵਾ ਫੌਜੀਆਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਰ ਲੈਵਲ ਤੇ ਹੀ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਫੌਜੀਆਂ ਕੋਲ ਹਥਿਆਰ ਨਾ ਹੋਣ, ਔਜ਼ਾਰ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਹਿਫਾਜ਼ਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਔਜ਼ਾਰ ਮਿਲਣ ਤਾਂ ਹੀ ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਟਿਊਬਵੈਲ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੀ ਕੰਡੀ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਜਿਹੜੀ ਰੋਪੜ ਤੋਂ ਅਗੇ ਲਗਦੀ ਹੈ ਉਹ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਲਾਟ ਹੋਈ ਸੀ ਉਹ ਕਬਜ਼ਾ ਲੈਣ ਨਹੀਂ ਆਏ, ਉਹ ਵੈਸੇ ਹੀ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਜ਼ੇਰੇ ਕਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਰੋਪੜ ਤੋਂ ਅਗੇ ਚਲੇ ਜਾਈਏ ਤਾਂ ਜ਼ਮੀਨ ਅਜੇ ਤਕ ਬੰਜਰ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਟਿਊਬ-

ਵੈਲ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਕਾਬਲੇ ਕਾਸ਼ਤ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਬਿਲਕੁਲ ਮੱਲਾਹ ਦੇ ਹੁੱਕੇ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੱਲਾਹ ਦਾ ਹੁਕਾ ਸੁੱਕਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਬਣਿਆ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਦਿੱਲੀ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਹਿਸਾਰ ਵਿਚ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਵੀ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦਾ ਹੀ ਇਕ ਜ਼ਿਲਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਬੁਰਾ ਨਹੀਂ ਮਨਾਉਂਦਾ ਅਸਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਆਬਾਦ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਪਰ ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਵੀ ਤਾਂ ਸਿੰਜਾਈ ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਪਹੁੰਚਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਨੂੰ ਬਿਆਸ ਅਤੇ ਸਤਲੁਜ ਦੋਵੇਂ ਦਰਿਆ ਲਗਦੇ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਮੁਕੇਰੀਆਂ ਦੇ ਆਸ ਪਾਸ ਲਿਫਟ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਲਾਕਾ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਪਰ ਹਾਲਤ ਸੁਧਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੇਕਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ। ਇਸ ਤਰਫ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਠੀਕ ਹੈ ਵਧਾਉਣੀ ਵੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਅਸੀਂ ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਸੋਚਦੇ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੋਵੇਗੀ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੀ ਤਨਖਾਹ 500 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਹੁਣ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀਆਂ ਦੀ ਅਤੇ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ 4, 4 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਨਾਨੀਆਂ ਵਿਚ ਸਾਡੀਆਂ ਜਨਾਨੀਆਂ ਨਹੀਂ ਜਾ ਕੇ ਬੈਠ ਸਕਦੀਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਬਚੇ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹ ਸਕਦੇ। ਇਕ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੋਸਾਇਟੀ ਤੋਂ ਅਲਗ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਵੱਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦੇ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਘਟਾ ਕੇ ਕਲਰਕਾਂ ਅਤੇ ਚਪੜਾਸੀਆਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਚਪੜਾਸੀ ਵਿਚਾਰਾ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਤੁਹਾਡੀ ਸੇਵਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਰਾਤ ਨੂੰ ਰਿਕਸ਼ਾ ਚਲਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ ਫਿਰ ਵੀ ਗੁਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ, ਉਸ ਦੇ ਬਚੇ ਪੇਟ ਭਰ ਕੇ ਖਾਣਾ ਨਹੀਂ ਖਾ ਸਕਦੇ। ਇਕ ਕਲਰਕ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਲੀਮ ਨਹੀਂ ਦਿਵਾ ਸਕਦਾ। ਚੰਗੇ ਕਪੜੇ ਨਹੀਂ ਪਹਿਨਾ ਸਕਦਾ। ਹੁਣ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਕਢਣ ਦੀ ਗਲ ਸੀ ਤਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕਢਾਂਗੇ। ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਕਈ ਹਿੰਦੂ ਅਤੇ ਸਿਖਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਖਰਾਬ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਹਰੀਜਨ ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਹੋ ਜਾਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਵਿਚੋਂ ਕਢ ਦਿਉ। ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਜਿਹੜਾ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਹਾਲਤ ਕਈਆਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਖਰਾਬ ਹੈ। ਹਰੀਜਨ ਦਾ ਬਚਾ ਤਾਂ ਐਮ. ਏ. ਤਕ ਮੁਫਤ ਪੜ੍ਹ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਹਿੰਦੂ ਸਿੱਖ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਬਚਾ ਦਸਵੀਂ ਤਕ ਵੀ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹ ਸਕਦਾ। ਸਾਨੂੰ ਹਰ ਇਕ ਗਰੀਬ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਤਾਲੀਮ ਦੇਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਤਾਂ 4,000 ਰੁਪਿਆ ਤਨਖਾਹ ਲਵੇ ਪਰ ਇਕ ਚਪੜਾਸੀ ਜਾਂ ਕਲਰਕ 80, 90 ਜਾਂ ਡੇਢ ਸੌ ਰੁਪਿਆ ਤਨਖਾਹ ਲਵੇ। ਮੈਂ ਪਹਿਲੇ ਇਹ ਗਲ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਵੀ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਕਲਰਕ ਲੋਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਮਾੜੇ ਮੋਟੇ ਖੱਦਰ ਦੇ ਕਪੜੇ ਸਿਲਵਾ ਦਿਉ, ਸਾਡੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਦਿਉ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਤਨਖਾਹ ਲੈਂਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਸਾਨੂੰ ਸਿਰਫ ਖਾਣ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਵਫਾਦਾਰ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਛੋਟਾ ਜਿਹਾ ਪੰਜਾਬ ਹੈ ਇਥੇ 6 ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਲਗਾਏ ਹੋਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 20 ਕਲਰਕ ਕਢਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਕ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਘਟ ਕਰ ਦਿਉ ਤਾਂ ਕੁਝ ਨੁਕਸਾਨ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ,

[ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ]

ਸੂਬੇ ਵਿਚ 2 ਲੱਖ ਦੇ ਕਰੀਬ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਨ, ਉਹ ਰਲਾ ਪਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੀ ਤਨਖਾਹ ਵਧਾਉ ਜਿਹੜੇ ਛੋਟੇ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਹਨ, ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਆਵਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਫਸਲ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮਾਮਲਾ ਮਾਫ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਜਿਸ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਨੇ ਖੇਤ ਲੈ ਕੇ ਕਾਸ਼ਤ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕੀ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ? ਉਹ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਥੋਂ ਰੋਟੀ ਖਿਲਾਵੇਗਾ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਵੀ ਹਕ ਰੱਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਉਚਾ ਹੋਵੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਚੰਗੀ ਰੋਟੀ ਖਾਣ ਨੂੰ ਮਿਲੇ।

ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਈ ਹਿਸਿਆਂ ਵਿਚ ਜਾਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਹਿੰਦੋਸਤਾਨ ਦੇ ਦੂਸਰਿਆਂ ਹਿਸਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਚੰਗੀ ਹੈ । ਮਗਰ ਇਥੇ ਹੀ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਜਿਥੇ ਸੜਕਾਂ ਛੋਟੀਆਂ ਹਨ ਉਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਡਿਵੈਲਪ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਬਲਾਕਸ ਵਿਚ ਐਪਰੋਚ ਰੋਡਜ਼ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਔਰ ਚੰਗਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣੀ ਜਿਨਸ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਵਿਚ ਆਸਾਨੀ ਹੋਵੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਇਥੇ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਦੀ ਇਕ ਗਲ ਕੀਤੇ ਬਗੈਰ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ । ਪੰਜ ਛੇ ਸਾਲ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਤਹਿਸੀਲ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦਾ ਇਕ ਪਿੰਡ ਸੀਕਰੀ ਹੈ । ਉਥੇ ਕੋਈ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਹੈ । ਉਥੇ ਸੜਕ ਵਾਸਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਮਿੱਟੀ ਵੀ ਪਾ ਦਿੱਤੀ । ਇਕ ਮੀਲ ਭਰ ਦਾ ਟੋਟਾ ਹੈ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਿਆ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦਾ । ਗੱਲਾਂ ਛੋਟੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਅਜਿਹੇ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਬੇਸ਼ਕ ਮੇਰਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਇਕ ਗ਼ਰੀਬ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਉਤਸ਼ਾਹ ਔਰ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੇ ਜਜ਼ਬੇ ਵਾਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੈ । ਜਦ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨਾਲ ਲੜਾਈ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਇਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਡੀਫੈਂਸ ਐਫਰਟਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਪਿੱਛੇ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ । ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਜਾਣਦੇ ਹਨ, ਇਹ ਉਥੇ ਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਚਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਵਿਚ ਉਧਰ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਲੋਕ ਆਏ—ਜਦ ਲੋਕ ਜਾਲੰਧਰ ਆਉਂਦੇ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਭੇਜ ਦਿੰਦੇ ਸੀ, ਪਠਾਨਕੋਟ ਆਉਂਦੇ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਭੇਜ ਦਿੰਦੇ ਸੀ । ਉਥੋਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਚਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਖਾਣਾ ਖੁਵਾਇਆ, ਰੋਟੀ ਦਿੱਤੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ । ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਰੱਜ ਕੇ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ—ਚਾਹੇ ਉਹ ਵਪਾਰੀ ਸਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਲੋਕ ਪਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਪਣੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਤਨਾ ਵੀ ਮਾਣ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਕਿ ਕਸ਼ਮੀਰ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ, ਛੰਬ ਜੌੜੀਆਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ ਆਏ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੇਲਾਗ ਹੋਕੇ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਉਸ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਨੀਅਤ ਤੇ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਅਪਣੇ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਤਦ ਹੀ ਉੱਨਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਜਦ ਕਿ ਰੱਥ ਦੇ ਦੋਵੇਂ ਪਹੀਏ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੋਣ ਔਰ ਡਟਕੇ ਕੰਮ ਕਰਨ । ਕਿਸਾਨ ਔਰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵੱਲ ਖੂਬ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਮੁਹੈਯਾ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਤਨਾ ਕਹਿ ਕੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ (ਊਨਾਂ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਪਣੇ ਸਵਰਗੀ ਨੇਤਾ ਸ਼੍ਰੀ ਲਾਲ ਬਹਾਦੁਰ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਸਵਰਗਵਾਸੀ ਨੇਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇਤਾਵਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀ ਅਪਣੀ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਕਿ ਜਿਹੜਾ 1965 ਵਿਚ ਹਿੰਦੁਸਾਤਨ ਉਤੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦਾ ਹਮਲਾ ਹੋਇਆ ਉਸ ਵਿਚ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਬੜਾ ਅੱਛਾ ਰਿਹਾ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਨਤਾ ਨੇ ਵੀ ਬੜੇ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨਾਲ ਕੋਆਪਰੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਜਿਸ ਵਕਤ ਇਹ ਹਮਲਾ ਹੋਇਆ ਉਸ ਵਕਤ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਰਖਿਆ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਜਾਨੋਂ ਮਾਲ ਦੀ ਰਖਿਆ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਪੂਰੀ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਆਪ ਮੋਰਚਾਬੰਦੀ ਕੀਤੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੜਕਾਂ ਅਤੇ ਪੁਲਾਂ ਦੀ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ ਰਖਿਆ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਹਿਫ਼ਾਜ਼ਤ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਖੁਦ ਅਪਣੇ ਆਪ ਦਿਨ ਰਾਤ ਉਥੇ ਬੈਠ ਬੈਠ ਕੇ, ਪਹਿਰਾ ਦੇ ਕੇ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਇਸ ਹਮਲੇ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਸਾਡੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਵੀ ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦੀ ਪੂਰੀ ਹੱਕਦਾਰ ਹੈ—ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ, ਦੁਕਾਨਦਾਰਾਂ ਨੇ ਔਰ ਟਰੇਡਰਜ਼ ਨੇ ਇਸ ਸਮੇਂ ਬੜੀ ਕੋਆਪਰੇਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਹਮਲੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਅਗਰ ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਚਾਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਬਲੈਕਮਾਰਕਿਟ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸੀ, ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਧਾ ਸਕਦੇ ਸੀ ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੂਰੀ ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਔਰ ਕੌਮੀ ਭਾਵਨਾ ਨਾਲ ਇਸ ਸੰਕਟ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਵਧਣ ਦਿੱਤਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਜਿਹੜੇ ਰਾਜ ਦੇ ਵਰਕਮੈਨ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਦਿਨ ਰਾਤ ਕੰਮ ਕਰਕੇ ਇਸ ਹਮਲੇ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ—ਬੜੀ ਹਿੰਮਤ ਔਰ ਤਾਕਤ ਦੇ ਨਾਲ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਔਰ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੂੰ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਜਿੱਥੇ ਸੰਸਾਰ ਵਿਚ ਅਮਨ ਕਾਇਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਜਦ ਸਾਡੀ ਅਣਖ ਨੂੰ ਵੰਗਾਰਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਲੜਾਈ ਵੀ ਲੜ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਪਣੇ ਭਾਸ਼ਣ ਵਿਚ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪਿਤਾ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਮਨਾਉਣ ਬਾਰੇ ਔਰ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਦਾ ਤਿੰਨ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਮਨਾਉਣ ਦਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵੀ ਦਸਿਆ ਹੈ । ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਨੇ ਜਾਬਰ ਬਾਦਸ਼ਾਹ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਔਰ ਸ਼੍ਰੀ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਇਕ ਫੌਜ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ । ਪੰਜ ਪਿਆਰੇ ਸਾਜੇ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸ਼ਾਨ ਵਿਚ ਸਭ ਕੁਝ ਵਾਰ ਦੇਣ ਦੀ ਸਿਖਿਆ ਦਿੱਤੀ ਔਰ ਕੌਮੀ ਏਕਤਾ ਦੀ ਇਕ ਗਹਿਰੀ ਭਾਵਨਾ ਭਰੀ । ਇਸ ਤਿੰਨ ਸੌ ਸਾਲਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਉਤੇ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ ਦੀ ਇਸ ਧਰਤੀ ਤੇ, ਜਿਥੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਖਿਆ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਫੌਜ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ, ਇਸ ਦੇ ਮਹੱਤਵ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ ਉਥੇ ਯਾਨੀ ਸ਼੍ਰੀ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਇਕ ਸੈਨਿਕ ਸਕੂਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਇਕ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗਲ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਯਾਦਗਾਰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਪ੍ਰੇਮ, ਕੁਰਬਾਨੀ ਅਤੇ ਦੁਸ਼ਮਨ ਨਾਲ ਲੋਹਾ ਲੈਣ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਦਿੰਦੀ ਰਹੇ । ਉਸ ਸਕੂਲ ਵਿਚ ਨੌਜਵਾਨ ਬੱਚੇ ਫੌਜੀ ਟਰੇਨਿੰਗ ਲੈਣ ਔਰ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ ਦੇ ਦਸੇ ਹੋਏ ਰਸਤੇ ਉਤੇ ਚਲਣ ਦਾ ਸਬਕ ਹਾਸਲ ਕਰਨ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਫਿਰ ਇਸ ਗਲ

[ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ]
ਉਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇਵਾਂਗਾ ਕਿ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਇਕ ਸੈਨਕ ਸਕੂਲ ਇਸ ਮੌਕੇ ਉਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

ਅਗੇ ਚਲਕੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਣ ਵਿਚ ਹਿਸਾਰ, ਰੋਹਤਕ, ਮਹੇਂਦਰਗੜ੍ਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਖੁਸ਼ਕਸਾਲੀ ਪਈ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਵੀ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 1,33,00,000 ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਨੂੰ ਫਾਡਰ, ਤਕਾਵੀਆਂ ਅਤੇ ਸਬਸਿਡੀ ਵਗੈਰਾ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਮਖਸੂਸ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ—ਮੁਬਾਰਕ ਗਲ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਪਰਮਾਨੈਂਟ ਹੱਲ ਕਰਨ ਦਾ ਤਾਅਲੁਕ ਹੈ, ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਪਣੇ ਭਾਸ਼ਣ ਵਿਚ ਇਹ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਹੈ । ਇਸ ਮਕਸਦ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੁਝ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਚੁਣੇ ਹਨ ਯਾਨੀ ਹਿਸਾਰ, ਮਹਿੰਦਰਗੜ੍ਹ, ਗੁੜਗਾਉਂ ਅਤੇ ਰੋਹਤਕ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਊਨਾ ਅਤੇ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ ਦੇ ਕੰਡੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਿਥੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ਕਸਾਲੀ ਲਈ 1,33,00,000 ਰੁਪਏ ਦੀ ਮਦਦ ਦੇਣ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ ਔਰ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ ਦੇ ਕੰਡੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਉਹ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕੋਈ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ, ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਾ ਕੋਈ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਉਹ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਹਰ ਸਾਲ ਫੂਡ ਦੇ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਡਿਫਿਸਿਟ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪੁਰ ਜ਼ੋਰ ਮਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਇਸ ਪੈਰੇ ਵਿਚ ਦੂਜੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਥੇ ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ ਔਰ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ ਦੇ ਕੰਡੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਅੱਛੀ ਗਲ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਮੁਸਤਕਿਲ ਤੌਰ ਤੇ ਡਿਵੈਲਪ ਕਰਨ ਦੀ ਅਜ਼ਹਦ ਲੋੜ ਹੈ । ਅਜ ਤਕ ਊਨਾ ਸਬ-ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਇਗਨੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੁੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁਣ ਪਲੈਨ ਬਣਾਈ ਹੈ ਪਹਿਲਾਂ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆਜ਼ ਦੀ ਵੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ । ਉਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਲੇਕਿਨ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਡੈਮ ਬਣਿਆ ਔਰ ਉਸ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦੂਰ ਤਕ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਪਹੁੰਚਿਆ, ਜਿਸ ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ ਦੇ ਭਾਖੜੇ ਤੋਂ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਹੋਈ ਔਰ ਉਸ ਨਾਲ ਦੂਰ ਦਰਾਜ਼ ਇਲਾਕਿਆਂ ਨੂੰ ਰੌਸ਼ਨ ਔਰ ਸਰ-ਸਬਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਉਹੀ ਊਨਾ ਸਬ-ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਪਾਣੀ ਔਰ ਬਿਜਲੀ ਨੂੰ ਤਰਸ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਤਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਚਿਰਾਗ ਤਲੇ ਹਨ੍ਹੇਰੇ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਥੇ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਹਨ੍ਹੇਰਾ ਹੀ ਹਨ੍ਹੇਰਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਲਿਫਟ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਵੀ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਲਿਫਟ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਨਾਲ ਹੀ ਪਾਣੀ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਕਹਿਤਸਾਲੀ ਜਾਂ ਖੁਸ਼ਕਸਾਲੀ ਥਲੇ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ਔਰ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਈ ਜਾ ਸਕੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤਜਰਬਾ ਇਹ ਦਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਕਾਗਜ਼ੀ ਸਕੀਮਾਂ ਹੀ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਊਨਾ ਹਿਲੀ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਲਈ ਕੁਝ ਪੀਣ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਵੀ ਹਨ ਪਰ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਜਿਸ ਪਿੰਡ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪੀਣ ਲਈ ਪਾਣੀ ਨਾ ਮਿਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਬੇਇਨਸਾਫੀ

ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? 3 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਊਨਾ ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਲਈ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਜਾਮਾ ਨਹੀਂ ਪਹਿਨਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ । 3-4 ਮੀਲ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਲਿਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਹੈਲਥ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾ ਉਥੇ ਤਸ਼ਰੀਫ ਲੈ ਗਏ ਸਨ, ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਸਕੀਮਾਂ ਪਾਸ ਵੀ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ, ਕੁਝ ਸਕੀਮਾਂ ਸੈਨੇਟਰੀ ਬੋਰਡ ਨੇ ਵੀ ਪਾਸ ਕੀਤੀਆਂ, 30,000 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰੈਲਿਮਿਨਰੀ ਵਰਕਸ ਲਈ ਦੇਣ ਲਈ ਕਿਹਾ । ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਕਾਗਜ਼ ਤੇ ਤਾਂ ਮੌਜੂਦ ਹੈ ਪਰ ਅਜ ਤਕ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਇਹ ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਮਾਰਚ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਨੇੜੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਅਗਰ ਨਾ ਮਿਲਿਆ ਤਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਅਧੂਰੀਆਂ ਰਹਿ ਜਾਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਕਲੀਫ ਬਦਸਤੂਰ ਜਾਰੀ ਰਹੇਗੀ । ਇਹ ਜੋ ਤਸੀਲ ਊਨਾ ਹੈ ਇਸ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬਾਰਾਨੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਪਾਣੀ ਖਿਚਣ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਮੰਗਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਮਰਸ਼ਲ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ, ਖਰਚ ਬਹੁਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧੇ ਪਰ ਜੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇਣ ਵੇਲੇ ਕਮਰਸ਼ਲ ਪਹਿਲੂ ਦਾ ਹੀ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਪੈਦਾਵਾਰ ਕਿਵੇਂ ਵਧੇਗੀ (ਘੰਟੀ) ਮੈਨੂੰ ਚਾਰ ਪੰਜ ਮਿੰਟ ਦਿਉ, ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ।

**Deputy Speaker** : Please wind up now.

**ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ** : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬੈਕਵਰਡ ਏਰੀਆ ਹੈ, ਇਹੀ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਕੁਝ ਗ੍ਰਾਂਟ ਦੇਕੇ, ਸਬਸਿਡੀ ਦੇਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਹਨ੍ਹੇਰਾ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ।' ਉਥੇ ਇਸ ਨਾਲ ਛੋਟੀ ਛੋਟੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਚਲ ਸਕੇਗੀ, ਇਲਾਕਾ ਉਠ ਸਕੇਗਾ । ਜਦੋਂ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਜਾਂ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟਸ ਦਾ ਖਿਆਲ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਪੈਸਾ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਦੀ ਹੈ ਮਗਰ ਕੰਮ ਅਧੂਰਾ ਛਡ ਦਿੰਦੀ ਹੈ । ਇਲਾਕਾ ਨਿਹਾਇਤ ਗਰੀਬ ਹੈ, ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਨਹੀਂ । ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਟ੍ਰਾਇਲ ਬੋਰਜ਼ ਕਰਕੇ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕੁਝ ਹੌਸਲਾ ਕਰਨ ਵਰਨਾ ਜਿਸ ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਾਉਣ ਤੇ ਲਾਇਆ ਪੈਸਾ ਜ਼ਾਇਆ ਹੋਣ ਦਾ ਡਰ ਹੋਵੇ ਉਹ ਗ਼ਰੀਬ ਆਦਮੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੌਸਲਾ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਉਥੇ ਦੇ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਬੋਰਿੰਗ ਦਾ ਖਰਚ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਜੋ ਪੈਸਾ ਪੰਪਿਗ ਸੈਟਸ ਆਦਿ ਲਈ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਲੈਪਸ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਇਹ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟ 5 ਏਕੜ ਵਾਲਾ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਲਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੈ । ਹਿਲੀ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਛੋਟੇ ੨ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਹਨ ਇਹ ਸ਼ਰਤ ਉਹ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸ਼ਰਤ ਕਿਉਂ ਲਾਉਂਦੇ ਹੋ ? ਅਫਸਰ ਗਲ ੨ ਵਿਚ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਰੂਲਜ਼ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ ।

**Deputy Speake** : Please wind up

**ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ** : ਫਿਰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ ਅਜ ਕਲ ਮਹਿੰਗਾਈ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਹਰ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਘਟੋ ਘਟ ਇਕ ਸੌ ਰੁਪਿਆ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ, ਇਸ ਤੋਂ ਘਟ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ । ਮਗਰ ਇਹ ਗਲ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । (ਵਿਘਨ) ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਚਪੜਾਸੀ ਚਾਹੇ ਭਾਖੜੇ ਬੈਠਾ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਤੇ ਹੋਰ, ਉਹ 116 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ ਜਦਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਚਪੜਾਸੀ 70—80 ਰੁਪਏ ਤਕ ਹੀ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੈ । ਇਕ ਹੋਰ ਬੀਮਾਰੀ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ । ਚਪੜਾਸੀ

[ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ]

ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਤ ੱਕੀ 50 ਪੈਸੇ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ । ਜ਼ਮਾਨਾ ਬਦਲ ਗਿਆ ਹੈ, ਦੇਸ਼ ਅਗੇ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਤਸ਼ਰੀਫ ਰਖੋ। (The hon. Jember should resume his seat.)

**ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ** : ਦੋ ਚਾਰ ਮਿੰਟ ਹੋਰ ਦੇ ਦਿਉ।

**Deputy Speaker** : No please.

ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ ਗੌਤਮ : 50 ਪੈਸੇ ਵੀ ਕੋਈ ਤਰੱਕੀ ਹੈ ? ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ।

**Deputy Speaker** : No please.

**श्री रूप सिंह फूल** (हमीरपुर, ऐस. सी.) : सदरे मोहतरिमा, गवर्नर साहिब, के ऐड्रैस पर तबसरा करते हुए मैं कुछ अर्ज करना चाहता हूं....... (The hon. member was still on his legs when the House adjourned.)

**उपाध्यक्षा** : सदन कल 9½ बजे सुबह फिर मिलेगा । (The House shall reassemble at 9.30 a. m. tomorrow.)

(The Sabha then adjourned till 9.30 a. m. on the 22nd February, 1966.)

---

8676 PVS—384—18 1 -66—C., P. & S. Pb., Chd.

# Punjab Vidhan Sabha Debates

*22nd February, 1966*

**Vol. I—No. 5**

**OFFICIAL REPORT**

CONTENTS

*Tuesday, the 22nd February*, 1966





Price: Rs. 7.25 Paise

## *ERRATA*

TO

*Punjab Vidhan Sabha Debates, Vol. I, No. 5 dated the 22nd February, 1966.*

---

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ | ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ | (5)2 | 17 |
| फार्मों | फामों | (5)2 | 20,34 |
| ਹੋਵੇਗਾ | ਹਵੇਗਾ | (5)4 | 15 |
| बतौर लोन | बतौर लाने लोन | (5)5 | 10th from below |
| growers | gorwers | (5)7 | 3 |
| रीआर्गेनाईज़ेशन | रीआगेनाईज़ेशन | (5)13 | 14, 20 |
| डिपार्टमैंट | डिपार्टभैंट | (5)13 | 3rd from below |
| इन्कम्पलीट | इन्कप्पलीट | (5)14 | 14 |
| ਘੇਚਲ | ਘੇਚਨਲ | (5)14 | 19 |
| ਆਪਦੇ | ਆਪਣੇ | (5)14 | 29 |
| Deputy Minister | Deputy Ministwer | (5)14 | 32 |
| Challan | Challans | (5)16 | 8 |
| registered | regstered | (5)17 | 15 |
| Amritsar | mritsar | (5)23 | 4th from below |
| in his | him in | (5)30 | 3 |
| in | by | (5)34 | 2 |
| out side the Constituency | by him | (5)34 | 3 |
| tehsil | tesil | (5)35 | 5 |
| library | ibrary | (5)37 | 8th from below |
| Panjwar | Panjwal | (5)38 | 7th from below |
| Karnal | Karna | (5)39 | Last |

P. T. O.

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| Samrala | Samral | (5)41 | 15 |
| Construction | Constuction | (5)48 | 15 |
| district | distric | (5)49 | 2 |
| school | schoo | (5)49 | 4 |
| Gandhi | Gand | (5)51 | 13 |
| Karan | Karam | (5)51 | 20 |
| College | Co ege | (5)51 | 29 |
| Ambala | Amba a | (5)51 | Last |
| library | brary | (5)56 | 16th from below |
| Gujri | Gujr | (5)62 | 3rd from below |
| stayed | staged | (5)63 | 15 |
| Development | Developmen | (5)64 | 1 |
| पंडित | पंडति | (5)68 | 8th from below |
| Pandit Chiranji Lal Sharma | Pandit Chiranaji Lal Sharma | (5)82 | 13 |
| | Pandit Chiaranji Lal Sharma | (5)86 | 6 |
| पंडित चिरंजी लाल शर्मा | पंडित जिरंजी लाल शर्मा | (5)82 | 28 |
| [illegible] | ध्री | (5)88 | 1 |
| जंगे | जं ो | (5)91 | 9 |
| morning | morn ng | (5)95 | 25 |
| ਕਰਦਾ | ਦਾਕਰ | (5)95 | Last |
| ਲੁਕਾ | ਲਕਾ | (5)95 | Last |
| Deputy Speaker | Dputy Speaker | (5)106 | Last but one |
| DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS | GOVERNOR'S ADDRESS | (5)117 | Heading |

———

# PUNJAB VIDHAN SABHA

## Tuesday, the 22nd February, 1966

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhawan, Sector* 1, *Chandigarh, at* 9.30 *A.M. of the Clock. Mr. Speaker (Shri Harbans Lal) in the Chair.*

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Supplementaries to Starred Question No. *9167

**Mr. Speaker :** Supplementaries on Starred Question No. 9167 by Chaudhri Net Ram.

**Comrade Ram Piara :** Mr. Speaker, the Home and Development Minister is not present in the House. He is to reply to this question and he should reply because there is a lot of bungling..........

**Mr. Speaker :** Comrade Ram Piara do not make a speech. Your point has come.

Mr. Garg, is the Home Minister coming today or not ?

**Chief Parliamentary Secretary :** No, Sir.

**Mr. Speaker :** All right, supplementaries are postponed.

---

### Supply of Canal water to the Government Seed Farms

***8861. Sardar Gurcharan Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether it is a fact that the Government Seed Farms are supplied more canal water than that supplied to the other land-owners of the commanded area ; if so, the reasons therefor ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** Yes, to produce seed of superior quality and in sufficent quantities so that the same is made available to the cultivators to step up food production.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਮੁਤਲੱਕਾ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਨਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਚੰਗਾ ਸੀਡ ਪੋ੍ਡਿਊਸ ਕਰਨ ਲਈ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਤੋਂ ਡਬਲ ਪਾਣੀ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਹੀ ਫੇਲ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਫਿਰ ਕਿਉਂ ਪਾਣੀ ਐਟ ਪਾਰ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਅਤੇ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨੂੰ ਡਬਲ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

**मन्त्री :** फेल होने के मुताल्लिक तो मालूम नहीं । वैसे पोज़ीशन यह है कि जो सीड फार्म हैं उन्हें पानी डबल दिया जाए इस का फैसला कैबिनेट ने सन 1963 में किया था । It was a suggestion from the Agriculture Department and it was approved by the Cabinet.

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक :** क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि यह जो सीड फार्म हैं इन्हें गवर्नमेंट खुद कलटीवेट नहीं करती और टेनैंटस को दे रही है और इन में काप बहुत पूअर है ?

---

*Note.—Starred Question No. 9167 and reply there to appear in P.V.S. Debate, Vol. I, No 3, dated the 17th February, 1966.

**मन्त्री** : मुझे इन सीड फार्मों की फरदर वर्किंग के बारे में पता नहीं इस को एग्रीकलचर डिपार्टमैन्ट डील करता है।

**ਸਰਦਾਰ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਹੀ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਫੇਲ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਜਾਂ ਅਬਾਲਿਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਇਰਾਦਾ ਨਹੀਂ ?

**Mr. Speaker** : That matter relates to the Agriculture Department.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਰਜਿਸਟਰਡ ਗਰੋਅਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸੋਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਸੀਡ ਖਰੀਦਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਡਬਲ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਰਜਿਸਟਰਡ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਡਬਲ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ?

**मन्त्री** : यह बात क्वैस्चन में तो नहीं थी कि रजिस्टर्ड ग्रोअर्ज़ को पानी क्यों नहीं दिया जाता। मैं ने तो जो सीड फार्म हैं उनके बारे में फैक्चुअल पोजीशन आप के सामने रखी है। अगर आप अलग नोटिस दें तो पता करके बता सकता हूं।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨੂੰ ਡਬਲ ਵਾਟਰ ਸਪਲਾਈ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀਆਂ ਨਾਲ ਇਸ ਸੰਬੰਧ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ?

**मंत्री** : मैं ने जैसा कि पहले अर्ज़ किया है कि इस के बारे में कैबिनेट का फैसला था कि क्योंकि फार्म में अच्छा बीज पैदा करना होता है इस लिए यह ख्याल था कि पानी की कमी की वजह से नुकसान न हो। इस लिए सीड फार्मों को और एजुकेशनल इन्स्टीच्यूटस के साथ वाली फार्मों को फालतू पानी देने का फैसला किया गया था।

**कामरेड राम प्यारा** : क्या वजीर साहिब बताएंगे कि जिन जिन सीड फार्मों को डबल पानी दिया गया उन को किसी स्टेज पर सरकार ने वैरिफाई किया या इस बात को एग्जामिन करने की ज़रूरत समझी कि ज्यादा पानी देने से कोई फायदा हो रहा है या नहीं ?

**मन्त्री** : इस के बारे में सरकार ने कोई एग्ज़ामीनेशन नहीं करवाया।

**ਸਰਦਾਰ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੋਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਸੀਡ ਖਰੀਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

**मन्त्री** : अगर उनकी तरफ से कोई रिक्वैस्ट आएगी तो उसको एग्ज़ामिन कर लिया जाएगा।

**ਸਰਦਾਰ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੁਗਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਨਾਂ ਦੇ ਲਾਗੇ ਚਾਗੇ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਵਿਚ ਦੀ ਯੀਲਡ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨਾਲੋਂ ਵਧ ਹੈ ਤੇ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਵਿਚ ਘਟ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹਨ ?

**मन्त्री** : मैं ने पहले ही अर्ज़ किया है कि सीड फार्मों की वर्किंग और मेनटेनेंस का काम एग्रीकलूचर डिपार्टमेंट करता है अगर आपको मज़ीद इतलाह चाहिए तो इस के लिए सैपेरेट नोटिस आप दे दें I will try to collect it.

**श्री अमर सिंह** : क्या आनरेबल मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि जब सारी ही सीड फार्म फेल हो गई हैं तो क्या कारण है कि बिरला को बीज तैयार करने के लिये सीड फार्म अलाट कर दी गई ?

**Mr. Speaker :** Not allowed.

**चौधरी राम सरूप** : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि ज्यादा पानी देने से भी बीज खराब हो जाते हैं तो क्या सरकार का यह फर्ज़ नहीं है कि वह देखे कि पानी ज्यादा दिया है जिस की वजह से बीज खराब हो गए हैं।

**Mr. Speaker :** Beyond the scope.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸੀਡ ਰਜਿਸਟਰਡ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਤਿਆਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੀਡ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਸੀਡ ਫਾਰਮਾਂ ਨਾਲੋਂ ਅਧਾ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਉਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ? ਕੀ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਡਿਸਕ੍ਰੀਮੀਨੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ?

**मन्त्री** : मैं ने पहले ही अर्ज़ किया है कि जब इस तरह की कोई रिक्वैसट आएगी तो उस को एग्जामिन कर लिया जाएगा ।

---

## Re-settlement of the Beas Dam Oustees

***9294. Thakur Mehar Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether Government has taken a final decision for the resettlement of the Beas Dam Oustees in Rajasthan ; if so, the area of land being reserved for them for the purpose and the area of land proposed to be given to each family together with the financial aid proposed to be given to them to construct their houses and start agricultural operations ;

(b) the details of transport facilities, if any, proposed to be given to the outsees to enable them to take their families and belongings to the place of their resettlement ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Yes. It has been decided to resettle the Beas Dam Oustees in Bikaner Division of Rajasthan in the area commanded by Rajasthan Canal. An area of 3·25 lac acres of land has been reserved for the purpose of resettlementof Punjab and Himachal Pradesh Oustees by the Rajasthan Government The extent of land that would be allotted to each eligible oustee family is under consideration of the Government. Rajasthan Government have agreed to advance a loan of Rs 2 000 per family to construct their houses. There is no proposal at present to give financial aid to the oustees for starting agricultural operations.

(b) Details of transport facilities proposed to be given to the oustees to enable them to take their families and belongings to the place(s) of their resettlement on the pattern as adopted on the Bhakra Project are given in the Annexure 'A'

**ANNEXURE 'A'**

(1) Railways/Bus fare (inclusive of incidental charges) per adult members Rs 25

(2) No fare to be paid for children below three years of age.

[Minister for Irrigation and Power]

(3) For children between three years and twelve years of age .. Half the rates proposed above.

(4) Freight charges for all animals to be transported on wagon load basis. In addition incidental charges of rupees 15 per cattle of the category of buffalo, Cow, Ox and camel etc. For Sheep and goats the customs will be given rupees 2 for each.

(5) In addition, the oustees are to be paid a rehabilitation grant of Rs 250 per family. However, an increase in rehabilitation grant is under consideration.

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ** : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜਸਥਾਨ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਇਨਾਂ ਆਊਸਟੀਜ਼ ਨੂੰ ਸੈਟਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਾਈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਊਸਟੀਜ਼ ਨੂੰ ਸੈਟਲ ਕੀਤਾ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਿਹਾਇਸ਼ ਅਤੇ ਖਾਣ ਪੀਣ ਦਾ ਕੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹਵੇਗਾ ?

**मन्त्री** : जब तक इन को सैटल नहीं किया जाता सारा इंतज़ाम सरकार की तरफ से उन की देख भाल का किया जा रहा है । राजस्थान सरकार इन को ज़मीन दे रही है और डी. सी. रीसैंटलमैंट इस मुग्रामला को सैटल कर रहे हैं ।

**Shri Rup Singh 'Phul'** : Sir, may I know the approximate date by which the first batch of oustees will be taken from District Kangra for settlement in Rajasthan ?

**मन्त्री** : इस के लिये हम कोई स्पैसिफिक डेट नहीं दे सकते हैं । यह अभी फैसला करना है कि कौन कौन किस ज़मीन को देने के लिये तैयार होता है अभी सारी बातों का फैसला करना है कीमतों का भी अंदाज़ा लगाना है उन को दिखाना है, वह इस को लेने पर रज़ामंद होते भी हैं या नहीं ।

**श्री बलराम जी दास टंडन** : क्या राजस्थान सरकार के साथ पंजाब सरकार ने कोई फैसला भी कर लिया है कि वह पर फैमिली कितनी ज़मीन आऊसटीज़ को देंगे ?

**मन्त्री** : गवर्नमैण्ट ने हालात के मुताबिक सारी कंसिडरेशन्ज़ को सामने रख कर कि किस को कितनी ज़मीन देनी है पहले अर्जियां जो मांगी गई हैं उन पर फैसला करना है कि कौन कौन सी ज़मीन खरीदना चाहता है । यह मुग्रामला सरकार के अभी ज़ेरे गौर है ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਜਿਹੜੇ ਬਿਆਸ ਡੈਮ ਦੇ ਆਊਸਟੀਜ਼ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਉਨਾਂ ਦੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਦਰਖਤ ਖੜ੍ਹੇ ਹਨ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਉਹ ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਪਿਛੇ ਨਿਕਲ ਚੁੱਕਾ ਹੈ । (That question has already been answered.)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : क्या इन आऊसटीज़ को अपना सामान वगैरा ले जाने के लिये कोई रकम सबसिडी के तौर पर भी दी जायेगी ?

**मुख्य मन्त्री :** यह एक ऐसा सवाल है जो कि सारे हाउस की दिलचस्पी का बायस बना हुआ है। जहां तक ब्यास डैम के आउस्टीज़ का सवाल है हमारी 3 बार इस मुआमले के मुतालिक बात चीत हो चुकी है। मार्च के आख़री हफता में जो मीटिंग हुई इस में यह फैसला किया गया कि इनको 3 लाख 25 हज़ार ऐकड़ ज़मीन दी जाय। फिलहाल दो खित्ते हैं एक 19,000 एकड़ का और दूसरा 70,000 एकड़ का जो कि दिये जाते हैं। यह ज़मीन सिर्फ उन दो आउस्टीज़ को ही दी जायेगी जो इस जमीन को पूरी तरह से डिवैल्प करना चाहते हैं। हम इन को पूरी सुविधाएं जो भी दे सकते हैं देने की कोशिश करेंगे। जब तक कि वह पूरी तरह बसाये नहीं जा सकते इनके लिये ट्रांस्पोर्ट का भी सारे का सारा बन्दोबस्त किया जायेगा। गवर्नमेंट लैवल पर इस के लिये एक कमेटी बनी हुई है जो वर्क आऊट कर रही है।

**चौधरी नेत राम :** ब्यास डैम निर्माणकारियों को जो ज़मीन दी जायेगी वह बारानी ज़मीन होगी या इस को नहरी पानी दिया जायेगा।

**मुख्य मन्त्री :** हमारी कोशिश तो यह है कि वह जमीन दी जाये जिसको कि नहरी पानी लगता हो। उनको अच्छी से अच्छी ज़मीन देने की कोशिश की जाएगी।

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम :** जैसा के पहले बताया गया है कि आउस्टीज़ को 2000 रु० फी फैमिली घर बनाने के लिये दिया जायेगा, इस ज़माने में जब कि हर एक चीज़ महंगी है क्या यह दो हजार रुपये नाकाफी न होंगे ?

**मन्त्री :** 2,000 रु० का लोन तो मकान बनाने के लिये है और भी बहुत से कामों में अलग अलग सहूलतें दी जायेंगी।

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ :** ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰਾਜਸਥਾਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ ਵਾਇਦਾ 1962 ਵਿੱਚ ਚੀਨੀ ਐਗਰੇਸ਼ਨ ਵੇਲੇ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਹੁਣ ਕਿਧਰੇ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਵਾਇਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਿਆਸ ਦੇ ਆਊਸਟੀਜ਼ ਲਈ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ?

**Mr. Speaker :** There should be no reflection on the Rajasthan Government The hon, Member should please put his supplementary question. There should be no comment on the Rajasthan Government.

Moreover this is not a supplementary question.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** दो हज़ार रुपया जो बतौर लाने लोन दिया जायेगा क्या यह विद इंट्रैस्ट है या विदआऊट इंट्रैस्ट है ?

**मन्त्री :** यह इंट्रैस्ट फरी लोन होगा।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਜਿਹੜਾ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਆਪਣੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਦਾ ਆਊਸਟੀਜ਼ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ।

**मन्त्री :** उन की बहुत सी डिमांडज़ थीं जिन में से कुछ को मान लिया गया है और कुछ पर गौर किया जा रहा है।

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक :** चीफ मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि दो खित्तों में ज़मीन है जो दी जानी है। एक 70 हज़ार एकड़ की है और दूसरी 19 हज़ार एकड़ की। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या इस सारी ज़मीन को पानी दिया जायगा ?

**मन्त्री** : पहले फेज़ में जो ज़मीन दी जायेगी यह इरीगेटिड रकबा होगा और दूसरे फेज़ में जो ज़मीन दी जानी है वह बाद में सैराब हो जायेगी। पानी तकरीबन सारी को लगेगा।

**श्री रूप लाल महता** : क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि गुड़गांव ज़िले को जो नहर दी जानी है इस के लिये 1966 तक जो मुकम्मल करने का फैसला किया था आया यह उस के मुताबक मुकम्मल हो जायगी ?

**मन्त्री** : शैडयूल के मुताबिक 1966 तक यह कम्पलीट हो जायेगी ।

**श्री बाबू दयाल शर्मा** : यह नहर कौन कौन से इलाके को सैराब करेगी ?

**मन्त्री** : वैसे तो इस सारी ज़मीन से कोई 6,86,000 ऐकड़ ज़मीन सैराब होगी मगर इस में से कोई 1,65,000 एकड़ जमीन राजस्थान की है जो सैराब की जायेगी। बाकी 5 लाख से ऊपर गुडगांव ज़िले की है जो सैराब की जायेगी।

---

## Gurgaon Canal Project

***9325. Shri Roop Lal Mehta** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the time by which the Gurgaon Canal Project is likely to be completed ;

(b) the source of water from where the said canal will be fed ;

(c) whether any feeder has been completed to provide water for the said canal ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) By 1969-70 Subject to availability of funds.

(b) River Yamuna and river Beas after the completion of Beas Sutlej Link

(c) Yes Narwana Branch Karnal Link has been completed,

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : May I know Sir as to why the completion of this Project has been unnecessarily delayed ?

**मन्त्री** : शैडयूल के मुताबिक काम चल रहा है। 1962 में एमरजैंसी की वजह से ड्राप कर दिया था। शैडयूल के मुताबिक यह काम जून, 1966 में मुकम्मल होना चाहिए, वह हो रहा है।

**श्री बाबू दयाल शर्मा** : क्या गवर्नमेंट के नोटिस में है कि उस नहर पर जो मैटीरियल पड़ा था वह पिछले दिनों में दूसरी जगह भेज दिया गया है ?

**मन्त्री** : मैटीरियल के मुताल्लिक सैपेरेट नोटिस दे दें, पता कर दूंगा।

**चौधरी नेत राम** : क्या मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि जिन के खेतों में नहर का पानी नहीं लगा और फसलें नहीं हुईं क्या उन किसानों को सहूलत दी जाएगी ?

**श्री अध्यक्ष** : वह अलग सवाल है। (This is a separate question.)

---

## Rates charged for Water supplied for Sugarcane in District Gurgaon

***9328. Shri Roop Lal Mehta** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the rates of canal water supplied from the Upper Agra Canal for Sugar-cane in Gurgaon District are

high as compared with the rates charged in the other areas of the State ;

(b) whether the Government proposes to compensate the gorwers of Gurgaon district on account of the difference in the water rates referred to in part (a) above ;

(c) whether the Government proposes to acquire rights over the Upper Agra Canal portion in the Punjab Area in order to provide facilities to the Punjab farmers and to save them from payment of high water rates ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Yes

(b) No

(c) The matter is being pursued with the Government of India and the U.P. Government.

**श्री रुप लाल महता :** सौ साल से पंजाब के किसान डबल ग्राबयाना दे रहे हैं। इस डबल रेट को कम करने के लिये पंजाब सरकार क्या कर रही है ?

**मन्त्री :** ज़िला करनाल की जो डिस्ट्रीव्यूटरीज हैं उन पर जो ग्राबयाना है वह पंजाब के दूसरे हिस्सों की निसबत ज्यादा है। क्योंकि उन पर यू. पी. गवर्नमेंट की एडमिनिस्ट्रेशन है, इस लिये भी कुछ तसल्लीबख्श काम नहीं होता। हम ने यूनियन मिनिस्ट्री की मारफत यह दरखास्त दी थी कि यह जो गुड़गांव ज़िले में ग्रागरा कैनाल की डिस्ट्रीब्यूट्रीज हैं इनका कंट्रोल पंजाब सरकार को दे दिया जाए ग्रौर ट्रांसफर कर दें। दो महीने हुए दिल्ली में मीटिंग हुई थी। उस में यू. पी. के इरीगेशन मिनिस्टर ग्रौर सैंटर के मिनिस्टर थे ग्रौर पंजाब की तरफ से भी नुमायंदा हाजर था। उस में दो तीन बातों पर डिस्कशन हुई। उस के बाद 3 इंजनीयर्ज की एक कमेटी बनी है। सैंटर के वाटर एंड पावर कमीशन के चेयरमैन उस के चेयरमैन हैं, एक इंजनियर पंजाब का है ग्रौर यू. पी. के चीफ इंजीनियर मैम्बर्ज हैं। वह सारी पोजीशन को एग्जामिन कर रहे हैं। उस में प्रिंसीपली यह फैसला होना है कि जो डिस्ट्रीब्यूट्रीज गुड़गांव ज़िला में से गुजरती हैं, जो होल यू. पी. की जमीनों को सैराब करती हैं उनको छोड़ कर बाकी डिस्ट्रीब्यूट्रीज का कंट्रोल पंजाब सरकार को ट्रांसफर कर दिया जाए। उनकी रिपोर्ट ग्राने पर कार्रवाई की जाएगी।

**श्री रुप लाल महता :** क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि इस साल ड्राट में पानी की कमी हुई ग्रागरा नहर का हम ने पानी लेना था, पंजाब सरकार ने कितने कदम उठाए हैं पानी दिलाने के लिए ?

**मन्त्री :** इस साल पानी की सप्लाई का सम्बन्ध ईस्टर्न कैनाल से था, ग्रागरा कैनाल से था। पंजाब की नहरें जो वैस्टर्न जमना कैनाल से, दरियाए जमना से सर्व होती हैं उन की नार्मल रिक्वायरमैंट का चौथा पांचवां हिस्सा भी पानी नहीं था। वह हालात ऐसे थे जिन में पंजाब सरकार या यू. पी. की सरकार मदद नहीं कर सकती थी। ड्राट की वजह से, बारिश न होने की वजह से पानी कम था।

**श्री बाबू दयाल शर्मा :** क्या गवर्नमैण्ट यह बता सकती है कि इतना ग्ररसा से यू. पी. गवर्नमैण्ट चौगना टैक्स वसूल कर रही है, हमारी गवर्नमैण्ट की क्या मजबूरी थी कि कदम नहीं उठाए गए ?

**मन्त्री** : बार 2 इस सवाल को टेक अप किया है। यू. पी. सरकार इसको ट्रांसफर करने के लिये एग्रीएबल नहीं थी। दो दफा मीटिंग्ज़ हो चुकी हैं। इस मामला को परसू करेंगे।

**चौधरी नेत राम** : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि दूसरी जगहों पर भी जहां किसानों की फसलें खड़ी हैं नहरों में पानी नहीं और इस के नतीजा के तौर पर खुराक में भी कमी है क्या सरकार उन किसानों को अनाज पैदा करने की सुविधा देगी ?

**श्री अध्यक्ष** : यह सवाल पैदा नहीं होता। (This question does not arise.)

**श्री बाबू दयाल शर्मा** : पंजाब सरकार ने यू. पी. सरकार को बार 2 यह बात पेश की ज्यादा रेट चार्ज करने की और उनके न मानने पर इन्होंने यूनियन सरकार को यह मामला कितनी बार पेश किया कि हम से चौगना रेट चार्ज किया जा रहा है ?

**मन्त्री** : डेढ़ साल में यह मामला दो तीन दफा टेक अप किया है। दो दफा मीटिंग्ज़ हो चुकी हैं। इस को सीरियसली परसू कर रहे हैं। प्रिंसिपली कुछ बातें तैयार की गई हैं। जितनी गवर्नमैंट की शक्ति है या जो कुछ इस मामले में कर सकती है हम पूरी ताकत के साथ कर रहे हैं।

**श्री सागर राम गुप्ता** : मैं मिनिस्टर साहिब से जानना चाहता हूं कि सारे पंजाब में मुख्तलिफ वाटर रेट्स हैं, नहर का मुख्तलिफ है, ट्यूबवैल का मुख्तलिफ है, इस डिस्क्रीमिनेशन को दूर करने के लिए सरकार क्या कर रही है ?

**Mr. Speaker :** Not allowed.

**श्री रुप लाल महता** : पिछले साल सारी फसलें बरबाद हुई। पंजाब सरकार के जरिए हम ने लिखा कि हमारे किसानों को वाटर रेट में रिमिशन मिलनी चाहिए, जैसे इर की ससपेंशन हो जाती है, यू. पी. सरकार ने बिल्कुल नहीं किया। क्या सरकार उन्हें कम्पेंसेट करेगी ?

**मंत्री** : कम्पेंसेट करने के मुताल्लिक तो कुछ नहीं कर रहे। पंजाब के सम्बन्ध में किसानों को जहां रिलीफ देते हैं पानी न मिलने की वजह से वहां यू. पी. गवर्नमैंट भी देगी। और भी सुझाव हैं जिन की बिना पर पंजाब सरकार ने यह मुनासब समझा कि उन नहरों का कंट्रोल पंजाब के अख्तियार में हो तो जैसे और इलाके में देते हैं गुड़गांव के इलाके को भी यह सहूलत दें।

**श्री बाबू दयाल शर्मा** : मैं यह पूछना चाहता हूं कि इतना जो उन्होंने एक्सेस रिसीव कर लिया है क्या गवर्नमैंट उसको रिफंड कराने के लिए कोई तजवीज़ कर रही है ?

**मन्त्री** : वह यू. पी. गवर्नमैंट ने फैसला किया है। आगरा कैनाल पंजाब स्टेट में नहीं है। जो उन के रेट हैं वह सारी स्टेट में हैं। उसके रिफंड करने का कोई सवाल पैदा नहीं होता।

---

**Construction of Grid Station at Sultanpur (Kapurthala)**

***8958. Sardar Balwant Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the Punjab State Electricity Board has acquired any land for the construction of a Grid Station (Power Station) at

Sultanpur (Kapurthala), if so, the date of acquisition of the said land ;

(b) the details of the scheme of the Board with regard to the construction of the above-mentioned Grid Station (Power Station) and the dates when its construction is likely to be started and completed ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Yes Sir. 19-9-1963.

(b) The Scheme envisages construction of 2 MVA/33/11 KV Sub-station at Sultanpur and 33 Kv line from Kapurthala to Sultanpur. The work is likely to be started in March, 1966 and completed in December, 1966.

**ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ :** ਜਨਾਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਅਲੈਕਟਰਿਸਿਟੀ ਬੋਰਡ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਐਸੇ ਰੂਲਜ਼ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਲੈਂਡ ਐਕੁਈਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਰਨ ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਰਾਜੈਕਟ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਵਿਚ ਕਿੰਨਾ ਟਾਈਮ ਰਿਕੁਆਇਰਡ ਹੈ ? ਇਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਦਾ ਅਰਸਾ ਲਗ ਗਿਆ ਹੈ । 1963 ਵਿਚ ਲੈਂਡ ਐਕੁਆਇਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ 1966 ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ।

Do you normally take three years in such cases, or is Sultanpur a particular case where three years have been taken between the acquisition of land and the starting of the Project itself ?

**मन्त्री :** इंडीविजुअल केस का तो मैं जवाब नहीं दे सकता कि कितना टाइम लगता है। अगर कोई खास बात है तो बताएं। नारमली दो तीन साल ज़रूर लग जाते हैं। लैंड और मैटीरियल वगैरा एक्वायर करने में, दूसरी बातें हैं, उस पर बहुत दफा टाइम ज्यादा लगता है।

**Sardar Balwant Singh :** May I know from the hon. Minister, if the Government is prepared to enquire into the causes of this long delay and fix responsibility on the Officer responsible for such a long delay ?

**मन्त्री :** वैसे डीले तो हुई है लेकिन मजबूरी यह थी कि मैटीरियल बाहिर से लाना पड़ता है और कुछ फण्डज़ की कमी भी हो जाती है।

**चौधरी अमर सिंह :** क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि सितम्बर, 1966 में वह ग्रिड स्टेशन मुकम्मल होने के बाद कितने एरिया को सर्व करेगा ?

**मन्त्री :** इस के लिए नोटिस चाहिए।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਲਈ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਐਕੁਆਇਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਕਮਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

**मन्त्री :** कम्पनसेशन मई, 1963 में दे दिया गया था।

---

## Applications from persons of Bhiwani Tehsil for granting old age pension

***9319. Shri Sagar Ram Gupta :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) the names and addresses of the persons in Bhiwani Tehsil from whom applications for old age pension have so far been received by the Government together with the dates on which the same were received ;

[Shri Sagar Ram Gupta]

(b) the names and addresses of the persons out of those mentioned in part (a) above, who have been sanctioned the said pensions together with the amount sanctioned in each case and the date when it was sanctioned ;

(c) the period within which the remaining applications are likely to be disposed of ?

**Shri Chand Ram :** The requisite information is laid on the Table of the house.

(a) &(b) No separate Tehsil-wise record of the applications received has been maintained. The time and labour involved in the collection of the requisite data will not be commensurate with the benefit likely to be achieved However, out of 295 persons, who have so far applied for pension from Hissar District, 143 persons have since been granted pension. The rate o pension in all the cases is Rs 15/- p.m. each.

(c) Efforts will be made to dispose of the remaining applications as early as possible, subject to availability of funds.

**श्री सागर राम गुप्ता** : क्या मंत्री महोदय बताएंगे ओल्ड एज पैनशन की दरखास्तों को डिस्पोज़ आफ करने के लिए क्या क्राइटीरिया फिक्स कर रखा है ?

**मन्त्री** : दरखास्तें जैसे जैसे आती हैं first come first served के हिसाब से डील की जाती हैं। इस के इलावा जिन का कोई बिलकुल वाली वारस न हो उन को प्रायरटी दी जाती है।

**श्री बलराम जी दास टंडन** : जब कोई दरखास्त आती है तो उस के मंजूर होने के लिए और ऐप्लीकैंट को पैनशन मिलने के लिए कितना समय लगा जाता है ?

**मन्त्री** : जब ऐप्लीकेशन आती हैं तो उस की इनवैस्टीगेशन करवाई जाती है। लेकिन सवाल फण्डज़ का भी होता है। फण्डज़ हमारे पास इतने नहीं हैं कि सब डिज़रविंग केसिज़ में पैनशन दे सकें।

**श्री बलराम जी दास टंडन** : क्या ओल्ड एज़ पैनशन सब को बराबर दी जाती है ?

**मन्त्री** : हां जी, 15 रुपए माहवार दी जाती है।

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਫਾਰਮ ਵਿਚ ਇਕ ਐਸੀ ਆਈਟਮ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਕੋਲੋਂ ਅਟੈਸ਼ਟ ਕਰਵਾਉਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। (*Interruption*)

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम** : आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। क्या मैम्बर साहिब अपनी सीट से बोल रहे हैं या किसी दूसरी सीट से ?

**Mr. Speaker :** He has been allotted that seat at his own request.

**श्री बलराम जी दास टंडन** : उन्होंने स्पीकर साहिब अपनी सीट चेंज करवाने के लिए क्या वजह लिख कर दी थी ?

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ :** ਮੈਂ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲਾਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਓਰਿਜਨਲੀ ਰਿਪਬਲੀਕਨ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਸੀ ਮਗਰ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਨਾਲ ਬਤੌਰ ਐਸੋਸ਼ੀਏਟ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਬੈਠਦਾ ਸੀ। ਮਗਰ ਓਰਿਜਨਲੀ ਮੈਂ ਰਿਪਬਲੀਕਨ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਬੀਲੌਂਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਮੈਂ ਰਿਕੁਐਸਟ ਕੀਤੀ ਸੀ ਔਰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਸੀਟ ਅਲਾਟ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ।

ਹੁਣ ਮੈਂ ਆਪਣਾ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸਵਾਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਖਾਨਾ ਐਸਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਕੋਲੋਂ ਅਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਮਗਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਗਰੀਬ ਲੋਕ ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾ ਸਕਦੇ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਗਜ਼ੇਟਿਡ ਅਫਸਰ ਕੋਲੋਂ ਜਾਂ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਕੋਲੋਂ ਅਟੈਸਟ ਕਰਵਾਉਣ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

**मन्त्री :** मैं इस के बारे में पहले ही काफी वज़ाहत से कह चुका हूं ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਪੈਨਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦੇ ਵਕਤ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਵੀ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿਤਨੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ?

**मन्त्री :** मुझे अफसोस है कि मैम्बर साहिब ने ऐसा सवाल किया है । यह सारे के सारे गरीब ही होते हैं जिनको पैनशन दी जाती है । इस में हरिजन नान हरिजन की बात नहीं जिन की आमदनी नहीं होती गरीब होते हैं उनको सब को मिलती है ।

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम** : क्या वजीर साहिब बताएंगे कि यह जो 15 रुपए माहवार पैनशन दी जाती है क्या इसे बढ़ाने के लिए कोई तजवीज़ सरकार के ज़ेर गौर है ?

**मन्त्री** : मैं पहले भी अर्ज़ कर चुका हूं कि It is a question of funds हमारे पास पहले ही कोई 17 हज़ार ऐप्लीकेशनज़ आई हुई हैं जिनमें से मुश्किल से 9 हज़ार के करीब डिस्पोज़ आफ कर पाए हैं। बाकी के लोगों को तो हम 15 रुपए भी नहीं दे पाए हैं ।

**ਸਰਦਾਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਲਾਇਲਪੁਰੀ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ । ਇਥੇ ਬਹੁਤ ਸਵਾਲ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਹੁਤ ਜਵਾਬ ਦਿਤੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਅਸੀਂ ਜੋ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਵਾਲੇ ਬੈਠੇ ਹਾਂ ਉਹ ਜੋ ਹਰਿਆਣਾ ਦੀ ਬੋਲੀ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ਉਸ ਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਸਕੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲਗਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀ ਜਵਾਬ ਦਿਤੇ ਹਨ...........(ਸ਼ੋਰ)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਜ਼ਬਾਨਾਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ, ਹਿੰਦੀ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਇਹ ਤਿੰਨੋਂ ਜ਼ਬਾਨਾਂ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਫੀਸ਼ਲ ਲੈਂਗੁਏਜਿਜ਼ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਬਾਰ ਬਾਰ ਇਸ ਤਰਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ । ਤੁਸੀਂ ਇਨਾਂ ਜ਼ਬਾਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਜ਼ਬਾਨ ਵਿਚ ਵੀ ਬੋਲ ਸਕਦੇ ਹੋ। (This House has accepted three Languages viz. English, Hindi and Punjabi for the conduct of its proceedings and the hon. Members can speak in all the three languages for expressing their views. As the Members are aware the Official Languages Bill has already been passed. It is, therefore, not desirable to raise a point of order like this time and again. The Members can speak in any of the three languages.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਬ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਵਲ ਤਵਜੁਹ ਦਿਲਾਈ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰ ਹਿੰਦੀ ਜ਼ੋਨ ਦੇ

[ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ]

ਤੇ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰ ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ੋਨ ਦੇ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ੋਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੈ ਕਿ ਉਨਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਜ਼ਬਾਨ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਦੀ ਇਸੂ ਨੂੰ ਡਿਸਾਈਡ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਜੋ ਹਾਈ ਅਥਾਰਟੀ ਹੈ ਉਸ ਪਾਸ ਜੋ ਲੋਕ ਗਏ ਹਨ...........

**Mr. Speaker :** I am sorry, it is not a point of order. This question has nothing to do with the Parliamentary Committee to which the hon. Member is referring to.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਮੈਂ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ..... ..... ...(ਵਿਘਨ).............ਮੇਰਾ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਜ਼ਬਾਨ ਸਮਝ ਨਾ ਆਵੇ ਤਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਦਾ ਜੋ ਸਭ ਦਾ ਕਾਮਨ ਹੈ ਫਰਜ਼ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਸਮਝਾਣ ਲਈ ਜਿਸ ਜ਼ਬਾਨ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਜਵਾਬ ਦੇਵੇ। ਮੈਂ ਇਸ ਤੇ ਤੁਹਾਡਾ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਆਪਣਾ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਜ਼ਬਾਨਾਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਜਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।

(I have already given my ruling on this point. This House can conduct its proceedings in three languages and out of these, a Member or a Minister may speak in any language.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ:** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਛਡਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਤੁਹਾਡਾ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਵਿਚ ਸਵਾਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਵਿਚ ਉਸਨੂੰ ਜਵਾਬ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਹਿੰਦੀ ਵਿਚ ਸਵਾਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਹਿੰਦੀ ਵਿਚ ਜਵਾਬ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਫਿਰ ਅਗਰ ਕੋਈ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਸਵਾਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸਦਾ ਜਵਾਬ ਵੀ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਹੀ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ.........(ਸ਼ੋਰ)...........

**श्री फतेह चन्द विज :** वजीर साहिब ने फरमाया है कि कोई 17 हज़ार ऐप्लीकेशन्ज़ आई हैं लेकिन फण्डज़ की कमी की वजह से बहुत थोड़ी डिस्पोज़ आफ हो सकी हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि यह जो उनका अख्तियारी फंड है जिस में से हज़ारों रुपए इधर उधर बाटें जाते हैं क्या उस फंड में से रुपया इधर डाल कर इन गरीबों को पैनशन देने के लिए तैयार हैं ?

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਇਹ ਜੋ ਫੰਡਜ ਦੀ ਕਮੀ ਦਸੀ ਗਈ ਹੈ ਕੀ ਇਸ ਕਮੀ ਨੂੰ ਅਤੇ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਦੀ ਜਿਆਦਤੀ ਨੂੰ ਮੁਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇ ਵਿਚ ਫੰਡਜ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰਖਣ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

**मन्त्री :** यह मामला जल्दी ही कैबिनेट के पास ला रहे हैं।

**श्री बाबू दयाल शर्मा :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। जो मैम्बर साहिबान इतने दंगा फसाद करें कि सारे अखबारों में उनकी बदनामी हो फिर भी क्या वह आनरेबल ही रहते हैं ? (हंसी)

---

## Scales of Pay and status of Tehsil/District Welfare Officers

***9266. Shri Amar Singh :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to upgrade the Scales of pay/status of the Tehsil Welfare Officers and District Welfare Officers in the Welfare Department; if so, the approximate date by which the same is likely to be implemented ?

**Shri Chand Ram :** The proposal is under consideration of the Government.

**श्री अमर सिंह :** पिछले सैशन में भी यही बात कहते थे और अब फिर यही कहा जा रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि कब तक यह अंडर कंसिड्रेशन रहेगा ? क्या इसके लिए कोई कमेटी वगैरा बनाई है या वैसे ही सिम्पल कंसिड्रेशन हो रही है ?

**मन्त्री :** यह मामला हम ने फिनांस डिपार्टमैंट के पास उठाया हुआ है और उनको बताया है कि यह जो डिपार्टमैंटस की रीआर्गेनाईज़ेशन हो रही है उस से खर्च में कमी पड़ेगी लेकिन हम फिनांस वालों को अभी तक समझा नहीं पाए हैं और उन्होंने अभी तक ऐग्री नहीं किया है। शायद जल्दी ही इस का फैसला हो जाएगा।

**श्री अमर सिंह :** मैं वजीर साहिब को बताना चाहता हूं कि तहसील वैलफेयर अफसर का स्टेटस ऐसा है कि वह खुद ही चपड़ासी है खुद ही क्लर्क और खुद ही टी. डब्लयू. ओ. है। क्या वह महसूस नहीं करते कि उनके साथ ज्यादती हो रही है ?

**मन्त्री :** मैंने अर्ज किया है कि यह जो सारे महकमा की रीआर्गेनाईजेशन हो रही है उसके साथ यह भी चीज़ लिंक है कि वहां चपड़ासी भी हो और तनखाह का ग्रेड भी ज्यादा हो तो यह अंडर कंसिड्रेशन है।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਗਰੇਡ ਵਧਾਣ ਲਈ ਜੋ ਐਕਟਿਵ ਕਨਸੀਡਰੇਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਤਨਾ ਵਕਤ ਲਗੇਗਾ ਅਜੇ ਤਾਂ ਇਹ ਮਹਿਕਮਾ ਵੀ ਟੈਮਪਰੇਰੀ ਹੀ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

**मन्त्री :** मैंने अर्ज़ किया है कि फिनांस वालों के पास यह मामला गया हुआ है।

**बाबू अजीत कुमार :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਤਹਿਸੀਲ ਤੇ ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਵੈਲਫੇਅਰ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਗਰੇਡ ਆਫ ਪੇ ਅਪਗਰੇਡ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਟੇਟਸ ਨੂੰ ਵੀ ਜੋ ਇਸ ਵਕਤ ਕਲਰਕ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਥੱਲੇ ਹੈ ਅਪਗਰੇਡ ਕਰਨ ਲਈ ਸੋਚ ਰਹੀ ਹੈ ?

**मन्त्री :** जहां तक डी. डब्लयू. ओ. का ताल्लुक है उनका स्टेटस बढ़ाने में दिक्कत नहीं है गरेड बढ़ाने में दिक्कत हो रही है। टी. डब्लयू. ओ. के बारे भी सोच रहे हैं। मैं ने अर्ज़ किया है कि यह सारा मामला इन्टरलिंक्ड है।

**ਸਰਦਾਰ ਲੱਖੀ ਸਿੰਘ :** ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਐਫ. ਡੀ. ਪਾਸ ਇਹ ਅੰਡਰ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹੈ। ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਿਸਪਾਂਸੇਬਿਲਟੀ ਜਾਇੰਟ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਕੀ ਇਹ ਇਕ ਮਹਿਕਮੇ ਵਲੋਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਲੋਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ?

**Mr. Speaker :** He has stated the facts.

**श्री जगन्नाथ :** इन्हों ने कहा है कि फिनांस डिपार्टमैंट उनके ग्रेड के बारे में सोच रहा है। मैं पूछना चाहता हूं फिनांस डिपार्टमैंट फाइनल अथारिटी है या कैबिनेट ?

**मन्त्री :** यह तो मेरे ख्याल में सब जानते हैं कि ऐडमिनिस्ट्रेटिव डिपार्टमैंट प्रोपोज़ल बनाता है और एफ़. डी. उनकी फिनांशल इम्पलीकेशन्ज़ देखता है। दोनो की कनक्रैंस के बाद ही सब कुछ होता है।

---

**Expenditure incurred on extradition of Sucha Singh**

***9231. Shri Mangal Sein :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state the total expenditure incurred by the State Govt. item-wise, on the extradition of Shri Sucha Singh, the alleged murderer of the late S. Partap Singh Kairon ?

**Sardar Gurmit Singh** (Deputy Minister. Development ., Irrigation and Power) : It is not possible at this stage to give a complete picture of the expenditure incurred on the extradition of Shri Sucha Singh.

**श्री मंगल सेन :** स्पीकर साहिब, आप को पता ही है कि माननीय उप मंत्री ने मेरे सवाल का जवाब दो चार मिनट सोचने के बाद जवाब देना शुरू किया। मैं उप मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि इस के बारे में इन्कम्पलीट जवाब जो कुछ इस समय उन के पास मौजूद है, देने के लिए तैयार हैं।

**उपमन्त्री :** मैं ने माननीय सदस्य को उन के सवाल का जवाब दे दिया है कि : that it is not possible at this stage to give a picture of the total expenditure incurred by the Government.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ?

**ਉਪ ਮੰਤਰੀ :** ਇਸ ਵੇਲੇ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨ ਮੁਕੰਮਲ ਇਨਫਾਰਮੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਸਵਾਲ ਬਿਲਕੁਲ ਸਪਸ਼ਟ ਹੈ। ਸਵਾਲ ਵਿਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਸੁੱਚਾ ਸਿੰਘ ਦੇ ਬਾਰੇ ਨੇਪਾਲ ਤੋਂ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਸਾਰਾ ਕਿੰਨਾ ਖਰਚ ਆਇਆ ਹੈ। ਕੀ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ?

**Deputy Minister :** I have already stated that it is not possible at this stage to give a picture of the expenditure incurred by the Government.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਵਾਲ ਵੀ ਆਪਣੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ ਅਤੇ ਜੋ ਕੁਝ ਡਿਪਟੀ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਉਹ ਵੀ ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਜਵਾਬ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਦਿਤਾ ਕੀ ਉਹ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਹੈ ?

**Deputy Ministwer :** Necessary data is being collected from the concerned quarters. Therefore, it is not possible at this stage to give the total expenditure incurred by the Government.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I ask the hon. Deputy Minister as to whether efforts have been made to collect this information by the Government at all ?

**Deputy Minister :** Efforts are being made. Necessary data is being collected from the concerned quarters.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਸੁੱਚਾ ਸਿੰਘ ਦੇ ਡਰ ਦੇ ਮਾਰੇ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਕੀ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਜ਼ਾਹਤ ਵਿਚ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ?

**श्री मंगल सेन** : उपमन्त्री महोदय तो हमारी तसल्ली नहीं कर सके । चीफ मिनिस्टर साहिब हाउस में मौजूद हैं । इस लिए मैं चीफ मिनिस्टर साहिब से पूछना चाहता हूं कि सुच्चा सिंह को नेपाल से लाने के लिए अब तक पंजाब सरकार का कितना खर्च आया है ?

**मुख्य मन्त्री** : इस के बारे में एडवोकेटस नेपाल में गए । इस के अलावा पुलिस के आफिसर भी वहां पर गए । इस के बारे में कुछ व्यक्तियों के बिल सरकार के पास आ गए हैं और कुछ के बिल्ज़ अभी आने बाकी हैं । जब सब के बिल्ज आ जाएंगे तो सारी इन्फर्मेशन कुलैक्ट हो सकेगी । जो भी इन्फर्मेशन होगी वह हाउस में रख दी जाएगी ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੈਂ ਸੁਝਾਉ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਇਹ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਕਿ : that necessary data is being collected. Till the Government collects the necessary data, kindly postpone the supplementaries on this Question.

**Mr. Speaker** : No, please.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦਿਆਂ ਹੋਇਆ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਡਾਟਾ ਕੁਲੈਕਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ੨ ਮਹੀਨੇ, ਤਕ ਜਾਰੀ ਰਹਿਣਾ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਇਹ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਕੁਲੈਕਟ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਰਖ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ।

**मुख्य मन्त्री** : जब यह इन्फ़ामेशन कुलैक्ट हो जाएगी तो सैशन के दौरान हाउस में रखने की कोशिश की जाएगी ।

---

**Cases against sons of the Late S. Partap Singh Kairon**

***9232. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state:—

(a) the names of places in the State where cases against Sarvshri Surinder Singh and Gurinder Singh sons of the late Sardar Partap Singh Kairon, are being tried at present together -with the charges on which and the provisions of law under which each is being tried ;

(b) the stages at which the cases referred in part (a) above are at present .

**Sardar Gurmit Singh** : (Deputy Minister, Development, Irrigation and Power) :

(a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

[Deputy Minister Development Irrigation and Power]

**Statement of cases which are being tried against Sarvshri Surinder Singh and Gurinder Singh sons of late S. Partap Singh Kairon**

| Serial No. | Particulars of the case | Name of places where cases are being tried at present | Charges | Provision of law | Present stage |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | F.I.R. No. 37, dated 18th August, 1964, P.S. Chamkaur Sahib, District Ambala against Surinder Singh Kairon and others (*Note* : There are four challans in this case.) | i. Ambala (1 challan) ii. Jullundur (1 Challans) iii. Rupar (2 challans) | Alleged corruption and mis- appropriation of material in the construction Siswan Super passage by Capital Construction Co. owned by Shri Surinder Singh Kairon | 409/420 I.P.C. and 5(2) of P.C. Act. | Pending in Court of at prosecution stage |
| 2 | F.I.R. No. 131, dated 8th August, 1964 P.S. Sadar Ambala against Surinder Singh Kairon and others | Ambala | Alleged misuse of G. C. Sheets etc. controlled material (issued on permits) by M/s Cineramas a concern of Kairon | 7 E.C. Act read with Section 5 of Iron and steel control order of 1956. | Pending in Court for appearance of accused |
| 3 | F.I.R. No. 495, dated 27th October, 1964, P.S. Sadar Amritsar against Gurinder Singh and others | Amritsar | Alleged misuse of G.C. Sheets obtained for Cold Storage by Shri Gurinder Singh Kairon | 7 E.C. Act. | Some P.Ws have been examined and 23rd February, 1966 has been fixed for the remaining P.Ws. |
| 4 | F.I.R. No. 149, dated 19th November, 1964 P.S. Jind, District Sangrur against Surinder Singh Kairon | Jind | Alleged cheating and fraud practised by Surinder Singh Kairon and his 'Mukhtiar' on villagers of V. Dhani inducing them to part with their money, but did not transfer the land to them | 406/420 IPC | Prosecution witnesses are being examined |
| 5 | F.I.R. No. 232, dated 27th October, 1964, P.S. 'A' Division Amritsar against Gurinder Singh and others | Amritsar | Alleged misuse of G.C. Sheets obtained on permit by Gurinder Singh Kairon for Cinema construction | 7E.C. | Charges were framed against Shri Surinder Singh Kairon but Shri Mehtab Singh accused was discharged State filed revision against this order which was accepted. The case has been fixed for 23rd February, 1966. |

**श्री मंगल सेन** : क्या उप मन्त्री महोदय अपने सवालों के पैड को देख करके बताने की कृपा करेंगे कि उन के बरखलाफ कितने केसिज थे, अब उन के बर्खलाफ कितने केसिज रह गए है और कितने केसिज विदड्रा हो गए हैं ? उन केसिज़ को विदड्रा करने का क्या कारण है ?

**Deputy Minister :** In all 23 cases were registered against the late Chief Minister Sardar Partap Singh Kairon and other members of his family in the following districts :—

| | | |
|---|---|---|
| (1) Ambala | .. | 7 cases |
| (2) Amritsar | .. | 8 cases |
| (3) Jullundur | .. | 1 case |
| (4) Patiala | .. | 2 cases |
| (5) Gurgaon | .. | 3 cases |
| (6) Sangrur | .. | 1 case |
| (7) Ludhiana | .. | 1 case |

Of these 20 cases were regstered against his sons namely Sarvshri Surinder Singh and Gurinder Singh. Out of the 23 cases 7 have been filed as untraced or cancelled while challans in respect of 5 cases have been put up in the Courts and the same are pending trial at different stages and accused in 1 case was discharged. Investigation in respect of the remaining cases is likely to be finalised shortly when the challans of these will also be put up in the court(s).

**श्री मंगल सेन** : उप मन्त्री ने जवाब देते हुए फरमाया कि उन के बर्खलाफ कुछ केसिज अनट्रेस्ड करार दिए गए हैं और कुछ विदड्रा कर लिए गए हैं। मैं उप मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या सुरेन्द्र सिंह और गुरेन्द्र सिंह अनट्रेस्ड हो गए जिस की वजह से ऐसा ऐक्शन लेना पड़ा ।

**Mr. Speaker** : Untraced is a technical term in the Criminal Law.

**श्री मंगल सेन** : स्पीकर साहिब, क्रिमीनल ला मैंने तो पढ़ा नहीं है लेकिन सुन ज़रूर रखा हुआ है। मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या सुरेन्द्र सिंह कैरों और गुरेन्द्र सिंह कैरों जो कि एक्यूजड है, अनट्रेस्ड हो गए हैं, जिन की वजह से यह ऐसे केसिज अनट्रेस्ड करार दिए गए हैं ?

**उपमन्त्री** : मैं ने जो कुछ अनट्रेस्ड के बारे में कहा, शायद माननीय मेम्बर उस चीज़ को समझ नहीं सके । मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए अर्ज करना चाहता हूं कि जिन केसिज में पूरी विटनैस नहीं मिलती तो उन को अनट्रेस्ड करके छोड़ दिया जाता है। बाकी केसिज की इंवैस्टीगेशन हो रही है और उन में से पांच केसिज़ अदालत में चल रहे हैं ।

**कामरेड राम प्यारा** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने जवाब देते हुए फरमाया कि जब केस अनट्रेस्ड करार दे दिया जाता है तो फिर उस का चालान

कामरेड राम प्यारा]

कोर्ट में पुट अप नहीं किया जाता तो मैं पूछना चाहता हूं कि कोई ऐसा केस है जहां पर अनट्रेस्ड केस करार देने के बाद भी चालान कोर्ट में पेश किया गया ?

**उपमन्त्री :** जनरली अनट्रेस्ड केसिज़ का चालान दोबारा कोर्ट में पुट अप नहीं किया जाता ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** On a point of order, Sir. The hon. Deputy Minister has been pleased to state that in the case of untraced cases challans cannot be put up in the courts. May I ask the hon. Deputy Minister, through you, Sir, if instances are given to the Government to show that where the cases have been sent up as untraced, challans have been put up in the courts, what action the Government will take ?

**Mr. Speaker :** This is not a point of order. This may be a supplementary.

**उपमन्त्री :** मारजिनल केसिज़ में ऐसा हो सकता है । लेकिन जब केस अनट्रेस्ड हो जाता है और कुछ भी सबूत नहीं मिलता और जो सबूत मिलते हैं वह नाकाफी होते हैं तो इन हालात में वह केसिज़ कोर्ट में पेश नहीं किए जाते । मैं ने पहले अर्ज की कि उन के खिलाफ पांच केसिज़ कोर्ट में चल रहे हैं ।

**कामरेड राम प्यारा :** पहले निशान सिंह के केस को अनट्रेस्ड करार दे दिया था । उसके बारे में मैं ने लिखा पढ़ी की और डंडा भी चढ़ाया । उस के बाद उसका चालान पेश किया गया । क्या इन केसिज़ पर डंडा चढ़ाने के बाद चालान्ज़ कोर्ट में पेश किए जाएंगे ?

**उपमन्त्री :** जहां तक निशान सिंह के केस के बारे में सवाल किया गया, उस क बारे में सवाल में कोई बात नहीं है । अगर माननीय सदस्य इस बारे में कोई जानकारी लेना चाहते हों तो वह सैपेरेट नोटिस दें । पता करके बताया जा सकता है ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** क्या डिप्टी मन्त्री साहिब बताने की कृपा करेंगे कि पुलिस रूल्ज़ में किसी केस को अनट्रेस्ड करार देने के लिए कितनी लिमिट मुकर्रर है या जब जी में आए या जब चाहें तो उस को अनट्रेस्ड करार दे दिया जाता है ?

**उप मन्त्री:** आनरेबल मैम्बर का सवाल मुझे अच्छी तरह से समझ नहीं आया मैं आप के ज़रिये उन से कहूंगा कि अपना सवाल दोबारा दोहरा दें ?

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** स्पीकर साहिब, मैं ने पूछा है कि किसी केस को पुलिस रूल्ज़ के मातहत अनट्रेस्ड डिक्लेयर करने के लिए दो साल चार साल या दस साल की अवधि गुज़र जाने की आवश्यकता है या वैसे ही दस दिन, बीस दिन या तीस दिन के अंदर ही अनट्रेस्ड डिक्लेयर किया जा सकता है ?

**Mr. Speaker :** Question hour is over now.

(*Interruptions and Noise in the House*)

**Mr. Speaker :** There will be more supplementaries on this question.

# WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

## Challans under section 107/151 Cr.P.C. put up in Courts during the years, 1965 and 1966

***9289. Sardar Lakhi Singh Chaudhri :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the total number of challans under sections 107/151 Cr. P.C. put up in the courts in the State during the years, 1965 and 1966 todate ;

(b) whether the number of cases under aforesaid sections is also kept in view while judging the efficiency of a Station House Officer of a Police Station ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Total number of challans under sections 107/151 Cr. P.C. put in the Courts.

| 1965 | 1966 (up to 11th February, 1966) |
|---|---|
| 44579 | 4399 |

(b) Quality and not quantity of preventive work is one of the many things which are kept in view while judging the efficiency of a Station House Officer.

## Gun Licences issued/cancelled in district Karnal

***9368. Sardar Piara Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the number of gun licences issued during the period from 1st January, 1965 to 31st December, 1965 in District Karnal ;

(b) the number of Gun licences cancelled during the said period in the said district and a list showing the names and addresses of the licence holders whose licences were cancelled, be laid on the Table.

**Sardar Darbara Singh :** (a) 223.

(b) Thirty-five. A list is placed on the Table of the House.

**List showing the Name and Address of the Licence Holders whose licences were cancelled during the period from 1st January, 1965 to 31st December, 1965**

| *Serial No.* | *Name of licence holder with complete Address* |
|---|---|
| 1 | Shri Chain Singh, son of Bhikham Singh, Jat Sikh of village Rohar |
| 2 | Shri Kapur Singh, son of Tara Singh Jat Sikh of village Thari |
| 3 | Shri Pritam Singh, son of Dula Singh Jat Sikh of village Rukshera |
| 4 | Shri Ram Kela, son of Kali Ram Jat of village Kawartan |
| 5 | Shri Jit Singh, son of Gita Ram |
| 6 | Shri Pala Singh, son of Hakam Singh Jat Sikh of village Rasulpur |
| 7 | Shri Kartara, son of Bir Singh of village Rasulpur |
| 8 | Shri Chaman Singh, son of Munshi of village Rasulpur |
| 9 | Shri Virsa Singh, son of Shri Dewan Singh Jat of Sikh of village Mustgarh |
| 10 | Shri Piara Singh, son of Bhagga Singh of village Khorak |
| 11 | Shri Makhan Singh, son of Banta Singh of village Secusar |

| Serial No. | Name of Licence Holder with complete address |
|---|---|
| 12 | Shri Malik Singh, son of Ujjagar Singh |
| 13 | Shri Gurcharan Singh, son of Sunder Singh of village Sausala |
| 14 | Shri Taswir Singh, son of Avtar Singh Jat Sikh of village Urlana khurd |
| 15 | Shri Jogi Ram, son of Raja Ram Jat of village Dikadla |
| 16 | Shri Jai Ram Dass, son of Dhani Ram, Tiagi of village Hathawala |
| 17 | Shri Ram Dhari, son of Naki Ram, Mahajan of village Dikadla |
| 18 | Shri Jagan Nath, son of Jai Dayal of village Rasaula |
| 19 | Shri Raghbir Singh, son of Mangal Singh of village Hamidpur |
| 20 | Shri Kapur Singh, son of Visakha Singh, village Darar |
| 21 | Shri Karnail Singh, son of Visakha Singh, village Chanar Heri |
| 22 | Shri Hazura Singh, son of Nand Lal of village Bansa |
| 23 | Shri Shingara Singh, son of Basan Singh of village Balu |
| 24 | Shri Vissa Singh, son of Nihal Singh of village Singra |
| 25 | Shri Karam Singh, son of Lachman Arora Sikh of village Shahbad |
| 26 | Shri Banta Singh, son of Sawand Singh of village Singara |
| 27 | Shri Dalip Singh, son of Man Singh of village Bachgaon |
| 28 | Shri Sardara Singh, son of Wasawa Singh (Lambardar), village Ruksana |
| 29 | Shri Gurbux Singh, son of Narain Singh, village Kamheri |
| 30 | Shri Nihal Singh, son of Ram Singh of village Bir Mathana |
| 31 | Shri Man Singh, son of Mangal Singh of village Dabri |
| 32 | Shri Beli Ram of Model Town, Karnal |
| 33 | Shri Labha Singh, son of Narain Singh of Barsat |
| 34 | Shri Sahib Singh, son of Labha Singh of village Barsat |
| 35 | Shri Sadhu Ram, son of Balwant Singh, Agond |

## Discretionary Grant given by Ministers

**a8908. Shri Rup Singh Phul :** Will the Home Minister for Home and Development be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the amount of discretionery grants given by each Minister, Minister of State and Deputy Minister, district-wise, during the current financial year ?

**Sardar Darbara Singh :** The statement is laid on the table of the House.

**Statement showing the total amount given by each Minister/Minister of State/Deputy Minister and Chief Parliamentary Secretary, district-wise during the current Financial year i.e. 1st April, 1965 to 31st January, 1966.**

| Name of District | Name of Minister, with designation | Total amount given by him |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | | Rs |
| Ambala .. | Comrade Ram Kishan, C.M. .. | 14,250 |
| | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 5,000 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. .. | 2,100 |
| | Shri Kapoor Singh, F.M. .. | 4,500 |
| | Shri Gurdial Singh, T.E.M. .. | 2,000 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 1,200 |
| | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. .. | 1,000 |
| | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. .. | 6,000 |
| | Smt. Om Prabha Jain, H.M. .. | 1,000 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. .. | 1,600 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 1,100 |
| | Shri Gian Chand, D.M.I.H. .. | 3,350 |
| | Total .. | 43,100 |
| Simla .. | Comrade Ram Kishan, C.M. .. | 10,000 |
| | Shri Kapoor Singh, F.M. .. | 750 |
| | Shri Gian Chand, D.M.I.H. .. | 1,250 |
| | Total .. | 12,000 |
| Hissar .. | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 3,500 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. .. | 10,500 |
| | Shri Kapoor Singh, F.M. .. | 1,500 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 3,100 |
| | Shri Rizk Ram, I.P.M. .. | 4,500 |
| | Shri Chand Ram, W.J.M. .. | 3,100 |
| | Smt. Om Prabha Jain, H.M. .. | 3,000 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. .. | 1,000 |
| | Total .. | 30,200 |

[Home and Development Minister]

| Name of District | | Name of Minister with designation | | Total amount given by him |
|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | | 3 |
| | | | | Rs |
| Rohtak (Concld) | .. | Comrade Ram Kishan, C.M. | .. | 18,000 |
| | | Shri Darbara Singh, H.D.M. | .. | 8,500 |
| | | Shri Prabodh Chandra, E.M. | .. | 4,200 |
| | | Shri Gurdial Singh, T.E.M. | .. | 5,000 |
| | | Shri Ranbir Singh, P.W.M. | .. | 27,700 |
| | | Shri Harinder Singh, R.M. | .. | 17,000 |
| | | Shri Rizaq Ram, I.P.M. | .. | 30,700 |
| | | Shri Chand Ram, W.J.M. | .. | 36,500 |
| | | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. | .. | 5,451 |
| | | Shmt. Chandra Vati, D.M.F.S. | .. | 1,000 |
| | | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. | .. | 500 |
| | | Total | .. | 1,54,551 |
| Karnal | .. | Shri Darbara Singh, H.D.M. | .. | 2,000 |
| | | Shri Prabodh Chandra, E.M. | .. | 5,100 |
| | | Shri Ranbir Singh, P.W.M. | .. | 4,000 |
| | | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. | .. | 1,000 |
| | | Shri Harinder Singh, R.M. | .. | 3,500 |
| | | Shri Rizaq Ram, I.P.M. | .. | ,1000 |
| | | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. | .. | 5,000 |
| | | Shri Chand Ram, W.J.M. | .. | 1,250 |
| | | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. | .. | 75,00 |
| | | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. | .. | 500 |
| | | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. | .. | 500 |
| | | Total | .. | 31,350 |
| Gurgaon | .. | Comrade Ram Kishan, C.M. | .. | 5,000 |
| | | Shri Prabodh Chandra, E.M. | .. | 2,100 |
| | | Shri Kapoor Singh, F.M. | .. | 1,500 |
| | | Shri Ranbir Singh, P.W.M. | .. | 5,000 |

| Name of District | Name of Minister with designation | Total amount given by him |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | | Rs |
| Gurgaon (*Concld*) .. | Shri Harinder Singh, R.M. .. | 5,000 |
| | Shri Rizaq Ram, I.P.M. .. | 5,000 |
| | Shri Chand Ram, W.J.M. .. | 1,000 |
| | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. .. | 800 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 500 |
| | Total .. | 25,900 |
| Hoshiarpur .. | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 6,000 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. .. | 5,900 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 1,000 |
| | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. .. | 1,000 |
| | Shri Rizaq Ram, I.P.M. .. | 2,000 |
| | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. .. | 5,000 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 10,500 |
| | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. .. | 500 |
| | Total .. | 31,900 |
| Kangra .. | Comrade Ram Kishan, C.M. .. | 500 |
| | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 2,500 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. .. | 1,100 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 1,000 |
| | Shri Harinder Singh, R.M. .. | 2,500 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 750 |
| | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. .. | 1,000 |
| | Shri Gian Chand, D.M.I.H. .. | 11,500 |
| | Total .. | 20,850 |
| mritsar .. | Shri Prabodh Chandra, E.M. .. | 4,200 |
| | Shri Kapoor Singh, F.M. .. | 3,200 |
| | Shri Gurdial Singh, T.E.M. .. | 16,500 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 1,000 |

[Home and Development Minister]

| Name of District | Name of Minister with designation | Total amount given by him |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | | Rs |
| Amritsar (concld) | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. | 500 |
| | Shri Harinder Singh, R.M. | 4,500 |
| | Shri Chand Ram, W.J.M. | 7,100 |
| | Total | 37,060 |
| Jullundur | Comrade Ram Kishan, C.M. | 22,100 |
| | Shri Darbara Singh, H.D.M. | 10,400 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. | 2,600 |
| | Shri Kapoor Singh, F.M. | 8,000 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. | 1,000 |
| | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. | 2,000 |
| | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. | 1,000 |
| | Shri Chand Ram, W.J.M. | 1,000 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. | 2,000 |
| | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. | 500 |
| | Total | 50,600 |
| Kulu | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. | 1,000 |
| | Shri Gian Chand, D.M.I.H. | 1,600 |
| | Total | 2,600 |
| Ludhiana | Comrade Ram Kishan, C.M. | 10,402 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. | 2,600 |
| | Shri Kapoor Singh, F.M. | 6,000 |
| | Shri Gurdial Singh, T.E.M. | 5,000 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. | 7,000 |
| | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. | 45,000 |
| | Shri Harinder Singh, R.M. | 2,100 |
| | Shri Rizaq Ram, I.P.M. | 10,000 |
| | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. | 5,500 |
| | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. | 10,000 |

| Name of District | Name of Minister with designation | Total amount given by him |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | | Rs |
| Ludhiana (concld) | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. | 500 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. | 2,500 |
| | Shri Ram Partap Garg, C.P.S. | 1,000 |
| | Total | 1,07,602 |
| Gurdaspur | Shri Prabodh Chandra, E.M. | 1,100 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. | 22,500 |
| | Total | 23,600 |
| Ferozepur | Comrade Ram Kishan, C.M. | 2,000 |
| | Shri Gurmit Singh, D.M.D.I. | 6,000 |
| | Total | 8,000 |
| Lahaul and Spiti | Comrade Ram Kishan, C.M. | 5,000 |
| Patiala | Shri Darbara Singh, H.D.M. | 4,000 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. | 1,500 |
| | Shri Ajmer Singh, P.L.G.M. | 4,500 |
| | Shri Harinder Singh, R.M. | 5,000 |
| | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. | 16,000 |
| | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. | 5,000 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. | 500 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. | 2,000 |
| | Shri Ram Partap Garg, C.P.S. | 12,500 |
| | Total | 51,000 |
| Sangrur | Shri Darbara Singh, H.D.M. | 5,000 |
| | Shri Prabodh Chandra, E.M. | 1,100 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. | 2,000 |
| | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. | 1,000 |
| | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. | 500 |
| | Total | 9,600 |

[Home and Development Minister

| Name of District | Name of Minister with designation | Total amount given by him |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | | Rs |
| Bhatinda .. | Comrade Ram Kishan, C.M. .. | 5,000 |
| | Shri Rizaq Ram, I.P.M. .. | 4,000 |
| | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. .. | 1,000 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. .. | 500 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 1,000 |
| | Smt. Chandra Vati, D.M.F.S. .. | 500 |
| | Shri Ram Partap Garg, C.P.S. .. | 2,500 |
| | Total .. | 14,500 |
| Mohindergarh .. | Comrade Ram Kishan, C.M. .. | 5,500 |
| | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 5,000 |
| | Shri Ranbir Singh, P.W.M. .. | 6,000 |
| | Shri Rizaq Ram, I.P.M. .. | 2,000 |
| | Shmt. Om Prabha Jain, H.M. .. | 4,000 |
| | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. .. | 2,000 |
| | Shri Rattan Singh, M.A.H.A. .. | 1,500 |
| | Smt. Chandrawati, D.M.F.S. .. | 18,904 |
| | Total .. | 44,904 |
| Kapurthala .. | Shri Darbara Singh, H.D.M. .. | 3,000 |
| | Total .. | 3,000 |

## Discretionary grants distributed by Ministers

***8927. Sardar Balwant Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the amount of discretionary grant placed at the disposal of each Minister (including himself), Minister of State and Deputy Minister during the current financial year ;

(b) the amount out of the said discretionary grant distributed so far by each Minister, Minister of State, Deputy Minister in his own constituency and outside separately, together with the purpose for which it was given in each case ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) & (b) Statement containing the information is placed on the table of the House.

## STATEMENT

| Serial No. | Name and designation of the Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own Constituency | For the purpose | Amount given outside the Constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| 1 | Comrade Ram Kishan, Chief Minister | 1,20,000 | 2,500 | For the construction of New Hostel of Sain Dass A.S. Higher Secondary School, Jullundur City | 5,000 | For the construction of W. C. and Bath Rooms for the use of Campus. At the Headquarter of Bharat Scouts and Guides in Chandigarh. |
| | | | | | 5,000 | For the construction of Nehru Auditorium S. D. College, Palwal, district Gurgaon. |
| | | | | | 5,000 | For the building of Nehru Memorial College at Mansa, district Bhatinda |
| | | | 1,000 | For the purchase of Books for the library of Dayanand Model School, Dayanand Nagar, Jullundur City | 750 | To meet the running expenses of the Junior Women National Hockey Team, Punjab, participating in the National Hockey Championship held at Lucknow, Chandigarh. |
| | | Total | 3,500 | | | |
| | | | | | 2,000 | For library stacks, reading room, furniture electric fans and tables and books for Lajpat Rai Birth Place Memorial Library at village Dhudike, district Ferozepur |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of the Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own Constituency | For the purpose | Amount given outside the Constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | Chief Minister—Contd. | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | | | 3,402 | For the construction of Auditorium in the premises of Guru Nanak Engineering College, Ludhiana |
| | | | | | 2,000 | For the construction of Dharamsala in village Partal, district Mohindergarh |
| | | | | | 5,000 | For repairs of Gemur Monestary, Lahaul and Spiti |
| | | | | | 1,000 | Construction of village Chaupal in village Nangal Kalan, district Rohtak |
| | | | | | 2,000 | For dispensary building and medicine for the Haryana Public High School, Gohana, district Rohtak |
| | | | | | 500 | For Istri Samelan Building which is under construction in the compound of Chamunda Devi Mandir near Dharamsala, district Kangra |
| | | | | | 5,000 | For the extension of Bharat Tek Girls High School, Rohtak |

| | |
|---|---|
| 1,500 | For the purchase of library bocks for the Library of Gandhi Vidya Mandir , Charkhi Dadri district Mohindergarh |
| 5,000 | For furniture for Sanik Rest house, Rohtak |
| 2 000 | For the construction of building of Balidan Samarak Stadium at Charkhi Dadri, district Mohindergarh |
| 5,000 | To meet the educational expenses of Kanya Gurukul Maha Vidyala, Dehradun (Through Deputy Commissioner, Ambala) |
| 5 000 | For the construction of a Hall in the Rana Padam Chand Sanatan Dharam Bhargava College, Simla |
| 1 000 | For the development of Janta High School, Mustafabad (Science and Drawing Instrument), district Ambala |
| 5,000 | For the development of village Bopania district Rohtak (Completion of School Building), village Bopania, district Rohtak |
| 2,500 | For Sanyukta Sadachar Samiti , Chandigarh. (i) For the up-keep of Provincial Office, i.e., the pay of establishment, postage on daily correspondence, etc. |
| 7,000 | For Malwa Training College, Ludhiana (Science Equipment, Library Bocks, cost of Building, etc.) |
| 5,000 | For Ice Skating Club, Simla, for allowing free skating and provision of skating material free of charge to the poor Children, Simla |
| 5,100 | For the building of Geeta Bhawan in Shivpuri, Jullundur City |

[Home and Development Minister]

| S. No. | Name and designation of the Minister | Amount placed at his disposal | Amount given him in own Constituency | For the purpose | Amount given outside the Constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | Chief Minister 1—Concld. | Rs | Rs | | Rs | Rs |
| | | | | | 2,000 | For the purchase of manuscripts and ancient religious Paintings from Nepal, for Spituk Gompa, Ladakh |
| | | | | | 5,000 | For the opening of the Regional Music College by the Harballabh Sangeet Sabha, Jullundur City. |
| | | | | | 3,000 | For acquiring of land for the Third All-India Leader Volley Ball Tournament, Jullundur, through President, All India Leader Vollay Ball, Tournament, Industrial Town, Jullundur City |
| | | | | | 2,000 | For completion of the building for Nari Niketan, Nakodar Road, Jullundur |
| | | | | Total .. | 94,252 | |
| 2 | Shri Darbara Singh, Home and Development Minister | 60,000 | Nil | .. | 500 | For the construction of Family Planning Centre, Phagwara (Kapurthala) |
| | | | | | 5,000 | For the construction of building of Public Middle Girls School, Bhungrani (Hoshiarpur) |
| | | | | | 2,000 | For the construction of Home Science Laboratory L. B. (L), Bharatri Higher Secondary School, Panipat (Karnal) |
| | | | | | 2,000 | For the construction of Khalsa College, Patiala |

| | |
|---|---|
| 5,000 | For the construction of School building Shri G. R. Sanatan Dharam High School, Sargodha (Ambala City) |
| 2,000 | For the extension of school building S. D. Higher Secondary and J. B. T. Institution, Sultanpur-Lodhi (Kapurthala) |
| 5,500 | For the construction of a School Building at Pipli Khera (Rohtak) |
| 5,000 | For Library and Science equipment of Gandhi College, Charkhi Dadri (Mohindergarh) |
| 5,000 | For the benefit and extension of Goshala Uchana Kalan (Sangrur) |
| 3,000 | For the extension of Gurukul Building, Bhainswal Kalan) (Rohtak) |
| 1,500 | For the improvement of 'Nehru Park' to commemorate memories of Martyrs at Sirsa (Hissar) |
| 500 | For the extension of Phagwara Club Premises at Phagwara, district Kapurthala |
| 2,000 | For the construction of building, purchase of furniture, etc., S. S. Harbhagwan School, Samana, district Patiala |
| 2,000 | For the construction of Primary School, Golagarh, tehsil Bhiwani, district Hissar |
| 500 | For the development of Play Ground and purchase of Sports Goods, village Dharamsala, district Kangra |
| 2,000 | For the utilization by the Village Panchayat Larha Tappa Galori, district Kangra |
| 1,000 | For the completion of Panchayat Ghar of Village Panchayat, Jalwehra, district Hoshiarpur |

[Home and Development Minister]

| S. No. | Name and designation of the Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own Constituency | For the purpose | Amount given out side the Constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| 2—Concld. | | | | | 2,000 | For the development works of Village Panchayat, Jaja Kalan |
| | | | | | 1,000 | As a relief to the families of the victims of Gobind Sagar in Boat drowning accident |
| | | | | | 5,000 | As a relief measure to the welfare of P. A. P. personnel 15th Battalion |
| | | | | | 400 | As a relief measure to the welfare of P. A. P. of Personnel 3rd Battalion |
| | | | | | 1,000 | Repairs of drains of Gram Panchayat, Shahkot, tehsil Nakodar, district Jullundur |
| | | | | | 1,000 | For repairs of the Public Middle School, Nihaluwal, Jalwehra, district Hoshiarpur |
| | | | | Total .. | 54,900 | |
| 3 | Shri Prabodh Chandra, Education Minister | 60,000 | ... | .. | 1,500 | Purchase of furniture for Gandhi Bal Bhawan, Rajpura, district Patiala |
| | | | | | 2,100 | Purchase of library books for Vaish College, Bhiwani, district Hissar |

| | |
|---|---|
| 2,100 | Purchase of library books for R. S. D. High School, Sirsa, district Hissar |
| 2,100 | Purchase of Hygiene Physiology and Science apparatus for Jain Girls High School, Rohtak |
| 2,100 | Construction of library building and stadium of Sanatan Dharam College (Lahore), Ambala Cantt. |
| 1,100 | Purchase of library books for Vidya Mandir the school for children, Dharamsala, district Kangra |
| 2,100 | Purchase of library books Dera Ghazi Khan Hindu Higher Secondary School, Palwal, district Gurgaon |
| 2,100 | Purchase of Science apparatus for P. G. S. D. Higher Secondary School, Hissar |
| 2,100 | For extension of building of Bharat Tek Girls High School, Rohtak |
| 2,100 | Construction of a School Building of P.C.S.D. Higher Secondary School, Hansi, district Hissar |
| 2,100 | Purchase of library books for Hindu College, Amritsar |
| 2,100 | Purchase of library books for Dyal Singh College, Karnal |
| 1,100 | Repairs to the building of A. S. High School for Girls, Mukerian, district Hoshiarpur |
| 1,100 | Repairs to the building of Gandhi Janta High School, Thathal, district Hoshiarpur |
| 1,100 | Repairs to the building of D.A.V. High School, Una, district Hoshiarpur |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given by his own Constituency | For the purpose | Amount given by him | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | | | | Rs | |
| | | | | | 2,100 | Purchase of Apparatus Slides Models etc., for the Biology Department of National College Sirsa, district Hissar |
| | | | | | 2,500 | Construction of building of R. K. S. D. College, Kaithal, district Karnal |
| | | | | | 1,100 | Construction of building of J. M. Shri Kundan Kanya Mahavidyla, Amhedgarh, district Sangrur |
| | | | | | 1,500 | For the purchase of library books for Devi Sahai S. D. Higher Secondary School, Jullundur City. |
| | | | | | 2,100 | Purchase of books for library of Vishveshvaran-and Vedic Research Institute, Hoshiarpur. |
| | | | | | 2,100 | For the purchase of equipment of Gymnasium Sports material and library books for D.A.V. Multipurpose Higher Secondary Schoo , Amritsar |
| | | | | | 500 | Purchase of Hindi Typewriters for the office of the Hindi Sahitya Sangham, Hoshiarpur. |
| | | | | | 2,100 | For the purchase of library books for new Higher Secondary School for Boys and Girls, Civil Lines, Ludhiana |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 500 | For the promotion of sports activities by the Republic Day Cricket Tournament Committee, Ludhiana |
| | | | | 500 | For installing of Hand Pump in village Tundla, tesil Karnal. |
| | | | | 1,100 | For cultural activities to be utilized by the dramatis club of D.A.V. College, Jullundur. |
| | | | | 101 | Purchase of material for gymnasting Patiala (For gymnastic team which gave Demonstration at Lalru, Derra Bassi Block) |
| | | | | 1,100 | Purchase of library books for Arya Mahila College, Dinanagar, District Gurdaspur. |
| | | | Total .. | 44,201 | |
| 4 | S. Kapoor Singh, Finance Minister | 60,000 | (Since F.M. is an M.L.C. the Question regarding his own Constituency and outside does not arise. | 5,000 | Construction of a room of the National High School Gakhal Dhaliwal, district Jullundur |
| | | | | 1,500 | For the construction of a building Guru Nanak College, Dabwali, district Hissar . |
| | | | | 1,500 | For the construction of a room in the S.D High School, Gurgaon. |
| | | | | 1,260 | Purchase of two Hand Knitting machines, Sital College for Women, Amritsar. |
| | | | | 1,500 | Construction of a school building village Khui Buter Dhardev Crossing, district Amritsar. |
| | | | | 1,500 | Purchase of equipment for S.D. Industrial School for Girls , Ambala Cantt. |
| | | | | 750 | For developing the Scouts Camping Site and purchase of equipment Subathu, district Simla |
| | | | | 1,500 | For purchase of Science equipment for Sikh National College, Banga, district Jullundur. |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given by him in his own Constituency | For the purpose | Amount given by him outside his Constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 4—*concld* | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | | | 1,500 | Purchase of General Equipment for Prem Sewa Samiti Industrial School for Girls, Yamuna Nagar, district Ambala |
| | | | | | 1,500 | Construction of a room in Desh Bhagat Higher Secondary School, Gobindpur, district Jullundur. |
| | | | | | 500 | For the construction of Panchayat Ghar, village Lalpura, district Amritsar. |
| | | | | | 1,500 | To be spent for carrying on Special Service activities such as eye operation camps, by All India Sewa Samiti, Ambala Cantt. |
| | | | | | 1,500 | For the purchase of science equipment Guru Nanak Khalsa College for Boys, Ludhiana. |
| | | | | | 750 | Construction of a room in the Primary School, Sidhwan Bet, district Ludhiana. |
| | | | | | 1,000 | For construction of a room Khalsa High School, Nathowal, district Ludhiana. |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 500 | Purchase of books for the school library of Higher Secondary Girls School, Dehra, district Ludhiana. |
| | | | | | 1,000 | For the construction of a Rural Stadium at village Saraba, district Ludhiana. |
| | | | | | 500 | For the construction of a Janjghar by Ravi Dass Sewak Sabha, district Ludhiana. |
| | | | | | 15,000 | For the development and improvement of Panchayat Agricultural Lands of Nasrali area, district Ludhiana. |
| | | | | | 5,100 | For construction of a room in Women College, Phagwara. |
| | | | | | 5,000 | For repair to the school damaged building Convent of Jesus and Mary, Ambala Cantt. |
| | | | | | 750 | For construction of a room in primary School Salempur, district Ludhiana. |
| | | | | Total ... | 50,610 | |
| 5 | S. Gurdial Singh Dhillon, T.E.M. | 60,000 | 3,000 | Construction of a Urinal, bathroom, etc., for Girls Hostel of Guru Arjan Dev Khalsa Higher Secondary School, Tarn Taran and for the purchase of books on development and national integration for school ibrary | 2,000 | For equipment for the Mountaineering Association, Ambala |
| | | | | | 1,000 | Sanitation and pavements of streets Sasroli, district Rohtak |
| | | | | | 3,000 | Pavement of street and sanitation village Juddi, district Rohtak |
| | | | 2,000 | For improvement of sanitation in the Harijan Colony, Chabhal (Amritsar) | 5,000 | Construction of approach road to village Bhagpur in Mangat Block, disrict Ludhiana |
| | | | 3,000 | Construction of link road connecting primary Health Centre and the main road, Chabhal, district Amritsar | 1,000 | Sanitation and pavement of streets village Maliawas, district Rohtak |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own Constituency | For the purpose | Amount given by him out side his Constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | 4,000 | (a) Earth work, culverts and bridges, etc., in village road connecting zila Parishad Middle School and Veterinary Hospital with the Bus Stand on the metalled Road (Amritsar-Khem Karn) near Dr. TulsiDass's garden, village Panjwar Khurd | | |
| | | | 2,000 | (b) For Earthwork on road connecting village Bhujranwala with the Middle School and Veterinary School at Panjwal Kalan | .. | |
| | | | 2,500 | For the construction of New Wings in the existing building of Khalsa Higher Secondary School, Nawanpind, district Amritsar | | |
| | | Total | 16,500 | Total .. | 12,000 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | Ch. Ranbir Singh, Public Works Minister | 60,000 | 700 | (1) Desilting of village Pond<br>(2) Installation of Hand Pump in village school, village Ritoli, Kabulpur, district Rohtak | 5,000 | Towards the construction of Nehru Children School [illegible] ng at Charkhi Dadri, district Mohindergarh |
| | | | 500 | Construction of Harijan Chopal in village Nigana, district Rohtak | 2,000 | Instalation of tube-well in the Gandhi Memorial Public High School, Nariana, district Karnal |
| | | | 2,000 | Repairs of Gaushala building Khidwali, district Rohtak, damaged during 1962 Floods | 5,000 | For extension of building of Lajpat Rai Memorial College, Jagraon, district Ludhiana |
| | Total | .. | 3,200 | | 2,000 | Construction of Nehru Vigyan Bhawan in Jat High School Jind, district Sangrur |
| | | | | | 2,000 | Extension of building of the Khalsa College for Women, Sidhwan Khurd, district Ludhiana |
| | | | | | 5,000 | for laying of Rao Tula Ram Park Rewari district Gurgaon |
| | | | | | 1,000 | For Hindi Sahitya Sangam Library, Hoshiarpur |
| | | | | | 1,000 | Construction of a dispensary building by the Panchayat Durug of village Cha-hiar, district Kangra |
| | | | | | 1,200 | Purchase of books for Gandhi Samarak Nidhi Library, Chandigarh, district Ambala |
| | | | | | 1,000 | Installation of Hand Pump for Harijan in village Faridpur, district Hissar |
| | | | | | 2,000 | Publication of books on Haryana culture by Kurukshetra University, Kurukshetra, distrct Karna[illegible] |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | | | 1,000 | For the purchase of books and furniture for the Panchayat library hojju Kalan, distric t Mohindergarh |
| | | | | | 1,000 | For drinking watersupply facility in village Baddon Patti I and II, district Hissar |
| | | | | | 1,000 | Towards the construction of village library building Dhaliwa , district Jul undur |
| | | | | | 1,100 | Forthe purchase of library books for the library of Jat Higher Secondary School, Hissar |
| | | | | | 1,000 | Towards the construction of Rural Model High School, Susran, district Amritsar |
| | | | | | 4,000 | Construction of additional building of Gaur Brahmin Central High School, Rohtak |
| | | | | | 4,000 | Construction of science block Vaish College, Rohtak |
| | | | | | 1,000 | Construction of Harijan Chopa village Meham, district Rohtak |
| | | | | | 4,000 | Extension of existing college building of C. R. Arya College, Sonepat, district Rohtak |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 2,500 | Construction of approach road for D.A.B. High School, Hassangarh, district Rohtak |
| | | | | | 3,000 | Towards electrification of Gurukul Matindu and, Tubewell, etc., Matindu, post offic e Kharkhara district Rohtak |
| | | | | | 5,000 | Construction of Hostel building at A.N. High School Mohana, distriict Rohtak |
| | | | | | 1,000 | Pavement of streetsiin village Moi, tehsil Sonepat, district Rohtak |
| | | | Total .. | | 56,800 | |
| 7 | S. Ajmer Singh, P.L.G.M. | 60,000 | 40,000 | For the construction of Malwa College Building, at Bonddi, Samrala | 500 | Purpose of typewriter for starting sten graphy training classes in the Sita College for Women, Amritsar |
| | | | 10,000 | Construction for the upgraded School at Lall Kalan, tehsil Samral | 7,000<br>1,000 | Construction of a village library room village Manali, district Ambala |
| | | | 1,000 | Construction of public Rest House on the G. T. Road, Kot Sekhon, tehsil Samrala | 500 | Installation of Handpump in Ram Daria Mohalla, village Paghrana' district Patiala |
| | | | | | 500 | Installation of Handpump in Harijan Mohalla, village Khera Gajju, district Patiala |
| | Total .. | | 2,0400 | | | |
| | | | | | 500 | Repair to a well village Khanpur, district Patiala |
| | | | | | 1,000 | Construction of pacca streets village Manakpura, district Patiala |
| | | | | | 1,000 | Construction of pucca streets Khera Gaajju, district Patiala |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | | | 1,0 00 | Constructicn of a well and pucca streets in Ram Dasia and Balmiki Mohalla, village Manakpura, district Patiala |
| | | | | | 1,000 | Construction of a village library Room, Kahma, tehsil Nawanshahr, district Jullundur |
| | | | | | 1,000 | Construction of a villagelibrary Room in village Saraikhas district and tehsil Jullundur |
| | | | | | 1,000 | Construction of a bridge over Katra Minor between Majre Nand Karan and village Saharda, tehsil Kaithal' district Karnal |
| | | | | | 1,000 | Repair to the building of Shri Guru Gobind Singh Khalsa College, Mahalpur, district Hoshiarpur |
| | | | | | 1,000 | For the construction of Common Room, for use of Harijan, village Kutani Kalan, tehsil Ludhiana |
| | | | | | 1,000 | Construction of a Village Library Room, village Jonewal, tehsil Ludhiana |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 1,000 | Construction of bridge villag e Baliwal tehsil Ludhiana |
| | | | | Total .. | 13,000 | |
| 1 | Shri Harinder Singh, Revenue Minister | 60,000 | 2,000 | For construction of village lanes and pavements of village Lala Afgana, tehsil Ajnala | 2,000 | For repairs of Chopal in village Ahulana, district Rohtak |
| | Total | | 2,000 | | | |
| | | | | | 2,000 | For the construction of building of free eye operation Hospital, at Karnal |
| | | | | | 2,100 | For the construction of the Sargodha Khalsa Girls Higher Secondary School, Ludhiana |
| | | | | | 5,000 | For the construction of building of the Public High School Samana and the purchase of Science apparatus, etc, for this School Samana, district Patiala |
| | | | | | 2,500 | For the construction of a road in village Bagroli, tehsil Nurpur, district Kangra |
| | | | | | 10,000 | For the construction of building of All-India Jat Heroes Memorial College, Rohtak |
| | | | | | 5,000 | For the construction of building of Kanya Gurukul Khanpur, district Rohtak |
| | | | | | 5,000 | For the construction of building and purchase of furniture and equipment for the educational institution noted below under the management of Ahir Education Board, Rewari |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | (i) Teachers Training College, Rewari<br>(ii) Ahir Degree College, Rewari<br>(iii) Rao Balbir Singh Higher Secondary School, Rewari |
| | | | | | 500 | For the construction of Balmiki Harijan Well of village Sarhada, district Karnal |
| | | | | | 1,000 | For constructing a bridge over the Kacha road near village Ghalaur Radur Block, tehsil Thanesar, district Karnal |
| | | | | | 1,000 | For organising exhibition and Sports on the occasion of the visit of Mr. M.C. Chagla, Union Education Minister, in Gurdaspur |
| | | | | | 1,500 | For construction of pacca streets village Musimbal, tehsil Jagadhri, district Ambala |
| | | | | | 2,500 | Construction of pacca streets in village Lalpura, district Amritsar |
| | | | | Total .. | 40,100 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Shri Rizaq Ram, I.P.M. | 60,000 | 11,000 | For the construction of Tika Ram Memorial Hall in the Girls High School, Nahra, district Rohtak | 10,000 | For the construction of cycle shed and a Resting Room for the parents of the students in the Malwa College, Bondli, tehsil Samrala, district Ludhiana |
| | | | 1,000 | For construction of Chopal by Harijan (Chamar) Mahla Majira, district Rohtak | 2,000 | Additions and alteration in Girls Higher Secondary School, Santokhgarh, tehsil Una, district Hoshiarpur |
| | | | 1,000 | For construction of chopal for Harijans Mohamadabad, district Rohtak | 2,000 | Construction of Seth Chhajju Ram Memorial in the Farm Commercial College, Hissar |
| | | | 1,000 | For construction of a pucca tank in village Mandori, district Rohtak | | |
| | | | 5,000 | Construction of Drain and reclamation channel around village Nahri, district Rohtak | 2,500 | For Gaushala for purchase of fodder, etc., village Dhanana, district Hissar |
| | | | 1,000 | Construction of a well for Balmiki Harijans, Halalpur, district Rohtak | 1,000 | For construction of a village road village Peoda, district Karnal |
| | | | 1,000 | For construction of chopal for Harijan, village Thanakalan, district Rohtak | 5,000 | For construction of a hostel of Sarvodya High and J.B.T. School, Patli |
| | | | 1,000 | For construction of chopal and repairs of wells of Harijans, village Garhibala, district Rohtak | | |
| | | | 1,000 | For construction of chopal for Harijans in village Halalpur, district Rohtak | 1,000 | Construction of a Dharamsala, village Kot Sukhia, district Bhatinda |
| | | | 2,700 | Construction of a bridge over Jatola Minor for the area of village Kawali, district Rohtak | 2,000 | Construction of a bridge over R.D. 48200, Dadri Distributary, village Hindol, district Mohindergarh |

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | 2,000 | For meeting the expenditure of railway crossing, village Kheri Manajat, district Rohtak | 2,000 | Completion of Veterinary Dispensary in village Sadiq, district Bhatinda |
| | | | | | 1,000 | Construction of a co-operative store, village Kot Sukhia, district Bhatinda |
| | Total | .. | 27,700 | | | |
| | | | | | 1,000 | For construction of chopal for Harijan; (Chamars) village Rohit, distritct Rohtak |
| | | | | | 1,000 | For donation for Anathalaya for uniform and clothing, Sonepat, district Rohtak |
| | | | | | 1,000 | For construction of Veterinary Hospital in village Kablana, district Rohtak |
| | | | | Total .. | 31,500 | |
| 1 | Shri Prem Singh Prem, C.H.M. | 60,000 | 500 | Repair of two wells situated in Harijan Basti, village Jaraut, district Patiala | 1,000 | Construction of additional rooms in, Arya Higher Secondary School Narwana, district Sangrur |
| | | | 500 | Repair of Harijan well, village Barauli, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of a co-operative store building Misriwala, district Bhatinda |
| | | | 500 | Repair of village well, village Dehra, tehsil Rajpura | 3,000 | Construction of a Library Extension Building, M.L.N. College, Yamuna-Nagar, district Ambala |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 500 | Construction of a pucca streets, village Kar Kaur, tehsil Rajpura | | |
| 1,000 | Construction of pucca streets in Harijan, Mohalla, in village Ghanaur, tehsil Rajpura | 5,000 | Construction of rooms in Hindu Higher Secondary School, Kaithal, district Karnal |
| 1,000 | Construction of a Janjghar, village Banwari, tehsil Rajpura | 3,000 | Purchase of books for the Children wing of Dawarka Dass Library, Lajpa Bhawan, Chandigarh |
| 500 | Repair of Harijan well, village Chaugera tehsil Rajpura | 1,500 | Construction of a village Library Room village Dholran, district Ludhiana |
| 1,000 | Construction of a pucca street in village Kalo Majra, tehsil Rajpura | | |
| 500 | Construction of a Janjgarh for Harijans in village Alluan, tehsil Rajpura | | |
| 1,000 | Construction of pucca streets in village Alluan, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of Village Library Room village Panj Graian, district Ludhiana |
| 500 | Construction of a Janjgarh in village Rurki, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of Village Library Room, Kotla (Bet), district Ludhiana |
| 500 | Repair tubewell in Harijan Colony, village Machhali, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of Village Library Room, village Sherpur, Bet, district Ludhiana |
| 1,000 | Construction of Harijan Janjgarh, village Lalru, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of Village Library Room. village Hambowal, district Ludhiana |
| 500 | Ditto | | |
| 1,000 | Construction of pucca streets, village Kheri Gujran, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of building for Nari Niketan, Jullundur |
| 2,000 | For the construction of pucca streets, village Ajrawar, tehsil Rajpura | 2,000 | Construction of a College Building of Lajpat Rai Memorial College, Jagraon, district Ludhiana |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | 1,000 | Construction of Pucca Streets, village Gaddo Majra, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of a building of M.S.U.D High School, Chawinda Devi district Amritsar |
| | | | 500 | Construction of a Harijan Dharamsala village Jharmary, tehsil Rajpura | | |
| | | | 500 | Repair of Harijan Well, village Mehmoodpur, tehsil Rajpura | | |
| | | | 1000 | Const uction of Harijan well, village Sangotha, tehsil Rajpura | 2,000 | For the development of Gaushala Patiala |
| | | | 1,000 | Construction of pucca streets in village Macchali Kalan, tehsil Rajpura | 1,000 | Construction of a building of Shastri High School, Kauli, tehsil and district Patiala |
| | Total | | 16,500 | Total | 25,500 | |
| 11 | Shri Chand Ram, W.J.M. | 6,00,000 | 1,000 | For drinking water well, Gram Panchayat Sasroli, tehsil Jhajjar, district Rohtak | 1,000 | Pavement of Harijan streets village Fatehpur Pundri, district Karnal |
| | | | | | 1,000 | Construction of a School building Budhera ( near Gurgaon) , district Gurgaon |
| | | Total | 1,000 | | 1,000 | For utilisation on purchase of books for Harijan Mahila Samaj, Library wx.202 Basti Nau, Jullundur City |
| | | | | | 2,100 | Construction of building of Community centre at village Gumanpura disttrict Amritsar |

| | |
|---|---|
| 3,100 | For installation of tube-well for common use in village Babbal Pur, distric Hissar |
| 5,000 | Construction of well around the schoo at Panjwar so that it would cover the Harijan colony and village abadi from view by the teachers and visitors of the School Village Panjwar tehsil Tarn Taran, district Amritsar |
| 250 | For purpose of equipment for Feroze Gandhi Memorial, Bal Vikas Kendra Kaithal, district Karnal |
| 10,000 | For purchase of land for extension of the school building of Haryana Public High School, Gohana |
| 5,000 | For construction of Backward Classes Hostel, Rohtak |
| 1,000 | For construction of Harijan Dharamsala village Nuran Khera |
| 5,000 | For construction of building of Haryana Harijan Balmik NathAshram, Rohtak |
| 500 | For Plastering of building of chaupal Dhanak Community Mohalla Brahamna Wala ,Rohtak |
| 5,000 | For construction of additional accommodation for Chhotu Ram Dharamsala, Rohtak |
| 2,500 | For construction of school building (Bharat Tek School), Rohtak |
| 5,000 | For construction of Rasta from village Kulasi to village Kanonda, district Rohtak |

| Serial No. | Name and designation of Minister | Amount placed at his/her disposal | Amount given in his/her own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs. | Rs. | | Rs. | |
| | | | | | 500 | For repair to chaupal, Dehry Mohalla, Chamaran, Rohtak |
| | | | | | 1,000 | For construction of chaupal of Bhangis in Ram Lia Parao, Rohtak |
| | | | | Total .. | 48,950 | |
| 12 | Smt. Om Prabha Jain, H.M. | 60,000 | 5,000 | For the construction of Swimming Pool at Jat Higher Secondary School, Kaithal, district Karnal | 5,000 | For construction of additional accommodation in Ludhiana Maternity Hospital, Ludhiana |
| | | | 5,000 | For installation of water hand pump in the abadi of Nayak Rajputs, Peoda, tehsil Kaithal, district Karnal | | |
| | | | 500 | For construction of "Chabutra" on Balmiki Harijan well in Mulla patti, village and post office Kelram, district Sangrur | | |
| | | Total .. | 6,000* | | | |
| | | | | | 3,100 | For completion of Babra Vyayamshala and Gowshala Ga-Karan Tirath, Rohtak |

*Note Statement Printed as Supplied by Government.

| | |
|---|---|
| 1,000 | For purchase of furniture and equipment for Haryana Public High School Gohana, district Rohtak |
| 1,000 | For holding of eye operation camp by Prantiya Arya Vir Dal, Karnal |
| 251 | For purchase of library books by Shri Krishan Nav Yuvak Mandal, Bahadurgarh, district Rohtak |
| 1,100 | For completion of building of Janta Dharamarth Ayurvedic Aushadhalyr outside Gur Mandi, Sonepat, district Rohtak |
| 4,000 | For completion of water works in Gand Vidya Mandir, Charkhi Dadri, district Mohindergarh |
| 800 | For levelling of Nehru park and Community Centre, village Mahchana, tehsil and district Gurgaon |
| 1,000 | For extension of the building of Middle School, Mani Karam, district Kulu |
| 5,000 | Construction and purchase of equipment for S. Patel Memorial College, Rajpura, district Patiala |
| 5,000 | Construction of building of Malwa College Bondi, tehsil Samrala, district Ludhiana |
| | For boring of well in village Ramshehr, tehsil Nalagarh, district Ambala |
| 1,000 | For extension of building of College Agriculture Kaul, district Karnal |
| 500 | For re-roofing of Primary School Kishanpura, tehsil Nalagarh, district Ambala |

[Home and Development Minister]

| Sl. No. | Name and designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 12—*concld* | | Rs | Rs | | | |
| | | | | | 5,000 | For the purchase of a diesel engine for drinking water, village Nighi, district Hoshiarpur |
| | | | | | 1,000 | For construction of building for dispensary village Jalwhera, district Hoshiarpur |
| | | | | | 3,000 | For construction of well for drinking water for villagers at Babbalpur, district Hissar |
| | | | Total .. | Total .. | 38,251 | |
| 13 | Shri Sunder Singh, M.E.P.L. | 35,000 | 2,500 | Development work i.e. roads etc. village Narot Jaimal (District Gurdaspur) | 1,100 | For college equipment and library of Arya Girls College, Ambala Cantt. |
| | | | 1,000 | For construction of Janjghar, village Jagatpur | 500 | For construction of Janjghar for Harijan, village Anandpur, district Ludhiana |
| | | | 1,000 | For metalling the road from Rachhapal to Gurdaspur Bhaian, village Jagatpur, district Gurdaspur | 500 | For library purposes Bharat Sewak Samaj, Karnal |
| | | | 2,000 | For construction of Janjghar, village Ghaji Barwar | 2,000 | For construction of Chopal Makrana, district Mohindergarh |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1,000 | For construction of Janjghar in village Gotran Lahri | | |
| 1,000 | For construction of a Janjghar, village Hayati Chak | | |
| 1,000 | For construction of Panchayat Ghar in village Sultanpur | 1,000 | Repairs of Harijan well in village Kharkhara, district Hissar |
| 1,000 | For construction of Janjghar in village Anial | 500 | For Panchayat School equipment village Minka Minki, tehsil Ambala, district Ambala |
| 1,000 | For construction of Janjghar in village Sharaf Chak | 500 | Construction of Janjghar for Harijan Rampura Phul, district Bhatinda |
| 1,000 | For construction of a Janjghar in village Saidipur | | |
| 2,000 | For construction of Community Hall in village Khunda | 500 | Construction of a Janjghar, village Galwatti, tehsil Nabha, district Patiala |
| 500 | For drainage works in village Paniar | | |
| 500 | For institute equipment and library in Paniar | 2,000 | For construction of building at Nari Niketan, Jullundur |
| 500 | For Drainage works in village Gandhian | | |
| 1,000 | For construction of a Janjghar in village Nangal Bhur | | |
| 1,000 | For construction of a Panchayat Ghar in village Gharota | | |

| Serial No. | Name and Designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 13—*concld.* | | Rs | Rs | | | |
| | | | 1,000 | For construction of Janjghar in village Kiri Kurd | | |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijan in village Chakval | | |
| | | | 500 | For construction of Janjghar in village Sharif Chak | 500 | Water-Supply Scheme and Sanitation Kanti, district Mahendragarh |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans in village Dhup Sari Jaswal | 500 | For construction of a Community Hall for Harijans in village Baloon, district Gurdaspur |
| | | | 500 | For construction of a Janjghar for Harijans in village Pumma | | |
| | | | 1,000 | For drainage work in village Parmanand | | |
| | | Total .. | 22,000 | | 9,600 | |
| 14 | Shri Rattan Singh, M.A. H.A. | 35,000 | 1,000 | For Harijan Janjghar at Kannra Bet, tehsil Gar Shanker district Hoshiarpur | 1,000 | For Lt. Karam Singh Memorial Library Baji-khana, district Bhatinda |

| | Amount | Purpose | Amount | Purpose |
|---|---|---|---|---|
| | 2,000 | For school at village Chandpur Roorkee, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur | 2 500 | Construction of a building of Kanya Vidyala Sahnewal district Ludhiana |
| | 1,000 | For construction of Janjghar for Harijans at village Kaulgarh, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur | 1,100 | Construction of a school building Gram Panchayat Middle School village Radiala, district Ambala |
| | 1,000 | For construction of building of Panchayat Ghar at village Bagowal (Balachaur Block), tehsil Garhshankar | | |
| Total .. | 5,000 | | 500 | For furniture and books for the reading room, village Khori, tehsil Rewari district Gurgaon |
| | | | 2,000 | For purchase of Agricultural implements for the Panchayat Farm, Rauni, N.E.S. Block Doraha, district Ludhiana |
| | | | 750 | Construction of a building of Panchayat Ghar, village Agojar, district Kangra |
| | | | 1,500 | For the purchase of Science equipments and library books for Shri AS.D. Higher Secondary School, Narnaul |
| | | | 1,000 | For Harijan Janjghar at village Malewal, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur |
| | | | 500 | For construction of Shri Jambee Jit Temple Well, at village Malewal, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur |
| | | | 1,000 | For Harijan Janjghar at village Bihala, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of the Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 14—*concld* | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | | | 1,50 0 | For construction of building c the Panchayat Ghar at village Chandiani Khurd (Saroa Block), tehsil Garshankar, district Hoshiarpur |
| | | | | | 1,000 | Purchase of furniture for the Agricultural Block of the Private School Shri Gobind Singh Khalsa Labana Higher Secondary School, village Miani Urmar tanda tehsil Dasuya district Hoshiarpur |
| | | | | | 1,000 | For construction of the building of the Public High School, village Talwara tehsil Dasuya, district Hoshiarpur |
| | | | | | 500 | For brary at village Bihala, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur |
| | | | | Total .. | 15,850 | |
| 15 | Smt. Chandra Wati, D.M.E.S. | 25,000 | 3,000 | For the construction of School Building Arya Nagar, Charkhi Dadri, district Mohindergarh | 500 | Construction of School Building, Misriwala, district Bhatinda |
| | | | 3,000 | For the construction of School Building, Jitpura | 1,000 | For the development of the village Dispensary/Streets/Library books, etc., village Salhawas, district Rohtak |
| | | | 2,000 | For the construction of boundary wall and room, etc., of the School, Kakroli Sardaran | 2,000 | For the construction of well for Harijan of village Gopalwas (Mohindergarh) |
| | | | 1,500 | For the construction of School Building Bond | 2,500 | For the Development of Panchayat Ghar, Jant (Mohindergarh) |
| | | | 1,404 | For the construction of School Building, Dharni | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 600 | For the uniform of poor Harijan students in Badhra | 1,500 | For the construction of well in village Khatod (Mohindergarh) |
| | | | 2,000 | For College Building and other equipment in Charkhi Dadri | 501 | To help the women league in their activities and for the setting up of an Industrial School, Yamunanagar (Ambala) |
| | Total .. | | 13,504 | | | |
| | | | | | 3,495 | For the uniforms of poor Harijan students. Consolidated sanction for Rs 3,495 was issued for this purpose Nawan, Badrai, Bhalothia, Sureht Kalan, Surehti Jakhal, Siampura, Bassi, Satnali, Nangal, Gopalwas |
| | | | | Total .. | 11,496 | |
| 16 | Shri Gurmit Singh, D.M. D.I. | 25,000 | 500 | For construction of Janjghar for Harijnas in Burjan (Burj Sidhwan) district Ferozepur | 500 | For building of Feroze Gandhi Memorial Balvikas Kendra, Kaithal, district Karnal |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans in Tarkhanwala, district Ferozepur | 500 | For the building of rooms for Karya Gurukul, Khanpur, tehsil Gohana district Rohtak. |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans in alamwala (Ferozepur) | | |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans in Khane-ki-dhab, district Ferozepur | 500 | For the installation of a pipe of water for village Dhaneta, district Kangra |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans in village Mohallan, district Ferozepur | | |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans in Karam Patti | 300 | For the construction of a building of Guru Har Rai Higher Secondary School, Dasuya Kalan, district Jullundur |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of the Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 16—*concld* | | | Rs | | Rs | |
| | | | 500 | For construction of Janj ghar for Harijans in Sakan wali | 500 | For the construction of village Pat from Bajuri Tika to Village Hastar village Bajuri, district Kangra |
| | | | 500 | For construction of Janj ghar for Harijansin Ghamiara Khera | | |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Harijans, Deon-Khera | 500 | For the construction of a building for the village dispensary, village Jalwehra, district Hoshiarpur |
| | | | 500 | For construction of Janjghar for Mazbi Sikhs in Danewala | | |
| | | | 500 | For construction of Diggi for water for Harijans in Rathrian | | |
| | | Total | 5,500 | | 500 | For construction of Janighar for Mazhbi Sikhs, Nahar Hasti, Dina, district Ferozepur |
| | | | | | 500 | For construction of Lt. Jatinder Singh Shaheed Stadium at village Khara, district Bhatinda |
| | | | | | 500 | For constuction of Library building opening in memory of Shaheed Lt. Gurdev Singh, village Bhikhi district Bhatinda |
| | | | | | 2,500 | For construction of rocms fcr Middle School, village Totu, district Simla |
| | | | | Total .. | 7,000 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 17 | Shri Gian Chand, D.M., I.H. | 25,000 | 1,250 | For improvement of school, i.e., addition of room as well as improvement in the present building, Village Rogra, tehsil Kandaghat, district Simla | 500 | For improvemet of Jawahar Sarai, village Bihang, district Kulu |
| | | | | | 500 | For purchase of dramatic equipment etc., of Kangra Kala Kendra, Chandigarh |
| | | | | | 350 | Improvement of Sanitary conditions, etc., of the village Mullana, district Ambala |
| | Total : | 1250 | | | 1,000 | Construction of more rooms of Boarding House of H/S Ram Sharha, district Ambala |
| | | | | | 500 | For construction of roofs of School building Jagat Sukh, district Kulu |
| | | | | | 100 | For Development of folk dance and purchase of equipment and clothes village Kargen, district Kulu |
| | | | | | 1,500 | Construction of one mile Kacha road to link with main road, village Baranda, district Kangra |
| | | | | | 750 | Constructioon of Bauli, village Bajuri, district Kangra |
| | | | | | 500 | Construction of roof of Panchayatghar constructed by Gram Panchayat, Anhek, village Chadhiar, district Kangra |
| | | | | | 750 | Construction of Bauli in Kut village Bhater Khurd, tehsil Hamipur, district Kangra |
| | | | | | 2,000 | Construction of building for Ayurvedic Dispensary, Chagriani (Tapa Dhanet), tehsil Hamirpur, district Kangra |
| | | | | | 500 | Construction of rooms for school building, village Ani, district Kulu |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | | | | Rs | |
| | | | | | 100 | Repair and maintenance of road, village Sarotri, district Kangra |
| | | | | | 100 | Repair and maintenance of road, village Daulatpur, district Kangra |
| | | | | | 200 | Repair and maintenance of road, village Balal, district Kangra |
| | | | | | 1,000 | Repairs and Maintenance of road, village Sunhi, tehsil and distrit Kangra |
| | | | | | 100 | Repairs and maintenance of road, village Kandi, tehsil and district Kangra |
| | | | | | 500 | Purchase of dramatic equipment for Sewa Samiti Higher Secondary School, Idgah, Road, Ambala Cantt |
| | | | | | 1,000 | Construction of new room for Middle School, Slol, district Kangra. |
| | | | | | 1,000 | Construction of rooms for Primary School, Salol, district Kangra. |
| | | | | | 500 | Constrution of Playground, village Chadhiar, tehsil Palampur, district Kangra |
| | | | | | 1,000 | Construction of new room for Middle School, Bhatoli, Phakorian, tehsil Dehra, district Kangra |
| | | | | | 1,000 | Construction of room for the High School, village Lanj, district Kangra |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 1,000 | Construction of library-cum-reading room, village Rajhoon, tehsil Palampur, district Kangra |
| | | | | | 1,000 | Construction of more rooms for Middle School, village Bhatoli Kalan, district Ambala |
| | | | | | 2,500 | Purchase of books for the library of Vaish College, Rohtak |
| | | | | | 100 | Purchase of Music equipment for Drama Party through Panchayat Samiti, village Brow, district Kulu |
| | | | | Total .. | 20,050 | |
| 18 | Shri Ram Partap Garg, C.P.S. | 25,000 | 500 | For celebration of 300th birth Anniversary of Shri Guru Gobind Singh by a convention of representative of various bodies, association at Patiala | 1,000 | For purchase of medicines and instruments, etc., for use in free eye operation and curing eye diseases, Jagraon, district Ludhiana |
| | | | 1,000 | For construction of well village Bhahri, Patiala Block, district Patiala | 1,500 | For constructing Part of building of the Gandhi Higher Secondary School, Mansa, district Bhatinda |
| | | | 250 | For development works of the Project on the Samadhi ground of Shri Anand Mani Ji Maharaj, Patiala | | |
| | | | 300 | For meeting Printing charges of booklet of patriotic songs being published by Anjuman-e-Tarqui-e-Urdu--Patiala, | 1,000 | For construction of a Portion of building of Middle School, Bir Hodla Kalan, district Bhatinda |
| | | | 1,000 | For furniture, etc., in School Rukmani Devi, Modi Dastkari, Patiala | 1,000 | For construction of Panchghar, Shadipur Momian, district Patiala |
| | | | 1,500 | For construction of building of Balmiki Dharam Sabha School, Patiala | 500 | For purchase of National-cum-International basket ball matches at Patiala |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Name and designation of Minister | Amount placed at his disposal | Amount given in his own constituency | For the purpose | Amount given outside the constituency | For the purpose |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | Rs | Rs | | Rs | |
| | | | 250 | For purchase of mat for the school children of Balmiki Dharam Sabha, Lahori Gate, Patiala | 2,100 | For construction of room in Shri Krishan Kumar High School, Rajpura Town, district Patiala |
| | | | 1,500 | For construction of school building of Bhartiya Bal Vidyala (Lower-Middle School run by Shri Brahman Sabha), Patiala | 2,100 | For purchase of furniture and construction of building for Public Girls High School, Rajpura |
| | | | 2,000 | For construction of Dharam Shala of Harijan in Dhilu-ki-Majri, Patiala | 500 | For purchase of equipment in connection with National Library started by National, Bassi Pathanan |
| | Total ... | | 8,300 | | | |
| | | | | | 1,000 | For constructing portion of building of Sanatan Dharam Industrial School for Women, Ambala Cantt. |
| | | | | | 1,100 | For constructing in the village via Panchkulla, Rajpura, district Patiala |
| | | | | | 2,100 | For construction of building of Mata ,Gujr College, Fatehgarh, Sahib tehsil, Sirhind Patiala |
| | | | | Total .. | 13,900 | |

**Postponement of Elections to the Zila Parishads, Hissar and Ambala**

***9230. Shri Mangal Sein,** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state the dates fixed for holding elections to the Zila Parishads, Hissar and Ambala, during the years 1965 and 1966 together with the number of times and the reasons for which the said elections were postponed in each case ?

**Sardar Darbara Singh** : The required information is placed on the Table of the House.

**Statement showing the dates fixed for holding elections of Zila Parishads, Hissar and Ambala during the years 1965-66 together with the reasons for which the said elections were postponed in each case.**

**Hissar District**

| | Date | | Reason |
|---|---|---|---|
| 1. | 8th August, 1965 | .. | The Programme had to be cancelled for want of election of Chairman/Vice-Chairman of Panchayat Samiti, Sirsa which was staged by the High Court. |
| 2. | 20th August, 1965 | .. | The election of Chairman/Vice-Chairman of Panchayat Samiti, Sirsa had not been completed upti the fixed date and hence the programme had to be postponed. |
| 3. | 25th November, 1965 | .. | A fresh postponement was necessitated in view of the Emergency and with a view to ensure that the attention of the people should continue to be focussed on war efforts. |
| 4. | 11th January, 1966 | .. | Sub-Divisional Officer (Civil) Hissar who was appointed as Presiding Officer for the co-option of members fixed for 27th December, 1965 was transferred on 24th December, 1965. It was apprehended that the holding of elections by the new Sub-Divisional Officer (Civil) would involve a legal irregularity as his predecessor was appointed a Presiding Officer by name and not by designation. Hence the postponement. |
| 5. | 31st January, 1966 | .. | Co-option of Zila Parishad Members fixed for 16th January, 1966 was postponed due to State mournings on account of the death of Prime Minister. |

**Ambala District**

| | Date | | Reason |
|---|---|---|---|
| 1. | 30th October 1965 | .. | Cooption of Members was fixed for 18th October, 1965. One Member could not be served with the notice of co-option being not available. The meeting had to be cancelled to avoid any complication. |
| 2. | 10th November, 1965 | .. | The postponement was made in view of the Emergency and with a view to ensure that the attention of the people should continue to be focussed on war efforts. |
| 3. | 17th January, 1966 | .. | The programmes was revised due to mourning falling the death of the Prime Minister. |
| 4. | 31st January, 1966 | .. | The elections were postponed, keeping in view the prevailing atmosphere in the district. |
| 5. | 12th February, 1966 | .. | Elections stayed by the Punjab High Court on a writ petition. |

**Re-adjustment of Territorial Boundaries of Community Developmen Blocks**

***8909. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state whether the Government propose to re-adjust the territorial boundaries of the Community Development Blocks in the State ; if so, the reasons therefor and the time by which the re-adjustment is likely to be finalised ?

**Sardar Darbara Singh :** Yes. Wherever difficulties are experienced by the public either as the result of the Block being not geographically compact or any other incongruity, Government consider territorial re-adjutments. However, no time limit has been fixed for this process of de-limitation.

---

**Panchayats which have not given Land to Harijans in Hissar District**

***9270. Shri Amar Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state the number and names of the Panchayats in the Hissar District, block-wise, which have not so far given 1/3rd of Panchayat land to the Harijans in auction together with the action, if any, taken by the Government against them ?

**Sardar Darbara Singh :** There is no Panchayat in Hissar District which has not taken action in accordance with Rules concerning leases of Shamilat lands to the members of the Scheduled Castes. As such, question of taking action against any Panchayat does not arise.

---

**Community Hall at Behr, Tehsil Dehra, District Kangra**

***9291. Thakur Mehar Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether the Community Hall building at Kotla Behr Tehsil, Dehra, District Kangra has been completed ; if not, when it is likely to be completed ;

(b) the estimated cost of the Hall referred to in part (a) above ;

(c) the amount paid by the Union Government, Punjab, Government, Panchayat Samiti of the area and the local people separately, for the said Hall ;

(d) whether any complaint regarding embezzlement of funds meant for the said Hall was received by the Government and an enquiry held in the matter ; if so, the result of the enquiry and the action taken thereon ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) No. It depends upon the Construction Committee.

(b) Estimated cost of the Project is Rs 9,315.

| | | |
|---|---|---|
| (c) (i) Contribution by Union Government | .. | *Nil.* |
| (ii) Contribution by State Government | .. | Rs 7,035 |
| (iii) Contribution by Samiti | .. | *Nil.* |
| (iv) Contribution by Local people | .. | The Contribution of Rs 2,280 is promised by the People. |

(d) The amount of Rs 33·25, for which there was not a valid receipt is being recovered from the ex-Sarpanch, Shri Rattan Chand.

**Mexican Wheat Seed**

***8863. Sardar Gurcharan Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Government have supplied wheat seed imported from Mexico to some farmers in the State if so, at what rate ;

(b) whether it is also a fact that the Government have now realised that this Mexican wheat seed does not successfully germinate in India or Punjab ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, whether Government intend to compensate the farmers who have sown the said seed at the instance of the Government ;

(d) whether the Government carried out experiments with the said seed to find out the extent of its germination before it was supplied to the farmers, if so, the result of these experiments ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) (i) Yes.

(ii) It was supplied at the following rates on the advice of the Government of India :—

(i) Sonaro 64 at Rs 62 per bag of 50 Kilogram.

(ii) Lerma Rojo at Rs 58 per bag of 45 Kilogram.

In addition to the above price actual transportation charges from Bombay shipping to the destination station have also been charged.

(b) No. The germination of Mexican Wheat Seed is very satisfactory throughout the State. In very few cases, however, some farmers could not get good germination because they did not follow the instructions given by the district staff to them.

(c) As the percentage of germination of seed is as high as 80 per cent to 90 per cent in all except a very few cases, the question of compensation does not arise.

(d) Germination was tested and found satisfactory.

**Subsidy to Farmers for having installed Tube-wells**

***8865. Sardar Gurcharan Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state the total number of farmers who have installed Tube-wells since the Government announcement to grant a subsidy for the purpose and the number out of those who have been sanctioned Rs 750 each as subsidy.

**Sardar Darbara Singh :** Upto 31st December, 1965, 2,188 farmers have installed tube-wells ; but so far no subsidy has been given. The subsidy will be allowed to the eligible loanees by way of waiving off recovery of appropriate amounts of the loans, after the rest of the loans have been repaid.

**Sheep Breeding Farms**

***8912. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state the number and names of the Sheep Breeding Farms so far established in the State together with the expenditure incurred on each ?

**Captain Rattan Singh** (State Minister for Animal Husbandry and Agriculture) : Two Sheep Breeding Farms—the Sheep Breeding Farm-cum-Experimental Station at Hissar and the Sheep Breeding Farm at Sainj in

[ Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture]
Kulu Valley—have been established and expenditure of Rs 3·54 lacs and Rs 2·24 lacs respectively, has been incurred so far.

---

### Complaint against the Secretary, Market Committee, Uklana in Hissar District

***9269. Shri Amar Singh :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a complaint against the Secretary, Market Committee, Uklana, in Hissar District is pending with the Department for the last few months, if so, the action, if any, taken thereon ;

(b) the contents of the complaint be laid on the Table of the House ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) The complaint was received last month which is being examined by the Secretary, State Agricultural Marketing Board, Chandigarh.

(b) The contents of the complaint (Annexure 'A') are laid on the table of the House. Annexure 'B' is the gist of allegations.

### ANNEXURE 'A'

**विषय:**—अवकाश चौधरी देवा सिंह, सचिव, मार्किट कमेटी, उकलाना ।

**यादि.**—आप के कार्यालय पत्र नं० 42595, दिनांक 29 दिसम्बर, 1965 के सम्बन्ध में ।

इस के बारे में आप को विवरण में सूचित करूं कि चौधरी देवा सिंह, सचिव, मार्किट कमेटी, उकलाना दफ्तर से दिनांक 7 दिसम्बर, 1965 गैर हाजिर था । और उसका दिनांक 7 दिसम्बर, 1965 को लगभग 1.30 बजे तार हिसार से आया मिला कि मेरा अवकाश स्वीकार किया जावे और सचिव बिना हैडक्वार्टर अवकाश लिया इस से पहले दिन कहीं चला गया जब उसे यहां से अवकाश ले कर जाना चाहिये था और इस का अवकाश न मन्जूर किया था और इस की सूचना आप इस कार्यालय पत्र नं० 783, दिनांक 15 दिसम्बर, 1965 को आप को भेजी जा चुकी है ।

2. द्वारा सचिव दिनांक 21 दिसम्बर, 1965 को बिना अवकाश मांगे और स्वीकार करवाये कहीं चला गया और फिर वह दिनांक 24 दिसम्बर, 1965 तक वापिस नहीं आया और इस का तार आप को पहले दिनांक 24 दिसम्बर, 1965 को भेज दिया है ।

3. यह कि मण्डी प्रबन्धक बरवाला सब-यार्ड श्री राम भज ने यह रिपोर्ट की है कि चौधरी देवा सिंह, सचिव, मार्किट कमेटी, उकलाना ने एक पोल गैस टांगने का था वह बेच दिया है और वह पैसा खुद खा गया है ।

4. यह कि मण्डी प्रबन्धक श्री आनन्द प्रकाश ने भी रिपोर्ट की है कि श्री देवा सिंह, सचिव, कार्यालय के कागजों पर भी मिसाल के तौर पर कम्पौंड के केसों पर जो मैं/प्रधान/ करता हूं हस्ताक्षर नहीं करता और यह रिपोर्ट साथ में भेजी जाती है । और इस का रवैया बड़ा गल्त है ।

5. आप को और सूचित करूं कि साबका कमेटी उकलाना ने अपने प्रस्ताव नं० 3, दिनांक 31 अक्तूबर, 1963 को सर्व सम्मति से पास किया था कि चौधरी देवा सिंह, सचिव, का काम तसल्लीबख्श नहीं है। और सारा काम बकाया में पड़ा रहता है। और इस की तबदीली होनी बहुत ज़रूरी है। जिस की नकल साथ में है।

6. श्री सेला राम चपड़ासी-कम-चौकीदार ने रिपोर्ट की है कि चौधरी देवा सिंह सचिव इस से दफ्तर के समय तथा दफ्तर के बाद भी उन का सारा काम यानी पानी भरवाना, लकड़ी पाड़ना तथा कपड़े धुलवाना आदि करवाता है। और इस को हर समय दबाता रहता है। और उस की रिपोर्ट साथ भेजी जा रही है।

7. यह कि इस सचिव का गांव चार-पांच मील की दूरी पर केवल है। और यह हर समय पार्टीबाजी में बड़ा जोर से हिस्सा लेता रहता है। कमेटी के काम में कोई दिलचस्पी नहीं लेता।

8. आप को आप के कार्यालय सरकुलर नं. 38 दिनांक 9 अगस्त, 1965 के सम्बन्ध में सूचित करूं कि सचिव चौधरी देवा सिंह इस कमेटी में लगभग 13 वर्ष से ही काम कर रहा है परन्तु आप का सरकुलर यह कहता है कि तीन वर्ष के बाद सचिव की तबदीली कर दी जाती है।

अतः आप से प्रार्थना है कि इस को यहां से तबदील कर के इस के खिलाफ इन्क्वायरी की जावे और मुनासिब ऐक्शन लिया जावे।

(हस्ताक्षर)...........,
प्रधान,
मार्किट कमेटी, उकलाना, जिला हिसार।

नं०..............., दिनांक

## ANNEXURE 'B'

**Brief contents of the complaint dated the 1st January, made by the Chairman Market Committee, Uklana, district Hissar against Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee, Uklana**

(1) Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee, Uklana, remained absent from office on 7 h December, 1965. However, he applied for leave from Hissar telegraphically on 7th December, 1965 at 1.30 p.m. without obtaining permission to leave the station.

(2) Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee, Uklana, remained absent from office for the period from 21st December, 1965 to 24th December, 1965 without any leave. The matter was reported to the State Agricultural Marketing Board on 24th December, 1965 by the Chairman Market Committee, Uklana.

(3) Shri Ram Bhaj of Mandi Uklana, has reported that the said Secretary has sold the Gas Pole of the Sub Yard. Barwala and thus he has embezzled the money of the Market Committee.

[Minister for Home and Development]

(4) Shri Anand Parkash, has complained that Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee did not sign on the compound cases and his behaviour is bad.

(5) The Market Committee, Uklana vide its resolution No. 3 of 31st December, 1963 resolved that the work of Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee, Uklana, is not upto the mark and as such, his transfer is quite necessary.

(6) Shri Sela Ram, Peon-cum-Chowkidar of the Market Committee. Uklana, has complained that Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee, Uklana, uses his services for his personal domestic affairs.

(7) Shri Deva Singh, Secretary, Market Committee, Uklana, takes part in party politics and he does not pay full attention to his office work.

(8) Shri Deva Singh. Secretary, Market Committee has been working or posted to the Market Committee, Uklana, for the last 13 years but it is against the policy of the State Agricultural Marketing Board, because in its circular No. 38, dated the 6th August, 1965, it has been laid down that a Secretary of Market Committee after his stay at a particular station for 3 years should be transferred.

---

**Applications for providing Diesel Engines for running Tube-wells**

***9330. Shri Roop Lal Mehta :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the total number of applicants in the State who applied for permission to use diesel Engines for running Tube-wells and the number of applications finalized, so far ;

(b) the number of applicants from Gurgaon District who have started diesel Engines Tube-wells in response to the Government's appeal for grow more food campaign ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) The information is being collected and will be supplied in due course.

(b) 233.

---

POINTS OF ORDER

**चौधरी नेत राम :** आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। मैं आप का रूलिंग इस मामले में चाहता हूं कि अगर कोई मैंबर इस हाउस में कहे कि डंडा चढ़ाया, क्या आप इन शब्दों को हाउस में तस्लीम करते हो। (विघ्न)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। कामरेड राम प्यारा ने एक दफा नहीं बल्कि दूसरी बार रिपीट किया कि डंडा चढ़ाया। मैं आप की रूलिंग चाहता हूं कि हाउस को भी इस बात का पता लगना चाहिये कि किस ने डंडा चढ़ाया, कहां डंडा चढ़ाया और कैसे डंडा चढ़ाया।

**श्री अध्यक्ष :** पंडित चिरंजी लाल, आप बहुत एक्सपीरिएंस्ड मैंबर हैं। यह प्वांयट आफ आर्डर आप ने गवर्नमैंट पर नहीं किया, कामरेड राम प्यारा पर किया है। क्योंकि यह शब्द कामरेड राम प्यारा ने इस्तेमाल किये हैं कई बार लफज़ अच्छे नहीं होते, लेकिन मैं नोटिस नहीं लेता। मुनासिब बात यह है कि पार्लियामेंटरी शब्द इस्तेमाल किये जाएं।

यह डंडा चढ़ाने वाली बात अच्छी नहीं है। मैं समझता हूं कि वक्त से सभी इम्प्रूव कर जाएंगे इस लिये मैं नोटिस नहीं लेता। यह प्वांयट आफ आर्डर नहीं रहता।

(The hon. Member Pandit Chiranji Lal is a very experienced Member. He has raised this point of order not against the Government but against Comrade Ram Piara because these words were used by the latter. Very often the expressions used are not happy but I take no notice of them. The proper thing is that only parliamentary expressions should be used. 'Danda Charhana, is not a desirable expression. I think with the passage of time all will improve in the use of good language. That is why sometimes I overlook such things. This is no longer a point of order.)

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : जनाब, मेरी गुज़रिश है कि मैं आप का रूलिंग चाहता हूं कि क्या 'डंडा चढ़ाना' शब्द पार्लियामैंटरी है ? अगर नहीं तो फिर इस को विदड्रा करने के लिये क्यों नहीं कहा जाता ?

---

## QUESTIONS OF PRIVILEGE

**Mr. Speaker** : There are two privilege motions.

एक प्रिविलिज मोशन डाक्टर बलदेव प्रकाश, श्री टन्डन और भौरा जी की तरफ से आई है। यह एक ही चीज के बारे में है। मोशन यह है।

(There are two Privilege Motions ; One is by Dr. Baldev Parkash and Shri Balram Ji Das Tandon and the other is by Com. Bhan Singh Bhaura. Both the questions of Privilege relate to one and the same subject. The motion reads as under) :—

> "That the arrest of Comrade Ram Piara, M.L.A., under Section 420 by the Government is a serious breach of privilege of this august House. The verification done by Comrade Ram Piara, as alleged, was done for being a member of this House and due respect should have been shown by the Government. If somebody gets the verfication done from a member of this House by giving false information, such a drastic action against the member is wholly undersirable. The matter should be referred to the Committee of Privileges for action."

**Shri Mangal Sein** : Certainly.

**डा० बलदेव प्रकाश** (अमृतसर शहर, पूर्व) : स्पीकर साहिब, यह जो मोशन हाउस के सामने प्रिविलिज मोशन के रूप में मेरी, टंडन साहिब और भौरा साहिब की तरफ से पेश हुई है, बहुत ही अहम है। हाउस के मैंबरों को दिन में सैंकड़ों कागजों पर दस्तखत करने पड़ते हैं। आप भी हाउस के मैंबर रहे हैं, अब भी हैं, आप को तो शायद अटेस्टेशन्ज़ न करने पड़ते हों, मैंबरों को सुबह से शाम तक किसी को शैडियूल्ड कास्ट का सर्टिफिकेट, किसी को इन्कम का सर्टिफिकेट, किसी को लड़का स्कूल में दाखल करवाने का सर्टिफिकेट, किसी की शादी आ गई है इस के लिये, किसी को मकान बनाने के लिये सीमेंट का सर्टिफिकेट चाहिये, किसी के लड़का हुआ है उस के लिये खांड चाहिये, इन सारे कागजात पर मैंबरान को दस्तखत

[डा० बलदेव प्रकाश]
करने पड़ते हैं। कई बार ऐसी बात हो जाती है। एक बार सरदार जय इन्द्र सिंह से किसी ने शादी की तस्दीक करवा ली। उस ने बाद में शादी पोस्टपोन कर दी। मान लें कि किसी के लड़के की शादी है, कोई मौत हो जाने की वजह से वह पोस्टपोन हो जाती है तो क्या जिस एम. एल. ए. ने दस्तखत किये थे उस को फांसी चढ़ा दिया जाएगा? या तो आप यह वेरीफिकेशन का मामला ही खत्म करवा दें। एम. एल. एज़. से ऐसे सर्टिफिकेट न लिये जाया करें। एक मैंबर को कई तरह की वेरीफिकेशन करनी पड़ती है। जनता का स्टैंडर्ड ऐसा हो चुका है कि लोग आ कर गुमराह करते हैं। और कई दफा गलत वेरीफिकेशन हो जाती है। सैंकड़ों दस्तखत करने होते हैं कोई एक आध गलत भी हो जाता है उस में एम. एल. ए. का क्या दोष है उस को चार सौ बीस में गिरफ्तार कर लिया जाता है। (आपोजीशन की तरफ से शेम, शेम की आवाजें) इस से बढ़ कर इस आगस्ट हाउस की बेइज्ज़ती और क्या हो सकती है? और फिर इस सरकार के हाथों जो कि डैमोक्रेसी के लिये अपने आप को कस्टोडियन समझती है। इस मामले को डैफिनिटली प्रिविलिज कमेटी को देना चाहिये। यह मामला तय होना चाहिये कि सरकार को आगे के लिये इस सम्बन्ध में क्या रवैया अपनाना होगा।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** (गनौर): स्पीकर साहिब, दो तीन आनरेबल मैम्बर साहिबान की तरफ से प्रिविलिज मोशन आई है। यह एक ऐसा मामला है जिस में इस हाउस के सारे मैम्बरान इनवाल्व्ड हैं। आज कल हालत यह है गवर्नमैण्ट औफिशियल्ज़ इन-क्लूडिंग मैजिस्ट्रेट हर जगह पर एम. एल. ए. की तस्दीक मांगते हैं। जब हम स्कूल में पढ़ते थे तो हम पूछते थे कि मास्टर जी टट्टी कर आएं, मास्टर जी पेशाब कर आएं, मास्टर जी कपड़े धो आएं, उसी तरह से अब होता है कि कि अगर कपड़े भी धोने हों तो एम. एल. ए. के दस्तखत करवाए जाते हैं। आफीसर्ज़ कोई जिम्मेदारी नहीं लेते। पटवारी से भी वैरीफिकेशन करवाई जाती है, गिरदावर से भी तस्दीक करवाई जाती है तहसीलदार भी करता है लेकिन जिम्मेदारी सब एक एम. एल. ए. पर डाली जाती है। मुझे 1959 की बात याद है जब सरदार प्रताप सिंह जी हमारे मुख्य मंत्री होते थे। वे ज़ाती तौर पर...

**Mr. Speaker :** The hon. Member should not please refer to the case. He may discuss the matter in a general way.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, I am not referring to the case.

अच्छा जी, मेरा मतलब केवल यह है कि आलरेडी उन की निवाज़शें होती रही हैं और अब इस राज में, कामरेड राम किशन के राज में एम. एल. एज़. पर निवाज़शें की जाएं ज़रूर कहीं न कहीं विंडिक्टिव स्पिरिट काम कर रही है। एम. एल. एज़. की इज्ज़त आप के हाथों सिक्योर होनी चाहिए लेकिन हालत यह है कि टैक्नेकैलिटीज़ की आड़ मे 419, 420 में उन के जलूस निकाले जाते हैं हमारे लिए इस हाउस में बैठना लानत है।

**श्री यश पाल** (जालन्धर शहर): स्पीकर साहिब, मैं समझता हूं कि यह बहुत बुनियादी सवाल है। न सिर्फ इस हाउस के मैम्बर्ज़ के लिये ही बल्कि डैमोक्रेसी के लिये भी। जब कभी कोई शख्स एम. एल. ए. के पास तस्दीक करवाने के लिये आता है तो सिवाए इस के कि उस की ज़बान पर एतबार किया जाए और कोई साधन वरीफाई करने का नहीं

होता कि किसी को कितने राशन की आवश्यकता है। कई बार ऐसा मौका आया कि एम. एल. ए ज़ को तस्दीक करना पड़ता था कि किसी शख्स की गाएं भैंस के लिये कितना दाना चाहिये। अब एक एम. एल. ए. को यह कैसे पता लग सकता है किसी के पास कितनी गाएं भैंसें हैं। अगर उस के घर में जाकर भी तस्दीक करने की कोशिश की जाए तो क्या पता हो सकता है कि उस की अपनी गाए भैंस हैं या कि पड़ोसी की हैं वह तो गुड फेथ में तस्दीक कर देता है। आमदनी की तस्दीक करते हैं। अब बताइये कि किसी आदमी की ठीक इनकम के बारे में तो इनकम टैक्स डीपार्टमैंट भी पता नहीं लगा सकता, एक एम. एल. ए. कैसे बता सकता है कि किस की कितनी सही आमदन है। वह तो इन गुड फेथ तस्दीक करता है। जब तक यह बात साबत न हो जाए कि किसी एम. एल. ए. ने जान बूझ कर बेइमानी से काम लिया तस्दीक करते वक्त तो उस के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होनी चाहिए। यह बुनियादी सवाल है, वाजब मुत्तालबा किया गया है इस को प्रिविलिज कमेटी के सुपुर्द किया जाना चाहिये ताकि कतई फैसला कर दिया जाए।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** (ਲੁਧਿਆਣਾ, ਉਤਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਮਾਮਲਾ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਇਹ ਐਨਾ ਇੰਪਾਰਟੈਂਟ ਹੈ ਕਿ ਇਹਦੇ ਪਿਛੇ ਬਹੁਤ ਬੜੀ ਹਿਸਟਰੀ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਜਿਹੜੀ ਇਤਲਾਹ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਵਾਰੰਟ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਨੂੰ ਐਪ੍ਰੋਚ ਕੀਤਾ । ਮੈਜਿਸਟ੍ਰੇਟ ਨੇ ਲਿਖ ਦਿਤਾ...........

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਇਸ ਕੇਸ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਨਾ ਕਰੋ । ਇਹ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਕੇਸ ਸਬ ਜੂਡਿਸ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਰਾਈਟਸ ਆਫ਼ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਬਾਰੇ ਜਨਰਲ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਬੇਸ਼ਕ ਕਰ ਲਓ ਪਰ ਇਸ ਸਪੇਸੇਫ਼ਿਕ ਕੇਸ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਨਾ ਕਰੋ । **(The hon. Member, Baboo Bachan Singh need not refer to this case. It will not be desirable to do so because it is *Sub judice*, He may generally discuss the rights of the Members but he should not refer to this specific case.)**

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਇਕੋ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਪੁਲੀਸ ਦੇ ਕੰਡਕਟ ਦੀ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਥੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੱਥ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਤਾਲੁਕਾਤ ਉਸ ਜ਼ਿਲੇ ਦੀ ਪੁਲੀਸ ਦੇ ਹੈਡ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਤਨੇ ਕਸ਼ੀਦਾ ਹਨ ਔਰ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਨੋਵਰਿੰਗ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਪਹਿਲੂਆਂ ਤੋਂ ਗੌਰ ਕਰਕੇ ਕਿਸੇ ਨਤੀਜੇ ਤੇ ਪੁਜਿਆ ਜਾਵੇ। ਇਥੋਂ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਇਹ ਫੀਲ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਭਾਰੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਇਹ ਵੀ ਫੀਲਿੰਗ ਹੈ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼, ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਤਸਦੀਕ ਦਾ ਸਿਸਟਮ ਹੈ, ਉਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਉਤੇ ਦਸਖਤ ਕਰਨੇ ਮੁਮਕਿਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣਗੇ। ਕਿਉਂਕਿ ਅਗਰ ਇਕ ਆਦਮੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਸ਼ਾਦੀ ਵਾਸਤੇ ਖੰਡ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਉਸ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦੀ ਤਸਦੀਕ ਕਰਨ ਲਈ ਉਸ ਦੇ ਘਰ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਕਰਜ਼ਾ ਮੰਗਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦੇ ਘਰ ਜਾਕੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਕਿ ਵਾਕਈ ਉਸ ਨੂੰ ਮਕਾਨ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਹੀ ਇਹ ਕਰਜ਼ਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਰੂਰਲ ਏਰੀਆਜ਼ ਵਿਚ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਇਮਪਾਸੀਬਲ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਸਾਰੇ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਥਰੈਸ਼ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਹ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਹੋਈ ਹੈ; ਪੜਤਾਲ ਦੀ ਬਹੁਤ ਹੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਐਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਦੁਸ਼ਮਣੀ ਦਾ ਜਜ਼ਬਾ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** (ਰੋਪੜ): ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪਰਕਾਸ਼ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਔਰ ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ ਨੇ ਜੋ ਮਸਲਾ ਇਥੇ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਬੜੀ ਮਹਾਨਤਾ ਰਖਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਦੋ ਚਾਰ ਹੋਰ ਘਟਨਾਵਾਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਔਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਾਹ ਖੁਲ੍ਹ ਗਈ ਤਾਂ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੈਮਾਕਰੇਸੀ ਦੇ ਪਨਪਣ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਜੋ ਇਸ ਵਕਤ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਰੋਕ ਪਦਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਔਰ ਅਸੀਂ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਰਾਈਟਸ ਲਈ ਲੜਦੇ ਹਾਂ, ਅਸੀਂ ਵੀ ਬੜੇ ਡੀਮਾਰੇਲਾਇਜ਼ਡ ਫੀਲ ਕਰਾਂਗੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਜਦ ਕਦੇ ਅਸੀਂ ਤਸਦੀਕ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਅਜਿਹਾ ਭੈ ਹਮੇਸ਼ਾ ਬਣਿਆ ਰਹੇਗਾ। ਜੇ ਕੋਈ ਬੰਦਾ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਮਕਾਨ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ, ਮੈਨੂੰ ਸੀਮੈਂਟ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਕਾਗਜ਼ ਉਤੇ ਪੰਚ ਦੀ ਤਸਦੀਕ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਕਿਸੇ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀ ਤਸਦੀਕ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਈ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸ਼ੋਰਟੀਜ਼ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੀ ਐਸਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਬਿਨਾ ਤੇ ਅਗਰ ਉਹ ਆਦਮੀ ਗਲਤ ਤਸਦੀਕ ਕਰਵਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ, ਸਰਪੰਚ ਔਰ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਤੋਂ ਵੀ ਲਖਵਾ ਲਿਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਬਿਨਾ ਤੇ ਸਾਡੇ ਖਿਲਾਫ ਹੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਅਗੋਂ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਸਦੀਕ ਕਰਨ ਤੋਂ ਗੁਰੇਜ਼ ਹੀ ਕਰਾਂਗੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਹੋਰ ਡਿਫੀਕਲਟੀਜ਼ ਪੈਦਾ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਔਰ ਅਗਰ ਤਸਦੀਕ ਕਰਾਂਗੇ ਤਾਂ ਅਜਿਹੀ ਸਜ਼ਾ ਦੀ ਤਲਵਾਰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸਾਡੇ ਸਿਰ ਉਤੇ ਲਟਕਦੀ ਰਹੇਗੀ। ਜਿਸ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਸਾਨੂੰ ਭੁਗਤਣੇ ਪੈਣਗੇ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਬਮਿਸ਼ਨ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਸਵਾਲ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰੂਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਸਤਕਾਰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜਿਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪਾਸ ਭੇਜ ਦਿਓ।

ਇਕ ਸ਼ਬਦ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਇਕ ਸਰਕੂਲਰ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਪੁਲਿਸ ਆਪਣੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਸੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ ਮੁਕੱਦਮਾ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ਜਦ ਤਕ ਕਿ ਉਸ ਬਾਰੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ ਨਾ ਲੈ ਲਈ ਜਾਵੇ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਕੀਤਾ ਸੀ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਸਾਰੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਪਰ ਉਹ ਚੀਜ਼ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲਈ ਗਈ ਹੈ ਔਰ ਹੁਣ ਰੁਖ ਇਸ ਦੇ ਉਲਟ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਕੀ ਉਸ ਨੇ ਕੋਈ ਜੁਰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਪੁਲੀਸ ਇਕ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ on its own arrest ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ? ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਅਜਿਹਾ ਮਾਮਲਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪੜਤਾਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਔਰ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜਿਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪਾਸੋਂ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਨੂੰ ਮਾਰਿਆਦਾ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਤੈ ਕਰਵਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** (ਜਗਰਾਉਂ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਮਾਮਲਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਵਕਤ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਵੀ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਬੜੀ ਅਹਿਮ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ.ਜ਼ ਵਲੋਂ ਆਈ ਹੈ ਔਰ ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਦੇਖੋ ਕਿ ਇਸ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਅਰੈਸਟ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਇਹ ਗਿਰਫਤਾਰੀ ਤਦ ਹੋਈ ਜਦ ਕਿ ਉਹ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚੋਂ ਆਪਣੀ ਕਾਨਸਟੀਚੁਏਂਸੀ ਵਿਚ ਗਿਆ ......

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ**: ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਪਰਟੀਕੁਲਰ ਕੇਸ ਨੂੰ ਰੈਫ਼ਰ ਨਾ ਕਰੋ (The hon. Member need not refer to this particular case).

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ**: ਬਹੁਤ ਅੱਛਾ ਜੀ, ਮੈਂ ਇਸ ਕੇਸ ਦੇ ਮੈਰਿਟਸ ਔਰ ਡੀਮੈਰਿਟਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ। ਪਰ ਉਸ ਦੀ ਅਰੈਸਟ ਵਾਸਤੇ ਸਪੈਸ਼ਲ ਅਰੇਂਜਮੈਂਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਜਦ ਉਹ ਇਥੋਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਪਣੀ ਕੰਸਟੀਚੁਐਂਸੀ ਵਿਚ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸੇ ਵਕਤ ਉਸ ਨੂੰ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇੰਨਾ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪੇਪਰਜ਼ ਵਿਚ ਐਡਵਰਟਿਜ਼ਮੈਂਟ ਕਰਵਾਈ ਗਈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕੋਈ ਭਾਰੀ ਗੁਨਾਹ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸੁਸਾਇਟੀ ਵਿਚ ਲੈੱਟ ਡਾਊਨ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਬਿਹਤਰ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਰੇ ਕੇਸ ਦੀ ਇਨਵੈਸਟੀਗੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਜੇ ਟ੍ਰੈਯਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਦੇ ਵਲ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਅਨੇਕਾਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਮਿਲਣ-ਗੀਆਂ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਬਦ ਨੀਅਤੀ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਬੜੀ ਧੱਕੇਸ਼ਾਹੀ ਹੋਵੇਗੀ, ਕੋਈ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਾਇਜ਼ ਕੰਮ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇਗਾ। ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣੀ ਪਰਸਨਲ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਕੇ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਪੈਸੇ ਨੂੰ ਗਲਤਮਲਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਫਾਈਦਾ ਉਠਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਦ ਤਾਂ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ, ਐਸਾ ਕਦਮ ਉਠਾਉਣਾ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਭਲੇ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਦ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਗੱਲ ਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਕੋਈ ਕੇਸ ਹੀ ਨਾ ਬਣ ਸਕੇ ਔਰ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਨੂੰ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀਆਂ ਨਜ਼ਰਾਂ ਵਿਚ ਸਿਰਫ ਲੈੱਟ ਡਾਊਨ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਜਾਵੇ, ਤਾਕਿ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਹਕੂਮਤ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਹਕੀਕਤ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਉਠਾਉਣ ਤੋਂ ਚੁਪ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਨਾ ਛਡਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਸੁਸਾਇਟੀ ਵਿਚ ਉਸ ਦੀ ਇੱਜ਼ਤ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਸਾ ਕਰਨਾ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੇ ਵਿਚ ਹਰ ਆਦਮੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਜ਼ਿਆ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਪ੍ਰਿਵੇਲੇਜਿਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਮੁਨਾਸਬ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ ਔਰ ਅਗੇ ਨੂੰ ਐਸਾ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ।

**श्री बलरामजी दास टंडन** (अमृतसर शहर, पश्चिम): स्पीकर साहिब, जैसा कि इस हाउस के सभी दलों की तरफ से यह बात रखी गई है, यह मामला निहायत ही अहम है और मैं यह समझता हूं कि अगर इसी बिना पर पंजाब के अन्दर जो कागज़ात तस्दीक होते हैं उन सब की अच्छी तरह से जांच पड़ताल की जाए तो मेरा ख्याल है कि हाउस का एक भी मैम्बर नहीं बचेगा जिस ने कोई एक या दो कागज़ात पर अनजाने में कोई ग़लत तस्दीक न कर दी हो। शायद खुद चीफ मिनिस्टर साहिब और दूसरे मिनिस्टरों

[श्री बलराम जी दास टंडन]

ने भी, जब कि वह मैम्बर थे पिछले दस बारह सालों में कोई रांग सर्टिफिकेशन कर दी हो। ऐसे केसिज़ निकल आएं तो कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि यह जो तस्दीक वगैरा का काम है यह मैम्बर साहिबान इन गुड फेथ करते हैं। हर रोज़ उन के सामने कितने तरह के कागज़ात आते हैं और अगर मैं मुबालगा नहीं करता तो दिन में उन्हें सौ सौ कागज़ों पर दस्तखत करने पड़ते हैं। इस लिये केवल इसी बिना पर मैम्बर पर चार सौ बीस का केस बनाना मैं समझता हूं कि निहायत गुमराहकुन, गलत और निहायत गिरी हुई बात है। इस लिये मैं समझता हूं कि यह मामला हाऊस के प्रिवेलेज का है कि अगर एक मैम्बर अपने लेजिस्लेटर होने की हैसियत से इन गुड फेथ कोई तस्दीक करता है तो उस को उस बिना पर अरैस्ट कर लिया जाए और उस पर चार सौ बीस का केस बनाया जाए। यह बात हाउस के प्रिविलेज के अगेन्स्ट है। लिहाजा यह मामला प्रिविलेजिज़ कमेटी को सौंपा जाना चाहिए ताकि इस की सभी पहलुओं से तहकीकात की जा सके और मुनासिब ऐक्शन लिया जा सके।

**श्री मंगल सेन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहिब, मैं आप से इस बात पर रूलिंग चाहता हूं कि आप ने बजा फरमाया है कि जैसे कि कन्वैन्शन चली आ रही है कि जो मामला पुलिस में चला जाए.....

**श्री अध्यक्ष** : क्या यह आप का प्वायंट आफ आर्डर है ? (Is this the point of order of the hon. Member ?)

**श्री मंगल सेन** : हां जी, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर ही बोल रहा हूं और एक प्वायंट पर आप की रूलिंग चाहता हूं। आज तक की कन्वैन्शंज़ के मुताबिक आप यही कहते हैं कि जो मामला सब जूडिस हो, पुलिस में चला जाए वह डिस्कस नहीं किया जा सकता। अब यह मामला ऐसा है कि आई. जी. पुलिस ने जानबूझ कर कामरेड राम प्यारा को गिरफ्तार करवाया है....मैं इस बात पर आप से रोशनी चाहूंगा, आप की रूलिंग चाहूंगा.....

**Mr. Speaker** : Please take your seat. It is no Point of Order.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** (ਧੂਰੀ ਐਸ. ਸੀ.): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਵਿਚ ਦੋ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਸਨ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਨੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤਾ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਜਦ ਕਦੇ ਵੀ ਕੋਈ ਇਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਆ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, "to the best of my knowledge." ਜਦ ਉਹ ਬੰਦਾ ਕਿਸੇ ਸਰਪੰਚ ਜਾਂ ਹੋਰ ਬੰਦੇ ਕੋਲੋਂ ਤਸਦੀਕ ਕਰਵਾ ਕੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅਗੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਤਸਦੀਕ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਅਰੈਸਟ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਇਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਉਥੋਂ ਦੀ ਪੁਲਿਸ ਔਰ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਦੀ ਆਪਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਗੱਲ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਉਸੇ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਲ੍ਹ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਵੀ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਲ ਹਰ ਵੇਲੇ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਜੋ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਕੋਈ ਗਲ ਕਹਿਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਵੀ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਪੁਲਿਸ ਇਹ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਸੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਿਸੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਦਾ

ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪਕੜਿਆ ਜਾਣਾ ਹੋਰ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗੰਭੀਰ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਮਸਲਾ ਪ੍ਰਿਵਿਲਿਜਿਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਸੌਂਪਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਉਹ ਕੋਈ ਨਾਰਮ ਮੁਕਰਰ ਕਰ ਸਕੇ।

**चौधरी नेत राम** : स्पीकर साहिब, मैम्बरों के विशेषाधिकार का यह जो मसला ग्राज हाउस के सामने ग्राया है इस के बारे में मैं ग्रर्ज़ करूं कि जनतन्त्र के ग्रन्दर एम. एल. ए. जनता का नुमायंदा होता है ग्रौर इस हैसियत में जनता उस से ग्रपना काम लेने की कोशिश करती है। ग्राप देखें कि ग्राज ग्रगर कोई जनता का ग्रादमी ग्रपने नुमायंदे के पास ग्राता है ग्रौर कहता है कि वहां पर मेरा प्लाट है ग्रौर मैं उस पर मकान बनाना चाहता हूं....

**श्री ग्रध्यक्ष** : थोड़े में सारी बात कहें... (The hon. Member may please try to be brief.)

**चौधरी नेत राम** : वह कहता है कि मैं ने मकान बनाना है ग्रौर एम. एल. ए. तसदीक कर देता है तो वह कोई पाप नहीं करता क्योंकि वह जनता का ग्रादमी है ग्रौर उन का नुमायंदा है। जनता उस को ग्रपने विश्वास में लेती है, कन्फीडैंस में लेती है, एम. एल. ए. को विश्वास करना पड़ता है। मगर होता क्या है। ग्राप ने देखा कि सरदार प्रताप सिंह कैरों एक जाबर हुकमरान था। वह ग्रपने मुखालिफों के खिलाफ....

**श्री ग्रध्यक्ष** : यह ग्राप क्या बात करने लग गए हैं। (The hon. Member has gone off the track. What has he started saying?)

**चौधरी नेत राम** : उन्होंने ग्रपनी ताकत के बलबूते पर ग्रपने ग्रफसरों से नाजायज़ काम करवाए, ग्रपने मुखालिफों को दबाया। यह जो राम कृष्ण सरकार है यह कमजोर, कायर ग्रौर नाग्रहल सरकार है (विघ्न) रिश्वत ग्राम हो रही है ग्रौर जो ग्रापोज़ीशन के एम.एल.एज़. हैं ग्रगर वह इस सरकार ग्रौर इस के ग्रफसरों के खिलाफ ग्रावाज़ उठाते हैं तो उन की ग्रावाज़ दबाई जाती है। सरकार जनतन्त्री तरीके के साथ खेल रही है।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** (ਰਾਏਕੋਟ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕੇਸ ਦੇ ਮੈਰਿਟਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਮਗਰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਮਹਿਜ਼ ਦਸਤਖਤ ਕਰ ਦੇਣਾ ਜਾਂ ਅਟੈਸਟੇਸ਼ਨ ਕਰ ਦੇਣਾ ਹੀ ਸ਼ਾਇਦ 420 ਬਣੇ ਵੀ ਨਾ। ਇਸ ਲਈ ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਕਾਨੂੰਨਦਾਨਾਂ ਨੂੰ ਦਿਖਾ ਲਵੇ ਕਿਉਂਕਿ ਜੇਕਰ ਇਹ ਜੁਰਮ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਣਨਾ ਤਾਂ ਉਸ ਬਾਰੇ ਸ਼ੋਰ ਕਿਉਂ ਪਾਇਆ ਜਾਵੇ।

ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਮਿਸਟਰ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪੋਲੀਸ ਅਫਸਰ ਮੈਲਿਸ ਕਰਕੇ ਫੜਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਇਨ-ਵੈਸਟੀਗੇਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਤਾਂ ਮੰਨਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕੋਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਗਿਰਫਤਾਰ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਮਗਰ ਉਸ ਦੀ ਗਿਰਫਤਾਰੀ ਬਾਰੇ ਸੇਫਗਾਰਡ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਵੇ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਹੀ ਐਸੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਬੀਸੀਉਂ ਦਫਾ ਕਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ, ਕਦੇ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ, ਕਦੇ ਪਬਲਿਕਮੈਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਵਾਜ਼ ਉਠਾਉਣੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਐਸਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਮੈਲਿਸ ਜਾਂ ਮੋਟਿਵ ਕਰਕੇ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੀ ਗਿਰਫਤਾਰੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਸੇਫਗਾਰਡ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਵੇ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਯਾਦ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਇਕ ਸਰਕੂਲਰ ਸੀ ਕਿ ਕਿਸੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਉਹ ਪਹਿਲਾਂ ਕੇਸ ਦੇਖ ਲਵੇ। ਇਹ ਸੇਫਗਾਰਡ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਇਹ ਅਸੂਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਗਿਰਫਤਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕਤਲ ਕਰ ਦੇਵੇ ਮਗਰ ਸੇਫਗਾਰਡ ਹੋਵੇ ਕਿ ਚੀਫ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ]

ਮਨਿਸਟਰ ਉਸ ਕੇਸ ਨੂੰ ਦੇਖੇ ਲਵੇ ਕਿ ਮੈਲਿਸ ਕਰਕੇ ਤਾਂ ਗਰਿਫਤਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ। ਉਹ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਬੁਲਾ ਕੇ ਪੁਛ ਗਿਛ ਕਰ ਲਵੇ ਕਿ ਤੇਰੇ ਖਿਲਾਫ ਇਹ ਗੱਲ ਕਿਉਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਉਹ ਜਿਹੜਾ ਸਰਕੁਲਰ ਸੀ ਉਹ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਵਾਪਸ ਹੋਇਆ ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਨਹੀਂ ਪਤਾ। ਮਗਰ ਇਕ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬਤੌਰ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜਿਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨੂੰ ਲਿਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਸਰਕੁਲਰ ਮੁੜ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਤੇ ਗੌਰ ਕਰਨ। ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੋਲਣਾ ਹੈ ਤੇ ਉਹ ਇਸ ਪਹਿਲੂ ਤੇ ਰੌਸ਼ਨੀ ਪਾਉਣ।

ਹੁਣ ਚੂੰਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਉਠੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਸਾਨੂੰ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਫੋਬ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਕੋਈ ਗਲ ਸਾਡੇ ਖਿਲਾਫ ਉਠਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਪੁਲੀਸ ਸਾਨੂੰ ਫੜਨ ਵਿਚ ਦਰੇਗ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਲੇਕਿਨ ਅਗਰ ਕੋਈ ਗੱਲ ਕਿਸੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹੋਵੇ, ਰੀਪੋਰਟ ਹੋ ਗਈ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼, ਇਨਵੈਸਟੀਗੇਸ਼ਨ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇ, ਕੁਝ ਹੋਰ ਵੀ ਵਧ ਹੋ ਗਿਆ ਹੋਵੇ, ਕਿਸੇ ਪੁਲੀਸ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਉਸ ਨੂੰ ਹੱਥ ਪਾਉਣ ਦੀ ਜੁਰਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਅਗਰ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਕੋਈ ਕੋਤਾਹੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਡੀਟੇਲਜ਼ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ।

ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਮੀਦ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ। ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ** (ਧਾਰੀਵਾਲ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਹੁਤ ਡੀਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ, ਸਿਰਫ ਇਕ ਹੀ ਗੱਲ ਕਹਿਣੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਜੱਜ ਸਾਹਬ ਨਾਲ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਸੇਫਗਾਰਡਜ਼ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕ੍ਰਿਮੀਨਲ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਕੋਡ ਦੀ ਇਕ ਦਫਾ 197 ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਕਿਸੇ ਗਜ਼ੇਟਿਡ ਅਫਸਰ ਜਾਂ ਜੱਜ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹਟਾ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਮੁਕਦਮਾ ਐਂਟਰਟੇਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਜਦ ਤਕ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਨਾ ਲੈ ਲਈ ਜਾਵੇ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਉਹ ਸਰਕੁਲਰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਿਆ। ਸੋ ਇਸ ਹਾਲਤ ਦਾ ਇਲਾਜ ਇਹੀ ਹੈ ਕਿ ਦਫਾ 197 ਵਿਚ ਇਹ ਹਾਊਸ ਹੀ ਤਰਮੀਮ ਕਰੇ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਵੀ ਉਸੇ ਤਰਾਂ ਮੁਕੱਦਮਾ ਰਜਿਸਟਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਜਦ ਤਕ ਕਿ ਉਸ ਕੇਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨਾ ਦੇਖ ਲਵੇ। (ਤਾੜੀਆਂ)

**श्रीमती शन्नो देवी** (जगाधरी): स्पीकर साहिब, आज जब मैं ने समाचार पढ़ा तो बड़ा ताज्जुब हुआ। 1940 की बात है। उस वक्त हम लोग आपोजीशन में थे। लाहौर में बड़ी भारी ऐजीटेशन चली थी। शायद कामरेड साहिब को याद होगा कि वह ऐजीटेशन व्यापार मण्डल की तरफ से चलाई जा रही थी। पुलिस चाहती थी कि मुझे गिरफतार किया जाए। 15 दिन मैं बराबर उस ऐजीटेशन को देखती रही लेकिन पुलिस की कोशिश के बावजूद डेढ़ दिन लग गया। जब तक उस वक्त के चीफ मिनिस्टर सर सिकन्दर से इजाजत नहीं ले ली गई मुझे गिरफतार न किया गया। आज बड़े दुख से कहना पड़ता है कि एक एम. एल. ए. कम से कम एक लाख इनसानों का प्रतिनिधि होता है और हम सब मैम्बर और मिनिस्टर यहां पर लोगों के

प्रतिनिधि के रूप में बैठे हैं। मैं आप की मारफत चीफ मिनिस्टर साहिब से बड़े अदब से कहूंगी कि यह एक बहुत बुरी बात है। इस तरह कामरेड राम प्यारा का गिरफतार किया जाना तमाम मैम्बरों की हत्तक है। (तालियां)

इतनी बड़ी बात हो जाए कि असैम्बली के एक आनरेबल मैम्बर को पकड़ा जाए और सी. एम. साहिब को और होम मिनिस्टर साहिब को पता न हो। यहां पर किस्म किस्म की बातें आती हैं और इस तरह की बातों को हम लोग बरदाशत नहीं करेंगे और किसी को भी बरदाशत नहीं करनी चाहिए (प्रशंसा)

11.00 a.m.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਪਰ, ਬੀਬੀ ਜੀ, ਇਹ ਸਿਕੰਦਰ ਦੀ ਨਹੀਂ ਕਲੰਦਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ। (ਹਾਸਾ)

**ਸਰਦਾਰ ਦਿਲਬਾਗ ਸਿੰਘ** (ਬੰਗਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸਾਡੇ ਇਕ ਸਾਥੀ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਤੇ 420 ਦਾ ਕੇਸ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਕਿ ਸੱਚਾ ਜਾਂ ਝੂਠਾ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਪਰ ਅਸਾਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਸਿੰਪਥੀ ਹੈ, ਪਰ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਤੇ ਇਕ ਛੋਟਾ ਜਿਹਾ ਕੇਸ ਬਣਿਆ ਤੇ ਇਨੀ ਗੱਲ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਠਾਈ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਸਾਡੇ ਤੇ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਤੇ ਕਈ ਕੇਸ ਝੂਠੇ ਬਣਾਏ ਗਏ, ਕਤਲ ਦੇ ਕੇਸ ਬਣਾਏ ਗਏ। ਸਾਡੇ ਵਾਸਤੇ ਤਾਂ ਇਹ ਪੁਰਾਣੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਭਾਵੇਂ ਨਵੀਂ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਕੋਈ ਘਟ ਹੀ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣਗੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨਾਲ ਤੁਅਲਕਾਤ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੋਵੇ ਪਰ ਸਾਡੇ ਤੇ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇਸ ਬਣਾਏ ਗਏ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਸ਼ੈਲਟਰ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਸੀ (ਪ੍ਰਸੰਸਾ)

**मुख्य मन्त्री** (श्री राम किशन) : स्पीकर साहिब, मुझे इस बात की खुशी है कि आज इस हाउस में एम. एल. एज़ के इख्तियारात और उनकी इज्ज़त का सवाल यहां पर उठाया गया है और यह सवाल अपोज़ीशन के मैम्बरों की तरफ से उठाया गया है। मैं आपकी विसातत से स्पीकर साहिब, यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि जहां तक इस हाउस में इलैक्टिड रिप्रैजेन्टैटिव का ताल्लुक है उनकी इज्जत और मान करना हमारा सब का फर्ज है और मैं तो खुद इस बात का और इस कायदा का कायल हूं और इसी ज़ाबते को मानता हूं। कि मैं खुद भी एम. एल. ए. साहिबान की इज्ज़त करूं और इज्ज़त करवाउं (प्रशंसा) मैं ने, स्पीकर साहिब, एक सर्कुलर जारी किया था कि किसी एम. एल. ए. यां एम. एल. सी. या किसी एम. पी. के खिलाफ पंजाब में कार्रवाई तब तक न की जाए जब तक कि उस बात को मेरे नोटिस में न लाया जाए। लेकिन, स्पीकर साहिब, आपको याद होगा कि इस हाउस में अन्दर ही इन मैम्बर साहिबान की तरफ से जिन्हों ने आज बहस में हिस्सा लिया है मेरे ऊपर इस बात के अटैक किए गए थे कि यह सर्कलर इस लिये जारी किया गया है कि सरकार किसी मैम्बर को प्रोटैक्शन देना चाहती है। मैं स्पीकर साहिब, इस बात को मानता हूं कि कोई भी एम. एल. ए. कानून से बालातार नहीं हो सकता लेकिन सर्कूलर तो इस लिये जारी किया गया था कि कोई सरकार की अथारेटी या सरकारी मशीनरी अपने इख्तियारात का नाजायज़ इस्तेमाल न करे। कोई यह न समझे कि उसके खिलाफ

[ मुख्य मंत्री ]

किसी बुग्ज़ की बजह से या किसी के कहने पर वहां की डिस्ट्रिक्ट अथारेटी ने आवाज़ उठाने पर कोई कार्रवाई की है या कर रही है। तो जब इस तरह की बातें इस हाउस में कही गईं तो मैं ने चीफ सैक्रेटरी से कहा कि मेरे इस सर्कुलर से शायद यह समझा जा रहा है कि मैं सरकारी एडमिनिस्ट्रेशन में दखल दे रहा हूं। क्योंकि मैं किसी किस्म का दखल एडमिनिस्ट्रेशन में नहीं देना चाहता, इस लिये इस सर्कुलर को मनसूख किया जाए। और आज हाउस यह चाहता है कि इस तरह का कोई प्रबन्ध होना चाहिए। एक वक्त में तो एक प्वायंट आफ व्यू से बात कर दी जाती है और दूसरे वक्त किसी और ही प्वायंट आफ व्यू को यहां पर पेश कर दिया जाता है। इस लिये अगर आज किसी चीज़ को ठीक समझा जाए तो कल भी उस चीज़ को ला के मुताबिक और कायदे के मुताबिक ठीक समझना होगा। जहां तक अपोज़ीशन के लीडर का सम्बन्ध है और दूसरे ग्रुप लीडर बैठे हैं उन के साथ हम भी बैठ कर इस बात पर ग़ौर कर सकते हैं कि आया उस सर्कुलर को फिर से रिवाइव किया जाए और अगर उसको दोबारा जारी किया जाए तो किस शक्ल में जारी किया जाए। मैंने शुरू में ही कहा है कि जो भी एम. एल.एज़. हैं या एम. एल.सीज़. हैं और लोगों के इलेक्टिड रिप्रेज़ेन्टेटिव हैं हमारा फर्ज़ है कि उनकी रिस्पैक्ट की जाए। मैं ने पहली और दो फरवरी को जो डी.सीज़. की कानफ्रेंस हुई थी उस में जो ऐड्रैस दिया था उसको आप देखें मैं ने उस ऐड्रैस में एक पहरा इस बात को दिया है कि अपन अपने इलाके में जो डिस्ट्रिक्ट अथारेटीज़ हैं वह मैम्बर साहिबान को पूरी रिस्पैक्ट दें। दूसरे, जहां पर कामरेड राम प्यारा का ताल्लुक है मैं इस केस को मंगवाऊंगा और इसको एग्जामिन करूंगा और अगर किसी पुलिस के कर्मचारी ने किसी मैलिस की वजह से इस बात को किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करना हमारा फर्ज़ है। मैं इस बात का यकीन हाऊस को दिलाना चाहता हूं। तीसरी बात यह है कि इस हाऊस के चार मैम्बर साहिबान हैं जिन में से दो अपोज़ीशन के मैम्बरान में से भी हैं और दो इस तरफ के बैंचों पर बैठने वाले हैं जिन के बारे में पता चला है कि उन्हों ने अपने इख्तियारात का नाजाइज़ इस्तेमाल किया है। उन्होंने मकानात के लिये कर्ज़े लिये लेकिन न तो पता है कि मकान कहां पर है, मकान की ज़मीन कहां पर ली गई और कुछ पता ही नहीं मालूम देता। मेरे नोटिस में यह फाइलें लाई गई पर मैं ने आज तक उन केसों के अन्दर कार्रवाई नहीं की। यहां पर एक आनरेबल मैम्बर ने जिस भाषा में मेरे मुताल्लिक बातें अभी कही हैं मैं उसी भाषा में जवाब नहीं देना चाहता, लेकिन, स्पीकर साहिब, और लीडर आफ दी आपोज़ीशन को कानफीडेंस में ले सकता हूं कि किस तरह की बातें नोटिस में लाई गई हैं। सरकारी फन्डज़ का नाजाइज़ इस्तेमाल किया गया है। और कर्ज़ लेकर पता नहीं क्या किया गया है। यह सब बातें हैं। इस तरफ तो आप मैम्बरान साहिबान कहते हैं कि सरकार का जो रुपया है इस को आप के पास अमानत रखा गया है और मुझे आपकी तरफ से हदायत की जाती है कि इस अमानत में ख्यानत न की जाए और मैं अपने फर्ज़ को पूरा करूं कि अमानत में ख्यानत न हो (प्रशंसा) मैं यह देखना चाहता हूं कि एक एक पैसे का जाइज़ इस्तेमाल हो। मुझे आप ने इस स्टेट का एक प्रथम सेवक बनाया है और मेरा फर्ज़ है कि मैं इस सारी चीज को देखूं। और अगर कहीं पर सरकार के पैसे का नाजाइज़ इस्तेमाल हो रहा हो तो आप ही गाइड करें कि क्या मैं कोई कार्रवाई ऐसे एम. एल. एज. के खिलाफ करूं या न करूं।

**आवाज़ें** : ज़रूर, ज़रूर।

**मुख्य मन्त्री :** मैं किसी मैम्बर का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन इस तरह के केस मेरे पास आए हैं कि जहां पर सैंकड़ों मन खांड का गबन हुआ। इस तरह की और भी कन्ट्रोल्ड आइटम्ज़ हैं, मैं ने इन केसों को रोक रखा है और डिस्ट्रिक्ट अथारेटीज़ को इस सम्बन्ध में इन्स्ट्रक्शन दी हैं कि किसी एम. एल. ए. या एम. एल. सी. के विरुद्ध कोई कार्रवाई मेरे नोटिस में लाने के बाद की जाए। आज मुझे इस बात की खुशी है कि आप मैम्बरान ने यह सवाल उठाया है। आप जो भी फैसला पूरे सोच विचार के बाद यूनानीमसली करेंगे उस के मुताबिक ही मैं कार्रवाई करूंगा (प्रशंसा) इस लिये मैं आप से बड़े अदब के साथ और नम्रता पूर्वक कहना चाहता हूं कि आप की और मेरी इज्जत सांझी है और इस में किसी तरह के पालेटिकस का दखल नहीं। हमारा सब का फर्ज़ है कि हम आपस में हरेक की इज़्ज़त करें। जब सरकार फन्डज़ अलाट करती है और उसकी वसूली का सवाल आता है तो कायदा और रूल के मुताबिक वसूली ना हो सके पता और जगह के बारे में भी जानकारी न मिल सके और फिर हमारी जो पब्लिक अकाऊंटस कमेटी है उस के सामने भी सवाल आए और फिर कैबिनेट में इस तरह की बात आए तो ग़ौर ज़रूर करना पड़ता है कि कार्रवाई किस ढंग से की जाए। इस लिये मैं अदब से दरखास्त करूंगा कि इन तमाम पहलुओं पर पूरा विचार किया जाए और जो आप चाहेंगे उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। मैं आप सब को यकीन दिलाता हूं कि मैं सब मैम्बर साहिबान की रिस्पैक्ट करता हूं और करनी चाहिए।

इस मुआमला पर जहां तक गवर्नमैंट का ऐक्शन लेने का ताल्लुक है हम अभी विचार कर रहे हैं। इस लिये कि हम आपको रिस्पैक्ट करते हैं। मेरे पास अभी एक और रिपोर्ट चार एम.एल.एज़. के खिलाफ आई है। मैं समझता हूं कि बजाये इसके कि फरदर ऐक्शन लेने के लिये कोई कदम उठाए जाएं। मैं ने इंडीविजुअलज़ को कान्फीडैंशल लैटर लिखा है,इसलिये कि वह आखिर इलैक्टिड मैम्बर्ज़ हैं लाखों को रिप्रेजेंट करते हैं। कहीं कोई ऐसी बात न हो जाये जिस से उन का अपमान हो जाए। मैं ने उन एक दो मैम्बरान के खिलाफ भी ऐक्शन लेना मुनासिब ना समझा, हालांकि उन के मुताल्लिक वह बात तसदीक भी हो गई थी। यह सब कुछ होते हुए भी मैं ने उनको एक कान्फीडैंशल लैटर लिखा। मैं यह भी जानता हूं कि अगर हम में से चन्द एक पर भी अगर कोई बुरी राए बनती है तो यह एक निहायत ही ना मुनासिब सी बात होगी और इसका नतीजा यह भी लाजमी है कि हम कौल व फैल से जो हमारे ज़िम्मे डियूटीज़ हैं उन को सही तरीका से सरअंजाम नहीं दे सकते। हम चाहते हैं कि हमारी रिस्पैक्ट गवर्नमैंट अथारेटीज़ में ज्यादा से ज़्यादा बढ़े, एडमिनिस्ट्रेशन के अन्दर हमारा वकार ज्यादा से ज्यादा बढ़े तभी हम अपने फरायज़ अदा कर पाएंगे और रूल्ज़ ऐंड रेगुलैशन्ज़ के मुताबिक इसको अमली जामा पहना सकेंगे। मगर मैं देखता हूं कि इस रास्ता पर चलने से बहुत सी अड़चनें पैदा होती नजर आती हैं। यहां पर कामरेड राम प्यारा के केस का भी ज़िक्र आया। आप यकीन रखें मैं इस केस को मंगवाऊंगा अगर किसी ने इसको बुरे इरादे से शिकायत करवाई है तो उस को कड़ी सज़ा दी जाएगी। हम रूल्ज़ के मुताबिक जस्टिस देने की हर हालत में कोशिश करेंगे। एम.एल.एज़. को पूरी रिस्पैक्ट हो हम खुद ऐसा चाहते हैं। मगर असल रिस्पैक्ट इनके अपने कौलो फैल से ही होगी। लोगों को भी इन्हें विश्वास में लाना होगा कि यह इतने बड़े इलाका को रिप्रेजैन्ट करते हैं, उन की नुमायंदगी करते हैं इन की वैरीफीकेशन से अक्सर बहुत से काम होते हैं, कई दफा किसी मुआमले की इनसे गलत तसदीक भी हो सकती है। गवर्नमैंट के सामने ऐसे केसिज़ आए हैं जिन से जाहिर होता है कि इन्हों ने अपने इख्तयारात का नाजायज़ इस्तेमाल किया।

[मुख्य मन्त्री]

जब इस तरह की शिकायात आती हैं तो गवर्नमेंट को तहकीकात करनी ही पड़ती है। ऐसी बातों पर हमें भी दुख होता है। इन सब बातों को समझते हुए हमें चाहिए कि हम ऐसी रवायात को कायम करें जिस से सरकार का काम ऐफीशेंटली चले।

**श्री अध्यक्ष** : मैं इस प्रिविलेज मोशन को अभी पैंडिंग रखता हूं। इस मुआमले को मैं लीडर आफ दी हाउस से और वेरियस ग्रुप्स के लीडर्ज़ से मिलकर हल करने की कोशिश करूंगा। अब तक की जो डिस्कशन इस मुआमले पर चली इसमें दो बातें इन्वाल्वड हैं। एक तो यह कि लेजिस्लेटर्ज़ के कहां तक राईट्स हैं और अगर कोई ऐसी बात थोड़ी बहुत इधर उधर की हो भी जाए तो कहां तक उसे मैलाफाइड कहा जा सकता है, इस के मुताल्लिक अगर गवर्नमेंट कोई पालिसी एडाप्ट करे तो कहां तक करे? दूसरी बात है कोड आफ कंडक्ट की। पिछले दिनों मैं ने कोड आफ कंडक्ट के मुताल्लिक तो इस हाउस में भी ज़िक्र किया था कि अगर आप ऐसा चाहते हैं तो इसके लिये यह तरीका अख्तियार किया जा सकता है कि कोई मैम्बर इसके लिये इस हाउस में मैम्बर्ज़ का कोड आफ कंडक्ट बनाने के लिये प्रस्ताव ले आये जिस के ज़रिए से ऐसी कोई कमेटी बनाई जा सके या आप इस के लिये अख्तियारात मेरे पर ही छोड़ दें। मगर अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव बावजूद मेरे कहने के किया नहीं गया। इस बात को सब मानते हैं कि मैम्बर्ज़ के मुआमला में हर काम में नेक नीयती होनी चाहिए और गवर्नमेंट की तरफ से कोई हरसमेंट हरगिज़ नहीं होनी चाहिए। यह बातें मैं ने आपके सामने इस लिये रखी हैं ताकि किसी न किसी नतीजा पर पहुंचा जा सके।
(For the time being, I keep this Privilege Motion pending. I shall try to resolve this matter in consultation with the Leader of the House and various group leaders. So far as the discussion raised on this matter is concerned, there are two things involved in it. One of them is the scope of rights of the Legislators and if any such like thing happens how far it can be termed as *malafide* and the policy which should be adopted by the Govern ment in regard to that. The Second thing relates to Code of Conduct. Some time back, I referred to Code of Conduct in this House and suggested that if the Members so desire, any Member could move a motion for framing the Code of Conduct for Members of this House on the basis of which a committee may be formed or those powers may be delegated by you to me. But inspite of my submission no such motion has been brought forward. There are no two opinions about it that there should be a clear conscience about every matter relating to the Members and their should be absolutely no harassment by the Government. I have placed my points of view before you so that we may be able to arrive at some decision.)

**श्रीमती शन्नो देवी** : मैं आप की मारफत यह कहना चाहती हूं कि जो चार शख्स बेईमान साबत हो चुके हैं, सरकार उनको फोरन पकड़े।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਲ੍ਹ ਸੋਮਵਾਰ ਦੀ ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਖਾਣਾ ਸਰਵ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਸੀ। ਠੀਕ ਹੈ ਵਰਤ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਕਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਤੇ ਐਮ. ਐਲ. ਸੀਜ਼ ਬਿਮਾਰ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੀਣ ਨੂੰ ਦੁਧ ਤੱਕ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਇਹ ਕਿਤਨੀ ਬੁਰੀ ਗੱਲ ਹੈ .......

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਬੜੇ ਤਜਰਬੇਕਾਰ ਮੈਂਬਰ ਹੋ ਇਹ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਮੁਆਮਲਾ ਹੈ, ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਮੁਆਮਲੇ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ (*Interruption*) ਜਿਸ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਹੈ ਉਹ ਦੇ ਕੋਲ ਤੁਸੀਂ ਇਤਲਾਹ ਦਿਉ। This matter will be taken up by the House Committee. (The hon. Member is an experienced Member. This matter retales to the House Committee. Such small matters can not be resolved in the House. (*Interruptions*) This Committee has been constituted for this purpose. He should report this complaint to this committee—which will take up this matter.)

---

## CALL ATTENTION NOTICES

**श्री जगन्नाथ** : स्पीकर साहिब, मेरी एक काल अटैंशन मोशन थी जिस में प्रभू नामी एक हरिजन, पुलिस कस्टडी के अन्दर मारा गया है। ऐसे बहुत से. . . .

**Mr Speaker** : Please . . . . . . . . (*Interruptions*)

**श्री जगन्नाथ** : स्पीकर साहिब, उसकी लाश तक नहीं दी गई. . . . .

**Mr. Speaker** : The hon. Member may please take his seat.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Mr. Speaker, Sir, Shri Jagan Nath was saying something just now. From that I conclude that there was some murder in the custody of the police . . . . . . . . . .

**Mr. Speaker** : May be.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Then, Sir, this is something very serious. If the matter is not *sub-judice*, if the case has not been registered and the man has been done away with in the police custody, then . . . . . . . . . . .

**Mr. Speaker** : The hon. Member may please take his seat.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : I will positively abide by your order, Sir. But . . . . . . . . . . . . . . . .

**श्री अध्यक्ष** : देखिए, मैं ने पहले भी अर्ज़ किया था अभी तो गवर्नर के ऐड्रैस पर डिस्कशन जारी है इसके बाद बजट पर डिस्कशन होनी है और भी बहुत सी डीमांडज़ है जिन पर कि इस मुआमला को डिसकस किया जा सकता है। जब और बातों में भी इस मुआमला को डिस्कस किया जा सकता है तो ऐसे हालात में काल एटैंशन मोशन या ऐडजरनमैंट मोशन को अलाओ नहीं किया जाता। जनरल डिस्कशन के दौरान जब भी मौका हो उस के बारे में कह सकते हैं। उस दिन भी मैंने कहा था कि अगर कोई आनरेबल मैम्बर प्वायंट रेज़ करेगा और गवर्नमैंट की तरफ से जवाब नहीं आएगा तो डिस्कशन के बाद अगर आनरेबल मैम्बर्ज़ फिर मोशन ले कर आएंगे तो मैं कंसिडर करूंगा। मैं इस हद तक जाने को तैयार हूं। जो काल अटैंशन मोशन्ज़ अब भी आई है वह एडमिट तो नहीं होंगी लेकिन वे गवर्नमट को भेज दी जाएंगी फार कंस्ड्रिेशन। (The hon. Members may please listen. I state dearlier also that the discussion of the Governor's Address was still going on and this would be followed by the general discussion of the Budget. Besides this, several Demands for Grants will be discussed. This matter can be referred to during these discussions. So, when reference to this matter is possible on such occasions, an Adjournment Motion or a Call Attention Motion

[Mr. Speaker]

is not permissible under the circumstances. The hon. Member may, therefore refer to this matter whenever he finds an opportunity to speak during the general discussion.

I also observed the other day that if the Government failed to reply to a point raised by an hon. Member during the general discussion, and if the latter gave fresh notice of the motion on that subject, I would consider it. However, I am prepared to go to this length that any Call Attention Notice received by me, though, it is not admitted, yet the same will be forwarded to Government for consideration.)

**Pandit Chiranaji Lal Sharma :** Mr. Speaker, Sir, I rise on a point of Order. Mr. Speaker, you have been pleased to remark just now that the hon. Members have ample opportunity to give expression to their views on the Governor's Address and on the general discussion of the Budget. But, Sir, if there is a matter of urgent public importance and if a man is said to have been murdered in the Police Custody, how long shall we wait ? After all everybody....

**श्री अध्यक्ष:** अगर काल अटेंशन मोशन आ जाय और एडमिट हो जाए तो गवर्नमेंट का जवाब 10 दिन के बाद आएगा तो फिर क्या होगा ?
(If the Call Attention Notice is recieved and admitted and Government's reply is also received after ten days, then how far will it serve the purpose ?)

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, when the allegations are initiated, why should not the case be registered against the official concerned ?

**Mr. Speaker :** I shall send a copy of this motion to Government.

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** स्पीकर साहिब, यहां कल 50 आदमी हिसार जिले से आए। जिस शख्स का लड़का कतल हुआ है वह अंधा है। आप काल अटेंशन एडमिट करें और गवर्नमेंट से पूछें।

**Mr. Speaker ;** I am sorry. The hon. Member should please resume his seat. I am prepared to discuss the matter with the various group leaders in the House.

**कामरेड राम प्यारा :** मिस्टर स्पीकर, मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि जजमेंट्स आई हुई हैं कि आदमी पुलिस की कस्टडी में मरा। प्रैशर डाल कर मामला दबाया गया। पुलिस कस्टडी में आदमी मरा है। इतनी दरखास्तें हैं। लोकल स्टाफ ने कुछ नहीं किया। हायर अथारिटीज इन्कलूडिंग होम मिनिस्टर के नोटिस में कोई चीज आई जाती है, रिकार्ड में हैं, मगर कुछ नहीं होता। कतल वाला मामला गैर जरूरी समझते हैं। मैं ने सैंटर को लिखा। जसैंटरल गवर्नमेंट के होम मिनिस्टर लिखते हैं कि करनाल जिला में अनप्रेसीडेंट मरडर्ज हैं। क्योंकि बजट तो पहली तारीख को पेश होगा इसलिये या एडजर्नमेंट मोशन्ज और काल अटेंशन मोशन का होना जरूरी है ताकि गपुलिस और गवर्नमेंटप्काशस हो।

**Mr Speaker :** Please take your seat.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहिब, यह जो हाउस के सामने मामला है यह बहुत ही संगीन है। वैसे तो आपका फरमाना बिल्कुल दरुस्त है, गवर्नर के ऐड्रैस पर या बजट पर बहस चल रही हो तब काल एटेंशन्ज और एडजर्नमेंट मोशन्ज आम तौर पर न आनी चाहिएं और न एडमिट होनी चाहिएं, लेकिन स्पीकर साहिब, स्टेट के अन्दर कोई ऐसी चीज भी हो सकती है जो कि आम तौर पर न होने वाली हों, मोस्ट अनयूयल हो। अगर कोई ऐसी संगीन वारदात हो जाए और बजट डिस्कशन के दौरान हफते के अन्दर उस का रेफ्रेंस हो जाए तो सैंकड़ों बातों का रेफ्रेंस होता है, मिनिस्टर जबाब नहीं दे सकते। उस बात को पूरा नहीं कर सकते। कम अज़ कम चालीस पचास मैम्बर गवर्नर ऐड्रैस पर बोलेंगे और उन्हों ने अपनी अपनी समस्याओं को रखना है। वह कितनी ही समस्याओं को रखेंगे अगर मिनिस्टर जवाब देना चाहें तो एक एक लफज़ भी उनके बारे में नहीं बोल सकते। वह एक एक बात के बारे में जवाब नहीं दे सकते। यह संगीन मामला है। एक शहरी को रहने का हक है। यह फन्डामेन्टल राइट है। उसको गवर्नमट या महकमा पुलिस की कस्टडी में मार दिया जाए और उसकी लाश भी न मिले और कह दिया जाए कि उस ने खुदकशी कर ली है तो यह ठीक नहीं। अगर खुदकशी कर ली है तो सरकार ज़िम्मेवार है। अगर पुलिस कस्टडी में खुदकशी की है तो सरकार ज़िम्मेवार है।

**श्री अध्यक्ष :** क्या आप प्वायंट आफ आर्डर रेज़ कर रहे हैं? (Is the hon. Member raising a point of order ?)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** मैं प्वायंट आफ आर्डर रेज़ कर रहा हूं। ऐसे मामले में आप को खास ख्याल करना होगा। यह ख्याल करना चाहिए कि यह पंजाब की जनता की भावना के विरूद्ध रूलिंग न हो। यह एक बहुत संगीन मामला है। इसको एडमिट करना चाहिए। एक्सैपशनल केसिज़ में सरकार को खेंचना चाहिए। इस लिये आप इसको एडमिट करें।

**चौधरी नेत राम:** यह पुलिस के थाने में पुलिस ने कत्ल किया है। मेरी यह काल एटेन्शन मोशन, है मैं इस के बारे में जानना चाहता हूं।

**Sardar Gurnam Singh :** Mr. Speaker, Sir, Rule 73 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly reads :

> "A member may, with the previous permission of the Speaker, call the attention of a Minister to any matter of urgent public importance and the Minister may make a brief statement.........."

The question, Sir, is whether this allegation relates to a matter of urgent public importance. If the case is registered by the Police and is under investigation, then, Sir, you can say that the matter is being examined. But supposing a man dies in the Police custody, the case has not been registered and no investigation is going on, what is the remedy for those people to get that wrong undone ? Where do they go ? Do they wait for the Governor's Address ? Do they wait for the general discussion on the Budget ? It may be a question of that man's body. So many other things may be involved. You may, therefore, kindly say that this is a matter of urgent public importance and the Government may make a statement. If the

[Sardar Gurnam Singh]

Police has done no wrong, the Government can make a statement immediately. But if the matter is not under investigation and the case has not been registered when a murder has taken place in the Police custody, certainly it is a matter which requires the attention of the Government and the Government should be asked to make a statement (*Cheers.*)

(*At this stage, some hon. Members rose on points of order.*)

**Mr. Speaker :** Order please.

**चौधरी नेत राम :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मेरी यह काल अटैंशन मोशन है। मैं इस के बारे में जानना चाहता हूं।

**श्री अध्यक्ष :** आप बैठ जाइए। (The hon Member may take his seat.)

**चौधरी नेत राम :** मेरे पास उस के गवाह का एफीडेविट है।

**श्री अध्यक्ष :** चौधरी नेत राम आप बैठ जाएं। (Chaudhri Net Ram may please resume his seat.)

**चौधरी नेत राम :** आप मुझे प्वायंट आफ आर्डर रेज़ नहीं करने देते मेरा भी अधिकार है।

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज़। (Order please.)

**चौधरी नेत राम :** स्पीकर साहिब, मेरे पास सबूत मौजूद है।

**श्री अध्यक्ष :** चौधरी नेत राम, आप बैठें। (Chaudhri Net Ram, please sit down.)

**चौधरी नेत राम :** मैं प्वायंट आफ आर्डर रेज़ कर रहा हूं।

**श्री अध्यक्ष :** देखिए; अगर तो आज का सारा टाइम इस पर लेना चाहते हैं कि काल अटेन्शन्ज या एडजर्नमेंट मोशन्ज़ एडमिट होनी चाहिएं या नहीं वह तो मुनासिब नहीं होगा कि इस तरह की डिस्कशन पर ही सारा टाइम ज़ाया हो जाए। यह बात एडमिट होने वाली नहीं। अगर आप चाहते हैं कि सारी पुज़ीशन रीकंसिडर हो जाए तो मुनासिब होगा कि ग्रुप लीडर्ज़ के साथ बैठ कर इनफारमल बात चीत की जाए, यह हाउस में नहीं करना चाहिए। एक चीज़ मैं आप के नोटिस में लाऊं कि बहुत सी बातें अरजैंट होती हैं जो नोटिस में आनी चाहिएं। अगर काल अटैंशन मोशन भी लाई जाए, एडमिट भी होने लग जाए तब भी आपको कहीं लिमिट फिक्स करनी होगी। लोक सभा में एक काल ऐटन्शन मोशन एक दिन में एडमिट होती है। (**एक आनरेबल मेम्बर :** एक मैम्बर की तरफ से एक होती है) एक एडर्जनमैंट मोशन या एक काल एटैनशन **मोशन** सिर्फ एक दिन के लिये एडमिट होती है। इस से ज्यादा लोक सभा में एडमिट नहीं होतीं। जितनी काल एटेन्शन मोशनज़ आएं उस के बारे स्पीकर को फैसला करना होता है कि कौनसी टेक अप होगी और कौनसी नहीं। और यह कि कौन सी अर्जेंट है कौन सी बहुत जरूरी है। यह कि जो पहली काल अटैंशन थी शायद वह ज्यादा ज़रूरी है लेकिन हो सकता है कि दूसरी काल एटैन्शन मोशन इतनी जरूरी न हो। अगर आप इन्डीविजुअल मैम्बर को इख्तियार देंगे कि जितनी चाहे काल एटैन्शन मोशनज़ ले आए या तो इस का फैसला आप पर छोडूं या आप को स्पीकर पर छोड़ना होगा। मैं ग्रुप लीडर्ज़ को बुला कर सारा मामला रीकंन्सिडर करने के लिये तैयार हूं। उस में फैसला करने के बाद अगर कोई एडर्जनमेंट मोशन डिसएलाओ हुई तो उस पर यहां डिस्कशन नहीं होनी चाहिए। अब काल एटैन्शन मोशनज़ पर कोई बात नहीं हो गी, सारा मामला रीकंसिडर होगा। (The hon. Members may please listen. If they want to take up the whole time in discussing whether

the Call Attention Notices or the Adjournment Motions should be admitted or not, then this would not be proper to waste time on such discussions. This is not going to be admitted. If they feel that the whole position in this regard be reconsidered, then it would be desireable that this matter be discussed informally with the group leaders but not in the House. I would like to point out one thing. There are certain matters of great urgency which require to be brought before the House. Even if Call Attention Notices are given and these are admitted, they will have to fix some limit to their number. In the Lok Sabha, only one Call Attention Motion is admitted in a day. (*Interruption*). One adjournment motion or a Call Attention Motion is admitted in a sitting. Nothing more than this is admitted in the Lok Sabha. The Speaker has to decide on receipt of the Call Attention Notices, whatever be their number, as to which of them are to be admitted and which to be disallowed, which is urgent and which still more urgent. It is possible that the first Call Attention Motion may be of more urgent importance than the second one which may not have the same urgency as the previous one. So if an individual Member is allowed to give any number of Call Attention Notices, then to whom should the right of decision be given to the Members or the Speaker ? I am prepared to send for the group leaders to reconsider and discuss the whole matter. If after that decision, any Adjournment Call Attention motion is disallowed, it should not be discussed in the House. Now no more discussion on the admissibility of Call Attention Motions will be allowed. The whole matter will be reconsidered.)

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : स्पीकर साहिब मेरा भी काल अटैन्शन नोटिस है ।

**श्री अध्यक्ष** : जो आज के है वह पैंडिंग है (Notices received today are pending.)

## PAPERS LAID ON THE TABLE

**Mr. Speaker** : The next item is : "Papers to be Laid on the Table". Will the Minister concerned please lay the papers on the Table ?

(*No Minister rose at this stage*)

**Mr. Speaker** : I am so sorry. No Minister is attending. That is not proper. If no Minister will attend, I will adjourn the House.

**Voice from the Opposition** : Yes, yes, please.

**चौधरी नेत राम** : स्पीकर साहिब, आप इस लिए हमारी बात नहीं सुनते क्योंकि [आप सरकार के पक्ष में रहते हैं। आप को ऐसा स्पीकर नहीं रहना चाहिए। ]

**Mr. Speaker** : I order you to withdraw from the House. You are obstructing the proceedings.

**चौधरी नेत राम** : स्पीकर साहिब, आप जनता की आवाज़ को दबाना चाहते हैं। इस लिए मैं बतौर प्रोटैस्ट के हाउस से वाक आऊट करता हूं।

**Mr. Speaker** : The honourable Member has proved disorderly. He has obstructed the proceedings of the House. He has made reflections on the Chair. My order will stand so that the consequences can follow.

**Pandit Chiaranji Lal Sharma** : Sir, you were pleased to ask the honourable Minister to lay Papers on the Table of the House, but no body stood up to do so. That shows how indifferent the Government is.

**Mr. Speaker** : I am coming to that please.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Sir, the honourable Ministers do not even turn up. Are they not indifferent to the proceedings of the House ?

**श्री अध्यक्ष** : चीफ मिनिस्टर साहिब मैं एम्फैटीकली अर्ज़ करना चाहता हूं कि आप के मिनिस्टर्ज़ और मैम्बर्ज़ में से बावजूद मेरे काल अपौन करने के कोई नहीं उठता और न ही कोई हाऊस को अटैंड करता है। मैं ने कहा था :

Will the Minister concerned please lay the papers on the Table ?

But No Minister rose to do that. अगर इस तरह से कोई अटैंड नहीं करेगा then I will adjourn the House. मैं आप को यह कहना चाहता हूं कि आनरेबल मिनिस्टरज़ को इस तरह इनडिफरेंट नहीं होना चाहिए। आयंदा के लिये यह ठीक नहीं होगा। (I would like to submit to the hon. Chief Minister emphatically that none of the Miniters or Members of his party rises despite my calling upon him nor does any of the former attend the House. I had called, "Will the Minister concerned please lay the papers on the Table". But none rose to do that. I, then, said that if no Minister would attend then I would adjourn the House. I would, therefore, like to tell the hon. Chief Minister that the Minister should not be so indifferent. It would not be proper if this thing is repeated in future.)

**मुख्य मन्त्री** : स्पीकर साहिब, मुझे अफसोस है इस बात का कि आप को किसी मिनिस्टर या किसी मेम्बर के खिलाफ ऐसी शिकायत हुई है। मैं आप को यकीन दिलाता हूं कि आयंदा ऐसा नहीं होगा। लेकिन जो आज का एजण्डा है इस में कही भी यह जिक्र नहीं कि किसी मिनिस्टर ने कोई पेपर ले करने हों।

**Mr. Speaker** : I think, you have been wrongly advised by the Chief Parliamentary Secretary. An addendum was issued in regard to the Papers to be laid on the Table of the House. It was also circulated to all concerned. I do not understand how and why it was not received by the honourable Ministers.

**Shri Ram Partap Garg** : The List of Business is before me. There is nothing in it about the Papers to be laid on the Table of the House.

**Mr. Speaker** : No, this is not correct. In addition to the formal List of Business, issued on the 19th February, 1966, an Addendum dated the 21st February, 1966, was also issued. It reads :

"After item "I. Questions", the following shall be inserted :—

"I-A. PAPERS TO BE LAID ON THE TABLE.

A Minister to lay on the Table the Defence of India (Punjab Special Tribunal) (First Amendment) Rules, 1965, issued under section 15 of the Defence of India Act, 1962."

**Chief Minister** (Shri Ram Kishan) : I am sorry for this. I hope this will not happen in future.

**Mr. Speaker :** In such circumstances, at least one Minister should get up and say that he is not in possession of the papers.

(Deputy Speaker in the Chair)

---

## Discussion on Governor's Address (Resumption)

**श्री रूप सिंह फूल** : (हमीरपुर एस.सी.) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, गवर्नर के एड्रैस पर तज़करा करते हुए मैं अर्ज़ कर रहा था। पेशतर इस के कि कुछ अर्ज़ें हाल करूं एक बात की कम से कम गवर्नमैंट को बधाई देना चाहता हूं कि पाकिस्तान के हमले के दौरान जिस फर्ज़ शनासी के साथ हमारी गवर्नमैंट ने काम किया वह काबले तारीफ है। जिस शिद्दत के साथ इन्हों ने उन बार्डर एरियाज़ में जा जा कर लड़ने वाले जवानों के हौसलों को बुलंद किया उस के लिये हमारी गवर्नमैंट मुबारिकबाद की मुस्तहिक है। यही कारण है कि चीफ मिनिस्टर साहिब की परसनल अपील पर न सिर्फ 50 लाख या एक करोड़ बल्कि चार करोड़ की रकमें डिफेंस और रिलीफ फण्ड की जमा हो गई। यह सबूत देती है चीफ मिनिस्टर और उस की हकूमत की हरदिलअज़ीज़ी का। मुझे यकीन है कि वह रिलीफ जो लोग मुस्तहिक हैं उन तक पहुंच जाएगा। मगर हरेक तसवीर के दो पहलू होते हैं; एक रोशन साईड होती है और एक डार्क साईड। यह सरकार सोशलिज़म की तरफ जा रही है और लोगों को यकीन दिलाती है कि हमारा एक सोशलिस्टिक निज़ाम कायम करना है। मगर मंजिल इस की किसी और तरफ आ रही है। हमारे कामरेड जी और बीबी शन्नो देवी जी दोनों जंगे आज़ादी के जरनैल रहे हैं। इन्होंने आज़ादी हासिल करने के लिये खास काम किए हैं और यह भी ठीक है कि जिस वक्त यह अवाम से खिताब करते थे तो कहा करते थे कि जब हमारा कांग्रेस का राज आएगा तो हम 12 साल के मुज़ारों को हकूक मारूसीयत देंगे मगर आज 18 साल आज़ादी को हो गए हैं। यही वह कामरेड हैं और इन्हीं की आज सरकार है लेकिन पंजाब में मुज़ारों की बेदखलियां धड़ाधड़ हो रही हैं। मेरी गुज़ारिश है कि कितने ही कानून बनाए गए जिनके नाम तो रखे गए सिक्योरिटी आफ लैंड टैनियोर लेकिन दरहकीकत वह इनसिक्योरिटी आफ लैंड टैन्योर साबित हुई और मुज़ारों को उन से कोई सिक्योरिटी नहीं मिली। माल मंत्री साहिब आज यहां पर बैठे हुए हैं और मैं उन से पूछना चाहता हूं कि क्या यह ज़मींदारों की हकूमत है जो पिछली यूनियनिस्ट हकूमत की पुरानी पालिसी के तहत चल रही है। अगर ऐसी बात नहीं तो फिर आज जो सैंकड़ों साल से आबाद मुज़ारों को बेदखल किया जा रहा है उसे फौरी तौर पर बंद किया जाए। इसके अलावा मैं ने स्पीकर साहिब सरकार का शुक्रिया अदा करना है और वह इस तरह कि :

"मैं कैसे कहूं कि तेरा जलवा नहीं देखा,
देखा है इस तरह से कि गोया नहीं देखा।

[श्री रूप सिंह फूल]

कामरेड साहिब आप जा रहे हैं लेकिन मैं आपको जाने न दूंगा रोक लूंगा, । ज़रा सुनिए तो :

"जिन्दगी के उदास गुलशन में
फूल कुछ तो खिला दिए होते
हम ने जब ज़िकरे दरद छेड़ा था
काश तुम मुसकरा दिए होते"

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मुझे कुछ पहाड़ी इलाके के बारे में अर्ज़ करना है। यह जो भाखड़ा डैम बना है और अब पौंग डैम बन रहा है यह कांगड़ा के पहाड़ी इलाका की बदौलत बन रहा है । 75 हज़ार के करीब आबादी पौंग डैम के बनने से और 30 हज़ार की अबादी भाखड़ा डैम के बनने से उजड़ी है। कांगड़ा की इतनी खिदमात के सिला में इन्हों ने यह किया है कि भाखड़ा डैम यहां बना है वह कोसरियां गांव कांगड़ा से निकाल कर तहसील ऊना ज़िला होशियारपुर में दाखिल कर दिया है। जब पूछा गया तो कहा गया कि यह ऐडमिनिस्ट्रेटिव प्वायंट आफ व्यू से किया गया है। लेकिन मैं कहता हूं कि यह ज़िला कांगड़ा के साथ सख्त बेइन्साफी की गई है । यह गांव वापिस कांगड़ा को दिया जाए। वह गांव जहां हमारे अबाओ अजदाद की हड्डियां हैं और जहां दुनियां का इतना बड़ा शाहकार तामीर हुआ है जिस से फैज़याब तो हरियाणा और राजस्थान हो रहे हैं लेकिन गांव भी हम से छीन लिया है ताकि कांगड़ा का नामोनिशान मिट जाए ।

मैं सरकार का शुक्रिया अदा करता हूं कि तहसील हमीरपुर को गवर्नमैंट कालिज दे दिया है। इसके लिये मैं मुख्य मंत्री जी, शिक्षा मंत्री जी और गवर्नमंट का शुक्रिया अदा करता हूं। लेकिन एक बात का मुझे ज़रूर दुख है कि धर्मशाला में जो पहले से गवर्नमैंट कालिज है वहां पर बावजूद इसके कि काफी अर्सा से बावेला कर रहे हैं ऐम. ए. की क्लास जारी नहीं की गई है। अगर ज़्यादा नहीं तो दो तीन मज़ामीन की क्लासें ही जारी कर दी जातीं ताकि कांगड़ा वाले कह सकते कि उनकी सरकार हायर तालीम के साधन उनको दे रही है। मैं समझता हूं इस तरफ जल्दी ही कदम उठाए जाएंगे। चार साल हुए गवर्नर ने ऐड्रैस पढ़ा। गवर्नर साहिब के उस ऐड्रैस को मैंने पढ़ा और बड़ी खुशी हुई कि न्यूज़ प्रिंट फैक्टरी और सीमेंट फैक्टरी हमारे कांगड़ा में लगेगी। सीमेंट फैक्टरी का तो अभी तक बिसमअल्ला भी शुरू नहीं हुआ है पता नहीं किस वक्त ऐस्टीमेंट्स मुकम्मल होंगे और कब तक वह फैक्टरी लगेगी लेकिन जहां तक न्यूज़ प्रिंट फैक्टरी का ताल्लुक है उस का पता चला है कि पहले मीरथल में लगनी शुरू हुई थी उसके बाद नंगल की बात चली और अब सुनते हैं कि कीरतपुर में। यह कांगड़ा के साथ सख्त बेइनसाफी है और हक तल्फी है। कितने अफसोस की बात है कि फैक्टरी के लिये खास माल तो आए ज़िला कांगड़ा के जंगलात से लेकिन उस फैक्टरी से फैज़याब हों कीरतपुर वाले। यह हमारे साथ बेइन्साफी है जो कभी बरदाश्त नहीं होगी। इस से लोगों में बहुत गुस्सा फैल गया है और इसके खिलाफ कांगड़ा वाले आंदोलन करेंगे वहां लोगों में इसके खिलाफ आवाज़ उठ रही है कि हम जंगलात जला देंगे अगर फैक्टरी कांगड़ा से बाहर लगाई गई। मेरा ख्याल है कि सरकार इस तरफ ध्यान देगी और यह फैक्टरी कांगड़ा में लगाएगी ।

यह जो अभी 2 पाकिस्तान के साथ जंग हुई है उस में यह नहीं कहता कि सिर्फ डोगरों ने ही बहादरी दिखाई है। उस जंग में सिखों, गुरखों, राजपूतों, मराठों, जाटों सब ने शुजायत दिखाई हैं लेकिन फिर भी मैं कह सकता हूं कि :

" जब कभी होगी ज़रूरत या वक्ते इम्तहान,
सब से पहले सूए मैदान में डोगरे होंगे रवां।"

और वह डोगरे रवां होते रहे हैं और होते रहेंगे यह वही ज़िला कांगड़ा के हैं जिन्होंने चायनीज़ एग्रेशन के वक्त उसमें शहादत पिया और हिमालय की बरफानी चोटियों पर सब से ज्यादा बहादरी से लड़े। अगर जिला वार देखा जाए तो कांगड़ा के जवानों ने उस वक्त भी सब से ज्यादा कुर्बानी दी। इसके बदले में न हमारे चीफ मिनिस्टर की तरफ से और न किसी और वज़ीर की तरफ से यह भी न हो सका कि वहां जा कर किसी शहीद के परिवार को तसल्ली दे सकें। दौरों पर तो वहां ज़रूर गए लेकिन किसी शहीद के घर पर जा कर इन्होंने घर वालों की मातमपुरसी नहीं की। इस का मतलब है कि हमारी जो खिदमात हैं उनका इन पर कोई असर नहीं:—

हम तो मखसूस हैं तोपों की तिजारत के लिये
हम तो मामूर हैं मरने की ज्यारत के लिये
हम में काबलियत न अमारत न सिदारत के लिये।
कौन पूछे है हमें आज वज़ारत के लिये।

फिर यही बस नहीं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप देखें पब्लिक सर्विस कमीशन में कांगड़ा और पहाड़ी इलाका वालों का कोई मैम्बर नहीं। बिजली बोर्ड बना है और बिजली हमारे कांगड़ा की बदौलत बनती है लेकिन उस में हमारा कोई मैम्बर नहीं। पोस्टवार रिकंस्ट्रक्शन फण्ड जिसमें पहाड़ी इलाके यानी ज़िला कांगड़ा का ज्यादा हिस्सा है उसका आज तक ज़िला कांगड़ा का कोई मैम्बर नहीं बनाया गया। सुबार्डीनेट सर्विसज़ सिलैक्शन बोर्ड में हमारा कोई मैम्बर नहीं। फिर जहां तक राजनीतिक क्षेत्र का सम्बन्ध है उस में भी देख लें कि हमें बुरी तरह इगनोर किया हुआ है। राज्य सभा विधान परिषद् में ज़िला कांगड़ा की कोई नुमाइंदगी नहीं। वह ज़िला कांगड़ा जिसकी दौलत को अगर ऐक्सप्लायट किया जाए तो न सिर्फ पंजाब की बल्कि सारे हिन्दुस्तान की डिवैल्पमेंट के साधन हो सकते हैं। हर मामले में इगनोर किया जाता है। अर्ज़ करता हूं :

फैज़े कुदरत के हैं भरपूर दफीने मुझ में,
दौलतों के हैं धड़कते हुए सीने मुझ में,
खूब कुदरत ने सजाए हैं करीने मुझ में,
और इरफान पै पहुंचने के हैं ज़ीने मुझ में"

मगर इसके बावजूद:

" शुगल हाथों को मेरे चाके गरेबानी का
दिल है मजरूह मेरा काविशे पिनहानी का
हल निकालों तो कोई मेरी परेशानी का
भूक का गुरबतो अफलास का अरियानी का"

[श्री रूप सिंह फूल]

हमें दुख यही है कि बावजूद हमारी इतनी दौलत के हमें उस से महरूम रखा जाता है और वहां की तरक्की का कोई ख्याल नहीं किया जाता। इसी लिये मेजर साहिब लोग कहते हैं :

"वरना हम और कोई हम में फनाह होता है
लोग कहते हैं कि इस राज में क्या होता है।"

हमें अफसोस है कि हमारे घर से बिजली निकाल कर दूर दराज़ के इलाकों को फैज़याब किया जा रहा है और पड़ोस के हिमाचल प्रदेश के गांव गांव में चिरागां है लेकिन हमारे घरों में अंधेरा है। मैं एक और अर्ज़ करूं कि हमारे कांगड़ा की जो सड़कें दूसरे प्लान में मुकम्मल होनी थीं उनका आज तक भी जब कि चौथा प्लान शुरू होने वाला है आधा हिस्सा मुकम्मल नहीं हो पाया है। ऊना अधड़ मंडी रोड, मुबारकपुर नदौन रोड वैसे की वैसे पड़ी है। पता नहीं कितने प्लान निकल जाएंगे लेकिन वहां की सड़कें मुकम्मल नहीं होंगी। फिर सोशलिज़म की बड़ी बातें होती हैं लेकिन चौथे और तीसरे दर्जे के मुलाजिमीन की तनखाह में इज़ाफा नहीं किया गया।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, चौकीदारों को अभी तक 20 रुपये महीना तनखाह दी जा रही है। इस के फोरेस्ट के गार्डों की तनखाह भी बहुत कम है। जंगल के राखों को कुछ नहीं दिया जाता। वह अपना गुज़ारा इतनी थोड़ी रकम में कैसे कर सकते हैं। (घंटी) मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि जो पहले गरीब हैं, वह बहुत ही गरीब बनते जा रहे हैं सरकार उन की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। क्या इस सरकार का यही सोशलिज़्म का नारा है? मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि--

फूल पर रंगे बहार आया है कुछ बात नहीं,
खार पर रंगे बहार आए तो कुछ बात बने।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि कांग्रेस राज के 18 सालों के अन्दर पहाड़ी इलाके के साथ इम्तयाज़ी सलूक किया जा रहा है। मैं समझता हूं कि आयंदा भी हमारे साथ ऐसा ही सलूक किया जाएगा। हमारे पहाड़ी इलाका की डिवैलपमेंट की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। वह पहले ही बैकवर्ड इलाका है। अगर वहां पर कोई डिवैलपमेंट न हुई तो वहां के लोग पहले से भी बहुत गरीब हो जाएंगे। यही कारण है कि हम हिमाचल प्रदेश के साथ मिलना चाहते हैं ताकि वहां हम अपनी किस्मत का ठीक तरह से फैसला कर सकें। इस लिये हमें हिमाचल प्रदेश में मिलने देना चाहिए। हमारे ज़िले की संस्कृति और भाषा तथा रिवाज हिमाचल प्रदेश के साथ मिलते हैं। हमारी बोली भी हिमाचल प्रदेश के साथ मिलती जुलती है। हमारे ज़िले के लिये सरकार ने जो डिवैलपमेंट का पैटर्न बनाया हुआ है, वह ठीक नहीं है। इस से हमारे ज़िले की डिवैलपमेंट नहीं हो सकती है। हमारे साथ इम्तयाज़ी सलूक किया जा रहा है। इस लिये वहां की जनता और हम मजबूर हो कर हिमाचल प्रदेश के साथ मिलने के लिये तैयार हो गए हैं। जितना डिवैलपमेंट के लिये मैदानी इलाकों के लिये सहूलत दी गई हैं उस से आधी भी सहूलतें कांगड़ा ज़िले को नहीं दी गई। हमारे साथ किसी भी स्टेज पर इंसाफ नहीं हो रहा है। इसी कारन हमारे ज़िले के लोग हिमाचल प्रदेश के साथ मिलने के लिए उत्सुक हैं। मैं पंजाब के बारे में इतनी अर्ज़ करना चाहता हूं कि--

छड्डो देवतियो बांह मेरी, मैं स्वर्ग लोक नहीं रहना।
इस भगतां दी धरती अन्दर मेरा नहीं ठिकाना।

मैं जाना हां दोज़ख अन्दर जित्थे वसदे मेरे वरगे छैल छबीले मुंडे,
कीते जिन्हां माशूकां बदले मूंह छबियां दे खूंडे ।

मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि हम मजबूर हो कर हिमाचल प्रदेश के साथ मिलने के लिये उत्सुक हो गए हैं ताकि वहां पर हम अपनी किस्मत का फैसला कर सकें। हमारा इलाका पहले ही बहुत पसमांदा है और अगर सरकार ने हमारे ज़िले के लिये यही नीति अपनाई रखी तो हमारी हालत आगे से भी बदतर हो जाएगी ।

गो बज़ाहिर है खिज़ांदीदा मेरा बागे वतन,
पर तेरे पंजाब का है बाज़ुए शमशीर जन ।
कोई अगर दे हुकम तो वह जां बहरोवर करे
चीनो पाकिस्तान क्या सारे जहां को सर कर दे ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, जब भी भारत पर कोई मुश्किल आती है तो ज़िले के लोग बहादुरी के लिये आगे आते हैं और देश की रक्षा करते हैं लेकिन जब भी वहां की डिवैलपमेंट की बात आती है तो हमें हर पहलू पर नज़र अन्दाज़ किया जाता है। आप को मालूम है कि हमारे ज़िले के सब से ज़्यादा फौजी शहीद हुए। उन्हों ने सब से ज्यादा कुरबानी की लेकिन उन की हालत को सुधारने के लिये कुछ भी नहीं किया जा रहा है ।

( सरदार हरचन्द सिंह द्वारा विघ्न)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਫੂਲ ਸਾਹਿਬ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਨੇ ਬੈਠੇ ਬੈਠੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਾਂਗੜੇ ਦੇ ਕੋਹੜੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ। ਕੀ ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਦੂਜੇ ਆਨ-ਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

**श्री रूप सिंह फूल** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं अर्ज़ कर रहा था कि सरकार पहाड़ी इलाकों की परवाह नहीं करती। अगर कोई सैनिक स्कूल खोले जाते हैं तो नाभा, कपूरथला और कुंजपुरा में खोला जाता है यानि इस लिहाज़ से भी ज़िला कांगड़ा को नज़र अन्दाज किया गया है। हालांकि सब से ज़्यादा लोग फौज में ज़िला कांगड़ा से भर्ती होते हैं । (घंटी) हमें हर लिहाज़ में सैकंडरी प्लेस दी जाती है। हमारे ज़िले में से कितने आई. ए. एस., आई. पी. एस. और आई. एफ. एस. और दूसरी बड़ी बड़ी पोस्टों में लिए गए हैं, इस के बारे में आप को भी मालूम है। हमारे इलाके में से बहुत ही कम लोगों को ऊपर उठने का मौका मिलता है। इस की वजह यह है कि पहाड़ी इलाका बहुत ही बैकवर्ड है और सरकार उस की हालत सुधारने के लिये कोई कदम नहीं उठाती है। इस लिये हम मजबूर हो कर हिमाचल प्रदेश के साथ मिलने के लिये तैयार हुए हैं ताकि वहां पर हम अपना उद्धार कर सकें।

**ठाकुर मेहर सिंह** ( डेरा गोपी पुर) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, हाउस के अन्दर गवर्नर साहिब के एड्रैस पर तीन दिन से बहस चल रही है। मैं भी अपने ख्यालात का इज़हार करने के लिये खड़ा हुआ हूं। मेरे इलाके में सिंचाई के साधन हैं। दरिया ब्यास से सिंचाई की अप लिफट की स्कीमें बनाई जा सकती हैं लेकिन सरकार उस इलाके में कोई तवज्जोह नहीं दे रही है। इस

[ठाकुर मेहर सिंह ]

के अलावा आप को मालूम है कि सरकार ने मैदानों की हालत सुधारने के लिये सिंचाई स्कीमों के अधीन करोड़ों रुपये खर्च किए लेकिन इस पहलू पर हमारे साथ इम्तियाज़ी सलूक किया जा रहा है ।

**बाबू बचन सिंह** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । कल और आज रूलिंग पार्टी की तरफ से 3 आनरेबल मैम्बर बोल चुके हैं । और आप ने अब रूलिंग पार्टी के तरफ के आनरेबल मैम्बर को काल अपोन कर लिया । इस तरह आपोज़ीशन की तरफ से कोई मैम्बर नहीं बोला । स्पीकर साहिब, के साथ फैसला हुआ था कि रूलिंग पार्टी की तरफ से दो मैम्बर्ज़ बोलेंगे और आपोज़ीशन पार्टी की तरफ से एक मैम्बर बोलेगा । हम तो उसी फैसले पर कायम रहने की कोशिश करते हैं लेकिन अगर यह ईक्वेशन चेयर की तरफ से तोड़ी जाए तो कैसे काम चलेगा ।

**उपाध्यक्षा** : मुझे बहुत अफसोस से कहना पड़ता है कि यह इक्वेशन चेयर की तरफ से बिल्कुल तोड़ी नहीं गई । बाबू जी ने भाषण करते हुए 1 घंटा 17 मिनट लिए । बाबू जी ने आपोज़ीशन की तरफ से सब से ज़्यादा वक्त लिया और खुद इक्वेशन तोड़ते हैं । Please take your seat. Order Please. (I must say that this equation has not been upset by the Chair. The hon. Member Baboo Bachan Singh himself took one hour and seventeen minutes to complete his speech. In fact, from the Opposition side he took most of the time and broke the equation. He may please resume his seat.)

**बाबू बचन सिंह** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, क्या यह इक्वैशन रखी जाएगी या तोड़ दी जाएगी ?

**उपाध्यक्षा** : बाबू जी, आप तो खुद इक्वैशन तोड़ते हैं ? आपोज़ीशन का सब से ज़्यादा समय आप ही ले जाते हैं । अगर आप समझते तो पहले ही आप अपनी स्पीच खत्म कर देते ताकि आपोज़ीशन के आनरेबल मैम्बरों को वक्त मिल जाता । आप ने तो एक घंटा और 17 मिनट भाषण दिया । इस लिये रूलिंग पार्टी और आपोज़ीशन पार्टी को पहले ही वक्त के बारे में तय करना चाहिए । (The hon. Member, Baboo Bachan Singh, is himself responsible for breaking the equation and consuming the biggest share of the time of the Opposion. If he had felt so much, then he should have completed his speech earlier to enable other members of the Opposion to get some time to speak. He himself took one hour and seventeen minutes to deliver his speech. In view of this the Ruling Party and the Opposition Groups should settle before hand the time limit for speeches.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । बाबू बचन सिंह को आप ने या कोई भी चेयर पर बैठा होगा उस ने बोलने के लिये 1 घंटा 17 मिनट भाषण करने की इजाज़त दी होगी । अगर नहीं तो क्या उस वक्त चेयर पर कोई भी मौजूद नहीं था । किसी को बन्द करना चेयर का काम है । यह काम आनरेबल मैम्बरों का नहीं है । अगर चेयर ने रैलेवेंसी को देखते हुए उन्हें बोलने की इजाज़त दे रखी तो यह हमारा कसूर नहीं है ।

**उपाध्यक्षा** : चेयर ने आधे दर्जन से अधिक बार उन्हें वाइंड अप करने के लिये घंटी बजाई उन्होंने चेयर की कोई परवाह नहीं की । वह खुद ईक्वैशन को तोड़ते हैं । प्वायंट आफ आर्डर पर टाइम वेस्ट न किया जाए । Please take your seat. (The

Chair sounded the bell for more than half a dozen time reminding him to wind up his speech but he paid no heed to the Chair. It is he who breaks the equation. No time need to be wasted on raising points of order.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। पहले आप आनरेबल मैम्बरों को ज़्यादा वक्त दे देते हो और फिर दूसरे मैम्बरों पर कुल्हाड़ा चला देते हैं। क्या यह वाजिब है ?

**उपाध्यक्षा :** यह पहले तय हो चुका है कि हर ग्रुप अपनी अपनी तरफ वालों से बोलने की लिस्ट भेजेगा। आप का नाम चौथे नम्बर पर है। चेयर ने तो यह देखना है कि हर एक को ठीक वक्त मिले। बाकी आप आपस में फैसला कर लें।

12.00 noon

(It has already been settled that every group in the House would send a list of its members intending to speak, to the Chair. The name of the hon. Member stands fourth in that list. The Chair has to see that every Member gets the apportioned time. The other points may be settled by them mutually.)

**ठाकुर मेहर सिंह :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं ज़्यादा तफसील में नहीं जाना चाहता गवर्नर्ज़ एड्रैस में कांगड़े का ज़िक्र किया गया है इस सम्बन्ध में मैं यह ज़िक्र करना चाहता हूं कि ज़िला कांगड़ा के अन्दर बाहर से जितने भी कर्मचारी जाते हैं उन को सी. ए. साढ़े बारह फीसदी दिया जाता है लेकिन कांगड़े के रहने वालों को केवल छ: फीसदी सी. ए. दिया जाता है हालांकि मंहगाई का असर दोनों पर एक जैसा होता है। अगर होशियारपुर का कोई आदमी कांगड़ा ज़िला के तीन मील भी अन्दर चला जाए तो उसे तो साढ़े बारह रुपये के हिसाब से सी. ए. मिलता है और कांगड़े का रहने वाला चाहे चालीस मील और आगे चला जाए तो भी उसे साढ़े छ: परसैंट के हिसाब से ही सी.ए. मिलेगा, यह कैसी निरपक्षता है इस की हमें समझ नहीं आती। हर प्रकार से कांगड़े के साथ धक्का किया जाता है। जितने भी मैडीकल कालिज बनाए गए हैं, सारे के सारे प्लेन्ज़ में बनाए गए हैं, जितने इंजीनीयरिंग कालिज बनाए गए हैं वह भी सब के सब प्लेन्ज़ में बनाए गए हैं, हमारे ज़िले की तरफ किसी की तवज्जोह नहीं गई। यहां तक कि मेरी कांस्टीच्यूएंसी में इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग इन्स्टीच्यूट भी कोई नहीं है, कई बार मांग की गई है, डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप ही बताएं कि हम कैसे दूसरे लोगों के साथ कम्पीट कर सकते हैं जब कि हमारे यहां एजुकेशन की हालत यह है कि अगर हमारे किसी हाई स्कूल में से साइंस मास्टर तबदील हो कर चला जाए तो नौ, दस महीने तक उस की जगह खाली पड़ी रहती है। साइंस का सबजैक्ट मौजूद रहता है लेकिन पढ़ाने वाला मास्टर नहीं मिलता। बच्चों का सारा साल ज़ाया जाता है। भला वे बच्चे दूसरों के साथ किस तरह से कम्पीट कर सकते हैं जिन के स्कूलों में पूरा स्टाफ होता है ? इस बात की तरफ खास ध्यान दिया जाना चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस के बाद में सफा 25 पर आईटम 20 की तरफ तवज्जोह दिलाना चाहता हूं जिस में स्वास्थ्य और पीने के पानी की स्कीमों का ज़िक्र है। इस में लिखा है कि स्वास्थ्य और पीने के पानी की स्कीमों की तरफ ज़्यादा ध्यान दिया गया है। पीने के पानी की स्कीमों का जहां तक इम्पलीमेंट करने का सवाल है इस में भी इम्तयाज़ी सलूक किया गया है। खरोटी में आज से 6, 7 साल पहले वाटर नैशनल स्प्लाई स्कीम के मातहत एक छोटी सी स्कीम बनाई गई थी लेकिन अभी तक वहां पर रेज़रवायर भी नहीं बनाया गया। स्टोर टैंक

[ठाकुर मेहर सिंह]

ही नहीं बनाया गया लोग वहीं से कपड़े धोते हैं, वहीं से नहाते हैं और वहीं से मवैशियों को पानी पिलाते हैं और खुद भी वहीं से पानी पीते हैं। कई बार इस तरफ तवज्जोह दिलाई गई है लेकिन सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही। लोग प्यासे मरते हैं गंदा पानी पीते हैं पीने के लिये साफ पानी नहीं है। 1965-66 में चिसांई की स्कीमों का 70 फीसदी रुपया खर्च होने जा रहा है लेकिन जिला कांगड़ा को एक दमड़ी का फायदा नहीं हुआ। दो करोड़ बीस लाख रुपया ट्यूब वैलों पर खर्च किया जा रहा है लेकिन ज़िला कांगड़ा को उस में एक पैसा मिलने वाला नहीं है।

इस से आगे मैं स्वास्थ्य के मामले में गरली अस्पताल की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। वहां पर एक पुराना अस्पताल है एक लाख रुपया लगा कर पब्लिक ने बिल्डिंग बना कर दी है लेकिन नौ साल का अर्सा हो गया है उस में कोई डाक्टर नहीं आया। दो साल हुए एक लेडी डाक्टर वहां पर आई थी लेकिन चार ही महीने के बाद उस को तबदील कर के पालम्, पुर भेज दिया गया। हमीरपुर-डेहरा कांस्टीच्यूंसी में चार लाख की आबादी है लेकिन वहां पर किसी भी हस्पताल में कोई भी लेडी डाक्टर नहीं है। जब किसी औरत को बच्चा पैदा होना होता है तो उस सूरत में कोई मैडीकल ऐड नहीं मिलती। इसी तरह से पीर सलूई में एक हस्पताल पब्लिक ने 50 हज़ार रुपया लगा कर बनाया परन्तु पिछले 9 साल में उस में कोई लेडी डाक्टर नहीं लगाई गई। मैं आप के द्वारा सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि कई अस्पतालों में तो डाक्टर भरे पड़े हैं, चंडीगढ़ में हस्पताल ओवर स्टाफड हैं लेकिन हमारे देहाती इलाकों में लोगों ने अस्पताल बना कर दिये हैं फिर भी वहां पर डाक्टर नहीं भेजे जाते। इस का कुछ इलाज होना चाहिये।

इसी तरह से पीने के लिये पानी की भी मुश्किल है। जहां सिंचाई के लिये हमें हमारा हिस्सा नहीं दिया जाता वहां पर पीने के लिये पानी की स्कीमों में भी पूरा हिस्सा नहीं मिलता। सरवे हुआ है लेकिन कुछ अमल नहीं किया गया। जहां पर नल लगे हुए हैं वहां की भी नागुफ़्ताबेह हालत है। जब कोई नल खराब हो जाता है तो ठीक करने वाला मिस्तरी भी कोई नहीं मिलता। नल टूटा पड़ा रहता है लोगों को पीने के लिये पानी नहीं मिलता। अब पता नहीं कि हमारी क्या पोज़ीशन है, हिमाचल में मिलाते हैं या क्या करते हैं लेकिन हमें तो आज से ही इग्नोर कर दिया गया है। बजट में हिस्सा देना तो दरकिनार किसी प्रकार का आश्वासन भी नहीं दिया गया कि आप के लिये यह कर दिया जाएगा। मैं आप के द्वारा यह प्रार्थना सरकार से करना चाहता हूं कि पीने के पानी की स्कीमों पर पूरी तनदेही से गौर किया जाना चाहिये यह हिदायत जारी होनी चाहिये कि जिन स्कीमों के एस्टीमेट्स दिये गए हैं उन को पूरी तरह से इम्पलीमेंट होना चाहिये।

एड्रैस में बठिंडा, हिसार, रोहतक, गुड़गांवा और तहसील ऊना का ज़िक्र आया है कि वे कहतज़दा इलाके हैं। हमारे यहां भी मकई की फसल बिलकुल नहीं हुई। गंदम की फसल भी नहीं हुई। आप मुलाहिज़ा कर के देखें कि जिस आदमी ने दस मन या बीस मन बीज का डाला है उस का एक दाना भी पैदा नहीं हुआ क्योंकि वर्षा नहीं हुई। अब अगर वर्षा हो भी जाए तो कुछ पैदा होने वाला नहीं है फसल तबाह हो चुकी है। लेकिन सरकार टस से मस नहीं हुई और हमारे इलाके को कहतज़दा करार नहीं दिया। अब सरकार कहती है कि सस्ते अनाज के डिपो खोल दिये जाएंगे। लेकिन मैं यह पूछता हूं कि जब ज़मींदार की फसल ही नहीं हुई उस के

पास पैसा कहां से आएगा, जब पैसा नहीं होगा तो वह सस्ता अनाज कैसे खरीद सकेगा। मकई की फसल के लिये वावेला किया गया था कि मामला माफ कर दिया जाए लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। हमारे लोग तकावियां लेने के आदी नहीं हैं, वे लोग कर्ज़ लेने भी नहीं जानते, मुनासिब नहीं समझते इस लिये उन की इमदाद करना निहायत ज़रूरी है। जो सेमज़दा इलाके हैं जब वहां पर सेम हो जाती है तो लाखों मन अनाज मुफ्त तकसीम कर दिया जाता है इसी तरह से हमारे इलाके में न मकई का दाना हुआ है और न गंदम का कोई दाना हुआ है इस लिये उन की इमदाद होनी चाहिये। वहां पर ज़्यादा से ज़्यादा काम जारी किये जाने चाहिएं। उन के लिये रिज़र्व जंगलात को खोल देना चाहिये ताकि वे लोग अपने मवैशियों के लिये चारा प्राप्त कर सकें। इस तरह से वे लोग अपने मवैशी बचा लेंगे। अब एक और नई पाबन्दी जलाने की लकड़ी पर भी लगा दी गई है। चैक पोस्टें कायम कर दी गई हैं। यह पोस्टें कुरप्शन का मम्बा है। वहां से बिना परमिट के तो लोग रिश्वत दे कर कितनी ही लकड़ी निकाल कर ले जाते हैं लेकिन जो लोग रिश्वत नहीं देते उन को परमिट भी बिना रिश्वत लिये इशू नहीं किये जाते। जिन लोगों की अपनी मलकियत है वे लोग भी अपने दरख्त नहीं काट सकते। चूंकि वहां पर कहत पड़ा हुआ है खुश्क साली है इस लिये उन लोगों को इजाज़त होनी चाहिये ताकि वे अपने वृक्ष काट कर पत्ते पशुओं को डाल सकें और लकड़ी बेच कर अपना गुज़ारा कर सकें। महकमा जंगलात ने अंधेरगरदी मचा रखी है। उन को अपने दरख्त काटने की इजाज़त होनी चाहिये। इन शब्दों के साथ मैं अपनी स्पीच समाप्त करता हूं।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਕੋਰਮ ਵਲ ਵੀ ਧਿਆਨ ਕਰੋ ਕਿ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। *(Interruption)*

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ**: ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਕਿ ਅਜ ਸੁਬਾਹ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਕਾਫੀ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਸੀ, ਜੇ ਟ੍ਰੈਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਉ ਤਾਂ ਚੇਅਰ ਦੇ ਸਮੇਤ ਕੋਰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਕੋਰਮ ਨਾ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਡਜਰਨ ਕਰ ਦਵਾਂਗੀ। (Addrresing Major Harinder Singh, Minister for Revenue) (I am constrained to remark that despite the fact that to-day in the morn ng the hon. Speaker had made certain emphatic observations in this connection things do not appear to have gone home and a glance at the Treasury Benches shows that the quorum is hardly complete even after including the Chair. If the House does not remain in quorum then I will adjourn it.)

**ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਮੇਜਰ): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜੋ ਹਾਲਾਤ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਛੁਪੇ ਹੋਏ ਨਹੀਂ। ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜੋ ਹੁਕਮ ਦਿਉਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੈਂ ਪਾਲਨਾ ਕਰਾਂਗਾ ਲੇਕਿਨ ਜਦ ਹਾਲਾਤ ਹੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੋ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹਾਂ।

**ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਕੁਝ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ** : ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਿਲਕੁਲ ਠੀਕ ਕਿਹਾ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੇਰਾ ਵੀ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਤਹਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲੈ ਆਵਾਂ। (It is my duty also that I should bring this fact to the notice of the hon. Minister.)

**ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਵੀ ਗਲਤ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ। ਸੱਚੀ ਗਲ ਦਾਕਰ ਹਾਂ, ਲੁਕਾ ਕੇ ਨਹੀਂ ਰਖਦਾ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** ( अमृतसर शहर—पूर्व) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, हाउस में गवर्नर साहिब के ऐड्रैस पर बहस चल रही है। धन्यबाद का प्रस्ताव ट्रैज़री बैंचिज़ की तरफ से पेश हुआ और उसका समर्थन भी हुआ। लेकिन यह तो एक फारमैलिटी ही रह गई है कि गवर्नर साहिब का धन्यवाद किया जाए कि उन्होंने यहां पर हाउस के अन्दर आकर हम को ऐड्रैस किया है। वैसे अगर देखा जाए,तो इस ऐड्रैस के अन्दर कोई ऐसी नई चीज़ नहीं है, कोई सरकार के ऐसे नए कारनामे नहीं है जिन पर फख्र किया जा सके। है क्या ? वही रूटीन बातें कि सरकार ने यह किया वह किया और जो कुछ नहीं भी किया उसे भी इस के अन्दर बता दिया गया है। वैसे भी अगर इस के अन्दर यह लिखा हुआ हो कि सरकार फलां बात करेगी फलां बात करेगी और गर्वनर साहिब यहां पर आकर वह सबकुछ फरमा भी दें तो भी उसकी कोई अहमियत नहीं है क्योंकि सन् 1962 में गवर्नर साहिब ने ऐड्रैस में इस बात का एलान किया था कि पानीपत के अन्दर कागज़ की एक मिल लगाई जाएगी, पब्लिक सैक्टर में यह किया जाएगा, प्राइवेट सैक्टर में यह किया जाएगा किसी चीज़ के लिये आठ करोड़ रुपया रखा गया और किसी के लिये चार करोड़। लेकिन इसी हाउस के अन्दर उस मिल की बाबत हर साल सवाल पूछे जाते रहे कि वह कहां तक पहुंच पाई है। जवाब दिए गए कि इसके लिये लाईसैंस दिया गया है, ऐग्रीमैंट हुआ हुआ है। हर साल इसी सम्बन्ध में सवाल पर सवाल पूछे गए लेकिन डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप को मालूम ही है कि सन् 1965 में आकर यह जवाब दिया गया कि उस स्कीम को ही खत्म किया गया है। तो एक बार तो यहां पर गवर्नर साहिब का धन्यवाद किया जाए कि आप ने बहुत अच्छा किया जो फलां काम स्टेट में शुरू कर दिया या उसको शुरू करने की योजना बनाई है लेकिन उस के बाद ही अगले साल हम उन को कोसें कि वह स्कीम कहां गई, उसका क्या बना, उसे क्यों खत्म कर दिया गया तो फिर मैं समझता हूं कि इस ऐड्रैस की कोई अहमियत नहीं रह जाती।

जहां तक सरकार की एडमिनिस्ट्रेशन का सवाल है, हालात यह हैं कि यहां पर एक टाप हैवी ऐडमिनिस्ट्रेशन है लेकिन इनएफीशिएंसी इतनी ज्यादा है कि ब्यान नहीं किया जा सकता। जहां तक पालिसीज़ का मामला है सरकार में ही इतनी कन्फ्यूज़न है कि पता नहीं चलता कि वह चाहती क्या है, क्या करती है और जो कहती है वह करना भी चाहती है या नहीं करना चाहती। जहां तक को-आर्डीनेशन का सम्बन्ध है, मिनिस्टरों की आपस में को-आरडीनेशन नहीं, डिपार्टमैंट की मिनिस्टरों के साथ को-आरडीनेशन नहीं, डिपार्टमैंट्स की डिपार्टमैंटस के साथ को-आरडी-नेशन नहीं और गवर्नर साहिब ने यहां पर यह कहा कि आपोज़ीशन गवर्नमैंट के साथ को-आपरेट करे क्योंकि आपोज़ीशन भी तो गवनमैंट का एक विंग ही है। मैं तो यह कहूंगा कि आपोज़ीशन की तरफ से को-आपरेशन का सवाल तो तब पैदा होता है जब कि खुद मिनिस्टर की मिनिसटर के साथ डिपाटमैंट की मिनिस्टर के साथ और डिपार्टमेंट की डिपार्टमेंट के साथ को-आपरेशन हो एक दूसरे के काम में को-आरडीनेशन हो। फिर तो आपोज़ीशन की को-आपरेशन से देश या सूबे का फायदा हो सकता है लेकिन सवाल इस स्टेट के अन्दर यह है कि अगर एक मिनिस्टर एक काम करने का हुकम देता है तो दूसरा मिनिस्टर उसी की इम्पलीमैंनटेशन को अपने हुक्म के ज़रिए बन्द कर देता है। उसे कैन्सल कर देता है। एक मिनिस्टर अपने डिपार्टमैंट के लिये अपना नुक्तानिगाह रखता है और दूसरा मिनिस्टर उसकी बाबत दूसरा ही नुक्तानिगाह रखता

है। वह एक दूसरे के काम में अड़चन डलवाने की कोशिश करते हैं। जहां पर ऐसे हालात हों तो, डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप ही अन्दाज़ा लगाएं कि उस सूबा के अन्दर लोगों की क्या हालत होगी? वहां पर डैमोक्रेसी किस कदर पनपेगी.....वह डैमोक्रेसी जिस की बाबत खुद गवर्नर साहिब ने अपने ऐड्रैस में ज़िक्र किया है कि इस देश की हकूमत डैमोक्रेसी की इन्स्टीच्यूशन पर चल रही है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, लोगों की इस वक्त क्या हालत है? लोग महंगाई के नीचे पिस रहे हैं। उन की बुनयादी आवश्यकताएं प्रतिदिन की ज़रूरतें भी पूरी नहीं हो रहीं, उन को सही इन्साफ नहीं मिल रहा, कहीं किसी केस की रिपोर्ट पुलिस के पास जाकर दर्ज करवानी हो तो उसको रजिस्टर नहीं किया जाता। एक तरफ तो लोगों की यह हालत है। लेकिन दूसरी तरफ अगर इस गवर्नर साहिब के ऐड्रेस को पढ़ा जाए तो ऐसे मालूम होता है, ऐसा खूबसूरत नक्शा दिखाई देता है, ऐसी सुनहरी तस्वीर हमारे सामने आती है गोया सूबे के अन्दर सब अच्छा है, सब अच्छा है और कहीं पर कोई मुसीबत या मुश्किल लोगों को पेश नहीं आ रही है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक एक मसले को एक एक करके अब मैं हाउस के सामने रखूंगा।

जहां तक सरकार की नीतियों को कार्यान्वित करने का सम्बन्ध है, कुछ मिसालें हमारे सामने आईं। हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के दरम्यान कुछ दिन लड़ाई होती रही और उस लड़ाई के दरम्यान हमारे सूबा को बहुत नुक्सान उठाना पड़ा। उसके नतीजे के तौर पर यहां पर इन्डस्टरी खत्म हो गई, बिज़नैस खत्म हो गई, एग्रीकल्चर को भारी नुक्सान हुआ, जो फसलें खेतों के अन्दर खड़ी लहलहा रही थीं वह बरबाद हो गईं, सूख गईं और हमारी सरकार के मुख्य मंत्री और दूसरे मन्त्री हर रोज़ एक से एक नई स्टेटमैंट प्रैस में निकलवाते रहे। कहा जाता था कि कोई फिकर वाली बात नहीं है, आप को बैंकों की तरफ से सहूलियतें मिलेंगी, फलां महकमा की तरफ से यह सहूलतें मिलेंगी, फलां महकमें की तरफ से यह सहूलतें मिलेंगी। फलां महकमा यह काम करेगा, फलां महकमा यह काम करेगा, हम ने सैंट्रल गवनमैंट से भी मदद ले ली है। आप किसी प्रकार की कोई चिन्ता न करें। यह सब कुछ होता रहा लेकिन हालत यह है कि जितनी इस तरह की इन की तरफ से स्टेटमैंट्स आती थीं उतनी ही ज़्यादा लोगों की परेशानी बढ़ती जाती थी। इन की तरफ से लगांतार स्टेटमैंट्स देने के बाद, लगातार मीटिंगें करने के बाद भी कुछ न हो पाया। अमृतसर के अन्दर बैंकों के मैनेजर्ज़ और एैजैंट्स के साथ कई एक मीटिंगें की गईं। कभी इन्डस्ट्रीज़ डिपार्टमैंट के अफसर वहां पर जाते थे तो कभी मिनिस्टर। कभी डायरैक्टर जाता था तो कभी डिप्टी डायरैक्टर। आज पंजाब का मिनिस्टर आ रहा है तो उसी शाम सैंटर का कोई मिनिस्टर। हालत यह थी कि वहां पर सुबाह से ले कर शाम तक कोई तीन, चार या पांच वी. आई. पीज़. ही रोज जाते थे। लोगों के मसलों को सुना जाता था। यह पूछा जाता था कि उन की तकलीफ क्या है। लेकिन उस सब का नतीजा हुआ क्या? किसी भी नीति को इम्पलीमेंट करने के लिये एक नया पैसा भी खर्च नहीं हुआ। बार बार यह एलान किया गया कि सैल्ज़ टैक्स को वसूल करने की मयाद तीन महीने बढ़ा दी गई है। यहां पर हाउस के अन्दर और बाद हर रोज़ इस सम्बन्ध में पालिसी स्टेटमेंट्स दी जाती रहीं लेकिन अगर महकमा के अन्दर कोई शख्स जाकर कहता है कि गवर्नमेंट ने इस

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]

मियाद को बढ़ा दिया है और तीन महीने बाद भी इस टैक्स को जमा करवाया जा सकता है तो डिपार्टमैंट का हैड कहता है कि हमारे पास तो इस किस्म की कोई इत्तलाह नहीं पहुंची, हम ने तो आप से पैसे वसूल करने हैं और अगर नहीं दोगे तो जेल के अन्दर कर दिया जाएगा, गिरफ्तार करवा दिया जाएगा। तो डिप्टी स्पीकर साहिबा, जिस सूबा के अन्दर इस कदर कन्फयूज़न हो और एक लैवल पर नहीं हर लैवल पर यही स्थिति बनी हुई हो और यहां पर जो बात सरकार की तरफ से एलानिया कही जाती हो तो उसको पूरा न किया जाए तो ऐसी हालत को क्या कहा जा सकता है इसे आप खुद महसूस कर सकती हैं। ऐक्साईज़ के सवाल पर, नशाबन्दी के सवाल पर मेरे साथी बाबू बचन सिंह जी ने बड़े विस्तार के साथ आप को ब्यान किया है। इसलिये मैं उस में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। एक तरफ तो सरकार यह एलान करती है कि वह सूबा के अन्दर प्रोहिबिशन लाना चाहती है क्योंकि नशाबन्दी करनी है, शराब पीना बुरी चीज़ है लेकिन दूसरी तरफ इन की जो नीति चलती है वह क्या है? ठेके दिए जाते हैं ज्यादा सेल के आधार पर तो आप अन्दाज़ा लगाएं कि जो ठेकेदार शराब की ज्यादा सेल करेगा वह लाज़मी तौर पर उस के लिये अधिक से अधिक ऐडवर्टाइज़मेंट करेगा लोगों को ज्यादा शराब पीने के लिये प्रेरणा करेगा। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि इस तरह से सरकार के अपने कामों के अन्दर कन्फयूज़न नहीं तो और क्या है? हर लैवल पर. . .चाहे वह इन्डस्ट्री का मसला हो, चाहे ऐक्साईज़ का सवाल हो, चाहे इकानोमी का मामला हो, चाहे ऐग्रीकल्चर और रीहैबिलिटेशन का सवाल हो यानि कोई भी मामला क्यों न हो प्राईसिज़ का मामला हो या कुरप्शन का हो एक बहुत भारी कन्फयूज़न सरकार ने पैदा किया हुआ है।

**Sardar Gurnam Singh :** This is not confusion but this is dishonesty.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** मैं सरदार गुरनाम सिंह जी के साथ बिकुल एग्री करता हूं कि यह एक बड़ी जबरदस्त डिसआनैस्टी है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप प्राइसिज़ के मसले को ही लें। हमारी सरकार इस सम्बन्ध में सदा से ही यह एलान करती आई है कि हम कीमतों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में ज़मीन आसमान एक कर दिया और कहा गया कि हम ने यह किया है, वह किया है लेकिन फिर भी प्राईसिज़ कम नहीं हुई। और इस के लिये जिम्मेदार कौन है? मैं तो यह कहूंगा कि इस के लिये खुद सरकार ज़िम्मेदार है कि जो प्राडक्ट्स खुद सरकार के कन्ट्रोल में हैं, जो जो चीज़ें सरकार खुद बनाती है और जनता में बेचती है सरकार उन चीज़ों की प्राईस भी कन्ट्रोल नहीं कर सकी, उन चीज़ों को भी महंगे होने से नहीं रोक सकी। लेकिन कितने अफसोस की बात है कि गलती अपनी और दोष दिया जाता है व्यापारियों को, इंडस्ट्रियलिस्टों को और छोटे छोटे दुकानदारों को। उन को डी.आई.आर. के अधीन जेलों के अन्दर भेजा जाता है। मैं समझता हूं कि उन को दोष देना बेकार का काम है जब कि सरकार के अपने यूनिटस जो काम करते हैं, वह टाप प्राफिट कमाते हैं। मैं आप के सामने एक नहीं कई मिसालें रख सकता हूं। बिजली को देखें। सरकार कितनी महंगी बिजली देती है जबकि इस को बहुत सस्ती पड़ती है। फिर फर्टीलाइज़र है। यह खेती के लिये कितना ज्यादा ज़रूरी है। अन्न की कमी के कारण आज यह देश सारी दुनियां में भिखारी बना हुआ है। दूसरे देश यह समझने लगे हैं कि हिन्दुस्तान तो एक भूखा नंगा देश है। यहां तक कि इटली जैसा यतीम देश भी आज हमारे लिये नुमायशें लगा कर पैसा इकट्ठा कर

रहा है। आर्टिस्टों ने चित्र बना कर दिये हैं उस पर टिक्ट लगा कर हिन्दुस्तान की भूखी जनता के नाम पर रुपया इक्ट्ठा कर रहे हैं। यह हालत है हमारे देश की, यह इमेज है कि यहां के लोग भूखे नंगे हैं, मर रहे हैं वहां पर सरकार उस फर्टेलाइज़र को जो कि अन्न के पैदा करने के लिये इतना जरूरी है उस पर नफा कमा रही है। इस पर सरकार का क्या खर्च आता है। बिजली और पानी। मगर उस की कीमत कितनी ज़्यादा रखी हुई है। इस लिये एक बड़ी जरूरी बात मैं आप के नोटिस में लाना चाहता हूं। यह फर्टेलाइज़र स्माल-स्केल इन्डस्ट्री के जरिये जगह जगह पैदा किया जा सकता है। आज अपने देश में फर्टेलाइज़र सारी दुनियां से कम इस्तेमाल किया जा रहा है। जापान जैसा देश जो कि इतना छोटा है उस ने इनटैंसिव खेती के जरिये और बहुत ज्यादा फर्टेलाइज़र का इस्तेमाल कर के यहां के 3 प्रति शत के मुकाबिले वहां पर 47 प्रतिशत फर्टेलाइज़र इस्तेमाल होता है–अपनी प्रोड्यूस को बहुत बढ़ा लिया है। इस फर्टेलाइज़र को स्माल-स्केल इन्डस्ट्री के ज़रिये पैदा किया जा सकता है। मेरे शहर के एक आदमी ने स्माल-स्केल इन्डस्ट्री वाले ने दरखास्त दी कि उसे स्माल-स्केल पर फर्टेलाइज़र पैदा करने की इजाज़त दी जाए। मगर उसे कहा गया कि सैंट्रल गवर्नमैंट इस की इजाज़त नहीं देती। छोटे लोगों को इस लिये लाइसैंस नहीं दिया जाता क्योंकि लाइसैंस तो देने हैं बिरला और टाटा को और उन की मनापली बन जायगी। (तालियां) और यह इस लिये रखी जायगी ताकि फर्टेलाइज़र की कीमत कम न हो। अगर यह छोटे पैमाने पर फर्टेलाइज़र बनाने की इजाज़त दें तो पंजाब में इन्टैंसिव फार्मिंग हो सकती है। और हिन्दुस्तान की ज़रूरतों को सिर्फ पंजाब ही पूरा कर सकता है। (तालियां) यहां का किसान मेहनती है, यहां का कारीगर होशियार है वह मेहनत करके कमी को दूर कर सकते हैं और इन को बाहर विदेशों में जा कर यहां की जनता की भुखमरी की तसवीर खींच कर पैसा मांगने की ज़रूरत न रहेगी मैं डिप्टी स्पीकर साहिबा महंगाई की बात कर रहा था। रेलों का किराया सरकार के पास है, टैलीफून सरकार के पास हैं। क्या इन के किराये कम हुए हैं। इस के रेट्स पहले से एकदम दुगने कर दिये हैं। टैलीफून की ज़रूरत पड़ती है इंडस्ट्री के लिये, ट्रेड के लिये, दुकानदार को और दूसरे लोगों को। अब रेट डबल कर दिये हैं सब को 15 पैसे देने पड़ेंगे। अब भला इन का इस में क्या खर्च बढ़ा है? फिर मिल्क प्राडक्ट्स हैं जिन को अब सरकार ही बनाती है। लोगों के हाथों से यह काम सरकार ने छीन लिया है वह क्रीम नहीं बना सकते, मखन नहीं बना सकते, घी नहीं बना सकते। उनकी डेरीज़ बन्द हो गई हैं, कारोबार ठप हो गए हैं। सब कुछ अब सरकारी प्लांट्स में बन रहा है। आप हैरान होंगे कि वेरका में जो घी बनता था उस का दाम आठ रुपए से बढ़ा कर दस रुपए कर दिया गया है। तो इस महंगाई के लिये पंजाब का बनिया जिम्मेदार है जिस से यह काम छीन लिया गया है। सारा काम आप ने सम्भाल लिया, तो क्या जनता को इस से कोई राहत मिली, क्या आठ रुपये से भाव कम हो कर सात रुपये हो गया? मखन निकालना भी बन्द कर दिया और आज मखन का भाव साढ़े दस रुपये किलो है। यह महंगाई कौन कर रहा है? यह घी दूध की हालत उस देश में है जहां घी दूध की नदियां बहती थीं। आज यहां पर योरूपियन देशों से कहीं ज़्यादा यह महंगे हैं। यह चीजें महंगी इसलिये हो गई हैं कि इस काम को सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। आज क्रीम वगैर बनाने की इजाज़त दे दें तो आज यह सस्ती हो सकती हैं। ट्रांस्पोर्ट सरकार के हाथ में है। क्या इस में किराये

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]

कम हुए हैं ? क्या रेलवे फेयर कम हुई हैं ? क्या बिजली के रेट कम हुए हैं ? यहां पर महंगाई सरकार की गलत नीतियां के कारण है। फूड ज़ोन्ज़ बनाए हैं। यह भी गलत बात है। आज देश में खाने पीने की चीज़ों का अकाल है। कई सूबों में भुखमरी है। वहां पर गेहूं 70–80 रुपये मन बिक रहा है। मगर पंजाब में यह चीज़ें सड़ रही हैं। इसी हाउस में नवम्बर अक्तूबर के सैशन में मैंने एक काल अटैनशन मोशन दी जिस में कहा गया था कि पंजाब की मंडियों में चने को घुन लग रहा है। चना ऐसा अनाज है जिसे दो महीने के बाद घुन लग जाता है। बाहर सरकार भेजने नहीं देती आप खरीद नहीं रही। तो मंडियों में बोरियों में पड़ा है, नुक्सान हो रहा है। मुख्य मन्त्री ने कह दिया कि मैं ने आर्डर कर दिये हैं कि चना खरीदा जाए मगर हालत वैसी की वैसी ही रही। पता नहीं इन के आर्डर किस फाईल में, किस रुटीन में, किस दफतर में, किस चक्कर में घूमते रहे। पंजाब से गेहूं बाहर नहीं जा सकता। यहां के किसान को गेहूं बहुत सस्ते भाव बेचना पड़ रहा है, वह बाहर नहीं ले जा सकता जहां पर गेहूं 70 रुपये मन बिक सकता है। ब्लैक मार्किट होती है, स्मगलिंग होती है मगर सरकार अपनी गलत नीति पर डटी रहेगी। हालांकि उस से देश को कोई फायदा नहीं बल्कि नुक्सान हो रहा है। यह सिर्फ डागमाज़ हैं इन को खत्म करें और इस समस्या को हल करने की तरफ कदम उठाएं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं वार हिट इकौनोमी के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। इस लड़ाई के कारण बहुत से लोग बेकार हुए, इंडस्ट्री खत्म हुई, व्यापार खत्म हुआ, खेतों के अन्दर कारोबार खत्म हुआ, कुछ काम काज इन्होंने खुद बन्द कर दिये आर्डीनेंस लगा कर, हलवाई यह काम नहीं कर सकते, ड्राट आ गया, बिजली कम हो गई, दुकानों का टाईम फिक्स हो गया, इंडस्ट्री क्रिपल हो गई। सरकार ने क्या किया टाल प्रामिज़ज़ किये जो कि पूरे न हो सकें। चाहिये तो यह था कि सरकार कहती कि हमारे पास इतने पैसे हैं और हम इतनी मदद कर सकते हैं। अगर इतनी मदद से आप का काम चल सकता हो तो ठीक है वरना आप अपने पांव पर खड़े होने की कोशिश करें। मगर हमारी सरकार ने कहा कि आप फिक्र न करो हम आप की बेशुमार मदद करेंगे, हम ने करोड़ों रुपया सैंटर, एल. आई. सी और दूसरी जगह से लिया है आप जितनी मर्ज़ी दरखास्त दें हम लोन्ज़ देंगे। मगर हुआ यह कि दो लाख से ज़्यादा लोन न दिया जा सका। लोगों ने हजारों ऐप्लीकेशन्ज दीं, अशटाम खरीदे, वैरीफिकेशन्ज करवाई और इस तरह से वार हिट होने के बावजूद दो तीन सौ खर्च किया हजारों आदमी चक्कर काटते रहे मगर हुआ कुछ नहीं। यह वादे तो जनता के साथ धोखा था। बाबू बचन सिंह जी ने ट्रकों का ज़िक्र किया था। मुझे पता है कि अमृतसर के ऐसे मालिक हैं जिन के ट्रक नष्ट हो गए हैं, बाम्बिंग में ब्लास्ट हो गए उन्हों ने क्लेम दिये हैं मगर उन को अभी तक कुछ नहीं मिला। फिनांसियर्ज़ को उन को किस्तें देनी पड़ रही हैं, सरकार क्लेम नहीं दे रही है। वह एक दफतर से दूसरे दफतर में धक्के खाते फिर रहे हैं, कारोबार बन्द हो गया है, ट्रक रहा नहीं, उन का बुरा हाल है। सरकार ने इस तरह के वार हिट लोगों की हालत को सुधारने के लिये क्या किया है ?

डिप्टी स्पीकर साहिबा, गवर्नर साहिब ने अपने ऐड्रैस में कहा है कि उन की सरकार डैमोक्रैटिक इन्स्टीच्यूशन को मान्यता दे रही है। और यह जो अभी सैंटर में चेंज हुई है वह डेमोक्रेसी

की वजह से ही हुई है और इस की महानता का सबूत है कि यह एक डिमोक्रैटिक कंट्री है। डैमोक्रेसी के बारे में हमारे गवर्नर साहिब ने कहा है कि यह सरकार डैमोक्रैटिक इन्स्टीच्यूशन के मुताबिक चलाई जा रही है। और यहां पर यह भी कहा गया कि डैमोक्रेसी की वजह से ही था कि किस तरह स्मूथली सैंटर में चेंज आफ लीडरशिप हुई। हमारा एक डैमोक्रेटिक कन्टरी है इस में तो किसी को शक नहीं, पर दूसरी तरफ अपने हाथों से ही सरकार डैमोक्रैटिक ट्रैडीशन्ज को खत्म कर रही है। आज सूबा के अन्दर म्युनिसिपल कमेटियों को तोड़ा जा रहा है। कहीं पर सुपरसीड किया जा रहा है और चुनाव नहीं होने दिए जा रहे। आज अमृतसर की म्युनिसिपल कमेटी की यह हालत है कि 15 साल से ज़्यादा हो गए हैं चुनाव नहीं किए जा रहे। जब सवाल आता है तो ईश्वर ने इन की मदद कर दी कि लड़ाई आ गई लेकिन अब तो फौजें भी वापिस आ गई हैं और 26 फरवरी को वागा बार्डर तक का इलाका हम छोड़ कर आ जाएंगे और पाकिस्तानी भी अपनी जगहों पर वापिस चले जाएंगे। अब अमृतसर में चुनाव न करवाने की क्या वजह है? और मुझे यह डर है कि इन्होंने आइन्दा दो साल तक इस बात का नाम नहीं लेना। क्या डैमोक्रेटिक ट्रैडीशन्ज के मुताबिक जनता को अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह स्थानीय शासन में भाग लें। जिस ढंग से इस चुनाव को हर बार पोस्टपोन किया जा रहा है इस से डैमोक्रेटिक सिस्टम की तो कबर खोदी जा रही है। (घंटी)

मैं डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक दो प्वायंट और कहना चाहता हूं। एडमिनिस्ट्रेशन के इनएफीशेन्सी के बारे में ज़िक्र करके अपना आखरी प्वायंट आप के पास रखूंगा जिस के लिए कि मैं यहां पर आया हूं और वह आखरी प्वायंट आज कल का बर्निंग टापिक है।

जहां तक एडमिनिस्ट्रेशन का ताल्लुक है मैं इस के इनएफीशेन्ट होने की मिसाल देना चाहता हूं जिसको सुनकर आप भी हंसेंगी। मिनिस्टरों का यह हाल है कि इनकी कोई सुनता ही नहीं और न ही कोई इन के कहने पर अमल करता है। अमृतसर के एक आदमी को चीफ मिनिस्टर साहिब ने कहा कि तुम्हें प्रापर्टी टैक्स में छूट दी गई है और कोई पैनलटी नहीं ली जाएगी लेकिन उस को नोटिस आ गया कि पैनलटी दी जाए। उस आदमी ने वह नोटिस मुझे दिया और मैंने कहा कि मैं इसे चीफ मिनिस्टर साहिब के पास ले जाऊंगा। मैंने यहां पर वह कागज़ मुख्य मंत्री को दिखाया यह बहुत गर्म होने लगे कि यह कैसे हो सकता है। मैं अभी देखता हूं आप मेरे पास यह कागज रहने दें हालांकि मुझे उस आदमी ने हिदायत की थी कि देखना कहीं कागज़ गुम न हो जाए लेकिन फिर भी मैंने मुख्य मंत्री को वह कागज दे दिया। इन्होंने पता नहीं किसी को टैलीफोन किया किसी को झाड़ा लेकिन वह कागज़ गुम कर दिया। मैंने फिर भी मुख्य मन्त्री की इज्ज़त बचाने के लिये उस आदमी को कह दिया कि मैंने दो चार बार अपने कागज़ जेब से निकाले थे तो आप का कागज़ कहीं मुझ से गुम हो गया है। और हो सकता है कि होस्टल के कमरे में ही रह गया हो। अब आप देखें हैरान होने वाली बात है कि तीन हफते के बाद वही कागज़ पटियाला के कमिश्नर की तरफ से रजिस्टरी होकर उस आदमी को मिल जाता है और हुकम होता है कि तुम कहते हो कि तुम से पैनल्टी न ली जाए इस लिये तुम 27 तारीख को पटियाला में पेश हो जाओ। (हंसी) वह कागज़ ले कर मेरे पास आया कि तुम तो कहते थे कि कागज़ गुम हो गया है लेकिन यह तो मेरे पास वापिस आ गया है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह हालत हमारे एडमिनिस्ट्रेशन की है कि अफसर इन मिनिस्टरों का

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]

कहा नहीं मानते। मैं तो हैरान हूं कि जहां पर एडमिनिस्ट्रेशन की यह हालत हो वहां पर यह मिनिस्टर किस तरह कुर्सियों पर अपनी आत्मा को मार कर और दबा कर बैठते हैं और इन को इन गद्दियों का इतना लालच है कि इन्हें छोड़ भी नहीं सकते। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं ने सिर्फ एक ही बात और अर्ज़ करनी है।

आज सूबा के अन्दर इस स्टेट को रिडिमारकेशन लिंगविस्टिक बेसिज़ पर किए जाने का चर्चा चल रहा है। इस का यह हल नहीं कर सकते जब तक सर्वसम्मति न हो। और इस मामले को सरकार खुद उठा उठा कर पेचीदा बना रही है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं अपने आनरेबल फ्रैंड कामरेड शमशेर सिंह जोश से मुतफिक हूं कि यह मसला आज का नहीं मुद्दत से पुराना है। 1947 से पहले का मसला है इस के बारे में मास्टर तारा सिंह ने कहा था कि :

> "The Sikhs have as good a claim for an independent Sikh State as the Musalmans. The claim for a Muslim Pakistan should not be conceded to Musalmans without at the same time conceding the claim for an independent sovereign Sikh State to the Sikhs."

**Sardar Gurnam Singh**: Does it relate to the prepartition demand ?

**डा. बलदेव प्रकाश** : यह उनका प्रीपारटीशन का क्लेम था और इसके बाद आफ्टर पारटीशन यही क्लेम जारी रहा। और आज भी इसी बात की कोशिश की जा रही है। ओल्ड वाइन इन न्यू बाटल्ज़ रख कर पेश की जा रही है। आज पंजाब में इस तरह का कोई मसला नहीं है। यहां पर प्राब्लम लिंगविस्टक बेसिज़ पर सूबा बनाने की नहीं। यहां पर प्राब्लम है डिवेल्पमेंट का। कुरप्शन को दूर करने का मसला है। लेकिन यह पोलिटीकल सवाल बना कर और प्रस्टीज़ का सवाल बनाकर कम्यूनल डीमांड लिंग्विस्टिक बेसिज़ का नाम दे कर पंजाब को टांगे खींच रहे हैं। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं हैरान होता हूं कि सरदार गुरनाम सिंह जैसे काबिल आदमी जो हाई कोर्ट के जज भी रह चुके हों इस ख्याल से कि दोबारा भी इलैकशन्ज में रिटर्न होना है और हम ने पालेटिक्स में रहना है प्रिन्सीपल को जानते हुए कि पंजाब में इस तरह की कोई प्राब्लम नहीं है कुछ कहें तो हैरानी होती है। उन्हों-ने कहा कि इलाका की तरक्की के लिये यह जरूरी है कि सैल्फ गवर्नमैंट हो (विघ्न) सैल्फ डीटर्मिनेशन हो (हंसी) जब अंग्रेज का वक्त था तो हम होम रूल मांगते थे। तो आज मैं इन से पूछना चाहता हूं कि यहां पर आज किसी अंग्रेज को हकूमत नहीं है किसी इस डिस्ट्रिक्ट को दूसरे के ऊपर हकूमत करने का सवाल नहीं है। फिर इन्हों ने यह भी कहा कि जब तक किसी देश में विदेशी ताकत रही है उस इलाके की तरक्की नहीं हो सकी। क्या यहां पर किसी विदेशी की हकूमत आज है दूसरी बात यह है कि गवर्नर साहिब के एड्रैस में कहा गया है कि डैमोक्रेटिक ट्रेडीशन्ज को हम ने आगे ले जाना है लेकिन किस ढंग से इस को लेजाया जाएगा वह यह नहीं कि किसी को थ्रेट किया जाए या कोई कोअर्शन का तरीका इस्तेमाल किया जाए। और इन्हीं तरीकों से आज पंजाब की डीमारकेशन के बारे में बात चीत की जा रही है जो डैमोक्रेसी के असूलों के खिलाफ है। यह ढंग डैमोक्रेसी को आगे ले जाने वाले नहीं। मैं आनरेबल फ्रैंड श्री जोश से सहमत हूं हालांकि उनका सम्बन्ध कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया से है और उन्होंने डैमोक्रेसी के ढंग से अपने आपको एडजस्ट करने की कोशिश की है लेकिन जिन

डैमोक्रैटिक कनवैन्शन्ज़ को सरदार गुरनाम सिंह जी कायम कराना चाहते हैं आप इस का अंदाजा लगाएं। इन्हों ने अपनी तकरीर में कहा था कि अगर इन के ख्याल के मुताबिक लिंगविस्टक स्टेट न बनाई गई तो पंजाब के अन्दर महाराष्ट्र और बम्बई की घटनाओं को दोहराया जाएगा अगर ऐसी बातें इतने काबल जज की तरफ से आएं तो यह निहायत अफसोसनाक है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आखिर में मैं एक बात कह कर अपनी जगह ले लूंगा। वह यह कि हम ने इस बात का तहैया किया हुआ है कि पंजाब की डिवैल्पमेंट को पंजाब के विकास को किसी हालत में भी रुकने नहीं देना। चाहे यह हिमाचल प्रदेश, हरियाणा या पंजाबी रिजन की डिमांड की शक्ल में क्यों न हो। हम ने तो पंजाब का विकास करना है। चाहे हमारे लिये अलग फंड रख कर विकास क्यों न करना पड़े। लेकिन अगर कोई रिजनल नौइयत के आधार पर पंजाब के अन्दर फूट के बीज बोना चाहे, जिस तरह की धमकियां आज इस हाउस में सुनने को आईं हम इस चीज़ को हरगिज़ बरदाश्त नहीं करेंगे। इसके लिये चाहे हमें सैंकड़ों कुरबानियां क्यों न देनी पड़ें।

---

## PERSONAL EXPLANATION BY SARDAR GURNAM SINGH

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : on a point of personal explanation, Madam. ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਸਿਸਟਮ ਮੁਤਾਬਕ ਕੁਝ ਲਫਜ਼ ਮੇਰੇ ਮੂਹ ਵਿੱਚ ਪਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर।

**उपाध्यक्षा** : उन को तो बात पूरी कह लेने दो (Let him first complete his point.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : हमारी पार्टी सिस्टम से उनका क्या मतलब है ?

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** ; ਚਲੋ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਸਿਸਟਮ ਜੇ ਉਹ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਥੇ ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਅਸੂਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਹ ਗਲ ਸਾਬਤ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੀ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੁਸ਼ਤੋਖੂਨ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਵਿੱਚ ਔਰ ਗੁਜਰਾਤ ਵਿਚ ਹੋਇਆ ਇਥੇ ਵੀ ਕਰਾਂਗੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਰਿਕਾਰਡ ਦੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ, ਰਿਕਾਰਡ ਵੇਖਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਜਨ ਸੰਗ ਦੀ ਨੀਤੀ ਇਹੋ ਜਹੀ ਰਹੀ ਤਾਂ ਜਰੂਰ ਲੋਕ ਐਸਾ ਕਰ ਦੇਣਗੇ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : मैं ने यह नहीं कहा था। मैं ने तो यह कहा था कि अगर यहां भी ऐसे हालात हो गए तो मजबूर हो कर हमें अपनी बात सुनानी पड़ेगी...

**उपाध्यक्षा** : यह सुनने और सुनाने की आपस की बातें हैं यह हाउस में क्यों करते हैं आपस में ही कर लिया करें। (Why should anything relating to their views and counter views be brought in the House? They should settle such things mutually outside the House.)

---

## DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS (RESUMPTION) (Not Concluded.)

**श्री अमर सिंह** (नारनौंद एस.सी.) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, हाउस के अन्दर कई दिनों से बहस चल रही है, बहुत से मैम्बर इधर से बोले हैं और बहुत से उधर से बोले हैं। इस से पहले कि मैं अपने विचार गवर्नर के ऐड्रैस पर रखूं मैं सब से पहले श्री लाल बहादुर शास्त्री, श्री एन वी. गैडगिल और श्री एच सी. भाभा और बहुत सी मायानाज़ हस्तियां जो इस मुल्क की खिदमत करते करते हम से जुदा हो गई मैं उनको श्रद्धांजलि भेंट करता हूं ।

इस के साथ ही मैं इस ऐड्रैस के चन्द एक ज़रूरी आईटम्ज़ के मुतअल्लिक अपने विचार आपकी खिदमत में अर्ज़ करना चाहता हूं। जहां तक एडमिनिस्ट्रेशन का सवाल है मैं पहले पुलिस डिपार्टमैंट की एडमिनिस्ट्रेशन को ही लेता हूं यह दिन बदिन बड़ती जा रही है जितनी हैवी एडमिनिस्ट्रेशन होती जा रही है उतने ही उपद्रव बढ़ते जा रहे हैं। पंजाब में तीन तो एडीशनल आई. जी. हैं जहां यू.पी. में एक भी नहीं जो कि इस से बड़ा सूबा है। वहां पर महज़ एक पी.टी.सी है मगर यहां पर दो एडीशनल पी.टी.सी. हैं। एक आदमी जिस के लिये जनरल मैनेजर की पोस्ट पहले क्रिएट की गई उस के लिये एक एडीशनल ट्रांस्पोर्ट की पोस्ट क्रिएट की गई एडमिनिस्ट्रेशन का ढांचा अगर हाई लैवल पर देखा जाए तो यह बढ़ता जा रहा है और लोअर लेवल पर इसकी छांटी होती चली जा रही है। आप देखें कि यह कहां का इन्साफ है कि एक एडीशनल पी.टी.सी. तो बढ़ाया जा रहा है मगर इस के साथ ही लोअर लैवल की 25 पोस्टें खत्म की जा रही हैं। इन गरीबों को अगर तरक्की देने का सवाल आये तो 5–6 महीने तक एक एक मेज़ पर केसिज़ पड़े रहते हैं। मेरा कहने का मतलब यह है कि अगर रिडकशन करनी भी है तो यह लोअर लैवल से नहीं होनी चाहिए बल्कि हायर लैवल से शुरू की जानी चाहिए। आप देखें कि पहले महज़ एक फाईनेंशल कमिश्नर होता था मगर अब कई फाईनैन्शल कमिश्नर बना दिए गए हैं। मुझे तो इस मौके का यह शेर कहना पड़ता है :—

दुनिया के मुसाफिर खाने में महमान बदलते रहते हैं।
किस्सा तो वही देरीना है उनवान बदलते रहते हैं।

जिन बातों के लिये हम ने आज़ादी की लड़ाई लड़ी थी आज वह सारे काम बिल्कुल बरअक्स किये जा रहे हैं। हिस्टरी शाहद है कि वाकई बरअक्स काम हो रहे हैं। आज इस राज्य में लैजिस्लेटर्ज़ की इज्ज़त नहीं न किसी को किसी कायदे कानून का डर है। अपनी मन मानियां की जाती हैं इस की एक जीती जागती मिसाल मैं आपकी खिदमत में अर्ज़ करना चाहता हूं वह यह कि 14 तारीख को प्रेमु नाम का दिहाती जो कि ज़माना गांव का रहने वाला था पुलिस की कस्टडी में पीट पीट कर जान से मार दिया जाता है। इसी दिन इस को पुलिस ने ज्यूडीशल मैजिस्ट्रेट से रिमांड हासिल करके गिरफतार किया था रात को उसे इतना पीटा कि वह जान से मारा गया ।

**उपाध्यक्षा** : इस पर एक काल एटैंशन था जो एडमिट नहीं हुआ आप बजट की डिसकशन पर ले आए। (I think a call attention motion on this subject was

received but not admitted. The hon. Member may refer to that matter during the discussion on the Budget.)

**श्री अमर सिंह** : मैं यह अर्ज़ कर रहा था कि वारसों ने उसकी लाश मांगी वह भी नहीं दी गई। इसी तरह से मेरे हलके में एक हरिजन लड़की को बहुत बुरी तरह से मारा गया मगर मुझे बड़े दुख से यह बात कहनी पड़ती है कि पुलिस आज तक इस केस को ट्रेस भी नहीं कर सकी। जहां तक सर्विसिज़ में कुरप्शन का सवाल है डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं यह बात कहे बगैर नहीं रह सकता कि जैसे मुल्क दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की कर रहा है उसी तरह से कुरप्शन में भी बड़ी भारी तरक्की इस मुल्क ने की है। आज महकमा नहर के ओवरसीयर एस.डी.ओ लोगों को नाजायज़ तंग करके धड़ाधड़ पैसा खा रहे हैं। जब हमारे बहादुर जरनैल बार्डर पर लड़ रहे थे उस वक्त इधर इन्स्पैक्टर, पटवारी, ओवरसीयर और एस.डी.ओ. रिश्वत बटोरने के मोर्चे पर लड़ रहे थे। मुल्क के हालात इस तरह के खराब हो गए हैं जो निहायत ही अफसोसनाक हैं। यह मालूम नहीं कि अब इस मुल्क का क्या अंजाम होगा।

ऐ कामरेड, पाजेब तेरी वे खत से नगमे गाती है,
गर रवा रहा यह महफल का अंजाम ना जाने क्या होगा।

हमारे इलाका में ऐजुकेशन की यह हालत है कि हांसी सब डिवीज़न कपूरथला डिस्ट्रिक्ट के बराबर है वहां पर तो कालेज दे दिया गया मगर हमारे इलाका में जहां पर लोगों ने पैसा इक्ट्ठा करके बिल्डिंग तामीर की और सरकार से कालेज की मांग की वहां कोई कालेज नहीं दिया गया। और इस बारे में कोई सुनवाई नहीं। जहां तक हाई स्कूलों का ताल्लुक है हमारे पांच छ: हाई स्कूल पिछले साल अपग्रेड किए गए। किसी जगह भी हैडमास्टर नहीं। बार बार लिखने के बावजूद जवाब नहीं मिलता।

जहां तक शैडयूल्ड कास्टस का ताल्लुक है गवर्नर साहिब के एड्रैस में सफा 25 पर कितनी खूबसूरती के साथ लिखा है :

"My Government is wedded to the ideal of justice, economic as well as social. It is, therefore, imperative that we pay special attention to the programme for the betterment of the economic and social conditions of the Scheduled Castes, Vimukt Jatis and other Backward Classes."

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपको अच्छी तरह से याद होगा कि 1962 में यहां पर हरिजन कल्याण टैक्स के नाम पर से इसी हाउस में एक बिल लाया गया और वह पास हुआ। उस के तहत 3 करोड़ 86 लाख रुपया इक्ट्ठा किया गया। मैं आप के ज़रिए अपनी सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि इतनी खूबसूरती से यह लिखा गया है लेकिन उनके इकनामिक स्टेट्स को बैटर बनाने के लिये आज तक एक पैसा भी उस फन्ड में से जो हरिजनों को डिमारेलाइज़ करके, बदनाम करके इक्ट्ठा किया गया, खर्च नहीं किया गया। हम बार बार सवाल पूछते हैं इनजस्टिस मिनिस्टर साहिब से, वैलफेयर मिनिस्टर साहिब से कि इस पैसे को खर्च किया जाए लेकिन जवाब में इत्तलाह मिलती है कि अन्डर कन्सिड्रेशन है। अब उस के बारे में छानबीन की जा रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं चाहता हूं कि .... (विघ्न)

कंवर राम पाल सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम, मैं यह जानना चाहता हूं कि मिनिस्टर फार इन जस्टिस कौन से मिनिस्टर हैं ? हमारी कैबीनेट में मिनिस्टर फार इनजस्टिस नहीं है ।

उपाध्यक्षा : चौधरी अमर सिंह, आप और कितना समय बोलेंगे ? (May I know from Chaudhri Amar Singh as to how much moie time he will take ?)

श्री अमर सिंह : जब हुकम मिलेगा मैं बैठ जाऊंगा। मैं यह अर्ज़ कर रहा था कि पिछली सरकार ने जो सरदार प्रताप सिंह कैरों की सरकार थी उसने यह टैक्स लगाया और यह 3 करोड़ 86 लाख रुपया इक्ट्ठा हुआ । उसके बाद 1 करोड़ 14 लाख रुपया एडीशनल प्लानिंग कमिशन की तरफ से लेकर इसमें डालने का फैसला किया । यह 5 करोड़ रुपया बना कर हरिजनों की हालत सुधारने का फैसला हुआ । वह पैसा इक्ट्ठा तो हो गया लेकिन खर्च का अंदाजा नहीं । जब हम हरिजन लैजिसलेटर्ज़, कामरेड साहिब या हरिजन मिनिस्टर साहिब से इस के बारे में कहते हैं तो वह कहते हैं कि स्कीमें बनाओ । मैं कहता हूं कि वह रुपया उनकी रोटी पर खर्च करो । इस से उन्हें रोटी कमाने के योग्य बनाओ ताकि हरिजनों का स्टेट्स ऊंचा हो, स्कीमें उनके पास हैं, वह पैसा खर्च नहीं करना चाहते । एक लाख 25 हज़ार एकड़ ज़मीन सतलुज बेट की हरिजनों को देने के लिये पहली सरकार ने आन दी फलोर आफ दी हाउस वायदा किया था कि हम इस सारी ज़मीन को जो सतलुज बेट में रोपड़ के पास है हरिजन और लैंडलैस टेनेन्टस को देंगे । वह ज़मीन जो आदमी खेती करना नहीं जानता, जिसको यह नहीं पता कि गेहूं का पौधा कितना बड़ा है और गेहूं कितना पानी मांगता है 1,000 एकड़ ज़मीन पंजाब के हरिजनों और पंजाब के किसानों को बीज देने के लिये बिरला को दे दी गई है । हमारे साथ यह कितनी ज्यादती हुई है । मैं चाहता हूं कि मिनिस्टर साहिब और गवर्नमैंट इस बात पर विचार करें यह हमारे साथ नाइन्साफी है । इस डील को कैंसल किया जाए । गरीब हरिजन्ज़ और लैंडलैस टेनैन्टस को यह ज़मीन दी जाए । (घंटी)

**Deputy Speaker** : Shri Babu Dayal Sharma.

**श्री बाबू दयाल शर्मा** : उपाध्यक्ष महोदया, यह जो रैज़ोल्यूशन पेश किया गया है...

**श्री अमर सिंह** : मैं ने वाइंड अप नहीं किया ।

**Deputy Speaker** : I have called upon Shri Babu Dayal,

**श्री अमर सिंह** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम ।

**Dputy Speaker** : I do not allow any point of order.

**श्री अमर सिंह** : मेरा प्वायंट आफ आर्डर तो सुन लें ।

**Deputy Speaker** : I do not allow your point of order. Will you resume your seat ?

फिर आप कहते हैं कि बोलने का वक्त नहीं मिलता। (I do not allow your point of order. Will you take your seat ? Then the hon. Members complain afterwards that they did not get time to speak.)

**श्री अमर सिंह** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर।

**Deputy Speaker** : Will you take your seat ?

**Chaudhri Darshan Singh** : Madam, on a point of order........

**Deputy Speaker** : Please take your seat.

**Chaudhri Darshan Singh** : I can take my seat. I can obey your order but I have a point of order to raise.

**Deputy Speaker** : I do not allow your point of order.

मेजर साहिब, यह जितने प्वायंट आफ आर्डर होंगे मैं उतना वक्त काट लूंगी। (I do not allow his point of order. (Addressing the Minister for Revenue) I shall deduct the time taken up in raising points of order.)

**चौधरी दरशन सिंह** : मैं एक बात पूछना चाहता हूं।

**Deputy Speaker** : I never allowed you.

**Chaudhri Darshan Singh** : Point of order is a right of the Member and I demand it.

**Deputy Speaker** : This is the discretion of the Chair.

**Chaudhri Darshan Singh** : Point of order is not a discretion of the Chair. It is the right of the hon. Members. It is the right of every Member to raise a point of order.

**Deputy Speaker** : Chaudhri Darshan Singh, you are losing your time now.

**श्री अमर सिंह**: मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि हाउस में कई मैंबर तो 40, 40 मिनट बोलते। है जब यह फैसला हो गया है कि हर मैम्बर 15 मिनट बोलेगा तो मुझे इतना टाइम तो दिया जाए।

**उपाध्यक्षा** : चौधरी अमर सिंह, आप बैठेंगे या नहीं ? (Will Chaudhri Amar Singh resume his seat or not?)

**श्री अमर सिंह**: मैं आपके आर्डर की कदर करता हूं।

**श्री बाबू दयाल शर्मा** : (पटौदी) : यह रैज़ोल्यूशन गवर्नर साहिब को वधाई देने के लिये पेश किया गया है। मैं इसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। जो कुछ उन्होंने आदेश दिया है वह सराहनीय है परन्तु.....

**ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ।

**ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ :** ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਰਾਈਟ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ ਅਤੇ ਕਲਾਜ਼ ਕੋਟ ਕਰੋ ਜਿਥੇ ਚੇਅਰ ਦੀ ਇਹ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਮੈਂ ਕੋਟ ਕਰਾਂਗੀ। (I shall quote it.)

**श्री बाबू दयाल शर्मा :** मैं ने इस रैज़ोल्यूशन के आखर में यह अमेंडमेंट पेश की है।

"but regret that no mention is made for the revival of the Salt Industry of Gurgaon District and to give for most priority to supply the electric power as promised by the Government in 1953 and supply fresh drinking water to all such villages and towns where there is salt water."

**श्री बाबू दयाल शर्मा :** उपाध्यक्षा महोदय, ज़िला गुड़गांव में 1913 से पहले साल्ट-इन्डस्टरी चलती थी जिस से लाखों आदमियों को रोज़गार मिलता था। आपको पता है कि नूह गुड़गांव और फरुख नगर का नमक आगरा में जा कर इक्ट्ठा होता था और वहां से सप्लाई होता था। 1913 में सारे देश को एक अंग्रेजी कम्पनी ने सांबर लेक जो राजस्थान में है उसका ठेका लिया और विदेशी हकूमत को इस बात के लिये मजबूर किया गया कि सांबर लेक में हमारा इतना ज़्यादा नमक बनेगा जो सारे हिन्दुस्तान के लिये काफी होगा। पहले जगह जगह नमक बनता था।

1,00 P.M.

गुड़गांव ज़िला में फरूखनगर, सुल्तानपुर और कई और गांव हैं जहां पर नमक बनता था। नूह तहसील इसी लिये मशहूर थी कि वहां पर हज़ारों मन नमक बनता था जिस से लोगों को रोज़गार मिलता था मगर सांबर लेक का कंट्रैक्टर होने के बाद गुड़गांव ज़िले की इस इंडस्ट्री को बन्द कर दिया गया। मगर अब आज़ादी मिलने के बाद भी इस बात की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप आज़ादी की जंग के जरनैल रहे हैं इस लिये आप को मालूम है कि महात्मा गांधी जी ने नमक पर से बिक्री टैक्स हटाने के लिये तहरीक चलाई थी जिस में आप और हम जैसे हज़ारों आदमी कैद हुए थे और अंग्रेज़ को मजबूर किया था कि वह नमक पर कम से कम टैक्स लगा मगर आज हमारी अपनी गवर्नमैंट ज़िला गुड़गांव की साल्ट इंडस्टरी की रीवाइव नहीं कर रही। हमारे गवर्नर साहिब ने अपने भाषण में कई किस्म की तरक्कियों की बातें ब्यान की मगर मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि ज़िला गुड़गांव में साल्ट इण्डस्टरी को फिर से चालू करने का ज़िक्र नहीं किया। वहां पर कोई दो साल से बड़ी भारी तहरीक चली हुई है। हमारे जो इंडस्ट्रीज़ के डायरक्टर सरदार परमजीत सिंह हैं वह बहुत पेन्ज़टेकिंग हैं। वह चाहते हैं कि यह इंडस्ट्री वहां पर फिर से चालू हो। उन के कहने पर वहां पर बंगाल से एक सर्वे टीम आई लेकिन उन्होंने ऊपर से ही पानी ले कर कह दिया कि इस में नमक कम है मगर वहां के जो एक्साइज़ एण्ड टैक्सेशन के महकमें के सुपरिनटेंडेंट हैं उन्हों ने यह तजवीज पेश की है कि भावनगर से इस काम में माहर बुलाकर पाइलट स्कीम बना कर गवर्नमैंट इस इन्डस्ट्री को चलाए। उस पाएलट प्राजक्ट पर सिर्फ 10-20 हज़ार रुपया लगता है मगर गवर्नमैंट की इस तरफ तवज्जो नहीं जाती। वहां के अपोज़ीशन के जो नेता हैं पण्डित

चिरंजी लाल शर्मा और दूसरे हरियाने के एम. एल. एज़. और पण्डित श्री राम शर्मा ने सरकार को कई बार रेज़ोल्यूशन पास करके गवर्नमैंट को भेजे हैं कि वह इस की तरफ तवज्जो दें मगर आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। मैं दरखास्त करूंगा कि इस इंडस्ट्री को जल्दी से जल्दी रीवाइव किया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, 1953 में जब मैं मैम्बर बन कर आया था तो उस वक्त हमारे मौजूदा गवर्नर साहिब वज़ीर होते थे। उस वक्त उनकी स्पीच हुई थी। पंजाब में जब थल प्राजैक्ट और हवेली प्राजैक्ट से कितनी ही नहरें निकल चुकी थी तो सर छोटू राम ने कहा था कि हरियाणे को सैराब करने के लिये भाखड़ा डैम बनाया जाए। उस वक्त सर सिकंदर हयात के ज़माने में एजीटेशन भी चलाई गई कि यहां भाखड़ा डैम को लाओ नहीं तो गद्दीयां छोड़ कर बाहर चले जाओ। तो मैं यह अर्ज़ कर रहा था कि 1953 में सरदार उज्जल सिंह जी ने वादा किया था कि भाखड़ा बनने पर गुड़गांव के ज़िला को फोरमोस्ट प्रायरटी दी जाएगी। लेकिन अफसोस की बात है कि वहां पर जहां पर खम्बे लग थे वह यूंके त्ूं ही पड़े हैं बिजली आज तक नहीं पहुंची उस वक्त भाखड़ा की सिर्फ 23 करोड़ की स्कीम थी जो कि 200 करोड़ तक पहुंच चुकी है जिस में गुड़गांव के ज़िले का बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन है। राजस्थान में भाखड़ा डैम नहर पहुंच गया है जिस का कोई प्रोग्राम नहीं था मगर हमें वादा कर के भी कुछ नहीं दिया गया,। डिप्टी स्पीकर साहिबा, अलक्ट्रिसिटी बोर्ड की जो कन्सल्टेटिव कमेटी है उस का मुझे मैम्बर बनाया हुआ है लेकिन देखता क्या हूं कि कोई कुनैक्शन भी बगैर रिश्वत के नहीं दिया जाता। तरह तरह के बहाने किए जाते हैं, कहते हैं कि मैटीरियल नहीं है लेकिन दरियाफत करने के बाद पता लगा कि 9 करोड़ 90 लाख रुपये का सामान पड़ा खराब हो रहा है। मैं ने पूछा कि बताओ क्यों सामान ऐसे पड़ा हुआ है लेकिन बहाना यह लगाया कि किसी का कंडक्टर नहीं किसी का कुछ नहीं। मैं कहता हूं कि सामान पूरा खरीदना चाहिए ताकि काम में आ सके। फिर यह कहते थे कापर और ज़िंक के बगैर काम नहीं चलता। चुनाचि हमारे इंडस्ट्री के डीपार्टमेंट ने नानफैरस मैटल पर बड़ी भारी पाबन्दी लगाई और उस का जो नतीजा हुआ वह हम देखते हैं जो पहले दिक्कत थी वही दिक्कत आज भी है। मैं गुज़ारिश करता हूं कि आज से 13 साल पहले जो ज़िला गुड़गांव को बिजली देने का वादा किया गया था वह पूरा किया जाए। तीसरी बात मैं यह करना चाहता हूं कि ज़िला गुड़गांव में 450 गांव ऐसे हैं, फारुख नगर सुलतानपुर वगैरा और नूह के इलाके में जहां से नमक निकलता था वहां पर मीठा पानी नहीं मिलता। गर्मियों के दिनों में जब किसानों के बयाह शादी के दिन होते हैं तो लोगों को खारा पानी पीने से हैज़ा हो जाता है। खेतों को पानी देना तो दरकिनार उनको पीने को पानी भी आप नहीं दे पाए। मैं गुजारिश करूंगा कि वहां कम से कम पीने का पानी ज़रूर महैया किया जाए। मैं मानता हूं कि गवर्नमैंट ने बहुत तरक्की की है मगर जो कमी रह गई है उस को पूरा करने की तरफ तवज्जो दी जाए

एक लार्ड ऐवरबरी ने कहा है

"When money is lost, nothing is lost, when health is lost something is lost and when character is lost, all is lost."

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मुझे बड़ा भारी दुःख होता है यह कहते हुए कि हमारा चरित्र दिन बदिन गिरता जा रहा है। मेरी एक गुज़ारिश यह भी है कि यह सरकार कैरेक्टर डिवैलपमेंट की भी

[श्री बाबू दयाल शर्मा]

कोई स्कीम सोच कर बनाए क्योंकि करैक्टर गिरता जा रहा है। मुझे खुशी है कि डाक्टर बलदेव प्रकाश जी ने कुछ अच्छे प्वायंट्स दिए हैं। मिसाल के तौर पर कि प्रोहिब्शन जल्दी लागू की जानी चाहिए। मैं भी कहना चाहता हूं कि ऐसा करना निहायत ज़रूरी है वरना आप देखेंगे कि जहां पहले गांव में कोई शराब जानता नहीं था अब वहां शराब निकाली जाती है, पी जाती है, बेची जाती है और अफसरों तक वहां पीते हैं। आपोज़ीशन वाले नुक्ताचीनी तो बहुत करते हैं लेकिन यह नहीं देखते कि असल बीमारी क्या है। उन्हों ने एक मिसाल दी लेकिन मैं उनसे पूछता हूं कि इस में चीफ मिनिस्टर साहिब का क्या कसूर है। असल जो बीमारी है उसे तो वह टच नहीं करते। इधर उधर की मिसालें देते हैं। असली बीमारी यह है कि सरकारी मशीनरी की वही पुरानी ज़हनियत है और उसकी ज़हनियत को हम अभी बदल नहीं सके हैं। इसमें आपोज़ीशन हमारी बिल्कुल मदद नहीं करती है। हमने कभी आज तक बाहर पब्लिक में इन्हें यह कहते हुए नहीं सुना है कि रिश्वत लेन देना पाप है। मैं पूछता हूं कि यह जो कुरप्शन कुरप्शन की रट लगाए रखते हैं इन्होंहैं ने कितने कुरप्ट लोगों को पकड़ाया है। मैं इन से पूछता हूं कि बताएं कुरप्शन को कैसे रोका जा सकता है। महज़ बातें करने से तो यह बन्द नहीं होगी ऐसी मिसालें तो मैं भी कई दे सकता हूं लेकिन सवाल यह है कि इसे बन्द कैसे किया जाए। मैं भी बताना चाहता हूं कि कैसे 2 जुल्म होते हैं। खुराक की पैदावार बढ़ाने के लिये यह जो लैण्ड ऐक्वीज़ीशन ऐक्ट पास किया गया था कि जो बंजर ज़मीनें हैं और जिन ज़मीनों में 6 फसल तक काश्त नहीं की गई उसे उसके मालिकों से ले कर मुज़ारों को दी जाएं ताकि वह उसे आबाद करके अनाज पैदा करें उस एक्ट की जिस तरह गवर्नमैंट मशीनरी की तरफ से मिट्टी पलीद की गई है वह मैं बताना चाहता हूं। हमारे अलावलपुर में जितनी बंजर ज़मीन थी वह एक कुआप्रेटिव सोसायटी की मारफत मुज़ारों को दे दी गई। होता क्या है कि 4 साल से जो मुज़ारा उसे काश्त कर रहा था उस से वह वापिस ले ली गई। एक कमिश्नर साहिब एक लैंड लार्ड के पास वहां जाते हैं और चाए पीते हैं बिसवेदार जिसकी ज़मीन थी वह लैंड लार्ड के घर जा कर मिलता है और कहता है कि साहिब गलती हो गई और पांच फसल की बजाए गलती से 6 फसल लिख दी गई इसलिये मेहरबानी करके हुकम कर दो कि गवर्नमैंट उस ज़मीन को छोड़ दे। ऊपर से कहे जाने पर पटवारी ने सारा रिकार्ड बदल दिया और जो ज़मीन कई साल से बंजर पड़ी थी उसके बारे लिख दिया कि यह ज़मीन बंजर नहीं है। इस तरह ज़मीन छोड़ दी गई। मैं नाम भी बता सकता हूं लेकिन कमिश्नर साहिब का नाम लेना ठीक नहीं होगा। मैं ने उन से अर्ज़ किया कि साहिब आपने पैप्सू में तो रिश्वत नहीं ली अब यहां क्या हो रहा है। शोर पड़ा तो उसकी इनक्वायरी कराई गई। तो पता चला कि 6 फसल वाली बात ठीक थी और यह सब फ्राड किया गया है। ऐस.डी. ओ. की ऐक्सपलानेशन हुई और फिर वह ज़मीन वापिस की गई। लेकिन आगे देखें कि उस गरीब मुज़ारे के साथ होता क्या है। इस एक्ट के मुताबिक जुडीशरी को इसमें दखल देने का हक नहीं है। लेकिन होता यह है कि उसी बिसवेदार से अपील करा दी जाती है और कहा जाता है कि इस में जुडीशरी को दखल देने का हक है क्योंकि तहसीलदार की तरफ से बाकायदा नोटिस नहीं इशू किया गया। तहसीलदार जो नोटिस देने वाला था अदालत में आ कर ब्यान दे देता है कि मैं ने नोटिस इशू नहीं किया। मैं इन दोस्तों से पूछना चाहता हूं कि बताओ इस में चीफ मिनिस्टर का क्या कसूर है। इन्होंने जो मिसालें दी हैं मैं

उन से भी बढ़िया मिसाल दे सकता हूं। यह कसूर तो हमारा और आपोज़ीशन का है जो बाहर पब्लिक में जाकर प्रचार नहीं करते कि रिश्वत देना, लेना गुनाह है और जो कुरप्ट अफसर हैं उन्हें पकड़ाओ। तब यह सरकारी मशीनरी ठीक होगी वरना बातें करने से कोई फायदा नहीं होगा।

**उपाध्यक्षा :** बाबू दयाल जी, अब आप बैठ जाएं। (The hon. Member Shri Babu Dayal may kindly now resume his seat.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** (ਜਗਰਾਉਂ): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜੋ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਡਰੈਸ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਧੰਨਵਾਦ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਉਸ ਮਤੇ ਦੀ ਤਾਈਦ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਜ਼ਾਤੀ ਤੱਅੱਲਕਾਤ ਬਹੁਤ ਚੰਗੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਸ ਧੰਨਵਾਦ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਇਸ ਵਿਰੋਧ ਕਰਨ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਜੋ ਪੁਆਇੰਟਸ ਮੈਂ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ਜੇਕਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਹਲ ਕਰ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਜਿਸ ਟਰੈਂਡ ਨਾਲ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ਜੇਕਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਕਰ ਦੇਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਯਕੀਨ ਦਿਲਾਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਧੰਨਵਾਦ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵਾਂਗੇ......

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਆਨ ਨੇ ਪਾਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਵੇਖ ਲਓ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਕੋਈ ਵੀ ਮੰਤਰੀ ਇਸ ਵਕਤ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸੁਬਹ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਾਫੀ ਕੁਝ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੁਆਇੰਟ ਨਾ ਉਠਾਉ ਵਰਨਾ ਸਾਰਾ ਵਕਤ ਇਸ ਵਿਚ ਹੀ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ।

(The hon. Speaker has already said a lot today in this connection. The hon. Member need not raise such points as the whole time will be taken up in their discussion)

(Interruptions made by Chief Parliamentary Secretary)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਅੱਖਾਂ ਤੋਂ ਅੰਨੀ ਹੈ, ਕੰਨਾਂ ਤੋਂ ਬਹਿਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਰਿਸ਼ਵਤ ਸਿਤਾਨੀ ਦਾ ਅੱਡਾ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਹੀ ਖਰਾਬ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫਲਾਂ ਫਲਾਂ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਫਲਾਂ ਫਲਾਂ ਕੰਮ ਕਰੇਗੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਖਰਾਬ ਹੈ। ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਤਾਂ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਥੇ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਦੂਜੇ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਭਾਸ਼ਨ ਉਤੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਭੀ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਮੂਵ ਹੋਇਆ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਥੇ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਨਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਭੀ ਘਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਨਤਾ ਦਾ ਕਿੰਨਾ ਖਿਆਲ ਰਖਦੇ ਹਨ।

ਅਗਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਰਕਾਰ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਦਿੱਲੀ ਅਤੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਮਿਲੇਗੀ। ਮੈਨੂੰ ਬਹੁਤ ਦੁਖ ਦੇ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਸਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਾਂਗਰਸ ਹਾਈ ਕਮਾਂਡ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਕੰਬਦੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੀ ਕੀ ਰਾਏ ਹੈ

[ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਨ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ]

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ ਕੋਆਰਡੀਨੇਸ਼ਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿਤੀ। ਇਸ ਦੀ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਸਣਾ ਚਾਹੰਦਾ ਹਾਂ, ਮੈਂ ਅਜ ਹੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਕਿ ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਅੰਦਰ 5 ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਐਸ. ਐਸ. ਪੀ. ਦੀ ਪੋਸਟ ਖਾਲੀ ਪਈ ਹੈ। ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ $3\frac{1}{2}$ ਮਹੀਨਿਆਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਰਡਰ ਕੀਤੇ ਸਨ । ਅਗਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਰਡਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਫ ਜਾਹਿਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਪੁਰਾਣੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋ ਅਤੇ ਤੁਸੀਂ ਬੜੀ ਨਿਡਰਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲ ਰਖਦੇ ਹੋ। ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਪਿਡਾਂ ਨੂੰ ਰੀਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟ ਕਰਦੇ ਹੋ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਪਿੰਡਾ ਦੀ ਹਾਤਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਭੈੜੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਦੋਂ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਿਮਾਂਡ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗੇ ਤਾਂ ਫੈਕਟਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਰਖਾਂਗਾ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਲਈ 4, 5 ਮੰਜ਼ਲੇ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹੇ ਅਤੇ ਉਥੇ ਚੰਗੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਲਾਏ ਗਏ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ 85 ਫੀ ਸਦੀ ਜਨਤਾ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵਸਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ। ਪਿਡਾਂ ਵਿਚ ਲੋਕ ਆਪਣੀ ਤਾਕਤ ਦੇ ਨਾਲ ਸਕੂਲ ਤਿਆਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸੌਂਪ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਬਹੁਤ ਅਫਸੋਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਕਰਾਉਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਚੁਕਿਆ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਅਜਿਹੇ ਮਾਸਟਰ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਈਲੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਮਦਦ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਉਥੇ ਨਾਅਹਿਲ ਅਤੇ ਨਾ ਤਜਰਬਾਕਾਰ ਟੀਚਰਜ਼ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਚਲੇ ਜਾਉ ਤਾਂ ਆਪ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਟੀਆ ਕਿਸਮ ਦੇ ਮਾਸਟਰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣਗੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਅਸੂਲ ਹੈ ਕਿ ਸਭ ਤੋਂ ਛੋਟੀ ਕਲਾਸ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਚੰਗਾ ਅਤੇ ਲਾਇਕ ਮਾਸਟਰ ਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਬੇਸਿਕ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਫਾਊਂਡੇਸ਼ਨ ਠੀਕ ਬਣ ਸਕੇ ਲੇਕਿਨ ਇਥੇ ਇਸ ਅਸੂਲ ਦੇ ਬਰਖਿਲਾਫ ਅਸੂਲ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹੇ ਹਨ ਉਹ ਸਿਰਫ ਚੰਦ ਅਮੀਰ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਕੇ ਅਤੇ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਹੂਲਤ ਨੂੰ ਮੁਖ ਰਖ ਕੇ ਚੰਗਾ ਸਟਾਫ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ, ਅਗਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਰਗੇ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਗਿਲਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ।ਅਗਰ ਮੈਂ ਫਿਰਕਾ ਪਰਸਤੀ ਦੀ ਗਲ ਕਰਾ ਤਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਮੈਂ ਭੀ ਇਸ ਝੰਜਟ ਵਿਚ ਨਾ ਫਸ ਜਾਂਵਾ। ਇਸ ਖਿਆਲ ਤੋਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਦੂਰ ਰਖਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਮੈਂ ਬਿਲਾ ਝਿਝਕ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਫਿਰਕਾ ਪਰਸਤੀ ਦਾ ਗੜ੍ਹ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਹ ਫਿਰਕਾ ਪਰਸਤੀ ਕਾਬਲੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜੂਨੀਅਰ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਸੀਨੀਅਰ ਪੋਸਟਾਂ ਉੱਤੇ ਲਾ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਮੌਜੂਦ ਹਨ ਜਿਥੇ ਕਿ ਇਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਡਿਮਾਂਡ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕਹਾਂਗਾ, ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਾਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੀ। ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਚੀਨ ਅਤੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੇ ਮੌਕੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚੇ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨ ਕੀਤੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ

ਨੂੰ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਡੱਕ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਇੱਜ਼ਤ ਰੱਖੀ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਫਿਰ ਵੀ ਸੌਤੀਲੀ ਮਾਂ ਵਰਗਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਇਸ ਤੋਂ ਹੋਰ ਸ਼ਰਮਨਾਕ ਗਲ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਹੈਲਥ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬੁਰੀ ਹਾਲਤ ਹੈਲਥ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਹੈ ਉਹ ਨਾਕਾਬਲੇ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ। ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੈਲਥ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਕਾਬਿਲ ਡਾਕਟਰ ਅਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਵੀ ਕਾਬਲ ਹਨ। ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕੰਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਦੀਆਂ ਬਿਲਡਿੰਗਜ਼ ਖਰਾਬ ਹੁੰਦੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਦਵਾਈਆਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀਆਂ ਡਾਕਟਰਜ਼ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਨਿਸਬਤ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਡਾਕਟਰ ਆਪਣਾ ਇੰਟਰੈਸਟ ਵੇਖ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਬਦਲੀ ਕਿਸੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਉਥੇ ਜਾਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਡਾਕਟਰ ਆਪਣੀ ਬਦਲੀ ਇਕੇ ਦੁਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਰਕਵਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੈਲਥ ਮਨਿਸਟਰ ਮੇਰੀ ਗਲ ਨੂੰ ਸਮਝ ਗਏ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਦੀ ਡਿਟੇਲਜ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਪਿਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਹੈਲਥ ਦੀਆਂ ਫੈਮਿਲੀਟੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਦੀ ਤਾਂ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਕ੍ਰਿਮੀਨਲ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹੈਲਥ ਫੈਸਿਲੀਟੀਜ਼ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਨ। ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰਜ਼ ਭੇਜੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਦਵਾਈਆਂ ਭੇਜੀਆਂ ਜਾਣ। ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ। ਅਗਰ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਖੁਦ ਉਸ ਹਸਪਤਾਲ ਨੂੰ ਇੰਸਪੈਕਟ ਕਰਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਵੀ ਉਥੇ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਜਜ਼ਬਾਤਾਂ ਵਿਚ ਡੁਬ ਜਾਣਗੇ ਜਾਂ ਮਨਿਸਟਰਸ਼ਿਪ ਤੋਂ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਦੇਣਗੇ। ਪਰਮਾਤਮਾ ਨਾ ਕਰੇ ਕਿ ਹੈਲਥ ਮਨਿਸਟਰ ਬੀਮਾਰ ਹੋਣ ਅਗਰ ਉਹ ਬੀਮਾਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਐਡਮਿਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਪ੍ਰੇਸ਼ਨ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਉਸ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਔਜ਼ਾਰ ਹਨ।

**उपाध्यक्षा :** आनरेबल मेम्बर लेडी हैल्थ मिनिस्टर को हस्पताल में दाखल करने की बात तथा आपरेशन करने की बात न करें । (The hon. Member should avoid talking of the lady Health Minister falling ill and undergoing an operation.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ:** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਨੂੰ ਹੈਲਥ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦਾ ਬਹੁਤ ਇਹਤਰਾਮ ਹੈ। ਉਹ ਮੈਨ ਆਫ ਮਾਸਿਜ਼ ਹਨ। ਮੈਂ ਤਹਿਸੀਲ ਜਗਰਾਉਂ ਦੇ ਅਛੂਤ ਹਸਪਤਾਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਵੈਸੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਨਾਂ ਹਰ ਜਗ੍ਹਾਂ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਦੇ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ। ਉਹ ਤਾਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਾਰੀ ਜਾਵੇ (ਘੰਟੀ) (ਵਿਘਨ)।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ 40 ਮਿਨਟ ਟਾਈਮ ਲੈਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਹੋਰ ਟਾਈਮ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਖਰਾਬ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਖੁਰਾਕ ਲਈ ਹਾਲੈਂਡ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਚੰਦਾ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਸਾਨੂੰ ਜਦੋਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਾ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਸਿਰ ਸ਼ਰਮ ਦੇ ਮਾਰੇ ਝੁਕ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਕੁਝ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਸ੍ਰੀ ਯੂ. ਐਨ. ਢੇਬਰ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਗਲ ਰੇਡੀਉ ਵਿਚ ਸੁਣੀ। ਉਸ ਨੇ ਉਹ ਗਲ ਸੁਣਕੇ 2½ ਘੰਟੇ ਤਕ ਅਫਸੋਸ ਕੀਤਾ। ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਲੋਕਾਂ ਦੇ

[ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ]

ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਚਲੇ ਗਏ। ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਫਜ਼ੂਲ ਖਰਚ ਹੋਇਆ। ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਕਨਸਰੰਡ ਆਦਮੀ ਦੇ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਗਿਆ। ਉਹ ਪੈਸਾ ਬੇਈਮਾਨ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਚਲਾ ਗਿਆ ਜਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀਆਂ ਉਹ ਨਾ ਅਹਿਲ ਸਨ ਜਿਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਜ਼ਾਇਆ ਹੋ ਗਏ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਵਾਕਈ ਖੁਰਾਕ ਦੇ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਕੋਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਜ਼ ਬਣਾਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਤਾਂਕਿ ਖੇਤੀ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡੱਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਹੁੰਦਾ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਦ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ। ਪਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਲੁਟੇਰਿਆਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਲੁਟਦੀ ਹੈ। ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਮਿਹਨਤ ਕਰਕੇ ਅੰਨ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਲੈ ਕੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਸਟੇਟ ਟ੍ਰੇਡਿੰਗ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ, ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਲ ਨਹੀਂ ਖਰੀਦਦੀ। ਸਰਦਾਰ ਉਜਲ ਸਿੰਘ ਕਮੇਟੀ ਨੇ 22 ਰੁਪਏ ਮਣ ਕਣਕ ਦੀ ਕੀਮਤ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀ ਸੀ, ਪਰ ਵਪਾਰੀ ਲੋਕ 14, 15 ਰੁਪਏ ਮਣ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਲੁਟ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਇਸ ਅਨਕਾਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨਲ ਅਤੇ ਅਨਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕਲ ਪੁਰਜ਼ੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਚਲਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੁਟ ਤੇ ਪਲਦੀ ਹੈ। ਫਿਰ ਜਦੋਂ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਦੇ ਖਾਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਣਕ ਦਾ ਮੁਲ 50 ਰੁਪਏ ਮਣ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਲੁਟਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। (ਘੰਟੀ ਦੀ ਅਵਾਜ਼) ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੁਖ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਬਰਨਿੰਗ ਕੁਐਸਚਨ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਨ ਲਈ ਅਸਾਂ ਸੂਬੇ ਦਾ ਗਵਰਨਰ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਉਸ ਬਰਨਿੰਗ ਕੁਐਸਚਨ ਦਾ ਹਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਦੱਸਿਆ ਇਹ ਸਟੇਟ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਬੜਾ ਧੱਕਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ** : ਗਵਰਨਰ ਤੁਸਾਂ ਬਣਾਇਆ ਸੀ. . . . (ਵਿਘਨ)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : * * * * * * * * * * * * ** (ਸ਼ੋਰ, ਵਿਘਨ) ਮੈਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਸੀ . . . .(ਵਿਘਨ)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ, ਬੋਲਣ ਲੱਗੇ ਜ਼ਰਾ ਸੋਚ ਲਿਆ ਕਰੋ ਕਿ ਕੀ ਕਹਿਣ ਲੱਗੇ ਹੋ। (When the hon. Member Sardar Lachhman Singh is going to speak, he should think a while as to what he is going to say.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਹਾਡਾ ਹੁਕਮ ਹੋਵੇ ਜੀ। ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਸਟੇਟ ਦਾ ਬੜਾ ਬਰਨਿੰਗ ਕੁਐਸਚਨ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਲੋਂ ਅੱਖਾਂ ਨਹੀਂ ਮੀਟੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ, ਟਾਲ ਮਟੋਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਉਸ ਸਮਸਿਆ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਐਡ੍ਰੈਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਧਰ ਉਧਰ ਬੈਠਣ ਵਾਲੇ ਮੈਂਬਰਾਨ ਨੂੰ, ਜਿਹੜੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਮੁਖਾਲਫ ਬੋਲਦੇ ਹਨ, ਜਾਂ ਜਿਹੜੇ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਜ਼ਬਾਨ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਕੋਈ ਗੜਬੜ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕੋਈ ਮੰਗ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕੋਈ ਝਗੜ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਧੋਖਾ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਹ ਮੰਨਣਾ ਪਵੇਗਾ ਕਿ ਇਹ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਸਮੱਸਿਆ ਹੈ। ਸਟੇਟ ਦੀ ਸਾਰੀ ਪ੍ਰੈਸ ਕਾਂਗਰਸ ਹਾਈ ਕਮਾਂਡ ਦੇ ਲੀਡਿੰਗ ਆਦਮੀ, ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਬੋਰਡ ਅਤੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕਮੇਟੀ

*Note.—Expunged as ordered by the Chair.

ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਇਸ ਪਰਪਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਅਨੇਕਾਂ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮੰਨਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸੇ ਗਲ ਤੇ 5,000 ਦੇ ਕਰੀਬ ਮੈਮੋਰੰਡਮ ਭੇਜੇ ਜਾ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਉਹ ਸਭ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤਕਸੀਮ ਜ਼ਬਾਨ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਹੋ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਦ ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਬਾਨ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਵੰਡ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਹਰਗਿਜ਼ ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਸਿਖ ਸਟੇਟ ਹੋਵੇਗੀ, ਹਿੰਦੂ ਸਟੇਟ ਹੋਵੇਗੀ, ਮੁਸਲਿਮ ਸਟੇਟ ਹੋਵੇਗੀ ਜਾਂ ਈਸਾਈ ਸਟੇਟ ਉਸ ਦਾ ਨਾਂ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਹ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਇਕ ਡੈਸਪਰੇਟ ਆਦਮੀ ਨੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਿਆਸਤ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜਗ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਅਜਿਹਾ ਨਾਅਰਾ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਪਰ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਨੱਬ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਵਾਜ਼ ਉਠੀ ਸੀ। ਇਸ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਹਿੰਦੂ ਸਟੇਟ ਜਾਂ ਸਿਖ ਸਟੇਟ ਦਾ ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਫਿਰ ਆਪ ਨੇ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਹਰਿਆਣੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਹੈ। ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਮੁਤਫਿਕਾ ਤੌਰ ਤੇ, ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਬਾਹਰ ਆਪਣੀ ਆਵਾਜ਼ ਰਖਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਹ ਮੰਗ ਕਰਨ ਵਿਚ ਹਕ ਬਜਾਨਬ ਹਨ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦੀ ਜ਼ਬਾਨ ਨੂੰ ਦੂਸਰੇ ਤੇ ਠੋਸਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਿਬਰਟੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁਣ ਉਹ ਪੜ੍ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਡੀਮਾਂਡ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਗਦਰ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਅਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਕਰਕੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਜੋੜ ਦਿੱਤਾ ਸੀ। ਕਿਸੇ ਵਕਤ ਦਿੱਲੀ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਰਿਆਣੇ ਨੂੰ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹਿਸਾ ਬਣਾ ਦਿਤਾ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਵਾਪਿਸ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬੜਾ ਮੁਬਾਰਕ ਕਦਮ ਹੈ ਜਿੰਨੀ ਤਾਰੀਫ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਥੋੜੀ ਹੈ (ਘੰਟੀ) ਮੈਂ ਕੇਵਲ ਤਿੰਨ ਮਿੰਟ ਲਵਾਂਗਾਂ....

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਬੈਠ ਜਾਓ। ਬਹੁਤ ਵਕਤ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।
(No please. He may resume his seat. He has already taken a lot of time.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਤੁਸੀਂ ਜੀ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਆਦਮੀ ਦਾ ਵਕਤ ਕਟ ਲੈਣਾ .........

**Deputy Speaker** : Please......

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਵੀ ਬਿਮਾਰ ਹੋ, ਮੈਂ ਵੀ ਬਿਮਾਰ ਹਾਂ; ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਝਗੜੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਪੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ।

**Deputy Speaker** : Will you please take your seat no ?

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਮੈਂ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗਲ ਹੈ; ਕਹਿ ਕੇ ਬੈਠ ਜਾਵਾਂਗਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਗਦੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿਨਟ ਦੇ ਦਿਉ। ਮੈਂ ਪਹਾੜੀ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦੇਖੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਪਹਾੜੀ ਮੈਂਬਰ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਤੇ ਬੈਠਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੁਣਿਆ ਹੈ, ਕੁਐਸਚਨ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਵੇਖਿਆ ਹੈ। ਤੁਸਾਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੁਣਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਬੜੇ ਦੁਖੀ ਹਨ। ਠੀਕ ਵੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਕਲਚਰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ, ਤਮੱਦਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਰਹਿ ਕੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਿਮਾਚਲ ਨਾਲ ਮਿਲਣ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਹੀ ਕਦਮ ਉਠਾਇਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਿਮਾਚਲ ਵਿਚ ਮਿਲਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਮਿਲ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋਵੇ, ਤਨਜ਼ਲੀ ਨਾ ਹੋਵੇ।

[ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ]

ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਧਮਕੀ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦੀ ਤਕਰੀਰ ਸੁਣੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਕੋਈ ਟੈਨਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਟੈਨਸਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਮਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਟੈਨਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਜਲਸੇ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਬੜੇ ਅਦਬ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਦੋ ਐਲੀਮੈਂਟਸ ਨੇ ਖਰਾਬ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 1938-39 ਦੀ ਮਰਦਮ ਸ਼ੁਮਾਰੀ ਵਿਚ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਬੋਲੀ ਪੰਜਾਬੀ ਲਿਖਾਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ 96.93 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਸੀ। ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਠੀਕ ਆਂਕੜੇ ਹਨ। ਉਸ ਜਗ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਬਾਹਰੋਂ ਸੋਨੀਪਤ ਜਾਂ ਬਿਹਾਰ ਤੋਂ ਜਾਂ ਮਦਰਾਸ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਆਇਆ, ਗੁਜਰਾਤ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਆਇਆ। ਕੋਈ 1 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਜਾਂ 2 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਰੀਫਿਊਜੀ ਆਏ ਹੋਣਗੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਬਾਨ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ਬਾਨ ਦੀ ਤਰਜਮਾਨੀ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਹੁਣ ਜਿਹੜੀ ਸੈਂਸਸ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸਦੇ ਵਿਚ 42 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ਬਾਨ ਲਿਖਾਈ ਗਈ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲਦਾ ਹੈ, ਪੰਜਾਬੀ ਹਿੱਸੇ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ........(ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜਾ ਆਪਣੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਮੰਨਣ ਤੋਂ ਮੁਨਕਿਰ ਹੋ ਜਾਵੇ ਉਹ ਬੜਾ ਵੱਡਾ ਮੁਜਰਿਮ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਕਿਸੇ ਸੱਜਨ ਨੇ ਠੀਕ ਹੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪਿਉ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਭੁਲੇਖਾ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਮਾਂ ਬਾਰੇ ਭੁਲੇਖਾ ਨਹੀਂ ਲਗ ਸਕਦਾ। ਇਕ ਤਾਂ ਉਹ ਲੋਕ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਲਤ ਜ਼ਬਾਨ ਲਿਖਾਈ। ਦੂਸਰੇ ਉਹ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਜੇਕਰ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਣ ਗਿਆ ਤਾਂ ਹਿੰਦੂਆਂ ਅਤੇ ਸਿਖਾਂ ਦਾ ਰਿਸ਼ਤਾ ਨਾਤਾ ਟੁਟ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਕਸੀਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿਤੀ। ਮੈਂ ਅਦਬ ਨਾਲ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਲੰਧਰ ਕਿਥੇ ਚਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕਿਥੇ ਚਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਹ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਵੇਂ ਇਕ ਤਹਿਸੀਲ ਨੂੰ ਇਕ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚੋਂ ਕੱਢ ਕੇ ਦੂਸਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਦਿਉ। ਇਸ ਨਾਲ ਕੋਈ ਜ਼ਾਤ ਪਾਤ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਧਰਮ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕੇਵਲ ਕਲਚਰ ਦਾ ਅਤੇ ਲੈਂਗੁਏਜ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਹਾਂ, ਇਕ ਗਲ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋਵੇਗੀ, ਉਹ ਸਜਣ ਬੜੇ ਸ਼ੌਕ ਨਾਲ ਸੁਣ ਲੈਣ। ਮੈਂ ਵਜਾਹਤ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਚੰਦ ਆਦਮੀ ਪ੍ਰੈਮ ਦੀ ਤਾਕਤ ਨਾਲ, ਚੰਦ ਆਦਮੀ ਵੈਸਟਿਡ ਇੰਟ੍ਰੈਸਟ ਨਾਲ ਹਰਿਆਣੇ ਅਤੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਤੇ ਛਾਏ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ; ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਦਾ ਉਸ ਜਗ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੋਈ ਮਕਾਨ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗਾ। ਜੇਕਰ ਉਹ ਚਾਹੁਣ ਕਿ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਲੱਤ ਅੜਾ ਕੇ, ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਬਦਅਮਨੀ ਫੈਲਾ ਕੇ ਅਤੇ ਫਿਰਕਾ ਪ੍ਰਸਤੀ ਫੈਲਾ ਕੇ ਉਹ ਆਪਣਾ ਸਿੱਕਾ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਾਇਮ ਰੱਖ ਸਕਣਗੇ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਿੱਕਾ ਨਹੀਂ ਚਲਣ ਦੇਵੇਗਾ।

ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦਿਲ ਦਿਮਾਗ ਹਨ, ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਦੀ ਤਰਜਮਾਨੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਆਦਮੀ ਹਨ, ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸੱਚੇ ਹਿਤੈਸ਼ੀ ਹਨ, ਸੱਚਾ ਪਿਆਰ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਨ, ਉਹ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਜਾਨ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਦੋ ਰਾਵਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ। ਦੋ ਤਿੰਨ ਹਾਈ ਆਫੀਸ਼ਲਜ਼ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿਚ ਰਾਜ ਸਾਸ਼ਨ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵੀ ਇਹ ਰਾਏ ਹੈ ਕਿ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਇਕ ਸੱਚਾ ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਹੈ, ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੱਚੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਹੈ ਔਰ ਜ਼ਬਾਨ ਦੇ ਆਧਾਰ ਉਤੇ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਸਵੀਕਾਰ ਕਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲੈਂਦੀ ਔਰ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਰਾਹੀਂ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਬਾਬਤ ਦਸ ਦਿੰਦੀ ਤਾਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਥੇ ਵਧਾਈ

ਦਿੰਦੇ। ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਤਵੱਜੋ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ। ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਹੈ ਅੌਰ ਜਿਹੜਾ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਦਿਸ਼ਾ ਦੱਸਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਉਹ ਹੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗਲਤ ਪਾਸੇ ਲੈ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। (ਘੰਟੀ) ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ.........

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : Will you please take your seat ? ਚੇਅਰ ਦੀ ਕੋਈ ਗਲ ਤੁਸੀਂ ਨਹੀਂ ਸੁਣਦੇ ਅੌਰ ਆਪਣੀ ਗਲ ਹੀ ਕਹੀ ਚਲੇ ਜਾਂਦੇ ਹੋ। ਇਹ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ। Please. (Will you please take your seat? The hon. Member does not listen to the Chair but continues to make his speech This is not proper.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਦਿਸ਼ਾ ਦੇਣੀ ਸੀ........... *(Interruptions)*

ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ : ਇਸ ਨੂੰ ਰੋਕੋ ਜੀ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗਲਤ ਰਾਹ ਉਤੇ ਪਾਉਣ ਦੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਇਕ ਹਿਸਟਰੀ ਹੈ (ਘੰਟੀ) ਅੌਰ ਉਹ ਇਹ ਕਿ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਸ ਕਰਕੇ ਨਾਅਰਾ ਲਗਾਉਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨੇ ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਹਿੰਦੂਆਂ ਦੇ ਵੋਟ ਲੈਣੇ ਹਨ। ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਵੀ ਇਸ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਸ ਕਰਕੇ ਅਵਾਜ਼ ਉਠਾਉਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਿਖਾਂ ਦੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਨੂੰ ਕੁਚਲ ਕੇ ਹਿੰਦੂਆਂ ਦੇ ਵੋਟ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕੇ। ਮਗਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਸੰਨ 1966 ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਇਹ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਨਹੀਂ ਪੁਛਣਾ। ਅਗਰ ਸੰਤ ਫਤਹਿ ਸਿੰਘ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਕੋਈ ਐਸੀ ਵੈਸੀ ਗਲ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਇਸ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਹੀ ਹੋਵੇਗੀ ਇਹ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸੋਚ ਲੈਣ ਸਮਝ ਲੈਣ ਅੌਰ ਫੇਰ ਹੀ ਜੋ ਕੁਝ ਕਰਨਾ ਹੈ ਕਰਨ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਲੈ ਗਲ ਕਰਦੇ ਹੋ ਅਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ। ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਸੰਤ ਫਤਹਿ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦਿਆਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ। (While referring to Ministers, the hon. Member talked of Mahatma Gandhi saying that they had failed to act upon his advice but in fact the hon. Member himself while talking of Sant Fateh Singh does not care to act upon whatever he says.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਹੁਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਬੈਠ ਵੀ ਗਿਆ ਹਾਂ ਜੀ।

**ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** (ਨਕੋਦਰ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਉਤੇ ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਵਾਂ ਜਾਂ ਨਾ ਦਵਾਂ ਪਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸਾਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਹਰ ਸਾਲ ਦੋਹਾਂ ਹਾਉਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਇਕਠਿਆਂ ਕਰਕੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਸੂਬੇ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੀਆਂ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਬਾਰੇ ਸੰਕੇਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ

[ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ]

ਐਡਰੈਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ 'ਮਾਂਇਡ' ਹੁੰਦਾ ਹੈ, 'ਇੰਡੈਕਸ' ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੀਆਂ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀਆਂ ਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਨਵੀਆਂ ਚਾਲੂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦਾ ਨਕਸ਼ਾ ਦੋਹਾਂ ਹਾਊਸਿਜ਼, ਬਲਿਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਅੱਗੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਬੜੇ ਦੁਖ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਇਕ ਰਸਮੀ ਜਿਹਾ ਐਡਰੈਸ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਕ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਐਡਰੈਸ 28 ਫਰਵਰੀ, 1965 ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਮੌਜੂਦਾ ਗਵਰਨਰ ਹਾਫਜ਼ ਮੁਹੰਮਦ ਇਬਰਾਹੀਮ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਿੱਤਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਦੋਹਾਂ ਹਾਊਸਿਜ਼ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਐਡਰੈਸ ਕਰਦੇ ਹੋਇਆਂ ਉਸ ਤੋਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦਾ ਨਕਸ਼ਾ ਔਰ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦਾ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਸ ਹੁਣ ਵਾਲੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਨੂੰ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਨਾਲ ਜੇਕਰ ਕਮਪੇਅਰ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਇਸ ਮੌਜੂਦਾ ਐਡਰੈਸ ਲਈ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਜਾਂ ਵਧਾਈ ਦੇਣ ਦਾ, ਮੇਰੇ ਖਿਆਲ ਵਿਚ, ਕੋਈ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ (Thumping from the Opposition) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਕਿਉਂ ? ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਉਸ ਐਡਰੈਸ ਕੁਝ ਸੈਲੀਅੰਟ ਫੀਚਰਜ਼ ਸਨ, ਕੁਝ ਅਜਿਹੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਦੀ ਭਲਾਈ ਬਾਰੇ ਸਨ। ਪਿਛਲੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਜੁਡੀਸ਼ਰੀ ਨੂੰ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਤੋਂ ਅਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਇਹ ਵਾਕਈ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜੁਡੀਸ਼ਰੀ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਇਕ ਬੜਾ ਵਡਾ ਟਰਨਿੰਗ ਪੁਆਇੰਟ ਸੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਤਦ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਖਬਰ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਸੁਣੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੇ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਬਮਿਟ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੀਸਰੇ ਔਰ ਚੌਥੇ ਗਰੇਡ ਦੇ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਨੂੰ ਵੀ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਕੋਈ $5\frac{1}{2}$ ਕਰੋੜ ਰੁਪੈ ਦਾ ਰਿਲੀਫ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਜਿਹੜਾ 3,86,00,000 ਰੁਪਿਆ ਹਰੀਜਨ ਕਲਿਆਣ ਟੈਕਸ ਦਾ ਇਕੱਠਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ 1,14,00,000 ਰੁਪਿਆ ਪਾ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ 5,00,00,000 ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਯਾਨੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਵਾਸਤੇ ਤੇ ਮਕਾਨ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਮਦਦ ਕਰਨ ਵਜੋਂ ਇਸ ਪੌਣੇ ਚਾਰ ਕਰੋੜ ਦੀ ਰਕਮ ਨੂੰ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 'ਗਰੋ ਮੋਰ ਫੂਡ' ਵਾਸਤੇ ਪਿਛਲੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਖਾਸਾ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ। ਪਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜੇ ਮੌਜੂਦਾ ਐਡਰੈਸ ਵਲ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਧਿਆਨ ਮਾਰੀਏ ਤਾਂ 'ਮਰਸੀਆਖਾਨੀ' ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਹੋਰ ਚੀਜ਼ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ। ਉਹ ਕਿਉਂ ? ਪਿਛਲੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਵੀ 28 ਸਫੇ ਸਨ ਹੁਣ ਵਾਲੇ ਵਿਚ ਵੀ 28 ਹੀ ਹਨ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ 28 ਦੇ ਹਿੰਦਸੇ ਨਾਲ ਕੀ ਮੋਹ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਥੋਂ ਲੈ ਲਿਆ ਹੈ। ਜੇ ਇਸ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹੀਏ ਤਾਂ ਸਿਵਾਏ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਕਿ "ਸਾਡੇ ਜਵਾਨਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕੰਮ ਕੀਤਾ, ਇਤਨੇ ਜਵਾਨ ਮਾਰੇ ਗਏ, ਐਨਾ ਰੀਲੀਫ ਦਿਤਾ 50,000 ਅਪਰੂਟਿਡ ਬੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਰਜ਼ਾਈਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ; ਤੁਲਾਈਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ, 11,000 ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ, "ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਤੋਂ ਛੁਟ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਐਸੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਦਸੀ ਗਈ ਜੋ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਵੱਸਣ ਵਾਲੀ ਦੋ ਕਰੋੜ ਜਨਤਾ ਵਾਸਤੇ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਸਕੀਮਾਂ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ 80,000 ਏਕੜ ਨਵੀਂ ਜ਼ਮੀਨ ਜ਼ੇਰੇ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਪਰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਯਕੀਨ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਮੀਨ ਜ਼ੇਰੇ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਤਾਂ ਗਲ ਹੀ ਅਲਗ ਹੈ 80,000 ਏਕੜ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਇਕ ਲੱਖ ਏਕੜ ਤੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਮੀਨ ਐਸੀ ਹੋਵੇਗੀ ਜਿਥੋਂ ਕਿ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੀਆਂ ਫੈਸਿਲੀਟੀਜ਼ ਘਟੀਆ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਮੇਰੀ ਕਾਨਸਟੀਚੁਐਂਸੀ ਸ਼ਾਹਕੋਟ ਪਿਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਇਲਾਕਾ ਹੈ।

ਇਥੇ ਨਾਂ ਹੀ ਕੋਈ ਸੜਕ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਸਕੂਲ ਹੈ। 1947 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਥੇ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਖਰਚਣ ਦਾ ਕੋਈ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੇਰੀ ਕਾਂਸਟੀਚੁਐਂਸੀ ਦਾ ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਰਕਬਾ ਹੈ, ਉਥੇ 14 ਫੀਸਦੀ ਤੋਂ ਵਧ ਵਿਚ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦਾ ਕੋਈ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ। ਉਥੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ। ਤਕਾਵੀਆਂ ਲੈ ਲੈ ਕੇ ਇਹ ਕੰਮ ਕੀਤਾ, ਮੀਟਰ ਤਕ ਵੀ ਲਗਵਾ ਲਏ ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਤਕਾਵੀਆਂ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਬਾਰੇ ਵਾਰੰਟ ਨਿਕਲੇ ਪਏ ਹਨ ਔਰ ਸੂਦ ਦਾ ਪੈਸਾ ਅਲਗ ਹੈ। ਥੋੜਾ ਸਮਾਂ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ, ਚੌਧਰੀ ਰਿਜ਼ਕ ਰਾਮ ਨੂੰ, ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਲੈ ਗਿਆ। ਇਕ ਪਿੰਡ ਵਿਚੋਂ ਚਲਦਿਆਂ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰਿਆਣੇ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਮੇਰੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਥੇ ਕਿਵੇਂ ਪੁਜ ਗਿਆ। ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਕਿ ਹਰਿਆਣੇ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਤਾਂ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਹੀ, ਇਕ ਪਾਸੇ ਮੇਰਾ ਇਲਾਕਾ ਉਸ ਤੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਥੇ ਐਲਾਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਕਿ ਮਾਧੋਪੁਰ ਤੋਂ ਲੈਕੇ ਫਲਾਨੇ ਪਿੰਡ ਤਕ ਸੜਕ ਪੱਕੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਪਰ ਹੁਣ ਤਕ ਵੀ ਉਥੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਇਤਨਾ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਮੇਰੀ ਕਾਂਸਟੀਚੁਐਂਸੀ ਵਿਚ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਗੜੇ ਪਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ 15 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਫਸਲ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ। ਮੈਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਸਵਾਲ ਕੀਤਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿਤਨੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਗੜੇ ਪੈਣ ਕਾਰਨ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਤਨੀ ਰੀਲੀਫ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਨੁਕਸਾਨ ਦੀ ਬਾਬਤ ਤਾਂ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਮੇਰੇ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ 15 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਪਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਰੀਲੀਫ ਦੇਣ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ ਮਾਮਲਾ ਵੀ ਕਈਆਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਨਹੀਂ ਛੋੜਿਆ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ ਤਕਾਵੀਆ ਲੈ ਲੈ ਕੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਬੀਜ ਪਾਏ, ਉਹ ਬੀਜ ਵੀ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਏ, ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਦੀ ਬਿਜਲੀ ਉਤੇ ਜਿਹੜਾ ਖਰਚਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਫਸਲਾਂ ਉਜੜਨ ਨਾਲ ਉਹ ਖਰਚਾ ਵੀ ਜ਼ਾਇਆ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਰੈਵੀਨੀਊ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਗੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਥੇ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ 53 ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਗੜਾ ਪੈਣ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਈਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਅਜ਼ ਕੰਮ ਤਕਾਵੀਆਂ, ਸੀਡ ਤਕਾਵੀਆਂ ਤਾਂ ਮੁਆਫ ਕਰ ਦਿਉ, ਮਾਮਲਾ ਤਾ ਮੁਆਫ ਕਰ ਦਿਓ। ਤਕਾਵੀਆਂ ਮੁਆਫ ਕਰਨਾ ਤਾਂ ਦਰ ਕਿਨਾਰ ਅਜੇ ਤਕ ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਵੀ ਮੁਆਫ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪੁਰ ਜ਼ੋਰ ਦਰਖਾਸਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਪਾਸੇ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਦੇਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੜੇ ਤੋਂ ਪੀੜਤ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਤਕਾਵੀਆਂ ਔਰ ਮਾਮਲਾ ਮੁਆਫ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਰੀਲੀਫ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ।

ਦੂਸਰੀ ਗਲ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਹਾਡੀ ਰਾਹੀਂ ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਹਿਸਟਰੀ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ ਇਸ ਨੇ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਲਿਆਉਣ ਦੇ ਯਤਨ ਵੀ ਕਰਦੀ ਰਹੀ।

ਹਰ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ, ਹਰ ਸਾਲਾਨਾ ਜਲਸੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਮੀਰ ਅਤੇ ਗਰੀਬ ਨੂੰ ਇਕ ਪੱਧਰ ਤੇ ਲਿਆਵਾਂਗੇ। ਮਗਰ ਹੋ ਇਸ ਦੇ ਉਲਟ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਅਮੀਰ ਹੋਰ ਅਮੀਰ ਤੇ ਗਰੀਬ ਹੋਰ ਗਰੀਬ ਹੁੰਦਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਹਕੂਮਤਾਂ ਬਦਲਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ, ਲੋਕੀ ਆਸਾਂ ਬੰਨਦੇ ਰਹੇ ਪਰ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੂਰ ਹੀ ਦੂਰ ਹੁੰਦਾ ਚਲਿਆ ਗਿਆ। ਅਗਰ ਮੈਂ ਗਲਤੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਤਾਂ ਸੰਤ ਵਿਨੋਬਾ ਭਾਵੇ ਨੇ ਇਹ ਲਫਜ਼ ਕਹੇ ਹਨ ਕਿ ਹਿੰਦੋਸਤਾਨ ਵਿਚ ਜਿਤਨੇ ਅਮੀਰ ਹਨ "they are cheats, they are dacoits' ਇਹ ਜੋ ਇਥੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਇਸ ਲੰਗੋਟ ਧਾਰੀ ਫਕੀਰ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ ਬਸਤੀਆਂ ਵਿਚ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਬਸਰ ਕਰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਵੀ ਦੂਜਿਆਂ ਦੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਆਉਣ। ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਅਜ ਅਮੀਰਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਅਮੀਰ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਡੇਢ ਸੌ ਟ੍ਰਕ ਦਾ ਪਰਮਿਟ

[ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ]

ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਨਾਂ ਨੂੰ ਹੀ 15—20 ਹੋਰ ਪਰਮਿਟ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਵੇਂ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਨੇੜੇ ਆਵੇਗਾ? ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਪੈਸੇ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। (ਤਾੜੀਆਂ) ਉਹ ਇਨਸਾਨ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ (ਘੰਟੀ) ਮੈਨੂੰ ਦੋ ਚਾਰ ਮਿਨਟ ਦਿਉ, ਸਿਰਫ 7 ਮਿਨਟ ਹੋਏ ਹਨ ਬੋਲਦੇ ਨੂੰ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਦੋਂ ਸਾਡੀਆਂ ਸਰਹਦਾਂ ਤੇ ਹਮਲਾ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਬਲੈਕਮਨੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੋਂ ਦਿੱਲੀ ਨੂੰ ਭਜ ਉਠਿਆ। ਅਗਰ ਉਹ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਫੜ ਲੈਂਦੀ ਤਾਂ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸੀਕਿਉਰਿਟੀ ਲਈ ਗਰੀਬ ਬਚਿਆਂ ਤੋਂ 8—8 ਆਨੇ ਮੰਗਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਾ ਪੈਂਦੀ। ਹੁਣ ਉਹ ਪੈਸਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਗਣਾ ਉਹ ਤਾਂ ਹੁਣ ਫਰੀਦਾਬਾਦ ਵਗੈਰਾ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਜਾਂ ਹੋਰ ਵੀ ਅਗੇ ਹੀ ਲਗੇਗਾ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਸੋਚਦਾ ਹਾਂ ਜਦੋਂ ਕਿ ਕੋਈ ਕਰੋੜਪਤੀ ਇਥੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਬਣਕੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੀ ਗਡੀ ਨੂੰ ਅਗੇ ਨੂੰ ਖਿਚੇਗਾ ਜਾਂ ਪਿਛੇ ਨੂੰ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਇਥੇ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ 85 ਫੀ ਸਦੀ ਵਸੋਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਉ। ਇਸ 85 ਫੀਸਦੀ ਵਸੋਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਾ ਦੇਣ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਜੋ ਸਾਡੀ ਸਭ ਤੋਂ ਪੁਰਾਣੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਇਹ ਉਹ ਮੁਲਕ ਹੈ ਜੋ ਸੋਨੇ ਦੀ ਚਿੜੀਆਂ ਕਹਾਉਂਦਾ ਸੀ। ਅਜ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਦੀ 85 ਫੀਸਦੀ ਵਸੋਂ ਇਥੋਂ ਦੀ 15 ਫੀਸਦੀ ਵਸੋਂ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਨੇਤਾਵਾਂ ਨੇ ਇਥੇ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। ਤੁਸੀਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦੀ ਬਜਟ ਸਪੀਚ ਵਿਚ ਗ੍ਰੋ ਮੋਰ ਫੂਡ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਇਕ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟ ਲਈ 750 ਰੁਪਏ subsidy ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇਣ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਅੱਧਾ ਰੁਪਿਆ ਕੇਂਦਰ ਨੇ ਦੇਣਾ ਸੀ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਛਾਤੀ ਤੇ ਹਥ ਰਖ ਕੇ ਦਸਣ ਕਿ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਇਹ 750 ਰੁਪਏ ਦੀ ਸਬਸਿਡੀ ਦਿਤੀ ਹੈ? ਫਿਰ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਕਿਸ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਸਾਨ ਨੇ ਜੋ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਪੇਟ ਦੀ ਖਾਤਰ ਵਧਾਉਣੀ ਹੈ ਆਪਣੀ ਜੇਬ ਦੀ ਖਾਤਰ ਵਧਾਉਣੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਪੈਸੇ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। (ਘੰਟੀ)

**Deputy Speaker**: Please wind up.

**ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਇਹ ਅਸਲੀਅਤ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਜੋ ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ 12 ਰੁਪਏ ਦਿਆਂਗੇ 19 ਰੁਪਏ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਸੋਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਮੰਗਦਾ, ਉਹ ਤਾਂ ਇਹੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਜੋ 22 ਰੁਪਏ ਦਾ ਭਾ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸ ਤੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਕਣਕ ਖਰੀਦੋ। ਅਵਲ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ 25 ਫੀ ਸਦੀ ਨਫਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਕਈ ਵਾਰੀ ਫਸਲ ਤਬਾਹ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਹੋਰ ਗਲਾਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਗਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਘਟੋ ਘਟ 22 ਫੀ ਸਦੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦਿਉ। ਉਸ ਨੂੰ ਤਾਂ 14 ਰੁਪਏ ਹੀ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। (ਘੰਟੀ) ਤੁਸੀਂ ਚੂੰਕਿ ਕਈ ਵਾਰੀ ਘੰਟੀ ਵਜਾ ਚੁਕੇ ਹੋ ਮੈਂ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਕਹਿਕੇ ਬੈਠ ਜਾਂਵਾਂਗਾ।

ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕਤਲ ਵਧ ਰਹੇ ਹਨ, ਲਾਕਨੂੰਨੀ ਇੰਤਹਾਈ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਵਾਕਿਆਤ ਮੁਤਾਬਕ ਹੋਰ ਵੀ ਉਲਝਣਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਧਿਆਨ ਉਨ੍ਹਾਂ 3 ਗਲਾਂ ਵਲ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਇਸ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਹੀਆਂ ਸਨ। ਉਹ ਤਿੰਨੇ ਗਲਾਂ ਹਾਲੇ ਤਕ ਜਨਤਾ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਗੂੰਜ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਮੇਰੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਗੂੰਜ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਗੰਗਾ ਦੇ ਨਿਰਮਲ ਜਲ ਵਰਗੀ ਸਾਫ਼ ਅਤੇ ਪਾਕ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੇਵੇਗੀ। ਹੁਣ ਜੋ ਹਾਲਤ ਹੈ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖ ਲਉ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਕੁਮੈਂਟਰੀ

ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਦੂਜੀ ਗਲ ਜਿਸ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹਰ ਅਫਸਰ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉਤੇ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਉਹ ਹਰ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਸ ਦੇ ਸਫੇ ਵੇਖੇਗਾ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਜ਼ਮੀਰ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਸੁਣੇਗਾ। (ਵਿਘਨ) ਤੀਜੀ ਗਲ ਇਹ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਸੂਬੇ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਦੇ ਨਵੇਂ ਪੰਨੇ ਲਿਖਣ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੁਬਾਰਕ ਹੋਵੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ, ਪਰ ਖੁਦਾ ਦਾ ਵਾਸਤਾ ਜੇ ਕਿ ਅੱਵਲ ਤਾਂ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਇਹ ਪੰਨੇ ਕੋਰੇ ਅਤੇ ਸਾਫ ਹੀ ਦੇ ਦਿਉ। (ਘੰਟੀ) ਅਗਰ ਬਾਬਾ ਤੁਸੀਂ ਨਵਾਂ ਇਤਹਾਸ ਲਿਖਣਾ ਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਐਸੀ ਜ਼ਬਾਨ ਵਿਚ ਲਿਖੋ ਜਿਸ ਨੂੰ ਗਰੀਬ ਮਜ਼ਦੂਰ ਤੇ ਕਿਸਾਨ ਵੀ ਪੜ੍ਹ ਸਕੇ। (ਘੰਟੀ) ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜੋ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਅਤੇ ਥਾਪਰ ਵਰਗੇ ਹੀ ਪੜ੍ਹ ਸਕੇ ਹਨ। ਐਸਾ ਇਤਿਹਾਸ ਲਿਖੋ ਜਿਸ ਨੂੰ ਗਰੀਬ ਵੀ ਪੜ੍ਹ ਸਕੇ।

**बख्शी प्रताप सिंह** (पालमपुर) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, आज तीन दिन से गवर्नर साहिब के ऐड्रेस पर बहस चल रही है। गवर्नर साहिब ने सब से पहले अपने ऐड्रेस में स्वर्गीय प्रधान मन्त्री श्री शास्त्री जी के मुताल्लिक ज़िक्र किया है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, उन की बेवक्त मौत से सारे मुल्क को गहरा सदमा हुआ है। मुल्क उन की बे लौस कुर्बानियों का मद्दाह है। मैं अपनी तरफ से भी उन को श्रद्धांजली भेंट करता हूं।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, गवर्नर साहिब ने अपने भाषण में फौज की कुर्बानी और जो वीरता उस ने दिखाई है उस का भी ज़िक्र किया है। इस के साथ २ इस राज्य की सिविलियन आबादी ने जिस हिम्मत और जवांमर्दी और जज़बाए हुब्बलवतनी का सबूत दिया है उस की भी दाद दी है। मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी होती है कि ज़िला कांगड़ा के नौजवानों ने इस लड़ाई में जो वीरता दिखाई है और जो सब से ज्यादा कुर्बानी दी है उस पर हमें बजा तौर पर नाज़ होता है। ज़िला कांगड़ा के नौजवान इस लड़ाई में सब से ज्यादा शहीद हुए हैं और सब से ज्यादा तमगाजात उन्होंने इस में हासिल किए हैं। काश्मीर में हाजी पीर को फतेह करने में इन जवानों ने बहादरी के जौहर दिखाए। मुझे यह जाहिर करते हुए खुशी होती है कि इस का फातेह भी ज़िला कांगड़ा का ही एक वीर है और उस का सेहरा जैनरल कशमीर सिंह कटोच के सिर बंधा है........

(The hon. Member was still on his legs, when the House adjourned.)

2-30 p.m. | **उपाध्यक्षा** : सदन कल साढ़े नौ बजे फिर मिलेगा। (The House stands adjourned till 9-30 a.m., to-morrow.)

*(The Sabha then adjourned till 9.30 a.m. on Wednesday, the 23rd February, 1966.)*

---

8499FVS—384—C,.P. and S,.Pb., Chandigarh.

# PUNJAB VIDHAN SABHA
## DEBATES

---

*23rd February, 1966*

---

Vol. I—No. 6

---

OFFICIAL REPORT

## CONTENTS

*Wednesday, the 23rd February, 1966* PAGE



---


**Punjab Vidhan Sabha Secretariat, Chandigarh.**

**Price** 7.20

# *ERRATA*

to
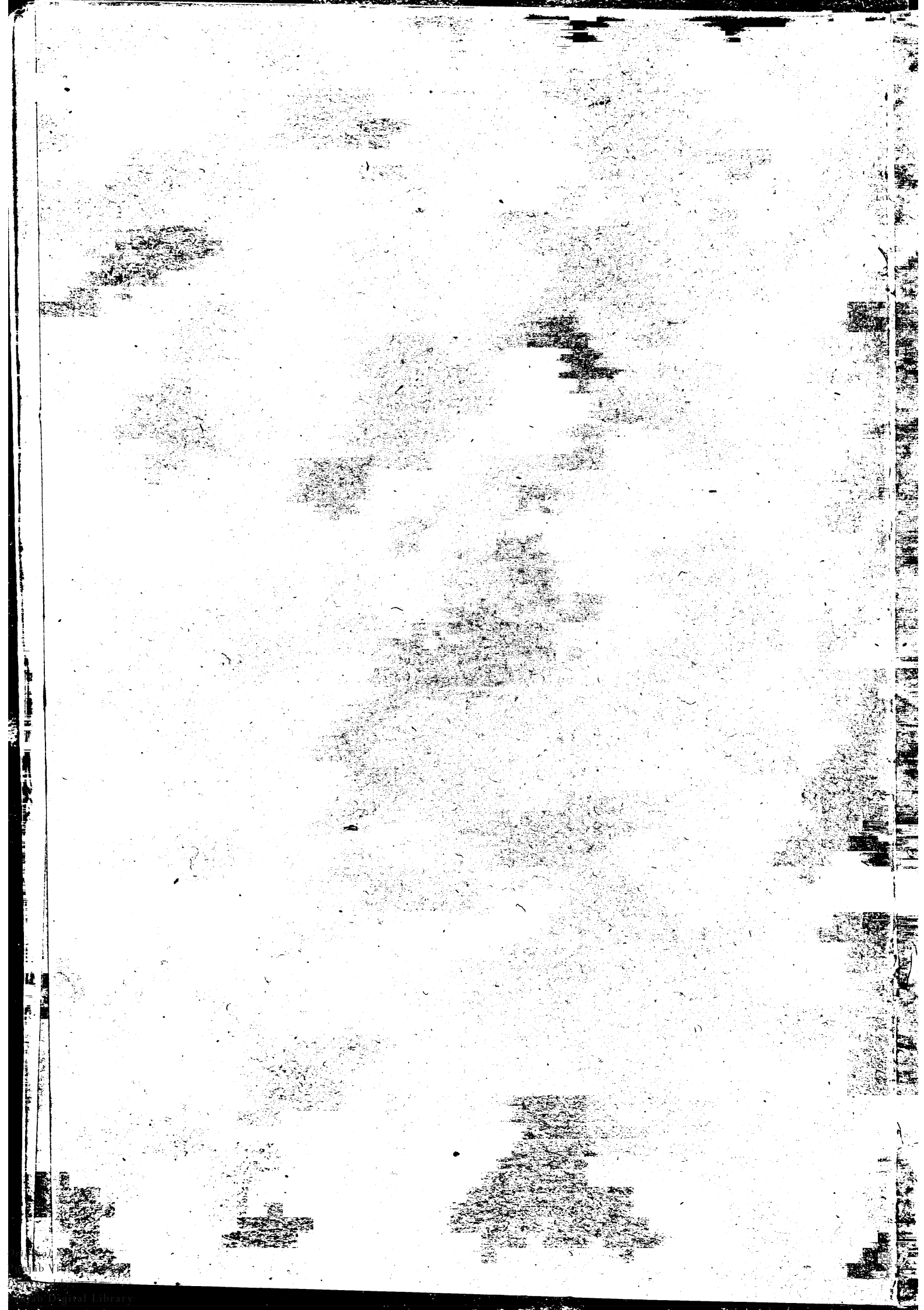
**Punjab Vidhan Sabha Debates, Vol. I, No. 6, dated the 23rd February, 1966.**

| *Read* | *For* . | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| I have | have | (6) 14 | 40 |
| Cities | Citie | (6) 15 | 27 |
| anything | anythi | (6) 26 | 5 |
| all | al | (6) 41 | 19 from below |
| down | dowh | (6) 41 | 16 from below |
| He was | advised to was | (6) 43 | 31 |
| advised to continue | He continue | (6) 43 | 32 |
| wool | woo | (6) 43 | 4 from below |
| State | tate | (6) 43 | last |
| conversant | conversent | (6) 53 | 5 from below |
| Deputy Speaker | Deputy Spaker | (6) 54 | 1 |
| Interruptions | Interrutions | (6) 56 | 19 |
| ऐड्रैस | ए.डैस | (6) 57 | 9 from below |
| his | in his | (6) 67 | 15 from below |
| people and | and people | (6) 68 | 14 |
| Governor's | Governer's | (6) 83 | 1 |
| उपाध्यक्षा | उपध्यक्षा | (6) 83 | 29 |
| का | क | (6) 90 | 20 |
| chair | cahir | (6) 90 | 28 |
| सरदार गुरदर्शन सिंह | सरदार गुंरदशन सिह | (6) 91 | last |
| हमारी | हसारी | (6) 103 | last |
| वगैरा | गैरा | (6) 104 | last |
| 2500 | 25000 | (6) 107 | 4 from below |
| बिजली | बिसली | (6) 108 | 15 |
| पंडित चिरंजी लाल शर्मा | पंडिन जिरंजी लाल शर्मा | (6) 109 | 6 from below |
| ड्राट | डाट | (6) 110 | 3 from below |
| तक | यक | (6) 113 | 3 |

# PUNJAB VIDHAN SABHA
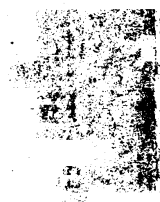
*Wednesday, the 23rd February, 1966*

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, Chandigarh at 9.30 a.m. of the Clock.*

## UNAVOIDABLE ABSENCE OF SPEAKER

**Secretary** : I have to inform the House that Mr. Speaker is unavoidably absent. The Deputy Speaker will, therefore, take the Chair.

[The Deputy Speaker occupied the Chair.]

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### FISH COLD STORAGE AT KAPURTHALA

***9008. Sardar Lakhi Singh Chaudhri** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether there is any fish cold storage at Kapurthala ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether there was any condition imposed in the licence, issued for the purpose, to the effect that the licensee shall open a sale depot in Kapurthala;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, whether any sale depot was actually opened by the said licensee and whether the same is functioning there, if not opened the reasons therefor?

**Captain Rattan Singh** (State Minister for Animal Husbandry and Agriculture) : (a) Yes.

(b) No licence is required to be issued.

(c) Question does not arise.

### TRANSFERS OF TEACHERS FROM FEROZEPORE DISTRICT TO LUDHIANA DISTRICT

***8872. Sardar Kultar Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the number of male and female teachers who applied for their transfers from district Ferozepore to district Ludhiana at the time of the general transfers in 1965 ;

(b) the number of teachers out of those mentioned in part (a) above who were transferred to district Ludhiana ;

(c) the number of teachers out of those mentioned in part (a) above whose applications were rejected together with the reasons therefor;

(d) the reasons for giving preference to the teachers mentioned in part (b) above over those mentioned in part (c) above ;

(d) the number of applications of teachers out of these mentioned in part (c) above which were rejected by (i) the Block Education Officers (ii) the District Education Officer, Ferozepore (iii) the Circle Education Officer and (iv) the Director of Public Instruction, separately ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) (i) Men—46

(ii) Women—74

(b) (i) Men—17

(ii) Women—16

(c) (i) Men—29

(ii) Women—58

(a) Short stay.

(b) Non-availability of vacancies at the stations of their choice.

(d) (i) Longer stay at the station of posting.

(ii) Military cases.

(iii) Couple cases.

(iv) Wider choice of stations to which transfer was desired.

(e) (i) Block Education Officer .. Nil

(ii) District Education Officer .. Nil

(iii) Circle Education Officer (Men).. 29

(Women) .. 58

(iv) Director of Public Instruction, Punjab .. Nil

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਛ ਮਿਲਟਰੀ ਕੇਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਕੁਛ ਟਰਾਂਸਫਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਾਲਾਂਕਿ ਮਿਲਟਰੀ ਦੀਆਂ ਕੰਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਸਨ ?

**Minister** : If there is a demand from military personnel for the transfer of their wives, the Government's policy is to accommodate them as far as possible. But, in case there are more demands than the vacancies that are available, some of the requests have to be turned down.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿਛੇ ਦੋ ਕੁ ਮਹੀਨੇ ਹੋਏ ਕੋਈ ਸਰਕੁਲਰ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਮਿਲਟਰੀ ਕੇਸਿਜ਼ ਹੁਣ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ?

**Minister** : No such circular has been issued. Only important cases, or cases which need immediate attention, are to be attended to.

———

PERMISSION GRANTED TO TEACHERS IN LUDHIANA DISTRICT FOR APPEARING IN M. A. EXAMINATION HELD IN APRIL, 1965

***8873. Sardar Kultar Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of teachers in District Ludhiana who applied for permission to appear in the M.A. Examination held in April, 1965;

(b) the number of teachers out of those mentioned in part (a) above who were given the required permission;

(c) the number of teachers out of those mentioned in part (a) above who were refused the said permission;

(d) the reasons for giving preference to the teachers mentioned in part (b) above over those mentioned in part (a) above ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) 128

(b) 119

(c) 9

(d) Permission was refused as their performance was poor.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** क्या मनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या सारे टीचर्ज़ को एम. ए. का एगज़ामीनेशन देने की इजाज़त नहीं है या उनको जिनकी पूअर परफारमेंस हो ? क्या ऐसे रुलज़ बने हुए हैं कि जिनकी पूअर परफारमेंस होगी उनको एम. ए. के एगज़ामीनेशन में एपीयर नहीं होने दिया जाएगा !

**Minister :** Yes, here is a relevant portion of the circular which entitles the the teachers to appear for the M. A. :

> "Permission should be granted only to those teachers including lecturers, who have put in at least two years' service and whose performance has been good".

**श्री बलरामजी दास टण्डन :** क्या मन्त्री महोदय यह बताएंगे कि गुड परफारमेंस जो है उससे गवर्नमेंट क्या अभिप्राय लेती है इस का क्या मतलब है?

**Minister :** If their Confidential Reports are not satisfactory, then the performance is considered to be poor. If their results are much below the average, that too shows that the performance is poor. That is what the Government means by 'performance'.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ਼ਲ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚੋਂ ਕੁਝ ਸ਼ਕਾਇਤਾਂ ਆਈਆਂ ਨੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਉਥੋਂ ਦੇ ਡੀ. ਈ. ਓਜ਼. ਵਗੈਰਾ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਨਹੀਂ ਲੈਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਏ. ਸੀ. ਆਰ. ਵਿਚ ਲਿਖ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੁਡ ਪਰਫਾਰਮੈਂਸ ਨਹੀਂ । ਕੀ ਇਹ ਕਨਸਿਡਰ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿੰਨਿਆਂ ਨੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮੰਗੀ । 128 ਨੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮੰਗੀ ਤੇ 119 ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਗਈ। ਗੋਲਡ ਬਾਂਡਜ਼ ਦਾ ਸਿਲਸਿਲਾ ਹੁਣ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਜਿਸ ਨੇ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਦਿਸ ਇਜ਼ ਵਨ ਆਫ਼ ਦੀ ਰੀਜ਼ਨਜ਼, ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਚਾਈ ਨਹੀਂ ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਕੁਛ ਕੋਟਾ ਮੁਕੱਰਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ—ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਵਿਚ 5 ਜਾਂ 6 ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਵਿਚ 2 ਜਾਂ 3 ਅਤੇ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਵਿਚੋਂ ਜਿਹੜਾ ਸੀਨੀਅਰ ਮਾਸਟਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੂਨੀਅਰ ਦੀ ਹਕ ਤਲਫੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਾਜ਼ਹ ਕਰਨ।

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ 128 ਵਿਚੋਂ 119 ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਹਾਰਡਲੀ 7% ਜਾਂ 8% ਐਸੇ ਹੋਣਗੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਬਾਕੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਵੇਖਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਸਕੂਲ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਵਕਤ ਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਇਮਤਿਹਾਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਇਜ਼ਾਜ਼ਤ ਨਾ ਮੰਗਣ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮਾਸਟਰਾਂ ਨੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਦੇਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਬੱਚਿਆਂ ਵਲ ਤਵਜੁਹ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, ਉਹ ਆਪਣੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਲ ਤਵੱਜੁਹ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਇਕ ਸਾਲ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਐਪਲਾਈ ਕਰਨ ਤਾਂ ਜਿਹੜੇ ਡਿਜ਼ਰਵਿੰਗ ਹੋਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜਿਆਂ ਨੂੰ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਕਨਸਿਡਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰਫਾਰਮੈਂਸ ਅੱਛੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮਿਲ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਦੇਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਮਤਿਹਾਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮਹੀਨਾ ਜਾਂ ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਛੁਟੀ ਲੈਣ ?

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕੀ ਇਹ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ? (Does this question arise?)

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਮੈਡਮ, ਪੈਦਾ ਤਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

**ਮੰਤਰੀ** : ਰੀਸੈਂਟਲੀ ਕੁਛ ਚੇਂਜਿਜ਼ ਹੋਈਆਂ ਨੇ। ਕੁਛ ਰਿਪੋਰਟਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਨੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਦੇਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਲਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਹਿਦਾਇਤ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੜ੍ਹਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਛੁਟੀ ਲੈ ਲੈਣ ਤਾਕਿ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਿਚ ਫਰਕ ਨਾ ਪਵੇ।

---

SERVICE BOOKS OF TEACHERS IN CERTAIN EDUCATION CIRCLES IN LUDHIANA DISTRICT

***8874. Sardar Kultar Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of teachers in Sudhar, Sidhwan Bet and Pakhowal Block Education Circles in Ludhiana District whose Service Books are not with their respective drawing and disbursing authorities at present;

(b) the whereabouts of the said service books together with the time since when the same are lying there ;

(c) the extent of loss suffered by each of the teachers referred to in part (a) above for want of his Service Book ;

(d) the action being taken against each of the officers who have withheld the said Service Books ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) 17

(b) A statement is laid on the Table of the House.

(c) Nil.

(d) Question does not arise.

## STATEMENT

| Serial No. | Name of the teacher | Place of Posting | Whereabouts of Service Books |
|---|---|---|---|
| | **Block Pakhowal** | | |
| 1. | Shri Atam Parkash | Government Primary School, Mansuran | Sent to Accountant General, Punjab, Simla on 13th February, 1966 with arrear bill. |
| 2. | Shri Kapoor Singh | ditto | Sent to the Block Education Officer, Jagraon on 28th September, 1965 for completion. |
| 3. | Shri Nirmal Singh | Government Primary School, Gondwal | Sent to the Block Education Officer, Mukandpur (Jullundur) on 16th August, 1965. |
| 4. | Shri Malkiat Singh | Kaila | Sent to the Zila Parishad, Ludhiana on 16th September, 1965 with arrear bill. |
| 5. | Shri Rajinder Singh | Nangal Khurd | Sent to the Accountant General, Punjab on 25th January, 1966. |
| 6. | Shri Hardial Singh | Leel | Sent to the Accountant General, Punjab on 11th January, 1966. |
| 7. | Smt. Surjit Kaur | Dhallian | Sent to the Accountant General, Punjab on 13th January, 1966. |
| | **Block Sudhar** | | |
| 8. | Shri Chuhar Singh | Jhoran | Sent to the Accountant General, Punjab on 17th January, 1966. |
| 9. | Shri Labh Singh | Rajoana | With Block Education Officer, Jagraon since 1st January, 1966. |
| 10. | Shri Karam Singh | Tugal | The bill alongwith Service Book with observation of the Audit Department dated 22nd December, 1965 received back from the Director of Public Instruction, Punjab on 10th February, 1966. It remained under protracted correspondence. |
| 11. | Smt. Sham Kaur | Hissowal | Sent to the Director of Public Instruction, Punjab, on 14th December, 1965 in connection with complaint against the Teacher regarding tampering of date of birth. |

[Minister for Education]

| Serial No. | Name of the teacher | Place of posting | Whereabouts of Service Books |
|---|---|---|---|
| | **Block Sidhwan Bet** | | |
| 12. | Smt. Avtar Singh | Jandi | Sent to the Block Education Officer, Dehlon, on 1st September, 1966. |
| 13. | Shri Malkiat Singh | Talwara | Still awaited from the District Education Officer, Ferozepore after their transfer on 1st September, 1965. |
| 14. | Shri Gurcharan Singh | Kot Mana | Still awaited from the District Education Officer, Ferozepore after their transfer on 1st September, 1965. |
| 15. | Shri Mukhtiar Singh | Fateh Garh Sibian | Service Book not received from the District Education Officer, Ferozepore after their transfer on 1st September, 1965. |
| 16. | Smt. Sukhdev Kaur | Sidhwan Bet | Not yet constructed. |
| 17. | Shri Bachan Singh | Gorsian Khan Mohd. | Awaited from the Block Education Officer, Khamanon on 1st September, 1965. |

## TEACHERS WORKING IN MOBILE SOCIAL SQUADS

*9099. **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the teachers of the erstwhile Pepsu State in the Mobile Social Education Squads are still being paid the grade of Rs. 50—3—80 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether it is a fact that the said social Mobile Squad teachers were enjoying the same pay scales as other teachers in the Pepsu state ;

(c) the reasons for which the Social Mobile Squad teachers have not been allowed the grade of Rs. 60—120 like the J. B. T. Teachers ;

(d) the names of such Mobile Squad teachers with their present place of posting who are still working in the Rs. 50—3—80 grade and the steps, if any, being taken to allow Rs. 60—175 grade to them ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) No. They are in the grade of Rs. 50—3—80/4—100 ;

(b) The scale of teachers in the erstwhile Pepsu was the same;

(c) The difference in grades is due to higher educational qualifications of J. B. T. teachers.

(d) A list of Mobile Squad Teachers is laid on the Table of the House. The matter regarding revision of grade of Social Education Squad Teachers is under consideration.

**List of Mobile Squad Teachers**

| Serial No. | Name of the official | Place of posting |
|---|---|---|
| | Sarvshri/Smt:— | |
| 1. | Rattan Chand | Bachhod |
| 2. | Lal Chand | Gulawala |
| 3. | Gulzari Parshad | Nasibpur |
| 4. | Madan Mohan Lal | Rasulpur |
| 5. | Bahal Singh | Hathira |
| 6. | Anand Sarup | Monindergarh |
| 7. | Kamla Devi Bhatnagar | Mohindergarh |
| 8. | Shanti Devi | Pali |
| 9. | Sudarshan Kumari | Chharkhi |

[ Minister for Education ]

| Serial No. | Name of the official | Place of posting |
|---|---|---|
| | Sarvshri/Smt :— | |
| 10. | Parmila Kumari | Dadri |
| 11. | Santosh Bhatia | Talwandi |
| 12. | Shanti Devi Mukhi | Nangal |
| 13. | Krishna Kumari | Nautana |
| 14. | Vidya Wati | Mohamdpur |
| 15. | Sumitra Devi | Mandola |
| 16. | Swaran Kanta | Akoda |
| 17. | Vimal Sharma | Nangal (Harnathka) |
| 18. | Janki Devi | Changroad |
| 19. | Santosh Kumari | Santore |
| 20. | Kaushalya Devi | Sarupgarh |
| 21. | Savitri Devi Walia | Gulawala |
| 22. | Kamaljeet Kaur | Pujam |
| 23. | Shanti Devi Gupta | Mohindergarh |
| 24. | Mohan Singh | Dhilwan |
| 25. | Kapur Chand | Razapur |
| 26. | Harbhajan Singh | Godana |
| 27. | Mohal Lal | Chakoki |
| 28. | Gurbachan Singh | Mehtan |
| 29. | Satya Vati | Dhilwan |
| 30. | Harbans Kaur | Daburji |
| 31. | Rajinder Sood | Brindpur |
| 32. | Nirmal Devi | Bhulana |
| 33. | Sat Pria Sharma | Khera Dora |
| 34. | Satya Devi | Balair |
| 35. | Tara Wanti | Aujla |
| 36. | Sita Devi | Dwankhe |
| 37. | Pushpa Devi | Khojewali |
| 38. | Nirmal Kaur | Godana |
| 39. | Sudesh Kumari | Bholath |
| 40. | Sudesh Chopra | Kamranwan |
| 41. | Santosh Kumari | Bhagwanpur |
| 42. | Ravinder Kaur | Chaheru |
| 43. | Parkash wati | Thakarki |
| 44. | Shakuntla Devi | Mauli |

| Serial No. | Name of the official | Place of posting |
|---|---|---|
| | Sarvshri/Smt :— | |
| 45. | Shakuntla Gupta | Palahi |
| 46. | Subhichha Devi | Khurrampur |
| 47. | Amrit Kaur | Chachrari |
| 48. | Indra Devi | Lakhpur |
| 49. | Kamla Wati | Murar |
| 50. | Satya Devi Puri | Nilo |
| 51. | Sushila Devi | Mehmadpur |
| 52. | Leela Devi | Jhallan |
| 53. | Kamla Jand | Chuharpur |
| 54. | Nirmal Joshi | Fatehpur |
| 55. | Joginder Kaur Kang | Sheikhupur |
| 56. | Shanti Jand | Gajju Majra |
| 57. | Krishna Batta | Chana Khuti |
| 58. | Sarla Gupta | Bhadpura |
| 59. | Kamla Devi | Sadarpur |
| 60. | Promila Devi | Sansarwa—1 |
| 61. | Balwant Kaur Sahni | Bibipur |
| 62. | Satwant Kaur | Khalifewalla |
| 63. | Pushpa Devi | Chailala |
| 64. | Shanti Sharma | Balpur |
| 65. | Ajaib Kaur | Rorewalla |
| 66. | Tara Kapur | Chaurwalla |
| 67. | Parmahans Kaur | Jakhwali |
| 68. | Narindar Kaur | Naraingarh |
| 69. | Savitri Devi | Naulakha |
| 70. | Sharan Kaur | Nalini |
| 71. | Kuldeep Kaur | Nalina |
| 72. | Amarjeet Kalra | Khorora |
| 73. | Santosh Arora | Kharori |
| 74. | Rajinder Kaur | Sarna |
| 75. | Kesho Ram | Ambala Cantt. |
| 76. | Sat Parkash | Patiala |
| 77. | Surinder Kumar Bhatnagar | Bijalpur |
| 78. | Hari Krishan Malhotra | Shermajra |
| 79. | Jagdish Chand Attri | Khudi Kalan |

[ Minister for Education ]

| Serial No. | Name of the official | Place of posting |
|---|---|---|
| | Sarvshri/Smt :— | |
| 80. | Darshan Kumar | Haibatpur |
| 81. | Baisakhi Ram | Bhainikhurd |
| 82. | Sukhdev Singh | Cheema |
| 83. | Nathu Ram | Saleempura |
| 84. | Hans Raj | Sehna |
| 85. | Mohinder Kaur | Duggan |
| 86. | Shanti Devi | Dhanula |
| 87. | Mohinder Kaur | Bhadur Pore |
| 88. | Jagdish Kaur | Dhuri Village |
| 89. | Jasmer Kaur | Badbar |
| 90. | Ram Piari | Mullowal |
| 91. | Kailash Devi | Barnala |
| 92. | Sushila Devi | Rajo Majra |
| 93. | Raj Kumari | Budhakan |
| 94. | Santa Bhatnagar | Harigarh |
| 95. | Bimla Devi | Mahal Kalan |
| 96. | Kalwant Kaur | Jhaloor |
| 97. | Versha Anand | Sekha |
| 98. | Harbhajan Kaur | Dhanula |
| 99. | Mukand Rani | Khudi Kalan |
| 100. | Jagwant Kaur | Wazid-ka-Kalan |
| 101. | Surjit Kaur | Bhadal Wadh |
| 102. | Prem Lata | Cheema |
| 103. | Moorti Devi | Pharwali |
| 104. | Ranjit Kaur | Wazidke Khurd |
| 105. | Balbir Kaur | Patti Sekhwan |
| 106. | Maya Devi | Amla Singh Wala |
| 107. | Naval Kishore | Khan Singh Wala |
| 108. | Gurdial Singh | Rampura |
| 109. | Hara Ram | Mehraj |
| 110. | Krishan Kumar | Bhatinda |
| 111. | Brij Lal | Jethu Ke |
| 112. | Baldev Singh | Bhuchoo Kalan |
| 113. | Gursewak Singh | Burj Gill |

| Serial No. | Name of the official | Place of posting |
|---|---|---|
| | Sarvshri/Smt :— | |
| 114. | Jaswanti Devi | Burj Gill |
| 115. | Surjit Kaur | Khan Singh Wala |
| 116. | Kamlesh Kanta | Phul |
| 117. | Gurtej Kaur | Bhucho Kalan |
| 118. | Swarn Kaur | Booger |
| 119. | Rattan Kaur | Ganga |
| 120. | Sushil Kaur | Chotian |
| 121. | Raj Rani | Ram Pura |
| 122. | Harwant Kaur | Kalooki |
| 123. | Tejwant Kaur | Bhucho Mandi |
| 124. | Yashoda Devi | Pitho |
| 125. | Malkiat Kaur | Rampura Phul |
| 126. | Narinder Kaur | Burt-Mansian |
| 127. | Sumitra Devi | Dhule Wala |
| 128. | Kanta Kumari | Faridkot |
| 129. | Joginder Kaur | Bhatinda |
| 130. | Harbans Kaur | Jalal |
| 131. | Yashoda Devi | Poohli |
| 132. | Kashulaya Devi | Dyalpura |
| 133. | Lajya Wanti | Lehra Sondha |
| 134. | Kalwant Kaur | Bhuchho Khurd |
| 135. | Shilla Wanti | Mehraj |
| 136. | Bimla Devi | Karar wala |
| 137. | Basant Kaur | Dudwindi |

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ :** ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੁਣੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ 1956 ਵਿਚ ਪੈਪਸੂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਮਰਜ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਅਰਸਟਵ੍ਹਾਈਲ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਓਹੀ ਗਰੇਡ ਚਲਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕਦੋਂ ਰਿਵਾਈਜ਼ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ।

**ਮੰਤਰੀ :** ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜ ਅਰਸਟਵ੍ਹਾਈਲ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਕੁਛ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਗਰੇਡ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਉਹ ਇਸ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕੁਆਲੀ-ਫ਼ੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਘਟ ਹਨ । ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ ਪਾਸ ਕਰ ਲੈਣ ਤਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਰੇਡ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ । ਕਈ ਟੀਚਰਜ਼ ਕਾਫ਼ੀ ਬਜ਼ੁਰਗ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ ।

[ ਵਿਦਿਆ ਮੰਤਰੀ ]

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗਰੇਡ ਲਈ ਕੰਸਿਡਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਉਹ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਪਾਸ ਨਾ ਕਰ ਸਕਣ ਅਤੇ ਅਗਰ ਡਿਜ਼ਰਵਿੰਗ ਕੇਸਿਜ਼ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗਰੇਡ ਦੇ ਦੇਈਏ ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟਸ ਵੀ ਇਸ਼ੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

**ਮੰਤਰੀ** : 1955 ਜਾਂ 1956 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਡਿਗਰੀਜ਼ ਲਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ ਨਹੀਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ । ਬਾਅਦ ਦਿਆਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ । ਜਿਹੜੇ ਬੇਸਿਕ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਅਸੀਂ ਹਮਦਰਦੀ ਨਾਲ ਗੌਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਜਲਦੀ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ।

---

## NURSERY TRAINED FEMALE TEACHERS

*9102. **Comrade Gurbakhsh Singh**
**Comrade Babu Singh Master** (*Put by Comrade Bhan Singh Bhaura on their behalf*) : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the total number with names of Nursery trained female teachers, with their present places of posting, who are being paid a fixed pay of Rs. 60/- since 19th December, 1963;

(b) whether any representations have been received by the Government against the payment of this fixed grade; if so, a copy each of the same together with the details of the steps, if any, taken to allow, the said teachers the running grade of Rs. 60—175 be laid on the Table of the House ?

**Shri Prabodh Chandra** : (a)

(i) Total number of nursery Trained female teachers. II (excluding the Districts of Ferozepore, Jullundur and Gurdaspur from whom the information is awaited).†

(ii) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) A copy each of the representations dated 13th June, 1964 and 4th June, 1965 and 30th November, 1965 made to the Government and the Director of Public Instruction, Punjab, respectively by one Smt. Janak Malhotra is laid on the Table of the House.

The Government have not taken any steps to grant running grade to such teachers unless they pass J. B. T. examination.

† Note : For additional information in respect of Starred Question No. 9102 please see Appendix to this Debate.

**Statement containing names of Nursery trained female teachers with their present places of posting**

(ii) Names of the Nursery trained teachers and their places of posting.

1. Smt. Surjit Kaur, Government Primary School, Dhandari Kalan (District Ludhiana).
2. Smt. Darshan Tuli, Government Primary School, Dashmesh Nagar (Ludhiana).
3. Smt. Shakuntla Devi, Government Middle School, Bhulla Rai (Kapurthala).
4. Smt. Amarjit Kaur, Government Middle School, Chachoki (Kapurthala).
5. Smt. Raj Kumari, Government Higher Secondary School, Hadiabad (Kapurthala).
6. Smt. Sita Kashap, Government Girls Higher Secondary School, Phagwara (Kapurthala).
7. Smt. Kamla Devi, Government High School, Sultanpur (Kapurthala).
8. Smt. Surjit Kaur, Government Primary School, Nihalgarh (Kapurthala).
9. Smt. Davinder Kaur, Government Primary School, Rampur Sunra, (Kapurthala).
10. Smt. Santosh Kumari, Government Middle School, Bhanoki (Kapurthala).
11. Smt. Janak Malhotra, Junior Model School, Civil Lines, Patiala.

The requisite information in respect of Ferozepore, Jullundur and Gurdaspur will be supplied later on.

---

Copy of application dated the 13-6-1964 from Smt. Janak Malhotra, Teacher, Government Primary School, Bhunarheri, Bhunarheri Block, Patiala to the Director of Public Instruction, Punjab and a copy to the Education Commissioner and Secretary to Government, Punjab Education Department, Chandigarh.

*Subject* :—Reinstatement of Shrimati Janak Malhotra.

Please refer to your Memo No. 2648-EWII-64/5/3-61-WII/2, dated the 21st March, 1964 on the subject cited above.

2. I am to point out that I was reinstated on the post of teacher in terms of your order No, 7148-EWDI-63/5/3-61, dated 7-6-63, but inspite of numerous letter reminders and personal calls made during this period of nearly one year, I have not been given the benefit of arrears of pay from the date of wrongful termination of my services in the year 1957 nor my pay, grade and seniority have been decided by you on the basis of my continous length of service. Since my total emoluments provisionally fixed at Rs. 100/- per month by the District Education Officer, Patiala pending decision are hardly sufficient to meet the present day high cost of living, I earnestly request you to kindly get the matter expedited on the issues pointed out above in the light of orders contained in Pepsu Government in Eaucation Department Patiala letter No. E/E9(526)-56, dated 23-10-1956.

Thanking you.

---

To

The Directer of Public Instruction,
Punjab Chandigarh.

*Subject* :—Fixation of pay running grade and payment of arrears of Mrs. Janak Malhotra, Teacher, Government Junior Model School, Civil Lines, Patiala.

Sir,

With reference to your Memo No. 673-G-EWI-II-64(2) dated 23-12-1964 to the address of the Principal, State College of Education, Patiala, with a copy endorsed to my wife Mrs. J. Malhotra by the Lady Supdt. Government Junior Model School, Patiala, I respectfully beg to submit as under:—

( Minister for Education )

(1) That my wife Mrs. Janak Malhotra has been taken back into Government service is terms of your letter No. 7143-EW-II-63/5/3/61, dated 7-6-1963 and posted against a regular vacancy. It is crystal clear that for implementing the orders passed by erstwhile Pepsu Government in their U. O. No. ND/F-9(526)-56, dated 23-10-1956, Mrs. Janak Malhotra is entitled to the reinstatement benefits from the date of first entry into Government service. The word "taken back into service" means reinstatement and not re-employment (copy enclosed) as envisaged by you.

2. That my wife Mrs. Janak Malhotra passed the Intermediate Examination with full subjects in the year 1943. Subsequently, she attended nine months, training course of Association Montessori Internationals in the year 1957-58. The diploma awarded by Montessori Training Association has been recognised equivalent to the certificate awarded by Punjab Government Education Department to the trainees of Basic Training Schools (Government of India, Ministry of Education letter No. D-97/52-B, dated 28-1-1952 may be referred to (copy enclosed). In the light of this Mrs. Janak Malhotra is entitled to the running grade. It may further be pointed out that lady teachers already in employment with Montessori Diploma are enjoying the grade of Rs. 140—10—220.

In the light of position explained above, I request you to kindly sanction the benefit of running grade to Mrs. Janak Malhotra from the date of joining Government service. Her case for reinstatement from the year 1956 by allowing her the benefit of graded increments, payment of arrears etc. may kindly be examined and orders passed accordingly.

Yours faithfully,
Sd/- H. K. Malhotra,
Sirhandi Gate, Patiala.

4-6-1965.

---

Copy of an application, No. Nil, dated 30-11-65, from the (Mrs. Janak Malhotra) Teacher, Nursery Section, Government Junior Model School, Civil Lines, Patiala, to the Director of Public Instruction, Punjab, Chandigarh.

*Subject* :—Fixation of pay, running grade and payment of arrears of Mrs. Janak Malhotra, Teacher Government Junior Model School, Civil Lines, Patiala.

(Through Proper Channel)

Sir,

have come to know from a copy of your memo. No. 5762-EW-II-64(2) dated 13-8-1965 to the address of my husband Shri H. K. Malhotra (obtained from the office of District Education Officer, Patiala) that in order to earn the regular grade, I should appear in the J.B.T. Examination privately.

2. In this connectian I may respectfully submit as under for your kind perusal and favourable consideration :—

(a) I am a Montessori qualified teacher and the diploma awarded by the Association Montessori International has been recognised by the Punjab Government under article 179 of P. E. C. equivalent to the certificate granted for Teaching Basic Primary Schools. (copy of letter No. D 97/52-B-I dated 28-1-1952 from the Ministry of Education Government of India to the State Governments is enclosed). Thus the question of my taking up J. B. T. Examination as suggested by you hardly arises. Moreover the following Montessori trained teachers as indicated against each school have been placed in higher grades than even the B. A., B. Ed.s teachers.

| Name of Teacher | Name of School | Grade enjoyed. |
|---|---|---|
| Mrs. S. Garg | Junior Model School, Pheel Khanna, Patiala. | Rs. 140/220 |
| Miss. P. Inder Singh | Junior Model School Civil Lines, Patiala. | Rs. 140/220 |

There is thus no justification to deprive me of this running grade in the face of previous procedure and the recognition granted to Montessori Diploma by the State Government.

(b) The orders passed in your memo No. 7148-EW-II-63/5/3/61 dated 7-6-1963 are crystal clear that I have been reinstated in terms of Pepsu Government, Education Department letter No. ND/F-9(526)-56 dated 23-10-1956. I am thus entitled to the payment of arrears of pay for the period from May, 1957 to August, 1963. The phrase 'taken-back' into service has wrongly been interpreted as fresh appointment and the office of District Education Officer, Patiala of its own accord has fixed my salary at Rs. 100 per month. I would request you to kindly afford me all the facilities eligible to a reinstated employee under this order, otherwise I shall be constrained to knock the doors of justice for redress of my grievnaces. I feel that my cause is just but I, have unnecessarily been deprived of my proper grade and pay, I. therefore, fervently request you kindly to re-examine the entire case and reconsider the decision taken by you in the light of facts stated by me at an early date.

Thanking you.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਇਸ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ, ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਬਾਰੇ ਇਤਲਾਹ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਦਿਤੀ ਜਾਏਗੀ, ਇਹ ਕਦੋਂ ਤਕ ਦਿਤੀ ਜਾਏਗੀ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਜਲਦੀ।

---

## SHIFTING OF HIGHER SECONDARY SCHOOLS FROM THE VILLAGES TO THE CITIES IN THE STATE

***9221. Sardar Sampuran Singh Dhaula** : Will the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the Government Higher Secondary Schools are being shifted from the villages to the citie in the State, if so, the reasons therefor?

**Shri Prabodh Chandra** : No. The rationalization of Higher Secondary Schools is, however, under consideration.

**ਸਰਦਾਰ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਧੌਲਾ** : ਕੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਐਸੇ ਕਿਹੜੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦੋਬਾਰਾ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲਜ਼ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਹੋਣਾ ਪਿਆ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਹਾਲੇ ਤਕ ਕੋਈ ਵੀ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚੋਂ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ। ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਗਲ ਜ਼ਰੂਰ ਜ਼ੇਰੇ ਗੌਰ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਤਾਲਬ ਇਲਮਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਬਹੁਤ ਘਟ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਸ਼ਹਿਰ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਪਿੰਡ ਹੋਵੇ, ਉਥੇ ਜੇ ਕੋਈ ਜਸਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਰਖਣ ਦੀ ਤਾਂ ਉਸ ਹਾਇਰ ਸੈਕਡਰੀ ਸਕੂਲ ਨੂੰ ਸ਼ਿਫਟ ਕਰਕੇ ਐਸੀ ਥਾਂ ਲਿਜਾਇਆ ਜਾਵੇ ਜਿਥੇ ਉਸਦਾ ਬਹੁਤਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕੇ। ਅਸੀਂ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀ ਬਜਾਏ ਰੁੜਕਾ ਕਲਾਂ ਵਿਚ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਹੈ।

**ਸ੍ਰੀ ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਅਗਨੀਹੋਤਰੀ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਸਿਸਟਮ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਔਰ ਕਈ ਜਗ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਜਿੱਥੇ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਹਨ ਇਹ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਆਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਦੀ ਬਜਾਏ ਰੀਵਰਟ ਹੋ ਕੇ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੀ ਇਹ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਸਕੂਲ ਨੇ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਦੀ ਗਰਾਂਟ ਨਾ ਲਈ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਰੀਵਰਟ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਵਾਸਤੇ ਗਰਾਂਟ ਲਈ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਜਦ ਤਕ ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਵਾਪਿਸ ਨਾ ਕਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਿੱਥੇ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲਜ਼ ਹਨ ਉਥੇ ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਵਲੋਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਤੇ ਇਹ ਜ਼ੋਰ ਪਾ ਕੇ ਕਿਹਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਚੁਕ ਲਉ ਅਤੇ ਫੇਰ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਹੀ ਬਣਾ ਦਿਉ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਐਸੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਆਈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਅਫ਼ਸਰ ਨੇ ਕਿਸੇ ਪੰਚਾਇਤ ਦਾ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਅੰਗੂਠਾ ਲਵਾਇਆ ਹੋਵੇ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਛੋਟੇ ਜਾਂ ਵੱਡੇ ਪਿੰਡ ਜਾਂ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਰਹਿਣ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਲੜਕਿਆਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਇਹ ਕੋਈ ਵਡਾ ਸ਼ਹਿਰ ਜਾਂ ਕਸਬਾ ਦੇਖ ਕੇ ਨਹੀਂ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਬਲਕਿ ਪਿਓਰਲੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਕੇ ਖੋਲ੍ਹੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਥੇ ਇਸ ਦੀ ਕਿਤਨੀ ਯੂਟਿਲਿਟੀ ਹੈ irrespective of the fact whether the demand is from a town, from a village or from a city. The case will be considered on merits and not on the basis of population of the area.

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਉਥੇ 50/50 ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਸਾਇੰਸ ਦਾ ਸਾਮਾਨ ਭੇਜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿਸੇ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ ਔਰ ਜਿਥੇ ਬਿਜਲੀ ਹੈ ਉਥੇ ਸਾਇੰਸ ਦਾ ਸਾਮਾਨ ਕਮ ਹੈ। ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਐਸੇ ਸਾਮਾਨ ਨੂੰ ਜਿਹੜਾ ਬੇਕਾਰ ਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਥੇ ਭੇਜਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ਜਿਥੇ ਉਸ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਮੰਨਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕਈ ਜਗ੍ਹਾ ਸਾਇੰਸ ਦਾ ਸਾਮਾਨ ਏਨਾ ਪਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਕੋਈ ਯੂਟਿਲਿਟੀ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਪਹਿਲੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਕੀਤੇ ਬਿਨਾ ਹੀ ਸਾਮਾਨ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਕਿਥੇ ਬਿਜਲੀ ਹੈ ਕਿਥੇ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਅਸੀਂ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਸਾਮਾਨ ਇਸਤੇਮਾਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ ਉਹ ਦੂਸਰੀ ਜਗ੍ਹਾ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮੌਕੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ ਸਨ ਉਦੋਂ ਉਥੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਪੂਰੀ ਸੀ ਜਾਂ ਘਟ ਸੀ।

**ਮੰਤਰੀ** : ਇਹ ਤਾਂ 2/3 ਸਾਲ ਦੇ ਤਜਰਬੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਕਈ ਵਾਰੀ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਘਟ ਗਿਣਤੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਦੂਸਰੇ ਜਾਂ ਤੀਸਰੇ ਸਾਲ ਵਧ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤੇ ਜੇ ਕਿਤੇ ਤੀਸਰੇ ਸਾਲ ਵੀ ਗਿਣਤੀ ਪੂਰੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਸਕੂਲ ਦਾ ਪੂਰਾ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਉਠਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪੂਰਾ ਫਾਇਦਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ ਸਮਝ ਸਕਦੀ ।

---

## APPLICABILITY OF NEW PENSION RULES TO THE EMPLOYEES OF THE ERSTWHILE PEPSU STATE

*9072. **Sardar Sampuran Singh Dhaula** : Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is a condition that the employees of the erstwhile Pepsu State can avail of the benefits of the Family Pension Scheme only, if they opt for the new rules of the Punjab Government;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the reasons why the said rules are not made applicable to such employees when they become automatically applicable to new employees on their entering employment without their having to opt for such rules;

(c) whether there is any proposal under the consideration of the Government to bring about a uniformity in the rules in the case of all of its employees?

**Sardar Kapur Singh** : (a) Yes, Sir,

(b) The Punjab New Pension Rules and the Family Pension Scheme, 1964, cannot be made applicable automatically to such Pepsu employees, who opted to continue to be governed by the Erstwhile Pepsu Old/New Pension Rules, since it is not legally permissible.

(c) No, sir.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : क्या यह बात उनके नोटिस में आई है कि पहले पंजाब गवर्नमैंट की तरफ से सरकुलर जारी हुआ और उसके मुताबिक पैपसू वालों को फैमिली पैनशन मिलती रही लेकिन 7/8 महीने मिलने के बाद विदड्रा कर ली गई ? इसका कारण क्या है ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਉਸਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੈਪਸੂ ਵਾਲੇ ਰੂਲਜ਼ ਹੀ ਲਾਗੂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਜੋ ਉਸ ਵਕਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਫਾਇਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੈਪਸੂ ਵਾਲੇ ਰੂਲਜ਼ ਨਾਲ ਫਾਇਦਾ ਹੁੰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਜੀ ਕਹਿ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲੇ ਰੂਲਜ਼ ਨਾਲ ਕੋਈ ਰਿਆਇਤ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਲਗਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । That cannot be done, one cannot have both ways

**श्री बलरामजी दास टण्डन :** मैं पूछना चाहता हूं कि जब सारे पैप्सू और पंजाब के कानून युनीफार्म कर दिए गए हैं तो क्या वजह है कि पंजाब और पैप्सू के फैमिली पैनशन रूलज़ को यूनीफार्म नहीं किया गया ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਜੋ ਸਰਵਿਸ ਰੂਲਜ਼ ਹੁੰਦੇ ਰਨ ਉਹ ਇਕ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕਾਂਟਰੈਕਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਦੇ ਵਕਤ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਵਿਚਕਾਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਉਸਦੀਆਂ ਸਰਵਿਸ ਕੰਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਉਹ ਰਹਿੰਦੀਆ ਹਨ ਜੋ ਉਸਦੀ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਦੇ ਵਕਤ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਦੇ ਵਕਤ ਪੈਪਸੂ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸਰਵਿਸ ਕੰਨਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਉਹੋ ਸਨ । ਜਿਸ ਵਕਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੇਖ ਲਿਆ ਕਿ they are gaining by Pepsu Rules ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਕਿ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲੇ ਰੂਲਜ਼ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਤੁਸੀਂ ਕਾਨੂੰਨਾਂ ਦੀ ਕਰਦੇ ਹੋ ਉਹ ਚੀਜ਼ ਇਸ ਨਾਲੋਂ ਬਿਲਕੁਲ ਵਖਰੀ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ :** ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਗਈ ਲੇਕਿਨ ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਕਿ ਜਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸਰਵਿਸ ਕੰਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਚੰਗੀਆਂ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਰੂਲਜ਼ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿਉ । ਜਦੋਂ ਤੁਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲੇ ਰੂਲਜ਼ ਬੈਟਰ ਕਰ ਦਿਤੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਵਾਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਬੈਟਰ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ?

**Finance Minister** : They must confine themselves to the contract they make.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ :** ਕੀ ਇਹ ਸਹੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਸਰਕਾਰ ਬਾਣੀਆਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫਾਇਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਥੇ ਉਸ ਮੁਤਾਬਕ ਕਦੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਤੇ ਕਦੇ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਲਾਗੂ ਕਰ ਲੈਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਖਰ ਇਸ ਵਿਚ ਹਿੱਚ ਕੀ ਹੈ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਵਿਚ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਹਿੱਚ, ਇਕ ਰੁਪਈਆਂ ਦੀ ਹੈ ਤੇ ਦੂਜੇ ਜੋ ਕਾਂਟਰੈਕਟ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸਦੀ ਹੈ ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਇਹ ਜੋ ਪੈਨਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਸਿਵਲ ਸਰਵਿਸ ਰੂਲਜ਼ ਹਨ ਇਹ ਆਪਸ਼ਨ ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬਦਲੇ ਗਏ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਬਦਲੇ ਗਏ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਇਹ ਰੂਲਜ਼ ਇਕ ਦਫਾ ਨਹੀਂ ਬਦਲਦੇ, ਕਈ ਦਫਾ ਬਦਲਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਬਦਲਦੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਹ 1958 ਵਿਚ ਬਦਲੇ, 1961 ਵਿਚ ਬਦਲੇ, 1964 ਵਿਚ ਬਦਲੇ ਅਤੇ ਕਲ੍ਹ ਨੂੰ ਫਿਰ ਬਦਲ ਸਕਦੇ ਹਨ !

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਤੋਂ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀ ਬਹਾਨਾ ਸਾਜ਼ੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਤਨੇ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਡਿਨਾਈ ਕੀਤਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਮੈਂ ਇਹ ਆਫ ਹੈਂਡ ਨਹੀਂ ਦੱਸ ਸਕਦਾ ।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : क्या यह ठीक है कि पैप्सू वालों को जो फैमिली पैनशन कुछ महीनों तक दी गई उसे रिफण्ड करने के बारे में आर्डर जारी किए और क्या ए. जी. ने लिखा कि वह वापस न ली जाए ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਫੈਮਲੀ ਪੈਨਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਸਵਾਲ ਅਗੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਵਕਤ ਪੁੱਛ ਲੈਣਾ। ਇਹ ਇਸ ਨਾਲ ਕੁਨੈਕਟਿਡ ਨਹੀਂ ਹੈ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲੇ ਪੈਨਸ਼ਨ ਰੂਲਜ਼ ਬਦਲੇ ਗਏ ਤਾਂ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਤੇ ਆਪਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਗਈ ਕਿ ਕੀ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਇਹ ਤਾਂ ਉਹ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਗੁੜ ਗੁੜ ਮਿੱਠਾ ਤੇ ਰਾਈ ਰਾਈ ਕੌੜੀ। ਜਦੋਂ ਇਹ ਚੰਗੇ ਹੋਏ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਕਿ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿਉ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਉਹ ਚੰਗੇ ਲਗੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਕਹਿ ਦਿਤਾ। ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਕ ਦਫਾ ਆਪਸ਼ਨ ਲੈ ਲਈ ਗਈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਬਾਰ ਬਾਰ ਪੁੱਛਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਜਦੋਂ ਪੈਪਸੂ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਉਹ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਭੇਦ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਫਿਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਜੋ ਬੈਨੀਫਿਟਸ ਪੰਜਾਬ ਸਰਵਿਸ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਪੈਪਸੂ ਸਰਵਿਸ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ? ਕੀ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਟ ਪਾਰ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਨਗੇ।

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ** : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਵਿਸ ਰੂਲਜ ਕੰਟਰੈਕਟ ਸਮਝੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਰੂਲਜ਼ ਬਾਰੇ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਮੈਂ ਪੁੱਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਕੰਟਰੈਕਟ ਦੇ ਤਹਿਤ ਤਾਂ ਪੁੱਛਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਪਰ ਦੂਜੇ ਕੰਟਰੈਕਟ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਇਗਨੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਪੈਨਸ਼ਨ ਰੂਲਜ਼ ਜਦੋਂ ਐਪਲਾਈ ਕਰਨੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਡਰ ਵੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੈਨਸ਼ਨ ਮਿਲ ਚੁਕੀ ਹੈ they would also ask for applying those rules to them. ਇਸ ਕਰਕੇ ਸਾਰਿਆਂ ਤੇ ਇਹ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਅਤੇ ਸਿਰਫ਼ ਅਗਲਿਆਂ ਸਾਰਿਆਂ ਤੇ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਪੈਪਸੂ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫ਼ਰਕ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ।

**वित मंत्री** : मैंने पहले अर्ज़ की कि उन से पहले पूछा था। उनके कहने के मुताबिक हम ने एकशन लिया। They will be governed by those rules.

## AMOUNT OF LOANS GIVEN TO THE FILM PRODUCERS

***9200 Sardar Niranjan Singh Talib** : Will the Minister for Finance be pleased to state the total amount of the loans given by the State Government to the film producers since the present Ministry came into office together with the number and name of the producers to whom loans were given and the amount given to each separately, for Hindi and Punjabi Films?

**Sardar Kapur Singh** : No loan to any film producer has been given by the State Government since the assumption of the office by the present Ministry.

**ਸਰਦਾਰ ਨਿਰੰਜਨ ਸਿੰਘ ਤਾਲਿਬ** : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜੇਕਰ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨੇ ਆਪ ਕਰਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਕੀ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨੇ ਕਰਜ਼ੇ ਲਈ ਬੈਂਕ ਗਰੰਟੀ ਦਿਤੀ ਹੈ ?

**ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ** : 1963 ਵਿਚ ਹਕੀਕਤ ਫ਼ਿਲਮ ਲਈ ਗਰੰਟੀ ਦਿਤੀ ਗਈ। 1964 ਵਿਚ $2\frac{1}{2}\%$ ਕਮੀਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਗਰੰਟੀ ਦੇਣ ਤੋਂ ਫ਼ਾਇਦਾ ਹੀ ਹੋਇਆ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਨਿਰੰਜਨ ਸਿੰਘ ਤਾਲਿਬ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪਾਸ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਫਿਲਮ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸਰ ਨੇ ਲੋਨ ਲਈ ਅਰਜ਼ੀ ਦਿਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? ਅਗਰ ਮੰਗ ਆਈ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਤੇ ਗ਼ੌਰ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨਾਂ ਬਹੁਤ ਆ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਲੋਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸੱਣ ਦੀ ਖ਼ੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਸਰਦਾਰ ਨਿਰੰਜਨ ਸਿੰਘ ਤਾਲਿਬ ਨੇ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਅਰਜ਼ੀ ਦਿਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ? (ਹਾਸਾ)

**ਮੰਤਰੀ** : ਅਗਰ ਤਾਲਿਬ ਸਾਹਿਬ ਮੈਨੂੰ ਅਰਜ਼ੀ ਦੇਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੋਨ ਮੰਜੂਰ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ ਬਸ਼ਰਤੇ ਕਿ ਉਹ ਫ਼ਿਲਮ ਐਕਟਰ ਬਣ ਜਾਣ (ਹਾਸਾ)

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ** : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੇ ਹੋਇਆਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਫਿਲਮ ਕੰਪਨੀ ਨੂੰ ਪੈਸਾ ਦੇ ਕੇ ਫਾਇਦਾ ਹੋਇਆ। ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਸ ਪੈਸੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਸੀ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਹਕੀਕਤ ਫਿਲਮ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਇਆ। That was a defence oriented picture. ਇੰਨਾ ਫਾਇਦਾ ਪ੍ਰਾਪੇਗੰਡਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ ਜਿੰਨਾ ਹਕੀਕਤ ਫਿਲਮ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਹੋਇਆ।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या वित मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच नहीं कि उस फिलम में फौजीयों की हालत के बारे में और उनके घरों की हालत के बारे में बताया गया है। क्या यह सच है कि उस फिलम के दिखाने से लोगों के दिलों में फौज में भरती होने में उत्साह कम ही हुआ है ?

**मंत्री** : यह तो माननीय सदस्य की अपनी इंटरप्रैटेशन है।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या माननीय मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या उन्होंने हकीकत फिलम खुद देखी है या नहीं और उन की इस बारे में अपनी क्या राए है ?

**मंत्री** : मैंने यह पिक्चर देखी ही नहीं बल्कि उन्होंने जवान फँडज के लिए मुझे रुपया भी दिया।

MARLA TAX ADVISORY COMMITTEE REPORT

*9105. **Dr. Baldev Parkash** : Will the Minister for Finance be pleased to state whether Government have received the report of the Marla Tax Advisory Committee constituted by it; if so, a copy thereof be placed on the Table of the House; if no report has so far been received from it, the reasons for the delay in its submission ?

**Sardar Harinder Singh Major** (Minister for Revenue) : Yes. It will be placed on the Table of the House after it has been considered by Government.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या माल मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मरला टैक्स कमेटी की रिपोर्ट सरकार को कब मिली और यह रिपोर्ट सरकार के विचाराधीन कितने अर्से से है ? क्या इसी सैशन के दौरान वह रिपोर्ट हाउस की टेबल पर रखी जाएगी या नहीं ।

**Minister** : Madam, the report was received by the Government on 9th April 1965. ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਰਿਪੋਰਟ ਆਈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਈ ਮਸਲੇ ਕਰਾਪ ਅਪ ਹੋ ਗਏ । ਖਾਸ ਕਰ ਮਾਲੀ ਮੁਸ਼ਕਲਾਤ ਸੂਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਆਈਆਂ । ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇੰਡੋ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਕਾਨਫਲਿਕਟ, ਫੂਡ ਸ਼ਾਰਟੇਜ ਦਾ ਮਸਲਾ, ਅਤੇ ਪਾਵਰ ਕਰਾਈਸਿਜ਼ ਦਾ ਮਸਲਾ ਆਇਆ । ਇਹ ਮਸਲੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਨਾਲੋਂ ਬਹੁਤ ਗੰਭੀਰ ਸਨ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਮਸਲੇ ਉਤੇ ਦੇਰ ਲਗ ਗਈ ।

This matter is under consideration of the Government and decision will be taken in due course of time.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि यह रिपोर्ट कैबिनेट के विचाराधीन कब से है और क्या इस रिपोर्ट पर विचार करने के बाद इसी सैशन के दौरान हाउस में पेश की जाएगी ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਗ਼ੌਰ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨਾਲੋਂ ਬਹੁਤ ਗੰਭੀਰ ਮਸਲੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਰਾਪ ਅਪ ਹੋ ਗਏ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟਾਪ ਪਰਾਇਰਟੀ ਦੇਣੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿਂਘ ਭੌਰਾ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸੱਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਸੱਚ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨਾ ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਤੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਫ਼ਾਇਦਾ ਹੋਣਾ ਸੀ ਉਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਕਨਸੰਰਡ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਉਤੇ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਟੈਕਸ ਤੋਂ ਘਟ ਇਨਕਮ ਹੋਣੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਨੂੰ ਹਟਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹੜੀ ਹਿੱਚ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹਾਂ । ਅਗਰ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਸਮਝਦੇ ਹੋਏ ਅਜਿਹੇ ਸਵਾਲ ਕਰਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਾਉਣਾ ਮੇਰੇ ਵਸ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ?

## CHARTER OF DEMANDS SUBMITTED BY PUNJAB MENTAL HOSPITAL EMPLOYEES ASSOCIATION

*9100. **Comrade Gurbakhsh Singh**
**Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Health be pleased to state.

(a) whether it is fact that the Punjab Mental Hospital Employees Association submitted a charter of their demands to the Government in 1958;

(b) whether it is also a fact that the then Labour Minister managed to get an agreement arrived at, if so, copies of the charter of demands and the agreement so arrived at be placed on the Table of the House ;

(c) whether the authorities concerned have implemented the agreement mentioned in part (b) above; if not, the reasons therefore and the steps being taken to implement the same ?

**Shrimati Om Prabha Jain** : (a) Yes.

(b) No. However, a statement showing the demands and the extent up to which these have been accepted by the Health Department is laid on the Table of the House.

(c) Question does not arise.

STATEMENT SHOWING THE DEMANDS AND THE EXTENT UP TO WHICH THESE HAVE BEEN ACCEPTED

| | Demands. | Extent up to which the demands have been accepted |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Revision of pay-scales and Grades | The pay-scales of following categories of staff were revised as under w. e. f. 1-4-59 :— |
| | | Attendants — Rs 45—1—65 |
| | | Ward Supervisers — Rs 45—2—75 |
| | | Overseer Garden — Rs 50—3—80—4—100 |
| | | Sub-overseer. — Rs 60—4—100/5—120 |
| | | Overseer Personnel — Rs 60—4—80/5—120/5—175 |
| 2. | Allowances | |
| | City Allowance<br>Border Allowance | Not accepted. |
| | Medical aid allowance | Not accepted. However, all medicines are supplied from the hospital as are usually admissible to all Government employees. |
| | Quarter allowance | This has been sanctioned w. e. f. January, 1965 in view of a general decision of Government. |
| 3. | Holidays-weekly day off | Attendants, Sweepers, Supervisors and Sub-Overseers were given fortnightly day off w. e. f. 17-2-1959. |

[Minister for Health]

| | | |
|---|---|---|
| 4. | Uniforms | The uniforms are being supplied within the sanctioned cost with free stitching. |
| 5. | Confirmation of the staff | The staff has been confirmed after 2 years of probation. |
| | | The cooks have been taken on regular establishment. But, a few members of the staff are still paid out of contingencies. |
| 6. | Free medical aid and a separate medical ward for the staff. | One of the doctors of the hospital has been named as Authorised Medical Attendant for the staff and all the requirements of medicines are supplied from hospital. Some ill members of the staff are looked after in the out-patients ward of the hospital if they do not choose to go to V. J. Hospital Amritsar. Separate Medical ward for the staff has not been accepted. |
| 7. | Duty shift of Sweepers and Attendants | Most of the Attendants and Sweepers work in 8 hourly shifts. A few are given broken duties, where absolutely necessary. |
| 8. | Promotion to upper Supervisory posts | Supervisors, Sub-overseers and Overseers are only appointed on promotion from the lower position in the Hospital. |
| 9. | The surrounding wall be made 18 feet high | This has not been accepted as the Hospital has not to be made into a Jail. All over the world, Mental Hospitals have given up the jail architecture. There is a closed ward with 9 feet high walls. Surrounding wall is 7 feet high. |
| 10. | Refreshment rooms, library and radio and educational and cultural benefits for children of the staff | A canteen has been opened in the Hospital. |
| 11. | Copies of hospital rules be provided to the staff | Not accepted. However, duties of new entrants are told verbally by the overseer personnel and hospital orders are communicated to the staff at roll call time and put on the notice board. |

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾ ਦਸੱਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਡਿਮਾਂਡਜ਼ ਦੀ ਕਾਪੀ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨ ਵਿਚ ਕੀ ਹਿਚ ਹੈ ?

**मंत्री** : उन को वर्बली बता दिया गया और उनके लिए नोटिस बोर्ड पर लिख दिया जाता है क्योंकि यह क्लास फोर एम्पलाईज़ से सम्बन्ध रखता है और उन को कापियां देनें की ज़रूरत महसूस नहीं हुई ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੀ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਬਾਅਦ ਛੁਟੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ । ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੀ ਬਜਾਏ 7 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਬਾਅਦ ਛੁਟੀ ਦੇਣ ਲਈ ਸੋਚ ਰਹੀ ਹੈ ?

**मंत्री** : इस मामले पर विचार किया जा सकता है लेकिन जो डिमांड नोटिस दिया गया वह रेगूलर तरीके से नहीं दिया गया । यह एप्लीकेशन इनटक के थ्रू सरकार के पास आई और उन्होंने सरकार को अपनी डिमांडज़ नहीं भेजी । उन की डिमांडज़ इनटक के द्वारा आने के कारण लेबर डिपार्टमैंट को भेज दी गईं और उस डिपार्टमैंट ने कुछ मान लीं । Otherwise it was not a regular demand notice of the employees of the Mental Hospital.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਠੀਕ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ? ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦਾ ਨਾਗਰਿਕ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 15 ਦਿਨ ਦੀ ਬਜਾਏ 7 ਦਿਨ ਦੇ ਬਾਅਦ ਛੁਟੀ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਗੌਰ ਕਰਨਗੇ ?

**मंत्री** : उपाध्यक्ष महोदया, मैं इस के बारे में हाउस में बैकग्राउँड बता दूँ । वहां पर जो हस्पताल की एम्पलाईज़ यूनियन थी, वह 1955 में कायम हुई । वैसे वह कायदे के मुताबिक नहीं बनीं । उस यूनियन ने इनटक के साथ सीधा सम्बन्ध बना लिया । उस के द्वारा उन्होंने डिमांड नोटिस दिया जो कि रेगूलर नोटिस नहीं था । वह सरकार के पास सीधा नोटिस नहीं आया । उन की जितनी डिमांडज आई उन में से जितनी सरकार मंजूर कर सकती थी वह कर लीं ।

हमारे पास एम्पलाईज़ की जो नेचर आफ ड्यूटी थी उस को ध्यान में रखते हुए जो मुनासिब था वह कर दिया गया है ।

**ਸਰਦਾਰ ਨਿਰੰਜਨ ਸਿੰਘ ਤਾਲਿਬ** : ਕੀ ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ ਇਹ ਦਸੱਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਦੋਂ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਦੇ ਫ਼ਲੋਰ ਤੇ ਇਹ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਰੂਲਜ਼ ਹਫਤੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਬਣਾਏ ਜਾਣਗੇ, ਤਦ ਚਾਰ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਅਰਸਾ ਕਿਉਂ ਲਗਿਆ ?

**मंत्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, जैसे कि आप जानती हैं आटम सैशन में पास हुआ था, उस के बाद गवर्नर साहिब के पास चला गया उन की एसेंट नवम्बर में आई है । Then the case was processed in the Finance Department and it took some time to finalize the matter.

उपाध्यक्षा : श्रोम प्रभा जी, यह कोई वैलिड जवाब नहीं है। इतनी देर नहीं लगानी चाहिए। अगर कोई काम करना है तो वह ग्रेस से हो जाना चाहिए।
(*Addressing the Health Minister* : This is no valid reply. The matter should not have been delayed so much. If anythi is to be done, it should be accomplished gracefully.)

---

RULES FRAMED UNDER THE PUNJAB STATE LEGISLATURE OFFICERS, MINISTERS AND MEMBERS (MEDICAL FACILITIES) ACT, 1965.

***9201 Sardar Niranjan Singh Talib** . Will the Minister for Health be pleased to state whether any rules have been framed under the Punjab State Legislature Officers, Ministers and Members (Medical Facilities) Act, 1965 and circulated to all the Medical authorities concerned in the State for necessary action; if so, the date when it was done; if the rules have not yet been framed, the reasons therefor ?

**Shrimati Om Prabha Jain** : Yes Sir. All Heads of Sub-Offices in the Punjab Health Department have been instructed on 7th February, 1966, to provide medical facilities to the Legislators and Members of their family on the pattern prescribed in the Punjab Services (Medical Attendance) Rules, 1940.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या मन्त्री साहिबा जानती हैं कि चंडीगढ़ मैडीकल इन्स्टीच्यूट में अभी तक इस बात पर अमल नहीं किया गया और मेम्बरान को अभी तक भी ट्रीटमैंट के लिए पे करना पड़ता है ?

**Minister** : I am not aware of any such thing. If the hon. Member draws my attention, I will look into it.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਸਵਾਸਥ ਮੰਤ੍ਰੀ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਦੀ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਦਾ ਇਲਾਜ ਨਹੀਂ ਕਰਨਗੇ ?

**Minister** : I am not aware of any such thing. It was in the Press that some Association advised them like that.

---

VERKA PLANT

***9106. Dr. Baldev Parkash** : Will the Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture be pleased to state :—

(a) whether the Government has recently enhanced the price of pure ghee produced by the Verka Milk Plant; if so, the reasons for doing so ;

(b) wherher it is a fact that the said Plant has been exempted from the Government order prohibiting the manufacture of cream or butter; if so, the reasons for giving this exemption together with the reasons for not giving such exemption to the private parties;

(c) the price at which the butter produced at the said plant is sold ?

**Captain Rattan Singh** : (a) Yes ; to reduce the large difference between the price of ghee manufactured by the Government Milk Plant, Amritsar and ghee of other brands.

(b) Government Milk Plant, Amritsar has been geared primarily to meet the requirements of milk products, of the Armed Forces. A quantity of milk is also sold for liquid consumption to citizens of Amritsar. Butter and ghee are manufactured from only such milk as is found surplus to these requirements. Exemption for doing that has been allowed to save surplus milk from going waste. There is no ban on the manufacture of butter or ghee by the country process. But use of milk for preparation of cream etc., has not been allowed to private parties for securing the defence of India, Civil Defence and the maintenance and increase of supplies and services essential to the life of the community.

(c) Rs 9.50 per Kg.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या पशु पालन मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह फैक्ट नहीं है कि वेरका प्लांट के बने हुए घी की कीमत उन्होंने उस वक्त भी बढ़ाई थी जबकि मार्किट में घी की कीमत बहुत कम थी ?

**राज्य मंत्री** : मैं अर्ज करता हूं कि हिन्दुस्तान लीवर का जो अनिक घी है उस की कीमत 12 रु० तीन पैसे पर किलो ग्राम है, डायर मीकिन का बना हुआ घी 12 रुपये तीन पैसे पर किलो ..... (विघन)......(आवाजें)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । अर्ज यह है कि जब रेलेवैंट सवाल किया गया है तो उस का जवाब भी रेलेवैंट ही होना चाहिये । जब पंजाब में घी की कीमत पूछी गई है तो पंजाब की कीमत ही बतानी चाहिए न कि मद्रास की मार्किट की कीमत बताने लग जाएं । वहां पर तो दूध तीन रुपए किलो बिकता होगा । इन को पंजाब की कीमतें बतानी चाहिएं ।

**उपाध्यक्षा** : उन को कहने तो दें । (Let him speak.)

**राज्य मन्त्री** : इन को पता ही नहीं है कि मैं क्या कहने जा रहा हूं । मैं कहने जा रहा था कि पंजाब में जितने भी गुड ब्रांड घी बिकते हैं उन में से वेरका प्लांट का घी सब से सस्ता है ।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि पंजाब बनने वाले और बिकने वाले स्टैंडर्ड के कौन से घी हैं जिस से वेरके के बने घी की कीमत कम है ?

**राज्य मन्त्री** : मुझे पंजाब का तो पता नहीं है । जो कुछ मैं कहना हूं वह तो आप सुन लें । The good brands of ghee are Shiva, M Vasudev, Anik, Shakti.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ :** ਇਹ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹਨ ।

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਜੇਕਰ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਕੀ ਕਸੂਰ ਹੈ ? ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਘਿਉ ਹੈ 17 ਕਿਲੋ ਗਰਾਮ ਦੇ ਬੰਦ ਬਕਸ ਦੀ ਕੀਮਤ 915 ਰੁਪਏ ਪਰ ਕਵਿੰਟਲ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਹੈ । It does not include sales tax etc. ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਵੀ ਕੰਪੇਅਰ ਕਰ ਲਉ ਤਾਂ ਵੀ ਵੇਰਕਾ ਮਿਲਕ ਪਲਾਂਟ ਦਾ ਘਿਉ ਸਸਤਾ ਹੈ ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਨਾਭੇ ਵਾਲਾ ਜਿਹੜਾ ਹਿੰਦੋਸਤਾਨ ਮਿਲਕ ਫੂਡ ਪਰੋਡਕਟਸ ਦਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਘੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਭਾ ਵਿਚ ਅਤੇ ਵੇਰਕੇ ਦੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਘੀ ਦੇ ਭਾ ਵਿਚ ਕੀ ਫਰਕ ਹੈ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਮੈਂ ਕਲੀਅਰਲੀ ਕਹਿ ਚੁੱਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਘਿਉ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲੋਂ ਸਸਤਾ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਤੁਹਾਡਾ ਕਿਹੜਾ ਰਤਨ ਘਿਉ ਬਣਿਆ ਹੈ ? (ਹਾਸਾ)

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਘਿਉ ਹੈ ।

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਘਰਾਂ ਦਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਦੇਸੀ ਘਿਉ ਹੈ ਉਹ ਤਕਰੀਬਨ 11 ਰੁਪਏ ਪਰ ਕਿਲੋ ਵਿਕਦਾ ਹੈ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਇਹ ਤਾਂ ਘਰਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ।

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ :** ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਕ ਕਹਾਵਤ ਹੈ "ਅੰਧੇਰ ਨਗਰੀ ਚੌਪਟ ਰਾਜਾ, ਟਕੇ ਸੇਰ ਭਾਜੀ ਟਕੇ ਸੇਰ ਖਾਜਾ" । ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਦੁਧ ਅਤੇ ਕਣਕ ਇਕ ਭਾਅ ਵਿਕਦੇ ਹਨ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ, ਇਹ ਗੱਲ ਤਾਂ ਤੈਨੂੰ ਮੈਂ ਦਸੀ ਸੀ ਤੂੰ ਮੇਰੇ ਤੇ ਹੀ ਇਹ ਵਰਤਣੀ ਸੀ ?

**ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਰਤਨ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਮਿਲਕ ਪਲਾਂਟ ਬਾਰੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਗਲ ਨਿਕਲੀ ਕਿ ਦੁਧ ਵਿਚ ਇਕ ਬੜਾ ਵਡਾ ਕੀੜਾ ਨਿਕਲਿਆ, ਇਸ ਪਾਸੇ ਵੀ ਸੁਧਾਰਨ ਲਈ ਗੌਰਮੈਂਟ ਧਿਆਨ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ?

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਇਹ ਸਵਾਲ ਘਿਉ ਬਾਰੇ ਹੈ, ਦੁਧ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ । (This question relates to ghee and not milk.)

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਘਿਉ ਦੀ ਕੀਮਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣ ਦਾ ਇਹ ਕਾਰਨ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਥੇ ਕਰੀਮ ਨਿਕਾਲਣ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਹੈ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਘਿਉ ਦੀ ਕੀਮਤ ਵਧੀ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਅਜ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਸਤਾ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸੱਣਗੇ ਕਿ ਕਰੀਮ ਉਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਥੇ ਜਿਹੜੀ ਘਿਉ ਦੀ ਕੀਮਤ ਸੀ ਉਹ ਹੁਣ ਵਧੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

**श्री फतेह चन्द विज** : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ज़िला हिसार, करनाल और गुड़गांव वगैरा जो कि इन के वेरका मिल्क प्लांट से बहुत दूर हैं और जहां से हज़ारों मन दूध हर रोज़ देहली को जाता है, वहां पर यह पाबन्दी हटाने के लिए तैयार हैं या नहीं कि वह भी क्रीम तथा खोया बना सकें ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਕਰਨਾਲ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦਾ ਸਾਰਾ ਦੁਧ ਦਿੱਲੀ ਮਿਲਕ ਸਪਲਾਈ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਹਿਸਾਰ ਵਿਚ ਸਾਡਾ ਆਪਣਾ ਪਲਾਂਟ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਹਿਸਾਰ ਦਾ ਫਾਲਤੂ ਦੁਧ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਲੈ ਜਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਡੰਗਰ ਪਾਲਣ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸੱਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਪਾਜ਼ੇਟਿਵ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਵੇਰਕੇ ਦਾ ਘਿਉ ਬਾਕੀ ਸਾਰਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਸਸਤਾ ਹੈ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਹਾਰਲਿਕਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਵੀ ਇਹੋ ਕਲੇਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਘਿਉ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਸਸਤਾ ਹੈ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਜੋ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਹੈ ਉਹ ਮੈਂ ਦਸ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਜੋ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਮੈਂ ਤਸਦੀਕ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸ ਸਕਾਂਗਾ ।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : मन्त्री महोदय ने पार्ट 'सी' के जवाब में बताया है कि मक्खन की कीमत लग भग पौनें दस रुपये फी किलोग्राम के हिसाब से रखी गई है । क्या वह बताएंगे कि जब सारे पंजाब के अन्दर मक्खन की इतनी ज्यादा कीमत नहीं है तो जो गवर्नमैंट कन्ट्रोल्ड प्लांट है उसमें तैयार किए जा रहे मक्खन की कीमत इतनी ज़्यादा क्यों रखी गई है ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਪਹਿਲੀ ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੌਣੇ ਦਸ ਰੁਪਏ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਸਾਢੇ ਨੌਂ ਰੁਪਏ ਹੈ । ਦੂਸਰੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਖਣ ਲੋਕਲੀ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਮੈਨੂਫੈਕਚਰ ਕਰਦਾ ਔਰ ਮਖੱਣ ਜਿਹੀ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੇਰ ਬਾਹਰ ਰਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ ਇਸ ਲਈ ਮਖੱਣ ਦੀ ਕੀਮਤ ਜਿਆਦਾ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ ।

**Deputy Speaker** : Comrade Joga.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम ।

**उपाध्यक्षा** : डाक्टर बलदेव प्रकाश, अभी कुएस्चन खतम नहीं हो गया । आप जोगा साहिब के बाद जो पूछना चाहें पूछ सकते हैं । (Addressing Dr. Baldev Parkash : The question has not finished yet. Let first Shri Joga speak and afterwards he can ask whatever he likes.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : मैडम, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं । प्वायंट आफ आर्डर यह है कि पशुपालन मन्त्री महोदय ने हाउस को रांग इनफरमेशन दी है । वेरका के प्लांट को मैंने एक दफा नहीं दस दफा देखा है । वहां के जेनरल मैनेजर ने खास तौर से यह बात हमारे ध्यान में लाई है कि यहां मक्खन बनाकर

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]

हम इसे साल, दो साल, और तीन साल तक भी रख सकते हैं क्योंकि यहां का चेम्बर माइनस दस डिग्री टैम्परेचर का है और वहां पर आदमी एक मिनट के लिए भी खड़ा नहीं हो सकता, जम जाता है और वहां पर पहाड़ का पहाड़ मक्खन पड़ा था। उसने यह भी कहा कि उस मक्खन को अगले साल भी इस्तेमाल किया जा सकता है। और उसका घी बना कर बेचा जा सकता है लेकिन यह कहते हैं कि मक्खन वहां पर रखा नहीं जा सकता। यह बिलकुल रांग इनफरमेशन है और मिनिस्टर साहिब को इस बात पर चेलैंज करता हूं।

**उपाध्यक्षा :** डाक्टर बलदेव प्रकाश, आप एक बड़े पुराने पार्लियामैंटरियन हैं। जब मैंने जोगा साहिब को सप्लीमैंटरी के लिए काल अपान कर लिया। तो उन को कह लेने देते और यह प्वायंट आफ आर्डर बाद में हो सकता था। (The hon. Member Dr. Baldev Parkash is an experienced Parliamentarian. When I had called upon Comrade Joga to put a supplementary, he should have let him ask it and this point of order could have been raised afterwards.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** इन्होंने जो कुछ कहा है वह बिलकुल रांग इन्फरमेशन है। आप इस बात पर रुलिंग दें। इस से पहले सरदार गुरदर्शन सिंह ने एक सवाल किया तो उसके जवाब में मिनिस्टर महोदय ने कहा कि उनको इस बारे पता नहीं है और यह कि वह वेरीफाई करके बताएंगे लेकिन जब मैंने एक बात को प्वायंट आउट किया तो उसकी बाबत एक गलत इन्फरमेशन हाउस को दी जा रही है।

**Deputy Speaker :** Captain Rattan Singh.

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਵੇਰਕਾ ਪਲਾਂਟ ਵਿਚ ਫ਼ੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਮੱਖਣ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਰਖਣ ਬਾਰੇ ਹੀ ਕਿਹਾ ਸੀ (*Interruptions*) ਮੈਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵੇਰਕਾ ਪਲਾਂਟ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਜਗ੍ਹਾ ਨਹੀਂ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप रिकार्ड देखें कि क्या कहा है।

**उपाध्यक्षा :** आप ने कहा था कि मक्खन एक ऐसी चीज़ है जो कि खराब जल्दी हो जाती है और यह कि इसे बाहर नहीं रखा जा सकता। आप अपनी बात पर कायम रहें। (The hon. Minister of State had stated that butter gets ndtrefied soon and cannot be kept in the open for long. He should stand by this Statement.)

**राज्य मंत्री :** मैं अपनी बात पर कायम हूं।

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਨਾਭੇ ਦੇ ਮਿਲਕ ਪਲਾਂਟ ਦੇ ਘਿਉ ਅਤੇ ਮਖੱਣ ਦੀ ਕੀਮਤ ਵਿਚ ਅਤੇ ਵੇਰਕੇ ਦੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਮਿਲਕ ਪਲਾਂਟ ਦੇ ਘਿਉ ਅਤੇ ਮਖੱਣ ਦੀ ਕੀਮਤ ਵਿਚ ਫ਼ਰਕ ਕਿਉਂ ਹੈ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਨਾਭਾ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਪਲਾਂਟ ਹੈ ਉਹ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਐਂਟਰਪ੍ਰਾਈਜ਼ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਵੇਰਕਾ ਮਿਲਕ ਪਲਾਂਟ ਹੈ, ਉਹ ਪਬਲਿਕ ਐਂਟਰਪ੍ਰਾਈਜ਼ ਹੈ ।

(*Interruptions*)

**Deputy Speaker** : Comrade Shamsher Singh Josh.

**Shri Balramji Dass Tandon** : On a Point of Order, Madam.....

**Deputy Speaker** : No, please. I do not allow your Point of Order. I have already called upon Comrade Shamsher Singh Josh.

**Shri Balramji Dass Tandon** : I have risen on a Point of Order. Point of Order will be there.

**Deputy Speaker** : No, I won't allow. No Point of Order can be raised during Supplementaries.

**Shri Balramji Dass Tandon** : The Point of Order can be raised at any time.

**Deputy Speaker** : No, not like this. Please take your seat. (*At this stage*, Shri Tandon took his seat.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੇਰਾ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਵੇਰਕਾ ਪਲਾਂਟ ਦੇ ਘਿਉ ਦਾ ਰੇਟ ਤਾਂ ਦਸ ਦਿਤਾ, ਜ਼ਰਾ ਨਾਭੇ ਪਲਾਂਟ ਦੇ ਘਿਉ ਦਾ ਰੇਟ ਵੀ ਦਸ ਦੇਣ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਵੇਰਕਾ ਪਲਾਂਟ ਦਾ ਘਿਉ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਘਿਉਆਂ ਤੋਂ ਸਸਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਸ ਬਿਆਨ ਨੂੰ ਚੈਲੇਂਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾ ਕਿ ਨਾਭੇ ਪਲਾਂਟ ਦਾ ਘਿਉ ਵੇਰਕੇ ਵਾਲੇ ਨਾਲੋਂ ਸਸਤਾ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਉਹ ਕੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਤਰਦੀਦ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ?(*Interruptions*)

**Shri Balramji Dass Tandon** : All wrong information is being given.

**Dr. Baldev Parkash** : Madam, he said rather ten times that it is the cheapest. We Challenge that it is not so.

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ ਵਾਲੇ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਦੇ ਦਿਉ । (Captain Sahib may please reply to the supplementary put by Comrade Shamsher Singh Josh.) (*Interruptions*)

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਲ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰੋ ਇਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੌਲਾ ਨਹੀਂ ਪਾਂਦੇ । ((*Interruptions*)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ, ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਵਾਪਸ ਲਉ । (Captain Rattan Singh may please withdraw his words.)

**Minister of State** : If my remark has injured any honourable Member, I am prepared to take it back, but they should not shout.

**Deputy Speaker** : No trouble should be created for the Chair.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, पहले इनके लफ्ज़ वापस कराओ ।

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਉਹ ਤਾਂ ਕਦੋ ਦੇ ਮੈਂ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਏ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਨੂੰ ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਦੇ ਲੈਣ ਦਿਉ ।

**Voices** : Point of order.

**कामरेड राम प्यारा** : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि पंजाब में घी की कीमत इसलिए ज्यादा है क्योंकि पंजाब में पब्लिक को घी बनाने की इजाज़त नहीं है और पंजाब से दूध देहली ले जाने की इजाज़त है और वहां पर इस से घी बनाया और बेचा जा सकता है ताकि पंजाब में लोगों को घी ना मिले ?

**Deputy Speaker** : The Question Hour is over now, but the supplementaries will go on tomorrow.

**Minister of State** : Not tomorrow, Madam. I will reply to supplementaries on the day according to the grouping.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस पर कल ही स्प्लीमैंटरीज रखें ।

**उपाध्यक्षा** : कैप्टन रतन सिंह, प्रिपेयर्ड रिप्लाईज और सही रिप्लाईज़ आनी चाहिएं । (*Abdressing Captain Rattan Singh*) : The hon. Minister of State may please see that well prepared and correct replies to questions are given.)

**कैप्टन रतन सिंह** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । मैं ने जितनी रिपलाईज़ दी हैं वह उस इनफरमेशन के मुताबिक सही दी हैं जो मेरे पास है और मैं तैयार होकर आया हूं । (विघ्न)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : यह जो हाऊस में मिसलीडिंग रिपलाईज दी गई हैं और उन्होंने जो जवाब कल भी देने हैं उस के लिए यह प्रिपेयर हो कर आएं । क्या मिनिस्टर को हाउस में इस तरह से मिसलीडिंग रिपलाई देने चाहिएं ?

**उपाध्यक्षा** : कितना अच्छा हो अगर आप बात को सुन लिया करें । जब चेयर ने यह कह दिया कि सही रिपलाई आने चाहिएं, सप्लीमैंटरीज़ विल बी ऐलाउड तो उस के बाद भी कोई बात पैदा होती है ? हर वक्त चेयर को गाईड करने की कोशिश की जाती है । यह ठीक नहीं है । (How desirable it would be if the hon. Member listens to the Chair attentively. When the Chair has observed that correct replies should be given and that more supplementaries will be allowed on this question, what more is left to be impressed upon ? Every time an attempt is made to guide the Chair. This is not proper.)

**ਚੌਧਰੀ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਚੂੰਕਿ ਇਹ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਡੰਗਰਾਂ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਆਪੋਜੀਸ਼ਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬਾਂ ਤੇ ਗੁਸੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕੁਝ ਮਾਰਜਿਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਡੰਗਰਾਂ ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਹੈ (ਹਾਸਾ)।

---

## WRITTEN ANSWER TO STARRED QUESTION LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

### COMPLAINTS AGAINST THE SOCIETY FOR THE PREVENTION OF CRUELTY TO ANIMALS, AMRITSAR

***9107. Dr. Baldev Parkash** : Will the Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture be pleased to state—

(a) whether any complaints against the working of the Society for the Prevention of Cruelty to Animals, Amritsar, were received by the Deputy Commissioner, Amritsar, in the year 1965;

(b) whether it is a fact that the Deputy Commissioner, Amritsar, had ordered an enquiry by an Sub-Divisional Officer (Civil) into the said complaints/allegations; if so, the result of the enquiry and the action, if any, taken on the findings?

**Capt. Rattan Singh** : (a) Yes.

**(b) First Part** : Yes.

**Second Part** : The matter is under examination.

---

## UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### INSPECTORATE/CLERICAL STAFF IN THE OFFICE OF THE DISTRICT FOOD AND SUPPLIES OFFICER, CHANDIGARH

**3175. Sardar Trilochan Singh Riasti** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number and names with designations of the Inspectorate and Clerical staff working at present in the office of the District Food and Supplies Officer, Chandigarh, together with the total number and names of those belonging to the Scheduled Castes/Backward Classes amongst them;

(b) the dates since when each of the officials referred to in part (a) above has been working in the said office;

(c) whether there is any proposal under the consideration of the Government to transfer those officials mentioned in part (a) above who have stayed at Chandigarh for more than three years, if so, the details thereof, if none, the reasons thereof?

**Shri Ram Kishan** : (a) & (b) Inspectors 12 (including one Scheduled Caste), Sub-Inspectors 6 (including two Scheduled Caste), Clerk I.

[Chief Minister]

A list showing names and dates of joining of each of the officials in the office of the District Food and Supplies Officer, Chandigarh, is enclosed.

(c) There is no such proposal at present under the consideration of the Government. The transfer of the staff is generally taken up during March/April.

**List showing the particulars of the members of the staff working in the officc of the District Food and Supplies Officer, Chandigarh**

| Sr. No. | Name | | Designation | Date of Joining | Whether from Sch. Caste/ Backward Class |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Shri Tarlochan Singh | .. | Inspector | 15-9-1963 | Scheduled caste |
| 2. | Shri V. K. Bhasin | .. | ,, | 27-11-1963 | Nil |
| 3. | Shri Sukhlal Dass | .. | ,, | 30-5-1964 | Nil |
| 4. | Shri Fauja Singh | .. | ,, | 19-10-1964 | Nil |
| 5. | Shri Har Mohinder Singh | .. | ,, | 18-11-1964 | Nil |
| 6. | Shri Kuldip Singh | .. | ,, | 13-1-1965 | Nil |
| 7. | Shri P. C. Gupta | .. | ,, | 14-1-1965 | Nil |
| 8. | Shri D. S. Sodhi | .. | ,, | 21-1-1965 | Nil |
| 9. | Shri Pritpal Singh | .. | ,, | 29-7-1965 | Nil |
| 10. | Shri Ajaib Singh | .. | ,, | 18-1-1965 | Nil |
| 11. | Shri Inder Pal Mohan | .. | ,, | 4-2-1966 | Nil |
| 12. | Shri Suraj Bhan Sharma | .. | ,, | 8-5-1964 | Nil |
| 13. | Shri Munshi Ram | .. | Sub-Inspector | 3-2-1963 | Nil |
| 14. | Shri Tarsem Lal | .. | ,, | 29-11-1963 | Scheduled Caste |
| 15. | Shri Baksha Ram | .. | ,, | 23-5-1964 | Do |
| 16. | Shri Jaspal Singh Pradeshi | .. | ,, | 27-1-1965 | Nil |
| 17. | Shri Naib Singh | .. | ,, | 6-10-1964 | Nil |
| 18. | Shri Deep Chand Jain | .. | ,, | 15-7-1964 | Nil |
| 19. | Shri Parshanta Sarwol | .. | Clerk | 16-11-1965 | Nil |

## INSPECTORATE/CLERICAL STAFF IN THE OFFICE OF GENERAL MANAGER, PUNJAB ROADWAYS, AMRITSAR

**3176. Sardar Trilochan Singh Riasti** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the total number and names with designation of the Inspectorate and Clerical staff working at present in the office of the General Manager, Punjab Roadways, Amritsar, together with the total number and names of those belonging to the Scheduled Castes/Backward Classes amongst them;

(b) the dates since when each of the officials referred to in part (a) above has been working in the said office ;

(c) whether there is any proposal under the consideration of the Government to transfer those officials mentioned in part (a) above who have stayed at Amritsar for more than three years, if so, the details thereof; if none, the reasons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) & (b) A statement is laid on the Table of the House.

(c) The transfers are considered on merits of each case in March every year in consultation with the General Managers of the respective units of Roadways.

**List of Inspectorate/Clerical Staff working in Punlab Roadways, Amritsar**

| Sr. No. | Name of official | | Designation | Date of posting in P. R. Amritsar | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 |
| | Inspectorate Staff | Total—48 | (i) | Scheduled Castes | 3 |
| | | | (ii) | Backward Classes | 1 |
| | Clerical Staff | Total—99 | (i) | Scheduled Castes | 3 |
| | | | (ii) | Backward Classes | 1 |
| | INSPECTOR STAFF | | | | |
| 1. | Shri Daljit Singh | .. | Chief Inspector | 1-5-1963 | |
| 2. | Shri Shiv Bhola | .. | „ | 2-8-1965 | |
| 3. | Shri Harbans Singh | .. | Inspector | 23-5-1964 | |
| 4. | Shri Mohinder Singh | .. | „ | 5-5-1965 | |
| 5. | Shri Natha Ram | .. | „ | 26-4-1962 | |
| 6. | Shri Narinder Nath | .. | „ | 27-4-1960 | |
| 7. | Shri Mohan Lal | .. | „ | 27-4-1960 | |
| 8. | Shri Jagan Nath | .. | „ | 1-4-1963 | |
| 9. | Shri Puran Singh | . | „ | 5-8-1964 | |
| 10 | Shri Guran Duvaya | .. | „ | 16-5-1960 | |
| 11. | Shri Jagjit Singh | ... | „ | 12-12-1961 | |
| 12. | Shri Puran Chand | .. | „ | 17-5-1965 | |
| 13. | Shri Gurcharan Singb | .. | „ | 3-1-1966 | |
| 14. | Shri Gurdial Singh | .. | „ | 5-5-1963 | |
| 15. | Shri Hari Chand | .. | „ | 13-5-1965 | |
| 16. | Shri Kishan Singh | ... | „ | 28-4-1961 | |
| 17. | Shri Karnail Singh | .. | „ | 1-2-1965 | |
| 18. | Shri Tarlok Chand | .. | „ | 7-11-1963 | |
| 19. | Shri Kundan Lal | .. | „ | 7-11-1963 | |
| 20. | Shri Padam Kumar | .. | „ | 4-5-1963 | |
| 21. | Shri Manohar Lal | .. | „ | 7-5-1962 | |
| 22. | Shri Badha Mohan | .. | „ | 22-1-1961 | |
| 23. | Shri Rashbir Singh | ... | „ | 5-5-1962 | |
| 24. | Shri Swaran Singh | .. | „ | 7-5-1963 | |
| 25. | Shri Sarup Singh | ... | „ | 1-9-1960 | |
| 26. | Shri Pritam Singh | .. | „ | 30-4-1963 | |
| 27. | Shri Shamsher Bahadur | .. | „ | 22-8-1952 | |
| 28. | Shri Gulzar Singh | ... | „ | 16-6-1960 | |
| 29. | Shri Krishan Kumar | ... | „ | 5-5-1962 | |

| Sr. No. | Name of Official | Designation | Date of posting in P. R., Amritsar | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | INSPECTOR STAFF—CONCLD | | | |
| 30. | Shri Piara Singh .. | Inspector | 12-12-1961 | |
| 31. | Shri Raghbir Singh .. | „ | 14-12-1961 | |
| 32. | Shri Taswir Singh .. | „ | 1-5-1962 | |
| 33. | Shri Kishan Chand .. | „ | 1-7-1965 | |
| 34. | Shri Surajan Singh .. | „ | 19-9-1962 | Backward Class |
| 35. | Shri Harbans Lal .. | „ | 1-9-1962 | |
| 36. | Shri Surjit Singh .. | „ | 1-9-1962 | |
| 37. | Shri Jugal Kishore .. | „ | 13-3-1963 | |
| 38. | Shri Kartar Singh .. | „ | 1-7-1964 | Scheduled Caste |
| 39. | Shri Sagli Ram .. | „ | 13-8-1964 | |
| 40. | Shri Ram Murti .. | „ | 24-5-1964 | |
| 41. | Shri Jagdish Parkash .. | „ | 1-11-1965 | |
| 42. | Shri Kharaiti Lal .. | „ | 1-11-1965 | |
| 43. | Shri Arjan Singh .. | „ | 5-6-1965 | |
| 44. | Shri Swaran Singh .. | „ | 24-3-1965 | Scheduled Caste |
| 45. | Shri Mohan Singh .. | „ | 13-12-1965 | Scheduled Caste |
| 46. | Shri Harbhajan Singh .. | „ | 7-1-1966 | |
| 47. | Shri Raj Kumar .. | Welfare Inspector | 29-3-1965 | |
| 48. | Shri Kundan Singh .. | Station Supervisor II | 13-5-1965 | |
| | MINISTERIAL STAFF | | | |
| 1. | Shri Tirlochan Singh .. | Resident Senior Auditor | 31-5-1962 | |
| 2. | Shri Parkash Singh .. | Accountant | 14-10-1964 | |
| 3. | Shri Tilak Raj .. | Store Purchase Assistant | 21-8-1950 | |
| 4. | Shri Pritam Singh .. | Asstt. Accountant | 23-11-1957 | |
| 5. | Shri Kewal Krishan .. | „ | 1-8-1956 | |
| 6. | Shri Ved Parkash .. | „ | 5-1-1960 | |
| 7. | Shri Madan Mohan .. | „ | 27-5-1957 | |
| 8. | Shri Chaman Lal .. | „ | 28-7-1959 | |
| 9. | Shri Sudershan Lal .. | „ | 11-10-1958 | |
| 10. | Shri Bhajana .. | „ | 16-3-1960 | Scheduled Caste |
| 11. | Shri Jagdish Chander .. | „ | 1-6-1958 | |
| 12. | Shri Khushi Ram .. | „ | 11-6-1958 | |
| 13. | Shri Harbans Singh .. | „ | 15-4-1958 | |
| 14. | Shri Dev Dutt .. | Cashier | 28-1-1960 | |
| 15. | Shri Dharam Paul .. | „ | 11-3-1957 | |
| 16. | Shri Chhaju Ram .. | Stenographer | 16-9-1960 | |
| 17. | Shri Prem Kumar .. | Steno-typist | 14-3-1960 | |
| 18. | Shri Sardar Mish .. | „ | 14-3-1960 | |
| 19. | Shri H. L. Marwaha .. | Junior Auditor | 19-3-1949 | |

| Sr. No. | Name of official | Designation | Date of posting in P. R., Amritsar | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | MINISTERIAL STAFF—CONTD | | | |
| 20. | Shri B. N. Slaia | .. Juniot Auditor | 13-5-1965 | |
| 21. | Shri Naranjan Singh | .. ,, | 1-5-1962 | |
| 22. | Shri Om Parkash | .. Booking Clerk | 4-7-1958 | |
| 23. | Shri Ram Kishan | .. ,, | 1-5-1960 | |
| 24. | Shri Ghasita Mal | .. ,, | 3-5-1960 | |
| 25. | Shri Harpal Singh | .. ,, | 1-8-1961 | |
| 26. | Shri Beant Singh | .. ,, | 5-11-1959 | |
| 27. | Shri Tilak Raj | .. ,, | 11-8-1957 | |
| 28. | Shri Darshan Singh | .. ,, | 1-1-1961 | |
| 29. | Shri Harbans Singh | .. ,, | 17-8-1961 | |
| 30. | Shri Pavitar Singh | .. ,, | 1-7-1964 | |
| 31. | Shri Om Parkash | .. Asstt. Cashier | 12-5-1962 | |
| 32. | Shri Ram Paul | .. ,, | 1-5-1963 | |
| 33. | Shri Prem Kumar | .. ,, | 18-9-1959 | |
| 34. | Shri Gurdip Singh | .. ,, | 5-3-1964 | |
| 35. | Shri Mohan Lal | .. ,, | 27-4 1960 | |
| 36. | Shri Kewal Krishan | .. ,, | 17-2-1962 | |
| 37. | Shri Gurnam Singh | .. Diarist | 1-2-1964 | Scheduled Caste |
| 38. | Shri Karam Singh | .. Tracer | 10-9-1961 | Backward Class |
| 39. | Shri Gurdip Singh | .. Ledger-Keeper | 1-5-1962 | |
| 40. | Shri Kishan Chand | .. ,, | 11-12-1963 | |
| 41. | Shri Bal Krishan, | .. Chief Store-keeper | 24-5-1963 | |
| 42. | Shri Prem Parkash | .. Typist | 1-1-1961 | |
| 43. | Shri Tara Chand | .. ,, | 3-10-1964 | |
| 44. | Shri N. K. Taneja | .. Superintendent | 12-5-1965 | |
| 45. | Shri Bua Ditta Mal | .. Assistant | 18-1-1954 | |
| 46. | Shri Mohan Lal | . Store-keeper | 1-5-1965 | |
| 47. | Shri Rohani Kumar | .. ,, | 1-1-1962 | |
| 48. | Shri Prem Nath | .. ,, | 26-10-1960 | |
| 49. | Shri Gopal Dass | .. Restorer | 3-12-1959 | |
| 50. | Shri Balbir Singh | .. D. P. A. | 1-9-1962 | |
| 51. | Shri Roshan Lal | .. ,, | 13-11-1959 | |
| 52. | Shri Raj Paul | .. ,, | 1-2-1964 | |
| 53. | Shri Raj Kumar | .. ,, | 18-6-1963 | |
| 54. | Shri Darshan Kumar | .. ,, | 14-3-1963 | |
| 55. | Shri Krishan Lal | .. ,, | 1-10-1964 | |
| 56. | Shri Kailash Chander | .. Asstt. Storek-eeper | 1-8-1963 | |
| 57. | Shri Madan Lal | .. ,, | 1-7-1964 | |
| 58. | Shri Roop Lal | .. Clerk | 2-11-1965 | |
| 59. | Shri Inderjit Singh | .. ,, | 12-3-1963 | |
| 60. | Shri Gurcharan Singh | .. ,, | 14-3-1963 | |

[Transport and Elections Minister]

| Serial No. | Name of official | Designation | Date of posting in P. R., Amritsar | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | MINISTERIAL STAFF—concld | | | |
| 61. | Shri Sham Lal .. | Clerk | 15-2-1963 | |
| 62. | Shri Gurbax Singh .. | ” | 18-5-1965 | |
| 63. | Shri Iqbal Singh .. | ” | 15-2-1963 | |
| 64. | Shri Balbir Singh .. | ” | 10-5-1962 | |
| 65. | Shri Balwant Rai .. | ” | 15-7-1964 | |
| 66. | Shri Roshan Lal .. | ” | 22-5-1964 | |
| 67. | Shri Gurmit Singh .. | ” | 22-5-1964 | |
| 68. | Shri Sardara Singh .. | ” | 22-5-1964 | |
| 69. | Shri Raj Paul .. | ” | 20-1-1966 | |
| 70. | Shri Yash Karan .. | ” | 29-8-1964 | |
| 71. | Shri Shushil Chander .. | ” | 1-8-1964 | |
| 72. | Shri Rattan Singh .. | ” | 1-1-1965 | |
| 73. | Shri Ravinder Kumar .. | ” | 11-6-1961 | |
| 74. | Shri Kewal Krishan .. | ” | 8-10-1959 | |
| 75. | Shri Madan Lal .. | ” | 13-8-1962 | |
| 76. | Shri Darshan Kumar .. | ” | 13-2-1963 | |
| 77. | Shri Kewal Krishan .. | ” | 1-5-1962 | |
| 78. | Shri Manmohan Singh .. | ” | 1-3-1963 | |
| 79. | Shri O. P. Gosain .. | ” | 1-6-1960 | |
| 80. | Shri Balbir Singh .. | ” | 1-9-1964 | |
| 81. | Shri Janak Raj .. | ” | 11-6-1958 | |
| 82. | Shri Sham Sunder .. | ” | 1-10-1950 | |
| 83. | Shri Bua Dutt .. | ” | 15-2-1963 | |
| 84. | Shri Piara Lal .. | ” | 28-9-1965 | Scheduled Caste |
| 85. | Shri Ram Saran .. | ” | 24-2-1955 | |
| 86. | Shri Kulbir Singh .. | ” | 13-10-1960 | |
| 87. | Shri Manohar Singh .. | ” | 4-5-1962 | |
| 88. | Shri Shanti Narain .. | ” | 11-12-1950 | |
| 89. | Shri Bharat Bhushan .. | ” | 1-5-1960 | |
| 90. | Shri Mohar Singh .. | ” | 1-1-1964 | |
| 91. | Shri Dev Raj .. | ” | 11-5-1965 | |
| 92. | Shri Mohinder Singh .. | ” | 13-8-1962 | |
| 93. | Shri Sat Paul Singh .. | ” | 6-9-1963 | |
| 94. | Shri O. P. Trikha .. | Station Supervisor | 27-9-1965 | |
| 95. | Shri Sham Sunder .. | Clerk | 13-8-1962 | |
| 96. | Shri Lekh Raj .. | Station Supervisor | 1-6-1965 | |
| 97. | Shri B. S. Sodhi .. | ” | 1-5-1963 | |
| 98. | Shri Sohan Lal .. | ” | 4-5-1962 | |
| 99. | Shri Gurbachan Singh .. | P. M. A. | 11-4-1963 | |

DISPUTE OF WORKERS OF GIRSON TEXTILE MILLS, LUDHIANA

**3183. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any case of dispute of the workers of the Girson Textile Mills, Ferozepore Road, Ludhiana was decided by the Industrial Tribunal, in favour of the workers in July, 1961; if so, a copy of the final decision be laid on the table ;

(b) whether the recovery certificate was issued by the Labour Commissioner in the matter mentioned in part (a) above; if not, the reasons therefor ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Yes, Copy of Award dated 12th June, 1961, published with notification No. 2857-VIII-DALAB-61/23033, dated the 14th July, 1961 is enclosed.

(b) Yes, two recovery certificates have been issued after the receipt of computation orders of the Labour Court, Rohtak, dated 21st January, 1965 and on the receipt of the claim applications of the workers concerned.

---

BEFORE SHRI GIRDHARI LAL CHOPRA, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL PUNJAB, PATIALA

**Reference No. 7 of 1961**

BETWEEN

The workmen and the management of Messrs Girson Textile Mills, Ludhiana.

*Present.*—

Shri Mohinder Singh Grewal, for the workmen.
Shri M. R. Mittal, for the management.

AWARD

This is a reference under Section 10 of the Industrial Dispute Act made by the Government by No. 6557-VIII-USLab-60/3189, dated the 3rd February, 1961, for determination of the following industrial dispute between the workmen and the management of Messrs Girson Textile Mills, Ludhiana.—

Whether the action of the management in laying off/not providing work/ terminating the services of the workmen (as per list attached) with effect from 9th September, 1960 was justified and in order? if not, to what relief they are entitled ?

On notices having been issued to the parties, the Union representing the workmen stated that the Respondent Mills employed about 107 workers and that the management refused entry and work to all of them on 9th September, 1960 or at any time thereafter without giving any notice of lay off, retrenchment, closure, dismissal or termination of service. The conciliation proceedings having failed this reference was made in respect of 74 of those workmen (list attached with the reference) and they claim to be marked present since 9th September, 1960 and to be paid full back wages. The management made a short out of the whole affair and took up the only plea that the persons concerned were not its workmen, but each one of them was an independent contractor and therefore they were not entitled to any relief. Nothing as to what had actually happened on 9th September, 1960 and as to whether the persons concerned were layed off or refused to be provided work or whether their services were terminated was stated. The following issues arose out of the pleading—

1. Whether the persons mentioned in the list attached to the reference were not workmen but were individual contractors and, therefore, no question of their lay off etc. arises ?
2. Whether the action of management in laying off, not providing work or terminating the services of the workmen (as per list attached) with effect from 9th September, 1960 was justified and in order.
3. If issue No. 2 be decided in favour of the workmen to what relief they are entitled ?

[Irrigation and Power Minister]

**Issue No. 1**

In support of this issue the management examined Shri Balwant Singh and Shri Amrit Lal, its Supervisor and Accountant, respectively, who stated that the names of the persons concerned were not entered in the attendance register because they were independent contractors and were paid on piece-rate basis and that no time was fixed for their working in the Mills, they could come and go at any time they liked. They further stated that the Mills closed in September, 1960, and thereafter only the medical staff, the sweepers and the Chaukidars continued in service and all others stopped working. In rebuttal the Union examined as many as 14 of the workmen concerned who unanimously stated that they were regular employees of the Respondent, some being paid monthly salary and others on piece-rate basis, that they attended and worked at the Mills at fixed timings and their attendance was duly noted, they had to and did apply for to obtain leave if they, for any reason, could not attend, that they were all governed by the Provident Fund and the employees State Insurance Schemes and that they were refused to be given any work when they attended on the 9th September, 1960, and on any day thereafter. Some of them have further stated that they were on certain occasions charge-sheeted by the management. Almost every one of them has produced his gate pass and the Provident Fund and the Employees State Insurance †Shri Bakshish Rai-Inspector, Employees State Insurance Corporation, Ludhiana, has appeared and stated that he used to visit and inspect the Mills in his official capacity and that on inspection of the books and other documents of the Respondent and its working he had come to the conclusion that the work at the Mills was not done through contractors but by regular employees of the Respondent. Tarsem Lal, Upper Division Clerk of the office of the Regional Provident Fund Commissioner, Ambala produced the statement of Provident Fund contribution prepared and filed by the Respondent with the department and also a copy of the representation made by the respondent on 23rd December, 1959 to the effect that the persons working with it were not covered by the term 'employees' Fund Act, but were independent contractors. The representation was, however, rejected by the Registrar, Provident Fund Commissioner,—vide his order dated 21st April, 1960.

Certain matters having remained in the dark, after the parties had closed their respective cases, I examined Shri M. R. Mittal representative of the management as a court witness and also got a statement (Ext. R. 4) prepared and filed by the management giving the length of service of each of the concerned workmen and the mode of payment of wages to him. He states: all the persons concerned, excepting Tehal Singh (No. 6 in the list attached to the reference) and Nachhatar Singh (No. 51) worked with the respondent as its employees till 30th April, 1960. Nachhatar Singh had already left service on 8th September, 1959 and Tehal Singh on 7th October, 1959. The remaining 72 of them started working as independent contractors from 1st May, 1960, continued to work as such up to 9th September, 1960 when the respondent closed the Mills on account of certain disputes having arisen between the partners. No document was executed when the status of the persons concerned as workmen was charged to that of independent contractors; it was only by means of an oral agreement noted in the Attendance Register. The piece-rate workers continued working at the same rates and those who were paid on monthly basis (23 in number) were made piece-rated on term orally and individually settled with them. Wages paid to them were no longer entered in the wages register but on separate sheets taken out of that Register. Prior to 30th April, 1960 and also thereafter up to 9th September, 1960, the Mills worked all the 26 hours and in three shifts.

The allegation of there being an oral agreement between the workers and the management is nothing but an after-thought and has to be rejected. No mention of it was made in the written statement filed by the management or by either of its witnesses. No question in cross examination regarding the alleged oral agreement was put to any of the workmen examined on behalf of the Union. There is no proof of evidence to corroborate the statement of Mr. Mittal examined as a court witness. A representation had in fact been made much earlier, i. e., on 23rd December, 1959, that the persons working with the respondent were not its employees but were independent contractors and that representation was rejected by the Central Provident Fund Commissioner on 21st April, 1960. It does not stand to reason that if any agreement was arrived at between the parties within nine days of the said order that would not have been reduced to writing.

†Not legible in the reply supplied by the Government.

The case of the respondent that the persons concerned were not its workmen was not put forward at any stage of the conciliation proceedings. The relevant record of the proceedings was produced by Shri Tara Singh, Labour and Conciliation Officer, Ludhiana (A 2) and he stated that Mr. B. C. Nanda, who appeared before him as attorney of the management on 29th September, 1960, on the other hand, admitted that the workers will not be marked absent and will be considered presenting themselves for duty ever since 9th September, 1960. It is so recorded in his order dated 29th September, 1960 (Ext. A. 2/30).

A part from all this, the facts disclosed by Mr. M. R. Mittal or stated by management's two witnesses cannot be regarded as sufficient to conclude that the relation ship of master and servant had ceased, to exist on 30th April, 1960 or at any time thereafter. Prior to 30th April, it is admitted that the relationship did exist. The well recognised Test in the matter is whether the employer has only the right to direct the employee what work he is to do or whether he has the further right to direct how the work is to be done. The relationship of master and servant imports the existence of power of the employer not only to direct what the servant is to do but also the manner in which the work is to be done. In case [of a contract for service the master can order or require what is to be done while in the case of a contract of service he can not only order or require what is to be done but also how it shall be done (vide 1957, I LIJ 177 S.C.)

In view of all the facts of the case I have no hesitation to hold that the persons concerned were and continued to be the workmen of the Respondent and decide the issue against the management. The persons were to work inside the factory and at fixed hours. They had to submit applications and obtain leave for absenting themselves. The nature of the work done by them required a good deal of control and supervision by the management. The mere fact that they were piece-rated, even if that were so, cannot be regarded as a decisive factor.

**Issues No. 2 and 3**

The case for the management is that certain disputes had arisen between the partners of the concern in the beginning of September, 1960, and the Mills, therefore, had to be suddenly closed on 9th. The Union contests, though only half-heartedly, the bona *fides* of the closure, and some of the workmen doubted even the factum of closure, and stated that the Mills had started working as before. There is no evidence whatsoever that there was any reason, other than the one stated by Mr. Mittal, for closing the Mills on 9th September, 1960. There appears to have been no trouble between the employees and the management, for which the latter wanted to get rid of them. At the close of the argument I, without any previous notice to management, inspected the Mills accompanied by the representative of the parties and found that only 3 or 4 of the looms out of 72 and two out of the 14 winding machines were in working order. Three or four spinners and two winders were present and they stated to be doing some casual work. The impression which I gathered, and that was shared by the representatives of the Union as well, was that the Mills had for al intents and purpores remained closed for a long time, not improbably from 9th September, 1960. There being no reliable evidence to the contrary that case for the respondent has, therefore, to be accepted. But since it is not shown that the undertaking was closed dowh on account of any unavoidable circumstances beyond the control of the employer and the case is not proved to fall under the proviso to Section 25 (FFF) I (F), the compensation has to be calculated as provided by Section 25 (F) of the Act, as already observed the only reason stated for the closure is that disputes had arisen between the partners. What those disputes were and how that necessitated the closure of the concern is not stated. Even that fact was disclosed at the very last stage of the case by Mr. Mittal when he was called as a court witness. There is thus no evidence what so ever that the circumstances on account of which the undertaking was closed were unavoidable and beyond the control of the Respondent.

Out of the 74 workmen concerned in the reference Tahal Singh (No. 6) and Nachhatar Singh (51) had already left service of the respondent on 7th October, 1953 and 8th September, 1959, respectively. Nanu ram (27), Darshan Singh (23), Natha Singh (43), Bhag Singh (44), Des Raj (57), Baldev Raj (61) and Jagjiwan Singh (70) do not appear to have been in continuous services of the Respondent for one year on 9th September, 1960. These seven and also Tahal Singh and Nachhatar

[Irrigation and Power Minister]

Singh, who already left service, are, therefore, not entitled to any compensation. The remaining 65 of the workmen mentioned in the list attached to reference are entitled to compensation, as provided by Section 25 (F) of the Act. They shall get one months wages in lieu of notice and also compensation equivalent to 15 days average pay of wages for every completed year of service or any part thereof in excess of six months. The payment shall be made within three months of the publication of the award.

I decide the issue and pass my award accordingly.

12th June, 1961

Sd/-Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Patiala.

---

DISPUTE OF WORKERS OF GIRSON MILLS, TEXTILE DEPARTMENT, LUDHIANA

**3184. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any dispute of the workers of the Girson Mills Textile Department, G. T. Road, Miller Ganj, Ludhiana, for increasing the rates of their daily wages is pending with the Labour Commissioner, Punjab, if so, since when;

(b) the reasons why no decision has so far been given in the said dispute ;

(c) whether he is aware of the fact that the delay in taking a final decision in the said dispute has encouraged the owners of the said Mill to retrench their workers in large numbers; if so, the names of the workers who were retrenched by the Mill-owners since the pendency of the above-mentioned decision?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Yes, since 31st December, 1965.

(b) The failure report received from Conciliation Officer, Ludhiana on 31st December, 1965, was incomplete and necessitated a back reference. The Conciliation Officer, Ludhiana has not been so far able to send his final reply as he is busy in connection with the distribution of loans to Industrial Workers at Amritsar.

(c) There has been large scale retrenchment in this Mill after this dispute. The services of the following four workers have, however, been terminated on the dates mentioned against each but the same is not due to any alleged delay in finalising the dispute case:—

1. Shri Ram Charan .. 7-2-1966
2. Shri Surjit Singh .. 22-1-1966
3. Shri Jagan Nath .. Not provided work since 17-1-1966
4. Shri Hukam Chand .. 18-1-1966

---

HEART-ATTACK SUFFERED BY A DETENU ON 27TH JANUARY, 1966 IN THE PUNJAB HIGH COURT

**3185. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is fact that a detenu fainted with a severe heart attack on 27th January, 1966, in the High Court where he was present in connection with his writ petition ;

(b) the medical report in regard to the said detenu submitted by the Medical Specialist at Chandigarh who examined him be laid on the Table of the House?

**Sardar Darbara Singh** : (a and b) Yes. A copy of letter No. P.M.O. (4)66/1562, dated 16th February, 1966 from the Principal Medical Officer Chandigarh about the action taken and the detailed report regarding the detenu's medical examination is enclosed.

Copy of letter No. P. M. O(4)66/1562, dated 16th February, 1966, from the Principal Medical Officer, Chandigarh, to Shri Tulsi Dutt, A.S.I., Sector 17, P. S. Chandigarh, and a copy forwarded to the Director, Health Services, Punjab, Chandigarh.

*Subject*:—Medical Legal Report of the detenu who fainted with heart-attack on 27th January, 1966 in the High Court, Punjab, Chandigarh.

Reference your letter dated 16th February, 1966, on the subject noted above.

2. On 27th January, 1966, at 2 p. m. I got a telephonic message from the Reader of Justice R.P. Khosla's Court that Shri Makhan Singh Tarsika, M.L.A. had got an heart-attack and I was asked to attend to him immediatety in the High Court. I reached there immediately and found him lying on a bench in front of the court room of Justice R. P. Khosla. On examination I found that he was quite conscious, pulse was 100 per minute and blood pressure was 130/90. He gave the history of sinking sensation and pre-cardial discomfort. I gave him injection of pathedine 100 mg and shifted him immediately to the Hospital. He was kept in the hospital from 3 p. m. till next morning. On going into the detailed history I found that he was being investigated at Rajindera Hospital, Patiala. His electro-Cardiogram was taken immediately and he did not show any change from his previous Electro-Cardiogram. He was found to be suffering from coronery insufficiency.

advised to was already under the treatment of Dr. Amarjit Singh and was He continue the same treatment.

---

## WOOL TOP QUOTA DRAWN BY THE MILL-OWNER OF KASHMERE WOOLLEN AND SPINNING MILLS, INDUSTRIAL AREA, LUDHIANA

**3186. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Mill-owner of the Kashmere Woollen and Spinning Mills, Industrial Area (A) Ludhiana, is getting wool top quota regularly every month; if so, how much and since when;

(b) whether it is a fact that the said Mill-owner closed his mill about four months ago but he is still drawing his quota regularly; if so, the action, if any, taken or proposed to be taken in the matter ?

**Shri Ram Kishan** (Chief Minister) : (a) and (b) Allotment of woo top quota is made by the Textile Commissioner, Bombay (Government of India), direct. This information is not, therefore, available with the tate Government.

REPRESENTATION FROM PUNJAB SUBORDINATE SERVICES FEDERATION

3187. **Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has considered the representations recently submitted by the Punjab Subordinate Services Federation regarding the demands of the Government employees in the State; if so, a copy of the said representation together with the action, if any, taken or proposed to be taken thereon be laid on the Table of the House ?

**Shri Ram Kishan :** The Government have received many representations from the Subordinate Services Federation. In the absence of specific date of the representation, a copy of the same is not being enclosed. The various demands of the Federation are, however, under examination of the Government.

---

FOOD PRODUCTION TARGETS

3188. **Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the details of targets of food production achieved in the State during the year 1963-64, 1964-65 and 1965-66 with the details of special efforts made to achieve the same ;

(b) the details of fertilizers distributed during the period mentioned above district-wise ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) The details of production of foodgrains and other commodities achieved in the State during the year 1963-64, 1964-65 are given below:—

(Figures in, 000 tons/bales)

| *Crop* | *1963-64* | *1964-65* |
|---|---|---|
| Rice | 529 | 662 |
| Maize | 798 | 776 |
| Bajra | 296 | 343 |
| Jowar | 48 | 51 |
| Wheat | 2,789 | 3,399 |
| Barley | 110 | 185 |
| Gram | 1,099 | 1,619 |
| Other | 75 | 74 |
| Foodgrains (Total) | 5,744 | 7,109 |
| Sugarcane | 879 | 1,115 |
| Cotton | 1,165 | 1,080 |
| Oilseed | 176 | 309 |

It is too early to assess the estimates of production of Kharif and Rabi crops for the year 1965-66 as the return of crop cutting experiments based on random sampling method undertaken by the field agency are still being received and the dates of release of the final forecasts for the Kharif crops starts from the 15th February onward. For the Rabi crops the crop-cutting experiments are yet to be planned and area figures are not yet available. The Agriculture Department is already making strenuous efforts to step up agricultural production and the following measures have been adopted in this direction.

**Fertilizers—**

(i) The quantity of nitrogenous and phosphatic fertilizers used during the year 1964-65 were 9,78,239 and 24,249 tons, as against, 1,63,083 tons and 14,372 tons during the year 1963-64, respectively. During the year 1965-66, it is estimated to consume about 325,000 and 25,000 ton of nitrogenous and Phosphatic fertilizers.

**Seeds—**

About 2.5 lakh maunds of wheat seed, 25,000 maunds of rice and 5,000 maunds of Hybrid maize seed was distributed during the year 1964-65 against 70,000 maunds of wheat, 16,000 maunds rice and 12,000 maunds of Hybrid Maize during the year 1963-64, During the year 1965-66, 3.25 lakh maunds of wheat and 25,000 maunds of rice seed have been distributed.

**Intensive Agricultural Area Programme—**

In addition to Intensive Agricultural District Programme Ludhiana, Intensive Agricultural Area programme on Cotton, Rice, Maize, Wheat and Groundnut have been undertaken in potential Blocks of the State. The coverage of the blocks during the year 1965-66 is as under—

| | *No. of Blocks* |
|---|---|
| Rice | .. 30 |
| Maize | .. 4 |
| Cotton | .. 30 |
| Wheat | .. 15 |
| Groundnut | .. 5 |

**Wheat—**

(iii) It is the most important food crop of this State and constitutes about 50% of the net food production. A package programme on wheat was started during the year 1964-65 in 58 selected blocks of Amritsar, Gurdaspur, Hoshiarpur, Jullundur, Kangra, Sangrur, Kapurthala, Bhatinda, Ferozepur, Karnal and Rohtak Districts covering an area of 5.80 lakh acres. All the area covered under package programme on cotton, rice and ground-nut was also included in this programme in order to utilize the staff for the whole year. This programme has been extended to 84

[Home and Development Minister]

blocks during the year 1965-66 on an area of 8.75 lakh acres. Approximately, 80,000 maunds of seed of improved varieties of wheat was supplied in these blocks last year out of the total quantity of 2.50 lakh maunds supplied departmentally throughout the State. A sum of Rs 15 lakh was advanced as short-term credit especially to the small farmers and tenants for the purchase of wheat seed. Intensive education campaigns were organised which included 17,400 crop production plans, 580 training camps to train in 34,000 farmers and 580 demonstration centres.

The area under wheat increased from 58.15 lakh acres during the year 1963-64 to about 60.28 lakh acres in 1964-65, and a record production of about 33 lakh tons, i.e., 5.11 lakh tons more than the previous record production of 27.89 lakh tons was obtained.

**Rice—**

(iv) The rice crop covers an area of about 13 lakh acres and is becoming another very important food crop of the State. The package programme on rice was started during the year 1964-65 in 22 selected blocks covering an area of 177,500 acres in the districts of Amritsar, Gurdaspur, Karnal, Hoshiarpur and Kangra. During the year 1965-66, this programme has been further extended to 30 blocks on an area of 312,000 acres under the package of improved practices. As a result of intensive campaign and the use of increased inputs like improved seeds, fertilizers, insecticides etc., the production of crop showed a remarkable increase. The crop has given a record production of 6.62 lakh tons of rice during the year 1964-65 as against the previous highest figure of 5.29 lakh tons during the year 1963-64. The average yield per acre reported last year was 21 maunds which is the highest obtained so far.

**Hybrid Maize—**

(vi) In order to popularise the use of hybrid maize seed, a scheme was introduced in 1961-62 in the districts of Karnal, Ambala, Patiala, Sangrur, Ludhiana, Jullundur, Ferozepur, Hoshiarpur, Kapurthala, Amritsar, Gurdaspur and Kangra, for the purpose of laying out demonstration plots etc. As a result of the efforts made under this scheme so far, the area under Hybrid Maize has risen to nearly 31,000 acres during the year 1964-65. About 5,000 maunds of seed of Hybrid maize was supplied.

**Minor Irrigation—**

(vii) 6,800 tube-wells were energized during 1964-65. The S. E. B. Planned to energize 7,000 tubewells during 1965-66. The State Government provided special funds to the S. E. B. to enable them to energize 11,000 tubewells.

Rs 200.52 lakhs were advanced as loan for minor irrigation during the year 1964-65. During the year 1965-66, the amount of loan provided for this purpose is Rs 198.80 lakhs.

(b) Details of fertilizers distributed during the years 1963-64, 1964-65 and 1965-66 (up to 30th November, 1965) are given in the enclosed statement.

**Statement showing district-wise consumption of fertilizers during 1963-64 and 1964-65.**

| Serial No. | District | | *Quantity distributed during 1963-64* | | *Quantity distributed during 1964-65* | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Nitrogenous | Phosphatic | Nitrogen | Phosphate |
| 1. | Amritsar | .. | 14,604 | 785 | 18,534 | 1,404 |
| 2. | Ambala | .. | 8,816 | 818 | 15,251 | 1,903 |
| 3. | Ferozepur | .. | 31,232 | 787 | 45,490 | 1,348 |
| 4. | Gurdaspur | .. | 7,105 | 341 | 12,228 | 817 |
| 5. | Gurgaon | .. | 4,019 | 115 | 7,158 | 205 |
| 6. | Hoshiarpur | .. | 9,468 | 812 | 16,278 | 1,357 |
| 7. | Hissar | .. | 11,084 | 427 | 16,771 | 639 |
| 8. | Jullundur | .. | 15,187 | 1,038 | 24,732 | 1,955 |
| 9. | Kangra (Kulu) | .. | 2,088 | 91 | 4,897(402) | 344(139) |
| 10. | Karnal | .. | 9,213 | 907 | 16,823 | 1,620 |
| 11. | Ludhiana | .. | 16,082 | 5,661 | 27,388 | 7,761 |
| 12 | Rohtak | .. | 7,351 | 300 | 13,280 | 320 |
| 13. | Patiala | .. | 7,353 | 840 | 12,612 | 2,013 |
| 14. | Bhatinda | .. | 13,411 | 405 | 19,288 | 620 |
| 15. | Sangrur | .. | 10,599 | 485 | 18,483 | 1,107 |
| 16. | Kapurthala | .. | 3,170 | 477 | 6,104 | 1,180 |
| 17. | Mohindergarh | .. | 1,032 | 13 | 2,239 | 86 |
| 18. | Kulu | .. | 269 | 66 | 71 | 26 |
| | | | 1,63,083 | 14,372 | 2,78,629 | 24,249 |

[Home and Development Minister]

**istrict-wise Consumption of Fertilizers during 1965-66 up to 30thNovember,**

| Serial No. | District | | Nitrogenous | Posphatic |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Amritsar | .. | 12,888 | 1,014 |
| 2. | Ambala | ... | 12,694 | 1,851 |
| 3. | Ferozepur | .. | 27,763 | 917 |
| 4. | Gurdaspur | .. | 8,677 | 616 |
| 5. | Gurgaon | .. | 5,950 | 143 |
| 6. | Hoshiarpur | .. | 12,968 | 1,002 |
| 7. | Hissar | .. | 10,780 | 184 |
| 8. | Jullundur | .. | 17,006 | 2,203 |
| 9. | Kangra | .. | 3,449 | 292 |
| 10. | Kulu | .. | 355 | 113 |
| 11. | Karnal | .. | 10,540 | 935 |
| 12. | Ludhiana | .. | 30,330 | 6,347 |
| 13. | Rohtak | .. | 10,179 | 167 |
| 14. | Patiala | .. | 9,316 | 1,454 |
| 15. | Bhatinda | .. | 12,063 | 529 |
| 16. | Sangrur | .. | 12,408 | 848 |
| 17. | Kapurthala | .. | 4,722 | 1,022 |
| 18. | Mohindergarh | .. | 891 | 27 |
| 19. | Simla | .. | 40 | 4 |
| | Total | .. | 2,02,949 | 19,668 |

### PLYING ROADWAYS BUSES UP TO VILLAGE TARSIKKA PROPER IN AMRITSAR DISTRICT

**3189. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state the reasons for not plying Roadways buses up to village Tarsikka proper in district Amritsar in spite of repeated demands made to the Government ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : Portion of route from Tarsikka proper to metalled road is unmotorable.

---

### GENERAL MANAGER, PUNJAB ROADWAYS, AMRITSAR

**3190. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) whether an enquiry was held against the General Manager of Amritsar Roadways, for having a car of his friend got repaired by sending Roadways workshop employees in a private workshop daily for more than 15 days during the year 1964; if so, the details of the action taken against the General Manager, so far;

(b) copies of the D. O. letters of S. S. P., Amritsar and his report to the higher authorities regarding the said enquiry be laid on the Table;

(c) whether it is a fact that the State Authorities deputed the A. I. G., Traffic for holding the enquiry on the spot in the said case; if so, a copy of the report submitted by him be laid on the Table ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) Yes. The enquiry report has been received and the same is under examination for further necessary action.

(b) It would not be in public interest to lay the documents/report on the Table of the House.

(c) (i) Yes.

(ii) It would not be in public interest to lay copy of the report on the Table of the House

---

## ENQUIRIES CONDUCTED BY THE KARNAL POLICE

3192. **Comrade Ram Piara** : Will the Minister for Home and Development with reference to the reply to Unstarred Question No. 3013 included in the list of Questions for 1st November, 1965, be pleased to state—

(a) whether any more affidavit/affidavits from Shri Ram Sarup of Karnal in addition to the affidavit and application referred to in part (a) of the said reply has/have been received under Regd. cover by the D. I. G., Ambala Range; if so, when, and a copy each of the same be laid on the Table of the House;

(b) whether after the receipt of the affidavit, if any, after 15th November, 1965, any enquiry either from Shri Ram Sarup or from the D. S. Police, Panipat, has been made, if so, the details thereof; if not made, the reasons for not doing so ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) Yes. A copy of the affidavit dated 27th December, 1965 of one Ram Sarup of Karnal received in the office of the Deputy Inspector-General of Police, Ambala Range on 31st December, 1965 is placed on the Table of the House.

(b) Yes. An enquiry regarding the contents of the affidavit dated 27th December, 1965 was got made through D. S. P., Panipat. During the enquiry, Ram Sarup author of the affidavit unequivocally stated that whatever statements he had already made were correct. Regarding this affidavit he stated that it was extorted from him by Comrade Ram Piara, M. L. A. and Lala Hari Ram of Karnal. A copy of Shri Ram Sarup's statement to the Enquiry Officer is laid on the Table of the House.

---

[ Home and Development Minister ]

AFFIDAVIT

I, Ram Sarup son of L. Budh Ram, resident of............................
House No. D-171, Nawab Chhatta, Karnal do hereby solemnly affirm/declare :—

(1) That I know Shri Atal Bihari Mathur, Sub Inspector Police since 1948 when he was Lines Officer there and I was a Head Constable Police posted at Hissar.

(2) That I know Shri Hari Ram son of L. Jhandu Mal as a respectable citizen of Karnal.

(3) That a case of theft of register No. 11, History Sheet and Personal File from the records of P. S. City Karnal was registered and Shri Hari Ram aforesaid and one Budh Ram constable were suspected in the F. I. R.

(4) That Shri Atal Bihari Mathur expecting me to ditto showed me as an informer implicating Shri Hari Ram and Budh Ram in the above case.

(5) That I never passed on any information to him nor I have any such information.

(6) That in order to save himself from a tight corner first prevailed upon me to say as he desired of me to say but when I did not agree to oblige him he threatened me with dire consequences.

(7) That he then required of me to make a statement of choice before D. I. G., Ambala Range at pain of arrest in some untraced burglary case and I vomited out the tutored statement out of fear and apprehension of arrest.

(8) That thereafter to supplement it, he got my signature on some document addressed to Shri Prem Kumar, D.S.P. Karnal which was cleverly finished at a space, leaving some of it to introduce a line or so and I signed it without knowing the contents of matter to be added.

(9) That in fact I know nothing as to how the record, if at all, was stolen and Shri Hari Ram never talked to me of the affair.

Dated 27-12-1965.

*Deponent*—Ram Sarup.

Sd/-RAM SARUP.

I hereby solemnly declare and affirm that the above contents are true to the best of my knowledge and belief and that nothing in this respect has been concealed or withheld by me.

Sd/-RAM SARUP.

Ram Sarup—*Deponent.*

Verified at Karnal dated 27-12-1965.

Identified the deponent and he has signed in my presence.

Sd/-

DALIP SINGH
Advocate.
27-12-1965.

*Attested*:

Sd/-

M. I. C. Karnal.
29-12-1965.

SIR,

I beg to state that I have seen my affidavit dated 27-12-1965 which bears my signatures. It was extorted from me by L. Hari Ram and Shri Ram Piara, M.L.A., Karnal under influence. In the month of December Shri Daryao Singh, D. S. P. C. I. D. had come for the investigation of theft of history sheet and personal file of Hari Ram from the P. S. City Karnal. As Hari Ram was apprehensive of his arrest, he and Shri Ram Piara approached me with the request that I should give an affidavit in order to devalue my previous statements given before the D. S. P. Karnal and D. I. G. Ambala Range. The allegations against S. H. O. City Karnal raised in the affidavit are totally incorrect. The statements already given before the D. S. P. and the D. I. G. Ambala Range are correct.

Sd/-RAM SARUP MALHOTRA.

Dated 7-2-1966.

Ram Sarup Malhotra s/o
L. Budh Ram, House No. D—171
Nawab Chhatta,
Karnal.

*Attested*:

Sd/-Prem Kumar,
D. S. P.
7-2-1966.

STEEL QUOTA TO KNITTING MACHINERY MANUFACTURERS IN LUDHIANA.

3193. **Comrade Makhan Singh Tarsikka**: Will the Chief Minister be pleased to state the names of the manufacturers of knitting machinery in Ludhiana who are getting steel quota at present along with the quantity of quota allotted to each?

**Shri Ram Kishan** :

| Sl. No. | Name of the manufacturers of knitting machinery | Quota allotted during 1965-66 (B.P. Sheet) |
|---|---|---|
| 1. | M/s Raj Mechanical Industries, Ludhiana | 2.000 Metric Tons |
| 2. | M/s Swarup Mechanical Works, Ludhiana | 2.300 ,, |
| 3. | M/s Bharat Machinery Works, Ludhiana | 2.200 ,, |
| 4. | M/s Sartaj Machinery Works, Ludhiana | 9.758 ,, |

WOOL AND ART SILK QUOTA HOLDERS IN LUDHIANA

3194. **Comrade Makhan Singh Tarsikka**: Will the Chief Minister be pleased to state the names and addresses of those who are at present getting quotas of wool and art-silk in Ludhiana with the quantity of quota allotted to each and the criteria kept in view in allotting the said quota?

**Shri Ram Kishan**: There is no control over distribution of wool and art silk. The question of allotting quotas of these materials, therefore, does not arise.

---

## PETITIONS RECEIVED BY THE DISTRICT CONCILIATION OFFICER, LUDHIANA

***3195. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number, names and addresses of the workers from whom petitions were received by the District Conciliation Officer, Ludhiana, during the years 1964-65, and 1965-66, together with the result in each case;

(b) the names and addresses of those whose petitions are still pending alongwith dates on which each of the applications was received and the reasons for its non-disposal so far ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) Under the Industrial Disputes Act, a Conciliation Officer can take cognizance of Demand Notices by Trade Unions only and not individual workers.

The requisite information for petitions received by C. O. Ludhiana, is, therefore, nil.

(b) Question does not arise in view of (a) above.

---

## POINTS OF ORDER

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ । ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਜੋ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਦਿਤੇ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਇਥੇ ਐਸ਼ੋਅਰ ਕਰਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਹੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟਸ, ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਾਮਲਿਆਂ ਬਾਰੇ ਹੀ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਜੋ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਫੌਰੀ ਤਵੱਜੁਹ ਮੰਗਦੇ ਹਨ । ਅਗਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਲ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਚਾਰ, ਚਾਰ ਮਹੀਨੇ ਧਿਆਨ ਨਾ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ, ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਹਾਈਐਸਟ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਹੈ, ਰੂਲਜ਼ ਆਫ਼ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਐਂਡ ਕਾਂਡਕਟ ਆਫ਼ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਵਿਚੋਂ ਕੱਢ ਹੀ ਦਿਤੇ ਜਾਣ । ਤੁਸੀਂ ਦੇਖੋ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਉਸ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜ ਇਥੇ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਜੋ ਮੈਂ ਨਵੰਬਰ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ । ਉਸ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਹ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ........

**उपाध्यक्षा** : आप ने जो यह कहा है यह ठीक है, मुनासिब है । इस के मुताल्लिक स्पीकर साहिब, चीफ मिनिस्टर से बात कर रहे हैं । अगर 9-10 दिन में न आए तो आप सवाल फिर खड़ा कर दें । (Whatever the hon. Member has said is right and proper. In this connection the hon. Speaker is having a talk with the Chief Minister. If no statements are received from the Government within nine or ten days, then the hon. Member may raise this point again.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ । ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਈ ਦਫਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਆਰਡਰ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਆਪ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ "ਨਹੀਂ, ਇਹ ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਅਲਾਊ ਕਰਦੀ ।" ਮੈਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ.. ..

**उपाध्यक्षा :** बाबू जी, रूलज़ की किताब मैं ने भी पढ़ी हुई है और आप ने भी पढ़ी हुई है । आप बहुत वक्त ले चुके हैं । अब मेहरबानी करें और बाकी मैम्बरों को बोलने दें । I agree with you. (The hon. Member Baboo Bachan Singh has read the rules of procedure and so have I. He has already taken a lot of time. Now he may please allow other Members to speak. I agree with him.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਹੱਦ ਤਕ ਗੱਲਾਂ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਕਿ ਕਿਤਾਬ ਮੈਂ ਵੀ ਪੜ੍ਹੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਪੜ੍ਹੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਨਾ ਕਰੋ......

(*At this stage Deputy Speaker was on her legs.*)

**Deputy Speaker :** Baboo Bachan Singh Jee, will you take your seat ?

**Baboo Bachan Singh :** No, I will not take my seat. I am raising a point of Order and I must raise it.

**उपाध्यक्षा :** मैं खड़ी हूँ, आप बैठिये । (विघन) मैं ने यह कहा है कि यह किताब मैं ने भी पढ़ी हुई है, आप ने भी पढ़ी हुई है, अब गवर्नर के ऐड्रैस पर बहस चलने दें (विघन) आप तो पुराने और सियाने पार्लियामैंटेरियन हैं, आप को हाउस चलाने में मदद देनी चाहिये । It is no point of order. (*Baboo Bachan Singh again rose to speak*) अभी तो मैं खड़ी हूं । देखिये यहां पर सप्लीमेंटरीज के वक्त प्वायंटस आफ आर्डर होते हैं, बहस के वक्त प्वायंटस आफ आर्डर होते हैं । इस में बहुत वक्त लग जाता है, और बोलने वालों की हक तलफी होती है । वरना आप को कौन रोकता है, आप सारा दिन यह प्वायंट्स आफ आर्डर रेज़ करें । (I am standing and therefore the hon.Member may resume his seat. (*Interruption*) I have said that I have read the Rules of procedure and he too is fully conversent with it. So he may let the discussion on Governor's Address proceed. (*Interruption*). He is an experienced parliamentarian of long standing. He should rather help in smoothly conducting the proceedings of the House. It is no point of order.

[Deputy Spaker]

I am still on my legs. Please listen. Here points of order are raised at the time of supplementaries and the same thing is done during the debate. This takes a lot of time and deprives, the Members of their right to speak. Otherwise who prevents them from raising the points of order ? They may go on for the whole day.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਅਫਸਰ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦੇਵੇ ਜਾਂ ਆਊਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦੇਵੇ । ਮਗਰ ਜਦ ਤਕ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਅਫਸਰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸੁਣ ਨਾ ਲਵੇ, ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਹ ਕਹਿ ਦੇਣਾ 'It is no point of order, ਇਹ ਜਾਇਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਹਾਡਾ, ਬਾਬੂ ਜੀ, ਸਾਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸੁਣ ਲਿਆ ਕਰਾਂਗੀ, ਹੁਣ ਬੈਠ ਜਾਉ । (ਵਿਘਨ) (I would in future hear the point of order raised by the hon. Member. Now he may please resume his seat.) (*Interruptions*)

---

## ADJOURNMENT MOTION

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ । ਮੈਂ ਇਕ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗਲ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਵਲੋਂ ਰੇਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ.. .....

**उपाध्यक्षा** : अगर आप इसी तरह से प्वायंटस आफ आर्डर रेज़ करते रहे तो इस में हाउस का बहुत वक्त लग जाता है, मैंबरों का नुकसान होता है । (If the hon. Members continue to raise points of order like this then this will consume considerable time of the House and that too at the cost of the hon. Members who would consequently suffer.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਤਬਾਹ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਗਿਆਰਾਂ ਲਖ ਟਨ ਗੰਨਾ ਸਰਪਲਸ ਹੈ, ਪੀੜਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਸਰਕਾਰ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਗੁੰਜਾਇਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ । ਤੁਸੀਂ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹੋ ਉਸ ਵਿਚ ਸਭ ਕੁਝ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਅਗਰ ਕੋਈ ਗਲ ਰਹਿ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਮੋਸ਼ਨ ਲੈ ਆਣਾ । (The hon. Member is aware that adjournment motions are seldom allowed during the Budget Session The Governor's Address is under discussion and he can have ample opportunity to express himself fully on the subject. If anything is left, the motion can be brought in later on).

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਮਸਲਾ ਹੈ । ਜਮਨਾ ਨਗਰ ਦੀਆਂ ਮਿਲਾਂ ਯੂ. ਪੀ. ਤੋਂ ਗੰਨਾ ਲੈ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਗੰਨਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਰਹੀਆਂ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬੜਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਵਾਲ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਸਰਕਾਰ ਖੰਡ ਬਣਾਉਣ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ ।

**उपाध्यक्षा** : यह बहुत अहम मामला है, ठीक है । मैं ने कहा है कि आप बहस में इसे उठाइये । अगर इस तरह से यह हल न हो तो मैं आप के साथ हूं । मगर इस तरह से इसे रेज़ करना मुनासिब नहीं । (विघन) (It is true that this is a matter of vital importance. What I have said is that the hon. Member may raise it during the debate. If still it remains unsolved, then I am with him to help him. But it is not proper to raise this matter in this way.) (*Interruptions*)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼**: ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਹਲਕੇ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਉਥੇ ਦੀ ਮਿਲ ਯੂ. ਪੀ. ਤੋਂ ਗੰਨਾ ਲੈ ਰਹੀ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ । (ਵਿਘਨ)

**उपाध्यक्षा** : आप ही हाउस के मैम्बर नहीं । औरों को भी एड्रैस पर बोलने दें । (विघन) (Addressing Comrade Shamsher Singh Josh : You are not the only Member of this House, let the other hon. Members also speak on the Address.) (*Interruptions*)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह हजारों किसानों का मसला है । पिछले साल उन को डी. आई. आर. के तहत गिरफ्तार किया जाता रहा है कि गन्ना नहीं देते । अब उनका गन्ना उठाया नहीं जा रहा । (विघन)

**उपाध्यक्षा** : आप मुझे अपनी सारी बात मेरे चैम्बर में बताइये । (विघन) (The hon. Member may explain the whole matter to me in my Chamber.) (*Interruptions*)

(*A number of Members from the Opposition Benches rose to speak.*)

**Deputy Speaker** : Sardar Gurnam Singh ji, I seek your help.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਸਰਕਾਰ ਜਵਾਬ ਦੇਵੇ । (ਵਿਘਨ) ਡੀ.ਆਈ.ਆਰ. ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : हमारे इलाके के हज़ारों किसान गन्ना देने के लिये मारे मारे फिरते हैं । फिर सीज़न चला जाना है । (विघन)

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿਘ ਭੌਰਾ** : ਇਹ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ । *Interruptions.*)

(*A number of members from the opposition spoke simultaneously.*)

**उपाध्यक्षा** : मैं इस तरह् से आप को बोलने की इजाज़त नहीं दे सकती । आप मेरे चैम्बर में आ कर मुझे सारी बात समझा दें । (I cannot allow them to speak in this fashion. They should see me in my chamber and explain the whole position.) (*Interruption.*)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿਘ** : ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਮਸਲਾ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਤਸ਼ਵੀਸ਼ ਹੈ ਇਸ ਲਈ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਐਡਮਿਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਕਰ ਦਿਉ ਤੇ ਕਲ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦੇ ਦੇਣ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਟੈਕਟਿਕਸ ਪਸੰਦ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਕਨਵਿਨਸ ਕਰਾ ਦਿਉ ਫਿਰ ਮੈਂ ਆਪ ਵੀ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵਾਂਗੀ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਟੇਕ ਅਪ ਕਰਨ ਵਿਚ । (ਵਿਘਨ) (I do not approve of such like pressure tactics. I have already stated that they should first convince me as to its admissibility, then I, too, would join them in taking up this matter.) (Interrutions)

**ਸਰਦਾਰ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਧੌਲਾ**: ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਹ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਅਹਿਮ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਲੋਕ ਬਾਹਰ ਖੜ੍ਹਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਜਥਿਆਂ ਦੇ ਜਥੇ ਬਾਹਰ ਫਿਰਦੇ ਅਤੇ ਮੰਗ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੰਨਾ ਚੁਕਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਬਹਿਸ ਲਈ ਵਕਤ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ**: ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋਵੇ, ਪਰ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੇਕ ਮੀ ਅੰਡਰਸਟੈਂਡ ਫਸਟ । ਮੈਂ ਕਲ ਇਸ ਬਾਰੇ ਦੱਸਾਂਗੀ । (ਵਿਘਨ) (The hon. Member has requested that discussion be allowed on this subject. But I have already said that I would like to be convinced first. I shall make observations about this tomorrow.) (Interruptions)

———

# DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS
*(Resumption)*

**Deputy Speaker :** Bakhshi Partap Singh will resume his speech on the discussion on Governor's Address.

**बख्शी प्रताप सिंह** (पालमपुर) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं पिछले कल कांगड़ा की वीर भूमि के डोगरा नौजवानों ने जो शुजाअत और बहादुरी के जौहर दिखाए थे और जिन के ज़रिए बजा तौर पर सारे देश का गौर्व बढ़ा है उनका ज़िक्र कर रहा था। मुझे इस बात की निहायत खुशी है कि पंजाब सरकार ने इस बात का पूरी तरह एहतमाम किया है। गवर्नर साहिब के भाषण में यह भी ज़िक्र है कि पंजाब सरकार ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा सहुलियतें देने का फ़ैसला किया है।

(इस समय सरदार गुरनाम सिंह, पैनल ग्राफ चेयरमैन के एक सदस्य, ने कुर्सी संभाली)

फौजियों की बेहतरी और बहबूदी के लिए सरकार की तरफ से एक एडवाइज़री कमेटी बनाई गई है और इस कमेटी को यह काम सौंपा गया है कि साबिक फौजियों को रोज़गार मुहया किया जाए। चेयरमैन साहिब, फौजियों की इमदाद के लिए ग्रांटें मन्ज़ूर की गई हैं और दूसरी किस्म की इमदाद देना भी मन्ज़ुर किया है। इस के लिए पंजाब सरकार हमारी सब की मुबारिकबाद की मुस्तहिक है। लेकिन, चेयरमैन साहिब, मुझे दुःख के साथ कहना पड़ता है कि सिवल एडमिनिस्ट्रेशन ने इमदादी ग्रांटों की तकसीम के वक्त जो बदतरीन सबूत पेश किए हैं उन्हें देख कर सर शर्म से झुक जाता है। चेयरमैन साहिब, मेरे हलका नुमाइन्दगी के अन्दर यह ग्रान्टें तकसीम करते वक्त एस. डी. ओ. (सिवल) पालमपुर, की तरफ से शाही फ़रमान जारी हुए जिन के मुताबिक शहीदों की नौजवान बेवा औरतों को देहात के मर्कज़ी मकामात पर सूर्य निकलते ही बुला लिया और सूर्य छिपने तक वहीं रखा गया। लेकिन, चेयरमैन साहिब, शाम तक वहां पर कोई सरकारी कर्मचारी एक्सग्रेशिया ग्रांट तकसीम करने के लिए नहीं आया। फिर रात के अन्धेरे में बी. डी. पी. ओ., बैजनाथ की मारफत ग्रांट तकसीम की गई। गवर्नर साहिब ने अपने एड्रैस में यह भी फरमाया है कि हमारी गवर्नमेन्ट अपनी बेहतरीन काबलियत के मुताबिक शहीदों के खानदानों की पूरी देख भाल करती रहेगी। लेकिन, चेयरमैन साहिब, सरकारी कर्मचारियों की जिस सेवा का नक्शा मैं ने अभी अभी इस सदन के सामने पेश किया है अगर इसी किस्म की सेवा होती रही तो फिर खुदा हाफिज़।

चेयरमैन साहिब, गवर्नर साहिब ने अपने एड्रैस में पंजाब की तरक्की और तामीर का ज़िक्र किया है लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि पहाड़ी इलाकाजात के बारे में गवर्नर साहिब के एड्रैस में सिर्फ एक ही फिकरा कलमबन्द है।

[बख्शी प्रताप सिंह]

"हिल ऐरियाज़ की माँग को पूरा करने के लिए हर साल अलग योजना बनाई जाती है ।"

चेयरमैन साहिब, यह जो योजना का ज़िक्र किया गया है कि पहाड़ी इलाका-जात की तरक्की और जरूरियात को पूरा करने के लिए बनाई जाती है, लेकिन इसको इस पैमाने से नहीं नापा जा सकता । मैं ने पहले भी इस सदन में इस बात का ज़िक्र किया था कि अगर पहाड़ी इलाके की तरक्की को नापना है तो एक इवेलूएशन कमेटी मुकर्रर की जाए । वह देखे कि पहाड़ी इलाके में पर कैपिटा कितनी आमदन है, खेती बाड़ी के मैदान में कितनी तरक्की हुई है, सड़कों के मैदान में कितनी पुख्ता सड़कें बनाई गई हैं । यह देखे कि तालीम के मैदान में हालत कितनी सुधरी है, छोटी और बड़ी मुलाज़मतों में कितना हिस्सा इनको मिला है, तब जा कर सही तौर पर पता लग सकता है कि तरक्की हुई है या नहीं । चेयरमैन साहिब, बड़े दुख से कहना पड़ता है, पहाड़ी इलाके की योजना, जिस का ज़िक्र गवर्नर साहिब ने किया है, उस को बनाने के लिए एक हिल ऐंरिया एडवाइज़री कमेटी मुरत्तव की गई थी जो एक मुरदा बन कर रह गई है । आज कई महीनों से इसकी मीटिंग नहीं हुई और न ही इस की किसी भी सब-कमेटी की मीटिंग हुई है ।

चेयरमैन साहिब, पहाड़ी इलाके की तरक्की के लिए सब से ज़रूरी बात जराए आमदोरफत पर निर्भर है और इनका अच्छा होना निहायत ज़रूरी है लेकिन ज़िला कांगड़ा में ज़राए आमदोरफत की हालत बहुत खराब है । कच्ची सड़कें जो देश आज़ाद होने पर लोगों ने अपनी हिम्मत और सरकार की मदद से तामीर की थीं उन सड़कों को आज तक पी. डब्लयू. डी. की तहवील में नहीं लिया गया और न ही इस के बारे में आज तक कोई इकदाम उठाए गए हैं । मैं किस किस सड़क का ज़िक्र करूं । मेरे हल्का नुमाइन्दगी पालमपुर में एक कच्ची सड़क भवारना से आलमपुर बरास्ता खैरा जाती है, वह तमाम इलाका फौजियों का गढ़ कहा जाता है । मैं, चेयरमैन साहिब, आपकी वसातत से अपनी सरकार पर ज़ोर देना चाहता हूं कि जब सरकार ने इस बात का एलान किया है कि जिन इलाकों में फौजियों के परिवार आबाद हैं उनकी बहबूदी और तरक्की के लिए फौरी कदम उठाए जाएंगे और गवर्नर साहिब ने भी अपने भाषण में इस बात का ज़िक्र किया है कि फौजियों के इलाकों की तरक्की की तरफ ध्यान दिया जाएगा तो इस सड़क को जल्द से जल्द पी.डब्लयू.डी. की तहवील में लिए जाने का एलान किया जाए और जल्द से जल्द काम शुरू किया जाए । इस के साथ साथ पहाड़ी इलाके में जितनी सड़कें कच्ची हैं उन में से ज्यादा से ज्यादा पी. डब्लयू. डी. की तहवील में ले कर उनको पक्का करने के लिए ज्यादा से ज्यादा रूपया मखसूस किया जाए । इसी में ही हमारे पहाड़ी इलाका की तरक्की का राज छिपा पड़ा है ।

**ऐजूकेशन** : चेयरमैन साहिब, जहां तक तालीम का ताल्लुक है गवर्नर साहिब ने अपने भाषण में जिक्र किया है कि सरकार न टीचरों की बहबूदी के लिए 25 लाख रूपया की रकम मखसूस की है। लेकिन इस से सिर्फ 32 हजार टीचरों को फ़ायदा मिलेगा और 48 हजार टीचर मुंह देखते रह जाएंगे। चेयरमैन साहिब, यह खुशी की बात है कि इस वक्त एजूकेशन मिनिस्टर साहिब सदन में विराजमान हैं और गौर से मेरी इस बात को सुन रहे हैं। मैं उन से कहूंगा कि इस तरफ तवज्जो दें। टीचरों को कौम के मैमार कहा जाता है और वह कौम के निर्माता हैं इस लिए इस तरफ ज्यादा से ज्यादा तवज्जो दी जानी जरूरी है और उनकी बेहतरी के लिए ज्यादा से ज्यादा रुपया रखा जाना चाहिए। जिला कांगड़ा की तालीम के मैदान में आज क्या हालत है ? इस वक्त ऊंची तालीम के बारे में मुकम्मल एक ही कालेज धर्मसाला में है और दूसरा कालेज सरकार की तरफ से हमीरपुर में खोला जा रहा है। इन दो कालजों से जिला कांगड़ा की जरूरियात पूरी नहीं हो सकतीं। आप बखूबी जानते हैं कि हमारे साथ लगते इलाका हिमाचल में 7 या 8 कालेज हैं हालांकि कांगड़ा, कुल्लू और लाहौल सपिति के रकबे के बराबर हिमाचल का रकबा है। इसलिए, चेयरमैन साहिब, मैं आपकी वसातत से अर्ज करना चाहता हूं कि पालमपुर का इलाका जिस ने हमेशा से लड़ाई मे कुरबानियां देने में नाम पाया है, इस इलाके के बच्चों के लिए चौथी पांच साला पलैन के तहत कालिज खोला जाए ताकि वहां के इलाके के बच्चे तालीम हासल कर सकें। इस के अतिरिक्त ज़िला कांगड़ा के स्कूलों को अपग्रेड करते वक्त रूपया तथा बिलडिगों की शर्तों से मुबर्रा रखा जाए। वहां के लोग देश के लिए खून तो बहा सकते हैं लेकिन अपनी उन्नति के लिए धन देने में असमर्थ है। ज़िला कांगड़ा को तालीमी क्षेत्र में आगे लाने के लिए जरूरी है कि बगैर किसी शर्त के ज्यादा से ज्यादा स्कूल अपगरेड किए जाएं। इस के अलावा इस इलाका की फौजी अहमीयत को मदेनजर रखते हुए ज़िला कांगड़ा में एक सैनिक स्कूल भी खोला जाए ताकि वहां के लोग अपने बच्चों को सैनिक स्कूल में शिक्षा दिला कर और फौज में भरती करा कर देश की रक्षा करने के लिए भेज सकें।

चेयरमैन साहिब, मुझे यह बात भी कहनी पड़ती है कि पंजाब सरकार इस बात का ढोल पीटती चली आ रही थी कि ज़िला कांगड़ा के अन्दर कागज़ का कारखाना लगाने लगी है मगर जब कारखाना लगाने की बारी आई तो यह कारखाना नंगल के नज़दीक लगा दिया। इस तरह से हमारे ज़िला कांगड़ा में जंगलात तो चील के दरखतों से भरे पड़े हैं, जब गंदा बरोजा के कारखाने के खोलने का सवाल आया तो यह कारखाना गगरेट में खोला गया। अब आप ही बताएं कि इस से बड़ा अन्याय हमारे इलाके के साथ क्या हो सकता है। क्या हमारे इलाके के साथ अन्धेर गर्दी और जुल्म नहीं है ? अब सरकार कहती है कि हम जिला कांगड़ा के अन्दर सीमेंट की फैक्टरी लगाएंगे।

[बख्शी प्रताप सिंह]

ऐसा ऐलान किया गया है मगर हमें तो शक है कि जब वक्त आएगा तो किसी दूसरी जगह पर ही लगेगी, कांगड़ा ज़िला वैसे ही रह जाएगा । आज जरूरत इस बात की है कि इंडस्ट्री पर ज्यादा से ज्यादा तवज्जो दी जाए । जहां तक इस इलाके में इन्डस्टरी लगाने का सवाल है, मैं समझता हूं कि इस इलाके में फारैस्ट की इतनी घनी पैदावार है कि जो भी इन से सम्बन्धित फैक्टरीज हैं वह वहां पर आसानी से लगाई जा सकती हैं ।

**जंगलात** : कांगड़ा व कुल्लू तो जंगलात के घर कहे जा सकते हैं । लेकिन वहां के अवाम को इस बारे में कोई खास सहूलियात नहीं दी जातीं बल्कि कानून का शिकंजा उन्हें दिन ब दिन बुरी तरह जकड़ रहा है । जंगलात की आमदन में तो हर साल इजाफा हो रहा है लेकिन वहां के लोगों को इस से कोई लाभ नहीं है । बन सरकार मलकीयत रकबाजात का सरकार दो तीन साल पहले यह फैसला कर चुकी है कि वहां पर दरख्तों की मलकीयत मालकान को दे दी जाए लेकिन वह अभी तक उन्हें नहीं दी गई । चहारम की वसूली में उन्हे बहुत दिक्कतें पेश आती है और लोगों को सरकारी दफतरों के चक्कर काटने पड़ते हैं । गन्दा बरोज़ा की आमदन की चहारम उन्हें नहीं दी जाती । बन सरकार रकबाजात अभी तक पंचायतों को नहीं दिए गए । यह सरकार पर बदनुमा धब्बे हैं । जब तक यह नहीं धुलते और लोगों को सहूलतें नहीं मिलतीं और जंगलात की आमदन का नुमायां हिस्सा उनकी जेबों में नहीं जाता तब तक वह लोग सरकार से पूरी तरह नालां रहेंगे । सरकार की शोभा तब ही बढ़ेगी जब वह महकमा जंगलात की तरफ से की जानें वाली सखतियों व ज्यादतियों की पूरी तरह रोकथाम करेगी और लोगों को जंगलात की आमदन से ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाएगी ।

मैडीकल और हैल्थ की सर्विसिज के मुताल्लिक मैं यह बात माननें को तैयार हूं कि वहां पर बहुत से हस्पताल खोले गए हैं । मगर इन का फायदा कोई नहीं है । जैसे पुजारी के बगैर कोई मंदिर हो इसी तरह से यह हस्पताल बगैर डाक्टरों के हैं । लोग दूर दराज़ से चल कर हस्पतालों में जाते हैं । मगर जब न कोई डाक्टर मिलता है, न कोई दवाई मिलती है और न कोई मरीज़ों के साथ अच्छा सलूक होता है तो वह निराश हो कर हस्पतालों से वापस लौटते हैं ।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । चेयरमैन साहिब, मैं यह बात जानना चाहता हूं कि बोलने का टाइम लिमिट आध घंटा है या 15 मिनट हैं । आया इस में कोई तबदीली की गई है.?

**Mr. Chairman** : No change please,

**बख्शी प्रताप सिंह :** मैं अर्ज़ कर रहा था कि हमारे इलाके के अन्दर जो हस्पताल हैं, वहां पर ना कोई दवाई है और न ही डाक्टर हैं । वहां के लोग इलाज कराने के लिए घाटियों, खड्डों, नदी नालों को अबूर करके आते हैं लेकिन उन्हें दवाई न मिलने के कारण निराश हो कर वापस जाना पड़ता है ।

चेयरमेन साहिब, इस के साथ ही मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि पानी की रवानी तो पहाड़ों से होती है लेकिन वहां के लोग पीने के पानी को भी तरसते हैं । चेयरमैन साहिब, इस साल वर्षा न होने की वजह से बहुत सारे इलाकाजात में लोगों को पीने के पानी की नायाबी की वजह से सख्त मुश्किलात का सामना करना पड़ा । लोगों ने अपने पशुओं को लेकर दरयाओं व खडडों के किनारे डेरे डाले । सरकार हमेशा यह एलान करती चली आ रही है कि पहाड़ी इलाकाजात मे पीने के पानी की सहूलियतें मुहैय्या करने मे भरसक प्रयत्न करेगी मगर जब इस काम के लिए रुपया बांटा जाता है तो इन इलाकों को नज़र अन्दाज कर दिया जाता है । मैं आप के द्वारा सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि सरकार इस तरफ ज्यादा ध्यान दे और ज्यादा से ज्यादा रुपया इस काम के लिए प्रोवाइड करे ।

चेयरमैन साहिब, गवर्नर साहिब ने अपने एड्रैस में सिचाई बिजली के सम्बन्ध में मैदानी इलाकाजात का ही जिक्र किया है और वहां पर ज्यादा से ज्यादा टयूबवैलों को बिजली के कुनैक्शन दिए जाने की चर्चा की गई है, लेकिन पहाड़ी इलाकों का कोई भी ज़िक्र नहीं किया गया । चेयरमैन साहिब, मैं आप के द्वारा सरकार से अर्ज करना चाहता हूं कि पहाड़ी इलाकाजात में खेती व बागबानी की पैदावार को बढ़ाने के लिए आबपाशी के साधन महैय्या किए जाएं । वहां की कूहलों को सरकार अपनी तहवील में ले ले और उन के हैडज को पुखता करे ताकि बाकायदा पानी की रवानी जारी रह सके । इस के अतिरिक्त जहां जहां वाटर लिफ्टिंग की स्कीमें कामयाब हो सकती हैं, उन्हें अमली शकल दी जाए ।

चेयरमैन साहिब, इलैक्ट्रिसिटी के बारे में मैं इतना ही कहना चाहता हुं कि इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड जो अपने आप को बड़ी सरकार समझे बैठा है, पहाड़ी इलाकाजात में बिजली दिए जाने के बारे में कोई ध्यान नहीं देता । हम चाहते हैं कि हमारे इलाके में ज्यादा से ज्यादा रुपया इस काम के लिए खर्च किया जाए ।

चेयरमैन साहिब, जहां तक ट्रांसपोर्ट के महकमे का सम्बन्ध है, पिछले साल की निस्बत इस साल कुछ बेहतरी हुई है लेकिन अब भी पंजाब रोडवेज की बहुत सी बसें ऐसी हैं जो रास्ते में दम तोड़ देती हैं । ऐसे हालात में मुसाफिरों को बड़ी मुश्किलात का सामना करना पड़ता है । जहां पर पंजाब रोडवेज की मोटर

[बख्शी प्रताप सिंह]

सर्विस चालू नहीं की गई, उस के बारे में ज़िला कांगड़ा की सिटीज़न कौंसल ने अपनी सिफारिशात भेजी थीं और जिन्हें पंजाब सरकार ने पूरी तरह से मान लिया था लेकिन वहां पर अभी तक पंजाब रोडवेज़ की बसें चलाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए । हम चाहते हैं कि उन सड़कों पे जल्दी से जल्दी बसें चलाई जाएं और इस इलाके को ज्यादा से ज्यादा ट्रांसपोर्ट की सहूलियतें दी जाएं और पहाड़ी इलाके के लिए एक अलग रिजनल ट्रांसपोर्ट अथारिटी कायम की जाए ।

चेयरमैन साहिब, गवर्नर साहिब के एड्रैस में हिसार, रोहतक और महेन्द्रगढ़ के ज़िलों में बारिश ना होने के कारण सूखा पड़ जाने से वहां के लोगों की सहुलियत के लिए 1 करोड़ 33 लाख रुपए देने का ज़िक्र किया गया है । लेकिन, चेयरमेन साहिब, मैं आप की वसातत से सरकार को बताना चाहता हूं कि ज़िला कांगड़ा में भी कहतसाली के हालात पैदा हो गए हैं । तमाम बारानी इलाकाजात की फसलें खुश्क हो चुकी है । मवेशियों के चारे की किल्लत पैदा हो चुकी है । इस तरफ सरकार को फौरी ध्यान देना चाहिए । मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि कांगड़ा ज़िला में खुश्कसाली की ज़द में आए हुए और आने वाले इलाकों को भी दूसरे ज़िलों के मुताबिक ही सहूलतें दी जानी चाहिएं । उन की दिक्कत को दूर करने के लिए उन को सस्ते भाव पर और ज्यादा से ज्यादा अनाज भेजा जाए ताकि वह भूख से न मरें ।

चेयरमैन साहिब, मैं अन्त में सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि पहाड़ी इलाकाजात की तामीर व तरक्की की जो तस्वीरें इस हाउस में रखी जाती हैं, उन से आप देख सकते हैं कि हमारे पहाड़ी इलाकों में अभी तक कोई तरक्की नहीं हुई और हालात से तंग आ कर वह लोग इस हरे भरे पंजाब को खैरबाद कहने पर आमादा हो गए हैं । वह हिमाचल प्रदेश में शामल होने के लिए कोशिशें कर रहे हैं । उन्होंने अपने दिलों की आवाज़ चंडीगढ़ और देहली के एवानों तक पहुंचा दी है कि उन्हें जल्द अज़ जल्द हिमाचल से मिला दिया जाए ताकि सुख और शान्ति का सांस ले सकें और तामीरी तरक्की के मैदान में आगे बढ़ सकें । चेयरमैन साहिब, आप का शुक्रिया अदा करके मैं अपनी सीट संभालता हूं ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ** (ਧਾਰੀਵਾਲ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਪਿਛਲਾ ਸਾਲ ਝਗੜਿਆਂ, ਤੌਖਲਿਆਂ ਤੇ ਫਸਾਦਾਂ ਦਾ ਸਾਲ ਸੀ । ਆਉਣ ਵਾਲਾ ਸਾਲ ਔੜ ਤੇ ਘਟ ਪੈਦਾਵਾਰ

11.00 a.m.

ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਬੜੀ ਨਿਰਾਸਤਾ ਦਾ ਸਾਲ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਹ ਭਾਸ਼ਨ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਾ ਹੱਕਦਾਰ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀ. ਕੇਵਲ ਇਸ ਮਿਆਰ ਤੋਂ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੋਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਇਹ ਸਾਡੇ ਪਿਛਲੇ ਤੌਖਲਿਆਂ ਨੂੰ ਅਗੇ ਵਾਸਤੇ ਦੂਰ ਕਰੇਗਾ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਸਾਡੀ ਇਸ ਨਿਰਾਸਤਾ

ਨੂੰ ਆਸ਼ਾ ਦੀ ਕੋਈ ਝਲਕ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਕੇਵਲ ਇਸ ਮਿਆਰ ਨਾਲ ਇਸ ਨੂੰ ਤੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਕੁਝ ਅੱਖਰ ਕਹਿ ਕੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੀ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਤੇ ਛਡਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਕੀ ਫੈਸਲਾ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਲੜਾਈ ਅਤੇ ਚੀਨ ਦੇ ਖਤਰੇ ਦਾ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਵੱਧ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਮੁਨਾਸਿਬ ਸੀ । ਉਹ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਥੇ ਫੌਜੀਆਂ ਤੇ ਸਪਾਹੀਆਂ ਦੀ ਇੰਤਹਾਈ ਇੱਜ਼ਤ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਵਧਾਈ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਨਾਲ ਨਾਲ ਸਿਵਲ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਓਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਜਿੰਨੀ ਸਿਵਲ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਨੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । ਜੋ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨਾਲੋਂ 10 ਕਦਮ ਅੱਗੇ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਸਟਾਲਨ ਗਰਾਡ ਵਗੈਰਾ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸਿਵਲੀਅਨ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਨੇ ਡੀਫੈਂਡ ਕੀਤਾ । ਪਰ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਇਕ ਇਕ ਮਕਾਨ ਨੂੰ ਮੋਰਚਾ ਬਣਾਇਆ । ਮਕਾਨ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਗਏ । ਸਾਡੇ ਸਿਵਲੀਅਨ ਫੌਜੀ, ਸਿਪਾਹੀ ਜਾਂ ਤਨਖਾਹਦਾਰ ਨਹੀਂ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਘਰਾਂ ਨੂੰ, ਆਪਣੇ ਬਾਲ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਤਬਾਹ ਕਰਵਾਇਆ ਤੇ ਪਰਮਾਤਮਾ ਦੇ ਰਹਿਮ ਤੇ ਛਡਿਆ ਤੇ ਦਸ ਦਸ ਮੀਲ ਅਗੇ ਮੋਰਚਿਆਂ ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਲੜੇ । ਇਹ ਬੇਮਿਸਾਲ ਹੈ । ਇਸ ਦੀ ਜਿੰਨੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਜਾਏ ਘਟ ਹੈ । ਸਵਾਲ ਇਹ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਮਨ ਵਿਚ ਇਹ ਔਖ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਤੌਖਲਾ ਹੈ, ਇਸ ਪਾਸੇ ਤਵੱਜੁਹ ਨਹੀਂ ਦਿਲਾਈ । ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਤੌਖਲਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਮਰਨਾ ਹੈ, ਫੌਜ ਵਿਚ ਵੀ ਤੇ ਸਿਵਲ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੀ ਮੈਂ ਦੇਸ਼ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਜੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਿਵਲੀਅਨ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਦੇ 195 ਆਦਮੀ ਮਰੇ, 201 ਜ਼ਖਮੀ ਹੋਏ, ਸੈਂਕੜੇ ਪਸ਼ੂ ਖਤਮ ਹੋ ਗਏ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਕਾਨ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਏ । ਲਖੂਖਾ ਟਨ ਫਸਲ ਤਬਾਹ ਹੋਈ । ਬੰਬਾਰਡਮੈਂਟ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਐਸੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 10 ਸਾਲ ਤਕ ਬਰਾਬਰ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਤੌਖਲਾ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਤਹੱਈਆ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਤੌਖਲਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਫੌਜ ਵਿਚ ਵੀ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਦੇਣੀਆਂ ਹਨ, ਮੈਂ ਸਿਵਲ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੇਣੀ ਹੈ, ਘਰਾਂ ਦੀ ਤਬਾਹੀ ਹੋਣੀ ਹੈ, ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਜੋ ਰਹਿਣਾ ਹੋਇਆ । ਇੱਛਾ ਇਹ ਰਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਹਰ ਪੰਜਾਬੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੇਵੇ । ਕੀ ਇਸ ਨੂੰ ਪੈਸਿਆਂ ਦੀ ਵੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਏਗੀ ? ਕੀ ਬਾਕੀ ਦਾ ਮੁਲਕ, ਸੈਂਟਰ ਇਸ ਦੇ ਲਾਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗਾ । ਇਸ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਬੜਾ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਇਹ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਾਂਗੇ । ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਮੈਂ ਯਕੀਨ ਨਾਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨਾ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤੇ ਨਾ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਸੈਂਟਰ ਦਾ ਸਾਰਾ ਪੈਸਾ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਸੀ ਉਹ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਤੌਖਲਾ ਹੈ, ਪੰਜਾਬੀ ਅੱਗੇ ਇਕ ਸਵਾਲ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਪੈਸੇ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣੀ, ਕੇਵਲ 25 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਭੀਖ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇਣਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਸੜਕਾਂ ਤੇ ਜਾਂ ਪੁਲਾਂ ਤੇ ਲਗੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਕੇਵਲ ਸਾਊਥ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਨਾਰਥ ਵਿਚ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਜ਼ੋਰਦਾਰ ਆਵਾਜ਼ ਉਠੇਗੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦਾ ਇੰਟੈਗਰਲ ਪਾਰਟ ਹਾਂ ਯਾ ਨਹੀਂ । ਜੇ ਪੈਸੇ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਇਮਦਾਦ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ, ਫੈਸਲਾ ਕਰਨ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਤਾਂ ਸੈਂਟਰ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਹੋਵੇ, ਜੋ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਅਤੇ ਬਰਬਾਦੀ ਤੇ ਤਬਾਹੀ ਸਾਡੀ ਹੋਵੇ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਕ ਅੱਖਰ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ]

ਦੀ ਇਹ ਰਾਏ ਸੈਂਟਰ ਦੀਆਂ ਨਜ਼ਰਾਂ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਪਾਇਆ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਲੜਾਈ ਦਾ ਲਾਸ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਯਕੀਨ ਜਾਣੋ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ।

*(Deputy Speaker in the Chair)*

ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੱਸੀ ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਉਪਜ, ਦੂਸਰਾ ਵੱਡਾ ਮਸਲਾ ਹੈ । ਪੈਰਾ 8 ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੜੀ ਤਵੱਜੁਹ ਦਿਲਾਈ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤੌਖਲਾ ਪੂਰਾ ਦੱਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਡੀਫੈਂਸ ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਪਲੈਨ ਅਨੁਸਾਰ ਟੀਚੇ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ, ਪਲੈਨ ਦਾ ਖਰਚ ਘਟਾਉਣਾ ਪਏਗਾ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਕ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਬਰਬਾਦ ਹੋਵਾਂਗੇ, ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਲੈਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਘਾਟਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਲੇਕਿਨ ਸਾਡੀਆਂ ਪਲੈਨਾਂ ਵੀ ਘਟ ਜਾਣ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਅਸੀਂ ਮਾਰ ਖਾਵਾਂਗੇ, ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਡੀਮਾਂਡ ਕਰਨ ਲਗੀਏ ਤਾਂ ਉਹ ਪੂਰੀ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੈ । ਇਹ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਦਸੀਆਂ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਪੂਰਾ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗਾ । ਭਾਵੇਂ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਦੇ ਰਾਈਟ ਬੈਂਕ ਦੇ ਪੰਜੇ ਹੀ ਯੂਨਿਟ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲੱਗ ਜਾਣ ਫੇਰ ਵੀ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗੀ । ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮੀਂਹ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਪਾਣੀ ਘਟ ਗਿਆ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਘਟ ਹੈ । ਤੌਖਲਾ ਤਾਂ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਵੀ ਦਸੇ । ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਭਾਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਵਾਰੀ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਜ ਦੀ ਕਿਤੇ ਝਲਕ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ । ਹਰ ਪੰਜਾਬੀ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਗਿਆ । 18 ਜਾਂ 20 ਸਾਲ ਵਿਚ ਅਜ ਤਕ ਅਸੀਂ ਖੁਰਾਕ ਜਾਂ ਜ਼ਰਾਇਤ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਖੜੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਕ ਫਿਕਰਾ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ । ਆਇੰਦਾ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੋਈ ਆਸ ਨਹੀਂ ਦਿਵਾਈ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੌਜੂਦਾ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਟਰਕੀ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ, ਕੇਵਲ 15 ਸਾਲ ਵਿਚ ਉਹ ਖੁਦ ਕਦਮ ਹੋਇਆ । ਰੂਸ 10 ਸਾਲ ਵਿਚ ਸੈਲਫ ਸਫੀਸ਼ੈਂਟ ਹੋ ਗਿਆ । ਚੀਨ 5 ਸਾਲ ਵਿਚ ਡੀਵੈਲਪ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋ ਗਿਆ । ਉਹ ਅਜ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਵੱਡੀ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਤਾਕਤ ਨੂੰ ਡਾਂਗ ਦਿਖਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ 20 ਸਾਲ ਵਿਚ ਉਥੇ ਹੀ ਖੜੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਅਮਨ ਦਾ ਐਨਾ ਵਕਤ ਮਿਲ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ । ਲੇਕਿਨ ਐਨਾ ਅਮਨ ਦਾ ਅਰਸਾ ਮਿਲਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਖੜ੍ਹੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਇਕ ਅਖਰ ਭਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ, ਨਾ ਐਨਾ ਦਸਿਆ ਹੈ । ਹਰ ਖੇਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲਾ, ਹਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, ਇਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਤਾਂ ਭਲਾ ਕੀ ਲਭਣਾ ਸੀ । ਹੁਣ ਕਿਸਾਨ, ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਬਲਕਿ ਏਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਵਪਾਰੀ ਤੇ ਵੱਡੇ ਧਨਾਡਾਂ ਦੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨੇ, ਜਥੇਬੰਦੀਆਂ ਨੇ ਉਹ ਵੀ ਕਹਿਣ ਲਗ ਪਈਆਂ ਨੇ, ਕੇਵਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੈਂਡ ਪਾਲਸੀ ਗ਼ਲਤ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਇਹ ਕੁਝ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

ਮੇਰਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਆਫ ਇੰਡੀਅਨ ਚੈਂਬਰ ਆਫ ਕਾਮਰਸ ਐਂਡ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੇ ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ 13 ਫਰਵਰੀ ਨੂੰ ਇਕ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਿਸ ਦਾ ਨਾਮ ਹੈ 'Our agriculture Road to self-sufficiency.' ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਵੀ 14 ਫਰਵਰੀ ਨੂੰ ਜਿਸ ਦਿਨ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਭਾਸ਼ਨ ਦੇ ਰਹੇ ਸਨ ਉਸੇ ਦਿਨ ਦੀ ਅਖਬਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਛਪਿਆ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—

"They have suggested an appropriate land policy free from ideological considerations."

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਲੈਂਡ ਸਬੰਧੀ ਜੋ ਪਾਲਸੀ ਹੈ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਹੈ। ਅਗੇ ਚਲ ਕੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਦੋ ਦੋ ਏਕੜ ਦੇ ਫਾਰਮ ਬਣਾਏ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਸਾਡੀ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਥੱਲੇ ਨੂੰ ਗਈ ਹੈ। ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਤਕ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਫਾਰਮ ਬਣਾ ਕੇ ਇਕਨਾਮਿਕ ਹੋਲਡਿੰਗਜ਼ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ਔਰ ਜਿੰਨਾ ਚਿਰ ਤਕ ਪੰਜ ਏਕੜ ਤੋਂ ਘਟ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਲੀਆ ਮੁਆਫ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜ ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਆਮਦਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ, ਉਦੋਂ ਤਕ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਤਕ ਜ਼ੋਨ ਤੋੜ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਫਰੀ ਹੈਂਡ ਨਹੀਂ ਦਿਉਗੇ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਜਿੱਥੇ ਮਰਜ਼ੀ ਜਾ ਕੇ ਵੇਚ ਸਕਣ ਉਨਾਂ ਚਿਰ ਤਕ ਨਾ ਉਸ ਦੀ ਹੌਂਸਲਾ ਅਫਜ਼ਾਈ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਉਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਕੋਈ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਸਟੈਟਿਸਟਿਕਸ ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਦੇਖ ਲਉ, ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਜ ਏਕੜ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਹੋਲਡਿੰਗ ਹੈ ਔਰ ਹੁਣ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੋ ਦੋ ਅਤੇ ਇਕ ਇਕ ਏਕੜ ਦੇ ਫਾਰਮ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਜਿੱਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਅਨਇਕਨਾਮਿਕ ਹੋਲਡਿੰਗਜ਼ ਹੋਣ ਉਥੇ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਬਾਕੀ ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਇਹ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ 3% ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਰਜ਼ਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਗਿਲਾ ਨਹੀਂ, ਬੇਸ਼ਕ ਦੇਣ, ਮਗਰ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ 7% ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਿਉਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ? ਉਸ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਵੀ ਉਸੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਸੂਦ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿੱਥੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰਾ ਹੋਵੇ ਉਥੇ ਕਿਸਾਨ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਤਾਂਹ ਉਠ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਕੀਮਤਾਂ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਭਾਸ਼ਣ ਦੇ ਸਫਾ 10 ਤੇ ਪੈਰਾ ਦਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਪੈਦਾਵਾਰ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਮੁਨਾਸਿਬ ਕੀਮਤ ਔਰ ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਕੀਮਤ ਤੇ ਦਿਆਂਗੇ। ਪਰ ਇਹ ਗੱਲ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਹੈ। ਬਾਸਮਤੀ ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ 44 ਰੁਪਏ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਲਈ ਗਈ ਔਰ ਉਸ ਤੋਂ ਦੂਸਰੇ ਦਿਨ ਵਪਾਰੀਆਂ ਕੋਲੋਂ 54 ਰੁਪਏ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਲਈ ਗਈ ਔਰ ਫੇਰ 60 ਰੁਪਏ ਕੰਜ਼ਿਊਮਰ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਣਕ ਕੇਵਲ 49-50 ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਖਰੀਦ ਕੇ ਉਸ ਦੀ ਸਿਰਫ ਪਿਸਾਈ ਦੇ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ 76 ਰੁਪਏ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਆਟਾ ਦਿੰਦੇ ਹੋ। ਸਾਨੂੰ ਇਥੇ 54 ਰੁਪਏ ਕਵਿੰਟਲ ਵੀ ਨਹੀਂ ਵੇਚਣ ਦਿੰਦੇ ਔਰ ਜੇ ਜਗਾਧਰੀ ਪਾਰ ਕਰ ਲਉ ਤਾਂ ਉਥੇ 86 ਰੁਪਏ ਭਾ ਹੈ ਔਰ ਬਿਹਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਜਾਉ ਤਾਂ 108 ਰੁਪਏ ਕਵਿੰਟਲ ਵਿਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਸਫਾ 13 ਤੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਰਾਜ ਦੇ ਵਖ ਵਖ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਫਰਕ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਹਾਂ। ਹਰ ਵਾਰੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਰਿਆਣੇ ਦੀ ਇਤਨੀ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਇਤਨੀ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਏਥੇ ਤੁਸੀਂ ਸੁਣਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਰਿਆਣੇ ਵਾਲੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਔਰ ਸਾਰੇ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਏ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਨਾਲਾਂ ਹੋ ਕੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਸ ਸ਼ਕਲ ਦੇ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਇਸ ਦਾ ਸਿਰਫ ਇਕੋ ਹੀ ਹਲ ਹੈ ਕਿ ਰੀਡਿਸਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਆਫ ਦੀ ਪਰੋਵਿੰਸ ਆਨ ਲਿੰਗੁਇਸਟਿਕ ਬੇਸਿਜ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਕੋਈ ਕੋਅਪਰੇਟਿਵ ਸੋਲਿਊਸ਼ਨ ਹਰਗਿਜ਼

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ]

ਨਹੀਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਵੇਗਾ । ਐਕਸੈਪਟਿਡ ਨੈਸ਼ਨਲ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਆਫ਼ ਰੀਡਿਸਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਆਫ਼ ਲਿੰਗੁਇਸਟਿਕ ਪ੍ਰਾਵਿੰਸਿਜ਼ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਕੋਈ ਇਸ ਮਸਲੇ ਦਾ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਨੇ ਮਰਨ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਹੜੇ ਲਫਜ਼ ਕਹੇ ਸਨ ਉਹ ਮੈਂ ਏਥੇ ਦਸਣੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ—

"Even today by 'Swarajya' I mean redistribution of India on fully autonomous linguistic basis"

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖ਼ਸ਼ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਜਲਦੀ ਖਤਮ ਕਰੋ । (The hon. Member may please wind up.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖ਼ਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ :** ਅੱਛਾ ਜੀ, ਮੈਂ ਜਲਦੀ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ। ਮੈਨੂੰ ਅਫ਼ਸੋਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਏਥੇ ਗਲਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਰਿਪਰੀਜ਼ੈਂਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਏਥੇ ਵਾਜ਼ਿਆ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਹਿ ਸਾਡੀ ਮੰਗ ਕੇਵਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰੀਡਿਸਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਆਫ ਪ੍ਰਾਵਿੰਸ ਆਨ ਲਿੰਗੁਇਸਟਿਕ ਬੇਸਿਜ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਸਾਡੇ ਕੇਸ ਨੂੰ ਗਲਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਮਤ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੋ । ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਮੰਨਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਕਿਹੜਾ ਹੈ, ਫੇਰ ਤੁਸੀਂ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਿਉਂ ਵਾਧਾ ਘਾਟਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਸਿੱਖਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਘਟ ਸ਼ੋ ਹੋਵੇ । ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਬੇਈਮਾਨੀ ਸਮਝਾਂਗੇ । ਮੈਂ ਏਥੇ ਸਪਸ਼ਟ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀਆਂ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਤੋਂ ਘੱਟ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਮੰਨੀ ਜਾਣੀ । ਹੁਣ ਤਾਂ ਸੈਂਟ ਪਰਸੈਂਟ ਹਰਿਆਣੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਔਰ ਸੈਂਟ ਪਰਸੈਂਟ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਏ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡਾ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸੂਬਾ ਬਣਾਉ । ਸਿਰਫ 11% ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਲੋਕ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਧਰ ਇਕ ਇਕ ਦੁਕਾਨ ਹੋਵੇਗੀ ਬਾਕੀ ਕਾਰੋਬਾਰ ਯੂ. ਪੀ. ਅਤੇ ਸੀ. ਪੀ. ਵਿਚ ਚਲਦੇ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ 11 ਫੀ ਸਦੀ ਦੀ ਖਾਤਰ ਤੁਸੀਂ ਬਾਕੀ 89 ਫੀ ਸਦੀ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਹੁਣ ਬਹੁਤੇ ਚਿਰ ਤਕ ਗਲਾ ਨਹੀਂ ਘੁੱਟ ਸਕਦੇ । ਠੀਕ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਚੇਤਾ ਕਰਾਇਆ ਕਿ ਪਾਰਟੀਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤੁਸੀਂ ਸੋਵਰਿਨ ਸਟੇਟ ਮੰਗਦੇ ਸੀ । ਅਸੀਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਜ਼ਰੂਰ ਸੋਵਰਿਨ ਸਟੇਟ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਸੀ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੰਗਦੇ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਸਿੱਖ ਇਕ ਤੀਸਰੀ ਕੌਮ ਕਰਾਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਨੇ ਹਿੰਦੂ, ਮੁਸਲਸਾਨ ਔਰ ਸਿੱਖ ਤਿੰਨ ਕੌਮਾਂ ਮੰਨੀਆਂ ਸਨ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਕੈਬਨਿਟ ਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਜਲਾਲ ਉਸਮਾਨ ਅਤੇ ਮੈਂ ਮੌਜੂਦ ਸੀ । ਸਾਨੂੰ ਜਿਨਾਹ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿੱਥੇ ਮੁਸਲਮਾਨਾਂ ਦੀ 65% ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਹੈ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਛਡ ਕੇ ਬਾਕੀ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਝਨਾਬ ਤਕ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਲੈ ਲਉ ਔਰ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਨਾਲ ਰਲ ਕੇ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਉ । ਲੇਕਿਨ ਉਦੋਂ ਸਾਨੂੰ ਨਹਿਰੂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਿਵਾਇਆ ਸੀ "sub-autonomous areas hall have to be carved out for the Sikhs". ਇਸ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਿਵਾਉਣ ਤੇ ਆਪਣੀ ਸੋਵਰਿਨ ਸਟੇਟ ਦੀ ਮੰਗ ਛੱਡ ਦਿੱਤੀ । ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਬਅਟਾਨੋਮਸ ਏਰੀਆ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ

ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਮੂੰ ਅਤੇ ਕਸ਼ਮੀਰ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਦਿਵਾਏ ਹੋਏ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਤੁਹਾਡਾ ਫਰਜ਼ ਬਣਦਾ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜੇ ਕੋਈ ਸਚਾਈ ਵਾਸਤੇ ਮਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸ਼ਹੀਦ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਕੋਈ ਸਚਾਈ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਝੂਠ ਲਈ ਕਹੇ ਕਿ ਮੈਂ ਸੌ ਗੁਣਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਿਆਂਗਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸ਼ਹੀਦੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਬਲਕਿ ਝੂਠ ਲਈ ਮਰਨਾ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਤੁਸੀਂ 89% ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਨੂੰ ਦਬਾ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਦੇਣਾ ਹੀ ਪਏਗਾ । ਸੈਲਫ ਡੀਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੋਈ ਹਊਆ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਤਾਂ ਹੈਰਲਡ ਜੋਜ਼ਫ ਲਾਸਕੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ "Self determination is the essence of democracy." ਬਲਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ "it is the essence of independence." ਔਰ ਉਸ ਨੇ ਅਗੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸੈਲਫ ਡੀਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਲਈ ਯੂਨਿਟ ਕਿਹੜਾ ਹੋਵੇ । ਉਸ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਗਰੇਟ ਬਰਿਟੇਨ ਇਕ ਮੁਲਕ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਦੇ ਤਿੰਨ ਹਿੱਸੇ ਹਨ, ਇੰਗਲੈਂਡ, ਆਇਰਲੈਂਡ ਔਰ ਸਕੌਟਲੈਂਡ ਐਂਡ ਵੇਲਜ਼ । ਉਹ ਫੁੱਲੀ ਅਟਾਨੋਮਸ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੈਲਫ ਡੀਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਦਾ ਹਕ ਹਾਸਲ ਹੈ । ਠੀਕ ਉਸੇ ਬਿਨਾ ਤੇ ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਵੀ ਸੈਲਫ ਡੀਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਦਾ ਹੱਕ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਸੇ ਦਾ ਹੀ ਰੂਪ ਹੈ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਔਰ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਬਾਕੀ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਆਉਣਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸੂਬੇ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਬਣਾਏ ਗਏ ਹਨ । ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਕਰ ਇਹ ਗੱਲ ਨਾ ਮੰਨੀ ਗਈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਹੱਕ ਹੋਏਗਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸੈਲਫ ਡੀਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੀਏ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੀ ਮੰਗ ਪਰਵਾਨ ਕਰਨਾ ਹੀ ਸਾਰਿਆਂ ਦੁੱਖਾਂ ਦਾ ਇਲਾਜ ਹੈ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਹੁਣ ਬੈਠ ਜਾਉ । (Sardar Gurbakhash Singh may please resume in his seat.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ :** ਬਹੁਤ ਅੱਛਾ ਬੀਬੀ ਜੀ, ਮੈਂ ਬੈਠ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਜੇ ਗੱਲਾਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਕਹਿਣੀਆਂ ਸਨ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ । ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਗਵਰਨਰ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ ਹੈ....

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਮੈਂ ਹੁਣੇ ਹੀ ਦੋ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਪਾਰਟੀ-ਵਾਈਜ਼ ਟਾਇਮ ਦਸ ਦੇਵਾਂ-ਗੀ ਕਿ ਇਤਨਾ ਇਤਨਾ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਹੋ । (I shall shortly let the House know the time already taken by the Members party-wise.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਇਸ ਵਿਚ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਵੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਾਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਮੈਂਬਰ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਟਾਈਮ ਕਢ ਕੇ ਦੇਖ ਲਉ ਕਿ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਕਿਤਨਾ ਕਿਤਨਾ ਬੋਲਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕੋਈ ਇੰਟਰਪਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ......

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸਾਰਾ ਟਾਈਮ ਹੁਣੇ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਜਾਵੇਗਾ । (The whole position about the time will come before the hon. Members.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਪੌਣਾ ਪੌਣਾ ਘੰਟਾ ਬੋਲਦੇ ਰਹੇ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਸਾਰਾ ਵਕਤ ਇੰਟਰਪਸ਼ੰਜ਼ ਵਿਚ ਖਰਾਬ ਕਰਦੇ ਹੋ ? There should be no question of 15 minutes limit ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ ਵਰਗੇ ਜੋ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦੇ ਸੀ ਘੰਟਾ ਘੰਟਾ ਬੋਲਦੇ ਰਹੇ ।

**डा० बाल कृष्ण (होशियारपुर)** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, चन्द दिनों से गवर्नर साहिब के अभि-भाषण पर चर्चा हो रही है । राज्यपाल साहिब ने अपने अभि-भाषण के शुरू में स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की बेवक्त मृत्यु पर शोक का इज़हार किया है । यह शोक और दुःख केवल पंजाब और हिन्दुस्तान को ही नहीं दुनियां भर के पीस लविंग लोगों को हुआ है । इस महान व्यक्ति ने सिर्फ 19 महीने के थोड़े से अरसे में दुनिया के बड़े स्टेट्समैन की पोज़ीशन को हासिल किया और जब से उन्हों ने अनाने हकूमत सम्भाली जूं जूं वक्त गुज़रता गया जनता का प्यार उन के लिए बढ़ता गया और जनता का पूरा कनफीडेंस उन्हों ने हासिल किया। या मैं यह कहूँ कि with the passage of time he got confidence of the and people people got confidence in him. इण्डो-पाकिस्तान कानफ्लिक्ट के वक्त जिस समय कौम आज़मायश में से गुज़र रही थी, जिस के बारे में उन्हों ने खुद कहा था कि यह हमारी अग्नि परीक्षा है, उस आज़मायश के समय उन्हों ने जिस दलेरी, साहस और दूर अंदेशी से काम लिया और जिस तरह टाइमली और क्विक डीसीज़नज़ लिए और उन्हें जिस मज़बूती से इम्पलीमैंट किया उस की मिसाल दुनियां में नहीं मिलती । इतने महान देश के वह प्रधान मंत्री रहे लेकिन मृत्यु के बाद उन का बैंक बैलैंस निल हो, उन की स्त्री के लिए मकान न हो, बच्चों की तालीम का प्रबंध न हो, इस से हम अंदाज़ा लगा सकते हैं कि वह किस कदर ईमानदार, साधारण और कितने ऊंचे आदर्श के आदमी थे । उन की सैक्रीफाइस और सैल्फलैस जीवन की मिसाल आज की दुनिया में नहीं मिल सकती। उन्हों ने दो फ्रंट्स पर काम किया । पहला फ्रंट था लड़ाई का और दूसरा फ्रंट था अमन का । वार फ्रंट पर जिस ताकत, मज़बूती, दलेरी और दूर अंदेशी का उन्हों ने सबूत दिया उस से हिन्दुस्तान का 1962 के चायनीज़ एग्रैशन के वक्त का खोया हुआ वकार दोबारा न सिर्फ हासिल ही किया बल्कि उसे और आगे बढ़ाया और हिन्दुस्तान की शान और आन को दुनियां में बुलंद किया। पीस के फ्रंट पर वह अमन के देवता अमन की खोज में ताशकन्द पहुँचे और वहां उन्हों ने कितने ही कम्पलीकेटिड और पेचीदा मसलों को पीसफुल नैगोशियेशन्ज़ के साथ हल किया और उन्हें अमली जामा पहनाते ही अपने प्राणों की आहुति दी । ताशकन्द एग्रीमैंट दुनियां की हिस्ट्री में सुनहरी हरूफ में लिखा जाएगा और यह भी लिखा जाएगा कि 'He pleaded peace and he died for peace.' गवर्नर साहिब ने अपने अभिभाषण में चन्द और व्यक्तियों की मृत्यु पर भी शोक और दुःख का इज़हार किया है जिन्होंने जंगे आज़ादी में भारी कुरबानियां दीं । मैं भी गवर्नर

साहिब के साथ उस दुःख और शोक में शामिल होता हूं। गवर्नर साहिब ने अपने ऐड्रेस के दूसरे सफे पर इण्डो-पाकिस्तान जंग में सैनिकों की दलेरी, बहादुरी और कुरबानी की सराहना की है जिन्हों ने सिर पर कफन बांध कर अपने देश की सीमा की रक्षा करते हुए अपनी जानें न्योछावर कीं और वीरगति को प्राप्त हुए। उन्हों ने इस लिए अपनी जानें दीं ताकि हम जिन्दा रह सकें। उन शहीदों के खून से मातृभूमी का जर्रा जर्रा रंगा हुआ है और इसी लिए अलामा इकबाल ने कहा था कि—

"खाके वतन का मुझ को
हर जर्रा देवता है"

यही नहीं, हमारी पी. ए. पी. और दूसरी पुलिस, सिवल पापुलेशन, अफसरों, ट्रक-डराइवरों नें भी जिस तरह सपलाई लाइन को जारी रखा और जिस तरह सिवल पापुलेशन ने लड़ाई के मोरचों पर खुराक और असलाह पहुँचाया और ऐसे काम कर के जो शानदार रवायतें लोगों ने कायम कीं उस की मिसाल दुनिया में ढूंडे नहीं मिल सकती। पैराटरुपर्ज़ को गिरफतार करने और उन्हें उन के मिशन में नाकामयाब करने के लिए इलाके के ज़मींदारों ने और इन सब ने मिल कर जो काम किया उस की गवर्नर साहिब ने सराहना की है, उसके लिए मैं उन्हें मुबारिकबाद देता हूं। मैं गवर्नर साहिब और उन की सरकार को इस लिए भी मुबारिकबाद देता हूँ कि उन्हों ने सोल्जर्ज़, सेलर्ज़, एयरमैन और दूसरे लोगों को जिन्हों ने देश की डिफैंस के लिए जानें दी और डिस्एबल हुए हैं उन्हें ऐक्स ग्रेशिया ग्रांट्स दो हज़ार से पांच हज़ार तक मुकर्रर की हैं और इस के साथ उन के बच्चों की तालीम का बन्दो-बस्त करने के लिए 10 रुपये से लेकर 250 रुपये तक वज़ीफे दिए हैं। प्रिज़नर्ज़ आफ वार के बच्चों के लिए भी ऐसी ही सहूलतें दी हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारे दो फ्रंट थे, एक सीमा की लड़ाई का और दूसरा फील्ड का। सीमा का फंट तो बन्द है लेकिन फील्ड की लड़ाई जारी है। हमारे फील्ड के फ्रंट में बारिश न होने के कारण हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खुशकिस्मती से दो चार दिन हुए कुछ थोड़ी बारिश हुई है जिस से आशा है 10/15 फीसदी अनाज की पैदावार में बढ़ौती हो जाएगी लेकिन पंजाब में मसल मशहूर है कि खेती ओह राणी जिस दे सिर ते पाणी। इस मिसाल से हमारी सरकार भी वाकिफ है इस लिए उन्हों ने लोगों की ज़यादा से ज़यादा मदद करने के लिए एक बड़ी भारी रकम रखी है। महेंद्रगढ़, रोहतक, हिसार के ज़िलों, ऊना सब-डिवीज़न और गढ़ शंकर के कंढी के इलाकों के लिए एक करोड़ 33 लाख रुपया रखा गया है जिस से वहाँ चारा, बीज, इरीगेशन, माइनर इरीगेशन, पम्पिंग सैट्स, परकोलेशन वेल्ज़, ट्यूब वैल्ज़ वगैरा और सायल कन्ज़रवेशन का काम किया जाएगा। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि होशियारपुर के इलाके का कंढी एरिया भी इस में शामिल करना चाहिए जिस की हालत इन से किसी तरह बेहतर नहीं है। इस गए साल सरकार ने 11 हज़ार ट्यूब वैल्ज़ लगाने का टारगैट मुकर्रर किया लकिन

(डा० बाल कृष्ण)
इस की रफ्तार किस कदर सुस्त रही वह किसी से छुपी हुई नहीं है । इसकी दो वजूहात हैं और इन की तरफ मैं सरकार की तवज्जुह दिलाना चाहता हूं । पहली वजह यह है कि .. .. .. ..

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । क्या चेयर किसी मिनिस्टर या पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी को डायस पर बुला कर उस से डिसकशन कर सकती है ?

**उपाध्यक्षा** : हां कर सकती है। (Yes. The Chair is competent to do so.)

**डा० बाल कृष्ण** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं अर्ज कर रहा था कि सरकार ने जो 11 हज़ार ट्यूबवैल्ज़ लगाने का टारगेट मुकर्रर किया, उस पर सरकार बहुत ही सुस्त रफ्तार से चल रही है । इस का कारण यह है कि सरकार के पास बोरिंग करने के लिए इक्विपमेंट नहीं है । कई स्थानों पर बोरिंग एक्सपलोरेशन कामयाब भी नहीं होती जिस से गरीब किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है । मैं अपने ज़िला की एक मिसाल हाउस में रखना चाहता हूं । एक व्यक्ति ने अपनी ज़मीन पर बोरिंग करवाई । वह बोरिंग करते हुए 350 फुट तक पाइप लाइन को ले गया लेकिन बोरिंग मुकम्मल न हो सकी । उस का नतीजा यह हुआ कि पाइप नीचे रह गई और वहीं पर सारा काम खत्म हो गया । अगर सरकार इस काम के लिए उत्सुक है तो सरकार को चाहिए कि वह इस काम को करने के लिए वार फुटिंग पर शुरू करें । यह कैसे हो सकता है ? सरकार खुद रिग्ज़ खरीदे । मैं समझता हूं कि रिग काफी महंगी होती है लेकिन सरकार के लिए रिग्ज़ खरीदना मुश्किल बात नहीं है । मैं मानता हूँ कि सरकार के पैसे कई अन्य मदों पर व्यर्थ ज़ाया हो रहे हैं लेकिन इस से तो सरकार को और जनता को लाभ होगा । सरकार को जल्दी ही रिग्ज़ खरीदने चाहिएँ । उन रिग्ज़ के द्वारा एक दिन के अन्दर ही ट्यूबवैल्ज़ खोदे जा सकते हैं । उन रिग्ज़ को जमींदारों की ज़रूरत के मुताबिक जगह जगह पर पहुँचाया जा सकता है । इस तरह से लोगों को ट्यूबवैल्ज़ खोद कर सरकार को देने चाहिएं ताकि वह ज़यादा से ज़यादा अनाज पैदा कर सकें । डिप्टी स्पीकर साहिबा, आवाजें कसनें से और ग्रो मोर फूड के लिए शोर मचानें से खेती की उपज नहीं बढ़ सकती है । उस चीज़ के लिए सरकार को कोई न कोई कदम उठाने ही पड़ेंगें । मैं समझता हूँ कि हम इस टारगेट को प्रेक्टीकली तभी अचीव कर सकते हैं जब सरकार खुद रिग्ज़ खरीदे । मैं फिर अर्ज़ करना चाहता हूँ कि सरकार के लिए रिग्ज़ खरीदने कोई मुश्किल नहीं है । मुझे बतौर चेयरमैन, पी. ए. सी. के पता है कि सरकार का पैसा कई महकमों के अन्दर किस तरह से वेस्ट हो रहा है । स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने जो नारा लगाया 'जय जवान, जय किसान' यह तभी पूरा हो सकता है जब सरकार पूरी तरह से अमल करें ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं इलैक्ट्रिसिटी डिपार्टमैंट की एपेथी के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं । उस के बारे में मुझे बहुत ही दुख से कहना पड़ता है कि उस बोर्ड की जमींदारों के साथ कोई हमदर्दी नहीं है । वहां पर क्या हो रहा है? जिस समय यह बोर्ड बनाया गया था उस के आबजैक्ट्स क्या थे, उस के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं । उस के तीन आबजैक्ट्स थे । वह थे—

(1) To exercise economy ;
(2) To increase efficiency ;
(3) To avoid redtapism.

इकानोमी का हाल तो यह है कि यह बोर्ड शुरू से ही घाटे में जा रहा है। इस बारे में आगस्ट हैड जो इस बोर्ड का चेयरमैन है, जब भी उस को सवाल पूछा गया कि इस के अन्दर गबन क्यों हुआ और कैसे हुआ तो उस ने जवाब दिया कि यह बात मेरे नोटिस में नहीं आई । जब उस बोर्ड के चीफ इंजीनियर को पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम ने यह केस बोर्ड को काफी समय पहले भेज दिया था और उस के बाद हम ने दो तीन रिमाइंडर्ज़ भी दिए । मैं उन की एफीशेंसी के बारे में अर्ज़ कर रहा हूं कि उस की हालत बहुत खराब हो चुकी है। मैं इस समय ज्यादा डिटेल्ज़ में नहीं जाना चाहता क्योंकि मैं पी. ए. सी. की रिपोर्ट मार्च के पहले हफते में हाऊस में पेश कर रहा हूं । इस वक्त वह कन्फीडैंशल है । जब यह हाउस में पेश हो जाएगी तो माननीय सदस्यों को पता लग जायेगा कि बोर्ड के अन्दर क्या कुछ हो रहा है।

**कुछ आवाज़ें** : क्या यह रिपोर्ट अब भी कन्फीडैंशल रह गई है ?

**डा० बाल कृष्ण** : मैं तो जनरल रिमार्कस कर रहा हूं। मैं किसी पर्टीकुलर बात पर कुछ नहीं कह रहा हूं ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, जहां तक ऐफीशैंसी का सम्बन्ध है, उस के बारे में आप को भी मालूम है कि हर रोज बिजली कितनी कितनी बार फेल होती है । जहां तक रैड टेपइज़म की बात है, उस की भी माननीय सदस्यों को पूरी वाक्फीयत है। लोगों ने ट्यूबवैल्ज़ खुदवा रखे हैं। मोटरें फिक्स करा रखी हैं लेकिन उन को बिजली के कुनेक्शन नहीं मिल रहे हैं। इस के अलावा ट्यूबवैल्ज़ के नज़दीक से 11 के. वी. लाइन जाती है लेकिन यह डिपार्टमैंट उन को कुनैक्शन देने के लिए तैयार नहीं है। अगर कोई एम. एल. ए. उन के पास लोगों की आवाज़ को ले कर जाते हैं तो वह डिपार्टमैंट के अधिकारी कहते हैं कि माननीय सदस्य उन के डे टु डे के कामों में इंटरफीयरेंस करते हैं । उन्हें मालूम होना चाहिए कि वह पब्लिक के सरवैंट्स और एम. एल. एज़. जनता के रिप्रीजेंटेटिवज़ हैं । वह जनता के रीप्रीजेंटे-टिव्ज़ को सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। जब यह बात हम मिनिस्टर के नोटिस में लाते हैं तो कहते हैं कि बिजली बोर्ड अटानोमस है हम कुछ नहीं कर सकते । जब लोगों को कुनैक्शन नहीं मिलते तो किस तरह से ग्रो मोर फूड हो सकती है ? (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं ने जमींदारों की दो चार मुश्किलात हाऊस में

[डा० बाल कृष्ण]

ब्यान करनी हैं । इस लिए मुझे कुछ और टाईम दे दिया जाए । वैसे जब भी आप मुझे स्पीच बन्द करने के लिए हुकम देंगी मैं उसी वक्त बैठ जाऊंगा ।

**उपाध्यक्षा** : आप ने 10 मिन्ट स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के सम्बन्ध में लगा दिए और अब आप जमींदारों के बारे में कहने के लिए टाइम मांग रहे हैं । Kindly wind up now. (The hon. Member has taken ten minutes on obituary reference to the late Shri Lal Bahadur Shastri and now he wants time for discussing matters relating to land tenures. He may Kindly wind up.)

**डा० बाल कृष्ण** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरे दिल में उन के प्रति बहुत श्रद्धा थी । इस लिए जो कुछ मैंने कहा वह ही जरुरी था । डिप्टी स्पीकर साहिबा, सरकार ने एक फ्लड्ज़ कंट्रोल का महकमा बनाया हुआ है । वहां पर सरकार का बेशुमारा रुपया ज़ाया हो रहा है । सरकार फ्लड्ज़ को कंट्रोल करने के लिए जो स्कीमें बनाती है, वह सिस्टेमैटेकली ठीक नहीं होतीं । जहां पर स्कीम लागू करनी चाहिए, वहां पर लागू नहीं होती और जहां पह लागू नहीं होनी चाहिए, वहां पर लागू कर दी जाती है जिस का नतीजा यह होता है कि जो ज़मीन अच्छी होती है वह भी खराब हो जाती है । इस तरह से हज़ारों एकड़ अच्छी जमीन ज़ाया हो रही है । फ्लड्ज़ तो इन स्कीमों से कम नहीं हुए बल्कि उस से ज्यादा फ्लड्ज़ आए और नुक्सान भी बेशुमार हुआ । इसी तरह से सरकार ने ड्रेनेज के लिए एक महकमा खोला हुआ है । उस का हैड जो है, वह तो डाक्टर है लेकिन उस को चीफ इंजीनियर का रैंक दिया हुआ है । मुझे पता चला है कि उस की टर्म खत्म हो रही है लेकिन सरकार उस को और एक्सटैंशन देने जा रही है । वह यह काम करता है कि ड्रेन्ज के लिए चैनल्ज़ तैयार करनी होती हैं । वह तो सीधी चैनल्ज़ तैयार करते हैं जिस से अच्छी जमीन चैनल्ज के ज़द में आ जाती है और वह नेचुरल फलो को छोड़ देते हैं । इस से अच्छी ज़मीन भी खराब हो जाती है । **(कुछ आवाज़ें** : उस का नाम क्या है ?) मैं हाऊस में उस का नाम नहीं लेना चाहता हूँ क्योंकि वह यहां पर अपने आप को डीफेंड नहीं कर सकता है ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, बाबू बचन सिंह ने उज्जल सिंह कमेटी का हाउस में ज़िक्र किया था । मुझे और सरदार गुरनाम सिंह को उस कमेटी का मेम्बर होने का शर्फ हासिल है । हम ने सोचा कि कास्ट आफ प्रोडक्शन कम हो और वह कैसे हो सकती है । उस के लिए फर्टिलाइज़र की कीमतों को सबसिडाइज़ किया जाए । उस के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं कि—

NEW PRICING AND DISTRIBUTION POLICY ON FERTILISERS

The Government of India has recently decided that all fertiliser plants licensed upto 31st March, 1967 will have, for a period of seven years from the start of commercial production the freedom to fix price for their products and organize their own distribution thereof, subject to the condition that the Government will have the option to buy up to 30 per cent of their products at a negotiated price.....".

(*February, 1966—Fertiliser News*)

तो इन हालात में कैसे कीमतें कम हो सकती हैं। पिछले साल गुड़ की कीमत ज्यादा थी तो हमें कहा गया कि वह गन्ना मिल्ज़ वालों के दें। किसान खुद गन्नें को क्रश नहीं कर सकता है। (घंटी) जब गन्ने की कीमत 13 रुपए हो गई तो किसानों को कहा जाता है कि यह खुद गुड़ तैयार करें। अगर किसानों के इंट्रेस्ट को सरकार ने वाच नहीं करना है तो कैसे प्रोडक्शन बढ़ सकती है। इस के अलावा जब गुड़ की कीमत घट गई तो सरकार किसानों से गन्ना लेने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि हमें कहा गया कि ज़्यादा से ज्यादा गन्ना उगाओ और सरकार के कहने के मुताबिक हम ने ज्यादा से ज़्यादा गन्ने की खेती करनी शुरू की लेकिन जब गन्ना खरीदने का वक्त आया तो सरकार ने गन्ना लेने से इन्कार कर दिया। मुझे यह सरकार की पालिसी समझ में नहीं आती है। फिर इस ज़ोनल सिस्टम में क्या है? पंजाब में ज़मींदार ज्यादा से ज्यादा अनाज पैदा करता है। हालां कि पंजाब की धरती राजस्थान से तीसरा हिस्सा है लेकिन यहां पर अनाज राजस्थान से दुगना पैदा होता है। होता क्या है? यहां पर तो गंदम 22 रुपये मन और राजस्थान में 33 रुपये मन मिलती है। ज़रा आगे चले जाइये तो गंदम चालीस रुपये मन बिकती है मैं पूछता हूं कि क्या यह ज़ोनल सिस्टम ज़मींदारों का गला घोंटने के लिये रखा हुआ है? इस को उड़ा देना चाहिये और ज़मींदारों को उन के अनाज की पूरी कीमत मिलनी चाहिये। आप का धन्यवाद।

(विघ्न)

**श्री सागर राम गुप्ता** (भिवानी) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछले दो दिन से यहां सदन में गवर्नर साहिब के एड्रेस पर विवाद हो रहा है। मैं इस एड्रेस पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा गया है उस का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं इस बात से दुःखी हूँ कि मैंने इस 35,40 सफे के एड्रेस को कई बार पढ़ा है। इस में मज़दूरों के बारे में सरकार की क्या पालिसी है, उन्होंने क्या सैक्रेफाईसिज़ की है और सरकार उन के लिये क्या करना चाहती है कतई कोई ज़िक्र नहीं है। इस बात से यह ज़ाहिर होता है कि हमारी सरकार मज़दूरों की तरफ से बिल्कुल आंखें बंद किए हुए है। इस एड्रेस में इस बात का काफी ज़िक्र आया है कि जब भारत की पाकिस्तान के साथ लड़ाई हुई तो उस में लोगों ने जो सेवाएं की, फौजियों ने अपने प्राणों की आहुतियां दीं दूसरे लोगों का भी जिन का नुकसान हुआ उन को सरकार ने सब को मुआविज़े दिये। लेकिन आप सुन कर हैरान होंगे कि मज़दूरों को जिन के काम खत्म हो गए, जो बार्डर से बेघर हो गए, उजड़ गए, उन को किसी किस्म की राहत हमारी सरकार ने नहीं दी। आप को याद होगा कि पिछले सैशन के दौरान हमारी सरकार ने यह एलान किया था कि मज़दूरों में 25 लाख रुपया तकसीम करने के लिए प्रोवाईड किया है। हाऊस को यह जान कर ताज्जुब होगा कि आज तक उस 25 लाख रुपये में से सिर्फ तीन लाख रुपया मज़दूरों में बांटा गया है। इस बात को कितने महीने हो चुके हैं, कितनी देर हो गई वार हिट इकानोमी को रीसैटल करते हुए लेकिन आज तक तीन लाख रुपया मज़दूरों में बांट

[श्री सागर राम गुप्ता]

पाए हैं और वह भी इस सैशन से कुल दस पन्द्रह दिन पहले बांटे गए हैं । जितने भी लेबर डीपार्टमैंट के अफसर पंजाब में थे उन सब को अमृतसर में ले जाकर बैठा दिया गया यह दिखाने के लिये कि हम मज़दूरों को रुपया देना चाहते हैं । पहले तीन चार महीने सरकार सोई पड़ी रही । आप जानते हैं कि अगर दस दिन भी काम बंद हो जाए तो मज़दूर भूखे मरने लगते हैं । ज़रूरत तो उस वक्त थी जबकि पाकिस्तान से लड़ाई हो रही थी । उस वक्त तमाम कारखाने बंद हो गए थे मज़दूर भूखे मरने लगे थे । कोई यू० पी० चला गया, कोई बिहार चला गया और कोई बंगाल चला गया काम की तलाश में, रोटी की तलाश में । अब उन्होंने छ: महीने के बाद 25 अफसरों को अमृतसर ले जा कर बैठा दिया और कह दिया कि इन में रुपये बांटो और वह भी तीन लाख रुपया बांट पाए । आप को सुन कर हैरानी होगी कि वार हिट लोगों में करोड़ों रुपये की ग्रांट्स बांटी गई हैं और मुआवज़े दिए गए है लेकिन मज़दूरों में लोन्ज़ बांटे जा रहे हैं । आज हमारी सरकार दावे करती है कि हम सोशलिज़म लाना चाहते है, हम मज़दूरों की इमदाद करना चाहत हैं गरीबों की सहायता करना चाहते हैं । पूंजीपतियों को, जिन के कारखाने बंद हो गए तरह तरह की सबसिडी दी जा रही है, ग्रांट्स दी जा रही है, फ्री इंट्रेस्ट लोन दिये जा रहे है और मज़दूरों को, जिन के पास कोई आलटरनेटिव एम्पलाएमेंट नही जिन के पास कोई सेविंग्ज़ नहीं है कि दु:ख के वक्त गुज़र कर सकें, आज 6 महीने के बाद दो दो सौ रुपया लोन दिया जा रहा है। आप मज़ाक देखिये जो हमारी सरकार मज़दूरों के साथ कर रही है । पाकिस्तान की लड़ाई के वक्त जो नुकसान मज़दूरों का हुआ वह अभी तक उस से ही नहीं संभल पाए थे कि बिजली की कमी जो पंजाब में चल रही है उस की वजह से सारे पंजाब में हज़ारों मज़दूर बेकार हो गए । जगह जगह पर ले आफ हो रहा है । डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप जानती हैं कि पूंजीपति कारखानेदार मज़दूरों को आम तौर पर परमानेंट नहीं होने देते । उन को कई सालों तक बदली वर्कर रखते हैं । चुनांचि अब ले आफ 75 फी सदी मज़दूरों को कुछ मुआवज़ा नहीं मिल रहा क्योंकि वे परमानेंट नहीं हैं, बदली वर्कर्ज़ हैं । अगर सरकार वास्तविक तौर पर मज़दूरों की सहायता करना चाहती है तो जो बात वह कहती है उस पर अमल करना चाहिये । जो एलान सरकार करती है उस पर उस को पूरी तरह से पाबंद रहना चाहिये । सरकार का यह फर्ज़ है कि मज़दूरों के प्रति जो उस की जिम्मेदारियां हैं, समय समय पर जो उसने एलान किये हैं उन को पूरा करने की कोशिश करें । डिप्टी स्पीकर साहिबा, मज़दूरों के साथ तरह तरह के अन्याय होते हैं । आप को याद होगा कि बजट सैशन में इस हाउस के अन्दर लेबर मनिस्टर ने यह विश्वास दिलाया था कि मंहगाई के आंकड़े जो गलत तौर पर सरकार के द्वारा निकाले जा रहे हैं उन को ठीक करने के लिये फौजी तौर पर एक कमेटी बनाई जाएगी और

उस की सिफारिशात आने पर सही आंकड़े निकालने शुरू कर देंगे। आप जानती हैं कि मज़दूरों को जो मंहगाई मिलती है अगर आंकड़े मुनासिब न हों, ठीक न हों जो कि मार्किट की कीमतों का उतार चढ़ाव ठीक ज़ाहिर नहीं करते तो वह ठीक नहीं मिलती। मज़दूरों के साथ अन्याय होता है। उन को मुनासिब महंगाई नहीं मिलती। डी० ए० के मामले में सरकार ने कमेटी बिठाई थी। आज तक उस ने कोई कार्यवाही नहीं की। अब सुना है कि चीफ मिनिस्टर साहिब ने कहा है कि वह कमेटी ही डीफंक्ट है और वह कोई और कमेटी बनाएंगे। पता नहीं है कि वह कब कमेटी बनाएंगे, कब वह विचार करेगी, कब ठीक आंकड़े दिये जाएंगे और कब मज़दूरों को महंगाई मिलेगी। भगवान मालिक है मैं नहीं समझता कि कम से कम मज़दूरों वाले मामले में सरकार की कोई अकल काम नहीं करती है। दिन रात प्रोडकशन की रट लगाई जा रही है, लेकिन हमारी सरकार भूल गई है कि प्रोडक्शन में एक बहुत हद तक भागीदार मज़दूर हैं। उन के प्रति हमारी सरकार ने यह रवैया अपना रखा है। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि आप न इनवाईटा करो ऐजीटेशन, आप न इनवाईट करो मज़दूरों के रोष को। मज़दूर जहां काम करते हैं वहां वे ऐजीटेशन करना भी जानते हैं। मैं नहीं चाहता कि एमेंर्जेंसी के दौरान, जिन का फायदा कारखानेदार उठा रहे हैं और सरकार भी उठा रही है, मज़दूर संस्थाओं को मजबूर किया जाए कि वह कोई ऐजीटेशन शुरू करें। मज़दूरों का मसला खत्म करने से पहले मैं चंडीगढ़ के मज़दूरों का जिक्र खासतौर पर करना चाहता हूं। आप जानते हैं कि चंडीगढ़ को बसाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किये गए हैं और बहुत से मज़दूर दिन रात काम करते रहे हैं। और आज भी कर रहे हैं ऐसा नहीं किया गया कि जिन मज़दूरों ने लोगों के लिये मकान बनाए, बड़ी बड़ी कोठियां बनाई बड़े बड़े भवन बनाए उन के लिए भी कोई शैल्टर बना दिया जाए। एक एक कमरा कुछ लोगों को दिया है। आप अंदाज़ा लगाइये कि कहां पर उस का कुन्बा रहे, कहां पर वह खुद रहे और अगर कोई आ जाए तो उस को कहां बैठाए। इस पर तुर्रा यह है कि उन की तनखाहें बहुत कम हैं। उन को वर्क चार्ज रखा जाता है, आठ आठ, दस दस साल तक टैम्परेरी रखा जाता है। वायदे बेशुमार किये जाते हैं लेकिन अमल नहीं किया जाता। मैं मिसाल पेश कर सकता हूं कि बाकायदा तौर पर, कानूनी तौर पर कैपिटल प्राजेक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मज़दूर यूनियन्ज का समझौता हुआ है कुछ शरायत तय हुई; नौकरी के बारे में कुछ शरायत तय की गई। लेकिन चीफ इन्जीनियर कैपिटल प्रोजेक्ट, एस० ई० और एग्ज़क्टिव इन्जीनियर समझौते के पाबंद नहीं रहते। वह उन शरायत को लागू नहीं करते। मान जाते हैं, दस्तखत कर देते हैं लेकिन पाबंद नहीं रहते। जब हम लेबर डिपार्टमैंट से कहते हैं कि यह कानून को तोड़ते हैं इन का चलान करो तो फिर वहां पर लिहाज, आपसी भाई चारा अफसर अफसर का आपस में बीच बचाव और सारी बातें आ जाती हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं सरकार से अर्ज़ करूंगा कि यह जो मज़दूर हैं, जिन्हों ने पंजाब की राजधानी को बनाया है और बना रहे हैं, इन की सहूलियात की तरफ भी पूरा पूरा ध्यान दिया जाए।

[श्री सागर राम गुप्ता]

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं कुछ अपनी कान्स्टीचुएंसी का भी ज़िक्र करना चाहता हूं। आप को मालूम है कि तहसील भवानी में इस वक्त सख्त कहत पड़ा हुआ है और पिछले तीन चार सालों से कोई फसल वहां पर नहीं हो रही। अभी जो स्पैशल गिरदावरी सरकार ने वहां पर की उस के अन्दर सौ फी सदी खराबा रिपोर्ट में आया है। पिछले सत्रह अठारह साल तक हमारी सरकार इस इलाके के साथ स्टैपमदरली ट्रीटमैंट करती रही लेकिन खुशी की बात है कि अब इस दफा कुछ काम वहां पर शुरू किया है। लेकिन मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि काम शुरू करने में अभी तक बहुत सुस्ती चल रही है, (घंटी) बड़ी सुस्ती से वहां पर काम चल रहा है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि वहां पर काम करने की रफतार को तेज़ किया जाए। इस के अलावा एक बात और वहां के इलाके के बारे में मन्त्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं। सरकार की यह डिक्लेयर्ड पालिसी है कि जहां पर कोई इरीगेशन का साधन नहीं, जहां पर नहरें नहीं या कोई और तरीका सिंचाई का नहीं वहां पर ज्यादा टयूबवैल्ज़ को कुनैकशन्ज़ दिए जाएं। लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि भिवानी तहसील में कई कई महीनों तक ट्यूबवैल्ज़ वाले लोग मारे मारे फिरते हैं, हर तरीके की फारमैलिटीज़ को उन्होंने पूरा कर रखा है लेकिन फिर भी कई कई महीनों तक उनको बिजली के कूनैक्शनज़ नहीं मिल रहे। सरकार को चाहिए कि इस मामले को ज्यादा से ज्यादा प्रायरटी दे और वहां पर जल्दी से जल्दी ट्यूबवैल्ज़ लगाए जाएं जिस से कि लोगों को खेती करने में सुविधाएं मिलें।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, तहसील भिवानी के बारे में एक बहुत ज़रूरी बात और रह गई है जिस का ज़िक्र किए बगैर मैं रह नहीं सकता और वह है कि जिला महेन्द्रगढ़ में सरकारी अधिकारियों को 75 फी सदी कम्पैन्सेटरी एलाऊंस मिल रहा है लेकिन तहसील भिवानी में नहीं मिल रहा। उस का नतीजा यह होता है कि वहां पर लोग जाना नहीं चाहते। अभी पिछले दिनों भिवानी में एक नया डिवीज़न नहर कायम किया गया और वहां पर एक से दूसरा, दूसरे से तीसरा और तीसरे से चौथा एक्स० ई० एन० पोस्ट किया गया लेकिन वहां पर कोई एक्स० ई० एन जाना नहीं चाहता। नतीजा यह हुआ है कि वहां पर महीना डेढ़ महीना हो गया कोई काम शुरू ही नहीं किया जा सका। फैमिन रिलीफ का काम खुद सरकार मानती है कि टाप प्रायरटी का काम है और काफी खर्चा करने के लिए सरकार वहां पर तजवीज़ कर रही है। इस लिए सरकार को चाहिए की इस मामले कि तरफ फौरी तौर पर ध्यान दे और तहसील भिवानी में भी महेन्द्रगढ की तरह इस एलाऊंस को जारी किया जाए। (घंटी) इस के अलावा एक और बात है....

**उपाध्यक्षा :** आप जैसे मेम्बर भी मेरी बात को न मानें तो अच्छा मालूम नहीं देता । (It does not look proper if an hon. Member like him does not obey the Chair.)

**श्री सागर राम गुप्ता :** बस जी, खत्म ही करने जा रहा हूं । सरकार ने भिवानी तहसील और दूसरे ड्राट अफैक्टिड एरियाज़ के बारे में कोई परमानेंट हल सोचने के लिए एक कमेटी मुकर्रर की है जिस का चेयरमैन फाइनैन्शल कमिश्नर है । मैं चाहूंगा कि इस सम्बन्ध में पूरी तरह से और सही लाइन्ज़ पर काम किया जाए ताकि इस तरह की मुसीबत का सामना लोगों को आए साल न करना पड़े । इस के लिए मैं चाहूंगा कि इण्डस्ट्री की तरफ खास तौर पर ध्यान दिया जाए और भिवानी में पब्लिक सैक्टर में कोई इण्डस्टरी कायम की जाए ताकि जो लोगों में अनएम्पलायमैंट की समस्या है वह भी किसी हद तक हल हो सके । जहां तक इण्डस्टरी को फरोग देने का सम्बन्ध है, डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमें तो यह देख कर दुःख होता है कि वैसे तो सरकार ने तीन चार कारपोरेशनज़ बनाई हुई हैं और वहां पर कई सैक्रेटरीज़, मैनेजिंग डायरैक्टर वगैरा लगाए हुए हैं मगर अगर ध्यान से देखा जाए तो वह सारे के सारे ही पंजाबी रिजन के हैं और हरियाणा का कोई नहीं । और शायद यही कारण है कि वह लोग हरियाणा में कोई इण्डस्टरी कायम करने की बात नहीं करते । गनौर में एक सीमलैस ट्यूब फैक्टरी लगाने की स्कीम थी लेकिन अब सुना जा रहा है कि अब उसे भी खत्म करने की तजवीज़ है । इस लिए अपनी जगह पर बैठने से पहले मैं गवर्नमैंट से निवेदन करना चाहता हूं कि इन कारपोरेशन्ज़ में हरियाणा के लोगों को भी मुनासिब स्थान दिया जाए ताकि वहां पर इंडस्टरी की डिवैलपमैंट हो सके । आप का शुक्रिया ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा (गनौर) :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, आज गवर्नर के ऐड्रैस पर डिस्कशन का आखरी दिन है ।

**कुछ आवाजें :** आखिरी दिन नहीं, एक दिन और है । (विघ्न)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** तो शायद इस हकूमत के आखरी दिन आए हुए हैं ।

**उपाध्यक्षा :** आप इन के साथ न उलझिए । आप अपनी बात कीजिए । नो इन्ट्रप्शंज़ प्लीज़ । (The hon. Member need not enter into controversy with him. He may proceed with his speech. No interruptions please.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** जैसा कलरलैस, ओडरलैस और फीका सा गवर्नर एड्रैस है ऐसे ही हमारी हकूमत के वज़ीरों ने इस सैशन में यहां हाज़री न देकर अपन आप को ऐसा होने का सबूत दे दिया है (आपोज़ीसन की तरफ से प्रशंसा) डिप्टी स्पीकर साहिबा, जब से यह हाउस इस बार मीट किया है तब से ही हमारे बुज़रा साहिबान पता नहीं कहां जलवा अफरोज़ रहे हैं, उन्हें हम उन की सीटस पर तो देखते नहीं रहे ।

**मुख्य संसत् सचिव:** वह अपने कमरों में बैठे हैं ।

**कुछ आवाजें :** गलत । वह यहां पर हाज़िर नहीं । देहली दौड़े फिरते हैं ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह सी० पी० एस० ही सवालों के जवाब देता है । क्या वही हकूमत की नुमायन्दगी करता है। वज़ीर कहां दौड़े फिर रहे हैं ?

**मुख्य संसत् सचिव :** वह लोगों की खिदमत कर रहे हैं ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** यूं क्यों नहीं कहते कि देहली में लोगों को टिकटें दिलाने के लिए गवर्नमैंट के खर्च पर दो दो सौ रुपया रोज़ खर्च कर रहे हैं और इसी वजह से वहां पर भागे भागे फिरते हैं ?

**मुख्य संसत् सचिव :** कोई नहीं जा रहा ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** मैंने अपनी आंखों से उन को वहां पर देखा है ।

**मुख्य संसत् सचिव :** यह गलत ब्यानी है ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप मेहरबानी करके सी० पी० ऐस० को कहें कि वह ज़रा सब्र और तहम्मल से काम लें ।

**एक आवाज़ :** इस को तो लागी बना कर भेजा गया है। यह तो मरासी है ।

(विघ्न)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** यहां पर सी० पी० ऐस० सभी मनिस्टरों को सुपरसीड करने की कोशिश करता है और अब तक जो सवाल आए हैं तो in the presence of the Ministers the Chief Parliamentary Secretary usurps the powers of the Ministers.

**मुख्य संसत् सचिव :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । मैं आप से जानना चाहता हूं कि अगर कोई मिनिस्टर हाउस में न बैठा हुआ हो तो क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी उस के सवालों का जवाब दे सकता है या नहीं ।

**उपाध्यक्षा :** आप अपने सवालों का जवाब दे सकते हैं । (He can reply to questions relating to him.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह मेरा टाईम लिए जा रहे हैं । आप इस बात को नोट कर लीजिए

(विघ्न)

**मुख्य संसत् सचिव :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम।

**उपाध्यक्षा :** मैंने अपनी रूलिंग दे दी है । (I have given my ruling.)

**मुख्य संसद सचिव :** मेरा प्वायंट आफ आर्डर दूसरा है । और वह यह है कि सी० पी० ऐस० के पास अमूमन कोई अपना पोर्टफोलियो नहीं होता । मैं आप से यह रूलिंग चाहता हूं कि क्या वह किसी भी मिनिटस्र के सवालों का जवाब दे सकता है या नहीं ?

**उपाध्यक्षा :** यह प्वायंट देखने का है कि सब के जवाब दे सकता है या नहीं दे सकता । मिस्टर चिरंजी लाल, आप चेयर को ऐड्रैस करें और आपस में बात न करें। (This point requires examination whether the Chief Parliamentary Secretary can answer questions relating to all the Ministers. The hon. Member Shri Chiranji Lal may address the Chair and avoid mutual discussion.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** मैं तो, मैडम डिप्टी स्पीकर, आप को ही एड्रैस कर रहा हूं । तो मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि हमारे देहात में डूम हुआ करें । डूम घूम घूम कर जजमान का ढोल पीटता रहता है और कुछ मांगता रहता है । हमारा सी० पी० ऐस० भी उसी डूम वाला पार्ट अदा कर रहा है (आपोज़ीशन की तरफ से तालियां)

**उपाध्यक्षा :** आप इन को कहेंगे और यह आपको कहेंगे और इसी तरह से बात बढ़ जाएगी । आप मेहरबानी कर के ऐसी बातों को एवायड करें । (If the hon. Member says something about him, the latter will also retaliate and this will result in aggravation of tension. The hon. Member should, therefore, avoid saying such things.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** मैडम डिप्टी स्पीकर, यह जो गवर्नर साहिब ने ऐड्रैस पेश किया है इस पर काफी कुछ कहा जा चुका है । लेकिन अगर मैं गलती नहीं करता तो इन बैंचिज़ की तरफ से—मेरा इशारा अपोज़ीशन के मैम्बर्ज़ की तरफ है—हरियाणा के सवाल पर शायद अब तक कुछ नहीं कहा गया । इस एड्रेस में भी इस की बाबत कुछ नहीं कहा गया हालांकि यह एक निहायत बर्निंग टापिक है और इस सम्बन्ध में हकूमत की तरफ से भी ज़मीन आसमान एक किया जा रहा है और जिस के बारे में सारे वज़ीर देहली जा जा कर कदमी पैमायश कर रहे हैं । गवर्नर साहिब के एड्रेस में इस का ज़िक्र तक नहीं आया ।

**मुख्य संसद सचिव :** इस का फैसला अभी पैंडिंग है । इस लिए इस में इस का ज़िक्र कैसे आ जाता ?

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** जहां तक पैंडिंग का ताल्लुक है........

(विघ्न)

**Deputy Speaker :** Order please. There should be no interruption in the House.

**Shri Mangal Sein** : Madam, he may be removed from the House.

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप मेहरबानी कर के सी० पी० एस० का मुंह बन्द करें। यह मेरा टाईम यूंही ले रहा है।

**उपाध्यक्षा** : आर्डर प्लीज़। अब कोई इन्ट्रप्शन नहीं होनी चाहिए। (Order please. Henceforth there should be no interruptions.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : हमें पता लगा है कि इस गवर्नमैंट की तरफ से पालियामैंटरी कमेटी के सामने एक बात रखी गई है कि पंजाब को बाई लिंगुअल रखा जाए। मैं हकूमत से यह कहना चाहता हूं कि अगर उन की यह बात पार न पड़ी, पंजाब को बाईलिंगुअल न रखा गया, तो इस हकूमत को यहां सामने वाले बैंचिज़ पर ज़िन्दा रहने का कोई हक नहीं और अगर हकूमत की रिप्रिज़ेंटेशन पर उन के नज़रिए को मंजूर न किया गया तो हकूमत को चाहिए कि इन बैंचिज़ को खाली करके बाहर सैर करें।

**सरदार गुरचरण सिंह** : बैंचिज़ तो अभी भी खाली पड़े हैं।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, जहां तक लैंग्वेज का सवाल है यह एक कंट्रोवर्शल इशू है। इस के बारे में काफी कुछ कहा गया है।

12.00 noon

मैं इस के बारे मे ज्यादा नहीं कहूंगा मगर चूंकि यह मेरे इलाके से भी ताल्लुक रखता है इस लिये मैं इतना ज़रूर कहूंगा कि हरियाणा प्रांत किसी भी कीमत पर पंजाबी लैंग्वेज को बरदाश्त नहीं करेगा। (आपोज़ीशन की तरफ से तालियां) दूसरी बात यह कहूंगा कि अगर पंजाबी रिजन के किसी तबके को खुश करने के लिये हरियाणा प्रांत कि डिसमेम्बरमैंट की गई तो इस को भी हम बिल्कुल बरदाश्त नही करेंगे। (विघ्न)

**Chief Parliamentary Secretary**: The honourable Member is not discussing the Governor's Address.

**Deputy Speaker** : Let the Chair perform her duties.

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : अफसोस की बात यह है कि सी० पी० एस० साहिब पांच साल तक पालियामैंट के मैम्बर रहे हैं, चार साल से यहां भी मैम्बर हैं। मगर इन को अभी तक पता नहीं है कि गवर्नर के ऐड्रस की तारीफ क्या है, यह किस बला का नाम है। इन्हें तो सिवाए सरकार का ढोल पीटने के और किसी बात का पता नहीं है। (विघ्न)

**मुख्य संसत् सचिव** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम।

**उपाध्यक्षा** : यह तो ठीक नहीं अगर इसी तरह से प्वायंट्स आफ आर्डर चलते रहे। (This is not proper, if the points of order continue to be raised.) (Interruptions)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : उन्होंने कहा है कि गवर्नर का ऐड्रैस क्या होता है । मैं इन को बता दूं (विघ्न) इस ऐड्रैस में सरकार की पालिसी डिसकस की जाती है, प्रोग्राम डिसकस किया जाता है । Madam, the Chief parliamentary Secretary does not know what the policy of the Government is. He makes bold to say that what I am referring to, is not in the Governor's Address. He should first read and then talk. I pity his innocence.

**उपाध्यक्षा** : मैं ने उन को कह दिया है कि चेयर का फंकशन चेयर को करने दो । (I have asked him to let the Chair perform its function.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : सी० पी० ऐस० साहिब जो भी इन्टरप्शन करेंगे मैं उस का स्वागत करूंगा और बड़े खूबसूरत तरीके से उन को जवाब दूंगा, मैं वकील हूं ।

**Deputy Speaker :** This is not a Court.

(*Interruption*)

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** At page 13 of the Address, it is stated:

> "....Another step taken in the direction of reducing this disparity was the setting up of a Committee in March, 1965, to make a study of the socio-economic conditions of the Haryana Region so as to recommend development measures for an accelerated and integrated growth of that region. The Committee submitted its final report on the 27th January this year, and the recommendations made by it will receive the careful consideration of the State Government."

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप देखें कि सारे इतने बड़े ऐड्रेस में हरियाणा प्रांत के लिये सिर्फ 6 लाइनें हैं उस कमेटी की रिपोर्ट के लिये जो कि हरियाणे के हिन्दू के लिये गीता का स्थान रखती है, हरियाणे के सिख के लिये ग्रन्थ है और हरियाणे के मुसलमान के लिये कुरान का रुतबा रखती है । अभी तीन चार रोज़ हुए हैं हमारे प्लैनिंग मिनिस्टर साहिब ने कौंसिल में स्टेटमैंट दी थी कि इस कमेटी की जो रिकमैंडेशन्ज़ हैं उनको चौथी प्लैन में इनकारपोरेट नहीं किया जायेगा, (विघ्न) पहले साल में हम उन को बजट अलाट नहीं कर सकते । जिन का मक्का और मदीना लुध्याने के अन्दर हो, जिन के मन्दिर और शिवाले अमृतसर या गुरदासपुर में हों वह इस रिपोर्ट के मुताबिक क्यों बजट अलाट करेंगे ? मगर मैं आप की विसातत से हकूमत को चेतावनी देना चाहता हूं कि हमारे सबरो तहम्मल का पैमाना लबरेज़ हो चुका है, बहुत दिनों तक हमारा जनाज़ा चीफ पालियामैंट्र सैक्रेटरी और इन के साथियों के कन्धों पर निकलता रहा है । (तालियां) (विघ्न

**उपाध्यक्षा** : क्या यहां पर शादी विवाह हो रहे हैं ? (Are the re any marriages being solemnised here ?) (*Interruptions*).

**पंडित चिरंजी लाज शर्मा** : यह कहते हैं कि मेरी शादी हरियाणा में हुई है । तो जिस आदमी के दिल और दिमाग में अपने सुसराल का लिहाज़ नहीं है, वह पंजाब का क्य कल्याण करेगा ? जो अपने सगे बीवी बच्चों का नहीं है, साले और सुसर का नहीं है वह पंजाब के साथ क्या अच्छा सलूक करेगा । (आपोज़ीशन की ओर से तालियां) डिप्टी स्पीकर साहिबा, हम यह चाहते थे कि मुतहिदा पंजाब के अन्दर प्रेम और प्यार की मुरली बजती रहे, बुगज़ो अनाद के नाकूस न फूके जाएं मगर हमारी हकूमत कोमप्रस्ती के नाम पर फिरकादारों की मदद कर रही है । हमें मजबूर हो कर आज वह नारा लगाना पड़ रहा है जो कि हम ने आठ दस साल पहले लगाना बन्द कर दिया था कि अगर कोई चीज़ हम पर हमारी मर्जी के खिलाफ ठोंसी जायेगी तो हम उसे बरदाश्त नहीं करगे । फैक्ट्स ऐंड फिगर्ज़ को देखें तो, डिप्टी स्पीकर साहिबा, रौंगटे खड़े हो जाते हैं । इस सारे किस्से की यह हरियाणा कमेटी की रिपोर्ट एक मूंह बोलती तसवीर है । डिप्टी स्पीकर साहिबा, सर्विसिज़ में हमारा पांच फीसदी भी हिस्सा नहीं है । (आपोज़ीशन की तरफ से 'शेम शेम') फिर ऐजुकेशन की फिगर्ज़ को लें । कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के बारे में बड़े नाज़ नखरे से कहा जाता है कि हिन्दी रिजन के अन्दर है । इस का ज़रा नकशा मैं आप के सामने रखता हूं । पिछले साल हकूमत ने इस का वाइस चांसलर डाक्टरबूल चंद को मुकर्रर किया । श्री सूरज भान, जिस के खिलाफ कुछ ऐलीगेशन्ज़ थे, को वहां से निकाल कर हायर स्टेटस दिया. . . .

**उपाध्यक्षा** : पंडित जी, किसी को बाई नेम रेफर न करें । (The hon. Member need not refer any body by name.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : मैं किसी पर इल्ज़ाम नहीं लगा रहा, परसनल अटैक भी नहीं कर रहा । आई ऐम स्टेटिंग फैक्टस । मैं ने यह नहीं कहा कि यह बात सच्ची या झूठी है । मैं ने तो यही कहा कि डा० बूल चंद को उस जगह पर लगाया गया

**Chief Parliamentary Secretary** : On a Point of Order, Madam. Can we discuss. .. ...

**Deputy Speaker** : Every time I cannot allow you to raise a Point of Order.

**Chief Parliamentary Secretary** : That is very important. Can we discuss a person who is not present in the House ?

**उपाध्यक्षा** : मैं ने उन को कह दिया है। आप के कहने की जरूरत नहीं। (I have already told him. He need not point it out.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : श्री सूरज भान को पंजाब यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर लगा दिया. . . .

**मुख्य संसत्-सचिव** : फिर नाम ले रहे हैं। (विघ्न)

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Madam, I must name him. You cannot debar me from doing so. It is as a result of my right that I am doing this.

**Chief Parliamentary Secretary** : You cannot do this.

(*Interruptions and Noise in the House.*)

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Madam I seek asylum from you. You should gag his mouth. He must learn Parlimentary practice. He must know how to behave on the floor of the House. He should always be open to conviction.

**उपाध्यक्षा** : पंडित जी, आप चेयर को ऐड्रेस करें। उन की तरफ न ले जाएं। हरियाणा की बात करें। और मेहरबानी कर के किसी को नाम लेकर रेफर न करें। (The hon. Member Pandit Ji should address the Chair and not address him directly. He may speak about Hariana but should avoid reference to any body by name.)

**श्री मंगल सेन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। (विघ्न) मैं आप की रूलिंग चाहता हूं। जब इस सदन में कोई मेम्बर बार बार आग्रह करता है, इन्टरप्ट करता है तो स्पीकर साहिब कहते हैं कि चूंकि वह हाउस की कार्यवाही चलने नहीं देते लिहाज़ा वह हाउस से बाहर चले जाएं।

मगर डिप्टी स्पीकर साहिबा, जब अपोज़ीशन की तरफ में एक आनरेबल मेम्बर बोल रहे हैं और रैलेवैंट और दरुस्त कह रहे हैं तो यह चीफ पार्लियामैन्टरी सैक्रेटरी एक अनाड़ी की तरह अपनी सीट से उठ उठ बैठते हैं। पता नहीं इन की सीट के नीचे स्प्रिंग लगे हुए हैं, इन्हें रोक देना चाहिए। (हंसी)

**उपाध्यक्षा** : आप का यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (This is no point of order.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : सी. पी. एस. तो क्या समुद्र, का तूफान और आसमान की बिजली भी मेरे रास्ते में हायल नहीं हो सकती। (प्रशंसा) तो मैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा अर्ज़ कर रहा था कि कुरूक्षेत्र की यूनिवर्सिटी में डा० बूल चंद को वाइस-चांसलर मुकर्रर कर दिया गया। (विघ्न)

**उपाध्यक्षा** : आप को किसी का नाम नहीं लेना चाहिए । (The hon. Member should not refer to any body by name.)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : आप मुझे बताएं कि वह कौन सा जाब्ता है और रूल है जिस के मुताबिक आप मुझे किसी का नाम लेने से रोक सकती हैं, मैं किसी पर कोई इलजाम नहीं लगा रहा । किसी अफसर का नाम लेना कोई गुनाह नहीं । I have a right to mention the name of an individual being appointed or who has been appointed on a post.

अगर मैं किसी का नाम नहीं लेता तो हाऊ कैन आई ब्रिंग होम दी फैक्ट्स ? डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं तो यह बताना चाहता हूं कि किस तरह से इस नाम के खिलाफ साजिश की जा रही है । कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी का वाइस-चांस्लर मुकर्रर किया जाता है तो अब डैपूटेशन भेजे जा रहे हैं । पार्लियामेन्ट में भी इन के बारे में सवाल करवाया गया कि डा: बूल चंद को हटा दिया जाए । मैं आप की वसातत से बताना चाहता हूं कि इस यूनिवर्सिटी की क्या हालत है । यह हिन्दी रिजन में है और इस की जो कोर्ट है आप ज़रा उस के बारें में देखें कि उस के 38 मैम्बर हैं और इन 38 में से सिर्फ 4 हरियाणा के रहने वाले हैं । इन में 12 गवर्नर की तरफ से नामीनेटिड मेम्बर हैं । इन में से सिर्फ एक चौधरी सूरज मल हरियाणा के हैं । यह तो हालत यूनिवर्सिटी की है। जैसे कि पंजाब यूनिवर्सिटी में सिण्डीकेट है, इस के आगे एग्ज़ैक्टिव कौंसल है इस में 18 या 20 मैम्बर हैं और एक भी हरियाणा का नहीं, इसी तरह ऐकेडैमिक कौंसल है इस में 23 मैम्बर हैं और इन 23 में से 17 हैड्ज़ आफ डिपार्टमेन्ट हैं इन में से एक आध हरियाणा प्रांत का है । टीचिंग स्टाफ में 135 प्रोफैसर हैं जिन में से सिर्फ 6 हरियाणा के हैं । फिर इस में 3 असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार और 3 या 4 सुपरिन्टेंडेंट हैं और एक भी हरियाणा का नहीं । मैं पंजाब की दूसरी यूनिवर्सिटयों का ज़िक्र नहीं कर रहा, उस कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी का ज़िक्र कर रहा हूं जो हिन्दी रिजन में लोकेटिड है । अगर कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी में हमारा यह हाल है तो पंजाब यूनीवर्सिटी में एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी में और पँजाबी यूनिवर्सिटी में तो हमारा टिकाना क्या होगा आप इस का अंदाज़ा लगा सकते हैं ।

This is an eye-wash हमारे घर में हम से यह सलूक किया जाता है तो दूसरे रिजन में हमारे साथ इन के सलूक की क्या हालत हो सकती है ? खुशी की बात है कि एजूकेशन मिनिस्टर साहिब इस वक्त इस हाऊस में कदमरंजा फरमा हो गए हैं और वह शायद इस बात का जवाब देंगे कि हमारे साथ यूनिवर्सिटी लैवल पर सौतेली मां का सलूक क्यों किया जा रहा है । यह कह सकते हैं कि यूनिवर्सिटी एक अटानोमस बाडी है और हम इस के काम को डिसकस नहीं कर सकते । लेकिन अपने हकूक के लिए और जहां पर ज्यादती की जा रही हो आवाज़ तो उठा सकते हैं ।

जब यहां पर कोई चीज़ हम लाने लगते हैं तो जवाब दिया जाता है कि हम कनसिडर कर रहे हैं। आप हरियाणा डिवैल्पमेन्ट कमिशन की रिपोर्ट को ले लें, आज तक यही जवाब दिया जा रहा है कि इस को सरकार कनसिडर कर रही है। यह हकूमत खत्म हो जाएगी और इस को कनसिडर ही किया जाता रहेगा। यह मैं समझता हूं कि एक आई वाश है और अगर हरियाणा डिवैल्पमेन्ट कमिशन की रिपोर्ट को किताब की शक्ल में पेश किया गया और इस पर कारवाई न की गई तो इस के नतायज खराब होंगे। हरियाणा के लोगों ने अपने हकूक के लिए पंजाब में और गली गली में लड़ना होगा। वह इस तरह का सलूक हरियाणा के साथ बरदाश्त नहीं करेंगे। जब हम हरियाणा के लोगों की आवाज़ को उठाते हैं तो हमें ट्रेटर्ज़ कहा जाता है और हमें गुलस्तिां और बौसतां पढ़ने के लिए कहा जाता है। और दबी ज़बान में कहा जाता है कि न न ऐसा न करना, नहीं तो हिन्दुस्तान तबाह हो जाएगा। हमें देश द्रोही कहा जाता है जब हम यह कहते हैं कि हम पर पंजाबी लैंग्वेज को थ्रस्ट न किया जाए और हमें एपीथट दिए जाते हैं। आज यह तो हालत है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस में हकूमत का क्या कसूर है, यह तो आपस में ही टांगे खींचते हैं और इसी काम में लगे हुए हैं। इस के बारे में आप देखें कि पंजाब का प्रैस क्या कहता है, आप प्रस को छोड़िए गवर्नर साहिब ने अपने भाषण में इस बात का ज़िक्र किया है वह फरमाते हैं:

> "....But progress in any State or country, in the ultimate analysis, must depend on the stability of its Government and the confidence it inspires in the public mind. For this, there must be full harmony and union in the functioning of the Government...."

He is giving sermons "there must be......"

गवर्नर साहिब ने कहा है कि हारमनी नहीं है और कानफिडेंस होने का संदेश दे रहे हैं। अब आप ही देख लें, डिप्टी स्पीकर साहिबा, कि यह हकूमत किस तरीके से चल रही है। इस का असर जहां लोगों पर पड़ता है वहां एडमिनिस्ट्रेशन पर भी पड़ता है। State of uncertainty and suspense prevails in the entire administration. Go to the Secretariat, और वहां पर छोटे से छोटा क्लर्क और बड़े से बड़ा अफसर जब भी कोई लैजिस्लैटर उन के पास चला जाएगा तो यही सवाल पूछेगा कि कौन मिनिस्टर रहेगा, यह या वह। अगर इस तरह की बातें हों तो आप अंदाज़ा लगाएं कि क्या हरियाणा की हालत सुधर पाएगी unless there is stability in the Government. मैं ने गवर्नर साहिब को कोट किया है कि मिनिस्टरी में हारमनी नहीं है और मेरे ख्याल में हकूमत के पास इस बात का जवाब नहीं है।

(पंडित चिरंजी लाल शर्मा)

इस के इलावा, डिप्टी स्पीकर साहिबा, एग्रीकल्चरल डिवेलपमैंन्ट के बारे में बहुत कुछ कहा जा रहा है । आज 18 या 19 साल देश को आज़ाद हुए हो गए हैं और फिर भी एग्रीकल्चर की क्या हालत है ? हम लोगों से मांगने पर तुल आए हैं और बाहर के मुल्कों को इमदाद देने के लिए कहा जा रहा है । यह बात उचित नहीं । आज एग्रीकल्चरल डिवैलपमैन्ट का नारा दिया जा रहा है और आल इण्डिया लैवल पर इस बात पर ज़ोर दिया जा रहा है । यहां पंजाब में भी इस का चर्चा सरकार की तरफ से किया जा रहा है । मैं समझता हूं कि सरकार ड्रामा कर रही है और बाकी जगहों का तो क्या कहा जाए, सीट आफ दी गवर्नमैंन्ट चन्डीगढ़ में भी यह नाअरा दिया गया है और कहा यह गया है कि 4,000 एकड़ या बीघे ज़मीन को अन्डर कलटीवेशन लाया जा रहा है और दरख्तों के नीचे फसलें उगाने का यत्न किया जा रहा है । पहले तो दरख्त लगाएंगे और फिर अब उनके नीचे ट्रैक्टर चलाए जा रहे हैं और कहा गया है कि इन के नीचे गेहूं बोया जा रहा है । मैं आप का ध्यान इस तरफ दिलाऊं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, कि यहां पर श्री एम. सी. छागला एजुकेशन मिनिस्टर गवर्नमेंट आफ इन्डिया यहां पर तशरीफ लाए किसी रेली के सिलसिले में तो उनका स्वागत किया गया और गवर्नमैंट कालेज के लान पर एक साढ़े तीन एकड़ का लान तैयार करवाया गया जिस के लिए बताया गया है कि कलकत्ता से घास मंगवाया गया । और इस लान को तैयार करने पर 5 हज़ार रुपया खर्च किया गया ।

**शिक्षा मन्त्री** : यह बिलकुल ग़लत है।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : इस के बारे में फिगर्ज़ गवर्नमैंट कालेज के खाते में ज़रूर होंगी । उस लान पर घास उगाई गई । और सिर्फ 10 मिन्ट के लिए छागला साहिब वहां पर रहे । यह ठीक है कि छागला साहिब हमारे मुअज़िज मेहमान थे और उनका स्वागत करना चाहिए था लेकिन इतनी रकम अगर किसी काम पर खर्च की गई तो उसे कायम रखना चाहिए था । अब कालेज वालों को यह कहा गया है कि इस लान में से घास को उथल दो और इस की जगह पर गंदम लगा दिया जाए । आप अंदाजा लगाएं कि साढ़े तीन एकड़ के प्लाट पर कितनी गँदम हो सकेगी । क्या 5,000 की गंदम निकल जाएगी ? तो मैं यह कहता हूं कि this is a big hoax. It is a fraud. लोगों की आंखों में धूल डालने वाली चीज़ है कि हुक्म दे दिया कि कोठियों के लान्ज़ में गंदम बीज दी जाए । इस से एग्रीकल्चर डिवैल्पमैन्ट नहीं हो सकती ।

फिर एग्रीकल्चर इन्स्पैक्टरों की गिनती को लीजिए, इस में कितना इज़ाफा हुआ है । मेरे अपने हलका सोनीपत में, सोनीपत ब्लाक में 9 इन्सपैक्टर हैं जहां कि पहले सारी तहसील में एक होता था ।

ग्रौर यह 9 के 9 ही यू. पी. के रहने वाले हैं ग्रौर इस तरह से रह रहे हैं कि जैसे मेहमान होते हैं, रोटी खा ली ग्रौर ठाठ से रहे । मैं यह समझता हूं कि डिवैल्पमैन्ट के महकमा का भार ग्रौर बोझ हमारे फन्ड्ज़ पर है ग्रौर नीचे काम करने वाले इस तरह से हैं कि एक कान से सुना ग्रौर दूसरे से निकाल दिया ।

पंजाब की जनता के कन्धों पर बोझ है । इस लिए ग्रगर डिवैल्पमैंट के सारे डिपार्टमेन्ट को ही खत्म कर दिया जाए तो 10 करोड़ रुपये की रकम गवर्नमैंट को सेव हो जाएगी ग्रौर बी. ड़ी. ग्रोज़. ग्रौर उनके साथ जीपों में चलने वाले कम्पेनियन खत्म किए जा सकते हैं ।

इस लिये मैं कहूंगा कि डिवैलपमैंट के नाम पर जो भार गवर्नमैंट ऐकसचेकर पर डाला जा रहा है वह खत्म किया जाये ।

एक दो बातें मैं मिल्क सप्लाई स्कीम ग्रौर फूड प्राईसिज़ के मुताल्लिक भी ग्राप की खिदमत में ग्रर्ज़ कर देना मुनासिब समझता हूं ।

इन्हों ने फूड कराईसिज़ का नारा लगा कर मुलक में भुखमरी फैलाई हुई है । मेरे सोमवार शाम को 4-5 मेहमान ग्रा गये । मैं ने जब उन के लिये खाना मांगा तो नहीं मिला, दूध मांगा तो वह भी नहीं मिला ।

ग्राखिर में उन को कुछ तो खिलाकर ही सुलाना था इस लिए मुझे फौरन बाज़ार जाना पड़ा ग्रौर केला, संतरा वग़ैरा जो भी मारकिट से मिल सका उन्हें ला कर दिया । मैं पूछता हूं ग्राखिर इस सूबे में ऐसा क्यों है ।

क्या हिंदुस्तान में कहीं ग्रौर इस तरह की पाबंदी लगी हुई है ? ग्रगर नहीं, तो यहां क्यों है ? मैं पूछता हूं कि क्या हफ्ते में एक बार रोटी न खाने से खुराक में इज़ाफ़ा हो जायेगा ।

क्या यह कोई भुक्खभरी का ड्रामा सटेज नहीं किया जा रहा महज़ ग्रमरीका को दिखाने के लिये कि हम तो भाई भूखे मर रहे हैं, हमारी ग्राप इमदाद करो ।

मुलक को भिखारी शो करना, क्या इस तरह से इस मुलक की 46 करोड़ जनता को बैठे देखते हुये शर्म नहीं ग्रायेगी । मैं कहता हूं कि ग्रगर ग्राप को नहीं ग्राती तो मुझे ज़रूर ग्राती है ।

ग्राप मिल्क सप्लाई स्कीम को भी देख लीजिये । इस स्कीम के नाम पर इन्हों ने सारे पंजाब के नाक में दम कर रखा है ।

सोनीपत तक का दूध ले जा कर तो दिल्ली के हलवाई खोया निकाल सकते हैं मगर पंजाब के सारे हलवाई बेकार बैठे रहें तो कोई बात नहीं है । ग्राज जब मिनिस्टर साहिब का ध्यान इधर दिलाया गया तो ग्राप ने फिर कह दिया कि ग्रभी दूध से पाबंदी उठाई नहीं जा सकती ।

[पंडित चिरंजी लाल शर्मा]

कैसी हालत हो गई है इस मुल्क की ? डिप्टी स्पीकर साहिबा। आप भी 70 साल की हो गई हैं आप ही बतायें कि क्या आप ने कभी 28 रुपये मन गेहूं का भाव देखा था ? 24-25 रुपये मन कभी चना बिका था ? यह कहते हैं कि फूड प्राईसिज़ इस लिये कंट्रोल की हैं ताकि सब को अनाज मिल सके ।

आप ज़रा देहात में तो जा कर लोगों की हालत देखें जिन को एक वक्त भी पेट भर कर खाना नहीं मिलता । अगर यह हालत करनी थी तो फेयर प्राईस शाप्स पर इतना भारी खर्च करने की क्या ज़रूरत थी ? मार्च—अप्रैल में इन्हों ने कहा था कि 7,000 Fair Price Shops have been opened by the Government. इस तरह की बेसलैस बातों के करनें का क्या फायदा है, आप ज़रा प्रैकटीकल तौर पर तो देखें कि खुराक की हालत इस मुल्क की क्या है । हम आज कहां से कहां पहुंच गये हैं ।

अगर इस सूबे की एडमिनिस्ट्रेशन को लिया जाये, तो मैं यही कहूंगा कि आप एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्मज़ कमिशन की रिपोर्ट ही ले लीजिये कि उन्हों ने इस के मुताल्लिक क्या कहा है ।

हनुमंथय्या की रिपोर्ट अगर आप ने पढ़ी हो तो उस में एडमिनिस्ट्रेशन के मुताल्लिक लिखा है कि "The Punjab administration is paper-logged as the State is water-logged." अगर इनकी नीयत साफ थी तो जो रिपोर्ट एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्मिज़ कमेटी के चयरमैन ने दी थी उस को प्रैक्टिस में लाते, मगर यहां तो इन्हों ने एक छोटे से क्लर्क से लेकर सारे अमले को एक टायर सिस्टम में ज़कड़ रखा है । It is a large burden on the shoulders of Punjab. इस हकूमत का अगर कोई ध्यान है तो महज़ तीन बातों की तरफ है, वह है मीटिंग, ईटिंग और चीटिंग की तरफ ।

अब आप ही बतायें, जब स्टेट के हालात ऐसे हों तो कैसे गवर्नर साहिब के ऐडरैस पर शुक्रिये का आया रैज़ोल्यूशन यहां पर पास किया जा सकता है ।

**शिक्षा मंत्री:** वैसे तो सारी डिबेट का जवाब चीफ मिनिस्टर साहिब देंगे । म एक मिनट में एक मामले पर हाउस की तवज्जो दिला कर क्लीयर कर देना चाहता हूं । मेरे फाज़ल दोस्त ने जो अभी अभी कलकत्ता से मंगवा कर घास लगाने की बात कही है इस से मुझे कुछ हैरानी सी हुई है ।

यह सरासर ग़लत ब्यानी से काम लिया गया है । वहां पर एक पैसा भी कहीं घास लगाने पर खर्च नहीं किया गया आप खुद चलकर देख सकते हैं । मैं इस बात को ओपनली चैलंज़ करता हूं ।

जब हम इस आगस्ट हाऊस में कोई एक बात भी ऐसी कर देते हैं जिस का वज़न ही कोई न हो तो बाकी सारी बातों का भी कोई वज़न नहीं रहता।

आप देखें यह कहते हैं 5,000 रु० कलकत्ता से घास मंगवाने पर खर्च किया। मैं कहता हूं एक पैसा भी इस संबंध में वहां पर खर्च नहीं हुआ। अगर हो तो आप जो मरज़ी सज़ा तजवीज़ करें मैं भुगतने को तैयार हूं।

**पंडित चिरंजी लाल:** मैं कहता हूं कि घास तैयार करने के लिये लैंड तैयार की गई, घास मंगवाया गया जब श्री एम. सी. छागला आये थे। यह पता नहीं यह कलकत्ता से आया या कहीं और से मगर इतना ज़रूर है कि घास ज़रूर मंगवाया गया।

**शिक्षा मंत्री:** चलो ठीक है, अगर घास मंगवाया गया हो या इसके लिये लैंड भी तैयार की गई हो तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं, वरना यह इस्तीफा दें।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा:** पहले ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब आप को इस्तीफा दें, मैं भी आपको दे दूंगा। फिर आप जाकर मौका देख लें। एक बात के लिये एक तरीका है, मगर ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब हर बात में इस्तीफा की धमकी देते हैं। The Ministers are supposed to be broad-minded.

**उपाध्यक्षा:** अगर किसी बात पर दोनों में मतभेद है तो दोनों मौका पर जाकर और देखकर तसल्ली कर सकते हैं। इस तरह की बातों में आखिर हाउस का वक्त ज़ाया क्यों किया जाये (If there is any difference of opinion between the Minister and the Member both of them should see things on the spot and satisfy themselves. After all, why should the time of the House be wasted like this?)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा:** आप भी तसल्ली कर लें, मैं उनको भी झूठा नहीं मानता। मैं ने जो ऐलीगेशन्ज़ लगाये हैं आप उनकी इन्कवायरी करा कर पहले उसे रिफ्यूट करें।

**श्री मंगल सैन:** आन ए प्वायंट आफ़ आर्डर, मैडम। मैं आपका रुलिंग इस बात पर चाहता हूं कि जब कि कोई ऐसा इशू इस हाउस में ऐसे इनवालवड़ हो जिस पर कि इस हाउस का एक आनरेबल मिनिस्टर इस्तीफ़ा देने को कहे, यही नहीं बल्कि दूसरा मेम्बर भी इस्तीफा देने को तैयार हो तो ऐसे जंकचर पर इस हाउस की रोशनी के लिये आपका रूलिंग आना लाज़मी है। मैं इस मामले पर आपकी गाईडैंस चाहता हूं।

**उपाध्यक्षा :** बैठ जायें। वह आपको इस्तीफा भेज देंगे। (The hon. Member may resume his seat. He will send his resignation to him.) (*Laughter.*)

**श्री मंगल सैन :** मुझे मत भेजिये, अपने पास ही रखिये। (हंसी)

**पंडित भगीरथ लाल :** (पठानकोट) उपाध्यक्ष महोदया, जो प्रस्ताव गवर्नर महोदय के भाषण पर पेश किया गया है मैं उस का समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं।

गवर्नर महोदय ने अपने इस भाषण में इस बात की खास तौर पर चर्चा की है कि पिछला वर्ष खास तौर पर संकट वर्ष था जो हमें गुजारना पड़ा है।

इस भाषण में जहां उन्हों ने उन नौजवानों का, उन शहीदों का, देश के ऊपर मरने वालों का, कुरबानी करने वालों का, देश के संकट में साथ देने वालों का, हर फिरके का जिस ने कि साथ दिया है, ज़िक्र किया है वहां इसके साथ चाहे कोई व्यापारी है, किसान है, मज़दूर है, ट्रक वाले हैं, सब ने अपना अपना हिस्सा उसमें डाला है, उनका भी ज़िक्र किया है।

यह चीज हमारे देश की एकता का सबूत है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं तो बिलकुल बार्डर पर रहने वाला हूं। ज़िला गुरदासपुर में पठानकोट के पास हम ने खुद देखा, मुझे उन मोर्चों पर जाने तक का मौका मिला है। हम बार्डर पर रहने वालों ने जहां बंब पड़ रहे थे वहां जा कर अपनी सेवाएं देश के लिए अर्पण करने क यत्न किया।

यह सारे देश के लिए एक हितकर, उत्साह-वर्धक और देश को आगे ले जाने वाली बात है जिसका ज़िक्र भाषण में आया है। इस लिए मैं उस भाषण में बताई गई बातों के बारे में कहना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इसके साथ साथ गवर्नमैंट ने भी अपना पूरा यत्न लगा कर मदद की। हमें खुशी है कि गवर्नमैंट ने उन परिवारों को, जिन के आदमी शहीद हुए हैं, हर तरह से, हर ढंग से, हर योग्यता से उत्साहित करने का, उनको हर तरह की फैसिलिटीज़ देने का वायदा किया है। (*At this stage Pandit Chiranji Lal Sharma, a Member of the Panel of Chairmen occupied the Cahir.*) चेयरमैन साहिब, आज देश बड़े कठिन मरहले से गुज़र रहा है। पंजाब ने कई करोड़ रुपया रक्षा फंड में दिया है। सोना दे कर अपना हिस्सा डाला है और बांड लिये हैं। इत्तफाक से हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब भी यहां बैठे हैं और इंडस्टरी डिपार्टमैंट इत्तफाक से उनके पास है। मैं उनकी तवज्जो पठानकोट सब-डिवीज़न की तरफ दिलाना चाहता हूं। पठानकोट कोहिस्तान का इलाका है जहां से सारे जम्मू कशमीर, हिमाचल और कुल्लू वगैरा के लिए सप्लाई होती है। पाकिस्तान ने पठानकोट पर अटैक करने के लिए एड़ी चोटी का ज़ोर लगाया।

वहां की लाईन काटने के लिए कोशिश की । हमारे बहादुरों ने बहादुरी से मुकाबला किया और पाकिस्तान मुहं की खा कर गया । पठानकोट में इस वक्त तक कोई इंडस्ट्रीयल एस्टेट नहीं बन सकी । (विघ्न)

अगर यह बोलेंगे तो ठीक नहीं । चेयरमैन साहिब मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं, मैं ठीक बोल रहा हूं यह इंटरप्ट करते हैं । पठानकोट सब-डिवीजन की खास बातों की तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं । वहां इंडस्टरी की तरफ गवर्नमैंट ने कोई ध्यान नहीं दिया ।

उस पिछड़े हुए इलाका की तरफ़ ध्यान दिया जाए । उसके साथ नरोट जैमल सिंह हिल्ली ऐरिया भी उसके साथ लगता है । अगर वहां कोई इंडस्टरी लग जाए तो उस से वह लोग जो बेरोजगार हैं, पिछड़े हुए हैं उन्हें उत्साह प्राप्त होगा, वह अपने जीवन के दिन अच्छी तरह गुज़ार सकेंगे । चेयरमैन साहिब, मैं एक बात अर्ज़ करना चाहता हूं । वहां ट्रांस्पोर्टर्ज़ का काम बहुत भारी है ।

**ਸਰਦਾਰ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਧੌਲਾ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹਾਂਗਾ ਕਿ ਕੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਅਸਤੀਫੇ ਦੀ ਗਲ ਰਖ ਕੇ ਵਾਪਸ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

**Mr. Chairman** : How do you take it that it has been taken back. This has not been done.

**ਸਰਦਾਰ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਧੌਲਾ :** ਕੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਈ ਗੱਲ ਵਾਪਸ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ।

**श्री सभापति :** जो आपने कहा है वह ठीक है । (Whatever the hon. Member has said is correct.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਚੈਲੰਜਬਾਜ਼ੀ ਹੋਈ ਸੀ । ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਠ ਕੇ ਅਸਤੀਫਾ ਲਿਖ ਲਿਆ ਤੇ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਜਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲ ਦੋਵੇਂ ਅਸਤੀਫੇ ਪਹੁੰਚ ਗਏ । ਅਗਰ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚੇ ਤਾਂ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਕੀ ਹੈ ?

**श्री सभापति :** अगर मेरा अस्तीफा होता तो वह मेरी जेब में होता। आई एम परसनली कनसरंड । आप डिप्टी स्पीकर से कहें । (If it were my own resignation, it would have been in my pocket. Since I am personally concerned in the matter, the hon. Member may enquire about it from the Deputy Speaker.)

**पंडित भगीरथ लाल :** पठानकोट तीन चीज़ों के लिए मशहूर है टिंबर, सप्लाई और ट्रांस्पोर्ट । उस इलाका को इस संबंध में तमाम सहूलतें मिलनी चाहिएं ।

**सरदार गुरदर्शन सिंह :** मुस्कराते क्यों हैं ?

**पंडित भगीरथ लाल :** और रोऊं? चेयरमैन साहिब, रोने वाले तो यह हैं मैं तो मुस्करा कर चलता हूं । वहां ट्रांस्पोर्टरों के साथ बड़ी भारी बेइन्साफी है। वह यह कि हिमाचल से यानी चम्बा से सीधे रूट जो हैं वह पठानकोट के हैं, लेकिन वे हिमाचल वालों के हैं। वहां के जो ट्रांस्पोर्टर्ज़ हैं उनके जम्मू जाने की कोई इजाज़त नहीं है। (*At this stage Deputy Speaker occupied the chair.*)

वह उधर नहीं जा सकते, अपनी हद में रह सकते हैं। हिमाचल की गाड़ियां सीधी पठानकोट पहुंचती हैं । वह सब जगह का स्टाक ले सकते हैं। लेकिन जो पठानकोट के ट्रांस्पोर्टर्ज़ या गाड़ियां हैं वह हिमाचल में नहीं लाई जा सकती।

वह जम्मू तक स्टाक को नहीं ले जा सकते । मैं पंजाब गवर्नमैंट का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं। इसी तरह से कुल्लू कारपोरेशन में है। पंजाब के, खासकर पठानकोट के ट्रांस्पोर्टर्ज़ के साथ बेइन्साफी है । मैं गवर्नमैंट की तवज्जो दिलाना चाहता हूं कि कुल्लू मनाली की जो कारपोरेशन है उस को हिमाचल का जो हमारा हिस्सा है उस के अंदर जाने की इजाज़त नहीं । (घंटी)

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप ने देखा नहीं, बीच में बातें होती रहीं ।

**उपाध्यक्षा :** 5 मिनट में जो कहना है कह कर समाप्त करें । (The hon. Member may have his say within five minutes and then wind up.)

**पण्डित भगीरथ लाल :** मैं अपनी गवर्नमैंट का बहुत ही शुक्रिया अदा करता हूं कि इन्हों ने कण्डी के एरिया में पीने के पानी का इन्तज़ाम किया है वहाँ पर नलके तो लगे हुए हैं और टाँकियाँ भी बनी हुई हैं लेकिन वहाँ पर जो इस महकमें के मुलाज़िम हैं वह इतनी कोहताई से काम करते हैं कि ठीक समय पर पानी नहीं मिलता। इस लिए इस लापरवाही की वजह से वहाँ के लोगों को सख्त तकलीफ का सामना करना पड़ता है । सरकार इस बात की तरफ ध्यान ज़रूर दे ताकि लोगों को पूरा फ़ायदा पहुंच सके ।

हमारे राज्यपाल महोदय नें अपने एड्रेस में एक बड़ी भारी अपील की । उन्हों ने कहा कि हमारा प्रान्त तभी तरक्की कर सकता है अगर यह एक हो कर रहे । अगर यह टुकड़े टुकड़े हो गया तो तरक्की नहीं कर सकेगा । (*Noise*)

(ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਇਹ ਗਲਤ ਬਿਆਨੀ ਹੈ, ਕਿਹੜੇ ਸਫੇ ਤੇ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ?)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇਟ ਆਫ ਵਿਊ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਮੂੰਹ ਵਿਚ ਗਲਤ ਗਲ ਪਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਸਫਾ ਦਸਣ ਅਤੇ ਪੈਰਾ ਦੱਸਣ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਉਹ ਲਫਜ਼ ਵਾਪਿਸ ਲੈਣ ।

**पंडित भगीरथ लाल :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह पेज 32 पर है। मैं पढ़ कर सुना देता हूं। वह कहते हैं "राज्य में प्रगति की रफतार को बनाए रखने के लिए ज़रूरी है कि समाज के सभी वर्गों में एकता और सद्भावना बनी रहे।" आप अब देख लें कि यह क्या है। क्या गवर्नर ने इस चीज़ पर ज़ोर नहीं दिया ? क्या आप चाहते हैं कि लड़ाई होनी चाहिए ?

(*Interruptions*)

**Deputy Speaker :** Please do not interrupt the hon. Member.

**पंडित भगीरथ लाल :** उन्हों ने पंजाब के अन्दर इस सूबे को एक बनाए रखने के लिए अपील की है, उन्हों ने लिखा है कि सारे लोग एक बन कर रहें तभी सूबा तरक्की कर सकता है।

**Deputy Speaker :** Please resume your seat now.

**पंडित भगीरथ लाल :** यह तो फिर आप पर उनका प्रभाव ही हो गया है।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤੁਹਾਡੇ ਤੇ ਐਸਪਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੇ ਅਸਰ ਹੇਠ ਹੋ। ਇਹ ਲਫਜ਼ ਵਾਪਿਸ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

**Deputy Speaker :** That is not your business Please resume your seat.

**पंडित भगीरथ लाल :** गवर्नर साहिब ने पंजाब को एक रखने के लिए अपील की है। इस लिए सब को इसे मानना चाहिए।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** (ਧੂਲ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਵੀ ਭਲੀ ਭਾਂਤ ਇਸ ਮਤੇ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੁੰਦਾ ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਜ ਛੇ ਲਖ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਕ ਲਫਜ਼ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ। ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਗਰੇਡ ਤਿੰਨ-ਚਾਰ ਵਾਰੀ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਗਰੇਡ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਉਠਿਆ। ਇਕੋ ਹੀ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮਲਾਜ਼ਮ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਦੂਣੋਂ ਦੂਣੀ ਦਾ ਅੰਤਰ ਹੈ। ਸ਼੍ਰੀ ਹਨੂ ਮਨਥਈਆ ਨੇ ਆਪਣੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਟਿਵ ਰੀਫਾਰਮਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਰੀਪੋਰਟ ਦੇ ਵਿਚ ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਪੇ-ਕਮਿਸ਼ਨ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਐਸਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਕਿਉਂ ਪਿੱਛੇ ਨੂੰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਐਡਰੈਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਸਿਵਲੀਅਨ ਜਾਂ ਮਿਲਟਰੀ ਪਰਸਾਨਲਜ਼ ਨੇ ਬਹਾਦਰੀਆਂ ਦਿਖਾਈਆਂ ਹਨ ਜਾਂ ਜਿਹੜੇ ਲੜਾਈ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰੀਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰਫ 12 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ ਮਗਰ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਜਿਹੜੇ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਬੜੇ ਵਡੇ ਸਰਮਾਇਦਾਰ ਹਨ, ਸ੍ਰੀ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਔਰ ਜਗਤਜੀਤ ਮਿਲ, ਫਗਵਾੜਾ ਨੂੰ 23 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਐਕਸ ਗਰੇਸ਼ੀਆ ਗਰਾਂਟ ਵਜੋਂ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਲੜਾਈ ਕਰਕੇ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਇਹ 23 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰੀਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣਾ

[ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ]

ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ ਦੇ ਪਿੰਡ ਦਾ ਇਕ ਸੋਲਜਰ ਸ਼ਹੀਦ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਨੂੰ ਵੀਰ ਚੱਕਰ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਮਗਰ ਉਸ ਦੇ ਪਿੰਡ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਨਹੀਂ ਗਿਆ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਰ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਤਸੱਲੀ ਦੇਣ ਲਈ ਕੋਈ ਚਿੱਠੀ ਹੀ ਲਿਖੀ ਹੈ । ਇਹ ਦੇਸ਼ ਭਗਤਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਤਕਰਿਆਂ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਜਿਹੜੇ ਕਲਰਕ ਅਤੇ ਅਸਿਸਟੈਂਟਸ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ 1945 ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਗਰੇਡ ਸੀ ਉਹੋ ਹੀ ਗਰੇਡ ਅਜ ਚਲੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ । ਪੈਪਸੂ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮੁਬਾਇਲ ਸੋਸ਼ਲ ਸਟੱਡੀ ਸਕਵੈਡ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ 1945 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਿਸੇ ਨੇ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਜਿਥੇ ਗਰੀਬ ਟੀਚਰਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ 65 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਡਿਫੈਂਸ ਤੇ ਰੀਲੀਫ ਵਜੋਂ ਇਕੱਠਾ ਕਰਕੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਥੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਵੀ ਮੜ੍ਹ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੇਸ਼ਗੀ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿਉ ਕਿ ਮੈਂ ਇਤਨੇ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਦਿਆਂਗਾ । ਜੇ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵਿਕਟੇਮਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਚੈਕ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੁਰੱਬੇਬੰਦੀ, ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਅਤੇ ਮਾਲ ਦੇ ਕਈ ਹਜ਼ਾਰ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਨੋਟਸ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਨੋਟਸ ਦੇਣ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਵਿਤਕਰੇ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਸਾਂ ਤੇ 1-4-1966 ਤਾਰੀਖ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਪਟਵਾਰੀ ਜਾਂ ਸਬ-ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 28-2-66 ਦੀ ਤਾਰੀਖ ਤੋਂ ਹਟਾਉਣ ਦੇ ਨੋਟਸ ਦਿੱਤੇ ਹਨ । ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਨਾਵਾਜਬ ਗੱਲ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕੁਝ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਫੈਸਲਿਆਂ ਦੇ ਐਕਸਟਰੈਕਟਸ ਦੀ ਕਾਪੀਆਂ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਪਹਿਲੇ ਤੁਸੀਂ ਉਹ ਕਾਗਜ਼ਾਤ ਚੇਅਰ ਦੇ ਕੋਲ ਭੇਜੋ, ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ । (The hon. Member may please pass on the papers to the Chair first. Permission for being laid on the Table will be given later on.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਦਸ-ਦਸ, ਬਾਰਾਂ-ਬਾਰਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਸਰਵਿਸ ਵਾਲੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਨਫਰਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਇਹ ਚਾਹੁਣ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਨੋਟਸ ਦੇ ਕੇ ਸਰਵਿਸ ਟਰਮੀਨੇਟ ਕਰ ਸਕਣ । ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸੋਚੀ ਸਮਝੀ ਸ਼ਰਾਰਤ ਅਤੇ ਸਾਜ਼ਸ਼ ਹੈ ।

ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਦੋ ਢਾਈ ਸਾਲ ਦੀ ਸਰਵਿਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪੱਕਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਸਾਲਾਂ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਦਲੀਲ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੁਝ ਪਰਾਜੈਕਟਸ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਬਣਨੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਮਹਿਕਮੇ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਹੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਸਰਵਿਸ ਵਿਚ ਹੀ ਰਖਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਕੀ ਦੇ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ ਐਬਜ਼ਾਰਬ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਨਾ ਕਿ 10, 12 ਸਾਲ ਦੀ ਸਰਵਿਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਘਰ ਚਲੇ ਜਾਓ । ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਮਹਿਕਮਾ ਤਾਲੀਮ ਦੇ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਫੰਡ ਕੁਲੈਕਸ਼ਨ ਏਜੈਂਸੀ ਨਾ ਬਣਾਉ, ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਚੰਗੇ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲਣਗੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਜੇਕਰ ਪੁਲਿਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ

ਕਰਨ ਤਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਿਹਤਰ ਹੋਵੇਗਾ । ਫਿਰ ਇਸ ਵਕਤ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਜੋ ਫੂਡ ਪਰਾਈਸਿਜ਼ ਹੈ, ਇਸ ਵੇਲੇ "ਜੈ ਕਿਸਾਨ, ਜੈ ਜਵਾਨ" ਦਾ ਬੜਾ ਨਾਹਰਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਫੂਡ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਆਤਮ ਨਿਰਭਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਵਕਤ ਭੀ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਜਾਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਣ ਤੇ ਡੀਜ਼ਲ ਆਇਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨਿਕੰਮੀ ਪਾਲੀਸੀ ਹੈ ਤੇ ਇਸਦਾ ਕੀ ਹਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਬਲੈਕ ਮਾਰਕਿਟੀਆਂ ਅਤੇ ਨਫਾ ਖੋਰੀ ਤੇ ਨਕੇਲ ਨਹੀਂ ਪਾਈ ਜਾਂਦੀ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪਾਸੋਂ ਪੈਸੇ ਲਾਕੇ ਪੰਪਿੰਗ-ਸੈਟਸ ਤੇ ਟਿਊਬ-ਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ 25 ਫੀਸਦੀ ਸਬਸਿਡੀ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਲੇਕਿਨ ਅਜੇ ਤਕ ਇਕ ਕੇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚੈਲਿੰਜ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਸਬਸਿਡੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ । ਲੋਨਜ਼ ਵੀ ਜੋ ਬਲਾਕਸ ਵਿਚ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੀ ਬੁਰਾ ਹਾਲ ਹੈ । ਜੋ ਕੇਸ ਮੈਚਿਊਰ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਇਕ ਇਕ ਬਲਾਕ ਵਿਚ ਦੋ-ਦੋ, ਤਿੰਨ-ਤਿੰਨ ਕੇਸ ਮੈਚਿਊਰ ਹੋਏ ਹਨ (1) ਰਾਮ ਪੁਰਾ ਤੇ (2) ਫੂਲ ਬਲਾਕਸ ਵਿਚ ਪੰਜ ਕੇਸ ਮੈਚਿਉਰ ਹੋਏ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਸਿਰਫ ਗੱਲਾਂ ਹੀ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਘੋੜੇ ਦੌੜਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਫਿਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਫੂਡ ਪਰਾਬਲਮ ਹਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਵੇਂ ਫੂਡ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਹਲ ਵਾਹ ਕੇ ਤੇ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਕਿਊਸਿਕਸ ਪਾਣੀ ਬਰਬਾਦ ਕਰਕੇ ਫੂਡ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਬਲਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਹ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਹੋ ਸਕੇਗਾ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਰੁਪਿਆ ਹੀ ਗ਼ਬਨ ਹੋਵੇਗਾ । ਜੇਕਰ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਖਰਚ ਆਵੇਗਾ ਤਾਂ ਚਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਬਿਲ ਬਣ ਜਾਵੇਗਾ । ਅਜ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੈਰੋਸੀਨ ਆਇਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ, ਡੀਜ਼ਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ, ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਣਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਡੀਲਰ ਧੜਾ-ਧੜ ਵਧਾ ਰਹੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ, ਸਿਰਫ ਨਾਹਰੇ ਬਾਜ਼ੀ ਤੇ ਬਿਆਨਬਾਜ਼ੀ ਹੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਹ ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਣਾਂ ਦੀਆਂ ਵਧ ਰਹੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰੋਕਦੀ ਸਗੋਂ ਡੀਲਰਾਂ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਖਟਾ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਲਈ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਦੇਣ। ਜਿਸ ਇੰਜਣ ਦੀ ਕੀਮਤ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਹੁੰਦੀ ਸੀ, ਹੁਣ ਉਸਦੀ ਤਿੰਨ-ਚਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਸਰਮਾਏਦਾਰਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫੂਡ ਦਾ ਸੰਕਟ ਹਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਵੇਖੋ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਟਿਊਬ-ਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਏ ਹੋਏ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ । ਅਸੀਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਡੈਪੂਟੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਮਿਲ ਚੁਕੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਮਹਿਰਾਜ ਵਰਗੇ ਇਕੱਲੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ 80 ਟਿਊਬ-ਵੈਲਜ਼ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਪਰ ਉਥੇ ਵੀ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ ।

ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਐਡਰੈਸ ਦੇ ਪੰਨਾ 22 ਅਤੇ ਪੈਰਾ 11 ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਬੜਾ ਕਲੀਨ, ਰਿਸਪਾਂਸਿਵ ਤੇ ਐਫੀਸ਼ੈਂਟ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਕਲੀਨ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਖੁਦ

[ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ]

ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਐਡਮਿਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਚਾਰ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਦੇ ਕੇਸ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਕੋਈ ਪਲਾਂਟਸ ਵਗੈਰਾ ਨਹੀਂ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਫਿਰ ਵੀ ਉਹ ਕਰਜ਼ੇ ਲੈ ਗਏ ਅਤੇ ਖੰਡ ਵਿਚ ਮੁਨਾਫਾ ਖੋਰੀ ਕਰ ਗਏ ਲੇਕਿਨ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਵੀ ਐਡਮਿਟ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ । ਕੀ ਇਹੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਲੀਨ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ਜਿਸਦਾ ਬੜਾ ਚਰਚਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਿਤਨੀ ਰਿਸਪਾਂਸਿਵ ਹੈ ਇਸਦੀਆਂ ਵੀ ਮੈਂ ਕਈ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕੁਝ ਉਘੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਪੈਪਸੂ ਦੀ ਉਨਤੀ ਬਾਰੇ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਮਿਲੇ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਨਾਲ ਧਕਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖ ਲਉ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਬਾਰੇ ਇਸ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਇਕ ਲਫਜ਼ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਜਵਾਬ ਤਕ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਿਸਪਾਂਸ ਦੀ ਇਕ ਹੋਰ ਮਿਸਾਲ ਸੁਣ ਲਉ ਕਿ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀ ਫੂਲ ਨੇ ਕੋਈ ਢਾਈ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਇਕ ਮਤਾ ਸਰਬ ਸੰਮਤੀ ਨਾਲ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਰਾਮਪੁਰਾ ਫੂਲ ਤੋਂ ਸਲਾਬਤ-ਪੁਰ ਤਕ ਸੜਕ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੀ ਖਸਤਾ ਹਾਲੀ ਬਾਰੇ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਮਹਿਕਮੇ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਪਰ ਹੁਣ ਤਕ ਕੋਈ ਸੁਧਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਗਿਆ ਹੈ । ਫਿਰ ਉਸ ਬਲਾਕ ਸਮਿਤੀ ਨੇ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ ਤੋਂ ਗੁਮਟੀ ਕਲਾਂ ਤਕ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਹੋਏ ਸੜਕ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਮਤਾ ਸਰਬ ਸੰਮਤੀ ਨਾਲ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਲੇਕਿਨ ਐਸ. ਈ. ਪੰਚਾਇਤ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਪੈਸੇ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀ ਨੇ ਖਰਚ ਕਰਨੇ ਹਨ, ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਹੀਂ ਕਰਨੇ ਹਨ । ਇਹ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਐਫੀਸ਼ੈਂਸੀ ਤੇ ਰਿਸਪਾਂਸ ਜਿਸਦਾ ਬੜਾ ਚਰਚਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਫਿਰ ਸ੍ਰੀ ਪਰਬੋਧ ਚੰਦਰ ਜੀ ਦਾ ਇਕ ਬਿਆਨ ਛਪਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਸਮਝੌਤਾ ਕਰਾਣ ਦੀ ਕਾਫੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਪਰ ਉਹ ਅਸਫਲ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਐਫੀਸ਼ੈਂਸ਼ੀ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । ਅੰਬਾਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਦੀ ਚੋਣ ਹੋਣੀ ਸੀ । ਉਥੇ ਦੇ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਬਾਰੇ ਡੀ. ਸੀ. ਖਾਮੋਸ਼ ਹੈ ਐਸ. ਪੀ. ਖਾਮੋਸ਼ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਪਲੀ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਚੋਣ ਤਰੀਕਾ ਇਸ ਲਈ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰਨੀਆਂ ਪਈਆਂ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੇ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਖਤਰਾ ਸੀ । ਐਸ. ਪੀ. ਤੇ ਡੀ. ਸੀ. ਨੂੰ ਤਾਂ ਅਮਨ ਲਈ ਖਤਰਾ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਤਰਾ ਪੈ ਗਿਆ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੁਣ ਅਮਨ ਲਈ ਖਤਰਾ ਵੇਖਣ ਦਾ ਸਕੇਲ ਹੀ ਬਦਲ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਡੀ. ਸੀ. ਤੇ ਐਸ. ਪੀ. ਦੀ ਬਜਾਏ ਵਜ਼ੀਰ ਹੀ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦਾ ਪੈਮਾਨਾ ਲੈ ਕੇ ਫਿਰਿਆ ਕਰਨਗੇ । 14 ਫਰਵਰੀ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਕਿਸਾਨ ਸਭਾ ਨੇ ਬੜਾ ਪੀਸਫੁਲ ਮੁਜ਼ਾਹਰਾ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਇਥੇ ਦਫਾ 144 ਲਗਾ ਦਿਤੀ । ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਦਾਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਇਕ ਇਕ ਕਾਪੀ ਹਰ ਅਫਸਰ ਤੇ ਸੁਪਰਿਨਟੈਂਡੈਂਟ ਦੀ ਟੇਬਲ ਤੇ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਗੀਤਾ ਹੋਵੇਗੀ । ਲੇਕਿਨ ਕਿਤਨੇ ਦੁਖ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਉਹੋ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੁਝ ਵਜ਼ੀਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜਾਕੇ ਕੈਰੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਆਪਣੇ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਫੰਡਜ਼ ਵਿਚੋਂ 50 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੇ ਆਏ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਉਹ ਦਾਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਰਿਪੋਰਟ ਜਿਸਨੂੰ ਗੀਤਾ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿਥੇ ਗਈ ਜੋ ਕੁਰਪਟ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਪੈਸੇ ਦੇਣ ਲਗ ਪਏ (ਘੰਟੀ) ਜਿਹੜੇ ਆਡਿਟ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਗਲਤ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਕੰਮ ਲਈ ਇਕ ਹੀ ਵਜ਼ੀਰ ਫੰਡ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਵੀ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ ।

ਅਜ ਦਾ ਭਖਦਾ ਮਸਲਾ ਇਹ ਹੈ ਜੋ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਬੜੀ ਜਾਇਜ਼ ਤੇ ਹੱਕੀ ਮੰਗ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਛੇਤੀ ਹੀ ਮੰਨ ਕੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਠੀਕ ਰਹਿਣ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਕੋਈ ਮਗਾਲਤਾ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਤੇ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਬਿਲਕੁਲ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰਕੇ ਮਗ ਰਖੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਮੰਗ ਨੂੰ ਹੁਣ ਰਿਪਬਲੀਕਨ ਪਾਰਟੀ ਵੀ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰਕੇ ਸਪੋਰਟ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਹ ਸਾਡੀ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੀ ਜਾਇਜ਼ ਮੰਗ ਹੈ ਅਤੇ ਹੱਕੀ ਤੇ ਵਿਧਾਨਕ ਵੀ, ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਡੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸਦਾ ਸਤਿਕਾਰ ਹਰ ਪੰਜਾਬੀ ਨੂੰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਾਂ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਭੁਲੇਖਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ, ਬਾਪ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਭਾਵੇਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਸ਼ਕ ਪੈ ਜਾਵੇ । (ਹਾਸਾ) ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਖਾਹ ਮਖਾਹ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਚੱਕਰ ਵਿਚ ਪੈਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਛੇਤੀ ਹੀ ਇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਕਿਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਆਪਣਾ ਕੇਸ ਪਲੀਡ ਕਰਨ ਲਈ ਦਿੱਲੀ ਭਜੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੀ ਗੱਦੀ ਤੇ ਕੁਰਸੀ ਨੂੰ ਬਚਾਉ । (ਘੰਟੀ) ਬਸ ਜੀ, ਇਕ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਇਹ ਸੈਸ਼ਨ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਸਾਰੇ ਸਾਲ ਦਾ ਕੱਚਾ ਚਿੱਠਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਫੂਡ ਪਰਾਬਲਮ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੀ. ਐਲ. 480 ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਲੇਕਿਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ ਦਿੱਲੀ ਹੀ ਸਬ-ਕਾਲੋਨੀ ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਪੁਛੋ ਦਿੱਲੀ ਗਏ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਬਿਰਲਾ ਬ੍ਰਾਦਰਜ਼ ਬਾਰੇ ਜਿੰਨੀ ਛੇਤੀ ਵਿਚ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਉਲਟ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1957-58 ਵਿਚ ਜਿਸ ਇਵੈਕੁਈ ਮਕਾਨ ਦੀ ਕੀਮਤ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਜਾਂ ਘਟ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਨਾਮ 30 ਰੁਪਏ ਲੈ ਕੇ ਬੈਨਾਮੇ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ, ਬਹੁਤਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਹਾਲੇ ਤਕ ਬੈਨਾਮੇ ਮਿਲੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਐਨੇ ਸਾਲ ਦੇ ਬੈਨਾਮੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਗਰੀਬਾਂ ਦਾ ਖੂਨ ਚੂਸਣ ਵਾਲੀ ਸਰਕਾਰ, ਤੇ ਬਿਰਲਾਜ਼ ਵਰਗੇ ਕਰੋੜਪਤੀਆਂ ਤੋਂ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਖਟਣ ਵਾਲੀ ਸਰਕਾਰ, ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਚੋਣਾਂ ਲਈ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਅਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨੋਟਸ ਦੇ ਕੇ ਘਰੋਂ ਬੇਘਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਬੈ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਘਰ ਖਾਲੀ ਕਰਨ ਲਈ ਕਹਿ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਲੰਧਰ ਤੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਜੋ ਇਹ ਧੱਕਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । (ਘੰਟੀ) ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਹੁਣ ਕਿਸਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਮੁਜ਼ਾਹਰੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਕਲ ਆ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਰਾਏ ਦਿਤੀ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਇਕ ਕੈਬੀਨਿਟ ਕਮੇਟੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਬਿਰਲਾਜ਼ ਦਾ ਡੀਡ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ । ਆਖਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਹੋ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦਾ ਹਲ ਛੇਤੀ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਵਰਨਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ।

**उपाध्यक्षा** : मुख्य मंत्री (Chief Minister) ।

1.00 p.m.

(मुख्य मंत्री अपनी स्पीच करने के लिए खड़े हुए)

**श्री मंगल सेन** : आन ए प्वाँयट आफ आर्डर, मैडम ।

**उपाध्यक्षा** : आप ने कितनी बार प्वायंट आफ आर्डर रेज़ करने हैं। (For how many times the hon. Member has to raise his points of order ?)

**श्री मंगल सेन** : उपाध्यक्षा महोदय, अगर मुझे हज़ार बार भी प्वायंट आफ आडर रेज़ करनें की ज़रूरत पड़ी तो हज़ार बार ही प्वायंट आफ आर्डर रेज़ करूंगा।

(विघ्न)

**उपाध्यक्षा** : श्री मंगल सेन जी, आप अपने लफ़ज़ वापिस लें कि मुझे रूल्ज़ का पता नहीं है। (The hon. Member Shri Mangal Sein may please withdraw his words that I am ignorant of rules.)

**श्री मंगल सेन** : उपाध्यक्षा महोदय, मैंने यह लफज़ बिलकुल नहीं कहे। मेरा प्वायंट आफ अर्डर यह है कि हमें जो एजंडा इशू किया गया उस में लिखा हुआ है कि गवर्नर साहिब के एड्रेस पर 5 दिन बहस होगी। मैं आप से पूछना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री की स्पीच के बाद गवर्नर साहिब के एड्रेस पर बहस कन्कलूड समझी जाएगी या बाद में भी चलती रहेगी ?

**उपाध्यक्षा** : जब मुख्य मंत्री जबाब देने के लिए खड़े हो गए तो आप को समझ लेना चाहिए कि गवर्नर साहिब के एड्रेस पर बहस खत्म होगी या नहीं। (When the Chief Minister has arisen to reply the debate the hon. Member should understand whether the discussion on Governor's Address comes to an end or not.)

**बाबू बचन सिंह** : आन ए प्वांयट आफ आर्डर, मैडम। डिप्टी स्पीकर साहिबा पहले हमें हाऊस के बिज़नैस के बारे में प्रोग्राम मिला। उस के बाद हमें रीवाइज़ड प्रोग्राम जारी किया गया। मैंने खुद स्पीकर साहिब से बात की और उन्होंने मुझे बताया था कि गवर्नर साहिब के एड्रेस पर 5 दिन बहस जारी रहेगी। प्रोग्राम में भी 5 दिन गवर्नर साहिब के एड्रेस में दिए गए हैं। इस लिए आप इस बारे में देख कर हमें अपना रूलिंग दे।

**उपाध्यक्षा** : मुख्य मंत्री जी को अपनी स्पीच करने दें और इसी बीच में मैं रिकार्ड देख लूंगी और अपना फैसला दे दूंगी। (Let the Chief Minister proceed with his speech and in the meantime I will consult the record and then give my decision on it.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਹੁਤ ਅਹਿਮ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪੀਚ ਦੇ ਬਾਅਦ ਵੀ ਕਈ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਸਪੀਚਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਬਹੁਤ ਇੰਪਾਰਟੈਂਟ ਇਸ਼ੂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਰੇਜ਼ ਕਰਨੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਆਪਦਾ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਚੀਫ ਮਨੀਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੋਬਾਰਾ ਦੇਣਗੇ। (ਸ਼ੋਰ)

**उपाध्यक्षा** : अगर ज़रूरत महसूस हुई तो वह उन मेम्बरों के प्वायंट्स के जवाब दोबारा दे देंगे । (If need be, the Chief Minister would again reply to the points raised by these members.)

(*Noise*)

**परिवहन तथा निर्वाचन मन्त्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप ने कहा कि चीफ मिनिस्टर की स्पीच के बाद भी बहस जारी रहेगी । ]

**उपाध्यक्षा** : मैं ने यह नहीं कहा । मैं ने कहा कि मुझे पहले रिकार्ड देखना है और उस के बाद फैसला दूंगी । (I have not said so. What I said was that I would first see the record and then give my finding.) (*Noise*)

**परिवहन तथा निर्वाचन मन्त्री** : आप रिकार्ड देखेंगे और आपको पता चलेगा कि पहले गवर्नर साहिब के एड्रेस पर दो दिन बहस होती थी । उस के बाद तीन दिन बहस होनी शुरू हुई और अब गवर्नर साहिब के एड्रेस पर 4 दिन बहस होती है । (शोर)

**कुछ आवाजें** : नहीं पहले 5 दिन बहस होती थी । (शोर)

**उपाध्यक्षा** : मैं ने रिवाइज़्ड प्रोग्राम देखा है । उस में लिखा है कि गवर्नर साहिब के एड्रेस पर 4 दिन बहस होगी । अब हाऊस की कार्यवाही उसी प्रोग्राम के मुताबिक होगी। (I have seen the revised programme of the sittings of the session. It indicates that Governor's Address would remain under discussion for four days. The House is to conduct its proceedings according to the programme.)

(Noise) (*Interruption*)

**श्री मंगल सेन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। ......

**उपाध्यक्षा** : आप का नम्बर 2 पर था और पंडित चिरंजी लाल शर्मा का 4 पर था लेकिन आप के चीफ व्हिप ने पंडित चिरंजी लाल शर्मा को स्पीच करने के लिए कह दिया था । इस लिए उसे टाईम दिया गया । (The name of the hon. Member was at No. 2 while that of Pandit Chiranji Lal Sharma was at No. 4, but since their Chief Whip had requested to allow Pandit Chiranji Lal Sharma to speak, therefore he was given time accordingly.) (Noise)

**श्री मंगल सेन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। कैसे हुआ, यह डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप आज चेयर पर विराजमान हैं। आप मुझे बोलने की इजाज़त दें या न दें यह तो आप की मर्जी है। मेरी प्रार्थना यह है कि हमें जो रीवाइज़्ड प्रोग्राम दिया गया, उस में गवर्नर साहिब के एड्रेस पर 4 दिन बताए गए हैं लेकिन यह बात बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी में तो नहीं हुई थी कि गवर्नर साहिब के एड्रेस पर 4 दिन बहस होगी और न ही **इस बारे में कोई मीटिंग कनवीन हुई । यह प्रोग्राम कैसे बदला गया ?**

**उपाध्यक्षा** : मैं भी खुद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में मौजूद थी। वहां पर तो यही फैसला हुआ था। अगर मेरा बस चले तो मैं 10 दिन गवर्नर साहिब के एड्रैस पर निचिश्त करूं। लेकिन गवर्नर साहिब के एड्रैस पर 4 दिन और बजट डिसकशन पर 5 दिन मुकर्रर हुए थे। (I was myself present in the Business Advisory Committee. This was the decision which was taken there. If it were in my power, I would have fixed ten days for the discussion of the Governor's Address. But the fact remains that four days for discussing the Governor's Address and five days for the general discussion on the Budget were fixed.) (*Noise*)

**बाबू बचन सिंह** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे पास पहले ओरिजिनल प्रोग्राम पहुंचा। उस के बाद रीवाइज़ड प्रोग्राम मिला। प्रोग्राम पहले के मुताबिक शिवरात्री के दिन भी गवर्नर साहिब के एड्रैस पर बहस होनी थी। अगर वह दिन गवर्नर साहिब के एड्रैस पर बहस करने के लिए मान लिया जाए तो उस से साफ ज़ाहिर है कि गवर्नर साहिब के एड्रैस पर 5 दिन बहस होनी थी। अगर उस में कोई तबदीली हुई तो सवाल यह है कि वह बात कैसे तय की गई। इस लिए मेरी अर्ज यह है कि आया पहले प्रोग्राम के मुताबिक काम चलेगा या रीवाइज़ड प्रोग्राम के मुताबिक काम चलेगा ?

**उपाध्यक्षा** : मैं ने रीवाइज़ड प्रोग्राम देखा है। उस में गवर्नर साहिब के एड्रैस पर 4 दिन निश्चित किए गए हैं और उसी मुताबिक हाऊस की कार्यवाही चलेगी इस के अलावा बजट डिसकशन पर बहस 5 दिन जारी रहेगी। (I have consulted the revised programme. It shows that four days have been fixed for discussing the Governor's Address and the proceedings of the House would be carried on accordingly.)

(*Noise*) (*Interruption*)

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ 18 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਸ਼ਿਵਰਾਤਰੀ ਦੀ ਛੁਟੀ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਥੋੜ੍ਹੀ ਜਿਹੀ ਇਹ ਚੇਂਜ ਕਰ ਦਿਤੀ ਸੀ ਕਿ 23 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਜਿਹੜਾ ਲੈਜਿਸਲੇਟਿਵ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹੋਣਾ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਹਟਾ ਕੇ ਗਵਰਨਰ ਐਡਰੈਸ ਦੀ ਬਹਿਸ ਰਖ ਦਿਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪਿਆ। ਥੋੜ੍ਹੀ ਥੋੜ੍ਹੀ ਗੱਲ ਤੇ ਜ਼ਿੱਦ ਕਰਨੀ ਚੰਗੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜਿਹਾ ਬਜ਼ੁਰਗ ਆਦਮੀ ਇਹ ਕਹੇ ਕਿ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਹੀ ਨਹੀਂ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਅਫਸੋਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। 23 ਤਾਰੀਖ ਦਾ ਲੈਜਿਸਲੇਟਿਵ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਟਾ ਕੇ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਰਖ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਹੋਰ ਕੋਈ ਤਬਦੀਲੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਤਾਂ ਸਹੀ, ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਇਹ ਕਾਇਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਭੇਜਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਰਮੀਮ ਕਰਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਲਿਆ ਕੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੰਜ਼ੂਰੀ ਲਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼

ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਲਿਆ ਕੇ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪਾਸ ਕਾਰਵਾਈ ਗਈ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੇ ਪਹਿਲੇ ਪੰਜ ਦਿਨ ਰਖੇ ਗਏ ਸਨ ਉਹੋ ਰਹਿਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸੰਧੂ ਸਾਹਿਬ, ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਇਹ ਸਮਝ ਲਏ ਕਿ ਉਸਨੂੰ ਕਾਇਦੇ ਕਵਾਇਦ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਚੇਅਰ ਨੂੰ ਵੀ ਕਾਇਦੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ, ਇਹ ਸਮਝਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਇਸ ਚੈਪਟਰ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰੋ । (ਵਿਘਨ) ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਉਥੇ ਮੌਜੂਦ ਸਨ ਇਹ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦੇਣਗੇ । (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛ ਲਓ । (I may tell Sandhu Sahib that it is not proper on the part of any hon. Member to assume that he alone knows the rules and regulations. He should bear this in mind that the Chair is also conversant with the rules. This chapter may now be closed. (*Interruption*) Sardar Gurnam Singh was present in the Committee. He will clarify the position (*Interruption*) He may be enquired in this regard.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਮੈਂ ਪੁੱਛ ਲਿਆ ਹੈ ਜੀ । ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੋਈ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਤੁਸੀਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਕਾਇਦੇ ਅਤੇ ਕਾਨੂੰਨ ਤੁਹਾਨੂੰ ਹੀ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਬੜੇ ਅਦਬ ਨਾਲ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲ ਬੋਲਦੇ ਹਾਂ। ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਨਾਲ ਤੇ ਬੋਲਿਆ ਕਰੋ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ, ਮੈਂ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਦੋਵੇਂ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਹਨ । ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਸ਼ਿਵਰਾਤਰੀ ਦੀ ਛੁਟੀ ਨਹੀਂ ਸੀ । 23 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਲੈਜਿਸਲੇਟਿਵ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਉਸ ਵਿਚ ਵੀ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਕਰਨ ਲਈ ਚਾਰ ਦਿਨ ਰਖੇ ਹੋਏ ਸਨ । ਜਿਹੜਾ ਮੌਡੀਫਾਈਡ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਆਇਆ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਵੀ ਚਾਰ ਦਿਨ ਹੀ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਸਿਰਫ ਅਜ ਲੇਜਿਸਲੇਟਿਵ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਟਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । There is no confusion. ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਐਵੇਂ ਹੀ ਸ਼ੋਰ ਮਚਾਈ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਕਾਗਜ਼ ਵੇਖਣ ਤਾਂ ਝਗੜਾ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । (ਸਰਦਾਰ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗੋਗੋਆਣੀ, ਸ੍ਰੀ ਮੰਗਲ ਸੈਨ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਜਾਉ । ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਪੁਜ਼ੀਸਨ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿਉ । (ਵਿਘਨ) ਸਿਆਣੇ ਆਦਮੀ ਹੋ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਚੰਗੀਆਂ ਨਹੀਂ ਲਗਦੀਆਂ । (The hon. Member may please resume his seat. Sardar Gurnam Singh may kindly clarify the position. (*Interruption*) The hon. Member is a wise man. It is not desirable to behave in that manner.) (*Interruption*) (*Noise*)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ** : ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੈਨੂੰ ਯਾਦ ਹੈ ਪਹਿਲੇ ਪੰਜ ਦਿਨ ਰਖੇ ਗਏ ਸਨ, ਉਹ ਕਾਗਜ਼ ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ । ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਇੰਪਰੈਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜ ਦਿਨ ਰਖੇ ਗਏ ਸਨ । ਫਿਰ ਇਸ਼ੂ ਹੋਇਆ । "Modified tentative programme for the Budget Session ensuing from the 14th"

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ]

ਇਸ ਵਿਚ ਚਾਰ ਦਿਨ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਪਾਰਲੀਆਮੈਂਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਐਵੇਂ ਕਾਹਲੇ ਪੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਉਹ ਚਾਹੁਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੈਂ ਝਟ ਚਾਰ ਦਿਨ ਕਹਿ ਦੇਵਾਂ । ਪਹਿਲਾ ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਇਸ਼ੂ ਹੋਇਆ ਸੀ ਮੇਰਾ ਇੰਪਰੈਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਜ ਦਿਨ ਸੀ । ਪਰ ਉਹ ਕਾਗਜ਼ ਮਨੂੰ ਹੁਣ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ । ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਟੈਂਟੇਟਿਵ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਇਸ਼ੂ ਹੋਇਆ । ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਚਾਰ ਦਿਨ ਗਏ ਰਖੇ ਹਨ । ਇਸ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਦਸੋ ਕਿ ਕੀ ਕਰਨਾ ਹੈ......

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਸੈਕਟਰੀ :** ਤੁਸੀਂ ਕਿਹੜੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨਾਲ ਐਗ੍ਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ?

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ :** ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ ਤਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨ ਦੀ ਆਦਤ ਹੈ । ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਆਈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਰੀਕਾਰਡ ਹੋਈ ਹੈ । ਨਾ ਹੀ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਕੋਈ ਰਿਪੋਰਟ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੇਸ਼ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਹ ਜ਼ਬਾਨੀ ਜ਼ਬਾਨੀ ਗੱਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ । ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਕਤ ਤੇ ਇਸ਼ੂ ਹੋਇਆ ਉਸ ਵਿਚ ਚਾਰ ਦਿਨ ਹੀ ਰਖੇ ਗਏ ਸਨ । ਮੇਰਾ ਇੰਪਰੈਸ਼ਨ ਸੀ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਪੰਜ ਦਿਨ ਰਖੇ ਗਏ ਸਨ । ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਗਲਤ ਹੋਵਾਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਚਾਰ ਦਿਨ ਹੀ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਇਹ 10 ਨੂੰ ਇਸ਼ੂ ਹੋਇਆ ਸੀ ।

'Copy forwarded to all Members of the Punjab Vidhan Sabha for information.

2. This supersedes the programme issued on the 7th of February, 1966.'

ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਇਸ ਤੋਂ ਡਿਫਰੈਂਟ ਸੀ ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲੇ ਇਸ਼ੂ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਨੂੰ ਸੁਪਰਸੀਡ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** To the best of my knowledge, चार ही दिन रखे थे।

(ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਬੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ ਪਰ ਚੇਅਰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ ਸੀ ।)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਬੀਮਾਰ ਹੋ, ਬੈਠ ਜਾਓ, ਤਕਲੀਫ ਨਾ ਕਰੋ । (The hon. Member Shri Gill is not well. He need not take the trouble of rising on a point of order. He may please sit down.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਬੀਮਾਰੀ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਹੈ, ਤੁਹਾਡੀ ਬੀਮਾਰੀ ਬੜੀ ਸੀਰੀਅਸ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਗੱਲ ਸੁਣ ਲਉ । ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਸਲੇ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਕੌਣ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਵਾਜ਼ੇਹ ਹਿਦਾਇਤ ਕਰ ਸਕੇ । ਇਹ ਬ੍ਰੀਚ ਆਫ ਪ੍ਰਿਵਿਲਿਜ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਹੁਕਮ ਸੈਕ੍ਰੇਟੇਰੀਏਟ ਵਿਚ ਹੈ, ਇਥੇ ਜੋ ਕੁਝ ਕਰਨਾ ਹੈ ਸਾਡੀ ਮੰਜ਼ੂਰੀ ਲਵੇ । ਸਾਡੀ ਮੰਜ਼ੂਰੀ ਲੈਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਕੁਝ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਪੁਆਇੰਟ ਤੇ ਯੀਲਡ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਉ ਕਿ ਇਥੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਨੂੰ ਚਲਾਉਣਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣਾ ਹੈ ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਤੁਸੀਂ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਲਾਉਂਦੇ ਹੋ। (The House runs the Government.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ :** ਸੱਤ ਤਾਰੀਖ ਵਾਲਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਵੀ ਚਾਰ ਦਿਨ ਹੀ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

**मुख्य मन्त्री** (श्री राम किशन) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, गवर्नर एड्रेस पर चार दिन की बहस के दौरान 26 के करीब स्पीकर्ज़ ने अपने ख्यालात का इज़हार किया है । हो सकता है कि मैं हर भाई की हर एक बात का जवाब न दे सकूं । लेकिन मुझे खुशी है कि हर भाई ने आपने विचार हाउस में रखे। इस बात का उन को हक है कि वे गवर्नमैंट को पबलीकली क्रिटिसाईज़ करें, गवर्नमैंट की पालिसी की नुक्ताचीनी करें । लेकिन मैं इतना कहना चाहता हूं कि पबलिकली क्रिटिसाईज़ करते वक्त हर एक भाई, खाह वे अपोज़ीशन के हों, खाह दूसरे हों, उन को पब्लिक इंट्रेस्ट को ज़रूर सामने रखना चाहिये । यह पार्लिमेंटरी डैमोक्रेसी का बुनियादी असूल है, इस पर हमें पूरी तरह से अमल करना चाहिये। इस के साथ ही कुछ मैम्बरान ने आपनी तकरीर करते हुए ऐसे डिस्टारटिड फैक्ट्स पेश किए हैं कि बेहतर होता यदि वह सारी चीज़ की अच्छी तरह से तहकीकात कर लेते। मैं आप के द्वारा हाउस के मेम्बरान को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जिस जिस भाई ने जो जो भी बात कही है वह जिस जिस तवज्जो के मुस्तहिक होगी उस को उसी के मुताबिक पूरी तवज्जो दी जाएगी ।

जो फैक्ट्स उन्होंने दिये हैं उन के मुताबिक पता किया जाएगा और उन में से जो फक्ट्स ठीक निकलेंगे उन के सम्बन्ध में मैं उन मेम्बर साहिबान को कान्फीडैंन्स में ले कर कारैस्पांडैंस से उन उन चीज़ों को टेक अप करूंगा और उसके मुताबिक अगर उन की तसल्ली न हुई तो उन को पूरा हक है कि वह बजट सशन में वह उन सारी चीज़ों को कह सकते हैं ।

कुछ मेम्बर साहिबान ने तकरीर करते हुए अपनी अपनी कान्स्टीचुएंसीज़ की बाबत कुछ बातों का ज़िक्र किया । वह तो जब बजट आ जाएगा तो उसके बाद भी वह उन उन बातों को कह सकते हैं इसलिए शायद मैं उन की कई चीज़ों में इस वक्त न जाऊं लेकिन जहां तक पालिसीज़ का सवाल है, उन्हीं की बाबत हमें इस वक्त डिस्कशन करनी है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, पिछला साल जो गुज़रा है यह पंजाब के लोगों के के लिए मुसीबतों का तकलीफों का और कठिनाइयों का साल था लेकिन जिस बहादुरी और हिम्मत से पंजाब के लोगों ने अपना खून देकर, अपनी हिम्मत से मेहनत और परिश्रम के साथ कुरबानियां देकर इन सभी कठिनाइयों का मुकाबला किया है इस के लिए पंजाब की पुलिस, पंजाब के लोग, पंजाब के किसान, पंजाब के किरती, पंजाब के गांव में रहने वाले लोग, शहरों में रहने वाले लोग, सभी हमारी मुबारिकबाद के और धन्यवाद के पात्र हैं । इस इन्डो-पाकिस्तान कान्फलिक्ट के दौरान हिन्दुस्तान के जितने लोगों ने अपना बलिदान दिया है उन में मैं समझता हूं कि पच्चास फीसदी नौजवान पंजाब में से गए हैं और वह सारे के सारे हमारी मुबारिकबाद के हकदार

[मुख्य मंत्री]
हैं और उन के परिवारों की देखभाल करना, उन के परिवारों की मदद करना हमारा अहम फर्ज है और यह बात पंजाब सरकार ने अपनी जिम्मेदारी पर ली है कि हम पूरी तरह से उनके परिवारों की मदद करेंगे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस कान्फलिक्ट के दौरान पंजाब को बहुत भारी नुक्सान का सामना करना पड़ा। पंजाब की ट्रेड तबाह हो गई, पंजाब के किसान को बड़े ज़बरदस्त नुकसान का सामना करना पड़ा। बारिश नहीं हुई, ड्राट से फसलों को पानी नहीं मिला और इस कारण फसलें तबाह हो गईं। लेकिन पंजाब के लोगों ने मेरी अपील पर जो कि मैंने 14 सितम्बर, 1965 को पंजाब के लोगों के नाम की थी कि पंजाब की सिक्योरिटी और डिफैंस के लिए, पंजाब के जवानों की वैलफेयर के लिए इन्तजाम किए जाएं, इन सभी मुसीबतों के बावजूद हाउस को यह जान कर खुशी होगी कि इस फंड में लोगों ने 3,95,83,844 रुपया दे दिया है और उस के लिए अभी भी पैसे आ रहे हैं। कल ही मुझे कैनेडा से वहां की खालसा दीवान सोसाइटी की तरफ से पाँच हज़ार डालर आया है। इसलिए इस फंड में जिन भाई और बहनों ने हिस्सा दिया है वह सभी हमारी मुबारिकबाद के मुस्तहक हैं। इस सम्बन्ध में मैं हाऊस को इस बात का यकीन दिलाना चाहता हूं कि इस फंड का एक एक पैसा हमारे लिए एक सेकरड अमानत है और इस का एक एक पैसा उन नौजवानों की वैलफेयर के लिए, पंजाब के लोगों की बेहतरी के लिए ही खर्च किया जाएगा। इस के साथ ही साथ मैं यह भी अर्ज़ करना चाहता हूं कि मेरी यह खाहिश है कि यहां पर पंजाब के अन्दर एक अढ़ाई करोड़ रुपए का परमानैंट ट्रस्ट कायम कर दिया जाए जिस के ज़रिए पंजाब के उन नौजवानों के बच्चों की, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने जीवन की कुरबानियां दी हैं, शिक्षा के लिए उन की विद्या के लिए परमानैंट तौर पर ट्रेनिंग का प्रबन्ध किया जाए। गवर्नमैंटें आती हैं, चली जाती हैं; मिनिस्टर आते हैं और चले जाते हैं लेकिन जिन जवानों ने देश की रक्षा के लिए बलिदान किए हैं उन के काम हमेशा के लिए जिन्दा रहेंगे, उन का नाम हमेशा के लिए जिन्दा रहेगा और उसके लिए, जैसा मैंने अर्ज़ किया, कि हम कोई परमानैंट तौर पर काम करना चाहते हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस के अन्दर मैं आप के ज़रिए हाऊस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि किसी किस्म का कोई पालेटिक्स नहीं आने दिया जाएगा। इस का प्रबन्ध करने के लिए इसमें इम्पार्टेंट आफिसर्ज़ होंगे, जिन में चीफ सैक्रेटरी होगा, होम सैक्रेटरी होगा, आई. जी. और वैस्टर्न कमांड के आर्मी कमांडर होंगे और इस तरह से और दो तीन अफसर होंगे जिन का चेयरमैन चीफ मिनिस्टर होगा। इस लिहाज से हम सोच रहे हैं कि एक परमानैंट फंड इस सिलसिले में कायम किया जाए। (प्रशंसा) डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस बार के अन्दर आप ने देखा कई जवान डिसएबल्ड हो गए हैं और हम उन की पूरी तरह से सहायता करना, और उन के बाल बच्चों की देखभाल का प्रबन्ध करना चाहते हैं। इस सिलसिले में हम ने एक कमेटी बैठाई थी और आर्मी से इस सम्बन्ध में हम सारी फहरिस्त वगैरा इकट्ठा करना चाहते हैं और चाहते हैं कि जिस तरीके से पूना के अन्दर कुईन

मेरी इन्स्टीच्यूट है उसी तरह से यहां पर टैक्निकल ऐजूकेशन दें और प्रबन्ध करें। उस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट मुकम्मल कर ली है और उन्होंने सारा टूर करके एक मुकम्मल चीज़ हमारे सामने पेश की है। उस सिलसिले में, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मार्फत हाऊस को कहना चाहता हूं कि हम उस के लिए पच्चास लाख रुपए से एक ऐसी इन्स्टीचूशन कायम करना चाहते हैं और उस के लिए पच्चीस लाख रुपया पंजाब सरकार की तरफ से देंगे। हम कोशिश करेंगे कि कुछ रुपया पोस्ट वार रीकन्स्ट्रक्शन फंड में से, कुछ रुपया डिफैंस मिनिस्टरी से मिले ताकि जो जवान डिस-एबल्ड हुए हैं उन की पूरी तरह से देखभाल हो सके, उन के बच्चों की देखभाल हो सके, और उस सिलसिले में सारा प्रबन्ध किया जा सके। उन के लिए रोज़गार का प्रबन्ध हो सके।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, पंजाब के अन्दर जिन जिन ज़िलों से जवान शहीद हुए हैं उन की बाबत ज़िक्र करते हुए कुछ भाईयों ने यहां पर शिकायत की है कि वहां पर कई जगाहों पर मिनिस्टर साहिबान नहीं पहुंचे। ठीक है। हमें वहां पर पहुंचना चाहिए था। एक एक जगह पर पहुंचना चाहिए था। लेकिन, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मार्फत मेम्बर साहिबान को अर्ज़ करना चाहता हूं कि मैंने अपने सभी डिप्टी कमीश्नर्ज़ को इस बात की हिदायत की हुई थी कि जब जब भी वह ऐक्स ग्रेशिया ग्रांट दें तो वह खुद एक एक फैमिली के पास पहुंचें और उन के तईं हमारी तरफ से उनके परिवारों को सिम्पथी ज़ाहिर करें। जहां पर दूसरे ज़िलों के बहुत से लोग शहीद हुए, वहां इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि कांगड़ा ज़िला ने हिन्दुस्तान की इज्ज़त और शान को कायम रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा जवान देकर हिन्दुस्तान का नाम ऊंचा किया है। (प्रशंसा) वहां के लोगों के सामने, राजपूतों के सामने हमारा सिर इज्ज़त के साथ झुकता है। इस मौके पर मैं दूसरे ज़िलों की सेवाओं को नज़र अन्दाज नहीं करना चाहता। लुध्याना ज़िला में भी हमारे बहुत से बहादुर जवानों ने अपने बलिदानों से अपना और सूबे का नाम रौशन किया है। एक से एक बढ़ कर है। किस किस का ज़िक्र करूं। ज़िला होशियारपुर, ऊना, दसूआ वगैरा सभी जगह के लोगों ने एक दूसरे से बढ़ कर कुरबानी की है। जालन्धर, अमृतसर, हिसार से लेकर झज्जर, रोहतक, करनाल, अम्बाला वगैरा ने इस जंग में हिस्सा लिया है। गांव गांव के लोगों ने, एक एक परिवार ने कुरबानी दी है और वे सारे पूरी तरह से हमारी तरफ से मुबारिकबाद के मुस्तहक हैं। मैं आप के ज़रिए हाऊस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि हम उन की जितनी ज्यादा मदद कर सकते हैं करेंगे। जहां तक उन के मैमोरियल कायम करने का सवाल है, उन की याद मनाने का सवाल है वह सब कुछ जो भी हम कर सकते हैं करेंगे। (प्रशंसा)

डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस वक्त हमारे सामने बड़े अहम सवाल आ गए हैं। सब से पहले सवाल हमारे सामने यह है कि इस इन्डो-पाक कान्फलिक्ट के अन्दर पच्चास हज़ार के करीब हमारे भाई और बहन, कोई आठ हज़ार के करीब परिवार उजड़े और बेकार हुए हैं। इसलिए इस वक्त सब से ज्यादा अहम सवाल हमारे

[ मुख्य मंत्री ]

सामने उन को इज्जत के साथ और मान के साथ अपनी अपनी जगहों पर बसाने का है । इस सम्बन्ध में मैं आप को और आप के द्वारा हाऊस को बताना चाहता हूं कि मार्च के दूसरे हफ्ते में उन को बसाने का काम पूरे ज़ोरों के साथा शुरू हो जाएगा । वैसे 28 फरवरी तक तो पूरी तरह से फोर्सिज़ की विदड्राअल हो जाएगी लेकिन इक के बाद ज़रूरी है कि एक हफ्ते के अन्दर हमारी पुलिस और फौज उस सारी जगह की देखभाल कर ले ताकि कहीं कोई माईन्ज़ वगैरा न रह गई हों और इस तरह से कोई खतरे वाली बात न हो । तो इस तरह से इस सारे सिलसिले को देख लिया जाएगा और यह काम शुरू कर दिया जाएगा । वहां पर लोगों का कान्फीडेंस बढ़ाने के लिए पुलिस की चौकियां और रिज़र्व पुलिस आगे से ज्यादा रखी जाएगी ताकि लोगों को डर न हो । इस के साथ ही साथ, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं एक चीज़ और आप के ज़रिए हाऊस के सामने रखना चाहता हूं । इन भाईयों को फिर से बसाने के सम्बन्ध में पंजाब गवर्नमैंट ने 1,04,99,650 रुपए की मंज़ूरी इस वक्त तक दी है जिस में से 55 लाख रुपए फरवरी की 15 तारीख तक डिसबर्स हो चुके हैं और बाकी का रुपया डिसबर्स हो रहा है । जहां तक गवर्नमैंट आफ इंडिया का ताल्लुक है, इस वक्त तक उन की तरफ से कोई 1,92,45,000 रुपए की सैंक्शन आ चुकी हुई है । इस में रोड्ज़ भी शामिल हैं जिन के लिए कोई चालीस लाख रुपया खर्च होने वाला है । जो लोकल बाडीज़ डिस्पलेस्ड हो गई थीं उन को रिहैबिलिटेट करने के लिए भी चार लाख और पैंतालीस हज़ार रुपए की सबसिडी इसी साल दी गई है और इसी तरह से इंडस्ट्रियलिस्ट्स और लेबर का जहां तक ताल्लुक है उन के लिए भी लोन वगैरा देने के सिलसिले में मदद की गई जो कि एक करोड़ रुपए के करीब बनती है । तो इन सभी चीज़ों के बारे में सवाल हमारे सामने है कि किस तरह से इन भाईयों को बसाया जाए । और किस तरह से उन को अच्छी तरह से बसाया जाए । इस सिलसिले में, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मार्फत हाऊस से यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि जो भाई और परिवार अपनी अपनी जगाहों पर वापिस जाएंगे उन को अगली खरीफ की फसल तक, इस वक्त से लेकर अगस्त और सितम्बर के महीने तक पूरी तरह से उन की सबसिस्टैंस के लिए मीन्ज़ प्रोवाईड किए जाएंगे और यह तब तक किया जाएगा जब तक कि उन की फसल आ नहीं जाती । उन के गुज़ारे के लिए पंजाब सरकार पूरी तरह से उन की मदद करेगी । न सिर्फ यह, बल्कि उन के बच्चों की ऐजुकेशन के लिए. उन की शिक्षा के लिए पूरे प्रबन्ध किए जाएंगे और उन की फैमिलीज़ के साईज़ के मुताबिक उन की हम हर तरह से मदद करेंगे। (प्रशंसा) इस के अलावा यह भी अर्ज़ कर दूं कि वहां पर जितने भी रूरल एरिया में या शहरी इलाके में लोग रहते थे और जिन के कच्चे या पक्के मकान थे जो गिर गए उन को बनाने के लिए और उन की मुरम्मत करने के लिए भी पूरा इन्तज़ाम किया जाएगा । उन को ग्रांट्स दी जाएंगी ताकि वह लोग अपने उन मकानों की मुरम्मत वगैरा करा सकें और नए मकान बना सकें । यही नहीं बल्कि वहां रूरल और कस्बों के इलाकों में जिन की दुकानें थीं और जो कि अपनी दुकानों

को छोड़ कर चले गए थे उन को वह दुकानें मुरम्मत करने के सम्बन्ध में भी मदद की जाएगी और उन को भी ग्रांट्स देंगे । इस के अलावा जो हमारे ऐग्रीकल्चरिस्ट भाई, ज़िमींदार भाई, जिन्होंने इस मौके पर एक महान् कुरबानी की है, उन के लिए, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मार्फत अर्ज़ करना चाहता हूं कि ऐग्रीकल्चरिस्ट्स को टयूबवैल्ज़ के लिये, परकोलेशन वैल्ज़ के लिये, फर्टेलाइज़र, सीड, ऐग्रीकल्चरल इम्पलीमैंट्स, बैलों और ट्रैक्टर्ज़ के लिये सबसिडी और लोन्ज़ दिये जाएंगे। (विघ्न) और उन की मदद की जायेगी । इस सारी चीज़ के लिये डिटेल्ज़ अफसरों की कमेटी ने वर्क आऊट की हैं । पंजाब गवर्नमैंट इस पर गौर कर रही है और गवर्नमैंट आफ इंडिया के साथ भी इस बारे में खतोकिताबत जारी है । उनकी पूरी पूरी मदद की जायेगी । जो आर्टीज़न थे उन की भी हम पूरे जोर से मदद करेंगे । (तालियां) उन को सबसिडाइज्ड रेट्स पर अनाज देने के लिये दुकानें खोलेंगे । मैं अर्ज़ करूं कि हर किस्म का इन्तज़ाम, हैल्थ सैंटरों का हस्पतालों का पढ़ाई का वगैरह वगैरह किया जायेगा । हम ने हिन्द सरकार से दरखास्त की है कि बार्डर ज़िलों में ज़िमींदारों की फसलों की कम्पलसरी इन्शोरेंस कर देनी चाहिए और रैज़ीडैंशल बिल्डिंग्ज़ की भी इन्शोरेंस की जानी चाहिए ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : On a Point of Order, Madam.

**Chief Minister** : I do not give way.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : We want to hear you, Sir, and therefore, request you to go a bit slow...

**Deputy Speaker** : Please sit down, when I am standing...

(*Interruptions and Noise*)

**Chief Minister** : Sitting of the House may be extended, Madam.

**Deputy Speaker** : I am not going to extend the time.

**मुख्य मन्त्री** : तो मैं अर्ज़ कर रहा था कि पंजाब गवर्नमैंट इन लोगों की रीसैटलमैंट का पूरा पूरा इन्तज़ाम करेगी । हमारे अफसरों की कमेटी ने रिपोर्ट दे दी है, इस पर गौर कर रहे हैं और हिन्द सरकार से परसनल लेवल पर भी और खतोकिताबत के जरिये भी बात कर रहे हैं । इस काम को हम ने फर्स्ट प्रायर्टी दी है । चूंकि वक्त कम है मैं ज्यादा डिटेल्ज़ में नहीं जाऊंगा ।

यहां पर ऐग्रीकलचर का ज़िक्र आया । हम इस बात को मानते हैं कि यह हमारे राज्य की बैकबोन है, रीढ़ की हड्डी है । इस की जितनी भी मदद हम कर पाएंगे उतना ही हिन्दुस्तान मजबूत होगा । पिछले 19 सालों के अन्दर हम 25,000 करोड़ रुपये का अनाज इम्पोर्ट कर चुके हैं । यह बहुत बड़ा बोझा है हिन्दुस्तान पर । इस लिए पैदावार को बढ़ाना बहुत ज़रूरी है । पंजाब को ग्रैनरी आफ इंडिया कहा जाता है । इस को ज्यादा से ज्यादा ताकत देनी चाहिये । इस लिए राज्य सरकार की यह

[ मुख्य मंत्री ]

नीति है कि इस को ज्यादा से ज्यादा तकवीयत दी जाए। जहां तक एग्रीकलचरिस्ट की जिनस का ताल्लुक है हमारी यह राए है कि जिमींदार को अपनी उपज की मुनासिब कीमत मिलनी चाहिए। आप को मालूम है कि यहां पर एक प्राइस कमीशन और सरदार उज्जल सिंह कमेटी बैठी थी। उस के मुताबिक सब कुछ किया गया। मगर अब हालात बदल गए हैं। इस लिये हम ने परसनल लैवल पर भी और खतोकिताबत के जरिये भी यह कहा है कि पहली फिक्स की हुई कीमतें अब रिवाइज होनी चाहिएं ताकि किसान को अपनी प्रोड्यूस की फेयर प्राइस मिले। दूसरी बात यह है कि हम जमींदार को कहते हैं कि वह अपनी प्रोड्यूस बढ़ाएं तो नेचुरली इस के लिये उस को साधन भी चाहिएं। इस बारे में मैं दो-तीन बातें कहना चाहता हूं। मुझे अफसोस है कि मेरे पास वक्त नहीं वरना, मैं डिटेल में जाता। पहली बात यह है कि इस साल हम ने जितना मैक्सीकन व्हीट का सीड बांटा है अगले साल साल में इस से चालीस गुना ज्यादा बांटा जायेगा। (तालियां)

इसी सिलसिले में आपकी मार्फत मैं हाऊस को यह बताना चाहता हूं कि इस साल पानी की कमी की वजह से बिजली की कमी हुई है। तो इस कमी का मुकाबला करने के लिये पंजाब सरकार सूबे में डीज़ल इंजन वाले पम्पिंग सैट लगाने का इन्तज़ाम कर रही है। हम हिन्द सरकार और दूसरे जराए से भी दस हज़ार डीज़ल इंजनों वाले पम्पिंग-सैट लगाना चाहते हैं। पांच हार्स पावर वाले इंजन को हम 50 फीसदी तक सबसिडाइज़ करेंगे। (तालियां) दस हार्स पावर वाले इंजन को हम साढ़े सैंतीस फीसदी तक सबसिडाइज़ करेंगे। इस बारे में मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि यह पम्पिंग सैट किसी मिडल मैन के ज़रिये नहीं, किसी इण्डस्ट्रियलिस्ट के ज़रिये नहीं बेचे जाएंगे बल्कि सरकार जमींदारों को बराहे रास्त नो-प्राफिट-नो लास बेसिज पर सप्लाई करेगी। (तालियाँ) मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि पिछले सालों के अन्दर ज्यादा से ज्यादा तीन लाख टन फर्टिलाइज़र बांटा गया था। आइंदा साल के अन्दर हम बन्दोबस्त कर रहे हैं कि ज़मींदारों को .... (विघ्न)....

**चौधरी देवी लाल** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। हम इनका जवाब तो सुनना चाहते हैं मगर टेप रिकार्ड नहीं सुनना चाह रहे।

## EXTENSION OF TIME

**Chief Parliamentary Secretary**: Madam, I want to move a motion for extending the time of the House.

**Deputy Speaker**: No, I won't allow you. The Chair is not bound for this.

**Chief Parliamentary Secretary**: I have a right to move the motion, Madam, I beg to move—

That the sitting of the House be extended far half an hour.

**Deputy Speaker**: You should give this in writing.

**Chief Parliamentary Secretary**: I have already moved the motion.

(*Interruptions and Noise*)

**Deputy Speaker**: Motion moved—

That the sitting of the House be extended for half an hour.

**Deputy Speaker**: Question is—

That the sitting of the House be extended for half an hour.

**Voices**: Yes.

**Voices**: No.

(*Interruptions and Noise*)

**Sardar Gurnam Singh** : Let us not waste any more time of the House. The Chief Parliamentary Secretary is un-necessarily intervening and interrupting. He is not allowing his Leader to continue his speech.

**Chief Parliamentary Secretary**: I am sorry to say that the Leader of the Opposition does not want the Deputy Speaker to give her ruling. Let her give her ruling.

**Pandit Chiranji Lal Sharma**: We want to hear the Chief Minister. Let there be no interruptions from the Chief Parliamentary Secretary.

**ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ**: ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਇੰਨਾ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਸੀ ਕਿ ਕਈ ਦਫਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਡਰ ਆ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਲੈਰੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਵੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਕਈ ਵੇਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋੜ ਪਏ ਤਾਂ ਚੇਅਰ ਦਾ ਇਨਹੈਰੇਂਟ ਰਾਈਟ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸਿਟਿੰਗ ਦਾ ਟਾਈਮ 10-15 ਮਿੰਟ ਜਾਂ ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਲਈ ਐਕਸਟੈਂਡ ਕਰ ਦੇਵੇ। ਹੁਣ ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਰੈਗੂਲਰ ਮੋਸ਼ਨ ਆ ਗਈ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਇਹ ਨਾ ਆਂਦੀ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੀ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ ਕਿਉਂਕਿ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਤੁਹਾਡੇ ਤੇ ਹੀ ਛਡਦੇ ਹਾਂ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਾਹੋ ਕਰ ਲਉ। (ਵਿਘਨ)

**Deputy Speaker**: The sitting is extended by half an hour.

---

## DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS (RESUMPTION)

**ਕਾਮਰੇਡ ਜਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ**: ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਸੀ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਹ ਐਕਸਪਰੈਸ ਤੇ ਨਾ ਚੜ੍ਹਨ, ਸਗੋਂ ਪੈਸੰਜਰ ਤੇ ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਬੋਲਣ, ਤਾਂ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੀ ਸਮਝ ਆ ਸਕੇ। ਇਹ ਬਹੁਤ ਤੇਜ਼ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ, ਅਸੀਂ ਸੁਣਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ। ਇਹ ਜ਼ਰਾ ਆਹਿਸਤਾ ਬੋਲਣ ਤਾਂ ਜੋ ਕੁਝ ਅਸਾਡੇ ਪੱਲੇ ਵੀ ਪੈ ਜਾਵੇ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਨ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ**: ਇਹ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा**: जनाब प्यार भी और लछमण सिंह गिल जैसी शक्ल से। (हंसी)

**मुख्य मन्त्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, में अर्ज़ कर रहा था कि एग्रीकल्चर की तरक्की के लिए जो जो साधन जरूरी थे उन की तरफ पूरी तरह से तवज्जो दी जा रही है और मज़ीद तवज्जो दी जाएगी। मैं इस के बारे में कुछ फिगर्ज़ आप के सामने रखना चाहता हूं जिस से पता चलेगा कि कहां तक तरक्की की

[मुख्य मंत्री]
गई है। जहां तक हिन्दी रिजन का संबंध है 1964-65 में कुल 29 लाख 58 हज़ार 325 एकड़ ज़मीन का इरीगेटिड एरिया था और 1965-66 में हरियाणा के एरिया के अन्दर इस सरकार का ध्यान देने की वजह से यह एरिया 32 लाख 19 हज़ार 197 एकड़ इरीगेटिड हो गया है। इस का मतलब यह हुआ कि 2,60,872 एकड़ ज़मीन को ज्यादा पानी मिला है। सिर्फ यह ही नहीं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, में आप के ज़रिए से हाउस को यह कहना चाहता हूं कि जहां तक इरीगेशन का संबंध है और इस को तकवीयत देनें के सिलसले में और एग्रीकल्चर के प्वायन्ट आफ व्यू से हरियाणा में काफी प्राबलम्ज़ थीं, जैसे कि वाटर-लागिंग की, जिस की तरफ कि ध्यान दिया गया। मैं यह नहीं कहता कि पंजाबी रिजन में ध्यान नहीं दिया गया लेकिन उस के बारे में मैं बाद में कहूंगा। हम ने पंजाबी रिजन की तरफ भी तवज्जो दी है। जहां तक हिन्दी रिजन का संबंध है मैं अर्ज़ करना चाहता हूं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, कि वैस्टर्न जमना कैनाल रीमाडलिंग प्राजैक्ट की दो स्कीमें थीं। इन में से एक पर 9 करोड़ 52 लाख रूपये का खर्च होना है इस में से इस वक्त तक 3 करोड़ 82 लाख खर्च कर दिया है और इस से इरीगेटिड एरिया हो जाएगा 12,46,283 और हम इस सारी चीज़ पर तेज़ी से काम कर रहे हैं। इसी तरह वैस्टर्न जमना कैनाल के फीडरों पर 3.31 करोड़ का खर्च होना है इस में से इस वक्त तक 2.07 करोड़ रूपया खर्च किया जा चुका है ताकि ज्यादा से ज्यादा पानी इस कैनान को मिल सके। इस प्राजेक्ट के दो हिस्से हैं—नरवाना करनाल लिंक और बरवाला लिंक। नरवाना करनाल लिंक सारे का सारा मुकम्मल हो गया है और बरवाला लिंक पर प्राग्रेस जारी है और आशा रखते हैं कि जिन इलाकों को पानी नहीं मिलता था वहां अब पानी ज्यादा मिलेगा। जहां अब 1.92 क्यू से क्स पानी 1,000 एकड़ के लिए मिलता था अब 2.5 मिलेगा और फोर्थ प्लान के आखिर तक अगर फन्ड्ज़ मिलते रहे और सारी स्कीम मुकम्मल हो गई तो फिरोज़पुर और लुधियाने की तरह 3.5 क्यूसेक्स तक पानी हरियाणे के इलाके को मिला करेगा और यह हरियाणे की खुशहाली के लिए एक अहम कदम इस सरकार ने उठाया है, इसी तरह गुड़गावां कैनाल प्राजैक्ट पर 8 करोड़ 31 लाख रूपया खर्च होना है और इस पर इस वक्त तक 3 करोड़ 67 लाख रूपया खर्च किया जा चुका है। इस प्रैजेक्ट से कुल 3,43,605 एकड़ ज़मीन सेराब की जाएगी। और हम आशा रखते हैं कि हम इस प्राजेक्ट को 1969-70 तक मुकम्मल कर लेंगे।

इस के बाद, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै अर्ज़ करूं कि रिवाड़ी लिफट इरीगेशन स्कीम से 1964-65 में 3,400 एकड़ ज़मीन को इरिगेट किया गया। इस की तरफ मज़ीद तवज्जो दी जा रही है। मैं इस के साथ ही डाट के मसले को लेना चाहता था लेकिन उसे बाद में लूंगा। फैमिन के बारे में जिला हिसार में 42 लाख रूपया खर्च किया गया है और माइनर को एक्सटेंड करने से कुल

33,315 एकड़ ज़मीन को मज़ीद को पानी मिलेगा। इन से एम्पलायमेन्ट भी मिलेगी और फूडग्रेन की पैदावार को भी तरक्की मिलेगी। इस तरफ पूरी तवज्जो दी जा रही है।

आप के ज़रिए, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं हाउस की सेवा में यह बताना चाहता हूं कि फलड कन्ट्रोल के बारे में मुख्तलिफ स्कीमों पर अमल किया जा रहा है। और इस के लिए एक कमेटी बनाई हुई है। जहां तक हरियाणा के इलाके का ताल्लुक है पिछले सात-आठ साल के अन्दर उतना काम नहीं हुआ जितना कि पछले डेढ़-दो साल के अन्दर हुआ है। और जहां पानी नहीं दिया जा सका या ज्यादा पानी आ जाने की वजह से धरती तबाह हो गई वहां इस सरकार के आने पर पूरी तवज्जो दी गई। और इस से करनाल, दिल्ली, रोहतक और गुड़गावां के इलाके में काफी तरक्की हुई है, और स्कीम पूरी हो चुकी है। धासा बांध पर जो रैगुलेटर था उस की जहाँ पहले कपैसिटी 450 क्यूसेक्स थी अब बढ़ कर 3,000 क्यूसेक्स हो गई है। और फलड को रोकने के लिए हमेशा का खतरा खत्म कर दिया गया है। पहले जहां कपैसिटी कम थी वहां अब दस गुना बढ़ गई है और इस की तरफ इस सरकार ने पूरी तवज्जो दे कर रोहतक के इलाके को फलड से बचाया है। इस इलाके को इस से फायदा होगा। राजिस्थान सरकार ने हमारे कहने पर इस बात को मनज़ूर कर लिया है कि 200 की बजाय 600 क्यूसेक्स पानी का डिसचार्ज अपने इलाके में ले लें। इस से उस इलाके को फायदा होगा जहां आज कल नूध-उज्जाना ड्रेन है। इसी तरह, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मार्फत हाऊस को बताना चाहता हूं कि राजस्थान गवर्नमैंन्ट ने घघर दरिया पर एक और साइफन बनाने की रज़ामंदी दे दी है। यह दूसरा साइफन आने वाले मानसून सीज़न से पहले तैयार हो जाएगा। इस साइफन पर कोई गेट्स नहीं होंगे। इस साइफन के मुकम्मल हो जाने से सरसा तहसील में घघर के आस पास के इलाके को फायदा होगा और इस इलाके की प्राबलम्ज़ हल हो जायेगी। मैं इस वक्त सारी तफसील में नहीं जाता। आप देखें कि हम ने कितने इलाके को सैराब करने का प्रबध किया है। वैसटर्न जमना कैनाल में पहले 2.15 क्यूसेक्स जहां पानी लगता था अब 2.75 लगेगा। इस से हमारी 9 लाख एकड़ ज्यादा ज़मीन को फायदा होगा। इस तरह दूसरी कैनाल में जहां 2.64 था वहां भी 2.75 कर दिया है इस से 105,000 एकड़ और ज़मीन सैराब हो सकेगी। इस के अलावा हम ने 11,000 ट्यूब वैलज़ लगाने का भी प्रबंध किया है इन में से 7,000 के करीब अभी मुकम्मल हो चुके हैं, 31 मार्च तक इन की तादाद में और भी इज़ाफा हो जायेगा।

जहां तक कैटलवैल्थ का इस सूबे का ताल्लुक है इस की इम्प्रूवमैंट के लिये हम ने तीन-चार सकीमें बनाई हैं। गवर्नमैंट आफ इंडिया ने इस के लिये 32 लाख रुपया फारेन एकसचेंज का मन्ज़ूर किया है। हमारा अंदाज़ा है कि इस साल के आखीर तक 4 करीमरीज़ भी बनाने में कामयाब होंगे। इस के साथ ही हम 5

[मुख्य मंत्री]

करीमरीज़ और कायम करना चाहते हैं जो फोर्थ फाइव यीएर प्लैन में पंजाब में कायम की जायेंगी। हमें जैसे जैसे भी फारेन एकसचेंज मिलता जायेगा हम वैसे ही इस काम को आगे ले जायेंगे।

इस के साथ ही मैं एक बात और जो कहनी चाहता हूं वह यह है कि यहां पर कांगड़ा के जब मेरे फाज़ल दोस्त बोले थे तो उन्हों ने सब से बड़ी शिकायत यह की थी कि हमारे हां इतने फारैस्ट्स हैं मगर इन के मुतअल्लिक रा-मैटीरियल के कारखाने बाहर लगाये जा रहे हैं। इस के साथ ही उन्हों ने जो ज़मीन फारैस्ट्स में इन की चली गई है जिस का चहारम वह देते हैं इस का भी ज़िक्र किया था। मैं यह बात यहां पर साफ कर देना चाहता हूं कि यह बात हम हरगिज़ नहीं चाहते कि किसी गरीब को किसी तरह का भी कोई नुकसान पहुंचे। हम ने फारैसटस लैंड रूल्ज़ को बदलने के लिये उन को दोबारा कनसिडर करने के लिये एक कमेटी कायम करने का फैसला किया है। वह कमेटी जब मीट करेगी तो जंगलात के मुतअल्लिक जितने भी झगड़े हैं उन को सुलझाने की कोशिश करेगी। इस कमेटी का कांगड़ा के लोगों को पूरी तरह से फायदा पहुंचेगा। इस कमेटी के मैम्बर हैं:--

(1) सरदार दरबारा सिंह

(2) सरदार अजमेर सिंह

(3) चौधरी रिज़क राम

(4) चौधरी चांद राम

(5) कैप्टन रतन सिंह

और श्री ज्ञान चंद हिल्ली ऐरिया (डिप्टी मिनिसटर) इस सारी की सारी चीज़ को अपने हाथ में जलदी से जलदी लेकर इस काम को करेंगे।

मैं आप की मार्फत एक बात और यह भी कह देना चाहता हूं कि हम हरिजन कल्याण फंड को निहायत ठीक ढंग से चलाने की कोशिश कर रहे हैं। यह बात मैं आप की मार्फत यहां पर कह देना चाहता हूं कि हम ने इस सिलसिले में 2,60,00,000 रुपये की ज़मीन इस फंड में से हरिजनों के लिये खरीद की है। हरिजनों को लैंड देने के सिलसिले में जो गवर्नमेंट ने कमिटमेंट्स की हैं गवर्नमेंट उन पर पूरी तरह से कायम हैं। मैं इस हाऊस में यह बात कह देनी चाहता हूं कि हम ने 33,000 एकड़ ज़मीन हरिजनों को देने के लिये रिलीज़ करवा ली है ताकि इन को ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाया जा सके। (तालियां) इस के साथ ही मैं यह भी अर्ज़ कर देना चाहता हूं कि जहां तक हरिजनों को लैंड देने का सवाल है हरिजनों को 2,000 रुपये तक का जो भी लोन दिया जाएगा वह बगैर किसी शर्त के दिया जायेगा। इस के अलावा हम ने यह भी फैसला किया

है कि 20 की बजाये हिल्ली एरियाज़ की रुरल डिवैलपमैंट के लिये 30% बतौर सब-सिडी के दिया जायेगा । (तालियां)

जहां यक हमारी पंजाब की इंडस्ट्री का ताल्लुक है हम ने इस को डिवैल्प करने के लिये बहुत अहम सटैप लिये हैं । इतना वक्त नहीं है कि मैं इस की एक एक की डिटेल में जाऊं । हम ने इंडस्ट्रियल प्वायंट आफ व्यू से कुछ प्रौजैक्टस जिन के लाईसैंस हमें मिल चुके हैं या जिन के लैटर आफ इंडैंट मिल चुके हैं पंजाब में खोलने का फैसला किया है । यह हैं Small Tools, Paper and Pulp, X-ray Equipments, Woollen yarn, Rayon waste yarn, Steel casting, Vanaspati, Food yeast and Brewers yeast, Asbestos, Cement sheets, Steel strips, Tractors, Soda Caustic, Typewriters, Nylon yarn, Chip Board and Cast Iron Rods यह इंडस्ट्रियल प्राजेक्क्ट्स हैं जिन के लाइसैंस हमें गवर्नमैंट आफ इंडिया से मिले हैं ।......

**श्री जगन्नाथ :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि आप इंडस्ट्री लगाने पर इतना ज़ोर दे रहे हैं । मैं पूछना चाहता हूं कि इसी चीफ मिनिस्टर ने सोनीपत के अंदर एक साल में 40 करोड़ की इंडस्ट्री लगाने का वायदा किया था मगर अभी तक एक पैसा की नहीं लगी तो क्या ऐसे झूठे चीफ मिनिस्टर का भी आप के पास कोई इलाज है ?

**उपाध्यक्षा :** आप 'झूठ' शब्द पहले वापस लें । (The hon. Member may please withdraw the word 'झूठ' (Lie.)]

**श्री जगन्नाथ :** अच्छा जी, मैं झूठ की बजाये इसे गलत ब्यानी ही कहता हूं ।

**मुख्य मन्त्री :** मैं आप से अर्ज़ कर रहा था कि हम देखिये इन्डस्ट्री को कितनी तेज़ी से आगे ले जा रहे हैं । 1964 तक हम ने 112 लाइसैंसिज़ दिये थे या इन के लैटर आफ इंडैंट इशू किये थे मगर अब यह जनवरी, 1963 से जून, 1964 तक 106 और इशू किये जा चुके हैं । जुलाई, 1964 तक 44 रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट इशू किये थे मगर जनवरी, 1963 से जून, 1964 तक 4 और दिये जा चुके हैं। इस का मतलब है कि हम इंडस्ट्री की तरफ पूरा ध्यान दे रहे हैं । जितने लाइसैंसिज़ हैं इन पर हमारी 5,249 लाख रुपये की टोटल इनवैस्टमैंट होगी, 360 लाख रूपया रजिसट्रेशन सर्टिफिकेट्स वाली इंडस्ट्रीज़ पर होगी टोटल 5,609 लाख की इनवैस्टमैंट होगी जिन की सारी डिटेल्ज़ में मैं इस वक्त जाना नहीं चाहता क्योंकि वक्त काफी दरकार है । अगर आप हमारे इस काम को देखें तो पता चलेगा कि इस सारी चीज़ पर पूरी तवज्जो दी गई है ।

2.00 p.m.

**डिपटी सपीकर :** कामरेड साहिब. तुसीं किंना टाईम होर लवोगे ? (How much more time would the hon. Chief Minister require ?)

**मुख्य मंत्री :** 20 मिनट ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਵਾ ਦੋ ਵਜੇ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਉ। (He may kindly finish his speech by 2.15 p.m.)

**मुख्य मंत्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं अर्ज़ कर रहा था कि हम ने इंडस्ट्रियल डिवैल्पमेंट कारपोरेशन कायम करने का फैसला किया है और उस का कैपीटल 7 करोड़ रुपया होगा। 31 जनवरी 1966 को इंडस्ट्रियल डिवैल्पमेंट कारपोरेशन रजिस्टर कर दी गई है। उस के लिए 19 लाख 50 हज़ार रुपया करंट फिनांशल ईयर में प्रोवाईड करेंगे और 50 लाख रुपया नैक्स्ट फिनांशल ईयर में प्रोवाईड किया जाएगा ताकि इस से ज़्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके और फोर्थ प्लैन में इस के लिए 6 करोड़ 50 लाख का प्रोवीज़न होगा। मैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपकी मारफत यह भी अर्ज़ करना चाहता हूं कि जो हमारी फिनांशल कारपोरेशन है उस को भी हम और तकवीयत दे रहे ह ताकि वह प्राईवेट सैक्टर में कुछ मदद दे सके शेयर्ज़ में। उस के लिए हम फोर्थ प्लान में 2 करोड़ 12 लाख रुपया प्रोवाईड कर रहे हैं। और इस नए माली चालू साल में 35 लाख रुपया उस के लिए देंगे। ज़िला हिसार में पिग आयरन प्राजैक्ट की हमारी कंपनी रजिस्टर हो गई है। उस के लिए 185 एकड़ ज़मीन हासिल कर ली गई है। उस की एक लाख टन की ऐनुअल कपैसिटी होगी। उस से फाउंडरी इंडस्ट्रीज़ को फायदा पहुंचेगा। उस की तरफ पूरी तरह से तवज्जो होगी। मैं आपकी मारफत हाऊस में यह भी बताना चाहता हूं कि हम सीमलैस स्टील ट्यूब्ज़ मिल लगा रहे हैं जिस पर कोई 9 करोड़ की ज़्यादा से ज्यादा इन्वैस्टमेंट होगी, जिस में फिनांशल इंडस्ट्रियल कारपोरेशन से एक करोड़ 45 लाख रुपए इन्वैस्ट होगी। इस की 72,000 टन पर ऐनम प्रोडक्शन होगी। उस को बहुत जल्द बनाना है। स्टील कास्टिंग्ज़ की 6,000 टन पर ऐनम प्रोडक्शन होगी। पावर टिलर्ज़ की एक प्लैन है।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा**: क्या गनौर में लगाएंगे?

**मुख्य मंत्री** : उस के लिए 2 करोड़ रुपए की इनवैस्टमेंट होगी। उस में से इंडस्ट्रियल डिवैल्पमेंट कारपोरेशन की तरफ से 50 लाख रुपया दिया जाएगा। उसकी 12,000 पावर टिलर्ज़ पर ऐनम की कैपसिटी होगी। गवर्नमेंट आफ इंडिया की इस फैक्टरी को सैट अप करने की मन्ज़ूरी मिल गई है। सारे टाईप के पावर टिलर्ज़ वगैरा जो चाहिएं उन की इनवैस्टीगेशन हो रही है। यह जल्दी से जल्दी लगाई जाएगी। स्टील फौरजिंग्ज़ के सिलसिले में 4 करोड़ 50 लाख रुपए की इनवैस्टमेंट होगी। उस से 9,000 टन पर ऐनम प्रोडक्शन होगी। कन्सलटैंट्स एप्वायंट कर दिए हैं। मशीन टूल्ज़ पर एक करोड़ रुपया इनवैस्ट होगा। उस से मशीन टूल्ज़ की कोई एक करोड़ 50 लाख रुपए की प्रोडक्शन होगी। उस को भी हमारा लाइसेंस वगैरा मिल गया है। हैवी इलैक्ट्रीकल्ज़ पर 13 करोड़ रुपए की इनवैस्टमेंट होगी। जो जो भी ज़रूरी चीज़ें हैं हम बनाते आ रहे हैं। हम सारी चीज़ पर तवज्जो दे रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस के साथ साथ मैं हाउस में यह कहना

चाहता हूं कि पंजाब गवर्नमेंट की तरफ से योगोसलाविया गवर्नमेंट के साथ डीज़ल इंजन फैक्टरी कायम करने के लिए बात चीत हो रही है ताकि डीज़ल इंजन और पंप बनाए जा सकें। यह रूपी बेसिज़ पर होगा, खतो किताबत कर रहे हैं। हम 10,000 डीज़ल इंजन देने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक वेनीर फैक्टरी लगा रहे हैं ताकि सफेस मैटीरियल चिप बोर्डज़ और प्लाई वुड के लिए तैयार हो सके। हम वह फैक्टरी फारेस्ट एरिया में लगाने की कोशिश करेंगे, हमारी डिस्कशन्ज़ हो रही हैं। यू.एस. एस. आर., गवर्नमेंट के साथ वसीह पैमाने पर हमारे यहां शूज़ की प्रोडक्शन करने के लिए हम वसीह पैमाने पर फैक्टरी लगाना चाहते हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मारफत अर्ज़ करना चाहता हूं कि पंजाब के इंडस्ट्रियलिस्ट्स को इस से फाइदा हो सकता है जिन्होंने लड़ाई के दौरान मदद की।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨਾਂ ਅਤੇ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਰੂਲ ਆਊਟ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਕਿ ਇਸ ਐਡਰਸ ਤੇ ਇੰਡੀਵਿਜੁਅਲ ਕਪੈਸਟੀ ਵਿਚ ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ। ਪਰ ਇਹ ਟੇਪ ਰਿਕਾਰਡ ਵਰਗਾ ਲਿਖਤੀ ਭਾਸ਼ਨ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਹੈ ਉਹ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਦਰਖਾਸਤ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਓ।

(I have requested the Chief Minister to give a reply to those points.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਢੁਡੀਕੇ ਕੀ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦਾ ਕਾਰਖਾਨਾ ਲਗਾ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਗ਼ਾਲਬਨ ਮੋਗਾ ਤਹਿਸੀਲ ਵਿਚ ਲਗਾਉਣਾ ਹੈ।

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਪਾਵਰ ਟਿਲਰ।

**मुख्य मंत्री** : मैं तफसील में नहीं जाना चाहता।

**चौधरी देवी लाल** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। सरदार बाबू सिंह ने जो कहा था उस पर रूलिंग चाहिए। एडजर्नमेंट मोशन्ज और काल अटैनशन मोशन्ज इस बेसिज़ पे रिजैक्ट की जाती हैं कि गवर्नर एड्रेस पर बोलते हुए जो बातें कही गई हैं यह उनका जवाब देंगे। उन का जवाब देना लाज़मी है या नहीं।

**उपाध्यक्षा** : मैं ने कह दिया है, उन को दरखास्त कर दी है। (I have already stated that the Chief Minister has been requested to reply to those points.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਕੈਰੋਂ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਫੰਡ ਲਈ 75,000 ਰੁਪਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੈਬੀਨਿਟ ਦੇ ਮੰਤਰੀਆਂ ਨੇ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਸਾਫ ਕਰ ਦੇਣ।

**Deputy Speaker** : You should wind up within five minutes.

**मुख्य मंत्री** : यहां हरियाणा के बारे में कहा गया, सवाल उठाया गया। मैं डिटेल में नहीं जाना चाहता। लेकिन मेरी यह दरखास्त है कि उस में फैसला इस तरह से कर रहे हैं कि हरियाणा की इकनामिक डिवैल्पमेंट के लिए एक अलहदा पोर्टफोलियो होगा जो एक मिनिस्टर के चार्ज में होगा। एक सीनियर अफसर को इस बात के लिए मुकर्रर किया जाएगा ताकि हरियाणा डिवैल्पमेंट कमेटी की जो हमारे सामने रिपोर्ट आई है उस इलाका की डिवैल्पमेंट हो। जो भी पंजाब के रिसोर्सिज़ हैं उन की तरफ फोरी ध्यान दे सकें, इस चीज़ पर तवज्जो दे सके। मैं आपकी मारफत अर्ज़ करना चाहता हूं कि यहां बहुत से भाइयों ने, किसी ने पंजाबी सूबा के हक में, किसी ने हरियाणा के हक में कई तरह के यहां सवाल उठाए हैं और दिलचस्पी ली है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आप की मारफत हाऊस से कहना चाहता हूं कि यह सवाल अगर तकरीरों से हल होना होता तो कभी का हल हो गया होता। तकरीरों से यह सवाल हल होने वाला नहीं है। एक दूसरे से अनप्रैजूडिस्ड हो कर, एक दूसरे के जज़बात को समझते हुए, एक दूसरे के जज़बात की कदर करनी होगी। मैं मानता हूं कि हमें यह कोशिश करनी चाहिए और कोशिश है। पंजाब के हिंदू जाट, पंजाब के सिख जाट, अहीर, डोगरे और राजपूतों ने हिंदुस्तान की आज़ादी को कायम रखने के लिए अपना खून किस तरह से बहाया है। उन्होंने शहीदियां दी हैं। इस मुहब्बत को कायम रखा जाए। इस सारी चीज़ को गवर्नमेंट आफ इंडिया ओपन माइंड से कनसिडर कर रही है। पिछले दिनों गुरू गोबिंद सिंह जी के पवित्र शस्त्र आने पर जो इमोशनल इंटैगरेशन पैदा हुई है मैं आशा रखता हूं उसे पूरी तरह कायम रखा जाएगा। मेरी खाहिश है कि पंजाब की जो पंजाबी भाषा है इसे जितनी भी तकमील दी जा सके, दी जाए और जो हमारी राष्ट्रीय भाषा है उस को कोई नुकसान नहीं पहुंच सकता। जहां तक हरियाणे के दोस्तों का ताल्लुक है उन के जज़बात का भी पूरा खयाल रखा जाएगा। हमारे पंजाब की इकानोमी जो है यह एक बार शैटर हो चुकी है इस नुक्ता निगाह से भी सोचेंगे पंजाब के दरियाओं का पानी, इन से निकाली गई पावर का सिस्टम और पंजाब की धरती हमें फाड़ नहीं सकती। आज सारे पंजाब के अंदर 88 करोड़ की लार्ज स्केल इंडस्ट्री है जिस में से 58 करोड़ की हिन्दी रिजन में है और 30 करोड़ की पंजाबी रिजन में है। इसी तरह $5\frac{1}{2}$ करोड़ की स्मालस्केल इंडस्ट्री हिन्दी रिजन के अंदर है और बाकी पंजाबी रिजन में है। तो मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि यह ब्यास, रावी और सतलुज जिन के पानी से हरियाणा को सैराब किया जाता है और जहाँ से बिजली मिलती है उस से वह कैसे अलहदा हो सकते हैं। तो डिवैल्पमेंट के नुक्तानिगाह से आप को सारी चीज़ पर ठण्डे दिल से गौर करना होगा। हमें आपस में बैठ कर एक कोआप्रेटिव हल सोचना होगा और एक दूसरे के जज़बात की कदर करनी होगी। इस वक्त 24 लाख एकड़ ज़मीन पंजाबी रिजन के अंदर और 11 लाख एकड़ हिन्दी रिजन के अन्दर वाटर-लागिंग का

शिकार हो गई हुई है। इस लिए सब चीज़ को देखना होगा। हम अगर सारी बैकग्राउंड को देखें तो पता चलता है कि पंजाब के अंदर हिन्दू, सिख और मुसलमानों ने हिन्दुस्तान की हमेशा राहनुमाई की है। उस को मद्देनज़र रखते हुए गवर्नमेंट आफ इंडिया एक ऐसा फैसला देगी जो सब को हर नुक्तानिगाह से सूट करे। जहां तक हिल्ली एरिया का सम्बंध है, उन की डिवैल्पमेंट और सेंटीमेंट्स का ताल्लुक है उन को भी मद्देनज़र रख कर पंजाब की री-आर्गेनाइज़ेशन का फैसला होगा। हमारे पंजाब के जितने इलैक्टिड रिप्रज़ेंटेटिवज़ हैं उन का एक एक लफ़ज़ पंजाब में आग लगा सकता है और एक एक लफज़ पंजाब को प्यार के झुले झूला सकता है। इस लिए आप सब साहिबान का एक एक लफज़ ऐसा होना चाहिए जो पंजाब में मुहब्बत की रौ पैदा करे। हमें अपने गुरुओं ने जो प्यार का रास्ता दिखाया है, हमारे वेदों और ग्रंथों ने जो अमृतपान दिया है उन के ऊपर अमल करते हुए फैसले करने होंगे। हमारे सब दोस्त बैठे है जिन्हों ने हिन्दुस्तान की आज़ादी के लिए मिल कर काम किया है। इस लिए अब जब हिन्दुस्तान की नई रूप रेखा बन रही है तो उस में यह नहीं होना चाहिए कि चौधरी देवी लाल एक तरफ बैठे और वह भाई जिन्हों ने इकट्ठे गुरू के बाग में लाठियां खाई वह इस समय पर डिवाईड हो जाएं। हम सब को मिल कर मुहब्बत और प्यार को कायम रखते हुए जो चीज़ जरूरी है वह करनी चाहिए। चौधरी सर छोटू राम आखीर तक इस बात के लिए लड़े कि मैं ने पंजाब के सब जाटों को एक जगह रखना है। एक तरफ तो हम कहते हैं कि हम सर छोटू राम के नकशे कदम पर चलेंगे लेकिन जब अब अमली तौर पर उन की पैरवी करने का वक्त आता है तो उस में कुछ और सोचना ठीक नहीं। इस लिए सारे हालात को देखते हुए आगे चलना होगा।

इस के अलावा यहां पर गवर्नमेंट मुलाजमों के बारे में सवाल उठाया गया कि उन की तनखाहे बढ़ानी चाहिएं। मुझे उन के साथ पूरी तरह से हमदर्दी है। लेकिन मैं अफसोस से कहना चाहता हूं कि हमारे जो गवर्नमेंट सर्वेंट्स हैं उन की अगर आप सारी तफसील देखेंगे तो पोज़ीशन का पता चलेगा 11 दिसम्बर, 1956 को गवर्नमेंट सर्वेंट्स का नम्बर 1,29,295 था जो कि जून, 1958 को बढ़ कर 1,68,415 हुआ। उस के बाद 31 मार्च, 1962 को 2,46,669 हो गया। 1956 से ले कर 1964 तक 106 प्रतिशत के करीब गवर्नमेंट सर्वेंट्स की नफरी बढ़ी है। (विघ्न)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ, । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਹੁਣੇ ਹੀ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਜੈਇੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ (* * * *) ਕਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਲਫ਼ਜ਼ ਵਾਪਿਸ ਕਰਵਾਏ ਜਾਣ ।

*Note: Expunged as ordered by the Chair.

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ, ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਲਫਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲਉ। (If Sardar Gurcharan Singh has used these words, he may please withdraw them.)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੈ ਤਾਂ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ।

**ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਥੇ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਗਏ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਵੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਈ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਦੁਖ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਕਿਧਰੋਂ ਜਾ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਐਸੇ ਮਾੜੇ ਲਫਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਹੀਂ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ । ਇਹ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਅਖਤਿਆਰ ਹੈ ਕਿ ਐਸੇ ਅਨਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਅਲਫ਼ਾਜ਼ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਵੀ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ ।

**मुख्य मंत्री :** जहां तक मुलाज़मीन का संबंध है आप बजट का इन्तज़ार करें आप को सब कुछ मालूम हो जाएगा । बाकी जो बातें प्रोहिबिशन के बारे पैप्सू के बारे और दूसरी बातें आई हैं जनरल एडमिनिस्ट्रेशन पर जब मुझे वक्त मिलेगा उनका जवाब दूंगा । एक दफा फिर मैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप की मारफत पंजाब के भाइयों से, लोगों से अपील करना चाहता हूं कि आओ हम पंजाब की इकनामिक डिवैल्पमेंट करते हुए इसे शक्तिशाली बनाएं और इस को आगे बढ़ाएं । यह जो मित्तल साहिब ने प्रस्ताव सदन के सामने रखा है मैं आशा रखता हूं कि उसे सारा हाउस इत्तफाक राए से पास करेगा । (तालियां)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** कामरेड जी ज़रा इस पर भी रौशनी डाल दें जो हरियाणा डिवैल्पमेंट कमेटी की रिपोर्ट के बारे में प्लैनिंग मिनिस्टर ने कौंसिल में ब्यान दिया है कि चौथे प्लान के पहले साल में तो वहाँ के लिए कुछ भी नहीं है ।

**मुख्य मंत्री :** मैं ने अर्ज़ किया है कि रिसोर्सिज़ को मद्देनज़र रखते हुए जो कर सकते हैं ज़रूर करेंगे ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ :** ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਾਫੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਲੇਕਨ ਮੈਂ ਪੁੱਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਵੀ ਦਸ ਦਿਉ ਕਿ ਵੱਡਿਆਂ ਵੱਡਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਤਨਾ ਕੁਝ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਛੋਟਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਤਨਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ:** ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਲੋਨ ਤੇ ਸਨਅਤੀ ਲੋਨ ਦੀ ਸੂਦ ਦੀ ਸ਼ਰ੍ਹਾ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫਰਕ ਹੈ ਜਾਂ ਸ਼ਰ੍ਹਾ ਇਕੋ ਹੈ? ਜੇਕਰ ਫਰਕ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਕਿਉਂ ਹੈ ? ............ [ਸ਼ੋਰ]............

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ :** ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀ ਤਾਰੀਫ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਜੋ ਕਰਜ਼ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਜੋ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਲੋਨ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਸੂਦ ਦੀ ਸ਼ਰ੍ਹਾ ਵਿਚ ਚਾਰ ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਦਾ ਫਰਕ ਹੈ ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ?

[ਇਸ ਵਕਤ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਗਏ ।]

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ:** ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਪੁਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਸਦਨ ਚਲਦਾ ਰਹੇਗਾ । (If the hon. Members continue doing like this, then I may make it clear to them that the sitting will last till this motion is put to the vote of the House.)

**ਮਖ ਮੰਤਰੀ:** ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਕਨਸਿਡਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼:** ਗੋਲਡ ਬਾਂਡ ਕੁਲੈਕਸ਼ਨ ਜੋ ਮਹਿਕਮਾ ਤਾਲੀਮ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਨ ਨੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕੀ ਇਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਬੰਦ ਕਰੇਗੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

**ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ:** ਜੇਕਰ ਆਪਦੇ ਪਾਸ ਕੋਈ ਐਸੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਪਹੁੰਚੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਜਗ੍ਹਾ ਕਿਸੇ ਅਫ਼ਸਰ ਨੇ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਨੋਟਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉ ਇਨਵੈਸਟੀਗੇਟ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ਤੇ ਤੁਹਾਡੀ ਤਸੱਲੀ ਕਰਾ ਦੇਵਾਂਗੇ ।

**Deputy Speaker :** Now, I will put the amendments to the vote of the House, one by one.

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) of the necessity of introducing prohibition in the State;

(2) of Land Reforms which was essential for increasing agricultural production and bringing about social injustice;

(3) of rural industrialisation which was essential for rural development;

(4) of the unirrigated and drought hit hilly areas of Tehsil Una, Hamirpur equally with the other drought hit Districts as regards relief measures; and

(5) of the steps to be taken to provide irrigation facilities to the hilly areas particularly Tehsil Una."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end namely,—

"but regret—

(1) that the cent per cent hilly area of Thana Hajipur (District Hoshiarpur) has been excluded from the purview of the Committee appointed under the Chairmanship of the Financial Commissioner (Revenue) to suggest permanent measures to tackle the drought problem in certain areas of the State, including Una Tehsil to which it is contiguous;

[ Deputy Speaker ]

(2) that the address makes no mention of any steps intended to be taken to redress the imbalance in the matter of Tube-well connections which have not been given at all in areas like Mukerian and Hajipur Blocks so far;

(3) that no scheme for the upgrading of such Government primary middle schools where the Panchayats have put up the necessary buildings and are prepared to pay the cash amounts prescribed for the purpose has been outlined in the Address;

(4) that no indication has been given in the Address as to the period during which the Datarpur area Water-Supply Scheme and the Kumahi Devi Area (Hajipur Block) Water-Supply Scheme are to be implemented; and

(5) that no mention has been made in the Address of the spurs so badly needed to save villages, lying on the banks of River Beas on Mukerian-Mirthal side, from the depredations of floods in that River."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—
"but regret that no mention is made for the revival of the Salt Industry of Gurgaon District and to give fore-most priority to supply the electric power as promised by the Government in 1953 and supply fresh drinking water to all such villages and towns where there is salt water."

*The motion was lost*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) for the cancellation of lease of Birla Brothers land;

(2) to protect the rights of Scheduled Castes employees specially serving in Punjab State Electricity Board, Agriculture University, Punjab University, Punjabi University and Kurukshetra University with regard to reservation in promotions;

(3) regarding allotment of all Govervment land to the landless people; and

(4) for the allocation of 1/4th of the yearly Budget for the uplift of the Scheduled Castes and other Backward Classes."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) to check the growing unemployment in the State ;

(2) of transforming of the present capitalistic social set up into socialistic pattern; and

(3) of the new excise policy set by the State Government."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that—

(1) no promise has been held out to cancel lease of land to Birla Brothers in the Sutlej Bed in deference to the public opinion;

(2) no mention has been made of acceeding to popular demand for release of detenue;

(3) full cognizance has not been taken of the damage caused to the agriculture by prolonged drought and no measures have been annouuced for stepping up irrigation;

(4) no steps have been taken indicated to meet the demands of the government employees;

(5) no mention has been made to check the growing unemployment in the State; and

(6) no mention has been made regarding the allotment of surplus land as well as government lands to the tiller in order to increase the agricultural production."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that nothing has been said—

(1) for allocating 60 per cent of the total Budget for the development of Haryana and Hilly areas;

(2) for abolishing the Food Zones to better the lot of Farmers and to give a fillip to move production of foodgrains;

(3) regarding taking concrete steps to rehabilitate the War hit economy of the State;

(4) to fulfil the promises made by the Government of and on to grant ample loans for Industry and to give relief in taxation in border industry; and

(5) to dissolve the deed made by the Government with Birlas to lease them 1,000 acres of reclaimed land against the interest of petty farmers and landless Harijans."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that—

(1) the Address makes no mention of any steps intended to be taken to provide irrigation by setting up Government tube-wells or from Bhakhra Canal or by constructing Dams at the heads of rainy rivulets in Ambala and Hoshiarpur Districts. This matter assumes grave importance because 88 % areas of these districts are unirrigated;

(2) the Address takes no notice of strong public opinion against the Birla land lease and also fails to mention the reasons for imposition of section 144 around Assembly and Secretariat;

(3) the Address fails to mention inordinate delay in distribution of rehabilitation loans amongst unemployed workers during Pakistan-India conflict and also fails to mention the failure of the Government to stop large-scale retrenchment of workers all over the State;

(4) the Address fails to mention any steps taken to set up Hydel Power Plant at Rupar on Bhakra Canal; and

(5) the Address fails to mention the reasons as to why Hilly area allowance is not given to Government employees of Rupar and Majri Blocks of Ambala District."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made—

(1) regarding supply of electric material and not supply of electric connection to hundred of Tube-wells for short of material in entire Gurgaon District;

(2) regarding industrialisation of Palwal area for Co-operative Sugar or Spinning Mills which are proposed to be set up in other parts of the State;

(3) to provide better class of Buses to avoid frequent break down; and

(4) regarding removal of disparity of water rates of upper Agra Canal in Gurgaon District."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely—

"but regret—

(1) that no mention has been made to provide village road in backward area of Palwal and Ballabhgarh Tehsils; and

(2) that no assurance has been given to provide means to check unemployment."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That in the motion, the following be added at the end, namely,—

"but regret that no mention has been made about the development of the erstwhile Pepsu area."

*The motion was lost.*

**Deputy Speaker:** Question is—

That an Address be presented to the Governor in the following terms:—

"That the members of the Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to both the Houses of the State Legislature assembled together on the 14th February, 1966."

(After ascertaining the votes of the Members by voices, Deputy Speaker said "I think the Ayes have it." This opinion was challenged and division was claimed. Deputy Speaker after calling upon those Members who were for "Aye" and those who were for "No.", respectively, to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried.)

*The motion was declared carried.*

**Deputy Speaker:** The House stands adjourned till 11.00 a. m. tomorrow.

2.30 p. m.

(*The Sabha then adjourned till 11 a.m. on Thursday, the 24th February, 1966.*)

1699 PVS—386—11-10-66—C., P., & S., Pb., Patiala.

# APPENDIX

TO

**Punjab Vidhan Sabha Debates, Vol. I, No. 6, dated the 23rd February, 1966.**

[*For Starred Question No. 9102 and reply thereto please see page (6) 12 ante*]

Statement containing information required by parts (a) and (b) of Starred Vidhan Sabha Question No. 9102 regarding names of Nursery trained female teachers with their present places of posting in respect of Gurdaspur, Jullundur and Ferozepur districts.

(a) **Jullundur**:

Shrimati Raksha Khosla, Government Primary School, Bhaura.

Shrimati Kamla Devi, Government Higher Secondary School, Phillaur.

Shrimati Ramesh Kumari, Government Primary School, Thabalke.

(b) **Gurdaspur**:

Shrimati Sudesh Bakshi, Government High School, Kalanaur.

(c) **Ferozepur**:

Shrimati Surjit Kaur, Teacher, Government Middle School, Singhanwala.

Shrimati Shashi Bala, Teacher, Government Primary School, Fazilka No. 3.

Shrimati Gurbans Kaur, Teacher, Government Primary School, Phullanwala.

(b) No representation was received from these teachers.

# Punjab Vidhan Sabha Debates

*24th February, 1966*

Vol. I—No. 7

**OFFICIAL REPORT**

CONTENTS

Thursday, the 24th February, 1966

## *ERRATA*

**TO**

**PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I—NO. 7,**

**DATED THE 24TH FEBRUARY, 1966**

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| उपाध्यक्षा | *पाध्यक्ष | (7)10 | 1 |
| पार्लियामेंटरी | पार्लियानेंटरी | (7)15 | 20 |
| पंडित चिरंजी लाल शर्मा | पंडित चिरंजी लाल शर्मा | (7)18 | Last but one |
| Shri Balramji Dass Tandon | — Balramji Dass Tandon | (7)20 | 2 |
| Shri Ram Partap Garg | 4, Ram Partap Garg | (7)20 | 15 |
| Kg. | Dg. | (7)35 | 5 from below |
| vij | viz | (7)36 | 7 and 3 from below |
| Comrade Bhan Singh Bhaura | Comrade Bhan Singh Baura | (7)48 | 1 |
| the | ihe | (7)51 | 12 from below |
| reasons | rea ons | (7)54 | 21 |
| कामरेड राम चन्द्र | कामरेड राम चन्द् | (7)69 | 10 |
| मुल्क | मुलल्क | (7)69 | 22 |
| संस्थाएं | संस्थएं | (7)73 | 18 |
| जिले के | जिले की | (7)73 | 21 |
| speech | speach | (7)76 | 11 |
| टंडन | टडन | (7)77 | 8 |
| दो | ो | (7)78 | 12 |
| ट्यूबवैल | यूबवैल | (7)85 | 23 |
| रहम करें | रहम बरपा करें | (7)85 | Last but one |
| देशों | शों | (7)86 | 10 from below |
| ਖੇਤਰ | ਖਤਰ | (7)90 | 25 |
| ਉਨ੍ਹਾਂ | ਉਨ੍ਹ | (7)91 | 5 |
| Whether | hether | (7)92 | 13from below |

# PUNJAB VIDHAN SABHA

Thursday, the 24th February, 1966

The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, Chandigarh at 11.00 a.m. of the clock.

## Absence of the Speaker

**Secretary:** I have to inform the House that Mr. Speaker is unavoidably absent at the present moment. The Deputy Speaker will, therefore, take the Chair.

(At this stage the Deputy Speaker occupied the Chair).

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS
## *SUPPLEMENTARIES TO STARRED QUESTION No. 8924

**श्री बलरामजी दास टण्डन :** क्या परिवहन मन्त्री बताने की कृपा करेंगे कि क्या 1961 में स्टेट कांग्रेस की जो कोआर्डीनेशन और कैबिनेट की मीटिंग हुई थी उस के अन्दर तै हुआ था कि ट्रांस्पोर्ट वर्कर्ज़ को बोनस दिया जाए या नहीं ?

**परिवहन तथा निर्वाचन मंत्री :** मैं तो उस वक्त विधान सभा का स्पीकर था । उस वक्त पार्टी लैवल पर मीटिंग हुई होगी और उस मीटिंग को नान-आफीशल मीटिंग समझा जाना चाहिए । लेकिन इस के बारे में मैं सारी पोज़ीशन वाज़ेह कर दूं । मैं किसी बात को छुपाना नहीं चाहता हूं क्योंकि इस में छुपाने वाली बात भी कोई नहीं है ।

जब मैं ट्रांस्पोर्ट का मिनिस्टर बना तो उस के बाद ट्रांस्पोर्ट वर्कर्ज़ की यूनियन के साथ कुछ बातें हुईं । उन बातों में बोनस का भी ज़िक्र आया था । मेरा निजी ख्याल है कि उन्हें बोनस दे देना चाहिए । इस विषय में दो बार मीटिंगज़ भी हुईं । मैं पहले अर्ज़ कर चुका हूं कि उनको बोनस देने में सरकार को कोई एतराज़ नहीं है । जब बोनस एक्ट को देखा तो वह एक्ट स्टेट अंडरटेकिंग पर एप्लाई नहीं होता था । उस के बाद सारा केस एग्ज़ामिन करवाया गया । मैं तो इस ख्याल का था कि इस केस को बहुत ही जल्दी डिसाइड किया जाए । पेमेंट आफ बोनस एक्ट, 1965 की धारा 32 की क्लाज़ 4 है जिसने हमारे रास्ते में काफ़ी मुश्किलात पैदा की हैं । इस एक्ट के अंदर दो चीजें हैं । एक वह है जो कि स्टेट डिपार्टमैंट की तरफ से बसें रन की जाती हैं, जैसा कि पंजाब रोडवेज़ है और दूसरी इंडीपैंडेंट है जो कि पब्लिक अंडरटेकिंग बाडी है । वह अटानोमस बाडी है । वहां पर कम्पीटेशन है । जहां तक कारपोरेशन का सम्बन्ध है उस को मुसतसना करार दे सकते हैं । लेकिन जहां तक डिपार्टमेंट के द्वारा रन

---

*Note:—Starred question No. 8924 and reply thereto appear in the Punjab Vidhan Sabha Debates Vol. No. 4, dated 21st February, 1966.

[परिवहन तथा निर्वाचन मंत्री]

की जाती है, वह इस ऐक्ट के रू में नहीं आता है। इस एक्ट की सैक्शन 32(4) और 20 लागू होती हैं। अगर आप चाहें तो सैक्शन 32(4) पढ़ देता हूं:—

Section 32 (iv) of the Payment of Bonus Act, 1965, reads—
"Nothing in this Act shall apply to—
(iv) employees employed in an establishment engaged in any industry carried on by or under the authority of any department of the Central Government or a State Government or a local authority."

इस के बारे में पोज़ीशन यह थी कि 1959 में फैसला किया गया था कि उन को 1 प्रतिशत इंसैंटिव ग्रांट के तौर पर दिया जाए। इस तरह 70 प्रतिशत स्टाफ को फायदा हुआ था। मैं अर्ज़ कर देना चाहता हुं कि उस वक्त यह बोनस ऐक्ट नहीं आया था लेकिन इस के बावजूद भी सरकार ने फैसला किया। इस तरह से हर साल उन को इनसेंटिव दिया गया। वह फिगर्ज़ यह हैं:—

| | | रुपए |
|---|---|---|
| 1960-61 | .. | 1 लाख |
| 1961-62 | .. | 1,18 हज़ार |
| 1962-63 | .. | 1,21 हज़ार और |
| 1963-64 | .. | 1,15 हज़ार |

लेकिन 1964-65 में कुछ ऐसी बात हो गई थीं जिस से हम उन को इंसेंटिव नहीं दे सके। (विघ्न)

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप को मालूम ही है कि मैं कभी भी इस हाउस में मिस नहीं होता लेकिन उस दिन, पार्लीयामेंट की सूबे के बारे में एडवाइज़री कमेटी बनी हुई है, उन्हों ने हमें टैलीग्राफिकली बुलाया था और वहां पर जाना भी ज़रूरी था। इस के सिवाए कोई रास्ता हमारे सामने नहीं था। अब मैं कारपोरेशन के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं। उन को इस एक्ट की धारा 20 लागू होती है।

The Pepsu Road Transport Corporation, have, however, paid interim bonus of Rs 1.54 lakhs to its employees for the year 1961-62.

1962–63 और 1963-64 में भी यही पोज़ीशन थी।

It has been advised that the employees of the Pepsu Road Transport Corporation, are covered by the Act, section 20 which reads as under:—

"20. Application of Act to establishments in public sector in certain cases:—
(1) If in any accounting year an establishment in public sector sells any goods produced or manufactured by it or renders any services in competition with an establishment in private sector, and the income from such sale or services or both is not less than twenty per cent of the gross income of the establishment in public sector for that year, then, the provisions of this Act shall apply in relation to such establishment in public sector as they apply in relation to a like establishment in private sector.

(2) An establishment in public sector to which this Act applies shall continue to be governed by this Act not-withstanding that in any subsequent accounting year its income from the sale of goods produced or manufactured by it or from services rendered or from both, in competition with an establishment in private sector, falls below twenty per cent of its gross income for that accounting year."

इस के बारे में लीगल ओपीनियन ली गई। मेरा ख्याल था कि लीगल ओपीनियन डिपार्टमेंट को कवर करेगी लेकिन पता चला कि पंजाब रोडवेज़ एम्पलाइज़ सैक्शन 32(4) के नीचे और कारपोरेशन क्लाज़ 20 के नीचे कवर होते हैं। इस तरह से हमें बोनस देने में मुश्किल पेश आई। यह एक्ट भी सैंट्रल गवर्नमेंट का है। यह ऐक्ट पंजाब गवर्नमैंट का नहीं है। लेकिन मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि हम ने उन वर्कर्ज़ को इंसैंटिव देना है चाहे यह बोनस वगैरा की शक्ल में हो हम तो चाहते हैं कि वर्कर्ज़ की तसल्ली हो जाए। अगर वह खुश हो जाएं तो हमें और ज़्यादा खुशी की क्या बात हो सकती है।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। एक सवाल के जवाब में दस मिनट लग गए हैं, कुछ समझ में नहीं आता कि किस तरह से काम चलेगा।

**उपाध्यक्षा**: मुझे आप ने मौका ही नहीं दिया। मैं भी कहने ही वाली थी। टंडन साहिब को रूल्ज़ की कापी दे देते वे खुद ही पढ़ लेते। (The hon. Member did not give me the opportunity to speak. I was also going to point out this. If Shri Tandon had been provided with a copy of these rules he would have himself read them.)

**मंत्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं ने तो पहले पूछ लिया था कि अगर कहें तो मैं पढ़ दूं।

**श्री बलरमजी दास टण्डन** : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उन्हों ने पठानकोट में बोलते हुए कहा था और पहले भी यह बात प्रेस के अन्दर आई थी कि स्टेट गवर्नमैंट की तो खाहिश देने की है लेकिन सैंट्रल गवर्नमैंट इजाज़त नहीं दे रही, इस में कहां तक सच्चाई है ?

**मंत्री** : हर अखबार अपनी मर्ज़ी से खबर दे देती है। हमारे पास दस बारह अखबारें आती हैं और हर अखबार अपने ढंग से ही खबर देती है। मैं ने तो पहले भी यह बात कही थी कि हमारी खाहिश है और यह बात हाउस के रिकार्ड पर भी आ चुकी है। लीगल ओपिनीयन लेने के बाद हम परसनल लैवल पर बात को डिसाईड कर रहे हैं। इन्टैरिम अरेंजमेंट के तौर पर इन्सेंटिव दे रहे हैं। उस के बाद उन का जवाब आ जाने पर हम बोनस दे देंगे। हमें क्या फर्क पड़ता है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या सेंट्रल गवर्नमेंट की लेबर मिनिस्टरी की तरफ से पंजाब सरकार को कोई लैटर आई है कि जहां पर पब्लिक अंडरटेकिंग हैं यह ऐक्ट लागू नहीं होता वहां पर एक्सग्रेशिया के तौर पर इन्सेंटिव दे देना चाहिये।

**मंत्री** : उन्हों ने मश्विरा दिया था और मैं ने मान लिया है। लेकिन हम तो इन्सेंटिव दे ही रहे हैं।

---

*Supplementaries to Starred Question No. 8926.*

**श्री बलराम जी दास टण्डन :** ब्यास नदी पर पुल बनाने के सिलसिले में मन्त्री महोदय ने बताया है एप्रोच रोड नम्बर 1 भी मुकम्मल हो गई, रोड नम्बर 2 भी मुकम्मल हो गई रोड नम्बर 3 मुकम्मल हो गई और इसी तरह से रोड नम्बर चार भी मुकम्मल हो गई है। क्या तफसीलन वे बताएंगे कि कौन सी रोड्ज़ मुकम्मल हो गई हैं और उन का इस बात से क्या ताल्लुक है ?

**लोक कर्म मंत्री :** मुझे मालूम नहीं है कि माननीय सदस्य ने कैसे समझ लिया है कि रोड्ज़ मुकम्मल हो गई हैं। जो काम उन को दिया गया था वह मुकम्मल हो गया है। उनकी जानकारी के लिये अर्ज़ कर दूं कि काम था मिट्टी डालने का। वह काम पूरा हो गया है इस से ज़्यादा और कोई काम नहीं था।

**श्री बलरामजी दास टण्डन :** पहले दिन जवाब देते हुए चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी ने बताया था कि जो मेन ब्रिज है उस को कम्पलीट करने का तीन साल का एग्रीमेंट है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वह एग्रीमेंट कब हुआ और तीन साल का अर्सा कब पूरा होता है ? इन दी मीन टाईम जो काम शुरू हुआ है उस की लीगल पोज़ीशन क्या है जो कि एग्रीमेंट होने से पहले हो चुका है ?

**मंत्री :** जहां तक पुल बनाने का ताल्लुक है वह एक कम्पनी को दिया गया है। काम के ठेके का रुपया 79 लाख 50 हज़ार बनता है। कूएं गालने व पीलपाए बनाने का काम लगभग 50 फीसदी पूरा हो चुका है। जहां तक एग्रीमेंट पर दस्तखत करने का ताल्लुक है कुछ शर्तें पत्र व्यवहार में सरकार ने मानी हुई हैं, कुछ ठेकेदार ने मानी हुई हैं। कानूनी तौर पर एग्रीमेंट की डीटेल्ज़ क्या होनी चाहिए उस के लिये एल.आर. ( कानूनी मशीर) के पास महकमा जाता है। जब कानूनी तौर पर सलाह मिल जाती है कि दस्तखत हों तो ठेकेदार से दस्तखत करवा लेते हैं। यह काम जो था यह तेज़ी से और वक्त के मुताबिक पूरा करना था। अगर हम एग्रीमेंट की इन्तज़ार करते रहते तो काम पूरा न हो पाता। जहां तक इस काम यानी कूएं गालने और पीलपाए (piers) बनाने के काम के मुकम्मल होने का ताल्लुक है वह जून, 1966 तक होगा। जब बरसात आ जाती है काम होना बन्द हो जाता है। बाकी काम बरसात के बाद होता है।

**श्रीमती सरला देवी शर्मा :** जब कभी ठेका दिया जाता है तो एग्रीमेंट पहले ही हो जाया करता है लेकिन इस केस में कौनसी कम्पलीकेशन्ज़ पैदा हो गई थीं कि एल. आर. के पास जाना पड़ा ?

**मंत्री :** यह तो माननीय सदस्या की सूचना है, मेरी नहीं है।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੇਸ ਤਾਂ ਅਜੇ ਐਲ. ਆਰ. ਦੇ ਕੋਲ ਗਿਆ ਹੈ ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 40% ਪੇਮੈਂਟ ਵੀ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

**मंत्री :** दरअसल कूए गालने और पीलपाए ( piers ) बनाने का काम 55 फीसदी पूरा हो चुका है। मैं अभी नहीं बता सकता कि कितना पैसा दिया जा चुका है। उस के लिये समय चाहिये। एक बात मैं कह सकता हूं कि जब ठेका मान लिया जाता है तो 1 फीसदी ठेकेदार

*Note—Starred Question No. 8926 and reply thereto appear in the Punjab Vidhan Sabha Debates Vol. 1, No. 4, dated 21st February, 1966.

से अरनेस्ट मनी ले ली जाती है। उस के बाद जितना काम कर दिया जाता है अरनेस्ट मनी शामिल कर के उस का पांच फीसदी तक रखते जाते हैं।

**श्री फतेह चंद विज :** मन्त्री साहिब ने फरमाया है कि मिट्टी डाल दी गई है। मैं पूछता हूं कि मिट्टी डालने से उन का यह मतलब तो नहीं है कि जो काम उन्हों ने वहां पर नाजायज किये हैं उन को खत्म कर दिया गया है ?

**मंत्री :** जैसे मानयोग सदस्य ने कहा ऐसी बात नहीं है। सड़कें बनाने के लिये पहले मिट्टी डालनी पड़ती है, मिट्टी को दबाना पड़ता है फिर ईटें डाली जाती हैं, तारकोल पड़ता है और फिर रोलर चलाया जाता है फिर जा कर सड़क मुकम्मल होती है।

(श्री बलरामजी दास टण्डन प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहते थे लेकिन चेयर द्वारा इजाज़त नहीं दी जा रही थी।)

**श्री बलरामजी दास टण्डन :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप मेरी बात तो सुन लीजिए। वह हमें मिसलीडिंग रिप्लाईज़ दे रहे हैं। आप मेरी बात को सुन लें।

**Deputy Speaker:** Mr. Tandon, I request you to please resume your seat.

**श्री बलराम जी दास टण्डन :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, वह मिसलीडिंग रिप्लाइज़ दे रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आधा काम हो गया है और मैं कहता हूं कि अभी तो कूएं ही आधे बने हैं और आधा ब्रिज कैसे बन गया।

**उपाध्यक्षा :** टण्डन साहिब, यह मुनासिब मालूम नहीं देता कि चेयर के मना करने के बावजूद आप इस तरह से खड़े हो हो कर अपनी बात कहते जाए। यह मुनासिब नहीं। (Addressing Shri Balramji Das Tandon) (It does not look proper for the hon. Member to rise time and again and in this way go on pressing his point in total disregard of the order of the Chair.) (*Interruption*)

You are an honourable Member of this august House and a known Parliamentarian. Please resume your seat.

**मंत्री :** उपाध्यक्ष महोदया यह मानयोग सदस्य की समझ का फर्क है.... (शोर)

**उपाध्यक्षा:** मैं ने आप को काल अपान नहीं किया। आप बगैर मेरे कहे क्यों इस तरह से खड़े हो रहे हैं? इस का जवाब देने की कोई ज़रूरत नहीं (विघ्न) आर्डर प्लीज़। नैक्स्ट क्वैश्चन। (I have not called upon him. Why is he getting up without my permission? There is no need to reply to this question. (Interruption) Order please. Next question.)

---

**Construction of approach and village roads in the State**

***8910. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Public Works be pleased to state the mileage of approach and village roads, separately, constructed during 1963-65, 1964-65 and 1965-66 (to-date) in the State, district-wise?

**Chaudhri Ranbir Singh:** A statement is placed on the Table.

STATEMENT

**Mileage of Approach and Village Road constructed during 1963-64, 1964-65 and 1965-66**

(Length in miles)

| Serial | District | | 1963-64 | | 1964-65 | | 1965-66 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Approach Road | Village Road | Approach Road | Village Road | Approach Road | Village Road |
| 1 | Ambala | .. | 0·15 | .. | .. | .. | .. | .. |
| 2 | Ludhiana | .. | 1·25 | .. | .. | .. | 1·00 | .. |
| 3 | Sangrur | .. | 0·18 | .. | 2·16 | .. | .. | .. |
| 4 | Simla | .. | .. | .. | 0·54 | .. | .. | .. |
| 5 | Ferozepur | .. | .. | .. | 1·00 | .. | 1 00 | .. |
| 6 | Jullundur | .. | 1·75 | .. | 5·70 | .. | 2·25 | .. |
| 7 | Karnal | .. | 0·25 | .. | .. | .. | .. | .. |
| 8 | Patiala | .. | .. | 0·12 | .. | .. | .. | .. |
| 9 | Gurdaspur | .. | 2·25 | .. | 2·33 | .. | .. | .. |
| 10 | Hoshiarpur | .. | .. | .. | .. | .. | 1.00 | .. |
| 11 | Bhatinda | .. | .. | .. | .. | .. | 0·30 | .. |
| 12 | Amritsar | .. | .. | .. | .. | .. | 0·25 | .. |
| | Total | .. | 5·83 | 0·12 | 11·73 | .. | 5·80 | .. |

Total Approach Roads .. 23.36 Miles

Total Village Roads .. 0·12 Miles

**Shri Rup Singh Phul:** From the statement supplied to me, I find that in the matter of construction of approach and village roads during 1963-64, 1964-65 and 1965-66, the district of Kangra is conspicuous by its absence. May I know the reasons for the relegation of this district to such a position in this connection?

**मंत्री** : उपाध्यक्ष महोदया, यह जो पूछा गया है इसके लिये तो समय अपेक्षित है कि कांगड़ा क्यों उसमें नहीं आया। हां, एक बात कह सकता हूं कि उसमें दो योजनाओं का जिक्र है। एक योजना पर काम तब चालू होता है जब लोग पच्चीस फीसदी हिस्सा दे देते हैं। हो सकता है कि पच्चीस फी सदी हिस्सा कांगड़ा वालों ने न दिया हो। दूसरी योजना पर कांगड़ा

में काम क्यों चालू नहीं हुआ उसके लिये मैं अफसोस ही कर सकता हूं और बाकी जवाब मेरे पास कोई नहीं ।

**श्री रूप सिंह फूल** : क्या वज़ीर साहिब फरमाएंगे कि इस लिहाज़ से कि ज़िला कांगड़ा की सारी स्टेट के अन्दर पर कैपिटा इन्कम लोएस्ट है, क्या सरकार उस ज़िला के लिये इस पच्चीस फीसदी की जो शर्त है उसे रीलेक्स करने के लिये तैयार है जहां तक कि विलेज रोड्ज़ और ऐप्रोच रोड्ज़ की कन्स्ट्रक्शन का ताल्लुक है ?

**मंत्री** : उपाध्यक्ष महोदया, जैसा कि मैं ने ज़िक्र किया इस सवाल में दो योजनाओं का ज़िक्र है। एक योजना के तहत हिस्सा लिया जाता है और दूसरी योजना के अनुसार सरकार सौ फीसदी काम खुद करती है। मैं ने इस से इनकार नहीं किया कि दूसरी योजना के तहत ज़िला कांगड़ा में काम नहीं होगा। दूसरी योजना के तहत काम हो सकता है लेकिन क्यों नहीं हुआ इसका जवाब मेरे पास इस वक्त नहीं है ।

**पंडित लाल चन्द प्रार्थी** : क्या मिनिस्टर साहिब फरमाएंगे कि ऐसी कोई इन्स्टांसिज़ आप के नोटिस में आई हैं जहां पर सड़क बनाने के लिये कहा गया हो और पच्चीस फीसदी रुपया लोगों ने न दिया हो ?

**मंत्री** : उपाध्यक्ष महोदया, मैं तो एक ही बात कह सकता हूं। अगर यह पूछें कि उस ज़िला से कोई पैसा आया है या नहीं, वह तो मैं बता सकता हूं। इस के अलावा और कोई बात इस से पैदा नहीं होती ।

**श्री अमर सिंह** : क्या लोक कर्म मन्त्री कृपा करके बताएंगे कि जो स्टेटमेंट हाउस में दी गई है उसमें डिस्ट्रिक्ट हिसार का कोई ज़िक्र है जब कि सारे सूबा की एप्रोच रोउज़ और विलेज रोडज़ की बाबत पूछा गया है। क्या यह बता सकते हैं कि हिसार जब कि कपूरथला से पांच गुना है वहां पर विलेज रोड्ज़ क्यों नहीं बनाई क गईं, इसका क्या कारण है ?

**मंत्री** : हो सकता है कि पिछले पांच सालों में वहां पर ज़्यादा काम हो गया हो। बाकी मानयोग सदस्य अगर इस के बारे में अलग प्रश्न पूछेंगे तो जवाब दे दिया जाएगा।

**उपाध्यक्षा** : आप को वेग जवाब नहीं देने चाहिए कि "हो सकता है" आप डैफीनेट जवाब दें। हो सकता है तो हां कहें और अगर नहीं हो सकता तो साफ बता दें। (The hon. Minister should avoid replying vaguely. He should give a definite reply in the affirmative if this can be accomplished. If it is not possible he may straightaway say so.)

**मंत्री** : उपाध्यक्ष महोदया, सरकार की तरफ से जवाब देने की ज़िम्मेदारी मेरी है। जो जवाब मैं ने दिया है वह सही है। आप को अधिकार है कि अगर उसमें कोई गल्ती हो काट सकती है ।

**उपाध्यक्षा**: यह मेरा काम है देखना कि जो सप्लीमैंटरी किया गया है वह सही किया गया कि नहीं या कि जो जवाब दिया गया है वह सही है कि नहीं। "हो सकता है" वाली बात मत कीजिए और साफ साफ जवाब दीजिए ।

[उपाध्यक्षा ]

(This is my job to see whether a supplementary is proper or otherwise also whether the reply given is correct or not. He should give a definite reply and avoid vaguenesss saying that it may be so,)

**मंत्री**: मैं जो जवाब दे सकता था वह दे दिया।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, मैडम। ग्रभी ग्रभी ग्रानरेबल मिनिस्टर साहिब ने कहा है कि सरकार की तरफ से जवाब देने की जिम्मेदारी मेरी है ग्रौर यह कि हाउस के ग्रन्दर **जैसा** चाहें जवाब दें। मैं ग्राप से इस बात की रूलिंग चाहता हूं कि सवाल की या जवाब की रैलेवेंसी को जज करना चेयर की ग्रथारिटी है या कि नहीं। जब कोई इर्रेलेवेंट जवाब दे रहा हो उस को रोकना चेयर की ग्रथारेटी है या कि वुड बी हरियाणा प्रान्त के वुड बी चीफ मिनिस्टर ने यह ग्रथारिटी ग्रपने पास रख ली है ?

(इस समय सरदार लक्खी सिंह चौधरी ग्रपनी सीट पर कुछ कहने के लिए उठे)

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਬਹਿ ਜਾ ਉਏ ਪੈਰਾਟਰੂਪਰ।

**ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ**: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਮੈਡਮ ਸਬਰ ਦੀ ਹਦ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ "ਵੁਡ ਬੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ" ਵਗੈਰਾ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਕੇ ਸਾਨੂੰ ਆਪਸ ਵਿਚ ਝਗੜਾ ਰਹੇ ਹਨ, ਲੜਾ ਰਹੇ ਹਨ; ਇਹ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਹੈ। (Laughter)

**ਸਰਦਾਰ ਲੱਖੀ ਸਿੰਘ ਚੌਧਰੀ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ 7.95 ਮੀਲ ਸੜਕ ਬਣੀ ਹੈ ਔਰ ਕਪੂਰਥਲੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬਣੀ, ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਇਹ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਉਥੋਂ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਬਹੁਤੇ ਹਨ ?

**लोक कर्म मन्त्री** : जवाब तो तथ्यों की बिना पर दिया जाता है ग्रौर जो सच्चाई है वह मैं ने कह दी है।

**चौधरी देवी लाल** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा सप्लीमेंटरी सवाल पहले था लेकिन बीच मैं कुछ ग्रापस में झगड़ा शुरू हो गया। ग्रानरेबल मिनिस्टर साहिब ने जबाब दिया है कि पिछले पांच साल कपूरथला में ज्यादा खर्च हुग्रा है ग्रौर हिसार में कम। क्या ग्राप यह बताएंगे कि जब से ग्राप मिनिस्टर बने हैं उसके बाद इधर ही ज्यादा खर्च हुग्रा है ग्रौर क्या वह यह बताएंगे कि पिछले सालों में पंजाबी रिजन में जो सड़कों पर ज्यादा खर्च हुग्रा उस से इधर जो कमी रह गई है वह उस कमी को ग्रपने ग्रहद में पूरा कर देंगे ?

**मंत्री** : कोशिश ज़रूर की जा रही है ग्रौर की जाएगी।

**श्री फतेह् चन्द विज** : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो पंचायतें एप्रोच रोड्ज़ के लिये या विलेज रोड्ज़ के लिये लिख दें कि वह पच्चीस फीसदी रुपया देने के लिये तैयार है क्या उन की डिमांड पर वह ग़ौर करेंगे ग्रौर क्या वहां पर ग्राप सड़कें बना देंगे ?

**मंत्री** : जहां तक लिखने का ताल्लुक है उसके ऊपर तो कागज़ी कार्यवाही ही हो सकती है। ग्रगर रुपया दाखिल कर देंगे तो ग्रमली कार्यवाही हो सकती है।

---

**Opening of New construction or Mechanical Divisions**

***8991. Shri Rup Singh Phul:** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether Government is considering any proposal to

open any new Construction or Mechanical Divisions or Sub-Divisicns (B&R) in the State; if so, the number thereof and the names of the places where these are likely to be located?

**Chaudhri Ranbir Singh:** No such proposal is unrder consideration at present.

**श्री रूप सिंह फूल :** क्या वज़ीर साहिब के इल्म में यह बात है कि ज़िला कांगड़ा के लोगों ने एक अर्ज़दाश्त भेजी जिस में कहा गया था कि रोड कंस्ट्रक्शन के काम को ऐक्सपीडाइट करने के लिये वहां पर मकैनीकल डिवीज़न्ज़ जारी करना बहुत ज़रूरी है ? क्या उस पर गौर किया गया है या नहीं ?

**मंत्री :** सड़क बनाने के लिये जितनी कार्यवाही की आवश्यकता होगी महकमा उस कार्रवाई को ज़रूर करेगा ।

**श्री रूप सिंह फूल :** क्या वज़ीर साहिब यह फरमाएंगे कि जब कभी भी कोई वज़ीर वहां पर जाता है तो कहता है कि कांगड़ा को हम स्वर्ग बना देंगे, और यह भी मैं जानता हूं कि रोड कंस्ट्रक्शन के लिये, बार्डर रोड्ज़ कंस्ट्रक्शन के लिये उन के प्रोग्राम में काफ़ी अहमियत है, लेकिन मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह जो स्वर्ग बनाने की बात है यह कब तक पूरी होगी, रोड् कंस्ट्रक्शन का काम पूरा भी होगा या :

गिनते गिनते दिन जवानी के पूरे हुए,

जब बुढ़ापे में तुम्हारे शबाब आया तो क्या आया ।

**मंत्री :** जिसे पंजाब का पहाड़ी इलाका कहा जाता है उसके लिये पिछले साल यानी सन् 1965-66 के बजट में जितनी धन राशि सड़क बनाने के लिये रखी गई थी उसके अलावा एक करोड़ रुपया और रखने का फैसला सरकार ने किया था ताकि पहाड़ी इलाकों में सड़क बनाई जाए और उसके तहत काम जारी है ।

**श्रीमती सरला देवी :** मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहती हूं कि इन्हों ने जो एक करोड़ रुपये की ऐलोकेशन की है वह कैसे की है । ऊना से मंडी अथा रोड पहली प्लैन में बननी शुरू हुई है और उसी तरह से चली आ रही है । क्या यह काम इसी तरह से चलेगा और दस साल तक अगर वह इलाका हिमाचल में उस से पहले ही न मिल गया या उस काम को तेज़ करके उस को पूरा किया जाएगा ?

**मंत्री :** इस के मुतअल्लिक मैं इतना कह सकता हूं कि हिमाचल में मिलने से पहले ही ही इसे मुकम्मल कर दिया जाएगा ।

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा :** मैं आप की रूलिंग चाहता हूं कि श्री रूप सिंह जी ने अपने सप्लीमेंटरी में कहा था कि सरकार ने कांगड़ा को, हिल्ली एरिया को स्वर्ग बनाने का वायदा किया था । मैं आप की रूलिंग चाहता हूं कि आया स्वर्ग और नर्क बनाने का काम भी इन वज़ीरों के हाथ में है । (हंसी)

**उपाध्यक्षा :** अगर आप सिंसियरली मेरी रूलिंग चाहते हैं तो वह यह है कि अगर आप सब मिल कर नेक नियती से चलेंगे तो जन्नत बनेगा नहीं तो जहन्नुम बनेगा । **(If the hon. Member sincerely wants my ruling, then I would say that if we all co-operate honestly to**

[*पाध्यक्ष]

work together, heavens will emerge, otherwise it will be a hell.) (विघ्न)

**श्री रूप सिंह फूल :** मैं पंडित जी से पूछना चाहता हूं कि. ....

**उपाध्यक्षा :** मैंने जब कह दिया है कि अगर सब मिल कर चलेंगे तो जन्नत बनेगी वरना जहन्नुम बनेगा तो फिर अब क्या सवाल रह गया। (When I have already stated that working in full co-operation will bring about heavens and in its absence there will be hell, then, what further is left to be asked).

**श्री रूप सिंह फूल:** मैं यह पूछना चाहता हूं कि आया इन का मतलब स्वर्ग बनाने से है या सुधारने से है ?

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਂਹਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕਾਂਗੜੇ ਨੂੰ ਸਵਰਗ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆਂ ਰਖਿਆ ਹੈ, ਕੀ ਉਹ ਬਹੁਤ ਸੁਹਣਾ ਹੈ ?

**मंत्री :** उपाध्यक्ष महोदया मैं, ने तो कांगड़ा का नाम नहीं लिया, पहाड़ी इलाके का ज़िक्र किया था।

**श्री अमर सिंह :** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह कांगड़ा और हिल्ली एरिया पर इस लिये मेहरबान हैं क्योंकि वह इलाका हिमाचल प्रदेश से मिलने जा रहा है ?

**मंत्री :** मेरा निवेदन सिर्फ इतना है कि इस बात से सरकार की नीति में कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन सरकार इतना ज़रूर मानती है कि जो इलाके प्रदेश के पीछे रह गए हैं उन की ज़्यादा से ज़्यादा तरक्की की जाए।

---

### Deputy Commissioner's Bungalow at Bharwain in District Hoshiarpur

***9219. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether the Government has considered the desirability of utilising the Deputy Commissioner's bungalow at Bharwain in Hoshiarpur district for better public purposes than maintaining it for a single officer exclusively ;

(b) whether he is aware of the fact that there is a big Public Works Department, Rest House and two Zila Parishad Rest Houses at this place ;

(c) the monthly maintenance charges of the Bungalow mentioned in part (a) above ;

(d) whether it is a fact that there is a great lack of accommodation in the Government High School, Bharwain and whether the Panchayat of this area has represented to the Government requesting that the said Bungalow be given over for the purpose oschool ; the

(e) whether the Government propose to make it available to the school authorities for converting it into class-rooms after making suitable changes ?

**Chaudhri Ranbir Singh:** (a) The matter was considered by the Revenue Department and it was decided to continue *status quo*.

(b) There is one B Class Civil Rest House and another Zila Parishad Rest House at Bharwain.

(c) Rs. 206.

(d) There is, of course, scarcity of accommodation in the Government High School at Bharwain.

No representation for the use of D.C.s' residence as a part of the school has, however, been received from the Panchayat in the PWD, B&R Branch

(e) There is no such proposal at the present.

**पंडित मोहन लाल दत्त** : क्या सरकार इस बात को स्वीकार करती है या नहीं कि एक सरकारी अफसर के लिये जो कभी कभी ही वहां पर जा कर ठहरता है 206 रुपए माहवार खर्च करना फज़ूल खर्ची है या नहीं ?

**मंत्री** : माननीय सदस्यों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए ही लोक कर्म विभाग ने माल विभाग जिस से इस का ताल्लुक है उस के पास इन की खाहिशात भेजी थीं। उन का फैसला यह है। अब फिर दोबारा लोक कर्म विभाग उस फैसले को बदलने के लिये उन को फिर से लिख सकता है।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि डिप्टी कमिश्नर वहां पर साल में कितनी बार जाता है और सरकार को उस के वहां पर कितने दिन रहने के लिये यह खर्च बरदाश्त करना पड़ता है ?

**मंत्री** : इस सूचना के लिये तो समय अपेक्षित है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : उन्होंने माना है कि वहां स्कूल के लिये अकामोडेशन कम है मगर अभी तक उन की तरफ से कोई रिकमैंडेशन नहीं मिली। अगर इन को स्कूल अथारिटीज़ की तरफ से कोई इस बारे में रिकमैंडेशन मिले तो क्या यह रैस्ट हाउस स्कूल को देने के लिये तैयार होंगे ?

**मंत्री** : अगर इस तरह का कोई विनय पत्र गांव या किसी और आदमी की तरफ से मिलेगा तो उस पर हमदर्दाना गौर किया जायेगा।

**पंडित मोहन लाल दत्त** : क्या इन को इस बात का इल्म है कि उस स्कूल में बहुत अर्से से जगह की बहुत कमी चली आ रही है और हैडमास्टर की तरफ से यह मतालबा किया जाता रहा है कि यह बंगला बच्चों के बैठने के लिये स्कूल को दिया जाए ?

**शिक्षा मंत्री** : इस बारे में अर्ज़ है कि कई बार और जगह के मुतअल्लिक भी ऐसी रिकमैंडेशन्ज़ आती हैं और सरकार जल्द से जल्द, कम से कम जितनी जगह की ज़रूरत हो उस को मुहैया करने की कोशिश करती है। इस के बारे में इतना अर्ज़ करता हूं कि और भी सरकार कोशिश कर रही है कि जितनी अकामोडेशन कम से कम ज़रूरी हो वह मुहैया की जाए।

**उपाध्यक्षा**: डिप्टी कमिश्नर साल में एक आध दफा ही वहां पर जाता होगा, यह इन को दिला ही दें। (The Deputy Commissioner hardly visits that

[उपाध्यक्षा]

place once or twice in a year. The hon. Minister may arrange for this accommodation.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह तथ्य नहीं है कि डिप्टी कमिश्नर उस बंगले में एक साल में आठ दिन से ज्यादा जा कर नहीं रहता और क्या यह भी फैक्ट नहीं है कि सरकार उस की मेंटेनैंस के लिये दो सौ रुपया माहवार खर्च कर रही है और उस बिल्डिंग के आठ कमरे खाली पड़े हैं ? क्या यह शेमफुल नहीं है कि एक तरफ तो सरकार इकानमी की बातें करती है और दूसरी तरफ इस तरह से फजूल खर्च कर रही है ?

**मंत्री** : माननीय सदस्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस पर फिर से हमदर्दाना गौर किया जाएगा ।

**पंडित मोहन लाल दत्त** : इन्हों ने कहा है कि रैवेन्यू डिपाटमैंट में सोच विचार करके यह फैसला किया है कि इस बंगले को डिप्टी कमिश्नर के लिये रखना है । मैं यह जानना चाहता हूं कि उन्हों ने यह फैसला किस दलील की बिना पर किया है ?

**मंत्री** : किन कारणों से माल विभाग ने यह राय बनाई है वह जानने के लिये समय अपेक्षित है ।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री**: क्या यह बताएंगे कि इस रैस्ट हाउस के अलावा वहां पर एक दूसरा रैस्ट हाउस भी है डिप्टी कमिश्नर के ठहरने के लिये ?

**मंत्री** : सदस्य तो सूचना दे रहे हैं, पूछ नहीं रहे ।

---

**Expenditure incurred on Government Buildings Constructed in Chandigarh**

***9058. Comrade Ram Piara** : Will the Minister for Capital & Housing be pleased to state —

(a) the total amount so far spent on the New Secretariat Building and on the Vidhan Bhawan together with the details of the expenditure, if any, incurred on their maintenance or repairs so far ;

(b) the total amount so far spent on the Sukhna Lake together with the amount so far incurred on its maintenance and repairs ;

(c) the total approximate amount so far spent on Government buildings in Chandigarh ;

(d) the total approximate amount spent in all on the development of Chandigarh, i.e., on construction of Government Buildings, Roads, Waterworks, Hospitals etc. etc. ;

(e) whether any estimate of the expenditure likely to be incurred annually on the maintenance of all Government buildings in Chandigarh has been worked out ; if so, how much is the same ; if no estimate has been formed, the reasons therefor ?

**Sardar Prem Singh Prem** : (a) Expenditure up to December, 1965, on construction is Rs. 1,34,32,194 and Rs 1,01,73,475 respectively and expenditure on maintenance & repairs Rs 20,27,265 and Rs 1,62, 963, respectivley.

(b) Rs. 81,15,540 and Rs. 3,11,718 respectively up to December, 1965.

(c) Rs. 2.058.38 lakhs up to December, 1965.

(d) Rs 3,046·15 lakhs.

(e) Yes. Rs.24·66 lakhs per annum approximately.

**कामरेड राम प्यारा** : क्या कैपिटल मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि उन्हों ने सैक्रेटेरिएट की बिल्डिंग का खर्च 1 करोड़ 34 लाख बताया है और उसकी मेंनटेनैंस का खर्च 20 लाख बताया है तो क्या यह मेंन्टेनैंस का खर्चा हर साल बढ़ता जाएगा या पहले सालों में ज़्यादा हो रहा है?

**मंत्री** : जितना भी किसी बिल्डिंग की कन्स्ट्रक्शन पर खर्च आता है एकारडिंग टू कोड रूल्ज़ उस पर डेढ़ परसैंट मेन्टेनैंस का खर्चा रखा जाता है जो कोई 22 लाख बनता है लेकिन असल खर्च 15·69 लाख हुआ है पहली प्लान में और दूसरी प्लान में कोई 27 लाख तो इस खर्चे की कोड रूल्ज़ के मुताबिक इजाज़त है। जितने खर्चा की इजाज़त है उतना खर्चा हो नहीं रहा है।

**कामरेड राम प्यारा** : यह जो पार्ट (इ) है इस का जवाब दिया गया है कि एस्टीमेट्स बनाए गए हैं और हम सब का तजुरबा है कि एसटिमेट्स आम तौर पर ज्यादा बनाए जाते हैं। क्या यह हकीकत है कि मेन्टेनैंस के खर्च को छुपाने के लिये एस्टीमेट्स ज्यादा बनाए गए हैं ?

**मंत्री** : नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है, कोई बात छुपाने के लिये नहीं की गई और अगर यह की जाती तो सही फिगर्ज़ आप को न बताई जातीं।

---

## Chief Liaison Officer's Office at Delhi

*8934. **Shri Balramji Dass Tandon** : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the date since when the office of the Liaison Officer has been functioning at Delhi together with the date when the status of the said officer was raised to that of the Chief Liaison Officer;

(b) the total monthly expenditure being incurred by the State Government on the said office at present together with its details ;

(c) the details of the functions assigned to the above-mentioned officer in general ;

(d) the details of the particular duties assigned to the said officer during the last year together with the details of those which were accomplished ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary): A statement embodying the desired information is laid on the Table of the House.

### Statement

(a) It was decided in the beginning of the year 1961 that with effect from the 15th February, 1961 the Planning Commissioner, Punjab, will in addition to his other duties also function as Chief Liaison Officer for Punjab at Delhi with headquarters at Chandigarh. However, a full-fledged Chief Liaison Officer (since re-designated as Agent to Government Punjab) has been appointed in Commissioner's rank with effect from 25th June, 1963. The question of raising the status of the Liaison Officer to that of the Chief Liaison Officer, in these circumstances, does not arise.

(b) The expenditure being incurred by the State Government in the office of the Agent to Government, Punjab, varies from month to month because of its having been

[Chief Parliamentary Secretary]

set up independenty quite recently. However, the figures of expenditure for the month of December, 1965, are given below:

| | | Rs |
|---|---|---|
| (i) | Pay of the Agent | .. 3,000·00 |
| (ii) | TA/DA drawn by the Agent | .. 60·00 |
| (iii) | Pay of non-gazetted staff | .. 2,257·38 |
| (iv) | TA/DA drawn by staff | .. 941·10 |
| (v) | Rent for the office building | .. 2,668·00 |
| (vi) | Expenditure on contingencies | .. 14,773·37 (This includes purchase of a car including transport charges from Calcutta and Registration Fee, etc) |
| | Total | .. 23,699·85 |

(c) and (d) 1. To keep in touch with the Central Government and pass on useful information of prospective developments of importance to the State;

2. To follow up action initiated by the State where the usual process of reminding Delhi by letters on individual visits by officers is likely to lead to delay.

3. To represent officers of the State at important meetings, conferences and Committees at Delhi where the Agent would be competent to take their place with the help of a brief on the subject.

4. To keep the State Government informed of the visits of Foreign Technical Missions, representatives of International Organisations and Foreigners of importance whose direct contact may possibly help the industrial and economic development or other interests of the State.

5. To look after the interests generally of the State Government in so far as they are affected by activities in all fields of the Union Government and all-India Organisations with economic Social and similar non-political activities;

6. To act as Agent of the State Government in all miscellaneous matters where specifically instructed by the Government in any Department.

**श्री बलराम जी दास टण्डन** : क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिब बताएँगे कि उन्होंने चीफ लाइज़न आफिसर दिल्ली का जो एक महीने का खर्च बताया है वह लगभग 24 हज़ार है तो इतना ज्यादा खर्च होने की क्या वजह है ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी**: यह खर्च दिसम्बर के महीने का था, उस में एक कार खरीदी गई थी इस लिये उस महीने का खर्च ज्यादा आया वैसे महीने का खर्च 14,773.37 आता है ।

**श्री बलरामजी दास टण्डन** : क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिब बातएंगे कि मैं ने सवाल के पार्ट (डी) के आदर पूछा था कि—

"the details of the particular duties assigned to the said officer during the last year together with the details of those which were accomplished"

तो इस पार्ट का जवाब देते हुए कोई इन्फरमेशन हाउस में ले नहीं दी गई इस की क्या वजह है ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : मैं ने इस का जवाब दे दिया है । अगर आप कहें तो पढ़ कर सुना देता हूं । आज कल जो एजेंट हैं और जो पहले चीफ लाइज़न आफिसर थे वह बहुत यूसफूल काम करते हैं । सरकार की तरफ से कई स्कीमें गवर्नमैंट आफ इंडिया को भेजी जाती हैं जिन्हें पास करवाना और उनको फालो आप करने का काम है जो यह करते हैं ।

**कामरेड राम प्यारा** : क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी बताएंगे कि गवर्नमेंट ने वैरी रीसैंटली एन्टर्टेनमैन्ट के लिए कुछ खर्चा इस के लिए मुकर्र किया है ; अगर किया है तो इस की बैकग्राऊंड क्या है ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : आप अगर इस के लिए अलहदा सवाल पूछें तो जवाब दे दूंगा ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I ask the hon. Chief Parliamentary Secretary if it is a fact that one of the senior-most officers of the State is the Chief Liaison Officer; if so, can't he be replaced by an officer of a junior status ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : वहां पर सीनियर मोस्ट आफीसर लगाने की खास वजह यह है कि उस ने गवर्नमेंट आफ इंडिया के सैक्रेटरीज़ के साथ बात चीत करनी होती है इस लिए वहां पर किसी जूनियर आफीसर का इतना इम्पैक्ट नहीं हो सकता ।

**श्री बलराम जी दास टण्डन** : आप, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा क्वैस्चन मुलाहज़ा करें । इस में मैं ने पूछा था कि

"the details of the functions assigned to the above-mentioned officer in general."

तो इन्होंने जनरल ड्यूटी के बारे में बता दिया है और इस तरह सफेद हाथी बांध रखे हैं । मैं तो उस चीफ लाइज़न आफीसर के बारे में पूछना चाहता हूं कि उस को क्या काम करने को दिया हुआ है ।

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : यह अच्छा मालूम नहीं देता कि इस तरह के शब्द एक सीनियरमोस्ट आफीसर के लिए यहां इस हाउस में इस्तेमाल किए जाएं । मैं ने पहले ही अर्ज़ किया है कि जो ड्यूटीज़ इस आफीसर को दी गई हैं इन्होंने वह बहुत ऐफिशेण्टली सरजांम दी हैं ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I ask the Chief Parliamentary Secretary if it is not a fact that Mr. R.P. Kapur, I.C.S. was posted as Chief Liaison Officer because the Government did not want to accommodate him on some responsible post at Chandigarh ?

**Chief Parliamentary Secretary :** No, no.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** I want a positive reply.

**शिक्षा मंत्री** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं पूरे ज़ोर से कहना चाहता हूं कि यह जो इनसिनुएशन लगाई गई है इस की कोई बिना नहीं । और बिल्कुल गलत है । दूसरे सूबों में भी जो लाइज़न आफीसर्ज़ दिल्ली में हैं वह सीनियर मोस्ट हैं ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : इन्होंने जनरल ड्यूटी बताई है कि जो स्कीमें सरकार की तरफ से जाती हैं उन को परसू करना और सैंटर की सरकार से उन्हें मंज़ूर करवाना, लेकिन हम तो यह जानना चाहते हैं कि उन्हें कौन कौन सी असाइनमैंट्स दी गई और किन किन को उन्होंने पूरा किया और कौन सी फाइनल स्टेज पर पहुंच गई । सरकार को इस का क्या लाभ हुआ और इस की अचीवमैंट्स क्या हैं ?

**उपाध्यक्षा** : श्री प्रबोध चन्द्र जी आप इस का जवाब दे दें। ( (Let Shri Prabodh Chandra reply to this.)

(At this stage the Chief Parliamentary Secretary rose to give a reply).

**Deputy Speaker :** I have called upon the Education Minister to reply to that question.

**शिक्षा मंत्री** : जहां तक स्पैसिफिक ड्यूटीज़ का ताल्लुक है कई तरह की स्कीमें सरकार की तरफ से भेजी जाती हैं, और करोड़ों रुपया की होती हैं, जैसे अब इस बात पर ज़ोर दिया जा रहा है कि पंजाब में हैवी इंडस्ट्री आनी चाहिए। तो इस तरह की काफी स्कीमें हैं। इट इज़ ए मूविंग प्रासिस। और उन्होंने सारा काम जितना दिया गया था किया है। और कई हालतों में तो उन्हें स्पेड वर्क भी करना पड़ता है। It takes some time to complete the work. पिछले 6 या 7 महीनों से 50 हज़ार रिफ्यूजीज़ को आबाद करने का मसला था। इस के बारे में रोज़ाना कई हिदायतें यहां से जाती रही हैं और फिर उन्हें कई घंटे रिहैबिलिटेशन मिनिस्टरी में जा कर काम करना पड़ता था। उन्होंने जो काम किया है अच्छा किया है।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I ask the hon. Education Minister if it is a fact that a sum of Rs. 10,000 has been placed at the disposal of the Chief Liaison Officer as entertainment allowance by the Government?

**शिक्षा मंत्री** : इस के लिये पहले आप नोटिस दें। अगर फैक्चुअल बात होगी तो आप को बता दिया जायेगा।

**Sardar Gurnam Singh :** Madam, may I know if it is true that this officer is provided residential accommodation at Jorbagh and office elsewhere? May I also know whether he has been given a big amount as Entertainment Allowance ?

**Minister for Education :** It is factually true that the residential accommodation for the officer is apart form the office. As regards Entertainment Allowance provided to him, I need notice. I can assure the hon. Member that we have nothing to hide. We will give the actual facts.

**Sardar Gurnam Singh :** Then, Madam, this question may be postponed. The Government may answer this when they have collected information.

**Minister for Education :** I will get the information and pass it on to the hon. Member. If he so desires, he can further pass it on to other hon. colleagues.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਗੱਲ ਪੁਛਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੇਟ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਲਾਜ਼ਮਨ ਦਿੱਲੀ ਜਾ ਕੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਕਾ ਜੀ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਸੀ। ਕੀ ਕੋਈ ਐਸੀ ਐਂਟਰ-ਟੇਨਮੈਂਟ ਵਾਲੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ?

**Deputy Speaker :** Please be relevant.

*(At this stage, Shri Balramji Das Tandon rose to put another supplementary question).*

**Deputy Speaker :** There must be some limit on supplementary questions

**Sardar Gurnam Singh :** The hon. Member Sardar Gurcharan Singh is ignorant. That is another Branch in Delhi.

**श्री बलराम जी दास टण्डन** : क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिब बतायेंगे कि जैसे कि उन्होंने 2,665 रुपये माहवार किराये का खर्चा बताया है क्या यह आफिस कैनाल रैस्ट हाऊस में नहीं ले जाया जा सकता जिस से इस खर्चे की सेविंग हो जाये ?

**शिक्षा मंत्री :** हम कोशिश कर रहे हैं कि, अगर हमें कपूरथला एस्टेट मिल जाये तो हम आसानी से इस में इंतजाम कर सकेंगे। इस से यह सेविंग भी हो जायेगी।

---

## Travelling and Halting Allowances of the Ministers

***9402. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state the amounts of travelling and halting allowances, separately, drawn by each of the Ministers during the year 1965-66 ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : A statement showing travelling and halting allowance drawn separately by each Minister up to 31st December, 1965, is laid on the Table of the House.

**Statement showing Halting and Travelling allowancesdrawn separately by each Minister**

| Serial No. | Name of Minister | Halting allowance | Travelling allowance | Total (upto 31st December, 1965) |
|---|---|---|---|---|
| | | Rs. | Rs. | Rs. |
| 1 | Comrade Ram Kishan, Chief Minister, Punjab | 2,066·25 | 1,892·05 | 3,958·30 |
| 2 | Shri Darbara Singh, Home and Development Minister, Punjab | 1,612·50 | 595·75 | 2,208·25 |
| 3 | Shri Prabodh Chandra, Education Minister, Punjab | 1,228·10 | 430·00 | 1,658·10 (up to November, 1965. The details of December, 1965 not yet received) |
| 4 | Shri Kapur Singh, Finance Minister,, Punjab | 1,473·75 | 2,190·75 | 3,664·50 (upto November, 1965 only The details of December, 1965 not yet received) |
| 5 | Shri Gurdial Singh, Dhillon, Transport and Elections Minister, Punjab | 1,128·75 | 1,840 | 2,968·75 (up to November, 1965 only. The details of December, 1965 notyet received). |

[Chief Parliamentary Secretary]

| Serial No. | Name of visit | Halting allowance | Travelling allowance | Total [up to 31st December, 1965] |
|---|---|---|---|---|
| 6 | Ch. Ranbir Singh, Public Works Minister, Punjab | 1,852·50 | .. | 1852·50 |
| 7 | Shri Ajmer Singh, Planning & Local Government Minister, Punjab | 1,372·50 | 245. 00 | 1,617·50 |
| 8 | Shri Harinder Singh, Revenue Minister, Punjab | .. | .. | .. (No amount claimed) |
| 9 | Shri Rizk Ram, Irrigation and Power Minister, Punjab | 1,372·50 | 830·20 | 2,20 2·70 |
| 10 | Shri Prem Singh Prem, Capital and Housing Minister, Punjab | 1,012·50 | 740·00 | 1,752·50 |
| 11 | Shri Chand Ram, Welfare and Justice Minister, Punjab | 1 582·50 | 69·70 | 1,652·20 |
| 12 | Shrimati Om Prabha Jain, Health Minister | 1,385·45 | 1,505,90 | 2,891·35 |

## Publicity Workers

***9134. Pandit Chiranji Lal Sharma** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Government has recently decided to re-appoint Publicity Workers in the State ;

(b) if the reply to part ((a) above be in the affirmative, the criteria for such appointments, the salary to be paid to such workers and the date by which such appointments are likely to be made alongwith the designation of the appointing authority ;

(c) whether any list of candidates selected for these posts has been finalised by the Government ?

**Shri Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) (a) Yes.

(b) The Block Publicity Workers are required to posses background of rural life, flair for Public speaking and aptitude for social work. They are appointed by the Director, Public Relations, Punjab at a fixed monthly remuneration of Rs. 100 with the approval of Chief Parliamentary Secretary and Chief Minister, Punjab. These appointments are expected to be completed by the end of March, 1966.

(c) Block Publicity Workers in Amritsar, Gurdaspur, Ferozepore, Jullundur, Hoshiarpur, Ludhiana, Ambala and Mohindergarh Districts have since been appointed. Appointments for other districts are under consideration.

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : क्या कुछ ऐसे जिले भी हैं जिन के लिये अभी आफीशल्ज़ एप्वांयट नहीं किये गये ?

**उपाध्यक्षा** : यह तो उन्होंने रिप्लाई में बता दिया है। (He has already mentioned about it in his reply.)

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Madam, may I know from the Chief Parliamentary Secretary the reasons for not finalizing the list for the remaining districts ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी** : जब हमारा पाकिस्तान से झगड़ा हुआ था तो उस वक्त हम ने बार्डर डिस्ट्रिक्टस के डी. पी. पी. को ही हिदायत कर दी थी कि वह आप ही पब्लिसिटी वर्कर्ज़ को एप्वांयतट कर दें। इसलिये यह एप्वांयट किये गये थे।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਪਬਲਿਸਟੀ ਵਰਕਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਢਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾ ਦੀ ਥਾਂ ਨਵੇਂ ਭਰਤੀ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਇਹ ਇਕ ਨਵੀਂ ਸਕੀਮ ਹੈ ਜਿਸ ਰਾਹੀਂ 175 ਨਵੇਂ ਬਲਾਕਵਾਈਜ਼ ਲਏ ਜਾਣੇ ਹਨ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਆਪ ਹੀ ਸਵਾਲ ਅਤੇ ਆਪ ਹੀ ਜਵਾਬ। (The hon. Member is seeking and giving information at the same time.)

**श्री जगन्नाथ** : मैं पूछना चाहता हूं कि जब कोई गवर्नमैंट बदलती है तो इस के साथ ही गवर्नमैंट के एम्पलाईज़ भी बदल दिये जाते हैं ?

(No reply was given)

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : जिन डिस्ट्रिक्ट्स में पहले एक्सपीरिएंस्ड वर्कर्ज़ थे और उन के खिलाफ कोई शिकायत नहीं थी, क्या उन को भी कनसिडर किया जा रहा है ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रटरी** : जी हां, कनसिडर किया जा रहा है।

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ** : ਜਿਹੜੇ ਰੀ ਐਪੁਆਇੰਟ ਹੋਏ ਹਨ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਸ਼ਫਰਰਜ਼ ਵੀ ਹਨ। ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੀ ਧਿਆਨ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रटरी** : जी हां, पुलिटीकल सफरर्ज़ का ध्यान रखा जाता है।

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ** : ਐਸੇ ਲੋਕ ਕਿਤਨੇ ਕੁ ਹਨ ?

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ** : ਤੁਸੀਂ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ ਦੱਸ ਦਿਆਂਗੇ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिब बतायेंगे कि ऐसे आफ़ीशल्ज़ जिन के खिलाफ ऐलीगेशन्ज़ साबत हो कर उन्हें हटाया गया था, क्या इन को सीरियस ऐलीगेशन लग जाने के बाद भी फिर लगाया जा रहा है ?

**चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रटरी** : इन के खिलाफ कोई ऐसा सीरियस ऐलीगेशन नहीं था। इसलिये इन को लिया जा रहा है।

## Punjab Financial Corporation

***8936. — Balramji Dass Tandon :** Will the Chief Minister be pleased to state

(a) the total amount of loans advanced by the Punjab Financial Corporation during the year 1965 together with its break up, industry-wise and district-wise ;
(b) the amount of money advanced as loan, received back by the said Corporation during the year 1965, principal and interest both ;
(c) the amount due back during the said period but not realized with reasons therefor ;
(d) whether it is a fact that the Punjab Financial Corporation is running short of funds; if so, the details of the steps taken by the Government in this direction to meet the situation?

4, **Ram Partap Garg** (Chief Parliamentary Secretary) : (a) Rs. 1,657,100.00 (i.e. from 1st of January, 1965 to 31st of December, 1965) Districtwise and industrywise statement is laid on the Table of the House.
(b) Rs, 56,86,423.74 as principal and Rs. 45, 78, 665.07 as interest.

(c) Rs. 12,91,517.80 as principal and Rs. 2,87,186.80 as interest. The main reason for these defaults is the Indo-Pakistan conflict.

(d) The Corporation has, so far, been meeting all genuine needs of the industry on the area of its jurisdiction. However, it cannot, on account of shyness in the capital markets, raise additional resources as easily as in the past. The Government is, however, alive to the situation and has assured the Corporation every assistance in its efforts to raise more funds. The State Government are themselves going to broaden the financial base of the Corporation during the Fourth Five Year Plan by contributing an amount of Rs, 2.00 crores.

STATEMENT

PUNJAB FINANCIAL CORPORATION, CHANDIGARH

**Amount advanced during the year 1965 (i. e. from 1st of January, 1965 to 31st of December, 1965)**

| Serial No. | Name of the District | | Amount advanced | Type of Industry |
|---|---|---|---|---|
| | | | Rs. | |
| 1 | Amritsar | .. | 4,21,000.00 | Woollen Textile |
| 2 | Ambala | ... | 1,14,600.00 | Steel Furniture |
| 3 | Gurgaon | ... | 75,58,000.00 | Motor parts, Steel Casting and forging and other miscellaneous industries |
| 4 | Hissar | ... | 3,09,000.00 | Cotton Ginning |
| 5 | Jullundur | ... | 2,51,500.00 | Electrical goods, Machine Tools and other miscellaneous industries. |
| 6 | Karnal | ... | 8,58,000.00 | Card Board, Cotton Yarn Spinning solvex Oils |

| Serial No. | Name of the District | Amount advanced | Type of industry |
|---|---|---|---|
| 7 | Ludhiana | .. 47,85,600.00 | Cotton Spinning Yarn Woollen Textile |
| 8 | Patiala | .. 4,82,500.00 | Steel Casting |
| 9 | Rohtak | .. 23,000.00 | Sanitary Ware |
| 10 | Delhi | .. 13,16,400.00 | Hotel, Steel Re-Rolling and other Miscellaneous industries |
| 11 | Himachal Pradesh | .. 2,42,500.00 | Woollen Textile. |
| 12 | Simla | .. 1,00,000.00 | Food Malts |
| | Total | .. 1,64,57,100.00 | |

**Deputy Speaker :** The Question Hour is over now. Supplementaries will be asked next time.

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

### Land Acquirred for Seamless Tube Factory at Ganaur, tehsil Sonepat

***9133. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Government acquired land in Ganaur tehsil Sonepat in the year 1963-64, for the establishment of a seamless Tube Factory; if so, the area of land acquired for the purpose ;

(b) whether it is a fact that the proposal to construct the said factory has since been dropped by the Government; if so, the reasons therefor ;

(c) whether the land mentioned in part (a) above has since been released and the respective owners informed accordingly ;

(d) whether there is any proposal under the consideration of the Government to start any other heavy Industry in place of the Seamless Tube Factory at Ganaur ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes ; 168.59 acres.
(b) No. Does not arise.
(c) and (d) Does not arise.

### Permits for G.P. Sheets (Imported) issued in the State

***9145. Comrade Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of permits for drawal of G.P. Sheets (imported) from M/s Amin Chand Peare Lal, Jullundur, which were

[Comrade Ram Piara]

issued in the State district-wise by the Industries Department, to the Iron and Steel quota holders during the period from 1st December, 1963 to 15th February, 1964, together with the name of each quota holder and the quantity for which the permit was issued in his favour ;

(b) whether it is a fact that some of the said permits were not honoured by M/s Amin Chand-Peara Lal, Jullundur, if so, the reasons therefor ;

(c) the total quantity of the G.P. Sheets imported by M/s Amin Chand-Peare Lal, Jullundur and intimated by them to the Punjab Government/Industries Department against which the Industries Department issued the said permits ;

(d) whether it is also a fact that the Director of Industries, Punjab, issued letter No. STC/1217/Misc/15773, dated 11th June, 1964 to the firm mentioned in part (c) above recommending the sale of 4 tons of G.P. sheets to Shri Dev Datt Vij of Karnal; if so, a copy of the same be laid on the table of the House ;

(e) whether any other letter was issued by the Department to the said firm recommending the sale/supply of sheets to the other quota holders, whose permits were not originaly honoured bv the said firm ; if so, the names of such quota holders and copies of the letters be laid on the Table of the House ;

(f) if the reply to part (e) above be in the negative, the reasons why the letter referred to in part (d) was sent by the Department ;

(g) whether it is further a fact that M/s Amin Chand-Peare Lal got the balance stock with them released from the Industries Department for sale in the open market at the time when the permits issued to the quota holders by the Industries Department were yet to be honoured ; if so, the quantity so released, the date when it was released and the reasons for releasing it.

**Shri Ram Kishan :** (a) 384. Information is placed on the Table of the House as annexure I.

(b) Yes. Originally a quantity of 1600 M.T. was allocated by Development Commissioner, Small Scale Industries, Government of India to Punjab. This was to be handled by M/s Amin Chand Payare Lal, the stock holders nominated by Government. Proportionate shares of this total quantity were earmarked for various districts and District Industries Officers were asked to issue permits accordingly. In anticipation of actual arrivals the D.I. Officer commenced issuing permits, which totalled to an aggregate quantity of 671.916 M.T. The actual arrivals of material were only 396.876 M.T. , and thus permits for the balance quantity could not be honoured.

(c) The total quantity imported by M/s Amin Chand-Payare Lal is 396.876 tons as per record in the Department of Industries. Intimations, from Stockists of arrival of 183.236 metric tons are available. The complete record of intimations which may have been received subsequently is not available. As already explained in reply to part (b). permits were issued not against intimation of actual arrivals with the stockists, but against the quantity allocated by Central Government.

(d) Yes. A copy of the said letter is placed at the Table of the House as annexure II.

(e) No.

(f) The letter was issued as the fabricated goods were to be supplied to Khadi Ashram, Karnal.

(g) No.

## ANNEXURE—I

**Statement showing the name of the parties (District-wise) together with the quantities for which the permits for G.P. Sheets (Imported) were issued in their Favour of the period from 1st December, 1963 to 15th February, 1964.**

| Serial No. | Name and address of the Party | Quantity of G.P. Sheets |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| | DISTRICT AMBALA | |
| 1 | M/s Iron and Steel Fabricators Association, Ambala Cantt .. | 5.750 |
| 2 | M/s Pursharthi Iron and Steel Quota Holders Association, Ambala City | 5.460 |
| 3 | M/s Capital Steel Quota Holders Association Indl. Area, Chandigarh | 1.560 |
| 4 | M/s Vishkarama Iron and Steel Quota Holders Association, Kurali | 1.690 |
| 5 | M/s Natial Engg. Co. Ambala City .. | 2.000 |
| 6 | M/s Jainco Industries, Spatu Road, Ambala City .. | 0.540 |
| | DISTRICT GURDASPUR (Batala) | |
| 1 | M/s Mahajan Trunk Factory, Pathankot .. | 1 M.T. |
| 2 | M/s Todar Mal-Durga Parshad, Pathankot .. | 1 M.T. |
| 3 | M/s Kailash Trunk Factory, Pathankot .. | 1 M.T. |
| 4 | M/s Dewan Chand-Kotu Mal, Pathankot .. | 1 M.T. |
| 5 | M/s Sudarshan Steel Factory, Pathankot .. | 1 M.T. |
| 6 | M/s Masoom National Industries, Pathankot .. | 1 M.T. |
| 7 | M/s Gurdaspur Engg. Production (C&S), Coop. Industrial Society Lt. Gurdaspur | 2 M.T. |
| 8 | M/s Gurdaspur Iron and Steel Goods Mfg. Association, Gurdaspur | 5 M.T. |
| 9 | M/s Northern India Engg. Association Batala .. | 11 M.T. |
| 10 | M/s Batala Manufacturers Association, Batala .. | 25 M.T |
| | DISTRICT LUDHIANA | |
| 1 | M/s Tilak Ram Chaudhry and Sons. Civil Lines, Ludhiana .. | 2 M.T. |
| 2 | M/s Sigma Steel Industries, Industrial Estate, Ludhiana ... | 2 M.T. |
| 3 | M/s Mohinder Singh Manmohan Singh, Ludhaina | 1 M.T. |
| 4 | M/s Chaman Singh Sunder Singh, Ludhiana ... | 1 M.T. |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 5 | M/s. Manohar Metal Industries, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 6 | M/s. Nath Steel Manufacturers, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 7 | M/s. Sialkot Steel Works, Lakar Bazar, Ludhiana .. | 1.00 M.T |
| 8 | M/s. Sadhu Ram Naurata Ram, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 9 | M/s. Hari Chand Mahal Chand, Lakkar Bazar, Ludhiana .. | 1.00 M.T. |
| 10 | M/s. Hamir Chand and Sons, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 11 | M/s. Gopal Dass Mangat Rai, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 12 | M/s. Lakra Metal Industries, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 13 | M/s. Cheap Iron Works, Takia Gujran, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| *14 | M/s. Sant Ram Krishan Lal, Khurd Moh. Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 15 | M/s. Moonga Trunk Factory, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 16 | M/s. Gosain Labori Mal and Sons, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 17 | M/s. Nand Kishore Aggarwal, Gill Indl. Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 18 | M/s. Guru Nanak Trunk Factory, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 19 | M/s. Chawla Trunk House, Ludhiana | 1 M.T. |
| 20 | M/s. Sheikhupura Mech. Works, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 21 | M/s. Arneja Industries, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 22 | M/s. Ram Metal Works, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 23 | M/s. Malak Chand Trunk Maker, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 24 | M/s. Faqir Chand, Nanak Chand, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 25 | M/s. Gopal Singh Vir Singh, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 26 | M/s. Narain Singh Raghu Singh, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 27 | M/s. M/. Kartar Singh and Brothers, Bahadurgarh .. | 1 M.T. |
| 28 | M/s. Dhain Chand Parma Nand, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 29 | M/s. Pahwa Brothers, Mochpura Bazar, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 30 | M/s. Khurana Industrial Works, Luhdiana .. | 1 M.T. |
| 31 | M/s. Kesar Singh & Sons, Chandigarh Road Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 32 | M/s. India Industry, Gill Road, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 33 | M/s. Sargodha Steel works Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 34 | M/s. Lamba Trunk House, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 35 | M/s. Janta Trunk House, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 36 | M/s. Lyallpur Trunk House, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 37 | M/s. National Expeller workshop, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 38 | M/s. Telu Ram, Om Parkash, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 39 | M/s. Royal Manufacturing Co. Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 40 | M/s. Goyal Loom Industries, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 41 | M/s. Swantantra Metal Works, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 42 | M/s. Jamna Dass Om Parkash, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 43 | Mistri Pritam Singh and Sons, Ludhiana | 1 M.T. |
| 44 | M/s. Kidar Nath Aggarwal & Company, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 45 | M/s. Kuldip Singh Lamba, Ludhiana .. | 1 M.T. |
| 46 | M/s. Jagraon Metal Industries Jagraon .. | 1 M.T. |
| 47 | M/s. Rakha Ram Hira Lal, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 48 | M/s. Babu Ram Kidar Nath, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 49 | M/s. Lal Singh and Sons Jagraon .. | 1 M.T. |
| 50 | M/s. Natha Singh & Company, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 51 | M/s. Punjab Iron stores, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 52 | M/s. Milkhi Ram Dev Raj, Jagraon | 1 M.T. |
| 53 | M/s. Sant Singh Registered Engineer, Jagraon | 1 M.T. |
| 54 | M/s. Gujranwala Trunk House, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 55 | M/s. Bhola Nath Girdhari Lal, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 56 | M/s. Nathu Ram Ramji Dass, Jagraon | 1 M.T. |
| 57 | M/s. Chanan Ram Sant Singh, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 58 | M/s. Khushal Singh & Company, Jagraon .. | 1 M.T. |
| 59 | M/s. Ram Singh & Company, Jagraon .. | 1 M.T. |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 60 | M/s. Sat Parkash Singal Brothers, Samrala | .. 1 M.T. |
| 61 | M/s. Walaiti Ram Munshi Ram, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 62 | Parkash Chand, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 63 | M/s. Bharat Trunk House, G.T. Road, Khanna | .. 1 M.T. |
| 64 | M/s. Ram Lal Trunk Maker, Raikot | .. 1 M.T. |
| 65 | M/s. Janta Trunk House, G.T. Road, Khanna | .. 1 M.T. |
| 66 | M/s. Harcharan Dass Sat Dev, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 67 | M/s. Jindal Trunk House, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 68 | M/s. Buta Singh Avtar Singh, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 69 | M/s. Gurbax Singh Gopal Singh, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 70 | M/s. Malwa Trunk House, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 71 | M/s. Azad Trunk House, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 72 | M/s. Taluja Trunk Factory, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 73 | M/s. National Industries, Ludhiana | .. 1 M.T |
| 74 | M/s. Jagpal Brothers Industry, Otalon | .. 1 M.T. |
| 75 | M/s. Balkrishan & Sons, Khud Moh., Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 76 | M/s. Jagat Ram Gopal Dass, Ludhiana | 1 M.T. |
| 77 | M/s. Aggarwal Metal Works, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 78 | M/s. Hindustan Industries, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 79 | M/s. Sharda Industries, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 80 | M/s. Sat Parkash Badri Nath, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| 81 | M/s. P. Durga Dass & Sons, Purani Kotwali, Ludhiana | .. 1 M.T. |
| | DISTRICT FEROZEPORE | |
| 1 | M/s. Punjab Trunk House, Ferozepur Cantt. | .. 0.250 |
| 2 | M/s. Birla Sewing Machines, Ferozepur Cantt. | .. 0.250 |
| 3 | M/s. Sareen Engineering Works, Ferozepur Cantt. | .. 0.250 M.T. |
| 4 | M/s. Durga Engineering Works, Ferozepur Cantt. | .. 0.250 M.T. |
| 5 | I.T.I., Ferozepur | .. 0.500 T. |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 6 | M/s. Raja Ram Kirpa Ram, Moga .. | 0.250 M.T. |
| 7 | M/s. Daulat Ram Prem Kumar, Moga .. | 0.250 M.T. |
| | DISTRICT GURGAON | |
| 1 | M/s. Suresh Trunk Factory Gurdwara Road, Gurgaon .. | 1 M.T. |
| 2 | M/s. Khanna Industries, Gurdwara Road, Gurgaon .. | 1 M.T. |
| 3 | M/s. Anand Trunk Manufacturing Company, G. Road, Gurgaon | 1 M.T. |
| 4 | M/s. Arjan Trunk House, Gurdawara Road, Gurgaon .. | 1 M.T. |
| 5 | M/s. New Model Trunk Factory, G. Road, Gurgaon .. | 1 M.T. |
| 6 | M/s. Subhash Trunk Factory, Gurd· Road, Gurgaon .. | 2 M.T. |
| 7 | M/s. The Executive Officer, Panchayat Samiti Khol at Rewari .. | 1 M.T. |
| 8 | M/s. The Executive Officer, Panchayat Samiti Hathin .. | 1 M.T. |
| 9 | M/s. The B. D. & P.O. Bawal .. | 1 M.T. |
| 10 | M/s. Azad Trunk Factory, Gurd. Road, Gurgaon .. | 0.6 M.T. |
| 11 | M/s. Ahuja Trunk House, G.T. Road, Palwal .. | 0.6 M.T. |
| 12 | M/s. Rashtriaya Industries, Sohna .. | 0.6 M.T. |
| 13 | M/s. Jetha Nand Udhey Bhan, Sohna .. | 0.6 M.T. |
| 14 | M/s. The Executive Officer, Pachayat Samiti, Palwal .. | 438 K.G.<br>0.6 M.T. |
| | DISTRICT JULLUDNDUR | |
| 1 | M/s. New Model Industries, Kapurthala Road, Jullundur .. | 500 K.G. |
| 2 | M/s. Jullundur Trunk Balti, Association Chowk Panj Pir, Jullundur | 1.250 K.G. |
| 3 | M/s. Doaba Industrialists Association Jullundur .. | 1.000 K.G. |
| 4 | M/s. Rahabilitated Industrialists Assocn., Adda Kapurthala, Jullundur .. | 1 M.T. |
| 5 | M/s. Jullundur Steel Fabricators Association, Chowk Sundan, Jullundur .. | 0.500 M.T. |
| 6 | M/s. Small Scale Industrialists Associantion, Mandi Road, Dhan Mohalla, Jullundur .. | 0.750 M.T. |
| 7 | M/s. Cantonment Steel Quota Holders, Association., Jullundur Cantt· | 0.250 |
| 8 | M/s. Industrial Area Engineering Association, Jullundur .. | 1.000 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 9 | M/s. Engineering Industries Association, T/Road, Jullundur .. | 1.000 |
| 10 | M/s. Industrial Areas Development Assocn., Jullundur .. | 0.400 |
| 11 | M/s. Industry Area Small Scale Fabricators Assocn., Jullundur .. | 0.250 |
| | **DISTRICT AMRITSAR** | |
| 1 | M/s. The Amritsar Buckets, etc. Manufacturers Assoc., Amritsar .. | 6.000 M.T. |
| 2 | M/s. The Amritsar Buckets, etc. Manufacturers Assoc., Amritsar .. | 16.000 M.T. |
| 3 | M/s. The Amritsar Buckets, etc. Mfrs. Assoc., Amritsar .. | 15.000 M.T. |
| 4 | M/s. The Amritsar Small Scale Pumps and Spare Part Mfrs. Association, Amritsar .. | 1.300 M.T. |
| 5 | M/s. The Amritsar Small Scale Pumps and Spare Parts Mfrs. Association, Amritsar .. | 4.800 M.T. |
| 6 | M/s. The Amritsar Small Scale Pump and Spare Parts Mfrs. Association, Amritsar .. | 4.900 M.T. |
| 7 | M/s. Iron and Steel Small Scale Industries Association, Amritsar .. | 1.500 M.T. |
| 8 | M/s. Iron and Steel Small Scale Industries Association, Amritsar .. | 3.400 M.T. |
| 9 | M/s. Iron and Steel Small Scale Industries Association, Amritsar .. | 3.100 M.T. |
| 10 | M/s. Iron & Steel Mfrs. Association, Amritsar .. | 1.000 M.T. |
| 11 | M/s. Iron & Steel Mfrs. Association, Amritsar .. | 2.600 M.T. |
| 12 | M/s. Iron & Steel Mfrs. Assocation, Amritsar .. | 2.400 M.T. |
| 13 | The B.D. & P.O. Patti .. | 1.000 M.T. |
| 14 | M/s. Amritsar Small Scale Steel Quota Holders Association, Amritsar | 4.000 M.T. |
| 15 | M/s. Amritsar Steel Fabricators Association, Amritsar .. | 10.000 M.T. |
| 16 | M/s. S.P.I. Quota Holder Association, Amritsar .. | 2.733 M.T. |
| | **DISTRICT KARNAL (PANIPAT)** | |
| 1 | M/s. Sangat Ram Steel Fabricator, Nilokheri .. | 2 M.T. |
| 2 | M/s. Hari Chand Steel Fabricator, Nilokheri .. | 2 M.T. |
| 3 | M/s. Maghina Trunk House, Panipat .. | 1 M.T. |
| 4 | M/s. Pharaya Lal-Jiwan Dass, Panipat .. | 2 M.T. |
| 5 | M/s. Ram Pyara Malm, Panipat .. | 2. M.T. |
| 6 | M/s. Chaman Lal-Khairati Lal, Panipat | 2 M.T. |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 7 | M/s. Vir Bhan-Aishi Lal, Panipat | .. 2. M.T. |
| 8 | M/s. Krishana Cooperative Industrial Society, Panipat | .. 2 M.T. |
| 9 | M/s. Hari Chand-Gulshan Rai, Panipat | .. 2 M.T. |
| 10 | M/s. Chanu Ram-Wazir Chand, Panipat | .. 2 M.T. |
| 11 | M/s. Krishnapura Iron Store, Panipat | .. 1 M.T. |
| 12 | M/s. Kundan Lal-Gita Ram, Panipat | .. 2 M.T. |
| 13 | M/s. Surinder Metal Industries, Panipat | .. 2 M.T. |
| 14 | M/s. Sobha Ram-Kishan Chand, Panipat | .. 1 M.T. |
| 15 | M/s. Basdeo Mal-Kashmiri Lal, Panipat | .. 2 M.T. |
| 16 | M/s. Sita Ram-Ram Sarup, Panipat | .. 2 M.T. |
| 17 | M/s. Bharat Trunk House, Panipat | .. 1 M.T. |
| 18 | M/s. Bhoj Raj-Jai Bhagwan, Panipat | .. 1 M.T. |
| 19 | M/s. Chandan Lal-Chatter Sain, Panipat | .. 1 M.T. |
| 20 | M/s. Banarsi Lal-Ashok Kumar, Panipat | .. 1 M.T. |
| 21 | M/s. Batra Steel Works, Panipat | .. 1 M.T. |
| 22 | M/s. Munshi Lal-Kewal Ram, Panipat | .. 1 M.T. |
| 23 | M/s. Chinot Trunk House, Karnal | .. 1 M.T. |
| 24 | M/s. Bharat Steel Works, Karnal | .. 1 M.T. |
| 25 | M/s. Zamindara Trunk House, Karnal | .. 1 M.T. |
| 26 | M/s. Girdhari Lal-Lal Chand, Karnal | .. 1 M.T. |
| 27 | M/s. Gujranwala Metal Works, Karnal | .. 2 M.T. |
| 28 | M/s. Lyallpur Steel Works, Karnal | .. 2 M.T. |
| 29 | M/s. Multani Trunk House, Karnal | .. 1 M.T. |
| 30 | M/s. Rashtrya Trunk House, Karnal | .. 1 M.T. |
| 31 | M/s. Chawala Trunk House, Karnal | .. 2 M.T. |
| 32 | M/s. Sujan Singh Steel Fabricator, Nilokheri | .. 1 M.T. |
| 33 | M/s. Kanshi Ram Steel Fabricator, Nilokheri | .. 2 M.T. |
| 34 | M/s. Jai Bharat Au əonIdustries, Karnal | .. 1 M.T. |
| 35 | M/s. Hans Trunk Hous Indri | .. 1 M.T. |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 36 | M/s. Ram Parshad Trunk House, Ladwa .. | 1 M.T. |
| 37 | M/s. Sharma Trunk House, Thanesar .. | 1 M.T. |
| 38 | M/s. Dharam Chand Steel Fabricator, Thanesar .. | 1 M.T. |
| 39 | M/s. National Manufacturers Traders, Kaithal .. | 2 M.T. |
| 40 | M/s. Mittal Iron Foundry, Samlkha .. | 4 M.T. |
| 41 | M/s. Aggarwal Iron Foundry, Samlkha .. | 4 M.T. |
| 42 | M/s. Devki Nandan Mittal, Samlkha .. | 1 M.T. |
| 43 | M/s. Nirankar Industries, Samlkha .. | 2 M.T. |
| 44 | M/s. Mohan Lal-Shiv Nath Rai, Samlkha .. | 2 M.T. |
| 45 | M/s. Tilak Raj Malhotra Trunk Maker, Nilokheri .. | 1 M.T. |
| 46 | M/s. American Industries, Samlakha .. | 2 M.T. |
| 47 | M/s. Chaman Lal, Steel Fabricator, Nilokheri .. | 1 M.T. |
| 48 | M/s. Satya Engineering Corporation, Panipat .. | 2 M.T. |
| 49 | M/s. Aggarwal Metal Industries, Kaithal .. | 4 M.T. |
| 50 | M/s. Telu Ram-Lekh Ram, Kaithal .. | 2 M.T. |
| 51 | M/s. Khurana Trunk House, Pehowa .. | 1 M.T. |
| 52 | M/s. Gupta Trunk House, Kaithal .. | 1 M.T. |
| 53 | M/s. B.L. Engineering Works, Kaithal .. | 1 M.T. |
| 54 | M/s. Janta Trunk House, Kaithal .. | 1 |
| 55 | M/s. Jai Hind (I and S), Manufacturers, Kaithal .. | 1 |
| 56 | M/s. Hari Chand-Dharam Chand, Kaithal .. | 1 |
| 57 | M/s. Lal Chand-Lakhmi Chand, Kaithal .. | 1 |
| 58 | M/s. Paul Trunk House, Assandh. .. | 1 |
| 59 | M/s Nico Iron and Steel works, Kaithal .. | 1 |
| 60 | M/s New India Tin Bucket and General Manufacturers, Kaithal | 2 |
| 61 | M/s Punjab General Manufacturers, Kaithal .. | 1 |
| 62 | M/s Vishwakarma Industries, Kaithal .. | 4 |
| 63 | M/s Kaithal Expeller Workshop Foundry, Kaithal .. | 1 |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| | | M.T. |
| 64 | M/s Kaithal Wire Netting Production Coop ; Industrial Society Ltd., Kaithal. .. | 1 |
| 65 | M/s Lila Dhar-Karam Chand, Panipat .. | 1 |
| 66 | M/s Krishna Engg. Works, Railway Road, Panipat .. | 3 |
| 67 | M/s Deva Ram-Kishan Dutt, Panipat .. | 1 |
| 68 | M/s Ramesh Safe and Carding Works, Panipat .. | 5 |
| 69 | M/s Chinot Trunk House, Karnal .. | 1 |
| 70 | M/s Vishawkarma Engg. Works, Samalkhan. .. | 2 |
| 71 | M/s Ram Kishan Soni Steel Fabricator, Nilokheri .. | ½ |
| 72 | M/s Seema Indl. Corporation, V. Niawal. .. | ½ |
| 73 | M/s Asiatic Insdustries, Karnal .. | ½ |
| 74 | M/s True Tempo Auto Industries, Panipat .. | 2 |
| 75 | M/s Jai Hind Iron Foundry and Engg. works Samalkha .. | 4 |
| 76 | M/s Jai Bharat Hardware Co., Panipat .. | 5 |
| 77 | M/s Haryana Progressive Indl. Works, Panipat .. | 5 |
| 78 | M/s Hindustan Indl. Works, Panipat .. | 5 |
| 79 | M/s National Manufacturers and Traders, Kaithal .. | 4 |
| 80 | M/s Jai Bharat Auto Industries, Karnal .. | 1 |
| 81 | M/s Telu Ram-Lekh Ram, Kaithal .. | 2 |
| 82 | M/s Dev Dutt Vij, Karnal .. | 4 |
| 83 | M/s Jai Hind Iron and Steel Manufacturers, Kaithal .. | 1 |
| 84 | M/s Paul Trunk House, Assandh .. | 1 |
| 85 | M/s Vishwkarma Industries, Kaithal. .. | 4 |
| 86 | M/s Kaithal Exeller Workshop, Kaithal .. | 1 |
| 87 | M/s Kaithal Wire Netting Production Coop Indl. Society Ltd. Kaithal .. | 1 |
| 88 | M/s Lila Dhar Karam Chand, Panipat .. | 1 |
| 89 | M/s Dewa Ram Kishan Dutt, Panipat .. | 1 |
| 90 | M/s Vishwkarm Engg. Works, Samalkha .. | 2 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 91 | M/s Seema Indl. Corporation V. Niawal .. | ½ |
| 92 | M/s Ram Parshad Trunk House, Ladwa .. | 1 |
| 93 | M/s Guru Nanak Indl. Workshop, Ladwa .. | 1 |
| 94 | M/s German Production Coop ; Cycle Ind. Society Ltd., Karnal .. | 1 |
| 95 | M/s Hukam Chand Balti Maker, Karnal .. | 1 |
| 96 | M/s Madan Metal works, Nilokheri. .. | 1 |
| 97 | M/s Batra Steel works, Panipat .. | 1 |
| 98 | M/s Raj Trunk Factory, Ladwa. .. | 1 |
| 99 | M/s Satya Engg ; Corporation, Panipat .. | 1 |
| 100 | M/s Mohan Lal-Sukhan Lal, Samalkha .. | 2 |
| 101 | M/s Balkishan Bhatia and Sons, Panipat .. | 3 |
| 102 | M/s Hargopal Bhati and Sons, Panipat .. | 3 |
| 103 | M/s Ravi Safe works, Panipat .. | 3 |
| 104 | M/s Mathra Dass Bhatia and Bros., Panipat .. | 6 |
| 105 | M/s Batra Steel works, Panipat .. | 1 |
| 106 | M/s Bhatia Engg. works, Panipat .. | 2 |
| 107 | M/s National Nail Industries, Nilokheri .. | 1 |
| 108 | M/s Chawala Trunk House, Karnal .. | 2 |
| | **DISTRICT ROHTAK** | |
| 1 | M/s Jain Trunk House, Rohtak .. | 125 Kgms. |
| 2 | M/s Manohar Lal Trunk Manufacturer, Rohtak .. | 160 Kgms. |
| | **DISTRICT PATIALA** | |
| 1 | M/s Pepsu Road Transport Corporation, Patiala .. | 1.500 M.T. |
| 2 | M/s Thapar Institute of Engg. and Tech. Patiala .. | 0.150 |
| 3 | M/s Adarsh I, and St. Production Coop. Indl. Society Rajpura | 8.000 |
| 4 | M/s Bharat Indl. Coop. Society, Rajpura .. | 10.000 |
| 5 | M/s Himalayan Engg. Coop. Indl. Society, Rajpura .. | 4.00 |
| 6 | M/s Tulsi Ram-Pyare Lal Jain Patiala .. | 2.000 |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 7 | M/s Ashoka Steel Industries, Gobindgarh .. | 2,000 |
| 8 | M/s Ahluwalia Trunk Factory, G. Garh .. | 2.000 |
| 9 | M/s Bharat Trading Co. Patiala .. | 2.000 |
| 10 | M/s Banny Traders, G.Garh .. | 4.00 |
| 11 | M/s Bharat Industries, G. Garh .. | 2.00 |
| 12 | M/s Chhaju Singh son of Runak Singh, Village and Post Office Bhandson Tehsil Nabha (District Patiala) .. | 4.000 |
| 13 | M/s Mistri Dyal Chand, Township, Rajpura. .. | 2.000 |
| 14 | M/s Durga Dass-Bant Ram Samana .. | 2.000 |
| 15 | M/s Ganesh Trunk House, Rajpura Township .. | 2.000 |
| 16 | M/s Gujranwala Steel Works, Patiala .. | 2.000 |
| 17 | M/s Gupta Iron Stores, Banga .. | 2.000 |
| 18 | M/s Gobind Ram Rajkumar, Lalru .. | 2.000 |
| 19 | M/s G.R. Sewing Machine Co., Sirhind .. | 2.000 |
| 20 | M/s Ganga Ram Madan Lal, Patiala .. | 2.000 |
| 21 | M/s Hira Nand Hari Chand, Rajpura .. | 2.000 |
| 22 | M/s Mistri Inder Singh Patiala .. | 2.000 |
| 23 | M/s Mistri Durga Dass Patiala .. | 2.000 |
| 24 | M/s Janta Trunk House, Rajpura Township .. | 2.000 |
| 25 | M/s Jiwan La. Nathu Lal, Patiala .. | 2.000 |
| 26 | M/s Janta Trunk Workshop, Patiala .. | 2.000 |
| 27 | M/s Jai Industries, Gobindgarh .. | 6.000 |
| 28 | M/s Jit Singh Amar Singh, Patiala .. | 2.000 |
| 29 | M/s Jagir Singh Kulwant Singh, Gobindgarh .. | 2.000 |
| 30 | M/s Sunrise Industries, Sirhind .. | 1.000 |
| 31 | M/s Rup Chand Dharam Paul, Samana .. | 2.000 |
| 32 | M/s Navyug Tradning Corporation Patiala .. | 10.000 |
| 33 | M/s Malwa Toka Factory, Gobindgarh .. | 6.000 |
| 34 | M/s Kay Jay Industries, Gobindgarh .. | 4.000 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 35 | M/s Parma Nand-Indersain, Patiala | .. 2.000 |
| 36 | M/s Megh Chand Jain & Sons, Patiala | .. 4.000 |
| 37 | M/s Jarha Ram-Jeth Nand, Rajpura | .. 2.000 |
| 38 | M/s Jai Dev-Loku Ram, Rajpura | .. 2.000 |
| 39 | M/s Sindhi Trunk House, Rajpura | .. 2.000 |
| 40 | M/s Salig Ram-Jiwan Lal, Patiala | .. 2.000 |
| 41 | M/s Mangat Industries, Patiala | .. 9.000 |
| 42 | M/s Mistri Waliti Ram, Patiala | .. 2.000 |
| 43 | M/s Standard Electric Industries, Patiala | .. 4.000 |
| 44 | M/s Ram Lal-Gopi Chand, Township Rajpura | .. 2.000 |
| 45 | Works Manager, Pepsu Road Transport Corpn., Patiala | .. 1.000 |
| 46 | M/s Beegee Switchgears (P) Ltd., Patiala | .. 5.000 |
| 47 | M/s Asia Works (P) Ltd., Patiala | .. 5.000 |
| 48 | M/s Rajpura Metal Industries, Rajpura | .. 7.000 |
| 49 | M/s Sant Metal Industries, Patiala | .. 4.000 |
| 50 | M/s Krishna Pipe and Iron Works, Rajpura Township | .. 2.000 |
| 51 | M/s Manchanda Bros., Patiala | .. 4.000 |
| 52 | M/s Norata Ram-Balkishan, Gobindgarh | .. 4.000 |
| 53 | M/s Mohan Lal-Kewal Kishan, Patiala | .. 2.000 M.T. |
| 54 | M/s Patiala Trunk Factory, Patiala | .. 2.000 |
| 55 | M/s Sardar Sons (Regd.,) Patiala | .. 1.000 |
| 56 | M/s Ujjagar Singh Jolly, Patiala | .. 2.000 |
| 57 | M/s Tulsi Dass Blacksmith, Rajpura | .. 2.000 |
| 58 | M/s Kartar Singh-Harbhajan Singh, Patiala | .. 4.000 |
| 59 | M/s Banarsi Dass, Patiala | .. 2.000 |
| | DISTRICT HISSAR | |
| 1 | M/s Kesho Ram-Rohan Lal, Sirsa | .. 0.250 M.T. |
| 2 | M/s Karyana Farm Machinery P.C.S., CIS, Ltd. Hansi | .. 0.250 |
| 3 | M/s Bharat Trunk and Thread Ball Factory, Hansi | .. 0.250 |

[Chief Minister]

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 4 | M/s Sujan Kumar-Dharam Pal, Sirsa .. | 0.250 |
| 5 | M/s Narsing Dass-Ram Nath, Hissar .. | 0.860 |
| 6 | M/s Karam Chand-Jagan Nath, Hissar .. | 0.500 |
| 7 | M/s Chaudhry Trunk Factory, Bhiwani .. | 0.500 |
| 8 | M/s Diwan Chand-Karam Chand, Hissar | 0.500 |
| | DISTRICT MAHENDRAGARH (NARNAUL) | |
| 1 | M/s Arya Trunk Factory, Narnaul .. | 4 M.T. |
| | DISTRICT HOSHIARPUR | |
| 1 | M/s Ohri Steel Works, Kashmere Bazar, Hoshiarpur .. | 1.916 M.T. (3 permits for 1.50, 0.200,0.216 M. T.) |
| 2 | M/s Khalsa Engg. Works, Jullundur Road, Hoshiarpur .. | 1.000 M.T. |
| 3 | M/s Incharge Government Indl. Trg. Centre (Sheet Metal), Mahilpur .. | 1.000 M.T. |
| 4 | M/s Ishar Singh-Harbans Singh Purani Sabzi Mandi, Hoshiarpur .. | 1.930 M.T. |
| 5 | M/s Jaswant Singh & Sons, Kotwali Bazar, Hoshiarpur .. | 0.954 M.T. |
| | DISTRICT BHATINDA | |
| 1 | Nil | |
| | DISTRICT KANGRA AT DHARAMSALA | |
| 1 | M/s Sher Chand & Bros., V. and P.O. Bharoti .. | 0.200 M.T. |
| 2 | M/s Sarvjit and Iron Steel Works, Dharamsala .. | 0.200 |
| | DISTRICT SANGRUR (MALERKOTLA) | |
| 1 | Nil | |
| | DISTRICT SIMLA | |
| 1 | M/s Sialkot Trunk House, Lower Bazar, Simla .. | 1M.T. |
| 2 | M/s Himachal Trunk House, Sanjauli (Simla) .. | 1 M.T. |
| | DISTRICT ROHTAK (SONEPAT) | |
| 1 | M/s New Bharat Surgical I & E Industries, Indl. Area, Sonepat | 1.500 M.T. |
| 2 | M/s Soorajmall Baijnath Industries (P) Ltd., Indl. Area, Sonepat .. | 0.750 |
| 3 | M/s Lakshmi Metal Industries, Sonepat .. | 0.750 |
| 4 | M/s Janta Iron and Steel Workers Co-op. Indl. Society Ltd., Sonepat .. | 1.000 |
| 5 | M/s Hardeep Industries, Sonepat .. | 0.250 |

| 1 | 2 | | 3 |
|---|---|---|---|
| 6 | M/s Azad Steel Mfg. Industrial Co-op. Society, Sonepat | .. | 0.500 |
| 7 | M/s Ved Parkash-Ram Parkash, Sonepat | .. | 0.500 |
| 8 | M/s Sunrise Paint Industries, Sonepat | .. | 0.500 |
| 9 | M/s Adarsh Iron and Steel Works, Sonepat | .. | 0.500 |
| | DISTRICT AMBALA (JAGADHRI) | | |
| 1 | M/s Jagadhri Iron Works, Jagadhri | .. | 922 Kgs. |
| 2 | M/s Mittal Metal Works, Jagadhri | .. | 922 |
| 3 | M/s Acme Steel Works, Y/Nagar | .. | 464 |
| 4 | M/s Parkash Steel Works, Y/Nagar | .. | 464 |
| 5 | M/s Batala Steel Industries, Y/Nagar | .. | 464 |
| 6 | M/s Durga Dass-Ved Parkash, Y/Nagar | .. | 464 |
| 7 | M/s Kharaiti Lal-Luxmi Chand, Buria | .. | 464 Kg. |
| 8 | M/s Frontier Industries, Buaria | .. | 464 Kg. |
| 9 | M/s Janta Steel Industries, Buria | .. | 464 Kg. |
| 10 | M/s Damodar Dass & Sons, Buaria | .. | 464 Kg. |
| 11 | M/s Suresh Chand & Sons, Buaria | .. | 464 Kg. |
| 12 | M/s G.C. Jain and Co., Buria | .. | 464 Kg. |
| 13 | M/s Atma Ram-Jassa, Ram Y/Nagar | .. | 232 Kg. |
| 14 | M/s Ganpat Rai-Paras Ram, Jagadhri | .. | 688 Kg. |
| 15 | M/s Milap Industries, Buria | .. | 456 Kg |
| 16 | The Principal, Industrial Training Institute, Yamunanagar | .. | 218 Kg. |
| 17 | M/s Jindal Foundry and Engg. Works, Y/Nagar | .. | 461 Kg. |
| 18 | M/s H.L. Chopra and Sons, Yamuna Nagar | .. | 461 Kg. |
| | DISTRICT KAPURTHALA— | | |
| 1 | M/s Verma Trunk Works, Mandi Road, Phagwara | .. | 300 Kg. |
| 2 | M/s Verma Trunk Works, Mandi Road, Phagwara | .. | 500 Dg. |
| 3 | M/s Gupta Engg. Works, Kapurthala | .. | 500 Kg. |
| 4 | M/s Gupta Engg. Works, Kapurthala | .. | 500 Kg. |
| 5 | M/s Metro Engg. Works, Phagwara | .. | 1.000 M.T. |
| 6 | M/s Santa Singh and Sons, Kalasinghian, District Kapurthala | .. | 1.000 M.T. |

(Chief Minister)

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 7 | M/s Jamna Dass-Narain Dass, Kapurthala .. | 800 Kgs. |
| 8 | M/s Amin Chand-Bhagwan Dass, Kapurthala .. | 800 Kgs. |
| 9 | M/s Ganpat Rai Ganesh Dass, Kapurthala .. | 800 Kgs. |
| 10 | M/s Jolly Co., Industries, Dyalpur, district Kapurthala .. | 1.000 M.T. |
| 11 | M/s Walaiti Ram-Kashmiri Lal, Kapurthala .. | 800 Kgs. |
| 12 | M/s Vir Chand-Mangat Rai, Kapurthala .. | 800 Kgs. |
| 13 | M/s Sangdarshian Iron Works, Phagwara .. | 800 Kg. |
| 14 | M/s Masand Industries, Kapurthala .. | 1.500 M.T. |
| 15 | M/s Hira Singh,-Inder Singh, Phagwara .. | 1.000 M.T. |
| 16 | M/s Harish Kumar Ashok Kumar, Kapurthala .. | 800 Kg. |
| 17 | M/s Bhagwan Singh,-Ajit Singh, Phagwara .. | 800 Kg. |
| 18 | M/s Khalsa Trunk Works, Phagwara .. | 800 Kg. |
| 19 | M/s Thakar Singh, Niranajan Singh, Phagwara .. | 800 Kg. |
| 20 | M/s Kishan Singh & Sons, Phagwara .. | 800 Kg. |
| 21 | M/s Roada Mal-Kulwant Rai, Sultanpur .. | 800 Kg. |
| 22 | The Principal. Government Junior Technical School, Kapurthala | 300 Kg. |
| 23 | M/s Saroop Singh, Harnam Singh, Phagwara .. | 1.000 M.T. |
| 24 | M/s Mehar Singh & Sons, Phagwara .. | 1,000 M.T. |
| 25 | M/s Jagan Nath,-Chaman Lal, Kapurthala .. | 1.000 M .T. |

(b) The following permittees could not get supply against the above allotment .—

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Santa Singh & Sons, Village Kalasinghian, District Kapurthala .. | 1.000 M.T. |
| 2 | M/s Saroop Singh, Harnam Singh, Phagwara .. | 1.000 M.T. |
| 3 | M/s Mehar Singh & Bros. Phagwara .. | 1.000 M.T. |
| 4 | M/s Jagan Nath, Chaman Lal, Kapurthala .. | 1.000 M.T. |

## ANNEXURE II

Copy of letter No. STL/1217/Misc./15772-J, dated 11th June, 1964, from the Director of Industries, Punjab, to M/s Amin Chand,-Pyare Lal, Tanda Road, Jullundur City.

*Subject.*—Release of imported G.P. Sheets.

You are requested to please release 4 tons of G.P. Sheets in favour ofShri Dev Dutt Vij, G.T. Road, Karnal against permit No. 33597, dated 13th January, 1964 issued by the District Industries Officer, Panipat against payment.

Endorsement No. STL/1217/Misc./15773-C, Dated 11th June, 1964.
A copy is forwarded to —

(i) Shri Dev Dutt Viz, G.T. Road, Karnal with a request to please arrange to lift the material from Jullundur against payment.
(ii) District Industries Officer, Panipat with reference to his memo No. I&S/ 10016, dated 12th May, 1964. He is requested please to watch proper utilisation of material by Shri Dev Dutt Viz.

(Sd/)-,
Deputy Director (I.S.),
*for* Director of Industries, Punjab.

**Purchase made by Controller /Additional Controller of Stores, Punjab from M/s Gian Chand Tirth Ram**

***9146. Comrade Ram Piara :** Will the Chief Minister with reference to the reply to starred question No. 8532 included in the list of questions for 11th October, 1965, be pleased to state—

(a) whether the enquiry which according to part (a) of the said reply was likely to be finalised shortly, has since been finalised; if so when and with what results ; if not, the reasons therefor ;

(b) whether as a result of the said enquiry any action against any officer has been taken ; if so, against whom ; if no action has been taken, the reasons therefor ;

(c) whether as a result of the said enquiry, any case against any persons has been registered ; if so, when, the provisions of of law under which it has been registered and its present stage

(d) the date when the enquiry referred to in part (a) above was started, the date when the complaint was received by the Chief Minister and the name of the Complainant ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes, in the middle of December, 1965, but a further probe is being made on the basis of certain points raised by Comrade Ram Piara, M.L.A. in his meeting with the Home Secretary on the 31st January, 1966.

(b) and (c). No. This will depend on the final result of the enquiry.

(d) On the 23rd January, 1965. A complaint from Comrade Ram Piara, M.L.A., in the matter was received on the 21st July, 1964.

---

**Joint Directors in Directorate of Industries, Punjab**

***9175. Sardar Balwant Singh :** Will the Chief Minister be plased to state—

(a) the total number of Joint Directors in the Directorate of Industries in the State at present together with the details of their functions, in each case ;

(b) the total number of sections in the said Directorate and the number of Gazetted Officers and non-Gazetted officials (excluding the field staff) working under each Joint Director ;

(c) whether each of the above-mentioned Joint Directors has been allotted equal/proportionate work ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Five. Other information is laid on the Table of the House as Appendix I.

(b) Excluding field staff, the Directorate of Industries has 35 Sections, 92 gazetted officers, 4 non-gazetted officers and 575 non-gazetted officials, including class IV employees. Other information is laid on the Table of the House as Appendix II.

(c) Yes.

[Chief Minister]

## APPENDIX I

**Statement showing the functions of Joint Directors of Industries.**

### 1. Joint Director (Administration)

1. Administrative.

Control of the Department as a whole, including Establishment, Budget and accounts. Inspections of the field office and Establishments.

### 2. Joint Director (Industrial Procurement)

1. Industrial Projects.
2. Large and Medium scale industries including licensing.
3. Study, collection and dissemination regarding Industrial Policy.
4. Information Bureau, including Committees and Exhibitions.
5. Statistics.
6. Survey, including economic enquiries.
7. Planning for future growth.
8. Liaison with Industry Government Departments and various Institutions, Boards and Committees, including Universities.
9. Evaluation.
10. Institutions (Other than Punjab, Statte Small Industries Corporation).
11. Plan work (Five-Year Plans).
12. Publicity and Public Relations work relating to orders from railways/Electicity Board/Post and Telegraphs/ Health, etc.
13. Co-ordination of Building Programme and acquisition of land.
14. The work relating to the Electricity Board/Planning and Development Board and Punjab Financial Corporation.
15. Protocol work.
16. Co-ordination of work relating to grant of loan to Large and Medium and Small Scale Industries in relation to the Punjab Financial Corporation.

### 3. Joint Director (Small Industries)

1. Procurement and Supplies.
2. Small Industries, including Powerlooms and Hosiery Industry.
3. Loan cases at State level, i.e., all loans granted under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935.
4. Industrial Areas/Estates.
5. Work connected with State Orphanage Advisory Board.
6. Punjab State Small Industris, Corporation.

### 4. Joint Director (Village Industries)

1. Industrial Co-operative.

2. Handicrafts.
(Handicraft Centres, Emporia, Designs Institute Dyeing and Calico Demonstration Parties).

3. Handlooms (Handloom Schemes, Textile Organisation, including Marketing, Development and Designs Cell and Handloom Development Centres).

4. Khadi and Village Industries, Board.

### 5. Joint Director (Rural Projects)

1. Rural Projects.
2. Leather Industry, including Tanning Institute.
3. Sericulture.
4. Tea Industry.
5. Liaison with hill areas, including Lahaul and Spiti.
6. Agro-Industrial Corporation.
7. Defence orders.
8. Export Promotion.

## APPENDIX II

Statement showing Sections and Staff under various Joint Directors.

| Section | Gazetted Officers | Non-Gazetted Officials | |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | |
| **Joint Director (Administration)** | | | |
| 1. Administration Section I | Assistant Director (Administration I) | (a) Head Assistants | 3 |
| 2. Administration Section II | Assistant Director (Administration II) | (b) Assistant | 17 |
| 3. Administration Section III | | (c) Clerks | 51 |
| 4. Issue Reception and Watch and Ward | | (d) Stenographer | 2 |
| | | (e) Steno-typist | 1 |
| | | (f) Daftries | 3 |
| | | (g) Peons | 24 |
| | | (h) Machine men | 2 |
| | | (i) Restorer | 1 |
| 5. Accounts and Cash Section | Accounts Officer (Administration) | (a) Head Assistant | 1 |
| | | (b) Assistants | 4 |
| | | (c) Accountant | 1 |
| | | (d) Cashier | 1 |
| | | (e) Clerks | 7 |
| 6. Budget Section | | (a) Head Assistant | 1 |
| | | (b) Caretaker | 1 |
| | | (c) Store Clerk | 1 |
| | | (d) Assistants | 5 |
| | | (e) Stenographer | 1 |
| | | (f) Clerks | 5 |
| | | (g) Drivers | 3 |
| | | (h) Peons | 6 |
| | | (i) Sweepers | 6 |
| | | (j) Chowkidar | 2 |

| Section | Gazetted Officers | Non-Gazetted Officials | |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | |
| | **Joint Director (IP)** | | |
| 1. Industrial Projects | Officers on Special Duty (IP) | (a) Assistants | 1 |
| | | (b) Steno | 1 |
| | | (c) Peons | 1 |
| 2. Large and Medium Scale Industries Section | Assistant Director (IP) | (a) Head Assistant | 1 |
| | | (b) Assistants | 2 |
| | | (c) Clerks | 3 |
| | | (d) Steno-typist | 1 |
| | | (e) Peons | 2 |
| 3. Planning Section | Deputy Director (Planning | (a) Head Assistants | 1 |
| | | (b) Assistants | 2 |
| | | (c) Clerks | 3 |
| | | (d) Stenos | 2 |
| | | (e) Peons | 2 |
| 4. Information Bureau | Assistant Director (IB) | (a) Assistants | 2 |
| | | (b) Librarian (Vacant) | 1 |
| | | (c) Clerks | 5 |
| | | (d) Peons | 2 |
| 5. Statistics | | (a) Research Assistant | 1 |
| | | (b) Assistants | 2 |
| | | (c) Steno | 1 |
| | | (d) Computor | 1 |
| | | (e) Clerks | 1 |
| 6. Industrial Survey Section | (a) Deputy Director (Survey) | (a) Steno | 3 |
| | (b) Research Assistant (Vacant) | (b) Clerks | 3 |
| | (c) Research Officer Chemical | (c) Peons | 3 |
| | (d) Research Officer Production | | |
| | (c) Research Officer Mechanical | | |
| 7. Liaison Agency New Delhi | (a) Liaison Officer (Industries) | (a) Head Assistant | 1 |
| | | (b) Assistant/ Accountants | 1 |
| | | (c) Steno | 1 |
| | (b) Assistant Liaison Officer | (a) Steno-typist | 1 |
| | | (b) Junior Stenographer | 1 |
| | | (c) Clerk | 1 |
| | | (d) Peons | 3 |
| | | (e) Driver | 1 |
| | | (d) Chowlidar-Cum-Mali | 1 |

| Section | Gazetted Officers | Non-Gazetted Officials | |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | |
| | **Joint Director (S.I.)** | | |
| *Industrial Supplies*— | | | |
| 1 E.C. (Steel) Section | (i) Deputy Director (S.I.) | (a) Superintendent | 1 |
| 2 E.C. (Non-Steel) Section | (ii) Assistant Director (P.I.) | (b) Head Assistant | 3 |
| 3 Non-ferrous Metals Section | (iii) Assistant Director (Steel) | (c) Industrial Supplies Officer | 1 |
| | | (d) Junior Inspector | 1 |
| 4 Steel (indigenous) Section | (iv) .Assistant Director (Prac.) | (e) Assistants | 17 |
| | | (f) Clerks | 19 |
| | | (g) Restorer | 1 |
| 5 Coal, Pig Iron and Miscellaneous | (v) Development Officer (Miscellaneous) (Now posted in) the field) | (h) Peons | 8 |
| | | (i) Steno to J.D.S.I. | 1 |
| 6 Small Industries Section | (vi) Deputy Director (S.I.) | (j) Steno to D.D.I.S. | 1 |
| | (vii) Assistant Director (Textile) | (k) Steno-typist | 3 |
| | | (a) Superintendent | 1 |
| | | (b) Assistants | 4 |
| | | (c) Inspector Hosiery | 1 |
| | | (d) Clerks | 3 |
| | | (e) Peons | 5 |
| 7 *Loan Section.*— | | | |
| Loan Advancements | (i) Deputy Director (Loan) | (a) Head Assistants | 3 |
| Loan Recovery-1 | (ii) Assistant Director (Loan) | (b) Legal Assistants | 1 |
| Loan Recovery 2 | (iii) Assistant Accounts Officer (Loan) | (c) Auditors | 4 |
| | | (d) Assistants | 16 |
| | | (e) Clerks | 19 |
| | | (f) Restorer | 2 |
| | | (g) Peons | 6 |
| | | (h) Steno grapher | 1 |
| | | (i) Steno-typist | 2 |
| 8 Industrial Estates | (i) Deputy Director (I.E.) | (a) Head Assistant | 1 |
| | (ii) Assistant Director (I.E.) | (b) Assistants | 4 |
| | (iii) Development (M)....one | (c) Clerks | 5 |
| | | (d) Rent Collector | 1 |
| | | (e) Accountant | 1 |
| | | (f) Stenographer | 1 |
| | | (g) Steno-Typist | 2 |

[Chief Minister]

| Section | Gazetted Officers | Non-Gazetted Officials | |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | |
| | | (h) Peons | 4 |
| | | (i) Chowkidar | 1 |
| | | (j) Mali | 1 |
| | | (v) Sweeper | 1 |
| | **Joint Director (V.I.)** | | |
| 1 Industrial Co-operative Societies | (i) Deputy Registrar | (a) A.A.O., Industrial Co-operative | 1 |
| | (ii) Deputy Registrar (II) | (b) Head Assistant | 3 |
| | (iii) Tanning & Leather Expert | (c) Assistants | 9 |
| | (iv) Industrial Assistant Registrar | (d) Stenos | 3 |
| | | (c) Clerks | 6 |
| | | (f) Peons | 5 |
| 2 Handicrafts | (i) Deputy Director (H) | (a) Head Assistant | 1 |
| | (ii) Development Officer (P) | (b) Assistants | 3 |
| | (iii) Development Officer (H), Palampur | (c) Stenos | 2 |
| | | (d) Steno-gtypist | 1 |
| | | (e) Clerks | 2 |
| | | (f) Peons | 3 |
| 3 Handlooms | State Handloom Officer | (a) Assistants | 2 |
| | | (b) Clerks | 8 |
| | | (c) Steno | 1 |
| | | (d) Peon | 1 |
| 4 Village and Khadi Industries | Asstt. Director (V. I.) Part-time | (a) Assistant | 1 |
| | | (b) Clerk | 1 |
| | | (c) Restorer | 1 |
| | **Joint Director (R. P.)** | | |
| 1 Rural Projects | (i) Deputy Director (HA) | (a) Head Assistant | 1 |
| | (ii) Deputy Director (RI) | (b) Assistants | 11 |
| | (iii) Asstt. Director (E) | (c) Stenographer | 3 |
| | (iv) Asstt. Director (VI) Part-time | (d) Steno-typist | 0 |
| | (v) Asstt. Director (RI) | (e) Clerks | 9 |
| | | (f) Driver | 1 |
| | | (g) Peons | 7 |

| Section | | Gazetted Officers | Non Gaetted Officials | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | |
| | | (vi) Carcass Leather and Marketing Officer | | |
| | | (vii) Development Officer (Leather) | | |
| | | (viii) Development Officer (H. A.) | | |
| | | (ix) Tea Development Officer | | |
| 2 | Defence Production and Export Promotion Section | (i) Officer -on Special Duty (E) | (a) Export Promotion Officer | 1 |
| | | (ii) Asstt. Director (S. I. I. ) | (b) Head Assistant | 1 |
| | | (iii) Asstt. Director (S. I. (II) | (c) Assistants | 4 |
| | | | (d) Steno-typist | 3 |
| | | | (e) Clerks | 4 |
| | | | (f) P.A. to Hony. Adviser | 1 |
| | | | (g) Stenographer to Hony. Adviser | 1 |
| | | | (h) Peons | 3 |
| | | | (i) Draftsman | 1 |
| | | | (j) Tracers | 2 |
| | | | (k) Chowkidar | 1 |
| | | | (l) Mali | 1 |
| | Posts in abeyance | | | |
| | (i) Deputy Directors 3 | | | |
| | (ii) Development Officer 3 | | | |
| | (iii) Production-cum-marketing Officer 1 | | | |

[Chief Minister]

## APPENDIX III

**Statement showing details of schemes and staff in Technical Director, Geological and Poultry Wings**

| Section | Gazetted Officers | | Non-gazetted Officers | |
|---|---|---|---|---|
| | **POULTRY WING** | | | |
| 30. Poultry Section | Technical Expert | One | Head Assistant | 1 |
| | | | Assistants | 2 |
| | | | Clerks | 2 |
| | | | Stenos | 2 |
| | | | Peons | 3 |
| | | | Driver | 1 |
| | **GEOLOGICAL WING** | | | |
| Geological Section | (a) State Geologist | 1 | Technical Assistants | 5 |
| | (b) Junior Geologists | 2 | Drilling Assistants | 4 |
| | (c) Asstt. Mining Engineer | 1 | Surveyors | 3 |
| | | | Draftsman | 2 |
| | (d) Asstt. Drilling Engineer | 1 | Rigmen | 8 |
| | | | Carpenter | 1 |
| | (e) Asstt. Geologists | 8 | Mechanic | 2 |
| | | | Heavy Truck Drivers | 2 |
| | (f) Asstt. Chemists | 2 | Drivers | 3 |
| | (g) Drillers | 2 | Section Cutter | 1 |
| | | | Laboratory Asstt. | 1 |
| | | | Technical Bearers | 4 |
| | | | Laboratory Attendant | 1 |
| | | | Artists | 1 |
| | | | Cleaners | 2 |
| | | | Head Assistant | 1 |
| | | | Assistants | 1 |
| | | | Asstt. -cum-Accountant | 1 |
| | | | Store Clerk | 1 |
| | | | Store Assistant | 1 |
| | | | Store-keeper | 1 |
| | | | Stenographer | 2 |
| | | | Clerks | 4 |
| | | | Chowkidar | 1 |
| | | | Peons | 11 |
| | | | Statistical Asstt. | 1 |
| | | | Legal Assistant | 1 |
| | | | Steno-typist | 1 |
| | | | Driver | 1 |
| | **TECHNICAL WING** | | | |
| Production Engineering | Technical Expert (P.E.) | | Head Asistants | 3 |
| | Technical Director | | Assistants | 9 |
| | Technical Expert (M.E.) | | Clerks | 5 |
| Mechanical Engineering | Technical Expert (C.E.) | | Stenographers | 4 |
| | Deputy Director (Tech.) | | Junior Draftsman | 1 |
| | Asstt. Director (P.I.P.) | | Steno-typist | 3 |
| Pig Iron Plant Section | Assistant Director (Tech. I) | | Peons | 9 |
| | Asstt. Director (Tech. II) | | P.A. to T.D. | 1 |
| | Assistant Director (Tech. III) | | Driver | 1 |
| Chemical Engg. | Development Officer (Engg.) | | Tech. Officer (Engg.) | 1 |
| | Development Officer (Blacksmithy) | | | |
| | Development Officer (Carpentry) | | | |
| | Executive Officer (Trg.) | | | |
| | Sub-Divisional Officer | | | |

## SCHEMES INITIATED/ABANDONED BY THE INDUSTRIES DEPARTMENT IN THE STATE

***9177. Sardar Balwant Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number and names of new schemes initiated by the Department of Industries in the State during the last two years ;

(b) the number and names of the schemes which the said department closed/abandoned, during the said period and the reasons therefor ;

(c) the budget estimates of the said department for the year 1963-64 and actual expenditure incurred by it in the year 1965-66 ?

**Shri Ram Kishan :** (a) 34. A list of such Schemes is laid on the Table of the House (Annexure 'A')

(b) 14. The requisite information is laid on the table of the House (Annexure 'B')

(c) Rs. 3,24,60,770. The actual expenditure incurred during the year 1965-66 upto the month of December amounted to Rs. 1,73,56,820.

### ANNEXURE 'A'

**List of new schemes started during the year 1963-64 and 1964-65**

1. Scheme for the establishment of Public Sector Industrial Project Pig Iron Plant.

2. Scheme for the establishment of Public Sector Industrial Project-Steel Castings.

3. Scheme for the setting up of Air Rifles Factory.

4. Scheme for the setting up of Watch Factory.

5. Scheme for the Hide Flaying and Carcass Utilisation Centres.

6. Scheme for setting of Central Procurement Cell and participation in Exhibitions and shows by Government Emporia.

7. Scheme for processing of Khandasari Units.

8. Scheme for Training of Weavers.

9. Scheme for establishment centre for imparting training in pattern making.

10 Scheme for the extension and Promotion of Designs activities in the State.

11. Schemes for the establishment of a factory for the manufacture of tin containers in Kangra District.

12. Scheme for the purchase and maintenance of a station wagon for sericulture.

13. Scheme for training of candidates at the All-India Sericulture Training Institute, Mysore.

14. Government contribution towards loss sustained for participation in New York Fair.

15. Scheme for the payment of guaranteed amount for the loan from the Punjab National Bank to the Hosiery manufacturers of Ludhiana Bad debt losses.

16. Scheme for the Industrial Survey of the State Creation of Survey Cell.

17. Scheme for setting up of the Punjab Poultry Corpn.

[Chief Minister]

18. Scheme for the introduction of Production in Handicrafts Training Centre in Simla District by opening Doll Making Centre at Simla.

19. Scheme for the Central Design Organisation at Ludhiana.

20. Scheme for the Regional Research Laboratory at Chandigarh.

21. Scheme for the participation in share capital of Kangra Tea Planters Supply and Marketing Society Ltd.

22. Participation in share capital of the Co-operative Bir Tea Factory Ltd., Kangra.

23. Scheme for share capital loan to the Industrial Co-operative for purchasing shares of big Industrial Projects.

24. Scheme for granting loans to the Industrial Co-operatives at concessional rate of interest.

25. Share capital participation in the shares of Tea Marketing Society.

26. Grant of managerial subsidy to Industrial Co-operative Bank being set up at Jullundur.

27. Scheme for provision of irrigation and other improvements in the existing farms.

28. Establishment of Basic Mulberry Nursery cum Demonstration Farm, Nadaun.

29. Appointment of Additional Deputy Wool Controllers.

30. Continuance of staff sanctioned for the establishment of Public Sector Industrial Projects.

31. Supervisory, Inspection and Audit Staff for Reserve Bank of India for advancing credit facilities to Handloom Weavers.

32. Co-operative Spinning Mills.

33. Seamless Tube Mills.

34. Scheme for the establishment of Punjab Industrial Development Corporation Ltd.

## ANNEXURE 'B'

**List indicating the names of the schemes closed or abandoned during the year 1963-64 and 1964-65**

1. *Scheme for the establishment of Public Sector Industrial Project-Air Rifle Manufacturing Plant.*—The scheme for setting up an Air Rifle Factory was abandoned in October, 1964 because the original estimates of capital outlay were increased 100 per cent by the company and the marketing of a continuous production of 1,80,000 rifles annually, as contemplated under the scheme was not considered to be feasible.

2. *Scheme for the establishment of Public Sector Industrial Project—Watch Factory.*—A provision of Rs 50,000 had been made in the Budget for 1963-64 for preliminary expenditure on a watch factory, but as no foreign collaboration for setting up the industry could be found, the scheme was not started.

3. *Scheme for the Re-organisation of Cottage Industries Museum Emporium, Chandigarh.*—The scheme was closed as the object of starting this scheme was achieved. This scheme was meant for decorating and furnishing of Chandigarh Emporium.

4. Scheme for the training-cum-production centre for bamboo goods at Dharampur.

5. Scheme for Stone and Marble Carving Training-cum-Production Centre, Narnaul.

6. *Scheme of production centre for Druggets at Panipat.*

The closure of these schemes is on the basis of review of these centres by the Department keeping in view their further scope.

7. *Scheme for the provision of Study Tour of Artisan members of the Industrial Co-operatives.*—The Members of the Co-operative Societies were allowed expenses of their touring to the extent of Rs. 100 which was given as subsidy to one member of the Co-operative unit. Since the poor artisan members were not in a position to bear expenditure of 50 per cent on long Railway and Road journeys, and there was not proper response hence dropped.

8. Share Capital loans to the Industrial Co-operatives *for purchasing shares of Big Industrial Projects.*

9. Grant of Managerial Subsidy to Industrial Co-operative Bank being set up at Jullundur.

10. Scheme for granting loans to the Industrial Co-operative at concessional rate of interest.

11. *Share Capital participation in the shares of Tea Marketing Society.*—In response to the State's Call for having in various schemes to provide funds for Flood Relief, the amount provided for the above schemes was surrendered for its utilisation towards flood relief schemes.

12. Scheme for the establishment of a factory for the *manufacturing of Tin containers in the Kangra District.*—The scheme was dropped, being uneconomical.

13. *Tapestry Training Centre.*—As the trainees already trained were to settle themselves in the trade by organising themselves into co-operative societies, it was decided by the Department to close the centre with effect from 1st June, 1963 when the 3rd batch of trainees was to complete their course.

14. *Licencing of Khandsari Units.*—The scheme was transferred to Cane Commissioner as he was declared licensing authority.

---

## Starting Industrial Training School in Amb Constituency of Hoshiarpur District

***9220. Pandit Mohan Lal Datta :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether he is aware of the fact that there is no certificate Industrial Training School in the Amb Constituency of Hoshiarpur District which is a backward hilly area ;

(b) whether the Government intend to open at least one such school in this vast hilly area during the Fourth Plan period ;

(c) the steps which the Government intend to take to impart training to women in some crafts during the Fourth Plan period in the said constituency ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes.

(b) There is no programme to open any new Industrial School in the State during the 4th Plan period.

(c) Two Industrial Schools for Girls, one each at Nangal and Hoshiarpur are already functioning.

---

## Stipends given to Students in the Industrial Training Institutes in the State

***9376. Comrade Bhan Singh Bhaura :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the rate at which stipends are given to the students studying in the Industrial Training Institutes in the State ;

[Comrade Bhan Singh Baura]

(b) the details of the special facilities, if any, being given to the Scheduled Castes students studying in the said Institutes ;

(c) the percentage of the students receiving the said stipends.

**Shri Ram Kishan :** (a) At Rs. 25 per mensem to 33 per cent of the trainees.

(b) 20 per cent of the seats and stipends are earmarked for the Scheduled Castes trainees.

(c) 20 per cent of the Scheduled Castes trainees are granted stipends out of the regular schemes and the rest are granted stipends under the Scheme "Removal of Untouchability" subject to availability of funds.

---

### Expenditure Incurred on State Guests

***8935. Shri Balramji Dass Tandon :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of the persons with their status who were treated as State Guests in the year 1965 together with the expenditure incurred by the Government on each such guest ;

(b) the total expenditure incurred by the Government on the State Guests, year-wise, since 1960 up-to-date ?

**Shri Ram Kishan :** (a) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

(b) A statement containing the required information is laid on the Table of the House.

**Statement showing the total expenditure incurred by the Government on the State Guests year-wise since 1960**

| Year | | Rs P |
|---|---|---|
| 1960-61 | .. | 78,526.70 |
| 1961-62 | .. | 77,612.73 |
| 1962-63 | .. | 64,603.00 |
| 1963-64 | .. | 74,451.67 |
| 1964-65 | .. | 1,47,972.75 |
| 1965-66 (from 1st April, 1965 to 31st December, 1965) | .. | 56,701.69 |

---

### Commissions Appointed by Government in the State

***9131. Pandit Chiranji Lal Sharma :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of Commissions appointed by the Government in the State during the period from June, 1964 upto January, 1966, the purpose for which these were appointed and the period of their appointment in each case ;

(b) the total amount so far spent on each such Commission separately ;

(c) the number of the said Commissions which have since submitted their Reports to the Government ?

**Shri Ram Kishan :** The required information is placed on the Table of the House.

ANNEXURE

| (a) Serial No. | Name of the Commission | Purpose | Period of appointment |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | Administrative Reforms Commission | It was set up with a view to enquire into the various aspects of the administrative machinery in the State & to make recommendations to the Government to improve the procedure and methods of Government and to bring them in tune with the present day democratic set up | 9th October, 1964 to 21st February, 1966 |
| 2 | Commission of Inquiry | The District & Sessions Judge, Jullundur was appointed to enquire into the cause of death of Shri Parkash Chand, an undertrial prisoner in Civil Hospital, Jullundur | 11th January, 1965 to 28th February, 1965 |
| 3 | Commission of Inquiry | The District & Sessions Judge, Jullundur was appointed to enquire into the causes which led to the clashes between some groups of students and the Punjab Roadways staff at Jullundur and the sequence of events as they took place. | 5th August, 1965 to 31st October, 1965 |
| 4 | Punjab State Vigilance Commission | To enquire into the complaints of corruption against Government servants. The purpose is explained in details in Punjab Government Notification No. 1899-VI(I)-65/2437, dated the 8th March, 1965 (Appendix 'N') | August, 1965 to to July, 1970 |

(b) (i) Administrative Reforms Commission .. Rs. 2,54,484.58

(ii) Commission of Inquiry Jullundur .. Rs. 4

(iii) Commission of Inquiry Jullundur .. Rs. 8.78P.

(iv) Punjab State Vigilance Commission .. Rs. 27,021.29

(c) ............ 3.

## APPENDIX N

**(Extract from the Punjab Government Gazette (Extraordinary), dated the 9th March, 1965)**

VIGILANCE DEPARTMENT
Notification
The 8th March, 1965

No. **1899-VI(I)-65/2437.**—The Governor of Punjab is pleased to constitute the following Organisation for the purposes hereinafter appearing :—

1. The Organisation may be called the Punjab State Vigilance Commission (hereinafter referred to as the Commission).

[Chief Minister]

2. The Commission shall, unless otherwise directed by the State Government from time to time, be attached to the State Vigilance Department.

3. (1) The Commission shall have jurisdiction and powers in respect of the following matters namely:—

(A) To undertake any inquiry into any transaction in which a Government servant is suspected of having acted in a corrupt manner which may be referred to it by the State Government except a transaction relating to misconduct or misdemeanour of a Government servant not involving corruption.

(B) To undertake or cause an inquiry or investigation to be made into —

(i) any complaint of corruption and lack of integrity involving a Government servant which may be referred to it by the State Government ;

(ii) any other complaint or information specially entrusted to the Commission by the State Government in which a Government servant may or may not be involved.

(C) To call for reports, returns and statements from all departments of the State Government or undertakings so as to enable the Commission to bring about general liaison and co-ordination over the vigilance and anti-corruption work in such departments and undertakings.

(D) To take over under its direct control such complaints, information or cases for further action, namely :—

(i) to ask the Special Inquiry Agency to register a regular case and investigate it, or

(ii) to entrust the complaint, information or case for inquiry to the Special Inquiry Agency or to the Department or undertaking concerned, or

(iii) to hold itself an inquiry by taking evidence.

*Note I.*— The Commission may not be burdened with complaints against non-gazetted officials except when the complaint substantially involves a gazetted officer also.

*Note II.*—The Commission shall not take cognizance of anonymous and pseudonymous complaints unless referred to it by the State Government.

*Note III.*—The term "Government servant" does not include Ministers and non-officials such as members of Municipal Committees, Panchayats, Panchayat Samities, Zila Parishads or other local authorities, and office holders of Co-operative Societies and Universities.

(E) To advise the State Government in the matter of black-listing of any firm which might come to its adverse notice during an enquiry .

(2) In cases referred to in paragraph (D) (ii) above, the report of the inquiry shall be forwarded to the Commission so that on consideration of the report and relevant records it may advise the Department or undertaking concerned as to further action to be taken in the matter.

(3) In cases where the report of inquiry has been forwarded to the Commission by the Special Inquiry Agency, the Commission shall, while considering such report, obtain the comments of the Department or undertaking concerned.

(4) Where the Special Inquiry Agency considers that a prosecution should be launched and where prior sanction for such prosecution is required under any law for the time being in force, the Agency shall simultaneously send a copy of its report to the Departmentor undertaking concerned for any comments which it may wish to forward to the Commission.

(5) Where the authority competent to saction such prosecution—

(a) is the State Government, the Commission will advise the Vigilance Department, after examining the case and considering any comments received from

the Department or undertaking concerned, whether or not prosecution should be sanctioned, whereafter the necessary order will be issued by the Vigilance Department in which the power to accord sanction shall vest; and

(b) is an authority other than the State Government, and that authority does not propose to accord the sanction sought by the Special Inquiry Agency ,the case shall be returned to the Commission and the aforesaid authority shall take further action after considering the advice of the Commission.

(6) The Commission may entrust an oral inquiry in any departmental proceedings, except in petty cases, to one of the Commissioners for Departmental Inquiries attached to the Commission.

(7) The Commissioner for Departmental Inquiries shall submit his report to the Commission and the Commission shall, after taking into consideration the comments of the Department or undertaking concerned and examining the report and such comments, forward the record of the report to the appropriate punishing authority with its advice as to further action to be taken in the matter.

(8) Where the Commission finds that discretionary powers in the discharge of his duties were exercised by a Government servant for improper or corrupt purposes,the Commission shall advise the Department or the undertaking concerned that suitable action be taken against the Government servant concerned; and if it appears to the Commission that any practice or procedure followed by the Department or undertaking is of such a nature that it affords scope for corruption or misconduct,the Commission may advise that such practice or procedure be appropriately altered or abandoned and the Commission may suggest the manner for doing so.

(9) The Commission may, at such intervals as it may consider necessary, initiate review of all practices and procedure of administration in so far as they relate to the maintenance of integrity in administration.

(10) The Commission may collect such statistics and other information as may be necessary.

(11) The Commission may obtain information about the action taken on its recommendations.

(12) The Commission shall submit to the State Government in the Vigilance Department monthly statements of all the inquiries made by it with all material particulars along with the details of the nature and scope of such inquiries, and inturn the Commission shall have the power to call for similar statements from the various Departments or undertakings of the State Government regarding inquiries conducted by them into complaints of corruption against Government servants.

(13) The Commission shall submit an annual report to the State Government in the Vigilance Department about its activities drawing particular attention to cases in which its advice has not been accepted or acted upon.

4. The Commission shall be provided with such staff, including such number of legal advisers and technical officers, as may be necessary for ihe proper discharge of its duties and responsibilities.

5. The head of the Commission shall—

(a) be designated "Chairman, Punjab State Vigilance Commission";

(b) be appointed by the Governor of Punjab by warrant under his hand and seal'.

(c) be removable in the same manner as the Chairman or Member of the State Public Service Commission;

(d) hold office for a period of four years or until he attains the age of sixty-five years, whichever is earlier :

Provided that the first head of the Commission shall hold office for a period of five years not withstanding his attaining the age of sixty-five years ;

[Chief Minister]

(e) on ceasing to hold the office of the Chairman of the Commission, be ineligible for any other employment under the State Government or for holding any political or public office within the Punjab State for which purpose the Chairman of the Commission shall furnish a written undertaking to the State Government ;

(f) for the present be of the status of the Chairman, State Public Service Commission, but in the exercise of his powers and functions not be subordinate to any Department of the State Government ; and

(g) by convention be for the present given the same measure of independence and autonomy as the Chairman of the State Public Service Commission.

*Note*.—The Chairman of the Commission shall have the same place in the warrant of precedence which he held in accordance with his status prior to his appointment as such Chairman if the same was higher than that of the Chairman of Punjab State Public Service Commission.

6. Besides the Chairman, the State Government may appoint one or two other members of the Commission and the provisions contained in sub-paragraphs (d) and (e) of paragraph 5 shall apply to such member or members as they apply to the Chairman of the Commission.

7. The Secretary of the Vigilance Department, who shall be appointed by the State Government from amongst the Senior Secretaries to the Government, shall, in his *ex-officio* capacity act as an Associate Member of the Commission and shall serve as a link between the State Government and the Commission and shall be entitled to be consulted by the Commission in all important matters.

8. (1) In every department or undertaking of the State Government there shall be one Chief Vigilance Officer and a requisite number of Vigilance Officers who shall be appointed subject to the advice of the Commission. The Chief Vigilance Officer shall, as far as practicable, be an officer next in rank to the Secretary to the Government or the Head of the Department, as the case may be, and will work under his supervision. They will not be whole-time officers but will be nominated to do this work in addition to their normal duties. While an officer not approved by the Commission may not be appointed as a Vigilance Officer, the control over the working and conduct of these officers shall be exclusively that of the Secretary to the Government or the Head of the Department, as the case may be.

(2) The holding of inquiries, supervision over investigations drawing up of formal charge-sheets, compliance with procedural or legal requirements of these inquiries, consultation with the Commission and final disposal of cases shall be decentralised and will become the responsibility of the Department or undertakings concerned.

(3) The Special Inquiry Agency shall be an independent department, appointments to which shall be made on tenure basis subject to the concurrence of the Commission. The annual assessment of the work of the head of this Department will be made by the Secretary, Vigilance Department, as initiating authority and by the Chairman of the Commission as final reporting authority.

9. The investigating staff at present functioning under the Deputy Inspector-General of Police, Vigilance, shall be withdrawn from the Police Department and shall be constituted into a separate department with the officer of a rank of Deputy Inspector-General of Police as its head and shall be designated as "Special Inquiry Agency". The Deputy Inspector-General incharge of this Department will be designated as Director" Special Inquiry Agency". The Officers of this Department shall continue to enjoy the powers of investigation vested in the Police Officers of the general police district as is the case at present and, if legally necessary, a fresh notification shall be issued for continued vesting of these powers in them. The Secretary to Government, Punjab, Vigilance Department, shall be the Administrative Secretary of this Department.

10. The Vigilance Department and its Secretaries counterpart as at present constituted shall be wound up and its staff of technicians and specialists as well as legal advisers shall be placed under the control of the Commission. This staff shall be available

at all times and on all occasions for consultation with, and giving opinions to, the officers of the Special Inquiry Agency and other departments in processing their cases.

11. The Commission shall take the initiative in prosecuting persons who are found to have made false complaints of corruption or lack of integrity against Government servants.

S. K. CHHIBBER,
Secretary to Government, Punjab,
Vigilance Department.

### Haryana Development Committee

***9262. Shri Ram Saran Chand Mital :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Haryana Development Committee submitted an interim report to the Government ; if so, the action, if any, taken to implement the recommendations contained in the said report and the amount spent by the Government on their implementation ;

(b) the time by which all the recommendations made in the said report are likely to be completely implemented ;

(c) whether the Government intend to publish the interim report for the information of the public, if so, when ;

(d) a copy of the interim report be laid on the Table of the House ?

**Sardar Ajmer Singh :** (Minister for Planning and Local Government) : (a) & (b) Yes, Sir. The Haryana Development Committee has since submitted its final report also on 27th January, 1966. The recommendations of the Committee are under consideration with Government.

(c) No.

(d) A copy of the interim *report is laid on the table of the House.

### Haryana Development Committee

***9263. Shri Ram Saran Chand Mital :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Haryana Development Committee has submitted its fianl report† to the Government ; if so, the date when it was submitted ;

(b) whether the Government propose to publish the said report and make it available to the Members of the State Legislature, if so, when ;

(c) the details of the recommendations made in the report of the said Committee which the Government proposes to implement, the time by which these are proposed to be implemented and the estimated amount to be spent thereon ?

**Sardar Ajmer Singh** (Minister for Planning and Local Government) : (a) Yes; on 27th January, 1966.

(b) Copies of the final report of the Haryana Development Committee have already been made available to the members of the State Legislature.

(c) The report is under consideration of the Government.

†*Note*.—Interim Report of the Haryana Development Committee is kept in the Library.

**Recruitment of Draftsmen**

***9448. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Subordinate Services Selection Board invited applications for the recruitment of draftsmen during the period from 1st April, 1965 to 31st December, 1965 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the total number of applications received together with the number of candidates called for interview and the number of those who appeared for interview, respectively.

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes.

(b) (i) 584

(ii) 504

(iii) 469

---

**Bus fares from Khanna to Ludhiana and Khanna to Chawa Pail**

***9154. Lieut. Bhag Singh :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state whether the Punjab Roadways charge from the passengers travelling by its buses different rates of fare from Khanna (district Ludhiana) to Ludhiana and Khanna (district Ludhiana) to Chawa Pail (district Ludhiana), if so, the amount of difference in each case and the rea ons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (i) No.

(ii) Does not arise.

---

**Loss suffered by Border Villages during the Recent Indo-Pak Conflict**

***9226. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the details of loss of life, household properties, cattle and crops which occurred because of the recent Indo-Pak hostilities in the villages in Amritsar, Ferozepore and Gur daspur Districts during the period from September, 1965 to date village-wise and district-wise ;

(b) the details of the help given by the Government in cash or kind to the affected people in Amritsar District, village-wise ;

(c) the total number of men and women taken away by the Pakistani forces from the border villages of Amritsar District during the said conflict ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** (a) The number of the civilians killed in Amritsar, Ferozepore and Gurdaspur Districts is reported to be 126, 38 and 6 respectively. As regards the losses of movable property and cattle, damage to crops and immovable property, etc., an assessment will be made as soon as the areas are vacated by the Pakistan or are declared by the Indian Army Authorities as accessible to the civilians.

(b) A statement is laid on the Table of the House. The village-wise break up of the details of the expenditure is not practical.

(c) 179.

**Statement indicating the help given to uprooted persons in Amritsar District**

| | *Amount distributed in Amritsar District* |
|---|---|
| (i) *Ration in kind or cash*— | |
| (a) Wheat flour/wheat is being issued on the scale of 16 Kilograms per Adult and 10 kilograms per child per month | 10,460 Quintals distributed |
| (b) Cash grant at the rate of Rs 18 and Rs 9 per adult and per child, p.m., for the purchase of Dal, Ghee, etc. .. | Rs 9,32,996 |
| (ii) *Cash grant*.—An ex-gratia grant of Rs 17 , Rs 16 and Rs 7 is being paid to each adult male, female and a child for the purchase of cloth for one suit of clothes. Amount sanctioned Rs 8.48 lacs | 17,054 |
| (iii) *Fodder subsidy*.—Fodder subsidy at the rate of Rs 00.50 per cattle per day is being issued for the cattle brought by the uprooted persons | 5,546 |
| (iv) *Subsidy for the cattle lost/killed*.—An ex-gratia grant of Rs 400 for bullock/camel, Rs 300 for a buffalow and Rs 2000 for a cow | 1,24,900 |
| (v) *For Houses damaged*.—An ex-gratia grant of Rs 2000 for pacca house and Rs 1,000 for kacha house | 1,22,970 |
| (vi) *Ex-gratia grant for killed, injured and disabled*.—An ex-gratia grant of Rs 1,500 paid to the families whose bread-winners had been killed, Rs 500 for injured persons and Rs 1,500 paid to the fully and permanently disabled civilians | 1,65,950 |
| (vii) *Ex-gratia grant for Military/Punjab Armed Police/Personnel killed. or injured*.—An ex-Gratia grant of Rs 5,000, Rs 3,000 and Rs 2,000 has been sanctioned in respect of the officers, J. C. Os, and other ranks killed or disabled respectively | 35,740 |
| (viii) *Providing* (i) *Quilts/Blankets* (*ii*) *Durrees*.—One Quilt/Blanket and Durree for each uprooted persons subject to a maximum of three per family | 390 Blankets<br>11,757 Quilts.<br>7,997 Durries |
| (ix) Amount placed at the disposal of the Deputy Commissioner for advancing interest free loan for agricultural as well as business purposes | 50,00,000 |
| (x) Facilities of free education, supply of text-books and articles of stationery, free of cost, exempting the school going children from the payment of hostel fee and boarding charges | |
| (xi) Remission of land revenue and abiana, cess on commercial crops granted in an area falling within 10 miles of the International border and of all operational villages whether situate within this limit or beyond it. Recovery of Government dues such as taccavi loans stayed till further orders. | |

---

## Concessions given to Border Districts

***9227. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state the details of the concessions given to the border districts and war affected cities, so far, by the Government, district-wise ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon :** Statements indicating the concessions given to the uprooted persons and the amount spent on various relief measures up to the 11th February, 1966 are laid on the Table of the House.

[Transport and Election Minister]

**Statement indicating the concessions given to uprooted persons**

(i) *Ration in kind or cash.*—(a) Wheat flour/wheat is being issued on the scale of 16 kilograms per adult and 10 kilograms per child per month.

(b) Cash grant at the rate of Rs 18 and Rs 9 per adult and per child per mensem for the purchase of Dal, Ghee, etc.

(ii) *Cash grant.*—An ex-gratia grant of Rs 17, Rs 16 and Rs 7 is being paid to each adult male, female, and a child for the purchase of cloth for one suit of clothes. Amount sanctioned Rs 8.48 lacs.

(iii) *Fodder subsidy.*—Fodder subsidy at the rate of Rs 00.50 per cattle per day is being issued for the cattle brought by the uprooted persons.

(iv) *Subsidy for the cattle killed/lost.*—Ex-gratia grant of Rs 400 for bullock/camel, Rs 300 for a buffalo and Rs 200 for a cow.

(v) *For Houses damaged.*—An ex-gratia grant of Rs 2,000 for pacca house and Rs 1,000 for kachha house.

(vi) *Ex-gratia grant for persons killed, injured and disabled.* —An ex-gratia grant of Rs 1,500 paid to the families whose bread-winners had been killed, Rs 500 for injured persons and Rs 1,500 paid to the fully and permanently disabled civilians.

(vii) *Ex-gratia grant for P.A.P./Military Personnel killed or injured.*—As per scale detailed below :—

*Military*—(i) Officers Rs 5,000 (ii) J. C. Os', Rs 3,000 (iii) Other ranks Rs 2,000.

*Punjab Armed Police*—

(i) Officers of the rank of Assistant Superintendent of Police and above Rs 5,000,

(ii) Deputy Superintendent of Police Rs 4,000,

(iii) Inspectors/Sub-Inspector/Assistant Sub-Inspectors, Rs 3,000.

(iv) Other ranks Rs 2,000.

(viii) *Providing* (i) *Quilts/Blankets,* (ii) *Durrees.*—One Quilt/Blanket and Durree for each uprooted persons above the age of 12 and one quilt/blanket and durree for two children between the age of 8 and 12 years.

(ix) Facilities of free education, supply of text-books and articles of stationery, free of cost, exempting the school going children from the payment of hostel fee and boarding charges. Amount sanctioned Rs 23,000.

(x) Remission of land revenue and abiana, cess on commercial crops granted in an area falling within 10 miles of the International Border in Amritsar and Ferozepore Districts and five miles in Gurdaspur District and of all Operational Villages whether situate within this limit or beyond it. Recovery of Government dues such as taccavi within 10 miles of the border stayed till further orders.

(xi) *Loans.*—(i) An amount of Rs 51 lakhs placed at the disposal of the Director of Industries, Punjab for advancing loans to Industrialists, in Amritsar, Gurdaspur, Ferozepur, Kapurthala, Ludhiana and Jullundur.

(ii) An amount of Rs 10 lacs placed at the disposal of the Deputy Commissioners Amritsar, Gurdaspur and Ferozepore for advancing interest free loans to uprooted persons for agricultural and business purposes.

(iii) An amount of Rs 20 lacs placed at the disposal of the Labour Commissioner, Punjab, for advancing interest free loans to the unemployed Industrial Workers.

PROGRESS REPORT FOR THE PERIOD ENDING 11-2-1966 REGARDING DISTRIBUTION OF RELIEF/EX-GRATIA GRANTS TO THE UPROOTED/AFFECTED PERSONS

BLOCK I—GENERAL

**Distributed In**

| Serial No. | Item | Unit | Amritsar | Ferozepur | Gurdaspur | Other districts | Total | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | Persons registered | Number | 29,799 | 18,766 | 1,459 | 101* | 50,125 | *Chandigarh campers 45,303 |
| 2 | Families Registered | Do | 4,779 | 3,517 | 266 | 28* | 8,590 | *Campers 890 |
| 3 | Tents | Do | 700 | 650 | .. | .. | 1,350 | |
| 4 | Wheat | Quintals | 14,544 | 9,892 | 720 | 43 | 25,199 | |
| 5 | Milk Powder | Lbs. | 29,652 | 14,685 | 2,746 | .. | 47,083 | |
| 6 | Quilts (i) Received .. | Number | 13,256 | 14,195 | 670 | 110 | 28,231 | |
| | (ii) Distributed | Do | 11,995 | 13,219 | 560 | 63 | 25,837 | |
| 7 | Durries (i) Received | Do | 11,182 | 11,298 | 420 | 110 | 23,000 | |
| | (ii) Distributed | Do | 8,993 | 7,197 | 420 | 72 | 16,682 | |
| 8 | Blankets (i) Received | Do | 936 | 500 | 27 | .. | 1,463 | |
| | (ii) Distributed | Do | 390 | 436 | 27 | .. | 853 | |

[Transport and Election Minister]

RELIEF INCLUDING EX-GRATIA GRANT S
BLOCK II

| Serial No. | Item for which cash grant given | Amount distributed in | | | | | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Amritsar | Ferozepore | Gurdaspur | Other Districts | Total | |
| | | Rs | Rs | Rs | Rs | Rs | |
| 1 | Ration (Ghee, Sugar, etc). .. | 13,05,513 | 9,50,648 | 78,894 | 6,426 | 23,41,481 | |
| 2 | Grants for one set of clothing .. | 1,11,426 | 1,88,358 | 12,004 | 1,378 | 3,13,166 | |
| 3 | Cattle fodder .. | 5,546 | 19,255 | .. | .. | 24,801 | |
| 4 | Houses damaged .. | 1,22,970 | 21,805 | .. | 57,545 | 2,02,320 | |
| 5 | Cattle killed .. | 1,14,900 | 8,175 | .. | 4,330 | 1,37,405 | |
| 6 | Army men killed/injured/missing (ex-gratia grants) | 35,740 | 32,960 | 49,000 | 6,78,400 | 7,96,170 | |
| 7 | Civilians including PAP/Home Guards killed/ injured (ex-gratia grants) .. | 1,65,950 | 42,750 | 2,000 | 37, 550* | 2,48,250 | *Including 4 drivers of Karnal district killed while on military duty. |
| | | 18,72,045 | 12,63,950 | 1,41,898 | 7,85,699 | 40,63,593 | |
| | Approximate cost of wheat, quilts and durrees (items 4,6 and 7 Block I) | | | | | 21,75,000 | |
| | Total amount distributed as Relief including ex-gratia grants upto 31st October, 1965 .. 5,39,199 Rs. | | | | | 62,38,593 | |

## Villages electrified in Kangra District

*8911. **Shri Rup Singh Phul** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state the number and names of the villages electrified during the current financial year (up to date) in district Kangra?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : One village Kandi.

## Persons registered as War Hit Persons in District Ferozepore

*9465. **Sardar Kulbir Singh**
**Chaudhri Satya Dev** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to lay on the Table of the House a list of persons in district Ferozepore with their addresses who were registered as war hit persons but whose names were later removed from the list alongwith the reasons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : 321 families comprising 1,685 persons have been detected who were not previously residing in Pakistan occupied area. A scrutiny in regard to their claims is still being conducted and such persons will be weeded out only after the receipt of the report of scrutiny.

## Inclusion of certain villages in ten mile area of the Border

*9496. **Sardar Kulbir Singh**
**Chaudhri Satya Dev** : Will the Minister for Transport and Elections be pleased to state—

(a) the names of the villages which applied for inclusion in the ten mile area of the border with Pakistan for remission of land revenue, abiana, etc. ;

(b) the names of the villages referred to in part (a) above whose request was not accepted and the reasons therefor ?

**Sardar Gurdial Singh Dhillon** : (a) and (b). The concession of remission of land revenue and abiana extends to all villages situated within ten miles of the International Border in Ferozepore and Amritar Districts. In case a part of the land of any village falls within the said limit the concession extends to the entire village.

As such the question of denying this concession to any village situated within 10 miles of the border does not arise. Nor is any village expected to seek this concession through an application.

# UNSTARRED QUESTION AND ANSWER

## Enquiry held against Shri Jaswant Singh Grewal, D. S. P. (now at Bassi Pathana, district Patiala)

3180. **Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) whether an enquiry was initiated by the Department against Shri Jaswant Singh Grewal, D. S. P. (now at Bassi Pathana,

[Comrade Makhan Singh Tarsikka]

district Patiala) for implicating Members of this House in a false case of attempt to murder in 1962 ; if so, the result thereof and a copy of the charges etc. levelled against him and the findings of the enquiry be laid on the Table of the House ;

(b) the names of the Officer who ordered the said enquiry and the name of those who actually enquired into the matter ?

**Sardar Darbara Singh** (Home and Development Minister) : (a) No. (b) Does not arise.

## ADJOURNMENT MOTIONS

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਵਲੋਂ ਅਤੇ ਜੋਗਾ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਸੀ। ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਗੋਲਡ ਬਾਂਡਜ਼ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਿਚ ਬੜੀ ਕੁਅਰਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬੜੀ ਰੀਜ਼ੈਂਟਮੈਂਟ ਫੈਲੀ ਹੋਈ ਹੈ ਟੀਚਰਜ਼ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਦੇ ਅੰਦਰ। ਹਰ ਟੀਚਰ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 10 ਗਰਾਮ ਸੋਨਾ ਇਕੱਠਾ ਕਰਕੇ ਦੇਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਆਲਰੈਡੀ ਥੋੜੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੈਲਰੀ ਵਿਚੋਂ ਡੀਡਕਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਗਲਤ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਗੋਲਡ ਕੁਲੈਕਸ਼ਨ ਸਕੀਮ ਵਿਦਡਰਾ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਨਤਾ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਤੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਹਰ ਆਦਮੀ ਜਿੰਨਾ ਇਕੱਠਾ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਰੇ। ਇਹ ਸਕੀਮ ਹਿਡਨ ਗੋਲਡ ਕਢਣ ਲਈ ਸੀ। ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀ ਜੇਬ ਵਿਚੋਂ ਕਿਥੋਂ ਕਢਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਸਟਰਾਂਗ ਰਿਜ਼ੈਂਟਮੈਂਟ ਹੈ। ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਹੁਕਮ ਵਾਪਸ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

12, noon

**उपाध्यक्षा** : मैं ने कल भी कहा था कि बजट सैशन में बहस के लिए काफी वक्त होता है अगर एडजर्नमैंट मोशन्ज़ न आएं तो अच्छा है। जो बात आप ने कही है ऐजूकेशन मिनिस्टर साहिब ने कल उसका जवाब दे दिया था। (I had stated this yesterday also that since sufficient opportunities would be available during discussions in the Budget session for reference to such matters it would be better if no adjournment motion is given notice of. The matter referred to by the hon. Member has already been replied to by the Education Minister yesterday.)

**शिक्षा मंत्री** : मेरे इलम में ऐसी काफी शिकायतें आई हैं। मैं ने पहली शिकायत मिलते ही जनरल वाजेह हिदायात कर दी हैं कि किसी के साथ कोअर्शन यूज़ नहीं करनी है, किसी से पैसे न मांगो। किसी लड़के को नहीं कहना, किसी लड़के के बाप को नहीं कहना। अगर कोई अपनी मर्ज़ी से दे तो ठीक है। एक टीचर 5 ग्राम सोना इकट्ठा कर सकता है तो करे। कोई कोअर्शन नहीं होनी चाहिए। इस हिदायत के बाद आप को शिकायत का कोई मौका नहीं मिलेगा। हफ्ते के अन्दर अन्दर यह काम खत्म होने वाला है। 5 मार्च के करीब हम

इस को बन्द कर देंगे। कुछ लोगों ने कहा था कि हम हफ्ते के अन्दर अन्दर जितना देना है दे देंगे।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : दूसरी एडजर्नमैंट मोशन मेरी तरफ से और बहुत से आपोज़ीशन के मैंबरों की तरफ से है। कपूरथला के टीचर्ज़ की स्ट्राईक के बारे में है जो कपूरथला कालिज में है। यह बहुत अहम मामला है।

**उपाध्यक्षा** : टीचर्ज़ ने स्ट्राईक की है तो ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब से मिल कर बात कर लें, एडजर्नमैंट मोशन का क्या सवाल है? (If the teachers have gone on a strike, then the hon. Member should discuss the matter with the Education Minister. How does the question of moving an adjournment motion arise ?)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : स्टूडैंट्स की स्ट्राईक हो रही है। यह हाउस में एशोरैंस दें, इंक्वायरी होनी चाहिए। प्रिंसिपल ने सारे स्टाफ को तंग कर रखा है। वह उन को आदमी नहीं समझता। इस पर हाउस में डिस्कशन हो।

**शिक्षा मंत्री** : मेरा फाज़िल दोस्त से आज ही सुबह चर्चा हुआ था और आज से चन्द दिन पहले उनका टैलीफोन भी आया था कि कुछ टीचर्ज़ मिलना चाहते हैं। मैं ने उस दिन वाज़ेह अलफाज़ में कहा था कि हम इस की इंक्वायरी करने के लिये तैयार हैं। उन्होंने भूख हड़ताल कर रखी है। भूख हड़ताल के दबाव के नीचे गवर्नमैंट को मजबूर नहीं किया जा सकता। अगर वे आज भूख हड़ताल छोड़ दें और वह चाहते हैं कि उन के साथ इस बात में इन्साफ हो हम हर कोई कदम उठाने के लिए तैयार हैं जिस से तसल्ली हो। जब तक भूख हड़ताल है कोई कदम नहीं उठा सकते।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर मैडम। मेरी बात कपूरथले से ताल्लुक रखती है।

**उपाध्यक्षा** : ऐजुकेशन मिनिस्टर के सारी बात कहने के बाद कोई बात नहीं होती। (After the detailed statement by the Education Minister no further discussion on the matter will be allowed.)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : वह क्लैरिफीकेशन करें। अगर वे स्ट्राईक खत्म कर दें तो क्या ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब ऐजुकेशन कमिश्नर को इंक्वायरी के लिए भेजने को तैयार हैं ?

**उपाध्यक्षा** : उन से मिल कर कह लें ((He may meet the Minister and discuss the matter with him.)

**शिक्षा मंत्री** : मैं अफसर का नाम नहीं कह सकता। जिस अफसर पर आपकी तसल्ली होगी उसको भेज कर इंक्वायरी करा लूंगा।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਮੈਂ, ਸਰਦਾਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਲਾਇਲਪੁਰੀ, ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਅਤੇ ਬਾਕੀ 10 ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਲੋਂ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਸੀ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ, ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਕੇ ਗਲ ਕਰੋ। (Where is the necessity for raising a point of order for this purpose ? Let the hon. Member speak.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ ਜਾਵੇ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਡਿਸਅਲਾਉ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਦੱਸੋ। ਜੇ ਗਲ ਸਮਝ ਵਿਚ ਆ ਜਾਏਗੀ ਐਡਮਿਟ ਕਰ ਲਾਂਗੀ। (I have disallowed the motion. Let the hon. Member speak to me in my Chamber. If I am convinced, I will admit it.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫੜ ਕੇ ਮਾਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧ ਨਜ਼ਲਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੇ ਡਿਗਿਆ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ ਨੇ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਆਂਦੀ ਸੀ, ਪਿਛਲੇ ਹਫਤੇ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਇਕ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਮਾਰ ਦਿਤਾ। ਇਹ ਨਵਾਂ ਕੇਸ ਹੈ।

**Deputy Speaker** : Please resume your seat. I cannot allow you to speak on the Adjournment Motion.

ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਹ ਪੰਨਾ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ। (I have got this paper with me. I have read it) There must be some limit.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਐਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨੇਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਨਛੱਤਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਪੁਲਿਸ ਕਸਟਡੀ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਗਿਆ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਹ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਇਹ ਰੈਮਿਡੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਹੀ ਦਿਓ। (It has been dis allowed. The remedy of this matter does not lie in giving notices of adjournment motions every day.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਮਾਮਲਾ ਹੀ ਐਸਾ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸੰਧੂ ਸਾਹਿਬ, ਬੈਠ ਜਾਓ। (The hon. Member, Shri Sandhu may please take his seat.)

**श्री जगन्नाथ** : मैडम, आप ने कह दिया कि मैं ने इसको देखा नहीं। हाउस में देख कर आया करें।

**उपाध्यक्षा** : किस ने कहा है कि मैं ने देखा नहीं ? मैं बिना देखे नहीं आया करती। विदड्रा योअर वर्डज़।(Who said that I had not seen the papers ? I never come to the House without studying them. The hon. Member may please withdraw his words.)

**श्री जगन्नाथ** : मैं ने तो कोई ऐसी बात नहीं कही।

**उपाध्यक्षा** : श्री जगन्नाथ, विदड्रा करें। (The hon. Member Shri Jagan Nath should withdraw his words.)

**श्री जगन्नाथ** : विदड्रा करता हूं।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : आज से 2 दिन पहले इसी हाउस में एक एडजर्नमेंट मोशन पुलिस के किसी जुर्म और हैपनिंग के बारे में पेश हुई थी और उस पर हाउस के सैंटीमैंट क्या थे यह आप को पता लग गया है और आनरेबल स्पीकर साहिब ने उस एडजर्नमेंट मोशन को अभी तक पैंडिंग रखा हुआ है। यह बात उस में तै हुई थी कि अलग अलग ग्रुप्स के जो लीडर्ज़ हैं उन के साथ स्पीकर साहिब इस बात का फैसला करेंगे कि अगर ऐसी कोई अनयूज़ल बात होती है, स्टेट में असाधारण घटना हो जाती है जो बहुत ही अहमियत की है, जिसका जनता के जीवन से सीधा संबंध है, चाहे गवर्नर एड्रैस पर बहस हो रही है या बजट की जनरल डिस्कशन चल रही है उस पर गौर करेंगे और विचार करने के लिए मीटिंग करने के लिए रखा था। आज सरदार अजायब सिंह की तरफ से आई है। पहली एडजर्नमैंट मोशन यह थी कि एक आदमी को पुलिस कस्टडी में मार दिया गया है । इस दूसरी में यह है कि एक आदमी को जखमी कर दिया गया है। इस तरह की बातें स्टेट में हो रही हैं। ऐसी एडजर्नमेंट मोशन्ज़ को रिजैक्ट करने से या अकामोडेट न करने से न जनता का भला होता है और न ही यह डैमोक्रेसी के फायदा में है। इस लिए आप इस को पैंडिंग रखें और ग्रुप लीडर्ज़ के साथ डिसक्स करके फैसला करें कि ऐसे केसिज़ में क्या करना चाहिये ताकि आयंदा सूबे में ऐसी घटनाएं न रिपीट हों।

**उपाध्यक्षा** : अगर आनरेबल मैंबर्ज़ मुझे सुनने की कोशिश करें तो प्वाइंट आफ आर्डर रेज़ करने की ज़रूरत नहीं हो सकती। मैं इस बात से सहमत हूं कि एक दफा बैठ कर हमें इस बात को तय करना ही पड़ेगा। आज अगर स्पीकर साहिब न आए तो कल मैं आप से बैठ कर फैसला कर लूंगी। तमाम ग्रुप लीडर्ज़ के साथ बात करके गवर्नमैंट के नोटिस में लाया जाएगा कि आयंदा ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहियें (If the hon. Members just try to listen to me, then the necessity for raising points of order can be obviated. I quite agree that we shall have to decide this matter once for all. If to day, the hon. Speaker does not return, then tomorrow I shall discuss it with you and arrive at a decision. After consultations with all the group leaders, the Government will be approached with the request that in future repetition of such incidents should be avoided.)

**श्री बलराम जी दास टण्डन** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, जो इस का सैकण्ड पैरा है उसे आप पढ़ें तो कलेजा मूंह को आता है। उस आदमी को पकड़ कर ले जा कर 17 दिन तक उसे मारते रहे और फिर उस का 109 में चालान कर दिया। यह बूचड़ों का राज्य न हुआ तो और क्या हुआ ? आप जैसे देश भक्त भी इस पर न सोचेंगे तो फिर और कौन सोचेगा ?

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** On a point of Order, Madam. On an earlier occasion, an adjournment motion given notice of by another hon. Member of this House was kept pending on an assurance by the hon. Speaker. May I know if the adjournment motion given notice by about ten Members of this House yesterday has also been kept pending or a decision thereon has been given and rejected ?

**उपाध्यक्षा :** अगर आनरेबल मैंबर्ज़ मुझे सुनने की कृपा किया करें तो बार बार उठने की ज़रूरत न पड़े। मैंने कहा है कि वह भी और यह भी ग्रुप लीडर्ज़ के साथ डिसकस कर के इस बात की इजाज़त नहीं दी जाएगी कि पुलिस किसी पर ज़ुलम करे। (If the hon. Members please care to hear me then any need for rising again and again would not arise. I have stated that this and the other matter would be discussed with the Group Leaders and effort will be made not to allow the police to commit such atrocities.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼:** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਬਹੁਤ ਠੀਕ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਲਿਆ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਆਦਮੀ ਨਛੱਤਰ ਸਿੰਘ ਫੜਿਆ ਸੀ। (*Interruption*)

**उपाध्यक्षा :** इस तरह से चेयर को फ्लाऊट करना मुनासिब बात नहीं जब कह दिया है कि पुलिस का अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा तो फिर और प्वायंट आफ आर्डर करने का क्या फायदा। (It is not desirable to flout the Chair in this way. When I have already stated that the police would not be allowed to perpetrate atrocities, then what is use of raising such points of order.)

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੇਰੇ 2 ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸ ਸਨ। ਉਹ ਐਡਮਿਟ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

**उपाध्यक्षा :** कल को टेक अप होंगे (They will be taken up tomorrow).

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैंने प्रैस वर्कर्ज़ के बारे में काल अटैनशन नोटिस दिया है। वह कल को हड़ताल कर रहे हैं क्योंकि उन को चौधरी सुन्दर सिंह ने एशोरेंस दी थी। (*Interruption* )

**उपाध्यक्षा:** आप का काल अटैनशन नोटिस आया हुआ है। मैं सी. पी. एस. से दरखास्त करूंगी कि वह चौधरी सुन्दर सिंह से मिल कर आज ही इस बात को तय करें क्योंकि मामला बहुत लम्बा हो गया है। (The Call Attention Notice given by the hon. Member has been received. I would request the Chief Parliamentary Secretary to meet Chaudhri Sunder Singh today and settle the matter with him as it has already been prolonged.)

## STATEMENT BY THE EDUCATION MINISTER

**शिक्षा मंत्री** (श्री प्रबोध चन्द्र) : कल यहां पर मेरे एक फाजिल दोस्त ने कहा था कि पांच हजार रुपए का ग्रास खरीदा गया । मेरे पास प्रिंसिपल साहिब का यह लैटर आया है, उन्हों ने लिखा है—

"Reference your verbal query.

1. No Calcutta grass or any other grass was purchased at the time of Shri M. C. Chagla's visit to this College not even worth a paisa. In fact the college has not purchased any grass in the last few years."

This information has been received by me from the Principal of the College, duly signed by him.

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : Madam, my objection was that the hon. Education Minister got up yesterday abruptly to say that what I had said was wrong when I was saying that fact on the basis of some information. Since he is now making this statement after making an enquiry from the Principal of the College, I have nothing to say and the matter ends here.

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਕਈ ਵਾਰ ਅਸੀਂ ਗੈਰ ਜ਼ਿਮੇਦਾਰੀ ਨਾਲ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਸਬੂਤ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਹੁੰਦਾ ਨਹੀਂ । ਜਾਂ ਤਾਂ ਜਿਹੜਾ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਾਏ ਉਹ ਸਬੂਤ ਵੀ ਦੇਵੇ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਹ ਚੀਜ਼ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨਿਟੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹੈ। (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਤਾਲੀਆਂ)

---

## PAPERS LAID ON THE TABLE

**Welfare and Justice Minister** (Chaudhri Chand Ram) : Madam, I beg to lay on the Table the Defence of India (Punjab Special Tribunals) (First Amendment) Rules, 1965, issued under Section 15 of the Defence of India Act, 1962.

---

## STATEMENT BY THE TRANSPORT AND ELECTIONS MINISTER

**ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਮੇਰੇ ਕੋਲੋਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਸੀ ਕਿ 26 ਤਾਰੀਖ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੀ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਰੀਫਿਊਜੀਜ਼ ਆਪਣੇ ਘਰਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣਗੇ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਾਡੇ ਹਾਈ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਔਰ ਵੈਸਟਰਨ ਕਮਾਂਡ ਦੇ ਹਾਈ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਜੋ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਤੈ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਆਰਮੀ ਅਥਾਰੇਟੀਜ਼ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਲਈ ਵੀ ਮੈਂ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

The following procedure has been decided upon to prevent any risk to the civilian population returning to their homes in areas vacated by Pakistan :—

(a) On the morning of the 26th February, the army accompanied by police representatives will locate on the ground the danger areas as communicated to it by the Pakistan Army.

(b) The areas in question will be picquetted by the civil police.

[Transport and Elections Minister)

(c) The danger areas will then be cleared of all hazards by the army. Once this is done the police will be at liberty to lift their picquets.

(d) This will be followed by controlled re-entry of civilians into vacated territory under the direction and control of the local civilian authorities.

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੈਲਥ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਵਿਊ ਨਾਲ ਉਥੇ ਖੂਹਾਂ ਵਗੈਰਾ ਨੂੰ ਚੈਕ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਕਿ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਣੀ ਵਗੈਰਾ ਪੌਲਿਊਟਿਡ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਬਾਕੀ ਵੀ ਜਿਤਨੇ ਸੀਕਿਉਰਿਟੀ ਅਰੇਂਜਮੈਂਟਸ ਹਨ ਉਹ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਬਾਕੀ ਵੀ ਸਾਰਾ ਸਰਵੇ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਕਿ ਜਿਸ ਵਕਤ ਸਿਵਲ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਉਥੇ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਗੈਰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਵਾਕਿਆਤ ਤੇ ਹਾਦਸਾਤ ਨਾਂ ਹੋ ਜਾਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਫਸੋਸ ਹੋਵੇ। ਇਸ ਲਈ ਛੇ ਸਤ ਦਿਨ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਲਗ ਜਾਣਗੇ।

---

## Resolution *re.* Development of Hilly Areas and the Hariana Area of the State.

**Deputy Speaker :** Comrade Jangir Singh Joga who was in possession of the House, when it adjourned on the 17th February, 1966, will now resume his speech on the *resolution.

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** (ਤਲਵੰਡੀ ਸਾਬੋ): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਸਾਡੇ ਇਸ ਵਕਤ ਵਡਾ ਸਵਾਲ ਹਰਿਆਣਾ ਜਾਂ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਵੱਡਾ ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਅਗੇ ਲੈ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਵੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦਾ ਇਨਹਸਾਰ ਬੁਨਿਆਦੀ ਇਨਡਸਟਰੀ ਤੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਕਤ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਤਕਰੀਬਨ 25 ਫੀ ਸਦੀ ਛੋਟੀ ਸਨਅਤ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਲਗੇ ਹੋਏ ਸਰਮਾਏ ਦਾ 25 ਫੀ ਸਦੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਦੋਂ ਤਕ ਕੋਈ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਨਅਤ ਨਾ ਹੋਵੇ ਛੋਟੀ ਸਨਅਤ ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦੀ। ਇਹੋ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਨਅਤ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਐਨੀ ਮੇਹਨਤ ਨਾਲ ਲਗਾਈ ਹੋਈ ਛੋਟੀ ਸਨਅਤ ਉਖੜ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਖੜ ਜਾਵੇਗੀ। ਜੇਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਲ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਹੋਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਕਤ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਪਬਲਿਕ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਨਅਤ ਤੇ 2130 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਸਾਰੇ ਰੁਪਏ ਵਿਚੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਸਿਰਫ 30 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਆਇਆ ਹੈ ਜੋ ਕਿ 1.4 ਫੀ ਸਦੀ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਫ ਜ਼ਾਹਰ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪਬਲਿਕ

*Note : Previous discussion on the resolution moved by Shri Balramji Dass Tandon, that—

"With a view to bring the hilly areas of the Punjab which are backward, at par with the adjoining areas of the State and the Hariana area at par with the rest of the State in the matter of development, this House recommends to the Government to make plan allocations in such a way that sixty percent of the plan funds are earmarked for the said Hariana area and the Hilly areas."

will be found in the P.V.S. Debate Vol. I, No. 3, dated 17-2-66.

ਸੈਕਟਰ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਸਾਰੇ ਲਗੇ ਹੋਏ ਸਰਮਾਏ ਦੀ ਔਸਤ ਫੀ ਆਦਮੀ ਕਢੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ 30 ਰੁਪਏ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਬੰਗਾਲ ਵਿਚ ਇਸ ਦੀ ਫੀ ਆਦਮੀ ਔਸਤ 149 ਰੁਪਏ ਤੇ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਵਿਚ 135 ਰੁਪਏ ਬਣਦੀ ਹੈ। ਮਰਕਜ਼ੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਥੇ ਚੌਥੇ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਇਸ ਮਦ ਹੇਠ 3,200 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਥੇ ਪੰਜਾਬ ਲਈ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਨਅਤ ਲਈ ਸਿਰਫ 25 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਚੌਥੇ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਵੀ ਇਥੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਨਅਤ ਲਈ ਕੋਈ ਠੋਸ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਪੁਰਾਣੀ ਲਗੀ ਹੋਈ ਸਨਅਤ ਹੀ ਵਧ ਸਕੇਗੀ ਅਤੇ ਨਵੀਂ ਕੋਈ ਸਨਅਤ ਨਹੀਂ ਉਭਰ ਸਕੇਗੀ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿਛਲੇ 10 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪਬਲਿਕ ਤੇ ਪਰਾਈਵੇਟ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ ਮਿਲਾਕੇ ਕੁਲ 125 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਸਨਅਤ ਤੇ ਲਗਿਆ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਬੰਗਾਲ ਵਿਚ ਇਕੋ ਕਾਰਖਾਨਾ ਦੁਰਗਾਪੁਰ ਤੇ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਲਗਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਫ ਜ਼ਾਹਰ ਹੈ ਕਿ ਦੋਹਾਂ ਸੈਕਟਰਾਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਨਅਤ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੈ। ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਨਅਤ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਕੋਈ ਵੀ ਸਨਅਤ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦੀ। ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਨਅਤ ਬੜੀ ਅਹਿਮ ਸਨਅਤ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਤੇ ਬੜਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਵੀ ਅਸੀਂ ਆਤਮ ਨਿਰਭਰ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਮੰਗ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਲਦੀ ਘਟ ਹੈ। ਇਸ ਵਕਤ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਮੁਤਾਬਕ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਮੰਗ ਤੇ ਸਪਲਾਈ ਵਿਚ 102 ਮਿਲੀਅਨ ਕਿਲੋਵਾਟਸ ਦਾ ਫਰਕ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਫਰਕ ਜਾਰੀ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਚੌਥੇ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਇਹ ਫਰਕ 516 ਮਿਲੀਅਨ ਕਿਲੋਵਾਟਸ ਤਕ ਚਲਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਮੰਗ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਘੱਟ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। (ਇਸ ਸਮੇਂ ਪੰਡਤ ਚਿਰੰਜੀ ਲਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਪੈਨਲ ਆਫ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਚੇਅਰ ਤੇ ਬੈਠੇ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਲਈ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਬਹੁਤ ਸਾਧਨ ਮੌਜੂਦ ਹਨ ਅਤੇ ਇਥੇ ਅਟਾਮਕ ਪਾਵਰ ਸਟੇਸ਼ਨ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ ਲੇਕਨ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਬੁਨਿਆਦੀ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਐਨੀ ਕਮਜ਼ੋਰ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸੈਂਟਰ ਤੇ ਪੂਰਾ ਦਬਾ ਪਾ ਕੇ ਆਪਣਾ ਪੂਰਾ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੀ ਬਾਕੀ ਸਟੇਟਾਂ ਵਾਲੇ ਆਪਣੇ ਹਿਸੇ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਵਧ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਹੋ ਵਜਾਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡਾ ਪੰਜਾਬ ਸਾਰੇ ਸਾਧਨ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਵੀ ਸਨਅਤ ਵਿਚ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਨੂੰ ਵੀ ਕੋਈ ਖਾਸ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਹੋਈ ਜੰਗ ਵਿਚ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਜੋ ਪੈਸਾ ਡਿਫੈਂਸ ਫੰਡ ਵਿਚ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਉਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਜਿਤਨੇ ਬਾਕੀ ਦੇ ਸੂਬੇ ਹਨ ਉਹ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਸਿਰਫ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਹੀ ਲੜਾਈ ਸੀ। ਇਸ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਜਿਤਨੀ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ ਬਹਾਦਰੀ ਨਾਲ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀਆਂ ਸਰਹਦਾਂ ਦੀ ਰਾਖੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਇਹ ਸਾਡੀ ਕਮਜ਼ੋਰ ਸਰਕਾਰ ਜੋ ਸ਼ਾਇਦ ਇਸ ਲਈ ਕਮਜ਼ੋਰ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਰਹਿਮ ਤੇ ਹੈ ਐਸੇ ਵੇਲੇ ਵੀ ਨੁਕਸਾਨ ਵਿਚ ਸੈਂਟਰ ਨੂੰ ਹਿਸੇਦਾਰ ਨਹੀਂ ਬਣਾ ਸਕੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੁਕਸਾਨ ਲਈ ਆਪਣਾ ਪੂਰਾ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕੀ। ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਸੈਂਟਰ ਤੋਂ ਕੁਝ ਮੰਗਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਇਹ ਕਹਿਣ ਲਈ ਵੀ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਸਨਅਤੀ ਖਿੱਤਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਪੰਜਾਬ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੂੰ ਖੁਰਾਕ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇਕਰ ਇਸ ਨੂੰ ਹੜ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸੇਮ ਤੋਂ ਬਚਾਇਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਲਈ

[ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ]

ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਗਾਣ ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੇ ਜਾਣ। ਪਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਜੇਕਰ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਵੀ ਤੇ ਸਨਅਤੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵੀ ਵਧੇਗੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਰਾ ਦੇਸ਼ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਹੋ ਸਕੇਗਾ। ਲੇਕਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰ ਤੋਂ ਪੂਰਾ ਦਬਾ ਪਾ ਕੇ ਆਪਣਾ ਪੂਰਾ ਹਿਸਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਰਹੀ। ਚੌਥੇ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਸਨਅਤ ਲਈ 25 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਅਤੇ 23 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਖੁਦ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ ਲੇਕਨ ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਇਕੱਲਾ ਮਦਰਾਸ 600 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਸਨਅਤ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਉਥੇ ਹੀ ਪੈਸਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੈ। ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੀ ਸਨਅਤ ਦੀ ਬਹੁਤ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਬਾਕੀ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਔਜ਼ਾਰਾਂ ਦੇ ਕਾਰਖਾਨੇ ਵੀ ਲਗਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਸਤੇ ਟਰੈਕਟਰ ਤੇ ਔਜ਼ਾਰ ਮਿਲਣ ਤੇ ਉਹ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰ ਸਕਣ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਆਜ਼ਾਦੀ ਤੋਂ ਬਾਦ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਤੇ ਹਿੰਦੀ ਰਿਜਨ ਵਿਚ ਜਿਤਨਾ ਏਕਾ ਹੁਣ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਤਨਾ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਲੇਕਨ ਕੁਝ ਲੋਕ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਏਕੇ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਫੁਟ ਪਾ ਕੇ ਫਾਇਦਾ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪਣੇ ਹਿਸੇ ਦਾ ਪੂਰਾ ਪੈਸਾ ਸੈਂਟਰ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਹਰਿਆਣਾ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਤੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਲੇਕਨ ਸਰਕਾਰ ਕੰਮਜ਼ੋਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਸਾਨੂੰ ਉਹ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਸਾਡੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮੰਨੇਗਾ ਜਦੋਂ ਤਕ ਸਾਡੀ ਇਹ ਵਜ਼ਾਰਤ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਖੜ੍ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਸਤਕਾਰੀ ਖੋਲ੍ਹੀ ਜਾਵੇ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਅੰਦਰ ਜਿੰਨਾ ਵੀ ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸਦਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਹਿਸਾ ਦੂਜੀਆਂ ਸਟੇਟਾਂ ਵਾਲੇ ਲੁਟ ਕੇ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਪਛੜਦਾ ਰਿਹਾ। ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੋਈ ਵੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਖੋਲ੍ਹੀ ਨਹੀਂ ਗਈ। ਪਹਾੜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸੀਮੈਂਟ ਵਾਸਤੇ ਪੱਥਰ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਪੱਥਰ ਨੂੰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਪੰਜੌਰ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬੜੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਥੋਂ ਵੀ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਬਾਹਰ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪੱਥਰ ਪੀਸਣ ਲਈ ਉਥੇ ਸਨਅਤ ਖੋਲ੍ਹੀ ਜਾਵੇ। ਉਥੇ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ ਕਾਰਖਾਨਾ ਖੋਲ੍ਹਣ ਦੀ ਗਲ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਨਹੀਂ ਇਹ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ ਕਾਰਖਾਨਾ ਖੁਲ੍ਹੇਗਾ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਬਟਾਲੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਿਹੜੀ ਸਨਅਤ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਉਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕੋਈ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਹਿੰਮਤ ਦੇ ਨਾਲ ਉਥੇ ਸਨਅਤ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜਾਂ ਦੂਜੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਿਹੜੀ ਛੋਟੀ ਛੋਟੀ ਦਸਤਕਾਰੀ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਕੰਮ ਛਡ ਕੇ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਤਰਫ ਭਜ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਬੜੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਖੋਲ੍ਹੀ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦੀ ਛੋਟੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਨੇ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਨੂੰ 1857 ਦੇ ਗ਼ਦਰ ਦੇ ਕਾਰਨ ਸਜ਼ਾ ਦੇ ਕੇ ਬੈਕਵਰਡ ਬਣਾ ਦਿਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਮਜ਼ੋਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਸ ਦੇ ਤਿੰਨ ਹਿੱਸੇ ਬਣਾ ਦਿਤੇ। ਕੁਝ ਹਿੱਸਾ ਰਾਜਸਥਾਨ ਵਿਚ ਮਿਲਾ ਦਿਤਾ। ਕੁਝ ਹਿੱਸਾ ਯੂ. ਪੀ. ਦੇ ਹੱਥ ਦੇ ਦਿਤਾ। ਇਹ ਇਲਾਕਾ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨ ਦੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਰਖਦਾ। ਇਸ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨਾਲ ਸਿਆਸੀ ਫਾਇਦੇ ਦੇ ਕਾਰਨ ਹੀ ਮਿਲਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰਿਆਣੇ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਤਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਡੀਵੈਲਪ-ਮੈਂਟ ਤਦੇ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਗਰ ਇਸ ਨੂੰ ਅਲਹਿਦਾ ਸੂਬਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਅਗਰ ਅਲਹਿਦਾ ਸੂਬਾ ਬਣ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮਤ ਭੇਦ ਵੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ਤੇ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਰਸਤੇ ਵੀ ਖੁਲ੍ਹ ਜਾਣਗੇ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਆਪਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

**कामरेड राम चन्द्** (नूरपुर): चेयरमैन साहिब, आज का जो मसला है, उसे क्लाउड करने की कोशिश की गई है। मैं बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं ताकि इस में कोई शक न रह जाए हम चाहते हैं कि पंजाब के अन्दर बड़ी इंडस्ट्री लगाई जाए और इसी प्रकार हम चाहते हैं कि यहां पर एटौमिक इनर्जी का कारखाना खोला जाए लेकिन ऐसा कोई भी कारखाना यहां पर खोला नहीं गया। मगर इस वक्त हमारे सामने यह सवाल है कि कांगड़ा और हरियाणा के लोग बहुत ही पिछड़े हुए हैं। इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस से कांगड़ा ज़िला के अन्दर जज़बात पैदा हो गए हैं और कांगड़ा के लोग महसूस करते हैं कि हमारे साथ जिस तरह का सलूक किया जा रहा है और जिस तरह हमें सियासी मुफाद के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है वह गुलामों से भी बदतर हैं। कांगरेस का राज १६, १७ सालों से है। लेकिन जहां तक कांगड़ा ज़िला की डिवैलपमैंट का सवाल है, उस के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं कि उस की हालत को सुधारने के लिए कम ही ध्यान दिया है। इन चीजों को देखते हुए हमें मायूसी ही हुई है। चेयरमैन साहिब, मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि मुल्क की सब से ज़्यादा ज़रूरत यह है कि

We should have a good Government. We should have a just Government. We should have an honest Government. We should have a non-corruptible Government.

अगर यह चीज नहीं है तो लोगों को क्या कहा जा सकता है। मैं इस हाउस का मेम्बर 14-15 साल से लगातार चला आया हूं। यहां पर कहा जाता है कि कांगड़ा जिला के लिए फलां फलां स्कीमें बनाई गई लेकिन मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि कांगड़ा जिला की डिवैलपमेंट के लिए सही तौर पर कोई कदम नहीं उठाए गए और लोगों की हालत को सुधारने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की गई। मैंने जिला कांगड़ा की डिवैलपमेंट का ब्योरा जानने के लिए सवाल किया था। उस का जवाब सरकार की तरफ से आया कि पहली दो पंच वर्षीय योजनाओं के अन्दर कांगड़ा जिले में किसी तरह की इंडस्ट्रीज स्थापित या जारी करने का सवाल ही नहीं हुआ। वहां तीसरी पंच वर्षीय योजना के समय में कुछ स्कीमें बनाई गई लेकिन उन स्कीमों को लागू करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। सीमेंट की फैक्ट्री के बारे में कहा जाता रहा लेकिन उस का भी कुछ पता नहीं। इसी तरह से कांगड़ा जिला

[ कामरेड राम चन्द्र ]

के अन्दर कागज का कारखाना लगाने की बातें होती रहीं लेकिन बाद में शायद नंगल के नज़दीक खोलने की बात हो रही है । वह कारखाना भी प्राइवेट सैक्टर में खोला जा रहा है । पहले तो हमें शिकायत है कि उसे जिला कांगड़ा से बाहर खोला जा रहा है क्योंकि सरकार पहले कुछ कहती है और जब खोलने की बात आती है तो कांगड़ा से बाहर खोल दिया जाता है । कांगड़ा ज़िला का रकबा लगभग 6 हजार मुरब्बा मील है । कांगड़ा जिला एरिया की निस्बत से सब से बड़ा जिला है । लेकिन उस को हालत को सुधारने के लिए कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । तालीम के मसले को ही ले लीजिए । कांगड़ा इतना बड़ा जिला है लेकिन सारे जिले के अन्दर एक कालिज है । उस कालिज की हालत यह है कि वहां पर एम. एस. सी. की कलासें भी जारी नहीं की जातीं । कहा जाता है कि यह क्लासें वहां पर खोली नहीं जा सकतीं, एम. ए. तथा एम. एस. सी. की क्लासें वहां पर खोली जाती हैं जहां पर यूनिवर्सिटी हो । अगर कांगड़ा के बच्चों ने एम. ए. या एम. एस. सी. की शिक्षा प्राप्त करनी हो तो उन्हें बाहिर जा कर ही प्राप्त करनी पड़ती है । हम ने बार बार सरकार से प्रार्थना की कि वहां पर एम. एस. सी. ज्यालोजी की क्लासें जारी करें लेकिन आज तक वहां पर यह क्लासें जारी नहीं कीं । हमें सरकार से कोई उम्मीद भी नहीं है कि निकट भविष्य में यह क्लासें वहां पर जारी कर दें । यही वजह है कि कांगड़ा के लोग समझ रहे हैं कि सरकार उन की डिवैलपमेंट के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है । वह आवाज उठा रहे हैं कि हमें पंजाब से अलग कर दिया जाए और हिमाचल प्रदेश में मिला दिया जाए ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ:** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਅਜ ਬਹੁਤ ਅਹਿਮ ਮਸਲਾ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜ਼ੇਰੇ ਬਹਿਸ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਬਹੁਤ ਅਫਸੋਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਚਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਬਾਰੇ ਕਿੰਨੀ ਹਮਦਰਦੀ ਰਖਦੀ ਹੈ। ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਥੇ ਮੌਜੂਦ ਹਨ। ਉਹ ਤਾਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੈਠੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਰੀਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

**Mr. Chairman** (Pandit Chiranji Lal Sharma) : The Chief Parliamentary Secretary has been representing the Government on earlier occasions also.

**कामरेड राम चन्द्र** : चेयरमैन साहिब, कांगड़ा जिला की डिवैलपमेंट के लिए कोई काम नहीं हो रहा है । कांगड़ा जिला के अन्दर सड़कें बहुत कम हैं । वहां पर लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। बहुआ लोगों को पीने के लिए पानी 3, 4 मीलों से लाना पड़ता है । जो सरकार लोगों को पानी पीने के साधन मुहैया नहीं कर सकती है तो और वहां की बेहतरी क्या कर सकती है । अगर वहां पर हाल में बारिश न होती तो वहां के लोग सोच रहे थे कि वह अपने पशुओं को खुले

छोड़ दें क्योंकि वह उन को पीने का पानी मुहैया नहीं कर सकते थे और उन को घास भी नहीं दे सकते । जब वहां के लोगों को अपने पीने के पानी की समस्या है तो वह पशुओं को पीने का पानी कहां से ला सकते हैं । मैं यह कांगड़ा जिला के लोगों की आवाज हाउस में रख रहा हूं । वह समझते हैं कि उन की डिवैल्पमेंट पंजाब के साथ रहने से नहीं हो सकती है । उन की यह मुतफिका और मुतहिद्दा राए है कि उन्हें हिमाचल प्रदेश के साथ मिला दिया जाए । मैं उन की हाउस में नुमायंदगी करता हूं । इस समय सवाल उठ रहा है कि पंजाबी सूबा बनाया जाए । इस के बारे में मैं अर्ज करना चाहता हूं कि हमें उस से कोई सम्बन्ध नहीं है लेकिन पहाड़ी इलाके के लोगों को हिमाचल प्रदेश के साथ मिला दिया जाए । हमारा रहन सहन हमारे रीति रिवाज, हमारी विवाह शादियों के रसम रिवाज हिमाचल प्रदेश के साथ मिलते हैं । हमारी बोली भी एक ही है । हमें तो सिर्फ सियासी फायदा उठाने के लिए उन से अलग कर रखा हुआ है । कांगड़ा जिले का कुछ इलाका-जैसा कि कुलू पंजाब के अन्दर है मगर कुल्लू और बैजनाथ के बीच हिमाचल प्रदेश का इलाका है । कुछ इलाका पंजाब का आता है और उस के बाद मंडी स्टेट आती है जो कि हिमाचल प्रदेश के साथ हैं और उस के आगे फिर पंजाब का इलाका आता है । यह अब नैचुरल हदबन्दी है । हमें तो सियासी मुफाद उठाने के लिए अलग कर रखा हुआ है । ताकि हम अपनी तरक्की के लिए और डिवैल्पमेंट के लिए फुल प्रेशर सरकार पर न डाल सकें । आज यह कहा जाए कि कांगड़े के लिये कुछ ज्यादा रकम रखी जा रही है तो मैं अर्ज करना चाहता हूं कि मुझे यकीन हो गया है पिछली तीन पांच साला प्लान्ज़ की इम्पलीमेंटेशन को देख कर कि मौजूदा भाईचारा में रह कर कांगड़ा की डिवैल्पमेंट नहीं हो सकती । इस की डिवैल्पमेंट तभी हो सकती है अगर कांगड़े को हिमाचल प्रदेश में मिला दिया जाए, उस में कुल्लू को मिला दिया जाए और लाहोल स्पीती को भी मिला दिया जाए और इस पहाड़ी इलाके का एक फुल फलैज्ड पहाड़ी प्रदेश बना दिया जाए । (आपोजिशन की तरफ से तालियां) मैं जोश नहीं पैदा करना चाहता, लेकिन मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि कांगड़ा जिला फौजी खिदमात में अव्वल नम्बर पर रहा है । जब चीन के साथ लड़ाई हुई तो कांगड़े वालों ने जो कुरबानियां दीं और जो वे लोग शहीद हुए उन की तादाद टाप पर थी । अब भी जो लड़ाई पाकिस्तान से हुई तो कांगड़े के शहीद होने वालों ने हिन्दोस्तान भर में टाप किया है । हमें फखर है कि हम हिन्दोस्तान के बाशिन्दे हैं और हिन्दोस्तान की रक्षा की लड़ाई में लड़ते रहे हैं । लेकिन मैं यकीन दिला देना चाहता हूं कि अगर हमारे साथ इन्साफ न हुआ तो जो आदमी हिन्दोस्तान के दुश्मन से लड़ सकता है वह हिन्दोस्तान में अपने हकूक को हासिल करने के लिए भी लड़ सकता है । मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि नाराजगी का जजबा एम. एल. एज. में नहीं है, देहात में ज्यादा है । बल्कि देहात वाले हम पर ज्यादा प्रेशर डालते हैं कि आप लोग ऐसे पंजाब के साथ क्यों रहते हो जहां पर हमारी तरक्की की कोशिश नहीं होती, उल्टी कोशिश होती है कि किसी तरह से पहाड़ के लोगों को आपस में लड़ा

[कामरेड राम चन्द्र ]

दिया जाए और जनता की तरक्की की तरफ कोई ध्यान न दे सकें । मैं सच्चर साहिब की इज्ज़त करता हूं । जितनी देर उन की हकूमत रही बड़ी अच्छी रही, उस हकूमत का अपना म्यार था, स्टेंडर्ड था । लेकिन उस वक्त भी जब उन के साथ बातचीत होती तो वह कहते सब मैम्बर अपने अपने इलाके की डिवैलपमेंट के लिये स्कीम्ज़ बना कर दे दो तो मैं ने उन से कहा कि आप क्या करते हैं । जहां पर पहले से ही कालिज हैं, स्कूल हैं, हस्पताल हैं और सड़कें हैं गोया कि हर प्रकार की तरक्की हुई है और इस के बरअक्स जहां पर कोई आदमी भी पढ़ा नहीं है कोई स्कूल नहीं है कोई कालिज नहीं है आप दोनों इलाकों के लोगों को कहते हैं कि स्कीमें बना कर दे दो यह क्या बात हुई, यह कहां का इन्साफ है ? चूंकि हमारा प्रैशर नहीं था इस लिये उन जैसा इन्साफ पसन्द आदमी भी कांगड़े की तरक्की न कर सका । केवल ऐसा कह देना कि दस स्कूल खोल दिये हैं भला उस से क्या बनता है । हमारा पहाड़ी इलाका है । रास्ते कटे-फटे हैं, आबादी भी ऐसी है कि स्कूलों की ज्यादा तादाद को ज़रूरत है, हस्पतालों की भी ज्यादा तादाद में ज़रूरत है और सड़कें भी ज्यादा तादाद में बनाने की जरूरत है । बाकी दुनिया से अलग होने की वजह से, रास्ते कटे फटे होने और दुशवारगुजार होने के कारण बाकी दुनिया के बारे में पता नहीं लगता । अगर सड़कों के द्वारा बाकी मुल्क के साथ हमारे इलाके को जोड़ दिया जाए और हमारे इलाके को अन्दरूनी तौर पर भी आपस में सड़कों के ज़रिये से जोड़ दिया जाए तो भी फायदा होगा । एक तो दूसरों को देख कर हमारे लोगों को तरक्की करने का मौका मिलेगा और आपस में भी एक दूसरे से मिलेंगे तो शायद अपनी मांगों को बेहतर तौर पर और मुअस्सर तौर पर पेश कर सकेंगे । लेकिन इस तरफ कुछ ध्यान नहीं दिया जाता । मैं जानता हूं कि मेरे दोस्त कहेंगे कि अब हम सड़कें बना रहे हैं । मैं उन से यह कहना चाहता हूं कि आप सड़कें वहां पर बना रहे हैं जहां पर आप को चीन ने मजबूर किया है । आप सड़कें वहां बना रहे हैं जहां पर आप को पाकिस्तान ने मजबूर किया है । हमारी जरूरियात को महसूस कर के सड़कें नहीं बनाई जा रहीं । जहां पर आप सड़कें बनाएंगे हम फिर भी सहयोग देंगे, पूरी तरह से कोआप्रेट करेंगे लेकिन इस से खास कांगड़े का भला नहीं होता है । कांगड़े के इंटर्नल इलाके में सड़कें बनाई जानी चाहियें । इस वक्त तो कांगड़े को एक तरह की कालोनी बनाया जा रहा है । वहां पंजाब के तमाम लोग चले जाते हैं, वजीर जाते हैं, बड़े बड़े अफसर चले जाते हैं और वहां जा कर जमीनें खरीद लेते हैं । कुल्लू को भी नौ आबादी बनाने की कोशिश की गई है और इस के खिलाफ वहां पर आवाज़ उठाई जा रही है । वहां पर जो डिप्टी कमिश्नर भेजे जाते हैं वे लोगों को दबा कर उन से जमीनें खरीद लेते हैं । अगर आप तहकीकात करें तो देखेंगे कि बाहर से तो लोग दबे हुए हैं लेकिन अन्दर उन के दिलों में गुस्से भरे हुए हैं । डेढ़ दो साल का अर्सा हुआ वहां पर कामरेड राम किशन जी गए थे । उन के सामने हम ने तमाम चीजें रखी थीं । लेकिन हमारी गवर्नमेंट भी कमजोर है और यहां पर भी यही कहावत आयद होती है कि जिस की लाठी उसी की भैंस । जोर वाले की

बात पब्लिक में भी चलती है और गवर्नमेंट में भी चलती है । जोर वाले लोग हर जगह पर अपनी बात मनवा लेते हैं । हमारे लोग अभी तक न ज्यादा पढ़ सके हैं, न ज्यादा लिखना जानते हैं और न ही ज्यादा महज्जब हैं । इलाकों में रास्तों की दुशवारगुजारियों के कारण आसानी से एक दूसरे के साथ मिल भी नहीं सकते, सलाह मशिवरा भी नहीं कर सकते । इसी लिये मजमूई तरक्की के लिये अपने आप को इस तरह से आर्गेनाईज नहीं कर सके कि आवाज बुलंद कर के गवर्नमेंट को मुतासिर कर सकें । आज हम चाहे बेआवाज हैं लेकिन कल हम बेआवाज नहीं रहेंगे । जो मायूसी कांगड़े के और दूसरे पहाड़ी लोगों में है उस का अन्दाजा लगाना नामुमकिन है । इस मायूसी के नतायज अच्छे नहीं निकलेंगे । हम देश के वफादार हैं, इस का नाजायज फायदा नहीं उठाया जाना चाहिये । हम देश के दुश्मन के साथ लड़ सकते हैं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि हम ने अब फैसला कर लिया है कि हम अपने हकूक के लिये भी लड़ेंगे । मुझे हैरानी होती है, आप कहते हैं कि यहां पर मैडिकल कालिज खोल दिया है, एक नया इन्स्टीच्यूट खोल दिया है और उस का एक्सपेंडिचर अनब्रेकेबल है । दो तरह के एक्सपेंडिचर हैं, एक डिविजीबल और दूसरा अनडिविजीबल । जब चन्डीगढ़ में कोई रिसर्च इन्सटीच्यूट या मैडिकल इन्स्टीच्यूट खोलते हैं तो कहते हैं कि उस का एक्सपेंडिचर अनब्रेकेबल है सारे के सारे पंजाब पर पड़ेगा और कांगड़े में जब कोई इन्स्टीच्यूट खोला जाता है तो कहा जाता है कि उस का खर्च ब्रेकेबल है । हम कहते हैं कि अनब्रेकेबल एक्सपेंडिचर वाली संस्थाएं आप कांगड़े और नूरपूर में क्यों नहीं खोलते तो कोई सुनता नहीं है । तमाम एक्सपेंडिचर को सेंट्रेलाईज किया जा रहा है ।

पंजाब की वजारत क्या है ? वजारत में एक जिले की तीन नुमाइन्दे हैं, दूसरे दो चार जिलों के दो दो, नुमाइन्दे हैं, कुल 17 जिलों में से पांच जिलों के नुमाइंदे पंजाब वजारत में हैं, बाकी जिलों की कोई नुमाइंदगी नहीं है । मैंने सवाल किया कि वजीर साहिबान के दौरे के मुताल्लिक बताया जाए कि हर जिले में कितना दौरा कर के आए हैं । सवाल के जवाब से जाहिर होता था कि वजीरों ने ज्यादा दौरे पहले अपने हल्कों में लगाए हैं और वकत बचा तो उन्होंने अपने जिले में दौरा किया अगर फिर भी कुछ वक्त मिला तो वह बाकी के जिलों को दौरे के लिये दिया गया, क्या यह शर्म की बात नहीं है कि कांगड़ा जिला के लोगों ने लड़ाई में सब से ज्यादा कुरबानी की, सब से ज्यादा लोग वहां के शहीद हुए लेकिन उन के पसमांदगान से कोई वज़ीर हमदर्दी तक जाहिर करने के लिए नहीं जा सकता ? जब उन से पूछते हैं तो कहते हैं कि हम तो अपनी कांस्टीच्यूएंसी में दौरा करने के लिये जाते हैं जब इसी तरह से वजारत ने चलना है, इसी तरह से वजीरों ने दौरे करने हैं तो ऐसी सरकार पर हमारा क्या एतमाद हो सकता है ? ऐसी मिनिस्टरी में पब्लिक का कोई एतमाद नहीं हो सकता । जहां दूसरी जगहों पर कांगड़े वालों के साथ बेइन्साफी की जाती है वहां सर्विसिज में भी यही हाल है । चैयरमैन साहिब, कल मैं दिल्ली में था । वहां मैं एक मिनिस्टर को मिलने के लिये गया । वहां पर एक चपड़ासी

[कामरेड राम चन्द्र]

था वह कांगड़ा का रहने वाला था कांगड़े वालों के लिये दो इंडस्ट्रीज़ हैं, या तो चपड़ासी बना कर भेज देते हैं और या बरतन मांजने का काम देते हैं । और उन का कोई रोजगार नहीं है और न ही उन की किसी प्रकार की कोई तरक्की हुई है । वह चपड़ासी मुझ से कहने लगा कि कामरेड साहिब आप लोगों के एम. एल. ए. होने का क्या फायदा है । आप तकरीरें झाड़ जाते हैं, कहते हैं कि कांग्रेस बड़ी अच्छी है । हमारे गांव में तो कोई सड़क भी नहीं है । आप को अगले इलैक्शन्ज़ में बताएंगे कि क्या भाव बिकती है ? आप लोग जबानी बातें कर जाते हैं लेकिन अपने इलाके को कोई मांग भी नहीं मनवा सके, आप को एम. एल. ए. बनवा कर भेजने का हमें क्या फायदा है ? तो अनपढ़ लोग भी यह महसूस कर रहे हैं । जब वे चण्डीगढ़ में आते हैं, जब वे दिल्ली जाते हैं और जब वह जालन्धर वगैरा जगहों पर जाते है तो देखते है कि हर जगह पर इतनी रोशनी है, इतनी तरक्की और इस कदर डिवैल्पमेंट हुई है और हो रही है तो वे हैरान होते हैं और सोचते हैं कि हमारे यहां तो कुछ भी नहीं है । इसलिये वहां के लोगों में बिटरनैस भी है, ऐंगुइश भी है और वह इस बात के लिए बेताब हैं कि वक्त आ गया है कि हमें इस चीज के लिए लड़ना ही होगा । कहा यह जाता है कि अगर इस इलाके को हिमाचल के साथ मिला कर अलग स्टेट बना दिया गया तो यह यूनिट वायबल नहीं होगा, सैल्फ रिलायंट नहीं होगा, सैल्फ-सफीशैंट नहीं होगा। मैं तो यह समझता हूं कि यह एक बिल्कुल बोदी दलील है । खुद हिन्दुस्तान कहा सेल्फसफीशैंट है ? अपनी जरूरियात को पूरा करने के लिए सारी दुनिया से पैसा लिया जा रहा है और अगर देश के लिए दूसरे मुल्कों से पैसा ले सकते है तो क्या कांगड़ा के लिये उसमें से हिस्सा नहीं दिया जा सकता ? मुझे तो याद आता है कि एक स्थान पर एक महापुरुष ने लिखा है :—

"How long, How long, O' Lord ? It is intolerable now."

तो हमारी हालत भी अब नाकाबले बरदाश्त हो गई है । मुलाजमतों में भी हमारे पढ़े लिखे आदमी नहीं लिए जाते ।

**सरदार गुरचरण सिंह** : तेग उठाओ, तेग ।

**कामरेड राम चन्द्र** : हमारे पढ़े लिखे आदमियों को मुलाजमतों में कोई जगह नहीं दी जाती ।

**Mr. Chairman** : Will the hon. Member kindly try to wind up ?

**कामरेड राम चन्द्र** : मुझे तो, चेयरमैन साहिब, आप जिस वक्त हुक्म देंगे बैठ जाऊंगा । सिर्फ एक बात और कहना चाहता हूं । वजारत की बावत मैंने बताया कि हालांकि कांगड़ा जिला के सारे के सारे एम.एल.एज. कांग्रेसी है लेकिन उन में से किसी को वजारत में नहीं लिया गया । This conduct of the Ministers does not command confidence amongst the people of Kangra District.

मैं मानता हूं कि कांगड़ा के एम.एल.एज़.बेशक चुप रहें क्योंकि अगर बोलेंगे तो शायद अगली इलैक्शनों में उन को टिकट न मिले और वह असेम्बली में न आ सकें लेकिन मैं इस मौके पर साफ तौर पर बता देना चाहता हूं कि कांगड़ा के लोग अब चुप नहीं रहेंगे । हालात अब नाकाबले बरदाश्त हो चुके हैं और सब्र की भी आखिर कोई हद होती है । हां, तो मैं सर्विसिज़ की बाबत अर्ज़ कर रहा था आप देखें कि पब्लिक सर्विस कमिशन में कांगड़ा की कोई नुमाइन्दगी नहीं है । जहां तक सबार्डीनेट सर्विसिज़ सिलेक्शन बोर्ड का ताल्लुक है उसमें भी कांगड़ा का कोई नुमाइन्दा नहीं है। आप कोई भी डिवैपलमेंट का अदारा बताएं जहां पर कांगड़ा को कुछ नुमाइन्दगी मिली हुई हो । यही नहीं, बल्कि हालात यहां तक पहुंच चुके हैं कि ज़िला कांगड़ा में अफसर भी वह चुन चुन कर भेजे जाते हैं जिन को एक तरह से सज़ा देनी होती हो । जिन को सजा देनी हो उन को वहां पर तैनात किया जाता है और वह लोग आम तौर पर ऐसे आदमी होते हैं जो निहायत एग्रेसिव होते हैं, जो गलत बातें करते हैं और उन में अक्सर ऐसे आदमी होते हैं जो कि हर लिहाज़ से नाजायज़ बातें करते हैं । मौजूदा डिप्टी कमिश्नर के मुतअल्लिक मैं कहना चाहता हूं। वह न्यायशील नहीं और प्रयत्नशील भी नहीं है । इस से पहिले भी शिकायत की गई । वुज़रा साहिबान को भी कहा गया । मगर इस का उचित नोटिस नहीं लिया गया लड़ाई में हमारी ऐडमिनिस्ट्रेशन एक तरह से फेल हुई है । बेशक वह आई. ए.एस. अफसर है लेकिन इन आई. ए.एस. अफसरों को पता ही नहीं कि किस वक्त पर क्या करना है । लोग सिर्फ इस लिये नहीं लड़े कि कामरेड राम किशन की वहां पर उन के सामने तकरीरें जाती थीं या डिप्टी कमिश्नर सरगरम था , लोग इस लिये लड़े हैं क्योंकि उन को देश के लिए प्यार था और उन के दिल में वलवला यह था कि गवर्नमेंट चाहे कुछ करती है या नहीं करती लेकिन हरेक आदमी को देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को आहुति देनी है, देश के लिए उन्हें लड़ना है और मरना है । वह देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुरबान कर देने के लिए बेसब्र हो रहे थे । लेकिन वहां की ऐडमिनिस्ट्रेशन नें उन के साथ क्या किया ? मैंने नूरपूर के ऐस.डी.ओ. को कहा कि हमें गांव गांव जाकर लोगों के साथ बातचीत करके प्रोग्राम बनाना चाहिए । लेकिन निहायत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि वह अपनी जगह पर ही बैठा रहा । मैं बीस बाईस दिन, जितने दिन कि यह पाकिस्तान के साथ लड़ाई होती रही, वहां पर रहा लेकिन ऐस.डी. ओ. की जुर्रत नहीं होती थी कि वह मेरे साथ चलता या मेरे साथ बात भी करता । लेकिन जब चन्दे की बात होती है तो लोगों से चन्दा ज़बरदस्ती इकट्ठा किया जाता है । यह शर्म की वात है कि जिस ज़िला ने सब से ज़्यादा कुर्बानी दी हो, जिस ज़िला से सब से ज़्यादा लोग शहीद हुए हों, जिस ज़िला ने फौज में सब से बढ़ चढ़ कर भर्ती दी हो, उस जिला में चन्दा इकट्ठा करने के लिए दबाव डाला जाए ।

चेयरमैन साहिब, पिछली मरतबा चीफ मिनिस्टर साहिब जब धर्मशाला गए थे तो उन को बताया गया था कि वहां का ऐस. डी.ओ. एक बद दिमाग आदमी है ।

[कामरेड राम चन्द्र]

इसी तरह से देहरा और नूरपूर के एस. डी. ओ. निनकम्पूप है । ठीक है कि आई. ए. एस. का इम्तिहान उन्होंने पास किया है लेकिन सिर्फ इम्तिहान पास करने से तो कोई अच्छा ऐडमिनिस्ट्रेटर नहीं बन जाता..........

**श्री बलरामजी दास टंडन** : यह निनकम्पूप क्या है ? (हंसी)

**कामरेड राम चन्द्र** : आप को सब कुछ पता है (घंटी) चेयरमैन साहिब, आप का हुक्म है तो मैं यहीं पर बस कर देता हूं ।

**Mr. Chairman** (Pandit Chiranji Lal Sharma) : Comrade Jee, I am bound by the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly. Please see Rule 200 of these Rules, according to which no speach on a resolution shall ordinarily exceed fifteen minutes in duration. Therefore, please finish your speech.

**कामरेड राम चन्द्र** : बस अभी आधे मिनट में खत्म कर देता हूं । लेकिन बैठनें से पहले इतना जरूर बता देना चाहता हूं कि इस वक्त जिला कांगड़ा के लोग हाईली डिस्सैटिस्फाइड हैं । जितने वह डिस्सैटिस्फाइड हैं शायद उतना कोई नहीं । जैसे तीसरी पांच साला प्लान में आप ने उस जिला के लिए कई चीज़ों को रखा था लेकिन उन को लागू बिल्कुल नहीं किया उसी तरह से कहा जा सकता है कि चौथे प्लान में भी हमारे जिले के साथ यही हालत होगी । अगर कुछ प्रोवीजन रखा भी गया तो उस पर अमल नहीं होगा । इस लिए कांगड़ा के लोग चाहते हैं कि हमें हिमाचल के साथ मिला दिया जाए ।

**चौधरी राम सरूप** (साम्पला): चेयरमैन साहिब, सब से पहले तो मैं टंडन साहिब का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने यह जो रैजोल्यूशन मूव किया है, कम अज कम उन की सिम्पथी, लिप सिम्पथी तो है हमारे साथ........

**श्री बलरामजी दास टण्डन** : सिम्पथी से उठकर लिप सिम्पथी पर आ गए ?

**चौधरी राम सरूप** : सिम्पथी नहीं, यह तो लिप सिम्पथी ही है ।

(उपाध्यक्षा ने कुर्सी ग्रहण की। )

उन्होंने जो रेजोल्यूशन पेश किया वह बहुत अच्छा है । वह मुझ से पूछते है कि मैंने "लिप सिम्पथी" क्यों कहा है । उन्होंने जो कुछ कहा, वह तो मैंने पढ़ा नहीं लेकिन जो कुछ मुझे मालूम हुआ है, उन्होंने कहा है कि बजट में साठ फी सदी रूपया पहाड़ी और हरियाणा के इलाके के लिए रखा जाए । मैं कहता हूं कि बजट तो सारा बन गया, कैबिनेट में पास हो गया और जो होना था वह तो सब कुछ हो गया और टंडन साहिब को अब होश आया कि इस तरह के रेज़ोल्यूशन को यहां पर हाउस में मूव किया जाए ताकि वह हमारे ऊपर एहसान कर सकें । डिप्टी स्पीकर साहिबा, गरीब आदमी हर एक का ममनून होता है । अगर मैं उन का इस के लिए शुक्रिया अदा करूं तो कम अज कम वह यह तो नहीं कहेंगे कि हम नाशूकरे हैं । गरीब आदमी हरेक से दबता है और जो मैं उन का शुक्रिया

अदा करता हूं वह भी दब कर कर रहा हूं क्योंकि हम गरीब है और एक गरीब आदमी, कमज़ोर आदमी हर आदमी की हमदर्दी हासिल करना चाहता है। उन को मालूम है कि गवर्नमेंट हरियाणा के साथ किस कदर बेइन्साफी करती आ रही है । ठीक है कि इसके लिए एक कमेटी मुकर्रर हो चुकी है, उसकी रिपोर्ट भी आ चुकी है लेकिन जहां तक मेरा ख्याल है उस पर भी कोई अमल होने वाला नहीं है और न ही जो टंडन साहिब का रेजोल्यूशन है उस पर अमल होने वाला है । इस का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि यह तो आऊट आफ डेट है क्योंकि, जैसा कि मैंने शुरू में कहा है, बजट वगैरा तो अगले साल का सब कुछ तैयार हो चुका हुआ है । अगर टंडन साहिब की वाकई हमारे साथ कोई हमदर्दी है और जैसा कि आप को मालूम है कि हमारे साथ किस हद तक बेइन्साफी हुई है तो उन्हें चाहिए कि वह खुले मैदान हमारा साथ दें । अभी अभी जिला कांगड़ा की तरफ से धमकी दी गई कि अगर हमारे साथ ऐसा सलूक जारी रहा तो हम कुछ न कुछ ऐजीटेशन करेंगे । उसी तरह से टंडन साहिब से, जिन्होंने इस रैजोल्यूशन को पेश करके हमारा शुक्रिया लिया है, कहूंगा कि गवर्नमेंट ने तो इस रैजोल्यूशन पर अमल करना नहीं है तो रिजल्ट क्या होगा ? हमें भी एजीटेशन शुरू करनी पड़ेगी । हम देखेंगे कि टंडन साहिब ने हमारे लिए यह रैजोल्यूशन पेश किया है वह जब हम ऐजीटेशन करेंगे, उस वक्त हमारा साथ देते हैं या नहीं देते । अगर वह उस वक्त भी हमारा साथ देते हैं तो हम उन का डबल शुक्रिया अदा करेंगे और अगर उस वक्त साथ नहीं देते तो बात साफ हो जाएगी । डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप को पता ही है कि डिमांडज मनवाने की बाबत गवर्नमेंट की पालिसी क्या है । उसकी सदा यही पालिसी रही है वह किसी को कोई चीज नहीं देती किसी की कोई बात नहीं मानती जब तक कि लोग उसके लिए ऐजीटेशन न करें । तकरीरें करने को तो सभी कर देंगे कि मैं यह हूं वह हूं, यह कर दूंगा वह कर दूंगा । लेकिन कमजोर आदमी की आवाज सुनता कौन है ? उस पर यकीन कौन करता है ? गवर्नमेंट को उसकी बात पर तब तक यकीन नहीं आएगा जब तक कि वह ऐजीटेशन नहीं करेगा । वह समझते हैं कि इन को हम ने आज तक आजमाया हुआ है, यह धमकियां ही देते हैं, करते तो कुछ है नहीं । इस लिए हमारी बातों का कोई असर नहीं होता और असर तब तक नहीं होगा जब तक हम उन को पूरी तरह से अपनी मजबूती नहीं दिखा देते । और टंडन साहिब की बातों पर हम तब विश्वास करेंगे जब कि हम ऐजोटेशन शुरू करें और वह हमारा साथ देंगे ।

**श्री बलराम जी दास टण्डन** : जरूर देंगे ।

**चौधरी राम सरूप** : बड़ी मेहरबानी आपकी, डबल शुक्रिया । हां, तो मैं अर्ज यह कर रहा था कि हरियाना के साथ बड़ी बेइन्साफी हुई है । यहां पर मिनिस्टर और तो कोई मौजूद है नहीं सिवाय प्रबोध जी के. . . . . . . . .

**उपाध्यक्षा** : आप के रोहतक के तो तीन वज़ीर हैं। क्या आप को भी शिकायत है ? (Three of his Ministers hail from Rohtak. Does the hon. Member also complain on this account ?)

**चौधरी राम सरूप** : किसी को कम होने की शिकायत है और किसी को ज्यादा होने की शिकायत है। क्या आज तक इस गवर्नमेंट ने कोई ऐसी भी बात की है जिसकी बाबत किसी को शिकायत न हो ? इस बारे में हर आदमी की अलग अलग राए है। तो मैं ज़िक्र कर रहा था कि यहां पर प्रबोध जो बैठे हुए हैं और मेरी अपनी राए उन की बाबत यह है कि वह इन्साफ पसन्द और दलील के कायल होने वाले हैं। इस लिये उन की खिदमत में अर्ज़ करना चाहता हूं कि उन को हरियाणा और खास तौर पर रोहतक के लोगों की बात का पता है। आप भी वहां पर रह चुकी हैं। उन लोगों ने लाखों रुपये लगा कर स्कूल की बिल्डिगें बनाई हैं और वह इन के पीछे पीछे फिरते हैं कि उन के प्राइमरी स्कूलों को मिडल कर दो, अगर मिडल स्कूल है तो हाई कर दो। वह खर्च देने के लिये तैयार हैं मगर उन की कोई सुनवाई नहीं होती। जब वह अपना पैसा खर्च कर के अपने स्कूल को अपग्रेड कराना चाहते हैं तो इस में कोई एतराज नहीं होना चाहिए। लेकिन शायद इन की भी कुछ मजबूरियां हैं जो यह ब्यान कर चुके हैं। हमारे फिनांस मिनिस्टर साहिब कहते हैं कि एक साल का खर्च दे देते हैं और आगे खर्च नहीं होगा। इस लिये यह कहते हैं कि अब हम ने अपग्रेड करने के बारे में पालिसी ही तबदील कर दी है और इनकी यह राय है कि आयंदा बहुत एहतियात से स्कूलों को अपग्रेड किया जाए। अब पता नहीं उन लोगों का क्या हाल होगा जिन्होंने बिल्डिंगें बनाई हैं। अगर आप ने इन्कार ही करना है तो भई कोई शर्त ही लगा कर करो। मगर यह तो कहते हैं कि अब तो पालिसी ही यह होगी कि अपग्रेड करते वक्त कई बातों का लिहाज़ रखा जायेगा। मगर वह लोग तो सारी बातें पूरी करने के लिये तैयार हैं। अगर इस के बावजूद उन की दरखास्त न मानी जाए तो यह उन के साथ बेहद बेइनसाफी होगी। मुझे बड़ा दुख है कि यहां पर रोज़ मर्रा यह बातें होती हैं। इधर मेरे पास बैठे डा० बलदेव प्रकाश वगैरह कहते हैं कि क्या कहते हो कि हरियाणा को अलग कर दो, उधर पंजाबी सूबे वाले भी कहते ह कि उन को अलग कर दो। हमें उन का तो पता नहीं मगर हम इन से नालां हैं और पंजाबी सूबे के इलाके में रहने वाले लोगों से भी नालां हैं। सिखों की यह शिकायत है कि बाकी की आबादी उन से इनसाफ नहीं कर रही है। तो इस हिसाब से मैं उन की मांग को जायज़ समझता हूं। अगर किसी कम्यूनिटी के साथ बेइनसाफी होगी तो यह उस को हक है कि वह अलहदगी के लिये दावा करे। हम आप का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने कांग्रेसियों या दूसरों न यह कहा कि हरियाणे वालों के साथ जुल्म हो रहा है। यह तभी बात आती है जब हमें अपना हक नहीं मिलता। एक बाप हो उस के दो बटे हों। एक कमाता है मगर उस को तो रूखी रोटी मिले और दूसरा जो नहीं कमाता घी के साथ रोटी खाए तो पहले के लिये सिवाए अलहदा हो जाने के और कोई चारा नहीं है। हमें यह बात समझ नहीं आती कि जब आप हमारे साथ वादे ही करते हो, उन पर अमल नहीं करते तो आप हमें अपने पांव पर खड़े क्यों नहीं होने देते। आप

1.00 p.m.

हमें अलहदा रह कर अपने इलाके की बहबूदी के लिये कोशिश तो करने दो। ऐसा करने भी नहीं देते और हमारी मदद भी नहीं करते। यह ठीक बात नहीं है। हम लाचार हैं। इस वक्त हरियाणा के लोगों के दिलों में यह ख्याल है कि पहले तो हमारी बात नहीं सुनी गई, अगर इस बार भी न सुनी गई तो हम मर मिटेंगे और जो कुछ भी वह कर सकेंगे करेंगे। (तालियां) आप देखें कि इस डिमांड के बारे में दो तरह के लोग हैं एक कांग्रेसी और एक गैर-कांग्रेसी। हरियाणे के कांग्रेसी और गैर कांग्रेसी इस बात पर मुत्तफिक हैं कि हम सूबे को एक ज़बानी सूबा नहीं रहने देंगे, दो ज़बानी रखेंगे। दूसरे हम हरियाणे के टुकड़े नहीं होने देंगे। इन दोनों बातों के लिये वह सब कुछ करेंगे। अब यह बात जो बाहर सुनने में आ रही है वह यह है कि इस सूबे को एक ज़बान का सूबा बनाने की कोशिश हो रही है। यह हरियाणे वालों को तो कमज़ोर समझते हैं इस लिये उन की जायज़ मांगों को नहीं मानते। उन का इन को डर नहीं है। इधर सिखों को समझते हैं कि यह तो बड़े सयाने आदमी हैं यह भी शायद मान ही जाएं। कुछ हिस्सा हो सकता है संत वाला ग्रुप जो शायद इस को भी न मानें, दूसरे भी हो सकते हैं। तो इस तरह से यह सोचते हैं कि यह समझेंगे कि इन को अब कुछ तो दे ही रहे हैं। बाकी जो हरियाणे वाले हैं इन को तो हम हमेशा देखते ही रहे हैं। हो सकता है कि इन के आदमी सोचें कि चलो अच्छा किया, हम तो कमज़ोर थे, बहुत छोटे थे, चलो अब हमें बालग तो समझा जाने लगा है। मगर इस बात को इन को समझ लेना चाहिए कि इस बार हरियाणे वालों ने हर तरह की कुर्बानी देने का मन बना लिया हुआ है। आप जानते हैं कि इन लोगों ने इस लड़ाई में कितनी कुर्बानी दी है। एक तरफ तो आप मानते हैं कि यह लोग बड़े बहादुर हैं मगर दूसरी तरफ जब वह अपने हक मांगते हैं तो उन को कुछ नहीं देते कि यह तो कुछ नहीं कर सकते। यह कहां का इनसाफ है। अब वहां के कांग्रेस क्या और दूसरे क्या सभी मजबूर हो गए हैं। मैं जो कह रहा हूं वह लोगों की तरजमानी ही कर रहा हूं। वह कहते हैं कि हम मर मिटेंगे। मैंने ओम प्रभा जी का हवाला दिया कि वह एक ज़बान वाली और हरियाणा के टुकड़े होने की बात को नहीं मानेंगे। इस बारे में वह कहती हैं कि आपोज़ीशन के एम.एल.एज़. को लड़ने की ज़रूरत नहीं है। इस बारे में कांग्रेस वाले ही निपट लेंगे। इधर से टंडन साहिब भी हम से हमदर्दी दिखाते हैं, रैज़ोल्यूशन भी लाते हैं मगर यह सब देखेंगे कि यह ऐजीटशन भी में हमारे साथ होते हैं या नहीं। (विघ्न) डा० बलदेव प्रकाश जी कहते हैं कि साथ देंगे। तो मैं समझता हूं कि यह सूरमा और बहादुर कहलाएंगे। और अगर साथ न दिया तो मैं क्या कहूं वह लफ्ज़ पार्लियामेंट्री नहीं है। (विघ्न) (आवाज़ें : जरूर देंगे) देखेंगे। (आवाज : आप न दौड़ जाएं) हमारा इलाका तो बैकवर्ड है। आप जानते हैं कि बैकवर्ड आदमी डरता है मगर जब हमें ऐसे बहादुर मिल जाए तो हमें डरने की क्या ज़रूरत है। (विघ्न) अब हम तंग आ चुके हैं डिपलोमेसी से। इधर चीफ मिनिस्टर साहिब भी कहते हैं कि घबराओ नहीं, हरियाणा को सारे हकूक मिलेंगे। हाई कमांड वाले भी ऐसी ही बातें कहते हैं। बातें तो कहते हैं मगर अमल नहीं करते। अगर यह अमल करें तो हमें बड़ी खुशी होगी और मैं अपने आप को झूठा साबित होता हुआ भी खुश समझूंगा अगर आप ने ऐजीटेशन में हमारा साथ दिया। यह बात साफ हो जानी चाहिए कि अगर हम लोगों पर गुरमुखी ठोंसी गई, (एक आवाज़ : नहीं

[चौधरी राम सरूप]

ठोंसी जायगी।) तो उसको हम किसी तरह से भी बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं होंगे। (विघ्न) मैं आप का यकीन करता हूं मगर आप की तरफ कुछ आदमी हो सकते हैं जो ऐसा चाहें। (विघ्न)

**Deputy Speaker :** No interruptions please.

**चौधरी राम सरूप :** हम ने तो श्रीमती ओम प्रभा की लीडरशिप भी मान ली है और हर उस मैम्बर को लीडरशिप मानने को तैयार हैं जो हमारे इलाके के लिये कुछ ला कर दे, हरियाणा के लिये कुछ ला कर दे। मेरा ख्याल है बहन ओम प्रभा जी को इस बात का कोई गिला न होगा क्योंकि मैं ने कई बार उन का नाम ले लिया है। सामने अगर किसी को देखा जाए तो उस का नाम अकसर लिया जाता है। इस के अलावा मेरा कोई और मोटिव न था, नहीं तो तीन चार मिनिस्टर थे जो दावे किया करते थे और कोई बात भी पूरी नहीं हुई। यह जो दो बातें मैं ने पहले बताई हैं हम इन को कभी भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी जो आपोज़ीशन पार्टी है इन में से कुछ चाहते हैं कि हरियाणा प्रान्त अलग बनें। कुछ चाहते हैं कि पंजाबी सूबा अलग बनें और कुछ चाहते हैं कि हिल्ली एरिया अलग बनें। लेकिन मैं इस बात से मुतफिक नहीं हूं जो रोल सरकार अदा कर रही है। वह चाहते हैं कि वह हमारे इलाके को दबाते रहें। इतना कह कर मैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप का शुक्रिया अदा करता हूं। (विघ्न)

**श्री बनवारी लाल :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। मेरी एक गुज़ारिश है कि इस रैज़ोल्यूशन पर आज दूसरा दिन है, बहस हो रही है और हम बैक बैंचिज़ को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। हम भी हरियाणा के हैं; इस लिये हमें बोलने का टाईम दिया जाए।

**उपाध्यक्षा :** आप के पार्टी व्हिप ने आप का नाम नहीं भेजा तो मैं क्या कर सकती थी। अब आप बैठिए आप की बात आ गई है। (The whip of his party has not sent up his name. What can I do then ? Now he may take his seat. His point has come.)

**ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਦਤ :** (ਅੰਬ) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਜੀ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਵਾਕਈ ਸਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਹਕੀਕਤ ਹੈ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਦਾ ਅਤੇ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਬਹੁਤ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਥੇ ਦੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਲੋਕ ਦੁਖੀ ਹਨ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਲੋਕ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਹਨ। ਪਰ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਹਲ ਪੇਸ਼ ਅਜ ਕਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਹਰਿਆਣਾ ਨੂੰ ਅਲਗ ਕਰਕੇ ਜਾਂ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਨੂੰ ਅਲਗ ਕਰਕੇ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਣਾ ਕੇ, ਇਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦੁਖਾਂ ਦਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਲਗਾ। ਮੇਰਾ ਤਜਰਬਾ ਇਹ ਦਸਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਤਹਾਸ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਗਵਾਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦੇ ਹਥ ਵਿਚ ਜਦ ਵੀ ਤਾਕਤ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਉਹ ਹਮੇਸ਼ਾ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਐਕਸਪਲਾਇਟ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਨਾਲ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦੁਖਾਂ ਦਾ ਅੰਤ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਲਗਾ। ਫਿਰ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵੇਖੋ ਕਿ ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ

ਹਿਲੀ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਹੈ ਪਰ ਜਦ ਕਿਸੇ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਜਾਂ ਸਹੂਲਤ ਦੇਣ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਬਾਕੀ ਦੀਆਂ ਦੋ ਤਹਿਸੀਲਾਂ ਡੇਹਰਾਗੋਪੀ ਪੁਰ ਅਤੇ ਹਮੀਰਪੁਰ ਨੂੰ ਹੀ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਵੀ ਅਸੀਂ ਦੁਖੀ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ। ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦੀ ਬਾਗ ਡੋਰ ਕਾਂਗੜਾ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਪਾਸ ਆ ਗਈ ਤਾਂ ਵੀ ਤਸੀਲ ਊਨਾ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਰਗੜਾ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦਾ ਫਾਰਮੂਲਾ ਬਣਾਉਣ ਵੇਲੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਤਸੀਲ ਊਨਾ ਤਾਂ ਅਸਲ ਪਹਾੜ ਨਹੀਂ, ਅਸਲੀ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਾ ਸਾਡੀ ਤਸੀਲ ਊਨਾ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੈ। ਤੇ ਕਾਂਗੜਾ ਦੇ ਲੋਕੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਅਲਿਹਦਾ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਸਮਝਦੇ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਹਿਲੀ ਏਰੀਆ ਨੂੰ ਵਖਰਾ ਕਰਕੇ ਹੈਡਕੁਆਟਰਜ਼ ਕਾਂਗੜਾ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਥੇ ਵੀ ਅਸੀਂ ਜਿਹੜੇ ਮਿਨਾਰਿਟੀ ਵਿਚ ਹਾਂ ਸਾਨੂੰ ਮਜਾਰਿਟੀ ਨੇ ਰਗੜ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਅਜ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਬਹੁਤ ਚਿਰ ਤੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦਾ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਮਿਨਾਰਿਟੀ ਨੂੰ ਰਗੜ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਇਹੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨਸਾਨੀ ਖਸਲਤ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਣ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਇਕਲੇ ਕਾਂਗੜਾ ਦੇ ਜਾਂ ਤਸੀਲ ਊਨਾ ਦੇ ਲਕਾਂ ਦੀ ਗਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਕਾਮਨ ਮੈਨ ਜਨ ਸਾਧਾਰਨ ਦੁਖੀ ਹੈ ਭਾਂਵੇ ਉਹ ਜਲੰਧਰ ਦਾ ਰਹਿਣ ਵਾਲਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜਾਂ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਦਾ ਰਹਿਣ ਵਾਲਾ ਹੈ। ਉਹ ਗਰੀਬ ਹੈ ਤੇ ਭੁਖਾ ਨੰਗਾ ਹੈ। ਕਾਮਨਮੈਨ ਦੀ ਹਰ ਥਾਂ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਹੀ ਹਾਲਤ ਹੈ। ਸਾਰੀ ਪਬਲਿਕ ਦੁਖੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰ ਵਿਚ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਸੋਚਦਾ। ਇਸ ਦਾ ਹਲ ਇਕ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਸਮਾਜਵਾਦੀ ਸਮਾਜ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਸਹੀ ਮਹਿਨਿਆਂ ਵਿਚ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ। ਇਥੇ ਕੋਈ ਵੀ ਆਰਥਿਕ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਸਗੋਂ ਇਸੇ ਫਿਕਰ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨੇ ਰਹਿਣਾ ਹੈ' ਆਪਣੀਆਂ ਗਦੀਆਂ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਤਾਕਤ ਨੂੰ ਬਰਕਰਾਰ ਰਖਣ ਲਈ ਹਥ ਪੈਰ ਮਰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਤਾਂ ਖੂਹ ਦੇ ਗੌਲੇ ਹਨ। ਜਨ ਸਾਧਾਰਨ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਵਲ ਕਿਸੇ ਦਾ ਧਿਆਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ। ਇਸ ਦਾ ਹਲ ਕੀ ਹੈ ? ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਇਸ ਦਾ ਹਲ ਮੈਂ ਦਸਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦਾ ਹਲ ਉਹ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਸਿਆਣਾ ਮਨੁੱਖ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਗ੍ਰਾਮ ਸਮਾਜ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਆਪ ਕਰਨ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਾਵਰ ਦਾ ਵਿਕੇਂਦਰੀਕਰਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਅਤੇ ਮਰਕਜ਼ੀਅਤ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦੇ ਦਸੇ ਰਾਹ ਤੇ ਅਤੇ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਲ ਤੇ ਇਹ ਤੁਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਇਥੇ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਤਾਂ ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਇਹ ਵੀ ਰਾਵਣ ਰਾਜ ਦਾ ਇਕ ਅੰਗ ਬਣ ਕੇ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ। ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦੇ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਨਾਲ ਹੀ ਸਭ ਨੂੰ ਸੁਖ ਦਾ ਸਾਹ ਆ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਨ ਸਾਧਾਰਨ ਨੂੰ ਕੋਈ ਸੁਖ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਇੰਨੀ ਵਡੀ ਤਸਵੀਰ ਉਹ ਸਾਹਮਣੇ ਮੌਜੂਦ ਹੈ। ਪਿੰਡਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਸਰਵੋਦੇ ਸਮਾਜ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਇਕ ਸਭ ਦੇ ਭਲੇ ਦੀ ਸਟੇਟ ਬਣ ਜਾਵੇ। ਤਾਕਤ ਕੁਝ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ ਅਤੇ ਗ੍ਰਾਮ ਸਮਾਜ ਬਣਾਉਣ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਆਦਿ ਦੇ ਜਿੰਨੇ ਰੌਲੇ ਹਨ ਇਹ ਸਾਰੇ ਮਿਟ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਰੌਲਾ ਤਾਂ ਇਸ ਲਈ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੈਸਾ, ਚੌਧਰ ਅਤੇ ਗਲੈਮਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਦੀ ਲਾਲਸਾ ਹਰ ਵਕਤ ਕੁਝ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਲਗੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਇਹ ਲਾਲਸਾ ਗ੍ਰਾਮ ਸਮਾਜ ਵਿਚ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਲਾਲਚ ਅਤੇ ਮੋਹ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿਆਂਗਾ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਤਾਕਤ ਦਿਉ। ਛੋਟੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਰੀਪਬਲਿਕਾਂ

[ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਦੱਤ]

ਬਣ ਜਾਣ। ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਟੇਟ ਤਾਂ ਰਹਿਣੀ ਹੀ ਹੈ ਪਰ ਅਪਰ ਸਟੇਟ ਪਾਸ ਤਾਕਤ ਘਟ ਹੋਵੇ, ਸਮਾਜਵਾਦੀ ਸਮਾਜ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਐਕਨਾਮਿਕ ਪਾਵਰ ਨੂੰ ਡੀਸੈਂਟ੍ਰਲਾਈਜ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਿਸ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਨੂੰ ਮਹਾਤਮਾ ਕਰਕੇ ਇਹ ਪੂਜਦੇ ਹਨ ਉਸ ਦੇ ਕਥਨ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਇਥੇ ਤਸਵੀਰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੀ ਲਗਾ ਕੇ ਆਪਣਾ ਭੱਠਾ ਬਿਠਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਪ੍ਰੋਹਿਬਸ਼ਨ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਅਜ 16 ਸਾਲ ਲੰਘਾ ਦਿਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਤਕਵੀਅਤ ਹੀ ਦਿਤੀ ਹੈ' ਸ਼ਰਾਬ-ਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ।

ਏਥੇ ਤਾਂ ਸੂਬਾਈ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਕਿਤੇ ਹਿੱਲੀ ਏਰੀਆ ਦੀ ਸਮਸਿਆ ਖੜ੍ਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰਿਆਨੇ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਤਾਂ ਪੀਣੇ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ। ਪਰ ਆਪਣੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਹੁਣ ਕਿਸ ਨੂੰ ਦਸੀਏ। ਏਥੇ ਤਾਂ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੀ ਇਕਲੇ ਹੀ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੋਰ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਰੋਗੇ ਸਾਨੂੰ ਪੀਣੇ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਦੇ ਸਕੇ। ਤੁਸੀਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਕੋਠੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਨਲਕੇ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਵੇਖੋ ਇਕ ਇਕ ਕੋਠੀ ਦੇ ਵਿਚ ੨੦—20 ਨਲਕੇ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਪਰ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕ ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਤਰਸਦੇ ਹਨ.........

**श्री जगन्नाथ :** क्या ज्ञानी जी चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी बन गए हैं जो दो घंटे से सामनी सीट पर बैठे हैं

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਤੁਸੀਂ ਆਪਣਾ ਫਿਕਰ ਕਰੋ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੀ ਹੈ। (Let the hon Member take care of himself. He need not bother about the Chief Parliamentary Secretary.)

**ਪੰਡਿਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਦੱਤ :** ਮੈਂ ਬਹੁਤਾ ਟਾਈਮ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦਾ, ਸਿਰਫ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਸੁਝਾਉ ਆਪ ਜੀ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਦੇ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ। ਉਹ ਇਹ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕੇ ਇਹੋ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਵਾਸਤੇ ਸਾਨੂੰ ਪੈਸਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਜੇ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦੇ ਕਮਾਂ ਵਾਸਤੇ ਪੈਸਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕੋਈ ਘਟਦਾ ਨਹੀਂ। ਪਰ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਅਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਟਾਪ ਹੈਵੀ ਹੋਵੇ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਹੁਣ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੀ ਫੌਜ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੱਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਫੇਰ ਇਹ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਮਹਿਸੂਸ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ? ਜਦੋਂ ਏਥੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੰਗਲੇ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ ਵੀ ਇਸ ਹਕੂਮਤ ਵਿਚ ਐਸੇ ਅਫਸਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਿਹਾਇਸ਼ ਲਈ ਹੁਣ ਵੀ ਬੰਗਲੇ ਲਏ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ੨੭੪ ਰੁਪਏ ਮਾਹਵਾਰ ਤੱਕ ਕਰਾਏ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਜਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਪੈਸਾ ਸਕੂਲ ਦੀਆਂ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰੋ, ਜਿੱਥੇ ਕਿ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਬੈਠਾ ਕੇ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਕੋਈ ਪੈਸਾ ਹੈ ਨਹੀਂ। ਅਤੇ ਇਹ ਬੜੀਆਂ ਸੋਚਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਪੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਐਸ਼ ਤੇ ਆਰਾਮ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਪਹਾੜਾਂ ਤੇ ਬੰਗਲੇ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਸੀ, 18 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਆਜ਼ਾਦੀ ਮਿਲੀ ਨੂੰ ਪਰ ਅਜੇ ਵੀ ਬੰਗਲਿਆਂ ਦਾ ਕਰਾਇਆ 274 ਰੁ: ਮਾਹਵਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇਸੀ ਅਫਸਰਾਂ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਫਜ਼ੂਲ ਖਰਚੀਆਂ ਚਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਇਤਨੀ ਦੁਰਦਸ਼ਾ ਹੈ ਕਿ ਪੀਣ ਵਾਲਾ ਪਾਣੀ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ। ਜਦੋਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਮਦਾਦ ਕਰੋ ਤਾਂ ਇਹ

ਕਹਿ ਕੇ ਟਾਲ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੈਸਾ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਲਕੇ ਤੱਕ ਲਗਵਾਉਣ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਫੰਡ ਨਹੀਂ। ਕਿਤਨੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਗ੍ਰੈਂਡ ਟ੍ਰੰਕ ਰੋਡ ਤੇ ਬੇਸ਼ਕ ਦਿਨ ਰਾਤ ਇਹ ਕਾਰਾਂ ਘੁਮਾਉਂਦੇ ਫਿਰਨ ਫੇਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੁਝ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਜੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਫੰਡਜ਼ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜੇ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਹੈ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੀ ਇਮਦਾਦ ਕਰੋ।

**श्री बनवारी लाल कनीना (एस सी)** : यह जो रैज़ोल्यूशन हिल्ल एरियाज़ और हरियाणा की बैकवार्डनैस के मुतल्लिक चल रहा है . . . (विघ्न)

**श्री फतेह चन्द विज** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम । जब आप ने पार्टी वाईज़ बोलने वालों के नाम पुकारे थे तो उस उस वक्त बोलने वालों के नाम नहीं थे अब इनको कौनसी पार्टी की तरफ से बोलने की इजाज़त दी दी गई है

**उपाध्यक्षा** : आप बैठ जायें । यह मेरा अपना काम है । आप तशरीफ रखें । (The hon Member may take his seat. This is my job to see to it.)

**श्री बनवारी लाल** : सब से पहले मैं टंडन साहिब का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने हरियाणा के मुतालिक यह रैजोल्यूशन रखा है । मेरा ख्याल है कि पंजाबी रिजन वालों को हमारा अब ख्याल आया है कि हरियाणे वाले बैकवर्ड हैं । इस में कोई शक नहीं, डिप्टी स्पीकर साहिबा कि हरियाणा वालों से बड़ी देर से बेइन्साफी हो रही है । आप तो बखूबी जानती हैं कि हमारा इलाका महेंन्द्रगढ़ कितना बैकवर्ड है । आज भी इतनी देर से आज़ादी हासिल हो जाने के बाद भी इस की क्या हालत है । जो आज़ादी के ज़माने में भी इस इलाके ने बड़ी बड़ी लड़ाईयां लड़ी हैं । 1857 में जब गदर हुआ था तो महेन्द्रगढ़ का इलाका सब से आगे था जिस का नतीजा यह हुआ था कि इस इलाके के टुकड़े टुकड़े कर दिये थे । कुछ इलाका जींद स्टेट् को, कुछ इलाका पटियाला स्टेट को, कुछ नाभा स्टेट को और कुछ अलवर को अंग्रेजों ने बांट दिया था । हम समझते थे कि इस मुल्क को जब आजादी मिलेगी तो हम भी सुख की सांस लेंगे । मगर आज़ादी आई को भी 18 साल के करीब हो गए हैं, महेन्द्रगढ़ के इलाके से वही सोतेली मां वाला सलूक किया जा रहा है । आप किसी भी चीज को क्यों न लें, हर बात में इस को पीछे धकेल रखा है । पंडित जी ने यहां पर बताया है कि पानी से पतली कोई चीज नहीं है आप देखें यह हरियाणा डिवैलपमेंट कमेटी की रिपोर्ट मेरे पास है । इस के पेज 179 पर लिखा है कि हरियाणा के 8,500 गांवों में से 3,600 गांव ऐसे हैं जहां पर पीने को पानी भी नहीं मिलता । अब आप उस इलाका की डिवैलपमेंट का ही अन्दाजा लगाएं जिस इलाके में कि पीने को पानी तक न मिलता हो । जहां पर लोगों को पीने का पानी तक न मिलता हो इस से और बड़ी शर्म की बात इस सरकार के लिए और क्या हो सकती है । इस इलाके के लोगों के साथ हरियाणा के इलाके लोगों को रहने का कोई प्रश्न नहीं उठता । हमारे साथ जगह जगह नाइन्साफी की जा रही है जो कि अब बरदाशत से बाहर है ।

[श्री बनवारी लाल]

आप देखें कि इस इलाका को सैराब करने के लिये माईनर ईरीगेशन स्कीमात कोई तैयार नहीं की गई। एक सोना लिफ्ट स्कीम तैयार हुई जिस से 1.70 हज़ार एकड़ गुड़गांव और 1.15 हज़ार एकड़ महेन्द्रगढ़ के इलाके की ज़मीन सैराब होनी थीं, मगर इस इलाके की डिवैल्पमैंट के लिये यह सरकार बजट अलाट करती है महज़ 1 लाख रुपया इस स्कीम के लिये। क्या कभी इस तरह स्कीमज़ कामयाब होती हैं ? जितनी भी स्कीमज़ इस इलाके की डिवैल्पमेंट के लिये बनाई गई हैं वह सारी की सारी कागज़ी स्कीमज़ बन कर रह गई हैं। बड़ी बड़ी सड़कों को आप चाहे ले लें जो फर्स्ट फाईव -इयर प्लैन में बनाई जानी चाहिए थीं परन्तु वह सब कागज़ी स्कीमें बन कर रह जाती हैं। असैम्बली क्वैस्चन जब आता है तो यह कह देते हैं कि हम बहुत जल्दी यह काम शुरू कर रहे हैं मगर जब सैशन खत्म हो जाता है इस के साथ ही इन के सारे वायदे ही खत्म हो जाते हैं। पहले सरदार प्रताप सिंह की हकूमत आई तो यह कहते रहे कि हम हरियाणा की डिवैल्पमेंट करेंगे मगर अब कामरेड राम किशन कहते हैं कि मैं हिन्दी और पंजाबी रिजन की कोई तमीज़ नहीं रखूंगा, दोनों को डिवैल्प करूंगा। दो साल हो गए हैं इन से भी इस इलाके के लिये कुछ नहीं हुआ। आखिर इस इलाके में क्या कमी है जो यह अभी तक कोई स्कीम भी नहीं बना सके। डिप्टी स्पीकर साहिबा, रा-मैटिरियल महेन्द्रगढ़ के इलाके में मिलता है, लाईम स्टोन यहां मिलता है, लोहा यहां मिलता है। प्लैनिंग कमिशन की रिपोर्ट में यह सब कुछ दर्ज है। एक इलाके का हक काट कर दूसरे इलाके को बनाने के बहाने से सारा नुक्सान हमारे इलाके पर पड़ता है। इस तरह की बातें अब बरदाशत करने वाली नहीं हैं। हमें हर हालत में अपने हकूक मिलने चाहिएं। इस हाउस में हम कोई 300 रु: माहवार लेने की ग़र्ज़ से तो नहीं आते। जब हम अपने इलाके के लोगों के हकूक की रक्षा ही नहीं कर सकते तो हमारा यहां बैठना फज़ूल है, यहां हमें आने का कोई हक नहीं है।

मैं सरकार को यह बताना चाहता हूं और पहले भी कहा था कि एक बात गवर्नमैंट सोच ले, इस के बारे में महेन्द्रगढ़ के लोग कुरबानी दे सकते हैं। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप जानती हैं कि जब हरियाणा के लोग नेफा और लद्दाख में लड़ सकते हैं, चशूल के हवाई अड्डे को बचा सकते हैं, लड़ाई के डिफरैंट सैक्टर्ज़ में लड़ सकते हैं तो क्या वह अपने हकूक के लिए नहीं लड़ सकते वह अपने हकूक के लिये लड़ेंगे और अपनी जान की बाज़ी लगाएंगे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब यह बर्निंग टापिक पंजाबी सूबा और हरियाणा का है। आप जानती हैं। (विघ्न)

सरदार गुरचरण सिंह : हरियाणा प्रांत के बारे में अपने विचार बता दें।

श्री बनवारी लाल : उसी पर आ रहा हूं। जब हम यह सोचते हैं कि हमें कुछ नहीं मिलता, हरियाणा के ज़मींदार के नाम से पंजाबी रिजन का ज़मींदार, बनियों के नाम से वहां का बनिया तथा हरिजनों के नाम से वहां का हरिजन खा रहा है तो उस का इलाज यह किया जाए कि हमें अलहदा कर दो (विरोधी पक्ष की ओर से प्रशंसा) हम यह कहते हैं कि यह मांग हमें हरियाणा के लोगों को करनी चाहिए थी। हम उनका शुक्रिया अदा करते हैं जिन्हों ने पंजाबी सूबा की मांग की है। सैक्रेटेरिएट में देखें जाट का नाम ले कर हमारा हक्क ले जाते हैं। हरिजन के नाम से हमारा हक्क वहां के हरिजन ले जाते हैं और पंजाबी रिजन वाले हमारा

हक्क ले जाते हैं और शेड्यूल्ड कास्ट के नाम पर भी हमारा हक्क ले जाते हैं। अगर किसी तबके को इन्साफ नहीं मिलता तो उसे इनके साथ रहने का हक्क नहीं। (विरोधी पक्ष की ओर से प्रशंसा) या तो सरकार सीधे हाथों से मान जाए या फिर हमें लड़ कर अपना हक्क लेना होगा। डिप्टी स्पीकर साहिबा, देश की आज़ादी की लड़ाई तो आप ने भी लड़ी है। आज़ादी के लिये आप ने क्या नहीं किया? आप जेलों में गईं और हम भी अपने हकूक के लिये जेलों में चले जाएं तो कोई बड़ी बात नहीं। कांग्रेस पार्टी के एम. एल. ए. ने लिख कर अपना अस्तीफा भेजा था। उन्होंने सोच कर भेजा है। हम चाहते हैं कि हम अलहदा हों, उन का पंजाबी सूबा बने या न बने, हमारा हरियाणा बने। (विरोधी पक्ष की ओर से प्रशंसा) फिर आप किसी कण्डीशन पर तो आएं। आज देश आज़ाद है। इस की नीति ऐसी है कि आप किसी चीज़ को बाई फोर्स नहीं करवा सकते, बाई परसुएशन करवा सकते हैं अगर ऐसा नहीं है तो यह आज़ादी नहीं यह तो डिक्टेटरशिप है। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि यह हमारे साथ नाइन्साफी होगी। इस लिये हम कहते हैं कि हमें अलहदा कर दो। यह चाहते हैं कि हम खत्म हो जाएं परन्तु हमारी अपनी मांग पूरी की जाए। मैं ज़्यादा समय न लेता हुआ आप का धन्यवाद करता हूं।

**चौधरी नेत राम (हिसार सदर):** आदरणीय उपाध्यक्षा महोदया, मैं आप के द्वारा आज हाउस में गैर सरकारी प्रस्ताव पर चल रही बहस में हिस्सा लेता हुआ कुछ अपने विचार रख रहा हूं। पंजाब के प्रांत में दो रिजन हैं, एक पंजाबी रिजन और एक हिन्दी रिजन। हिन्दी रिजन वाले अपनी बहबूदी के लिये कोशिश कर रहे हैं और पंजाबी रिजन वाले अपनी बहबूदी के लिये कोशिश कर रहे हैं। दोनों रिजनों में अपनी अलग अलग बोली है। अपनी बोली के साथ इन इलाकों ने तरक्की करनी है लेकिन, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं हैरान हूं कि आज 16 साल का अर्सा हो गया है अभी तक हिन्दी रिजन पिछड़ा हुआ रहा है। वहां कहत पड़ता रहा। जानवरों की कमी है। नहर का पानी न मिलने की वजह से बिजली की सप्लाई होकर जो ट्यूब-वैल लगने चाहिए थे वह भी नहीं लग पाए। वह इलाका हर तरह से पिछड़ा रहा। चाहे वह आर्थिक मसला था, चाहे सरकारी मुलाज़मों का, चाहे खेती बाड़ी, इण्डस्टरी, तालीम या कोई और मामला था वह सारे का सारा ताकतवर इलाके के लोग यानी पंजाबी इलाके के लोग अपने हाथों में लेते रहे और उसका फायदा उठाते रहे। उसका सबूत हमारे सामने आज यह प्रस्ताव यह कह रहा है कि हरियाणा रिजन पिछड़ा हुआ इलाका है। पहाड़ी इलाका पिछड़ा हुआ है। हरियाणा पिछड़ा हुआ इलाका है इस लिये ज़रूरत है कि इस बीसवीं सदी में उस इलाके को मदद दी जाए। आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहिबा, आज हरियाणा के लोगों ने आवाज़ उठाई है कि हम अपने आप को खुद मुख्तियार करें जिस तरह भारत की दूसरी स्टेटें अलग अलग सूबों में हुई हैं। हमारे पंजाबी रिजन के भाइयों का ख्याल है कि यह पिछड़े हुए हैं, इनको 60 फी सदी रुपयों की इमदाद दी जाए। लेकिन, डिप्टी स्पीकर साहिबा, अगर कोई मां से ज़्यादा प्यार करती है तो वह डायन होती है। इस का मतलब साफ है कि पंजाबी रिजन के लोगों को ख्याल है कि हरियाणा एरिया और हिल्ली एरिया जो पहाड़ी इलाका है वह पछड़ा हुआ है और उन पर रहम बरपा करें। यह क्यों हो रहा है? यह इस लिये कि इस इलाके में इस प्रांत के अन्दर अपने देश के हिस्से के अन्दर दो बोलियां के लोग रहते हैं। एक पंजाबी

बोलते हैं और एक हिन्दी बोलते हैं। हिन्दी बोलने वाला वह इलाका है जिसको हरियाणा कहते हैं और पंजाबी बोलने वाला वह इलाका है जिसे आज आप पंजाबी रिजन के नाम से पुकारते हैं। आज वह लोग जो पंजाबी रिजन के अन्दर रहते हैं उस इलाके की, उस रिजन की यह अक्सरीयत चाहती है कि हमें अलग पंजाबी सूबा बना कर मौका दिया जाए ताकि हम तरक्की कर सकें क्योंकि आज तक उनको भी, जिस तरह से आज हिन्दी रिजन पिछड़ा हुआ है उसी तरह से जो अक्सरीयत में हैं उन्हें रियायतें नहीं दी जा रही हैं। सर्विसिज़ में नौकरियों में और दूसरी चीज़ों में रियायतें दी जा रही हैं, यह रियायतें दी जाती थीं, वह रियायतों से आखिरकार तंग आ गए। उस ढंग से तंग आ गए। उन्हों ने ऐसा मन बनाया है कि क्यों न एक प्रांत बना कर इस भीख को छोड़ कर अपना हक्क हासिल करें और अपनी ताकत से अपनी सरकार को चलाएं और अपने इलाके के लोगों को तरक्की दिलाएं। आज जब हरियाणा के लोगों ने देखा कि हम भी पिछड़े हुए हैं, हम क्योंकि हमेशा पिछड़े हुए रहे जब कांग्रेस सरकार ने आ देश में इस किस्म का ढंग इख्तियार किया–आन्ध्रा प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात बनाया तो क्यों न हरियाणा के लोग अलग हो कर तरक्की करें। मैं मानता हूं, मैं पंडित मोहन लाल दत्त की राए की, उनके ख्याल की ताईद करता हूं। मैं इस ख्याल का हूं कि अमीरों और गरीबों में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह उसी तरह से रहेंगे। अमीरी और गरीबी इसी तरह से रहेगी। आज अगर हरियाणा प्रांत बन जाएगा तो हरियाणा के चौधरियों के हाथ में हकूमत जाएगी। गरीब किसान को कुछ नहीं मिलेगा। पंजाबी सूबे में गरीब सिक्ख को कुछ नहीं मिलेगा, अमीरों के हाथ में सब कुछ जाएगा। यह पापी कांग्रेस जो है यह हिन्दू और सिक्ख का नाम ले कर हिन्दी और पंजाबी का नाम ले कर आपस में लड़ाती है। इस लानत से हम बच जाएंगे जब पंजाबी सूबा और दूसरा इलाका अलहदा अलहदा बन जाएगा। जब सिक्खों और हिन्दुओं में कोई सवाल पैदा होता है और वह अपने हकूक के लिये खड़े होते हैं तो यह फिरकाप्रस्त सरकार कहीं हिन्दी और पंजाबी का नाम ले कर मजदूर और किसानों की ऐजीटेशन को इस तरह की बताती है और कभी हिन्दू और सिक्ख का नाम ले कर ऐसा कहती है और इस किस्म की बात करती है कि हिन्दी स्टेट अलग स्टेट नहीं बननी है और पंजाबी रिजन अलग स्टेट बनने जा रही है। उनका मतलब है कि हिन्दू और सिक्ख आपस में लड़ते रहें और गरीबों का गला घुटता रहे और सरमाएदार नज़ाम पनपता रहे। कांग्रेस सरकार इस देश में जो लानत है वह बाहर के शों में नुमायश करती है और इस देश के नाच और गाने होते हैं। जो नुमायश में पैसे इक्ट्ठे होते हैं वह इस देश के गरीबों को देती है। इस तरह से यह कांग्रेस सरकार इस देश को डबो रही है। इस सरकार का खातमा तभी हो सकेगा जब फिरकाप्रस्ती और भाषा की लड़ाई बन्द हो जाएगी। इस लिये मैं इस बात का हामी हूं कि पंजाबी रिजन में पंजाबी सूबा बनना चाहिए और हरियाणा का अलग प्रान्त बन जाना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हरियाणे के लोगों को 1857 में सज़ा मिली थी क्योंकि इस मार्शल कौम ने अंग्रेज़ों के खिलाफ बगावत की थी। आज कल का मेरठ डिवीज़न, आगरा डिवीज़न, अम्बला डिवीज़न और देहली का कुछ हिस्सा सारा उस वक्त हरियाणा डिवीज़न था,

**उपाध्यक्षा**: चौधरी नेत राम जी, माईक आप के सामने है इस लिये इतने ज़ोर से न बोलें। (Addressing Chaudhri Net Ram.) (The hon. Member

need not speak so loudly as the mike is before him.)

**चौधरी नेत राम** : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं इस लिये ज़ोर से बोलता हूं कि शायद यह बहरी और अंधी सरकार इसी तरह से हमारी बुलंद आवाज़ को सुन ले। तो मैं बता रहा था कि जब यहां पर अंग्रेजों ने हकूमत कायम करनी चाही तो हरियाणे ने उन के खिलाफ लड़ाई की। जब अंग्रेज ताकत में आ गए तो उन्होंने सोचा कि इन को अलग अलग करने से ही हमारा भला है।, चुनांचि उन्होंने एक भाषा वाले इलाके को तीन जगहों में बांट दिया ताकि वह आपस में लड़ते झगड़ते रहें और उन की हकूमत ताकत में रहे। ठीक उसी तरह यह कांग्रेस की सरकार फिरकाप्रस्ती का ज़हर फैलाती है और देश को फिरकाप्रस्ती की आग में डबो रही है। आप जानते हैं कि 1952 में अकाली पार्टी वाले कांग्रेस के साथ पूरा सहयोग देकर अपने आप को कांग्रेस में मदगम करके बैठ गए थे लेकिन इस फिरकाप्रस्त कांग्रेस जमात ने उन्हें इस लिये बरदाशत नहीं किया कि अगर अकाली मेजारिटी में हो गए तो कहीं वह गद्दियों पर काबिज़ न हो जाएं। इस लिये इन्हों ने आकालियों को फिर अलहदा होने पर मजबूर किया। इन्हों ने सारे देश को लड़ाया। अगर यह चाहते हैं कि हरियाणे के लोग तरक्की करें तो उन को भीख न दें बल्कि उन्हें खुद मुख्तियार होने दें और उन्हें उनके हकूक दें। तब ही वह अपने पांव पर खड़े हो कर तरक्की कर सकेंगे। इस से ज्यादा मैं कुछ नहीं कहना चाहता। आप का शुक्रिया अदा करके बैठता हूं।

## BILL ALREADY INTRODUCED

### The Punjab University (Amendment) Bill, 1965.

**Giani Kartar Singh (Dasuya) :** Madam, I beg to move—

That the Punjab University (Amendment) Bill be referred to a Select Committee consisting of :—

1. The Education Minister,
2. Shri Ram Saran Chand Mital,
3. Sardar Gurnam Singh,
4. Comrade Shamsher Singh Josh,
5. Shrimati Dr. Parkash Kaur,
6. Shri Amar Singh, and
7. My self (Giani Kartar Singh)

with a direction to make a report by the28th February 1966.

**Deputy Speaker :** Motion moved—

That the Punjab University Amendment Bill be referred to a Select Committee consisting of :

1. The Education Minister,
2. Shri Ram Saran Chand Mital,

3. Sardar Gurnam Singh,
4. Comrade Shamsher Singh Josh,
5. Shrimati Dr. Parkash Kaur,
6. Shri Amar Singh, and
7 Giani Kartar Singh

with a direction to make a report by the 28th Februaiy, 1966.

**प्रिंसीपल रला राम** (मुकेरियां) : उपाध्यक्षा महोदया, इस बात से किसी को इन्कार नहीं हो सकता कि यूनिवर्सिटी की वर्किंग में सुधार होना चाहिए और हर कोई इस बात से सहमत है कि उसमें सुधार की गुंजायश है लेकिन जो बिल शर्मा जी की तरफ से पेश किया गया है और जिसके बारे में प्रस्ताव किया गया है कि उसे सिलैक्ट कमेटी को भेजा जाए उस से कोई विशेष फायदा होने वाला नहीं है । उसका बड़ा भारी कारण यह है कि अभी तक सैंट्रल गवर्नमैंट उन बातों पर विचार कर रही है......

**उपाध्यक्षा:** गर्ग साहिब, किसी सीनियर मिनिस्टर को बुलाएं । यह हाउस है कोई मज़ाक नहीं है । चेयर को खाहमखाह कनफ्यूइयन में पड़ना पड़ता है । अगर पांच मिनट के अन्दर कोई नहीं आएगा तो I will adjourned the House । (शोर)

(The Chief Parliamentary Secretary, Shri Garg may request some Senior Minister to attend the House. It is an august House and not a place to be made fun of. The Chair has unnecessarily to face confusion on this account. If no Minister comes to the House within five minutes. I will adjourned it.) (Uproar)

**प्रिंसिपल रला राम:** मैं अर्ज़ कर रहा था कि सैंट्रल गवर्नमैंट इस सम्बन्ध में एक माडल बिल बना रही है और अगलबन थोड़े समय के अन्दर अन्दर वह सारे राज्यों में सरकुलेट कर दिया जाएगा और वह सारे देश की यूनिवर्सिटयों के लिये एक माडल कांस्टीच्यूशन सुजैस्ट करेगा ताकि इस सम्बन्ध में सारे देश में यूनिफारमिटी हो । इन हालात में मैं समझता हूं कि यह बिल अगर इस स्टेट पर प्रैस न किया जाए और इस वक्त इसे मुलतवी कर दिया जाए तो निहायत अच्छी बात होगी । रिफार्मज़ की ज़रूरत है और हम इस बात से इन्कार नहीं करते लेकिन वह सुधार इस तरीके से होना चाहिए जिस से हिन्दुस्तान की सारी यूनिवर्सिटियों में ताल मेल हो और उनकी एक जैसी वर्किंग हो । सुधार की ज़रूरत है और इसी ज़रूरत को अनुभव करते हुए ही तो सैंट्रल गवर्नमैंट एक माडल बिल ला रही है जो सब राज्यों को सरकुलेट होगा । मैं समझता हूं कि उसकी रोशनी में हमारी सरकार ज़रूर कोई न कोई कम्प्रिहैन्सिव बिल लाएगी और जो नुकस हैं उन्हें दूर किया जाएगा और जिन सुधारों की आवश्यकता है उन्हें लाएगी । इस बिल में हो सकता है कि कई अच्छी बातें हों लेकिन मैं समझता हूं कि इस स्टेज पर यह बिल अधूरा ही होगा और इस से विशेष लाभ नहीं होगा बल्कि कई नुक्सान हो सकते हैं । इस लिये मैं समझता हूं कि इस वक्त इस बिल को सिलैक्ट कमेटी के सुपुर्द करने का कोई फायदा नहीं होगा और हमें माडल बिल का इन्तज़ार करना चाहिए जो सैंट्रल गवर्नमैंट सारे राज्यों को सरकुलेट

करने वाली है और जिसकी रौशनी में हमारी सरकार एक कम्प्रिहैन्सिव बिल हाउस के सामने लाएगी। इन शब्दों के साथ मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बिल लाया गया है यह प्रीमैच्योर और अननसैसरी है और कई हालतों में मैं इसे नुक्सान देह ख्याल करता हूं। इस लिये यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं होना चाहिए।

(At this stage Mr. Speaker occupied the Chair.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** (ਰੋਪੜ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੇ ਜੋ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਐਕਟ ਬਾਰੇ ਅਮੈਂਡਿੰਗ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਮੈਂ ਉਸਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਹੁਣੇ ਬੋਲੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੁਦ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਐਕਟ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਨੁਕਸ ਤੇ ਊਣਤਾਈਆਂ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਜੋ ਮਾਡਲ ਬਿਲ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਣਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਸਾਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਇਕ ਜੈਸੀ ਚੀਜ਼ ਹੀ ਬਣੇ। ਬਿਮਾਰੀ ਤਾਂ ਉਹ ਮੰਨ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਬੁਖਾਰ ਜਿਸ ਵਕਤ 107 ਡਿਗਰੀ ਤਕ ਨਾ ਪਹੁੰਚ ਜਾਵੇ ਉਸ ਵਕਤ ਤਕ ਡਾਕਟਰ ਨਾ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਹੈ ਇਹ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਫੈਲਣ ਕਰਕੇ ਇਕ ਵੱਡਾ ਅਦਾਰਾ ਬਣ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸਦਾ ਜੋ ਇੰਤਜ਼ਾਮੀਆਂ ਬੋਰਡ ਹੈ ਉਹ ਇਕ ਸੀਮਤ ਤਬਕੇ ਦੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੀ ਦਫਾ ਕਿਤਨਾ ਚਰਚਾ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਅਫੇਅਰਜ਼ ਬਾਰੇ ਹੋਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਕਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਐਕਟ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਦੇ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਸੋਧ ਲਿਆਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਪੂਰੀ ਸੋਧਨਾ ਉਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਿਆਏ ਹਨ। ਇਹ ਸੋਧਨਾ ਇਹੋ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇੰਤਜ਼ਾਮੀਆਂ ਬੋਰਡ ਦਾ ਖੇਤਰ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਜੋ ਗਿਆਨੀ ਤੇ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਪੜ੍ਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਇਸ ਵਿਚ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਇਕ ਇਕ ਗਰੈਜੂਏਟ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ ਇਸ ਵਿਚ ਭੇਜੇ ਤਾਕਿ ਉਥੇ ਸਾਰਿਆਂ ਬਾਰੇ ਪੂਰਾ ਵਿਚਾਰ ਹੋ ਸਕੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਮਾਡਲ ਬਿਲ ਨੂੰ ਉਡੀਕਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਉਸਦਾ ਪਤਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਕਦ ਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਆਉਂਦਾ ਵੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤਜਵੀਜ਼ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਬਿਮਾਰੀ ਦਾ ਛੇਤੀ ਇਲਾਜ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਨਾ ਕਿ ਮਰੀਜ਼ ਜਿਸ ਵਕਤ ਮਰਨ ਲਗ ਪਵੇ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਇਸੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਐਕਟ ਦਾ ਰੂਪ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** (ਮੋਰਿੰਡਾ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਬਾਰੇ ਤਜਵੀਜ਼ ਰਖੀ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸਦਾ ਸਮਰਥਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਜੋ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਰਲਾ ਰਾਮ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸਦਾ ਇਲਾਜ ਉਸ ਵਕਤ ਤਕ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਵਕਤ ਤਕ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਾਡਲ ਬਿਲ ਬਣਾ ਕੇ ਸਾਰੀਆਂ ਸਰਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਭੇਜ ਦੇਵੇ, ਮੈਂ ਉਸਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦਾ ਜੋ ਇੰਤਜ਼ਾਮੀਆ ਬੋਰਡ ਹੈ ਉਸਦੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦਾ ਜੋ ਢੰਗ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਪਾਕਿਟਸ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਲੜ ਕੇ ਕੁਝ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਬੋਰਡ ਦੇ 29 ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਂਸਲਰ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਨਾਮਜ਼ਦਗੀ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਈ ਦਫਾ ਮੁਆਮਲਾ ਉਠਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਨੂੰ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਤੇ ਫਲਾਣੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਅਤੇ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਕਿ ਕੁਝ ਖਾਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਪਾਕਿਟਸ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਰਾਉਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਗਿਆਨੀ, ਪਰਭਾਕਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੀ. ਏ. ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਡਿਗਰੀ ਲਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਚੋਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਹਕ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਜੋ 29 ਮੈਂਬਰ ਚਾਂਸਲਰ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਬੜੇ ਅਜੀਬ ਢੰਗ ਨਾਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਉਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਤੇ ਮਿਊਂਸਿਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ। ਜਿਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਡੀਜ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਸੀਟਾਂ ਰਾਖਵੀਆਂ ਵੀ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜਾਤੀਆਂ ਲਈ ਜੋ ਪਛੜੀਆਂ ਹਨ।

2.00 p.m.

**Mr. Speaker** : The hon. Member should not comment on this provision of the Bill.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਅੱਛਾ ਜੀ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀ ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਤਜਵੀਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਸੀ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਕੀ ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਬੁਖਾਰ 107 ਡਿਗਰੀ ਹੋਵੇਗਾ ਉਦੋਂ ਹੀ ਉਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਲਈ ਡਾਕਟਰ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ? ਕਿਉਂ ਨਾ ਡਾਕਟਰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਜਦੋਂ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਬੁਖਾਰ 101 ਡਿਗਰੀ ਹੋਵੇ ? ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਸੀਲੇਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਯੂਨਿਵਰਸਟੀ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕੇ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਖਾਹਿਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਵੀ ਨਾ ਕਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਚੰਗਾ ਹੈ ਜਾਂ ਬੁਰਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੂੰ ਇੰਨਾ ਮਸ਼ਵਰਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿਛਲੇ ਹਫਤੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਬਾਹਿਰ ਮਿਲ ਕੇ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਪੈਟਰਨ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਮੌਜੂਦ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਮੇਟੀ ਬੈਠੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਮੇਟੀ ਕੀ ਫੈਸਲਾ ਕਰੇਗੀ। ਇਹ ਕਿ ਬੁਨਿਆਦੀ ਅਸੂਲ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਅਕਾਡਮੀਆਂ ਜਾਂ ਇੰਨਸਟੀਟਿਊਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਾਸ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਖਾਸ ਕੰਮ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਜਿਹੜਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਤਰ ਹੈ ਉਹ ਆਜ਼ਾਦ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇੰਟਰਫੀਅਰੈਂਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਾਤਾਵਰਨ ਪਿਊਰਲੀ ਅਕੈਡਮਿਕ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਮੰਤਵ ਲਈ ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਬਿਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਾਫੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਾਫੀ ਇਖਤਲਾਫ ਰਾਏ ਰਖਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਸ ਰਾਏ ਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਅੰਦਰ ਘਟ ਤੋਂ ਘਟ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਮੇਰੀ ਰਾਏ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਅਤੇ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਜਦੋਂ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਇਸ਼ ਬਾਰੇ ਮਾਡਲ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਅੰਡਰ ਕੰਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਿਵੇਂ ਕਮਿਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਲਈ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੁਝ ਵੀ ਕਮਿਟ ਕਰਨਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਮੈਂ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣ। ਮੈਂ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਲਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵੀ ਇਸਦੇ ਬਾਰ ਬਿਲ ਤਿਆਰ ਕਰਾਂਗੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਮਸ਼ਵਰਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਬਹੁਤ ਵਸੀਹ ਹੈ। ਉਹ ਸਟੇਟ ਦੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਰਹਿ ਚੁੱਕੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੂਬ ਸੁਝਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਤਜਰਬੇ ਦਾ ਜ਼ਰੂਰ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ

ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣ ਤਾਕਿ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਅਤੇ ਸਹੀ ਢੰਗ ਦੇ ਨਾਲ ਬਿਲ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ। ਅਗਰ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਬਿਲ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਹੁਤ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਹੋਵੇਗੀ।

**ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ** (ਦਸੂਹਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਬ, ਪੰਡਿਤ ਰਲਾ ਰਾਮ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਕ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰਾ ਬਿਲ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪੰਡਤ ਜੀ ਸਮਝਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕੁਝ ਵੀ ਟਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਵਿਚ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਣ ਲਈ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਬਿਲ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੀ ਸੈਨੇਟ ਦੀ ਬਣਤਰ ਨੂੰ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਮਨ ਉਤੇ ਬੋਝ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਇਕ ਤਬਕੇ ਨੂੰ ਸਰਵ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੁਫਾਦ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਮੁਫਾਦ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨਾ ਮਿਲੇ। ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਨਿਗਲੈਕਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਛੱਡੇ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਨਾਸਬ ਹਿੱਸਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਸੈਨੇਟ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਹੋਈ। ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਸੈਨੇਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਆ ਜਾਣ ਤੋਂ ਉਹ ਸੈਨੇਟ ਭਿਜ ਜਾਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਡੀਫੈਕਟ ਇਸ ਸੈਨੇਟ ਦੀ ਬਣਤਰ ਵਿਚ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਨਾਸਬ ਹਕ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੂਜੀ ਗਲ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰੂਰਲ ਆਬਾਦੀ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਭੀ ਸੈਨੇਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਵੀ ਸਜੈਸਟ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਰੂਰਲ ਆਬਾਦੀ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਉਥੇ ਹੋਣੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਡਿਸਕਸ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਡਿਸਕਸ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਸੈਨੇਟ ਦੇ 29 ਮੈਂਬਰਜ਼ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਨਾਮੀਨੇਟਿਡ ਐਲੀਮੈਂਟ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ 29 ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੋਂ 15 ਮੈਂਬਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਡੀਫੈਕਟਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਮਨਿਸਟਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਡੀਫੈਕਟਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਬਿਲ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਾਈ ਚਾਂਸ ਬੈਠਾ ਰਿਹਾ। ਅਗਰ ਮੈਂ ਇਥੇ ਮੌਜੂਦ ਨਾ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਬਿਲ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਸੀ ਅਤੇ ਖੁਦ ਬਖੁਦ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣਾ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਬਿਲ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਲਈ ਕੋਈ ਢੰਗ ਕਢਿਆ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਤੋਂ ਬਿਲ ਵੀ ਖਤਮ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਤਰੀਕਾ ਸਜੈਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਵਲੋਂ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀਜ਼ ਦਾ ਮਾਡਲ ਬਿਲ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਮੇਰਾ ਪੂਰਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਨਿਗਲੈਕਟਿਡ ਆਬਾਦੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਪਿਛੜੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਈ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਦੋਂ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਚਾਹੇ ਬਿਲ ਨੂੰ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਸੀਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਸੌਂਪ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਹ

[ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ]

ਬਿਲ ਫੇਰ ਵੀ ਮੁਲਤਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਅਗਰ ਸੀਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ ਕਰਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਉਹ ਬਿਲ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਤੋਂ ਮੇਰੇ ਬਿਲ ਦਾ ਮੰਤਵ ਪੂਰਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਬਿਲ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਵਾਂਗਾ। ਅਗਰ ਇਸ ਨੂੰ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਰੀਜੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਚਲਣ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਦੂਸਰਾ ਬਿਲ ਇਹ ਲੈ ਆਉਣ। ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਵੇਖ ਲਵਾਂਗੇ। ਉਹ ਬਿਲ ਪਰਦੇ ਪਿਛੇ ਹੈ, ਇਹ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਪਰਦੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਲੈ ਆਉਣਗੇ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਕਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਉਸ ਵਿਚ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਉਸ ਵਿਚ ਹੋਵੇਗੀ ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਛਡ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਮੁਨਾਸਿਬ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦੇਣਗੇ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ ਮੰਨ ਲਵਾਂਗੇ। ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਗਲ ਵਿਚ ਰਿਜਿਡ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੋਈ ਵ੍ਹਿਪ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ। ਚੂੰਕਿ ਵ੍ਹਿਪ ਨਹੀਂ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਖੁਲ੍ਹੀ ਛੁੱਟੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਅਗੇ ਲੈ ਜਾਈਏ।

**ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਰਲਾ ਰਾਮ :** 28 ਅਗਸਤ, 1966 ਤਕ ਮਿਆਦ ਮੰਗ ਲਵੋ।

**अध्यक्ष :** पेश्तर इस के कि मोशन वोटिंग के लिये पुट करूं, ज्ञानी जी, मैं आप का ध्यान रूल 133 की सब-क्लाज़ 2 की तरफ दिलाना चाहता हूं। जो मूवर साहिब सिलैक्ट कमेटी के लिये मोशन मूव करें मैम्बरान का नाम पेश करने से पहले उन को लाज़मी तौर पर जान लेना चाहिए कि जिन मैम्बरों का नाम वह पेश करना चाहते हैं वह सब कमेटी पर सर्व करने के लिये तैयार हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि आप ने पूछ लिया होगा। दूसरी बात यह है कि उन नामों में डिप्टी स्पीकर और पैनल आफ चेयरमैन का नाम नहीं होगा। इन नामों में सरदार गुरनाम सिंह, डाक्टर प्रकाश कौर, मित्तल साहिब तीनों ही मेम्बर आफ पैनल आफ चेयरमैन हैं। इस लिये वोट करवाने से पहले आप इस को दोबारा कंसिडर कर लें।

(Before I put the motion to the vote of the House I would like to draw the attention of the hon. Member Giani Kartar Singh to Rule No. 133 [2]. It enjoins upon him that the mover shall as certain before moving his motion for reference of the Bill to the Select Committee hether the members proposed to be included by him in his motion are willing to serve on the Committee. I hope he must have secured their consent.

The other thing is that the name of the Deputy Speaker or of a member of the Panel of Chairmen shall not be included in the motion. Out of these names, Sardar Gurnam Singh, Dr. Baldev Parkash and Mital Sahib, are already members of the panel of Chairmen. He may, therefore, reconsider the matter before the motion is voted upon.

**आवाजें :** ज्ञानी जी, नाम तबदील कर लें।

**ज्ञानी करतार सिंह :** अगर इजाज़त हो तो मैं अभी नामों में तबदीली कर देता हूं, नहीं तो अगले हफ्ते के लिये मुल्तवी कर दें, मैं नामों में तबदीली करके आप को इत्तलाह दे दूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप इन तीनों के नाम ज़रूरी चाहते हैं ? (Does the hon. Member Giani Kartar Singh want to retain the names of all the three gentlemen on the Select Committee ?)

ज्ञानी करतार सिंह : बड़े एक्सपीरिएंस्ड आदमी हैं, इन को रहने दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : अगर आप इनसिस्ट करते हैं तो मैं इजाज़त दे देता हूं। (If he insists to retain them, then I give my consent.)

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Punjab University (Amendment) Bill be referred to a Select Committee Consisting of :

1. The Education Minister,
2. Shri Ram Saran Chand Mital,
3. Sardar Gurnam Singh,
4. Comrade Shamsher Singh Josh,
5. Shrimati Dr. Parkash Kaur,
6. Shri Amar Singh, and
7. Giani Kartar Singh,

with a direction................

**श्री राम सरन चन्द मित्तल** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मेरी प्रार्थना है कि 28 फरवरी तक काम नहीं हो सकेगा महीना दो महीने के लिये तारीख एक्सटेंड कर दें।

**Mr. Speaker :** I cannot extend the time. The mover should agree to it.

**Shri Ram Saran Chand Mital :** Sir, the mover is agreeable. He says that the date be extended upto the 31st March, 1966.

**श्री बलरामजी दास टण्डन** : स्पीकर साहिब, मेरी प्रार्थना है कि इस में हाउस के सभी ग्रुप्स के नुमाइंदों को रीप्रिज़ेंटेशन मिलना चाहिए।

**Mr Speaker :** This is not in my hand

**श्री बलरामजी दास टण्डन** : हम अमेंडमेंट तो पुट कर सकते हैं। हम ने तो आप के द्वारा ही मूवर को रिक्वेस्ट करनी है।

**ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਐਗ੍ਰੀ ਕਰਦਾਂ ਹਾਂ ਜੀ, ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦਾ ਨਾਂ ਰਖ ਲਵੋ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਕੋਈ ਐਗ੍ਰੀਡ ਮੋਸ਼ਨ ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (The hon. Member should put forth some agreed motion.)

**Voices :** It is agreed, Sir.

**Mr. Speaker :** Will the Select Committee consist of eight Members now as Dr. Baldev Parkash's name has been included ?

**Giani Kartar Singh and Some other Voices :** Yes.

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Punjab University (Amendment) Bill be referred to a Select Committee consisting of

(1) The Education Minister,

(2) Shri Ram Saran Chand Mital,

(3) Sardar Gurnam Singh,

(4) Comrade Shamsher Singh Josh,

(5) Shrimati Dr. Parkash Kaur,

(6) Shri Amar Singh,

(7) Dr. Baldev Parkash, and

(8) Giani Kartar Singh

with a direction to make a report by the 31st March, 1966.

After ascertaining the votes of the Members by Voices, Mr. Speaker said "I think the Ayes have it. This opinion was challenged and division was claimed Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for 'No, respectively, to rise in their places and on a count havng been taken, declared that the motion was carried.

(When the count was being taken Shrimati Sarla Devi and Sardar Jagir Singh 'Dard' were not in their respective seats. On having been pointed out by the Opposition Benches, they went to their respective seats.

For the motion ....................19

Against the motion ..................18.)

*The motion was declared carried.*

(*Cheers from the Opposition Benches*).

2.23 p.m. (*The Sabha then adjourned till* 9.30 *A.M. on Friday, the 25th February 1966.*

---

8500 PVS—384—15-7-66C. P. and S. Pb.Chd.

# Punjab Vidhan Sabha Debates

*25th February, 1966*

**Vol. I—No. 8**

**OFFICIAL REPORT**

CONTENTS

**Friday, the 25th February, 1966**

## *ERRATA*

TO

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES VOL. I, NO. 8,

DATED THE 25TH FEBRUARY, 1966

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| Shri | Shr | (8)1 | 19 |
| शार्टेज | शर्टेज | (8)4 | 18 |
| सुधारने | सधारने | (8)5 | 27 |
| were | wre | (8)9 | 31 |
| दरिया बुर्द | दर्या बुद | (8)11 | 1 |
| President | Piesident | (8)19 | 13 |
| श्रीमती सरला देवी | श्रीमती रला देवी | (8)23 | 1 |
| QUESTIONS | QUESAIONS | (8)31 | Heading |
| anything | any hing | (8)43 | 8th from below |
| Transport | T ansport | (8)55 | 18 |
| Amendment | Amendmen | (8)66 | 10 |
| Governor | Gov rnor | (8)75 | 2 |
| ਮਾਅਨੇ | ਮਅਨੇ | (8)81 | 26 |
| वाला | वाले | (8)92 | 4 |
| कितना | कितन | (8)92 | 5 |
| सैशन | सशन | (8)92 | 6 |
| ठीक | ीक | (8)92 | 8 |
| ढिल्लों | ि ल्लों | (8)92 | 14 |
| पैटर्न | तैटर्न | (8)92 | 20 |
| इन्कमटैक्स | इनकमटैक्उ | (8)92 | 27 |
| कोआप्रेटिव | कुआ ेटिव | (8)93 | 14 |
| Average | Avcrage | ii | 6 |

# PUNJAB VIDHAN SABHA

**Friday, the 25th February, 1966**

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhawan, Sector 1, Chandigarh, at 9.30 a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Shri Harbans Lal) in the Chair.*

---

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

**Starred Questions Nos. 9167 and 9232**

**Mr. Speaker :** Supplementaries to Starred Questions Nos. 9167 and 9232 are postponed as the Minister concerned is not present and he has made a request to this effect.

**श्री मंगल सेन :** ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर। स्पीकर साहिब, ग्राप ने फरमाया है कि मिनिस्टर साहिब यहां पर मौजूद नहीं हैं। मगर इस समय हाउस में तीन मिनिस्टर साहिबान मौजूद हैं, एक ग्राधा एक पौना ग्रौर काम चलाऊ वज़ीर बैठे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या वह जायंट रैस्पौंसेबिलिटी वाली बात खत्म हो गई है ?

**श्री ग्रध्यक्ष :** डा० मंगल सेन जी, मैं ग्राप से ग्रौर सब साहिबान से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि जब ग्राप किसी मिनिस्टर को या मैम्बर को ऐड्रैस करें तो बाकायदा पार्लियामैंट्री तरीके से करें। इस तरह से ग्राधा या पौना मिनिस्टर कहना मुनासिब नहीं है (विघ्न) वही करें जो मुनासिब हो। क्वैस्चन ग्रावर में तो एक ही घंटा है उसे जिस तरह मर्ज़ी इस्तेमाल कर लें। पिछली दफा जब यहां पर सप्लीमैंटरी सवाल ग्राए थे तो यह रिक्वैस्ट की गई थी कि इन के जवाब सरदार दरबारा सिंह जी ही दें जो कि उस वक्त नहीं थे इस लिये उन को पोस्टपोन किया गया था। (I would request the hon. Member Shr Mangal Sein and other Members also that whenever they address an hon. Minister or a Member, they should do so in a proper parliamentary manner. It is not proper to call a Minister as half Minister or three-quarters Minister. (*Interruptions*). They should always do what is proper. We have only an hour at our disposal for oral answers. This may be utilised in any manner they like. Last time, when Sardar Darbara Singh was not present, it was demanded by the Members that supplementaries to questions standing in his name should be answered by him alone and the questions were postponed on that account.)

**श्री मंगल सेन :** वह कब तक दिल्ली रहेंगे ?

**ਸਰਦਾਰ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗੋਗੋਆਣੀ :** ਅਸੀਂ ਸੈਸ਼ਨ ਦਿੱਲੀ ਹੀ ਨਾ ਲੈ ਚਲੀਏ (ਹਾਸਾ)।

---

**Short Supply of Water in Canals**

***9233. Shri Mangal Sein :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) the reasons for the short supply of water in the canals in the year 1965-66 ;

(b) whether Government has received any complaint or information to the effect that there is shortage of water in the various canals ; if so, the details of the remedial measures adopted by the Government in this connection ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Failure of monsoons and winter rains.

(b) Yes.

(i) Programme for rotational running of various branches was framed for equitable distribution of available supplies.

(ii) Maximum use was made of the Jagadhri Tubewells to augment supplies.

(iii) A project for sinking of tube-wells in the Western Jamuna Tract for supplementing canal supplies has been taken in hand.

(iv) Five Lift Irrigation Schemes from canals have been sanctioned in the famine affected areas to provide relief.

(v) A number of Minor Irrigation Schemes planned to yield quick results have been taken in hand.

(vi) About 11,000 private tube-wells are being electrified.

(vii) All pumping sets of the Drainage Department were placed at the disposal of Agriculture Department for lifting water for irrigation from drains and depressions.

स्पीकर साहिब, जो चौथा हिस्सा है उस में जो 5 है उस की बजाए 7 हो गई हैं। दो स्कीम्ज़ सैंकशन हो गई हैं।

**श्री मंगल सेन** : इन्होंने जवाब में यह बताया है कि इतनी स्कीमें सैंकशन हुई हैं, कहीं ट्यूबवैल्ज़ लगाए जा रहे हैं, इतनी स्कीमें पेश हुई हैं। मैं आप के द्वारा इन से यह पूछना चाहता हूं कि जो इतना भयानक अकाल पड़ा हुआ है उस का सामना करने के लिये और खेतों को तुरन्त पानी पहुंचाने के लिये कौन से कदम उठाए जा रहे हैं ?

**मंत्री** : इस बारे में जो स्कीमज़ हैं जैसे परकोलेशन वैल्ज़ लगाने के बारे में या जहां पर डिप्रैशन है वहां पर पानी उठाने के लिये पम्पिंग सैट्स लगाने और ट्यूबवैल्ज़ लगाने का काम पूरे जोर से चालू है। फेमिन वाले अलाकों में लिफ्ट इरीगेशन की स्कीमों पर बड़ी तेज़ी से काम हो रहा है। कैनाल इरीगेशन की स्कीमों पर भी काम चालू है। यह बात नहीं है कि मंजूर तो कर दी हैं मगर काम चालू न हुआ हो।

**श्री मंगल सेन** : आप ने बताया है कि ट्यूबवैल्ज़ चालू कर दिये हैं। जब आप ने देखा कि मौनसून फेल हो गई है, भाखड़े में पानी नहीं है, डिफैक्टिव डिस्ट्रिब्यूशन हुई है तो आप बताएं कि आप ने पानी की कमी को पूरा करने के लिये तुरन्त कितने ट्यूबवैल्ज़ को बिजली दी ?

**मंत्री** : इस साल में 9-10 हजार के करीब ट्यूबवैल्ज़ इलैक्ट्रीफाई हो चुके हैं।

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कैनाल्ज़ में जैसे कि वैस्टर्न जमुना कैनाल, सिरसा कैनाल में पानी रोटेशन से न दिये जाने के क्या कारण हैं ?

**मंत्री :** ऐसी कोई बात अगर आनरेबल मैम्बर के नोटिस में हो तो वह बता दें पता कर के बता सकूंगा। हर एक कैनाल के बारे में जिस रोटेशन से पानी दिया जाना था उस के मुताबिक दिया गया है कि नहीं यह मालूम नहीं। अगर कोई कमी होगी तो पूरी कर दी जाएगी।

**ਸਰਦਾਰ ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗੋਗੋਆਣੀ :** ਕੀ ਮੌਜੂਦਾ ਦੋ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਗੋਬਿੰਦ ਸਾਗਰ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਿਕਦਾਰ ਤੇ ਫਰਕ ਪਿਆ ਹੈ ?

**मंत्री :** नहीं, इन से कोई खास फर्क नहीं पड़ा। थोड़े ही दिनों के लिये 400–500 क्यूसैक्स की बढ़ोत्री हुई है।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ :** ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਸਾਲ ਔੜ ਲਗੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਗਏ ਤਾਂ ਕੀ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦੀਆਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਅਤੇ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਮਲ ਹੋਇਆ ?

**मंत्री :** ड्राईएरियाज़ को ज्यादा से ज्यादा फर्स्ट प्रायर्टी दे कर बिजली देने की हिदायात की गई हैं।

**श्री हुक्म मल :** मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि पानी की कमी के मसले में कुदरत पर ही क्यों डिपैंड किया जाता है, और कोई इन्तज़ाम क्यों नहीं किये गए ?

**मंत्री :** स्पीकर साहिब, मैं आप की इजाज़त से अर्ज करना चाहता हूं कि सर्वे करने के बाद इस बात का अन्दाज़ा लगाया गया है कि महज़ बारिश या दरियाओं के पानी पर इनहिसार करना मुनासिब न होगा। पिछले 17–18 साल के हालात ऐसे थे कि ज्यादा बारिशों और फलड्ज़ की वजह से यहां पर तकलीफ थी। यह ख्याल नहीं था कि इस तरह के डराट के हालात एकदम हो सकते हैं जो इस साल हुए हैं। जो कि पहले इस सारी सैंचरी में कभी नहीं हुए। इस बात का अन्दाज़ा लगाया गया है कि जितना पानी भाखड़ा और दूसरे रैज़रवायरज़ से अवेलेबल है उतना ही पानी अन्डर ग्राउंड अवेलेवल है और उस का फायदा उठाने के लिये ज़रूरी अकदामात किये जा रहे हैं।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, the other day, the hon. Chief Minister while replying to the Debate on the Governor's Address stated that 7,000 Tubewells have been energised. The hon. Minister for Irrigation and Power in reply to one of the Supplementary Questions today has been pleased to state that about 9,000 or 10,000 Tubewells have been energised. Will he be pleased to state as to which of these two statements is correct ?

**मंत्री :** दोनों ही ठीक मान लो। जिस से आप ज़्यादा खुश हो सकते हैं वही मान लो।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Mr. Speaker, Sir, the supplementary question that I have put cannot be smiled away. There is, Sir, a difference of 2,000 Tubewells.

**Minister for Education**: Sir, the two replies pertain to two different dates. The Government is not static. Everyday more than 150 tubewells are energised. So, the difference of 2,000 tubewells is due to difference in dates.

**Pandit Chiranji Lal Sharma**: Sir, will the hon. Minister for Education be pleased to state whether this difference of 2,000 tubewells was made up within a day or two because it is only the other day that the hon. Chief Minister was pleased to state that 7,000 tubewells have been energised ?

**सिचाई तथा विद्युत मंत्री** : स्पीकर साहिब, उन के पास पहले की फिगर्ज़ होंगी। यह अप टू डेट हैं जो हम ने अभी कल ही मंगाई हैं। सरकार के पास रोज़ाना तो इत्तलाह आती नहीं है। चूंकि यह कल ही दरियाफत किया था तो उन्हों ने बताया कि 9–10 हज़ार ऐनरजाईज़ हो चुके हैं।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਹੜੀ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਦੀ ਸ਼ਾਰਟੇਜ ਸੀ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਬਾਰ ਬਾਰ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਅਤੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਟਯੂਬਵੈਲਜ਼ ਨੂੰ ਐਨਰਜਾਇਜ਼ ਤਾਂ ਕਰ ਦੇਈਏ ਪਰ ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਦੀ ਸ਼ਾਰਟੇਜ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਸ਼ਾਰਟੇਜ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ?

**मंत्री** : यह दरुस्त है कि शुरू शुरू में बिजली के सामान की कमी थी। मैटीरियल की शर्टेज थी और बोर्ड को इस बात का पता न था कि सरकार की तरफ से किस कदर रूपया मिलेगा लेकिन कोई दो महीनों के बाद ही उस शार्टेज को पूरा कर दिया गया और यह कमी सितम्बर और अक्तूबर में पूरी कर दी गई थी। लेकिन 10 हजार टयूबवैल्ज़ अब तक एनरजाइज कर दिए गए हैं। और इस वजह से अब फिर शार्टेज महसूस हो रही है जिस का इन्तज़ाम किया जा रहा है।

**ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲੇ ਦੀਆਂ ਨਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਬਾਕੀ ਦੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਪਾਣੀ ਕਿਉਂ ਘਟ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਸਮਸਿਆ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਕੇ ਇਨਾਂ ਨਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੇਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

**मंत्री**: इस के मुतालिक स्पीकर साहिब, एक कमेटी बनाई गई थी जिस में 3 आफिसर थे दो इन्जीनियर और एक एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट का। इस कमेटी ने रिडिस्ट्रव्यूशन आफ कैनाल वाटर पर सोच विचार किया कि किन किन इलाकों में पानी की ज़्यादा ज़रूरत है और पानी कम दिया जा रहा है और जहां पर पानी की कम ज़रूरत है वहां पर ज़्यादा दिया जा रहा है तो उस को एडजस्ट कर दिया जाए और इस तरह से पानी को एडजस्ट किया जा रहा है।

**चौधरी नेत राम**: क्या माननीय मन्त्री महोदय बताएंगे कि पानी की कमी की वजह से और पानी की तकसीम के ढंग के खराब होने के कारण जो नुक्सान हुआ है और जहां पर रिश्वत अफसरों ने खा कर मोघा ऊंचा कर दिया और कहा जाता है कि जिस ने 1,000 रुपया दिया उसको पानी दिया गया और बाकी के राजबाहे के पानी को खराब किया गया तो क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि इस का क्या इन्तजाम किया गया है और जिन जिन अफसरों के खिलाफ शिकायतें आई कि उन्हों ने अच्छे ढंग से पानी को तकसीम नहीं किया और रिश्वत ली

उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की है और ठीक ढंग से पानी की सप्लाई को जारी करने के लिये क्या कदम उठाए हैं ?

**मंत्री :** सवाल तो इतना लम्बा कर दिया गया है । वैसे जहां पर पानी कम मिलने की वजह से फसलों को नुक्सान हुआ है उन को रिलीफ देने के बारे में रूल्ज़ बने हुए हैं और उन रूल्ज़ के मुताबिक रिमिशन आबियाना में लाज़मी तौर पर दिया जाता है। बाकी ड्राट के बारे में तकावी मंज़ूर की गई हैं और इस के लिये स्पैशल गिरदावरी कराई गई थी, जहां पर कि पानी न मिलने की वजह से फसलों को नुक्सान हुआ है, ताकि रिमिशन दी जा सके और जहां तक शिकायतों का सवाल है जो पनसाल नवीसों के खिलाफ की गई और भी जहां पर किसी किस्म की गड़ बड़ की गई और जो सरकार के नोटिस में आई हैं उन के खिलाफ एक्शन लिया गया ।

**पंडित मोहन लाल दत्त :** क्या सिंचाई मंत्री कृपया बताएंगे कि हिल्ली एरिया में जहां पर ज़मीन सख्त है और बोरिंग के लिये सरकार के पास कोई रिग नहीं थी तो क्या बड़ा रिग मंगवाने का प्रबन्ध किया जाएगा ?

**पशु पालन तथा कृषि राज्य मंत्री :** रिग्ज़ का इन्तज़ाम किया जा रहा है ।

**श्री जगन्नाथ :** क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि मेरे हलका पर तो इनकी ठंडी नज़र है तो क्या लोहारू और भिवानी में, जो बैकवर्ड इलाका है, ट्यूबवैल्ज़ को प्रायरटी पर कुनैक्शन देने का प्रबन्ध किया गया है, अगर नहीं तो इस के क्या कारण हैं ?

**सिंचाई तथा विद्युत मंत्री :** गवर्नमैंट की तरफ से इन्स्ट्रक्शन्ज़ जारी हैं कि लोहारू और भिवानी का जो एरिड इलाका है उस में ट्यूबवैलों को टाप प्रायरटी पर एनरजाइज़ किया जाए । अगर आनरेबल मैम्बर के पास कोई शिकायत हो तो सरकार के नोटिस में लाएं, ज़रूर ऐक्शन लिया जाएगा ।

**श्री बनवारी लाल :** क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि अभी अभी इन्होंने फरमाया है कि पम्पिंग सैट्स को एनरजाइज़ करने के लिये इन्स्ट्रक्शन्ज़ जारी कर दी गई हैं तो वह इंस्ट्रक्शन्ज़ क्या हैं और कब जारी की गई ?

**मंत्री :** इन्स्ट्रक्शन्ज़ यही जारी की गई हैं कि टाप प्रायरटी दी जाए ।

**श्री फतेह चन्द विज :** क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि इस पंजाब सरकार के पापों की वजह से जो मुसीबत किसानों पर आई है उसको सुधारने की कोशिश की जा रही है या की गई है ?

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I, Sir, ask the Honourable Minister if the Government would consider the desirability of starting thermal plants to meet the shortage of supply of water for want of rains?

**राओ निहाल सिंह :** क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि सरकार ने जो एलान किया था कि 750 रुपए की सबसिडी ट्यूब वैलों के लिये दी जाएगी तो इस पर कहां तक अमल किया गया है ?

**मंत्री :** आप अगर अलग नोटिस दें तो पता कर के बता दूंगा ।

**कामरेड जंगीर सिंघ जोगा :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸ਼ਰਾ ਬਠਿੰਡੇ ਵਿਚ 1—8 ਹੈ ਹਾਲਾਂਕਿ ਬਾਕੀ ਸਾਰੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ]

ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਨੂੰ ਵਧਾਣ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਇਸ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਪਹਿਲ ਕਦਮੀ ਕਰੇਗੀ ?

**मंत्री :** बिजली के बारे में पोज़ीशन यह है कि जिन गांवों में ट्यूब वैलों के लिये रिक्वैस्ट आई है उन के लिये बिजली दी जाएगी लेकिन जहां से ट्यूबवैलों के लिये कोई रिक्वैस्ट नहीं है वहां पर मुश्किल है, वैसे ड्राई एरियाज़ में प्रायरटी दी जा रही है ।

---

**Embezzlement in Talu Minor Extension Case**

*9274. **Shri Amar Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) the total amount alleged to have been embezzled in the Talu Minor Extension case in Hissar District ;

(b) the action so far taken against the officials responsible in this respect ;

(c) a copy of the enquiry report, if held/completed in connection with the said case, be laid on the Table of the House ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Rs 18,995.00.

(b) Two Sectional Officers have been placed under suspension. Sub-Divisional Officer and Executive Engineer concerned have been charge sheeted and transferred.

(c) Inquiry is still in progress.

**श्री अमर सिंह:** क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि यह इन्क्वायरी किस के हवाले की गई और कब तक इसका फैसला हो जाएगा ।

**मंत्री :** यह इन्क्वायरी एस.ई. ड्रेन्ज, श्री ढिल्लों ने की और बाकी तो सारी मुकम्मल है लेकिन स्टेट बैंक से और पुलिस के डी. आई. जी., सी. आई. डी. की तरफ से कुछ इन्फरमेशन आनी बाकी है ।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि इस केस में 18 हज़ार से ऊपर का गबन किया गया तो क्या इस केस को पुलिस ने रजिस्टर किया, अगर नहीं किया तो क्या कारण है ?

**मंत्री :** इस में सोसाइटी को ओवरपेमैन्ट हुई थी उनका और भी काम था तो उस से पेमैन्ट कोई पांच छः हज़ार के करीब वसूल किया गया है । लेकिन इस केस को पुलिस के पास रजिस्टर नहीं किया गया ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** May I ask the honourable Minister as to why the case was not registered with the Police when it was a case of clear embezzlement of thousands of rupees ?

**मंत्री :** यह जो ओवरपेमैंट का क्वैश्चन है इस की सारी डिटेल्ज़ में मैं नहीं जाना चाहता, क्या वजह थी कि ओवरपेमैंट की गई. इस का जवाब भी इन्क्वायरी के बाद ही देना मुनासिब होगा ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** Sir, I rise on a point of Order. Mr. Speaker, I had simply asked if it was a case of embezzlement of about Rs 18,000, why was a case for this embezzlement not registered ? But it has been stated that it was a case of overpayment. Does the overpayment not amount to embezzlement ? If not, why not ?

**Mr. Speaker :** It is no point of Order. It could be a supplementary question.

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** It may by treated as a supplementary question Sir.

**Mr. Speaker :** No, please, I am sorry.

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक:** क्या मिनिस्टर साहिब अब केस रजिस्टर कराने को तैयार हैं ?

**मंत्री :** चूंकि यह केस बहुत पुराना हो चुका है इस लिये अब इस को रजिस्टर करा कर अदालत में कामयाबी हासिल करना एक मुश्किल सी बात है ।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** इस ओवर पेमैंट होने का डिपार्टमैंट को कब पता लगा ? जो इन्कवायरी हो रही है यह कब तक कम्पलीट हो जाएगी ?

**मंत्री :** इस ओवर पेमैंट का 1965 में पता लगा था । यह इन्कवायरी अब कम्पलीट हो चुकी है सिर्फ डी. आई. जी ( सी. आई. डी.) से इस के मुताल्लिक रिपोर्ट आनी बाकी है ।

**श्री अमर सिंह :** क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि यह एम्बैज़लमैंट अक्जैक्टिव इंजीनियर के रैलेटिव को कंटरैक्ट लेकर देने की वजह से तो नहीं हुआ ? या कोई और कारण है ?

**मन्त्री :** स्पीकर साहिब, यह केस अभी क्योंकि फाईनेलाईज़ नहीं हुआ इस लिये इस की और ज़्यादा डिटेल्ज़ में जाना मुनासिब नहीं है ।

---

**Compensation to Beas Dam Oustees**

***9295. Thakur Mehar Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) the details of the compensation proposed to be paid to the Beas Dam Oustees for their lands and houses to be submerged under the Dam water or to be acquired otherwise by the Government ;

(b) the details of the concessions being offered to the oustees for employment in the Dam construction and other jobs at the Dam site ;

(c) the total number of oustees referred to above already absorbed in such employment ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Compensation of land is assessed according to the provisions in the Land Acquisition Act, 1894. Classification of land as obtaining at present is taken into consideration. As regards compensation of houses, the same is worked out on the basis of rates as contained in P.W.D. Common Schedule of Rates applicable to Hlily Areas and Plains as the case may be.

(b) First preference for employment on construction of Beas Dam is given to workmen rendered surplus from Bhakra Dam and second preference to the oustees of Beas Project whose land has been—would be acquired by the Project Authorities. Workmen from other sources are only recruited when suitable candidates amongst Bhakra retrenchees and oustees are not available.

(c) So far 6,745 oustees have been offered employment on Beas Dam.

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** क्या वज़ीर साहिब बता सकते हैं कि ब्यास डैम में कितने परसैंट इम्पलायमैंट फोर्थ, थर्ड ग्रेड और सुपरवाईजरी स्टाफ को दी गई है ?

**मन्त्री :** इसके लिये परसैंटेज कोई मुकर्रर नहीं है । भाखड़ा डैम का जितना भी रिट्रैंचड स्टाफ अवेलेबल हो सका। उस सारे के सारे को एबज़ार्व करने की कोशिश की गई है।

**श्रीमती सरला देवी :** वरकंज़ की तरफ से जो रिप्रैंजन्टेशन इस सम्बन्ध में गवर्नमैंट को दिया गया था उस में कहा गया था कि जो पुराने वरकर्ज़ को निकाल कर, सिफारिशी लोगों को भर्ती किया जा रहा है, इस पर सरकार की तरफ से क्या ऐक्शन लिया गया है ?

**मन्त्री :** इस शिकायत को रैप्रिज़ैंटिवज़ और जैनरल मैनेजर से आपस में डिस्कस करके रफा कर दिया गया है।

**Sardar Balwant Singh :** May I know the number of land-owners whose land has been acquired and whether all the land-owners have been paid full compensation for their land acquired ?

**मन्त्री :** टोटल एरिया जो एक्वायर होना है वह 72,208 एकड़ है, इस में से 11,875.42 एकड़ एक्वायर हो चुका है। लैंड ओनर्ज़ की तादाद एक्चुअल तो इस वक्त दे नहीं सकता यह तकरीबन 27,000 या 30,000 के करीब लिखी हुई है।

**श्रीमती सरला देवी :** जो रिप्रैंजटेशन आई इस के मुताबिक आफिसर्ज़ की क्या बात-चीत हुई। सारी लिस्ट के मुताबिक आया उन्हें रखा गया है या नहीं ?

**मन्त्री :** जो भी भाखड़ा डैम से हटाया गया है खास तौर पर उन चन्द लोगों को छोड़ कर जिन्हों ने हमारे इनवीटेशन को एक्सैपट नहीं किया बाकी सब को ब्यास डैम या इलैक्टरीसिटी बोर्ड में एबजार्ब कर दिया गया है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** जिन भाखड़ा डैम के रिट्रैंचड एम्पलाईज़ को पोंग डैम या ब्यास डैम पर लगाया गया है क्या उनकी पुरानी सर्विसज़ को भी साथ ही काऊंट किया गया है या नहीं ?

**मन्त्री :** उन की पिछली सर्विस के राईटस को प्रिजर्व किया गया है।

**प्रिंसिपल रला राम :** क्या सरकारी आफिशियलज उन रिट्रैंचड इम्पलाइज़ को जिन को तलवाड़ा पोंग डैम या ब्यास डैम पर ऐबजार्ब किया जाता है परसनली जा कर चैक अप भी करते हैं ?

**मन्त्री :** इसके लिये बाकायदा इन्स्ट्रक्शन्ज़ हैं, उनको चैक अप भी किया जाता है।

---

**Payment of compensation for land covered by Chand Bhan and Bassian Outfall Drains to the land owners concerned in tehsil Moga, district Ferozepur**

***9350. Comrade Gurbakhsh Singh Dhaliwal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether compensation for the land covered by Chand Bhan and Bassian Outfall Drains has since been paid to the land owners of the villages in tehsil Moga, district Ferozepur ;

(b) if the full compensation has not been paid to the landowners concerned, the reasons therefor ;
(c) the total amount of compensation paid so far ;
(d) the details of the amount of compensation not yet paid in each of the said villages ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) Yes, except for village Nangal.
(b) Time taken in the finalisation of award.
(c) Rs 3,58,052.25 P.
(d) *Village Nangal.*—Rs 21,873.

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਚੰਦ ਭਾਨ ਅਤੇ ਬਸੀਆਂ ਡਰੇਨਾਂ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਐਕੁਆਇਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਇਹ ਕਿਸ ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਫਾਈਨੇ-ਲਾਈਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਇਸ ਦਾ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਅਜੇ ਕਿਤਨਾ ਕ ਬਕਾਇਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ ?

**मंत्री** : तारीख तो मुझे याद नहीं है, मगर अभी 21,000 रुपये की पेमैंट बांकी है, तीन लाख की पेमैंट हो चुकी है ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਕੀ ਸੈਦੋ, ਭਾਗੀਕੇ ਤੇ ਨੰਗਲ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਜਿਥੋਂ ਦੀ ਕਿ ਚੰਦ ਭਾਨ ਅਤੇ ਬਸੀਆਂ ਆਊਟਫਾਲ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ?

**मंत्री** : नंगल के अलावा सब का कम्पैनसेशन दे दिया गया है ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਬਸੀਆਂ ਆਊਟ ਫਾਲ ਡਰੇਨ ਸੈਦੋਕੇ ਭਾਗੀਕੇ ਬਗੈਰਾ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ, ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦੇਣ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਰਖਦੀ ਹੈ ?

**मंत्री** : इस के लिए अगर आप अलग नोटिस देंगे तो पूछ कर बताया जा सकता है ।

---

**Bricks purchased by Ladwa Tube well Sub-Division, district Karnal**

***9373. Sardar Piara Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

(a) whether the Ladwa Tubewell Sub-Division, district Karnal, puchased bricks from Shri Sunder Singh -Rattan Singh, Kiln owners from their kiln at village Ram Saran Majra about seven or eight years ago and that the bricks wre allowed to remain at the site of the said kiln after making the payment of the price thereof, if so, the number of bricks belonging to the tubewell department which are still lying at the site of the kiln of the said firm ;
(b) whether the kiln-owners referred to in part (a) above have written to the said department for taking over the bricks or have the price threof refunded ; if so, the action taken thereof ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) Yes, 5,94,630 pucca bricks were purchased in 1957-58 but now only 1,26,820 bricks are lying at kiln site.
(b) Yes, action is being taken to dispose of the surplus bricks.

**ਸਰਦਾਰ ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ 7 ਜਾਂ 8 ਸਾਲ ਦਾ ਅਰਸਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਭੱਠੇ ਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ 6 ਲਖ ਇੱਟ ਪਈ ਹੈ। ਭੱਠੇ ਵਾਲੇ ਉਸ ਦਾ ਪੈਸਾ ਵੀ ਲੈ

[ਸਰਦਾਰ ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ]

ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਇੱਟਾਂ ਲੈ ਜਾਉ ਤੇ ਜਾਂ ਪੈਸੇ ਹੀ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਉ ਪਰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੀ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

**मन्त्री :** अगर सैपेरेट नोटिस दे दें तो बता दूंगा।

**कामरेड राम प्यारा :** क्या इरीगेशन मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि जब गवर्नमैंट को और डिपार्टमैंट को ईंटों की ज़रूरत नहीं थी तो उस वक्त इतनी ईंटें क्यों खरीदी गई थीं। क्या यह हकीकत है कि उस वक्त जो एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी थी उसके साथ सप्लायर्ज मिले हुए थे और उन के प्रैशर से यह काम हुआ ?

**मन्त्री :** यह ईंटें ट्यूबवैल्ज के लिये मुकर्रर हुई थीं, बाद में वाटर कोर्स की एलाइनमेंट हुए और उसे रिप्लेस करने की स्कीम बाद में बना कर दी है जिस की वजह से कुछ ईंटें सरप्लस रह गईं, बाकी की इस्तेमाल कर दी गई हैं।

**कामरेड राम प्यारा :** क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि जब ईंटें वहां सरप्लस हो गई और गवर्नमैंट के इरीगेशन और ट्यूबवैल डिपार्टमेंट के काम चालू हैं तो इतने अर्सा में यह ईंटें काम में क्यों नहीं लाई जा सकीं ? वह खराब हो रही हैं।

**मन्त्री :** क्योंकि ट्यूबवैल का अकाऊंट अलग है, इस लिये वह डिसपोज़ आफ करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि अगर ज़रूरत पड़े तो इस्तेमाल हो सकें। उनके खराब होने का तो सवाल नहीं।

---

**Area eroded by Swan Nadi in tehsil Una, district Hoshiarpur**

***9377. Shri Surinder Nath Gautam** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) the total area in acres eroded by the Swan Nadi in Una tehsil, district Hoshiarpur ;

(b) the details of the steps taken by the Government to stop such erosion and the result thereof ;

(c) the total expenditure already incurred by the Government on the scheme formulated to stop such erosion with the details thereof and the time by which it is likely to be completed ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) No survey has been carried out. However, large area has been eroded due to river action.

(b) The following steps have been taken or formulated to give protection :—

(1) Spurs have been constructed at Oel, Mubarakpur, Bhaira, Santokhgarh and Ahelgram to save these villages and their fertile land.

(2) A scheme of canalizing Swan Nadi from the Una Bridge to its confluence with river Sutlej was sent to the Technical Committee but was deferred due to paucity of fund.

(3) A scheme to canalize Swan Nadi Up-stream of Una Bridge upto Dharmsala-Hohiarpur Road is under consideration.

(c) Total expenditure of Rs 583,000 has been incurred on works B(1). The cost of the Scheme at B(2) is Rs 38.2 lacs and the time by which it can be taken up and completed cannot be given due to paucity of funds.

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौत्तम :** क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि तहसील ऊना जो बैकवर्ड हिल्ली एरिया में वाक्या है इसकी सर्वे आज तक नहीं की गई कि स्वां नदी जो 40 मील लम्बी

और 3 मील चौड़ी है जिस से काफी जमीन दर्याबुद हो चुकी है इस के मुताल्लिक सर्वे कराने में गवर्नमेंट को क्या दिक्कत पेश आ रही है ?

**श्री जगन्नाथ:** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर।

* * * *

**Mr. Speaker :** Please withdraw these words.

**श्री जगन्नाथ :** मैं विदड्रा करता हूं।

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौत्तम :** * * *

* * * * *

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर। जो कुछ श्री जगन्नाथ और श्री गौत्तम ने एक दूसरे के बारे में कहा है वह प्रोसीडिंगज़ का हिस्सा नहीं होगा। (Order, please. Whatever remarks have been made by Shri Jagan Nath and Shri Gautam against each other, will not form part of the proceedings.)

**मन्त्री :** स्वां नदी की सर्वे करवाई जा चुकी है इस बात की कि कितना रकबा इरोड हो चुका है। इस के अलावा सर्वे नहीं हुई। उसके लिये स्कीम है कि स्वां नदी की इरोज़न को कैसे रोका जा सकता है, वह बनी हुई है। एक स्कीम पर काम चालू है। दूसरी स्कीम पर 30 लाख रुपया खर्च होना था। वह टैक्नीकल कमेटी में रखी गई थी लेकिन वहां से डिसीजन डैफर कर दिया गया फंड्ज़ की कमी की वजह से।

**पंडित मोहन लाल दत्त :** क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछड़े हुए इलाके में इस नदी ने हज़ार हा एकड़ ज़मीन बरबाद कर दी है छोटे छोटे किसानों की। क्या इस सम्बन्ध में सरकार कोई ठोस कदम उठाने के लिये तैयार है जैसे कि पाइलट प्राजैक्ट के तौर पर लिया जाए और रुपया खर्च किया जाए ?

**मन्त्री :** यह 30 लाख रुपए की जो स्कीम है वह मन्जूर नहीं हुई। उसके बाद दूसरी स्कीम बनी है जिस पर 25 लाख रुपया खर्च होना है। वह टैक्नीकल कमेटी में ले जा रहे हैं। मन्जूर होने पर खर्च किया जाएगा।

**ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ :** ਜਿਹੜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਕੀਮ ਬਣਾਈ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਟੋਟਲ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਾਸਟ ਕਿੰਨੀ ਹੈ ? ਆਇਆ ਫੋਰਥ ਪਲੈਨ ਵਿਚ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਪਰੋਵਾਈਡ ਕੀਤਾ ਹੈ ਸਵਾਂ ਨਦੀ ਨੂੰ ਚੈਨੇਲਾਈਜ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਯਾ ਨਹੀਂ ?

**मन्त्री :** उसकी एस्टीमेटिड कास्ट यह है कि एक स्कीम 30 लाख रुपये की है और दूसरी 25 लाख रुपये की है, फोर्थ प्लैन में किस कदर रुपया मिले वह कहना मुश्किल है।

---

*Note.—Expunged as ordered by the Chair.

**पंडित मोहन लाल दत्त** : यह काम बहुत बड़ा है। क्या सरकार इस सुझाव पर गौर करने के लिये तैयार है कि कुछ फंड पंचायतों और समितियों के सुपुर्द किए जाएं ताकि लोगों की सहायता से यह खर्च किया जाए ?

**मन्त्री** : बहुत अच्छा ख्याल है, अगर पंचायतें और समितियां खुद काम करें तो कोशिश करनी चाहिए।

---

**Land acquired for widening Saraswati Drain in Pehowa Sub-Division, Karnal**

***9396. Sardar Piara Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to—

(a) lay on the Table of the House a list containing names and full addresses of the land-owners whose lands have been acquired by the Government for widening the Saraswati Drain in the Pehowa Sub-Division, Karnal ;

(b) state whether the landowners referred to in part (a) above have been paid any compensation for the land acquired from them; if so, the number of such land-owners ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) The labour involved in collecting the information will not be commensurate with the benefit likely to accrue.

(b) No compensation has been paid so far.

**ਸ੍ਰੀ ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਅਗਨੀਹੋਤਰੀ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਦੋਂ ਤਕ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਮਿਲ ਜਾਵੇਗਾ ?

**मंत्री** : जो लैंड ओनर्ज़ थे उन के अवार्डज़ अवेटिड हैं लैंड एकवीज़ीशन अफसर की तरफ से। उस के बाद फंडज़ मिलने पर कम्पैनसेशन की अदायगी की जाएगी।

**ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ** : ਜਿਹੜਾ ਸਾਡਾ ਲਾ ਹੈ ਐਕਵੀਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਲੈਂਡ ਐਕਵਾਇਰ ਕਰਕੇ ਐਕਚੁਅਲ ਪੋਜ਼ੈਸ਼ਨ ਲੈਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਲਈ ਕਿਤਨਾ ਵਕਫਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**मंत्री** : यह तो लैंड एकवीज़ीशन अफसर की ज्यूडीश्यल परोसीडिंगज़ होती हैं। उस में न कोई किसी डिपार्टमैंट का ताल्लुक है और न ही कोई टाईम लिमिट होती है।

**चौधरी नेत राम** : जिन ज़मीन वालों को सरकार की तरफ से कोई मुआवज़ा मिलना होता है उस के लिये कोई म्याद मुकर्रर होती है। अगर किसी कारण से उन को आज तक नहीं मिला तो कब तक मिल जाएगी ?

**मन्त्री** : नहीं जी, कोई म्याद नहीं होती।

**Pandit Chiranji Lal Sharma** : May I ask the hon. Irrigation and Power Minister as to when this land was acquired ?

**Minister** : In 1965.

**कामरेड राम प्यारा** : क्या इरीगेशन मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि इसी हाउस में गवर्नमैंट की तरफ से किसी वक्त यह ऐलान हुआ था कि ज़मीन एक्वायर होने के बाद छः महीना के अन्दर अन्दर कम्पैनसेशन दे दिया जाएगा।

**मन्त्री** : मुझे तो याद नहीं जी।

---

**Workers retrenched in Bhakra Dam Administration**

***9417. Shri Surinder Nath Gautam** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) the total number of workers retrenched upto 31st January, 1966 in the Bhakra Dam Administration, with the details thereof category-wise ;

(b) whether all the retrenched workers referred to in part (a) above have been provided with alternative jobs on other projects ; if so, the details of such workers, category-wise upto-date, together with the names of the projects where they have been absorbed ;

(c) whether there is any likelihood of further retrenchment of the workers in the Bhakra Dam Administration in 1966 ;

(d) if the answer to part (c) above be in the affirmative, the number of workers likely to be retrenched category-wise and the details of the scheme, if any, formulated to provide alternative jobs to such workers on other projects ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) Since the beginning of Bhakra-Nangal Project 8,063 workers have been reduced upto 31st January, 1966, as per details given below, category-wise :

| | | |
|---|---|---|
| (i) Supervisory, Skilled and Semi-skilled | .. | 6,723 |
| (ii) Unskilled | .. | 1,340 |
| Total | .. | 8,063 |

(b) 5,325 workers were provided with alternative jobs on other projects, such as Beas Dam Project, Beas Sutlej Link Project, Hydel Uhl Project, Punjab State Electricity Board etc. as per details given below :—

| | | |
|---|---|---|
| (i) Supervisory, Skilled and Semi-skilled | .. | 5,182 |
| (ii) Unskilled | .. | 143 |
| Total | .. | 5,325 |

Project-wise record is not available.

(c) Yes.

(d) The approximate number of workers proposed to be reduced from Bhakra-Nangal Project, category-wise during the year 1966, is as under : —

| | | |
|---|---|---|
| (i) Supervisory Staff | .. | 77 |
| (ii) Skilled Staff | .. | 372 |
| (iii) Semi-skilled Staff | .. | 58 |
| (iv) Unskilled Staff | .. | 348 |
| Total | .. | 855 |

All the surplus workmen are offered to the Beas Projects, Beas-Sutlej Link and Uhl Hydel Project for employment, and such senior workmen, as can be absorbed are offered alternative employment on these Projects. Lists of such workmen as cannot be absorbed on these Projects are circulated to various prospective employers throughout India as per statement placed on the Table. Further, the names of the surplus

[Irrigation and Power Minister]

workmen are got registered in the Employment Exchange, Nangal Township which helps them to get jobs elsewhere. Only such workmen are retrenched as do not want to take up alternative jobs and who cannot be absorbed at any other place.

STATEMENT.

1. The Financial Commissioner, Planning and Secretary to Govt. Punjab Chandigarh.
2. The Director of Employment, Punjab, Chandigarh.
3. Dr. S. N. Channa, Director of Employment Exchanges, Govt. of India Ministry of Labour and Employment, New Delhi.
4. The General Manager, Beas Project, Talwara Township.
5. The Commander, General Reserve Engineering force, Centre, Rcorkee.
6. The Chairman, Punjab State Electricity Board, Patiala.
7. The Director Construction Beas Dam Project Talwara Township.
8. The Provincial Transport Controller Punjab Chandigarh.
9. The Superintending Engineer, Beas Sutlej Link Mech. Circle, Nangal.
10. The Superintending Engineer, Uhl Constn. Circle, Palampur.
11. The Superintending Engineer, Beas Sutlej Link Civil Circle Mandi.
12. Director, Inspection and Control Nangal.
13. Shri S. N. Agnihotri, Constn. Supdt. National Project Constn. Corp. Ltd. Durgapur (West Bengal)
14. The Manager, Heavy Electrical, Bhopal.
15. The Manager, Heavy Electrical Hardwar.
16. The Personnel Officer, Beas Dam Project. Talwara Town Ship
17. The Executive Engineer, Personnel, Beas Sutlej Link, Mandi (H. P.)
18. The Executive Engineer, Hydel Uhl Constn. Division, Joginder Nagar.
19. The Executive Engineer, Ram Ganga Dam Division II Kalagarh (Bijnor) U. P.
20. All Executive Engineers, Dte of C and P Design, Nangal Township.
21. S. D. O. Retrenchment Compensation, Nangal Township.
22. District Employment Officer, Employment Exchange, Nangal.
23. General Manager, Punjab Roadways (1) Amritsar.
24. Ditto (2) Jullundur.
25. Ditto (3) Pathankot.
26. Ditto (4) Chandigarh.
27. Ditto (5) Ambala.
28. Ditto (6) Gurgaon.
29. Senior Personnel Officer, Fertilizer Corporation of India, Naya Nangal.
30. Chief Engineer, (Drainage) Irrigation Works, Pb. Chandigarh.
31. Chief Engineer, (Projects) Irrigation Works, Punjab Chandigarh.
32. Chief Engineer, Ram Ganga Project, (U. P.)
33. Chief Engineer, P. W. D. B. and R. Branch, Patiala.
34. Chief Engineer, and Secretary, P. W. D. Himachal Pradesh Simla.
35. Chairman, C. W. and P. C. New Delhi.
36. General Manager, and Chief Engineer, N. P. C. C. New Delhi.
37. General Manager, Northern Railway, New Delhi.
38. Shri M. K. Bhardwaj Labour Officer, Fertilizer corporation of India Naya Nangal.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, आप का कई बार रूलिंग आया है कि जवाब जब लम्बा हो तो टेबल पर रख देना चाहिए। इतना लम्बा जवाब जो मिनिस्टर साहिब अब पढ़ रहे हैं उस पर हम सप्लीमेंटरी कैसे कर सकते हैं ?

**श्री अध्यक्ष** : आफिस की तरफ से मुझे मालूम हुआ है कि इस सवाल के जवाब की कापी टेबल पर रख दी गई है। मगर मैम्बर साहिब ने उन को पढ़ने के लिये मजबूर किया था इस लिये वह पढ़ रहे हैं। (I understand from the office that a copy of the reply to this question has been laid on the Table. But the Member giving notice of the question compelled the hon. Minister to read out the reply, that is why the latter is reading it out.

**श्री सुरेन्द्र नाथ गौतम** : वज़ीर साहिब ने बताया है कि 8,063 वरकंज रिट्रैंच हुए हैं और उन में से 5,025 को आलटरनेटिव जाबज़ दिए गए हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि बकाया जो वर्कर्ज़ हैं उन को जाब क्यों नहीं दिए गए।

**Minister** : Out of this, 1,559 workmen did not get their regisration cards renewed from the Employment Exchange. Probably they belonged to the neighbouring areas and did not like to go away elsewhere on jobs. 983 workmen failed to respond to the interview cards etc. issued by the Employment Exchange. 190 persons declined to accept the offer offered by the Employment Exchange. 1,669 workmen out of 4,380 retrenched have been reabsorbed on projects like Beas Dam etc. Only 7 workmen remained on the live register of the Employment Exchange, Nangal. One could not be provided with any alternative job as there was no requirement of his trade from anywhere.

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਜਾਂਨਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਸਟਾਫ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਵੀ ਭਰਤੀ ਕਰ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਾਗਜ਼ ਵੰਡਦਾ ਫਿਰਦਾ ਹੈ ?

**Mr Speaker** : He is also Chief whip,

**श्री ओम प्रकश अग्निहोत्री** : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि जिन वरकरों को भाखड़ा डैम से रिट्रैंच किया गया और पौंग डैम पर लगाया गया है और जो रैगूलर एस्टैबलिशमैंट नहीं बल्कि वर्क चार्ज है और जिन्हें प्रोजैक्ट अलाउंस नहीं मिलता क्या उन को हिल अलाउंस दिया गया है ?

**Minister** : Notice please.

**चौधरी नेत राम** : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि सरकार जब वर्कर्ज की छांटी करती है तो पहले उन के लिये रोज़गार की तलाश करके करती है या वैसे ही अन्धा धुन्द छांटी कर देती है।

**मन्त्री** : जो आदमी रिट्रैंच करने होते हैं उन की छः माह पहले ही लिस्ट लगा दी जाती है और वहां से फारग होने से पहले ही उन को दूसरी जगह पर लगा दिया जाता है।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : भाखड़े से रिट्रैंच किए गए जिन वर्कर्ज़ को अभी तक दूसरे काम पर नहीं लगाया जा सका क्या उन से सरकारी मकान खाली करवा लिए गए हैं या उन के पास ही हैं ?

**मन्त्री** : इस के लिये नोटिस चाहिए ।

**श्रीमती सरला देवी** : अगर गवर्नमैंट के नोटिस में ऐसे केसिज़ लाए जाएं कि रिट्रैंचमेंट के बाद सीनियर आदमियों को छोड़ कर जूनियर आदमियों को चार्ज-हैड वगैरा लगाया गया तो क्या गवर्नमैंट उन जूनियर आदमियों को हटा कर सीनियर आदमियों को लगाने के लिये तैयार है ?

**मन्त्री** : अगर कोई ऐसा केस आप हमारे नोटिस में लाएंगे तो एग्ज़ामिन कर लेंगे ।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** ; ਕੀ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਐਸਾ ਫੈਸਲਾ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਰੀਟ੍ਰੈਂਚਮੈਂਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਨਾ ਕਢਿਆ ਜਾਵੇ । ਜੇ ਐਸਾ ਫੈਸਲਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਭਾਖੜੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਰੀਟ੍ਰੈਂਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ?

**मन्त्री** : भाखड़े के मुताल्लिक ऐसी कोई बात नहीं लेकिन जो दूसरे सरकारी महकमें हैं उन के बारे में फैसला है कि जब तक वह रिक्वायर्ड नम्बर से ज्यादा न हों उन को रिट्रैंच न किया जाए ।

**पंडित सुरेन्द्र नाथ गौत्तम** : क्या यह सही है कि यह जो वर्कर्ज़ रिट्रैंच किए जाते हैं उनके तनासुब से अफसर बहुत कम रिट्रैंच किए जाते हैं ?

**मंत्री** : इस के लिये सैपरेट नोटिस दें ।

---

**Electricity generated in 1965 and 1966**

***9236. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the quantum of electricity generated during 1965 and 1966 was lower than that generated during the years 1962, 1963 and 1964; if so, to what extent and whether the Government propose to instal thermal plants for generating electricity ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : 1965.—No.

1966.—Figures for the entire year cannot be given at this stage.

The rest of the question does not arise.

Thermal Diesel sets are under installation.

**श्री फतह चन्द विज** : जैसा कि इन्हों ने बताया है कि बिजली की शारटेज है तो मैं पूछना चाहता हूं कि थरमल प्लांटस जहां जहां पहले पानीपत, जगाधरी वगैरा में चलते थे क्या उन्हें चलाने के लिए वह गौर कर रहे हैं ?

**मन्त्री** : जितने थरमल प्लांटस या जनरेटिंग सैटस बोर्ड के हैं वह इस वक्त भी काम कर रहे हैं और आगे मज़ीद प्लांटस लगाने के लिये फंडज़ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ?

**पंडित चिरंजी लाल शर्मा** : पानीपत में जो थरमल प्लांट था क्या उसने काम करना शुरू कर दिया है ?

**मन्त्री** : उसकी कुछ थोड़ी मशीनरी दूसरी जगह इस्तेमाल हो रही है । जो वरकिंग आर्डर में हैं वह चल रहे हैं ।

**श्री फतेह चन्द विज** : यह जो थोड़ी मशीनरी कहते हैं बाहर भेजी गई हैं क्या वह मशीनरी मंगा कर उसे चालू कर दें ?

**मन्त्री** : यह तो आपकी सजैशन है जिस पर गौर किया जा सकता है ।

---

**Starred Questions o. 9497 and 9501**

**Mr. Speaker** : The hon. Minister concerned has applied for extension.

---

**Minimum Wages Committees**

***9323. Shri Sagar Ram Gupta** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) state the total number of Minimum Wages Committees appointed by the Government during the years 1964-65 ;

(b) state the constitution of each of the said Committees together with the qualifications, exprience and names of the members threof and the industry for which each was appointed ;

(c) state the criteria followed in alloting members to different Labour and Employers organisations ;

(d) state the work so far done by each of the said Committee ;

(e) lay copy of the reports submitted by the above-mentioned Committees or any of them together with the action, if any, taken thereon in each case ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : (a) to (e) Necessary reply to the question is laid on the Table of the House.

[Irrigation and Power Minister]

(a) Fifteen.
(b) The constitution of the Committees is given below :—

(I) COMMITTEES CONSTITUTED BY GOVERNMENT IN 1964

| Serial No. | Name of the Committee | Date of the constitution of the Committee | Names of Independent members | Names of Employers representatives | Names of Employees representatives |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | Employment in Private Presses | 4-5-64 | (1) Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) Assistant Labour Commissioner, Punjab | (1) Shri Gian Chand Kharbanda, President, Master Printers Association, Hall Bazar, Amritsar.<br>(2) Shri J.R. Berry, Prop. Berry Printing Works, Sadar Bazar, Ambala Cantt. | (1) Shri G.C. Bhalla, Organising Secretary, INTUC, Jullundur City.<br>(2) Shri Rajeshwar Nath, Secretary, Hind Mazdoor Sabha, Ambala Cantt. |
| 2 | Employment in Agricultural Implements, Machine Tools and General Engineering including cycle and Electric Goods Industry | 6-8-64 | (1) Labour Commissioner, Punjab, (Chairman) | (1) Shri A.P. Mayor, President Regd. Factory Owners Association C/o Watkins Mayors and Sons, Jullundur.<br>(2) Shri S.S. Minhas, Manager, Asia Electric Co., Phagwara<br>(3) Shri K.R. Sarin, President, Factories Association, Batala<br>(4) Shri B.D. Kapur, General Manager, Atlas Cycle Industries Ltd., Sonepat | (1) Shri Sat Pal Bhushan, Secretary INTUC, Putlighar, Amritsar.<br>(2) Shri G.C. Bhalla, Organising Secretary, INTUC, Jullundur.<br>(3) Shri Bhajan Singh, President, Ludhiana, Iron and Steel Workers Union, Miller Ganj, AITUC, Amritsar<br>(4) Shri Parduman Singh, C/o AITUC, Amritsar. |
| 3 | Employment in Textile Industry | 10-11-64 | (1) Joint Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) S. Attar Singh, | (1) Shri G.K. Nayar, Labour Secretary, Textile, Manufacturers Association, Amritsar<br>(2) Seth Radha Krishan, Honorary | (1) Shri J.D. Bakshi, Secretary of INTUC, Ambala Cantt.<br>(2) Shri Parduman Singh, General Secretary, AITUC, Amritsar |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | Labour Officer, Rohtak | General Secretary, The Punjab Textile Manufacturers Association, Katra Ahluwalia, Amritsar | |
| | | | (3) Shri A.S. Grover, State Hand Loom Officer, office of the Director of Industries, Chandigarh | (3) S. Inder Singh Uppal of Hemla Textile Mills, Cnhenarta | (3) Shri Rattan Singh Baghi, General Secretary, Amritsar Textile Labour Union (Regd.) Amritsar |

(II) COMMITTEES CONSTITUTED BY GOVERNMENT IN 1965

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Employment in Public Motor Transport | 12-3-65 | (1) Labour Commissioner, Punjab, (Chairman | (1) Provincial Transport Controller, Chandigarh | (1) Smt. Sita Devi, President, Punjab,-Himachal, Jammu and Kashmir Motor Transport Workers Federation (Regd.) Jullundur |
| | | | | (2) Shri B.K. Saini, Working Piesident Punjab Motor Union, Chandigarh | (2) Shri J.D. Bakshi, Secretary, INTUC, Ambala Cantt. |
| | | | | (3) Shri Harbhajan Singh, Punjab Public (Goods) Carrier Union, Chandigarh | (3) Shri Kartar Singh, President, Punjab State Committee of AITUC, Chandigarh |
| 2 | Employment in Cinema Industry | 22-3-65 | (1) Joint Labour Commissioner, Punjab (Chairman | (1) Shri K.C. Nagia, Manager Chitra Takies, Amritsar | (1) Shri J.D. Bakshi, Secretary, INTUC Ambala Cantt. |
| | | | (2) Shri Ujagar Singh, M.L.A., Village and P.O. Jhabelwali, District Ferozepore | (2) Shri Sohan Lal Puri, President, East Punjab Motion Pictures Association, Railway Road, Jullundur | (2) Shri Darshan Singh, General Secretary, Punjab Cinema Employees Union Amritsar |
| | | | | (3) Shri Pran Nath Khanna, Manager, of M/s Parkash Talkies, Karnal | (3) Shri Thakar Singh, President Punjab Cinema Employees Union, Jullundur |
| 3 | Employment in Oil Mills | 25-8-65 | (1) Labour Commissioner, Punjab (Chairman) (Chandigarh) | (1) Shri Ram Baboo, Manager M/s Laxmi Oil Mills, Rohtak | (1) Shri Sat Pal Bhushan, General Secretary, Mazdoor Council, INTUC Amritsar |
| | | | | (2) Shri Gurditta Mal, Proprietor, Rama Oil Mills, Jullundur | (2) Shri M.L. Didi, Vice-President Punjab, Trade Union Congress, AITUC, Ludhiana |
| | | | | (3) Shri Sat Pal Mohindera, Secretary, Rosin and Turpentine Manufacturers Association, Hoshiarpur | (3) Shri Ram Dass, General Secretary Rosin Labour Union, Hoshiarpur |

[Irrigation and Power Minister]

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 4 | Employment in Textile Industry | 26-3-65 | (1) Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) Shri N. Goswamy, Textile Officer,(Designs), Hussainpura, Amritsar<br>(3) Shri S.P. Kumaria, Supdt. Quality Marketing Centre for Textile, Amritsar | (1) Shri S.C. Mahajan, President, Amritsar Scale Woollen Manufacturers' Association Ltd., Amritsar<br>(2) Shri O.P. Aohi, C/o Aohi Textile Mills, Amritsar<br>(3) Shri Dina Nath, Aggarwal, M.L.A., Ludhiana | (1) Shri Siri Kant, General Secretary, INTUC, Ludhiana<br>(2) Shri Sat Pal Bhushan, C/o INTUC, Amritsar<br>(3) Shri Madan Lal Didi, C/o AITUC Chandigarh |
| 5 | Employment in Ferrous Metal Rolling and Rerolling Industry in Punjab | 21-4-65 | (1) Labour Commissioner, Punjab (Chairman) | (1) Shri Sat Pal, M.A. of M/s Amin Chand Payara Lal Tanda Road, Jullundur City<br>(2) Shri Sohan Lal of M/s Ludhiana Iron and Steel Rolling Mills, Ludhiana<br>(3) Shri Dharam Dev Sagar, C/o Rama Steel Rolling Mills, Gobindgarh | (1) Shri Tejinder Singh, Gneeral Secretary, Engineering Workers' Union, Patiala (AITUC)<br>(2) Shri J.D. Bakshi, General Secretary, INTUC, Ambala Cantt.<br>(3) Shri G.C. Bhalla, General Secretary, Mazdoor Council, INTUC, Jullundur |
| 6 | Employment in Tannery and Leath Manufacturing | 26-11-65 | (1) Deputy Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) Ch. Amar Singh, Advocate, Karnal | (1) Shri Hans Raj of M/s H.R. Mahajan and Sons, Jullundur<br>(2) Shri P.R. Sondhi, C/o NIT, Kapurthala<br>(3) Ch. Sunder Lal, Managing Director, Co-operative Industrial Leather (Tanning) society, Sonepat | (1) Shri Gian Chand Mistry, NIT, Kapurthala<br>(2) Shri Brij Lal, C/o Sports Industry Mazdoor Union, Jullundur<br>(3) Shri Ram Kishan Azad, Secretary Labour and Const. Co-operative Society, Karnal |
| 7 | Employment in Rice Mills, Flour Mills & Dal Mills | 1-12-65 | (1) Joint Labour Commissioner, Punjab (Chairman) | (1) Shri Raghu Nandan Bhatia, Guru Ram Dass Flour Mills, Amritsar | (1) Shri Tejinder Singh, General Secretary, Flour Mills Workers Unino, Patiala (AITUC) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | (2) Shri M.D. Jain, Convener, District & Congress Committee, Rohtak | (2) Shri Sham Singh, President, Rice Mills Association, Amritsar<br>(3) Shri G.L. Relan, M/s Relan General Mills, Amargarh, Kaithal | (2) Shri G.C. Bhalla, Organising Secretary, INTUC, Jullundur<br>(3) Shri Ram Karan President Sutlej Flour Mills Workers Union, Ferozepore |
| 8 | Employment in Shawl Weaving Estts. run on Power looms | 1-12-65 | (1) Deputy Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) Khan Abdul Gaffar Khan, M.L.A., Ambala | (1) Shri Lakshmi Chand Aggarwal, The Lily Fabrics, Ludhiana<br>(2) Shri R.K. Sehgal of M.H. Spinners, Batala Road, Amritsar<br>(3) Shri Shiv Kumar Gupta, Panipat Woollen and General Mills, Kharar | (1) Shri Om Parkash Mehta, AITUC, Ludhiana<br>(2) Shri Sat Pal Bhushan, AITUC, Amritsar<br>(3) Shri G.S Joshi, INTUC, Yamuna Nagar |
| 9 | Employment in Contractors Estts. of the Punjab Forest Department | 1-12-65 | (1) Deputy Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) Bakshi Patrap Singh M.L.A.,<br>(3) Shri E.S. Das, P.F.S.I. Deputy Chief Conservator of Forests Punjab, Chandigarh | (1) Shri Anant Ram Sood, Forest Contractor<br>(2) Shri Hazari Mal Kuthiala, Hoshiarpur<br>(3) Shri Lachhman Singh, Forest Contractor, Kalka | (1) Shri Budhi Singh of Palampur<br>(2) Shri Raghbir Singh Saur, Post Office, Lohaghat, Nalagarh<br>(3) Shri P.L. Kachru, Labour Welfare Officer, Jammu and Kashmir Government, Pathankot |
| 10 | Employment in Ayurvedic and Unani Pharmacies | 8-12-65 | (1) Deputy Labour Commissioner, Punjab (Chairman)<br>(2) Shri G.S. Sidhu, Professor of Bio-Chemistry, Agriculture University, Ludhiana | (1) Shri Kirti Sharma, Principal Ayur-Ayurvedic College, Patiala<br>(2) Shri Nar Dev, C/o D.A.V. Pharmacy, Jullundur<br>(3) Shri Madan Mohan, Proprietor, Pushkarna, Pharmacy, Amritsar | (1) Shri Gauri Nandan Sharma, General Secretary, Vaid/Compounders Association, Simla<br>(2) Shri Dev Raj Saini, C/o Punjab Ayurvedic Pharmacy Ladowali Road, Jullundur<br>(3) Shri Sat Pal Bhushan, C/o INTUC, Amritsar |
| 11 | Employment in Local Authority | 9-12-65 | (1) Joint Labour Commissioner, Punjab, (Chairman)<br>(2) Deputy Secretary to Government, Punjab Local Self Government | (1) Shri Durga Dass Bhatia, President, dent, Municipal Committee, Amritsar<br>(2) Shri Sukhdev Khanna, Member, Municipal Committee, Patiala<br>(3) Shri Phool Chand, Advocate and Municipal Commissioner, Sonepat | (1) Shri J.D. Bakshi, President, Punjab Municipal Employees Federation, Ambala<br>(2) Shri H.S. Bawa, General Secretary, Municipal Mazdoor Sabha, Amrisar<br>(3) Shri Madan Lal Didi, C/o AITUC, Chandigarh |

[Irrigation and Power Minister]

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 12 | Employment in Shawl Weaving in Handloom Estts. | 9-12-65 | Deputy Labour Commissioner, Punjab, (Chairman)<br>(2) Shri Ram Parkash, M.L.A., Jagadhri | (1) Shri Ved Ram Thakar, President Bhuth Weaver, Co-operative Society, Kulu<br>(2) Shri Madho Ram, President Thakaur Handloom Production-cum-sale Co-op Society Industrial Kulu<br>(3) Shri Jai Narain Goyal, Haryana, Woollen and General Mills. Panitat | (1) Shri Raghbir Singh of Woollen Mazdoor Sabha, Panipat<br>(2. Shri Lot Ram, Secretary M/s Badeh Weavers Co-operative Industrial Society Badah/Kulu<br>(3) Shri Moti Ram, C/o Pangam Weaver Co-operative Society Raison (Kulu |

(c) According to Section 9 of the Minimum Wages Act, 1948, each of the Committees, Sub Committees, and the Advisory Board are to consist of persons to be nominated by the appropriate Government representing employers and employees in the Scheduled employments, who shall be equal in number and independent persons not exceeding one-third of its total number of members ; one of such independent persons is to be appointed the Chairman by the appropriate Government.

Before constituting a Committee, recommendations regarding the employers/employees' representatives are called from the Labour Officers in the State. Generally the employers' representatives are selected from the Employers' Associations representing the particular employment/important employers. Similarly the representatives of employees are selected from the different workers' organisations showing their offiliations with All India Body such as INTUC, AITUC, Hind Mazdoor Sabha and Independent Union etc.

(d) On the basis of the recommendations of the three Committees constituted during 1964, Government have fixed/revised minimum rates of wages in all the three employments. As regards the Committees constituted during 1965 recommendations of the Committees at Sr. Nos. 1 to 5 on the list at reply to part (b) above have been received. Minimum rates of wages in respect of the employments at Sr. Nos. 2 and 3 of the said list have been notified.

The Committees in respect of the remaining employments are still functioning.

(e) The time and labour involved in supplying the copies of the reports of the Minimum Wages Committees will not be commensurate with the possible benefit to be obtained. Reports from eight Minimum Wages Committees were received during 1964-65 out of which minimum wages have been fixed/revised on the basis of the reports of five Minimum Wages Committees. The remaining three reports are under consideration.

**श्रीमती सरला देवी :** मैं पूछना चाहती हूं कि यह जो टैक्सटाइल मिनीमम वेजिज कमेटी 6 दफा बनाई गई और 6 दफा तोड़ी गई उसका क्या कारण है ?

**मन्त्री :** इसके लिये सैपरेट नोटिस दें ।

**Pandit Chiranji Lal Sharma :** In reply to the question of the hon. Lady Member Shrimati Sarla Devi, the hon. Minister has been pleased to state that he needs a separate notice. Sir, it is a very simple question. The question is as to what were the reasons for frequently changing the constitution of the Committee ?

**मन्त्री :** यह सवाल तो इस से पैदा नहीं होता । मैं तो इस फैक्ट को ही अभी नहीं मानता कि वह 6 दफा बनी और 6 दफा तोड़ी । इस के लिये नोटिस दें फिर पता कर लेंगे ।

**पंडित ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** मैं पूछना चाहता हूं कि 1964 और 1965 के दौरान कितनी कमेटियां बनाई गई और क्या उनकी रिपोर्टस इम्पलीमेंट कर दी गई हैं या नहीं ?

**मन्त्री :** यह सारी इत्तलाह टेबल पर ले कर दी गई है ।

**पंडित ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** ट्रांस्पोर्ट वर्कर्ज के बारे में जो रिपोर्ट दी गई है जिसके बारे में वर्कर्ज मांग कर रहे हैं कि इम्पलीमैंट की जाए क्या उस पर कोई ऐक्शन लिया गया है और अगर लिया गया है तो क्या ?

**मन्त्री :** दिसम्बर में रिपोर्ट आई थी उस पर ऐक्शन ले रहे हैं ।

---

**Committee constituted to suggest changes in method of calculating working class cost of living indices**

*9322. **Shri Sagar Ram Gupta** (put by **Shrimati Sarla Devi** on his behalf) : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Government appointed a Committee to suggest changes and improvement in the method of calculating working class cost of living indices in the Punjab ; if so, the date when the said Committee was appointed and the names of its members ;

(b) whether it is a fact that the said Committee has not yet started its work ; if so, the detailed reasons therefor ;

(c) the time by which the said Committee is expected to submit its recommendations to the Government ?

**Chaudhri Rizak Ram :** (a) An Expert Committee to go into the working class cost of living index numbers was constituted,—*vide* Punjab Government Notification No. 3273-2LabI-65/8400, dated 5th April, 1965 with the following members :—

| | |
|---|---|
| (1) Secretary to Government, Punjab, Labour and Employment Departments | .. Chairman |
| (2) Labour Commissioner, Punjab | .. Vice-Chairman |
| (3) S. Gurdit Singh, Economic and Statistical Adviser, Punjab | Member |
| (4) Shri J. D. Khanna, Joint Director of Industries, Punjab (Incharge, Statistics and Administration) | .. Do |
| (5) Shri J. S. Dhillon, Joint Economic and Statistical Adviser, Punjab | .. Secretary |

[Irrigation and Power Minister]

(6) Shri Ram Sarup, Statistical Officer, Office of the Labour Commissioner, Punjab .. Assistant Secretary

(b) Yes. After the constitution of the Committee, it was decided on the representations from the employers/workers representatives that this Expert Committee should be reconstituted giving representation thereon to the Economists and University Professors, etc. The matter is, accordingly, under consideration of Government.

(c) Question does not arise in view of the above.

**Houses constructed for Harijans in Tehsil Una, district Hoshiarpur**

***9380. Shri Surinder Nath Gautam :** Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state the total number of houses constructed for the Harijans by the Harijan Welfare Department in the Backward Hilly Areas of tehsil Una, district Hoshiarpur from January,1965 to date with the total amount spent in each case?

**Shri Chand Ram :** Out of the four houses sanctioned during 1964-65 for tehsil Una, three have been completed after January, 1965 and subsidy of Rs 1,200 each has since been paid to the three beneficiaries. The fourth house is still under construction and the beneficiary has been paid the first instalment amounting to Rs. 240.

**श्री अमर सिंह :** वज़ीर साहिब ने बताया है कि तहसील ऊना के बैकवर्ड हिल्ली एरिया में 1965 से ले कर अब तक सिर्फ चार मकान हरिजनों के लिये बने हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या इसी ढंग से हरिजनों की डिवैल्पमेंट होगी ?

**मन्त्री :** It is a question of funds. जैसे जैसे हमारे पास फंड्ज़ अवेलेबल होते हैं उनके मुताबिक पापुलेशन बेसिज़ पर ज़िलावार और फिर आगे तहसीलवार तकसीम करते हैं और हर तहसील को प्रोपोरशनेटली बेनीफिट मिल जाता है।

**पंडित मोहन लाल दत्त :** क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि ऊना तहसील जो बैकवर्ड हिल्ली एरिया है और जहां हरिजनों की बुरी हालत है उनके घरों को बनाने के लिये कोई खास फंड मुकर्रर करने के लिये सरकार तैयार है ?

**मन्त्री :** स्पीकर साहिब, जहां हम मैदानी इलाके में 900 रुपया सबसिडी देते हैं वहां पहाड़ी इलाके में पहले ही 1,200 रुपया देते हैं। जहां तक तादाद का सवाल है मैं खुद इस हक में नहीं कि अनप्रोडक्टिव खर्च करें। फंडज़ थोड़े हैं और हाउस फंडज़ दिला दे तो और खर्च कर देंगे।

**पंडित सुरेन्द्र नाथ गौतम :** जो हरिजन बैकवर्ड हिल्ली एरिया में रहते हैं क्या सरकार उन्हें इस मामले में प्रायरटी देने के लिये तैयार है ?

**मन्त्री :** मैं ने अर्ज़ किया है कि मैदानी इलाके के मुकाबले में हम पहले ही उन्हें ज्यादा सबसिडी देते हैं।

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ 1965 ਵਿਚ ਜੋ 3 ਘਰ ਬਣਾਏ ਗਏ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਕਿਸ ਸਾਲ ਬਜਟ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਸੀ ਤੇ ਪੈਸੇ ਕਿਸ ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ?

**मंत्री :** इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

**श्री अमर सिंह** : वज़ीर साहिब ने फंडज़ की दिक्कत बताई है। मैं पूछना चाहता हूं कि हरिजन कल्याण फंड में जो 5 करोड़ रुपया इक्ट्ठा किया गया है उस में से किसी जगह खर्च किया गया है और कितना किया है ?

**मन्त्री** : इसके लिये नोटिस दें।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਲਾਵਾਰ ਤੇ ਫਿਰ ਤਹਿਸੀਲ-ਵਾਰ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਫੰਡਜ਼ ਵੰਡ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਲਾ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਫੰਡਜ਼ ਤਹਿਸੀਲਵਾਰ ਅਗੇ ਵੰਡੇ ਜਾਣ।

**मन्त्री** : पहले ज़िला वार पापुलेशन के बेसिज़ पर बांटते हैं फिर ऐड हाक कमेटियों को हिदायत है कि वह तहसीलवार बांट दें।

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪੈਸੇ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਮਕਾਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾਏ ਜਾਂਦੇ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਕਲਿਆਨ ਫੰਡ ਜੋ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਸ ਪੈਸੇ ਨੂੰ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਕਿਉਂ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ?

**मंत्री** : उस फंड के एमज़ ऐंड़ आबजैक्टस हैं Social and Economic advancement of the Harijans, उसमें मकानों का ज़िकर नहीं है फिर भी जो सकीमें उसकी बना रहे हैं उसमें मकानों का भी ख्याल रखेंगे।

**Mr. Speaker** : Question Hour is over.

---

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

### Payment of Haq-chuharam from the Income derived from Kutlehar Jagir Forests to the Panchayats

***9498. Bakshi Partap Singh** : Will the Minister for Welfare and Justice be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Government decided on 26th October, 1961, to grant one-Fourth (Haq-Chuharam) of the income from Kutlehar Jagir Forests in district Kangra to the Panchayats ;

(b) if the reply to part (a) above is in the affirmative, the total income that accrued from the Kutlehar Jagir Forests during the years 1961-62, 1962-63, 1963-64 and 1964-65 ;

(c) whether one-fourth (Haq-Chuharam) of the income referred to in part (b) above was given to the Panchayats during the said period ; if not, the reasons therefor ?

**Shri Chand Ram** : (a) Yes.

| | | Rs. P. |
|---|---|---|
| (b) 1961-62 | .. | 40,432·04 |
| 1962-63 | .. | 70,498·94 |
| 1963-64 | .. | 65,128·12 |
| 1964-65 | .. | 30,974·95 |

(c) No, because the matter regarding the payment to the Rakhas and Lambardars out of the share payable to the Panchayats is under consideration of the Government.

---

**Relief to the Families of those who died in an Encounter with the Pakistani-dropped Spies**

***8842. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Shri Faqir Singh, Nambardar, village Kalra, police station Adampur, died while in the company of local police, trying to catch the Pakistani-dropped spies in September, 1965 ;

(b) the names of the other persons who also died in the said encounter and the date when this information reached the Government ;

(c) the extent of relief so far given to the families of the deceased mentioned above in each case ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes. Shri Faqir Singh, Lambardar of village Kalra, police station, Adampur, district Jullundur, was in the company of the local Police when he died in trying to catch the Pakistani para-troopers in September, 1965.

(b) One Ram Parkash, Constable No. 823 of Hoshiarpur District also died in the same encounter. The information about this encounter and casaulties was received by the Government on 8th September, 1965.

(c) A sum of Rs 1,500.00 has been given as ex gratia grant to the next of kin of Shri Faqir Singh deceased. The widow of late Constable Ram Parkash was given Rs 2,000 as relief and Rs 300.00 for funeral charges from the Police Welfare Fund. As the Constable had less than five years' service to his credit, his family was not entitled to family pension under the Family Pension Scheme. 1964. However, case for the grant of extra-ordinary pension to his family has been taken up. The Police Force of Hoshiarpur District also raised a sum of Rs 2,152.00 by contribution for the relief of Constable Ram Parkash's family.

---

**Action taken against the Bad Characters in the Border Areas for Looting the Property**

***8850. Comrade Ram Chandra :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the details of the action taken by the Police to recover from the bad characters the property stolen or looted by them in the border areas of Punjab in the wake of the recent Pakistani agression and the evacuation of Indian citizens from their houses ;

(b) the details of the property so recovered ;

(c) the total number of the said bad characters involved and the action taken against them ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) During the war, local Police was alerted to take special preventive measures by way of patrolling to safeguard the property of persons residing in the border area. The Police did their best to keep an eye over the activities of bad characters and to safeguard the property of the inhabitants of the War-affected border area. Where property was stolen during the war in the border area, immediate steps were taken to recover the same.

(b) Stolen property worth Rs 8,487.50 was recovered. Details are given below :—

| | | Rs. P. |
|---|---|---|
| Cloth | .. | 6,287·50 |
| Cattle | .. | 1,500·00 |
| Sewing Machines | .. | 300·00 |
| Cycle | .. | 75·00 |
| Utensils | .. | 25·00 |
| Ghee, Sugar, etc. | .. | 250·00 |
| Total | .. | 8,437·50 |

(c) Sixteen accused were arrested for thefts detailed in (b) above.

**Complaint against S.H.O. Devinder Singh, Police Station Nihal Singhwala, District Ferozepur**

***8867. Sardar Gurcharan Singh** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state whether he received any complaint against the S.H.O. Devinder Singh of P.S. Nihal Singhwala, district Ferozepur, in October or November, 1965 ; if so, the nature of the complaint and the action taken thereon so far ?

**Sardar Darbara Singh :** Yes. A complaint , dated 3rd November, 1965 was received by me on 4th November, 1965 from Shri Gurcharan Singh, M.L.A. It was alleged that Shri Devinder Singh, S.H.O., Police Station Nihal Singhwala, called one Charan Dass who was in possessoin of an illicit revolver, took Rs 1,000 from him as illegal gratification and let him go scot free and that the S.H.O. was trying to plant that revolver on somebody else. It was looked into by a Superintendent of Police but the allegations against the S.H.O. could not be substantiated.

**Case of Dacoity in Village Radhana, Tehsil and District Sangrur**

***9190. Chaudhri Inder Singh Malik :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a dacoity was commited in the house of one Solhu of village Radhana, tehsil Jind, district Sangrur in the month of December, 1965 and an amount of Rs 35 thousand was taken away by the dacoits and that on that very day the D.I.G., Patiala, S. P., Sangrur and D.C., Sangrur along with a large police force were present in Jind in connection with the Gurdwara Sanatan Dharam Sabha dispute regarding a piece of land ;

(b) whether the said dacoity has been traced out, if not, the reasons therefor and the time by which it is likely to be traced ;

(c) whether any arrest has been made in connection with the said case, if so, the number of persons arrested or interrogated?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Yes. A dacoity was committed in the house of Shri Dehlu (not Sohlu), son of Shri Budhu Jat of village Radhana in which a cash and ornaments worth 30,300 were taken away. Case F.I.R. No. 169, dated 22nd December, 1965, under section 395/397, I.P.C., P.S., Jind was registered.

D.I.G., Patiala Range, S.P. Sangrur and D.C., Sangrur were camping at Jind on that day in connection with the dispute between Gurdwara and Sanatan Dharam Sabha over a piece of land.

[Home and Development Minister]

(b) No. The case is still under investigation. It is not possible to give any dead-line by which the case will be worked out, but every effort is being made to expedite it.

(c) No.

### Cases of Burglary in Jind and Panipat Sub-Divisions

***9298. Chaudhri Inder Singh Malik :** Will the Minister of Home and Development be pleased to state the total number of cases of burglary registered at different police stations of Jind Sub-Division of district Sangrur and the Panipat Sub-Division of district Karal during the year 1965 together with the number of cases which have so far been traced and the number of cases in which the culprits were convicted ?

**Sardar Darbara Singh :**

| | *Jind Sub-Division* | *Panipat Sub-Division* |
|---|---|---|
| (i) Number of burglary cases registered during the year 1965 .. | 31 | 69 |
| (ii) Number of cases traced .. | 13 | 25 |
| (iii) Number of cases in which culprits were convicted | 5 | 14 |

### Licences for Pistols, etc., issued in District Ferozepore

***9345. Comrade Gurbakhsh Singh Dhaliwal :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the total number of new licences for pistols, revolvers and guns issued in District Ferozepore during the period from September to December, 1965 ;

(b) the number of licences, if any, out of those mentioned in part (a) above issued for weapons which were originally illicit categorywise ;

(c) whether the character of each applicant was verified before issuing him a licence ; if not, the nuber and category of cases wherein the said verification was not made and the reasons therefor ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) 1,075.

(b) 11.

| | |
|---|---|
| (i) Revolvers/pistols .. | 8 |
| (ii) Gun ... | 1 |
| (iii) Rifles .. | 2 |

(c) The character of each applicant was got verified before issuing the licence except in the case of following categories :—

| | |
|---|---|
| (i) Persons who already held arms licences which had been issued after police verification | 5 |
| (ii) Persons personally known to the Deputy Commissioner | 1 |
| (iii) Government servants .. | 2 |

**Development work done in Gram Panchayat Area of Kotla Ber, tehsil Dehra, district Kangra**

*9296. **Thakur Mehar Singh** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the development work carried out in the Gram Panchayat area of Kotla Ber, tehsil Dehra, district Kangra, during the period from 1958 to 1965 ;

(b) the total amount spent on the said work together with the amount out of it paid/contributed by (i) the Panchayat from its funds (ii) the Panchayat Samiti and the Government separately ;

(c) whether the Panchayat activities were supervised and checked by the Panchayat Department during the said period ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) & (b) The information in the form of a statement is laid on the Table of the House :

(c) Yes.

[Home and Development Minister]

STATEMENT

| Serial No. | Year | Development work carried out | Total amount spent on the works | | | | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Government share | Panchayat Samiti contributions | Panchayat contributions | Total | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | | | Rs | Rs | Rs | Rs | |
| 1 | 1958 | Purchase of furniture for Government High School, Kotla | 300·00 | .. | .. | 300·00 | |
| 2 | | Repairs of Government Primary School, Kotla | 75·00 | .. | .. | 75·00 | |
| 3 | | Repairs of Government Girls Primary School, Behr | 75·00 | .. | .. | 75·00 | |
| 4 | 1959 | Repairs of Girls Primary School, Kotla | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 5 | | Repairs of Government Primary School, Bhdal | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 6 | | Repairs of Government Girls Primary School, Jandaur | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 7 | | Repairs of Girls Primary School, Kanpur | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 8 | | Repairs of Girls Primary School, Jakhuni | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 9 | | Repairs of Girls Primary School, Guraldhar | 150·00 | .. | .. | 150·00 | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10 | | Purchase of furniture for Government Primary School, Jakhuni | 75·00 | .. | .. | 75·00 | |
| 11 | | Purchase of furniture for Government Primary School, Guraldhar | 75·00 | .. | .. | 75·00 | |
| 12 | | Construction and Repair of School, Kotla Behr, through Development Council | 1,430·00 | .. | 1,430·00* | 2,860·00 | *Public contributions through Panchayat |
| 13 | 1960 | Purchase of furniture for Government Dispensary, Kotla | 200·00 | .. | 100,00* | 300·00 | @ Ditto |
| 14 | | Repairs of Kuhl Kasba | 1,115·00 | .. | .. | 1,115·00 | Handed over to Ram Rakha Dogra, Panch |
| 15 | | Repairs of Girls Primary School, Kotla | 110·00 | .. | .. | 110·00 | |
| 16 | | Repairs of Girls Primary School, Kanpur | 110·00 | .. | .. | 110·00 | |
| 17 | | Repairs of Girls Primary School, Bhadal | 110·00 | .. | .. | 110·00 | |
| 18 | | Repairs of Girls School, Guraldhar | 110·00 | .. | .. | 110·00 | |
| 19 | | Repairs of Girls Primary School, Jandpur | 110·00 | .. | .. | 110·00 | |
| 20 | | Repairs of Girls Primary School, Jakhuni | 110·00 | .. | .. | 110·00 | |
| 21 | 1961 | Construction of protection wall Girls Primary School, Kotla | 360·00 | .. | 348·78* | 708·78 | *Public contributions through Panchayats |
| 22 | | Construction of Bouli at Kotla | 830·00 | .. | @ 476·00 | 1,306·00 | @ Ditto |
| 23 | | Ditto | 1,000·00 | .. | % 734·14 | 1,734·14 | % Ditto |
| 24 | | Construction of Community Hall, Kotla | 7,035·00 | .. | .. | 6,391·70 | (Spent out of total grant of 7,035) |
| 25 | | Repairs of Girls Primary School, Kotla | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 26 | | Repairs of Girls Primary School, Jakhuni | 100·00 | ... | ... | 100·00 | |

[Home and Development Minister]

| Serial No. | Year | Development work carried out | Total amount spent on the works | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Government share | Panchayat Samiti contributions | Panchayat contributions | Total | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 27 | | Celebration of Independence Day | 10·00 | .. | .. | 10·00 | .. |
| 28 | 1962 | Repairs of Government Primary School, Kotla | 100·00 | .. | .. | 100·00 | — |
| 29 | | Repair of Girls School, Jakhuni | 100·00 | .. | .. | 100·00 | |
| 30 | 1963 | Repair of Well Jakhuni | 800·00 | .. | .. | .. | (Work yet to be started) |
| 31 | | Construction of Bauli at Behr | 1,100·00 | .. | .. | .. | Ditto |
| 32 | | Construction of Bauli at Kotla | 1,000·00 | .. | .. | .. | Ditto |
| 33 | | Pavement of Streets of village Kotla | 300·00 | .. | *104·75 | 404·75 | *Public contributions through Panchayats |
| 34 | | Repair of Girls Primary School, Jakhuni | 96·00 | .. | .. | 96·00 | |
| 35 | | Repair of Girls Primary School Kasba Kotla | 96·00 | .. | .. | 96·00 | |
| 36 | | Construction of Kuhl Kotla | 4,244·00 | .. | .. | .. | |
| 37 | 1964 | Construction of Well at Kotla | 800·00 | .. | .. | .. | Handed over to the Secretary Co-operative Society, Kotla. No account with Panchayat |
| 38 | | Handpump in Girls Primary School, Jakhuni | 250.00 | .. | .. | .. | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 39 | | Construction of Bund at Kotla | 700.00 | | .. | .. | Work not started |
| 40 | 1965 | Repair of Government Primary Schools Kotla and Jakhuni | 220·00 | .. | .. | | 213·15 |
| 41 | | Dramatic Club, Kotla | 300·00 | .. | .. | .. | Pur[illegible]ffected |
| 42 | | Community Hall Kasba Kotla (construction) | .. | 3,000·00 | .. | .. | Handed over to Ram Rakha Panch |
| 43 | | Repair of Jakhuni Kuhl | 1,733·00 | .. | .. | .. | Work not started |
| 44 | | Repair of Kuhl Behr | 1,600.0 | .. | .. | .. | Ditto |
| 45 | | Construction of Girls Primary School, Kasba | 1500 00 | .. | .. | .. | Ditto |

### Provident Fund Contribution of Employees of Zila Parishads and Block Samitis

***9462. Sardar Lakhi Singh Chaudhri** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the rate at which the Provident Fund contribution is credited to the accounts of the employees of the Zila Parishads and the Block Samitis at present and the rate at which it was credited before the 4th September, 1965 ;

(b) if the said rate were reduced after the 4th September, 1965 or near about, the reasons for such reduction ?

**Sardar Darbara Singh** : (a) 6 per cent. The Punjab Panchayat Samitis and Zila Parishads Provident Fund Rules, 1965, have been framed for the first time to take effect from 17th September, 1965. Before that the employees of District Boards absorbed by the Panchayat Samitis and Zila Parishads were also entitled to the benefit of Provident Fund contribution subject to a maximum of six per cent.

(b) Since the rules have been framed for the first time question of reduction of rate of contribution does not arise.

---

### Indo-German Package Scheme

***8843. Comrade Ram Chandra** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state whether it is a fact that an Indo-German Package Scheme applicable to the districts of Kangra and Kulu was rejected by the Union Government because of the fact that the Punjab Government failed to submit the scheme in time to the Union Government ; if so, the reasons why the Government failed to submit the scheme in time ?

**Sardar Darbara Singh** :

Part I .. No.

Part II .. Question does not arise.

---

### Food Production

***9234. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state the quantity of foodgrains forecast to be produced in the current year together with the difference, if any, apprehended in the quantity of the said production this year as compared with that of the last ten years ?

**Sardar Darbara Singh** : The Total production of foodgrains in the State during 1965-66 is expected to be approximately 55 lakhs tons as compared to the production of 48 lakh tons in the years 1955-56, viz., the last ten year. The total production for the last ten years, viz., 1955-56 to 1965-66, is as under :—

| *Year* | | *Production in '000 tons* |
|---|---|---|
| 1955-56 | .. | 4,800 |
| 1956-57 | .. | 5,453 |
| 1957-58 | .. | 5,266 |
| 1958-59 | .. | 6,142 |
| 1959-60 | .. | 5,555 |
| 1960-61 | .. | 6,148 |
| 1961-62 | .. | 6,203 |
| 1962-63 | .. | 5,700 |

| Year | | Production in tons |
|---|---|---|
| 1963-64 | .. | 5,744 |
| 1964-65 | .. | 7,109 |
| 1965-66 | .. | 5,470 (Estimated production) |

The production figures for the year 1965-66 are only rough estimates and are not based on crop-cutting experiments. Shortfalls during 1965-66 are mainly due to severe draught and consequent short water supply to even canal irrigated areas. Recent emergency also affected the border areas. Fertilizers were also in short supply and were hardly 40 per cent of our total demand. Total demand was 6.01 lac tons and supply was about 2.38 lac tons upto 28th February, 1966.

---

### Cancellation of Lease of Land made in favour of Birlas

***9343. Comrade Gurbakhash Singh, Dhaliwal** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Government proposes to cancel the lease of land in Rupar Tahsil made in favour of the Birlas;

(b) if reply to part (a) above be in the affirmative, whether the Government is considering this question itself or at the instance of the Union Government or any organisation or individuals ;

(c) whether the Government has received any memorandum from the political parties/public organisations in the State for the cancellation of the said lease ; if so the names of such political parties/public organisations, and the action, if any taken thereon ?

**Sardar Darbara Singh** (a) No.

(b) Does not arise.

(c) Yes, the Government have received memoranda in this regard from the President, Peasants Action Committee, Parja Socialist Party, Punjab Branch, Jullundur, which are under consideration of the Government.

---

### Diesel Tubewells in Tahsil Guhla

***9393. Sardar Piara Singh**: Will the Minister for Home and Development be pleased to state whether it is a fact that Government have announced that it would give a grant of Rs. 750 to every person who installs a diesel-run-tubewells in Guhla Tahsil ; if so, the number of owners of such Tubewells in the said tehsil, who have been given the said grant ?

**Sardar Darbara Singh** : Yes ; but only such recipients of loans for pumping sets/tubewells during the year 1964-65 or thereafter, as :—

(a) are situated in non-electrified villages ;

(b) instal new engines within one year of the receipt of loans ; and

(c) use them for at least one year ;

Will be eligible for the grant of subsidy equal to 25 per cent of the cost of diesel engines, subject to a maximum of Rs. 750 . No subsidy has been allowed so far.

---

**Disposal of an Election Petition filed by Shri Om Parkash of Jind**

***9187. Chaudhri Inder Singh Malik** : Will the Minister for Planning and Local Government be pleased to state whether he is aware of the fact that an election petition by Shri Om Parkash of Jind against Shri Shamsher Jung, the elected Municipal Commissioner from Ward No. 4, was filed before the competent authority in July, 1964 and since then no date whatsoever has been fixed for its hearing, ; if so, the procedure proposed to be adopted by the Government for early decisions of election petitions while there are clear instructions that such petitions should be decided within six months ?

**Sardar Ajmer Singh** : *Part I.*—Yes, but hearings were fixed twice though service could not be effected. The delay has occurred due to frequent transfers of the officers appointed as Election Commission.

*Part II*—Does not arise.

---

**Municipal Committee Chheharta, district Amritsar**

***9455. Comrade Shamsher Singh Josh** : Will the Minister for Planning and Local Government be pleased to state—

(a) whether the President, Municipal Committee, Chheharta, district Amritsar forwarded to the Government through the Deputy Commissioner, Amritsar on 26th February, 1965 a revised schedule of Professional tax adopted by the Chheharta Municipal Committee for publication in the Punjab Government Gazette, in accordance with the provisions of the Punjab Municipal Act, 1911;

(b) if reply to part (a) above be in the affirmative, whether the said schedule has been published in the Gazette; if not the reasons for withholding publication of the same;

(c) whether it is a fact that he discussed the above matter with the President of the said Comittee on 5th January, 1966 at Chandigarh, and assured the latter that the said schedule would be published soon; if so, the reasons, if any, why it has not so far been published ?

**Sardar Ajmer Singh:** (a) Yes;

(b) The requisite notification has already been issued for its publication in the official Gazette.

(c) Yes; the matter required further consideration at Government level which caused some delay in publication of the notification.

---

**Recommendations of Municipal Committee, Faridabad Town for restoration of Octroi Tariff in the Town**

***9464. Shri Roop Lal Mehta:** Will the Minister for Planning and Local Government be pleased to state whether the Government has received the recommendation of the Municipal Committee, Faridabad Town, for the restoration of the Octroi Tariff in Faridabad Town and for withdrawing the old, concessions; if so, the action, if any, taken by the Government in the matter; if no action has been taken, the reasons therefor ?

**Sardar Ajmer Singh:** A proposal has been received from the Municipal Committee, Industrial Township, Faridabad, for the enhancement of rates of octroi in respect of a number of items of its octroi schedule. The matter is receiving consideration of Government.

## UNSTARRED QUESTION AND ANSWER

**Survey to ascertain the presence of Flourine in Drinking Water in certain Areas of district Sangrur**

**3197. Sardar Ranjit Singh Nainewala, M.L.A. :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether any survey has been made to ascertain the presence of flourine in the drinking water in the Qanungoi Circles of Bhadaur, Mahal Kalan and Ahmadgarh of district Sangrur; if so, the extent of the area affected and the details of the scheme, if any, formulated for the supply of drinking water to the said area ?

**Shrimati Om Prabha Jain, :** (a) (i) Yes. About 250 water samples were collected from 44 villages/towns of Sangrur district (including Qanungoi Circles of Bhadaur, Mahal Kalan and Ahmadgarh).

(ii) The results obtained revealed that flourine in water was above I part per million in 24 villages only. No Scheme has so far been formulated for this area.

---

## POINTS OF ORDER

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ, ਸਰ। ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਵਾਲ ਪੋਸਟਪੋਨ ਸਮਝੇ ਜਾਣਗੇ ?

**श्री अध्यक्ष** : जो सवाल क्वैस्चन आवर में टेक अप नहीं हो सके और हुए, वह unstarred करार दिए जाएंगे । (All those questions on the list, which could not be taken up in the House will be treated as unstarred questions.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਲਿਆਨ ਟੈਕਸ ਲਗਿਆ ਸੀ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤੱਸਲੀ ਬਖ਼ਸ਼ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਡਿਟੇਲਜ਼ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇ।........

**Mr Speaker :** Please take your seat

---

## QUESTION OF PRIVILEGE

**श्री अध्यक्ष** : श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री ने एक प्रिविलिज मोशन दी है कि कामरेड राम चन्द्र के सवाल का जवाब मिनिस्टर कंसर्ड ने ठीक नहीं दिया । इस के बारे में मैं हाउस को कई बार कह चुका हूं कि अगर मिनिस्टर साहिब ने हाउस में ठीक जवाब नहीं दिया तो वह प्रिविलिज मोशन का इशू नहीं हो सकता है । अगर आप समझते हैं कि मिनिस्टर साहिब की स्टेटमेंट गलत है तो आप का जवाब मिनिस्टर साहिब को भेज दिया जाएगा । इस के बाद आप का जवाब और मिनिस्टर साहिब का जवाब हाउस की मेज पर रख दिया जाएगा । (The hon. Member, Shri Om Parkash Agnihotri has given

[श्री अध्यक्ष]

notice of a Privilege Motion regarding the alleged wrong information supplied by the Minister concerned in reply to a question asked by Comrade Ram Chandra. In this connection I have told the House many a time that an alleged wrong reply given by a Minister in the House, cannot form the basis of a privilege motion. If the hon. Member considers the Minister's reply to be incorrect, then his view point will be conveyed to the Minister. After that the Minister's reply and the hon. Member's view would be placed on the Table of the House).

---

ADJOURNMENT MOTIONS/CALL ATTENTION NOTICES

आज एक दो एडजर्नमैंट मोशन्ज़ और काल एटेंशन मोशनज़ आई हैं। उन के बारे में अभी तक प्रोसीजर तय नहीं हुआ है। आज इस बारे में बिज़नस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हो रही है। वहां पर जो फैसला होगा उस के हिसाब से आगे कार्यवाही की जाएगी। यह एडजर्नमैंट मोशन्ज़ और काल एटेंशन मोशन्ज़ भी उसी फैसले के आधार पर कंसिडर की जाएंगी।

(Tod-ay notices of one or two Adjournment and Call Attention Motions have been received. No procedure regarding their disposal has so far been settled. The Business Advisory Committee is meeting to-day in this connection. The disposal of such motions, will therefore be effected according to the decision taken there. The Adjournment and the Call Attention Motions set down for today will also be considered in the light of that decision.)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। कल यह मामला हाउस में टेक अप किया गया। डिप्टी स्पीकर साहिबा ने चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी को हुकम किया था कि वह चौधरी सुन्दर सिंह को कहें कि प्रैस एम्पलाइज़ को जो एशोरैंसिज़ दी थीं, उन के बारे में आगे कार्यवाही करें। यह बात कल की प्रोसीडिंग्ज़ में भी आई। इस लिए मैं आप से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप चौधरी सुन्दर सिंह को इस बारे में हाउस में स्टेटमैंट देने के लिए कहें।

**कामरेड शमशेर सिंघ जोश** : आन ए पुआइंट आफ आरडर, सर। गवरनमैंट परैस वरकरज਼, चੰਡੀਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲੇ ਨੇ ਇਕ ਦਿਨ ਦੀ ਸਟਰਾਈਕ ਅਜ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਕਲ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਐਜ਼ ਏ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਫਾਰ ਲੇਬਰ ਐਂਡ ਪ੍ਰਿੰਟਿੰਗ ਅਗਸਤ, 1965 ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸਿਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਕਾਰਨ ਇਹ ਗੰਭੀਰ ਮਸਲਾ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਸ਼ਕ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਬਜਟ ਵੀ ਵਕਤ ਤੇ ਛਪ ਨਾ ਸਕੇਗਾ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹੋਰ ਵੀ ਕੰਪਲੀਕੇਟਿਡ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੰਗਾਂ ਜਾਇਜ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੰਗਾਂ ਮੰਨ ਲੈਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ।

**Mr Speaker** : please take your seat.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਕਲ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਬਿਲ ਉਤੇ ਡਿਫੀਟ ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਡਿਫੀਟ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸੂਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਰੂਲ ਕਰਨ ਦੇ ਕਾਬਿਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

**परिवहन तथा निर्वाचन मन्त्री** : स्पीकर साहिब, मैं माननीय सदस्य के प्वायंट ग्राफ ग्राडर का जवाब देने के लिए खड़ा नहीं हुग्रा हूं । लेकिन मैं इतनी ग्रर्ज़ करना चाहता हूं कि कल गैर सरकारी दिन था ग्रौर कल गैर सरकारी बिल हाऊस में डिसकस हो रहा था । मुझे खुशी है कि ग्रापोज़ीशन वालों ने ज्ञानी करतार सिंह के साथ वोटें दीं । मैं फिर ग्रर्ज़ करना चाहता हूं कि कल गैर सरकारी दिन था, गैर सरकारी बिल था ग्रौर गैर सरकारी ग्रादमी ने बिल हाउस के ग्रन्दर पेश किया । (हंसी) इस लिए उस पर सरकार को रिज़ाइन करने का कोई कारण नहीं है ।

**श्री ग्रध्यक्ष** : ग्राप ने कहा कि कल गैर सरकारी दिन था ग्रौर गैर सरकारी बिल हाउस में डिसकस हुग्रा । ग्राप ने ग्रागे कहा कि वह बिल गैर सरकारी ग्रादमी ने पेश किया । लेकिन जब एक दफा कोई मिनिस्टर रह चुका हो तो उसे सरकारिया का खिताब मिल जाता है । (हंसी) (The hon. Minister has said that yesterday being a non-official day, non-official business was conducted in the House. He further on stated that the non-official Bill was moved by a non-official Member. But once a Member has acted as a Minister, he earns the title of "Sarkaria".) (*Laughter*)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਲ ਗ਼ੈਰ ਸਰਕਾਰੀ ਬਿਲ ਅਤੇ ਗ਼ੈਰ ਸਰਕਾਰੀ ਦਿਨ ਸੀ । ਲੇਕਿਨ ਜਦੋਂ ਬਿਲ ਡਿਸਕਸ ਹੋ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਤੇ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸਕੱਤਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨੂੰ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਹੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਅਤੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਨਾਂ ਕਾਂਗਰਸੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਵੋਟ ਦੇ ਮੌਕੇ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਵਿਚੋਂ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਕੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ?

**Mr. Speaker:** Please take your seat.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦਾ ਤਕਾਜ਼ਾ ਹੈ ਕਿ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਤਦੋਂ ਹੀ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਗਰ ਉਸ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ। ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੇ ਨਾਂ ਉਤੇ ਇਥੇ ਬਹੁਤ ਗਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਅਸੂਲਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨਾ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕਰਨਾ ਇਕ ਛੋਟੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਸ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦਾ

[ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ]
ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰ ਦੇਣ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ, ਇਸ ਬਿਲ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗ ਗਿਆ ਹੈ, ਕਿ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਉਤੇ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ!

**श्री बलराम जी दास टंडन :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, कल हाउस में पार्लियामेंटरी अफेयरज के मिनिस्टर मौजूद थे। उन्होंने यहां पर कहा था कि सरकार इस बिल की मुखाल्फत करती है। ज्ञानी करतार सिंह ने हाउस में अपने व्यूज पेश किए। उस के बाद बिल के बारे में चैलंज हुआ। मिनिस्टर साहिब ने खुद ही डिवीजन कराने के लिए कहा। उसके बाद सरकार को डिफीट हुई। जब सरकार को डिफीट हो गई तो सरकार का मारेली भी फर्ज बनता है कि वह ट्रेज़री बैंचों पर रहने के काबिल नहीं है और उन्हें वज़ारत से रीज़ाइन करना चाहिए। अब हाउस को इस सरकार पर एहतमाद नहीं रहा है। इस लिए इस सरकार को वोट आफ कांफीडेंस लेना चाहिए। अन्यथा ज्ञानी करतार सिंह को अब टाइम फिक्स करना चाहिए ताकि वह उस समय गवर्नर साहिब के पास जा कर ओथ ले और उस के बाद वह अपनी वज़ारत बनाए और बाद में सरकार की कार्यवाही को चलाएं। (हंसी)

**शिक्षा मन्त्री :** स्पीकर साहिब, मेरा ख्याल था कि यह बातें लाइट मूड में हो रही थीं लेकिन डैमोक्रेसी और कांस्टीच्यूशन का हवाला दिया गया और कहा गया कि हमें रीज़ाइन कर देना चाहिए। स्पीकर साहिब, आप को भी अच्छी तरह से मालूम है कि नान-आफिश्यल डे के अन्दर कभी किसी सरकार को डिफीट हुई तो किसी भी गवर्नमैंट ने कभी रीज़ाइन नहीं किया। माननीय सदस्य दुनिया की हिस्टरी में यह बात या मिसाल बता दें कि किसी भी गवर्नमैंट ने नान-आफिश्यल डे पर नान-आफिश्यल बिल पर डिफीट होने पर रीज़ाइन किया हो।

स्पीकर साहिब, अभी श्री बलरामजी दास टंडन ने कहा कि सरकार पर इस हाउस का कांफीडेंस नहीं रहा। उस बारे में मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि हम उन को चैलेंज करते हैं कि वह किसी इशू पर वोटिंग करवा लें और उन्हें पता लग जाएगा कि उस इशू में गवर्नमैंट की मैजारटी है या नहीं।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦਿਲ ਬਹਿਲਾਵੇ ਲਈ ਪੁਆਇੰਟ ਮਿਲ ਗਿਆ ਹੈ। ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਮੈਂਬਰ ਸੀ, ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਡੇ ਸੀ ਅਤੇ ਫਿਰ ਸਾਡੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਤੁਸਾਂ ਵੋਟ ਪਾਏ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਕਾਹਦੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਰਦੇ ਹੋ ਜਦੋਂ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਵੋਟ ਪਾਏ ਹਨ......... (*Interruptions*)

**Mr. Speaker :** Order order.

**ਐਕਸਾਈਜ਼ ਪ੍ਰਿੰਟਿੰਗ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ( ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ) :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਪ੍ਰੈਸ ਵਰਕਰਜ਼ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਹਿਸ ਹੋਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਸਨ। ਦੂਸਰੀ ਡੀਮਾਂਡ ਮੈਂ ਮੰਨ ਲਈ ਹੈ। ਉਹ ਸੀ—

"No outsider would be taken for apprenticeship if men having same qualifications are available from amongst the workers."

**ਆਵਾਜ਼ਾਂ** : Clear ਨਹੀਂ ਹੈ ਜੀ। (ਵਿਘਨ)

**ਐਕਸਾਈਜ਼ ਪ੍ਰਿੰਟਿੰਗ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਗਲ ਬਾਤ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਰੀਜ਼ਨੇਬਲ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਸਨ। ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਮੰਨਵਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ। ਜਿਸ ਵਾਸਤੇ ਫਿਨਾਂਸ ਕੋਲ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਪੈਂਦਾ ਸੀ ਉਹ ਤਾਂ ਮੈਂ ਮੰਨ ਲਈ ਸੀ........ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਚ ਬੋਲਾਂਗਾ। ਮੈਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖੈਰਖਾਹ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ 45 ਘੰਟਿਆਂ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ 43 ਘੰਟੇ ਕਰ ਦਿਤੇ ਜਾਣ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਫਾਈਲ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਨੂੰ ਭੇਜੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਉਹ rules, regulations ਵਿਚ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ......... (ਹਾਸਾ) ਮੈਂ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਮੰਨ ਆਏ ਸੀ ਅਗੇ ਤੁਹਾਡੀ ਕੋਈ ਮੰਨਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਹੁਣ ਮੈਂ ਕੀ ਕਰਾਂ। (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ ਨਾਲ ਗਲ ਬਾਤ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕੇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਬਾਕੀ ਸਟੇਟਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੈਸਾਂ ਵਿਚ ਇੰਨੇ hours ਹੀ ਹਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਵੀ ਕਰ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ। ਕਲ ਮੈਂ ਪ੍ਰੈਸ ਗਿਆ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰਿਆਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹੜਤਾਲ ਕਰੋ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਤੇ ਯਕੀਨ ਰਖੋ, ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਯਕੀਨ ਰਖੋ। ਸਰਕਾਰ ਬੜੀ ਰੀਜ਼ਨੇਬਲ ਹੈ .........(ਵਿਘਨ)

**श्री अध्यक्ष** : चौधरी साहिब, आप किसी खास मेंबर को एड्रेस करने की कोशिश न करें, इस से आप का मुंह माईक से परे हट जाता है और बात अच्छी तरह से सुनाई नहीं देती। आप मुझे एड्रेस करें और अपना मुंह माईक के सामने रखें।

(इस समय चौधरी सुंदर सिंह बैठ गए) (Noise)

देखिये, अगर तो हाउस इस मूड में है कि किसी की बात सुननी नहीं है तो हाउस को एडजर्न किया जा सकता है। दोनों तरफ के मेम्बरान को आदत पड़ गई है कि काफी फासले पर बैठे हुए भी एक दूसरे के साथ बातें करते रहते हैं। अगर इसी तरह से चलना है तो प्रोसीडिंग्ज़ ठीक तरह से चल नहीं सकतीं। सब को थोड़ा बहुत डिसिप्लिन मानना पड़ेगा।

दूसरी बात यह है कि मैं आज भी, आगे के लिये भी एक कनवेनशन को फालो करना चाहता हूं जो कि लोक सभा में फालो की जाती है। वह यह है कि जब गवर्नमैंट की तरफ से स्टेटमैंट हो तो हर ग्रुप की तरफ से एक एक सवाल पूछा जा सकता है।

(The hon. Minister Chaudhri Sunder Singh need not try to address any Member because while doing so, his face moves away from the mike and his voice is not heard properly. He may please address the Chair and keep his mouth before the mike.

(At this time Chaudhari Sunder Singh took his seat) (Noise)

The hon. Members may please listen. If the House is not in a mood to hear any body, then it can be adjourned. It has become a habit with the Members on both the sides that they continue indulging in mutual talks even though they are seated at a sufficient distance. If they would behave like that then the proceedings of

[श्री अध्यक्ष]

the House cannot be carried on properly. All of us will have to conduct ourselves under some discipline.

The other thing is that I want to set up and follow a convention which is already in vogue in the Lok Sabha. That is when a statement is made by Government, then each group in the House will be entitled to ask a question on that.)

**श्री जगन्नाथ** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर। स्पीकर साहिब, 6/7 दिन हो गए हैं एक ग्रादमी मर गया था हांसी में। उस के लिये मैं ने मोशन दी थी। ग्रब कल भी छुट्टी है ग्रौर परसों भी छुट्टी है लेकिन मेरी मोशन का फैसला नहीं हो रहा, . . . . . . (विघ्न) पुलिस ग्रादमी मार देती है। (विघ्न)

**श्री ग्रध्यक्ष** : ग्राप यह प्रिज्यूम करते हैं कि ग्रगर यह फैसला हो जाए कि काल ग्रटेनशन मोशन एडमिट करनी है तो यह ज़रूर एडमिट हो जाएगी ग्राप इस प्रिज़म्पशन पर चलते हैं। मैं ने कहा था कि कि मीटिंग काल की हुई है उस में प्रोसीजर तय करेंगे उस पर ग्रमल किया जाएगा। (The hon. Member presumes, that if any decision regarding admisibility of Call Attention Motion is taken, then this particular motion must be admitted. This appears to be his presumption. What I said was that a meeting of the Business Advisory Committee has been called and whatever procedure in this connection is decided it will be acted upon).

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਤੁਸਾਂ ਹੁਣ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੀ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਨੂੰ ਫਾਲੋ ਕਰਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਵੇਗਾ ਤਾਂ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਗਰੁਪ ਸਵਾਲ ਪੁਛ ਸਕਿਆ ਕਰਨਗੇ। ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬਹਾਦੁਰ ਨੇ ਅਜੇ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਕੰਪਲੀਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ।

**Mr. Speaker** : He has completed his Statement.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਨਹੀਂ ਜੀ।

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : मेरा प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर यह है कि चौधरी साहिब ने जो स्टेटमेंट दिया है, वह कोई स्टेटमेंट नहीं है। That does not amount to a statement even. उस का न कोई सिर है न कोई पैर। हाउस में ग्रगर कोई स्टेटमेंट दी जाती है तो उस में कोई स्पैसिफिक चीज़ ग्रानी चाहिए। हमें उस की कापी मिलनी चाहिये, ताकि हम उस को पढ़ कर सवाल पूछ सकें। उन की स्टेटमेंट का तो हाउस को कुछ पता नहीं लगा कि क्या बात उन्होंने मानी है ग्रौर क्या नहीं मानी। बारह ग्रगस्त ग्रौर 14 नवम्बर

को जो उन्होंने स्पेसिफिक एशोरेंस प्रैसमैन को दी थीं उस पर स्टेटमेंट आनी चाहिये थी। तीनों बातों को क्यों नहीं माना गया, हम उस के बारे में स्पेसिफिक स्टेटमेंट चाहते थे ......

**श्री अध्यक्ष :** कल डिप्टी स्पीकर साहिबा ने आर्डर दिया कि मिनिस्टर की तरफ से स्टेटमेंट होगा। गवर्नमेंट की तरफ से कमिट्मैंट थी कि स्टेटमेंट होगा आज आवाज़ उठाने पर मिनिस्टर साहिब ने स्टेटमेंट दिया है। वह अच्छी है या बुरी है, किलयर है या नहीं है यह बात दूसरी है। मैं फोर्स नहीं कर सकता कि वह परटीकुलर टाईप की स्टेटमेंट दें। (Yesterday, the Deputy Speaker had ruled that a statement on the subject should be given by a Minister. The Government made a committment that a statement in this regard would be made. Today, when this piont was again pressed, the hon. Min ster made the requisite statement. Now whether this statement is good or bad, clear or otherwise, is a separate matter. I cannot force the Minister to give a part cular type of statement.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** आप ने फालो किया है।

**श्री अध्यक्ष :** मैं कुमैंट नहीं कर सकता। स्टेटमेंट हाउस के सामने है। इट एज़ फार दी हाउस टू कनसिडर। ( I cannot make any comment. The statement is before the House. It is for the House to consider.)

(*Interruption*)

**श्री अध्यक्ष :** जब चौधरी सुन्दर सिंह बोलने लगते हैं तो बेतहाशा क्लैपिंग होने लगती है, बेतहाशा इन्ट्रप्शंस होने लगती है। ( When Chaudhri Sunder Singh rises to speak, lot of clapping is done and interruptions run galvre.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** वह तो उन को ओवेशन मिलती है।

**श्री अध्यक्ष :** जब इस तरह क्लैपिंग और इंट्रपशंज़ के दौरान वह कोई बात कह जाते हैं, अपने ढंग से कोई बात कह जाते हैं, तो फिर आप कहते है कि यह तो कोई स्टेटमैंट नहीं है। (When during clappings and interruptions like this he says any hing in his own particular way, then the hon. Members complain that this is no statement.)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश :** वह रिटन स्टेटमेंट दें।

**श्री अध्यक्ष :** मैं उन को नहीं कह सकता कि वह रिटन स्टेटमैंट ही दें। रिटन दें या ओरल यह उन की अपनी मर्ज़ी है। (विघ्न) (I cannot compel him to make a written statement. It is up to him to make a written or an oral statement.)

(*Interruption*)

**Mr. Speaker:** It is for the hon. Minister concerned to make a choice whether he wants to make a written or oral statement. Now those hon. Members who are allowed to put questions may put the same.

**ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਤੁਸੀਂ ਹੁਣ ਰੂਲਿਗ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੀ ਇਕ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਫਾਲੋ ਕਰੋਗੇ ਔਰ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਗਰੁਪ ਲੀਡਰਜ਼ ਨੂੰ ਇਕ ਇਕ ਸਵਾਲ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਵੋਂਗੇ ।ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਾਂਗਰਸ ਬੇਂਚਿਜ਼ ਤੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਕਲੈਰੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਕਰਵਾਉਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਕਾਂਗਰਸ ਬੇਂਚਿਜ਼ ਤੋਂ ਵੀ ਸਿਰਫ਼ ਇਕੋ ਨੂੰ ਹੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮਿਲੇਗੀ।

(Even from Congress benches, only one member will be allowed to put a question.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਿਨਿਸਟਰੀ ਦੀ ਨਾ ਅਹਿਲੀਅਤ ਦਾ ਇਸ ਤੋਂ ਹੋਰ ਵਡਾ ਕੋਈ ਸਬਤ ਨਹੀਂ।

**Mr. Speaker :** Please do not make comments and confine yourself to the point of order.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਮੈਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਉਤੇ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਕੁਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ । ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਉਤੇ ਤੁਹਾਡੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਲ ਇਕ ਕਾਲ ਅਟੇਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਵਕਤ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਹੁਕਮ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਇਸ ਗਲ ਉਤੇ ਕਲ ਬਿਆਨ ਦੇਵੇ । ਜਦ ਹੜਤਾਲ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਗੌਰਮਂਟ ਤਿਆਰ ਹੋ ਕੇ ਇਕ ਰਿਟਨ ਸਟੇਟਮਂਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕਦੀ ਸੀ ? (*Interruption*)

ਦੂਜੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਬਿਆਨ ਵਿਚ ਬਾਕੀ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਰੀਜ਼ਨੇਬਲ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਔਰ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸ਼ੌਰੈਂਸ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸੈਕਰਟਰੀ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਨਦਾ, ਕੇਸ ਸੈਕਰਟਰੀ ਕੋਲ ਹੈ ਫਾਰ ਐਗਜ਼ਾਮੀਨੇਸ਼ਨ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਵੱਡਾ ਹੈ ਜਾਂ ਸੈਕਟਰੀ ਵੱਡਾ ਹੈ ?

ਤੀਸਰੀ ਗਲ ਹੋਰ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਮਿਨਿਸਟਰ ਨੇ ਇਕ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਰੂਲਜ਼ ਐਂਡ ਰੈਗੂਲਸ਼ੰਜ਼ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ? ਅਗਰ ਰੂਲਜ਼ ਵਗੈਰਾ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਐਸ਼ੋਰਸ ਦੇਣੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚਾਹੀਦੀ ਔਰ ਅਗਰ ਐਸ਼ੋਰੰਸ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਨਾ ਕਰਨਾ ਗ਼ੈਰ ਜ਼ਿਮੇਦਾਰੀ ਦਾ ਸਬੂਤ ਨਹੀਂ ?

**श्री अध्यक्ष :** मैं सरदार गुरदयाल सिंह ढिल्लों को इन हिज़ कैपेसिटी एज़ ए मिनिस्टर फार पार्लियामेंटरी एफेयर्ज़ एक सुजैशन देना चाहता हूं। काफी देर से यहां पर मिनिस्टरज़ की तरफ से कहा जा रहा है कि मैं तो इस बात को मानता हूं, इस बात को करना चाहता हूं लेकिन दूसरी मिनिस्टरी इजाज़त नहीं देती। इस हाउस में मिनिस्टर को एज़ इन्डीविजुअल मिनिस्टर नहीं बल्कि मिनिस्टरी ऐज़ ए होल बात करनी चाहिए और जो जो आप की

इन्टरनल बातें हैं, मुनासिब होगा अगर उन को हाउस में न लाया जाए क्योंकि जो भी एक मिनिस्टर का फैसला होता है वह उसका अपना फैसला ही नहीं होता। यह चीज़ सारी की सारी ज्वायंट रिस्पांसिबिलिटी के तौर पर होनी चाहिए वरना काफी कन्फयूज़न पैदा हो जाता है जब एक मिनिस्टर यहां पर खड़ा हो कर यह कहता है कि मैं तो मानता हूं सैक्रेटरी नहीं मानता या यह कि मैं तो मानता हूं लेकिन फलां मिनिस्टर नहीं मानता है। उन को बताना चाहिए कि it is a decision of the Government or not. It will be better if Government comes to the House as a Government. (Thumping from the Opposition) (I would like to make a submission to Sardar Gurdial Singh Dhillon in his capacity as Minister for Parliamentary Affairs. Since long many a Minister has been individually telling the House that he was agreeable to a certain proposition and would like it to be implemented but the other Minister would not agree to it. I feel that in this House no Minister should speek in his individual capacity but on behalf of the Ministry as a whole and it would be proper that no internal talks on a difference of opinion subsisting between them on a certain matter should be ventilated in the House. The decision of a Minister does not reflect his own individual decision but that of the whole Ministry. The whole thing should be done on the basis of a joint responsibility, otherwise it creates confusion. When a Minister rises and says that he agrees with a certain proposal but a certian Secretary does not see eye to eye with him or a certain Minister did not countenance it, what he should tell the House, is whether it is a decision of the Government or not. It will be better if Government comes to the House as a Government.)..(Thumping fron the opposition)

**Transport and Elections Minister:** Mr. Speaker, I am very sorry that so much misunderstanding has cropped up because of this....

**A voice:** Not understood.

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਆ ਗਿਆ। ਜਵਾਬ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਬੜੀ ਆਮ ਟਰਮਜ਼ ਵਿਚ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਈ ਵਾਰ ਮਿਨਿਸਟਰ ਪਾਸੋਂ ਵੀ ਸਲਿਪ ਆਫ਼ ਟੰਗ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ—ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਦਾ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਭਾਵਕ ਢੰਗ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਤਲਬ ਕੁਝ ਹੁੰਦਾ ਨਹੀਂ ਔਰ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ........(ਵਿਘਨ)

(At this stage Sardar Gurbanta Singh rose on a Point of Order and the hon. Speaker asked him to do so after the Minister for Tranport and Elections had finished his observation.)

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਨਾਲ ਜੋ ਵੀ ਹੈ—ਰੁੱਖਾ ਮਿੱਸਾ ਸੀ, ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੇ ਕਿਸੇ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ, ਜੋ ਉਸ ਦੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਸੀ, ਆਪ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਆਇੰਦਾ ਵਾਸਤੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਰਹਿਣ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਿੱਥੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਤੁਹਾਡਾ ਹੁਕਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਨਵੇ ਕਰ ਦੇਵਾਂਗਾ। ਇਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਜੋ ਕੁਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਠੀਕ ਸਮਝਿਆ ਹੈ ਆਪ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਰਜ਼ੀ ਸਮਝ ਲਓ ਔਰ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਕਲੈਰੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਤਾਂ ਕਰਵਾ ਦਿਓ। ( *Interruptions*)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਉਤੇ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਪਹਿਲੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਹੁਣੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਸਾਡੇ ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮਿਨਿਸਟਰ ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬਾਰੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਕੂਮਤ ਦਾ ਔਰ ਵਜ਼ਾਰਤ ਦਾ ਬੜਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ, ਇਕ ਓਪੀਨੀਅਨ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੁਭਾ ਹੀ ਹੈ ਐਸੀਆਂ ਵੈਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨ ਦਾ ਔਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਤਲਬ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

**Mr. Speaker** : Please do not make a speech

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਔਰ ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ, ਜੋ ਕਿ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜਵਾਬ ਦੇਹ ਹੈ, ਅਗਰ ਕੋਈ ਮਿਨਿਸਟਰ ਐਸਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਜਾਂ ਤਾਂ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਉਸ ਵਜ਼ੀਰ ਤੋਂ ਅਸਤੀਫਾ ਲੈ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਉਹ ਵਜ਼ੀਰ ਅਗਰ ਇਕ ਕਾਬਲ ਵਜ਼ੀਰ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਨਿਕੰਮੀ ਕੇਬੀਨਟ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬੈਠਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਦੂਸਰੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਹੁਣੇ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲ ਗਿਆ ਸਾਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਦਸਿਆ ਕਿ ਮੈਂ ਅਜੇ ਅਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ, ਮੇਰਾ ਗਲਾ ਘੁੱਟ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਤਾਂ ਮੈਂ ਆਪ ਪਾਸ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮਿਨਿਸਟਰ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਤੁਸਾਂ ਜੋ ਅਪਣਾ ਇਰਾਦਾ ਬਣਾਕੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਲਈ ਆਏ ਸਉ ਕੀ ਉਸ ਇਰਾਦੇ ਨਾਲ ਅਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਪੂਰੀ ਕਰ ਲਈ ਹੈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗਲ਼ ਘੁਟਿਆ ਹੈ ਔਰ ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਹੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਸੁਣਾਈ ਦਿੱਤੀ।

**श्री श्रोम प्रकाश अग्निहोत्री** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि कल जो मैं ने काल अटैंशन मोशन दी थी उस में साफ तौर पर लिखा हुआ थां कि चौधरी सुन्दर सिंह जी ने 12 अगस्त, 1965 और 14 नवम्बर, 1965 को तीन एश्योरेंसिज़ दीं और कहा कि वक्त के औकात बदलने के लिए यूनीफार्म पालिसी .....

**श्री अध्यक्ष** : आप स्पीच न करें। प्वायंट आफ आर्डर पर बोलें।

(The hon. Member need not make a speech. He may confine himself to his point of order.)

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : इस के बाद 22 तारीख को एक मीटिंग हुई जिस में चौधरी सुन्दर सिंह, डिपार्टमेंट के सैक्रेटरी श्री आर. आई. एन. आहूजा, डिप्टी सैक्रेटरी और वर्केज़ के प्रतिनिधि मौजूद थे। उस मीटिंग में चौधरी साहिब ने फिर कहा कि जो एश्योरेंसिज़ मैं ने दी हैं उन पर अमल कराऊंगा लेकिन उन की मौजूदगी में सैक्रेटरी ने मिनिस्टर की कोई परवाह नहीं की और वर्करों को डांटना शुरू कर दिया। मैं आप से यह जानना चाहूंगा कि मिनिस्टर की मौजूदगी में जो सैक्रेटरी ने वर्करों को डांटा और मिनिस्टर बेबस था, क्या यह ठीक है ?

**ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਰਤਨ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ । ਇਥੇ ਬੜੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਮੈਡੀਕਲ ਏਡ ਫਰੀ ਹੈ ਔਰ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਇਲਾਜ ਕਰਵਾ ਲਉ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਸਚਮੁਚ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਇਕ ਬੜੇ ਪੁਰਾਨੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟੇਰੀਅਨ ਹਨ ਔਰ ਸਾਡੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਪੁਰਾਨੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਢਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੜਾ ਡੈਮੇਜ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਨਹੀਂ ਸਨ ਕਹਿਣੇ ਚਾਹੀਦੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਏਥੋਂ ਬਾਹਰ ਜਾਕੇ ਸਮਝਾ ਦਿੰਦੇ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡੈਮੇਜ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਸ ਗਲ ਉਤੇ ਪ੍ਰੋਟੈਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। (*Interruptions*)

**शिक्षा मन्त्री** : जनाबे आली, मैं इतनी अर्ज़ करना चाहता हूं कि पिछले तीन चार दिन आप यहां पर तशरीफ नहीं रखते थे मगर जो कुछ इस हाउस की प्रोसीडिंग्ज़ के बारे में अखबारों में छपा है यह आप की नजरों से गुजरा होगा। वह हम में से किसी के लिये भी चाहे वह इधर बैठे हों या उधर, किसी के लिये भी शोभा की बात नहीं है। ठीक है थोड़ा बहुत लाइट हार्टिड मज़ाक हो सकता है मगर हमारे सामने बैठे दोस्त, हमारे दिल में उन की बड़ी इज़्ज़त है, यहां पर रोज़ाना निकम्मी वज़ारत, नाअहल वज़ारत और जो कुछ उन के मुंह में आता है कहते हैं। हमारे मुंह में भी ज़बान है और हम भी काफी कुछ कह सकते हैं। मगर यह अच्छा नहीं लगता। मैं अर्ज़ करता हूं कि इस एवान की शान को हम दोनों तरफ बैठने वालों को बरकरार रखना चाहिए। अगर इन को हमारी कोई बात अच्छी नहीं लगती तो डिफरेंसिज़ और गुस्सा निकालने के और ज़राए हैं मगर ज़ातियात में न जाएं। किसी के लिये ऐसे अलफ़ाज़ इस्तेमाल करना किसी को शोभा नहीं देता। इस तरफ से किसी भाई ने सामने बैठने वाले किसी भाई के बारे में कोई अलफाज़ नहीं कहे जो उन के परसन के खिलाफ हों। इस प्रैस के मामले में अगर यह चाहें तो दो चार दिन में चौधरी सुन्दर सिंह यहां पर एक डिटेल्ड स्टेटमैंट दे सकते हैं ताकि किसी तरह की शिकायत की गुंजायश न रहे।

11.00 a.m.

**ਐਕਸਾਇਜ਼ ਪਰਿੰਟਿੰਗ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਤਅਲਕ ਮੈਂ ਲਿਖ ਕੇ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਰਕੂਲੇਟ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ ਅਤੇ ਸਾਰੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਐਕਸਪਲੇਨ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ। ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਜੋ ਗਲ ਕਹੀ ਗਈ ਹੈ, ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹਕ ਹੈ, ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਰਾਮ ਰਤਨ ਜਿਹੇ ਆਦਮੀ ਜਿਹੜੇ ਮੈਨੂੰ ਪਾਗਲਖਾਨੇ ਭੇਜਦੇ ਹਨ...... (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਆਪ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਪਾਸ ਵਿਕੇ ਹੋਏ ਸਨ......(ਵਿਘਨ) ਇਹ ਵਾਇਆ ਬਠਿੰਡਾ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਹਨ........ (ਵਿਘਨ) ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪਾਗਲ ਦਸਦੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬੇੜਾ ਡੁਬ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੀਆਂ ਜੇਬਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਸਹਾਰਾ ਲੈਕੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਮੈਨੂੰ ਪਾਗਲ ਦਸਦੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਪਾਗਲ ਹਾਂ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪ੍ਰੈਸ ਦਾ ਤਾਅੱਲੁਕ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਡਿਟੇਲ ਵਿਚ ਦਸਾਂਗਾ ਸੋਮਵਾਰ ਜਾਂ ਅਗਲੇ ਹਫਤੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਗਲ ਕਰਾਂਗਾ। ਲੇਬਰਰਜ਼ ਦੇ ਮੈਂ ਹਕ ਵਿਚ ਹਾਂ। **First I am labourer then anyting else.** (तालियां)

**ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਜੋ ਕੁਝ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਦੇਖਕੇ ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕੈਬੀਨਟ ਵਿਚ ਨੰਬਰ 8 ਤੇ ਹਾਂ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਜੋ ਗਲ ਮੈਂ ਕਰਨ ਲਗਾਂ ਹਾਂ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਸ਼ੋਭਾਏਮਾਨ ਵੀ ਹੈ ਜਾ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ, ਇਧਰ ਟਰੇਜ਼ਰੀ ਬੇਂਚਿਜ਼ ਤੇ ਬੈਠੇ ਆਪਣੇ ਦੋਸਤਾਂ ਵਲੋਂ ਐਸ਼ੋਰ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਸੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਮਿਨਿਸਟਰਾਂ ਦੇ ਕਹਿਣੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਬਿਲਕੁਲ ਬਿਲਾ ਝਿਜਕ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਮਿਨਿਸਟਰੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਅਤੇ ਜਨਤਾ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਮਿਨਿਸਟਰੀ ਨੇ ਚਲਾਉਣੀ ਹੈ, ਸੈਕਰੇਟਰੀਜ਼ ਨੇ ਨਹੀਂ।

With all the emphasis at my command I would like to give an assurance to the House that it is the policy of the Government meaning thereby the Ministry which will prevail and not the policy dictated by the Secretaries.

**डा० बलदेव प्रकाश :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, कल एक ऐडजर्नमैंट मोशन पर जो कि कपूरथला में कालिज में हुई स्ट्राईक के बारे में थी, ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब ने ऐशोरेंस दिलाई थी कि अगर वह स्ट्राईक काल आफ कर दें तो जैसे मैम्बर साहिबान सजैस्ट करेंगे किया जायेगा। तो, मैं ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब से रिक्वैस्ट करूंगा कि उन्होंने स्ट्राइक विदड्रा कर लेने का फैसला कर लिया है और लिखकर भी दे दिया है। तो जैसे उन्होंने स्ट्राईक विदड्रा कर ली है उसी तरह से ऐजुकेशन मिनिस्टर साहिब भी इन्क्वायरी के बारे में ऐशोरेंस दिला दें जैसा कि उन्होंने कल कहा था तो मुनासिब होगा।

**शिक्षा मंत्री :** जनाबे आली, डा० बलदेव प्रकाश जी ने मुझे एक चिट्ठी दी है। उस में उन्हों ने बताया है कि उन्होंने हंगर स्ट्राइक वापस ले ली है। यह सुबह मुझे मिले थे। मैं ने उसी वक्त ऐजुकेशन कमिश्नर से कहा था कि अगर उन्होंने अनकन्डीशनली स्ट्राइक वापस ले ली है और हालत नार्मल है तो फौरी तौर पर वह खुद जा कर या जिस को वह साथ ले जाना चाहें ले जा कर जो 2 ग्रीवैंसिज़ प्रिंसिपल को हैं, स्टाफ को हैं या जो और किसी की शिकायतें हैं उन सब का जायज़ा लें और जो हल वह पेश करेंगे गवर्नमेंट उस को मान लेगी।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री :** आन ए प्वायंट आफ क्लैरीफिकेशन। स्पीकर साहिब, चौधरी लखी सिंह रात कपूरथला गये थे और सब हंगर स्ट्राइकर्ज़ से मिले थे। उन्होंने वज़ीर साहिब से इस बात की ऐश्योरेंस मांगी है कि उन को आयंदा हैरास नहीं किया जायगा।

शिक्षा मन्त्री : मैं इस वक्त इस पोज़ीशन में नहीं हूं कि कोई वादा करूं। मैं ने बिल्कुल वाज़े अलफाज़ में कहा है कि आप बताएं कि आप को जिस आदमी पर विश्वास है उस से इन्क्वायरी करवा लेते हैं। अगर उन्होंने कहा कि प्रिंसिपल के खिलाफ जायज़ शिकायत थी और उस के खिलाफ ऐक्शन लिया जाना चाहिए तो उस के खिलाफ ऐक्शन लिया जायगा और अगर यह रिपोर्ट हुई कि प्रोफैसरों का कसूर था और उन के खिलाफ ऐक्शन लिया जाए तो उन के खिलाफ ऐक्शन लिया जायगा।

I will accept in toto the report of the Enquiry Commission.

**Dr. Baldev Parkash:** In all fairness if anybody is found guilty he should be properly punished. But....

**Mr. Speaker:** It would be better if the hon. Member settles the matter after meeting the Education Minister.

**डा० बलदेव प्रकाश** : हम यह चाहते हैं कि डिपार्टमेंट की तरफ से किसी को भी न प्रिंसीपल को और न स्टाफ को अनडियू हैरासमैंट होनी चाहिए।

**शिक्षा मंत्री** : स्पीकर साहिब, जो कुछ मैं कह चुका हूं उस से ज़्यादा मुझे कुछ नहीं कहना। मैं अर्ज़ करता हूं कि पूरी इमानदारी और इनसाफ से वह इन्क्वायरी होगी। जिस पार्टी का कसूर होगा और जो ऐक्शन इन्क्वायरी अफसर सजैस्ट करेगा वह गवर्नमेंट लेगी। किसी आदमी को किसी मौका पर किसी वजह से अनडियू हैरासमेंट मेरे डिपार्टमेंट से नहीं मिलेगी।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਪਤਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲ ਡੇ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿਤੀ ਸੀ ਕਿ ਬਿਰਲਾ ਲੀਜ਼ ਡੀਡ ਬਾਰੇ ਜੋ ਕੈਬੀਨਟ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਹੈ ਉਹ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ within a week ਗਵਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਵੇਗੀ। ਅਜ ਉਸ ਗਲ ਨੂੰ ਅਠ ਦਿਨ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਸ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਅਗਰ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਡੈਕਲੇਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਸੈਂਕਟਿਟੀ ਮੰਗ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਅਮਲ ਹੋਵੇ।

---

## ANNOUNCEMENT BY THE SPEAKER

**Mr. Speaker:** I have to inform the House that an article published in the "Lalkar" Dharmsala dated the 5th January, 1966, under the caption "Kangra ke Baz Memberan Assembly par Lakhon Rupae Banane Ka Sansane Khez Ilzam" was recently brought to my notice. I have, after obtaining the views of the Press Gallery Committee, referred the matter to the Committee of Privileges for examination and Report under rule 285 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, as the said article appears to cast aspersions on the conduct of Members of this House representing Kagra District. The report is to be made within three months.

---

## Adjournment Motions/Call Attention Notices (Resumption)

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਹੁਣੇ ਹੀ ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਉਠਾਇਆ ਗਿਆ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਇਥੇ ਸਾਰੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਬੈਠੀ ਹੈ; ਇਹ ਦਸਣ ਕਿ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਬਿਰਲਾ ਡੀਲ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਆਈ, ਇਕ ਹਫਤੇ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।

**Mr. Speaker :** The hon. Member should please resume his seat. It is not for me to reply.

**ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿਤੀ ਸੀ ਕਿ ਜਦ ਕਿ ਉਸ ਦਿਨ ਬਿਰਲਾ ਡੀਲ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਗੜਬੜ ਹੋਈ ਸੀ ........

**Mr. Speaker** : The hon. member should not please worry about it. It will be treated as an assurance.

**ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਹਫਤੇ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੋ ਟੂਕ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਕੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

**Mr. Speaker :** The hon. Member has had his say. It is for the Government to reply.

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਅਜੇ ਤਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਬੋਰਡ ਪਾਸ ਸੂਬੇ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਜਾਣਾ ਪਿਆ ਅਤੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਉਥੇ ਲਗ ਗਏ । ਹੁਣ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਅਜ ਦਾ ਰੋਸ ਅਤੇ ਵਿਚਾਰ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਅਜ ਹੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਜਿਥੇ ਵੀ ਉਹ ਹਨ ਕਨਵੇ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ । ਅਸੀਂ ਦਿੱਲੀ ਸੱਦੇ ਜਾਣ ਤੇ ਇਨਕਾਰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸਾਂ ਇਸ ਲਈ ਦੇਰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਪਰ ਨੈਕਸਟ ਵੀਕ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਆ ਜਾਵੇਗੀ।

---

## Supplementary Estimates(Second Instalment) 1965-66

**Minister for Finance,** (Sardar Kapoor Singh): Mr. Speaker, Sir, I beg to present the Supplementary Estimates (Second Instalment) for the year 1965-66. This is an additional estimate of expenditure during the current year.

---

## Presentation of the Report of the Estimate Committees on Supplementary Estimates

**Sardar Bawlant Singh :** (Chairman, Estimates Committee): Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (Second Instalment) for the year 1965-66.

---

*Bills*

## The Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill, 1965

**Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture** (Capt. Rattan Singh): Sir, I beg to move —

> That the Punjab Agricultural Procduce Markets (Amendment) Bill, as reported by the Regional Committees, be taken into consideration.

**ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਇਕ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨ ਬਣਾ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਕਿਸੇ ਬਿਲ ਨੂੰ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਏਮਜ਼ ਅਤੇ ਆਬਜੈਕਟਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚ, ਇਹ ਮੁਨਾਸਿਬ ਹੋਵੇਗਾ, ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਜਾਇਆ ਕਰੇ । (Addressing the Minister of State Captain Rattan Singh : I think a convention may be established, as it would be very proper that when a bill is moved for being taken into consideration, the aims and objects of the measure are explained to the members of the House.)

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਹਿੰਦੀ ਰੀਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਰੀਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਬਹਿਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਬਹੁਤ ਹੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰੈਸਿਵ ਬਿਲ ਮੈਂ ਇਥੇ ਮੂਵ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਪਹਿਲਾਂ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਸਰਕਾਰ

ਮੁਕਰਰ ਕਰਦੀ ਸੀ, ਹਰ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਇਕ ਆਫੀਸ਼ਲ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ । ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਚੁਣਾਉ ਲੜੇ ਜਾਂਦੇ ਸਨ ਤਾਂ ਕਦੇ ਕਦੇ ਇਹ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਦਖਲ ਅੰਦਾਜ਼ੀ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਏਤਰਾਜ਼ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਹ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਕੋਈ ਦਖਲ ਨਾ ਦੇ ਸਕੇ ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਤੌਰ ਤੇ ਵੋਟ ਦੇਣ ਤੋਂ ਵਾਂਜਿਆ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਹ ਇਨਟਰ-ਫੀਅਰ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ । ਸਰਕਾਰੀ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਨੂੰ ਨਾ ਵੋਟ ਦਾ ਹਕ ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਔਹਦੇ ਤੇ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋਣ ਦਾ ਹੱਕ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਤੋਂ ਇਹ ਹੱਕ ਲੈ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਰਾਏ ਦੀ ਕਦਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰੈਸਿਵ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਇਤਰਾਜ਼ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਨ ਕਰਦੇ ਸਨ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਉਮੀਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਇਸ ਇਨੋਸੈਂਟ ਜਿਹੇ ਬਿਲ ਨੂੰ ਸਵੀਕਾਰ ਕਰੇਗਾ।

**Mr. Speaker :** Motion moved —

**That the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill as reported by the Regional Committees, be taken into consideration,**

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** (ਲੁਧਿਆਣਾ, ਉੱਤਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਇਨਚਾਰਜ ਨੇ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਪੁਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਵਾਕਿਆਤ ਤੇ ਮਬਨੀ ਨਹੀਂ । ਜਦ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਤੇ ਗ਼ੌਰ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਪੂਰੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਮੁਖਾਲਫਿਤ ਹੋਈ । ਇਹ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਕ ਨੋਟ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟੇਰੀਏਟ ਵਲੋਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼, ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ, ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਜੋਗਾ ਤੇ ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਨੇ ਇਕ ਡਾਈਸੈਂਟਿੰਗ ਨੋਟ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ , ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੇਜ ਸਿੰਘ, ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਬਚਨ ਸਿੰਘ, ਜੋ ਮੈਂ ਖੁਦ ਇਥੇ ਖੜ੍ਹਾ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਨੇ ਵਖਰਾ ਡਾਈਸੈਂਟਿੰਗ ਨੋਟ ਦਿੱਤਾ । ਪਰ ਇਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬੜਾ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰੈਸਿਵ ਬਿਲ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ । ਪਰ ਅਸਲੀਅਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਇਸ ਦੀ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਬੰਗਲਿੰਗ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਹਕੀਕਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲਾਂ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਮਾਰਕਿਟ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸ ਐਕਟ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਐਨੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਅਪੁਆਵਾਇੰਟ ਕਰੇਗੀ, ਇਸ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਡੈਫੀਨੀਸ਼ਨ ਅਤੇ ਵਜ਼ਾਹਤ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਕਿਹੜਾ ਮੈਂਬਰ ਹੋਵੇਗਾ ਪਰ ਹੁਣ ਕੋਈ ਵਜ਼ਾਹਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਾਰੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀਆਂ ਦੇ ਐਕਟ ਵਿਚ ਇਹ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੈ ਅਤੇ ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਕਰਕੇ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀ ਵਿਚ ਤਹਿਸੀਲ ਦਾ ਐਸ. ਡੀ. ਓ. ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ੋ ਮੈਂਬਰ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਜੇਕਰ ਬਲਾਕ ਵਿਚ ਸਹਿਮਤੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਬਲਾਕ ਅਫਸਰ ਉਸ ਦਾ ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ੋ ਮੈਂਬਰ ਹੋਵੇਗਾ ਜਾਂ ਫਿਰ ਜੇਕਰ ਬਲਾਕਵਾਈਜ਼ ਕਿਸੇ ਤਹਿਸੀਲ ਵਿਚ ਸੰਮਤੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਥੇ ਐਸ. ਡੀ. ਓ. ਅਤੇ ਬਲਾਕ ਅਫਸਰ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਦੋਵੇਂ ਹੀ ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ੋ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣਗੇ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਲੀਅਰ ਤੌਰ ਤੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ । ਹੁਣ ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਫੰਕਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਿਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਟੈਕਨੀਕਲ ਐਕਸਪਰਟ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦੀ । ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਟੈਕਨੀਕਲ ਕਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀਆਂ। ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਕੰਮ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਫੀਸ ਵਸੂਲ ਕਰਨੀ ਅਤੇ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਖਰਚ ਕਰਨਾ, ਫਿਰ ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀਆਂ ਦੇ ਐਕਟ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਕਿਸੇ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦੀ ਲੋੜ ਪੈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸੰਮਤੀ ਕਿਸੇ ਵੀ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਕੇ ਐਡਵਾਈਸ ਮੰਗ ਸਕਦੀ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਸੰਮਤੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਨਾ ਵੀ ਹੋਵੇ । ਫਿਰ ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜੇਕਰ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਆਫੀਸਰ ਉਹ ਹੋਵੇ ਜਿਹੜਾ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦਾ ਐਕਸਪਰਟ ਹੈ ਤਾਂ ਗੱਲ ਸਮਝ ਆ ਸਕਦੀ ਸੀ ਪਰ ਇਥੇ ਤਾਂ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸਾਰੀ ਗਲਤ ਥਿੰਕਿੰਗ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹੈ । ਹੋਇਆ ਇਹ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸਾਜ਼ਸ਼ਾਂ ਕੀਤੀਆਂ, ਬੇਈਮਾਨੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਅਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਾਂ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਨ ਵੇਲੇ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਕਿ ਖੁਦ ਬਣ ਜਾਣ । (**Deputy Speaker in the Chair**) ਜੇ ਉਹ ਖੁਦ ਚੇਅਰਮੈਨ ਯਾ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾ ਸਕੇ ਤਾਂ ਇਕ ਬਹਾਨੇ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਚੇਅਰਮੈਨ ਔਰ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਇਸ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਮਾਰਕਿਟ ਐਕਟ ਦੇ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੈ, ਇਕ ਕਨਸਟੀਟਿਊਸ਼ਨ ਹੈ ਫੇਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਿਉਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਐਕਟ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਪਲੀਦ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਹੀ ਕਿਸੇ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨੇ ਕਦੇ ਐਸਾ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ ।

**ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਏਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਇਹੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮੰਗੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਵੋਟ ਪਾਵੇਗਾ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਬਾਕੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਾ ਕਨਸਰਨ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਐਕਟ ਨਾਲ ਹੈ । ਇਸ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਮਹਿਜ਼ ਇਹੋ ਸਵਾਲ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਵੋਟ ਦੀ ਅਥਾਰਿਟੀ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਹਨ ਜਾਂ ਕਿ ਨਹੀਂ ਹਨ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਹੈਪਹੈਜ਼ਰਡ ਅਮੈਂਡ-ਮੈਂਟ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਾਂ । ਇਸ ਦੇ ਡਾਈਸੈਂਟਿੰਗ ਨੋਟ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਜੋ ਮੈਂ ਆਪਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਏਥੇ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ :

> We do not agree with the present amendment in the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill, 1965, in principle. We will oppose it in the Vidhan Sabha apart from other grounds, on the ground that nominated members should have no right of vote on any matter"

ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਕਨਫਿਊਜ਼ਡ ਥਿੰਕਿੰਗ ਕਰਕੇ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜ ਇਹ ਐਮ. ਐਲ. ਸੀ. ਅਤੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਪਹਿਲਾਂ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਐਕਟ ਤਾਂ ਵੇਖਣ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਸਾਫ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ੋ ਮੈਂਬਰ ਅਤੇ ਐਸੋਸ਼ੀਏਟਿਡ ਮੈਂਬਰ ਦੋਵਾਂ ਨੂੰ ਅਧਿਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਵੋਟ ਦੇਣ ਦਾ। ਹੋਰ ਤਾਂ ਹੋਰ ਤੁਸੀਂ ਸੰਮਤੀਆਂ ਦੀ ਬਣਤਰ

ਹੀ ਵੇਖ ਲਵੋ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ੋ ਮੈਂਬਰ ਜਾਂ ਅਸੋਸ਼ੀਏਟਿਡ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਰਾਈਟ ਆਫ ਵੋਟ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਫੇਰ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਮਾਰਕਟਿੰਗ ਪ੍ਰੋਡੀਊਸ ਐਕਟ ਦੇ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਰਾਈਟ ਆਫ ਵੋਟ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਕਿਸੇ ਆਫੀਸ਼ਅਲ ਨੂੰ ਰਾਈਟ ਦਿਲਾ ਦੇਣਾ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਵੋਟਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਖੁਦ ਇੰਟਰੈਸਟਿਡ ਹਨ ਤਾਂ ਐਸਾ ਰਾਈਟ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਹੈ ਉਹ ਇਕ ਐਕਸਪਰਟ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਬੇਸ਼ਕ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਦੇ ਦੇਵੇ ਪਰ ਉਸ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਾ ਹਕ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਉਹ ਆਪਣੀ ਐਡਵਾਈਸ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਵੀ ਬੁਲਾਕੇ ਉਸ ਦੀ ਐਡਵਾਈਸ ਲਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਹਕੀਕਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਕੇ ਉਸ ਦੀ ਮਿਟੀ ਪਲੀਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮਾਰਕਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਸਰਕਾਰੀ ਮੈਂਬਰ ਹੋਵੇਗਾ ਉਹ ਸਹੀ ਮਨਿਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ। ਮਾਰਕਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਦਾ ਉਹ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਸਾਰੀ ਹਿਸਟਰੀ ਦਾ ਪਤਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਪਲੀਦ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਾਰਕਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨੂੰ ਹਟਾਕੇ ਇਕ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀਆਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਧੁਮਾਂ ਪੈ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮਾਰਕਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਸਾਰੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਨਵਾਂ ਬੋਰਡ ਕਾਨਸਟੀਚੀਊਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਾਨਸਟੀਟਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਕੁਝ ਕਰਨਾ ਹੀ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਸਿਧੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕੋਈ ਗੱਲ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਕਨਫਿਊਜ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਾਨਸਟੀਟਿਊਸ਼ਨ ਤਿਆਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਮਾਰਕਟਿੰਗ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਾਂ ਵਾਈਸ-ਚੇਅਰਮੈਨ ਹਨ ਉਹ ਅਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਹਿਸਾ ਨਾ ਲੈ ਸਕਣ ਪਰ ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ ਸਰਕਾਰੀ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲਜ਼ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਦੇ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੱਖਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਆਪਣੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਬਰਕਰਾਰ ਰੱਖਣ ਲਈ ਇਸਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਕੇ ਇਕ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ ਬੀ. ਡੀ. ਓ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਜਾਂ ਐਮ. ਐਲ. ਸੀ. ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿਵਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਬਿਲਕੁਲ ਵੀ ਹਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਾਂ।

**Minister for Transport and Elections :** Madam, I have to make a humble submission that whether there is any note of dissent or not and whether it is the Regional Committee Stage or the Vidhan Sabha stage, the scope of this Bill is very limited i.e. whether the official members should or should not have the right of vote. If it were a general amemdment of the Principal Act, then anything could be said and this suggestion of my hon. Friend opposite could have been within the scope of the Bill, but not in the case of the present Bill where the scope is very limited.

**उपाध्यक्षा** : अब 11-30 बजे बिज़ोनैस ऐडवाईज़री कमेटी की मीटिंग है। पैनल आफ चेयरमैन में से कोई मैम्बर हाज़िर नहीं है अगर आप इजाजत दें तो डाक्टर बाल कृष्ण को सभा की कार्रवाई चलाने के लिये कह दिया जाये। (The Business Advisory Committee is scheduled to meet

[उपाध्यक्षा]

at 11-30 a. m. Since out of the Panel of Chairmen, none is present now, and I want to go out, Dr. Bal Krishan may be determined by the Assembly to occupy the Chair in my absence, to conduct the proceedings of the House.)

**परिवहन तथा निर्वाचन मंत्री** : मिनिस्टर्ज को एक ही वक्त में बहुत सारे काम अटैंड करने पड़ते हैं आप इधर कहती हैं कि मिनिस्टर्ज हाजर नहीं रहते अब तीन चार कमेटियां हो रही हैं आप कहती हैं इधर हाजर हों, बिज़नैस एडवाईज़री कमेटी की मीटिंग है, एक कमेटी गवर्नर साहिब ने बुलाई है और भी कई हैं। चेयर को चाहिये कि सारी बातों का ध्यान रखे।

उपाध्यक्षा : जिन हालात के अंदर मुझे जाना पड़ा है मैं ने बता दिया है। यह भी ठीक है एक ही वक्त इतनी मीटिंगज़ नहीं होना चाहिये। अगर आप मुनासिब नहीं समझते तो मैं नहीं जाती। (I have informed the House of the circumstances under which I have to leave the House. This is also right that so many meetings should not be held simulteneously. I would not go, if they think that my absence from the House is not proper.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕੌਂਸਲ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੋਟ ਦੇਣ ਦਾ ਹਕ ਦੇ ਕੇ ਇਕ ਐਸਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੀ ਜਿੰਨੀ ਮਿਟੀ ਪਲੀਦ ਇਹ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸਨ ਉਹ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਅਜ ਇਸ ਐਕਟ ਵਿਚ ਇਹ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਉਣ ਲਗੇ ਹਨ। ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਈਲਾਟ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਰਾਈਟ ਆਫ ਵੋਟ ਨਾ ਦਿਓ ਤਾਂ ਇਹ ਪਰੋਗਰੈਸਿਵ ਮੇਜ਼ਰ ਹੋਵੇਗਾ। (ਇਸ ਸਮੇਂ ਡਾਕਟਰ ਬਾਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਚੇਅਰ ਤੇ ਆਏ) ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਹੈਪਹਜ਼ਰਡ ਅਤੇ ਹਾਫ ਹਾਰਟਿਡ ਮੇਯਰ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਰਾਈਟ ਲੈ ਲਓਗੇ ਲੇਕਿਨ ਡੇ ਟੂ ਡੇ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਵੋਟ ਕਰਨ ਦਾ ਹਕ ਦਿਓਗੇ ਇਹ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸੈਟ ਅਪ ਦੇ ਉਲਟ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ, ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਜ ਏਥੇ ਮੁਜ਼ਾਹਿਰਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਬਿਲਕੁਲ ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੋਜ਼ ਮੁਜ਼ਾਹਰੇ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਹ ਮਨਿਸਟਰ ਬਿਲਕੁਲ ਇਨਕੰਪੀਟੈਂਟ ਹਨ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਬਾਬੂ ਜੀ, ਇਹ ਸੈਂਟੈਂਸ ਹਰ ਵੇਲੇ ਲਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਬੇਮੌਕਾ ਹੈ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੈਂ ਜੋ ਕੁਛ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਠੀਕ ਹੈ। ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਵਲੋਂ ਜੋ ਸਲਿਪ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਇਹ ਕਹੋ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਪਿਛੋਂ ਹੁਕਮ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਹਿਜ਼ ਮਾਸਟਰਜ਼ ਵਆਇਸ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਹੋਰ ਕੁਛ ਨਹੀਂ। ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਮਹਿਰੂਮ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਅਗਰ ਇਹ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਾਂ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਖੜ੍ਹੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ਿਓ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਰਾਈਟ ਆਫ ਵੋਟ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵਿਚ ਰਾਈਟ ਆਫ਼ ਵੋਟ ਕਿਉਂ ਦਿਤਾ ਜਾਏ। ਮੈਨੂੰ

ਨਹੀਂ ਆਈ, ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਨੇ ਕਦੇ ਇਸ ਵਿਚ ਸੋਚਿਆ ਨਹੀਂ, ਕਦੇ ਇਸ ਤੇ ਸਮਝਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਹੈਪਹੈਜ਼ਰਡ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਮੁਆਫ ਕਰਨ। ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਇਸ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਇਨਚਾਰਜ ਮਨਿਸਟਰ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਉਥੋਂ ਦੇ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕੀਤਾ ਹੈ।

[*At this stage Dr. Bal Krishan, a member of the Panel of Chairmen, occupied the Chair.*]

**Transport and Elections Minister :** I would request you, Mr. Chairman to ask the hon. Member to confine himself to the matter under discussion. How is Improvement Trust concerned with it ?

Babooji, I have all respect for you but I have the right to invite the attention of the Chair to it.

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਨਹੀਂ, ਨਹੀਂ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਪੂਰਾ ਰਾਈਟ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਨਕੰਪੀਟੈਂਸੀ ਦਾ ਸਬੂਤ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਗੱਲ ਸੋਚ ਸਮਝ ਕੇ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਪਾਵਰਲੈਸ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤੇ ਇਕ ਗਲ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਤੇ ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਜਿਥੇ ਚੰਗੀ ਗਲ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਓਥੇ ਤਾਂ ਕਹਿ ਦਿਓ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰਸਟ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਹੈ।

**Transport and Elections Minister :** I would again request you to ask the hon. Member to be relevant.

**Mr. Chairman :** I would request the hon. Member to be relevant. Rule 132 of the Assembly Rules is absolutely clear on the point. If the hon. Member likes, I can read it out.

**Transport and Elections Minister :** He knows it well.

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਮਿਸਟਰ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਅਗਰ ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਗਲ ਨੂੰ, ਕਿਸੇ ਪੁਆਇੰਟ ਨੂੰ ਥ੍ਰਸਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਬਰਨ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਰੋਕੋ ਲੇਕਿਨ ਅਗਰ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਗੱਲ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਲਈ, ਜਿਹੜੀ ਗਲ ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਉਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ।

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸਕਟਰੀ :** ਜਬਰਨ ਥ੍ਰਸਟ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਇਹ ਨਾ ਪੁਛੋ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੈ।

**ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ :** ਅਸੀਂ ਵੈਸੇ ਹੀ ਮੰਨਦੇ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਹੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਮੰਨਦੇ ਹਾਂ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ :** ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮਨਿਸਟਰੀ ਸੋਚ ਸਮਝ ਕੇ ਨਹੀਂ ਚਲ ਰਹੀ। ਮੇਰਾ ਤਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਬਗੈਰ ਸੋਚੇ ਸਮਝੇ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਸਲ ਹਾਕਮਾਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਕਮ ਦਿਤਾ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਗਲ ਭਾਵੇਂ ਦਿਲੋਂ ਮੰਨਦੇ ਹੋਣ, ਭਾਵੇਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਦਲੀਲ ਦੇ ਕੇ ਗਲ ਕਰੋ ਤਾਂ ਇਹ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਵੀ ਹੋ ਜਾਣ ਲੇਕਿਨ ਚੂੰਕਿ ਪਿਛੇ ਤੋਂ ਕਾਰਵਾਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਮਜਬੂਰ ਹਨ ਵਿਚਾਰੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਹੋਰ ਗਲਾਂ ਤੋਂ ਵਕਤ ਹੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ । 11 ਜਨਵਰੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਜ ਤਕ ਦਿੱਲੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖਹਿੜਾ ਨਹੀਂ ਛਡਦੀ । ਇਹ ਕੀ ਕਰਨ। ਕਿਤੇ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਮੈਂਬਰੀ ਤੋਂ ਹਟਾ ਰਹੇ ਨੇ ਤੇ ਕਿਤੇ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਲਾ ਰਹੇ ਨੇ । ਜਿਥੇ ਐਨੀ ਕੰਟਰਾਡਿਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇ, ਅਗਰ ਮਨਿਸਟਰੀ ਸੁਤੀ ਪਈ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਜਗਾਵੇ । ਇਹ ਹਾਊਸ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ । ਅਗਰ ਮਨਿਸਟਰੀ ਬੇਅਕਲ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੰਮ ਲਿਆਵੇ ਤੇ ਅਕਲ ਵਾਲੇ ਸੁਝਾ ਦੇਵੇ । ਇਹ ਹਾਊਸ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ 15 ਜਾਂ 20 ਦਿਨ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਅਕਲ ਬੇਅਕਲ ਸੁਣਦੇ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਸਫੈਦ ਰੀਸ਼ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਦਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਵਰਨਾ ਅਕਲ ਦਾ ਤਕਾਜ਼ਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਹੜੇ ਪਾਸੇ ਹੈ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਮੈਨੂੰ ਪਰਮਨਲੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਗਰੱਜ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਮਿਨਿਸਟਰੀ ਐਜ਼ ਏ ਹੋਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਅਸੀਂ ਵਿਚ ਆ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਹੀ ਆਉਂਦੇ ਹੋ । ਫੇਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਵੀ ਆ ਜਾਓਗੇ । ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ..........

**ਸ੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ** : ਬਾਬੂ ਜੀ, ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਨਾ ਦਸੋ, ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਪੁਆਇੰਟ ਦਸੋ ।

(Addressing Babu Bachan Singh—the hon. member should not state the duties of the House, he should state only relevant points.)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਬਹੁਤ ਬੰਗਲਿੰਗ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਮੈਂ ਇਸ ਪੁਆਇੰਟ ਤੇ ਤੁਹਾਡੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਨਾ ਕਰਾਂ ਅਤੇ ਤੁਹਾਡੀ ਮਾਰਫਤ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਨਾ ਕਰਾਂ ? ਕੋਈ ਸਿਸਟੇਮੈਟਿਕ ਕੰਮ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ ਹੈਪ ਹੈਜ਼ਰਡ ਹੈ, ਹਾਫ ਹਾਰਟਿਡ ਹੈ ਇਹ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਅਗਰ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਵਾਕਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲਜ਼ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਾ ਰਾਈਟ ਦਿਤਾ ਸੀ ਚੇਅਰਮੈਨ ਖੜੇ ਹੋਣ ਲਈ ਜਾਂ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਲਈ ਘਟੋ ਘਟ ਹੁਣ ਤਾਂ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਬਾਡੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਾ ਬਣਾਓ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਕ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਮੇਰਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੈ।

**ਯੋਜਨਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ** : ਇਹ ਕਦੋਂ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮਿਊਨਸਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਕੰਮ ਅਛਾ ਨਾ ਚਲੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕਮ ਥੋੜੀ ਹੋਵੇ ਓਥੇ ਪਰਮਾਨੈਂਟ ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟ ਨਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਓਥੋਂ ਦੇ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਪਾਰਟ ਟਾਈਮ ਲਈ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। It is not a decision of this Government. It is here since long.

**Mr. Chairman** : It is a make shift arrangement so to say.

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਕਿਤੇ ਤਾਂ ਇਹ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਕਿਤੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਐਸ. ਡੀ. ਐਮ. ਨੂੰ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕਰਦੇ ਨੇ । ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ

ਵਿਚ ਅਜੇ ਤਕ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸਪਿਰਿਟ ਆਈ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਬਾਦਸ਼ਾਹ ਸਮਝਦੇ ਨੇ । ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਸੈਕਰੈਟਰੀਜ਼ ਹਨ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਵੀ ਉਪਰ ਹਨ, ਜਿਵੇਂ ਕੋਈ ਵਜ਼ੀਰ ਕਾਬਜ਼ ਹੋਵੇ ਤੇ ਉਹ ਬਾਦਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਸਮਝਦਾ ਹੋਵੇ, ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਹਾਲਤ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੈ। ਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਡਰ ਹੈ । ਐਸੀ ਹਾਲਤ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਨੇ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆਉਣੀ ਸੀ ਤਾਂ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਲਿਆਉਣੀ ਸੀ ਔਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਿਆਉਣੀ ਸੀ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਸਾਰੇ ਡੀਫੈਕਟ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ । ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਦਾ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦੇ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਜਦੋਂ ਰਿੱਟਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਹਰ ਵਾਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਲੈ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਕਨਸਾਲੀਡੇਸ਼ਨ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਪਹਿਲਾਂ ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਰੈਵੀਨਿਊ ਮਨਿਸਟਰ ਰਹੇ ਸਨ ਉਦੋਂ ਉਹ ਹਰ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਦੋ ਦੋ ਤਰਮੀਮਾਂ ਲਿਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਹਾਈਕੋਰਟ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਸੈਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਖਿਲਾਫ਼ ਕਾਨੂੰਨ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦਿੰਦੀ ਸੀ ਔਰ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਫੇਰ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਉਂਦੇ ਸੀ । ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਫ ਜ਼ਾਹਿਰ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਦੇ ਵੀ ਕਿਸੇ ਗਲ ਲਈ ਸੀਰੀਅਸ ਥਾਟ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਸਿਸਟ-ਮੈਟੀਕਲੀ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਆਏ ਰੋਜ਼ ਦਿੱਲੀ ਵਲ ਭਜ ਨਠ ਛਡ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਉ, ਏਸ ਵੇਲੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਅਤੇ ਐਫੀਸ਼ੀਐਂਟ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । (ਕਿਸੇ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਵੱਲੋਂ ਆਵਾਜ਼ : ਬਾਬੂ ਜੀ, ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਬੈਂਚਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਬੈਠਾ ਹੈ।) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨਾ ਵੀ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਕਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਦਾਰੀ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰੀ ਔਰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਦਾਰੀ ਹੈ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਗੁਡ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕਾਇਮ ਕਰੇ ਔਰ ਉਸ ਦਾ ਬੁਨਿਆਦੀ ਅਸੂਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਏਥੇ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸੈਟਅਪ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸੈਟ ਅਪ ਦਾ ਅਸੂਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਨੌਕਰ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮਾਲਕ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ, ਨੌਕਰ ਕਾਬਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਨੌਕਰ ਦੀ ਰਾਏ ਚੰਗੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਤੁਸੀਂ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਇਜ਼ਤ ਕਰੋ ਲੇਕਿਨ ਨੌਕਰ ਨੂੰ ਨੌਕਰ ਦੇ ਥਾਂ ਤੇ ਰੱਖੋ। ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆ ਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਨੌਕਰ ਨੂੰ ਮਾਲਿਕ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨੌਕਰ ਨੂੰ ਹੁਣ ਅੱਧੀ ਮਾਲਕੀ ਤੋਂ ਹਟਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਔਰ ਅਧ ਨਾਲੋਂ ਘਟ ਉਸ ਨੂੰ ਮਾਲਿਕ ਰਖਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਬਰਾੜ** : ਬਾਬੂ ਜੀ, ਉਹ ਮਾਲਿਕ ਹੀ ਹਨ, ਨੌਕਰ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਹਾਂ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਹਾਂ ਜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਬਿੱਲੀ ਥੈਲੇ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲ ਹੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਕਿਸੇ ਦਿਨ ਥੈਲੇ ਨੂੰ ਪਾੜ ਹੀ ਦੇਵੇਗੀ । ਪਰ ਜੇ ਬਿੱਲੀ ਨੂੰ ਥੈਲੇ ਵਿਚ ਵੜਨ ਨਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਥੈਲਾ ਬਚ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਏਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਾਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਕਲੀਅਰ ਤੌਰ ਤੇ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਨੌਕਰ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮਾਲਿਕ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਤੇ ਵੀ ਰਾਈਟ ਆਫ ਵੋਟ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । He is to serve and not to dominate. ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਤੁਸੀਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆਂਦੀ ਹੈ ਇਹ ਪਰਪਜ਼ ਸਰਵ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਬਲਕਿ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਉਸ ਮਕਸਦ ਤੇ ਪਰਦਾ ਪਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਉਗੜਨ ਦਿਉ ਔਰ ਕਲੀਅਰ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹੋ ਕਿ ਨੌਕਰ ਨੌਕਰ ਰਹੇਗਾ ਔਰ ਮਾਲਿਕ ਮਾਲਿਕ ਰਹੇਗਾ।

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਪਾਸ ਕਰਨਾ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਇਸ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਬਲਕਿ ਇਕ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਅਮੈਂਡ-ਮੈਂਟ ਲਿਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਤਾਂ ਸਾਰਾ ਰੌਟਨ ਬਿਲ ਹੈ ਜਿਸ 'ਤੇ ਜੇ ਬਹਿਸ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਬੜੀ ਦੇਰ ਲਗਦੀ ਔਰ ਉਤਨਾ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਸਮਾਂ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਇਹ ਹੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਬੜੀ ਸੰਜੀਦਗੀ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਖਾਮੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਆਫੀਸ਼ਲ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦੇਣ ਦਾ ਰਾਈਟ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਲ ਜ਼ਰੂਰ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ** (ਕਰਨਾਲ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਮਿਨਿਸਟਰ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਪਰੋਗਰੈਸਿਵ ਸਟੈਪ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਤਫਾਕ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਤਫਾਕ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਜਿਸ ਵਕਤ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਕਰਿਟੀਸਿਜ਼ਮ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕਿ ਕਈ ਅਫਸਰ ਸਿਰਫ ਅਫਸਰਾਂ ਵਾਲਾ ਅਤੇ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਟਿਵ ਕੰਮ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਬਲਕਿ ਪਾਲੇਟਿਕਸ ਵਿਚ ਉਲਝ ਕੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਅਖਾੜਾ ਬਣਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਖਿਆਲ ਆਇਆ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਈ ਗਈ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਆਫ ਆਬਜੈਕਟਸ ਐਂਡ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰਲੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ :—

> "This provision has often been criticised on the ground that the official members get involved in party politics in connection with the elections of Chairman and Vice-Chairman."

ਤੇ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤੋਂ ਮੈਂ ਇਕ ਨਤੀਜੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕੋਲ ਆਪਣੀ ਕਾਬਲੀਅਤ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਸ ਵਕਤ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਔਰ ਕਈ ਪੁਆਇੰਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਫੇਰ ਜਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਕਲ ਕੁਝ ਰਾਹੇਰਾਸਤ ਤੇ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਕਿਹਾ ਮਨਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਈਸ਼ੂ ਤੇ ਇਤਫਾਕ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਗਲ ਵੀ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਲੀਆਂ ਗਲਤੀਆਂ ਫੇਰ ਨਾ ਕਰਨ। ਕਰਨਾਲ ਦੀ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਇਲੈਕਸ਼ਨ 1965 ਦੇ ਵਿਚ ਹੋਇਆ ਸੀ ਮਗਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜ਼ਾਤੀ ਸਿਆਸੀ ਅਗਰਾਜ਼ ਲਈ ਉਸ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਨੋਟੀਫਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਗਜ਼ਟ ਹੋਣ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਐਸੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੱਥੇ ਅਸੀਂ ਅਫਸਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਐਕਸਪੈਕਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਬਤੌਰ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਭਾਉਣ ਉਥੇ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਦਾ ਵੀ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਬਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਬਤੌਰ ਮਿਨਿਸਟਰ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ਾਂ ਅਤੇ ਡਿਊਟੀ ਨੂੰ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਅਦਾ ਕਰਨ ਔਰ ਆਪਣੇ ਜ਼ਾਤੀ ਅਗਰਾਜ਼ ਨੂੰ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਨਾ ਲਿਆਉਣ। ਚੇਅਰ-ਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਟਰਮ ਸਿਰਫ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਸਾਲ ਗੁਜ਼ਰ ਗਿਆ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਨੋਟੀਫਾਈ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਬਦਦਿਆਨਤੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਹੋਰ ਕੀ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਹੋਮ ਮਿਨਿਸਟਰ ਨੇ ਹਰ ਜਗ੍ਹਾ ਗੜਬੜ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

ਜੋ ਅੰਬਾਲੇ ਵਿਚ ਇਸ ਦੇ ਧੜੇ ਦੀ ਮੈਜਾਰਟੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮੁਲਤਵੀ ਕਰਵਾ ਦਿੱਤਾ। ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਡੀ. ਸੀ. ਅਤੇ ਐਸ. ਪੀ. ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੋਈ ਖਤਰਾ ਨਹੀਂ, ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਖਤਰਾ ਨਹੀਂ ਮਗਰ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਖਤਰਾ ਹੈ। ਖਤਰਾ ਤਾਂ ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਿਆਸੀ ਅਗਰਾਜ਼ ਦਾ ਹੈ। ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਸਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਮੁਲਤਵੀ ਕੀਤੀ। ਲੇਕਿਨ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਤਾਂ 19 ਬੰਦੇ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਸਿਰਫ 11 ਰਹਿ ਗਏ। ਇਸ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਕੀਮਤ ਇਕ ਟਕਾ ਰਹਿ ਗਈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੇ ਮੈਂ ਪਰੋਗਰੈਸਿਵ ਹੋਣ ਦੀ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਉਥੇ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹੇ ਬਿਨਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਇਤਨੀਆਂ ਘਟੀਆ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦਾ ਨਾਮ ਬਦਨਾਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਹੋਵੇ ਕੀ ਫਰਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜੇ ਵੇਲੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਖਾਹਿਸ਼ ਹੋਵੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਰਵਾ ਦੇਵੇ ਜਿਹੜੇ ਵੇਲੇ ਚਾਹੇ ਰੋਕ ਦੇਵੇ। ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਕਸੀਕਿਊਟ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਬਜਾਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਨਿਸਟਰ ਖੁਦ ਜੇਬ ਵਿਚ ਰਖ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਜੋ ਸਿਆਸੀ ਅਗਰਾਜ਼ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ, ਮਨਿਸਟਰ ਦਾ ਵਕਾਰ ਘਟਦਾ ਹੈ, ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਸਿਆਸੀ ਪਾਰਟੀ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ——————

ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਕਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਬਲਕਿ ਉਸਦੇ ਕੁਰਪਟ ਐਕਸ਼ਨਜ਼ ਨੂੰ ਕਰਿਟੀਸਾ-ਈਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਐਕਸ਼ਨਜ਼ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਐਕਸ਼ਨਜ਼ ਬਾਰੇ ਖੁਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਕਰੋ ਅਤੇ ਤਾਂ ਉਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆਉਣਗੇ। ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਆਬਜੈਕਟਸ ਐਂਡ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਵਿਚ ਨਾ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਕਰਦਾ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਹ ਕੰਨਵੈਨਸ਼ਨ ਰਖੀ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਐਕਸ਼ਨਜ਼ ਨੂੰ ਕਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਕਰੋ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਗੜਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਖਾਮੀਆਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਲਾਉ ਤਾਂ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਕਲ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬ ਕਰਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹੋ ਕਿ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਅਵਾਮ ਦਾ ਰਾਜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਅਵਾਮ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਦੀ ਕਦਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਤਰੀਕਾ ਕਾਰ ਬਦਲਨਾ ਪਵੇਗਾ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਇਸਨੇ ਨਾ ਬਦਲਿਆ ਤਾਂ ਫਿਰ ਉਸਦਾ ਹਸ਼ਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਭੈੜਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ ਦਾ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਜੇਕਰ ਮੈਂ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਹੁਣ ਮੈਂ ਜੇਕਰ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਰਕਤ ਕਰਨ ਤੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਦੀ ਨਖੇਧੀ ਨਾ ਕਰਾਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ਅਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗਾ। ਜੇਕਰ ਕੈਰੋਂ ਉਸ ਵਕਤ ਇਸ ਕੰਮ ਕਾਰਨ ਬੁਰਾ ਸੀ ਤਾਂ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਕਰਨ ਕਾਰਨ ਬੁਰਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਵਾਜ਼ ਉਠਾਉਣੀ ਪਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਕਿਵੇਂ ਰਹੇਗੀ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮਾਰਚ, 1965 ਵਿਚ ਕਰਨਾਲ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਹੋਈਆਂ ਪਰ ਅਜ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗਜ਼ਟ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਖੁਦ ਆਪਣੇ ਆਰਡਰਜ਼ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਬਲਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਲਟ ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਰਡਰ ਤਹਿਤ ਇਹ ਕੇਸ ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਉਪੀਨੀਅਨ ਵਾਸਤੇ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਲੇਕਿਨ ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਉਪੀਨੀਅਨ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਹੋਰ ਹੁਕਮ ਕਰ ਦਿਤਾ। ਜਦੋਂ ਐਲ. ਆਰ ਨੂੰ ਰਾਏ ਲਈ ਭੇਜਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਇਹ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਹੁਕਮ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਸ ਉਪੀਨੀਅਨ ਦੀ ਉਡੀਕ ਕਰਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਹੋਇਆ ਕੀ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼

[ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ]

ਸੀ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਉਸ ਨੇ ਪੈਸੇ ਖਾ ਲਏ ਅਤੇ ਫਿਰ ਆਰਡਰ ਹੋ ਗਏ। ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਰਾਏ ਆਈ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਗਜ਼ਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਲੇਕਿਨ ਇਸਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਗਜ਼ਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਜਿਸ ਮੈਂਬਰ ਬਾਰੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਬਾਰੇ ਵੀ ਰਾਏ ਆਈ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਗਜ਼ਟ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਨੂੰ ਰੋਕ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸਨੇ ਕੁਝ ਖਾ ਲਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਦਾ ਸਿਆਸੀ ਮਕਸਦ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਉਸਦੀ ਸਿਆਸੀ ਤਾਕਤ ਘਟਦੀ ਹੈ ਤੇ ਮੁਖਾਲਫਾਂ ਦੀ ਸਿਆਸੀ ਤਾਕਤ ਵਧਦੀ ਹੈ ? ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਚਲਣ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਜਿਥੇ ਮੈਂ ਇਸ ਤਰਮੀਮ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਉਥੇ ਮੈਂ ਮਿਨਸਟਰ ਦੇ ਅਨਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਤਰੀਕਿਆਂ ਨੂੰ, ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਰਾਏ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਕਰਨਾਲ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਨੋਟੀਫਾਈ ਨਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਨੂੰ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਜ਼ਿਲਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਦੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਰੋਕਣ ਨੂੰ ਸਖਤ ਅਲਫਾਜ਼ ਨਾਲ ਕੰਨਡੈਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਜੇਕਰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਰਵੀਏ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਨਾ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਿਤਾਉਣੀ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹਾਲ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਭੈੜਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਲਫਾਜ਼ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ (ਰਾਇਪੁਰ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਕ ਤਰਮੀਮ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਲੇਟ ਹੀ ਆਈ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਹੈ ਅਧੂਰੀ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਮੈਂ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਸਰਕਾਰੀ ਨੌਕਰ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਕਮੇਟੀ ਜਾਂ ਬੋਰਡ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਹਰ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਵੋਟ ਪਾਉਣ ਦਾ ਹਕ ਖੋਹ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸਦੀ ਕੈਪੈਸਿਟੀ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਹੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਾਂ ਤਾਂ ਫਿਰ ਉਹ ਕਮੇਟੀ ਜਾਂ ਬੋਰਡ ਆਫੀਸ਼ਲ ਹੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਲੇਕਿਨ ਜੇਕਰ ਉਸ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਚੁਣੇ ਹੋਏ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫਿਰ ਵੋਟ ਦਾ ਹਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕਤਈ ਇਹ ਹਕ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਸੰਮਤੀਆਂ ਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦਾਂ ਦੇ ਜੋ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਚੇਅਰਮੈਨ ਤੇ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੀ ਚੋਣ ਵਿਚ ਵੋਟ ਪਾਉਣ ਦਾ ਹਕ ਵਾਪਸ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਜੇਕਰ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਬੇਪਰਤਤੀ ਦਾ ਮਤਾ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਵੋਟ ਪਾਉਣ ਤੇ ਕੋਈ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਲਗਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਤਰਮੀਮ ਬਿਲ ਬਿਲਕੁਲ ਅਧੂਰਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਤਾਂ ਫਾਰ ਆਲ ਪਰਪਜ਼ਿਜ਼ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਵੋਟ ਦੇ ਹਕ ਤੋਂ ਡਿਬਾਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਵਰਨਾ ਇਸ ਤਰਮੀਮ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ। ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਦਾ ਇਹ ਐਕਟ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜ ਛੇ ਦਫਾ ਤਰਮੀਮਾਂ ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਸ ਮਕਸਦ ਨੂੰ ਲੈਕੇ ਇਹ ਐਕਟ ਬਣਿਆ ਸੀ ਉਸ ਮਕਸਦ ਨੂੰ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਵਿਚ ਬਾਰ ਬਾਰ ਤਰਮੀਮਾਂ ਲਿਆ ਕੇ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸਦਾ ਮੱਚ ਮਾਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਐਕਟ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਪਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਦੇਣ ਲਈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਚਾ ਚੁਕਣ ਲਈ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਲੇਕਨ ਹੁਣ ਇਸ ਐਕਟ ਦਾ ਇਹ ਸਾਰਾ ਮਕਸਦ ਫੌਤ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਪਹਿਲਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਿਰਫ ਇਕ ਆਦਮੀ ਦੇ ਮੁਫਾਦ ਨੂੰ ਮੁਖ ਰਖ ਕੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨੂੰ ਬੋਰਡ ਦਾ ਸੈਕਟਰੀ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਵਪਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਰੌਲਾ ਪਵਾਕੇ ਇਸ ਐਕਟ ਵਿਚ ਤਰਮੀਮਾਂ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਰੂਲਜ਼ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਐਕਟ ਦੇ ਪਰਵਿਊ ਵਿਚੋਂ ਕਈ ਚੀਜ਼ਾਂ ਜੋ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਤਹੱਫਜ਼ ਦਿੰਦੀਆਂ ਸਨ ਕਢ ਲਈਆਂ ਗਈਆਂ। ਅਜ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਐਕਟ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੈਪਸੂ 'ਰਿਜਨ' ਵਿਚ ਜੋ ਐਕਟ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਅਤੇ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਜੋ ਸੇਫਗਾਰਡਜ਼ ਉਸ ਰਾਹੀਂ ਸਨ ਉਹ ਸਾਰੇ ਇਸ ਐਕਟ ਨਾਲ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਡੀਲਰਜ਼

ਨੂੰ ਜੋ ਅਖਤਿਆਰ ਉਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਸਨ ਇਸ ਵਿਚ ਦੇ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਰਿਵਿਊ ਕਰੇ ਅਤੇ ਐਸੀ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਵੇ ਜੋ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਹੱਕ ਦੀ ਹੋਵੇ ਇਸ ਐਕਟ ਦਾ ਮਕਸਦ ਵੀ ਇਹੋ ਸੀ ਕਿ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਪਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਦੇਣੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਲੈਕੇ ਇਹ ਐਕਟ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਇਮਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰੇ। ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ, ਸੰਮਤੀਆਂ, ਜ਼ਿਲਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦਾਂ ਦੀ ਮਿਆਦ ਪੰਜ ਸਾਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ ਤਾਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਮਿਆਦ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਦੀ ਬਜਾਏ ਪੰਜ ਸਾਲ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਬਾਰ ਬਾਰ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਝੰਜਟ ਵਿਚ ਨਾ ਪਾਓ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਵੀ ਇਲੈਕਟਡ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵੀ ਮਿਆਦ ਪੰਜ ਸਾਲ ਹੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਜੋ ਸਟੇਟ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਇਹ ਨਾਮੀਨੇਟਡ ਹੈ ਅਤੇ ਇਲੈਕਟਡ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਹਲਕੇ ਬਣਾ ਕੇ ਇਲੈਕਟ ਹੋਕੇ ਆਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਨਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਮੁਤਾਬਕ ਜਿਸ ਨੂੰ ਚਾਹੇ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕਰ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਚਾਹੇ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਤੋੜ ਦੇਵੇ। ਇਹ ਬੋਰਡ ਪੰਜ ਸਾਲ ਲਈ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਹਲਕਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਇਲੈਕਟੇਡ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਤਨਾ ਮਜ਼ਾਕ ਦਾ ਮੌਜੂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੂੰ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਤਨਾ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ। ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਛੇ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਤਕ ਗਜ਼ਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ। ਰਿਟਰਨਿੰਗ ਅਫਸਰ ਕਾਗਜ਼ਾਤ ਸੈਕਟਰੀ ਟੂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਭੇਜਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਥੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤਕ ਰੁਲਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਨੂੰ ਦਸਤਖਤਾਂ ਲਈ ਕਾਗਜ਼ ਭੇਜਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਰਿਟਰਨਿੰਗ ਅਫਸਰ ਹੀ ਕਿਉਂ ਸਿੱਧਾ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਸਮਤੀਆਂ, ਜ਼ਿਲਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦਾਂ ਤੇ ਮਿਊਂਸਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਵਿਚ ਰਿਟਰਨਿੰਗ ਅਫਸਰ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਕਿ ਇਸ ਐਕਟ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਤੇ ਪਰੋਵਾਈਡ ਨਹੀਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਕਰੇਗੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਇਹ ਅਖਿਤਿਆਰ ਲੈ ਲਏ ਹਨ। ਫਿਰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੀ ਚੋਣ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸਨੂੰ ਨੋਟੀਫਾਇਡ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਪੁਰਾਣੀ ਕਮੇਟੀ ਟੁਟ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨਵੀਂ ਦੇ ਚੇਅਰਮਨ, ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨੋਟੀਫਾਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸਦਾ ਕੰਮ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਈ ਕਈ ਮਹੀਨੇ ਸੈਕਟਰੀ ਕੰਮ ਚਲਾਉਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਜਿਥੇ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦਾ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਹੋ ਗਿਆ ਪਰ ਨੋਟੀਫਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮੀਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇ। ਅਗਰ ਇਹ ਕਮੀਆਂ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਭੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ।

12-00 noon

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਐਕਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਹਰ ਰਿਜਨ ਲਈ ਇਕ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਜੇ ਤਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਕੰਮ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਵਰਕਿੰਗ ਵਿਚ ਠੀਕ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਇਹ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਨਹੀਂ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਕਿਵੇਂ ਐਫੀਸ਼ੈਂਸੀ ਆ ਜਾਵੇਗੀ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਟੇਟ ਮਾਰਕਿਟ ਬੋਰਡ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਕੋਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨੀ ਦਾ 10 ਫੀ ਸਦੀ ਤੋਂ 20 ਫੀ ਸਦੀ ਲੈ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਲਈ ਇਹ ਬੋਰਡ ਕੁਝ ਨਹੀਂ

[ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਕਰਦਾ ਅਤੇ ਬੋਰਡ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੂੰ ਗਾਈਡ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਬੋਰਡ ਵਿਚ ਸਟਾਫ ਵਧਦਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਬੋਰਡ ਦਾ ਸਟਾਫ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧਦਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਸੈਕਰੀਟੇਰਿਏਟ ਦਾ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦਾ ਸਟਾਫ਼ ਵਧਦਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਕੋਲੋਂ ਟੈਕਸ ਜਿਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਉਗਰਾਉਂਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਉਸੇ ਮਤਲਬ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਗਾਈਡੈਂਸ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਚਾਹੇ ਉਹ ਪਰਚਾਰ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਗਾਈਡੈਂਸ ਦੇਣ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਸੀਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਸਪੁਰਦ ਕਰੇ ਜਿਥੇ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸੋਚਿਆ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਅੰਦਰ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਇਨਟਰੈਸਟ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜਾ ਧੱਕਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਧੱਕਾ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕੇ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਕ ਵਾਰ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਬਿਲ ਲੈ ਆਵੇ ਤਾਕਿ ਬਾਰ ਬਾਰ ਐਕਟ ਨੂੰ ਅਮੈਂਡ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਾ ਰਹਿ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਸਪੋਰਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂ ਆਸ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਮੇਰੇ ਸੁਝਾਵਾਂ ਵਲ ਜਰੂਰ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ :** ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ, ਸਰ। ਮੈਂ ਜਿਥੇ ਵੀ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸੈਕਟਰੀ ਦਾ ਲਫਜ਼ ਕਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਸੈਕਟਰੀ ਟੂ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਮਝਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ (ਰੋਪੜ) :** ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜ਼ੇਰੇ ਬਹਿਸ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਇਸ ਲਈ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਇਨਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਬਿਲ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਚੰਗੇ ਸਟੈਪਸ ਉਠਾਏ ਗਏ ਹਨ। ਜਿਹੜਾ ਮੰਤਵ ਮਾਨਯੋਗ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਦਸਿਆ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਬਿਲ ਤੋਂ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਨਸ਼ਾ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਫੀਸ਼ਿਅਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨਾਮਜਦ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਾਂ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਪਾਰਟੀਬਾਜ਼ੀ ਵਿਚ ਦਖਲ ਨਾ ਦੇਣ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਕਮੀ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਜਟ ਪਾਸ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਉਤੇ ਵੀ ਵੋਟਿੰਗ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਲਾਇਟਲੀ ਲਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਪਰਪਜ਼ ਸਰਵ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਇਨਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਬਿਲ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਭੀ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਰਹੇ ਹੋ। ਉਸ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਅਗੇ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਇਹ ਸੀ ਕਿ to suggest improvement in the functioning of the Agricultural Marketing Committees. ਉਸ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਮੌਜੂਦ ਹੈ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜਾ ਐਕਟ ਅਤੇ ਰੂਲਜ਼ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਨਾਕਾਰਾ ਹਨ। ਉਹ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਇੰਟਰੈਸਟ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹਨ। ਮੈਂ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਿਸਾਲਾਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਨਹੀਂ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਵੈਸੇ ਐਕਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲੇਕਿਨ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਕਿਸੇ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਮਾਲ ਦਾ ਮੀਂਹ ਦੇ ਕਾਰਨ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਕੁਆਲਿਟੀ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਉਗਰਾਹੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਨਾਵਾਜਿਬ ਅਤੇ ਨਾਮੁਨਾਸਿਬ ਗਲ ਹੈ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਐਕਟ ਦੀ ਧਾਰਾ 30 ਦੇ ਹੇਠ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਅੰਦਰ ਹੀ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਇਨਕਾਰਪੋਰੇਟ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ

ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਇੰਮੀਡੇਟਲ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਭੀ ਕੁਲੈਕਟ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸੈਕਸ਼ਨ 30 ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਅਤੇ ਵਾਈਸ-ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਹੋਣੇ ਹੋਣ, ਉਸਦੇ ਬਾਰੇ ਨੋਟੀਫਾਈਡ ਭੀ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਜਿਹੜਾ ਪੀਰੀਅਡ ਦਰਮਿਆਨ ਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਸੋਚਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਪੀਰੀਅਡ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਰਖੀ ਗਈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਜਦੋਂ ਤਕ ਈਲੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਉਦੋਂ ਤਕ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਜਿਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਮੰਤਰੀ ਬਣਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਉਥੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਹੋਣ ਹੀ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੈਂਟਰਲ ਈਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਤਾਂ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੀਆਂ ਈਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦੇਣਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਵੱਸ ਲਗਦਾ ਹੈ ਉਥੇ ਤਕ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਰੀਸ਼ਦ ਅਤੇ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੰਦੇ। ਵੈਸੇ ਭੀ ਇਹ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੱਦਦ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਸ ਨੂੰ ਜਨਤਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਉਹ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਾਮਯਾਬ ਭੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹੈਲਪ ਕਰਨ ਲਈ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੰਦੇ ਹਨ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਨਕੰਪਲੀਟ ਬਿਲ ਹੈ। ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਪਾਸ ਟਾਈਮ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਉਹ ਕਿੰਨੀ ਦੇਰ ਦਫਤਰ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬੈਠਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਇ ਹ ਦਾ ਪਤਾ ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਲਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਚਾਲੂ ਹੋਵੇ। ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਿਰਫ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ 2 ਦਿਨ ਆਏ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਹ ਬਾਹਰ ਹੀ ਘੁੰਮਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਇੰਪਾਰਟਮੈਂਟ ਬਿਲ ਜ਼ੇਰੇ ਬਹਿਸ ਹੋਵੇ। ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਚੰਗੇ ਚੰਗੇ ਸੁਝਾਉ ਦੇਣੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਸੁਝਾਵਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਫਿਕਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਫੇਰ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਮੌਜੂਦ ਨਾ ਹੋਣ। ਇਸ ਤੋਂ ਬੁਰੀ ਗੱਲ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਇਕ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ। ਉਥੇ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਪਾਲੇਟਿਕਸ ਦੇ ਖਿਆਲ ਦੇ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪਰਧਾਨ ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇ ਅੰਦਰ 28 ਸੁਜੈਸ਼ਨਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਦਿਤੀਆਂ ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਕੋਈ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਗੌਰ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਸੀ ਜਾਂ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾਂ ਐਕਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਮੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਸੀ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਉਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਘਟ ਤੋਂ ਘਟ 40 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਹੋਏ ਹੋਣਗੇ। ਅਗਰ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਕੋਲਡ ਸਟੋਰੇਜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਹੀ ਰੱਖਣੀ ਸੀ ਤਾਂ ਇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਫਾਇਦਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਬਿਲ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਕੇ ਇਕ ਕੰਪਰੀਹੈਨਸਿਵ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਅੰਦਰ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਬੜੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਕੋਈ ਕਦਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਰਿਪੋਰਟ ਉਤੇ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲਿਆ। ਸਰਕਾਰ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਾਰਨ ਲਈ ਕੁਝ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਬੋਰਡ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਇਸ ਐਕਟ ਦੀ ਧਾਰਾ 26 ਅਤੇ 30 ਦੇ ਅਧੀਨ ਫੰਡਜ਼ ਲੈਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਆਬਲੀਗੇਟਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਫੰਡ ਦਾ 50 ਫੀ ਸਦੀ ਰੁਪਿਆ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰੇ। ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼]

ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਲਈ ਖਰਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਕਈ ਜਗ੍ਹਾ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਮਨਮਾਨੀ ਕਰਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਨੈਸ਼ਨਲ ਡਿਫੈਂਸ ਲਈ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਫੰਡਜ਼ ਲੈ ਲੈਂਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਰੀਲੀਫ ਲਈ 4 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਜਿਸ ਵਿਚ 60, 70 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਫੰਡਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਇਕਠਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਲਈ 10 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ। 5 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਐਸ. ਡੀ. ਓ. ਨੂੰ ਦਿਤਾ। 1 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਨੂੰ ਦਿਤਾ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪਾਸ 21 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਸੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਦੇ ਪਾਸ ਬਹੁਤ ਘਟ ਰੁਪਿਆ ਰਹਿ ਗਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੁਝ ਰੁਪਿਆ ਕਲਵਰਟਸ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਇਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਕੋਈ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ।

ਕਲਵਰਟਸ ਲਈ ਵੀ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੇ। ਇਹ ਕੰਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵਿਚ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਵੀ ਆਪਣਾ ਵਕਾਰ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਐਸ. ਡੀ. ਓ. ਜ਼. ਵੀ ਆਪਣਾ ਵਕਾਰ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਮਿਨਿਸਟਰ ਵੀ ਆਪਣਾ ਵਕਾਰ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਕਿਉਂ ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਲਿਆਉਂਦੇ ਕਿ ਇਹ ਆਬਲੀਗੇਟਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ 50 ਫੀ ਸਦੀ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੀ ਹਿਚ ਹੈ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਚੋਣਾਂ ਕਰਵਾਉ ਅਤੇ ਜਾਂ ਫਿਰ ਡਾਇਰਕਟੋਰੇਟ ਹੀ ਬਣਾ ਦਿਉ। 15 ਵਿਚੋਂ 11 ਨਾਮੀਨੇਟਿਡ ਮੈਂਬਰ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ ਚਾਰ ਸਰਕਾਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਨਾਮੀਨੇਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਜਾਂ ਤਾਂ ਫੁਲ ਫਲੈਜਡ ਚੋਣਾਂ ਕਰਵਾਉ ਅਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਡਾਰੈਕਟੋਰੇਟ ਹੀ ਬਣਾ ਦਿਉ। ਤਾਂ ਜੋ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪਕੜ ਤਾਂ ਸਕੀਏ। ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਵੀ ਇਹੋ ਰਾਏ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ:—

**The State Marketing Board should be abolished and in its place Directorate cf Marketing should be established as a Government Department.**

ਮੈਂ ਵੀ ਇਹੋ ਗੱਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਟਰਮ ਵੀ ਤਿੰਨਾ ਦੀ ਬਜਾਏ ਪੰਜ ਸਾਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਤਾਂ ਜੋ ਸਾਰਾ ਸਿਲਸਿਲਾ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਅਤੇ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿਚ ਇਕ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਬਿਲ ਲਿਆਉ। ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਇਸ ਵੇਲੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਐਕਟ ਤੇ ਅਮਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਰੂਲਜ਼ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਮੱਦੇਨਜ਼ਰ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਕ ਕੰਪ੍ਰੀਹੈਂਸਿਵ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ। ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾਵੇ। ਜੇਕਰ ਇਸ ਨੂੰ ਵਿਦ ਡਰਾ ਕਰ ਲਵੋ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦਿਆਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਬੜਾ ਭਲਾ ਕਰੋਗੇ ਪੰਜਾਬੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਵੀ ਇਹੋ ਗਲ ਕਹੀ ਹੈ ਪਰ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਅੜੇ ਰਹੇ। ਹੁਣ ਉਹ ਨਹੀਂ ਹਨ ਤਾਂ ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਹੀ ਨਾਮਨਾ ਖਟ ਲੈਣ ਅਤੇ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲੈ ਆਉਣ ਜਿਸ ਨਾਲ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਹੋ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਜਿਹੜੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਲਈ ਇਥੇ ਆਏ ਹਾਂ ਉਹ ਸਹੀ ਮਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਕਰ ਸਕੀਏ।

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** (ਸਿਧਵਾਂ ਬੇਟ, ਐਸ. ਸੀ.): ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਥੋਂ ਪਹਿਲੇ ਬੋਲਣ ਵਾਲੇ ਦੋਸਤ ਨੇ ਸਾਰੇ ਆਸਪੈਕਟਸ ਤੇ ਰੋਸ਼ਨੀ ਪਾ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਸੂਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਰ ਇਕ ਗਲਤ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਛੋਟੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ

ਲਿਆ ਕੇ ਹਾਊਸ ਦਾ ਅਤੇ ਰੀਜਨਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦਾ ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਰੀਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਬਹਿਸ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਵਲੋਂ ਇਹ ਗਲ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਕਹੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਬਿਲ ਲਿਆਵੇਗੀ ਤਾਂ ਬੜਾ ਕਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅੜੇ ਰਹੇ। ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਵੋਟ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਨ ਇਸ ਕਰਕੇ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚੋਂ ਕਢ ਲਿਆਏ ਕਿ ਜੇਕਰ ਨਾ ਲਿਆਉਂਦੇ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ। ਸਾਰੇ ਐਕਸਟ੍ਰੈਕਟਸ ਉਪਰ ਗੌਰ ਕਰ ਕੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆਈ ਜਾਣੀ ਚੀਹੀਦੀ ਸੀ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬੜਾ ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਲੈਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਿ ਚੇਅਰਮੈਨ ਅਤੇ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਆਫੀਸ਼ੀਲਜ਼ ਨੂੰ ਖੜ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਕਤੇਈ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹਿੰਦੀ ਕਿ ਆਫੀਸ਼ਲਜ਼ ਨੂੰ ਮੈਂਬਰ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਣਾਵਾਂਗੇ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਹੀ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣਗੇ ਬੀ. ਡੀ. ਉ. ਅਤੇ ਡੀ. ਡੀ. ਪੀ. ਓਜ਼ ਜਿਹੜੇ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀਆਂ ਦੇ ਆਫੀ-ਸ਼ੀਅਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੌਂਸਿਲ ਦੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਵੋਟਰਜ਼ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਕਿਉਂ ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਸਮਝਦੀ ਸੀ ਕਿ ਜਿੰਨੇ ਬੀ. ਡੀ. ਓਜ਼ ਹਨ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦੇਣਗੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਲੋਕਲ ਬਾਡੀਜ਼ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਿਤੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਇੰਟਰਫੀਅਰੈਂਸ ਜਾਰੀ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਜਿਵੇਂ ਚਾਹੇ ਕੰਮ ਕਰਵਾ ਸਕੇ। ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਮੁਤਾਲਿਕਾ ਨੂੰ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਹ ਗਲ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦੇਣ ਕਿ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਆਫੀਸ਼ੀਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨਜ਼ ਵਿਚ ਡਾਮੀਨੇਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਦਖਲ ਅੰਦਾਜ਼ੀ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣ। ਵਜ਼ੀਰ ਬਾਹਰ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਲੋਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨਜ਼ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਮੰਨ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਾਅਦੇ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। **Half-hearted amendment** ਲਿਆ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ **rush through** ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪਾਸ ਨਾ ਕਰਵਾਉ ਅਤੇ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਵੋ ਤਾਂ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** (ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦਾ ਬੜਾ ਇਹਤਰਾਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਬਜ਼ੁਰਗ ਹਨ ਪਰ ਅਜ ਪਹਿਲੀ ਦਫਾ ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਬੋਲੇ ਹਨ। ਸਵਾਲ ਸਿਰਫ ਐਨਾ ਹੈ, ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਸਿਰਫ ਇਹ ਹੈ, ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਖੜੇ ਹੋਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ ਨਾ ਵੋਟ ਪਾਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ। ਇਹ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਸਿਵਾਏ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਸਭ ਨੇ ਗੁੱਜੰਗਲੀ ਇਸ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰੈਸਿਵ ਸਟੈਪ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰੈਸਿਵ ਸਟੈਪ ਕਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਪਾਸ ਕਰਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਭਾਈ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸਾਂ ਗਲ ਕੀਤੀ ਸੀ ਤਾਂ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਏ ਹਾਂ ਪਰ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਉਹ ਮੰਨਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਸਟੈਂਡ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਅਸਾਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਗਲ ਮੰਨ ਲਈ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਸ਼ਾਬਾਸ਼ ਦੇਣ। ਜੋਸ਼ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਐਨਾ ਕੰਪ੍ਰੀਹੈਂਨਸਿਵ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਹਦ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਤਫਾਕ ਰਾਏ ਰਖਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇੰਨੀ ਗੱਲ ਤੁਸੀਂ ਪਾਸ ਕਰ ਲੋ . . . . (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਵੋਟ ਨਹੀਂ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਆਇੰਦਾ ਅਸੀਂ ਤਰਮੀਮ ਲਿਆਵਾਂਗੇ, ਜ਼ਰੂਰ . . . . . ਲਿਆਵਾਂਗੇ। ਮੈਂ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ।

**ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਆਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਲਓ ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਨ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਹੁਣ ਨਹੀਂ, ਉਸ ਨਾਲ ਬੜਾ ਝਮੇਲਾ ਪਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਰੂਰ ਲਿਆਵਾਂਗੇ । ਤੁਹਾਨੂੰ ਮੇਰੇ ਤੇ ਯਕੀਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਿਆਰ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੰਨ ਲੋ । ਸਾਨੂੰ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨਾਲ ਬੜੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ ਅਸੀਂ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾਲ ਉਸ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਾਂਗੇ । ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਨੇ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਬਾਬਤ ਕਿਹਾ ਹੈ । ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਦਾ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਮੂਵ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

**Mr. Chairman : (Dr. Bal Krishan) :** Question is—

That the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill, as reported by the Regional Committee be taken into consideration.

*The motion was carried*

**Mr. Chairman :** Now the House will take up the Bill, clause by clause.

Clause 2

**ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ-ਪਛਮ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਵੈਸੇ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦਾ ਇਹਤਰਾਮ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਥੋੜ੍ਹੀ ਜਿਹੀ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿੰਨਾ ਅਫਸੋਸ ਭੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ "ਹਾਫ ਹਾਰਟਿਡ ਮੇਈਅਰ' ਕਿਉਂ ਲੈ ਆਏ ਹਨ । ਜ਼ਰੂਰਤ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਸੀ ਕਿ ਜਿਸ ਵਕਤ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਡੀਬਾਰ ਕਰਨ ਲਗੇ ਸਨ ਕਿ ਉਹ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਾ ਬਣੇ, ਤਾਂ ਇਸ ਗਲ ਉਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨਾ ਕਿ ਉਹ ਵੋਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ, ਮੇਰਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ, ਲੀਗਲ ਰੀਮੈਂਬਰੈਂਸਰ ਦਾ ਹੈ । ਫੈਸਲੇ ਕਰਨ ਲਗਿਆਂ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ, ਇਕ ਇਕ ਦਾ ਮੁਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਇਕ ਇਕ ਵੋਟ ਕਾਊਂਟ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਚਾਹੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਹੋਵੇ, ਕੋਈ ਕੰਮ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ, ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਦਾ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਫੈਸਲੇ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਇਕ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਮਜਾਰਿਟੀ ਵੀ ਕਾਊਂਟ ਕਰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਆਦਮੀ ਆਪਣੀ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨ ਕਿਸੇ ਪਾਸੇ ਵੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਲ ਨੂੰ ਵੋਟ ਆਫ ਨੋ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਵੋਟ ਬਾਰੇ ਲੀਗਲ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕੀ ਹੈ ਇਹ ਐਲ. ਆਰ. ਹੀ ਦਸ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਐਲ. ਆਰ. ਹੀ ਦਸ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਉਹ ਵੋਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਲੀਅਰ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕੰਮਪੀਟੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹਾਂ । ਲੇਕਿਨ ਇਕ ਦੂਸਰੀ ਔਰ ਅਹਿਮ ਗਲ ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ, ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਇਕ ਸੈਮੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਅਦਾਰਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਨਾ ਸਿਰਫ ਉਥੇ ਹੀ ਜਿਥੇ ਕਿ ਉਹ ਸੈਟ ਅਪ ਹੋਈ ਹੋਈ ਹੈ ਬਲਕਿ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਲਗਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਪਿੰਡ ਦਿਆਂ ਲੋਕਾਂ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਆਉਣਾ ਜਾਣ ਵਾਸਤੇ ਬਿਹਤਰ ਸਾਧਨ ਪੈਦਾ ਕਰਨੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਕੋਈ ਸੜਕ, ਕੋਈ ਕਲਵਰਟ ਵਗੈਰਾ ਬਨਾਉਣਾ ਡਾਇਰੈਕਟਲੀ ਉਸ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਵਿਚ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਪੈਸੇ ਅਲਾਟ ਕਰਨੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਲੇਕਿਨ ਜਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਅਧਿਕਾਰ ਹੈ ਵੋਟ ਦਾ ਤਾਂ ਉਹ ਇਕ ਵੋਟ ਨਾਲ ਵੀ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਅੜਚਨ ਪੈਦਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਡੀਫੈਂਸ ਲਈ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿਟ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ, ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਵੀ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਉਤੇ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਇਸ ਅਦਾਰੇ ਕੋਲੋਂ ਸਰਕਾਰ

ਨੇ ਫੰਡ ਹੀ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਦਾ ਕੀ ਕੰਮ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਮਿਊਨਸਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ, ਇੰਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਅਜਿਹੇ ਸਾਰੇ ਅਦਾਰਿਆਂ ਕੋਲੋਂ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਅਸਲੀ ਕੰਮ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਡੀਬਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਕ ਇਕ ਵੋਟ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਨਾਲ, ਇਕ ਇਕ ਵੋਟ ਦੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਨਾਲ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ, ਦਸ ਦਸ, ਵੀਹ ਵੀਹ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ, ਦੋ ਦੋ ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ 1962 ਵਿਚ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੇ ਦਿੱਤਾ। ਸਾਨੂੰ ਯਾਦ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾ ਜਾ ਕੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਤੋਂ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪੈ ਲੈ ਕੇ ਆਏ ਸਨ ਇਸ ਲਈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਇਕ ਨੇਕ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਥੇ ਇਹ ਹਾਫਹਾਰਟਡ ਜਿਹਾ ਮੇਈਅਰ ਨਾ ਪਾਸ ਕਰਾਉ। ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਕ ਚੰਗਾ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਦੂਸਰਾ ਕਦਮ ਵੀ ਚੁਕਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਵੋਟ ਪਾਉਣ ਤੋਂ ਡੀਬਾਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਇਕ ਅਮੈਂਡ-ਮੈਂਟ ਸਰਕੂਲੇਟ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਅਕਸੈਪਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਹੁਣੇ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਪੇਸ਼ੇਨਜ਼ਰ ਮਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਮੰਨ ਲੈਣਗੇ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** (ਧੂਰੀ—ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਸਾਂ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਵੀ ਨੋਟ ਆਫ ਡਿਸੈਂਟ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਔਰ ਉਹ ਇਸ ਕਰਕੇ ਦਿੱਤਾ ਸੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਸਹਿਮਤ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਭਾਵੇਂ ਇਥੇ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਪਰ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਉਹ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਲਿਖਤ ਰੂਪ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਉਨੀ ਦੇਰ ਸਾਨੂੰ ਯਕੀਨ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਅਗੇ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਵੀ ਹੋਵੇਗੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਪਿਛਲਾ ਤਜਰਬਾ ਦਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਵੇਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆ ਹੈ। ਪਿਛੇ ਜਿਹੀ ਜਦੋਂ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਹੋਈ ਤਾਂ ਬਠਿੰਡੇ ਦੀ, ਕੌਂਸਲ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵੇਲੇ, ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ 9 ਵੋਟਾਂ ਨਾਲ ਜਿੱਤੀ ਵਰਨਾ ਫੈਸਲਾ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸੀ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਹ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਚੁਣੇ ਹੋਏ ਅਦਾਰੇ ਵਿਚ ਵੀ ਉਸ ਦਾ ਦਖਲ ਹੋਵੇ । ਸਭ ਤੋਂ ਵਡੀ ਗਲ ਇਥੇ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਾ ਬਣੇ ਤਾਂ ਅਗਲੀ ਗਲ, ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮੰਨ ਲੈਂਦੇ ? ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਇਹ ਵੀ ਮੰਨ ਲੈਂਦੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦੇਣ ਦਾ ਹੱਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ? ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀਆਂ ਵਿਚ ਖ਼ੁਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮਨ ਲਈ ਹੈ। ਉਥੇ ਵੀ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਜ਼, ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼., ਬੀ. ਡੀ. ਓਜ਼, ਐਕਸ ਆਫੀਸ਼ੀਓ ਹਨ। ਗਲ ਇਹ ਨਹੀਂ, ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਸਰਕਾਰ ਅਪਣੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਕਾਇਮ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਵੀ ਵੇਲੇ ਗੈਰ ਕਾਂਗਰਸੀ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਵੋਟਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਉਸ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰ ਸਕਣ। ਸੋ ਇਹ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਜਿਹੜਾ ਸਰਕਾਰ ਚਾਹੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਸਪਿਰਿਟ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਇਨਸਿਸਟ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਔਰ ਇਸ ਪੁਆਇੰਟ ਨੂੰ ਇਸੇ ਵੇਲੇ ਮੰਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਾ ਹੱਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛੇ ਜਿਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਫੰਡਜ਼ ਹਨ ਉਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਾਏ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਉਲਟ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਮਾਰਕੀਟ ਕਮੇਟੀ ਸੜਕਾਂ ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਜਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਭਲੇ ਦੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸਕੀਮ

[ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ]

ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਦੋ ਦੋ ਸਾਲ ਤਕ ਉਸ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ, ਇਥੇ ਹੀ ਪਈ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਕਈ ਵੇਰ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਬਜਟ ਬਣਿਆ ਬਣਾਇਆ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਫੰਡਜ਼ ਹੀ ਲੈਪਸ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਕੋ ਆਰਡਰ ਨਾਲ ਕਈਆਂ ਫੰਡਜ਼ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਰੁਪਿਆ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਡੀਫੈਂਸ ਫੰਡ ਹੈ, ਫਲਾਨਾ ਫੰਡ ਹੈ, ਢੀਂਗੜਾ ਫੰਡ ਹੈ। ਹੋਰ ਅਨੇਕਾਂ ਫੰਡ ਹਨ। ਜੇ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਵਿਚ ਯਕੀਨ ਰਖਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਵਰਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਵੋਟ ਦਾ ਹਕ ਦੇਣਾ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦਾ ਗਲਾ ਘੁੱਟਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** (ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਕੁਝ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਹਿ ਚੁਕਾ ਹਾਂ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਉਹ ਮੰਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਦੁੱਖ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਔਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਐਸੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਦਾ ਕੋਈ ਖਾਸ ਮਤਲਬ ਨਹੀਂ ਜੇ ਇਸ ਵਿਚ ...................

**ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਪਹਿਲੀਆਂ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸਿਜ਼ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਉਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਹਾਮੀ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਕੋਈ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਉਤੇ ਕਾਇਮ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਤੇ ਜੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਾ ਵੀ ਕੋਈ ਯਕੀਨ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਵਧ ਮੈਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਮੰਨਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਬਾਕੀ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਆਈ (ਵਿਘਨ) ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਆਈ, ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦਾ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਮੈਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮੰਨਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਜੋ ਕੁਝ ਮੈਂ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ ਉਸ ਉਤੇ ਕਾਇਮ ਹਾਂ ਔਰ ਕਾਇਮ ਰਹਾਂਗਾ।

*[Shri Ram Saran Chand Mital, a member of the panel of Chairmen in the Chair]*

**श्री बलरामजी दास टंडन** : चेयरमैन साहिब, मुझे निहायत अफसोस से कहना पड़ता है कि कैप्टन रत्न सिंह जी जिन के लिये मेरे दिल में बड़ी इज्ज़त है और जिन से मैं उम्मीद करता था कि जिस बात की उन्होंने ऐशोरेंस दी है अगर उस के बारे में एक अमैंडमेंट आई है और उसके बा॰ अगर कहीं आफिस में देर हो गई है तो यह नहीं कह सकते कि वह बात हुई ही नहीं। वह सारा मामला क्लियर है और इन्होंने उस को पहले माना एशोरेंस भी दी कि हम इस को मानने के लिये तैयार हैं और अगर न हुई तो कहा कि हम खुद ले कर आएंगे। वही अमैंडमेंट दी जा चुकी है, आफिस में देर होने का यह मतलब तो नहीं है वह है ही नहीं। यह चैक कर सकते थे कुछ करते थे। इस मामले को प्रैस्टीज का मामला नहीं बनाना चाहिए। अगर एक बात आपोज़ीशन के बैंचों से आती है तो वह खराब होती है और वही जब इन की तरफ से आती है तो वह अच्छी हो जाती है। इस तरह की बात की कैप्टन साहिब जैसे सुलझे हुए आदमी से उम्मीद नहीं की जाती थी। (विघ्न) अगर इस को आप धोखा कहते हैं तो पता नहीं आप साफगोई किसे कहते हैं। इस लिये मेरी इन से मुअद्दबाना दरखास्त है कि यह इस बात की ऐशोरेंस इस तीसरी रीडिंग के वक्त दें कि इसी सैशन के दौरान इस बिल में जो आफिश्यल मैम्बरों को और कामों की तरह से इस में भी वोटिंग राइट्स से डिपराइव करने के मुतअल्लिक जो कमी रह गई है उस को दूर करने के लिये इसी सैशन में बिल पेश करेंगे और पास करेंगे।

**Mr. Chairman** (Shri Ram Saran Chand Mital) : Question is—

That clause 2 stand part of the Bill.

*The motion was carried*

CLAUSE 1

**Mr. Chairman :** Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

*The motion was carried*

TITLE

**Mr. Chairman :** Question is—

That Title be the Title of the Bill.

*The motion was carried*

**Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture** (Capt. Rattan Singh) : Sir, I beg to move —

That the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill as reported by the Regional Committees, be passed.

**Mr. Chairman :** Motion moved—

That the Punjab Agricultural Produce Markets (Amendment) Bill, as reported by the Regional Committees, be passed.

**Mr. Chairman :** Question is—

That the Punjab Agricultural produce Markets (Amendment) Bill, as reported by the Regional Committees, be passed.

*The motion was carried.*

---

**The Punjab Sugarcane (Regulation of Purchase and Supply ) Amendment *Bill, 1965 (Resumption)**

**Mr. Chairman :** Question is—

That the Punjab Sugarcane (Regulation of Purchase and supply) Amendment Bill be taken into consideration at once.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। उस वक्त वह बिल विदड्रा हो गया था, अब तो नए सिरे से पेश होगा।

**श्री सभापति** : यह गलत ख्याल है; वह पोस्टपोन किया गया था, इट वाज़ डैफर्ड। (This is not correct. The Bill was postponed. It was deferred.)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : मेरी दरखास्त है कि आप असैम्बली प्रोसीडिंग्ज़ से वैरीफाई कर लें। इन्हों ने कहा था कि इसे फार दी टाईम बीइंग विदड्रा करता हूं और री-कनसिडर कर के हाउस में पेश करूंगा।

---

*Note : — The Bill was introduced on 2nd November, 1965

**श्री सभापति** : उस दिन मैं हाउस में मौजूद था और गालबन चेयर में था। मगर हाउस में ज़रूर था। इस की पहली डिसकशन हो चुकी है। इट वाज़ डैफर्ड। अब उस के आगे कार्यवाही चलेगी। (On that day I was present in the House and probably I was in the Chair. Anyhow, I was definitely present in the House. A full dressed discussion has already taken place on the Consideration Motion. The Bill was then deferred. Now the House would proceed with next stage of the Bill.)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : बहस तो होने दें।

**श्री सभापति** : उस दिन सरदार दरबारा सिंह जी ने आते ही कहा था कि मैं इस को डैफर करने के लिये तैयार हूं। गालबन उस दिन मैं चेयर में था; ऐनीवे, आई वाज़ इन दी हाउस। अब डिसकशन तो हो चुकी है......

(When the Minister for Home and Development, Sardar Darbara Singh attended the House the other day he readily expressed his willingness to defer the Bill. Most probably I was in the Chair on that day. Anyway, I was present in the House. Now when the discussion has already taken place....)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : डिसकशन कन्टीन्यू करेगी।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਇਹ ਗੱਲ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿਉ ਕਿ ਹੁਣ ਕਿਹੜੀ ਰੀਡਿਂਗ ਤੇ ਹੈ ਬਿਲ। (ਵਿਘਨ)

**श्री सभापति** : डिस्कशन हो गई है, सरदार दरबारा सिंह ने जवाब दे दिया है। (The discussion has taken place and Sardar Darbara Singh has replied to the debate.)

**Comrade Gurbax Singh Dhaliwal** : It was at the first reading stage.

**कामरेड राम प्यारा** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। उस वक्त सरदार दरबारा सिंह जी इस बिल पर बोल रहे थे, उन्होंने इस को डैफर किया था। उन्होंने ऐशोरेंस दी थी कि इस को कनसिडर करके लाएंगे। तो जब तक होम मिनिस्टर, ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर अपनी पोज़ीशन क्लीयर न करें कि उन्होंने क्या सोचा और उन की क्या राय है तब तक इस बिल को आगे चलना ही नहीं चाहिए। इस पर आप की रूलिंग चाहता हूं।

**श्री सभापति** : हमारे हाउस की यह प्रैक्टिस रही है कि हमारी जो रोजाना की प्रोसीडिंग्ज होती हैं इन का रोजाना एक बुलेटिन निकलता है। हर एक आनरेबल मैम्बर को उस की कापी जाती है। यह जो बुलेटिन है इस का नम्बर 14 है और इस की तारीख दो नवम्बर है।

है। उस में चौथा आइटम है लैजिसलेटिव बिज़नैस जो इस तरह है : (This is a practice with our House that a daily bulletin giving the brief record of the proceedings is issued and a copy thereof is made available to every Member. The item No. 4 relating to the Legislative Business, in the buletin No. 14 dated the 2nd November, 1965, indicates as lfollows—

**IV LEGISLATIVE BUSINESS**

**The Punjab Sugarcane (Resolution of Purchase and Supply) Amendmpnt Bill, 1966**

"The Home Minister who was in possession of the house when it adjourned on the 1st November, 1965 resuming is speech on the motion that the Punjab Sugercane (Regulation of purchase and Supply) Amendment Bill be taken into consideration at once spoke for 15 minutes. Further discussion on the Bill was deferred."

(विघ्न)

**श्री सभापति** : आप देखें इस पर तकरीबन **17** मैम्बर बोल चुके हैं और सरदार दरबारा सिंह जी ने इस का जवाब भी दिया था और अगले दिन भी चलना था। मगर नैक्स्ट डे उन्हों ने कहा कि इसे डैफर करता हूं। (The hon. Members would see that no less than 17 Members spoke on the Bill. Sardar Darbara Singh replied to the debate also and the discussion was to continue the next day. But on the next day he announced that he would defer its further consideration). (*Interruptions*)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦਿਨ ਪਦਰਾ ਬੋਲਣ ਵਾਲੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਵਿਦਆਉਟ ਐਨੀ ਐਕਸੈਪਸ਼ਨ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਿਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮਦੇਨਜ਼ਰ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਮਿਨਿਸਟਰ ਇਨਚਾਰਜ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਅਗਾਂਹ ਦੀ ਬਹਿਸ ਨੂੰ ਡੈਫਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਸੀ। ਇਹ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਤੁਹਾਥੋਂ ਇਜਾਜ਼ਤ ਲਈ ਗਈ ਸੀ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਇਡ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਜਦ ਤਕ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਹੀ ਮਿਨਿਸਟਰ ਇਹ ਆ ਕੇ ਨਾ ਦਸਣ ਕਿ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਕਿਹੜੇ ਹਾਲਾਤ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਬਹਿਸ ਨੂੰ ਡੈਫਰ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲਈ ਸੀ ਅਤੇ ਹੁਣ ਕੀ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲ ਗਏ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨ ਇਸ ਨੂੰ ਫਿਰ ਕਿਉਂ ਇਥੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜਦ ਤਕ ਉਹ ਆਪਣਾ ਆਪ ਐਕਸਪਰੈਸ ਨਾ ਕਰ ਲੈਣ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਬਹਿਸ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਤੇ ਜੇਕਰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਤੁਸੀਂ ਦੇ ਦਿਤੀ ਤਾਂ ਇਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੋਵੇਗੀ।

**ਯੋਜਨਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਪੁਆਇੰਟ ਬਾਬੂ ਜੀ ਨੇ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਦਰੁਸਤ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਬਹਿਸ ਨੂੰ ਪਿਛਲੀ ਵੇਰ ਡੈਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਨੂੰ ਕੈਬੀਨਟ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦੁਬਾਰਾ ਰਖਕੇ ਪਾਸ ਕਰਵਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਫੈਸਲੇ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਥੇ ਕੋਈ ਵੀ ਡਿਪਟੀ ਮਿਨਿਸਟਰ ਜਾਂ ਸਟੇਟ ਮਿਨਿਸਟਰ ਇਸ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।

[ਯੋਜਨਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤ੍ਰੀ]

Now, the hon. Minister is quite competent to come in the House and say or move that the Bill be taken into consideration.

**Comrade Bhan Singh Bhaura :** On what grounds ?
**Minister for Planning and Local Government :** Reasons he will give.

**श्री चेयरमैन** (श्री राम सरन चन्द मित्तल) : जो प्वायंट आफ आर्डर बाबू जी ने पेश किया है उस का जवाब मैं अभी नहीं दे रहा हूं। अगर इसी के बारे में किसी और मैम्बर ने अपने ख्यालात का इज़हार करना हो तो ब्रीफ में कर ले ताकि सब का जवाब दे सकूं।
(I am not yet giving my ruling on the point of order raised by Baboo Bachan Singh. If any other Member has to express his views on this matter, he may do so briefly so that I may be able to give my reply to all.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਡੇਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਇਹ ਵੀ ਇਤਰਾਜ ਉਠਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਜਿਹੜਾ ਫਿਨਾਂਸ਼ਲ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਸੀ ਕਿ :—

"The amount involved for the year 1962—63 is Rs. 4.04, 550. The amount to be refunded for the year, 1963—64 nd 1964—65 is not available.

ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਫਿਨਾਂਸ਼ਲ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਫਿਗਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਸਨ ਦਿਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਫਿਨਾਂਸਿਜ਼ ਇਨਵਾਲਵਡ ਸਨ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਇਕ ਕਨਕ੍ਰੀਟ ਗਲ ਸੀ ਜਿਸ ਲਈ ਬਿਲ ਤੇ ਬਹਿਸ ਨੂੰ ਡੈਫ਼ਰ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨਾ ਅਹਿਲੀਅਤ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਕਿ 1963-64 ਅਤੇ 1964-65 ਦੀਆਂ ਫਿਗਰਜ਼ ਅਵੇਲੇਬਲ ਨਾ ਹੋਣ। ਇਹ ਪਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮਿਲ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ 30 ਲਖ ਦੇਣਾ ਹੈ ਜਾਂ 40 ਲਖ ਦੇਣਾ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਇਸ ਬਹਿਸ ਨੂੰ ਮੁੜ ਕੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਵੇਲੇ।

**श्री बलरामजी दास टंडन :** मुझे तो इतना ही कहना है कि जो लफ्ज़ पिछली बार मिनिस्टर इन्चार्ज ने अपनी स्पीच के आखिर में कहे थे और जिन लफ्ज़ों के साथ उन्हों ने हाऊस के सामने यह बात रखी थी कि इस बिल पर बहस को डैफर कर दिया जाए वह आप देख लें कि क्या वह तमाम बातें पूरी हो गई हैं या नहीं जिस के कारण कि इस को फिर रिइन्ट्रोड्यूस किया जा रहा है ?

**Mr. Chairman** (Shri Ram Saran Chand Mital) : It has been observed by the hon. Member that the Bill has been reintroduced and if I, as now the Presiding Officer, admit that the Bill is reintroduced, complications will arise. So the position, as has been clearly stated in the agenda for today, is that discussion on this Bill was going on and the Minister concerned was giving a reply to the debate when at the last stage he requested the House to defer its consideration. Accordingly with the permission of the House, the consideration of the Bill was deferred. So now we are resuming that discussion and there is no question of reintroduction of the Bill.

Now the hon. Member from Ludhiana has observed that the Government should state reasons why it has been brought before the House when

its discussion was deferred. It is not obligatory on the part of the Government to make a statement. If they want to make a statement I do not come in their way. But if they do not want to do so, then I cannot compel them.

ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਸੀ ਇਸ ਦੇ ਮੁਅੱਤਲਕ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਪੈ ਗਈ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਮੁਨਾਸਿਬ ਸਮਝਿਆ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਹੋਰ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਕਰ ਲਈ ਜਾਵੇ ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਫਿਰ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਦਸਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਲ ਸਮਝੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਪੈਸਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਹੈ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਯਮਨਾ ਨਗਰ ਦੀ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲ ਵੀ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕ੍ਰਿਟਿਸਿਜ਼ਮ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਘਾਟਾ ਤਾਂ ਮਿਲ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਪਿਆ ਸੀ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਿਉਂ ਕਰੇ। ਮੈਂ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਖੰਡ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਐਕਸਪੋਰਟ ਹੋਈ ਸੀ ਉਹ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਅਕਾਊਂਟ ਵਿਚੋਂ ਹੋਈ ਸੀ ਜਿਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਘਾਟੇ ਤੇ ਮੁਨਾਫੇ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਤੇ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਗਲ ਕਹੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕਰਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

**श्री बलरामजी दास टंडन** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर। इन्हों ने कहा है कि जितनी भी खांड की एक्सपोर्ट हुई है वह गवर्नमैंट ग्राफ इंडिया के खाते से हुई है तो फिर जो ग्राल इंडिया शूगर मैनूफेक्चर्ज़ एसोसिएशन है उसकी ज़िम्मेदारी बनती है इस से तो बात ग्रौर भी कम्पलीकेटिड हो गई है ग्रौर इस से तो पता ही नहीं चल सकता कि जो खांड यहां पर यूज़ की गई वह सिर्फ पंजाब की मिलों की नहीं थी ग्रौर जितनी एक्सपोर्ट की गई वह पंजाब की मिलों की थी यह बात क्लियर हो जानी चाहिए।

**श्री चेयरमैन** : यह प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर नहीं बनता। ग्राप प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर रेज़ कर सकते हैं जहां कि कोई कान्सटीच्यूशनल बात ग्रा जाए ग्रौर ग्रागे काम न चल सकता हो। (This is no point of order. The hon. Member can raise a point of order where it involves a constitutional point and further proceedings cannot take place.)

ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਖਿਆਲ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੰਡ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਮਪੋਰਟ ਲਾਈਸੰਸ ਮਿਲੇਗਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਹੋਰਨਾਂ ਇੰਡਸਟਰੀਆਂ ਵਿਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਇਹ ਵੀ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੰਡ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਮਪੋਰਟ ਲਾਇਸੰਸ ਇਨ ਲਿਯੂ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਹ ਇਕ ਫੈਕਚੂਅਲ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਰੀਜ਼ਨੇਬਲ ਵੀ ਹੈ।————

(*Mr. Speaker in the Chair*)

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर। यह जो बिल ग्राज हाउस के सामने है एक मनी बिल है इस के मुताबिक कुछ रुपया शूगर मिल्ज़ को देना पड़ेगा जो कि उन्होंने टैक्स की शक्ल में पे किया था। जो रुपया इस में इनवालवड है The amount involved for the year 1962-63 is Rs 4,04,550. The amount to be refunded for the year 1963-64 and 1964-65 is not available.

[डाक्टर बलदेव प्रकाश]

जब तक एमांउंट का पता ही न हो कि 5 करोड़ है या 10 करोड़ है या सारा बजट ही पंजाब का जाने वाला है Unless we get the exact amount involved.........

**Mr. Speaker** : That is a question regarding merits of the Bill.

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : ठीक है, मगर यह तो एक फाईनैन्शल बिल है, हमें पता ही नहीं कितना रुपया है। हम कैसे अपनी सहमती आप को दे दें।

**Mr. Speaker** : On this basis, it is for the hon. Members to vote it out or pass it

**डाक्टर बलदेव प्रकाश** : मैं स्पीकर साहिब, सब से पहले आप की इजाज़त चाहता हूं कि क्या इस तरह का इनकम्पलीट बिल इस तरह से आना चाहिए। It is not in the proper form. It is not in proper shape. It should not, therefore, be allowed.

**Planning and Local Government Minister** : What I remember is the Government is going to take power under this Bill to refund, prospectively, as well as retorspectively the tax imposed on, and paid by, such factories under section 17 of the parent Act in respect of the cane purchased by them and uilized in manufacturing such quantities of sugar as are exported out of India. The money involved does not form part of the Bill. It is only a short Bill whereby the Government is taking power to refund the tax imposed on cane utilised for manufacturing sugar exported out of India after satisfying itself that the requisite quantity of sugar thus manufacturd has been exported out of India. It does not suffer from any defect.

**Minister of State of Animal Husbandry and Agriculture** : Sir, this Bill was introduced during the last session. Today, only discussion thereon is being resumed. **अब भी अगर देखा जाये जो खांड़ हम ने एक्सपोर्ट की हैं उस पर जो सैस ली जानी थी उतनी ही वापिस करनी हैं और कोई ज्यादा सेस वापिस नहीं होगा।**

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : No direct talks please. ਪਹਿਲੀ ਚੀਜ਼ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਬਤਾਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਬਿਲ ਪਰਾਪਰ ਹੈ, ਇੰਟਰੋਡਿਊਸ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਯਾਂ ਨਹੀਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਐਸਾ ਆਬਜੈਕਸ਼ਨ ਸੀ ਵੀ ਤਾਂ ਇਹ ਇੰਟਰੋਡਕਸ਼ਨ ਸਟੇਜ ਤੇ ਹੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਦੂਸਰੀ ਚੀਜ਼ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਐਕਸ-ਪਲੇਨੇਟਰੀ ਫਾਈਨੈਨਸ਼ਲ ਮੈਮੋਰੰਡਮ ਵੀ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ . . .

(No direct talks please. The first thing is that as already stated by Captain Rattan Singh, this Bill is in the proper form. As to whether this Bill can be introduced or not, I think, if at all there was any objection, it could be raised at the introduction stage. As to the other thing that it

it should have been accompanied by a recommendation of the Gov rnor as also the Explanatory financial Memorandum, I consider that . . . . .)

**Dr. Baldev Prakash :** Incomplete memorandum.

**Mr. Speaker :** Technically, on this basis it cannot be thrown out. It is under discussion now. But in view of the points made out by certain hon. Members, it is for the Government to consider or reconsider it.

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** (ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ) : ਮੈਂ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਤਨੀ ਹੀ ਗੱਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਹੋਰ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਇਹ ਤਾਂ Under this Bill the Government is taking power to refund prospectively or retrospectively tax on cane utilised for manufacturing sugar exported out of India after satisfying itself that the requisite quantity of sugar thus manufactured has been exported out of India.

ਅਸਲ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਤਨੀ ਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਘਾਟਾ ਇਸ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਨੂੰ ਹੀ ਸਹਿਣਾ ਪਵੇਗਾ। ਜੇ ਹੋਰ ਸਟੇਟਸ ਨਹੀਂ ਪੇ ਕਰਦੀਆਂ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਵੀ ਇਹ ਘਾਟਾ ਪੇ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਐਸੀ ਖਦਸ਼ੇ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਹੋਵੇਗਾ, ਸਾਰਾ ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਪਾਲਿਸੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ। ਐਕਸਪੋਰਟ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਤੇ ਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਵਲ ਤਾਂ ਖੰਡ ਵਿਕਦੀ ਨਹੀਂ, ਜੇ ਵਿਕਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜਦੋਂ 990 ਰੁਪਏ ਟਨ ਦੇ ਭਾਉ ਦੀ ਏਧਰ ਵਿਕਦੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਦੀ ਮੱਤ ਮਾਰੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 300 ਰੁਪਏ ਟਨ ਦੇ ਭਾਉ ਬਾਹਰ ਭੇਜੇਗਾ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਇੰਪੋਰਟ ਲਾਈਸੈਂਸ ਮਿਲਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੈਸਾ ਬਣਦਾ ਹੋਵੇ ਤਦ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਜਾਇਜ਼ ਸੀ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਇੰਪੋਰਟ ਲਾਈਸੈਂਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ। ਇਹ ਇਕ ਟੈਕਨੀਕਲ ਜਿਹੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਜੇ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਟੇਟਸ ਪੇ ਕਰਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਪਾਲਿਸੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਇੰਡੀਵਿਜੁਅਲ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੁਨਾਫਾ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ।

(At this stage Comrade Gurbakhsh Singh Dhaliwal rose to speak).

**Mr. Speaker :** I am sorry. There has been protracted discussion. Moreover, the Minister has also replied to the discussion.

**Comrade Shamsher Singh Josh :** He was explaining the circumstances under which the refund can be made...

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਜੋਸ਼ ਜੀ, ਸ਼ਾਇਦ ਤੁਹਾਨੂੰ ਯਾਦ ਨਹੀਂ, ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, 15—16 ਮੈਂਬਰਜ਼ ਵੀ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਵਲੋਂ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਵੀ ਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਕਲੋਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਹੋਰ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਬਾਕੀ ਨਹੀਂ ਸੀ। It is for the Government to decide whether to consider, reconsider or defer it. (The Hon. Member Comrade Josh perhaps does not recollect that discussion has already taken place on this Bill and 15 or 16 Members have also spoken on it. The reply to the discussion had also come from Sardar Darbara Singh. The discussion was, therefore closed as nothing more was left to be said on it. So it is for the Government to decide whether to consider, reconsider or defer it).

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪਦੀ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ ਸੀ, ਤਾਂ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਡੈਫਰ ਕਰਨ ਲਈ ਆਏਗਾ, ਫੇਰ ਦੇਖਾਂਗੇ। ਇਹ ਸਵਾਲ ਉਠਿਆ ਸੀ.......

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਸਾ ਕਰਨਾ ਮੰਨ ਲਿਆ ਸੀ।

(This is correct that the hon. Minister had previously agreed to defer it.)

Now the Government has again come back after its consideration or reconsideration of the Bill. It is for it to consider, reconsider or defer it or whatever it is.

**Transport and Elections Minister :** We want to pass it today. Already it has been delayed.

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Punjab Sugarcane (Regulation of purchase and Supply) Amendment Bill be taken into consideration at once.

(After ascertaining the votes of the Members by voices Mr. Speaker said "I think Ayes have it". This opinion was challenged and division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for "Ayes" and those who were for "Noes" respectively to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried.)

*The Motion was carried.*

**Mr. Speaker :** Now the House will consider the Bill clause by clause.

**ਕਲਾਜ਼ ੨**

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖ਼ਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** (ਨਿਹਾਲ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਦੂਜੀ ਕਲਾਜ਼ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮੰਨਜ਼ੂਰੀ ਲੈ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਗੰਨਾਂ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਖੰਡ ਨਿਕਲ ਕੇ ਬਾਹਰਲੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਭੇਜੀ ਹੈ ਉਸ ਤੇ ਸੈਸ ਦੀ ਛੋਟ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਏ। ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 1953 ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜਾਬ ਗੰਨਾ ਖਰੀਦ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਰੈਗੂਲੇਟ ਕਰਨ ਦਾ ਐਕਟ ਬਣਿਆ ਸੀ ਉਸ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਟੈਕਸ ਲਗਿਆ ਸੀ। ਇਹ ਟੈਕਸ ਕਿਉਂ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ, ਇਸ ਦਾ ਵੀ ਮੈਂ ਏਥੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। 1953 ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਇੰਚਾਰਜ਼ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਸ ਦੇ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਆਫ ਆਬਜੈਕਟਸ ਐਂਡ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਟੈਕਸ ਕੇਨਗਰੋਅਰਜ਼, ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਆਫ ਆਬਜੈਕਟਸ ਐਂਡ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਤਾਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗੇ ਕਿ ਇਹ ਟੈਕਸ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਕੀ ਸਨ।

1.00 p.m.

**Statement of objects and Reasons of the Parent Act passed in 1953.**

"With the promulgation of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 with effect from the 8th May, 1952 the Regulation of Sugar Industry has become conclusively a central subject. The State Government are now only concerned with the supply of sugarcane to Sugar Factories. Moreover in view of the financial position of the State, the State Government are not in a position to provide adequate funds for extensive cane development work in the areas supplying cane to Sugar Factories, with the result that the factories are not getting cane of good quality. The Bill is being introduced in order to provide for a rational distribution of sugarcane to factories, for its development on organised scientific lines making adequate funds available after imposing a tax on sugarcane purchased by sugar Factories to protect the interest of the cane growers and of the Industry and to put the new Act permanently on the Statute Book".

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਇਹ ਮੂਲ ਐਕਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਇਹ ਗੱਲ ਸਪੱਸ਼ਟ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਦੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਦੱਸੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਐਕਟ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੇਨ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੀ ਮਦਦ ਲਈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਾਖੀ ਲਈ, ਚੰਗਾ ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਇੰਟਿਫਿਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨ ਲਈ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਸੜਕਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੈਕਟਰੀਆਂ ਨਾਲ ਜੋੜਨ ਲਈ, ਖਾਦ, ਬੀਜ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਚੰਗੇ ਸੰਦ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨ ਲਈ ਇਹ ਟੈਕਸ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਹੁਣ ਇਸ ਸੋਧਨਾ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦੀ ਥਾਂ ਇਸ ਰੁਪਏ ਨੂੰ, ਇਸ ਟੈਕਸ ਨੂੰ ਉਸ ਮਿਕਦਾਰ ਤੇ ਵਾਪਸ ਦੇਵੇਗੀ ਜਿਹੜੀ ਖੰਡ ਦੀ ਮਿਕਦਾਰ ਬਾਹਰਲੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਭੇਜੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਨਾਲ ਧੱਕਾ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਟੈਕਸ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਤੋਂ ਜਿਹੜੇ ਹੋਰ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਉਗਰਾਹੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋਏ ਹਾਂ। ਕੇਵਲ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਇਕ ਭਾਵ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੇ 1962 ਵਿਚ ਸੈੱਸ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ 24 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਪੰਜਾਬ ਦੇ 3 ਸ਼ੂਗਰ ਫੈਕਟਰੀ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਪੁਰਾਣੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਪਿਛੇ ਨਾ ਰਹੀਏ ਸਰਮਾਏਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਹਿਤ ਪਾਲਣ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਕੈਰੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਾਲਿਆ ਸੀ। ਇਸ ਫਿਨਾਂਨਸ਼ਲ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਤੇ ਨਿਗਾਹ ਮਾਰਦਿਆਂ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਏਗਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿੰਨਾ ਰੁਪਿਆ ਰਿਫੰਡ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਹ 1962-63 ਤੋਂ ਅਗਾਂਹ ਵਾਸਤੇ ਮੁਆਫ ਕਰਨ ਲਈ ਪਿਛਲੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਮੁਆਫੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। 1962-63 ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 4,04,550 ਰੁਪਿਆ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਦੇਣਾ ਹੈ। 1963-64, 1964-65 ਅਤੇ 1965-66 ਦਾ ਅਜੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿੰਨਾ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਅਗੇ ਵਾਸਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। 1962-63 ਦੀਆਂ ਫਿਗਰਜ਼ ਨੂੰ ਲਈਏ ਤਾਂ 4 ਲਖ ਤੇ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੈ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਸਾਲ ਘਟਾਉਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਰੂਪ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਰ ਸਾਲ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ, ਥਾਪਰ ਅਤੇ ਜਗਤਜੀਤ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ 4 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਕਿਉਂ ਨਾ ਦੇਣ ? 1967 ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਆ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਖੰਡ ਲੈ ਲਿਆ ਕਰਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਮਗਰੋਂ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਰੁਪਿਆ ਦਿੰਦਾ ਸੀ। ਹੁਣ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਅਹਲੀਅਤ ਦੀ ਆਮ ਚਰਚਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਐਨੀ ਕਾਬਲ ਨਹੀਂ। ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਇਤਬਾਰ ਨਹੀਂ। ਉਹ ਸੋਚਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜੇ ਪਹਿਲਾਂ ਫੰਡ ਦੇ ਦੇਈਏ ਤਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਨਾ ਦੇਣ। ਇਸ ਰਿਆਇਤ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ਗੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਲਵਾਂਗੇ। ਇਹ ਚੋਣਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੇਣ ਲਈ ਮਾਫੀ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ, ਚਾਰ

[ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ]

ਚਾਰ, ਪੰਜ ਪੰਜ ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਸਾਲ ਦਾ। ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨੀਯਤ ਤੇ ਸ਼ੱਕ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੇਣਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਕਿਉਂ ਮਾਫ ਕਰੇ। ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਗਰਾਂਟ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਵੇ ਜੋ ਬਾਹਰ ਖੰਡ ਭੇਜਦੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ, ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕੇਨ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਲਈ ਅਲਾਟ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਦੇਣ ਦਾ ਭਾਵ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਨੇ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਹਿਤਕਾਰੀ ਨਹੀਂ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣਾ ਚਿਹਰਾ ਨੰਗਾ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। ਹਕੀਕਤ ਵਿਚ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਧਨਾਢਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਨੋਰਥਾਂ ਦੀ ਹੀ ਰਾਖੀ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਐਕਟ ਦੇ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੂਗਰਕੇਨ ਸੈਸ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਇਹ ਸਾਰਾ ਤੁਹਾਡੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਧੋਖਾ ਅਤੇ ਧਰੋ ਕੀਤਾ ਹੈ। 1962 ਦੇ ਵਿਚ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਦੋਂ 24 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਖੰਡ ਦੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਲੀਲਾਂ ਇਹ ਦਿੱਤੀਆਂ ਸੀ ਕਿ 24 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਅਸੀਂ ਧੂਰੀ ਫਗਵਾੜੇ ਅਤੇ ਜਗਾਧਰੀ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਕਰਕੇ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਸਮੇਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਰਦੀ ਬਹੁਤ ਪਈ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਗੰਨੇ ਵਿਚੋਂ ਰਸ ਘਟ ਨਿਕਲਿਆ ਅਤੇ ਖੰਡ ਘਟ ਨਿਕਲੀ। ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਗੰਨੇ ਦੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਐਕਸਗਰੇਸ਼ੀਆ ਗਰਾਂਟ ਦੇਣੀ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਦੋਂ ਵੀ ਆਵਾਜ਼ ਉਠਾਈ ਸੀ ਕਿ ਜੇਕਰ ਗੰਨੇ ਵਿਚੋਂ ਰੌਹ ਘਟ ਨਿਕਲੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗੰਨੇ ਦਾ ਵਜ਼ਨ ਵੀ ਘਟਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਵਜ਼ਟ ਘਟਣ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਮਗਰ ਮਿਲ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪਿਆ। ਅਸੀਂ ਉਦੋਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਐਕਸਗਰਸ਼ੀਆਂ ਗਰਾਂਟ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ। ਮਗਰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਾਡੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਨੂੰ ਨੀ ਸੁਣਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ 24 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਠੀਕ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਜ ਵੀ ਬੋਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਬਣਾ ਕੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਦੀਆਂ ਤਜ਼ੋਰੀਆਂ ਭਰੀਆ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਧਕਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਏਸੇ ਹੀ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਕਰੜਾ ਪਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਮਿੱਲਾਂ ਦੇ ਏਰੀਏ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਕਿਸਾਨ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਆਪਣੇ ਗੰਨੇ ਨੂੰ ਪੀੜ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ, ਕੋਈ ਕਰੱਸ਼ਰ ਨਹੀਂ ਲਗਾ ਸਕਦੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਗੰਨਾਂ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨਾ ਪਏਗਾ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਰਾਹੀਂ ਮਜਬੂਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਗੰਨਾ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨ ਲੇਕਿਨ ਐਤਕੀ ਦੇ ਸਾਲ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਿਲਾਂ ਦੇ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਗੰਨੇ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਬਹੁਤ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਕੈਸ਼ ਕਰਾਪ ਹੈ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੰਨਾਂ ਖੇਤਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹੀ ਗਲ ਸੜ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਗਨਾਂ ਖਰੀਦ ਨਹੀਂ ਰਹੇ। ਮਗਰ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਡੀਫੈਂਸ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਰੂਲ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੰਨਾ ਚੁਕਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਬਲਕਿ ਉਲਟਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਖਾਂ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਕੇ ਨਿਵਾਜ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਫੰਡ ਲੈਣੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਸ ਧਾਰਾ ਦੀ ਕੜੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** (ਲੁਧਿਆਣਾ, ਉੱਤਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਕਲਾਜ਼ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਫੰਡਾਮੈਂਟਲ ਪਰਿੰਸੀਪਲ ਇਨਵਾਲਵਡ ਹੈ। ਚੀਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ

ਦਫਾ 17 ਦੇ ਤਹਿਤ ਜਿਹੜਾ ਸੈਸ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਆਇਆ ਉਹ ਉਸ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਸੈਸ ਹਮੇਸ਼ਾ ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਪਰਪਜ਼ ਲਈ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਸੈਸ ਗੰਨਾਂ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ ਵਸੂਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਐਪਰੋਚ ਰੋਡਜ਼ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਔਰ ਗੰਨੇ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਲਈ ਹੋਰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੋਵੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਫਰਟੀਲਾਈਜ਼ਰਜ਼ ਲਈ, ਪੈਸਟੀਸਾਈਡਜ਼ ਲਈ ਔਰ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਹਰ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਜਦ ਕਿ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਖੰਡ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਇਕ ਡਿਫਿਸਿਟ ਸਟੇਟ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਡੀ ਇਹ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਗੰਨੇ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਅਗਰ ਸਰਪਲਸ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਤਾਂ ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਸੈਲਫ ਸਫੀਸ਼ੈਂਟ ਤਾਂ ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਕਿ ਸਾਨੂੰ ਗੰਨੇ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਦੂਸਰਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਤੇ ਇਨਹਿਸਾਰ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਏ। ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਔਰ ਇਹ ਜਦੋਂ ਸੈਸ ਲਾਏ ਸਨ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਇਕ ਜ਼ਮਾਨਾ ਇਹ ਸੀ ਜਦ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਸਿਰਫ 10 ਲਖ ਟਨ ਸ਼ੂਗਰ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਔਰ ਮੁਲਕ ਦੀ ਲੋੜ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਘਟ ਸੀ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿੱਲਾਂ ਤੋਂ ਸੈਸ ਲੈ ਕੇ ਉਹ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਭਲੇ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਪੰਜਾਬ ਇਕ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਸੂਬਾ ਹੈ ਏਥੇ ਨਾ ਬੰਬਈ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਹੁਤ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਮਿੱਲਾਂ ਹਨ ਨਾ ਬੰਗਾਲ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਹੁਤ ਵਡੀਆਂ ਜੂਟ ਮਿਲਜ਼ ਹਨ। ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਦਾ ਕਾਰਣ ਅਗਰ ਕੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਖੇਤੀ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਪਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਜਿਹੜੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਸੀ ਉਸ ਨੇ ਜੋ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਫੂਡਗਰੇਨਜ਼ ਦੀਆਂ ਕਰੰਟ ਕੀਮਤਾਂ ਜੋ ਹਨ ਇਹ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਲਈ ਪਰਾਫੀਟੇਬਲ ਨਹੀਂ ਹਨ ਸਗੋਂ ਉਲਟਾ ਉਸ ਨੂੰ ਘਾਟਾ ਪਾਉਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਵੀ ਏਥੇ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰਾਪਸ ਤੋਂ ਫਾਇਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਹਨ ਕਪਾਹ ਮਿਰਚ ਅਤੇ ਗੰਨਾ। ਮਿਰਚਾਂ ਦਾ ਤਾਂ ਰਕਬਾ ਹੀ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕੈਸ਼ ਕਰਾਪਸ ਦੋ ਹੀ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਕਪਾਹ ਅਤੇ ਗੰਨਾ। ਹੁਣ ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਅਸੀਂ ਗੰਨੇ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਲਈ ਪਰਾਫੀਟੇਬਲ ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਜਾਂ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਲਈ ਪਰਾਫੀਟੇਬਲ ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ। ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਸਾਰਾ ਨਫਾ ਕਮਾ ਕੇ ਆਪਣੀਆਂ ਤਜ਼ੌਰੀਆਂ ਭਰੀ ਜਾਣ ਔਰ ਜੇਕਰ ਥੋੜ੍ਹੀ ਬਹੁਤੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕਰਨੀ ਪਏ ਤਾਂ ਉਹ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਨੂੰ ਨਾ ਕਰਨੀ ਪਏ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਵੀ ਨਾ ਕਰਨੀ ਪਏ ਬਲਕਿ ਹਰ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਕੁਰਬਾਨੀ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਹੀ ਕਰਨੀ ਪਏ। ਉਸ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਰੁਕ ਜਾਣ, ਉਸ ਦੀ ਫਸਲ ਸੁਕ ਜਾਵੇ ਲੇਕਿਨ ਕਰਾਪ ਫੰਡ ਵਿੱਚੋਂ ਪੈਸਾ ਲੈ ਕੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਦੀਆਂ ਤਜ਼ੌਰੀਆਂ ਭਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ। ਇਹ ਸਵਾਲ ਇਸ ਲਈ ਵੀ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਕਦੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਖੰਡ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਔਰ ਆਇਆ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਕਦੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਐਕਸਪੋਰਟ ਲਈ ਕੋਈ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਦਿਆਂਗੇ ਜਾਂ ਤੁਹਾਡੀ ਕੋਈ ਮਦਦ ਕਰਾਂਗੇ।

ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਮੁਲਕ ਵਿਚੋਂ ਜੋ ਸ਼ੂਗਰ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਘਾਟੇ ਤੇ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਸ ਘਾਟੇ ਦੀ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਐਕਸਪੋਰਟ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨੀ ਹੀ ਲੈਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਸਭ ਤੋਂ ਲਉ । ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਕ ਪੈਸੇ ਦੀ ਇਕ ਧੇਲੇ ਦੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕਰਨ ਲਈ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ, ਲੇਕਿਨ ਜੋ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਹਨ ਸਮਾਜ ਦਾ ਵੀਕਰ ਸੈਕਸ਼ਨ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪੇਟ ਕਟ ਕੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਦਸ ਦਸ ਸਾਲ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਛਾਂਟੀ ਨਾ ਕਰੋ ਤਾਂ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਮਹਾਰਾਜ ਕੀ ਕਰੀਏ ਹਾਲਾਤ ਬੜੇ ਖਰਾਬ ਹਨ, ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਛਾਂਟੀ ਕੀਤੇ ਬਗੈਰ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦੇ । ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਲਈ ਹੀ ਖਰਚ ਕਰੋ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਹਾਂ ਜੀ ਤਾਲੀਮ ਤਾਂ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਪਰ ਕੀ ਕਰੀਏ ਖਜ਼ਾਨਾ ਖਾਲੀ ਹੈ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਹਨਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕਾਲ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਲਈ ਖੂਹ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਹੀ ਲਗਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਦਿਓ ਤਾਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕ ਤੁਹਾਡੀ ਸਬਸਿਡੀ ਦੀ ਭਿਖ ਲੈਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਖੁਦ ਕਮਾ ਕੇ ਖਾ ਸਕਨ ਤਾਂ ਜਵਾਬ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਲਾਹ ਤਾਂ ਬੜੀ ਨੇਕ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਬੜੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਕਰੀਏ ਕੀ ਫੰਡਜ਼ ਕਿਥੋਂ ਲਿਆਈਏ, ਮਰਕਜ਼ ਸਾਨੂੰ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਕਟਰੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਤਾਂ ਜੇਬਾਂ ਭਰ ਭਰ ਲੈ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਪਰਮਾਨੈਂਟ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਢ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਲੇਕਨ ਗਰੀਬ ਛੋਟੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਟੈਮਪਰੇਰੀ ਕਹਿ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕਾਂਟੀ ਛਾਂਟੀ ਦਾ ਕੁਲਹਾੜਾ ਚਲਾਣ ਲਈ ਹਰ ਵਕਤ ਤਿਆਰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਹਮਦਰਦੀ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬਹੁਤੀ ਹੈ ਪਰ ਦੇਣਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮਜ਼ਦੂਰ ਕਿਸਾਨ ਟੀਚਰਜ਼ ਤੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਲਈ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਖਜ਼ਾਨਾ ਖਾਲੀ ਹੈ ਪਰ ਸੈਕਟਰੀਆਂ ਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਤਨਖਾਹ ਦੇਣੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਕਾਫੀ ਪੈਸੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਘਾਟਾ ਪੈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਜ਼ਾਨਾ ਉਛਾਲੇ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਗਰੀਬਾਂ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਕੁਝ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਪੁੱਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸੇ ਕਿਸਮ ਦਾ ਤੁਹਾਡਾ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਹੈ ਜਿਸਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਲਿਆਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੀਆਂ ਜੜ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੁਲਹਾੜਾ ਚਲਾ ਕੇ ਉਸਦਾ ਸਤਿਆਨਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਜੋ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਤੇ ਇਤਬਾਰ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ । ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਨੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨਾਲ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਿਰਫ ਖੰਡ ਹੀ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ? ਇਸ ਮੁਲਕ ਵਿਚੋਂ ਬਾਈਸਿਕਲ, ਕਪੜੇ ਸੀਣ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ, ਪਖੇ, ਜਿਊਟ ਗੁਡਜ਼ ਅਤੇ ਕੋਈ 60 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਕਪੜਾ ਐਕਸਪੋਰਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਚਾਹ, ਜੁਤੀਆਂ ਹੌਜ਼ਰੀ ਤੇ ਹੋਰ ਮੈਂ ਕਿਸ ਕਿਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਨਾਮ ਲਵਾਂ, ਐਕਸਪੋਰਟ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਬਦਲੇ ਵਿਚ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਟੇ ਲਾਈਸੈਂਸ ਤੇ ਹੋਰ ਕਈ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਿੰਦੀ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮਾੜ ਧਾੜ ਚਮਾਰਾਂ ਤੇ ਹੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਨਜ਼ਲਾ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੇ ਹੀ ਗਿਰਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਦੇ ਕਾਲ ਤੰਗ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਕਦੇ ਹੜ੍ਹ, ਸੇਮ ਤੇ ਖੁਸ਼ਕਸਾਲੀ ਤੰਗ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦਾ ਇਕੱਠਾ ਹੋਇਆ ਪੈਸਾ ਹੁਣ ਲਖ ਪਤੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਸਲੂਕ ਹੈ ਜੋ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨਾਲ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਤੇ ਲਖ ਪਤੀਆਂ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਵਾਅਦਿਆਂ ਦੀ ਤਾਂ ਬੜੀ ਪਾਬੰਦ ਹੈ ਪਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਵਾਅਦੇ ਨੂੰ ਇਹ ਵਾਅਦਾ ਨਹੀਂ

ਸਮਝਦੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਜੋ ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਨ ਦੇ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟਸ ਲਗਾਏਗਾ ਉਸਨੂੰ 750 ਰੁਪਏ ਸਬਸਿਡੀ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਲੇਕਿਨ ਅਜ ਤਕ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਝੂਠਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਜੋ ਸਜ਼ਾ ਕਹੋ ਲੈਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਕਿ ਮਾਂ ਫਿਰੇ ਫੋਸੀ ਫੋਸੀ ਨੂੰ ਪੁੱਤ ਲੁਟਾਵੇ ਹੀਰੇ । ਅਸੀਂ ਕਿਸਾਨ ਤਾਂ ਭਾਵੇਂ ਭੁਖੇ ਮਰੀਏ, ਨੰਗੇ ਰਹੀਏ ਅਤੇ ਦੋ ਵਕਤ ਰੋਟੀ ਵੀ ਨਾ ਖਾ ਸਕੀਏ ਸਾਡੇ ਲਈ ਤਾਂ ਇਹ ਸਲੂਕ ਹੈ ਕਿ 750 ਰੁਪਏ ਵੀ ਸਪੇਅਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਪਰ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਹੀ ਪੈਸੇ ਲੁਟਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸੈਸ ਦਾ ਪੈਸਾ ਨਾ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਹੈ ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਦਾ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਸਾਡੀ ਅਮਾਨਤ ਹੈ ਜੋ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਕਿ ਖਿਆਨਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸਦੀ ਖਿਆਨਤ ਵਿਚ ਦੋ ਸਾਥੀ ਮਿਲੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰ ਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸ ਉਹ ਜੋ ਗੱਦੀਆਂ ਤੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੋਨੋ ਮਿਲ ਕੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਨੂੰ ਲੁਟੀ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਹ ਤਾਂ ਇਹ ਹਾਲਾਤ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਗੰਨਾ ਬੀਜਣਾ ਛਡ ਦੇਣ । ਜੇਕਰ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹੋ ਹਮਦਰਦੀ ਤੁਹਾਡੀ ਹੋਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੋਚਣਾ ਪਵੇਗਾ ਕਿ ਆਇਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਫਾਇਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ । ਕਿਸਾਨ ਤੇ ਗੰਨੇ ਨੂੰ ਕੈਸ਼ ਕਰਾਪ ਕਰਾਰ ਦੇ ਕੇ ਚਾਰ ਰੁਪਏ ਏਕੜ ਇਹ ਕਹਿ ਕੇ ਸੈਸ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪੈਸੇ ਨਾਲ ਤੁਹਾਡੇ ਲਈ ਸੜਕਾਂ ਬਣਨਗੀਆਂ ਪਰ ਹੁਣ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਪੈਸਾ ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ । ਅਸੀਂ ਪਿਛਲੀ ਗਲ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰੋਂਦੇ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਅਗੇ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਲਈ ਰੋਂਦੇ ਹਾਂ । ਇਹ ਤਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਅਖਤਿਆਰ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਲੁਟਾ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਵੀ ਲੁਟਾ ਦੇਵਾਂਗੇ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਅਗੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲੁਟਾਵਾਂਗੇ.........

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹਿਆ ਤਾਂ ਪੜ੍ਹ ਲਉ । ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਰੈਟਰੋਸਪੈਕਟਿਵਲੀ ਐਂਡ ਪ੍ਰਾਸਪੈਕਟਵਲੀ.........

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਬਾਬੂ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਹੋਰ ਕਿਤਨਾ ਟਾਈਮ ਲਵੋਗੇ ? (How much more time will the hon. Member Baboo Bachan Singh take?)

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਸਿਰਫ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿੰਟ ਹੀ ਲਵਾਂਗਾ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਰੈਟਰੋਸਪੈਕਟਿਵ ਤੇ ਪ੍ਰਾਸਪੈਕਟਿਵ ਦੋਨਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਮਅਨੇ ਵੀ ਸਮਝ ਲਉ ਇਹ ਹਨ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਇਹ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸਤੋਂ ਬਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਆਵਾਂਗੇ । ਇਕ ਗਲ ਤਾਂ ਸਮਝ ਵਿਚ ਆ ਸਕਦੀ ਸੀ । ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਕੋਈ ਗਲਤ ਜਾਂ ਸਹੀ ਵਾਅਦਾ ਕਰ ਲਿਆ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਹ ਉਸ ਦੇ ਪਰੈਸਟੀਜ ਦਾ ਸਵਾਲ ਬਣ ਗਿਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹੇ ਕਿ ਹੁਣ ਮੈਨੂੰ ਛਡੋ ਅਗੇ ਨੂੰ ਮੇਰੀ ਤੋਬਾ ਐਸਾ ਵਾਅਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗਾ। ਪਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸੈੱਸ ਦਾ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਪੈਸਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਵੀ ਉਹ ਪੈਸਾ ਇਕੱਠਾ ਕਰਕੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗੇ । ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸੈਸ ਤਾਂ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਤੋਂ ਵਸੂਲ ਹੁੰਦਾ ਰਹੇ ਪਰ ਉਹ ਪੈਸਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਦੀ ਬਜਾਏ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਤੇ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ

[ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ]

ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਛਡ ਦਿਉ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪਰਦੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਆਉ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਘੁੰਗਟ ਵਿਚੋਂ ਜਮਾਲ ਵਖਾ ਰਹੇ ਹੋ ਇਹ ਕਸੂਤਾ ਹੈ...........

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਕੋਈ ਪਰਦਾ ਨਹੀਂ ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਪਰਦਾ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਖੁਲ੍ਹ ਕੇ ਕਹੋ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਦੇ ਲਖਪਤੀਆਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਗਰੀਬਾਂ ਨਾਲ ਸਾਡਾ ਕੋਈ ਵਾਸਤਾ ਨਹੀਂ। ਜੇਕਰ ਐਸਾ ਕਹਿ ਦਿਓ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਕੋਈ ਰੌਲਾ ਨਹੀਂ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਪਰਦੇ ਪਿਛੋਂ ਗ਼ਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਲੁਟ ਲੁਟ ਕੇ ਅਮੀਰਾਂ ਦੇ ਘਰ ਭਰ ਰਹੇ ਹੋ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਕਿਸਾਨਾਂ ਕੋਲੋਂ ਰੁਪਿਆ ਟੈਕਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਹੋਰ ਭੀ ਬਦਤਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਸੋ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫ਼ਜ਼ਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਮੁਖ਼ਾਲਫਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

**Chief Parliamentary Secretary** (Shri Ram Partap Garg) : Sir, enough discussion has taken place. Therefore, I beg to move—

That the question be now put.

**Voices from the Opposition** : We have still to speak.

**Mr. Speaker** : Let one more hon. Member from the Opposition side speak. Sardar Gurcharan Singh, please.

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਇਕ ਹੀ ਕਲਾਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਕਲਾਜ਼ ਉਤੇ ਹੀ ਕਾਫੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦਾ ਕਾਫੀ ਇਜ਼ਹਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ । ਹੁਣ ਤਾਂ ਖਿਆਲਾਂ ਦੀ ਰੈਪੀਟੀਸ਼ਨ ਹੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ— That the question be now put.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** (ਮੋਗਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ੂਗਰਕੇਨ ਉਤੇ ਜਿਹੜਾ 3 ਆਨੇ ਫੀ ਮਣ ਟੈਕਸ ਲਗਾਇਆ ਹੈ ਉਸ ਸੈੱਸ ਤੋਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਸੈੱਸ ਇਕੱਠਾ ਕਰਕੇ ਚੀਨੀ ਦੀਆਂ ਮਿਲਾਂ ਦੇ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਸਬਸਿਡੀ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇ ਦਿਤਾ । ਸਬਸਿਡੀ ਜਾਂ ਦਾਨ ਕਮਜ਼ੋਰ, ਗਰੀਬ ਜਾਂ ਕੰਗਾਲ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਹ ਆਪਣਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਚਲਾ ਸਕਣ । ਵੈਸੇ ਤਾਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਕਮਜ਼ੋਰ ਤਬਕਾ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਅਗਰ ਕੋਈ ਸਬਸਿਡੀ ਦੇਣ ਦੀ ਗਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਸਬਸਿਡੀ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸੇ ਲੋਨ ਦੇ ਇੰਟ੍ਰਸਟ ਨੂੰ ਲੈ ਲਉ । ਕਾਰਖਾਨੇ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ 3 ਫੀ ਸਦੀ ਇੰਟ੍ਰਸਟ ਉਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ $6\frac{1}{2}$ ਫੀ ਸਦੀ ਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ' ਜਦੋਂ ਕਿ ਕਾਰਖਾਨੇ ਵਾਲੇ ਕਰੋੜਪਤੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 3 ਆਨੇ ਫੀ ਮਣ ਸੈੱਸ ਲਗਾਇਆ ਹੈ । ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਪਹਿਲਾਂ $1\frac{1}{2}$ ਆਨਾ ਫੀ ਮਣ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ $1\frac{1}{2}$ ਆਨਾ ਫੀ ਮਣ ਵਾਪਸ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਆਂਧਰਾ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਵਿਚ 6 ਆਨੇ ਫੀ ਮਣ ਸੈੱਸ ਲਾਈ ਗਈ । ਉਹ ਸੈੱਸ ਇਕੱਠੀ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਖਰਚ

ਕੀਤੀ ਗਈ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਉਸ ਤੋਂ ਉਲਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਕੋਲੋਂ ਟੈਕਸ ਜਾਂ ਸੈੱਸ ਕੁਲੈਕਟ ਕਰਕੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਦੇ ਢਿਡ ਭਰੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਮੁਨਾਸਿਬ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਘਟ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਗੰਨੇ ਨੂੰ ਕਮਰਸ਼ਿਅਲ ਕਰਾਪਸ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ ਸੀ । ਵੈਸੇ ਗੰਨੇ ਦੀ ਫਸਲ ਕਮਰਸ਼ਿਅਲ ਕਰਾਪਸ ਦੇ ਹੇਠ ਨਹੀਂ ਲਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਏਕੜ ਵਿਚ 300 ਜਾਂ 400 ਮਣ ਗੰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪਾਣੀ ਘਟ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਗੰਨੇ ਦੀ ਫਸਲ ਲਈ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਭੀ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵਾਟਰ ਰੇਟਸ ਵੀ, ਲੈਂਡ ਰੈਵੇਨਿਊ ਵੀ ਪਹਿਲੇ ਹਿਸਾਬ ਦੇ ਨਾਲ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਫੈਸਿਲੀਟੀਜ਼ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ । ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾਂ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਕੰਜ਼ਮਪਸ਼ਨ ਸ਼ੋ ਕਰਨ ਲਈ ਮੀਟਰਜ਼ ਲਗਾਏ ਹੋਏ ਹਨ। (ਘੰਟੀ) (ਵਿਘਨ) ਲੇਕਿਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਭੀ ਕੋਈ ਸਹੂਲਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ। ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਕੋਲੋਂ ਰਾ ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਲੈ ਕੇ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਰਹੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਉਤੇ ਸੈਸ ਜਾਂ ਟੈਕਸ ਲਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਅੱਗੇ ਤੋਂ ਭੀ ਬਦਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 4, 5 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਅੰਦਰ ਖੰਡ ਦੀ ਕਮੀ ਮਹਿਸੂਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਖੰਡ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਲੈਕ ਮਾਰਕੀਟੀਆਂ ਦੀ ਭੀ ਕਮੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਹੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀਆਂ ਕਰਕੇ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਂ ਨੂੰ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਇਸ ਦਾ ਝਗੜਾ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇ । ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਰੋੜਪਤੀਆਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਤਬਕੇ ਨੂੰ ਤਬਾਹ ਕਰਨ ਤੇ ਤੁਲੀ ਹੋਈ ਹੈ ।

ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਕਿੰਨੀ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਗੰਨਾ ਬੀਜਣ ਲਈ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਗੰਨਾ ਪੀੜਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਗੁੜ ਦੀ ਕੀਮਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਕੋਈ ਕਿਸਾਨ ਗੰਨਾ ਖੁਦ ਪੀੜਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਦੇ ਹੇਠ ਫੜ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਗੰਨੇ ਨੂੰ ਖੁਦ ਪੀੜ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ, ਉਸ ਨੂੰ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਹ ਗੰਨਾ ਮਿਲਾਂ ਨੂੰ ਬੇਚੇ। ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਸਾਲ ਕੀ ਹੋਇਆ ? ਕਿਸਾਨ ਨੇ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਗੰਨੇ ਦੀ ਫਸਲ ਬੀਜੀ ਤਾਕਿ ਇਸ ਫਸਲ ਵਿਚੋਂ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਸਕੇ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਗੰਨਾ ਮਿਲਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਖੁਦ ਨਹੀਂ ਖਰੀਦਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਗੁੜ ਦੀ ਕੀਮਤ ਘਟ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਉਤੇ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਉਤੇ ਸੈੱਸ ਲਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ..........

**Mr. Speaker :** The hon. Member should be relevant.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਮਦਦ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੀ । ਫਲੱਡਜ਼ ਦੇ ਕਾਰਨ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਤਬਾਹ ਹੋ ਰਹੇ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ]

ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਉਤੇ ਟੈਕਸ ਅਤੇ ਸੈੱਸ ਲਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਸਰਕਾਰ ਕਰੋੜਪਤੀਆਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਮੁਨਾਸਿਬ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਜਦੋਂ ਪਾਰਟੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਉਸ ਵਿਚ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਕ੍ਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਸੇ ਕਾਰਨ ਸਰਕਾਰ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਨਾ ਕਰ ਸਕੀ। ਅਗਰ ਇਹ ਬਿਲ ਐਕਟ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਲਈ ਇਹ ਮੁਜਰਮਾਨਾ ਕਦਮ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਹ ਬਿਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਨ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** (ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਐਕਸਪਲੇਨ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹਾਂ। ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੋਈ ਮੁੱਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੀ ਗਲ ਕਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਐਕਸਪੋਰਟ ਪ੍ਰੋਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਗਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਾਫ਼ੀ ਸਖਤੀ ਦੇ ਨਾਲ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1964-65 ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ਼ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਕੁਮਿਟਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸੈੱਸਿਜ਼ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਵੇਲੇ ਦੋਨੋਂ ਸੈੱਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਮਿਲਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜਿੰਨੀ ਖੰਡ ਐਕਸਪੋਰਟ ਹੋਈ ਹੈ, ਜਿੰਨਾ ਗੰਨਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਸੈੱਸ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲਾਂ ਪੇ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਮੁਤਫਿਕ ਹਾਂ ਕਿ ਗੁੜ ਦਾ ਭਾਅ ਘਟ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਮਿਲਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਹ ਲਗਾਤਾਰ without stoppage ਕੰਮ ਕਰਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਮਿਲਾਂ ਦੇ ਬੰਦ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਗੰਨਾ ਸੜਦਾ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਠੀਕ ਸੀ। ਪਰ ਮਿਲਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਚਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਸਗੋਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸੁਣ ਕੇ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਮਿਲਾਂ 15, 20 ਦਿਨ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਚਾਲੂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਸਨ ਤਾਂ ਜੋ ਗੰਨਾਂ ਜ਼ਾਇਆ ਨਾ ਜਾਵੇ। ਗੁੜ ਦੇ ਇਸ਼ੂ ਤੇ ਅਸੀਂ ਬੜੇ ਅਵੇਅਰ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਅਜ ਤੋਂ 15 ਦਿਨ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਯੂ. ਪੀ. ਤੋਂ ਗੁੜ ਆਉਣਾ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਕੁਝ ਲੀਗਲ ਅੜਚਣ ਹੋਣ ਕਰ ਕੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਸਿਰੇ ਨਹੀਂ ਚੜ੍ਹੀ ਹੈ। ਪਰ ਮੈਂ ਉਮੀਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਹੋ ਜਾਏਗਾ। ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦਾ, ਫਾਰਮਰਜ਼ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਬੜਾ ਖਾਸ ਖਿਆਲ ਹੈ, ਅਤੇ ਹੋਣਾ ਵੀ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ ਅਸੀਂ ਇਧਰ ਬੈਠੇ ਹੋਈਏ ਅਤੇ ਭਾਵੇਂ ਉਧਰ ਬੈਠੇ ਹੋਈਏ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਬਹਿਬੂਦੀ ਦਾ ਪਹਿਲੇ ਖਿਆਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**Mr. Speaker :** Question is—

**That Clause 2 stand part of the Bill.**

*The motion was carried.*

CLAUSE 1 AND TITLE

**Mr. Speaker** : Question is—

That Clause one and the Title stand part of the Bill.

*The motion was carried.*

**Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture** (Captain Rattan Singh) : Sir, I beg to move—

That the Punjab Sugarcane (Regulation of purchase and supply) Amendment Bill be passed.

**Mr. Speaker** : Motion moved—

That the Punjab Sugarcane (Regulation of purchase and supply) Amendment bill be passed.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** (ਮੋਰਿੰਡਾ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਥੋਂ ਪਹਿਲੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਜਾ ਚੁਕਿਆ ਹੈ । ਖਿਆਲ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਅਸਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ ਪਵੇਗਾ । ਫਿਰ ਵੀ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਮਝਾਇਆ ਜਾਵੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਚੰਗਾ ਹੈ । ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਵੇਰ ਦਾ ਭੁਲਿਆ ਹੋਇਆ ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਆ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਫਿਰ ਅਗਲੇ ਦਿਨ ਹੀ ਘਰ ਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਆ ਕੇ ਆਪਣੇ ਘਰ ਵਾਲਿਆਂ ਨਾਲ ਇਨਸਾਫ ਕਰੇਗਾ ।

ਮੈਂ ਇਸ ਸਟੇਜ ਤੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਐਂਟੀ-ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਹੈ, ਐਂਟੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਹੈ, ਐਂਟੀ-ਜੱਟ ਹੈ ਅਤੇ ਐਂਟੀ ਕਿਸਾਨ ਹੈ । ਬਿਲਕੁਲ ਅਜਿਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਕਾਰਖਾਨੇ-ਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਾਂ ਉਹ ਭੁੱਖਾ ਮਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਕੁਝ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਇਹ ਬਿਲ ਡੈਫਰ ਹੋਇਆ ਸੀ—15 ਸਪੀਕਰ ਇਧਰੋਂ ਅਤੇ ਉਧਰੋਂ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਵੀ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਫੇਵਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬੋਲਿਆ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਇਧਰ ਬੈਠਾ ਸੀ ਅਤੇ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਉਧਰ ਬੈਠਾ ਸੀ । ਕਿਸੇ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤੀ । ਅਜ ਵੀ ਸਿਵਾਏ ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਈਲਾਟ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ—ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਸਪੀਕਰਜ਼ ਬੋਲੇ ਹਨ ਇਕ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਡੈਫਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਲਾਗੂ ਹੋਈ ਸੀ । ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਅਜੇ ਭਲਾ ਸਮਾਂ ਤਾਂ ਆਇਆ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਬਿਲ ਫਿਰ ਲੈ ਆਂਦਾ ਹੈ । ਅਜ ਜਦੋਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਪਿੰਡ ਜਾਣ ਦਾ ਵਕਤ ਸੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਚੁਪ ਚੁਪਾਤੇ ਇਹ ਬਿਲ ਲੈ ਆਂਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੀਅਤ ਸਾਫ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਗਲਤ ਮਲਤ ਗੱਲਾਂ ਦਸਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸੈੱਸ ਦੋ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹੈ । ਇਕ ਸੈਸ ਉਹ ਹੈ ਜੋ ਗੰਨੇ ਤੇ ਲਗਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰਾ ਸੈਸ ਉਹ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਫੈਕਟ੍ਰੀ ਤੇ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਅਣਜਾਣ ਨਾ ਸਮਝੋ, ਅਸੀਂ ਦੋਹਾਂ ਸੈੱਸਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣਦੇ ਹਾਂ । ਜਦੋਂ ਇਹ ਕਲਾਜ਼ ਪਾਸ ਹੋਈ ਸੀ ਤਾਂ ਬਾਰ ਬਾਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਇਹ ਸੈੱਸ ਜਿਹੜਾ ਗੰਨੇ ਤੇ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਉਸੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ ਤੇ ਖਰਚਿਆ ਜਾਵੇਗਾ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰਜ਼ ਦੇਣ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਉਪਰ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]
ਤਾਂ ਜੋ ਜਿਹੜਾ ਗੰਨਾ ਕਿਸਾਨ ਬੀਜਦੇ ਹਨ ਉਹ ਆਸਾਨੀ ਨਾਲ ਫੈਕਟਰੀਆਂ ਵਿਚ ਭੇਜ ਸਕਣ ਉਸ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਨੂੰ ਦੁਖ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੁਰਿੰਡੇ ਦੀ ਜੋ ਸੂਗਰ ਮਿਲ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ 10-11 ਮੀਲ ਦੇ ਫਾਸਲੇ ਤੇ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਤਕ ਕੋਈ ਟਿਊਬ ਵੈਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਕ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਭਾਈ ਜਿਹੜਾ ਗੰਨਾ ਬੀਜਦਾ ਹੈ ਜੇ ਕਰ ਉਸ ਦਾ ਟਿਊਬਵੈੱਲ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਪਾਣੀ 100 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਲਗਣਾ ਸੀ । ਉਹ ਢਾਈਆਂ ਸਾਲਾਂ ਦਾ ਫਿਰ ਰਿਹਾ ਹੈ.........

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਕਿਧਰ ਤੁਰ ਪਏ ਹੋ ? (The hon. Member has gone off the track.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਰਡਰ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਟਿਊਬਵੈੱਲ ਦਾ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਦਿਉ...........

**Mr. Speaker** : Will you please try to be relevant ?

**Sardar Ajaib Singh Sandhu** : I am relevant.

**Mr. Speaker** : Please do not side track.

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਜਨਾਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਇਸ ਲਈ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਪਾਸੇ ਇਹ ਗੰਨੇ ਵਾਲਾ ਸੈਸ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਸੀ ਇਸ ਉਪਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨੇਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਪਾਸੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਧਿਆਨ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨੇਸ਼ਨ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ । ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਵਾਲੇ ਉਸ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਸੀ ਰਿਜ਼ਕ ਰਾਮ ਕੋਲੋਂ ਜਾ ਕੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਲੈ ਲਉ......(ਵਿਘਨ) ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਹੋ ਜਾਵੇ । ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਕਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਜਿੰਨੀ ਖੰਡ ਬਾਹਰ ਦੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਤਸੱਲੀ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਤਾਂ ਆਂਕੜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਜੇਕਰ ਫਿਰ ਵੀ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਵੇਖਣਗੇ ਕਿ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਚੰਗਾ ਆਦਮੀ ਹੈ ਸਾਡੇ ਕੰਮ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਥੇ ਕਰ ਦਿਉ । ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ "ਤਸੱਲੀ ਹੋ ਜਾਵੇ" ਜਿਹੜੇ ਲੋਕੀਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸ਼ੱਕ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਉਹ ਆਪਣੀ ਡਿਸਕ੍ਰੀਸ਼ਨ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਗ਼ਲਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨਗੇ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਜੇ ਕਰ ਕਰੋੜਪਤੀਆਂ ਨੇ ਬਾਹਰ ਖੰਡ ਭੇਜ ਕੇ ਫਾਰਨ ਐਕਸਚੇਂਜ ਅਰਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਜਟ ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਉਹ ਵੀ ਆਪਣਾ ਫਰਜ਼ ਅਦਾ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਲੋਕੀਂ ਫੌਜੀ ਖਿਦਮਾਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਸੀਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ । ਕਰੋੜਪਤੀਆਂ ਨੂੰ ਸੈੱਸ ਛੱਡ ਰਹੇ ਹੋ । ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਨੇ ਖੰਡ ਬਾਹਰ ਭੇਜ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਅਪਣਾ ਫਰਜ਼ ਅਦਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਉਹ ਇਹ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਧਰੋਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲ ਐਂਟੀ-ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਹੈ, ਐਂਟੀ-ਪੀਪਲ ਹੈ ਅਤੇ ਐਂਟੀ-ਕਿਸਾਨ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਰਿਆਇਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ

ਇਸ ਦੇ ਬਦਲੇ ਅਗਲੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੈਸੇ ਲਏ ਜਾਣਗੇ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** (ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ) : ਮੈਂ ਸੰਧੂ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਮੁਤਫ਼ਿਕ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ.......

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : You cannot speak like this. ਇਸ ਉਤੇ ਬੋਲਣ ਦਾ ਸਾਡਾ ਰਾਈਟ ਹੈ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ** ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਨਵਾਂ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਜੋ ਕੁਝ ਸੰਧੂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੁਤਫਿਕ ਹਾਂ ਕਿ........... (*Interruptions*)

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਾਈਟ ਹੈ ਬੋਲਣ ਦਾ, ਜੋਸ਼ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੋਲ ਲੈਣ ਦਿਓ ।
(He has a right to speak. Let Comrade Josh have his say.)

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ** ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਕਾਲ ਅਪਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਨਹੀਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਾਈਟ ਹੈ ਬੋਲਣ ਦਾ। Let him speak.
(No. He has the right to speak. Let him speak.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** (ਰੋਪੜ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕੋਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਵਾਲ ਨਾ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਾ ਵੀ ਬੋਲਦਾ ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਇਹ ਸਾਡੇ ਲਈ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਔਰ ਮੌਤ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ—ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਗਰੌਅਰਜ਼ ਲਈ ਇਕ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕੁਝ ਬੇਨਤੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਪਹਿਲੀ ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿੱਲ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਅਪਣੀ ਉਸ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇ ਬਿਲਕੁਲ ਖਿਲਾਫ਼ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ 14 ਅਕਤੂਬਰ, 1953 ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਜਦੋਂ ਕਿ the East Punjab Sugarcane (Regulation of Purchase and Supply) Bill ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਸਰਦਾਰ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਜੀ ਜਿਹੜੇ ਸਾਡੇ ਰਾਜਪਾਲ ਹਨ, ਇਹ ਉਸ ਵੇਲੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਕ ਐਸ਼ੋਰੰਸ ਦਿੱਤੀ ਸੀ । ਫੇਰ ਇਸੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਪਿਛਲੇ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੇ ਵੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿੱਤੀ ਸੀ । This government is throwing to the winds assurances after assurances, given in this House. ਇਹ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀਆਂ ਐਸ਼ੋਰੰਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਹਵਾ ਵਿਚ ਉੜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਯਾਨੀ ਸੰਨ 1953 ਦੇ ਸਰਦਾਰ ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਕੋਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ.................

> "The amount so realised is to be spent for improving the quality of sugarcane in the State I may also assure the House that the money thus realised from the cess would be spent........

**ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕ੍ਰੇਟਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸਾਂ ਇਹ ਬਿਲ ਤਾਂ ਅਜ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਹੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਟਾਈਮ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲੈਣਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦਾ ਟਾਈਮ ਐਕਸਟੈਂਡ ਕਰ ਦਿਉ or the question be now put. ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਹਨ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : Question ਕਿਵੇਂ ਪੁਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਦ ਕਿ I am on my legs.

**Mr. Speaker :** You have missed the bus. When the Member is on his legs you cannot put the question.

**Chief Parliamentary Secretary :** Then, Sir, the sitting of the Sabha be extended by half-an-hour.

**Mr. Speaker :** What is the sense of the House ?

**Voices :** No.

**Voices :** Yes.

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** : ਬਿਲ ਪਾਸ ਕੀਤੇ ਬਗੈਰ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਮੈਂ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਇਸ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਮੋਸ਼ਨ ਪੁਟ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਾ ਟਾਈਮ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ, ਪੂਰਾ ਟਾਈਮ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗੇ ਵੀ ਕਾਫੀ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਹਨ । ਇਕ ਦੋ ਕਲਾਜ਼ਿਜ਼ ਦਾ ਬਿਲ ਹੈ; ਤਿੰਨ ਸਟੇਜਿਜ਼ ਵਾਲਾ ਤਾਂ ਇਹ ਬਿਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲਜ਼ ਔਰ ਬਾਡੀ ਉਤੇ ਅਲਹਿਦਾ ਅਲਹਿਦਾ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੋਵੇ । ਇਸ ਲਈ ਜਿਤਨਾ ਟਾਈਮ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁਣ ਲੈ ਲੈਣ—ਪੰਜ, ਸਤ, ਦਸ, ਮਿੰਟ ਜਿਤਨਾ ਬੋਲਣਾ ਹੈ ਬੋਲ ਲੈਣ । ਟਾਈਮ ਐਕਸਟੈਂਡ ਕਰ ਦਿਉ ਤਾਕਿ ਫੇਰ ਦੋਬਾਰਾ ਨਾ ਇਸ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣਾ ਪਵੇ।

**Mr. Speaker :** The sitting of the Sabha is extended by half-an hour.

**Comrade Shamsher Singh Josh :** Sir, I was quoting from the speech of the then Finance Minister, Sardar Ujjal Singh—

> "........that the money thus realised from the cess would be spent on the improvement of sugarcane production in the State and will not be treated and spent as general revenues of the State".

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦੀ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਇਸੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੋਈ ਹੈ । ਪਰ ਹੁਣ ਇਹ ਕੀ ਮਜ਼ਾਕ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਸਾਨੂੰ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਕ ਨਵੀਂ ਇਕਨਾਮਿਕਸ ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਇਸ ਇਕਨਾਮਿਕਸ ਨੂੰ ਕਿਥੋਂ ਪੜ੍ਹ ਆਏ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸੈਸ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸੈਸ ਹੈ; ਉਹ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸੈਸ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ "ਸ਼ੂਗਰ ਕੇਨ ਸੈਸ" ਇਕੋ ਹੀ ਸੈਸ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਕ ਮਣ ਪੱਕਾ ਗੰਨਾਂ ਕੋਈ ਕਿਸਾਨ ਮਿੱਲ ਨੂੰ ਸਪਲਾਈ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ 1½ ਆਨਾ ਮਣ ਸ਼ੂਗਰ ਕੇਨ ਸੈਸ ਦਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਪੈਸਾ ਸ਼ੂਗਰ ਕੇਨ ਦੀ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੇਨ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਕੇਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਖਰਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪੈਸਾ ਇਕੱਠਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਇਸ ਨਾਲ ਮਿੱਲ ਦੇ ਇਰਦ ਗਿਰਦ ਵਾਲੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਕੇਨ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੀ ਸਹੂਲੀਅਤ ਵਾਸਤੇ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਸੀ, ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਵਾਸਤੇ ਪੈਸਾ ਦੇਣਾ ਸੀ ਔਰ ਹੋਰ ਕਈ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦੇਣੀਆਂ ਮਕਸੂਦ ਸਨ। ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਆਗਿਆ ਲੈਣ ਲਈ ਆਈ ਹੈ ? ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਤਨੇ

ਅਫ਼ਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਕਿਹਾ ਇਹ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਪੈਸਾ ਦੇਣਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਹੀ ਪੈਸਾ ਦੇਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਲੈਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ ? ਜੇ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਆਪਣੇ ਰੈਵੀਨੀਊ ਫੰਡਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਪੈਸਾ ਪੂਰੀ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਦੇ ਦੇਵੇ । ਠੀਕ ਹੈ, ਸਾਨੂੰ ਕੀ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਆਪੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਪੁੱਛਣਗੇ । ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਅਗਰ ਇਕ ਆਨਾ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਵੇਗੀ, ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਖੂਨ ਪਸੀਨੇ ਦੀ ਕਮਾਈ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੁਟਾਏਗੀ, ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਦੀ ਘੋਰ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਾਂਗੇ ; ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਔਰ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਵੀ ਇਸ ਦੀ ਸਖਤ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਾਂਗੇ । ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਵੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਥੇ ਸੈਂਟਰ ਦਾ ਕੀ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ । ਠੀਕ ਹੈ, ਪਾਲਿਸੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਹੋਵੇਗੀ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਪਰ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਤਾਂ ਅਸਾਂ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਕਰਨੀ ਹੈ । ਸੈਂਟਰ ਕਹੇਗੀ ਕਿ ਕੇਨ ਸੈਸ ਹੀ ਹਟਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਹਟਾ ਦਿਓਗੇ ? ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਬੇਸਿਕ ਚੀਜ਼ ਇਨਵਾਲਵਡ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਲਈ, ਮਿਲ ਏਰੀਆ ਦੇ ਇਰਦ ਗਿਰਦ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਲਈ, ਕੇਨ ਗਰੋਇੰਗ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਲਈ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਕਹੋ ਕਿ ਉਹ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇੰਸੈਂਟਿਵ ਦੇਣ ਲਈ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂਕਿ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ੂਗਰ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਜਿਸ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਐਕਸਪੋਰਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸਵਾਲ ਇਹ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਕ ਇਕੱਲੇ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰਾਂ ਦੇ ਇਖਤਿਆਰ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸ਼ੂਗਰ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧਾ ਸਕਣ ? ਸ਼ੂਗਰ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਤਦ ਵਧ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਗਰ ਮਿੱਲ ਦੇ ਇਰਦ ਗਿਰਦ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਬੈਸਟ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦਾ ਗੰਨਾਂ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਲਾਰਜਰ ਕੁਆਂਟਿਟੀ ਵਿਚ ਗੰਨਾਂ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ । ਅਗਰ ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣਗੀਆਂ ਤਾਂ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰ ਕਿਥੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ੂਗਰ ਪੈਦਾ ਕਰ ਸਕੇਗਾ ? ਕੀ ਉਹ ਦਰਖਤਾਂ ਨਾਲ ਜਾਂ ਕਿੱਕਰ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਚੀਨੀ ਪੈਦਾ ਕਰ ਸਕੇਗਾ ? ਅਗਰ ਸ਼ੂਗਰਕੇਨ ਹੀ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦਾ ਨਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਚੰਗੀ ਮਿਕਦਾਰ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਨਾ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਮਿੱਲ ਮਾਲਿਕ ਕੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਗੰਨੇ ਵਿਚੋਂ ਰੀਕਵਰੀ ਹੀ ਚੰਗੀ ਨਾ ਹੋਵੇਗੀ ਤਾਂ ਸ਼ੂਗਰ ਦੀ ਉਹ ਡਿਵੈਲਪ-ਮੈਂਟ ਕਿਵੇਂ ਕਰ ਸਕੇਗਾ ? ਮੈਨੂੰ ਬੜੇ ਅਫ਼ਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਤਨੇ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਸ਼ੂਗਰ ਕੇਨ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਵਾਲੇ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰੀਕਵਰੀ ਜਿਹੜੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਬਹੁਤ ਘਟ ਹੈ—ਹੋਰ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸ਼ੂਗਰਕੇਨ ਦੀ ਰੀਕਵਰੀ ਬਹੁਤ ਥੋੜ੍ਹੀ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਤਾਂ ਸਮੁਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਹੀ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਮੁਲਕਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਰੀਕਵਰੀ ਬਹੁਤ ਹੀ ਘਟ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੇ ਕਰਨ ਲਗੇ ਹਾਂ; ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਕੋਈ ਆਰਗੂਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ।

ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਬੜੀ ਹੈਰਾਨਗੀ ਦੀ ਹੈ । ਬਿਲ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰਾਂ ਨੇ ਖੰਡ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਵਿਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੈਸ ਦੀ ਛੋਟ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ । ਜੇ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰ ਖੰਡ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਬਾਹਰ ਭੇਜਣ ਲਈ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ, ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ, ਦੇਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਦਿਆਂਗੇ ਤਦ ਤਾਂ ਗੱਲ ਸਮਝ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼]

ਵਿਚ ਆ ਸਕਦੀ ਸੀ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਖੰਡ ਸੰਨ 1962-63 ਵਿਚ ਜਾਂ 1963-64 ਵਿਚ ਭੇਜੀ ਗਈ ਉਸ ਖੰਡ ਦੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦਿਉਗੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਜਿਹੜੀ ਭੇਜਣੀ ਸੀ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੇ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਨਾ ਵੀ ਦਿਉ ਤਦ ਵੀ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਜੇ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦਿਉਗੇ ਤਦ ਵੀ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ । ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਖੰਡ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਔਰ ਬਿਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦੇਣ ਈ ਹੁਣ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਜੇ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦੇਣਾ ਹੀ ਸੀ ਤਾਂ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਦਿੰਦੇ। ਸੋ ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਡੀ ਸਮਝ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ।

**ਇਕ ਆਵਾਜ਼** : ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਡੇ ਵਫ਼ਾਦਾਰ ਹਾਂ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਜੇ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦੇਣਾ ਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਕੇਨ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਦਿਉ । ਕੇਨ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਨੂੰ ਤੁਸਾਂ ਕੀ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦਿੱਤਾ ? ਇਹੋ ਕਿ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਫ਼ਰੀ ਸਪਲਾਈ ਆਫ਼ ਕੇਨ ਹੁੰਦੀ ਸੀ—ਕੇਨ ਗਰੋਅਰਰ ਨੂੰ ਆਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਮਿੱਲ ਨੂੰ ਗੰਨਾ ਦੇਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਦੇਵੇ—ਉਸ ਨੂੰ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਇਹ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਮਿਲ ਨੂੰ ਫਿਕਸਡ ਟਰਮਜ਼ ਉਤੇ ਗੰਨਾਂ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ । ਇਹ ਚੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 1953 ਵਿਚ ਐਕਟ ਬਣਾ ਕੇ ਕੀਤੀ ਔਰ ਕਿਰਸਾਨ ਉਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਮਿਲ ਦੇ ਇਰਦ ਗਿਰਦ 'appointed area' ਵਿਚ 10/15 ਮੀਲ ਦੇ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਗੰਨਾ ਸਪਲਾਈ ਕਰੇਗਾ ਔਰ ਫਿਕਸ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਸਸਤੇ ਭਾ ਉਤੇ ਹੀ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ। ਅਗਰ ਉਹ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ ਤਾਂ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਲਾਗੂ ਕਰਕੇ ਉਸ ਤੋਂ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਗੰਨਾਂ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਔਰ ਫੇਰ ਵੀ ਜੇ ਕੋਈ ਗੰਨਾਂ ਦੇਣ ਤੋਂ ਰਿਜ਼ਿਸਟ ਕਰੇ ਤਾਂ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਮਜ਼ਦੂਰ ਰਖ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਕੋਲੋਂ ਗੰਨਾਂ ਕਟਵਾ ਲਵੇ। ਟ੍ਰੱਕਾਂ ਤੇ ਲਦ ਲਿਆਵੇ ਅਤੇ ਮਿੱਲਾਂ ਵਿਚ ਲੈ ਆਵੇ। ਉਥੇ ਜਾਕੇ ਸਾਰਾ ਹਿਸਾਬ ਕਰਕੇ ਪੈਸੇ ਜੋੜ ਕੇ ਕਾਟ ਕਰ ਲਈ ਜਾਵੇ । ਅਗਰ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗੰਨੇ ਦਾ ਮੁੱਲ ਇਸ ਖਰਚ ਨਾਲੋਂ ਵਧ ਗਿਆ ਤਾਂ ਪੈਸੇ ਮੋੜ ਦਿਤੇ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਕੁਰਕੀ ਕਰਾ ਕੇ ਬਾਕੀ ਦਾ ਪੈਸਾ ਵਸੂਲ ਕਰਾ ਲਿਆ। ਇਹ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਅਤੇ ਜਟ ਨੂੰ ਇਨਸੈਨਟਿਵ, ਜਿਸ ਦਾ ਇਹ ਢੋਲ ਪਿਟ ਦੇ ਹਨ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਖੰਡ ਵੇਚਣ ਲਈ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਕਿਉਂ ਜੀ ਉਹ ਖੰਡ ਬਣਾਉਂਦੇ ਕਿਸ ਲਈ ਹਨ, ਵੇਚਣ ਲਈ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੰਡ ਦਾ ਅਚਾਰ ਪਾਉਣਾ ਹੈ ?। ਜੇ ਨਾ ਵੇਚੇ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਡੀਫੈਂਸ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਰੂਲਜ਼ ਲਾਗੂ ਕਰੋ । ਰੋਜ਼ ਹੋਰ ਜੋ ਛੋਟੀਆਂ ੨ ਗਲਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹੋ, ਇਹ ਜੋ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਕਮਾਉਂਦੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਲਾਗੂ ਕਰਦੇ । ਇਸ ਵਿਚ 20 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਇਨਵਾਲਡ ਹੈ । ਇਹ ਜੋ ਚਾਰ ਲੱਖ ਦਸਦੇ ਹਨ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਅਸਲੀਅਤ ਛੁਪਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਪੈਸਾ ਹੈ ਜੋ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ । ਅਸੀਂ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਸ ਤੇ ਪ੍ਰੋਟੈਸਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਅਪਣੀ ਗੱਲ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿਤਾ।

2—00 p.m.

**Chief Parliamentary Secretary** : Sir, I beg to move—

That question be now put.

**Voices** : No. No.

**Comrade Ram Piara** : Sir, We have a right to speak on the Bill.

**ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਜੀ ਹੁਣ ਜਦ ਕਿ ਅਧਾ ਘੰਟਾ ਟਾਈਮ ਹੋਰ ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਅਧ ਮੈਂਬਰ ਹੋਰ ਬੋਲ ਲੈਣ ਤਾਂ ਕੀ ਹਰਜ਼ ਹੈ ? (Addressing Sardar Gurdial Singh Dhillon : Now that the sitting has been extended for half an hour, I think, there is no harm if one or two hon. Members are allowed to speak.)

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਾਬੂ ਜੀ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੋਰਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ, ਕਿ ਇਹ ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਇਹ ਬਿਲ ਤਾਂ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਦਾ ਹੈ ਪਰ ਸਾਡੀ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰੀ ਕੁਲੈਕਟਿਵ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕੁਝ ਵਾਈਡਰ ਇੰਟ੍ਰੈਸਟਸ ਵੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਿਛੇ ਕੁਝ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਬਾਹਰ ਹੋ ਕੇ ਆਏ ਹੋ ਅਤੇ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਚੀਜ਼ਾਂ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸਿਊਇੰਗ ਮਸ਼ੀਨਜ਼ ਹਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਦੂਜੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਇਥੇ ਮਹਿੰਗੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਮਗਰ ਬਾਹਰ ਮੁਲਕਾਂ ਦੀਆਂ ਮਾਰਕਿਟਸ ਵਿਚ ਫੁਟਿੰਗ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੀਮਤ ਘਟ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸਬਸੇਡਾਈਜ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਗੰਨਾ ਨਹੀਂ ਚੁਕਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦੇ ਹੋ । ਮਿਲ ਉਨਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਦਾ ਨਾਮ ਲਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਮਗਰ ਨਾਲ ਹੀ ਤੁਸੀਂ ਭੋਗਪੁਰ, ਮੋਰਿੰਡਾ, ਪਾਣੀਪਤ ਦੀਆਂ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਮਿਲਾਂ ਨੂੰ ਭੁਲ ਜਾਂਦੇ ਹੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਆਮ ਕਿਸਾਨ ਸ਼ੇਅਰ-ਹੋਲਡਰ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ । ਜੇਕਰ ਸ਼ੂਗਰ ਦੀ ਪਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧੇਗੀ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਬਾਹਰ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਭੇਜ ਸਕਾਂਗੇ । ਤੁਸੀਂ ਕਿਊਬਾ ਕੇਸ ਲਉ । ਉਸ ਦੀ ਐਕਸਪੋਰਟ ਬੰਦ ਹੋਈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਯੂ. ਐਸ. ਏ. ਦੀ ਮਾਰਕਿਟ ਕੈਪਚਰ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸੀ । ਫਿਰ ਸਾਡੀਆਂ ਸਿਊਇੰਗ ਮਸ਼ੀਨਜ਼ ਅਫਰੀਕਨ ਕੰਟਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : On a point of information, Sir, ਇਹ ਦੱਸ ਦੇਣ ਕਿ ਕਿਸੇ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਮਿਲ ਨੇ ਇਕ ਧੇਲੇ ਦੀ ਵੀ ਖੰਡ ਬਾਹਰ ਭੇਜੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ।

**ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਚੋਣ ਮੰਤਰੀ** : ਇਸ ਮੇਯਰ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਹੋਣਾ ਹੈ । ਕੀ ਉਹ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ । ਖੰਡ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮੈਨੂਫੈਕਚਰ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਲਈ ਇਨਸੈਨਟਿਵ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਕੋਈ ਕਿਉਂ ਕਰੇਗਾ । ਇਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਸ਼ੇਅਰ-ਹੋਲਡਰਾਂ ਨੂੰ ਹੋਵੇਗਾ ।

**कामरेड राम प्यारा** (करनाल) : स्पीकर साहिब, इस बिल की स्टेटमैंट आफ़ आबजैक्ट्स ऐंड रीज़न्ज़ में यह कहते हैं कि "प्रोवाईडिंग इनसैंटिव रैट्रोस्पैक्टिवली" अर्ज़ यह है कि रैट्रोस्पैक्टिव इफैक्ट और इनसैंटिव का कोई सम्बन्ध नहीं है । इनसैंटिव आने वाले वक्त के लिये दिया जा सकता है न कि गुज़रे वक्त के लिये । अगर इनसैंटिव दिया जाता है तो इस लिये कि आगे के लिये ज़्यादा प्रोडक्शन हो । पहले तो यह गलत बात है कि सरकार गुज़रे हुए वक्त के लिये इनसैंटिव देने चली है । इस में कोई न कोई राज़ है जिसे सरकार बताना नहीं चाहती ।

[कामरेड राम प्यारा]

दूसरी बात यह कि इस बिल पर पहली और दूसरी नवम्बर, 1965 को बहस हुई थी। फिर मिनिस्टर साहिब ने इस को डैफर किया क्योंकि हरेक मैंम्बर ने चाहे वह ट्रैयरी बैंचिज पर बैठने वाले था या आपोज़ीशन के बैंचिज पर बैठने वाला था इस की मुखालफित की थी। सबसे बड़ी एतराज़वाली बात यह थी कि सरकार ने यह नहीं बताया कि इससे ऐक्सचैकर पर कितन बोझ पड़ने वाला है। वह सेशन 24 नवम्बर तक रहा। 22-23 दिन तक सरकार फैसला नहीं कर सकी कि बिल को लाना है या नहीं या फिगर्ज़ देनी हैं या नहीं। अब आज 25 फरवरी है। इस मामले में या तो सरकार फेल हुई है कि वह फिगर्ज़ ोक कुलैक्ट नहीं कर सकी या फिर जान बूझकर बताना नहीं चाहती। इस तरह से या तो सरकार इन ऐफीशैंट है या फिर डिसआनैस्ट है। इस में चायस इस की अपनी है यह जिसे चाहे इन में से चुन ले हम उसी से एग्री कर जाएंगे। जब यह एक मनी बिल है और इसे हम ने पास करना है तो यह हमारा हक और सरकार की यह ड्यूटी है कि यह हमें बताए कि इस में कितना रूपया इनवाल्व्ड है। जब सरकार यह नहीं बताती तो शक की गुंजायश है कि दाल में कुछ काला 2 है।

फिर ि ल्लों साहिब ने कहा कि यह रुपया सिर्फ पुरी और थापर को ही नहीं मिलना बल्कि यह कोआपरेटिव मिलों को भी मिलेगा। मैं इस बात पर यकीन नहीं करता। लेकिन अगर यह ठीक हो और इन तीनों कोआपरेटिव मिलों को उन दोनों से दसवां हिस्सा भी मदद मिलनी हो तो मैं इन को स्पोर्ट करने के लिये तैयार हूं। दरअसल यह सरमायादारों को ही मदद देना चाहते हैं अब यह पता नहीं कि इस के लिये इन पर प्रैशर सैंटर का है या उन सरमायादारों का जिसे रजिस्ट करने का हिम्मत इन में नहीं है। स्पीकर साहिब, हम सोश-लिस्ट तैटर्न को कमिटिड हैं जिस का मतलब तो यह बनता है कि अमीर पर टैक्स लगाएंगे और गरीब को रिलीफ देंगे। मगर हो यह रहा है कि जो 60/70 रुपए कमाता है उस पर तो टैक्स लग रहे हैं और जो लाखों कमाते हैं उन को इस तरह से रिलीफ दिया जा रहा है। फोर्थ क्लास के मुलाजमों की रिट्रैंचमैंट की जा रही है, उन का अगर पांच रुपए तनखाह बढ़ाई जाती है तो वह नैशनल सैविंग सर्टीफिकेट की शक्ल में दी जाती। उस से यह नहीं पूछा जाता कि तुम्हें रोटी गेहूं की मिलती है या मक्की की या मिलती भी है कि नहीं। मगर करोड़पतियों को रिलीफ दे रहे हैं जिन के मुतअल्लिक न जाने कितनी कमेटियां बैठीं जिन्होंने यह रिपोर्ट की कि यह लाखों का इनकमटैक्स इवेड करते हैं, ऐसे आदमियों को रीलीफ दे कर यह कमिटिड पालिसी के बिल्कुल उलट चल रहे हैं। इस लिये हम इस की मुखालफित करते हैं। सरकार वाज़े तौर पर बताए कि इस में कितना रुपया खर्च होगा और उस से कैसे फायदा होगा। हम भी चाहते हैं कि चीनी की ऐक्स्पोर्ट बढ़े और हमारा मुल्क फारेन ऐक्स्चैंज कमाए, हमें डलर और स्टर्लिंग मिलें। जहां पर यह बात आती है कि यह डिवैलप करना चाहती है इस इंडस्ट्री को तो अगर यह समझा दें कि यह किस तरह जस्टीफाईड है यह बिल लाने में तो मेरी तसल्ली हो जाएगी।

पानीपत शूगर मिल के लिये दो लाख रुपया सड़क बनाने के लिये पड़ा है। अर्सा हो गया है लेकिन इस दो लाख रुपया को कोई खर्च नहीं करता। लेकिन यह जो रुपया आप मन्जूर कर रहे हैं इस को दो हफतों के अन्दर अन्दर ही ले लिया जाएगा क्योंकि इस में उनका अपना निजी फायदा होता है। पुरी साहिब को इस तरफ तो फायदा पहुंचाया जा रहा है लेकिन दूसरी तरफ उन के जिम्मे सैस का रुपया निकलता था और उस को कई साल तक वसूल

नहीं किया गया। और न ही कोई सूद उस रकम पर लिया गया। जब कोई तकावी मन्जूर की जाती है और उस को एक खास वक्त के अन्दर दाखिल न किया जाए तो उस पे पीनल इन्ट्रैस्ट वसूल किया जाता है लेकिन इस तरफ बड़ा सरमायादार है और लाखों रुपया की वसूली नहीं की गई और वह इस रुपए को इस्तेमाल करता रहा। गवर्नमेंट ने इस की वसुली के लिये कुछ नहीं किया। यह नहीं कहा जा सकता कि गवर्नमेंट कुछ नहीं कर सकती। गवर्नमेंट हक बजानब है उन से पीनल इन्ट्रैस्ट चार्ज करने में। हमारी हालत तो यह है कि हमने जितना रुपया फारेन कन्टरी से कर्ज़ा लिया है उसकी किशत भी हम अदा नहीं कर सकते। हमारे पास कोई एसैट्स नहीं और न इतना रैवेन्यू है कि हम रुपया वापिस कर सकें और किश्त को अदा करने के लिये हमें और कर्ज़ा लेना पड़ेगा। किश्त हमारे पास नहीं, स्टेट के रैविन्यू की हालत आपके सामने है और जितना हमारा फिनांस का रिज़र्व स्टाक था वह हम खा चुके हैं और दूसरी तरफ हम लाखों रुपया चन्द सरमायदारों को खुश करने के लिये दिए जा रहे हैं और इस लिये कि वह आने वाले इलैक्शन में इनके काम आएंगे। पर इन्हें यह बात भी सामने रखनी चाहिए कि अगर चन्द इन्डीविजूअल्ज़ काम आ भी जाएं तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

एक बात सरदार गुरदियाल सिंह ढिल्लों ने कुआ`टिव शूगर मिलों के बारे में कहीं कि यह इन्डिवियूअल हैं या पब्लिक के आदमी हैं। मैं इन से अर्ज़ करूं कि अगर ऐसी बात होती तो दो सरमायदारों की मिलें क्यों हर साल मुनाफा निकालती है और दूसरी तरफ कोआप्रेटिव मिलों को क्या हालत है। क्या यह बता सकते हैं कि इन कोआप्रेटिव मिलों ने हर साल कितना मुनाफा निकाला है। पानीपत वाली मिल ने कुछ मुनाफा निकाला था; वह गवर्नमेंट की वर्किंग से नहीं बल्कि इस लिये कि उन्हें मशीनरी सस्ती मिल गई थी। फिर एक और बात है कि अगर किसी मैनेजमेंट में कोई बात हो जाए तो उसका रिफलैक्शन होता है डिसआनेस्टली काम किए जाने का लेकिन जब सरकार आप लाखों रुपए बगैर उस की डिटेल बताए कि चन्द सरमायदारों को दे दे तो वह अपने इस एक्शन को किस तरह जस्टीफाई कर सकती है। आज जब बिल दूसरी बार इस हाउस में लाया गया है तो भी डिटेलज़ नहीं बताई गईं कि कितनी रकम दी जा रही है और यही कारण था जिसकी वजह से मिल को पिछली बार डैफर किया गया था इस लिये आखिर में मैं यह कहूंगा कि जब तक इस रकम की डिटेल न दी जाए इस बिल को पास नहीं करना चाहिए।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ** (ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਕਾਫੀ ਲੰਬੀ ਚੌੜੀ ਬਹਿਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਬਾਰੇ ਕਈ ਦਫਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ ਇਸ ਲਈ ਕੋਈ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਹਿਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। (ਵਿਘਨ)

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ।

**Mr. Speaker** : Please take your seat.

(*Interruption*)

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਦੇ ਵੀ ਇਹ ਨਹੀਂ ਚਾਹਿਆ ਕਿ ਕਿਸੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਬੋਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਾਂ ਇਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

ਸ੍ਰੀ ਗਰਗ ਵਲੋਂ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਆਈ ਸੀ ਕਿ 'ਕੁਐਸਚਨ ਬੀ ਨਾਉ ਪੁਟ' ਪਰ ਮੈਂ ਆਪ ਹੀ ਜ਼ੋਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿੱਤਾ ਤਾਕਿ ਹੋਰ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲ ਸਕਣ। ਫਿਰ ਤੁਹਾਡੇ ਗਰੁਪ ਦੇ ਜੋਸ਼ ਸਾਹਿਬ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਕ ਨੂੰ ਮੌਕਾ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕਦੇ ਰਿਸਟ੍ਰਿਕਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਇਨਸਿਸਟ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ,।( (The hon. Member should not have done like that. I have never wished that I should check any body from speaking. Even when the Chief Parliamentary Secretary Shri Garg moved a motion that the question be now put, I did not insist upon it so that more members may be able to speak on the Bill. Moreover, Comrade Josh of the Member's Group has already spoken. I allow only one member from a group to speak and have never restricted the discussion, therefore, the hon. Member should not insist on speaking.)

**ਸਰਦਾਰ ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਉਹ ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲਣ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੀ ਗਲ ਕਰੇ। ਬਿਲ ਦੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਸਟੇਜ ਤੇ ਗੌਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਜੇਕਰ ਇਹ ਆਪਣੀ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਆਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ 'ਕਵੈਸਚਨ ਬੀ ਨਾਉ ਪੁਟ' ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦੇਣ ਅਸੀਂ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗੇ। ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲਣ ਦੀ ਤਾਂ ਹਰ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

**Mr. Speaker**: Please take your seat.

**ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ** :ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਮਨੀ ਬਿਲ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਤੇ ਬੋਲਣ ਤੋਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਹ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਮਿਲਾਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਥੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

**Mr. Speaker**: Please take your seat.

**ਕਾਮਰੇਡ ਭਾਨ ਸਿੰਘ ਭੌਰਾ** (ਧੂਰੀ ਐਸ. ਸੀ.) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਢਿੱਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਤਾਂ ਇਹ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੋ ਅਖਰ ਵੀ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹੇ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਰੁਪਿਆ ਤਾਂ ਕੁਝ ਸਰਮਾਇਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਤੇ ਇਥੇ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਪਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ? ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਤਾਂ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ। ਅਜ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਮਾਰਿਆ ਮਾਰਿਆ ਫਿਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਗੰਨਾ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੇ। ਮੇਰੇ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਗੰਨਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਲ ਵਾਲੇ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੇ। ਜਦ ਧੂਰੀ ਵਿਚ ਇਕੱਠ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਨਾਫਿਜ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਪਰ ਇਕ ਗੱਲ ਦਾ ਹੱਲ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਪਿਛਲੀ ਵੇਰ ਇਹ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਕਰੱਸ਼ਰ ਦੇ ਦਿਉ ਤਾਂ ਜੋ ਗੰਨਾ ਮਿਲ ਵਾਲੇ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹ ਆਪ ਪੀੜ ਲੈਣ। ਪਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਕਰੱਸ਼ਰ ਲਗਾਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ, ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਲਾਇਸੈਂਸ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਫਿਰ ਜੇਕਰ ਲਾਇਸੈਂਸ ਦਿਤੇ ਤਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਡਰ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ

ਪਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਜਿਥੇ ਚਾਹੇ ਕਰੱਸ਼ਰ ਨੂੰ ਸ਼ਿਫਟ ਕਰਨ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦੇ ਦੇਵੇ। ਇਸ ਡਰ ਤੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਵੀ ਕਰੱਸ਼ਰ ਲਈ ਅਪਲਾਈ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤੰਗ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਤੁਰੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮਿਲ ਵਾਲੇ ਗੰਨਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਰਹੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਸ ਬਿੱਲ ਰਾਹੀਂ ਬਿਨਾ ਦੱਸੇ ਕਿ ਕਿੰਨੀ ਰਕਮ ਮਿਲ ਮਾਲਿਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਆਪ ਅਖਤਿਆਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਕੀ ਰਾਜ਼ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਸਪੱਸ਼ਟ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਸ਼੍ਰੀ ਮੁਰਾਰ ਜੀ ਡੀਸਾਈ ਨੂੰ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਟਿਵ ਰੀਫਾਰਮਜ਼ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਥੇ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਡੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਦੀ ਜੇਬ ਵਿਚ ਤਾਂ ਰੁਪਿਆ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਲੀਡਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਖੁਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਹੀ ਦੁਬਾਰਾ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਮਾਏਦਾਰਾਂ ਦਾ ਜ਼ੋਰ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਗੋਂ ਆ ਰਹੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਲਈ ਟਿਕਟਾਂ ਜੋ ਲੈਣੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦੀ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਕਾਇਮ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਗੰਨਾ ਉਗਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਅਸੀਂ ਟੋਲ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਲਵਾਂਗੇ। ਪਲਾਨਿੰਗ ਮਨਿਸਟਰ ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਆਪ ਧੂਰੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਦੋ ਵੇਰ ਜਾ ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪ ਇਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਟੋਲ ਟੈਕਸ ਧੂਰੀ ਅਤੇ ਫਗਵਾੜੇ ਵਿਚ ਮਾਫ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਹਰ ਵੇਰ ਗੰਨੇ ਵਾਲਿਆਂ ਤੋਂ ਟੋਲ ਟੈਕਸ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮਾਫ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਰਾਹ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫੜਿਆ ਹੈ ਸਰਮਾਏਦਾਰਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨ ਦਾ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਸ਼ੋਸਲਿਜ਼ਮ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਤਿੰਨਾਂ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਕੋਈ 24 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਹੁਣ ਵੀ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਚਾਰ ਲਖ ਦੱਸ ਕੇ ਇਹ ਕਿੰਨੀ ਰਕਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਪੂਰੀ ਡੀਟੇਲ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਰਕਮ ਨੂੰ ਛੁਪਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸਮਝੀ ਬੈਠੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਨੂੰ ਕਿੰਨਾ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਸੌਦੇਬਾਜ਼ੀ ਸਰਮਾਇਆਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਮਝ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਛੁਪਾ ਕੇ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਸਪੱਸ਼ਟ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦਾ ਦਾਹਵਾ ਪੰਡਤ ਨਹਿਰੂ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਉਸ ਦੀ ਅੱਜ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਮਿੱਟੀ ਪਲੀਤ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

ਤੁਸੀਂ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੀ ਜੇ ਕੋਈ ਗਲ ਕਰਨੀ ਹੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ, ਜੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਝਗੜਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਰੱਖਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਸ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੇ ਢੌਂਗ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ। ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਤਾਂ ਇਕ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਪਾਲੀਸੀ ਹੈ, ਪਰ ਸਾਡੇ ਰੋਜ਼ ਰੌਲਾ ਪਾਉਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਤੁਹਾਡੀ ਪਾਲੀਸੀ ਉਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੰਗਾ ਹੈ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਅਜੇ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਓ।

**ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਨੇ ਕੋਈ ਨਵਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਤਾਂ ਰੇਜ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਮੈਂ ਕੈਟੇਗੋਰੀਕਲੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਮਾਇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਇਮਦਾਦ ਕਰਨ ਦੀ ਸਾਡੀ ਕੋਈ ਪਾਲੀਸੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਹਿਸ ਵਿਚ ਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Punjab Sugarcane (Regulation of Purchase and Supply) Amendment Bill be passed.

After ascertaining the vote of the Members present by voices, Mr. Speaker gave an opinion. The opinion was challanged. The bells were sounded. The question was put again and carried by a voice vote.

*The motion was declared carried.*

**Mr. Speaker :** The House stands adjourned till 2·C0 P.M. on*ht* Monday, the 28th February, 1966.

(*The Sabha then adjourned till* 2·00 *P.M. on Monday, the* 28 *February*, 1966)

5801 PVS—384—15-7-66—C., P. & S., Pb., Chd.

## APPENDIX

**to**

**P. V. S. Debates Vol. I—No. 8**

*Dated the 25th February*, 1966

---

## KALLAR AND SALINE LAND IN QANUNGOIS OF CERTAIN VILLAGES IN DISTRICT SANGRUR

**3198. Sardar Ranjit Singh Nainewala** : Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) whether any survey has been made to ascertain the existence of Kallar and Saline in the Qanungoi Circles of Bhadaur, Mahal Kalan and Ahmadgarh of Dirtrict Sangrur; if so, the extent of the areas affected thereby :

(b) whether he is aware of the fact that a large portion of the cultivated area of villages Bhadaur, Mahal Kalan, Kasba and Mahali Kalan are affected by the existence of Kallar and Saline, if so, the scheme, if any formulated to eradicate Kallar and Saline from the lands of those villages.

**Chaudhri Rizaq Ram Irrigation and Power Minister**: (a) Yes. The damage due to Kallar and Salinity is not much in the Qanungois Circles of Bhadaur, Mahal Kalan and Ahmadgarh of District Sangrur.

(b) In view of the extent of damage being not much, in the villages Bhadaur, Mahal Kalan, Kasba and Maholi Kalan, no schemes have been formulated.

---

### Survey to ascertain the Water Table of Water logged Areas of District Sangrur

**3199. Sardar Ranjit Singh Nainewala** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether any survey has been made to ascertain the water-tables of the water-logged areas of district Sangrur and that of the area of Bahadur, Shaina, Mahal-Kalan and Ahmadgarh Blocks; if so, the data of the water table so collected be laid on the Table of the House ?

**Chaudhari Rizaq Ram** : Yes, surveys to ascertain the water-tables of the waterlogged areas around 12 miles radius of Sangrur and Sunam cities of Sangrur district have only been carried out. Relevant data are attached. No survey of the area of Bhadaur, Shaina, Mahal Kalan and Ahmedgarh Blocks has been carried out.

(Enclosure to un-starred Assembly Question No. 3199)

I

## SANGRUR PILOT ZONE

(Within 12 miles radius of Sangrur Town)

Average subsoil water depth based on 116 wells.

| Serial No. | Month | Average water Depth | Serial No. | Month | Average water Depth |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 7/62 | 7.65′ | 21 | 3/64 | 6.80′ |
| 2 | 8/62 | 8.04′ | 22 | 4/64 | 7.25′ |
| 3 | 9/62 | 7.58′ | 23 | 5/64 | 7.41′ |
| 4 | 10/62 | 4.07′ | 24 | 6/64 | 7.80′ |
| 5 | 11/62 | 4.90′ | 25 | 7/64 | 4.60′ |
| 6 | 12/62 | 5.05′ | 26 | 8/64 | 3.20′ |
| 7 | 1/63 | 5.16′ | 27 | 9/64 | 3.00′ |
| 8 | 2/63 | 5.60′ | 28 | 10/64 | 3.50′ |
| 9 | 3/63 | 5.89′ | 29 | 11/64 | 4.10′ |
| 10 | 4/65 | 6.41′ | 30 | 12/64 | 4.20′ |
| 11 | 5/63 | 6.66′ | 31 | 1/65 | 4.75′ |
| 12 | 6/63 | 6.92′ | 32 | 2/65 | 4.76′ |
| 13 | 7/63 | 6.44′ | 33 | 3/65 | 5.07′ |
| 14 | 8/63 | 4·18′ | 34 | 4/65 | 5.46′ |
| 15 | 9/63 | 4.82′ | 35 | 5/65 | 5.83′ |
| 16 | 10/63 | 5.54′ | 36 | 6/65 | 6.00′ |
| 17 | 11/63 | 5.75′ | 37 | 7/65 | 5.25′ |
| 18 | 12/63 | 5.96′ | 38 | 8/65 | 3.50′ |
| 19 | 1/64 | 6.11′ | 39 | 9/65 | Not Observed |
| 20 | 2/64 | 6.29′ | 40 | 10/65 | 5.75′ |

II

## SUNAM PILOT ZONE

(within 10 miles radius of Sunam Town)

Average Subsoil water depth based on 52 wells.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 7/62 | 4.99′ | 11 | 5/63 | 4.92′ |
| 2 | 8/92 | 6.34′ | 12 | 6/63 | 6.41′ |
| 3 | 9/62 | 6.16′ | 13 | 7/63 | 6.67′ |
| 4 | 10/62 | 4.44′ | 14 | 8/63 | 6.08′ |
| 5 | 11/62 | 4.74′ | 15 | 9/63 | 5.34′ |
| 6 | 12/62 | 4.87′ | 16 | 10/63 | 5.93′ |
| 7 | 1/63 | 5.02′ | 17 | 11/63 | 5.93′ |
| 8 | 2/63 | 5.69′ | 18 | 12/63 | 5.95′ |
| 9 | 3/63 | 6.13′ | 19 | 1/64 | 5.58′ |
| 10 | 4/63 | 6.34′ | 20 | 2/64 | 6.38 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 21 | 3/64 | 7.54′ | 31 | 1/65 | 5.14′ |
| 22 | 4/64 | 7.52′ | 32 | 2/65 | 5.25′ |
| 23 | 5/64 | 7.59′ | 33 | 3/65 | 5.55′ |
| 24 | 6/64 | 7.55′ | 34 | 4/65 | 5.73′ |
| 25 | 7/64 | 4.19′ | 35 | 5/65 | 6.92′ |
| 26 | 8/64 | 3.07′ | 36 | 6/65 | 6.08′ |
| 27 | 9/64 | 3.38′ | 37 | 7/65 | 4.65′ |
| 28 | 10/64 | 2.74′ | 38 | 8/65 | 4.47′ |
| 29 | 11/64 | 4.79′ | 39 | 9/65 | Not observed |
| 30 | 12/64 | 5.01′ | 40 | 10/65 | 5.27′ |

# Punjab Vidhan Sabha Debates

*28th February, 1966*

Vol. I—No. 9

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

*Monday, the* 28th *February,* 1966



Price: Rs. 5.75 Paise.

## ERRATA

TO

*Punjab Vidhan Sabha Debates, Vol. I, No. 9, dated the 28th February, 1966*

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| कामरेड राम प्यारा | कामरड राम प्यारा | (9)28 | 1 |
| | | (9)68 | 9 |
| Comrade Makhan Singh Tarsikka | Comrade Makhaan Singh Tarsikka | (9)28 | 20 |
| 12(3) | 12 3) | (9)37 | 8 |
| sureties | suretes | (9)44 | 3 |
| investment | investiment | (9)45 | 26 |
| relevant | relevent | (9)46 | 8 from below |
| commensurate | commensurat | (9)47 | 3 from below |
| specific | speciffic | (9)47 | Last but one |
| 7.9 | 7.5 | (9)48 | 12 |
| हज़फ | हफज | (9)57 | 5 |
| was | wa | (9)57 | 6 from below |
| investigation is | investigation | (9)57 | 5th from below |
| action is | action | (9)57 | 4 from below |
| एडजर्नमैंट | एजर्नमैंट | (9)63 | 15 |
| ਗੌਰਮਿੰਟ | ਗਰਮਿਟ | (9)64 | 3 |
| ਦੇਵੇਗੀ | ਦੇਵਗੀ | (9)64 | 3 |
| ਇਸ | ਇਲ | (9)64 | 11 |
| ਇੰਡੀਵਿਜੂਅਲ | ਇੰਡੀਵਿਜ਼ ਅਲ | (9)67 | 3 |
| ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ | ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿਘ ਗਿੱਲ | (9)67 | 7 |
| ਕਮੇਟੀ | ਕਮਟੀ | (9)67 | 7 |
| ਕੰਪਰੀਹੈਨਸਿਵ | ਕੱਪਰੀਹੈਨਸਿਵ | (9)67 | 16 |
| ਕੰਮ | ਕਮ | (9)67 | last but one |

P.T.O.

| *Read* | *For* | *Page* | *Line* |
|---|---|---|---|
| ਕਰਨ | ਕਰਨਾ | (9)67 | last |
| कामरेड राम प्यारा | कामरड राम प्यारा | (9)67 | 9 |
| ਮਿਊਨਿਸਪਲ | ਮਊਨਿਸਪਲ | (9)68 | 24 |
| that | tht | (9)71 | 13 from below |
| ਮਹਿੰਗਾਈ | ਮਹਿੱਗਾਈ | (9)74 | 14 |
| ਮੁਤੱਲਿਕ | ਮੁਅਤਲਿਕ | (9)74 | 6 |
| ਭੱਤਾ | ਭੰਤਾ | (9)74 | 17 |
| ਭੱਤੇ | ਭੰਤੇ | (9)74 | 18 |
| ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ | ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਮਿੰਘ | (9)76 | 1 |
| ਦੁਕਾਨਦਾਰ | ਦਾ ਕਾਨਦਾਰ | (9)76 | 3 from below |
| ਸਾਡੇ | ਸਾਡ | (9)78 | 12 from below |
| ਕਰੇ | ਕਰ | (9)78 | last but one |
| ਵੈਲਫੇਅਰ | ਲਵੈਫੇਅਰ | (9)79 | 16 |
| ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ | ਹੈ ਰਿਹਾਖ | (9)79 | 26 |
| ਬਚਣੀ | ਬੋਚਣੀ | (9)79 | 28 |
| ਫੈਸਲਾ | ਫੋਸਲਾ | (9)80 | 25 |
| 2.44 | 244 | (9)82 | 8 from below |
| ਜਾਨਾਂ ਵਾਰੀਆਂ | ਜਾਂਨਾ ਵਾਰਿਆਂ | (9)83 | 8 |
| the | thc | (9)86 | 10 |
| साल | ाल | (9)90 | 14 |
| ਆਰਡਰ | ਆਸਡਰ | (9)92 | 8 |
| ਚਾਹੁੰਦੇ | ਚਾਂਦੇ | (9)93 | 8 from below |
| ਤੋਂ | ਡੋਂ | (9)95 | 20 |
| ਮਨਜ਼ੂਰੀ | ਮੰਨਜ਼ਰੀ | (9)95 | last but one |
| ਪੰਜਾਬ | ਪਜਾਬ | (9)97 | 18 |
| ਗੌਅਰਜ਼ | ਗੋਅਰਜ਼ | (9)101 | 10 |
| Whether | Wnether | 20 | |
| ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ | ਨਰਿਦਰ ਸਿਘ | 26 | |

# PUNJAB VIDHAN SABHA

**Monday, the 28th February, 1966**

*The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Vidhan Bhavan, Sector I Chandigarh, at* 2.00 *p. m. of the Clock. Mr. Speaker (Shri Harbans Lal ) in the Chair.*

## STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Supplementaries to Starred Question No. 9106

**श्री बलरामजी दास टंडन :** मिनिस्टर साहिब ने कहा था कि मैं हारलिक्स फैक्टरी, नाभा में घी की कीमत का पता करूंगा। क्या वह बताएंगे कि वहां के घी की क्या कीमत है और उसके मुकाबला में वेरका के घी की क्या कीमत है ?

**पशुपालन तथा कृषि राज्य मंत्री :** हारलिक्स फैक्टरी, नाभा की दो किस्म की घी की पैकिंग है। एक स्पैशल पैकिंग करते हैं। उसका 2 किलो का उन का रेट 17 रुपए 60 पैसे हैं और 4 किलो का 34 रुपए 60 पैसे है। उसकी अवेलबिलिटी कम है। उस का मार्किट रेट जहां उन के एजैंट्स रहते हैं वहां 2 किलो का 20 रुपए 34 पैसे है और 4 किलो का 40 रुपए है।

**श्री बलरामजी दास टंडन :** क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या उन के घी की ऐक्स फैक्टरी प्राइस 33 रुपए 25 पैसे है पर 4 किलो टिन ? क्या वह पेंटिड और प्रिंटिड टिन में सप्लाई करते हैं ?

**राज्य मंत्री :** जो इनफर्मेशन मेरे पास थी वह मैं ने दे दी है। उन की ऐक्सफैक्टरी प्राईस का मुझे पता नहीं है, जो मार्किट रेट है वह बता दिया है।

**श्री फतेह चन्द विज :** क्या पशु पालन मन्त्री बताएंगे कि उस दिन उन्होंने फरमाया था कि वेरका और नाभा के घी के रेट एक जैसे हैं। आज उन्होंने 4 किलो की कीमत 34 रुपए 60 पैसे बताई है और मार्किट रेट 40 रुपए कह रहे हैं। उस दिन वाली बात ठीक है या आज वाली ?

**राज्य मंत्री :** उस दिन वाली बात भी ठीक है और आज वाली भी ठीक है। उसकी 2 पैकिंग्ज़ हैं जो मार्किट में आती हैं। तो उसके मुताबिक 2 किलो हार्लिक्स के घी की कीमत 20 रुपए 35 पैसे है। यह उनके स्पेशल पैकिंग की कीमत है। मेरी उस दिन वाली बात में कोई फर्क नहीं है।

**श्री बलरामजी दास टंडन :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। जहां तक वेरका का ताल्लुक है वहां मिडल मैन नहीं है, वह प्राइवेट अदारा नहीं है। इस लिए मैं ने यह बात

---

*Note*—Starred Question No. 9106, along with its reply appears in the P.V.S. Debates Vol. I, No. 6, dated 23-2-1966.

[श्री बलराम जी दास टंडन]

पूछी है। मिनिस्टर साहिब जान बूझ कर जवाब नहीं दे रहे। 4 किलोग्राम की कीमत के मुकाबले में वह हाउस को मिसलीडिंग इन्फर्मेशन दे रहे हैं। हम दोनों की कीमतें जानना चाहते हैं। वहां तो मिडल मैन रखे नहीं।

**श्री अध्यक्ष :** आप पूछ रहे हैं, यह प्वायंट आफ आर्डर कैसे बन गया ? (The hon. Member is asking a supplementary. How dces this become a point of order ?)

**श्री बलरामजी दास टंडन :** उन्होंने कहा था कि सारी बात पता करके बताएंगे।

**श्री अध्यक्ष :** जो इन्फर्मेशन उन के पास थी वह उन्होंने दे दी है। (Whatever information he possesses, he has imparted.)

**श्री बलरामजी दास टण्डन :** उस दिन मिनिस्टर साहिब ने कहा था कि हम नाभा का घी सब से लास्ट लेते हैं, तो उस बारे में मैं जानना चाहता हूं कि उन की एक्स फक्टरी कीमत बनिस्बत वेरका के बहुत कम है, यह इस्टैब्लिश हो चुका है। तो क्या मिनिस्टर साहिब गौर करेंगे कि वेरका के घी की एक्स फैक्टरी की कीमत भी उसी आधार पर लाने की कोशिश करेंगे ?

**राज्य मंत्री :** एक्स फकरी का कोई मतलब नहीं ह। ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਚੀਜ਼ ਮਿਲਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਜ ਵੀ ਮੇਨਟੇਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਆਈ ਹੈ, ਕੁਝ ਦੇ ਰੇਟ ਇਹ ਹਨ : ਇਕ ਕਿਲੋ ਗੋਪੀਕਾ ਘੀ ਦਾ ਟੀਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ, ਦੋ ਕਿਲੋ ਦਾ ਹੈ । ਦੋ ਕਿਲੋ ਅਨਿਕ 23 ਰੁਪਏ 69 ਪੈਸੇ, ਸ਼ਕਤੀ 22 ਰੁਪਏ 60 ਪੈਸੇ, ਕਾਹਨ 24 ਰੁਪਏ 55 ਪੈਸੇ, ਮੋਹਣ ਘੀ 24 ਰੁਪਏ 55 ਪੈਸੇ, ਗਣੇਸ਼ ਜਮਨਾ 23 ਰੁਪਏ 25 ਪੈਸੇ, ਲਕਸ਼ਮੀ 22 ਰੁਪਏ, ਗੋਪੀਕਾ 20 ਰੁਪਏ 35 ਪੈਸੇ ਅਤੇ ਵੇਰਕਾ ਦਾ ਹੈ 20 ਰੁਪਏ । ਇਸ ਤੋਂ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਵੇਰਕਾ ਦਾ ਘੀ ਮਾਰਕਿਟ ਵਿਚ ਹੁਣ ਵੀ ਸਭ ਤੋਂ ਸਸਤਾ ਹੈ ।

**ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ :** ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਦੋਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਾ ਲੈਣ । ਇਹ ਗ਼ਲਤ ਕੋਟ ਕਰਦੇ ਹਨ ।

**ਸਰਦਾਰ ਲੱਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਐਕਸ ਫੈਕਟਰੀ ਤੇ ਸੇਲ ਰੇਟ ਦਾ ਕਿੰਨਾ ਫਰਕ ਹੈ ?

**ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ :** ਸਰਦਾਰ ਲੱਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਖੁਦ ਕੰਟਰੈਕਟਰ ਹਨ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ, ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਹੈ, ਐਕਸ ਫੈਕਟਰੀ ਦੇ ਰੇਟ ਵਿਚ ਉਸ ਨੇ ਸਭ ਕੁਝ ਪਾਉਣਾ ਹੈ, ਹੋਰ ਖਰਚ ਵੀ ਹੈ, ਇਸ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਹ ਕੀ ਭਾਅ ਵੇਚਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ। ਐਕਸ ਫੈਕਟਰੀ ਦੇ ਭਾਅ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ।

**श्री फतेह चन्द विज :** इन्होंने दो दो किलोग्राम के रेट कोट किए हैं, क्या उन्होंने 4 किलोग्राम के नहीं बताए ?

**राज्य मंत्री :** उनका 4 किलोग्राम का रेट 40 रुपए है और हमारा भी 40 रुपए है। जो इन्फर्मेशन मुझे सप्लाई हुई है उसके मुताबिक मैं कह रहा हूं। अगर आनरेबल मेंबर्ज को उस पर एतराज होगा, I will find out and take action.)

**Circular/order issued to District Excise and Taxation Officers regarding, payment of sales tax/property tax**

***9108. Dr. Baldev Parkash** (put by Shri Balramji Dass Tandon) : Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether any circular/order was issued to the District Excise and Taxation Officers in the State in view of the assurance given by the Chief Minister to the effect that three months' extension would be allowed for payments of sales tax and property tax after the cease fire on the Indo-Pakistan Border which came into effect in September, 1965, if so, a copy of the said circular/order be placed on the Table of the House ;

(b) whether any order was also issued to the District Officers not to enhance the assessment of property tax in respect of self-occupied houses situated in the border districts where no additions or alterations had been made during the last 5 years ; if so, a copy of the order so issued, be placed on the Table ?

**Sardar Kapoor Singh:** (a) (i) No general instructions to Excise and Taxation Officers in the State were issued but instructions were issued extending the date of deposit of sales tax and purchase tax for the quarter July—September, 1965 up to 31st December, 1965, by three months, in respect of the registered industrial units of the border districts of Ludniana, Jullundur, Ferozepur Amritsar Gurdaspur and Kapurthala. A copy of the instructions is placed on the Table of the House.

(ii) No such instructions were issued in respect of Property Tax.

(b) No.

STATE TELEGRAM EXPRESS

ETAX LUDHIANA, JULLUNDUR, FEROZEPORE, GURDASPUR, AMRITSAR, KAPURTHALA

No. 8147-ET(III)65/1144 . Government desire that date for deposit of sales and purchase Tax for quarter July—September, 1965 by industrial units be extended by three months.

Secretary Taxation

---

Not to be telegraphed

Sd/-

Deputy Secretary, Excise and Taxation.

---

No. 8147-E&T (III)-65/9927

Chandigarh, dated the 29th October, 1965

A copy by post, is forwarded to the Excise and Taxation Officers, Ludhiana, Jullundur, Ferozepur, Gurdaspur, Amritsar and Kapurthala, in confirmation.

Sd/-

Deputy Secretary, Excise and Taxation.

[Minister for Finance]

No.8147-E&T III)-65/9930

Chandigarh, dated the 29th October, 1965

A copy, by post is forwarded to the Excise and Taxation Commissioner, Punjab, Patiala, for information, with reference to undersigned's telephonic talk with him.

Sd/-

Deputy Secretary, Excise and Taxation

---

IMMEDIATE

From

The Deputy Secretary to Government, Punjab,
Excise and Taxation Department.

To

The Excise and Taxation Commissioner, Punjab,
Patiala.

Memo No. 8767-ET(III)-65/10730
Chandigarh, dated the 26th November, 1965

*Subject*:— Extension in time for deposit of sales and purchase Tax.

*Reference*:—Continuation of Punjab Government endorsement No. 8147-ET(III)-65/9930, dated the 29th October, 1965.

1. Government desire that the date of deposit of sales and purchase tax for the second quarter July-September, 1965 should be extended till the 31st December, 1965, in the case of Industrial Units only in the Districts of Ferozepur, Amritsar, Gurdaspur, Jullundur, Ludhiana and Kapurthala. Only these industrial units which are registered with the Industries Department will be eligible to avail of this concession up to 31st December, 1965.

2. Besides the date of deposit of sales and purchase Tax for the second quarter (July—September, 1965) should also be extended till 31st December, 1965 by the traders in the towns of Ferozepur, Fazilka and Dera Baba Nanak.

3. You are, therefore, requested to ensure that this concession is not mis-utilised by the authorities and the trade.

Sd/-

Deputy Secretary, Excise and Taxation.

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या मन्त्री महोदय यह बताएंगे कि इस हाउस में ऐशोरेंस दी गई थी कि सब डिपार्टमेंट्स को इंस्ट्रकशन्ज़ भेजी जाएंगी कि जिन डिस्ट्रिक्टस को सरकार ने बार्डर डिस्ट्रिक्टस डिक्लेयर किया है, जो वारहिट ह, एक सरकुलर भेजा जाएगा प्रापर्टी टैक्स, परचेज़ टैक्स और सेलज़ टैक्स के बारे में ताकि उन को मौका मिले, राहत मिले कि टैक्स अभी जमा नहीं कराना, बाद में कराना है ? उसके बारे में क्या हुआ ?

**मंत्री** : एशोरेंस यह दी गई थी कि उस वक्त के हालात ऐसे थे कि मनी मार्किट बहुत टाइट थी इसलिए मुनासब समझा गया कि जो सेल्ज़ टैक्स अदा करना था उन को 3 महीने की मोहलत दे दें ताकि 3 महीने के लिए वह उस सेल्ज़ टैक्स के पैसे को कारोबार

में इस्तेमाल कर सकें। प्रापर्टी टैक्स के बारे में I may classify। उस वक्त कुछ एरियाज़ में यह असेसमेंट हो रही थी, जैसे अमृतसर, बटाला है। तो बहुत से लोगों ने कहा कि हमें मौका नहीं मिला था अपने आब्जैक्शन पुट इन करने का, इस लिए उन्हें मोहलत दे दी गई, उन का टाईम एक्सटेंड कर दिया गया हालांकि टाईम लिमिट खतम हो चुकी थी। तीसरी बात जो इन के मन में है वह यह है कि अमृतसर, बटाला में उन दिनों असैसमैंटस लिस्टें बन रहीं थीं। इट वाज़ जस्ट पासीबल नई लिस्टों के हिसाब से उनका प्रापर्टी टैक्स ज़्यादा बढ़ जाए इस लिए मुनासिब यह समझा गया कि फिरोज़पुर, अमृतसर और गुरदासपुर के ज़िलों में, जहां जहां नई असैसमैंटस ने एप्लाई करना था, इस साल से उन को यह कह दिया कि नई असैसमैंट एप्लाई न करें अगले साल के लिए पुरानी असैसमेंट लगेगी।

**श्री बलरामजी दास टंडन** : क्या फिनांस मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि उन्होंने जिस तरह यह एशोरेंस दी थी कि सेल्ज़ टैक्स न वसूल किया जाए उसी तरह जिन से प्रापर्टी टैक्स ड्यू था उन को भी ऐसी एशोरेंस दी थी कि वह भी सेल्ज़ टैक्स और परचेज़ टैक्स की तरह जमा करवा सकते हैं ?

**मंत्री** : नहीं जी, मेरे ध्यान में तो कोई ऐसी चीज़ नहीं।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਜਿਹੜੀ ਸੇਲਜ਼ ਟੈਕਸ ਦੀ ਕੁਆਟਰਲੀ ਰੀਟਰਨ ਸੀ ਜਿਸ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਐਸਾ ਵੀ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਕਈ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਵਾਰੰਟ ਲਏ ਗਏ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਪੈਨਲਟੀ ਵੀ ਪਾਈ ਗਈ। ਅਸੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਸ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਲਿਆਂਦੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ explanation call ਕਰਾਂਗੇ ਮਗਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਉਸ ਆਦਮੀ ਦੀ ਦਰਖਾਸਤ ਉਸੇ ਹੀ ਅਫਸਰ ਦੇ ਕੋਲ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ, ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਹੋਰ ਤੰਗ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ।

**ਮੰਤਰੀ** : ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਗੇ ਤਾਂ enquiry shall be made ਕਿ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਟੈਕਸ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

---

## Meeting held between the representatives of the Beoparis and the Government in December, 1965

***9527. Shri Fateh Chand Vij** : Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether the Finance Minister and the Excise /Sales Tax authorities were present at a meeting held at Chandigarh, in the first week of December, 1965, to discuss the problems of the trading community ; if so, the names of the representatives of the Beoparis present at the said meeting ;

(b) whether any assurances were given by the Gvernment to the representatives of the beoparies referred to in part (a) above in the said meeting ; if so, the details thereof ;

(c) whether the assurances referred to in part (b) above envisage further amendment of the Punjab General Sales Tax Act, 1948, which was recently amended ;

[Shri Fateh Chand Vij]

(d) if the reply to part (c) above be in the affirmative, whether the Government proposes to bring another amending Bill in this respect, before the State Legislature during the Budget Session ?

**Sardar Kapoor Singh** : (a) Yes ; Shri Tulsi Dass Jaitwani, President, Punjab, Beopar Mandal and a few of his colleagues.

(b) A copy of the proceedings is placed on the Table of the House.

(c) and (d) The proceedings are under examination and legislation, wherever considered necessary, will be placed before the House.

**Proceedings of the meeting held at Governor's residence on 1st December 1965 at 12.15 P.M.**

***Present—***

1. His Excellency the Governor of Punjab.
2. Finance Minister, Punjab.
3. Excise and Taxation Commissioner, Punjab.
4. Deputy Secretary Excise and Taxation.
5. Representative of the Beopar Mandal.

The following decisions were taken:—

1. The powers of the Financial Commissioner for suo motu revision at any time, may be examined, there being no limitation for initiating such action.

2. Executive instructions be issued to the departmental authorities to decide all applications within a period of six months from the date of presentation.

3. The question of exempting dealers making small transactions, from the issuing of cash memoranda, be examined particularly, with regard to the Karyana dealers and Halwais etc. The representatives of the Beoparies may be consulted while drawing up the list of such dealers.

4. As regards the maintenance of day-to-day accounts it may not be made incumbent to prepare them at the end of the day itself, but they may be prepared within 48 hours of the transaction.

5. Copies of the assessment orders be supplied to the dealers within 30 days of the date of application i.e. within the same period which is prescribed for the payment of tax.

6. The question of prior payment of penalty before entertaining an appeal may be examined keeping in view the relevant provisions in the Acts of Delhi, U.P., Orissa etc.

7. Executive instructions be issued to the official incharge of barriers that no public carrier should be detained for more than three hours unless the driver fails to produce the requisite documents. All cases of longer delay may be reported to the Excise and Taxation Commissioner by the official incharge.

8. Finance Minister agreed, in principle, to the setting up of a tribunal preferably on the pattern of Maharashtra if possible. The details may be examined by the Department.

**ਸ਼੍ਰੀ ਫਤਿਹ ਚੰਦ ਵਿਜ** : ਕੀ ਵਿੱਤ ਮੰਤ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਬਾਤਾਂ ਮੰਨੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਨੋਟਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਹੋਵੇ।

**ਮੰਤਰੀ :** ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੂਰੀ ਤਸੱਲੀ ਹੋ ਗਈ ਸੀ ਇਸ ਕਰਕੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਾ ਉਥੇ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਔਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੰਨ ਲਈਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਟੈਕਸੇਸ਼ਨ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

**ਸ਼੍ਰੀ ਫਤੇਹ ਚੰਦ ਵਿਜ :** ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਡੇਟ ਦਸ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਕਦੋਂ ਤਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਬਿਲ ਲਿਆਉਗੇ ।

**ਮੰਤਰੀ :** ਬਹੁਤੀਆਂ ਚੀਜਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦੀ ਲੋੜ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਣੀ । ਸਿਰਫ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਲੋੜ ਜਾਪਦੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਅਸੀਂ ਜਲਦੀ ਹੀ ਲੈ ਆਉਣੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਯਕਮ ਅਪਰੈਲ ਤੋਂ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣਾ ਹੈ।

**Comrade Ram Piara;** The Finance Minister in reply to the question has stated that the matter is under consideration. I would like to know whether the same is being examined by the Cabinet or by the Excise and Taxation Department ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਅੰਡਰ ਕੰਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਕਿ ਫਸਟ ਸਟੇਜ ਤੇ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਲਗਣਾ ਹੈ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਕੈਸ਼ ਮੀਮੋ ਹੈ ਉਹ ਕਿਹੜੀਆਂ ਐਸਟੈਬਲਿਸ਼ਮੈਂਟਾਂ ਰਖ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਇਹ ਤਾਂ ਦੇਖ ਕੇ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਜੇ ਕੋਈ ਧੋਬੀ ਹੈ ਜਾਂ ਤੰਦੂਰ ਵਾਲਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਛਡ ਦਿਉ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ :** ਮੈਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਅੰਡਰ ਕੰਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹਨ ਜਾਂ ਕੈਬਨੀਟ ਦੇ ਅੰਡਰ ਕੰਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹਨ।

**ਮੰਤਰੀ :** ਬਹੁਤੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਾ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕੁਝ ਕੁਝ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਬਾਕੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਉਹ ਜਦ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਜਾਏਗਾ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਆਰਡਰਜ਼ ਨਾਲ ਹੀ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਲੈਜਿਸਲੇਸ਼ਨ ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ ਉਹ ਏਸੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਹੀ ਆ ਜਾਣਾ ਹੈ because the Act is going to be inforced from the first of April.

**ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ :** ਕੀ ਵਿੱਤ ਮੰਤ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਵਪਾਰੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਮਸਲਿਆਂ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਤੇ ਉਹ ਪਹੁੰਚ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਅਜੇ ਕੋਈ ਗੱਲਾਂ ਐਸੀਆਂ ਵੀ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਆਉਟਸਟੈਂਡਿੰਗ ਹਨ।

**ਮੰਤਰੀ :** ਪਹਿਲਾਂ ਖਿਆਲ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਜਿਤਨੇ ਰਬੜ ਗੁਡਜ਼ ਹਨ, ਟਾਇਰ ਅਤੇ ਟੀਊਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਫਰਸਟ ਸਟੇਜ ਤੇ ਹੀ ਲਗਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਟਾਇਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਬੇਸ਼ਕ ਲਾ ਦਿਉ ਅਤੇ ਸਾਈਕਲਾਂ ਦੇ ਟਾਇਰਾਂ ਵਗੈਰਾ ਤੇ ਨਾ ਲਾਉ । ਸੋ ਮੈਂ ਇਹ ਦੇਖਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਫੀਜ਼ੀਬਲ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ । ਬਾਕੀ ਆਉਟਸਟੈਂਡਿੰਗ ਮਸਲੇ ਹਨ ਕਿ ਲੰਪ ਸਮ ਕਿਹੜੀਆਂ ਕਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਤੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ 15 ਮਾਰਚ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਬੈਠ ਕੇ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲੈਣ । We are pulling on very nicely, this I can assure the hon. Member.

---

## Tehsildars in the State

***8837. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the total number at present of Tehsildars working in the State together with the number of those who are permanent and of those who are likely to be confirmed among them ;

(b) the total number of substantive posts of Tehsildars at present against which confirmations are yet to be made ;

(c) the date when the last confirmation took place in the said cadre ?

**Sardar Harinder Singh Major :** (a) (i) Total Number of Tahsildars including those working on side line jobs-115.

(ii) Permanent 25, Likely to be confirmed 50.

(b) Fifty.

(c) 6th January, 1966.

**ਸ੍ਰੀ ਫਤੇਹ ਚੰਦ ਵਿਜ :** ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ 6 ਜਨਵਰੀ, 1966 ਦੀ ਡੇਟ ਦਸੀ ਹੈ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ 1956 ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕਨਫਰਮ ਹੋਏ ਸਨ । ਔਰ ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ 115 ਵਿਚੋਂ ਸਿਰਫ 25 ਕਨਫਰਮ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੇ ਅੰਡਰ ਕੰਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਤਨਾ ਅਰਸਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ?

**Minister :** Sir, the cases are being looked into and a decision will be taken in due course of time.

**श्री बलरामजी दास टंडन :** क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि एक तहसीलदार को परमानैंट करने से पहले उसे लग भग कितनी देर तक उसे पोस्ट पर काम करना पड़ा है ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਮਿਆਦ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਵੇਕੈਂਸੀ ਦੇ ਅਗੇਂਸਟ ਹੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਨਫਰਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਪਰਮਾਨੈਂਟ ਵੇਕੈਂਸੀ ਹੀ ਅਵੇਲੇਬਲ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਨਫਰਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਵਕਤ ਵੇਕੈਂਸੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਵਕਤ ਸਾਰਾ ਰਿਕਾਰਡ ਵੇਖ ਕੇ ਕਨਫਰਮ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

**श्री फतेह चन्द विज :** जैसा कि मैं ने उनसे अर्ज़ किया था कि 1966 से पहले 1956 में उनकी कन्फर्मेशन की कार्यवाही हुई थी, क्या वह बताएंगे कि उस के बाद इस दौरान में फिर हुई है या नहीं ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਜੋ ਇਤਲਾਹ ਸੀ ਉਹ ਮੈਂ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਕੀਨ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਬਾਹਰ ਮਿਲ ਲੈਣ ਸਾਰਾ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦਸ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

## STARRED QUESTION NO. 8963

**ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਦੱਤ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਕੋਈ ਹੈ ਨਹੀਂ ।

**ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਲਿਸਟ ਵਿਚ ਮੇਰੇ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਸਵਾਲ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਲਈ ਐਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਇੰਪਰੈਸ਼ਨ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਹੋ ਗਿਆ ਹੋਵੇ ਕਿ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਢੰਗ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਹਰ ਜਵਾਬ ਬਾਰੇ ਐਂਟੀਸੀਪੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕੀ ਹੋਣਗੇ । ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਲੋਂ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸਤੇ ਆਪਣਾ ਮਾਈਂਡ ਐਪਲਾਈ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਉਸ ਬਾਰੇ ਕਨਵਿੰਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਸਦੀ ਸਾਰੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਜੇ ਲੋੜ ਸਮਝਾਂ ਤਾਂ ਮਜ਼ੀਦ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਹਾਸਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ

ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਧੂਰੀ ਇਤਲਾਹ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸੇ ਲਈ ਮੈਂ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਐਪਲਾਈ ਕੀਤੀ ਹੈ ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਵਲੋਂ ਜੋ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਲਈ ਰੀਕੁਐਸਟ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਕਸਰ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ 15 ਦਿਨ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅਰਸੇ ਲਈ ਅਤੇ ਕਈ ਦਫਾ ਮਹੀਨੇ ਮਹੀਨੇ ਲਈ ਐਕਸਟੈਂਨਸ਼ਨ ਮੰਗੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ 15 ਦਿਨ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਲੇਕਨ ਜੇਕਰ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ 15 ਦਿਨ ਤੋਂ ਵਧ ਮੰਗ ਲਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਕ ਬੜੀ ਅਜੀਬ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਬਣ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਹੁਣ ਇਕ ਰੂਲ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਜਿਸਦੇ ਮਤਾਬਕ ਨਾਰਮਲੀ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ 15 ਦਿਨ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਐਕਸ-ਟੈਨਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਵੀ ਜਾਵੇਗੀ ਉਹ 7 ਦਿਨ ਤੋਂ ਵਧ ਅਰਸੇ ਲਈ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ । ਇਹ ਇਤਲਾਹ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਦਿਤੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਮੁਖਤਲਿਫ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟਸ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਮੰਗ ਕੇ ਇਕ ਮਹੀਨਾ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਨਾ ਕਰਦੇ ਰਿਹਾ ਕਰਨ। ਨਾਰਮਲੀ 7 ਦਿਨ ਤੋਂ ਵਧ ਟਾਈਮ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ( (It has been observed form the requests for extension of times received from the Ministers that the extension asked for frequently exceeds fifteen days and sometimes it is for a month. According to the rules, the reply to a question must be supplied within fifteen days. But if the extension is in excess of 15 days then it creates a queer position. I have now framed a rule which will normally permit no extension of time and the reply, therefore, must come within 15 days. If at all any extension is given in a particular case, it will not exceed seven days. I am imparting this information to the House so that the various departments may come to know that they would no longer have to ask for a months extension and wait for that period. Normally, an extension of term will not exceed seven days.)

**ਮੰਤਰੀ :** ਆਪਦਾ ਜੋ ਹੁਕਮ ਹੋਵੇਗਾ ਉਹ ਮੈਂ ਸਿਰ ਮਥੇ ਤੇ ਤਸਲੀਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਲੇਕਨ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਕੁਝ ਮੁਸ਼ਕਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਇਸ ਹੁਕਮ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰ ਇਕ ਕੇਸ ਦੀ ਨੌਈਅਤ ਵੇਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਲਈ ਕਿਤਨਾ ਵਕਤ ਦਰਕਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਕੇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਯਾਰਡ-ਸਟਿਕ ਐਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗੀ । ਅਸੀਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪਦੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਪਾਲਨਾ ਕਰਾਂਗੇ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਗੱਲ ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਮੈਂ ਫਿਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਦਰੁਸਤ ਨਹੀਂ ਹੈ...........

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਚੈਲੰਜ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹੋ ਤੇ ਦਰਖਾਸਤ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹੋ ਇਹ ਕੀ ਗੱਲ ਹੋਈ (ਹਾਸਾ)।

**ਮੰਤਰੀ :** ਮੇਰੇ ਚੈਲੰਜ ਵਿਚ ਵੀ ਦਰਖਾਸਤ ਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਤੁਹਾਡੀ ਦਰਖਾਸਤ ਵਿਚ ਵੀ ਚੈਲੰਜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ (ਹਾਸਾ)।

---

**Representation from Revenue Patwaris Union Punjabi Transcription Branch, Jullundur**

***9261. Shri Om Parkash Agnihotri** : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Revenue Patwaris Union, Punjabi Transcription Branch, Jullundur sent a representation to the Deputy Commissioner Jullundur on the 14th January, 1966, requesting him to provide seating arrangement for them like other office employees ; if so a copy of the same alongwith the action taken thereon be laid on the Table of the House ;

(b) if no action has been taken in the matter, the reason therefor ?

**Sardar Harinder Singh Major:** (a) No.

(b) Question does not arise.

**ਸ੍ਰੀ ਓਮ ਪਰਕਾਸ਼ ਅਗਨੀਹੋਤਰੀ** : ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੋਵੇ ਕਿ ਜੋ ਪਟਵਾਰੀ ਉਰਦੂ ਰਿਕਾਰਡ ਦਾ ਤਰਜਮਾ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਦੂਜੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੀਟਿੰਗ ਅਰੇਂਜਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਹ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਸੀਟਿੰਗ ਅਰੇਂਜਮੈਂਟ ਤਾਂ ਭੁੰਜੇ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਕੁਰਸੀ ਤੇ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸੋਫਾ ਸੈਟ ਤੇ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਬੈਠਣ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ (ਹਾਸਾ) ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ** : ਕੀ ਕੁਝ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਤੋਂ ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਸ ਐਸੀ ਇਤਲਾਹ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਲਈ ਅਕਾਮੋਡੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਸੀਟਿੰਗ ਅਰੇਂਜਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਇਸ ਵਕਤ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਐਸੀ ਕੋਈ ਇਤਲਾਹ ਨਹੀਂ ਹੈ।

---

**Complaint against the Revenue Officer, Tehsil Ajnala**

***9475. Sardar Kulbir Singh** : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether any complaint was received by the Deputy Commissioner, Amritsar, vide memorandum No. EA/BCIII/PF/3880, dated 21st September, 1963 from Shri Sajjan Singh Margindpuri against certain revenue officer of Ajnala tehsil for his having appeared as a Mukhtar Khas of his father-in-law before the Director, Consolidation of Holdings, Jullundur ; if so, a copy of the same be laid on the Table ;

(b) whether any enquiry was ordered into the complaint referred to in part (a) above ; if so, by whom and the name of the authority who conducted it ;

(c) whether the complainant was given an opportunity to substantiate his allegations, if so, the details of the procedure adopted by the enquiry officer for the purpose ;

(d) the result of the said enquiry and the details of action taken in the matter ?

**Sardar Harinder Singh Major** : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) No.

(d) The complaint was examined and it was found that there was nothing objectionable in the Naib-Tahsildar's appearing as Mukhtar Khas of his father-in-law before the Director of Consolidation, Punjab, Jullundur.

**ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਮੈਂ ਪੁੱਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਜੋ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਸੀ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਬੁਲਾ ਕੇ ਇਸ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਬਾਰੇ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਨਹੀਂ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਕਿਉਂ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਵਕਤ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਕੋਈ ਪ੍ਰਾਇਮਾ ਫੇਸਾਈ ਕੇਸ ਬਣਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪ੍ਰਾਇਮਾ ਫੇਸਾਈ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਕਸ਼ਟ ਦੇਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਸਮਝੀ ਗਈ।

**ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਜੀ ਦਾਸ ਟੰਡਨ** : ਬਗ਼ੈਰ ਪੁੱਛੇ ਹੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੈ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਕੋਈ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਕੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਦਾ ਬਿਆਨ ਲਿਆ ਗਿਆ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸਨੂੰ ਪੁੱਛਣ ਦਾ ਕਸ਼ਟ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਉਸ ਵਿਚ ਮਜ਼ੀਦ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਆਬਜੈਕਸ਼ਨੇਬਲ ਨਹੀਂ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ।

---

## Hospital at Una, District Hoshiarpur

***8892. Pandit Mohan Lal Datta** : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether he is aware of the fact that accommodation for in-door patients in the Hospital at Una, District Hoshiarpur, which has been declared an Eye Centre by the Government, is inadequate ;

(b) whether he is further aware of the fact that the said Hospital is not properly equipped with instruments required for eye operations ;

(c) whether Government received any representations for provincializing or improving the facilities in the said Hospital ; if so, the action taken or proposed to be taken in this behalf ?

**Shrimati Om Prabha Jain** : (a) Yes, Sir. Though the present medical officer posted there and his two predecessors have been doing some eye work yet this hospital has not been declared as an eye centre.

(b) Yes, Sir.

(c) Yes, Sir. The matter is under correspondence with the Zila Parishad, Hoshiarpur and until they pass a resolution accepting the usual conditions, the hospital cannot be considered for provincialization.

---

## Private Practice by Teaching Staff of Government Medical Colleges in the State

***9223. Shri Ram Saran Chand Mital** : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the members of the teaching staff of the State Medical Colleges at Rohtak, Patiala and Amritsar are

[Shri Ram Saran Chand Mital]

allowed private practice and those of the Post-Graduate Medical Research Institute at Chandigarh are denied this privilege ; if so, the reasons for this differentiation ;

(b) whether it is a fact that the members of the teaching staff of the State Medical Colleges do not like to join the Post Graduate Medical Research Institute at Chandigarh for fear of losing private practice ;

(c) whether he is aware of the fact that the private practice of the Medical teachers prevents the staff from devoting their full attention to their hospital work and causes heart burning among those who are not allowed this facility ;

(d) the steps, if any, proposed to be taken by the Government to introduce uniformity in the various medical educational and Post Graduate Institutions in the State ;

(e) whether it is a fact that some Principals of the State Medical Colleges were offered the post of Director, Medical Education and Research and they declined because of non-practice restrictions ?

**Shrimati Om Prabha Jain :** (a) The teachers in the Medical Colleges employed in Clinical Departments and Pathology Department are allowed private practice in their respective specialities. The teachers in the non-clinical Departments are not allowed private practice but they are granted non-practising allowance in lieu thereof. The Registrars and Demonstrators in the State Medical Colleges are allowed neither private practice nor non-practising allowance.

This is a fact that all teaching posts in the Post Graduate Institute, Chandigarh, are non-practising. This is mainly due to the fact that the Post-Graduate Institute is basically a research institute and the medical officers employed therein could not be allowed to indulge in private practice. They have, however, been allowed higher scales of pay for the loss of their private practice.

(b) This is not a fact. A large number of doctors working in Post Graduate Institute are from the Medical Colleges.

(c) No such case has come to the notice of Government.

(d) No such proposal is under the consideration of Government.

(e) No.

---

### Board of Ayurvedic and Unani System of Medicine

***9422. Dr. Baldev Prakash (put by Shri Balramji Das Tandon) :** Will the Minister for Health be pleased to state the total number of meetings held by the Board of Ayurvedic and Unani system of Medicine in the State in the year 1965, together with the amount paid as T.A. to each of the members of the said Board ?

**Shrimati Om Prabha Jain :** Three ; Rs 18.20 each to Shri Kartar Singh Babbar and Shri Parkash Nath Tewari.

---

### Teachers working in Government Middle School, Sanghol, District Ludhiana

***8875. Sardar Kultar Singh :** Will the Minister for Education be pleased to—

(a) lay on the Table of the House a list of teachers working in the Government Middle School, Sanghol, district Ludhiana,

as on 28th February, 1965 together with the educational and departmental qualifications of each ;

(b) state the number of teachers out of those mentioned in part (a) above who were working on a regular basis and on six monthly basis, separately ;

(c) state whether the said teachers working on six monthly basis were appointed against vacant posts or against leave vacancies ;

(d) state whether the posts mentioned in part (c) above were vacant posts, the time since when these were lying vacant together with the dates when regular persons were appointed against the same ?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) A list containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) (i) Number of teachers working on regular basis .. 7

(ii) Number of teachers working on six months basis .. 1

(c) The teacher who worked there on six months basis had been appointed against a regular vacancy.

(d) Yes. The vacancy was not filled up on regular basis from 11th May, 1964 to 30th April, 1965. The post was shifted from Government Middle School, Sanghol, with effect from 1st May, 1965. As such, the question of filling the same on regular basis does not arise.

**Statement containing information in respect of part (a)**

| Serial No. | Name | | Educational and professional qualifications |
|---|---|---|---|
| 1 | Smt. Balvinder Kaur | .. | M.A., B.Ed. |
| 2 | Smt. Shanti Devi | ... | Middle S.V. |
| 3 | Smt. Khushwant Kaur | .. | Middle J.V. |
| 4 | Smt. Surjit Kaur | .. | Middle J.V. |
| 5 | Smt. Kirpal Kaur | .. | Matric J.B.T. |
| 6 | Smt. Pawan Sharma | .. | Matric J.B.T. |
| 7 | Smt. Parkash Wati | .. | Matric J.B.T. |
| 8 | Smt. Harbans Kaur | .. | Matric Art & Craft, Giani trained. |

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਤਾਰ ਸਿੰਘ :** ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਜਵਾਬ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

**Mr. Speaker :** This is not a supplementary.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ :** ਮੇਰਾ ਕਹਿਣਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਭੇਜਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸਦਾ ਜਵਾਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਕਈ ਦਫਾ ਅਗੇ ਇਥੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਜ਼ਬਾਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਵਾਲ ਭੇਜੇ ਉਸਦਾ ਜਵਾਬ ਵੀ ਜੇਕਰ ਉਸੇ ਜ਼ਬਾਨ ਵਿਚ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੈ।

**ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਿਰਫ ਮੋਸ਼ਨਾਂ ਬਾਰੇ ਹੀ ਕਿਹਾ ਸੀ। (It was said only in regard to motions.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਜਿਸ ਨੂੰ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਸਮਝ ਨਾ ਆਵੇ ਉਹ ਕੀ ਕਰੇ। ਸਾਰਾ ਝਗੜਾ ਵੀ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਸੇ ਗੱਲ ਦਾ ਹੈ । ਇਥੇ ਮੁਖਤਲਿਫ ਜ਼ਬਾਨਾਂ ਦੇ ਆਦਮੀ ਬੈਠੇ ਹਨ ।

---

**Corruption charge against an official of District Education Officer's Office, Ludhiana**

***8876. Sardar Kultar Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the D.E.O., Ludhiana, caught a senior official of his office red-handed while taking one hundred rupees as bribe during the general transfers of the teachers effected in 1965; if so, the name and the designation of that official together with the action taken against him;

(b) if no action has been taken against the said official, the reasons therefor;

(c) the action, if any, being taken against the D.E.O., Ludhiana for shielding a corrupt official?

**Shri Prabodh Chandra:** (a) No.

(b) and (c) : In view of (a) above, the question does not arise.

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਤਾਰ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਆਫੀਸ਼ਲ ਦੀ ਡੀ. ਈ. ਓ. ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲੀ ਭਗਤ ਸੀ, ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਇਆ, ਕਿ ਉਹ ਅਫਸਰ ਡੀ. ਈ. ਓ. ਨੇ ਰਿਸ਼ਵਤ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਪਕੜਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਵੀ ਇਸੇ ਕਾਰਨ ਹੋਈ ਸੀ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਜਿਹੜੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਤਾਰ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਰਿਪੋਰਟ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਕੋਲੋਂ ਮੰਗੀ । ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਜਿਸ ਦੇ ਕਾਰਣ ਕੇਸ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਜਾਵੇ। ਉਥੇ ਉਸ ਸੁਪ੍ਰਿੰਟੈਂਡੈਂਟ ਦੀ ਪੋਸਟਿੰਗ ਕਾਫੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ ।

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਲੁਧਿਆਣੇ ਗਏ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ 1½ ਘੰਟੇ ਤਕ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਦੇ ਰਹੇ । ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਦਾ ਕੀ ਰੀਜ਼ਲਟ ਨਿਕਲਿਆ ਸੀ।

**ਮੰਤਰੀ** : ਕਿਸੇ ਨੇ ਡੀ. ਈ. ਓ. ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਮੇਰੇ ਸਾਥੀ ਨੇ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਡੀ. ਈ. ਓ. ਬਹੁਤ ਸ਼ਰੀਫ ਬੀਬੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ

ਟਰਾਂਸਫਰ ਨਾ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਰਿਸ਼ਵਤ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੇਰੇ ਨੋਟਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ।

**कामरेड राम प्यारा :** क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि अगर किसी के बखिलाफ कंप्लेंट की जाए और उस में सदाकत भी हो तो ऐसे हालात में वज़ीर साहिब इंक्वायरी कराने के लिये तैयार है या नहीं ?

**मंत्री :** अगर कोई माननीय सदस्य अपनी ज़िम्मेदारी पर या अपने ज़ाती इल्म पर बताएं तो सरकार इन हालात में इंक्वायरी कराने के लिये तैयार है और इन की तसल्ली कराने के लिये भी तैयार है ।

---

**Complaint against District Education Officer, Ludhiana**

***8877. Sardar Kultar Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some Legislators made a complaint to the Director of Public Instruction, Punjab, and the Minister for Education in the month of May or June, 1965 against the misbehaviour of the District Education Officer, Ludhiana;

(b) whether any enquiry was made into the said complaint; if so, the results thereof, if no enquiry was made, the reasons therefor?

**Shri Prabodh Chandra :** (a) No.

(b) Does not arise.

---

**Basic Education in the State**

***8962. Pandit Mohan Lal Datta:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any scheme under the consideration of Government to re-orientate the pattern of Basic Education in schools so as to give it a dynamic agricultural and technical bias during the Fourth Five-Year Plan; if so, details thereof and the measures contemplated in this connection?

**Shri Prabodh Chandra:** Yes. The following programme is proposed to be undertaken during 1966-67— ,

| | | No. |
|---|---|---|
| (1) | Starting of Agriculture Farms .. | 10 |
| (2) | Starting of Garden Plots .. | 15 |
| (3) | Introduction of Agriculture Groups in Secondary Schools | 5 |
| (4) | Introduction of Practical-Arts in Middle and Secondary Schools | 50 |

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ :** ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਬੇਸਿਕ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਕੋਰਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਬੇ-ਫਾਇਦਾ ਇਨਕਾਰਪੋਰੇਟ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਰਿਮੂਵ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਜ਼ੇਰੇ ਗ਼ੌਰ ਹੈ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਬੇਫਾਇਦਾ ਮਹਿਸੂਸ ਹੋਣਗੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਰਾਪ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਚੰਗੀਆਂ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਣਗੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇੰਨਕਲੂਡ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

**कामरेड राम प्यारा :** क्या वजीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि क्या ऐजूकेशन डिपार्टमैंट के अन्दर कोई ऐसी एजंसी है जो इस चीज़ का रिकार्ड रखती हो कि बेसिक ऐजूकेशन हासिल करने वालों में ग्रमुक व्यक्तियों ने लाभ उठाया है? ग्रगर सरकार को पता लगा हो कि इस ऐजूकेशन का लोगों ने फायदा नहीं उठाया तो इस ऐजूकेशन को जारी रखने का क्या फायदा है ?

**मंत्री :** सरकार के पास ऐसे कोई ग्रांकड़े नहीं हैं जिस से माननीय सदस्य को यह इन्फर्मेशन दी जा सके। यह नहीं बताया जा सकता कि इस ऐजूकेशन से कितने ग्रादमियों ने प्रैक्टीकली फायदा उठाया है। मेरे लिए यह इन्फर्मेशन देनी काफी मुश्किल है।

**पंडित मोहन लाल दत्त :** क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि कई बेसिक ऐजूकेशन स्कूलों में एग्रीकल्चर का मज़मून बहुत ग्रहम है लेकिन वहां पर प्रैक्टीकल शिक्षा देने के लिए कूग्रों का पानी मुहैय्या नहीं किया जाता है। क्या सरकार इस तकलीफ को दूर करने के लिये तयार है ?

**मंत्री :** वैसे तो जिन स्कूलों में ऐग्रीकल्चर का मज़मून रखा हुग्रा है वहां पर पानी का प्रबन्ध किया हुग्रा है। मगर माननीय सदस्य पहाड़ी इलाके की बाबत कह रहे हैं, उस के बारे में ग्रर्ज़ करना चाहता हूं कि वहां पर कूएं नहीं खोदे जा सकते। इस लिए वहां पर पानी की मुश्किलात का प्रबन्ध नहीं हो सकता है।

**पंडित मोहन लाल दत्त :** मैं माननीय मन्त्री की जानकारी के लिये ग्रर्ज़ करना चाहता हूं कि जिस जगह के बारे में मैं माननीय मन्त्री का ध्यान दिला रहा हूं, वह स्कूल पहाड़ी पर नहीं है बल्कि मैदानी इलाके में है। जब वहां की पंचायत कूएं खोदने के लिए जमीन देने के लिए तैयार है तो क्या सरकार वहां पर कूग्रां खोदने के लिए तैयार है ताकि वहां के विद्यार्थियों को ग्रच्छी तरह से शिक्षा दी जा सके।

**Education Minister:** Sir, it is a suggestion for some action. If the honourable member brings a specific case to my notice, I will certainly have it looked into.

---

**Amount collected through students etc. towards National Defence Fund**

***9264. Shri Ram Saran Chand Mittal:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the amount collected by the Government as donation towards the National Defence Fund or for other similar defence funds through the students and teachers of the Government academic institutions in the State, members of inspecting staff and the members of the Directorate of Public Instruction, Punjab, separately, since 1st April, 1965;

(b) whether any instructions were issued by the Government, the Directorate of Public Instruction, or the Inspectors, to the Headmasters, Teachers and students regarding the mode of collection and the amount each individual was to collect; if so, a copy thereof be placed on the Table of the House;

(c) whether the collection was made from the students themselves or through them from their guardians or the public;

(d) whether the Government received any complaints or protests from the teachers or their representative bodies against the

employment of teachers and students for the purpose of collection;

(e) whether the Government has appointed an Inspector of Schools for collecting gold and gold ornaments through teachers and students; if so, a copy of the instructions issued to him in this behalf be placed on the Table of the House;

(f) whether any students have been asked to pay subscription or donation for other purposes also; if so, how much and for what other purposes;

(g) the total amount collected in this manner and how it has been utilised?

**Shri Prabodh Chandra:** (a) Rs 65,56,706 in cash and kind. No separate details are available.

(b) A copy of the instructions is placed on the Table of the House.

(c) Yes; from students as well as from public and their guardians through them, to some extent.

(d) No.

(e) Yes; not for collection but for persuading them for investment. A copy of instructions is placed on the Table of the House.

(f) Yes; for Teachers Welfare Fund on voluntary basis at the rate varying from 10 to 50 paise.

(g) No separate account of collections made from students alone has been maintained. About Rs 5 lakhs in all have been collected from all sources including students. No expenditure has been incurred out of it, so far..

**NATIONAL EMERGENCY**

**TOP PRIORITY**

FROM

Shri J.D. Sharma, I.A.S.,
Director of Public Instruction,
Punjab.

To

ALL THE CIRCLE EDUCATION OFFICERS, DISTRICT EDUCATION OFFICERS, AND PRINCIPALS OF GOVERNMENT COLLEGES IN THE STATE/PRINCIPALS OF GOVERNMENT HIGHER SECONDARY SCHOOLS, HEADMASTERS/HEADMISTRESSES OF GOVERNMENT HIGH SCHOOLS AND BLOCK EDUCATION OFFICERS IN THE STATE.

No. 12/7-65-OA-I(5)
Dated Chandigarh, the 9th September, 1965.

*Subject.*—National Emergency—Contribution towards "Defence Fund for Welfare of Soldiers"

SIR/MADAM,

I have the honour to state that it is strongly felt that in order to give proof of our zeal for raising the morale of our Armies, students and teachers working in the Educational Institutions should one and all contribute towards Defence Fund for the welfare of our brave soldiers defending the Motherland and facing the grave National Emergency. Although the contribution would be voluntary, I request that the students and the teachers should be approached appealing to their sense of patriotism to make, for the present, the contributions on the uniform scales indicated below so that accounting is simple and easy:—

(i) each student of Primary Classes .. 25 Paise.

[Minister for Education]

| | | |
|---|---|---|
| (ii) | each student of Middle, High and Higher Secondary classes ... | 50 Paise. |
| (iii) | College students ... | Re 1 per student. |
| (iv) | Staff in Schools and Colleges ... | one day's salary. |

2. The Heads of Institutions should maintain the record of donations received from the staff and students in a register and get the signatures of the individual donors in it to safeguard against the possibility of any mal-practices. A Committee consisting the Head of the Institution, two Senior Lecturers and two students should be immediately formed in each College while in the High /Higher Secondary Schools and Middle Schools the Committee should consist of the Head of the Institution. Two seniormost Teachers and two students besides a prominent member of Parents-Teacher Association, if available, to look after the work of collections and each Member should also, sign in the register maintained for the purpose in token of the correctness of the contributions received. The collections so made will be retained by the Head of the Institution concerned till further orders. In the case of Primary Schools, however, the Heads of Institutions would make collections in the presence of the Sarpanch or a representative deputed by the local Panchayat whose signatures shall be secured in the collection register which shall also be signed by the Head of the School. The total contribution shall then be passed on to the Block Education Officer for which receipt should be secured in the aforesaid register.

3. As already indicated all the collections thus made should be kept, till further orders, by the Principals and Headmasters of Colleges/Higher Secondary Schools/ High Schools. The collections made by the Middle Schools should be passed on to the District Education Officer under his signatures secured on the register. In the case of Primary schools, however, the collection should be kept by the Block Education Officer concerned who should take steps to visit each primary school within the shortest possible time and take charge of the collections against his signatures on the collection register.

4. Action on top priority basis should be taken in this case.

5. This circular has the broad authority of Government.

FOR DISTRICT EDUCATION OFFICERS ONLY

6. Copy each of these instructions should be sent to the private Higher Secondary, High and Middle Schools within your District for similar action. Fifty spare copies are enclosed for this purpose.

Yours faithfully,
HARBANS SINGH,
DEPUTY DIRECTOR (GENERAL ADMN).
*for* Director of Public Instruction, Punjab

No. 12/7-65-OAI (5), dated 9th September, 1965

Copy is forwarded to the Pricipals of all Private Colleges, Private Higher Secondary, High and Middle Schools in the State for necessary action. Their cooperation in this common national cause is highly desirable and is solicited.

HARBANS SINGH,
DEPUTY DIRECTOR (GENERAL ADMN.)
for Director of Public Instruction, Punjab.

Prof. Balwant Singh,
Joint Director (Schools).
Punjab Education Department.

D.O. No.13/44-65-OAI,
Dated, Chandigarh, the 22nd January, 1966.

Dear

The Minister of Education, Punjab has already addressed you for co-operation and assistance in the collection of Gold for investment in the National Defence Gold

Bonds, 1980 Blank application forms for the same have since been sent to you by the Directorate separately. Shri A.S. Shante, Circle Education Officer has been made Incharge of the Scheme so far as the Education Department is concerned.

I request that you may kindly give him full co-operation and assistance in the collection of gold in the investment of Gold Bonds as you have already done in connection with the collection of Defence and Security Relief Fund.

Yours sincerely,
(Sd.) ....
(BALWANT SINGH).

**NATIONAL EMERGENCY**

**PRIOTIRY**

**Punjab Education Department**

J.D. Sharma, I A S,
Director of Public Instruction,
Punjab.

D.O. No. DDSA-Stn-65
Dated the 27th September, 1965.

*Subject.*—COLLECTION OF PUNJAB DEFENCE AND SECURITY RELIEF FUND BY THE PUNJAB EDUCATION DEPARTMENT DISTRIBUTION OF RECEIPT BOOKS

DEAR SIR/MADAM,

It has been decided that all the teaching personnel of the Punjab Education Department would make collections from the Public which would eventually be credited to the Punjab Defence and Security Relief Fund in lumpsum at the State level. Accordingly———Receipt Books are being sent to you through a special messenger. Please arrange to distribute them within twenty four hours of their delivery in your office so that the persons concerned start making collections immediately. The distribution of these receipt books should be made to various types of institutions broadly on the following scale:—

(i) Each Government College .. 25 copies.

(ii) Each Government High/Higher Secondary School 15—20 copies, according to the number of teachers.

(iii) Each Government Middle School .. 5—10 copies, according to the number of teachers.

iv) Each Block Education Officer .. 50 copies.

(v) Balance to be kept in reserve for meeting special demand ,on District Education Officers by the aforesaid institutions.

An account of the Receipt Books should be kept against signatures of the heads ofthe institutions concerned and Block Education Officers. Detailed instructions regarding maintenance of accounts are, however, being issued separately.

2. You are requested to note that these collections are apart from the contribution of one day's salary to be made by each employee of the Department and the contribution to be realised from students regarding which instructions have already been issued—*vide* this office circular No. 10/7-65-OAI (5) , dated the 9th September, 1965. These collections are to be made from the general public and particularly from the parents of the students studying in the various institutions. Even though collections on similar lines are being made by the District authorities, the parents of the students will, it is hoped , be agreeable to make contributions when approached by the teaching personnel. In a large number of cases, parents may not have been approached by the District authorities at all and this source needs to be tapped.

3. Proper account of all the Receipt Books and collections made is to be kept by you in accordance with the instructions and procedure being laid down separately.

[Minister for Education]

It may please be ensured that the Receipt Books are collected by you subsequently from the persons concerned and duly scrutinised with a view to checking that the total amount shown to have been collected in a Receipt Book tallies with the total amount deposited with you.

4. Detailed instructions for maintaining the account of this Fund and relevant record, remission of amount and periodical intimation of the amount collected and recognition of efforts of outstanding workers in this regard would follow.

5. Please acknowledge receipt of this letter.

Yours sincerely,
(Sd.)
(J.D. SHARMA).

Shri/Smt.——————
District Education Officer,

End. No.

A copy is forwarded to the Principals of all Government Colleges and Circle Education Officers in the State (by name) for information and immediate necessary action. They should render the maximum possible co-operation in making collections towards the Fund.

(Sd.)
(J.D. Sharma,)
Director of Public Instruction, Punjab.

**Instructions for collection and maintenance of the accounts of contributions to the Punjab Defence and Security Relief Fund by the Education Department**

**NATIONAL EMERGENCY**

**TOP PRIORITY**

In view of the present National Emergency, it has been decided that the Education Department should make efforts to collect subscription for the Punjab Defence and Security Relief Fund from the public in general and parents of the students in particular by appealing to their sense of patriotism. The following detailed procedure for collection and upkeep of its accounts has been prescribed for strict compliance :—

I. AUTHORISED AGENCIES FOR COLLECTION

The following Officers of the Education Department have been authorised to raise subscription to the said Fund on behalf of Government :—

(1) All Principals of Government Colleges.

(2) All Circle/District Education Officers.

(3) All Heads of Government High/Higher Secondary Schools.

(4) All Block Education Officers.

(5) Registrar, Establishment of the Directorate.

All these Officers will collect subscriptions themselves as well as through their staff *viz.*, Professors, Lacturers, Masters/Mistresses and Teachers.

The Heads of High/Higher Secondary Schools may also collect subscription through reliable resourceful and senior students of their colleges and schools. For this purpose, a Committee consisting of two senior masters, two students and the Principal/Headmaster will be constituted. The students nominated by this Committee will collect subscription in sealed boxes issued by the Committee, Brooke Bond boxes would do,

Each box should be properly sewn with strong cloth and sealed at various places by two types of different seals. One seal should remain in the custody of the Head of the institution and the other with one senior member of the Committee. A proper record should be kept of the boxes issued to various students. The contents of each sealed box should be taken out by the Headmaster/Principal in the presence of the Committee members. The account of its contents should be kept in a separate register in the following form :

| Serial No. | Date of opening box | Name of the students who made collection | Amount | Attested by the Principal/ Headmaster | Signature of Committee Members as witness |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | Rs | | |

A regular receipt for the consolidated amount collected in each box should be issued by the Principal/Headmaster to the leader of the student-group, who collected the amount.

## II. RECEIPT BOOKS

Every D.E.O. will be supplied printed and numbered receipt Books containing twenty receipts. He will issue these Receipt Books to all authorised agencies mentioned above according to their demand and keep a detailed account of Receipt Books issued to various persons in the following form :—

| Serial No. | Receipt Book No. | Date of issue | To whom issued | Signatures of the receipient | Attested by the Issuing Authrority |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

Every authorised agency is required to countersign all the blank receipts in Receipt Book before bringing it into use in order to establish genuinness of the receipts. These authorised agencies will further issue one Receipt Book to each member of their teaching staff and a few resourceful, reliable Senior College students for collection of subscription. Each person receiving the blank Receipt Books will be required to count all the twenty receipts contained in it and record a count certificate of correctness on its fly leaf. The authorised agency will also keep detailed account of Receipt Books in the form mentioned above. Receipts Books to Middle School Headmasters will be supplied direct by the D.E.O. Primary School teachers will get Receipt Books from their respective Block Education Officers, through the Heads of the Centre Schools who will receive them from their irrespective Block Education Officers.

[Minister for Education]

### III. COLLECTIONS

No collection should be accepted without the issue of a regular receipt by the official receiving the subscription. No receipt should be issued for less than one rupee. A collective receipt exceeding one rupee may be issued in case a subscription of individual donor falls short of one rupee. Every official making collections shall hand over his collections on every Wednesday to the Officer from whom he received the Receipt Book and obtain a simple receipt in a separate note Book regarding deposit of the collection. As soon as his Receipt Book is completed, he/she should render the account of his collections to the officer concerned in the following form and also hand over counterfoils of Receipt Book to him/her for record.

Account of Receipt Book No.——————.

| Date | *Receipt No.*<br>Collections | | Amount |
|---|---|---|---|
| | | | Rs |
| | 1. | .. | |
| | 2. | .. | |
| | 3. | .. | |
| | 4. | .. | |
| | 5. | .. | |
| | 6. | .. | |
| | 7. | .. | |
| | 8. | .. | |
| | 9. | .. | |
| | 10. | .. | |
| | 11. | .. | |
| | 12. | .. | |
| | 13. | .. | |
| | 14. | .. | |
| | 15. | .. | |
| | 16. | .. | |
| | 17. | .. | |
| | 18. | .. | |
| | 19. | .. | |
| | 20. | .. | |
| | Total | .. | |

*Deposits*

Amount paid on

| | | |
|---|---|---|
| Total | .. | |
| Balance | ... | Nil |

The Officer issuing Receipt Books will also keep detailed and date-wise account of collections made by every individual in the following two forms :—

**FORM 'A'**

**Account of actual receipts**

| Date | *Receipt Book No.* / Name of the Collector | *Receipt Book No.* / Name of Collector | *Receipt Book No.* / Name of Collector | And so on | Total |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

**FORM 'B'**

**Receipt-wise account of collections**

| Receipt No. | Receipt Book No. | Receipt Book No. | Receipt Book No. | Total |
|---|---|---|---|---|
| 1. | | | | |
| 2. | | | | |
| 3. | | | | |

[Minister for Education]

| | Receipt No. | Receipt Book No. | Receipt Book No. | Receipt Book No- | Total |
|---|---|---|---|---|---|
| 4. | | | | | |
| 5. | | | | | |
| 6. | | | | | |
| 7. | | | | | |
| 8. | | | | | |
| 9. | | | | | |
| 10. | | | | | |
| 11. | | | | | |
| 12. | | | | | |
| 13. | | | | | |
| 14. | | | | | |
| 15. | | | | | |
| 16. | | | | | |
| 17. | | | | | |
| 18. | | | | | |
| 19. | | | | | |
| 20. | | | | | |
| Total .. | | | | | |
| *Deduct*— amount received | | | | | |
| Balance .. | | | | | |

The Primary School teachers will hand over their collections to centre teacher once in a week, on every Wednesday. Every Centre teacher will keep account of the amount received by him in the manner prescribed above and pass on the same to the concerned B.E.O., the next day for consolidation. All Professors, Lecturers, Masters, Teachers of Colleges and High/Higher Secondary Schools, will similarly render their accounts and collections to their respective Principals and Headmasters. The Headmasters of Middle Schools will render account of their collections direct to their D.E.Os. on every Wednesday.

All the authorised agencies will further communicate the amount collected by them weekly on Fridays to respectives D.E.O. who will consolidate collections for the

whole District and pass on the information weekly on every Saturday to the Directorate by each collecting agency in the following form :—

*Statement of collections of D and S. Fund for the week ending (Wednesday)*

| Serial No. | Name/Designation of the Collecting Agency | Amount Collected | |
|---|---|---|---|
| | | During the week | Uptodate |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | | |

These statements will further be consolidated in the Directorate on every Monday.

**Bank Account**

Every D/D Officer of the Department who is a collecting agency will pass on his collections when their amount exceeds Rs 200 to the respective D.E.O. by drafts in favour of the D.E.O. All D.E.Os. will open Bank accounts with State or any other local Bank and deposit all type of receipts, viz., cash, cheques and drafts, etc. in the said account. Cheques and Draft received by any collecting agency should be in favour of the D.E.O. concerned only.

**Cash Account**

Every D.E.O. receiving Fund collections from various sources is to maintain a separate cash account in Form PFR-I and observe rules analogous to rules 2.2 to 2.7 of Punjab P.F.R. Vol. I, Part I. He should also maintain a Ledger Account in respect of every authorised agency for collection.

*Record of Used Receipt Books*

All authorised agencies who obtain Receipt Book from their respective D.E.Os. will return all counterfoils——————used or unused——————————to them. They will also furnish detailed account of their collections on Form A and B mentioned above under para III-Collections. The D.E.O. will keep them in record after check.

*Inspection of Accounts*

The Account of all these collections will be open to inspection by an official authorised by the Department.

*Expenditure*

No expenditure is permissible to be incurred out of this Fund except bank charges incurred on obtaining bank drafts for remittance of collections from one place to another.

*Miscellaneous*

It may please be noted again that these collections are apart from the contribution of one day salary to be made by every employee of the Department and the contributions to be realised from students as per instructions contained in this office circular No. 10/7-65-OAI(5), dated 9th September, 1965.

*Recognition*

The services of officials who put in special efforts to collect maximum amount of contributions towards this fund will be recognised by Government by grant of appreciation letters and even with advance increments.

---

## Hostel Building for Government College, Narnaul

***9265. Shri Ram Saran Chand Mital :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the date when the Government College, Narnaul, started functioning ;
(b) whether the said college has got its own building for hostel purposes ; if not ; the time by which one is likely to be constructed ;

(c) the total number of college students of the said college at present in a rented building at Narnaul ?

**Shri Parbodh Chandra :** (a) From the Academic Session of 1954

(b) No, when the finances of the State will permit.

(c) 17

---

## Languages Department

***9449. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Languages Department which has been functioning for the last 9 years is still a temporary Department ; if so, the reasons for which it has not so far been made permanent ;
(b) The time within which the said Department is likely to be made permanent ?

**Shri Prabodh Chandra :** The requisite information is laid on the Table of the House.
(a) Yes.

The Department of Languages came into existence as a result of integration of the Languages Department of the erstwhile Punjab and Punjabi Department of the erstwhile Pepsu, on merger of these two States on Ist November, 1956. The Punjabi Department of the erstwhile Pepsu was made permanent on the 11th August, 1956, whereas the Languages Department of the erstwhile Punjab remained temporary upto the date of merger. The question with regard to the character of the integrated Department whether temporary or permanent came on the surface, when the Finance Department, while examining the proposal of the Department for the conversion of five years old temporary posts into permanent ones, treated the Department as a temporary organisation in its advice dated 24th July,

1962, and desired that the case be taken to the Committee of Officers constituted for the purpose. The Chief Secretary was requested to advise whether the Department was to be treated as permanent or temporary. In reply on the 6th May, 1963 he informed that the Punjabi Department of the erstwhile Pepsu ceased to exist on the merger with the Languages Department of Punjab and, therefore, the integrated Department of Languages could not be treated as permanent, unless specifically declared as such by Government. The proposal remained pending due to the National emergency prevailing in the country, till the Officers, Committee again resumed its working in early, 1964, and after examining in its meeting held on 3rd August, 1965, agreed to recommend the proposal of the Administrative Department. The case is still pending for final decision.

(b) As early as possible.

**श्री फतेह चन्द विज :** क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि इस महकमे को पक्का करने के लिये मामला 10 साल से लटक रहा है, इस के अलावा इस डिपार्टमैंट को पक्का करने के लिये एडवाइज़री कमेटी की भी रिपोर्ट आ चुकी है और इन चीज़ों को सामने रखते हुए यह डिपार्टमैंट कब तक पक्का कर दिया जाएगा ?

**Education Minister :** Sir, the whole matter is being looked into and an early decision will be taken.

**कामरेड राम प्यारा :** क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि किसी महकमा को पक्का करने के लिये सरकार ने क्या पालिसी बनाई हुई है ? कई डिपार्टमैंटस के अन्दर 5 साल के अन्दर अन्दर एम्पलाइज़ पक्के कर दिए जाते हैं और कई डिपार्टमैंटस के अन्दर 9 साल तक भी लोग पक्के नहीं किए जाते। इस की क्या वजह है ?

**मंत्री :** कई कर्मचारी प्लैंड स्कीमों के अन्दर काम करते हैं और कई नान-प्लैंड स्कीमों के अन्दर काम करते हैं। कई ऐसी स्कीमें हैं जहां पर सालहा साल कंटीन्युऐंस की मंज़ूरी लेनी पड़ती है। इन के लिए कई अन्य जगहों से रुपया सरकार के पास आता है। जब तक वह डिपार्टमैंटस हमें इन्हें पक्का करने के लिए कह नहीं देते तब तक इन को पक्का नहीं किया जा सकता।

**श्री फतेह चन्द विज :** क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि यह डिपार्टमैंट किस स्कीम के तहत चल रहा है ?

**मंत्री :** यह डिपार्टमैंट प्लैन और नान-प्लैन स्कीमों दोनों स्कीमों के अधीन आता है।

**श्री फतेह चन्द विज :** क्या वज़ीर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि क्या इस डिपार्टमैंट को न पक्का करने की वजह यह है कि यह डिपार्टमैंट दोनों स्कीमों के अधीन चल रहा है ?

**मंत्री :** इस डिपार्टमैंट को नज़र अन्दाज़ नहीं किया गया। अगर आप इस के बारे में फिगर्ज़ देखें तो आप को पता चलेगा कि इस डिपार्टमैंट के खर्च में काफी इज़ाफा हुआ है। पहले इस डिपार्टमैंट को हिन्दी और पंजाबी भाषा को समृद्ध करने के लिये 3,500 रुपए दिए जाते थे लेकिन अब इस की राशि 12 लाख के लगभग है। इस से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है कि इस डिपार्टमैंट को नज़रअन्दाज़ नहीं किया जा रहा है।

**कामरेड राम प्यारा :** मनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि खर्च तीस हज़ार से बढ़ कर 12 लाख तक पहुंच गया है। मैं पूछना चाहता हूं कि खर्च बढ़ गया है इस की नसैसटी भी महसूस कर रही है तो परमानैंट करने में क्या हेज़ीटेशन है?

**मंत्री :** मैं ने अर्ज़ किया है कि सारे मसले छोड़ कर इस का बहुत जल्दी आखिरी फैसला किया जाएगा।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਕੀ ਵਿਦਿਆ ਮੰਤਰੀ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਲੈਂਗੁਏਜ ਡੀ-ਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਰੀਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਈ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਨਫਰਮ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਜਨਾਬ ਆਲੀ, ਲੈਂਗੁਏਜ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਹਰ ਡੀਪਾਰਟ-ਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਰੀਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨਾਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੱਕਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਪਰ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਦਸ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਜਦੋਂ ਤਕ ਆਮਦਨੀ ਦਾ ਯਕੀਨ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋਈ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਪੁਟਦੀ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਰੀਅਲਾਈਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਲੈਂਗੁਏਜ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵੀ ਤੋੜਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

**ਮੰਤਰੀ :** ਹਾਂ ਜੀ ਤੋੜਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਹੁਕਮ ਇਲਾਹੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮੋੜਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ।

---

## UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

### Grades of pay of employees of Government Ayurvedic/Allopathic Dispensaries.

**3191. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the grades of pay of the employees of the Government Ayurvedic Dispensaries and the Allopathic Dispensaries in the State are different ; if so, the reasons therefor ;

(b) the qualifications prescribed for the employees working in the Government Ayurvedic/Allopathic dispensaries at present alongwith their grades of pay and the nature of duties entrusted to each?

**Shrimati Om Prabha Jain :** (a) Yes ; due to different professional qualifications and duties.

(b) A statement containing the requisite information is enclosed.

**Statement Showing the categories of Medical Personnel employed in Allopathic/Ayurvedic Dispensaries, their qualifications and grades of pay, etc.**

*Allopathic Dispensaries*

| Designation of the post | Qualifications | Grade of pay | Duties |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. Assistant Medical Officers | M.B.,B.S. (Selection Grade) | Rs. 400—20—600 | 1. To control the administration of the Dispensary staff |
| Ditto | L.M.S. | 150—10—200/15—275/15—380 | 2. Examination, diagonosis and treatment of patients attending the Dispensaries in-outdoors as well as indoors |
| Ditto | L.M.S. with F.Sc. (Medical Group) or its equivalent or higher qualifications | To start at Rs. 200 in the scale of 150—10—200/15—275/15—380 | 3. To undertake the minor operation, emergencies, medicolegal work |
| | | | 4. To correspond with the Chief Medical Officer and other higher officers where and when necessary |
| | | | 5. To attend the history of both private and Public sector, etc. |
| 2. Pharmacist | (a) Matric with Science (Physics or Chemistry) | 75—5—100/5—125 | 1. Pharmacological work e.g., dispensing of mixtures and medicines, performing of injections and Dressing etc |
| | (b) Is a registerd Pharmacist under section 30(a) or 31(e) of the Pharmacy Act, 1948 | .. | 2. Clerical work regarding purchase of medicines. Verification and disposal of other routine work e.g., maintenance of |

[Minister for Health]

| Designation of the post | Qualifications | Grade of pay | Duties |
| --- | --- | --- | --- |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | or under section 32 of the Act *ibid* provided that such persons :— | | stock register in the Hospital/Dispensaries |
| | (i) Shall hold a degree or Diploma in Pharmacy or Pharmaceutical Chemistry or a Chemist and Druggist Diploma of a recognised University or Institution as the case may be or prescribed qualifications granted by an authority outside | | 3. Helping the Assistant Surgeon, in clerical work e.g.<br>(a) Hospital admissions.<br>(b) Hospital discharges.<br>(c) Statistic work.<br>(d) Routine correspondence<br>(e) Contingent bills.<br>(f) Diet bills<br>(g) Preparation of monthly pay bill etc., etc. |
| | (ii) has passed an examination recognised as adequate by Government for compounders or Dispensers or Pharmacists | | In actual practice a pharmacist apart from pharmacological work, is a general assistant to the Medical Officer |
| 3. Dai | Trained Dai | 32—1—42 | To attend to the confinement cases. |
| *Ayurvedic Dispensasies* | | | |
| 1. Vaidyas/Hakims | A diploma or Degree in Ayurveda or Unani Tibb of any recognised University or Board of Indian System of Medicine established by Law in India or any teaching institution recognised by Government | 150—10—200/15—275/15—380 (five years)<br>120—8—200/10—300 (four years)<br>100—8—220/10—250 (three years) | 1. To control the administration of the dispensary staff.<br>2. Examination, diagnosis, and treatment of patients attending the dispensaries in outdoor<br>3. To correspond with the Chief Medical Officers and other higher officers where necessary. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | 4. To arrange and to disburse the salaries of dispensary staff.<br>5. To do all the clerical work of the Dispensary and maintaining of accounts of store and stock of the Dispensary. |
| 2. | Dispensers/Compounders | Qualified Unani or Ayurvedic compounder from any recognised Institution | 39—1—49 | To dispense with the prescribed medicine under the directions of Vaidya/Hakims Incharge<br>2. To do dressing and provide other facilities to the patients as directed by the Incharge.<br>3. To assist the Vaidya/Hakim in other multifarious duties of Dispensaries.<br>4. To maintain the accounts of medicines given to him for dispensing purposes and work out monthly balances thereof. |
| | Dai | Trained Dai | 32—1—42 | 1. To attend to confinement cases. |

**Different grades of Pharmacy preparer and Ayurvedic/Unani Dispenser**

**3200. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the grade of the Pharmacy Preparer in the Government Central Pharmacy, Patiala is higher than the grade of pay of an Ayurvedic/Unani Dispenser ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether it is also a fact that the qualifications prescribed for the post of Pharmacy Preparer are lower than those of an Ayurvedic/ Unani Dispenser ; if so, the reasons for which grade/pay of the latter has not been revised ?

**Shrimati Om Prabha Jain :** (a) Yes ; the posts are not identical.

(b) No ; the question does not arise .

**Timings of Ayurvedic/Unani and Allopathic Dispenser**

**3201. Comrade Makhan Singh Tasikka :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the working hours of the Ayurvedic/ Unani dispensaries in the State are different from those of the Allopathic dispensaries ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether the Government has considered any proposal to introduce uniform timings in all the above mentioned dispensaries ; if so, the result thereof ?

**Shrimati Om Prabha Jain :** (a) Yes. There was no Ayurvedic Directorate in Punjab before the integration of Pepsu and Punjab. The timings fixed by the Pepsu Directorate before integration were retained and are still continuing.

(b) The question of introducing uniform timings is being considered.

**Cases of workers received by Conciliation Officer, Ludhiana**

**3202. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the particulars of the cases received by the Conciliation Officer, Ludhiana, from 1st January, 1965 to date through the Ludhiana Iron and Steel Workers' Union (Regd.) Millerganj, Ludhiana and the District Textile Workers' Union (Regd.) Millerganj, Ludhiana ;

(b) the dates when each of the cases referred to in part (a) above was received by the said Officer, the dates when each of the cases was decided and the decision in each case ;

(c) whether it is a fact that more than 150 cases of workers regarding the minimum wages disputes relating to March, 1965, are still pending with the above-mentioned Conciliation Officer, if so, the reasons thereof ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) & (b) Statements showing the requisite information are laid on the table of the House.

(c) There are 81 (and not 150) dispute cases of workers containing *inter alia* demand regarding minimum wages, pending with the Conciliation Officer, Ludhiana. Out of these the workmen of 24 factories dis-associated themselves from the dispute or left service after having received their dues in full and final settlement. The parties were persuaded to refer the remaining 57 cases for voluntary arbitration. A final reply from the

union in this connection was received by the Conciliation Officer, Ludhiana. on 3rd January, 1966. The Conciliation Officer, Ludhiana remained on duty at Amritsar in connection with the disbursement of loan to industrial workers from 3rd January, 1966 onward almosr continuously. As such he could not submit his final report.

[Minister for Irrigation & Power]

**Statement showing the particulars of the demand notices served through Ludhiana Iron and Steel Workers Union Ludhiana**

| Serial No. | Name of factory | Date of receipt of the demand notice | Date of disposal by Conciliation Officer | Recommendations of the Conciliation Officer | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | M/s Ludhiana Steel Rolling Mills, Ludhiana | 14-1-65 | 24th February, 1965 | Settled under section 12 (3) | |
| 2 | M/s Sital Metal Industries, Ludhiana .. | 15-1-65 | Report sent *vide* No. 3012, dated 27th March, 1965 | Recommended for rejection of the case | |
| 3 | M/s Bhoudey Electric Engineering Co., Ludhiana | 1-1-65 | 18th January, 1965 | Settled under setion 18(1) | |
| 4 | M/s Kailash Industry, Ludhiana | 26-2-65 | *Vide* No. 2915, dated 15th March, 1965 | Recommended for rejection of the case | |
| 5 | M/s Deluxe Engineer Works, Ludhiana | 15-4-65 | 10th May, 1965 | Settled under section 12 (3) | |
| 6 | M/s P.K. Traders, Ludhiana | 15-5-65 | 11th June, 1965 | Referred for voluntary arbitration | |
| 7 | M/s Pretty Cycle Industry, Ludhiana | 15-5-65 | 19th May, 1965 | Withdrawn by the workmen | |
| 8 | M/s Sudarshan Engineering Works, Ludhiana | 20-5-65 | Report sent *vide* No. 3308, dated 5th June, 1965 | Recommended for rejection | |
| 9 | M/s P. K. Traders, Ludhiana | 4-6-65 | 11th June, 1965 | Referred for voluntary arbitration | |
| 10 | M/s Sital Metal Industreies, Ludhiana | 14-6-65 | 2nd July, 1965 | Settled under section 12( 3) | |
| 11 | M/s Ganesh Engineering Corporation, Ludhiana | 12-10-65 | 21st October, 1965 | Ditto | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 12 | M/s Deluxe Engineering Works, Ludhiana | 16-11-65 | 30th November, 1965 | | Ditto | |
| 13 | M/s Jiwan Engineering Works, Ludhiana | 19-11-65 | 21st December, 1965 | | Ditto | .. |
| 14 | M/s T. R. Chopra & Sons, Ludhiana | 2-2-66 | Pending | Pending | .. | The Conciliation Officer, has been on duty for loan distribution at Amritsar since 3rd January, 1966 almost continuously. |

[Minister for Irrigation & Power]

Statement showing the particulars of demand notices served through District Textile Workers Union Miller Ganj Ludhiana

| Serial No. | Name of the Factory | Date of receipt of demand notice | Date of decision | Recommendations of the Conciliation Officers | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | M/s Oswal Woollen Mills, No. 3, Ludhiana | 18-1-65 | Report sent to Labour Commissioner, vide No. 2735, dated 13th February, 1965 | Recommended for rejection of the case | .. |
| 2 | M/s Oswal Woollen Mills, No. 3, (Weaving Khata), Ludhiana | 18-2-65 | *Vide* No. 2987, dated 25th March, 1965 | Ditto | .. |
| 3 | M/s Owswal Woollen Mills, No. 3, (Spining Khata,) Ludhiana | 24-2-65 | *Vide* No. 2986, dated 25th March, 1965 | Ditto | .. |
| 4 | M/s Kabir Dyeing, Ludhiana .. | 2-3-65 | 22-3-65 | Settled under section 12(3) | .. |
| 5 | M/s International Woollen Mills, Ludhiana | 6-3-65 | 7th April, 1965 | Ditto | |
| 6 | M/s Indian Shoddy Mills, Ludhiana | 19-3-65 | *Vide* No. 3311, dated 2nd February, 1965 | Recommended for rejection of the case | .. |
| 7 | M/s Gulshan Textile Mills, Ludhiana .. | 19-3-65 | *Vide* No. 3272, dated 20th May, 1965 | Ditto | |
| 8 | M/s Jaipal Weaving Factory, Ludhiana | 22-3-65 | *Vide* No. 3145, dated 20th April, 1965 | Withdrawn by the workmen | |
| 9 | M/s Parbhat Woollen Mills, Ludhiana .. | 27-4-65 | *Vide* No. 3310, dated 2nd June, 1965 | Recommended for rejection of the case | .. |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 10 | M/s B. S. Textile, Ludhiana .. | 27-4-65 | *Vide* No. 3614, dated 3rd August, 1965 | Ditto | |
| 11 | M/s Gulshan Textile, Ludhiana .. | 29-5-65 | 10th June, 1965 | Settled under section 18(1) | .. |
| 12 | M/s Swadeshi Karyala, Ludhiana | 20-5-65 | *Vide* No. 3309, dated 2nd June, 1965 | Recommended for rejection of the case | .. |
| 13 | M/s Kabir Dyeing , Ludhiana .. | 8-6-65 | *Vide* No. 3553, dated 24th July, 1965 | Ditto | .. |
| 14 | M/s Rajput Store, Ludhiana .. | 14-6-65 | 28th July, 1965 | Settled under section 12 3) | .. |
| 15 | M/s Ram Lal and Sons, Ludhiana .. | 14-6-65 | 28th July, 1965 | Ditto | .. |
| 16 | M s Girson Mills, Ludhiana .. | 25-6-65 | *Vide* No. 3558, dated 28th July, 1965 | Recommended for rejection of the case | .. |
| 17 | M/s Jawahar Textile, Ludhiana .. | 25-8-65 | *Vide* No. 3845, dated 10th September, 1965 | withdrawn | .. |
| 18 | M/s Sat Pal-Madan Lal, Weaving Factory, Ludhiana | 16-9-65 | *Vide* No. 3904, dated 24th September, 1965 | Do | |
| 19 | M/s Sethi Textile Mills, Ludhiana | 10-9-65 | *Vide* No. 4027, dated 20th October, 1965 | Recommended for reference of the case | |
| 20 | M/s Girson Mills, Textile Department, Ludhiana | 13-10-65 | *Vide* No. 4301, dated 24th December, 1965 | Ditto | ... |
| 21 | M/s Style Knitting Works, Ludhiana .. | 1-11-65 | 13th December, 1965 | Settled under section 12 (3) | .. |
| 22 | M/s Cashmere Woollen Mills, Ludhiana | 10-11-65 | *Vide* No. 2, and dated 3rd January, 1966 | Recommended for reference of the case | ... |
| 23 | M/s Girson Mills Textile Department, Ludhiana | 16-11-65 | *Vide* No. 4303, dated 24th December, 1965 | Recommended for reference | .. |
| 24 | Ditto | 22-11-65 | *Vide* No. 4302, dated 24th December, 1965 | Ditto | .. |
| 25 | M/s Behari Textile, Ludhiana .. | 6-12-65 | Pending | .. | The Conciliation Officer, |

[Minister for Irrigation & Power]

| Serial No. | Name of the Factory | Date of receipt of demand notice | Date of decision | Recommendations of the Conciliation Officers | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | has been on duty for loan distribution at Amritsar since 3rd January, 1966 almost continuously |
| 26 | M/s International Woollen Mills, Ludhiana | 27-12-65 | Pending | .. | Ditto |

**Pay Scales of Radiographers working in different Hospitals**

**3203. Comrade Makhan Singh Tarsikka** : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there are differences in the pay scales of the Radiographers working in the Rajindra Hospital, Patiala, the Medical Education and Research Institute, Chandigarh and the V. J. Hospital, Amritsar ; if so, the reasons therefor ;

(b) the names, addresses and qualifications of the Radiographers at present working in the Hospitals mentioned above together with their pay scales in each case ;

(c) the dates when each of the persons referred to in part (b) above first took charge of his post in the Hospital/Institute mentioned above ?

**Shrimati Om Prabha Jain** : (a) There is no difference between the pay scales of Radiographers working at Rajindra Hospital, Patiala and V. J. Hospital, Amritsar. However a post of Senior Radiographer in the scale of Rs 150—10—250 exists at V. J. Hospital, Amritsar. There is no post of Radiographer at the Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Chandigarh. However, posts of Senior /Junior Technicians (Radiology) and Senior / Junior X-Ray Technicians (Radiology) exist in this institution.

(b) & (c) A statement is attached herewith.

Particulars of Radiographers working at Rajendra Hospital, Patiala

| Serial No. | Name | Address | Qualifications | Pay Scales | Date of joi[ning] |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | Rs | |
| 1 | Shri Khushi Ram Kapur | C/o Shri Chet Ram Kacha Patiala, Patiala | Matric with Science and Trained Radiographer | 70—4—90/5—120 | 1-8- |
| 2 | Shri Suresh Kumar | C/o Shri Kirpa Ram, Kapurthala | Ditto | Ditto | 30-6- |
| 3 | Shri Nirmal Bhatnagar | C/o Shri Bhagwan Sarup, 'B' Tank, Patiala | Ditto | Ditto | 4-11- |
| 4 | Shri Vidya Sagar Sharma | C/o Shri Jagan Nath, Chatta Nanu Mal, Patiala | Ditto | Ditto | 8-6-5 |
| 5 | Shri Mohan Lal Gupta | C/o Village and Post office Duddni, Tehsil Sunam, District Sangrur | Ditto | Ditto | 1-5-6 |
| 6 | Shri Baldev Singh | C. No. 843, Mohalla Khassian, Patiala | Ditto | Ditto | 7-4-6 |
| 7 | Shri Naubat Rai | House No. 243/8, Sirhindi Gate, Patiala | Ditto | Ditto | 7-4-6 |
| 8 | Shri Bishamber Nath | House No. 2460, Sachdeva Street, Fazilka | Ditto | Ditto | 25-11-64 |
| 9 | Shri Gurmail Singh | H/16, Rajindra Hospital, Patiala | Ditto | Ditto | 1-5-65 |
| 10 | Shri Raj Kumar Jain | C/o Shri Balraj Jain, Chatta Nanu Mal, Patiala | Ditto | Ditto | 6-12-63 |
| 11 | Shri Chaman Lal Jain | C/o Shri Keora Ram Jain, Chatta Nanu Mal, Patiala | Ditto | Ditto | 26-11-64 |

**Particulars of Radiographers working at V.J. Hospital, Amritsar**

| Serial No. | Name | Address | Qualifications | Pay Scales | Date of Joining |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | Rs | |
| 1 | Shri Harbans Singh | X-Ray Department, V.J. Hospital, Amritsar | Matric with Science and Trained Radiographer | 70—4—90/5—120 | 21-7-55 |
| 2 | Shri Harnam Singh | Ditto | Ditto | Ditto | 11-10-65 |
| 3 | Shri M.K. Joshi | Senior Radiographer, V.J. Hospital, Amritsar | Ditto | 150—10—250 | 1-8-34 (Promoted as Senior Radiographer with effect from 15th June, 1965) |

## Quota Holders of Wool Top and Art Silk in Amritsar District.

**3204. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state the names and addresses of those who are getting quotns of wool tops and art silk in Amritsar district at present, together with the quantity thereof being given in each case ?

**Shri Ram Kishan :** There being no price/distribution control on art silk the question of its quota does not arise. The quota of wool tops is allotted to the units concerned by the Textile Commissioner,Bombay(Government of India) direct and the State Government have no information in this regard,

## Implementation of Recommendations made by the Police Commission

**3205. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the details of the recommendations of the Police Commission regarding —

(i) Gazetted Police officers ;

(ii) Inspectors, Sub- Inspectors and Assistant Sub-Inspectors of Police ;

(iii) Head Constables and Constables ;

(b) the reasons for which the recommendations made regarding the Sub-Inspectors of Police have not so far been implemented ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) and (b) The Punjab Police Commission Report is a big and comprehensive Report involving administrative and finanacial implications. The recommendations are being examined one by one. It is not in the public interest to disclose the details of the various recommendations made in the Report at this stage.

## Detenus Released on Parole

**3207. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the names of the detenus detained under the Defence of India Rules in the State who applied for their release on parole jail wise during the period from the Ist December, 1965 todate, together with the dates of their applications, jail wise ;

(b) the details of the reasons given by each detenus in his application such as attending marriages or other ceremonies etc. and the dates when such ceremonies were to take place ;

(c) the names of the detenus out of those mentioned in part (a) above who were released on parole ;

(d) the dates on which each of them was given information regarding the grant of paroles together with the details of the sureties demanded from each ;

(e) the names of those who actually availed of parole and the dates on which they went on parole ?

**Sardar Darbara Singh :** (a—e) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

**Statement showing information in reply to part (a) to (e)**

| Serial No. | Name of detenu who applied for parole | Name of Jail | Date of submission of application | Date of receipt of application | Reasons for parole | Date of ceremony | Name of those who were released | Date of intimation | Details of sureties | Name of those who actually went on parole | Date on which went on parole |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 1 | Kartar Singh | Hissar | 27-1-66 | 29-1-66 | To attend death ceremonies of his father-in-law | 6-2-66 | Kartar Singh | 4-2-66 | Two sureties of 10,000 each | Kartar Singh | 5-2-66 |
| 2 | Prem Chand Bhardwaj | Do | 1-2-66 | 8-2-66 | To attend to domestic affairs | | Under consideration with the Government | | | | |
| 3 | Harkishan Singh Surjit (His request for extension of parole on grounds ailment was, however, rejected) | Delhi | 2-1-66 | 4-1-66 | To attend marriage of his sister's daughter | 29/30-1-66 | Harkishan Singh | 22-1-66 | Two sureties of 10,000 each | Harkishan Singh | 28-1-66 |
| 4 | Vidya Dev Longowal | Nabha | 17-12-65 | 23-12-65 | To attend marriage of his niece | 16-1-66 | .. | 13-1-66 | Ditto | He refused to avail the parole that he will not be able to furnish sureties bonds in time | |
| 5 | Chanan Singh Dhut | Sangrur | 27-1-66 | 27-1-66 | To attend marriage of his son | 13-2-66 | Chanan Singh | 4-12-66 | Ditto | Chanan Singh | 7-2-66 |
| 6 | Rachhpal Singh | Do | 5-1-66 | 10-1-66 | For participation in the election of Vice President of M.C, Hissar | | It was not considerd necessary by Government to allow him to particpate in the election and as such it was rejected and necessary intimation was sent on 22nd November, 1966 | | | | |

[Home Minister]

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | Satya Mandan | Sangrur | 28-1-66 | 1-2-66 | For illness of his wife | .. | Granted parole by Government on 21st Feburary, 1966 | | | Will be released after necsssary suretes bonds are furnished by him | |
| 8 | Gian Singh | Do | 30-12-65 | 31-12-65 | In connection with death ceremony of his mother | .. | Gian Singh | 31-12-65 | Ditto | Gian Singh | 5-1-66 |
| 9 | Dalip Singh | Do | 19/20-1-66 | 20-1-66 | In connection with death of his father | .. | Granted parole by Government on 21st January, 1966 | | | Will be released after necessary sureties bonds are furnished by him | |
| 10 | Makhan Singh Tarsikka | Patiala | 7-1-66 | 10-1-66 | In connection with his illness | .. | Makhan Singh | 15-2-66 | Do | Makhan Singh | 25-2-66 |
| 11 | Gurbax Singh | Do | 6-1-66<br>7-1-66<br>13-1-66<br>11-2-66 | 14-1-66<br>17-1-66<br>29-1-66<br>15-2-66 | In connection with marriage of his brother's daughter | | Not released | | | | |

## Establishment of Heavy Industry in Punjab

**3209. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government sent any memoranda to the Union Government during the year 1965-66 for the establishment of some Heavy Industry in the State ; if so, the contents thereof ;

(b) whether the Government have achieved any success in this respect ; if so, to what extent and the details thereof ; if there has been no success, the details of the replies received from the Union Government be placed on the Table of the House ?

**Shri Ram Kishan :** (a) Yes. A copy of D.O. No. LMI/21/Misc/5381-A, dated the 9th February, 1965 to the then Prime Minister of india is laid on the Table of the House.

(b) Yes. We have been assure that Punjab will get its due share so far as the location of central public sector projects is concerned.

*Copy of D.O. No. LMI/21/Misc/5381-A, dated the 9th February, 1965, from Shri Ram Kishan, to Shri Lal Bahadur Shastri, Prime Minister, Government of India, New Delhi*

You will kindly excuse me for bringing to your notice the fact that there is a widely-held feeling of grievance in this State that the principle of balance regional development is not being adequately observed in determining the location of new central industrial projects in the country. It is felt that the Punjab State has been allocated disproportionately meagre share out of the centrally sponsored industrial projects. During the period of the first three Plans, the total financial outlay on these projects aggregated to about Rs 2,130 crores.As against this the Punjab was allotted only two projects with the total capital investiment of about Rs 30 crores which constituted only 1.4 per cent of the total investment. Even out of these two projects, one namely the Nangal Fertilizer Factory is more a liability than an asset to the State. This factory is intensively power based and takes away a good portion of the power produced at Bhakra, thereby thwarting new industries from coming up in the State and in its turn it neither gives any large scale employment nor generates any new or ancillary industrial growth.

2. It is sometimes argued that investment in Steel Plants, which must necessarily be located in close proximity to iron-ore and coal deposits, should not be reckoned while calculating the share of central investments in various regions. You will kindly agree that this logic is entirely fallacious and at several forums it has been conceded at the highest level that location of central projects should be so selected, that as far as possible an equitable share of the central investment in public sector projects, should fall to the share of various States; and that the areas where deposits of iron-ore, coal or oil do not occur, should receive other central projects which do not need to be located necessarily near such deposits. Consequently it is only fair to expect that States like Punjab which cannot get Steel Plants or oil refineries, should get projects like Heavy Electricals, Compressors Plants and the like, so as to raise the central capital spending to an equitable size.

3. During the period of the first three plans, the State's industrial growth even in the private sector has been hampered owing mostly to the situation obtaining as a consequence of partition. Thus, with inadequate allocations out of the public sector projects and slow growth rate in the private sector, the State has continued to remain industrially very backward and the State's economy continues to be heavily based on agriculture. Nearly 47 per cent of the net output and 66 per cent of employment is accounted for by agriculture an d allied activities. The contribution of industry is only about 11 per cent on output and 9.3 per cent in employment. The percentage of indus-

[Chief Minister]

trial employment in the organised sector in the State comes to only about 0.6 as against over 2 per cent in West Bengal, 1.97 in Maharashtra and 1.72 in Gujrat, Our *per capita* industrial investment also stands at the low level of Rs 42.51 as compared to Rs 153.54 in West Bengal and Rs 170.54 in Maharashtra.

4. The Fourth Plan period is likely to be of decisive importance in determining the prospects of industrial progress in this State and failure to build up a sufficiently strong industrial base during this period might perpetuate the State's backwardness in this sphere almost for ever. Our existing industrial economy is dominated by small scale industries, which in the future will be able to survive not independently but only as ancillary to large scale and heavy industries.

5. We have made detailed representations , supported by facts and figures, some time back to Government of India, for the location of three new projects in the State viz., heavy electricals, ball bearings and air compressors and heavy pumps. We have abundance of engineering skills and an ambitious programme of power generation. We also feel that for sound development of agriculture the three projects already suggested by us a few more will need to be located in this region, We cannot hope to be able to persuade private sector to establish heavy engineering projects in the State and feel that unless we got an equitable share of central public sector projects, our entire programme of development of agriculture, rural electrification and small scale industries will become lopsided and weak.

6. From the papers recently circulated to the members of the Sub-Committee on Industry and Power of the National Development Council, it appears that location of a large number of central projects, is yet to be decided. We strongly feel that various considerations involved in deciding locations are as favourable to us as they can be said. to be in case of most of the other States. With an ambitious hydroelectric programme coming up in Punjab, you will kindly agree that we are not in any way worse off than, for example, Hardwar in U.P., in the matter of location of a future Heavy Electrical Project.

7. I understand that in connection with locating the proposed Compressors and Pumps Plant with Soviet collaboration, our claim seems to have been ruled out even without a visit by the Technical team of visiting experts.

I am sorry to have taken your time by writng g to you at some length, but I would have done less than justice to our case if I had not brought to your personal notice our feelings of being persistenly ignored in the matter of lcocation of Central Projects.I am enclosing a statement listing the projects location for which is yet to be decided and for which we are as well placed as any other State. I shall be most grateful for your kindly asking for a sympathetic examination of our claims being made.

I am also addressing Shri T.N. Singh, Union Minister for Industry on this subject.

With kindest personal regards,

---

**Research for Industrial Development in the State**

**3210. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government, after having studied the relevent data in detail, appointed any experts or specialists or any adhoc Committee to carry on research for the industrial development of Punjab during the period from 1952-to date ; if so, the detailed particulars thereof and the nature of recommendations made by such body to the Government ;

(b) if the answer to part(a) above be in negative, the reasons therefor ?

**Shri Ram Kishan ;** (a) A techno-economic Survey of Punjab including that for industrial development was got conducted by the National Council of Applied Economic Research, New Delhi in the year 1959-60- with a view to planning out strategy and programme of industrial development during the Third Five-Year Plan. Similiarly for the Fourth Plan period also, the services of this very agency have been secured for advice on industrial planning. A copy of the Techno-economic survey of Punjab has already been supplied to the Vidhan Sabha Library. The report of the Council for Fourth Plan Industrial programmes is being finalised and copy thereof will also be supplied to the Vidhan Sabha Library when printed.

(b) In view of the reply to part (a) above, the question of giving any reasons therefor does not arise.

---

**Expenditure incurred on Package Programme launched in district Ludhiana**

**3214. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the details of the expenditure so far incurred by the Goverment on the Package Programme launched in district Ludhiana in connection with Agriculture together with the details of the benefits that have accrued there from, year-wise ;

(b) whether the agriculture Department or the officer incharge of the Package Programme Incharge has submitted any review report to the Government in connection with the said programme for the year 1964 or 1965 ; if so, a copy of the same be placed on the Table of the House ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Part I :—

(Rs. in lacs)

| 1960-61 | 1961-62 | 1962-63 | 1963-64 |
|---|---|---|---|
| 1.60 | 6.29 | 8.61 | 8.60 |

| 1964-65 | 1965-66 | |
|---|---|---|
| 9.22 | 12.72 | (estimated) |

Part II.—The production of food grains and cash crops has considerably increased. The details are given in a statement laid on the Table of the House.

(b) Part I. : Yes.

Part II : The document is too lengthy and it is considered that the time and labour to be spent in supplying copies there of will not be commensurat with the benefits to be derived therefrom. However, any speciffic information needed can be supplied.

Statement referred to in part (a) of the reply

| Name of crops. | Total production in lakh maunds | | | | | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1960-61 | 61-62 | 62-63 | 63-64 | 64-65 | |
| 1. Food Crops. | | | | | | |
| Maize | 12.4 | 20.7 | 14.4 | 25.0 | 18.9 | The production of gram decreased due to the decrease in the unirrigated area on account of droughts etc. |
| Wheat | 33.6 | 44.4 | 45.1 | 65.3 | 78.4 | |
| Gram | 4.5 | 5.3 | 4.2 | 3.7 | 4.2 | |
| Wheat + Gram | 19.1 | 22.3 | 19.9 | 18.2 | 21.4 | |
| | 71.6 | 92.7 | 81.6 | 112.2 | 122.9 | |
| 2. Cash Crops | | | | | | |
| Cotton | 5.6 | 6.0 | 3.6 | 7.5 | 5.5 | The production during 1962-63 decreased due to drought and locust attack during Sept. 62. |
| Groundnut | 6.7 | 8.3 | 8.6 | 15.2 | 21.4 | |
| | 12.3 | 14.3 | 12.2 | 23.1 | 26.9 | |

## Development of Co-operative Farming in the State

**3215. Comrade Makhan Singh Tarsikka** ; Will the Minister for Home and Development be pleased to state—

(a) the details of the targets fixed by the Government for the development of co-operative farming in the State during the last three Five-Year Plans together with the extent upto which those targets have been achieved so far ;

(b) the details of the plans formulated by the Government to encourage people in this direction in each of the said Plans and the extent to which these have been accomplished ;

(c) the details of the amounts spent on Co-opearative Farming during the period mentioned in part (a) above during each plan period ;

(d) the details of special steps, if any, proposed to be taken by the Government with regard to Co-operative Farming during the Fourth Five Year Plan and the total amount to be spent thereon under this plan together with the details of the expenditure ear marked for the purpose under various heads ?

**Chaudhri Rizaq Ram** : The requisite information is furnished as under seriatim :—

(a)

| Plans | | Targets fixed | | Targets achieved | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Physical (Societies) | Financial (Rs in lacs) | Physical (Socie-ties) | Financial (Rs in lacs) | |
| Ist Plan | .. | .. | .. | .. | .. | |
| IInd Plan | .. | 350 | 9·10 | 403 | 6·79 | (187 societies assisted) |
| IIIrd Plan | .. | 600 | 67·51 | 777 | 60·59 | (541 societies assisted) |
| Total | .. | 950 | 76·61 | 1,057 | 67·38 | (728 societies assisted) |

(b) (i) In the First Five Year Plan—Nil.

(c) (ii) Financial assistance to the extent of Rs 4,000 detailed as under, was provided for a co-operative farming society during a single year in the 2nd Five-Year Plan :—

| | | |
|---|---|---|
| (i) Managerial subsidy | .. | 1,200 |
| (ii) Godown subsidy | .. | 1,000 |
| (iii) Subsidy for purchase of machinery | .. | 1,000 |
| (iv) Subsidy for fertilizers | .. | 800 |
| Total | .. | 4,000 |

(iii) In the Third Five Year Plan, the quantum of financial assistance, details of which are given below, has been raised to Rs 12,200 per society:—

| | | |
|---|---|---|
| (i) Managerial subsidy | .. | 1,200 over 3 years. |
| (ii) Godown assistance | .. | 5,000(25 per cent subsidy 75 per cent loans). |
| (iii) Share capital | .. | 2,000 on matching basis |
| (iv) Medium term loan | .. | 4,000 |
| | | 12,200 |

[Minister for Irrigation and Power]

Further-more instructions have been issued by the Punjab State Electricity Board that while giving electric connections for tube-wells preference may be given to the cooperative farming societies.

(c) 1st Plan .. Nil
II Plan .. Rs 6.79 lacs.
IIIrd Plan .. Rs 60.59 lacs.

(d) During the period of Fourth Five-Year Plan, it is proposed to give financial assistance to 125 cooperative farming societies to the extent of Rs 14.97 lacs giving each society the following assistance : —

(i) Managerial subsidy .. Rs 1,200 over 3 years.
(ii) Godown assistance .. Rs 5,000 (25 per cent subsidy 75 percent loan)
(iii) Share capital .. Rs 2,000 on matching basis
(iv) Medium term loan .. Rs 4,000

---

**Paper Factory Near Nangal**

**3216. Comrade Makhan Singh Tarsikka:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the details of the Paper Factory proposed to be set up near Nangal;
(b) whether the proposed factory is being set up in public sector; if not, the reasons therefor;
(c) whether the said factory is being set up in private sector; if so the details of the agreement, if any, signed by the Government with some firm be placed on the Table of the House?

**Shri Ram Kishan** : (a) A newsprint mill with a daily capacity of 100 tonnes of newsprint is to be set up at Kiratpur by M/s Shree Gopal Paper Mills Ltd. (a Concern of M/s Karam Chand Thapar & Bros) who hold a licence from the Government of India, in collaboration with M/s Abitibi-Power and Paper Co. Ltd. of Canada. The total cost of the project is estimated at Rs 10 crores. According to the tentative programme drawn up by the licencees, the factory is expected to start production by the end of 1969.

(b) No. There is no bar to such an industry being set up in the private sector. Since a private party was willing to set up this project it was not considered necessary to take it up in the public sctor.

(c) Yes. No. agreement has yet been executed with the licensees. Details of the agreement are being finalised.

---

**Industrial development of the State in the Fourth Five Year Plan Period**

**3217. Comrade Makhan Singh Tarsikka:** Will the Chief Minister be pleased to state the details of the special steps proposed to be taken during the Fourth Five Year Plan period for the industrial development of the State together with the details of the particular industries which are likely to be set up under the said Plan?

**Shri Ram Kishan:** The industries in the un-organised sector, i.e. small scale sector, would be developed through provision of facilities regarding built-up factory accommodation, developed land, training, management and marketing, preparatory and processing facilities, finance and research. In this sector of industries, it is difficult to give details of the particular industries but broadly preference would be given to the development of defence-oriented industries, agro-industries, export-oriented industries, and ancillary industries.

2. In the large scale sector, there would be a three dimensional policy i.e. (i) pressing Punjab's claim for allocation of more central projects (ii) institutionalisation of enterprise and (iii) provision of incentives to entrepreneurs for establishment of such industries. For the objective at (ii) above, an Industrial Development Corporation has been set up with an authorised capital of Rs. seven crores. The industries which are tentatively proposed to be taken up by the Corporation are seamless steel tubes, steel castings, steel forgings, power tillers, machine tools, heavy electricals and oscilloscopes. It is further proposed to establish a Pig Iron Plant with a capacity of one lakh tons per annum and a Coke Oven Plant and textile mills in the State Cooperative Sectors. The incentives which would be provided at the 15 focal points include provision of land on no-profit no-loss basis price of which will be recoverable in easy instalments, provision of finance and capital, Special Concession to power based industries, refund of sales tax on raw materials purchased by industry and on its finished products, and grant of subsidy for undertaking feasibility studies, etc. The particular industries which would be established at the Focal Points cannot be indicated at this stage as the prospective entrepreneurs would be free to select prospective industries of their own choice.

---

**Taccavi Loans given in Tehsil Narwana, district Sangrur.**

***3218. Shri Fakiria:** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the amount sanctioned for advancing as taccavi loans during the year 1955-56 in tehsil Narwana, district Sangrur, together with the number of persons who have been given such taccavi-loans ;

(b) the amount of loans advanced to he Harijans cut of the said amount?

**Sardar Harinder Singh Major** (a) & (b) A statement is laid on Table of the House.

**Statement**

| Kind of loan | | Amount disbursed during the year | No. of persons who have been disbursed this loan | Amount disbursed to Harijans | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | Number of persons | Amount |
| (1) | | (2) | (3) | (4) | |
| | | Rs | | | |
| 1. Seed, fodder & Cattle | .. | 10,000<br>*3,000 | 50 | 22 | 6,050 |
| 2. House Repair rural | .. | 1,000 | 1 | 1 | 1,000 |
| 3. Tubewell | .. | 48,000 | 8 | .. | .. |
| 4. Percolation wells | .. | 13,000 | 7 | 1 | 2,000 |
| | | 75,000 | 66 | 24 | 9,050 |

*The amount of Rs 3,000 has been placed with the Tehsildar Narwana recently and this amount is being disbursed by him.

**Complaints received from the Residents of village Tellewal, district Sangrur, against a Canal Patwari**

**3219. Comrade Gurbakhsh Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the authorities of the Bhatinda division and the Ludhiana Circle of the Canal Department have received certain representations from (i) the residents of village Tellewal tehsil Barnala, district Sangrur against Sardar Gur Dev Singh, Canal Patwari of Bhotna area in the month of December, 1965 or January, 1966 (ii) the village Panchayat of the residents of village Chungan, tehsil Barnala, district Sangrur against the Patwari mentioned above, during the month of December, 1965 or January/February, 1966 in which they have alleged that the said Patwari has recommended, realisation of abiana on unjust basis after doing wrong girdawaris ?

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the number of such representations received and a copy of each of them be laid on the Table of the House with the details of the action if any, taken thereon;

(c) whether it is a fact that the 'Khitoni' being used for the realisation of abiana has neither been checked or approved by any prescribed authority;

(d) if the reply to part (c) above be in the affirmative, whether the realisation of the said wrongly assessed abiana has been stopped; if not, the reasons therefor;

(e) whether any enquiry has been held by some higher authority in this connection, if so, when and by whom;

(f) whether the result of the enquiry have been conveyed to the complainants ?

**Chaudhri Rizaq Ram:** (a) Yes.

(b) These applications are with the field staff for check in the field, which are being obtained and will be supplied.

(c) No.

(d) Question does not arise.

(e) The enquiry is being made by Deputy Collector and the Sub-Divisional Officer-in-charge.

(f) In view of (e) above, question does not arise.

---

**Complaints from Residents of village Dhurkot Rans in Tehsil, Moga, district Ferozepore.**

**3220. Comrade Gurbakhsh Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of residents of village Dhurkot Ransin, tehsil Moga, district Ferozepore, who have sent representations to the authorities of the Bhatinda division of the Canal Department during the year 1965 and January, 1966 alleging that wrong and unjust abiana has been recommended to be realised from them;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the names of the complainants, the dates when the said representations were received by the Department and the details of the action, if any, taken thereon;

(c) whether the results of the enquiry have been intimated to the complainants ?

**Chaudhri Rizaq Ram:** (a) Nine applications were received. Total number of persons mentioned in all the applications is 12.

| (b) Name of complainant | Date of receipt of application | Action taken by the Department |
|---|---|---|
| 1. Shri Ghamund Singh, son of Shri Ishar Singh and Banta Singh, son of Bishan Singh | May, 1965 | It was rejected as the irrigation done was mixed one from canal and as well as from well. The assessment was correct. |
| 2. Shri Lal Singh, son of Shri Kartar Singh | May, 1965 | Ditto |
| 3. Shri Bhadur Singh, son of Shri Mit Singh | May, 1965 | Ditto |
| 4. Shri Kartar Singh, son of Shri Waryam Singh | May, 1965 | Application was found to be incorrect. It was in fact for remission due to failure of crop which was time-barred and hence rejected. |
| 5. Sarvshri Dalip Singh and Bachittar Singh, sons of Bakhtawar Singh | May, 1965 | On investigation, area was found to be actually irrigated by canal water and hence rejected. |
| 6. Shri Kartar Singh .. | May, 1965 | The application was wrongly submitted and withdrawn by the applicant subsequently. Area was actually found to be canal irrigated. |
| 7. Shri Paul Singh, son of Shri Santa Singh | May, 1965 | 6.50 acres area out of total of 12.50 acres under dispute, was actually found to be canal irrigated and rest 6 acres was irrigated by well and for which approval has since been accorded by the Divisional Canal Officer for remission of abiana. |
| 8. Sarvshri Jita Singh and Paula Singh sons of Mehar Singh | September, 1965 | On investigation, area was found to be canal irrigated, hence rejected. |
| 9. Shri Kaka Singh, son of Shri Mehar Singh | December, 1965 | The contents of this application tally with those of S. No. 8 above and has been rejected. |

**Arrears of T.A. of J.B.T. Teachers of district Gurdaspur**

**3221. Comrade Gurbakhsh Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total amount of arrears of T.A. due to J.B.T. Teachers of district Gurdaspur for the year 1961 together with the names of the said teachers and the amount of T.A. due in each case;

(b) whether any teacher out of those mentioned in part (a) above has requested the department in writing to expedite the payment of his arrears of T.A. for the year 1961; if so, when and the details of the action, if any, taken thereon?

**Shri Prabodh Chandra:** (a) There is only one case in respect of Shri Lal Singh, J.B.T. teacher, Government Primary School, Khoje-ki-Chack on account of his transfer from District Ferozepore in 1961. The amount of T.A. claim is about Rs 70.

(b) Yes. The date on which he represented will be intimated later on. The original T.A. bill was lost in transit and the teacher was asked by the District Education Officer, Gurdaspur to submit a duplicate claim. A duplicate bill has since been sent by the Teacher which has been returned to him for removing certain defects and furnishing some documents for taking further action.

---

**Arrears of Pay of Ex-teachers in district Ferozepore**

**3222. Comrade Gurbakhsh Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the number of teachers in district Ferozepore whose arrears of pay are still outstanding while their services have been terminated by the Government ;

(b) the names of the said teachers and the amount due to them together with the dates when their services were terminated:

(c) the reasons for the non-payment of their arrears of pay?

**Shri Prabodh Chandra** : (a) Information regarding 10 cases has been received so far and the rest is being collected.

(b) The information regarding these ten cases is as under:

| *Name* | | *Date of termination of service* |
|---|---|---|
| (1) Shri Chaman Lal | .. | Ist May, 1963 |
| (2) Shri Kirpal Singh | .. | 28th February, 1963 |
| (3) Shri Ajit Singh | .. | 28th July, 1963 |
| (4) Shri Phul Chand | .. | 2nd February, 1963 |
| (5) Shri Ravinder Nath | .. | Ist February, 1963 |
| (6) Shri Harbans Singh | .. | 18th November, 1963 |
| (7) Shri Joginder Singh | .. | 19th December, 1963 |
| (8) Shri Hardit Singh | .. | 15th December, 1963 |
| (9) Shri Guru Dutt | .. | 19th December, 1963 |
| (10) Shri Lal Singh | .. | 19th December, 1963 |

The information regarding the amount due, if any, in these cases and the remaining ones is under collection and will be supplied when received from the field.

(c) The reasons are being ascertained and will be intimated to the Hon'ble Member in due course.

---

**Protected Hand Teachers in district Ferozepore**

**3224. Comrade Gurbakhsh Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the number of "protected hand teachers" working in district Ferozepore at the time of the provincialization of the District Board Schools ;

(b) the number of teachers out of those mentioned in part (a) above whose services have been regularised ;

(c) whether all the said teachers have received payment of their arrears of pay and annual increments ;

(d) the number and names of the teachers out of those mentioned above whose cases are still pending and who have not received

payment of their arrears and annual increments together with the names of the schools wnere tney are working at present ;

(e) the time by which the teachers referred to in part (d) above are likely to receive payment of tneir arrears of pay and annual increments ;

(f) whether any of the said teachers has recently sent any representations against certain injustice done to him ; if so, the name of that teacher together with the date of submission of his represntation and the details of the action, if any, taken thereon

**Shri Prabodh Chandra** : (a) 87.

(b) 87.

(c) to (f) Information is being collected. It will be supplied shortly.

---

### Posts of J.B.T Teachers in Jullundur District

**3225. Comrade Gurbakhsh Singh** : Will the Minister for Education be pleased to statethe total number of sanctioned posts of J.B.T. Teachers ( Men only) in Jullundur Division, in 1959, 1960, 1961, 1962 1963 and 1964 ?

**Shri Prabodh Chandra** :

| Year | Posts |
|---|---|
| 1959 | .. 10,216 |
| 1960 | .. 10,252 |
| 1961 | .. 10,315 |
| 1962 | .. 12,655 |
| 1963 | .. 14,035 |
| 1964 | .. 14,628 |

---

## CALL ATTENTION NOTICES

**Mr. Speaker** : Now we pass on to the next item and take up the Call Attention Notices. Call Attention Notice No. 12 stands in the name of Shri Om Parkash Agnihotri.

**Shri Om Parkash Agnihotri** (Phagwara) : Sir, I beg to draw the attention of the Government towards the fact tnat in accordance with a circular issued by the Education Department a compulsory building fund is being charged at the rates of rupee 1 each from primary class students, rupees 2 each from middle class students and rupees 4 each from High class students during the year 1965-66. It has resulted in a great unrest amongst the public in general and the parents of the students in particualr. Therefore,the realisation of this compulsory building fund should be stopped in the border and famine-stricken districts forthwith keeping in view the following points :

(1) Industrial workers, farmers, petty shopkeepers and traders have received a great set-back during Indo-Pakistan conflict.

Thousands of industrial workers were thrown out of employment in these districts for a considerable period, tne business remained at a standstill resulting in deterioration of financial condition of the people.

(2) Defence Fund has already been realised from the parents of the students in the border and flood stricken districts.

(3) This fund is breaking the back-bone of the people in these hard days when even the necessities of life are not available.

**शिक्षा मंत्री** (श्री प्रबोध चन्द्र) : जनाब आली, यह बिल्डिंग फंड लड़कों से लेने का मतलब यह था कि इस वक्त तकरीबन 90 फी सदी ऐसे स्कूल हैं कि जिन में या तो बहुत कम जगह बच्चों के बैठने के लिये है या बिकुल नहीं है। गर्मियों में कई स्कूल इस लिये पहले बन्द हो जाते थे कि वहां पर धूप में बच्चे नहीं बैठ सकते थे। कई स्कूल वर्षा के कारण भी पहले बन्द हो जाते थे। बच्चों को स्कूल में बैठने में बड़ी मुश्किल पेश आती है। जब सारा जायज़ा लिया गया तो पता लगा कि अगर बच्चों के बैठने के लिये मुनासिब जगह बनानी है तो बीस से पच्चीस करोड़ रुपये की ज़रूरत होगी, मुरम्मत करने के लिये भी और नई इमारत बनाने के लिये भी। गवर्नमैंट के ज़राए से यह बिल्कुल नामुमकिन था कि इतना रुपया या इस का कुछ हिस्सा भी बिल्डिंगज़ फंड के लिये निकाल सकती। इस लिये गवर्नमैंट ने फैसला किया कि प्राइमरी के बच्चों से एक साल में एक रुपया, मिडल वालों से दो रुपये साल के और हाई और हायर सैकंडरी वाले बच्चों से तीन या चार रुपये साल के ले लिये जाएं। जिन इलाकों में मुश्किल पड़ती थी उन के लिये फैसला किया गया कि यह रकम चार किश्तों में ले ली जाए। तीन या चार महीने के बाद तीन आने या चार आने देना कोई मुश्किल बात नहीं है। अगर बच्चों को धूप, बारिश और अंधेरी से बचाना हो तो सरकार के पास इस के अलावा कोई और इलाज नहीं था। यह फैसला बड़ी सोच विचार के बाद किया गया था। यह भी फैसला किया गया कि 80 फीसदी फंड्ज़ वहीं पर खर्च किये जाएं जहां से वे इकट्ठे किये जाएं, उसी इलाके के स्कूल बनाने पर खर्च किये जाएं जहां से वह इकट्ठा होता है। स्पीकर साहिब, कई साथी ऐसे हैं कि गवर्नमैंट चाहे कोई भी काम करे उस को क्रिटीसाईज़ करते हैं। मैं यकीन दिलाता हूं हाउस को कि बाईएंड लार्ज कोई शिकायत नहीं आई। एक दो एप्लीकेशन्ज़ आई थीं और वहां से इकट्ठे रुपये लेने की बजाए यह फैसला किया गया है क्वार्टरली ले लिये जाएं ताकि उन को किसी प्रकार की तकलीफ न हो।

**श्री ओम प्रकाश अग्निहोत्री** : स्पीकर साहिब, मैं ने यह डिमांड की है कि बार्डर इज़ला के लोगों का बहुत तकालीफ हुई हैं। बच्चों को पहले डीफैंस फंड देना पड़ा है, मैं जानना चाहता हूं कि यह फंड कम्पलसरी है या अपनी मर्ज़ी से देना है। अगर कम्पलसरी है तो क्या यह बात ठीक नहीं है कि जब बच्चों से फीस ली जाती है तो उन को मजबूर किया जाता है कि पहले बिल्डिंग फंड दो बाद में फीस ली जाएगी।

**मंत्री** : स्पीकर साहिब, आपने इजाज़त दे दी है। मैं ने फैकचुअल पोज़ीशन वाज़ेह कर दी है। बिल्डिंग फंड देना हर एक के लिये जरूरी है। प्राइमरी और मिडल क्लास के बच्चों की कोई फीस नहीं है और 25 लाख से कुछ ज़्यादा बच्चे मुफ्त तालीम हासिल करते हैं। सिर्फ हाई क्लासिज़ और कालिजों से फीस ली जाती है। जो मां बाप हाई क्लासिज़ और कालिज की फीस दे सकते हैं, उन को तीन आने या चार आने महीने के ज़्यादा खर्च करने पड़ जाएं तो कोई बड़ी बात नहीं है। इस से हम बच्चों को बैठने के लिये अच्छी जगह दे सकेंगे, वे अच्छी तरह पढ़ सकेंगे। इसी लिये मुनासिब समझा गया कि अगर थोड़ी सी सख्ती भी हो तो फंड ले लिया जाए। गवर्नमैंट अपनी तरफ से भी काफी हिस्सा इस काम में डालेगी।

(श्री बलरामजी दास टंडन बोलना चाहते थे ।)

**श्री फतह चन्द विज :** आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। एजूकेशन मिनिस्टर साहिब ने यह फरमाया है कि कुछ साथी मौके की तलाश में रहते हैं कि किसी न किसी तरह से गवर्नमैंट को बदनाम किया जाए। यह अल्फाज़ इन की शान के शायां नहीं हैं। इस लिये या तो इन को विदड्रा करने के लिये कहा जाए नहीं तो आप से रिक्वएस्ट है कि इन को कार्यवाही से हफज़ कर दिया जाए।

**श्री अध्यक्ष :** देखिये, मैं यह बात साफ कर दूं। हम ने मिल कर फैसला किया है कि एक दिन में दो मोशन्ज़ आया करेंगी। इस से ज़्यादा हाउस में मोशन्ज़ नहीं आया करेंगी। हां, अगर कोई बहुत एक्सट्रीम इम्पार्टेंस की है तो तीसरी मोशन भी आ सकती है। लेकिन जो पैंडिंग हैं मैं उन को आज डिस्पोज़ आफ करना चाहता हूं।

दूसरी बात, लोक सभा की जो प्रैक्टिस हम फालो करेंगे वह यह है कि काल अटेनशन के जो सिगनेटरीज़ हों वह एक सवाल कर सकते हैं। (The hon. Members may please listen. We had unanimously decided that in future only two such motions would be taken up daily in the House and this number will not be exceeded in any case. Of course, if there is any other motion of extreme importance then in that case a third motion can be taken up. But as regards the pending motions, I want to dispose them of today.

The other thing which we would like to follow, in accordance with the practice obtaining in the Lok Sabha is that each of the signatories to the Call Attention Motion would be entitled to put one question after the Minister had made a statement.)

**श्री बलरामजी दास टंडन :** अगर आप की इजाज़त हो तो .......

**Mr. Speaker :** No, please.

Next Call Attention Notice No. 16 stands in the name of Sardar Gurcharan Singh.

(*Nobody got up to raise the Call Attention*)

**Mr. Speaker :** Next Call Attention Notice No. 17 stands in the name of Sarvshri Net Ram, Jagan Nath, Tek Ram and Inder Singh Malik.

**Chaudhri Inder Singh Malik** (Safidon) : Sir, I beg to draw the attention of the Minister concerned towards the fact, namely, Shri Prabhu, son of Shri Har Chand of village Dhamana, tehsil Hansi, has been murdered by the police in Police Lock-up Hansi on 14th/15th February, 1966 night, Prabhu was under the Police remand for a week. Even the dead body of Prabhu was not given to his father after the post-mortem, after his repeated request. All these circumstances show that the death of Prabhu wa due to police atrocities, but the police made a story that he had committed suicide. So, special enquiry and new investigation needed by a special agency. This is a heinous crime and the immediate action needed.

**मुख्य संसद सचिव** (श्री राम प्रताप गर्ग) : स्पीकर साहिब, पोज़ीशन यह है कि प्रभु जो कि एक प्रोक्लेम्ड औफैंडर था 4 फरवरी, 1966 को अरैस्ट किया गया था। उस के बाद

[मुख्य संसद सचिव]

14 फरवरी, 1966 को इडैंटीफिकेशन परेड हुई और फिर उस का रीमांड ले लिया गया। 15 तारीख को सुबह सात बजे के करीब उस के साथ एक अंडर ट्रायल लखा सिंह था जो उसी जगह पर सोया हुआ था। सात बजे सुबह उसने एक आवाज़ सुनी कि कोई चीज़ धम्म से नीचे गिरी और उसने देखा कि परभू एक्यूज्ड जो था, उसने गले में धोती डाली हुई थी और उसने सुएसाईड कमिट की हुई थी। उसने शोर मचाया। फौरन उसी वक्त जो पुलिस के आदमी वहां पर मौजूद थे वह वहां पर इकट्ठे हो गए जिनमें परस राम, शिवचरण ए. एस. आई., कान्स्टेबल प्रभात सिंह, माम चन्द असिस्टेंट क्लर्क वगैरा उस तरफ दौड़े। एक स्वीपर भी उस वक्त वहां था और वह भी उस तरफ दौड़ा हुआ गया। इस तरह से वह लोग वहां पर इकट्ठे हुए। फौरन ही डाक्टर को बुलाया गया। डाक्टर रंजीत सिंह वहां पहुंचा और उसने डिक्लेयर किया कि सुएसाईड करके उसकी डैथ हुई है। डी. सी. ने फौरन एक एन्क्वायरी अंडर सैक्शन 176 सी. आर. पी. सी का आर्डर दिया। एक ऐस. डी. ऐम. को उस एन्क्वायरी पर लगाया गया। एस. डी. ऐम. ने सारे फैक्टस ऐग्ज़ामिन किए और लाश को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा। उसके घर वालों ने उसकी बाडी को लेने से इन्कार कर दिया और उसकी बाडी को क्रिमेशन के लिए म्युनिसिपल कमेटी को भेज दिया गया। बाकी इन्क्वायरी चल रही है। यह केस अंडर एन्क्वायरी है।

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : जो स्टोरी पुलिस ने बनाई है वह बिल्कुल झूठ बनाई है। उसने सुईसाइड कोई नहीं की। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : उन्होंने स्टेटमैंट दे दिया है। (He has given the statement.)

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : क्या मैं पूछ सकता हूं कि ऐग्जैक्टिव से यह इन्क्वायरी क्यों कराई, जूडीशल मैजिस्ट्रेट से क्यों नहीं करवाई ?

**Chief Parliamentary Secretary** : It is under enquiry.

**Sardar Lachhman Singh Gill** : Is it judicial or executive enquiry ?

**मुख्य संसद सचिव** : मैंने बताया है कि इन्क्वायरी चल रही है।

**Sardar Gurnam Singh** : He has not replied.

**Mr. Speaker** : If he does not reply, I cannot force him.

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : स्पीकर साहिब, मेरा जवाब नहीं आया। (विघ्न)

**मुख्य संसद् सचिव** : जूडीशल इन्क्वायरी है।

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, मेरा जवाब मुकम्मल नहीं आया। ऐस. डी. एम. ऐग्जैक्टिव का हिस्सा है, वह जूडीशरी का नहीं है। उसकी लाश भी उसके वालदेन को नहीं दी गई। क्या म्युनिसिपल कमेटी उसकी वालदैन थी ? (शोर)

**श्री अध्यक्ष** : उन्होंने बताया है कि उसकी लाश को म्युनिसिपल कमेटी को दे दिया गया था क्योंकि उन्होंने उसे लेने से इनकार कर दिया था। (The Chief Parliamentary Secretary has stated that the dead body was handed over to the Municipal Committee as the parents of the deceased had refused to take it.)

**श्री अमर सिंह :** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहिब, मैं इस बात पर आप की रूलिंग चाहता हूं कि हाउस में बिल्कुल गलत बयानी की गई है क्योंकि वहां पर कहानी कुछ और ही है।

**श्री अध्यक्ष :** आप वह कहानी मुझे लिखकर भेज दें। (The hon. Member may send me the details in writing.)

**श्री अमर सिंह :** मैंने लिख कर भेजी हुई है आप को।

**श्री अध्यक्ष :** गवर्नमैंट का बयान तो आज आया है। आपने कैसे लिखकर पहले ही भेज दी ? (The statement has been made by the Government to-day. How could the hon. Member intimate to me the whole position in writing?)

**श्री अमर सिंह :** मैंने आप को लिखकर भेजी हुई है। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष :** आर्डर प्लीज़। आप बैठिए। (Order please. The hon. Member may please resume his seat.)

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक:** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर.....

**श्री अध्यक्ष :** यह प्रापर नहीं। आप मेहरबानी करके अपनी जगह पर बैठिए। (This is not proper. The hon. Member may please take his seat.)

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक:** स्पीकर साहिब, मामला बढ़ गया है। एक तरफ तो कहते हैं कि इन्क्वायरी हो रही है और साथ ही पहिले कहा कि इन्क्वायरी की। यह दो अलग अलग बातें हैं।

**Mr. Speaker :** Order please.

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक :** उन्होंने कहा है कि इन्क्वायरी हो गई है।

**Mr. Speaker :** He says it is in progress.

**Sardar Gurnam Singh :** If it is in progress, how does he say it was 'suicide' ? He cannot say that.

**मुख्य संसद सचिव :** वह तो पोस्ट मार्टम से पहिले की ही रिपोर्ट थी। (विघ्न)

**Mr. Speaker :** Order please. Next motion is by Comrade Bhan Singh Bhaura.

(*The hon. Member was not present.*)

**Mr. Speaker :** The next motion (No. 22) is by Sardar Kulbir Singh.

**Chaudhri Amar Singh :** On a point of Order, Sir.........

**Mr. Speaker :** Please take your seat.

**सरदार कुलबीर सिंह :** स्पीकर साहिब, मैं एक्साईज़ एंड टैक्सेशन के महकमे के वज़ीर का ध्यान एक बहुत जरूरी पब्लिक इम्पारटैंस के मामले की तरफ दिलाना चाहता हूं जो कि इस तरह है :

[सरदार कुलबीर सिंह]

फारमर ए.ई.टी.श्रो. बस्सी पठानां, ज़िला पटियाला, ने गुरुद्वारा के नाम पर लोगों से फंड इक्ट्ठा किया। जो लोग चन्दा न दे सकते थे उन से जबरदस्ती वसूली की जाती रही। जो लोग किसी वजह से चन्दा न दे सके उन पर टैक्स पहले से दुगना कर दिया। इस के अलावा, हर एक टैक्स देने वाले से जो काम वह करता था माल रिश्वत में लिया जाता था। अगर कोई सिलाई की मशीन बनाता है तो उससे मुफत मशीनें ली गई। कोई पेमेंट नहीं की। इसी तरह एक दिन जी. आर. सीविंग मशीन कम्पनी, सरहिन्द, में आ कर सिलाई मशीन तलब की गई और एक हफ्ता इस्तेमाल के लिए कार मांगी। फर्म के मालिक ने इनकार कर दिया जिस पर पेशी के दिन 5000 रुपए टैक्स लगा दिया।

इन सब शिकायतों की इन्क्वायरी टैक्सेशन कमिश्नर, पटियाला डिवीज़न, ने की। इस बीच में ए. ई. टी. ओ. ने श्री जै किशन डाक्टर और श्री हरि किशन लाल एडवोकेट को साथ लेकर इन्क्वायरी से बचने के लिए सुलह करने जी. आर. सीविंग मशीन कम्पनी के मालिक के पास आया और तस्लीम किया कि मैंने गुरुद्वारे के नाम पर आप से जबरी चन्दा लिया है। सिलाई की दो मशीनें मुफत (विदाउट पेमेंट) व एक हफते के लिए इस्तेमाल करने के लिए कार मांगी और न देने पर जो गालियां दीं उन के लिए माफी दी जावे। इन सब बातों का टेप रिकार्ड मौजूद है। इन्क्वायरी आफिसर को तमाम टेप रिकार्ड सुनाया गया और आफिसर ने कहा कि बहुत ही जबरदस्त सबूत है लेकिन हैरानगी की बात है कि इनक्वायरी कहां दब गई या उसका क्या नतीजा निकला। सरकार को इस खुले स्कैंडल पर कड़ी कार्रवाई फौरन करनी चाहिए।

नोट : ये टेप रिकार्ड पंजाब सरकार के वज़ीर को भी सुनाए जा चुके हैं।

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ) : ਇਹ ਬਾਤ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਏ. ਈ. ਟੀ. ਓ., ਬੱਸੀ ਪਠਾਨਾਂ, ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ। ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਪਾਸ ਆਈ। ਉਹ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਫ. ਸੀ. ਡੀ ਦੇ ਪਾਸ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ। ਫਿਰ ਇਕ ਦੋ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਹੋਰਨਾਂ ਪਾਸ ਆਈਆਂ ਉਹ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਜਾਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ। ਮੀਨਵ੍ਹਾਈਲ ਇਕ ਫੌਜਦਾਰੀ ਦਾ ਕੇਸ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਦਾਇਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਕਿਉਂਕਿ ਕੰਪਲੇਨੈਂਟ ਨੇ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਉਸ ਦੇ ਬਰਖਿਲਾਫ਼ ਇਕ ਕੇਸ ਦਾਇਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਇਸ ਲਈ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਅਰਸਾ ਉਹ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਪੈਂਡਿੰਗ ਰਹੀ। ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ। ਅਪਰੈਲ ਜਾਂ ਮਈ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚੀ। ਮੈਂ ਲਿਖ ਦਿਤਾ ਕਿ enquiry should be made immediately. Meanwhile ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਆਇਆ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਇਹ ਕੇਸ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਲਸਈ ਅਸੀਂ ਥੋੜਾ ਚਿਰ ਵੇਟ ਕਰ ਲਈਏ। ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਫਰਦ ਜੁਰਮ ਨਹੀਂ ਲਗਾਇਆ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਡਿਸਚਾਰਜ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਹ ਕੇਸ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਦੇ ਕੋਲ under section 504 of the Penal Code ਸੀ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਡਿਸਚਾਰਜ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਲੇਕਿਨ still, let us have some departmental enquiry ਉਸ ਨੂੰ ਚਾਰਜ ਸ਼ੀਟ ਕਰ ਦਿਤਾ

upon the facts of this case ਕਿਉਂਕਿ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦਾ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਹਾਲਾਂਕਿ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਡਿਸਚਾਰਜ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਪਰ ਫੇਰ ਵੀ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਪ੍ਰਾਈਮਾ ਫੇਸੀ ਕੇਸ ਬਣਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਚਾਰਜਸ਼ੀਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਫ਼ੇਰ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਦਾ ਇਕ ਆਰਟੀਕਲ ਵਿਚ ਆ ਗਿਆ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਲੈ ਲਉ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਫੇਰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਇਸ ਖਾਤਰ ਅਪਣਾ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਵੇ । ਪਹਿਲਾਂ ਇਕ ਮਹੀਨਾ ਉਹ ਲੈਤੋਲਅਲ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ । ਆਖਿਰਕਾਰ ਜਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਨਾ ਆਇਆ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਜੇਕਰ ਸਤ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਕੋਈ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਨਾ ਆਇਆ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਪ੍ਰੀਜ਼ਿਉਮ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਤੁਹਾਡਾ ਕੋਈ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਹੈ ਨਹੀਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੀ ਕੀਤਾ ਕਿ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਫੈਸਲਾ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਜਜਮੈਂਟ ਦੀ ਕਾਪੀ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ । ਫਿਰ ਵੀ

3.00 p.m.

ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਵਕਤ ਮੈਂ ਇਹ ਹੀ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੀ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦੀ ਬਜਾਏ, ਜੋ ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਨਕਲ ਭੇਜ ਦਿਤੀ ਹੈ । But still we are enquiring from him. It shall be gone into thoroughly.

**Mr. Speaker** : Now we pass on to the next item.

---

## Message from the Governor

**Mr. Speaker** : I have received D. O. Letter No. 2105, dated the 24th February, 1966, from Sardar Ujjal Singh, Governor, Punjab, which reads as follows :

> "I am in receipt of your demi-official letter No. 21-LA-66/9921, dated the 23rd February, 1966, together with a copy of the Motion of Thanks passed by the Punjab Vidhan Sabha on the 23rd February, 1966, for the Address I delivered to both the Houses on the 14th February, 1966.
>
> I am grateful to the Punjab Vidhan Sabha for their Motion of Thanks".

---

## POINT OF ORDER

**श्री बलरामजी दास टंडन** : स्पीकर साहब, चौधरी सुन्दर सिंह ने आज रिटन स्टेटमेंट देनी थी .....

**श्री अध्यक्ष** : आप बैठ जाएं । (The hon. Member may please resume his seat.)

(श्री बलरामजी दास टडन की तरफ से विघ्न)

**श्री अध्यक्ष** : आप ने जो प्रोसीजर ले किया है मैं उसी के मुताबिक चल रहा हूं । जो काल अटेन्शन मोशनज़ एडमिट की गई हैं मैं वही ला रहा हूं । (I am following the procedure laid by the House. I have taken up only those call attention notices which have been admitted.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਚਲਣ ਦਿਉਗੇ ? (Will the hon. Member not allow the proceedings to be conducted?)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਪਿਛਲੀਆਂ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਔਰ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਆਪਣਾ ਫੈਸਲਾ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਮੇਰੀ ਵੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਅਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਸੀ, ਉਸ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪ ਅਗੇ ਇਕ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਦਿਨ ਪਰਾਮਿਜ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ......

**Mr. Speaker :** Not here, please.

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਹੋਈ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦਿਆਂ ਇਸ ਦਾ ਵੀ ਜਵਾਬ ਦੇਣਗੇ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਉਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਹੇ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿੱਤਾ ਹਾਲਾਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿਵਾਇਆ ਵੀ ਗਿਆ ਸੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਸਾਡਾ ਇਹ ਡੈਫੀਨਿਟ ਚਾਰਜ ਹੈ ਕਿ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ 75 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਜਦ ਕਿ ਅਜ ਤਕ ਕਿਸੇ ਵੀ ਇਨਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਨੂੰ ਇਤਨੀ ਵਡੀ ਰਕਮ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ..........

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ :** ਕਾਮਰੇਡ ਜੋਸ਼, ਆਪ ਬੈਠੋਗੇ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਬੈਠੋਗੇ ? (Will Comrade Josh please take his seat or not?)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੀ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਆਪ ਨੇ ਕੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ।

**श्री अध्यक्ष :** जो Call Attention Notices मैं नें ऐडमिट किए हैं वहीं यहां पर लाए गए हैं और जो एडमिट नहीं किए वह नहीं लाए गए । (Only those Call Attention Notices have been taken up here which have been admitted by me.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ :** ਮੈਂ ਪਰੋਟੈਸਟ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਾਕ ਆਊਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 75 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰੀ ਜ਼ਖਾਨੇ ਵਿਚੋਂ-ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਮਤਲਬ ਲਈ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। (At this stage Comrade Shamsher Singh Josh staged a walked out.)

**श्री अध्यक्ष :** मुझे अफसोस है कि बावजूद इस बात के कि इस बारे में तमाम ग्रुप लीडरज़ ने फैसला कर के एक लिबरल पालिसी अख्तयार की है कामरेड जोश ने यह तरीका अख्तयार किया है। हालांकि लोक सभा में सिर्फ एक ही काल अटेनशन नोटिस एडमिट किया जाता है लेकिन हम ने यहां पर यह फैसला किया है कि आम तौर पर दो एडमिट की जाएं और अगर कोई मामला खास अहमीयत रखता हो तो तीन कर ली जाएं । इस के बावजूद अगर कामरेड जोश यह समझते थे कि उन की काल अटेनशन मोशन जरूर एडमिट होनी चाहिए थी तो उन को बजाए यह तरीका अपनाने के हाउस में यह मसला उठाना चाहिए था और हाउस की मर्जी पर छोड़ देना चाहिए था। लेकिन क्योंकि सिर्फ वह समझते हैं कि यह जरूर एडमिट होनी चाहिए, इस तरह से काम नहीं

चल सकता (I am constrained to observe that despite the fact that in this connection a liberal policy based on the unanimous decision taken by all the group leaders in the House is being followed Comrade Josh has adopted this way of protest. Although in the Lok Sabha only one Call Attention Motion is admitted yet here we have decided that normally two motions may be admitted and in case a matter was of vital importance, the third one may also be admitted. If inspite of this Comrade Josh thinks that his call attention motion must be admitted then instead of adopting this method of walking out he should have raised the matter in the House and left it to its decision. But since he alone thinks that it must have been admitted, the business of the House cannot be carried on like this.)

**सरदार गुरनाम सिंह** : उन की क्या काल अटेनशन नोटिस थी या एजर्नमेंट मोशन थी ?

**श्री अध्यक्ष** : आई ऐम सारी। उन की एडजर्नमेंट मोशन थी। (I am sorry. This was an Adjournment Motion.)

**श्री बलरामजी दास टण्डन** : स्पीकर साहिब, आप ने यह जो फैसला किया है क्या यह काल अटेनशन नोटिसिज़ के बारे में है या एडजर्नमेंट मोशनज़ के बारे में है ?

**श्री अध्यक्ष** : यह फैसला काल अटेनशन नोटिसिज़ के बारे में है। तो मैं अर्ज़ कर रहा था कि कामरेड जोश ने यह तरीका अख्तयार करके रिफलैक्शन करने की कोशिश की है। लेकिन मैं समझता हूं कि यह कोई ऐसी चीज़ नहीं थी जिस के लिये वाक आऊट करने की ज़रूरत पड़े। जो फैसला ग्रुप लीडरज़ ने कर लिया हो उस पर अमल होना ही चाहिए। मैं उमीद करता हूं कि आयंदा के लिए हाऊस इस फैसले पर अमल करने की कोशिश करेगा। (This decision relates to the Call Attention Notices. I was submitting that by adopting this way of protest, Comrade Josh had attempted to cast a reflection on the Chair. But I think that it was not such a matter as required a walk out. Any decision taken by the group leaders must be implemented. I hope that in future, the House will make an endeavour to act upon this decision.)

**शिक्षा मंत्री** (श्री प्रबोध चंद्र) : स्पीकर साहिब, आप के कहने के बावजूद इस बारे में यहां पर एक ऐसा नज़रिया दिया गया है जिस से एक गलतफहमी पैदा हो सकती है क्योंकि उन्होंने कहा है कि 75 हज़ार रुपया पंजाब मिनिस्टरी की तरफ से दिया गया है। मैं आप की इजाज़त से यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि यह सारा रुपया मिनिस्टरी की तरफ से नहीं दिया गया बल्कि कुछ मिनिस्टरों ने अपने 2 डिसक्रेशनरी फण्डज़ में से जितना जितना मुनासब समझा इस मतलब के लिये दिया है। The Ministry as Government has not paid anything for this memorial.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਦਿਨ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਸ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋ ਰਹੀ ਸੀ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਗਲ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਗੌਰਮਿਟ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਵਗੀ ਜਦੋਂ ਉਸ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਹੋ ਰਹੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਲੇਕਿਨ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਉਸ ਬਹਿਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਹੇ ਸਨ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਵੱਜੋ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ 3 ਜਾਂ 4 ਦਫਾ ਦਿਲਾਈ ਵੀ ਗਈ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਖੁਦ ਵੀ ਇਸ ਮੈਮੋਰੀਅਲ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਆਪ ਕੋਲੋਂ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਤਰਫ ਤਾਂ ਇਹ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਡਿਸਐਲਾਉ ਹੋ ਗਈ ਔਰ ਆਪ ਦਾ ਆਰਡਰ ਕੈਰੀ ਆਊਟ ਹੋ ਗਿਆ ਔਰ ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਲਾਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਇਸ ਲਈ ਕੀ ਰੈਮੇਡੀ ਹੈ..........

**श्री अध्यक्ष** : उस दिन मैं ने यह कहा था कि अगर कोई प्वायंट यहां पर किसी काल अटेनशन नोटिस के ज़रिए रेज़ किया गया हो और उस का जवाब गवर्नमेंट की तरफ से न आए तो उस काल अटेनशन नोटिस को मैं फिर से री कानसिडर करने के लिये तैयार हूंगा। यह चीज़ मैं ने काल अटेनशन नोटिसिज़ के बारे में कहीं थी और एडजर्नमेण्ट मोशनज़ के बारे में नहीं थी। एडजर्नमेंट मोशनज़ के बारे में तो यह प्रैक्टिस है कि अगर वह किसी खास अहमीयत रखने वाले मामला के बारे में होगी तो वह एडमिट हो जाएगी लेकिन गवर्नर के एड्रैस पर बहस के दौरान तो हर ऐसे मामले पर डिसकशन हो सकती है जिस का जवाब गवर्नमैण्ट की तरफ से आ जाता है। अगर किसी मामला पर गवर्नमैण्ट की तरफ से जवाब नहीं आता या जो जवाब उस की तरफ से आता है वह किसी आनरेबल मैम्बर को पसंद नहीं आता तो यह एक अलग बात है। इस बारे में मैं समझता हूं कि यहां पर काफी डिसकशन हो चुकी है। (The other day I stated that in case a point sought to be raised through a Call Attention Notice, remained unanswered by Government, when referred to during the general discussions, then I would be prepared to reconsider that Call Attention Notice. But I must make it clear that I said so in relation to Call Attention Notices alone and not to Adjournment Motions. As regards the Adjournment Motions the practice is that if it relates to specific matter of public importance, then it is admitted. But generaly during the discussion on Governor's Address, all such matters can be discussed and replied to by the Government. But if in connection with a certain matter, the Government fails to give a reply or the reply given by the Government is not acceptable to an hon. Member, then this is quite a different thing. However, I think a lot of discussion has taken place regarding this matter.)

**Sardar Gurnam Singh** : Sir, if you refer to the record you will find that one of the reasons given by you for rejecting the Adjournment Motions is that we will have ample opportunities to speak on the matter during the

general discussion. Now, Sir, you have been pleased to say that you did not say so.

**Mr. Speaker** : I said it with regard to the Call Attention Notices and not with regard to the Adjournment Motions.

**श्री बलरामजी दासटंडन** : आन ए प्वायट आफ आडर, सर। स्पीकर साहिब, मेरा प्वायंट आफ आडर यह है कि इन दिनों बहुत सी काल अटेनशन नोटिसिज़ और एडजर्नमेंट मोशन्ज़ सिर्फ इस लिये रिजैक्ट होती रही है क्योंकि उन दिनों गवर्नर के एडरेस पर डिसकशन हो रही थी और इन के बारे में मैम्बर साहिबान को डिसकस करने का मौका मिल सकता था। और अगर इस के बारे में यहां पर कुछ कहा जाएगा तो उस का जवाब गवर्नमेंट की तरफ से दिया जाएगा। इस बारे में कई मैम्बरों की तरफ से ज़िक्र किये जाने के बावजूद भी मिनिस्टरी की तरफ से इस का कोई जवाब नहीं दिया गया और इस की कोई एक्सप्लेनेशन नहीं दी गई तो .......

**श्री अध्यक्ष** : 17 तारीख के बाद मैं ने सारी काल अटैनशन मोशनज़ पैंडिंग रखी थीं, पैंडिंग दी डिसीयन आफ दी ग्रुप लीडर्ज़। उस से पहले का मुझे मालूम नहीं। (After the 17th February I had kept all the Call attention Notices pending till the decision of the group leaders. I am not aware of any other notices earlier to that).

**कामरेड राम प्यारा**: आन ए प्वायट आफ आर्डर, सर। जहां तक आप ने पार्लियामेंट के प्रोसीजर का हवाला दिया है वह ठीक है, आप का राईट हैं। लेकिन यहां पर वाज़े तौर पर एक मिनिस्टर ने कहा था कि गवर्नमैण्ट की तरफ से हम दे रहे हैं। दूसरे ने कहा कि हम स्कूल के लिये दे रहे हैं मैमोरियल के लिये नहीं दे रहे। उस वक्त मैं ने प्वायंट रेज़ किया था। बाद में एक मिनिस्टर ने कहा कि वह अपने डिस्क्रीशनरी फंड में से दे रहे हैं। तो यह बात इसी तरह बीच में रह गई। यह बात सरकार साफ करे। हम यह नहीं कहते कि आप मोशन ऐक्सैप्ट करें मगर सरकार यह बात ज़रूर साफ करे कि यह किस तरह दिया जा रहा है। अभी दास कमिशन की किताब कायम है। इस तरह से लोगों के खून पसीने की कमाई ... (विघ्न)।

**श्री अध्यक्ष** : आप की बात आ गई, आप बैठें। (The hon. Member may take his seat. This point has come.)

**कामरेड राम प्यारा** : गवर्नमैण्ट को आप हुक्म दें कि वह यह बात क्लीयर करे, हम यह नहीं कहते कि आप मोशन ऐडमिट करें।

**Mr. Speaker** : The hon. Minister for Education has made the position clear.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਕੀ ਜੀ ?

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਸੁਣਿਆ ਨਹੀਂ ? (Has he not heard about it?)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਉਹ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਟਾਂਟਿੰਗਲੀ ਕਿਹਾ ਸੀ।

**Minister for Education** : It was no taunting. I stated the factual position. The amount has not been given on behalf of the Punjab Government or collectively on behalf of the Ministry. The individual Ministers

[Minister for Education]

have paid money out of their respective discretionary fund. The Punjab Ministry has nothing to do with it.

**कामरेड राम प्यारा** : ग्रान ए प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर, सर। ग्रानरेबल मिनिस्टर ने कहा है कि वज़ीरों ने ग्रपने डिसक्रीशनरी फंड में से दिया है। हम यह पूछना चाहते हैं कि क्या वह पंजाब गवर्नमैंट का पैसा नहीं है, क्या मिनिस्टरों ने यह पैसा ग्रपनी जेब से दिया है ?

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਪ੍ਰਿਵਿਲਜ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਕੀ ਬਣਿਆ ?

**Mr. Speaker :** It is lying pending.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੀ ਪੈਂਡਿੰਗ ਪਈ ਹੈ। ਉਹ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ ਅਖ਼ਬਾਰ ਬਾਰੇ ਹੈ..........

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਪੇਸ਼ੈਂਸ ਰਖੋ। ਆਪ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਪ੍ਰਿਵਿਲਜ ਮੋਸ਼ਨ ਪ੍ਰਿਵਿਲਜ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕਰ ਦਿਤੀ ਸੀ। ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਤੇ ਰਿਪੋਰਟ ਵੀ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਪ੍ਰਿਵਿਲਜ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਆਪ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਜ਼ਰਾ ਪੇਸ਼ੈਂਸ ਰਖੋ। (Let the hon. Member have a little patience. His earlier Question of Privilege was referred to the Committee of Privileges. The matter has been reported by it. (Interruption) The decision taken by the Committee will come before him in the shape of its report. He need not be impatient.)

---

## Papers Laid on the Table

**Minister for Health** (Shrimati Om Prabha Jain) : Sir, I beg to lay on the Table the Punjab State Legislature Officers, Ministers and Members (Medical Facilities) Rules, 1966, as required under section 2(2) of the Punjab State Legislature Officers, Ministers and Members (Medical Facilities) Act, 1965.

---

## BILLS

### (Extension of time for making the Final Reports by the Regional Committees)

### THE PUNJAB MUNICIPAL CORPORATIONS BILL, 1963

**Minister for Planning and Local Government** (Sardar Ajmer Singh) : Sir, I beg to move—

> That the time fixed for the presentation of the Final Reports of the Regional Committees on the Punjab Municipal Corporations Bill, be further extended up to the 31st August, 1966.

**Mr. Speaker** : Motion moved—

> That the time fixed for the presentation of the Final Reports of the Regional Committees on the Punjab Municipal Corporations Bill, be further extended up to the 31st August, 1966.

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** (ਜਗਰਾਉਂ) : ਮੈਂ ਇਸ ਵਕਤ ਦੀ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਟਾਈਮ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ ਦੇਣਾ ।

**ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ** : ਇਹ ਇੰਡੀਵਿਜ਼ ਅਲ ਮਾਮਲਾ ਤਾਂ ਹੈ ਨਹੀਂ । It is for the Regional Committee ਉਸ ਦੇ ਆਪ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਹੋ। (It is not a matter relating to an individual. It is for the Regional Committee to decide. He is also a Member of that Committee.)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** : ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਰਿਜਨਲ ਕਮਟੀ ਵਿਚ ਵੀ ਕਈ ਵਾਰ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਬਾਰ ਬਾਰ ਕਹਿ ਚੁਕੇ ਹਾਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿੰਨੀਆਂ ਹੀ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸਿਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿਵਾਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਹਰ ਛੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਮਗਰੋਂ ਤਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਬਦਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ 10 ਸਾਲ ਵਜ਼ੀਰ ਰਹੇ, 10 ਸਾਲ ਹੀ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦੇ ਰਹੇ, ਹੁਣ ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਵੀ ਯਕੀਨ ਦਿਲਾਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ, ਮਗਰ ਬਿਲ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਤਵਜੁਹ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ । ਮੁਸੀਬਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਹੁਤ ਇੰਪਾਰਟੈਂਟ ਬਿਲ ਹੈ । ਮਗਰ ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਰੋਜ਼ ਪਾਰਟੀਬਾਜ਼ੀ ਅਤੇ ਧੜੇ ਬਾਜ਼ੀ ਕਰਕੇ ਦਿੱਲੀ ਭਜੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ । ਹੁਣ ਚੀਫ ਅਤੇ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੋਂ ਪਿਛਲੇ ਕਈ ਹਫਤਿਆਂ ਤੋਂ ਗ਼ੈਰ ਹਾਜ਼ਿਰ ਹਨ। ਬਾਰ ਬਾਰ ਕਹਿਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਇਕ ਕੰਪਰੀਹੈਨਸਿਵ ਬਿਲ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਰਹੇ । ਇਹ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਬਲਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਨੂੰ ਵਾਰਨਿੰਗ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ** (ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬਿਲ 9 ਸਾਲ ਤੋਂ ਉਪਰ ਤੋਂ ਚਲਿਆ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਵਜ਼ੀਰ ਬਦਲੇ, ਵਜ਼ਾਰਤਾਂ ਬਦਲੀਆਂ ਮਗਰ ਇਸ ਨੂੰ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਡੀਲੇ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਹਰ ਦਫਾ ਬਹਾਨੇ ਲਾ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਨਵੇਂ ਨਵੇਂ ਹਰਬੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਪੁਰਾਣੇ ਸ਼ਿਕਾਰੀ ਨਵੇਂ ਨਵੇਂ ਜਾਲ ਲੈਕੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਕਦੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਉਹ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਰਿਪੋਰਟ ਕਰੇਗੀ, ਮਹੀਨੇ ਗੁਜ਼ਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ' ਸਾਲ ਹੀ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਉਹ ਰਿਪੋਰਟ ਹੀ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ । (ਵਿਘਨ) ਸ਼ੱਕ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਡੀਲੇ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਸਮਝਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੇ ਆਇੰਦਾ ਜਨਰਲ ਇਲੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਵਿਚ ਹਾਰ ਜਾਣਾ ਹੈ, ਸੋ ਇਹ ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਨਹੀਂ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ । ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੈ, ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਰਾਈਟਸ ਜੋ ਕਨਸਟੀਟਿਊਸ਼ਨ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਹਨ, usurp ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਅਗਰ ਵਕਤ ਦੇਣਾ ਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਤਕ ਹੀ ਮਿਆਦ ਵਧਾਈ ਜਾਵੇ, ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ ਨਹੀਂ ।

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** (ਸਿਧਵਾਂ ਬੇਟ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਇਤਨੀ ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਕੰਮ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਦੋਵ੍ਹਾਂ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਇਕ ਸਾਂਝੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਉਸ ਨੇ ਬਹੁਤ ਮੀਟਿੰਗਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ, ਬੜੀ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਕਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਅਤੇ ਬਿਲ ਤਿਆਰ ਹੈ, ਰਿਪੋਰਟ ਤਿਆਰ ਹੈ. ਹੁਣ ਤਾਂ ਬਸ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵਲੋਂ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਦੀ ਹੀ ਦੇਰ ਹੈ । ਹੋਰ ਕੋਈ

[ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ]
ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਦੇਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ । ਇਹ ਹੋਰ ਬਿਲ ਹੈ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਜ਼ ਬਾਰੇ ਹੈ, ਉਹ ਇਸ ਤੋਂ ਜੁਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਤਿਆਰ ਹੈ ਅਤੇ ਜਲਦੀ ਹੀ ਪਾਸ ਵੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ।

**श्री अध्यक्ष** : यह मोशन म्यूनिसिपल कारपोरेशन्ज़ बिल के बारे है जबकि मैम्बरज़ दूसरे बिल के बारे जो कि म्यूनिसिपैलेटीज़ के बारे है, बोल रहे हैं। (This motion relates to the Municipal Corporations Bill, while the hon. Members are referring to the other Bill which is Punjab Municipal Bill.)

**कामरेड राम प्यारा** (करनाल) : स्पीकर साहिब, इस में सन 1963 लिखा हुआ है। यह गवर्नमैंट पर एक बहुत बड़ी रिफलैक्शन है कि यह इस को तब से ले कर अब तक पास नहीं करवा सकी, बल्कि लटकाती आ रही है। इस पर बहुत सा वक्त और रुपया ज़ाया किया गया है। यह हाउस गवर्नमैंट से इस बारे में पूछताछ कर सकता है। बड़ी हैरानी की बात है कि सरकार हर बार इस बारे में ऐक्स्टैनशन ही मांगती चली जा रही है। मुझे याद है कि सरदार अजमेर सिंह ने रिजनल कमेटी में एश्योरेंस दिलाई थी कि जल्दी ही इस को पास कर देंगे। मगर ऐसा नहीं किया गया। इस तरह से सरकार सारे डैमोक्रेटिक सैट अप को इग्नोर कर रही है और स्टेट के रैवेन्यूज़ पर बोझ डाल रही है। हम यह चाहते हैं कि इस तरह से गरीब आदमी के टैक्स का रुपया ज़ाया न हो और इस में इतनी देर न की जाए।

**ਯੋਜਨਾ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਮਿਸਅੰਡਰਸਟੈਂਡਿੰਗ ਜਾਪਦੀ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਹਨ ਉਹ ਤਾਂ ਅਸਲੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਜਾਣਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਬਾਕੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਗਿਆਤ ਲਈ ਇਹ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸਲ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਦੋ ਬਿਲ ਹਨ । ਇਕ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਜ਼ ਸਬੰਧੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਅਗਲਾ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਾਰੇ ਹੈ, ਮਊਨਿਸਪਲ ਬਿਲ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪੰਜਾਬ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਬਿਲ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਬਹੁਤ ਮਿਹਨਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕਰੈਡਿਟ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਵਕਤ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਈ ਦਫਾ ਬੈਠ ਕੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀਆਂ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਕਲਾਜ਼ਾਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੈਕ ਕਰਕੇ, ਵਿਚਾਰ ਕੇ ਆਪਣੀ ਰੀਪੋਰਟ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਹੁਣ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਹੀ ਮੁਨਹਸਰ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਉਹ ਪਾਸ ਕਰਨ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਵੇ । ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੂਵ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਫਿਰ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਜਾਇੰਟ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਸੌਂਪ ਦਿਤਾ ਇਸ ਲਈ ਜਦ ਤਕ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਵਲੋਂ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਹੋਰ ਦੂਜਾ ਆਲਟਰਨੇਟਿਵ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਪਾਸੋਂ ਹੋਰ ਟਾਈਮ ਮੰਗਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਇਸ ਨੂੰ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚੋਂ ਪਾਸ ਕਰਵਾ ਕੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ । ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਤਾਂ ਵਕਤ ਮਿਲ ਨਹੀਂ ਸਕੇਗਾ ਇਸ ਲਈ ਕੁਦਰਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦਾ ਵਕਤ ਮੰਗਿਆ ਜਾਂਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਬਿਲ

ਆਖਰੀ ਸਟੇਜ ਤੇ ਹੈ । ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਜ਼ ਬਿਲ ਬਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਟ ਕੈਨ ਵੇਟ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਇਕ ਦੋ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਵਿਚਾਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਕੋਈ ਅਧਾ ਕਵਰ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। ਅਤੇ ਅਧੀਆਂ ਕਲਾਜ਼ਾਂ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਟਾਈਮ ਹੀ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਰਿਜਨਲ ਕਮੇਟੀ ਪਾਸੋਂ 30 ਜੂਨ, 1966 ਤਕ ਦਾ ਲੈ ਚੁਕੇ ਹਾਂ । ਕਿਉਂਕਿ ਰੀਜਨਲ ਕਮੇਟੀ **ਕੋਲ** 30 ਜੂਨ ਤਕ ਦਾ ਸਮਾਂ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਥੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਪਾਸੋਂ 31 ਅਗਸਤ ਤਕ ਦਾ ਵਕਤ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਅਸੀਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਦੋਹਾਂ ਬਿਲਾਂ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ ਪਾਸ ਕਰਵਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਫਿਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਸਕੇ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਟਾਈਮ ਦੀ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਲਈ ਪਰਵਾਨਗੀ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

**Mr. Speaker** : Question is—

> That the time fixed for the presentation of the Final Report of the Regional Committees on the Punjab Municipal Corporations Bill, be further extended upto 31st August, 1966.

*The motion was carried.*

## The Punjab Municipal Bill, 1963

**Planning and Local Government Minister** (Sardar Ajmer Singh) : Sir, I beg to move—

> That the time fixed for the presentation of the Final Reports of the Regional Committees on the Punjab Municipal Bill, be further extended upto 31st August, 1966.

**Mr. Speaker** . Motion moved—

> That the time fixed for the presentation of the Final Reports of the Regional Committees on the Punjab Municipal Bill, be further extended upto 31st August, 1966.

**Mr. Speaker** : Question is—

> That the time fixed for the presentation of the Final Reports of the Regional Committees on the Punjab Municipal Bill, be further extended upto 31st August, 1966.

*The motion was carried.*

---

## The Punjab Cattle Preservation Bill, 1964

**Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture** (Captain Rattan Singh) : Sir, I beg to move—

> That the time fixed for the presentation of the Reports of the Regional Committees on the Punjab Cattle Preservation Bill, as amended by the Punjab Vidhan Parishad, be extended upto the 15th March, 1966.

**Mr. Speaker** : Motion moved—

> That the time fixed for the presentation of the Reports of the Regional Committees on the Punjab Cattle Preservation Bill, as amended by the Punjab Vidhan Parishad, be extended upto the 15th March, 1966.

**Mr. Speaker** : Question is—

That the time fixed for the presentation of the Reports of the Regional Committees on the Punjab Cattle Preservation Bill, as amended by the Punjab Vidhan Parishad, be extended upto the 15th March, 1966.

*The motion was carried.*

## The Punjab Gram Panchayat (Amendment) Bill 1965

**Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture** (Captain Rattan Singh) : Sir, I beg to move—

That the time fixed for the presentation of the Report of the Hindi Regional Committee on the Punjab Gram Panchayat (Amendment) Bill, be further extended upto the 30th June, 1966.

**Mr. Speaker** : Motion moved—

That the time fixed for the presentation of the Report of the Hindi Regional Committee on the Punjab Gram Panchayat (Amendment) Bill, be further extended upto the 30th June, 1966.

**Mr. Speaker** : Question is—

That the time fixed for the presentation of the Report of the Hindi Regional Committee on the Punjab Gram Panchayat (Amendment) Bill, be further extended upto the 30th June, 1966.

*The motion was carried*

---

## Supplementary Estimates (Second Instalment) 1965-66

1. *Discussion on the Estimates of the expenditure charged on the revenues of the State*

**Mr. Speaker** : If any hon. Member wants to raise discussion on the charged items, he may do so.

*(No hon. member rose to speak)*

2. *Voting of the Demands for Supplementary Grants.*

**Mr. Speaker** : In order to save time of the House and keeping in view the past practice, all the under mentioned Demands for Supplementary Grants will be deemed to have been read and moved. All the cut motions given notice of by the hon. Members, will also be deemed to have been read and moved. The members, while raising discussion, may please indicate the Demands on which they wish to speak, so that the Ministers concerned may also keep a note of them.

The guillotine will be applied at 6.00 p.m.

*Demand No.* 1.—that a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,41,780 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 12—Sales Tax.

*Demand No.* 2.—that a Supplementary sum not exceeding Rs. 9,10,040 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending 31st March, 1966, in respect of 22—Jails.

*Demand No.* 3.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,55,79,760 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 28—Education.

*Demand No.* 4.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 14,89,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 30—Public Health.

*Demand No.* 5.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,45,580 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 42—Multipurpose River Schemes.

*Demand No.* 6.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 22,49,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 43—Irrigation, Navigation, Embankment and Drainage Works (Commercial).

*Demand No.* 7.—That a supplementary sum not exceeding Rs. 25,52,340 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of Charges on Irrigition Establishment.

*Demand No.* 8.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 21,05,200 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of pavment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 50—Public Works.

*Demand No.* 9.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 3,42,280 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 70—Forests.

*Demand No.* 10—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 57,36,110 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 71—Miscellaneous.

*Demand No.* 11.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 91,58,700 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 78-A-Expenditure connected with National Emergency.

*Demand No.* 12.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,92,26,790 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 99—Capital Outlay on Irrigation, Navigation, Embankment and Drainage Works (Commercial).

*Demand No.* 13.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 62,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 120—Payment of Commuted value of Pension.

*Demand No.* 14.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 2,63,56,560 be granted to the Governor to defray the charges tht will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 124—Capital Outlay on Schemes of Government Trading.

*Demand No.* 15.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 17,56,140 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of Loans to Local Funds—Private Parties, etc., and Loans to Government Servants.

*Demand No.* 16.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of nayment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 31—Agriculture.

*Demand No.* 17.—That a Supplementary sum not exceeding Rs. 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 103—Capital Outlay on Public Works.

## CUT MOTIONS

### DEMAND NO. 3

### (28—Education)

1. **Principal Rala Ram :**

That the demand be reduced by Re. 1.

### DEMAND NO. 7

### (Charges on Irrigation Establishment)

2. **Principal Rala Ram :**

That the demand be reduced by Re. 1.

**कामरेड राम चन्द्र** (नूरपुर) : स्पीकर साहिब, मेरा ख्याल तो था कि बजट की जनरल बहस के वक्त बोलूं लेकिन इस वक्त मेरी कानशंस प्रिक कर रही है इस लिये खड़ा हो गया हूं। इस सम्बन्ध में दो चार बातें अर्ज करना चाहता हूं। पहली बात यह है कि सरदार प्रताप सिंह की यादगार के लिये जो रुपया मन्त्रियों ने दिया है वह कानून विरुद्ध है..... (विघ्न)।

**श्री अध्यक्ष** : आप किस डिमांड पर बोलना चाहते हैं ? (Which Demand, the hon. Member wants to discuss ?)

**कामरेड राम चन्द्र** : मेरी अर्ज़ यह है कि वैसे कोई पर्टिकुलर डिमांड तो नहीं है। मैं तो जनरल एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में जिक्र करना चाहता हूं और यह कहना चाहता हूं कि बजट की बहस में Omission और Commission दोनों बहस में आ सकते हैं। यह जो डिस्क्रीश्नरी ग्रांटें हैं इस को एक ऐसे आदमी की यादगार बनाने पर खर्च किया जा रहा है जो कुरप्ट साबित हुआ। (विरोधी पक्ष की ओर से शेम शेम) और यह मिसयूज़ आफ दी मनी है। दूसरी अर्ज मैं यह करना चाहता हूं कि हम एक बार discretionary grants की मंजूरी दे चुके हैं। उन का गलत इस्तेमाल हुआ है। मैं उसका विरोध करना चाहता हूं।

**श्री अध्यक्ष** : इस में तो इस डिमांड का ज़िक्र नहीं है। आप कल के बाद बजट की आम बहस में इन बातों पर बोल सकते हैं। इस वक्त तो परटिकुलर डीमांड पर ही बोल सकते हैं। (There is no mention of this demand in the supplementary Demands. The hon. Member can discuss these general matters during the discussion on the Budget. At present he can speak on a particular demand only.)

**ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ** (ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਦੇ ਮੇਜਰ ਹੈਡ 9—ਲੈਂਡ ਰੈਵੇਨਿਊ, ਗਰਾਂਟ ਨੰ: 1 ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ

ਹਾਂ । ਇਸ ਵਿਚ ਤਕਰੀਬਨ ਸਾਰੀਆਂ ਹੀ ਰਕਮਾਂ ਡੀਕ੍ਰੀਟਲ ਅਮਾਊਂਟ ਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਫਸੀਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਕਿੰਨੀ ਕਿੰਨੀ ਰਕਮ ਕਿਸ ਕਿਸ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਪਈ, ਕਿਉਂਕਿ ਡਿਗਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਪਾਸ ਹੋਈ । ਮੈਂ ਇਕ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਜਿੰਨੇ ਅਹਿਲਕਾਰ ਕੁਰਪਟ ਸਾਬਤ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਜਿਹੜੇ ਮੁਕਦਮੇ ਚਲਾਏ ਗਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਇਸ ਦੀ ਤਫਸੀਲ ਵਿਚ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । ਹਰ ਇਕ ਕੇਸ ਵਿਚ ਇਬਾਰਤ ਲਿਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਤੋਂ ਸਹੀ ਹਾਲਾਤ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਡੀਕ੍ਰੀਟਲ ਰਕਮਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਇਕ ਗਲ ਸਾਫ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਲਾ ਡੀਪਾਰਟ-ਮੈਂਟ ਜਾਂ ਤਾਂ ਸੁਤਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਤਵਜੋ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ । ਮੁਕਦਮੇ ਚਲਾਏ ਜਾਣ ਤੇ ਫਿਰ ਬਰੀ ਹੋ ਜਾਣ, ਕਿੰਨੀ ਸ਼ਰਮਿੰਦਗੀ ਦਾ ਬਾਇਸ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਜ਼ੋਰਾਂ ਤੇ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ।

ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਇਤਨੇ ਜ਼ੋਰਾਂ ਨਾਲ ਹੈ ਕਿ ਕਾਰਵਾਈ ਵੀ ਕਰਨੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਜੇ ਕਿਤੇ ਹਥ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਵਕੀਲ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਬੜੀਆਂ ਬੜੀਆਂ ਰਕਮਾਂ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਚਾਰਜ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਕੋਈ ਨਵੀਂ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਪਿਛਲੇ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਸਾਲ ਤੋ ਅਸੀਂ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਹਰ ਸਾਲ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਅਦਾਲਤ ਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ ਫੈਸਲਾ ਦਿਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਪੈਸਾ ਦੇਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਪਰ ਅੱਜ ਤਾਈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਕੋਈ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਕਿਸ ਤੇ ਹੈ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਕੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਪਿਛਲੇ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਅਦਾਲਤਾਂ ਰਾਹੀਂ ਕੇਸਿਜ਼ ਹੋਏ ਹਨ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸ ਦੀ ਗ਼ਲਤੀ ਹੈ । ਆਇਆ ਲਾ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਅਣਗਹਿਲੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹੈ । ਜਿਥੇ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਦੁਗਣਾ ਦੁਗਣਾ ਖਰਚਾ ਪਵਾਇਆ ਹੈ, ਉਹਦਾ ਪਰਾਪਰ ਟਾਈਮ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਜਾਣ ਦੀ ਕਿਉਂ ਲੋੜ ਪਈ, ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੀ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ।

ਦੂਸਰੀ ਚੀਜ਼ ਜਿਸ ਦੇ ਵੱਲ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਤਵੱਜੋ ਦਿਲਾਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡ ਦੇ ਪੇਜ 39, ਮੇਜਰ ਹੈਡ ਲੋਨਜ਼ ਟੂ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਪਾਰਟੀ, ਆਈਟਮ ਨੰ: 3 ਵਿਚ ਇਹ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਫਰਟੀਲਾਈਜ਼ਰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵੱਲੋਂ ਰਿਕੁਈਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਕੀਤੀ ਗਈ 1,000 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਹ ਆਪਣਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਪੁਰਾਣਾ ਝਗੜਾ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਦਫਾ ਸਵਰਗਵਾਸੀ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਪੰਡਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਕੋਠੀ ਜਾਣ ਦਾ ਇਤਫਾਕ ਮਿਲਿਆ, ਉਥੇ ਨੰਗਲ ਦੇ ਲੋਕ ਇਸੇ ਮੁਆਵਜ਼ੇ ਦਾ ਰੋਣਾ ਰੋ ਰਹੇ ਸਨ । ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਗੱਲ ਤੇ ਬਦਮਜ਼ਗੀ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ, ਪੰਡਤ ਜੀ ਨਾਰਾਜ਼ ਹੋ ਗਏ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡੰਡੇ ਮਾਰ ਮਾਰ ਕੇ ਬਾਹਰ ਕੱਢ ਦਿੱਤਾ। ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਇਹ ਇਕ ਮਾਮੂਲੀ ਜੇਹੀ ਗੱਲ ਹੈ, ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਖਾਹ-ਮਖਾਹ ਤਕਲੀਫ ਦੇ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਿਹੈਬਿਲੀਟੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮਸਲੇ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਸਰਕਾਰ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਸਰਦਰਦੀ ਦਾ ਬਾਇਸ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਪਹਿਲਾਂ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਐਕੁਆਇਰ ਕਰ ਲਈ, ਫੇਰ ਵਧ ਸਮਝ ਕੇ ਇਕੋ ਹਜ਼ਾਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਵਾਪਸ

[ਸਰਦਾਰ ਕੁਲਬੀਰ ਸਿੰਘ]

ਕਰਨ ਵਿਚ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਇਕ ਬਹੁਤ ਹੀ ਬੁਰੇ ਤਰੀਕੇ ਦੀ ਲੀਗਲ ਹਿਟ ਹੈ, ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨੰਗਲ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਹੁੰਚਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਗੱਲਾਂ ਦੀ, ਜਿਹੜੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋਣ, ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਡੀਮਾਂਡ ਨੰ: 5 ਹੈ ਜੇਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਅਤਲਿਕ । ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਜੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਜੋ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਕੈਦੀਆਂ ਨੂੰ ਰੱਖਣ ਦਾ ਖਰਚਾ ਆਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਖਰਚ ਉਹ ਹੈ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਜੰਗ ਹੈ ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਹ ਸਾਰਾ ਖਰਚਾ ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਹੀ। ਤਅਲੱਕ ਹੈ ਪਰ ਡੀਫੈਂਸ ਪਰਪਜ਼ਜ਼ ਲਈ ਸਾਰਾ ਖਰਚਾ ਸੈਂਟਰ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

***(At this stage the Deputy Speaker occupied the Chair.)***

ਇਕ ਆਈਟਮ ਹੈ ਇਥੇ ਅਹਿਲਕਾਰਾਂ ਦੇ ਟੀ. ਏ., ਡੀ. ਏ. ਦੇ ਮੁਤਅਲਿਕ। ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਹੋ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਤਨੀ ਮਹਿੱਗਾਈ ਭੱਤਾ ਆਪਣੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਵਧਾਇਆ ਹੈ ਉਤਨਾ ਹੀ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਵੀ ਵਧਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਪਰ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਇਹ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਮਹਿੰਗਾਈ ਭੱਤਾ ਹੋਰ ਹੈ ਅਤੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਹੋਰ । ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਜੇ ਕੁਝ ਮਹਿੰਗਾਈ ਭੱਤੇ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਕਿਵੇਂ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਮਹਿੰਗਾਈ ਅਲਾਊਂਸ ਜੋ ਸੈਂਟਰ ਦਾ ਹੈ ਉਹੀ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਕ ਦਰਜੇ ਦੇ ਆਦਮੀਆਂ ਨਾਲ ਇਕ ਕਿਸਮ ਦਾ ਹੀ ਸਲੂਕ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਵੀ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਛਡ ਕੇ ਸੈਂਟਰ ਨੂੰ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਉਹ ਵਧ ਪੈਸੇ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਘਟ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਵੇ । ਤਨਖਾਹ ਅਤੇ ਮਹਿੰਗਾਈ ਅਲਾਊਂਸ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਲੈਵਲ ਤੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

**ਸਰਦਾਰ ਕਰਮ ਸਿੰਘ ਕਿਰਤੀ** (ਜਾਲੰਧਰ ਛਾਉਣੀ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਡੀਮਾਂਡ ਨੰ: 14 ਦੇ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 63 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਅਲਿਕ ਇਕ ਦੋ ਸੁਝਾਉ ਆਪ ਜੀ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਦੇ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

ਪਹਿਲੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਵਪਾਰੀਆਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਢੰਗ ਇਖਤਿਆਰ ਕਰੇ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਡਿਟੇਲ ਨਾਲ ਤਾਂ ਜਦੋਂ ਬਜਟ ਡਿਸਕਸ ਹੋਵੇਗਾ ਉਦੋਂ ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਇਸ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਫੂਡ ਟਰੇਡਿੰਗ ਕਰਕੇ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਗਰੋਅਰ ਦੀ ਖਰੀਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਵਪਾਰ ਕਰਨਾ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸ਼ੋਭਦਾ ਨਹੀਂ । ਜ਼ਿਮੀਂ-ਦਾਰ ਦੀ ਜੋ ਹਾਲਤ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਆਪ ਸਾਰੇ ਜਾਣੂ ਹੋ । ਇਸ ਪਾਸ ਇਕ ਪੈਸਾ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਬਚਦਾ, ਨਾ ਉਸਦੀ ਕੋਈ ਇਮਦਾਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਤੋਂ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦਾ ਅਨਾਜ ਸਰਕਾਰ ਬਾਹਰ ਤੋਂ ਮੰਗਵਾਉਂਦੀ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦਾ

ਜੇ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਕੇ ਵੇਖੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਪੈਸੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਉਸਦੇ ਨਾਲੋਂ ਕਿਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਦਰਾਸ, ਦਿੱਲੀ, ਯੂ. ਪੀ., ਆਦਿ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਸ਼ਖਸ ਆਪਣਾ ਖਰਚ ਘਟ ਕਰਕੇ ਪੈਦਾਵਾਰ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਇਵਜ਼ਾਨਾ ਵੀ ਘਟ ਮਿਲੇ। ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਜੋ ਮੱਕੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਭਾਉ ਮਾਰਕਿਟ ਵਿਚ 47 ਰੁਪਏ ਕਵਿੰਟਲ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਜੇਕਰ 50 ਮੀਲ ਪਰੇ ਦਿੱਲੀ ਚਲੇ ਜਾਈਏ ਤਾਂ 67 ਰੁਪਏ ਹੈ, ਯੂ ਪੀ. ਵਿਚ ਚਲੇ ਜਾਉ ਤਾਂ 87 ਰੁਪਏ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਪਾਰ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ 87 ਰੁਪਏ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਖਰੀਦਦੀ । ਅੱਜ ਕਲ ਸਿਆਲ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਲੋਕ ਰਹੁ ਪੀੜ ਕੇ ਆਪਣਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਗੰਨੇ ਤੇ ਵੀ ਟੈਕਸ ਲਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਸਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਚਲ ਕੇ ਵੇਖਣ ਕਿ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੰਡਸਾਰੀ ਦੇ ਲਾਈਸੈਂਸ ਮਿਲੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹ 11 ਆਨੇ ਮਣ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਗੰਨਾ ਪੀੜ ਰਹੇ ਹਨ, ਗੁੜ ਦੀ ਕੀਮਤ ਇਸ ਵੇਲੇ 13 ਰੁਪਏ ਮਣ ਹੈ, ਮੰਡੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਗੁੜ ਰੁਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ 36/37 ਰੁਪਏ ਮਣ ਗੁੜ ਸੀ, ਹੁਣ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਜਦੋਂ 27 ਰੁਪਏ ਮਣ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਮਾਸਟਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਵਰਗਿਆਂ ਗੁੜ ਕਢ ਕੇ ਵੇਚਿਆ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਗੁੜ ਦਾ ਭਾਉ ਗਿਰ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਲੋਕ ਕਮਾਦ ਪੀੜਨਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਬਲਕਿ ਮਿਲ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਗੰਨਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਮਗਰ ਮਿੱਲਾਂ ਵਾਲੇ ਖਰੀਦਦੇ ਨਹੀਂ । ਮਿਲ ਭੋਗਪੁਰ ਜਾਂ ਬਠਿੰਡੇ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਲੋਕ ਫੀਰੋਜ਼-ਪੁਰ ਤੋਂ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਗੰਨੇ ਦੀ ਪਰਚੀ ਲੈ ਦਿਉ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਤੇ ਤਰਸ ਕਰੇ। ਜਿਹੜੀ ਫੂਡ ਦੀ ਟਰੇਡ ਹੈ ਇਹ ਆਪਣੇ ਹਥ ਵਿਚ ਲਏ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਯੂਨੀਫਾਰਮ ਰੇਟ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਗੰਨਾ ਵੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਖੁਦ ਖਰੀਦੇ । ਬਸ ਏਨਾ ਕਹਿ ਕੇ ਮੈਂ ਬੈਠਦਾ ਹਾਂ।

**ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ** (ਪੱਟੀ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਬੋਲਣਾ ਤਾਂ ਦੂਸਰੀ ਡੀਮਾਂਡ ਤੇ ਸੀ ਪਰ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਮ ਕਰਨ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਤੁਸੀਂ ਆਗਿਆ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵੀ ਪੜ੍ਹੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਖੇਮਕਰਨ ਜਾ ਕੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਹਾਲ ਹੈ । ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਤਾਸ਼ਕੰਦ ਦਾ ਸਮਝੌਤਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨੇਪਰੇ ਚੜ੍ਹੇਗਾ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਤੁਸੀਂ ਗਏ ਸੀ ਉਥੋਂ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਆਖੀਰ ਬਾਰਡਰ ਤਕ ਨਾ ਕੋਈ ਟਾਹਲੀ ਹੈ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਕਿੱਕਰ ਹੀ ਛੱਡੀ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਤੁਸੀਂ ਬਰਕੀ ਅਤੇ ਇੱਛੋਗਿਲ ਚਲ ਕੇ ਦੇਖੋ ਸਾਡੀਆਂ ਫੌਜਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹਿਲਾਈ। ਮਗਰ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਖੇਮਕਰਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਮਕਾਨ ਵੀ ਠੀਕ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣ ਦਿੱਤਾ । ਜਦੋਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਹਮਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਇਕ ਆਦਮੀ ਦੇ ਪਿਤਾ ਦੀ ਮਕਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਹੀ ਮੌਤ ਹੋ ਗਈ ਸੀ । ਉਹ ਇਸ ਖਿਆਲ ਦੇ ਨਾਲ ਉਥੇ ਗਿਆ ਕਿ ਸ਼ਾਇਦ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਪ ਦੀ ਹਡੀ ਪਸਲੀ ਮਿਲ ਜਾਵੇ ਤੇ ਉਹ ਸੰਸਕਾਰ ਕਰੇ ਲੇਕਿਨ ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖਿਆ ਤਾਂ ਉਥੇ ਝਾੜੂ ਫਿਰਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਜਿਹੜੇ ਆਦਮੀ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਫੜੇ ਸੀ ਉਹ ਦਸਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਕ ਇਕ ਮਕਾਨ ਵਿਚ 25, 25 ਡੰਗਰ ਮਰੇ ਪਏ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਸਾਫ ਕਰ ਦਿਤੇ ਔਰ ਆਖੀਰਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਝੌਂਪੜੀਆਂ ਤੋਂ ਛੱਤਾਂ ਵੀ ਲਾਹ ਕੇ ਢੋ ਲਈਆਂ ਸਨ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ]

ਦਾ ਧਿਆਨ ਏਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਨਿਰੇ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਅਤੇ ਫਾਈਲਾਂ ਤੇ ਹੀ ਨਾ ਜਾਣ ਬਲਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿਣ ਕਿ ਜਿਹੜੇ 12/13 ਪਿੰਡ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਕਬਜ਼ੇ ਵਿਚ ਆਏ ਸਨ ਉਹ ਖੁਦ ਜਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਖਣ। ਮੌਕੇ ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖਣ। ਬੀਬੀ ਜੀ, ਜਦੋਂ ਲੜਾਈ ਹੋ ਰਹੀ ਸੀ ਉਦੋਂ ਮੈਨੂੰ ਇਤਨਾ ਅਫਸੋਸ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਜਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵੇਖੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਦੋ ਰਾਤਾਂ ਨੀਂਦ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਤੁਸੀਂ ਬਰਕੀ ਅਤੇ ਡੋਗਰੈਈ ਦਾ ਹਾਲ ਵੀ ਵੇਖੋ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਹਾਲ ਵੀ ਦੇਖੋ। ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਅੱਗੋਂ ਜਵਾਬ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਨੈਸ਼ਨਲ ਇੰਟਰੈਸਟ ਦੇ ਵਿਚ ਸਭ ਕੁਝ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰੋ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਇੰਟਰੈਸਟ ਦਾ ਭਾਰ ਸਾਰਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਹੀ ਪਾਉਣਾ ਹੈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਏਸ ਵੇਲੇ ਨਾ ਕੋਈ ਰਹਿਣ ਨੂੰ ਥਾਂ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਡੰਗਰ ਵੱਛਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਐਡਮਨਿਸ-ਟਰੇਟਿਵ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਅਗੇ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਇਲਾਕਾ ਮੈਦਾਨੇ ਜੰਗ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ 50, 60 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਜਾਂ ਆਪਣੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਥਾਂ ਤੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਔਰ ਜਿਹੜੀ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਮਾਲਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਲੀਜ਼ ਤੇ ਦੇ ਕੇ ਵਾਹੁਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਏਥੇ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਝਿਜਕ ਤੋਂ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਮਝੌਤਾ ਬਹੁਤੀ ਦੇਰ ਤਕ ਨਹੀਂ ਨਿਭਣਾ। ਉਥੇ ਜੋ ਕੁਝ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਹੋਰ ਲੀਡਰਾਂ ਨੂੰ ਗਾਲਾਂ ਲਿਖ ਕੇ ਗਏ ਹਨ ਉਸ ਤੋਂ ਇਹ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਚਿਰ ਨਹੀਂ ਨਿਭਣੀ। ਅਗੇ ਵੀ ਅਸੀਂ ਅਣਭੋਲ ਹੀ ਮਾਰੇ ਗਏ ਸੀ। ਇਹ ਤੁਹਾਡਾ ਮੈਦਾਨੇ ਜੰਗ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਮੌਕੇ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲੋ। ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਰੁਖ ਵੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣ ਦਿੱਤਾ ਤਾਕਿ ਕੋਈ ਲੁਕ ਛੁਪ ਨਾ ਜਾਵੇ। ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਮਕਾਨ ਵੀ ਗਿਰਾ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦਾ ਪੱਕਾ ਮਕਾਨ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਦੇਵਾਂਗੇ ਔਰ ਕੱਚੇ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਦਿਆਂਗੇ। ਪਰ ਅੱਜ ਕਲ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਤਾਂ ਇਕ ਕਧ ਵੀ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦੀ। ਉਥੇ ਜਿਹੜਾ ਮਲਬਾ ਹੈ ਜਿਤਨਾ ਚਿਰ ਤਕ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਠਾਉਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨਾ ਕੀਤਾ ਉਹ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਉਥੇ ਸੈਂਟੀਮੈਂਟਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਕ ਹੋਰ ਬੜੀ ਵੱਡੀ ਰੁਕਾਵਟ ਖੜੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇੱਛੋਗਿਲ ਨਹਿਰ ਖੋਦੀ ਸੀ ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਜਦੋਂ ਉਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਹਿਰ ਏਧਰ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਬਣਾਈ ਤਾਂ ਖੇਮ ਕਰਨ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਦੋਂ ਇਹ ਹੌਂਸਲਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕੁਝ ਹਿਫਾਜ਼ਤ ਮਿਲੇਗੀ ਲੇਕਿਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਨਹਿਰ ਨੂੰ ਪਿੱਛੋਂ ਦੀ ਕਢਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਬਣਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਲੜਾਈ ਦੇ ਮੂੰਹ ਦੇ ਵਿਚ ਪਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰੀ ਆਫ ਡੀਫੈਂਸ ਨੂੰ ਆਪ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਬਦਲ ਕੇ ਖੇਮ ਕਰਨ ਦੇ ਉਤੋਂ ਦੀ ਨਹਿਰ ਕਢਣ ਤਾਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਮਿਲੇ। ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਦਾ ਕਾਨਦਾਰ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਰੁਪਿਆਂ ਦਾ ਮਾਲ ਦੁਕਾਨਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਛਡ ਕੇ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਦਾ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। 1947 ਦੇ ਵਿਚ ਤਾਂ ਚਾਕੂ ਅਤੇ ਛੁਰੀਆਂ ਦੀ ਲੜਾਈ ਸੀ ਇਸ ਕਰਕੇ ਜਿਹੜੇ ਉਧਰੋਂ ਛੱਡ ਕੇ ਆਏ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਏਧਰ ਆ ਕੇ ਕ ਝ ਮਿਲ ਗਿਆ ਸੀ

ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਬੰਬਾਂ ਅਤੇ ਤੋਪਾਂ ਨਾਲ ਮਾਰੇ ਗਏ ਹਨ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਧੱਕਾ ਹੋਵੇਗਾ ।

ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਆਪਦੀ ਮਾਰਫਤ ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਜਾਕੇ ਸਾਰੇ ਹਾਲਾਤ ਵੇਖੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਹ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਤੋਸ਼ ਹੋਵੇ । ਅਜ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਰੇਲਵੇ ਲਾਈਨ ਹੈ ਰਤੋਕੀ ਖੇਮਕਰਨ ਵਾਲੀ ਉਹ ਸਾਰੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁੱਟ ਲਈ ਹੋਈ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਥੋਂ ਤਕ ਗੰਦੀਆਂ ਹਰਕਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਦਸਣ ਵਿਚ ਸ਼ਰਮ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਤਾਂ ਬਰਕੀ ਤੇ ਦੂਜੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮਸਜਦਾਂ ਬਣਾ ਕੇ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਸਾਡੇ ਖੇਮਕਰਨ ਵਿਚ ਦੋ ਹਿਸਟਾਰਿਕ ਗੁਰਦਵਾਰੇ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਦੀਵਾਰਾਂ ਤੇ ਅਸੀਂ ਜਾਕੇ ਵੇਖਿਆ ਉਹ ਕੁਝ ਕਾਲੇ ਕੋਲੇ ਨਾਲ ਲਿਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਥੇ ਖੜੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ ਸੀ । ਬਹੁਤ ਗੰਦੇ ਅਲਫਾਜ਼ ਲਿਖੇ ਸਨ । ਮੈਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਇਆ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟਰੈਕਟਰ ਵਾਪਸ ਕਰ ਦਿਤੇ ਅਤੇ ਮੋਟਰਾਂ ਵਾਪਸ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ । ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਜੋ ਟਰੈਕਟਰ ਛਡੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਨਾਮ ਨਿਸ਼ਾਨ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਲੋਕ ਅਜ ਰੁਲਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਾਪਸ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਚਾਹੀਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਜੇਕਰ ਉਹ ਸਾਡਾ ਮਾਲ ਵਾਪਸ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਹ ਵਾਪਸ ਕਰ ਦਿੰਦੇ । ਇਹ ਕਿਥੇ ਦੀ ਸਿਆਣਪ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਲੋਕ ਜੰਗ ਵਿਚ ਵੀ ਰੋਈਏ ਅਤੇ ਸੁਲਾਹ ਵਿਚ ਰੋਈਏ । ਇਹ ਤਾਂ ਸੱਪ ਨੂੰ ਦੁਧ ਪਿਆਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਿਤਾਉਣੀ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪਾਲੀਸੀ ਕਦੇ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗੀ । ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਸਚ ਮੁਚ ਉਸ ਉਜੜੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਆਬਾਦ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਥੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਜਾਕੇ ਉਸਦੀ ਖਬਰ ਲਉ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਸਣ ਲਈ ਸਾਰੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਉ । ਅੱਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਆਪਣਾ ਕੋਈ ਹਲ ਨਹੀਂ, ਪੰਜਾਲੀ ਨਹੀਂ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਟਰੈਕਟਰ ਲਗਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਾਏ ਅਤੇ ਨਹਿਰੀ ਪਾਣੀ ਦੇਵੇ ਤਾਕਿ ਉਥੇ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਹੋ ਸਕੇ । ਬਾਕੀ ਗਲ ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਜਟ ਦੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਕਰਾਂਗਾ । ਅੱਜ ਮੈਂ ਉਹ ਦਸਿਆ ਹੈ ਜੋ ਮੈਂ ਉਥੇ ਵੇਖਿਆ ਹੈ।

ਸਫਾ 33 ਤੇ ਜੋ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੀ ਡਿਮਾਂਡ ਹੈ ਹੁਣ ਮੈਂ ਉਸ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਫਿਨਾਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੇਰੀ ਇਕ ਸਾਲ ਦੀ ਬਾਰ ਬਾਰ ਬੇਨਤੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੇਰੀ ਗਲ ਮੰਨ ਲਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਉਜੜੇ ਇਲਾਕੇ ਲਈ ਪੈਸਾ ਦੇਣਾ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ..... (ਵਿਘਨ) ਉਥੇ 45 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਜੋ ਫੂਡ ਪਰਾਬਲਮ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਉਸ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਫੀ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਪਰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸਦਾ ਸਹੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੈਂ ਨਵੰਬਰ, 1964 ਵਿਚ ਸਾਰਾ ਇਲਾਕਾ ਫਰਾ ਕੇ ਵਖਾਇਆ ਸੀ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਸੀਂ ਤੇ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਉਥੋਂ ਗੁਜ਼ਰੇ ਹੋਣਗੇ । ਜਿਸ ਪੁਲ ਤੇ ਟੌਲ ਟੈਕਸ ਲਗਦਾ ਹੈ ਉਸਤੋਂ ਕੋਈ ਦੋ ਫਰਲਾਂਗ ਪਿਛਾਂ ਸੜਕ ਕਟ ਕੇ ਉਸ 45 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਸਤਲੁਜ-ਬਿਆਸ ਦਾ ਪਹਿਲਾਂ ਬਣਾਈ ਸਕੀਮ ਮੁਤਾਬਕ ਪਾਣੀ ਮਿਲਣਾ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਮੈਨੂੰ ਸੁਣ ਕੇ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਛਡਕੇ ਰਾਵੀ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਬਣਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਦਸ ਦਫਾ ਮੈਂ ਨੋਟ

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ]

ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਜੋ ਹਰੀਕੇ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਸੀ ਉਹ ਬਹੁਤ ਫਾਇਦਾਮੰਦ ਤੇ ਚੰਗੀ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਨਾਲ 15 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਵਧ ਸੈਰਾਬ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨਾਲ ਪੰਜ ਸਤ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਵੀ ਬੱਚਤ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਜੋ ਜ਼ਮੀਨ ਐਕੁਆਇਰ ਕਰਨੀ ਹੈ ਉਹ ਕੀਮਤੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪਰ ਜੋ ਹੁਣ ਨਵੀਂ ਸਕੀਮ ਮੁਤਾਬਕ ਐਕੁਆਇਰ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਹੈ ਉਸਦੀ ਇਕ ਇਕ ਕਿੱਲੇ ਦੀ ਕੀਮਤ ਛੇ ਛੇ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਹੈ। ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਨਸਾਲੀਡੇਸ਼ਨ ਤੇ ਸੀਲਿੰਗ ਰਾਹੀਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਥੋੜੀਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਚੀਕਣਗੇ। ਮੈਂ ਡੇਢ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਦਰਵਾਜ਼ਿਆਂ ਤੇ ਫਿਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੌਕੇ ਤੇ ਜਾਕੇ ਵੇਖੋ ਅਤੇ ਸਾਰੀ ਗਲ ਨੂੰ ਸੋਚੋ। ਇਹ ਮਹਿਕਮਾ ਤਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਬਿਉਰੋਕਰੇਸੀ ਤੇ ਹੀ ਇਹ ਗਲ ਨਾ ਛਡੋ ਅਤੇ ਖ਼ੁਦ ਜਾਕੇ ਸਾਰੇ ਹਾਲਾਤ ਵੇਖੋ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਸ ਮੁਤਾਬਕ ਅਲਾਈਨਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਪੁਰਾਣੀ ਸਕੀਮ ਚੰਗੀ ਹੈ ਕਿਉਂਜੋ ਇਸ ਨਾਲ 15/20 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਵਧ ਸੈਰਾਬ ਹੋਵੇਗੀ, ਪਾਣੀ ਵੀ ਮੁੱਢ ਹੋਵੇਗਾ, ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਪੈਸਾ ਵੀ ਘਟ ਖਰਚ ਆਵੇਗਾ ਅਤੇ ਫੂਡ ਪਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵੀ ਵਧੇਗੀ। ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰੇਗੀ ਤਾਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਵੀ ਪੈਸਾ ਬਚੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਲਫਾਜ਼ ਨਾਲ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਟਾਈਮ ਦਿਤਾ ਹੈ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** (ਮੋਗਾ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਡਿਮਾਂਡ ਨੰ: 12 ਤੇ 14 ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਬਾਰੇ ਡਿਮਾਂਡ ਰਖੀ ਹੈ। ਫਰਟਲਾਈਜ਼ਰ ਦੀ ਜੋ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਅਜ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੈ ਉਹ ਬੜੀ ਸੀਰੀਅਸ ਹੈ। ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਣ ਲਈ ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 10/15 ਸਾਲ ਤਕ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਲਈ ਐਜੂਕੇਟ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਮਾਇੰਡਡ ਬਣਾਇਆ ਅਤੇ ਫਿਰ ਜਦੋਂ ਇਸਨੂੰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਲਗੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੰਗੀ ਪਰ ਤੰਗੀ ਦੇਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ **ਦਸਣਾ** ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਕਿਤਨੀ ਕੁ ਮਦਦ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਤੋਂ ਇਸ ਸਾਲ ਗੰਨਾ ਬਿਜਵਾਇਆ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਖਾਦ ਪਾਈ ਅਤੇ ਇਸਦੀ ਪੈਦਾ ਵਾਰ ਵਧਾਈ। ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਖੰਡ ਦਾ ਸਾਡ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਤੋੜਾ ਵੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਡਾਲਰ ਅਰਨ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਲੇਕਨ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਐਨੀ ਸਿਆਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਐਨੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਹਮਦਰਦ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖੰਡ ਦਾ ਰਾ ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਗੰਨਾਂ ਨਹੀਂ ਸਾਂਭਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕਲ ਪਹਿਲੀ ਮਾਰਚ ਹੈ ਅਤੇ 15 ਮਾਰਚ ਤੋਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ ਹਾੜ੍ਹੀ ਦੀ ਫਸਲ ਸਹੁੰ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦੇਣਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਗੰਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖੜਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਿਰਫ 25 ਫੀਸਦੀ ਗੰਨਾ ਹੀ ਕਰੱਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਨਾ ਖ਼ੁਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰੱਸ਼ ਕਰਨ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਲ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੁੜ 14 ਰੁਪਏ ਮਣ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਕੋਈ ਸੰਕਟ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਲੋਕ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਟੈਕਸ, ਚੰਦੇ, ਭਰਤੀ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਡੀਫੈਂਸ ਲਈ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਮਦਦ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੰਕਟ ਵੇਲੇ ਮਦਦ ਨਾ ਕਰ। ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਬਣਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਬਾਰੇ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੇ ਟੈਕਸ, ਖ਼ੁਸ਼ ਹਸੀਤੀ ਟੈਕਸ ਤੇ ਟੋਲ ਟੈਕਸ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਲਗਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਵਧ

ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਥ ਜੋ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸਦਾ 60 ਫੀਸਦੀ ਫਰਟੇ-ਲਾਈਜ਼ਰ ਫੈਕਟਰੀ ਵਿਚ ਖਪਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਉਸ 60 ਫੀਸਦੀ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੇ ਸਾਰੇ ਟੈਕਸ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਜੋ ਉਥੇ ਮਾਲ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸਨੂੰ ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਮੰਗਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਵਾਲਿਆਂ ਤੇ ਵੀ ਉਸਦਾ ਉਹੋ ਭਾਉ, ਬੰਗਾਲ ਤੇ ਮਦਰਾਸ ਵਾਲਿਆਂ ਤੇ ਵੀ ਉਸਦਾ ਉਹੋ ਰਟ ਚਾਰਜ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਬੰਬਈ, ਬੰਗਾਲ ਤੇ ਮਦਰਾਸ ਨੂੰ ਇਹ ਰੇਲ ਤੇ ਲੱਦ ਕੇ ਖਾਦ ਲੈ ਜਾਕੇ ਉਸ ਭਾਉ ਤੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਭਾਉ ਇਥ ਫੈਕਟਰੀ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਸਾਨੂੰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਉਹ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਭਾਉ ਤੇ ਐਨੀ ਦੂਰ ਬੈਠੇ ਖਾਦ ਪਾਕੇ 120 ਰੁਪਏ ਕਣਕ ਵੇਚਦੇ ਹਨ ਪਰ ਸਾਨੂੰ 14/15 ਰੁਪਏ ਮਣ ਦੇ ਵਚਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਸਾਨੂੰ ਕਣਕ ਦੇ ਭਾਉ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਐਟ ਪਾਰ ਨਹੀਂ ਲਿਆਇਆ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਐਟ ਪਾਰ ਰਖ ਰਹੇ ਹੋ । ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਦੀ ਟੈਕਸੇਸ਼ਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਫਾਇਦਾ ਦੂਜਿਆਂ ਨੂੰ ਪਹੁੰਚਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡਾ ਗਲ ਵਢ ਕੇ ਮਦਰਾਸ, ਬੰਗਾਲ, ਬੰਬਈ ਵਗੈਰਾ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹਰ ਪਾਸੇ ਬੇਈਮਾਨੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬਰਬਾਦ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਾਰਨ ਲਈ ਛੇਤੀ ਕਦਮ ਨਾ ਚੁਕਿਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਆਪਣੀ ਇਕ ਅਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਕਾਇਮ ਕਰਨਗੇ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਦੁਕਾਨਦਾਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਲਵੈਫੇਅਰ ਲਈ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਹੋਕੇ ਆਪਣੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਲਈ ਹੜਤਾਲ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਸਟੈਪ ਉਠਾਉਣਾ ਪਵੇਗਾ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਪਹਿਲਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਲੋਨ ਮਿਲਦਾ ਸੀ, ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਹ ਲੋਨ ਭੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਮਕਾਨ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਲੋਨ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਦਿਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੀ ਕੀਮਤ ਭੀ ਦੁਗਣੀ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਤੇ ਤਲੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਾਬਲੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਆਈਟਮ ਨੰ. 12 ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਪੈਸਾ ਕਿਵੇਂ ਭਰਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਜ਼ਾਇਆ ਹੈ ਰਿਹਾਖ । ਰਾਵੀ ਦਰਿਆ ਦੇ ਉਤੇ ਅਜਨਾਲਾ ਸਰਕਲ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਪੁਲ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਪੁਲ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬਰਬਾਦ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬੱਚਣੀ ਹੈ। ਉਥੇ ਪਥੱਰ ਅਤੇ ਲੋਹੇ ਦਾ ਜਾਲ ਵਿਛਾਉਣਾ ਸੀ। ਉਹ ਠੇਕਾ ਸ੍ਰੀ ਬੀ. ਐਮ. ਮੁਕਰਜੀ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਪਠਾਨਕੋਟ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਪ੍ਰਧਾਨ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਠੇਕੇਦਾਰ ਨੂੰ ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਐਕਸ ਹੋਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਸ਼ੈਲਟਰ ਦਿਤੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਠੇਕੇਦਾਰ ਨੇ ਉਥੇ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਪੱਥਰ ਫੈਂਕੇ ਅਤੇ ਜਾਲ ਵਿਛਾਇਆ ਭੀ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਉਸ ਠੇਕੇਦਾਰ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਪੇਮੈਂਟ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਦੇ ਦਿਤੀ। ਇਹ ਗਲ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪਾਸ ਰਿਪੋਰਟ ਵਿਚ ਲਿਖੀ ਜਦੋਂ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਉਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ । ਲੇਕਿਨ ਬਹੁਤ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਪਿਛਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਠੇਕੇ ਦੇ ਦਿੱਤੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ 15 ਫੀ ਸਦੀ ਕੈਪੀਟਲਿਸਟਾਂ ਦੇ ਹਥ ਵਿਚ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਸਾਡੀ 85 ਫੀ ਸਦੀ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ]

ਜਨਤਾ ਜਿਹੜੀ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਗਬਨ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਖਤ ਅਤੇ ਛੇਤੀ ਕਦਮ ਉਠਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਮੇਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਉਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਗੌਰ ਕਰੇਗੀ। ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਾਊਸ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਸੰਭਾਲਦਾ ਹਾਂ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼** (ਰੋਪੜ): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਉਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਡਿਮਾਂਡ ਨੰਬਰ 3 ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਡੀਮਾਂਡ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੀ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲਜ਼ ਅਤੇ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਅਪਗਰੇਡ ਕਰਨ ਲਈ ਕੰਮ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਹ ਕਾਫੀ ਚੰਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਐਮਾਊਂਟ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਮੰਗ ਵਿਚ 25 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਕੰਸੈਸ਼ਨ ਦੇਣ ਲਈ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ—

> "....As the amount was too meagre to cover all the categories of teaching personnel, it was decided in consultation with the representatives of teachers in the Punjab Legislative Council as also the accredited representatives of the teachers Unions in the State, to extend the financial benefit to those teachers who had put in five years or more service on 1st March, 1965. Similarly, the benefit and to Masters/Mistresses who had put in two years or more service on 1st March, 1965. Accordingly, a supplementary demand for Rs. 25 lakhs is presented."

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਆਪ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਦੇ ਕਰੀਬ ਟੀਚਰ ਅਤੇ ਮਾਸਟਰ ਹਨ। ਪਿਛਲੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਅਦਰ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੇ ਰੈਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵਜ਼ ਨੇ ਹੰਗਰ ਸਟ੍ਰਾਈਕ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਉਹ ਸਟ੍ਰਾਈਕ ਵੀ ਕਾਫੀ ਦੇਰ ਤਕ ਚਲਦੀ ਰਹੀ। ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮਸਲੇ ਵਿਚ ਪੈਕੇ ਫੈਸਲਾ ਕਰਾਇਆ ਸੀ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ 25 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਟੀਚਰਾਂ ਅਤੇ ਮਾਸਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਕੰਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੇਵੇਗੀ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਰਿਆਇਤਾਂ ਵੀ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੇ ਰੈਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵਜ਼ ਅਤੇ ਕੌਂਸਲ ਦੇ 2 ਐਮ. ਐਲ. ਸੀਜ਼. ਜਿਹੜੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਰੈਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਸ਼ਵਰਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਹੜਾ 25 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਸਿਰਫ 32 ਹਜ਼ਾਰ ਟੀਚਰਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਮਿਲੇਗਾ। 48 ਹਜ਼ਾਰ ਟੀਚਰਜ਼ ਇਸ ਕੰਸੈਸ਼ਨ ਤੋਂ ਵੰਚਿਤ ਰਹਿਣਗੇ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਫਾਰਮੂਲਾ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਟੀਚਰਜ਼ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰੈਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵਜ਼ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਫਾਰਮੂਲੇ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀ 5 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘਟ ਨੌਕਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬੀ. ਟੀ. ਜਾਂ ਬੀ. ਐਡ. ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ 2 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘਟ ਸਰਵਿਸ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਰਿਆਇਤ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੀ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਫਾਰਮੂਲਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰੈਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵਜ਼ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰੈਪ੍ਰੀਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵਜ਼ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੇ ਅਤੇ ਕੌਂਸਲ ਦੇ 2 ਐਮ. ਐਲ. ਸੀਜ਼ ਭੀ ਮਿਲੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਬਾਰੇ ਗਲ ਹੋਈ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਫਾਰਮੂਲਾ ਸਾਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਫਾਰਮੂਲਾ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਖੁਦ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਟੀਚਰਜ਼ ਭੀ ਇਸ ਫਾਰਮੂਲੇ ਦੇ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਜਿਹੜਾ 25 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ ਉਹ ਬਹੁਤ ਘਟ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਘਟ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਟੀਚਰਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਫਾਰਮੂਲੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਗੁੱਸਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਫਿਨਾਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ

ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਇੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਵਲ ਜ਼ਰੂਰ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਤਾਕਿ ਬਾਕੀ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਹੋਰ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਕਿਸੇ ਦੇ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਅਲਾਵਾ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸੂਟੇਬਲ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਵਿਚ ਲੈਕੇ ਦੋਬਾਰਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਡਿਮਾਂਡ ਨੰਬਰ 15 ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਲਈ ਵੀਟ ਲੋਨ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਹੜੀ ਰਕਮ ਰਖੀ ਸੀ ਉਹ ਘਟ ਸੀ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਦੋਬਾਰਾ ਇਸ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਵਿਚ ਅਮਾਊਂਟ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਬਲਕਿ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਬਨਿਆਦੀ ਤੌਰ ਤੇ ਹਲ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। $2\frac{1}{2}$ ਲੱਖ ਕਰਮਚਾਰੀ ਇਹ ਮੰਗਾਂ 16, 17 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਲਗਾਤਾਰ ਮੰਗਦੇ ਚਲੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਕੋਈ ਗੌਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਪੇ-ਸਕੇਲਜ਼ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਤੋਂ ਚਲੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਅਤੇ ਅੱਜ ਦੇ ਪ੍ਰਾਈਸ ਇੰਡੈਕਸ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪਤਾ ਚਲੇਗਾ ਕਿ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਧਦੀਆਂ ਗਈਆਂ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਿਚ ਜ਼ਮੀਨ ਅਸਮਾਨ ਦਾ ਫਰਕ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮਹਿੰਗਾਈ ਵਧਦੀ ਗਈ ਲੇਕਿਨ ਪ੍ਰਾਈਸ ਇੰਡੈਕਸ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਡੀ ਏ. ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਲਉ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦਾ 3 ਵਾਰ ਡੀ. ਏ. ਵਧਾਇਆ ਹੈ। ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਕਲਰਕ ਦੀ ਤਨਖਾਹ 150 ਰੁਪਏ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਲਰਕ ਦੀ ਤਨਖਾਹ 100 ਰੁਪਏ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ **Class 1V** ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਕੋਲੋਂ ਬਹੁਤ ਹੀ ਘਟ ਹੈ। ਇਥੇ ਸਟੇਟ ਗੌਰਮਿੰਟ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿਟ ਦੇ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਮਹਿੰਗਾਈ ਦੀ ਪ੍ਰਾਬਲਮ ਦੋਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਇਕੋ ਜਿਹੀ ਹੈ ਪਰ ਦੋਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਰਕ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੂੰ ਚੈਕ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ ਅਤੇ ਮਹਿੰਗਾਈ ਦਿਨੋ ਦਿਨ ਵਧਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਅਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਨੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੇ-ਸਕੇਲਜ਼ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਕਿ ਪੇ-ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਤਾਕਿ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਗਰੇਡਜ਼ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਹੋ ਸਕਣ।

ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਸਤੰਬਰ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਨੂਮੰਨਥੈਯਾ ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਉਸ ਕਮੀਸ਼ਨ ਨੇ ਆਪਣੀ ਰੀਪੋਰਟ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਉਸ ਰੀਪੋਰਟ ਵਿਚ ਕਮੀਸ਼ਨ ਨੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ **Pay Commission for low-paid Government Employees** ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀ ਜਾਏ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਹੱਥ ਹੋਰ ਵੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਗੌਰਿਮਿੰਟ ਦੀ ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਕਮੀਸ਼ਨ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਲੋ-ਪੇਡ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਵਿਚ ਬੜੀ ਰੈਸਟਲੈਸਨੈਸ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਪੇ-ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗ੍ਰੇਡਜ਼ ਨੂੰ ਬੁਨਿਆਦੀ ਤੌਰ ਤੇ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉਣ ਵੇਲੇ ਸੈਂਟ੍ਰਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਗ੍ਰੇਡਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਜਾਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੱਦੇ ਨਜ਼ਰ ਰਖ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੇ ਬਾਅਦ ਉਸ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਆਉਣ ਤਕ ਜਿਹੜਾ ਦਰਮਿਆਨੀ ਸਮਾਂ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਗੁਡਵਿਲ ਜੈਸਚਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਲਈ ਮਹਿੰਗਾਈ ਭੱਤੇ ਵਿਚ ਇੰਟੈਰਿਮ ਇਨਕ੍ਰੀਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੇ ਹਾਲਾਤ ਅਜਿਹੇ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿਤੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਚਿੰਤਾ ਹੈ ਲੋਕ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਬੇਚੈਨ ਅਤੇ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹਨ। ਸੋਕੇ ਦੇ ਕਾਰਣ ਫਸਲਾਂ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਭਾਅ ਹੋਰ ਵਧ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ

[ਕਾਮਰੇਡ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼]

ਹੋਰ ਨਾਜ਼ਕ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੇਰਾ ਸੁਝਾਉ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਲਾਸ ਤਿੰਨ ਅਤੇ ਕਲਾਸ ਚਾਰ ਦੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਲਈ ਇੰਟੈਰਿਮ ਡੀਅਰਨੈਸ ਅਲਾਊਂਸ ਵਿਚ ਵਾਧੇ ਦਾ ਇਲਾਨ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਕਰ ਕੇ ਨਾਮਣਾ ਖੱਟਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਹਨੂੰਮੰਥੈਯਾ ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਮਹੱਤਤਾ ਰਖਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੇ-ਕਮੀਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਬੁਨਿਆਦੀ ਦੌਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਜਾਣ। ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਢਾਈ ਤਿੰਨ ਲੱਖ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਅਤੇ ਜਲਦੀ ਹਲ ਕਰਨ ਦਾ ਜਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਅਗੇ 14 ਨੰਬਰ ਦੀ ਮੰਗ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੈ। ਕੁਝ ਰਕਮ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਹੋਣੀ ਹੈ ਉਸ ਲਈ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ। ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੀ ਜਿੰਦ ਜਾਨ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਡੀਫੈਂਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਅਗਰ ਕੋਈ ਨੈਸ਼ਨਲ ਮਹੱਤਤਾ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਹੈ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਪ੍ਰੋਡੀਊਸ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦਾ ਇਹ ਬੇਸਿਕ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਦੇਸ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰੇ। ਅਜ ਸਾਡਾ ਦੇਸ਼ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦਾ ਅਨਾਜ ਵਿਦੇਸ਼ਾਂ ਤੋਂ ਮੰਗਾਕੇ ਹਰ ਸਾਲ ਆਪਣੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਢਿਡ ਭਰਦਾ ਹੈ। ਪੀ. ਐਲ. 480 ਸਕੀਮ ...ਮਾਤਹਿਤ ਅਮਰੀਕਾਂ ਤੋਂ ਅਨਾਜ ਮੰਗਵਾਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਹੋਰ ਵੀ ਅਪਮਾਨ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ ਵਿਚ 75 ਫੀ ਸਦੀ ਆਬਾਦੀ ਖੇਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਹੋਵੇ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਦੂਸਰੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਗਿਰਜ਼ਿਆਂ ਵਿਚ ਠੂਠੇ ਰਖੇ ਜਾਣ ਕਿ ਭੁਖੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨੀਆਂ ਲਈ ਅੰਨ ਇੱਕਠਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਪੈਸੇ ਇੱਕਠੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਹਾਲਾਤ ਇਥੋਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਚੁਕੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਵਾਸਤੇ ਸ਼ਰਮ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਅਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧਾਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਅੰਨ ਵਿਚ ਸੈਲਫ-ਸਫੀਸੈਂਟ ਅਤੇ ਸੈਲਫ ਰੀਲਾਇੰਟ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਮਸਲਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਨ ਲਈ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਬੜੀ ਮਹਤੱਤਾ ਰਖਦੀ ਹੈ। ਐਮੋਨੀਆ ਨਾਈਟ੍ਰੇਟ ਦੇ ਭਾਅ ਵਧ ਗਏ ਹਨ ਜਿਸ ਲਈ ਰੁਪਏ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਉਸ ਦਾ ਭਾਅ 20 ਰੁਪਏ ਪਰ ਬੈਗ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਕਿਸਾਨੀ ਖਾਦ 17 ਰੁਪਏ ਤੋਂ 18.50 ਪਰ ਬੈਗ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਕਿੰਨੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰਜ਼ ਦੇ ਭਾਅ ਵਧ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧਾਉਣ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਲ ਕਿੰਨੀ ਵਾਰ ਕਹੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਪਬਲਿਕ ਸੈਕਟਰ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਕਾਰਖਾਨੇ ਦੀ ਮਾਲਕ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦ ਪਬਲਿਕ ਅੰਡਰਟੇਕਿਗ ਹੈ, ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਰ-ਖਾਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸ ਨੂੰ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾਉਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਕਿਉਂ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। 244 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਵਿਚੋਂ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾਇਆ ਹੈ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਬੈਲੰਸ-ਸ਼ੀਟ ਤੋਂ ਸਾਫ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਾਹਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਵਾਸਤੇ ਧੇਲਾਂ ਯੂਨਿਟ ਦੇ ਭਾਅ ਬਿਜਲੀ ਦਿੰਦੀ ਹੈ, ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਮੁਨਾਫਾ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਵਿਚੋਂ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਐਨੀ ਮਹਿੰਗੀ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ? ਪਬਲਿਕ ਇੰਡਸਟਰੀ ਤਾਂ 'ਨੋ-ਪ੍ਰਾਫਿਟ, ਨੋ ਲਾਸ' ਦੀ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਚਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਸਰਕਾਰ ਹਕੀਕਤ ਵਿਚ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਸਬਸਟਾਂਸ਼ਲ ਇਮਦਾਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਨੋ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨੋ ਲਾਸ' ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਸਪਲਾਈ ਕਰੇ। ਇਸ ਦੀਆਂ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲ ਇੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਸੋਚੇ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੰਗਲ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰਜ਼ ਫੈਕਟਰੀ ਨੂੰ ਟੇਕ ਉਵਰ ਕਰ ਲਵੇ।

ਜੇਕਰ ਇਹ ਇੰਡਸਟਰੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਹ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ 'ਨੋ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨੋ ਲਾਸ' ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਸਪਲਾਈ ਕਰ ਸਕੇਗੀ। ਮੈਂ ਦਾਅਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ 8 ਰੁਪਏ ਪਰ ਬੈਗ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਾਸਟ ਪ੍ਰਾਈਸ ਨਹੀਂ ਪੈ ਸਕਦੀ। ਜੇਕਰ 10 ਰੁਪਏ ਪਰ ਬੈਗ ਵੀ ਵੇਚੇ ਤਾਂ ਵੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ 2 ਰੁਪਏ ਪਰ ਬੈਗ ਬਚ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਵੇਖੋ ਫਿਰ ਕਿਵੇਂ ਕਿਸਾਨ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚੋਂ ਸੋਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਦਸਦਾ ਹੈ। ਕਿਵੇਂ ਉਹ ਕਣਕ ਉਗਾ ਕੇ ਵਿਖਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਕਿਵੇਂ ਮੱਕੀ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਵੇਂ ਗੰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰ ਕੇ ਦਸਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਗ੍ਰੈਨਰੀ ਹੈ। ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਰਖਿਆ ਵਾਸਤੇ ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀਆਂ ਜਾਨਾਂ ਵਾਰਿਆਂ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੁਤਰਾਂ ਨੂੰ ਮੈਦਾਨੇ ਜੰਗ ਵਿਚ ਸ਼ਹੀਦ ਕਰਵਾਇਆ ਹੈ, ਤਾਂ ਹੀ ਜਾ ਕੇ ਸੋਰਡ ਆਰਮ ਆਫ ਇੰਡੀਆਂ ਬਣੇ ਹਨ। ਕੋਈ ਵਜ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਵਿਚ ਸੈਲਫ ਡੀਪੈਂਡੈਂਟ ਬਣਨ ਲਈ ਇਹ ਸਭ ਤੋਂ ਅਗੇ ਹੋ ਕੇ ਜਤਨ ਨਾ ਕਰ ਕੇ ਵਿਖਾਉਣ। ਮੈਂ ਦਾਅਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਲਈ ਵੀ ਸਾਡੇ ਲੋਕ ਸਭ ਤੋਂ ਮੂਹਰਲੀਆਂ ਸਫਾਂ ਵਿਚ ਖੜੇ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਅਣਖ ਰਖ ਵਿਖਾਉਣਗੇ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਮਸਲੇ ਵੱਲ ਗੰਭੀਰ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਸਸਤਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਵੀ ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਤਾਂ ਹੀ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸ ਵਧ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕੁਲ 43 ਫੀ ਸਦੀ ਧਰਤੀ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਲਗਦਾ ਹੈ, 57 ਫੀਸਦੀ ਧਰਤੀ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ 57 ਫੀ ਸਦੀ ਧਰਤੀ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਾ ਲਗਦਾ ਹੋਵੇ, ਉਹ ਉਨਾ ਅਨਾਜ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਕਰ ਸਕਦਾ ਜਿੰਨ੍ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੇਰੀ ਇਕ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਜਿੰਨੀ ਦਿਲਚਸਪੀ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਲੋਨਜ਼ ਤੇ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਉਨੀਂ ਹੀ ਜਿਹੜਾ ਲੋਨ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਪਰਪਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਸ ਉਪਰ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਜ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਪੰਪਿੰਗ ਸੈਟ ਲਈ ਲੋਨ ਵਾਸਤੇ, ਟਿਊਬ-ਵੈਲ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਲੋਨ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਖੂਹ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਲੋਨਜ਼ ਵਾਸਤੇ $7\frac{3}{4}$ ਫੀ ਸਦੀ ਵਿਆਜ ਦੇਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਲੋਨ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਕੇਵਲ 3 ਫੀ ਸਦੀ ਵਿਆਜ਼ ਲੈਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਡਿਸਕ੍ਰੀਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕਿਉਂ ਹੈ ? ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰਲ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਨਾਲ, ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਕਿਉਂ ਇਹ ਧੱਕਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ? ਕਿਉਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ $7\frac{3}{4}$ ਫੀ ਸਦੀ ਵਿਆਜ਼ ਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਲੈਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ? ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਲੋਨ ਦ.ਸ੍ਹਾ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਐਗਹੀਕਲਚਰਲ ਲੋਨ ਦੇਣ ਦਾ ਉਪਾਏ ਕਰਦੀ ? ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਭਾ ਵਿਚ ਫਰਕ ਹੈ। ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਈ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਭਾ ਤੋਂ ਘਟ ਭਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਤੇ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹੀ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਸੂਬਾ ਅਨਾਜ ਦੇ ਪੱਖ ਵਿਚ ਆਤਮ-ਨਿਰਭਰ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਅਨਰੈਸਟ ਹੈ, ਜਿਹੜੀ ਰੈਸਟਲੈਸਨੈਸ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਔਰ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਇੰਸਪਾਇਰ ਕਰਨ ਲਈ, ਗੌਰਮਿੰਟ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਲਈ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਕ ਪੇ-ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਨਟੈਰਿਮ ਪੀਰੀਅਡ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਡੀਅਰਨੈਸ ਐਲਾਊਂਸ ਇਨਕਰੀਜ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦੇਣ ਦੇ ਨਾਰਮਜ਼ ਨੂੰ ਵੀ ਰੀਵਾਈਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦੇਣ ਲਈ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਸਸਤੇ ਭਾ ਤੇ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਵਧੇਰੇ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਕਦਮ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੁਟਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਫੇਰ ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਅਗੇ ਵਧੇਗਾ, ਤਰੱਕੀ ਕਰੇਗਾ ਔਰ ਇਸਨੂੰ ਵਿਸ਼ਾਲ ਚੰਗਾ, ਨਰੋਆ ਸੂਬਾ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਸਾਡੇ ਸਪਨੇ ਪੂਰੇ ਹੋਣਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫਜ਼ਾ ਨਾਲ ਮੈਂ ਅਪਣੀ ਥਾਂ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ।

**कामरेड राम प्यारा** (करनाल) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह जो ऐजूकेशन की डिमांड नम्बर 3 है, इस में हम से कोई डेढ़ करोड़ के करीब रुपया मांगा जा रहा है। इस में दो तीन आईटम्ज़ बड़ी इम्पारटैंट हैं। काफी रुपया मांगा गया है। अपग्रेडिंग आफ प्राइमरी स्कूलज इनटू मिडल और मिडल स्कूल्ज इनटू हाई स्टैंडर्ड के सम्बन्ध में कोई बत्तीस लाख रुपए की मांग की गई है। इस के अलावा एवार्ड आफ मैरिट स्कालरशिप टू स्टूडैंट्स के लिये भी रुपया मांगा गया है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह दोनों आईटम्ज़ अच्छी हैं जिन की मैं तारीफ करता हूं। लेकिन मेरे अन्दाज़े के मुताबिक यह जो डिस्ट्रिब्यूशन है यह बिल्कुल अनफेअर है। वह इस लिये कि मिडल स्कूल से हाई स्कूल तो इस लिये होगा क्योंकि आबादी बढ़ रही है जिस से तालीम की मांग बढ़ती जा रही है। जब मिडल से हाई स्कूल हो जाएगा तो वहां पर लाजमी तौर पर एकामोडेशन की ज़रूरत होगी, कमरों की ज़रूरत होगी, बिल्डिग की जरूरत होगी और उन के लिये हमारे पास पैसा नहीं है और ऐजूकेशन मिनिस्टर साहिब ने कुएश्चन आवर में खुद ही फरमाया है कि एक एक रुपया, दो दो रुपये, तीन तीन और चार चार रुपये मुख्तलिफ तरह से स्टूडैंट्स से हम बिल्डिग फंड के लिये ले रहे हैं ताकि उस रुपए से स्कूलों की बिल्डिंग्ज़ बन सकें या उन की मुरम्मत की जा सके। डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक तरफ तो हम ने यह कदम उठाया कि फीसें मुआफ कर दीं। जो बड़े बड़े बिग बिज़नसमैन हैं, बिज़नैस मैगनेट्स हैं, जो बड़े बड़े बिग इनकम टैक्स पेयर हैं, हाई सेलरीड पर्सन्ज़ वगैरा हैं जो कि अंग्रेज़ों के वक्त बड़ी बड़ी फीसें दिया करते थे उन के बच्चों के लिये हम ने यक कलम फीस मुआफ कर दी। यानि जो पांच, पांच सौ, सात सात सौ, हज़ार, दो, तीन चार और पांच पांच हजार रुपये माहवार तनखाह पाने वाले लोग हैं उन के बच्चों के लिये फीस मुआफ कर दी, और दूसरी तरफ एक एक, दो दो और तीन तीन रुपया पर स्टूडैंट के हिसाब से हम किन से यह फंड लेते हैं? उन से जो चपड़ासी के बच्चे हैं, क्लास फोर एम्पलाईज़ के बच्चे हैं, बेलदार के बच्चे हैं। उन से पैसे लेकर हम रिलीफ किन को देना चाहते हैं? उन को जिन की तनखाहें बहुत बड़ी २ हैं। बिल्डिंग्ज की मुरम्मत के लिये और उन को बनाने के लिये रुपया उन लोगों से लिया जाएगा जो कि महां गरीब हैं हालांकि हमारी गवर्नमेंट कमिटिड तो इस बात के लिये है कि जो दे सकते हैं उन पर ज़्यादा से ज्यादा बोझ डाला जाए और जो नहीं दे सकते उन को ज़्यादा से ज़्यादा रिलीफ दिया जाए। लेकिन यहां तो बात बिल्कुल उलटी की गई है। इस के साथ साथ, डिप्टी स्पीकर साहिबा, इस सप्लीमेंटरी ऐस्टीमेट्स के सफा 17 पर सैनिक स्कूल के लिये स्कालरशिप्स की बाबत यह बताया गया है कि जिन वालदैन की तनखाह दो सौ रुपये तक है उन के बच्चों को पूरा यानि 1500 रुपया सालाना स्कालरशिप मिलेगा, जिन की दो सौ से लेकर चार सौ रुपये माहवार तनखाह है उन के बच्चों को 1125 रुपए सालाना वज़ीफा मिलेगा, जिन की चार सौ से छः सौ रुपया माहवार है उन के बच्चों को 750 रुपए सालाना मिलेगा और जिनकी तनखाह छः सौ एक से लेकर एक हज़ार रुपए माहवार तक है उन के बच्चों को 375 रुपए सालाना वज़ीफा मिलेगा। यानि जो लोग एक एक हज़ार रुपया माहवार पाते हैं उन के तईं भी हमारी गवर्नमेंट इतनी मेहरबान है और वह इस लिये कि सैनिक स्कूल में उन के बच्चे जाएं। सैनिक स्कूल में बच्चे जा रहे हैं अपने मैरिट पर लेकिन हमारी मेहरबानी उन के ऊपर है जो एक एक हज़ार रुपया माहवार पाते हैं। और बिन

लोगों से वह चन्दा वसूल होगा ? किन लोगों से वह रुपया वसूल होगा ? उन से जिन की आमदन चालीस, पचास, साठ, सत्तर और पचहत्तर रुपये माहवार है। यह हजार हजार वालों को जो 375 रुपए दिए जाएंगे यह लाज़मी तौर पर गरीब के ऊपर बोझ बनता है–तब बनता है जब कि उन से एक एक रुपया वसूल किया जाए। इस लिये, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं यह अर्ज करूं कि यह एक बहुत अनफेअर डिस्ट्रिब्यूशन है। इसे हमें कुछ अमैंड करना चाहिए। जो गरीब है उस की फीस बिल्कुल माफ हो और अगर दो चार सौ रुपया माहवार लेने वाले लोगों के बच्चों का वजीफा बढ़ा भी दिया जाए तो मैं उसे स्पोर्ट करूंगा लेकिन यह बात ठीक मालूम नहीं देती कि एक तरफ तो एक एक हज़ार रुपया माहवार पाने वालों को वजीफा दिया जाए और दूसरी तरफ गरीब लोगों पर इस तरह एक एक रुपया, दो दो और तीन तीन रुपया का बोझ डाला जाए। इस लिये मैं गवर्नमेंट से कहूंगा कि वह इस सम्बन्ध में अपनी पालिसी को रिवाईज़ करे।

ठीक है कि हम ने कान्स्टीच्यूशन के मुताबिक ऐजूकेशन को कुछ हद तक फ्री किया हुआ है। लेकिन जो रूरल पापुलेशन है वहां पर पांच से लेकर चौदह साल की उम्र के सिर्फ पच्चास या साठ फीसदी बच्चे ही स्कूल जाते हैं। क्यों? इस लिये कि वह निहायत गरीब है। वह वहां पर बच्चों को स्कूलों में भेज नहीं सकते। इसी तरह से ही अर्बन एरियाज में 70 से 75 फीसदी बच्चे ही स्कूलों में जाते हैं। पच्चीस फीसदी के लगभग बच्चे अर्बन एरियाज़ में भी स्कूल नहीं जाते क्योंकि उन के वालदेन बहुत गरीब होते हैं। वह उन को स्कूलों में भेजना एफोर्ड नहीं कर सकते क्योंकि मैजारिटी आफ दैम यह सोचते हैं कि जब तक उन के बच्चे मज़दूरी न करेंगे, चने न बेचेंगे, रिक्शा न चलायेंगे तब तक उन की रोटी का काम नहीं चल सकता। इस लिये यह निहायत ही अनफेअर और अनबैलेंस्ड डिस्ट्रिब्यूशन है जिस की तरफ मैं गवर्नमैंट का ध्यान दिलाना चाहता हूं। जहां तक किसी की मदद करने का सवाल है, मैं मानता हूं और इस बात को एप्रीशिएट करता हूं कि गवर्नमैंट को उन की ज़रूर मदद करनी चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अगली बात मेजर हैड 56 से सम्बन्ध रखती है। यह एविएशन डिपार्टमैंट के मुताल्लिक है। लैंड एक्वीज़ीशन कुलैक्टर ने 3,04,826 रुपये का एवार्ड दिया। जिन की जमीन थी उन्होंने अपील कर दी और अपील पर एवार्ड की रकम सात लाख रुपए ज्यादा बढ़ गई। अगर हम इस सप्लीमेंटरी एस्टीमेट्स को पढ़ें तो कोई सफा खाली नहीं रह जाता जहां पर कि गवर्नमेंट के खिलाफ डिग्री की एमाउंट का जि़क्र न हुआ हो। अगर हम थोड़ा सा भी ज्यादा कन्ट्रोल रखें तो हमारा जो मुफ्त में टाइम ज़ाया होता है वह भी बच जाए और जो रुपया फज़ूल ज़ाया जाता है वह भी न जाए। कहां तो तीन लाख रुपया और कहां दस लाख रुपया। फिर आप हाईकोर्ट में गए तो कोर्ट ने स्टे नहीं दिया। इस का यही कारण है कि हमारी गवर्नमेंट का जो कन्ट्रोल है वह बहुत वीक है और अगर कंट्रोल वीक न होता तो जो रुपया स्टेट के रैवेन्यू का इस तरह से ज़ाया होता है वह न होता। बहुत सारा रुपया बच सकता है। अगर हम पूरी तरह से ध्यान दें तो मैं कह सकता हूं कि इस तरह से हमारा कुछ न कुछ रुपया बच सकता है और हालात में इम्प्रूवमेंट हो सकती है।

[कामरेड राम प्यारा]

एक और बड़ी इम्पारटेंट आईटम है। यह डिमांड नम्बर 12 है। सरदार गुरचरन सिंह जी ने कुछ इस की तरफ इशारा भी किया है और मैं समझता हूं कि जो कुछ उन्होंने कहा है कि जो मिस्टर महाजन है उस ठेकेदार ने न सिर्फ पत्थर ही नहीं डाला बल्कि जो गवर्नमेंट की तरफ से तार कन्ट्रोल रेट पर उसे मिली थी उसने उसका भी बहुत सारा हिस्सा बलैक मार्किट में बेचा। विजिलैंस के ज़िम्मे इस की इन्क्वायरी हुई। मेरी इत्तलाह के मुताबिक विजिलैंस वालों ने अपनी इन्क्वायरी में एक फिकरा बड़ा ही शानदार लिखा है जिस की बाबत मैं विजिलेंस वालों को तो क्रेडिट देता हूं लेकिन गवर्नमेंट को उस के लिये डिसक्रेडिट ही करूंगा क्योंकि उन्होंने लिखा है कि मिस्टर महाजन का जो कान्डक्ट था वह ऐसा था कि He has corrupted the whole of thc department of the whole of the circle क्यों? उस में एक्स. ई. ऐन. भी सस्पैंड हुआ, ऐस. डी. ओ. सस्पैंड हुआ, ओवरसियर सस्पैंड हुआ और दो क्लर्क भी सस्पैंड हुए। और उसका नतीजा क्या हुआ? उस के पीछे जो मास्टर माइंड वह ठेकेदार था उसको किसी ने नहीं पूछा। सरदार गुरचरन सिंह जी ने इल्ज़ाम लगाया है कि जो साबका होम मिनिस्टर पंडित मोहन लाल हैं, उसे उन्होंने शील्ड किया। मैं सरदार गुरचरन सिंह जी को यकीन दिलाना चाहता हूं कि अगर उन्होंने उस को शील्ड किया है तो अपनी फीस लिए बगैर शील्ड नहीं किया होगा। (आपोज़ीशन की तरफ से प्रशंसा) मैं तो सरकार से यह डिमांड करूंगा कि न सिर्फ उस ठेकेदार, बल्कि उस शील्ड करने वाले साबका होम मिनिस्टर के खिलाफ इनक्वायरी होनी चाहिए, और इसके बाद उन की प्रासीक्यूशन होनी चाहिए (आपोजीशन की तरफ से प्रशंसा)। इस लिये कि जब हम किसी गुनाह को पकड़ते हैं मगर उसको मुनासिब सज़ा नहीं देते तो आम तौर पर उस का असर यह होता है कि जो ऐसे ही और आदमी हैं उन को टैम्पटेशन मिलता है और वह समझते हैं कि जब किसी गुनाहगार को हम नहीं पकड़ते तो उन को शैह मिल जाती है और अगर उसके खिलाफ कोई बात होती है तो वह गवर्नमेंट के सामने इस तरह से प्रैसीडैंट्स को रखेगा। इस से बहुत बड़ी और बहुत बुरी बात और कोई नहीं हो सकती, चाहे यह पंडित मोहन लाल साबिका होम मिनिस्टर की तरफ से प्रोटेक्शन देने की वजह से हुई है या श्री महाजन ने की है, क्योंकि इस से हिन्दुस्तान को बहुत बड़ा घाटा पड़ा है क्योंकि वहां जो स्पर बनाया जाना था वह नहीं बनाया गया और उस के न बनने की वजह से दरिया ने अपना रुख इधर मोड़ लिया और दरिया का इस तरह से रुख मुड़ने की वजह से हिन्दुस्तान की बहुत सी ज़मीन पाकिस्तान की तरफ चली गई। अगर यह स्पर बना लिया जाता तो वह ज़मीन जो कि इस तरह से पाकिस्तान को चली गई थी वह न जाती और हमारे देश को घाटा न पड़ता। इस लिये मैं कहता हूं कि इस तरह से सिर्फ कुरप्शन ही नहीं हुई बल्कि श्री महाजन ने और पंडित मोहन लाल, साबिका होम मिनिस्टर ने एक एंटी नेशनल काम किया है। इस लिये गवर्नमैंट को चाहिए कि वह इस बारे में इनकुआइरी करवाए और इस के लिये जिस किसी के ज़िम्मे भी कसूर हो उसे सख्त से सख्त सज़ा दी जाए। उस की प्रासीक्यूशन होनी चाहिए। यह प्रासीक्यूशन सिर्फ इस लिये ही नहीं होनी चाहिए क्योंकि इस में कुरप्शन इनवालव्ड है लेकिन इस लिये होनी चाहिए

क्योंकि इस तरह से हमारे देश को नुक्सान पहुंचाया गया है। हम ऐसा गुनाह कभी भी मुग्राफ नहीं कर सकते।

तो इस लिये मैं कहता हूं कि इस गवर्नमैंट के सामने जब बड़े २ ग्रादमियों का सवाल ग्राता है तो उन के लिये यह एक प्रोसीजर मान लेती है ग्रौर जब गरीब ग्रादमियों का सवाल ग्राता है तब उन के लिये यह नहीं मानती। इसे ग्रपनी इस पालेसी को बदलना चाहिए। ग्रभी यहां पर फर्टीलाईज़र की डिस्ट्रिब्यूशन का सवाल उठाया गया था, जिस का ज़िक्र कामरेड जोश ने ग्रपनी तकरीर में किया था। क्योंकि वह कम्यूनिस्ट हैं तो उन के मूंह से जाट का लफ्ज़ इस बारे में निकला था जो कि मैं समझता हूं कि उन्हें नहीं कहना चाहिए था मैं उन्हें समझाना चाहता हूं कि ज़मीन पर किसी खास तबका की मनापली नहीं है। मैं तो उन की तक्सीम दो तरह के लोगों में करता हूं यानी एक वह जो बड़े बड़े ज़मीदार हैं ग्रौर एक वह जो छोटे 2 रकबों के मालिक हैं। इस तरह से मैं उन की तक्सीम इकनामिक बेसिज़ पर किया करता हूं क्योंकि मेरे पास ग्राम तौर पर जो लोग ग्राते हैं वह छोटे २ रकबों के मालिक होते हैं ग्रौर जो बड़े २ रकबों के मालिक होते हैं उन की तरफ से जो गैर-कानूनी चीजें की जाती हैं वह मैं ग्राम तौर पर गवर्नमैंट के नोटिस में लाता रहता हूं। इसी लिए मैं ने ज़िला फिरोज़पुर के एक बहुत बड़े ज़मींदार की फैमली को पकड़वाया है जिस की 216 एकड़ ज़मीन सरप्लस निकलती थी लेकिन वह ग्रपने ग्रसरोरसूख की वजह से यूटेलाईज़ नहीं होने दे रहा था क्योंकि वह खुद डिप्टी कमिश्नर था, फिर उस का एक भाई डिप्टी कमिशनर था, एक भाई उस का हाईकोर्ट का जज है ग्रौर एक भाई उस का वहां के ज़िला परीषद का चेयरमैन है। इस तरह से वह ग्रपने ग्रसरोरसूख से ग्रपनी सारी सरप्लस ज़मीन दबाए बैठे थे, मैं ने उन से वह निकलवाई है। इस के इलावा 220 एकड़ ग्रौर ज़मीन जो ग्रौर सरप्लस निकलनी चाहिए थी ग्रौर नहीं निकली हुई थी वह निकलवाई है क्योंकि उन्होंने सिक्योरिटी ग्राफ लैण्ड टैन्योर एक्ट के रूल 8 के तहत एक ज्वायंट कोग्राप्रेटिव फारमिंग के नाम पर उस रकबा की एग्ज़ेंपशन ले रखी हुई थी हालांकि उन की वह सोसायटी रिजिसटर नहीं हुई थी। That was a fraud with the Government मैं इस लिये ज़मींदारों की तकसीम दो हिस्सों में किया करता हूं। इसी तरह से मैं ने ज़िला करनाल के एक बड़े ज़मींदार की कोई दो ढाई लाख रुपए की मालियत की ज़मीन का एवार्ड कैंनसिल करवाया है। इस लिये मैं गवर्नमैंट से कहूंगा कि वह ग्रपनी इस पालेसी को रीवाईज़ करे ताकि जिस ग्रनफेयर ग्रौर ग्रन इकनामिक बेसिज़ पर इस का काम चल रहा है उस में तबदीली ग्राए ग्रौर हम सोशलिस्टिक पैट्रन ग्राफ सोसाईटी जो हम यहां कायम करने का फैसला कर चुके हैं उस की तरफ दो चार कदम उठा सकें। इतना कह कर मैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, ग्राप का शुक्रिया ग्रदा करता हूं जो ग्राप ने मुझे बोलने का मौका दिया है।

**चौधरी इन्द्र सिंह मलिक** (सफीदों) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, ग्राज यहां सप्लीमेंटरी डिमांडज़ पर बहस जारी है, इस लिये मैं ग्राप की विसातत से फाइनेंस मिनिस्टर साहिब से कहना चाहता हूं कि जो हर साल लाखों रुपये डिक्रीटल एमाऊंट की शक्ल में गवनमेंट को पे करने पड़ते हैं इस को रोकने का इंतज़ाम करें क्योंकि यह एक खाहमखाह का बोझ

[चौधरी इन्दर सिंह मलिक]

सरकारी खज़ाने पर पड़ता है। इस का कारण यह है कि जो गवर्नमेंट का एल. ग्रार. का डिपार्टमेंट है वह बड़ा नाग्रहल है क्योंकि जब गवर्नमेंट का कोई एम्पलाई या कोई ग्रोर गवर्नमेंट को नोटिस देता है तो केस जब इस की राए के लिये जाता है तो इस डिपार्टमेंट की तरफ से कह दिया जाता है कि केस को कनटैस्ट किया जाए ग्रौर कनटैस्ट यह कोर्ट में जाकर कर नहीं सकते। इस का नतीजा यह होता है कि कोर्ट खर्चा समेत गवर्नमेंट के खिलाफ डिगरी कर देती है। इस तरह से लाखों रुपये हर साल गवर्नमेंट को डिक्रीटल एमाउंट के तौर पर देने पड़ते हैं। इन स्पलीमेंटरी डिमांड्ज़ के ग्रन्दर 70 हज़ार की एक रकम दर्ज है जो गवर्नमेंट को एक श्री गुप्ता को देनी पड़ी है। मैं समझता हूं कि इस डिक्रीटल एमाऊंट को एवाएड करने के लिये ज़रूरी है कि गवर्नमेंट का जो एल. ग्रार. का डिपार्टमेंट है वह तेज़ी से ग्रौर ज्यादा होशयारी से काम करे। कई दफा ऐसा देखा गया है कि गवर्नमेंट के कई डिपार्टमेंटस में कई सरकारी मुलाज़मों को डिसमिस कर दिया जाता है ग्रौर जो एथारेटी उन्हें डिसमिस करती है उस को ऐसा करने का ग्रख्तयार हासल नहीं होता हालांकि उस ने ऐसा एल. ग्रार. की सलाह पर किया होता है। इस तरह से जब वह कोर्ट में जाते हैं तो वह फैसला सेट एसाइड कर दिया जाता है जिस करके गवर्नमैंट को बहुत रुपया उन्हें तनखाहें ग्रादि की शक्ल में देना पड़ता है। इस तरह से सरकारी खज़ाने पर खाहमखाह का बोझा डाला जाता है। गवर्नमेंट को इस तरफ ध्यान देने की ज़रूरत है।

इसी तरह से, डिप्टी स्पीकर साहिबा, हर साल हम देखते हैं कि जो ज़मीनें गवर्नमेंट एक्वायर करती हैं उन की कीमतों के जो एवार्ड दिये जाते हैं वह बहुत कम दिये जाते हैं हालांकि उन की कीमत वहुत ज्यादा होती है। इस का नतीजा यह होता है कि जिन ज़मींदारों की ज़मीनें यह एक्वायर करती हैं वह कोर्ट में ग्रपील दायर कर देते हैं ग्रौर कोर्ट उन के हक में ज़्यादा कीमत का एवार्ड दे देती है। इस लिये मैं कहूंगा कि ज़मीनों की कीमतों का एवार्ड देने वाली एथारेटी को जो ज़मीन एक्वायर की जाए उस के ग्रास पास की ज़मीनों की कीमतों को ध्यान में रख कर ठीक कीमत का एवार्ड देना चाहिए ताकि उन लोगों को मुनासिब कीमत ग्रपनी ज़मीन की मिल सके। इस तरह से लाखों रुपये जो हर साल गवर्नमेंट को बाद में ज़्यादा देने पड़ते हैं वह बच जायेंगे जिस तरह से 14 लाख रुपया जो गवर्नमेंट ने हिन्दुस्तान मशीन टूलज़ फैक्टरी के लिये ज़मीन एक्वायर की थी उस का देना पड़ा था। वह रकम बचाई जा सकती थी ग्रगर पहले से ही सही कीमत लगाई जाती। इस लिये मैं गवर्नमैंट से कहूंगा कि जहां डिक्रीटल एमाउंट को कम करने की ज़रूरत है वहां एवार्डों के कम देने से जो इस पर दोबारा खर्चा पड़ता है उस को बचाने की ज़रूरत है। इस से एक तो गवर्नमेंट का खर्च बच जाएगा दूसरा गरीब ज़मींदारों को जो कोर्ट में जाने के लिये सरदरदी करनी पड़ती है ग्रौर खर्च करना पड़ता है वह नहीं करना पड़ेगा।

फिर, डिप्टी स्पीकर साहिबा, इन डिमांड्ज़ में वेस्टर्न जमुना कैनाल के लिये एक मांग ग्राई है जिस में जींद डिस्ट्रीब्यूटरी को रीमाडल करने का ज़िक्र है, यानी मुर्खी माइनर, सरफाबाद माइनर, माट माइनर ग्रौर ग्राबलपुर माइनर बनाए जा रहे हैं। कई सालों से इन पर काम लगातार चल रहा है लेकिन यह ग्रभी तक मुकम्मल नहीं किए गए। ज़मीन में नाले खोद

दिए गए हैं लेकिन उन के अन्दर अभी तक पानी नहीं दिया गया। यह सारी की सारी माइनर्ज़ खाली पड़ी हुई हैं। जिन ज़मींदारों से इन के लिये ज़मीन ली गई थी उन को उस की कीमत अभी तक नहीं दी गई। न तो ज़मींदार उन ज़मीनों में खेती ही कर सकते हैं और न ही उन्हें खेती करने के लिये पानी ही दिया जा रहा है जिस की वजह से वह बड़े दुखी हो गए हैं। फिर जो मुर्खी माइनर है उस पर जो हैड बनाया गया है वह नाकिस बना है क्योंकि उस पर पानी चढ़ता ही नहीं। सिंचाई विभाग के डिप्टी मिनिस्टर उस हैड को देखने के लिये गए भी थे। उन्होंने भी देखा कि यह हैड नाकिस बना है और उन्होंने वहां पूछा भी था कि इस हैड को किस इन्जीनियर ने बनाया है। अभी तक उस को ठीक नहीं किया गया। फिर यह सारा काम एक साल के अन्दर खत्म किया जाना था लेकिन अब दो साल हो गए हैं मुकम्मल नहीं हुआ। उधर जो बेचारे ज़मींदार हैं वह पानी के लिये तरस रहे हैं। अब तो वह सारा इलाका वैसे ही ड्राट एफैकटिड है। फिर जो नहरें पहले की बनी हुई हैं उन के अन्दर भी पानी नहीं है। उन की हालत आज यह है कि सारे महीना में सिर्फ 6 दिन उन में पानी छोड़ा जाता है और इस का नतीजा यह हो रहा है कि जो छोटे २ खाले हैं या माइनर्ज़ हैं उन के अन्दर तो पानी पहुंचता ही नहीं। इस के नतीजे के तौर पर वहां के ज़मींदारों को सारे महीना में एक दिन भी पानी नहीं मिलता लेकिन उन से आबयाना सारे साल के लिये ले लिया जाता है। यह उन के साथ बड़ी बेइन-साफी हो रही है। चाहिए तो यह कि जिस फसल के लिये उन लोगों को पानी दिया जाए सिर्फ उसी के लिये आबयाना उन से चार्ज किया जाए लेकिन यह उन से सारे साल के लिये चार्ज कर लेते हैं। इस लिये मैं फिनांस मिनिस्टर साहब से गुज़ारिश करूंगा कि नहरी पानी की डिस्ट्रीब्यूशन उसी तरह से की जाए जिस तरह से बिजली की की जाती है यानी मीटर के हिसाब से पानी दिया जाए। जिस तरह से बिजली के मीटर लगे हुए होते हैं और जितनी बिजली कोई इस्तेमाल करता है उतना उस से चार्ज किया जाता है इसी तरह से नहरी पानी का किया जाए। जितना पानी एक ज़मींदार को दिया जाता है, उसे उतना ही आबयाना देना पड़े। यह न हो कि आबयाना उस से ज्यादा लिया जाए और पानी कम दिया जाए। इस से ज़मींदार को नकसान होता है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप जानते हैं कि ज़मींदार जो है वह देश की रीढ़ की हड्डी है। अगर वह खुशहाल हैं तो देश भी खुशहाल होगा। अगर वह दुखी हैं तो देश भी दुखी होगा। इसी लिए शास्त्री जी ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा लगाया था। आप ने देखा कि पाकिस्तान के साथ इस लड़ाई में पंजाब के और बाकी देश के किसानों नें किस तरह से उस का सामना किया और पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। इस तरह से हम ने अपने वकार पर चीन के साथ लड़ाई में आए धब्बे को भी धो डाला। मगर इसी किसान के साथ खाद देते वक्त, पानी देते वक्त, बीज और अच्छे औज़ार देते वक्त बुरा बर्ताव किया जाता है। खाद की कीमत कम होनी चाहिए मगर यहां पर इस के उल्ट 16 रुपये से बढ़ा कर साढ़े 18 रुपये कर दी गई है और फिर इस में भी अफसर देते 12 थैले हैं और साल के बाद कीमत मांगते हैं, 22 थैलों की। उस बेचारे को इस तरह से दुगना पैसा देना पड़ता है। अगर गवर्नमैंट किसान को सारी सहूलतें देती हैं तब ही वह ज्यादा अनाज पैदा कर

[चौधरी इन्दर सिंह मलिक]

सकता है। आप देखें कि सरकार किसान के साथ कैसे डिस्क्रिमीनेशन करती है। स्टेट फार्मज़ को इन से दुगना पानी दिया जाता है। आप जानते हैं कि जो रजिस्टर्ड ग्रोअर है वह इन के कहने पर अच्छे बीज पैदा करता है और लोगों को यह सप्लाई होते हैं। उस को और दूसरे किसानों को खाद की सप्लाई नो प्राफिट और नो लास' बेसिज़ पर 8–10 रुपये थैला के हिसाब से होनी चाहिए। बीज वक्त पर मिलना चाहिये। होता यह है कि जिस वक्त ज़मींदार फसल बो चुकता है तो सरकार के पास बीज आता है। बाज़ दफा ट्रेडर नाकस बीज मिला देते हैं जिस से ज़मींदार का नुकसान हो जाता है। किसान और देश की तरक्की के लिये यह बातें खत्म होनी चाहिएं और किसान को पूरी २ सहूलतें वक्त पर मिलनी चाहिएं। तभी वह ज्यादा से ज्यादा अनाज पैदा कर सकता है और जो हमारा रुपया दूसरे देशों को जाता है और हमें जो शर्म उठानी पड़ती है उस को वह मिटा सकता है। मगर शर्त यह है कि उस को पूरी २ सहूलतें मिलें।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं कुछ ऐजुकेशन की मद के बारे में गुज़ारिश करना चाहता हूं। इस ाल इस मद में 158 स्कूल अपग्रेड किये गये हैं। मैं वज़ीर साहिब को इस के लिये मुबारिकबाद देता हूं। आप को पता है कि कई सालों से यह स्कूल अपग्रेड नहीं किये जा रहे थे। यह मामला यूंही खटाई में पड़ा था। मगर उन्होंने जुरअत की और देहात के इन स्कूलों को अपग्रेड किया। यह बात ठीक है कि पैसे लिये मगर यहां पर तो लोगों ने पैसे भी जमा करा रखे थे मगर पहली हुकूमतों ने उन को अपग्रेड नहीं किया। जिस एम.एल.ए. ने कहा उसी का स्कूल अपग्रेड हो गया। मैं इन को इस के लिये मुबारकबाद देता हूं। मगर इतना ज़रूर कहूंगा कि अभी इन स्कूलों में पूरा स्टाफ और सायंस का सामान नहीं पहुंचा है। इन से दरखास्त है कि इस तरफ तवज्जुह देकर उन को पूरा स्टाफ और सामान भिजवाएं। इन लफ्ज़ों के साथ मैं आप का शुक्रिया अदा करता हूं।

**शिक्षा मन्त्री** (श्री प्रबोध चन्द्र) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, जहां तक ऐजूकेशन का ताल्लुक है 8 मदों के तहत रुपया मांगा गया है। उन में से एक है 27,90,500 रु० की। यह एक सैंट्रल गवर्नमैन्ट द्वारा स्पानसर्ड स्कीम है जिस के तहत स्कूलों को साइंस का सामान मुहैया किया जाना है ताकि उन का मियार ऊंचा हो सके यह रुपया हमें गवर्नमेंट आफ इंडिया की तरफ से मिलना है। चूंकि इस का प्रोवियन हम पहले नहीं कर पाए इस लिये सप्लीमेंट्री डिमांड के ज़रिए मांगा है। जब यह गवर्नमैंट आफ इंडिया की तरफ से मिलेगा तो रीइम्बर्स कर दिया जाएगा। मेरा ख्याल है कि इस पर किसी को एतराज़ नहीं होना चाहिए।

दूसरी डिमांड है अपग्रेडिंग आफ स्कूल्ज़ के बारे में। मुझे खुशी है कि मेरे मोहतरिम दोस्तों ने इस बारे में कुछ अच्छे लफ्ज़ कहे हैं कि सरकार ने पहली दफा बहुत से स्कूलों को अप ग्रेड किया है। करीब 150 से ऊपर मिडल स्कूलों को हाई बनाया गया है, 350 प्राइमरी स्कूलों को मिडल बनाया गया है। कोई ऐसा स्कूल नहीं है जिस का रुपया जमा किया गया हो और उस को अपग्रेड न किया गया हो। और पहली दफा इस बात को कतई नज़रअन्दाज़ किया गया है कि किस इलाके में ज्यादा सयासी दबाव डाला गया। बल्कि इस बात का ख्याल रखा गया कि कम से कम हर हलके को एक स्कूल दे दिया जाए और यह पहली बार है

कि पिछड़े इलाकों को उन के हिस्से से ज्यादा स्कूल दिये गये ताकि उन का घाटा पूरा किया जाए। मलिक इन्द्र सिंह ने कहा कि टीचर्ज और सामान की कमी है जो कि पूरी होनी चाहिए। यह मुनासिब शिकायत है और हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि यह कमी दूर की जाए। मगर मुश्किल यह है कि हमारे पास इस वक्त साइंस टीचर्ज की बहुत कमी है। और कई तरह के वज़ीफे देने के बावजूद हम काफी टीचर्ज को ट्रेंड नहीं कर सके। (विघ्न) हम ज्यादा से ज्यादा कोशिश कर रहे हैं और तकरीबन 90--93 फीसदी स्कूलों में 95 फीसदी ज़रूरी स्टाफ पहुंच गया है। कुछ कमी है वह भी जल्दी पूरी हो जायगी।

एक दोस्त ने कहा कि एक तरफ तो स्कूल बढ़ रहे हैं और दूसरी तरफ बच्चों से एक २ या दो २ रुपया बिल्डिंग फंड के तौर पर लिया जा रहा है। मैं अर्ज़ करूं कि वह फंड सिर्फ उन स्कूलों के बच्चों से ही लिया जा रहा है जिनकी इमारतें पुरानी है और जिन की मुरम्मत की जरूरत है या जो बच्चों के बैठने के लिये पूरी नहीं हैं। बाकी जहां पर स्कूल बनते हैं वह पंचायतों या दूसरी लोकल बाडीज़ से पैसा लेते हैं।

यह भी गिला किया गया है कि हम ने अमीर बच्चों की फीस माफ कर दी है और हम उन को वजीफे दे रहे हैं और कि हम गरीब बच्चों पर बोझ डाल रहे हैं। मैं समझता हूं कि यह बात किसी गलत फहमी की वजह से कही गई है। बदकिस्मती यह है कि जो फैसला पहिले किया गया वह काफी जज़बाती बातों को सामने रख कर किया गया। मैं मानता हूं कि हमारी ऐप्रोच गलत थी। 14 साल के हज़ारों बच्चों की फीस माफ... (विघ्न) आप जरा देर से आए हैं। उन्होंने दूसरे स्कूलों का जिक्र किया था। उस में करीब 25 लाख के करीब ऐसे बच्चे हैं जिन की फीस माफ है। और उन में से 4-5 लाख के करीब ऐसे होंगे जिन के मां बाप अपने बच्चों की फीस दे सकते होंगे। मैंने इस तरफ यूनियन ऐजूकेशन मिनिस्टर की तवज्जुह दिलाई थी मगर उन्होंने अपनी मजबूरी जाहिर की कि जब तक कन्स्टीटयूशन को बदला न जाए तब यह तबदीली नहीं कर सकते। जहां तक सैनिक स्कूलों का संबंध है अगर आप लिस्ट को देखें तो पता चल सकता है कि किस रेशो से वज़ीफे दिये जा रहे हैं। और आप को यकीन हो सकता है कि कहां पर गरीबों के 100 बच्चों को वजीफा का फायदा होता है वहां पर अमीरों के बच्चों की परसैन्टेज 7 या 10 है। और फिर यह ख्याल करना भी गलत है कि जो 800 या 900 रुपया लेते हैं वह अपने बच्चों को सैनिक स्कूलों में भेज कर 200 या 250 रुपया माहवार का खर्च बर्दाश्त कर सकें। आप ही अंदाजा लगा सकते हैं कि जिस के पांच बच्चे हों चाहे वह 800 या 900 रुपया माहवार तनखाह पाता हो कैसे 200 या 250 रुपया अपने बच्चे की फीस अदा कर सकता है। आप को तो पंजाब सरकार को दाद देनी चाहिए कि हमारे सूबा में बाकी के सूबों में से सब से ज्यादा सैनिक स्कूल हैं और पंजाब के बच्चे हिन्दुस्तान के दूसरे स्कूलों में भी तालीम पा रहे हैं। और जहां तक रेशो का सम्बन्ध है मिल्टरी आफीसर्ज़ में पंजाब के बच्चों की जिन्होंने हमारे सैनिक स्कूलों में तालीम हासिल की है सब से ज्यादा है।

[शिक्षा मन्त्री ]

इस के आगे हरिजन बच्चों के लिये 20 लाख रुपया की रकम मांगी गई है। यह हमारी खुशकिस्मती समझिए या बदकिस्मती कि हरिजन भाईयों की तादाद बड़ी तेज़ी से बढ़ रही है और हमारी जितनी भी अलाटमेंट होती है वह आखिर में आ कर ग़लत हो जाती है। अगर 40 लाख रुपया रखा जाता है तो 50 लाख तक खर्च हो जाता है। इस की वजह यह है कि आबादी तेज़ी से बढ़ रही है। कहां हम 12 और 14 लाख की आबादी से चल थे और अब 60 लाख तक पहुंच गई है। (विघ्न)

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਸਡਰ

* * * * * * * *

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਬਿਨਾਂ ਮੇਰੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਤੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹੋ। ਇਤਨਾ ਲੰਬਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। (The hon. Member is speaking without my permission. The point of order cannot be so long.)

**शिक्षा मन्त्री** मैं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, सिर्फ इस बात का जिक्र कर रहा था कि हरिजन बच्चों के लिये 20 लाख की रकम मांगी गई है। इस मद में सिरफ हरिजन बच्चों को वज़ीफे देने की बात थी और मुझे यह बात कहने में ज़रा भी झिजक नहीं कि हरिजन बच्चों की गिनती आऊट आफ प्रोपोर्शन बढ़ रही है। या तो हरिजनों के बच्चे एजुकेशन माइंडिड बन रहे हैं या इन की गिनती बढ़ गई है। (विघ्न)

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ।

**Deputy Speaker**: Please take your seat.

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਕਲੈਰੀਫਿਕੇਸ਼ਨ, ਮੈਡਮ।

**Deputy Speaker**: Please take your seat.

**बाबू अजीत कुमार** : * * * * * * * *

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ**। ਤੁਹਾਨੂੰ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿਤੀ ਬੋਲਣ ਲਈ। ਇਹ ਜੋ ਕੁਝ ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਬਿਨਾਂ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਦਾ ਪਾਰਟ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। (I did not permit the hon. Member to speak. whatever Shri Ajit Kumar has said, will not form part of the proceedings. )

**शिक्षा मन्त्री** इस में दो चार बिरादरियों और शामिल की गई है जैसे कि कमबो हैं लेकिन उनकी तादाद सिरफ 5 परसेंटेज से ज्यादा नहीं।

इसके इलावा 12 लाख रुपया की रकम गुरू गोबिन्द सिंह ट्राई सेन्टेनरी सैलीब्रेशन्ज़ के लिये दिए गए हैं। हमें अफसोस है कि सरकार इस नेक काम के लिये और ज्यादा रकम न दे सकी। अगर और ज्यादा रकम हम दे सकते तो हमें खुशी होती। और इस बात पर तो किसी को भी एतराज़ नहीं है।

---

**Note*. Expunged as ordered by the Chair.

एक बात श्री राम प्यारा और सरदार गुरचरन सिंह ने कुरप्शन के बारे में कही। जब पहली बार इन्होंने मेरे नोटिस में यह बात लाई तो उसी वक्त हम ने फौरी तवज्जो दी और इरिगेशन मिनिस्टर साहिब को भी कहा और सी.एम. साहिब को भी बताया गया और उसी दिन इन्क्वायरी शुरु कर दी गई। एक बात मैं साफ कर दूं कि इस मौजूदा रीजीम में कोई भी कम्पलेंट किसी के खिलाफ कुरप्शन की आए तो उस की पूरी तरह से जांच होगी और चाहे कितना भी बड़े से बड़ा आदमी क्यों न हो इस बात पर सख्ती से अमल किया जाएगा कि अगर कम्पलेंट सही है तो एक्शन लिया जाए। गवर्नमेंट किसी आदमी के सियासी दबाव में और किसी और ढंग से ऐसे केसों को छोड़ेगी नहीं जहां कि कुरप्शन की गई हो। (प्रशंसा)

यही 5 या 6 मद्दें तालीम के बारे में थीं। जहां तक टीचरों को 25 लाख रुपया की सहूलियतें देने के बारे में सम्बन्ध है कुछ एतराज़ उठाए गए हैं कि सरकारी टीचरों की एक बड़ी तादाद ऐसी है जिन्हें फायदा नहीं पहुंच रहा है। मैंने इस सम्बन्ध में टीचरों की यूनियनों को कहा है कि वह डी.पी.आई. और महकमा तालीम के दूसरे अफसरों के पास बैठ कर जिस तरह भी चाहें बात कर लें कि किस ढंग से रुपया दिया जाए। हम किसी किस्म की कोई एक्सैप्शन नहीं चाहते। हम तो कैटेगरीवाइज़ देना चाहते हैं। हो सकता है कि कैटेगरी बनाते वक्त कोई एक आध रह गया हो लेकिन जो कैटेगरीज़ बनाई गई हैं उन में पिक्क एंड चूज़ नहीं किया गया है और इस बात की कोशिश नहीं की गई कि 'ए' को या 'बी' को या 'सी' को मिले। और हम चाहते हैं कि ज़्यादा से ज़्यादा फायदा हो। और यही डिप्टी स्पीकर साहिबा, हल था जिस से ज़्यादा से ज़्यादा टीचरों को फायदा हो सकता था इन लफ्ज़ों के साथ आप का शुक्रिया अदा करता हूं।

**चौधरी राम सरूप** : मैं यह बात पूछना चाहता हूं कि जो आप ने एम.एस. सी. के टीचर न मिलने के लिये कनडैन्स्ड कोर्स शुरू किए हैं और बाद में बन्द कर दिए हैं तो जो लड़के दाखिल हुए थे वह न तो एम.ए. ही रहे और न एम.एस.सी. बने, इस की क्या वजह है और इस के बारे में क्या किया जा रहा है ?

5.00 p.m.

**शिक्षा मन्त्री** : यह बात जेरे ग़ौर है और सोच रहे हैं।

ਮੈਂ ਬਾਬੂ ਜੀ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਵਿਚ 20 ਸੀਟਾਂ ਹੋਰ ਵਧਾਈਆਂ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੀਟਾਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਫਿਜ਼ਿਕਸ ਦੇ ਐਮ. ਐਸ. ਸੀ. ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਘਟ ਹੈ ਕੈਮਿਸਟਰੀ ਦੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਦੀ ਨਿਸਬਤ ? ਉਹ ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਐਮ. ਐਸ. ਸੀ. ਕੰਡੈਂਸਡ ਕੋਰਸ ਦੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਲਾਸਿਜ਼ ਚਲਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਕੈਮਿਸਟਰੀ ਦੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਨੂੰ ਤਾਂ ਵਜ਼ੀਫਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਫਿਜ਼ਿਕਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ?

**ਵਿਦਿਆ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਸ ਖਿਆਲ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਜਿਸ ਮਜ਼ਮੂਨ ਦੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਨੂੰ ਵਜ਼ੀਫਾ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਸੀਕ ਕਰਦੇ ਕਰਦੇ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਦਾ ਵਕਤ

ਜ਼ਾਇਆ ਨਾ ਕਰੋ। ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਵਕਤ ਤੇ ਹਰ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਜੋ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੇ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ।
(The hon Members need not waste the time of each other while seeking information. Every Member can have his say at his turn.

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : On a point of order Madam. ਕੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਲੱਤਾਂ ਰੱਖ ਕੇ ਬੈਠ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਸਾਡੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ**: ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਕੋਈ ਡੈਕੋਰਮ ਜਾਂ ਜ਼ਾਬਤਾ ਅਤੇ ਕਾਇਦਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਹੈ ?

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਬਾਬੂ ਜੀ, ਜਿਥੇ ਤੁਸੀਂ ਹੋਵੋ, ਉਥੇ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਹੀ ਹੈ। (ਹਾਸਾ)
(Every thing is there where the hon Member, Baboo Bachan Singh is present. (Laughter)

**ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ** (ਜਗਰਾਉਂ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੈਂ ਡੀਮਾਂਡ ਨੰ. 7—8 ਅਤੇ 6 ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। 8 ਨੰ. ਹੈ ਪੀ. ਡਬਲਿਊ. ਡੀ. ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਅਤੇ 7 ਹੈ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਅਤੇ 6 ਹੈ ਡਰੇਨੇਜ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ। ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਹੀ ਐਗਰੀ ਕਰੋਗੇ ਜੇਕਰ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਵੇਖੋ ਤਾਂ ਇਸ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਨੈਗਲੀਜੈਂਸ ਦੇ ਨਾਲ ਰੁਪਿਆ ਜ਼ਾਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਡੀਮਾਂਡ ਨੰ. 6 ਵੱਲ ਆਪਦੀ ਤਵਜੋ ਫੇਰ ਦਿਵਾਵਾਂਗਾ, ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਹੀ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਜਦੋਂ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਦੀ ਮੌਸਮ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਬੰਦ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਬਾਰ ਬਾਰ ਬੰਦ ਬਣਦੇ ਅਤੇ ਟੁਟਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਜ਼ਾਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਕੰਮ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਹ ਛੇਤੀ ਛੇਤੀ ਦੇ ਵਿਚ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦਾ ਭਾਰ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਤੇ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਅਲਰਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਯਕੀਨ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬੰਦ ਬਾਰ ਬਾਰ ਨਾ ਬਣਨ ਅਤੇ ਬਾਰ ਬਾਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਵੀ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਕੰਟਰੈਕਟਰ ਨੂੰ ਖੁਦ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਾਲੇ ਸਫੀਸ਼ੈਂਟ ਅਮਾਊਂਟ ਤੇ ਕੰਟਰੈਕਟ ਦੇਣ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਖਰਾਬ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਲਗਿਆ ਪੈਸਾ ਜ਼ਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਇੰਟਰੈਸਟ ਹਨ ਇਹ ਕਰਿਮੀਨਲ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਬਜਟ ਡਿਸਕਸ ਕਰਾਂਗਾ ਪੂਰੀ ਡੀਟੇਲ ਬਿਆਨ ਕਰਾਂਗਾ ਅਤੇ ਸਾਰੀ ਪਿਕਚਰ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਹ ਸਰਕਾਰੀ ਫੰਡਜ਼ ਐਮਬੇਜ਼ਲ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਵੇਲੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਡਰੇਨੇਜ ਬਾਰੇ ਹੀ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਥੇ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ ਬਹੁਤਾ ਜ਼ਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਮੇਨ ਕਾਰਣ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਨੈਗਲੀਜੈਂਸ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਪਿਛਲੇ ਖਰਚ ਕਢ ਕੇ ਵੇਖੋ ਕਿ ਇਤਨੀ ਭਾਰੀ ਰਕਮ ਡਰੇਨੇਜ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਅਜੇ ਤੱਕ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਬਲਕਿ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਦਾ ਸਾਰਾ ਇਲਜ਼ਾਮ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਤੇ ਲਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਵਿਚ ਬੜੇ ਬੜੇ ਕਾਬਲ ਇੰਜਨੀਅਰਜ਼ ਹਨ, ਬੜੇ ਬੜੇ ਐਕਸਪਰਟ ਹਨ ਚੀਫ ਇੰਜਨੀਅਰਜ਼ ਪਰ ਉਹ ਕੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ? ਕਿਸੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਪੈ ਜਾਣ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਦਮ ਚੰਗੀ ਭਲੀ ਜਾਂਦੀ ਸਿੱਧੀ ਡਰੇਨੇਜ ਦੀ ਲਾਈਨਿੰਗ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਬਗੈਰ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਉਚਾ ਨੀਵਾਂ ਲੈਵਲ ਦੇਖੇ ਐਟ ਏ ਸਟਰੈਚ ਆਰਡਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਟਰੈਯਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਦੇ ਚੰਦ ਇਕ

ਬੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਆਪਣੀ ਡਰਾਉਣੀ ਸੂਰਤ ਦਿਖਾਉਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਲਾਈਨ ਹੀ ਬਦਲਵਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਅਸੀਂ 60 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਹੁਣ ਤੱਕ ਖਰਚ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇ, ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਫੇਰ ਡਰੇਨਾਂ ਦੀ ਖੁਦਾਈ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਬੜਾ ਹੀ ਅਜੀਬ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਜਗ੍ਹਾ ਜੇ 10 ਮੀਲ ਲੰਬੀ ਡਰੇਨ ਬਨਣੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕਿਤੇ ਪਹਿਲਾਂ 2 ਮੀਲ ਪਿੱਛੇ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਅਤੇ ਕਦੇ ਇਕ ਮੀਲ ਅੱਗੇ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਜਿਵੇਂ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਵਧਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਬਰਸਾਤ ਆ ਜਾਣ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਭੁਗਤਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਚੰਦਰਭਾਨ ਡਰੇਨ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਗਵਾਹ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਨਤਾ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਰਾਹੀਂ ਜ਼ਾਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਇਹ ਕਰਿਮਨਲ ਨੀਤੀ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਧਾਰਨ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਡਰੇਨ ਜੇ ਇਧਰ ਖੁਦਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਅਗੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਨਿਕਾਸੀ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਰਾਹ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਪਾਣੀ ਅਗਲੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਦੇਖੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲਤ ਪਾਲੀਸੀ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਵੇਂ ਦੂਸਰੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਸੇਮ ਹੋਈ ਹੈ, ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਤਬਾਹ ਹੋਈਆਂ ਹਨ।

ਤੀਸਰੀ ਗੱਲ ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਬਰਿਜਜ਼ ਦੀ ਸਪੈਸੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਬੜੀ ਪੂਅਰ ਹੈ। ਇਹ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਦੇ ਨਾਲ ਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਜਿਥੋਂ ਦੀ ਰਸਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਥੇ ਤਾਂ ਬਰਿਜ ਬਣਦਾ ਨਹੀਂ, ਕਿਤੇ ਹੋਰ ਹੀ ਕਿਸੇ ਇਕ ਬੰਦੇ ਦੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਪਾ ਦੇਣ ਨਾਲ ਬਰਿਜ ਤਿਆਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਆਮ ਬਹਿਸ ਹੁੰਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਏਥੇ ਬਰਿਜ ਨਹੀਂ, ਏਥੇ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ, ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਖਿਆਲ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਪਰ ਜਦੋਂ ਨਿਕੰਮੀ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸਪੈਸੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਐਡਾਪਟ ਕਰ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਖਰਾਬ ਹੀ ਹੋਇਆ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਕੁਝ ਡਰੇਨੇਜ ਦੀ ਗਲਤ ਲਾਈਨਿੰਗ ਨਾਲ ਅਤੇ ਕੁਝ ਬਰਿਜਜ਼ ਦੀ ਵਜਾਹ ਨਾਲ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬਰਿਜਜ਼ ਨਾਲ ਘਟ ਤੋਂ ਘਟ 20 ਪ੍ਰਸੈਂਟ ਤਬਾਹੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਾਨ ਨੂੰ ਰੋਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। (ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਇਹ ਸਭ ਠਕੇਦਾਰਾਂ ਦੀ ਮੇਹਰਬਾਨੀ ਹੈ)। ਇਹ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ, ਕੁਝ ਤੁਸੀਂ ਮੇਹਰਬਾਨ ਹੋ ਕੁਝ ਠੇਕੇਦਾਰ ਮੇਹਰਬਾਨ ਹਨ। ਬਰਿਜਜ਼ ਦੀ ਪਰਾਪਰ ਸਪੈਸੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਹਰ ਸਾਲ ਬਰਿਜਜ਼ ਟੁਟਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਪੈਸਾ ਜ਼ਾਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਇਕ ਕਾਰਨ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਅਤੇ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਮਨ ਐਪਲਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਬਣਾਉਣ ਵੇਲੇ ਸਰਕਾਰ ਮੈਟੀਰੀਅਲ ਪਵਾਉਣ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ। ਪੀ. ਡਬਲਿਊ. ਡੀ. ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਜੇਕਰ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਸਰਕਾਰੀ ਫੰਡਜ਼ ਦੀ ਐਮਬੈਜ਼ਲਮੈਂਟ ਅਤੇ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਵਿਚ ਇਕ ਮੁਜਰਮ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਆਪਣੀ ਆਈਜ਼ ਇਸ ਤੇ ਰੱਖੇ ਤਾਂ ਬੜੀ ਸੇਵਿੰਗ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਸੇ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਜੋ ਟੈਂਡਰ ਕਾਲ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਬੜੇ ਹਾਈਐਸਟ ਰੇਟ ਦੇ ਠੇਕੇਦਾਰ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਟੈਂਡਰ ਐਕਸਸੈਪਟ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਪਰ ਬਰਿਜਜ਼ ਦੀ ਸਪੈਸੀਵਿਕੇਸ਼ਨ ਬੜੀ **ਪੂਅਰ ਹੈ। ਇਤਨੀ ਪੂਅਰ ਸਪੈਸੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈਂ।** ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੀਮੈਂਟ **ਅਤੇ ਕਨਕਰੀਟ ਦੀਆਂ** ਸੜਕਾਂ ਹੋਣ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲਾਈਫ 100, 100 ਸਾਲ ਹੋਵੇ ਉਹ ਹਰ ਸਾਲ ਬੈਠ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਨਾਲਾਇਕੀ ਦਾ ਅਕਸ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਬਜਟ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਲਿਆਉਂਦੇ ? ਕਿਡੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ 1963-64 ਦੇ ਵਿਚ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਅਜ 1966 ਦੇ ਵਿਚ ਮੰਗਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਜੋ ਵਿਧਾਨ ਰਾਹੀਂ ਹਕੂਕ ਮਿਲੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਛਾਪਾ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਹੋਰ ਕੀ ਹੈ ? ਅਗਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ਾਂ ਜਦੋਂ ਉਸ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਸੀ

[ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ]

ਉਦੋਂ ਹੀ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਜਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਮੌਕਾ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਸੀ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਐਗਜ਼ੈਮਿਨ ਕਰਨ ਦਾ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵਾਊਚਰ ਵਗੈਰਾ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਦੇਖ ਲਏ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਖੁਦ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹੋ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਚੀਜ਼ਾਂ ਆਡਿਟ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਸੀ ਉਹ ਦੋ ਸਾਲ ਬਾਅਦ ਆਡਿਟ ਹੋਈਆਂ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਪੁਰ ਜ਼ੋਰ ਲਫਜ਼ਾ ਵਿਚ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਮੱਦ ਹੈ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪਾਸ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਹੁਣ ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਤੇ ਮੈਂ ਆਉਂਦਾ ਹਾਂ। ਸਾਡੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਟੇਟ ਇਕ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਸਟੇਟ ਸੀ ਇਸ ਕਰਕੇ ਏਥੇ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਬਣੀ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਦਾਅਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨੇ ਕੋਈ ਪਰਪਜ਼ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ ਵਿਚ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਤੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆਂ ਦਾ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਵਿਚ ਮਹਿਲ ਬਣਾ ਕੇ ਬੈਠਾ ਹੋਇਆ। ਮੈਂ ਚੈਲਿਜ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਆਈ. ਸੀ. ਐਸ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਇਸ ਕਰਕੇ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ ਉਹ ਉਥੇ ਫਿਰਕਾਦਾਰੀ ਦਾ ਜ਼ਹਿਰ ਫੈਲਾਏ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਉਥੇ ਸਵਾਏ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਦੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਥੇ ਦੋ ਧੜੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਸਾਰੀ ਦਿਹਾੜੀ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲੜਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਟੇਟ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਜਰਮ ਹਨ ਉਹ ਲੋਕ ਜਿਹੜੇ ਫਿਰਕਾਪਰਸਤੀ ਦੀ ਜ਼ਹਿਨੀਅਤ ਨਾਲ ਉਥੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਡਕਾਰਦੇ ਰਹੇ। ਇਸ ਵਿਚ ਬੜੀ ਮਾਸੂਮ ਅਦਾ ਨਾਲ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਛੇ ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਕਰਕੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਦੋ ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦਾ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਕਿਡੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਕਿ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀ ਗਲ ਕਿੱਥੋਂ ਆ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤਨਖਾਹਾਂ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖੋ ਕਈ ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਸਟਾਫ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦਾ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਬਣਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜੇ ਉਪਰਲੇ ਅਫਸਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹੇਠਲੇ ਸਟਾਫ ਨਾਲ ਏਨਾ ਭੈੜਾ ਸਲੂਕ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਪਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਕੋਆਪਰੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ। ਜਿਹੜਾ ਬੀ. ਐਸ. ਸੀ ਔਰ ਐਮ ਐਸ. ਸੀ. ਵਾਲਾ ਸਟਾਫ ਹੈ ਉਹ ਬੜੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨਾਲੋਂ ਏਨੇ ਦੂਰ ਹਨ ਜਿਸ ਦਾ ਕੋਈ ਹਦ ਹਿਸਾਬ ਨਹੀਂ। ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹੀ ਵਾੜ ਦਿੱਤੀ। ਅਗਲੇ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਥੋੜਾ ਬਹੁਤ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਪਿਛਲੇ ਪਾਸੇ ਚਲੇ ਜਾਉ ਤਾਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਰੀਕਾ ਇਹ ਫੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਉਥੇ ਕੋਈ ਬਾਹਰੋਂ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਂ ਐਮ. ਐਲ. ਏ ਜਾਂ ਕੋਈ ਬਾਹਰ ਦਾ ਬੰਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦਾ ਅਗਲਾ ਹਿੱਸਾ ਵਖਾ ਕੇ ਉਥੇ ਉਸ ਦੀ ਤਕਰੀਰ ਕਰਵਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਤਸਵੀਰ ਦਾ ਕਾਲਾ ਪਹਿਲੂ ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿਖਾਉਂਦੇ। ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੇ ਮੌਡਲ ਫਾਰਮ ਖੋਲ੍ਹੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਆਲੂ ਵਗੈਰਾ ਦੁਗਣੇ ਨਿਕਲਦੇ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਖਰਚਾ ਵੀ ਉਸ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨਾਲੋਂ ਘਟ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਤੁਹਾਡਾ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਤੋਂ ਜਿਹੜਾ ਫਿਰਕਾ ਪਰਸਤੀ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਸਵਾਏ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਦੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੰਦਾ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਛੁਟਕਾਰਾ ਕਰਵਾਉ। ਜਿਹੜੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਬੀਜ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਔਰ ਕੋਈ ਤਰੀਕੇ ਦੀ ਚੀਜ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਮਦ ਨਹੀਂ ਪਾਸ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਕਰੜੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** (ਸਿਧਵਾਂ ਬੇਟ): ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੇਲ੍ਹ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਹੇਠ 9 ਲੱਖ 10 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਹੈ, ਦਲੀਲ ਇਹ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਤਾਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨੀ ਜਿਹੜੇ ਘੇਰੇ ਦੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਲਏ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ

ਦਾ ਖਰਚਾ ਹੈ ਔਰ ਕੁਝ ਐਂਟੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਐਲੀਮੈਂਟ ਜਿਹੜਾ ਡੀਫੈਂਸ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਰੂਲਜ਼ ਤੇ ਤਹਿਤ ਡੀਟੇਨ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਹੈ। ਡੀਫੈਂਸ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਤਹਿਤ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਈ ਵਡਾ ਸਰਮਾਏਦਾਰ ਨਹੀਂ ਫੜਿਆ ਜਿਸ ਨੇ ਬਲੈਕ ਕੀਤੀ ਸੀ ਐਸੇ ਬੰਦੇ ਨਹੀਂ ਫੜੇ ਜਿਹੜੇ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਜਰਿਮ ਕਰਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹੋਣ ਮਗਰ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਨੂੰ ਬਗੈਰ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲਾਏ, ਬਗੈਰ ਕੋਰਟ ਦਾ ਵਰਡਿਕਟ ਲੈਣ ਦੇ ਜੇਲ ਵਿਚ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਔਰ ਐਂਟੀਨੈਸ਼ਨਲ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਬੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਜੇਲ੍ਹ ਦੇ ਵਿਚ ਬੰਦ ਕਰਕੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਰਚੇ ਦਾ ਬੋਝ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਿਰਾਂ ਤੇ ਪਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਅਤੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਜੰਗ ਦੇ ਵਕਤ ਜਾਸੂਸੀ ਕਰਨ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਨਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਫੜਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਬੰਦਾ ਫੜਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਬਲਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਆਪਣੇ ਵਰਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੱਦਾਰੀ ਕਰਦੇ ਫੜੇ ਗਏ ਹਨ ਔਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਕ ਸਬ-ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਸੀ ਉਹ ਵੀ ਫੜਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਲੀ ਗੱਦਾਰਾਂ ਵਲ ਕਰੜੀ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਗੈਰ ਕੋਰਟ ਦਾ ਵਰਡਿਕਟ ਲੈਣ ਦੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਂ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਤੇ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਬੜੇ ਦੁਖਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਅਜੇ ਤਕ ਆਮ ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਡੇਢ ਦੋਂ ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਜਾਂ 50/60 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕੀ। ਸਾਡੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ 8 ਸੌ ਰੁਪਿਆ ਮਾਹਵਾਰ ਲੈਣ ਵਾਲਾ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਸੈਨਿਕ ਸਕੂਲ ਦੇ ਵਿਚ ਤਾਲੀਮ ਨਹੀਂ ਦਿਵਾ ਸਕਦਾ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ 99 ਫੀਸਦੀ ਲੋਕ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਅਤੇ ਕਪੜਾ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ, ਉਹ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪਬਲਿਕ ਅਤੇ ਸੈਨਿਕ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਦਾ ਸੁਪਨਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ। ਇਸਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਬਲਿਕ ਸਕੂਲ ਜਿਹੜੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ 1 ਫੀ ਸਦੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਲਈ ਹੀ ਹਨ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਭਲੇ ਲਈ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੋਚਦੀ ਬਲਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਆਪਣਾ ਗੁਲਾਮ ਬਣਾ ਕੇ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਏਥੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਗਲਤ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ 20 ਲੱਖ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆਂਨੂੰ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੇਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਾ ਸਿਰਫ ਸ਼ਡੀਊਲਡ ਕਾਸਟ ਅਤੇ ਬੈਕਵਰਡ ਕਲਾਸਾਂ ਦੇ ਮੁੰਡਿਆਂ ਦੀ ਫੀਸ ਮਾਫ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਬਲਕਿ ਸਸਤੀ ਸ਼ੋਹਰਤ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਲਈ ਔਰ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਵੋਟਾਂ ਲੈਣ ਲਈ ਇਕ ਸੋਸ਼ਲੀ ਬੈਕਵਰਡ ਕਲਾਸ ਨਵੀਂ ਖੜੀ ਕਰ ਲਈ ਹੈ। ਉਹ ਉਹ ਲੋਕ ਹੋਣਗੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਆਮਦਨ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆਂ ਤੋਂ ਘਟ ਹੋਵੇਗੀ। ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਚੰਗੀਆਂ ਆਮਦਨਾਂ ਹਨ ਉਹ ਗਲਤ ਐਫੀਡੇਵਿਟ ਦੇ ਕੇ ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਤਸਦੀਕ ਕਰਵਾਉਣ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਦੀ ਸਕੀਮ ਮੁਤਾਬਕ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ........

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤੁਸੀਂ ਗਲ ਕਰਦੇ ਹੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤੁਸੀਂ ਤਸਦੀਕ ਕਰਦੇ ਹੋ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? Does the hon. Member attest the affidavits or not of those whom he is referring to ?

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ :** ਮੈਂ ਤਸਦੀਕ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਸਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਹਾਂ

**ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਭਾਗ ਸਿੰਘ :** ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਹ ਤਸਦੀਕ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਗਲ ਇਹ ਆਦਮੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਉਸਦੀ ਤਸਦੀਕ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਇਹ ਤਸਦੀਕ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਕਿ ਇਸਦੀ ਆਮਦਨੀ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੈ।

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** : ਬੜੇ ਦੁਖ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਿਸਸਟੇਟਮੈਂਟ ਕਰਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਨਵੀਆਂ ਕਲਾਸਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈਆਂ ਨੂੰ ਇਕ ਸਾਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਇਕ ਸਟੂਡੈਂਟ ਦਾ ਨਾਮ ਵੀ ਦਸ ਦੇਵੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅਜ ਤਕ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਸਟਾਈਪੈਂਡ ਵੀ ਮਿਲਿਆ ਹੋਵੇ। ਮੇਰਾ ਇਹ ਅਲਜ਼ਾਮ ਹੈ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਕਿ ਇਹ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੀ ਕਿ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਬੱਚੇ ਤਾਲੀਮ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕਣ ਅਤੇ ਤਰਕੀ ਕਰ ਸਕਣ। ਜੋ ਆਪ ਆਪਣੇ ਬਚੇ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਕਪੜਾ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸਨੂੰ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ 6 ਰੁਪਏ ਵਜ਼ੀਫਾ ਤਾਂ ਦੇਵਾਂਗੇ ਪਰ ਸਾਲ ਦੇ ਆਖਰ ਵਿਚ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਹੜਾ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਹੈ ਜੋ ਇਕ ਸਾਲ ਤਕ ਆਪਣੇ ਪਲੇ ਤੋਂ ਖਰਚ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਦ ਉਸਦੇ ਪਾਸ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ ਇਕ ਸਾਲ ਤਕ ਕਿਥੋਂ ਖਰਚ ਕਰੇਗਾ। ਇਸੇ ਲਈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੀ ਕਿ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਬਚੇ ਤਾਲੀਮ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕਨ। ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰਾ ਪੈਸਾ ਵੈਲਫੇਅਰ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਡਿਸਪੋਜ਼ਲ ਤੇ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੇ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਮਸਟਰ ਰੋਲ ਬਣਦੇ ਹਨ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਇਸ ਸਟਾਈਪੈਂਡ ਦੇ ਪੈਸੇ ਹੈਡ ਮਾਸਟਰਜ਼ ਡਿਸਬਰਸ ਕਰਿਆ ਕਰਨ ਤਾਂ ਹੀ ਇਸਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇੰਡੋ-ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਜੰਗ ਦੇ ਵਕਤ ਜੋ ਇੰਡਸਟਰੀ ਬੰਦ ਰਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੋਨ ਦੇਣ ਲਈ 50 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਕੁਲ ਮੰਗ ਤਾਂ 75 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਹੈ ਪਰ 25 ਲਖ ਪਹਿਲਾਂ ਖਰਚ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ 50 ਲਖ ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਪੈਸੇ ਮੰਗੇ ਹਨ। ਇਸਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇੰਡਸਟਰੀਲਿਟਸ ਨੂੰ 75 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਐਡਵਾਂਸ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਜੋ ਐਨੀ ਸਾਰੀ ਲੇਬਰ ਉਸ ਵਕਤ ਬੇਕਾਰ ਰਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 20 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਲੋਨ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਿਤਕਰੇ ਵਾਲੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੇ ਬਟਾਲਾ **ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਰਾਤ ਦੇ ਵਕਤ ਇੰਡਸਟਰੀ ਬੰਦ ਰਹੀ ਲੇਕਿਨ ਬਾਕੀ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਬਾਕਾਇਦਾ** ਚਲਦਾ ਰਿਹਾ। ਕੁਝ ਕਾਰਖਾਨੇ ਵਾਲੇ ਆਪਣੇ ਵਰਕਰਜ਼ ਨੂੰ ਪੇਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਅਤੇ ਵਰਕਰਜ਼ ਬੇਕਾਰ ਹੋਕੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵਾਪਸ ਆ ਗਏ। ਬਜਾਏ ਇਸਦੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੇਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਫੜ ਕੇ ਅੰਦਰ ਕਰਦੀ ਇਸਨੇ ਲੇਬਰ ਨੂੰ ਹੀ ਡਿਫੈਂਸ ਆਫ ਇੰਡੀਆਂ ਰੂਲਜ਼ ਤਹਿਤ ਫੜ ਕੇ ਅੰਦਰ ਕਰ ਦਿਤਾ (ਘੰਟੀ) ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਲੋਨ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ, ਉਸਦੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਲੁਧਿਆਣਾ, ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੇ ਦੂਜੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਜਾਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਣ ਜਾਣਾ ਹੈ।ਇਸ ਲਈ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਕੇ ਸਰਕਾਰੀ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਹੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਚਲਾਉ, ਆਪਣੇ ਪੱਲੇ ਤੋਂ ਪੈਸਾ ਇਨਵੈਸਟ ਨਾ ਕਰੋ। ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰਾਂ ਨੇ ਤਹੱਈਆ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪੈਸੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਚਲਾਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਖੁਦ ਕੁਝ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ———

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਜਾਉ। (Now he may resume his seat.)

**ਬਾਬੂ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ** : ਮੈਂ ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਅਰਜ਼ ਕਰਕੇ ਬੈਠ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਜੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਜੋ ਦੋ ਹਫਤੇ ਰਹੀ ਰਾਤ ਨੂੰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਬੰਦ ਰਹਿੰਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਦਿਨ ਨੂੰ ਚਲਦੀ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੁਝ ਕਟ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਆਰਡਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸੁਬਹ 8 ਬਜੇ ਤੋਂ ਪੰਜ ਬਜੇ ਤਕ ਬਿਜਲੀ ਮਿਲੇਗੀ ਅਤੇ ਉਸਤੋਂ ਬਾਅਦ ਫੈਕਟਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਚਲਣਗੀਆਂ ਕਿਉਂਕਿ ਪਾਵਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਨੂੰ ਬੜੇ ਦੁਖ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਦਫਤਰਾਂ ਵਿਚ ਜਾਕੇ ਵੇਖੋ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀਟਰ ਚਲਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਰਾਤ ਸੜਕਾਂ ਤੇ ਟਿਊਬਾਂ ਜਗਮਗਾਂਦੀਆਂ ਨੇ। ਇਹ ਜੋ ਲਾਈਟ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਇਸਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਲਾਈਟ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਟੀ ਦੇ ਤੇਲ ਨਾਲ ਕੰਮ ਚਲਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਿਜਲੀ ਬਚਾ ਕੇ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਤੇ ਦਸਤਕਾਰੀ ਚਲਾਣ ਲਈ ਦਿਤੀ

ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ (ਘੰਟੀ)। ਮੈਂ ਆਖਰ ਵਿਚ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਵਕਤ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿੰਦਾ ਰਖਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰਾਂ ਤੇ ਦਸਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਉ ਤਾਂਕਿ ਪਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧੇ ਤੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋਵੇ।

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** (ਸਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਪੇਸ਼ਤਰ ਇਸਦੇ ਕਿ ਮੈਂ ਜੋ ਖਿਆਲਾਤ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਜ਼ਾਹਰ ਕੀਤੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਵਾਂ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜੋ ਕੁਝ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਉਸਦੇ ਬਾਰੇ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵੇਖੋ ਜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸਲੀ ਬਜਟ ਹੀ ਬਣਾਉਣਾ ਨਹੀਂ ਆਂਉਂਦਾ ਵਰਨਾ ਕੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਸੀ ਕਿ ਇਹ 12 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਬਜਟ ਲਿਆਇਆ ਜਾਂਦਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਮੈਂ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਈ ਖਰਚ ਐਸੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜੋ ਅਨਫੋਰਸੀਨ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬਜਟ ਬਣਾਂਦੇ ਵਕਤ ਕੋਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਪੈ ਜਾਣੇ ਹਨ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਇੰਡੋ-ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਕਨਫਲਿਕਟ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਐਨਾ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਪੈ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਅਸੀਂ ਬਜਟ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਜਾਕੇ ਵੀ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਖਿਆਲ ਕੀਤਾ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਦਿਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸੇ ਲਈ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੋ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਅਪਗਰੇਡ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਪੂਰਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਕਿਤਨਾ ਖਰਚ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ ਕਿਉਂ ਕਿ ਸਾਰੀ ਸਕੀਮ ਪੂਰੀਤਰ੍ਹਾਂ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਸੀ। ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਖਰਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਜਿਤਨਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕੇ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਸਾਰੇ ਖਰਚ ਇਸ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਬਜਟ ਵਿਚ ਲਿਆਣੇ ਪਏ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹੋ ਖਰਚ ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਆਦੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜੋ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਐਵੇਂ ਹੀ ਕਹਿ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੇ ਖਰਚ ਦਾ ਵੀ ਚਰਚਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਡਰੇਨੇਜ ਵਗੈਰਾ ਦਾ ਸਿਸਟਮ ਬੜਾ ਡਿਫੈਕਟਿਵ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਸਾਫ ਤੌਰ ਤੇ ਮੰਨਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਫਿਨਾਂਸ਼ਲ ਕੰਟਰੋਲ ਹੇਠ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਮਨਨ ਵਿਚ ਵੀ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਮੇਰੀਆਂ ਕੋਸ਼ਸ਼ਾਂ ਦੇ ਉਹ ਅਜੇ ਤਕ ਕੰਟਰੋਲ ਹੇਠ ਆਇਆ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਫਿਨਾਂਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਲੇਕਿਨ ਇਤਫਾਕ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਉਤੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਟਰੋਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਣ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ 3, 4 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਸਕੀਮਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਅਜੇ ਭੀ ਅਧੂਰੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਸਕੀਮਾਂ ਕਿਸੇ ਕਾਰਣ ਰੁਕੀਆਂ ਰਹੀਆਂ। ਮੈਂ ਡਰੇਨੇਜ ਦੇ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹੀ ਟੇਕ ਆਪ ਕਰ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਇਸਦੇ ਬਾਰੇ ਕੀ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਸਿਸਟੇਮੈਟਿਕ ਢੰਗ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਅਗਰ ਕੋਈ ਡਰੇਨ 6 ਮੀਲ ਦੀ ਬਣਨੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ 2 ਮੀਲ ਇਕ ਜਗ੍ਹਾ ਬਣਾਉਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਦੋ ਮੀਲ ਬਾਅਦ ਫਿਰ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਡਰੇਨਾਂ ਇਨਕੰਪਲੀਟ 3, 4 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਪਈਆਂ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਸੋਚਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕੰਮ ਅਧੂਰੇ ਪਏ ਹਨ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੂਰੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਕਈ ਵੇਰ ਕੌੜਾ ਘੁਟ ਕਰਕੇ ਪਾਣੀ ਪੀਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਸੋਚਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਸਰਕਾਰ ਖਰਚ ਕਰ ਚੁਕੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਾਪਰਲੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋ ਸਕੇ। ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

ਕਮਾਂ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਵਿਚ ਮੰਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਲ ਫਲਡਜ਼ ਤੋਂ ਬਚ ਗਏ ਹਾਂ, ਇਹ ਸਾਡੀ ਖੁਸ਼ਕਿਸਮਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਡਰਾਟ ਦੇ ਚੁੰਗੱਲ ਵਿਚ ਫਸ ਗਏ ਹਾਂ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਮਾਈਨਰ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਲਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਵੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕ੍ਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਵਰਖਾ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਕੈਨਾਲਜ਼ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਘਟ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸੈਕੰਡ ਡਿਫੈਂਸ ਲਾਈਨ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਲਾਏ ਜਾਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਐਨਰਜਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਡਿਸਟਰੀਬਿਊਟਰੀਜ਼ ਤੋਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਹੋ ਸਕੇ। ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਨੇ ਰੁਪਏ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਰ ਯੂਟੇਲਾਈਜੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਜੈਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਇਤੇਫਾਕ ਰਖਦਾ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੰਗਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰੁਪਿਆ ਮਾਈਨਰ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਫਰਜ਼ ਤੋਂ ਅਣਗਹਿਲੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਐਕਸ਼ਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਸਾਥੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਠੇਕੇਦਾਰ ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ ਜਿਹੜੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਦਸੇ ਗਏ ਹਨ, ਉਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਰੀ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਗਰ ਉਸ ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੋਈ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। (ਵਿਘਨ) ਅਗਰ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਬਾਅਦ ਭੀ ਕੋਈ ਨੁਕਸ ਦਿਖਾਈ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਦਸ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਮੇਰੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਹੜੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਸਿਰਫ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਆਦਮੀਆਂ ਲਈ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਵੱਡੇ ਆਦਮੀ ਜਾ ਵੱਡੀ ਕੰਸਰਨਜ਼ ਉਲਟੇ ਕੰਮ ਨਾ ਕਰਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਫੜ ਲਈਏ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਡੀ. ਆਈ. ਆਰ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣ ਦੀ ਲੋੜ ਪਈ ਉਥੇ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਗਿਆ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਦੇ ਬਾਰੇ, ਸਟੇਟ ਟਰੇਡਿੰਗ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਤੇ ਸ਼ੂਗਰ-ਕੇਨ ਦੇ ਭਾਉਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਦਿਵਾਇਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰ-ਗੁਜ਼ਾਰ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨੇ ਅਰਸੇ ਤਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਦੂਰ ਨਾ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਤਦ ਤਕ ਖੇਤੀ ਦੀ ਉਪਜ ਨਹੀਂ ਵਧ ਸਕਦੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਕਤ ਉਤੇ ਖਾਦ ਮਿਲੇ, ਚੰਗੀ ਕਿਸਮ ਦਾ ਬੀਜ ਮਿਲੇ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਭੀ ਖੇਤੀ ਲਈ ਮਿਲੇ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੀ ਮੁਨਾਸਿਬ ਕੀਮਤ ਮਿਲੇ। ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ੂਗਰਕੇਨ ਦੀ ਕਿੰਨੀ ਕੀਮਤ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਜਿਹੜੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਮਤ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀ ਸੀ, ਉਹ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੀ. ਜਿਹੜੀ ਕੀਮਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਫਿਕਸ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਹ ਕੀਮਤ ਬਰਕਰਾਰ ਨਹੀਂ ਰਹੀ। ਇਸ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਮੇਨ ਰੀਜ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਗੁੜ ਯੂ. ਪੀ. ਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਸਾਲ ਉਥੋਂ ਵੀ ਗੁੜ ਆਇਆ।

ਇਸ ਸਾਲ ਯੂ. ਪੀ. ਵਿਚੋਂ ਗੁੜ ਆਉਣ ਕਰਕੇ ਗੁੜ ਦੀ ਕੀਮਤ ਘਟ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਠੀਕ ਹੈ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਪੇਸ਼ ਆ ਰਹੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਗੁੜ ਬਣਾਉਣ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀਮਤ ਘਟ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਨਾ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਣਾ ਗੰਨਾਂ ਕੰਟ੍ਰੋਲ ਰੇਟ ਤੇ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲਾਂ ਵਿਚ ਲੈ ਜਾਣ ਤਾਂ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲਾਂ ਦੀ ਐਨੀ ਕਪੈਸਿਟੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨਾਂ ਗੰਨਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਹ ਪੀੜ ਸਕਣ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਇਸ ਪਾਸੇ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਹੈ। ਗੰਨੇ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਘਟ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਮਿਲਾਂ ਦੇ ਪੂਰਾ ਗੰਨਾ ਨਾ ਲੈਣ ਕਰਕੇ ਜਿਹੜੀ ਤਕਲੀਫ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਹੈ ਉਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪੂਰੀ ਤਵਜੋ ਹੈ। ਇਸੇ ਖਿਆਲ ਨਾਲ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਨਵੇਂ ਸ਼ਹਿਰ ਵਾਲੀ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲ ਜਲਦੀ ਚਾਲੂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਗੁੜ ਦੇ ਭਾਅ ਵਲ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸਟੇਟ ਟ੍ਰੇਡਿੰਗ ਦੀ ਬਾਬਤ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਟ੍ਰੇਡਰਜ਼ ਅਤੇ ਗਰੋਅਰਜ਼ ਦੋਵੇਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਟੇਟ ਟ੍ਰੇਡਿੰਗ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਟ੍ਰੇਡਰਜ਼ ਅਤੇ ਗ੍ਰੋਅਰਜ਼ ਦੋਹੇ, ਮੁਤਫਿਕ ਹਨ ਕਿ ਜ਼ੋਨਲ ਸਿਸਟਮ ਦੇ ਕਾਰਣ ਹੀ ਅਜ ਅਨਾਜ ਦੇ ਭਾਅ ਗਿਰੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਟ੍ਰੇਡਰ ਵੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ੋਨਲ ਸਿਸਟਮ ਟੁਟ ਜਾਵੇ। ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਕੁਦਰਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਫਰੀ ਟ੍ਰੇਡ ਹੋ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਉਹਦੀਆਂ ਜਿਨਸਾਂ ਦਾ ਭਾਅ ਵਧ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਦੋਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਮੰਨ ਕੇ ਜ਼ੋਨਲ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਤੋੜ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਮਦਦ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ, ਉਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਵੀ ਮਿਡਲ ਮੈਨ ਲੈ ਜਾਵੇਗਾ। ਕਿਉਂਕਿ ਜਾਂ ਤਾਂ ਸਟੇਟ ਟ੍ਰੇਡਿੰਗ ਵੀ ਨਾਲ ਹੀ ਹੋਵੇ। ਅਤੇ ਸਾਰੀ ਜਿਨਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਖਰੀਦ ਲਵੇ ਪਰ ਇੰਨੀ ਤਾਕਤ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਮੁਮਕਿਨ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਜ਼ੋਨਲ ਸਿਸਟਮ ਤੋੜ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਟ੍ਰੇਡਰਜ਼ ਨੂੰ ਖਰੀਦਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮਿਡਲ ਮੈਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਾਇਦਾ ਲੈ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿਉਂਜੋ ਖਰੀਦਦਾਰ ਅਕੇਲਾ ਉਹੋ ਹੋਵੇਗਾ। ਜਦੋਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਖਰੀਦਣ ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਗ੍ਰੋਅਰ ਨੂੰ ਪੈਸਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸਸਤਾ ਮਾਲ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ। ਹੋਰ ਕੋਈ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਅਗੇ ਨਹੀਂ ਆਵੇਗਾ ਤਾਂ ਮਿਡਲ ਮੈਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਾਇਦਾ ਲੈ ਜਾਵੇਗਾ......

**ਆਵਾਜ਼ਾਂ** : ਅਸੀਂ ਇਲਾਜ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ, ਗੱਲਾਂ ਨਹੀਂ।

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਗਲਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਦਲੀਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੋਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ **ਬੈਲੈਂਸਡ ਰਖਣ ਦੀ** ਖਾਤਰ ਅਨਾਜ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਸ ਤੋਂ ਘਟ ਮੁਲ ਤੇ ਨਾ ਵੇਚਿਆ ਜਾਵੇ.......

**ਆਵਾਜ਼** : ਇਹ ਝੂਨਿਆਂ ਦੀ ਵਕਾਲਤ ਕਰਦੇ ਹਨ।

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਮੇਰੀ ਤਵੱਜੋ ਇਕ ਹੋਰ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਈ ਗਈ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਧਾਨ ਅਤੇ ਪੈਡੀ ਦਾ ਤਅਲੁੱਕ ਹੈ......

**ਇਕ ਅਵਾਜ਼** : ਮਕੱਈ ਦੀ ਗਲ ਕਰੋ।

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਨੂੰ ਮਕੱਈ ਦਾ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ। ਧਾਨ ਦਾ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ (*Interruptions*) ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ੈਲਰਜ਼ ਕੋਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਪੈਡੀ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਵਿਚ ਫਾਇਦਾ ਰਹੇਗਾ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾਂ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸ਼ੈਲਰਜ਼ ਕੋਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਜੋ ਪੈਡੀ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਚਾ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ। ਕੋਈ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਫਾਇਦਾ ਨਾ ਲੈ ਜਾਵੇ।

(ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ)।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਲੈ ਕੇ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਖੜੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹੋ। (The hon. Member Sardar Harchand Singh should first obtain the premission and then stand. He rises of his own accord.)

**ਸਰਦਾਰ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ** : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਬੰਦੇ ਭੁਖੇ ਮਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਹ ਗਲਤ ਬਿਆਨੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। **ਵਿਘਨ** (ਸ਼ੋਰ)

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਗਿਆਤ ਲਈ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਸੋਚ ਲਈ ਹੈ । ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਲੀਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Legal or illegal let me try it ਮੈਂ ਚਾਹੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੈਡੀ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਸੇਲਜ਼ ਟੈਕਸ ਲਗਦਾ ਹੈ ਉਹ rice ਤੇ ਲਗਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ........

**ਇਕ ਅਵਾਜ਼** : ਇਸ ਨਾਲ ਕੀ ਫਰਕ ਪੈ ਜਾਵੇਗਾ ?

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਇਹ ਫਰਕ ਮੈਂ ਫਿਰ ਦਸਾਂਗਾ । ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਦਸਣ ਤੇ ਘੰਟਾ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਮਨ ਵਿਚ ਸੋਚੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫਰਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਗੌਰਮਿਟ ਹਰ ਇਕ ਮਸਲੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਫਿਕਰ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪੂਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਮਿਡਲਮੈਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਐਕਸ-ਪਲਾਇਟ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ ।

**ਸਰਦਾਰ ਮੱਖਣ ਸਿੰਘ** : ਗੁੜ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਭਾਅ ਅਜ ਘਟ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਹਿੰਮਤ ਕਰੋ । ਦੂਸਰਿਆਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਹਰ ਇਕ ਗ੍ਰੋਅਰ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਮਾਲ ਦੀ ਕੀਮਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ........

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : ਗੁੜ ਦੀਆਂ ਜਲੇਬੀਆਂ ਬਣਾ ਕੇ ਵੇਚ ਦੇਈਏ ? (ਹਾਸਾ)

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ? ਕਦੀ ਕਦੀ ਆਪਣਾ ਕਸੂਰ ਵੀ ਮੰਨ ਲਿਆ ਕਰੋ । ਰੋਹਤਕ ਅਤੇ ਪਾਨੀਪਤ ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਮਿਲਾਂ ਘਾਟੇ ਵਿਚ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਖਾਦ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਉਂਨੀ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਆਪਣੀ ਵਲੋਂ ਬੜੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੈਂਟ੍ਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਪਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸੈਕਟਰ ਜਾਂ ਪਬਲਿਕ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰਜ਼ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਦੀਆਂ ਮਿਲਾਂ ਜਾਂ ਯੂਨਿਟਸ ਲਗ ਸਕਦੇ ਹੋਣ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਲਗਾਏ ਜਾਣ । ਗੌਰਮਿਟ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ੋਰ ਪਾਇਆ ਹੈ ਕਿ 25 ਫੀ ਸਦੀ ਸਬਸਿਡੀ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਨੂੰ ਪੂਰੀ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਲਾਉਣ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਰੂਰ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਵੇਗੀ।

**ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ** : On a point of information. ਮੈਂ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਐਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸ ਵਧਾਉਣ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਰਾਜਸਥਾਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲੋਂ ਕਣਕ ਦਾ ਡਿਉਢਾ ਭਾਅ ਹੈ, ਯੂ੦ ਪੀ੦ ਵਿਚ ਦੁਗਣਾ ਅਤੇ ਬੰਬਈ ਵਿਚ ਤਿਗਣਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਸਾਨੂੰ ਵੀ ਉਸੇ ਭਾਅ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਉਸੇ ਭਾਅ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜਿਥੇ 40 ਰੁਪਏ ਕੁਇੰਟਲ ਕਣਕ ਹੈ ਉਥੇ ਵੀ ਫਰਟੇ-

ਲਾਈਜ਼ਰ ਦਾ ਉਹੋ ਭਾਅ ਅਤੇ ਜਿਥੇ 100 ਰੁਪਿਆ ਕੁਇੰਟਲ ਹੈ ਉਥੇ ਵੀ ਉਹੋ ਭਾਅ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਣ ਹੈ ?

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਤਕਰੀਬਨ 7 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ 25 ਫੀ ਸਦੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਦੇਣਾ ਹੈ ਉੱਚੇ ਭਾਅ ਨੂੰ ਨੀਵੇਂ ਲਿਆਉਣ ਵਾਸਤੇ ਔਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਮੈਡਮ।

**Deputy Speaker** : Will you please take yourseat

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਅਜ ਮੇਰੇ ਤੇ ਕਾਹਦੀ ਕਰੋਪੀ ਹੈ ਜੀ ?

**Deputy Speaker** Please take your seat. ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣੀ ਗਲ ਕਹਿ ਲੈਣ ਦਿਉ। (The hon. Member may please take his seat. Let the hon. Minister first have his say.)

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ** : ਮੈਂ ਇਸੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਕ ਗਲ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਰੇਹ ਬਾਰੇ........

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਲੈਣ ਦਿਉ। ਫੇਰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗੀ। (Let the hon. Minister first complete his speech. Then I will permit him to speak.)

**ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ** : ਰੇਹ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਾਡੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲੋਂ ਘਟ ਹਮਦਰਦੀ ਨਹੀਂ, ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਦਿਆਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਹਰ ਮੁਮਕਿਨ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਜਿਤਨਾ ਸਸਤੇ ਤੋਂ ਸਸਤਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਦਿਵਾਈਏ (*Interruption*)

**Deputy Speaker**: Order please.

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਖੇਮਕਰਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਮੇਰੇ ਫਾਜ਼ਲ ਦੋਸਤ ਨੇ ਬਾਤਾਂ ਦਸੀਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਨੋਟ ਕਰ ਲਈਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਹੱਥ ਹੈ; ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਲਿਖਣਾ ਪਵੇਗਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਉਸ ਏਰੀਏ ਵਿਚ, ਜਿਹੜਾ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਕਬਜ਼ੇ ਵਿਚ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਜਿਹੀ ਹਾਲਤ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਾਡੇ ਵਲੋਂ ਪੂਰੀ ਡਿਮਾਂਡ ਹੋਵੇਗੀ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਿਤਨੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਦਦ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ।

ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਇਥੇ ਡਿਗਰੀਆਂ ਦਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਡਿਗਰੀਆਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹੋਈਆਂ। ਇਸ ਵਿਚ ਦੋ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਡਿਗਰੀਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਤਾਂ ਉਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਹਨ। ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿੱਥੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਗਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਇਤਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਥੇ ਕਿਤੇ ਨਾ ਕਿਤੇ ਕੋਈ ਗ਼ਲਤੀ ਹੋ ਹੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ irregularity ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ, ਜਦ ਉਹ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਖਮਿਆਜ਼ਾ ਭੁਗਤਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਡਿਗਰੀਆਂ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ, ਜਿਹੜੇ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਨੇ ਮੁਕਦਮੇ ਕੀਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਖਿਲਾਫ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਖਰਚ ਹੈ।

ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਮਾਮਲਾ ਹੈ ਲੈਂਡ ਦੀ ਐਕੁਈਜ਼ੀਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਦਾ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਮੁਕੱਰਰ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਕੋਈ ਲੈਂਡ ਐਕੁਆਇਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਲੈਂਡ

[ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ]

ਐਕੁਈਜ਼ੀਸ਼ਨ ਐਕਟ ਦੇ ਅੰਡਰ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਕੀਮਤ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪਟਵਾਰੀ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ, ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ, ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਲੈਂਡ ਐਕੁਈਜ਼ੀਸ਼ਨ ਅਫਸਰ ਉਸ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਕੀਮਤ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕੀਮਤ ਲਗਵਾਂਦਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਬਾਅਜ਼ ਦਫਾ ਐਸਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਕੀਮਤ ਗੌਰਮੈਂਟ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਕੀਮਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਅਦਾ ਕਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਉਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਮਾਲਕ ਦਾਅਵਾ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਕ ਤਾਂ ਇਸੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਮਸ਼ੀਨ ਟੂਲ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈਣੀ ਸੀ । ਪਹਿਲੇ ਤਾਂ ਉਹ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਮੀਨ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਇਤਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸੇ ਨਾਲ ਕੰਮ ਸਰੂਗਾ । ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਘਟ ਲੈ ਲਈ (ਵਿਘਨ) ਅਗਰ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਇਕ ਮਰਲਾ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਦਾ ਹੈ ਔਰ ਦੂਸਰਾ ਦੋ ਸੌ ਤਿੰਨ ਸੌ ਏਕੜ ਖਰੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮਰਲੇ ਵਾਲਾ ਬਾਅਜ਼ ਦਫਾ ਵਧ ਕੀਮਤ ਦੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਖਿਆਲ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ 40 ਜਾਂ 50 ਰੁਪੈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਤਾਂ ਕੀ ਫਰਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਵਕਤ ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਦੀ ਕਦੀ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਤਨੇ ਨੂੰ ਥੋੜੀ ਬਹੁਤ ਕੀਮਤ ਵੀ ਘਟ ਵਧ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਉਤੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । ਜਿਹੜੀ ਇਥੇ ਏਵੀਏਸ਼ਨ ਵਾਲੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਹ ਕੇਸ ਹੈ ਵੀ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦਾ । ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ—ਭਾਵੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਠੀਕ ਹੀ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਪਣੇ ਖਿਆਲ ਵਿਚ—ਪਰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਖਿਆਲ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਪਾਇਆ ਹੈ ਉਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਇਹੋ ਰੀਜ਼ਨ ਥਾ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਗਰਮੈਂਟ ਨੇ ਮੂਵ ਕੀਤਾ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਡਿਗਰੀ ਹੋਈ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਤਕਰੀਬਨ 7 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਪਿਆ ਹੈ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਹਰ ਵਾਰੀ ਗ਼ਲਤ ਦਿੰਦੇ ਹੋ ? ਕੁਲੈਕਟਰ ਵੀ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਕੁਲੈਕਟਰ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ ਅਸੀਂ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਉਹ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਕੀਮਤ ਦਾ ਹਿਸਾਬ ਲਗਾ ਕੇ ਨੇੜੇ ਤੇੜੇ ਦਾ ਐਵਾਰਡ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੰਪੈਨਸੇਸ਼ਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਈ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਆਪਣੇ ਵੱਲੋਂ ਸਟੈਪਸ ਲਏ ਹਨ ਔਰ ਉਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਗੌਰ-ਮੈਂਟ ਨੇ ਹਾਈਕੋਰਟ ਵਿਚ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ।

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ** : ਤੁਹਾਡਾ ਟਾਈਮ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। (The time at the disposal of the hon. Minister is over)

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਸਵਾਲ ਉਠਾਇਆ ਸੀ । ਮੇਰੇ ਇਕ ਫ਼ਾਜ਼ਲ ਦੋਸਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਬਾਰੇ ਇਕ ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰ ਦਿਉ । ਮੈਂ ਸੋਚਿਆ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖੈਰਖਾਹ ਨਹੀਂ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਤਾਂ ਤਦ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰੀਏ ਜਦ ਕਿਸੇ ਮਾਮਲੇ ਨੂੰ ਲੰਬਾ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ, ਜਾਂ ਟਾਲਣਾ ਹੋਵੇ। ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵਾਲੀ ਸੁਜੈਸ਼ਨ ਜੇ ਕਬੂਲ ਕਰ ਲਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪਹਿਲੀ ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਅਪਣਾ ਕੰਮ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਿਚ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੀ ਹੈ, ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਸਾਲ ਸਾਲ ਲਗਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ।

**ਬਾਬੂ ਬਚਨ ਸਿੰਘ** : ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦੇਣ ਨੂੰ ਵੀ ਤਿਆਰ ਹੋ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ** : ਤਦ ਦੇਵਾਂਗੇ ਜਦੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਅਤੇ ਹਨੂਮਨਥੈਆ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਉਤੇ ਗ਼ੌਰ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਹਨੂਮਨਥੈਈਆ ਕਮਿਸ਼ਨ ਹੈ, ਦੂਜੇ

ਪਾਸੇ ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਹੈ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਸੁਜੈਸ਼ਨ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਜੇ ਦੋ ਸਾਲ ਤਕ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੋ ਤਾਂ ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਲ ਨੂੰ ਹੀ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ।

**ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ :** ਹਨੂਮਨਥੈਈਆ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਉਤੇ ਅਮਲ ਕਦ ਕਰੋਗੇ ?

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ :** ਅਮਲ ਤਾਂ ਪਿਛੋਂ ਹੋਵੇਗਾ ਪਹਿਲਾਂ ਉਸ ਉਤੇ ਗ਼ੌਰ ਤਾਂ ਹੋ ਜਾਵੇ । ਗ਼ੌਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਡਿਊ ਹੋਵੇਗਾ ਮੁਨਾਸਬ ਹੋਵੇਗਾ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । (ਘੰਟੀ)

ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਪੁਆਇੰਟਸ ਹੋਰ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦਾ । ਪਰ ਤੁਹਾਡਾ ਹੁਕਮ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਫ਼ੇਰ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗਾ।

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ :** ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬਾ, ਤੁਹਾਡੀ ਰਾਹੀਂ ਮੈਂ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਦੋ ਛੋਟੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬਾਰੇ ਇਨਫਾਰਮੇਸ਼ਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਪਹਿਲੀ ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ........... (*Interruption*)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ:** ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ, ਗਿਲੋਟੀਨ ਦਾ ਟਾਈਮ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ, ਫੇਰ ਪੁਛ ਲੈਣਾ (Let Comrade Gurbakhsh Singh enquire about them at some other time because now it is the time for the guillotine)

(*At this time Comrade Gurbakhsh Singh rose in his seat to say something but his voice was drowned in interruptions.*)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਫੇਰ ਪੁਛ ਲੈਣਾ । (He may get this clarification at some other time)

**ਕਾਮਰੇਡ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਧਾਲੀਵਾਲ :** ਮੈਂ ਸਿਰਫ਼ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਹੈ ਕਿ ਰੇਹ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਕਿਉਂ ਵਧ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਔਰ...........(*Interruption*)

**ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ :** ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼ । ਹੁਣ ਗਿਲੋਟੀਨ ਦਾ ਟਾਈਮ ਹੈ । (Order please. Now it is time to apply the guillotine.)

**ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ :** 25 ਫ਼ੀਸਦੀ ਸਾਡਾ ਵੀ ਤਾਂ ਖਰਚ ਨਾਲ ਵਧਦਾ ਹੈ।

**Deputy Speaker :** It is 6.00 P.M. now. I will apply guillotine and put the Demands one by one to the vote of the House.

DEMAND NO. 1

**Deputy Speaker :** Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,41,780 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 12—SALES TAX.

*The motion was carried.*

DEMAND NO. 2

**Deputy Speaker :** Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs 9,10,040 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 22—JAILS.

*The motion was carried.*

**Deputy Speaker :** I think, all the remaining Demands should be put together to the vote of the House.

**Voices :** Yes, yes, please.

**Deputy Speaker :** Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,55,79,760 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 28—EDUCATION.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 14,89,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 30—PUBLIC HEALTH.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,45,580 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of pavment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 42—MULTIPURPOSE RIVER SCHEMES.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 22,49,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment, for the year ending the 31st March' 1966, in respect of 43—IRRIGATION NAVIGATION, EMBANKMENT AND DRAINAGE WORKS (COMMERCIAL).

That the Supplementary sum not exceeding Rs 25,52,340 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of CHARGES ON IRRIGATION ESTABLISHMENT.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 21,05,200 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 50—PUBLIC WORKS.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,42,280 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 70—FORESTS.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 57,36,110 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 71—MISCELLANEOUS.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 91,58,700 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 78-A—EXPENDITURE CONNECTED WITH NATIONAL EMERGENCY.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,92,26,790 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 99—CAPITAL OUTLAY ON IRRIGATION, NAVIGATION, EMBANKMENT AND DRAINAGE WORKS (COMMERCIAL).

That a Supplementary sum not exceeding Rs 62,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 120—PAYMENT OF COMMUTED VALUE OF PENSION.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 2,63,56,560 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 124—CAPITAL OUTLAY ON SCHEMES OF GOVERNMENT TRADING.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 17,56,140 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of LOANS TO LOCAL FUNDS—PRIVATE PARTIES, ETC., AND LOANS TO GOVERNMENT SERVANTS.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 31—AGRICULTURE.

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1966, in respect of 103—CAPITAL OUTLAY ON PUBLIC WORKS.

*The motions were carried.*

**Deputy Speaker :** The House now stands adjourned till 9.30 A.M. on Tuesday.

(*The Sabha then adjourned till* 9.30 *a.m. on Tuesday, the* 1*st March*, 1966.)

8503PVS—384—29-7-66—C., P. & S. Pb., Chandigarh.

# APPENDIX

## TO PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOLUME 1, NO. 9, DATED THE 28TH FEBRUARY, 1966

---

### JOINT SENIORITY LIST OF OFFICERS/OFFICIALS IN THE ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT

**3206. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister of State for Animal Husbandry and Agriculture be pleased to —

(a) lay on the Table of the House a joint seniority list of Class I, II and III Officers/Officials of the Animal Husbandry Department in the State showing their dates of birth and the dates of their joining the service in each case ;

(b) state whether Government has received representations from any of the above-mentioned employees regarding their supersessions during the year 1964-65 and 1965-66 ; if so, the details thereof ?

**Captain Rattan Singh :** (a) & (b). The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

---

### Industrial Development of Amritsar

**3211. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Chief Minister be pleased to state whether Government received during January/February, 1966, a memorandum from any industrialist of Amritsar regarding the Industrial development of Amritsar, if so, the details thereof and the details of the action taken thereon be laid on the Table of the House ?

**Shri Ram Kishan :** No. Representations received from the paints manufacturers and the rubber manufacturers were however sent to the Government of India with a request to help them in solving their problems.

2. The representatives of Art-Silk Weaving Industry of Amritsar asked the Industries Department to contact the producers of art-silk yarn and to arrange supplies at Ex-Mill rates. A team of officers consisting of the Industries and Supplies Commissioner, the Director of Industries and the Managing Director, Punjab State Small Industries Corporation, were able to secure through the Man-made Fibres Association an offer from the spinners to supply two lakh Kilograms. Art-Silk Yarn at Rs 6.80 per lb. against their ex-mill rate of Rs 6.86 per lb. But the Industry at Amritsar did not avail of this offer on the plea that according to them, yarn was available in the market at lower rates. This position has however been belied by the rising rates in the market which have already gone above Rs 7.00 per lb.

---

### Agricultural Development in the State

**3212. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) the details of the targets fixed for the agricultural development of the State in the last three five-year plans and the extent to which these targets have been achieved together with the details of their review reports ;

(b) the details of the expenditure incurred on the development of Agriculture in the State as mentioned in part (a) above to-

gether with the details of the benefits that have accrued to the State ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) The targets fixed for the Agricultural Production during the First, Second and Third Plans period alongwith the achievements made thereunder are given below :—

**Physical Targets and achievements**

(Figures in '000' tons/bales)

| | *1st Plan* | | *2nd Plan* | | *3rd Plan* | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Commodity | Targets | Achievements | Targets | Achievements | Targets | Achievements up to 1964-65 |
| Foodgrains .. | 4,071 | 4,800 | 5,941 | 6,148 | 7,850 | 7,109 |
| Oilseeds .. | 115 | 150 | 185 | 206 | 300 | 309 |
| Sugarcane .. | 517 | 533 | 780 | 908 | 900 | 1,115 |
| Cotton .. | 540 | 533 | 1,050 | 802 | 1,200 | 1,080 |

In the above table, the achievements under the 3rd Plan are up to the year 1964-65. As regards production for 1965-66 the last year of the 3rd Plan, it may be stated that it is too early to make assessment of the production of Kharif and Rabi crops for the final year of the 3rd Plan, as the returns of crop cutting experiments based on random sampling method undertaken by the field agency are still being received and the dates of release of the final forecasts for the Kharif crops start from the 15th February onwards. For the Rabi crops, the crop cutting experiments are not yet available.

Details of the received reports are given at Annexure.

(b) The details of the outlays and expenditure incurred during the same periods mentioned in part (a) above are as under :—

**Financial aspects**

(Rs in lakhs)

| *Perid* | | *Outlay* | *Expenditure* |
|---|---|---|---|
| First Plan | .. | 604·39 | 611·59 |
| Second Plan | .. | 571·24 | 465·10 |
| Third Plan | .. | 1,567·00 | 1,904·74 (anticipated) |

The outlay and expenditure relate to sub-heads Agricultural Production, Minor Irrigation and Soil Conservation on Agricultural Lands.

Details of the benefits that accured to the State are given at Annexure.

## ANNEXURE

### Agricultural Development

Agriculture contributes a major share of the National income, The role that agriculture plays in the economic development of our country, therefore, needs no emphasis. Agriculture, not only provides the food requirements of the country, but also the raw material for a number of industries. The surplus arising in the agricultural sector is an important source for earning foreign exchange. Moreover, the development of agriculture is very essential for the much needed economic progress in the rural sector. Over 70 per cent of the population being dependent on agriculture, the improvement in their living standards can be achieved only when agricultural productivity is raised appreciably.

The total population of the State according to 1961 census is 2,03,06,812 out of which 79.9 per cent are ruralites and depend directly or indirectly on agriculture for their livelihood.

The total area of the State is 30238,000 acres and according to broad land/uses, it may be classified as follows :—

| | | (Area in 000 acres) year 1963-64 |
|---|---|---|
| (i) Forests | .. | 900 |
| (ii) Not available for cultivation | .. | 8,149 |
| (iii) Other uncultivable land excluding fallow land | .. | 1,270<br>928<br>(includes culturable waste |
| (iv) Fallow lands | .. | 1,187 |
| (v) Net area sown | .. | 18,803 |
| (vi) Total cropped area | .. | 24,085 |

There are 2.98 million agricultural holdings out of these 2.5 million holdings are of 10 acres or less and cover 6.9 million acres of cultivated area, 0.84 million holdings are above 10 acres and cover 12.3 million acres i.e., about 2/3rd of the total culitvated area.

### Review of First and Second Five Year Plan

The First Five Year Plan accorded a place of distinction to programmes for agricultural production throughout the country seeking to raise the standard of living of the masses of the people, specially in the rural areas. The total first plan provision for the Punjab and Pepsu State together was Rs 604.39 lakhs, against which the actual expenditure was Rs 611.59 lakhs. The details of the benefits realised against the targets fixed for the various agricultural commodities for the first plan were as follows :—

| Commodity | | Unit | Base year | Target | Production |
|---|---|---|---|---|---|
| Foodgrains | .. | 000 tons | 3,437 | 4,071 | 4,800 |
| Cotton | .. | 000 bales | 310 | 540 | 533 |
| Sugarcane (Gur) | .. | 000 tones | 440 | 517 | 533 |
| Oilseeds | .. | 000 tons | 110 | 115 | 150 |

Second Five-Year Plan also laid great emphasis on increasing agricultural .production specially, foodgrains. The total outlay in the second Five Year Plan in the agricultural sector was Rs 571.24 lakhs against which, Rs 465.10 lakhs were spent. The target fixed for the re-organised Punjab State and achievement for the second plan are as under :—

| Commodity | Unit | Base year | Target | Production |
|---|---|---|---|---|
| Foodgrains .. | 000 tons | 4,800 | 5,941 | 6,148 |
| Cotton | 000 bales | 533 | 1,050 | 802 |
| Sugarcane (Gur) .. | 000 tons | 533 | 780 | 998 |
| Oilseed .. | 000 tons | 150 | 185 | 206 |

**Benefits accrued**

It may be seen that during the period 1950-51 to 1960-61, the production of food-grains increased by about 76 per cent, that cotton increased by 260 per cent, that of sugarcane by 225 per cent and that of oilseeds increased by about 137 per cent.

The agricultural production by the end of the Second Plan was 76.55 per cent higher than in 1950-51, compared to the country as a whole where the production in the same period increased by 46.34 per cent.

**Progress during the 3rd Plan**

During the Third Plan period, the original financial outlay on Agricultural Production was of the order of Rs 8.73 crores against this the anticipated expenditure is expected at Rs 11.09 crores. The outlay on minor irrigation was Rs 6.48 crores and the expenditure is expected at Rs 7.03 crores.

No attention was paid to the Soil Conservation Programme during the First two Five Year Plans. A beginning has been made in Third Plan and a total anticipated expenditure of Rs 0.92 lakhs will he spent on this programme by this Department.

The agricultural production targets fixed for the Third Plan and achievements upto 1964-65 are given below :—

(Thousand tones/bales)

| Commodity | Targets 3rd Plan | Production up to 1964-65 |
|---|---|---|
| Foodgrains .. | 7,850 | 7,109 |
| Oilseeds .. | 300 | 309 |
| Sugarcane .. | 900 | 1,115 |
| Cotton .. | 1,200 | 1,080 |

In the above table, the achievement under 3rd Plan is up to the end of 1964-65. As regards production for 1965-66 the last year of 3rd Plan it mav be stated that it is too early to make assessment ofthe production of kharif and Rabi crops for the final year of the Third Plan as the returns of crop cutting experiments based on randum sampling method under taken by the field agency are still being received and the dates of release of the final forecasts for the kharif crops starts from 15th Februpry, onwards. For the Rabi crops, the crop cutting experiments are not yet available.

## Development of Agriculture in the State

**3213. Comrade Makhan Singh Tarsikka :** Will the Minister for Home and Development be pleased to state —

(a) the details of the programme chalked out by the Government for the development of agriculture in the State under the following heads in the Fourth Five-Year Plan :—

(1) Food Grains ; (2) Cotton (including American cotton) ; (3) Sugarcane; (4) Rice ; (5) Fruits ; (6) Vegetables; etc.

(b) whether the Government have requested the Union Government to take certain special measures and to provide special funds to the State during the Fourth Five-Year Plan so as to enable it to increase the production of foodgrains ; if so, the details thereof ?

**Sardar Darbara Singh :** (a) Details of the programme of production of (1) foodgrains, (2) cotton, (3) sugrarcane, (4) rice, (5) fruits, and (6) vegetables, etc., chalked out during the Fourth Five-Year Plan are given below :—

| Commodity | | Units | Targets fixed for the Fourth Plan |
|---|---|---|---|
| Foodgrains | .. | '000 tons | 8,950 |
| Cotton | .. | '000 bales | 1,500 |
| Sugarcane (gur) | .. | '000 tons | 1,450 |
| Rice | .. | '000 tons | 1,025 |
| Fruits | .. | acres (Addl.) | 80,000 |
| Vegetables | .. | Do | 50,000 |

(b) To increase the production of foodgrains the State Government have placed special emphasis on the adoption of the following measures :—

(1) Supply of improved seeds.

(2) Increased use of Fertilizers and Pesticides.

(3) Assured supply of Irrigation Facilities.

(4) Soil Conservation measures on Agricultural Lands.

The comparative figures of financial outlay for the 3rd and 4th Five-Year Plans under the sub-head "Agricultural Production Minor Irrigation and Soil Conservation" is as under :—

| | | Third Play Outlay (likely expenditure) (Rs in crores) | Fourth Plan Outlay (Rupees in crores) |
|---|---|---|---|
| (i) Agricultural Production | ... | 11·09 | 19·5 |
| (ii) Minor Irrigation | ... | 7·03 | 20·0 |
| (iii) Soil Conservation on Agricultural lands | | 0·92 | 9·38 |

The figures for the Fourth Five-Year Plan are tentative.

It will thus be seen that the increase under Minor Irrigation and Soil Conservation is an important and of special feature meant to increase Agricultural Production.

---

**Election of the Managing Committee of the Takhanwadh Cooperative Agricultural Society Ltd., Takhanwadh, tehsil Moga, district Ferozepore**

**3223. Comrade Gurbakhsh Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the election of the Managing Committee of the Takhanwadh Cooperative Agricultural Society Ltd., Takhanwadh (tehsil Moga), district Ferozepore was held on 23rd May, 1965 ;

(b) whether it is also a fact that a member of the said Society lodged a complaint against the said election or sent a representation to the Assistant Registrar, Co-operative Societies, Moga, if so, the date when the said representation/complaint was received by the said Assistant Registrar, and the date on which he looked into the matter and ordered an enquiry ;

(c) whether it is also a fact that it was established in the said enquiry that the Secretary of the said Society made alterations in the proceedings of the meeting held on the 14th May, 1965 ;

(d) whether it is also a fact that the said Assistant Registrar, set aside the election referred to in part (a) above ;

(e) if the replies to parts (a), (b) and (c) and (d) above are in the affirmative, whether the responsibility for making alterations in the proceedings of the meetings has been fixed on some person ; if so, on whom and the details of the action, if any, taken against him ; if it has not been fixed so far the reasons therefor ;

(f) a copy of the complaint/representation mentioned in part (b) above be laid on the Table of the House ?

**Chaudhri Rizaq Ram :** (a) Yes.

(b) Yes. A complaint was received in the Office of Assistant Registrar, Cooperative Societies, Moga, on 27th May, 1965. He ordered for an enquiry on the same day, i.e., 27th May, 1965. The report after enquiry was received by the Assistant Registrar on 7th June, 1965.

(c) The enquiry officer had expressed the doubt that the agenda, for holding the general meeting of the society, fixed for 23rd May, 1965, was written in the resolution dated 14th May, 1965 and it was changed to 8th May, 1965. The enquiry Officer apprehended that the Secretary of the Society was responsible to effect this alteration.

(d) Yes.

(e) On the basis of the above-mentioned report, the Assistant Registrar, Moga, set aside the elections of the Managing Committee held on 23rd May, 1965 and ordered for fresh elections. The Secretary of the Society was apprehended to have made the alteration and accordingly Managing Committee of the society was adivsed to take necessary action against the Secretary who is the employee of the Society itself.

On a further enquiry, made by Inspector, Moga-I, on 18th January, 1966, as to who is actually responsible for making alteration in the resolution dated 8th May, 1965, it has been reported that the Managing Committee did not agree with the findings of the Enquiry Officer submitting the report to the Assistant Registrar, on 7th June, 1965 on the same subject relating to the change of date from 14th May, 1965 to 8th May, 1965. Accordingly the Managing Committee is not inclined to take any action against the Secretary for the alleged change of date from 14th May, 1965 to 8th May, 1965.

In view of the fact that the Managing Committee of the Society did not agree that there is any change in the date from 14th May, 1965 to 8th May, 1965 in the proceeding book of the society, no action could be taken against the Secretary of the society. However, the matter is still under consideration of the Government.

(f) Copies of complaints, dated 23rd May, 1965 and 12th July, 1965 are attached herewith.

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ,

ਅਸਿਸਟੈਂਟ ਰਜਿਸਟਰਾਰ,
ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਜ਼, ਮੋਗਾ।

ਵਿਸ਼ਾ : ਦੀ ਤਖਾਣਵਧ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਸਰਵਿਸ ਸੋਸਾਇਟੀ ਲਿਮਟਿਡ ਦੀ ਚੋਣ ਵਿਚ ਆਡੀਟਰ ਵਲੋਂ ਧੱਕੇ ਸ਼ਾਹੀ।

ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ,

ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅੱਜ ਮਿਤੀ 23 ਮਈ, 1965 ਨੂੰ ਦੀ ਤਖਾਣਵਧ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਸਰਵਿਸ ਸੋਸਾਇਟੀ ਲਿਮਟਿਡ ਦਾ ਆਮ ਅਜਲਾਸ ਸ੍ਰ: ਜਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਆਡੀਟਰ, ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਜ਼ ਨੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ ਚੈਕ ਕਰਨ ਲਈ ਸੱਦਿਆ। ਕਾਪੀਆਂ ਚੈਕ ਕਰਦੇ ਗਏ ਤੇ ਚੈਕਿੰਗ ਲਈ ਅੰਗੂਠੇ ਲਗਾਏ ਗਏ। ਨਰਿੰਦਰ ਸਿਘ ਦੀ ਵਾਰੀ ਤੇ ਉਸ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਅੰਗੂਠੇ ਕਿਸ ਲਈ। ਉਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕਿ ਚੋਣ ਤੇ ਚੈਕਿੰਗ ਦਾ ਅਜੰਡਾ ਹੈ। ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਆਮ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਕਿ ਚੋਣ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਨਹੀਂ ਇਸ ਲਈ ਚੋਣ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਜਰਨੈਲ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਚੋਣ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਵੇਗੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਕਾਰਵਾਈ ਪੂਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਆਮ ਮੈਂਬਰ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਬਾਹਰ ਆ ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਕੀ ਚੰਦ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਵਿਚ ਚੋਣ ਕਰਵਾ ਦਿਤੀ।

ਅਸੀਂ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਚੋਣ ਰਦ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਚੋਣ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਤਾਰੀਖ ਨਿਯਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਪਿਛਲੀ ਚੋਣ ਹੋਈ ਨੂੰ ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਸਮਾਂ ਬਹੁਤਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਸ਼ੰਕਾ ਹੈ ਕਿ ਗ਼ਲਤ ਮੈਂਬਰ ਭਰਤੀ ਕਰਨਗੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂਬਰਸ਼ਿਪ ਰਜਿਸਟਰ ਸੀਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਿਨਾ ਚਿਰ ਤਕ ਸਾਡੀ ਚੋਣ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਸਾਡੀ ਨਵੀਂ ਮੈਂਬਰਸ਼ਿਪ ਬੰਦ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਅਸੀਂ ਹਾਂ ਆਪ ਦੇ ਵਫਾਦਾਰ,
(ਦਸਖਤ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਤਖਾਣਵਧ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀ ਲਿਮਟਿਡ, ਤਹਿਸੀਲ ਮੋਗਾ।)

ਮਿਤੀ 23 ਮਈ, 1965

ਤਸਦੀਕ
ਮਹਿੰਗਾ ਸਿੰਘ,
ਵਾਸਤੇ ਸਹਾਇਕ ਰਜਿਸਟਰਾਰ,
ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ, ਮੋਗਾ।

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ,

ਐਸਿਸਟੈਂਟ ਰਜਿਸਟਰਾਰ,
ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਜ਼, ਮੋਗਾ।

ਵਿਸ਼ਾ: ਦੀ ਤਖਾਣ ਵਧ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਸਰਵਿਸ ਸੋਸਾਇਟੀ ਲਿਮਟਿਡ, ਤਖਾਣਵਧ ਦੀ ਚੋਣ।

ਸ੍ਰੀ ਮਾਨ ਜੀ,

ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪ ਪਾਸ ਤਖਾਣਵਧ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੀ ਚੋਣ 23 ਮਈ, 1965 ਦੀ ਚੋਣ ਰਦ ਕਰਕੇ ਨਵੀਂ ਚੋਣ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਸੀ । ਕਿਉਂਕੇ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੀ ਚੋਣ ਨਾਜਾਇਜ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਹੁਣ ਤਕ ਚੋਣ ਨਹੀਂ ਹੋਈ।

ਮੈਂ ਆਪ ਪਾਸ ਨਿਮ੍ਰਤਾ ਸਹਿਤ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੀ ਚੋਣ ਸ਼ੀਘਰ ਕਰਾਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਲਈ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੰਮ ਹੋ ਸਕੇ।

ਆਪ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ਼ਪਾਤ੍ਰਕ,

ਈਸ਼ਰ ਸਿੰਘ,
ਮੈਂਬਰ,
ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਸਰਵਿਸ
ਸੋਸਾਇਟੀ ਲਿਮਟਿਡ ਤਖਾਣਵਧ

ਮਿਤੀ 12 ਜੁਲਾਈ, 1965

ਤਸਦੀਕ

ਮਹਿੰਗਾ ਸਿੰਘ

ਵਾਸਤੇ ਸਹਾਇਕ ਰਜਿਸਟਰਾਰ,
ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ, ਮੋਗਾ।

———

8503 PVS—384—30-7-66—C.P. and S. Pb., Chandigarh.

"C" 1966

Published under the authority of the Punjab Vidhan Sabha an printed by the Controller, Printing & Stationery, Punjab, Chandigarh.